

GL H 491.453
ARD V.2 C.2



122124
LBSNAA

श्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

Academy of Administration

मसूरी

MUSSOORIE

पुस्तकालय

LIBRARY

अवाप्ति संख्या

Accession No. ~~42~~ 122124

वर्ग संख्या

Class No. ~~HR~~ 491.453

पुस्तक संख्या

Book No. ~~उई~~ ARD

V.2. C.2

AN
Illustrated
ARDHA--MAGADHI DICTIONARY.

Literary, Philosophic & Scientific
WITH
Sanskrit, Gujrati, Hindi & English

EQUIVALENTS REFERENCES TO THE TEXTS & COPIOUS QUOTATIONS

BY

Shatavdhani The Jaina Muni Shri Ratnachandraji
Maharaj.

Disciple of Swami Shri Gulabchandraj (Limbdi).

WITH

AN INTRODUCTION

BY

N. C. Woolner Esqr. M. A. (Oxon)

Principal, Oriental College, Lahore.

Vol. II.

Published

BY

SARDARMAL BHANDARI,

FOR

THE S. S. JAINA CONFERENCE.

—:o:—
All Rights Reserved.

1927.

Printed & Published by the Hon. Secretary, at
Shri Sukhadeo Sahai Jain Printing Press
Krisnapura, Pargalli, Indore.

PROBSTHAIN & CO.
Oriental Book-sellers
41 Great Russell Street, London, W. C. 1.

॥ श्रीः ॥

ॐ नमोऽस्तु महावीराय ॐ

सचित्र

अर्द्ध-मागधी कोष.

सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बडी सम्प्रदाय).

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

सरदारमल भंडारी.

राजाबाड़ा चौक, इन्दौर.

सर्व अधिकार स्वार्थान.

श्री सुखदेहसहाय जैन प्रिन्टिङ्ग प्रेस, किसनपुरा, पीरगली, इन्दौर
में
श्री० प्रकाशक व सेक्रेटरी द्वारा मुद्रित.



Kesarichand Bhandari,

The late Publisher of the Illustrated Ardha-Magadhi Dictionary.

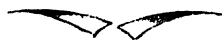
Birth:- Ds. 24-8-1871

जन्म:-अ. भाद्रपद शु. ९ सं. १९२८.

Death:- Ds. 27-6-1906

मृत्यु:-फाल्गुन शु. ४ सं. १९८१.

Publisher's Note.



A number of unforeseen circumstances having arisen since the publication of the first volume of the *Ardha-Māgadhī Dictionary* the work of carrying the volume that is now offered to the subscribers, through the press was seriously hampered. Not the least among these unexpected obstacles was the sad death of my father who though disabled from actively working long ago, continued to encourage and advise me in my efforts to render the Dictionary as complete and useful as possible.

Another serious difficulty that arose was in connection with the translation work. Mr. P. N. Kachhi, B. A., who had finished more than half of the words, was unable to carry on the remaining work of translation from Gujrati into English, on account of his sudden deputation from the M. S. High School to the Holkar College as Assistant Professor of English. Another competent hand it was very difficult to find and indeed it took a long time to find out one. I am glad, however to be able to see that Mr. C. P. Brahmo, M. A., L. L. B., on whom the choice at last fell has thoroughly satisfied me both by the quality of his work and the dispatch with which he has done it.

I have now every hope that I shall be able to offer to the public the remaining volumes in the course of not more than two years.

I shall be glad to receive opinions of subscribers and the scholars in connection with the second volume and if there are practical suggestions I shall do my best to utilise them in making the *Ardha-Māgadhī Dictionary* still more useful & practical.

Rajwada Chowk,
Indore,
Dt. 1st April 1927. }

Yours truly,
S. K. Bhandari,
(Hon. Publisher).

चित्र सूचि.

नाम.	पृष्ठ संख्या.
१ आवलिकाबंध विमान	६६
२ आसन	१०४
३ उर्ध्वलोक	२०१
४ उपशमश्रेणी	२६५
५ कनकावली	३६०
६ कृष्णराज्ञी	३६६
७ कालचक्र	४६१
८ क्षपकश्रेणी	५५८
९ घनरज्जु	६६०
१० घनोदधि	६६२
११ चउदह रत्न	६७८
१२ चंद्रमण्डल	६८५
१३ चंद्रसूर्यमालिका	६९०
१४ जंबुद्वीप	७७३
१५ नक्षत्र	८०५
१६ नक्षत्रमण्डल	८०५



॥ श्रीः ॥

ॐ नमोस्तु महावीराय. ॐ

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ]

आ.

[आइ

आ. अ० (आ) अर्थात्; ६६; सीमा. सीमा;
मर्यादा. Limit. "आमरयंतं" पणह० २,
२; क० वं० १, २०; क० प० १, ६४; पण० ३६;
(२) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. an
expletive. नाया० २; (३) स-भु०.
सममुख; सामने. in front of. राय० (४)
थोड़; छिन्न; अशुद्ध. थोड़ा; ईषत्; कम. a
little. पण० २३;

आअ. पुं० (आअ) लाभ; प्राप्ति. लाभ;
Gain; acquisition. (२) ज्ञेयार्थी
ज्ञान आदिनी प्राप्ति थाय ते; अध्ययन;
अभ्यर्थ. जिससे ज्ञान आदि की प्राप्ति हो वह;
अध्ययन; प्रकरण. means of gain-
ing knowledge etc.; chapter;
section विशेष० ६६१; १२२८; क०
ग० १, २३;

✓ आ + इ. था० I. (आ + इण) आ + पुं.
आना. To come.

एइ-ति विशेष० ४३१; दसा० ७, १; पिं० नि०
२०८; प्रब० ६०६;

इति. विशेष० १६८६;

एड. आ० विशेष० १३६;

एदि. आ० विज्ञा० १; नाया० २; ६; भग० १५,
१; दसा० ७, ४७;

एइ. सु० च० २, १६४; उवा० १, ८१;

एही. भ० सु० च० १, २८३;

एस्सति. सूय० १, १, १, २७;

एडं. सं० कृ० उत्त० ४, १०;

एतए. हे० कृ० वेय० १, ४६; दसा० ७, १;

वव० ६, १;

एजंत. व० कृ० उत्त० १२, ४; उवा० ७,
२१५;

एजमाण. व० कृ० भग० ५, ४; १२, १; १५,

१; नाया० १; २; ३; ४; ५; ८;

१४; १६; अंत० ६, ३; विवा० १;

आइ. पुं० (आदि) आदि; प्रथम; शुरुआत.

आदि; प्रथम; प्रारंभ. Beginning. क०

गं० १, १५; २१; २८; ओव० २७; अणुजो०

१२८; नाया० १; ५; ७; १०; १४; भग० २,

१; ४, १; ४०, १; पण० ११; जं० प० २,

१६; (२) नाभिनी नीचे का भाग. नाभि के

नीचे का भाग-हिस्सा. the part below

the navel ठा० ६; (३) छत्यादि; वगेरे;

वगैरा. वगैरह; इत्यादि. et cetera. भग०

६, ७; नाया० १४; १५; १६; दसा० ७, ७;

(४) संसार. संसार. the world;

worldly existence. सूय० १, ७, २२;

—गर. पुं० (-कर) (आदि प्रथमतः श्रुत

धर्माचारादि ग्रन्थात्मकं कर्म करोति तदर्थं प्रणयकत्वेन प्रणयतीत्येवंशीलः) आदि शैरूपापतभां आचारंग आदि भुत धर्मना करनार, तीर्थकर. आचारांगादि भुत धर्म के रचायित; तीर्थकर. the first author of Āchārāṅga etc.; a Tirthāṅkara. “ते सब्बे पायाउया आहगरा धम्मा-णं” सूय० २, २, ४१; कप्प० २, १५; नाया० ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १; —तित्थयर. पुं० (-तीर्थकर) ऋषभदेव स्थायी. ऋषभदेव स्वामी. Rishabhadeva Swāmī. “ भगवओ उस्सह सामिस्स आह्तिथयरस्स ” नंदी० — दुग. न० (-द्विक) अपर्याप्त सूक्ष्म अने पादर ऐक्यद्रिय-रूप ये प्रकृति. अपर्याप्त सूक्ष्म और बाहर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two Karmic natures (Prakritis) viz Aparyāpta Sūkṣhma and Bādara Ekendriya. क० प० १, १५; —मउ. त्रि० (-मृदु) आरंभभा कोमल. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning. अणुजो० १२८;—मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) प्रथम मुहूर्त; सूर्य उग्या पथीये धृती सुधीने समय. प्रथम मुहूर्त; सूर्योदय के बाद का दो घड़ी का समय. the first Muhūrta; the first period of 48 minutes after sunrise. 1 Muhūrta=48 minutes=2 Ghaḍis. “ अन्धितरओ आह मुहूत्ते ज्जण उइ अंगुलच्छाप पणत्ते ” सम०—मोक्ख. पुं० (-मोक्ष-आदि: संसारस्तस्मान्मोक्षः आदि मोक्षः) आदि-संसारथी छुटकारा धवे। ते. संसार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipation from worldly existence. “ इत्थिओ जेण सेवति आह मोक्खाहिते-

जया ” सूय० १, १, २२;—राय. पुं० (-राज) ऋषभदेव प्रभु के जेण सैथी पहेलां राज्यानी स्थापना करी आंसि, मसि, कृषि आदि कर्मभूमिपण्युं प्रवर्तायुं. ऋषभदेव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यकी स्थापना की और असि, मसि, कृषि आदि बाणिज्य रूप कर्म-भूमिपन का प्रारंभ किया. Lord Rishabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. ठा ६;—लेसतिग. न० (-लेख्यात्रिक) शरूआतनी त्रणु लेस्या; कृष्ण नील अने कापोत लेस्या. प्रारम्भकी तीन लेस्याएं; कृष्ण, नील और कापोत. the first three Leśyās, i. e. thought and matter tints viz black, blue and grey. क० गं० २, २२;—संघयण. न० (-संहनन) प्रथमनु संघयण; वज्र, ऋषभ, नाराय संघयण. प्रथम का संहनन; वज्र, ऋषभ, नाराय. the first or primitive physical constitution called Vajra Rishabha Nārācha Saṅghayaṇa (i. e. adamant character of the bones etc.) क० गं० २, २१;

आहअंतियमरण. न० (आत्यन्तिकमरण) देह अने ७५ अत्यंत लुटा पडे ते; मृत्यु. जीव और शरीर का सर्वथा पृथक् होना; मृत्यु. Death; total separation of soul from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३; आहं. अ० (आहं) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. An expletive. भग० १५, १; आहंकिणी. क्री० (आ चक्षणा) कर्तुं पिशा-

विद्या विद्या, के जेने योगे साभा भाषुसनी शुभ वात ज्ञप्ति शक्य. कर्ण पिशाचिका विद्या, जिसके बल से दूसरे के मन की गुप्त बात जानी जा सकती है. An art known as Karpāpīśāchikā Vidyā by which other persons' secrets can be fathomed and known. प्रब० ११३;

✓/ आइकल. धा० I-II (आ+चल्) कहेयुं; आ+चान करयुं; अधायणी देवी. कहना; आख्यान करना; बधाई देना. To tell; to describe; to inform about some good events.

आइकलह. भग० ३, १; ७, ६; ओव० २७;

३४; सूय० २, ६; १; नाया० १;

१; ८; १३; १६; जं० प० ७,

१७८; दस० ६, ३; सम० ३६;

दसा० १०, ११; निर० १, १;

आइकलनि. भग० १, ६; २, ५; ५, २;

नाया० १; २; ६; १६; आया०

१, ६, ४, १६०;

आइकलेमि. सूय० २, १, ११;

आइकलामि. भग० १, ६; १०; २, ५; ३,

१; ७, ६; १६, ५;

आइकले. दस० ८, ५१; सूय० २, १, ५७;

आया० १, ६, ५, १६४;

आइकलज. दस० ८, १४;

आइकलेजा. दसा० १०, ३;

आइकलाहि. भग० २, १;

आइकलह. नाया० १; भग० १५, १;

आइकल. सं० कृ० पि० नि० ३२५;

आइकलतए. बेय० ३, २०; नाया० ८;

भग० ९, ३३;

आइकलउं. भग० १८, २;

आइकलमाख. नाया० १२; भग० ३, १; ६,

३३; ११, १२; आया० १, ६,

५, १६५; ओव० ३५;

आइकलग. त्रि० (आख्यायक) शुभाशुभ कहेना२. शुभाशुभ कहने वाला. A messenger or teller of good or evil. जं० प० ओव० अणुजो. ५२;

आइकलिय. त्रि० (आचक्षित - आख्यात) कहेयुं; कथन करेन. कहा हुआ. Told; related. भग० २, १; नाया० १;

आइकलियव्व. त्रि० (आख्यातव्य) कहेवा लायक; उपदेश करवा योग. कहने लायक; उपदेश करने योग्य. Worth being told; worth being advised. सूय० २, ७, १५;

आइकल. पुं० (आदित्य) सूर्य; सुरज. सूर्य.

The sun. "सेकेणट्टेणं भते एवं बुचइ

सुरे आइकले गोयसा सुरा दियाणं समयाह वा

आवलियाहवा" भग० १२, ६; १५, १;

उत्त० २६, ८; अणुजो० ३४७; दस० ८,

२८; विशेष० १५६८; आव० २, ७; सू० प०

२०; प्रब० (२) कृष्णराजना आंतराभां रहेल

आर्चिमाली नामना विमान ना वासी लोकान्ति

क देवता. कृष्णराजी प्रदेश के अंतर में

रहा हुआ अर्चिमाली नामक विमान वासी

लोकान्तिक देव. the Lokāntika gods

residing in the Archimālī cele-

stial abode in the interior part

of Kṛiṣṇarājī. नाया० ८ भग० ६, ५;

(३) ग्रैवेयक विमान विशेष अने तेना देव.

ग्रैवेयक विमान विशेष और उसका निवासी

देव. the celestial abode of

Graiveyaka and its resident

gods. प्रब० १४६२; (४) सूर्यभास;

साजनीस दिवस प्रभाषु आदित्य भास.

सौरमास; साडे तीस दिन प्रमाण मास.

a solar month i. e. 30, days. सम० ३१ प्र० व० ६०४; —मास पुं० (—मास) सूर्य मास; ३०॥ दिवसने मास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. a solar month; a month of 30, days. प्रब० ६०४; —संवत्सर. पुं० (संवत्सर) सूर्य पहुँचेथी छेदे भाँडे ७४ धरी पहुँचे भाँडे आवे त्यां सुधीने समय; त्रयुसो छसई दिवस प्रमाण सौर वर्ष. सूर्य के पहिले मंडल से अन्तिम मण्डल में जाने और वहाँ से लौट कर फिर पाहिले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय; तीनसाँ छसठ दिन प्रमाण वर्ष. the solar year; an year consisting of 366 days; the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth. जं० प० सू० प० २;

आहवजस. पुं० (आदित्ययशस्) भरत चक्रवर्तीना आदित्ययशा नामे पुत्र, के ले राज्य भोगी अंते दीक्षा लभ सकल कर्म क्षय करी भोक्ष गया. भरत चक्रवर्ती का आदित्ययशा नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर अंत में दीक्षा ली और कर्म क्षयकर मोक्ष में गया. Ādityayaśa, the son of the emperor Bharata; he ruled for some time but at last took Dikṣā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. ठा० ८, १;

आहवा. स्त्री० (आदित्या) सूर्यनी भीष्म अथ महिषी. सूर्य का दूसरी पत्नी. The second principal queen of the sun. भग० १०. ५;

आहव. त्रि० (आदेश) ग्रहण करना योग्य.

ग्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. भाषा० १२; जं० प० कण० ३, ३६; क० गं० १, २६; ५१; २, २३; ६, ७१; (२) जेनुं वयन आह—ग्रहण करना योग्य होय ते. वह व्यक्ति, जिस का वचन प्राण हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गण्ड्या० ६४;

आहट न० (आदिष्ट) प्रेरणा करनी; आदेश करवा ते. प्रेरणा करना; आदेश करना. Instruction; suggestion. सू० १, ४, १, १६; विश० ४८६;

आहट. त्रि० (आविष्ट) आवेशवाला. आवेश वाला. Possessed by; inspired by. “जबला ऐसेही आहट समाली” भग० १८, ७; ठा० ५; दसा० ६, १५; ओष० ति० ४६७;

आहटि. स्त्री० (आदिष्टि) धारणा; विचार. Intention; idea; fixed thought. ठा० ७;

आहटिद. स्त्री० (आत्मर्द्धि) आत्मशक्ति; आत्मशक्ति. आत्मा की शक्ति. Soul-force; soul-growth; soul-power. भग० १, ३; ३, ५; २०, १०;

आहटिदय. त्रि० (आत्मर्द्धि-आत्मन एव आदित्यस्य) आत्मशक्ति वाला; आत्मशक्ति-अभिध वाला. आत्मशक्ति वाला; आत्मशक्तिवाला Possessed of soul-power or soul-wealth. “आहटिद एव भंते ! देवे जाव चतारी पंच देवावासं तराई” भग० १०, १;

आहव. न० (आजिन) चर्म; आभटुं. चमड़ा. Skin; leather. राय० ६७; निसा० १७, १२; क० गं० १, २६;—**पावार.** न० (—पावार) चर्मवस्त्र; आभडाना कपड़ा.

चमड़े का वस्त्र. a skin or leather garment. निंसा० ७, ११;

आइरण. त्रि० (आचारीय) आज्ञा इरेष. आज्ञा पाया हुआ. Advised; commanded. "आइरणं जं पुण अणुगणायं" आया० नि० १, १, १, ७;

आइरण. त्रि० (आकीर्य) व्याप्त; संकीर्ण; भीम्य भीम्य इरेष सखाख भरा हुआ. Pervaded by; thickly scattered over with. ओष० ओष० नि० ८६; नाया० ६; भग० १, १; २, ५; ३, १; ५; (२) त्रि० गति आदिथी शुद्ध शुलुवान घोडा. जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोडा. a horse of good breed. "कमंवददु माइरणे पावगं पडिवज्ज" उत्त० १, १२; पण्ह० १, ४; जांबा० ३, ४; "आइरणं वरतुरम सुमंपउत्तं" भग० ७, ८; नाया० १७; (३) विनयवान पुत्र्य. विनयवान पुरुष. a reverent, respectful person. डा० ४, १; (४) आदीर्ण गत ना धेजना इष्टान्तायुं ज्ञातासुत्रनुं १७ मुं अध्ययन. आकीर्य जाति के घोडे का जिसमें वर्णन है वह ज्ञाता सूत्र का १७ वां अध्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra dealing with a horse of Ākirṇa breed. नाया० १; सम० १६;—साय उअयण. न० (ज्ञाताध्ययन) ज्ञातासुत्रनुं १७ मुं अध्ययन. ज्ञाता सूत्र का १७वां अध्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra. सम० नाया० १७;—इय. पुं० (—इय) ज्ञानवान धेजे. जातिवान घोडा. a horse of noble breed. जीजा० ३;

आइरणतर. त्रि० (आकीर्यतर) वधारे व्याप्त; अनि भीम्य भीम्य. बहुत उपादह

व्याप्त. Densely or thickly pervaded by; dense; thick. भग० १३; ४;

आइरणव्य. त्रि० (आवातव्य) आवात इरेषा धेजेय. प्रहण करने योग्य. Worthy of acceptance; worth being taken. वेय० ४, २५;

आइरत. त्रि० (आशीत) धेजे प्रकाशित. कुञ्ज प्रकाशित. Faintly gleaming. नाया० १;

आइरतार. त्रि० (आवात) लेता. लेने वाला. Acceptor; one who takes डा० ७; आइरत. त्रि० (आदिग) व्याप्त व्याप्त; भरा हुआ. Pervaded by; filled with. नाया० १;

आइरत. त्रि० (आकीर्य) लुओ "आइरण" शब्द. देखा "आइरण" शब्द. Vide "आइरण" उत्त० १, १२, २१. १; पण्ह० १, ४; जांबा० १; नदी० डा० ४, ३;

आइरत. त्रि० (आकीर्य) व्याप्त इरेष. व्यवहार में लाया हुआ. Practised; performed. पिं० नि० ३२६; ५७१; प्रव० १-१६;

आइरत. त्रि० (आदिम) प्रथमनुं; पहिले. पहिले का; पहिला. First; foremost ओष० नि० ६६०; क० गं० ३, १६; प्रव० ४; ६५६;—गणधर. पुं० (—गणधर) प्रथम भयुधर. प्रथम गणधर. the first Gaṇadhara प्रव० ६५६;

आइरत. त्रि० (आदिम) पहिले. प्रथमनुं. पहिला; प्रथम. First; foremost. वरी० १०४०;

आइरत. त्रि० (आदिम) आदि आदि. शुरु. Beginning; first of a series. नाया० १; कप० ४, ६१-८६;

आइय. त्रि० (आहत) आहत, प भेद. आदर पाया हुआ. Honoured; respected.

पं० १७:

आइय. त्रि० (आचित) व्याप्त. व्याप्त. Filled with. नाय० ८;

आइयण. न० (आदान) ग्रहण करने. Taking; acceptance.

पण० १, ३;

आइयव्य. त्रि० (आदातव्य) स्वीकारना योग्य. स्वीकार करने योग्य. Worthy of acceptance. वव० १, ४१;

आइल्ल. त्रि० (आदिम) पहले; आदिम; प्रथम. पहिला; शुरुका. First; foremost. पञ्च० ५, १७; राय० २३६; नंदी० ५६; प्रव० २२२; अणुजो १; —चंद्र. पुं० (—चन्द्र) उत्तरे उत्तर द्वीपनी अपेक्षाये पूर्वे पूर्वे द्वीपनी चन्द्र. उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा पूर्वे पूर्वे द्वीप का चंद्र. the moon of the preceding continent in a series of continents. “ आइल्लचंद्र सहिता अणुतराणुतरं खेंते ” सू० प० १९; —सूर. पुं० (—सूर) उत्तरोत्तर द्वीपनी अपेक्षाये पूर्वपूर्व द्वीपनी सूर्य उत्तरोत्तर द्वीप की अपेक्षा से पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य. the sun of each preceding continent in a series of continents. सू० प० १६;

आईण न० (आदीन) अत्यन्त गरीब बहुत गरीब. (one) who is very poor. सू० १, १०, ६; — भोइ. त्रि० (—भोजिन्) ईंकी दीधेले भोराइ आनार. फेंका हुआ भोजन खाने वाला. (One) who eats food thrown away (by others). “ आदीण-भोई वि करेति पावं मंताउ एगंत समा-

हिमाहु ” सू० १, १०, ६; —चित्ति.

पुं० (—वृत्ति आ समन्तादीना करुणास्पदा वृत्तिरनुष्ठानं यस्य) अत्यन्त दीन भिक्षु भांगलु वगैरे. अत्यन्त दीन भिखारी. (one) who is indigent; e.g. a beggar. “ आदाण वित्तिव करेति पावं ” सू० १, १०, ६;

आईणग. न० (आजिनक) यर्भभय-आभङ्गं वस्त्र विशेष के जे कभायीने अति सुंदावुं करेख होय छे चमड़े का वस्त्र विशेष जो कि कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो A garment of cured or tanned leather. “ आईणग रूप बुरणवणीयतूल फासे ” सू० प० २०; कण्प० ३, ३२; आव० आया० २, ५, १, १४५; नाया० १; जांवा० ३; भग० ११, ११; (२) पुं० अनाभने ओंके द्वीप तथा ओंके समुद्र. एक द्वीप और एक समुद्र का नाम. an ocean of that name; also a continent of the name. जांवा० ३;

आईणभइ. पुं० (आजिनभइ) आग्नि द्वीपनी अधिपति देवता. आजिन द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of the Ājina-Dvīpa. जांवा० ३;

आईणमहाभइ. पुं० (आजिमहाभइ) आग्नि द्वीपनी अधिष्ठाता देवता. आजिन द्वीप का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the Ājina Dvīpa. जांवा० ३;

आईणमहावर. पुं० (आजिमहावर) आग्नि समुद्र तथा आग्निवर समुद्रनी अधिपति देवता. आजिन और अजिनवर समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the Ājina and Ājina-vara oceans. जांवा० ३;

आईणवर. पुं० (आजिनवर) ये नामनेः
 ऐक द्वीप तथा ऐक समुद्र. इस नाम का एक
 द्वीप तथा समुद्र. An ocean as well as
 a continent of that name. (२)
 आग्निन समुद्रने तथा आशुनवर समुद्रने
 अधिपति देवता. आजिन और आजिनवर
 समुद्र का अधिपति देव. The presiding
 deity of the oceans named
 Ajina and Ajinavara. जीवा० ३;

आईणवरभद्र. पुं० (आजिनवरभद्र) आ-
 ग्निनवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर
 द्वीप का अधिपति देव. The presiding
 deity of Ajinavara Dvīpa.
 जीवा० ३;

आईणवरमहाभद्र. पुं० (आजिनवरमहाभद्र)
 आग्निनवर द्वीपने अधिपति देवता.
 आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The
 presiding deity of Ajinavara
 Dvīpa. जीवा० ३;

आईणवरोभास. पुं० (आजिनवरावभास)
 ये नामनेः ऐक द्वीप तथा समुद्र. इस नाम
 का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of a
 continent; also, that of an
 ocean. जीवा० ३;

आईणवरोभासभद्र. पुं० (आजिनवरावभास-
 भद्र) आग्निनवरोभास द्वीपने देवता. आजि-
 नवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity
 of Ajinavarobhāsa Dvīpa जीवा० ३;

आईणवरोभास महाभद्र. पुं० (आजिनवराव-
 भास महाभद्र) आग्निनवरोभास द्वीपने
 अधिपति देवता. आजिनवरोभास द्वीप का
 अधिपति देवता. The presiding
 deity of Ajinavarobhāsa
 Dvīpa. जीवा० ३;

आईणवरोभासमहावर. पुं० (आजिनवराव-

भासमहावर) आग्निनवरो भास समुद्रने
 अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का
 अधिपति देव. The presiding deity
 of the Ajinavarobhāsa ocean.
 जीवा० ३;

आईणवरोभासवर. पुं० (आजिनवरावभास
 .वर) आग्निनवरोभास समुद्रने अधिपति
 देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव.
 The presiding deity of Ajina-
 varobhāsa ocean जीवा० ३;

आईणिय. त्रि० (आर्दाकि-आसमन्ताहीन-
 मादीनं तद्विद्यते यस्मिन्सः) अत्यन्त हीनता
 वागुं. अत्यन्त दानता वाला. Indigent;
 penurious. “आईणियं दुक्कटियं पुरस्था”
 सूय० १, ५, १, २;

आईयदट्. त्रि० (आतीतार्थ-आसमन्ताकृतीव
 इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थायेनसः
 यद्वाऽऽसामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स
 तथा) दूर कथा छे समस्त प्रयोजन
 न्छे; शांत व्यवहार वाला. समस्त प्रयोजनों
 से रहित; शांत व्यवहार वाला. (One)
 who has risen above all worldly
 purposes; calm and tranquil.
 आया० १, ७, ६, २२२;

आइरण. त्रि० (आजीरण-आजिः संग्रामस्तमी
 हयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति बावत्)
 लडाई छतनार. युद्ध जीतने वाला (One)
 who conquers in a battle;
 victorious in battle. संथा०

आईसाण. न० (आईशान) ईशान देवलोक
 पर्यंत. ईशान देवलोक पर्यंत Up to, as
 far as Īśāna heavenly world.
 प्रब० ११६२;

आउ. अ० (अथवा) अथवा. अथवा; या.
 Or. सूय० २, ७, ६;

आउ. न० (आयुष-प्रतिसमबन्धोभ्यवे
नायातीत्यायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमि-
त्यायुः) जेता उदयशी ७५ ७-६गी
भागेवे ७ ते; आयुष्य कर्म; अ६ कर्म
भांजु पांयभुं कर्म वह कर्म जिस कें उदय
से आयु प्राप्त करता है; आयुष्य-कर्म; आठ कर्मों-
मेंसे पांचवा कर्म. The Karma by the
rise of which a soul has to
finish a life period; the fifth
of the eight kinds of Karma.
दसा० ६, २; पञ० ३६; भग० ३, १; ५, १;
७, १; ६; १५, १; नाया० २; जं० प०
उत्त० ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प०
२, ५४, पि० नि० भा० २६; क० गं० १,
३; ५, ४;—अउभयसाण. पुं० (—अध्य-
वसान) आयुष्यकर्म निष्पादक अध्यवसाय
विशेष. आयुष्य कर्म उपादान करने वाला
अध्यवसाय विशेष. a certain sort
of thought-activity giving rise
to Āyusya Karma भग० २४, १;
—उचक्रम. पुं० (—उपक्रम) पेटाना
हाथशील आडिभुं पुरूं करुं तेज्जेभ
श्रेष्ठिक रागमे काष्ट पिन्दरभां हीशि युसी
आडिभुं पुरूं करुं तेभ. अपने हाथ से ही
अपना आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा
श्रेष्ठिक ने काष्ठके पींजरे में द्वारा चुसकर अपनी
आयु पूर्ण की. भग० २०, १०; putting
a period to one's own exis-
tence; e. g. in the case of
Sreṇika the king, who suck-
ed a diamond in a wooden
cage and died; suicide. —कम्म.
न० (—कर्मन् एति याति चेत्या सुस्तजि-
बन्धनं कर्मायुष्कर्म) अ६ कर्मभांजु पांय
भुं आयुष्य कर्म. आठ कर्मों मेंसे पांचवां

आयु कर्म. Āyusya Karma, the
fifth of the 8 Karmas. उत्त० ३३,
२; ४;—काल. पुं० (—काल) मृत्युकाल;
भरलुनो अवसर. मृत्यु समय; मरणकाल.
time of death. आया० १, ८, ८, ११;
—कल्लय. पुं० (—कल) आयुष्य कर्मने
क्षय; आयुष्य कर्मनी निर्जरा. आयुर्कर्म का
क्षय; आयुर्कर्म की निर्जरा. “सिणे जह वद्धयं
हरे एवमायुक्खयम्मि तुट्ठा” the des-
truction of Āyusya Karma.
सूय० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६;
नाया० १; ८, १४; १६; भग० २, १; १, ६;
६, ३३; २५, ८; परह १, १; कप्प० १,
२; निरं० ३, १;—कल्लेय. न. (—क्षेम)
आयुष्य-७-६गीजुं स्वास्थ्य-आयादी.
आयुष्य-जीवन का स्वास्थ्य. the peace
and safety of life. “ जं किंचि व
कम्मं, जाणे आउक्खेमस्समप्पणो तस्सेव
अंतरदाए खिप्पं सिक्खेज पंडिए ” आया०
१, ८, ८, ६; सूय० १, ८, १५;—निवप्ति.
क्की० (—निर्वृत्ति) आयुष्यनी निष्पत्ति.
आयुष्य की निष्पत्ति. acquisition of
life भग ६, ४;—पज्जव. पुं० (—पर्यव)
आयुष्यना पर्याय आयुष्य का पर्याय-मर्यादा.
variation of life. जं० प० २, २६;
—परिणाम. पुं० (—परिणाम) आयुष्य
कर्मने स्वाभाव. आयुष्य परिणाम-स्वभाव;
आयुष्य कर्म का स्वभाव. nature of
Āyusya Karma. “ नव विहे आउ
परिणामं पण्णते तंजहा गह परिणामे ” गह
बंधण प० ठिहप० ठिहबंधण प० भग ६,
५, जं० प० ७, १७६;—पहीण. पुं०
(—प्रहीन) क्षीण ध्येय आडिभुं. क्षीण
आयु. worn out life; worn out
life-period भग० ११, १०;

—भेय. पुं० (-भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रमः आयुर्भेदः) आयुष्यनी उपधातः; आयुष्यङ्ङु भेदायु-तुटुं ते. आयुर्कर्म का दटना; आयु में भेद होजाना breaking down of Āyusya; the destruction of Āyusya-Karma. "सत्त्वविहे आउभेद प० तंजहा अउकमाय निमिसे आहारे वेयण पराचाए कासे आया-पाल सत्त्वविह मिजए आउ" ठा० ७; आउ. स्त्री० (अय) पाष्ठी. जल. Water. भग० ५, ६; ६, ४; पि० नि० भा० ६; सूय० १, १, १, ७; प्रब० ४८८; (२) स्त्री० अपकाय-पाष्ठीनां शु०; अपकाय. अक्काय-जल के जीव. an aquatic sentient being. जं० प० ७; सू० प० १०; उत० २६, ३०; क० गं० १, २६; ५७; २, ६; ४, ३; भग० ६, ५; ८; (३) पूर्वपादा नक्षत्रेना देवता. पूर्वपादा नक्षत्र का देव. the deity of the Pūrvaśādhā constellation. "पुंवासादा आउ देवचाए" सू० प० १०; अणुजो० १३१; ठा० २, ३; —काअ-य. पुं० (-काय-आपः कायो यस्वेति) अपकाय; पाष्ठीनां शु०. अक्काय के जीव. aquatic lives. सम० ६; उत० १०, ६; दस० ६, ३०; भग० २, ६; ७, १०; १६, ३; आया० १, ६, १, १२; —काइय. पुं० (-कायिक-आपो द्रवास्ताएव कायः शरीरं यस्वेति) अप-पाष्ठी काय-शरीर छे जेनुं ते; पाष्ठीनां शु०. ऐसे जीव जिनका शरीर जल है. aquatic lives. भग० १, ५; १७, ८; १८, ८; ३३, १; जीवा० १; पञ्च० १; दस० ४; —काअ-य. पुं० (-काय) अपकाय; पाष्ठी. अक्काय; जल. water; water considered as a sentient mass.

उत० १०, ६; पि० नि० भा० १६; आया० नि० १, १, ३, ११३; पञ्च० १; पंचा० ५, २६; १०, २४; १४, ७; —काइय. पुं० (-कायिक) जेभो "आउकाइय" शब्द देखो "आउकाइय शब्द" vide "आउकाइय" "सेहिने आउकाइया ? आउकाइया दुविदा पञ्चता" पञ्च० १; भग० २६, १; —कायविहिंसक. त्रि० (-कायविहिंसक) पाष्ठीनां शु०नी हिंसा करवाले. जलकाय-जीव की हिंसा करने वाला. (one) who kills aquatic sentient beings. गच्छा. १७; —जीव. पुं० (-जीव) जलजीव; पाष्ठीनां शु०. जलजीव; पानी के जीव. aquatic lives. "दुविहा आउजीवाधो सुदुमा बायरा तहा" उत० ३६, ३६; ३६, ८४; ८५; सूय० १, ११, ७; भग० ५, २; —बहुल. त्रि० (-बहुल) जेभां पाष्ठी बहुत छेय ते. जिस में पानी बहुत हो ऐसा. that which is full of water. जं० प० २, ३६; —बहुलकंड. न० (-बहुलकाण्ड) पृथ्वी जलवासी रत्नप्रभा पृथ्वीनां तीसरा बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीसरा काण्ड-भाग. the third section of the Ratnaprabhā-world abounding in water. "आउबहुले कंडे असाई जीवणसहस्साई बाहलेले" सम० —याय. पुं० (-काय) पाष्ठीनां शु०; अपकाय. पानी के जीव. aquatic creatures; water considered as a living mass. भग० १६, ३; —सोअ. न० (-शोध) शोध-पवित्रता. जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water. ठा० ५, ३;

आउंचण. न० (आकुञ्चन) अवयव संकोचन।
ते. अवयवों को संकुचित करना. Con-
traction of limbs. सम०

✓ आउंट धा० I. (* आकुंच-आ + कृ)
करावतुं. कराना. To cause to do. (२)
संकोचतुं. संकुचित करना. to contract.

आउंटए. ओष० नि० २२६;

आउंटेज्जा. वि० भग० १४, १;

आउंटेहि. आ० नाया० ५;

आउंटेह. आ० नाया० ५;

आउंटवेति. प्रे० भग० १६, ८;

आउंटवेमि. नाया० ५;

आउंटवेतए. प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३; ५;

आउंटवेमाण. प्रे० व० कृ० भग० १६, ८;

आउंटण. न० (आकुञ्चन) संकोचन. संकोचन.
Contraction. पंचा० १७, १६;

—पसारण. न० (—प्रसारण) संकोचतुं अने
विस्तारतुं ते; संकोचतुं अने पसारतुं ते.
संकोचना और विस्तार करना. contrac-
tion and expansion. भग० १६, ८;

आउंटिय. त्रि० (आकुञ्चित) संकोचतुं
संकुचित किया हुआ. Contracted;
folded. भग० १४, १;

आउग. पुं० (आयुष्क) आठिपुं; ज्ञान;
आयुष्य. आयुष्य; जीवन. life. भग० ६,
१; —तिग. न० (—त्रिग) नरकायु,
तिर्य्यायु अने मनुष्यायु, ये आयुष्यनी
तय प्रकृति. नरकायु, तिर्य्यायु और मनु-
ष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतियां.
the three Prakritis (Karmic
natures) of Āyusya i. e.
life-period viz of hellish beings.
subhuman beings and human
beings. क० गं० ५, ४३; —वउज. न०
(—वज्य) आयुष्य सिवाय. आयुष्यके बिना.

excepting, with the exception
of, Āyusya, (i. e. life). क० प०
१, ५५;

आउच्छणा. स्त्री० (आपुच्छना) जुओ
“ आपुच्छणा ” श०६. देखो “ आपुच्छणा ”
शब्द. Vide “ आपुच्छणा ” पंचा० १२, २६;

आउज्ज. पुं० (आवर्ज-आवर्जन)
उर्ध्वतेऽभिमुखीक्रियते मोक्षोऽनेनेत्यावर्जः)
मन वचन अने कायाते शुभ व्यापार; शुभ
प्रवृत्ति; मोक्षने अनुकूल कर्तव्य. मन, वचन,
और काया की शुभ प्रवृत्ति; मोक्ष के अनुकूल
कर्तव्य. The good activities of
mind, speech and body. (२)
त्रि० मन वचन अने कायाते शुभ व्यापार
करनार. मन, वचन और काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body, पञ्च० ३५;

आउज्ज. त्रि० (आवोज) ओक भीम साथे
जोडेल. एक दूसरे के साथ जोडा हुआ.
Interlinked. विरो० १४;

आउज्ज. पुं० (आतोज) वीणा आदि
वाद्य०. वीणा आदि वाद्य. A musical
instrument like a lute etc.
“ एवमाह्वयार्ण एगोपवर्णं आउज्जविहावाहं
विठस्वति ” राय० ठा० २, ३; परह० २, ४;
—सह. पुं० (—शब्द) वीणा आदि
वाद्य०. वीणा आदि वाद्यों की
आवाज. the sound of a musical
instrument such as a lute etc.
“ आउज्जले दुविहे पवणसे तंजहा ततेचव
विततेचव ” ठा० २;

आउज्जण. न० (आवर्जन) मन, वचन
अने कायाते शुभ व्यापार. मन, वचन
और काया का शुभ व्यापार. Salutary

ed carefully. (२) न० संयत-सधुनी
गति श्रेष्ठा वगेरे. संयत साधु की गति-क्रेष्ठा
वगेरेह. the movements, actions
etc. of a Sādhu. भग० २५, ७;

आडत्तया. स्त्री० (आधुक्) उपयेज्जः साध-
धःनी. उपयोग, सावधानी. Attentive-
ness; carefulness. “आडत्तया जस्स-
य नत्थि काह्” उत्त० २०, ४०;

आडधामार. पुं० (आधुधामार) आयुध-
शाला; हथियारों शोधवानी जगहा. आयुध-
शाला; शस्त्रालय रखने का जगह. An
armoury. ओव०

आडय—अ. न० (आधुयक) आयुष्य;
अ.विभुं; अयन; अ.भी. आयुष्यकर्म.
आयुष्य; जीवन; जिंदगी; आयुकर्म. Life;
Āyusya-Karma. सम० १; नाया०
१; ८; ओव० २०; ३८; ४१; अलुजो० १२७;
क० गं० २, ५; सूय० २, ७, ११; आया०
१, २, १, ६२; उत्त० ५, ३७; २६, २२;
भग० १, १; ७; ६; ५, ३; ६; ६, ३; ७, १;
८, ६; ११, ३; १८, ५; २४, १; २५,
३; ६; पज० २२; दसा० ५, ४०; क० प०
१, २६;—कम्म. न० (—कर्मम्) अ.वि.
“आडकम्म” शब्द. देखो “आडकम्म”

शब्द. vide “आडकम्म” भग० २६, १;

३५, २;—परिहाणि. स्त्री० (परिहाणि)

आयुष्यतो प्रतिक्षेपे यतो क्षयः आयुष्यतो

धृष्टाडि. आयु का प्रतिक्षण होता हुआ क्षय;

आयुष्य की हानत. destruction of

life going on every moment.

पंचा० १, ४८;—बंध. पुं० (—बन्ध) आयुष्य-

कर्मो अन्ध. आयुक्रम का बंध. the bond-

age of Āyusya-Karma. “कह्वि-

हेव मंते? आडय बंधे परवते? गोयमा!

कह्विहे आडय बंधे परवते” भग० ६, ८;

आडर. त्रि० (आधुर) आधुर; आधुल

व्याधुल; तलपी रहेल; विहवल. आधुर;
व्याकुल; तलफताहुआ, बिहल. Engor;
distracted; longing. “तत्थ तरथ
पुडो पास आधुरा परितावन्ति” आया० १,
६, २, १८१; उत्त० २, ५; ३२, २४;
वेय० ४, २६; नाया० १; जीवा० ३, १; भग०
२५, ७; (२) रे.गी; पीडित; दुःखी; म.दो.
रोगी; बीमार. diseased; afflicted;
troubled. भग० २५, ७; दस० ३, ६;
नाया० १४; ठा० ४, ४; विरो० ८६१;
विवा० ७;—स्मरण. न० (—स्मरण) क्षुधा
आदिथी आधुर यधने पहेलां आयेला
भे.राकनुं स्मरण करवुं ते; आधुरपणे स्मरण
करवुं ते. क्षुधादि से आधुर होकर पहिले किये
हुए भोजन का स्मरण करना. wistful re-
collection of food formerly
taken (by one oppressed with
hunger). “तत्ता विव्धुड मोइत्तं आडर
सरत्ताणिय” दस० ३, ६;

आडरपच्चक्खान. न० (आधुरपचक्खान)
२८ उत्कालिक सूत्रभांतुं २८ भुं सूत्र; आडि-
पचक्खान नामे अेक पध्दो. २८ उत्कालिक
सूत्रों में से २८ वौं सूत्र; आडर-पचक्खान
नामक एक पध्द. The 28th of the
29 Utkālika Sūtras; a Paṇṇā
of the name of Āura-pachcha-
khaṇṇa नंदी ४३;

आडरिअ. त्रि० (आधुरित) भंडवाडीओ;
आधुर थयेस. बीमार; आधुरतावाला. Di-
seased; sick; eager. राय० २५८;

आडल. त्रि० (आधुल) आधुल व्याधुल.
आकुल व्याकुल. Distracted. नाया०
१; ६; भग० १, १०; नंदी० १६; विरो०
६००; ओव० ४, ४; ओव० नि० ५१५; २)
व्याध; भरव; भराहुआ. full of; filled
with. नंदी० १६; ओव० ३१; (३)

समूह. समूह. a collection; a group.
अणुनो० ५७;—घर. पुं० (-गृह) श्रुवे-
धी अरेय धर. a house full of sen-
tient beings. जीवों से भरा हुआ घर.
नाया० ६;

आडलतर. त्रि० (आकुलतर) अतिशय
आकुल; बहुत ज्यादा आकुल. Highly
distracted; greatly troubled in
mind. “ यो आडलतरायेव ” भग०
१३, ४;

आडलत. न० (आकुलत) आकुलत-
व्यापणु. व्याप्तपना. State of being
filled with or pervaded by.
प्रब० १८६;

आडलिय. त्रि० (आकुलित) व्याकुल धयेय.
व्याकुल. Perturbed; distracted.
सु० च० २, ३२८;

आडलीकरण. न० (आकुलीकरण) प्रचुरी
करण—धणु करणु—वधारणु ते; संसारने
वधारणे ते; बहुत कुछ बढ़ाना; संसार
भ्रमण की वृद्धि करना. Extending;
increasing; increasing worldly
existence. भग० १, ६;

आडवेय. पुं० (आयुर्वेद—आयुर्वेदितं तद्वि-
दन्ति रश्मिमुमुभवन्ति चोपक्रमरश्मयेन
विदन्ति वा ज्ञानं यथा काष्ठं ज्ञेयं वस्त्राद्य
स्मिन् वेत्यायुर्वेदः) चिकित्सा शास्त्र; वैदिक-
शास्त्र. चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद शास्त्र; वैद्यक.
Science of medicine “अट्टविहे
आडवेय परणुते, सं जहा—कुमारभिर्ये
—कायतिगिष्वा साक्षाद्सङ्गहता जंगोकी
भूषविजा कारतंते रसायने” ठा० ८;

✓ आडस. धा० I-II. (आ+कुट्) आक्रोश
करणे। एपे। आपवे। आक्रोश करना; उला-
हना देना. To cry out; to reproach;
to rebuke.

आडसह. भग० १५, १; नाया० १८;
आडसिंहित. भ० भग० १५, १; नाया० १८;
आडसित्त. हे० कृ० राय० २६६;
आडसहता. सं० कृ० भग० १५, १;

आडस. न० (आयुष्य) आयुष्य; आवरदा.
आयुष्य; आयुष्य-काल. Life; life-
period. सू० प० ८;

आडस. पुं० (आक्रोश) आक्रोश अरेय
वचन; उपकारना वचन. उलाहना भरा वचन.
Words of reproach or rebuke.
राय० २६६;

आडस. त्रि० (आयुष्यमत) दीर्घायु; यिरे-
श्रुती. दीर्घायु; चिरंजीवी; लंबी आयु वाला.
Long-lived. आया० १, १, १, १; सम०
१; नाया० १४; पञ० २;

आडसो. सं० ए० व० जीवा १; भग० ८, १६;
१५, १; १७, ३; २०, ८; ओव० ३४;

आडसंत. त्रि० (आयुष्यत) दीर्घायु; यिरे-
श्रुती. दीर्घायु; लंबी उम्र वाला. Long-
lived. “ सुवं मे आडसंतेव ” सूय०
२, ३, ४३; २, ७, ५; ठा० १; आदा० १,
१, ३, १५; १, ७, २, २०२; ३, ३, ३,
१२६; निसी० ६, ४;

आडसणा. आं० (आक्रोशना) आक्रोश करने
ते. चिहाना; बुरा भला कहना; शोर करना.
Crying out; reproaching. भग०
१५, १;

आडस्स. पुं० (आक्रोश) आक्रोश—कर्कश
वचन. कठोर वचन. Harsh words of
rebuke. सूय० १, ३, ३, १८;

आडह. न० (आयुध) आयुध; शस्त्र; हथी-
वार. शस्त्र; हथियार. A weapon. नाया०
३; १६; १८; भव. २, १०; ७, ६; ६, ३३;
सु० च० १०, ४४; जं० प० ३, ४३;
—घर. न० (-गृह) आयुध घर; आयुध-

શાલા; હથીયાર સંખ્યાનું સ્થાન શસ્ત્રાગાર; હથિયાર રક્ષણેની જગહ. an armoury. જં. ૫. ૧, ૪૧; — ઘરસાલા. સ્ત્રી. (—ગૃહસાલા) બુધો ઉપરો શબ્દ. લેખો ઉપરકા શબ્દ. vide, “ આઠહથ ” જં. ૫. ૧, ૪૧; — ઘરિશ્વ. પું. (—ગૃહિક) અધુપશાલ ને ઉપરિ—અધ્યક્ષ. આયુધ-શાસ્ત્ર કા અધ્યક્ષ. a superintendent of an armoury. “ તથાં લે આઠહથ રિવ ” જં. ૫. ૧, ૪૧;

આઠસિય. ત્રિ. (* આઠસનક-ઈષ્ટનક) કંઠક ઓધું; ઉણું. કુલ કમ. Somewhat less. મગ. ૨૫, ૭;

આઠસિય. ત્રિ. (*) પ્રવેશ કરેલ. પ્રવિષ્ઠ. Entered. “ આઠસિયવચનગંઢવેલ ” નાયા. ૮; (૨) સંકુચિત. સંકુચિત. contracted. “ આઠસિય અક્ષયચમ્પ ડહદુગંઢવેલ ” નાયા ૮;

આપજ. ત્રિ. (આદેવ) મહત્વ કરવા યોગ્ય; માનનીય. પ્રહણ કરને યોગ્ય; માનને યોગ્ય. Worth being accepted or taken. જં. ૫. ૮. ૫. ૭, ૮; — અપજ. ન. (—અપન) માનનીય વચન. માનને યોગ્ય વચન. words worth accepting. ઉત્ત. ૧૬, ૬;

આપસ. ત્રિ. (* આપસ-અપસ) આવતું; આવવાનું. આતા હુઆ. Coming. “ આપસા વિમંસિ હુઆવા ” સૂ. ૧, ૨, ૩, ૧૬;

આપસ. પું. (આદેશ-આદેશવતે આદેશવતે સમજાવતે પરિજનો વસ્તિકાગતે તદાસિયે-વાચતદાસનદાનાદિઆપરે સ આદેશઃ)

પાડુણ; પડેણ; મિજમાન. અતિથિ; પાડુના. A guest. “ આપસા સમીહિ ” ઉત્ત. ૭, ૧; ૪; ઓષ. નિ. ૧૪૮; ૬૬૧; ઓષ. નિ. ૧૪૭; નિસી. ૧૦, ૧૨; વચ. ૬, ૧; (૨) પ્રકાર; ભેદ; પ્રકાર; ભેદ. mode; kind. મગ. ૮, ૨; નંદી. ૩૬; પચ્છ. ૧; પ્રવ. ૫૧૬; વિશ. ૪૦૨; (૩) વિશેષ; વ્યક્તિ રૂપ. વિશેષ; વ્યક્તિરૂપ. particular; individual. ઉત્ત. ૧૬, ૬; (૪) સૂત્ર; આગમ; શાસ્ત્ર. સૂત્ર; આગમ; શાસ્ત્ર. a Sūtra or scripture. વિશે. ૪૦૫; (૫) ઉત્પાદ વ્યવ અને દેવ્ય એ ત્રિપદી કે જે ગણપરને પ્રથમ સંભવાવવામાં આવેલે. ઉત્પાદ, વ્યવ ઓર પ્રૌઢ્ય લે ત્રિપદી જો કિ ગણપર કો પહેલે કહી જાતી હૈ. the three conditions that are first taught to a Ganadhara, viz birth, decay and steady existence. વિશે. ૫૨૦; (૬) વ્યવદેશ; વ્યવદાર. વ્યવદેશ; વ્યવહાર. denomination; nomenclature. સૂ. ૧, ૮, ૩; (૭) હુકમ; આજ્ઞા. command. સુ. ૮. ૨, ૪૫૬; પિં. નિ. ૧૮૪; પંચા. ૫, ૪૫; જીવા. ૧; (૮) મત. મત. an opinion. “ લીજોવચ આપસો ” પ્રવ. ૮૫૫; — સમજવ. પું. (—સર્વ-આદેશનમાદેશ અપચારોવચહારસન સર્વમાદેશસર્વજ્ઞ) ઉપ. આરથી સર્વ; પ્રચુર અથવા પ્રધાન વસ્તુમાં સર્વતો ઉપચાર કરવો તે જેમ ભોજનમાં લી વધારે હોય તો આજ તો એકજુ ધીજ અ.ધું,

* કોઈ જગ્યાએ મૂલ શબ્દને ક્ષમતા સંસ્કૃત વર્ણવ સંસ્કૃત-કોષમાં ન હોય તેવે સ્થલે સંસ્કૃતની જગ્યા ખાલી રાખવામાં આવી છે. જ્યાં મૂલશબ્દ કા પર્યાયવાચ સંસ્કૃત શબ્દ નહીં મળ્યા ત્યાં સંસ્કૃત શબ્દની જગહ શાકા રક્ષણેને છોડે છે. Blank space left in brackets indicates that no satisfactory તત્ત્વ or તત્ત્વ Sanakrit equivalent is available.

आमां धीनी प्रधानताने दीधे धी शिवायनी वस्तुमां पलु धीतो उपय. २. ३५. एक का अधिकता से उसका सब में उपचार करना; जैसे कि भोजन में धी अधिक होने पर यह कहना कि आज तो धी ही धी खाया इस में धी का प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में भी धी का उपचार किया denominating a thing by giving the whole of it the name of a part which is prominently found there.

आरस. न० (आदेशन) लुहार वगैरे (१) के. ३—आरमानु. लुहार वगैरे का कारखाना, A workshop of a blacksmith etc. दसा. १०, १; आर्या. २, २, २, ८०;
आरसिय. न० (आदेशिक) सधुने देव. भ. ८ ३६. १. राभेद आहारदि; आहारनो अेक देव साधु को देने की इच्छा से रखा हुआ आहार वगैरे; आहार का एक दांव. Food etc. pre-determined to be given to a Sādhū; a kind of sin relating to food. नि० नि० २२६;

आओग. पुं० (आयोग) द्रव्य संपादन का वालो उपाय; धंधे-व्यापार वगैरे. द्रव्य उपा-जन करने का उपाय; धंदा व्यापार आदि. Business; trade; means of earning. भग० २, ४; सूय० २, ७, २; (२) पैस. नी आ. व. ३; अभिज्ञा. त्रुणगण्ड. ५८१. धन की आमदनी; दुगना तिगना बढ़ाव. income; double or treble profit of exchange. ओव० जं० प० ३, ५६;—**पओग. पुं० (प्रयोग-आयोग-ह-अर्थलाभस्य प्रयोगा उपायाः)** द्रव्य संपादन करवानो उपाय; द्रव्यवृद्धिभाटे

धारध. २. करवी ते. द्रव्य संपादन करने का उपाय; वृद्धि के लिये देन लेन करना. earning wealth; business of lending etc. जं० प० ३, ५६;—**पओग-संपउत्त. त्रि० (प्रयोगसंप्रयुक्त)** द्रव्य उप. न. २. करवाना उपायमां प्रवृ. १. यथेव. द्रव्योप. जन के उपाय में प्रवृत्त तत्पर. (one) engaged in money-making concerns. जं० प० ३, ५६;
आओजिया. ली० (आयोजिका) तीव्र परिश्रामधी करवाभां अवती किंवा केनेतापी संस. २. स. येनो संयंघ वधे छे. तीव्र परिणाम से का जाने वाला क्रिया, जिससे कि संसार सम्बन्ध बढ़ता है. An action done with keen thought-activity increasing one's worldly attachment. पञ्च० २२;

आओज. न० (आतोष) वाद्य; वाजि. २. वाज; वाद्य. A kind of musical instrument. ओव० ३०;

आओज. त्रि० (आयोज्य) भर्थादा पूर्वक जोडवा योग्य. मर्यादा पूर्वक जोडने योग्य. Worth being united within limits. विशे० २३;

✓ **आओस. धा० I, II. (आ+कृत्)** निर-रकार करवे; हपडा देवे. तिरस्कार करना; उलाहना देना. To upbraid; to reproach.

आओसि. उवा० ७, २००;

आओसेजसि. उवा० ७, २००;

आओसेजा. विधि० उवा० ७, २००;

आओस. पुं० (§) परेदिशि; सुसंध्य पडुतानी ये धडी. सवेरा; प्रातःकाल.

Dawn, "आभासे संगारो अमुई बेलाए निगए ठाण" पि० नि० भा० ६१;

आंताह. त्रि० (आन्तादिन्-आन्तेभबमान्तं) मुक्तावशेषं तदान्तरमसीधेवंशील आन्तादी) आतां पीतां आडी रहेल आहार लेनार, (साधु). ओरों के खाते बचे हुए अहार को काने वाला, (साधु). (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others. पंचा० १८, ३६;

आंदोलिर. (* आन्दोलिन्) कंपनशील. कंनशालि; कानेवाला. Trembling; of a quaking nature. सु० च० २, ६५४;

✓ आकंख. धा० I (आ+कांख्) छञ्चयुं; आङ्क्षा राप्ती. इच्छाकरना; आकांक्षा रखना. To wish; to desire. आकंखी. वि० "निखुडे काबमाकंखी" स्य० १, ११ ३८;

आकंखिर. त्रि० (* अ कांखिन्) आङ्क्षा करनार; आङ्क्षालुशील. आकांक्षा करने वाला. One who wishes or desires. सु० च० २, ३२८;

✓ आकंप. धा० I (आ+कम्) आराधना करी. आराधना करना. To adore; to worship. (२) सन्मुख रहेयुं. सन्मुख रहना. to remain face to face; to remain in one's presence. आकंरता. सं० कृ० भग० २५, ७;

आकट्ट. त्रि० (आकृट्) सामे भेयैल. सामने की ओर खींच हुआ. Drawn towards. परह० १, १;

आकट्ट. त्रि० (आकषं) सामे भेयुं ते. सन्मुख खींचना. Drawn towards. भग० ३, १; -विकट्टि. ज्ञा० (-विकट्टि) आभतेभ भेयुं ते; भेयाभेय करी ते इधर उधर खींचा. pulling in different directions. भग० ३, १; १५, १;

आकणितता सं० कृ० अ० (आकण्यं) व. II/३.

सांलणीने. सुनकर. Having heard. नाया० १६;

✓ आकण. धा० I (आ+कर्ण्) सांललनुं. सुनना. To hear.

आयलह. सु० च० १४, ४६.

आयलत. व० कृ० सु० च० २, ११७;

आयलित. सं० कृ० सु० च० २, ७१;

आयलितण. सं० कृ० सु० च० ७, १६७;

आकसिय. त्रि० (आकस्मिक—अकस्मात्-अवति तदाकस्मिकम्) आक्षिभक; अहेंतु; क्षरयु पगरनुं. आकस्मिक; अचानक; बिना कारण के. Accidental; without any assignable cause. " बडक निमित्ताभावा जंभवनाकसिय " विशेष० ३४५१;

आकार. पुं० (आकार) अकृति; अहेंतु; आधार. आकार; चेहरा; डील डौल. Form; shape; figure; face. सू० प० २०; आव० निसी० ७, ३८; उवा० २, ६०; ६४;

आकासफलोवमा. ली० (आकाशफलोपमा) आध-आवानो अक पदार्थ. खानेका एक पदार्थ. An eatable substance; a substance used as food जं० पं० १, ११;

आकासिआ. ली० (आकाशिका) आध विशेष; आवानो अक पदार्थ. खानेका एक पदार्थ. A kind of food; a substance used as food. जं० पं० १, ११;

आकिह. ली० (आकृति) आधार; अकृति देभाव. आकृति; स्वरूप; दृश्य. Form; shape; appearance. सम०

आर्किकण. न० (आर्किकण्य—आर्किकणस्यभाव आर्किकण्यम्) परिग्रह रहित पदार्थ; सुपदार्थ अदि परिग्रहते अभाव. परिग्रह रहितत; परिग्रह का अभाव. Absence of worldly possessions

like-gold etc. पंचा० ११; १६; सु० च० ३, ४७;

आकृति. क्री० (आकृति) आक० २; देभाव. आकृति; रूपरंग. Form; appearance; shape. जीवा० ३, ४;

आक्रीलवास. पुं० (आक्रीलवास) गौतम-द्वीपानां रहेता क्षत्र-समुद्रना अधिपति सुस्थिक देवतानां क्षीयवास. गौतम द्वीप में रहने वाले, लवण-समुद्र अधिपति सुस्थिक देवका क्रीडा क्षेत्र. The pleasure-abode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa. जीवा० ३, ४;

आकुंचण. न० (आकुञ्चन) संक्षेप्यं ते. संकोचना. Contraction. बिशे० २४६२ —पट्टग. न० (-पट्टक) पट्टाङ्गी के कमर आधारांतु पत्र. कमर बान्धने का वस्त्र. a cloth used to tie the waist. वेद्य० ५, ३१;

आकुंचित. त्रि० (आकुञ्चित) संक्षेपेक्ष. संकुचित; संकोचा हुआ. Contracted. नाया० १;

आकुट. त्रि० (आकुट) ज्ञेने आहंश भरेक्ष पयन संभक्षायय भां आवे ते. जिते कर्कश वचन सुनाये जावें वह. (One) who is upbraided, reproached. आया० १, ६, २, १८३;

आकुल. त्रि० (आकुल) ज्ञेमे " आउल " शब्द. देखो " आउल " शब्द. Vide " आउल " सू० १, १, १, २६;

आकूल. न० (आकूल) अभिप्रेत वस्तु. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. Desired object. बिशे० २१४५;

आकूल्य. पुं० (आकूल) अभिप्रेत; आशय. अभिप्राय; मन्त्रा. Opinion; intended

meaning. (२) न० अभिप्रेत-प्रतिष्ठित वस्तु. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. a desired thing. बिशे० ६२८;

✓ **आ-कृता.** धा० I, II. (आ+कृता) कहेतुं; कथन कर्तुं. कहना; कथन करना. To tell; to narrate.

आचवेह. भग० ८, २; १६, ६;

आचवेज. वि० भग० ६, ३१;

आचवितप. नाया० १;

आचवेत्तप. नाया० ८; भग० ९, ३३;

आचवेत्ता. ठा० ३, १;

आचवेमाय. नाया० ५; ८; ओव० ३८;

आहिजह. क० वा० सू० २, १, २०;

आहिज्जनि. क० वा० भग० १६, ३; कप्प० ५, १०३;

आचविज्जान्ति. क० वा० नंदी० ४५; सम० प० १००;

आक्खेवण. न० (आक्खेण) आक्षेप करणे ते. आक्षेप करना. Blaming for a fault; charging with a fault नाया० ७;

✓ **आखोड.** धा० I (आ + खड्) कहेतुं; टंन वडे कटका कटका करवा. दातोंसे टुकड़ २ करना. To tear into pieces by means of teeth.

आखोडंति. नाया० ४;

आगाह. क्री० (आगति) आभमन; परभवभांथी आ भवभां आयतुं ते. आगमन; परभवसे इस भव में आना. Coming; coming to this birth from the previous birth भग० ६, ३; आया० १, ३, ३, ११६; जं० प० २, ३१; वव० ६, २०; राय० २६३; कप्प० ५, १२०; प्रव० ४४; पंचा० २, २५; (२) उत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. " एगा आगाह " ठा० १;

—गह. क्री० (-गति) आयतुं ज्ञेतुं ते; भव-नाभमन; अत्यागति. आना जाना; गमनागमन.

coming and going; passing and re-passing. पंचा० २, २५; —गइवि-
खण्ड. न० (गतिविज्ञान) इत्यर्थे आये ने
कां जनुं तो निश्चय करवे. ते भूत भविष्य के
जन्म का निर्णय करना. knowledge of
the past and the future births
etc; knowledge of whence
and whither. “आगइगइविखण्ड
इमस्स तइ पुत्त पाएय ” पंचा० २, २५;
—गइवित्राय. नि० (गतिविज्ञान)
आवरा जयथी, दावरा अत्रायथी एवरूपे
जलुयेवः तइ भंथी जयामां अने जयामां-
थी तइ भं जय आव इया थी एव
इये जलुयेव तत्रएव—भेदिय आदि
एव. आव.गमन रूप क्रिया से जावत्क का बाध
होना; जइ कि किसा के हलन चलन या आन
जाने त यह जानना कि इय में जाव ह.
known to be living by to and
fro motion; e. g. a tiny insect
etc. दस० ४;

आगइत्ति. न० (अकृतिमात्र) अकार
भ त. आकार मात्र. Only the shape.
विवा० १;

आगंतगार. न० (* आगन्तगार—आगन्तु-
गृह) भुवइ-कापडि वगेरेने उतरवानुं स्थान.
अभ्यागार आदि क उतरन का स्थान; सराय;
धर्मशाला. आतिथि शाला. Caravansary;
a house for travellers. “आगंतगारे
अत्रामगारे समणे उभातेय उवेतिवासं ”
सू० २, ६, १५;

आगन्तव्य. न० (आगन्तव्य) आवनुं. आना.
Coming. सु० च० १, १५३;

आगंतु. त्रि० (आगन्तु) आवना. आने
वाला. (One) who comes; a comer.
“अगंतरो महत्तमं” सू० १, २, १, १६;
१, २, १, ६; १, ११, ३१;

आगंतार. पुं० न० (आगन्तगार) आगन्तु-
गृह इति ने उतरवाना धर्मशाला. धर्मशाला;
सराय. A house for travellers; a
caravansary. आया० २, १, ८, ४४;
निसी० ३, १;

आगंतु. त्रि० (आगन्तु) अतिथि; भुसइर.
आनेवाला; मुसाफिर. A traveller;
a guest. सू० १, १, ३, १; २,
२, ८१; कप० २, ८७; —छेय. पुं०
(-छेद) भविष्यमां प्राप्त थवानुं होय
तेनुं तइ वर वगेरेथी भेदन करवुं ते.
भाव्य में प्राप्त होने वाले का तलवार आदि
से भेदन करना. destruction of
that which is to come; e. g.
with a sword etc. सू० २, २, ८१;
—येय. पुं० (-भेद) भविष्यमां प्राप्त थवानुं
होय तेनुं आत्मा वगेरेथी भेदन करवुं ते.
भविष्यमें आनेवाले का माला वगैरह
से भेदन करना. piercing e. g. with
a lance etc. of that which is
to come or to be encountered
in the future. सू० २, २, ८१;

आगंतुग. त्रि० (आगन्तुक) अतिथि; भुसइर-
कापी वगेरे. अतिथि; मुसाफिर. (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc. कोष० नि० २१६; (२) आववाने
उपसर्ग. भावा उपसर्ग—भय. the future
trouble. “आगंतुगोय पीकाकरो य जो
यो उवसग्गो ” पंचा० १६, ८१ सू० नि०
१, ३, १, ४३;

आगंतुय. त्रि० (आगन्तुक) भुयो उपसर्ग
शब्द. देखो “आगंतुग ” शब्द. Vide,
“आगंतुग ” कोष० नि० २१६;

✓ आगन्तु. धा० I (आगन्तु) अ वनुं;
आनी पोयवुं. आना; आ पहुंचना. To
come; to arrive.

आगच्छद्. नाया० ३; १५; १६; भग० १,
६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३;

आगच्छन्ति. नाया० ८; भग० १, ८;
आगच्छन्ता. वि० अखुजो० १३४; भग० ६,
५; १३, ६; वेय० ५, १०; जं० प०
२, १६; ओव० १२;

आगच्छे. वि० दसा० ७, १; क० गं० २, ८;
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६;
आगच्छिस्सह. भ० उवा० ७, १८८;
आगच्छित्प. हे० सं० क० राय० २४८; भग०
१८, ७; ठा० ३, ३;

आगच्छमाय. व० क० भग० १२, ६;

आगोत. स्त्री० (आकृति) अकृति. आकृति;
आकार; प्रकार. Form; appearance.
विवा० १;

आगति. स्त्री० (आगति) लुप्ता " आगइ "
शब्द. देखो " आगइ " शब्द. Vide
" आगइ ". ठा० १, १;

✓ आगच्छ. धा० II. (आ + गम्) भेदवृत्तु;
प. भुजु. प्राप्त करना; पाना. To gain.
(२) लुजु. जानना. to know. (३)
आवजु. आना. to arrive at.

आगमं. विवा० ६;

आगम्युं. सं० क० राय० २४५;

आगम्य. सं० क० आया० १, ६; १, ३;
भग० १, ८; जं० प० ५, १२०;
नाया० १४;

आगमिता. सं० क० ओव० २२; उत्त० १,
२२; १४, ३; दसा० ७, १; सूय०
२, ७, ३६; आया० १, ५, १, १४४;

आगम्युं. हे० क० सूय० १, १, २, ३१;

आगमित्प. हे० क० भग० १६, ५;

आगमिय. सं० क० क० प० ७, १३;

आगममाय. व० क० आया० १, ६, ३,
१८५; १, ७, ४, २१३;

आगम. पुं० (आगम) आगम; सिद्धांत; सूत्र.
शास्त्र; सिद्धन्त; सूत्र; आगम. Scrip-
ture; principle; motto. भग० ५,
४; अखुजो० ४२; परह० २, २; ठा० ४,
३; दसा० ६, १; (२) आगम प्रमाण;
आप्त वक्ष्यतीं थतुं ज्ञान. आगम प्रमाण;
आप्तवाक्य से होने वाला ज्ञान. authority
of Sūtra. अखुजो० १४७; विशेष० ४७०;
१५५२; (३) आगम व्यवहार. आगम
व्यवहार. terms of scripture. ठा०
५, २; (४) आकाश. आकाश. the
sky. भग० २०, २; (५) आगमन; आवजुं
ते आना. arrival; coming. दसा० ७,
११; (६) (आ-अभिविधिना मर्यादया वा
गम्यन्ते परिच्छेद्यन्तेऽर्थाः येन स आगमः)
केवल मनपर्यव अने अवधि ज्ञान. केवल
मनपर्यव और अवधि ज्ञान. the three
kinds of knowledge viz Kevala
Manaparyaya & Avadhijñāna.
भग० ८, ८; वव० १० ३; पंचा० ६, १;
(७) नवमां पूर्वाधी व्याहृति सुधी. नौवें
पूर्वसे चौदहवें पूर्व तक. the Pūrvas
from the 9th to the 14th Pūrv-
va. क० प० ७, १८; —पह. पुं० (-पह)
लाभ भाग. लाभका मार्ग. a benefi-
cial or profitable path. ठा० ५;
—बलिय. पुं० (-बलिक) आगम
ज्ञानमां अलवान; केवलीप्रभृति. आगम ज्ञान
में बलवान; केवली प्रभृति. (one)
strong in the knowledge of
the Śāstras, e. g. Kevali etc.
" आगम बलिया समखा खिगंथा " भग०
८, ८; वव० १०, ३; —बहुमाण. पुं०
(-बहुमान) शास्त्रांजुं अलुमान करतुं ते.
शास्त्र का अधिक मान. paying high
reverence to scriptures. प्रव०

३२१; —व्यवहार. पुं० (—व्यवहार) नव-
पूर्वधी येहपूर्वसुधी गणनार तथा केवली-
नो व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि.
नो पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा
केवली का व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि.
the Vyavahāra i. e. the work
of a Kevāli as also of one who
knows the Pūrvas from the 9th
to the 14th Pūrv ० g. admini-
stering expiation etc. प्रव० ८६१;
—व्यवहारि. पुं० (—व्यवहारिन्) प्रत्यक्ष
ज्ञानी; नवपूर्वी उपरान्त केवली सुधी. प्रत्यक्ष
ज्ञानी; नवपूर्व के ज्ञानी से लगाकर केवल
ज्ञानी तक. (one) having direct
visual knowledge; any one from
one knowing nine Pūrvas to a
Kevāli. जीवा० ३; —सत्य. न०
(—शास्त्र) आगम शास्त्र; श्रुतज्ञान. आगम
शास्त्र; श्रुतज्ञान scripture; Sūtra.
“सागमसत्यग्राह्यं जं बुद्धिं गुणैर्हि ऋद्वैर्हि
विद्विहं” नदी० —सुद्ध. त्रि० (—शुद्ध)
आगम सूत्र अनुसार निर्दोष—शुद्ध. आगम के
अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as
judged by the code of Sūtras.
“धेवेविहिमागमसुद्धं सपरिसिमसुग्गह द्वाए”
पंचा० ६, १;

आगमत्रो. अ० (आगमत्रः) अ० अम शास्त्रने
आश्रिते; सूत्रने अवर्तमाने. शास्त्र का आश्रय
लेकर. Abiding by the principles
of scriptures; with the autho-
rity of scriptures. अणुजो० १२;
विशे० २६;

आगमण. न० (आगमन) अ० गमनः अ० वजुं
ते. आगमन; आना. Arrival; coming.
भग० ६, ३३; ११, ११; १३, ४; नाया०
३; १६; अण्व० २६; राव० ६; सि० नि०

८१; वेय० १, ३६; उवा० १, ४८; पंचा० १,
१६; —गह्य विणिच्छुय. त्रि० (—गृहांत
विनिश्चय) आत्यने निश्चय करेव. आने
का निश्चय किं हुआ. one determin-
ed to come. भग० ६, ३३; —गिह. न०
(—गृह पथिकादीनामागमनेनोपेतं तदर्थं
वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशाला; मुसाइर-
प्यानु. घमेशाला; सराय. a house for
travellers to lodge. “अगमणागहं-
सिवा” वेय० २, १०; —पह. न० (—पथ)
आत्यनेना मार्ग. आने का मार्ग; रास्ता.
a way to come in. निसी० ४, ३०;
—पप्रायण. न० (—प्रयोजन) आत्यानुं
प्रयेवत. आने का प्रयोजन. cause of
arrival. विवा० १, ६;

आगमण.गमण.विभक्ति. न. (आगमना-
गमन विभक्ति) गेमां यंद आदिनुं आगमन
गमन दर्शावत मां आ. वे तेनुं गमंश प्रकारना
नाटकमां आनमुं नाटक. चंद्र आदिका आवा-
गमन प्रकट करने वाला ब्रह्मास प्रकट के नाटकों
मसे सातवाँ नाटक the seventh of the
32 kinds of drama exhibiting
the appearance and disappear-
ance of the moon “आगमणाग य-
पविभानि खामं दिव्यं णट्टं विहिं उवदंसेति”
राय० ६२;

आगमिस्स. त्रि० (आगमिस्सत्) अविष्यमां
थनार; आनुं. भविष्य म होने वाला.
Future. सूय० १, ८, २१; २, २, २३;
आउ० २८; दसा० ६, १; १०, ३; नाया०
१६; आया० १, ४, १, १२६; जं० प० २,
३६; —निमित्त. न० (—निमित्त) अविष्य-
नुं निमित्त. भविष्य का निमित्त. a sign
or omen of the future. निसी०
१३, १४; जं० प० २, ३६;

आगमेखि. (आगमिस्सत्) अविष्यमां थवानुं;

भविष्य में होनेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१; ओव० ३४; —भद्. त्रि० (—भद्) ओ३ भव करी जेने मोक्ष ज्यनुं छे ते. एक भव कर जिस मोक्ष जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth. सम० ८००; (२) भविष्यनुं भविष्य का कल्याण. future welfare जं० प० २, ३१; “ समस्तस्य यं भगवन्ना महाविरस्तमद्द स्वयमुत्तरोववाहय खं गद् कल्लाखाणं जाव आगमसि भद्दालु उवो सेया ” कण० ६.

आगमिस्त. त्रि० (आ० भविष्यत्) आवतो ३३; भविष्यनुं. भविष्य काल; भविष्यका. The future (time); future; belonging to the future. अंत० ५, १; भग० २०, ८;

आगत्य. त्रि० (आगत) आवेत्; प्राप्त थयेक्ष. आया हुआ; प्राप्त. Come; obtained. उवा० १, ६६; ८६; २, ११३; ११४; ११८; नाया० १; ८; १६; १८; नि० नि० १६८; सम० ११; ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५, ६; १०, ३४; भग० १, ७; २, १; ३, १, २; ५, ४; ६, ३३ १६, ५; १८, २; दसा० ६, १५; दस० ५, १. ८८; राय० २३२; आया० १, १, १, २; —गंध. त्रि० (—गंध) जेभां सुगन्ध उत्पन्न थयेछ छे ते. जिसमें सुगन्ध उत्पन्न हुई है वह. (that) in which fragrance is born. नाया० ७; —पण्य. त्रि० (—प्रज्ञ-आगता उत्तमा प्रज्ञा यस्या भावगत प्रज्ञः) जेने प्रज्ञा उत्पन्न थय छे ते; अ गत युष्टि तसे. जिसमें प्रज्ञा उत्पन्न हुई है वह; बुद्धवाला. wise; omniscious. “ अग्रिम समितीसु गुणीसु आगत्य पबधे ” सूय० १, १४, ५; —पण्यया. कं० (—प्रज्ञवा-आगतः प्रज्ञावो वस्याः आ)

जेने पुत्र रोहथी पानो यथो छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बहजाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. “तएवं सा देवायंदा माहर्ष्या अ गय परहया” भय० १, ३३; —समय. त्रि० (—समय) नष्टिकभां जेने अवतर आवेछ छे ते. जिसका समय पास आया हां वह. (that) for which the time is ripe. नाया० ६; आगर. पुं० (आकर) से जुं रुपुं पड़ेनेनी आल. सोने, चांदी की खदान. A mine (of gold, silver etc). जं० प० ३, ५२; जं० प० ठा० २, ४, भग० १, १; ७, ६; नाया. १; ८; १४; १६; राय० २७३; जीवा० ३, १. ओव० नि० भा० ८; ओव० ३२; उत्त० ३०, १६; सम० ३. वेय० १, ७; चांदी० ४७; आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उवा० १, २०; १०८; (२) भीतना आगर. नमक का खदान, a salt-pit; a field from which salt is obtained. आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उत्त० ३०, १६; ओव० ४, ३२;

आगमिअ-य. त्रि० (आकर्मिक) आगमो यथी. खदान का मालिक. An owner of a mine. ओव० नि० भा० ६;

आगरित. पुं० (आकर्ष) आकर्षण; आकर्षण ते. आकर्षण; खींचना. Attraction. प्रव० २८; पञ० ६; (२) इरीथी भइलु ३२नुं ते. फिर से प्रहण करना. re-acceptance. प्रव० ८४३; विरो० १४८; (३) तेरी रीत । (अयवान) प्रयत्नथी करि दूखेनुं भइलु ३२नुं ते कर्म-पुत्रातां का आकर्षण करना. attracting Karma atoms. सम० पञ० ६; (४) आति; आरंभनी आति प्राप्ति; आरंभ

की प्राप्ति. gain; gaining of right-conduct. “ पुत्रागस्त्यं मते एग अय-गहृष्टिया केवईया आगरिसा पय्यता ” भग० २५. ६;

आगाढ. त्रि० (आगाढ) कर्कशः कटुः; आकट्ठ. काठन; कठोर. Harsh; hard. गिरी० १०. १, २, ३; १३, ११; (२) गाढु कटुः; प्रमत्त कटुः. बलवान कारण. powerful cause; cogent reason. गच्छा० ११६; (३) अति अशक्त. अत्यंत असक्त. very weak. ओष० नि० ७८;

आगाढ जोग. पुं० (आगाढ जोग) गल्लिये. ग आचार्य ये ग गहन करुं ते. गांध्यान; जिसे आचार्य बहन करता है. Head preceptorship. ओष० नि० ५४८;

आगामि. त्रि० (आगामिन्) भविष्यभां भव-नार; प्र. भवयानुं. भविष्य में प्राप्त होने वाला. Coming; future. डा० २, ४; —पह. पुं० (-पथ) भविष्यभां भवयानी परतुने भाग. भविष्य में मिलनेवाला वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future. डा० २, ४;

आगामिय. त्रि० (आगामिक) ग्राम-शुद्ध परतुं. ग्राम रहित. Devoid of a city or a village. अश्वेगहृया शिगंथा व शिगंथीशोय एगमहं आग.भियं इंद्राबायं शीहमहं मणुपरिबुद्धा. ” नाया० १८;

आगार. पुं० (आकार) आकृति; संहात्य. आकृति; संस्थान. Configuration; form. “ सिगारागार कारुवेसाए ” राय० भग० ५, ४; पञ्च० १७; नाया० १; २; विशेष० २६; गच्छा० १२१; प्रब० १४६६; पंचा० ५, ४; उवा० १, १२; (२) आकार; सिद्ध; देहेरे. आकार; हरंग. face; appear-ance; form. पञ्च० ३०; (३) भेद; प्रकार;

तरेह. भेद; प्रकार. kind; variety. पञ्च० १३; २१; (४) स्वरूप; विशेष लक्षण. स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape or form; special quality. “ आ-गारो उ बिसेसो ” जीवा० (५) (अ क्रियते आकल्पयतेऽभ्येतं मंगविकल्पितं वस्तुमेने-त्याकारः) आद्य भेद; आंतरिक अभिप्राय सूचक आंभ, भुग, हात पगेरेनी भेदा. आंतरिक अभिप्रायसूचक बाद्य चेष्टा. move-ments of eye etc, indicative of inward mind. उवा० १, २; विशेष० २१२६; (६) कठिंसज्जना अपवाद-छुट. कायात्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kausaggga. “ एव भाइएई आगारेई अभमगो अबिराहियो ” आव० १, ३; (७) पञ्चआधुना अपवाद छुट; पञ्चआधुभां भुकेल आगार. पञ्चआधु का अपवाद. exception to the rules of Panchabhāna. प्रब० ६५; —अभावओ. अ० (-अभावतस्) आकारना अभावा. आकार के अभाव से. due to the absence of shape. विशेष० ६५; —दरिस्त. न० (-दर्शन) आकारनुं देआनुं ते. आकार का दृश्य. sight of a form or shape. विशेष० ६६; —भाव पुं० (-भाव-आकारस्या कृतेर्भावाः पर्यायाआकार भावाः) अकृतिरूप पर्याय; परतुं २१२५ विशेष. आकृतिरूप पर्याय; वस्तुका स्वरूप विराव. a particular modi-fication of the shape of a thing. भग० ७, ६; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रसावतार आकारस्य आकृतेर्भावाः पर्यायास्तेषां प्रववतारोऽवतारस्यभाविभाव आकारभाव प्रसावतारः) आकारना पर्यायनो आविर्भाव करेवा. वे; आकृतिरूप

पर्यायानु अवतरत्य हेतु ते; परतुनु स्वरूप
विशेषः। आकार का पर्यायका आविर्भाव करना;
वस्तु का स्वरूप विशेषः manifesting
or showing the particular
modification of the shape of
a thing. “ किमागार भाव पडोयाराणं
अंते दिवासमुदापण्यता ” जीम० नाया० ८;
भग० ६, ७; ७, ६; —विगार, पुं० (-वि-
कार) आकृति-वेदना उपर यथेक्ष विकार-
रूपाधिकार्य इन्द्रियः। मुखर होनेवाला
विकार; कोशदित्रन्य केरफार. a change
on the countenance (produced
by anger etc.) “ गह्विभ्रममाहृष्टि
आगार विगारं तद्द पशंसति ” गच्छा० १२१:
—आगार. पुं० (-आगार) घर; स्थान.
घर; जगह. a house; an abode.
राय० ११३; सूय० १, १, १, १६; नाया०
१; पञ्च० २०; भग० २, १; ६, ३१; दसा०
८, १; आव० १, ५; जं० प० २, ३०;
—आवास. पुं० (-आवास) गृह-
स्थावास; घरसंसारमां लपटाई रहनुं
ते गृहस्थ वास, घर आदी में आसक्त होना
absorption in worldly or
household matters. नाया० ८;
—चरित्रधर्म पुं० (-चरित्रधर्म-
आगारं गृहं तथैव दानाया गृहेष्वेव
चरित्रधर्मस्त्वया) चरित्र धर्मने. ऐक भेद
भेदः अभक्ति पूज आदयः गृहस्थने
चरित्र धर्म. चरित्र धर्म का एक भेद;
सम्पत्त पूर्वक बारह मत का गृहस्थ का
चरित्र. धर्म. a variety of the
rules of right conduct; a house-
holder's duties in connection
with right-conduct consisting
in twelve vows accompanied
with right faith. ठा० ४;

—धर्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थधर्म.
गृहस्थ धर्म. the duty of a house-
holder. भग० १६, ६; —वास. पुं०
(-वास) गृहवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थाश्रम.
the stage or condition of life
of a householder. “ सेषो आगारवा.
सोति ” उता० २, २६; जं० प० ३, ७०;
नाया० ४० —विषय. पुं० (-विनय)
गृहस्थने। विनयरूप धर्म; गृहस्थधर्म.
गृहस्थ का विनयरूप धर्म. the duty of
reverence on the part of a
householder. नाया० ५;
आगारमय. त्रि० (आकारमय) आकृतिमय;
आकृतिरूप आकृतित्व. Having a
form or shape. विशेष० ६४;
आगारि. पुं० (आगारिन्) गृहस्थ. गृहस्थ.
A householder; a layman. पि०
नि० २७०;
आगाल. पुं० (आगास) कर्मनी पीछ
स्थितिमाथी कर्मन दक्षिणने उदीरणा प्रयोगे
मैथाने उदयमां न. अत्र ते; उदीरणां अनु अपर-
न. भ. कर्म की दूसरी स्थिति मेंसे कर्म के बाजों
को उदीरणा के द्वारा खींचकर उदय में लाना;
उदीरणा का नामान्तर. Forcing up into
maturity Karma which is yet
in the 2nd stage; this is also
called Udiranā. क० प० ५, १०;
आगास पुं० न० (आकाश-सर्वभावावकाश-
नादाकाशम्) आकाश; लोकाशेक व्यापी
अनंत प्रदेशत्मक छ द्रव्यभानुं ऐक अभूत
द्रव्य; धर्मस्तिताय अदि पांच द्रव्यना
आधारभूत द्रव्य. आकाश; लोकालोक व्याप्त
अनंत प्रदेशात्मक छ द्रव्यों में का एक अनूत
द्रव्य; धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्योंका आधार-
भूत द्रव्य. The sky; one of the
six substances pervading the

loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पञ्च० १; अणुजो० १०३; ठा० २, १; ओव० १०; सू० प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०; १, ६; २०, २; सूय० १, १, १, ७; उल० ६, ४८; २६, ७; ३६, २; ६; उवा० २, १३८; १४०; १५१; भल० ६१; जं० प० ३, ५६; —अतिवाद. पुं० (—अतिवानिन्—आकाशं व्योमात्पतन्तस-निक्रमान्त ते तथा) आकाशभां उडि आकाश-मिथी सुवर्णं वृष्टि आदि कृती दिव्य प्रभाव दर्शयति२. आकाश में उड़कर, आकाश में सुवर्ण वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला. (one) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. “अप्पेगइया...चारणा विज्जाहारा आगाम्माति वाइणो” ओव० १६; —गय. त्रि० (—गत) आकाशवर्ति; आकाश-सभां अधर रहुनुं. आकाशवर्ति; आकाश में अधर रहा हुआ. hanging in the sky. “आगाम्मगयं चकं. आगाम्मगयं वृत्तं” गम० ३६; (२) अनिडिनुं; आकाशतल स्पर्शी. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शी. sky-kissing; very lofty. भग० ६, ३३; १६, ५; —गामि. त्रि० (—गामिन) आकाशभां उत्तार प्राणी; पक्षी वगैरे. आकाश में उड़ने-वाला प्राणी. a bird etc. “आवास-गामिणो पाणापाणे किलेसंति” आया० १, ६, १, १७७; —तल. न० (—तल) आकाशनुं तलीयुं; आकाश का तल. the bottom of the sky. नाया० १४; (२) गगन्तल स्पर्शी—अर्था भेद. गगन-स्पर्शी-बहुत उंचा महल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा० ३, ३; नाया० १४; v. n/4.

—तलग. न० (—तलक) अगासी: उडिआ. मंगळा. a terrace. नाया० १६; विवा० ६; —धिगगल. न. (—धिगगल) शरदःकृतं स्वच्छ आकाश; पक्षीय छुटुं थनुं आकाशमें उड़ने अनि श्याम देआय छे, धिगगल रूप आकाश. शरदःकृत का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. “आगाम्म धिगगले एंभंते! कियणा फुडे कइहिवा काण्णि फुडे” पञ्च० १५; —पइट्टिय. त्रि० (—प्रति-ट्टिन) आकाशने अवलंबने रहित. आकाश का अवलंबन कर रहने वाला; आकाशावलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; “आगाम्म पइट्टिय वाण्” भग० १, १; —पंचम. पुं० (—पञ्चम) आकाश जेभां पांचमं छे ते-पांच महा भूत पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु अने आकाश. जिसमें आकाश पंचम है वह पंच महाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश). the five elements of which other is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). “पुढवी आउ वाउ नेऊका. आगाम्मपंचमा” सूय० १, १, १, ७; —पय. न० (—पद) दृष्टिवादांतगत सिद्धश्रेणि परिकर्मेता आस्था भेद. वाचवाद के अन्तर्गत सिद्धश्रेणि पांच-कर्म का चौथा भेद. the fourth part of Siddha Śreṇi Parikarma in Dristivāda. सम० १२; —प्पणस. पुं० (—प्रदेश) आकाशने अविवर्धन्य अंश. आकाश का अविभाज्य अंश. an indivisible part of the sky. भग० २५, ४; विशेष० ४८६; —फलिससरिस. त्रि० (—स्फटिक सदृश) अत्यन्त स्वच्छ; स्फटिक तुल्य. clear and trans-

parent like crystal. ओव०

—फलिया मय. त्रि० (—स्फटिकमय) अति-

स्वच्छः स्फटिकमय. अतिस्वच्छः स्फटिक मय.

very clear; crystal-like. “आगास

फलियामयं सपायपादं सीहासणं” सम० राय०

—फलिह. पु० (—स्फटिक-आकाशमिव

यद्व्यंतमच्छं स्फटिकमकाशस्फटिकम्) अति

स्वच्छ स्फटिक; निर्मल स्फटिक. अत्यंत

स्वच्छ स्फटिक. very clear crystal.

“आगास फलिहामणु सपायपादं सीहा-

सणेण” जं० प०

आगासग. त्रि० (आकाशक) प्रकाशक.
प्रकाश करनेवाला. (That) which gives
light. सम०

आगासन्धिकाय. पु० (आकाशास्तिकाय-

अस्तयः प्रदेशः तेषां कावः समूहः अस्ति-

कायः) दशैकं वस्तुने अवकाश आपनार

द्रव्य; ७ द्रव्यभानु नीलं द्रव्य. प्रत्येक वस्तु

को अवकाश देनेवाला द्रव्य; छः द्रव्यों में का

तामरा द्रव्य. A substance in which

all things exist or reside; the

third of the six substances.

“आगासन्धिकायस्य षु पुच्छा गोयमा अणेगा

अभिवयणा” उत्त० २. २०; अणुजो० ६६,

१३१; सम० ६; राय० २७०; भग० २,

१०; ७, १०; २०, २;

आगास फलि ओवमा. स्त्री० (आकाश

स्फटिकोपमा) आकाश अने स्फटिकना जैसी

निर्मल अथ जतनी मीठा रस वाली आद्य

वस्तु. आकाश और स्फटिकके समान निर्मल

ऐसी मीठ रस वाली एक प्रकारकी खाद्य वस्तु.

A substance as pure and trans-

parent as crystal used as food-

stuff. पञ्च० १७; जं० प० २, २२;

आगासिउं. हे० कृ० अ० (आकृष्टम्) आक-

र्षण करने; अभीष्ट करने.

पास लाकर. Having drawn near;

having attracted. विशेष० २२२;

आगासिय. त्रि० (आकर्षित) आकर्षण करने;

उपार्जन. आकर्षित; आकर्षण किया हुआ.

Attracted; drawn; lifted up. ओव०

आगासिय. त्रि० (आकाशित — आकाश-

मन्थर मितः प्रातः) आकाशवर्ति; आकाशमें

रहेका. आकाशवर्ति. Situated in the

sky. “आगासियाहि मेय चामराहि” ओव०

आगाहइत्ता. सं० कृ० अ० (आगाह)

अवगाहीने. अवगाहन करके. Having

entered; having resorted to.

“आगाहइत्ता चलइत्ता” द्रव्य० १, १, ३१;

आगिइ. पु० (आकृति) आकृति; आकार;

संज्ञा. आकार; संस्थान. Form; con-

figuration; shape. विशेष० २०६२;

७०७; नाया० १; क० गं० १, ६१; —तिग

न० (—त्रिक) आकृति संज्ञा ६ संधाय

७ अने जति पांच, अनामनी १७ प्रकृतिना

समुदाय. आकृति संस्थान ६ संहनन ६ अण

पांच जाति दस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों

का समुदाय. the collection of the

17 Prakritis made up of six

Samsthānas, six Saṅghayanas

and five Jatis. क० गं० १, ६;

आगिति. स्त्री० (आकृति) अथवा “आगिइ”

शब्द. देखो “आगिइ” शब्द. Vide

“आगिइ” जावा० ३, ४; राय० १८८;

✓ **आगिल.** धा० I. (आ + कल् = जि)

जितुं; जयप्राप्तुं. जीतना; जय प्राप्त करना.

To conquer; to get victory.

आगिलंति. भग० ३, २;

✓ **आ-ग्या.** धा० I. (आ + घ्रा) सुगंध लेनी;

सुगंधुं; वास लेनी. सुगंध लेना; सुघना;

To smell; to scent.

आग्यायइ. श० २, २;

आध्यायह. नाया० १;

आध्यायमाण. व० कृ० नाया० ८;

आधे. त्रि० (आख्यातवत्) इति नारः इथन
इति नारः आख्यात इति नारः कहनेवाला;
आख्यान करने वाला. (One) who
tells or lectures or preaches.
सूय० १. १०; १; — अश्मयण. न०
(आख्यातवद्ध्ययन) अथयणं अथयति अथयति
श्रुतवद्ध्ययन १० मां समाधि अध्ययनं
अपर नाम. सूत्रकृतांग के पहले श्रुतस्कंध के
१० वें समाधि अध्ययन का दूसरा नाम.
another name of the 10th
Samadhi chapter of the first
Śrutas-kandha of the Sitya-
dānga Sūtra. सूय० नि० १, १०, १०३;

आधेस. त्रि० (आधेस) पानी आधे घसेनि
पीया योग्य आपधि पाने. पाना के साथ
घिसकर पीने योग्य औषधि वंगरह. Medi-
cine which can be taken after
it has been rubbed with water
on a hard substance. पि० नि० ५०२;

आधेसित्ता. त्रि० कृ० अ. (आवृण्य) घसेनि.
घिसकर. Having rubbed. आया०
२, ५, १, १४६;

आधेवदितार. त्रि० (आख्यात)
आख्यात इति नारः इथा इति नारः आख्यान
करने वाला; कथा वाचक. (One) who
relates or describes; narrator.
या० ४, ४;

आधेवण. न० (आख्यान) आख्यात;
सामान्य इथन. व्याख्यान; सामान्य कथन
Telling; lecturing. नाया० १, १८;

आधेवण. त्रि० (आख्यान) आख्यात;
सामान्य इथन. आख्यान; व्याख्यान. Tell-
ing; lecturing; “ बहुहि आधेवण-
द्वि ” उवा० २. १११; भग० ६, २२;

आधेविय. त्रि० (आख्यात) इति नारः कहाहुआ.

Told; related. “ भगवया महावीरेण
आधेविय ” उक्त० २६, ७४; पगह० २, १;
(२) स्वीकृत. स्वीकृत. accepted.
अणुजो० १५;

✓ आधेस. धा० II. (आ + घृण) आधे
घसेनि आधे घमना. To rub slightly.
आधेसज. वि० निमा० ३, ५;

आधेस—य. पुं० (आघात—आहन्यन्ते
अपनयन्ति विनाशयेते प्राणिनां दश प्रकारा
अपि प्राणायस्मिन् स आघातः) भयः
भयः मरण मृत्यु. Death. निमा० १२,
२५; दस० ६, ३५; सूय० १. ६, ४;
—मंडल. न० (—मण्डल) पधेस्थान—
भेदित. वधस्थानः हत्यागृह; वृचइ स्थान.
a slaughter-house; a place of
killing. नाया० ८;

आघात. त्रि० (आख्यात) इति नारः कहाहुआ.
Told; related. सूय० १, ४, १, ११; १,
१३, २;

आघाय. त्रि० (आख्यात) इति नारः “ आघात ”
शब्द देखा “ आघात ” शब्द. Vide
“ आघात ” सूय० १, १, २, १;

आघायण. न० (आघात) पधेस्थानः इति
देखनी गथा. वधस्थानः फाँसी देने की जगह.
A place of killing; a place where
men are hanged. निमा० १२, २५;

आघायय. व० कृ० त्रि० (आघातयत)
विनाश इति नारः आघात इति नारः विनाश करताहुआ;
घात करता हुआ. Killing; destroying.
“ आघायय समुत्थं ” उक्त० ५, ३२;

✓ आचर. धा० I. (आ + चर्) आचरेयुः
अनुष्ठान इति नारः आचरण करना; अनुष्ठान
करना. To practise; to perform.
आचरति. दस० ६, १६;

आचरति. दे० कृ० सू० न० १, २८५;

आयस्तिष्ण. हे० क० नाया० १४;
आयरंत. व० क० उत्त० १, ४२; प्र० १२१;
आयरमाण. व० क० दमा० ६, १; बिशे०
३१६०;

आचरण. न० (आचरण) आचार; अनुष्ठान.
आचार. Practice; performance;
conduct. प्रव० २७७;

आचारमात्रो. अ० (आचरमात्) छेद
पर्यन्त. छोर तक Up to the end;
till the end. क० प० ५, ११;

आचिमाण. त्रि० (आचरण) आचरेत्;
आचरेत् इति. आचरण किया हुआ.
Practised; observed. राय० ३३;

आचेलक. त्रि० (आचेलक्य न विद्यते चेलं
यत्नं यस्य सज्जेलकमन्त्य भाव आचेल-
क्यम्) परिमाण उपरान्त पत्र न राखता ते;
पदेता अने छेदता तीर्थकरना साधुआने
न २ अधिका ओड मर्यादा. परिमाण से अधिक
पत्र न रखता; पढ़ेंगे और अंतिम तीर्थकर के
साधुओं के विवेक नियत की हुई एक मर्यादा.
Having no garments beyond
the prescribed limit; a fixed
limit in the matter of garments
of the Sādhus of the 1st and
last Tirthankaras. " आचेलको
धम्भो पुरिस्साव पच्छिमस्सय जिणस्सं "
पंचा० १७, ६;

आचेलुक्क न० (आचेलक्य) पदेता अने
छेदता तीर्थकरना साधुआने इति; भाव-
परिमाण अति संदेह रोजन पर आदर मूल्य-
यत्न पत्र धारण इत्यादि. पहिले और
अंतिम तीर्थकर के साधुओं का कवच; अन्त
मूल्य वाते परिमित बुद्धि वस्त्रों कोही धारण
करना. The religious practice (in
the matter of wearing clothes)

of the Sādhus of the first and
last Tirthankaras; viz putting
on white, scanty and cheap
garments. प्रव० ६४८;

आच्छायण न० (आच्छादन) ओछा.
आच्छादन: चादरा. A bed-cover; a
covering. आया० १, २, १, ६२. क०
४, ६५;

आच्छिद्. धा० I. (आ+च्छिद्) छेदने
इति; थोड़ा छेदने. छेदन करना: कुछ छेदना.
To cut; to cut a little.

आच्छिदेज. वि० निर्मा० ३, ३६;

आच्छिदिहिति. भग० १५, १; डा० ५;

आच्छिदिता. निर्मा० ३, ३६;

आच्छिदिय. मं० क० प्रव० १४६;

आच्छिद्रमाण. व० क० भग० ८, ३;

आच्छिदित्ता. त्रि० (आच्छेत्) फेंकना
पागल. भंग करनेवाला. (One) who
breaks up or disperses by creat-
ing alarm. सम० ३३;

आ-छुट. धा० I. II. (आ+छुट) फाँटने
इति. जल छिड़कना. To sprinkle
water.

अच्छुटोड. नाया० १८;

आजम्म. अ० (आजन्मन्) उदयी पर्यन्त.
आजन्म: जीवन पर्यन्त. Life-long.
" वाजिज तन्थ आजम्मगेत्तमा संजण सुणी "
मच्छा० ७; पंचा० १७, २८;

आजाइ. स्त्री० (आयति) आयतुं ते: प्र-
त्ययस्येति आयतुं ते: आना; पूर्वभव से आना.
Coming; arrival; coming from
the previous birth. डा० १०;

आजाइ स्त्री० (आजति-आजायन्ते तस्या-
मिन्याजाति:) जन्मयुं ते: जन्म: उत्पत्ति.
जन्म: उत्पत्ति. Birth; creation. भग०
४, ३; डा० १०; —ट्ठाण. न० (स्थान)

जन्म-व्यपत्तिनुं स्थान-संसार. जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार, the place of birth. टा. १०; (२) आचरदशासुतमे दशाश्रुत-संस्थनुं दशमे अध्ययन. दशाश्रुतस्कंध का आचरदशासुत नाम का दसवाँ अध्ययन. the 10th chapter named Ājāittthāna of Dashāśrutaskandha. टा. १०;

—दशाश्रुतस्कंध. न० (—स्थानाध्ययन) दशाश्रुतस्कंधनुं अथर नाम; आचरदशासुत-संस्थनुं १० मे अध्ययन. दशाश्रुतस्कंध का दस-मग नाम; आचरदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन. another name of Dashāśrut-Skandha; 10th chapter of Āchāradaśā Sūtra. ज० १०;

आजीव. पुं० (आजीव —आजीवनमाजीव.) आश्रयिका; वृत्ति; २. ७. आजीविका; वृत्ति; यन्त्र. Livelihood. प्रब० ११०; (२) आश्रयिका पुत्रोऽयं सत्य. आजीविका के अर्थ द्रव्य का संचय. wealth sufficient for livelihood. सूय० १, १३, १४; (३) उपाययुता १३ दोषांते येथि दोषा जतिं यमेरे वृत्ति आचरदि येथि ते उपययन के १३ दोषों में का चौथा दोष अर्थान् जाति वंगद बनाकर आहारदि लेना. the 4th out of 16 Upayayana faults; accepting food after making one's caste etc. known; the fourth of the 16 faults known as Upayayana. नि० नि० २०३; (४) गोशाला मतनुं नाम. गोशाला के मत का नाम name of the creed of Gosāla. नय० ६, १; (५) गोशाला मतोऽयं सत्य. गोशाला के मत का सत्य. an ascetic of the creed of Gosāla. नय० ४, ४; नि० नि० ४४१; प्रब० ७५;

—भय. पुं० (—भय) आश्रयिकानुं भय. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम० १; प्रब० १३३४; —वित्तिया. स्त्री० (वृत्तिता-जाति कुल गुण कर्म शिल्पा-नामाजीवनमाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद् भाव आजीव वृत्तिता) वृत्ति, द्रव्य, आदि दशासीते आधार लेना ते; उपाययुता ते येथि दोष. जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारदि लेना; उपाययुता का चौथा दोष. acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upayayana. दस० ३; ६;

आजीवग. पुं० (आजीवक) गोशाला मतनुं सत्य. गोशाला का सत्य. An ascetic of the Gosāla creed. प्रब० ७३८;

आजीवग. पुं० (आजीवग-आसमन्ताजीव-यनेनेत्याजीवोऽर्थनिचयस्तंगच्छन्त्याश्रयस्य-मावा जवगः) पैदाता भद्र. धन का सत्य. Pride of wealth. "आजीवगं वेद चउत्थमाहु मे पंडित उत्तम पागले से" सूय० १, १३, १४.

आजीवणा. स्त्री० (आजीवना) आश्रयिका. आजीविका. रत्नगार. Livelihood. नि० नि० ४३७;

आजीवि. (आजीविन्) गोशाला मतनुं सत्य; गोशाला मतनुं अनयादी. गोशाला का शिष्य; गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gosāla, a disciple of Gosāla. उपा० ६, २; (२) सत्य पितृनी मातु, पुत्र, शिष्य, दाय वगैरेण प्रसन्नोऽपि आचर ते मे; पितृकीय सत्य अपनी जाति, कुल, शिल्प तथा आदि की प्रशंसा कर आचर मागमनामा; पतंगग सत्य. an ascetic who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. प्रव० ११४.

आजीविक. पुं० (आजीविक) लुथो ३५५। शब्द. देखो “आजीवि” शब्द. Vide above. आव० ४१;

आजीविय. पुं० (आजीविक—अविवेकिलोकतो लब्धिपूजाख्यात्यादिभिःस्तपश्चरणा दीन्या-जीवतीत्याजीविकः) आशादानो साधुः आशादानो भतन्तो अनुयायी. गोशाला का साधु; गोशालाका अनुयायी. An ascetic of the creed of Gośālā. सम० २२; निरी० १३, ६३; पत्र० २०; भग० १, २; १५, १; उवा० ७, १८१; २१४;—**उपासक.** पुं० (—उपासक) आशादानो भतन्तो आवक. गोशाला के मत का आवक. a Śrāvaka of the faith of Gośālā. “तत्थ खलु इमेदुवालस आ-र्जवियोवासगो भवन्ति” भग. ८, ५;—**उवा-सय.** अ० त्रि० (—उपासक) आशादानो भतन्तो आवक. गोशाला के मत का आवक. a Śrāvaka of the faith of Gośālā. उवा० ७, १८१; १८५;—**समय.** पुं० (—समय) आशादानो सिद्धान्त; आशादानो भतन्तु शास्त्र. गोशाला का प्ररूपित किया हुआ सिद्धान्त; गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gośālā. “आ-जीविय समयसणं अयमद्वे पण्णते” भग० ८५, १५, १;—**सुत्त.** पुं० (—सूत्र) आशादानो परुपेय सूत्र. गोशाला का प्ररूपित सूत्र. a Sūtra of Gośālā's creed. सम०

आडंबर. पुं० (आडम्बर) भोटुं नगाई. बड़ा नगाड़ा. A big kettledrum. अणुजो० १२८;

✓**आडह.** धा० I. (आ + दह) आलतुं. जलाना. To burn. ‘आडहंति.’ सूय० १. ५, २, ३; “थूलं वियासं मुहे आडहंति”

आडा. स्त्री० (आडा) पाण्डुमां तरनार अंक भतन्तु पक्षी; पक्षी विशेष. पाना में तरने-वाला पक्षी; पक्षी विशेष. A kind of bird that can swim in water. पत्र० १; पराह० १, १;

आडोलिया. स्त्री० (आडोलिया) नाना आलकाने रसयानुं अंक रसकटुं. छोट बालकों के खेलनेका एक खिलौना. A toy for young children. “एवं वदन् आडोलि-याओ तंदुसण् पोत्तुलण् साडोलण्.....अव-हरति.” नाया० १८;

✓**आडोव.** धा० II. (आ + टोप) विस्तारीने भरतुं. विस्तार करके भरना. To fill by expanding.

आडोवेत्ता भग० १, ६;

आडोव. पुं० (आटोप) विस्तार. विस्तार. Expansion. नाया० १; उवा० २, १००; कण्ठ० ३, ३५;

आढअ—य. पुं० (आढक) आर प्रस्थ प्रमाणे धान्य माप विशेष. धान्य नापने का माप विशेष. A kind of measure of corn. आव० ३८; राय० २०२; प्रव० १३६५;

आढई. स्त्री० (आढकी) तुवरतुं गड. तूर का काड़. A kind of plant bearing corn called Tugar. पत्र० १;

आढग. पुं० (आढक) आर आढक प्रमाणे धान्य माप विशेष धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तंदु० ५० १४; अणुजो० १३२;

आढत्त. त्रि० (आरब्ध) आरंभितुं. आरंभ किया हुआ. Begun; con-

menced. पि० नि० ४६२; क० प० ७,
४७; भग० ६, ८; सू० च० २, ५, ७;

आढत्तं. सं० कृ० अ० (आरभ्य.) आरंभिते.
आरंभ करके. Having begun.
पृ० १७;

✓ आढा. धा० I. (आ+ढ) आदर करवाना.
आदर करना. To honour; to respect.
आढाइ ति. भग० ३, १; ६, ३३; विवा०
६; नाया० १; ५; ६; १६; १६;
राय० ७८; २२७; सूय० २७३७;
उवा० ७, २११; निर० १, १;

आढंति. नाया० २; १६; भग० ३, १;

आढायंति. नाया० १; १६; भग० ३, २;

आढाण्जा. वेथ० १, ३३;

आढाहि. नाया० १६;

आढाह. नाया० ६; भग० ३, १;

आढायमाण. व० कृ० आया० १, ७, १,
१६७; भग० ३, १;

प्राण. पुं० (प्राण) श्वासाश्वास. श्वासो-
च्छ्वास. Respiration. भग० ५, १;
सू० प० ८; (२) संख्यात आवृत्ति
प्रमाण क्षणिक ऐक्यविभाग; तन्मूर्त
भाज्यता ऐक्यविभाग प्रमाणिता क्षण.
संख्यात-संख्यायुक्त आवृत्ति प्रमाण काल
का एक विभाग; तन्मूर्त सन्तुष्ट एक श्वास-
प्रमाण काल. a division of time
equal to one breath of a healthy
man. अणुजो० ११५; —गृहण. न०
(—ग्रहण) प्राणवायु (श्वासाश्वास निःश्वास)
ने योग्य पुद्गलानु अङ्गु करतुं ते प्राणवायु
(श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्गल का ग्रहण
करना. taking in matter fit for
respiration. “ समयं प्राणग्रहणं ”
पञ्च० १;

आणञ्ज. पुं० (आनन) नयनां देवलोकां

नाम. नौवें देवलोक का नाम. Name of
the 9th Devaloka. अणुजो० १०४;

आणन्तर. त्रि० (आनन्तर-अनन्तरे भव
आनन्तरः) अन्तर नदि ते-निरन्तर अन्तर
न होना; अनन्तर-इतरेतर. Without
interval; coming after imme-
diately. आया० नि० १, १, १, २१;

आणंद. पुं० (आनन्द) आनन्द; हर्ष. आनन्द;
हर्ष; प्रमोद. Delight; joy. आया० १,
३, ३, ११७; नाया० १; २; भग० ११, ११;
उवा० २, ६१; (२) ऐक्यविभागिता त्रीश
मुहूर्तमाना १६वां मुहूर्तनाम; समवायं-
नी गणत्री प्रमाण ११ मुं मुहूर्त. एक अष्टो-
त्तरात्रिक नाम मुहूर्तनाम से १६ वें मुहूर्त का
नाम; समवायं का गिन्ती के अनुसार
११वां मुहूर्त. the name of the
16th out of 30 Muhūrtas of
one day and night; the 11th
Muhūrta according to the calcu-
lation of Samavāyaṅga. सू० प०
१०; जं० प० ७, १५२; सम० ३०; (३)
आवृत्ति आवृत्तिना छटा अत्रदेवनां नाम.
आगामी चोर्वर्ग के छट्टे बलदेवका नाम. the
name of the 6th Baladeva of
the coming Chovisi. सम० प० २४२;
(४) शीतलनाथ स्वामी पदेना गणधर.
शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर.
the first Gaṇadhara of Śītala-
nātha Svāmī. सम० प० २३३;
(५) भगवान् महावीर स्वामी अन्ते-
वासी ऐक्यशिष्य. महावीर स्वामी का समीपवर्ति
एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra
Svāmī. “समयस्स भगवन्नो महावीरस्स
अन्तेवासी आणंद नामं धरे” भग० १५, १,
(६) आणंद नामे गृह्यति के छेते धरे
भगवान् महावीर स्वामी अंग भास-

अमल्लुं पारलुं कथुं दलुं. आनंद नामक एक गृहस्थ जिसके यहाँ महावीर स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ānanda at whose house Mahāvira had broken his fast of second month. भग० १४, १: (७) गन्धमादन नामना वप्पारापर्वततो वसन्तार देव. गन्धमादन नामक वखारा पर्वत पर रहने वाला देव. a deity residing on the Gandhamādana Vakhāra mountain. जं० ५० (८) भरतक्षेत्रना आलु योवीसीना छट्ठे बलदेवका नाम. name of the 6th Baladeva of Bharata Kṣetra in the present Chovisī (i e. cycle). प्रब० १२२५; (६) वालुल नगरना निवासी आलुदलु आवक; उवासक सूत्रना दश आवक पैडी प्रथम आवक, के गेलु मदावीर खासो पासो वन आदर्या, आवकनी ११ पडिमा अंगीकार करी आवकपलामांर अवधिजान आप्त कथुं, ओक मासना संथारो कसो-विस्तार उवा० ना प्रथम अध्ययनमां के त्यांथो नेछि देवे. वार्णज नगर का एक आनंदजी नामक आवक; उपासक सूत्र में वर्णित दस आवकों में का पहिला आवक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, आवक की ११ प्रतिमा अंगीकार करके आवक अवस्थामें ही अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया; इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है. name of a Śrāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvira and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santhāro for a month. उवा० १, १०; संथार० (१०) उवासकदशा सूत्रना पडेलो अध्ययननु नाम. उपासकदशा सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम. the name of the 1st chapter of Upāsakadśa Sūtra. उवा० १, २: (११) आलुत्तरोववाइ सूत्रना ७ मां अध्ययननु नाम. अलुत्तरोववाइ सूत्र के ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of the Anuttarovavāi Sūtra. अलुत्त० ७; (१२) निरयावलिक्का सूत्रना २ वन वर्गना नयमां अध्ययननु नाम. निरयावलिक्का सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवें अध्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २, ६: —कुड. न० (-कूट आनन्द नाम्ना देवस्य कृत्मानन्द कूटम्) गन्धमादन नामे वप्पारा पर्वतनु आनमुं शिष्य. गन्धमादन नामक

बसारा पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vākhārā mountain. जं० प०—रूप. त्रि० (—रूप) आनन्दरूप; आनन्दमय. आनन्दरूप; आनन्दमय. full of delight. नावा. ६;

आण्डंजिव. पुं० (आनन्दजीव) आवर्ती उत्सर्पिणीमां यतार पेदाथ नाभना ८ भां तांथेकंनुं पूरिभवनुं नाम. आनन्दनो आत्मा. आगामी उत्सर्पिण्यांके चैव तोषकर का पूर्वभव का नाम; आनंद की आत्मा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiṇī; the soul of Ānanda. प्रब० ४६७;

आण्डरक्षिकय. पुं० (आनन्दरक्षित) अनाभना पारश्वाथना ओष्ठ थियर सधु (स्थविर). पार्श्वनाथ स्वामीके एक (स्थविर) साधु का नाम. Name of an ascetic of Pārśvanātha. "तत्पथं आण्डरक्षिकय नामं धरे" भग० २, ४;

आण्डा. स्त्री० (आनन्दा) पूरि दिशाना रुचक पर्वत उपर वसनारी आठमांणी त्रींश दिशां कुमारिका. पूर्वदिशा के रुचक पर्वतपर बसने वाली आठ दिशा-कुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारि. The third of the 8 Dīśākumārīkām residing on the Rūchaka mountain of the East. जं० प० ५, ११४; (२) साधु-दीपना पूरिना अञ्जनक पर्वत उपरनी ओष्ठ साधु नैज्जन प्रमाथु सांगी पडोली अने १० नैज्जन उडी ओष्ठ वागनुं नाम. लवण-दीप की पूर्व दिशा के अञ्जनक नामक पर्वत पर की एक बावड़ी का नाम जो एक लाख योजन लंबी चौड़ी और १० योजन उंची है. ४, ११/५.

the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Ājānaka mountain to the east of the Lavapaṇḍra-Dīpa. प्रब० १४३३; अ० ४, २; नावा ३; ४;

आण्डिअ—य. त्रि० (आनन्दित) आनंद पामेथ; आनन्द युक्त. आनंद पाया हुआ; आनन्दयुक्त. Joyous; delighted. "इह दृढ चित्तमायादि" शोध० ११; नावा० ५० भग० २, १; सु० व० ३, १२४; रूप० १, ४;

आण्डकखेउं. सं० कृ० अ० (*परीक्ष) परीक्षा करीने; तथास करीने. परीक्षा करके; जांच करके. Having examined. शोध० नि० ३६;

आण्डाकिह. त्रि० (आज्ञार्थकृति-आज्ञः-गमास्य शब्दस्य हेतु बचनस्यापि दर्शनादर्थो हेतुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थान्मुनि वेद्यात्मिका यस्य स आज्ञार्थकृतिः) मुनि वेचना देमाय चले। मुनि वेचा दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like, an ascetic. "आण्डाकिह पण्व" उत्त० १८, ५०;

आण्डा. न० (आनन) भुण्ण; भोदुं. मुख. A face; a mouth. "कुडका उजाइयाखे" जं० प० जीवा० ३, ४; पत्र० २; नावा० १; रूप० २, ८४; ३, १६;

आण्डयण्ड. न० (आनन्दनार्थ) लावनेमटे. लाने की. In order to bring. पंचा० ७, १६;

आण्डत. पुं० (आनत) नवमां देवलोकेनुं नाम. नौव देवलोक का नाम. Name of the 9th Deva-loka. जीवा० २;

आण्डत. त्रि० (आण्डत) आजा आपेस; आदेश करेस; हुकूम करेस. आज्ञापित;

आदेशित; हुक्म किया हुआ. Ordered; commanded. पण्ड० १, ३; सु० न० २, ९, १३; विशे० १०६४; नाया० न; १९; भग० ७, ६;

आण्यत्त. न० (अन्वय) परस्पर भेद-विभ-
पक्ष, जुद्धादि. परस्पर भेद; भिन्नता; जुद्धादि.
Mutual separation; separation.
राय० २६०; पञ० १४; भग० १८, ३;

आण्यत्ति. जी० (आज्ञाति) आता; हुक्म;
आदेश. आज्ञा; हुक्म; आदेश. Order;
command. "आण्यत्ति पक्षपिण्ड"
न० प० ३, ४४; नाया० १; —किंकर. पुं०
(—किंकर) आतापासक नोकर. आज्ञापालक
नोकर. an obedient servant.
जं० प० ३, ४४;

आण्यत्तिआया. जी० (आज्ञात्तिका) आता;
हुक्म; आदेश. आज्ञा; हुक्म. Order;
command. विवा० १; भग० ७, ६; ८,
३३; नाया० १; न; १४; १९; नाया० घ०
ओव० २६; राय० २८; उवा० २, १०९;
जं० प० ३, ४४;

आण्यपाय. पुं० (आनपाय) अक्षे आसो-
अच्छवास प्रमाण काय. एक आसोच्छवास में
जितना समय लगे उतना समय. Time
required for a single breath.
जीवा० ३, ४; —भासा. जी० (—भाषा)
आसोच्छवास अने भाषा अथे पर्याप्ति. आसो-
च्छवास और भाषा ये दो पर्याप्ति. the de-
velopment of the two faculties
viz that of respiration and
that of speech. क० प० ४, १४;

आण्यप्य. त्रि० (आज्ञाप्य) देने आता-
हुक्म करी शक्य ते; आता उक्तान्तर. जिसे
आज्ञा दी जासके; आज्ञानुसार चलनेवाला.
(One) carrying out an order;
(one) who can be ordered.

"आण्यप्ता इवन्ति दासावा" सूय० १,
४, २, १४;

✓आण्यम. धा० I. (आ+अन्) प्राण
धारण करना; श्वायु; जीना; प्राण धारण
करना. To live; to breathe.

आण्यमंति. सम० १; भग० १, १; २, १;
६, ३३-३४; पञ० ७;

आण्यममाण. भग० ६, ३३;

✓आण्यय. धा० I. (आ+नी) लावयु; लभ-
आवयु. लाना. To bring; to fetch.

आण्ययह. क० गं० ३, १२;

आण्यय. पुं० (आनय) नवमे देवलोक. नौवें
देवलोक. The ninth Devaloka. (२)
नवमा देवलोक नुं विमान. नौवें देवलोक का
विमान. a heavenly abode of the
ninth Devaloka. ओव० २९; सम०
१६; पञ० १; ठा० २, ३; उक्त० ३९, २०८;
नाया० १; भग० ३, १; न, १; १८, ७;
विशे० ६६६; —देव. पुं० (—देव) नवमा
देवलोकना देवता के गेनी १८ सागरोपमनी
स्थिति छे—आण्ययसि हृत्तर यथे आहारनी
छन्द आने १८ पञ्चपादिये गे आसोच्छवास
थ्ये छे. नौवें देवलोक के देव जिनकी आयु
१९ सागरोपम है और उर्जास हजार वर्षबाद
जिन्हें आहार की इच्छा होती है तथा १९
पक्ष (६१ माह) बाद आसोच्छवास लेते हैं.
the deities of the ninth Deva-
loka who live for 19 Sāgaro-
pamas, take food once in 19
thousand years and breathe
once in 19 fortnights. भग०
२४, २१;

आण्ययत्त न० (आनयन) अक्षरिणी लावयु ते.
बाहर से लाना Bringing from out-
side. प्रब० २८५; पंचा० १, २०;

—पयोग. पुं० (—प्रयोग) भाषिणी ६६नी
७६रथी ६६ वस्तु मंगावती ते; आवकना
इशमा मतनो प्रथम अतिआर. नियत की
हुई मर्यादा के बाहिर से वस्तु मंगाना; आवक
के दशवें व्रत का प्रथम अतिचार. the
first of the partial violations
of the 10th vow of a Śrāvaka.

पञ्चा० १, २०; प्रब० २८५;

आशुवण. न० (आज्ञापन) आदेश; प्रति-
प्रेषण; प्रवर्तन. आदेश; प्रवर्तन. Order;
command. उवा० १, ५४;

आशुवणिया. स्त्री० (आज्ञापिका) पापने
आदेश-दुकम करनेवाली कर्मव्यवस्था थी; २५
क्रियावादी अर्थ. पाप के आदेश से कर्मबंध
होना; २५ क्रिया में से एक. Incurring
Karma by ordering some evil
action. टा० २, १;

आशुवणी. स्त्री० (आज्ञापनी) आज्ञा आप-
वानी भाषा; व्यवहार भाषानो अर्थ प्रकाश.
आज्ञा करने की भाषा; व्यवहार भाषा का
एक भेद. A sort of language viz
that of command. पञ्चा० ११; भग०
१०, ३; प्रब० ६०१;

आशुवा. स्त्री० (आज्ञा) आज्ञा; आदेश;
दुकम; तीर्थकर, गणधर, गुरु, वडील; वगेरे
जुं करनेवाले. आज्ञा; हुक्म; आदेश; तीर्थकर,
गणधर, गुरु, माता-पिता आदि की आज्ञा.
Order; command. भग० १, ३; २,
१; ५; ३, १; ७; ७, ६; ८, ८; १८, २;
माया० १; ८; ६; १६; १८; आया० १, १,
३, २१; १, ६, २, १८४; ओव० २०; ३०;
३६; ३४; उक्त० २, २; २६, १; अणुजो०
२१; ४२; राय० ३०; दस० १०, १, १; पिं०
नि० ८०; १८३; पिं० नि० भा० २६; प्रब०
१००; कण्ठ० २, १३; मच्छा० ३६; जं० पं०
५, ११५; वव० ४, १८, ६; ३७; १०, ३;

सूय० २, ६, ५५; (२) आशुतो उपदेश.
आशुता उपदेश. the teaching or
advice of an authoritative per-
son. पञ्चा० २, ३२; (३) प्रेक्षित; सम्यक्त्व.
सम्यक्त्व right knowledge. पञ्चा० १;
(४) आज्ञा व्यवहार. आज्ञा व्यवहार.

Ājñāvyaavahāra. टा. ५, २; प्रब०
८९१; —अणुग. त्रि० (—अनुग) आज्ञाने
अनुसरनार. आज्ञा के अनुसार चलनेवाला.
(one) who obeys, carries out,
an order. अणुजो० ४२; (२)

अ.गमःनुसार. आगम के अनुसार चलनेवाला.
(one) who acts according to
the orders (of scriptures).

पञ्चा० १६, २६; —अणुगामि. त्रि० (—अनु-
गामिन्) आज्ञा ने अनुसरनार. आज्ञा के
अनुसार चलनेवाला. (one) obeying,
carrying out, an order. अणुजो०

२१; —इस्सरिय. न० (—ऐश्वर्य) आज्ञा
करवाभा. ऐश्वर्य-महता. आज्ञा करने में
ऐश्वर्य महत्ता power of ordering;
power of command. “आशु इस्स-
रियं मे” उक्त० २०, १४; —ईसर.

पुं० (—ईश्वर-आज्ञाया ईश्वर आज्ञेश्वर)
दुकम करनेवाले; आज्ञा करनेवाले. आज्ञा करने-
वाला. one having the power to
command. सम० १८; जं० पं० ३, ६३;

—कंशि. त्रि० (—कंचिन्—आज्ञामा-
कंचित् शीलमस्येत्याज्ञाकांक्षी) सर्वज्ञता
उपदेश प्रभाषि अनुष्ठान करनेवाले. सर्वज्ञ के उप-
देश का अनुष्ठान करनेवाला. (one)
abiding by the teachings of the
omniscient. “इह आशु कंक्षी पंडित्”

आया० १, ४, ३, १३५; —कारि. त्रि०
(—कारिन्) सर्वज्ञता आज्ञा प्रभाषि वर्तनार.
सर्वज्ञ की आज्ञाअनुसार चलनेवाला. (one)

acting according to the orders of the omniscient. "एवमेष कश्चिद्विद्यमानोऽस्ति" पंचा० ७, ४६; —गारि. त्रि० (—कारिन्) शुद्धि-दिक्ती आता प्रभाषे वर्तनार. आज्ञाकाराः गुरु की आज्ञा को मानने वाला. (one) who acts according to the order of a preceptor etc. पंचा० ८, ११; —शिद्देस. पुं० (—निर्देश) विधिनिषेधं प्रतिपादन करुं ते विधिनिषेध का प्रतिपादन करना. explanation of things commanded and things prohibited. (२) आज्ञाते स्वीकार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. "आज्ञा शिद्देस कर" उक्त० १, २; —शिद्देसयर. पुं० (—निर्देश-कर) आज्ञाते आशयक, आज्ञा स्वीकारनार. आज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order. "आज्ञा शिद्देस कर" उक्त० १, २; —परतन्त्र. त्रि० (—परतन्त्र) तीर्थकरनी आज्ञा ने आधीन. तीर्थकर का आज्ञा के आधीन. obedient to the order of a Tirthankara. पंचा० १४, १६; —पवित्ति. स्त्री० (—प्रवृत्ति) सर्वज्ञानी आज्ञाते आधीन अध प्रवर्तन करुं. आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthankara. "आज्ञापवित्तिप्रवृत्तिमुद्रो एतेष्व अण्डाद्विद्यमाना" पंचा० ८, १२; —वक्त्र. त्रि० (—वक्त्र) सर्वज्ञानी आज्ञाते अण्डार; आज्ञा रहित. सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहिर. not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient. "समिति पवित्ति सन्ना आज्ञा वक्त्राणि भवकक्षा वेव" पंचा० ८, १३;

—बलाभियोग. पुं० (—बलाभियोग-आज्ञा-पनमाज्ञा मवतेदं कार्यमेव तत्कुर्वतो बला-कारणं बलाभियोगस्तत आज्ञाया सह बलाभ-योगा आज्ञाबलाभियोगः) दुःखम अने अज्ञा-तः रनेो उपये. ग कवे. ते; हुकम कर बलाभार का उपयोग करना. command accom-panied with physical force. "आज्ञाबलाभियोगो विनाकाचं च कल्पते काच" पंचा० १२, ८; —भंग. पुं० (—भङ्ग) सर्वज्ञानी आज्ञाते अंग सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient. पंचा० २, ४६; —कह. स्त्री० (—कष) सर्वज्ञानी पयन-हरमानधी उत्पन्न ध्येवी रुचि; सम्भितनेो अंक प्रकर. सर्वज्ञ के वचन से उत्पन्न रुचि; सम्यक्त्व का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of right faith based on liking. जोष० उक्त० १८, १४; २६० ४, १; पंचा० ११, १२; प्रव० ६६०; (२) त्रि० त्वरी रुचिवाले; सम्-भितना इस अंक रमनेो अंक वैसा रुचिवाला; सम्यक्त्व के इस प्रकार से एक. (one) possessed of the above kind of liking. भग० २४, ७; उक्त० १८, १४; —लोभ. पुं० (—लोभ) आज्ञाते अंग लोभ. आज्ञा का भंग. violation of an order. वि० नि० भा० २२; —वचहार. पुं० (—वचहार) गीतार्थ जे आचर्यो जुदे जुदे स्थले रक्षा होय; अचर्यनेो क्षीमे अंक भीमनी पासे अण्ड शके अपेरी स्थितिमां नथी तयरे अगीतार्थ पद्य भति धारण्यमां कृतस अवा कष शिष्य ने शुभ अर्थमां अतिथारो कषी भीमनी पासे मोक्षले; भीम आचार्य ने शिष्यनी आरुत प्रथम आचार्यनी शुभ शब्दोमां हरमवेन आता प्रभाषे आधात

पेरे ह्ये ते अज्ञा व्यवहारः शास्त्रवेत्ता दो
आचार्य भिन्न २ स्थानों पर रहते हैं; पर अबस्वा
के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हैं
और इसलिए एक आचार्य अर्गतार्थी (शास्त्र
को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण में
कुशल शिष्य दो गुप्त अर्थ में अतिचार बतला-
कर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा आचार्य
शिष्य द्वारा भेजा हुई प्रथम आचार्य की गुप्त
आज्ञा के अनुसार जो प्रायश्चित्त के वह आज्ञा
व्यवहार. when two Āchāryas
well-versed in Śāstras, resid-
ing in different places cannot
see each other on account of
old age and one of them in-
forms the other of his (other's)
violations of right conduct in
rather abstruse terms, through
a disciple, faithful though
not well-versed in Śāstras, and
the other after receiving the
message from the disciple per-
forms the expiations ordered
by the first the whole affair is
called Ājñā Vyavahāra. प्रब० ८९१:
—विज्ञय. पुं० (विचय) अज्ञानी
आज्ञा को निर्णय करनेवाले; धर्म ध्याने
प्रथम भेद. भगवान की आज्ञा का निर्णय
करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद. con-
templation of the authority of
the teachings of scriptures;
the first variety of religious
meditation. भग० २५, ७;—चिरादृष्टा.
जी० (—चिरादृष्टा) सर्वज्ञ अज्ञानी १२-
वना करनेवाले. सबज्ञ की आज्ञा का भंग
करना. offending against the
order of the omniscient. पंचा०

१९, २८:—चिरादृष्टाद्युग. त्रि० (—चिरा-
धनानुग) अज्ञानी १२वना करनेवाले. आज्ञा
भंग करनेवाला. (one) who violates,
offends against, an order.
“ अज्ञाचिरादृष्टाद्युगमेव विष इति
वदुष्व ” पंचा० १९, २८;—विचरयि.
त्रि० (—विचरयित) २५वनी आज्ञाधी
विपरीत. सबज्ञ की आज्ञा से विपरीत.
against the order of the omni-
scient. “ आज्ञा विचरयमेव व किंचि ”
पंचा० १, १;—सार. त्रि० (—सार)
अज्ञान ध्याने प्रधान मानना. आज्ञा ध्यान
को प्रधान माननेवाला. (one) believ-
ing the words of an authori-
tative person to be above all
things else. “ आज्ञासारं मुचेद्वचं ”
पंचा० ११, ८;

आज्ञाप्रो. अ० (आज्ञातः) आज्ञाधी. आज्ञा
से. By order; by the command
of. पंचा० ५, ११;

आज्ञापुष्प. न० (जगन्मूर्ति) निर्यायभिक्षा
सूत्रनाम त्रीन भागरेषु पुष्पिका सूत्रं नाम.
निर्यायभिक्षा सूत्र के तीसरे भाग स्वरूप
पुष्पिका सूत्र का नाम. Name of the
Puṣṭikā Sūtra forming the
third part of the Nirayāvalikā
Sūtra. निर० १, १;

आज्ञाप्राण. पुं० (आनप्राण) श्वासेच्छ्वास.
श्वासेच्छ्वास. Respiration. (२)
श्वासेच्छ्वास परिमित काल. श्वासेच्छ्वास
परिमित काल. time required for
one breath. विश० १९०;—दृष्टि.
जी० (—दृष्टि) नेत्री श्वासेच्छ्वास अथ
संज्ञाय अथी संज्ञित. श्वासेच्छ्वास पर्याप्त.
जिससे श्वासेच्छ्वास सिद्धा काटके वह
संज्ञित; श्वासेच्छ्वास पर्याप्त. respira-

tory power; power of breathing. भग० १, १; ६, ४;

आद्यापायु. पुं० (आनप्राय) जुओ
“आद्यापायु” शब्द. देखो “आद्यापायु”
शब्द. Vide “आद्यापायु” भग० २५,
५; ठा० २, ४; जीवा० १; —पोगल
परियट्ट. पुं० (-पुद्गल परिवर्त) लोकनी
अंदरना अथा पुद्गल जुदा जुदा अवस्था
आसोच्छ्वास पछे गेटला वपतमां लछ
अने मुके तेलेो वपत. समस्त लौकिक
पुद्गलो-परमाणुओ को पृथक् २ भव-जन्म में
रवास निरवास रूप से जितने समय में ग्रहण
कर छोड़ा जाय उतना समय. the time
taken for inhaling and ex-
haling in different births all
the Pudgalas in the world.
भग० १२, ४;

आद्यापायु-स्त. न० (आनप्रायत्व) आसो-
च्छ्वास पछुं. आसोच्छ्वासपन. State.
condition of, respiration. भग०
२५, २;

आद्यापायुत्ता. स्त्री० (आनप्रायता) जुओ
उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide
above. भग० १२, ४; २५, २;

आद्यम. (*आद्याम) उच्छ्वास उच्छ्वास.
Breath; breathing in. “एएसिणं
आद्यामं पाद्यामं वा उत्सासंवा निस्सासंवा”
भग० २, १;

आद्यामिय. त्रि० (आद्यामित) थोपुं नभा-
वेतुं-वांङ्क करेलुं कुछ नमायाहुआ. Some-
what bent or inclined. ओव० १०;
उवा० २, १०१;

आद्यामेत्त. न० (आद्यामात्र) आद्या मात्र.
आद्या मात्र. Mere order. “आद्यामेत्तमि
सम्बदात्ते.” संवा० १४, २६;

आद्याय. सं० क० अ० (आद्याय) नपुंनि;
समजने. जानकर; समझकर. Having
known; having understood. उत्त०
२, १७;

आद्याय-य. त्रि० (आनीत) आद्येयुं;
लावेन. लाया हुआ. Brought. भग० ६,
३३; सु० च० ५, ८२; नाया० १;

आद्याल. त्रि० (आनीत) आद्येयुं. लायाहुआ.
Carried; brought. प्रव० २७७, ८२०;

आद्याय. पुं० (आनीत-आ-इयालीत आ-
नीतः) थोडा नीलारंग; छंदक नील-रंग.
कुछ नीला रंग. Blue tinge; faint
blue colour “आद्यालं च वस्थं रवा-
वेह” सूय० १, ४, २, ६;

आद्यकंपिय. त्रि० (आनुकम्पिक-अनुकम्पया
चरताम्पानुकम्पिकः) अनुकंपा करनार; दयालु.
दयावान्; दयालु. Compassionate.
भग० ३, १; १५, १;

आद्युगामिय. त्रि० (आनुगामिक-गच्छन्तं
पुरुषमासमन्तादनुगच्छत्येवं शीलः अनुगामी-
अनुगाम्येवाऽनुगामिकं) आप्पनी पेहे
स्वामिनी साथे साथे जनार अवधिज्ञान;
उत्पन्न थयुं होय त्यांन अटकी रहतां साथे
साथे जम थोपु करानार अवधिज्ञानने ओक
प्रकार. आंख के समान साथ २ रहने वाला अव-
धिज्ञान; जहां उत्पन्न हुवा हां वहां न रहकर साथ
साथ जाने और ज्ञान कराने वाला अवधिज्ञान का
एक भेद. A sort of Avadhijnāna
i. e. visual knowledge so-call-
ed because it accompanies the
possessor like his eyes. ‘आद्य-
गामिओयुगच्छह गच्छन्तं’ नंदी० ६; “ले
किंत आद्युगामिय ओहिनाथ दुविहं प० त०
जंतगयं सकगयं” नंदी० ६; विशेष० ५७७;
(२) उपागित पापपुण्यं ज्वनी साथे
आपवुं ते. उपागित पापपुण्य का जीव के

साथ आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया० १, ७, ४, २१५; —भाव. पुं० (—भाव) पछवाडे आसनारेना साथ-अनुकूलता. अनुगामी का भाव; अनुयायी का भाव. the attitude of (reverence) of a man who is a follower. सूय० २, २, २६;

आद्युगामीअ—य-ता. स्त्री० (अनुगामिकता) अवोभवमां साथे आवे तेजुं सुख. भवोभव—प्रत्येक भव—में साथ रहने वाला सुख. Happiness which accompanies a man in all his births. भग० ६; ३३; ओव० २७; राय० ७१; दसा० ४, ८०;

आद्युगामिअ. स्त्री० (आद्युगामिअ) लुआ. उपेता शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १; भग० २, १;

आद्युक्तण. न० (आनख) श्वासोच्छ्वास-पणुं. श्वासोच्छ्वासपना. Respiration; breathing in and out क० प० १, १०;

आद्युपुव्व. न० (आनुपूर्व्य) अनुक्रम; परिपाटी. अनुक्रम; परिपाटी; क्रम. Serial order; succession. सूय० १, २, ३, १३; नाया० १; ६; ७; ओव० —सुजाय. त्रि० (—सुजात) अनुक्रमे-सारीरीते उभन्न थयेत्तं. अच्छी तरहसे-अनुक्रमसे उत्पन्न well-born; born in proper order. “आद्युपुव्व सुजायकह लवह भाव परिखाया” नाया० १; ४; ओव०

आद्युपुव्विग. त्रि० (आनुपूर्वीग-अनुपूर्वी क्रमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वीगः) क्रमसर. क्रमवार. क्रमशः क्रमानुसार. In proper order. “आद्युपुव्विग मायसो पव्वजासुत्त अत्थ करणं” आया० १, ६; १, १७२; आद्युपूर्वी. स्त्री० (आनुपूर्वी पूर्वस्व पञ्चादनु

पूर्व तस्य भाव आनुपूर्वी) अनुक्रम. परिपाटी; पैदापये साथ. अनुक्रम; क्रमशः Proper order; proper succession of one thing to another. (२) विविष्ट रचना. विशेष प्रकारकी रचना. a particular kind of arrangement. “आद्युपुव्विग संजाण” आया० नि० १, १, ३, ८; १, ८, ८; भग० १, ६; २, १; ६, ३; ७, १; १५, १; २५, २; दस० ८, १; उत्त० ३, ७; पि० नि० ७८; नंदी० ३६; अद्युजो. ७०; राय० जं० प० सूय० १, ४, १, ६; प्रव० ६६६; ८८४; नामकर्मनी ऐक प्रकृति. (पधु विवेचन भाटे लुआ “आद्युपुव्विगाम” शब्द) नामकर्म की एक प्रकृति (विरोध वर्णन देखने के लिये देखो ‘आद्युपुव्विगाम’ शब्द) (vide also ‘आद्युपुव्विगाम’) a division of Nāma Karma. क० गं० ६, ६; पञ० २३; —गंडिय. त्रि० (—ग्रथित) अनुक्रमे गुणित. अनुक्रम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in proper order. “आद्युपुव्वि गंडिया” भग० ४, २; —णाम. न० (—नामन्) नामकर्मनी ऐक प्रकृति, ते ने जलदने नाथनी पेडे लवने ने गतिनुं आयुष्य उदयमां आयुं होय तेन गतिमां लभन्तम; अंशु गतिमां जवान आपे तेदी नामकर्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्म की एक प्रकृति जो कि बल के नाथ के समाज जीव की जिसगतिका उदय होवे उसी गति में ले जाय. a variety of Nāma-karma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Āyusya has entitled him. सम० प्रव० २८३; —विहारि. पुं० (—विहारिन्) प्रयत्नया कालने अनुसरी अयमनी ते ते पैया करनार. प्रवज्या-दीक्षा

काक के अनुसार संयम की कियाएँ करने वाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया० नि० १, ७, १, २७३;

आयुलोमिष. न० (आयुलोमिक) मधुर वचन; अनुकूल वचन. मीठे वचन; मनाहर वचन; अनुकूल वचन. Pleasing and charming speech. " बहुज बुद्धेदियमायुलोमिय " दस० ७, ५६;

आयेयम्. त्रि० (आनेतव्य) लायवाने ये अ. लाने के योग्य. Worthy of being brought. दु० च० ८, ३०७ जं० प० २, ३३;

आयोह. पुं० (आज्ञा-आज्ञाया असोपदेश-स्वोद्यः सामान्यम्) सम्बन्ध दर्शन रहित आशा मात्र. सम्बन्धदर्शन रहित आशा मात्र. Words of the omniscient not accompanied with right faith. "आयोहे यायता मुक्ता गेवजगमु-उत्तरा " पंचा० १४, ४८;

आत. पुं० (आत्मन्) आत्मा. आत्मा. Soul "कह बिहाय भंते आता प० त० गोयमा अटुबिहा.....दबियाता कसावाता जोगा-वाता उबओगाता" भग० १२, १६; १५, १; २०, ३; दस० ४; टा० १;

आतंक. पुं० (आतङ्क-आ-सामस्येन तद्व-यन्ति कृच्छ्रज्जीवितमारमाणं कुबन्तायातङ्काः) अत्यन्त रोग; शूल ज्वरानादयः प्राण हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३; ओष० ३९; (२) रोगने परीषद. रोगका परीषद. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७; —दंस्त्रि. पुं० (-दंस्त्रिन्) शारीरिक या मानसिक दुःख जनेनार (लयनार). शारीरिक या मानसिक दुःख जाननेवाला. (one) hav-

ing knowledge of physical or mental pain. आया० १, ३, २, ४; —संयमयोग. पुं० (-संयमयोग) रोगने संयम. रोग का सम्बन्ध. connection of disease. —संयमयोगसंपुत्त. पुं० (-संयमयोग संपुत्त) रोगने संयमधी ज्ञेयता ते; आर्तध्यानने उन्ने रोग. रोग के सम्बन्ध से संयुक्त होना; आर्तध्यान का तीसरा भेद. meditating upon disease. ओष०

✓ आतंच. धा० I. (आ+तच्) लायवानु; भसतपुं. विपचना; मसतना. To rub: to apply.

आयचह. उवा० ३, १३३;

आयचामि. उवा० ३, १२८;

आतंज. त्रि० (आताज्) ये ३। लाज; ज्वरी राज. कुछ जलास वाला. Reddish. ओष०

आतंजकयय न० (आताज्जाययन) तत्ता-धर्मकयाना श्रीमन् श्रुतधन ७ भां वर्गना श्रीमन् अभ्ययननुं नाम के जेभां सूर्यनी अत्र-मक्षिणीने विस्तर पूर्वक देयास छे. ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतकंध के ७ वे वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम, जिसमें कि सूर्य की पट्टराशी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Śruti-Skandha of Jñāta—Dharm—Kathā. in which is related the account of the principal queen of the sun. नामा० ध० २; ७; २;

आतत. न० (आ+त) लंबाई. Length. जं० प०

आतप. पुं० (आतप) नाम कर्मेनी अेक प्रकृत के जेना उदयधी अयने स्वरूपधी गरम नहि होत छता उष्णता अने प्रकाश आप-नार शरीर भेने जेभ सूर्यभस्मन पृथ्व-क्षपिक अय. नाम कर्मका एक प्रकृत जिसके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाय के जीव.
A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat; e. g. a soul having earth-body in the sun. पञ्च० २३;

आतपत्त. न० (आतपत्र) छत्र; छत्री. छतरी.
An umbrella. जं० प०.

✓ आतप. धा० II. (आ+तप्) आतापना लेवी. आतापना लेना. To practise austerity by enduring cold, heat etc.

आयावयन्ति. दस० ३, १२;

आयाविजा. वि० दस० ४;

आयावहि. आ० दस० २, ५;

आयावितप. हे० कृ० आया० १, ७, ३;
२१०; वय० ५, २२;

आतावितप. हे० कृ० कप्. ८;

आयावेसप. हे० कृ० नाया० १६, कप्०
६, ५२;

आयावेसाण. व० कृ० नाया० १; १६; भग०
२, १; ३, १; ६, ३१; १५, १; १६, ३;

आतावेसाण. व० कृ० ओव० ४०;

आतप. पुं० (आतप) प्रकाश; तड्डा. प्रकाश; लज्जला. Light; sunshine. ठा० २, ६;
विशे० २२४२; (२) ओ नामनुं ओ३ अहोरात्रिनुं २४ मुं मुहूर्त. अहोरात्रिके २४वें मुहूर्तका नाम. name of the 24th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३०; —नाम. न० (—नामन्) जु०ओ "आतप" शब्द. देखो "आतप" शब्द. vide "आतप". प्रव० १२७८; क० गं० ५, ६६; —शिवाय. पुं० (—निपात-आतपस्य-धर्मस्य नितरापातो
N. 11/6

निपातः) भरभी थवी; अ३ रे थवे। शब्द होना. coming of heat, "आतपस्य निवापणं अउला हवइ वेयम्" २, ३५;

आतववंत. पुं० (आतपन्त) अ नामनुं अहोरात्रिनुं २४ मुं मुहूर्त. अहोरात्रिके २४वें मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जं० प०

आतवा. स्त्री० (आतवा) सूर्यनी अत्र भविषी. पुं० नाम सूर्य का अत्र पट्टरानी का नाम. The name of the principal quarter of the sun. सू० प० १८;

आतवा. स्त्री० (आतवा) अतुमे. "आतवा" शब्द. देखो "आतवा" शब्द. Vide. "आतवा." जीव० २;

आतावग. पुं० (आतापक-आतापस्यातापनां शीतातपादिसहनरूपो करोतीत्यानापकः) आतापना सहन करनेवाला; सूर्यनी आतापना लेना. आतापना सहन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा० ४;

आतावण. न० (आतापन) आतापना लेवीने. शीत, उष्णता आदि ने शरीर को कष्ट देना. Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा० ३; दस० ६; —भूमि. स्त्री० (—भूमि) आतापना लेवानी जग्या. आतापना लेनेका स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर० ३, ३;

आतावण्या. स्त्री० (आतापन्ता) जु०ओ "आतावण" शब्द. देखा "आतावण" शब्द. Vide "आतावण" ठा० ३;

आताधि. पुं० (आतापिन्-आतपयति आता-
पनां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापी)
ताप, शीतादि सहन करनेवाला. (One) who
endures heat and cold. ठा० ४;
कप्प० ८;

आसिण्ण. त्रि० (आस्तीर्य) पाथरेलुं; पिछा-
वेलुं; बिछाया हुआ. Spread. भग० १, १;

आतीत्य. त्रि० (आतीत-आसमन्तादतीवद्-
तो ज्ञातः आतीतः) सर्वत्र अत्यंत व्याप्त्यर्थे.
सर्वत्र अस्यंत-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ.
Felt excessive everywhere.
(२) (आसामस्येनातीतोऽतिक्रान्तः
आतीतः) समस्त पक्षे उत्पन्नी भवेत्.
सम्पूर्णतया उलांघा हुआ. wholly,
completely, crossed. आया० १, ८,
७, २२६; —द्व. त्रि० (-अर्थ) जेहे श्रुत
अश्रुत आदि सर्व पदार्थ व्याप्य छें ते.
जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला.
(one) who has known fully
sentient as well as insentient
things. (२) तमाम व्यापारस्थी निवृत्त
भवेत्. समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one)
retired from all activities.
आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) व्याकुल; तीव्रालिङ्गिणी.
व्याकुल; तड़फड़ता हुआ. Afflicted;
intensely longing. आया० १, १,
६, ५१; भग० १६, ४; नाया० ५; (२)
विषय कषाय आदि दोषयुक्त. विषय,
कषाय आदि दोषों सहित. full of
faults such as passions etc.
आया० १, १, २, १४;

आतोडिजमाण. त्रि० (आतोद्यमान) पञ्चा-
वाभां आपवुं. बजाया जानेवाला. Being
played upon. सूय० २, ४, ११;

आतोद्. पुं० (आतोद्य) वाद्यं. बाजा.
A musical instrument. जीवा०
३, ३;

आत्त. पुं० (आत्मन्) आत्मा; श्रुत. आत्मा;
जीव. Soul. सूय० १, २, २, ३०;
(२) शरीर; देह. शरीर; देह. body.
जीवा० ३; (३) स्वयं; पोते. खुद; स्वयं.
oneself. सूय० १, १३, ३; —उप-
क्रम. पुं० (-उपक्रम-अप्राप्तकालस्यायुषो
निर्जरणं, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम
आत्मोपक्रमः, आत्मन उपक्रमोवा) पोतानुं
उपक्रम-अप्राप्तकाल आत्मानुं निर्जरणु.
आत्माका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का
निर्जरण. Nirjarā of one's own
unfinished life period. भग०
२०, १०; —भाव. पुं० (-भाव)
स्वाभिप्राय; स्वच्छंदपक्ष. स्वेच्छाचार; स्व-
च्छंदता. wilfulness; self-will. “जे
आत्ताभावेण वियगरेजा.” सूय० १, १३,
३; —रक्षक. पुं० (-रक्षक) पोताना
स्वाभिना शरीरानुं रक्षणु करनेवाले देवतांनी अेक
गत; अक्षर-रक्षक देवता. अपने स्वामी की
रक्षा करने वाले देवों की एक जाति; आत्म-
रक्षक देव. a kind of deities who
protect the body of their lord.
जीवा० ३, ४; —हित. न० (-हित)
आत्मश्रेय; आत्म-कल्याण. आत्मकल्याण.
welfare of the soul. “आत्तहितं सु
बुद्धेयं लब्धम्” सूय० १, २, ३, ३०;

आतीकय. त्रि० (आत्मीकृत) भीरनीरनी
पेठे आत्माना साथे अेकमेक करेत्. आत्म-
सातकिया हुआ; दूध और पानी के समान
आत्मा के साथ एकता की हुई. Made
one with the soul like milk
and water विशेष० १;

आदर्श. पुं० जी० (आदर्श) अेक गतनी

लिपी. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) अरिसे. दर्पण; शीशा. a mirror. पञ० १; —घर. न० (—गृह) अरीसानो घर. शीश-महल. a house of mirrors or looking-glasses. जं० प० ३, ७०;

आदर्शसंग. पुं० (आदर्शक —आसमन्तात् दृश्यते आत्मा यस्मिन् स आदर्शः स एव आदर्शकः) अरिसे. दर्पण; A mirror.

“आदर्शसंगं च पयच्छाहि” सूय० १, ४, २, ११;

आदर्शसिन्धु. स्त्री० (आदर्शिका) आद्य विशेषः अत्र गततो आगतोपदार्थः खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance; a kind of food. जं० प० पञ० १७;

✓ आदद्. धा० I. (आ+दद्) अहणु कर्तुं; लेवुं; आदान कर्तुं. ग्रहण करना; लेना. To take; to accept.

आययद्. उक्त० ३२, २६;

आययन्ति. आया० १, ७, १, १६६; विशेषः

१२२८; उक्त० ३, ७;

आययमाण. पि० नि० १०७;

आदर. पुं० (आदर) आदर सत्कार. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा० ६;

आदरण. न० (आदरण) स्वीकार. स्वीकार. Acceptance. भग० १२, ५;

आदरिस पुं० (आदर्श) जुओ “आदर्श” शब्द. देखो “आदर्श” शब्द. Vide.

“आदर्श”. ओव० १७; जं० प० २, ३१;

आदस्स लिपि. स्त्री० (आदर्शलिपि) अठार लिपिमांती अत्र अठारह लिपीओं में से एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

✓ आदह. धा० I. (आ+धा) धारणु कर्तुं; पकडुं. धारण करना; पकडना. To put on; to hold; to catch.

आदहद्. ओव० ३०;

आदहिता. ओव० ३०;

✓ आदा. धा० I. (आ+दा) ग्रहणु कर्तुं. ग्रहण करना. To accept; to take.

आदियद्. उवा० २, १२१; सूय० २, ३, २३;

आदियद्. बेय० ४, २५; निसी० १६, २४; २६;

आदियन्ति. सूय० २, १, १६;

आदिष्ट. वि० उक्त० २४, १४;

आदियन्त. व० कृ० सूय० २, २, २३;

आदितु. सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदियावेन्ति. पुं० सूय० २, २, २३;

आदियावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १६;

आदाण. न० (अदहण) आधु. आधन. Boiling water. “आदाण भरियंसि कडाहयंसि” उवा० ३, १२६; —भरिय. त्रि० (—भृत) आधु. भी भरेल. गरम जल से भरा हुआ. filled with boiling water. “आदाण भरियंसि कडाहयंसि अहंमि” उवा० ३, १२६;

आदाण. न० (आदान) लेवुं; अहणु कर्तुं. लेना; ग्रहण करना. To take; to accept. सूय० १, १६, ३; उवा० १, ५१; ओव० १०; १७; भग० २०, २; उक्त० २४, २; प्रव० १०७६; (२) कर्मणु उपादान कर्तुं. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. “भूलादाणां जोगंसिचंविजं परिजाणिया” सूय० १, ६, १०; —फलित. पुं० (—परिच आदी-यते द्वारस्थगनार्थं गृह्यत इत्यादानः स चासौ परिच आदानपरिचः) आदणु अथ कर्तव्यी भोगल. द्वार बंद करने का आदा, चटकन. a bolt of a door. जंवा० ४; परह० १, ४; —भंडमसनिच-वणा समिह. स्त्री० (भण्डमसनिच-वणासमिति) उपकरण अदि यत्ना-

पूर्वक लेनां मुकुवां ते; साधुनी पांच सभिति-
मांती येथी सभिति. यत्नाचार पूर्वक
उपकरण आदि को उठाना रखना; साधु की
पांच सभिति में से चौथी सभिति. care-
fulness in taking up and
laying down implements or
articles of use; the 4th out of
5 Samitis of ascetics. टा० ७;
सम० ४; —भंडमत्तनिकलेवणा समिय.
दि० (—भण्डमत्तनिकलेवणा समित) अ०
७ पशरलु परब्रह्मादि व्रतनाथी लेना
मुकुना; पांचमांती येथी सभिति पावनार
साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक
उठाने रखनेवाला साधु; पांचमें से चौथी
सभिति पालने वाला साधु. (one) who
is careful in handling clothes
vessels etc; a Sādhu who
observes the 4th of the 5
Samitis (carefulness) टा० ७;
सम० ४; भग० २, १;

आदाण्या. क्री० (आदान-स्वार्थताग्रन्थः)
अहणु करणु ते. ग्रहण करना. Accept-
ance. टा० २;

आदाणिज्जम्भयण. न० (आदानीयाध्ययन)
सूयगडांग सूत्र ना प्रथम श्रुत स्कंधना १५
भां अध्ययननुं नाम. सूयगडांग सूत्र के
पहिले स्कंध के १५ वें अध्याय का नाम
Name of the 15th chapter
of the first Śrutaskandha of
the Sūyagadāṅga Sūtra. सू०
१, १६;

आदाणीय. त्रि० (आदानीय) आदेयवचन;
७ वचन सर्वमान्य थाय ते. आदेय वचन;
सर्वमान्य वचन. Speech which is
acceptable to all. सम० १६; कण०
६, १४;

आदाय. सं० कृ० अ० (आदाय) ग्रहणे;
अहणु कराने. लेकर; ग्रहण करके. Having
taken. दसा० ५, ४१; भग० १५, १;
सू० १, ४, १, १०;

आदाया. पुं० (आदाय) अहणु करनार;
स्वीकारनार. ग्रहण करनेवाला (One)
who accepts. विशेष० १५६८;

आदि. स्त्री० (आदि) लुओ "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ".
दसा० ७; १; सू० ५० १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) लुओ "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर" सू० २, २, ४१;

आदिग. पुं० (आदिकर) लुओ "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर". नाया० १६; भग० १, १; ७,
६; १८, २; राय० २२;

आदिज. त्रि० (आदेय) लुओ "आइज"
शब्द. देखो "आइज" शब्द. Vide
"आइज" पशु० १, ४;

आदिह. पुं० (आदिह) लुओ "आइह" शब्द.
देखो "आइह" शब्द. Vide "आइह"
भग० १२, १०;

आदिय. पुं० (आदिक) लुओ "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide. "आइ" भग०
१३, ४; १८, १०; २८, १; उवा० १, २६;

आदिल. त्रि० (आदिम) लुओ "आइल"
शब्द. देखो "आइल" शब्द. Vide.
"आइल" भग० ७, २; १०, १; १३, ४;
१५, ८; २४, १; १२; २६, ११;

आदिलअ. त्रि० (आदिमिक) लुओ
"आइल" शब्द. देखो "आइल" शब्द.
Vide "आइल". भग० ५, १;

आदिलग. त्रि० (आदिमक) लुओ "आइल"
शब्द. देखो "आइल" शब्द. Vide
"आइल" भग० २४, १;

आदी. क्री० (आदी) गंगाभा मिलती ऐक नदी. गंगामें मिलती हुई एक नदी. Name of a river which flows into the Ganges. टा० ५, ३;

आदीण. त्रि० (आदीन) लुओ " आर्हण " शब्द. देखो " आर्हण " शब्द. Vide. " आर्हण ". — वित्ति. त्रि० (- वृत्ति) लुओ " आर्हण वित्ति " शब्द. देखो " आर्हण वित्ति " शब्द. Vide " आर्हण वित्ति " " आदीण धितो वकरोति पावं " सू० १, १०; ६;

आदेज. पुं० (आदेय) लुओ " आपूज्जणम " शब्द. देखो " आपूज्जणम " शब्द. Vide. " आपूज्जणम " पञ्च० २३; जीवा० ३, ३; जं० ५०. — वक्क. पुं० (- वाक्य) ग्रेता पयन आह छे ते. जिसका वचन ग्राह्य हो वह. one whose words are worth accepting. सू० १, १६, २७;

आदेयवयण न० (आदेयवचन) अहण्ड करवा योग्य वचन. ग्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of acceptance. दमा० ४, २७;

आदेस. पुं० (आदेश) लुओ " आपुस " शब्द. देखो " आपुस " शब्द. Vide " आपुस " पि० नि० भा० १८; पञ्च० १८; भग० १४, ४;

आधा. क्री० (आधा) पास साधुनेभाटे आहारादि पनाववा ते. खास साधु के लिये आहारादि का बनाना. Preparing food etc. specially for Sādhus. टा० ३; — कम्म. न० (- कर्मन-आधानमाधा साधुनिमित्तं) चेतसःप्रविधानं तस्याः कर्म पाकादिक्रिया आधाकर्म तद्योगात्तद्वाच्यधाकर्म) साधुनेभाटे आहार आदि करवा ते;

पास साधुनेभाटे पनावेव आहारादि लेवाथी साधुने लागते ऐक दोष. साधु के लिये आहारादि बनाना; साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेस साधु को लगनेवाला एक दोष. a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. टा. ३;

आधार. पुं० (आधार) आधार-आश्रय; टेडा. आश्रय; आधार; टेका. Means of supporting; support. भग० २०, २; पि० नि० ५७; उवा० १, ६६;

आधारणिज्ज. त्रि० (आधारणीव) धारण करवाने योग्य. धारण करने के योग्य. Worthy of being put on or accepted. नाया० १६;

✓ **आधाव.** धा० I. (आ+धाव्) दोडनु. दौडना. To run.

आधावन्ति. भग० ३, १;

आधावमाण. नाया० १;

आधि. पुं० (आधि) मानसिक पीडा. मानसिक पीका. Mental pain; agony of mind. भग० १, १;

आधुणिय. पुं० (आधुनिक) अठ्यासी अह-भाति पांचमे महाअह. ८८ में से पांचवां महाग्रह. The fifth great constellation of the 88 constellations. सू० ५० २०;

आधोधिप. पुं० (आधोवधिक) अमुक गत्या-येन रहे अमुं अवधिजान; अवधिजानेना ऐक प्रकार. किसी नियत स्थानपर ही रहनेवाला अवधिज्ञान; अवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १६, ७; १०; सम० ३६;

आनन्द. पुं० (आनन्द) आनन्द-नन्द-ह्रीपना

भरतक्षेत्रभांथ ॥२॥ आ६भां तीर्थकरता पूर्व
लव्यं नाम. जंबू द्वीपके भरत क्षेत्र में होने वाले
आठवें तीर्थकर के पूर्व भव का नाम. Name
of the previous birth of the
would-be eighth Tirthankara in
the Bharataksetra of Jambu-
dvīpa. सम० पं० २४१;

✓ **आनम**. धा० I. (आ + नम्) नभ्युं;
भयोदात्ती पगे प३युं; ताप्ते ययुं; नमना;
नम्रीभूत होना; मर्यादापूर्वक पैरों पड़ना;
आधीन होना. To bow before; to
submit to.

आनमंति उल्ल० ६, ३२;

✓ **आने**. धा० II. (आ + नी) आभ्युं.
लाना. To bring.

आणेमि. पिं० नि० ४६६;

आणेह. आ. भग० ६, ३३;

आणेहि. आ० ओघ० नि० भा० ४१; नाया०
१७;

आणाहि. आ० सूय० १, ४, २, ११;

आणियज्ज. क० वा० व० प्र० ए० पिं० नि०
५००, विशेष० २, ३६;

आणियजंत. क० वा० व० कृ० सु० च० १४,
५; प्रव० ८१६;

✓ **आज्ञव**. धा० I, II. (आ + ज्ञा - णिच्)
प्रवृत्ति करावनी; हुक्म करवे। प्रवृत्ति करना;
आदेश करना. To order; to
command.

आज्ञवह. सु० च० २, ३०६;

आज्ञवेह. विवा० ४, ६; राय० ४७; सु०
च० २, १६०; दसा० १०, १; नाया०
८, १६; जं० प० ५, ११५;

आज्ञवयंति. सूय० १, ४, १, ७;

आज्ञवेह. आ० नाया० ८;

आज्ञवेत्ता. सं० कृ० नाया० १६;

आज्ञवेमाण. व० कृ० सूय० २, २, ३२;

५६; दसा० १०, ३;

आज्ञाविज्जह. क० वा० राय० २६५;

✓ **आपज्ज**. धा० I. (आ + पद्) पाम्युं;
भेज्युं. पाना; प्राप्तकरना. To get; to
obtain; to acquire.

आपज्जह. उत्त० ३२, १०३;

आपण. पुं० (आपण) दुकान; हाट. दुकान;
हाट. A shop. भग० ५, ७; नाया० १;
(२) शेरी. गली. street. जीवा० ३;

✓ **आपा**. धा० II. (आ + पा) पीयुं. पीना.
To drink.

आविअह. दस० १, २;

आविह. आ० उत्त० १०, २६;

✓ **आपील**. धा० I. (आपीड्) भसल्युं; पीड्युं;
रगड्युं; मसलना; दुःखदेना; रगड़ना. To
press; to oppress; to rub.

आपीलेह. भग० १५, १;

आवीलप. आया० १, ४, १, १३७;

आवीलिज्जा दस० ४;

आवीलियाण. सं० कृ० आया० २, १,
८, ४३;

✓ **आपुच्छ**. धा० I. (आ + पृच्छ्) पुठ्युं;
प्रश्न करवे। पूछना; प्रश्न करना. To ask;
to question.

आपुच्छह. नाया० ५; ८; १५; १६; भग०
११, ६; १२, १; उवा० १, ६६;

आपुच्छामि. नाया० १; २; ५; १२; १६;
भग० ६, ३३; १८, २; नाया० ध०

आपुच्छामो. नाया० १६;

आपुच्छउ. उवा० १, ६८;

आपुच्छेह. भग० १८, २;

आपुच्छेत्ता. नाया० १; ५; ८; १३; १६;
उवा० १, ६६; दसा० १, २२;

भग० ३, १; विवा० ७;

आपुच्छेत्ता. नाया० ८; भग० १८; २;

आपुच्छेत्ता. नाया० २; ऋ; भग० १८, २;
आपुच्छहता. भग० ११, ६, १२, १; १५,
१; नाया० ५; १५; १६; १८;
आपुच्छिऊय. ओष० नि० भा० १३, ८;
सु० च० ४, ३६;
आपुच्छिउं. कप्प० ६, ४६;

आपुच्छण न० (आप्रच्छन) पु०तुं ते; प्रश्न
करवे ते पूछना; प्रश्नकरना. Question-
ing. नाया० ६;

आपुच्छणा. स्त्री० (आप्रच्छना) पु०तुं ते;
प्रश्नकरवे ते. पूछना; प्रश्नकरना. Ques-
tioning. भग० २५, ७; नाया० १२;
अणुत्त० १, १; प्त्ता० १२, २; (२)
विनयपूर्वक युरुपासे आज्ञा मांगरी ते;
दस सामाचारिभांगो उ ज्ञे प्रकार. विनय-
पूर्वक गुरु से आज्ञा मांगना; दस सामाचारी
में का ३रा भेद. Respectfully ask-
ing the command of a precep-
tor; the 3rd of the ten Sāmā-
chāris. "आपुच्छणाया तहया चउत्थी पडि
पुच्छणा " प्रव० ७७३; उत्त० २६, २;

आपुच्छणिज्ज. त्रि० (आप्रच्छनीय) पु०तुं
ये०य. पूछने योग्य. Worthy of being
asked or questioned. नाया० १,
७; उवा० १, ५;

आपुण. त्रि० (आपूर्ण) पुं३ भरेल. पूर्ण
भरा हुआ. Full to the brim; filled
completely. पक्क० ३६.

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्यमाण)
पाणी वगेरही पूर्ण भरातुं. पानी वगेरह से
पूर्ण भरा हुआ. Being completely
filled with water etc. भग० १, ६;
३, ३;

आपूरिय. त्रि० (आपूरित) भर्थाई पूर्वक
पूर्ण भरायेतुं. भर्थाई पूर्वक पूर्ण भरा हुआ.

Filled to the brim. " जाहेतं
वज्जणमापूरियं होइ " विशेष० २५०; •

आपूरेमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्यत्) पूर्ण
करतो. पूरा करता हुआ. Filling; com-
pleting. " सहेणं तत्पएसे सव्वज्जो समता
आपूरेमाणे " राय० जीवा० ३; भग० ३, ३;
जं० प० ५, ११६;

आपूयिय. त्रि० (आपूर्यिक) पूरी के माल
पैआ बनावनार. पूरी या मालपुआ
बनाने वाला. (One) who prepares
buns. नदी०

आफालिचार. त्रि० (आस्फाल्यितृ) पगाड-
नार. बजानेवाला. (One) who plays
upon a musical instrument. सुय०
२, २, ५४;

आबाहा. स्त्री० (आबाधा) पीडा. पीका.
Affliction; pain; trouble. भग०
५, ४; १५, १; जीवा० ३, ३; वव० ५,
१५; विवा० ६; जं० प० १, २४; नाया०
४; ५;

आभंकर. पुं० (आभङ्कर) अष्टाभांगो ८८ अष्ट
भांगो ६८ भांग अष्ट. ८८ ग्रहों में से ६८ वें
ग्रह का नाम. Name of the 68th
constellation out of 88. सू० प० १०;
ठा० २, ३; (२) त्रीणि देवलोकना अष्ट
विमानतुं नाम. तीसरे देव लोक के विमान
का नाम. name of the heavenly
abode of the 3rd Devaloka.
सम० ३;

आभक्खण. न० (अभ्याख्यान) भोरो
आक्षेप भुक्तवे; कलंक अशुच्युं. झूठा आरोप
करना; कलंक लगाना. False accusa-
tion; falsely charging a person
with guilt. उवा० १, ४६;

आभट्ट. त्रि० (आभाषित) भोलावेला.

बुलाया हुआ. Called; spoken to.
विशे० १६०६; सु० च० ६, ५४;

आभरण. न० (आभरण) धरेलु; अलंकार;
आभूषण. गहना; अलंकार; आभूषण. An
ornament; an embellishment.
पह० १, ३; आया० २, ५, १, १४५;
अणुजो० १०३; निसी० ७, ११; सम० १,
२३१; सू० प० १; उत्त० १३, १६; भोव० ११;
जीवा० ३३; नाया० १; २; ५; १८; भग०
३, २; ३, ७; १६, ५; पञ्च० २; उवा०
१, ३१; कप० ४, ६२; (२) पुं० अ
नाभतो अक द्विप अने अक समुद्र. एक द्वीप
और एक समुद्र का नाम. name of an
island; also that of an ocean.
ज० प० ३, ४५; पञ्च० १५; जीवा० ३, ४;
अणुजो० १०३; —अलंकार. पुं० (—अलं-
कार) धरेलुआंछा पहरेवा ते. गहनों का
पहिनना. putting on ornaments.
ठा. ४, ४; भग० ६, ३३; —अलंकिय.
त्रि० (—अलंकृत) आभूषणो पहरेव;
आभूषणोथी अलंकृत. आभूषणों से अलंकृत,
सुशोभित. adorned; ornamented.
नाया० १२; भग० २, ५; नाया० ध० (२)
आभूषणोथी शलुगारेल देड. आभूषणों से
सिनगारा हुआ शरीर. body adorned
with ornaments. भग० ६, ३३;
—विस्त. त्रि० (विस्त्र) लुदा २ जतना
आभरण; विवित्र प्रकारना आभरण;
भिन्न भिन्न प्रकार के आभूषण. various
kinds of ornaments. जीवा० ३;
—धारि. त्रि० (—धारिन्) आभरण
धारण करणार; धरेलुं पहरेनार. आभूषण
पहिरनेवाला. (one) who puts on
ornaments. नाया० ८; —वास. की०
(—वर्षा) भुद्रिकादि आभूषणोनी वृष्टि.
आभूषणों की वर्षा. a shower of

ornaments. कप० ५, ६७; —विचिस्त.
त्रि० (—विचित्र) लुदा लुदा प्रकारना
धरेलुं. भिन्न २ प्रकार के गहने. vari-
ous kinds of ornaments. “आभ-
रणोवा आभरणविचिस्तोवा” आया०
२, ५, १, १४५; निसी० १, ७, ११;
१७, १२; —विहि. पुं० (विधि) धरेलुं
अनाववानी तथा पहरेवानी विधि. गहने
बनाने और पहिनने का विधि. art of
making and putting on orna-
ments. “आभरणविहि परिमाणं
करेह” वा० १, ३१; नाया० १; ओव० ४०;
आभवं—अ. (आभवम्) लव पर्यंत;
अ-दृगी पर्यंत. जीवन पर्यंत. Life-long.
पंचा० ४, ३४;

आभा स्त्री० (आभा) कान्ति; तेज; प्रभा.
कान्ति; तेज Lustre; light. जीवा०
३; ४; राय० ७८; भग० १२, ५; (२)
आकार; छप्पी. आकार, छांब. form;
picture. पञ्च० २, जीवा० ४;

आभाकर. पुं० (आभाकर) अ नामनु त्रीन
देव लोकनु अक विमान. तिसरे देवलोक के
विमान का नाम. Name of a heavenly
abode of the third Devaloka.
सम० ३;

आभाग. पुं० (आभाग) पडिलेहलुनु अपर
नाम पडिलेहन का दूसरा नाम. A
synonym of Padilehana i. e.
proper examination of clothes
etc. ओष० नि० ६३;

आभागि. त्रि० (आभागिन्) भागीदार;
हिस्सेदार. हिस्सेदार. A sharer; a part-
ner. पि० नि० २, १; नाया० १८;

आभासिय. पुं० (आभासिक) अ नाभतो
पद अंतर्द्विप भांते अक. इस नाम का पद
अन्तरद्विप में से एक. Name of one

of the 56 Antaradvīpas. (२) त्रि० ते अन्तर द्वीपमां रहन्तार मनुष्य. आभाषिक नामक अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvīpa called Ābhāsika; डा० ४; जीवा० १; ३; ३; (३) पुं० ऐ नामन्ता ऐक देश. इस नाम का एक देश. a country of this name. (४) त्रि० ते देशमां रहन्तार मनुष्य; म्लेच्छन्ती ऐक वन्त. आभाषिक देश में रहने वाला मनुष्य, एक म्लेच्छ जाति. (a person) residing in the country called Ābhāsika; a kind of Mlechchhas. पञ० १, पण० १, १; —दीव. पुं० (—द्वीप) लवण्यमुद्रमां अत्रदिमन्त पर्वतानी एता द्विपरन्ता ऐ नामन्ता ऐक द्वीप लवण्यमुद्र में के चन्द्रिमन्त पर्वत के अन्तराधि पर बसा हुआ द्वीप. name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavana ocean. “ कहिणं भन्ते द्रव्हणिज्जाणं आभाभिय मणुयाणं आभाभिय दीव नाने दीवे ” जीवा० ३; डा० ४, २; पञ० १;

आभासी. स्त्री० (आभाषी) आभाषिक द्वीप नी रहिवासी स्त्री. आभाषिक द्वीप में रहने वाली स्त्री. A female inhabitant of the Ābhāsika island. जीवा० ३;

आभिओग पुं० (आभियोग्य-आसमन्ताद् युज्यन्ते प्रेष्यकर्माणि व्यापार्यन्ते इत्याभियोग्याः) नोकर देवता; आभियोगिक वन्तना देवता. नोकर देव; आभियोगिक जाति के देव. A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the Ābhiyogika kind. पण० १, २; भग० १६, २; १८, २; जं० प० १,

१२; नाया० ८; (२) (अभियोग आज्ञा प्रदानलक्षणोऽस्यास्तीत्याभियोगी तज्ज्ञाव आभियोग्यम्) नोकरपणु; सेवकभाव. सेवक-पना; सेवकत्व. servitude. इम० ६, २, ५; जं० प० ५, ११२; ११४; —पणसात्ति. स्त्री० (—प्रज्ञति) विद्याधरनी ऐक विद्या. विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyādhara. “ संकामणि अभिओगा पणसात्ति गमणित्थंभणिसुय वज्जुन्तु विज्जाहरीसु विज्जागु विस्सुयज्जे ” नाया० १६; —सोद्धि. स्त्री० (—अणि) वैताल्य पर्वत उपर विद्याधरनी अणिथी १० योजन श्रेणी अविद्योगी देवता में रहिवासी देवता. वैताल्य पर्वत के ऊपर विद्याधर श्रेणी में १० योजन ऊचा आनन्दोप देवों का रहने का स्थान. an abode of Abhiyogi deities on the Vaitālyha mount ten Yojanas in height from the Vidyādhara Śreni. जं० प० १, १२;

आभिओगा. स्त्री० (आभियोगा) विद्याधरनी ऐक विद्या. विद्याधर की एक विद्या. A branch of knowledge or an art possessed by Vidyādhara. नाया० १६;

आभिओगिअ—ब. पुं० (आभियोगिक—अभियोगःप्रयोजनमर्थ्यति) नोकर देव-तानी ऐक वन्त; उन्तरता देवता. नोकर देवों की एक जाति; निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities. “ आभिओगिण देवे सहावेह ” जीवा० ३, ओव० ४१; नाया० ८; १४; राय० २८; ३४; भग० १४, २; (२) विद्या, मंत्र, वशीकरण, आदि अलियोगिकर्म करनेवाला साधु. विद्या, मंत्र, वशीकरण आदि आभियोग कर्म करने-वाला साधु. a Śādhū who practises

charms, incantations etc. विवा० २; जीवा० ३; भग० १, २; पञ्च० २०; जं० प० ५, ११२; —**कल्य.** पुं० (—**कल्य**—**अभियांगः** प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतंत्रता फलं तस्य क्षयो विनाश आभियोगिकक्षयः) अभियोग-परतंत्रता आपनारुर्भवेत् नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मों का नाश. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ५, ११२; ११४; पंचा० १२, ७; —**देव.** पुं० (—**देव**) अभियोगनतिना नीत्या देवता. अभियोग जाति के हलके देव. a subordinate kind of duties styled Abhiyogika. नाया० घ०

आभिगगहिय. त्रि० (अभिग्राहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहस्तेन निर्धृत्त आभिग्राहिकः) अभिग्रहणीयत्वादि करनेवाले; अभिग्रह धारण करने वाले; आभिग्रह धारण करके कायेत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows. पंचा० ४, ८;

आभिणिबोहिय. न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोधः संप्रबोधिनिबोधिकम्) भविष्यत्; मन्यमाने इन्द्रियार्थों से ज्ञान; ज्ञानना पांच प्रकारमाने पहिले प्रकार. मतिज्ञान; मन और इंद्रियसे होनेवाला ज्ञान; ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. “सकितं आभिणिबोहियणां आभि० दुविहं प० तं सुय निस्सियं असुयनिस्सियं च ” नंदी० श्रव० १६; आशुजो० १२७; उत्त० २९, ४; ३३, ४; टा० २, १; विशेष० ८० पञ्च० १; —**लक्ष्मि.**

ली० (—**लक्ष्मि**) भविष्यत्-प्राप्ति. मतिज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna. भग० ८, २;

आभिणिबोहियणा. पुं० (आभिनिबोधिक-ज्ञान) लुप्तो “आभिणिबोहिय ” शब्द. देखो “आभिणिबोहिय ” शब्द. Vide “आभिणिबोहिय ” टा० २, १; आशुजो० १; भग० १, ५; २, १०; , ६४; ८, २; नंदी० १; विशेष० ७६; श्रव० सम० २८; —**पञ्चव.** पुं० (—**पर्वव**) भविष्यत्-पर्याय. मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijñāna. भग० ८, २; २५, ४; —**लक्ष्मि.** ली० (—**लक्ष्मिका**) भविष्यत्-प्राप्ति. मतिज्ञानकी प्राप्ति. acquirement of Matijñāna. भग० ८, २;

—**आवरण.** न० (—**आवरण**) भविष्यत्-पर्याय; भविष्यत्-पर्याय. मतिज्ञानको धँकनेवाला कर्म. Karma which obscures Matijñāna. सम० १७; —**आवरणज.** न० (—**आवरणीय**) भविष्यत्-पर्याय कर्म; भविष्यत्-पर्याय. मतिज्ञानको धँकानेवाले ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. मतिज्ञानावरणीय कर्म; मतिज्ञान को न होने देनेवाले ज्ञानावरणी कर्म की एक प्रकृति. a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; —**विणय.** पुं० (—**विनय**) भविष्यत्-पर्याय. मतिज्ञान का विनय. Vinaya or austerity of Matijñāna. भग० २५, ७; —**सागारोपयोग.** पुं० (—**साकारोपयोग**—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनिबोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च तदेव साकारोपयोगः तथा) भविष्यत्-पर्याय. मतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पञ्च० २८;

आभिविबोदियणाणि. पुं० (आभिविबोदिक ज्ञानिन्) आभिविबोदिक मतिज्ञानवाला. आभिविबोदिक मतिज्ञान वाला. (One) possessed of Ābhinibodhika Matijñāna. भग० ६, ३; ८, २; १८, १; २५, १;

आभिप्रायश्च. त्रि० (आभिप्रायिक) अभिप्रायवायुं; अभिप्राय युक्त. अभिप्राय वाला. Having a definite aim or purpose. अणुजो० १३१;

आभियोग. पुं० (आभियोग) ण्युभे "आभियोग" शब्द. देखो "आभियोग" शब्द. Vide. "आभियोग" टा० ४, ४; भग० ३, ५;

आभियोगत्ता. स्त्री० (आभियोग्यता) नोकर्याकरपणुं; सेवा लाव; नोकर देवतापणुं; नोकरचाकर पन; सेवकत्व; नोकर देवपन. State of being a servant or a servile deity. "चउहिं ठाणेहि जीवा अभियोगत्ताण् कम्मं पगरेति" टा० ४;

आभिषेक. त्रि० (आभिषेक्य) राज्याभिषेक करवा योग्य; नेतो अभिषेक करवाभां आवेछे ते. राज्याभिषेक करने योग्य; जिसका अभिषेक किया जाता है वह. (One) to be crowned king; (one) to be made king with proper ceremony. "आभिषेकं हस्तिरयणं पडि कप्पह" जं० प० ओव० २६; राय० १५८;

अभीरी. स्त्री० (अभीरी) आदि२णु. अहीरनी; अहीर जाति की स्त्री. An Ābhira female. नंदी० ४४;

✓ आभोग. धा० II. (आ+भोग=आ+भुज्)

णेउं देणुं. देखना. To see. (२) णणुं. जानना. to know.

आभोग्ग. कण्ठ० ५, १०६; आभोग्ग. राय० २६४; दसा० १०, ११; उवा० ८, २५५; नाया० ८; ६; भग० ५, १; १६, ५; जं० प० ५, ११५;

आभोग्गति. जं० प० ५, ११२;

आहोयति. भग० ३, १;

आभोग्गमि. भग० ३, २; नाया० ८;

आभोग्गति. भग० ११, १;

आभोग्गता सं० कृ० नाया० ९;

आभोग्गता. सं० कृ० नाया० ८; भग० ३, २; १५, १; दग० ५, १, ८६;

आभोग्गमाणा. व० कृ० नाया० २; ८; १३; भग० १६, १; नाया० ध०

आभोग-य. पुं० (आभोग) ज्ञान; समञ्ज. ज्ञान; समज. Knowledge; understanding. दस० ५, १, ८६; विवा० १;

आभोग. पुं० (आभोग आभोजनमाभोगः) उपेक्षा विशेष. उपयोग विशेष. A particular kind of attentiveness or carefulness. प्रव० १११, ८; (२) ज्ञान; समञ्ज; अणु२. ज्ञान; समज. knowledge; information. भग० ७, ६; पञ्च० १४; पि० नि० ५७७; टा० ४, १; १०; (३) ग्राह्यी श्रुति करे प्रवृत्ति. जानबूझकर की हुई प्रवृत्ति. activity consciously performed. प्रव० ११६८; (४) विस्तार. विस्तार. extent नाया० १; —उभ्याण्. न० (—ध्यान आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्) ज्ञानपूर्वक व्यापारणुं ध्यान. ज्ञान पूर्वक व्यापार का ध्यान. contemplation of conscious activity. आउ० —णिच्व-त्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) ग्राह्यी श्रुति

करेयुं जानबूझकर कियों हुआ. performed consciously or purposely. भग० १, १; (२) पैमानिष्ट हेतुतः को धि विशेष; कोधेन परिणाम ग्राह्या उतां पणु करेल कोध. वैमानिक देवों का कोध विशेष; कोधका परिणाम जानते हुए भी किया हुआ कोध. anger of heavenly deities i. e. anger in spite of a knowledge of its results. ठा० ४; —यडस. पु० (—बकुश) आभोग-ग्राह्या हेतु उपायान्तर साधु. जान बूझकर दोष लगाने वाला साधु. an ascetic consciously incurring sin. ठा० ५, ३; भग० २५, ६;

आभोगण. न० (—आभोग) विचारण. विचारणा; विचार. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आभोगणया. स्त्री० (—आभोगन) कृता; विचारण. ईहा; विचारणा. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आम त्रि० (आम) अपक्वः शयुः अपक्वः कबा. Raw; unripe. वेय० १, १; सु० च० ७, १८३; पि० नि० १७; पण० १, ३; (२) संक्षेप आहार. दोष सहित आहार. food involving sin. आया० १, २, ५, ८७; —अभिभूय. त्रि० (—आभूत) अपरिपक्व रसस्य पराभव प्राप्ते. बिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence विवा० ७; —गंध. पु० (—गन्ध) आधाकर्म आदि दोष. आधाकर्म आदि दोष. a fault such as Ādhā Karma etc. “मन्धाम-गंधं परिणाय शिरामगंधो परिष्ठाण” आया० १, २, ५, ८७; —डाग न० (—डाग) शयुं पांडुं; शयुं पांडुं

शयुं शयुं तांदुलम् पणेरुं पांडुं. कबा पत्ता. a raw, unripe leaf. “सेजं पुण जाणेजा आमडागं वा” आया० २, १, ८, ४६; —मल्लग. पु० (—मल्लक) अपक्वः शयुः शरावला. कबा मिष्टिका प्याला. a raw earthen bowl. नाया० ६; —मल्लगरूप. त्रि० (—मल्लकरूप) अपक्व शरावला गंतुः शयुः शरावला नी गे तत ५४१ दाय तेजुं. कबा प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen bowl. नाया० ६, तंदु० —मदुर त्रि० (—मधुर) शयुं जतां शरावलां मधुः कबा हॉनेपर भी स्वाद में मिय. raw yet sweet (८. ६. मिती). “आभं खांम एम आममकुं” ठा० ४, १;

आमश. पु० (आमय) रोग, बीमारी. Disease. पि० नि० ८४६;

आमश. त्रि० (आमक) सत्तिता परतु; शयुः-शयुःशयुः परतु सत्तितावस्तु; मज्जाव-वस्तु. Raw; (a thing) having life in it दग० ३, ७;

आ-मंत. प्रा० II (आमंत्राणि) संयो-धन करी आवातयुं आमंत्रण करेयुं; नेतके आपयुं. संबोधनपूर्वक बुलाना; आमंत्रण करना; बोला देना. To call out to; to invite.

आमनेह. आव० २६; विवा० ३; नाया० १; ७; १८; भग० ११, ८; १५, १;

आमंतेमि. नाया० १२;

आमंतिता. नाया० ७; भग० ३, १; १४ ७; १५, १; निर० ३, ३; वसा० ५, ६; उवा० २, ११६; दसा० १, १; ठा० ३, २; उवा० ६, १, ८४;

आमंतेत्ता. नाया० १४; १५; भग० ११, ६, १५, १;

आमन्त्रेऊण. नाया० १५;

आमन्त्रिय. सं० कृ० सू० १, ४, १, ६;

आमन्त्रेमाण. व० कृ० आया० २, ६, १,

१३६;

आमन्त्रण. न० (आमन्त्रण) सम्बोधन.

संबोधन. Vocative address; calling

out to. टा० ८, १; (२) आमन्त्रण.

नोत्रा. निमन्त्रण; नोत्रा. invitation.

सू० ४० ३, ११३;

आमन्त्रणी. स्त्री० (आमन्त्रणी) ऐ देवदत्त !

अपदि संबोधन० प भाषा; व्यवहार भाषा में

ऐक प्रकार संबोधन रूप भाषा. Language

of address in the vocative

case; a variety of conventional

speech. प्रव० ६०१; भग० १० ३; पञ्च०

११; अष्टांग० १२३; (२) संबोधन

अर्थ में वचन (प्रथमा) विभक्ति. संबो-

धन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा)

(विभक्ति), the nominative used

in the sense of the vocative.

“ आगन्तवे भवेत्तदुर्माय जह हे मुवाणत्ति ”

टा० ८;

आमन्त्रिय-य त्रि० (आमन्त्रित) पृच्छेत्:

आमन्त्रण करे. पृच्छा हुआ; आमन्त्रण किया

हुआ. Asked; addressed; invited.

“ गच्छामि गये आमन्त्रिओसि ” उक्त० १३,

३३; “ सभिक्षु वा २ इन्धिमामन्त्रेमाणे

आमन्त्रिण् ” आया० २, ४, १, १३४;

आमग. त्रि० (आमग) क्षयु; अपरिपक्व.

कच्चा. Raw. (२) सञ्चित. सञ्चित

सञ्चाव. having life or lives in.

दस० ५, २, १६; ८, १०; भग० १५,

१; तंडु०

✓ आमज्ज. धा० I, II. (आ+जृ) वाक्ष्युं,

साक्ष करे; धुं-धुं. साफ करना; पोंछना.

To cleanse; to wipe; to sweep.

आमज्जिज. विधि० आया० २. १३, १७२;

आमज्जेज. विधि० निसि० ४, ७१; ३,

१६; २२;

आमज्जमाण. वक्तु० आया० २, १, ६,

३६;

आमयकरणी. स्त्री० (आमयकरणी) विद्या

विशेष; देश उत्पन्न करनेवाले एक विद्या. रोग

उत्पन्न करनेवाली एक विद्या. An art of

producing or causing diseases.

सूत्र० २, २, ३०;

आमरणं. अ० (आमरणम्) मरणपर्यन्त.

माने तक. Up to death; till

death. पंचा० ३, ४६;

आमरणंत. अ० (आमरणान्त) मरण

पर्यंत. मरण पर्यन्त. Till death.

टा० ४, १; --दोस. पुं. (-दोष) मरण

पर्यन्त पाप क्षयभूमि का उत्पत्ती पैदा

प्राप्त पश्चात्पाप न थाये ऐसा प्रकारसे दोष;

सैद्ध्यान्तुं ऐक वक्ष्यु. मृत्यु तक किन्तु

कालभूमि का कष्ट के समान पाप का

पश्चात्पाप न हो ऐसा दोष; सैद्ध्यान्तुं का

एक लक्षण. sin without repen-

tance till death as in the

case of the butcher Kalasūria;

a mark of Raudra Dhyāna.

टा० ४; भग० २५, ७; श्रौत० २०;

आमर्गस. पुं. (आमर्ग) संबन्ध; सम्पर्क.

सम्बन्ध, सरो: Connection; con-

tact. विशेष० ११०६;

आमल. पुं. (आमल) अद् बहु बीजवाला वृक्ष;

आमलानुं वृक्ष. बहु बीजवाला वृक्ष;

आमल का वृक्ष. A hog-plum tree;

a kind of tree with many

seeds. जीवा० १; आया० टी० १, १,

५, १२६; --कपास. न० (-कार्पास)

आमलानि कपास. कपास की एक जाति.

a variety or species of cotton.

“ आमलकप्पासाओवा बसीकरणं करेह ”

निर्सी० ३, ७२;

आमलक. न० (आमलक) आमलानुं इक्ष.

आंवला. A fruit of the hog-plum

tree. “ आमलपाण्यं वा ” सूय० १, २,

१, १६;

आमलकप्पा. स्त्री० (आमलकल्पा) अमे

नामनी अमेक नगरी एक नगरी का नाम.

Name of a city. “ इहेव जंबूदावे भा

रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होस्था ”

राय० २; नाया० ध०

आमलग. पुं० (आमरक) भारी; भरकी.

चारों तरफ फैली हुई बीमारी. Plague

infecting all quarters. ठा० १०;

(२) न० भरकी संबंधी अधिकारवापुं विपाक-

सूत्रनुं ६ भुं अध्ययन. विपाक सूत्रका मरी

(बीमारी) के सम्बन्ध का ९वां अध्ययन.

The 9th chapter of Vipāka

Sūtra dealing with the subject

of plague. ठा० १०;

आमलग. पुं० (आमलक) आमलानुं अक्ष.

आंवलेका वृक्ष. A hog-plum tree.

पत्र० १; सू० प० १०; सूय० १, ४, २, १०;

अणुजो० १४३; १५०; भग० २२, ३;

जीवा० १; ठा० ४, ३; —मधुर. त्रि०

(—मधुर) आमलाना इक्ष भेजुं स्वादिष्ट.

आंवले के फल के समान स्वादिष्ट. as

tasteful as the fruit of a hog-

plum tree. ठा० ४, ३; —रस. पुं०

(—रस) आमलानो रस. आंवले का रस.

juice of hog-plums. सूय० वि० टी०

१, ८, ११; —रसिय. त्रि० (—रसित)

आमलाना रसधी मिश्र करेव. आंवलेके रस

से मिश्रित. mixed with the juice

of hog-plum fruits. विवा० ७;

आमलय. पुं० (आमलक) अमे 'आमलग'

शब्द. देखो 'आमलग' शब्द. Vide.

'आमलग' राय० २६८; उवा० १, २४;

आमिआ. स्त्री० (आमिका) काथी इली वगेरा.

कच्ची फली वगैरह. A raw seed-pod

etc. “ आमिअं भजिअं सहं ” दस० ५,

१, २०;

आमिस. न० (आमिष) भांस. भांस.

Flesh. सूय० १, १, ३, ३; उत्त० ३२,

६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ५, २६;

(२) धन धान्यादि भोग्य पदार्थ. धनधान्यादि

भोग्य पदार्थ. any thing which can

be eaten or enjoyed. “ आकि-

चया उज्जुकाडा निरामिसा ” उत्त० १४,

४१; ‘ आमिसं कुललं दिस्स वज्जमायं

निरामिसं आमिसं सव्व मुक्कित्ता विहरिस्सा-

मो निरामिसा ’ उत्त० १४; ४५; —आवत्त.

पुं० (—आवर्त) भांसार्थी समझी वगेरे के

आकाशभां आवर्तन करे ते; आवर्तनो अमेक

प्रकार. भांस की इच्छा से आकाश में उड़ने

की किया; आवर्तनका एक प्रकार. act of

wheeling in the sky done by

kites etc. for flesh. ठा० ४, ४;

—आहार. पुं० (—आहार) भांसाहार.

भांसाहार. flesh-food. (२) त्रि०

भांसाहारी. भांस खानेवाला. carnivorous;

flesh-eating; नाया० ४; —तास्सिच्छ.

त्रि० (—तस्सिप्स) भांसनो गृद्धि-लोचपी.

भांस का लोलुपी. greedy of flesh.

नाया० २; —प्पिय. त्रि० (—प्रिय) भांस

आवाभां प्रीति वाले. भांस खाने में प्रीति

रखने वाला. fond of flesh-eating.

नाया० ४; —भक्षि. त्रि० (—भक्षिन्)

भांसाहारी; भांस लक्ष्य करनार. भांसाहारी.

carnivorous; flesh-eating. नाया०

२; —लोल. त्रि० (—लोल) भांसनो

लोक्षपी; मांस लम्पट. मांस का लोलुपी.
greedy of flesh. नाया० ४;

आमिसत्थि. त्रि० (आमिषार्थिन्) मांस नी
धृञ्छा-प्रार्थना करना. आमिष-मांस की
इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One)
desiring flesh. नाया० ४;

✓ आमुस. धा० I. (आनृश्) धसतुं;
मर्दन करतुं; मरोडने नियावतुं. घिसना;
मर्दन करना; मरोडकर निचोना. To rub;
to expel water from a wet
cloth by twisting it.

आमुसिजा. वि० दस० ४;

आमुसंत. ठा० १; दस० ४;

आमुवमाण. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुतंतो. अ० (आमुहुतान्तस्) अंत-
मुहुर्त पर्यन्त. अन्तर्मुहुर्त तक. Up to the
limit of an Antaramuhūrta.
क० प० २, ५२;

आमेल. पुं० (*) भरतक भूषण; मुगट उपरकी
ध्वनी भाडा. मस्तक भूषण; मुकट उपरकी
पुष्प की माला. A flower garland
of a crown. " वणमाला मेल मउल
कुंडल सच्छंद विउज्विया भरण " पञ्ज०
२; ओव० २४; राय० ८६; नाया० १६;
जीवा० ३;

* आमेलअ-य. पुं० (*) जुओ उपलो शब्द.
देखो ऊपरका शब्द. Vide above. भग०
६, ३३; ओव० ३०;

* आमेलग. पुं० (*) जुओ " आमेल " शब्द.
देखो " आमेल " शब्द. Vide. " आमेल "
" आमेलग जमल जुगल बट्टिय " भग०
६, ३३; नाया० १; २, राय० १११;

आमेलग. न० (आमोजक) स्तननो अग्र-

भाग;—डीटी-डीटुं. स्तनका अग्रभाग. The
nipple of the breast; a teat.
जं० प० जीवा० ३, ३; (२) ५२२५२ थोडा
संबंध वाला. परस्पर थोड़े संबंध वाला.
having limited inter-relation.
नाया० १; १४;

आमोक्ख. पुं० (आमोक्ख-आमुक्खतेऽस्मिन्नित्या
मोक्खं वाऽऽमोक्खः) आ-समंतात्-आरे
तरङ्ग्यी मोक्ष-छुटकारा; कर्मथी सर्वथा
छुटकारा. संपूर्णतया मोक्ष; कर्मसे सर्वथा
छुटकारा. Perfect salvation;
perfect emancipation from
Karma. " आइयाऽऽजाइ आमोक्खा "
आया० नि० १, १, १, ७; सूय० १; १, ४,
१३; २, ५, ३३;

आमोडण. न० (आमोटन) आ-थोडुं मर-
डतुं-भांगतुं ते. कुछ मरोडना. A little
twisting. पण्ह. १, १;

आमोडिज्जन्त. व० कृ० त्रि० (आमोड्यमान)
थोडुं मरडवायां आवतुं. जो थोडा मरोडा
जाता है वह. Being twisted a
little. राय० ८८;

आमोय. न० (आमोक) क्यरानो ढगलो;
ठकरोडा. कचरेका ढेर. A heap of re-
fuse. " आमोयायिवा " आया० २, १०,
१६६;

आमोयमाण. व० कृ० त्रि० (आमोदमान)
पुशी थोता; आह्लाद पाभतो; प्रसन्न होता
हुआ; लुभा. Rejoicing. " आमोयमाणा
गच्छंति " उक्त० १४, ४४;

आमोस. पुं० (आमर्श) स्पर्श करवे ते.
स्पर्श करना. Touching; touch. ओष०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

नि० भा० १६४; पण० २, १; प्रव० १५० ६
आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) चोतस्थी चोरी
करना. चोरों और से चोरी करने वाला.
One who steals from all quarters. “आमोसे लोमहारीय” उक्त० ६, २८;

आमोसग. पुं० (आमोषक) चोर, तस्करी.
चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०;
दा० ५, २;

आमोसहि. स्त्री० (आमशौषधि-आमशौहि-
हस्तादिना स्पर्शः संप्रवोषधिरामशौषधिः)
हाथना स्पर्शभावस्थी सर्व दुर्द भरी व्याधि
औरी मननी भेदवेदी शक्ति; २८ लब्धि-
मांती ऐक. हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि
मिट जावे ऐसी घास की हुई शाक; २८ लब्धि-
गोमें की एक लब्धि. Power to cure
diseases by mere touch of the
hand etc; one of the 24 Labdhis.
आव० १६; (२) ऐवि लब्धि पाया सधु.
उक्त लब्धिवाला साधु. an ascetic pos-
sessed of the above mentioned
power. विशेष० ७७६; —पुत्त. वि० (—प्राप्त)
हाथ मात्र लगावपायी अधी पीडा भरी व्याधि
तेवी लब्धि ने पामेव. हाथ के स्पर्श मात्र से
संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुआ.
possessed of the power of curing
maladies by merely touch-
ing with the hand. पण० २, १;

आय. न० (आज) अक्षरीनां आधनुं अनेत्र
पत्र. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र.
Cloth made of the hair of a
she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) लाभ; धनादिनी प्राप्ति;
आवक; कमाएली. लाभ; आयः आमदनी.
Gain; earning; income. “आयं न
कुञ्जा इह जाविष्यथी” मय० १, १०, ३;

१, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पिं०
निं० ३१६; अणुजो० १३; (२) कर्मन्ती
आवक; आश्रय. कर्म का आश्रय—आवक.
inflow of Karma. सूत्र० १, १०; ३;
(२) अध्ययन तथा उद्देशादि. अंग सूत्र के
अध्याय वंगैरह. chapters, sections
etc. “नाणस्म दंसणस्मवि चरणस्मय जेणे
आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोत्त
एगट्टा” दस० टी० १; (४) दावानी ऐक
वन; वनस्पति विशेष. कोलाका एक जाति;
वनस्पति विशेष. a kind of vegeta-
tion of the gourd kind. “संकिंते
कुहणा कुहणा अणेगाविहा प० तं० आय
काण कुहणे” पञ० १;

आय. पुं० (आत्मन) आत्मा; ७५. आत्मा;
जाद. Soul: life. “आयमुत्तेजिद्दिण्.”
नाया० ८; सम० १; पण० १६; २८;
आदा० १, १, १, ३; मय० १, ११,
१६; उक्त० २, १५; ८, १६; १४, १०,
अग० १, ४; ६; २, १; ३, ४, ६, १०;
२०, २; ४१, १; राय० ७८; नंदी० ४५; टी०
७, १; विशेष० ३०; ६२; ३७३६; —अंगुल.
पुं० (—अंगुल) आत्मांगुल; शास्त्राकृत प्रमा-
णापेन उपाधिनाया उत्तम पुरुषना शरीरती
उपाधिना १०८ भां भाग; आत्मांगुल. उपा-
धाय छे आ अंगुलस्थी कुवा, नदी, घर, क्षेत्र.
आडी पमेरे पदार्थानुं माप थाय छे. आत्मां-
गुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की
उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुल
कहलाता है, इस से कुआ, नदी, घर, बाड़ा
आदि का माप होता है. a measure of
height or length, 108th part
of the full height of a man as
settled by the authority of
scriptures; it is used to mea-
sure the depth of wells etc.

विशे० ३४०; आयुजो० १३४; प्रव० ५६, ८; १४०३; —अंतकर. पुं० (—अन्तकर-आत्मनो अन्तमवसानं भवस्य करोतीत्या-त्मान्तकरः) आत्मानो अंत करने-वाला; आत्मानो पक्ष करने-वाला. आत्मा-जावन का अंत करनेवाला. one who destroys life; one who destroys the soul. ठा० ४, २; —अजस. न० (—अजसस्) आत्मानो अजस-अशुभ नामधेयि ओं प्रकृति. आत्मा का अजस-अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति. infamy, disrepute of the soul; a variety of evil Nāma Karma. भग० ४१, १; —अयुक्पय. त्रि० (—अनुकम्पक—आत्मानमेवानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभा-नुष्ठानेन सद्गतिगामिनं विश्वस्य इत्यात्मानु-कम्पकः) आत्महित करनेवाला प्रवृत्त; प्रत्येक-शुद्ध अथवा गिनकली. आत्महित करने में प्रवृत्त; प्रत्येकनुद्ध अथवा जिनकली. one devoted to the welfare of the soul. “आयायुक्पय कामबेगे खो परायु-क्पय” ठा० ४, ४; सूय० २, २, ८५; —अभिनिवेश. पुं० (—अभिनिवेश) पोता-पशुनो आग्रह, भक्त्य आग्रह. अहंभाव; ममत्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी० —अहिगिरणवत्तिय. त्रि० (—अधिकरण प्रत्यय—आत्मनोऽधिकरणानि आरमाधि-करणानि तान्येव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया करये तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) जेभा आत्मानो अधिकरण कारणरूप छे ते. जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है वह. (that) in which relation with the soul is the active cause. “आयाहिगिरणवत्तियं चयं तस्स नो इरियावहिया किरिया कज्जइ संप-
v. II/8.

राइया किरिया कज्जइ” भग० ७, १; —अहिगिरण. पुं० (—अधिकरणिन्-अधि-करणानि हत्वशक्त्यादीनि कषायाश्रयसूत्राणि यस्य सन्ति सोऽधिकरणी आत्मनेऽधिकरणी आत्माधिकरणी) आरंभादिदत्ता साधन. छय वगैरे जेनी पसे छे ते आत्मा; पोतानी नते आरंभ समारंभना आरं-भइ भेदयना. आरंभादिक के साधन; हत आदि जिसके पाग है वह आत्मा; स्वयं आरंभ समारंभ के साधन को आरं-भित करने वाला. a soul possess- ed of implements of killing etc., such as a plough etc. by his own efforts “आयाहिगिरण भवइ” भग० ७, १; १६, १; —आरंभ. त्रि० (—आरंभ) पोतानी छये अंतरी ४० करने-वाला. अपने हाथ से जीव की घात करने-वाला. (one) who kills with his own hands. भग० ३, १; —उपक्रम. पुं० (—उपक्रम) पोतानी नते आदिआनो उपक्रम करेवा, आदिपुं० हुं हुं करवुं ते अपने हाथसे आयुष्य को कम करता. shortening one's own life. भग० २० २; १०; —कर्म न० (कर्मन्) आत्माये करेवा कर्म. आत्मा को किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul. भग० ३, ५; २, १०; २५, ८; —गत. त्रि० (—गत-आत्मगतम्) आत्माओं में रहने; आत्मा संबंधी. आत्मा संबंधी. relating to the soul. पंचा० ३, ३७; —गवेसय. त्रि० (—गवेपक) आत्मानं कवे मखापहारेण शुद्धं गवेचयतीत्यात्मगवेपक आत्माना परा स्वरूपने शोधना. आत्मा के सबे स्वरूप को खोजनेवाला. (one who investigates into the

real nature of the soul. " साहिष्णु आयगवेसय स भिष्वू " उत्त० १५, ५; —गुप्त. त्रि० (—गुप्त—असयमस्थानेभ्यो मनोवाक्यैरात्मा गुप्तो यदा स आत्मगुप्तः) भन वयन अने कायाये करी आत्माने पाप. थी गोपवतः; आत्मरक्षक. मन, वचन और काया से आत्मा की रक्षा करने वाला. (one) who guards the soul against sins of thought, word and deed. " सर्ववत्तं याणु जायति आयगुप्ता जिह्दिद्या " सूय० २, २, ६५; आता० १, २, ७, २०४; १, ३, १, १०६; उत्त० १५, ३; सूय० १, ११, १९; —छट्ठ. पुं० (—पष्ट) अत्मा के भाँ १०६ छे अिया पाय भन. आत्मा जिनमें छटा है ऐसे पंचभूत. the soul along with the five elements. " आयछट्टो पुणो आहु " सूय० १. १, १, १५; —छट्ठवाह. पुं० (—पष्टवादिन्) पांय भन उपरांत छटा आत्माने भानतार सांख्य यथेरे. पंचभूत के सिवाय आत्मा को छटा मानने वाले सांख्य वगैरह. one who admits the existence of the soul in addition to the five elements; e. g. a Sāṅkhya etc. सूय० टी० १, १, १, १५; —जस. न० (—यशस्) आत्माना यशरूप संयम. आत्मा का यशरूप संयम. the glory of the soul viz self-restraint. " जीवा एक आयजसेण उववज्जति " भग० ४१, १; —जोग. त्रि० (—योग) आत्मा तरदनी प्रवृत्ति वादे; कुशल भननी प्रवृत्ति आत्मा देखेवी प्रवृत्ति वाला; कुशल मन की प्रवृत्ति. (one) busy with what concerns the soul; salutary

activity of the mind. सूय० २, २, ८५; —जोगि. पुं० (—योगिन्—आत्मनो योगः कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः स यस्यास्ति) सदा धर्म ध्यानभां निभन. सदा धर्म ध्यानमें निभन. always engaged in religious meditation. दसा० ५, २१; —ह. पुं० (—अर्थ) आत्मानु अर्थ—अर्थेजन; मोक्ष. आत्मा का प्रयोजन; मोक्ष. the aim of the soul; salvation. आया० टी० १, २, १, ६२; —हि. पुं० (—अर्थिन्—आत्मनो अर्थ आत्मार्थः स विद्यते यस्य स तथा) आत्मानु हित करना; मोक्षार्थी. आत्मा का हित करने वाला; मोक्षार्थी one who accomplishes the well-being of the soul; one aiming at salvation. सूय० २, २, ८५; —हि. पुं० (—अद्धि) आत्मानु अद्धि—शक्ति वादे. आत्मा की अद्धि—शक्तिवाला. one possessed of soul-power. भग० ३, ४; ६, १; २०, २; २५, ८; —तिगिच्छिअ. त्रि० (—चिकित्सक) पेते पेतानी द्या करना. अपना आप औषधि करने वाला. (one) who is his own doctor. टी० ४, ४; —तुला. स्त्री० (—तुला) आत्मानु तुला-समानता-उपमा. आत्मा का उपमा. self-comparison; e. g. comparison of the lives of others with one's own life. " आयगुलं पाणहि संजय " सूय० २, २, ३, १२; —दंड. पुं० (—दंड—आत्मानं दंडयतीत्यात्मदंडः) आत्माने दंडनार; आत्माने हानि-पहुँचाउनार. आत्मा को दंडनेवाला; आत्मा का हानि पहुँचाने वाला. one who

destroys or ruins his own soul. “ एतेषां काण्डा य आयदंहे ” सूय० १, ७, २; —दंडसमाचार. पुं० (-दण्डसमाचार) आत्माना अहितं अनुष्ठानं कर्तारः; आत्मा दंडयतेषु आयदंहे कर्तारः. आत्मा के अहित का कार्य करनेवाला. one acting in a way to injure his own soul. सूय० १, २, ३, ५; —निष्कोटक. पुं० (-निष्कोटक) सम्यग्दर्शन आदि अनुष्ठान पडे आत्माने संसाररूप देहआत्मांथी पकारे कर्तारः. सम्यग्दर्शनादि के अनुष्ठान के द्वारा आत्मा को संसाररूपी जेल में निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सूय० २, २, ८५; —पइ-द्विभ्र-य. त्रि० (-प्रतिष्ठित) पीताने आश्रित उत्पन्न ध्येयः; अद्वय निमित्तविना अंदरना निमित्तधीयः ध्येयः. स्वभावतः उत्पन्न; बाहिर के निमित्त बिना अंदरके निमित्त से ही उत्पन्न. spontaneously produced without the operation of any outside agency. ता० २, ४, ४, १; —पञ्चकम्ब. न० (-प्रत्यक्ष) आत्मसाक्षी. आत्म साक्षी. with one's self or soul as witness; in one's own presence. भक्त० ५५; —परक्रम. त्रि० (-पराक्रम) आत्मसाधक-संयम अनुष्ठानकर्ता. आत्मसाधक-संयम अनुष्ठान वाला. (one) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. सूय० २, २, ८५; दसा० ५, २४; —पपञ्चोग. पुं० (-प्रयोग) आत्मनो व्यापार. आत्मा का व्यापार. activity of the soul.

भग० ३, ४, ५; २०, १०; २३, ८; ३२, १; —पपञ्चोग निव्वत्तिय. त्रि० (-प्रयोग निर्वर्तित-आत्मनः प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तितं निष्पादितम्) आत्माना व्यापारधी निपञ्चेत्. आत्मा के व्यापार से उत्पन्न. produced by the activity of the soul. भग० १६, १; —पपञ्चोग. त्रि० (-प्रमाण) आत्मा देहं साधयत्यु हाथ प्रमाणे प्रमाण. आत्मा-देह का साडेतीन हाथ का प्रमाण. measure of the body equal to three and a half times the length of the arm. प्रव० १२६; —पपञ्चोग. न० (-प्रवाद—आत्मानं जीवमनेकधा नयमन्तेदेन यत्प्रवदति तदात्मप्रवादम्) ओतामनो ओद पूर्व-श्रुत विशेष; ओदपूर्व भूति ओद. वाद प्रकार के पूर्वों में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Pūrvas. नंदी० ५६; सम० १४; प्रव० ७२०; —बल. पुं० (-बल—आत्मनो बलं शक्त्युपचय आत्मबलम्) आत्मनो शक्ति. आत्माकी शक्ति. power of the soul. आया० १, २, २, ७५; —भाव. पुं० (-भाव) मिथ्यात्व विषय गृहीतानुं यथैरे. मिथ्यात्व विषय में लोलुपता. greediness after sensual pleasures, heretical belief etc. “ विषयज्ञायां सव्यह आय-भाव ” सूय० १, १३, २१; (२) २५-पीतानो अभिप्रय-मत. अपना मत. one's own view or opinion. “ सचेयं एस अट्टे नो चवणं आय भाव वत्तवयाए ” भग० २, ५; १०; विशेष ६८; सूय० १, १३, ३; —भावचकणया. स्त्री० (-भावचकणता) पीतानो अंदरना अभिप्रय भाव पीटा विचारने सस रूपों में देखा जाता है. आने

अप्रशस्तभाव—खराब विचार को अच्छे रूप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; —रक्षक. पुं० (-रक्ष) अंग-रक्षक; आत्मरक्षक. अंगरक्षक; आत्मरक्षक. a body-guard; one who guards the soul. ' तस्यो आयरक्खा पज्जता तज्झा धम्मिआए पच्चिचोययाए ' ठा० २, १; पञ्च० २; जं० प० ५, ११२; राय० ७१; सूय० २, २. ५६; भग० ३, १; ३६, १; १७, ५; कप्प० २, १३; जं० प० ४, ७३; ५, ११६; —रक्षदेव. पुं० (-रक्षदेव) आत्म-रक्षक देवता. आत्मरक्षक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नाया० ८; नाया० ध० भग० ३, ६; १०, ६; १४, ६; जं० प० ४, ७३; —रक्षिण्य त्रि० (-रक्षित) जेण्ण कुगतिथी आत्मानुं रक्षणुं उरेश्छे ते; कुगतिसे आत्मा को बचानेवाला (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. " आथपरक्कम आयरकखिए " सूय० २, २, ८५; अइं विट्ठसो किञ्चा विआए आयर-कखिए " उत्त० २, ११; —विसोद्धि. त्रि० (-विशुद्धि) पापनुं प्रायश्चित्त करीने आत्मा-नी विशुद्ध करीने ते. पापका प्रायश्चित्त करके आत्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for sin. मंशी० ४३; —वेयावृत्त कर. त्रि० (वेयावृत्त्यकर) आधसु आलसी. idle; lazy (२) विसृजेनायक—साधुसमुदायवा-विन. अवगमेगिक-साधुसमुदाय से विच्छिन्न apart from the assemblage of monks "आथवेयावच्चकरं नाममंगं णो पर-वेया वच्चकरं" ठा० ४; —संचेयणिज्ज पुं०

(—संचेतनीय-आत्मना संचेत्यन्ते क्रियंतइत्या-त्मसंचेतनीयाः) ६५आ "आयसंचेयणिज्ज" शब्द. देखो "आयसंचेयणिज्ज" शब्द. Vide. "आयसंचेयणिज्ज" "आयसंचेयणिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० तं० चट्ठयाया चवडयाया धंभययया ज्ञेसयाया" ठा० ४, ४; —संचेयणीय. पुं० (-संचेयनीय) ६०य उपसर्गने ओक प्रकार; पैतानाज्ज डारलुथी शरीर के संयमनी उपधान-पीडा थाय ते. द्रव्य उपसर्ग का एक भेद; अपनेही कारण से अपने शरीर अथवा संयम का उ-घात होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self; a variety of material disturbance. " चउव्विहा उवसग्गा प० तं० दिव्वा माणुस्सा तिरिक्ख जोशिया आयसं वेयणिज्ज " ठा० ४, ४; —सरखट्ठ. न० (-स्मरणार्थ) पैताना आत्माने संभारयाभाटे. अपनी आत्माका स्मरण करने के लिये. in order to remember or keep in remembrance one's own soul. क० गं० ५, १००; —सरीर अणवकंखवत्तिया. स्त्री० (-शरीरानवकांक्षाप्रत्यया) अणुय-कणवत्तिया क्रियाने ओक भेद; पैताना शरीरने नाश थाय तेवा कर्म करवायी लागती क्रिया. अणवकंसवत्तिया क्रिया का एक भेद; अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करने से लगनवाला क्रिया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. ठा० २, १; —सात्त. न० (-सात) आत्मसुख. आत्मसुख. one's own happiness; self-happiness. " भूताइं जे हिंसति आथसात्त " सूय० १, ७, ५; —सायाणु-

गामि. पुं० (सात्तालुगामिन्) आत्म सुख
मेवयया छत्तना२. आत्म सुख प्राप्त करने-
का इच्छावाला. one desirous of
getting one's own happiness.
“ हंता छेत्ता पगडिभत्ता आय सायासाणु-
गमिणो ” सूय० १, १३, ५; —सुह.
न० (-सुल) शरीर सुख. शरीर सुख.
physical happiness. “ जे छिदनी
आयसुहं पडुव ” सूय० १, ७, ८;
—सोहि. क्री० (-शोधि) आत्मशुद्धि;
कर्मेना क्षयेऽपक्षमे क्षय. आत्मशुद्धि; कर्म
का क्षयोपशम अथवा क्षय. soul purifica-
tion; destruction or attenua-
tion of Karma. “ आय पजोगमाय-
सोहीए ” आया० १, १, ४, १६; दसा० ५,
४२; —हम्म. त्रि० (-घारय) आत्मानि
घात करने२. आत्माका घात करने वाला.
soul-destroying; self-destroying.
पिं० नि० ६५; —हित. न० (-हित)
स्वदेत; पेतागुं भन्तु. स्वहित; अयना भला.
self-good; self-benefit. “ आयहिते
आयुत्ते आयजोगे ” सूय० १, २, ८५;
दसा० ५, २१; —हेउ. पुं० (-हेतु)
आत्म निमित्तने; पेताभाटे. आत्मा के लिये;
अपने लिये. for one's own sake;
for one's own self. “ केइ पुरिसे
आयहेउं वा राहदेउं वा ” सूय० २, २, २२;
आयअ. त्रि० (आयत) दांजु. लंग. Long.
राय० १०२; विश० ७०४;
आयइ. क्री० (आयति) भविष्य काल.
The future. पंचा०
१६, २८; प्रव० १५६१; —जणुग. त्रि०
(-जनक) भविष्यमां छट् इल आपना२.

भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving
the desired fruit in the
future. “ आयइ जणुगोसो ” पंचा० १६,
२८; प्रव० १५६१; —फल. न० (-फल)
परभवनुं छट् इल. परभव का इष्ट फल.
desired fruit of the next or
future birth. “ आयतिकलमहुं-
साहणं च निडणं मुण्येयस्व ” पंचा० १२,
४०; —संपगासण. न० (-सम्प्रकाशन-
आयत्वाः सम्प्रकाशनमायतिसम्प्रकाशनम्)
भविष्यनी सारी आशा अतापना२; सामने
अेक भेद. भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी
आशा बतानेवाला; साम का एक भेद.
showing good hopes for the
future; promising well for the
future. डा० ३;

आयं. अ० (आयम्) वाक्यालंकार. वाक्या-
लंकार. An expletive. नाया० २;
आयंक. पुं० (आतङ्क) लुओ. “आतंक” श०६.
देखो “आतंक” शब्द. Vide, “आतंक”
“आयंकदंसी न करेह पावं” आया० १,
३, २, ४; “अरइ गंठे विसूह्या आयंका
विबिहा फुसतिते” उक्त० १०, २७; ३,
१८; आया० १, १, १, ५३; १, ५, २,
१४७; १, ३, २, १११; पिं० नि० ६६६;
जाया० ३, १; महा० प० ३५; राय० ३२;
सु० च० १०, १३१; नाया० १; ५; भग०
२, १; १६, २; १८, १०; २५, ७; उवा०
४, १५१; गच्छा० ७६; संख्या० ३२;

आयंञ्चणियाउव्य. न० (*) कुंभरना वास-
लुमां रछेनुं भाटीलाजुं प. लुी. कुम्हार के
बर्तन में रहा हुआ मिट्टीवाला पानी. Water
in a potter's vessel. i. e. earthen

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

vessel and so muddy. भग०
१५, १;

आयंत. त्रि० (आचान्त) यत्तु करेवः पाणी-
थी हाथ भोदुं साध करेवः चुल्लू किया
हुआ; पानी से हाथ मुंह साफ किया हुआ.
With the hands and face
washed with water. नाया० १; १६;
भग० ३, १; ६; ३३; ११, ६; जीवा०
३, ४; ओव० १२; राय० १७३; कप्प०
५; १०३;

आयंतम. त्रि० (आत्मतम-आत्मानं तमयति
खेदयतीत्यात्मतमः) संयम वगेरेषी आत्मा-
ने दभनार. संयमादि के द्वारा आत्मदमन
करनेवाला. One who subdues the
self by self-restraint etc. टा० ४,
२; (२) (आत्मैव तमोऽज्ञानं क्रोधोवा यस्य
स आत्मतमाः) अज्ञानी; क्रोधी. अज्ञानी;
क्रोधी. (one) who is ignorant:
(one) given to anger. “ आतं-
तमेष्टाममेगे ना परंतम ” टा० ४, २;

आयंता. स्त्री० (*) आचारंग सूत्र
पाँचवां अध्यायननुं नाम. आचारंग सूत्र के
पाँचवें अध्यायन का नाम. Name of
the 5th chapter of Achārāṅga.
सम० ६;

आयंतिय मरण. (आत्यंतिकमरण) ओष्ठ
वार भरीया पछी ६री पीछवार ते
गतिनुं भरण न थाय ते. एकवार मरण
के बाद फिर दूसरी बार उस गति का मरण
न होना. Final death in a par-
ticular condition of existence
i. e. there will be no birth

again in that condition of
existence. सम० १७;

आयंदम. त्रि० (आत्मदम-आत्मानं दमयति
शमवन्तं कराति शिष्यतीत्यात्मदमः)
आत्माने दभनार. आत्मदमन करनेवाला.
One who subdues the self. टा०
४, २;

आयंब. त्रि० (आताम्र) आ-धित—थोड़ी
रताशवाधुं. कुछ ललासीवाला. Reddish.
ओव० १०; प्रव० १४६५;

आयंबिर. त्रि० (आताम्र) लालरंगनु.
लाल रंग का. Red; of red colour.
सु० च० १. ७५; ६ १२४;

आयंबिल. न० (आचारंग) जेमां जात
वगेरे धुपमुं अनाए ओष्ठ वधत भवाय
तेनुं आयापित नामनुं ओष्ठ तप. ‘आयं-
बिल’ नामक एक तप विशेष जिम मे लूना
भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही बार
खाया जाता है. A kind of austerity
in which a person takes rice,
pulse etc. only once without
adding Ghee to it. अंत० ८, १;
नाया० ८; १६; भग० ३, १; ४२, १;
ओव० १६; प्रव० २०३; आव० ६, ६;
—पञ्चस्त्राण. न० (-प्रत्याख्यान) अभिषेक
करवाना. प्रत्याख्यान-प्रत्युपाय लेवा ते.
आयंबिल करने का प्रत्याख्यान लेना. a vow
to perform the austerity of
Āyambila (g. v.) नाया० १६;
—एउग्ग. त्रि० (-प्रायोग्य) अभिषेक-
आयापितमां वापरवा येउग्ग. आविल-
आयंबिल में काम लाने योग्य. fit to be
used in Āyambila. आव० ६, ६;

* बुधो पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vido
foot-note (*) on page 15th.

—वृद्धमाण. न० (—वर्द्धमान) औः ६ परस त्रय मास अने २० दिवसे थनुं ओक तप के जेमां ओक आयंबिलने पाव्ले; ओक उपवास करी, ओ आयंबिल करवाभां आवेछे; पत्नी ओक उपवास करी त्रय आयंबिल; ओम ओकेक आयंबिल वधा-रतां १०० आयंबिल सुधी अथाय छे. चौदह वर्षे, तीन मास और २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयंबिल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयंबिल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयंबिल, इस प्रकार बढ़ाते बढ़ाते १०० आयंबिल तक किये जाते हैं. पारणा के बाद एक उपवास होता है. इस राते से चौदह वर्षे ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है. an austerity extending over 14 years three months and 20 days; here one performs one Āyambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas. अंत० ८, १०; ओव० १६;

आयंबिलअ-य. पुं० (आचाम्लिक) आंबिल-तुं तप करना. आंबिल-आयंबिल का तप करनेवाला. One who performs the austerity known as Āyambila. परह० २, १; ठा० ५, १;

अ.यंभर. त्रि० (आत्मभर-आत्मानं विभर्ति पुण्यातीत्यात्मभरः) स्वार्थी; पितानुं पोषण कराना. स्वार्थी; अपनाही पोषण करनेवाला. Selfish. “ आयंभरं नाम मेमे यो परंभरे ” ठा० ४, ३;

आयंस. पुं० (आदर्श-आसमन्ताद्दृश्यते यस्मिन् स आदर्शः) अरीसो; दर्पण

दर्पण; आयना; कौंच. A mirror; a looking-glass. जं० प० ५, १२०; राय० ४८, ११८; —घर. न० (—गृह) अरिसा भुवन; इ.यनुं घर. कांचका घर; शीश महल. a house made of glass or mirrors. जं० प० ३, ७०० —घरग. पुं० (—गृहक) ओओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३६; —तल. न० (—तल) अरिसातुं तलीई. दर्पण का पेंदा. the surface of a mirror. ओद० —तलउवम. त्रि० (—तलउपम—आदर्शों दर्पणस्तस्य तलं तेन समतयापमा यस्य आदर्शतलोपमः) अरीसानी तलीआ जेनुं सिधुं-सपाट. दर्पण के पेंदे के समान समतल. level like the surface of a mirror. राय० —मंडल. न० (—मण्डल—आदर्श इव मण्डलमस्य तदादर्शमण्डलम्) अरीसानी आदरे मंडल-गुंछलो वालनार सर्पनी ओक नत. दर्पण के आकार का मंडल करनेवाला एक जात का सर्प. a kind of serpent forming itself into the shape of a mirror circular in form. (२) (आदर्शों मण्डलनिवादशमण्डलम्) मंडला-दरे गोडवेड अरीसो. मंडलाकार सजावे हुए दर्पण. a circle formed of mirrors. “ आयंसमंडले ह्वा ” जं० प० पन्ह० १, ४; —लिपि. स्त्री० (—लिपि) १८ नतनी लिपिभांती ओक लिपि. १८ प्रकार की लिपियों में से एक लिपि. one of the 18 kinds of script. पञ्च० १;

आयसग. पुं० (आदर्शक) अक्षनी डोडुं ओक आभरण. बैल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox. अणुजो० १६;

आयंसमुद्र. पुं० (आदर्शमुख) लवण समुद्र-
मां अग्निमुखा तर्क्ष रहेल आयंसमुद्र
नामनो अेक अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के
अग्नि-कोण में रहा हुआ आयंसमुख नाम
का अन्तरद्वीप. An island of the
name of Āyamsamukha in the
Lavana ocean. (२) ते द्वीपमां
रहेनार. उसमें रहनेवाले. an inhabi-
tant of the same. ठा० ४, २; पञ०
१; जीवा० ३, ३;

आयंसय. पुं० (आदर्शक) अरीसो; आयनो.
दर्पण. A mirror; a looking-glass.
श्लो०

आयकाय. पुं० (*आयकाय) वनस्पति विशेष.
वनस्पति विशेष. A kind of vegeta-
tion. भग० २३, ३;

आयग. न० (आजक) पकरीनां आशुनं
पनावेश वस्त्र. बकरी के बाल से बनाया
हुआ वस्त्र. A cloth made of the
hair of a she-goat. आया० २, ५,
१, १४५;

आयचरित. त्रि० (आयचरित्र-आय भूतं
चरितचारतया चरित्रं यस्य स आय
चरित्रः) ६६ आरित्र. दृढ चरित्र. (One)
having a firm character or
right-conduct. संस्था०

आयच्छत्त. न० (आतपत्र) छत्री; छत्र.
छत्री; छत्र. An umbrella. “ एगे
पुरिसे पिट्ठो आयच्छत्त धरेइ ” नाया० १६.

आयद्धिदय. सं० कृ० अ० (आकृष्य) भेद्यीने;
आकर्षिने. खींचकर; आकर्षण करके.
Having drawn; having at-
tracted. सु० च० ७, १५१; ११, ५६;

आयण. पुं० (आजीण) कभिवेश आभुङ्ग;
आभुङ्गनं वस्त्र. कमाया हुआ चमड़ा;

चमड़े का वस्त्र. Tanned leather;
a garment of leather. “ जे
भिरखू माउगामस्स मेहुणवडियाए आय-
णाणिवा आइणपावाराणि वा ” निसी०
७, ११;

आयत. त्रि० (आयत) लीधुं; दीर्घ. लंबा;
दीर्घ. Long; protracted जं० प० पञ०
१; भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय०
१, २, ३, १५; (२) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution, salvation.
“ आयपरे परमायतद्विते ” सूय० १, २, ३,
१४; (३) भेद्येन, खींचाहुआ. drawn.
भग० १, ८; (४) पुं० दीर्घाकार संस्थान.
दीर्घाकार संस्थान. configuration in
its length. भग० २५, ३; —कल्या-
यय. त्रि० (-कल्यायत) अतिशय प्रयत्नधी
कान सुधी भेद्येन. बड़े प्रयत्न से कान
तक खींचा हुआ. drawn with great
effort as far as the ear. “ आयव
कल्याययं उमुं आयामेता चिट्ठइ ” भग०
१, ८; ६; जं० प० ३, ६२; —चक्रवृत्त.
त्रि० (-चक्रवृत्त-आयत दीर्घमैहिका मुष्मिका-
पायदर्शिकचक्रवृत्तं यस्य स आयत-
चक्रवृत्तः) दीर्घे दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one)
able to take a comprehensive
view of things temporal and
spiritual. आया० १, २, ५,
६३; —चरित्त. न० (-चरित्र) मोक्ष
मार्ग साधक चरित्र. मोक्ष मार्ग साधक
चरित्र. right conduct leading to
salvation. “ आदाणि यंमि आयत
चरित ” आया० टी० १, १, ७, ६१;
—द्व. पुं० (-अर्थ) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution; final emancipa-
tion. सूय० १, ८, १८; —द्विचक्र. पुं०
(-अर्थिक) आया वपत थी मोक्षनी

अभिलाषायालो. बहुत समय से मोक्ष की अभिलाषा वाला. one desirous of salvation from a long time; one longing after salvation from a long time. "आयपरे परमाय-तद्धिण्" सू० १, २, ३, १५; --फल. त्रि० (-फल) मात्तम्य इत्त आपनार. मोक्षरूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा० १२, ४०; --संज्ञाण न० (संस्थान) दीर्घाकार; दाढ़ीनी पेड़ की भाँति. दो आकार-संज्ञाण; पाँच संज्ञाण मान् अत्र. दोर्घाकार; लकड़ी के समान लंबाईवाला आकार संस्थान; पाँच संस्थानों में से एक. long configura- tion like that of a stick; one of the five configurations. अग० ८, १; १६, ६; टा० १; पञ्च० १; --संज्ञाण परिणय. त्रि० (--संस्थानपरि- णत) आयत संज्ञाण रूपे परिणत प.अत्र. आयत संस्थान रूप से परिणाम पाया हुआ. (one) who has been develop- ed into, changed into, a long configuration. पञ्च० १;

आयतण. न० (आयतन) स्थान; न आश्रय. निवास स्थान. स्थान; आश्रय; निवास स्थान. Place; abode; residence. ओष० नि० ७६२; पगह० २, १; आया० १, ७, ४, २१५; पंचा० ८, १६; निसी० १६, २६; (२) देवद्वै; देवालय. देवालय; मंदिर. a temple. पगह० १, १; (३) देरानी आशुने ओरडे. मंदिर की बाजू का कोठा. a side-room in a temple. दसा० १०, १; आया० २, २, २, ८०; (४) कर्मणुं उपादान कारण. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. निसी० ६, १; आया० २, १.

v. 11/9.

३, १५; (५) प्रगट करवुं; प्रश्नोत्तर प्रदासो करवो ते. प्रगट करना; प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. सू० १, ६, १६. (६) वधस्थान. वधस्थान. a place of execution; a place for killing. नाया० ६;

आयति. त्री० (आयति) अनुपे "आयइ" शब्द. देवो "आयइ" शब्द. vide "आयइ" पंचा० १२, ४०; --फल. त्रि० (-फल-आयती फलनस्य इति) आयतानयमां इत्त आपनार. आगामी भव में फल देनेवाला. giving or ripening into fruit in the next or coming birth. पंचा० १२, ४०;

आयत्त. त्रि० (आयत्त) मिश्रित करेवुं; अट्टं करेवुं. मिश्रित किया हुआ; इकट्ठा किया हुआ. Got together; collect- ed together; mixed together. पि० नि० २३८;

आयत्ता. स्त्री० (आयता) आय-वनस्पति विशेष तो लाव; आय-वनस्पति पशु आय- वनस्पति विशेष का भाव; आय-वनस्पति पन. State of being an Aya (a kind of vegetation). सू० २, ३, १५;

आयजण न० (आकर्ण) श्रवण करवुं ते. श्रवण करना; सुनना. Hearing. सू० च० १५, ३७;

✓ आयम. धा० I. (आ+चम्) यत्तु करवुं; अशुचिदेय टालवो; आयमन लेवुं. आत्मन करना; चुल्हू करना. To remove im- purity with water after an- swering a call of nature.

आयमण. निरी० ४, १५; दसा० ३, ०१;

आयमण. ठा० ५;

आयमण. न० (आचमन) भक्ष त्याग कर्त्ता पळी जलधी शुद्धि करवी ते; लेप रहित पणु. मत्त त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना: लेप रहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव० १३३; पि० नि० पा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (आयमिनी) विश्व विज्ञान. विद्या विशेष. A particular branch of knowledge. " आयमिणी एवमाद्वाग्रो विज्ञाग्रो अक्षस्य द्वेउ पउं जंति " सूय० २, २, ३०;

आयय. त्रि० (आयत) जुगो " आयत " शब्द. देखो " आयत " शब्द. Vide " आयत " नाया० ५; सूय० १, ६, १५; उत्त० ३६, २१; अणुजो० १६१; जावा० ३१; दस० ६, ४, २, ३; पि० नि० ३६५; ओघ० नि० १२३; भग० ५, ६; ७, ६; १४, ७; पंचा० ११, ४२; प्रव० ५२१; —**कण्णायय. त्रि०** (-कर्णायत) जुगो " आयत कण्णायय " शब्द. vide " आयत कण्णायय " भग० १, ८; —**गंतु पञ्चागया. स्त्री०** (-गत्वा पञ्चादगता) ईर्ष साधु ओक लता-शेरीमां सिद्धा अगय ७४ पाठा वक्षतां गोयरी करे ते; सिद्धा ने ओक प्रक्षर ने अभिग्रह. गली में मोघे आगे जाकर पाँछे लोटने हुए भिक्षा करना; साधुओं का भिक्षा का एक प्रकार का अभिग्रह. a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning.

उत्त० ३०, १६; —**चक्षु. त्रि०** (-चक्षु) जुगो " आयत चक्षु " शब्द. देखो " आयत चक्षु " शब्द. vide " आयत चक्षु " आया० १, २, २, ६३; —**द्वि. पुं०** (अर्थिन) जुगो " आयतद्वि " शब्द. देखो " आयतद्वि " शब्द. vide " आयतद्वि " दस० ५, २, ३४; —**द्वि. पुं०** (-अर्थिक) जुगो " आयतद्वि " शब्द. देखो " आयतद्वि " शब्द. vide " आयतद्वि " दस० ६, ४, २, ३; —**मग. पुं०** (-मार्ग) भाक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. the path of salvation. पंचा० ११, ४२; —**संठाण. न०** (-संस्थान) लाट्टीना वगैरे आया आकार-संस्थाण. लकड़ी के समान लंबा आकार-संस्थान. long shape, configuration, like that of a stick. भग० ८, १०; —**संठाण परिणाम. न०** (-संस्थान परिणाम) दीर्घाकार परिणाम; आयत संस्थाण परिणाम. दीर्घाकार परिणाम; आयत संस्थान-रूप परिणाम. modification into a long shape or configuration. भग० ८, १०;

आययण. न० (आयतन) जुगो " आयतण " शब्द. देखो " आयतण " शब्द. vide " आयतण " नाया० ६; ओघ० नि० २; उत्त० ३३, ६; आया० १, ५, २, १६८; कप० ६, ४३; प्रव० ६६६; —**सेवणा. स्त्री०** (-सेवन) साधु प्रभूतिनी सेवना करवी ते; समझितुं तीनुं भूणु. सम्पत्ति का तासरा भूषण; साधु प्रभूति की सेवा करना. act of rendering service to monks etc; the third commendable quality or merit of Samakita (i. e. right faith). प्रव० ६६६;

आयर. पुं० (आदर) लुप्थो 'आदर' शब्द.
देखो 'आदर' शब्द Vide "आदर"
पि० नि० १२६; २०३; पदार्थ० १, ५;
जीवा० ३, ४; भक्त० ९०;

आयरण. न० (आचरण) अनुष्ठान करने के लिये.
अनुष्ठान करना. Practice; perform-
ance. ठा० ८;

आयरण. न० (आदरण) वस्तु को स्वीकार.
वस्तु का स्वीकार. Acceptance of a
thing. भग० १२, ५;

आयरणया. स्त्री० (आदरणा) भाषा-
कृपया विशेषी कोटिपण्य वस्तु को स्वीकार
करने के लिये. झल कपट से किसी वस्तु का ग्रहण
करना. Acceptance of anything
with some deceitful intention.
भग० १२, ५;

आयरिय. त्रि० (आचार्य) आचरण योग्य.
आदरने योग्य. Worthy of being
performed or practised. मू० १,
६, ३२;

आयरिय. पुं० (आचारिक) आचार संबंधी
तत्त्व. आचार संबंधी तत्त्व. Principles
of right-conduct: truth about
right-conduct. "आचार्यं विदित्वा
सर्वं दुःखं विमुच्यते" उत्त० ६, ६;

आयरिय. त्रि० (आचरित) आचरण.
आचरण किया हुआ. Performed;
practised. "धम्मज्जियं च ववहारं बुद्धे-
ह्यवरियं सया" उत्त० १, ४२; राय० २६;
उवा० १, ४३; भक्त० २२; प्रव० ७००;
पंचा० १, २३;

आयरिअ-य. पुं० (आचार्य) आचार्य
समुदायना नायक. आचार्य; समुदायके नायक.
The head of an assemblage of
monks. (२) तीर्थकर. तीर्थकर. Tir-
thāṅkara. (३) गुरु; साधु. गुरु; साधु.

preceptor. कथ० १, १; आच० १, २;
भक्त० ४३; ७०; पंचा० ५, ६०; १४, १६;
पञ्च० १६; नाया० १, २; ३; १०; १६;
उत्त० १, २०; ४०; सम० ३०; वेय० १,
३७; ६, १६; आया० १, ७, १, २००; २,
१, १०, ५६; पि० नि० भा० २७; मु० च०
१०, २०६; आच० २०; वव० १, २६; २७;
३५; ३, १०; ११; १०, १२; उवा० १,
७३; विशेष० ५; भग० १, १; ५, ६; १, १;
२५, ७; दस० ५, २, ४०; ८, ३३; दया०
१, १; ४, ६१; ६२; —उपआचार्य-
पुं० (-उपाध्याय) आचार्य उपाध्याय;
आचार्य सहित उपाध्याय. an Āchārya
who is also an Upādhyāya;
a head of an order of monks
who is also a preceptor. निर्म०
१६, २४; वेय० ४, २६; वव० ३, ५; १०;
११; १२; ४, २; ६७; ७, ४, २; ६, ७;
७, ५; दया० ६, २०; दस० ६, २, १२;
—पडिणीय. पुं० (-प्रत्यनीक) आचार्य-
को शत्रु-प्रतिपक्ष. आचार्य का शत्रु प्रतिपक्ष.
an opponent of an Āchārya
भग० ६, ३३, १५; —पाय. पुं० (-पाद)
आचार्य की चरण-कमल. आचार्य के चरण-
कमल. the feet of an Āchārya.
दस० ८, १, ५; —वेयावचन. न० (-वेया-
वचन) आचार्य की सेवा-भक्ति करने के लिये.
करने के लिये. आचार्य की सेवा-भक्ति करना ser-
vice to an Āchārya. श्रौत० ठा० ५,
१; वव० १०; ३६; भग० २१, ७; —सम्मत्त.
न० (-सम्मत्त) आचार्य को मान्य सम्मत.
आचार्य को सम्मत. liked by, accept-
able to, an Āchārya. दस० ८, ५१;

आयरिय. त्रि० (आर्य) पूज्य; पवित्र.
पूज्य; पवित्र; श्रेष्ठ Ho f; reverend.

आया० १, ८, १, २००; वेय० १, ४६;
(२) न० तत्त्वं तत्त्वं. truth; essence.
उत्त० ६; ६; (३) आर्यं गति पाप नही
करतार भगुण्य आर्यजाति; पाप न करनेवाला
जाति. the Ārya race; a person
who does not commit sin. जीवा०
३, ४; पञ्च० १; भग० १, ७; ३, १;
—खेत्त न० (क्षेत्र) आर्यक्षेत्र. आर्य-
क्षेत्र. the country of the Āryas.
सूत्र० वि० टी० १. ५, १. ६६;

आयरियत्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपद.
आचार्य पद. Preceptorhood; sta-
tus of a preceptor. वच० ७, १६;
प्रव० ८०३;

आयरियत्ता. स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपद;
आचार्य पद. आचार्यत्व; आचार्य पद.
State of being an Āchārya;
Āchāryahood. वच० ३, ७; टी० ३,
३; निर्मा० ७, ३१;

आयरियभासिय न० (आचार्यभाषित)
प्रश्न व्याकरण सूत्रनुं व्याप्य. प्रश्न
व्याकरण सूत्र का चौथा अध्याय. The
fourth chapter of Prāśnāyā-
karapa Sūtra. टी० १०;

आयरिय विष्णुवति. स्त्री० (आचार्य
विष्णुनिपति) बंधदशामृतनुं पायुं अध्या-
यन. बंधदशामृत का पांचवां अध्याय. The
fifth chapter of Bandha Daśa
Sūtra “ बंधदशामृतं दस अङ्कयणा प०
त० बंधे मुखेय देवद्वी दमारमंडले इय
आयरिय विष्णुवति ” टी० १०;

आयरियव्व. त्रि० (आचरितव्य) आचरित
योग्य. आचरण करने योग्य. Worthy of
being performed or practised.
सम० २८;

आयरिस. पुं० (आदर्श) अरीसो; दर्पण;
आदर्श. दर्पण आयना. A mirror; a
looking-glass. सू० च० २, ११२;

आयव. पुं० (आतप) व्युत्प० “ आतव ”
शब्द. देखो “ आतव ” शब्द. vid3.
“ आतव ”. श्रोव० ३५; उत्त० २, ३४;
जीवा० ३, ३; पि० नि० भा० ३४; भग० १,
६; उवा० ७, १६५; जं० प० ४, १५२;

आयवालोय. पुं० (आतपालोक) अग्निना
तपनुं दर्शन. अग्नि के ताप का दर्शन.
Sight of the flames of fire.
“ आतवालोय महंतदुर्विषय पगण करणो ”
नाय० १; दुग. न० (-द्विक) अतप
अने उद्योत नाम. आतप और उद्योत नाम.
the group of the two viz. Ātapa
and Udyota (i. e. heat and
light) क० ग० २, २६;

आयवंत. त्रि० (आत्मवत्-आत्मज्ञानादिकम
स्वास्तीत्यात्मधान) आत्मज्ञानवाले. आत्म-
ज्ञानवाला. (One) Possessed of
self-knowledge or knowledge
of the soul. ‘ से आयवं नाखवं वेयवं
धम्मवं वमवं पक्काणोहं परिधाणहं लोयं ’
आया० १; २, १, ०१०१;

आयवत्त. न० (आतपत्र) छत्र, छात्री. छत्र,
छत्रा. Umbrella. श्रोव० ३१; नाया०
१; जीवा० ३, ८; सु० च० २, ४६८; भग०
६, ३३; जं० प० ४, ११७;

आयववंत. न० (आतपवत्) अहोरात्रना
२४वां मुहूर्तनुं नाम. अहोरात्रिक के २४वें मुहूर्त
का नाम. Name of the 24th
Muhūrta of a period consist-
ing of a day and a night. सू०
प० १०; जं० प०

आयवा. स्त्री० (आतपा) आतपा नामनी
मुहूर्तनी अहोरात्रिक महीनी. सूर्य की आतपा

नामक एक पट्टरानी. One of the principal queens of the sun, so named. नाया० घ० ७;

आयंवि. त्रि० (आत्मविन्) आत्मजानी. आत्माको जाननेवाला; आत्मज्ञानी. (One) having the knowledge of the soul. आया० १, ३, १, १०७;

आयस. त्रि० (आयस) लोहमय; लोहसंबंधी. लोहमय; लोहे संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग० ७, ६:—**भंड.** पुं० (-भाण्ड) आन्मात्मी भांड; भाण्ड विशेष. आत्मार्त्मा पात्र. the soul considered as a vessel or a receptacle. नाय० १:

—**वादि.** त्रि० (-वादिन् आत्मानं वदितुं शीलमस्येत्यामवादी) आत्माना यथार्थ स्वरूपने स्वीकारना; आश्रित; आत्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला; आत्मिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox.

“ से आयावादी लायावादी कप्पावादी किरियावादी ” आया० १, १, १, ४:

—**वाय.** पुं० (-वाद) आत्मवाद; पान्ताना सिद्धान्तो वाद; स्वसिद्धान्त स्थापन. आत्मवाद; निज सिद्धान्त स्थापन. Ātma-vāda; establishing one's own tenets or doctrines. ओव० १४:

—**मुपपाणिहिअ.** त्रि० (-मुपनिहित) वंशे आत्माने शुभये. गमां प्रवर्तयेछ ते. आत्माको शुभ योग में प्रवर्तने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul; (one) who has directed his soul into salutary activities. दसा० ४, ८६:

आयाअ. त्रि० (आयात) आवेनुं. आयाहुवा.

Come; arrived. उत्त० ६, ११;

आयाण. न० (आदान) लेनुं; ग्रहण करने; स्वीकार करना. Taking; acceptance. प्रव० ५२२; ओव० १०; ११; भग० २, १; २, २; जीवा० ३, ३; उत्त० १२, ५; पि० नि० २५५; ३८६; ओ० नि० ७७; विशेष० १८४; ४८३; (२) भोग्य राप्पवानुं स्थान.

आडा (कवाड अटकानेका डंडा) रखनेका जगह. the place where a door-bolt is kept. ओव० १०; (३) ५३५.

वाक्य. sentence. सूय० १, १६, ३; (४) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. “ आयाणं नयं दिस्स नायहज्ज

तरता नरतामाप ” सूय० १, १५, २; ठा०

उत्त० ६, ८; (५) उपेक्षापूर्वक वस्तुनुं

लेनुं भुक्तुं; आयाणं उभननिभयणासमिति;

पांच समितिभांती येथी समिति. उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना; पांच समितियों

में से चौथी समिति. the 4th of the five Samitis viz carefully

taking up and laying down things. उत्त० २४, २; (६)

कर्मेनुं उपादान कारण. कर्म का उपा-

दान कारण. the efficient cause of Karma. सूय० १, १, २, २६; २, १,

५३; दसा० ७, १; (७) (आदीयने

सावधानुदाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) आ६

प्रकारना कर्म; ज्ञानावरणीयादि आठ प्रकार के कर्म. the

eight varieties of Karma e. g. knowledge-obscuring Karma

etc सूय० १, १३, ४; (८) (आदीयने

आत्मप्रदेशः सह श्लिष्यतेऽष्टप्रकारं

कर्म येन तदादानम्) अठार पापस्थान;

द्विसादि आश्रयस्थान पाप के अठारह स्थान; हिमादि आश्रयस्थान. eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. “ आयाणं सगडिजे ” आया० १, ३, ४; १२१; (६) (आदीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोक्षो येन तदादानम्) सम्प्रज्ञान, दर्शन अर्थात् आरित्र. सम्प्रज्ञान, दर्शन, और चारित्र right knowledge, faith and conduct. “ बुद्धं य विगयेगही आयाणं सरक्खण् ” सूय० १, १, ४, ११; १, ८, २०; (१०) (आदीयत इत्यादानम्) मोक्ष. मोक्ष. absolution: salvation. “ आयाणमदं खलु वंचत्ता ” सूय० १, १३, ६; (११) (धम्मोपासकेनादीयत इत्यादानं प्रथमव्रतग्रहणं) आचक्रुः प्रथम व्रत ग्रहणं कर्तुं ते. आचक्रुः के प्रथम व्रत का ग्रहण करना. adoption of the first vow of a layman. “ जावज्जीवाण् जेहिं समयोवासगस्स आयाणं सो आमरणं ताण् दंडे निक्खित्ते ” सूय० २, ७; (१२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था एभिर्हित्यादानमोद्भिर्ग्राह्यं) छिद्रिय; श्रोत्र आदि पांच छिद्रिया. इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रिया. an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. “ केवलीणं आयाणं हि न जाणइ न पासइ ” भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) रमणीय; रम्य. रमणीय; मनोहर. charming; pleasant. परह० १, ४; (१४) संयम. संयम. asceticism. आया० १, २, ४, ८५; —अट्ठि. पुं० (—अर्धिन) सम्प्रज्ञान आदिना प्रयोजन वाला, मोक्षार्थी सम्प्रज्ञान आदि के प्रयोजन वाला; मोक्षार्थी. one desirous of Moksha; one desirous of right knowledge etc. “ आयाण-अट्ठि वोदाण्णकोयं ” सूय० १, १४, १७;

—पय. न० (—पद-आदीयते गृह्यते प्रथममादौ वत्तदादानं आदानञ्च तत्पदं च सुबन्तं तिङन्तं वा तदादानपदम्) अध्यायन के श्रुतरङ्गधनु आदि ५६—१२ आतनुं वाक्य-लेख ‘ धम्मो मंगलं. ’ अध्याय अथवा श्रुतस्केध का प्रथम वाक्य, जैसे ‘ धम्मो मंगलं. ’ the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. “ धम्मो मंगलं ” (religion is a blessing) “ सेकिते आयाणपदेण “ धम्मो मंगलं ” वृत्तिआ चाउरंगि जं असंखयं आवती ” अणुजो० १३१; —भय-य. पुं० (—भय) आदान-द्रव्य संबंधी भय; सात भयमानुं अंक. द्रव्य संबंधी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम० ७; टा० ३, १; प्रव० १३३६; —भंडमत्तणिखेवणासमिह. स्त्री० (—भण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) लु०आ “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” शब्द. देखो “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” शब्द. nide. “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” सम० ५; —भंडमत्तनिखेवणासमिय. त्रि० (—भण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) लु०आ “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” शब्द. देखो “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” शब्द. vide. “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” सूय० २, २, २६; नाया० ५; दसा० ५, ११; —सोय. न० (—स्रोतस्-आदीयते कर्मानेनेत्यादानं दुष्प्रणिहितमिन्द्रियं तच्चतत्-स्रोतश्चादानस्रोतः) दुष्ट इंद्रियरूप से त-कर्म आचरणं द्वार; इंद्रियों का दुष्ट उपयोगरूप

आश्रय. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. “आयिणसोय-महवायसोयं जं-गंच सव्वसो एखा” आया० १, ६, १, १६;

आयाण्या. क्री० (आदान) जुआ “आदा-ण्या” १७६. देखो “आदाण्या” शब्द. Vide “आदाण्या” टा० २१;

आयाणवतं. त्रि० (आदानवत) आदान-जान दर्शन अने अद्विष्ट्य वादो धर्म, साधु वर्गरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र्य वाला धर्म साधु वर्गरेह. (A religion, an ascetic etc.) possessed of right-know-ledge, faith, and conduct.

“आयाणवतं समुदाहरेजा” सूय० २, ६, ५५;

आयाणसो. अ० (आदानशम्) अदणु कर्तुं देय त्पारथी मांई. ग्रहण किया होवे तबसे लेकर. From the time of accept-ance. सूय० २, ७, १६;

आयाणिज्ज. त्रि० (आदानाय-आदीयत उपा-दीयत इत्यादानीयः) अदणु करवा योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. आयाणिजे वियाहण” आया० १, ६, ३, १३७; टा० ६; सम० ७०; (२) (आदीयंते गृह्णन्ते सर्वभावा अनेनेत्यादानीयम्) शुन; शास्त्र. धुनः शास्त्र. scripture. आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदीयत इत्यादानीयम्) कर्म. कर्म. Karma “आयाणिज्जं आदाय तंमिठाणण चिट्ठइ” आया० १, ६, २; १८४; (४) संयम; संयमानुष्ठान. संयम; संयमानुष्ठान. asceti- cism. (५) मोक्ष. मोक्ष. salvation.

आयाणीय. त्रि० (आदानीय) अदणु करवा योग्य; आण. ग्रहण करने योग्य. प्राण

Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६;

✓ आ-याम. धा० II. (आ+यम्) लृमा०; जिमाना. To feed (२) लंणु कर्तुं. लंबा करना. to stretch; to make long.

आयामेह. “माहेण आयामेह आयामेहत्ता.

आयामेहत्ता. मउत्तरोहं मुंउं करेइ” भग० १५, १;

आयाम. पुं० (आचाम्ल) आयंबिल तप. आयंबिल नाम का तप. The austerity called Āyambila. उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, ३०; प्रव० ६१३; (२) कंज. काजी. Konjee. निसी० १७, ३०; विशेष० ११७४;

आयाम. न० (आचाम) ओसाभणु. मांइ. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. टा० ३; आया० २, १, ७, ४१; नि० ३७; ३६४; ओव० १६; पि० नि० भा० ३६ —सिन्धभोइ. त्रि० (-सिक्खभोजिन्) ओसाभणुभां गे कंज अनाजनी सिन्ध आवे तेहणु मात्र आनाइ. मांइमें जो थोडा बहुत अन्न का अंश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyāma. (g. v.) ओव०

आयाम. न० (आयाम) लंग्मा; लांणुपणु. लंबाई; लंबापन. Length. विशेष० ५८६; ओव० नि० ७०७; सू० प० १; सम० १; ओव० जं० प० १, ११; टा० २, ३; नाया० ५; १६; भग० २, १, ६; ३, ७; ६, ३; १०, ६; १३, ४; १५, १; जीवा० ३१; प्रव० ५४५; —विक्खंभ. पुं० न० (-विक्खंभ) लंग्मा; पणुपणु. लंबाई; चौड़ाई.

length and breadth. नाया० ६;

ज० प० १, ३; ७, १४७;

आयामञ्ज. न० (आचामक) ओसामञ्ज.
मांड. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा० ३, ३;

आयामग. न० (आचामक) ओसामञ्ज.
मांड; दाल का पानी. Vide “ आसामञ्ज ”
“ आयामगंचेव जवोदगंच ” उक्त० १५,
१३.

आयामेत्ता. सं० कृ० अ० (आयम्य) लांथी
इराने. लंबा करके. Having lengthened-
ed, elongated. भग० १, ८;

आयाय. सं० कृ० अ० (आदाय) ओमे
“ आदाय ” शब्द. देखो “ आदाय ” शब्द
Vide “ आदाय ” भग० ५, ४; ६, १०;
१३, ६; १५, १; नाया० ५, ८; ६; १५;
उक्त० २, ४३; ५, ३०; आया० १, २, ३,
८०; १, ६, २, १८३; २, १, १, १;

आचार. पुं० (आचार) ज्ञानादि आचार.
ज्ञानादिक आचार. Knowledge etc.
सम० प० १६८; सम० २८; नाया० १; भग०
२, १, २६, ३; विश० ३१६०; ओष० नि०
१८३; पंचा० ५, ४; (२) व्यवहार; विधि-
भागे. व्यवहार; विधिमार्ग. practice;
prescribed rules. दसा० ६, ५३; ६, ४,
२३; (३) वर्तन; चरित्र. चरित्र; वृत्ति.
conduct; character. पि० नि० २०६;
दस० ६, २; (४) आचारांग सूत्र; १२
अंगभांजुं पड़ेलुं अंग सूत्र. आचारांग सूत्र;
१२ अंगोंमें से पहिला अंगसूत्र. the first
of the twelve Āngasūtras; the
Āchārāṅga Sūtra. सम० १, १८;
अणुजो० ४२; ओष० २१; भग० १६, ६;
२०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; —अंग. न०
(-अङ्ग) १२ अंगसूत्रभांजुं प्रथम अंग-
सूत्र. बारह अंगसूत्रोंमें से पहिला अंगसूत्र.

the first of the 12 Āngasūtras.
सम० —अंगचूला. लां० (-अङ्गचूला)
आचारांग सूत्रना पीन श्रुतस्केधना पाठ्य
भाग. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध का
पिछला हिस्सा. the latter part of
the 2nd Śrūta Skandha of
Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १,
१, १; —उवगय. त्रि० (-उपगत) १४
भो योग संग्रह; आचार विशिष्ट पाठ्यो ते.
१४ वीं योग संग्रह; आचार विशेष का पालन
करना. the 14th Yogasaṅgraha;
observance of a particular kind
of conduct. सम० ३२; —कुशल.
त्रि० (-कुशल) आचारभां कुशल. आचार
में कुशल. (one) proficient in
ascetic conduct. वव० ३, ३;
—फलेवली. लां० (-आचवली) सांभ-
लनारते आचार-अनुष्ठान तरङ्ग प्रियतादी
कथा; कथानो एक प्रकार. सुनने वाले को
आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा;
कथा का एक भेद. a story inclining
the hearer to practise or per-
form what he hears. ठा० ४, २;
—गुप्त. त्रि० (-गुप्त) गुप्ताचारी; जेना
गुप्त आचार छे ते. गुप्ताचारी; गुप्त आचार
वाला. (one) whose religious
performances are well protect-
ed or carried on in privacy.
दसा० ६, ३१-३२; —गोचर. पुं०
(-गोचर) आचार विषयक; आचार संबंधी.
आचार संबंधी. pertaining to
Āchāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा०
८; दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४,
१६०; —चूला. लां० (-चूला)
आचारांग सूत्रना पीन श्रुतस्केधनी
श्रुतिभा. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध

की चूलिका, the latter part (the Chūlikā) of the 2nd Śrutas-kandha of Āchārāṅga Sūtra. भाषा० १, १, १, १; —चूलिया. ब्रौ० (-चूलिका) अचारंग सूत्र की चूलिका, the latter part (the Chūlikā) of Āchārāṅga Sūtra. “ आचारस्सयं भगवन्नो सचूलियागस्त पंचासीह उदेसय काला ” सम० ८६. “ शास्त्रिकडगायं आचार चूलिया वदुयं सत्तावन्नं अन्धयणा ” तन० ५७; —णिज्जुत्ति ब्रौ० (नियुक्ति) अचारंग सूत्र की नियुक्ति. आचारंग सूत्र का नियुक्ति. the commentary on the Āchārāṅga Sūtra. सम० १; भाषा० नि० १, १, १, १; —लेण. त्रि० (-स्तेन) आचारनेो येर. अशुचारी ७नां पेताने आचारो कडेवउ वनार. आचार चोर; अनाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not. दस० ५, १, २; —पणत्ति. ब्रौ० (-प्रज्ञप्ति) आचारंग अने पत्ति-वट्पुदीप पत्ति यन्-पत्ति सूरी पत्ति वगेरे सूत्रे. आचारंग और पत्ति-प्रज्ञप्ति जेवुदीप प्रज्ञप्ति, चंद्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति आदि सूत्र. the Āchārāṅga and Pannati Sūtra e. g. Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannati, Sūrya Pannati etc. दस० ८, ५०; —पणत्तिधर. पुं० (-प्रज्ञप्तिधर) आचारंग सूत्र अने प्रज्ञप्ति सूत्र-अशुचारी पत्ति यन्-पत्ति सयं पत्ति वगेरे। धरनार-अशुचारी. आचारंग सूत्र और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला. one who knows the Āchārāṅga and

Pannati Sūtras like Jambūdvīpa Pannati etc. “ आचारपणत्तिधरं दिट्ठिवायमहिजगं ” दस० ८, ५०; —पत्ति. त्रि० (-प्राप्त) अशुचर्यवत आदि आचारवाले। ब्रह्मचर्य वत आदि का आचरण करनेवाला. (one) who practises continence. “ इमयं आचार पत्तायं ” तंडु० —भंडग. पुं० (-भांडक) पात्रां पाट रत्नेदरण्य आदि उपकरण. पात्र, रजोहरण आदि उपकरण. an ascetic's implements such as alms-bowl, soft brush etc. नाया० १, १६; —भंडसेवि. पुं० (--भाण्डसेविन् आचार-शास्त्रविहितो व्यवहारस्तेन भाण्डमुपकरणमाचारभाण्डम् तस्सेविनुं शिखं यस्य स आचारम एव सेवी) शास्त्र विधिने अनुसरी उपकरण सेवनार. शास्त्रविधि के अनुसर उपकरण का सेवन करनेवाला an ascetic who uses his implements as prescribed by scriptures. आउ० —भाव. पुं० (-भाव) आचार भाव-आचारनुं २५२५. आचार स्वरूप. the true nature of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ७, १३; —भावसेण पुं० (--भावस्तेन) उत्तम आचार धरने; उत्तम-आचारनेो येर. उत्तम आचार रहित; सदाचारचोर devoid of a high quality of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० १, २, ४५; —भावदोषण. त्रि० (-भावदोषण —आचारभावस्वर दोषं जानतस्य चारभाव दोषणः) आचारभाव-साधु समाचारिता दे.पने अशुचारी. आचार भाव अशुच गधु समाचारों के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Śādhus or ascetics. आचार भाव दोषधू न तं भासिज पञ्चवं ” दस० ७, १३; —मह. त्रि० (-अर्थ) ज्ञानादि आचारने अर्थ-निमित्ते. ज्ञानादि आचार के लिये. for the sake of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. “ आचारमहर्षिखण्ड पञ्चमे ” दस० ६, ३, २; —चिखण्ड. पुं० (-विनय-आचारोपनिषत् सनाचारः स एव विनीयते अस्वीयते कर्माऽनेनेति विनय आचारविनयः) विनय पूरिष्ठ आचार प्राप्तये ते; विनयतो अेष्ठ प्रधार. विनय पूर्वक आचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. “ सेकिं ते आचार विण्णु २ चउविहे पञ्चने-संजहा संजमननादारी यवि भवति ” प्रव० ५५४; दसा० ४, ६७; —संपया. छं० (-संपत्-आचरणमाचारोऽनुष्ठानं तद्विषया स एव वा संपटिभूतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राप्तिराचारसम्पत्) आचारनी संपत्तिः उच्ये आचार. आचार की संपत्तिः उच्च आचार high kind of Āchāra i. e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc. “ आचार संयदा चउविहा पञ्चता संजहा संजम धुदजोग जुते ” ठा० ८, १; दसा० ४, १०६; —समाहि. पुं० (-समाधि) आचाररूप समाधि; समाधि का अेष्ठ प्रधार. आचाररूप समाधि; समाधि का एक भेद. meditation in the form of Āchāra i. e. ascetic life with knowledge, faith etc. “ चउ-विहा म्बुलु आचार समाही भवइ तंजहा ”

दस० ६, ४, ५; —समाहिसंबुड त्रि० (-समाधिसंबुड) आचाररूप समाधिवाला; आचारने रोकना. आचाररूप समाधिवाला; आश्रव को रोकने वाला. (one) having meditation in the form of Āchāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस० ६, ४, २, ३; आचार. पुं० (आकार) आकृति; आधार. आकृति; आकार. Form; configuration. जं० प० नाया० १; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रत्यवतार) जुय्वा “ आमार-भावपडोयार ” शब्द. देखो “ आमार-भावपडोयार ” शब्द. vide “ आमार-भावपडोयार ” जं० प० १, ११; आचार कण्ठ. न० (आचारकण्ठ) निसीथ सूत्रनु अपर नाम. निर्वाथ सूत्र वा दूसरा नाम. Another name of Nisitha Sātra. वव० ३, १०; प्रव० ८६४; —धर. त्रि० (-धर) निसीथ सूत्रवा अधेना धर-नार. निर्वाथ सूत्र के अर्थ का ज्ञान. (one) who knows the meaning of Nisitha Sātra. वव० ३, ४; आचारकण्ठ. पुं० (आचारकण्ठ) जुय्वा “ आचारकण्ठ ” शब्द. देखो “ आचारकण्ठ ” शब्द. Vide. “ आचारकण्ठ ” जं० प० ४, ८८; आचारदशा. छं० (आचारदशा-आचारप्रति-पादनरा दशा आचारदशा) आचारदशा नामनु अपर आचारदशा नामक सूत्र. The Sātra named Āchāra Daśā. “ आचारदशाणं दस अउकयणा पण्णता तंजहा ” ठा० १०; आचारपकण्ड पुं० (आचारपकण्ड) निसीथना त्रयु अध्ययन संहित आचारंग सूत्रना २५ अध्ययन. निर्वाथ सूत्र के तीन अध्यायोमहित आचारंग सूत्र के २५ अध्याय.

The 25 chapters of Āchārāṅga plus three chapters of Nisitha.

“अष्टाधिकविंश आचारपकरण नामोयं”

पर० २, ५; वर० १०, २०;

आचारपण्डि. पुं० (आचारपण्डि) आचार प्रतिपादन करनेवाला दशैकालिक सूत्र का आठवां अध्याय. The eighth chapter of Dasa-vaikālika explaining Āchāra i. e. right knowledge, faith etc. “आचारपण्डि लङ्गे जहा कायव निस्सुखा” दग० ८, १; ६६.

आचारमेत. वि० (आचारमेत) शुद्ध आचारवादी. शुद्ध आचरण वाला. Pure in knowledge, conduct, faith etc. दग० ६, १, ३;

आचारयंत. वि० (आचारयन्) ज्ञान, दर्शन, अस्ति, तपश्चर्येण आचार आचारवाला. ज्ञान, दर्शन, आचरण, तप और चर्येण इन पांच आचारवाला. (One) possessed of the five Āchāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism. टा० ८, १; भग० २५, ७; दग० ९, ३१; ३२;

आचारवधु. न० (आचारवधु) तृतीया पर्व का त्रिंश प्रश्नवाच्य नाम. तीसरे पर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the third chapter of the 9th Pūrva. भग० २५, ७;

आयाव. पुं० (आताप) लुप्त “आताव” शब्द. देखो “आताव” शब्द. Vide. “आताव” भग० १, ५; कण्ठ० २, ५४; ४, ३३;

आयावअ. प्रि० (आतापक) आतापन

लेनार; सूर्यनी सामे दृष्टि राभी सूर्यने ताप सहेंतार. आतापना लेनेवाला; सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के तार को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६; पर० २, १; टा० ५, १;

आयावग. वि० (आतापक) लुप्त “आतावग” शब्द. देखो “आतावग” शब्द. Vide. “आतावग” पि० नि० ३१५;

आयावग. न० (आतापन) आतापना शीत दिशनु सदन करनेवाला. आतापना, शीतलिका का सहना. Practice of enduring heat, cold, etc. नाग० १६; — टा० ८, १; न० (—स्थान) शीतलिका सदन करनेवाला स्थान. शीतलिका सहने करने वा स्थान. a place where cold etc. are to be endured. पंच० १८, ४८; — भूमि. लो० (—भूमि) आतापना लेनेवाला जगह. a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३१; ११, ६; १५, १; नाग० १६;

आयावगभूमि. न० (आतापनभूमि) लुप्त उपलब्ध शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाग० १;

आयावग्या. लो० (आतापनता) लुप्त “आतावग्या” शब्द. देखो “आतावग्या” शब्द. Vide “आतावग्या” टा० ३, ३;

आयावग्या. लो० (आतापना) आतापना लेनी. आतापना लेना. Endurance of heat, cold, etc. as austerities. ओव० ३८; वर० ५, २२; निर० ३, ३; भग० ११, ६;

आयास. पुं० (आवास) चित्तो मेद. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind. पण० १, ६; (२) १८ लिपिभांती १५मी लिपि. १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the 15th or the 18 scripts. पञ्च० १; —लिवि. ली० (-लिपि) १८ लिपिभांती १५ मी लिपि. १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the 15th of the 18 scripts. पञ्च० १;

आयाहिणं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिण तरङ्ग की भांति; जमली तरङ्ग की शरु करीने. दक्षिण बाजसे; दाहिनी ओर से प्रारंभ करके. Commencing with, starting from, the right side (as opposed to the left.) ओव० २२; नाया० १, १३; १६; भग० १, १; २, १; ३, १; ४१, २; राय० २६; उवा० १, १०; जं० प० ४, ११२;

आयाहिणपयाहिणा. ली०. (आदक्षिणप्रदक्षिणा—आदक्षिणा - दक्षिणाभासारभ्य प्रदक्षिणः परितो आभ्यतो दक्षिण एकादक्षिणप्रदक्षिणः) जमली तरङ्ग की शरु करीने करी जमली तरङ्ग की आधुनिक करने के. दाहिनी ओर से आवर्तन कर फिर दाहिनी ओर तक—(प्रदक्षिणा.) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left.) “ समग्रं भगवं महावीरं तिलुप्तो आयाहिणपयाहिणं करोह ” भग० १, १, ६, ३३; विवा० १; राय० ओव० नाया० १६;

आयु. न० (आयुष) आयुष. आयुष्य; उमर. Life. क० प० ५, ६३; —कलय. पुं० (-कय) आयुष्यो क्षय—अंत. आयुष्य का क्षय—अंत. decay or end of life. क० प० ५, ६३;

आयोग. पुं० (आयोग) धननी आवक. धन की आमदना. Income of wealth. राय० २८६;

आर. न० (आर-इहभवसारम्) आलोच. यह लोक. This world. “ आहिसि आरं कथोपरं ” स्य० १, २, १, ८; १, ६, २८; (२) संसार; अर्थलोक. संसार; मर्त्य-लोक. world; worldly existence. स्य० १, २, १, ८; (३) गृहस्थपण्य. गृहस्थपन; गृहस्थ. householder-ship. स्य० १, २, १, ८; (४) चौथी नरक्षेत्रो मेक नरकावासो. चौथी नरक भूमिका एक-नरकावासा. a certain division of the 4th hell-region. स्य० टा० ६, १;

आरओ. अ० (आरतस्) आलोच. यह लोक. (From) this world. “ आरओ परओ वावि ” स्य० १, ८, ६; (२) पहले; अर्वाग; आपार. पहिले; अर्वाग; इस पार. before (in time or place) being on this side. पिं० नि० २३४; २४१;

✓ आरंभ. I. धा० (आ+रम्भ) आरंभ सभारंभ करने; हिंसा—पापनो व्यापार करने. हिंसा का व्यापार—हिंसक कार्य करना; आरंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

आरंभइ. भग० ३, ३;

आरंभे. वि० वस० ६, ३४;

आरंभमाण. भग० ३, ३;

आरंभ. पुं० (आरम्भ) हिंसा; हृषि आदि पापकारी व्यापार; आरंभ सभारंभ. हिंसा; हृषि आदि पापपूर्ण व्यापार; आरंभ समारंभ. Destructive operation; e. g. killing, in agriculture etc. दसा० ६, २; भग० ३, ३; ८, १; ओव० ३८३;

उवा० १, १७७; सूय० १, १, १, १०१ १, १, २, ११; उल्ल० २४, २१; ३४, २४; विशेष० ३; पंचा० १, ८; प्रव० १०७४; (२) त्रि० ग्रेगे. आरंभ थाप लेता था। जिसका आरंभ-वच हो ऐसा जाव. a victim of killing प्रव० १०७४; —उवरय. त्रि० (-उपरत) आरंभथी नियुक्त थये। आरंभ से निवृत्त पायाहुआ. free from sinful operations of killing etc. “ जेय पणायमंतो वनुद्धा आरंभोवरया सम्ममंयंति पासह ” आया० १, ५, ५, १६०; —करण. न० (-करण) ७ कायनां अयने हलया ते. छ काय के जावों का हिसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा० ३, १; परह० १, ३; —कहुआं (-कथा) भाग्यनादिकमां अतां आरंभ समारंभनां वभाष्य करवां ते. भोजनादि में होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना. praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. ठा० ४, २; —जीवि. त्रि० (-जीविन्) आरंभ-सावध द्विथी आश्रयदा यथायनार (गृहस्थ). आरंभ-सावध-क्रिया से आजीविका करने वाला (गृहस्थ). (a householder). earning livelihood by operations involving killing etc आया० १, ३, २, १११; —उक्ताण. न० (-ध्यान) हिसक ध्यान; आर्तध्यान. हिसक ध्यान; आर्तध्यान. meditation of destruction of sentient beings. आउ० —द्वारा न० (-स्थान) आरंभ समारंभ. करवाना ठेक. ध्या-भेतर-वादी पजेरे. आरंभ समारंभ करने का स्थान

जैसे खेली बाड़ी आदि. a place of sinful operations; e g. a field, a garden etc. “ आरंभ द्वाये पणयता पृथा मे व महा पडमेवि ” ठा०: ६ —द्वि. त्रि. (-अर्थिन्) आरंभलनो अर्थी; पापना व्यापारने धर्मनार. आरंभ का अर्थी; पाप व्यापार को चाहनेवाला. desirous of sinful operations. “ आरंभट्टी अशुवव-माये हणमाये घायमाये ” आया० १, १, ४, १६२; —णिस्सिय. त्रि० (-निश्चित-आरंभे हिंसादिके सावधानुद्धानकरे निश्चयेनश्चिताः सम्बद्धा अशुपपन्ना आरंभ-निश्चिताः) आरंभमां तत्पर थये। आरंभ में तत्पर. plunged in sinful operations. “ मंदा आरंभ णिस्सिया ” सूय० १, १, १, १०-१४; १, १, २; —परिणसाय. त्रि० (-परिज्ञात) श्रावकनी आहमी पडिमा आहरेनार श्रावक के ग्रे आह भड्डीना सुधी पोते आरंभ समारंभ करे नहि. आवक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला श्रावक जो कि आठ मास तक स्वयं कोई आरंभ समारंभ नहीं करता a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११; —वज्जय. त्रि० (-वर्जक) आरंभ-पापना व्यापारनो त्याग करनार. श्रावकनी आहमी पडिमा सेवनार. आरंभ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला; श्रावक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc. for eight months. परह० २, ५; —संभिय. त्रि० (-सम्भृत). आरंभलथी भरेहुं-आरंभलथी पुष्ट. आरंभ से भराहुआ; आरंभ से युक्त.

full of sinful operations. “आरंभ-संभियकामा ” सू० १, ६, ३: —सञ्च-दि० (—सत्य-आरंभो जीवोपवात्तराद्विषय-सत्यमारंभसत्यम्) आरंभ विषयक सत्य. आरंभ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १: —सञ्चमण्यप्यश्रोग. पुं० (—सत्यमनः प्रयोग) आरंभविषयक सत्य मतों. प्रयोग-व्यापार. आरंभ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १: —सत्त. वि० (—सक्त) आरंभमां लागेला: आरंभस्थी नेह्येला. आरंभ संलग्न: आरंभसेयुक्त. engaged in sinful operations of killing etc. “आरंभसत्तापकरतिसंग” आया० १. १. ७, ६०: —समारंभ. पुं० (—समारंभ—आरंभ: कृपादिम्यापारस्तेन समारंभो जीवोपमर्दः आरंभसमारंभः) आरंभ समारंभ: पापना व्यापारशी छवनी घात करती है. आरंभ समारंभ: पापरूप व्यापार-कृत्य में जीव की घात करना. performance of operations involving destruction of life etc. दसा० ६, ४; परह० १, १;

आरंभग. वि० (आरंभक) आरंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. आया० नि० १, ५, १, २३६;

आरंभज. वि० (आरंभज) सावध क्रियाना अनुष्ठानशी उत्पन्न थयेला. सावध क्रिया के अनुष्ठान से उत्पन्न. Born of sinful operations आया० १, ३, १, १०८;

आरंभय. वि० (आरंभय) लुओ. उपेक्ष

शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

आया० १, ३, १, १०८;

आरंभि. वि० (आरंभिन्) पापना आरंभ करनेवाला. पाप का आरंभ करनेवाला. (One) performing sinful operations. सू० १, ६, ६;

आरंभिया. स्त्री० (आरंभिकी) पापना व्यापारशी लागती क्रिया. पाप व्यापार में होने वाला कर्मबंध. Karma arising from sinful operations of killing etc.

“आरंभिया किरिया दुविद्धा पगणुत्ता न-जहा जीव आभिया खेव” डा० २, १;

४, ४; भग० १, २; ५, ६; पञ्च० १७, २२;

आरंभय. पुं० (आरंभ) राजना आत्मरक्षक. राजा के आत्मरक्षक. A body-guard of a king. डा० ३; (२) उग्रवंश अने ते वंशमा उत्पन्न थयेला. उग्रवंश और उस वंश में उत्पन्न उग्रवंशी. the Ugra family; a person born it. डा० ६;

आरंभय. पुं० (आरंभक) रक्षक करनेवाला. रक्षा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects; e. g. a police constable. कप० ५, ६६;

आरंभय. पुं० (आरंभिक) रक्षा करनेवाला. नगर रक्षक. A constable; one who guards a city. दसा० ५, १, १६; ओष० नि० २२३;

आरंभ. पुं० (आरंभ) चक्रना आरंभ; पैड-ना आरंभ. चक्र का आरंभ; पहिये का आरंभ. A spoke of a wheel परह० २, ४;

आरंभय. वि० (आरंभय) इंद्रिये की समीप आयेला; इंद्रिये के समीप आया हुआ. Within the reach of senses; near the senses. “आरंभयाईं सदाईं सुणेईं थो परंभयारं” भग० ५, ४;

आरटियसद्. पुं० (आरटियसब्द) अःक-
न्दन शब्द. चिह्नाने का शब्द Bawling
sound; loud sound. त्रि० ६;

आरण्य. पुं० (आरण्य) ११मो देवलो०. ग्यार-
हवाँ देवलो०. The 11th heavenly
world. (२) ते देवलो०ना निवासी देवता.
उहा देवलो०के निवासा देव. a deity
of that world. वश० ६६३; पञ० १;
भग० १८, ७; जाँवा० २; नाया० १; सम०
१२०; डा० २, ३; ओव० उ० ३६, २०६;
(३) थुम पाडली ते; आःड्युं ते.
विज्ञाना; वोम मारना. shouting. ओप०
नि० १६४;

आरण्यग. पुं० (आरण्यक) ११मो देवलो०
ग्यारहवाँ देवलो०. The 11th heavenly
world. भग० २४, २१;

आरण्यव. त्रि० (आरण्यक) अःक-
न्ध-वन-
भां ७८८ ते; वानप्रस्थ. वन में जाना; वान-
प्रस्थ. (One) resorting to a
forest; abandoning the world
“ सं जे इमे आरण्यया आवसिषाण गाम
श्रियति वा ” द्या० १०, ७;

आरण्यग. त्रि० (आरण्यक) अःक-
न्ध-वन-
भां ७८८ ते; वानप्रस्थ. वन में जाकर रहने
वाला; वानप्रस्थ. (One) renoun-
cing the world and resorting
to a forest. “ आरण्यगा हाँह मुर्षी
पमस्था ” उ० १४, ६;

आरण्यव. त्रि० (आरण्यक) ७८८मो उपलो०
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
निर्सी० १६, ७;

आरण्यव. त्रि० (आरण्यक) वनभां वसी
इधकुत कंदना आडार करनार तापस वगेरे
घनमें रहकर फल, फूल, कंद का आहार
करनेवाले तारासी वगैरह. An ascetic

etc. who stays in the forest
and lives upon roots, fruit etc.
सू० २, २, २१; २७;

आरत. त्रि० (आरत) निवृत्ति पामेक्ष; उपरत-
विराम पामेक्ष. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-
हुआ. (One) who has ceased.
सू० १, ४, १, १;

आरत्त. त्रि० (आरत्त) थे ३ रंगेक्षुं; रंगीन
वस्त्रादि. कुछ रंगाहुआ; रंगान वस्त्रादि.
Lightly coloured; e. g. a cloth
etc आया० १, २, ३, १६;

आरब्ध. त्रि० (आरब्ध) अःक-
न्ध-
आरम्भ कियाहुआ. Begun; commen-
ced. सु० च० १, ८०; भग० ३, १; ४२,
१; विशेष० ४२२; ६५५; ओप० नि० भा०
२४८; क० प० ५, ६५;

आरक्ष्य. त्रि० (आरक्ष्यक) ७८८मो “ आर-
क्षिण्य ” शब्द. देखो “ आरक्षिण्य ”
शब्द. Vide. “ आरक्षिण्य ” सू० २,
२, २१; २७;

आरव. पुं० (*आरव=अरब) उत्तर भरत-
मां ७८८ ते; अरब देश; अरबस्थान. उत्तर भरत
क्षेत्र में का आरव नामक देश; अरबस्थान.
Arabia; name of a country in
Uttara Bharata. (२) अरबस्थानना
रहनेवाली मनुष्य; आरव. अरबस्थान वासी
मनुष्य. an Arab. परह० १, १; जं० प०

आरवग. पुं० (अरबिक) आरव; आरवदेश-
ना रहनेवाली. अरबस्थान का रहनेवाला. An
Arab; a resident of Arabia.
जं० प०

आरवी. स्त्री० (*आरवी=आरबी) अरबस्थान-
मां ७८८ ते. अरबी. अरबस्थान में जन्मीहुई
दासी. An Arab servant-maid.
भग० ६, ३३; ओव० ३३; जं० प० परह०
१, १; नाया० १;

आरम्भ. सं० कृ० अ० (आरम्भ) आरम्भ-
ने; आरम्भ करीने. आरम्भ कर्क
Having begun. पञ्च० १७; पि० नि०
२३३; भग० ८, ७;

✓ **आरम्भ.** धा० I. (आ-रम्भ) आरम्भ-
शब्दात् करुं. आरम्भ करना. To begin:
to commence.

आरम्भ. प्रव० १४६; ८२८;

आरम्भ. व० कृ० पि० नि० ५७५; अणुजो०
१२८;

आरम्भ. न० (आरम्भ) ३२ नाट्यभंजुं
२८ भुं नाट्य. ३२ नाटकों में से २८ वां
नाटक. 28th of the 32 dramas.
जीवा० ३, ४; राय० ६४; ठा० ४, ४; जं०
प० ५, १२१;

आरम्भभसोल. न० (आरम्भभसोल)
३२ नाट्यभंजुं ३० भुं नाट्य. ३२ प्रकार क
नाटकों में से ३० वां नाटक. 30th of the
32 dramas जीवा० ३, ४; राय० ६४;

आरम्भडा. स्त्री० (*आरम्भटी) पडिलेदण
करती पथते पथ उतायने लेतां मुकतां-
नेतां लागेतां ओक दोष; पडिलेदण ने ओक
दोष. पडिलेदण करते समय शीघ्रता से चल्
उठाने रखने या देखने में जो दोष लगता है
वह; पडिलेदण का एक दोष. A fault
connected with the examina-
tion of clothes viz hastily
handling them or hastily in-
specting them. उत्त० २६, २६;
आ० नि० भा० १६२; ठा० ६, १;

आरम्भिय. न० (आरम्भित) नाट्य-विधिने
ओक प्रकार. नाट्यविधि का एक भेद. A
mode of dramatic acting. राय०

आरय. त्रि० (आरत) निवृत्ति पायेन.
निवृत्ति पायाहुआ. (One) who has
ceased; freed from. सू० १, ४;

(२) गयेन; दूर थयेन. गयाहुआ; दूर
होचुआ हुआ. departed; gone away.
सू० १, १५, ११; —मेहुण. त्रि०
(—मेथुन आरतमुषरतं मेथुनकाम-भिलाषो
यस्यासावारतमेथुनः) श्रमणी अभिलाषाधी
निवृत्त थयेन. काम का अभिलाषा से निवृत्त
होचुआ हुआ. free from sexual
desire. सू० १, १५, ११;

आरव. पुं० (आराव) शब्द; अथवा शब्द;
आवाज; ध्वनि. Sound; noise. जं० प०

✓ **आरस.** धा० I, II. (आ + रस्) २३तुं;
विलाप करेता. रोना; विलाप करना. To
weep; to lament.

आरसति. नाया० १६;

आरसंत. नाया० ६; उत्त० ११, ६१;

आरसिय-अ. त्रि० (आरसित) आरस
पायेन; आरस. चिलाया हुआ. Bawling
out; (any thing) bawled out
or piteously cried out. “ विधुटे
विसरे आरसिए तपण पयस दारगस ”
विवा० २; —सद्. पुं० (—शब्द) २३-
वाने आराव-शब्द. रोने की आवाज.
wailing sound. नाया० १६;

आरा. स्त्री० (आरा) आरा-गाडी वगेरेना
पैशना मध्य लागमां जे लाकडी गेहेवां
होय छे ते. आरा-गाडी चरह के चाकों के
बाच में जो लकडी के ऊँडे लंगहु होय हैं वे.
A spoke of a wheel. सु० च० १२,
५६; पि० नि० ३३१; (२) आर; अक्षरने
भारवानी लोहानी आली वाली लाकडी;
इथीआर विशेष. आर; बैल के शरीर में
टोंचने की लकडी जिसमें लोहे की खाल
लगी रहती है. a stick with an iron
point to drive oxen etc; a goad.
सु० च० १२, ५१; सू० १, ५, २, १४;

आरा. अ० (आराध) पास; नज्द. पास;
समीप. Near; in the vicinity.
पंचा० ४. ३४;

आराभाग. पुं० (आराभाग) पूर्वेत आग;
पश्चिमेत आग. पूर्व का भाग; समीपवर्ती भाग.
The adjoining part. विशेष० १७३६;

आराम. पुं० (आराम) उपरान्त; आग; स्त्री-
पुरुषोन्ते आराम लेवाना मंडप. उपवन; बाग;
जो पुरुषों के विराम करनेका मंडप. A
garden; a pleasure garden.
श्रीव० नाया० १; १; ५; परह० १, १;
ठा० २, ४; राय० २०१; २३४; अणुजो०
१६, १३४; उत्त० २, १५, १६, १५; भग०
५, ७; १८, १०; २५, ७; जवा० ३; कप०
४, ८८; (२) त्रि० (आरामयति सुख-
यसीत्यारामः) आराम करनेवाला—आपनार.
आराम देनेवाला. refreshing; con-
ducive to rest. आया० १, ५, ४,
१५६; राय० ३३; —आगार. न० (—आ-
गार) लुओ “ आराभगार ” शब्द. देखो
“ आरामगार ” शब्द. vide “ आराम-
गार ” निरु० ३, १, —गय. त्रि० (—गत)
आराम आगमां आनी पहुँचिष. बागीचे में
आया हुआ. arrived at a pleasure-
garden. ठा० ५; —गार. न० (—गृह)
उद्यनगृह. उद्यानगृह. a house in a
garden. “ आगंतगारे आरामगारे ”
सूय० २, ६, १५; —गिह. न० (—गृह)
लुओ उपना शब्द. देखो ऊपरका शब्द.
vide above. दमा० ७, १;

आरामिय. त्रि० (आरामिक) आराम-आग-
नुं रक्षक करनेवाला; भली. जागवे की देख
रेख करनेवाला; माला. A gardener.
ठा० ४;

आराह. धा० I, II. (आराह्) आराधना
करनी; सेवना करनी. आराधना करना; देना
V. II/11.

करना. To worship; to resort to.

आराह्ह. दम० ५, १, ३६; भग० ३, ६;
२, १;

आराह्ह. उवा० १, ७०, ७१;

आराह्ह. दम० ६, ३, १;

आराह्ह. वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७;
६, १, १६; उत्त० १२, १२;

आराह्हस्तमि. भ० भक्त० १५८;

आराह्हिण. सं० कृ० सु० च० ११, १८;

आराह्हिता. सं० कृ० उत्त० २६, १; दस०
६, १, १७;

आराह्हिता सं० कृ० नाया० ८; १६; भग०
१, ५; २; १, ८, १०; ६, ३२,

आराह्हिता. सं० कृ० कप० ६, ६३; नाया०
८; श्रीव० ४०;

आराह्हितं. हे० कृ० सूय० १, १५, १६;

आराह्ह. पुं० (आराधक—आराधयति
सम्यक् पालयति बांधिर्मित्याराधकः) आरा-
धक; संयम आदिना पालनार. पालन करने
वाला; सेवन करनेवाला; संयम आदि की
आराधना करनेवाला. (One) who
worships or devotes himself
to asceticism. श्रीव० ३४; भग० ५,
३; ३, १; ८, ६; ८; राय० ७६; भक्त० ११;
पल० ११; नाया० १; ३; ५; ११;

आराहग. पुं० (आराधक) सनादिधने आ-
राधक. सनादिक का आराधक. One who
devotes himself to right know-
ledge etc. “ आराहगो य जीवा सव्यद्वे
भवेद्वा पानती स्थियमा ” पचा० ७, ३१;
नाया० १०; भग० ३, १; सूय० १, १,
२, २३;

आराहण. न० (आराधन) आराधन; सेवन.
आराधना; सेवा. Worship; service;
devotion to. संत्या० आव० ४, ४;
भक्त० ३;

आराहण्य. पुं० (आराधनक) संथारे.
संधारा; मृत्यु आनेतक अन्नजल का त्याग
करना. Giving up food and water
till death comes. संथा०

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) संथारे.
संधारा. Giving up food and
water till death comes. (२)
श्रुत-शास्त्रनुं सम्यक् प्रदारे आराधन-आसे-
वन. श्रुत-शास्त्र का सम्यक् रीति से आरा-
धन-आसेवन. devoted observance
of scriptural injunctions. संथा०
उत्त० २६, २;

आराहणा. स्त्री० (आराधना) मोक्ष मार्ग-रूप
ज्ञान आदिनी सेवा: वीतरागता वचननुं
पालन. मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा:
वीतराग के वचनों का पालन. Devoted
adherence to the precepts of
the omniscient, leading to final
bliss. " दुविहा आराहणा प० तं भस्मि-
याराहणाखेव " श्रौव० ३४; उवा० १, ५७;
ठा० २; ४; ३, ४; पंचा० ६, ५; सम० ३२;
अणुजो० २८; प्रव० १००; वेद्य० १, ३३;
आटे० १५; नाया० ११; भग० ३, ४; ५,
६; ८, १; १०; २४, ६; कप्प० ६, ५६;
—उवउत्त. त्रि० (उपयुक्त) आराधना
सहित. आराधना सहित. full of
worship or devotion. आउ० १५;

आराहणी. स्त्री० (आराधनी) ग्रेनाथी
मोक्ष मार्गनी आराधना कराय औथी भाषा;
द्रव्य भाषातो अेक प्रकार. जिस भाषा से
मोक्ष मार्ग की आराधना का जासके ऐसी
भाषा; द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech
fitted to secure final bliss; a
variety of ordinary speech;
पञ्च० ११;

आराहिय त्रि० (आराधिन) आराधना

करेव. आराधना कियाहुआ. Worship-
ped; adored; resorted to. पणह०
२, १; उत्त० ८, १६; नाया० ८; भग० ८,
६, १०, २; प्रव० २१३; —संजम. त्रि०
(-संयम) आराधर शंते ग्रेजे संयमनी
आराधना-सेवना करी छे ते. पूर्णतया जिसने
संयम-साधुत्व का आराधना की है वह.
(one) who has fully observed
asceticism. सम०

आरिद्र. पुं० (आरिद्र) मंडप गोत्रनी शाखा.
मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch
of the Man-lapa family. (२) ते
शाखामनिने पुरय उम शाखा का पुरुष. a
person belonging to the above
branch. डा० ७, १;

आरिय. पुं० (आर्य) ज्ञानी-वीर्यकर. ज्ञानी-
संयुक्त. An omniscient; a Tir-
thankara. आया० १, २, २, १८; १,
२, ५, ८७; (२) पवित्र; विदुक्त; श्रेष्ठ;
निष्पाप. पवित्र; विदुक्त; श्रेष्ठ; पापरहित;
निष्पाप. sindoss; holy; puro. उत्त०
२, ३५; डा० ३, १; पञ्च० १; भग० ६,
३३; श्रौव० २७; (३) आर्य देशमां उत्पन्न
थयेत; अउ मनुष्य. आर्य देशोत्पन्न; श्रेष्ठ
मनुष्य. born in an Arya country;
high in civilisation. सूय० २, १,
१३; तम० ३४; श्रौव० ३४; भग० १५, १;
(४) पुं० मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. path
of salvation सूय० १, ८, १३; (५)
आर्य देश. आर्य देश. the Arya (i. e.
civilised) country. प्रव० ६४;

—दंशि. पुं० (-दंशिन्—आर्य प्रगुणं
न्यायोपपन्नं पश्यति तच्छास्त्रेन्यार्यदर्शी)
न्यायदृष्टि वाला; न्याय दृष्टिसे ग्रेनार.
न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने
वाला. (one) who is just and

impartial. " आरिण् आरियदस्ये आरिय
दसि" आया० १, २, ५, ८७; —धम्म. पुं०
न० (—धर्म) आर्य धर्मः अहिंसा धर्मः
सदाचार धर्म. आर्य धर्मः अहिंसामय धर्मः
सदाचाररूप धर्म. Ārya religion i. e.
one high in morals and mercy.

" वेहज्ज सिज्जरोयही आरिय धम्ममणुत्तरं "
उत्त० २, ३७; —पञ्च. त्रि० (—प्रज्ञ) प्रशंसनीय बुद्धिवाले; शास्त्रीय ज्ञानमय.
प्रशंसनीय बुद्धिवाला; शास्त्रीय ज्ञानमय.
highly talented; well-versed
in Sastras. आया० १, २, ५, ८७;

आरियत्तण न० (आर्यत्व) आर्य देशमां
Gatam ययुं ते: आर्यपात्रं. आर्य देश में उत्पन्न
होना; आवत्त. State of being born
in an Ārya country; state of
being an Ārya. उत्त० १०, १६;

आरुग्ग. न० (आरोग्य) निरोग्गी पात्रं;
स्वस्थ. निरोगावन; स्वास्थ्य. Health;
freedom from disease. गाँल० ६;
दय० ८, ३५; आव० २, ६; भत्त० ६५.
—बोधिलाभ. पुं० (—बोधिलाभ-आरो-
ग्याय बोधिलाभ आरोग्यबोधिलाभः) स्वा-
स्थ्यमेव अरिहतं प्रणीतं धर्मेनां प्राप्तिः
भोक्ष भाग्येना धर्मेनां प्राप्तिः स्वास्थ्य के हेतु
आरिहत प्रणीत धर्म की प्राप्ति; मोक्ष-मार्ग रूप
धर्म की प्राप्ति. acquisition of the
religion taught by Tirthan-
karam i. e. one leading to final
bliss. आय० २, ६;

आरुत्तिय. त्रि० (आरुह) क्रोधी ध्येय.
क्रोधित; क्रुद्ध. Angry; enraged
नाया० २;

आरुत्त. सं० क० (आरुह्य) रोष करीने
क्रोध करके. Being angry; having
become angry. सूय० १, ५, २, ३;

✓आरुह. धा० I, II. (आरुह्) यदी
येसजु; आरोहणु करवुं. चढना; चढ बैठना;
आरोहण करना. To mount on or
upon: to ascend. नाया० १, १५;
भग० १५, १; १७, १; क० प० ५, ६३;

आरुहह. उत्त० १७, ७;

आरोहह. दया० १०, १;

आरुहह. भग० १५, १; नाया० १३;

आरुभह. भग० २, १;

आरुभह. भग० १७, १;

आरुहन्ति. जं० प० २, ३३;

आरुभे. वि० वव० ६, ४१;

आरुहत्ता. भग० १५, १; १७, १.
नाया० १६;

आरुभत्ता भग० १७, १;

आरुहत्ता. सूय० २, ६, २८;

आरोहत्ता. भग० १५, १; नाया० १, १३;

आरुहिय. भत्त० १८;

आरोवत्ता. भग० २, १;

आरोवत्त. सु० च० ४, २८६;

आरोहिजह. उवा० ७, १६७;

आरोहिजन्ति. भत्त० २६;

आरुहण. न० (आरोहण) स्वार ययुं; ययुं.
सवार होना; चढना. Mounting;
ascending; riding. जं० प० सु० च०
१, ३४१; जीवा० ३, ३; राय० १८६;
नाया० ६; प्रव० १०१५;

आरुहियध्व. त्रि० (आरोहित्य) अरुहा
लायक; आरोहणु करवा योग्य चढने योग्य.
आरोहण करने योग्य. Worthy to be
mounted upon; fit for riding.
वव० १, १६; २०; निर्मा० २०, १०;

आरुह. त्रि० (आरुह) उपर चढना; आरोहणे
रुहणे. चढा हुआ; ऊपर चढा हुआ; आरोह से
रहा हुआ. Mounted; climbed;
resting upon. प० नि० ३३५, ३५३.

(२) प्राप्त ध्येय; उत्पन्न ध्येय; उद्देश्य. उत्पन्न; उगाहुका. got; grown; produced. पि० नि० ८३; —अस्तारोह. पुं० (—अस्तारोह) स्वार अस्य. छे जेना उपर अयेवा, —(घोडा); स्वार सहित घोडा. जिसके ऊपर सवार चढा हो ऐसा घोडा; सवार सहित घोडा. a horse-man; a horse with its rider. विवा० २; —हस्तारोह. पुं० (—हस्तारोह—आकडा हस्तारोह महामाका वेपु ते तथा) जेना उपर भाक्त स्वार ध्येय छे अयेवा. जिसके ऊपर महाबल सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it. विवा० २;

आरोह. अ० (आराह) नञ्; पास. नजदीक; समीप; पास. Before (in time or place); near. ओष० नि० १६३; पि० नि० ३४४; (२) आतरह. आकडि. इस ओर; इस किनारे पर. on this side. सू० २, ७, २७;

आरोग्य. न० (आरोग्य) निरेगिपछु; तंदुरस्ति. निरोगता; तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओष० नि० ६८७; कप्प० ७, २०६; जं० प० ३, ५४; (२) त्रि० रोग. रक्षित; निरेगी. रोग रहित; निरोग्य. healthy. नाय० १; भग० ११, ११; १५, १; कप्प० १, ८; ६, १५; —आरोग्य. त्रि० (—आरोग्य) आधा पीडा रक्षित. बाधा-पीडा से रहित. free from pain or affliction. नाय० ८; —फल. न० (—फल) जेना फल आरोग्य छे ते. जिसका फल आरोग्यता है एकर कोई भी पदार्थ. anything conducive to health. पंचा० १५, ४८; —बोहिलाम. पुं० (—बोहिलाम) आरोह्य अगे अेहि. स-सर्ग तेना आर. आरोह्य

और बोधि (सन्तान) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोप. पुं० (आरोप्य) कुछ शास्त्रों में कही अेक देवतानी जत. बौद्ध शास्त्रों में कही हुई देवों की एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सू० २, ६, २६;

आरोपण. क्री० (आरोपण) आरोपण—अेक अपराधनुं प्रायश्चित्त करता पुनः तेन अपराध भीष्ट बार कयों तेनुं प्रायश्चित्त प्रथम प्रायश्चित्तमां उमेरवुं—आरोपणुं ते. एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वही अपराध दूसरा बार करनेपर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त में शामिल करना अथवा पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as Āropṇā or adding expiation to expiation. ठा० ५: निमो० २०, ११; कप्प० ६, ५७; सम० २८; —पायच्छिन्न. न० (—प्रायश्चित्त) आरोपण उपरी. शब्द. देना ऊपरका शब्द. vint above. ठा० ४, १;

आरोपियद्ध. त्रि० (आरोपितव्य) आरोपण योग्य. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निमो० २०, ३५;

आरांस. पुं० (आरांस) अे नामना अेक देश. उग नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशवासी अेवेउगी.

ऐक्य जन. आरोप देशवासी मनेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Arupa. पं० १, १;

आरोह. पुं० (आरोह) शरीर की उचित दायिता. शरीर की यथार्थ उंचाई. Proper length of a body. दया० ४, २०.
—**परिणाह.** पुं० (-परिणाह) शरीर की उचित गेहवा में भुजगनी पड़ेवा की दायिता. ते —आरोहपरिणाह. जितनी शरीर की उंचाई हो उतनीही यदि दोनों भुजाओं की चौड़ाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४;
—**परिणाहजुलना.** स्त्री० (परिणाह-जुलना) शरीर की उचित गेहवा में भुजगनी पड़ेवा की दायिता. शरीर की उंचाई के समान भुजाओं की चौड़ाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —**परिणाह संपन्न.** त्रि० (-परिणाहसंपन्न) आरोहपरिणाह शरीर की उचित गेहवा में भुजगनी पड़ेवा की दायिता. शरीर की उंचाई के समान दो भुजाओं की चौड़ाई वाला. (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height. दसा० ४, २०;

आरोहण. पुं० (आरोहण) दाहिनी तरफ़ी करनेवाला. भावन. दाहिनी की साराई करनेवाला; महावत. One who mounts upon an elephant; an elephant-driver. सो० ३१;

आलअ-य. त्रि० (आलय) रहेवानु स्थान; घर. घर; स्थान. A house; a place.

दि० १८७१; ठा० ३, २; जं० पं० २, ३१; पं० ११, ४६; प्र० ४४२; पं० २; —**स्वामि.** पुं० (-स्वामिन्) उपश्रवनी धर्म. जगन्नाथ का स्वामि-मालिक. the lord of a Jaina monastery. पं० १०, १८;

आलङ्घ्य. त्रि० (आलङ्घित) यथा यथा स्थाने पहुँचने. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ Put on properly. जीवा० ४; कप० २, १३; पं० २; —**मालमुकुट.** त्रि० (-मालमुकुट) गेहे भाजा ते भुगट पहुँचा के ते. जिमने माला और मुकुट पहिना है वह. garlanded and diademed. जीवा० ४; भग० ३, २;

आलंकारिय. त्रि० (आलंकारिक) यथा अलंकार धरेवा पहुँचता उतास्वाभा आवे ते स्थान. वह स्थान जहाँ अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हों. A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा० ५; —**सभा.** स्त्री० (-सभा) यमरथया राजधानी की अलंकार पहुँचानी ऐक सभा. चमरचंचा नामक राजधानी की अलंकार पहिने की एक सभा. a council-hall of a capital city named Chamara-chanchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments. ठा० ५;

आलंद. पुं० (*आलन्द-कालभेदः) पालीथी लीने-लीने दाय सुभय गेहवा यथतथी भाँडी ५ रत दिवस सुधीने काल. काल का एक भेद; पानी से भागा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय. A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० ६२१;

आलंघ. पु० (आलम्ब) आधार; आश्रयन आधार; आलम्बन; सहारा. Support; basis. नाया० ५, १६; भग० १८, २;

आलंबण. न० (आलम्बन) आधार; आश्रय; ७३६. आधार; आश्रय; सहारा. Support. अणुजो० २४; राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८; भग० २५, ७; उक्त० २४, ४; उवा० १, ५; क० प० १, ४; गच्छा० ८; जं० प० ४, ७४; (२) धर्मासमितितुं आलंघन-ज्ञान दर्शन अने आदित्र. ईयां समिति का आलंबन-ज्ञान दर्शन और चारित्र. basis of Irya Samiti viz knowledge, faith, and conduct. अणुजो० २४;

आलंबणभूय. त्रि० (आलम्बनभूत) आधार भूत; आधार णेयुं. आधार भूत; आधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया० १;

आलंबणा. ली० (आलम्बना) लुञ्जो "आलंबण" शब्द. देखो "आलंबण" शब्द. Vide "आलंबण" आ० २०; प्रव० ७८४;

आलंभिया. ली० (आलम्भिका) आलम्भिका नामनी ओक नगरी. एक नगर का नाम Name of a town. "तेषां कालेशं तेषां समपुंशं आलंभिया ग्रामं ययरां होत्था" भग० ११, १९; ११, १२; कप्प० ५, १२१; उवा० ५, १५५;

आलक. पुं० (अलक) ७३६. थो दूतरो. आवला कुता; A mad dog भन० १२५;

✓ **आलव. धा० I, II. (आलप्)** आलाप करवो; भोक्षयुं. आलाप करना; बोलना To speak; to talk.

आलवइ. नाया० १; सम० ३३;

आलवैदि. नाया० १;

आलविज. दस० ७, १७;

आलधे. दस० ७, १६; २१; ४०; ३; १२; १३; उक्त० १, ५०;

आलर्जित. प्रव० १३५;

आलवंत. उक्त० १, २१; अणुजो० १३१; राय० ८८; दस० ६; २; २०;

आलवमाण. ठा० ४, २; नाया० १४;

आलवित्तण. उवा० १, ५८;

आलवण. न० (आलपन) भोक्षयुं; पातयित ३२६. वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव० १२६;

आलनिय-न. न० (आलस्य) आलस-पणुं. आलस्य; आलमावन. Idleness. भग० १२, २;

आलस्य. न० (आलस्य) आलस; प्रमाद. आलस्य. Laziness; carelessness. उक्त० ११, ३; गच्छा० ३६;

आलस्ममाण. व० क० त्रि० (आलस्यत) आलस करनेवा. आलस्य करता हुआ. Remaining lazy. भग० १२, २;

आलाव. पुं० (आलाप) थोक्षुं भोक्षयुं ते; आलाप करवो ते. थोका बोलना; आलाप करना Talking; whispering. भग० ३, १, ६, ४; पिं० नि० ३७८; विशेष० ६६४; ठा० ७, १; — **गणण. न० (गणन)** आलाप सङ्घे सङ्घा वाक्यसमूहों गणना ते. समान २ वाक्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६२;

आलावअ. पुं० (आलापक) लुञ्जो "आलावग" शब्द. देखो "आलावग" शब्द. Vide. "आलावग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) आलापो; ओक संघ-धवाला वाक्योनी समूह. एक सम्बन्ध-वाले वाक्योंका समूह. A group of

connected sentences. भग० ३, १; ३, ४; ५, ४; ६, ३२; आया० २, १, १, ६; २, १, ६; १५२; टा० २, ३; उवा० २, ११८; सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) परस्पर ये वस्तु भवताथी यथा अन्ध. दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together. भग० ८, ६;—वंध. पुं० (—बंध—आलाप्यते आलीनं कियते एभि-रिति आलापनानि रज्ज्वादीनि तैर्वन्धस्तृणादी-नामनि) परस्पर ये वस्तु भवताथी यथा अन्ध-वेम भवती त्वदी अने दोरुं ये अने अन्ध. परस्पर दो वस्तुओं के एकान्त होने से जो बंध हो वह जैसे घाँग और रस्सी. connection of two things joined together e. g. a rope and a bundle of grass. “ से किते आलावण बंधे २ जगण तय भारा-यवा ” भग० ८, ६;

आलि. पुं० (आलि) अथ वनस्पति. एक जातिकी वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; नाया ३;—घर. न० (—गृह) आलि नामकी वनस्पति विशेष अनावेस घर भेटप. आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर—मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा० ३, ४; नाया० ३;—घरग. न० (—गृहक) जुआँ (पक्षी) शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३;

✓ **आलिग.** धा० I. (आ+लिगि) आलिगन करवुं. आलिगन करना. To embrace.

आलिगप. सु० ल० ८, १८७;

अ लिगेजा. वि० निरी ७, ३१;

आलिग पुं० (—आलिग) पाछे विशेष;

भुरज—आदर नामनुं पाछे. बाय विशेष; एक विशेष तरह का बाजा; भुरज—मृदंग नाम का बाजा. A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, १, ३; राय० ४८; (२) आदिग—साधुना वेप. साधु का वेप. dress of an ascetic. नाया० ७;—पुष्कर. न० (—पुष्कर—भुरजमुखम्) भुरज—आदर पाछे भोटुं. मृदंग नामक बाजे का मुँह. the face of a drum or tabor. भग० २, ८; ६; ७; जीवा० ३, ३; जं० प० १, ११; राय०

आलिगण. न० (आलिगण) आलिगन; थोडा स्पर्श इत्ये ते आलिगन; थोडा स्पर्श करना. Embrace; slight touch. प्रव० १०७७; सू० प० २०; भक्त० १२०;

आलिगणवृद्धि. न० (आलिगणवर्तिन्) शरीर प्रमाणे लांबु ऐसीकुं. शरीर के अनुसार लंबा तर्किया. A pillow measuring the length of the body. “ तारे समंसि सयणिज्जंसिसालिगन वृद्धि ” सू० प० २०; जीवा० ३; भग० ११, ११; नाया० १; राय०

आलिगणिया. स्त्री० (आलिगणिका) शरीर प्रमाणे लांबु ऐसीकुं. शरीर के प्रमाण लंबा तर्किया. A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिगिणी. स्त्री० (आलिगिनी) गुडा अने हाथीनीये राखवाने आदलो. घुटनों और कुहनों के नीचे रखने का तर्किया. A pillow to rest knees & elbows upon. प्रव० ६८४;

✓ **आलिप.** धा० I. (आ+लिप्) शरीर विवेपन करवुं. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिपह. नाया० ५; ६;

आलिपिज. वि० आया० २, १३, ११२;

आलिपेज. वि० निमी० ३, १७; १३, ३८;

आलिपित. हे० क० वे० ५, २६;

आलिप्त. वि० (*आलिप्त) नावाने अलार-
वानां दुबेसां. नाव वों चलाने का चार.

An oar. आया० २, ३, १, ११६;

आलिप्त. वि० (आदीप्त) सर्व तरुक्षी
ज्वलित-पत्ती रहेत. सब तरफ से जलत
हुआ. Burning, on fire, from all
sides. नाया० १, ८; १४; १६; भग०
२, १; ६, २३; १८, २; नाया० ४०

आलिप्त. वि० (आदिप्त) लागेत्त; जोड़ेत्त.
लगा हुआ; मिला हुआ. Attached;
joined. “ अत्यंगइया पुटवीकाइया आ-
लिप्त ” भग० १६, ३; प्रब० १५३;

आलिप्त. पुं० (*आलिप्तम्) धान्य
विशेष; योधा. धान्य विशेष; चाना नामक
धान्य. A kind of corn. डा० ५, ३;
जं० प० भग० ६, ७; (२) अन्नसि.
अलसी. linseed. सू० २, २, ६३;

आलिप्त. पुं० (*आलिप्तम्) ऊपर
उपरी शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. भग० २१, २; दगा० ३, ४;

✓ आलिप्त. धा० I. (आलिप्तम्) आलेख्युः
भीतरपुं. आलेखन करना; चित्रण. To
draw a picture.

आलिप्त. जीवा० ३४; राय० १८६; जं० प०
५, १२२;

आलिप्त. जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. भग० १५, १;

आलिप्त. जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. वि० दस० ४;

आलिप्त. आ० नाया० ८;

आलिप्त. सं० क० भग० १, २; ३, १;
२; १५, १;

आलिप्त. भग० ८, ३; जं० प० ३, ५४;

आलिप्त. क० ब० सं० क० जं० प०

आलिप्त. वि० (आलिप्त) छिद्रिय निग्रह-रूप-
मर्यादाभां तजवती. इंद्रिय निग्रहरूप मर्यादा
में लवलीन. (One) restrained in
senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२)
आलिप्त. आलिप्त. resting on. नाया० १;
(३) थोड़े लागे-पलगे. थोड़ा लगा
हुआ-लिपटा हुआ. attached a little;
clinging a little. जं० प० — गुप्त.
वि० (— गुप्त — आलिप्त आसौगुप्त आलिप्तगुप्त)
जं० छिद्रियेनो निग्रह करी गोपनीयता
छ ते. जिसने इंद्रियों का निग्रह कर उन्हें
आलिप्त कर लिया है, वह. (one)
having restraint over senses.
“ आलिप्तगुप्त परिध्वम् ” आया० १, ३,
३, ११७;

आलिप्त. वि० (आदीप्त) आग लगाउना;
अग्नि सजगानना. आग लगानेवाला;
अग्नि सिलगाने वाला. (One) who kind-
les fire. “ आलिप्तगुप्तपरिध्वम् ” नाया० २;

आलिप्त. वि० (आदीप्त) आग लगाउ-
ना; आग सजगानना. आग लगानेवाला.
(One) who sets fire to. परह०
१, ३; नाया० २;

आलिप्त. न० (आदीप्त) रेशनी करी ते.
रोपनी का करना Illumination on a
festive occasion. विवा० १;

आलिप्त. वि० (आदीप्त) अग्निभां आलेप्त.
अग्नि में जलाया हुआ. Fire-burnt.
विवा० ६;

आलु. पुं० (आलु) अटाटा. आलू. कन्द.
विशेष. A potato. प्रब० २४२;

आलु. ब० (आलुकी) अक्ष वतनी वेत.
एक जाति की वेल. A kind of creeper.
आया० नि० १, १, ५, ३२६;

✓ **आलुप.** धा० 1. (आ+लुप्) लोप करवे; चोरव; गांठ छोड़ी डोछनी वस्तु उपाडी लेवी. लोप करना; चोरना; गांठ खोलकर किसीका वस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal; to remove.

आलुपति नाया० ४;

आलुपण. आ० आया० १, २, ७, २०४;

आलुपह. आ० सुय० २, १, १७;

आलुप. त्रि० (आलुप्) चोर आलुप्यो अशुभ क्रियाको करना: दिसा, चोरी द्वारा चोरे अशुभ से नार. चारों ओर से अशुभ क्रिया करनेवाला; हिंसा, चोरा, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आया० १, २, १, ६२;

आलुग. पुं० (आलुक) आलु-कंद विशेष: पटाटा. आलू: कंद विशेष. A kind of bulbous root; a potato. " साहारखसरीरा अगोगहा ने पकितिया आलुग मूलण चव " उक्त० ३६: भग० ७, २; पञ्च० १०: जावा० १; अणुत्त० ३, १;

आलुय. पुं० (आलुक) साधारण वनस्पति विशेष. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जावा० १; उक्त० ३६, ६६: भग० ७, ३: ८, ३: २३, ६: —**वग.** पुं० (वग) आलु-पटाटा सेयथी लयवती सूत्रता २३ भां शनकेता श्रीनंद वग. भगवता सूत्र के तैवीसवे शतक का आलू-सम्बन्धी दूसरा वग. the second section of the 23rd Sataka of Bhagavati Sutra dealing with the subject of potatoes. भग० २३, २;

आलेवण. न० (आलेपन) थोड़ा लेपन. थोड़ा लेप. A slight smearing. v. II/12.

निर्मा० १२, ४२: —**जाय.** न० (-जान) लेपना प्रकार. लेपका भेद. varieties of ointments. निर्मा० ३, ३६: ५, १३: १२, ४२;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोचित) निरीक्षण करेव. देखाहुआ; निरीक्षण किया हुआ. Observed. " आलोइय हगियमेवनचा " दम० ६, ३, १;

आलोइअ-य. त्रि० (आलोचित) आलोचन करेव; निवेदन करेव. आलोचन किया हुआ; निवेदन किया हुआ. Confessed; informed. प० नि० ११६; नाया० १: १/१६: सु० न० १, ३१३; भग० २, १: ३, १; ४: ५, ६: ७, ६: १५, १; २०, ६; वव० १, ६: विशेष० ३३६६: —**पांडकित.** त्रि० (-प्रतिकान्त) आलोचन प्रतिक्रमण करेव; पेताता दोष प्रकाशने तेनाथी पांडा दरेव. आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुआ: अपने दोष प्रकाशन कर उन दोषों में हटा हुआ. (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them. भग० २, १: १०, २: विवा० १: —**भोइ.** त्रि० (-भोजिन्) गुरुनी पास आलोचन करा पछा आहार करेव—(भुनि). गुरु के समीप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुनि). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). श्रौच० नि० ५५१;

आलोइत्तार. त्रि० (आलोकिन्) जेगार; अवलोकन करेव. देखनेवाला; अवलोकन करनेवाला. (One) who sees or observes. सम० ६: उक्त० १६, ४;

आलोप्यञ्च. त्रि० (आलोचिनञ्च) अशुभ आचर: निवेदन करवा योग्य. प्रकाश करने योग्य; प्रगट करने योग्य; निवेदन करने योग्य.

Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा० १२, २२;

आलोक. पुं० (आलोक) रूपी पदार्थ. रूपवाला-दृश्य पदार्थ. A visible object. (२) प्रकाश. उजवाला; प्रकाश. light. आया० १, ३, ३, १२०;

आलोक. पुं० (आलोक) ऊपर दिखाना. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओष० नि० १३; जं० प० ३, ५४;

आलोडिऊण. मं० क० अ० (आलोड्य) वधावीने; मथीने. मथ करके. Having slain. सु० च० २, ४०७;

✓ आलोच. भा० I, II. (आलोच) आलोचन करतुं; पिताना दोष तथासी गुहपासे छेदना; पितानी भुज वल्लुपवी. आलोचन करना; अपन दोष छेदकर गुह में कहना; भूल प्रगट करना. To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor).

आलोह. सम ३३; भग० २, ५; सुय० २, २०; उवा० १, ८०;

आलोअह. गच्छा० ११८;

आलोणमि. भग० ८, ६;

आलोणजा. वव० १०, १; वेय० ४, २५; निर्या० ५, १; २०, १०; ११; आया० १, ७, ५, २१६; २, १, २, १२;

आलोहजा. वि० आया० २, ६, १, १५२;

आलोण. वि० प्रव० १२६; दस० ५, १, ६०;

आलोणह. उवा० १, ५८;

आलोणहि. नाया० १६; उवा० १, ८४; नाया० ध०

आलोहता. मं० क० आया० २, १५, १०८; नाया० १६;

आलोणऊण. पंचा० १४, ५०;

आलोडिऊण. सु० च० २, ४३२

आलोडिऊ. पंचा० ३, ४६;

आलोहता. हे० क० वव० १, ३७; ५, ११;

निर्या० ५, ३६; टा० २, २;

आलोणउं हे० क० पि० नि० ५१८;

आलोणमाण. व० क० वव० १, १; निर्या० २०, १०;

आलोहजह. क० वा० उवा० १, ८५; नया० १७;

आलोअंत. व० क० जं० प० ३, ६७;

✓ आलोच. भा० I. (आलोच) देखतुं; अवलोकित करतुं. देखना. To see; to observe.

आलोणउं हे० क० पि० नि० ५१८;

आलोचमण. व० क० भग० १०, १;

आलोच-अ. पुं० (आलोक) अवलोकन; निरीक्षण; दर्शन; देखतुं ते. अवलोकन; देखना; निरीक्षण. Seeing; observation. जं० प० ५, ११७; ओष० ३१; दस० दस० ५, १, १५; कप० २, २७; ओष० नि० ६२; २८७; राय० ६८; विशे० २०६; नाया० १; २; ८; १६; आया० २, १, १, ३२; (२) दीपाना प्रकाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत० ३२, २४; —दरिसणिज. वि० (—दर्शनीय-आलोक दृष्टिगोचरं यावद् दृश्यतेऽप्युक्तत्वेन यः स आलोकदर्शनीय) ते दृष्टिमायं यतां अस्मिन् अस्मिन् दृष्टिमायं ते. जो दृष्टिगत होतहा ऊंचे में ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's landscape. “ दंसणरय आलो-अ दरिसणिजा ” ओष० नाया० १; भग० ६, ३३; —भायण. न० (—भाजन) तेभां प्रकाश पडे अतुं लागत. प्रकाश पात्र; जिसमें प्रकाश पड़े वह. (anything) receiving light. पण० २, १; दस० ५, १, ९६;

आलोचन. न० (आलोचन) दर्शन. दर्शन.
Sight; seeing. दस० ४; भग० ६, ३३;

आलोचय. न० (आलोचन) शिष्ये गुरु पास
पानाता दोषनुं आलोचन करुं निवेदन
करुं ते. शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष
का आलोचना करना-दोष प्रकट करना.
Confession of a fault by a
disciple to his preceptor. सम०
३२; पगड० २, १; प्रव० २६; पंचा० १, ३३;

आलोचयता. स्त्री० (आलोचना) गुरु पास
पानाता दोषनुं निवेदन करुं ते. गुरु के
सममुख अपने दोष निवेदन करना. Con-
fession of one's own sins to a
Guru. भग० १५, ३; उत० २६, २;

आलोचयता स्त्री० (आलोचना) गुरुपासे
अपने दोष निवेदन करुं; गुरु समीप दोषनुं
प्रकटयुं. लगे दृष्ट दोष का गुरु के आगे निवे-
दन करना; दोष प्रकट करना. Confession
of sins to a Guru. भग० २५, ७;
संख्या० ३३; आ० २०; प्रव० ३५२;

उत० ३०, ३२; वद० १, ३५;

विशे० ३३६६; - अरिह. न० (अरिह)

अपने दोष निवेदन करवाथी के अपनी अति-
नियाम्य थाय ते. आलोचनापापप्रप. गुरु
के समीप निवेदन करने में पाप का जो मुक्ति
हो वह; आलोचना के योग्य पाप freedom
to a Guru; a sin deserving con-
fession. भग० २५, ७; (२) आलोचन
योग्य प्रायश्चित. आलोचना के योग्य प्रायश्चित.
expiation deserving confession.
ठा० ६; —णय. पुं० (-नय) गुरुपासे
आलोचना करवाथी शक्ति. गुरु के समीप
आलोचना करने की शक्ति. mode of
confession of sins to a Guru.
विशे० ३३६६;

आलोचयि. त्रि० (आलोचन) आलोचना-
करेत्. ढाँकाहुआ. Covered; conceal-
ed under. नाया० १;

आवह. स्त्री० (आपन) आपनि दुःख;
विपत्ति. आपत्ति; दुःख; विपत्ति. Adver-
sity; misery. “ आउर आवहसु य ”
ठा० १०; “ आवहसु ददधम्मया ” सम०
३२; “ दुहसु गह बालम्म आवह वट
मूलया ” उत० ७, १७; नाया० ६; आव०
३६; भग० २५, ७;

आवहय. न० (आपत्ति) दुःख; दुःख. कष्ट;
दुःख. Misery; adversity. नाया० ९;

आवति अउमयण. न० (आवनयधयन)
आचारंगना प्रथम श्रुतसंकेतना पांचमा
अध्यायनुं नाम. आचारंग के प्रथम श्रुत-
संकेत के पांचवे अध्यायन का नाम. Name
of the fifth chapter of the first
Śruti-skandha of Āchārāṅga
Sūtra. अगुजो० १३१; आया० नि० १,
५; १; १३६; ठा० ६; सम०

आवती. पुं० (यावत) तदुक्त. विपत्ति. As
long as. “ आवती के यावत. लोचयि ”
आया० १, ८, २, १३३;

आवकह. अ० (यावकधम) तदुक्त उक्तरी;
अनन्तरी पानत. यावज्जीवन; जिन्दगी प्रमत्त.
As long as life endures, till
death. “ आवकह भगवं समित्तमि ”
आया० १, ६, ४, १५;

आवकहा. स्त्री० (यावकथा) तत्पत्त. अथी
नामकथन रहे तथी मुथी. अनन्तरी पानत.
जब तक नाम धारण करके रहे वहानक;
जावनपर्यन्त. (Period of time)
till life endures, till death.
“ आवकहाण गुरु कुल वामेण मुचति ”
पंचा० ११, १३; मय० १, २, २, ४; आया०
१, ६, १, २; ठा० ६;

आवकहिय. त्रि० (यावत्कथिक) यावत्कथित
सुधीनुं; हमेशनुं; अष्टायन्तनुं. यावज्जीवन
तकका; हमेशहका; बहुत समय का. Last-
ing till death; permanent; old.
अणुजो० ११: १४६; पञ्च० १; भग० २५.
७: आव० १६; विशे० १२६३; पंचा० १,
३६; ५, १७; १२, ४३;

आवगा. ला० (आपगा) तटी. नदी. A
river. "बञ्जसमाणि तिस्थाणि आवगाण
वियागरे" दग० ७, ३६;

आवजग. पि० (आवर्जक) प्रसन्न करने वाला. Causing charm;
delightful. पि० नि० ४३८;

आवजण. म० (आवर्जन) केवलजीने उप-
योग-भानसिद्ध व्यापार; शीघ्र रीति से उभेनी
उदयावलिद्धाभां प्रक्षेप करवाने व्यापार-
क्रिया. केवली का उपयोग-सनी व्यापार; बाकी
बचे हुए कर्म का उदयावलिद्धाभां प्रक्षेपण
करने का क्रिया. The thought-acti-
vity of a Kevali that he is to
perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of
a Kevali to force up into ma-
turity the remnants of his
Karmas. विशे० ३०५१;

आवजीकरण न० (आवर्जीकरण) अनुभो
"आवजण" शब्द. देखो "आवजण"
शब्द. Vide "आवजण" आव० ८२;

आवह. पुं० (आवर्त आवर्तयति प्राणिने
आमयतीत्यावर्तः) समुद्रादिभिं अक्षा-
क्षरे धुमरी आनुं पाणी देनाय ते. समुद्रादि
में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी
दिखे वह. An eddy in an ocean
eto. राय० ४६; जे० प० आया० १,
५, ३, ८३; नाया० १; डा० ४; उल्ल० ३, ५;
(२) (आवर्तनमावर्तः) २५५५; परिभ्र-

मणु करनुं ते. भटकना; परिभ्रमण करना.
wandering; going round and
round. नाया० १; (३) मोहपाश; भ्रम-
पल्ली. मोह पाश; भ्रमोनां; भूल भुर्जया. an
infatuation; a maze. डा० ४; स्य०
१, ३, २, १४; (४) (आवर्तन्ते परि-
भ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्तः) संसार.
संसार. the worldly existence.
"आवहोसोऽपि संगमाभिजायति" आया०
१, १, ५, ४०; (५) संसारना करण के प
विषयना शब्दादिष्ट गुण. संसार के कारण
रूप-विषय के शब्दादि गुण. objects of
senses e. g. sound etc. which
lead to worldly existence.
"जे गुणे से आवहते जे आवहते से गुणे"
आया० १, १, ५, ४०; (६) उत्कट
मोहना उदयथी विषयनी प्रथना करनी ते.
उत्कट मोह के उदय में विषय का प्रार्थना
करना. yearning after sensual
pleasures through strong in-
fatuation. "अह मे संति आवहता काम-
वेग पवेइया बुद्धा जय वसप्यंति मियंति
अबुद्धा जहि" स्य० १, ३, २, १४; १,
१०, ५; (७) द्वी करीने उत्पन्न भयुं ते.
बार बार उत्पन्न होना. rising or
being born again and again.
"दुक्खाणमेव आवहं अणुपरिवट्टह" आया०
१, २, ३, ८१; (८)
महाधीप नामे थलित कुमारता छंदना
लोकापालनुं नाम. महाधीष नामक थलित
कुमार के छंद के लोकापाल का नाम name
of the Lokapāla of the Indra
of the Itihāsakumāras, styled
Mahāghoṣa. डा० ४; भग० ३, ८;
(९) अणुधीपमनी अक्ष दीर्घ वैताळ्य पर्वत.
जंबुद्वीपमें का एक बड़ा वैताळ्य पर्वत. nāma

of a long Vaitādhyā mountain in Jambū Dvīpa. टा० ६; (१०) ऐक्य परीवासा स्थलपरि विषय पंचेन्द्रिय ऐक्य गत. एक खुरवाले नियेन पंचेन्द्रिय का एक जाति, a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पञ्च० (११) अष्टोदशवर्ता २५ भा भुर्द्वर्तु नाम. अष्टोदशवर्त के २५ वें मुहूर्त का नाम. name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३४; (१२) आवर्त नामन्तु ऐक्य विमान. आवर्त नामक एक विमान. name of a heavenly abode. सम० १६; (१३) अष्टाद्वीपना भेदनी पंच सीता मदानदीनी उत्तरे आवर्त नामनी ऐक्य विषय जंबूद्वीप के मेरु के पूर्व का ओर सीता महानदी का उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय. name of a Vijaya in the north of the river Sita in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. “ दो आवत्ता ” टा० २, ८; जं० प० (१४) आवर्त नामे ३२ नाटकमान्तु ऐक्य नाटक. ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. राय० —कूट. न० (—कूट) महाविदेहमांता नलिनकूट नामे वपारा पर्यन्तु ऐ नामन्तु ऐक्य शिखर. महाविदेहके नलिन कूट नामक वपारा पर्वत के एक शिखर का नाम. name of a summit of a Vakhar mountain, named Nalinakūta, in Mahāvideha. जं० प०

आवड. पुं० (आपात) किरात देशना भिद्वन्ती ऐक्य गत. किरात देश के भील का एक जाति. A race of Bhils in the

country of Kirāta. जं० प० २, ११, ६; जावा० ३, ४;

आवडण. न० (आपतन) भांग्यु; ६३५ ६२५. तोडना; फोडना; टुकड़े करना. Breaking to pieces. ओष० नि० २२४; ३१२;

आवडिय. त्रि० (आपतित) आरे नरद्वय आदी पट्टु; आग्यु. चारों ओर से आया हुआ. Come from all sides. “ दावि आवडिया कुडु ” उल० २५, ४०; जं० प० २, ११२;

आवण. पुं० (आपण) दाट; दुडान. दाट; दुकान. A shop. ओष० १५; २६; जं० प० वेद्य० १, १२; विश० २०६५; वम० ५, १, ७१; भग० ५, ७; ८, ६; अणुजा० १३४; पि० नि० १६६; उवा० ७, १८४; जावा० ३, ३; (२) अन्तर. बाजार. a market. पि० नि० ३७७; जावा० ३, ४; कप० ४, ८८; —गिह. न० (—गृह) अन्तर पर्यन्तु धर. बाजार के बीच का घर. a house in a market. वेद्य० १, १२; —वीहि. स्त्री० (वीधि) अन्तरनी शैली; अन्तरनी मार्ग. बाजार का रास्ता. a market-road. जावा० ३; राय०

आवण. त्रि० (आपण) प्राप्ति ध्येय; आश्रिते रक्षित. प्राप्त; आश्रय करके रहा हुआ. Got to; come to. “ आवणला दीह-मन्दाण संवारम्मि अणेतण ” उल० ६, १३; (२) उत्पन्न ध्येय. उत्पन्न. produced; born. नाय० ५; —सत्ता. स्त्री० (—सत्त्वा) गर्भवती; सगर्भा. स्त्री. गर्भवती स्त्री. गर्भवती. a pregnant woman. नाय० २; १६; विवा० २;

✓ आवत्त. धा० I, II. (आ+वृत्) संसार-भां रण्युं लभ्युं संसार में भटकना. To

wander in worldly existence.
(२) इरीते आपजुं. फिरसे आना. to return; to come back.

आवट्टति. सूय० १, १०, ५;

आवट्टमाण. दसा० ७, १;

आवत्तयन्त. भग० ११, ११;

आवत्त. पुं० (आवर्त) लुओ 'आवट्ट' शब्द.
देखा " आवट्ट " शब्द. Vide " आवट्ट " सम० १६; ३०; जीवा० ३, ३; ४; राय० ५८; ८१; पण्ड० १, १; उक्त० २५, ३८; टा० ४, १; ओव० १०; २१; सु० ४० ६, २६; जं० प० ४, ६५; पञ्च० १; नाया० १; ६; भग० ३, ८; कण्व० २, १४; —कूट. पुं० (—कूट) नलिनकूट नामे व'आरा पर्वत-ना थार कूटभांजुं श्रीजुं कूट-शिखर. वज्रारा पर्वत के चार कूटों में से नलिनकूट नामक तीसरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Vakhara mountain named Nalinakūta. जं० प० ४, ६५;

आवत्तण. न० (आवर्तन) उधाड़ुं पासजुं. खोलना व बंद करना. Opening and shutting a door. पि० नि० ३५७; —रेडिया. स्त्री० (—रेडिका) जेमां भागदर रहें ते स्थान. जिस में किवाड़ों का आडा या चटकना रहे वह स्थान. the receptacle of the bolt of a door. जीवा० ३; राय० १०६; जं० प०

आवत्तः. स्त्री० (आवर्ता) आपर्ता नामनी अंड विजय. आवर्ता नामक एक विजय. Name of a Vijaya. टा० २, ३;

आवत्तार्यन्त. त्रि० (आवर्तार्यमान) प्रदक्षिणा देजुं; भमजुं. प्रदक्षिणा करना हुआ. Revolving; circumambulating. कण्व० ३, ३५;

आवत्ति. स्त्री० (आपत्ति) प्रप्ति. प्राप्त. Acquisition; getting. प्रव० ७६; (२) उत्पत्ति. उद्भव. birth; rise; creation. विशेष० ६६;

आवज्ज. त्रि० (आपज) प्राप्त. थयेव. प्राप्त. Got; got to. विशेष० १६७; सु० ४० १, १२६; उक्त० ४, ४; प्रव० १३३३;

आवयमाण. त्रि० (आपतन) पडते. गिरना हुआ. Falling; falling down. नाया० ८;

आवयमाण. त्रि० (आघटन) आपणे. आता हुआ. Coming; arriving. भग० ३, २;

आवया. स्त्री० (आवय) आघत-आपत्ति; संकट. आपत्ति; आफत; सकट. Calamity; adversity. राय०

✓ आवर. धा० II. (आ+वृ) आरंभजुं; दंडजुं. ढाकना. To cover; to hide. आवरित्ता. सं० कृ० राय० २३६; आवरिय. सं० कृ० दगा० ६, १, २; आवरेत्त. सं० कृ० भग० ६, ५; १२, ६; १५, १;

आवरेमाण. भग० १२, ६;

आवरयन्त. प्रव० १४१४;

आवरिज्ज. क० वा० भग० ६, ३३;

आवरिज्जिनि. क० वा० प्रव० १०६८;

आवरिज्जमाण. भग० १५, १;

आवर. त्रि० (अपर) भीजुं. दूसरा. Another सम० १२;

आवरण. न० (आवरण-आ-मर्यादया वृणो-नांथावरणम्) दंडजुं; अपतन. कवच; इस्तर. An armour. जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३०; नाया० ८; ओव० ३०; सूय० नि० १, ८, ६२; ६३; (२) ढाध. ढाल. a shield. आव० आया० नि० १, १, ५, १४०; (३) दंडजुं; दंडजुं ढाकना;

ढकन. covering; a cover. पञ० २३; राय० ६२; विशेष० १०४; सम० ६; क० प० १, २५; (४) भेजिह आदि द्रव्य. मंजिह आदि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc. जं० प० (५) सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप पश्यमाने अद्वैततार उपय; भावनीय धर्मनी प्रकृति. सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कषाय; मोहनाय कर्म को एक प्रकृति. a variety of eluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures. विशेष० १२३५; (६) ज्ञान आदि शक्तिने आवरणतार दंडितार ज्ञानावरणीयादि धर्म. ज्ञान आदि शक्ति को ढंकेने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. अणुजो० १२७; विशेष० ११५; क० गं० १ ३-६; ६, ८६; —अवगम. पु० (-अवगम) ज्ञानावरणीयादिने अवगम-दूर यवु ते. ज्ञानावरणीयादि कर्मों का दूर होना. exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc. पंचा० २, ४०; —दुग. न० (-द्विक) ज्ञानावरण अने दर्शनावरण, अं अं प्रकृति. ज्ञानावरण और दर्शनावरण ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० गं० १, ५४; —आवरणावरणपविभक्ति. न० (-आवरणावरणपविभक्ति) ३२ प्रकारना नाट्यधर्मानु अंश. बत्सीय प्रकार के नाटकों में से एक. one of the ३२ kinds of drama. “ चंदावरणपविभक्तिच सुरावरण-

पविभक्तिच आवरणा वरणपविभक्ति नाम दिव्यं णट्टविहं उवदंसेहि. ” राय० ६२;

आवरणीज्ज. न० (आवरणीय) आत्माना ज्ञानादिशक्तिने आवरणतार; ज्ञानावरणीयादि धर्म. आत्मा का ज्ञानादि शक्ति को ढंकेनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma [obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी० ८; ओव० ४०; उत्त० ३३; २०; अणुजो० १२७; उव० १. ७४;

आवरणी. क्ता० (आवरणी) आवरणकार विद्या. आवरणकारा ढंकेनेवाली विद्या. Art of veiling or eclipsing things. नाया० १६;

√आवरस. (आ+वृष) वरसवुं पाणी अंतुं. वरसना; पानी छिड़कना. To shower water; to sprinkle water; to rain.

आवरसेजा. राय० ३५;

आवरिय. त्रि० (आवृत) ढंकेत; आच्छादन करेत्; ढांकाहुआ. Covered; hidden. भग० १५, १;

आवरिसण. न० (आवरण-सुगन्धितवारिसिञ्जनम्) सुगंधि पालुने छंटाव करेत्. सुगन्धित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. अणुजो० २०; राय०

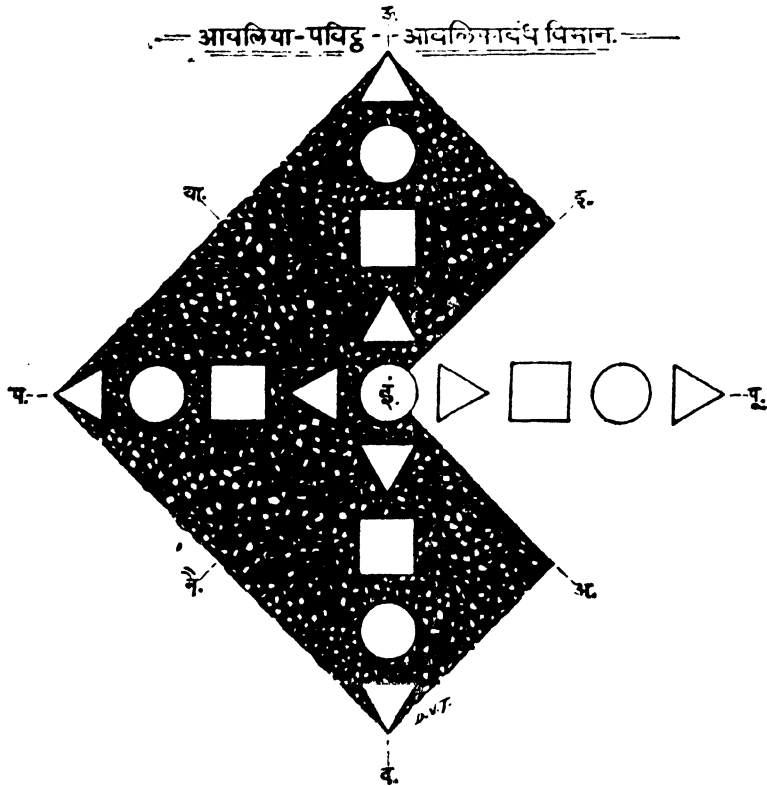
आवलय. न० (आवलन) अंग भटवुं ते. अंग मंगडना. Twisting of the body. पगह० १, १;

आवलि. क्ता० (आवलि) द्वादि; पंक्ति; लाइन. श्रेणी; पंक्ति. A line; a series. सू० प० १०; राय० ४४; ४८; ६१; ओघ० नि० २०२; नाया० १; क० प० १, ३८;

आचलिय पविभक्ति. न० (आचलिका पविभक्ति) नाट्य विधि विशेष. नाटक का

વિધિ વિશેષ. A mode of dramatic performance. “ આવાલિઆપવિભતિં શામં દિશ્વં શટ્ વિહં ઉવદસેઈ ” રાય૦
આવાલિઆ-યા. લાં. (આવાલિકા) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ; એક શ્વાસોચ્છવાસનો સંખ્યાતમો ભાગ. એક શ્વાસોચ્છવાસ કા સંખ્યાતમો ભાગ. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. વિશે. ૫૩૧; ૬૦૮; અણુજાં ૧૧૫. ૧૩૮; જં. ૫૦ ૨, ૧૮; નંદી. ૧૨; સગ. ૫, ૧;

પંક્તિ. line; row જાવા. ૨, ૧; સૂ. ૫. ૧૦; તંદુ. —શિવાય. પું. (-નિપાત) ક્રમથી મેલવું તે. ક્રમશઃ મિલના. coming or getting of anything one after another in order. “ તા જોમેતિ વત્યુસ્સ આવાલિયા શિવાતે આહિ-તેતિ વદેજ્જા તાદ્દતિ ” સૂ. ૫. ૧૦; —પવિટ્ટ. ત્રિ. (-પ્રવિટ્ટ) શ્રેણીમાં રહેલ; શ્રેણીમાં પ્રવેશ કરેલ; પંક્તિયન્ધ: નરકા-વાસના સંકલ્પ જે પંક્તિયન્ધ એટલે અર્ધી દિશાઓમાં શ્રેણીમાં-એક લાક્ષણમાં ગોળ,



૫, ૭; ૬, ૧; ૨૫, ૪; પજ. ૧૨; ઠા. ૨, ૪; આંવ. ૧૭; (૨) શ્રેણિ; પંક્તિ. શ્રેણી;

ત્રિકોણ અને ચોરસ આકારના છે. શ્રેણી મેં રહે હુણ; શ્રેણી મેં પ્રવેશ કિયે હુણ; પંક્તિબંધ;

नरकावासके संस्थान (आकार) जो पंक्तिबंध
याने चारों दिशाओं में एक लाइन से गोल,
त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a
line or row; in a graded order;
e. g. the hellish abodes arrang-
ed in a line as differentiated
from others situated promiscu-
ously. The shapes of the
former are either round, tri-
angular or square, (see dia-
gram) “आवालय पविट्टाय आवलिय
वाहिराय” जांवा० ३, ४: —वाहिर.
त्रि० (—वाह्य) दार अदार: लाघनयध
नदर: अमेनेम. श्रेणा बद्ध न होना: अव्यव-
स्थित. not in a line: disordered.
जांवा० ४: —समय परिमाण. त्रि०
(—समयपरिमाण) अेक आवलिना समय
वेष्टता. एक आवलि (आंख मिचकना) के
समय के समान. of the measure of
time equal to one Āvali
(twinkling of an eye) क० ग०
४, ८१;

✓ आवस. धा० I. (आ + वस्) वसयुं
रहेतुं. रहना; बसना. To dwell; to
stay.

आवसे. विधि० आया० १, १, ६, ४४;

आवसितपु. हे० कृ० नाया० १;

आवसंत. सूय० १, १, १, १६; आया० १,
४, ६, १४५; ठा० १; उवा० १, ८३;

प्रवासह न० (आवसथ) भक्षन; धर: रहे-
ल्लु. रहने का मकान. A residence;
a house. जं० प० ३, ४६; विवा० ३; ६;
उत्त० १३, १३; सूय० १, ४, २, १४;
(२) तापसनी आश्रम; भक्ष. तपस्वी का
आश्रम; साधु का मठ. a monastery.
आया० १, ७, २, २०२; पणह० २, ३;
v. 11/13.

भग० २, १; —भवण. न० (—भवन)
निवासभुवन. निवासभवन. a place of
residence; a house. जं० प० ३, ४७;
आवसहिय. त्रि० (आवसथिक) आश्रम-
भुं० पीमां रहेनार. पत्तोकी मोपडी में रहने
वाला. (One) living a monas-
tery or in hut of leaves etc.
सूय० २, २, २१; दसा० १०, ७;

आवस्सअ-य. न० (आवश्यक) साधु अने
आवधने भे वपत अवश्य करवानी किया;
प्रतिक्रमण. साधु और भावक को प्रतिदिन
दो बार अवश्य करने योग्य किया; प्रतिक्रमण.
Pratikramana; a religious
practice to be performed twice
every day, without fail, by
both ascotics and laymen.
नाया० ८; ठा० २, १; विशेष० १; (२)
ते किया प्रतिपादक आवश्यक नामनुं सूत्र.
उक्त किया-प्रतिक्रमण-प्रतिपादक अवश्यक
नामका सूत्र. name of a Sūtra ex-
plaining the above religious
practice. ठा० २, १, १०, नदी० ४३;
प्रव० २३७; —अणुआग. पुं० (—अनुयोग)
आवश्यक सूत्रनुं व्याख्यान. आवश्यक सूत्र
का व्याख्यान. exposition of Āva-
śyaka Sūtra. प्रव० २३७; —करण.
न० (—करण.) केवल समुद्घात कथी
पहेलां केवलीने अवश्य करवा भेक्ष्य व्यापार.
केवलसमुद्घात करने के पहले केवली को
अवश्य करने योग्य व्यापार. a kind of
thought-activity necessary to
be performed by a Kevali be-
fore Kevala Samudghāta. पंचा०
१६, ३१; —वहरित्त. न० (—व्यतिरिक्त)
आवश्यक सिवायना क्षणिक अने उत्क्रांतिक
सूत्र. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और-उत्कालिक सूत्र. the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Āvaśyaka Sūtra. ठा० २; नंदी० ४३; ---सुखसंध. न० (—श्रुतस्कंध) ओ नामनुं ओक सूत्र. एक सूत्र का नाम. name of a Sūtra. विशेष १;

आवस्सग. न० (आवश्यक) जुओ “आवस्सग” शब्द. देखो “आवस्सग” शब्द. Vide. “आवस्सग” [पिं० नि० ६००; अणुजो० ५; भग० १८, १०; गच्छा० ५३; प्रव० १०७;

आवस्सया. स्त्री० (आवश्यक) साधुओ अवश्य काम पड़े पड़र जती यणते “आवस्सहि” शब्द आओ ते: सामाचारिणी योथी प्रकार. साधुको आवश्यक कार्य के लिये बाहिर जाने समय ‘आवस्सहि’ शब्द बोलना. सामाचारि का चौथा प्रकार. The fourth variety of Sāmāchāri (ascetic right conduct); viz uttering the word “Āvassahi” at the time of moving out on some unavoidable business. प्रव० ७६७;

आवस्सिया. स्त्री० (आवश्यक—अप्रमत्तवे-नावश्यककर्तव्यव्यापार भवाऽऽवश्यक) साधुने जरूरत काम पड़े, उपाश्रय अदार जनुं पड़े, त्वारे ते प्रसंग आवश्यक छे तेनुं रमण्य करवाने मोथी ‘आवस्सिया’ शब्द कहेवे ते सामाचारिणी प्रथम प्रकार. साधु को किम्मा जरूर काम के लिये उपाश्रय के बाहिर जाना पड़े तब उस आवश्यक प्रसंग की आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से “आवस्सिया” शब्द का कहना; सामाचारि का प्रथम भेद. The first variety of Sāmāchāri; viz utterance of the word “Āvassiya” in a loud tone by a monk at the time

of leaving monastery for some pressing work. “पढमा आवास्सियाणामं” उक्त० २६, २; ठा० १०; प्रव० ७७२; पंचा० १२, २;

आवाग. पुं० (आपाक) निंभाडा. कुम्हार का भट्टा; आवा. A potter's kiln. नंदी० ३५;

आवाड. पुं० (आपात) उत्तर भरतभांति दिशत नामे भिस्तती ओक वनत. उत्तर-भरत के भांतीका किरात नामक एक जाति. A race of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. “उत्तरद्वभरहे वासे बहवे आवाडा णाम चिलाता परिवसंति” जं० प० ३, ५८;

आवाय. पुं० (आपात) आगमन; भाजुसोनुं गमनागमन. आना जाना; मनुष्यों का आवागमन. Coming and going of men; coming and going. ‘तस्स भोयणस्स आवाण् भद्दण् भवइ’ भग० ७, १०; उक्त० ४, २; २४, १६; ओव० ३६; ओष० नि० २६६; —भद्दय. पुं० (भद्दक) प्रथम भेदापमां आतवा यातवा विजेरमां सुअ आपनार. पहला भेट में बोलीत वगैरह में सुख देनेवाला. (one) pleasing at first sight or meeting. “आवायभद्दण् णाममेगे खो संवासभद्दण्” ठा० ६;

आवाअ-य. पुं० (आपाक—समन्तात्परिवेष्टापचयेत्त) निंभाडा. भट्टा; आवा. A kiln; a potter's kiln. “कुंभकारावाण् इवा कवेल्लुयावाण् इवा रट्टावाण् इ वा” ठा० ८; आवावकहा. स्त्री० (आवापकथा) आगत संगंधी कथा करती ते. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food. ठा० ४, २;

आवास. पुं० (आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः) आवास; भट्टा; दुबेली; निवा-

सस्थान; रहनेका जगह; हवेली; घर; महल. A palace; a mansion; a residence. राय० २२७; नाया० ८; १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३; ४; उत्त० ६, २६; भग० ६, ५; १३, ६; १८, ५; १६; ७; आ० सम० ८; (२) शरीर. शरीर. the body. सम० (३) आवास नामने ओइ द्वीप अने ओइ समुद्र. आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३; ४; पञ्च० १५; (४) नरकावास; नरकावास. abode of hell. प्र० ४१; —पर्वत. पुं० (-पर्वत) नाग राजने आवास परंत. नागराजा का आवास परंत. name of a mountain-residence of Nāgarāja. “ गोशुभस्स गं आवासपव्वयस्स ” सम० भग० २, ८;

आवासग. पुं० (आवासक) निवासस्थान; रहेवांजु स्थान. निवास स्थान; रहने का स्थान. Habitation; place of residence. सूय० १, १४, २;

आवास्य-अ. पुं० (आवासक) पक्षिंजु घर-भांसे. पक्षी का घर; घोंसला. A bird's nest. सूय० १, १४, २;

आचास्य. न० (आवश्यक) आवश्यक कर्तव्य. आवश्यक कर्तव्य. A thing which must be done. ओष० नि० २२०;

✓ **आवाह.** घा० II. (आ+वह) देवादिजनु आवाहन करतुं; पाने ओलावतुं. आवाहन करना; नजर्दाक बुलाना. To call; to invite; to invoke.

आवाहेह. “ तालुग्वाडणिविजं आवाहेह ” नाया० १८;

आवाह. पुं० (आवाह) विवाह पहेंलां तांशुक्ष देवाने उत्सा. विवाह के पहले पान देनेका

उत्सव. The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३; जं० प० २, २४; (१) नव परछेत पढुवरने प्रथम धेर लाववा ने. नव विवाहित वधूवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. पगह० २, ४;

आवाहण. न० (आवाहन) आमंत्रण; देवुं; भेलावतुं. आमंत्रण देना; बुलाना. Invitation; calling. विसे० १८८३;

आवि. अ० (अपि) संभावना; समुच्चयपण. संभावना; समुच्चय; परंतु. (An inclinable meaning); possibly; also. आया० १, १, ५, ४१; क० गं० १, २६;

आवि. अ० (आविर्) प्रगट; अदेर. प्रगट; जाहिर. Publicly; openly. “ आवां वा जह्वा रहस्से ” उत्त० १, १७; —कम्म. न० (कर्मन्) खुला-प्रगट काम. प्रगट कार्य; जाहिर काम. an action openly or publicly done. आया० २, १५, १७६; राय० २१३; ठा० ६; कण० ५, १२०;

आविई. स्त्री० (आविची-अविचदेशोद्भवा) अवीच देशमां उत्पन्न थयेक स्त्री. आवीच देश में उत्पन्न स्त्री. A woman born in the country of Avicha. राय०

आविद्ध. त्रि० (आविष्ट) युक्त थयेक; जेडा-थेक. मिला हुआ; संयुक्त. Joined with; united with. सम० ३०; (२) अधिष्ठित. presided over by; possessed by. ठा० ५;

आविद्ध. त्रि० (आविद्ध) पहेंलेतुं; धारण करैतुं; पहिना हुआ; धारण किया हुआ. Put on. नाया० १, ५; जं० प० ३, ५७५

परहं १, ३; जीवा ३, ४; ओव २७;
 राय ६१; (२) वीटिउं; यथोचित आविषुं.
 लपेटाहुआ; यथोचित रीति से बांधा हुआ.
 wrapped; properly tied. जं० प०
 ५, १२१; कप्प ४, ६२; —गुडिअ.
 न० (-गुडित) आविद्ध-पट्टेरावेत्त छे
 सुडिय-पाभर-सोना रुपाना फूलनी अनावेत्त
 छुत्त. पहिनाई हुई सोने चांदी के फूलों
 की बनी भूल. an ornamental
 cloth of gold and silver
 flowers placed on the back;
 (e. g. of an elephant etc.).
 विवा २; —मणिसुवराण. त्रि० (-मणि-
 सुवर्ण) पट्टेयां छे मणि अने सुवर्णनां
 धरेयां जेछे ते. जिसने रत्न जडित
 सुवर्ण के आभूषण पहिरे हों वह. (one)
 who has put on ornaments
 studded with jewels. दसा० १०, १;
 —मणिकसुत्तग. त्रि० (-मणिक-
 सूत्रक) जेछे मालुं जडित सूत्रक-दोरो
 पट्टेरे छे ते. जिसने मालक से जडा हुआ
 सूत्रक-दोरा पहिना हो वह. (one) who
 has put on a necklace studded
 with jewels. जं० प० ३, ५७;
 —वीरवल्लय. त्रि० (-वीरवल्लय-आवि-
 द्धानि वीरवल्लयानिवीरत्व गर्वसूचकानि
 वल्लयानि येन) वीर पुरुषोने पट्टेरावानुं
 आभूषण जेछे पट्टेयुं छे ते. वीर पुरुषों के
 पहिरे के आभूषण जिसने पहिना है वह.
 (one) who has put on an
 ornament worn by heroes.
 नाया १;

आविष्भाव. पुं० (आविर्भाव) प्रगट् थयुं;
 प्रादुर्भाव थये। प्रगट् होना; प्रादुर्भाव होना.
 Manifestation. विशेष ६७;

✓ आविरभव धा० II. (आविर+भू)

आविर्भाव थये; प्रगट् थयुं. आविर्भाव होना;
 प्रगट् करना. To be or become ma-
 nifest.

आविष्भावमि. प्रे० सूय० ३, १, ११;

आविल त्रि० (आविल) आकुल. आकुल.
 Distracted. सम० ३०; (२) कुपित;
 उलुं. कलुषित; गंदला. turbid. “अतुट्ठिदो-
 सेण दुही परस्स लोभाविज्जे आयवई अदत्तं”
 उक्त० ३२, २६; जीवा ३; —प्पा. पुं०
 (-आत्मन्) आकुल आत्मा. आकुल
 आत्मा. a troubled soul. “अभव-
 करेभक्क् अणविलप्पा” सूय० १, ७, २१;
 ✓ आविस. धा० I. (आ + विश्) सेवयुं;
 भोगयुं. सेवन करना; भोगना. To
 endure; to experience; to re-
 sort to.

आविसामि. विशेष ३२५६;

आवीहमरण. न० (आवीचिमरण) सभये
 सभये आयुष्यना हउने अपचय-थाय ते;
 आयुष्य सभये सभये ओषुं थाय ते. समय
 समय पर आयुष्य के दल का अपचय होना;
 समय समय पर आयुष्य का क्षय होना.
 Diminution of life every in-
 stant. सम० १७;

आवीहमणिय. न० (आवीचिसंज्ञिन)
 आवीचि नामनुं भरलु. आवीचि नाम का
 मरण. A variety of death named
 Avichi. प्रव० १०२०;

आवीकम्म. न० (आविष्कर्म) जलुओ
 “आविष्कम्म” शब्द. देखो “आविष्कम्म”
 शब्द. Vide “आविष्कम्म” जं० प०
 २, ३१;

आवीचिय मरण. न० (आवीचिमरण)
 जलुओ “आवीहमरण” शब्द. देखो
 “आवीहमरण” शब्द. Vide “आवी-
 हमरण” भग० १३, ७;

आवुत्त. त्रि० (अव्युक्त) नहि ईधेय; वगर
ईधेय. बिना कहा हुआ. Not said;
not spoken. सू० २, २, ५६;

✓ आवेढ. धा० I. (आ + वेष्ट्) वीट्नुं
लपेटना. To wrap round; to
encircle.

आवेढइ. दसा० ६, ६;

आवेढिय. त्रि० (आवेष्टित) वि० लपेटा-
हुआ. Wrapped round; encircled.
ठा० १०; भग० ८, १०; १६, ६; निर्या०
१६, ४०-४१; नाया० १६;

आवेदिय. सं० कृ० (आवेद्य) इति. कहकर.
Having said or told. पंचा० १५,
४५;

✓ आस. धा० I, II. (आस्) भेसनुं.
बैठना. To sit.

आसइ. व० प्र० ए० नाया० घ०

आसे. वि० दस० ४, ८;

आस. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

आसइस्सामो. भवि० भग० १०, ३;

आसइत्तए. भग० ७, १०; १३, ४; १७, २;
१८; ३;

आसइत्तु. दस० ६, ५४;

आसमाण. “ अजयं आसमाणोय ” दस०
४, ३; राय० ३, ६;

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्)
भोजन. भोजन. Food. “ सामासाए
पायसाए ” सू० २, १, १५; नाया० ५,

आस. न० (आस्य) भु० भो. मुख; मुँह.
Mouth; face. पि० नि० ३४०; नाया०
८; ९; दस० ५, १, ८५; दसा० ७, १;

आस. पुं० (अश्व-अश्नुते इवाप्नोति मार्ग-
मित्यश्वः) धे०; अश्व. अश्व; घोडा. A
horse. सम० १४; उत्त० ४, ८; ६, ५;
११, १६; अणुजो० ६३; १३१; ठा० २, ३;
विशे० १४१६; नाया० १७; भग० ३, ४;

७, ६; ६, ३६; ११, ११; ओव० ३१; ३८;
दसा० ६, ४; १०, ३; विवा० ६; जीवा० ३,
१; आया० २, १, ५, २७; जं० प० ७,

१५७; (२) अश्विनी नक्षत्रनो अधिष्ठाता
देवता. अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव,
the presiding deity of the
constellation Āśvinī. जं० प०

७, १५७; सू० प० २०; (३)

अश्वदेवताथी उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र,

the constellation Āśvinī pre-
sided over by the diety Āśva.

चं० प० २०; —करण. न० (—करण)

धे० धेनु इति सीधयानी गद्या. घोडे को
कला मिखान की जगह. a place for
training horses. निर्या० १२, २८;

—किसोर. पुं० (—किशोर) नवतान
धे० धेनु अश्व; व० ३३. जातिवान् घोडे का

बच्चा. a young one of a noble
horse; a colt. नाया० १३; —किसोरी.

स्त्री० (—किशोरी) नवतान धे०; व० ३३.
जातिवान् घोड़ी; बछेरी. a mare of
noble breed; a filly. नाया० ६;

—कलंध. पुं० (—स्कंध) धे० धेनु की उड-
भांध. घोडे का कंधा. the neck or
shoulder of a horse. ठा० २;

नाया० १२; १४; जं० प० ७, १५६;

—कलंध वरगय. त्रि० (—स्कंधवरगत)
धे० धेनु पर अश्व. घोडे पर चढा हुआ.

mounted on a horse. नाया० १२;
१४; —जुद्ध. न० (—युद्ध) धे० धेनु युद्ध.

घोडों का युद्ध. horse-fight. निर्या०
१२, ३०; —धर. त्रि० (—धर) धे० धेनु

वाले; सोदागर. घोडावाला; घोडों का सोदा-
गर. (one) who has a horse or

horses; a horse-merchant,

ठा० २; जं० प० ३, ६७; —**पोसय**. त्रि० (—पोषक) घोड़ाना पोषनार; सोदायर. घोड़े को पालने वाला. (one) who breeds up horses: a horse-merchant. निर्या० ६, २३; —**प्पमहय**. (—प्रमर्दक) घोड़ाने कुला श्लोषनार. घोड़े को कुला सिखाने वाला. (one) who trains horses. नाया० १७; —**मच्छिया**. स्त्री० (—मक्षिका) घोड़ानी भाष; अशा. घोड़ों के शरीर में लगने वाली मच्छी; बग. a horse-fly. पि० नि० भा० ४६; —**मट्ट**. पुं० (—सृष्ट) घोड़ाना समारनार. घोड़े को सुधारने वाला. चाबुक असवार. a horse-breaker. निर्या० ६, २३; —**महृअ**. त्रि० (—मर्दक) घोड़ाने मर्दन करने नार. घोड़ों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निर्या० ६, ३३; नाया० १७; —**महृग**. त्रि० (—मर्दक) घोड़ाने मर्दन करने नार. घोड़ा की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. नाया० १७; —**रयण**. न० (—रत्न) अश्वरत्न; चक्रवर्तिना आदरत्नमानुं अश्वरत्न. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न. an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravarti. “ भरतस्य कमलामेलं णामेणं आसरस्यसं-णावहृक्कमेणं समभिरुद्धं ” जं० प० ठा० ७; पञ्च० १६, २०; —**रह**. पुं० (—रथ) घोड़ा गाड़ी; जेभां घोड़ा गेराय अश्वे रथ. घोड़ा गाड़ी; जिसमें घोड़े जुते ऐसा रथ. a horse-carriage. नाया० १; ८; १६; १६; भग० ७, ६; ६, ३३; राय० २५६; जं० प० —**राय**. पुं० (—राजन्) अश्वराज—प्रधान-उत्तम घोड़ा. अश्वराज;

प्रधान घोड़ा—उत्तम घोड़ा. an excellent horse. ठा० ५; —**रूप**. पुं० (—रूप) घोड़ानु रूप. घोड़े का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५; —**रोह**. पुं० (—रोह) घोड़े सवार. घोड़ सवार. a horseman. निर्या० ६, २३; —**वर**. पुं० (—वर) उत्तम जातिना घोड़ा. उत्तम जाति का घोड़ा. a horse of noble breed. दसा० १०, ३; भग० ६, ३३; ओव०. —**वाहणिया**. स्त्री० (—वाहनिका) घोड़ानी सवार; अश्व दृष्ट. घोड़े की सवारी. अश्व कांडा. horse-riding; play on horse-back. विवा० ६; नाया० १२; १६; —**सहस्र**. न० (—सहस्र) हजार घोड़े. हजार घोड़े. a thousand horses. निर० १, १;

आसंदिया. स्त्री० (आसन्दिका) भांथी; आटनी. खाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. मृ० १, ४, २, १५;

आसंदी. स्त्री० (आस्यन्दी) अश्व गतनुं आसित; भांथी. एक प्रकारका आसन; खाट. a kind of seat; a wooden frame strung up with thread and used as a seat. “ आसंदी पलियंकेय ” पि० नि० ३६१; मृ० १, ६, २१; दसा० ३, ५; ६, ५४; (२) हाटनेनुं भायटुं. बांस की अरथी. a bamboo frame to carry a corpse. मृ० २, १, १५; **आसंसहय**. त्रि० (आसंशयित) निःसंशय; संशय रहित; जेभां संदेह नथी तेनुं. निःसंदेह; संदेह रहित. Doubtless; indubitable. मृ० २, २, १६;

आसंस्यप्रयोग. पुं० (आशसामप्रयोग—आशंसनमाशमाऽभिलाष; तस्याः प्रयोगो-

व्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोगः) आशंसा
अभिधाया इरयी ते. अभिलाषा करना.
Hoping; desiring; wishing.
प्रव० २६६; डा० १०;

आशंसा. स्त्री० (आशंसा) काम भोग भेद-
व्याप्ती इच्छा; अभिलाषा. काम भोग प्राप्त
करने की इच्छा. Desire or wish for
sensual pleasures. सू० २, १, ५०;
उवा० १, २७; प्रव० २६६; ८२३;

आशंसारं. अ० (आशंसारम्) संसार छे-
त्यंशुश्री. संसार है नवतक. So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists. प्रव० ६३७;

आसकण. पुं० (अशकणं) अथयु समुद्रमां-
ना पद अन्तर द्वीपमिति अशकणं नामने
अश अन्तर द्वीप. लवण समुद्र के ५६ अन्तर
द्वीप में का अशकण नामक एक अन्तर द्वीप.
Name of one of the 56 Antara
Dvipas (islands) in Lavana
Samudra. (२) त्रि० ते द्वीपना २६-
पासी उक्त अन्तर द्वीप के निवासी मनुष्य.
a native of the above island.
डा० ४, २; जावा० ३, ३; पञ्च० १;

आसग. न० (आसग) माँदु; मुथ. मुख;
मुँह. Mouth; face. भग० १५, १;
नाया० १२; १४; सू० २, २, ५६; दसा०
१, ३;

आसग. पुं० (आसग) शीलु. फेन. Foam;
froth. पञ्च० २;

आसग्रीव. पुं० (अशग्रीव) भरतक्षेत्रना
आयु अवसरपैलुलिता पड़वा प्रतिवासुदेवनं
नाम. भरत क्षेत्र की वर्तमान अवसरपैलु
के प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first
Prativāsudeva of the current
Avasarpini (descending cycle)
of Bharataketra. प्रव० १२२७;

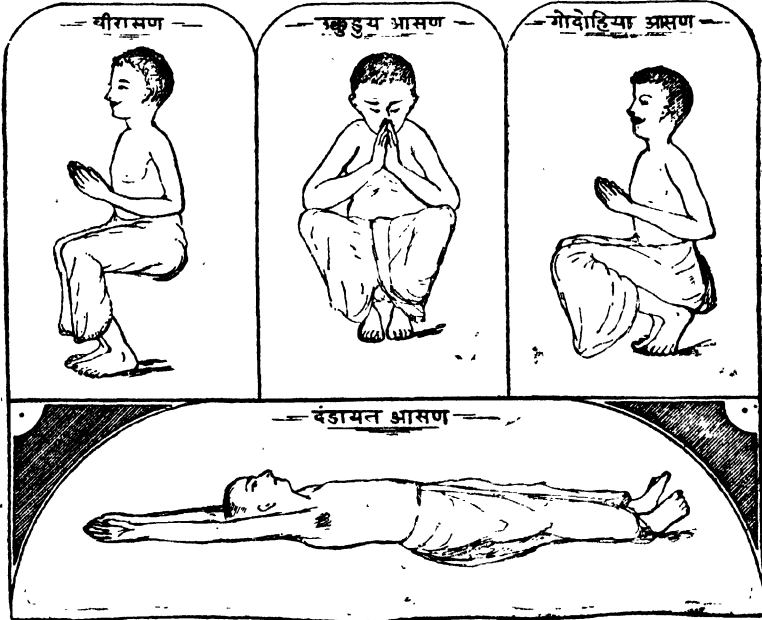
आसज. न० (आसज) क्रिया विशेष. क्रिया
विशेष. A particular kind of
action. ओष० नि० २२६;

आसज. सं० कृ० (आसाद्य) प्राप्त इरीने;
भेदनीने. प्राप्त करके; पाकर. Having
got to; having acquired. विशेष०
५२७; आया० १, ३, २, १११; पि० नि०
१५८; प्रव० ८६६;

आसन. न० (आसन) आसन; औंस;
सिंहासन; अशसन, मयूरासन वगैरे; तप
भाटे आसन लगाया ते. जेम वीरासलु,
उक्तियासलु; दंडायत आसलु इत्यादि.
आसन; बैठक; सिंहासन; तपश्चर्या में साधुको
लगाने के आसन जैसे वीरासन, दंडायत
आसन इत्यादि (देखो चित्र). A
seat; an unnatural bodily
posture; e. g. Mayūrāsana
etc. adopted by a Sādhu
while practising penance (see
diagram). उत्त० १, २१; ३०; ७, ८;
उवा० २, ११३; राय० २३३; २६६; दस०
५, २, २८; ८, ५, १७; सू० प० २०; ओष०
नाया० १; २; ५; ८; १३; १४; १६; सम०
६; भग० २, ५; ५, ७; १७, ३; २५, ७;
सु० च० ३, ५५; जं० प० २, ३३; सूय०
१, १, ४, ११; १, ४, १, ४; आया० १,
६, ३, १२; २, ४, २, १३८; (२) आस-
न वाली ओसयुं ते. आसन लगाकर बैठना.
sitting in a particular bodily
posture. प्रव० १५८१; —अनुपदाण.
न० (अनुपदाण) सत्कार इरवाते आस-
ननु आमंत्रण इरनुं ते. सत्कार करने के लिये
आसन का आमंत्रण करना. honouring
any one by inviting him to
a seat. भग० १४, ३; डा० ७; —अभि-
गह. पुं० (अभिगह) आसन संघेयी

अभिग्रह धारण करे। ते. आसन संबंधी
अभिग्रह धारण करना. taking a vow
in connection with seat. भग०

neighbouring; near. भग० १, ८;
ओष० नि० १०; दसा० २, ३; ४; ५;
—सिद्धिय. त्रि० (—सिद्धि) तत्तमां



१४, ३; सम० ६१; ओष० २०; —स्थ.
त्रि० (—स्थ) उलड्ड गोदोह वगेरे आसन
वाधीने रहें। उक्त गोदोह आदि आसन
लगाकर बैठा हुआ. (one) sitting or
remaining in a particular bodily
posture; e. g. like that of
one milking a cow. आया० १, ६;
४, १४; प्रव० १२५;

आसण्य. पुं० (आसनक-आसनमेव आसनकः)
आसन. आसन. A seat; a bodily
posture. वेय० ५, ३२;

आसण्य. त्रि० (आसण) नजदीक; पास.
नजदीक का; समीपका. Adjacent;

सिद्ध थाय ओषो; थोडा दृष्टतमां सिद्धि
पाभगा. तुरंत सिद्ध होनेवाला; थोडे समय
में सिद्धि प्राप्त करने वाला. (one) who
is to acquire perfection immo-
diately. पंचा० ११, १५;

आसत्त. पुं० (आसक्त) भूमिमां लागेव;
उपरथी नीचेता लाग साथे लागेव. भूमि
में जुडा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ
संयुक्त. Clung to the earth; atta-
ched to the upper as well as
the lower part. राय० ५६; पञ्च० २;
ओष० कप० ३, ४१;

आसत्तमं. अ० (आसत्तमम्) सात पेटी

पर्यंत. सात पीढ़ी तक. Up to the 7th generation. नाया० १; १६; भग० ११, २०;

आसत्ति. क्री० (आसक्ति) परिश्रम आदिभिः श्रद्धि. परिग्रह आदि में आसक्ति. Attachment to worldly possessions etc. परह० १, ५;

आसत्तोत्सत्त. त्रि० (आसत्तोत्सत्त) उपरना भागથી नीचिना भागने लागेन. ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part to the lower part. कप्प० ३, ४१;

आसन्ध. त्रि० (आसन्ध) आश्रम शीथिल. आश्रम पाया हुआ; विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed. ओष० नि० भा० ५५; नाया० १; २, ३; ८; ६; १६, १८; भग० ११, ११; १५, १; कप्प० १, ५; विवा० ३, ६;

आसन्ध. पुं० न० (आसन्ध) पीपल. The holy fig-tree. सम० प० २३३; —पत्त. न० (-पत्र) पीपलाना पान. पीपल का पत्ता. a leaf of the holy fig-tree. निमा० १८, १६; —वृक्ष. पुं० (-वर्षसु) पीपलाना पीपल, इतना क्यराता द्योते. पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर. a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree. निमा० ३, ७८;

✓ **आसाद.** धा० I. (आसाद) आधा करवा; पीडा करवा. बाधा करना; पीडा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

आसाद. दस० १, ६, १, ४; निमा० १३, १२;

आसादजा. आया० १, ५, ६, १६५; डा० ४; उता० ८, १४०; १४६; v. II/14.

आसन. न० (आसन) श्रुत्या “आसण” शब्द. देखो “आसण” शब्द. Vide “आसण” पत्र० ११; दस० ७, २६;

आसन्न. त्रि० (आसन्न) श्रुत्या “आसण” शब्द. देखो “आसण” शब्द. Vide “आसण” विशेष ६२६; ओष० नि० २६; पि० नि० २०६; १४६; प्रव० १३२; पंचा० ३, ४७; सम० ३३; —भक्ष. पुं० (-भक्ष) तेज्ज अवे अथवा पीण्ण त्रीण्ण अवे भोक्ष्ण वन्तारं छय; नत्थक्क वप्पनमां भोक्ष्ण वन्तया येअय्य अत्थय्य. उमी हा भव में या दूसरे तामरे भव में मोक्ष जानेवाला जाव. a soul which is to attain final bliss in very near future i. e. in the same birth or the 2nd or 3rd. प्रव० १२६०;

आसपुरा. क्री० (आसपुरा) पद्मा विजयनली मुख्य नगरी. पद्मा विजय का मुख्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya. डा० २, ३; ८;

आसम. पुं० (आश्रम) आश्रम, तापस शोधने रहनेवाली जगह. आश्रम; तपस्वी लोगों के रहने की जगह. A hermitage. (२) चार आश्रम पैदा अथवा आश्रम. चार आश्रमों में से एक आश्रम. one of the four stages of life. सु० च० ७, १८०; डा० २, ४; उता० ६, ४२; ३०, १७; आया० १, ७, ६, २२२; मृग० २, २, १३; भग० ७, ७; ३, ७; ७, ६; परह० २, १; वेध० १, ६; पंचा० ७, १५; —पय. न० (-पद) तापस शोधना आश्रमने नामे आसमानु स्थान. तापस लोगों के आश्रम के नाम से प्रसिद्ध स्थान. a hermitage; a place of abode of a hermit. कप्प० ६, १७६; —भय पुं० (भेद) पञ्चार्थ, प्रत्यक्ष जेरे आश्रमना

प्रशार. ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद.
the four different stages of
life distinguished as student's
life, householder's life etc.
पंचा० १०, ५०;

आसमपय. न० (आकामपद) ऐ नामनुं
ऐक आग. एक बाग का नाम. Name of
a garden. कण० ६, १५६;

आसमिस्त. पुं० (अश्मित्र) अश्वमित्राचार्य
नामना आथा निन्दव ३ गुरु ६ देश पदार्थ
क्षणे क्षणे नाश पावे छे ऐम स्थापन कर्य.
अश्वमित्राचार्य नामक चौथा निन्दव जिसने
कि प्रत्येक पदार्थ प्रविक्षण नाश पाता है, ऐसा
निन्दान्न स्थापन किया. Name of the
fourth Nindhava who establish-
ed the doctrine that every
thing perishes every moment.
डा० ७, १;

आसमुद्र. पुं० (अशमुख) अश्व समुद्रां
गदा उपर गतां दिदिशामां रदेत अश्वमुख
नामने ऐक अंतर-द्वीप. लवण समुद्र में
विदिशा में स्थित अश्वमुख नामक अंतर द्वीप
Name of an Antara Dvipa
(island) in a cardinal direc-
tion of Lavana Samudra डा० ४,
२; (२) त्रि० ते द्वीपमां रदेतार भनुष्य.
उक्त द्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a person
living in the above island.
जावा० ३, ३; पञ० १;

आलय. न० (आस्थक) भे. दुः; मुख;
मुंह. Mouth; face. वच० ६, ४५;
आया० २, २, १, १०६; जावा० ३, १;

आशय. पुं० (आश्रय) आशय; स्थान;
भवन. आशय; स्थान; मकान. A house;
an abode; a place. डा० ३; (२)
ऐसवा पोष्य. संवत करने पोष्य. a pro-

per resort; (anything) fit to
be resorted to. नाया० १०; (३)
अश्रय; आधार. आश्रय; आधार. sup-
port. उत्त० २८, ६; पगह० १, १; विश०
१७५४;

आसय. पुं० (आशय) चित्तवृत्ति; परिणाम.
चित्तवृत्ति; आशय. A state of mind;
inclination of mind. पंचा० ७, २५;
१६, २५; —विचिन्तया. स्त्री० (—विचि-
न्तया) परिणामनु विचित्रपणु; अनिप्राय
नु विविधपणु. परिणाम की विचित्रता; अनि-
प्राय की विविधता. varieties of
thought-activities; varieties
of thoughts. पंचा० १६, २५; —वृद्धि.
स्त्री० (वृद्ध) परिणाम वृद्धि. परिणाम
वृद्धि. increase in thought-activi-
ty; increase in sense percep-
tions and their objects. पंचा०
७, २५;

आसयमाण. व० क० त्रि० (आशयमान-
आशयन) आशा करने. आशा करना हुआ.
(One) entertaining a hope.
विवा० १;

✓ **आसर** वा० II. (आ+सृ) -सरङ्कु;
असङ्कु; दासङ्कु. सरकना; हलना. To
move.

आसरिह प्रे० नाया० ३;

आसरुह. पुं० (अवरुह) घोड़ेसार घोडा
सवार. A horseman. जे० प० ३, ४४;

आसल. त्रि० (आशन) स्वाद लेना योग्य;
आप योग्य. स्वाद लेने योग्य. Worth
being relished or tasted. जावा०
३, ४; पञ० १७;

आसव. पुं० (आशव) दारु; मदीरा; मद्य;
शराब दारु; मदिगा; शराब. Wine;

intoxicating liquor. पि० नि० ५४; ५३६; राय० १३३; २२४; पञ्च० १७; उत्त० ७, ३४, १४; श्रव० जावा० ३, ३०४; —(वा) उद्गा. खी० (—उद्गा —आस-
व. इव. चंद्रहासादिपरं उदकम् यासां
नाः आसवोद्गाः) भीमा पत्नीनी वाच.
मंडि पानी की बावड़ी. a well of fresh
water. जावा० ३; राय०

आसव. पुं० (आश्रव) श्रवण तत्वावभा-
कमेव पाणिने आसवानुं गतानुं; कर्म
आसवानुं द्वार; मिथ्यात्व अविरति प्रमाद
कषाय अने अशुभयोग आ पांचमानुं
अने ते अक्ष. जाव का तत्वाव में कर्म-
—रूप पाना आने का रास्ता—द्वार;
कर्म आने का द्वार; मिथ्यात्व, अविरति
प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पांचों में
का कोईना एक. A door, a sluice
for the inflow of Karma; any
of the five viz. Mithyatva,
Avirati, Pramāda, Kāṣāya
and Āśubhaya. श्रव० १०;
३४; उत्त० १८, ५; २८, १४;
३४, २१; सम० १; नाया० ६; भग० २, ५;
५, ६; आया० १, ४, २, १३०; १, ८, ७,
१०; डा० १, २; २, १; पि० नि० ६३;
पंचा० ५, ४७; क० मं० १, १४; मृय० २,
५, १२; —**एणोद्गाहभाव. पुं०** (—निरोधभाव)
अश्रवतो निरोध करने के; कर्मना द्वारने
अक्षयवा ते. आश्रव का निरोध करना;
कर्म के द्वार को रोकना. stopping the
inflow of Karma; stopping the
door of the inflow of Karma.
पंचा० ५, ४७; —**द्वार. न०** (—द्वार)
अश्रव पाप आसवता द्वार; दरवाजा.
आश्रव—पाप आनेका—द्वार. a gate
through which Karma enters.

“ पंच आसव दारा प० तं० मिच्छन्तं अवि-
रद्धपमाया कसया जोगा ” डा० ५, २;
सम० ५; भग० १, ६; ३, ३; —सन्ति.
वि० (—सकितन्—आश्रवा हिंसाद्यस्तंभु
सकन् संग आश्रववक्त्रं तद्विद्यन्तं यस्य स
आश्रवमक्त्री) आश्रवतो संग करनेर.
आश्रव का संग करने वाला. (one)
attached to practices like kill-
ing etc. which cause an inflow
of Karma. आया० १, ५, ११४५; *

आसवतर. पुं० (आश्रवतर) अतिशय
आश्रव; कर्मेनी धृष्ट आसव. अतिशय
आश्रव; कर्मों का बहुत आना. Excessive
inflow of Karma. भग० १३, ४;

आसवर. पुं० (अश्ववार) अश्वार; घोड़ेवार.
गवार. A horseman. “ मह आया
आसवरा उमश्रवामि शाणा ” भग० ६, ३३;

आसवार. पुं० (अश्ववार—अश्व वारयतीति)
अश्वार; अश्व शेर; घोड़े को रोकने वाला;
घुडमवार. A horseman. मु० च० १०,
४३;

आससा. खी० (आशंस) ईच्छा—आकांक्षा;
अशा. आकांक्षा; आशा; चाह. Desire;
hope; wish. “ तदेव शिष्येभ्य आस-
साण ” उत्त० १२, १२; विरो० १५१६;

आसनेषु पुं० (अश्वने) कशीना राजानुं
नाम काशी के राजा का नाम. Name of
a king of Benares कप० ६, १५०;
(२) ययु अवस पेशीना येथा यक्षती-
ना पिता वर्तमान अवसर्षणी कान के लोये
चक्रवर्ती का पिता. name of the
father of the fourth Chakra-
varti of the present Avasari-
piti. सम० प० २३४; (३) २३ भा तीर्थ-
कर पाश्चात्यतः पितानुं नाम. २३ के

तीर्थंकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tirthāṅkara. सम० प० २३०;

आत्मा. स्त्री० (आशा) आशा; भ्रमः; अभिलाषा; आकांक्षा. आशा; अभिलाषा; आकांक्षा. Hope; desire; wish. निर्मा० ११, २८; जं० प० २, २२, तंडु० ओष० २१; उल्ल० १२, ७; ३२, २७; सम० ६; दस० ६, ३, ६; (२) नागनी आकांक्षा. भोग की आकांक्षा. desire of enjoyments. आया० १, २, ४, ८४;

आसा. अ-यै. पुं० (आस्वाद) स्वादः रस. स्वाद; रस. Taste; relish. जीका० ३, ३; जं० प० २, २२; आया० १, ५, ३, १४५; नाया० ७; १७; पञ्च० १७; दस० ५, १, ७८;

आसादय. त्रि० (आसादित) प्राप्त. यथैत. प्राप्त. Got; acquired. नाया० १२; उवा० ३, १४०;

आसाद. पुं० (आषाढ) आषाढ महीना. आषाढ मास The month of Āṣāḍha, “आषाढ पुष्यमास उक्तेस्वप्” भग० ११, ११; १८, १०; ओष० नि० २८३; उल्ल० २६, १३; सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १२१; पंचा० ६, ३४; (२) तृण विशेष. तण्डुल विशेष. a kind of grass. भग० २१, ६; (३) आपादाचार्य नामना त्रीन निन्दय दे वेत्ये दरेऽ वस्तु अत्यन्त संदिग्ध छे, क्रानामां साधुता छे अने क्रानामां नहि तेनो निश्चय आपदे करी शक्तीये नहि माटे कोउने पगे लागतुं नहि ऐम स्थापन कर्तु. आषाढाचार्य नामक एक निन्दव जिन्होंने यह मन स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है और किसमें नहीं हमका

निश्चय मनुष्य वहाँ कर सकता अतः किसीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Ninḥava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. ठा० ७, १; विशेष० ३३०१; (दा)—आपरिय. पुं० (—आचार्य) आपाद नामना त्रीन निन्दय आचार्य. आषाढ नामक तीसरे निन्दव आचार्य. the third Ninḥava preceptor so named. ओष० —पाडिवया. स्त्री० (—प्रतिपदा) शास्त्रीय आषाढ पद १ पडवे. शास्त्रीय आषाढ कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvaṇ according to scriptures ठा० ४; —पुर्णिमा. स्त्री० (—पूर्णिमा) आपाद सुदि पुनम; असाद महीतानी पूर्णिमा. आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āṣāḍha. भग० ११, ११; —बहुल. पुं० न० (—बहुल) आपाद मासने कृष्णपक्ष. आषाढ मास का कृष्ण पक्ष. the dark-half of the month of Āṣāḍha. कप० ७, २०६; —शुक्ल. पुं० (—शुक्ल) आपाद मासने शुक्ल पक्ष. आषाढ मास का शुक्ल पक्ष. the bright-half of the month of Āṣāḍha. कप० १, २;

आसादभू. पुं० (आषाढभूति) ज्योति “आसादभू” शब्द. देखो “आसादभू” शब्द. Vide “आसादभू” पि० नि० ४१४;

आसादा. स्त्री० (आषादा) अनाभन नक्षत्र; पूर्वभादा अने उत्तरभादा. इस नाम का

नक्षत्रः पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा. Name of the constellations Pūrvāṣāḍhā and Uttarāṣāḍhā. “ दो आमादा ” ठा० २; जं० प० ७, १५१;

आमादी. क्ता० (आषाढी) आषाढ मासनी पूणिमा. आषाढ मास की पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āṣāḍhā. जं० प० ७, १६१; — **पाडि-वअ.** पुं० (—प्रतिपत्) शास्त्रीय आषाढ पद अंक्रम अने दौकिद आषाढ पद अंक्रम. शास्त्रीय आषाढ कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of Śrāvap according to scriptures and the first day of the dark half of Āṣāḍhā according to mere calculation. निर्मा० १६, १३;

आसादण. न० (आसादन) भेदणुं; अदणुं इरुं. प्राप्त करना; ग्रहण करना. Getting; obtaining; taking. नाया० ६;

आसादणता. क्ता० (आशातना) अविनयः आशातना. अविनयः अपमान. Irreverence; immodesty. भग० १८, ७;

आसादिय. वि० (आसादित) प्रभु इरेव. प्राप्त किया हुआ. Got or acquired. “ हमे वणखंडे आसादिय ” भग० १५, १;

आसायण. न० (आस्वादन) आस्वादनः रस लेवा ले. आस्वादनः रस लेना; चखना. Tasting; relishing. “ थोदमासायण-ट्ठाण् हएथमंमि-एवहिमे ” दस० ५, १, ७८;

आसायण. न० (आसादन) अदणुं इरुं; भेदणुं. ग्रहण करना; प्राप्त करना. Getting; acquiring. नाया० ६;

आसायणा. क्ता० (आशातना) आशातना; विनय भयादानुं उद्वेचन. आशातना; विनय स्पर्शा का उल्लंघन; गुरु के प्रति किया जाने

योग्य विनय में न्यूनता करना. Irreverence to a preceptor etc. आउ० २६; दसा० २, २; ३ ३४; निर्मा० १३, १२; दस० ६, १, २; ८; उत्त० ३१, २०; सम० ३३; आव० ३, १; पंचा० ६, ४८; प्रव० ८; — **परिहार.** पुं० (—परिहार) आशातनानो परिहार त्याग. आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśatanā. प्रव० ६४५;

आसायणिज्ज. वि० (आस्वादनीय) स्वाद लेवा योग्य; आप्यता योग्य. स्वाद लेने योग्य; चखने योग्य. Worth being tasted or relished. जं० प० पञ्च० १३; नाया० १२;

आसालय. न० (आशालक) जेना उपर सुपशकय के भेसति अराम लशकय तेनुं अंक्रम आसन ऐसा आसन जिसपर सो सके या बैठकर आराम किया जासके. A seat on which one can sleep or sit comfortably. “ आसदी पलि-बंकेनु ” “ मंचमासालणु वा ” दस० ६, ५८;

आसालिया. क्ता० (आशालिका) जे जतनेो अंक्रम संपे के जे पंदर कर्मभूमिमां अक्यतिनी सेना नीये पूथीमां समुच्छिभपणे अंत-मुदूर्तने आकिमे उपपन्न थाय छे; तेना शरीरनी डिप्टी १२ जेजतनी अवशादता होय छे; अक्यतिनी सेनाना विनाश थवानो होय थारेज तेनी उपपत्ति थाय छे अने आप्ता सेनाना तेथी अंतर्मुदूर्तमां नाश थाय छे. अउंसे ते सर्प भाटी आभ जय छे तेथी १२ जेजतनेो आडा पडतां तेमां सेना हटणु पडणु थप नाश पमे छे. इस जानि का एक सर्प जोकि पंद्रह कर्मभूमि में चक्कति की भेना के नाचे पृथी में समुच्छिभ रूप में (अ गद राति से). अन्तर्मुदूर्त की आयुध

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है. और इसके कारण सम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्यों कि वह १२ योजन मिथी खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बड़ा खड्ड पड़ जाता है जिसमें सेना गिरपड़कर नाश को प्राप्त होजाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis. It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the army of a Chakravarti of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed.

“ मेकितं आसालिया ! कहिणे भेते !
आसालिया समुट्टति ” जावा० १;
पह० १;

आसाविणी. श्री० (आश्राविणी) छिद्रवाली नाव; जेभां पालि आवे ऐसी नाव. छिद्र-वाली नावा; जिसमें पानी आवे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it. “ जडा आसाविणि नावे जाइ अघो दुक्कहिया ” सू० १, ११, ३०:

आसासन. पुं० (आश्राम) आश्रामन. आश्रामन. Taking rest; removal of fatigue. ओष० नि० ७३; पह० २, १; (२) विश्रामना स्थान; याद देवनी

०८५१. विश्राम का स्थान. a resting--place. ठा० ४, ३;

आसासन. पुं० (आश्रामन) आश्रामन नाम तो अद. आश्रामन नामक ग्रह. A planet so named. ठा० २, ३;

आसासणया. स्त्री० (आश्रामना) आश्रामना. आशीर्वाद. Blessing; words of blessings भग० १२, २;

आसामिय. त्रि० (आश्रमित) आश्रामन आपेक्षः विश्राम इधित. आश्रामन दिया हुआ; विश्राम लिया हुआ. (One) who has rested himself; (one) who has removed his fatigue. नाया० १; भग० ६, ३३;

आसि. स्त्री० (आशिम्) अद. दाह. A jaw. पञ० १; प्र० १२१५;

आसि सी. रि० (आसीत) अस धातु का अत आसुं के प. दोनो-ती-तु. अस धातु के भूतकाल का रूप; आ-या थे. He she - it was. सू० ख० १. १२५; ३, ११६; विश० १२६१; पि० नि० १६१; नाया० ६; ११; १६; भग० २, १; ३, १; सू० १, ६, २; २, ६; १; उवा० ३, १६७; पंचा० १६, १०;

आसित. त्रि० (आसिक) थोड़ा छिट्छिट्; छेदनाथ छेदित. थोड़ा सींचा हुआ; छिद्रकाव किया हुआ. Sprinkled slightly. पह० २, ३; नाया० १; जावा० ३, ४; ओष० २६;

आसित्तिआ स्त्री० (आसित्तिका) अन्नभोज्य पदार्थ. एक खाद्य पदार्थ. Name of article of food. “ विवाहादि आसित्तिआओ भोजका कलं सधेति ” सू० प० १०;

आसिद्धि. अ० (आसिद्धि) सिद्धिपत्र-त. सिद्धि पत्र. Up to, as far as Sid-

dhahood; up to the attainment of final goal. भक्त० ७१;

आसिथ. त्रि० (आश्रित) आश्रय पाभेक्ष. आश्रय प्राप्त. Resorted to; resting on; dependent on. डा० ३;

आसिथ. त्रि० (आसिक्त) जुआ "आसित" शब्द. देवो "आसित" शब्द. Vide. "आसित" दसा० १०, १; राय० १८०; नाया० ३, ८; १६; भग० ६, ३३;

आनियावाय. पुं० (आशीर्वाद) आशीर्वाद: आशीर्वा पयन. आशीर्वाद: आशीर्वाचन. Blessings; words of blessings. मय० १, १६, १६;

आसिल, पुं० (आसील) ओ नामना ओड अन्य तीर्थी प्रथीन ऋषि. इस नाम के एक अन्य धर्मानुयायी ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. मय० १, ३, ४: ३;

आसी. स्त्री० (आशी-आशिस) सर्प की दाढ़. A jaw of a serpent; a serpent's fang. डा० ४; —**विस** पुं० (विष) देवी दाढ़ों में ओर गेड़ुं छे तेरो सर्प. जिसका दाढ़ में विष है वह मर. a serpent (with venom in the fangs). विशेष० ७८०; भग० ८, १; दम० ६, १, ४; पगद० २, १; उत्त० ६, ६३; तेंडु० दसा० ६, ३२. जावा० १; (२) सीतोदा नदीने पश्चिम किनारे ओष विजय की पश्चिम सरदा परतो वक्खारा पर्वत. सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय का पश्चिम सामा प्रान्त पर का वक्खारा पर्वत. name of a Vakharā mountain on the western boundary of Sāṅkha Vijaya on the western bank of the river Sitoda. डा० ८, १; जं० ५०

आसील. त्रि० (आसीन) ओडः आश्रय डरेल. बंठा हुआ: आश्रय किया हुआ. Sat: seated; resorted to. आया० १, ८, ७, १७; पगद० २, १;

आसीविसत्त. न० (आशीविषत्व) छष्ट अनिष्ट डरेवानुं सामर्थ्य. इष्ट अनिष्ट करने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil. भग० १४, १; डा० ४;

आसीविसत्ता. स्त्री० (आशीविषता) आशीविषत्व; अनि जेरी सर्पना भाव. आशीविषता; यति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent. भग० १६, १;

आसीविसभावणा. स्त्री० (आशीविष भावना) आसी विषत्व छष्टानिष्ट डरेवाना सामर्थ्य संबंधी दंडीकन देवी अनावेर छे तेजु अंगेयत्व ओड काविक सूत्र—के नैयौद-यरी डेवरा नी दाक्षा-प्रवन्धपावावतने बांध-या देवाने अधिकार छे. ते सूत्र दुमना विद्यमान नहीं, विच्छेद थछ गयेर छे. जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंगो में पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीक्षित साधु को पढ़ने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्यमान नहीं है. इसका विच्छेद हो गया है. Name of an Aṅga Bāhya Kalika Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities.) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. वक्० १०, ३३; ३६;

आसीविषा. स्त्री० (आशीविषा) सांतीदा महानदीनि जम्बु द्वीपे आवेत्ती आशीविषा नामनी नगरी. सांतीदा महानदी के दाहिने किनारे पर का आशीविषा नाम का नगर। Name of a town on the right bank of the great river Sitoda. डा० २, ३;

आसु. अ० (आशु) जल्दी; शीघ्र; अकस्मिक. शीघ्र; तुरंत; जल्दी. Quickly; at once. सू० १, ४, १, २०; दस० ८, ४८;

आसुकार. त्रि० (आशुकार-करण-कारः-अविष्कारणं, आशु-शीघ्रं कार आशु कारः) जेथी तत्काल मरणु निपण्णे ते; मरणुतो अयसर लावनार सर्पदंश विसृष्टिका पणेरे. शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश, विषशुषिका आदि. Producing, causing death quickly or instantaneously, e. g. serpent-bite. आउ० ६;

आसुचर. त्रि० (आशुचर) शीघ्र चलने वाला. Walking fast; moving fast. विशेष० ०४२८;

आसुपन्न. त्रि० (आशुपन्न-आशु शीघ्रं कार्यो-कार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स आशुपन्नः) तीव्र बुद्धिवाला; उत्पन्नकी बुद्धिमान्. तीव्र बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान्. Quick-witted; sharp-witted. आया० १, ७, १, २००; सू० १, १६, ४;

आसुर. न० (आसुर) आसुरी भावना; जेथी असुरयोनियों तथा योग्य कर्म अंशाय तेरी भावना. आसुरी भावना; ऐसी भावना जिससे आसुर-योनियों में उत्पन्न होना पड़े ऐसे कर्मों का बंधन हो। Meditation which causes birth among demons or as a demon. डा० ४, ४; (२) असुर संबंधी; अत्यंत अनिष्ट अन्तर संबंधी. असुरसंबंधी; भवनपात और

व्यन्तर संबंधी. pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. सू० १, १, ३, १६; उत्त० ३, ३; ८, १४; प्रब० ८५६;

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) आसुर पणु. आसुरी भाव; असुरार्ह. State of being a demon; devilry. डा० ४;

आसुरत्त. त्रि० (आशुरत्त) क्रोधयुक्त लाल-आँखें धरने वाला. जो क्रोध से लाल हो गया हो वह. Red-hot with anger. निर० १, १; नाया० १, ७; ८; ६; १६; दस० ८, २५; उवा० २, ६५;

आसुरत्त. न० (आसुरत्त) आसुरी भावना; असुरदेवताओं में उत्पन्न होने वाली भावना. आसुरी भावना; असुरदेवों में जिस भावना से उत्पन्न होना पड़े वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation. उत्त० ३६, २५४;

आसुरा. स्त्री० (आसुरा—असुरा भवनपात-देवविशेषास्तैर्नामयमासुरा) जेनाथी असुर योनियों में उत्पन्न थाया अथवा भावना. जिसमें असुर योनि में उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना. A meditation which causes birth among infernal beings. “ अउहिं ठाण्हि आसुरताए कम्मं पकरेतां ” डा० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) असुरसम्बन्धी. असुरसंबन्धी. Pertaining to infernal beings. “ आसुरियं दिसं बाळा गच्छति अवसातम् ” उत्त० ७, १०; दसा० १०, ७; (२) (असुराणां चण्डकोपेन चरन्तीति आसुरिकः) पूर्वजन्मों की क्रोध करनेवाली असुरपणु उत्पन्न थाने. पूर्वजन्म में मात्र क्रोध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth. आउ०

आसुरिय. न० (आसुर्य) असुरपण्डु. असुरपन; असुराई. State of being a denizen of the infernal world; devilry. दसा० १०, ७;

आसुरी. स्त्री० (आसुरी) असुरपण्डु उपपन्नया येन आवता; साधु धर्मे इच्छा करे, सकाम तप करे, निमित्त प्रदोषे, निर्दयपण्डु करे ते. जियमे असुर योना में उत्पन्न होना पडे ऐसी भावना; साधु होकर कण्डा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, और निर्दयता रखना आदि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g. quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रव० ६४८;

आसुरत. त्रि० (आशुरत—आशु शीघ्रं रुष्टः क्रोधन विमोहितो यः सः) अस्ती क्रोधयमान धनार. शास्त्राग्रे कंषयन हानवान्. (One) getting quickly exasperated विवा० २, २; भग० ३, १; २; ७; २; १२, १; नाया० २; १६; जं० प० ३, ४५;

आसुहर्म. न० (आसौधर्म) सौधर्म देवलोके सुधी. सोधर्मे देवलोके तक. Up to, as far as, the heavenly world called Sudharma. क० गं० ५, ७२;

आसुहृम. न० (आसूधर्म) आसूधर्म संपराय—मिथ्यात्व-गुणुक्षुणी भोदोने दशमां सूक्ष्म संपराय गुणुक्षुणी सुधी. आसूधर्मसंप-

राय-मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर दमवे सूक्ष्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Gṇasthāna named Mithyātva (i. e. first) and ending with that named Sūkṣmasamparāya (i. e. 10th). क० गं० ४, ६३;

आसूणि. न० (आसूनि) धृतपानादिक अतिष्ठ औषध-के मंथी भाजुस अतवान् थाय. घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो. A tonic remedy e. g. taking ghee etc. by which one becomes strong. सूय० १, २, १५;

आसूय. न० (*) काल देवने मानता भनवायां अवेछे ते. किया देव की मानता मानना. Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass. पि० नि० ४०७;

✓ **आसेव.** धा० I. (आ + सेव) सेवन करवुं. सेवन करना. To practise; to adopt; to take to.

आसेविउं. हे० क० नाया० १७;

आसेवित्ता. सं० क० आया० १, ३, २, ११४;

आसेवमाण. व० क० नाया० १७;

आसेवण. न० (आसेवन) सेववु ते. सेवन करना. Resorting to; taking to; waiting upon. पंचा० ७, ३१;

आसेवणा. स्त्री० (आसेवना) संयममा-अतिथार-दोष उगाडवा ते. संयम में अतिथार-दोष लगाना. Partial violation of ascetic vows. प्रव० ७३२; (२)

* लुओ पृ १२२२ १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) page 15th.

संयुक्तं अनुष्ठानं कर्तुं ते. सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras. 'सूत्रं' नि० १, १४, १३१: (३) आरोपणं कर्तुं—आरोपणं. आरोपण करना: आरोप करना adding to; charging with. सम० २८, —कुशील. पुं० (-कुशील) संयमभां अनिचारे लगाउवाली कुशील थपेन. संयम में अनिचार लगाने में जो कुशील हुआ हो वह. one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रब० ७३२;

आसेवालोय-अ. पुं० (आसेवालोचक) पुनः पुनः पापदूरी प्रायश्चित्त लेनार (साधु). बारंबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विश० ८६८;

आसेविय. त्रि० (आसेवित) आ-थोऽनु-सेवित-सेवेन; थोऽनु स्वाद लेनित-आभित. कुछ स्वाद लिया हुआ-चखा हुआ; कुछ सेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. आया० १, १, १६; नाया० ८;

आसांअ. पुं० (अश्वयुज्) आ-आसा. आश्विन मास. The month of Āśvina. सम० ३६; जं० प० ओष० नि० २८३; भग० ११, ११; १८, १०; कप्प० २, ३०; ६, १८८;

आसांई. स्त्री० (आश्वयुज्—अश्वयुगश्विनी-तस्यां भवाऽश्वयुज्जी) आसां. अदि पुनः. आश्विन मुरी १५ पूर्णिमा: The full-moon-day of the month of Āśvina. जं० प० ७, १६१;

आसांय. पुं० न० (आशोक-अशोकस्येदमा-

शोकम्) अशोक वृक्षं पु०. अशोक वृक्ष का फूल. A flower of the Āśoka tree. नाया० ८;

आसोइह. पुं० (अश्वत्थ) पीपल: पीपलानुं अ०. पीपल का झाड़. The holy fig-tree. आया० २, १, ८, ४४,

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) जुआं उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पत्र० १;

✓ **आ-स्सय.** धा० १. (आ+श्चि) आश्रय कर्त्तव्य. आश्रय करना. To rest upon; to resort to.

आसयइ. दमा० ६, २११;

आसयति. भग० १३, ६;

आसयति. नाया० १७; जं० प० १, ६; १२;

आसयति. नाया० ४०

आसयइ. राय० २५७;

आसयति. विशे० ३२२;

✓ **आ-स्सय.** धा० I. (आ+स्वइ) स्वाद लेना. स्वाद लेना. To taste; to relish. (२) अभिलाषा कर्त्तव्य. अभिलाषा करना. to desire.

आसयइ. सम० ३०;

✓ **आ-स्सम.** धा० II. (आ+श्चत्) थाड उतारना निशानि लेनी. उकावट उतारने के लिये बियांति लेना. To take rest in order to remove fatigue.

आसांसइ. नाया० १६;

आसांसति. नाया० ६;

आसांसि. भू० “ एवमासांसि अप्पाणं ” उत० २. ४१;

✓ **आ-स्साद.** धा० I.II. (आ+स्वइ) अ स्वादन कर्त्तव्य. स्वाद लेना; चखना. To taste; to relish. (२) स्वादु; इच्छा. चाहना; इच्छा करना to wish;

to desire. (३) प्राप्त करने. to acquire: to gain.

आस्मापति. उत्त० २६, ३३; डा० २, २;

नाया० ६; १२; १६; १८; विवा० ७;

अस्मापति. पत्र० १५;

आस्मादेह. नाया० १२;

आस्मादेन्ति. भग० १५, १;

आस्मायन्ति. पत्र० २८;

आस्मापमि. नाया० ६;

आस्मापमो. नाया० १८;

आस्मापुहि. आया० १, ५, ३, १५५;

आस्मादेस्मामो. भग० १५, १;

अस्मादेस्मामो. भग० १५, १;

आस्मादेत्ता. सं० कृ० डा० ७;

आस्माहत्ता. सं० कृ० नाया० ६;

आस्मिना. आया० २, १, ३, १४;

आस्मापुमाण. नाया० १;

आस्मादिय. त्रि० (आस्मादिन) अनुभा

“ आस्मादिय ” १०६. देखो “ आस्मादिय ”

शब्द. Vide “ आस्मादिय ” भग० १५, १,

आस्मायणिज. त्रि० (आस्मादनीय) आह

तया योग्य. स्वाद लेने योग्य. Worth

being tasted. दमा० १०, ५;

आस्माविणी. त्रि० (आस्माविणी) अनुभा

अथवा ६२१२; जेमां पाणी आये आये ते.

(नाया) जिय में पानी आता हो दह नाव:

जत्त का संग्रह करनेवाला. (A ship)

having a leak in it. उत्त० २३, ७०;

आहृष. अ० (आहृष) कदाचित् कदाचित्

कदाचित्. Perhaps. उत्त० १, ११;

“ आहृष सवणं लहुं ” ३, ६; वेय० ४,

११; आशी० १, १, ४, ३५; २, १, १, १;

भग० १, २; ७; ६, १०; ७, ६; १८, ७;

व३० २, २३; ४, १०; ११;

आहृष. अ० (आहृष) प्राप्ति; आशीनि.

लाकर. Having brought. आया० १,

७, २, २०४; २, १, १, १;

आहृष्ट. सं० कृ० अ० (आहृष) २१३१२

इति. स्वीकार करके. Having accept-

ed. आया० १, २, ४८४; (२) प्राप्ति:

आशीनि. लाकर. having brought.

आया० ६, ७, २, २०२; सम० २१; निर्या०

३, ५; ११, ८; १६, १५; ४१; १२, ७८;

१८, २; १६, १; दसा० २, ७;

आहृष्ट. अ० (आहृष्ट) अशीनि; प्राप्ति.

लाया हुआ. Brought; carried. दम०

५, १, २५; ६, ४६; ओष० नि० भा० २३६;

गय० २७४; पगह० २, ५; पंचा० १, १४;

आहृडिया. त्रि० (आहृडिका) आहृडि

आहृडि प्राप्ति. बाह्यमें आहृष्ट लाहिन:

परोसना. Food received from out-

side as a present. वेय० १, ४६;

२, १३;

आहृत. त्रि० (आहृत) अहृष्ट प्राप्ति; आशीनि

प्राप्ति; आशीनि. एक स्थान से दूसरे स्थान में

लाया हुआ. Brought or carried

from one place to another.

प्रव० ८५३;

आहृत्तिद्रि. न० (आहृत्तिद्रि) आहृत्तिद्रि:

वैयर्थ्य; जैम का तैमा; जैमा चाहिये

वैमा. Real, actual condition.

सम० २३; (२) यथार्थ उपदेशनुं स्वरूप;

सत्य; वास्तविक स्वरूप. यथार्थ उपदेश का

स्वरूप; सत्य; वास्तविक. स्वरूप. truth;

real nature; e. g. of religious

teaching सूय० १, १३, १; (३)

सुययागिता १३ भा अध्यापननुं नाम के

जेमां यथार्थ उपदेशनुं स्वरूप यतः

छे. सूययाग के १३ वें अध्याय का नाम

जिय में कि यथार्थ उपदेश के स्वरूप का

वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagadāṅga in which the real nature of religious teaching is shown. सूय० १, १३, २३;

आहमन. व० क० त्रि० (आधमन) धमनोः धमन् धमनो. धोकता हुआ; धम्मन धोकता हुआ. Blowing: blowing a furnace with bellows गद्य० ८, ८;

आहम्मिअपय. न० (अधामिकपद) अधामिअपदः धर्म विरुद्ध पद. अधामिक पदः धर्म विरुद्ध पद. Anirreligious step. दस० ८, ३१;

आहय. त्रि० (आहत) हृत्तेजु. मारा हुआ. Killed. (२) वगाटेजुः वगवेजु. पाटा हुआ; बजाया हुआ. played upon: beaten e. g. a musical instrument. आ० ३२; पञ्च० २; पण्ड० १, ३; उवा० ७, २००; विवा० १; कण्ठ० ३, ८०; ८३; (३) द्रव. डोल. a drum. आया० २, ११, १७; (३) प्रेरणा इरेत. प्रेरित. inspired; hinted at, moved. गद्य०

आहया. स्त्री० (आहना) हृद्भुजि. तुंदुभी. A kind of large kettle-drum; a drum भग० १२, १;

✓ आहर. धा० I, II. (आ+हृ) आ०. खाना. To eat. (२) अद्यत् इत्यु; स्वीकृत्यु. ग्रहण करना. to take; to accept. (३) आ०यु; आ०यु. लाना. to bring आहारेति. प्र० निर्मा० ८, १०; टा० २, २; नाया० २; ८; १५; १६; १८; भग० १, ७; ३, २; ७, १; अंत० ३, ८; गद्य० २४०;

आहरेह. यो० ८०;

आहार-रें-ति. भग० ३, १०; ७, ३; ८, ५; १४, ६; १८, ६; १८, ३; १६, ३; नाया० ४; पञ्च० १५;

आहारेसि. नाया० १६;

आहारेमि. पञ्च० ११;

आहारेमो. नाया० १८;

आहारिजा वि० उत्त० २, ३१;

आहारेज जा. सूय० १, १, २, २८; भग० ६, २; २०, ६;

आहारे दस० ५, १, २७;

✓ आ-हर. धा० I, II. (आ+हृ) अ०युः इकट्ठा करना. To collect.

आहुणिय. सं० क० नाया० ६; जं० प० ३, ५५; गद्य० २६;

आहार. आज्ञा० निर्मा० ९, ५;

आहारेहि. आज्ञा० नाया० १६;

आहारेहि. उत्त० २, ३१; भग० १५, १; गूय० १, ८, २, ४;

आहारेह. आज्ञा० नाया० १५; १६; १८;

आहारेत्तु. हे० क० नाया० १६;

आहारेत्तु. आ० ३८; वेय० १, १६; कण्ठ० ६, ८३; भग० १, ७; ३, १; नाया० १६;

आहारेत्तु. नाया० १८;

आहारेत्ता. सं० क० नाया० ८; ६; १६;

आहारेत्ता. भग० २०, ६;

आहारेमाण. व० क० नाया० १; भग० ११, ११; २५, ७; वेब० ५, ६; दसा० ३, १६; १६;

आहारमाण. क० वा० व० क० आ० १६; भग० ७, १;

आहर्न दस० ५, १, २८,

आहारिजमाण. क० वा० व० क० भग० १, १; टा० १०;

आहारिजमाण. टा० १;

आहरण. न० (आभरण) धरेणु; दागीने; आभरण. गहना; आभूषण. An ornament. आ० २८; सु० च० १, ३१८; प्रव० १२३५; —विधि. पुं० (—विधि)

धरेषु अनावया तथा पुरेवाना विधि रीति.
आभरण बनाने तथा पहनने की विधि.
the art or process of making or
fashioning ornaments and also
of putting them on. प्रब० १२३४;

**आहरण. न० (उदाहरण—उदाह्रियते प्राक्-
क्येन गृह्यतेऽनेन दाष्टान्तिकोऽर्थ इत्युदाहर-
णम्)** दृष्टान्त; उदाहरण. दृष्टान्त; उदाहरण.
An illustration. पि० नि० ६२६;
ठा० ४, ३: —**तद्देस. पुं० (तद्देश)**
अर्कदेशी दृष्टान्त. एकदेशी दृष्टान्त-एक अंश
में घटित होनेवाला दृष्टान्त. a one-
sided illustration i. e. one not
fully applicable. ठा० ४, ३:
—**तद्दोष. पुं० (-तदोष)** सदाश दृष्टान्त.
सदाश दृष्टान्त. faulty illustration.
“ आहरणत्तदोषं चर्तव्ये पश्यते तज्ज्ञा
अधम्म जुते ” ठा० ४, ३:

आहवण. पुं० (आह्वान) आवाहनं बुलाना.
Calling; inviting. सु० च० ३, ११२;
पंचा० २, १२;

आहव्व. त्रि० (आभाष्य) क्षेत्र, शिष्य, भ्रातृ,
पाष्णी, वस्त्र, पात्र वगैरे. क्षेत्र, शिष्य, भ्रातृ,
पानी, वस्त्र, पात्र आदि. Such things
as, a field, food, water, clothes,
vessels etc.; also a disciple etc.
पंचा० ११, २६;

आहव्वणी. स्त्री० (आधर्वणी) तात्कालिक
अनर्थ करनेवाली अथवा विद्या. तात्कालिक अनर्थ
करनेवाली एक विद्या. An art (enab-
ling a person) to work instan-
taneous disaster or mischief.
सु० २, २, २७;

आहव्वाय. न० (यथावाद) विच्छेद गयेस
आरम्भा दृष्टिवाद अंगना पीन विभाग सूत्र-
ना १० भां भेद. विच्छेद हो चुके हुए बा-
इवें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र का
१० वां भेद. The 10th section of
the 2nd part of the lost 12th
Dristivāda Āṅga. नंदा० ५६;

आहाकड. त्रि० (आधाकृत) आभ साधुने
भाटे निपटनेके आहारदि. खाद्य साधुके
लिये बनाया हुआ आहारगाद. (Food
etc.) prepared specially for a
Sādhu. सु० १, १०, ६; पगह० २, ३;

आहाकम्म. न० (आधाकर्मन्) आधाकर्म-
आहार यज्ञे आधाकर्म आहार वगैरह.
Food etc. specially prepared
for an ascetic. उक्त० ३, ३; पि० नि०
६२, १०७; सम० २१; भग० १, ६; ५, ६;
७, ८; पंचा० १३, २; प्रब० ५७१; दसा०
२, ४; ५; ६; निरु० १०, ६;

आहाकम्म. न० (*) पेताना केवा कर्म
देवा ने प्रमाणे स्वयं कर्मानुसार. अपने
किये हुए कर्म के अनुसार. In accord-
ance with one's own Karma.
उक्त० २, १३;

आहाकम्मिय. त्रि० (आधाकर्मिक) साधुना
भाटे अन्तःपेस आहार. साधु के लिये तैयार
किया हुआ आहार. Food prepared
specially for an ascetic. नाया०
१; भग० ६, ३३; ओव०

आहाच्छंद. त्रि० (यथाच्छंद) पेतानी भरशु
मुत्तम वर्तनः स्वच्छायासी. अपनी हृच्छा
अनुसार वर्तन करनेवाला; स्वच्छंदा. Self-
willed. निरु० ३, ४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठनोट (*). देवो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

आहातश्च. न० (याथातथ्य) ते वस्तु के लिये तेरीज डलेली ते: यथार्थ: सत्य. जो वस्तु जैसा चाहिये वैसा ही होना; उचित-ठाक ठीकपना. Reality; truth. दसा०

आहातहिश्च. न० (याथातथ्य) याथातथ्यिः-सत्य बात जेभां प्रतिपादन करी छे ते सूत्र-गडांग सूत्रना १३ मा अभ्ययननुं नाम. सूत्रगडांग सूत्र के १३वें अध्यायन का नाम जिसमें यथार्थ बात का प्रतिपादन किया है. Name of the 13th chapter of Sūyagaḍāṅga in which absolute truth is explained. सम० १६०;

आहाय. सं० कृ० अ० (आघाय) भुङ्गते: करीने. छोड़कर; करके. Having done; having placed. पि० नि० १७४; १८०;

आहार. पुं० (आघार) आधार: आश्रय: अवलम्बन: टंका. आधार. आश्रय; अवलम्बन; सहाय. Support; anything which supports. “ दोहर्ह गडम्भ्याणं आहारं पं० तं मणुस्माणं चव ” टा० २; विशेष० ७१६; १४०६; गय० २१०; नाया० १; ५; ७; १२; १४; भग० १८, २; अणुजो० १२६; उवा० १, ५;

आहार. पुं० (आहार) आधार-भारत: भोजन; भानपान. आहार; भोजन. Food; eating; eating and drinking. पञ्च० १; ३; २८; ३६; ओव० १६; ३८; विशेष० ४; नाया० १; ४; ५; ७; १६; १८; दस० ६, ४७; निमी० १०, ५; ११; जीवा० १; उत्त० ३०, १३; भग० १, १; ७; २, १; ७. १; १६, ३; २५. ७; सम० १; उवा० १. ५१; जं० प० २, २२; प्रव० ६३८; पंचा० १, २६; कप० ४, ६५; क० गं० २, १३, १, ७; —अपज्जति. त्रि० (—अपयोति.)

आधारनी अपयोति: आधार सेवानी शक्ति पुरी न थाय ते. आधारका अपयोति; आधार लेनेका पूरा शक्ति का अभाव. imperfectly developed power of assimilating food. भग० ६, ४; —अव-कंति. त्रि० (—अपकांति) आधारतो त्याग. आहार का त्याग. giving up, abandonment, of food. कप० १, २; —उपचिय. त्रि० (—उपचित) आधारथी उपयित-पुष्ट. आहार से पुष्ट. plump with food. भग० १६, २; ८; —कं-स्विय. त्रि० (—कंजिक) आधारनी इच्छा इच्छा वाला. आहार की इच्छा वाला. (one) desirous of food. वच० १, १; —गम. पुं० (—गम) आधारतो गमे-आधार सेवथी दृष्टीकर अतावतार सूत्रपाद. आहार संबन्धा वर्णन करनेवाला सूत्र-पाद. a Sūtra text dealing with instructions about food. भग० २, १; —गुत्त. त्रि० (—गुत्त) आधार आधार परने अन पयन अने दायन पावथी पावपी शयनतार. किन्तु आहार करनेवाला; आहार के सम्बन्ध में मन, चवन और कायको पाव से पृथक रखनेवाला. (one) taking limited amount of food; self-restrained in the matter of food. प्रव० ६६६; —गोयर. पुं० (—गोवर) आधारतो विषय-वस्तु. आहारका वस्तु. an article of food. पंचा० ५, ३; —छुग. न० (—पटक) आधारत शरीर, आधारत अंगोपांग, देव-तानु आयुष्य, नरकनी प्रति, नरकनु आयुष्य अने नरकानुप्रवी अने ७ प्रकृति. आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, देवताका आयुष्य, नरक की प्रति, नरक का आयुष्य और नरका-नुपूर्वी ये छः प्रकृतियां. the six Pra-

kritis, (Karmic natures) viz Āharaka Śarīra, Āharaka Āṅgopāṅga, Devatāyus, Narakagati, Narakāyus, and Narakānupurvi. क० गं० ३, १५; —**जाइ**. स्त्री० (-जाति) आहार-रत्ना प्रसारः लुदी लुदी मतना आहार-रत्ना प्रसारः आहार के भेदः भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह. varieties of food; collection of foods of various kinds. पंचा० ५, २५; —**जाय**. न० (-जान) लुआ उपेक्षा शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. पंचा० १, २६; —**जुगल**. न० (-जुगल) आहार-रत्ना शरीर अने आहार-रत्ना अंगोपांग अने अंग प्रकृति. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग ये दो प्रकृतियाँ. the two Prakritis viz Āharaka Śarīra and Āharaka Āṅgopāṅga. क० गं० २, १५; —(स)टि. त्रि० (-अर्थिन्) आहार-रत्ना अर्थी. भोजन का अर्थी. (one) desirous of asking for food. भग० १, १; —**तिथ्यर**. पुं० (-तीर्थकर) आहार-रत्ना शरीर अने तीर्थकरनाम अने अंग प्रकृति. आहारक शरीर और तीर्थकरनाम ये दो प्रकृतियाँ. the two Prakritis viz Āharaka Śarīra and Tirthāṅkaranāma. “ उक्तासा संवेजा-गुणहीण आहारतिथ्यर ” क० प० १, ७८; —(स)स्थि. त्रि० (-अर्थिन्) आहार-रत्ना अर्थी-आहार-रत्ना. आहारका अर्थी; आहार चाहने वाला. (one) who desires, wants, food. नाथा० ४; —**द्वयवगणा**. स्त्री० (-द्वयवर्गणा) आहार-रत्ना शरीरों में उपेक्षागी आहार-रत्ना पुद्गलना समूह. आहारक शरीरों में उपेक्षागी होने के ऐसे पुद्गलों का समूह. the

material molecules which go to build up the Āharaka body. भग० १, १; —**दु**. न० (-द्वि) लुआ “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० गं० ३, ३; —**दुग**. न० (-द्विक) लुआ “ आहार-जुगल ” शब्द. देखो “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० प० १, ७३; क० गं० २, ३, ३, १६; —**पचक्खाणा**. न० (-प्रत्याख्यान) आहार-रत्ना पान-रत्ना त्यागः उपवास संशयः पचक्खा. आहार-रत्ना पान का त्याग; उपवास, संशय आदि. giving up food, drink etc.; a fast. “ आहारपचक्खाणा भवे जीवे किं जण्यह ” उक्त० २६, ३५; —**पज्जत्ति**. स्त्री० (-पर्याप्ति) ते शक्तिशी आहार-रत्ना शरीर रूपे परिणाम पभादी शक्ति ते शक्तिनी प्रकृति. जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी प्रकृति. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १; ६, ४; प्रव० १३३१; —**पोसह**. पुं० (-पोषण) अने आहार-रत्ना सुधी आहार-रत्ना त्याग करने के एक अहोरात्र तक नारों प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा० १०, १४; —(स)भवहार. पुं० (-अभ्यवहार) आहार (भोजन) करने; खाना. taking food; eating. विशेष० २२१; —**भाव**. पुं० (-भाव) आहार-रत्ना भाव. आहार का भाव. state of being food. भग० १८, १; —**माइय**. त्रि०

(-आदिक) चार जलना आहार; आहार आदि. चार प्रकार का आहार. food etc.; food of four kinds viz solid, liquid etc. दस० ८, २८; —वक्रांति. स्त्री० (-व्युत्क्रांति). आहारने छोड़ी देवे-तजवे ते. आहार का त्याग करना. giving up food नाया० ८; —संपज्जण. न० (-संपत्ति) आहारनी संपत्-रसने उत्पन्न करना; भीड़; लवण. आहार के रस को उत्पन्न करनेवाला; नमक. salt; (so called because it imparts taste to food). “आहार संपज्जण वज्जणं” सूय० १, ७, १२; —सगणा. स्त्री० (-संज्ञा) आहार लेनेकी संज्ञा-इच्छा. desire of taking food. “चउडि ठाणेहि आहारसगणा समुपज्जइ” ठा० ४, ४; पञ्च० ८; भग० ७, ८; १२, ५; २०, ७; २४, १; —सगणोवउत्त. त्रि० (-संज्ञोपयुक्त) आहारनी संज्ञावाला. आहारकी संज्ञावाला. (one) having a desire of taking food. भग० ११ १; १३, १; २६, १; —सञ्जा. स्त्री० (-संज्ञा) चार संज्ञाभांती ऐक; भावानी वासना. चार संज्ञाओं में से एक; खाने की वासना. one of the four Sañjānas or animate feelings; viz desire for food. आव० ४, ७; —समुग्घाय. पुं० (-समुद्घात) आहारक शरीर अनावधानी यत्ने अवप्रदेशनुं उदासिक शरीरथी आहार नीकलनुं अने, प्रकृत प्रकृतितुं भागवतो करी निर्गन्तुं ते. आहारक शरीर बनाते समय जब प्रदेशों का आदितिक शरीर से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उसकी निर्जरा करना. emanation of soul particles from the physical body at the

time of the creation of the Āharaka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul. सम० ६;

आहारइत्तार. त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवाला; खानेवाला.

(One) who eats. सम० ६;

आहारओ. अ० (आहारतम्) आहार आश्रित. भोजन का आश्रय करके. From food: on account of food. “आहारओ पंचकवज्जणं” सूय० १, ७, १२;

आहारग. न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-हियने गृह्यते इत्याहारकम्) आहारक शरीर पाच शरीरभांनुं त्रींशुं शरीर. आहारक शरीर; पांच शरीर में का तीसरा शरीर. The 3rd of the 5 kinds of body; प्रव० ६६; ७००; क० गं० १, ३३; भग० ८, ६; (२) त्रि० आहार करनेवाला; खान-पान करनेवाला. (one) who eats. आया० १, १, ५, ४६; भग० ६, ६; ८, २; (३) आहारक शरीरनी लब्धिवाला साधु. आहारक शरीर की लब्धिवाला साधु. an ascetic who has got the power of evolving the Āharaka Śārīra. प्रव० ३३२६; (४) आहारक समुद्घात; आहारक शरीरभां आत्माना प्रदेश विस्तारवा ते. आहारक समुद्घात-अर्थान् आहारक शरीर में आत्मा के प्रदेशों का विस्तार करना. Āharaka Samudghāta i. e. emanation of soul-particles into the tiny body known as Āharaka Śārīra. प्रव० १३२६; —अंगोपांगणाम. न० (-अंगोपाङ्गनाम) नामधेयनी ऐक प्रकृति

के देना उदयशी आहारक शरीरता अंगोपांग प्रप्ति थाय, नाम कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हो, a variety of Namakarma by the maturing of which the Āhāraka body develops limbs and sub-limbs क० ग० १, ३४: —**जुगल**, न० (—**युगल**) आहारक शरीर अर्थात् आहारक अंगोपांग अथवा नामकर्म की प्रकृति। नन्द, आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा, the pair of the two varieties of Namakarma by the rise of which one gets Āhāraka Sarira and Āhāraka Aṅgopāṅga, क० ग० १, ३४: —**पाम** न० (—**नामन**) देना उदयशी आहारक शरीर से अर्थात् नाम कर्म की प्रकृति, जिसके उदय से आहारक शरीर प्राप्त हो ऐसा नाम कर्म का एक प्रकृति, a variety of Namakarma by the rise of which one gets the Āhāraka Sarira, क० ग० ४, ४८: —**दुग**, न० (**द्विक**) लु० “आहारग जुगल” शब्द, देखो “आहारग जुगल” शब्द, vide “आहारग जुगल” क० ग० ४, ४८: —**मीसग**, पुं० (**मिश्रक**) लु० “आहारगमीसा” शब्द, देखो “आहारगमीसा” शब्द, vide “आहारगमीसा” ग० २५, १: —**मीसा**, स्त्री० (—**मिस्रा** = मिश्र) आहारक मिश्रयोग: आहारक शरीर अर्थात् अर्थात् वयने के अङ्गों वयने उद्धारिक आदि शरीरता साथे मिश्रण थाय ते वयने तो योग-शारीरिक व्यापार, आहारक मिश्रयोग: आहारक शरीर बनाते या छाड़ते समय आहारिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो

हम समय का योग शारीरिक व्यापार, the process of the Āhāraka body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion, भग० ८, १: २५, १: —**लब्धि**, स्त्री० (—**लब्धि**) आहारक शरीर अर्थात् अर्थात् लब्धि शक्ति, आहारक शरीर बनाने की लब्धि-शक्ति, the power of making an Āhāraka body, प्रव० ८१७, —**वग्गणा**, स्त्री० (—**वर्गणा**) आहारक शरीरता रचनामा उपयोगी थाय तेवा पुद्गल ते अर्थ, आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह, the molecules of matter which go to build up the Āhāraka body, क० ग० १, १६: —**वज्जिय**, त्रि० (—**वजित**) आहारक समुद्धान शिवायत्, आहारक समुद्धान के अतिरिक्त, excepting or excluding Āhāraka Samudghata, प्रव० १३२६: —**समुग्गाय**, पुं० (—**समुद्घात**) आहारक शरीर अर्थात् अर्थात् अर्थात् आत्माना प्रदेश शरीरशी अर्थात् अर्थात् आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर में बाहर निकालना, emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhāraka body, ज्ञ० ५: भग० १३, ६:

आहारगसरीर, न० (**आहारकशरीर**) आहारक शरीर, आहारक शरीर, Āhāraka body, भग० ६, ४: ८, १: —**कायपयोग**, पुं० (—**कायप्रयोग**) आहारक शरीर रचने ते शरीरशी प्रवृत्ति करती ते: आहारक शरीरता व्यापार, आहार-

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रवृत्ति करना; आहारक शरीर का व्यापार, creating an Āhāraka body and acting with it. भग० ८, १:

—सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) आहारक शरीरवाले (७५). आहारक शरीरवाला जीव. (a soul) with an Āhāraka body. टा० ६, १: जीवा० १०: —प्रयोगबन्ध. पुं० (-प्रयोगबन्ध) आहारक शरीरनी रचना करवी ते. आहारक शरीर की रचना करना. creating an Āhāraka body. भग० ८, १:

आहारगमरीरत्ता. स्त्री० (आहारकशरीरता) आहारक शरीरवाले आहारक शरीर पन. State of being an Āhāraka body. भग० २५, २:

आहारण न० (उदाहरण) दृष्टान्त. दृष्टान्त. An illustration विशेष० २३५; १० १३:

आहारत्ता. स्त्री० (आहारता) आहारने का भाव. आहार का भाव. State of being भग० १८, ५:

आहारपरिगणा. स्त्री० (आहारपरिज्ञा) सृष्ट्यादि सृष्टना जीव अन्तरिक्षधरा जीव अध्ययननु नाम के देवों में सर्व श्रेष्ठोत्ती उत्पत्ति देवी गीति आय अने आहार देवी गीति ह्येछे तेनु वर्णन छे. मृगयाङ्ग सूत्र के दूसरे अतस्कंध के तीसरे अध्याय का नाम जिसमें कि सर्व जीवों की उत्पत्ति किस प्रकार होती है और वे किस प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है. Name of the third chapter of the second Śrutaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and their modes of taking food मृग० २, ३, ३८; मम० २३: टा० ७:

आहारभूय. त्रि० (आधारभूत) आधार भूत. आधार भूत. Forming a support नाया० १:

आहारय. न० (आहारक) १ शरीरमाने एक शरीर के गे १४ पूर्वधारी यच्छि-वादा साधु अनावी शके केवल पातना संदेहनु निवारण करवाने ते साधु एक आहारक शरीरनु पतलु अनावी भट्टादिदेहों देवदी पसे मोक्षले छे ते पाछु आवता तेने संकेदी लेछे ते. पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि चौदह पूर्व धारी लब्धवाला साधु, बना सकता है. उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर में भिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint and in 11 Pūrvās. With this body which is tiny, he can go to Mahavideha and get his doubts solved by Kevāli. It can afterwards be dispersed. पञ्च० १८; भग० १, १: ३, ३; ३, १: १८, १: २१, १: ६: विशेष० ३३५: मम० ५० २१६: क० सं० १, ३७:

आहारवंत पुं० (अवधारणावन्) ते धार ते छे तेवे. जो धार वंही कहे ऐसा. One who says what he has retained in mind or remembered. टा० ८, १: भग० २५, ७:

आहारित. त्रि० (आहारित) आहार ग्रहण करे. आहार ग्रहण किया हुआ. (One) who has taken food. तंदु०

आहारितार. त्रि० (आहारयित्) आहार

इतार. आहार ग्रहण करनेवाला. (One) who takes food. (२) अद्भुत इतार. ग्रहण करनेवाला. (one) who takes. दशा० ३, १६:

आहारिम. त्रि० (आहार्य) पाणी साथे विनाश्या योग्य: आद्य औषध-वर्ण्य वगैरे. पानी के साथ खाने योग्य: औषधि, चूर्ण वगैरह. (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पि० नि० १००३:

आहारिय. त्रि० (आहारित) अद्भुत आहारित " अद्भुत. देवो " आहारित " अद्भुत. Vide. " आहारित " नाया० २: १: १६, १८: १६: भग० ११, १: मय० २, २, ३१:

आहारियं. अ० (यथाऽऽर्यम्) आर्यने पेटे तेरी रीति: अर्यी आर्य पावे ग्राम आर्य तेरी रीति. जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार. In a manner worthy of a civilised person. आया० २, ३, १, ११८:

आहारिस्समाग. त्रि० (आहारिष्यमाण-आहारिष्यन्) भविष्य कालमें आहार करने वाला. (One) who is to take food in future; going to take food in future. भग० १, १:

आहारुहेम्य. पुं० (आहारोद्देशक) " पञ्चवक्त्रा " यान्ता प्रथम उद्देशानं नाम. " पञ्चवक्त्रा " सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first chapter of Pannavāṇa Sūtra. भग० १, १:

आहारिस्तार. त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवाला. (One) who takes food. भग० ३०:

आहारिष्य. त्रि० (आहारिष्य) आहार करने वाला. आहार करने लायक.

Worthy of being eaten. त्रि० ३:

आहारिन्दि. पुं० (यथावन्दि) अद्भुत आचारों के प्रदर्शना के लिये. उत्कृष्ट आचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन साधु. A class of Jainas saints with excellent ascetic conduct. च० ३३:

आहारिणा. स्त्री० (आभावना) धारणा: संकल्प: उद्देश. धारणा: संकल्प: उद्देश्य. Thought; keeping, retention, of things in the mind. पि० नि० ३६१.

आहारिम्य. पुं० (आभामिक) अं नामने अद्भुत अन्तर्द्विप. इस नाम का एक अन्तर्द्विप Name of an Antardvipa (island). (२) त्रि० तैमां पसनाइ मनुष्य. उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य. an inhabitant of the above island. पञ्च० १:

आहि. त्रि० (आहृत) आदरणी अद्भुत इरेल. आदर में ग्रहण किया हुआ. Respectfully accepted. त्रि० १० २, १८, विश० ३६३:

आहिअगि. पुं० (आहितगि) अभिने आपन इतार आह्वान: अभिनेत्री. अमिका स्थापना करनेवाला ब्राह्मण: अमि-होत्रा. A Brāhmaṇa consecrating or preserving the sacred domestic fire. दम० ६, ३, १, ११:

आहिड. धा० I. (आ+हिड्) इरेतु: अमि: मुसाइरी इरी: अटकु: फिरना: गटकना: यात्रा करना. To walk: to roam; to travel.

आहिडड. नाया० १:

आहिडसि. नाया० ८;

आहिडह. नाया० ८, १७;

आहिडेहि. आ० नाया० ८;

आहिडेह. नाया० १४;

आहिडिऊण. संथा० ७३;

आहिडमाण. नाया० १, विवा० ३;

आहिडश्र. पुं० (आहिगडक) अमजुश्रीतः
भुसाक्षर. भ्रमणशीलः सुमाफिर. (One)
who wanders; a traveller. ओप०
नि० ११५;

आहिडग. पुं० (आहिगडक) ओशा उपेक्षा
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
“ उवणम अणुवणमा दुविहा आहिडगा
समासिण ” ओप० वव०

आहिडिअ. वि० (आहिगडक) भेजावेत.
भेजा हुआ. Sent; despatched. प०
नि० ४२७;

आहिङ्क. न० (आधिक्य) अधिकपणः विशेष
पणः. अधिकता: विशेषता. Excess;
state of being more. विशेष० २०८७;

आहिगरणिया. स्त्री० (आधिकर्णिका)
दण, डिपत्र. अथवा, पंजेरे अधिकरण
मेवपयाथी प्रायती क्रिया. हल, ऊमल.
अडग आदि मे हांता हुई क्रिया: ऐसा
अधिकरण जिसमे आत्मा दुर्गति मे जाय.
Operations of agricultural
tools which lead a soul to spiri-
tual degradation. डा० ३, १;

आहिन्ता. सं० क० अ० (आध्याय) धन
धन, लक्ष मे लेकर. Having paid
attention to; having taken in-
to consideration. पि० नि० ६७;

आहिय. वि० (आख्यात) उद्देशुः प्रतिपादन
उद्देशुः. कहा हुआ: प्रतिपादन किया हुआ.
Told; said; described. उत्त० २४,

१: २८, ४; ३३: ३०, १३; २४: सूय० १,
१, १; ७: ८: जे० प० २, १८:

आहिय वि० (आहत) धरेत: आगत भुक्षे.
रखा हुआ: आगे रखा हुआ. Kept;
placed before. सूय० नि० १, १०,
१०६;

आहिय विसेसत्त. न० (आहतविशेषत्व)
अन्य वचनो अत्र अतीत्य-अद्भुत शक्ति.
गम्य वचन का एक अतिशय-अद्भुत शक्ति.
A super-natural manifestation
of truthfulness in speech. सम०

आहुअ-य. वि० (आहुत) आवाते. बुलाया
हुआ. Called; invoked. सू० च० १,
२०८;

आहुड. स्त्री० (आहुति) अग्निमां वी. तप,
अथ पंजेरे होमता ते. अग्नि मे पा. नि. त.
अथ वर्गगत का होम करना. Offering
oblation consisting of ghee,
barley etc. to fire. पि० नि० ४००;

आहुण. धा० १. (आधु) धेपु
हिलना: कंपना. To shake.

आहुणिउत्तमाग. क० वा० वा० क० नाया० ६;

आहुणिउत्त. वि० (आह्वानाय) आह्वान
अथवा योग्य: होमतायाय. हवन करने योग्य.
Worthy of being invoked or
offered as oblation. ओप० नाया० १;

आहुणिय पुं० (आधुनिक) ४४ अदमंति
पमे अद. ८८ ग्रहो मे का ५ वीं ग्रह.
The 5th of the 88 planets.
“ दो आहुणिआ ” डा० २, ३: जे० प० ३,
४४: सू० प० २०;

आहिउ. ह० क० अ० (आध्यानुम) धारण
ध्याने. धारण करने के लिये. In order
to place or retain. सूय० १, ६, ४:

आहेण. न० (आह्वान) विवाद आय पथी.
वर्तने ल्यां ध्याने तेई इरी जमाते ते. विवाद

होजान के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुला-
कर जिमाना भोजन कराना. An invita-
tion to the bride to dine at
the bridegroom's house after
marriage. आयाज २, १, ४, २२;

अष्टमः त्रि० (अष्टमः) आधारः संप्रसारितः
 (Anything) contained or fit
 to be contained in another
 thing. विशेषः १०० : १००० :

अहोरी. छा० (आभीरी) आदिपञ्च. अश्वत्थ-
पञ्च. आसत्तञ्च. अहोरीनाः श्यान्तिना. An
Ahira or shepherd's woman.
[अश्व० १४४४]

अहेवच. न० (आधिपत्य) अधिपतिपत्यः
नायकपत्यः स्वामीपत्यः अधिपतिपत्यः नायक-
पत्यः स्वामित्वः Ownership; lordship;
leadership. श्रव० ३२: सम० ३८:

निर० ५, १: विवा० ४: नाया० १: ३: ५:
 १८: नाया० ५० पञ्च० २: जीवा० ३, ४:
 भय० ३, ८: १३, ६: १८, २: १०: ज० प०
 ५, ११५: शा० ६: कथ० २, १३:

आह्वग. न० (आक्षेपण) शोधने धेया धा-
 त्रवे-याया भार्या न. नगर पर आक्रमण
 कर घेरा डालना. Besieging a town;
 invading a town पृष्ठ १, २.

आहोइअ. वि० (आभोगिक) जानते अर्थ
प्रति. ज्ञान का प्रकार. A variety of
knowledge. “ आहोइएणं गाथा-दं-
रणं अपराणिभ्वमण कालाभोगइ. आ-
भोइना ” कप० ५. १०६.

आहोद्विज-अ. पुं० (आहोऽवधिक्) नियमित क्षेत्रभां विनाशं अवधिजान्, नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवधिजान् Avadhijāna limited to a particular area
अण० १. ४. ५. ७. १६. १८.

Hi.

✓ इ. भा० १. (इण) गन्तुः गतिं कर्तुं
जाना; गतिं कर्त्ता. To go; to move.
इति सू० च० ३, १३:

इत्तु. पि० नि० ४४७:

दत्तग. द्वे० कृ० अ. १०, २८.

इंत. व० कृ० भग० १४, ३: पि० नि० २६२:

डॉ. ज. व. क. द. म.

इ. अ० (३) पादप्रत्ययः वाक्यान्तरात् पाद-
प्रत्ययः वाक्यान्तरात्. An expletive;
a word marking the close of a
remark or sentence (२)
समाप्ति. इति के अर्थ में समाप्ति में. thus:

in this way. पन्न० १७; नाया० १; ८;
१४; वव० १, ५;

इअ. त्रि० (इत) प्राप्त अयेतः स्थितः दृष्टः.
प्राप्तः स्थितः. Acquired; got; re-
maining steady. विशे० ३५.१: द्रमा०
६. ३१: (७) गयेतः गया हृया. gone;
departed. “ समियं उदाह ” सय० १.

इअग्र. त्रि० (इतर) श्रीजं; अपर. दूसरा;
अन्य. Another; else. क० ग० १,
३७: ४, ३: —तुल्य. त्रि० (—तुल्य) श्रीज
नेपुं; अन्य सरभं. औगंकासा. like

another; resembling another.

क० प० ५, ६४;

इअरहा. न० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा.

In another way; otherwise. क०

ग० १, ६०;

इह. अ० (इति) ऐस; ऐसी रीति. इस प्रकार;

इस तरह. In that way or manner.

उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ८, २;

(२) रूप प्रदर्शक; इति निर्देश करी अता-

पत्रुं. कुछ निर्देश करके बताना; रूप प्रदर्शन.

a word used to point out any-

thing. भग० १, १; १. ७; ओव० नाया०

१; क० प० ५, ११; पंचा० ६, ८;

इतिहास. पुं० (इतिहास—इतिह पारम्पर्यो-

पदेश आस्तेऽस्मिन्) पुराण; इतिहास.

पुराण; इतिहास. History; narration

of past events. आव० (२) पुरुषकी

७२ कलाभांती ऐक कला. पुरुष की ७२ कला-

ओंमें की एक कला. one of the 72

accomplishments of a man.

कण० १, ६; ओव०

इओ. अ० (इतः) अर्थात्; आगे-अर्थात्.

यहाँ से; इस जन्म से. From this

place; from this birth or state

of existence. " इओ चूनेषु दहमट्ट-

दुग्गं " स्य० १, १०; आया० १, १, १,

३; ओव० ३८; विवा० ५; पगट० १, १;

पि० नि० २२३; नाया० १; ७; ८; १५;

भग० १५, १; २०, ६;

इंस्विगिया. स्त्री० () निन्दा. निन्दा.

Censure or slander " अदुइंस्वि-

गिया उपाविआ " स्य० १, २, २, २;

इंस्विणी. स्त्री० (इंस्विणी) निन्दा. निन्दा.

Censure; slander " अह मेयकरी

अनेमि इंस्विणी " स्य० १, २, २, १;

इंगल. पुं० (अङ्गार) अंगारा; श्रावसा;

धुंवादा रहित अग्नि. अंगारा; धुंवा रहित

आम. A burning charcoal; fire

free from smoke. आव० ३८; उत्त०

३६; १०६; डा० ५, ३; स्य० १; ५, १,

७; जे० प० ७, १७०; दस० ५, १; ९; ८,

८; अणुत्त० ३, १; पि० नि० ५४६; जावा०

१; ३; पल्ल० १; नाया० १; भग० ३, २;

५, २; १०, ५; १५, १; आया० २, १०,

१६६; उवा० १, ८१; पंचा० १३, ४८;

(०) श्रावसानो भाइक अंगभने श्रावो इ-

नाए ऐक प्रदर्शने आदारने देप. कोयले

के समान संयम को काला करनेवाला एक

प्रकार का आहार का दोष. a fault

connected with food, tarnishing

self-restraint or asceticism like

coal पि० नि० १; (३) अंगार नामको ऐक

ग्रह. अंगार नाम का एक ग्रह. a planet

of this name. भग० १०, ५;

—उवय. वि० (उपम) अंगारा जैसा;

देवता जैसा. अंगार के समान ज्वलंत; अंगार

के सदृश दहनमान होने से देव समान.

(anything) like burning

charcoal; red-hot. डा० ४, ४;

—कट्टिणी. स्त्री० (- कर्षणा) श्रावसानो

भट्टिभांशी श्रावसानो श्रावसानो अशीया कोयले

का भट्टा म में निकालने का लोहे का सर्गिया.

an iron rod to take out coal

from an oven or kiln. भग० १६, १;

—कम्म. न० (कर्मन) श्रावसा अतापवा

अने वेयवानो व्यापार कोयला बनाने और

बेचने का व्यापार. business of preparing and trading in coal. भग० ८, १; उवा० १, ५१: —**कारिया.** स्त्री० (कारिका-अंगारान करीनायङ्कार-कारिका) अगड़ी, मिगड़ी. a portable grate or fire-basket. “इंगालकारिणं भेत अगणिकाण केवडय कालं संचि-टइ” भग० १६, १; —**दाह.** पुं० (दाह-अङ्गारान दहतीत्यङ्कार दाहः) अंगारा पाड्यानी जलया अंगार करने की जगह. a place where fuel is converted into coal. निर्मा० ३, ५३: —**सगडिया.** स्त्री० (-शकटिका) अंगार पाड्यानी अगड़ी. अंगार दहकान की मिगड़ी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal. भग० २, १; —**संगलिय.** त्रि० (-शूलय) अंगारा डिपर पदविद्ध. अंगारों पर पकाया हुआ. cooked, baked upon burning charcoal. “इंगालसंगलिय मिव कंदुसंगलियमिव” भग० ११, ३:

इंगालअ. पुं० (अङ्गारक) ये नामन्ता अयड अदः मंगल. इस नाम का एक ग्रहः मङ्गल. The planet Mars मय० २०; भग० ३, ७;

इंगालग. पुं० (अङ्गारक) मंगल अदः मंगल नाम का ग्रह. The planet Mars. अ० २, ३;

इंगालभूय. त्रि० (अङ्गारभूत) अप्रधा-अंगारानी अमान. अंगारों के मामान. (Any-thing) like a burning charcoal. भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; जे० प० ७, ३६;

इंगालवडिमय. पुं० (अङ्गारावतंसक) अंगारद नामे अदना विमानं नाम. अंगार-

क नाम के ग्रहका विमान. Name of the heavenly abode of a planet named Angāraka. भग० १०, ५; **इंगिअ य. न०** (इङ्गित) मनोभावः जलया-यवानी निशानी; अंगारोः आंम यजेनेती अलिप्राय येष्टा मनो भावः संकेत; इषाग. Internal thought; significant gesture of the eye etc. “इंगिया गार संपजे” उत० १, २; ३२, १४; आं० ३३; दस० ६, ३, १; पि० नि० ४७८; विशेष ६, ३३; भग० ६, ३३; नाया० १; जे० प० ३, ५३; —**आगार.** पुं० (आकार) मनोभाव जलयायवानी निशानी. मनोभाव प्रगट करने का चिन्हः इशग. internal thought; a significant gesture. उत० १, २; —**आगारसंपगण.** त्रि० (आकारसंपज) इङ्गित अने आधार जलयायवानी संपत्तिवादी. इंगित और आकार जानने की संपत्तिवाला. one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them. “इंगियागारसंपगणो मे वि-र्याणति बुच्चइ” उत० १, २; —**मरण.** पुं० न० (-मरण) जुआ “इंगिणी मरण” श०८. देखो “इंगिणी मरण” श०८. vide “इंगिणी मरण” म० **इंगिणी.** स्त्री० (*इंगिनी-श्रुतविहितक्रिया-विशेषः इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-ऽस्यामनशनक्रियायामितीङ्गिनी) शास्त्रभां इंद्रेत हदभां रडी वेयापय्य कराया विना संशारे इरेवे ते. शास्त्र में कही हुई हदमें रहकर वेयापय्य कराये बिना संशारा करना Performing Santhāro confining oneself within the limits of space prescribed by Śāstras

and not receiving any service from others. मत० ६; प्रब० १०३१; सम० १७: —मरण. न० (—मरण) संथारो करी वैयावज्य करान्या विना धित-नियमित प्रदेशनी हृदमां रक्षा समाधि भरणु अर्चुं ते. संथारा करके वैयावज्य बिना कराये नियमित प्रदेश की हृद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service. सम० १७: प्रब० १०३१; ठा० २: संथा० इंद्र. पुं० (इन्द्र-इन्द्रनीति इन्द्रः) श्रेष्ठ श्रेष्ठ. One who is excellent. म० प० २०: (२) इंद्रः देवतांता राजा: परमेश्वर. इन्द्रः देवों का राजा. the god Indra: the king of gods. पि० तन० १३३: ज० प० ३, ४५: भग० ३, १: ५, ६: विशे० ३२५: नाया० ८: नाया० घ० ३: नंदी० २०: आ० सम० १९: पञ्च० २: अणुजो० २०: ठा० ४: दम० ६, १, १४: पंचा० ४, ४८: (३) ज्येष्ठा नक्षत्रतो अधिपति देवता. ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव. the presiding deity of the Jyēṣṭha constellation. अणुजो० १३१: म० प० १: ठा० २, ३: (४) ओ नामनो ओड द्वीप अने ओड समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. an island of that name: also an ocean of that name. जवा० ३, ४: पञ्च० १५: —अभिमेय. पुं० (—अभिषेक) सूर्याभ देवतो राज्याभिषेक. सूर्याभ देव का राज्याभिषेक. the coronation ceremony of the Sūryābha god. राय० १३६: —अहिद्विष.

त्रि० (—अधिष्ठित) इंद्रने अधिष्ठित. इन्द्राधिष्ठित: इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. “ इंद्राहिद्विषा ” भग० ३, १: ठा० १०: —अहीण. त्रि० (—अधीन) इंद्रने पश: इंद्रने आधीन. इन्द्र के आधीन. dependent upon Indra: under the power of Indra. भग० ३, १: —अहीणकज्ज. न० (—अधीनकार्य) इन्द्रधीन कार्य-काम. इन्द्र के आधीन कार्य. a work under the control of Indra. भग० ३, १: —आउह. पुं० (—आयुध) इंद्रने आयुध: वज्र. इन्द्र का शस्त्र-वज्र. the weapon of Indra: Indra's thunderbolt. नाया० १: —केउ. पुं० (केतु) इन्द्र यष्टि: इन्द्रमहोत्सवमां यनायेव स्तंभ. इन्द्र यष्टि: इन्द्रमहोत्सव में बनाया हुआ स्तंभ. a post erected in the celebration of Indra's festival. पगह० १, ४: —रगह. पुं० (ग्रह) अपनार देवता उपद्रवशी यतो रोग: पदयाग. व्यंतर देव के उपद्रव से होता हुआ रोग. a disease caused by the evil influence of hell-gods: being possessed by hell-gods. भग० ३, ५: जवा० ३, ३. (२) अर विशेष. ग्रह विशेष. name of a planet. जवा० ३, ३: —उभय. पुं० (—ध्वज—शेषध्वज) जयास्तिसहस्रवादिन्द्रश्चासौ ध्वजश्चेन्द्रध्वजः । इन्द्र ध्वज: श्रीछ ध्वजनी अपेक्षाओ मोटी ध्वज इन्द्र ध्वज: दूसरी ध्वज की अपेक्षा में बड़ा ध्वज. a banner taller than all the other banners. “ इंदुउभयो. पुराओ गच्छद्दृ ” सम० ३४: प्रब० ४५१: —हाण. न० (—स्थान) इन्द्रस्थान: इंद्र-ध्वज. इन्द्र स्तंभ: इन्द्रध्वज. a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest. अंत० ६, १५; (२) इंद्रं निवास स्थान. इन्द्र का निवास स्थान, the residence of Indra. “ इंद्राशेण भंते केवनिय कालं विरहिने ” डा० ६; भग० ८, ८; जीवा० ३; सू० प० १६; —धनु. न० (—धनुष) इंद्र धनुषः शयणी. इन्द्र धनुष, a rainbow. जं० प० अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —पाण्डिवया. स्त्री० (—प्रतिपत्त) आदित्य मूर्ति १५ प्रतिपत्त, पक्षी. आदित्य मूर्ति प्रतिपत्त के बाद का विंशति एकम, the first day of the dark half of the month of Bhādrapada. डा० ६; —मह. पुं० (मह) आदित्य मासकी पुनर्मे अंता अन्तर्मास्य. आदित्य मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhādrapad. राय० २१७; जीवा० १; नित्य० १६, १२; आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३; नाया० १; —लट्टि. स्त्री० (—यष्टि) इन्द्र भद्रास्य (मां) देव स्तंभ शेषकामां आये ते. इन्द्र महोत्सव में जो स्तंभ गाड़ा जाता है वह, a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival. “ निव्वत्तमहं इंद्रलट्टी विमुक्तं मेधि बंधणा ” नाया० १; भग० ६, ३३;

इंद्रकंत. पुं० (इन्द्रकान्त) इन्द्रकान्त नामि ऐक विमान के जेना देवताओंनी स्थिति १६ सायरोपमनी छे. ओ देवता साय नय भदिने आसोच्छ्वास ले छे, अंत १६ इन्द्र यों क्षुधा लागे छे. इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति v. II/17.

१६ सायरोपम की है. ये देव गाडे जो मास बाद आसोच्छ्वास लेते हैं और १६ हजार वर्षोंबाद इन्हें क्षुधा गलती है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १६; इंद्रकाश्य. पुं० (इन्द्रकायिक) त्रयु धृष्टि यज्ञो ऐक ७५; इन्द्रगोप. तीन इन्द्रियोंवाला एक जीव. इन्द्रगोप. A kind of insect of red colour; a kind of three-sensed living being. पञ्च० १;

इंद्रकील. पुं० (इन्द्रकील—गोपुरावयव विशेषः) नगरना दरवाजना ऐक अवयवः जेने आधारे दरवाजना ऐक इमाड ऐक रस्सी शोडे ते. नगर के दरवाजे का एक अवयवः जिसके आधार में दरवाजे के दो किंवाउ बंध रहसके वह. A portion of a city-gate; a door-bolt fastening the two doors of a gate. “ गोम-उष्मया इंद्रकीला ” राय० १०६ भग० ३, २; आवा० डा० २;

इंद्रकुंभ. पुं० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र इन्द्रकुम्भः) इयशः भद्रोष्टे धराः आदिशो. कलशः बड़ा घड़ा A big pot. राय० १०६; जं० प० १; (२) वीतशोका नगरिना दृशान भुज्जानुं ऐक उद्यान वानशोका नगर का ईशान कान का एक उद्यान. name of a garden in the north-east of the town of Vitasōkā. “ तासेण वियासोगाण् राय हाशीण् उत्तरपुरच्छिम दिसिभाण् इंद्रकुंभ णाम उज्जाणे ” नाया० ८; (३) तेभनाथना प्रथम शिष्य. नेमनाथ का प्रथम शिष्य.

name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४: (४) २० मा मुनिसुव्रत तीर्थहरना प्रथम गणधरनुं नाम. २० वे तीर्थहर मुनिसुव्रत के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 20th Tirthahara. Mum Suvrata सम० प० २३३:

इंदखील. पुं० (इन्द्रकील) ऋग्वेदा ' इंदकांल ' शब्द. देखो ' इंदकील ' शब्द. Vide ' इंदकांल ' जावा० ३: ४:

इंदग. पुं० (इन्द्रक) त्रिदृष्टि छत्र विशेष. तीन इन्द्रियोंवाला जीव विशेष. A three-sensed living being; a kind of insect. उत्त० ३६: १३७:

इंदगोव. पुं० (इन्द्रगोप) इन्द्रगोप: मेघमाला: वरसाद तथा पृथ्वी देवताओं के उड़ते हुए छत्र: राजा इन्द्र के वाहन के छत्र. इन्द्रगोप: इन्द्रवहनों: वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु. A kind of insect of red colour springing up in monsoon; a three-sensed living being. उत्त० ३६: १३८: अणुजो० १२१: पञ्च० १:

इंदगोवश्च य. पुं० (इन्द्रगोपक) ऋग्वेदा उपरिता शब्द. देखो ' इंदगोव ' शब्द. Vide above. जावा० २: ४: मय० ६३: नाया० १:

इंदगोवग. पुं० (इन्द्रगोपक) ऋग्वेदा ' इंदगोव ' शब्द. देखो ' इंदगोव ' शब्द. Vide ' इंदगोव ' नाया० १:

इंदगि. पुं० (इन्द्राग्नि) विशाखा नक्षत्रके अधिपतिता देवता. विशाखा नक्षत्र का अधिपतिता देव. The presiding deity of the constellation Viśakhā. अणुजो० १३३: मू० प० १०: डा० २: ३:

(२) ३७ मा अर्धनुं नाम. ३७वे ग्रहका नाम. name of the 37th constellation. जं० प० ७: डा० २: ३: मू० प० २०:

इंदजसा. स्त्री० (इन्द्रयशस) पांचाल देशका अम्बरशब्दनी राज्ञी. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राजा. Name of the queen of Brahmarāja of the country of Pañchāla. " इंदजसु ३ इंदजसा २ इंदविगि ३ चक्षणा देवीय " उत्त० डा० १३:

इंदजालि. त्रि० (इन्द्रजालिन) विविध मन्त्रों द्वारा विरचित पञ्चाकार: इन्द्रमन्त्रोंवाला विविध रचना करके वास्मस्त करनेवाला: इन्द्रजालिया: जादूगर. A magician. डा० ४

इंदजालिश्च य. त्रि० (इन्द्रजालिक) इन्द्र मन्त्र करनेवाले: जादूविद्या अतापनार. इन्द्र-जाल करनेवाला: माँड विद्या बनानेवाला (One) who displays magical tricks. विश० १६० ५.

इंदनील. पुं० (इन्द्रनील) इन्द्रनील मण्ड: नीलम इन्द्रनील मणि: नीलम. A gem so named; a sapphire. आब० मय०

इंदत्त. न० (इन्द्रत्व) इन्द्रके स्वभाव: इन्द्र-पण. इन्द्र का स्वरूप: इन्द्रपत्त. Power and dignity of Indra; state of being Indra; kingship. उत्त० ६: ११: मय० ३: २:

इंदत्ता. स्त्री० (इन्द्रता) इन्द्रपत्त. इन्द्रपत्त. State of being Indra; power and dignity of Indra; kingship. मय० २४, ६:

इंददत्त. पुं० (इन्द्रदत्त) इन्द्रदत्त: आधा तीर्थहरने प्रथम भिक्षा आपनार. इन्द्रदत्त: चौथे तीर्थहर को पहिले पहिल भिक्षा देने

वान्ना Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthankara. सम० २४: (२) १२ भा वासुपुत्र्ये श्रीम पुराणसु नाम. वासुपुत्र्य १२वें तर्थाकर के तीसरे पूर्वभव का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vasupujya Swami.

सम० २४:

इन्द्रदिग्ग पुं० (इन्द्रदिग्) ऐ नामन्ता श्रोटिक-अन्त्येता ऐन्द्र व्याख्या. कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम. Name of a preceptor of the Kotika order of saints. कण० ८:

इन्द्रनील पुं० (इन्द्रनील) ऋग्वेदा ' इन्द्रनील ' शब्द. देवो ' इन्द्रनील ' शब्द. Vide ' इन्द्रनील ' उल० ३६: १२: पञ्च० १:

इन्द्रपुर न० (इन्द्रपुर) ऐ नामन्ता ऐन्द्र नगरे एक नगर का नाम. Name of a city. " इन्द्रेव जंघुर्दिव भारद्वाजे इन्द्रपुर नाम नगरे " विद्या० १०: (२) ऐ नामन्ता ऐन्द्र अक्षुद्र देवे भयभीत नामन्ता नामन्ता नामदत्त नाथ परिषद् अकार्य पत्नी पतिश्राव्या देवी. इन्द्रपुर नामक एक गांधु मिष्टे मणिपुर नामक ग्राम के नामदत्त गांधा पारने आहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthapati named Nāgadatta. " इन्द्रपुरे अणगरे पंडिताभिने जगन्मित्रे " विद्या० २: ७:

इन्द्रपुरग पुं० (इन्द्रपुरग) वेसवाणियाजुषी नीक्षेत्र ऐ नामन्ता क्षत्र. वेसवाणियगण मे निकले हुण कुल का नाम. Name of a family which was an offshoot of Vesavaliya Gana. कण० ८:

इन्द्रभृद् पुं० (इन्द्रभृत्) महावीर स्वामी

प्रथम अक्षुद्र: गौतम शतृपी. महावीर स्वामी के प्रथम गणधर: गौतम स्वामी. The first Gaṇadhara of Mahāvira Swami. भग० १: १: २: १: आब० ३८: नाया० ६: जे० प० नंदा० २०: सम० ११: २४: उवा० १: ७६: प्रव० ३०८: कण० १: १३३:

इन्द्रभृत् पुं० (इन्द्रभृत्) ऋग्वेदा डिपने शब्द. देवो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० ६२: म० प० १:

इन्द्रमुद्धाभिषिक्त पुं० (इन्द्रमूर्धाभिषिक्त) पञ्चाशीत्येता सातमा दिवसन्तु (सात-भन्तु) नाम पञ्चाष्टके के सातवें दिन (सप्तमी) का नाम. 'The 7th day of a fortnight. " इन्द्रमुद्धाभिषिक्ते " म० प० १०: जे० प०

इन्द्रय पुं० (इन्द्रय) ऋग्वेदा ' इन्द्रय ' शब्द. देवो ' इन्द्रय ' शब्द. Vide ' इन्द्रय ' उल० ६:

इन्द्रयगिरय पुं० (इन्द्रकनिरय) ऐश्वरी भेदा नन्दयमे. सबसे बड़ा नरकावास. The greatest hell. उल० ६:

इन्द्रयाल न० (इन्द्रजाल) ऐ नामन्ता ऐन्द्र (य). इन्द्रजाल विद्या. Juggling; a kind of lore; magic. म० च० ४: १६६:

इन्द्रयालि पुं० (इन्द्रजालिन्) इन्द्रजाल विद्या मे अनुभार. इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician; a juggler. म० च० १३: २०:

इन्द्रमिरि स्त्री० (इन्द्रम्री) पांचाल देशकी क्षांपिल्य नगरना अम्भदत्त राजवती ऐन्द्र शतृपी. पांचाल देश के कांपिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी. Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya

in the country of Pāñchāla.

उत्त० टी० १३:

इन्द्रसेणा. स्त्री० (इन्द्रसेना) इन्द्रसेना नामती
अथ नदी के जे मेरुने उत्तरे रक्तवती
नदीमां भजे छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी
जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी
में मिलती है. Name of a river
which flows into the river
Raktavati in the north of
Meru. डा० ५, ३: १०:

इन्द्रा. स्त्री० (इन्द्रा) इन्द्रा नामती नदी के जे
मेरुने उत्तरे रक्तवतीमें भजे छे. इन्द्रा
नामक नदी जो कि मेरु का उत्तर दिशा में
रक्तवती नदी में मिलती है. Name
of a river which flows into
the river Raktavati in the
north of Meru. डा० ५, ३: (२)
इन्द्रा नामती अथ देवी. एक देवी का नाम.
Name of a goddess नाया० घ० ३:
(३) धरमेन्द्र की पांचवीं अथ महिषी का
नाम. name of the 5th princi-
pal queen of Dharmendra.
भग० १०, ५:

इन्द्रा. स्त्री० (इन्द्रा) उत्तर दिशा. पूर्व दिशा.
The eastern direction. भग० ५,
१: डा० १०: जे० प० ५, १५:

इन्द्राणी. स्त्री० (इन्द्राणी) इन्द्राणी: इन्द्राणी
अथ महिषी. इन्द्राणी: इन्द्र की पदमती.
The crowned queen of Indra.
डा० ४:

इन्द्रिय. न० (इन्द्रिय) आंख, श्रवण, नाक, जिव,
स्पर्श तथा ऐ पांच इन्द्रिय. आंख, कान,
नाक, जिह्वा और त्वचा ये पांच इन्द्रियाँ.
The five senses viz eye, ear,
nose, tongue and skin. विशेष०

६१: पञ्च० १५: नाया० १: ४: उत्त०
६, ३६: आंख० १६: दम० ५, १, १३:
भग० २, १: ४: ८, १: २४, १२: नदी० ३:
सम० ६: क० गं० १, १०: पंचा० १४, ३:
(२) पञ्चव्या सुत्रना १५मां पदनुं नाम.
पञ्चव्या के पंद्रहवें पद का नाम. name of
the 15th Pada of Pannavanā.
पञ्च० १५: (३) पञ्चव्याना तीन पदना
तीन ६ अनुं नाम. पञ्चव्या के तीसरे पद के
तीसरे द्वार का नाम. name of the
3rd Dwāra of the 3rd Pada of
Pannavanā. पञ्च० ३: —अन्ध. पुं०
(अर्थ) शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श
इन्द्रियों के अर्थ विषय. any of the
five objects of the senses
viz sound, form, taste, smell,
and touch. “ पंच इन्द्रियथा पगमाना
तज्जहा ” डा० ५: उत्त० २४: ८: ३१, ७:
—अन्धकावग. न० (-अर्थ कोपन) क्षम
छिद्र: इन्द्रियता विषयता देव अर्थ ते.
कामावक: इन्द्रिय के विषय का कोपन होना.
desire for the enjoyment of
the objects of the senses. डा० ५:
—अपज्जति. स्त्री० (-अर्थ कोपन) इन्द्रि-
यता अपज्जिता: इन्द्रिय पर्याप्त आंखीन पदो
न इन्द्रिय देव ते. इन्द्रियका अपवर्णता; इन्द्रिय
पर्याप्त का अपवर्ण उमें पूर्ण न करना.
imperfect development of the
senses. भग० ३, ४: —उपउत्त. त्रि०
(-उपवृत्त) इन्द्रियता उपयोज्यसहित.
इन्द्रियों के उपयोग सहित. (one) care-
fully controlling the senses.
पञ्च० ३: —उपचय पुं० (-उपचय)
इन्द्रियता उपचय-वृद्धि. इन्द्रियों का वृद्धि.

the growth of the senses.
 “कहविहेण भंते इंदियउवचय” पञ्च० १२:
 भग० २०, ४: —**गाम.** पुं० (—ग्राम) इन्द्रियोना समुदाय. इंद्रियों का समुदाय the group of the senses. आया० टा० १, ५, ८, १२६: —**चउक्क.** न० (—च-तुक्क) भन अने यक्ष शिवायनी आर इन्द्रियो: शन, नाद, घ्राण अने स्पर्श इंद्रिय. चार इंद्रियों: कान, नाक, घ्राण और स्पर्श the group of the four senses; viz the senses of hearing smell, taste, and touch. क०मं० १, ४: —**चलगा.** स्त्री० (—चलना) इन्द्रियनं आगत्युं. इंद्रियों का चलना. the motion of the senses. भग० १७, ३: —**जवगिज्ज** भ० (—यापनीय) पांचे इन्द्रियोने वश इस्वी ते. पांचों इंद्रियों को वश करना. controlling all the five senses. भग० १८, १०: नाया० ७: —**जाय.** न० (—जान) इन्द्रियनी भन प्रशर. इंद्रियों का ज्ञान-भेद. the variety of the senses. वेय० ७, १३: —**द्राण.** न० (—स्थान) इन्द्रियता स्थान-विपादान इदंण-आदाशदि. इंद्रियों के स्थान उपादान कारण-आकाशाद. the efficient causes of the senses such as space etc. मय० नि० १, १, १, ३३: —**गिवत्तणा.** स्त्री० (—निर्वर्तना) इन्द्रियोने निपनयती ते. इंद्रियों को उत्पन्न करना. the creating of the senses. “कतिवहेण भंते इंदिय गिवत्तणा” पञ्च० १२: —**निरोद्धि.** त्रि० (निरोधित्) इन्द्रियनी वाधसने निरोध इस्सादे. इंद्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला. (one) who checks the craving of the senses. प्रव० ५७०:

—**पज्जन्ति.** स्त्री० (—पर्याप्ति) इन्द्रियनी संपर्याप्ति, इन्द्रिय पर्या अपिप्ति भूरी इस्वी ते. इंद्रियों का संवर्णता: full development of the senses. भग० ६, ४: —**पडिस्संलीणता.** स्त्री० (—प्रतिस्-लीणता) इन्द्रियोने वश इस्वी ते. इंद्रियोंको वश करना. conquest, control over the senses. भग० २५, ७. —**परि-गाम.** न० (—परिणाम) इन्द्रिय रूपे इयं पडिगाम इन्द्रिय रूप में जांव का परिणाम. the modification of the soul into the form of the senses. पञ्च० १२: —**वल.** न० (—वल) इन्द्रियनी शक्ति. इंद्रियों का शक्ति. the power of the senses जावा० ३: —**मगोणिमित्त.** न० (—मनोनिमित्त) यक्ष वगेरे पांच इन्द्रिय अने भन छे निमित्त हेमां अयं ज्ञान: मतिश्रुत ज्ञान. चक्षु वगेरु पांच इंद्रियों और मन के निमित्त में होनेवाला ज्ञान: मतिश्रुत ज्ञान. Mati-shruta Jñāna: sensitive know-ledge, acquired by the five senses and the mind. विशेष० ६३: —**मणोभव.** न० (—मनोभव) इन्द्रिय अने मनशी उत्पन्न थनुं ज्ञान. इन्द्रिय और मन में उत्पन्न होनेवाला ज्ञान. knowledge born of the senses and the mind. विशेष० ६५: —**लद्धि.** स्त्री० (—लब्धि) पांच इंद्रियनी प्राप्ति. पांच इंद्रियों की प्राप्ति. the attainment of the five senses. भग० ८, २: पञ्च० १२: —**लद्धिया.** स्त्री० (—लब्धिका) लुथो डिपसे शब्द. देखों ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, २: —**वसट्ठ.** त्रि० (—वशात्तं) इंद्रियोने वश थवाथी थयेव इःपी. इंद्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित. (one) miserable on account of lack of control over the senses. भग० १२, २: —**विजय**. पुं० (-विजय) छिद्रियने क्षुभुमां राभवी ते; छिद्रियेपर न्य भेखवयो ते; तप विशेष. इन्द्रियों को वश करना; इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना; तप विशेष. control over the senses; a kind of austerity. पंचा० १६, ३८: —**विभक्ति**. स्त्री० (-विभक्ति) छिद्रियना विभाग: अकेन्द्रिय, भेछिद्रिय वगैरे. इन्द्रियों के विभाग: एकेन्द्रिय बेइन्द्रिय आदि. the classification of the senses; e. g. one sense, two senses etc. मूय० नि० १, ५, ९, ६६: —**विसय**. पुं० (-विषय) छिद्रियेनी विषय शक्ति. इन्द्रियों का विषय शक्ति. the power of enjoyment of the senses. भग० ३, ८: —**वीरिय**. न० (-वीर्य) अत्र आदि छिद्रियेनुं येत येताना विषयने अदण्ड करवानुं सामर्थ्य. अत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय ग्रहण करने का सामर्थ्य. the power of the senses e. g. ear etc. to comprehend their objects. मूय० नि० १, ८: ६६;

हृदियउद्देश. पुं० (इन्द्रियोद्देश) पत्तवज्जा सुत्रना पंदरमा पदना प्रथम उद्देशनुं नाम. पत्तवज्जा मूत्र के पंदरहवें पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddēśa of the 15th Pada of Pannavajja Sūtra. भग० २, ३;

हृदियउद्देशय. पुं० (इन्द्रियोद्देशक) जुआ उषथो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.

Vide above. भग० १८, ३; २, ६;

हृदिय पय. न० (इन्द्रियपद) पत्तवज्जा सुत्रनुं १५ मुं पद. पत्तवज्जा का १५वां पद

The 15th Pada of Pannavajja Sūtra. भग० २, ४: पञ्च० १५;

इंदु. पुं० (इन्दु) यन्द; यन्दभा. चन्द्र; चन्द्रमा. The moon. नाया६ १; १६: भग० ६, ३३;

इंदुत्तरवडिसग. पुं० (इन्द्रोत्तरावतंसक) ओ नामनुं ओइ विमान. ओनी स्थिति ओगणीस सागरोपमनी छे. ओ देवता साग नय भदिने आसोअवास ले छे. ओगणीस दग्गर वपे क्षुधा लागे छे. दय नाम का विमान, जियमें रहनेवाले देवो का १६ सागरोपम आयु हे. ये देव साहे नौ महान बाद आम लेते हे और इन्हें १६००० वर्ष बाद भख लगता है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. भग० १६:

इंदुरय. न० (इन्दुरक) मोटा मुट्ठो. बड़ा टोपला. A large basket. मय० २७०;

इंध्रग. न० (इन्धन) ईंधन; अन्ननय; अण्णां अदधन वगैरे. इन्धन; जतने का लकड़ा, कंठा वगैरह. Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc. उत्त० १४, १०; ३२, ११: नि० मा० १२: भग० ७, १;

इक. त्रि० (एक) ओइ; सञ्जावायइ; एक-मेववावाचक. The numeral, one. (२) ओइतो: ओइती; अद्वितीय. अकेला; एकाकी; अडितीय. one; alone; matchless. अणुजो० १३१: नंदी० ३४: आया० १, ५, २, १४८: भग० २, ५: नाया० १५: मु० च० ४, १२४: जं० प० १, १२;

इकग्र. त्रि० (एकक) ओइतो: ओइती.

अकेला: एकाका. Alone; solitary.

उत्त० १, १०; ३५, ६:

इकाड. न० (* इकाड) ४३३७- यटाई-सादरी
 अनाववानुं डोमव घास; दंदणु सदश नृणु
 विशेष. चटाई बनान का कामल घास; नृण
 विशेष. A kind of soft grass of
 which a mattress is made.
 आया० २, २, ३, १००; २, ७, २, १३१;
 सूय० २, २, ७; भग० २१, ५; पगद० २,
 ३; ४३३३३ अनावेरी यटाई. उक्त घास का
 बनाई हुई चटाई. a mattress made
 of the above grass. आया० २, २,
 ३, १००; (३) अनामनुं पर्यय अननु
 जड. इम नाम का पर्यय जान का भाट
 a kind of tree. पल० ३;

इयकमिगक. १३० (एकैक) अं०३३. परस्पर.
 Taken singly; (२) परस्पर; अं०३३.
 श्रीजुं: अन्वोन्व. अन्वोन्व: एक द्वयग.
 mutual. उल० १३, ३; सु० च० २, ८१:

इकवीस, बी० (एकविंशति) २१: अक्षय मः
 बीस अर्धे अक्षः, इकवीसः २१. Twenty-
 one: २१. उ० ३१, ११, क० १, २;

इकसीइ. आ० (एकाशीति) अष्टाश्लि: ४३:
 एक्यामा. Eighty-one: 81. उत्त०
 ३४, ३०:

इष्टकार. त्रि० (एकादशन्) व्युत्पत्तिः ११.
 ग्यासुतः ११. Eleven; 11. क० सं० ६,
 २०;

इककारस्य. त्रि० (एकादशन्) अंगीत्यारः
द्वये अंशः ग्राह्यः ११ Eleven: ११.
सम० ११: दशा० ६, १, २: उत्त० २२,
२३: उवा० १०, २७७: क० गं० ६, २०:
जं० प० २, ३१: — अंग. पु० (-अंग)
आचारंगादि ११ अंगसूत्र. आचारंगादि
ग्राह्य अंगान्त्र. the 11 Anga

Sūtras e. g. Āchārāṅga etc.

नाया० १४, १८;

इयकागसग. त्रि० (एकादशक) अग्लिया०.
ग्यागह. Eleven: 11. क० गं० १, ४२:

इष्टकाग्रम्भः त्रि० (एकादशम) ११ भे;
अग्निआग्नेयः गगनहवां. Eleventh;
11th जेदा० ४४;

इक्कागर्मी. स्त्री० (एकदश) अंगीआरसः
पञ्चदशीआने, ११ मे दीपस. ग्यारहः
पन्न का ग्यारहवां दिन. The 11th day
of a fortnight. विशेष० २०८३: प्रव०
१४४७: जं० प० २, ३१:

इषिकयक. त्रि० (एकैक) अ३ अ३. एक
 एक. Taken singly. उ० २८, ८;
 क० ग० १, ७५:—उ३य. पु० (उ३य)
 अ३३ प्रतिनि० उ३य. एकैक प्रकृति का
 उ३य. the rise or maturity of
 each Prakriti (Karmic nature)
 singly. क० ग० ६, १६:

इक्ष्वाग. न० (इक्ष्वाकु) ऋषभदेव वंशीयः
 १२३, १२३३३ ३३३. ऋषभदेव स्वावा का
 वंशः इक्ष्वाकु कुल. The Ikṣvāku
 family; the line of descent of
 Rīṣabhadeva Swāmi. आया० २,
 १, २, ११; पञ० १; भग० ६, ३३; २०, ८;
 अग्नौ० १३१; अ० ३, १; ६०; उत० १८,
 ३६; आ० रा० २१८. —कुल. पुं०
 (-कुल) लु० 'इक्ष्वाग' शब्द. देखो
 'इक्ष्वाग' शब्द. vide. 'इक्ष्वाग' आ०
 —भूमि. स्त्री० (-भूमि) भद्राक्ष वंश
 जया उत्पन्न यथा ते भूमिः अयोध्या.
 इक्ष्वाकु वंश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि
 अयोध्या. the land of the birth
 of the Ikṣvāku family; Oudh.
 काप० ७, २०६; —राय. पुं० (-राजनू)
 भद्राक्ष वंश. जन्मेय राज इक्ष्वाकु वंश

में जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvāku line. “पडिबुद्धि इक्ष्वागराया” ठा० ७; नाया० ८; —वंस. पु० (-वंश) ऋषभ देव स्वामी वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Rishabhadeva Swāmī. पि० नि० ४७६;

इक्ष्वागुकुल. न० (इक्ष्वाकुकुल) इक्ष्वाकु नामक वंश. A family by name Ikṣvāku. कप० १, २;

इक्षु. पु० (इक्षु) इक्षुः शेरडी. मांटा. Sugar-cane. भग० २१, ५; ओव० पञ० १; पंचा० ८, २३; —रस. पु० (-रस) शेरडीना रस. मांटे का रस. sugar-cane juice. प्रव० २३३; पंचा० १६, १०; —वण. न० (-वन) शेरडीनुं वन. गंजे का खेत. a forest of sugar-canes. निमी० ३, १६; —वाड. पु० (-वाट) शेरडीना आदि; जया शेरडी पीयाय ते स्थान. गंजे का बाड़; गंजे पेनने की जगह. a place where sugar-canes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown. गय० २७६; —वाडिया. स्त्री० (-वाटिका) इक्षु-शेरडी ना वाड्याली. गंजे का बाड़ा-खेत. a field where sugar-canes are grown. पञ० १; भग० २१ ५;

इक्षुवर. पु० (इक्षुवर) ऐ नामने ऐक्ष द्वीप अने ऐक्ष समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of an island; also the name of an ocean. त्रिवा० ३, ४;

इग. त्रि० (एक) ऐक्षली संख्या; १. एक का संख्या: १ The number one: 1.

क० गं० १, ८; ३३: २, १४ ४, १३; —चतुसय. न० (-चतुःशत) ऐक्षली ते ऐक्षतालीस. १४१ एकसौ एकतालीस; १४१. one hundred forty-one; 141. क० गं० २, २७; —नवइ. स्त्री० (-नवति) ऐक्षली; ८१. एकानवें; ६१. ninety-one; 91. क० गं० ३, ७; —याल. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ऐक्षतालीस; ४१. एकतालीस; ४१. forty-one; 41. प्रव० ५१६; क० गं० ६, ६६; —पञ्च. स्त्री० (-पञ्चाशत्) ऐक्षली; ५१. एकानवें; ५१. fifty-one; 51. प्रव० ३६०; —वीस. स्त्री० (-विंशति) २१ नी संख्या; ऐक्षली. इक्ष्वाकवी संख्या. twenty-one; 21. उवा० १०, २७७; —सत्र. न० (-शत) ऐक्षली ते ऐक्ष; १०१. एक सौ एक; १०१. one hundred and one; 101. क० गं० ३, ४; —सट्. स्त्री० (-षष्टि) ऐक्षली; ६१. इक्ष्वाकू; ६१ sixty-one; 61. सम० ६१; —सी. स्त्री० (-अशीति) ऐक्षली; ८१. इक्ष्वाकू; ८१. eighty-one; 81. क० गं० २, १७;

इगहिय-अ सय. न० (एकाधिकशत) ऐक्ष अधिक ऐक्ष; ऐक्षसेने ऐक्ष; १०१. एकसौ एक; १०१. One hundred and one; 101. क० गं० २, ४;

इगार. त्रि० (एकादश) अशीयाद; ११. ग्यारह; ११ Eleven; 11. क० गं० ६, ६२;

इगारसम. त्रि० (एकादश) ११ ऐक्ष; अशीयाद. ग्यारह; ११ वाँ. Eleventh; 11th त्रिवा० १; क० गं० २, १४;

इगिदिय. त्रि० (एकेन्द्रिय) ऐक्ष ऐक्ष छंदिय देय ते; पृथ्वी आदि स्थावर ७५. एकेन्द्रिय वाला; पृथ्वी आदि स्थावर जीव. One-sensed; e. g. earth etc. क० गं० ३, ११; ४, १८;

इगिन्दियत्ता. स्त्री० (एकेन्द्रियता) ऐकेंद्रिय-
पण्य. एकेंद्रियपन. State of being
one-sensed. भग० ३७. १;

इगुण. त्रि० (एकोन) अष्ट आठुं. एक कम.
Less by one. क० प० २. १२:
—असि. स्त्री० (-अशीनि) आश्याश्या
७८. उनयासा; ७८. seventy nine:
79. प्रव० ३६७; —नउड. स्त्री० (-नवनि)
नव्याशी; ८८. नेयासा; ८८. eighty-
nine; 89. क० प० २. २३; —वास. स्त्री०
(-विशति) आश्याश्या; १८ उज्जाम:
१८. nineteen; 19. क० प० २. १२:
—सट्टि. स्त्री० (पट्टि) आश्याश्या; १८.
उनयाश्या १८. fifty-nine; ५9 क० ग०
६. ७४:

इग त्रि० (एक) ऐकनी संख्या. एक की
संख्या. The number, one. क० ग०
७. ८०;

इच्चन्थ पुं० (इत्यर्थ) आ प्रक्षरें. अर्थ
इय प्रकार का अर्थ This sort of
meaning. आया० १. १. २. १६:

इच्छा. सं० क० अ० (इच्छा) ज्ञानी.
ज्ञानकर. Having known. आया० १,
१. ३. २१:

इच्छादि. त्रि० (इच्छादि) अ० आदि; अन्यदिदि.
इच्छादि. Et cetera. क० ग० १. २८;
प्रव० ६६३:

इच्छादि. त्रि० (इच्छादि) अ० अदि. बगैरह बगैरह.
Et cetera क० ६. २०१:

इच्छेवं. अ० (इच्छेवं) आ प्रक्षरें. ऐनी रीते.
इय प्रकार से; इय तरह. In this way;
in that way. दस० २. ४: पञ० ११:

✓ इच्छु. धा० I. (इष्) छच्छुं; छच्छा
छच्छी. इच्छा करना. To wish; to
desire.

v. II/18.

इच्छु. मय० १. १. २. ३१; अणुजो० १६;
नाया० १: ७: १३: १६; भग० १५,
५:

इच्छन्ति. दस० ६. ११: नाया० ८: १६;
भग० ८, ७:

इच्छाम. विशेष० २०१:

इच्छामि नाया० १: २: ७: ८: १२; भग०
१. ६: २. १: ७: ३. २: ५. ८;
५. १०:

इच्छामो. नाया० १: ३: ६: भग० ११, ११;

इच्छे. त्रि० उत्त० १. १२: ३२, ४; दस०
३. १६: १६: वय० १. २२: २६:
३०:

इच्छिजा. त्रि० क० प० ६. ४८: दस० ४, १,
६६: ६. ४८:

इच्छेजा. त्रि० उत्त० १. २६: दस० ५,
१. ६५:

इच्छेज्ज. त्रि० वेय० ८. १५:

इच्छहं. त्रि० नि० ३०१: ४६५: उत्त०
१२. २८:

इच्छय. विशेष० व० क० ३०० ८:

इच्छेन नाया० १६: विशेष० १६०: दस०
८, ३७: उत्त० १. ६:

इच्छमाण. पंचा० ६. ५०:

इच्छिजइ. मच्छा० ७८:

इच्छावेइ. प्र० व० प्र० प० विशेष० १०८६:

इच्छुंजभाण. न० (इच्छाभ्यान) लाभ.
प्रक्षानुं भ्यान. लाभ की इच्छा का भ्यान.
Meditation upon some desire
of profit or gain. आउ०

इच्छुकार. त्रि० (इच्छाकार-एषमिच्छा स्वा-
भिप्रायस्तथा करणं तत्कार्यनिर्वर्तनमिच्छा-
कारः) छच्छापूर्वकं शुद्धी आना उदावरी
अनुष्ठान करुं तु: दश सामायादीभान्नी ऐक.
इच्छा पूर्वकं गुरु की आज्ञा मानना; दश
सामाचारियों में की एक सामाचारी. Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct
 डा० १०: पंचा० १२, ४;

इच्छा. स्त्री० (इच्छा) भ्रञ्जः अभिलाषा.
 इच्छा: अभिलाषा. Desire; longing.
 ओव० ३८: आया० १, ४, २, १३१: पगह०
 १, ५: पि० नि० २१६: म० प० १०: सम०
 ५२: डा० १०: उवा० १, १७: प्रव० ६६:
 पंचा० १, ७: १२, २: भग० १२, ५: २५,
 ७: वेय० १, ३३: (२) पण्यपदीत्यानी
 पंदर रात्रिआमांती अष्टादशी रात्री. पक्ष
 का पंदर रात्रिया मे का ग्यारहवां रात्रि.
 the 11th night of a fortnight.
 जं० प०० ७, १५२: —**अणुलोम.** त्रि०
 (—अनुलोम) भ्रञ्जाने अनुद्रुत. इच्छा के
 अनुकूल. propitious to one's
 desires. भग० १, ३: पञ्च० ११:
 —(S) **अणुलोमिय.** त्रि० (—अनुलो-
 मिक) भ्रञ्जाने अनुद्रुत आशयार्. इच्छा
 के अनुकूल बोलनेवाला. (one) who
 speaks agreeably to one's
 desire. आया० नि० १, ४, १, २१८:
 —**काम.** पुं० (—काम) अप्रप्त वस्तु की
 आशंसा. अप्रप्त वस्तु का आकांक्षा
 desire of an unattained object.
 उत० ३६, ३: —**छंद.** पुं० (—छन्द)
 स्वच्छन्दपण्य: भ्रञ्जामुद्रय पर्याये ते स्वच्छं-
 दता: स्वच्छाचारव्य. wilful, wanton,
 action or behaviour. प्रव० १२१:
 —**पण्य.** त्रि० (—प्रणीत—दंष्ट्रियमनो-
 विषयानुकूला प्रवृत्तिरिहच्छा तथा विषयाभि-
 मुखमभिकर्मबन्धनवेगाराभिमुखं वा प्रकपेण
 नीतः इच्छाप्रणोतः) संसार पथे तेरी
 विषयानुद्ध्य प्रवृत्तिना प्राप्तार्थं धसजयैत.
 संगार बढ़ावा वा विषयानुकूल प्रवृत्तिके प्रवाह

में पड़ा हुआ. (one) drawn by
 activities favourable to sensual
 gratifications which prolong
 worldly existence. आया० १, ४,
 २, १३१: —**परिमाण.** न० (—परिमाण)
 भ्रञ्जानुं परिमाण—मर्यादा आंधरीते; पांचभुं
 अक्षुद्रत. इच्छा का परिमाण—मर्यादा करना;
 पांचवां अणुव्रत. limitation of de-
 sires; the 5th partial vow. डा०
 ५: —**मुक्ति.** स्त्री० (—मुक्ति) भ्रञ्ज-
 मुक्ति; भ्रञ्जाने त्याग इच्छा का त्याग.
 giving up, abandonment, of
 desires. भत्त० २०, —**लोभ.** पुं०
 (—लोभ—इच्छा अभिलाषः मावर्मा
 लोभश्च इच्छालोभः) भ्रञ्जोद्य लोभ
 लोभ. avarice in the form of
 desire. “ इच्छा लोमांउ उवहिमदर
 गांति” डा० ६: आया० १, ८, ८, २३:
 —**लोभिय.** त्रि० (—लोभिक—इच्छा लोभो
 यस्वामि स इच्छा लोभिकः) भ्रञ्जोद्य लोभः
 धर्षी उवधीयाके. महच्छावाला; बहुत
 उपाधवाला. highly ambitious or
 avaricious. डा० ५: —**लोल.** पुं०
 (—लोल) भ्रञ्जामोपण्य लोभः अन्यंत
 लोभ. अत्यंत लोभ. Excessive ava-
 rice. वेय० ६, १६:

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लुप्ता ‘इच्छ-
 कार’ शब्द. देखा ‘इच्छकार’ शब्द.
 Vide ‘इच्छकार’. उत० २६, ३: ओव०
 ११. उवा० १, ८१:

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लुप्ता ‘इच्छकार’
 देखा ‘इच्छकार’ शब्द. Vide ‘इच्छकार’
 प्रव० ७६९:

इच्छामित्त. न० (इच्छामात्र) भ्रञ्ज मातः
 युक्ति बिना कल्पना मात्र इच्छा मात्र;
 युक्ति बिना कल्पना मात्र. Mere desire

(without a plan to carry it out) सूय० १, ७, १६;

इच्छिय. त्रि० (इष्ट) भ्रष्ट; इच्छित. इच्छितः इष्ट. Desired; wished for. पि० नि० ३४२; आ० १८, ३२; उत्त० ३०, १०, जे० प० सु० च० १२, १२; विशे० २६५३; नाया० १: ५: १२; नाया० ५० भग० १, १: २, १: ६, ३३: ११, ११: ४१, १; उवा० १, १२: कप० १, १२: —**काम कामि.** त्रि० (-कामकामिन) भोगभोगी. भोग भोगकामि. मन चाहे भोग भोगनेवाला. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जे० प० २:

इच्छियन्. त्रि० (इष्ट्य) इच्छन्. उच्छा करना. Desiring. जे० प० ३, ५२; **इच्छुरस.** पुं० (इक्षुरस) शेरशर्करा रस. शर्करा का रस. Sugar-cane juice. क० गं० ७, ६५;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) इक्ष्माण कंपाद्यमान. Trembling. राय० ६४;

इज्जा. स्त्री० (इज्या) यागः देव पूजा. यागः देव पूजा. Worship of gods; a sacrifice. अणुजा० २३; उत्त० १२, २;

इज्जिस्. त्रि० (इज्ये—इज्यां पूजां इच्छति) इज्यति वा यः स इज्येयः) पूजनी अभि-क्षायार्थः. पूजा का अभिलाषा वाला. (One) desirous of worshipping gods. भग० ९, ३३;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) दीप्यमान. दीप्यमान. Being kindled or lighted. “ मंदायं मंदा इमे इज्जमाण ” राय०

इट्टा. स्त्री० (इष्टका) इट्ट. ईट. A brick.

अंत० ३, ८; विशे० १०८२; (२) भेषः आद्य विशेष. भेषः खाद्य विशेष. a particular variety of food; macaroni. पि० नि० ४६६;

इट्टया. स्त्री० (इष्टका) इट्ट. ईट. A brick. जीवा० ३, १;

इट्टा. स्त्री० (इष्टा) इट्ट. ईट. A brick. टा० ८: —**वाय.** पुं० (-पाक) इट्ट पक्का करने का स्थान. ईट पकाने का स्थान. a place where bricks are heated; a kiln. “ इट्टा वाण्डवा ” टा० ८:

इट्टाल. पुं० () इट्ट. ईट. A brick. “ होजकट्टं मिलं वावि इट्टालं वावि एगया ” दस० ५. १, ६२; पि० नि० भा० ४६;

इट्ट. त्रि० (इष्ट) प्रियः पदार्थः भोग्यमानः. प्रियः मनचाहा. Beloved; dear; desired. जे० प० २, ३०; पञ्च० १७, २३; टा० २, ३; आ० ३२; ३६; नाया० १: ८; ६: १४; १५: १६; विशे० २३; ६८; १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जीवा० १; सुय० २०; भग० १, १, २, १; १४, ५: ९: १५, १; १६, ३; पंचा० १२; उवा० १, ६; कप० ३, ४८: ६, १५५; निर० ३, ४; क० गं० १, ५०; —**अणिट्ट.** त्रि० (-अनिष्ट) भष्ट अने अनिष्ट. इष्ट और अनिष्ट. good and evil: desirable and undesirable. प्रव० ६३४; —**(द्रा)अनिष्ट.** (-अनिष्ट) इष्ट भष्ट अने इष्ट अनिष्ट: साइं नरसुं. भला बुरा; कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट. good and evil mixed up together. विशे० ५१५; —**खगइ.** स्त्री० (-खगति) शुभवि-दायोगति; आश्वानी गति. इष्ट गति. de-

sirable capacity of moving in space. क० प० ४, १४; —**गंध**. त्रि० (—गंध) सुगंध; सुगंधि — पदार्थ. सुगंध; सुगंधित पदार्थ. a fragrant substance. ओव० —**तथ**. पुं० (—अर्थ) इच्छित अर्थ; धर्म. इच्छित कर्म. desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७; —**फल**. न० (—फल) इच्छित फल. इच्छित फल. desired fruit. पंचा० ४, ३१; —**फलज**. गग. न० (—फलजनक) अभिमतार्थ-फल साधक. इच्छित फल देनेवाला. (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा० ३, ४७; —**फलसाधक**. त्रि० (—फल-साधक) इच्छित फल देने साधनार. इच्छित फल की साधना करने वाला. (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा० ४, ३३; —**फलसिद्धि**. स्त्री० (—फल-सिद्धि) इच्छित फल की सिद्धि. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा० ४, ३३; —**रूप**. त्रि० (—रूप) इष्ट छे रूप में प्रतीत. इष्ट रूप वाला. of a beloved, charming appearance. “**सुबाहु कुमार इष्टे इष्टरूपे**” विवा० २, १; —**सह**. पुं० (—शब्द) प्रिय शब्द; वीणा वगैरेना शब्द प्रिय शब्द; बाणा वगैरह का शब्द. sweet sound; e. g. that of a musical instrument. पञ्ज० २३; —**स्वर**. पुं० (—स्वर) मधुर-आरौ २५२. मधुर स्वर. sweet, pleasing, sound. क० प०

४, १४; —**सिद्धि**. स्त्री० (—सिद्धि) इष्ट-इच्छित वस्तु की सिद्धि. accomplishment of a desired object. पंचा० ४, ३१; —**सूय**. पुं० (—सुत) प्रिय पुत्र. प्रिय पुत्र. a beloved son. पंचा० ७, ३६; —**स्वर**. पुं० (—स्वर) प्रिय २५२. प्रिय स्वर. a pleasant sound. पञ्ज० २३; **इष्टतर**. त्रि० (इष्टतर) पधारि प्रिय; अति-प्रिय इष्ट. बहुत प्रिय; बहुत इष्ट. Extremely beloved; more pleasant. राय० जं० प० २, २०; **इष्टतरिआ**. स्त्री० (इष्टतरिका) अतिप्रिय इष्ट. बहुत इष्ट. Most desirable. जं० प० २, २२; **इष्टयर**. त्रि० (इष्टयर) पधारि प्रिय. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जावा० ३, ३; **इडुर**. न० (—) थोड़ा बड़ा. गाड़ा या गाड़ी. A small or big cart. ओघ० नि० ४७६; **इडिह**. स्त्री० (इडिह) समृद्धि; वैभव. समृद्धि; वैभव. Prosperity; wealth. (२) आभय-आपधि आदि शक्ति. आभय-आपधि आदि लक्ष्मि spiritual power. उत्त० २, ४४; २७, ६; दम० ६, २, ६; १०, १, १७; आब० ३८; सम० ६, ३०; विशेष० ४६६; निर० १, १; ओघ० नि० ४६८; नंदी० ४०; राय० ४१; नाया० १; २; ८; १६; पञ्ज० २; सु० च० १७, ६७; भग० १, २; ३, ६; ८, १; ६; पंचा० ६, १८; दमा० ६, २८; —**गौरव**. पुं० (—गौरव) नरेन्द्रादिकनी तथा आचार्यनी

ऋद्धिर्वा अभिमान इरी आत्माने आरे
 इरीते, तरेन्द्रादिक का तथा आचार्य का
 ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बंध
 करना, burdening the soul with
 the pride of the spiritual power
 of a preceptor or of the tempo-
 ral power of a king etc. डा० ३;
 गम० ३; आव० ४, ७; --**गारव्यउभाण.**
 न० (- गौरवः) ऋद्धिवा भद्रं ध्यान;
 दुर्ध्यानता अत्र प्रसार. ऋद्धि के मद का
 ध्यान; दुर्ध्यान का एक भेद, meditation
 upon the power of prosperity;
 a bad kind of meditation. आउ०
 —**पत्त** पुं० (प्राप्त) ऋद्धि-आभर
 आदि आपत्तिही प्राप्त श्रेयस. ऋद्धि, आमज
 आदि आपत्तियों को प्राप्त, one who has
 attained to spiritual or tempo-
 ral prosperity. पत्र० १; भग० १४, ६;
 --**पत्ताणुअंग.** पुं० (- प्राण्यनुयंग)
 आभर आपत्ति अदिनी प्रप्ति प्राप्ति
 व्याख्यान, आमज आदि आपत्तियों को
 प्राप्त का व्याख्यान, a discourse on
 the attainment of such spiri-
 tual prosperity or power as
 Āmosahi etc. विशेष १६५; --**पत्ता-**
रिय. पुं० (प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त श्रेयस
 आभर-अदिने, चक्रवर्ती, अरिहंत, चक्रवर्त,
 चारण मुनि अने विद्याधर. ऋद्धि प्राप्त
 आभर अर्थान आरहंत, चक्रवर्ती, बलदेव,
 वाग्देव, चारण मुनि, विद्याधर आदि. an
 Ārya who has attained to
 spiritual prosperity; Arihanta,
 Chakravarti etc. “ से किं इङ्गि-
 पत्तारिया कुविहा पयणत्ता तंजहा ” पत्र० १;
 —**संकारसमुदय** पुं० (- संकार समुदय
 — ऋद्ध्या-वन्न मृवर्णादिमपदा संकारः

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि
 इरीते संस्कारतो समुदाय. ऋद्धि से वस्त्रा-
 भरणादि द्वारा संस्कार का समुदाय, pre-
 sents of clothes ornaments etc.
 as a mark of honour. विवा० ३;

ईद्विमेव. त्रि० (ऋद्धिमेव) ऋद्धिवादा; समू-
 हितान. ऋद्धिवाला; समूहितान. Pros-
 perous; wealthy. डा० ५, २;

इणमेव. अ० (इदमेव) अदिष्ट. वही. The
 same. भग० २, १; ६, ५; १४, ७;
 २०, ६;

इणामेव. अ० (इदमेव) जुआ उपेक्षा शब्द.
 देवो ऊपरका शब्द. Vide above. पत्र०
 ३६;

इगिह. अ० (इदानीं) दमणी; अप्रुणा.
 अभी; अब. Now. स्य० २, ६, १;
 उत्त० १२, ३२; पि० ति० ६३४; सु० च०
 ३, ११३; विशेष १६८; नाया० ८;

इत्तल. पुं० (इतल) तृण विशेष. तृण
 विशेष. A kind of grass. भग०
 २१, ६;

इति. अ० (इति) जुआ “ इह ” शब्द.
 देवो “ इह ” शब्द. Vide “ इह ”
 दम० १, ५; नाया० ३; १६२; भग० १; ४;
 ७, २; १५, १; १६, ६; १८, ३; २५, ७;
 वव० १, ३७; ७, १७; दमा० ३, २२, २६;
 निमा० ५, ६६, १४, १२; क० ग० १,
 २५;

इतिहास. पुं० (इतिहास) प्राचीन शासनी
 इरीगत दर्शावतार इतिहास शास्त्र. प्राचीन
 काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र.
 History: narration of past
 events. भग० २, १; ओव० ३८;

इतो. अ० (इतो) अदीथी. यहाँ से. Hence:
 from this place. स्य० १, १, १,

१२; उत्त० ५, १७; ३४, १५; श्रौव० ३६;
राय० ५, २; सु० च० १, १०४; भग० १,
१; १४, ७; १६, १; विशे० ८७; पञ्च० १७;
क० प० १, १२; क० ग० ४, २१;

इत्तर. त्रि० (इत्वर) अल्प क्षात्रनुः अल्प
क्षात्र; अल्प समय का; किंचित् काल. Of a
short duration. सूय० १, २, ३,
८; विशे० २६; टा० ६; पंचा० १, ६;
—**परिगृह्या** स्त्री० (—परिग्रहा—इत्वर-
मत्सरमत्सरकालं वा परिग्रहा यस्याः सा
इत्वरपरिग्रहा) श्रेष्ठा वपन्तनुं माते अल्प
क्षेत्रः वैश्यादि. थोडे समय के लिये ग्रहण
का हुई; वैश्यादि. a woman accepted
for a short time: a harlot etc.
प्रव० २७, ८; —**परिगृहीतागमन** न०
(—परिगृहीतागमन) नानी डिमरली
परिग्रह स्त्री आर्थे गमन क्षुद्रः मैथुन सेवनं
ते; श्रावकना आर्थे व्रतने प्रथम अतिचार.
छोटी उमर का विवाहित स्त्री के साथ गमन
करना—मैथुन सेवन करना; श्रावक के
चौथे व्रत का प्रथम अतिचार. sexual
intercourse with a girl-wife; the
first Atichāra of the 4th vow
of a Jainra layman. पंचा० १, १६;
—**परिगृहीता** स्त्री० (—परिगृहीता)
नानी डिमरली परिग्रह स्त्री छोटी उमरकी
विवाहित स्त्री. a girl-wife. प्रव० २७, ८;
—**वास** पुं० (—वास) श्रेष्ठा निवास.
थोड़ा निवास, short stay or resi-
dence. सूय० १, २, ३, ८;

इत्तरिय. त्रि० (इत्वरिक) श्रेष्ठा वपन्तनुः
श्रेष्ठा समर्थनुः; अल्प क्षात्री. अल्प कालीन;
थोडे समय का. Lasting for a short
time: short-lived. पंचा० १०, ११;
श्रौव० १९; अणुसो० ११; पञ्च० १, १७;
उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७; वय० २, २४;

६, २०; निसां० २, ५६; १०, ५०; उवा० १,
४८; (२) पादोपगमन मरणानी अपेक्षाये
श्रेष्ठा वपन्तनुं क्षिति मरण क्षर्यं ते. पादोप-
गमन मरण का अपेक्षा से थोडे समय का
क्षिति मरण करना. accepting the
Ingita kind of death which is
speedier than the Padopa-
gamaana kind of death. आया०
१, ५, ६, २२२; उवा० वपनः गमनशील.
गमनशील leaving the nature to
go or move or pass away. उत्त०
१०, ३;

इत्तरी स्त्री० (इत्तरी) श्रेष्ठा वपन्तनुं माते
समर्थ वैश्या आदि. थोडे समय के लिये
रखा हुई वैश्या आदि. A woman
temporarily kept e. g. a harlot
etc. पंचा० १, १६;

इत्ति. अ० (इति) मैथुं इतिरिति आ प्रक्षरे.
इस प्रकार का; इस तरह. Thus: in
this way; in that way. आया०
१, १, १, १३; अणुसो० १२;

इत्तय य. त्रि० (एतावत्) अल्प प्रमाण
प्रमाणः अल्प-निमित्त प्रमाण इत्तय.
इत्तये प्रमाण का; अल्प निमित्त प्रमाण
का. That much, this much;
उत्त० ३०, १८;

इत्थ. अ० (अत्र) अल्पिआः आलिः आ
क्षेत्रे यहाँ; इस स्थानपर. Here: in
this place इस० १, ४, १; आया० १,
२, ६, १८३; वैय० ३, २०; पि० नि० भा०
२१; भग० ११, १; नाया० ६; १७; ज० प०
वय० ४, १०;

इत्थं. अ० (इत्थम्) अल्पी शीते; आ प्रक्षरे.
इस प्रकार से. In this way; thus.
नाया० १: ७; ६; ११; पञ्च० २;

इत्थंस्थ. त्रि० (इत्थंस्थ) साधारण, आशु-
रहित; साक्षि संस्थानवाले. लोकप्रसिद्ध
आकार में रहा हुआ; लोकिक संस्थानवाला.
Remaining in a common shape;
possessed of ordinary con-
figuration of body. “ इत्थंस्थ च
नयइ मध्वमो मिह वा हवइ म्यामण ”
दग्ग ६, ४: २, ३:

इत्थि स्त्री (स्त्री) स्त्री; नारी. स्त्री; नारी.
A woman दत्त० १, १६: नाया० १,
६: भग० ३, ४: १०, १, क० गे० १,
२२: २, ३०: —आगमणी स्त्री
(—आजापनी) स्त्री अर्थात् स्त्रियों
के आगमन के लिये स्त्री का आदेश करने की
बुलाव का भाषा a form of address
to a woman to call her. पञ्च २:

कम्म. न० (—कम्म) स्त्री अर्थात् स्त्रियों
के लिये काम. स्त्री का वश करने का काम
the work of bringing a
woman under control. मय० १,
४, १३: (२) इत्थंस्थमं पण्डितं आशु
अनुश्रव. इत्थंस्थमं आशु पाप पुण्य कार्य
a sinful action like self-abuse
etc. मय० १, ६, १३: कला. स्त्री
(कला) स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का
कला: ६४ प्रकार का स्त्री कला any of
the 64 accomplishments of a
woman. जे० पञ्च २: —कलेवर. न०
(—कलेवर) स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का शरीर.
the body of a woman. “ इत्थि
कलेवरणं तविरणसु च बहुमाणो ” पंचा०
१, ४६: —कहा. स्त्री (—कथा) स्त्री
अर्थात् स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का कथा. चार
विकथाओं में का एक
कथा. talk about women; one
of the four irreligious kinds of

talk. “ इत्थि कहा चउविहा पणनता
नंजहा ” दग्ग १, २: मय० ४: —काम
पुं० (काम) स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का काम.
स्त्री का कामना: स्त्री सम्बन्धी
काम भोग enjoyment of women;
desire for sexual pleasures.
“ एवमेव ते इत्थिकामेहि मुच्छिया ” मय० २,
२, ३१: दग्ग १०, ३: —कामभोग. पुं०
(कामभोग) स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का कामभोग.
स्त्री सम्बन्धी कामभोग sexual enjoy-
ment; enjoyment of women.
“ एवमेव ते इत्थिकामभोगाह मुच्छिया
गिद्धा ” मय० दग्ग २, १, १०: दग्ग
६, १: —कुलस्थ. न० (कुलस्थ)
स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का कुलस्थ. कुलस्थ
स्त्री: मातादि. a noble woman; a
mother etc. नाया० ३: भग० १६,
१०: —गगा. न० (—गगा) स्त्री अर्थात्
स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का गगा. a group
of women; a crowd of women.
“ नो इत्थिगगाणं सेवित्ता भवइ ” दग्ग ४:
—गव्व. पुं० (गव्व) स्त्री अर्थात् स्त्री अर्थात्
स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का गव्व. a group
of women; a crowd of women.
पुत्रल पिंड. foetus; embryo. भग०
१, ४: —गुग्ग. न० (—गुग्ग) स्त्री अर्थात्
स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का गुग्ग. a bevy of
ladies “ इत्थिगुग्गपरिवुड ” दग्ग १०:
—चोर. पुं० (चोर) स्त्री अर्थात् स्त्री अर्थात्
स्त्री अर्थात् स्त्री स्त्री का चोर. परस्त्री लपट.
one enamoured of
the beauty of the wives of
others. पन्ह० १, ३: —द्राण. न०
(—स्थान) स्त्री अर्थात् स्त्री अर्थात् स्त्री
स्थान. स्त्री जहाँ उठे बैठे वह स्थान. a
place frequented by women.
“ नो इत्थिद्राणं सेवित्ता भवइ ” दग्ग

६; —**णाम. न०** (-नामन्) स्त्री स्त्री रूपे जन्म लेवे। पडे तेवी नामकर्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पडे. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —**णाम गोय कम्म. न०** (-नामगोत्रकर्मन्) स्त्रीना गोत्रभां-जतिभां जन्म लेवे। पडे तेवुं कर्म. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female. नाया० ८; —**तित्थ. न०** (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेउ मल्लीनाथ तीर्थकरनुं तीर्थ-शासन. स्वरूप से जन्मे हुए मल्लीनाथ तीर्थकर का शासन. the canon of Mallinatha Tirthankara who was born as a female. टा० १०; —**दोस. पु०** (-दोष) स्त्रीना दोस-अवगुण. स्त्री के दोष अवगुण. the faults of a woman; the defects of a woman: “ इत्थि-दोसं सिकणो होति ” मय० १, ४, १, १५; —**पच्छाकक. वि०** (पश्चात्कृत) देतेवुं स्त्रीपणुं पाळत करवुं छे-उतावुं छे ते. जिनमे स्त्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह. (one) who has banished female birth. भग० ८, ८; —**पगणवणी. स्त्री०** (-प्रजा पनी) स्त्रीना ललानुं प्रतिपादन करेवाउ मोहजनक भाषा. स्त्रीके लक्षण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पन्० ११; —**परिसह. पु०** (-परिपह) स्त्री, संभोगांता परिपद; डाऊ स्त्री संयमथी अभाववा लाय भाव करे तो पणुं अक्षित न थयुं ते: २२ परिपदभांता ऐक. स्त्री संवेधी परीपद: कोई स्त्री, संयम से विचलित करने

के लिये हाव भाव करे तो भां विचलित न होना; २२ परीपदों में का एक परीपद. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parīṣahas. भग० ८, ८, उत्त० २, १; —**परिसह विजय. पु०** (-परिपहविजय) अशान्तवासभां अभुइ थणुं इषावी स्त्री आवी, अनेउ प्रशरना लायभाव इटाई वगेरेथी परिपद आये जतां पणुं मन न उगावीने परिपदपर विजय भेसववे। ते. एकान्त-वास में कोई बहुत रूपवान स्त्री के आने और हाव, भाव, कटाज करनेपर भां मन को चलित न होने देना और परिपद विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place. भग० ८, ८; —**पोसय. पु०** (पोषक—स्त्रियं पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) स्त्रीनि भरण पोषण इच्छुं पडए. स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष. a person who main- tains a woman. मय० ३, ४, १, २०; —**भाव. पु०** न० (-भाव) इटाई संदर्शर वगेरे स्त्रीना लाय भाव, कटाज, संदर्शन आदि स्त्री के हाव, भाव. amorous move- ments, glances etc. of a woman. “ मोहुम्मायजण्णाहं सिगारि- याहं इत्थिभावाहं उवदमेमाणां ” उवा० ८, २४६; —**गज्ज. न०** (-राज्य) स्त्रीनि राज्य: स्त्री जयां स्वतंत्रपणे वनें छे ते. स्त्री का राज्य: जहाँ स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करती है वह. petticoat government. “ अज्जा अवारियाओ इत्थिरजं न ते गच्छ ” गच्छा० १, ६२; —**रयसु. न०** (-रस) अक्षयतिनीं भुज्य पट्टराणुं; अक्षयतिना १४ रत्नभांतां ऐक रत्न. चक्रवर्ति की मुख्य

पट्टराणी; चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत्न. the principal queen of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३, ६८; पञ्च० २०; भग० ५, ५; ठा० ७; —रूप. न० (-रूप) स्त्री स्वरूप; स्त्री का स्वरूप. स्त्री का आकार. the form of a woman; the shape of a woman. तंडु० —लक्षणा. न० (-लक्षण) सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री की लक्षण; ७२ कलाओं की एक कला. the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया० १; आ० ६०; (२) अंतु प्रतिपादन करना ५५. इस का प्रतिपादन करने में लगने वाला पाप. the sin arising from explaining the above; (३) अंतु अंक अध्ययन. धृत का एक अध्ययन. name of a chapter of scriptures सू० २, २, ३०; —लिंग. न० (-लिङ्ग स्त्रियों लिङ्ग स्त्रीलिंग) स्त्रीलिंग; स्त्री शरीर. स्त्रीत्व; स्त्री जाति. womanhood. पञ्च० १. —लिंगसिद्ध. पुं० (-लिङ्गसिद्ध) स्त्रीपण्डित सिद्ध धनुं ते स्त्री अपमं भोक्षन्तु ते. स्त्रीत्व में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोक्ष जाना. attainment of salvation in the condition of womanhood. पञ्च० १; —वउ. स्त्री० (-वाच्) स्त्रीलिंग प्रतिपादक वचन; माता शाखा धत्यादि नारी जतिना शब्द स्त्रीलिंगा वचन—शब्द; माता, शाखा आदि स्त्रीलिंगा शब्द. a word in the feminine

gender; feminine gender. पञ्च० ११; —वयण. न० (-वचन) स्त्रीलिंग वचन—नारी जतिना शब्द; वीणा, कथा आदि. स्त्रीलिंगा शब्द. feminine gender; a word in the feminine gender. आया० २, ४, १, १३२; पञ्च० —वस. पुं० (-वश) स्त्रीने वश; स्त्रीना कथ्यमाना गयेल. स्त्री के वश; स्त्री के आधीन. a hen-pecked man; one who is under the control of a woman. “ इत्थि वसंगया बाला ” सू० १, ३, ४, ६; —विग्गह. पुं० (-विग्रह) स्त्री शरीर. स्त्री का शरीर. the body of a woman. आया० २, १, ३, १२; दस० ८, २४; —विणवणा. स्त्री० (-विज्ञापना) युवतिने भोगमाटे प्रार्थना अर्पण करनी ते. युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना. courting the affection of a young woman for enjoyment. सू० १, ३, ४, १०, ११, १२; —विप्पजह. पुं० (-विप्रजह) स्त्रीना त्यागी; स्त्रीने त्याग करना. स्त्री का त्यागी; स्त्री का त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. “ नारीसु नोवगिज्जका इत्थि विप्पजहे अणगारे ” उक्त० ८, १६; —विप्परियासिय. न० (-विपर्यासित) स्वप्नमां स्त्री साथे भोग भोग्या होय ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह. enjoyment of a woman in a dream. आ० ४, ४; —विसह गेहिअ. त्रि० (-विषय गृह) स्त्रीना विषय सुखमां गृह थयेल. स्त्री के विषय-सुख में गृह. (one) greedy of sensual enjoyments with women. दसा० ६, ११, १२;

—वेद. पुं० (-वेद) स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म-
नी ऐक प्रकृति; स्त्रीने विकार थाय ते. स्त्रीवेद;
मोहनीयकर्म की एक प्रकृति. स्त्री को जो
विकार होता है वह. desire or
feeling particular to a woman;
a variety of Mohaniya-karma.
सम० २१; जीवा० १; उत्त० ३२, १०२;
—वेदगं. पुं० (-वेदक) स्त्रीवेदना
उद्दयवाला जीव. स्त्री वेद का उद्दयवाला जीव.
a soul with feminine feeling
or inclination. भग० २, २; २६, १;
—वेदय. पुं० (-वेदक) ज्योतिषोपयोगी
शब्द. देखो उपर का शब्द. vide
above. भग० ६, ३१; —वेय. पुं०
(-वेद) स्त्री वेद; स्त्रीने पुरुष साथे भोग
भोगयवानी प्रवृत्ति थाय ते. स्त्री वेद; स्त्री
को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा
होना. desire on the part of a
woman for sexual pleasure. क०
प० ७, २६; जीवा० १; भग० २, ५; उत्त०
३२, १०२; (२) जेना उद्दयवाली स्त्रीवेद
प्राप्त थाय जेनी नोकषाय मोहनीयनी ऐक
प्रकृति. नोकषाय मोहनीय की एक प्रकृति
जिसके उद्दय से स्त्रीवेद प्राप्त हो. a variety
of the 9 minor deluding faults
entailing feminine inclination.
रत्न० २३; (३) स्त्री भोग संगंधी
विषयजुं प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र; काम
शास्त्र. स्त्री भोग संबन्धी विषय का प्रति-
पादन करनेवाला शास्त्र; काम शास्त्र.
sexual science. सूय० १, ४, १, २२;
—वेयग. पुं० (-वेदक) ज्योतिष 'इत्थि-
वेदग' शब्द. देखो 'इत्थि वेदग' शब्द. vide
'इत्थिवेदग' भग० ६, ३; ४; टा० ४,
०; —वेयगण. पुं० (-वेदक) स्त्री वेद-
स्त्री यस्त्रिभां निपुण; स्त्रीवेद-कामशास्त्रने

ज्योतिषशास्त्र. स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण; काम
शास्त्र जाननेवाला. one expert in
sexual science; one who knows
the characteristics of women.
सूय० १, ४, १, २०; —संकलिष्ट. त्रि०
(-संक्लिष्ट) स्त्रीने दीधे क्लेश पावेन. स्त्री के
कारण कष्ट पाया हुआ. (one) troubled
on account of a woman. प्रब० १२०;
—संग. पुं० (-सङ्ग) स्त्रीने संग; स्त्रीनी
संगत. स्त्री की संगति. company of
a woman. सूय० टा० २, २, २६;
संपक्क. पुं० (-सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग
करेवा ते. स्त्रीसंयुध स्त्री के साथ संगर्ग
करना सो; स्त्रीसमागम. companionship,
contact, with a woman. सूय० टा०
२, ४, १, १३; —संवास. पुं० (-संवास)
स्त्री साथे भोग भोगकरेवा ते. स्त्रीके साथ भोग
भोगना. enjoyment of pleasures
with a woman. सूय० टा० १, ४, १,
१०; —संसर्ग. पुं० (-संसर्ग) स्त्रीने
संसर्ग. स्त्रीका संसर्ग. contact with
a woman. दस० ८, ५७; —संसक्त.
त्रि० (-संसक्त) स्त्री साथे संगत करेवा.
स्त्री का संग किया हुआ (one)
attached to or in love with a
woman. टा० १०; —सद्भा. स्त्री०
(-श्रद्धा) स्त्रीमां श्रद्धा-विश्वास राखवे ते.
स्त्री में श्रद्धा-विश्वास-रखना confidence
or trust in a woman. सूय० टा०
१, ४, १; २४; —सहाय. पुं०
(-स्वभाव) स्त्रीने स्वभाव. स्त्रीका स्वभाव.
woman-nature. सू० च० ४, १६७,
सूय० टा० १, ४, १, २०; —सागा-
रिय. त्रि० (-सागारिक) जेमा स्त्री
रहेती होय ते स्थान. जिसमें स्त्री रहती हो वह
स्थान. an apartment for women.

“ नो कम्पइ निगंथाणं इत्थिसागरिणं उव-
स्सणं वत्थणं ” वेय० १, २५, २६, २७, २८:
इत्थिका. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. स्त्री. A
woman. दसा० १०, ४:

इत्थित्त. न० (स्त्रीत्व) स्त्री पदार्थ. स्त्री पत्नी;
स्त्रीत्व. Womanhood. दसा० १०, ४:

इत्थिपरिगणा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) ऐनामनुं
सुययग्रांशं सुयनुं आशुं व्यप्ययत्. इमं नाम
का नृयगटांग मत्र का बोधा अभ्याय. The
4th chapter of Sūyagadāṅga.
सम० २३:

इत्थियलक्खण. न० (स्त्रीकलक्षण) दात
भाव आदि स्त्रीणा लक्षण. स्त्री के हाव, भाव
आदि लक्षण. A characteristic
mark of a woman; e. g. glances,
sportive gestures etc. नाया० १:

इत्थिया. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री; पत्नी स्त्री;
पत्नी: A woman; a wife. डा० ४, २;
प्रव० ८६०; भग० १५, १; दसा० १०, ३:
इत्थी. स्त्री० (स्त्री) स्त्री; पत्नी. स्त्री; पत्नी.

आरत. A woman; a wife. क० मे०

४, २६; क० प० २, ८४; ८५; ५, ४५; “मे

किंते इत्थीओ २ निविहाओ पणत्त ओ ”

नाया० ८; सम० ६; जावा० १; अणुजा०

१२८; श्रीव १६; डा० ३, १; दसा० ७, १;

आया० १, ६, २, ८; उत्त० ३०, २२;

३६, ४६; ५२; निर्मा० ७, २१; ६, ६; पन्न०

१; मु० न० ४, १५४; दया० ५, २, २६;

६, ६६; पि० नि० १६२; भग० २, ५; ५,

४, ६, ३; १६, ६; १८, ४: —कलेवर.

न० (कलेवर) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का

शरीर. female body. पंचा० १, ४६:

—कहा. स्त्री० (—कथा) आ० वि० कथांति

अ० ३. स्त्रीकथा: चार विकथा में की एक
one of the four Vikathās; talk
about women. आव० ४, ७: —काम.

पुं० (—काम) स्त्री संयुधी काम भोग. स्त्री
सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoy-
ment. प्रव० ८४०: —मुत्त. न०

(—गोत्र) स्त्री गोत्र; स्त्री गति. स्त्री गोत्र;
स्त्री जाति. womankind. दस० ७, १७;

—पच्छाकड. त्रि० (—पश्चात्कृत) जु०

“ इत्थि पच्छाकड ” शब्द. देखो “ इत्थि-

पच्छाकड ” शब्द. vide “ इत्थि पच्छा-

कड ” भग० ८, ८; —परिवुड. त्रि०

(—परिवृत) स्त्री वि० घेरा. स्त्री से घिरा

हुआ. surrounded by women.

निर्मा० ८, १०: —मज्झगय. त्रि०

(मध्यगत) जु० “ इत्थि मज्झगय ”

शब्द. देखो “ इत्थि मज्झगय ” शब्द.

vide “ इत्थि मज्झगय ” निर्मा० ८, १०:

—रयण. न० (—रत्न) जु० “ इत्थि

रयण ” शब्द. देखो “ इत्थि रयण ” शब्द.

vide “ इत्थि रयण ” ज० प० पन्न० १:

—रूव. पुं० (रूप) जु० “ इत्थि

रूव ” शब्द. देखो “ इत्थि रूव ” शब्द.

vide “ इत्थि रूव ” वे० ५, १; भग०

३, ४: —वड. स्त्री० (—वाक) जु०

“ इत्थि वड ” शब्द. देखो “ इत्थि वड ”

शब्द. vide “ इत्थि वड ” पन्न० ११:

—वेअ य. पुं० (—वेद) स्त्रीने यती

पुरुष समागमनी अभिलाषा. स्त्री का होता

हुआ पुरुष समागम की अभिलाषा. the

desire of sexual intercourse

on the part of a woman. डा० ६,

१; पन्न० २३; उत्त० २६, ५: —वेद. पुं०

(—वेद) जु० ३५० शब्द. देखो

ऊपर का शब्द. vide above. भग०

२०, ७: —वेदग. पुं० (—वेदक) जु०

“ इत्थि वेदग ” शब्द. देखो “ इत्थि

वेदग ” शब्द. vide “ इत्थि वेदग ”

भग० ६, ३१; ११, १; २४, १; २५, ६:

३५, १; —संसक्त. त्रि० (—संसक्त) स्त्रीभां आसक्त. स्त्रीसे आसक्त. attached to a woman; in love with a woman. निसी० ८, १०; —सहाव. पुं० (—स्वभाव) लुओ “इत्थि सहाव” शब्द. देखो “इत्थि सहाव” शब्द. vide ‘इत्थि सहाव’ सु० च० ४, १६७;

इत्थीतिथ्य. न० (स्त्रीतिथ्य) १६ भा मल्लीनाथ स्त्री रूपे द्वां छत्तां तीर्थ प्रवर्तान्यु ते; दश अछेराभांनुं वीजुं अछेई. स्त्री तीर्थकर; १६वें तीर्थकर मल्लीनाथ; १० अछेरे (आश्चर्यजनक बात) में से एक. the 3rd of the 10 Achherās (i. e. wonderful events); viz the founding of a Tirtha (religious community) by the 19th Tirthankara Mallinātha who was a woman. प्रव० ८६२;

इत्थिपरिज्ञा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) सुयगडांग सूत्रना योथा अध्ययननुं नाम के त्रेमां स्त्री-ओ साधुओने केरी रीति इसावी दुःखी हरे छे तथा साधुये तेनाथी कम अथनुं ते विपेने उपदेश तथा समञ आपराभां आवी छे. सुयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि स्त्रियां साधुओं को किस प्रकार फंसाकर दुःखां करतां हैं और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Sūyagaṅga dealing with the ways in which women entice and entrap Sādhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. सुय० १, ४; २, २२; सम० १६;

इदानीं. अ० (इदानीं) एभाणां अदुणा.

अभी. Now at this time. भग० ३, १; ११, ११; १४, ६; नाया० २; सु० प० १६; उवा० १, ६६;

इदुर. न० (इदुर) संज्ञा. बड़ी टोपली. A large basket. अणुजो० १३२; (२) मोटी पाट. बड़ा पाट-लकड़ा का बैठने का पाट. a large wooden seat राय०

इन्दि. अ० (इदानीम्) अधुना; दये. अब. इस समय. Now; at this time. प्रव० ३४६;

इब्भ. पुं० (इब्भ) नंदरा द्रव्यथी अप्पादी सहित दाथी दंडाय नेटसा द्रव्ययासा अद्वय इतने द्रव्यवाना गृहस्थ कि जिकके द्रव्य मे अवादी सहित दाथा ठंक जाय. A man possessed of wealth, enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back पञ्च० १; १६; ओव० १४, २४; टा० ६; भग० ६, ३६; अणुजो० १६; ३१; राय० २७३; जावा० ३, ३; जं० प० नाया० ५; —कुल. न० (—कुल) सादु-कारनुं इव. माहकार का कुल. a wealthy family. नाया० ७; —जाइ. स्त्री० (—जानि) आर्य जाति आर्य जाति. the Ārya or civilised race. “हरिया चंचुणा चैव छुब्भेया इब्भजाटो” टा० ६; —मेट्टि. पुं० (अट्टिन्) नगर भेट. नगर भेट; नगरभर का मुखिया भेट. the chief merchant prince of a town. नाया० ७, १६;

इभ. पुं० (इभ) दाथी. हस्ती; दाथा. An elephant. जं० प० २; कप० ३, ३३;

इम त्रि० (—इदम्) आ. ओ; प्रत्यक्ष. यह; प्रत्यक्ष. This; that. ओव० ३१; वव० २, २२; २३; २६; ७, ४; १८; दसा० १,

३, ५, १, २, ३, १६; निरी० ६, ४; विशेष० २६८; म० प० १, ६४; ३, १३८; भग० ५, १; ८; ६; पञ्च० १५;

इमं चण. अ० (इमं चण) अत्रिभाभिः ते इत्येतान्; अत्रिभाभिः; इत्येतान्; इत्येतान् समय में. During that time; mean while. अत्रि० ३, ८; नाया० १, ५; १३; १४; १६;

इमेयारूच. त्रि० (एतद्रूप) अप्रिभारुचः अप्रिभाभिः. इस प्रकार; इस तरह. In this way; thus. नाया० ३, ७; ८; १२; १३; १४; १६; विना० ७; दसा० १०, ३; वय० २, २३; उवा० १, ६६; ३, १३८; ४, १५१; काप० ५, १०३; भग० २, १;

इमेरिस. त्रि० (ईदृश) अप्रिभारुचः अप्रिभाभिः. इस प्रकार का; इसके समान. Of this sort; of this nature. “ इमेरिस मरणायारं आवज्जह अवोर्हयं ” दसा०

इय. अ० (इति) अप्रिभारुचः अप्रिभाभिः. इस प्रकार में; इस तरह में. Thus; in that way. नाया० १; दसा० ६, २१; पि० नि० २०१; म० च० १, ६४; विशेष० ७४; ३६०२; आया० १, २, ३, ७७; १, ६, २, १८३; उवा० ७, २१६; पञ्च० २; पंचा० ४, ३२; क० गं० १, ५, २६; ३०, ६१; (२) अभाभिः समाभिः a word marking conclusion. दसा० ६, ४६; नाया० ६; पि० नि० ३७६; क० गं० १, २५, ३, ८;

इयगिह. अ० (इदानीं) दसा० ३, ३; Now; at this time. टा० ३, ३;

इयग. त्रि० (इतर) अत्रिभाभिः; अन्यः भिन्न. दूसरा; अन्यः भिन्न. Another; different; other. पञ्च० २१; विशेष० २६; ७५; आया० १, ६, २, १८४; नाया० ५;

११; म० प० ११; पि० नि० भा० ७; म० च० १, १; काप० १, ३; क० गं० १, ८; पंचा० १, ६; —कुल. न० (कुल) अत्रिभाभिः; अन्य कुल. another family; different family. “ इयरेहि कुलोहि ” आया० १, ६, २, १८४; —भेद. पुं० (भेद) अत्रिभाभिः; भेद. अन्य भेद; दूसरा भेद. another difference; another variety. विशेष० ६७;

इयगन्ध. अ० (इतरत्र) अत्रिभाभिः; दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere. विशेष० १२८;

इयगविह. त्रि० (इतरविध) अत्रिभाभिः; अप्रिभारुचः. अन्य प्रकार का. Of another sort; different. क० गं० १, ८;

इयगहा. अ० (इतरथा) अत्रिभाभिः; नदि ते. अन्यथा. In another way; other-wise. सन० ३६; प्रव० १४८१;

इयगि. अ० (इदानीम्) दसा० ३, ३; Now; at this time. आवा० ३६; नाया० १, ५; १३; १४; १६; १६; भग० १, ४; ६; ७, ६; १४, २; राय० २५२; आया० १, १, ४, ३५; जे० प० ७, १४१; काप० ४, ६३;

इयाल. त्रि० (एकचत्वारिंशत्) अत्रिभाभिः; इकतालीसवा संख्या. Forty-one: 41. “ चउक पंचग मंजोगेण इयाले भगसयं भवति ” भग० २०, ५;

इर. धा० II. (इर) प्रेरणा करनी. प्रेरणा करना. To impel; to incite. (२) गमन करनी. गमन करना. to go. इरेट. विशेष० १०६०;

इरिय. त्रि० (हरित) प्रेरणा करनी. प्रेरितः गति कराया हुआ. Made to go; prompted. विशेष० ३१४४;

इरियज्झक्खण. न० (ईर्याध्ययन) आचारंग सूत्रनी प्रथम अध्यायं त्रीज्जुं अध्ययत्. आचारंग सूत्र का प्रथम चूलिका का तीसरा अध्याय. The third chapter of the first Chūlikā of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, ३, १, ३०५;

इरियट्ठ. त्रि० (ईर्यार्थ) ईर्या-विशुद्धि अर्थ. ईर्या अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking. डा० ६;

इरिस्रा-या. स्त्री० (ईर्या) गमन क्रियाः उपयोगपूर्वक आचरणं ते; समितिना येक प्रकाश. गमन क्रियाः उपयोगपूर्वक चलनाः समिति का एक शब्द. Carefulness in walking; a variety of Samiti or carefulness. आया० १५; भग० २, १: ३, ३; पि० नि० ६३२; उल० २४, २: ४; उवा० १, ७८; —**अममिति. स्त्री० (-अममिति)** ईर्यासमितिना अभावः ईर्यासमिति का अभाव. Lack of carefulness in walking. भग० २०, २; —**वह. पुं० (-पथ)** गमन मार्ग. जाने का मार्ग, a way or road to go by. भग० ३, ३; ११, १०; डा० —**वह किरिया. स्त्री० (-पथ क्रिया)** गमन क्रिया विशेष. गमन का क्रिया विशेष. A kind of Karma arising from walking. डा० ५; —**वहिस्रा. त्रि० (-पथिक)** तेरहुं क्रिया स्थानकः समिति गुप्ति युक्त यत्नायं साधुने दावतां यत्नतां आचरन्ती पांपणु हलानतां योग निमित्ते क्रिया प्राप्ते ते. तेरहवां क्रिया स्थानकः समिति, गुप्ति युक्त यत्नावान् साधु को हलान चलन करने या आख के पलकों को हलाने पर योग के अर्थात् मन वचन, काय के कर्म के निमित्त से जो कर्म बंध हो वह. the 13th source

of Karma (Kriyā-sthānaka); a Karma incurred by a careful and well-restrained Sādhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc. सम० १३; सूय० २, २, १६; २३; —**वहिय बंध. न० (-पथिकबन्ध)** गमनक्रिया श्री साधने ईर्यं येध. गमन का क्रिया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग० ८, ८; —**समिद्ध. स्त्री० (समिति)** आचरणमां यत्नं संपत्ती ते; पांच समिति-भांती पांचा समिति. चलने में यत्नाचार रचनाः इस प्रकार गमन पूर्वक चलना जिनसे जीवों को बाधा न हो; पांच समिति में जो पाँहवां समिति. carefulness in walking; the first of the 5 Samitis. डा० ५, ३; ८; काप० ५, ११३; —**समिय. त्रि० (समित)** यत्न पूर्वक आचरताः ईर्या साधने युक्त. यत्नाचार पूर्वक चलने-वालाः ईर्या समिति का पालन करनेवाला. (one) walking with care and attention. आया० १; ५; १४; १६; भग० २, १; १२, १; १८, २; २०, २; दगा० ५, ६;

इरियावहिस्रा. स्त्री० (ईर्यापथिका) इरिया-वही क्रियाः ११-१२-आंत १३ में गुणस्थाने उपशान्तमोहदे दांजुमोहवाता साधुने ईर्या योग निमित्त सातायेदन्तीय ईर्ये रूपे ईर्यं येध थाय ते. दास्यावही क्रियाः ११, १२ और १३ वें गुणस्थान में उपशान्त मोह या क्षीण मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त से साना वेदनाय कर्म रूप जो बंध हो वह. Irīyāvahī Kriyā: i. e. Karmic bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (Guna Sthāna) arising from Kevala yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower; (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.)

टा० २, १; आव० ४, ३; प्रव० ७८; भग० १, ६०; ३, ३; ६, ३; ८, ८; १८, ८; नाया० १६; वेश० ३, १६; दम० ५, १, ८८; — किगिया. स्त्री० (क्रिया) लुप्तया विपरीत शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २, १, ३;

इला. स्त्री० (इला) नन्दपर्वतमांजुं अथ क्षेत्र. जंबुद्वीप में का एक क्षेत्र Name of a region in Jambu Dvīpa. जं० प० टा० ४; (२) इलावर्धन नगर की अथ देवी. इलावर्धन नगर का एक देवी. name of a goddess of the town of Ilāvardhana. जं० प० (३) पश्चिम अथ पर्वत उपर रहेनारी अथ दिशा अथ। पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी. name of a Disakumārī residing on the western Ruchaka mountain. जं० प० — कूड. न० (कूट) श्रुत हिमवत पर्वत उपर महादेवीना वासवागुं यागुं शिखर. चूल हिमवत पर्वत का चौथा शिखर जहां इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chula Himavanta mountain where the goddess Ilā resides. टा० ४; जं० प० (२) शिखरी पर्वतना ११ श्रुतमांजुं नवमं श्रुत शिखर. शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवां शिखर. the ninth of the 11 summits

of the Sikkharī mountain. टा० ४; जं० प०

इला देवी. स्त्री० (इला देवी) पश्चिम अथ पर्वत पर रहेनारी अथ दिशा कुमारीमांजी पर्वती. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली अथ दिशा कुमारीमांजी से मे पहिली दिशाकुमारी. The first of the eight Disakumārīs residing on the western Ruchaka mountain. निर० ४, १; जं० प० ५, ११४; — कूड. न० (—कूट) लुप्तया " इलाकूड " शब्द. देखो ' इलाकूड ' शब्द. vide ' इलाकूड ' जं० प० २, ११४;

इलापुत्र. पुं० (इलापुत्र) इलावर्धन नगरना अथवाशी अथ देवीना पुत्र अथवाशी कुमार के अथ नरदीमां वृद्ध अथ द्रुत अर्थात्ती अथ अथो दतो पय पाण्डवती आध पाणी दीक्षा तीर्थी दती. इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक मेठ का पुत्र. एलाची कुमार जो कि एक नरती पर लुब्ध होकर कुल जाति में भ्रष्ट हो गया था और पांडु में बांधको पाकर दान्तिन हुआ. Elāchi Kumāra a son of a merchant of Ilāvardhana town; he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk. जं० प०

इलावज्ज. पुं० (इलापति) अथवापत्य जात्रतो प्रदाशक अथि पुत्र. एलापत्य नामक गोत्र का अथि पुरुष. The progenitor of the family called Elāpatya. नंदो०

इलावज्जण. न० (इलावर्द्धन) इलाची पुत्रजुं निवास स्थान; इलावर्धन नगर. इलाची पुत्र का निवास स्थान; इलावर्धन नगर.

The residence of Ilāchīpatra viz the town called Ilāvar-dhana. जं० प०

इलिया-आ. खी० (इलिका) अर्थः अन्न; योआ पगेरे धान्यमां पडतो अन्न इति।
इलीः चामल वगैरह धान्यों में होनेवाला एक काँडा। A worm found in rice and other grains. विशेष० ४३०;

इली. खी० (इली) इरथातः ये धारवाली तलवार. दो धारवाली तरवार. A double edged sword. पगगा० १, ३;

इव. अ० (इव) पेः परेः इति; साक्षः।
तुल्यः सदृश्य. Like: as. सम० ३०;
दमा० ६, १; नया० १; ३, ८; १५, १६, १८;
दस० ६, ६६; ६, २, १२; भग० ८, ३३; १६, १, २५, ७; आया० १, ५, १, १४२; ओव० १५; उवा० २, १, २; क० ग० १, ३६, ५२;

इसणा. खी० (इपणा) अन्वेषणाः इष्ट वस्तुमां प्रवृत्ति अते अनिष्ट वस्तुमां त्यागशुद्धि।
इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग बुद्धि. Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false. आया० ३, ६, १, १२७;

इमि. पुं० (ऋषि) ऋषिः ज्ञानवान् साधुः।
मुनि. ऋषिः ज्ञानवान् साधुः मुनि. A sage; a saint; an ascetic.
“ इमीण येदं तह वडमाणे ” मय० १, ६, २२; २, १, ६०; जं० प० ३, ५७; पत्र० २; ओव० ३६; दस० ६, ४७; भग० ६, ३४; १६, ३; अणुवां० १२८; ठा० २, ३; उत० १२, १६; २८, ३६; राय० २६६; जं० प० ३, ५७; —परिमा.

खी० (परिपत्) अतिशय ज्ञानवाता ऋषिओली परीपद-सम. अतिशय महान ज्ञानवाले साधुओं की सभा. an assembly of highly enlightened saints.
भग० ६, ३३; दमा० १०, १; —वंस.
पुं० (—वंश) गणेश्वर सिखायना तीर्थक्षेत्रना शिष्योली वंश. गणेश्वर के सिखाय तीर्थक्षेत्रों के शिष्या का वंश the lineage of the disciples of Tirthan-karas, excepting the Chapp-dharas. () ने वंशज प्रतिपद इत्ये शब्द सम तयें पगेरे उक्त वंश का प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र समवायों वगैरह. the scripture e. g. Samavayanga etc. dealing with the above. सम० २;

इमिगणिआ. खी० (ऋषिगणिका) ऐ नामना अनार्य देशमां जन्मेन हान्नी. इस नाम के अनार्य देश में जन्मा हुआ टामा। A female servant born in a non-Aryan country of the name. जं० प० भग० ६, ३३ ओव० ३३;

इमिगुत्ति. पुं० (ऋषिगुप्त) वशिष्ठ अथवा अद्वितीय अथवा ऐक्य शिष्य।
वशिष्ठ गोत्र के मुहम्मद आचार्य के एक शिष्य शिष्य. Name of a Thivara disciple of the preceptor Subhastin, of the Vasiṣṭha family (२) ऐ नामजुं भाज्यगणजुं प्रथम इति. इस नाम का माणवगण का प्रथम कुल-नाम of the first family of Maṇavagana. “ अरेहितोणे इमि गुत्तेति वासिष्ठसगोत्ते हि ” कप० ८;

इमिगुत्ति. न० (ऋषिगुप्ति) ऐ नामजुं भाज्यगणजुं तीर्थक्षेत्र इति. माणवगण में निकले हुए कुल का नाम. Name of a

family-offshoot derived from
Mānava (Gana. कण० ८;

इमिण. पुं० (इमिण) अ नान्यो अन्ध
अनार्य देश. एक अनार्य देश का नाम.
A non-Ārya (uncivilised)
country of this name. नाया० १:

इमिणिया. स्त्री० (इमिनिका) अमिण नामक
अनार्य देशकी स्त्री. इमिण नामक अनार्य
देश की स्त्री. A woman of a non-
Ārya country (uncivilised
country) named Isian पञ्च० १:
नाया० १:

इमिदन्तिय. पुं० (ऋषिदन्तक) शिशुभ
धियरथी भाग्यस्वयं नीक्षित श्रीजन्तु इव.
ऋषिगुप्त स्याविर मे निकला हुआ मनवगण
का दूसरा कुल. The 2nd Mānava-
gana lineage starting with
the saint Risigupta. कण० ८;

इमिदाम. पुं० (ऋषिदाम) आत्यन्तेश्वरात्
सुतना जित वर्गना जित अध्ययनं नाम.
अगुनरोववाट मत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे
अध्याय का नाम. Name of the
third chapter of the third
section of Anuttaravai
Sutra. (२) इ इदी नगरी निगरी
भद्रामार्थवादीना पुत्र के वंश दीक्षा इदी १५
जंग भाषी ७२ ७२५ पाण्डुनी प्रतिजा
वत् ७७५ वरुणी प्रवन्त्या पात्री अन्ध
भायन्ता संशारे इरी अर्थशिक्षि विमानभां
उत्पन्न थया, त्यांथी अन्ध अन्तार इरी
भाक्ष पामशे. काकंदी नगरा निवास भद्रामार्थ-
वादी का पुत्र, जिसने कि दक्षिण लेकर १५
अंग पड़े, और प्रत्येक छद्म २ (दो २ अनशन)
का पारणा करनेकी प्रतिजा ली और बहुत वर्षों
तक प्रवजा का पालन कर अन्त में एक मास
का संशारा किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्धि

विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां में
एक भव और पारण कर मोक्ष जावेगा
name of a son of the mer-
chant Bhadrāsāthavāhī of the
city of Kākandī. He took
Dikṣa, studied 11 Aṅgas, took
a vow to take food after every
two fasts, practised asceti-
cism for many years and after
a Santharā (giving up food
and water) for one month
was born in the heavenly
abode called Sarvārtha Siddha
whence after one birth he
will get salvation अगुनो०
३, ३: — **इम्ययण.** न० (अध्ययन)
आत्यन्तेश्वरान्ध सुतना जित वर्गना
जित अध्ययनं नाम. अगुनरोवपातिक
मत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का
नाम. name of the third chap-
ter of the third section of
the Anuttaropapātika Sūtra.

इमिदिगण. पुं० (ऋषिदिग) अत्यन्तेश्वरात्
अत्यन्तेश्वरात् आद्य अवसरपिनी पांचमा
तीर्थक्षः समतिनाथ प्रमुना समशरीना
जंबुद्वीप के एरावतक्षेत्र के वर्तमान अव-
सरपिनी काल मध्यन्धा पांचवें तीर्थक्षः
समतिनाथ स्वामी के समकालीन The
5th Tirthāṅkara (contem-
porary of Lord Sumatinātha) of
the present Avasarpinī in the
Airavatākṣetra of Jambū-
dvīpa. सम० प० २४०; (२) इदीक्ष-
इक्ष्वाक्यार्थना थविर शिष्य. कोटिक काक-
न्दकार्य का स्याविर शिष्य. name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कण० ८;

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) पांचमा वामुदेवना त्रीज्य पूर्वजन्तुं नाम. पांचवें वामुदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम. Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva. सम० प० २३६: (२) इसिवाय जनिता व्यंतर देवना ईंद्र. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya. टा० २;

इसिभद्रपुत्त. पुं० (ऋषिभद्रपुत्र) आलंबिका नगरीना मुख्य श्रावक. आलंबिका नगरी का मुख्य श्रावक. The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, ९२;

इसिमासिय. न० (ऋषिभाषित) ऋषिभाषित नामनुं अष्ट शक्ति श्रुत के अंशों में तीर्थंकर आदिनी स्तुति करेय छे. इस तेना विच्छेद श्रुत गया छे. ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिस में कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है. वर्तमानमें इस श्रुत का विच्छेद हो गया है. Name of a Kālika Śruti (not extant) scripture containing the praises of Tirthankaras etc. सम० ४८: विशेष० १०७५; नंदी० १३: (२) त्रि० ऋषिमुनिअ इंद्रेय उत्तराध्ययन पत्रेना अध्ययनो. ऋषि-मुनि द्वारा कहा हुआ उत्तराध्ययन वर्गह का अध्याय. chapters of Uttarādhyaṇa etc. narrated by ascetics. विशेष० २२६४;

इसिभासियञ्जयण. न० (ऋषिभाषिताध्ययन) प्रश्नव्याकरणदशानं ३० अं अध्ययन.

प्रश्नव्याकरणदशा का तीसरा अध्याय. The third chapter of Praśnavyākaraṇa Daśā. टा० १०;

इनिया. स्त्री० (ईपिका) घासनी सत्री. घासकी सलाई. A blade of grass. “ केइ पुरिसे मुंजाओ इसिये अभिग-वाहता ” सूय० २, १, १६;

इमिवाइ. पुं० (ऋषिवादिन) वायव्यंतरीना ११ वीं जातिना ११ वीं जाति. वायव्यंतर की सोलह जातियों में की ११ वीं जाति. The 11th of the 16 classes of Vāpavyantara hell-gods. पञ्च० २: ओव०

इमिवाइय. पुं० (ऋषिवादिक) ओ३आ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. ओव० २४: पगह० १, ८:

इमिवाल. पुं० (ऋषिपाल) ओ३आ ‘इमिपाल’ शब्द. देखो ‘इमिपाल’ शब्द. Vide “ इमिपाल ” पञ्च० २: टा० २, ३;

इमिवालिय. पुं० (ऋषिपालिन) इसिवाय जनिता व्यंतर देवना ईंद्र. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. The Indra of the Isivaya Vyantara kind of hell-gods. ओव० (२) माइय शांती आदेशान्तिमिनिद्रता स्थविर क्षिप्य. माइय गोत्र के आदेशान्तिमानक के स्थविर क्षिप्य. the Sthavira disciple of Ārya Śantisānika of the Mātharasa family. (३) तेना उपर्युक्ती नीक्रेय शाखा. उक्त गोत्र पर मे निकता हुये शाखा. a lineal branch from the above. “ थोरहिता अज्जु इमिवालिया माहा गिगया ” कण० ८;

इसीपञ्चभारा. स्त्री० (ईपञ्चभारा) ओ३आ ‘इसिपञ्चभारा’ शब्द. देखो ‘इसिपञ्चभारा’

शब्द. Vide “ इमिपदभाग ” पत्र० २;
आव० ४३;

इस्म. पु० (ऐष्मन्) अविद्य, क्षय, भविष्य
कालः आगामीकालः. The future time.
विशे. ४०८.

इस्मर. पु० (ईश्वर.) दक्षिणता भूतवादी
भूतना अन्तर्देवताना ईश. दक्षिण के
भूतवादी जाति के देवों का ईश्वर.
Indra of the Bhutavadi kind
of Vyantara gods of the south.
पद्य. २. (२) मूर्तिपुः सुन्दरः अमन्य
मानः मूर्तिपुः सरदारः सामान्य राजा an
owner; a lord; a king. जीवा ३
३. पत्र० १. १: दया० १. १३: १४:
— चाट. पु० (चाटन) ईश्वर अथवा ईश्वरी
दे. ईश्वरी चाटन ईश्वर जगत् कर्ता दे.
इस प्रकार चाट करने वाला one who
holds that God is the creator
of the universe. गय० टीका १. १.
२, ४:

इस्मरिय. न० (ऐश्वर्य) ईश्वरी भद्रता.
ऐश्वर्यः समृद्धिः बृहत्तम. Power:
wealth; greatness. पत्र० २३:
अगुजो० १३१: उच० १८. ३२: प्रव०
१०७०: विशे० १०८८: — **मय य. पु०**
(मद्) ईश्वरी भद्रता ईश्वरी संपत्ति वशदेवता
भद्र. ऐश्वर्य-समृद्धि वर्गरह का मद्. pride,
intoxication, of power, wealth
etc. गम० ८: टा० ८: — **मद्. पु०** (मद्)
व्युत्पन्न उपेक्षा दातृ देवता ऊपर का शब्द
vide above. गम० ८. १: — **मिद्धि**
पु० (-मिद्धि) ईश्वरी सिद्धि प्राप्ति.
ऐश्वर्य की प्राप्ति. acquisition of
power and wealth. मय० १. १,
३, १५:

इस्मरीकय. त्रि० (ईश्वरीकृत) भूतवादी

नशी तेन भूतवादी भूतवादी. जो भूतवादी न
हो उसे भूतवादी बनाया हुआ. (One)
raised to power and wealth.
गम० २१: दया० १. १३:

इस्मा. स्त्री० (ईर्ष्या) अदेवार्थ. अदेवार्थः
ईर्ष्या: दुर्गम का वैभव मान आदि गहन न
होना. Envy; jealousy. उच० ३४. २३:

इह. अ० (इह) अर्थात्: यहाँ. यहाँ.
यहाँ: इस लोक में. Here: in this
world. गम० २२: संदी० ४५: नाया० १:
३: ६: ४: ८: १५: १६: भग० १. १:
२. १: ३. २: ४. ३: ५: ६. ४: ६. ४: ८: ८:
१८. ४: मय० १. १. १. ४: आया० १. १,
१. ३: दम० ४: ६, ३. १५: दया० १. ३:
विशे० ४१: निर्मा० १. १२: क० गे० १.
३. २१. २. १४: जे० प० ४. १३३: — **गय.**
त्रि० (गय) अर्थात्: यहाँ. यहाँ रहता हुआ.
standing here; remaining here.
नाया० अ० भग० २. १: ६. १: ७. ३: ८:
जे० प० ४. १३३:

इह. अ० (इह) अर्थात्: यहाँ. Here. भ०
य० १४. ३४:

इह. अ० (इह) अर्थात्: यहाँ. Here.
आया० १. १. १. १: नाया० १. २: ४: ६:
१५: १६: १७: प० नि० २१३:

इहत्थ. त्रि० (इहार्थ-इहैव जन्मन्यर्थः प्रयोजनं
यस्य) अर्थात्: यहाँ जन्मने वाला.
इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला.
(One) desirous of the happi-
ness of this world. टा० ४, ३:

इहभव. पु० (इहभव) यहाँ भवः या जन्मः
मनुष्य जन्म यह भवः यह जन्मः मनुष्य
जन्म. This life; this world;
human birth. नाया० ४: ७: ६: १३:
१५: १८: भग० २. ४:

इहभाविय. त्रि० (इहभाविक) आभव संबंधी; आ भवमां रहै तेषुं. इस भव संबंधी. Pertaining to, belonging to, this birth. भग० १, १; ६; ५, ३; —**आउय.** न० (-आयुष) आ भवतुं आयुष्य. इस भव संबंधी आयु. duration of life in this birth. भग० १, ६; ५, ३; —**चरित.** न० (-चारित्र) आ-भव-गन्-भनुं चारित्र. इस जन्म का चारित्र. the right-conduct of this birth. भग० १, १; —**ज्ञाण.** न० (-ज्ञान) आ भवमां रहै ऐतुं ज्ञान. इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान. knowledge remaining with the possessor in this birth. भग० १, १;

इहरहा. अ० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा. Otherwise; in another way. पंचा० १०, २२;

इहरा. अ० (इतरथा) अन्यथा; अलि रति. अन्यथा; दूसरी तरह से. Otherwise; in a different way. विशे० १-६; सु० च० ७, २८४; पि० नि० ४६१; पंचा० २, ३०;

इहलोइय. त्रि० (ऐहलौकिक) आ लोड संबंधी. इस लोक सम्बन्धी. Pertaining to this world. भग० ६; आया० १, ६, २, ६; २, ११, १७०; —**परलोइय.** त्रि० (-परलौकिक) आ लोड अने परलोडनुं इस लोक और परलोक का. pertaining to this world and the next world. ठा० ३;

इहलोग. पुं० (इहलोक) आ लोड; आ गन्मः मनुष्यभव. यह लोक; मनुष्यभव; वर्तमान जन्म. This world, this birth; human birth. पि० नि० २६५; दस० ६, २, १३; उवा० १, ५७; —**आसंसाप्रयोग.**

पुं० (-आसंसाप्रयोग) आ लोडमां तुं राजा थाउं इत्यादि भव्या करपी ते; संथारा-नो प्रथम अनिचार. इस लोक में मैं राजा बनूं, इत्यादि इच्छा करना; संथारा का प्रथम अनिचार. desire of being a king in this world and such other desires; the first step of violation of Santhāra. उवा० १, ५७; —**पडिणीय.** त्रि० (-प्रत्यनीक) भनुं-लोड संबंधी कामभोगथी विरुद्ध वर्णन पंथाग्नि तापस वगैरे; अथवा मानुषिक कामभोगमां उपद्रव करतार; अथवा मनुष्य भव-संबंधी विपरीत पद-पञ्चा करतार. मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पंचाग्नि तापस वगैरह; अथवा मानुषिक कामभोग में उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्रवृत्तियाँ—विरुद्ध वर्णन करने वाला. (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life. ठा० ३; —**पडिवड.** त्रि० (-प्रतिबद्ध) आ लोडमां भवेत्तः आ भवता भोगमां लपटाइ गेयत्त. इस लोक में संसार में लुप्त; इस भव के भोगों में तन्त्रान. plunged or steeped in the pleasures of this world. ठा० ४, ४; —**पारुत्तिअ.** त्रि० (परत्र-हित) आ लोड अने परलोडनुं हित. इस लोक और परलोक का हित. benefit or welfare of this world and the next world दस० ८, ४४; —**भअ.**

पुं० (-भय) मनुष्य तिर्यचादिदृष्टी उत्पन्न भयं भयः सात भयभानुं भेदः प्राणियो-
मनुष्य तिर्यचादिकों मे उत्पन्न भय उर.
fear arising from the beings
(men, animals, etc.,) of this
world. गम० ७: दा० ७, १: —**व्ययण**.
पुं० (वेदन) आ वेदना सुखेना अनु-
भूतः इय लोक के सुख का अनुभव. ex-
perience of the happiness of
this world. आया० १, ४, ४, १४८:

व्ययणवेज्जा. त्रि० (वेदनवेय) आ भय-
भांश्च वेदनाथी वेदना भय तेषु दुर्गैः प्रसन्न
अपत्तिश्च भयभातिना भात इत्येव पश्येथी
आपत्ति दुर्गैः इय भय में हा वेदने मे -
भोगने मे भोगा जाय - ऐसा कर्मः प्रसन्न
सर्गति का भी बिना इच्छा के केवल काया
के योग मे बांधा हुआ कर्म. (Karma)
the result of which can be ex-
hausted (borne) in this world.
(Karma) incurred by an er-
ring ascetic without special
desire, merely by the weak-
ness of the flesh. आया० १, ४:
४, १४८: —**व्ययण वेज्जा वडिय**. त्रि०
(वेदन वेद्यापातित-इहाम्मिन लोके जन्मनि
वेदनमनुभवममिहलोकवेदनं तेन वेद्यमनु-
भवनीयमिहलोकवेदनं वेद्यं तत्रापानिमिह-
लोकवेदनं वेद्यापानिमम्) आ भयभांश्च

भोगवाञ्छा भयं अतुं कर्मः भयभा विना भात
इत्येव पश्येथी कर्म अंधाथ ते. इय भय मे
हा भुगता जाय, ऐसा कर्मः बिना इच्छा के
केवल काया के योग मे जिस कर्म का बंधन
हा वह. (Karma) the result of
which is exhausted (borne)
in this very birth incurred
without volition, through
weakness of the flesh. आया० १,
४, ४: १४८: —**संवैगिणी**. स्त्री० (संवेगिनी)
आ संसारं २४३५ नापत्तिने वैराग्य पभाय
वेदी द्या. ऐसा कथा जिसमे संसार स्वरूप
जन कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creat-
ing disgust towards this world
by showing its worthlessness.
दा० ४:

इहलोग. पुं० (इहलोक) अनु० 'इहलोक'
शब्द. देशो 'इहलोक' शब्द. Vide
"इहलोक" निर्मा० १७, ३४: नाया० २:
५: १७: १८: सू० च० ४, ६७: —**भय**
न० (-भय) आ वेदनां तिर्यच मनुष्य
दृष्टेथी भयं भय. इय लोक का भय.
fright caused by beings in this
world e. g. by men, brutes, etc.
प्रव० १३३४:

इह. अ० (इह) अतिष्ठ. यहाँ हा.
Here: in this very place. नाया०
१: ८: ६: १४: १६: भग० ३, २: १४, १:

इह.

ईश्र. स्त्री० (ईति) उपद्रवः विप्र.

Disturbance; obstruction. ओव०

ईह. स्त्री० (ईति) अतिवृष्टि अनारुष्टि आदि

उपद्रव. अतिवृष्टि अनारुष्टि आदि उपद्रव.

A calamity such as excess of
rain, drought etc. प्रव० ४५०:

ईति. पुं० (ईति) १ स्वयंकेल्य; २ परस्वयं-
ल्य, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ विदर,
६ तीक्ष्ण अने ७ शुष्क ये सात धृति उल्लेख्य
छे. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र-
भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अना-
वृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ टिड्डी, और ७ शुष्क यह
सात प्रकार के भय हैं. A calamity;
a disturbance: it is sevenfold;
(1) from friends (2) from ene-
mies (3) from excessive rain (4)
from drought (5) from locusts
(6) from parrots and (7) from
rats. जं० प० १, १०; सम० ३४; —बहुल
त्रि० (-बहुल) जेभां स्वयंकेल्य अथवा
धृति प्रणी लेख्य ते. जिसमें स्वचक्र भय
आदि भय बहुत हो. that which is
full of calamity, disturbance,
from friends etc. जं० प० १, १०;

✓ **ईर.** धा० I, II (ईर्) प्रेरणु करी.
प्रेरणा करना. To prompt; to direct.
“ईरन्ति” दस० ६, ३६;

ईरिय. त्रि० (ईरित) प्रेरणु करेत्; इतिदेशः
हलापेक्ष. प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ;
हांका हुआ. Prompted: directed.
“समीरिया कोट्वाल् करिन्ति” सूय० १,
४; २, १६; (२) उल्लेख; प्रतिपादन करेत्.
कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ. told:
explained. आया० १, ६, ४, १६२;

ईरिया. स्त्री० (ईरिया) लुग्या “ईरिया” शब्द.
देखो “इरिया” शब्द. Vide “ईरिया”
आद्य० नि० ७४८; आद्य० ४१; —समिह.
स्त्री० (-समिति) लुग्या “इरियासमिह”
शब्द. देखो “इरियासमिह” शब्द. vide
“इरियासमिह” सम० ५; ठा० ८, १;

ईस. पुं० (ईश) ईश्वर; ईश्वर. God; lord
पञ्च० २;

ईसकल. त्रि० (ईशाकल-ईश ईश्वर इत्याख्या
प्रसिद्धिर्देया) ईश्वर-नायक तरीके जेनी प्रसिद्धि
लेख्य ते. ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर
जिसका प्रसाद हो वह. (One) famous
as a leader, or commander.
जावा० ३;

ईसणिया. स्त्री० (ईशानिका) ईशान देशमें
जन्म लेनेवाली. ईशान देश में जन्म
लेनेवाली. A maid-servant born in
the country of Īśāna. नाया० १;

ईसन्ध. न० (इन्ध) धनुर्विद्या; ध्यान
धरने अने धनुर्धरा धनुर्धर अनायकानी
उर. इशानांनी अथवा इशाना. धनुर्विद्या; युद्ध
संबंधी शास्त्र; धनुर्धरा के बहुत और
बहुत सेना के धनुर्धरा बतलानेवाला उर.
कलाओं में की एक कला. Science of
archery; one of the 72 arts viz.
that of causing a large army to
appear small and vice versa.
नाया० १; पण० १, ५; जं० प० २; सम०
आद्य० ४०;

ईसर. पुं० (ईश्वर) ईश्वर; परमेश्वर. ईश्वर;
परमेश्वर. God. आया० २, २, ३, ४६;
पंचा० १७, २५; (२) भाविक; धर्मी;
नायक. भाविक; सरदार; स्वामी; नायक.
lord; master; commander. कप०
२, ८३; निर० ३, ४; जं० प० ३, ४३;
नाया० ४; ५; १४; आया० २, ७, १, १४५;
(३) युवराज. युवराज. an heir-appa-
rent. नाया० १; अणुजो० १६; (४)
सामान्य भाविक शब्द. सामान्य भाविक
राजा. a king; a chief अणुजो० १६;
(५) अमल; प्रधान. मंत्री; प्रधान; कारभारी.
a minister; chief minister.
अणुजो० १६; (६) श्रीमंत; श्रेष्ठ; श्रीमान;
धनी; मेठ. a wealthy person;

lord of wealth. विशेष० १४४१; सम० ३०; (७) लवण समुद्रनी मध्यभां उत्तर दिशाये भृश्वर नामेना महापाताल कलशे। लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश। an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ocean in the north. जीवा० ३, ४; डा० ४, २; सम० ४२, (२) भूतवादि व्यन्तर देवता इन्द्र. भूतवादी जाति के व्यन्तर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādi. डा० २, ३; (६) अणिमादि ऋद्धिवालो; समर्थ. अणिमादि ऋद्धिवाला; समर्थ. powerful; possessed of Yogic powers like Anima etc. पञ० १६; (१०) यथा तीर्थक्षरता यक्ष देवतां नाम. चोथे तीर्थकर के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa deity of the fourth Tirthānkara. प्रव० ३७५; —**कार-शिअ**. त्रि० (-कारणिक) भृश्वरे जगतनुं क्षरण्य मानतार वर्ग; जगत्कर्तृत्ववादी. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग; जगत्कर्तृत्ववादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. सूय० २, १, २५; —**प्रभिइ**. त्रि० (-प्रभृति) भृश्वर प्रभृति आदि. ईश्वर प्रभृति-आदि. God etc. जं० प० ३, ४२;

ईसरिअ-य. न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्य; मोटाप; संपत्ति. ऐश्वर्य; बड़प्पन; संपत्ति. Greatness; wealth; power. अणुजो० १३१; —**मद्**. पुं० (-मद्) लुओ 'इस्सरियमअ' शब्द. देखो 'इस्सरियमअ' शब्द. vide "इस्सरियमअ" डा० ८, १;

ईसरी कअ. त्रि० (ईश्वरीकृत) भृश्वर-धनाढ्य नदि तेने धनाढ्य करवाभां आवेल. जो धनाढ्य नहीं हो उसे धनाढ्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth. सम० ३०;

ईसा. ली० (ईर्ष्या) अदेआअ. अदेखाई; ईर्ष्या; दूसरे का वैभव आदि सहन न होना. Jealousy; envy. सु० च० १५, ६७;

ईसा. ली० (ईशा) इन्द्राणीनी अन्दरनी सभा. इन्द्रानी की भीतरी सभा. The private or inner council of Indrāṇī. डा० ३, २; (२) वाण्यन्तर इन्द्र की अन्तरंग सभा. the inner council of the Indra of Vāṇavyantara gods. जीवा० ३, ४;

ईसाण. पुं० (ईशान) भृशान नामे आगे देवलोड. ईशान नामक दूसरा देवलोक. The 2nd heavenly world so named. जीवा० १; ओव० २६; डा० २, ३; सम० १; नाया० ध० १०; अणुजो० १०६; भग० २, १, १८, ७; नाया० १; विशेष० ६६५; जं० प० ५, ११८; ७, १५२; (२) ओ देवलोडना निवासी देवता. ईशान देव लोकवासी देव. a god residing in the above world. कप्प० २, ८४; पञ० १; क० गं० ५, ४३; (३) भृशान देवलोडना इन्द्र. ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called Īśāna. नाया० ध० ६; पञ० २; सम० ३२; डा० २, ३; भग० ३: १; १७, ५; (४) भृशान नामे १६ भुं मुहूर्त. ईशान नामक १६ वां मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time). सम० ३०; (५) ओड अडे-

रात्रिना २४ मुहूर्तमांनुं ११ मुं मुहूर्त.
 एक अहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां
 मुहूर्त. the 11th of the 24 Mu-
 hūrtas of a day and a night.
 सू० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १५२;
 (६) भशान डालु-भुल्लो. ईशान कोण.
 the north-east. ओष० नि० भा०
 २७६; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) भशान देव-
 लोकतो छन्द. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र.
 Indra of the heaven named
 Īsāna. भग० ३, १; —देव. पुं० (-देव)
 श्रीग्न भशान देवलोकता देवता. दूसरे
 स्वर्ग के देव. a god of the 2nd
 heavenly world, named Īsāna.
 भग० २४ १२;

ईसाण कप्प. पुं० (ईशानकल्प) श्रीग्न
 देवलोक. दूसरा स्वर्ग-देवलोक The 2nd
 heavenly world. नाया० १६; नाया०
 घ० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईसाणग. पुं० (ईशानक) श्रीग्न भशान
 देवलोक वासी देवता. ईशान नामक दूसरे
 देवलोकवासी देव. A god residing in
 the 2nd Devaloka styled Īsāna.
 उत्त० ३६, २०८, जं० प० ५, ११८;

ईसाणवडिसय. पुं० (ईशानावतंसक) भशान
 देवलोकमांनुं सौथी भोटुं विमान; भशाने-
 न्द्रनुं मध्यनुं विमान. ईशान स्वर्ग का सब से
 बड़ा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान.
 The largest abode of the
 heavenly world called Īsāna;
 the middle or central abode of
 Īsānendra. भग० ३, १; ४, १; १७, ५;

ईसाणअया. स्त्री० (ईशानिका) भशान
 डालु; भशान भुल्लो. ईशान कोण; ईशान
 नामक विदिशा. The north-east
 quarter. भग० १०, १;

ईसानोष. पुं० (ईर्ष्यादोष) ईर्ष्या रूप दोष.
 ईर्ष्या रूपी दोष. The fault of jea-
 lousy or malice. दसा० ६, १५;

ईसालु. त्रि० (ईर्ष्यालु) ईर्ष्या वाला. ईर्ष्यालु;
 ईर्षी वाला. Jealous; malicious.
 प्रव० ८००;

ईसि. अ० (ईषत्) थोटुं; अल्प; अन्त. थोड़ा;
 कुछ; जरा; किंचित्. A little. नाया० २;
 ११; सु० च० १३, ४०; ठा० ८, १; पञ०

ईसि. अ० (ईषत्) मुग्धा उपलो शब्द. देखो
 ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३,
 ४; विशेष १२४६; ओष० नि० ७२७;
 भग० ३, १; ५, २; पञ० २; १७; सम०
 ३४; ओष० नाया० ६; ८; १६; ठा० ३, १;
 राय० ६३; दसा० ७, १; पंचा० १२,
 ६; कप्प० २, १४; जं० प० ५, ११२; ११२;
 —ओठवलंबि. त्रि० (-ओष्ठावलम्बिन्)
 थोटुं के द्वारा अल्पव्यय करनेवाला. ओठ को
 थोड़ासा अवलंबन करने वाला. touching,
 resting on, the lips a little. पञ०
 १७; —तंबच्छिक्करणी. स्त्री० (-नाम्नाच्छि-
 क्करणी) थोड़ीक दात आंख करनेवाली (स्त्री).
 कुछ लाल आंख करनेवाली (स्त्री). (a
 woman) making the eyes a
 little red. पञ० १७; —तुंग. त्रि०
 (-तुङ्ग) उंचक उंच्यु. कुछ ऊंचा. a little
 high; somewhat high. जं० प० ६;
 —दंत. पुं० (-दन्त) थोड़ा दांत वाला.
 थोड़े दांतों वाला. (one) having a
 few teeth or having scanty
 teeth. ओष० —दंत. त्रि० (-दन्त)
 थोड़ी शिक्षा पायेला दांती. थोड़ी शिक्षा पाया
 हुआ हाथी. (an elephant) scantily
 trained. जं० प० ३; —पग्भार. पुं०
 (-प्राग्भार) थोटुं कुछ थवुं-नभयुं ते.

कुछ नमना; कुछ नम्रीभूत होना. bending a little. पंचा० १८, १६; —पद्भार-
नय. त्रि० (प्राग्भारगत) थे० दु०७७-
नभेक्ष. कुछ नमा हुआ. bent a little;
somewhat bent. पंचा० १८, १६;
—पुरेवात. पुं० (-पुरोवात) ७२१३ पूर्वतो
वायु. जरासा पूर्व का वायु. wind
which is a little in front. नाया०
११; —पुरेवाय. पुं० (-पुरोवात) थे०३ पूर्व
दिशाने वायु. कुछ पूर्व दिशा की हवा. a
little eastern wind. नाया० ११;
भग० ४, १; —मत्त. त्रि० (-मत्त)
यावनती शङ्खातवादा थे०३ उन्मत्त-दाथी
वगैरे. यावन का प्रारंभिक अवस्था वाले
थोड़े उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant
etc.) somewhat intoxicated on
account of the budding of
youth. जे० प० ३; ओव० —रहस्स.
(हस्व) थे०३ ८२५ अक्षर-अक्षर-उत्स-
श्रु. कुछ हस्व अक्षर अ-इ-उ-अ-लु वगैरह.
any of the five short vowels -
अ-इ-उ-अ-लु. “ईसिरहस्सपंचक्खर उच्चारण
द्वारा ” ओव० —वोच्छेदकडुइ. स्त्री०
(-व्यवच्छेदकडुका) पंथी पंथी थे०३
पथन तन्तु ६३५३ आपनारी. पाने
के थोड़ी ही देर बाद तुरंत ही कटु लगने
वाला. anything that tastes bit-
ter immediately after it is
drunk. पञ्च० १७;

ईसिपद्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा ईषत्प्रा-
ग्भारो महत्त्वं रत्नप्रभाषेक्षया यस्याः सा)
सिद्ध शिवा; भुक्ति शिवा; सिद्ध शिला;
मोक्ष शिला. The place of abode
of perfected souls or Siddhas;
Siddha-Silā. अणुजो० १०४; ठा०
४, ८, १; ओव० ४३; पञ्च० २; भग०

६, ७; ८, ३; १२, ५; १४, १०; १६, ८;
२०, ५;

ईसिपद्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) सिद्ध शिवा;
भुक्ति शिवा. सिद्ध शिला; मोक्ष शिला;
मोक्ष स्थान. The place of abode
of perfected or liberated souls;
Siddha-Silā. भग० ३, १;

ईसिय. त्रि० (ईषत्) थे०३; अक्ष. थोड़ा;
अल्प; कुछ. A little; scanty.
नाया० ११;

ईसी. स्त्री० (ईषत्) सिद्ध शिवानुं अनेक नाम.
सिद्ध शिला का एक नाम. One of the
names of Siddha-Silā or the
abode of perfected souls. ओव०
४३;

ईसीपद्भारा. स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) ओव०
‘ईसिपद्भारा’ शब्द. देखो ‘ईसिपद्भारा’
शब्द. Vide “ईसिपद्भारा” सम०
१२; उत्त० ३६, ५७; प्रव० ६०६;

✓ ईह. धा० I. (ईह्) भृ०७७; भृ०७७.
इच्छा करना; चाहना. To wish; to
desire.

ईहइ-ति. उत्त० ७, ४; मु० च० ८, ४५;

ईहिउण. मं० क० विशेष० २६७;

ईहिअ. सं० क० विशेष० २६८;

ईहमाण. व० क० उत्त० २६, ३३;

ईहिजह. क० वा० विशेष० २६८,

ईहा. स्त्री० (ईहा) विचारणा; आलोचना;
अवग्रह तथा पंथी ते आभ छे के तेम
अपनी विशेष विचारणा करवी ते; मतिज्ञान-
तो गीने भेद. विचारणा; आलोचना;
अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ
हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा
कहलाता है; मतिज्ञान का दूसरा भेद.
Dealing with perception to
arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा० ४, ४५; ओष० ४०; विशेष० १७८; ३६६; पञ्च० १२; ओष० नि० ६२; नाया० १: ८; भग० ८, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय० १०६; नदी० २६; मम० ५; २८; कप्प० १, ७; क० ग० १५; (२) भृश विशेष. एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया० १: ८;

ईहापोह. पुं० (ईहाव्यूह) डिहापोह; तर्क वितर्क. ऊहापोह; तर्क वितर्क; शंका समाधान. Full consideration of the pros and cons. (२) संग्राम-युद्ध-नीति; ऐक्य मतनी व्युद् रचना. युद्ध नीति; एक तरह का व्यूह रचना. science of war; a kind of military array. नाया० १; जं० प० ३, ७०;

ईहामि. स्त्री० (ईहामति) ईहामि मति-विवारणा; मतिज्ञानतो ऐक्य भेद. ईहारूप मतिज्ञान. मतिज्ञान का एक भेद. One of the varieties of Matijñāna; stage next to perception i. e.

reflection to arrive at judgment. ठा० ४, ४; ६, १; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) अवग्रह पक्षी विचारणा इत्येवैते रूप मतिज्ञाननी संपत्ति. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान का संपत्ति. the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived, to form a judgment. दगा० ४, ३५;

ईहामिग. पुं० (ईहामृग) वरु. भेडिया. A wolf. जं० प० २, ३३; कप० ३, ४४;

ईहामिय. पुं० (ईहामृग) वरु. नादर. एक प्रकार का पशु; भेडिया; नहार. A wolf; a tiger. आव० राय० ४२; ११, ११; जावा० ३, ४; जं० प० ५, ११२;

ईहिय. त्रि० (ईहित) ऐष्टा इत्येव; विचारण. जिसका चेष्टा का गई वह; विचारण हुआ. Acted; thought of; reflected upon. “ मङ्गलानुमतिहियं ” मय० १, १, ३, १;

उ.

उ. अ० (तु) नक्षी; निश्चय. निश्चय; निस्संदेह. Positively; surely; दस० ६, २८; ९, १; १; पञ्च० १५; मय० १, १, १, ५; (२) वितर्क. वितर्क, an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस० ६, १३; नाया० ९, १६; विशेष० ११०;

उअर. पुं० (उदर) पेट; उदर. Belly; stomach. दस० ८, २६; —मल. न० (मल) पेटतो मल. पेट का मल.

dirt or filth in the stomach. भट० ४०;

उअर. पुं० (उच्चार) उच्चार इत्येवैते. आवाज ते. उच्चारण; बोलना. Act of speaking or uttering words. आव० २७;

उद्गण. त्रि० (अवतारण) भूमिपर पड़ी अवस्था भूमिपर गिरपड़ा हुआ. Fallen on the ground. निर० १, १;

उद्गण. त्रि० (उदीर्ण) उदीर्ण पामेय; उदीर्ण

उदयथी प्राप्तं यथैव. उदय पाया हुआ; कर्म के उदय से प्राप्त. Got by the maturing of Karma. उ० १८, १: विशेष १३०: टा० ५; पञ्च० १६; (२) उदीरणा इरी उदयमां लायेव. उदीरणा करके उदय में लाया हुआ. caused to be matured. भग० १, १: —कम्म. त्रि० (कर्मन् - उदीरणमुदयप्राप्तं कदाविपाकं कर्म येषां ते तथा) उदय आयेव इमेवात्रा. उदय में आये हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. " उदिगणकम्मागउदिगणकम्मा पुणो पुणो ते मरहं दुहेति " मू० १, १, १, १८: —वलवाहण. त्रि० (बलवाहन—उदीरणं मुदयप्राप्तं बलं चतुरङ्गं शरीरमामर्यं वा वाहनं शिविकादि यस्य सः तथा) देवे शुभता उदयथी यत्र वादन यथेरे प्राप्तं यथा ते ते. जिसे शुभ के उदय में बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह. (one) who gets strength, vehicles etc. by the rise of good Karma. " कंपिले नयरे गया उद्गणयलवाहणे " उ० १८, १:

इदय. त्रि० (उदित) इदेव. कहा हुआ. Said; told. विशेष २३३: (२) उदय आयेव. उदयागतः उदय में आया हुआ. risen: matured. नाया० १: मू० च० १, ३६३: पंचा० १६, १२: —गुण. त्रि० (गुण) देवा यत् इदेवामां आया ते ते. जिसका गुण कहने में आया हो वह. (that) of which the attributes or properties have been described पंचा० ३, ३८: —गुणजुक्त. त्रि० (गुणयुक्त) उदय पभेवा यत्पुयुक्त. उदय पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity. पंचा० १०, २०

उईण. पुं० (उदीर्चन) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र. Northern region. टा० ५; भग० ५, १: —पाईण. पुं० (-प्राचीन) पूर्वोत्तरदिशः प्रशास्यमाण. पूर्व उत्तर दिशाओं के बीच का कोना; ईशान दिशा. the north-east quarter. भग० ५, १: —वाय. पुं० (वान) उत्तर दिशानी वायु. उत्तर दिशा की हवा the northern wind. पञ्च० १: उईर. धा० १. (उत+ईर) उदीरणा इरी. उदीरणा करना. To utter; to cause to rise or move.

उईरति. क० ग० १, ६६:

उईरइत्ता. मू० १, ६, १६:

उईरत. टा० ७:

उईरणा. न० (उदीरण) प्रेरणा इरी. प्रेरणा करना. Act of prompting. टा० ४: उईरणा. स्त्रा० (उदीरणा) अनुया " उदीरणा " शब्द. देखो " उदीरणा " शब्द. Vide " उदीरणा " टा० २; आ० ८

उईरिय. त्रि० (उदीरित) उदीरणा इरेव; प्रेरणा इरेव. उदीरणा किया हुआ; प्रेरित; कहा हुआ. Told; said; caused to rise or move पञ्च० २३: भग० १, १:

उ३. पुं० (ऋतु) ऋतुः षे मास प्रमाणेनैव ऋतु इत्येवमः हेमन्त, शिशिर आदि षे ऋतु ऋतुः दो मास प्रमाण एक कालः हेमन्त, शिशिर, वर्षा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year: e. g. Hemanta, Śisira etc. " दो मासा उ३ " भग० ३, ७; ५, १: ६, ७; ६, ३३: २५, ५: जै० प० २, ३१: ७, १५१; सू० प० ८: नाया० १: ३: ६: मम० ३४, ५६: दस० ६, ६६: अणुजो

११५: १३८: छा० २, ४: आया० २, १, २, १०: कण० १, १०८: —परिवर्त. पुं० (-परिवर्तन) ऋतुनुं बदलतुं ते. ऋतु का बदलना. change of season. आया० २, १, २, १. —पर्ववत्. पुं० (-पर्वत) ऋतु० पी पर्वत. ऋतु रूपी पर्वत पहाडः a mountain of a season: season regarded as a mountain. नाया० ९: —पुष्पसन्त. पुं० (प्रसन्न-प्रसन्नः स्वच्छः ऋतुः ऋतुप्रसन्नः) स्वच्छ निर्मल ऋतुः शमकाल वसन्त. clear, cloudless season: e. g. autumn etc. " उउपुष्पसन्तं विसलेव चंद्रिमा " द्य० ३, ३६: —वद्ध. पुं० (वद्ध) ऋतु अद्भुतः अपारित् अने उन्मोदितः आभासा शिवयता आ० जान वद्धकालः उउ और गर्मी का समय: जैमया वर्षा के समय का काल. winter and summer season: any time of the year except monsoon-time. " उउ वद्ध फलक लगे " प्रव० १०३: पंचा० ११, २६. प्राष० नि० २२५: पि० नि० भा० २३: नाया० १: —मास. पुं० (मास) ऋतुभासः परिपूर्यतीत्य दिवस प्रमाण्यता इव तिथिः इमेमास ऋतु मास. पूरे तीस दिन प्रमाण काव त्रयमासः कर्म मास. a period of time consisting of full thirty days: a month of full 30 days. " एषो चैव उउमासो कम्ममासो भण्णह " वव० १, १: प्रव० ६०३: लच्छ्मा. स्त्रा० (लक्ष्मी) ऋतु लक्ष्मीः ऋतु० की शोभा गंपाति. ऋतु लक्ष्मा; ऋतु की शोभा गंपाति. beauties of the seasons. नाया० ६: —वर्ष. पुं० (वर्ष) ऋतु

अधेरातः आभासा शिवयता आ० भास. जोमागेको छोडकर आठ मास. the whole year excepting the 4 months of the rainy season. " उउ वामे पणम चउमामे " प्रव० ६१३: —संधि. पुं० (-सन्धि) अष्ट ऋतुते अत-अष्ट अने अष्ट ऋतु० की श्रद्धात. ऋतु सन्धिः एक ऋतु का अन्त और दूसरे ऋतु का प्रारंभ काल का समय. passing of one season into another. आया० २, १, २, १०: —संवच्छ्रम. पुं० (संवत्सर) ऋतु संवत्सरः ७ ऋतु प्रमाण्यता इव. इह ऋतु प्रमाण कालः एक वर्ष. an year comprising the six seasons. " ता एणमिणे पवग्गं संवच्छ्रमाणे तव उउ संवच्छ्रमम् " जं० प १: १२: जं० ५: —सुह. न० (सुख) ऋतु निर्मित सुखद तेरा श्रीमि ऋतु० की तव. ऋतु के अनुसार जवत सुखः ऐसे श्रीमि कर मे देवा. (anything appropriate to the season: e. g. number 1 in summer. " उउ सुखसंवच्छ्राय समणु वल्लण " शोव०

उउवर. पुं० (उउम्बर उदम्बर) उउ अने तेरा इवः उउम्बर उउम्बर का काष्ठ और उसके फल गुडरा. Name of a tree: Udu-Gilamerta and its fruit. सम० च. १. —पणम. न० (पणव) पणव २ पीपले ३ उदुम्बर ४ पलाश ५ उदुम्बरी अ पणव गुडरा अष्ट १ वद्ध, २ पीपल, ३ उदुम्बर, ४ पलाश, और पाचवो काकोदुम्बरी. ये पांच वृक्षोंका समूह. a collection of five kinds of trees viz (1) Vata (2) Pippala (3) Udumbara (4) Plaksa & (5) Kākodumbari. सम० ६, ३३:

—पुष्प नमः (पुष्प) दिव्यतर जायता पुत्रः
 मुदत्तरता पुत्र-देवे व्याप्येव स्थाति वेदवामा
 आविः दुःप्राप्य वस्तुनं आनी उपमा
 अपरागा आनी है. उद्वर के भाइका फलः
 गुल्वर का फल जा भाग्य में ही कही जाय
 लाट फलता है: इसका उपमा दुःप्राप्य वस्तुओं
 के सम्बन्ध में दी जाती है. a flower
 of the Udhumbra tree, it is
 rarely seen and so is used to
 express a rarity.) नमः २, ३:

उडुंगर दत्त. पुं० (उडुम्बरदत्त) (१) शरीर
मय-रूप (२) शरीर-मय-संज्ञक (३) शरीर-
पाद-काय-नगर के स्थानिक-नगरदत्त-नगर-
मय-संज्ञक. Name of a son of the
merchants. Sagu-datta, a resi-
dent of the city named Pa-
khan (४) शरीर-मय-संज्ञक
नगर-स्थानिक. Pa-ka-ka-ka-
नगर के स्थानिक यक्ष-दत्त, name of a
Yaksha (a ghost or a spirit)
living in a garden of the city
of Pa-dikhan (५) यक्ष-दत्त.

उन्नेदेवा (अनुदेवा) पुरात. आ. भा. पुरा.
नाना विदे प्राजा न नना II देता, वषट्कः
या म. यका, थय्य, आदृष्टा के नाम न ना
देवा. The godless or goddessless
or a starving-godless after प्रजा
३. १६.

उडयः वि० (कसुज) १२११-१२१२ (११११)
 गोरमणः श्रावणं श्रुतिः १२११-१२१२ (११११)
 गोरमणः कावः के. गोरम. Born in
 the season, appropriate to the
 season, पञ्च० २; श्रावणं २४, गोरम ११,
 १; १२, ६;

उंछ. न० (उंछ उंछयते अल्पाल्पतया
गृह्यते भिक्षादिकमित्युंछन्) भिक्षाः

श्रीः श्रीः अन्नं इत्यंते. भोक्षः भिज्ज,
 बहुत थोडा २ ग्रहण करना. (getting a
 little food at a time; begging
 of alms: गय० १, २, ३, १४; ओषध-
 नि० भा० ४३; ओषध- नि० ४२४; उत्त०
 ३७, १६; दूय० ३, २३; १०, १, १७;
 पण० २, १; ज० ४, ३; —जीविया.
 क० (जीविया) नेपयुः श्रीः श्रीः
 व्यापारे वत् उद्दिष्ट यत्नात्ते. दूय०:
 भोडा २ अह्मं नेपयुः आदका का चलाता.
 supporting life by begging a
 little food at a time, alms-
 supporting. दूय० ३. जीविया संपण.
 नि० १ जीवियासपण) अयेयुः इ-
 त्तराः नेपयुः अयेयुः जी० भा० व्याप-
 १६. दूय० इत्येतत्ताः सन्वेदणापवक-
 न्यवेसनात्तं क० अह्म अह्म नेपेवात्तं
 come a living by begging alms;
 (one taking food begged from
 others, after examining its
 purity) दूय० ३.

५. उत्र भाग II अन्त) - (३) प्रेरितः
प्रथम भाग (३) भाग) आम्रभोजनाः
अन्तर्गतके वारं वारं भाग) To throw
fire (e.g. grass, etc.) into fire
to burn it.

ਉਲੇਖਣਾ ੨੫੦ ੧; ੨ ੩

पञ्चांगिका. १-१० ४.

जत न० १० ३३० ०.

उत्तायनग पत्र (उत्तायन) वि० मे० १००
शाखा वासष्ठ शाखा वा एक शाखा. A
branch of the Vasishta family.
(२) वि० मे० शाखा वा पत्र. उक्त शाखा
अपुत्र. a scion of the above
branch. टा० ७, १;

ક્રંદ. ૫૦ (૩૫૪) કે: ગ્વાર્ડિયો એક પસ

उंट. A camel. निसा० ७, ११;
—लेस्स. न० (-लेश्य) उंटनु आमंडु.
ऊंटका चमड़ा. leather of a camel.
निसा० १, ११;

उंडग. पुं० (उन्दक) भूत पात्रः भानुं कर-
वानुं क्षम. मूत्र करनेका बरतन. A vessel
for making water into. दस० ४:
(२) पीण्डः क्षोया. पिंड. a lump;
a mass “ बालाहममंडग मज्जाराट

विराहेज्जा ” ओष० नि० भा० २४३:

उंडी. स्त्री० (उण्डी) पिण्डः पेशी. छोटा पिंड.
A small lump नाया० ३:

उंडुय. न० (उन्दुक) भोजन करनेवां स्थान.
भोजन करनेका स्थान. A dining-room.
“ सपिंड पायमागम्म उंडुअं पडिलेहिआ ”
दस० २, १, ८७:

उंडेरीय. न० (*) देवी: आकली अंड
स्वादिम वस्तु. रेवड़ा; खाने का एक स्वादिष्ट
वस्तु. A kind of sweet-meat.
ठा० ४:

उंडुपाणिअ. न० (*) उंडु पाणी. उंडा
पानी. Deep water. निसा० १३, ३४:

उंदर. पुं० (उन्दर) उंदर. चूहा: उन्दरा. A
rat; a mouse. पगढ़० १, १:

उंदिर. पुं० (उन्दुर) उंदर. चूहा. A mouse:
a rat. नाया० ८:

उंदुर. पुं० (उन्दुर) जुआ उपेक्षा शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above
उवा० २, ६५; —माला. स्त्री० (-माला)
उन्दरनी भाला. चूहों की श्रृंखला; चूहों की
पंक्ति. a line, a series, of rats.
“ उंदुरमाला परिणद्ध सुकय चिगह ”
उवा० २, ६५;

उंदुरुक्क. न० (*) उन्दु = मुष. रुक्क =
वृषभादि शब्दः हेतुपुष्पना वभते मोक्षी
अवतना देवेो शब्द करवेो ते. देवता के
पूजन के समय मुख में बेल आदि के समान
शब्द करना; उंदु अर्थात् मुख और रुक्क अर्थात्
वृषभ—बेल आदि के समान शब्द. Imit-
tating the sound of a bullock
at the time of worshipping a
deity. अणुजो० २६: गच्छा० २:

उंवर. पुं० (उदुम्बर) उम्बरानुं जाड;
गुल्मरनुं जाड. गुल्मर का काष्ठः उदुम्बर
का वृक्ष. A kind of tree; ficus
glomerata. जीवा० १: विवा० १: भग०
६, ३३: आया० २, १, ८, ४६: पञ्च० १:
(२) विन्दुदुम्बर देवतानुं चैत्य वृक्ष.
विन्दुकुमार देव का चैत्य वृक्ष. a tree
growing in the garden of the
deity. Vijjukumara. ठा० १०, १;
—पुष्प. न० (पुष्प) गुल्मरनुं वृक्षः आ
वृक्ष गुल्मरता वृक्षमां कथयित देवानुं दशे.
ने वस्तु अति मुन्दरीयौ प्राप्त यत्तु देव के
तेने आदता दीक्षरने आनी उपमा अपास
के. गुल्मर का फूल: यह फूल गुल्मर के वृक्ष
पर कानचन हो लगा हुआ दिखता है, जो
वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होना है उसे दग
पुष्पको उपमा दीजानी है. a flower of
the Udumbara tree. (It is rarely
seen on the tree and so is
metaphorically used to express
a rarity.) “उंवर पुष्पमिव दुल्लभ” राय०
२, ४५: नाया० १: २: —वृक्ष पुं० (वृक्षम्)
गुल्मरता वृक्षी अरेव. गुल्मर के फल
में भरा हुआ. filled with the

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot note (*) p. 15th.

fruit of Udumbara tree. निर्सा०
३, ७८;

उंबर दत्त. पुं० (उदुम्बरदत्त) ओ नाभने
यक्ष. इस नाम का यज्ञ. Name of a
Yakṣa (a kind of demi-god).
विवा० ७;

उयर्गि. स्त्री० (*) वनस्पति विशेष. वन-
स्पति विशेष. A kind of vegetation.
भग० २२, २; पंचा० १, २१;

उंविगा. स्त्री० (उंबिका) धई, जव,
आप्पा वगैरेनी अम्भरी-मंदरी. गेहूं, जव,
चावल आदि की मज्जरी. Blossoms
growing on the plants of
wheat, barley, rice etc. पंचा०
१०, २३;

उंभेरिया. स्त्री० (*) ओ नाभने ओड
वनतनुं जाड. इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष.
A kind of tree. पञ्च० १;

उंममवेत्तण. हे० कृ० अ० (उम्मेपयितुम्)
आप भीयवाने: आपने पल्लारे भार-
वाने. आंख मारने के लिये. In order
to twinkle the eye. भग० १६, २;

उंमुय. पुं० (उल्मुक) ओ नाभने ओड जन्म
द्वभार. इस नाम का एक यादव कुमार.
Name of a Jādava (Yādava)
Kumār. पण्ड० १, ४;

उकसमाण. व० कृ० त्रि० (अवकसमाण)
तण्डुला. तनाता हुआ. Being tight-
ened. वंय० ६, ८;

उकुजिय. सं० कृ० अ० (उक्कुज्य) उयैथी
द्वयथ थदने-शरीर नभादीने. कुबडा होकर-
शरीर नमा कर. Bending the body.

“ उकुडियाणिउ उकुजिय णिकुजिय दिज-
माणं पडिगाहति ” निर्सा० १७, २२;

उकुरुडिया. स्त्री० (*) उडरडी; उडरडी.
धूरा. A dung-hill. निर० १, १;

उक्कंचण. न० (उक्कञ्चन-उन् ऊर्ध्व शूचा-
सारोपणार्थं कञ्चनंतत्था) शूलीये यदायदाने
उय उयड्युं ते. क्रिया को शूली पर चढाने
के लिये ऊचा उक्कना. Lifting up
a person in order to impale
him. सूय० २, २, ६२; (२) युज्
यगरेता भाजुसना आटा वभाज् डरवां ते:
गुशामत. गुगरहित मनुष्य की प्रशंसा
करना; गुशामत. praising an un-
worthy person to flatter him.
नाया० २; (३) यदीयने वधारे दंड डरवे
ते. गरीब को बहुत दंड देना. mulcting
the poor more heavily. भग०
१३, ११; (२) डगने छेतरवामां पास
डगने उछे भाजुस गज्जी गरी येम गज्जी
वानथित यंध राभरी ते. क्रिया को टगने
के समय-धोका देते समय पास में खंड हुण
समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात
चात बंद करना कि वह समझ जावेगा.
stopping deceitful conversation
lest a wise by-stander might
hear it. आव० ३४; राय० (५)
वाय: डकत. रिश्वत: घूस. bribe;
bribery. नाया० २; दसा० ६, ४; राय०
२०७; —दीव. पुं० (-दीप) भशाल.
मशाल. a torch. भग० ११, ११;

उक्कंचणया. स्त्री० (* उक्कंचन) मुज्ज् जन्ते
छेतरवा डोग डरवे-छत डरवे ते. कम
समझ मनुष्य को टगने के लिये ढोंग बनाना—

छल करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. ओव० ३४;

उकंठिय. त्रि० (उत्कण्ठित) उत्कंठिता वासोः
उत्सुकं थयेत्. उत्करुणायुक्तः उत्सुक.
Anxious; eagerly longing. नाया०
१४; सु० च० २; ४४०;

✓ उकंत. धा० II. (उत्+कृत्) मांसं अने
आमर्शनीं उपाडयुं-उतारयुं ते. मांस और
चमड़ी का निकालना. To flay; to cut
out skin and flesh.

उकंते. स्य० १. ४, १, २१;

उकंतंत. सु० च० १०, ७७;

✓ उत्-कंप-प्रे० धा० II. (उत्+कम्प+णि)
अपाययुं; दयाययुं. दबाना; To cause
to be massaged or shampooed.
उकंशवेह. विवा० ६;

उकंशित्र. त्रि० (उत्कम्बित) बांसनी धामरी
थी आधेत्. बांस की किमड़ी में बांधा हुआ
Fastened with strips of bam-
boo. आया० २. २, १, ६४.

उकच्छ्रिया. स्त्री० (आपकक्षिका-कक्षायाः
समीपमुक्त्वा तदाच्छ्रादिकोपकक्षिकानिव
तथा) साध्वीना २५ उपकक्ष्यमानं अक
उपकक्ष्य; नमःश्री आलुनी छातीथी क्षांय
सुधी सीन्धा पगर धारण करवानुं पस्त्र के न
अदी दाथने आरस कटो होय छे. नाथी
के २५ उपकरणों में से एक उपकरण; दाहिनी
तरफ की छाती से कांख तक बिना गिला
हुआ वस्त्र जोकि अड़ाई हाथ का एक चौरम
टुकड़ा होता है. One of the 25
articles of use permitted to a
nun; a kind of bodice (unsewn)
covering the breast, being 2½
arms in length and breadth.
आघ० नि० ६७७;

V II / 21.

उकट्टि. अ० (उक्कट्टि) उत्कर्षिता.
Rise; intensity. सू० प० १६;

उक्कड. त्रि० (उत्कटुक) पृथ्वी उपर शरीर
राश्वीने पवित्रता पडे भेदेत्. पृथ्वी पर
शरीर रख कर पवित्रता में बैठा हुआ.
Seated on the ground with
pure mind and body. पंचा० १८,
१६; (२) शिष्टु आसन. उक्कडुक्क आमन.
a seat in a particular bodily
posture. प्रव० ४६२;

उक्कड. त्रि० (उक्कट) प्रकृष्टः; उन्नतः अयुं.
प्रकृष्टः ऊंचा; उन्नत High, raised;
intense. उवा० २. १०७; पगह० १, १;
नाया० ३; (२) पसरत्. फैला हुआ.
spread; extened. कप० ३. ४३;
(३) आधत्; पधारे. उपादहः बहुत.
more; additional. मग० १४, १;
पि० नि० ३१६; (४) दृक्पितः शैवं
कलुषितः गंदवा. turbid; muddy.
वव० २, २; (५) अत्रवान्. सबल.
strong; powerful. नाया० ६; - गं-
धविलित. त्रि० (-गन्धविलित) अति
दुर्गंधवा व्याप्त. बहुत दुर्गंध में व्याप्त.
highly stinking. नंदी० — जोगि.
त्रि० (-योगिन्) उत्कृष्टयोगे वर्तता.
उत्कृष्ट योगी. (one) practising the
highest kind of contemplation.
क० गं० ४, ८६;

उक्कडुय. न० (उक्कडुक) उत्कृष्ट असनः
उत्कर्षित पंगे असयुं ते. उक्कड आमन; घूंटों
के बल बैठना. A kind of bodily
posture; squatting दसा० ७, ६;
नाया० १; पंचा० ४. ११६;

✓ उत्-कडु धा० I. (उत्+कृत्) अयाद
थयुं. आबढ़ होना. To flourish; to
prosper.

उक्कड्डह. क० प० ३, १०;

उक्कड्डग. पुं० (उपकर्षक) थोरने थोडावी थोरी करतार. चोर को बुला कर चोरा करने वाला. One who calls a thief and steals. पगह० १, ३;

उक्कन्तिऊण. मं० क० अ० (उक्कन्त्य) क्षपित. काट कर. Having cut off. मु० च० १०, ८४;

उक्कत्थण. न० (उक्कत्थन) आस उतारवी; आसही उतारवी ते. नमडा उतारना निकालना. Flaying; cutting off the skin. पगह० १, १;

उक्कम्म. पुं० (उक्कम्म) पछेलेथी न गणुती छेलेथी गणुती ते; पश्चात्पुर्वी; उत्तरो क्रम. शुरू से न गिन कर अखिर से गिनना; उलटा क्रम. Counting from the end instead of the beginning; reversed order. विशेष० २७१; प्रब० १०६१;

उक्कमिन्. त्रि० (उपकमन्) प्रारब्धयोगे प्राप्त थयेत्त. प्रारब्धयोग से प्राप्त. (Got through fate. " अहवा उक्कमिन् भवेत्तिण्" मय० १, २, ३, १७;

उक्ककर. पुं० (उक्कर) समूह; सघात समूह; जमघट. A collection; a group. कप्प० ३, ४२; (२) कर रहित. कर रहित. (one) having no arm. नाया० १; भग० ११, ११; जं० प० कप्प० ५, १०१;

उक्करियाभेय. पुं० (उक्करिका भेद) अरुण्णीर के मुंडेन भगइसी पगेरेतो तउ तउ करतो थतो भेद-भेदना; अगंडा के बाज अथवा सूई हुई मूंगफला वगैरह का

तइतइ करता हुआ जो आबाज हो वद. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a crackling sound. " अण्णताइं दव्वाइं उक्करिया भेण्णभिज्जमाणाइं" भग० ५, ४; पज० ११;

उक्करिस्स. पुं० (उक्कपे) उत्कर्ष; अतिशय; उत्कर्ष; बहुत ज्यादा; उच्च दशा. Intensity; abundance; excess. " अत-समुक्करिस्सन्थं" मय० नि० १, २, २, ४३; विशेष० १४=३;

उक्करुड्डिया. स्त्री० (*) उड्डरता; भलीन वस्तुओं संग्रह. कचरा; मलान वस्तु का संग्रह. A dung hill. नाया० २;

उक्कल. त्रि० (उक्कल) अती क्षयायो; वृद्धि प्राप्तार. चढता कला वाला; वृद्धि पाने वाला. Rising; increasing. " पंच उक्कला पण्णता तज्जहा दंडुक्कले रज्जुकले" डा० ५, ३; (२) त्रैन्द्रिय ७व विशेष. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष. a kind of three-sensed living being. उक्त० ३६; १३६;

उक्कलिआ-या. स्त्री० (उक्कालिका) यधारे नातो समुदाय बहुत छोटा समुदाय. A smaller group. आंव० २७; (२) त्रैन्द्रिय ७व विशेष; त्रैत्रिआ तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष. a kind of three-sensed living being. कप्प० १, ४५; (२) अंडर; तरंग. लहर. a wave. डा० ४; (३) वायुनी भाइइ थइ इरवुं ते. वायु के समान चक्र काटना. whirling like wind. जावा० ३, ४; —अण्ड. पुं० (—अण्ड) करोलीयानुं छिज्जुं. मकड़ी का

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

अण्डा. a spider's eggs. कण० ९, ४५;
—वाय. पुं० (-वात) थोड़ी थोड़ी बारने
अन्तरे वातो अेक प्रकारनो वायु. एक प्रकार
की हवा जो थोड़े २ समय के बाद चलती है
a kind of wind blowing at small
intervals of time. पञ्च० १; आया०
नि० १, १, ७, १६६; उत्त० ३६, ११८;
जीवा० १;

उकलिका. स्त्री० (उकलिका) ३५२३ उपरी
ज्युं आद्युं ते. बार बार जाना आना.
Coming and going in quick
succession. राय० १८३;

उकलिय. त्रि० (उकलिक) अेक प्रकारनो
अव्यक्त शब्द. एक तरह का अव्यक्त शब्द.
A sort of indistinct sound. भग०
२, १;

उकस्स पुं० (उत्कर्ष-उत्कृष्यते आत्मा दर्पा
भातो विधीयतेऽनेनैत्युत्कर्षः) भान्; अहं-
कार. मान; घमंड. Pride; conceit.
“ उकस्सं जलणं एमं मउक्कथं चवि गिचय ”
सूय० १, १, ४, १२; (२) १५३२
१५३३. अधिकाधिका. maximum;
highest limit. कण० ४, ७४;

उकस्स. पुं० (उत्कर्ष) भान्; अहंकार. मान;
घमंड. Pride; conceit. सूय० १, १, ४,
१२;

उकस्स. त्रि० (उत्कर्षवन्) भदवायुं; अभि-
मानी. घमण्डा; मदोन्मत्त; अभिमाना
Proud; conceited. सूय० १, १, ४, १२;

उकस्समान. त्रि० (अपकर्षवन्) दुंडुं करतो.
छोटा करता हुआ. Cutting short.
(२) पाहुं अयतो. पीछे खेचता हुआ.
Pulling backward. “ पणंगसि वा
उदंगसि वा उकस्समाणे ” ठा० ४;

उक्का. स्त्री० (उक्का) भूज अग्निथी छुटा
पडल आगना तनभा. मूल अग्नि से अलग

हो चुका हुआ अग्नि का तिनगा. Sparks
of fire ओघ० नि० भा० ३१०; नंदी. १०;
दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा. ३, १;
ठा० ८; दिगु ६६ दिग्दाह; दिशा की ललास
preternatural redness of the
horizon. उत्त० ३६, ११०; आकाशमां
व्यंतरादिकृत अग्नि देखाय ते. आकाश में
व्यंतरादिकृत अग्नि का दृश्य. a fiery ap-
pearance in the sky-the work
of Vyantara etc. दस० ४; पञ्च० १;
(४) तेजनी ज्वाला. तेज की ज्वाला.
fire; flame of light. ओघ० नि०
२१०; उद्भापात; तारायुं अ पुं०. उल्कापात;
तारे का टटना. falling of a meteor.
भग० ३, २; — पाय. पुं० (-पात)
उद्भापात; आकाशमांथी तारायानुं ५३युं.
उल्कापात; आकाश से तारे का टटना. fall-
ing of meteors from the sky.
भग० ३, ७; — वाय. पुं० (-पात-उल्का
आकाशजानस्याः पातः) जुआ “ उक्कापाय ”
शब्द. देखो “ उक्कापाय ” शब्द. vide
“ उक्कापाय ” अणुजा० १२७; ठा० १०,
१. भग० ३, ६; — सहस्स. न० (सहस्स)
अग्निना दग्धरे पिपुड तनभा. अग्नि की
हजारों चिनगाँरियां. thousands of
sparks of fire. ठा० ८;

उक्कापाया. स्त्री० (उक्कापाता) उद्भापात-
तारा अरे तेनुं शुभायुधं ज्ञायानी विद्य.
उल्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या.
Science of interpreting the
good or evil effects of the fall
of meteors. सूय० २, २, २७;

उक्कामुह. पुं० (उक्कामुख) लवण समुद्रमां
आग्नेयो योजन उपर आवेत्त उद्भापुअ
नाभतो अेक अंतर द्वीप. लवण समुद्र में
आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उक्कामुख

नामक एक अंतर द्वीप. Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavaṇa Samudra at a distance of 800 Yojanas. डा० ४, २; (२) तेसां रहितार भनुष्य. उक्त द्वीप क अंदर रहने वाला भनुष्य. a native of the above island जीवा० ३, ३; पञ्च० १; (३) गंगा नदीनी अधिष्ठात्री देवीनि निवास पर्वत. गंगा नदी का अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत. the mountain-abode of the presiding goddess of the river Gaṅgā डा० ८, १;

उत्कालिअ-य. न० (उक्तकालिक - उन-ऊर्ध्व कालानुरोधनेतन्त्रा) याद अक्षर सि-वाय यादरे पंदरे भण्णाय तेव अत्रः डियवाण आदि उत्कालिक अत्र. चार अकालो के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पड़े जाने योग्य चारों प्रहरों में पड़े जाने योग्य सूत्र; उक्वाड आदि उत्कालिक सूत्र. Utkālika Sūtras viz Uvavai etc. which can be studied during all the four Praharas, excepting the 4 Akālas "किंतु उत्कालिअ उत्कालिअ अणग विहा पणणता" नंदा० ४३; अणुजा ४; डा० २, १;

उत्काम पुं० (उत्कर्ष) अभिमानशी पोतानी समृद्धिना पण्णाय भवता ते भोदनीय इमेनी अइ प्रवृत्ति. अभिमान ने अपनी गर्वादि का वर्णन करना; मोहिनीय कर्म का एक प्रकार A variety of deluding Karma; praising one's own prosperity through pride. भग० १२, ५;

उत्किट्ट. त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्टः सर्वोत्तमः श्रेष्ठ. उत्कृष्टः उत्तमः सब से श्रेष्ठ. Excellent: surpassing: best.

नाया० १; ८; ६; १७; निसा० १७, ३२; राय० २६; पिं० नि० ५३५; दम० १, १; ४, १६; जीवा० ३, १; भग० ३, १; २; ६, ५; कप्प० २, २७; (२) इतिगइ जुंयइ भांइ पणेरने भोरीने इरेल जीवा ३३५. तरबूज, खंडी, भिंडी आदि को काट कर किये हुए छोटे टुकड़े slices of vegetables, like water-melons, gourds etc "उत्किट्टमसंसुट्ठ" दम० ५, १, ३४; (३) इरेल पणेरने अमुक पणन भटे मांगयुं नदी ते कर्ज वंगरह का अमुक समय के लिये नदी मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time. "उरमुक्कं उत्करं उत्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं" भग० ११, ११; कप्प० ५, १०१; — **वगणग**. पुं० (-वर्णक) प्रथम-उत्तम-अदंत. उत्तम-सर्व श्रेष्ठ-चंदन. excellent sandal-wood. "उत्किट्ठ करणगोपरि" पंचा० २, १४; — **संकिलेस**. पुं० (-संक्लेश) उत्कृष्ट स्थितिबंध वनड अध्यवसाय स्थानः दलडामां दलट्टु अध्यवसाय स्थान के नेशी अशुभ उत्कृष्ट स्थिति अंधाय. उत्कृष्ट स्थिति बंध करने वाला अध्यवसाय स्थानः नाच से नाच अध्यवसाय-कृत्य जिस में कि अशुभ कार्यों का उत्कृष्ट स्थिति बंधे. impure thought-activity causing increased duration of evil Karma क० गं० — **सररीर**. त्रि० (-शरीर) उत्कृष्ट-भेदा शरीरपणुं. बड़े शरीर वाला. having a big, bulky body. "उत्किट्ठं उत्किट्ठसररीरं भविस्सइ" विवा० ४; ७; नाया० ८; १४; १६; — **सिहणाय**. पुं० (-सिंहनाद) भेदा अवाजः उत्कृष्ट सिंहनाद. बड़ा आवाजः जोर का आवाजः उत्कृष्ट सिंहनाद. thundering sound;

roaring sound of a lion. जं० प०

३, ४५; नाया० १८;

उक्किडा. क्री० (उक्कुडा) ऐक प्रकारनी देवता-
नी वेगवाली गति; मनोहर गति. एक
प्रकार की देवता की शीघ्र गति-मनोहर
गति. A kind of quick gait of
gods; charming gait. “ उक्किडाए
तुरियाए चंडाए ” राय० जावा० ३; आया०
२, १५, १७६; नाया० ४; ८;

उक्किट्टे. क्री० (उक्कुट्टे) आनंदजनक ध्वनि;
हर्षना आवाज. आनंदजनक शब्द; हर्षयुक्त
शब्द. A voice of joy आंव० ३७;

उक्किराण. त्रि० (उक्कीरण) उभेधुं; खोदी
छोदेनुं. खुदा हुआ. Dug out. आघ०
नि० २६१; (२) अत्यन्त प्रगट; खुदनुं.
अच्छी तरह से जाहिर; खुला हुआ. open;
quite manifest. पत्र० २; (३)
कटारेख. खोदा हुआ. carved. सम० प०
२०६; (४) मिश्रित. मिश्रित; मिला हुआ.
mixed. पगह० १, १; —अंतर. त्रि०
(—अन्तर) अनिव्यक्त अन्तर. अच्छी तरह से
प्रगट अंतर. having the inner side
quite manifest or laid open;
also, having the difference
quite manifest. सम०

उक्किक्त. त्रि० (उक्कुक्त) उभेधेन. उखाड़ा
हुआ. Scratched out; dug out.
उत्त० १६, ६३;

उक्किक्तण. न० (उक्कीर्तन) यउविसत्थे;
योवीस तीर्थंकरनी स्तुति. संस्तवन; गुण
कीर्तन; चांवीस तीर्थंकरों का स्तुति.
Praise; praise of the glory of
the 24 Tirthankaras. अणुजो०
५८; चउ० १; विशेष० ६०२; प्रव० ६५;
—अणुपुर्वी. क्री० (—अनुपूर्वी) उत्कीर्तन
अणुग्राम; स्तुत्य पुरुषोनी अनुभवे स्तुति

करवी ते. गुणवान्-प्रशंसनीय पुरुषों की
अनुक्रम से स्तुति करना. praising in
due order the merits of wor-
thy persons. अणुजो० ७१;

उक्किस्सित. त्रि० (उक्कीर्तित) कीर्तन करेन.
कीर्तन किया हुआ. Praised; describ-
ed. सू० प० २०;

उक्कुज्जिय. सं० कृ० अ० (उक्कुज्जय , जिये-
थी शरीर नमानीने; कुपय थाने. ऊंचे से
शरीर को नमाकर. Having bent
down the body. आया० २, १, ७,
३७;

उक्कुट्ट. न० (उक्कुट्ट) बीजा भानेना भुक्को.
हरे पत्तों का ओखला में किया हुआ चूरा.
Powdered green leaves. आया०
२, १, ८, ३३;

उक्कुट्ट. त्रि० (उक्कुट्ट) उत्कृष्ट नाद; आनंद;
ध्वनि. उत्कृष्ट नाद; श्रेष्ठ शब्द; आनंद ध्वनि.
Excellent, pleasant (sound)
पगह० १, ३;

उक्कुडुअ न० (उक्कुडुक) विष्कट्ट आसन;
उभयपक्षीय भेसतनुं आसन; उभेध आसन
उकट्टु आसन; घूंटों के बल बैठने रूप आसन.
A squatting bodily posture:
sitting on heels etc. आया० १, ६,
४, ४; २, ७, २, १६१; उत्त० १, २२;
आघ० नि० मा० १५६; आंव० १६; भग०
७, ६; —आमण. न० (—आसन)
उकट्टु आसन; उभेध पक्षी भेसतनुं ते.
आसन विशेष: घूंटों के बल बैठने के रूप
आसन squatting bodily posture:
sitting on heels etc. भग० २५, ७;
—आमणश्चि त्रि० (—आमणिक)
उभेध पक्षी भेसतनार; उकट्टु आसने भेस-
नार. उकट्टु आसन से बैठने वाला; घूंटों के
बल बैठने वाला (one) in a squat-

ting bodily posture. ठा० ५, १;
भग० २६, ७;

उक्कुडुग. न० (उक्कुडुक) लुआ "उक्कुडुग"
शब्द. देखो "उक्कुडुग" शब्द. Vide
"उक्कुडुग" ज० प० नाया० १; आया०
२, २, ३, १०१;

उक्कुडुया. स्त्री० (उक्कुडुका) उल्लङ्घन से
ते; पांय प्रक्षरणी नपय्या-अङ्कभान्नी अङ्क.
घूंटों के बल बैठना; पांच प्रकार का बैठकों
में से एक प्रकार का बैठक. One of the
five sitting postures viz. squat-
ting on heels etc. "पंच निमिज्जाओ
पं० तं० उक्कुडुया गोदेहिआ समपायपुया"
ठा० ५, १;

उक्कुडु. पुं० (*) उद्देश्य. घूरा. A
du g hill. आप० नि० ४३३;

उक्कुडुअ. पुं० (*) उद्देश्य. घूरा
A dang-hill. (२) ओ नामने धा
भाष्य. डग नाम का कोट मनुष्य. name
of a person. अणुजो० १३१;

उक्कुडुआ या. स्त्री० (*) उद्देश्य
घूरा. A dang-hill. विवा० १;

उक्कुहय त्रि० (उक्कुजि) भवान् अत्यन्त
ध्वनि. बड़ा भारी अप्रगट ध्वनि. Loud
indistinct sound. पगह० १, १;

उक्कुल त्रि० (उक्कुल) सन्मार्ग अथवा न्या-
यना दृष्ट-नियमों द्वारा दूर-दूर. सन्मार्ग अथवा
न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला.
Leading away from the path
of justice. पगह० १, २;

उक्कर. पुं० (उक्कर) राशि: समूह: दण्डो.
ढेर. A heap. आप० नि० २६०: (२)
वृद्धि; उद्गर्तन: कर्मणी स्थिति पंथरेमां पयशे

इत्थे ते. वृद्धि; बढ़ती; कर्मकी स्थिति वगैरह
में बढ़ती करना. increase; increase
in the duration of Karma.
विश० २५१४;

उक्कोडा. स्त्री० (उक्कोडा) दांय: ३५५.
रिश्वत; घूस. Bribe; bribery.
"उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिजेहिय" विवा०
१; पगह० १, ३,

उक्कोहिय. त्रि० (उक्कोहिय उक्कोडा लञ्चा
तया ये व्यवहरन्ति ते तथा) ३५५ आना२:
दांय सेना२: दांयिआ. रिश्वत खोर: घूस
लेनवाला. (One) who takes
bribes. आप० भग० १, १;

उक्कोया. स्त्री० (उक्कोचा) दांय. रिश्वत.
Bribe; bribery नाया० १८:

उक्कोस पुं० (उक्कोश) उद्यु मोहू: इरी शब्द
इत्तार पक्षी: आना२: अपय्या. ऊँचा मुँह करके
शब्द करनेवाला पक्षी: चातक; पय्या. A
bird that screams with its
mouth raised up; e. g. Chātaka
etc. पगह १, १;

उक्कोस. पुं० (उक्कर्ष) उद्गृह्य: पधारेमां पधारे;
धलुमां धलु उक्कृष्ट; श्रेष्ठ: ज्यादह से
ज्यादह. Highest; longest. पंच० १,
२: १३, ४४: क० प० १, १२: ६७;
"उक्कोस जीवो उंसंरमे" उत्त० १०, ५;
आव० ३८; नंदी० १४; अणुजो० ८६; ठा०
१, १: सम० १; विश० ३४५; पि० नि०
३०; नाया० १६: दसा० ६, २; भग० १,
१; १०: २, ५; ३, ३: ५, १: ८: ६, ३: ८,
८: १०: ६, ३२; १६: १; १८, ७; २४,
२०: २५, ४; ३६, १: जं० प० २, २५;
(२) भान: अदकार. अहंकार: घमंड.

* लुआ पृष्ठ न० १५ नी फूटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vidh
foot-note (*) p. 15th.

pride. सू० १, २, २, २६; सम० ५२; (३) उत्तम. श्रेष्ठ; अच्छा. excellent; best पि० नि० भा० १२; भग० १२, ५; —काल. पुं० (-काल) उत्कृष्ट-धर्माभां धर्मा काव. ज्यादा से ज्यादा समय; उत्कृष्ट समय. the longest time. भग० २४, १; —कालट्टिह. स्त्री० (-काजस्थिति) उत्कृष्ट कावनी स्थिति. उत्कृष्ट काल की स्थिति. duration of the longest time. भग० १५, १; -ट्टिह. स्त्री० (-स्थिति) धर्माभां धर्मा स्थिति. ज्यादा से ज्यादा—अधिक स्थिति. longest duration. निर० २, २; —ट्टिहय. पुं० (-स्थितिक) उत्कृष्ट-धर्माभां धर्मा स्थिति वायो. उत्कृष्ट-ज्यादह से ज्यादा स्थितिवाला. one that has the longest duration. डा० १, १; —पपासय. त्रि० (-प्रदेशिक) धर्माभां धर्मा प्रदेश वायो. ज्यादा से ज्यादा प्रदेश वाला. (one) having the greatest number of molecules. डा० १; —पद. न० (-पद) उत्कृष्ट पद; उत्कृष्टपद. उत्कृष्ट पद; श्रेष्ठ पद; उत्कृष्टता. excellent status; highest state. “ उक्कोसपदे अट्ट अरिहंता ” डा० ८; —पय. न० (-पद) जुआ उपयो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, १०; —मयपत्त. त्रि० (-मद प्राप्त—उत्कर्षण मद प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्तः) उत्कृष्ट मदवायो. उत्कृष्ट मदवाला. highly intoxicated with pride. जावा ३; पत्र १७; —सुयञ्जाणि. त्रि० (-सूय ज्ञानिन्) उत्कृष्ट श्रुतज्ञानवायो. उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला. (one) highly learned in the scriptures. विशेष० ४५२; उक्कोसअ. पुं० (उत्कर्षक) भेदाभां भेदो

बड़े से बड़ा. One that is highest or biggest. अणुजो. १३२;

उक्कोसओ. अ० (उत्कर्षतस) पधारेभां पधारे; उत्कृष्टपणे. उत्कृष्टतासे. At the maximum limit; at the highest. प्रव० ७६४;

उक्कोसंत. त्रि० (उत्कोशत्) आकन्दन करतो. आकन्दन करता हुआ; चिल्लाता हुआ. Screaming; crying aloud. पणह० १ १;

उक्कोसग पुं० (उत्कर्षक) उत्कृष्ट; भेदाभां भेदा. उत्कृष्ट; श्रेष्ठ. बड़े से बड़ा. One that is highest, biggest or best. “ ततागं च उत्तम कट्ट पत्ते उक्कोसण अट्टारस्स सुहुत्ते ” च० प० १; भग० २५, ६;

उक्कोमिअय त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट; पधारेभां पधारे. उत्कृष्ट; ज्यादा से ज्यादा. Highest; highest in amount. ज० प० ७, १३४; उत्त० ३३, १६; भग० ५, १; ८, १०; ११, ११; १८, ७; १९, ३; वय० १, १७; नाया० ८; भत्त० ३७; पंचा० ८, २६;

उक्कोमिय. पुं० (उक्कोशिक) अत्तमना आत्मा प्रवर्तक ऋषि. दम नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name. “ थेरस्सगं अउज्जवहरस्सैगम्म उक्कोमिय गोत्तस्स ” कप० ८;

उक्कव. पुं० (उक्क) संयंघ. सम्बन्ध. Connection; relation नंदी०

उक्खंभ. पुं० (उत्तम्भ) नेरथी रोकणु ते. जार से रोकना. Stopping; checking forcibly. सन्धा०

उक्खंभिअय. त्रि० (उत्तम्भिक) नेरथी रोकनार; अट्टकावनार. बल पूर्वक रोकने वाला.

(One) who stops or checks forcibly. संख्या०

उक्खणण. न० (उक्खनन) डिण्डुं ते. उखाडना. Digging out; scratching out. पगह० १, १;

उक्खणिय. त्रि० (उक्खानित) डिण्डी नाभिंयुं. उखाडा हुआ. Dug out; rooted out. पि० नि० २४६;

उक्खवय. त्रि० (उक्खात) डिण्डेसः आदेस उखाडा हुआ. खोदा हुआ. Rooted out. सु० च० ४, ५६; नाया० ७;

उक्खल. पुं० (उद्धवल) डिण्डः आङ्गुली. आखली. A mortar. पगह० १, १;

उक्खल्लग. पुं० (उद्धल्लक) आङ्गुली. कूटने की आखली. A mortar used for pounding. “ को संयमो चमेहाण सुप्पुक्खल्लगं च खारगालणं च ” सु० १, ४, २, १२;

उक्खलुंदिय. सं० क० अ० (उ) अग्नेवर्त्ति. खुजाकर. Having scratched or rubbed with the nails of the hand to remove itching sensation; having tickled. आया० २, १, ६ ३२;

उक्खा. स्त्री० (उखा) आशी; तोतरी; लोहरी. आला; हंडी; भरतिया. A metal or earthen pot or pan. “ एगाआं उक्खातो पारणं सिज्जमाणे पहाण ” आया०

उक्खिणण. त्रि० (+) अरुपपेस खर-टाया हुआ; लिप्त. Bespattered; smeared. पगह० १, ३;

उक्खिन्न. त्रि० (उक्खित) सिंयेस; विसेपन

इरेस. सांचा हुआ; लेप किया हुआ. Smeared; bespattered. “ चंदयो-क्खिन्नगाय सरारे ” सु० २, २, ५५;

उक्खिन्न. त्रि० (उक्खिन्न) डिंयुं इरेस; डिपादेस-डिपेस. ऊंचा किया हुआ; उखाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up; lifted up. पि० नि० २८४; नाया० १; ३; ८; भग० ८, ६; १६. ५; वेय० २, १; आव० ८, ६; (२) ज्ञाताधर्म कथा सूत्रना पदेसा अध्ययनं नाम. ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jñātādharmakathā. नाया० २; (३) शानता चार प्रकारभाना अष्ट प्रकार. गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music. राय० ६५; जं० प० ५, १६१; (४) आकर्षण इरेसः अत्रेस. आकर्षित; खींचा हुआ. attracted; drawn. नाया० १६; —कण्णनास. त्रि० (—कर्णनास) नेना डान अने नाड डिण्डी नाभ्या छे ते. जिसके कान और नाक उखाड डाले हो वह. (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out). विवा० २; ६; —चरअ. त्रि० (—चरक) संघाताना वासलुमांथी आवाता वासलुमा अरुस्थे पानाने आवा डाटिंयुं होय तेणं जंयुं ओवेो अभिअइ धरी जायरी करतार. मिमाने के बर्तनमें से खाने के बर्तन में अपने खाने के लिये ग्रहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेने की प्रतिज्ञा करके भिक्षा मांगने वाला. (one) who begs alms with a determination to take

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. ओव० १९, टा० ५, १; पण० ३, १; — रग. पुं० (—चरक) जुओ ७५३ श०६. देखो ऊपरका शब्द. vide above. टा० ५; ओव० —**णिक्लिप्तचरक** पुं० (—निक्लिप्तचरक—पाकभाजनादुक्लिप्तय निक्षिप्तं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तच्चरतीति तथा) रांधवाना वासज्यमांथी आवाना वासज्यमां कटेश ह्येत्येते श्रीम वासज्यमां नाभेते ते नार; अलिग्रधारी भुनि. मिमान के बरतन में से खाने के बरतनमें निकाले हुए भोजनको दूसरे बरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel. ओव० —**पसिणवागरण** न० (—प्रश्नव्याकरण—उक्लिप्तानि संक्षिप्तानि प्रश्नोत्तराण्युक्लिप्तप्रश्नव्याकरणानि) संक्षिप्त प्रश्नव्याकरण सवाल जवाब. संक्षिप्त प्रश्नव्याकरण; संक्षिप्त में मवाल जवाब a brief catechism. भग० १६, ५; —**पुव्ववसहि** पुं० (—पुव्ववसान) आपसति—भक्षनमां रडो अभ कही साधुने पंडित वडेलो अतावेध उतारो. साधुको, इस वसति घरमें रहा यह कहकर पहले पहल बतलाया हुआ उतरने का स्थान. a lodge first pointed out to an ascetic with the words “live in this house.” आया० २, २, ३; ८७; —**बलि** न० (—बलि) ७५२ ई०३ अविदान; अविदान

तरीके ७५२ ई०३. ऊपर फेंका हुआ बलिदान; बलिदानरूप से ऊपर फेंका हुआ. an oblation thrown upwards. “अंगमंगानि सरुहिराहं चउदिसि करेति” नाया० ६; —**विवेग** पुं० (विवेक—उक्लिप्तस्य शुष्कौदनादिभक्ते निक्षिप्तस्य त्रिनामयोग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथकरणमुक्लिप्तविवेकः) भात पंगरेमा पंडित अज्यपज्य द्रव्यमे जुहुं कही नाभ्युते. भात बगैरह में पडे हुए वनियोंके योग्य द्रव्य को पृथक कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. आव० ६, ६;

उक्लिप्तअ—य. त्रि० (उक्लिप्तक) गीतने अभ प्रकारः शब्दान्तरा यत्ने स्वर गानुं ते. गीतका एक भेदः प्रारंभ में उच्च स्वर से गाना. A pitch of music; singing with a high pitch. टा० ४, ४; जावा० ३, ४; राय० १३१;

उक्लिप्तया न० (उक्लिप्तज्ञान) ज्ञेय ससदान् उगारत पय उवा राभ्यो ते उक्लिप्त—मेघकृमार; तेन दृष्टान् ज्ञेयमा आपयामां आव्यं छे ते अध्ययन; ज्ञातासुतनुं प्रथम अध्ययन खगोल को बचान के लिये पैर उंचा रखनेवाले उक्लिप्तमेघ कुमार का दृष्टान्त जिसमें दिया गया है वह अध्यायः ज्ञानामृत का प्रथम अध्ययन. The first chapter of Jñāta Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया० सम० १६;

उक्लिप्तय न० (उक्लिप्तक) गीतने प्रथम प्रकार. गीत का प्रथम प्रकार. The first of the varieties of music. जं० प० राय० १२१;

उक्खुल्लपिय. सं० कृ० अ० (*) अन्ने-
लीने. खुजाकर. Scratching; rubbing
with the nails of the hand,
to remove an itching sensation.

‘ नो गाहावह अंगुलिपाय उक्खुल्लपिय
(उक्खुल्लपिय) जाइजा ’ आया० २, १,
६, ३२;

उक्खेव. पुं० (उत्क्षेप) उठ्ये
इंङ्यु. ऊंचा उठाना; ऊंचा फेंकना. Lift-
ing up; tossing up. जावा० ३, ४;
पि० नि० २२७; (२) प्रारंभ वाक्य.
प्रारंभ का वाक्य; शुरू का वाक्य. com-
mencing sentence or words.
उवा० ३, १२६, ४, १४५; निर० ३, ३;
(३) अधिहार; अधिधिय. अधिकार;
अभिधेय. subject-matter. विवा० ३;
(४) पुं० उपोद्घात. उपोद्घात; प्रारंभिक
वक्तव्य. introduction; preface.
उवा० ३, १२६; ४, १४५;

उक्खेवअ-य. पुं० (उत्क्षेपक) प्रस्तावना;
उपोद्घात. प्रस्तावना; प्रारंभिक वक्तव्य;
उपोद्घात. Introduction; preface.
भग० २४, १; (२) त्रि० आशय; अध्याय.
अध्याय; विभाग; परिच्छेद. a chapter.
नाया० ध० ५; ६; (३) पयन नाभयानो
पांसो पांसा. हवा करने का बांस का पंसा.
a fan. भग० ६, ३३; नात्रा० १; (४)
त्रि० इंङ्गहार. फेंकनेवाला. one who
throws or flings. भग० ६, ३३;

उक्खेवण. न० (उत्क्षेपण) उठिये इंङ्ग्यु;
न्यायदर्शन संमत पांच कर्म पैड़ी प्रथम
कर्म—डिया. ऊंचा फेंकना; न्यायदर्शन सम्मत
पांच कर्मों में से प्रथम कर्म. Throwing

up; one of the five actions
recognized in the Nyāya
philosophy. विशेष० ३४६२; ओघ०
नि० २०३;

उग्रा. पुं० (उग्र) ऋषभदेव प्रभुओं २६३
तरीके नीमिजुं कुल; उग्रवंश. ऋषभदेव
भगवान् को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ
कुल; उग्रवंश. The family ap-
pointed as a guardian family
by lord Rishabhadeva; the
Ugra family. याव० १३; सम०
२३२; नाया० १; ५; भग० ६, ३३; पञ्च०
१; उवा० २, १०७; जं० प० २, ३०;
(२) त्रि० उग्रद्वयों उत्पन्न थे। उग्रकुल
में उत्पन्न. one, born in the Ugra
family. प्रव० ३८६; अणुजा० १३१;
उत्त० १६. ६; ओव० १३, २७; ठा०
३, १; (३) त्रि० उग्र: प्रधान: अष्ट-
भारै: उग्र; तांत्र; प्रधान; बहुत भारी.
austere; chief; severe. पञ्च०
१; भग० १०, ४; २०, ८; नाया० ८;
(४) त्रि० उत्कट: आर्द्र, दुष्पे आयरी
शयन तेजुं. उत्कट; काँटण. strong;
austere; severe. उत्त० ३०, २७;
मु० च० १, ३८४; नंदी० ५६; (५) त्रि०
उद्यम सहित उद्यम सहित; उद्योग सहित.
industrious; active. नाया० १९;

—**कुल.** पुं० (-कुल) उग्रद्वयों के कुल-
ने ऋषभदेव २६३ तरीके स्थाप्युं ते कुल.
उग्रकुल; जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने
रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल.
the Ugra family appointed
by Rishabhadeva as a guar-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

dian family. आया० २, १, २, ११; कप्प० २, १७; —तव. न० (—तपस्) उग्रतपः अहमादिक् तपः धृष्टी इति तपश्चर्या. उग्रतपः अहमादिक् तपः बहुत कठोर तपस्या. austere penance. टा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६; (२) त्रि० उग्रतप करनार. उग्रतप करनेवाला; कठोर तप करनेवाला. (one) performing austere penance. उत्त० १२, ३२; —तेय. त्रि० (—तेजम्) उग्र प्रभाववाला. उग्र-तेज-प्रभाववाला powerful: (one) of powerful lustre. (२) न० तीव्र जहर. तीव्र जहर. deadly poison. 'ग्रामीविषा उग्र-तेयकप्पा' पगह० २, १; —पव्वइय. पुं० (—प्रवजित) उग्रवंशभा उत्पन्न थयने दिक्षा दीयेत. उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिक्षा लिया हुआ. one born in the Ugra family, who has taken Dikṣā. ओव० —पुत्त. पुं० (—पुत्र) उग्रवंशभा उत्पन्न थयने पुत्र-कुमार. उग्रवंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार. a male member (a son) of the Ugra family. ओव० २७; दसा० १०, ३; राय० २१८; —विष. न० (—विष) उत्त० विष. प्रधान विष; तीव्र विष. deadly poison. भग० १४, १; नाया० ६; (२) आक्षरा विषवाला सर्प. बहुत तीव्र विषवाला सर्प. a serpent with deadly poison. उवा० २, १०७; —विहार. पुं० (—विहार) उग्र विदार. उग्र विहार; कठिन विहार. साधु का एक ग्राम से अन्य ग्राम जाना. austere wandering from place to place e. g. on the part of a monk. भग० १०, ४; —विहारि. त्रि० (विहारिन्)

विचारिते संयम पाधनार. उच्च रीति से संयम पालन करनेवाला साधु. (one) who strictly observes ascetic rules. भग० १०, ४;

उगम. पुं० (उद्गम) साधुने अर्थे आदारादि निपग्नवत्ता गृहस्थथी आधाकमादि वागता १६ दोष, १ आहाकम्म; २ उद्देशीय, ३ पुष्पकम्म, ४ मीसजयाय, ५ ठवणा, ६ पाहुडिया, ७ पाउयर, ८ काय, ९ पामिच्च, १० परीयटि, ११ उच्चिमे, १२ अमिहड, १३ मालोहड, १४ अचिक्खे, १५ अज्जायरे, १६ अपीसिट्ठे, १७ सात्तमानो भमे ते अड. साधु के लिये आहारादि बनाने में गृहस्थ को लगनेवाले आ ताकमादि १६ दोष; १ आहाकम्म. २ उद्देशिय. ३ पुष्पकम्म. ४ मीसजयाय. ५ ठवणा ६ पाहुडिया. ७ पाउयर. ८ काय. ९ पामिच्च. १० परीयटि, ११ उच्चिमे १२ अमिहड १३ मालोहड १४ अचिक्खे १५ अज्जायरे १६ आगांसट्ठे. इन गोनद दोषों में कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic; they are:—(1) Āhākamma (2) Uddesiya (3) Puṭṭakamma (4) Misajāyae (5) Thavāṇa etc. (vide Guj. explanation) पगह० २, १; दग० ४, १, ४६; टा० ३, ४; उत्त० २४, १२; सम० प० १८८; पि० नि० १, ३०; सू० प० २; भग० ७, १; प्रव० ४७१; —उवघाय. पुं० (—उवघात) आधाकम्म आदि उद्गमन दोषथी आदित्रयी विराधना इत्येते. आधा कम्मन् आदि उद्गमन दोष से चारित्र्य की विराधना करना. damaging one's right conduct by an Udgamana fault e. g. by tak-

ing [Ādhākarma food etc. डा० ३, १०; —कोटि. स्त्री० (-कोटि) उद्भूत पक्ष; आधाकर्म अने उद्देशिकता त्रय त्रय भेद-भेद-भेद ७ भेद उद्भूत डोटी तरीके भेदित छे. उद्भूत पक्ष; आधाकर्म और उद्देशिक के तान तान भेद जुमला छः भेद उद्भूत कोटि के रूप में गिने गये हैं. A group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddesika. पि० नि० ८०१; —दोष. पुं० (-दोष) १६ उद्भूत दोष; जोग्या “उगम” शब्द. १६ उद्भूत दोष; देखो “उगम” शब्द. any of the 16 Udgamana faults; vide “उगम.” “सोमस उगम दोषे गिहिंगा सुमुद्रिणे” पि० नि० ८०१; पंचा० १३, २; —विमोहि. स्त्री० (-विमोहि) १६ उद्भूतना दोषना अभाव. १६ प्रकार के दोषों का अभाव. absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults. डा० ५, २;

उगमण. न० (उद्भूत) उद्युत ते; सूर्यने उदय. उगना; उदय होना; सूर्य का उदय. Rising up; rising; e. g. of the sun. ज० प० ७, १३६; —मुहुत्त. न० (-मुहुत्त) सूर्योदय थावु मुहुत्त सूर्योदय होने का मुहुत्त. time of sunrise. भग० ८, ८;

उगम-अ. त्रि० (उद्भूत) अक्षर नीकलतो भाग. बाहर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out. नया० १; राय० (२) उत्पन्न थावु. उत्पन्न; पैदा हो चुका हुआ. born; produced. अणुजो० १२८; पृष्ठ० १, ४; विशे० १०६६; आव० ६१; प्रव० ५६६; कण० ४, ६३; (३) उद्भूत; उदय थावु. उग हुआ; उदय प्राप्त.

risen; come out. भग० ७, १; नाया० १; ओघ० नि० १७५; जावा० ३, ३; —वित्तिअ त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिजीवनोपायो यस्यासौ) दिवस उग्या पृथी गेने प्रति आराध मेवववानुं छे ते. दिन उदय होने के पछे जिसे आहार लाना हो वह. (one) who has to acquire his food after sunrise. “भिक्षुय उगय विनिण् अणुत्थमिय” वेय० ५, ५;

उगवर्द्ध-ती. स्त्री० (उग्रवती) पंचे, ७३ अने अग्रवती अने रात्रिती त्रय तिथिनुं नाम प्राप्तपदा, छठ और ग्यारस का रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. ज० प० ७, १५२; सू० प० १०;

उगसेण. पुं० (उग्रसेन) देवना पिता उग्रसेन राजा; कृष्ण वासुदेवना नाथाना सोम देवना राजाआभां अग्रसेन. उग्रसेन राजा; कृष्ण के अग्रवत्स्य सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा; कंस का पिता. King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Kṛṣṇa Vāsudeva. अंत० १, १; नाया० ५, १६; निर० ५, १;

उगह. पुं० (अवग्रह) मन अने चन्द्रियोनी साथे वस्तुने सम्बन्ध थनां प्रथम सामान्य आध थावु ते; मतिज्ञानता आर प्रक्षारमाना पदेतो प्रक्षार. मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद. General knowledge derived from the first perception of an object; the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशेषे १७८; भग० ८, २; १२, ५; १७, २०; नदी० २६; कण्ठ० ६, ६; (२) उपकार; आश्रय. उपकार; आश्रय. favour; support. भग० १७, १; (३) आज्ञा; रत्न; संभति. हुक्म, आज्ञा; राय; सम्मति. order: permission; assent. वव० ४, २२; २३; ७, १७; दसा० १०, १; ओव० १२; वेय० १, ३७; राय० २७; २१६; पणह० २, ३; नाया० १; २; १६; दस० ५, १, १९; भग० २, ५; ६, ३३; १५, १; १६, १; आया० २, १, ५, २८; २, ७, २, १६२; कण्ठ० १, ५; (४) अलिग्रहः नियम. अभिग्रहः नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct. अंत० ६, ३; (५) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. सूय० १, ६, १०; दस० ६, १४; उत्त० ३१; ६; (६) आवास; निवास स्थान. आवास; निवासस्थान. an abode; a residence. निर० १, १; (७) अन्तर; अन्तर. अन्तर. interval; anything that intervenes or forms an interval. “उक्किट्टं सट्ठिहयुग्गं” प्रब० ७७; —अणुणवणा. ली० (-अनुज्ञापना) अग्रग्रह-उपाश्रयनी रत्न. अवग्रह-उपाश्रय का आज्ञा, अथवा मंजूरी. permission to have an abode in monastery. सम० २५; —पडिमा. ली० (-प्रतिमा अवग्रहत इत्यवग्रहोवसतिस्तत्प्रतिमा अभिग्रहः अवग्रहप्रतिमा) निवास करवायां नियम अलिग्रह धारणे ते. उपाश्रयनी प्रतिमा—अलिग्रह. निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय का प्रतिमा—अभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular

place; e. g. in a monastery. “जावोग्गहपडिमा पडमा” आया० नि० २, १, १, १६; ठा० ७, १; पिं० नि० ६१; —एवसे. पुं० (-प्रवेश) भक्तानां प्रवेश करवा ते. मकान में प्रवेश. entering a house etc; पंचा० १२, २२; —मइ. ली० (-मति) छद्मि अने अर्थ-गो सम्बन्ध थाय ते; भतिज्ञानना अंश भेद. इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना; मतिज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna ठा० ४, ४; ६, १; —मइसंपया. ली० (-मतिसम्पद) मतिसंपदाना अंश प्रकारः सामान्यपदो वस्तुनुं अदृष्टुं करतुं ते. मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद; सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा० ४, ३५;

उग्गहण. न० (अवग्रहण) सामान्य अंशनुं अदृष्टुं करतुं—विचारतुं. सामान्य अंश का ग्रहण करना विचारना. General perception; perception of broad outlines. विश० १७६; (२) स्थान-ली आजा. स्थान का आज्ञा. permission to lodge. आया० १, २, ४, ८६;

उग्गहणंतग. न० (अवग्रहणान्तक) नानाने आकारे साध्वीनुं अंश वस्त्र के अंतो शुद्ध प्रदेश दांकायां उपयोग थायणं; साध्वीना २५ उपकरणानुं अंश. मावों के गुताङ्क ढकने का एक वस्त्र; २५ उपकरणों में का एक उपकरण. One of the 25 articles of use for a nun; viz a boat-shaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रव० ५३६; ओष० नि० भा० ३१३; वेय० ३, ११; —पट्टक. न० (-पट्टक) साध्वीनं अंश उपगच्छ. साध्वी का एक उपकरण. one of the articles used by a nun. वेय० ३, ११;

उग्गाहिय. न० (अवग्रहिक) पाटीआरा उपगच्छ; अभुङ्ग यत्न सुधी वापनी पाठा ध्वजी ने सापसा येय उपगच्छ. अमुक समय तक काम में लेकर—पीछे उसके मालिक को सांप देने योग्य उपकरण. An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner. टा० १०;

उग्गाहिय. त्रि० (अवग्रहीत) पंडितसमाटे उपगच्छ परोमने के लिये उठाया हुआ. Taken up to be served as food. टा० १०;

उग्गाहिया. स्त्री० (अवग्रहीता) गृहस्थने थाली परेमे पंडितसे भोजन साधुअ यत्नापूर्वक लेनु ते; पिण्डपूजाने पांथमे प्रक्षार. गृहस्थ द्वारा थाली वर्गरह में परेमा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक प्रदण करना; पिंडेपणा का पांथवां भेद. Careful taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil; the 5th mode of begging food. टा० ७; प्रव० ७४६;

उग्गाहय. सं० कृ० (उद्गय) गान करीने. गाता हुआ. Singing; having sung. ओष० नि० ६६;

उग्गाल. पुं० (उद्गार) ओष्ठशरीर की साथे अन्तरा के पाणी पेटमांथी भेदामां आवे ते उकार के साथ अन्न या पानी का पेट में से मुंह में आना. Coming up of water

or food into the mouth along with eructation वेय० ५, १०;

उग्गाहणा. स्त्री० (अवग्रहना) शरीरकी उचाई. शरीरकी ऊंचाई. The height of the body. भग० १६, ३; २२, ६;

उग्गाहिम. त्रि० (अवग्रहा) घी आदिमां तलेली वस्तु. घी वर्गरह में तली हुई वस्तु. Food fried in ghee etc. पण० २, ५;

उग्गाहिय-अ. त्रि० (उद्ग्राहिन) दाथमां लीधेन; उपगच्छ. हाथ में लिया हुआ; उठाया हुआ. Taken up; lifted up. ओष० नि० १६७;

उग्गाहियञ्च. त्रि० (उद्ग्राहितञ्च) तपास करी. तपास करना; जांच करना. Examining; inquiring. वव० २, २२;

उग्गिगण. त्रि० (उद्गीर्ण) ओष्ठेन; वमन किया हुआ. Vomited. नाया० १; **उग्गिलित्ता.** सं० कृ० अ० (उद्गीर्य) ओगा-लीने उगाछ कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e. g. like cows etc. वेय० ५, १०;

उग्गोचणा. स्त्री० (उद्गोचना) शोधनु; अपणा करी. शोधना; खोजना; पणना करना. To search; being in search of. वि० नि० ७३;

उग्गोविय. त्रि० (उद्गोपित) मुंजाप गयेन सूत्रने उठेलेन; गुंय डाटेन. अस्पष्ट या कठिन सूत्र का संशोधन किया हुआ. Deciphered; e. g. a difficult Sūtra. भग० १६, ६;

उग्गाहय य. त्रि० (उद्घाति) लघु प्रायश्चित्त. छोटा प्रायश्चित्त. Minor expiation. टा० ५; नि० १०, १६; वेय० ४,

११; १२; (२) नाश पायेन. नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined.
टा० १०; —संकल्प. पुं० (—संकल्प)
लघु प्रायश्चित्तो विचार. लघुप्रायश्चित्त का
विचार. thought about minor
expiation. निसी० १०, २६;

उग्घाडम. न० (उद्घातिम-उद्घातोभाग पात-
स्तेन निर्वृत्तमुग्घातिमम्) लघु प्रायश्चित्त.
लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation.
टा० ३;

उग्घाड. त्रि० (उद्घाट) श्रेष्ठं दीडेयुं-पासेयुं;
श्रेष्ठं पुष्टं; बोगल न दीयेन. कुछ ढंका हुआ
और कुछ खुला हुआ. Partially
closed; not bolted. आव० ८, ५;
—कवाड. त्रि० (—कपाट) अर्धुं दीयेन
कमाड. आधा बन्द किवाड़. a partially
closed door; a door not bolted
आव० आव० ४, ५; —कवाडउग्घाडण्णा.
स्त्री० (—काटांद्वाटना) अध उडायुं कमाड;
पुष्टं उधाडयुं ते; साधुनो गायरीनो अक
अविचार. आधा खुला हुआ किवाड़ पूरा
उघाडना; साधु का गोरग का एक अविचार
opening a partially closed
door; a fault in alms begging
by a Sādhu. “ पडिक्कमामि गायरगा
चरियाण उग्घाडकवाडउग्घाडण्ण” आव०
४, ५;

उग्घाडण्ण. न० (उद्घाटन) उधाडयुं. आधयुं.
उघाडना; खोलना. Opening; opening
a door. पिं० नि० २०७; आव० नि०
४७६; आव० ८, ५;

उग्घाडपोरिसी. स्त्री० (उद्घाटपोरिसी)
पदेरनो पाळयो आग; पोळो पदेर. प्रहर
का पिछला हिस्सा. The latter part
of a Prabhara (a period of
time equal to about three

hours;) three-fourth of a
Prabhara. प्रव० ५६८;

उग्घाडिअ-य. त्रि० (उद्घाटित) उधाडेन;
पुष्टं करेन. उघाडा हुआ. खोला हुआ.
Opened. नंदी० ४२; पिं० नि० ३५२;
क० प० ५, ६४;

उग्घाडियण्ण. त्रि० (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं
प्रकाशितं जानतीति) कट्टेन मात्र ज्ञाय-
ता२. केवल कट्टे हुए को ही जानने वाला.
(One) who knows anything
exactly as it is explained or
said to him. नंदी०

उग्घाय. पुं० (उद्घात) लघु प्रायश्चित्त.
लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation
टा० ३;

उग्घायण्ण. न० (उद्घातन) दाय-नाश करेनो.
क्षय करना; नाश करना; Destruction.
आया० १, २, ६, १०२;

उग्घुट्ठ. त्रि० (उद्घुष्ट) धोषणा करेन. घोषित;
घोषणा की गई हो वह. Proclaimed.
सु० च० २, २०१;

उग्घोसणा. स्त्री० (उद्घोषणा) उद्घोषणा-
करेन. उद्घोषण; प्रविद्ध. Proclama-
tion; declaration. नाया० ७; १५;

उग्घोसिय. त्रि० (उद्घुष्ट) धोषेन; भांदिन.
धिया हुआ; मांजा हुआ. Rubbed;
cleansed. “ उग्घोसियसुणिम्मलं
आयंसमंडलतलं ” पगह० ७, ४;

उच्चिन्न-य. त्रि० (उच्चिन) योग्य; लायक.
योग्य; उचित; लायक. Fit; proper;
suitable. नाया० १; राय० ६४; पिं०
नि० ६४१; कप० ८, ६२; (७) नंदेन;
भनेन. जोड़ा हुआ; मिला हुआ. united;
joined. पंचा० १, ४३; —अणुद्धान्.
न० (अनुद्धान) उचित-योग्य अनुद्धान.
उचित अनुद्धान; योग्य कार्य proper

performance. “ उचित अणुद्राणञ्चो विचित्त जह् जोगनुल्ला मोएसं ” पंचा० ६, १६; — करणिज्ज. त्रि० (— करणीय) योग्य कर्तव्यपात्रो. योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पंचा० १, ४३; — जाग. पुं० (— योग — उचितः स्वभूमिकायोग्यां योगा व्यापारः) पातानी भूमिकांत योग्य व्यापार. अपना भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा० ५, ४४; — ट्टिह्. स्त्री० (— स्थिति) उचित योग्य स्थिति योग्य स्थान. proper condition. पंचा० ३, ४;

उचिअ (य) त्त. न० (उचितत्व) योग्यता; आयतना. योग्यता; व्याकृत. Propriety; fitness. पंचा० ६, १०;

उच्च. त्रि० (उच्च) उच्चैः उत्तमः पूज्य. उच्चः उत्तम; श्रेष्ठः पूजनीय. High; excellent; noble. “ उच्चावयाहिं मिज्जाहिं उत्त० २, २२; भग० २, ५; ३, १; (२) उच्च शरीर तथा उच्च कुल वाला. ऊँचे शरीर तथा उच्च कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. नाया० १६; टा० ४, ३; (३) नाम धर्मनी अथ प्रकृति के दैवी उच्च गौरव प्राप्त था. उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म का एक प्रकृति. name of a variety of Namakarma by the rise of which a man is born in a high family. क० गं० १, ३०—५२; ५, ३०; — आसण. न० (— आसन) उच्च आसन. उच्च आसन. a high seat. सम० ३३; दसा० ३, २४;

— गोय. न० (— गोत्र) उच्च गौरव नामे गौरवकी शुभ प्रकृति के दैवी उच्च गौरव नामे. उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है. a variety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. उत्त० ३३, १४; — ट्ठाग. न० (— स्थान) उच्च स्थान. उच्च स्थान. high place; high position. “ उच्चट्ठाणगणसुग्गह ” नाया० ८; — फल. त्रि० (— फल) प्राप्ता वस्तु अधिक देवों द्वारा दे दी है; चिरकालने उपकारि. लंबे समय तक जिसका फल रहता है वह; चिरकाल का उपकार. having or bearing lasting good fruit. “ उच्च फलो अह खुहुं सउण्णो ” वव० १, ३; — सह. पुं० (— शब्द) शब्दों का शब्द. बड़ा शब्द; उच्च शब्द. loud sound. वव० २, ७;

उच्चंत. पुं० (*) दंतनी रंग; दंतराज. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth colour. राय० ५२;

उच्चंतग. पुं० (*) दंतनी रंग; दंतराज. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth-colour. जावा० ३, ४;

उच्चंतय. पुं० (उच्चन्तक) जुआँ उपरोक्त शब्द. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. राय० पत्र० १७;

उच्चंपिय. त्रि० (*) जोरधी दस्तो डरेत्र. जोर से किया हुआ हल्ला. Violently attacked. “ सीसं उच्चंपियं कवं धम्मिय ” तंडु०

उच्चत्त. न० (उच्चत्व) उच्चता. उच्चता;

* जुआँ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

बडप्पन. Nobility. सम० ७; नाशा० ८;
जीवा० ३, ४; भग० २, ८; ६, ७; ८, ८;
११, ६; १४; ६, ३५, १; ४०, १५;
(२) उँयाध; ३६; जमीनता तसि० ॥ ॥
उँयाध. ऊँचाई; कद; जमीन के तल से
ऊँचाई. height. प्रब० ४१२; ठा० १, १;
२, ३; जं० प० १, ४; २, २६; सम० ७;
सू० प० १; (३) उँयका; अद्वानी अमुक
पस्तु. बदलेकी वस्तु. a certain thing
as reward. ठा० ४, १; —भयअ.
पुं० (—भूतक) उँयका आपी काम करावी
ये ते सेवक. मजदूरी देकर जिससे काम कराया
जाय वह सेवक. a servant made to
work by paying some reward.
ठा० ४, १;

उच्चतरिया. स्त्री० (उच्चतरिका) अद्वार
लिपिभांती ऐक. अठारह लिपिओं में का एक
लिपि. One of the 18 scripts.
सम० १८;

उच्चता. स्त्री० (*) भूतः कंठ पदलो
मेवानी ध्वजा न करवी ते. सुफतः कुछ भा
इच्छा रखे बिना. Gatis: without
desire of any reward or gain.
“ तच्छताए दाणं दुल्लभ ” पिं० नि० ३२२;

उच्चत्यवणअ. पुं० (उच्चस्थापनक) उँया
भोदानुं लाज्जन् विशेषः यंशु. ऊँचे मुँह
का बरतन. A vessel (e. g. a
pot) with a long neck; a
pitcher with a long neck.
अणुत्त० ३, १;

उच्चय. पुं० (उच्चय) उँया दशलो. ऊँचा
ढेर. A large heap; a high
pile. अंत० ६, ३; कण० १, ४; —बंध.

पुं० (—बन्ध—ऊर्ध्व चयनं रैशिकरणं तद्-
रूपोबन्ध उच्चयबन्धः) उपरा उपरी मुझी
दशलो करवो ते; रूप अंध. एक के ऊपर एक
रखकर ढेर करना. heaping together
one upon another भग० ८, ६;

उच्चयर. त्रि० (उच्चतर) यधारे उँयुं. बहुत
ऊँचा. Higher; more high. भग०
३, १;

उच्चरण. न० (उच्चरण) अक्षरादिनो उँय्यार
करवो. अक्षरादि का उच्चारण करना. Pro-
nunciation; act of pronouncing
words etc. गच्छा० ८२;

उच्चाअ. त्रि० (*) थकी गयेव. थका
हुआ. Tired; fatigued. ओघ० नि०
५१८;

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुचा—उच्चा चासा
वकुचा-परिस्पन्द रहिताच्चाकुचा) जमीन-
थी उँगी अने दावे गाले नदी तेरी शय्या.
जमीन में ऊँचा आँर न हिलने वाला शय्या.
A raised, high, bed which
does not shake कण० ६, ५४;

उच्चाकूइया. स्त्री० (उच्चाकुजिका) जमीनथी
उँगी अने उमभगती शब्द न करे तेवी
शय्या यंगरे. जमीनमें ऊँचा किन्तु न हिल
सके ऐसा शय्या. A raised bed
which does not shake. कण०
६, ५४;

उच्चागय. त्रि० (उच्चागज-उच्चा योऽगः
पर्वतो हिमवान् तत्र जातं उच्चागजम्)
हिमायलमां उद्भवेल-उत्पन्न ययेव.
हिमालय में उत्पन्न. Born, produced
on the Himalaya mountain.
कण० ३, ३६;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उच्चागोत्र-य. न० (उच्चगोत्र) उच्यु गोत्र;

गोत्र कर्मन्ती उच्य प्रकृति. उच्च गोत्र; गोत्र-
कर्म की उच्च प्रकृति. Noble family;
a kind of Gotra Karma which

causes birth in a noble family

“ से असहं उच्चागोत्रं असहं नीच्चागोत्रं ”

आया० १, २, ३, ७७; ठा० २, ४;

अणुजो० १२७; सम० १७; क० प० ७,

४३; प्रब० १२६७; —कम्म. न०

(-कर्मन्) उच्य गोत्र कर्म; गोत्र कर्मन्ती

अेक प्रकृति. उच्च गोत्र कर्म: गोत्र कर्म

की एक प्रकृति. a variety of Gotra

Karma giving birth in a high

family. भग० ८, ६; —गुर्वधे. पु०

(-निबन्ध) उच्य गोत्र कर्म आधत्ते.

उच्च गोत्र कर्म बोधना. performing the

nobler kinds of Karma which

determine birth in a high or

noble family. “ उच्चागोत्राण्यधो

मासण वमणो य लोमांमि ” पंचा० १२, ७;

उच्चागोत्र. न० (उच्चगोत्र) उच्यो

“ उच्चागोत्र ” शब्द देखो “ उच्चागोत्र ”

शब्द. Vide ‘ उच्चागोत्र ’ उत० ३, १, ८;

उच्चानागरी. स्त्री० (उच्चानागरी) अे नाभन्ती

कौटिल्यगृथी नीकलेखी-शाखा; आर्य सन्तिसे-

जिद्वन्ती शाखा. कौटिल्य गणमं निकला हुई

शाखा का नाम. Name of a family

off-shoot derived from Kōṭiya

Gaṇa; the offshoot of Ārya

Santisēṇika. कल्प० ८;

उच्चार. पुं० (उच्चार) वडी नीत; जडा;

विष्टा. विष्टा-मल; टट्टी, Excrement.

पि० नि० भा० १५; पि० नि० १६७; ५३६;

वेद्य० १, ६८; ओव० उत० २४, १५;

मृय० १, ६, १६; सम० ५; आया० २, १,

५, २, ६; नाया० १; २; ५; पञ० १;

दस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३,

१२, ७; २०; २; प्रब० ४३८; (२) वडी

नीत करवी; मलत्याग करवा. शौच जाना;

मल त्याग करना. answering the call

of nature; getting rid of faeces

“ मेमि० उच्चार पासवण करियाए ” आया०

२, १०, १६६; (३) उपयोग अने यत्ना-

पूर्वक परस्परपुं; पोथी परिशयलिया समिति.

उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निक्षेप

-त्याग करना; पांचवां परिठावणिया समिति.

getting rid of, laying down,

excreta etc. carefully. उत० २४,

२; —करण. न० (-करण) दिशाअे ७पुं.

मलमूत्रका त्याग करना. easing one-

self; answering a call of

nature. प्रब० २४; —गुरोह. पुं०

(-निरोध) डाडतो निरोध अटकाव करवा

ते. मल निरोध: दस्त रोकना. stopping,

checking, of stools. “ उच्चारणि-

रोहेण पासवणणिरोहेण ” ठा. ६, १;

—पडिकमण. न० (-प्रतिक्रमण)

उच्यार-विष्टा परस्परिने करिया वदिया पडि-

कर्मन्ती ते. मल त्याग करके ईरिया बाहिया

रूप प्रातिक्रमण करना. performing

Iriyā Vahiya Pratikramana

(thinking over sins committed

in walking) after answering

a call of nature. ठा० ६; —पासवण.

न० (-प्रस्रवण) जडा अने पेशाव. मल

मूत्र. faeces or solid excrement

and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६६;

(२) आचारंगना श्रीम श्रुतस्कन्धना त्रीम

अध्ययननुं नाम. आचारंग के दूसरे श्रुत-

स्कंधके तीसरे अध्यायका नाम. name

of the third chapter of the

second Śrutasākhya of

कुरेव; ढाँकेव. ढाँका हुआ. Covered;
hidden. नाया० १;

उच्छादणया. स्त्री० (उच्छादन) उच्छेद-
करतुं ते. उच्छेदन करना; उखाड़ना. Root-
ing out; cutting out. “ अंगारणं
संभुतराणं घाताण वाहाण उच्छदणयाण ”
भग० १५, १;

उच्छाय. पुं० (उच्छाय) उँचाय. ऊँचाई.
Height. ठा० ७;

उच्छायणा. स्त्री० (उच्छादना) व्यवच्छेद-
व्याप्ति करती. जानिका विच्छेदन करना-
नाश करना. Cutting off; debar-
ring. नाया० ८;

उच्छाह. पुं० (उत्साह) उत्साह; उत्कृष्ट.
उत्साह; उत्कंठा. Zeal; enthusiasm;
eager longing. सू० प० २०; सम० ६;

उच्छेदण. न० (उच्छेदन) उच्छिन्नं उधारुं
लेतुं ते. उधार लेना. Borrowing; tak-
ing on credit. पि० नि० ११६;

उच्छिपग. पुं० (उच्छेपक) और विशेष;
भीष्म, भीष्म वगैरे औरनी मत. चोर विशेष;
माँगा, भील वगैरह चोरका जाति. A par-
ticular class or tribe of thiev-
es; e. g. Māṇa, Bihla etc. पगह०
१, ३;

उच्छिष्ट. त्रि० (उच्छिष्ट) आतां आतां वधेयुः
अश्नुः, अश्नुः. उच्छिष्टः भूत. (Food)
remaining after one has eaten
a portion of it. प्रव० ११६;

उच्छिगण. त्रि० (उच्छिग्न) उच्छेद करेव;
नाश पभेव. नाश पाया हुआ; नष्ट.
Destroyed; ruined. ठा० ६; भग०

३, ७; कप्प० ४, ८८; — सामि ..
पुं० (-स्वामिक—उच्छिग्नो निःसत्तीभूतः
स्वामी यस्य तत्तथा) गेना स्वामी भूने
नाश पभेव होए ते. जिसका स्वामी नष्ट
हो गया हो वह (one) whose master
has been ruined. “उच्छिगण सामि-
याइ वा उच्छिगण भेउ पाइ” भग० ३ ७;

उच्छिय. त्रि० (उच्छिन्न) उँचुं करेव.
ऊँचा किया हुआ. Raised up;
elevated. आ० २६; ३१; नंदी० ६;

उच्छु. पुं० (इक्षु) शेरडी. माँटा; गन्ना.
Sugar-cane. भग० १, १; आ० २,
७, ३; १६०; आ० पि० नि० ८८०; सू०

च० २, २४; —खंड. पुं० (-खण्ड)
शेरडीना इतरे इतरी. गन्नेका टुकड़ा.
a piece of sugar-cane. दस० ३, ७;

५, २, ३८; दसा० १०, ५; —गंडिया.
स्त्री० (गण्डिका) शेरडीना गाँ
सहित इतरे. गन्नेका गाँठ सहित टुकड़ा.

a piece of sugar-cane with
joints. आ० २, १, १०, ५८;
—मरग. न० (मरक) शेरडीनी गंडीरी;

छातां छितारेव शेरडीना इतरे गंडीरी; गन्नेक
बिना छिलके के छोटे टुकड़े. small pieces
of sugar-cane with the peel

chopped off. आ० २, १, ८, ५७;
—वण. न० (-वन) शेरडीनुं वन. गन्ने का
वन. a forest of sugar-canes

अणुजा० १३१; —वाड पुं० (वाट) शेर-
डीनी वाट. गन्नेका बाड़ a field of sugar-
cane where they are pressed

to extract juice. आ० ७७१;

* उच्छुहु. त्रि० (*) उपर आवेव. ऊपर

आया हुआ. Come up; come to the surface. विशेष० ११४३;

उच्छुद्ध. वि० (विक्षिप्त) वेशेषैव; विभरेव. विखरा हुआ. Scattered; dispersed. ओष० नि० भा० २२१;

उच्छुद्ध. वि० () व्याप्यैव. चुराया हुआ. Stolen. जाया० ३, ३: १०) व्यर्ज्य. त्यागा हुआ. abandoned. ओष० ३८; संख्या० (३) घेताना स्थायी इव इरेव: यदा इरेव आने स्थानमे दूर किया हुआ: बाहर किया हुआ removed, expelled from one's place. "आयाण फलिप उच्छुद्ध दंड वाहू" तदु० ओष० १०; —सरीर. पुं० (शरीर) त्रेड शरीर संस्कारेन नष्ट दीया छेया मुली. ऐसे सुनि जिनदी शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है. an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them. "घोरतप्सी घोर संभयारी उच्छुद्ध सरीर" विवा० १; भग० १, १; नाया० १.

उच्छेद पुं० (उच्छेद) नाश. नाश Destruction; annihilation. नदी० ३६

उच्छेद्य. पुं० (उच्छेद) जुगोपि पदे शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. नदी० ३६; —कर. वि० (-कर) नाश करनेवा. नाश करने वाला. (one) who destroys नदी० ३६;

उच्छेद्यण न० (उच्छेदन) निर्मूल करने; उच्छेदन करने. निर्मूल करना; उच्छेद करना. Uprooting; annihilating; eradicating. राय० २०८;

उच्छेद्य. वि० (उच्छेद्य) क्षोभ रहित.

क्षोभ रहित. Free from agitation. ओष० नि० ४३३;

उच्छोलण न० (उच्छालन) व्यतननाये दाय पय धोया ते. बिना यत्नाचार के हाथ पैर धोना Careless washing of hands and feet. सूय० १, ६, १८; —(गा)पहोअ-य. वि० (-प्रधात -उच्छोलनेन प्रभूतजलशालनाक्रियया धोता धोतगात्रा ये ते तथा) अज्ञा पाणीथी यत्ना स्नान शरीर तरे धोतार. बिना यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर दौंगह धोनेवाला (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water. ओष० दम० ४, २३; —(गा)पहोइ. वि० (-प्रधातिन —उच्छोलनगोदक यतनया प्रकषेण धावतिपदादिशुद्ध करोति यः स तथा) यत्ना पगर पाद प्रक्षालन करने. बिना यत्नाचार के पैर धोनेवाला. (one) who washes feet without proper care. दम० ४;

उच्छोलित्तार. वि० (उच्छालित्) उच्छालनार. छोटनेवाला (One) who washes or sprinkles. सूय० २, २, १८.

उज्जम पुं० (उज्जम) उद्यम; धन्य; प्रयत्न. उद्यम; धंधा; व्यापार; प्रयत्न; कर्तव्य तत्परता. Industry; activity; business. ओष० २१; सु० च० १, २५; नाया० ५; गच्छा० ६;

उज्जय. वि० (उद्यत) तत्पर; तैयार. तत्पर; उद्यम; तैयार. Ready; ready to do, prepared. पणह० १, ३; ओष० नि० भा० ४६; सु० च० १, ३०३; पंचा०

८, ५; —विहार त्रि० (-विहार)
विहारभां उद्यत-उत्थमान्. विहार में उद्यत.
enthusiastic or zealous about
peregrination (Vihāra). पंचा०
१, ४६,

उज्जयंत. पुं० (उज्जयत्) गिरनार पर्वत.
गिरनार पर्वत. The Giranāra
mountain. प्रव० ३६४; —सेल. पुं०
(-शैल) गिरनार पर्वत. गिरनार पर्वत. the
Giranāra mountain. नाया० १६;
उज्जल. त्रि० (उज्जल) निर्मल; स्वच्छ;
शुद्ध; शुद्ध; कलंक रहित. निर्मल; स्वच्छ;
साफ; निष्कलंक. Clear; pure; stain-
less. कप० ३, ४१, ४६; नाया० १;
जीवा० ३, १; राय० श्रव० भग० ६,
३३; १२, १; गच्छा० १०२; (२) उत्कट;
तीव्र. उत्कट; तीव्र. sharp; severe.
नाया० १; ५; १६; १५; सूय० २, २,
१७; राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७,
१६६; दसा० ६, १; —शेषरथ. पुं०
(-नेपथ्य) निर्मल वेप. निर्मल वेप;
स्वच्छ पोशाक. clean, spotless,
dress. भग० ७, ८;

उज्जलिय. त्रि०. (उज्ज्वलित-उद्गता उवाक्का
यस्य सः) प्रकाशित; दृष्टीप्यमान. प्रका-
शित; प्रकाशवान्; दृष्टीप्यमान्. Shining;
sparkling. नाया० १; जीवा० ३;

उज्जल. त्रि० (उज्जल -- उद्गता उवाक्का
यस्य सः) शुद्ध पसिनात्ता ज्वलन्
मेधयुक्त; भलीन. सूखे पसीने के जमे हुए
मेल सहित. Dirty with a sedi-
ment of dried up perspiration.
“ सुंदा कंठविण्णट्टंगा उज्जल अस्माहिता ”
सूय० १, ३, १, १०;

उज्जहिता. सं० कृ० (उद्धाय) तलने;
छोड़ीने. तजकर; छोड़कर. Having

abandoned; having left. “ उज्ज-
हिता पलायय ” उक्त० २७, ७;

उज्जाण. न० (उद्यान-वस्त्राभरणादिसमलं-
कृतविग्रहाः सन्निहितासनाद्याहारा मदनो-
त्सवादिवु क्रीडार्थं लोका उद्यन्ति यत्र तच्च
स्पकादितस्त्वयदमारिषितमुद्यानम्) पूर-
णवाला आडोथी व्याप्त आग; साधारण
जगोने आनन्दपूर्ण उद्यान की स्थापना
वर्गीयों. फूल फल वाले आडोथों से व्याप्त
बागीचा; साधारण जनों का उत्सव करने का
स्थान; बागीचा. A garden with fruit-
trees and flowering plants; a
place where common people go
for celebrating a festivity. कप०
४, ५, ८८; ११३; ७, २११; अणुजो० १६;
१३४; ठा० २, ४; सम० ६; दस० ६, १;
७; २६; राय० २०, ३३; २३४; नंदी० ५०;
पि० नि० २१२; सु० च० १, ६६; दसा० ६,
३; विवा० ५; श्रव० १६; नाया० १, २;
३; ५; ८; १४; १६; भग० ३, २; ५, ७;
१५, १; १८, १; २५, ७; जं० प० २,
३०; ३१; निसी० ८, २; (२) उद्यो
जमीन; टेडरे. ऊंचा जमान; टेडरे.
a high ground; a hill. “ उज्जाणं
सिव दुबला ” सूय० १, ३, २, २०;
—गिह. न० (-गृह) उद्यानभां आधेय
भक्षन. उद्यान गृह; बागीचे वाला घर. a
house in a garden. ठा० २, ४;
निसी० ८, २; —जत्ता. क्री० (-यात्रा)
उद्यानभां जतुं ते; उद्यान-नी यात्रा. बागीचे
में जाना. going to a garden. नाया०
१; —पाल. त्रि० (-पाल) उद्यानने
रक्षक-भावी. उद्यान का रखवाला; माली. a
gardener; (one) in charge of
a garden. पि० नि० २१४; —पालन.
त्रि० (-पालक) अनुमो उपलब्ध शब्द

देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० २३०; —संद्रिय. त्रि० (-संस्थित) उद्यान-नी आकृति प्राप्त; उद्यानने आधार रखे. उद्यान का आकृति वाला; उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden. “ उज्जाणु वेडिताण ताव क्वेने ” सं० प० २; —माला. स्त्री० (शाला) उद्यान शाखा. उद्यान शाखा; बाग़ाना. a park; a garden. निपा० ०, २, —गिरि. स्त्री० (र्भा) उद्यान-वन की उद्गम शाखा. उद्यान की लक्ष्मी; वन की शोभा. beauty of a garden or of a wood. नाय० १६;

उज्जाणियलेण न० (आधानिकलयन) उद्यान पर्वतीय अंश पर विरामगृह उद्यान बाग़ाना के भीतर का विरामगृह ठहरने का स्थान. A rest-house in a garden; a house of recreation in a garden. भग० १३, ६, १४ १;

उज्जायण पुं० (उजायन) पुष्य नक्षत्र का गोत्र. पुष्य नक्षत्र का गोत्र. The family-line of the constellation Pusya. सं० प० १०;

उज्जालअ त्रि० (उज्जालक) अग्नि अक्ष-यायन २. अग्नि जलाने वाला मिलगाने वाला. (One) who kindles fire. मूय. १. ७. ६;

उज्जालण न० (उज्जालन) सत्रगायेन. जलाना; मिलगाना. Kindling; setting fire to; causing to burn. गच्छा० ७६;

उज्जालिय त्रि० (उज्जालित) सत्रगायेन. मिलगाना द्वारा. Kindled. जात्रा० ३, ३;

उज्जिन पुं० (उज्जयत्) सारं देश में उद्युता-यः पास आयेन शिरदार परत. गिरनार

पर्वत. The mountain (Girnāra in Junāgadhā. पंचा० १६, १७; कण्ठ० ६, १७४;

उज्जु त्रि० (ऋजु-अर्जयति गुणानिति) सरल. अयत; अक्षुब्ध. सरल; साधा, टेढ़ाई रहित; बिना कुटिलता का. Straight; straight-forward. आ० १०: डा० ४, १; आया० १, ३, १, १०७; पि० नि० २८६; ३६४, जे० प० २: जा० ३, ३: (२) भाषा उपर दित. संयमधारी. माया रहित; छल कपट रहित; संयम वाला. free from deceit; self-restrained. डा० ३: —आयना. स्त्री० (-आयना) सरल अर्थात् सीधी श्रेणी. सरल और लंबा रेखा. a long and straight line. भग० २५, ३: ३४. १: —आयया. स्त्री० (-आयना) उद्युत. उपर का शब्द. देसो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ३: —कड. त्रि० (-कृत) सरल; साधादित. सरल-माया सहित किया हुआ. made straight forward or free from deceit. “ अकंचणा उज्जुकहा निरामिसा ! परिगाहारंभ नियत्त दोसा ” उक्त० १८, ४३. आया० १, १, ३, १८, —जड. त्रि० (-जड) सरल अर्थात् सीधायु. ०० ॥ साधा. सरल और जड़; साधा किन्तु मंद बुद्धि. straight-forward but dull and stupid. “ पुरिमा उज्जुजाडागो वक्क जङ्गय पच्छिमा ” उक्त० २३, २६; पंचा० १३, ४३: —दंसि. त्रि० (-दर्शिन-ऋजु मोक्ष प्रति ऋजुवान संयमस्तं पश्यन्त्यु-पादेयतेति ऋजुदर्शिनः) ऋजु भाव-भाक्ष साधक संयमते मोक्षार्थ संयमालिखारी. ऋजु भाव-मोक्ष की सिद्धि करने वाले संयम का अभिप्राय. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस० ३; ११;—**पञ्च. त्रि०** (—प्रज्ञ) सरल अने समञ्ज. सरल और समझदार straight-forward and intelligent. दस० ५, १, ६०; उज्ज० ६; २३, २६; पंचा० १७, ४३;—**भाव. पुं०** (—भाव) ऋजु भाव; सरलता. सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness; **self-restraint**. “उज्जुभावं च जणवह्” उत्त० २६, ५;—**मह. ली०** (—मति-मननं मतिः ऋजुर्वा सामान्यप्राहिर्णा मतिः ऋजु-मतिः) मन पर्यय ज्ञानतो अेक भेद; सामान्यथी मनता पर्यवे ने ऋजुभावतः मान. मन पर्यय ज्ञान का एक भेद; सामान्य से मन के पर्ययों को जानने वाला ज्ञान. a variety of Manaparyaya Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६; दस० ४, २७, टा० २, १. नंदी० १८; भग० ८, २; त्वश० ७७६; (२) पुं० कंछक न्यन (अदी अंयुन न्यन); अदीदीपता सजी प्रालि-ओना मनोभावने ऋजुनार साधु. अढाई द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु. (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of 2½ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of 2½ fingers). ओव० १५;—**यार. त्रि०** (—कार) ऋजु-संयम-सरलताना कार-करनार; संयमधारी; संयम पावनार. संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७;—**सुत्त. पुं०** (—सूत्र) वर्तमान वस्तुनेव माननार नय; सात नयमानो अेक नय. वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय; सात नय में से एक नय. the theory which admits the present condition of things only; one of the 7 logical stand-points. टा० ७;—**सुय. पुं०** (—श्रुत) अतीत अनागत काव रूप वकता बिना मात्र वर्तमान कावर्ति वस्तुनेव अे हेभाटे, पारकी वस्तु निप्रयो-वर्तमानो अे सत् समान माने. त्रिंश पयन भिन्न जनां अेकव पदार्थ माने, निप्रपा-यार स्वीकारे ने; सात नयमानो अेथो नय. सात नय में का चौथा नय, जो अतीत अना-गत काल रूपी वकता को छोड़ कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु का अयन के समान मानता है, लिङ्ग वचनों को भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ बतलाता है और चार निरूप स्वाकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. अणुजो० १६; १४८; गम० ८८; पञ्च० १६; विशेष० ६०; २२२२; प्रव० ८५४; (२) विच्छेद गयेत्र आरमां दृष्टिवाद अंगना भीन विभाग सूत्र-तो प्रथम भेद. जियका विच्छेद होगया है ऐमे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dīṣṭivāda Āṅga.—**संहि. ली०** (—श्रेणी) सरल

श्रेणी-आकाश प्रदेशपङ्क्ति. सरल श्रेणी-
आकाश प्रदेशों की सरल पङ्क्ति. a straight
line of spatial units. " विषयज्ञहिता
उज्जुसिद्धिपत्ते " उक्त० २६, ७३;

उज्जुग्र. पुं० (ऋजुक) छिद्र सभे पंखरेना
छिद्र-सिद्धि के छिद्र और साँधों का बाँधा. A
hole of a snake, a rat etc.
कप० ६, ४६;

उज्जुग. पुं० (ऋजुक) दृष्टिवादा ८ सूत्रमानु
पदेयुं सूत्र. दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का
पहला सूत्र. The first of the 8
Sūtras of Dṛṣṭivāda. गम० (२)
निष्कपटी; सरल. कपटनिहत; सरल. one
free from fraud. जीवा० ३;

उज्जुगइ. स्त्री० (उज्जुगनि) साधु पोतना
स्थानथी निक्षी सिधिसिधुं श्रुतिनिधे
वत् अक्षरे, वक्षतां न अक्षरे ते. जायसीना
अः प्रक्षरमाना पदेते प्रक्षर. गोचरके आठ
प्रकार में का एक प्रकार, जिस में साधु अपने
स्थान में निकल साँधा गृहममूहों में जाकर
बहोरना-मिक्षा लेता है और लोयत हृण नदी
बहोरना. The first of the eight
modes of begging alms; viz
proceeding to beg from one's
own abode in a straight line
(of houses) and not begging
while returning. प्रव० ७५३;

उज्जुगभूय. त्रि० (ऋजुकभूत) सरल बन-
थयल. सरलीभूत; सरल हो चुका हुआ.
(One) that has become
straight or straight-forward.
" सोहि उज्जुगभूयस्य भस्मो मुद्गस्म चिट्ठइ "
उक्त० ३, १२;

उज्जुगया. स्त्री० (ऋजुकता) सरलता. सर-
लता; साँधा साधा पन. Straightness;
straight-forwardness. ठा० ३;

v. 11/25.

उज्जुत्त. त्रि० (उज्जुत्त) उद्यम वादी; उद्यमी.
उद्यमा; उद्यम करने में तत्पर. Industri-
ous; busy. पंचा० १७, ५२; नंदी० २६;
(२) सावधान. सचेत. atten-
tive; careful. आउ०

उज्जुभूय. त्रि० (ऋजुभूत) सरल थयल;
सिद्धि-सरल लुद्धयता. सरलीभूत; सरल
हृदयवाला, (One) who has be-
come straight-forward in mind;
straight-forward. उक्त० ३, १२;

उज्जुय. त्रि० (ऋजुक) सरल; सीधा; निष्क-
पटी. साँधा साधा; कपट प्रपंचगहेत. Free
from deceit; guileless. आया० २,
३, १ ११८; भग० १८, ५, दमा० ६, २;
आप० नि० ८००; कप० ३, ३६; (२) पुं०
वृमभूत दाथ साँधा दाथ; दाहिना हाथ. the
right hand. आप० नि० ५१०;

उज्जुयया. स्त्री० (ऋजुकता) सरलता. सर-
लता; साँधा साधा पन. Freedom from
guile; straightforwardness. उक्त०
२६, ४८;

उज्जुवालिता. स्त्री० (ऋजुवालुका) जम्बिया
ग्रामनी पदार्थ पदेती अक्ष नदी, के छेने
श्री महावीरस्वामीने देवज्ञान उत्पन्न थयुं.
जम्बिया ग्राम के बाहर बहता हुई एक
नदी, जिसके तार पर महावीरस्वामी को
केवलज्ञान उत्पन्न हुआ. Name of a
river outside the village called
Jambhīyā on the bank of
which Mahāvira Swāmī got
omniscience. " जम्बिया गामस्स नगरस्स
बहिया नईण्ण उज्जुवालियाण्ण उत्तरकूले "
आया० २, १५, १७६; कप० ५, ११६;

उज्जेली. स्त्री० (उज्जेलीनी) भाव्य देशनी
अक्ष नगरीनु नाम. मालव देशका एक

नगरी का नाम; उज्जयिनी; उज्जैन Ujjain; name of a city in Mālava. "उज्जेशी अट्टणे खलु" भाव० ४; संत्था० ६५; सु० च० ११८; विशेष० १०८२; आध० नि० भा० २६;

उज्जोअ-य. पुं० (उद्योत) तेज-प्रकाश उद्योत; अज्जयाधुं प्रकाश; उज्जता; उद्योत. Light; brightness. "देवुज्जोयं करोति" राय० उत्त० २३, ७५; २८, १०; पञ्च० २; आया० २, १५, १७६; सग० २, ८; ५, ६; प्रव० १२७८; भन० १६८; (२) नामधर्मती ऐक प्रकृति ते देवा उद्ययधी उद्यु-गरम नदी जतां प्रकाश इत्येव शरीर प्राप्त थय जेम येद नक्षत्र रत्न चरेतां शरीर नामकर्मका एक प्रकृति, जिनके उद्ययमे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान शरीर प्राप्त हो जैय कि चद्र, नक्षत्र, रत्न आदि का शरीर. a variety of Nāmākarma by which one gets a body which is bright and shining without being hot, e.g. that of the moon etc. पञ्च० २३; क० गं० १, २५-४६; २, ५; —आयव. पुं० (आयव) उद्योत अने आयव नाम धर्म. उद्योत और आयव नामकर्म. the two Nāmākarmas viz Udyota and Ātapa. क० गं० ५, ३; जं० प० ३, ५६; —गर. त्रि० (-कर) उद्योत-प्रकाश जनदर्शनरूपी प्रकाशना इत्येत. उद्योत-प्रकाश करनेवाला; ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला. (one) who enlightens in right knowledge and faith. पगह० २, २; सम० आव० २, १; —चउ. (-चउत्क) उद्योत-तादि य.र प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्यय गति; तिर्ययनु आयुष्य अने तिर्यय अनुपूर्वी,

ये य.र प्रकृति. उद्योतादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्यचगति, तिर्यचका आयुष्य, और तिर्यच अनुपूर्वी ये चार प्रकृति. The four Prakritis (Karmic natures); viz Udyota Nāma, Tiryañcha Gati, Tiryañcha Āyusya, and Tiryañcha Anupūrvī. क० गं० ३, १२; २३; —गु.म. न० (-नामन्) नाम धर्मती ऐक प्रकृति. नामकर्मका एक प्रकृति. A variety of Nāmākarma. क० गं० १, २५;

उज्जोइय. त्रि० (उद्योतित) प्रकाशित; अज्ज-अयुं. प्रकाशित; प्रकाशवान; चिलकता हुआ. Shining; sparkling. सम० प० २३७; नाया० १; आय० १०; गच्छा० १; सु० च० २, २६५; कप० ४, ६२; प्रव० ८०;

उज्जोय. पुं० (उद्योग) प्रयत्न; परिश्रम. प्रयत्न; परिश्रम; मटिनत. Effort; work. Labour. सु० च० १, ६६;

उज्जोयग. नि० (उद्योतक) उद्योत करनेवाला. उद्योत करने वाला. (One) that gives light. " मद्य जगुज्जोयगम " नंदी० ३;

उज्जोयण. न० (उद्योजन) देवयु; देवारी इत्यादि जोड़ना, देवारी करना. Uniting; joining; peepeting और० नि० भा० ६०;

उज्जोविय. त्रि० (उद्योतित) रत्न आदिसे प्रकाशित रत्न आदिमे प्रकाशित. Shining with jewels etc. " सउज्जो विपहिं " राय० ६६; नाया० १;

✓ **उज्ज.** धा० १. (उज्ज्) तथ देवुं. त्याग देना; छोड़ देना. To abandon; to leave off.

उज्जइ. सच० १०३.

उज्जमि विवा० १;

उज्झाहि. श्रा० विवा० १;

उज्जसु. श्रा० भक्त० ५६:

उज्झितं. गं० कृ० सूय० २, २, ६; नाया० ६;

वज्रिभूतना. पगह० १, ५:

उज्जिभत्तण, नाया० ८; उवा० २, ११;

उज्झंत. व० कृ० अणुजो० १२८;

उत्भावेद्, प्र० विद्या० २:

उच्छ्रया. त्रि० (उच्छ्रय) सर्वावेषेऽप्यवर्तेत.
 सद्भिवेक मे रहितः Devoid of a sense
 of decorum or decency. " निष्ठा
 निष्ठा भित्तावेषं उच्छ्रया असमाहिता
 मय० १, ३, ३, १३;

उत्सर्गः न० (उत्सर्ग) अक्षरं 'उत्' अक्षरं
बाहिर लेजाना. Taking or carrying
out विशेष २५७; (७) त्यज्, त्यागः
abandoning; giving up. अंतः

उडङ्कर पुं० (अवङ्कर) पर्वतमांझी पड़ता पड़ती
जैसे: झिरिझिरि, पर्वत में से गिरता हुआ
पानीका गरजन: गिराजङ्कर. A mountain
torrent; a mountain stream नंदा०
११: जं० प० १, ३०: अन्व. पुं० (अन्व)
जरीना अथवा अन्व अन्व करन की ध्वनि.
babbling sound of a stream.
माया० ६:

उत्तिष्ठन्न यः पुं० (उत्तिष्ठन्) उत्तिष्ठन् नाम
विद्यन्मित्र सार्थवाद्देवा पुत्रं देवता अविष्टार
विपाक सूत्रना भीम अध्ययनामं छे उत्तिष्ठन्
नामका वज्रयमित्र सार्थवाद् का पुत्र, जयका
वर्णन विपाक सूत्र के दूसरे अध्याय में है
Name of a son of the merchant
Vijayamitra whose account is
given in the 2nd chapter of
Vipāka Sūtra. विवा० १: २: अगु० नं०
१३१: (२) विपाकसूत्रना प्रथम श्रुतस्कंधका
भीम अध्ययननु नाम. विपाक सूत्र के प्रथम
श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम name

of the 2nd chapter of the first Śrutaskandha of Vipāka Sūtra. विवा० १; (३) त्रि० तन्त्रैः त्याग इरेत्. त्यागा दुष्टा. abandoned; given up. विवा० १; पि० नि० १६६; —**नियागसज्ज**. त्रि० (—निदानशल्य) निया-
ज्ज रूपशस्येना त्याग इरेत् फे दंजि ते नियागा
रूपा शल्य को त्याग देने वाला. (one)
who has got himself rid of the
thorn in the shape of Niyānā
(i. e. desire for future sense-
pleasure). भत्त० १४०; —**धम्मिय**.
त्रि० (—धामिक) नापि देवा येत्यः
निरुपयोगि. फेक देने योग्य; निरुपयोगी.
worth being thrown away;
useless अशुल० ३, १;

उज्ज्मयग. पुं० (उज्ज्मतक) विद्यमानित्र
 सार्थतादती ज्ञाता सुभद्रांती उज्ज्मत थयत्र
 पुत्र विजयामित्र सागथा की स्त्री सुभद्रा मे
 पयत्र पुत्र का नाम. A son of the
 merchant Vijayamitra born of
 his wife Subhadra विवा० २:

उज्झिगयम्मा. खं० (उज्झितधर्मा) के वस्तु
नाशी हो जाने (होना, जलने, फटना, बिगड़ना
इत्यादि) के वस्तु उज्झिगमा वे। अपमान
का प्रकाशनी। अर्थ, जो वस्तु जलें या गिर
न हो, उस का बहोसना-लेना, प्रयोग के
साथ प्रकाश में आकर प्रकाश, Receiving
as alms a thing which is worth
being thrown away and which
nobody would care to take;
one of the seven varieties of
receiving alms. प्रब० ७५८:

उज्जिभया. स्त्री० (उज्जिभका) धन्वा सार्थ-
वाहना पुत्र धनपात्र सार्थवाह तेनी श्री. धन्वा
नामक सार्थवाह के पुत्र धनपाल की स्त्री.

Wife of the merchant Dhana-pāla, the son of the merchant Dhannā. नाया० ७;

उट्ट. पुं० स्त्री० (उट्ट) संहिता; अट्ट. ऊट्ट; A camel. “अहमंते उट्टं गोणं खरे घोडण” पन्न० १; “भारवहावहंतिउट्टावा” सूय० १, ४, २, १६; २, २, ४५; ओव० ३८; जीवा० ३, ३; जं० प० उवा० २, ६४; क० गं० ६, ४३;

उट्टिय. त्रि० (ओष्टिक-उट्टाणामिदमैष्टिकम्) अट्टना पातनुं अनेनुं सूत्र दायासी यथेरे. ऊट्ट के बालों से बना हुआ वस्त्र; धावल वगैरह. A blanket etc. made of the hair of a camel ओष० नि० ७०६; वेय० २, २३; अणुजो० ३७;

उट्टिया. स्त्री० (उट्टिका उट्टस्याकारः पृष्ठावयव इवाकारोऽस्याः) अट्टना आकारनुं-लांया आकारवानुं वासयु; शिरोध. ऊट्ट के आकार का लम्बी गर्दन वाला बर्तन. A pot with a long neck like that of a camel. उवा० १, २७; २, ६४; ७, १८४; विवा० ७;

उट्टियासमण पुं० (उट्टिकाश्रमण-उट्टिका महानसून्मयोभाजन विशेवस्तत्र प्रविष्टायेश्राम्यन्ति तपस्यन्तीत्युट्टिकाश्रमणाः) भेटा भाटीना वासयुमां भेरी तपश्चर्या करनेवाले; गोशालाना साधुनी अेक वन. मिश्र के बड़े बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला; गोशाला के साधु की एक जाति. One who sits in a large earthen vessel and practises penance; one of the sects of the followers of Gosālā. ओव० ४१;

उट्टी. स्त्री० (उट्टी) अट्टी; सांठणी ऊटनी; सांठनी. A she-camel. अणुजो० १३१; प्रव० २१८;

उट्टीवाल. पुं० (उट्टपाल) अट्ट राभनार. ऊट्ट का पालने वाला. A keeper of camels. अणुजो० १३१;

उट्ट. पुं० (उट्ट) अेक वनतनुं जलचर प्राणी. एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind of aquatic animal. “मग्नय उट्टा-दगरकखसाय” सूय० १, १, १५;

उट्ट. पुं० (ओष्ठ) ओष्ठ; होंठ. ओष्ठ. A lip. कप्प० ३, ३५; नाया० २; ओव० ३८; भग० ११, ११; सम० ११; गु० च० १०, ४१; ओव० नि० भा० २६६; उवा० २, ६४; विशे० ८५७; निसा० ३, ५३; ५, ३८; दगा० ६, ४; (२) वासयुने कीड़ो. बरतन का कोर. the brim or border of a vessel. ओष० नि० ६६०; —च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) होंठ काटे; होंठ काटे. जिस का ओठ कटा हो वह; ओठ कटा. (one) whose lip is cut. आया० २, ४, २, १३६; —पुट. पुं० (-पुट) होंठ पट. ओष्ठ पुट. the cavity formed by hollowing the lips. प्रव० २६३;

उट्टंभिया. सं० क० अ० (अवष्टभ्य) शैष्टीनेः स्तंभन करीति. रोक कर; स्तंभन करके; थाम कर. Having stopped; having checked. आया० १, ६, ३, ११; उट्टा स्त्री० (उट्टा) शरीरन उठ्युं करयुं; उठ्ठा थयुं. शरीर को ऊंचा करना; खड़े होना. To raise the body; to stand. ओव० ३५; उवा० ७, १६३;

उट्टाण. न० (उट्थान) उठ्ठा थयुं-उठ्युं ते; अेक प्रक्षारणी अेष्टा. खड़े होना; उठना. Standing up; getting up. जं० प० २, ३६; उवा० १, ७३; टा० १, १; भग० १, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया० १; सू० प० १६; पन्न० २३; (२) सांभनवाने

गुरु पास से उठुं ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना. going up to a preceptor to hear. चं० प० २०: (३) उद्यम-यत्न. उद्यम; प्रयत्न. effort; industry. भग० २, १; (४) उत्पत्ति. उत्पत्ति; पैदा-इश. rise; birth; production. नाया० १४; —कम्म. न० (—कर्मम्) उडुं-शरीर येष्ट रूप कर्म. उत्थनरूप शारीरिक कर्म. the act of standing up नाया० १: जं० प० २, ३४; —परियाणिय. न० (—परियानिक-परियानं त्रिविधव्यातिकरपरिगमनं तदेव परियानिकञ्जरितमुत्थानाजन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिकं) जन्मभी मांडी छेदगीना छेदा संधीमां यनेत दरेक यत्नवेतो आदेवात; ज्यन्त-यस्ति. जीवनी; जीवन चरित्र; जन्म से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन. a biography from birth to death. “गोमालस्म मंखलिपुत्तस्म उद्वाणपरियाणि-यं परिकहिय” भग० १५, १; नाया० १४; १७;

उद्वाणसुय. पु० (उत्थानश्रुत) ७२ श्रुति-श्रुतमांनुं ओ३. ७२ कालिक सूत्रा में का एक. One of the 72 Kālika Sūtras. वव० १०, २६; नंदो० ४३;

उद्वाचण. न० (उरस्थापन) उडुंयुं ते: उत्थापना करी. उठना; उत्थापना करना. Causing to stand up, rise, or get up. वेंय० ४, २६;

उद्वावण. न० (उरस्थापन) सामायिक आरित्र-मांथी छेदोपस्थापनीय आरित्रनुं आरोपनुं ते. सामायिक चारित्र में छेदोपस्थापनीय चारित्रका आरोपण करना. Re-establishment of equanimity after a temporary lapse. भत्त० २५; ठा० ४, ३; —अंते-वासे त्रि०(अन्तेवासिन) पांथ मद्वातनी

उपस्थापना करी करेस शिष्य. पंचमहाव्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्य. a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows. ठा० ४, ३; **उट्ठिअ-य.** त्रि० (उत्थित) उडुंय; उडो थयेस; तैयार थयेस. उठा हुआ; तत्पर: उद्यत. Got up; ready. “उट्ठियपि सूर” अणुजो० १६; कप्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४; वव० ३, १३; ठा० ३, ३; ओव० १३; नाया० १; भग० २, २; पि० नि० ४१७; (२) उडय पाभेस; उडेस. उदय पाया हुआ; उगा हुआ. risen. (३) धर्माचरणु भाटे तैयार थयेस; प्रवज्या ले जाने तैयार थयेस. धर्माचरणके लिये तैयार; दाना लेने को उद्यत. ready, prepared to take Dikṣā.

“अहरास त्रिवेगमुट्ठिअ अवित्तिहेइह भासइ” सुय० १, २, १८; आया० १, ४, १, १२८; (२) उड्ठय; वस्ति यगरनुं. ऊजड़; वस्तिरहित स्थान. desolate; untenanted. ओघ० नि० ८६;

उड. पुं० (पुट) दडीओ. दोना. A cup made of leaves. ओव० २२; उवा० २, ११३;

उडअ. पुं० (पुटक) जुओ. उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. त्रिवा० ५;

उडग. पुं० (उटज) तापकतो आश्रम-जुपटु. तापसी का आश्रम-भोंपड़ा. A hermitage; a cottage of a hermit. भग० ११, ९;

उडव. पुं० (उटज) जुओ. उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, १;

उडु. पुं० (उडु) नक्षत्र. नक्षत्र. A constellation. जं० प० ३, ६७; सू० प० ५;

— **चड्.** पुं० (—**पति**) नक्षत्रतो स्वामी;
चंद्र. नक्षत्रका स्वामी; चंद्र. the lord of
the constellations; the moon.

“ जहामे उडुवड् चंडे नखलत्तयपरिवारिण् ”

उत्त० ११. २५; ओष० १०; जावा० ३, ३;

— **वर.** पुं० (—**वर**) सूर्य. सूर्य. the

sun. “ तिरिणि महस्से मगले छच्च मण्

उडुवरो हरह् ” तंडु०

उडु. पुं० (**ऋतु**) ऋतु-ग्राम आदि ६

ऋतु. ऋतु. ग्राम आदि छह ऋतु

Any of the six seasons viz

spring, summer etc ओष० नि०

भा० ३११; ओष० नि० २६; — **पज्जो-**

सविअ. न० (—**पर्युपित**) ऋतु अक्षर-
ग्रामासा सिवायना ऋतुभां रक्ष-निवास

क्षेत्र. ऋतु बदकाल में निवास किया हुआ;

जोमामे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ.

one that has stayed or re-

mained during the Ritu-

buddha time i. e. time of the

year excepting the rainy

season. वव० ८. १; — **वड्.** पुं०

(—**वड्**) लुओ ‘उडवड्’ शब्द. देखा

‘उडवड्’ शब्द. vide “ उडवड् ”

ओष० नि० २५; निगा० १४, ३२; ३३;

३४; — **वड्झि.** त्रि० (—**वड्**) शीत

अथे ऋतु ऋतुभां सधुओतो भास इत्य

विदार. शीत और उष्ण काल में गधुओ

का मास कथ्य विहार. the monthly

peregrinations of an ascetic

during the winter and summer

seasons. आया० २, २. २, ७८;

उडु कल्लाणिअ. स्त्री० (**ऋतुकल्याणिका**)

यक्षवर्तीनी ३२००० राणी. चक्रवर्ती की

३२००० राणी. The 32000 queens

of a Chakravartī. जं० प०

उडुप. न० (**उडुप**) छोटी. नांव: डोंगी.

A boat. पि० नि० ३३०;

उडुव. पुं० न० (**उडुव**) नांव: छोटी; छोटीने

आधारे अनावेयो बाधो. नांव: डोंगी;

डोंगी के आकार का बनाया हुआ वेडा. A

boat; a raft. विश० १०२७;

उडुवाडियगण. पुं० (**ऋतुपाठकगण**)

भद्रयशस्वयिस्था निक्षेत्रे अथ गणु. भद्रयश

स्वधर से निकला हुआ एक गण. Name

of a Gana (i. e. order of

monks) derived from the

Sthavira Bhadrayaśa. कथ० ८;

उडुविमाण. पुं० (**उडुविमान**) सौधर्म

देवसेवना परेता पाथडमान् अथ विमान

५ गेनी तयात्त परेतात्त ४५ तयात्त

मेनवती छ. सौधर्म नामक स्वर्ग के पहले

पाथडे में का एक विमान जगका लवाई

चौडई ४५ लाख योजन की है. Name

of an abode in the first

stratum of the Suddharma

heaven, having an area of

45 square leagues of Yojanas

“ उडुविमाणेण विमाणे पणयालीमं

जोयण ” आ० ८, ३; सम० ४५;

उडुखल. पुं० (**उडुखल**) छिन्नत: पांछणी.

आखली. A mortar used for

pounding. पि० नि० ३६१;

उडु. पुं० (**उडु**) छिन्नत: अथ अनार्य देश

अथे दाव उडुसा छि छि. उडु नामक एक

अनार्य देश: उडुआसा. Name of an

Anārya (uncivilized) country;

Orissa. प्रव० १५, ६७; (२) त्रि० ते देशता

रक्षेयसी उडु नामक अनार्य देश के रहने-

वाले. a native of the above

country. पण० ८, १;

उडुचग. पुं० (*) उडुउडु। कलकलाहट.

Bustle; noise आघ० नि० २२१;

उडुचण. न० (उडुचयन) आकर्षण.

आकर्षण. Attraction: drawing towards oneself. “ हिय उडुचवणे का उडुचवणेहेउ ” नाया० १६;

उडुह. पुं० (उडाह) विध्वान्त. नाश.

नाश. Destruction. “ गेलणं इद्वि उडुहो ” आ० (२) देवदास ३२वीं

वे. होलना करना. disregard of

scriptures. पि० नि० ६६; वे० १.

२: (३) देवता; भीक्षु. अवहेलना:

निंदा. disrespect पि० नि० ३६१:

(४) क्षति: न्यूनता. हानि: नुकसान: कमी:

न्यूनता. loss; diminution. पि० नि०

३०८: --कर. त्रि० (--कर) देवि ३२-

ना०. दान करनेवाला. productive of,

generating, loss. मन्त्रा० ११;

उडुगि त्रि० (उडुगिन) आकाशमां उडुग.

उडा हुआ. Flying, flowing in the

sky. नाया० १;

उडुभङ्ग. पुं० (उडुभुतक) उडुभुतक देश.

उडुभुतक देश. The country so

named. (२) त्रि० तेना २६तरी.

उनके रहनेवाले. the inhabitants of

the above. पञ्च० १;

उडुडुय. न० (*) उडुडुडु। उकार.

Eruetation. “ जंभाइएण उडुडुणं

वायणिसगणं ” आ० १. ५;

उडुँत. त्रि० (उडुयमान) आकाशमां उडुँत.

आकाश में उडुँता हुआ. Flying,

souring in the sky. राय०

उडु. त्रि० (ऊर्ध्व) उडुँत; उडुँत; उडुँत नीयुं.

ऊँचा; उपर. High; upwards. जा०

१: राय० १०३; नाया० १: ८; ६; १६;

भग० १, १; ६; २, ८; ३, १; २; ५, ४;

६; २०, ६; २५, ३; पञ्च० २; २८; निर०

२, १: उत्त० ३. १३; २६. २३; ओव०

२१; ३८: आया० १, १. ५. ४१; ठा० १,

१; सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७;

अगुजो० १०३; जं० प० १, ४; पि० नि०

३६३; (२) उर्ध्वलोक; स्वर्गलोक;

ऊर्ध्वलोक. heavenly world. सूय० १,

३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०; (३) उर्ध्व-

दिशा; उर्ध्व दिशा. उर्ध्व दिशा; ऊँचा दिशा.

the topmost direction. दस० ६,

३४; आया० १, १, १. २: — अभिमुह.

त्रि० (-अभिमुख) उर्ध्व दिशाभां मुण

उर्ध्व. ऊपर का ओर जियने मुख किया

हो वह. (one) with the face

turned up. भग० ११, १०: — उवच-

गणुग. त्रि० (-उपपन्न) उर्ध्व लोकभां

आर देवलोक नवग्रहलोकभां उपपन्न थनार-

देव देवी. ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक

आर नवग्रहलोक में उपपन्न होनेवाले-देव

देवी. (a god or a goddess)

born in the twelve Devalokas,

Nava Graiveyakas etc. of the

upper region. “जे देवा उडुग ववणणा

ते दुविहा पञ्चता ” ठा० २; भग० ८, ८:

— कडुयग. त्रि० (-कण्डुक) नाभिनी

उपर अंगुलीनार: नाभिनी अंगुली प्रहार.

नाभि के ऊपर के भाग में खजानेवाला;

नापमी का एक भेद. (a class of

hermits) who scratch (to

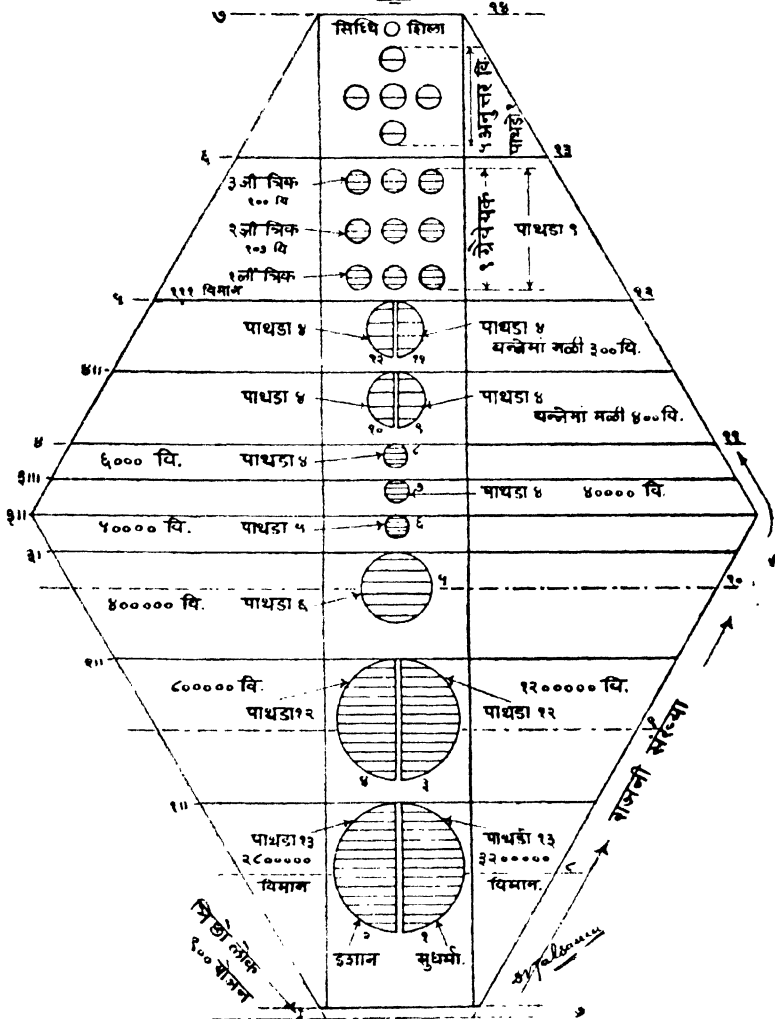
remove itching sensation)

* जुओ पृष्ठ न० १५ नी ५२तरी (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only the part above the navel. भग० ११, ६; —गह्. स्त्री० (-गति)
 उँथी गति. ऊर्ध्व गति; ऊँचा गति.
 upward motion; birth in a
 higher state of existence. भग०
 ३, १; —गारव परिणाम. पुं० (-गौरव
 परिणाम—येन आयुः स्वभावेन जीवस्य
 ऊर्ध्व दिशि गमनशक्तिलक्षणपरिणामो
 भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणामः) आयुष्य परि-
 णामतो अत्र प्रकार के गेताथी ७५ उर्ध्व-
 उँथी गतिमां नय. आयुष्य पारणाम का
 एक भेद जिससे कि जीव ऊँचा गति में जाता
 है. a nature of Āyusya Pari-
 nāma by which the soul has
 an upward motion. टा० १०;
 —चर. त्रि० (-चर) उँथे उडनार-गाथ
 आदि. ऊँचे उडनेवाले-गाथ आदि.
 flying, soaring high, e. g. a
 vulture etc. आया० १, ८, ७, ६;
 —जाणु. त्रि० (-जानु—ऊर्ध्व जानुनी
 यस्यासावूर्ध्वजानुः) गंधा उँथी रहे तेवे
 आसने असनार. एमे आसन में बैठने
 वाला जिस में जंघा ऊँचा रहे. (one) in
 a posture in which the thighs
 are raised up. “ उङ्ग जाणु अहो
 सिरे काण कोटो वगणु ” नाया० १; भग०
 १, १; जं० प० आंव० —दिसि पमाण-
 इकम. पुं० (-दिक्प्रमाणतिकम) ७६
 दिशिगतने प्रथम अतिचार. छंडे दिवृत
 का प्रथम अतिचार. the first Ati-
 chāra of (the 6th) Diśivrata
 (limitation of movement to a
 fixed area). उवा० १, ५०; —पाअ.
 पुं० (-पाद्) उँथी राप्पाछे पग गेता
 ते. जिसके पैर ऊँचे रखे हो वह. one
 with his legs thrown up, lifted

up “ कंदतां कंदु कुंभीसु उङ्गपाओ
 अहोसिरो ” उक्त० १६: ५०. —बद्ध.
 त्रि० (-बद्ध) गिथे-प्रक्षरी गंधी आदिमे
 आंधेन ऊँचा-वृत्त की डाली आदिसे-बांधा
 हुआ. fastened upwards; e. g. to
 the branch of a tree. “ रसंतो
 कंदुकुंभीसु उङ्गबद्धो अबंधवो ” उक्त०
 १६: ५२; —बाहा. त्रि० (-बाहु) उँथी
 हाथ गेले राप्पाछे ते. ऊँचे हाथवाला;
 जिसने हाथ ऊँचा रखा हो वह. (one)
 with arms raised up. निर० ३, ३;
 भग० १२, १; —भागि. त्रि० (-भागिन्)
 आकाशमां रहेल. आकाशमें रहा हुआ.
 remaining in the sky. “ उङ्गवा
 एमु उङ्गभागी-भवति ” मय० २, ३, ३०;
 —मुद्ग. पुं० (-मृदंग) उँथी मोटा-
 दाँदा देल. ऊँचे मुँहवाला ढोल. a tabor
 or drum with its mouth up-
 wards. भग० ११, १०; —मुद्गाकार.
 त्रि० (मृदंगाकार) उँथी मुँहवाला अकारे.
 ऊँचे मृदंग के आकारका. of the shape
 of a tabor with its mouth up-
 wards. भग० ११, १०; —मुद्गाकार
 संठिय. त्रि० (मृदंगाकारसंस्थित ऊर्ध्व-
 मूर्ध्व मुखो या मृदङ्गस्तदाकारेण संस्थितो य.
 स तथा) उँथी मोटादाँदा देलना आकारे
 रहेल. ऊँचे मुँह वाले ढोल के आकार
 में स्थित. in the shape of a
 tabor with upward mouth.
 भग० ११, १०; —मुह. त्रि० (-मुख)
 उँथी मोटादाँदा. ऊँचे मुँह वाला. (one)
 with face turned up. जं० प०
 —रेणु. पुं० स्त्री० (-रेणु—जालप्रभाभि
 व्यङ्ग्यःस्वतः परतो वा ऊर्ध्वोधास्तिर्यक्चलन
 धर्म्मारेणुरूर्ध्वरेणुः) आह सन्द. सन्दिआ-
 २०६णु बेगाथवाथी अनेन मोटा २०६णु

—उड्ड लोय-उर्ध्व लोक.—



३ ०२ आकाशमां पोताणी भेले अथवा परना आश्रयथी उये नीये देते ते; २०४३७. आठ सन्ह सन्हिया रजकण एक-त्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वतः अथवा दूसरे के आश्रय में ऊपर नीचे उड़ता है. a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency. अणुजो० १३४: जं० प० भग० ६: ७: — **लोअ-य.** पुं० (-लोक) उर्ध्वलोकः स्वर्गलोकः लोकना परना भागः विन्ध्य लोकना उपरना छेत्री ते लोकना अग्रभाग सुधीना प्रदेश. उर्ध्व लोकः स्वर्गलोकः लोक के ऊपर का हिस्सा; विन्ध्यलोक के ऊपर के क्षेत्र से उग लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश. the upper world, the heaven-world. अणुजो० १०३: १४८: पञ० २: भग० २, १०: ११, १०: — **लोअ-य-खन्नाली.** स्त्री० (लोक क्षेत्रनाडी) उर्ध्व लोक स्वर्ग लोकना नाडी - अमुद्ध विभाग. उर्ध्व लोक स्वर्ग लोक का नाडी विभाग. a particular portion of the upper world or heaven-world. भग० ३४, १: — **लोअ. पुं० (-लोक)** जुओ “ उड़लोअ ” शब्द देखो “ उड़लोअ ” शब्द. vide “ उड़लोअ ” टा० ३, २: — **लोअवत्थव.** त्रि० (लोक वास्तव्य) उर्ध्व लोक स्वर्गलोकना वासी - वासना. उर्ध्वलोक में बगने वाले. (one) residing in the upper world or heaven-world. “ उड़लोअवत्थ-व्वाओ अट्ट दिसा कुमारी ओ ” नाया० ८: — **वाय-अ.** पुं० (-गत - उर्ध्वमुद्-

गच्छन् या वाति वातः स उर्ध्ववातः) उर्ध्व दिक्षाना वायु ऊर्ध्व दिशा में बहने वाला हवा. wind moving in the upward direction. जावा० १: टा० ७, १: पञ० १:

उड़काय. पुं० न० (उर्ध्वकाय) डागटा. कांआ. A crow. “ ते उड़काण्हि पजक्खमाणा अवरोहि ” सुय० १, ५, २, ७:

उड़त्ता. स्त्री० (उर्ध्वता) उंचापन. State of being high or upwards; height. “ अहत्ताण् नोउड़त्ताण् ” भग० ६, ३:

उड़वाइय. पुं० (उर्ध्ववातिक) उर्ध्ववातिष्ठ नामनेता भद्रावीर स्वामीना नव गणुमानि पांचिमा गण. उर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पांचवां गण. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvira Swāmī, so named. “ उड़वाइयगणे विस्सवाइ गणे ” टा० ६, १:

उड़वाइयगण. पुं० (उर्ध्ववातिकगण) जुओ उपरो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above. टा० ६, १:

उण. अ० (पुनर्) इरीथी; इरी. फिर से; पुनः. Again; once more. विशेष १४४: पगह० २, २: सु० च० १, २२७: पंवा० २, ३४:

उण. न० (ऊन) वन्दना पाठना अक्षरों, पद वगैरे आवा कहेवा ते; वन्दना २८ में दे०. वन्दना के पाठ के अन्तर, पद वगैरह को कम कहना; वन्दना का २८ वां दोष. The 28th fault connected with salutation; viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation. प्रव० १५३:

उगण. वि० (अवनत) नीचुं नभेद. नीचे
का ओर नमा हुआ. Bent down; bent
low विशेष० १४२१;

उगण. वि० (ऊनक) न्यून; ओछुं. कम;
न्यून. Less; diminished; fall-
ing short by. जाँवा० १; वव० ८,
१५;

उगण्डभाग. पुं० (ऊनार्द्धभाग) अर्द्ध भाग
छोटा-ओछा. जिस का आधा हिस्सा कम हो.
Less by a half. निसा० २, ३६;

उगणालीस. स्त्री० (एकौनचत्वारिंशत्) ३९;
ओगणुयालीस. ३६; उन्चालीस. ३९;
Thirty-nine. भग० ३, ७;

उगणहिय. वि० (ऊनाधिक) ओछुं वसुं. न्यु-
नाधिक. कमजुयादह; न्यूनाधिक. More
or less. विशेष० १४३;

उगण. न० (ऊनोन) ओछुं ओछुं; गिन-
गिनतर-धियादि रीति ओछुं. ऊन-ऊनतर
इत्यादिक रीति से न्यून. Progressive-
ly decreasing. क० प० २, ६२;

उगणयरिआ. स्त्री० (ऊनोदरिका.) न्यून-
ओछा आहार करनेवाँ ते; ओछाई इषधि
वशेरे बेतमओ ते करनेवाँ ओछा देखा ते.
कम आहार करना; आवश्यकता से कम
भोजन करना या उपवास आदि कम लेना.
Eating less than one's fill.
सम० ६;

उगणइ. स्त्री० (उन्नति) धनति. उन्नति;
अभ्युदय. Rise; prosperity. पंचा०
६, ४७; —णिमित्त. न० (-निमित्त)
प्रभावना हेतु. प्रभाव का हेतु. cause of
power or prosperity. पंचा० ६, ४७;

उगणइय. वि० (उन्नत) उन्नत; उँचुं. ऊँचा;
उन्नत. Raised; elevated. भग०
१३, ६;

उगणकप्पास. पुं० (ऊर्णकपर्पास) धैराना
पास. गिन. ऊन; भेड़ के बाल. Wool.
निसा० ३, ७२;

उगणतासण. न० (उन्नतासन) उँचुं आसन.
ऊँचा आसन. A raised seat; an
elevated seat. भग० ११, ११;

उगण्य. वि० (उन्नत) उँचुं; उन्नत; आयाद.
ऊँचा; उन्नत; अच्छी दशामें. High;
elevated; prosperous. कप्प० ३;
३६; ओव० १०; दग० ७, २२; नाया० १;
स० प० २०; भग० ११, ११; १२, ५;
(२) नीकलतुं; अलतुं. निकलता हुआ;
बढ़िया. prominent; superior
ओव० १०; (३) शुभदान. गुणवान
virtuous; meritorious, "उन्न लय-
चरियदारगोपुर तोरणउगणाय सुविमत्तराय
मग्गा" नाया० १; ठा० ओव० (४)
अभिमानरूप भेदनीय दुर्म. अभिमानका
मोहनी कर्म. deluding Karma in
the form of conceit. भग० १२, ७;
सम० —आवट. पुं० (-आवर्त —उन्नत

उच्छिन्नतः स चासावावर्तश्चत उन्नतावर्तः)
उँचुं आवर्तन करनेवाँ ते; आवर्तननी अँध
प्रदेश. ऊपर आवर्तन करना; आवर्तन
का एक भेद. moving round in
the upward direction. ठा० ४;

—आसण. न० (आसन) उन्नत-उँचुं
आसन. ऊँचा आसन; उन्नत आसन. high,
elevated, seat. राय० १३६; जं०
प० —मण. वि० (-मनस्) उन्नत-
उन्नत मन वाला. उदार मन वाला; ऊँच मन
वाला. high-minded. ठा० ४, ४;

—माण. वि० (-मान —उन्नतो मानो
यस्येयुन्नतमानः) उँचुं देखा उँचुं ओस माननार;
गर्वित. अपने आपको उन्नत माननेवाला;
गर्विष्ठ; आँसमानी. proud; conceited.

“उगणयमाणेय नरे महया मोहेण सुउक्कसि”

आया० १, ५, ४, १५७;

उगणययर. त्रि० (उन्नततर) यथावे दिया.
बहुत उंचा. More elevated;
higher. भग० ३, १;

उगणा. खा० (ऊर्णा) जिन. ऊन. Wool.
भग० ८, ६; १५, १: - लोम. पुं०
(-रोमन्) जिनता रोम-रेखा. ऊन के
बाल. hair in the form of
wool. भग० ८, ६; १५, १;

उगणाम. पुं० (उग्राम) गर्व; अहंकार;
मद गर्व; अहंकार; घमंड; मद. Pride;
intoxication. (२) मदना परिणाम
श्री अर्थात् मोहनीय कर्म. मद रूप पाप-
णामसे बंधनेवाला मोहनीय कर्म. delud-
ing Karma incurred by pride.
भग० १२, ५;

उगिणाश्च य त्रि० (आगिणक) जिन. ऊन
का; ऊनका बना हुआ. Made of wool;
woollen. वेय० २, २३; अणुजो०
३५; आष० नि० भा० ८८; आष० नि०
७०८; (२) जिनता अनेक रंगोंदरवादि.
ऊन के बने हुए रजोहरणाद. a kind
of brush etc made of wool.
आ० ५;

उगह. त्रि० (उष्ण - उपति द्वात जन्त
नियुष्णाः) गरम; डिंग; डिंग् गर्म; उष्ण.
Hot. पंखा० १७, ४६; क० ग० १, ४१;
सू० प० १०; उक्त० ३६, २०; आया० १,
५, ६, १७०; दया० ७ १; पि० नि० भा०
१३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १; ४,
१०, ७, १; (२) पुं० गरमी; दिग्गता;
ताप; तप्रे. गर्मी; उष्णता; घाम; श्रुप.
heat; sun shine. राय० ७३८;
नाया० १; आ० ३६; उक्त० २, ६; पि०

नि० २००; - अभितत्त. त्रि० (-अभि-
तत्त) गरमीशी अत्यन्त पीडित-दुःखी
थप्रे. गर्मी से अत्यन्त दुःखा. troubled
by excessive heat. “उगहमित्तो
मेहार्वा” उक्त० २, ६: - अभिहय.
त्रि० (-अभिहत) अत्यन्त गरमीशी
अभिहत थप्रे. पीडित. सूर्य का गर्मी से
पीडित. overpowered, oppressed,
by excessive heat. “उगहाभिहण
तगहाभिहण” जीवा० ३: भग० १६, ४;
—उद्व. न० (-उद्वक) डिंग पायल. गरम
जल. hot water. कप० ४, ६२;
—गहिय. त्रि० (ग्राहित) गरमी आप्रे.
उगता दिया हुआ; जिसे गर्मी का गर्ह हो
बढ़. heated; made hot. नाया० ५;
—दिश. त्रि० (-दत्त) गरमी दीप्रे; तप्रे
नाप्रे. श्रुप से डाला हुआ; जिसे गर्मी दी
हो बढ़. heated; put in the sun-
shine. भग० २, १: —परियाव. पुं०
(-परितार) अनिशय गरमीति परिपद. बहुत
गर्मी का परिपद. great affliction
caused by heat उक्त० २, १०;
—वाय. पुं० (वात) जेता वायु; गरम
परत. गर्म हवा. hot wind. नाया० १;
—सह. न० (-सह) गरमीनु सहन करे
ते. गर्मी का सहन करना. endurance
of heat. भग० १५ १.

उगहवण. न० (उष्णपण) डिंग करे ते.
गर्म करना. Heating. पि० नि० २५०;
उक्त. त्रि० (उक्त) प्रे. कहा हुआ. Said;
expressed. दस० ६, ४६; विश० १०५.
उक्त० १, ६; क० ग० ४, ८३;

उत्त. त्रि० (उप्त) पाप्रे. बोया हुआ.
Sown. (२) अनाप्रे. बनाया हुआ
made. “देवउत्ते अयलोणु” सूय० १,
१, ३, ५; पि० नि० १७२;

उत्तर. न० (उत्तर-उद्गतानि प्रादुर्भूतानि
कृष्णानि यत्रेति) जेभां घास उगेयुं छे ते;
उत्पन्न थपेल तृणपातुं. जिसमें घास जगा
हुआ हो वह. Grassy अणुजो० १४७;
उत्तम. त्रि० (उत्तम) त्रासयुक्त. त्रास
पाया हुआ; त्रासयुक्त. Terrified. पणह०
१; ३; भग० ३, १;

उत्तम. त्रि० (उत्तम) उत्तम; सर्वोत्कृष्ट;
प्रधान. सर्वोत्कृष्ट; श्रेष्ठ; प्रधान; अच्छा.
Best; excellent. नाया० १; उत्त०
१०, १६; श्रव० १०; रम्य० २३; दस० ८,
६१; ६, २, २४; भग० २, १; ३, १;
७, ६, ६, ३३; १५, १; कप० ३, ५६;
—कट्टपत्त. त्रि० (-काष्ठाप्राप्त) उत्तम
अवस्थामें पहुँचिब; उत्ती स्थितिने प्राप्त
थपेल. उत्तम अवस्था को पहुँचा हुआ; उच्च
स्थिति को प्राप्त. (one) in an ex-
cellent condition. “ दुसमदुसम-
समाण उत्तमकट्टपत्ताण ” सू० प० १;
“ उत्तमकट्टपत्ताण भरहस्सवामस्स ” भग०
७, ६; जे० प० २, २६; ७, १३४;
—कट्टा. स्त्री० (-काष्ठा) प्रकृष्ट अवस्था;
उत्तम स्थिति. प्रकृष्ट अवस्था; उत्तम स्थिति.
best condition. जे० प० —गुण.
पुं० (-गुण) प्रधान श्रेष्ठ गुण. प्रधान-श्रेष्ठ
गुण. excellent, highest qua-
lity. पंचा० ४, ४८; —गुणबहुमाण.
पुं० (-गुणबहुमान) उत्तम गुणुने पक्ष-
पात. उत्तम गुण का पक्षपात. honour
paid to excellent or highest
quality. “ उत्तम गुणबहुमाणो ” पंचा०
४, ४८; —चरिय. न० (-चरित)
सत्पुत्र्ये श्रेष्ठ-चरित्र. सत्पुत्र्ये चोष्ठित-
चरित्र. high or noble conduct.
पंचा० २, ३१; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा)
श्रेष्ठयात्रा (जत्रा). श्रेष्ठ यात्रा. highest,

best, pilgrimage. पंचा० ६, ४५;
—जोगित्त. न० (-योगित्व) अभोगी
अवस्थारूप संवर द्वार. अवोगी अवस्थारूप
संवर द्वार. stoppage of Karma
(Samvara) by cessation of
all vibratory activity of the
soul. ठा० ५; —ट्टाण. न० (-स्थान)
मोक्ष स्थान. मोक्ष स्थान. salvation;
absolution. “ धारो अमूटसण्णसो
गच्छइ उत्तमट्टाण ” आउ० —शिंदसण.
न० (-निदर्शन) प्रधान दर्शन-उद्देश्य.
श्रेष्ठ उदाहरण; मुख्य दर्शन. an ex-
cellent illustration; पंचा० ६, ४८;
—धम्मपसिद्धि. स्त्री० (-धर्मप्रसिद्धि)
उत्तम धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
उत्तम-धर्म-धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
the celebrity of the best
religion (Jaina religion). “ उत्तम
धम्म पसिद्धि पूयाण जिण वरिदाण ”
पंचा० ४, ४८; —पुरिस. पुं० (पुरुष)
तीर्थंकर. चक्रवर्ति, वलदेव. वासुदेव आदि
उत्तम पुत्र्य तीर्थंकर, चक्रवर्ति, वलदेवादि
उत्तम पुरुष. an excellent person;
e. g. Tirthankara, Chakra-
varti, Baladeva, Vāsudeva etc.
सम० प० २३३; सम० ४४; पञ्च० ६; ठा०
३; नाया० १६; —पोगलं. पुं० (पुद्गल)
आत्मा; उत्तम पुद्गल. आत्मा; उत्तम पुद्गल.
the best substance; the soul.
“ से पण्डिण उत्तम पोगले से ” सूय० १,
१३, १५; —वल विरियसत्तजुत्त. त्रि०
(-बलवीर्यसत्त्वयुक्त) उत्तम बल वीर्य
सत्त्वयुक्त. उत्तम बल वीर्यवाला. (one)
possessed of the highest
strength and might. भग० ६,
३३; —रिद्धि. पुं० (-शक्ति) प्रधान

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति; प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. “मेया य उत्तमाखलु उत्तमरिद्धिण कायस्वा” पंचा० ६, ४४; —विउडिवि. त्रि० (-विकुर्विन्) उत्तमं, विकुर्वन्तात्येवं शीलाः) उत्तम प्रशस्तिं वैद्विष्य इत्येतत्. उत्तम प्रकार का विक्रिया-रूपान्तर करनेवाला. (one) able to effect the best transformation e. g. of body. जीवा० ४; —सधयणि. पुं० (-सहननिन्) उच्च सधयण् प्राप्ति. उच्च गहननवाला. one possessed of a high order of physical or bony constitution. क० प० ७, १०;

—सुयवगिण्य. त्रि० (-श्रुतवर्गित) प्रधान आगममां इत्येतत्. प्रधान आगम में कहा हुआ. mentioned in the highest scripture पंचा० ६, ४४; उत्तमंग. न० (उत्तमाङ्ग) मस्तक; माश्रु. मस्तक; शिर. The head. “लोय विरलु उत्तमंग” पि० नि० २६२; ज० प० आ० १०; जीवा० ३, ३; सूय० १, ४, १, १४; दगा० ६, ४; नाया० १८; प्रव० २४४; पंचा० ३, १८;

उत्तमट्ट. पुं० (उत्तमार्थ—उत्तमश्रमावर्थ—श्रान्तमार्थः) उत्तम पदार्थ; श्रेष्ठ. उत्तम पदार्थ; श्रेष्ठ अर्थ; मोक्ष. The highest or best category viz salvation. उत्त० २५, ६; आ० ११; (२) उपवासी श्रेष्ठं ते. उपासे रहना. fasting. ओष० नि० ७; —गवेसय. त्रि० (गवे-पक) भोक्ष्णो अभिप्रापी मोक्ष का अभिलाषी. desirous of salvation. “नविहट्टो नवि तुट्टो, उत्तमट्ट गवेसओ” उत्त० २५, ६; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) उत्तम अपस्थाने प्राप्त थयेत्. उत्तम

अवस्था को पहुंचा हुआ. (one) who has reached the highest condition or salvation. “सुसुमाण समाप् उत्तमट्टपत्ताप् भरहस्स” भग० ६, ७; उत्तमा. स्त्री० (उत्तमा) यक्षना इंद्र पूरुषभद्री श्री १५ पट्टाक्षी. यक्ष के इंद्र पूर्णभद्र की तीसरी पटरानी. The third crowned queen of Pūrṇabhadra the Indra of Yakṣas. ठा० ४, १; नाया० ४० ५; भग० १, ५; (२) पञ्च-वासीयानी पन्धर रात्रिमांसी पहिली रात्रि. पखवाड़े की पंद्रह रात्रियों में की पहली रात्रि. the 1st of the 15 nights of a fortnight. ज० प० सू० प० १०;

उत्तर. त्रि० (उत्तर) श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; अच्छा. Best; highest; prominent. भग० ३, १; ७, २; उत्त० ५, २०; २६; नाया० १; ८; उवा० १, ६६; ओष० नि० ३३२; (२) श्रीलुं; ५१२; अन्य. दूसरा; अन्य. another; next. क० मं० १, २; सम० ८; पञ्च० ३४; ज० प० ५, ११२; दस० २, ३; (३) वृद्धिगत वृद्धि का प्राप्त. increased. “कइपणसुत्ता” भग० १३, ४; (४) अश्वत्थवृक्षमां आवती उत्सर्पिणीमां यतार २२ भा तीर्थक्षर पेंगवतलेत्र में आगमां उत्सर्पिणां में होने वाले २२ वें तीर्थक्षर. the future 22nd Tirthankara of Airavata kṣetra in the coming Utsarpiṇī. सम० प० २४३; (५) उत्तरण; उत्तरयुते. उत्तरना, descending. (६) अधिक. अधिक; ज्यादा. more; additional. पञ्च० २; सूय० १, २, २, २४; (७) मुख्य नदि; पेटाभाग; मूल की शाखा शाखा. गौण; उ.विभाग; मूल की शाखा a branch of the main stock; a

sub-division. उत्त० ३३, १६; (८) उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश. उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश. the north; the north; region राय० ४; ६३; जं० पं० १, ११; जीवा० ३, १; नाया० ३; व; भग० ३, ७; ५, ४; सम० ६; वेय० १, ४९; दस० ६, ३४; (८) उपर. ऊपर. above; upwards. भग० २४, १२; —अंग. न० (-अंग) दरवाजा उपर आहुं लाडहुं स्थापनामां आवे छे ते. द्वार पर जो आड़ा लकड़ा लगाई जाती है वह. a horizontal piece of wood placed on a gate जीवा० ३, ४; राय० १०६; प्रव० ६६०; —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) उत्तर दिशानी सन्मुख. उत्तर दिशा के सम्मुख. turned towards the north. दस० ७, १; भग० ११, १०; गम० ४७; —अवक्रमण न० (-अपक्रमण) उत्तर दिशाभां गत्युं ते. उत्तर दिशा में जाना. going towards the north. भग० ६, ३३; १३, ६; नाया० १; व; —(रिं) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र) उत्तर दिशानी ईश. उत्तर दिशा का इन्द्र. the Indra of the north. भग० १, ५; —(रु)उट्ट. पुं० (-ओष्ठ) उपलो लिह. ऊपर का ओष्ठ. the upper lip. “भमुहा अहहृदा अह पुण एवं जाणिजा” कण्ठ० ६, ४३; जं० पं० २, २०; निर्मा० ३, ५६; —उत्तर. पुं० (-उत्तर) उत्तरेत्तर; ओष्ठ भीज्जथी अष्ट. उत्तरेत्तर; क्रमशः एक दूसरे से श्रेष्ठ; in ascending order; superior “जस्साउत्तरउत्तरा” उत्त० ३, १४; —उल्ल. त्रि० (-कुल) उपरने की बसनार; तापस. ऊपर के तट पर बसनेवाले तापस. (an ascetic) residing on the upper part of the bank. निर०

३, ३; —(रो)ओट्ट. पुं० (-ओष्ठ) उपलो लिह. ऊपर का ओष्ठ. the upper lip. निर्मा० ३, ५४; —कुंचुज्ज. त्रि० (-कञ्चुयिक) उपर थापतर पहेंनार. ऊपर वस्त्र पहनने वाला (one) putting on armour appearing out side: armoured विवा० २; —कुंचुय. पुं० (-कञ्चुक) उपलो थापतर. ऊपर का वस्त्र. the outer armour विवा० २; —कट्टोवगय. त्रि० (-काटोपगत) उत्तर दिशाभां प्राप्ति थयेत्त. उत्तर दिशा तक पहुँचा हुआ. (one) that has reached the northern direction. सम० —करण. न० (-करण) शस्त्रादिने पत्थर साथे धसी धारवाणुं तथा साड् डरयुं ते. पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धाग करना या उन्हें साफ करना sharpening of weapons etc on a stone; “जे भिक्खु मूर्चाण उत्तरकरणे शण उप्पिण्ण वा गारक्खण्ण वा कोउकरंते वा साज्जउ” निर्मा० १, १५; १६; —किरिया. न० (-क्रिया) वैदिक शरीरद्वारा अभन डरयुं ते. वैदिक प्रांचन शरीर में गमन करना act of going in the Vaikriya body (physical body of a fluid nature). भग० ५, १; —कूलग. पुं० (-कूलग) ओष्ठ वनता वानप्रस्थ तापस के ठे गंगा नदीवा नरें डाड् रेडता हता. एक प्रकार के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के उत्तर किनारे पर रहते थे. one of a kind of forest ascetics residing on the northern bank of the Ganges. भग० ११, ६; ओव० —गमिअ. त्रि० (-गामिक) उत्तर दिशाभां अभन डरनार. उत्तर दिशा में गमन करने वाला going towards the north. दस० ६,

२; —**गिह**. न० (—गृह) उपरने शीलुं
धर. दूसरा घर; भिन्न घर. a separ-
ate upper house, another
upper house. निर्ग० ६, १६;
—**उक्ताय**. पुं० (—अध्याय उत्तरा प्रधाना
अध्याया अध्ययननि । उत्तराश्वने अध्यायाश्च
वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन सूत्राणि वि-
यादि लघुसि अध्ययन. उत्तराध्यायन सूत्र के
विनयादि लघुसि अध्याय. the 36 chap-
ters viz Vinaya etc of Uttara-
dhyayana Sutra “ लघुसि उत्तर-
उक्ताय भवमिच्छि ” उत्त० ३६. २०२;
—**दारियणकम्बज**. न० (द्वारिकनक्षत्र)
उत्तर दिशा तरु भुज शायमान नक्षत्रः
स्वाति आदि आत नक्षत्र. उत्तर दिशा की
ओर मुख रमने वाला नक्षत्रः स्वाति आदि
यात नक्षत्र. a constellation facing
the north; any of the seven
constellations viz Swati etc.
“ सादृशं सत शक्यता उत्तरदारिया
पगगता ” ज्ञ० ७; —**दाक्षिण**. पुं०
(—दक्षिण) उत्तर अने दक्षिण दिशा.
उत्तर और दक्षिण दिशा. the north
and the south. भग० २, ३; —**दा-**
क्षिणायय. त्रि० (—दक्षिणायत) उत्त-
रदक्षिण शीलुं. उत्तर दक्षिण मेंवा. extend-
ed lengthwise in the north
and the south. “ उत्तरदाक्षिणायय
पाईण पडीण विन्ध्यगणे ” जं० प०
—**दिशा**. स्त्री० (—दिशा) उत्तर दिशा.
उत्तर दिशा. the north. योग० नि०
६६२; —**पगडि**. स्त्री० (प्रकृति) ज्ञान-
परम्परी आदि सूत्र आदि कर्मों का अन्त-
र भेदः कर्मों की प्रकृति. ज्ञानावस्था आदि मूल
आठ कर्मों के अन्तर्गत भेदः कर्मों की उत्तर
प्रकृति. any of the subdivisions

of the eight main divisions of
Karma viz knowledge-obscur-
ing etc. आया० नि० १ २, १; क० प०
२, ४४; क० गं० १, २; —**पगडि**. स्त्री०
(—प्रकृति) कर्मों की उत्तर प्रकृति. a sub-
variety of Karma. प्रव० १२८६;
—**पगडिविषय**. पुं० (—प्रकृतियन्त्र) कर्मों
की उत्तर प्रकृतियों का बंध bondage caused
by any of the subdivisions of
the main eight divisions of
Karma. भग० १८, २; —**पचच्छिम्**.
पुं० (—पश्चिम) वायव्य शीलुं. उत्तर अने
पश्चिम पर्यन्त प्रदेश. वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the
north-west. भग० २, ३; —**पचच्छि-**
मिल्ल. पुं० (—पश्चिम) वायव्य शीलुं. उत्तर
अने पश्चिम पर्यन्त प्रदेश. वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-
west quarter. जं० प० ४, १०४;
—**पचन्थिम**. पुं० (पश्चिम) शीलुं
“ उत्तर पचच्छिम् ” शब्द. देखो “ उत्तर
पचच्छिम् ” शब्द. vide “ उत्तर पचच्छिम् ”
जं० प० ४, १०४; —**पचन्थिमिल्ल**. पुं०
(—पश्चिमक) शीलुं “ उत्तर पचच्छिम् ”
शब्द. देखो “ उत्तर पचच्छिम् ” शब्द.
vide “ उत्तर पचच्छिम् ” जं० प० ४,
१०४. —**पट्ट**. पुं० (पट्ट) जलजले का-
मनी पथरी उपर पाथरवान् पत्र. घांस
या कम्बल के ब्रिडों के ऊपर ब्रिडों का
बन्ध. a covering for a bed of
straw or of a blanket. ओष०
नि० १२३; प्रव० ४२३; —**पडित्तर**.
न० (—प्रत्युत्तर) उत्तर प्रत्युत्तरः सवा-
न जवाब. उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल जवाब

question and answer. गच्छा० १२६:

—पयडि. स्त्री० (—प्रकृति) लुग्यो “उत्तर-पगडि ” १०६ देखो “उत्तरपगडि ” शब्द. vide “ उत्तरपगडि ” प्रव० ४६:

—पुरच्छिद्रम. पुं० स्त्री० (—पौरस्य) ईशान लुग्यो. ईशान कोन. the north-east. “ तीसेणं मिहिलाण उत्तरपुरच्छिद्रं दिसि भाण ” सू० प० १; दसा० ५, १; विवा० १; निर० ५, १; नाया० १; २; ४; ५; ८; १२; १३; १४; १६; भग० ५, १; ६, ५; ६, ३; १०; १; १५. १; सू० न० २, २२१; —पुरच्छिमिल्ल. पुं० (—पौरस्य) लुग्यो उपेयो १०६. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० ६, ३; —पुरन्धिम. पुं० (—पौरस्य) उत्तर अने ५१ दिशानी वय्येनो प्रदेश: ईशान द्वाण. उत्तर और पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश; ईशान कोन. the north-east. ओव० भग० १. १; २, ७; ३, १; राय० ६४: १५०; सूय० २, १, ४; जं० प० ५, ११७; कप० २, २६;

—पोट्टवया. स्त्री० (—प्राष्टपदा) उत्तर-भाद्रपद नक्षत्र. उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the constellation Uttarā Bhādrapada. सू० प० ४; —फगुणी स्त्री० (—फाल्गुनी) उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १८ भुं नक्षत्र. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १६वां नक्षत्र. the 19th constellation viz Uttarā-falgunī. “ उत्तर फगुणा-खखत्ते दूतारपगणता ” टा० २; —वाहिर. त्रि० (—बहिर) उत्तर तरङ्गना अन्दरनुं. उत्तर दिशाके बाहिर. outside the northern quarter. भग० ५; ६;

—(५) ध्मंतर. न० (—अभ्यन्तर) उत्तर तरङ्गना अन्दरनुं. उत्तर दिशाके भीतर. within the northern quarter. भग० ६, ५; —भेय. पुं० (—भेद) भूतनी अपेक्षाये उत्तर प्रकार. मूलकी अपेक्षा से उत्तर भेद. further development or stage as compared with the original stage. क० गं० १, ३०; —वाअ य. पुं० (—वाद) उत्कृष्ट वाद. उत्कृष्ट वाद. the highest tenet or doctrine. “ आणाय मायगं धम्मं ए स उत्तर वाण ” आया० १, ६, २, १८४; —वेउड्वि. त्रि० (*) वरुमपथी अमे ते वपमे वैकिय शक्तिथी वैकिय शरीर अनापनार. जन्म के बाद चाहें जब वैकिय शक्तिसे वैकिय शरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaikriya body by Vaikriya power at any time after birth. जं० प० ५, ११७; —वेउड्विय अ. त्रि० (*) वरुमपथी द्वाधपण वपमे धारणाप्रभाणि नदानं भोटुं शरीर अनापी शक्य तेनी-वैकिय शक्ति अने ते शक्तिथी शरीर रचना करती ते. जन्म के पश्चात् किमी भी समय धारणाके अनुसार इच्छा-नुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य वैकिय शक्ति और उम शक्ति से शरीर रचना करना. the Vaikriya power i. e. the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes; making the body large or small by the use of this power. “ उत्तरवेउड्विय रुवं विउ-

उत्तर तरङ्गना अन्दरनुं. उत्तर दिशाके भीतर. within the northern quarter. भग० ६, ५; —भेय. पुं० (—भेद) भूतनी अपेक्षाये उत्तर प्रकार. मूलकी अपेक्षा से उत्तर भेद. further development or stage as compared with the original stage. क० गं० १, ३०; —वाअ य. पुं० (—वाद) उत्कृष्ट वाद. उत्कृष्ट वाद. the highest tenet or doctrine. “ आणाय मायगं धम्मं ए स उत्तर वाण ” आया० १, ६, २, १८४; —वेउड्वि. त्रि० (*) वरुमपथी अमे ते वपमे वैकिय शक्तिथी वैकिय शरीर अनापनार. जन्म के बाद चाहें जब वैकिय शक्तिसे वैकिय शरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaikriya body by Vaikriya power at any time after birth. जं० प० ५, ११७; —वेउड्विय अ. त्रि० (*) वरुमपथी द्वाधपण वपमे धारणाप्रभाणि नदानं भोटुं शरीर अनापी शक्य तेनी-वैकिय शक्ति अने ते शक्तिथी शरीर रचना करती ते. जन्म के पश्चात् किमी भी समय धारणाके अनुसार इच्छा-नुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य वैकिय शक्ति और उम शक्ति से शरीर रचना करना. the Vaikriya power i. e. the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes; making the body large or small by the use of this power. “ उत्तरवेउड्विय रुवं विउ-

* लुग्यो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vido foot-note (*) p. 15th.

व्वइ” राय० २६; प्रब० १०६४; कप्प० २, २;
अणुजो० १३४; नाया० ८; जं० प०
५, १३७; भग० १, ५; ३, १; २४,
१२; पक्क० १५; —वेउव्विया. खा०
(*) मत्त शरीरस्थी नदानुं या भेदादुं
रूप अनारवाथी प्राप्त थयेत्त शरीरनी व्यव-
सादता. मूल शरीरमे छोटा या बडा रूप
बनाने से प्राप्त हुई शरीरका अवगाहना
शरीरका कद. occupation of space
by a body contracted or ex-
panded by the Vaikriyaka
power. जीवा० १; —साला न०
(—साला) ऐइ वततुं ध०; अश्वानुं
स्थान-भेदप यथेरे. एक प्रकार का घर; बैठ-
नेका मंडप आदि स्थान. a kind of
house; a room used for sitting.
“ उत्तर साला गहा वत्तव्वा ” निर्गो०
८, १६;

उत्तराओ. अ० (उत्तरतः) उत्तरेत्तरस्थी.
उत्तरोत्तर मे. From one birth or
generation etc. to another. क०
प० ७, ४७; ज० प० १४४;

उत्तरकुरा. पुं० खा० (उत्तरकुरु) मे०थी
उत्तरे महाविदेहान्तर्गत नद्यक्षियायुं ऐइ
क्षेत्र. मेरुके उत्तरकी ओर महाविदेहान्तर्गत
जगलिया का एक क्षेत्र. A region of
Jugaliyās (a Karma Bhūmi)
in Mahāvideha to the north
of Meru. * कहिण भंते ! महाविदेहे
वामे उत्तरकुराणामकुरा पगगता गोयमा? ”
जं० प० ४; (२) २२ भा तीर्थक्षेत्री
प्रद०था पावणीनुं नाम. २२ वें तीर्थकरका
दाज्ञा पालकीका नाम. name of the

palankeen of the 22nd Tirthaṅ-
kara at the time of Dikṣā. सम०
प० २३१; कप्प० ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं० (उत्तरकुरु) जुआं उपसे
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
जं० प० जीवा० १; सम० ४६; पक्क० १; १६;
भग० २; ८; नाया० ४; १२; १३; १७;
(२) ते देवता मनु०थ. उत्तर कुरु क्षेत्रके
मनुष्य. a native of the above
said region. अणुजो० १३१; (३) ते
देवता अधिष्ठाता देवतुं नाम. उक्त क्षेत्रके
अधिष्ठाता देवका नाम. name of the
presiding deity of the above
said region. जं० प० ५, १२०; (४)
उत्तरक्षेत्र नामतो ऐइ ८६ उत्तरकुरु नामक
एक झर. name of a lake. जीवा० ३४;
जं० प० —उज्जान न (—उद्यान) ऐ
नामनुं आदेतपुर नगरनी आदारनुं ऐइ
उद्यन. साकेतपुर नगर के बाहिर के एक
उद्यानका नाम. name of a garden
outside the city or Sāketa-
pura. नाया० ध० ६; विवा० १०;
—कूट. पुं० (—कूट) माक्षवन्त नामे
पश्चिम पर्वतनुं उच्यु शिखर. माक्षवन्त नामक
वखारा पर्वतका ऊंचा शिखर. the high
summit Malyavanta of the
Vakhārā mount ठा० ६; (२)
महाविदेहता गन्धमादन पर्वतता आथा
शिखरनुं नाम. महाविदेह क गन्धमादन
पर्वत के चौथे शिखरका नाम. name of
the 4th summit of the Gandha-
mādana mount in Mahāvideha.
ठा० १०; जं० प० —द्रह. पुं० (—द्रह)

* जुआं पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उत्तर ३३ नामने ३ मे ६६-६६. उत्तर-
कुरु नामक तिसरा द्रव. the 3rd lake
bearing the name of Uttara-
kuru. टा. ६; — वत्तव्वया. खी० (वत्त-
व्यता) उत्तर ३३ने अधिकार. उत्तर कुरु
का वर्णन. the subject-matter
or topic dealing with Uttara-
kuru. भग० ६, ७;

उत्तरकुरुम्भ. त्रि० (उत्तरकुरुम्भ) उत्तर ३३
क्षेत्रमां ७२भेदः उत्तर ३३क्षेत्रवासी. उत्तर-
कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु क्षेत्र में
निवास करनेवाला. Born in Uttara-
Kuru Kṣetra. अणुजो० १३१;

उत्तर कुरुग. पुं० (उत्तरकुरुम्भ) लुब्ध
“ उत्तर कुरुम्भ ” शब्द. देखो “ उत्तर
कुरुम्भ ” शब्द. Vide “ उत्तर कुरुम्भ ”
भग० ६, ७;

उत्तर कोडि. खी० (उत्तरकोडि) गान्धर्व
ग्रामनी ७वीं मूर्च्छना. गान्धर्व ग्राम की
७वीं मूर्च्छना. The 7th note of
the musical scale. टा० ७;

उत्तर गंधारा. खी० (उत्तरगान्धारा)
गंधार ग्रामनी पांचवीं मूर्च्छना गान्धर्व
ग्राम की पांचवीं मूर्च्छना. The 5th
note of the musical scale. टा०
७, १; अणुजो० १२८;

उत्तर गुण. पुं० (उत्तरगुण) भूत गुणनी
अपेक्षायें उत्तर गुण; स्वाध्याय पिण्ड
विशुद्धि आदि; दश प्रकारना पच्यखाण.
मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण; स्वाध्याय,
पिण्ड विशुद्धि आदि; दश प्रकार के पच-
क्खाण. A secondary quality;
study of scriptures, purity of
food etc.; 10 kinds of Pachcha-
khāṇas (vows). पंचा० १, ७; प्रव०

७३६; उत्त० २६, १७; भग० २५, ६; — पच-
क्खाण. पुं० (—प्रत्याख्यान) उत्तरगुण-
रूप पच्यखाण; पच्यखाणुनी ऐक प्रकार.
उत्तर गुण रूप पच्यक्खाण; पच्यक्खाण का
एक भेद. a kind of Pachcha-
khāṇa in the form of the
practice or observance of
Uttaragūṇas. “ उत्तरगुण पच्यक्खाणो
कइ विहं पण्णते ” भग० ७, २; — लज्जि.
खी० (—लज्जि) उत्तर गुण-पिण्ड वि-
शुद्धि आदि तपनी ब्रह्मि. उत्तर गुण अर्थात्
पिण्ड विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति.
attainment of Uttara Gūṇas
e. g. purity of food, study of
scriptures etc. regarded as
austerities. “ उत्तरगुण लज्जि स्व-
माणम्म ” भग० २०, ६; पच० ११;
— सङ्गा. खी० (—सङ्गा) प्रधानतर-प्रिय
गुणनी अभिप्राय. प्रधानतर-उच्च गुणों
की श्रद्धा अभिप्राय-चाह. desire to
acquire higher qualities. पंचा०
१, २७;

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूल) वंदना इरीने
पक्षी ‘ मत्थयणं वंदामि ’ कहेंतुं ते. वंद-
नाना १८ भो दाय. वंदना करने के
पश्चात् ‘ मत्थयणं वंदामि ’ कहना; वंदना
का १६वां दोष. The 19th fault of
salutation; viz uttering the
words “ I bow with my head ”
after salutation (instead of
before it). प्रव० १५३;

उत्तर चूलिया. खी० (उत्तरचूलिका)
वंदना इरीने पक्षी ‘ मस्तक इरी नयं छुं ’
ऐक कहेंतुं ते. वंदना करके पीछे ‘ मस्तक
से नमन करता हूं ’ इस प्रकार कहना.
uttering the words “ I bow

with my head " after salutation (instead of before it)

प्रब० १५३;

उत्तरङ्ग. न० (उत्तरार्द्ध) उत्तरार्ध; वैतालक्ष्मी के मेरुथी उत्तर. आनुतो प्रदेश. उत्तरार्द्ध; वैताल या मेरुपर्वत से उत्तर का ओर का प्रदेश. The northern half, viz the region north of Vaitāḍhya or Meru. सम० ३६; अणुजो० १४८; जं० प० भग० ३, १; ५, १: —**भरत. पुं० (-भरत)** वैताल पर्वतथी उत्तरतो भरत प्रदेश. वैताल पर्वत से उत्तर का ओर का भरत प्रदेश. the Bharata region to the north of Vaitāḍhya mountain. जं० प० —**भरह कूट. पुं० (-भरतकूट)** जंबूद्वीपता वैताल पर्वतजं० ८ मुं० शिखर. जंबूद्वीप के वैताल पर्वत का ८ वां शिखर. the 8th summit of the Vaitāḍhya mountain of Jambūdvīpa. (२) तेना अधिष्ठाता देवता. उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the above. जं० प० १, १२;

उत्तरङ्ग भरहा. स्त्री० (उत्तरार्द्धभरता) उत्तरार्ध भरतकूटनी पास उत्तरार्ध-भरता नामनी राजधानी. उत्तरार्द्ध भरतकूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम का राजधानी. Name of a capital city near the Uttarārdha Bharatakūta. जं० प० ३, ५३; —**माणुस्स-क्षेत्र. न० (-माणुस्सक्षेत्र—मनुष्य क्षेत्रस्यार्द्धमर्द्ध मनुष्य क्षेत्रं उत्तरंचेतवन्ति)** मनुष्य क्षेत्रतो उत्तरार्ध प्रदेश. मनुष्य क्षेत्र का उत्तरार्द्ध प्रदेश. the northern half of the region of Manu-

ṣya Kṣetra. “ उत्तरङ्गमाणुस्सक्षेत्राणं छावट्ठिं चंदा पभासिसु ” सम०

उत्तरण. न० (उत्तरण) तरी जं०; पार उत्तरपुं०. तिरजाना; पार उतरना. Crossing; going to the opposite shore or end. “ उत्तरणं चंदमूराणं ” नाया० ६; सम० ७; टा० ५; १०;

उत्तरणप्पाश्र. त्रि० (उत्तरणप्राय) पार उत्तरता जं०. पार उतरने योग्य. Wor- thy of, capable of being crossed. “ असुहतरङ्गुत्तरणप्पाश्रा ” पंचा० ६, २१;

उत्तरपुट्वा. पुं० (उत्तरपूर्वा) भिषान भुष्टो उत्तर अने पूर्व पर्यन्ती विदिशा. उत्तर और पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The north-east. प्रब० ७६०;

उत्तर बलिय. पुं० (उत्तरबलिय) उत्तर अदिय नामे अंश गण. उत्तर बलिय नामक एक गण. Name of a Gaṇa. “ गोदासगणे उत्तरबलियस्सयगणे उहेह- गणे ” टा० ६, १;

उत्तरबलिस्सह. पुं० (उत्तरबलिस्सह) उत्तर अतिरस्त स्थविरी निक्षेत्रे अने जतने अंश गण. उत्तरबलिस्सह स्थविरी से निकला हुआ इस जाति का एक गण. Name of an order of monks (Gaṇa) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha. कण्ठ० ८;

उत्तरबलिस्सह पुं० (उत्तरबलिस्सह) महागिरि स्थितरता प्रथम शिष्य अने तेना श्री निक्षेत्रे गण महागिरि नामक स्थविरी का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ गण. The first disciple of the saint Mahāgiri and the order established by him. “ थेरेह्मितोणं

उत्तरबलिस्सहेहिंतो तत्थण उत्तर बलिस्सहे”

ठा० ६, १;

उत्तरभद्रवया. ख्री० (उत्तराभाद्रपदा)

आलिङ्गित पञ्चरे नक्षत्रभांजुं ६ हुं नक्षत्र;

उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र. अभिजित वर्गह

नक्षत्रों में का छठवां नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद.

The constellation Uttara

Bhādrapadā i. e. the 6th of

the constellations viz Abhijita

etc. “उत्तर भद्रवया णक्खत्ते दुत्तारे

पण्णता” ठा० ६, १;

उत्तरमंदा. ख्री० (उत्तरमन्दा) गन्धर्व

स्वर अन्तर्गत ऐक मूर्छना; मध्यम आमनी

पट्टेली मूर्छना; गंधार स्वर के अन्तर्गत

एक मूर्छना; मध्यम ग्राम का पहली मूर्छना

कोट. One of the 7 notes of the

Indian gamut; the 1st note of

the Madhyama scale. राय० १३०:

ठा० ७, १; जीवा० ३, ४;

उत्तर वर्डिसग. न० (उत्तरावनेमक) ऐ

नामजुं ऐक विमान. इस नाम का एक

विमान. Name of a celestial

abode. जीवा० ३, २;

उत्तर, समा. ख्री० (उत्तरसमा) मध्यम

आमनी आधी मूर्छना. मध्यम ग्राम का

चौथी मूर्छना; चौथा कोट. The 4th

note of the Madhyama musical

scale. ठा० ७, १;

उत्तरा. ख्री० (उत्तरा) उत्तराषाढा आदि नक्षत्र.

उत्तराषाढा आदि नक्षत्र. The constel-

lation Uttarāṣāḍhā. अणुज्ञो० १३१;

(२) मध्यम आमनी पट्टेली अने त्रीं

मूर्छना. मध्यम ग्रामकी पहली और तीसरी

मूर्छना. the third note of the

Madhyama musical scale. ठा०

७, १; अणुज्ञो० १२८; १३८: (३)

उत्तर दिशा. उत्तर दिशा. the north.

‘ उत्तरा ओ वा दिसाओ आगओ अदमांसि’

प्रव० ७६०; क० प० ४, २; भग० १०, १;

२५, ३; आया० १, १, १, २; —आसाढा.

ख्री० (—आषाढा) उत्तराषाढा नक्षत्र. उत्तरा-

षाढा नक्षत्र. the constellation

called Uttarāṣāḍhā. जं० प० २, ३१;

७, १४५; सम० ४; ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि. ख्री० (उत्तराकोटि) ऐ

नामनी गंधार आमनी सातवी मूर्छना.

इस नामकी गंधार ग्रामका सातवां मूर्छना.

Name of a certain musical

note in the Indian gamut

ठा० ७, १;

उत्तराङ्गयण. न० (उत्तराङ्गयन) ऐ

नामजुं ऐक सूत्र सूत्र; ७३वीं अध्ययनना

समूहके उत्तराङ्गयन नामके सूत्र. इस

नामका एक मूल सूत्र. छत्ताव अध्ययनों

का समूहके उत्तराङ्गयन नामक सूत्र.

Name of a Mūla Sūtra; name

of a scripture containing 36

chapters. नंदा० ४३: —फगुणी.

ख्री० (—फाल्गुनी) ऐ नामजुं नक्षत्र. इस

नामका एक नक्षत्र. name of a constel-

lation. जं० प० ७, १२६; ५, ११४;

मू० प० १०; सम० २: —भद्रवया.

ख्री० (—भाद्रपदा) ऐ नामजुं ऐक नक्षत्र.

इस नामका नक्षत्र. name of a constel-

lation. सम० २;

उत्तरायण. पुं० (उत्तरायण) सूर्य दिशि दिशा-

भांथी उत्तर दिशाभां गत. ते. सूर्य का दक्षिण

दिशामे उत्तर दिशामे जाना. The north-

ward apparent motion of the

sun. सम० २४; ठा० ३; —गय. पुं०

(—गत) इक संक्रान्तिना दिवस; उत्तरायणभां

प्रवेश करते सूर्य. कर्क संक्रान्तिवा दिन;

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य, the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress. सम० — गणित. पुं० (-निवृत्त) सूर्य उत्तरने भांसेथी दक्षिणने भांसे नय ते. सूर्यका उत्तरायणमें दक्षिणायन होना, the returning of the sun towards the south from the north. “उत्तरायणगणितं सूरिण” डा० ३; सम० २४;

उत्तरायया. स्त्री० (उत्तरायता) गंधार आसनी आसनी भूतिना. गंधार ग्राम की आसनी मूर्छिना. Name of a certain musical note in the Indian gramut. अणुज्ञो० १२८;

उत्तरायग पुं० (उत्तरायक) उत्तराय देशको उपरान्त अक्ष सिद्ध. उत्तराय देश का आंदोका एक सिक्का. Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath. प्रथ० ८०५;

उत्तरावह पुं० (उत्तराय) उत्तर तटदेश अक्ष देश. उत्तर की ओरका एक देश. Name of a country in the north. प्रथ० ८०५;

उत्तरासंग. पुं० (उत्तरासङ्ग) मुख द्विपर दुपटानुं आपर्जन करेनुं ते. उत्तरासङ्ग करेनुं ते. उत्तरासन करना. Wrapping of scarf round the face. कण्ठ० २, १४; जं० प० ५, ११५; भग० २, २; ६, ३३; १५, १; श्रौत० १२; नाया० १; १६; विषा० १; राय० २३; — करण. न० (-करण) जुआँ उपरलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. “एग साङ्गणं उत्तराङ्ग करणं” नाया० १;

उत्तरासमा. स्त्री० (उत्तरसमा) मध्य.

आसनी आसनी भूतिना. मध्य ग्राम की आसनी मूर्छिना. The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. अणुज्ञो० १२८;

उत्तराहुत्त. त्रि० (उत्तराभिमुख) उत्तर तटदेश उत्तरने सम्मुख. उत्तरकी ओर; उत्तर दिशा के सम्मुख. Towards the north; facing the north “श्रीवावमेसियाण मज्जाणु टाह उत्तराहुत्त” श्रौत० नि० ६५०;

उत्तरिज्ज. न० (उत्तरीय) आँखा उपर सम्भ्रानुं पस्त्र-दुपट्टा. कंधपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा. A scarf; an upper garment. “उत्तरिज्जं विकङ्कमाणा” उवा० ६, १६६; श्रौत० ३१; दसा० १०, १; नाया० १; ८; ६; १२; १४; भग० ६, ३३; जं० प० कण्ठ० ४, ६२;

उत्तरिज्जग. न० (उत्तरीयक) जुआँ उपरलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६, १६४;

उत्तरिज्जय न० (उत्तरीयक) जुआँ उपरलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६, १६४;

उत्तरिय. पुं० (उत्तरिक) उत्तर शुभ-समिति वगैरे उत्तर गुण-समिति वगैरह. Smiti etc. (i. e. care in walking, eating etc.) विशेष० १२४५; (२) त्रि० प्रधान; श्रेष्ठ. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उत्तम. principal; highest; best. नाया० ८; वेय० ६, १८; डा० १०; (३) दुपट्टा; आँख सम्भ्रानुं पस्त्र. दुपट्टा; कंधपर रखनेका वस्त्र. a scarf; an upper garment. नाया० २;

उत्तरिह्न. त्रि० (औत्तर) उत्तर दिशाभांनुं; उत्तर दिशासंयधी. उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धी. Northern; pertaining to the north. नाया० ध० ४;

पञ्च० २; नाया० ६; १३; १६; जं० प० २,
३३; ५, ११४; विवा० ३; भग० ३, १; १०,
७; १६. २; ८; ३४, १; प्रव० ११५२;

उत्तरिह्न. त्रि० (उत्तार्य) उतरया योय.
उतरने योग्य. Worth descending;
worth crossing; fit to be crossed
etc. राय० ७१; जं० प० ५, ११४;

उत्तरीकरण. न० (उत्तरीकरण) जेनी
आलोचना करीछे तेनी पधारे विशुद्धि
करवा-कायोत्सर्ग " कठिसर्ग " करवा ते.
जिसका आलोचना की है उसका अधिक
विशुद्धिके लिये कायोत्सर्ग करना. Medi-
tation upon the soul in a par-
ticular posture after confession
of a sin in order to wash off
that sin the more. आव० १, ५;

उत्ताडण. न० (उत्ताडन) ऐक प्रधारनुं
वाञ्छित. एक प्रकारका बाजा. A kind of
musical instrument. राय०

उत्ताण. त्रि० (उत्तान) यनुपाट; सभुं;
सिधुं. सीधा सच्चा. Flat; straight.
भग० १, ७; " उत्ताण छत्तसीद्विया " उत्त०
३६, ६१; वव० ५, १८; पञ्च० २; (२)
छीछड़; छिंनु नदी ते. जा गहरा-ऊँडा
न हो वह. shallow. टा० ४, ४;
(३) न० पक्षपाते भार्या बिना आंख
भुझी राखी ते. पलक मारे बिना आंखको
खुली रखना. keeping the eye
open without twinkling. आव०
(४) त्रि० यत्ता सुवाने अभिग्रह धरनार.
चित् सोने का अभिग्रह-प्रतिज्ञा वाला.
(one) who has taken a vow
to sleep flat on the back.
पंचा० १८, १५; —(खो) उदहि. पुं०
(-उदधि) छीछरा पाणीवाले दरीआ,
उथले पानी वाला समुद्र. a sea with

shallow waters. टा० ४, ४;

—**ओभासि.** त्रि० (-अवभासिन्)
तुच्छ जलान् अयुं. जो तुच्छ मालूम हो
ऐसा. appearing trivial. टा० ४, ४;
—**णयणपेच्छुणिइज.** त्रि० (-नयनप्रेष-
णिय) अति सुंदर होवाने लीधे उधाडी-
अनिमिष-आंख जेवा योय. बहुत सुंदर
होनेके कारण अनिमिष (बिना पलक मारे)
नेत्रोंसे देखने योग्य. deserving to be
gazed at with twinkle-less
eyes on account of fascinating
beauty. " उत्ताणणयणपेच्छुणिजा पासा-
दिया दरिसणिजा " आव० —हृत्थ. पुं०
(-हस्त) वस्तु देखने उँचा करेवा हाथ.
वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊँचा किया हुआ
हाथ. a hand raised to grasp at
a thing. " किवणो विव उत्ताणहत्था
ओ " तंडु०

उत्ताणअ. त्रि० (उत्तानक) यत्ता सुनार.
चित् सोनेवाला. One who lies or
sleeps flat i. e. on the back.
" जावेण भंत गढभ गणसमाणे उत्ताणएवा
पासलएवा " भग० १, ७; विवा० ६; प्रव०
४, ६०; (२) लांछुं करेनुं; पसारेंनुं.
लंबा किया हुआ; पसारा हुआ; फैलाया
हुआ. projected; expanded; ex-
tended. आया० २, १, १०, ५७;

उत्ताणग. त्रि० (उत्तानक) यत्ता थरने-सुध
नरनार. चित् होकर सोजाने वाला. (One)
who lies on the back and goes
to sleep. (२) न० सभुं; सिधुं. सीधा;
मन्मुख. straight; even. पंचा०
१८, १५;

उत्ताणिअ. त्रि० (उत्ताणिक) यत्ता सुवाने
अभिग्रह धरनार. चित् सोनेका अभिग्रह
धारण करने वाला. (One) who has

taken a vow to lie flat i. e. sleep on the back. दसा० ७, ६; वेय० ५, ३०;

उत्तार. पु० (उत्तार) नदीनी उतार; पाणीनी आरे. नदीका उतार. A place where water may be crossed on foot; a ford. जं० प०

उत्तारण. न० (उत्तारण) उतरावना पार ते. पार जाना; उतरना. Crossing; going to the opposite end. विशेष० १०४०; जावा० ३, ३;

उत्ताल. न० (उत्ताल) नाच आदर आतुं ते; गायनेता अथ द्रोप. तालके खिलाफ गाना; गायनका एक दोष Singing out of tune. “ गायं तो मायगाहि उत्ताल ” डा० ७; जं० प० अणुजो० १२८;

उत्तासइत्तार. त्रि० (उत्तासायनृ) अतिशय त्रास आपनार. बहुत त्रास देनेवाला. Highly annoying; excessively troublesome. “ भेत्ताविलुपिता उह गित्ता उत्तासइत्ता ” आया० १, २, १, ६६;

उत्तासण्ण. त्रि० (उत्तासनक) त्रास उप-नयनार; लय डित्पत्र धरनार. त्रास देनेवाला; मय उत्पन्न करने वाला. Terrifying; annoying; frightful. नाया० ८;

उत्तासण्णय. त्रि० (उत्तासनक) नग्यो उपेयो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. V de above. नाया० ८; पञ्ज० २; भग० ३, २; ६, ५;

उत्तासण्णज्ज. त्रि० (उत्तासनीय) महा भयंकर; बहुत डरावना. Very terrible; frightful. “ नरोविव उत्तासाण्णज्जो ” तंडु०

उत्तासिय. त्रि० (उत्तासित) त्रास आपेक्ष त्रस्त. Troubled; frightened; terrified. भग० ३, ५; (२) ५२२५२ भवेव. परस्पर मिला हुआ. mixed together; joined together. भग० ३, १; ५, ६;

उत्ति. स्त्री० (उक्ति) वाणी; वचन; कथन. Speech; words. “ गंभीराहरणेहि उत्तीहि य भावसाराहि ” पंचा० ६, १६; विशेष० ३३५६;

उत्तिंग. पुं० (उत्तिङ्ग) ढाँडीयाई; ढाँडीनुं दर. चींटियों का बिल. An ant-hill. “ सपाणे सवीण सहरिण सउत्तिंगे ” सम० २१; दम० ५, १, ५६; ८, ११; आया० १, ७, ६, २२२; आव० ४, ३; (२) छिद्र: “ छिद्रं छिद्रं छिद्रं, a hole; an aperture आया० २, ३, १, ११६; निमा० १८, १८; —लेण. पुं० (-लयन) ढाँडीयाई. चिउंटा का बिल. an ant-hill. कप० ६, ४५;

उत्तिगण. त्रि० (उत्तीर्ण) पार उतरा हुआ. Crossed; passed over. जं० प० नाया० १; १६;

उत्तंठ. त्रि० (*) वासजु उपर नभेक्ष आसना शिन्दू. बर्तनके ऊपर जमे हुए आंस बिंदु A dew-drop clinging to a vessel or utensil. “ उत्तेढा वन्धायायनं समिति ” पि० नि० भा० १६;

उत्थय. पुं० (उत्कृय) आभास; उत्थयो. तावता. Rising; increasing; intensity. ओव० ३१;

उत्थय. त्रि० (अवस्तृत) ढाँडेलु; आच्छादित धरेलु; ढाँका हुआ; आच्छादित. Covered; concealed. ओव० ३१; जं० प०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्थरंत. व० कृ० त्रि० (उत्तस्त्तुणवत्)
आच्छादन करतो. आच्छादन करता हुआ;
ढांकता हुआ. Covering; hiding.
“ अणि एहि उत्थरंता अभिभूय हरंति पर-
धणाई ” पणह० १, ३:

उत्थल. न० (उत्स्थल—उन्नतान धूल्युच्छ्रय
रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलान) धूलना टेकड़ा.
धूल के टेकड़े. A sand-hill; a
sandy down. भग० ७, ६:

उत्थाण. न० (उत्थान) उठ्युं. उभा थयुं.
उठना; खड़े होना. Rising up; getting
up. विश० २८२६:

उत्थिय. त्रि० (अवस्तृत) आच्छादन करेत्.
ढाँकेल. ढाँका हुआ; आच्छादित. Covered;
concealed from view. उवा० १, ५८:

उदअ-य. पु० न० (उदक) जलः पाणी.
जल; Water. अया० १, ६, १, १७७;
उत्त० ७, २३; २८, २२; नाया० १; ५; ८;
१४; १८; भग० ३, ३; राय० २७; ओव०
३१; दसा० ६, १; ६, २; सु० प० १०; वश०
१४६८; पि० नि० ८३; (२) पाणीमांती
ऐक वनस्पति. जल म का एक वनस्पति.
a kind of aquatic plant. पञ्च० १;
(३) पर्वग वनतनी वनस्पति; ऐक
अतजु वृक्ष. पर्वग जाति का वनस्पति; एक
प्रकार का वृक्ष. a kind of tree. पञ्च० १;
(४) पुं० ऐ नामना ऐक अन्तर्नीति विद्वान्.
दस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान्. name
of a learned non-Jaina. भग० ७,
६; (५) गोशाला ऐक मुख्य श्रावकजु
नाम. गोशाला क एक मुख्य श्रावक का नाम.
name of one of the principal
lay-followers of Gṛasālā. भग०

८, ५; (६) उदक नामे (अपर नाम
पेढाल पुत्र) ऐक पार्श्वनाथना संतानीया
निग्रन्थ के गेनेो गौतमस्वामी साथे संवाद
थयो हतो. उदक (अपरनाम पेढाल पुत्र)
नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु कि
जिसका गौतम स्वामी के साथ संवाद हुआ
था. name of an ascetic follower
of Parsvanatha, who had held
discussion with Gautama
Swami; he is also named
Pedhālputra. सुय० २, ७, ५;
—उदपीला. स्त्री० (*) पाणी वगेरेना
जल-समुदाय. जल वर्ग-रुद्ध का समूह. a
volume of water etc. भग० ३, ७;
—तल. न० (-तल) पाणीतु तलीयुं. जल
का तल. the bottom of water.
दसा० ६, १; —परिफोसिया. स्त्री०
(परिपृपत्) पाणीनालीया छोटो छोटो.
पाणी के छोटो छोटो छोटो; फुंवार. spray
of water. नाया० ८:

उदइ. त्रि० (उदयिन) उदय पावता. उदय
पाने वाला. Rising; coming to rise.
“ उदइणो अणुदइ उराहं ” भग० ११, १;
३५, १:

उदइअ. पुं० (आदयिक) कर्मना उदय. कर्म
का उदय. Maturity of Karma;
state of maturity. (२) कर्मना
उदयथी निष्पन्न थअव लाय; ७ लाय-
माना ऐक. उदय से निष्पन्न उत्पन्न. any-
thing resulting from matu-
rity of Karma. अणुजो० ८८; भग०
१७, १; २५, ६; क० गं० ४, ७२; —आइ.
त्रि० (-आदि) उदय लाय जेमां आइ

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vice
foot-note (*) p. 15th.

प्रथम छे तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायक अने पारिप्लमिक भाव. जिन भावों में औपशमिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायक और पारिप्लमिक भाव. (those Bhāvas or states viz Aupśamika, Kṣāyopśamika, Kṣāyaka and Paripṣamika) which are headed by Udayabhāva i. e. state of coming to rise; lit. Udayabhāva etc. विशेष ६०४; —भाव. पुं० (-भाव) जुआ " उदइय " शब्द. देखो " उदइय " शब्द. vide " उदइय " भग० १४, ७;

उदउल्ल. त्रि० (उदकाद्र) पाणीथी भानु थयल. पाणी में भोजा हुआ. Wet with water, " उदउल्ल वीयसंसत्त " दस० ६, २५; ४, ५; १, २३; ८, ७. आया० २, १, ६, ३३; निर्गा० ८, ६०; कण० ६, ६३; प्रव० ६१६; —काय. पुं० (काय) पाणीथी भानु शरीर. पानी में गोला शरीर. body wet with water. दस० ४; —वन्ध. न० (वस्त्र) पाणीथी भानु वस्त्र. पानी में गोला वस्त्र. cloth wet with water दस० ४;

उदपचर. त्रि० (उदकवर) जलचर; जल में रहने वाला प्राणी. Aquatic. " उदपचरा आगाम गामिणो " आया० १, ६, १, १७७;

उदओदर. पुं० (उदकोदर) जलोदर रोग. जलोदर रोग. Dropsy. जं० प० २,

उदक. न० (उदक) पानी. जल; पानी. Water. जीवा० ३, ३; —भायण. पुं० (-भाजन) पाणीनुं वासणु. पानी का बर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७;

उदग. न० (उदक) पाणी; जल. जल; पानी.

Water. पंचा० २, ११; प्रव० १५६२; कण० ४, ५६; जं० प० ५, १२०; निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८; भग० १, ६; ८; ५, ४; ७, १; १५, १; पञ्च० १; नंदी० ३५; दस० ४, ५, १, ७५; उवा० १, २७; ४१; —(गा) आवत्त. पुं० (-आवत्त) पाणीनुं यक्षर — लभरी — वमल. पाणी का भौर. an eddy; a whirlpool of water. अणुजं० १३४; भग० ५, ७; —गम्भ. पुं० (-गर्भ) पाणीनि गर्भ-पाणी रूपे थनार पुद्गल पल्लिय. पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुद्गल पारिप्लम. particles of matter transforming themselves into the element of water. " चत्तार उदग गम्भा पण्णत्ता तं जहा. " भग० २, ५; —जोणिय. पुं० (-योनिक-उदकं योनिरुत्पत्तिस्थानं येषां ते) पाणीभां उत्पन्न थनार थय. पाणी में उत्पन्न होने वाला जाव. an aquatic sentient being " इहे गत्तिया मत्ता उदग जोणिया उदग संभवा " स्य० २, ३, १७; —दोणी. स्त्री० (-द्रोणी) पाणी में थयानी डाल. पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water. " अलं उदगदोणाणं " दस० ७, २७; (२) नदीनी डोली. मछवे. छोटासा डोनी; डोगा. a small boat. आया० ८, ४, २, १३८; (३) सोदारनी पाणीनी डुंडी के नदीमां तपेनुं सोदुं शरवामां आवे छे. लुहार की पानी का कुंडा जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है. a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. " उदग दोणाणि वत्तिण् " भग० १६, १; —धारा. स्त्री० (-धारा) पाणीनी धारा. जलधारा. a stream of water; a down pour of rain. नाया० ६; जं० प० ३, ६३;

—परिणय. त्रि० (-परिणत) पाणी रूपे परिणाम पाभेत्त. जल रूप में परिणाम पाया हुआ. transformed into water. ठा० ३, ३; —पोगल. पुं० (-पुद्गल) पाणीना प्रद्वल नो समूहः वाद्वुं. जल रूप पुद्गल का समूह बाद्वलः मेघ. a collection of watery particles; a cloud “तत्थ समुट्ठियं उदग पोगलं परिणयंवा.” ठा० ३, ३; —प्पसूय. त्रि० (-प्रसून) जलभां उत्पन्न थयेत्त इन्द आदि. जल में उत्पन्न हुए कन्द आदि. (a bulbous root etc.) produced in water. “उदग पसूयाणि कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा ” आया० २, २, १, ६५; —फोसिया. स्त्री० (-पृषद्) पाणीना पिंदु. जल बिन्दु. Spray of water. नाया० ८; —विंदु. पुं० (-बिन्दु) पाणीनुं डीपुं. पानी की बिन्दुः जल का छींटा. a drop of water. भग० ५, ७; ६, १; पंचा० ४, ४७; —मच्छु. पुं० (-मत्स्य) षड् धनुष्यता इटडा. इन्द धनुष्य के टुकड़े. bits of rainbow. भग० ३, ७; अणुजो० १२७; जीवा० ३, ३; —माल. पुं० स्त्री० (-माला) उपर उपर रेंदेल पाणीनी शिखा; दशभावे. एक पर एक स्थित पानी की शिखा. crests of water piled one upon another “लवणस्मणं समुदस्स के महालण उदगमाले पणत्ते” जीवा० ३, ४; ठा० १०; —रयण. पुं० (-रत्न) शुद्ध पाणी; रत्न समान पाणी. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. “उल्ले उदगरयणं अस्समिदु” भग० १५, १; नाया० १२; —रस. (-रस) पुं० पाणीतो रस. पानी का रस. water in the fluid form. “तन्नो समुदा पगईण उदगरसेणं पणत्ता” जं० प० १; —राई.

स्त्री० (-राजि) पाणीनी डींटी. पानी की रेखा. a line of water. क० प० ५, ४५; —लेव. पुं० (-लेप) नाया थाये तेडवा पाणिमां यावयुं-नदी उतरनी ते. जितने पानी में नाव चले उतने पानी में मे नदी पार होना. fording a river etc. at a place where a boat can sail. “अंतो मासस्स तन्नो दगलेवे करे माणे सबला” गम० २३; दसा० २, १०; ११; (२) पाणीनी लेप; पाणीथी भिज्जयुं ते. जलका लेप; पानी में भिजाना getting wet with water. अया० २, १, ११, ४२; —वन्थि. पुं० स्त्री० (-वन्ति) पाणीनी मसक. पानी की मसक. a leather bag for holding water in. “उदगवन्थिं परामुसह ” नाया० १८; —संभाणणज्ज. त्रि० (-सम्भारणाय) पाणीने शुद्ध करनेवाली पद्वतु पानी को शुद्ध करने का पद्वतु. any substance used to purify water. “हट्ट तुट्ठे बहुहि उदगसंभाणि-ज्जेहि” नाया० १२; —सन्थ. पुं० (शस्त्र-उदकमेवशस्त्रतत्तथा) पाणीना शुक्लो नाश करनेवाले शस्त्र; व्यग्रि. आर पथेरे. जल के जीवों का नाश करने वाला शस्त्र; अग्नि; चार वंगरह a weapon which destroys sentient beings living in water e. g. fire, poisonous salts etc. आया० १, १, ३, २३; —माला. स्त्री० (-शाला) पाणीनुं पय (पय) पानी की पो. a place where water is supplied to travellers etc. (out of charity). मय० २, ७, ४; —सिहा. स्त्री० (-शिखा) दरीपानी वेध; पाणीनी भरनी आटा. पानी की बढती और घटती. ebb and tide of the sea ठा० १०;

उद्दय. पुं० (उद्दय) उद्युतुः प्रगट् थयुः उद्दय
थयु ते. उगताः प्रगट् हानाः उद्दय होना.
Rising; coming to view; ap-
pearance. अ० २, १: पण्डित० २: ६;
सू० प० १: नाया० ३: श्राव० १६: (२)
अभ्युद्दयः उत्थि. अभ्युद्दयः बृद्धता; उदत्ता.
rise, prosperity मू० २, ६, १६;
वि० नि० ११४: (३) उपपद्युः उत्पत्ति पैदा
होना; उत्पत्ति birth; creation; pro-
duction सम० ३२: (४) अंशुद्वापता
भरतखंडमां थतार सातमा तीर्थेश्वरु नाम.
जंबुद्वीपके भरतखंड मे होने वाले सातवें तीर्थ-
कर का नाम. the name of the 7th
would-be Tirthankara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१: (५) अंशुद्वापमां भरत-
खंडमां थतार तीर्थेश्वरु तीर्थेश्वरता पूर्वभवतुं
नाम जंबुद्वीप के भरतखंड मे होने वाले तीसरे
तीर्थकर का पूर्व भव का नाम the name
in the past birth of the third
would be Tirthankara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१: (६) कर्मजुं विपाकाभि-
भुज थयु ते; क्षा. त. वरणीयादि कर्मजो उद्दय.
कर्म का विपाक (फल देने) के सम्मुख होना;
ज्ञातावरणीयादि कर्मों का उद्दय. maturi-

ty of Karma; e. g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, १; २, ५; ५, ४; ८, ६; १४, २, २०, ३; ४०, १६; पि० नि० १०२; (७) उदय भाव; ७ भावभानो प्रथम भाव. उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth. the first of the 6 Bhāvas. भग० १७, १;—अंत. पुं० (-अन्त) नदी आदिवा पाणीनी सीमा; जहाँ नदी पूरी थाय ते प्रदेश. नदी आदि के जल का समा, व, प्रदेश जहाँ नदी पूरी हा. the place where the water of a river ends or terminates. भग० १, ६;—अंत. पुं० (-अन्त) उदयना स्थानक. उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. क० गं० ६, १८;—गय. त्रि० (-गत) उदयना स्थानते प्राप्त थयेत्. उदयस्थान को प्राप्त. come to rise; risen. क० गं० ६, ४०;—लिप्पफण. त्रि० (-निप्पन्न) उदयना उदयथी निप्पन्न थयेत्. कर्म के उदय से निप्पन्न-उमन्न. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma. भग० १७, १; २५, ५;—स्थमण. त्रि० (-अस्तमान) सूर्यना उदय अथवाता समय. सूर्यके उदय अस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कप्प० ३, ३६;—पत्त. त्रि० (-प्राप्त) उदय पाभेत्. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग० २५, ७; पण्ह० २, ५;—विहि. पुं० (-विधि) उदयनी प्रकार. उदयका प्रकार. mode or method of coming to rise. क० गं० ६, ३०;—संदिड.

ली० (-संस्थिति) सूर्यना उदयनी स्थिति. सूर्य के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of rising. मू० प० ८;—संत. ली० (-सत्ता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय और सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma). क० प० ७, ५३; ४५;

उदयजिण. पुं० (उदयाज्जन) अतनी आदीरिना सातमा तीर्थकर के अंक नयन महावीर स्वासीना आनक अण्ण दत्ता आगामी चौबीसी के सातवें तीर्थकर जो एक समय महावीर स्वासीक शंखजो नामक धावक थे. The 7th irthāṅkara of the coming (Chovisi i. e. cycle who was once a Śrāvaka (by name Saṅkhajī) of Mahāvīra Swāmi प्रव० ४६७;

उदयगमन त्रि० (उदयनस्त्व) उदय पाभेत्. छे सत्व देता ते. जिगवा मख उदय को प्राप्त हो रहा है वट. (One) whose spirit or might is on the rise. टा० ५, ३;

उदयसीम. पुं० (उदकसीमन) लवण समुद्रभां उत्तर दिशाअे आवेले अंक आवास पर्वत. लवण समुद्रके उत्तर दिशामे स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavapa Samudra in the north. सम० ४३;

उदयसेण. पुं० (उदयसेन) श्रीसेन ने शूरसेनने पिता. वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम. Name of the father of Virasena and Śūrasena. आय० नि० १, ४, १, १;

उदयायल. पुं० (उदयाचल) उदयायल पर्वत. उदयाचल पर्वत The eastern moun-

tain named Udayāchala behind which the sun rises. सु० च० ३, ७६;

उदर. न० (उदर) ७८२; पेट. जठर; पेट
The belly; the stomach. सूय०
१, ५, २, २; २, १, ४२; दग्ग० ४: जीवा०
३, ३; श्रौत० १०; निर्ग० ७, १४; अगुजो०
१३१; नाया० १३; आया० १, १, २, १६;
उवा० २, १०१;

उदर्यल्ला. ब्रा० (उदरावालि) क्लेशगुं;
क्लेशगुं क्लेशा. The heart. निर० १ १:
—मंस. न० (मांस) क्लेशगुं भांश.
क्लेशका मांस. the flesh of the
heart. निर० १, १.

उदरि. त्रि० (उदरिन्) पेटने शैथिल्य, जलोदर
शैथिल्य. पेट का रोग; जलोदर रोगवाला
(One) suffering from a domi-
nal affections like dropsy etc.
आय० १, ६, १, १२२;

उदरिक. त्रि० (औदरिक) जलोदर शैथिल्य
वाले. जलोदर रोगवाला. (One) suff-
ering from dropsy. पद्म० २, ५;

उदरिय. न० (औदरिक) गुग्गुलु “उदरिक”
शब्द. देखो “ उदरिक ” शब्द. Vide
“ उदरिक ” विवा १, ७;

उदवाह पुं० (उदवाह) जलता नाता
प्रवाह. जलका छोटया प्रवाह. A small
current of water. “ उदवाहाइ वा
प्रवाहाइ श ” भग० ३, ७;

उदहि. पुं० (उदधि) समुद्र; दरिया. समुद्र: उदधि:
दर्या The ocean; the sea. टा० २, ४:
उत्त० ११, ३०; भग० १, ६; ६: विशेष०
१३३२; पिं० नि० भा० १७; प्रव० १४६३:
क० प० १, ७०; जं० प० २, ३३; ६, ११६;
(२) उदधिकुमार नामे भवनपति देवतानी
ऐक्य अत. उदधिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति. a class of Bha-
vanapati gods named Udadhi-
kumāra. उत्त० ३६, २०४; पद्म० १,
४; मम० ७६: श्रौत० (३) धनोदधि.
धनोदधि. the ocean named Gha-
nodadhi. भग० १, ७; (४) समुद्र-
सागर पम; कालविभाग विशेष. सागरोपम;
कालविभाग विशेष a Sāgaropama;
a particular division of time:
क० प० ५, २६; —पद्मद्वि. त्रि०
(—प्रतिष्ठित) धनोदधि समुद्रने आधार
रहेवा. धनोदधि समुद्र के आधार में रहा
हुआ supported on, resting on
Ghanodadhi ocean. “ उदहि
पद्मद्वि पुढी ” भग० १, ७; —पुद्गुत्त.
न० (—पृथक्त्व) ऐथी भांशने नवसागरों-
पम सुं. दो में नौसागरोंपम तक.
ranging from two to nine
Sāgaropamas of time. क० प०
१, ६२; मंगल. पुं० (—मङ्गल) समुद्र
ना विघ्नने दूर करनेवाला रोग. समुद्र के
वधनेवा दूर करनेवाला मंगल. anything
that averts or destroys the
obstacles or misfortunes con-
nected with the sea. पंचा० ८,
३७; —सर्गस. त्रि० (—सदृश) समुद्र-
सागर सरपुं: सागरोपम: दस डेढ़ डेढ़ी
पर्यापम प्रमत्त काल विभाग. समुद्र के
समान; सागरोपम; दस कोड़ा कोड़ी पर्या-
पम के प्रमाण काल विभाग. similar to
an ocean; a division of time
equal to 10 crore x 10 crore
Palyopama. उत्त० ३३, १६;

उदहिकुमार. पुं० (उदधिकुमार) उदधि
कुमारनामे भवनपति देवतानी ऐक्य अत.
भवनपतिदेवों की उदधिकुमार नामक जाति.

Name of a class of Bhavanapati deities. “ उदहि कुमाराणं सव्वे समाहागा ” भग० १६, १२; पञ्च० १; —आवास. पुं० (आवास) उदधि-कुमार देवताता रहनेवाला स्थान-भवन. उदाधकुमार देवों के रहने का स्थान-भवन. the abode of Udadhikumāra class of gods. “ उदहि कुमारवास सवयइस्सा पण्यत्ता ” भग०

उदहिकुमारी. बा० (उदाधकुमारी) उदधि कुमार भवता भवनपतिनी देवी उदधि कुमार जाति के भवनपति देवों की देवी. A female deity of the Udadhi-kumāra Bhavanapati class of gods. भग० ३, ७;

उदाह. पुं० (उदायिन्) कुण्डिकायन गोत्रमां जन्मेत उदायी नामना ऐक भाज्यस देवे गोशाखा ना जेता प्रेक्षारिदा देता कुण्डिकायन गोत्र में जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाखा का छठवाँ प्रौढ परिवार था. Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Proudha Parihāra of Gośālā भग० १५, १; (२) ज्ञिष्ठ राजन्ता उदायि नामे ऐक हाथी. कौणिक राजा का उदायि नामक हाथी name of an elephant of a king named Konika भग० ७, ६; १६, १; (३) ज्ञिष्ठ राजन्ता ऐक पुत्र देवे ज्ञिष्ठ राजन्ता अवधान पछी पाटलिपुत्र नगर बसाती त्वां पौतानी राज-क्षानी स्थापी; जेने उदायी नामना अवधे पौषामां भारी नाभ्यो देतो; जे तीर्थकर नामकर्म उपाज्जन करी आपनी येवीक्षीमां सुपार्थनामे त्रीज्ज तीर्थकर थसे. कौणिक का एक पुत्र जिसने कि कौणिक का मृत्यु के

बाद पाटलिपुत्र नगर बसाया और वहां अपनी राजधानी स्थापित की; जिसे उदायी नामक अवधेने पोषित—उपवास की अवस्था में मार डाला; जिसने तीर्थकर—नामकर्म का उपार्जन किया और आगामा चौवासा में सुपार्थ नामक तीसरा तीर्थकर होगा. name of a son of Konika. After Konika's death he founded the city of Patali-putra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fasting-etc.) He will earn Tir-thankara Nāmkarma and be the third Tirthānkara named Supārsva in the coming Chovisa (cycle). या० १;

उदायजीव पु० (उदायिजीव) ज्ञिष्ठ राजन्ता पुत्र उदायिराजन्ता छठे जे आपनी येवीक्षीमां त्रीज्ज सुपार्थ नामका तीर्थकर थसे कौणिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भावः चौवासा में सुपार्थ नामके तीर्थकर होगा. The soul of king Udayi (the son of Konika) who will be the 3rd Tirthānkara by name Supārśva in the coming Chovisi (i. e. cycle) प्र० ४६५;

उदायण. पुं० (उदायन) सिंधुसैत्यीर देशना तीर्थभव नगरना राजन् देवे जेने दीक्षाने राज्य न आपतां देशी नामना आजेज्जने राज्य आपी मदापीर स्वामि पासे दीक्षा लीधी. सिंधुगंगाबार देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र को राज्य न देकर अपने केशी नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामीने दीक्षा ली। Name of a king of the city of Vitibhaya of the country of Sindhusauvira. He, instead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Kesi and took Diksha from Mahavira Swami. उक्त० १८, ४८; भग० १३, ६; (२) दशायी नयरीता शयन शतानीकेता पुत्र कौशांबी नगर के राजा शतानीक का पुत्र. name of the son of Satanika, king of the city of Kosambi. " तस्मिन् शयानिगम्य पुत्त मियादेवाण अत्तण उशयणे णामं कुमारे होन्था " भग० १२, २; विवा० १, ४;

उदायि. पु० (उदायिन) दैजिष्ठि महा-
शयनता दर्पित नाम. कौणिक महाराजा
के हाथों का नाम. Name of the
elephant of king Kouika. भग०
१३, १;

उदार. वि० (उदार) उदारः प्रधानः श्रेष्ठ.
उदारः प्रधानः मुख्यः श्रेष्ठ Generous;
high; excellent; prominent.
भग० २, १; ४; —भग० वि० (-मन्य)
उदार चित्तवादी. उदार चित्त वाला.
magnanimous; generous. मत्त०
३०;

उदारत्त. न० (उदारत्व) उदारपदार्थः सत्य-
व्यक्तता २० मे अतिशय. उदारता; सत्य-
वचन का २२ वां अतिशय Genero-
sity; nobility; the 22nd super-
natural manifestation of truth-
fulness of speech. सम० टी० ३५;

उदारय. वि० (उदारक) उदारता पार्थु
(तपकर्म). उदारता पूर्ण (तपकर्म)

High, noble (ascetic Karma).
नाया० १;

उदासीण. वि० (उदासीन) राज द्वैपरहितः
शान्तः मध्यस्थ. राग द्वेष रहितः शान्तः
मध्यस्थः तटस्थ. Free from passion
and hatred: dispassionate.
neutral. आया० १, ६, ३, १६१; सूय०
१, ४, १, १५;

उदाहृ. वि० (उदाहृत) उद्देशः दशयितः.
कथितः कहा हुआ; दिखाया हुआ. Said;
pointed out; explained. सूय०
२, ६, ६१;

उदाहरण. न० (उदाहरण=उदाहरयते गृह्यते
दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनति) उदाहरणः द्वापदेशः.
उदाहरणः दृष्टान्त. An illustration;
an example. पि० नि० ११३; नाया०
३; पंचा० ७, १४;

उदाहरिय. वि० (उदाहृत) द्वापदेश साथे
उद्देश. उदाहरण सहित कहा हुआ. Ex-
plained, narrated with illus-
tration नाया० ८;

उदाहिय. वि० (उदाहृत) ध्यान उद्देशः
व्याख्यान उद्देश. कथन किया हुआ; कथित.
व्याख्यान किया हुआ. Told; narrated;
illustrated. "जामा निगिण उदाहिया"
आया० १, ७, १, २००;

उदाहृ. अ० (उताहो) विकल्पः अथवा.
विकल्पः अथवा; या. Or; an alterna-
tive conjunction. भग० १, १; २,
४; ४, ७; ८, ८; १०; १५, १; १८, ८;
नाया० ३; ७; १६; पञ्च० १०; विवा० ३;

उदिभोदिभ्र. वि० (उदितोदित) आवेश
अने परलोडने आश्री उदय पामेला जेम
भरत भदारज. इहलोक और परलोक
दोनों के लिये उदय पाया हुआ:—

जैसे कि भरत महाराज. Prosperous; rising both in this world and the next; e. g. king Bharata.

ठा० ४, ३; विवा० ३;

उदिगण. त्रि० (उदीर्ण) उदय पामेक्ष.

उदय पाया हुआ. Come to rise;

risen; matured. पञ्च० २०; २३;

नाया० १; भग० १, २; ३; ४; ७; २, ५;

५, ४; १०, १; नंदा० ८; —**कर्म.** त्रि०

(-कर्मन) उदयमां आयेन छे कर्म जेना

ते. जिसके कर्मे उदयमें आये हुए हैं वह.

(one) whose Karma has

matured. ठा० २, १; —**कामजाअ.**

त्रि० (-कामजात) जेने कामने श्रेष्ठिय

प्रकार-विशार उदयमां आय्यो छे ते.

जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार

विकार-उदय आया है वह (one)

whose passion has risen.

दसा० १०, ३; —**मोह.** त्रि० (-मोह)

उत्कट मोहना उदयवाले. तात्र मोह का

उदय वाला. (one) whose in-

fatuation or delusion has

acutely risen. “ अलुत्तंगववाइयाणं

भंते देवा किं उदिगणमोहा ” भग० ५, ४;

उदित. त्रि० (उदित) उदय थयेन; आदि

आवेन. उदित; उदय प्राप्त. Risen;

come to view. नाया० १;

उदिन्न. न० त्रि० (उदीर्ण) लुग्यो “उदिगण”

शब्द. देखो “उदिगण” शब्द. Vide

“उदिगण” क० प० १, ३२;

उदिय. पुं० (उदित) उदय पामेक्ष. उदय.

ऊग हुआ सूर्य. The sun in its rise;

the sun risen above the hori-

zon. नाया० १;

उदीची. स्त्री० (उदीची) उत्तर दिशा. उत्तर

दिशा. The north. भग० ५, १;

उदीग. पुं० न० (उदीचीन) उत्तर दिशा;

उत्तर विभाग. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग.

The north; the northern

region. सू० प० १; जे० प० ४, ७२;

४, १५०; ७, १५०; राय० १०२; नाया०

५; —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख)

उत्तर दिशाने सम्मुख. उत्तर दिशाके सम्मुख.

facing the north. वव० १, ३७;

—**वाअ-य.** पुं० (-वात) उत्तर दिशाने

वायु. उत्तर दिशा का वायु. the north-

wind. ठा० ५, २; ७, १; पञ्च० १;

उदीणा. स्त्री० (उदीचीना) उत्तर दिशा.

उत्तर दिशा. The north. “ दो दिमाघो

कण्ण्ड पाइणं चव उदीणं चव ” ठा० २;

राय० आया० १, ६, ५, १६४; जे० प०

उदीरग. त्रि० (उदीरक) उदीरणा करनार.

उदीरणा करनेवाला. (One) who

forces up (Karma) into matu-

riety. भग० १, १; ३५, १; क० प० ४, ४;

उदीरण न० (उदीरण) उदीरणा करती ते.

उदीरणा करना; गत बात को प्रगट करना.

Telling or exposing the past.

आव० १६; क० गं० २, १३;

उदीरणया. स्त्री० (उदीरणा) लुग्यो

“उदीरण” शब्द. देखो “उदीरण”

शब्द. Vide. “उदीरण” क० गं० २, १;

उदीरणा. स्त्री० (उदीरणा) लुग्यो “उदीरणा”

शब्द. देखो “उदीरणा” शब्द. Vide.

“उदीरणा” जे० प० भग० ३, १; ७, ६; क०

गं० २, २४; ४, ४; क० प० ४, १; ५,

४०; प्रव० ४६;

उदीरय. त्रि० (उदीरक) लुग्यो “उदीरग”

शब्द. देखो “उदीरग” शब्द. Vide “उदी-

रग” भग० २५, ६;

उदीरिय. त्रि० (उदीरित) लुग्यो “उदीरिय”

शब्द. देखो “उदीरिय” शब्द. Vide

“उद्दीरिय” आया० १, ६, ३, १६२; पञ्च० २३; राय० १२८; भग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उद्दीरि(रे)त्तार. त्रि० (उद्दीरयितृ)
उद्दीरन्तार; प्रेरणा करनेवाला.
One who prompts or forces
up (e. g. Karma) into matu-
rity. सम० २०; दसा० १, १४;

उदु. पुं० (ऋतु) ऋतु; मोसम. ऋतु; मोसम.
A season नाया० १;

उदुम्बर. न० (उदुम्बर) ऐ नामनुं रिपाड
सुत्रनुं आदिभुं अध्ययन. इस नामका विपाक
सुत्रका आठवाँ अध्ययन. Name of the
8th chapter of Vipāka Sūtra.
शा० १०, १;

उदुम्बर्गज्या. स्त्री० (औदुम्बरिका) उद्देह
गज्याथी निकलेस ओड शाखा. उद्देह गगमे
निकला हुई एक शाखा. An offshoot
of Uddahagana. कण० ८;

उदुम्ब्रेय. पुं० (उदुम्ब्रेय) गीरी-पर्यन्त तट
आदिमांथी पाणीजुं निकलतुं. पर्वत. तट
आदिमे जलका निकलना. A spring of
water from a mountain etc.
भग० ३, ७;

उदुहल. पुं० (उदुहल) आंशुली; उष्ण.
आमला. A mortar. आया० २, १, ७,
३७; विशेष० १०३०;

✓ उद्-अय. धा० I. (उन्+अय) उदय
थेवा; उग्युं. उदय होना; ऊगना. To
rise; to come to rise.
उदयन्ति. नाया० ५;
उदयन्त. व० कृ० भग० १, ५, ६;

✓ उद्-आ-हर. धा० I. (उन्+आ+ह)
कहेतुं; प्रतिपादन करतुं; द्वापशा सहित
पठन करतुं. कहना; प्रतिपादन करना;
• V. II / 29

उदाहरण सहित वर्णन करना. To tell;
to explain; to illustrate.

उयाहरे. वि० उत्त० ११, ४;

उदाहरे. वि० उत्त० ५, १; सूय० १, २,
२, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि० उत्त० २, १; दस०
८, १;

उदाहु. उत्त० ६, १८; नाया० ८;

✓ उद्-इ. धा० II. (उन्+इ) उदय थेवा;
उग्युं. उदय होना; ऊगना. To rise;
to come to rise.

उद्देह. जीवा० ३, २;

✓ उद्-ईर. धा० I, II. (उन्+ईर)
उद्दीरणा करती; परिपाकना समय पहुँचा
करने आदिथी उदयमां दायवां ते. उद्दीरणा
करना; परिपाक के समय के पहिले कर्म को
आकर्षित करके उदयमे लाना. To cause
to mature (e. g. Karma) be-
fore the ripe time; to force up
Karma into maturity.

उद्दीरह. राय० २६७; भग० ३, ३; क० प०
५, ५४;

उद्दीरेह. उत्त० १७, १२; भग० ७, १; २५,
१; ६; ७; शा० २, ४; निसी० ४,
२३;

उद्दीरन्ति. भग० ५, २; पञ्च० १४; गच्छा०
६८;

उद्दीरन्ति. भग० १८, १०; नाया० ५;

उद्दीरिस्सन्ति. पञ्च० १४;

उद्दीरिस्सु. भू० का० पञ्च० १४;

उद्दीरिज्जा. वि० भत्त० १५६;

उद्दीरित्तु. हे० कृ० वेय० ६, १;

उद्दीरिमाण. भग० २५, ६; अंत० ३, ८;

उद्दीरिजमाण. क० वा० व० कृ० भग० १,
१; ६, ३३;

✓ उद्-कस. धा० I. (उन् + कृष्) उद्ये
भेद्युं. ऊंचा खेचना. To draw up.
(२) उत्कर्ष करे. उत्कर्ष करना. to
flourish; to prosper.

उकोसइ. सू० प० १;

उकमिस्मामि. आया० १, ६; ३, १८५;

उकमावेइ. प्रे० निर्मा० १८, ६; ७; ८;

✓ उद्-कीर. धा० I. (उन् + कृ) डीतयुं;
छातयुं. कुतरना; छीलना. To carve; to
scratch off.

उकीरइ. क० प० २, ६२;

उकीरमि. अगुजा० १४६;

उकीरमाण. "तंच केइ उकीरमाणं पामित्ता"

अगुजा० १४८;

उकीरिजमाण क० वा० व० कृ० जं० प०

राय० ५६; जीवा० ३, ४;

✓ उद्-कुह. धा० I. (उन् + कृद्) डह्युं.
कृदना. To leap; to jump.

उक्कुहइ. उत्त० २७, ४;

✓ उद्-खण. धा० I. (उन् + खन्)

डिअयुं. खोदना. उखाडना. To dig
out; to excavate.

उक्खणइ. सु० च० १२, ५८;

✓ उद्-क्खिच. धा० I, II. (उन् + क्षिप्)

डिया डेड्युं. ऊंचा फेंकना. To throw
high; to toss.

उक्खिचप्प. सं० कृ० आया० २, ३, ३;

उक्खिचित्तु. सं० कृ० " उक्खिचित्तु न
निक्खिचे " दम० ५, १, ८५;

उक्खिवमाण. व० कृ० भग० १६, १;

उक्खिचपमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ६;

✓ उद्-गच्छ. धा० I. (उद् + गम्) डेह्युं

पामयुं; डियुं. ऊगना; उदय होना. To
rise.

उग्गच्छंति. सू० प० ८;

उग्गच्छं. सं० कृ० भग० ५, १;

✓ उद्-गम. धा० I. (उन् + गम्) डियुं;

सुयनो डेह्युं. उगना; सूर्य का उदय
होना. To rise.

उग्गमंत. व० कृ० सु० च० २, १०५;

उग्गममाण. व० कृ० पन्न० १;

✓ उद्-गलच्छ. धा० II. (*) डीअयुं;

डिअययुं. ढक्कन खुलवाना. To get a
lid or cover opened

उग्गलच्छावेमि. प्रे० राय० २२४;

✓ उद्-गाह. धा० I, II. (अच् + गाह)

अयगाहयुं; प्रवेश करे. अहर गह्युं.

अवगाहन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना;

अंदर जाना. To enter; to penetrate;

to pervade.

उग्गाहेइ. भग० २, ५; ११, ६; १८, ६;

नाया० ६; विद्या० ७;

उग्गाहइ. सू० प० १;

उग्गाहिन्ति. नाया० २;

उग्गाहेउज्जा. वि० भग० ३, ३; ५, ७;

उग्गाहेह. आ० नाया० ८; ६;

उग्गाहिन्ता. सं० कृ० भग० २, ८; ६, ४;

६, ५; ६, ३; १३, ४; १८, ६;

१८, ३; २०, २;

उग्गाहेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उग्गाहिनण. हे० कृ० नाया० ६;

उग्गाहेमाण. व० कृ० भग० १६, ६;

✓ उद्-गिरह. धा० I, II. (अच् + ग्रह)

आजा लेपी; रत्न मांगी. आजा लेना;

बुद्धी मांगना. To ask permission.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note. (*) p. 15th.

(०) ग्रहण् करतुं; धारी राखतुं. ग्रहण करना; धार रखना. To take in; to retain.

उमिगहह नाया० १; दसा० ४, ४१;

उमिगहहामि. भग० १५, १;

उमिगहहत्ता नाया० १; २; ५; १३; १४;

भग० २, ५; श्राव० २७;

उमिगहहत्तप. दसा० ७, १; ८, वव० ८,

१०; नाया० ध० दसा० ४,

६०; वेय० ३, ३१;

✓ उद्-गीर. धा० I. (उद्+गृ) आग्राह्युं; आग्राह्युं. उगल जाना; जुगाला करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do

उग्गीरमि. सु० च० १४, ३६;

✓ उद्-गोव. धा० I, II. (उद्+गृ) उक्-
ल्युं; मुंय् इत्यपी. मुलभाना; उक्लनता.
To decipher.

उग्गोवह् भग० १६, ६;

उग्गोवमाण भग० १६, ६;

✓ उद्-घात. धा० I, II. (उद्+हन्+णि)
ह्युं; ह्युं करवे; नाश करवे; अपाव्युं;
ह्युं करवे. मारना; हनन करना; नाश करना;
क्षय करना. To kill; to destroy.

उग्घाशह्. उत्त० २६, ६.

✓ उद्-घोस. धा० II. (उद्+घुप्) उद्घो-
ष्युं करवी. उद्घोषणा करना; प्रगट करना.
To proclaim. (२) मांज्युं; साध्
करतुं. मांजना; साफ करना. to rub;
to cleanse.

उग्घेसेह. नाया० १६;

उग्घोमेत्ता. विवा० १;

उग्घोसेमाण. नाया० १; ५; १३; १४; १६;

१८; विवा० १; जं० पं० ५, १२३;

राय० ३७; भग० ३, १; १५, १;

उग्घोसमाण भग० ३, १; १४, १;

उग्घोसावेह्. प्रे० सु० च० २, ३०८;

उग्घोसिज्जंत. क० वा० व० कृ० विवा० ८;

उग्घोसिज्जमाण. विवा० १;

✓ उद्-चर. धा० I. (उद्+चर) उच्चार-
करवे; उच्चार्युं. उच्चारण करना; बोलना.
To pronounce; to utter.

उच्चारह्. प्रे० नाया० १;

उच्चारमाण. नाया० १; भग० ११, ११;

✓ उद्-चल. धा० I, II. (उद्+चल्+णिच्)
याचन करवी; पाछीति उच्चाह्युं. चालना
करना; पाना को उछालना. To cause
to move; to throw up water.

उच्चालेंति. प्रे० नाया० ४;

उद्-चिण. धा० I. (उद्+चि) चिण्युं;
भग० करतुं. धानना; एकत्रित करना. To
pick up; to collect.

उच्चिणह्. श्राव० लि० भा० २६६.

उच्चिणितं. सं० कृ० सु० च० ७, ११;

उच्चिता. वव० ६, ४४;

✓ उद्-च्छल. धा० II. (उद्+च्छल्) उच्चा-
ह्युं. उच्छलना. To leap; to jump.

उच्छलेंति. जावा० ३, ४;

उच्छलितं. सं० कृ० सु० च० ६, २६;

उच्छलंत व० कृ० श्राव० २१; क० प०
३, ४३;

✓ उद्-च्छिद्. धा० I, II. (उद्+च्छिन्द्)
नाश करवे. नाश करना. To destroy.

उच्छिदसु. श्रा० सु० च० २, ६०७;

उच्छिदिदं. पं० १३, १२;

✓ उद्-क्षुभ. धा० I. (उद्+क्षुभ्) क्षोभ
पमाद्युं. क्षोभ पाना. To become dis-
tracted or agitated.

उच्छुभह्. राय० २७६;

उच्छुभित्ता. नाया० १;

✓ उद्-च्छील. धा० II. (उद्+च्छल्) पाछी-
थी घेतुं; पाछी उच्चाह्युं. पानी से घोना;

पानी उछालना. To wash with water;
to throw up water.

उच्छोलंति. वि० राय० १८३, भग० ३, २;
उच्छोलिञ्ज. आया० २, १, ६, ३३; निसी०
१, ७; २, २१;

उच्छोलित्ता. सं० कृ० अ० आया० २, ५,
१, १४६; भग० ३, २;

उच्छोलित्तण. हे० कृ० दसा० ७, १;

उच्छोलंत. व० कृ० निसी० १, ७;

उच्छालित. गच्छा० १२२;

✓ उद्-जम्. धा० I, II. (उत्+यम्) उद्यम
करवे; प्रयत्न करवे. उद्यम करना; प्रयत्न
करना. To work; to be industri-
ous; to make an effort.

उज्जमंति. नाया० ५;

उज्जमेउ. आ० सु० च० १, २८०;

उज्जमंतु. सु० च० १, ६८;

उज्जमिस्सं. प्रव० ७८६;

उज्जमंत. व० कृ० पणह० १, ३;

उज्जममाण. व० कृ० स्य० नि० १, १३,
१२६;

✓ उद्-जा. धा० I. (उत्+या) उपर ग्युं.
ऊपर जाना. To go up; to mount.
उहाह. भग० ३, ३;

उदाहंत. नाया० १;

✓ उद्-जोय. धा० I, II. (उत्+युत्)
प्रकाश करवे; उद्योत करवे. प्रकाश करना;
उद्योत करना. To light up; to
brighten.

उज्जाण्ह. प्रे० भग० १, ६;

उज्जोवेह. प्रे० राय० १२०;

उज्जोवैति. भग० ७, १०; ८, ८; जं०
प० ७, १४१; ७, १३७;

उज्जोवेमाण. भग० २, ५; ३, १; २;

ओव० २२; उवा० २, ११२;

उज्जाणमाण. जीवा० ३; ठा० ८; ओव०

उज्जोवंत. सु० च० २, २; ३, १८६;
नाया० १;

✓ उद्-ज्जल. धा० I. (उत्+ज्वल्)
झलझल; झलझल करवे. झलकना; चिल-
कना. To shine; to sparkle.

उज्जलह. भग० १६, १;

उज्जलंत. राय० ८०;

उज्जालेह. प्रे० भग० ७, १०; ११, ६;

उज्जालेंति. जं० प० २, ३३;

उज्जालेज्जा. दस० ४;

उज्जालेह आ० जं० प० २, ३३;

उज्जालावेज्जा. णि० दस० ४;

उज्जालेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उज्जालिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

उज्जालित्तण. हे० कृ० आया० १, ७,
३, २१०;

✓ उद्-ट्टा. धा० I, II. (उत्+ट्टा) उभा
थं, उठे, खड़े होना; उठना. To get
up; to stand.

उट्टेहाति. नाया० १; ५; ६; १६; भग०
१, १, ३, १; १५; १; राय० ७५;

उवा० ७, १६३;

उट्टति. भग० ८, १;

उट्टमो. स्य० २. ७, १५;

उट्टिहिति. भ० सु० च० ६, ५७;

उट्टिहिसि. भ० पि० नि० भा० ६६;

उट्टित्ता. सं० कृ० उत्त० २, २१; भग० १,
१; नाया० १; ठा० ३, ३;

उट्टेत्ता. नाया० १; १६; भग० ३, १; ६,
३३; १०, ४; १५, १;

उट्टिऊण. सं० कृ० सु० च० २, ५३;

उट्टाण. सं० कृ० वव० ३, २; नाया०
१; ६; १६; १६; भग० १,

१; २, १; ३, १; ६, ३३; १५,

१; आया० १, ८, ६, २२१;

स्य० १, १०, ७;

उद्धृत. व० कृ० पि० नि० १८६;

उद्धृत. व० कृ० प्रव० १५८;

उद्धृतमात्र. भग० ८५;

उद्धृतवित्त. प्रे० हे० कृ० वव० ७, ६;

✓ उद्-दुह. धा० I (उत्+ध्व) श्रुंश्रुं
श्रुंश्रुं पीयूषकारी नाभ्यन्तरी. श्रुंश्रुं की
पिचकारी डालना. To spit; to eject
saliva from the mouth.

उद्धृतेति. भग० ३, १;

उद्धृतवित्त. भग० १५, १;

✓ उद्-डा. धा० I. (उत्+द्रा) पाश
रथयु. पाश-जाल-रचना. To make a
net or a snare; to prepare a
snare.

उद्धाह. १, ८;

✓ उद्-तर. धा० I, II. (उत्+तृ) पार
उत्तरयु; पार उत्तरतीने सामे धाँ ७४यु.
पार उत्तरना: पार होकर पहली पार
जाना. To cross; to go to the
opposite shore.

उत्तरइ. नाया० १३;

उत्तरइ. नाया० ६;

उत्तरित. नाया० ४; १६; १७;

उत्तरइह. आ० नाया० १६;

उत्तरह. आ० नाया० १६;

उत्तरित्त. उत्त० ३२, १८; नाया० १३;

उत्तरित्त. हे० कृ० ठा० ५, २; आव० ४०;

वेय० ४, २८; नाया० १६;

उत्तरित्तं-त्त. सु० व० १, १७३; जं० प०

नाया० १६;

उत्तरित्त. व० कृ० संस्था० ५६;

उत्तरित्त. प्रे० नाया० १७;

उत्तरित्तमात्र. प्रे० व० कृ० ठा० ५;

उत्तरइह. प्रे० नाया० २; १७;

✓ उद्-दाह. धा० II. (उत्+दाह)
प्रहार मारना. To strike

blows. (२) आभ्यन्तरी. चमड़ी उता-
रना. to flay. (३) नीचे पाशयु.
नीचे गिराना. to throw down.

उद्धृतवित्त. सं० कृ० सूय० २, २, १८;

दसा० ६, ४;

उद्धृतवित्त. सं० कृ० सु० व० १४, ४५;

✓ उद्-दिस. धा० I. (उत्+दिश)
अभ्युक्त अभ्ययनं पाठ इति शिष्ये
शिष्येने युक्तेना आदेश थवे। गुरुका
' अभ्युक्त अभ्ययन का पाठ कर ' इस
प्रकार शिष्यको आदेश होना. To order
a disciple to study a parti-
cular scriptural chapter.

उद्धृतवित्त. निसा० २, ६;

उद्धृतवित्त. विशेष० ३४१२;

उद्धृतवित्त. वव० २, १४, ३, ३८; ७,
८; ठा० २, १;

उद्धृतवित्त. सं० कृ० निसा० १४, ५; पञ्च०
१६; आया० २, २, २, ८८;

उद्धृतवित्त. सं० कृ० निगी० १४, २;

उद्धृतवित्त. सं० कृ० विशेष० १८८६.

उद्धृतवित्त. क० वा० भग० ४२, १;

अणुजा० २;

उद्धृतवित्त. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०;
११; वेय० ४. २१;

✓ उद्-हव. धा० I, II. (उत्+ह्व) उपद्रव
इति; मारयु. उपद्रव करना; मारना. To
attack; to beat; to trouble.

उद्धृतवित्त. आया० १, १, २, १६;

उद्धृतवित्त. पञ्च० ३६;

उद्धृतवित्त. १८, ८;

उद्धृतवित्त. भग० १५, १;

उद्धृतवित्त. सूय० २, २, ६; भग० ८, ५;

उद्धृतवित्त. जं० प०

उद्धृतवित्त. भग० १८, ८;

उद्वावेजमाण. क० वा० व० कृ० सू०

२, १, ४८; २, ४, ११;

✓ उद्-द्वा. धा० I. (उत्+द्वा) भ२युं.

मरना. To die.

उद्वाह. भग० १, १; २, १; विवा० १;

उद्वायंति. आया० १, १, ४, ३७;

उद्वाहता. सं० कृ० भग० २, १, १५, १;

जं० प० ६, १२४; टा० १०;

उद्वाय. सं० कृ० भग० ५, २; जीवा० ३;

उद्वावेत्ता. प्रे० सं० कृ० राय० २८२;

✓ उद्-द्धंस. धा० II. (उत्+ध्वंस्)

वप्यादी वप्यादी निरस्कार करे. किसीका तुच्छता बतला बतला कर निरस्कार करना. To dispraise a person and show contempt towards him.

उद्धंसेह. भग० १५, १; नाया० १८;

उद्धंसेति. नाया० १६;

उद्धंसेता. भग० १५, १;

उद्धंसित्प. हे० कृ० राय० २६६.

✓ उद्-नम. धा० I. (उत्+नम्) उभा थयुं;

भरत३ गी-युं करयुं. खंड होना; मस्तक ऊंचा करना. To stand up; to raise the head.

उयणमति. राय० ८६;

उयणमिय. सं० कृ० आया० २, १, ५, ३२;

✓ उद्-नि-क्खिव. धा० I, II. (उत्+नि+

क्खिप्) गिये अंथी लेयुं; उंथीयुं. उखाडना;

ऊपर खेच लेना. To root out; to draw up; to pull out.

उन्निक्खिस्सामि. सू० २, १, ६;

✓ उद्-पज्ज. धा० I. (उत्+पद्) उत्पन्न

थयुं; पैदा थयुं. उत्पन्न होना; पैदा होना.

To be born; to be produced.

उत्पज्जह. उत्त० १७, २; विशेष० ७०; ४१४;

प्रव० १११५;

उत्पज्जह. सू० १, १, १, १६;

उत्पज्जन्ति. सू० १, १, ३, १६;

उत्पज्जंति नाया० १६, भग० ५, ६;

उत्पज्जन्तु. पण्ह० १, २;

उत्पज्जिस्संति. भ० भग० ५, ६; नाया० १६;

उत्पज्जिस्सं. भ० सु० च० १, २२३०;

उत्पज्जिसु भू० नाया० १६; भग० ५, ६;

उत्पज्जिता. सं० कृ० भग० ५, ६;

उत्पज्जमाण. भग० ३४, १;

✓ उद्-ज्ज. धा० I. (उत्+पद्+णिच्) उत्पन्न

करयुं; पैदा करयुं. उत्पन्न करना; पैदा करना.

To create; to produce.

उत्पायह. भग० ८, ३;

उत्पाण-इ-ति. प्रे० नाया० ५; भग० १४,

८; निय० ४, २२; ६, १०;

उत्पायेंति. जं० प० २, २४; भग० ११, १०;

उत्पाण्जा. विधि० भग० ५, ४;

उत्पाण्ता. जीवा० १;

उत्पाण्त्तप. नाया० ४; भग० १५, १;

उत्पाइत्ता. टा० ४, ७;

उत्पाइय. क० प० २, २६;

उत्पायंत. व० कृ० निय० ४, २२;

✓ उद्-पड. धा० I. (उत्+पत्) गिये द्रुथुं.

ऊंचा कूदना. To jump. (२) उयें उडयुं.

ऊंचा उडना. to jump high.

उत्पज्जह. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उत्पज्जह. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उत्पज्जन्ति. जीवा० ३; भग० ३, १; राय०

१८३, जं० प० ५, १२१;

उत्पज्जता. वि० भग० ३, ५; १३, ६;

उत्पज्जाहि. आ० सू० २, १, १०;

उत्पज्जता. सं० कृ० पज्ज० २; नाया० १; ६;

६; भग० ३, २; ६, ५; जं० प०

१, १२;

उत्पज्जुं सं० कृ० सु० च० २, ३११;

उप्पयन्त. व० कृ० आया० २, १५, १७६;

कप्प० ५, ६६;

उप्पयमाण. व० कृ० नाया० १, ६; कप्प०

२, २६;

उप्पाडन्ति. प्रे० ओव० ११; मु० च० २,

५६६;

उप्पाडं (डिं) ति. प्रे० कप्प० ५, ११५;

उप्पाडेज्जा. वि० टा० २, १; भग० ६, ३१;

पन्न० २०;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० पन्न० २८;

✓ उद्-पिल. धा० I. (उत+प्लु+णि) ३५
अ५युं. उठवाना. To cause to lift
up.

उप्पिलावेइ. प्रे० निर्मा० १८, ६;

उप्पिलावण. “ विथडेणुप्पिलावण ” दम०
६, ६७;

✓ उद् पाड. धा० II. (उत+पट्+णि)
डि५युं. उठाना; उठानेना. To take up;
to lift up.

उप्पाडेइ. नाया० ५; भग० १५, १; १६, ३;

उप्पाड. आ० पणह० १, १;

उप्पाडेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; भग० १५, १;

उप्पाडिउं. हे० कृ० मु० च० २, ६६५;

उप्पाडेमाण. भग० १६, ६,

✓ उद्-फण. धा० I. (उत+फण्) ३६-
अ५युं. उफनना. To whisk.
उप्पाणसु आया० २, १, ६, ३४.

✓ उद्-फिड. धा० I. (उत+फुट्) हे०
शाली आले आ५युं. इदं भासता मंडक
की चालसे चलना; उड्डल कर चलना. To
bound or leap; to move bound-
ing like a frog.

उप्फिडइ. उक्त० २७, ५;

उप्फिडित्ता. नाया० ८; पन्न० १६;

उप्फिडिउं. सं० कृ० मु० च० ५, १०६;

✓ उद्-वाह. धा० I. (उत+वाष्) अ५युं
पीडा इ३यी. प्रबल पीडा करना. To
give great trouble; to cause
intense affliction.

उब्बाहंति. आया० १, ७, ३, २१०;

उब्बाहिज्जा. विधि० दसा० ७, १;

उब्बाहे. वि० दम० ७, १;

उब्बाहिस्था. भू० नाया० २;

उब्बाहिजमाण. क० वा० व० कृ० नाया०
२; आया० १, ६, ८, १५६;

✓ उद्-भम. धा० II. (उत+भ्रम्) अ५युं;
अभयुं. भटकना. To wander; to
roam.

उत्भमेति. नाया० १७;

उत्भमे. विधि० आया० १: ८, ७, १०;

✓ उद्-भिन्द. धा० I. (उत+भिद्)
डि५युं; ने५युं. खोलना; तोड़ना. To
open; to break open; to break.

उडिभइ. नाया० ७;

उडिभदित्ता. सं० कृ० नाया० ७;

उडिभदिय. सं० कृ० निर्मा० १७, ७३;
दम० ५, १, ६६;

उडिभदमाण. आया० २, १, ७, ३८;

✓ उद्-मा. धा० I. (उत+मा) डे०
अ५युं; ने५युं. तोलना; मापना. To
weigh; to measure.

उम्मिणजइ. क० वा० अणुजो० १३३;

✓ उद्-मिस्स. धा० I. (उत+मिष्) आ५युं
डि५युं. आँख खोलना. To open the
eyes.

उम्मिमेज्जा. वि० भग० १४, १; १०;

✓ उद्-सुंच. धा० I. II. (उत+सुच्)
अ५युं; त५युं; भु५युं. छोड़ना; त्यागना.
To abandon; to release; to
give up.

उम्मयइ. भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

उम्मुच. आ० आया० १, ३, २, १११;

उम्मुइत्ता. नाया० ध० क० भग० ६, ३३;

१५, १; १६, ५;

✓उद्-मूल. धा० II. (उत्+मूल्) ७५-
मलमांथी उअउयुं. जड मूल से उखाड़ना.
To root out; to eradicate.

उम्मुलेइ. भग० १६, ६;

उम्मुलेमाण. भग० १६, ६;

✓उद्-लंघ. धा० I. (उत्+लंघ्) ओअययुं;
इइयुं. उलौघना; कूदना. To cross; to
leap across.

उल्लंघिज्ज. वि० पञ्च० ३६;

उल्लंघिआ. सं० कृ० दम० ५, १, २२;

उल्लंघित्तए. हे० कृ० भग० ३, ४; १४, ५;

✓उद्-लंछ. धा० I. (उत्+लंछ्) ओअययुं;
उधाउयुं; शीत तोड़युं. खोलना;
उघाड़ना; मोहर तोड़ना. To open; to
uncover; to break the seal.

उल्लंछइ. नाया० २;

उल्लंछित्ता. नाया० २;

✓उद्-लल. धा० I. (उत्+लल्) उअ-
ययुं; उल्ललना. To toss; to throw
up.

उल्ललेइ. प्रे० जं० प० ५, ११५;

उल्ललेमाण. प्रे० जं० प० ५, ११५;

अंत० ६, ३; राय० ३७;

✓उद्-लव. धा० I, II. (उत्+लप्) प्रलाप
करना; अभेतम ओअययुं; असंअध्य ओअययुं;
प्रलाप करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा
रहित बोलना. To prattle; to
speak irrelevantly.

उल्लवइ. उक्त० ११, २;

उल्लवंति. गच्छा० ६२;

उल्लवह. आ० सु० च० २, ४४४;

✓उद्-लिंच. धा० I. (*) उलेययुं.
उलीचना. To empty a vessel etc.
of the water contained in it; to
take out water in small quan-
tities until a vessel is empty.

उल्लिंचइ. पि० नि० ३६६;

✓उद्-लोल. धा० II. (उत्+लोल्) ओअययुं;
उल्लोलीना; मलना. To wipe; to rub; to knead.

उल्लोलेइ. आया० २, १५, १७६;

उल्लोलेज्ज. वि० निसी० ३, १६;

उल्लोलेज्जं. आया० २, १, ३, १७२;

✓उद्-वत्त. धा० I, II. (उत्+वृत्) उअ-
ययुं; उल्लवत्तना; अवधी अवाधीमे मर्दना
करना. उल्लवत्तना; अवधी अवाधीमे मर्दना करना. To
rub the body against the grain.
(२) अवधाय विधायी धर्मनी धृष्टी
स्थितानि लांभी करनी. अवधाय विधायी
कर्मका अल्प स्थिति का लंबा करना. to
lengthen the duration of
Karma by means of sinful
meditation. (३) नरकादि गतिमांथी
निकली थीउ गतिमां ७५ नरकादि गति
से निकलकर अन्य गति में जाना. to take
birth in another life after finish-
ing the life-period in hell.

उल्लवत्तेइ. नाया० २; प्रव० १५८;

उल्लवत्तेइ. निसी० १, ६; नाया० ४;

उल्लवत्तेति.

उल्लवत्तेति भग० १, १; १३, १; २०,

१०; ३२, १;

उद्वत्तन्ति. प्रव० ६३८;

उद्वट्टेज्. निर्या० ३, १६;

उद्वट्टिस्संति. भग० १; १;

उद्वट्टिसु. भू० भग० १, १;

उद्वट्टित्ता. सं० कृ० टा० ३, १; नाया०

२; १६; १६; उत्त० ८, १५;

भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १५,

१; १६, १; नाया०

ध० विवा० १; ७;

उद्वट्टेत्ता. सं० कृ० जावा० १;

उद्वत्तंते. व० कृ० पि० नि० ५७६;

उद्वट्टन्त. व० कृ० निर्या० १, १८; प्रव०

११८७;

उद्वट्टमाण. व० कृ० भग० १, ७;

उद्वत्तमाण. व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;

उद्वट्टावेह. प्र० विवा० ६;

उद्वत्तिजमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ३;

✓ उद्-वम. धा० I. (उन्+वम्) उ३टी
३२३. उलटी करना; के करना. To vomit.

उद्वमइ. सु० च० २, ५३६;

✓ उद्-वल. धा० I. (उन्+वल्) उ३टी
अनादीये पीडी आनादी ते. उलटे रूका
आरंभ पांठा ममलना. To rub a per-
fumed ointment on the body
against the grain.

उद्वलज्जा. विधि० आया० २, ११३. १७२;

उद्वलमाण. क० प० ७, ४०;

✓ उद्-वह. धा० I, II. (उन्+वह्)
निर्वाह ३२यो; आयाद थयुं. निर्वाह करना;
सुश हाल होना; आवाद हं ना. To sus-
tain; to support; to prosper.

उद्वहइ. राम० ३०; इसा० ६, १३; सु०

च० १, ३०;

उद्वहंति. जं० प० ५, ११४;

उद्वहंत. सु० च० १, १८३;

✓ उद्-वेह. धा० II. (उन्+वेह्) ३३३-

V. II / 30

७युं. लपेटना. The act of enclosing
or enwrapping.

उद्वेदिज्. आया० २, ३, २, १२१;

✓ उद्-द्विह. धा० I. (उन्+विह्) ६६५-
६७५. ३३ये ३३युं. ध्यान पूर्वक ऊंचा फेंकना.
To throw up or toss up care-
fully.

उद्विहइ-ति. नाया० ६, भग० ५, ६;

१८, ३; उवा० २, १०५;

उद्विहंति. भग० १६, १;

उद्विहामि. नाया० ८; उवा० २, १०१;

उद्विहित्ता. सं० कृ० भग० १८, ३;

उद्विहित्य. सं० कृ० पञ्च० १६; भग०

१३, ६;

उद्विहमाण. भग० १६, १;

✓ उद्-सक. धा० I, II. (उन्+स्वक्)
आयाद ४४युं. आगे बढ़ना. To proceed;
(२) ३३युं. ३२युं. ऊंचा करना. to
elevate.

उस्सकइ. पञ्च० १७;

उस्सकित्ता. सं० कृ० टा० ६, १;

उस्सकिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

✓ उद्-सप्प. धा० I. (उन्+सप्प) ३३५
आमल्ल वृद्धि पाना; बढ़ना. To grow;
to prosper.

उस्सप्पति. वेय० १, ४६;

✓ उद्-सव. धा० I, II. (उन्+स्व) ३३५
३३युं. ३२युं; ३३युं. ३२युं; ऊंचा फेंकना;
उचकना; ऊंचा करना. To lift up;
to toss up.

उसवेह. भग० ३, २;

उस्सवेह. कप्प० ६;

उसवेह. भग० ११, ११;

उसवेत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११;

उसविय. सं० कृ० सूय० २, २, ८;

उस्सवित्ता. दस० ५, १, ६७;

✓ उद्-सिंच. धा० II. (उत् + सिंच्)
 डलेयपुं; पाणी अहार कदापुं. उलेचना:
 पानी बाहर निकालना. To draw out
 water; to take out water.

उस्सिचइ. निसी० १८, ८;

उस्सिचजा. भग० ३, ३;

उस्सिचिया. दस० ५, १, ६७;

उस्सिचमाण. आया० २, १, ६, ३६;

✓ उद्-स्सस. धा० I. (उत् + श्चस्) श्वास
 लेपो. श्वास लेना. To breathe; to
 take breath.

ऊससंति. पज० ७; भग० ६, ३४;

ऊससमाण. भग० ६, ३४;

✓ उद्-हर. धा० I.II. (उत् + हृ) ह्रासपुं;
 उभ्यपुं. निकालना; उखाड़ना. To aban-
 don; to take out; to uproot.

उद्धरोसि. नाया० १;

उद्धरिमा. गच्छा० १;

उद्धरे. विधि० सूय० १, ८, १३;

उद्धरिउं. पंचा० १६;

उद्धरित्ता. उत्त० २३, ४६;

उद्धरंत. चउ० १६;

उद्. पुं० (उद्) सिंध देशमें थली उद्वा जल-
 नी भाण्डलीना आभरीनी जनावटनुं पञ्च.
 सिंध देश में होने वाली उद्वा जाति की
 मछली के चमड़े की बनावट का वस्त्र. A
 cloth made of the skin of a
 kind of fish produced in Sindh.
 आया० २, ५, १, १४६;

उद्दंडक. पुं० (उद्दण्डक) त्रिपि ६७३ करी
 आये ते; तापसनी अंड जल. दंड को ऊंचा
 करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति.
 One of a class of ascetics
 walking with a stick raised up.
 ओव० ३८;

उद्दंडग. पुं० (उद्दण्डक) त्रिपि “ उद्दंडक ”
 शब्द. देखो “ उद्दंडक ” शब्द. Vide
 “ उद्दंडक ” निर० ३, ३; भग० ११, ६;

उद्दंडपुर. पुं० (उद्दण्डपुर) उद्दंडपुर नामनुं
 अंड नगर. उद्दंडपुर नामक एक नगर.
 Name of a city. भग० १५, १;

उद्दंस. पुं० (उद्दंश) उद्दंस; अंड जलतो
 तेषंद्रिय अणु. दामक; एक प्रकार का तेषंद्रिय
 जाव. A kind of three sensed
 living being; a moth. (२) भांडक.
 खटमल. a bug. “ कंधुपिपिलि उद्दंसा ”
 उत्त० ३६, १३६; कप्प० ६, ४६; — अंड.
 पुं० (— अण्ड) मधुसाभ अथवा भांडनुं
 छिंडा. मधुमक्का या खटमल का अंड. an
 egg of a bee or a bug. कप्प० ६,
 ४६;

उद्दंसगा. स्त्री० (उद्दंशका) त्रिपि “ उद्दंस ”
 शब्द. देखो “ उद्दंस ” शब्द. Vide
 “ उद्दंस ” पज० १;

उद्दंड. पुं० (उद्दण्ड) रत्नप्रभा पृथ्वीना
 सीमन्तकप्रभ नामे पूर्व नरका आबलीका-
 अंध नरकावासाथी २० भा नरकावासानुं
 नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक
 पूर्व की ओर के आबलीकावन्ध नरकावास में
 २० वें नरकावास का नाम. Name of
 the 20th hell-abode in a
 series of such in the east
 (styled Simantaka Prabha)
 belonging to the Ratna-Prab-
 hā earth डा० ५, ६, ३;

उद्दंडमज्जिम. पुं० (उद्दण्डमध्यम) रत्न-
 प्रभा पृथ्वीना सीमन्तकप्रभ नामे उत्तर
 आबलीकावन्ध नरकावासाथी २० भा नरका-
 वासानुं नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ
 नामक आबलीकावन्ध नरकावास में २० वें
 नरकावास का नाम. Name of the

20th hell-abode in the northern series of such (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth.

ठा० ६, १;

उद्भावन. पुं० (उद्भावन) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आतन्द्रिकायं नरकावासाथी २० मे नरकावासे. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम को ओर के आबलिकावन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Avarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth.

ठा० ६, १;

उद्भावासट्ट. पुं० (उद्भावासट्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तकावर्त नामे पश्चिम आतन्द्रिकायं नरकावासाथी २० मे नरकावासे. रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम को ओर के आबलिकावन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such in the west (styled Simantaka Avarta) belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा० ६, १;

उद्धारि. त्रि० (उद्धार) दुर्भरूपी शत्रुने जितवाने भगवत् श्रेयं कर्मरूप शत्रु को जितने के लिये आभमान करने वाला. (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma. गेदा० १४;

उद्दवण. न० (उपद्रवण) मारतुं; घात करने; उपद्रव; मरणांत कष्ट. Beating; killing; trouble; life-long misery.

“ उद्दवणं पुण जाणामु अद्दवाय विवज्जियं पाडं ” पि० नि० ६७; ओव० २०; जं० प० पगह० १, १;

उद्दवणा. स्त्री० (उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव करने. Giving trouble or annoyance to. पगह० १, १;

उद्दवित्ता. त्रि० (उपद्रवित्ता) उपद्रव करनेवाला; दुःख देने वाला. (One) who troubles or annoys; (one) who beats or kills. आया० १, २, १, ६६;

उद्दविय. त्रि० (उपद्रुत) डरावेला; उद्देश्य भयित. डरेगा पाया हुआ; डराया हुआ. Frightened; troubled; distracted. आया० ४, ३;

उद्दविया. स्त्री० (उपद्रविका) मरती. रोग, बीमारी. Plague. भग० १६, ३;

उद्दवेयव्व. त्रि० (उपद्रवयितव्य) उपद्रव करने योग्य; घात करने योग्य. (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. “ अद्दणं उद्दवेयव्वा अणं उद्दवेयव्वा ” सूय० २, १, ४८; आया० १, ४, १, १२६;

उद्दहक. पुं० (उद्दाहक) अटवी पगेरेने दाद करने. बन वगैरह को जलाने वाला. One setting fire to; one causing forest conflagration etc. पगह० १, ३;

उद्दाइ. अ० (उताहो) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. नाथा० १;

उद्दाम. त्रि० (उद्दाम) उद्धत; स्वच्छंद. Insolent; self-willed. पगह० १, ३; अणुजो० २१;

उद्दामियघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) घंटाथी युक्त. घंटासे युक्त. Furnished with, united with a bell. विवा० २:

उद्दाल. पुं० (अवदाल) ओ नामनुं ओड नामनुं अड. इस नाम का एक जाति का वृक्ष. Name of a kind of tree. जं० प० भग० ६, ७: (२) रैती वगैरेतो पौत्रो-द्विषो थर के गेना उपर पथ भुक्तां पथ नीचि गय ते. रैता वगैरह का ढाला थर जियार कि पैर रखने से पैर घुस जाय. a soft heap or layer of sand etc. which gives way as soon as it is trodden by foot राय० १६२: नाया० १: भग० ११, ११, जीवा० ३, ४: कण० ३, ३२:

उद्दालक. पुं० (उद्दालक) ओड नामनुं वृक्ष. एक जाति का वृक्ष. A kind of tree जीवा० ३, ३:

उद्दावण्या. स्त्री० (उद्दावण्या) उपद्रव करेवा: त्रास आपणे. उद्दाव करना: त्रास देना. Harassing: troubling: terrifying. भग० ३, ३: ६:

उद्दाह. पुं० (उद्दाह) मोठो दाद. बड़ा भारी दाद. Great conflagration. श्र० १०:

उद्दिष्ट. त्रि० (उद्दिष्ट) सामान्यपणे उद्देश करेव-करेव: प्रदिष्टादन करेव. सामान्य रीति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ. Generally pointed out: explained. वय० ४, २८: विशं० १७६: निर्मा० ६, २०: पंचा० १०, ३: प्रव० १२६६: (२) साधुने उद्देशी अनावेव आदरादि, साधु के उद्देश में बनाया हुआ आहार वगैरह. (food etc.) specially prepared for an ascetic. पण० २, ५: पिं० नि० २०८: (३) अभावस्था. अभावस; अभावस्था. the

15th day of the dark-half of a month. दसा० ६, २: भग० २, ५: ३, ३: नाया० २: —कड. त्रि० न० (—कृत) साधु आदिने उद्देशीने करेव. साधु आदि के उद्देश से किया हुआ. (food etc.) specially prepared for a monk. “ उद्दिष्टकडभत्तं विवज्जति किमुपमे समारंभे ” पंचा० १०, ३२. —कय. त्रि० (—कृत) उद्देशीने करेव. उद्देशकर किया हुआ. prepared specially for. प्रव० १००२. —भत्त. पुं० (—भक्त) साधुने उद्देशीने अनावेव भोजन. साधु के उद्देश में बनाया हुआ भोजन. food prepared specially for an ascetic. सूय० २, ६, ३७: दगा० ६, २: —भत्तपरिगणाश्च य. त्रि० (—भक्तपरिगत) दशमी पडिमा आदर-नार आरव के गे इस भास सुदी उद्दिष्ट भक्त भान ओटसे भानने उद्देशी करेव भान पाणीने त्रास करे. दसवीं प्रतिमा ग्रहण करनेवाला आरव जो कि दस मास तक अपने लिये बनाये हुए भोजन वगैरह ग्रहण न करने का प्रतिज्ञा करता है (a Jaina layman) practising the 10th vow of a Śrāvaka i. e. not taking food and water specially meant for him. सम० ११: उद्दिष्टा. स्त्री० (उद्दिष्ट) अभावस्था: अभावस. अभावस; अभावस्था. The 15th day of the dark-half of a month. राय० २१५: जीवा० ३, ४: नाया० ६:

उद्देश. पुं० (उद्देश) सामान्य आदेश: सामान्य कथन. सामान्य आदेश: सामान्य कथन. General mention; (२) ओथ; शिआमण. शिक्षा; उपदेश. advice: expostulation. अणुजो० २: आया०

१, २, ३, ८१; भग० २, २; ५; पंचा० ५, ३१; (३) क्षेत्र का विभाग. क्षेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. वेद्य० ३, १५; (४) अध्ययन के शतकने अेक पेठा विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Sataka. उत्त० ३१, १७; विशेष० ६७५;

उद्देश-य. पुं० (उद्देशक) अध्ययन के शतकने अेक विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक विभाग. A sub-division of or a portion of a chapter or of a Sataka. भग० ३, ८; ७, ८; ६, ३; निर्गो० ६, १२;

उद्देशम. पुं० (उद्देशक) दुयो उपदेा शब्द देसों ऊपर का शब्द. Vide above. अगुतो० १४६; भग० २१, ४; २३, ५; ३१, ६;

उद्देशण. न० (उद्देशन) अंगमूत्र आदिनु पठन करने ते. अंगमूत्र आदि का पठन करना. The study of Aṅga Sūtra, etc. डा० ३; आच० ८, ७; —अनेवासि. त्रि० (-अनेवामिन्) नेते सूत्र मूत्रपाठे अणु-पठामे अणु पठने ते शिष्य. जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras डा० ४, ३; वच० १०, १५; —आयरिय. पुं० (-आचर्य) आचारंगदि सूत्र, मूत्र पाठे अणुपठनार. आचारंग आदि सूत्रों का मूल पाठ पढाने वाला one who teaches Aṅga and other Sūtras in the original. वच० १०, १३; १४; डा० ४, ३; —काल. पुं० (-काल) वर्ष अध्ययन के शतकने अेक विभाग; उद्देशे.

वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग; उद्देश. a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka. नदी० ४५; सम० ३७; पगह० २, ५; सम० प० १६६;

उद्देशिय. न० (उद्देशिक) अेक साधुने उद्देशी अनापेव आदारादि भीज्जोने पणु न अपे अेवो पण्डित अने छेला तीर्थकरना साधुअेना ३६५. एक साधु को उद्देश कर बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का व्यवहार-आचार. The tenet of the Sādhus of the first and the last Tirthankaras that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sādhus. प्रव० ६५६; (२) अभुक्त साधुने उद्देशीने निपन्नवेनु आदर पाणी; उद्देश देय वानु. व्याकृतन साधु के लिये किया हुआ अन्न जल; उद्देश दान युक्त. (food, water etc.) specially prepared for a particular Sādhu. गम० २१; वेद्य० २, १९; दग० ३, २; ६, ४६; पिं० नि० ६२; २२६; भग० ६, २३; निर्गो० ५, ६३; आच० ४०; प्रव० ५७१; नाया० १; उत्त० २०, ४७;

उद्देहगण. पुं० (उद्देहगण) अे नामने मदावीर स्वामीने अेक गणु; नय गणुअेना अेक मदावीर स्वामी के एक गण का नाम; नौ गणों में का एक गण. Name of an order of saints instituted by Mahāvira Svāmī; one of the nine such orders. “उद्देहगण चारण गणे” डा० ६, १; कण० ८;

उद्देहिआ-या. स्त्री० (उद्देहिका) उद्देहि; त्र्यु
ध्रियवालो ७५ विशेष. दीमक; तीन
इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष. A moth;
a kind of three-sensed living
being पत्र० १; उत्त० ३६, १३६; श्रौष०
नि० ३२६,

उद्देहिगा. स्त्री० (उद्देहिका) उद्देहि. दीमक.
A moth. पि० नि० भा० ६८;

उद्ध. त्रि० (ऊर्ध्व) ऊँचु. ऊँचा. High;
lofty; tall. भग० १, १; ६; २, ६; ७,
१; सू० प० ४; जं० प० ५, ११३; २,
३१; ७, १३६; —घणभवन. न०
(- घनभवन) ऊँचा अथवा आंतरा यशरता
व्येष्टव्येष्ट रहता घर. अंतर रहित-परस्पर
में मिले हुए ऊँचे घर. lofty houses
close to each other with-
out any interval of space.
भग० ६, ३३; —चलणवंध. पुं० (- चरण
बन्ध) ऊँचि पक्ष आधिया रूप शरीर. ६७५.
पैरों का ऊपर करके बांध देने रूप शरीर

a bodily austerity con-
sisting in remaining with the
head downwards and with the
feet tied to something above.
पगह० १, ३; —टिआ. त्रि० (- स्थित)
ऊपर बैठे. ऊपर बैठा हुआ. remain-
ing, sitting above. सु० च० ३, ३०;
—पूरित-य. त्रि० (- पूरित) ऊँची भाग;
नाभिनी उपरता आसथी बरेलो भाग.

ऊँची भाग; नाभि में ऊपर का आग में भरा
हुआ भाग. the part above the
navel which is filled with air
in respiration पगह० १, ३; —मुह.
न० (- मुख) ऊँचु. मोहू. ऊँचा मुह.
face turned upwards- नाया० ८;
जं० प० ७, १६२; —रेणु. स्त्री० (- रेणु)

७७ओ “उद्ध रेणु” श०६. देखो “उद्ध-रेणु”
शब्द. vido “उद्ध-रेणु” जं० प० २, १६;

उद्धसणा. स्त्री० (* उद्धसना) तिरस्कारी
व्यक्त. तिरस्कार युक्त बचन. Contemp-
tuous words. “ उच्चावयाहि उद्ध-
सणाहि उद्धसेइ ” नाया० १६; भग० १५,
१; राय० २६६; (२) निन्दा. निन्दा:
बुगई. blame; censure. श्रौष० नि०
भा० ३८;

उद्धट्ट. सं० कृ० अ० (उद्धत्य) ऊँचु. उरीने.
ऊँचा करके. Having raised aloft.
“ पादुद्धट्टु मुद्धि पहायति ” सूय० १, ४;
२, २; दसा० ६, २; वव० २, २७;

उद्धडा. स्त्री० (उद्धता) गृहस्थ भोजन
भाटे संभ्रवाता वासजभांथी भोजन वासज-
भां कटयुं देय ते (भिक्षा लेवी ते: त्रीश
पिण्डपञ्चा. गृहस्थने अपने लिये, रमोई
वनान के बर्तनमें ये दूसरे बर्तन में निकाल
कर जो अन्न रखा हो उसकी भिक्षा लेना:
तामरा पिण्डपञ्चा. Begging of that
food only which a householder
has served for himself, in a
dish from the cooking vessel;
the third way of receiving or
begging food: viz Pindaisanā.
प्रब० ७४६;

उद्धत त्रि० (उद्धत) ऊँचु; उद्धट्ट. ऊँचा;
उद्धट्ट. ताम्र. High; lofty; strong.
नाया० १; जं० प० २, ३०; (२) उद्धत:
स्वेच्छाचारी. उद्धत: स्वेच्छाचारी. insom-
lent; wanton; self-willed. कप०
७, ३६; —तमंधकार. पुं० (- तमोन्धकार)
अतिशय गाढ़ अन्धारा. अतिशय अन्धकार.
dense darkness. पगह० १, ३;

उद्धत्त. सं० कृ० अ० (उद्धत्य) ऊँची उरीने.

ऊंचा करके. Having raised aloft.

स्य० १, ४, १, ३;

उद्धृत्तुं. श्र० (उद्धृत्तुम्) तारवाने; उध्वार करवाने. उद्धार करने के लिये; तारने के लिये. In order to save; in order to raise up. उत्त० २५, ३३;

उद्धमंत. त्रि० (उद्धमयमान) धूमने; शंखादि झुंझने. शंखादि फुंकना हुआ. धौंकना हुआ. Blowing; e. g. a conch etc. “ उद्धमन्ताणं संखाणं सिंहाणं ”

राय० ८८;

उद्धमाण. न० (उद्धमान) शंख आदि बजाते. शंखादि को मूँह से बजाता हुआ. Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth.

राय० ८८;

उद्धममाण. त्रि० (उद्धमयमान उत्पाद्यमान) उत्पाद्यमान; उत्पन्न होता. उत्पन्न होता हुआ. Being produced; being created. “ वाउवेग उद्धममाणश्चात्मा पिवास पाया ” पण्ह० १, ३;

उद्धया. स्त्री० (उद्धता) देवता की गति विशेष. देवता की गति विशेष. A particular kind of gait possessed by gods. राय० २६; भग० ५, ४; ११, १०;

उद्धरण. न० (उद्धरण) खेंडी आदि; खेंडी आदि. खेंचकर निकालना; बाहर निकालना. To draw out; to uproot. श्रौष० नि० ७६२; प्रव० ७६८;

उद्धरिय. त्रि० (उद्धृत) खेंडी आदि; खेंडी आदि. खेंचकर निकालना; बाहर निकालना. Rooted out; eradicated. “ फलेह बिंसभक्खिणं साओ उद्धरिया कहं ” उत्त० २३, ४५; प्रव० २२७; ७४८, (६) धारण करे. धारण किया

हुआ. put on. दसा० १०, ३, क० गं० ४, ७८; —सल्ल. त्रि० (—शल्ल) खेंडी शल्ल आदी नापेय छे ते. जिसने शल्ल निकाल डाला है वह. (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया० १; —सेय-ल्लत्त. न० (—सेनल्लत्त) धर्यु छे गेला उपर धर्यु छे ते. जिस के ऊपर सेनल्लत्त लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा० १०, ३;

उद्धाइय. त्रि० (उद्धावित) देरी आवेस; उतावली आवेस. दौड़कर आया हुआ; शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste; come running. उत्त० १२, १६;

उद्धायमाण. त्रि० (उद्धावन्) दौड़ने; दौड़ने. दौड़ता हुआ; कूदता हुआ. Running; leaping. श्रौव० २१; नाया० १;

उद्धायमाणग. त्रि० (उद्धावन्+क) ओथो उपरी शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पण्ह० १, २;

उद्धार. पुं० (उद्धार) गोशाला भतने अनुसार श्रवणप्रमाणविशेष. गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष. A particular measure of time according to the tenet of Gosālā. भग० १५; १; क० गं० २, २७; —पलिश्रोवम. पुं० (—पल्लोपम) श्रवणप्रमाण विशेष; ओष्ठ सागरैःपभतो दश आदिदिशि भाग. कालप्रमाण विशेष; एक मासोपमका दस कोडाकोडिवाँ हिस्सा. a particular measure of time;

$\frac{1}{10 \times 10^6 \times 10^6}$ of one Sā-

garopama “ से कितं उद्धार पलिश्रोवमे १ दृविहे पज्जेते ” अणुजो० १३६; —पल्ल.

च० (-पल्य) ऐक गेज्जन्ता कुवामां हांसीने
 लरेद आवाग्रभाथी समये समये ऐक
 आवाग्र अपहरतां जेटवा वयनमां कुवे
 आली थाय तेटवा वयन. एक योजन के
 कुणमें ठांस ठांस कर भरे हुए बालग्र में से
 समय समयमें एक एक बालग्र निकालने पर
 जितने काल में कुआ खाली हो उतना काल
 a well one 'Yojana' i. e. 8
 miles square is to be filled with
 thin points of hair and at every
 Samaya (i. e. unit of time) one
 hair-point is to be taken out;
 the time taken to empty the
 the well is Uddhārapalya. प्रव०
 १०३५; —पल्लग. न० (पल्यक) ज्ञेयो
 “उद्धारपल्ल” शब्द. देखो “उद्धारपल्ल”
 शब्द. vide “उद्धारपल्ल” प्रव० १०३८;
 —समय. पुं० (-समय) अही सागरो-
 पमना समयतो समुद्र; अही सागरोपममां
 जेटवा समय थाय तेटवा समयना
 जेटथानी उद्धार संजा छे; उद्धार समय
 जेटवा त्रिच्छा लोकना द्वीप अंत समुद्र
 छे. अटार्ई सागरोपम काल प्रमाण में
 जितने समय है उन समयों के समूह का
 नाम ‘उद्धार’ है; उद्धार में जितने समय
 हैं उतने ही त्रिच्छालोक के द्वीप और समुद्र
 हैं. the number of Samayas
 (time units) contained in
 2½ Sāgaropamas; the number
 of continents and oceans of
 Trichhā Loka is equal to the
 number of Samayas in 2½
 Sāgaropamas. (Samaya = an
 instant) भग० ६, ६; अणुजो० १३६;
 —सागरोचय. पुं० (-सागरोपम-उद्धार
 विषयंतत्प्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरो-

पमः) दश कोटिकोटि पल्योपम प्रमाण काल
 विशेष. दश कोटिकोटि पल्योपम प्रमाण
 काल विशेष. a division of time
 equal to 10xerorexerore Palyo-
 pama. ज० १; अणुजो० १३६;

उद्धि. स्त्री० (उद्धि) गाडनी धिं. गाडी
 की जुडी. A particular part of a
 carriage (the part which rests
 on the axles). मृ० प० १०;

उद्धिय. त्रि० (उद्धृत) उद्धी नाम्नेयः देश
 आदर इरेय. उखाडा हुआ; देश बाहर
 किया हुआ. Rooted out; banished
 from the country. आव० महा० प०
 ३६; जं० प० ३, ६६; —कण्टक. त्रि०
 (-कण्टक—उतधृता स्वदेशव्यांगन जीवित-
 व्याजनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धृत कण्टकम्)
 देश आदर इरेय छे प्रतिस्पर्धी जेटे
 ते. जितने प्रतिस्पर्धी को देश बाहर
 किया है वह (one) who has
 banished or deported his
 enemies. राय० श्रव० —पय न०
 (-पद) उद्धार इरेय पद-शब्द. उद्धार किया
 हुआ पद-शब्द. an extracted or
 quoted-word. प्रव० ८३५; —मुह. त्रि०
 (-मुख) उद्धु इरेय छे मोटुं जेटे.
 जितने ऊंचा मुख किया है वह. (one)
 who has raised his face up-
 wards. चं० प० ६; —सत्तु. पुं०
 (-शत्रु—उद्धृताः शत्रवस्सुदुद्धृतशत्रुः)
 देश निरादर इरेय जेटेय देशी. देशमें निकाला
 हुआ गोत्रज शत्रु. an enemy who
 has been banished or deport-
 ed. श्रव० राय०

उद्धी. स्त्री० (उद्धी) ये पयना आग्रवा
 इण्णा पसे पसे राभी पेनीने विस्तारी
 पड़ेली राभी काउग्रय करेवे ते; काउ-

सम्भवा १८ दोशभांति ओ३. कायोत्सर्गके १६ दोषोमे का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों को पास पास रख और एड़ीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे. Practising Kausagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart; one of the 19 faults connected with Kausagga. प्रव० २१७;

उद्धीमुह. त्रि० (उर्ध्वमुख) त्रि० भेदुं छे ननु ते; अथ भेदावाधुं. ऊचे मुह वाला. (One) with the face turned upwards. “ उद्धीमुहकलवु- ता पुक्कग संठाण संठिया ” सं० प० ४; जं० प० ७. १३४;

उद्धुमाय. त्रि० (*) परिपूर्ण; भरेल. परिपूर्ण; भरा हुआ. Full; filled to the brim. नदीस्थ० गा० १३;

उद्धुय. त्रि० (उद्धृत) उधे ईशायैत; उधे ईशैत. ऊंचा फेंकाया हुआ. Tossed up; flung up. ‘ वाउद्धुय विजय वेजयंती ’ आ० जं० ३, १; पञ्च० २; (२) उद्धट; प्रकृष्ट. उत्कट; प्रकृष्ट. strong; powerful. सम० प० २१०; नाया० २; (३) उत्पन्न थयेत; उद्धैत. उत्पन्न; उठा हुआ. produced; risen up; got up. आ० सू० प० २०; कप्प० ३, ३२;

उद्धुया. त्रि० (उद्धृता) अशमां उद्धृता जेही त्वरित गति. आकाश में उडती हुई धूल के समान श्रांति गति. Speedy gait like the motion of dust-clouds in the sky. राय०

उद्धुवमाण. त्रि० (उद्धूयमान) धिन्नुं. पंखा किया हुआ. Being fanned. जं० प० नाया० १६; भग० ७. ६; ६, ३३; आ० २१;

उद्धुस्सित. त्रि० (ऊर्ध्वोच्छ्रित) उधे विस्तृत. ऊंचाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards. “ से जायण णवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हेठसहस्सेमं ” सूय० १, ३. १०;

उद्धुय. त्रि० (उद्धृत) दासिणुं; कपेणुं. हला हुआ; कंवा हुआ. Shaken; trembled. आ० ३१; जं० प० राय० ६६; पञ्च० २; कप्प० २, २७;

उन्नय. त्रि० (उन्नत) उन्नत; मानकपायना पर्याय. उन्नत; मानकपाय की पर्याय. Lofty; high; a synonym for the moral filth called conceit. सम० ५२; आ० नि० ४८६; आया० १, ५, ४, १४७; कप्प० ३, ३२;

उन्नइय. त्रि० (उन्नतिक) उन्नतिपाधुं. उन्नति वाला. Lofty; high. जं० ३, १;

उन्नमंत. त्रि० (उन्नमत्) तस्सुं ३ आ० भांति आरा उपात्तो. घांस या लकड़ी का भार उठाता हुआ. (One) who carries bundles of sticks or grass. सूय० २, २, ५७;

उन्नयावत्त. पुं० (उन्नतावर्त) उधे यत्तुं आ० वर्त-वटोलीओ. ऊंचाई में चढा हुआ धूल का चक्कर. A whirlwind; a winding. (२) पर्वत उपर जेतो इरतो मार्ग. पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग. a circuitous road on a mountain. ठा० ४, ४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

v. 11/31.

उन्नाम. पुं० (उन्नाम) मान कपायने।
भयान्. मान कपाय का पर्याय. A
synonym for the moral impu-
rity called conceit. सम० १२;

उन्नामिअ. त्रि० (उन्नामित) अभुङ्क नामथी
प्रसिद्धि पाभेत्त. अमुक नामसे प्रसिद्धि
पाया हुआ. Famed by a certain
name; known by a particular
name. अणुजो० १३१;

उन्निक्खमअ. त्रि० (उन्निक्कामन्) दीक्षान्त
त्याग करने. दीक्षा का त्याग करना हुआ.
(One) abandoning Dikṣā i. e.
asceticism. विशेष० १२६१;

उन्निय. त्रि० (औन्निक) जिनजुं अनेधुं;
दायलो वजरे. जिली वस्तु इन्धन आदि.
Woollen; made of wool. प्रव०
५१४.

उन्नुपित. त्रि० (*) बीजुं श्येत्त;
बीजुं; भीजा हुआ. Wet; damp.
पगढ़० १, ३;

उपवस. पुं० (उपदेश) उपदेश. उपदेश.
Advice; exhortation. पंचा० २,
३६;

उपआंग. पुं० (उपयोग) उपयोग; ध्यान.
उपयोग; ध्यान. Carefulness; atten-
tiveness. नाया० १६;

उपट्ट. पुं० (उत्पट्ट) शजुना वस्त्र वजुनार;
पटावीयो. मन के वस्त्र बनाने वाला. A
weaver of jute cloth. अणुजो०
१३१;

उपणय. पुं० (उपनय) उदाहरण् आपी
साध्य अने साधनतो संबंध भेदवयो ते.
उदाहरण देकर साध्य और साधनका संबंध

मिलाना. Establishing a logical
conclusion by giving an apt
illustration. नाया० ६;

उपसेइत्ता. सं० कृ० अ० (उपनीय) पास
वह लेने. समीप में लेजाकर. Having
taken or carried in the vicinity
of. नाया० २;

उपदंसइत्ता. सं० कृ० अ० (उपदर्श्य) देखा-
इने. दिखलाकर. Having shown or
pointed out. भग० १६, २;

उपप्पुअ. त्रि० (उपप्लुत) बीजुं श्येत्त;
पतली श्येत्त. भीजा हुआ. Wet; damp;
soaked. अणुजो० १३०; जीवा० ३, १;

उपयुत्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयुक्त; उपयोग
अर्हित. उपयुक्त; उपयोग गहित. Care-
ful; attentive; (one) possessed
of carefulness. नाया० १६;

✓ **उप लभ** धा० I (उपलभ) आदेश
देना. उलाहना देना. To taunt; to
blame.

उपलंभयि भग० १४, १;

उपलब्ध. सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८;

✓ **उप-ल्लिप्.** धा० I, II. (उपल्लिप्)
मोहं अंध करी उपर लेप मारवो. मुह बंद
करके ऊपर लेप लगाना. To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance.

उपल्लिपंति. नाया० ७;

उपविट्ठ. त्रि० (उपविष्ट) बैठा हुआ.
Sit; seated. क० गं० १, ११;

✓ **उप-विस.** धा० I. (उपविश) बैसजुं.
बैठना. To sit.

उपविसद्. सु० न० ३, २२२;

उपविसिय. सं० कृ० सु० च० १, २४७;

उपसंकमिच्छु सं० कृ० अ० (उपसंक्रम्य)
पासे गठने समीप जाकर. Having
approached. “ उपसंकमिच्छु वृषा-आउ-
सम समणा ” आया० २, १, ३, १२;

उपसंत. पुं० (उपशान्त) श्रवत देवता
वर्तमान वेदीश्रीना १५ मां तीर्थक्षेत्रं नाम.
श्रवत क्षेत्र के वर्तमान चोर्वागा के १५ वे तीर्थ-
कर का नाम. Name of the 15th
Tirthakara of Travataksetra
in the present Chovisi (i. e.
cycle) प्रव० २६६;

उपसंपया. स्त्री० (उपसंपन) जगत्प्रदत्ते माटे
भीम गुरुता आश्रय देया ते जानादिक
के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लना. Re-
sorting to, going to another
preceptor in order to acquire
knowledge etc. पंचा० १२, ३;

✓ **उपहस** घा० I. (उपहस्) उपहास
करने; हस्युं. उपहास करना; हेमना. To
laugh at; to mock at; to ridi-
cule.

उपसंज्ञ. त्रि० दशा० ६, ७;

उपहाग. न० (उपधान) तप विधेय. एक
प्रकार का तप. A particular kind of
austerity. शा० २, ३; — **पडिमा.**
स्त्री० (प्रतिमा) उपधान तपनी पडिमा -
प्रतिमा; आर गिरुनी अने व्यर्थवार
अपकती पडिमा. उपधान तपकी प्रतिमा;
मायु की वारह और आवक की ग्यारह
प्रतिमा. the vow of the austerity
known as Upadhāna e. g. 12
vows of an ascetic and 11 of a
layman. शा० २, ३;

उपाय. पुं० (उपाय) उपाय; दान्य. उपाय;

कारण. (Cause; means; remedy.
नाया० १६;

उपायश्रो. अ० (उपायतम्) युक्तिशी; उपाय-
शी. युक्ति मे; उपाय मे. Skilfully; by
some means. उत्त० २३, ६१;

उपालब्ध. त्रि० (उपालब्ध) उपेक्ष अपायेव.
उपालेभ दिया हुआ. Blamed; rebuk-
ed; reproached. पि० नि० १२५;

✓ **उ पील.** घा० II. (अघ+पीड) पीडा
करने; पीड्युं. दुःख देना; पीडा करना. To
give pain to; to afflict.

उवीलेति. त्रि० ३, ४;

उवीलेमाण. नाया० १८;

उपेक्षा. स्त्री० (उपेक्षा) शुभ योगनी प्रवृत्ति
अने अशुभ योगनी निवृत्तिमां भेदभार
देवने ते. शुभ योगकी प्रवृत्ति और
अशुभ योग की निवृत्ति मे बेपरवाई रहना.
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad; negligence.
गम० १७;

उपपद-य. त्रि० (उपपत्ति) संयम
देनी वचने गिरुनी परे उठेव; संयमने
अये अथाने अठेव-इदं अठेव. संयम
लेने समय सिद्ध के समान उठा हुआ;
संयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ.
(One) who has ascended like
a lion to the high pedestal
of asceticism. आया० १, ६: ३,
१२२; (२) उपर आवेव; उपग्रेव.
उपन्न horn; produced. उत्त० २,
३२; (३) अये उठेव; उठेव. उंचा
उठलता हुआ; उठा हुआ. leapt up;
flown up. नाया० १६; भग० ३, २;
उवा० ३, १३८;

उपपद्या. ब्रौ० (श्रौतपातिकी) गेथी अज-
दीहुं अजुसांभदयुं तर्कथी सुण आवे
नेवी बुद्धि; तर्क बुद्धि; दागरगपाथी-
उत्पातकी बुद्धि; चार बुद्धिमांती जेष्ठ.
ऐसी बुद्धि जिमसे बिना देखा सुना केवल
तर्कमे ही समझ में आजाय; तर्क बुद्धि; चार
बुद्धियों में मे एक प्रकार का बुद्धि. One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness; quickness of
perception. डा० ४, ४;

उत्पकडा. खी० (उत्प्रकटा = उत्प्रावर्त्येन
प्रकटा प्रस्तुतवेति) यावु कथा. चालू कथा.
The narrative which forms
the actual, present subject-
matter. भग० १८, ७.

उष्णड. पु० (उष्णट) त्रैशुद्रिय ७५-
विशेष. त्रैशुद्रिय जीव विशेष A kind
of three-sensed living being.
पृष्ठ० १;

उत्पन्न। त्रि० (उत्पन्न) उत्पन्न थयेतः
 उपन्नेतुः उत्पन्न. Born; produced.
 श्रगुजो० ४२: श्रोत्र० ३८: पञ्च० ११:
 दस० ५, १, ६६; भग० १, ४; १३,
 ६; नाया० १; दसा० ७, १; जं० प०
 ३, ४५; ५, ११२: ३, ६७: ५, ११५;
 —कोउहल. त्रि० (—कुहल) उत्पन्न
 उत्पन्नप्राप्त्युत्पन्न थयेत छ ते. जिम में
 उत्पन्नता उत्पन्न हुई है वह. (one)
 in whom curiosity is engendered. मू० प० १; —ज्ञानदर्शनधर.
 त्रि० (—ज्ञानदर्शनधर) उत्पन्न थयेत
 ज्ञान दर्शनप्राप्त. जिम में ज्ञानदर्शन उत्पन्न
 हुए हैं वह. (one) in whom
 right knowledge and right
 faith have been engendered.
 समणे भवन् महावीरे उपाशयाणादंसल

धरे ” भग० १, १: ८, २: — **एकस्व.** पु०
(—पक्ष) उत्पन्न पक्षः उत्पाद-उत्पत्ति पक्षः
उत्पन्न पक्ष. coming into existence.
भग० १, १: — **संशय** त्रि० (-संशय)
उत्पन्न श्चयेन छे संशय न्हेने ते. जिसे
संशय उत्पन्न हुआ है वह. (one)
in whom doubt is engendered.
सू० प० राय०

उत्पत्तिश्च० (उत्पत्ति) उभे अर्थे;
 आकाश तर्क्ष गति इत्येव उक्ता चडा
 हुआ; आकाशकी ओर गमन किया हुआ.
 Risen up; flown up; gone
 upwards. उक्त० ६, ६०;

उत्पत्ति. स्त्री० (उत्पत्ति) उत्पत्तिः आवि-
र्भावः प्रगटीकरणं. उत्पत्तिः प्रगट होनाः
आविर्भाव. Creation; production;
manifestation. श्रव० ४३; नाय०
१; विशे० ११८२; पि० १।० ४०३;
अणुज्ञे० १३०; भक्त० १५; प्रव० ४१;

उत्पत्तिया-आ. छां० (आपत्तिर्का) तद्
शुद्धि. नर्कः बुद्धि. Power of imagi-
nation; intellect capable of
high imagination. “ उत्पत्तिया
वेण्ड्या कश्मिया परिणामिया ” राय०
२०६; नंदा० २६; नाथा० १; दः भग० १२,
५; १५; २; निर० १, १; विवा० १०;

उपविना. सं० क० अ० (उपत्य) विप-
 दीतः विप० यदीतः ऊवा नद का.
 Having mounted up; having
 flown up; ज० प०

उपपन्न. त्रि० (उपपन्न) ज्योति० “उपपत्त्य”
शब्द. देखो “उपपत्त्य” शब्द. Vide
“उपपत्त्य” भग० २, १; ५, ६; सु०
च० २, २६८; उपा० ६, १८७; प्र०
१११५; —कोउडस. त्रि० (-कुतुहल)
ज्योति० “उपपत्त्य कोउडल” शब्द.

देखो “उत्पयण कोउहल” शब्द. vide
 “उत्पयण कोउहल” नाया० १; —संसय.
 पुं० (—संशय) जुओ “उत्पयण संसय”
 शब्द. देखो “उत्पयण संसय” शब्द.
 vide “उत्पयण संसय” नाया० १;
 —सङ्ग. त्रि० (—श्रद्धा) उत्पन्न थल छे
 श्रद्धा जेने. जिसे श्रद्धा उत्पल हुई है वह.
 (one) in whom faith is engen-
 dered or begotten. नाया० १;
 भग० १, १;

उत्पय. पुं० (उत्पात) उंचे कुदपुं ते: नीचेथी
 उपर कुदका भारवे। ते. नीचेमे उपर कूदना
 उछालुमारना. leaping up; jump-
 ing. जं० प० राय० ६५; विशेष० ८६४:
 —खिवय. पुं० (—निपान) यः उत्तर
 करी: अंक गतनुं नाटक. चढना उतरना;
 एक प्रकार का नाटक. ascending and
 descending; a kind of drama.
 “उत्पयखिवय पसल संकुचय” राय०

उत्पयण. न० (उत्पतन) उंचे गनुं ते.
 ऊँचाईपर जाना. (Going up; flying
 up; mounting high. ठा० १०;
 भग० ३, २; —काल. पुं० (—काल)
 उंचे गइयाने का समय. ऊँचा चढने का
 समय. the time for going up, fly-
 ing up. भग० ३, २;

उत्पयणिया. स्त्री० (उत्पानिका) उंचे
 गइयानी विद्या. ऊँचाईपर चढनेकी विद्या.
 The art of flying up or mount-
 ing up. नाया० १६;

उत्पयणी. स्त्री० (उत्पतनी) नीचेथी उंचे
 गइयानी विद्या. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या.
 The art of flying up in the air.
 सूय० २, २, २७; —विज्ञा. स्त्री०
 (—विद्या) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर
 का शब्द. vide above. नाया० १६;

उत्पल. न० (उत्पल) सूर्य विकशी कमल;
 नीलकमल. सूर्य को देखकर विकसित होने
 वाला कमल; नील कमल. A blue lotus;
 a sun-lotus. ओव० १०; १३; अणुजो०
 १८; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१;
 नाया० १; २; ४; १३; दस० ५, २,
 १८; भग० ११, १; २५, ५; जं० प०
 १, १७; जीवा० ३, १; पञ्च० १;
 विशेष० २६३; आच० नि० ६८६; उवा०
 २, ११८; कप्प० ३, ३७; (२) मधुद्रव्य
 विशेष. सुगन्धित द्रव्य विशेष. a parti-
 cular scented thing. “पउमुत्पल
 गंधिए” सम० तंडु० जं० प० ५, १२०;
 (३) दशमा कल्पनुं उत्पल नामनुं अेक
 विमान के जेनी स्थिति वास सागरापमनी
 छे. ओ देवता दशमे भदिने आसोइवास ले
 छे. अने वास दसमे वर्षे क्षुधा उपगरे छे.
 दसवे कल्पका उत्पल नामका एक विमान
 जिसका स्थिति वास सागरापम का है,
 इसके देवता दसवे मास आसोइवास लेते हैं
 और इन्हें बीस हजार वर्षमें क्षुधा लगती
 है. name of a heavenly
 abode of the 10th Kalpa. Life
 there lasts for 20 Sāgaropa-
 mas. The gods living there
 breathe once in ten months
 and feel hungry once in 20
 thousand years. सम० २०: (४)
 ८४ आय उत्पलांगप्रमाण का विभाग;
 ८४ लाख उत्पलांगप्रमाण काल विभाग.
 a division of time measuring
 84 lacs of Utpalāngas. भग० ५,
 १; ६, ७; ठा० २, ४; अणुजो० ११५;
 जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२०:
 (५) ओ नामने अेक द्वीप तथा अेक
 समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. पत्र० १५; जीवा० ३, ४; —अंग. पुं० (—अङ्ग) ८४ लाख दुष्टप्रमाण ऐक्य विभाग. ८४ लाख हनुप्रमाण एक काल विभाग. a division of time measuring 84 laes of Huhus. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० २, १; २५, ५; जं० प० जीवा० ३, ४; —उद्देश्य. पुं० (—उद्देशक) इभरती अधिधारतासे भगवतीना २१ भा शत-कता ऐक्य उद्देश्य. भगवता सन के २१वें शतक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश्य. name of a subdivision of the 21st Sataka of Bhagavati Sūtra with the subject-matter of a lotus. भग० २१, २; —कंद. पुं० (—कन्द) उत्पल-इभरती कंद. कमल का कन्द; कमलकी जड़. the bulbous root of a lotus, भग० ११, १; —कंदत्ता. स्त्री० (—कन्दता) इभरती इन्दपत्र. कमल का कन्दपत्र, state of being the bulbous root of a lotus. भग० ११, १; —कण्ठयत्ता. स्त्री० (—कण्ठकता) इभरती श्रीरक्षपत्र. कमल का बीजकोषपत्र. state of being a seed-vessel of a lotus. भग० ११, १; —केशरत्ता. स्त्री० (—केशरता) इभरती पुंकेसर स्त्रीकेशरपत्र. कमल की पुंकेसर अथवा स्त्रीकेशरता. state of being a filament of a lotus. भग० ११, १; —हाल. न० (—नाल) इभरती नाली-दांडी; जेना उपर इभर रहे छे ते. कमल की दांडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है. a lotus stalk. भग०

११, १; —हालत्ता. स्त्री० (—नालता) इभरती नालिपत्र. कमलका नाली पत्र. state of being a lotus-stalk. भग० ११, १; —थिभुगत्ता. स्त्री० (—थिभुगता) जेभांथी पांदा पड़े जेना इभरता ऐक्य भागने भाव. जिस में से पत्ते फूटें ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth. भग० ११, १; —नालित्रा. स्त्री० (—नालिका) नीला इभरती नाली दांडी. नाल कमलकी दांडी. stalk of a blue lotus. दस० ५, २, १८; —पत्र. न० (—पत्र) इभरता पांदा कमल का पत्र. a leaf of a lotus. भग० ११, १; —मूलत्ता. स्त्री० (—मूलता) उत्पल-इभरती मूल-पत्र. कमलका मूलपत्र. state of being a root of a lotus. भग० ११, १;

उत्पलगुम्मा. स्त्री० (उत्पलगुल्मा) जंबू-वृक्षना अजिष्णुजाना वनप्रदेश में पयास बनवन उपर आवेस ऐक्य वावडी. जंबू-वृक्षके अमिकोन के वनखण्ड में पचास योजन दूरपर स्थित एक वावडी. Name of a well in the forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं० प० जीवा० ३, ४;

उत्पलबैटिय. पुं० (उत्पलवृत्तिक) इभरती विटथनी भिक्षा लेनार गोशालाना भतने अनुयायी. कमल के गद्दा-पुल्लदा की भिक्षा लेने वाला गोशाला का एक अनुयायी. A follower of Gosāla's tenet, accepting a lotus-stalk as alms. ओव० ४१;

उत्पलहृत्थग. पुं० (उत्पलहस्तक) ३भक्ष ६३ विशेष. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राज०

उत्पला. स्त्री० (उत्पला) सावर्धी नगरीना रहनेवाली शंख नामना श्रावस्त्री स्त्री. सावर्धी नगरिका निवासी शंख नामक श्रावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Śaṅkha residing in the town Sāvartthī. “तस्मिन् संखस्य समगो वामगम्य व उत्पलाणाम् भारिया होन्था” भग० १२, १; (२) पिशाचना ६८, काशनी त्रींशु अग्रमर्दिनी. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमर्दिनी the third of the principal queens of Kālā, the Indra of Piśāchus. टा० ४, १; नाया० ५० क० ५; भग० १०, ५; (३) वेत्रुप्रक्षणा अग्नि भुज्यामाणा वनस्पती ओष्ठ आपटीनु नाम जंबूवृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड की एक बावड़ी का नाम. name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vṛikṣa. जं० प० जावा० ३, ४; (४) हस्तिनापुर निवासी भीम नामक दसाधनी स्त्री. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कगाई की स्त्री. name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpura. विवा० २;

उत्पलिगीकंद. न० (उत्पलिनीकंद) ओष्ठ वनस्पति पाष्णिनी वनस्पति. एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति. A kind of aquatic plant. “पटमुत्पलिगीकंद अंतरकंदे तद्देवात्मनिय” पञ्च० १;

उत्पलज्जला. स्त्री० (उत्पलोज्जला) ४२भ्यु वक्षना अग्निभुज्याना वनस्पती ओष्ठ आपटी. जंबूवृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड

की एक बावड़ी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vṛikṣa. जं० प० जावा० ३, ४;

उत्पह. पुं० (उत्पथ) उन्मार्ग; विकृत मार्ग. Wrong path; perverse path. “श्रावजे उत्पहं जंतु” सूय० १, १, २, १६; उत्त० २४, ५; २७, ४,—जाइ. पुं० न० (उत्पायन्) विकृत मार्ग में चलने वाला. one who takes to a wrong path. टा० ३;

उत्पिलण. न० (उत्पलावन) शरीर उपर पाष्णि देह्यु. शरीर पर पानी डालना. Pouring of water on the body. पि० नि० ४२२;

उत्पादत्तार. त्रि० (उत्पादयितृ) उत्पादक; उत्पाद करने वाला. (One) who produces or creates. टा० ४, ४; दसा० १, १३; ४, ६१;

उत्पादय. त्रि० (उत्पादयितृ) सदा; स्वाभाविक. Natural. श्रौत० ३०; (२) उत्पाद करने वाला अनिष्ट मुख्य अनाय; उत्पादनादि उत्पाद. अनिष्ट सूचक चिन्ह; उत्पादनादि उपद्रव & portentous event, e. g. the fall of a meteor etc. जं० प० ३, ५६ नाया० ८; ६; १५; सम० ३४; —पव्वय. पुं० (पर्वत) अस्वाभाविक-कृत्रिम पर्वत. कृत्रिम-बनावटी पर्वत. an artificial mountain. “उत्पादयपव्वयं च चकमंतं सखं मत्तं गुलुगुलुंतं” श्रौत०

उत्पाडण. न० (उत्पाटन) उभेदी नाभयु; भूतधी उभेद्यु. उखाड़ डालना; जड़ से उखाड़ना. Uprooting; eradicating; tearing out. श्रौत० ३८;

उत्पाडित. त्रि० (उत्पाटित) उपाटित.

उठाया हुआ; उखाड़ा हुआ. Lifted up; rooted out. भग० १६, ६;

उत्पाडित्य. त्रि० (उत्पाटित) उपाटित.

उखाड़ा हुआ. Eradicated; rooted out. दसा० ६, ४;

उत्पाडित्यग. त्रि० (उत्पाटितक) उपाटितुः

भांसि दाटितुं उठाया हुआ; मांस निकाला हुआ. Lifted; (that) from which flesh is torn out. श्रौत० ३८;

उत्पातिन्या. स्त्री० (उत्पातिनी) ऋग्वेदा

“उत्पाद्या” शब्द. देखो “उत्पाद्या” शब्द. Vide “उत्पाद्या” नाया० १;

उत्पाय-अ. पुं० (उत्पात) उत्पुं श्रेय

हुड़तुं उड़ना. Flying up. भग० २०,

६; प्रव० ६०६; (२) प्रकृतिना विक्षार-

श्चिर वृष्ट्यादि. प्रकृति का विकार; स्फिर

वृष्टि आदि. any unusual phenome-

non in nature, e. g. a shower of

blood etc. प्रव० १४२१; पद्म० २, १;

ठा० ८, १; अणुजो० १४७; (३) आश-

शमांशो बोली पंडरेनी वृष्टि अथ छे तेवा

क्षक्ष्ण सृष्ट-शास्त्र; २६ पाप सृष्टमांशुं अक्ष.

आकाश मे जा रक्त वंगरह का वृष्ट होना है

उसके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र; २६

प्रकार के पाप सूत्रों में से एक. a scrip-

ture dealing with explaining

unusual phenomena in nature

which portend evil; one of the

29 Pāpa Sūtras. सूर्य० ८, २, २८;

सम० २६;

उत्पाय अ पुं० (उत्पाद) वृद्धि; वधाशे थवे.

वृद्धि; बढ़ती. Increase; increasing.

विशे० ७५०; (२) उत्पत्ति. उत्पत्ति

creation; production; birth.

विशे० ६६; ४२४; ठा० १, १; (३)

उत्पाद दोषः साधुने पोताथी वायता

आहारना धात्री आदि १६ दोष. साधु को

अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि

१६ दोष. any of the 16 sins such

as Dhātṛi etc. incurred by a

Sādhu himself in connection

with his food. सम० (४) आद-

प्रमांशुं प्रथम उत्पाद नामे ११ शास्त्र.

चौदहपर्व में का पाठला उत्पाद नाम का प्रथ-

शास्त्र. name of the 1st of the 11

Purvas (i. e. scriptures). प्रव०

५१८; — चक्षुयसा न० (—चक्षुदन—उत्पाद)

देवत्वादिपदपर्यायान्तरस्य छेदस्तेन जीवादि

विभागः उत्पादच्छेदनम्) अक्ष पर्यायनी

उत्पातथी गीत पर्यायनी छेद-विभाग थाप

ते-रन्तम देवत्व पर्यायना उत्पादथी छयादि

द्वयते विभाग थाप छे. एक पर्याय का

उत्पत्ति मे दूसरी पर्याय का विभाग होना

जैसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होने मे जीवा

दि द्रव्य का विभाग होना. the clas-

sifications of a substance or

rather its subdivisions caused

by the modifications of that

substance; subdivision caused

by modal transformation; e. g.

the substance soul is subdivi-

ded into gods etc. on account

of its modification. ठा० २, ३;

—पर्वय. पुं० (पर्वत) सूर्याभविमान-

ना पतपर्वतमाने. अक्ष पर्वत के व्यां

सूर्याभविमानपर्वी देवता द्वीप निमित्ते

वैद्विय शरीर अतावे छे. सूर्याभविमान के

बनखंडों में का एक पर्वत जहाँ कि सूर्याभ-

विमानवासी देव काड़ा के अर्थ वैद्वियक

शरीर बनते हैं. name of a mountain

in a forest region of the Sūrya-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३५; जीवा० ३, ४; (२) यमरेन्द्रने उपर आ. पयाना पर्वत. चमरेन्द्र के ऊपर आने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend. भग० १३, ६; १६, ६; —**पुव्व** पुं० (पुर्व) द्रव्य पर्यायना उत्पादने। वेत्ता पर्याय छे ते उत्पाद नेमे १४ पुर्वीमांसे प्रथम पुर्व शास्त्र. द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जियमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पुर्वों में का प्रथम पुर्व-शास्त्र. the first of the 14 Purvas dealing with the rise of modifications of substances. “उपपायपुव्वस्सणं दमव-स्थु पगणने” डा० १०; भग० १४; नंदी० ५३; —**व्ययधुवधम्म** पुं० (—व्ययधुवधर्मन्) उत्पादित व्यय (नाश) ध्रुव स्थिति वाले उत्पादित व्यय (नाश) और ध्रुव स्थित वाला. one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशेष० २४३;

उपपायक क्ति० (उत्पादक) उत्पादित करने वाला. (One) who creates or produces. पगह० १, ५; **उपपायग** क्ति० (उत्पादक) अनुष्ठा उपदेष्टा शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. उक्त० ३६, २६०;

उपपायण न० (उत्पादन) उत्पादित करने वाला. उत्पादन करना. Producing; creating. पगह० १, २; ३; उक्त० ३२, २८; (२) उत्पादितना १६ दोष. उपपायण के १६ दोष. any of the 16 sins
v. 11/32

known as Uppāyana sins. पि० नि० १; १४; पगह० २, १; —(लो) **उवघाय** पुं० (—उपघान) उत्पादनादि दोषों का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. डा० १०; —**विशोद्धि** स्त्री० (—विशोधि) उत्पादनादि दोषों का नाश. उत्पादन के १६ दोषों का अभाव. absence of the 16 Utpādana faults or sins. डा० ५, २; **उपपायणा** स्त्री० (उत्पादना) उत्पादित करने वाला. उत्पादन करना; पैदा करना. Creating; producing. पि० नि० ३०९; पंचा १३, ३; (२) आहारनाश दोषों का नाश प्रसार; धात्री आदि आहारनाश १६ दोषों के नाश करने वाला आश्रि लाभ छे. आहार का भक्षण के दोष का एक भेद; धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि माधु को अपने ही कारण से लगते हैं. a variety of sin connected with the taking of food; the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātri etc. प्रव० ५७१; भक्त० २४, १२; भग० ७, १;

उपपाया स्त्री० (उत्पाता) त्रयु छंदिय वाला अर्थात् अक्षत. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पञ्च० १;

उर्षि अ० (उपरि) उपर; ऊपर; ऊंचाई पर. Above; upon; on. “तेसिं भोमाणं उर्षिउज्जाया” जीवा० ३; डा० ३, ४; राय० ४७; १०३; वेय० ४, २६; विवा० ३; ६; पञ्च० २; जं०

प० १, ४; ३, ५८; नाया० १; ६; ८;
१४; १६; भग० १, ६; २, ८; ३, १;
२; ५, ६; ६, ५; ६, ३३; १३, ४;

—पासाय. पुं० (—प्रासाद) ॐ

महेश. ऊंचा महल. a high or lofty
palace. निर० २, १: —सलिलपह-
ट्टाण. त्रि० (—सलिलप्रतिष्ठान) पाणी
उपर नेनुं प्रतिष्ठान-रहेला छे ते. जल
पर जिस का निवास स्थान है वह.
(one) whose residence or
abode is on water. भग० ७, १:

उत्पिजल. त्रि० (उत्पिजल) दोषावतः.
आकुलता जनक. (Anything) which
causes agitation to the mind.

“ उत्पिजलभूय कह कह भूय ” राय० ८६;

उत्पिजलगभूय. त्रि० (उत्पिजलकभूत)
आकुल व्याकुल भयेस. आकुल व्याकुल.
Troubled; distracted in mind.
कण्ठ ५, १२६;

उत्पिच्छ. न० (*उपिच्छ) अधर आसे
नरदीप्री गाई ते; गायनने ओड होप.
अधरआस मे गाना; गायनका एक दोष.
Singing far too rapidly; a
fault in singing. अणुजो० १२८;
भक्त० ११६;

उत्पियमाण. त्रि० (उत्प्लायमान , पाणी
उपर उछुवतो. जलके ऊपर उछलता
हुआ. Leaping on water; rising
and falling on water. “ बुडुमाणे
शिबुडुमाणे उत्पियमाणे ” उवा० ७, २१८;

उष्णीलिय. त्रि० (उष्णहित) दृढ करेस;
अग्नीने आधिलुं; तंग करेस. दृढ किया
हुआ; खेचकर बांधा हुआ. Tightly

fastened; bound fast. उष्णीलिय
विषपट गहिया उहपहरणा ” भग० ७,
६; नाया० २; ओव० ३०; विवा० २;
राय० ८१; जीवा० ३, ४; पगह० १, ३;
जं० प० ३, ५२; ३, ५६; —कच्छ. पुं०
(—कच्छ) आधोछे; छेछोटा नेछे.
जिमने कछोटा मारा है वह. one who
has tightly tucked up the
hem of his loin-cloth after
carrying it to the back part
of his waist. विवा० २;

उष्णय. न० (उष्णुत) गायनने ओड होप.
गायन का एक दोष. A kind of fault
in singing. नाया० १५; (२) त्रि०
अपलीन. भयभीत; डरा हुआ. terrified;
alarmed. नाया० ६;

उष्णूर. पुं० (उष्णूर) पाणीने प्रयः
प्रवाह. प्रवेड प्रवाह. A big current
or flood of water. पगह० १, ४;
(२) अल्पः ननुं बहुत; ज्यादा.
much; excessive. पगह० १ ३;

उष्णालग. त्रि० (*) नदीरुं ओलनार;
निन्दा करनेवाले बुरा बोलने वाला; निन्दक.
(One) who censures or slan-
ders. उक्त० ३४, २६;

उष्णिडंत. पुं० (*) दिसी. दिड़ी. A
locust; a grass-hopper. प्रव० १५७;

उष्णुल. त्रि० (उष्णुल) विकसित. विक-
सित. प्रफुल्लित. Full-blown; bloom-
ing. “ उष्णुलं नवि निःकाण ” दस०
५, १, २३;

उष्णोष्णोष्णिय. त्रि० (उष्णोष्णोष्णित)
दृढता उष्णोष्णी पें उडलेस-दोषा-

मान थयेन. दूधके उफान के समान
कोपायमान. Boiling with anger;
with anger rising like boil-
ing milk. “उपेक्षउपेक्षयं सीहसेण
राय एव वयासी” विवा० ६;

उपेक्ष. पुं० न० (*) भुष्ट; ताज.
मुकुट; ताज. A crown; a diadem.
आव० १२; टा० ५, १; आया० २, ३, २,
१२१; पञ्च० २;

उच्चंधण. न० (उद्धन्धन) किये शास्त्र दि-
क्षां प्रतीति करने के. ऊँचाई पर शास्त्रादिक
में लटक कर मरना. Committing
suicide or dying by hanging
on the branch of a tree etc.
प्रव० १०३०;

उच्चन्द्रय. पुं० (उद्धन्द्रक) विश्वास, भ्रम, यंत्र
पत्रोंमें चंद्रमायत्ने के करने दित्ता आप
प्राप्ति मना करेन छे. विद्या मंत्र तंत्र आदि
में शंकायुक्त कि जिनसे दीक्षा देने का मनाई
का गटे है. A person full of super-
stition in the matter of
charms, incantations etc. Such
a person is thought unfit to
be given Diksa to. टा० ३;

उच्चद्र. त्रि० (*) भागेतु; याचतु. मांगा
हुआ. Prayed for; solicited;
begged. पि० नि० २८१;

उच्चड. त्रि० (उद्धट) भुष्ट; उघाटुं खुना
हुआ; उघाड़ा. Open; manifest.
“उच्चडधमुहा” भग० ७, ६; अणुत्त०
३, १; (२) विक्षरत; अपक्षर. भयंकर;
डरावना. terrible; fierce. भक्त०

१०६; जं० प० अणुत्त० ३, १; सु० च०
२, २१२;

उच्चव. पुं० (उद्धव) उत्पत्ति. पैदाइश;
उत्पत्ति. Birth; production; rise.
नाया० २;

उच्चसुक. त्रि० (*) ऊँचाईमें जाडमां उभा
उभा सुखा गयेन. वृक्ष में हा खंडे खंडे सूख
गया हुआ. Dried up in the very
tree, in an erect posture.
आव० नि० ७३५;

उच्चाम. पुं० (उद्धाम) भित्ताथरी; भिक्षाते
प्राप्तने अभ्युद्धरतुं ते. भिक्षा के लिये
भ्रमण करना. One who wanders
to beg alms; wandering in
order to beg alms. टा० ६;

उच्चामग्र. पुं० (उद्धामक) गन्ध; व्यवस्थारी.
ज्वर; व्यवस्थारी. A person who
commits illicit sexual inter-
course. पि० नि० ४२०

उच्चामग. पुं० (उद्धामक) ऊँचाई उपलब्धि
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. “अद्धाण शिगगाई उच्चामग
खमग अक्खरे रिक्खा” आव० नि० भा०
६०; (२) ओष्ठ गतने वायु एक प्रकार
का वायु. a kind of wind. पञ्च० १;

उच्चावणा. स्त्री० (उद्धावना) प्रगट करतुं;
गट्ट करतुं; उत्पन्न करतुं. प्रगट करना;
जाहिर करना; उत्पन्न करना. Mani-
festing; declaring; producing.
आव० ४१; नंदी० ४०; (२) प्रभावना.
प्रभावना. explaining; explana-
tion. “पवयणउच्चावणया” टा० १०;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot note (*) p. 15th.

उभिज्ज. त्रि० (उज्जिज) जमीन भेदी क्षुण्णा-
रूपे अहार आवतार मेथी वगेरे बाधुपालो.
जमीन फोड़कर बाहिर निकलनेवाली मेथी
वगेरह की भाँजी. Vegetation which
pierces the soil and sprouts
forth. पि० नि० ६२४; (२) पंज्जन्त
आदि ७५. खंजनक आदि जीव. a
species of living beings, such
as a wag-tail etc. परह० १, ४;

उभिज्जमाणा. त्रि० (उज्जिजमान) उधाडवा
भां आवतुं; खुल्लुं थतुं. खुलता हुआ.
Being opened; becoming
manifest. “ केतहपुडाणवा अणुवायंसि
उभिज्जमाणा वा ” भग० १६, ६; जं०
प० १; राय० जीवा० ३, ४;

उभिज्ज. न० (उज्जिज-यत्कुनुपादेः स्थगितं
मुखं साधूनां तैलघृतादिदानार्थमुज्जिघ तैलादि
साधुभ्यो दीयते तद्दीयमानं तैलादि पिह-
तोऽज्जम्) साधुने धी आदि वहेरावता
भाटे कमाड उधाडीने के डांटे उभेडी आपवा
थी लागतो दोष; १६ उद्गमनभांगो १२ मे
दोष. साधु को धी आदि बहोराने के लिये
किवाँड उघाडकर अथवा बर्तन का ढाट
निकाल कर भिक्षा देने से लगने वाला
दोष; उद्गमन के १६ दोषों में से १२ वां
दोष. The 12th of the 16 U-
dgamana faults viz. opening a
jar or a door in order to give
ghee etc. to an ascetic for
eating. पि० नि० ६३, ३४७; पंचा०
१३, ६; (२) भेदीने अहार नीकलेव-
फोड़कर बाहिर निकला हुआ. sprouted
forth or shot out after pier-
cing something. “ तेणं समणं
उभिज्जे मऊरी पोयण् ” नाया० ३; मु०
च० २, ३६५;

उभिज्ज. त्रि० (उज्जिज) भेदीने नीकलेव-
जन्मेवः पंजरीट उडका वगेरे. फोड़कर
निकले हुए जन्मे हुए; खंजरीट, मेंडक आदि.
Come out, shot out after
piercing something; a wag-
tail, a frog etc. सूय० १, ६, ८;
दस० ४; प्रव० १२५०; —लोण. न०
(-लवण) दरिया भासे आरा पाण्णीथी
उत्पन्न थतुं ववण्ण; दरियाभ भीड़. समुद्र के
पाम खारे जल से उत्पन्न होनेवाला निमक;
दर्याई निमक. sea-salt. आया० २, १,
६, ३५; निमी० ११, ४०;

उभिज्जय. त्रि० (उज्जिज्जक) पृथ्वीने भेदीने
नीकलेव प्राण्णी-तीड-पतंग वगेरे. पृथ्वी को
फोड़कर निकले हुए. प्राणी-पतंग आदि.
(An insect) coming out by
piercing the land, e. g. a
locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उम्भूइया. खा० (आद्भूतिकी) जे
नामन्ती कृष्ण वासुदेवन्ती बेरी; ईष्ट पण्ण
आश्रय प्रसंगे लोडाने जल्पावता भाट के
अमुक पण्णते अमुक थवानुं छे तेडवा भाटे
वयाडवानी बेरी. कृष्ण वासुदेव की बेरी का
नाम; किमी आश्रयजनक प्रसंग पर लोगों को
जाग्रत करने के लिये अथवा अमुक समय में
अमुक हांगा यह प्रगट करने के लिये बजाई
जाने वाली बेरी. Name of the ket-
tle-drum of Kṛiṣṇa Vāsuḍeva;
a kettle-drum sounded to pro-
claim some unusual event to
people. विशेष० १४७६;

उम्भेइम. न० (उज्जिजिम) समुद्र आदिभां
उत्पन्न थतुं ववण्ण; भीड़. समुद्र आदि में
उत्पन्न होता हुआ निमक. Salt pro-
duced in the sea etc.; common
salt. दस० ६, १८;

उभयो. अ० (उभयतस्) भे आनुभे; भे तरङ्ग.
दो तर्फ से; दोनों ओर. On both sides.
(२) भे; २. दो; २. two; २. जं० प० १,
११७; नाया० १; भग० २४, २२; उत्त० ११,
१७; श्रव० ३१; क० गं० १, ३६; कप्प०
३, ३२; क० प० १, १३; —**काल.** पुं०
(काल) अन्ते पश्यत. दोनों समय.
both times. दसा० १०, ३; वव० ६,
२०; —**पामि.** अ. (पार्श्व) भे पश्ये;
भे आनु दोनों तर्फ on both sides.
सम० ३४;

उभय. त्रि० (उभय) भे. दो. Two;
both भग० ६, ३३; १२, १०; विश०
११८; १७०; श्रव० १६, ३६; अगुजो०
८; २१; दगा० १०, ३; दय० ४, ११;
५, २, १२; नाया० ११; १; पि० नि०
आ० ३; पि० नि० २१५; ४८०; उत्त०
१, २३; क० गं० १, २२; —(या)—
अनुपस्मि त्रि० (-अनुदर्शिन्) आदेशः
अने परलोक अन्तेना अन्ते आदितर.
इय लोक और परलोक-दोनों लोकोंके मुक्त
को चाहने वाला (one) who
wishes the happiness of both
this world and the next world.
आया० १, ३, २, १११; —(या)अभाव.
पुं० (अभाव) उभयतो अन्तेना
अभाव दोनोंका अभाव absence of
both विश० १३३; —**अरिह.** न०
(-अर्थ) उभय-आलोचना अने प्रतिक्रमण
भे अन्तेने ये.य. आलोचना और प्रतिक्रमण
इन दोनोंके योग्य; deserving both
Ālochanā (confession) and
Pratikramanā (repentance
for faults); (२) दश प्रकारका प्राय-
श्चित्तों में का एक one of the ten

kinds of expiation जीवा० ३;
—**पइट्ठिअ.** त्रि० (-प्रतिष्ठित) भेने
अने पर अन्ते आशी रदेव अपने और
दूसरे के आश्रय से प्रान्तिष्टा पाया हुआ.
in relation to oneself and
for others; i. e. applicable to
both. डा० ४, १; —**भाग.** पुं०
(-भाग) अन्ते भे पश्ये रदी अंत्य
अंत्यार नक्षत्र. चंद्रका दोनों ओर रह कर
योग जोड़ने वाला नक्षत्र. a constel-
lation on both sides of the
moon's path. चंद्रमस जोड़सिंदमस
जोड़मसको छु एकखत्ता उभयभागा उत्तरा
निर्गण विमाहा पुणव्वसू रोहिणी ” डा०
३; —**लोगहिय.** न० (-लोकहित)
अन्ते दोदण्ण दित इत्याणु. दोनों लोकों
का कल्याण. beneficial both
for this world and the next
world “ कल्लाणभायणत्तेण उभय
लोगहियं ” पंचा० ११, ३६; —**वाय.**
पुं० (वात) अन्ते तरङ्गता वायु
दोनों ओर का वायु. wind blowing
from both sides. नाया० ११;
—**वायजोग** पुं० (मतयोग) अन्ते
तरङ्गता वायुको ज्ये. दोनों तर्फ की
वायुका योग. coming together of
winds from both sides i. e.
opposite sides. नाया० १५;
—**विसुद्ध.** त्रि० (विशुद्ध) भे प्रक्षरे
शुद्ध. दोनों तरह शुद्ध. pure or puri-
fied both ways. पंचा० १, २०;
—**विहण.** त्रि० (-विहीन) उभय
अष्ट; अन्तेथी रहित. उभय अष्ट; दोनों में
रहित. devoid of both. desti-
tute of both. पंचा० ३, ४०;
—**सुय** पुं० (शुन) दण्य अने भाव

श्रुत. द्रव्य और भाव श्रुत. scripture
of both kinds viz Dravya
and Bhāva. विशेषे १२६;

उभयतो. अ० (उभयतस्) जु०
“ उभयो ” शब्द. देखो “ उभयो ”
शब्द. Vide “ उभयो ” मग० २४, २०;
उभयहा. अ० (उभयथा) जे प्रकारे;
अन्ते शिने. दो प्रकार से; दोनों रीतियों.
Both ways; in both ways.
विशे० १५०;

उमा. स्त्री० (उमा) श्रीमन् वासुदेवकी
माताजें नाम. दूसरे वासुदेवकी माताका
नाम. Name of the mother of
the 2nd Vasudeva. सम० प०
२३५;

उमाग. न० (अपमान) अपमान; अना-
दर; निम्नकार. अपमान; अनादर Insult;
disrespect. आया० १, ६, १, १०;

उम्मगग. त्रि० (उम्मग) पाणीभांथी
उपर आयेन. जल में से ऊपर आया
हुआ Emerged out of water.
पगढ़० १; ३; जे० प० ३, ५५;

उम्मगग. पुं० (उन्मार्ग) उये आवधाने
मार्ग; धृष्टी मारीति गद्गार निश्च-
याने मार्ग. ऊपर आने का मार्ग; डुब
का मारकर बाहिर निकलने का मार्ग.
The way to come up; the emer-
gence out of water after dip-
ping oneself into it. “ पच्छन्न
पलामे उम्मगगं नालहइ भुजंगाइव ”
आया० १, ६, १, १७२; पंचा० ११, ३६;
क० ग० १, ५६; (२) उन्नत मार्ग.
उलटा मार्ग; विरुद्ध मार्ग. wrong path;
contrary path. (३) उन्मार्गदेशक.
विरुद्ध मार्ग-शस्त्र; विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला.
one who leads astray. अगुजो०

१५१; (४) अक्षर्य करुं ते. अकार्य करना.
taking to a wrong path; doing
a wrong deed. “ उम्मगगवज्जण राग
दोमविरण ” आया० नि० १, ५, १,
२४६; —**ट्रिय.** त्रि० (—स्थित) उन्मा-
र्गभां रक्षेन. उन्मार्ग मार्ग. (one)
who has taken to a wrong or
prohibited path. “ उम्मगगट्रिय
सूरा तिगिण विमग्गे पणामेति ” गच्छा०
१, २८; —**देसगया.** स्त्री० (देशना-
उन्मार्गस्य भवहेतोमोचहेतुत्वेन देशना कथ-
नमुन्मार्गदेशना) उन्मार्ग-अवज्ञा मार्ग-
की देशना-उपदेश. उन्मार्ग-खराब-मार्ग का
उपदेश. unwholesome, pernicious
advice, i. e. one leading
astray अ० ४, ४. —**देसगा.** स्त्री०
(देशना) उन्मार्गकी देशना उपदेश
देना. giving a false advice; giv-
ing advice leading to a wrong
path. प्रव० ६६३; —**पइट्रिय.** स्त्री०
(—प्रतिष्ठित) अपरसे मार्ग लेना; उन्मार्ग
प्रतिष्ठ पामेन. उन्मार्ग में प्रतिष्ठ पाया
हुआ (one) gone astray; mis-
guided. “ भयवे काहं जिगेहि उम्मगग
पइट्रियं वियाणिज्जा ” गच्छा० २; —**पट्रिय.**
त्रि० (—प्रास्थित) जु० “ उम्मगग पइ
ट्रिय ” शब्द. देखो “ उम्मगग पइट्रिय ” शब्द.
vide “ उम्मगग पइट्रिय ” गच्छा० ६;
—**पांडवगग.** त्रि० (प्रतिपन्न) उन्मार्गने
अभिप्राय करेन. उन्मार्ग को स्वीकार किया
हुआ. (one) who has accepted
a wrong or pernicious path
or course of action. उवा० ७, २१८;
—**पयट्ट.** त्रि० (—प्रवृत्त) उन्मार्ग
प्रवृत्त. उन्मार्ग में प्रवृत्त. gone astray;

started on a wrong path. मु०
च० ४, ११५;

उम्मगजला. ख० (उम्मगजला उम्मज्जि
शिलादिक्कम्मसादित, उम्मगन् उम्मगन् जलं
यस्यां सा) निमित्तं शुद्धिने मध्यभागे ऐ
नामती अेक नदी के बेंदों में झील वस्तु पड़े तेने
उछाडीने अदार केडी है निमित्त गुफा
के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम
जो कि किसी वस्तु के पडनेपर उछालकर
बाहर फेंक देती है. Name of a river
in the centre of a cave named
Timisra. Its water violently
throws out anything that falls
into it " जगणं उम्मग जलाण महा-
गईण " जे० प० ३;

✓ **उम्मज्ज.** धा० I (उत् + ञ्ज्) भवे
तयेरथी सर्प आदिगु जर उतारने मंत्रादये
गर्भादि का जहर उतारना. To remove
the effects of serpent-bite etc.
by incantations etc.

उम्मज्जेजा. "ते इत्थी पुरिवस्स उम्मज्जेजा"
प्रव० ५, २१;

उम्मज्ज. पुं० (उम्मज्जन्) प.ष्ठीनी अंदरथी
अपकी उपर आतयुं ते जलके मातर से ऊपर
भाग पर आना. Emerging on the
surface of water from below
it. (२) अंदरती अपदी आझ उपर
वन जनर श्रद्धा, संयम, वीर्य तयेरे मोक्ष
लेजाने ताते श्रद्धा, संयम, वीर्य आदि
faith, asceticism, heroism etc.,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
" उम्मज्जलहुं इह माणवोहं " आया०
१, ३, २, ११५; -- **णिम्मज्जिया.**
स्त्री० (-निमज्जिका) प.ष्ठीमांथी उपर

आतयुं अने नीचे न्युं ते; दृष्टी आती
ते. जल में डुबकी मारना. alternately
to emerge out of water and
to submerge under it. "अहं उम्मज्ज
णिमज्जियं करेमाणं देयं पुढवीणं चलेजा "
टा० ३;

उम्मज्जक. पुं० (उम्माजक) स्नान करवाने
अेकवार प.ष्ठीमां पसी तरत अदार निकसे
तेयो तापस; तापसनी अेक मत. स्नान
करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर
तुरन्त बाहर निकल ने वाला तापस; तापसा
का एक जात. A class of ascetics;
an ascetic who dips himself
once in water for his bath and
mediately comes out. ग्रंथ०

उम्मज्जग. पुं० (उम्माजक) अनुया उपेक्षा
शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above.
मग० ११, ६; ग्रंथ० निर० ३, ३;

उम्मज्जा ख० (उम्मज्जा) प.ष्ठीमां नीचेथी
उपर आतयुं ते. पानी में नीचे से ऊपर आना.
Emerging out from the bottom.
उत्त० ७, १३.

उम्मज्जिय. सं० कृ० अ० (उम्मज्जय) डायाने
दृष्टीने शरीरको डुबाकर. Having
dipped or submerged the body.
मग० १३, ६;

उम्मत्त. त्रि० (उम्मत्त) गर्दि; उद्धत. पागल;
उद्धत; उद्धत. Mad; insolent. प्रव०
७६७; विशेष० ३२६०; (२) गर्विष्ठ; भूत
तयेरेता पडशाठ वायु, गर्विष्ठ; घमंडी; जिगे
भूत वगैरह लगे हो वह. proud; con-
ceited; possessed by a ghost
etc. प्रव० ७६७; पि० नि० ५७२;

उम्मत्तगभूय. त्रि० (उम्मत्तकभूत)
उन्मत्त-गति स्थित; भद्रिदापानथी नेनं

चित्त ईशान्ते नथी अवे। उन्मत्तः पागल;
मदिरा पान से जिसका चित्त मुकामपर न
हो वह। Maddened; intoxicated
with drink. छा० ५, १;

उन्मत्तजला. छा० (उन्मत्तजला) २५५
विजयनी पश्चिम सदरद उपरनी नदी:
महाविदेहनी आर अन्तर नदीमांती अक्ष.
रम्पक विजय की पश्चिम तट पर की नदी.
Name of a river on the west-
ern border of Rāmpaka Vijaya;
one of the 12 Antara Nadis
(rivers) of Mahāvideha.
“ रम्पक विजय उन्मत्तजला महाणई ”
जं० प० छा० २, ३;

उन्मद्गु. न० (उन्मर्दन) उधरी इवादीअ
मर्दन करने के। उलट कर के और से
मर्दन करना। Rubbing (i. e. oil)
on the body against the grain.
मय० २, २, ६२; नाया० १३;

उन्मद्दिया. छा० (उन्मर्दिका) उधरी
इवादीअ मर्दन करनेवाली दासी। उलट कर के
तरफ से मर्दन करनेवाली दासी। A maid-
servant who rubs oil etc. on
the body against the grain.
भग० ११, ११;

उन्माण. न० (उन्मान-उन्मायते तद्विद्यु-
न्मानम्) तोषथी परिभाषा थाय ते; शेर,
भल्ल, धर्म, भासो वगैरे। ताल, वजन का
परिमाण; सेर, मण, तोला, मासा आदि.
A measure of weight o. g. a
seer, a mound etc. सम० प० २३६;
जं० प० छा० २, ४; नाया० १; (२) देने
तोलाता अर्धलात प्रमाण थाय तेषा पुरुष
उन्मानोपेत कहेवाय। जो तोलने पर अर्धभार
प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है.
a person who is Ardhabhāra

in weight is styled as Unmāno-
peta. “ सेकित उन्माणे २ जगणं
उन्मिण्णज्झ ” श्रव० २०, कण्ठ० १, ८;
(३) साभा वाण्यमां ज्ञेय नाणी
वस्तुने ज्ञेयसी तोषथी ते। तगेज्ज के एक
पलडेमें बाँट डालकर दूसरे पलडे से वस्तुका
तोलना। weighing a thing
against a measure of weight
in the scales of a balance. छा०
१; अणुजो० १३२;

उन्माद. पुं० (उन्माद) आंधपण; चित्त
विभ्रम. पागल पन; चित्तविभ्रम. Mad-
ness; intoxication; mental
aberration. भग० १४, २; दगा० ७,
५२; विशेष० १४१५; (२) अत्यन्त काम-
थी उन्मत्त. अत्यन्त काम से उन्मत्त.
maddened with love or lust.
“ कइ विहणं भंते उन्मादे पण्णते गायमा
द्विह उन्मादे पण्णते ” भग० १४, २;
(३) यक्षादिना आवेश यक्षादि का आवेश.
being possessed by a Yakṣa
etc. छा० २, १; —**पमाय.** पुं०
(प्रमाद—उन्मादः संग्रहन्व स एव प्रमादः
प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतोन्मादप्रमादः) यक्षा-
दिना आवेशथी उपयोग शून्यपण्ण. यक्षादि
के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना.
listlessness or inattentiveness
due to one's being possessed
by a Yakṣa etc. छा० ६;

उन्मादण. न० (उन्मादन) कामजुं उदी-
पन थाय ते। प्रबल काम का उर्दीपन होना.
Rise of strong passion or lust.
अणुजो० १३०,

उन्माय. पुं० (उन्माद) अन्ते “ उन्माद ”
शब्द. देखो “ उन्माद ” शब्द. Vide
उन्माद भग० १४, दगा०

२१; विशेष १४१५; उवा० ६, २५८; प्रव० १०७७;—पत्त. द्वि० (-प्राप्त = उन्माद-मुन्मत्तता प्राप्त उन्मादप्राप्तः) मोहनीय कर्मेनाः उदयथी गांध्याय थयेव मोहनाय कर्म के उदय मे जो पागलपन हुआ हो वह. mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma (i. e. Karma which deludes as regards right belief etc.) वव० २, १०: १३:

उम्मि. पुं० (उमि) तरंग; मोहना: दोहर. तरंग: लहर. A wave. कप्प० ३, ४३; नाथा० ८; पण्ड० १, ३; (२) मोहने आशयि अन्तर्मुद्राय. लहरों के आकार के समान जन समुदाय. a crowd of people resembling a series of waves. भग० २, १:—वीचि. पुं० (-वीचि) समुद्रना मोहना तरंग अने नदीना तरंग. समुद्र की बड़ी २ और छोटी छोटी लहरें. waves and ripples of the ocean. भग० १६, ३:

उम्मिमालिणी स्त्री० (उम्मिमालिनी) भे: पवनली पश्चिम अने ग्रीनाय महा नदीनी उत्तरे अथवा पितृपत्नी परी २२२६ उपरनी अन्तर नदी मेरु पर्वत के पश्चिमकी और, गीतोदा नदी के उत्तर की और और सुवप्र विजय की पूर्वगोमापर की एक अन्तर नदी. Name of a river on the eastern border of Suvapra Vijaya to the North. the great river Sitodā and in the west of Meru mountain. "सुवप्पे विजण जयेति राय-हार्णा उम्मिमालिणी गई" शा० २, ३; जं० प० ४:

उम्मिलित. त्रि० (उन्मीलित) जुआँ उपेक्षो शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above. v. II./33

आथ० १३:

उम्मिलिय. त्रि० (उन्मीलित) निश्चित; भीक्षु; उद्येव. फुला हुआ; खिला हुआ; विकसित. Full-blown; opened; blooming. राय० २३८; अणुजो० १६; गम० प० २१३; नाथा० १; जीवा० ४:

उम्मिलिर. त्रि० (उन्मीलनशील) भीक्षु; खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. सु० च० ३, ४४:

उम्मिसिय. त्रि० (उन्मिषित) प्रकाशित. प्रकाशित. Bright; shining; opened. भग० १६, १; (२) पुं० आंथ सिन्ध-प्रो ६५६ गेदरे: क्षत्र. आंथ मोचकर मोलनेमे लगनेवाला समय: समय परिमाण. a measure of time required for the twinkling of an eye. "उम्मिसियाममिमियंतरणे" जीवा० ३, १:

उम्मिस्स. न० (उन्मिष) भिक्षुसंघातु: अक्षु: थयेव; अपाणानो ७ भो दोष. मिश्रित; एकत्रित; एषणा रमिष का ७ वां दोष. Food etc. of different kinds mixed up together; the 7th fault in connection with food-begging. आथा० २, १, १, १; प्रव० २७३; शा० ४:

उम्मिलिय. त्रि० (उन्मीलित) भीक्षु. खिला हुआ. Full-blown; opened. पञ्च० २; विवा० १, ७:

उम्मिस्स. न० (उन्मिष) अपाणाना दश दोषमानो ७ भो दोष. एषणा के दश दोषों में का ७ वां दोष. The 7th of the ten faults connected with food-begging. दस० २, १, २७; पि० नि० ५२०; पंचा० १३, २८:

उम्मुक. त्रि० (उम्मुक) उथि ईडेधुं. ऊंचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. ओव० (२) सर्वथा त्याग करेत्त; छोड़ेत्त. सर्वथा छोड़ा हुआ; त्यागा हुआ. abandoned; renounced for ever. कण० ५, १०३; विशेष० २७५०; उक्त० ३६, ६२; नाया० १, ३; १५; पि० नि० ६३२; भग० ११, ११; १२, १; —**कम्मकवय.** पुं० (—कर्मकवच) सक्ष कर्मरूप इत्यनेन त्याग करेत्त छे जेछे जेया सिद्ध भगवान्. सकल कर्मरूप कवच का जिन्होंने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान्. a liberated soul i. e. a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. ओव० —**बालभाव.** पुं० स्त्री० (—बालभाव) यात्र ज्युं छोडी दीधेत्त बालभाव को जियने त्याग दिया है वह. adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood. भग० १५, १; विवा० ५; नाया० १; ८; १३; १४; दसा० १०, ३. कण० १, ६;

उम्मूलणा. स्त्री० (उम्मूलना) मृत्तथी डोभेत्त; मृत्ती जदार क्षेत्त. जटमे उखाटना. Uprooting; eradication. “उम्मु-लणा मरीरा ओ” पगद० १, १;

उम्मूलिय. त्रि० (उम्मूलित) जटमृत्तथी डोभेत्त. जट मूल से उखाड़ा हुआ. Up rooted; eradicated. भग० १६, ६;

उम्मेस. पुं० (उम्मेस) आंख दीगली उधावली ते; आंखने पत्रक्षरी. आंख खोलना, मीचन; आंखका पलक. A glance; twinkling of eyes. भग० १३, ४;

उम्ह. पुं० (उम्हन्) उञ्जुता; गरमी. उष्णता; गर्मी Heat. ओघ० नि० ४८४;

उय. पुं० (ऋतु) वसंत आदि ऋतु. वसंत आदि ऋतु. A season; e. g. spring etc. नाया० १; ५; भग० ६, ३३;

उय. अ० (उत) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. विशेष० १६१०;

उयंसि. त्रि० (ओजस्विन्) ओजस्वी; अधिक मनोबल वाले. ओजस्वी; ओज गुण वाला. अधिक मनोबल वाले. Powerful; possessed of strong will-power. राय० २१५; सम० प० २३५;

उयट्ट. त्रि० (अपवर्त्त) कमली शक्ति स्थिति में क्षी करती ते. कर्म की दार्ढ्य स्थिति को अपवर्त्त करना. (One) who has weakened the power of Karma. भग० १, १;

उयट्टण. न० (अपवर्त्तन) ज्युंया “उयट्ट” शब्द. देखो “उयट्ट” शब्द. Vide “उयट्ट” भग० १, १;

उयर. पुं० (उदर) पेट; ८८२. उदर; पेट The belly; the stomach उत० ७, २. पि० नि० आ० ४५; दया० १०, ४; मु० व० १, ३०४; क० ग० १, ३६;

उर्याय. त्रि० (उदरिक) जट्ठेदर रोगवाले. जलोदर रोग वाला. (One) suffering from dropsy. विवा० ७;

उर. पुं० (उरस्) पदस्थित; छाती. छाती; वक्षस्व. The breast. पञ्च० १;

अगुञ्जो १२८; आया० १, १, २, १६; राय० ३२; ८६; पगद० १, ३; टा० ७; उवा० २, १०८; क० ग० १, ३४;

उरसि. ग० ए० व० प्रव० ६७;

(•) मुंदर मुंदर; खूबसूरत. beautiful; charming. टा० ४; —**कखय.** पुं०

(—जत) हृदयने धा. हृदय का घाव. A wound in the heart; a heart-sore. विशेष० २१६; —**तव.** पुं०

(-तपस) आशादाना उपसङ्गं ओष्ठ
ननत्वं तप गंशालाके उपसक्त का एक प्रकार
का तप. a kind of austerity
practised by the followers of
(Gosāli. शा० ४; —परिस्रग्ग. पुं०
(-परिसर्प) आतीथी आवनार प्राणी-सर्प
वृक्षे. छाती के बल चलनेवाले सर्पादि प्राणी.
a reptile moving or creeping
upon the belly; e. g. a serpent
etc. उत्त० ३६, १८०; भग० ८, १;
—परिस्रग्ग विहाण. न० (परिसर्प-
विवाण) अंगुली गति. सर्प का जाति.
the serpent kind. भग० १२, १;
-परिस्रग्गिणी. स्त्री० (-परिसर्पिणी)
नाग्युः सर्पेती स्त्री. नागिन. a female
serpent; a female snake. “मे
किं उरगपरिस्रग्गिणी २” जावा० २;
—सुत्तिया स्त्री० (सूत्रिका) छातीमें
पेड़स्थान अङ्गुली. छाती का एक आभूषण.
an ornament of breast जं० प०

उरंउरंगं. अ० (*) आतीथी अङ्गुली
इत्तुं ते आती अस्से. छाती में लगाना;
छाती में छाती मिलाना Embracingly;
closing in embrace “च उरं गिणं
पि उरंउरं गिगिहत्तु” विवा० ३;

उरग. पुं० स्त्री० (उरग) पेड़ आवनार-सर्प.
पेड़के बल चलने वाला सर्प. A snake; a
serpent. उत्त० १४, ४७; नाया० १६: १७;
भग० ८, १; प्रव० ११०६; —परिस्रग्ग
समुच्छिन्न. पुं० (-परिसर्पसमुच्छिन्न)
आती द्वारा आवनार समुच्छिन्न सर्प. छाता
के बल चलने वाला समुच्छिन्न जाव-सर्प. a
reptile moving on the belly, e.

g. a serpent. जीवा० १; —परिस्रग्गी.
स्त्री० (-परिस्रग्गिणी) नाग्युः आतीथी
आवनार सर्पेती स्त्री. नागिन; छातीके बल
चलने वाली सौपिन. a female ser-
pent; a female snake. जावा०
१; —वर. पुं० (-वर) उत्तम नाग; उच्च
गतिने सर्प. उत्तम नाग; ऊँचा जाति का
सर्प. a serpent of a high breed;
a noble serpent. नाया० १६; जं०
प० ३, ६५; —वीहि. स्त्री० (-वीधि)
शुक्ली उरग नामकी वीधि गति विशेष. शुक्र
का उगमनामक गति विशेष. name of a
particular kind of motion of
the planet Venus. शा० ६, १;

उरस्थ. न० (उरः स्थ) छातीमें पेड़स्थान
आभूषण. छाती में पहरने का गहना. An
ornament to be worn on the
breast जावा० ३, ३; भग० ६, ३३;
कप० ३, ३६;

उरदिम पुं० स्त्री० (उरदिम) भेड़; भेड़.
भेड़; बकरा. A sheep; a lamb.
पञ्च० १७; सूत्र० २, ६, ३७; जावा० ३,
४; राय० ६६; पगह० १, ९; नाया० ८, उवा०
२, ६४; उत्त० ७, ४; —पुड सरिणम. त्रि०
(-पुडसञ्जिम) भेड़ाना नाक भेड़ुं. बकरेकी नाक
के समान. resembling the nose of
a sheep. “उरदिमपुडसञ्जिमा से नासा”
उवा० २, ६४; —रुहिर. पुं० (-रुधिर)
भेड़ानुं खोदी. बकरेका रक्त. blood of a
sheep. जावा० ३;

उरदिमञ्च-य. पुं० (औरदिमञ्च) भेड़-अङ्क-
शने पावनार-भरवाड; रथारी. बकरे को
पालकर फिर कसाई को बेचनेवाला. A

shepherd who herds sheep, goats etc. and sells them to a butcher. सू० २, २, २८;

उरध्मिय. न० (उरध्मिय) उत्तराध्ययन सूत्रं सातमुं अध्ययन. उत्तराध्ययन सूत्रका ७वां अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. उ० ७;

उरय-अ. पुं० (उरज) ऐक्य जननी गुच्छे. एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पञ्च० १; २;

उरल. पुं० (उदारिक) उदारिक शरीर. औदारिक शरीर. The Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३५; २, ६; २१; प्र० १११३; जं० प० २, ३०;

उरल. न० (औदारिक) औदारिक योग. औदारिक योग. Activity or vibrations of the Udārika i. e. physical body. क० गं० ४, ८; —अंग. पुं० (-अङ्ग) उदारिक शरीर. औदारिक देह. the Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३६; प्र० १३२६; —दुग्ग. न० (-द्विक) उदारिक अने उदारिक मिश्र ये ये प्रकृति. औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियाँ. the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamīśra. क० गं० २, ६; ३, ३;

उरस. त्रि० (औरस) पीतनी पुत्र. निजका पुत्र; औरस पुत्र. One's own son. टा० १०;

उरसप्प. पुं० (उर; सर्प) आतीये यावनार तिर्थेय सर्प पगेरे. छातीके बल चलने वाले तिर्थेय. A reptile walking or moving on its belly, e. g. a serpent etc. प्र० १७६;

उरसी. स्त्री० (उरसी) ऐक्य जननी

गच्छे, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पञ्च० १;

उरस्स. न० (उरस्य-उरसि भवमरस्यं) आतीज. छाती का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. रा० ३२; —बल. न० (-बल) हृदयबल. हृदयबल. power of the heart; will-power; strength of the heart. “उरस्सबल-समणा जण” रा० ३२;

उराल. त्रि० (उदार) समर्थ; शक्तियुक्त. प्रबल शक्तियुक्त. Powerful. (२) उन्नत स्वभाव वाला. उन्नत स्वभाववाला. aspiring. जीवा० ५; रा० जं० प० (३) उदार. उदार. magnanimous. (४) प्रधान; श्रेष्ठ. उदार; श्रेष्ठ. chief; prominent. ओव० ३८; गम० ६; नाया० १; ५; ८; १२; १४; १६; भग० १, १; ३, १; ६, ६; ११, ११, १५, १; निर० १, १; पञ्च० ३६; जीवा० ३, ६; रा० ५६; ८१; सू० प० २०; कर्प० १, ५; (५) अति अद्भुत. बहुत आश्चर्यजनक. very wonderful. सू० प० १; चं० प० २०; भग० २, १; जं० प० ओव० (६) विशाल. विस्तारवांज. विस्मृत. extensive. आया० १, ६; १, १०; टा० ५; (७) न० ऐक्य जननी शरीर; उदारिक शरीर. एक प्रकार का शरीर; औदारिक शरीर. a kind of body; Udārika Sārīra; external physical body. क० गं० १, ३७; पंचा० १, १५; (८) त्रि० उदारिक शरीर संबंधी. औदारिक शरीर संबंधी. pertaining to the Udārika body. रा० २५२; (९) स्थूल; प्रसिद्ध. स्थूल; मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सू० १, १, ४, ६; (१०) प्रधान तप. प्रधान तप; मुख्य तप. principal or prominent austerities. नाया० १;

भग० २, १; (११) अं नामनी लीली वन-
स्पति. एक प्रकार का हरि वनस्पति का नाम.
name of a green plant. पञ्च० १;
—तस. पुं० (-तस) स्थूल तसश्च.
आँदारिक त्रयजीव. a many sensed
living being possessed of an
external physical body; a
mobile sentient being with
physical body. जीवा० १; —मस्स.
पुं० (-मिश्र) उदारिक मिश्र येश.
उदारिक मिश्रयोग. vibratory activity
of Udārikamīśra i. e. physical
mixed with Karmic body. प्रव०
१३२६;

उरालिअ य. त्रि० (आँदारिक) दा-
मांस ने स्थितवायुं शरीर; मनुष्य अने
निर्ययनुं स्थूल शरीर. हाट मांस और स्थिर
वाला शरीर; मनुष्य और निर्ययनका प्राकृतिक
शरीर. External physical body
having flesh, blood and bone.
डा० २, १; गम० १३; जीवा० १; नाया०
८; भग० २, १; ६, १; दया० ५, ४०;
गम० प० २७६; —सरीर. न० (-शरीर)
जुआ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vide above. नाया० १८; —सरीरि.
पुं० (-शरीरिन्) उदारिक शरीर वाला श्व.
आँदारिक शरीर वाला जीव. a sentient
being with Udārika or external
physical body. डा० ६, १; जीवा० १०;
उरु. न० (उरु = विस्तार) विस्तीर्ण;
विशाल. विस्तृत; फैला हुआ. Extensive
vast. भग० ११, ११; —घंटा. स्त्री०
(-घण्टा) विशाल घंटा; रौंदी घंटा.

बड़ा भारी घंटा. a large bell. विवा० ३;
—गायग. पुं० (-नायक) भरोटा नाय.
मोटा नायक. a great leader; a
great guide. कप्प० ३, ३६; —पीवर.
पुं० (-पीवर) थोड़ा पुष्ट. बड़ा स्थूल.
very fat; corpulent, कप्प० ३, ३६;
उरुग. पुं० (*) वनस्पतिनो वृक्ष;
अथ युवालो पदार्थ. वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ. A kind of soft substance.
जीवा० ३, ३;

उरुतुवगा. स्त्री० (उरुतुवका) त्रय छिद्रिय
वाले श्व. तीन इन्द्रियों वाला जीव. A
three sensed living being.
पञ्च० १;

उरोरुह. पुं० (उरोरुह) स्तन. स्तन. The
female breast. आघ० नि० भा० ३१७;
प्रव० ५४३;

उरोविमुद्ध. न० (उरोविमुद्ध-उरमि भूमिका-
नुमारेण स्वरो विशुद्धो भवति इति) गायन-
नी शुद्धिने अथ प्रकार गायन की शुद्धि का
एक भेद. A particular variety of
clearness of voice in singing.
राय०

उलिउभमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) यटातुं;
अयातुं. चाटने में आता हुआ; खाने में
आता हुआ. Being licked or sip-
ped; being eaten. कप्प० ३, ४२;
उलुग. त्रि० (अवलुगण) ग्लान थपेड़.
उदास. Faded; withered; fati-
gued; wearied. नाया० १; —सरीर.
न० (-शरीर) दुर्बल शरीर. निर्बल
शरीर. an enfeebled body; a weak
and emaciated body. नाया० १;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उलूअ. पुं० (उलूक) ध्रु०. उल्लू. An owl. (२) वैशेषिक दर्शनना नेता कणाद मुनि. Saint Kanāda the founder of the Vaiśeṣika school of philosophy. विशेष० २१६५:

उल्लूग. पुं० (उलूक) ध्रु०. उल्लू. An owl. सू० २, २, १६; सम० विशेष० ११०७: —पत्त. न० (-पत्र) ध्रु०. उल्लू के पंख. a wing of an owl. भग० १८, ६;

उल्लूगी. स्त्री० (उल्लूका) ऐक प्रशस्ती विद्या. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) ध्रु०. उल्लू की. a female owl. विशेष० २४२४:

उल्ल. त्रि० (*) लीजुं. लीजुं. आर्द्र: गीला. Wet; damp. दम० ५, १, ६६; जं० प० ३, ६२; राय० ३५१; पि० नि० भा० १२: पि० नि० ३६७; ५३३; भग० ५, ७: १६, ४; नाया० २; ८; १६; उत० २५, ४०: —चम्भ. न० (-चर्मन्) लीजुं. आर्द्र. गीला चमडा; कच्चा चमड़ा. wet skin or leather. विवा० ६: —दम्भ. पुं० (-दर्भ) लीजुं. हल-हल; ऐक जलजन्तु. हरित-दर्भ. wet i.e. green Darbha grass. विवा० ६: —पडसाडिया. स्त्री० (-पडशाटका) लीजुं. आर्द्र. हरी झाडी. wet i. e. green thicket of trees. विवा० ७;

उल्लंगच्छ. न० (*) उद्दे गज्जथी नीक्ष. लेख ऐ नामन्तुं ऐक क्षत्र. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot

from Uddehagan-g. कप्प० ८: (२) कश्यप गोत्रथी नीक्षलेख ३ ने गज्ज, कश्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण. the third Gan-g (order of saints) descending from Kāśyapa family. origin. कप्प० ८:

उल्लंघन. न० (उल्लङ्घन) उल्लंघन: उद्दी गज्जुं. ते. उल्लंघना: कूदना. Crossing; leaping across. उत० २४, २४; श्रौत० २०: भग० २५, ७: (२) त्रि० विनय-मर्यादा उल्लंघना. विनय मर्यादा का उल्लंघन करने वाला. (one) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत० १७, ८;

उल्लंघन. न० (उल्लम्बन) आर्द्र. गीला. लटकनुं. आर्द्र. उद्दी लटकनुं. लटकना. Suspending or hanging anything on something above; e. g. on a branch of a tree. सम० ११; पगह० १, १; नाया० २;

उल्लंघिय. गं० कृ० अ० (उल्लम्बिय) उद्दी लटकनुं. आर्द्र. उद्दी लटकनुं. लटकना. Having suspended or hung on something above. भग० १३, ६;

उल्लंघिय. त्रि० (उल्लम्बित) आर्द्र. गीला. लटकनुं. आर्द्र. उद्दी लटकनुं. लटकना. Having or kept suspended on a tree. दसा० ६, ४;

उल्लग. त्रि० (आद्रिक) आर्द्र: लीजुं. गीला; भग० ११. Wet; damp. अ० ३, ६;

— हृत्थ. पुं० (-हस्त) भीजुं हाथ. गाला हाथ. a wet hand. भग० १५, १;

उल्लण. न० (*) ओसाभण. पयामण. Water in which pulse, rice etc. are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. पि० नि० ६०४; (२) भीजुं शरीर बुळवुं ते गाले शरीर का पोछना. to wipe off a wet body with a towel etc. उवा० १०, २७७;

उल्लणिया. स्त्री० (*) अलक्षणा वस्त्र; भीला शरीरने बुळवानुं वस्त्र. गाले शरीर को पोछने का वस्त्र: अंगोष्ठा. A piece of cloth to wipe off a wet body. उवा० १, २२; —विधि. पुं० (-विधि) पाणीशी भीला शरीरने बुळवाना वस्त्रनी विधि. गाले शरीर को पोछने के वस्त्र की विधि. a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body. “तयाणनरं चणं माणं उल्लणियाविधि परिमाणं कोइ” उवा० १, २२;

उल्लय. वि० (आर्द्रक) भीजुं गाला: आर्द्र Wet; damp मु० च० २, ४५३; भग० १५, १;

उल्लविय. न० (उल्लपित) आभवेय सम्म धी वातयित इरी ते; आभक्ष्य. कामकथा: काम संवरी वात चंत. Amorous talk; love talk. “अंग पंचग-संस्त्राणं चारुल्लविय पेहियं” उत्त० १६, ४०;

उल्लसिय. वि० (उल्लसित) उल्लास-आनन्द पाभेत्त. उल्लासित; प्रकुल्लित: आनन्द

प्राप्त. Delighted; joyful मु० च० १, ३६८; प्रब० १४१३; कप्प० ३, ४०;

उल्लाइय. वि० (*) भाटी लाजु:दिथी दीपित. गोबर मिश्र आदि से लिपा हुआ. (Wall etc.) smeared or be-daubed with cowdung, earth etc. गय० ५३;

उल्लाय. पु० (उल्लान) प्रहार; लात. प्रहार; लात. A kick; a violent stroke. तंदु०

उल्लालिय. वि० (उल्ललित) लाधन इरेत्त; उल्लावेत्त. उल्लाता हुआ; लाडित. Struck; beaten; tossed or flung up. जं० प० ५, ११५; राय०

उल्लाय. पुं० (उल्लाय) वातयित; आक्षेपयित ओसवुं ते. वात चंत. Indirect talk; conversation. पि० नि० ४२५; ४३३; आगुजो० १४६; डा० ३, ९; नाया० १; मु० च० २, ५३२; ओष० नि० भा० ५६; विश० १४११; (२) प्रत्युत्तर: जवाब. a reply; a response. “तथ्यगग्रो सुणइ देइ उल्लावं” प्रब० १४३;

उल्लाग. पुं० (उल्लाम) प्रगट इरवुं ते. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रब० १३३५; —संजणण. वि० (-संजन) प्रगट इरतार. प्रकट करने वाला. (one) who manifests or brings to light. प्रब० १३३५;

उल्लिपमाण. वि० (उल्लिपत्) उपर लेप इरतो. ऊपर लेप करता हुआ. Smearing or be-daubing the surface of anything. आया० २, १, ७, ३८;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उल्लिहण. न० (उल्लेखन) उल्लेख करणे ते; वचनं ते. उल्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उल्लिहिय. वि० (उल्लिखित) धसायेव; उग्ररथ पाटव. आँकन; घिसा हुआ; रगडाया हुआ. Scarred; worn out; bearing marks of being worn out. नाया० २; आवा० उत्त० १६, ६५;

उल्लीण. वि० (उल्लीन) गुप्त रहने; अंशान्तमां रहने. गुप्त रहा हुआ; अप्रगट रहा हुआ; एकान्त में रहा हुआ. Hidden; solitary. आया० २, २, ३, ६७;

उल्लुंचिय. वि० (उल्लुंचित) उल्लुंचित; उल्लुंचित. उखाड़ा हुआ; चुटा हुआ. Rooted out; plucked out. सु० च० २, ६७६;

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) ऐ नामनी अंड नदी. एक नदी का नाम. Name of a river. विशेष० २४२६;

उल्लुगानीर. न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा नामकी नदीना कि० अर्धेन अंड नगर के जेभां गंगावार्य नामना निन्दव था. उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जिसमें कि गंगावार्य नामक निन्दव हुनु थे. Name of a town on a bank of the river Ullugā. It was the native place of the Nihava Gaṅgāchārya. डा० ७, १;

उल्लुयातीर. न० (उल्लुकातीर) वुअे उपरो शब्द. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समयणं उल्लुयातीरेणाम्" मग० १६, ३;

उल्लेऊण. सं० कृ० अ० (आर्द्धीकृत्य) लीनुं करे ने. गीला-आर्द्र करके. Having made wet. विशेष० १४५५;

उल्लोइय अ. न० (उल्लोचित) भरी भारी दगेरेथी लीन दगेरेनुं लेपन करुं ते. मिट्टा बगरह ने दावान बगरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall etc. with earth cowdung etc. "लाइ उल्लोइय महिय" नाया० १; तं० प० पञ्च० २; भग० १२, ८; सम० ओव० (२) यन्दवे अपिच; देदेवेथी शल्लुया-रेव. जहाँ चन्दरवा बांधा है वह स्थान. Having a cloth ceiling fastened above. आवा० २६, जीवा० ३, ४;

उल्लोच. पुं० (उल्लोच) ऊत; उल्लेख. छत. A cloth-ceiling. सु० प० २०;

उल्लोय. पुं० (उल्लोच) ऊत; यन्दवे; उल्लेख. छत; चंदरवा. A cloth-ceiling. राय० ६; १०७; जीवा० ३; भग० ११, ११; १४, ६; कप० ३, ३२; जीवा० १; राय० जे० प० ४, ८८; भग० ११, ११; (२) वि० जेवा योग्य; दर्शनी. देखने लायक. (a sight) worth being seen. नाया० १; ८; भग० ११, ११; १४, ६;

—तल. पुं० (-तल) परतो उपरतो अथ. घर का ऊपर भाग. the upper part of a house. नाया० १; **—भूमि** स्त्री० (-भूमि) प्रसाद-भेदजन उपरनी भूमि. महल के ऊपर की भूमि. The upper part or upper floor of a palace. भग० २, ८; **—वर्णण.** पुं० (वर्णण) भेदजन उपरनी वर्णन. महल के ऊपर भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग० २, ८;

उल्लोयमेत्त. न० (उल्लोकमात्र) जेतायेत; निमेषमात्र निमेष मात्र. At a mere glance; a mere glance. भग० १५, १;

उव. अ० (उप) समीप-पार्श्वे ॥ अर्थभां.
नजदीक के अर्थ में. Near: in the
vicinity. “ उवदंमिया भगवया पण्ण
वणा ” पञ्च० १: २: (३) समस्तपार्श्वः
समग्रपार्श्वः समस्तवनः संपूर्णता. an indec.
used to show “ entirely.” गय०

✓ उव-अति-ने. धा० II. (उप+अति+
नी) अक्षु कर्तुं: स्वीकार्यो. ग्रहण करना:
संजूर करना. To accept; to take.
(२) प्रवेश कर्तुं. प्रवेश करना. to
enter. (३) व्यतीत अर्तु. व्यतीत होना.
to elapse: to be spent.

उवाइणित्तण्. हे० कृ० टा० ३, ४: विवा०
६; दसा० ७; १;

उवाइणित्ता. आया० २, २, २, ७८;

उवाइणावेइ निमा० २, ५०: १२, ३६:

उवायणावेति. निमा० १०, ४६: वेय० ३,
३०;

उवाय-इ णावित्तण्. हे० कृ० वेय० ३,
३०; ४, ११: १२: दसा० ७, १:

नाया० १२; कप्प० ६, ५७: ६५;

उवायणावित्ता. सं० कृ० भग० ७, १:

उवाइणावंत. व० कृ० वेय० ३, ३०:

✓ उव अय. धा० I. (उप+अय) याच्युं:
आनयता कर्तुं. प्रार्थना करना: मांगना. To
beg; to pray for: to solicit
उवाइत्तण्. हे० कृ० नाया० २:

✓ उव-आगच्छ. धा० I (उप+आ+
गम्) पास आच्युं: सन्मुख जा० समीप
आना: सन्मुख जाना. To go near:
to approach.

उवागच्छइ. आब० ११; राय० ३६, ६७:

भग० १, १; ६: २, १: नाया० १:

१२; १६: उवा० १, ५८: ७८; ८६:

उवागच्छति. भग० २, ५: ५, ४; ७, ६:

जं० प० २, ३३; ४, ११२; ५, ११३;

उवागच्छामि भग० ३, २; १५, १; नाया० ८;

उवागच्छामो. नाया० १६;

उवागच्छेज्जा. दसा० ७, १;

उवागच्छित्ता. सं० कृ० भग० १, १; ८,

७; आब० २७; जं० प० ५, ११४;

५, ११७: नाया० १; २; ५: ८; ६;

१२; १४; १६: भग० २, १; ५;

३, १; ७, ६; ८, ४:

✓ उव-आ लभ. धा० I. (उप+आ+लभ्)
क्षेपे देवा. उपका देना: उपालंभ देना:
उलाहना देना. To rebuke: to re-
proach.

उवालंभति. नाया० १६;

उवालंभित्ता. सं० कृ० राय० १६७:

✓ उव-आस. धा० I, II. (उप+आस)
उपसना कर्तुं: सेवा कर्तुं. उपासना
करना: सेवा करना. To worship: to
serve; to wait upon.

उवासंजा. सूय० १, ६, ३३;

✓ उव-इ. धा० I. (उप+इण्) प्राप्त कर्तुं:
प्राप्त्युं. प्राप्त करना. To get: to ob-
tain: to acquire.

उवेइ. उत्त० ३२, ११: आब० ४०: अणुजो०

१४६; भग० ६, ३२; १३, ६;

नाया० १६; सूय० २, ६, १६:

दस० १०, १, २१: विशेष० १५६;

उवेति. नाया० २: भग० १३, ६: १४, ८:

विशे० १५६:

उवेति. आब० ३४: सूय० १, २, २, १६;

उवेति. दस० ६, ६६: विशेष० १२७६;

उवेहि. नाया० १६;

उवेह उत्त० १२, २८:

उवेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३३:

उवेति. व० कृ० सूय० १, ५, १, ६:

✓ उव-इक्ख. धा० I, II. (उप+ईल्)
उपेक्षा कर्तुं: भेदकारी राखी. उपेक्षा

करना; परवाह न करना; To neglect;
to be indifferent to.

उवेहइ. दसा० ५, ४२; सूय० १, ३, ३, २;
आया० १, ६, ३, १६३;

उवेहे. वि० उत्त० १, ११;

उवहमाण. आया० १, ३, १, १०६; १, ४,
४, १४०; भग० ३, १;

उवइहृ. त्रि० (उपदिष्ट) उपदेशेभुः भोषेभुः.
उपदेशित; बोध दिया हुआ. Preached;
taught; advised. उत्त० २८, १८;
विशे० ३२१७; आघ० नि० ५८३; क० प०
५, २४; प्रव० ६६६;

उवइय. त्रि० (उपचित) युक्त. सहित.
Possessed of; united with.
राय० ४६; (२) उन्नत. उन्नत. rais-
ed; exalted. आ० (३) भोषण;
पुष्ट. मांसयुक्तः पुष्ट. fleshy. पण्ड० १, ४;
(४) पुं० अ० अतनो तेश्चिद्रिय श्रु ३
जे नमीनभां यर करी २६ छं. एक प्रकार का
तेश्चिद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता
है. a kind of three-sensed liv-
ing being nestling in burrows.
जावा० १ पत्र० १:

✓ **उवउंज** धा० I. (उप+युज) उपयोग
करने। उपयोग करना. To make use
of; to be attentive.

उवउंजइ. विशे० ४८१;

उवउंजिऊण. सं० कृ० भग० ८, १; २४,
१: १२; २०;

उवउत्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयोग सहित.
उपयोग सहित. Attentive. (२)
सावधान; सावधेत. सचेत; ध्यानपूर्वक.
careful; cautious. कप्प० ८; प्रव०
७७६; पंचा० १, २; १६, ४; भक्त० ६०;
राय० ४०; उत्त० २४, ७; पत्र० २; नंदी०

५७; अणुजो० २३; पि० नि० २२३; आघ०
नि० ५१५; भग० ५१५; ८, २; १८, ३;

उवउत्तया. स्त्री० (उपयुक्ता) उपयोग; सा-
वधेती. उपयोग; सावधानी. Cautious-
ness; attentiveness. उत्त० २४, ६;

उवएस. पुं० (उपदेश) उपदेश; बोध;
शिष्याभ्यास. उपदेश; ज्ञान; हित की शिक्षा.
Advice; teaching; आ० २०: ३०;
४०: अणुजो० ४२; पि० नि० भा० ५१;
सू० च० ४. १०; नाया० १; ७; भग० २,
१; ७, ६६; उवा० ७, २१६; पंचा० १, २३;
भक्त० ८६; प्रव० १; गच्छा० १३३;

—रुइ. पुं० (रुचि) श्रुतेो उपदेश
सांभली मश्रुत श्रुते तत्तद्वि; इति-सम-
हितो अ० प्र० २. गुरु को उपदेश सुनकर
जो तत्त्व-चि जाग्रत हुई हो वदः रुचि मम्य-
कृत्वा का एक भेद. liking for right
knowledge etc. excited by
hearing the sermon of a Guru;
a variety of liking for Sama-
kita. “ छुडमथेण जिणेण च उवएस
रुइति नायव्वा ” प्रव० ६६६; उत्त० २८,
१६; आ० १०; (२) त्रि० नेती इति-
यावो. वैम रुचि वाला. a person pos-
sessed of the above kind of
liking. उत्त० २८, १६; —लइ. त्रि०
(—लव्य) उपदेश पभेत्त. उपदेश पाया
हुआ. (one) who has received
and accepted religious instruc-
tions. “ इय उवएसलइहृ इयविएणां
पत्ता ” उवा० ७, २१९;

उवएसण. त्रि० (उपदेशक) उपदेश-भोष-
करना। उपदेश करने वाला. A religious
instructor; a religious preach-
er; an adviser. सूय० १, १, ४, १;
उवएसण. न० (उपदेशन) उपदेश; बोध.

उपदेशः ज्ञान; बोध. Advice; teaching. “ तद्वियागं न भावाय संभावे उवगमस्ये ” उत्त० २६, १२; (२) उपदेश आपेक्षितो; श्रीमते कोषे श्रवणं प्रवर्तयति ते. उपदेश देना; दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. “ विद्या उवगमस्ये ” शा० ७, अणुत्रो० १२६;

उवगमस्य. पुं० (उपदेशक) उपदेश करनेवाला. An adviser; a preacher. पंचा० १, १२;

उवश्रोग. पुं० (उपयोग=उपयोजनमुपयोगः, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवोऽनेनेत्युपयोगः) परतु परिच्छेद करनेवाला अर्थात् ज्ञान दर्शनमय व्यापारः चैतन्यशक्ति. वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शनमय व्यापारः चैतन्यशक्ति. The power of consciousness used by the soul in dealing with an object. भग० १, ४; २, १; ६, ३; ७, ४; १३, ४; १६, ६; २६, १; पञ्च० २८; भाषा० १ पञ्च० ४४७; च्च० नि० ११४; प्र० ४१; ४० मं० ४, २; पंचा० १, १६, १२) आध्यात्मिकः आध्यात्मिकत्वमाध्यात्मिकः attentiveness; cautiousness; carefulness. श्रौत० २१; (३) पञ्चवक्त्रा सूत्रा १६ भा० पदं नाम. पञ्चवक्त्रा सूत्र के १६ वें पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० १; (४) पञ्चवक्त्रा सूत्रा तीसरे पदका १३ भा० द्वारं नाम. पञ्चवक्त्रा सूत्र के तीसरे पदके १३ वें द्वारका नाम. name of the 13th Dwāra of the 3rd Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० ३; (५) क्षयदुः क्षय. फायदा; लाभ. gain; advantage. सु०

च० ४, १६३; —आत. पुं० (—आत्मन्) उपयोगरूप आत्मा. उपयोगरूप आत्मा. soul in its aspect of consciousness. भग० १२, १०; —गुण. पुं० (—गुण—उपयोगः साकारानाकार चैतन्यगुणो धर्मो यस्य स तथा) चैतन्यधर्मवाला श्रव. चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness. “ जीवे मास्य गुणश्रो उवश्रोग गुणे ” शा० ७; —जुय. त्रि० (—युत) उपयोगवाला. उपयोग वाला. possessed of attentiveness or carefulness. “ तं पुणं संविगमं उवश्रोग जुयं तिव्व सद्धाप्प ” पंचा० १६; —इया. स्त्री० (—अर्धता) उपयोगशील अपेक्षा. उपयोग की अपेक्षा. desire or wish for attentiveness or carefulness. नाया० ४; —णिव्वत्ति. स्त्री० (—निवृत्ति) उपयोगशील उत्पत्ति. उपयोगकी उत्पत्ति. birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग० १६, ८; —पद. न० (—पद) पञ्चवक्त्रा-प्रज्ञापना सूत्रा २६ भा० पदं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के २६ वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannavapā Sūtra. भग० १६, ७; —परिणाम. पुं० (—परिणाम —उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) श्रवपरिणामता श्रेष्ठ प्रकाश. जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. पञ्च० १२; शा० १०; —लक्षणा. न० (—लक्षण) श्रवश्रित श्रवणं उपयोगलक्षण. जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग). the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul. भग० १३, ४;

उवंग. न० (उपाङ्ग) शरीरना अवयवना अवयव; मुख्य अवयवना अवयव; उपांग. शरीर के अवयव का अवयव (उपांग). A sub-limb of a body जं० प० अणुजो० १२७; पञ्ज० २३; क० गं० १, ३४; २, ६; ५, ६२; क० प० ४, ४१; १, ५६; (२) अंग सूत्रनी पासेना उपांग सूत्र; उववाच आदि आर उपांग. अंगसूत्र के उववाच आदि बारह उपांग. any of the 12 Upāṅga Sūtras viz. Uvavāi etc. जं० प० १; राय० निर० १, १; ३; क० प० १, ६; —तिग. न० (—त्रिक) उदारिक शरीरना अंगोपांग, वैक्रिय शरीरना अंगोपांग अने आहारिक शरीरना अंगोपांग से प्रजुनी समुद्. आहारिक, वैक्रियक और आहारिक इन तीनों शरीरों के अंगोपांग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz. Udārika Vāikreya and Āhāraka. क० गं० २, २३;

उवजण. न० पुं० (उपाज्जन) आनीना चैतने उजिणु हेतु—यीक्षिण पदार्थ लगाये ते. गाड़ी के चाक में तैल देना. Lubricating a wheel of a carriage etc. “अक्खो-वजणं वण्णाणु लेवणं” सूय० २, १, ५६; पञ्ज० २, १;

✓ **उव-कप्प.** धा० I. (उप+कल्प्) निप-नयपुं०; तय्यार करपुं०. उत्पन्न करना; तैयार करना. To produce; to prepare. उवकप्पंति. सूय० १, ११, १६;

✓ **उव-कस.** धा० I. (उप+कप्) पाभपुं०; भेदपुं०. प्राप्त करना; पाना. To get; to obtain.

उवकसंति. सूय० १, ४, १, २०;

उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११;

✓ **उव-कर.** धा० II. (उप+कृ) उपप्रार

प्रवे. उपकार करना. To do a good turn; to do an act of benevolence.

उवकरेउ. उवा० १, ६८;

✓ **उव-कर.** धा० II. (उप+कृ) रीयपुं०; रसोपि ड०पी. गिम्हाना; रसोई करना. To cook; to cook food.

उवकखडेइ. नाया० २; १३; १६;

उवकखडिंति. नाया० ८;

उवकखडिज्ज वि० आया० २, १, ६, ५०;

उवकखडेह. आ० नाया० ३;

उवकखडेउ. उवा० १, ६८;

उवकखडिय. गं० कृ० नाया० १६;

उवकखडित्ता. नाया० १६;

उवकखडेत्ता. सूय० २, ६, ३७;

उवकखडेइ. प्रे० नाया० २; १६; भग० १६, ५;

उवकखडावेइ ति. प्रे० नाया० १; ७; ८; १६; भग० ३, १; विवा० ३;

उवकखडाविंति. प्रे० नाया० १४;

उवकखडावंति. प्रे० भग० ११, ६; १२, १;

उवकखडावेहि. आ० प्रे० नाया० १४;

उवकखडावेह. आ० प्रे० भग० १२, १; १८, २;

उवकखडाविय. गं० कृ० भग० १२, १;

उवकखडावेत्ता. गं० कृ० नाया० १; १६; भग० ३, १; १६, ५;

उवकखडावेत्ता. गं० कृ० नाया० २; ३; ७; भग० ३, १;

उवकरण. न० (उपकरण) उपप्रारण; वस्त्र आदि परिश्रद्ध. उपकरण; वस्त्र वगैरह परिग्रह. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पगह० १, ५; भग० १५, १; —ओमो-यरिया. छां० (—अवमोदरिका) उप-प्रारणी उणिदरी. उपकरण की उनीदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed. डा० ३, ३:

उवकासिय. न० (*) शरीरना अत्ययः आत्र. शरीर के अवयव. Any of the limbs of the body. पृ० २, ४;

✓ उय की. धा० III. (उप+कृ) विभी निभृजु. बिखेरना. To scatter; to disperse.

उवकीरेह् निर्गम० ७, २७:

उवकुल. पुं० (उपकुल) दृष्टनक्षत्रनी पार्श्वना नक्षत्रा, नक्षत्रे अश्विनी दृष्ट तो भरणी उपदृष्टः दृष्टिका दृष्ट तो रोहिणी उपदृष्ट. कुलनक्षत्र के समापवर्ती नक्षत्र जैम कि अश्विनी नक्षत्र कुल नक्षत्र है और टम के समाप भरणी नक्षत्र उपकुल है, कृत्तिका कुल नक्षत्र का रोहिणी उपकुल है. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bharani in the vicinity of Aśvini; Rohini in the vicinity of Kṛttikā. जं० प० ७, १६१:

✓ उव क्रम. धा० I. II. (उप+क्रम) दृष्ट-वत्; अटवत्; वापवत् ये अय इरवत्. जमान हलना. To cultivate; to till.

उवक्रामजह्. क० वा० विशेष० २०३६;

उवक्रमिजति. क० वा० अणुजो० ६७:

उवक्रम. पुं० (उपक्रम) इर रक्षेव वस्तुने प्रदिपादनशैली नीजिद आनीने निक्षेप योग्य दरी; अनुयोग शब्दविषयना प्रथम द्वार. दूरवतां वस्तु को प्रांतपादनशैली के द्वारा समाप लाकर निक्षेप करना; अनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार. An intro-

duction; introductory remarks.

अणुजो० ५६: ६११; (२) नेथी छंदगी-नी अंत आवे-आयुष्य तुटी वनय ते.

जिगम जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य टट जाय वह. that which puts an end to life. सूच० १, ८, १५; आउ० ८: प्रव० १०१३; (३) अनुदित इमने

उदयभां आवया ते. अनुदित कर्म को उदय में लाना. causing unmaturing Karma to mature. डा० ४, २; (४)

अन्येना आरम्भ-शर्यात. बंध का प्रारंभ.

commencement of bondage;

commencement. डा० ३, ३: ४, २;

(५) उपयः एतावत्. उपाय. means

to accomplish an object; an

expedient; a remedy. “ निविहे

उवक्रमपणत्ते तंजहा धम्मिण् उवक्रमं अह-

म्मिण् उवक्रमं ” डा० ३: सूच० १, २, ३,

१४: आया० १, ८, ७, ६; भग० १, ४:

— काल. पुं० (-काल) इर रक्षेव वस्तुने

प्रतिपादनशैली नीजिद आवयता वपत.

दूरवतां वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा

समाप लाने का समय. time for mak-

ing introductory remarks or

preliminary observations. “ स-

किलायकमकालो किरियापरिणाम भूरतो ”

विशे० ६१७:

उवक्रमण. न० (उपक्रमण) उपक्रम इरवी:

विशेषता इरवी. उपक्रम करना; विशेषता

करना. Commencement; parti-

cularisation; making prelimi-

nary observations. अणुजो० ६८;

उवकमिया. स्त्री० (औपक्रमिकी) रोहिदि

क्षारुथी यती पीडा. रोगादिक से जो पीडा हो वह. Involuntary pain caused by disease etc. "अहं उवकर्मयं वेय-
यं खोसम्मं सहामि" टा० ४; २, ४; पञ्च०
३५; भग० १, ४;

उक्कर. पुं० (उपस्कर) संस्कार शुश्रूषा.
संस्कार शुश्रूषा. Attendance of a
ceremony. पगद० १, १;

उक्कखड. वि० (उपस्कृत) रोधियाने
आरम्भ करेहु. पकाने के लिये प्रारम्भ
किया हुआ. (Food) begun to be
cooked. पि० नि० १००; जीवा० ३, ३; आ०
नि० भा० ५४; नाया० २; उत० १२, ११.

उक्कखड. पुं० (उपस्कर) रोधियानी सामग्री
पकाने का सामान. The articles for
cooking. आव० —संपगण. वि०
(-संपन्न) रोधियानी सम्पूर्णा सामग्रीशी नीप-
व्हेत्त आतपयेरे. आहार का एक भेद; निपात
से उत्पन्न नात वगैरह. a kind of food;
food prepared by cooking. आव०

उक्कखडिय. वि० (उपस्कृत) संस्कार पमांय.
संस्कार किया हुआ. Seasoned. भग०
१५, १; नाया० १६;

उक्कखर. पुं० (उपस्कर) धरता उपकरण;
धरवभरी, घर के उपकरण; घर सम्बन्धी
सामान. Household furniture.
(२) दीप आदि. हिंगादि. asafetida
etc. टा० ४; —संपगण. वि० (संपन्न)
दीप आदिशी पमांय. हिंग आदि मे
बघारा हुआ. seasoned, spiced
with asafetida etc. टा० ४, २;

उक्कखा. धा० I, II. (उप+ख्या) नामनि-
र्देश करवे. नामनिर्देश करना. To make
mention of a name.

उक्कखाइज्जन्ति. क० वा० भग १६, ३;
२०, १; मय० २, ४, १०;

उक्कखाइआ. धा० (उप+ख्यायिका) ७१
इथा; प्रासंगिक इथा. उपकथा; प्रसंग सम्बन्धी
कथा. An episode; a story sub-
ordinate to the main story;
an episodical story. नंद० १०;
सम० ६;

उक्कखाइआ. वि० (उप+ख्यान्) ज्ञाति-
प्रसिद्धि भेदकान्तर. प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला.
(One) who has won renown.
मय० २, २, २६;

✓ उव-गम. धा० I. (उप+गम) पान
आवयुं; नष्ट आवयुं. पान आना नजदीक
आना. To come near.

उवगम. सं० क० विशेष० ३१६६;

उवगत. व० क० मम० ३०;

उवगय अ. वि० (उवगन्) पामेत; प्राप्त
थियेत्त. पया हुआ; प्राप्त. Acquired;
got; (one) who has got. मय०
३३; ३५; कप० ४, ६२; आव० ३१;
जिवा० २; मय० २, १, ५६; अणुमो० १३;
नाया० १८; ६; १५; मय० ३, २; १६, ३;
उवा० १, ६६; २, ६६; (२) युक्त; युक्त
possessed of; united with
मय० कप० १, २. **स्वाहन्त. न०**
(स्वाधन्व) १०० मे २५५ वरुणा अति
शत. मय्य वचन का २४ वां अतिशय
the 24th supernatural mani-
festation of truthfulness of
speech. मम० मय०

उवगगण. न० (उपकरण) धरव पात वगैरे
निर्दिष्टा सधन. निर्दिष्ट का सामग्री; वस्त्र,
पात्र आदि. Articles of use, such
as clothes, utensils etc; आव० ४.
६; प्रव० १५, १६८; ५०४; मय० २६०;
आव० १६; उत० १२, ४; ज० प० २, ३१;
आया० १, २, १, ६२; २, ३, ३ १६;

kindness. “ उवगाराभावाम्मिवि पृथ्वाणं
पूजगस्स उवगारा ” पंचा० ४, ४६:

उवगारण. न० (उपकारण) उपकार करनेवाला। Showing kindness or causing others to show it to those in distress.

“ उवयारणपारणासु विण्णञ्चो पडिजियव्वो ”
पण्ह० १, ३:

उवगारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करनेवाला; उपकारी. Benevolent; kind; helpful. पंचा० ४, ४१;

उवगारियलेण. न० (उपकारिकालयन)
प्रासादभां दाख्य थावेने उपकारदथाय तेवे
आनरे नयेरे; प्रासादपीठ. प्रासाद में जानेके
समय चढ़ने का छोटला; प्रासादपाठ. A
small platform to ascend the
palace. भग० ३, ७: १३, ६:

उवगाहित्तण. सं० कृ० अ० (अवगाहित्तुं)
अपगहन करने। अवगाहन करने के लिये.
In order to enter or pervade.
नाया० ८;

उवगिज्जमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातुं.
गाता हुआ. Singing; being sung.
नाया० १; १६: भग० १, ३३; राय०
२७५; जं० प० ३, ४२: ३, ६७;

✓ **उवगिगह.** धा० I. II. (उप + ग्रह्)
अग्रहण करने। ग्रहण करना. To take; to
accept.

उवगिगहह. भग० ५, ४;

उवगिगहमाण. भग० ५, ६;

उवगीयमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातो.
गाता हुआ. Singing. विवा० १

उवगूढ. त्रि० (उपगूढ) संस्पृष्ट; अस्पर्श.
छुआ हुआ; स्पर्श किया हुआ. Touched
by; in contact with. सूय० १, ४,
१, २७; नाया० १८; (२) युक्त. युक्त;

सहित. joined with; possessed of.
“ गुंजावक्क कुहरावगूढं ” राय० (३) छुपाई
रहेहुं; अस्पृष्ट रहेहुं. छुप कर रहा हुआ.
remaining hidden or concealed;
hiding; lurking. राय० ८६;

उवगूहण. न० (उपगूहन) आश्रित.
आलिंगन; भेट: मिलाप Embrace;
pressing to the bosom with
affliction. “ आरुहणणट्ठेहि बालय-
उवगूहणेहि ” तंदु०

उवगूहिय. त्रि० (उपगूहित) आश्रित
करे। आलिंगन किया हुआ. Embraced.
तंदु० राय० नाया० १३;

उवगूहियज्जमाण. त्रि० (उपगूह्यमान) आश्रित
करातुं. मिलाप कराता हुआ. Embrac-
ing. “ उवलालिज्जमाणे उवगूहियज्जमाणे ”
नाया० १; राय० २८६;

उवगग. अ० (उपाग) संगीयमान; नज्जिक.
नज्दीक; गमोप. Near; in the vicinity.
विशे० ३०१५;

उवगगह. पुं० (उपागह) उपाधि; देधी अव
धि। ते. उपाधि; कर्मबंध का कारण. Any
possession which prolongs
one's stay in the cycle of births
and deaths. ओव० पञ्च० ३६; (२)
अवधुम: देहा. देहा; आधार. a
support. गच्छा० १५; ओव० पि० नि०
६६; भग० ५, ६; (३) आज्ञा. आज्ञा;
हुक्म. order; command. नाया० १३:
१४; नाया० ध० — कम्म. न० (- कर्मन्)
अवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम,
अने गोत्र ऐ आरमानु गमे ते ऐक
भवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम और
गोत्र इन चार कर्मों में से कोई भी एक
कर्म. Karma which is helpful in
prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Āyusya, Nāma, Gotra and Vedanīya. पञ्च० ३६; — **कुसल**. त्रि० (—**कुशल**) अनुग्रह करनेवाला दृष्टव्य. अनुग्रह—उपकार—करने में कुशल. (on 3) proficient in showing favour, kindness etc. वच० ३, ३; — **ट्टया** स्त्री० (—**अर्थना**) अवग्रहणी अपेक्षा अवग्रह की अभिलाषा. a desire or wish for Avagraha i. e. favour, help etc. आ० ५, ३.

उवग्गहिय. त्रि० (**आपग्राहिक**) पातीपाई; अधुमे थेंदा वअत राणी पायुं धणीने केपी देवायेअ वस्तु उपधि. ऐसी वस्तु जो कि मायु थेंद समय के वास्ते लेकर उस वापस मालिक को दे देता है; वापस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary use. भग० ६, ३१; आ० नि० ७२६;

उवग्गहिय. त्रि० (**उपगृहीत**) उपस्थापित इरेअ. उपस्थापित. Freshly admitted after expulsion from the order पञ्च० २३;

उवग्गघाय. पुं० (**उपोदघात**) प्रस्ताव. उपोधात उपोदघात; प्रस्ताव. An introduction; a preface. अणुजो० १५५; विंश० ६७२;

उवग्गअ य. पुं० (**उपघात**) विनाश; मरण; संहर. विनाश; मरण; गंहार. Death; destruction; annihilation. क० गं० १, २५ ४८; ५, ७ ७०; क० प० १, ३८; प्रव० १२७७; १३८८; पिं० नि० भा० २४; आवे० पञ्च० ११; २३; पण्ह० १, १; (२) आघात—श्रोत्रादि छिद्रियेन वायुं वगेरेना शब्दधी धक्का लागे ते. श्रोत्रादि इन्द्रियों को वायु आदि के शब्दादिके धक्का

वगेरह मे जो धक्का लगे वह. an impact given by sound etc. to the sense-organs e. g. ears etc. विंश० २०४; (३) पिण्ड शब्दा वगेरेनुं अक्षरनिष्ठपणुं रंथी साधुने आदार, शब्दा वगेरे इत्थे नदि तेवे देव. विगड शब्दा आदिका अकल्पनीकता. food, bod etc. used by an ascetic against the rules of scriptures. आ० ३, ४; — **कम्म**. न० (**कर्मन**) भीमन्ती धातु धाय तेरी किया. दूसरे का घात जिस मे हो ऐसा किया. an act which involves destruction of other living beings. " आसुणि मन्निखरां च गिदधुमुवघायं कम्मं " मू० १, ६, १५; — **कम्मग**. न० (**कमेक**) लुभे उपदेा शब्द देखो उपरका शब्द. vide above मू० १, ६, १५; — **णाम**. न० (—**नामन्**) नामधर्मनी अक्ष प्रकृति. नाम-कर्मका एक प्रकृति. a variety of Nāmakarma. मन्० २०; — **गिस्सिय**. न० (—**निव्रित**) दशमु भूषा अंश दशवीं भेद; अमत्य का दशवां भेद. the 10th variety of falsehood or lie. प्रव० ८६६; आ० १०; — **वउज्ज**. त्रि० (**वउर्ज**) उपघात नामधर्मनी प्रकृति शिवायनुं. उपघात नामकर्म की प्रकृति के अतिरिक्त. with the exception of the variety of Nāmakarma known as Upaghāta. क० प० ४, ३;

उवघाइ. त्रि० (**उपघातिन्**) धातु करनेहार; मारनेहार. घात करने वाला; मारने वाला. A destroyer; a slaughterer. उत्त० १, ४०;

उवघाइअ. त्रि० (**उपघातिक**) उपघात-नाश करनेहार दूसरेका घात करने वाला.

(One) that kills or destroys another. दस० न. २३:

उवघाड्या. क्री० (उवघातकी) आश्रित-
नो अक्ष प्रक्षार: भारे आश्रितमांथी थोडा
व्ययत आद करी वधु आश्रित आपुं ने.
प्रायश्चित्त का एक प्रकार; भार प्रायश्चित्त में
से थोड़ा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त
देना. A mode of expiation;
making an expiation lighter
by curtailing the time requir-
ed for its due performance
and then prescribing it to a
sinner. (२) २८ अचारप्रकल्पभांनुं
अक्ष. २८ आचारप्रकल्प में से एक one
of the 28 Āchāra Prakalpa.
“ उवघाड्या आरोवणा अगुवाड्या आरो-
वणा ” सम० २८:

✓ **उवचिय.** धा० I. (उव+च्यु) व्ययतु;
नाश थये. च्युत होना; नाश पाना To
destroy; to ruin.

उवचयति भग० २, ४;

उवचय. पुं० (उवचय) पुष्टि; वधारे; वृद्धि.
वृद्धि; बढती; पुष्टि. Increase; growth.
भग० २०, ४; पं० नि० २; १०१; सु० न०
१, ३१४; राय० २२०; (२) छिद्रिय योय
पुद्गलना संश्रद्ध करी छिद्रिय पर्याप्ति आधिपी
ते. इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संग्रह करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को बांधना. develop-
ment or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पञ्च० १२;
परह० १, ४;

✓ **उव-चर.** धा० I. (उव+चर्) पास आपी
उपसर्ग आपयो-कष्ट आपुं. मपीय आकर
उपसर्ग करना-कष्ट देना. To trouble
or annoy by approaching.

उवचरति. आया० १, ६, २, ७;

उवचरअ-य. पुं० (उवचरक) सेवाने भिरे
थीमने डितरी पापानी तक्ष देनार. सेवा
के बहाने दुगरे के पतन का मौका ताकने
वाना. One who watches for an
opportunity to bring another
into disgrace while pretending
to serve him. मय० २, २, २८;

उवचरिअ वि० (उवचरित) उभयार करेव.
उवचार किया हुआ. Worshipped.
पं० ६, १०;

उवचार. पुं० (उवचार) पुरा सामग्री.
पूरा सामग्री Materials of wor-
ship. परह० १, ७;

उवचिअ य वि० (उवचित) वृष्टि थये;
वृद्धि पानेनु; वृद्धि प्रवेशपी आस थयेनु;
पुष्टि; वृद्धि; आस; जीव के प्रदेश में व्याप्त.
Grown; developed; increased.
“ उवचिपतयपनरवाले कर पुष्क फल
समुदण ” जे० प० २, ३८; विशेष० ३४४;
दग० ७, २२; भाषा० १; ४; पञ्च० २;
आय० १०; भग० ३, १; ६; २, १; दगा०
१०, १; उवा० २, ६२; कप० २, १४; ३,
३२-३४; (२) सहित सहित; युक्त.
accompanied with. अगुजो० १३;
जावा० ३, १; (३) स्थापित; गठित
स्थापित; जमाया हुआ. established;
settled; arranged. (४) संभारनेनु;
उभारनेनु. मरहाला हुआ; कसाया हुआ.
mended; tanned; cured (lea-
ther). मय० १३२;

✓ **उव चिह्न.** धा० I, II. (उव+छा)
समीप जायु; पास स्थिति करी. समीप में
स्थिति करना. To stand in front
of; to go to.

उवचिह्न. नाया० १; सु० न० ३, २४१;

उवचिद्रुति भग० ७, २;

उवचिद्रे. वि० उत्त० १, २०;

उवचिद्रिज्ञा. वि० उत्त० १, ३;

उवचिद्रिज्ञा. वि० दस० ६ ११;

✓ **उव-चिण.** धा० II (उप+चि) उपत्यय
इशेवाः वृद्धि इशेवा. उपवय करणाः वृद्धि
करणा. To increase; to grow; to
develop.

उवचिणइ. भग० १, १; १, ७; ६; उत्त०
२६, २२;

उवचिणिति. टा० ४, १;

उवचिणिस्मिति. टा० ४; १;

उवचिणिमु. भू० टा० ४. १;

उवचिजइ. क० वा० भग० १, १०;

उवचिजन्ति. भग० ६, ३; २५, २;

✓ **उव जा.** धा० I (उप+या) पासि ऋतुः
मजतु. पास जाना; मिलना To go to
or near; to meet.

उवयाइ. भन० ७२;

✓ **उव-जीव.** धा० I (उप+जीव्) ऋतुः
निर्वादि इशेवा. जीनाः निर्वादि करणा. To
live; to maintain livelihood.

उवजीवइ. भग० २, १; वव० ६. ६; सय०
२, ५. ३१;

उवजीवन्ति. भग० ४१, १;

उवजीवि. वि० (उपजीविन्) आश्रयिषा यत्ता-
यनाइ. आजीवका चवाने वाला. (One)
who maintains livelihood; (one)
who supports life. प० नि० २६६;

उवजुजिऊण. सं० क० अ० (उपयुज्य) उपयोग
इशेति. उपयोग करके. Having used;
having made use of. भग० ८, १;

उवजुत्त. नि० (उपयुक्त) उपयोग सहित.
उपयोग सहित. Full of carefulness
or attentiveness. प्रव० ६८;

उवजोइय. पु० (उपज्योतिष्क = ज्योतिषः

भर्मापि तिष्ठन्तीति उपज्योतिषस्तण्डुलोपज्वा-
तिष्काः) अग्नि पासि रहनेवाः रसेष्टयो.
अग्नि के समाप रहने वाला; रसे इया. One
who remains near fire; a cook.
(२) अग्निहोत्री. अग्निहोत्री. one who
consecrates and maintains the
sacred fire. उत्त० १२, १८;

✓ **उव पज्ज.** धा० I. (उप+पद्+य)
उत्पत्त श्रुतु. उत्पन्न होना. To be born;
to be produced.

उववज्जति. दसा० ७, ७;

उववज्जितणु. ह० क० भग० ७, ६; ३४, १

✓ **उव-पज्ज.** धा० II. (उप+पद्) उप
श्रुतुः उत्पत्त श्रुतु पैदा होना; उत्पन्न होना.
To be born or produced.

उववज्जइ. भग० १, ७; ३, ४; ५; ४, ६;
८. १०; नाया० १६;

उववज्जन्ति आब० ३८; उत्त० ८, १४; म०
प० १६; भग० २, ५; ७, ३; १०, ४;
११, १; १३, ६; १३, १; १६, ३; २०.
१०; २३, ५; २४, १; १२; २५, ८;
३२, १; ३५, ४; ४०, १; ४१, १;

उववज्जज्जा. भग० १, ७; १२, ८; १७,
६; २०, ६; २४, १; ३४, १;

उववज्जिहिति. भग० २, १; ७, ६; ११.
११; १३. ६; १४, ८; १५, १;
नाया० ध० उवा० १, ६२; ६०;
२, १०५; आव०

उववज्जिहिति. नाया० १; १४; भग० ३, १;
७, ६; विवा० १; ज० प० २, ३६;

उववज्जिहमि. उवा० ८, २५५; २५६;

उववज्जिहमि. भग० ३, १;

उववज्जितणु. ह० क० भग० ३, ४; ५, ३;
६, ५; ७, ६; ७; १२, ६; १७, ६;
७; १८, ५; ८; २०, ६; २४, १;
२१; ३४, १; पञ्च० १६;

उववज्जित्ता. सं० कृ० भग० ११, ६; २०, ६;

उववज्जेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ५;

उववज्जिऊण. सं० कृ० पन्न० १६;

उववज्जमाण. भग० १, २; ६; ७; १२, ८;

२४, १; २; २०; २५, ६; ३४, १;

४१, १;

उववायण. प्रे० वि० उत्त० १, ४३; दग०

८, ३३;

उवज्जोइ. त्रि० (उपज्जोतिप्) लोपेति-

अग्निं समीपवर्ती. ज्योति-आग्निं समीपस्थ.

(One) who remains near the fire; remaining near the fire.

सूय० १, ४. १, २६;

उवज्झाय. पुं० (उपाध्याय-उपसमीपमागम्य-

अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचनं येभ्यस्त उपाध्यायाः) उपाध्यायः शास्त्रं अध्ययनं कुरा-

यन्तः उपाध्याय, शास्त्र का अध्ययन करने वाला. An Upādhyāya or preceptor;

a teacher of scriptures.

दसा० १, १; वेय० ४, १५; नाया० २;

२०; भग० १, १; ५, ६; ८, ८; २२, ७;

आव० २०; ४१; उत्त० १७, ४; सम० ४०,

आया० २, १, १०, ५६; राय० १; पन्न०

१६; वव० १, २६; २६; आव० १, २;

भत्त० ४८; कप्प० १, १; —पडिणीय. पुं०

(—प्रत्यनीक) उपाध्यायतो शत्रु. उपाध्याय का शत्रु. an enemy of an Upā-

dhyāya or preceptor. भग० ६,

३३; १५, १; —वेयावच्च. न० (—वेया-

वृत्त्य) उपाध्यायनी सेवा कर्तुं ते. उपाध्याय की सेवा. rendering of service to

an Upādhyāya or teacher of scriptures. भग० २५, ७; टा० ५, १;

वव० १०, २७;

उवज्झायत्त. न० (उपाध्यायत्व) उपाध्याय

पण्यं. उपाध्याय पना. State of being

an Upādhyāya or teacher of scriptures; preceptorhood. वेय०

४, १६; १७; वव० ७, १६;

उवज्झाय-ता. स्त्री० (उपाध्यायता) उपाध्याय

नी पदवी. उपाध्यायकी पदवी. Degree or

title of an Upādhyāya or pre-

ceptor. टा० ३, ४; वव० ३, ४; ७;

उवट्ठंभ. पुं० (उपग्रम्भ) टेढ़ा. टेका. A

support प्रव० १३८१;

उव-ट्टव. धा० I, II. (उप + स्था)

आरोपणं तैयारी करतुं; मलात्रतनुं आरोपणं

करतुं तैयारी करना; मेल मिलाना; जमाना;

सजाना; महाव्रतका आरोपण करना. To

make preparations or arrange-

ments; to administer the great

vows.

उवट्टवेह. नाया० १; ५; ८; १२; १३;

दसा० १०, १;

उवट्टवेति. नाया० ८; भग० ७, ६;

उवट्टवेमि. नाया० १२;

उवट्टवे. दसा० १०, १;

उवट्टवेह. आ० नाया० १; ५; ८; १२;

१६; भग० ७, ६; ८, ३३; आव०

२६; ३०; राय० २२६; उवा० ७,

२०६; जं० प० ५, १२०;

उवट्टवेना. भग० ६, ३३; निर्मा० १४, ४८;

नाया० १; १३;

उवट्टवणा. स्त्री० (उपस्थापना) मलात्रतनुं

आरोपणं करतुं ते. महाव्रत का आरोपण

करना. Investing with full vows

(i. e. ascetic vows). पंचा० १७, ३१;

उव-ट्टा. धा० I, II (उप + स्था + णि)

उपस्थित रहैयुं; तैयार रहैयुं. तैयार रहना;

उपस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep

(oneself) ready or prepared.

उवट्टाह. जं० प०

उवट्टंति. अणुजो० २१;

उवट्टादंसु. भग० १५, १;

✓उवद्वाव. पा० I, II. (उप+स्था+णि)

आरितभां स्थापयन्तु; महाव्रतं अशेषयुः करयुः. महाव्रत का आरंभ करना. To establish (a fresh disciple) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.

उवट्टावेह. नाया० ८; निगी० ११, ३४;

उवट्टाविंती. नाया० ८;

उवट्टावण्जा. भग० १, ८; वव० १, २३; २७;

उवट्टावेह. आ० भग० ७, ६;

उवट्टाविच्छिन्ना. हे० कु० टा० २, १, मूय० २, १,

१५; वव० २, १६, ६, २०; १०, १८;

उवट्टावेच्छिन्ना. टा० ३, ८;

उवट्टास. न० (उरस्थान) भेदः. अभाः

गोप. बैठक; सभा; मंडप. A seat; a meeting-place; a hall of assembly.

कप० ४, ८८; भग० १, ३; ३, ७;

नाया० २; (२) संयम अनुष्ठान संयम का

अनुष्ठान. observance of asceticism. मूय० १, १, ३, १४; —साला.

स्त्री० (शाला) राजसभा; भेदः. राज-

सभा; बैठक. a seat; a hall of audience; a royal council hall

नाया० १; ५; १६; जं० प० ३, ४३; भग०

७, ६; ६, ३३; ११, ११; निर० १, १;

नाया० १०, दगा० १०, १; “ बाहिरियाण

उवट्टाणसालाण पडिण्ण पडिण्णकाइ जत्ताभि

सुहाइ जुत्ताइ जाणाइ उवट्टवेह ” आ०

११; २६; कप० ४, ५८;

उवट्टाणिअ. न० (उपस्थानिक) भेदः

शिक्षक; राजशाला. भेदः इनाम पारितोषकः

नजराना. A gift; a present. नं० प०

३, ६४; ३, ४५;

उवट्टाणिआ. स्त्री० (उपस्थानिका) पासे

भेसतारी दासी. समीपमें पास में बैठनेवाली

दासी. An attendant female ser-

vant; a waiting maid-servant.

भग० ११, ११;

उवट्टावण. न० (उपस्थापन) दीक्षा दीया

पछी सात दिवसे चार भद्रदिने ६ छ भद्रदिने

महाव्रतं आशेषयुः करयुः-भेदः दीक्षा

आपनी ते; छंदोपस्थापनीय आरित आशे-

पयुः ते. दीक्षा लेने के बाद सात दिन, चार

मास या छ मास के नंतर महाव्रत का आरं-

भण करना: बड़ा दीक्षा देना: छंदोपस्थापनीय

चारित्र का आरंभण. Fresh admission

after expulsion from the order

of monks. वव० १०, १२; १३; टा०

४, २; —अन्तेवासी. पुं० (अन्तेवासिन्)

उन्ते छंदोपस्थापनीय आरित आप्नुं ह्यय तेवे

शिष्य. जिसे छंदोपस्थापनीय चारित्र दिया

हो वह शिष्य. a disciple freshly

admitted in the order of monks

after a temporary expulsion.

वव० १०, १३; १४; (शा) —आपरिअ. पुं०

(- आचार्य) भेदः दीक्षा आपनार आप्ना,

गुरु. बड़ा दीक्षा देनेवाले आचार्य. a pre-

ceptor entitled to re-admit a

disciple into the order of monks

after a temporary ex-

pulsion. टा० ४, ३; —आरिअ. पुं०

(- आचार्य) उपस्थापना छंदोपस्थाप-

नीय आरित आपनार गुरु. छंदोपस्थापनीय

चारित्र देनेवाले गुरु. a preceptor re-

admitting a disciple into the

order of monks after a tempo-

rary expulsion. वव० १०, १२;

उवद्विअ-य. त्रि० (उपस्थित = उप सामीप्योन

स्थितः उपस्थितः) पास आवेद; दा० २

थभेद. समीप में आया हुआ; हाजिर रहा

हुआ. Come near; approached; present. “ उवट्टियामे आयरिया विज्जामंत तिगिच्छमा ” उक्त० २०, २२; नाया० ८; दस० ४; ६, २, ४; सम० ३०; प्रव० १२५; आया० १, ६, १, १२६; भग० १, ६; ७, ६; स्य० १, १, २, ५; उक्त० २५, ५; ओघ० नि० ५१५;

उवडहिता-र. वि० (उपदग्धृ) आगता२. जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to. स्य० २, २, १८;

✓ उव-दोय. धा० II (उप+दोक्) मानता. यशस्वी; धरतुं मानता करना; मानता चढाना. To offer for acceptance e. g. before a deity; to present as an offering

उवदोहति. मु० च० २, ३३६;

उवणच्चिज्जमाणा. पु० (उपनृत्यमान) नाचनेवा. नाचता हुआ; नृत्य करता हुआ. One who is dancing. भग० ६, ३३; जं० प० ३, ६७; ३, ५२;

उवणत्थ. वि० (उपन्यस्त) तैयार करेता. तैयार किया हुआ. Made ready; prepared. दस० ५, १, ३९;

उवणद्ध. स्त्री० (उपनद्ध) थपुं बहुत. Much; more; in a great quantity. भग० ६, ३३;

उवणय. पु० (उपनय) प्रकृत वस्तुनी साथे उदाहरणकी घटना करती है. प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the five-membered Indian syllogism (in logic); the application of the Udāharana or illustration to the special case in question. ओघ० नि० भा० ६४; विश० ३१५२; (२) भेटणुं; अक्षीस. डाला; इनाम; पारितोषक

a gift; a present. राय० २३७; (३) गृणनी तारीक्ष; प्रशंसा. प्रशंसा. praise or appreciation of merits or virtues. प्रव० ६०३; --वयण. न० (-वचन) प्रशंसा वचन जैसे अमुक स्वर्गपवान् अने सुशील छे ते. प्रशंसाके वचन. words of praise or admiration. प्रव० ६०३;

उवणयण. न० (उपनयन) इलायार्थ पारसे आइकने इला शिष्यवर्गी ते कला के आचार्य में बालक को कला सिखवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११; पण्ह० १, २; राय० २८८;

उवणिविखन. वि० (उपनिक्षिप्त) भुकेता रक्ता हुआ Placed; deposited. वय० २, ४;

उवणिविग्वयव्व. वि० (उपनिक्षिप्तव्य) पार्श्व मुड़तुं. फिरसे रखना. Placing or depositing again. वय० ४, २४,

उवणिग्गय. वि० (उपनिर्गत) नीकलेता; अद्वार आवेता. निकला हुआ; बाहर निकला हुआ. Come out; got out; emerged. ओव०

✓ उवणिमंत. धा० II. (उप+नि+मंत्र) निमंत्रण करेता; नेतई देता. निमंत्रण करना; न्योना करना. To invite; to give an invitation.

उवणिमंतइ. नाया० १; ८; १४; १८; भग० १२, १; सम० ३३;

उवणिमंतेज्जा. भग० ८, ६; वय० १, ३७;

उवणिमंतेहि. नाया० १४;

उवणिमंतेह. नाया० १;

उवणिमंतेहिंति. ओव० ४०;

उवणिविद्व. वि० (उपनिविष्ट) समीप परेता. समीप में रहा हुआ. Placed near; remaining near; situated near.

राय० ४६, जं० प० ६, ७४;

उवाणिहिआ. स्त्री० (औपनिषिकी) जुआ
जुली अनेक वस्तुओंना पौर्यापर्यन्त-अनु-
क्रमनी योजना; आनुपूर्वी-अनुक्रमेण ऐक
प्रकार. मिस्र २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव
-अनुक्रम की योजना; अनुक्रमका एक भेद.
Arrangement of different
things in order or succession.
अणुजो० ७२:

उवर्णीअ-य. त्रि० (उपनीत) पास
आवेत; प्रोत थयेय. समीपगत; प्राप्त.
Come near; brought near;
obtained. उत्त० ४, १; सू० च० १, ३१३;
आया० १, ३, १०८; १, ७, १, ६०;
पि० नि० ११३; नाया० १४, १६; राय०
२३७; निवा० ६; पंचा० ७, १३; (२)
अतीस आर्षित; समीपजु इरेत. समर्पित;
आर्षित; पारितोषक में दिया हुआ-दो दृष्ट.
(one) who has been pre-
sented with. आ० १६; भग० ५,
६, पगह० २, १; (३) प्रशंसा; वारीत;
भदिमा. प्रशंसा; स्तुति. praise; glori-
fication. आया० २, ६, १, १३२;
पञ० ११; (४) संयुक्त. संयुक्त; मिला
हुआ. joined with; accompanied
with. भग० ११, ११; (५) प्रस्तावना
उपन्यास वगैरेशी यत्त प्रस्तावना. उप-
न्यास आदि गाहित. accompanied
with a preface, a conclusion
etc. अणुजो० १२८; (६) योजना इरेत
योजन; योजना किया हुआ-का दृष्ट.
planned; arranged. विशेष० १५४;
—**चरअ. त्रि० (-चरक)** क्यांथी
आणुत दीय के अक्षीस आसी दीय तेनी
गवेपणा इरेतार. कहीं से लाई हुई या पारि-
तोषक में प्राप्त वस्तु की गवेपणा करनेवाला.

(one) who seeks only that
which is brought from out side
or got as a present. ओव० १६;
—**वयण. न० (-वचन , प्रशंसा रूप)**
वचन जेमे के आ स्त्री रूपणी छे. प्रशंसायुक्त
वचन जेमे अमुक छा रूपवान है words
of praise; commendation; e.
g. of the beauty of a woman.
आया० २, ६, १, १३२;

उवर्णीय. त्रि० (उपनीततर) जानाईकभां
अतिशय भजत थयेय. जानाईक में जो
आतिशय मग हो वह. (One) deeply
absorbed in right knowledge
etc. सूय० १, २, २, १२;

उवर्णीयतराग. त्रि० (उपनीततर) अति
नजदजु. अतिशय समीपस्थ; बहुत पास
का. Very close to; very near
to. सूय० २, १, ३६;

उवर्णुपयसी. स्त्री० (अवपातोत्पत्ती)
आकाशमें अथवा अतश्चाली विद्या. आकाश में
चढ़ने उतरने की विद्या. Art of ascend-
ing and descending in the sky.
नाया० १६;

उवर्णमसिउं. सं० क० अ० (उपन्यस्य) उप-
न्यास इरीने स्थापन इरीने. उपन्यास करके
स्थान का हुई. Having placed;
having deposited; having esta-
blished. विशेष० १३२२;

उवत्थड. त्रि० (उपस्तृत) आसपास ढंका-
येतु. आसपास ढंका हुआ. Covered on
all sides. "आतिगणा वितिगणा उवत्थडा
संथडा" भग० १, १, राय० २७३;

उवत्थाणिअ. न० (उपस्थानिक) जुआ
'उवत्थाणिअ' शब्द. देखो 'उवत्थाणिअ'
शब्द. Vide 'उवत्थाणिअ'. जं० प०

उवत्थाणिया. स्त्री० (उपस्थानिका) जुआ

‘उवट्ठाणिया’ शब्द. देखो ‘उट्ठाणिया’ शब्द. Vide ‘उवट्ठाणिया’ भग० ११: ११,

उवात्थिअ-य. त्रि० (उपस्थित) पास से रहने; तैयार रहने. समीप में रहा हुआ-हुई; तैयार. Situated near; in a state of readiness; standing near. “दस-विहारुक्खा उवभांगत्ताणु उवात्थिया” भग० १०: नाया० १६; द्या० ६, १७; २३; २४:

✓ उव दंस. धा० I, II. (उप दृष्ट) देखा-दिखाया. To show; to manifest.

उवदंसेइ. ति० भग० २, १०; ३, २; १२, ६; १६, ४; ६; विवा० १; कण्ठ० ६, ६४;

उवदंसंति. भग० ३, १;

उवदंसंति जं० प० ५, १२१;

उवदंसेमि. मु० जं० १५, ११३; सूय० २, १, ११;

उवदंसिज्जा. वि० भग० ११, १०; दसा० ३, १४; १२;

उवदंसेज्जा. वि० भग० १४, ८;

उवदंसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदंसेत्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

उवदंसित्तण. हे० कृ० भग० ६, १०; ४, ६; राय० ७, ८; २६८;

उवदंसित्तण. हे० कृ० भग० ५, ४; १४, ८;

उवदंसेमाण. राय० ७१; भग० १२, ६; नाया० ८; जं० प० ५, ११७; उवा० ८, २४६;

उवदंसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १३;

उवदंसण. पुं० (उपदर्शन) नीलवंत पर्वत उपरान्त नवमं शिखर. नीलवंत पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount. डा० २, ३; जं० प० (२) देणापुं; अनापुं. दिखाना;

बताना. Act of showing or pointing out. प्रव० १३६; —कूड. पुं० (-कूट) जुआ ‘उवदंसण’ शब्द. देखो “उवदंसण” शब्द. Vide ‘उवदंसण’ जं० प०

उवदंसणया. स्त्री० (उपदर्शन) नामनी अर्थ साथे योचना करी वस्तुनुं निदर्शन करवुं ते नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना. Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning. अणुजो० ७२;

उवदंसिय. त्रि० (उपदर्शित) दर्शाये-दिखाये. प्रदर्शित; बतनाया हुआ. Shown; pointed out. अणुजो० १६; क्त० २५, ३५;

उवदिट्ठ. त्रि० (उपादिष्ट) उपदेशित; दर्शाये-दिखाये. बतनाया हुआ. Taught; instructed; pointed out. भग० ६, ३३; अणुजो० १७; श्राव० २१; पञ्च० १२;

✓ उवदिम. धा० I. (उप+दिश) उपदेश करवा. उपदेश करना. To teach; to advise; to preach.

उवदिमह. कण्ठ० ७, २१०; जं० प० २, ३०;

उवदिमंति. नाया० ५; पण्ड० १, २;

उवदिमित्तण. हे० कृ० नाया० १४;

उवदेस. पुं० (उपदेश) उपदेश; धर्मन्याय. Religious teaching; instruction; sermon. भग० ६, ३१; ३३; १८, २; नाया० १६; पञ्च० १;

उवदेसण. न० (उपदेशन) जुआ ‘उवदेस’ शब्द. देखो ‘उवदेस’ शब्द. Vide “उवदेस” डा० ८, १;

✓ उव-ह्व. धा० I, II. (उप+ह्व) उपह्व

इरवे; दुःख देतुं; मारतुं; उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

उवह्वेमो. भग० ८, ७;

उवह्वेह. ८, ७;

उवह्वेमाण. भग० ८, ७;

उवह्व. पुं० (उपद्रव) महादुःख; आहत. महाकष्ट; आफत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६, ३३; नाया० १; जं० प० २, २६; जीवा० ३, ३; —रक्षिन्मय. त्रि० (—रक्षिक) उपद्रवमांथी रक्षाजु इतना. उपद्रवसे रक्षा करनेवाला. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव० ६४१;

उवधारमाण. त्रि० (उपधारयन्) धारण इतना. धारण कृता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on. भग० ६, ३३;

उवधारणया. स्त्री० (*उपधारण) अर्थग्रहण ऐक नाम. अर्थग्रहण का एक नाम. Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha. नंदा० ३०;

उवधारिन्. त्रि० (उपधारित) धारण इतना. धारण किया हुआ का हुई. Retained in the mind; put on. भग० १, ६;

उवनम. धा० I. (उप+नम्) नमस्कार इतना. नमस्कार करना; प्रणाम करना. To salate; to bow to.

उवणमंति. तं० सूत्र० १, २, १, १;

उवणमंन्. भग० ३, २;

उवनंदणभट्ट. पुं० (उवनन्दनभट्ट) आर्य संभूतविजयना ऐक नामना ऐक शिष्य आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vijaya कप्प० ८,

उवनन्दिमाण. त्रि० (उवनन्दिमान) नाच इतना. नृत्य करता हुआ. Dancing. राय० २७०; २८६;

✓ **उव-निमन्.** धा० II. (उप+नि+मन्त्र्.) पास आती निमंत्रण इतना. समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching; to invite

उवनिमन्तेमि. उवा० ७, २२०;

उवनिमन्तिस्मन्ति राय० २२६;

उवनिमन्तिस्मामि. उवा० ७, १८८;

उवनिमन्तेत्ता. भग० १२, ३;

उवनिमन्तिचण् हे० कृ० उवा० ७, १६३;

उवनिहिञ्च. त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थ भिक्षा लेय लेनी नष्टभिक्षा से आहारादि लेय लेनी गवेषणा इतना अभिग्रह धरना. गृहस्थ बैठे हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेषणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders. डा० ५, १; पगह० २, १;

✓ **उव ने.** धा० I. (उप+नी) लक्ष्मण; दोरतुं. लेजाना. To lead; to carry; (२) भेट अर्पण. भेट देना to give as a gift; to give a present. (३) सौंपतुं सौंपना to hand over; to give under the charge of.

उवणेह ति. नाया० १; २; ३; ५; ८; ६;

१२; १४; १६; १७; १८; जं० प०

राय० २६०; सू० च० २; ३०८;

पि० नि० ४२३;

उवणिति. सू० च० २, ३५३;

उवणेंति. नाया० १; ३; ५; ८; ६; उवा० ८, २४३;

उवणेमो. नाया० ८; दसा० १०, ३;

उवणेहि. नाया० २; १२; १६;

उवणेह. नाया० १३; ८; १६;

उवणेहिति. ओव० ४०;

उवणेत्ता. सं० कृ० सूय० २; ६; १;

उवणित्तप. हे० कृ० वव० १. २३;

उवणिज्झ. क० वा० उत्त० १३, २६;

उवन्नासोवणञ्च. पुं० (उपन्नासोपनय)

वाहिते जितवाने प्रत्युत्तर आपवे ते. वादा को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying an adversary with a view to refute his argument. टा० ८, ३,

उवण्णयाण. न० (उपप्रदान) राजनीतिना

शक्ति प्रसार; पक्षेवा प्रक्षेत्री दुश्मन वश न थाय तो पक्षी ईश्वर आपी प्रवर्तनीतेन वश करवाने नीति. राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद; पहले प्रकार से शत्रु के वश न होनेपर उसे कुछ लानच देकर वश करने का नीति. (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz. enticing him to submit by offering some gift. विद्या० ३; नाया० १; राय० २०६;

उववृह. पुं० (उपबृंह) सभासमिथियोना

शुशुन्ती प्रशंसा करी तेभना भनते उत्साहित करवा ते. समर्थमियोंके मदगुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना. Encouraging; cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues. पञ्च० १; पंचा० १५, २४; प्रव० २६६;

उववृहण. न० (उपबृंहण) निभाव; रक्षण;

वृद्धि; पोषण. निभाव; रक्षा; वृद्धि. Encouraging; nourishing; protecting. पंचा० २, २८; पण्ह० २, १; ५;

उववृहणिय. त्रि० (उपवृंहणिक) वृद्धि-पुष्टि

कारक. पुष्टि करने वाला. Nourisher of the body. निखी० ६ ११;

उववृहा. स्त्री० (उपबृहा) शुशुन्नेतेना शुशुन्ती

प्रशंसा करती; समझितना आह आचारभाना प्रथमे आचार. गुणाजनों के गुणकी प्रशंसा करना; सम्यक्त्व के आठ आचारोंमें पांचवा आचार. Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Āchāras of right belief or Samakita. उत्त० २८, ३१;

उववृहउणं. थ० (उपबृंह) इह इह आपाव

करते. कह कह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha," cooing. सं० च० १, १६३;

उववृहिन. त्रि० (उपबृंहन) प्रशंसा करवा

करना हुआ. Praising; applauding; गच्छा० ३४;

✓ **उव भुंज.** धा० १. (उपभुञ्ज) भाग.

खाना. To eat; to dine.

उवभुंजह. नाया० ४;

उवभुंजमि. मु० च० १, २१३;

उवभुज. त्रि० (उपभुक्त) भाग्यवेत्त. भोग

हुआ. Enjoyed. भक्त० ३६;

उवभोग. पुं० (उपभोग) उपभोगनी वस्तु;

जोते वारंवार उपभोग थर शक्ति तेवा स्त्री वस्त्र भूषण वगैरे. उपभोगकी वस्तु; जिस का वारंवार उपभोग हो संकेत ऐसा वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण आदि. An object of enjoyment; an object of enjoyment which is not consumed by being used once, e. g. clothes, ornaments etc. कण्व० ३, ४४; प्रव० २८२; क० सं० १, ५२; पञ्च० २३; उवा० १, २२; ५२; पंचा० १, २४;

—अन्तराय. न० (-अन्तराय) अन्तराय
 धर्मेनी ओके प्रकृति के लेना उदयशी पर
 आभूषण वगैरेना उपभोग थछ शके नहीं.
 अन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय
 से वस्त्र, आभूषण आदि का उपभोग नहीं
 हो सकता. A variety of Antarāya
 (i. e. obstructing) Karma by
 the rise of which a person can-
 not enjoy clothes, ornaments
 etc. उत्त० ३३, १५; सम० १७; भग०
 ८, ६; —ट्ट न० (-अर्थ) परब आदिना
 उपभोग भाटे. वस्त्र आदि के उपभोग के
 लिये. for the sake of the enjoy-
 ment of clothes etc. दम० ६,
 २, १३; —परिभोगपरिमाण. न० (-परि-
 भोगपरिमाण) गृहस्थेना आतमा वतनुं
 नाम के लेभा ओदवार के वारंवार भोगवाय
 नेवी वस्तुओंनुं परिमाण आंचरामां आवे
 छे. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिगमे
 कि उपभोग्य वारंवार भोग में अनिवाली वस्तु
 ओं के परिमाण की प्रतिज्ञा का जाता है.
 the 7th vow of a householder
 in which a limit is fixed as to
 the possession of objects of
 enjoyment of both kinds, viz.
 those consumed by one use
 and those not so consumed.
 भग० ७, २; —लब्धि लो० (लब्धि)
 उपभोग-वस्त्र दिक्ती प्राप्ति. उपभोग वस्त्र
 आदिकी प्राप्ति. acquisition of objects
 of enjoyment such as clothes
 etc. भग० ८, २;

उपभोगस. न० (उपभोगस) वस्तुते उप-
 भोग; उपभोग उपभोग; उपयोग. Use;
 enjoyment. सम० १०;

उपमा लो० (उपमा) मुद्रायत्ते; सरभा-

भूषी; उपमा. तुलना; उपमा. Compa-
 rison. “अज्ञाहा परिच्छे सञ्जे उपमा न
 विज्जु” उत्त० ७, १५; ३६, ६५; पञ्च०
 २, ३०; ओव० विश० ४७०; राय० २४६;
 आया० १, ५, ६, १७०; उवा० १, ६२;
 ३, १४४; क० ग० १, १६; पंचा० १६, १०;
 (२) धारणा; मान्यता. धारणा; मान्यता.
 belief; supposition. उत्त० ४, ६;

उपमिअ य. त्रि० (उपमित) उपमायुक्त.
 उपमा सहित (That which is)
 compared. ० जं प० भग० १८, १;
 विश० ६८५;

उपमिय. त्रि० (औपमिक—उपमयानिवृत्त
 मीपामके उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणम-
 नतिशायिना ग्रहीतुं न शक्ये तदौपमि-
 कम्) लेनुं कालप्रमाण उपमा बिना औपमिक
 न शक्य भाव उपमायीन वदथी
 शक्य ते: पदोपम; सागरोपम वगैरे.
 जिनका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना
 जा सके वद; पदोपम; सागरोपम आदि.
 (Anything) the measure of
 which can be understood or
 grasped only by a simile and
 not otherwise; e. g. Palyopa-
 ma; Sāgaropama etc. भग० ६, ७;

उपचरिय. त्रि० (उपचरित) उपचार करे.
 उपचार किया हुआ. Worshipped.
 विश० २८३;

उपचार. पुं० (उपचार) पूजनसामग्री. पूजा-
 सामग्री. Articles of worship. ओव०
 पञ्च० २; सू० प० १०; राय० ६०; जावा०
 ३, ३; नाया० १; ३; अणुञ्जे० १३०;
 भग० ६, ३३; ११, ११; कप्प० ३,
 ३२; ४, ६८; पंचा० २, ३६; जं० प० ४;
 ६२; सु० च० १, ३७; (२) क्षरजुभां
 क्षरते अने क्षर्यभां क्षरजुते आरोप.

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विशेष १६०; (३) समूह; दलित. समूह; ढेर. a group; a collection. सम ३४; (४) ऐक्य विषयी श्रुति विषयनु अर्थानु इत्यु. एक विषय से दूसरे विषय का ग्रहण करना. figurative or metaphorical use; secondary application. विशेष १२; (५) लोकव्यवहार. लोक व्यवहार. conventional practice. आच २०; राय २४१; आच १० ७४०;

उचयार. पुं० (उपकार) उपकार; मदद; भेट. उपकार; भेंट; महायता. Obligation; help; a gift; a present. सु० च० १, १२; आच १० ८८३; पि० नि० २५१; भक्त ११८;

उचयारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करने वाला. Obliging, helpful; kind. विशेष २३४४; सु० च० १०, ५५;

उचयारिश्च. पुं० (औपचारिक-उपचारो लोक व्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) औपचारिक विनय; विनयनो ऐक्य प्रकार औपचारिक विनय; विनय का एक प्रकार. A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा ६, ३७;

उचयारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) सूर्याभिला वनप्रदेशभांता मध्य भागनु ऐक्य धर-भवन के ऐक्य वाप न्नेवननु वायु पहेणुं छे. सूर्याभ के वनखंड के मध्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhaṇḍa (forest-region) of Sūryabha, which is one hie of Yojanas in length and breadth. जे० प० ४, ८८; **उचयालि. पुं० (उपजालि)** अंतगड सूत्रना याथा वर्जना त्रीन अध्ययननु नाम. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Anta-gada Sūtra. (२) वसुदेवराजनी धारणी राज्ञीना पुत्र के न्ने नेमनाथ प्रभु पसे दीक्षा लध तार अंगनो अभ्यास करी सोण वरसनी प्रवर्जना पाप्म शत्रुंजय उपर ऐक्य भावने संथारो करी परम पद पाप्मा. वसुदेव राजा का भारणी नामक राजा का पुत्र जमनाक नेमनाथ प्रभु से दाक्षा ली था और बारह श्रंग का अभ्यास किया था तथा गोलह वर्ष तक तप कर श्रान्त में शत्रुंजय पर एक मास का संथरा किया और मोक्ष पाया. name of a son of Dhārāṇī the queen of king Vasudeva. He took Dikṣā from Lord Nemi-nātha, studied 12 Āṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santara (giving up food and water) on Śatranjaya got final emancipation. अंत० ४, ३; (३) अष्टोत्तरोववादि प्रथम वर्जना त्रीन अध्ययननु नाम. अष्टोत्तरोववादि के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the first section of Anuttaravavāi. (४) श्रेष्ठिक राजनी धारणी राज्ञीना पुत्र के न्ने दीक्षा लध शत्रुंजय तप करी सोण वरसनी

प्रवज्या पाणी विपुल पर्वत उपर अंक भासने
संधारो करी जयंत नामना अनुत्तर विमान-
मां ३२ सागर ने आउजे उपपन्न थया, त्यांथी
अंक अवतार करी मोक्षे जशे. श्रेष्ठक राजा
का धारणा राना के पुत्र का नाम जिस ने
कि दाक्षा ग्रहण कर गुणरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर अंत में एक मास का संश्रार
करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२
सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां
एक अवतार करके मोक्ष जायंगे, name
of a son of Dhārāṇī queen of
king Śreṅka. He took
Dikṣā, practised the Guṇa-
rajan's austerity, observed ascet-
icism for 16 years and after
a month's Santhārā (giving
up food and water) on Vipula
mount, was born in the celest-
ial abode named Jayanta
with a life of 32 Sāgars. After
one more birth he will get
salvation. अशुत० १, ३;

उपयोग. पुं० (उपयोग) मोताना विषयने
अनुमाने ते तरक्ष वक्ष आपवृत्ते; शब्दादि
विषय तरक्ष छद्रियनी प्रश्रुति-व्यापार. अपने
विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना;
शब्दादि विषयों का और दान्द्रियों का झुकाव-
व्यापार. Operation of the senses
in cognising their objects; e. g.
of the ear in relation to
sound; straining of the senses
towards their objects. त्रिशं०
२०६८; (२) पांच ज्ञान तत्त्व अज्ञान
अने चार दर्शन अने चार भावों में ते अंक.
पांच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन

में से कोई भी एक. any one of the
group of the twelve, viz. 5
kinds of knowledge (Jñāna),
3 kinds of ignorance (Ajñāna)
and 4 kinds of belief (Darśana)
उत्त० २८, १०; विशेष० ३१०६; - **द्वया.**
छां० (अर्थता) उपयोगपणुं; उपयोगनी
अपेक्षा. उपयोग लगाने का अपेक्षा: उपयोग
पन; उपयोगिता. state of being
Upayoga; desire for Upayoga.
(१५४) भग० ८, १;

✓ **उवरम. धा० I. (उपरम्)** निवृत्ति;
अटकाव. दूर होना; रुकना. To cease; to
stop; to desist from.

उवरमह. भग० १, ८; नाया० १८;

उवरम. पुं० (उपरम — उपरमणमुपरमः) अ
भाव; निवृत्ति. अभाव, निवृत्ति. Absence;
cessation; desisting from. विशेष०
६२;

उवरय. त्रि० (उवर्ग) पापथी निवृत्ति
पामेक्ष. पाप से दूटा हुआ; लुटकारा पाया
हुआ. (One) who has desisted
from sin. आया० १. ३, ४, १२१; १.
४, १. १२६; दस० ८, १२; उत्त० ६, ७;
नाया० १; ६; भग० ८, १०; सूय० २, १, ५६;
वव० ३, १३; कण्व० ४, ६२; कर्म० ६, १०;
(२) वैरभाव विनाश. वैरभाव रहित. free
from feelings of hostility. “ न
इहोपाण्योपायो, भयवेराउउवरण ” उत्त०
६, ७; आया० १, ३, १, १०८;

उवराग. पुं० (उवराग) ग्रहण. ग्रहण;
खग्राम. An eclipse. जीवा० ३, ३;

उवार. अ० (उपरि) उपर; उंचे. ऊपर;
ऊंचा; ऊर्ध्व भाग में. Above; upon;
upwards. “ मंदरचूलिषाणं उवार
चत्तारि जायथाई ” ठा० ४; उत्त० ३६, ५७;

विशे० ४३०; नाया० १; २; ५; ८; ६; जं०
प० १, ३; भग० २, ८, ९, ७; १४, ६; १६,
६; पि० नि० भा० ३०; क० गं० १, ५०;
क० प० ५, ५४;

उर्वरि. अ० (उपरि) उपर. ऊपर. Upon;
above; over. क० प० १, ६७; जं०
प० ५, ११६;

उर्वरिचर. त्रि० (उपरिचर) आकाशभां
अधर रहनेवाला. ऊपर आकाश में-अंतराल में
रहने वाला. Remaining, situated
up in the sky; high in the
sky. जावा० ३, १;

उर्वरितल. त्रि० (उपरितल) उपरनुं तलीयुं
ऊपर का समतल भाग. The above
flat surface. भग० १, ६; जं० ४, ८६;

उर्वरिपुच्छणी. स्त्री० (उपरिपुच्छनी) सहस्री-
नी छत उपर जीवा तटस्थानुं भवत्युत
आच्छादन. चट्टाई की छत पर बाराक घास
का पक्का आच्छादन. A strong cover-
ing (made of straws) upon a
mattress ceiling. रात्र० १०८;

उर्वरिम. त्रि० (उपरिम) उपरनुं; उपरुं.
ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining
above or upwards. निम्नी० १६, १७;
भग० १, ५; ८, १०; ९, ३२; १२, १०;
नंदा० १८; पञ्च० १; उत्त० ३६, ६१; टा०
१, १; पि० नि० १५०; प्रव० ६, ६; —
गोवेज्जग. पुं० (-गोवेयक) ग्रैवेयकना नौ
विमानभांता उपरना त्रय विमान. ग्रैवेयक
के नौ विमानों में से ऊपर के तीन विमान
the three topmost of the nine
Graiveyaka heavenly abodes.
(२) उपरनी त्रिकता देवता. ऊपर की
त्रिक के देवता. a deity of any of
the three above mentioned
heavenly abodes. भग० १८, ७;

—**गोवेज्जगकल्पातीय.** न० (-ग्रैवेयक
कल्पातीय) उपरना ग्रैवेयकना कल्पातीय
देवता. ऊपर के ग्रैवेयक के कल्पातीय देवता.
a Kalpātita deity of the
upper Graiveyaka heavenly
abode. भग० ८, १;

—**गोवेज्जग.** पुं० (ग्रैवेयक) लुप्तो “ उव-
रियगोवेज्जग ” शब्द. देखो “ उर्वरिय-गोवे-
ज्जग ” शब्द. vide “ उर्वरियगोवेज्जग ”
भग० १, २; —**तल.** पुं० (तल) उप-
रनुं भाग तलीयुं. ऊपर का छत; ऊपरकी
फर्श the upper floor. “ जंबूदावप्प-
माणा उव्रियत्तलेण ” भग० २, ८;

उर्वरिमग. त्रि० (उपरिमक-उपरिमा एवोपरि
मगः) उपर उपर रहनेवाला. ऊपरहोता ऊपर
रहनेवाला. Situated one upon ano-
ther; remaining one above ano-
ther. विशे० ६६८;

उर्वरिमय. त्रि० (उपरिमक) लुप्तो “ उप-
रिमग ” शब्द. देखो “ उपरिमग ” शब्द.
Vide “ उपरिमग ” विशे० ७३;

उर्वरिमा. स्त्री० (उपरिमा) नवग्रैवेयकनी त्रय
त्रिकभांती उपरनी त्रिक त्रय विमान. नवग्रव-
यक की तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक
तीन विमान. The topmost three of
the 9 Graiveyaka heavenly
abodes. उत्त० ३६, २१२; —**उर्वरिम.**
पुं० (-उपरिम) उपरि त्रिकभां उपर नवभां
ग्रैवेयकभां रहनेवाला देवता. ऊपर की त्रिक में
ऊपरके देवता-नवें ग्रैवेयक के. (the dei-
ties) of the ninth and topmost
Graiveyaka heavenly abode.
उत्त० ३६, २१२; —**मज्झिम.** पुं० (-मध्यम)
उपरी त्रिकभां मध्यम-आहमा ग्रैवेयकना
देवता. ऊपर की त्रिक में मध्यम - आठवें
ग्रैवेयक के देवता. (the deities) of

the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उक्त० ३६, २१२; —हिट्ठिम. पु० (*) उपरी त्रिभूमिं अभिरतन-सातभिं प्रियेयकना देवता. ऊपर की त्रिक में नव के देव-सातवें प्रियेयक के देवता. (the deities) of the 7th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उक्त० ३६, २१२;

उवर्गिल्ल. त्रि० (उपगित्तन) उपरतुः उपर. ऊपरका. Situated above; upward; upper. “उवर्गिल्ले तारासुवे चार चरति” भा० ६: विशेष० ३६७: पञ्च० २: १६: अगुज्जा० १३५, सम० ६: नाया० ८: जीवा० ३: १: पि० नि० १५०: भग० १: ६: २: ८: १०: ३: १: ६: ३: ५: ६: १५: १: १३: ८: २२: १: २५: ७: ३०: १: ज० प० २: ३३: ५: १६४:

उवर्गिज्जमाण. त्रि० (उदवृष्यमान) वरसाद-शी भिन्नतुं. वरसात में भोगता हुआ. Getting wet with rain. निर्गा० २: ५२:

उवरुह. न० (उपरौद) तारुहीना अंगोपांग तोड़ी दुःख देने उपरौद: परमाधामीनी लूटी भवत. तारकीयों के अंगोपांग छेदकर दुःख देने वाले उपरौद देव: परमाधामा देवताओं की लूटा जात. The 6th class of Paramādhāmis (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell-beings and torture them. भग० ३: ७:

उधरुवरि. अ० (उपर्युपरि) ओड अंनत्ती उपर. एक दूसरे के ऊपर. One upon another; one above another. “उधरुवरिरंगदारय अतिवेगचक्रु पर-

मोच्छुरंत” पगह० १, ३: निमी० १८, १८: **उवरोह.** पु० (उपरोध) दुःख; पीडा. दुःख; तकलीफ. Pain; trouble. (२) आग्रह. restraint. सु० ख० २, ६८२: (३) अश्राव: शैशाल. श्रद्धाव: रोक. obstruction; impediment. पगह० २, २:—**कारक.** त्रि० (—कारक) उपशेष इत-तार: अश्रावतार. रोकनेवाला: बाधा पहुँचावेवाला. impeding; obstructing: troubling. पगह० २, २:

उवल. पु० (उपल) पत्थर: पाषाण. पत्थर. A stone. सु० च० १२, ५६: पि० नि० भा० ७: उक्त० ३६, ७३: भग० ५, २: विशेष० ५६४: पञ्च० १:

उवलंभ. पु० (उपलम्भ) कदियजान: अक्षता द्वाः इंद्रिय ज्ञान: साक्षात्कार. Direct perception (by the senses). पंचा० ३: २३: ६, १०: १३, ३८: विशेष० ३५: १८६३: (२) अमूढ. समूह. a group; a collection. सु० च० २, ८१:

उवलंभया. स्त्री० (उपलम्भना) उपशानु पयत: उल्लंघना. उपालंभ: श्रोतम्भा. Words of rebuke or reproach. नाया० १८:

उवलंभमाण. पु० (उपलंभमान) उपशानु देता. उपालंभ देता हुआ Rebuking; reproaching. नाया० १८:

उवलकखण. न० (उपलकखण) परिजान-धीयाणु: मुख्य वस्तुनुं जान श्रवथी. धीयाणुवस्तुनुं जान नेथी थाथ ते. वह ज्ञान जिसमें मुख्य वस्तु का ज्ञान होने में गौण वस्तु का ज्ञान होजाव. A mark: a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठतोड (*). foot-note (*) p. 15th.

देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide

actually expressed. गु० च० ३,
१८६; विशेष० ६३२;

उवलद्ध. त्रि० (उपलब्ध) ज्ञानप्राप्ति
आवेष्टः प्राप्तं यत्नेन. समभा हुआ; प्राप्त.
Known; understood; gained;
obtained. “अहं सहीइ उवलद्धो,
तोपेमंति तहाभूएहि अत्ता उच्छेदुं पेहेहि”
सूय० १, ४, २, ४; प्रव० ६७०; नाया०
१२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशेष० ६२;
—पुञ्च. न० (पूर्व) पहिले ही प्राप्त
यत्नेन. पहिले में ही मिला हुआ. gained;
obtained before-hand. नाया० १४;

उवलद्धार. स्त्री० (उपलब्ध) वस्तुने सा-
क्षात्कार करने; वस्तुने ज्ञानप्राप्ति. वस्तु
को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला.
One who knows or perceives
an object; direct perceiver of
an object. “उपलब्ध्या वस्तुनां बोध्या”
विशे० १२; १८६३;

उवलद्धि. स्त्री० (उपलब्धि) ज्ञान; साक्षात्कार.
ज्ञान; साक्षात्कार. Knowledge; per-
ception; observation. विशेष० ६१;
—सम. त्रि० (सम) साक्षात्कार देयुं.
साक्षात्कार सराखा. similar to or
equal to direct perception
विशे० १२८;

✓ **उव लभ.** धा० I. (उप + लभ्) प्राप्त कर-
नुं; भेजयुं. प्राप्त करना; मिलाना. To get;
to obtain; to acquire.

उवलब्धइ. क० वा० अणुजो० १२८;

उवलब्धे वि० दसा० ६, १;

उवलब्धते. नाया० १२;

उवलल्लिय. न० (उपललित) अंक लतनी
काम श्रेष्ठा. एक तरह की काम-चेष्टा. A
kind of amorous gesture in a
woman; a kind of voluptuous

gesture. नाया० ६;

उवलल्लिजमाण. त्रि० (उपलल्यमान)
कामक्रीडा करने; मस्त्वानुसार बीबा करने.
कामचेष्टा करना हुआ; इच्छानुसार क्रीडा
करता हुआ. Sporting at will; do-
ing amorous sport. “उवमाइजमा-
णे उवलल्लिजमाणे” राय० २८८; जं० प०
३, ६७; नाया० १; भग० ६, ३३; राय० २७५;

✓ **उव-ल्लिप.** धा० I. (उप + लिप्) हाथ
इस्तेवो; आटयुं; घाटवववो. हाथ फेरना;
चाटना; लाइ लड़ाना. To pat with
the hand; to lick; to fondle
and endear.

उवल्लिपण. मच्छा० १६;

उवल्लिप्पइ. क० वा० उत्त० २५, २६;

आव० ८०;

उवल्लित. त्रि० (उपल्लिप्त) आणवटे बिप्रेत.
गोबर में चिपा हुआ. Bedaubed or
smeared with cowdung; cow-
dunged. दसा० १०, १; नाया० १; ३;
१६; जीवा० ३, ४; कप० ४, ५८; ५, ६६;
(२) कर्मबी बिम यत्नेन. कर्मों में लिपटा
हुआ. smeared with Karma. सूय०
२, ६, ६.

उवल्लेव. पु० (उपलेप) कर्मबी लेप. कर्मकालेप.
Assemblage, gathering toge-
ther of Karma. उत्त० २१, २२; २५, ३६;

उवल्लेवण. न० (उपलेपन) आण वजरेथी
बिपयुं ते. गोबर आदि में पोतना; विलेपन.
Besmearing or anointing with
cowdung etc. “उवल्लेवणं सम्मज्जणं
करेइ” भग० ११, ६; अणुजो० २०; निर०
३, ३; राय० २७७;

उव-ल्लिय. धा० I. (उप + ली) निवास करने
ठहरना. To reside; to have an
abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार इत्थी. चानुर्मां व्यतीत करना. to spend the rainy season; to stay till the expiry of the rainy season.

उवव्हिज्जा. आया० २. ३, १, १११;

उववज्झ. त्रि० (औपवाह्य—उपवाह्यानां राजादिवल्लभानामेते कर्मकरा इत्यौपवाह्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वजरेते ऐसप. योग्य. सेनाध्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य. Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस० ६, २, ५;

उववण. न० (उपवन) नानुं वन; वनली पासुं वन. लघु वन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया० १: पंचा० ७, १७;

उववण. त्रि० (उपपन्न—उत्पन्न) उत्पन्न थयेत; पैदा थयेत. उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. “ उववणो माणुस्सम्मि लोणम्मि ” उत्त० ६, १: “ दोच्चं पुटवीणं नारगा उववणा ” निर्या० च० ११: नाया० १: २; ८; ६: १४: १६; भग० २, १; ३: ३, २; ७, ६: ७: ६: ६, ३३; ११, १: १२, ७: १८, ५; २४, १; २०: जावा० ३, १; उत्त० ६, १: १३, १: पंचा० ४, ४६: —**पुव्व.** पुं० (पूर्व) अगाडि जन्मेत. पहिले पैदा हुआ. one born before or previously भग० ६, ५; २१, १: ३४, १;

उववणसग. पुं० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार; पैदा थयेत. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग० ५, ४: ८, १: २५, १;

उववत्त. धा० I. (उप+वृत्) निकलपुं: नरकादि अव पुरोक्षरी अन्दर आवपुं. निकलना; नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहइ. पञ्च० १७;

उववत्तार. त्रि० (*उपपत्) उत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला. (One) who is to born; (one) who takes birth. “ देवलोणसु देवत्ताणु उववत्तारो भवन्ति ” आ० ३४; दगा० १०. ३; भग० १, १; २, ५: ७, ६: ८, ५; ६, ३३; २०, ८;

उववत्ति. स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति; उत्पन्नपुं ते. पैदायश; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being produced. उत्त० २६, १४: ३४, ५८; नंदी० ५३; भग० ४०, १;

उववत्तिमत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्य-नी धटनाभाव. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect. विश० १०७७;

उववन्न. त्रि० (उपपन्न) जुओ “ उववण ” शब्द. देखो “ उववण ” शब्द. Vide “ उववण ” प्रव० ११०७;

उववाअ-य. पुं० (उपपात) उत्पन्न थपुं; उत्पत्ति. उत्पन्न होना; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. “ आशोववाय वयणाणुद्धे सेचिट्ठति ” भग० ३, ३; “ एगे उववाअ ” ठा० १०: भग० १, १०; २, ७; ७, ५: ८, ८: ११, १: १२, ८: १४, १;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१६, ३; ६; २४, १२; २०; २५, ४; ३४, १; ४१, १; राय० २१३; ओव० ३८; नाया० ५० ३; ४; पञ्च० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० १४, ४८; (२) उत्पत्ति-देवता अने नारकीने जन्म थाय ते. उत्पत्ति-देवता और नारकी का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings. प्रव० ११०८; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १; टा० १, १; (३) विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा० १. (४) भगवती सूत्रना ऐकत्रिंशत्मां शतकुं नाम. भगवती सूत्र के एकत्रिंशत्वे शतक का नाम. name of the 31st Sataka of Bhagavati Sutra. भग० ३२, २; (५) उपाय; दारण. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग० ३, ७; वव० ४, १८; (६) सेवा; भक्ति. सेवा: भक्ति. service; reverent attendance upon. नाया० ६; भग० ३, १; (७) समीपे-नजदीके स्थित करवी; पास से बैठना. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैठना. sitting near; remaining in the vicinity of. क० प० १, ७८; उत्त० १, २; —कारि. त्रि० (—कारिन्) आचार्यादिनी पास से निवास करी तेमने आदेश दिखयतार. आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा सिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. “उववाय कारीय हरीमण्येय” सूय० १, १३, ६; —कारिया. स्त्री० (—कारिका) यरलु सेवनारी दासी. चरण सेविका-दासी. an attendant female

servant. नाया० ६; —गइ. स्त्री० (—गति) जय अथवा पुद्गलने ऐक लय छोडीने भीन्ने लय अइलु करवेा के ऐक स्थानेथी भीन्ने स्थाने जयुं ते. जीव या पुद्गल का भव त्याग कर दूसरे भव में जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter. भग० ८, ७; पञ्च० १६; —सभा. स्त्री० (—सभा) देवताने उपजयानी सभा. देवताओं के उत्पन्न होनेकी सभा. A place of birth for heavenly beings. भग० ३, १; १६, ५; ६; राय० १६७; नाया० ५० निर० ३, ४; नाया० १३; टा० ५, ३;

उववाइअ-य. त्रि० (औपपातिक) ऐक लय-मांथी भीन्ने लयमां जन्तार; ऐक शरीर छोडी भीन्ने शरीर अइलु करतार. एक भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दूसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. दस० ४; उत्त० ५, १३; भग० १७, ६; ७; आया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) देवता अने नारकी ने सेज्ज अने कुंभीमां उपजते छे. देवता और नारकी जो कि शैज्या व कुंभा में उत्पन्न होते हैं. (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī. आया० १, १, ६, ४८; (३) आगलुत्रीश त्रिंशत्तिस सूत्रमां पंचमं; उपपात (औप-पातिक) नामे प्रथम उपांग सूत्र. उत्तम उत्कालिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उववाइ (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālīka

Sūtras: the first Upāṅga Sūtra so named. नंदी० ४३: भग० ७, ६, १२, १: २४, ७: —गम. न० (-गम) आपपाति३ सूत्रभां दशयिषुं छे ते प्रभाषि. उववाइ मृत्र में दिव्याये अनुगार in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दया० १०, १:

उववातेयव्य. पुं० (उपवाद्यितव्य) उत्पन्न श्यति योज्य. उत्पन्न होने लायक. One fit to take birth; one fit to be born or produced. भग० १२, ६; १८, २; २०, ६; २४, २०; ३१, १: ३४, १.

उववायव्य. पुं० (उपवाद्यितव्य) उत्पन्न श्यति योज्य. उत्पन्न होने योग्य. One fit to be born or produced. भग० १२, ६:

उववाम. पुं० (उपवाम-उपेति मह उपवृत्त द्रोपय्य मनो गुणराहारपरिहारादिरूपवा वाम उपवामः) आये अष्ट दिवस अन्न पच्यन्ति विधियन्ते व्याय श्रेयो. पृग एक दिन अन्नजन का विधिपूर्वक व्याय करना. A fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next. राय० २०६: नंदी० ४१: द्या० ३, १: पञ्च० २०; उवा० १, ४६: २, ६५:

✓ उव विम. धा० I (उपविश) बैसना. To sit.

उवविमाम. राय० २४ :

उववीयमाण. अ० (उपवीजमान) यमशर्था पवन नाभते. चंवर से पवन उड़ाता हुआ. Fanning with a chowri. नाया० १६:

उववेअ-य. त्रि० (उपेत) युक्त: सहित. युक्त: सहित. Accompanied with: possessed of. श्रोव० पञ्च० १७; नाया०

१; ४: ८; १२; नंदी० ४३: भग० २, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६; कथ० १, ८; जं० प० २, २२:

उव सं-कम्. धा० II. (उप+कम् + कम्) पासं गतुः सभूष गतुः. गर्भाप जाना; पास जाना. To go to; to approach.

उवसंकमंति. द्या० ३, २:

उवसंकमंजा. राय० २, १, १०:

उवसंकमन्तु. सं० कृ० आया० १, १, २, २०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकमिता. नाया० २; द्या० ३, २; जं० प० ३, १३१: ७, १३१:

उवसंकमंत सं० कृ० द्य० ६, २, १०;

उवसंकममाण. जं० प० ७, १३२:

उवसंविश्र. त्रि० (उपसंहत) शीतल श्रेय. भूकृत. Accepted; adopted. विशेष १०११:

उवसंत. पुं० (उपशान्त) शान्त प्रवृत्तियाः उपशम भाव यथाः देवता कथायां दृष्टिपक्ष भा द्वाय ते. शान्त प्रवृत्त वप्लाः उपशान्त भाव वालाः जिस के कषायादिक शान्त हो वर. One whose passions (e. g. anger etc) have subsided; calm; peaceful. पञ्च० १: १४: वव० ३, १३: भग० १, ४, ६: ८: ५, ४: १५, १: १८, १०: २३, ७: द्य० ६, ६५: १०, १: १०: जं० प० म० च० २, २०३: राय० २७; नाया० १: ५: उत्त० ६, १: २, १५: द्या० २, १: अणुजो० १२७; श्रोव० ३८: आया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८६: यम० १४. प्रव० १०५; १३१३: क० प० ४, ७०: ४, ६७: (२) आधुनता रहित. वव-राहित रहित. one free from distraction of mind. श्रोत्र० नि० ५१५: (३) क्षमावान. क्षमावंत. one possessed of forgiveness जावा० ३, ३:

(४) सौंदर्य निरीक्षण वगैरे विचारशील नि-
वृत्ति पाभेव. सौंदर्य देखने आदि विकार से
निर्ज्ञान पाया हुआ; सौंदर्यादि देखने में मन का
भाव हटाया हुआ. one not excited
by seeing beautiful objects
etc. अणुजो० १३०; (५) उदयमां आ-
येव नदिः दयापेत्त. उदय न आये हों; दये,
not come to rise; dormant. (६)
जम्भुद्वीपमां अरुत्तं क्षयत्ता आत्तु अवस-
प्पिणीत्ता पन्दरमा तीर्थेत्त. जम्बूद्वीप के पर-
वत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के पन्द्रहवे
तीर्थकर. name of the 15th Tir-
thāṅkara of the current Ava-
sarpin of the Airavata region of
Jambūdvīpa सम० प० २४०;
—अहिगरण. न० (—अधिकरण) उपशांत
दिपशयी गयेव उदेष. शान्त हुआ क्लेश.
trouble that has subsided. प्रव०
—कसाइ. पुं० (कपायिन्) देवता के
उपाय वगैरे नश पक्ष के ते. जिन के
क्रोधादि कषाय शांत हो. one whose
moral impurities (i. e. an-
ger, greed etc.) have subsided
or have been destroyed. सम०
६, ३१; २५, ६; —कसायवीरग. पुं०
(कपायवीरग) देवता के उपाय शान्त तथा
छे ते; ११मां शुल्लस्थानवर्ती. जिन के
रग द्वेष शांत हो गये हों वे; ११ वें गुणस्थान-
वर्ति. one whose passion and
hatred have been complete-
ly assuaged; one in the 11th
spiritual stage. सम० २५, ६; —
गुण. न० (—गुण) उपशांत भोदशुल्ल नामे
११मं स्थानक. उपशांत मोहगुण नामक ११वां
स्थानक. the 11th Sthānaka named
Upasāntamohagūṇa. क० ग० २,

१६; —जीवि. पुं० (—जीविन्) दयापाहि
दयावन्तर. कषायादि को दवाने वाला. one
who subdues his evil passions
like anger, greed etc. पगह० २,
१; सम० ६, ३३; —ज्जा. स्त्री० (—अद्धा)
उपशांत भोद नामका ११ मां शुल्लस्थानक
का समय. the time of the 11th
(Gupasthānaka named Upasān-
tamohagūṇa. क० प० १, ५६; —वे-
दय. पुं० (—वेदक) देवता के दामविशार
शान्त पक्ष के ते. जिन का वेद-काम वि-
कार शांत हो गया हो. one whose
lust i. e. sexual passion has
been subdued or calmed. सम०

उव सं पज्ज. धा० II. (उप+सम्+पद)

आश्रय इरेवा; स्वीकार इरेवा. स्वीकार
करना; ग्रहण करना. To resort to;
to accept; to get.

उवसंपज्जइ. सम० २५, ६; ७;

उवसंपज्जामि. धा० ४, २;

उवसंपज्जे. वि० मय० १. ८, १३;

उवसंपज्जिता. सं० क० सम० १, ६; २, १३;

२, ५, ६; ६, ३३; १०; २, ११, ६;

१३, ६; १५, १; १८, १०; २५, ७; ८;

नाया० १; ५, ८; १२; १३; १४;

१६; १८; जे० प० ७, १४१, वव० १,

२६; ४, ११; १२; नाया० ध० वेय०

४, १६; राय० २२३, ओव० १६,

उवा० १, ६६, ६६;

उवसंपज्जमाण. पत्र० १६;

उवसंपज्जण. न० (उपसंपादन) पदवीति
स्वीकार. पदवी का स्वीकार. Accep-
tance of a degree or title. वव०
५, ११;—(रा)अरिह. वि० (—अहं) पदवी

आपत्ता योग्य, पदवी देने योग्य, deserving to be invested with a degree or title. वच० ४, ११; १२:५, ११;

उपसंपज्जणावत्त. न० (उपसंपदावत्त) उपसंपदावत्तश्रेणिया परिश्रमेना यत्तमे भेद. उपसम्पादन श्रम परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Upasampanaseniā Parikarma. नंदा० १५:

उपसंपज्जसेणिया. स्त्री० (उपसंपादनश्रेणिका) उपसंपादन श्रेणी यावत्ता दृष्टिवादानर्गन परिश्रमेना भेद विभाज्य. उपसम्पादक श्रेणीगण के दृष्टिवादानर्गन परिकर्म का एक विभाग. Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dṛṣṭivāda. सम० १२:—**परिकर्म.** पुं० (पारिकर्मन्) दृष्टिवादान परिश्रमेना द्वा भेद. दृष्टिवाद के पारिकर्म का चौथा भेद. the fourth division of the Parikarma of Dṛṣṭivāda. नंदा० १५:

उपसंपाजियच्च. पुं० (उपसंपादीयतच्च) पदवी देना, पदवी देना Investing with a degree or a title. वच ४, ११; १२:

उपसंपन्न त्रि० (उपसंपन्न) उद्यत श्रेयस प्रयुक्त; तैयार. Ready, prepared (to do some action). “ उपसंपन्नो जकारणंतु तं कारणं अपूरितो ” थ० में० ३: सूय० २, ७, ६:

उपसंपया. स्त्री० (उपसम्पद) जात्यादि गोपात भाटे आचार्यादिद्विती निश्चा स्वीकारणी ते: हं तमारोहन्तुं आसीरति स्वाक्षर इत्येते: अभाचारिणी दशमे या छेदने प्रक्षर. ज्ञानादम्प्राप्त में आचार्यादि का नेपाय स्वीकार करना; मैं आपकाही हूँ ऐसा स्वीकार करना: समाचारा का दशवां या अंतिम भेद. The 10th and last mode of Samā-

chara; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc. “ अथथे उपसंपया ” उक्त० २६, ४; शा० ३, ३: सम० २५, ७: प्रव० ७५५:

उपसंहार. (उपसंहार) अभेदीयेयुं. एकात्रन करना. Summing up. (२) शेषशु: निदेश इत्ये. अनुरोध करना; लैम्प लेना. winding up; withdrawing; withholding. सम० ३२:

उपसर्ग. पुं० (उपसर्ग - उपसृज्यन्त भानु समीपे युज्यन्ते इति उपसर्गाः) प्र. परि, प्रति, नि. आ. सम. इत्यादि धातुनी आदिमा भेदवार शब्द धातुद. प्र. पारि, उप, प्रति, नि. आ. सम. इत्यादि धातु के आदि में रहनेवाला शब्द समूह. a preposition prefixed to roots; e. g. प्र, परि, उप, etc. पगह० २, २: (२) द्विपदय: इष्ट: परिपद. उपद्रव. कप: परिपद. trouble; affliction annoyance. श्लोक० नि० भा० २६३: राय० २२८: लाया० १, ८: ६: जे० प० उक्त० २, २१: ३१, २: नंदा० ४: अंत० ६, ३: दया० ५, १: वच० १०, १: सत्त० ४: ४४: प्रव० ५८४. (३) देवताये इत्ये द्विपदय. देवतायो का किया हुआ उपद्रव. disturbance or trouble caused by gods. सम० १, ६: २, १: पि० नि० ६६६: राय० २६५: सम० ७: श्रौत० ३६: आया० १, ८, ७, २२: उवा० २, ११८: ३, १४१: ४, १५३: (४) तीर्थक्षर नियरे त्यां सवायो नैवत्तमां भार मरुडी न ह्यय लतां मदायीर स्वाभिना समयसरज्वां आशादाये मे साधुयोना उपर तेजुशेया मुडी उपसर्ग आप्णो ते: दश अर्थेभानुं पारेषु अर्थे. तीर्थकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता और महावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो साधुओं पर तेजोलेश्या डाल कर उपसर्ग किया सो दस आश्रय जनक वनाओं में ने पहिला बनाव. the first of the 10 Achherās (wonderful events). viz. the trouble given by Gośālā to two of the monks of Mahāvīraswāmi in the Samavasaraṇa by inflicting Tejoleśyā upon them. although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tirthankara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्रब० ८६२; —पत्त. त्रि० (—प्रस) उपद्रव पामित, उपद्रव प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. डा० ५, २; वव० २, २०; १०, १८; —सहण. न० (—सहन) देवादिदेवा उपसर्ग सहन करना. endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc. प्रब० १३६६;

उवसग्गपरिण्ण. स्त्री० (उपसर्गपरिण्ण) सुयगडांग सुयना नीलन अण्यननु नाम दे जेमां उपसर्ग परिण्ण देम सहन करवा तेनी समञ्ज आपवासां आवी छे. सत्र सुयगडांग के तीसरे अध्यायन का नाम, कि त्रिग में उपसर्ग परिण्ण कैसे सहन करना चाहिये त्रिग की शिक्षा दी है. Name of the 3rd chapter of Sūyagadāṅga dealing with the way in which afflictions are to be endured. सम० १६; २३; सूय० १, ३, ४, २२;

उवसज्जण. न० (उपसर्जन) उपसर्ग.

उपद्रव. उपसर्ग; उपद्रव. Disturbance; trouble; annoyance. विशेष० ३००५; (२) अप्रधानभूत—गौणरूप. गौणरूप; अप्रधान. secondary; subsidiary; subordinate. विशेष० २२६२;

उवस न नि. (उपसक्त) गह आसक्तिपात्रो. गह आसक्तिवाना. Deeply attached; grossly attached. उत्त० ३२, २६;

✓ **उवसम.** धा० LII. (उव + शम्) शान्त यत्; प्रकृतिते उपसमाप्ति. शान्तहोना; प्रकृतिको उपशान्त करना. To become calm; to calm down passions. उवसमह. वेय० १, ३३; नाया० १६; कण० ६, ६६;

उवसामेह प्रे० भग० १, ३;

उवसमोत. गम० ३४;

उवसमंति. राय० ३४;

उवसमंजा. वेय० १, ३३;

उवसमिन्ण. हे० क० नाया० १३;

उवसायिन्ण. प्रे० हे० क० नाया० १३; विवा० १;

उवसम पुं० (उपशम) क्षमा; शान्ति. क्षमा; शान्ति. Forgiveness; calmness; peace. दग० ८, ३६; वेय० १, ३३; (२) पणवादीयना पंद्रहमा दिवसनु नाम. पञ्च के पन्द्रहवे दिन का नाम. name of the 15th day of a fortnight. जे० प० सू० प० १०; (३) अलोरायना तीश मुहूर्तमांता पंद्रहमा अथवा तीशमा मुहूर्तनु नाम अष्टौ रात्रि के तीस मुहूर्तों में से पंद्रहवें, अथवा चांगवे मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). जे० प० सू० प० १०; सम० ३०; (४) मोहनीयनी उदयमां आवेदी

प्रकृतिनो क्षय करवे अने उदयमां आववांनी
 होय तेने दयावी देवी-उदयमां आववा न
 देवी ते. मोहनीय कर्म का उदयम आई हुई
 प्रकृति का क्षय करना और उदय में आन-
 वाली प्रकृति को दबा देना-उदयमें न आन-
 देना. destruction of that
 Mohaniya Karma which has
 matured and the assuaging of
 that which is dormant. क० गं०
 २, २; ४, १६, ६७; प्रब० ३५; ६५०;
 ६५५; उत्त० ३२, ११; आया० १, ६, ५,
 १६४; भन० ८८; आब० ३६; अणुजा० १२७;
 —निष्फगण. पुं० (निष्पन्न) के प्रकृतिनो
 उपशम करवाया अने-उपशमनी
 निष्पन्न अणुजी के ते जिम प्रकृति का
 उपशान कर दिया है उपशम को निष्पन्न
 हो गई है वह. calmness which has
 been born as a result of
 assuaging the passions. अणुजा०
 १२७; —सार. त्रि० (सार) उपशम-
 प्रकृतिमानो निरोभाव के सार-मत्त केने
 ने. उपशम प्रकृतियों का निरोभाव है
 गार-मत्त जिमका ऐसा. (anything)
 having for its essence the
 subsidence of Karmic Pra-
 kritis. “ उवसमसारं सुखमज्ञं ” कण०
 ६, ५६; —संज्ञि. स्त्री० (संज्ञा) अनन्ता-
 नुबंधी आदि प्रकृतिमानो शस्त्रमां उदय कर्म
 प्रमाणो उपशमावतां गुणश्रेष्ठोपरि २५७
 ते; आ श्रेष्ठो अनीयारमा गुणश्रेष्ठोपरि २५७
 २५७ के शास्त्रम कहे हुए क्रमानुसार
 अनन्तानुबंधी आदि प्रकृतियों का शमन
 करते करते गुणश्रेष्ठोपरि चढ़ना. इस
 उपशम श्रेष्ठ से ग्यारहवे गुणस्थान पर्यन्त
 पहुँचा जा सकता है. the ladder of
 spiritual advancement leading

up to the 11th Gunasthānaka
 by a gradual subsidence of de-
 cluding passions etc. प्रब० ७७६;



अनुत्तर विमान.

—उवसम-सेणि.

सं. लोम

अप्र. लो., प्र. लो.

सं. माया

अप्र. माया, प्र. माया

सं. मान

अप्र. मान, प्र. मान

संज्वलन क्रोध

अप्र. क्रोध, प्र. क्रोध

पुरुष वेद

हास्य, रति, अरति, भय, शोक, दुर्गच्छ

स्त्री वेद

नपुंसक वेद

सम. मो., मिश्र मो., मिथ्या. मो.

अनन्तानुबंधी क्रो. मा. मा. लो.

D.V. TALSAANIA

उवसमञ्च. पुं० (उपशमक) उपशमभाव
वाया भुति; उपशम श्रेष्ठिये यत्नार. उपशम
भाव वाले मुनि; उपशम श्रेष्ठपर चढेनवाले.

An ascetic with passions calm-
ed down; one trying to curb and
assuage his passions भग० २५, ७;

उवसमग. पुं० (उपशमक) जुओ "उप-
समञ्च" शब्द. देखो "उपसमञ्च" शब्द.

Vide. "उपसमञ्च" भग० २५, ६;

उवसमणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ "उवसम-
ण्या" शब्द. देखो "उवसमण्या" शब्द.

Vide. "उवसमण्या" क० प० ५, १;

उवसमि. त्रि० (उपशमिन्) औपशमिन्
उपशम समदित्वातो उपशम सम्यक्त्वाना.

One possessed of Upasama
Samyaktva (i. e. subsidential
right belief). क० ग० ४, २५;

उवसमिय. पुं० (औपशमिक) मोहनीय-
कर्मनी प्रकृतिने उपशम. मोहनीय कर्म की

प्रकृति का उपशम. Subsidence of
Mohanīya Karma. (२) उपशम

निष्पन्न-औपशमिक भाव. उपशम निष्पन्न
भाव. calmness of mind born

of that subsidence. अणुजो० दद;
१२७; भग० १४, ७; १७, १; २५, ६;

(३) त्रि० शान्त. शान्त. free from pas-
sions; calm. सू० न० १, ३४४;

उवसमियव. त्रि० (उपशमितव्य) उपशम-
यत्नु ते. उपशम करना. Assuaging;

causing to subside. वेय० १, ३३;
कप्प० ६, ५६;

उवसामञ्च. पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
२८ प्रकृतिने उपशमाती ११मे गुणस्थाने

वर्त्तमान ७५. मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-
तियों को शमन कर म्यारहवें गुणस्थान में

विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gunasthāna with all the
28 varieties of Mohanīya
Karma subsided. सम० १४;

उवसामग. पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
प्रकृतिओने सर्वथा उपशमावनार. मोहनीय

की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला.
One who causes right-conduct-

deluding Karma to subside
completely. क० ग० ४, ७३; प्रव० १३३;

उवसामणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ
"उपशम" शब्द. देखो "उपशम" शब्द.

Vide. "उपशम" क० प० ५, १;

उवसामण्या. स्त्री० (उपशमना) शान्ति उप-
शमयति. शान्ति: उपशम भाव. Ascetic

renunciation; calmness; free-
dom from passions. भग० ३, १;

उवसामणोवकम. पुं० (उपशमनोपक्रम)
कर्मने उपशमावनाना उपक्रम-आरंभ.

कर्म का उपशम करने का उपक्रम-आरंभ.
Commencement of effort to

assuage Karma. ठा० ४, २;
उवसामियव. त्रि० (उपशमयितव्य) उपशम

करावेलो. उपशम कराना. Causing
subsidence of Karma कप्प० ६, ५६;

उवसेवण. न० (उपमेवन) सेवा करनी.
सेवा करना. Attending upon;

rendering service to. प्रव० २७४;
उवसोभमाण. पुं० (उपशोभमान) शोभाय-

मान. शोभायमान. Beautiful; charm-
ing. नाया० १३; भग० २, १; ७, ३;

उवसोभिञ्च-य. त्रि० (उपशोभिन्) शोभिनुं
थय्येनुं. शोभनीय बना हुआ. शोभित.

Beautified; adorned; made beau-
tiful. " कविसोपहोह उवसोभिञ्च " राय०

" हारद्वहार उवसोभिञ्च " राय० जं० प०

१, ११; नाया० १;

२०५: (४) सूत्रनी वाचना उपर तप
 ३२तुं ते. सूत्र बांचने का तप करना.
 austeriy performed after read-
 ing Sūtras. प्रव० २६८; —**पडिमा**
 खी० (—प्रतिमा) उपधान-तप विशेषतो
 अभिग्रह ३२वो. उपधान-तप-विशेष का
 अभिग्रह करना, नियम करना. a vow to
 perform the austerity known
 as Upadhāna. ठा० २; ४, १; श्रौव०
 —**सुय. न०** (—श्रुत=महावीरसेवितस्योपधा-
 नस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं गन्धः उपधान-
 श्रुतम्) उपधान श्रुत नामनुं आचारंगं तुं
 अध्ययन. उपधान सूत्र नाम का आचारंग का
 आठवां अध्याय. the 8th chapter of
 the Āchārāṅga Sūtra, styled
 Upadhāna Sūtra. ठा० ५; सम० ५;
उवहाणम्. न० (उपधानक) ओशीर्द्रं. तकिया.

A pillow. प्रव० ६८४;

उवहाणवन्तं. पुं० (उपधानवन्त = उपधीयन्ते-
 उपष्टभ्यन्ते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्वि-
 द्यते यस्यास्सोपधानवान्) उपधान-शास्त्र-
 वाचन निमित्ते तपविशेष. तेनुं ३२वार.
 शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेष-
 का करने वाला. One who practises
 the austerity known as Upadhā-
 na with a view to study the
 scriptures. “वमे गुरु कुंलाणिञ्च जागवं
 उवहाणवं” उक्त० ११, १४: ३४, २७;
 स्य० १, २, १, १५;

उवहार. पुं० (उपहार) भेट; अक्षीस. भेंट;
 पारितोषकः इनाम. A gift; a present.
 “ पहासमुदश्रोवहारोहि मव्वथा ज्ञेया ”
 कण्ठ० ३, ३४; पण्ड० १, २;

उवहिय. पुं० (उपधि = उपधीयन्ते संगृह्यते
 इत्युपाधिः) वस्त्रधरेणुं धरयार वगेरे उपधिः;
 उपधरेणुः सामग्री. वस्त्र, आभूषण, घरवार

आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. World-
 ly possessions, such as clothes,
 ornaments, house etc; material
 possessions; implements. भग०
 १२, ५; १७, ३; १८, ७; निगी० २. ५६;
 १२. ४७; १६, २५; पिं० नि० भा० २६;
 २६; पिं० नि० ६८; दग० ६, २, १८; १०,
 १, १६; आया० २, ३, २, १२१; सम०
 १२; उक्त० १२, ४; १६, ८६; २४, ११;
 श्रौव० २०; प्रव० ४६८; (२) भाषा;
 ३५२. माया; कपट. fraud; deceit.
 पण्ड० १, २; —**धोअण. न०** (—धावन)
 उपधि-वस्त्रादि धोया ते. वस्त्रादिकका धोना.
 washing, cleansing of clothes
 etc. प्रव० ३०; —**पञ्चस्त्राण. न०**
 (प्रत्याख्यान = उपधिरूपकरणं तस्य रजो-
 हरणमुख्यस्त्रकाव्यतिरिक्तस्य प्रत्याख्यानं
 न मयास्मै गृहीतव्य इत्येवं रूपा निवृत्ति-
 रूपधिप्रत्याख्यानम्) उपधि-वस्त्रपात्र आदि
 उपधरेणु-तेनो त्याग परिहार. वस्त्र, पात्र
 आदि उपकरणों का त्याग परिहार. aban-
 donment of material posses-
 sions such as clothes, vessels
 etc. उक्त० २६, २; —**विउस्मग्ग. पुं०**
 (—व्युत्सर्ग) वस्त्र पात्र आदि उपधितो
 परित्याग. वस्त्र, पात्र आदि उपाधि का परि-
 त्याग abandonment of such
 material possessions as clothes,
 vessels etc. भग० २५, ७; श्रौव०

उवहिय. त्रि० (उपहित) अर्पणुं दरेदः पामे
 भुद्रेव. अर्पितः अर्पण किया हुआ; पाममे
 रमा हुआ. Offered for acceptance;
 placed near. विशेष० ६३७; भग० १, ६;
उवहिय. पुं० (श्रोपधिक) भाषावटे पापने
 दांङ्कार. माया-द्वल कपट-के द्वारा पापको
 दांङ्कने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया० २;

उवाहकंत. त्रि० (उपातिक्रान्त) व्यतीत
थयेव; पसार थधु गयेव. गया हुआ; व्यतीत.

Past; gone. आया० १, ७, ४, २१२;

उवाहकम्म. सं० कृ० अ० (उपातिक्रम्य)

उत्सधन करीने; ओलंधीने. उल्लांघ करके.

Having crossed or transgressed.

आया० १, ७, १, २००; २, ८, १६३;

(२) परितार करीने; त्याग करीने. त्याग करके

छाड़ करके. having abandoned;

having given up. आया० २, २, ३, १००;

उवाइय. त्रि० (उपायित) यायेवुं; भयेवुं.

मांगा हुआ; इच्छित. Begged; soli-

cited; desired. “उवाइयं उवाहत्तए”

नाया० २; विवा० ७; (२) देवती आरा-

धनाथी प्राप्त थयेव. देवकी आराधना करने

मे प्राप्त. got by propitiating

a deity. आ० १०, १: —संस. त्रि०

(शेष) आतां यथेवुं; आतां आतां शेष

रहेवुं. खाते खाते बचा हुआ (the portion

of food) which has remained in

the dish after one has taken

his fill. आया० १, २, १, ६७;

उवाइय. पुं० () तलु इन्द्रियवाणे ७५.

तीन दान्द्रिया वाला जीव. A three-

sensed living being. पञ० १;

उवागअ य. त्रि० (उवागत) प्राप्त थयेव;

भेगयेव. पाया हुआ; प्राप्त. Got; acquir-

ed; obtained. जं० प० ओव० १०.

नाया० १; ६; १६; १६; भग० १५, १;

उवाचिय. त्रि० (उपाचित) भरैव; व्याप्त.

भरा हुआ; व्याप्त. filled; full; perva-

ded by. नाया० १२;

उवाणह. पुं० (उपानह) पशरपां; जेडां.

जूता का जोड़ा. A shoe; a pair of

shoes. “ तिगिच्छुमाणहावाण, समारंभं

च जोइणो ” दस० ३, ४; पणह० २, ५;

सय० १, ४, २, ६; प्रव० ४३८;

उवादाण. न० (उपादान) मुख्य कारण.

पहला कारण. मूल कारण. Primary or

material cause. विशेष० १२२६;

उवादेय. त्रि० (उपादेय) उपादेय-आह्वय-

योग्य वस्तु. उपादेय-ग्रहण करने योग्य.

Acceptable; worthy of being

accepted. पंचा० ५, २०;

उवाय-अ. पुं० (उपाय) उपाय; साधन;

परीक्षार. उपाय; माधन; तरीका. A means;

a remedy; an expedient. “विणयं

पिजो उवाणो चोइओ कुप्पह्वरो ” दस०

६, २, ४; “ एणं च दोमं चतेहव मोह.

उद्धत्तकामेण समूल जालं । जे जे उवाया

पडिवजियव्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणु

पुब्बि ” उत० ३२, ६; विशेष० ४६७; ओव०

आ० ४, ३, नाया० १; ६; ८; १२; मू० १,

४, १, २; दस० ८ २१; पञ० ३६; (२)

युक्ति. युक्ति. a scheme; a plan.

स० प० १: —उभाय. पुं० (-अध्यायक)

पानाता अपने पारदा दितो उपाय धितव-

नार अपने और दूसरे के हितका उपाय

सोचने वाला. one who reflects

upon the means of securing

his own well-being as well as

that of others. विशेष० ३१६६:

—पव्वज्जा. स्त्री० (-प्रवज्या) गुरुती सेवा

करी दीक्षा लेती ते. गुरुकी सेवा कर दीक्षा

लेना. taking of Diksā after

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*).
foot-note (*) p. 15th.

देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide

rendering service to a preceptor. डा० ३, २;

उवाय-अ. पुं० (अवपात) आचार्यनी निर्देश-आज्ञा. आचार्यकी आज्ञा. The order of a preceptor. सूय० १, १६, १; (२) आधा. खड्डा: गड्ढा. a pit: a ditch. आया० २, १, ६, २७; जीवा० ३, ३; पण० १, १;

उवायण. न० (उपायन) भेट. भेंट; पारितोषक. A gift; a present. मु० च० ८, ४६; (२) याचना करती: भागछी करती. मांगन; याचना करना. praying for; asking for; solicitation. विश० १८७८;

उवायमाण. त्रि० (उपायमान) पुत्र आदिनी याचना करतो-ती-तुं. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter. लाया० २; १७;

उवालेभ. पुं० (उपालम्भ = उपलब्धभनमुपा-लम्भः) अपेक्षा आपवे तो: आवांभा. उपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproach; a reprimand. पिं० नि० भा० ४५; विश० २४८; डा० ४, ३;

उवास. पुं० (अवकाश) अवकाश; आकाश. अवकाश; आकाश; खाली जगह Vacant space; sky. भग० १, ६; वव० ७, १८; (२) उपाश्रय: निवास स्थान. उपाश्रय; जैन मायुश्रोक ठहरनेका स्थान. a Jain monastery. निसी० १७, २०; —अंतर. न० (-अन्तर) धनया तनया धनरेनी धन्येनुं आकाश; आंतरारूप आकाश: धनवान विलय और तनवात विलयके बीच का आकाश. intervening void space. एएसुयं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया ” डा० ७; २, ४; निसी० ६, १२; वव० ८, १; पण० १५; जीवा० ३, १; भग०

१, ६; ६; २, १०; ६, ६; १२, ५; १३, ४; २०, २;

उवासअ-य. त्रि० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनिःपुपासकाः) उपासना करनेवाला; सेवक. उपासना करनेवाला; सेवा करने वाला; सेवक. (One) who worships or serves or waits upon. निसी० ८, १२; पिं० निं० १५८; ४६४;

उवासग. पुं० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनिःपुपासकाः) साधुनी उपासना करनेवाला; श्रावक. साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक. One who renders service to an ascetic; a Jain layman. उवा० १, ७०; २, १२३; उत्त० ३१, ११; सम० ११; (२) धर्म सांभलवान्नी अभिलाषायाणां धर्मोपदेश सुननेकी इच्छा वाला. one, desirous of learning religious truths from a Guru भग० ५, ४; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा = उपासका-श्रावकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा अभिप्रार्हावेशाः उपासक प्रतिमाः) उपासकनी-श्रावकनी ११ पडिमा. श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएँ. the 11 vows of a Jain layman. वंचा० १०; १; आव० ४, ७; नाया० ५; दसा० ६, १; २;

उवासगदसा. स्त्री० (उपासकदशा = उपासकाः श्रावकान्तद्रताणुव्रतादिक्रियाकलाप-प्रतिबद्धा दशा अध्ययनानि उपासकदशाः) उपासक-श्रावकनी अधिधारना दश अध्ययन नेमां छे जेता सातमां अंगसूत्रनुं नाम; उपासकदशा सूत्र. उपासक-श्रावक के अधिकारके जिसमें दश अध्याय हैं उस सातवें अंगरूपका नाम; उपासगदशा सूत्र. Name of the 7th Aṅga Sūtra dealing with the duties of a Jain layman in 10 chapters. उवा० १०, २१५; अणुजो० ४२; नंदी० ४४; ५१; सम० १; ७;

उवासिया. स्त्री० (उपासिका) सिद्धांत सांल-
ग्यानी धम्मवादी स्त्री; श्राविका. सिद्धान्त
मुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री; श्राविका.
A woman desirous of learning
religious truths from a precep-
tor; a Jainalaywoman. भग० ५,
४; १५, १;

उवाहण. पुं० (उपाहण) पदपुं; आसट्ट.
जुता. A shoe; a pair of shoes.
“लुत्ता वाहण संजुत्ते, धाउरत्तवत्थ परिहिण्”
भग० २, १; अणुत्त० ३, १;

उवाहि. पुं० (उपाधि) उपाधि; विशेषण.
उपाधि; खिताब; विप्रेक्षण; पदवां. World-
ly fetters; attachment to world-
ly objects; a title; an epithet.
आया० १, ३, १, १०६;

उविक्खअ. त्रि० (उपेक्षक) उपेक्षा करनेवाला;
अदरकार. उपेक्षा करने वाला. Neglect-
ful; indifferent. गच्छा० २८;

उविक्खा. स्त्री० (उपेक्षा) उपेक्षा. उपेक्षा.
Neglect; indifference; contempt.
पंचा० १८, ३४;

उविक्ख. अ० (उपपत्त्य) प्राप्त करीने; भेजनीने.
प्राप्त करके; पा करके. Having got or
obtained. उत्त० १३, ३१;

उवीला. स्त्री० (अवपीडा = अवपीडनं परेषा
मित्रवपीडा) परने पीडा उपपन्नरी ते. दूसरे
का दुःख देना. Giving pain or trou-
ble to others. विवा० ६; पणह० १, ३;

उवेअ. त्रि० (उपेत) युक्त; संयुक्त; सहित
संयुक्त; सहित; साथ. Accompanied
with; joined with; possessed of.
“पत्त पुप्फ फल्लोवे” उत्त० ६, ६;

उवेहलिय. पुं० (*) अनंत आय
विशेष; ईद मूलनी ओक जल. कंद मूल की
एक जाति; अनंत कायरूप बनस्पति विशेष.
A kind of bulbous root. भग० २३, ३;

उवेहिअ. त्रि० (उपोक्षित) उपेक्षा करेला.
उपेक्षा किया हुआ; जिसकी पर्वाह नहीं की
वह. Neglected. सु० च० ५, १००;

***उव्वकिउं.** अ० (उद्गीर्ण) आभासीने. उगार
करके. Having reduced to a
semifluid condition by masti-
cating etc. सु० च० ६, ५५;

उव्वट्ट. पुं० (उद्घट्ट) नारकी अने देवताने
भव पुरे करी जील अतिभां जयुं ते. नारकी
आर देव भव को पूरा करके दूसरी गति में
जाना. Passing into another state
of existence after completing
one's term of existence as a
celestial or hell being. विशेष०
२७४८; (२) पीडीवटे मीकाश द्वर
करवी ते; उरटाणुं करयुं ते. पिठा के द्वारा
चिकनाहट दूर करना; उवटन करना. rub-
bing the body with perfumes;
removing oiliness by knead-
ing with a fragrant substance.
विश० २६६४;

✓ **उवट्टण.** न० (उद्घट्टन) धर्मनी दुंष्टा-
स्थितिने अध्यवसायविशेषथी वांछी करवी
ते कर्म की अल्प स्थिति को अध्यवसायविशेष
से दीर्घ काल की करना. Lengthening
the duration of Karmas by
meditation. विश० २५१४; (२) उवटी
रूपायमे भर्तन करयुं ते. उलटे हए की ओर

से मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दम० ३, ५; उवा० १, २६; १०, २७७; गच्छा० ११३; (३) पश्युं डेरयुं ते. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture).

आव० ४, ४;

उव्वट्टणा. स्त्री० (उव्वत्तना) देवता अने नरका तो भव पुरे डरी अदार नीडलयुं ते. देव और नरकी के भवको पुरा कर बाहर निकलना. Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being. प्रब० ११३६; (२) उगतत्था; मर्दन विशेष. उव्वटना; मलना; मालिश करना. anointing; smearing; rubbing. नाया० १३; विवा० १; भग० ११, १; १६, ३; २१, १; ३४, २; —**आवलिगा.** स्त्री० (—आवलिका) इमंती टुंडी स्थितिनी दांभी स्थिति करयी ते उव्वत्तना तेनी आवलिगा—समयविशेष. कर्म की छोटी प्रकृति की लंबी स्थिति करना, उव्वत्तना—उमकी आवलिगा—समय विशेष. the particular moment of prolonging the duration of Karma. क० प० २, ३;

उव्वट्टणावय. त्रि० (उव्वत्तनाकारक) पीछी डरावनार. उव्वटना. उव्वटन कराने वाला. (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent. निमी० ६, २४;

उव्वट्टावेयव्व. त्रि० (उव्वत्तितव्य) नरकादि को भवपुरे डरी नीडलयुं. नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना. Finishing one's term of life in hell etc.

and taking another birth. भग० १३, १;

उव्वट्टिता. सं० कृ० अ० (उव्वत्थ) नरकादि-भांथी अदार निकलीने; नरकादि भव पुरे डरीने. नरकादि में से बाहर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it. भग० ११, १;

उव्वट्टिया. त्रि० (उव्वत्तित) नरकादि को भव पुरे डरी अदार नीडलेत्त. नरकादि गति-सम्बन्धी भव पूरा करके बाहर निकला हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. “आउक्खण्ण उव्वट्टिया समाणा” प्रब० ११०३; पगह० १, १; ३; क० प० २, २६; (२) उगतत्थं डरेत्त पीछी आलेत्त. उव्वटन किया हुआ पीछी चिपडा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) पदभट्ट थयेत्त. पदच्युत; पदभ्रष्ट. deposed; dethroned; degraded. विं० नि० ४२०;

उव्वण भोग. पुं० (उव्वण भोग) उत्कृष्ट भोग. उकटभोग. Keen enjoyment. पंचा० २, ६;

उव्वत्त. पुं० (उव्वत्त) रोगी शिदान के संथारे डरनार साधुनी वेयावच्च डरनार निर्गमक साधुनी अंशवर्ग के जे रोगीनी उव्वत्तना—पासुं डेरयुं वगैरे रूपे शुश्रूषा डरे. रोगी, भ्लान या संथारा करन वाले साधु की वेयावच्च करने वाला निर्गमक साधु का एक वर्ग, जो रोगी का उव्वत्तना—करवट लिवाना मालिश करना आदि शुश्रूषा करता है. A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn over from one side to another. प्रव० ६३६;

उज्जरिय. त्रि० (उज्जरित) आहारना अङ्ग दोष, आहार का एक दोष. A fault connected with food. पि० नि० २२७; पंचा० १३, ८; (२) द्युद्धं दंडित. जुड़ा किया हुआ. set apart; separated. पंचा० १३, ८;

उज्जलण. न० (उज्जलन) उजरी ईयादी-ये मर्दन करने; मर्दन करी भस्म बनाने. उल्टे हूँ, की ओर से मर्दन करना. Rubbing a perfumed unguent on the body against the grain; rubbing and cleaning the body with perfumes etc. श्रव० ३१, नाया० १३; क० प० २, ४८; कप० ८, ६१;

उज्जलणा. स्त्रा० (उज्जलना-उज्जलन) उज्जलने, खोलना. Act of unfolding or unwinding क० प० २, ६१;

उज्जिग्ग त्रि० (उज्जिग) उज्जिग प्रभेदः अशांत प्रभेद अशांतः उद्वेगयुक्त. Vexed, troubled; agitated. “जम्म मच्चु भउज्जिग्गः दुक्खव्वं तं गंमिणो” ज० प० ३, २८; श्रव० २१; नाया० १, ३; ४; ६; १६; १७; पगह० १, १; जीवा० ३, १; भग० ३, १; ६, ३३; १२, १; १८, २; पन्न० २; नाया० ध० म० च० १, २२६; उवा० ८, २५६; ज० प० ३, ४८; उत्त० १४, ४२; — **मण.** त्रि० (मनस) उद्वेग-युक्त मनवाला. उद्वेगयुक्त मन वाला: चितित

मन वाला. troubled or agitated in mind. नाया० १७;

उज्जिद्ध. त्रि० (उज्जिध) उज्जि, उंडा: गहरा. Deep. श्रव० नाया० १; ज० प० २, ११४; (२) उज्जिद्धः उज्जि. ऊँचा. lofty; raised; high. सम० प० २३६; भग० ६, ३३; पगह० १, ४;

उज्जिह. पुं० (उज्जिह) गोशाला नाम श्रव० पुं० नाम. गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम. Name of the principal layman of Goshālā. भग० ८, ४;

उज्जिहिय. त्रि० (उज्जिह) उज्जि उड्डित. ऊँचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. भग० ४, ६;

उज्जीह. त्रि० (उज्जिह) उज्जि आग उड्डित. ऊँचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up; shot up. सम० १८, ३;

उज्जीलअ-य. पुं० (अपवीडक=लज्जा अतिचाम् गोपायन्मुपदेशविशेषरप वीडयति विगतलज्जं करोतीति अपवीडकः) आलोचना सेना सेना वन्दन थनी ऐय ने अभिनयी दूर करने. आलोचना करनेवाले को यदि लज्जा लगता हो तो समझाकर उसे दूर करनेवाला. One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins. भग० २५, ७; टा० ८, १;

उज्जोलेमाण. त्रि० (अवपीडयन्) पीड़ित. पीड़ा देता हुआ. Troubling; afflicting. “पंथ कोट्टेहिय उज्जोलेमाणे २ विहिंसं माणे २ विहरइ” टा० ८; विवा० १;

उज्जुष्कमाण. त्रि० (उपोह्यमान) पाटीया उपर भेरी तरती. पाटीये पर बैठकर तिरता हुआ. Swimming upon a wooden board. “ततेणं अहं उज्जुष्कमाणं रयण

दीवं तेणं संबुद्धे” नाया० ६;

उच्चैश्चर्यगह. पुं० (उच्चैश्चर्यगह) उच्चैश्चर्य उत्पन्न
थाय अथवा रोग. जिससे उच्चैश्चर्य उत्पन्न हो
ऐसा रोग. A disease or an ail-
ment giving rise to anxiety
and alarm. जीवा० ३, ३;

उच्चैश्चर्य. पुं० (उच्चैश्चर्य) उच्चैश्चर्य; अद्. उच्चैश्चर्य;
खेद; चिन्ता. Mental affliction;
mental agitation. भग० ३, ७; टा० ३;

उच्चैश्चर्य. पुं० (उच्चैश्चर्य) व्याकुलता; उच्चैश्चर्य.
व्याकुलता; चिन्ता; घबडाहट; उच्चैश्चर्य. Agi-
tation; perturbation; mental
distress. नाया० १;

उच्चैश्चर्यश्च. त्रि० (उच्चैश्चर्यजनक) उच्चैश्चर्य करनेवाला.
उच्चैश्चर्य करने वाला. Causing distress
or misery; giving rise to pain
and sorrow. पगह० १, १;

उच्चैश्चर्यकरि. त्रि० (उच्चैश्चर्यजनकरिन्) उच्चैश्चर्य
करनेवाला. उच्चैश्चर्य करने वाला. (One) be-
coming angry; (one) causing
distress or pain of mind. भग०
६, ३३;

उच्चैश्चर्यग. त्रि० (उच्चैश्चर्यजनक) जुआ “ उच्चैश्चर्य-
यणश्च ” शब्द. देखो “ उच्चैश्चर्यश्च ” शब्द.
Vide “ उच्चैश्चर्यश्च. ” भग० ६, ३३;
पगह० १, १;

उच्चैश्चर्यणिय. त्रि० (उच्चैश्चर्यजनक) उच्चैश्चर्यकारी.
उच्चैश्चर्य करने वाला. Distressing;
painful; full of misery. “ असुखं
उच्चैश्चर्यणियाणं भीमाणं गम्भिरं सहीणं वमि
बलं भविस्सह ” टा० ३, ३;

उच्चैश्चर्य. पुं० (उच्चैश्चर्य) गभीरता; उच्चैश्चर्य; उच्चैश्चर्य.
गहराई; उंचाई. Depth. भग० २,

८: १५, १; राय० १२५; जवा० ३, ४;
जं० प० १, १२; ७, १७४; अणुजो०
१३४; टा० २, ३;

उच्चैश्चर्यलिया. स्त्री० (*) अद्. जननी
जनरपति. उच्चैश्चर्यलिया नामक एक वनस्पति.
A kind of vegetable growth.
सूय० २, ३, १६;

उत्सन्न. पुं० (अवसन्न) संशयपूर्ण आशय. संश-
यसे थका हुआ. Fatigued, exhaust-
ed on account of ascetic prac-
tices; tired of ascetic penance.
निर्वा० ४, ३२; ३६;

उत्सन्न. अ० (*) अद्. आगे; प्राये.
बहुधा; प्रायः. Mostly; to a great
extent. पग० ८, भग० ७, ६; आ०
२०; वव० १, ३४;

उत्सन्नहसिणश्च. स्त्री० (उत्सन्नहसिणश्चर्या)
अनन्त व्यवहार परमाणु अणुओं की
अनन्त नदानीं नदानीं रचनीय अणुः उच्चैश्चर्य-
रचनीय ६४ भाग. अतः व्यवहारिक पर-
माणुओं के एकत्रित होनेसे बने हुए छोटेंसे
छोटें स्फटिकी संज्ञा. A name given
to the smallest molecule made
up of innumerable atoms,
1/64th part of an Urdhwa
Renu. भग० ६, ७;

उत्सन्नहसिणश्च. स्त्री० (उत्सन्नहसिणश्चर्या)
जुआ उपरोक्त शब्द. देखो उपरका शब्द
Vide above. अणुजो० १३४;

उत्सन्न. त्रि० (उत्सन्न) उपर आशय. ऊपर
बांधा हुआ. Bound or attached to
the top. आ० पग० २; राय० ५६;

उत्सन्न. अ० (*) अद्. प्राये.

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ का फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

बहुलता; अधिकता; प्रचुरता. Mostly; to a great extent. टा० ४, १:

—**तस्सपाणघाति**. त्रि० (-**तस्सपाण-****घातिन्**) धुले भागे तस प्राणीनी धातने। इरुता२. अधिकतर तस प्राणीका घात करने वाला. mostly destroying or killing mobile living beings. दसा० ६, १: —**संभारकड**. त्रि० (-**सम्भारकृत**) प्राये कर्मना भारथी प्रेरयेत: भारे कर्मणिज्जथी प्रेरयेत. प्रायः कर्मके भार मे दबा हुआ; कर्म के भार मे प्रेरित. mostly urged by a heavy load of Karma. दसा० ६, १:

उत्सभ. पुं० (**वृषभ**) शाश्वती ऐकं जिन प्रतिमानं नाम शाश्वत-निरंतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम. A permanent idol of a Tirthankara. जीवा० ३, ४; कण० ३, ४४;

उत्सभ. पुं० (**ऋषभ**—**ऋषति गच्छति परमपद-मिति ऋषभः**) प्रथम तीर्थेकर; ऋषभदेव स्वामी. The first Tirthankara; •Rishabhadeva Swāmī. आव० २, ४; भग० २०, ८; सम० २३, २४; ज० प० ५, ११५; अणुजा० ११६; पंचा० १६, ८; गम० प० २३६; (२) त्रि० उत्तम; श्रेष्ठ. उत्तमः सर्व श्रेष्ठ. highest; excellent. टा० ४, २; (३) पुं० पन्द्रहमा कुलगन्तु नाम. पंद्रहवें कुलकर-नेताका नाम. name of the 15th Kulagara i. e. a great leader of men. ज० प० (४) अणुद; ऐश. बैल. an ox. भग० ११, ११; १६, ६; अणुजा० ४७; ओव० ज० प० राय० ४३; नाया० १; (५) अगीयारमा आरमा देवलोकना ध्रुवुं यिन्द. ग्यारहवें, बारहवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the emblem of the In-

dra of the 11th and 12th Devalokas. ओव० २६; (६) अणुदना यित्र पावुं वत्थ अथवा आभरणु ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो. a cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा० ३, ३; (७) आमडाने पाटे. चमड़े का पट्टा. a leathern belt. ज० प० सम० प० २२६; पञ० २३: —**आसण**. न० पुं० (-**आसन**) अणुदना आसणं आसन. बैल के आकार का आसन. an ox-shaped seat. जीवा० ३; —**कंठ**. पुं० (-**कण्ठ**) ऐकं जगतु रत्त. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय० १२१: —**कंठग**. पुं० (-**कण्ठक**) ऐकं जगतुं रत्त. एक जात का रत्न. a kind of gem. “उत्सभकण्ठगधट्टममे” जीवा० ३, ४: —**कूड**. पुं० (-**कूट**) ऐकं पर्वतं नाम. एक पर्वत का नाम. name of a mountain. ज० प० १, १७; ६, १२५; (२) सिन्धु-कुण्डनी पूर्वें अंगारकुण्डनी पश्चिमे नीलवन्त पर्वतना दक्षिणुं इति उत्तरार्द्धे कच्छविजयमा-नेना आसं योज्जतेने। अत्रि। ऐकं दृष्ट-शिखर. सिन्धुकुंड के पूर्व की ओर गंगा कुंड की पश्चिम दिशा में नीलवन्त पर्वत के दक्षिण कि-नारे पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gaṅgā Kuṇḍa and to the east of Sindhu Kuṇḍa. ज० प० १, १७; —**नाराय**. पुं० (-**नाराच**) णुभो “उत्सभनारायसंघयण” शब्द. देखो “उत्सभनारायसंघयण” शब्द. vide “उ-

सभनारायसंघयण ” भग० २४, १; ठा० ६, १; —नारायसंघयण. न० (—नाराचसंह-
नन) जेभां दाउडाना सांक्षा भाटा जेवा
पदार्थशी विटलियेस अने भईत अंधशी
अंधायेस होय ते संघयण; ७ संघ-
यणभानुं थीजुं संघयण, जिस में शरीर की
टहियों के जोड़ पड़ेके समान वस्तु से लिपटे
हुए और मर्कट बंधन से बंधे हुए हों वह
संहनन; छह गंहननो में से दूसरा संहनन.

a physical constitution in
which the bones are wrapped
round by sinews as hard as
stone and fastened together
tightly by Marakata Bandha;
the 2nd of the six kinds of
Saṅghayana (physical struc-
ture). जीवा० १; —पंक्ति. छा०
(—पंक्ति) अगदनी पंक्ति. बेलोकी पंक्ति.
a series or line of oxen.

भग० १६, ६; —ललियविक्रान्त. त्रि०
(—ललितविक्रान्त) अगदना जेवी सारी गति
वाला. बेल के समान सुंदर गति वाला. pos-
sessed of a gait beautiful like
that of an ox. राय० ६२; —संठिय.
त्रि० (—संस्थित) अगदना आधारनुं. बेल के
आकारका. ox-shaped. भग० ६, २;

उसभदत्त. पुं० (ऋषभदत्त) ऋषभदेवतानामे
ऐक आदियु ६ जेना घरभां भदावीर
स्वामी प्रथम आग्या दत्ता. ऋषभदत्त नामक
एक ब्राह्मण कि जिसके घर महावीर स्वामी
प्रथम गये थे. Name of a Brāhmaṇa
to whose Mahāvira Swāmī
had visited first. भग० ६, ३३;
कण्व० १, २; (२) उसुयार नगर निवासी
ऐक गाथापति. उसुयार नगर निवासी एक
गाथापति. a merchant-prince of

Usuyārnagara. “ उसुयारणगरे
उसभदेते गाहावह ” विवा० ४;

उसभपुर. न० (ऋषभपुर) जे नामनुं नगर
के जेभां तिष्यगुप्त नामे ऐक निन्दव थाया.
एक नगरका नाम जिसमे तिष्यगुप्त नामक
एक निन्दव हुए थे. Name of a town
which was the native place of
a Nindhava named Tisya-gupta.
ठा० ७, १; विवा० २;

उसभसेण. पुं० (ऋषभसेन) ऋषभदेव-
स्वामीना चोरासी दत्तर साधुओमाना
भुज्य साधु. ऋषभदेवस्वामीके चोरासी हजार
साधुओ मे के मुख्य साधु. The chief
of the 84 thousand Sādhus of
Riṣabhadeva Swāmī. सम० प०
२३३; जं० प० कण्व० ७, २१३; (२)
२०भां तीर्थदरते प्रथम भिक्षा आपनार अदरथ.
वांग वें तार्थकर का प्रथम भिक्षा देनेवाला
गृहस्थ name of a householder
who first of all gave alms to the
20th Tirthāṅkara. सम० प० २३३;

उसभा. छा० (ऋषभा) शाश्वती चार प्रति-
माओ पैडी पदेसी प्रतिमानुं नाम. शाश्वती
चार प्रतिमाओ मे का पहला प्रतिमा का नाम.
Name of the first of the four
permanent Pratimās. राय० १५४;
—लद्धि. छा० (—लद्धि) उश्वासनी
प्राप्ति. उश्वासनी प्राप्ति. the attain-
ment of (the power of) inhaling
air. क० ग० १, ४४;

उसह. पुं० (ऋषभ = ऋषति गच्छति परम-
पदमिति ऋषभः) आदि तीर्थदर; पदेसा
तीर्थदरनुं नाम. पहले तार्थकरका नाम.
Name of the first Tirthāṅkara.
जं० प० नंदी० ४३; प्रव० ४;

उसह. पुं० (ऋषभ) अगद. बेल. An ox;

a bull. नाया० ८;

उसहकूट. पुं० (वृषभकूट) એ નામનો એક પર્વત ગંગાકૂટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે યુગદિશવંત પર્વતને દક્ષિણ તરે છે. इस नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवत पर्वतके दक्षिण की ओर है. Name of a mountain between Gaṅgākūṭa and Sindhukūṭa, to the south of Chula Himavanta mountain. जं० प०

उसहसेण. पुं० (ऋषभसेन) બુએ
“ उसभसेण ” शब्द. देखो “ उसभ-सेण ” शब्द. Vide “ उसभसेण ” प्रव० ३०६;

उसा. स्त्री० (उषा-अवरणाय) કારઃ
आकृष. ओम. Fog; dew. (२) प्रभात. प्रातःकाल. dawn. “ तेजः परिहानिहया, भानोरच्छादयं यावत् ” जीवा० १;

उसिण. पुं० न० (उष्ण-उपति दहति जन्तृनि-व्युष्णम्) ઉષ્ણ રપર્શઃ ઉષ્ણતા. गर्मा; उष्ण स्पर्श. Heat; hot touch. (२) त्रि० त्रि० गरम. गर्म. hot. आया० १, १८, ३३; पञ्च० १, ३५; भग० २, २, ५; ६, ८; ७; ८; १०, १०, १८, ६; २०, ६; दस० ६, ६३; पि० त्रि० १५२; जीवा० ३, १; उत्त० २, ८; टा० ४, ४; नाया० १६; प्रव० ३१; (३) पुं० ઉષ્ણકાલઃ ઉનારો. गर्मा का मौसम. summer; hot season. प्रव० ८७५;

—उ.ग. न० (—उदक) ઉત્પાણીઃ गरम पाणी. गर्म पाना. उष्ण जल. hot water.

“उसिणोदगंत तफासुयं पडिगाहंज मंजण”
देश० ८, ६; प्रव० ८८८; पञ्च० १; वेय० २, ५; पि० नि० भा० १८; नाया० १८;

—उदगवियड. अ० (—उदकविकृत) વિકૃત-અચેત થયેલ ઉત્પાણી. अचित पानी; जीवजंतु रहित उष्ण जल. hot water rendered lifeless. निसी०

१, ७; दसा० ६, ४; —उसिण. त्रि० (—उष्ण) ઉત્તુંઉત્તું. गर्म; उष्ण; ताजा. hot. निसी० १७, २९; —जोणिय. पुं० (—योनि-उष्णमेव योनिर्येषान्त उष्णयोनिः) ઉષ્ણ યૌનિવાસી. ૭૫. उष्ण योनिवाला जीव. a living being (female) with hot generative organ or womb.

भग० ७, ३; —तयलेस्सा. स्त्री० (—तेजो-लेख्या) ઉષ્ણ તેજો લેશ્યા; गरम अतिरूप લેશ્યા—તપના પ્રભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ એક વ્યક્તિ કે વસ્તી ધીમ્નને પાલી શકે. उष्ण-तेजो लेख्या; अग्नि के समान लेख्या; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाला एक लक्ष्य जो दूसरे को जला सके. hot and bright Leśyā; a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १; —परिस्सह. पुं० (—परिपह) તાપ-ગરમીનો પરિસ્સહ. गर्म का परापह; उष्णता सहन करने रूप तप. bearing affliction caused by heat. सम० २२; उत्त० २, ८; भग० ८, ८; —फास. पुं० (—स्पर्श) ઉષ્ણ રપર્શ. गरमी; आह रपर्शमानो એક. गर्मा; आह प्रकार के स्पर्शों में से एक स्पर्श. heat: hot touch; one of the 8 kinds of touch. क० ग० १, ४५; —भोयण-जाग्र. न० (—भोजनजात) ઉના ભોજનની જાત-પ્રકાર. गर्म भोजन उष्ण भोजन का एक जाति. a variety of food served hot. वेय० ५, १२; —विकट. न० (—विकट) ઉકાલેલું ઉત્તું પાણી; ઉત્તું અચિત પાણી. उकाला हुआ गरम जल; गरम अचित जल. boiled water; life-

less, sterilised water. कण० ६, २२;

उसिणभूय. त्रि० (उष्णभूत) गरमभूत.

गर्मः उष्णः. Become hot; made hot. " उसिये उमिणभूण यावि होत्था "

भग० ३, २;

उसिय. वि० (उषित) निवास करैत; रहैत. निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ. Dwelt; inhabited. आया० १, ६, ३, १८७;

उसीर. पुं० (उशीर) शीत; ऐक सुगंधित द्रव्य; परिष्कृत मूल. स्वयः एक सुगंधित द्रव्य; स्वयं की जड़. The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus. राय० ५८; जीवा० ३, ४; पणह० २, ५; सूय० १, ४, २८; -- पुट पुं० (पुट) पातली पत्र. खस का पुट, a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus. नाया० ३३;

उसु. पुं० (इपु) शूल; तीर; द्रुम. आण. तीर. An arrow. " अहेणे ये उसु " राय० १, ८; ५, ६; ७, ८; १८; १९; १८, २, ३० प० ४, ८५; अय० ५, ६; राय० २२५ विशेष ३१८१; सूय० ३, ५, १, ८;

उसुकारिज. न० (इपुकाराय) डिमराध्ययना नाम आदिसा अध्ययन नाम, जेसा इपुकार राज द्रुमकवती राजी अथ पुनर्दिन अने तेनी स्त्री तथा पुनरो अथपुनर के उत्तरा अध्ययन के जोदहने अध्याय का नाम जिसे में इपुकार राजा, कमलावती राजी, समुपगदिन और इसकी स्त्री तथा पुनो का वर्णन है. Name of the 14th chapter of Uttarādhyayana dealing with the king Isukara, the queen Kamalāvati, the preceptor

Bhagu etc. अणुजा० १३१;

उसुगार. पुं० (इपुकार) धातरी पंजमा दक्षिण अने उत्तर दिशाना विभाग करनार ऐक पर्वत. धातकी खंडमें दक्षिण और उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत. Name of a mountain in Dhātaka Khanda, situated between and separating the north and the south. डा० २, ३;

उसुअ पुं० (इपुक) आलने आक्षरे आक्षरुं ऐक आभरण. बाण के आकार का बालक का एक गटना. A kind of ornament for a child. " उसुपादण्हि मंडेहि नावणे अहवणे विभुमेभि " पि० नि० ४०३;

उसुयार पुं० (इपुकार) ऐ नामने इपुकार राजा के नगर का नाम. Name of a town belonging to king Isukara. विवा० ३ इत० १४, ५ (१२) इपुकार राजा के नगर का नाम. the name of the king of Isukara town. " इसुयारण गायरेउसुमदने गाहावडे " विवा० ३, ५; उत्त० १४, ६

उसुयान. न० (इपुकार) एक अयक. A wooden mortar used for elevating grain from chaff etc. नाया० १० ५, ५५५ २, ५, १, ५४८;

उसुमेवगी. स्त्री० (अवस्थापिका) आभा मानसने का निदा आना दया नेती विद्या. जेसा विद्या इसके कारण सामनेवाने मनुष्य की गड़ निदा आनाय. Art of hypnotising. सूय० २, २, २५;

उस्स. पुं० (अवश्याय) आस; धर; आशय.

* जुओ ५४ नम्बर १५ ती फुटनोट (४). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

श्राम. Dew; fog; hoar-frost. "अपहरिणसु अप्पुस्सेसु" त्रैय० ४, १; भग० १५, १; उत्त० ३६, ८१; विशेष० २१, ७६; शां० ४, ८;

उत्सन्न पुं० (उद्ध्व) भावनी उत्पत्ति. भाव का उत्पत्ति; विचार की उत्पत्ति. Sublimity of thought. पण्ड० २, १;

उत्सन्नकृण न० (उत्प्लव्कण स्वयंराप्रवृत्त कालावधेरुर्ध्व पुरतः प्लव्कणमारम्भकरण-मुत्प्लव्कणम्) देते मां दे दे शत्रु निर्माण इरेत के तेने उत्रेयति ते शत्रु इत्ये ते. त्रिय कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वृद्ध कार्य करना. Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पि० नि० २८५: (२) उच्चैः शृङ्गं. ऊँच कूदना. leaping up; high jump. प्रब० १०५: पंचा० १३, १००

उत्सर्ग पुं० (उत्सर्ग) श्रुतियुक्त श्रवणा उत्सर्गना व्याय. कायेत्यमः शर्मर के व्यापार का व्याय. Kausargga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम० ६. श्रौष० नि० १५; प्रब० १५, (२) गामुत्र दिते. व्याय. मलमन्त्राद भा व्याय. getting rid of urine, solid excrements i. e. feces etc. पंचा० ३, २०; पंच० नि० सा० १५१; श्रौष० नि० सा० ३१; भक्त० ४६.

उत्सर्गि त्रि० (उत्सर्गिनी) उत्सर्गभाष्य तथा अपवादभाष्येति भोजनार्थः शास्त्रीय भाष्येति नियमेति समग्रतारः उत्सर्ग और अपवाद भाष्य को जाननेवाला; शास्त्रीय सम्मेलनियों को समझने वाला. (One) who

has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Śāstras. प्रब० ११०;

उत्सर्गण न० (*) अद्भुता; अनेक; प्राये. बहुलता; बहुत अधिक; प्रायः mostly; to a great extent. "उत्सर्गणं-साहारा" भग० ७, ५; "उत्सर्गणं तत्सर्वणं संज्ञया" निर्गो० ३; जीवा० १; भग० ७, ६; १५, १. **दोष** पुं० (दोष-उत्सन्नमनु परते बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सन्नदोषः) द्विष द्विषां यन्ता प्रवृत्तिरिति. द्विषाद मे बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला, one who is too much given to the sin of killing etc. भग० २०, ५;

उत्सर्गद्रुमगिह श्रा. स्त्री० (उत्सर्गद्रुमश्रुचि-का) अतत उत्सर्गार्थ परमाणु जेना थय श्री अतत उत्सर्गार्थ जेना अतत व्यवहार परमाणुओं के प्रकृत होसिमे बने हुए स्केय की संज्ञा. Name given to a molecule made up of innumerable atoms. ज० प० २, १६;

उत्सर्ग (१) शब्दार्थ "उत्सर्गण" शब्द. देखो "उत्सर्गण" शब्द. Vide "उत्सर्गण" पण्ड० १, १; सूत्र० २, २, ६५;

उत्सर्गिणी स्त्री० (उत्सर्गिणी उत्सर्गिनि शुभाभावा अस्यामित्युत्सर्गिणीः) अर्थात् अनेक पुत्रों काय तेरते शत्रुः दश दैता दैती सगरोपम प्रमाणोंवा अर्थात् शत्रु. उत्सर्गिणी कावः प्रमांशान् वृद्ध कालों के समूह का नाम; दश कौंडा कौंडी गगरोपम वह काल त्रियमे मदा उत्पत्ति होता रहती है. The term of longevity; the up-

* जुआ पृष्ठ नम्बर ११ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Ārās); the era of increase equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. भग० ३, ३; ५, १; ५, ६; १५, १; २०, ८; उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५; १४५; सम० २०; छ० १, १; २, ४; सू० प० ८; पञ्च० १२; जं० प० ७, १५०; नंदा० १६; कण० २, १८; —काल. पुं० (—काल) दश क्रोड क्रोडी सागरोपम प्रमाण युक्तो काल. उत्सर्पिण काल; दश कोटा कोटी सागरोपम प्रगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. जं० प० २, १८; भग० २५, ६; —ट्या. स्त्री० (—अर्थता) उत्सर्पिण्युत्तरी अपेक्षाये. उत्सर्पिणी का अपेक्षासे. भग० ११, ११;

उत्सयंगुल. न० (उच्छ्रयंगुल) त्रय प्रकार ना अंगुल पैडी श्रीलुं वत्सेयांगुल; जेनाथी अशाश्वती वस्तुनी जेनाथ पदेनाथ वगेरेना भाप थाय अथवा शरीरेनी अवगाहना भापय ते अंगुल. तीन प्रकार के अंगुलों में से दूसरा उत्सेध अंगुल; जिससे अनित्यवस्तुओं का लंबाई चौड़ाई वर्गरह का नाप होती है अथवा शरीर का अवगाहना नापा जाती है वह अंगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utse-dha Aṅgula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of

destructible objects. विशेष ३४१: उत्सयण. पुं० (उच्छ्राय) भान; अहंकार. मान; घमंड; अहंकार. Pride; conceit. “ थंडिलुस्सयणाणिय ” सूय० १, ६, ११; उत्सव. पुं० (उत्सव) ईंद्र आदिगो भेलोत्सव. ईंद्र आदि का महोत्सव. A festival; e. g. of Indra etc. नाया० १: २; पगह० १, ३; २, ५;

उत्सवणया. पुं० (*उत्सवण) शिंयुं उरयुं ते. ऊंचा करना. Lifting up; raising up. भग० १, ८;

उत्सविय. सं० कृ० अ० (विश्वास्य) विश्वासमां पादिते. विश्वास में डालकर Having inspired with trust or confidence. सूय० १, ४, १, ६;

उत्ससण. न० (उच्छ्वास) उश्वास. उद्योग. Inhaling of air; breathing in of air. क० गं० १, ४४;

उत्ससिअ. न० (उच्छ्वसित) उश्वाश्वास ऊंचा श्वास. Inhalation of breath. नंदा० ३८; आव० १, ५;

उस्मा. स्त्री० (अवश्याय) जडव. ओय. Frost; dew; mist. कण० ६, ४५;

उत्सास. पुं० (उच्छ्वास—ऊर्ध्व प्रबलःश्यामः उच्छ्वासः) प्रजापिता सातमा पदं नाम जेमां नारकी छप उरले उपमते श्वास ले छे तेना प्राणनु परिमाण आपन छे. प्रजापता के ७ वें पद का नाम, जिसमें “ नारकी जीव कितने समय के बाद श्वास लेते हैं ” इसका वर्णन है. Name of the 7th Pada of Prajñāpana in which is given the period of time during which a hell-being takes one

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

breath. पञ्च० १: (२) उँय्यो आस लेवे। ते. ऊँचा आस लेना. inhalation of breath. पञ्च० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १८; (३) नामधेयनी ओइ प्रकृति के तेना उदयथी छ। आसोच्छवास लेना शके छे. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय मे जाँव आसोच्छवास लेने है. a variety of Nāmākarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क० ग० १, २६; ५, ६०; पञ्च० २३: —नीसास. पुं० (-नि:आस) आसोआस लेवे। ते; उँय्येथी नीय्ये ते नीय्येथी उँय्ये आस लेवे। ते. आसोच्छवास लेना; ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर आस लेना. respiration. पञ्च० १; —पञ्च. पुं० (-पद) उँय्येआस पद-प्रज्ञापना सूत्रना सातमां पदजं नाम. उच्छवास पद: प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० १, १; —विस. पु० (-विष) तेना आसमां जेइ छे ओही जनिता ओइ सर्प. जिसके आस मे जहर है ऐसी जाँव का एक सर्प. a serpent with venomous breath. पञ्च० १;

उस्सासग. पुं० (उच्छवासक उच्छवासन्ता-व्युच्छवासका:) आसोच्छवास लेना. आसोच्छवास लेने वाला. One who breathes. नाया० १; टा० २, २;

उस्सासय. पुं० (उच्छवासक) ओँयो 'उस्सासग' शब्द. Vide "उस्सासग" भग० ११, १;

उस्सिअ. त्रि० (उच्छित्त) उँय्ये करेइ; उँय्ये उपाडेइ. ऊँचा उठाया हुआ Raised up; lifted up. विवा० २; राय० ७०; आब० ३१;

जं० प० २, २१; —(ओ)उदअ-य. त्रि० (-उदक) पयेइं पाणी; उँय्ये यडेइ पाणी. बढा हुआ पानी; चढा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. "जवणेणं समुदे उस्सिओइए" भग० ६, ८; —धया. स्त्री० (-ध्वजा) उँय्ये डरी छे ध्वज गेले ते (स्त्री). जिसने ध्वजा ऊँचा की वह (स्त्री). (a woman) who has raised up a flag or banner. विवा० २;

उस्सिचणा. स्त्री० (उस्सिचन = ऊर्ध्वमेचनमुत्स-चनम्) नगावादिनं पाणी उँय्येथी ओइर डीइने ते. तलाव बगैरह का पानी उलाँच कर बाहर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त० ३०, ६; भग० ३, ३;

उस्सिचितार. त्रि० (उस्सिक्त) पाणी उँय्येथी. पाणी उलाँचने वाला. (One) that draws out or takes out water. दसा० ६, ४;

उस्सिन. त्रि० (उस्सूत) उँय्ये करेइ. उँचा करा हुआ. Raised up; lifted up. जीवा० ३, ४;

उस्सित्त. न० (उस्सिक्त) उँय्ये करेइ. उँचा किया हुआ. Lifted up; raised up; exalted. (२) गर्विष्ठ; उद्धत गर्विष्ठ: घमंडी; उद्धत. proud; vain. भग० ३, ३;

उस्सिय. त्रि० (उस्सूत) फैलायेइ. पसारेइ. फैलाया हुआ; पसारा हुआ. Spread; extended. (२) उँय्ये करेइ. उँचा किया हुआ. lifted up; raised up. सम० प० २१२; राय० ६६;

उस्सीस. न० (उच्छीपि) ओशीइ. तर्किया. A small pillow for the head. आष० नि० २३२: —मूल. न० (-मूल) ओशीइनुं भुण; ओशीइनी नीये. तर्कियेके

नीचे का भाग. the under-portion of a pillow for the head. निसा० १. ७६; नाया० १;

उत्सुक्. न० (औत्सुक्य) उत्सुकता; उत्सुकता; चंचलता. Excessive eagerness or curiosity: busy inquisitiveness. श्रव० १६;

उत्सुकः. त्रि० (उच्छुल्क) ३२ रहित; अभाव रहित, निःशुल्कः कर रहित; बिना फीस का; जगात रहित. Free from customs duties; free from taxes. “ उत्सुकं विथरइ ” कण० ५, १०१; नाया० १; ८; १५; १७; विवा० ३;

उत्सुग. त्रि० (उत्सुक) उत्कृष्ट; उत्साहयुक्त. उत्कृष्टित; तीव्र चाह वाला; उत्साह सहित. Eager; zealous; enthusiastic. श्रव० २६;

उत्सुगस्त. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता; आकुलता. उत्सुकता; उत्कंठा; तीव्र इच्छा; आकुलता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा० प० ५;

उत्सुगच्छण. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता; आकुलता. उत्सुकता उत्कंठा; तीव्र चाह; आकुलता. Eagerness; perturbation of mind. पण० २, ३;

उत्सुत्त. न० (उत्सूत्र) मन, मन्यत, अने दायिमे करी सूत्रथी विरुद्ध आचरण करत ते. मन, वचन, और काया से सूत्र में विरुद्ध आचरण करना. Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed. आव० १, ४; भग० ७, १; १०, १;

प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उत्सुय. त्रि० (उत्सुक) उत्कृष्टित; उत्साहवाला. उत्कृष्टित; तीव्र इच्छावाला; उत्साह वाला. Eager; zealous; enthusiastic. (२) पुं० उत्सुक नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). नाया० १६;

उत्सुय. न० (औत्सुक्य) उत्सुकता; उत्सुकता; उत्सुकपना. Eagerness; curiosity. नाया० १; — कर. त्रि० (- कर) उत्कंठा उत्पन्नवाना. उत्कंठा पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया० १;

उत्सुयभूय. त्रि० (उत्सुकीभूत) उत्कंठावाला; आतुर अनेक. उत्कंठा वाला; आतुर; उत्सुक. Made eager or anxious; eager; made curious. “ उत्सुयभूयणं अप्पाशंख ” श्रया० २, १, ३, १५;

✓ **उत्सु-याय**. ना० धा० १. (उत्सुकं करोतीति-उत्सुकायते) विषय तर्क उत्सुकता करती-आतुरता करती. विषयों की ओर उत्सुकता करना; विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उत्सुयायन्ति. भग० ५, ४;

उत्सुयाणञ्ज. भग० ५, ४,

उत्सुयमाण. भग० ५, ४;

उत्सूलञ्च. पुं० (*) दुश्मनता लक्ष्मण करने वाला भाई दोस्ती छूटी भाई; एक वनगरी भाई. खाई; शत्रु की सेना को गिराने के लिये ढाँकी हुई खाई. A ditch; a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त० ६, १८;

* जुमै पृष्ठ नम्बर १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्सेहम्. न० (उत्सेदिम्) धोएनुं धावणुं; डंगर वगेरेना धोए आसाववामां आवे ते धोए वाणुं प.पु. आटे का धोवन. Water in which rice-flour etc. have been soaked. टा० ३, ३; आया० २, १, ७, ४१;

उत्सेयण. न० (उत्सेदन) आसावणुं पाणी. मांठ: चामल वंगरह सिक्कामे के बाद निकला हुआ पानी. Water taken out after rice etc. have been boiled in it. निमा० १७, ३०;

उत्सेह. पुं० (उत्सेध) उच्चाई: अवगाहना: ऊंचाई; अवगाहना. Height; measure of height. ओष० नि० मा० २६३; राय० ३६; जं० प० २, १६; ५, १२२; आव० १०; ३८; उत्त० ३६, ६३; उवा० १, ७६; (२) शिखर. शिखर; चोटी. summit: peak जावा० ३, ४; —**अंगुल. पुं० (—अंगुल)** उल्लेखानुक्रम: आठव मध्य-प्रमाण अंक लरप: आ अंगुलथी नारदी नि-येय वगेरे सर्व उवेना शरीरनी अवगाह-

ना—उच्चाधुन प्रमाण गणवामां आव्युं छे. उत्सेधांगुल; नारकी, निर्वैच वंगरह जायां के शरीर की ऊंचाई का प्रमाण जिससे किआ जाय वह अंगुल. a measure equal in breadth to eight barley seeds and used to calculate the height of hell-beings etc. प्रव० ५८; १४०६; अणुजा० १३४; —**प्रमाण. म० (—प्रमाण)** शरीरादिनी उच्चाधुन प्रमाण. शरीरादि की ऊंचाई का प्रमाण. height of the body etc. राय० ११४;

उत्सेह. पुं० (उच्छाय) भाट-भेरीना शिखर. ऊपर का मंजल का चोटी. The top of the upper floor. राय० १०७;

उद्दामणभिक्षा. स्त्री० (अवभासण भिक्षा) पैतानी ओदध्याण आपीने भिक्षा देवी ते. पहचान देकर ला हुई भिक्षा. Begging alms after introducing oneself i. e. disclosing one's name etc. आव० ४, ५;

ऊ.

ऊण. त्रि० (ऊन) उणुं: ओणुं: न्यून: न्यून; कम; ओझा: उणा. Wanting; lacking; falling short. अणुजा० ६७; आव० १६; सूय० २, ९, १५; उत्त० ३०, २१; नाया० ८; पञ्च० २; सू० प० १; क० गं० ३, २२; पंचा० ३, २०; जं० प० ७, १३४; क० प० १, १३; —**ऊण. त्रि० (—ऊन)** ओणुं ओणुं; ओणुं ओणुं. कम कम. less and less. क० गं० ५, १६;

ऊणग. त्रि० (ऊनक) ओणुं. न्यून; कम. Less; falling short. भग० ७, १;

ऊणत्त. न० (ऊनत्व) ओणु पाणुं. कमी. ओझापन. State of being less;

paucity: defect. पंचा० १४, २४;

ऊणय. त्रि० (ऊनक) ओणु “ऊणग” शब्द. देखो “ऊणग” शब्द. Vide. ‘ऊणग’ पि० नि० ६५०;

ऊणाहरित्तमिच्छादंसण. न० (ऊणाहरित्त-मिथ्यादर्शन) शरीरना प्रमाणीथी छवने न्दानो अथवा भेलेटो मानवो ते; मिथ्या-त्वना ओक प्रकार. शरीर के आकार परसे जीवको छोटा या बड़ा मानना; मिथ्यात्वका एक भेद. Measuring the size of the soul by the size of the body; a mode of false belief. “ऊणाहरित्त-मिच्छादंसण वासिया चेव ” टा० २, १;

ऊणिय. त्रि० (* ऊन) न्यून. न्यून; कम
Less; falling short; lacking.
“ वायालीस वासाइ ऊणियाए ” जं० प०
२, १६; २, ३५; २, ४०; भग० ६, ७; २५,
७; कण० १, २;

ऊणोयरिया. स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर-
मुनोदरं तस्य करणं भावे-बुज-ऊनोदरिका)
दमेशना भाराक इस्तां इष्टं ओष्ठुं आवुं ते;
जिनोदरी तप. रोज के प्रमाण से कुछ कम
भोजन करना: भूख से कुछ कम खाना.
Eating less than one's fill: this
is called Ūnodari austeriy.
ओव० १६; उत० ३०, ८; भग० २५, ७;
प्रव० २७१; पंचा० १६, २;

ऊरणो. स्त्री० (*) गाडर. भेड़; गाडर.
A female sheep; a ewe; a
sheep. अणुजो० १३१;

ऊरणोअ. पुं० (और्णिक) गाडर. पालनार; रआरी.
गडरिया. A shepherd. अणुजो० १३१;

ऊरु. पुं० (ऊरु) साथण जांच. A thigh.
“ कणगामया ऊरु ” राय० १६४:
“ बाइमे ऊरु मे ” स्य० २, १, ४२; भग०
५, ४; १६, ८; दश० ४; ८; ४६; जं० प०
ओव० १०; उत० १, १८; आया० १, १,
२, १६; जीवा० ३१, ३; निर्मा० ७, १४;
उवा० २, ६४; —घंट्या. स्त्री० (-घण्टा)
साथण ज़िपर लटकती घंटड़ी. जांच के ऊ-
पर लटकने वाली घंट्या. A small bell
hanging upon a thigh. नाया० १८;
—घंटिया. स्त्री० (घण्टिका) साथण ज़िपर
लटकती घंटड़ी. जांच के ऊपर लटकने वाली
घंट्या. a small bell hanging upon
a thigh. नाया० १८;

ऊस. पुं० (ऊष) आरे; लवणमिश्र रेती;
आरी भाटी. नॉन मिली हुई रेता; खार;
खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed
with salt पन्न० १; निर्मा० ४, ४०;
दस० ५, १, ३३; पि० नि० भा० १३;
उत० २६, ७३; आया० २, १, ६, ३३;

ऊसड. त्रि० (* उत्सून) उँचुं करेव. ऊंचा.
किया हुआ. Elevated; made high.
जीवा० ३, ४; राय० १२५;

ऊसड. त्रि० (उत्सृष्ट) तजेवुं; नापी देवानुं.
छोड़ा हुआ; फेंक देन योग्य. Abandoned;
thrown away; to be thrown
away. निर्मा० ८, १६; —पिंड. न०
(-पिण्ड) नापी देवानुं पिण्ड भोजन.
फेंक देने योग्य भोजन. food, to be
thrown away or cast away.
निर्मा० ८, १६;

ऊसड. त्रि० (उत्सून) ऋद्धि संपदा वेगेरथी
उँचुं. ऋद्धि, संपत्ति आदि मे बड़ा.
Exalted, high by reason of
wealth, prosperity. “ ऊसडं नाभ
धारण ” दस० ५, १, २५; सम० ३३;
(२) साइं रसदार सुगन्धि भोजन. अच्छे
रसवाला सुगन्धित भोजन. rich and
sweet-smelling food. “ रसियं
रसियं ऊसडं ऊसडं मगगुगणं मगगुगणं ”
सम० आया० २, १, ५, २६; २, ४, २, १३७;
दमा० ३, १६; (३) उँचरने भोज्या थप
आपेव (भोज्या पगेरे). फलफूल कर जो
बड़ा हो गया वह. (वृद्ध वर्गरह).
grown up (plants, crops etc.)-
“ थिरा ऊसडाविय ” दस० ७, ३५;

ऊसपिऊण. सं० क० अ० (उत्सर्ण) प्राप्ति

इरीते. पा करके; प्राप्त करके. Having got or obtained. गु० च० ५, ६७;

ऊसर. न० (ऊपर) आरी ८४१११. नमकीन ज़मीन. Salt land or soil. गु० च० २, २५; भग० ७३;

ऊसरण. न० (उत्थरण) डिपर २८५. ऊपर चढ़ना. Rising up; mounting up. "आश्विनरथेनश्चा समुत्थरणे" विशेष० १२०८;

ऊसव. पुं० (उम्सव) डिस्वर; भट्टोत्थव. उम्सव; महोत्सव. A festival; a festive occasion. प० नि० २२५;

ऊसविय. त्रि० (उम्सृत) डिपुं इरेव. ऊंचा किया हुआ. Elevated; made high. नाया० १: ८; भग० ६, ३३; ११, ११; जीवा० ३, ३;

ऊसविय. अ० (उम्स्य) ऐइत इरीते; जेया इरीते. एकत्र कर के; ऊंचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग० १, ८;

ऊसव. पुं० (उच्छ्वास) डिप्या आस ऊँह आस; उच्छ्वास Inhalation of breath. भग० १, १;

ऊसमिश्र. न० (उच्छ्वासित) ऊँआ आस लेया. ऊंचा आस लेना Inhalation of breath. विशेष० ५०१; गु० च० १३, ४०; —रोमकृप. त्रि० (—रोमकृप) जेला इंकरी इरपी डिप्या थपा के ते. उच्छ्वासित रोमकृप (त्रिप के रोम हर्ष मे ऊंचे होत है) रोमाञ्जन होने वाला. (one) horripilated with joy. कप० २, १८;

ऊसरिय. पुं० (उम्सरित) पसारित; बिस्तारित. प्रसरित; फैलाया हुआ. पसारा हुआ. Spread; extended. नाया० १८; भग० ६, ३२;

ऊसास. पुं० (उच्छ्वास = उच्छ्वासास उच्छ्वासः) आस डिप्या लेया ते ऊंचा आस लेना; Inhaling of breath. जीवा० ३, १; ज० प० २, १८; नाया० १: ८; १३, १: ६; श्रौव० ३६; भग० २, १; ६, ७; गु० च० २, ४१६; (२) गायननं ऐइ वरज्जोसता वंउत्तो वप्पत वाये तेउता वप्पत प्रमाणेते दाय विवसय. गायन वा एक चरण बोलने में जितना समय लेगे उतने समयका काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. अणु ज० १२८; —शीसास पुं० (निःश्वास = उच्छ्वासिनमह निश्वासः) आनाच्छ्वास. आनाच्छ्वास; उपर नाँच आस लेना. respiration. भग० ५, ६; ज० प० २, १८; —ऊँआ. स्त्री (अश्वन) डिच्छ्वास प्रमाण इत. उच्छ्वास प्रमाण काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. भग० ६, ७;

ऊसासम. पुं० (उच्छ्वासक = उच्छ्वासमिती-व्युच्छ्वासकः) आस लेना. आस लेनेवाला One who breathes. भग० ३५, १;

ऊसासनाम. न० (उश्वासनाम) नाम धर्मेनी ऐइ प्रकृति के जेला डिप्यी छ। आस आस वर शडे. नाम कर्म की एक प्रकृति कि त्रिप के उदयमे जीव धासोच्छ्वास ले सकता है. A variety of Nāma-karma by the rise of which a soul gets the power of respiration. क. गं० १, ४८; प्रव० १२७७;

ऊसिय. त्रि० (उच्छ्रित) डिपुं इरेव. ऊंचा किया हुआ. Raised high; lifted up. श्रौव० २१; पञ्च० १६; ज० प० ३, ४६; ५३; ५७; ७, १६६; भग० ३, ४; ११, ११; नाया० १: ८; ६; सुय० २, ६, ३;

जीवा० ३, ३; कण्ठ० ३, ३३; प्रव० १४६०;
ऊसिय. त्रि० (उत्सृत) श्रियुं कश्चिः श्रियुं
 भुङ्क्ते. ऊंचा किया हुआ. Raised up;
 placed high. गाय० २२५; जीवा० ३,
 ४; नाया० ८; ओव० ८०; (२) उन्नत
 उन्नतः ऊंचा उठा हुआ. lofty; high.
 ओव० ८०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६;
 —**ऊभया.** स्त्री० (ध्वजा) उंची कश्ची
 ध्वज. ऊंची उठाई हुई ध्वजा. raised up
 banner or flag. विवा० १, २; नाया० ३;
 —**फलिह.** पुं० (स्फटिक-उच्छिन्नमुन्नतं
 स्फटिकमिव स्फटिकं चित्तं येषां ते उच्छिन्न-
 स्फटिका मौनंन्द्रप्रवचनावाप्यापरितृप्तमान
 सा इत्यर्थः) यद्वा उच्छिन्नोर्गलास्थानादपर्ना-
 योर्द्धाकृतोतिरश्चीनाः कपाटपश्चाद्गंगादपर्नातः
 परिघोर्गलायेषां ते उच्छिन्न परिघाः । अथवा
 उच्छिन्नोर्गुहद्वारापगतः परिघोर्गेषां ते उच्छि-
 न्परिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदा-
 यित्वेन भिज्जुकाणां गुहप्रवेशार्थमनर्गलित
 गुहद्वारा इत्यर्थः) स्फटिक रत्न जेयुं निर्मल
 चित्तवाला. स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला.
 a person with a mind as pure
 and transparent as crystal.
 (२) जेयुं गेयव श्रियं यदाती दार उक्ता
 भुङ्क्ते ते. जिसने अपने द्वार मदा खुले
 रखे हैं वह. one who has raised
 up a door-bolt and opened the
 doors. “ ऊसियफलिह अवंगयद्वारे
 चियन्तंतर परघरपवेवे ” भग० २, ५;
 नाया० ५; —**लंगूल.** न० (लंगूल) त्रिणी
 पूंछीवाला. ऊंची पूंछवाला. one with
 the tail lifted up नाया० १;

ऊसिया. सं० कृ० अ० (उत्सृत्य) उत्तरोत्तर
 गतीने, आगमन तभीने. उत्तरोत्तर चढकर;
 अगाडी बढकर. Progressing; ris-
 ing step by step. उक्त० १०, ३५;

॥ **ऊसियारी.** स्त्री० () गीलादी. विज्ञा. A
 cat. आया० १, ६, ८, ११;

ऊसीस. न० (उच्छीर्ष) आसिद्ध. तोक्या.
 A small pillow for the head
 or for resting the cheeks on.
 नाया० ७; —**मूल.** न० (मूल) आसीदानी
 पास-नीचे. तोक्या के पास; तोक्या के
 नीचे. near a pillow; under a
 pillow. “ उर्मासामूलं ठावेइ ” नाया० ७;

ऊसीसग. न० (उच्छीर्षक) आसीद्ध; तदीया.
 तोक्या; उर्मासा. A small pillow.
 भग० ६, ३३; —**मूल.** न० (-मूल)
 आसीद्ध-तदीयात् भय. तोक्या के नीचे
 की ओर. the bottom or under-
 part of a pillow. भग० ६, ३३;

ऊह. पुं० (ओघ) आध-सामान्य गंगा, आ-
 दार, भय भयुक्त अने परिश्रम विषयक संसा-
 द-गंगा. सामान्य गंगा-ओघ; आहार, भय
 आर्द्र गंगाएं. Proposition of the
 subject; inclination towards
 food, fear, sex and worldly
 possessions. विशेष० १२१; —**गगगा.**
 स्त्री० (-गंगा) तदीया ‘ऊह’ शब्द. देमो
 ‘ऊह’ शब्द. Vide “ऊह” विशेष० १२३;

ऊह. न० (ऊधम्) गाय, भेस पंगरेतो अडि.
 गाय भेस पंगरे का अड. An udder of
 a cow etc. विवा० २,

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vice
 foot-note (*) p. 15th.

एकारस. त्रि० (एकादश) अंगीयारः ११.
ग्यारह. 11; Eleven. क० प० २, १२;
नाया० १२: —अंग. न० (—अङ्ग)
आचार्यादि ११ अभिसूत्र. आचार्यादि
ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Āṅga
Sūtras, e. g. Āchārāṅga etc.
नाया० १२:—अलंकार. पुं० (अलंकार)
संगीतना ११ अवतार. संगीत के ग्यारह
अलंकार. the 11 melodies or
tropes of music. राय० १३१:
—मास. पुं० (—मास) अंगीयार मदिना
ग्यारह मास. 11 months. दसा० ६, २;
—वार. पुं० (—वार) अंगीयारमी वार.
११ वीं वार. eleventh time. नाया० ६;

एकारसम. त्रि० (एकादशम) अंगीयारमी.
ग्यारहवां. 11th; eleventh. दसा० ६,
२; नाया० ११:

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) अंगीयारस.
ग्यारस. The 11th day of every
fortnight. जं० प०

एकावली. स्त्री० (एकावली) कनकावली-
जेतुं अंक प्रकाशनें तपः अनुक्रमे यदना कित-
रता तपनी आवाली-समुद्र. कनकावली के
समान एक प्रकार का तपः अनुक्रम चढते
और उतरते हुए तप का समुद्र. Name
of an austerity resembling
that known as Kanakāvali. It
consists of a number of fasts
in ascending and descending
order. श्रव० १६: (२) अंक सरो दार;
अंक वतनुं धरेतुं. एक प्रकार का गहना.
a kind of ornament; a single
string of pearls, beads etc. निमी०
७, ८; सम० प० २३७; जीवा० ३, ३;

एकासन. न० (एकाशन) आपा दिवसमां
अंकव वपत आपानुं वत धेयुं ते. एक व्रत

का नाम जिस व्रत में दिन में एकही बार
खाया जाता है. A vow of taking
only one meal in a day. प्रव०
२०३; पंचा० ६, ७:

एकासशिश्न. पुं० (एकाशनिक) दमेशां अंक
वपत वमनार. मदा एक बार भोजन करने
वाला. One who takes his food
only once a day. पण्ड० २, १;

एकृण्वीमा. स्त्री० (एकौनविंशति) ओश-
णीयः १९. उन्नयः उगमगः १६. 19:
nineteen. सम० १६; गू० प० १:

एक. त्रि० (एक) अंक; अद्वितीय एक; अक्ष-
तीय. One; without a second. पि०
नि० १८५; नाया० १; सम० प० २३२:
श्रव० ३; ३; भग० २, ५; १०; ३, २, ५,
६; ८; ६, ७; ८; १; १८, ७; २०, १०:
२५, ४; ३१, २; वैय० १, ४२; उवा० ७,
१८२; क० प० १, ३४; जं० प० ५, ११२:

—अभिलाव. पुं० (—अभिलाव) अंक
समान सूत्र पाठ. एकमा सूत्र पाठ. one
reading of Sūtras. भग० २, १०:

—(क्रा)अवराह. पुं० न० (—अवराह) अंक
अपराधः अंक अनुद्धा. एक अपराध. one
fault or crime. नाया० ६; —(क्रा)

असी. स्त्री० (अशानि) अष्टाशीः
८१. इक्यासी. ८१. eighty-one; 81.
सम० ८१: —असीति. स्त्री० (—अशानि)

अनुशो “ एकासी ” शब्द. देखो “ एकासी ”
शब्द. vide “ एकासी ” भग० ४०, १;

—(क्रा)आसन. न० (—आसन) अष्टा-
सप्तः अंक आसने भेरी दिवसमां अंकव
वपत भोजन करवानुं व्रत. एकासनाः एक
आसन में बैठकर दिन में एक बार भोजन

करने का व्रत. the vow of tak-
ing only one meal on one
seat during a day (i. e.

24 hours); this is also called Ekāṣṣṇā. ओष० नि० भा० २७५; — तीसा. खी० (-विंशत्) ३१; अष्टत्रिंश. ३१; इकतीस; 31; thirty-one भग० ८, ९; २०, ५; २४, २१; ४०, १७; ओष० १६; ११; सम० ३१; कण० २, २४; जं० प० ७, १४८; — देस. पुं० (-देश) आदर दृष्टि यंगरेथी गेठ शक्य ऐवी वनस्पति क्षाय यंगरेती हिंसा. स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आमकनेवाली वनस्पति वगैरह का हिंसा. killing of vegetable life etc. which can be perceived with the eyes etc. विशेष० १२३४; — बीसा. खी० (-विंशति) अष्टत्रिंश; २१; इकतीस; २१; इकतीस. 21; twenty-one. भग० २, ८; ६, ५; ७, ६; १६, ६; गम० ११; २१; अणुना० १४१; क० प० २, १६; — सत्तरि. खी० (-सप्तति) ७१; अष्टादश. ७१; इकहत्तर. 71; seventy-one. सम० ७१; — समय. पुं० (-समय) एक समय. एक समय. one Samaya i.e. a unit of time, an instant. भग० १, १०; — सरय. न० (*) अथवा सर पंक्तिवाग्गुः उद्देशादि पेटा विभाग विना. एक ही पंक्तिवाला; उद्देशादि उपविभागोंसे रहित (a text composition etc.) not divided into sections, chapters etc. “ सम्मत्तं च पञ्चरसमं सयं एकमसयं ” भग० १५, १; — साडिअ. न० (-शाटिक) वस्त्रे साध्या न होय तेनु वस्त्रः साड; दुपट्टो. ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड़ न हो; साड; दुपट्टा a shawl; a scarf; a uniform web of cloth

i.e. having no joint. ओष० १२; — सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) अष्टाडी पण्णे सिद्ध थयेव. ककाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह. one, who has attained to salvation by himself i. e. not in the company of others. ठा० १, १; — सीई. खी० (-अशीति) अष्टाशी. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81; क० प० २, २३;

एकअ. त्रि० (एकक) इक्ष्वा अक्षयो; अक्षय विदारी साधु, अकेला; एकका; अकेला विहार करने वाला साधु. Alone; solitary; an ascetic wandering alone from place to place. दस० ५, १, ६५;

एककगदत्ति. खी० (एकदत्ति) के तपमां अक्षय दात, अन्न पाणीनी देनाय ते. एक तपका नाम जिस में अन्नजनकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है. An austerity in which one cannot take more than one Dāta of food and water. प्रब० १६२७;

एककगसिथ. न० (एकसिथ) के तपमां आभा दिवस अन्ननी एक सिथ उपरान्त अथवा नदी ते तप. एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक सिथ के सिवाय नहीं खाया जा सकता. An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc.). प्रब० १५२७;

एकसि अ० (एकदा) अष्टा; डाला वभते. एक समय में; एक बार. Once; in one Samaya (a unit of time = one instant). ओष० नि० १५१;

एककसेस. पुं० (एकशेष) अक्षेय नामने

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सभास; सभासतो अेक प्रकार. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekaśeṣa compound. अणुजो० १३१;

एककाईनाम. न० (इक्काइनामन्) ऐक्याद नामना राठोड इकाई नाम वाला; एक्काइ नामका राठोड (ठाकूर). A person named Ekkai of Rajpūta caste. विवा १;

एककारस. त्रि० (एकादशन्) अग्रीयार; ११. ११; ग्यारह. 11; eleven. भग० २, १; ३, २; ७, १०; ८, ८; १४, ६, १५, १; २०, ५; २६, १; ३१, १; ३५, ३; उवा० १, ८६; २, १२४; पत्र० ४; ओव० १४; नु० च० १, ३२७; २, ३५३; विशेष० १०६२; —अंग. न० (-अंग) आचारांगादि ११ अंगशास्त्र. आचारांगादि ग्यारह अंगशास्त्र the 11 Āṅgasastras e. g. Āchārāṅga etc. भग० २, १; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; ६; १६; —अंगि. पुं० (-अंगिन्) आचारांग आदि ११ अंगना ज्ञानार. आचारांगादि ग्यारह अंगों को जानने वाला. one proficient in, familiar with the 11 Āṅgas viz. Āchārāṅga etc चउ० ३३; नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) जेना उत्तरपदमां ११ छे ते. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह. (a compound expression) having “ eleven ” as its latter part. भग० १, २; —भाग. पुं० (-भाग) अग्रीयार भाग. ग्यारह भाग-हिस्से. 11 parts. निर० १, १;

एकारसम. त्रि० (एकादश) अग्रीयारमे. ग्यारहवां. 11th; eleventh. उवा० १, ७१; ठा० ६, १; भग० २, १;

एकारसय. त्रि० (एकादशक) अग्रीयार; ११. ग्यारह. 11; eleven. भग० २०, १०;

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) ऐक्यादशतिथि; अग्रीयारस. ग्यारस; एकादशी (तिथि). The 11th day of every fortnight. नाया० ८; जं० प० ७, १५३;

एकावण्णा. स्त्री० (एकपंचाशन्) ऐक्याश; ५१. इंक्यावन. 51; fifty-one. भग० ६, ३; सम० ५१;

एकावादि. पुं० (एकवादिन्) ऐक्य आत्मा छे ऐभ माननार ऐक वादी. एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One who holds that there is only one soul without a second. ठा० ८, १;

एकिक. त्रि० (एकैक) अेक अेक; प्रत्येक. प्रत्येक. Each taken singly; every one. भग० १, १; क० प० १, ६६; —पडिगहग. त्रि० (-पतद्रहक) अेक अेक पात्र राखनार. एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time. प्रव० ६३२;

एकिया. स्त्री० (एकाकिनी) अेकली (स्त्री). अकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman). नाया० ६;

एकैकिय. त्रि० (एकैकक) प्रत्येक. प्रत्येक. Every one; each taken singly. राय० ६१;

एकैक. त्रि० (एकैक) अेकअेक; प्रत्येक; प्रत्येक; हरएक. Every one; each taken singly भग० १, ६; ६, ५; ८, १; पिं० नि० भा० ८; उत्त० १०, १४; उवा० ४, १४७; १, २२५;

एकोविशतिम. त्रि० (एकोनविशतिम) अेकविंशतिमुं. उन्नीसवां. nineteenth; 19th. नाया० ८;

पग. त्रि० (एक) ऐक. एक. (One. सग० १, ४; व; २, १; ४, ३, १; ६, ३३; ११, १; १६, ६; १८, १०; २६, १; २५, २; ६; नाया० १; २; ४; ६; व; ६; १०; १२; १४; १६; १८; उत्त० १, २६; पि० नि० भा० ४१; पि० नि० ७५; वेग० १, ६; १०; दग० ६, ६०; ६, १, ३; दगा० ७, १; १०, ३; पल० १; ४; जे० प० १, १५; ५, १०, २०; ग० न० १, १०३; डा० ७. अगु० सो० १०; नव० १, ३५; ३६; व; २; १५; ६, ३५; ४०, ४५; १०, १; २; ४; विशेष० ३१; वटा० उवा० २, ६३; ११८; क० ग० २, २५; कपा० ४, ७५; क० प० १, २५; (२) दोष ऐकः द्वेष्टा ऐकः, कोई एकः कुछ एक. some one: some. सूय० १, १, १, ६; १, १, २, १; आया० १, १, १, १; २; १, ६, २, १८३; ग० प० २०; —अंगिय. त्रि० (—आहक) सत्रेणः अत्मेः अत्मेः, सारः अस्तः पग. whole; entire; undivided. अंग० नि० ७०५; —अंतर. त्रि० (—अन्तर) ऐक ऐक दिवसने अन्तरे आभवा आभवापि उपास्य पत्रे; ऐकान्तरे तप. एकरादिके अन्तरमे अन्तर्गत आभवापि उपास्य आभः एकास्तर तप विशेष. practice of austerity known as Ekantara. (e. g. fasting etc. on alternate days). जे० ३६, २५१; (२) अनन्तर समय (अन्तर-रहित) ऐक समय अन्तररहित एक समय. continued one Samaya or unit of time. विशेष० ३५५; —अंतरा. अ० (—अन्तरा) ऐक अन्तर-अन्तरात्. एक अन्तरात्. one interval: (at) an interval of one. क० प० १, ४८; —अनुगृह्णा. स्त्री० (—अनुगृह्णा) द्वे ऐकौ द्वे, आई द्वे नथी, द्वे द्वेष्टौ नथी

ऐक प्रकाशनी भावना. एकत्व भावना; मैं अकेला हूँ मेरा कोई नहीं है और न मैं किसी का हूँ इस प्रकार का भावना. meditation on one's loneliness in this world taking this form " I am alone and nobody is really mine. " डा० ४, १; —असी. स्त्री० (अशानि) असे " एकसीई " शब्द. देवी " एकसीई " शब्द. vide. " एक-सीई " प्र० ३६५; —अह. पुं० न० (अह) ऐक दिवस. एक दिन. one day; a single day. सग० १२, ५; दगा० ६, २; वय० व. ४; —अदिअ-य. त्रि० (—अन्तिक) ऐक दिवसनु. एक दिन का. pertaining to, relating to one day; diurnal. सग० ६, ७; जे० प० ७, १३३; (२) न० ऐकान्तरे तप. इकारा वृत्तार fever on alternate days. प्रावा० ३, ३; सग० ३, ५; —आगर. पुं० (—आकर) ऐकान्तरे यत्नेनः अरण्या आश्रयता. एक-कारः समान आकार वाला uniform; homogeneous. सग० २, ७; ६; —आभरण. न० (—आभरण) ऐकअरण्या आभरण. एक से आभरण. a uniform ornament. सग० ८०; दगा० १०, ३; —आमोना. स्त्री० (आमशे) परिवेष्टिता वस्त्रो मध्यभागे पट्टी अन्तर्गता ऐकान्तरे ऐकसाथे वस्त्राशी आभवा दोषः परिवेष्टिता ऐकान्तरे ऐक प्रकाश. प्रविष्टिखना करके वस्त्रो मध्यभागे से पकड़कर दोनों ओर के पट्टो को एक साथ धारणें जो दोष लगे वह; पाट-लेहनादोष का एक भेद. a variety of fault incurred in connection with the inspection of clothes viz. holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends. उत्त० २६, २७; —आसण. न० (—आसन) ऐक स्थानमा भैश्लीने दिवसमा ऐकञ्च वषत् वभजुं ते. एक स्थान में बैठ कर एकही बार भोजन करना. confining oneself to a seat in one place and taking meals only once. आव० ६, ४; —आहिय. त्रि० (—आन्हिक) ऐक दिवसजुं. एक दिन का. lasting for one day. प्रव० १०३४; —(गि) इत्थी. स्त्री० (—स्त्री) ऐकस्त्री स्त्री. अकेली स्त्री. a lonely, solitary woman. उत्त० १, २६; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) ऐक ऐक वधजुं. एक एक बढ़ता हुआ. progressing by one. प्रव० १३४८; —उत्पात्र. पुं० (—उत्पात) ऐक बार उठ्ये यजुं. एक बार उठे चढना. rising up once. प्रव० ६०६; —खुर. त्रि० (—लुर—एक:लुगं येषां ते तथा) ऐकभरीवाला नित्य पंचेन्द्रिय धोडा, गर्भज विधरे: यत्तयः नित्य पंचेन्द्रियेना ऐक भेद. एक खुर वाला; पंचेन्द्रिय नित्यन घोडा, गधा, आदि स्थलचर पंचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद. single hoofed: five-sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc.). उत्त० ३६, १७६; टा० ४, ४; भग० १५. १; जीवा० १; —चक्षु. त्रि० (—चक्षुः) श्रुतज्ञान अने अवाधिज्ञान रहित मात्र ऐक यक्षुष्ट्रिय रूप द्रव्ययक्षु धरनार. श्रुतज्ञान और अवाधिज्ञान रहित केवल मात्र चक्षु: इन्द्रियरूप द्रव्य-चक्षु धारण करनेवाला. (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhi-
jñāna and possessed of mere-ly physical sight. टा० ३, ४; —चरिआ-या. स्त्री० (—चर्या) ऐकध

विद्यारी थयुं-अेकला विचरयुं ते अे प्रकरे-
द्रव्यथी अने आवथी; अेकडीपळे संयम
पालतां विचरयुं ते. द्रव्य अेक थर्था; राग-
द्वेषरहित अेकान्त स्वपरिणुतिमां परिणुत
थयुं ते-आवथी अेक थर्था. एकाका विहार
करनेवाला होना; एकाका विहार द्रव्यचर्चा व
भावचर्चा रूप दो प्रकार का होता है. संयम
पालनं हुण एकाका रूप से विचरना द्रव्यचर्चा
है और राग द्वेष रहित एकान्त स्वपरिणति
में परिणत होना भावचर्चा है. lonely
wandering or peregrination.
It is two fold viz. physical and
mental The latter means
freedom from passion and hate
accompanied with contempla-
tion upon the soul जं० पृ० ३, ५२;
आया० १, ५, १, १४५; १, ६, २, १८४;
— चारि. त्रि० (- चारिन्) अेकल विद्यारी;
अेकशी विचरतार एकाका-अेकला विहार
करनेवाला. (one) who wanders or
goes from place to place, alone.
सं० १, १३, १८;— अ. पुं० (- अच) अेकल
तारी पक्ष; वंते अेक तार इरी मनुष्यामां अ-
वतार उद्भविसे अेकानुं लेते. एकावतारी पुरुष;
जिणे एकवार फिर मनुष्य योगिसे जन्म लेकर
मोक्ष जाना है वद. a man who is to
get final beatitude after one
human birth. आंव० ३४;— अलुत्त. त्रि०
(- अलु) अेकल अलुं. एकलुत्त वाला. hav-
ing one paramount or suzerain
king. उत्त० १८, ४२;— जडि. पुं० (- जटिन्)
अेक अेक “एकजटि” शब्द. देखो “एकजटि”
शब्द. vide “ एकजटि ” सं० पृ० २०;
— जाय. त्रि० (- जात) अेकदुं; अेकल
नंतर पश्चरनुं. अेकला; एकाही प्रकारका.
single; without a second. आंव०

१७; —जाया. स्त्री० (-जाया) ऐक स्त्री.
एक स्त्री; एक पत्नी. one wife. दसा० १०,
३; —जीव. पुं० (-जीव) ऐक जिव.
एक जीव. one soul; one life. भग०
११, १; —जीविय. त्रि० (-जीविक—
एको जीवो यत्र तत्तथा) तेभां ऐकजिव
जिव छे ते; ऐक जिववाच. एक जीव वाला.
having only one life i. e. sen-
tient being. “ एगजीविवा पत्ता ”
पञ्च० १; —ट्ट. त्रि० (अर्थ) ऐक अर्थ-
वाग् पद. एक अर्थ वाला पद. a word or
expression having one mean-
ing. भग० १, १; १४, ८; प्रब० १२१;
पंचा० ४, २; —ट्टिय. त्रि० (-आधिक)
समानार्थ; ऐक अर्थवाग्. समानार्थ; एक
अर्थवाला. synonymous. पि० नि० ७३;
- ट्टिय. पुं० (-अस्थिक) ऐक आहलीवाग्
इत्र डेरी पिंयेरे. * एक गुठलावालाफल; केरा
वगरह. a fruit (e. g. a mango
etc.) having only one stone in
it. भग० ८, ३; जीवा० १; पञ्च० १;
—ट्टया. स्त्री० (-अस्थिका) नादी नात;

होदी; तरा छोटी नाव; डोंगी. a small
boat. विवा० ८; नाया० १६; १७;
—तालीसा. स्त्री० (चत्वारिंशन्) ऐक-
तालीस; ४१. एकतालीस. 41; forty-one.
स० प० १०; —थी. स्त्री० (स्त्री) ऐक-
स्त्री. अकेला स्त्री. a lonely, solitary
woman. निसा० ८, १; —दिमा. स्त्री०
(-दिश्) ऐक दिशा. एक दिशा. one
cardinal point (e. g. east, west
etc.). विशेष० ३६४; —दिमाभिमुख. न०
(दिमाभिमुख) ऐक दिशा तरफ मुख. एक
दिशा की तरफ मुख. face turned to-
wards one direction. भग० २, ४;
—दिनि. स्त्री० (-दिश्) ऐक दिशा. एक
दिशा. one direction or cardin-
al point (e. g. east etc.).
नाया० —द्वार. न० (द्वार) ऐक
आराधु. एक दरवाजा. one door. बव०
६, १४; ६, १३; —देस. पुं० (-देश)
ऐक देश; ऐक विभाग. एक देश; एक विभाग
one part; one division. भग० १४,
१; नाया० ३; ७; ८; उत्त० ३६, ११; क०

* तेम तेन शास्त्रमां पनरपनि प्रदर्शमां आहली भाटे “ अस्थि ” शब्दना प्रयोग क्यो छे
ऐमज तौदिक वैद्यक शास्त्रमां पण्डितनी अन्हर रदेसी आहली भाटे अस्थि शब्दना प्रयोग क्यो छे
ऐ प्राचीन पुरातनी प्रथा छे. तेम सुश्रुतसंहिताना शरीरस्थानना तीन अध्यायना ६४२ पृष्ठनी
२७ भी पंक्तिमां लख्ये छे “ चूतफलेऽपरिपक्वे केशर मांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” इत्या
आपाना इलमां—यदा अस्थि मांस भग्नु गृदा गृदा देखाता नथी. जेग प्रकार जैन शास्त्र मे
वनस्पति प्रकरण मे गुठला के लिये “ अस्थि ” शब्द का प्रयोग किया गया है उगा प्रकार लौकिक
वैद्यक शास्त्र मे भी फल के भीतरका गुठला के लिये अस्थि शब्दका प्रयोग किया है यह प्राचिन पुरुषो
का प्रथा है. यथा—सुश्रुतसंहिता. अध्याय तामरा, पृष्ठ ६४२ पाठ २७ वा मे लिखा है कि “ चूतफलेऽ
परिपक्वे केशरमांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” अर्थात् आम के कच्चे फल मे गुदा, अस्थि, मांस,
मज्जा आदि पृथक् पृथक् नहीं दिखते The word “ अस्थि ” which literally means
“ a bone ” is used even in old medical writers like Suśruta to denote
“ a stone of a fruit. ” This is noteworthy. Vide Suśruta Samhitā
(Śākhā Sthāna chapter III, page 642 line 27).

प० ४, ६३; — **नाणि.** पुं० (ज्ञानिन्)
केवलज्ञानवाला. an omni-
scient person. भग० ८, २; — **निक्रम-**
मण. न० (—निक्रमण) गुरु की मर्यादाओं की
विन्दना करने के लिए एकबार अवग्रह से बाहर निकलना.
going or stepping out once
with Avagraha (disregard)
at the time of salutation
or worship; giving up pro-
priety of conduct towards a
Guru or preceptor. सम० १२;
— **निक्रमणोपवेश.** त्रि० (—निक्रमण
प्रवेश) जहाँ प्रवेश नाश करने के लिए
आगे है. जिसमें प्रवेश होने और निकलने
का एक ही मार्ग हो वह. having only
one door or way for exit and
entrance. वच० ६, १४; ६, १३;
— **पाणस.** पुं० (—प्रदेश) एक प्रदेश-
जीवाणुओं की जीवाणु-विभाग. एक प्रदेश;
सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग. one unit
of space; the smallest indivi-
sible atom of matter. भग० १, १;
— **पाणसहित.** त्रि० (—प्रदेशाधिक) एक
प्रदेशे अधिक. अधिक. एक प्रदेश से अधिक.
exceeding by one indivisible
atom of matter. भग० १, ५;
— **पाणसिया.** स्त्री० (—प्रदेशिका) एक
प्रदेश की (रेखा). एक प्रदेश की (रेखा)
(a line) of indivisible atoms
of matter. भग० ६, १; — **पाणसाढ.**
पुं० (—प्रदेशावगाढ) एक आकाश प्रदेश
ऊपर अवगाढा रहने वाला. आकाश के
एक प्रदेश पर फैला हुआ पुद्गल. an indi-
visible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग०
१, ८; — **पाणस.** त्रि० (—पक्ष) निष्प्रति-
पक्ष; प्रतिपक्ष पर न. जिस का कोई विरोधा
पक्ष न हो वह; प्रतिपक्ष रहित. without
a rival; unrivalled सूय० १, १२;
१, — **पाणसिय.** त्रि० (—पाणिक) एक गुरु-
ना के लिए; एक पक्षना. एक गुरु के चेला;
एक पक्ष का. a disciple of the same
preceptor; one belonging to
the same camp. वच० २, २३; २४;
— **पाणसिय.** पुं० (—पर्यवसित) जे
संख्या के चार से भागने पर एक बचे
वह संख्या. any sum which when
divided by four leaves one as
remainder. भग० ३१, १; — **पाणस.**
त्रि० (—पाणक—एक पाण यत्र तत्तथा) एक
पाण—पाणक पाण: जहाँ एक पाण: है. एक
पाणवाला; जिसमें एक पाण हो वह.
one-leaved. “उपलेगं भक्तं पाणस्य किं
पाणजीव” भग० ११, १; — **पाणसि.**
त्रि० (—पाणिक) एक प्रदेशवाला. एक
प्रदेशवाला. having one unit of
space occupied by an indivi-
sible atom of matter. भग० ६, १;
— **पाणिया.** त्रि० (—पाणिका) एक पाण के
लिए. एक पाण के लिए. जिसमें एक पाण ऊपर
रखा है वह. (one) who has lifted
up one leaf. वच० १, २२; — **पाण.**
त्रि० (—पाण) एक पाणजीनी (दात). एक
पाणी की दात. One Data of water.
वच० १०, १; — **पाय.** पुं० (—पात्र)
एक पात्र. एक पात्र: एक बरतन. one
vessel or utensil. वच० ६, ६;
— **पास.** पुं० (—पाश) एक पाश रहने
वाला. एक और रहनेवाला; एक बंधा रहने

वाला. one who stays (i. e. lies etc.) on one side. पृ० २, १; —**पौगलस्थित**. त्रि० (- पुद्गलस्थित) अष्ट पुद्गल विपर शेषतः एक पुद्गल पर स्थित रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance). दसा० ७, ११; —**फट्ठु**. पुं० (- स्पर्शक) ईर्ष्यक्षय समूह. कर्मस्पर्श समूह a group or collection of Karmic molecules. क० प० ५, ८६; —**भक्त**. न० (भक्त - एकं - वत् भोजनं यत्रतत्तथा) अष्टाश्राव्युः दिवसभां अष्ट बार भूम्युं ते एकांसनाः दिनमे एकवार जीमना the austerity known as Eka-sana i. e. taking only one meal in 24 hours. “नहणमन्तेच ” दश० ६, २३; पञ्चा० १२, ३५; —**भव**. पुं० (- भव) अष्टतर अवतः प्रथम-यावत् अष्ट अवत. एकदो भवः केवल वर्तमान भव. only one birth; the present birth. प्रब० ८८३; —**भवग्गहणिय** त्रि० (- भवग्रहक) अष्ट बन्ति यद्यपि इत्यादि. एक भव को ग्रहण करनेवाला; एकमात्रवासी (one) who is to have one birth. मग० २५, ३. —**भविच्च**. १।० (- भविक) अष्ट बन्तो अनन्तरे ते रूपे उत्पन्न भवान् होय ते इत्थं अष्ट बार पक्षी श्रेणरूपे उत्पन्न भव्युं होय तो वे अष्टबन्तिक गोन्य इत्येत्य. एक भव के अंतर मे द्वित्र रूपमे उत्पन्न होता हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शंख रूप मे उत्पन्न होता हो तो एक भाविक शब्द कहलायगा (condition) after the interval of one more birth; e. g. a soul which is to be born as a conch shell after the interval of one birth is called

Ekabhavika couch-she¹¹. अणु जो०
१८६; —मणु त्रि० (-मनम्) ऐंद्राग्र
मनवासे: स्थिर चित्तवासे। एकाग्र मनवाला;
स्थिर चित्तवाला, steady, concen-
trated in mind. उक्त० ३५, १:
— रात्रि, स्त्री० (रात्रि) ऐंद्र रात्रि, एक रात्रि,
one night, दशा० ७, १; पंचा० १८, ३;
(२) बिभृन्ती १२वीं पटिमा ३ वें में अष्टम
तप इरी दंडिसण्य श्मशान भूमिमां इश्वरमां
आये ३, भिक्षु का १२ वां प्रतिमा—जिगमें
अष्टम तप कर के एक रात्र का कायोत्सर्ग
श्मशान भूमि में किया जाता है, the 12th
Padimā (austerity) of an ascetic in which after fasting,
one night is spent in Kausāgrya on
a funeral ground, प्रव० ५५५;
— राट्त्रि-य, त्रि० (- रात्रिक) ऐंद्र रात्र
शेतात्र: ऐंद्र रात्रिवा नित्यास इश्वरात्र, एक
रात्र रहनेवाला, (one) who stays
for a single night, वेद्य० ३, ४;
आध० १३; वच० १, २३; — राट्त्रिदिव्या,
स्त्री० (- रात्रिदिव्या) ऐंद्र रात्री अने ऐंद्र
दिवसनी बिट्ठु पटिमा, एक रात्र और एक
दिनकी गच्छु प्रतिमा an austerity
practised by a Jaina layman,
consisting of a day and night,
“ एकाराट्त्रिदियं भिक्षु पटिमं पटिवगणा ”
दशा० ७, १; नाया० १, — राट्त्रिया, स्त्री०
(- रात्रिका) १२वां अष्टम तप इरी ऐंद्र
रात्र श्मशानभूमिमां दंडिसण्य इश्वरमां
आये ३ ते अष्टमी बिट्ठु पटिमां, नारदता
भिक्षु प्रतिमा जिगमें कि अष्टम तप करते
हुए, एक रात्र श्मशानभूमि में कायोत्सर्ग
किया जाता है, the 12th vow of an
ascetic viz. contemplation upon
the soul for one night in a

cemetery after the Atthama
austerity (i. e. three fasts).
वव० १, २५; दसा० ६, २; ७, ११; भग०
२, १; नाया० ८; —राय. न० (-रात्र-
एकाचासौ रात्रिश्च) ऐक रात्रि, ऐक रात.
एक रात्रि. one night. “ गामे गामे
यएग राय” परह० १, ५; आ० २१; वव०
१, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३;
—रूच. त्रि० (-रूप—एकं समानं रूपं
यस्य) ऐक रूप, ऐक सरूपं. एक रूपः
एक समान. uniform; of the same
type. “पभूणगवणं एग रूवं विउच्चित्तप्”
भग० ६, ६; ७, ६; —वगडा. छां (*)
ऐक बाँडा; ऐक दीदी. एक बाड़ा; एक चौक;
एक आंगन. one open compound at
the back of a house; one wall
enclosing an open space. वव०
६, १४; ६, ३; ८; —वराण. पुं० न०
(-वर्ण) ऐक वर्ण; ऐक रंग. एक रंग.
one colour; same colour. भग०
७, ६; प्रव० ६८१; —वयण. न० (वचन)
ऐक वचन; वस्तुजं ऐकत्व अनापत्तर प्रत्यय.
एक वचन; वस्तुका एकत्व अकलापन वचन
वाला प्रत्यय. singular number; a
termination of the singular
number. छा० ३, ४; आया० २, ४, १,
१३२; —वीसा. छां (-विंशति) २१,
ऐकवीस. २१; इक्कीस; इक्कीय. twenty-
one; 21. दसा० २, १; पन्न० ४; विवा०
२; भग० २०, ८; आ० ४, ७; —सट्टि-
भाग. पुं० (-षष्टिभाग) द्वापयषु वस्तुने
ऐकसट्ठो भाग; द्वांष्टि ऐक वस्तुना सरप्पा
६१ भाग इरीअ तेमानो ऐक भाग. किसी
एक वस्तु का इकसठवाँ भाग. 1/61 of
anything सम० १३; —समय. पुं०
(-समय) ऐक समय. एक समय, one

Samaya (i. e. unit of time):
one instant भग० १, ६; क० प० १,
१३; —सय. न० (शत) ऐकसो ऐकः
१०१. एकसो एक; १०१. one hundred
and one; 101. क० ग० २, ३०;
—साड. त्रि० (-शाटक एकःशाटको यस्य
स तथा) ऐक साडी पछेडी सम्पत्तर.
एक दुपट्टा रखने वाला. (one) who
keeps only one seraf etc. in
his possession. आया० १, ७, ४,
२१२; —साडिय. न० (-शाटिक) ऐक-
पत्तावाडुं—सांधा वगरनुं वस्त्र; साडी; सेडुं.
एक पहने का वस्त्र; पहने में बिना जोड़वाला
वस्त्र. a web of cloth not bearing
any dividing line upon it
(caused by stitching another
cloth); a Sari etc. “ एग साडिय
उत्तरासंग करेइ ” भग० २, १; राय० २०;
विवा० १ आ० ३२; कण्ण० २, १४; ज०
प० ३, ४३; ५, ११५; —साला. त्रि०
(-शाल) ऐक भागवाजुं (घर); ऐक
न्यायाली (भेडी). एक मोजिल का घर.
(a house) with one floor
जीवा० सिद्ध. पुं० सिद्ध)
ऐक समयमां ऐकज्ज जीव का गिद्ध होना.
एक समय में एकही जीव का गिद्ध होना.
a soul liberated by himself
(at a time) without the com-
pany of other souls. पन्न० १; नंदी०
२१; —हिय. त्रि० (-आधिक) ऐक
अधिक. एक ज्यादा. exceeding by
one; one more. क० प० ७, ४८;
एगअ. त्रि० (एकक) इक्ष्णु ऐकदेवा; ऐकदाडी.
एकाकि; अकेला. Alone; solitary;
single उत्त० २, २०;
एगइअ य. त्रि० (एकक) द्वाष्टि ऐकः ऐक

अंशः ईदृशा अंशः कोई एक; कुछ एक.

Some one; some; one by one.

श्रोव० १४: ३५; दग० ५, २, ३७; जं० प०

सम० १; भग० १, १; ७, ७; नाया० २;

दगा० १०, ३:.

एगओ. अ० (एकतम्) अंश तदृशी; एक

आर मे. On the one hand: from

one side: भग० ३, ४: ३६, १; नाया०

१: २; ५: ८; १६: उत्त० ३१, २: दगा०

१०, १: निर्मा० ८, ७६: २०, १०: जं० प०

५, १२०. कप० ४, ६५: —**खडा.** खी०

(ख) जेभां छल ग्रणी तदृशी

प्रवेश करी ग्रणी आनुये उत्त उत्पन्न थाय ते

अणि; वामअणि—आदाश-प्रदेश-पंक्ति. जिस

में जीव बाँट आर में प्रवेश करके बाँट आर

जाकर उत्पन्न होता है वह आरग: आकाशप्रदेश

पंक्ति. a line of space on the left

side along which the soul enters

the left side and is born. भग०

२५, ३: —**गंतअ.** त्रि० (—अनन्तक)

अंश जेभांमां अनंत. एक लंबाई में अनंत.

an endless line of space अ० २,

३: —**वका.** खी० (वका) अंश तदृशी

वांछा अणि: अंश वांछावाली अणि—आदाश

प्रदेश पंक्ति. एक आरगे देखी अणा: आकाश

प्रदेश पंक्ति. a line of space curved

on one side. भग २५, ३: —**सहिय.**

पु० (सहित) अंशय अथैव: अंशय इत्येत.

एकत्रित. grouped; assembled;

collected नाया० ५:

एगओवत्त. पुं० (एकतोवत्त) अंशद्विवत्त

अथनी अंश अत. दो इन्द्रिय वाले जीवको

एक जाति. A kind of two-sensed

living being पञ० १:

एगंजणं अ० (एगंजण) इति अंशः कोई एक.

Some one. भग० ७, १०; नाया० ८;

एगंत. न० (एकान्त) अंशान् स्थान; निर्जन

स्थान. निर्जन स्थान; एकांत स्थान A

solitary place; solitude. “ एगंते

पाडेमि ” नाया० ६: “ एगंते एडेड ” भग०

२, १; ३, २; ७, १: ६, ३३: १५, ८;

नाया० १: ७; ६: १२: १६; पिं० निं० २११;

स० प० २०: राय० २६: २६३: आया० १,

१, ७, ६, २२२: उत्त० ३; २८: वव० २,

२६: ३, १५: मू० अ० २, ४१८: दग० ४:

पंचा० ६, ६: क० प० १, ६५: (२) तदृशी:

आदस. निश्चित. assuredly: certain-

ly पि० निं० भा० १२: (३) अंशान्;

इक्षत: देवत. एकान्त: मित्र: केवल. simply.

उत्त० ३२, २; श्रोव० ३८: विशेष० ६५: (४)

निरंतर: आद्य. निरंतर: चालू. continu-

ously; uninterruptedly. भग० ३,

१: ७, ६: (५) सर्वथा: पुरेपुर: सर्वथा;

पूर्णतया. completely; perfectly.

भग० ८, ७: —**छुअ.** पुं० (—च्छक) अंशान्त

इक्ष-विशुद्ध. पूर्ण विशुद्ध. altogether,

perfectly pure. पंचा २३, ३५: —**दंड.**

पुं० (—दण्ड) अंशान्—आदस दंडाय

तेषा: मिश्र. यथैव दण्डित होनेवाला.

दण्डक one fully sinful killer

or murderer मय० २, ४, १:

—**दुख.** न० (दुःख) देवत दुःख:

अंशान्त दुःख. एकान्त दुःख: दुःखही दुःख;

सर्वथा दुःख perfect misery: un-

mitigated misery. भग० ६, १०;

—**धारा.** खी० (—धारा—एकविभागाश्रया

* जुआ ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

चासै धाराचेति) ऐकान्त-तीक्ष्ण धारा.
एकान्त धारा: तीक्ष्ण धारा. sharp edge.
“खुरोइव एगंध धाराए” भग० १, ३३:
नाया० २; —**पंडित्य**. त्रि० (—पण्डित)
ऐकान्त पंडित; पापश्री निवृत्त; सर्व विरति
साधु. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुष; सर्व
विरति साधु. perfectly free from
sin; (an ascetic) absolutely
free from sin. “एगंत पंडित्या याव
भवामो” भग० ८, ७; भग० १, ८; —**बाल**.
त्रि० (—बाल) सर्वथा आत; अज्ञान;
निष्ठा दृष्टी अने अविदित. सर्वथा अज्ञान;
मिथ्या दृष्टि और अविदित. absolutely,
perfectly ignorant; heretical
and sinful. भग० १, ८; ८, ३; १७:
२, सूत्र० २, ४, १; —**मंत**. पुं० (अन्न)
सर्वथा ऐकान्त. सर्वथा एकान्त. perfectly
solitary. भग० ७, १; नाया० १३;
—**यारि**. त्रि० (—चारिन्) ऐकान्त जल
रहित स्थानमां विचरन्तः ऐकान्तवासी.
निर्वन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त में
रहनेवाला. (one) who moves in
a solitary place; living in soli-
tude. सूय० २, ६, ३; —**लूसग**. त्रि० (लू-
क) ऐकान्त जलमृदा दिशा इत्यार. सर्वथा
जन्तु की हिंसा करनेवाला. (one) who is
completely given to the killing
of insects. सूय० १, २, ३, ६; —**साया**.
स्त्री० (—सात) ऐकान्त शान्ति-सुख. एकान्त
सुख; सर्वथा सुख. perfect, unalloyed
happiness or peace. भग० ६, १०; —
सुत. न० (—सुप्त) ऐकान्त-निश्चये सुतेतः
भावनिद्रा; मोहमां उधेत्त सर्वथा सोया हुआ;
मोहनिद्रासुक्त assuredly asleep; (me-
taphorically) steeped in infatua-
tion. सूय० २, ४, १; —**सुहि**. (—सुखिन)

ऐकान्त सुखी. सर्वथा सुखी. perfectly
happy. नाया० ७; —**द्विय**. न० (—द्वित)
सर्वथा उपकारी. एकान्त हितकारी. al-
together beneficent. पंचा० १४,
१६; —**अंबिल**. पुं० (—आचाम्ल) ऐकान्त
तरे आगमिष्य इत्या ते. एकान्तरे आगमिष्य
करना. alternate performance of
Āyambila austerity. प्रव० ११५८;
—**उपवास**. पुं० (उपवास) ऐकान्तरे
उपवास इत्या ते. एकान्तरे उपवास करना.
fasting on alternate days. प्रव०
११६२;

एगंतरिय. त्रि० (एकान्तरित) ऐक ऐकाने
अंतरे आगतः ऐकान्तरे; (उपवास आगमि-
ष्य परेरे). एक एक के अन्तर पर आया
हुआ; एकान्तरे (उपवास आगमिष्य आदि).
alternate; coming at intervals
of one. प्रव० ८८२;

एगंतमं. श्र० (एकान्तशः) ऐकान्तशः
सर्वथा. सर्वथा; पूर्णतया. Perfectly,
in all respects. भग० ८, ६;

एगखिन्न. न० (एक क्षेत्र) ऐकक्षेत्र अथ.
एक गांव. Only one village. प्रव०
७८४, — **निवासि**. त्रि० (—निवासिन्)
ऐकक्षेत्र क्षेत्रमां-यासमां निवास इत्यार
(मुनि परेरे). एकही गांव में रहनेवाला
(मुनि आदि). (an ascetic etc.)
confining his residence to one
village only. प्रव० ७८४;

एगमुण. त्रि० (एकगुण) ऐकगुणः वर्ण
गंध आदिवी सरआमली इत्यं ते अगुण
अगुणेषा न दोष इत्यु ऐक गुणा दोष ते.
एक गुणा; वगं गंध आदि में मिलाने पर जो
दुगुणा त्रिगुणा नही किन्तु एक ही गुणा ही
बह. Of one (i. e. same) amount
or measure; not double treble

etc. in comparison. भग० २५, ४; (२) पुं० न० सिद्ध सेणिया अने मानुस्य सेणिया परिकर्मनो आतमे भेद अने पुद्गल आदि पांच परिकर्मनो मेथे भेद. सिद्ध सेणिया और मानुष्य सेणिया परिकर्म का सातवां भेद और पुद्गल आदि ५ परिकर्म का चौथा भेद. the 7th division of the Parikarmas of Siddhasenīa and Manusya-senīa and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthasenīa etc. नंदा० ५६; गम० १२;

—गुणककश. पुं० (गुणककश) वं० में अक्षयणी धारी कक्षिता छे ते जियमे एक गुनी (थोडा) कक्षिता हे वद. one having as much (less) harshness or roughness. भग० २५, ४; —कालग. पुं० (कालक) वं० में अक्षयणी क्षाश छे ते. जियमे एक गुनी कलाय-कालापर हे वद. one having as much blackness (i. e. not double or treble etc. the amount of blackness). भग० २५, ४;

एगग. न० (एकाग्र) चित्तली अक्षयता; अक्ष भूदा उपर भनली स्थिरता. चित्त की एकाग्रता; किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त० ३२, १; (२) त्रि० चित्तली अक्षयता यादो. एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind. उत्त० ३०, १; राय० ४०; —चित्त. पुं० (चित्त) अक्षय चित्तवालो. एकाग्र चित्तवाला. one having a concentrated mind. दस० ६, ४, २; ३; जे० प० ५, ११५; —मण. न० (-मनस्) वुओ "एगग चित्त" शब्द.

Vol. II/42.

देखो "एगग चित्त" शब्द. vide. "एगग चित्त" उत्त० २६, २; पंचा० १४, २८; —मणसेनिवसणया. स्त्री० (-मनः सन्निवेशन) भनते अक्षय अनापयुं; अक्ष यस्तु उपर भनते स्थापयुं ते. मन को एकाग्र करना. concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २; —जंजुय. पुं० (एकजम्बुक) उदयुक्तीर नगरली अक्षयते अ नामने अक्ष अणीये. उल्लुक तीर नगर के बाहर के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the town named Ullukatira भग० १६, ३;

एगट्टाण. न० (एकस्थान) वं० में द्विपसमां अक्ष यअत अक्ष उदयुं अशीते अयाप ते तः अक्षयुं. एक तपका नाम; जिय तपमे दिन मे एक ही बार एक जगह बैठ कर भया जाता है. An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० २०३; १५२७;

एगद्विपय. न० (एकाधिकपद) सिद्ध सेणिया अने मानुस्यसेणिया परिकर्मनो अलीने भेद. सिद्ध सेणिया और मानुष्य सेणिया परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhasenīa and Manusya-senīa Parikarma. नंदा० ५६; (२) त्रि० अक्ष अर्थतायुं; समान अर्थ-तायुं. एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous. सम० १२;

एगतर. त्रि० (एकतर) अक्ष अनेक्षमानो अक्ष. दो या अनेक में से एक. One of two or more. विवा० ७;

एगतिथ. पुं० (एकक) क्षेप अक्ष. कोई एक.

Some one सूय० २, ३, १; पत्र० १५;

एगस. अ० (एकत्र) अक्षयः अक्षयानोः

अेड० इडाणु। एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. ओव० ३२;

एगत्त. न० (एकत्व) अेड०पाणु; अेड०वापाणु।

अकेलापन. One-ness; solitariness.

भग० १, २; २, ६; १२, १; १७, १; १८,

१; २५, ४; नाया० १; ठा० १०, १; उत्त०

२८, १३; प्रव० ५०२; —अणुप्पेहा. वी०

(-अनुपेक्षा) आ ७५ अेडलो आ०यां छे

अने अेडलो ज्वानो छे अेम यिन्तवयुं ते.

एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है

और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार

चिन्तन करना. contemplation upon

the solitariness and loneliness

of the soul. ओव० २०; भग० २५, ७;

—गत. त्रि० (-गत) अेड०त्व भावनायाणो;

अंतइरजुयाणो. एकत्व भावना वाला. (one)

contemplating upon the loneli-

ness and solitariness of the

soul. आया० १, १, १, ११; —गय.

त्रि० (-गत) अेड०त्वभावनाने प्राप्ति थयंत.

एकत्व भावना को प्राप्त. (one) con-

templating upon the loneliness

and solitariness of the soul.

आया० १, १, १, ११; भग० ८, ६;

—वियक्क. न० (-वितर्क) अेड० ८२५

आशी रेट्ठे पयथिंनुं अभेद रूपे यिन्तवयुं

अथवा अनेड पयथिंभांता अेड पयथिने

अवलंभी यिन्तवत इरयुं ते. एक द्रव्य के

आश्रय में रही हुई पर्यायों का अभेदरूप में

चिंतवन करना अथवा अनेक पर्यायों में से

एक पर्याय का चिन्तवन करना. contem-

plation of unity among the

varieties or modifications of

the same substance; also, tak-
ing up one of many such modi-
fications and thinking upon it
as a separate entity. ओव० २०;

भग० २५, ७;

एगत्तीकरण. न० (एकत्रीकरण) अेड०अपाणुं इर-

युं ते. एकाग्रता करना. Act of concen-

trating; concentration. भग० २, ५;

एगत्तीभावकरण. न० (एकत्रीभावकरण)

भतता भावने अेड० इर०ता. मन के भावोंका

एकत्रीकरण—एक स्थान पर इकट्ठा करना.

Concentrating the thoughts of

the mind. भग० १, ३३; २५, ७;

एगत्तीभावकरणया. वी० (एकत्रीभाव-

करण) जु०या “ एगत्तीभावकरण ” शब्द.

देखो “ एगत्तीभावकरण ” शब्द. Vide

“ एगत्तीभावकरण ” भग० १३, ४;

एगत्थ. अ० (एकत्र) अेड० रथदे; अेड० इडाणुं

एक स्थान पर. In one place; in one

and the same place. पण० २८४;

एगनामा. वी० (एकनामा) पश्चिम

दिशाना रथइ पर्वतपर वसनाटी आइ दिशा-

दुभादिशामांती पांथवी पार्थम दिशाके रुक्क

पर्वत पर रहने वाला आठ दिशाकुमारियों

में से पांचवीं दिशाकुमारि. The 5th of

the 8 Disakumaris residing

on the Ruchaka mountain in

the west. जं० प० २, ११४;

एगमेग. त्रि० (एकैक) अेड० ३. प्रत्येक.

Each; taken singly. “ ता एणं

दुवे सूरिया तीसाण सुहुत्तेहिं एगमेगं अद-

मंडलं ” जं० प० भग० १, ५; ३, १; ५,

३, ६; ७; ८, १०; १०, ५; १२, ४; १६, ८;

नाया० १; ८; जं० प० २, १८; उवा० ८, २३४;

एगयत्रो. अ० (एकत्रतः) जुगो "एगय" शब्द. देखो " एगय " शब्द. Vido " एगय " भग० २, ५; ११, १२; १२, ४; १६, ३; नाया० १६; वव० १, २२; २, १; उवा० ७, १६७; कप्प० ६, ३८; जं० प० ३, ५८; **एगयर.** त्रि० (एकतर) भेमांतागमे ते अेड. दो में से एक; कोईभा एक. One of two or more. पि० नि० १४०; ४७३; आया० १, २, ६, ६७; १, ६, २, १८३; उत्त० ६, २५; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. त्रि० (एकता) अेडत्व आयता; अथ अेडले आया अे अने अेडले आयता अे अेम अिन्तयपुं ते एकत्व आवना—जिसमें चिन्तन किया जाता है कि जीव अकेला आया है और अकेला जायगा. The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone. प्रव० ५, ७६;

एगया. अ० (एकदा) अेडदा प्रतावे; द्राष्ट प्रसेमे; द्राष्ट वभते. कियं एक प्रसंग पर. Once upon a time; on one occasion. आया० १, ६, २, २; उत्त० २, ६; १३; ३, ३; नाया० १२;

एगलया. त्रि० (एकलता) पांसे दिवसे उपवास, भीन्ने दीवसे अेडसाजं, तीन्ने दिवसे अेड सीथ, चोथे दिवसे अेडसाजं, पांचमे दिवसे अेड दात, छे दिवसे नीवी, सातमे दिवसे आथंभिल अने आःमे दिवसे आः इवल अेम आः दिवस सुधी उपर इवा प्रमाजे तप करवामां आवे ते अेडलता तप. एक तप का नाम. जिसमें पहले दिन उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक

साथ, चौथे दिन एकठाण, पांचवे दिन एक दात, छठे दिन नांवा; सातवें दिन आथंभिल और आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आठ दिन में होने वाला तप विशेष. an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsana, on the third one Sitha, on the fourth Eka-thāpu, on the fifth one Dāta on the sixth Nivī, on the seventh Āyambhila and on the eighth eight morsels (Kavala). प्रव० १५२७;

एगविह. त्रि० (एकविध) अेड प्रकारजं. एक प्रकार का. Of a certain sort; of one kind. उत्त० ३६, ७७; प्रव० १३५६; आव० ४, ७;

एगसेल. पुं० (एकशैल) पुष्कलावत अने पुष्कलावती विजयनी वन्नेयो वपारापर्वत. पुष्कलावत और पुष्कलावती, इन दोनों क बांन का वगारा पर्वत. The Vakhārā mountain situated between the two Vijayas named Puṣkalāvarta and Puṣkalāvati. "पञ्चस्थिमेणं एगसेलस्स वक्खार पव्वतस्स" नाया० १६; जं० प० टा० ४, २; — **कूड.** पुं० (-कूट) अेडशैल वपारा पर्वतता आर इटभांजं भीजं इट—शिअर. एकशैल वगारा पर्वतके चार शिखरोमें से दूसरा शिखर. the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhārā mountain. जं० प० —वक्खार पव्वय. पुं०

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vico foot-note (*) p. 15th.

(-वत्सकार पर्वत) महाविदेह क्षेत्रभां ओइ शैल नामनो ओइ वखारा पर्वत. महाविदेह क्षेत्र का एक शैल नामक एक वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain (called Ekaśēla) in Mahāvi-deha region. नाया० १६.

एगाइ. पुं० (एकादि) ओ नामनो ओइ ३२ राईड. एक कूर राठोड का नाम. Name of a cruel Rāthoda. विवा० १: —**सररीरय.** न० (शरीरक) ओइ ३२ राईडनुं शरीर. एकाइ नामक राठोड का शरीर. the body of the Rāthoda named Ekāi. विवा० १;

एगागि. त्रि० (एकाकिन्) ओइ ३२: ओइ ३३. अकेला; एकाकी. Alone; solitary. आया० १, ७, ५, २१६; प्रव० ५३१; गन्ध्या० १०४;

एगाणिय. त्रि० (एकाकिन्) ओइ ३२. अकेला. Alone; solitary. वव० ४, १; ६, २: वेय० १, ८८; ५, १५; ओष० नि० मा० २८:

एगाणी. स्त्री० (एकाकिनी) ओइ ३३ स्त्री. अकेली स्त्री. A lonely, solitary woman. ओष० नि० ७८;

एगारस. त्रि० (एकादशन्) ओइ ३३ “ एका-रस ” शब्द. देखा “ एकारस ” शब्द. Vide. “ एकारस ” नाया० ५: —**वास-परियाग.** त्रि० (-वर्षपर्यायक) अगीथार परसनी प्रवन्धावालो; जेने दीक्षा दीये ११ वर्ष तथा ऐय ते. जिसे दीक्षा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह. (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism. वव० १०, २६; २७;

एगावली. स्त्री० (एकावली) भजिउडित हार; ओइसरी हार मणिजडित हार; एक-लकी हार. A single string of

beads, pearls etc. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; सू० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १५६; राय० ८५; १८६; —**पविभक्ति.** न० (-प्रविभक्ति) ओइ ३३-यसि हारनी विशेष रचनाथी युक्त-नाट्य विशेष; ३२ नाटकभानुं ओइ एकावलि हार का विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc; one of the 32 kinds of drama. राय० ६१:

एगाहच्च. त्रि० (एकाहन्त्य—एकैवाहन्त्याऽह-ननं प्रहारो यत्र तत्तथा) ओइ ३३: भाटवा योय; ओइ ३३थी ओइ ३३था इत्या योय. एक घाव से मारने योग्य. Worthy to be covered into two pieces by a single blow. “ एगाहच्चं कुडा-हच्चं जावियाओ ववरो वेइ ” भग० ७, ६; १५, १; राय० २४;

एगिन्दिय. पुं० (एकेन्द्रिय—एकं इंद्रियं करणं स्पर्शनलक्षणं यस्य) इका ओइ ३३-पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक: ३ तेजकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. एक-स्पर्श-इंद्रियवाला जाव. यथा: १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ५, २; ८, १; २४, १; ३३, १; पञ० १; जीवा० १; विश० १०१; ४११; क० प० १, ४५; २, ५६; आव० ४, ३; —**देस.** पुं० (-देश) ओइ ३३-इन्द्रियवाला ओइ ३३-देस-भाग. एकांद्रिय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings.

भग० १०, १; —एगपस. पु० (—प्रदेश) ऐकेंद्रिय ज्योती प्रदेश-निर्विभक्त्य अंश.

एकेंद्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश. an indivisible, atomic part of one-sensed living beings. भग० १०, १; ११, १०; —रूप. न० (—रूप) ऐकेंद्रियवासानुं रूप. एकेंद्रियवाले जीव का रूप.

the form, appearance, of one-sensed living beings. भग० १२, ६; —सय. न० (शत) ऐकेंद्रिय शतकः

भगवती सूत्रा ३३ भां शतकनी भिन्न उद्देशानुं नाम ऐकेंद्रिय-शतकः भगवती सूत्र के ३३ वें शतक के दूसरे उद्देश का नाम.

Ekendriya Sataka: name of the 2nd Uddesa (part) of the 33rd Sataka of Bhagavati Sutra. "चित्तिय एगदिय सयं सम्मत्तं"

भग० ३३, २; ४;

एगिदियत्त. न० (ऐकेंद्रियत्व) ऐकेंद्रियत्व, ऐकेंद्रियता. State of being a one-sensed living being; possession of one sense only. भग० ८, ६;

एगोभूत. त्रि० (एकाभूत) अनेक भूतनि ऐकेंद्रियत्व. अनेक रूप में मिटकर एक रूप का प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity. राय० ६६;

एगुत्तरिय. त्रि० (एकोत्तरिक) ऐकेंद्रियत्व. अथवा ऐकेंद्रियत्व. १६, २१ योरे. जिसका 'ए' उत्तर अवयव है वह संख्या जैसे: ग्यारह, इक्यास आदि. Having one as the latter part (in the case of compound numerals): e. g. 11, 21, etc.:

exceeding by one. भग० १, २, ४; विशेष० ६४२;

एगुरुश्र. पु० (एकोरुक) ऐकेंद्रिय नामना ७५५ अन्तरद्वीपमोती ऐकेंद्रिय. एकोरुक नामक

५६ अन्तरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvipas named Ekoruka.

जीवा० ३, ३; (२) त्रि० ते द्वीपभां रहनेतर, उस देश में रहनेवाला मनुष्य. a resident of that country. जीवा० ३, ३;

एगुण. त्रि० (एकोन) ऐकेंद्रियत्व; ऐकेंद्रियत्व. सम० ८६; पञ्च० ४; भग० ८, ५; १२, १; २४, १२; २५, ७; उत्त० ३६, १३८; अणुजो० १२८; जे० प० ५, ११५.

विवा० ६; —(रा) अरि. स्त्री० (अशीति) ७८; आगलुपथाशः ७९; ७९; seventy-nine सम० ७६; —एउह. स्त्री० (नवति) नवत्यः ८६ नी ओप्या. निव्यामी को संख्या. 89; eighty-nine. सम० ८६;

—तीमइ. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" सम० ४६; जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

—एगुणतीम. स्त्री० (—त्रिशत्) जुओ "एगुणतीम" शब्द. देखो "एगुणतीम" शब्द. vide "एगुणतीम" सम० २६; —तीमा. स्त्री० (—त्रिशत्) २६; आगलुपथाशः २६; गुनतीम. 29; twenty-nine. भग० २४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;

—एगुणा. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. "एगुणपणाराइदियाइ" भग० २४, १२; वव० ६, ३७; जे० प० ३, ५४; ५, ११५; २, २६; —पन्ना. स्त्री० (—पंचाशत्) आगलुपथाशः ४६; उन्चासः ४६. forty-nine; 49. अणुजो० १२८; —वरणा. स्त्री० (—पंचाशत्) जुओ "एगुणपन्ना" शब्द. देखो "एगुणपन्ना" शब्द.

vide “एगूणपक्षा” भग० ८, ५; ३७, १; पक्ष० ४; उक्त० ३६, १३८;—**वसिति.** स्त्री० (-विशति) १८ वीं संख्या; आग० १६. १९; nineteen. जं० प० १, ११; वव० १०, ३३; ३६;—**वासा.** स्त्री० (-विशति) आग० १६. १९; nineteen, “एगूणवीसणायज्जभयणत्ता” सम० १६; नंदा० ५०; भग० १५, १; ३५, १; अणुजो० १४२; नाया० १; १६; आव० ४, ७;—**सट्ठि.** स्त्री० (-पष्टि) आग० ५८. उनसाट; ५६. fifty-nine; 59. “एगूणसाट्ठाईदियाई” सम० ५६;—**सत्तरि.** स्त्री० (-सप्तति) अक्षेयत्त-सीतेर; आग० ६९. 69; उनहत्तर. 69; sixty-nine. “एगूणसत्तरि वासा वास-हर पव्वया पणत्ता” सम० ६६;

एगूणवीसदम. त्रि० (एकोनविंशतितम) आग० १६. 19th; nineteenth. “एगूणवीसदमं सयं सम्मत्तं” भग० १६, १०; २०, १; डा० ६, २; नाया० १; १६;

एगूरुई. स्त्री० (एकोरुका) अक्षेयत्त द्वीपनी स्त्री. एकोरुक द्वीपका स्त्री. A woman belonging to Ekoruka Dvipa. जावा० १;

एगूरुय. पुं० (एकोरुक) अक्षेयत्त द्वीपानी अन्तरद्वीप; अपत्र अन्तरद्वीपभांति पदेवो. एक अंतर्द्वीपका नाम; छपन अन्तरद्वीपों में से पहला द्वीप. Name of an Antara Dvipa; the first of the 56 Antara Dvipas. भग० ६, ३; १०, ७; डा० ४, ३; (२) पुं० स्त्री० अक्षेयत्त द्वीपभांति

रहेतार. उक्त द्वीप में रहने वाला. a resident of the above named Dvipa. भग० ६, ३; १०, ७; --**दीव.** पुं० (-द्वीप) जुआ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. vide “एगूरुय” भग० ६, ३; १०, ७; डा० ४, २;—**मणुस्स.** पुं० (-मनुष्य) अक्षेयत्त द्वीपनी रहेतार भनुष्य. एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य. a person belonging to the Ekoruka Dvipa. भग० ६, ३; १०, ७; **एगोरुय.** पुं० (एकोरुक) जुआ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. Vide

“एगूरुय” पक्ष० १;

एज. पुं० (एज) वायु; पवन; वायरो. हवा; वायु; पवन. Wind; air. “पहू एजस्स दुंगंछणाण” आया० १, १, ७, ५५;

एज्ज. त्रि० (एज्ज) आया० १०५. आने योग्य.

Worthy to come. मु० च० ७, १६६;

✓**एड.** धा० II. (*) परदेव्यु; नाभी देव्यु; तट्टु. डाल देना; व्यापना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc.

एडई. भग० ११, ६; १५, १; १; नाया० ५;

निसा० ३, ७२; राय० २६३; आव० ३६;

एडेति. राय० ३४; जं० प० ५, ११२;

एडेमि. भग० १५, १;

एडेता. गं० कृ० भग० २, १; ११, ६; १५, १; नाया० ५;

एडय. पुं० (*) ८४ लाख अक्षेयत्त परिमित काल विभाग. ८४ लाख एडयांग, जितना काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Edayāngas. भग० ६, ७;

* जुआ १४ नम्बर १५ वीं फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

एषा. स्त्री० (एषा) दृश्यती; भृगुली. दृग्गोः
मृगा. A female deer. जे० प० १३,
५७; पय० १, १; जीवा० ३, ३; आ० १०;

प्रेमरज्ज. पुं० (प्रेमय) आश्रये पदेति प्रोट परि-
हार इत्यादि. गोशालाने पटला जो प्रोट परिहार
क्रिया था वह. The first Praudha
Parihāra (a kind of austerity)
practised by Goshālā. भग० १५,
१; (२) नि० दृश्य संश्लेषी; भृगु-
हरण संबंधी; भग०, pertaining to,
belonging to a deer. विवा० ८;
—रस. पुं० (रस) दृश्य गोमन्थि
वांशना रस. दृग्गि के मांस का रस. taste
of the flesh of a deer. " मच्छरम्येय
प्रेमरज्जमेय " विवा० ८;

एत. वि० (एतत्) आः ओः पदेति. यह.
" This " एतत् त्राणह " भग० ४, ३०,
म० प० १०;

एतावन्ति. वि० (एतावन्) अतः, इतना.
" This much; that much. जे० प०
विवा० १; वे० १, ८४;

एतावम. वि० (एतदुपम) अतः, अतः
अतः, इतना. Similar to
that or this. मृग० १, ३, १८;

एतन्मय. वि० (इयत्) आतः, अतः
प्रमाणित. इतना. " This much; of this
measure. नाया. १५; विशेष० १८०; प०
नि० २२३; काल. पुं० (काल)
अतः, अतः इतना समय. so much
time; that much time. प्र० ४३२;

एतो. अ० (इतो) आदिथी; दृग्गोः पदी. यहाँ
मे; इसके बाद. Hence; hencefor-
ward; from this place. आ० १६;
अणुजो० ५६; १३०; प० नि० १५५; भग०
३, ८; वे० १, ८६; नाया० २; ८; १२;
मय० २६२; पय० ३४५; क० प० १, ६;

एतोवरं. अ० (अतःपरं) अतःपदी; ओः पदी-
रित. इसके बाद; इसके उपरान्त. Further
than this or that; in addition
to this or that. अणुजो० १३८;

एतथ. अ० (अत्र) भद्रो; ओः स्थले. यहाँ; इस
स्थानपर. Here; in this place. भग०
१, ३; ४; २, १; ७, ३; ८, ७; ९, ३३; १५,
१; १६, ४; २७, ५; २९, ८; ४२, १;
नाया० १; ३. ५; ७; ८; १३; १७; १८;
१९; पय० १; जे० प० ५, ११६; २, १४२;
७, १८२; दया० २, ५; म० प० १; आ०
विशे० ८८; उवा० ७, २०१;

एतन्मये. अ० (अत्रान्तरे) अतः, अतः
इतना समय मे. Meanwhile; in the
meanwhile; during that time.
म० च १, ७५; २८८;

एतम्. प्र० (एतम्) ओः प्रदारे. इस तरह मे;
इस प्रकार मे. Thus; in this way.
" एतम् समग्रा वृत्ता " दय० १, ३;

एताद. अ० (एतमादि) अतः, अतः
इतनादि; वगैरह. This, that etc. प०
नि० भा० १५;

एतमेव. अ० (एतमेव) अतः, अतः
इतना प्रकार. Exactly in this way;
precisely in that way. प० नि०
७६; पय० १; प्र० १६१; क० प० १, ७०;

एतम्. प्र० (एतम्) अतः, अतः
इतना. To tremble; to shiver.

एतद्-ति. मय० २६६; भग० ३, ३; ५, ६;
१७, ३; १८, ३;

एतन्मि. भग० ५, ७; १७, ३;

एतन्मि. भग० १७, ३;

एतन्सु. भू० का० भग० १७, ३;

एतन्. वि० (एतन्) आः आमे रदेती नील
वीरि. यह; सन्मुख की वस्तु वगैरह का
वर्णन करने योग्य सर्वनाम शब्द. This;

that. सू० प० १०;

एयकम्. त्रि० (एतत्कर्मन्) ओं छे डमें
गेनूं ओवे। यह है कर्म जिसका एया
कोई. (one) who has thus acted.
विवा० १; ५;

एयगुण. त्रि० (एतद्गुण) ओं छे लाओ गुणित.
इतने से गुणा हुआ. Multiplied so
much or to this extent. प्रब०
१३६६;

एयजोग. पुं० (एतद्योग) ओंने संयंघ. इसका
सम्बन्ध. Connection of this or
that. पंचा० २, ३५;

एयधर. त्रि० (एतद्धर) ओंने धारण धरना.
इसको धारण करनेवाला (One) that
bears or puts on this or that.
पंचा० १४, २६;

एयपद्धार. त्रि० (एतत्प्रधान) ओं छे प्रधान
ओमें ते. जिसमें यह प्रधान है वह. (Any-
thing) having this as a pro-
minent factor. विवा० १; — **एयार.**
त्रि० (प्रकार) ओं प्रशरनुं. इस प्रकार
का. of this nature; of this sort.
नाया० १४;

एयमट्ट. न० (एतदर्थ) ओं भाटे: ओं अर्थ.
इसलिए. For this purpose; for
the sake of this. भग० ७, ७: १२,
१; १८, ७; नाया० १; ५; ६; १४; दग०
६, ५२;

एयविउत्त. त्रि० (एतद्वियुक्तम्) ओंथी
रहित. इस के बिना. Devoid of or
free from this or that. पंचा० ६, ६;

एयविज्ज. पुं० त्रि० (एतद्विद्य) ओं छे विद्या
गेनी ते. जिसका यह विद्या है वह. (One)
possessed of this or that know-
ledge or learning. विवा० १;

एयसमायार. त्रि० (एतत्समाचार) ओं छे

आचार गेनी ते. जिसका यह अचार है वह.

(One) possessed of this
ascetic conduct. विवा० १;

एयण. न० (एजन) डम्पयुं; ड्रुणुं. कंपना.
Trembling; quaking. भग० ५, १;
पत्र० ३६;

एयणा. स्त्री० (एजना) ड्रुणरी; ड्रुणः; कंप
कंपी. Tremour; shivering.
भग० १७, ३;

एयणुद्देशक. पुं० (एजनोद्देशक) भगवती
सूत्रना पांचमा शतकना आत्मा उद्देशानुं
नाम. भगवता सूत्र के पांचवे शतक के आठवें
उद्देश का नाम. Name of the 8th
Uddesa of the 5th Sataka of
Bhagavati Sutra. भग० ५, ८;

एयलई. स्त्री० (एलका) ओंने जलती पतस्पति.
एक जात की वनस्पति. A kind of
vegetation. भग० २३, १;

एयारुस्व. त्रि० (एतदनुस्व) ओंने अनुस्व.
इसके अनुरूप. Like, resembling or
worthy of this or that. कण्ठ०
४, ६०.

एयारिसि. त्रि० (एतादृश) ओंयुं; ओंताद्रेयुं.
इस प्रकार का; इसके समाना. Of this
sort; of this or that nature;
similar to this. पंचा० २, ३४; उत्त०
३२, १७; भग० ३०; दगा० ६, १७; दग०
५, १, ६६;

एयारुव. त्रि० (एतद्रूप) ओं प्रशरनुं. इस
प्रकार का. Of this sort; of that
sort. अंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा०
५; दगा० ६, २; १०, ३; नाया० ३; ५; ६;
भग० २, १; ५, ४, १४, १; १८, १०;
उवा० १, ८०: २, ६४; कण्ठ० १, ४; जं०
प० २, २२;

एयावन्ति. अ० (एतावत्) ओंछे ला. इतना;

इतने. These many; so many

आया० १, १, १, ७; भग० ६, ७;

एरंड. पुं० (एरंड—ईरयति वायुमलं वा) अरंडा

अरंडानुं वृक्ष. अरंड; अरंड का वृक्ष The
castor-oil plant. भग० २, १; २१,

६; डा० ४, ४; पञ्च० १;—**कटुसगाडिया.**

स्त्री० (—काष्ठशर्करिका) अरंडा का लकड़ी

गाड़ी. अरंडा का लकड़ी का गाड़ा. a

cart made of the wood of

the castor-oil plant. नाया० १;

—**मिजिया. स्त्री० (मिजिका)** अरंडा की

बीज. अरंडा का बीज. a seed of the

castor-oil plant. भग० ७, १;

एरगणवत्. न० (एरगणवत्) अरगणवत्-

नामनुं अक्षरं भूमिनुं अक्षरं. एरगणवत्

नामक अक्षरभूमि का एक क्षेत्र. Name

of a region of the Akarma-

bhūmi. सम० १;

एरगणवत् अ. पुं० (एरगणवत्) अरग-

णवत् नामनुं रमकपक्ष अने अक्षरवत् क्षेत्र

पक्षे आवेत्तुं अक्षरवत्तुं अक्षर क्षेत्र. रमक

वाग और अक्षरवत् क्षेत्र के बीचमें स्थित एरग-

णवत् नामक जगलियों का एक क्षेत्र Name

of a region inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; डा० २, ३;

पञ्च० १६; जीवा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्र-

मां वसन्तार. उक्त क्षेत्र में रहने वाला

(one) who resides in the

above mentioned region. अणुजो०

१३१;

एरवत् अ. पुं० (एरवत्) मेरुथी उत्तरमां

आवेत्तुं कर्मभूमिनुं भरत क्षेत्रं अक्षरं

क्षेत्र. मेरु की उत्तर दिशामें स्थित कर्मभूमि

का भरतक्षेत्र बराबरी का अंतिम क्षेत्र. The

last region of Karma Bhūmi

to the north of Meru, equal in

size to Bharata region. सम० ७;

जीवा० १; सू० प० १०; अणुजो० १३६;

पञ्च० १; नंदी० ४२; भग० २०, ८; विशेष०

२४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५; डा० २,

३; (२) त्रि० भरत क्षेत्रमां वसन्तार.

एरावत क्षेत्र में उत्तमः एरावत क्षेत्र में रहने-

वाला. born in Iravata Kṣetra;

residing in Iravata Kṣetra

अणुजो० १३१;—**कूट. पुं० (कूट)**

शिखरी पर्वतना ११ कूटमां ११ शिखरी

शिखर. शिखरी पर्वत के ११ कूटों में से १०

वां कूट. the 10th of the 11 peaks

of the Śikhari mountain. जं०

प० ६, १२५;

एरावत्. पुं० (एरावत्) अक्षरवत् क्षेत्र

क्षेत्रे आवेत्तुं भरत क्षेत्रं अक्षरं क्षेत्र

जंघुर्वाप का उत्तर दिशामें स्थित भरत क्षेत्र

जितना अंतिम क्षेत्र. The last region

to the North of Jambū Dvīpa,

equal in size to Bharata re-

gion. जं० प०

एरावद्. स्त्री० (एरावती ईराः सन्त्यम्याः)

द्रव्यान्ता नगरी पासें बहती एरावती नामकी

नदी. कुणाला नगरों के समीप बहने वाली

नदीका नाम. Name of a river flow-

ing in the vicinity of the city

of Kuṇālā. वेय० ४, २८; कण० ६, १२;

एरवण. पुं० (एरावण—त) प्रथम देवलोकना

क्षेत्रा लांथीः दे देवता लांथीनुं रूप वध

क्षेत्रे पैता उपर ऐसाते ते. प्रथम स्वर्ग के

इंद्र के हाथी का नाम; जो देव हाथी का रूप

धारण कर इंद्र को अपने ऊपर बैठाता है

वह देव. The elephant of the

Indra of the first Devaloka;

a god in the form of an elephant for Indra to ride upon. "हन्वीसु एरावण माकुण्णए" स्य० १, ६, २१; जं० प० ५, ११५; पञ्च० २: पगद० २, ४; (२) शक्रेन्द्रा हाथीना वरुडरेतो अधिपति. शक्रेन्द्र के हाथी की मेना का अधिपति. the head of the army of elephants belonging to Sakrendra. "एरावणे हन्वीराया कुंजराणियाहिवाई" ठा० २, १: (३) ऐ नामे ऐड गुच्छजन्तनी वनस्पति. एक गुच्छ जाति की वनस्पति का नाम. a kind of plant. पञ्च० १: (४) उत्तरकुरुक्षेत्रमानो ऐड द्रव्ये नो नो ऐयासे तीक्ष्णं यनकं पर्वतं छे. उत्तर कुरुक्षेत्र के एक द्रव्य का नाम जिसके कि दोनों ओर बीस कंचनक पर्वत हैं. name of a lake in the Uttara Kuru Ksetra, on both sides of which there are 20 Kanchanaka mountains. जं० प० जीवा० ३, ४: - वाहण पुं० (वाहन) ऐरावत हाथी तेजु वाहन छे ते. ऐरावत-हाथी के वाहन वाला. one whose vehicle is the Airāvata elephant. कप० २, १३:

एरावत. पुं० (ऐरावत) ऐरावत क्षेत्रना प्रथम चक्रवर्ती. ऐरावत क्षेत्र का प्रथम चक्रवर्ती. The first Chakravartī of Airāvata-Ksetra. (२) ऐरावत क्षेत्रनी अधिष्ठाता देवता. ऐरावत क्षेत्रका अधिष्ठाता देव. the presiding deity of Airāvata-Ksetra. जं० प०

एरावती. स्त्री० (ऐरावती) जुआ "एरावई" शब्द. देखो "एरावई" शब्द. Vide "एरावई" ठा० ५, २:

एरिस. त्रि० (ईदश = अयमिव पश्यति) ऐना तेजु. इसके समान. Of that sort;

of this sort; such. भग० २, ५; उत्त० १२, ११; स्य० १, ३, ३, १५; सु० च० २, ३३८; नाया० ८: दस० ६, ५; प्रव० ५६२; **एरिसग.** त्रि० (ईदशक) ऐना तेजु; ऐ सरजु. इसके समान; इसके सराखा. Of that sort; such; similar to this or that. भग० १, १: ८, ५:

एरिसय. त्रि० (ईदशक) ऐजु; ऐ तेजु. ऐना: इसके समान. Such; similar to that; of this sort. पं० नि० ५८२; नाया० ८: १६:

एल. पुं० (एल) भेडा; भेडा. भेड. A sheep; १. जीवा० विवा० ४: स्य० २, २, २१; दस० ५, २, ४८: - **मूयन.** न० (मूकत्व = मूडइव अव्यक्तं मूकतया शरमात्र करोत) आदरती भेडा (ऐमे) न समष्ट शब्द तेजु ऐवजु ते: ऐयप्रपञ्च. भेडके बोलने के समान गमक से न आगकने योग्य बोलना. babbling, indistinct speech like the bleating of a sheep. स्य० २, २, २१; दस० ५, २, ४८; दगा० १०, ४५:

एलइज. न० (एलकीय) उत्तराध्ययन अतना आतमा अध्ययननु नाम. उत्तराध्ययन के मानवे अध्ययन का नाम. Name of the 7th chapter of Uttarādhyayana. अणुजो १३१:

एलग. पुं० (एडक) भेडा; भेडा. भेड. A male sheep; a ram. जं० प० २, २४; दस० ५, १, २२; पञ्च० १:

एलगा. स्त्री० (एडका) आदर. भेड. A female sheep; a ewe. जं० प० २, २४;

एलय. पुं० (एलक) अडरो; भेडा. बकरा; भेडा. A be-goat; a ram. " कोई पोसेज एलय " उत्त० ७, २१९;

एला. स्त्री० (एला) ऐवजी. इलायची.

Cardamom plant; the seed of the plant. जीवा० ३, ४; जं० प० पञ० १; राय० १६; — पुड. पुं० (-पुड) ऐवच्यीना पुड. इलायचा का पुडा. A packet of cardamoms नाया० १७;

एलावच. पुं० (एलापय) मंडुक आत्रंगी शास्त्ररूप ऐक आत्रंगी नाम. मंडुक गोत्रका शास्त्रा रूप एक गोत्रका नाम. Name of a branch or off-shoot of the Manduka family-origin. नंदी० स्थ० २६; ठा० ७, १; (२) त्रि० ते आत्रमां ड्यपत्र येवत्र पुष्ट. उक्त गोत्र मे उप्पन्न पुरुष. a man born in the above mentioned branch of family. ठा० १, १;

एलावच्चमसुत्त. न० (एलापयमसोत्र) आर्य भद्राशिरिनुं आत्र. आर्य महागिरा का गोत्र. Name of the family line of Ārya Mahagiri. कण० ८;

एलावच्चा. स्त्री० (एलापय्या) पञ्चमीयानी १४ रात्रियामानी त्रीथ रात्रनुं नाम. पञ्चमी तीसरी रात्र. The third day of a fort-night. मृ० प० १०; जं० प० ७, १२२;

एलिकम्ब. त्रि० (ईदृक्) अतुः अना नदुः. इमके समानः ऐसा. Such; of this sort; of that sort. "कहंनु जिच्चनेलिकम्बं जिच्च माणा न मंविदे " उक्त० ७, २२;

एलिकखअ. त्रि० (ईदृक्) लुओ "एलिकख" शब्द. देखो "एलिकख" शब्द. Vide "एलिकख" आया० १, ६, ३, ५;

एलुय. पुं० (एलुक) घरतो ड्यरे (ड्यर) घर की देली. The threshold of a door. जीवा० ३, ४; राय० १०६; दगा० ७, १; वव० १०, २;

एव. अ० (एव) अपधारणः निश्चयः नक्षत्री.

निश्चय. Positively; assuredly. आया० १, १, १, ११; उक्त० १, १६; अणुजो० १४; वव० १, ३७; निमी० २०, १०; दगा० ६, १; उवा० ७, २१६; विशेष० १७८; पि० नि० १७८;

एवइकाल. पुं० (इयन्काल) ऐटतो वप्पत. इतना समय. That much time; so much time. क० प० १, ४५;

एवइखुत्तो. अ० (एतावत्कुवम्) ऐटवा वार. इतनी बार. So often; so many times. कण० ६, ६८;

एवइय. त्रि० (इयन्) आटतु. इतना. So much; this much. भग० ३, १; ४; ६, ८; १२, ४; १३, ४; १४, ७; ८; १६, ४; २०, ६; २८, १; २४; ओष० नि० १४४; विशेष० ४४४; वव० १, ३७; प्रव० ८४६;

एवं. अ० (एवम्) ऐ प्रक्षारे; पृथक्पृथक् रीतिः (पक्षेक्षो ड्युं तेम). इस प्रकार से; पूर्वोक्त रीतिसे In that way; as said above; thus. भग० १, १; २, १; ३; ५, ४; ८; ६, ४; ७, १; १६, ५; १८, १०; ३४, १; नाया० १; २, ४; ७; ८; ६; ११; १४; १६; दगा० ३, २६; ४, ४५; ६, ४; दगा० ५, २, ३०; ७, ७; ४४; ८, ३; आया० १, १, १, १; १, १, १, २; सूय० १, १, १, २; १, १, १, ६; २, ७, ६; वेय० २, २; जं० प० ५, ११३; ४, १२२; ५, ११२; निर० १, १; विशेष० ७२; निमी० २०, १०; उक्त० १, ४; ओष० ११; अणुजो० १४; ठा० १, १; सू० प० २०; उवा० १, १०; १२; १४; नाया० ५० ३; क० प० १, ३१, क० गं० ३, १०; १६; "एवमेवाणि जंपता " सूय० १, १, २, ४; "एवं आउली करिति" भग० १, ६;

एवंखलु. अ० (एवंचलु) अरेअर; निश्चये; अभिज्ञ. निश्चयसे; इसी प्रकार; वास्तव में.

Indeed; exactly so. भग० ७, ६;

नाया० ६; ८; १०; ११; नाया० ध०

एवंचेव अ० (एवंचैव) ऋ० " एवं "

शब्द. देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

नाया० १; २; भग० १५, १; २५, २; ४१, ८;

एवग्रहं अ० (एवम्) ऋ० " एवं " शब्द.

देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

वेय० १, १४; ४, २८;

एवमित्य त्रि० (इत्य) ऋ० " एवइय "

शब्द. देखो " एवइय " शब्द. Vide

" एवइय " भग० १, ७; ११, १:

एवंपि अ० (एवमपि) अ० भ०. इस प्रकार

भा. Even thus; even so. भग० १, ६;

एवंभूत वादि त्रि० (एवंभूत वादिर्) भा०

सदिन पदार्थनेत्र पदार्थ माननार अ० नय.

सात नयमानो सातमो नय. भाव सहित

पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय.

(One) who holds the logical

standpoint that a substance

should be styled by its name

only so long as it actually per-

forms the operation denoted by

it; the seventh of the 7 logical

beliefs सूय० २, ४, १०;

एवंभूय पुं० (एवंभूत) के शब्दतो के अर्थ

थतो होय ते अर्थ पुरे पुरी शनि, ते

वस्तुमां ऋ० त्यारेण तेने ते वस्तु कहे,

देम घट शब्द ऐष्टावाची थट् धातुभायी

अनेवो छे तो न्यारे ते घटो पाळीयी अरेवो

स्त्रीना भरनक उपर होय त्यारेण तेने थटो

कहे अन्यथा नदि अम माननार अ० नय

सात नयमानो ७मो नय. जिस शब्द का जो

अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस

शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पड़े तब ही उस

वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द

चेप्रावानी घट् धातु मे बना है जब पानी से

भरा हुआ छी के मस्तक पर घड़ा रखा हो

तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं;

सातनयो में से एक नय. The seventh

of the seven logical stand-

points, viz that a substance

should be styled by its name

only so long as it performs act-

ually the operation denoted by

it: e g. a pot should be styled

a pot only when it is

actually filled with water

and "carried" by any woman

upon the head. विश० २२५१; ठा० ७,

१; भग० ५, ४; पञ्च० १६; प्रव० ८२४;

पंचा० ६, १२; (२) विच्छेद अथेव आरभा

दृष्टिवाद अथवा अथिग विभाग सूत्रतो १६

मो भेद. जिसका विच्छेद हो चुका है

ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के

सूत्रका १६वां भेद. name of the 16th

division of the 2nd section

of the 12th non-extant Āṅga

viz. Dṛiṣṭivāda नंदा० ५, ६,

एवंविह त्रि० (एवंविध) अथ प्रकाशन्-तो-

नी इस प्रकार का-की Of that or

this sort: सू० च० ४, ८२; पंचा

१३, ३६;

एवमन अ० (एवमेव) अ० भ०. ठसी प्रकार.

Exactly so; quite so. नाया० १;

भग० १, १;

एवामेव अ० (एवमेव) अ० भ०. ठसी

प्रकारसे. Exactly so; quite in

this manner. ज० प० नाया० २; ३;

४; ५; ८; ६; १०; १४; १६; भग० १, १;

६; ३, ३; ५, ३; ६; १४, १; २५, ८; उवा०

७, २१६;

✓एस. भा० I.II. (एप्) शोधतु; तथास

करवी; पु० ५२७ करवी. खोजना; दुंदना;
पुछ पाछ करना. To search; to in-
quire after.

एसे. वि० आया० १, ६, ४, १०;

एसिज्जा. वि० उत्त० १, ७; २. ३०; दम०

५. २, २६;

एसंज्जा वि० मूय० १, १, ४, ४;

एसंत. व० कृ० उत्त० ३०. २१;

एसमाण. व० कृ० वव० १०, २;

१/एस. धा० १० (इप्) इच्छा;
करवी. इच्छा करना. To wish; to
desire.

एसह. पि० नि० ७५;

एस. त्रि० (एष्यत्) आवतो; भविष्यन्.
भविष्य का; आगामी. Future; the
future. विशेष० ४२०; —काल. पु०
(काल) आवतो दश. आगामी काल. com-
ing time; future time. दम० ७, ७;

एसण. न० (एमण) अपेक्षणीय वस्तु; निर्दोष
आहारदि. दोषरहित आहारदि. A thing
worthy to be used as food;
unobjectionable food etc. उवा०
१, ८६; नाया० १६; भग० २, ५;

एसणा. स्त्री० (एषणा) आहारदिनी गवेष्-
णां साध अने गृहस्थी अनेथी लागता
श्रुतितादि दश दोष. आहारादि की गवेष्णा में
गंधु और गृहस्थों में जो दश दोष लगते हैं
वे. Any of the 10 faults (viz.
Sāṅkita etc.) incurred by a
layman as well as an ascetic
in connection with begging
food etc. प्रव० २२; ५७१; टा० ३, ४;
पि० नि० १; (२) उपयोग पूर्वक आहा-
रदिनी गवेष्णा करवा; अपेक्षणाभारती श्री
समिति. उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेष्णा
करना; तामरा समिति का नाम. name of

the third Samiti, circumspec-
tion in begging food etc. उत्त० १,

३१; २, ४; ८, ११; २४, २; ३०; २५;

भग० २, १; सूय० १, १, ४, ४; पगह०

२, १; वव० १०, २, ओव० १७; सम०

५०१६८; —असमिअ. त्रि० (-असमित)

आहारदिनी गवेष्णारूप समिति विनातो;

अपेक्षा समिति रहित. आहारादि की गवेष्णा

रूप समिति में रहित; एषणा समिति में रहित.

(one) devoid of circumspec-

tion in begging food etc. दमा०

१, २; २१; २२; —असमित. त्रि०

(-असमित) असुज्जो वातपाणी अर्ध

धीन साधुनी साथे कलह करना, असमा-

धिनुं वीसभुं छेदुं स्थानक सेवनार. असूकता

(दोषयुक्त) आहार पाना लेकर दूसरे साधु

के साथ कलह करनेवाला—अमसाधि का

२० वां अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला.

(one) who resorts to the last

viz. 20th source or cause of

Asamādhī i. e. non-concentra-

tion; (one) who quarrels with

another Sādhū, after receiv-

ing food involving sin. सम०

२०; —रय. (-रत) निर्दोष आहार

लेवाभां सावधान. निर्दोष आहार लेने में

सावधान. one who cautiously and

carefully receives only unobjec-

tionable food. दसा० १, ३; —वि-

सोहि. स्त्री० (-विमोधि) अपेक्षणीय शुद्धि.

एषणा समिति की शुद्धि. purity or fault-

lessness of circumspection in

begging food etc. टा० २, २;

—समिह. स्त्री० (-समिति) ४२ प्रकारना

द्वेष्य टाटी शुद्ध आहार पाणीनी गवेष्णा

करवी ते; पांच समितिभांती वीज समिति.

४२ प्रकार के दूषणों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz. begging of alms untainted by the 12 kinds of faults. सम० ५; टा० ८, १; —समित्य.

पुं० (समिति एषणायां उपादनग्रहणग्राम विषयायां सम्यगितः स्थितः) निर्दोष आहार लेनार. निर्दोष आहार ग्रहण करनेवाला. one who receives faultless or absolutely untainted food. “एषणा समिपुणिच्चं वज्जयंते अणोसणं” सूय० १, ११, १३; दसा० ५, ६; भग० २०, २; नाया० ५;

एकसिञ्ज. त्रि० (एषणीय) भनिते अपण्ण क्त्वा योग्य; लेयुं क्त्वे लेयुं; दोष रहित सुनि के एषणा करने योग्य; निर्दोष; लेने योग्य. Faultless; unobjectionable; worthy of being received as food by a Sādhu. भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ७, १; ८, ६; १८, १०; उत्त० १२, १७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; टा० ८, २; उवा० १, २८; पि० नि० १६१; राय० २२५;

एकसिण्य त्रि० (एषणीय-एष्यते गवेष्यते उक्तमादिदोषविकलतया साधुभिर्यत्तदेषणीयम्) निर्दोष-दोष वगैरनुं. निर्दोष; दोष रहित. Faultless; untainted; unobjectionable (e. g. food). दस० ६, २४;

एसिय. त्रि० (एषित) आचरिनी विधिही प्राप्त थयेत (आदारादि). गोचरी की विधि से प्राप्त (आदारादि). (Food etc.) got by Gochari (i. e. begging) in a particular fashion. आया० २, १, ६, ५०; सूय० २, १, ५६; भग० ७, १;

एसिय. पुं० (एषिक) असंख्यात ऐकेन्द्रिय छवेनी द्विसा थाय ऐवा आदार कर्त्ता

ऐक दाथीने भारी आयु ते श्रेय ऐभ मान-
नार ऐक तापस; दाथी तापस. असंख्यात एकेंद्रिय जीवोंका हिंसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ठ समझने वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthi Tāpasa). “ एसिया वोमिया मुद्धा ” सूय० १, ६, २;

एसिय. पुं० () गोपालीया. गोर्ला; ग्वाल. A cowherd. आया० २, १, २, ११; एस्स. पुं० (एष्यत) लक्ष्य प्रात; आसी. भविष्य काल; भावी काल. The future; future time. विशेष० २८३;

एहंत. त्रि० (एधमान) वधजुं; वृद्धि भावजुं-
तो-ती. बढ़ता हुआ; बढ़ती हुई; वृद्धित. Increasing, growing. दस० ६, २, ५;

एहा. स्त्री० (एधा) शमी (पीरुडी) ना
काष्ठः ईष्य. शमीका लकड़ा; उम्तरा नामक वृक्षका लकड़ा. The wood of the Sami tree; fuel. उत्त० १२, ४४;

एहिय. त्रि० (ऐहिक) आलोक सम्बन्धी; आलोकजुं. इस लोक सम्बन्धी; इस लोक का. Belonging to, pertaining to this world. ओष० नि० ६२; — एषा-
निय. त्रि० (-प्रदेशिक) विषम संख्या ३, ५, ७ वगैरे ऐडी संख्याना प्रदेशही निष्पन्न थयेत. विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न. resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग० २५, ३;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vido foot-note (*) p. 151h.

ओ.

ओअंमि. पुं० (ओजस्विन) भननी धीरज
वायो; धैर्यवान्; धीर. धीरज वाला; धैर्य
धारण करनेवाला; धीर. Courageous;
brave. ओव० १६;

ओइरण त्रि० (अवतीर्ण) अवतरित; उतरा
आये. अवतरित; उतरा हुआ. Born;
descended; come down. ओष०
२६; ओष० नि० ३४. पंचा० १५, ४२;

ओंकार. पुं० (ओंकार) ॐकारना उच्चार
द्वारा. ॐ कार का उच्चार करना. Pro-
nouncing the word " Omkāra".
उत्त० २६, २६;

ओकच्छ्या. स्त्री० (अवकच्छिका) अग्ने
" उकच्छ्या " शब्द. देखो " उकच्छ्या "
शब्द. Vide. " उकच्छ्या " ओष० नि०
६७७; प्रव० ५४३;

ओकङ् धा० I. (अप+कृष) पृष्टं वे-
त्युं. पीछा खींचना. To draw back;
to pull back.

ओकङ्गइ. क० प० ३, ७;

ओकङ्गि. सं० क० प० ४, १;

ओकङ्गना स्त्री० (अपकर्षणा) अपवर्तना.
प्रवर्तना. Drawing back; turning
back. क० प० ३, १०;

ओगाह त्रि० (अवगृहीत) धीरमेव;
आजन्तमांशी दाथमां दीधित. ग्रहण किया
हुआ; परोप्य हुआ. Served as food;
held in the hand (sup. food).
डा० ३, ३;

ओगाह त्रि० (अवगाह) आकाश प्रदेशने
अवगाही स्पर्श करीने रक्षे. आकाश प्रदेश
का व्याप्त करके रहा मृत्वा Pervading
or touching Ākāśa Dravya i.
e. space. उत्त० १८, २४; पञ्च० २; जावा०

१; विशेष० ६७५; अगुजो० १०१, १४८;
डा० १, १; भग० १३, ४; १६, ६; २०, २;
२५, ३; ४; नाया० ८; ६; १७; जं० प० ७,
१३७; (२) गृहीतमां छिद्रं. जमीन के
भीतर छेदा. deep in the ground.
प्रव० १५८७; —रुइ. स्त्री० (—रुचि)
उपदेश के शास्त्रने अवगाहवाची उत्पन्न यती
धर्म उचि. उपदेश अथवा शास्त्र के अवगाहन
—मनन में उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि. love
for religion excited by a ser-
mon or a study of scriptures.
भग० २५, ७; डा० ४, १;

ओगाहमेणि आपरिकम्म. न० (अवगाहन-
श्रंगिकापरिकर्मन) दृष्टिवादना परिश्रमेना
गृहीत भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का छुटवां
भेद. The sixth division of the
Parikamma of Dristivāda. नंदा०
२६;

ओगाहवचन. न० (अवगाहवर्त्त) ओगाह-
मेणिआपरिकर्मने १४मे प्रकाश. ओगाहमे-
णिआ पारिकर्म का चौदहवां भेद. The
14th division of Ogaḥhasenā
Parikamma. नंदा० २६;

ओगास. न० (अवकाश) अवकाश; खुली
जगह. अवकाश; खुली जगह; खाली स्थान.
Open space. " ओगामं कासुयं नचा "
दस० ५, १, १६;

ओ गाह. धा० I. II. (अव + गाह्)
अवगाह्युं; अन्तर पित्तुं; स्पर्श करवे.
अवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श
करना. To pervade; to enter; to
touch.

ओगाहइ. भग० २०. ८; प्रव० ६६८;

ओगाहइ. नाया० २; ९; १६;

ओगाहंति. ओव० ३६;

ओगाहेजा. भग० १, ६: १८, १०; अणुजो०
१३४:

ओगाहह. नाया० १७;

ओगाहिता. सं० कृ० ओव० ३६: जं० प०
१, १४: ७, १४२; ७: १२७; भग०
२, १: ८; ३, ७: पञ्च० २:

ओगाहेत्ता. सं० कृ० नाया० २; ६: भग० २०,
८:

ओगाहित्त्त. हे० कृ० ओव० ३८;

ओगाहंत. पि० नि० ५७५;

ओगाहिङ्ग. जं० प० ४, १०५: प्रव० १४३५;

ओगाह. पुं० (अवगाह) अवगाहनाः अव-
काशः आकाशं प्रक्षेप्य अवकाशः आकाश
का लक्षणः आकाश स्थान. Interpen-
etration: lit. entrance: giving
space to other substances:
this is the nature of Ākāśa.
उत्त० २८, ६:

ओगाहण. न० (अवगाहन) ७१ शरीर
आदि वस्तु जेष्ठता क्षेत्रने अवगाहि जेष्ठ
ऐतदुं क्षेत्र. जीव, शरीर आदि वस्तु जितने
क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना क्षेत्र.
Space occupied by any object.
भग० १, २; ५, ७; ८, १; पि० नि० २८६:

ओगाहणग. त्रि० (अवगाहनक) अवगाह-
नाः. अवगाहन करने वाला. (One)
that occupies a particular
space; occupying space. डा० १, १:

ओगाहणसेणिया. स्त्री० (अवगाहनश्रेणिका)
अवगाहनश्रेणी नामे दृष्टिवादांतर्गत परिकर्म-
ना ऐक भाग. अवगाहन श्रेणी नामक
दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग.
Name of a division of the Pari-
karma forming a part of Driṣ-
tīvāda. सम० १२;

ओगाहणा. स्त्री० (अवगाहना-अवगाहन्ते-
आसते अवतिष्ठन्ते जीवा यस्यां सा तथा)
शरीरादिनी व्याप्ति. शरीर आदि का ऊंचाई.
Height of the body etc. भग०
२, १; १६, २: २४, २०: २५, ४; २५, ६;
३६, १: ओव० ४४; अणुजो० १३४; उत्त०
३६, ६०; ३६, ६१: जावा० १; नंदा० १२:
नाया० ४० प्रव० ४८१: —ठाण. न०
(-स्थान—अवगाहन्तेजीवा यस्यां साऽव-
गाहना तनुस्तदाधारभूतं क्षेत्रं वा तस्याः
स्थानानि प्रदेशवृत्ताविभागाः अवगाहनास्था-
नानि) अवगाहना-शरीरानी व्याप्ति स्थान-
विभाग. अवगाहना अर्थात् शरीर का ऊंचाई
का स्थान-विभाग. A (smaller) divi-
sion of the height of the body.
भग० १, ५: —नामनिहत्ताउय. न०
(-नामनिधत्तायुष्क) औदारिद्र्यादि शरीर
नामकर्म साथ आयुष्य कर्मना अन्यथाप-
नेः आयुष्यकर्मना ऐक प्रकार. औदारिक शरीर
नामकर्म के साथ आयुष्य कर्म का बंध होगा:
आयु बंध का एक प्रकार. The linking
together of Āyusya Karma
with the Namakarma that
builds up the physical body
पञ्च० ६; भग० ६, ८: —संठाण. न०
(संस्थान) प्रज्ञापनाना २१ भां पदं
नाम ६ वेमां औदारिक वर्गरे पांच शरीरे-
ना संठाण वर्गरेनु वर्णन कर्तुं छे. प्रज्ञापना के
२१ वे पद का नाम कि जिस में औदारिक
आदि पांच शरीरों के संस्थान आदि का
वर्णन है. Name of the 21st Pada
of Prajñāpanā, dealing with
the conformation of the five
kinds of bodies viz. physical
etc. पञ्च० १;

ओगाहिम. त्रि० (अवगाहिम) पक्षवाच;

सुखी; भावपुष्टा वगैरे. मानपुवा आदि पकवान. Rich food; sweetmeats. पि० नि० ५४८; पंचा० ५, ११;

आोगाहिमग. पुं० न० (अवग्रहाहिमक) पकवान; मिठाई वगैरे. पकवान; मिठाई वगैरे. Sweetmeats प्रव० २०३, २१८;

आोगिगृह. धा० I, II. (अव+गृह) हाथों में लेना; ग्रहण करना. To hold in hand; to take. आोगिगृह. नाया० १; टा० ३, ३. भग० ६, ३३;

आोगिगृहता सं० कृ० नाया० १; भग० ६, ३३; आोगिगृहता सं० कृ० भग० २, ३; उवा० ७, १६३; २२०; ४८५० न. ६;

आोगिगृह्य सं० कृ० आया० २, ७, १, १७६;

आोगिगृहण. न० (अवग्रह) अर्थावग्रहण अर्थात् आभ. अर्थावग्रह का एक नाम. A synonym for Arthavagraha i. e. vague idea or apprehension of an object. नंदा० ३०;

आोग्रह. न० (अवग्रह) आजा; अमति; राज. आज्ञा; हुक्म; मर्मांत. Order; permission; consent. भग० ५, ३३; दस० ५, १, १८; न. ५. नाया० ५; पंचा० ६, २३;

आोग्रहण. धा० (अवग्रहण) छींटेना विषय रूप प्रत्यक्षों अर्थात् छेदों में. छींटेना विषयों के विषय रूप प्रत्यक्षों का ग्रहण करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses. पञ्च० १५;

आघ. पुं० (आघ) प्रवाह; संसारने प्रवाहण रूप आधवासा आवे छे भाटे संसाररूप प्रवाह. प्रवाह; संसार को प्रवाहका रूपक देने में आता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly

existence. " एते आघं तरिस्मिन्ति "

गुण० १, ३, ४, १८; २, ६, ५५; क० प० १, ८१; पंचा० ३, ३; (२) समूह; राशि; गच्छा. समूह; समुदाय; ढांग. a group; a heap; a collection. जं० प० ५; ११५; नाया० १५; भग० ७; राय० ३७;

(३) सामान्य; शमुध्यय. सामान्य; समुच्चय; साधारण. accumulation; general, broad nature. भग० २५, ३; ४; पञ्च० ८; —आदेश. पुं० (—आदेश) सामान्य

प्रकार; सामान्य अपेक्षा. सामान्य प्रकार; सामान्य अपेक्षा. matter of course; matter of common expectation.

" आघादेमणे मियकड जुम्मा " भग० २५,

३; ४; —आययण. न० (—आयतन) आध-प्रसद-परंपराधी मतायता तीर्थस्थान. परंपरा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place traditionally regarded as

sacred. आया० २, १०, १६६; —सगणा.

स्त्री० (संज्ञा) भतिजाना सरण्डर्भना क्षयेप-क्षमधी सामान्य आध आध ते-रुम आगतनी देवदेवीधी आतड नीसरणी पर. यदे पञ्च ते समस्तते नथी के छे देना पर. अरुथे.

भतिजानावरण कर्मके क्षणोपशममे जा सामान्य बोध होता है वह-जैसे दूसरेको देखादेखा से बच्चा नियमना पर बढता है किन्तु उम यह

नहो समझता कि वह किमपर बढा है. ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma

which obstructs Matijñāna.

पञ्च० ८; —आघरुसरा. स्त्री० (—आघ-स्वरा) अमरयथा शब्दानीना देवताने संदेशो पोआतानी घंटा. चमर चंचा नामक

राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया जाना है वह घंटा. a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chanchā capital. जं० पं० ५, ११६;

श्रीचर. पुं० (अवचर) धान्यको लम्बा अक्षर. धान्य का लंबा कोठा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape. अणुजो० १३२;

श्रीचूलश्च. न० (अवचूलक) लयामः शीघ्र लयाम. A bridle; reins. "श्रीचूलमुद चंडाधर चामर धासक परिमोहय कर्षिण" विद्या० २; जं० पं० ३, ६५;

श्रीचक्षुद्विश्च. त्रि० (उत्साहित) उत्साहित. उत्साहित किया हुआ; उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. पिं० निं० ६६५;

श्रीज. न० (श्रीजम्) शक्तिः तावत् बलः शक्ति. Strength; power, vigour. पद० २, २;

श्रीट्ट. पुं० (श्रीट्ट) देह. श्रीट्ट. A lip. अणुजो० ५३; ५२८; ५३९; नाया० २; जं० पं० पञ्च० २; राय० ५६८; विद्या० २;

श्रीगमंत. व० कृ० त्रि० (अवनमन) नीच नमत्. नीचे नमा हुआ. Bending or inclining low. श्रीप० निं० भा० २५२;

श्रीगय. त्रि० (अवनत) वांछं वक्ष्ये; नीच नमेषु. नीचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved. मं० जं० १, ३८२; नाया० १; श्रीप० निं० २२३;

✓ **श्री-तर.** भा० I, II. (अवतृ) आधिक्य नाभयु; डिमेरयु आधन रसना; डालना. To add to; to put or throw into boiling water (२) उतरयु. उतरना. to descend.

श्रीयरई. पिं० निं० ३८८;

श्रीयरंत. पिं० निं० ५१८;

श्रीयारिया. पं० सं० कृ० दय० ५, १, ६३;

श्रीयारमाण. प्र० व० कृ० आया० २, १:६, ३५;

श्रीतार. पुं० (अवतार) प्रवेश करने; उतर उतरयु. प्रवेश करना. To enter; to descend into. विश० १०४०;

श्रीतिगणा. त्रि० (अवतीर्ण) पार करनेवा; पार पारनेवा. पार उतरा हुआ. पार पाया हुआ. (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त० ५, १६; १०, ३२;

श्रीदण. पुं० (श्रीदन) प्वातः शीघ्र नैवा. मान, पके हुए नमल. Cooked rice. नाया० ३, २; मय० ६, २. उवा० १, ३५; पंचा० १०, ३५;

श्रीधारेणा. त्रि० (अवधारणा) निश्चय शक्ति (वाप) निश्चय कारक वाप. Decisive speech. दय० ३, ५४;

✓ **श्री पड.** भा० I. (अवपत) नीचे पड़ने नीचे गिरना. To fall down; to come down.

श्रीवयड. मय० ३, २;

श्रीवयंत. विश० १४६;

श्रीवयंत आया० २, १२, १७६; नाया० ६; कप० ३, ३५; ५, ४६;

श्रीवयसाय. जं० कृ० नाया० १, ६; मय० ५१ ५१० मय० ७२०; पं० ५, ११५;

श्रीव्याडय. त्रि० (श्रीव्याडिक) क्षिप्त शक्ति, उपात सम्प्रत्या. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc. मय० १, १२, ६;

श्रीवद्वत्. त्रि० (अवबद्धक) अमुक समय सुधी शर्द्धी आधरणीमा आवेत्. परवत्. अमुक समयतक किंसा के वधन में आया हुआ, पराधीन. Bound down for a time; dependent. प्रव० १६८;

श्रोमहृ. त्रि० (*) भाग्यं; याच्यं. मांग
हुआ. Asked; begged; solicited.
श्राघ० नि० १४७;

श्रो-भम. घा० I (अव + भ्रम) द्रव्यं; भ्रमं.
फिरना; भटकना; भ्रमना. To wander;
to roam.

श्रोभामेहृ. प्र० राय० २३६;

श्रोभावणा. त्रा० (अवभावना) उपहासः
ऐतना; भयङ्करी. उपहासः अवहेलना; हँसी.
Ridicule; insulting; disrespectful
joke. श्राघ० नि० भा० ८१; प्रव० १६३;

श्रो भास. घा० I, II (अव भाष) याच्यं;
दानार्थं याच्यं भाग्यं. दाना के पाम में मांगना;
याचना करना. To beg; to solicit a
favour.

श्रोभासिज्ज. आया० २, १, ५, ३०;

श्रो-भास. घा० I, II (अव + भास) प्रकाश
यत्; यत्प्रकाश इत्येव प्रकाशित होना;
चिलकाहट करना. To shine; to glitter.
श्रोभासति. राय० २५०.

श्रोभासद्. म० प० १; राय० १२०; डा० २, २;

श्रोभासहृ. म० १, ६;

श्रोभासति. म० प० १८; म० ७, १०; ८,
८; १४, ६; जे० प० ७, १३७;
राय० २७८;

श्रोभास. पुं० (अवभास) ६५वां भासायुद्धं
नाम. ६५वें माहग्रह का नाम. Name of
the 65th planet. म० प० २०; डा०
२, ३; (२) प्रभा; अंश प्रभा; अंश
light; lustre; brilliance. श्राव०

श्रोभासिय. त्रि० (अवभासित) याचना इत्येव;
भागीवीच. मांगकर लिया हुआ; याचित.
Begged; solicited; got by
solicitation. श्राघ० नि० ३१३;

श्रोम. त्रि० (अवम) उतुः; श्रोमः; न्यूनः
अधुई. कम; अधूरा; न्यून. Less; falling
short. पंचा० १६, १६; उत्त० २६, १५;
३०, १५; ३२, १२; पि० नि० ६४३; पि०
नि० भा० ४५; (२) दुष्टातः; दुर्मिक्ष.
अकाल; दुष्कालः दुर्मिक्ष. famine; scar-
city; dearth of food. “जात्रामु
कहवि श्रोमे” पि० नि० २२०; (३)
अक्षरः; तुच्छ. अगार; तुच्छ; सार रहित;
हीन. worthless; unsubstantial.
उत्त० १२, ६; आया० २, २, ५, १४६;
डा० ४, ४; — (मो) उयरण. न०
(—उदरण = उदर) उद्योदरी तपः; नित्य
आराधनी श्रोमः; श्राव० ते. उद्योदरी तपः
नित्यके भोजन के परिमाण में कम भोजन
करना. the penance consisting
in eating less than one's fill
“श्रोमोयरणं पंचहा” उत्त० ३०, १४;

—(मो) उयरिअ. न० (—उदरिअ)
दुष्टातः; दुर्मिक्ष. अकाल; दुष्काल. famine;
scarcity of food. श्राघ० नि० ७;

—उयरिया. स्त्री० (उदरिका—अवमं न्यून-
मुदरं यस्यां सा तथा) उद्योदरी तपः ७
आद्य तपसां श्रोमः. उद्योदरी तपः ७
प्रकारके बाध्य तपों में से दूसरा तप. eating
less than one's fill; the 2nd of
the six external penances.
“अशरणं श्रोमोयरिया भिक्षावरिया”

ठा० ६, १; भग० ७, १; आया० १, ५, ४, १५६; १, ६, २, १८३: —**कोठया**. स्त्री० (-कोष्ठता) आन्त्री पेट. खाली पेट. emptiness of stomach. “आहरम-पुण्या समुष्णज्जं तज्जहा श्रीमकोठयाण” ठा० ४, ६: —**चेल**. त्रि० (-चेल) प्रमा-लुथी आभूषण वस्त्र शोभनार. प्रमाण से कम वस्त्र रखनेवाला. (one) having less than the permitted number or quantity of clothes. आया० १, ७४, २१२: —**चेलग**. पुं० (-चेलक—अवमान अमाराणि चेलान यस्य सः) दुष्टा अने ननुना वस्त्र पहननेवाला. कम आंग जुने वस्त्र पहनने वाला: मेन वस्त्रो वाला one shabbily dressed; one putting on short and old garments. उत्त० १२, ६: —**चेलिअ**. त्रि० (-चेलिक) लुभो “श्रीमंचेल” शब्द. देखो “श्रीमंचेल” शब्द. vide “श्रीमंचेल” “अदुवा संतदुत्तर अदुवा श्रीमंचेलण अदुवा पुगमोड” आया० २, ५, २, १४६: —**रत्त**. पुं० (:) क्षय तिथि: श्रुत तिथि. क्षय तिथि: घटा हुई तिथि. a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. ओष० नि० २८५: —**राइणिअ**. पुं० (-रानिक) दीक्षाये न्दानो (साधु). दीक्षा की अपेक्षा छोटा (साधु). a Sādhu junior in point of Dikṣā or entrance into the religious order. ठा० ४, ३;

श्रीमंथिय. त्रि० (अवमस्तक) नीयुं भरतड

इरीने भेद मस्तक नीचा करके बैठे हुआ. Sitting with the head bent or low. “नो कण्णं निर्गंथाणं श्रीमंथियाण” वेय० ५, २६; विवा० २; निर० १, १;

श्रीमच्चय. त्रि० (अवमचय) आहारनो ओड दोष. आहार का दोष. A fault connected with food. पंचा० १३, ८:

श्रीमत्त. न० (अवमत्त्व) अल्पता. हानत्व: आन्ध्रापन. Scantiness; paucity. राय० २६०; पञ्च० १६:

✓ **श्री-मा**. धा० I. (अव+मा) दाथ पदे-थी भरतु: भरप इरत. दाथ वगेरह मे रचना मापना. To measure with the hand etc; to take measurement

श्रीमणिज्ज. क० वा० अनुत्तो० १३३:

श्रीमाण. न० (अवमान) क्षेत्रादिकी भरप. क्षेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा० २, ६:

श्रीमाण. पुं० (अपमान) अपमान; मान-भंग: अनादर. अपमान: मानभंग: अनादर. Insult; disrespect; affront. “भिक्षुवालिमपण्णे एगे श्रीमाणभीरण” उत्त० २७, १०:

श्रीमिरण न० (अवमान) भोजन. पोषणा. A particular ceremony by which a bridegroom and a bride are greeted at the entrance of a house. पंचा० ८, २१:

✓ **श्री मुंच**. धा० I, II. (अव+मुच्) मुचु: अउ: छोडना. To release; to abandon.

श्रीमुयइ. कण० ५, ११६:

श्रीमुद्रग. कृष्ण० ५, ११४;

श्रीमुद्रग. त्रि० (अवसृषक) त्रि० मस्तक
द्वरेष. श्रीवा मस्तक किया हुआ. (One)
with the head touching the
ground and legs thrown up,
on wards i. e. heels over head.
“ श्रीमुद्रगा धरणि तले पडति ” सूत्र० १,
५, २, १६;

श्रीमुख न० (उल्मुक) अंगारो: अक्षते:
श्राद्धमे. अंगारो: जलता हुआ कोयला. A
burning charcoal. श्रीध० नि० २७८;

१. **श्रीय.** धा० I. (अव + लोक्) निदिशतु:
देखना To observe; to see;
to mark.

श्रीयद्. विशेष० ७६८:

श्रीय. न० (अजम्) विषम संख्या, जेही दे
अ३, चण, पांच पंगरे. विषम संख्या जेमे
हि एक, तीन, पांच. मान वंगरह. Any
odd number: e. g. one, three,
five etc. पि० नि० ६२३; भग० २५, ३:
(२) त्रि० निदिश्यत: निपदिश्यद्. पारग्रह
रहित. having nothing; keeping
no possession of property. सूत्र० १,
१४, २१; (३) राज देवथी रदित; कर्म
मत्त रदित शुद्ध. राग द्वेष मे रहित; कर्म मत्त
रहित. devoid of attachment or
malice; devoid of the mud of
Karma. आया० १, ५, ६, १७०; १, ७,
६, २२२; सूत्र० १, ४, २, १; (४) पुं०
अव उत्पन्न यत्तावेत प्रथम आहार ग्रहण
दरे ते; मातातुं रेतसु अने पितातुं नीर्वा.
जीव उत्पन्न हेतुही प्रथम जो आहार ग्रहण
करता है वह; माता का रक्त और पिता का
वीर्य. the first food of the soul

or sentient being immediately
after becoming quick viz
the semen of the parents. सूत्र०
२, ३, २१; तंदु० १६; पत्र० २८; प्रव०
१३७५; (५) तेज; प्रकाश. तेज;
प्रकाश. luster; light. सू० प० १: — **आहार.**
त्रि० (—आहार) आ० आहार वादी.
आज आहार वाला. (one) whose
food consists of invigorating
substances. प्रव० ११६५;

श्रीयंसि. त्रि० (अजम्बिन्) मनोयववाचुं.
मनोबल वाला. Powerful; possessed
of great will power. भग० २, ५;
नाया० १;

श्रीयण. पुं० (ओदन) रंधिता आभा; भात.
भात; मिक्काये हुए चामल. Cooked rice.
प्रव० २०८; आया० १, ८, ४, ६; पि० नि०
भा० ३१; पंचा० ५, २७; उवा० १०, २७७; श्रीध०
नि० भा० ३०७; विशेष० ३०२७; उत्त० ७, १;

श्रीयरण. न० (अवचरण) पांछुं दूरतुं; पांछुं
दूरतुं. पीछे फिरना; पीछे हटना. Retreat-
ing; retracing one's steps. विशेष०
१२१०;

श्रीयरण. न० (अवतरण) उपरथी वितरतुं;
देरे जतुं. ऊपर से उतरना; नीचे जाना.
Descending; getting down. पि०
नि० ६८, ३६३;

॥ **श्रीयव.** धा० II. (साध्) साधतुं; सर
दूरतुं. साधना; जीतना. To accomplish;
to subdue.

श्रीयवेह. जं० प०

श्रीयवेहि. आ० जं० प०

श्रीयवेत्ता. सं० क० जं० प०

ओयस्सि. त्रि० (ओजस्विन्) लुथो “ ओ-
यंसि ” शब्द. देखो “ ओयंसि ” शब्द.
Vide “ ओयंसि ” आया० २, २, १, ७१;

ओयाय. त्रि० (अचयात्) प्राप्त करे. प्राप्त
किया हुआ. (One) who has reach-
ed; (one) who has got or
obtained. “ महाभिलाकंठयं संगमं ओयाए
पुरा य स सके ” भग० ७, ६;

ओयार. पुं० (अवतार) समावेश; अंतर्भाव.
अंतर्भाव. Inclusion; state of being
included. विशे० ५५१;

ओरस. पुं० (ओरस) आंग जन पुत्र; दत्त
नदि ते ओरस पुत्र. A son born of
one's loins; a legitimate son.
सूय० १, ६, १; उत्त० ६, ३;

ओरस्स. त्रि० (ओरस्य) छाती सम्बन्धी
(हिम्मत). छाती संबंधी (हिम्मत, धैर्य
आदि). (Anything) connected
with the breast i. e. courage,
bravery etc. पि० नि० ४६२;

ओराल. त्रि० (उदार) उदार; प्रधान. उदार;
प्रधान; बड़े दिल का (Generous; ex-
tensive; prominent. काप० १, ८;
नाया० १; भग० २, १; १६, ६; (२)
स्थूल; भेड़ा, मोटा; बड़ा, bulky; large
in size. उत्त० ३६, १०७; (३) आदा-
रि शरीर पांच शरीरों में से एक प्रकार
का शरीर. the external physical
body; one of the five bodies.
क० गं० १, ३३; पि० नि० ६७; —**सरीर.**
न० (-शरीर) उदारिक शरीर; प्रधान
शरीर. आदारिक शरीर; प्रधान शरीर. the
external physical body; the

prominent body. ओघ० नि० २२४;

ओरालिय. पुं० न० (आदारिक) उदारिक
शरीर; मनुष्य और निर्यतुं स्थूल शरीर.
आदारिक शरीर; मनुष्य और निर्यतुं का
स्थूल शरीर. Audarika body; the
external physical body of
human and sub human beings.

(२) त्रि० उदारिक शरीरवाला. आदारिक
शरीरवाला. possessed of Audarika
body. अणुजो० १४५; क० व० २, ७२;
ओव० ४२; भग० १, ७; ८, १; पञ्च० १२;
विशे० ३७५; ३३३३: — **पांगलपरियट्ट.**

पुं० (-पुट्टगलपरिवर्त्त) आदारिक पुट्टल
परिवर्त्तन-लोकना तमाम पुट्टलाने ओड
अव नटसा वअतमां उदारिक शरीररूपे
अदलुं शरी परिवर्त्तमां पूरा करे तेरुं
वअत. आदारिक पुट्टल परावर्त्तन-दुनिया के
तमाम पुट्टलों को एक जीव जितने समय में
आदारिक शरीररूप में ग्रहण कर के परिणामित
कर के पूरा करे उनका समय. time
taken by the soul in embody-
ing within itself all the mole-
cules of matter that consti-
tute the Audarika body. भग०
१२, ८: — **मसिग.** पुं० (-मिश्रक) वैक्रीय
आदि साथे मिश्रित थपेन उदारिक शरीर-
योग. वैक्रीय आदि के साथ मिश्रित आदा-
रिक शरीर-योग. connection of the
Audarika body with other
kinds of bodies, such as Vai-
kriya body etc. and its activity
in that mixed condition. भग०
२५, १: — **सरीर.** न० (-शरीर) आदा-
रिक शरीर; दाड भांसवानुं शरीर. आदारिक
शरीर; दाड भांसवाला शरीर. the ex-

ternal physical body of flesh and blood. नाया० २: — **शरीरकाय-जोय** पुं० (शरीरकाययोग) आदारित शरीररूप कायाका योग प्रवृत्ति. आदारित शरीररूप कायाका प्रवृत्ति. activity of the external physical body. भग० २५, १: **शरीरगता** स्त्री० (शरीरगता) आदारित शरीररूप आदारित शरीरगता. state of being or having the external physical body. भग० २५, २:

✓ **श्रीरक्षिता** श्री० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Having confined or pent up, having obstructed. "जायतेयं समारंभे बहु श्रीरक्षिता जगता" दश० ६, ४ भग० ३०:

श्रीरक्षिता न० क० (अवस्थमान) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Being obstructed or checked. दत्त० १४, २०:

श्रीरक्षिता न० (अवस्थमान) नीचे उतरने. Coming down: act of descending. लघु० १२००:

श्रीरक्षिता पुं० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. A harem: a woman's inner apartment. नाया० २: १६: दत्त० ६, ४: २०, १२: विवा० २, १: १०: नि० १२७: (२) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. An inner apartment of a house. श्री०

श्रीरक्षिता स्त्री० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. A woman who stays in a harem: a woman. विवा० ६:

श्रीरक्षिता पुं० (अवस्थमान) अदृष्टा

श्री अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. A hanging lamp. भग० ११, ११:

श्रीरक्षिता वि० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Kept suspended on or with a rope. "हम श्रीरक्षिता करेह." मय० २, २, ६३: श्री० ३०:

✓ **श्रीरक्षिता** श्री० I. (अव + लग्) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. To compose: to arrange. श्रीरक्षिता. नाया० २:

श्रीरक्षिता वि० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Stopped with cow-dung. With the mouth (e. g. of a pot etc.) stopped with cow-dung. भग० २, १६: प्रत्येय० २, ३: आ० ३, १: (२) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Smeared: bespattered. आया० २, १, ३, ३६:

श्रीरक्षिता वि० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Diseased: sickly: fatigued. भग० १, १, विवा० २: भग० ६, ३३: नाया० १: **शरीर** अवस्थमानं दृष्टे शरीरं यस्य सः) दृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. A man with a lean and sickly body. विवा० २: नाया० १: निर० १, १:

श्रीरक्षिता वि० (अवस्थ) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. Seen; observed. मय० २, ६, ३०:

✓ **श्रीरक्षिता** श्री० I. (अव + लाक्) अदृष्टा दीति: आदीति. अदृष्टा दीति: आदीति. गत कर. To see: to observe: to introspect. श्रीरक्षिता. भग० १०, १: नाया० १: श्रीरक्षिता. नाया० १६:

श्रोलोय. पुं० (* अवलोक) प्रकाश. उज-
याला: प्रकाश. Light. पगह० २, १:

श्रोवग्गाहिअ. त्रि० (श्रौपग्रहिक) गच्छ
साधारणः अक्षराणुं नदि.. जो किमा अकेल
का न हो वह: गच्छ साधारण. Belong-
ing to a whole order or class
of persons jointly. श्रौष० निर् २३२:
(२) दंड-आद्री, आदि पाणीपारा आदि
उपकरण. दंड लकड़ा आदि पात्रके उप-
करण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्था
से मांग लिये जाते हैं. (articles of
use) for an ascetic brought
from a householder for tempo-
rary use. e. g. a stick etc. उच०
२८, १३:

श्रौषविय. पुं० (*) तलु इन्द्रियवाला
छवती अक्ष जन. तीन इंद्रियों वाला जीव.
A three-sensed living being.
मग० १५, १:

श्रौवट्ठणा. स्त्री० (अपवर्तना) अपवर्तना.
अपवर्तना. Turning back; drawing
back. क० प० ३, १०:

श्रौवट्ठिय. त्रि० (अपवर्तित) अपवर्तित
क्षेत्र. अपवर्तन किया हुआ; लौटाया हुआ.
Turned back; drawn back. क०
प० २, २८:

श्रौवट्ठि. स्त्री० (अपवृद्धि) हानि. हानि:
नुकसान. Loss; decrease. सू० प० १:

श्रौवणिहिय. त्रि० (श्रौपनिधक) गृहस्थे
समीपे आलुप्त अन्नादिनी श्वेषणा क्षरताः.
गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नादि की
गवेषणा करने वाला. (One) who
searches for food brought to

him by a householder. श्रौव० १६:
श्रौवतणी. स्त्री० (श्रौवतानिनी) उपरशी
नीये पादवाती निवा. ऊपर से नीचे गंगने
की निवा. The art of making a
thing fall down from a high
place. सूय० २, २, २५:

श्रौवत्तिया. सं० कृ० अ० (अपवर्त्य) अति
उपर श्रेष्ठा पात्रमांशी लभते शीघ्र पात्रमां
नाप्नोति. अग्नि पर चढ़े हुए पात्र में से
लेकर दूसरे पात्र में डालकरके. Having
taken out from a vessel which
is actually on the fire and
placed it in another vessel
(i. e. food etc). दम० ५, १, ६५:

श्रौवमिअ. न० (श्रौपमिक) उपमावत् दश-
वाय तत्त्व. उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके
ऐसा. Capable of being shown
or indicated by a simile or
metaphor. अगुजो० १३६; जे० प० २, १८:

श्रौवम्म. न० (श्रौपम्य) उपमान प्रमाणः
अक्षरवस्तुनी अरण्यमणीथीयत्तुं शीघ्र सदृश
वस्तुत्वं जाते. उपमान प्रमाणः एक वस्तुका
उपमा में होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान.
Argument from analogy: know-
ledge derived from analogy. श्रौव०
८०; पञ्च० २, ११; मग० ५, ८; अगुजो० १८७:

श्रौवम्मसञ्च. पुं० (श्रौपम्यमस्य) उपमा
सत्य जैम अनेक तत्त्वों के समुद्र
जैम तत्त्वों के तत्त्वों के उपमा सत्य. उपमा मस्य,
जैम किमा बड़े तालाव को देख कर कहना
कि समुद्र के जैमा विशाल ताल है. Truth
of the nature of that found in
similes; verisimilitude; e. g.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vice
foot-note (*) p. 15th.

comparing a big lake with a sea. प्रव० ८६८:

आवयण. न० (अवपतन) पोषयुं; आवा-
रणा देया. आवागना लेना. According
welcome or reception with a
particular kind of ceremony,
auspicious in its nature. नाया०
१; (२) नीचे उतरयुं; नीचे आवयुं. नीचे
उतरना; नीचे आना. coming down;
falling down; descending भग०
३, २:

आवरअ. पुं० (अपवरक) आरंभ. कोठडा;
कोठा. A room; an apartment in
a house ओष० नि० ४२१:

आवसमिय. न० (औपशमिक) उपशम अम-
दित; उदयमां आवेत्त मिथ्यात्व मोहनीय
दर्भतो नाश. अंत शेष रहेत्त मोहदर्भतो
उदय थाय ते-उपशम ते यं करोयंयुं ते-
औपशमिक. उपशम गम्यकत्व; उदय मे
आये हुए मिथ्यात्व मोहनायकर्म का नाश
और शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना
उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने
वाला गम्यकत्व औपशमिक गम्यकत्व होता है.
(Right belief) arising from
the destruction of actually
matured right-belief deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant.
विश० ५२८;

आवाहिअ. त्रि० (आपाधिक) पोताना दोषने
ढाँकना. अपने दोष को ढाँकने वाला.
(One) who hides one's own
faults. उक्त० ३४, २५; (२) कषायनि-
मित्तक कर्म. कषाय नैमित्तिक कर्म. an
action resulting from Kaṣāya
or moral filth. ओव० ४१:

आवाडित. त्रि० (अवपाटित) विदारयुं;
धीरेयुं-धी-लो. चीरा हुआ; चीरी हुई.
Rent; torn. ओव० ३८;

आवात. पुं० (अवपात) पथवानु स्थान; इस
वाँटे तेरी आवा वाली जमीन. गिरने का
स्थान; खड़े वाला जमान. A place un-
safe on account of pitfalls जं० प०

आवाय. न० (अपपात) अपप्रत्यपयी आवा
वाली जमीन. ऊँचा नीचा-खड़े वाला जमान.
Rough, uneven ground. दम० ५,
१, ४;

आवाय. (औपाय) उपाय-साधन सम्बन्धी.
उपाय सम्बन्धी. Relating to ways
and means. उक्त० १, २८:—पव्वजा.
(-प्रवज्या) गुरुसेवाकूप साधनशी क्षीयशी.
दीक्षा. गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई
दीक्षा. Dikṣa received on account
of service rendered to a Guru.
ठा० ४, ४;

आवायवंत त्रि० (अवपातवन्) नम्र; पित्तय
वान् नम्र; त्वनीत. Modest; humble.
दम० ६, ३, ३;

आविअ-य. त्रि० (* परिकर्मित) सरेणी
रीति आवेत्त; सभारेत्त; जडेत्त. समान रीति
में जमा कर रखा हुआ रखा हुई; जड़ा हुआ.
Duly arranged; properly set
right; inlaid with. ओव० ३१; नाया० १६;

आवीलग. त्रि० (अपमाडक) भीजने नि-
वेष्टा कराना. दूसरे को निलज करने वाला.
(One) making or causing an-
other person to be shameless.
परह० १, ३;

ओस. पुं० (अवशयाय) त्रि०; आरी जमीन-
मांथी नीकणी तराई वपन अभिष पाशुनी
मिन्दु. खारी जमान से निकल कर घाँस पर
जम हुए पानीके बिन्दु Drops of water

issuing from salt ground and settling on grass. आया० १, ७, ६, २२२; (२) अक्षर; १२. ओस. dew; fog. उत्त० १०, २; दस० ४;

असक्तित्वा. सं० कृ० अ० (अवपव्य) तत्र मेतवयाने पाछा हटीने. मँका पाने के लिये पछि हट कर. Having retraced one's steps with a view to secure an advantage. छ० ६, १;

असक्कण. न० (अवपव्य) अमुक क्रियाने के समय नियमित होय ते पछेतां तेनी शरुआत करी, केस के आचरिने मध्यान्ह समय होय जतां शोधवने वयने आचरी जने. किमी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका आरंभ करना. जैसे गोचरी (भिच्चा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गोचरी के लिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of at noon. पं० नि० २८५; ओष० नि० भा० २१६;

आसक्किय. सं० कृ० अ० (अवपव्य) नीचे आसेदीने. नीचे हटा कर. Having drawn below. आया० २, १, ७, ३८; दस० ४;

आसक्किया. सं० कृ० अ० (अपव्यका) जुओ ' आसक्किय ' शब्द. देखो " आसक्किय " शब्द. Vide. " आसक्किय " दस० १, १, ६३;

आसगण. त्रि० (*) अत्यन्त दूरवा लायक धर्म क्रिया इत्यादि आगस इतरतः संयमभां अद धरतार. अवश्य करने लायक

धर्मक्रिया करनेमें आलस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला. Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties. भग० १०, ४; नाया० २; १६; १६; ओष० नि० भा० ४८; नाया० ध० (२) अमुनी अयत्तः इत्यादि अयत्तः गड़ गया हुआ; फसा हुआ. entrapped; entangled; plunged deep (e. g. in mud). पगद० १, ४; ओष० ३८;

विहारि. त्रि० (विहारिन्) शिथिल आचार चाहे शिथिल आचार वाला. (One) lax in ascetic conduct. (२) रक्षाय आदि न इतरतः स्वाध्याय आदि न करने वाला. (one) neglecting scriptural study भग० १०, ४; नाया० २; १६; नाया० ध०

आसगण. अ० (प्रायशम्) प्रायेः इति प्रायः करके. अधिकतर. Most probably; mostly; to a great extent. विशेष० २२ ७१; ओष० ३८; कप० ६, ६१; जे० प० २, ३६;

आसन्न. पु० (अवसन्न) जुओ " आसगण " शब्द. देखो " आसगण " शब्द. Vide. " आसगण " क० सं० १, १३; प्रव० १०३;

आसोपपणी. त्रि० (अवसोपणी) दिवसदिवसे उतरते वयं अदिदिमां दानि पाभते शतः दश दशोटी आगरोपमप्रमाणे उतरते अद शतपिभाग; उतरता ७ आरा पुराथाय तेदो शत. दिन पर दिन कम होता हुआ. वर्ग संघ आदिमें न्यून होता हुआ कालः दश कोटिकोटी मागरोपम प्रमाण उतरता— कम होता हुआ एक कालः उतरने छः आर— पूर हो उतना काल. The cycle of decrease; the era of decrease or

degeneration, equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas. भग० २०, ८; अणुजो० ११५, १४५; नंदो० १२; पञ्च० १२; उत्त० ३४, ३३; टा० २, ४; सू० प० ८; कण्व० १, २; पंचा० १६, ६; जे० प० २, १८; —काल. पुं० (—काल) उत्तरतो क्षयः दश द्वात्रिंशो सागरोपम प्रमाणु क्षय विभाग. अवसर्पिणी काल; जिसमें दिनपरदिन हानता हो वह काल विभाग; दश कोटा कोटी सागरोपम प्रमाण कालविभाग. the era of decrease or degeneration equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas of time. जे० प० २, १८;

✓ **आ-सम.** धा० I, II. (उप + शम्) शान्तः कर्तुं. शान्त करना. To calm; to appease.

आसामहन्ति. प्रे० पि० नि० ३२६;

✓ **आ-सर.** धा० I. (उप + सू) पश्चाद्वृत्तं. पीछा घटना. To retreat; to retrace one's steps.

आसरह. प्रव० ५, ८८;

आसारह. प्रे० निर्मा० २, ५२;

आसारंत. व० कृ० निर्मा० २, ५२;

✓ **आ-सर.** धा० I. (अव + सू) विस्तारः कर्तुं; प्रसारितुं; लांघु कर्तुं. विस्तार करना; प्रसार करना; फैलाना; लंबा करना. To extend; to spread; to stretch

आसारंज्ज. प्रे० अणुजो० १३८;

ओसण. न० (अववरण) साधुओना समुदाय. साधुओं का समुदाय. A group or assemblage of Sādhus. पि० नि० २२८; पंचा० ६, ३१; प्रव० ५४५;

ओसविय. त्रि० (उपशमित) शान्त ध्येयः; शान्त वृत्तिवाचुं. शान्त; शान्त वृत्तिवाला. Peaceful; calm-minded. पि० नि० ३२६;

ओसह. न० (औषध) ओसः, भुंद्, द्रवीण, भरी धिगेरे दवा. औषध; सौट, लोंग; मिर्च आदि दवा. A medicine; a drug. पंचा० ६, २२; भग० २, ५; ७, १०; नाया० ५; ८; १३; १४; १६; टा० ४, ४; ओव० ४१; उत्त० १६, ८०; ३२, १२; उवा० १, ५८; पि० नि० भा० ४६; सु० च० ४, १००; विवा० १;

ओसहा. स्त्री० (औषधा) पुष्कलाविजयनी मुख्य राजधानी. पुष्कला विजय की मुख्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puṣkalāvijaya. जे० प० टा० २, ३;

ओसहि. स्त्री० (औषधि) द्रव पाई त्यांमुधी रंतेर वनस्पतिः ज्युवार, आण्से वगेरे. फगल आनतक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, बाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens. e. g. crops of grain. उत्त० ११, २६; २२, ६; आया० २, १, १; २; नंदो० १४; सु० च० १, २३४; दस० ७, ३४; जे० प० २, ३३; पंचा० ८, २६; वव० ६, ३३; भग० ७, ६; पि० नि० ८७; पञ्च० १; नाया० १; मूय० २, २, ५६; प्रव० १५१; निर्मा० ४, २५; उवा० १, ५१; —गंध० पुं० (—गन्ध) औषधनी गंध औषधी की वाग. smell of a medicine. नाया० १७; —बीज. न० (—बीज) औषधिनो बीज. औषधी के बीज. seeds of medicinal herbs. निसी० १४, ४४;

ओसा. स्त्री० (अववयाय) ओसः; देहः; अंडल. ओस; कुहिरा. Dew; fog; hoar-frost. पञ्च० १; ओव० ४, ३;

ओसाण. न० (अवसान) समीप; नजदीक. समीप; नजदीक. In the vicinity of; near. (२) अन्त; अवसान. अंत; अवसान; मृत्यु. death: end. सूय० १, १४, ४;

ओसारिया. त्रि० (अवसारित) अवसंभित;
उपरशी लटकेव. अवलंबित; लटकता.
Remaining suspended from
above; hanging. ओष० ३०;

ओसास. पुं० (उच्छ्वास्य) उच्चैः श्वास मुञ्चते
ते. उर्द्ध श्वास लेना; ऊपर की श्वा लेना. A
sigh; a heavy sigh. अणुजो० १२८;

ओसिचिन्तार. त्रि० (अवमेकृ) छिन्तितार.
छिन्तनेवाला; सोचनेवाला. (One) who
sprinkles water etc. मृग० २, २, १८;

ओसित्त. त्रि० (अवमिक्त) सिंचित; पश्चापेक्ष;
पिम्पयेत भीजा हुआ; गोला; गोला हुआ.
Wet; damp. आया० २, १, १, १;

ओसेदम. न० (उन्स्वेदिम) धोए आदि धो-
वानुं पानी; धोवण. आटा वगैरह के धोने का
पानी. Water with which flour,
rice etc. are washed. कण० ६, २५;

ओमोवणी स्त्री० (अवस्वापिनी) अत्यन्त-
पिनी निद्रा; अतिआट निद्रा. बड़ा भारी गह
निद्रा. Very deep sleep; pro-
found sleep. कण० २, ७७;

ओह. पुं० (ओष) संसार समुद्र. संसाररूपी
समुद्र. Ocean of worldly exis-
tence. आया० १, २, ६, ६६; दग० ६,
२, २८; दसा० ५, २७; २८; मृग० १, ११,
१; (२) असंयम. असंयम; संयम हानता.
absence of self-restraint. वव० २,
२३; (३) संक्षेप. संक्षेप; थोड़ासा. general
statement; brief outlines. ओष०
नि० २, २१३; (४) समूह. जटथे. समूह
समुदाय a group; an assemblage.
उत्त० १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; आ०
३४; नंदा० स्थ० ७; मु० च० १०, १६०;

जं० प० २, २१; (५) प्रवाद. प्रवाह.
a current; a stream; a flow.

उत्त० ५, १; विशेष० ११५१; सम० प० २३५;
(६) समुन्मथ्य; सामान्य. समान्य; समुच्चय.
general or broad nature. अणुजो०
१५४; पि० नि० २१६; पि० नि० सा० ३१;
ओष० नि० २; विशेष० ६५८; क० गं०
६, १३; —अणुवेदि. त्रि० (अनुमंक्षिन्)

असंयम सेवतानी प्र-आपयेत. असंयम से-
वने का दृष्टावाला. (one) desir-
ous of leading a life of indul-
gence. वव० २, २३; —(हा) आदेश.

पुं० (-आदेश) सामान्य प्रदेश; अन्य
सामान्य. सामान्य भेद; अन्य सामान्य
general, broad nature; general

outline. विशेष० ४०३; नाण. न०
(जान) अविधि जन. आधिक जान.

general knowledge; know-
ledge of broad outlines. विशेष०
४७१५; —सगणा. स्त्री० (-संज्ञा संज्ञा-

यने वस्त्वनयेति) समान्य ओष सामान्य
बोध. general knowledge of an
object; knowledge or broad
outlines by perception etc.

मग ७, ८; —सुय. न० (श्रुत) उत्सर्ग
श्रुत शास्त्र उत्सर्ग शास्त्र. a scripture
named Utsargaśruti. नंदा० ३६;

ओहंजलिया. स्त्री० () आर इन्द्रियावाता.
छत्ती ओह जल. एक चार इन्द्रियों वाला
जीव विशेष. A kind of four-sensed
living being. वव० १;

ओहंतर. त्रि० (ओषन्तर-ओषं संसारसमुद्रं
तरितुं शीलं यस्य सः) ओष संसार प्रवाहने

* जुओ १४ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

तरनार; संसार पारगामी. संसार रूपा प्रवाह
में पार जान वाला. (one) wishing to
and possessing capacity to
cross the ocean of worldly
existence; emancipating from
worldly existence. सू० १, ३,
१, २०;

आहट्टं. व० क० त्रि० (अपमर्ष) दंडित;
अलग रहनेवाला. (Getting
aside; remaining apart. सू० व०
१५, ५५;

आहय. त्रि० (अवहन) दंडित; विनाश करेत्.
मारा हुआ. विनाश Killed; destroyed
उवा० ८; २५६; नाया० ३; ओव० राय०
२६३; ज० प० ३, ६६; कण० ४, ६२;
विवा० ३; —मग. (मनस) डिस्प्रैस्ड मन
मन. उन्माद रहित मन depressed,
gloomy mind. नाया० १; १४; १६;
—मगसंकल्प त्रि० (मनःसंकल्प अव-
हनो मनसः संकल्पोयस्य स तथा) नष्ट
थया के मनसा (विद्वत्पादि) संशयों से
अथवा संकल्प विकल्प रहित मनवाला; जसके
मनक. संकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free
from doubts and misgivings of
the mind. नाया० १; ६; निर० १, १;
निर्मा० ८, ११;

✓ **आहय.** धा० I (उप+ह) स्थापन करेत्.
स्थापन करना; प्रतिष्ठित करना. To estab-
lish; to settle.

आहरह. नाया० १४;

आहरिय. सं० क० अ० (उद्भूय) उद्धरीने;
बाहर धाँने. बाहर निकाल करके. Hav-
ing taken or drawn out. (२)

पंडितमने. टेढा होकर. having bent
low. “अगण्डिड सक्किया णिसक्किया ओह-
रिय आहट्टु दलपुजा” आया० २, १, ७, ३७;
आहरिय. त्रि० (अवभूत) उतारेहुं; ढेंडें भुंकेहुं;
नीचे रखा हुआ; उतारा हुआ. Taken
down; placed down. ओघ० नि० ६०६;

✓ **आहा.** धा० I (अव+हा) इत्यस्मिन्ने
छोटी मधुनादि असंयम आदरयुं. द्रव्यलिंग
छोडकर मधुनादि असंयमों का ग्रहण करना.
To indulge in sexual pleasures
etc. in talk, imagination etc.
without actual deed.

आहायह. वव० ३, १८;

आहायमाण. वव० ५, १४;

आहायन. ओघ० नि० १२४;

आहाडय. त्रि० (अवहान) आरित संयमशी
अष्ट यथैव संयमभ्रष्ट; चरित्रभ्रष्ट. (One)
who has fallen off or lapsed
from ascetic right conduct.
वव० ५, १४;

आहाडणी. स्त्री० (अवघाटनी) इमाड अथ
करवाती टांका द्वार बंद करने की टांका. A
contrivance to close a door.
ज० प० (२) पातडी छान्नी गुथिनी ट्या-
साटडी लथेर. पतली सलाइयो में गुथी
हुई चटाई वगैरह a mat made of
thin strips of wood knit to-
gether राय० १०८; जवा० ३, ४;

आहाडिय. त्रि० (अवघाटित) आँधुं-ली-
झो. बांधा हुआ-हुँद. Fastened. वव०
१, १४;

ओहामिश्र. त्रि० () निरस्कार करेहुं.
तिरस्कृत; तिरस्कार कियाहुआ. Slighted;

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vice
foot-note (*) p. 15th.

disdained. ओघ० नि० भा० ६०:

ओहार. पु० (*) कथ्यभो. कछुवा, A tortoise. पि० नि० ३३२;

ओहारइत्तर त्रि० (अवधारयितुं) निश्चयकारि भाषा भोलनः; असमाधिनुं ११ मुं स्थानक सेवनाः. निश्चय कारक भाषा बोलने वाला; असमाधि के ११ वें स्थानक का सेवन करने वाला. (One) speaking with decisiveness or self-confidence: (one) resorting to the 11th source of Asamādhī. सम० २०;

ओहारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) निश्चयकारिणी भाषा; 'तुं आभण इरीश' ऐवी योअस-रूप वाली. निश्चय कारिणी भाषा; मैं ऐसा हा कहूँगा ऐसे दृढ़ वाक्य. decisive or positive speech: e. g. "I will positively act thus." भग० २, ६; उत्त० १, २६; दस० ६, ३, ६; पञ्च० ११; ओहारेमाण. त्रि० (अवहरण्) हलानेवा, हिलाता हुआ. Moving; shaking. नाया० १;

ओहावण. न० (अवहापन) अपकीर्ति; अपाद-लता अपकीर्ति; लता. Disrepute; disrespect; dishonour. पि० नि० ४८६; ओघ० नि० भा० ११२;

ओहासिअ. त्रि० (अवभासित) धृच्छेयुं; प्रार्थनापूर्वक मांगेयुं. इच्छित; प्रार्थनापूर्वक मांगा हुआ. Desired; solicited. ओघ० नि० ५५६;

ओहि. पुं० (अवधि) धृद्रियोनी सदाय विना आत्मप्रकाशशी रूपि पदार्थानुं दृढवायुं ज्ञानः अवधिज्ञान; विकलप्रत्यक्षज्ञानतो अेक प्रकार. इन्द्रियोंकी बिना सहायता आत्म प्रकाश से

रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; अवधिज्ञान; विकलप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार.

Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क० प० ४, ४६; कण्ठ० २, १४;

उत्त० २८, ४; ३३, ४; भग० ३, १; १६,

१; १६, १०; नाया० ८; ६; १३; नाया० ५०

दसा० ५, २२; ३०; उवा० १, ७४; ८३; ८,

२५५; २५६; क० गं० १, ४; १०; ४, १५;

जं० प० ५, ११५; ५, ११२; २, ३३;

(२) पञ्चवर्णा तेत्राशमां पदनुं नाम के

जोमां अवधिज्ञाननुं वर्णन छे. पञ्चवर्णा के

तंत्रागमे पद का नाम जिममे कि अवधिज्ञान

का वर्णन है. name of the 33rd

Pada of Pannavapā dealing

with Avadhijñāna. पञ्च० १; (३)

अवधि; दृढः मर्यादा. अवधि; दृढः मर्यादा.

limit; border. मु० च० २, १४८;

—विल्लत्त. न० (-लत्र) अवधिज्ञानतो

विषय. अवधिज्ञान का विषय. an object

of or subject-matter of Avadhijñāna.

विश० ५६१; —जुअ. पुं० (-युग)

अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन ओ ओ प्रकृति

अवधिज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति.

the group of the two Prakriti-

tis viz. Avadhijñāna and

Avadhidarśana. क० प० ४, ८६;

—ज्ञाण. न० (-ज्ञान) अवधिज्ञान-धृद्रिय

अने मनना व्यापार विना मात्र आत्मबो-
धिनी अमुक दृढमां प्रत्यक्षरीति रूपि पदार्थानुं

ब्रह्मज्ञः जानता पांच प्रशस्तीना त्रीन्ते भेद
अवधिज्ञान-इंद्रिय और मन के व्यापार के
बिना केवल आत्मज्ञानि मे किसी हृदयक
प्रत्यक्ष रीति मे रूप पदार्थों का जानना; ज्ञान
के पांच प्रकारों मे से तृतीय प्रकार direct
knowledge of matter, within
a limit, without the help of
the senses and the mind,
merely through the light of
the soul; the third of the 5
kinds of knowledge; it is a
kind of knowledge by occult
powers. " गों केवलगाणे दुर्वहे पञ्चते
तंजहा ओहिनाणंचेव " डा० २; अणुजो०
१२५; भग० ८, २; ११, ३१; ओव० १६,
८०; विशेष० ७५; —गाणपञ्चव. पुं०
(ज्ञानपर्यव) अवधिज्ञानता पर्याय
अवधिज्ञान के पर्याय. a modification
of Avadhijñāna. भग० २५, ४;
-गाणि. पुं० (जानिन) अवधिज्ञानवाला
जीव. अवधिज्ञानवाला जीव. a soul pos-
sessed of Avadhijñāna. भग० २६,
१; नाया० ८; जे० प० २, ३१; —दुग.
न० (द्विक) अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन.
अवधिज्ञान और अवधिदर्शन. the pair of
two viz. Avadhijñāna and Ava-
dhidarśana. क० ग० ३, १८; ४, १७;
—मरण. न० (-मरण) अवधि मरण;
अच्छ और अच्छ गतिना आयुष्यता दलिया
भाग्यी भरी क्षी नेता दलिया भाग्यीने भरे
ते. अवधि मरण; एक बार एक गांत के
आयुष्यके दलिया समूह भोगकर मरनेपर फिर
वैगही दलिया समूह भोगकर मरना. death
after a repetition of the ex-
periences of a former birth.
" ओहीमरणेगंभन्ते " भग० १३, ७; गम०

१७; प्रब० १०२३; —लंभ. पुं० (-लम्भ)
अवधिज्ञानता लाग-प्राप्ति. अवधिज्ञान का
प्राप्ति attainment of Avadhi-
jñāna. क० प० ६, ८२; —लद्धि. स्त्री०
(-लद्धि) लुप्त्यो " ओहिलंभ " शब्द.
देखा " ओहिलंभ " शब्द vide " ओहि-
लंभ " क० प० ६, ११;

ओहिजीलया. स्त्री० (अवधिजनिका) आधिपत्य
अवधिज्ञान. चार इंद्रियों वाला जीव विशेष.
A kind of four-sensed living
being. उक्त० ३६, १४७;

ओहिदंसण. न० (अवधिदर्शन) लुप्त्य. क्षेत्र,
क्षेत्र, भावनी मर्यादाही रूप पदार्थों में निहित
के अवधिज्ञानता पर्यव आय छे ते.
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भावकी मर्यादाये रूप
पदार्थों का देखना; जो अवधिज्ञान के पूर्व
होता है वह. Direct perception of
matter limited as to subject-
matter, place, time etc. with
the help of the senses (This
state precedes Avadhijñāna.)
जीवा० १; भग० २, १०; ८, २; सम० १७;
दया० ५, २२; —आवरण. पुं० (-आव-
रण) दर्शनारण्यीय कर्मना अक्ष प्रशस्ती के
अवधिदर्शनने रोक्ष छे. दर्शनारण्यीय कर्मका
एक प्रकार जो कि अवधिदर्शन को रोकता है.
obstruction of Avadhijñāna
caused by the rise of Darśanā-
varanīya Karma. उक्त० ३३, ६; पञ्च०
२३; डा० १, १; सम० १७; —पञ्चव. पुं०
(पर्यव) अवधिदर्शनता पर्याय. अवधि-
दर्शन के पर्याय. a modification of
Avadhidarśana. भग० २५, ४;

ओहिदंसणि. द्वि० (अवधिदर्शनिन्) अवधि
दर्शनवाले जीव. अवधि दर्शन वाला जीव.
A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग० ६, ३; १३, १; ठा० ४, ४;

ओहिनाण. न० (अवधिज्ञान) अधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २,

१०; ६, ४; ८; २; अणुजो० १; नंदी० १;

ठा० २, १; दसा० ७; १२; विशेष० ७९;

—(गा) आवरण. न० (- आवरण)

अधिनानावरणः ज्ञानावरणीय इमेनी

अेक प्रकृति. अवधिज्ञानावरणः ज्ञानावरणीय

कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring

or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge

obstructing Karma. सम० १७;

—आवराणिज्ज. पुं० (- आवरणीय)

अधिनाने आपरनार - दोकनार अेक

प्रकृति. अवधि ज्ञान को दोकने वाला शक्ति.

a variety of Karma obscuring

or hindering the attainment of

Avadhijñāna. भग० ८, ३१; ६, ३१;

—लज्झि. स्त्री० (- लज्झि) अधिनानती

लब्धि-शक्ति. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ३, ६; —ल-

ज्झिया. स्त्री० (- लज्झिका) अधिनानती

लब्धि. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ८, २;

ओहिनाणि. त्रि० (अवधिज्ञानिन्) अधि-

ज्ञानवाले. अवधिज्ञान वाला Possessed

of Avadhijñāna. भग० ६, ३; ८, २;

ओहिपद. न० (अवधिपद) पञ्चपास्रना

तेत्रीशभां पदं नाम. पञ्चपास्रना सूत्र के ३३वें

पद का नाम. Name of the 33rd

Pada of Pannavāṇa Sūtra.

भग० १६, १०;

ओहिय. न० (अवधिक) अधिज्ञान. अवधि

ज्ञान. Avadhijñāna. नाया० १;

—णाण. न० (ज्ञान) अधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २३, १;

ओहिय अ. पुं० (अधिक) सामान्यः

अधिशेषः समुच्चय. सामान्यः समुच्चय.

(General; common. पत्र० २; जावा०

२; भग० १, १, २; ८; ६, ४; २४, १;

१२; २३; ३१, ६, ४३, ५६; अणुजो०

१४४; प्रब० १९१३; —अणाण. (अज्ञा-

न) अधिध समुच्चय अज्ञान. विशेष

अज्ञानः आवश्यक अज्ञान. absence of

general knowledge; absence

of broad comprehensive know-

ledge. भग० ६, ४; —गमय. पुं०

(गमक) जुआ उपलो शब्द. देखो

ऊपर का शब्द. vide above. भग० २४;

१; —गम. पुं० (- गम) सामान्य पाठः

समुच्चय गमि-आवाले सामान्य पाठः

समुच्चय वर्णन. ordinary reading

of (scriptures etc.). भग० ३१, १;

—णाण. न० (- ज्ञान) समुच्चय ज्ञान.

समुच्चय ज्ञानः विशेष ज्ञान. general, com-

prehensive knowledge; know-

ledge of broad outlines. भग० ६, ४;

ओहरिमाण. व० क० त्रि० (अपक्रियमाण)

थोड़ी थोड़ी निद्रा लेतो. थोड़ा थोड़ा निद्रा

लेता हुआ Dozing; taking a nap;

slumbering. भग० ११, ११; नाया०

१; कण० ३, ४;

क.

क. त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थमां वपराय छे;
 शेषः शुं. प्रश्नवाचक सर्वनाम; कौन; क्या.
 An interrogative pronoun.
 दग० ५, १, ६६: ८, २१: भग० २, १;
 १२, ४: नाया० १; विशेष० १२०;

कड. त्रि० (कति) डेटला. कितने How
 many. भग० १, १: २, १०: ३, ३: ६;
 ५, ४: ७, ६: १३, १; १६, ३: २०, ५;
 नाया० २: विशेष० ३५८: मू० च० ३, २१३;
 अणुजा० ८५: मू० प्र० १; डा० ४, २: क०
 सं० ६, २: ज० प० ३, १५१: १५२; —
किमिय. त्रि० (क्रिय) डेटला क्रियावाला.
 कितना किया वाला. Of how many
 acts. भग० १६, १: — **भाअ. पुं० (**
भाग) डेटलाभा भाग. कौनसा हिस्सा what
 numerical portion. विशेष० ३५८:
 — **भाग. पुं० (-भाग)** डेटलाभा भाग.
 कौनसा भाग. what numerical por-
 tion. भग० ३, १: — **संखिय. त्रि०**
(-संखित) गे०वादी शब्दय नेटला अंक
 सभये अप्पन्न थला नारदी वगैरे. संख्या
 द्वारा गिने जा सके, उतने एक समय मे
 उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह. numeri-
 cally calculable number of
 Nārkis etc. (hell beings etc)
 born at a time. डा० ३: भग० २०, १०;

कइ. पुं० (कवि = कवने नवं नवं भगनाति
कविः) शब्दय अनायनार: इति. कविता
 बनाने वाला: कवि: शायर. A poet.
 मू० च० १, १३; अणुजा० १२८:

कइअ-य. पुं० (कयिक) आदक; भाद
 लेनार; खरीदतार. ग्राहक; माल लेने वाला;
 खरीदार. A buyer; a customer.

उत्त० ३६, १४; वव० ७, १८: १६; भग० ५, ६;
कइअथ. त्रि० (कतिथ) डेटलाभुं: इध संख्या
 बाधुं. कितनी? कितनी संख्या वाला. Of
 what number or numerical
 order? विशेष० ६१५;

कइयव. न० (कैतव) अणु: इपट; दंभ;
 दुःस्वभा. झुल: कपट: दंभ; लुच्चाट.
 Fraud; hypocrisy. विशेष० २६८४:
 मू० च० ८, ८४: प्रव० १६७: — **परगुसि.**
स्त्री० (-प्रजसि = कैतवानि कपटानि नेपथ्य-
भाषामार्गगृहपरावतादीनि प्रजाप्यन्ते यमि
स्ताः) येप भाषा वगैरे बदलावनि इपट
 वगैरानार: स्त्री. भेष भाषादि बदल कर
 कपट करने वाला स्त्री. (a woman)
 who deceives by change in
 dress, speech etc. नेद०

कइया. अ० (कदाचित्) शब्दय अप्पत. किंवा
 समय. Sometimes. मू० च० १, १०६;
कइयावि. अ० (कदाचिदपि) शब्दयपुं अप्पत.
 किंवा भां समय. At any time.
 प्रव० ५३५;

कइर. पुं० (कदर) अक्ष विशेष: बांसनी अंक
 मत. वृक्ष विशेष: बांगका एक जाति. A
 kind of bamboo. पत्र० १७: — **मार.**
पुं० (-मार) बांस मतना वृक्षनी मध्यभाग.
 बांस जाति के वृक्ष का मध्य भाग. the in-
 terior of a tree of the bamboo
 kind. न० पत्र० १७;

कइलास. पुं० (कैलास = के जले लासो जमने
दीर्घिण्यस्य स कैलासः) गम्भुद्रीपता मेरु
 पर्वतने नैर्ऋत भुजे डालु समुद्रमां आवेस
 कैलास नामे अनुवेसधर नागराज हेयताने
 आवास पर्वत. जंबुद्वीपके मेरु पर्वतके नैर्ऋत

कोन में लवण समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहाँ अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं. Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavapa Samudra in the South-western quarter of Meru mountain in Jambū Dvīpa. जीवा० ३, ४; (२) कैलास नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका अनुवेलंधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailāsa. (३) कैलास नामे नन्दीश्वरद्वीपवा अधिपति देवता. कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके प्रवर्द्धका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa. (४) कैलास नामे नागराज देवताके राजधानी. कैलास नामका नागराज देवता का राजधानी. the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa. जीवा० ३, ४;

कइवय. त्रि० (कतिपय) डेटवा. कितने ? Some; several; a certain number. नाया० ८; १२; सु० च० ३, १८१; १५, ६०; पि० नि० २२०; उवा० ७, १४;

कइविया. त्रि० (कैतविका) अंगिथी भजि-
अंध सुधीना दाथने बाध. कुटनी से कलाई तक हाथका हिस्सा. The part of the arm from the elbow to the wrist. नाया० १;

कइविह. त्रि० (कतिविध) डेटवा प्रश्नरत्न.
कितनी तरहका? Of how many kinds? भग० ८, १; २०, २०; २५, ५; अणुजो० १४४; जं० प० ७, १२१;

कउह. पुं० (ककुद्) अण्वन्ती आंध. बलै की

कूबड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० १; आंध नि० भा० ७७; प्रब० ८८७;

कउहि. पुं० (ककुअत्) अधिवाणु अण्व, अण्विथो. कूबड वाला बैल; गांड. A humped bull; a humped ox; humped. अणुजा० १३१;

कआ. अ० (कृतम्) सार्थक: कहांसे ? कैसे? Whence? by what means? “ कआआसादिण ” नाया० १२; “ कआउ-वलद्धे ” नाया० १२; भग० १, ६; १७, १; १६, ३; २१, ८; २४, १; ३१, ४; ३५, १; ३६, १; नाया० १; १२; आध० नि० ७७; उत्त० ६, ११; पञ० ११६;

कआ. अ० (क) कहां ? कहां ? Where? “ कआ वयामो ” नाया० १४; जीवा० ३, २; **कआहिनी** अ० (कुतः) कहां से ? Whence? भग० २४, १३; जं० प० ७, १२२;

कंक. पुं० (कङ्क) पाण्डिने आशी रहनेवा-
र भेयादारी अंड जतनु पक्षी. पानी के आश्रय में रहने वाला एक जात का मांसाहारी पक्षी. An aquatic carnivorous bird; a heron. भग० ७, ६; १२, ८; जीवा० १, ३, ३; सय० १, १, ३, ३; १, ११, २८; अणुजो० ३, १; आध० १०; पञ० १;

—उवम. त्रि० (उपम) डेटपक्षी अण्वतः
डेटपक्षीने वंश अगे लेयो दुज्जर आधार
पया वय तेम वंशे पथी वय ते. कंक
पक्षा जैमा; जिये हम पक्षा के समान दुपाक
आहार पच जाता है वद. like
Kaṅka bird; (one) who can
digest heaviest food like Kaṅka
bird. डा० ४, ४; —गहर्णा. त्रि० पुं०
(—अहर्णा—कङ्कः पाञ्चविंशपस्तस्यैव ग्रहर्णा
गृदाशयो यस्य स तथा) तीर्थेश्वर तथा

गुगुलिया के जेनी गुदा विष्टाथी भरदाय नहिं ते. तीर्थकर या जुगलिया जिनकी कि गुदा विष्टा से खराब नहीं होता. any of the Tirthankara and Jugaliyas whose anus is not bespattered with excrements. जं० प० २, २१;

आव० पगह० १, ४;

कंकड. पुं० (कङ्कट) इत्ययः अभूतर. कवचः जिहह वस्त्रर. An armour; mail.

भग० ६, ३३; राय० १३०; जं० प० आव० ३१;

कंकडइय. त्रि० (कङ्कटित) इत्ययुक्तः इत्यय वृत्तः. जिहह वस्त्रर मे युक्त. Equipped with an armour. पगह० १, ३;

कंकडग. न० (कङ्कटक) इत्ययः अभूतर. कवच. वस्त्रर. An armour; mail. जं० प० १६७;

कंकग. न० (कङ्कण) स्त्रीभ्यान् दायिभां पदेरवानुं अङ्क भूषणः इङ्कणं स्त्रियों के हाथ में पहनने का एक आभूषण. कंगन. A bracelet. भग० ११, १००; १११;

कंकावंस. पुं० (कङ्कावंस) गांदात्री वनस्पति-नी अङ्क वन. गांठवाली वनस्पति का एक जात. A kind of bulbous vegetation. पञ्च० २;

कंकलि. पुं० (कङ्कलि) अशोक वृक्षः आशो-पात्रवानुं अङ्क. अशोक वृक्षः आशोपलव का फाट. Aśoka tree. (२) तीर्थकर ज्यों भीराव ज्यों अशोकवृक्ष थकी आवे ते; आश प्रतिदायिभांनुं अङ्क. तीर्थकर जहाँ बिराजते हैं वहाँ अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाना है; आठ प्रतिहायों में से एक. springing up of an Aśoka tree where Tirthan- kara stays; one of the 8 Pra- tihāryas. प्रव० ४४६;

कंकलि. पुं० न० (कङ्कलि) अशोक वृक्षः आशोपात्रव. अशोक वृक्षः आशोपलव. The Aśoka tree. प्रव० १४६२;

कंकोल. पुं० (कङ्काल) अङ्क प्रकारनी वन-स्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation. जांवा० ३, ४;

✓ **कंख.** धा० I, II. (कांख) भूच्छिन्नुं; वांछुं. चाहना; इच्छा करना. To wish; to desire.

कंखइ. नाया० १६;

कंखंति. आव० ११;

कंखंति. दसा० १०, १;

कंखपउम. न० (कांखाप्रदोष) भगवतीसूत्रना पदेरा शतकना तीर्थन उद्देशानुं नाम के जेभां इङ्क मोहनीयता प्रश्नोत्तर इरेख छे. भगवतां गृत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देश का नाम कि जियमें आकांक्षा मोहनाय के प्रश्नो-त्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddeśa of the first Śataka of Bhagavati Sūtra dealing with the questions and answers re- garding the deluding Karma of desire. भग० १, १;

कंखा स्त्री० (काङ्खा) अभिलाषा; इच्छा; लोभनुं भीच्छुं नाम. अभिलाषा; द्रव्येच्छा; लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. गु० च० ६, ८०; भग० १२, १; दसा० ४, ८४; सूय० १, ११, १४; भग० १, १; उवा० १, ४४; प्रव० २७४, ६४७;

कंखापदांस. पुं० (कांखाप्रदोष) आरा मतनी इच्छा इरी ते; मिथ्यात्व मोहनीयता अङ्क प्रधार. मिथ्या मत की चाह करना; मिथ्यात्व मोहनाय का एक भेद. The desire for false tenets; a variety of Mithyātva Mohaniya. भग० १, ६;

कंखि. त्रि० (कांखिन्) भूच्छिन्नार. चाहनेवाला. (One) who desires. पि० नि० २१६;

कंखिय. त्रि० (कंखित) धृच्छेत्तुं; आक्षिप्तः।
इच्छित; अभिलाषित; चाहा हुआ. De-
sired; longed for. नाया० ३; ८;
भग० १, ३; २, १; १०, ४; टा० ३, ४;
दसा० ४, ८४; उवा० १, ८६;

कंगु. स्त्री० पुं० (कंगु) ओ३ गतनुं धान्य;
डांग. एक प्रकार का धान्य; कांग. A
kind of corn (Panic seed).
भग० ६, ७; २१, ३; मृग० २, २, ११; टा०
७, १; पञ्च० १; पि० नि० ६२४; प्रव०
१०१३;

कंगुलया. स्त्री० (कंगुलता) ओ३ नामनी ओ३
गतनी वे३. इस नामकी एक जाति की
लता. A kind of creeper of this
name. पञ्च० १;

कंगुलिया. स्त्री० () उधुनीत अथवा
परीतीत इत्यादि ते. लघुनात-लघुशंका या
बड़ी नात-दीर्घशंका करना. Passing of
urine, stool etc. प्रव० ४३६;

कंचण. न० (काञ्चन) सोनं. मोना; सुवर्ण.
(fold. विश० १८१६; श्रव० १७; नाया० १;
भग० ६, ३३; उवा० २, १०१; प्रव० ४४३;
जं० प० ५, १२२; (२) इत्यन नामनी
ओ३ पर्वत. कंचन नाम का एक पर्वत. the
Kañchana mountain. (३) इत्यन
पर्वतना अधिपति देवता न०. कंचन
पर्वत के अधिपति देवता का नाम. name
of the presiding deity of the
Kañchana mountain. जीवा० ३, ४;
—**कोसी.** स्त्री० (-कोशी) सोनानी मूर्ति.
सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol
of gold. उवा० २, १०१; जं० प० ७
१६६; —**खन्विय.** त्रि० (-खचित)

सोनाथी ग्रे३. सोनेसे जडा हुआ. laid in
with gold. नाया० ३; —**भिगार.** न०
(-भिजार) सोनानी जरी. सुवर्णकी भारी.
a golden kettle. नाया० १; —**मणि-**
रयणधूमियाग. त्रि० (-मणिरत्नस्तुपि-
काक—काञ्चनंच मणयश्च रत्नानिच तेषां
तन्मयो वा स्तूपिका शिखरं यस्य) सोनं
भण्डि रत्न योरे युक्त गेनुं शिखर छे ते.
जिगका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से
युक्त है. with the crest or summit
full of gold, jewels etc. राय०

कंचणउग. न० (कामनपुर) इति० देशनं
ओ३ प्रख्यात नगर. कलि० देश का एक
प्रख्यात नगर. Name of a famous
town of the country of Kalinga.
पञ्च० १;

कंचणकूट पुं० (काञ्चनकूट) इत्यनकूट
नामनुं सीत याथा देवलोडनुं ओ३ विमान.
कंचनकूट नाम का तीसरे चौथे देवलोक का
एक विमान. Name of a heavenly
abode of the 3rd and the 4th
Devaloka, टा० ७; भग० ७; (२)
सोमनास पर्वत पर्वतना सात कूटमानुं
छट्ठे कूट-शिखर. सोमनास पर्वत के
सात कूटों में से छठा कूट-शिखर. the 6th
of the 7 summits of the Soma-
nasa Vākharā mountain. जं०
प० ४, ६२;

कंचणग. पुं० (काञ्चनक) नीचरत आदि
दश हृदये प्रवृत्ति पश्चिम गंगे पास दश
दश गंगानदी आंतरे ओ३ नामना तीर्थ
तीर्थ पर्वत ७, ओ३दर २०० इत्यन
पर्वत छे. नीलवंत आदि दश हृदों (मगध

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*). Vido
foot-note (*) p. 15th.

जलाशयों-शीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बांस २ पर्वत हैं. एकंदर दोसौ पर्वत हैं. One of the 200 Kāñchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nilavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा० ३; जं० प० २८४; —पर्ववय. पुं० (—पर्वत) उत्तर दृष्ट क्षेत्रमां निवर्ततादि दहन्ती पूर्वा पश्चिम आन्तुमे रोदध पर्वत. उत्तर कुक क्षेत्रमे नालवंतादि ह्रदोके पूर्वे पश्चिम की ओर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region. जं० प० भग० १४, ८; जीवा० ३; सम० ५०;

कंचणा. स्त्री० (काञ्चना) अथ स्त्री के रंग का भाटे युक्त थपे रत्न. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था. Name of a woman for whom a war was waged. पद्य० १, ४;

कंचणिया. स्त्री० (कांचनिका) इरातली भावा. रुद्राक्षकी माला. A rosary of Rudrākṣa beads. आ० ३६; भग० २, १; (२) इत्यतः पर्वतना अधिपति देवताली राजधानिगुं नाम. कंचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी. name of the capital city of the Kāñchana god. जीवा० ३, ३;

कंचीमेहला. स्त्री० (काञ्चिमेखला) कन्दोरी. कंदोरा. An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३;

कंचुअ. पुं० (कंचुक) यात्री; क्षयशी. अंगिया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चउ० प्रव० ५३७; (२) सर्पनी क्षयशी. सर्प की कांचली. a slough or skin of a snake. विशेष० २५.१७; चउ०

कंचुइ. पुं० (कंचुकिन्) नागर; अंतपुर २६६. अंतःपुर का रक्षक. दर्शन. An attendant on the women's apartments. (२) सर्प. सर्प. a serpent. विशेष० २५.१७;

कंचुइज. पुं० (कंचुकीय) नागर; द्वारपाल; अंतःपुरने २६६. द्वारपाल; प्रताहारी; अंतःपुर-कारक्षक. A chamberlain; a door-keeper. भग० ६, ३३: ११, ११; नाया० १; आ० ३३; निर्या० ६, २५; राय० २८६; —पुरिम्. पुं० (—पुरष) अथो 'कंचुइज' शब्द. देखो " कंचुइज " शब्द. vide " कंचुइज " भग० ६, ३३;

कंचुग. न० (कंचुक) यात्री; साध्वीनियन्त उपर धारण करवानुं यत्न; क्षयशी. चोली; साध्वी के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कांचली. A bodice (worn by women); a piece of cloth worn like a bodice by nuns. ओघ० नि० २०१: ६७६;

कंचुय. पुं० न० (कंचुक) अथो "कंचुअ" शब्द. देखो " कंचुअ " शब्द. Vide. "कंचुअ. उत्त० ६.२२; अंत० ३, ८; भग० ६, ३३; नाया० १; (२) वात; रोमराज. केश; रोमराजी; बाल. hair. भक्त० ३०;

कंटक. स्त्री० न० (कण्टक) मोरडी आवण वंशरेतो क्षिति. बेर बंबूल आदि का कांटा. A hard thorn e.g. that of Babool etc. जं० प० १.१०: दम० ६, ३, ६; —बोंदिया.

खी० (*) कंटानी आड. कांटों की बाड.
thorny fencing. सूय० २, २, २१;

कंटग. पुं० (कंटक) कंटो. कांटो A
thorn. राय० २६४; सूय० १, ४, १, ११;
जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२;
जं० प० १, १०; दम० ६, ३, ६; —पट्ट.
पुं० (—पथ) कंटायालो रस्ता. कंटक मय
सार्ग, कांटोंवाला रस्ता. a thorny path.
श्रोव० नि० ५८५;

कंटय-अ. पुं० (कंटक) कंटो; प्रतिस्पर्धी.
कांटो; प्रतिस्पर्धी, डाही. A thorn; a
a rival. श्रोव० उत्त० २, २६; आया०
२, १, ५, २७; पि० नि० २००: ३३२.
जावा० ३, १; ३; (२) विजिना आंटेला.
बिच्छू का डंक. a scorpion's sting.
नाया० १; दम० ६, १, ७३; दमा० ७, १;
सम० ३६, आया० २, १३, १७२; उत्त० १०;
३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) गधुं; टोड; कण्ठ; ओवा;
गर्दन. गला; कंठ; ओवा; गर्दन. Throat;
neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दमा०
१०, १; राय० ८१; अणुजो० १३; १२८;
सम० प० २३७; उत्त० १२, १८; श्रोव० २७;
विशे० ३३६; गच्छा० १२२; जं० प०
५, १२१; —**मणिसुत्त**, न० (—मणिसूत्र)
कंठों में पहरेवाली सोनानी दाद. गले में
पहनेकी की हीरे की माला. a diamond
neckless. कप० ३, ३६; —**सुरवि.**
पुं० (—सुरवि) सोनानी गुथिवाली कंठी.
सोने की गुथी हुई माला कंठी. a gold
string used as an ornament
for the neck. राय० १८३; —**मुही.**
खी० (—मुखी) कंठीनी नथुड रहितार

होवकानी आकारनुं आभरण (मादलियुं).
कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आभरण
(मादलिया). a neck-ornament
resembling a knob tied to a
string. भग० ६, ३३: —**विसुद्ध** न०
(—विशुद्ध) आदमा कंठी सोनकरनुं. मुंदर
कठ से गाना. singing in a clear
voice. राय० —**सुत्त** न० (सूत्र)
प्रेक्षकों पहरेवाली सोनानी दाद. गले में
पहनेकी की सोने की लड़-झंग. a gold
necklace; a gold string used
as an ornament for the neck.
श्रोव० —**मुत्तग** पुं० (सूत्रक) जुआ
“कंठसुत्त” शब्द देखो “कंठसुत्त” शब्द.
vide “कंठसुत्त” जावा० ३, ३;

कंठगय. त्रि० (कण्ठगत) कण्ठे आवेस; गला
गुथी आवेस. कंठक आया हुआ; गलेतक
आया हुआ. Come to the throat.
गच्छा० ५६; —**पाण** पुं० (—प्राण) कण्ठे
आवेस श्वास; भरपुंति कण्ठ. कंठक आया
हुआ श्वास; मरणान्त कण्ठ. life breath
come to the throat. गच्छा० ५५;

कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकण्ठि—कण्ठे कण्ठे
गृह्णन्वेतिषांविभागान्) कंठे कंठे भरीने.
कंठ में कंठ मिलाकर. With necks
touching each other; neck of
one touching that of another.
नाया० २;

कंठिया. खी० (कण्ठिका कण्ठोभूयतयाऽस्य-
स्यास्या) कण्ठी. कंठी. A necklace.
जावा० ३, ८; (२) कण्ठ प्रवेश. कंठ का
हिस्सा. a part of a neck गच्छा० १२६;
(३) पुस्तकनुं पुं०. पुस्तक का पुता a

cover of a book. राय० १६६;

कंठगय. त्रि० (कण्ठोप्रक-कण्ठश्चासावुप्रक
श्रोतकंठःकण्ठोप्रकः) तीक्ष्ण स्वरवालो नेत्र
कंठवाला. One of shrill voice. ठा०७;

कंठेगुण. पुं० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठे-
गुणः) ३९१; भण्डरवानु द्वारा सरभुं आभरण.
गले में पहनने का दौर जैसा गहना. a
gold string used as an orna-
ment for the neck. पञ्च० ३; विवा०२;

कंठेमालकञ्च. त्रि० (कण्ठे मालकृत) ३९१; भावा
पण्डरी छे नंछे. जिगने गले में माला पहिनी
है. (One) who has put on a gar-
land on the neck. दसा० १०. १;

कंड. पुं० (काण्ड) धनुष्य भाग. धनुष्य बाण.
an arrow. प्रव० ८२६; क० प० १. ३२;
भग० ७. १; जावा० ३. ६; राय० २०८;
नया० २८; (२) भाग. द्विस्तंभाभागः द्विस्मा
a section; a part. (३) अंड नन्तल
वनस्पति. एक जात का वनस्पत. a kind
of vegetation भग० २१. ६; (४)
१२ तीक्ष्ण पर्वतनी अंड विभाग; ४२मीन के
पटाइया थर. पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा;
जमीन या पहाड़ का थर. a section of
land or mountain; a layer of
rock on land or on mountain.
अणुजा० १३४; जं० प० पञ्च० २; (५)
अग्नीआरमां देवोदेकनु अंड विमान ओनी
स्थिति अंडवीस सागरोपमनी छे; अ देवता
अंडवीसमें पञ्च दीप अ.सोआस से छे.
अने अंडवीस हगरे वीं सुधा डिपरे छे.
भ्यारहने देवलोक का एक विमान. इसके
देवताआ का स्थान इकवांग सागरोपम
की होती है. ये देवता इकवांग पञ्च
में आसोआग लेने हैं और इकवांग हजार
वर्ष में उन्हे भूक लगती है name of a
heavenly abode of the 11th

Devaloka. Its deities enjoy a
life of 21 Sāgaropamas, breathe
once in 21 fortnights and be-
come hungry once in 21 thou-
sand years. सम० २१; (६) इमनी
स्थिति स्थानकेतो समुद्र. कर्म के स्थिति-
स्थानक का समुद्र. a collection of
items of the different varieties
of enduring Karma. क० प० १, ८५;

कंडन. त्रि० (कण्डयन्) आंछुं; उडनुं.
कृता हुआ; चूर करती हुआ. Pound-
ing; e. g. with a pestle. पि० नि०
५३४; ओव०

कंडक. न० (कण्डक) ऋद्धि “कंड” शब्द.
देखो “कंड” शब्द. Vide. “कंड” क०
प० १, ८३;

कंडग. न० (काण्डक) ३९१; पाथेयः पड. पर्त;
थर; अस्तर. A layer. सूय० १. ६, १०;
(२) धनुष्य बाण. arrow. राय० २५७; (३)
संख्यात संयमना स्थानकेतो समुद्राय. अ-
संख्य संयमके स्थानकका समुद्र. collection
of countless items of ascetic
conduct. पि० नि० भा० ६६; क० प० १,
४२; ६६; —हेट्ट त्रि० (अधस्तन) आर
समयता स्थितिस्थानके समुद्र रूप कंडकनी
नीचिनुं. चार समय का स्थिति स्थानक समुद्र
रूप पर्त नीचे का. situated below
Kāṇḍaka and equal to the
duration of 4 units in a cer-
tain stage. क० प० १, ४०;

कंडय. न० (काण्डक) ३९१; अंड सूक्ष्म
भाग. समयका एक सूक्ष्म भाग. A very
small division of time. भग० ३. २;
(२) राक्षसनी सभा आगवनुं चैत्यवृक्षः कंड
नं भा. राज्ञ्य की गभा के सामने का चैत्य

वृक्ष कंडक का झाड़, name of a Chai-tya (garden) tree near the council-hall of demons. टा० ८, १;

कंडरीय. पुं० (कण्डरीक) भूतदेवकी सहायशी बनभां जन्मां ब्रह्म पुष्पवती श्रीनि लक्ष्मिनार ऐक पुत्र्या भावसु के जेनी इथा उत्पत्ति श्रीनि उभर दशाविष के, मूलदेव की मदद में बन के किरी प्रवासी पुष्प की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पत्ति की बुद्धि पर घटित की है. Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Muladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpatiki. पि० लि० ६६: नंदी० (२) पुष्पवती विजयती पुंडरीकिणी नगरीना महापद्मराजकी पद्मावती राज्ञीना पुत्र: पुंडरीकतो नदानो भाष्ट के जे दीक्षा लक्ष. भावसुशी पतिन थन, संसारभां आयेये अने तरतव मरजु पामी नरके गये. भूदोटा भाष्ट पुंडरीक इंद्रीकतो उतावेस साधुके पड़ेरी, साधुथन, राजु दिवसभां मरजु पामी, सवाथ सिद्ध विमान पड़ेये. पुष्कलावती विजय की पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मावतीरानी का अंगजात. पुंडरीक का लघु आता जो कि दीक्षा ले फिर पत्नी होगया और मेसारी बन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा नरक में गया. बडा साई पुंडरीक, कंडरीक के उतारे हुए साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ गिद्ध विमान में जा पहुंचा. name of the son of Padmāvatī, queen of Mahā padma king of the city of

Puṇḍarikinī belonging to the country Puṣkalāvātī Vijaya. He was younger brother to Puṇḍarika. He had taken Dikṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immediately died and went to hell while Puṇḍarika putting on the ascetic dress cast off by him became a Sadhu. He too died within three days and reached the heavenly abode named Sarvārtha Siddha. नाया० १६:

कंडवा. स्त्री० (कण्डवा) ऐक वादनं सुदि० t. एक प्रकार का वाजा. A kind of musical instrument. राय० —कंडा. स्त्री० (कण्डा) ऐ वासनं ऐक पर्वग वानिनु जाड. इस नाम का एक पर्वग जानि का झाड़. A kind of vegetation of Parvaga sort. पत्त० १:

कंडिय. त्रि० (कण्डित) आँटकुं लोटनं कूटा हुआ. पीसा हुआ Pounded with a pestle. पि० लि० १५१:

कंडियायण पुं० (कण्डिकायन) वैशाखी नगरी- श्री पद्मारने ऐक दिक्षान वैशाखी नगरी के बाहर का एक बगीचा. Name of a garden outside the city of Vaiṣaḥi. राय० १४, १:

कंडिल. पुं० (कण्डिल्य) कण्डिल्य ऐक प्रतंड ऐक ऋषि. कण्डिल्य गोंध वनां वाने एक वृक्ष. The name of the progenitor sage of Kāṇḍilya Gotra (lineage). टा० ७:

कंडिलायण. पुं० (कण्डिल्यायन) ऐ नामना ऐक ऋषि. इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. टा० ७;

कंडु. पुं० (कण्डू) खेदितुं वासश्च; तपो. लोहे का बरतन; तवा. An iron pan. आ० ३८; (३) असनो रोग. खाज की बिमारी itches. नाथा० १३; भग० ७ ८;

कंडुइय. न० (कण्डुमत्) असवागो. खुजलीवाला; खाज वाला. One having itches. सू० १, ३, १३; भग० ७, ६;

कंडुग. पुं० (कण्डक) अंगुष्ठना असंख्या-तमा भाग प्रमाण आकाश प्रदेश परिमित कर्मना स्थिति स्थानश्रानो समूह अंगुल के असंख्यातं भाग के बराबर आकाश परिमित कर्म के स्थिति स्थान का समूह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क० प० ३, ६;

✓ कंडुय. धा० II. (कण्डू) आ० ३२वी; अ० ३२वी. खाज खुजाना; कुचरना. To scratch; to tickle; to remove irritation of skin by scratching.

कंडुयण. आया० १, ६, १, २०;

कंडुहस्सामि. नाया० २;

कंडुहत्ता. सं० क० नाया० १;

कंडुयमाण. व० क० सु० च० ३, १३६;

कंडुयावेह. क० वा० विवा० ६;

कंडुयण. न० (कण्डूयन) अ० ३२वी; अ० ३२वी. खोदना; खट्टा करना. Digging. पंचा० ४, २०;

कंडू. स्त्री० पुं० (कण्डू) अ० ३२वी. खाज खुजाना, खजबाल. Itching sensation. नाया० ६, सू० १, ३, १, १०;

कंडूइय. न० (कंडूयित) अ० ३२वी. खाज; खुजली. Itching sensation. जं० प० सू० १, ३, ३, १३;

कंडूयग. त्रि० (कंडूयक) अ० ३२वी. खाज

खुजाने वाला. One who scratches to remove an itching sensation. टा० ६, १;

✓ कंत. धा० I. (कृत) छेदनुं, छेदना. To cut. (२) घंतिनुं. कौतना. to spin.

कंताति. सू० १, ८, १०;

कंतामि. पि० नि० भा० ३६; जं० प० ६, ११५;

कंत. त्रि० (कान्त) मनोहर; शान्तिवान; शोभायमान. मनोहर; कौतवाला; शोभित. Charming; beautiful; lustrous.

“कंतपियदसणा” नाया० १; ६; १४; भग०

२, १; ११, ११; १२, ६; आ० ३२; ३६;

जा० १; दस० २, ३; सू० प० २०; सम०

प० २३५; टा० २, ३; दसा० १०, १; सु०

च० १, ३५३; पञ्च० १७, १६; उवा० ४,

१५४; जं० प० ५, ११५; कण्ठ० १, ८;

३, ३४; (३) धृतसमुद्रना देवतानुं नाम.

घृत समुद्र के देवता का नाम. name of

the deity of Ghṛuta Samudra.

जा० ३, ४; —रूप. त्रि० (—रूप) सुंदर

रूपवाणुं. सुंदर रूपवान. beautiful; of

charming appearance. विवा० १;

२; —स्वर. त्रि० (—स्वर-कान्तः स्वरोय-

स्य स कान्तस्वरः) सुंदर स्वरवाणुं. सुंदर

कंठवाला. of melodious voice.

पञ्च० ३;

कंन. त्रि० (कान्त-आक्रान्त) आक्रमण करेवा. आक्रमण किया हुआ. Surmounted. सु० च० १; ३५३;

कंततर. त्रि० (कान्ततर) अति सुंदर. बहुत सुंदर. Very beautiful. “एनोकंततराण चैवमखुण्णतराण चैव” राय० ६१; जा० ३;

कंता. स्त्री० (कान्ता) सौंदर्यवाणी स्त्री. रूपवान स्त्री. (A woman) possessed of beauty. भग० १५; १; नाया० १६;

कंतार. पुं० (कान्तार) अ० ३२वी; अ० ३२वी; गहन

१; २२, १; नाथा० १३; १४; उत्त० ३६, ३८; निमी० ४, ५२; दस० ५, १, ७०; चउ० २८;
(२) आसना मूल अने थंडी वर्येता भाग. झाड़ के मूल और घट के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk. जीवा० १, राय० १५५; भग० १७, ३; नाथा० १५; पञ्च० १; ओव० (३) श्रमदादिद्विता मूल उपरनेता भाग भाग. कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots. जे० ५० — **अधिगार** पुं० (अधिकार) ईदने अधिधार-वर्णन. कंद का अधिकार वर्णन. subject matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३; २१, १;

आहार पुं० (आहार) ईदने आहार करने वाला नपस्वी का एक जाति. one who eats bulbous roots. भग० ११, ६, निर० ३, ३; — **जीवकुड** पुं० (जीववृष्ट) ईदने छुआ श्रवण. कंद के जीवों से छुआ हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; — **भोजन** न० (भोजन) ईदने भोजन. कंद का भोजन. food consisting of bulbous roots. डा० ५, सम० २१; नाथा १; भग० ६, ३३; दसा० २, १६; — **मूल** न० (मूल) कंद मूल. कंद मूल. roots and bulbous roots भग० ८, ५;

कंदण्या स्त्री० (कन्दन) आकंदन करने; रोपु; श्रद्धापूर्व. आकंदन करना; रोना; शोर मचाना. Crying; weeping; lamenting. डा० ४, १; भग० २६, ७; ओव० २०; **कंदना** स्त्री० (कंदना) ईदभुग पत्नी. कंदमूल पत्नी State of being bulbous

roots and roots. भग० २१, १; सय० २, ३, ५;

कंदप्प पुं० (कन्दर्प) राग अने मोह उपमन्यतार हारथ, गर्भित येष्टा; वक्रभाषण; राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय कीड़ा; वक्र भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, witty love talk. गच्छा० ८२; उत्त० ३८, २५४; जीवा० ३; पञ्च० २; ओघर्षा० १०२; (२) श्रमदेव. कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, पगह० २, २; भग० १४, ८; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंचा० १, २४; (३) कुतुहली देव. (३) कुतुहल करने वाले देव. the god Kutubali. भग० ३, ७; (४) श्रमदेवली भावना. कामदेव की भावना. meditation for sexual pleasure. गच्छा० ८२; — **कर** पुं० (-कार) श्रम उपरंत देवी येष्टाना करने. कामदेव उत्पन्न हो ऐसी चेष्टा करनेवाला. one who speaks and acts amorously. ओव० ३१; — **देव** पुं० (-देव-कन्दर्प) - ष्टाटहमने कन्दर्पकरणशीलाः कन्दर्पाः कन्दर्पाश्चते देवाश्च कन्दर्पदेवाः) अष्टमप्रत दसताश देवा. हडहड हंसने वाला देव. a loud-laughing god. नंद० — **भावणा** स्त्री० (-भावना कन्दर्पः कामस्वप्नधाना निरन्तरं नर्मादिनिःततया विप्र्राया देव विशेषाः कन्दर्पास्तेषामिह कान्दर्पा ना चास्माभावना च) ऐह प्रशस्ती श्रमोटीपद मोहजनक भावना एक जाति की कामान्पन्न करने वाली मोहमय भावना. a kind of love-exciting meditation. प्रव० ६४८; — **रति** स्त्री० (रति) श्रमभोगमां रति आसक्ति. कामभोग में रति आनाक delight in amorous pleasures. नाथा० १;

कंदपिञ्च-य. त्रि० (कान्दपिच-कन्दर्पस्त-
द्वुद्धिः प्रयोजनमस्येति) शम्भेष्टा, दाश्व,
भक्षरी इत्यादि. कामनेष्टा हास्य विनोद करने
वाला. (One) doing amorous
gestures. ओव० ३८; भग० १.२; पञ्च० २०;
कंदर. न० (कन्दर) पर्वतनी गुहा. पर्वत की
गुहा. A cave. नाया० १; २; दः नदी०
१४; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; ६, ३३;
विवा० १, ३;

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) गुहा. गुहा. A cave.
अत० ३, १; महा० प० ८२; जं० प० नाया० १;

कंदल. न० (कन्दल) ऐन्द्र जलजं जल.
ऐन्द्रजल. एक जाति का झाड़; केले का
झाड़. A kind of tree. नाया० १.६; ३;

कंदलग. पुं० (कन्दलक) ऐन्द्र जलजं पशु-
नी ऐन्द्र जल. एक खुरवाले पशु का एक जाति.
A one-hoofed animal. पञ्च० १;

कंदली. स्त्री० (कन्दली) ऐन्द्र जलजं इन्द्र.
एक प्रकार का कंद. A kind of bul-
bous root. उत्त० ३६, ३७; (२) ऐन्द्रजल
जल. केले का झाड़. a plainain tree.
पञ्च० १; भग० २२, १; (३) लक्ष्मी वनस्पति.
हरी वनस्पति. green vegetation.
आया० नि० १, १, २, १२६;

कंदिय. पुं० न० (कन्दिन) वियोगिनी स्त्री
इन्द्र. वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamen-
tation of a woman separated
from her husband. उत्त० १६, २;
ओव० २१; नाया० १; पंचा० ७, १६;
(२) वायव्यन्तर देवतानी ऐन्द्र जल.
वायव्यन्तर देवता का एक जाति. a kind
of Vānavyantara (infernal)
gods. पञ्च० २; पगह० १, ४; ओव० २४;
प्रव० ११४४;

कंदु. त्रि० (कन्दु) क्षोदानुं वासुज; यज्ञ
भभरा यज्ञे भुञ्जानां इति. लोहे का एक

वस्तुन; चने आदि भुञ्जने की कढ़ाई. An
iron vessel: an iron pan to
bake grams etc. पगह० १, १; विवा०
३: — **सोल्लिय.** त्रि० (पञ्च) यज्ञ भभ
शाली पेट तापशभां पक्षेयुं. चने, फूली का
तरह घाममें पका हुआ. Cooked, baked
in the heat of the sun. “ कंदु
सोल्लियं पिव कट्सोल्लियं पिव अन्पाणं जाव
करेमाणा विहरंति ” भग० ११, ६;

कंदुकत्ता. त्रि० (कन्दुकता) इन्द्र नामनी
वनस्पति का भाव-स्वरूप. कंदुक नामकी
वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of
nature of a vegetation named
Kanduka. मय० २, ३, १६;

कंदुकुम्भी. स्त्री० (कन्दकुम्भी) क्षोदानुं इन्द्र.
तापशी लोहे की कढ़ाई; लोहे का बर्तन.
An iron pan used to bake
bread etc. उत्त० १६, ४८;

कंदुरुक. न० (कन्दुरुक) ऐन्द्र जलजं धूपने
नगंधी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगंध
पदार्थ. A kind of fragrant
incense. नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) तारक्षीने उपवर्तनी इन्द्र.
नागकयो के पैदा होनेका कुम्भी. A pot-
like place where the hell be-
ings get their birth. मय० १.२, २.७;

कंध. पुं० (स्कन्ध) अधि. कंधा; स्कन्ध.
A shoulder. आया० १, ६, १, २२;

✓ **कंप.** वा० II. (कम्प) क्षुब्धं; क्षुब्धं.
ध्रुजना; कंपना; थरथराना. To tremble;
to quiver.

कंपन्त. व० क० म० च० १, ११०;

कंपमाण. व० क० भग० ३, २;

कंप. पुं० (कम्प) क्षुब्धारी; ध्रुजरी; थरथराहट.
Tremor; trembling. मम० ११;

कंपण. न० (कम्पन) क्षुब्धं; ध्रुजं; क्षुब्धं.

कांपना; ध्रुजना; हिलना. Tremour: trembling. पि० नि० ५८०; अणुजो० १३०; —वाइअ. पुं० (-वातिक) इम्प-
वानुं दई; जेथी भरतइ इम्प्या इरे ओवो
शेथ. ध्रुजने का बांमारी; वह बांमारी जिमसे
मिर ध्रुजा करे name of a disease
causing trembling sensation in
the head. अणुन० ३, १;

कम्पिल्ल. पुं० न० (कम्पिल्ल) दम्पितव्य
नामके इरुण्डाबाद जिल्लानुं ऐक नुनुं नगर
के नै द्रिपान् पांचावदेशनी राजधानी दती
अने त्यां द्रौपदीनी स्वयंवर थिया दत्ता.
कम्पिल्लपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक
पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश का
राजधानी था और जहाँ द्रौपदी का स्वयंवर
रहा गया था. Name of an ancient
town of Farukhābad district.
It was the capital of southern
Panchala country and also the
place of Draupadi's choice-
marriage. पञ्च० ३: निर्माण ६, २०:
उत्त० १३, ३: (२) अन्धकः अन्धः ३ सा
रुणा आत्मः अध्ययनं नाम. अन्धक
सूत्रके पाटले वर्गके सातवें अध्यायका नाम.
name of the 7th chapter of the
first section of Antagadī Sūtra.
(३) अन्धकवृष्णिना पुत्र आत्मा दशाहं के नै
नेमिनाथ प्रभु पासे आर वरसनी प्रव्रज्या
पाणी शत्रुंजय डिपर ऐक मासनी संथरे
हरी मोक्ष गया. अधकवृष्णि के पुत्र सातवें
दशाहं, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पाय बारह
वर्षे का प्रव्रज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर
एक मास का संथारा कर मुक्ति पथार.
the 7th Daśarha, son of
Andhaka Vṛṣṇi. He prac-
tised ascetism for twelve years

under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śaṭruñjaya and got salvation. अंत० १, ७;

कंपिलपुर. न० (काम्पल्यपुर) द्रं पित्रपुर
नामं नगर. कंपिलपुर नामका नगर. Name
of a city. " पंचालेमु जणवणमु कंपिल-
पुरं शयनं तन्ध दुम्मुहारायां " नाया० १६:
नाया० ४०६: भग० १४, ८; नाया० १: ८;
१६: उवा० ५, १६३: श्रॉव० ३६:

कंबल. पुं० (कम्बल) शयन; शयनोद्योगः ।
 शयनोद्योगः कम्बलः कम्बलः, शालः । A blanket.
 शयनोद्योगः नि० ७०६; निर्माणो०, ११; भग० २,
 ५; ७, १; ८, २; १३, ६; विवा० २; पञ्च०
 १२; ५३; राश० ७०६; नाश० १७;
 दश० ८; ६, २०; आश० १, २, ५, ८६;
 १, ७, १, १६७; नैय० १, २७; जीवा० ३,
 ३; उता० १, ५८; कथ० ८६, ५२; प्रव० ८७५;
 —कड. पुं० (कड) शयनोद्योगः कम्बलः ।
 blanket. डा० ८, ८; —किडु. न०
 (कड) शयनोद्योगः कम्बलः । a blan-
 ket. भग० १३, ६; —पावार. न०
 (पावार) शयनोद्योगः शयनोद्योगः ।
 कम्बलः शयनोद्योगः शयनोद्योगः । a blanket.
 निर्माणो० ३, ११;

कंबलग. न० (कम्बलरु) शमनः शंयन.
कामलः कम्बल. A blanket; a rug.
आया० २, ५, ९, १०५;

कंबल, न० (कम्बल) पायसो; डिनरुं
 पत्र. कम्बल; ऊन का वस्त्र. A woolen
 blanket. प्रव० ३६२;

कंवु. पुं० (कम्बु) शंभु शंख. A conch-shell. जं० प० जीवां ३, ३: पगह० १, ४: स्त्राव० १०: (२) कंछु नामि पांयभा द्वेक्षोऽन्तुं ऐकस्मिन् न दे जेभां वसता द्वेवापुं आर सागरान् आयुष्य छे. कंबु नामक पांचवें

देवलोक का एक विमान, जहाँ उत्पन्न होनेवाले देवताओं की आयुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras; (it is in the fifth Devaloka). सम० १२;

कंबुगीव. पुं० (कम्बुग्राव) क्षुब्ध नामे पाँचमा देवलोकानुं अक्ष विमान के ग्रेमां पसता देवानुं आर सागरानुं आयुष्य के. कंबुग्राव नामका पाँचवें देवलोक का एक विमान, जहाँ के देवताओं की बारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sāgaras. सम० १२;

कंबू. स्त्री० (कम्बू) अ नामकी अक्ष आधार २५ वनस्पति; कन्दमूलकी अक्ष वृत्त. इस नामकी एक साधारण वनस्पति: कंद मूल की एक जात. Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पञ्च० १;

कंबोज. पुं० (कम्बोज) क्षुब्ध देश; क्षुब्ध देश. कम्बोज देश: काबुल देश. The country called Kamboja. राय० २३६;

कंबोज अ. त्रि० (कम्बोज) क्षुब्ध देशवा ७८-भेद. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kamboja country. राय० २३६; " जहा से कंबोजाण आइले कंधण मिया " उत्त० ११, १६;

कंस. पुं० न० (कंस) क्षस नामकी ८८ अक्ष-मानि २२ भेद अक्ष. ८८ ग्रहों में से कंस नाम का २२ वां ग्रह. The 22nd planet of the 88. टा० २, ३; सू० प० २०; (२) मथुरादेश राजा. मथुरा का राजा. name of a king of Mathurā. टा० २, ३; पृष्ठ० १, ४;—**कंस.** पुं० (—कंस्य) क्षसानी अक्ष धातु. कंसि; एक धातु bronze.

उवा० ८, २३५; सू० २, १, ३६; उत्त० ६, ४६; जं० प० २, २४; पि० नि० ३३४; नाया० १; ७; भग० ८, ५; ६, ३३; पञ्च० ११; दसा० ६, ५३; जीवा० ३, ३; गच्छा० ८८;—**पाई.** स्त्री० (—पात्री) क्षसानी धातु. कंसि की धातु. a bronze utensil. " कंस पाई व सुकृतोण " टा० ६; आव० १७; उवा० ८, २३५. —**पाय.** पुं० (—पात्र) क्षसानी क्षम. कंसि का बरतन. a bronze pot. " कंसु कंस पाणसु, कुंद मोणसु वा-पुणो भुंजंतो अस्सण पाणाइं आयरो परि-भस्सइ " दश० ६, ५३; कण्ठ० ५, ११६;

कंसराभ पुं० (कंसनाभ) क्षसानी अक्ष-मानि २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;

कंसताल. न० (कंस्यताल) क्षसानी अक्ष-मानि २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;—**कंसताल.** न० (कंस्यताल) क्षसानी अक्ष-मानि २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;—**कंसताल.** न० (कंस्यताल) क्षसानी अक्ष-मानि २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;

कंसवर्णाभ. पुं० (कंसवर्णाभ) क्षसानी अक्ष-मानि २४वें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व-गणाभा " टा० २, ३; सू० प० २०;

कंसवर्ण. पुं० (कंसवर्ण) क्षसानी अक्ष-मानि २४वें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व-गणाभा " टा० २, ३; सू० प० २०;

कंसिय. पुं० (कंस्यिक) क्षसानी अक्ष-मानि २४वें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व-गणाभा " टा० २, ३; सू० प० २०;

कंसीय. न० (कंसीय) क्षसानी अक्ष-मानि २४वें ग्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व-गणाभा " टा० २, ३; सू० प० २०;

पञ्च० ११;

ककारप्रविभक्ति. पुं० (ककारप्रविभक्ति.)

झरनी देखा बाण नाटक. कला की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क". गद्य. ४३.

ककुद, त्रि० (ककुद) प्रधान, प्रान. Any one that is prominent, principal. **ककुद** १०५

ककुद्द. राज (ककुद्द) राजनिन्दः तेषां
 राजनो ज्ञेयमप्यु पठे तेषां निशानो राज-
 चिन्हः, ज्ञानेन राजा परिचया जायते नर-
 चिन्हः, Royal insignia, "राज ककुद्द"
 राज ५, ३; नाथान १३; श्रॉवन १२; जेठ
 ५० १, १२३; (०) अरुन्धती भृङ्ग, जेठ
 का केषा, a hump of a bullock,
 (३) अर्धवर्तुल पर्वत, पर्वत का श्रृंग
 a summit of a mountain, जेठ ५०
 १, १२६; कर्पण ३, ३, ४

[illegible]

कक. पु० (कक) अथर्वनाम अथर्वनाम अथर्वनाम
अथर्वनाम नाग, ब्रह्मदत्त नक्षत्रों के एक

राज्य का नाम. Name of a palace
of Brahmadatta Chakravartī.

“ उच्चोदात्तं महुकर्कश्य वंभे ” उत्त० १३, १३:

कककुक्रया. श्री० (कलककुक्रया) दंष्ट्री श्री-
वने श्वेतपुत्रे. दंष्ट्रे मे दृग्मे को उगता.
Deceiving others by means of
false tricks. प्र० १११:

Rough; harsh. क० प० ८, १५;

काङ्कड़ग, पुं० (ककटक) अक्षरः शास्त्री जैष्ठ
 त्तम, ककड़ो, A cucumber, a kind
 of vegetable, पुंवाच १, २६; —जल.
 न० (—जल) अक्षरः तथा अथर्ववेदा
 श्रौ० १०११० पृ० १०११०, ककड़ो तथा खरबूजा
 फलसु मे मे निकलतां दृष्ट्या जना, the
 water that comes out of cucum-
 ber etc, प्रवृ० १०११०

कक्षा १२, भा. (कक्षा १२ के छात्रों के लिए) पृष्ठ ३०
उत्तराखण्ड, भारत के पेट में उद्भव
लगाव। The gases that play in
the stomach of a running
horse, भा. ३०, ३१

A cucumber. पंजा० ५, २३; १०, २४;

ककडी. खर (ककडा) शब्द. ककडा. A
kind of vegetable; a sort of
cucumber. पिबिबि १६६; प्रब ३०.

कक़व पुं० (कक़व) - शीतल श्रेष्ठ रसः ।
 आदाया रसं किया हुआ सन्धिक रसः Boil-
 ed juice of sugarcane. मरु० ३३३;

ककुर, पुं० (कर्कर) देते आवाज द्रष्टर थाय
 तल ३५. जिम चवाने मे करकर हो ऐसा
 पदार्थ. A substance which pro-
 duces a cracking sound when
 chewed उत्त० ७. ६; (२) द्रष्टरे.
 ककर, n small stone. दमा० ७. १;

राय० २६; आव० ४, ४; —सअ. न०
(-शत) सैंकड़ों डांडरा. सैंकड़ों कंकर.
(with) hundreds of pebbles.
विवा० २;

ककरण्या. ली० (ककरण) शय्या उपधि
पथेरेमां दोष कलसी अथअउट करतुं ते.
शय्या, उपधि आदि में दोष निकालकर बड़
करना. Loquaciously finding
fault with environments such
as a bed etc. ठा० ३, ३;

ककरय. पुं० (ककरक) सुबिद्धाना हेतु
शीअवया. सुबिद्धाना के हेतु सिखाना. Giv-
ing instructions into the reasons
for proper alms-begging etc.
निसी० १३, ८;

ककरी. ली० (ककरी) आगर. गगर. A
round metal pot. जावा० ३, ३;

ककस. त्रि० (ककश) कठोर; आकड़. कठिन;
कडा. Hard; severe. “विपुला ककसा
पगाडाचंडा दुहाहिन्वा दुहाहियासत्ति”
विवा० १, १; सु० च० २, ३८०;
भग० ७, ६; ३३: दस० ८, २६; उवा० २,
१०७; ठा० ६; आया० २, ४, १, ६३३,
(२) अरअर; ककश. ककश: खुदरा.
rough; harsh. गच्छा० ५४; राय० २८२;

ककावंस. पुं० (ककवंश) ऐक जलनी पत-
रपति; वांसनी ऐक जल. एक जाति की
वनस्पति; बांस की एक जाति. A kind
of vegetation so named; a kind
of bamboo. भग० २१, ४;

कक्यण. पुं० (कक्यन) ऐक जलतुं रत्न;
भण्ण. एक जाति का रत्न; मणि. A kind
of gem; a jewel. “आगासकेसकज
कक्यण इंदणील अयसि कुमुमप्यगासे”
राय० जं० प० कप्य० ३, ४५;

ककोडई. ली० (ककोटकी) कडोडानी वेल.

ककुम्बर की लता; ककोटे की वेल. Name
of a creeper; a species of cu-
cumber. पन्न० १;

ककोडय. पुं० (ककोटक) वेलंधर जलतना
देवतानुं नाम. वेलंधर जाति के देवता का
नाम. Name of a god belonging
to the Velandhara kind of
gods. भग० ३, ६; ७; (२) ककोटक देवते
रहेयाना पर्वतनुं नाम. उस पर्वत का नाम
जहां ककोटक देव रहता है. name of
the mountain abode of the
Karkotaka. जावा० ३, ४; (३) अनुवेस-
ंधर देवताना राजतनुं नाम. अनुवेसंधर देवता
के राजा का नाम. name of the king
of the Anuvelandhara kind of
gods. जावा० ३, ४; (४) लवण समुद्र-
मां पूर्व दिशाये अेतासीश एज्जर न्नेज्जन
उपर आवेस अणुवेसंधर देवतेना आवास
पर्वत. लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर
४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेसंधर देव-
ताओं का निवास पर्वत. name of the
mountain-abode of the Anuve-
landhara gods situated at a
distance of 42000 Yojanas in
Lavana Samudra in the east.
ठा० ४, २,

ककोल. पुं० (ककाल) ऐक जलतुं फल.
एक जाति का फल. A kind of fruit.
परह० २, ५;

कक्ख. पुं० (कक्ख) डाअ; अगल बगल; कांख.
An arm-pit. नाया० २; १६; भग० ३,
२; ५, ४; निसी० ५, ४१; जावा० ३, ३;
प्रव० ६७७; कप्य० ६, २६; —अंतर. न०
(-अंतर = कसाया अन्तरं मध्य कसान्त-
रम्) डाअने मध्य भाग. बगल का मध्य
भाग. the middle part of the

arm-pit. निर० ४, १; —**देशभाग**. पुं० (—**देशभाग**) स्तनपासे डाँपनी भूत भाग. स्तन के पाग बगल का मूल भाग. the part of the arm-pit near the breast. नाया० २; —**मेत्त**. त्रि० (मात्र) डाँप, अगल सुधी प्रभाजित्तुः अगल सुधी. बगल तक मापवाला; बगल तक. reaching to the arm-pit. प्रब० ६७७; —**रोम**. न० (—**रोम**) डाँपना रोम. बगल के बाल. the hair of the arm-pit. “परुदण हकेम कक्खरोमा श्रोत्ति” श्रौत० ३८; आया० २, १३, १७२; निर्मा० ३, ४३;

कक्खड. त्रि० (कर्कश) ईशर; अरुचयः ईशर. कठोर; कर्कश; खरदरा. Hard; harsh; rough. “एगेकक्खड” टा० १, १; श्रौत० नि० ६२; अणुतो० १४१; पञ्च० १; ज्ञावा० १, उक्त० ३६, १६; आया० १, ७, ६, १७०; पि० नि० ४२६; नाया० ६; भग० १, १; १४, ७; १४, १; १८, ६; २०, ४; टा० १, १; कप्प० ६, ४६; क० प० ४, ६३; —**फाम्**. पुं० (—**स्पर्श**) इतिस्पर्शः अरुचयःप्रस्पर्श. कठिन स्पर्श; खरखरा स्पर्श. hard touch; rough touch. सम० २२; भग० ६, ६; ८, १; (२) त्रि० इति स्पर्शवादा. कठिन स्पर्श वाला. feeling hard. दमा० ६, १; क० मं० ४, ३२;

कक्खडत्त. न० (कर्कशत्व) ईशरपणः ईशरपण. कठोरता; कर्कशता. Hardness; harshness. भग० १७, २;

कक्खडा. स्त्री० (कर्कशा) ईशर वेदना; दुःसह पीडा. कठोर वेदना, दुःसह पांडा. Hard acute pain. नाया० १;

कक्खा. स्त्री० (कक्षा) डाँप; अगल-बगल;

कांख. An arm-pit. “उष्णीजिकक्खा” विवा० १, ३; मूय० १, ४, १, ३; नाया० १; १६; ज० प० गच्छा० १२२;

कच्च. त्रि० (कृत्य) कर्तव्य; करवानेयोग्य. कर्तव्य; करने योग्य. A deed; an action; a duty. सम० ३१;

कच्चायण. पुं० (कात्यायन.) कात्यायन पुत्र श्री प्रभवज्जना भोक्तृज्जनाम. काव्य के पुत्र श्री प्रभवज्ज के गोत्रका नाम. Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātya. नंदो० २३; (२) ऐशिक आत्रनी शाखा. कौशिक गोत्र की शाखा. name of a branch of the Kausika family. टा० ७, १; (३) ऐशिक आत्रना शाखामागो पुरुष. कौशिक गोत्र की शाखा का पुरुष. a person belonging to the branch of the Kausika family. टा० ७, १; (४) मूल नक्षत्रज्ज आत्र. मूल नक्षत्र का गोत्र the family of the Mūla constellation. “जे कोमिया ते सत्त विहापणत्ता तंजहा ते कोमिया ते कच्चायणा” मू० प० ११; टा० ७; —**सगोत्त**. त्रि० (—**सगोत्र**) कात्यायन आत्रवण्ण. कात्यायन गोत्र वाला. Of Kātyāyana family. “मूननक्खत्ते कच्चायण सगोत्ते पणत्ते” मू० प० १०; भग० २, १;

कच्छालय. पुं० (*) आधोः ध्येयज्ञा. प्याला; कटोरा. A cup. मू० न० ८, ६४;

कच्छ. पुं० (कच्छ) डाँडी; डब्बोटा. कांछ; कछोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; (२) क्षिति. किनारा. a border; a margin; a bank. भग० १, ८; जं० प० १, ४; ६५; ३, ५२; (३) सीता नदीनी उत्तरे नीलवंतपर्वतनी दक्षिणे चित्रकूट वखारा पर्वतनी पश्चिमे अने मालवंत वखारा पर्वतनी पूर्वे महाविदेहक्षेत्रभागे अत्र विजय. सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वखारा पर्वतके पश्चिम और मालवंत वखारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūṭa Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sitā. जं० प० (४) आरेंक्षर नलथी दंडायेन प्रदेश. वह प्रदेश जिनके चारों बाजू जलसे ढंके हों. a place covered with water on all sides. (५) कच्छ विजयनी वैताड्य पर्वतना नव दूटभांता नील अने सातभा दूटनुं नाम कच्छ विजय के वैताड्य पर्वत के नौ कूटों में से दूसरे और सातवें कूट का नाम. name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitāḍhya mountain of Kachchhavijaya जं० प० (६) थोडा नलनुं स्थान. थोड़े जलका स्थान. a place containing scanty water. नाया० १; —कूड. पुं० (-कूट) चित्रकूट वखारा पर्वतना आर दूटभांनुं तीसुं दूट-शिखर. चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर. the third

of the four summits of the Chitrakūṭa Vakhārā mountain. जं० प० (२) मालवंत पर्वतना नव दूटभांनुं थोथा दूट-शिखरनुं नाम. मालवन्त पर्वत के नौ कूटों में से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain. जं० प० —वक्तव्या. स्त्री० (-वक्तव्यता) कच्छ विजयनी वक्तव्यता-अधिक्षर. कच्छविजय का वर्णन. a description of Kachchhavijaya.

कच्छ. पुं० (कच्छ) क्षत्र; अश्व, बगल; कांस. An arm-pit. भग० ३, ७; —कोह. पुं० (-कांथ = कक्षाणां शरीरावयवार्वाशेषाणां कोथां दौर्गन्ध्यम्) क्षत्रभांणी दुर्गन्ध. बगलका दुर्गन्धी. stench proceeding from the arm-pit. भग० ३, ७;

कच्छगावई. स्त्री० (कच्छगावती) नुथो. “कच्छगावती” शब्द. देखो “कच्छगावती” शब्द. Vide “कच्छगावती.” “दोकच्छगावई” जं० प० टा० २, ३;

कच्छगावती. स्त्री० (कच्छगावती) अक्षिदूट वखारा पर्वतनी पश्चिमे अने द्रवती नदीनी पूर्वे अनेनी वक्ष्य महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र विशेष. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के पश्चिम और द्रवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय. Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūṭa Vakhārā mountain (westward) and Drāhāvati river (eastward). जं० प० —कूड. पुं० (-कूट) अक्षिदूट वखारा पर्वतना आर दूटभांनुं थोथा दूट-शिखर. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhārā mount,
जं० प०

कच्छुभ. पुं० (कच्छुप) क्षात्रभेद. कच्छुया. A
tortoise. पञ्च० १; जं० प० पगह० १,
१; विवा० १; उत्त० ३६, १७१; जीवा० १;
नाया० ४; पि० नि ५६१; भग० ३, २; ७,
६; १२, ६; १५, १; (२) राहुजं नाम.
राहुका नाम. another name of Rāhu
सू० प० २०;

कच्छुभरिगिय. न० (कच्छुपरिज्ञित) क्षत्र-
यात्री भेदः आश्रय के पाण्डव भरतप्रभाण्ड
यात्रीति वंदना करे ते: वंदनातो अक्ष द्रव्य.
कच्छुव की तरह आगे या पीछे दृष्टानुसार
चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोष.
A fault connected with Vandanā (bowing); one who bows by
moving backward and forward
like a tortoise. प्रव० १५०;

कच्छुभाणी स्त्री० (*) अक्ष जलतली
पाण्डिमां डिंगली वनस्पति: देशरत्नं आक्ष.
एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाला
वनस्पति; केशर का झाड़. A kind of
aquatic plant; a saffron tree.
पञ्च० १;

कच्छुभी. स्त्री० (कच्छुपी) अक्ष जलतनुं
वाद्ययंत्र; पीप्पल. एक जाति का वाद्ययंत्र; गीगा.
A kind of musical instrument;
a kind of lute. “ अटुमयं कच्छुभीणं ”
राय० ८८; जं० प० पगह० २, ५; नाया०
१७; आ० ४, २; निमा० १७, ३५;

कच्छुवी. स्त्री० (कच्छुपी) अक्ष पातजं अने
वस्त्रे पहोतुं अंगुं पुस्तक; पुस्तकता पांथ
प्रक्षारमानुं अक्ष. किनारों पर पतवा और मध्य

में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से
एक. A book tapering at the end
and bulky in the middle; one
of the five varieties of books.
प्रव० ६७१;

कच्छु. स्त्री० (कक्षा) क्षात्रिणी आत्रीमां आंध्र-
यात्री राक्षसी. दार्शकी क्षात्रिणी बांधने का
रस्मि. A rope with which an
elephant is tied in the middle
part of its breast. आंव० ३०; भग०
३, ६; (२) महाविदेहनी आत्रीश विद्वत्प-
मानी अक्ष. महा विदेहका वर्तमान विजय में
का एक विजय. one of the ३२ Vija-
yas of Mahāvideha. आ० २, ३;

कच्छुय. पुं० (कच्छुक) अक्षरवेदः अक्षनेत्र
रोग. खाजका रोग; खाज. A kind of
disease which causes itching
sensation. निमा० ६, २२;

कच्छुरी. स्त्री० (कच्छुरा) क्षमासे: क्षमासतो
गुच्छे एक जाति की वनस्पति; क्षमासे का
गुच्छा. Name of a plant; a cluster
of the same plant. पञ्च० १;

कच्छुल. पुं० (कच्छूर) गुच्छ जलतनुं अक्ष
आक्ष. गुच्छ जाति का एक झाड़. A kind
of bushy plant. पञ्च० १;

कच्छुलनारय. पुं० (कच्छुलनारद) क्षुब्ध
नामनी नारद. कच्छुल नाम का नारद.
Nārada bearing the name
Kachchhula. नाया० १६;

कच्छू. स्त्री० (कच्छू) अक्षर-आक्ष: क्षुब्ध-
रोग. खाज; खुजली; खाज का रोग.
Itch: itching sensation. जीवा०
३, ३; जं० प० भग० ७, ६;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). View
foot-note (*) p. 15th.

कच्छूक. पुं० (कच्छूक) भा०; अ०. खाज;
खुजली. Itching sensation. भग० ७, ६;

कच्छूल. त्रि० (कच्छूल) भृशरीति दई.
जिसे खाजका बीमारा है वह. (One)
suffering from itch, scab etc.
निवा० ७; परह० ३, ५;

कज्ज. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन; धर्म;
कर्तव्य; क्रिया, काम; मतलब; कार्य; कर्तव्य;
क्रिया. A deed; an action; an
aim; a purpose; a duty. "किं कज्जं
भयणात्ति जंतुकीरती तेणं" पं० नि० भा०
४७; विशेष० ७१; ४२३; २११२; उत्त०
२५, ३८; ओव० २०; राय० २१०; सू०
पं० ११; सू० च० १, ५७; जीवा० ३, ४;
भग० ११, ६; १२, ६; १८, २; ७; नाया०
१; २; ३; ५; ७; ८; आया० १, २, २, ७६;
दस० ७, ३६; उवा० १, ६; मच्छा० २२; ५६;
पंचा० ४, १७; ५, ३५; क० पं० १, ८;
—अंतर. न० (—अंतर) प्रथम कहे
कार्य बिना दूसरा कार्य; कार्यन्तर. work other
than the one said before. पंचा० १२, ३०; —अभाव. पुं० (अभाव)
कार्य की अभाव. कार्यका अभाव. absence
of action or purpose. विशेष० ७१;
—आवन्न. त्रि० (—आपन्न) कार्यपल्लव-उत्पत्ति
लावने प्राप्त अर्थ. कार्य रूप को उत्पत्ति
भाव को प्राप्त. (that) which has
reached the stage of effect or
result; (that) which has been
born. विशेष० ६०; —सिद्धि. स्त्री० (—
सिद्धि) कार्य की सफलता. कार्य की सफलता.
accomplishment of a purpose,

a deed विशेष० ३; —हेतु. पुं० (—हेतु)
कार्य की हेतु-निमित्त. कार्य का हेतु-निमित्त.
(with) a purpose or motive.
ठा० ४, ४; भग० २५, ७;

कज्जकारि. त्रि० (कार्यकारिन्) सार्थक;
संप्रयोजन. अर्थ युक्त; मतलब सहित. Hav-
ing meaning; full of meaning.
मच्छा० २५;

कज्जता. स्त्री० (कार्यता) कार्यपल्लव. कर्तव्य
पन. State of being a deed, a
result etc. विशेष० ११०;

कज्जल. न० (कज्जल) अंगुष्ठ; अंगुष्ठ. अंगुष्ठ;
कज्जल Soot used as collyrium
for the eyes. जं० पराय० ६०; पञ्च०
१७; ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १;
भग० २, १;

कज्जलंगी. स्त्री० (कज्जलंगी) अंगुष्ठ की अंगुष्ठ
के शीश. कज्जल की शीशी या टिब्बा. A
small box or vial in which eye-
collyrium is kept. ओव०

कज्जलपभा. स्त्री० (कज्जलप्रभा) अंगुष्ठ उद्वान
नक्षत्र भुजाना वनपंथी अंगुष्ठ वावडीनुं
नाम जम्बू वृक्ष के नक्षत्र कोन के वनखंड
को एक बावडी का नाम. Name of a
forest-well to the south west
of Jambūvrikṣa. जीवा० ३, ४; जं० पं०
कज्जसेण. पुं० (कार्यसेन) कार्यसेन नामे गज-
अवसरपिनी पांचमा कुलकर. गत अवसरपिनी
के कार्यसेन नामक पांचवें कुलकर. The
5th Kulakara (a great leader
of men) of the past Avasarpiṇī,
named Kāryasena. सम० पं० २२६;

* **कज्जलावेमाण.** त्रि० (*) पालीश्री

बराधने हुआ। पानी से भरा कर डूबता हुआ. Sinking down after being filled with water. निगम० १८, १८; आया० २, ३, १, ११६; —कज्जोवअ. पुं० (-कार्योपग) ८८ भांति छेतिरभां अद्रुं नाम. ८८ ग्रहों में से ७६वे ग्रह का नाम. name of the 76th planet. सू० प० २०; जं० प० ७, १७०; —कज्जोवग. पुं० (-कार्योपग) जुओ “कज्जोवअ” शब्द. देसो “कज्जोवअ” शब्द. vide “कज्जोवअ” शब्द २, ३;

कटुअ य. पुं० (कटुक) क्षुत्तो मस. कटु रस.

Bitter taste. सम० २२; भग० ७, १;

कटुग. पुं० (कट्वर) काश. अट्ठजी अथवा गरम मशालो. द्राव्य. चटनी या गरम मसाला.

Whey: a kind of sauce; spices used to season food नि० नि० ६२१;

कटु. वि० (कृष्ट) दृक्ती पेट्ट. हल से खुदा हुआ. Ploughed. पि० नि० भा० १२;

उवा० १, ३३;

कटु. पुं० (कष्ट) क्षुत्तो; दुःख; भुक्ति. कष्ट; दुःख; कठिनार्थ. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा० ७;

मः नाया० ६; भक्त० १६४;

कटु. न० (काष्ठ) आक्षुत्तो; क्षुत्तो. लकड़ी.

Wood; stick; विवा० ७; पि० नि० भा०

७; निगम० ३, १; सू० स० १३, १६; भग०

७, ६; ६; १८, ७; आया० १, १, ४, ३०;

१, ४, ३, १३४; २, १, ४, २६; नाया०

१; मः ६; १७; राय० २६; २६२; अणुजो०

१०; १८६; दम० ४; ५, १; २, ३; पञ्च० १;

पंचा० ७, ६; १८, १०; क० ग० १, १८;

प्रव० २२१; जं० प० ५, ११२; ११४;

—अन्तर. पुं० (-अन्तर) आक्षुत्तो आक्षुत्तो भां अन्तर-विशेषता लकड़ी लकड़ी में भेद-विशेषता. the peculiarity of differ-

ent kinds of wood. शब्द० ४, १; —आ-

हार. पुं० (-आहार) आक्षुत्तो आक्षुत्तो

अक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

को खाजनेवाला एक जाति का कीड़ा; तीन

इंद्रियवाला जीव. a three-sensed liv-

ing being; a worm found in

wood and eating wood उत्त० ३६;

१३६; पञ्च० १; नाया० १३; —कम्म. न०

(-कर्मन्) आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

कोरने का काम. engraving of wood.

नाया० १३, १७; निगी० १२, २०; आया०

२, १२, ५७१; —कार. पुं० (-कार)

सुतार. सुतार; बट्ट. a carpenter

अणुजो० १३१; —खाअ य. वि० (-खाद

—काष्ट आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो आक्षुत्तो

—रासि. पुं० (-राशि) वाड्डाणां ढगसो.

लकड़ा का ढेर. a heap of wood. भग०

८, ६; १५, १; —संथारोवगय. पुं० (-संस्तार-

कांगत) वाड्डाणां आसनं उपरि ओइल.

लकड़ा के आसन पर बैठा हुआ. one seated upon a wooden seat.

१५, १; —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका)

वाड्डाणी गाड़ी. लकड़ा की गाड़ी. a wood-

en cart. नाया० १; भग० १, २; २, ५;

विवा० १; —सिला. स्त्री० (-शिला—

काष्ठं शिलेवायतिविस्ताराभ्यामिति काष्ठ-

शिला) शिलांनीपेइं बांथु, पड़ेअंनुं भने

अपटुं वाड्डाणुं पाटीयुं. शिला का तरह लम्बा

मोटा और चपटा लकड़ी का पट्टिया. a slab

of wood. ठा० ३; आया० २, ७, २, १६१;

—सिव. पुं० (-शिव) वाड्डाणी धोइली

शिवनी मूर्ति लकड़ी की घड़ी हुई शिव की

मूर्ति. a wooden idol of god

Siva. प्रव० १६६; —सेज्जा. स्त्री०

(-शय्या) वाड्डाणी शय्या-शेयन. लकड़ी

की शय्या. a wooden bed. ठा० ३, ४;

भग० १, ६; निर० ५, १; —हारक. त्रि०

(-हारक) वाड्डा उपगुणारः कडियारे.

लकड़ी उटानेवाला; कटियारा. one who

cuts wood and carries the pieces in bundles on his back.

अगुजो० १३१;

कटभूय. त्रि० (काष्ठभूत) शयनी पेइं गटः

श्वेतन पगरने. जड़; काष्ठ की नाई; अचेतन.

Life-less; inanimate. उत० १२, ३०;

कटघर. त्रि० (कष्टतर) अतिशय कष्ट. बहुत

कष्टवाला. Very hard; very calam-

itous. विशेष ३२४;

कट्टा. स्त्री० (काष्ठा) दशा; अपरस्था. दशा;

हालत. Stage; condition. जं० प०

५, ११४; (२) प्रमाण. प्रमाण. unit.

“ कट्टा पोरिसीझाया ” सू० प० १;

कठिण. त्रि० (कठिन) कठिण; आकड़; कठिण.

कठिन; कड़ा; कर्कश. Hard; difficult;

rough. ओव० २१;

कट. पुं० (कट) सादडी. चटाई. A mat.

अगुजो० १३१; १३३; ओघ० नि० भा०

२८८; (२) दीथीनं गंडस्थल. हाथी

का गंडस्थल. an elephant's temple.

नाया० १; (३) मांथी, पदंग पंगरे. पलंग;

खाट; इत्यादि. a cot; a bed etc.

भग० ५, ४; ८, ६; (४) पर्वततो अंश भाग.

पर्वत का एक भाग. a part of a

mountain. नाया० १; (५) घास

(कडा पन्नाथी). घास. grass. भग०

२३, १; ठा० ४;

कड. त्रि० (कृत) करेहुं; आगरेहुं; अनुग्रान

करेहुं. कृत: किया हुआ; अनुग्रान किया हुआ;

आचरित. Done; performed; prac-

tised. प्रव० ६, ६०; कण्ठ० ५, १२६;

६, २; राय० २६३; वव० ३, ६; ओव० ३४;

सुय० १, ८, २१; उत्त० १, ११; वेय० ४, १४;

नंदी० ४५; पि० नि० १४५; नाया० १; भग०

१, ४; ७; १०; ३, १; ५, ३; ४; १३, ४;

१८, ३; (२) आर, आरनी ओंभ्यानी

अंशत. चार २ की ओंभ्या का संकेत qua-

ternion; a set of four. सुय० १,

२, २, २३; (३) सचित्ते अरंभेहुं. सचित

से लिप्त-लगा हुआ. bespattered by,

carved by a living being. निर्गो०

१२, १८;

कडअ. पुं० (कटक) बीत. दीवाल. A

wall. जं० प०

कडंगर. न० (कडङ्गर) कृशशून्य अंश नतनुं

धास. फल रहित एक जाति का घास. A

kind of grass. सु० च० ५, १५;

कडंब. न० (*) श्रेष्ठ गतनुं वाजिन-त्र. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

कडकल. पुं० (कटाक्ष) इटाक्ष. कटाक्ष; ध्रुम-गादि हाव भाव. A glance; a side-long look. “ सकडकल दिट्ठिओ ” नाया० ६; तु०च० २, १८३, तंदु० जीवा० ३, ३; जं० प० ७, १६६; —**दिट्ठि.** स्त्री० (—दृष्टि) इटाक्षिभरी नजर. कटाक्षमयी दृष्टि a look; sight full of glances. नाया० ६; राय० ११२;

कडक्खिय. त्रि० (कटाक्षित) इटाक्षि भरेत. कटाक्ष से भरा हुआ. Full of glances. प्रव० १३००;

कडग. पुं० (कटक) दाथमं पहिनेतनुं व्याजुः ईड्युः इति. हाथमें पहिनेने का आभूषण; कंकणः कडा. A bracelet “ वरकडग तुडिय थंभियभूण ” ओव० २२; जं० प० निर्मा० ७, ८; राय० २७; दमा० १०, १; स० च० १३, ४६; सम० ३४; महा० प० ८२; जीवा० ३, ३; ४; भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; नाया० ध० ओव० १२; २२; पञ्च० २; कप० २, १४; ४, ६२; (२) समूह. समूहः कुंड. a group; a collection. जं० प० (३) सैन्य; अष्टर. फौजः सेना. an army. पगह० १, १; (४) भीतनुं भयः पाये. दीवाल का मुल पाया. the base of a wall. जं० प० प्रव० ८७९; (५) पर्वततो तटः तल्लोटी. पर्वत का पैदाः तल्लो. the bottom of a mountain. नाया० १; (६) पर्वततो वपलो भाग. पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a mountain. नाया० ५; (७) पर्वततो

मेखतानो मध्यभाग. पर्वत का मध्यभाग. the middle part of a mountain. जं० प० —**च्छेज.** न० (—च्छेद्य) सेताना आभूषण तथा पर्वतना मध्य भागते छेदानी इटा. सुवर्ण का गहना तथा पर्वत के मध्यभाग का छेदनेका कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament. जं० प० ३, ४५; ५, ११५; नाया० १; —**तट.** न० (—तट) पर्वतनुं तल्लो. पर्वतका तल्लो. the bottom of a mountain. नाया० १; —**पल्ल.** न० (—पल्लव) पर्वतनी पासैनुं तलाव. पर्वत के पासका तालाव. a lake situated near a mountain; a mountain-lake नाया० १; —**बंध.** पुं० (—बंध) इड आंधरी ते. कमर का बांधना; कमर बन्ध. girdling up the waist. “ कडगबंघहि खल्लिण बंधेहि ” नाया० १७; —**मदण.** न० (—मर्दन) सैन्य अथवा पत्थरशी मर्दन करनुं ते सैन्य द्वारा अथवा पत्थरों से मर्दन-नाश करना मारना. pounding, destroying by means of stones; destroying by means of an army. पगह० १, १;

कडगिदाह पुं० (कटागिदाह) अ इडयादा वांशते अग्नि पेट आणनुं ते. दो फाँकों वाले वांस को अग्नि द्वारा जलाना. Burning, kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two. (२) आगस पाछवशी इट नाम-नुं घास बीटादीने सजगारी भुङ्गनुं ते. कट नामक घास को चारों ओर लपेट कर जला

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठतोड (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vido foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. सम० ११:

कडजुम्म. पुं० न० (कृतयुग्म-कृतसिद्धं पूर्ण-ततः परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न त्र्योजः प्रभृतिवदपूर्णं यत् युग्मं समराशि-विशेषः तत्कृतयुग्मम्) न० संख्याने चारि बांयतां शून्य शेष रहै ते संख्या: न० के १६. जिस संख्या में चार का भाग देने में शून्य रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—**कडजुम्म.** पुं० न० (—कृतयुग्म) आन्य-संख्या अने लब्ध संख्या से अन्तेने चारि बांयतां शून्य शेष रहै ते संख्या; न० के १६ नी संख्या. वह संख्या जिस को ४ में भागने पर शून्य शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने पर भा शेष शून्य रहता है; जैसे १६ की संख्या. any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four; e. g. 16. भग० ३५, १;

—**कलित्रे ग-य.** पुं० (कल्योज) न० संख्याने चारि बांयतां ओके शेष रहै अने लब्ध संख्याने चारि बांयतां ओके शेष न रहै तेवी संख्या; न० के सत्तरनी संख्या. जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने में कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by divi-

sion when divided by four leaves no remainder; e. g. 17. भग० ३५, १; —**तेओग.** पुं० (—त्र्योज) न० संख्याने चारि बांयतां त्रय शेष रहै अने लब्ध संख्याने चारि बांयतां ओके शेष न रहै तेवी संख्या; न० के ओगलीशनी संख्या. जिस संख्या को चार में भागने पर तीन बचे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने पर कुछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १९. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 19. भग० ३५, १; —**दावरजुम्म** पुं० (द्वापर युग्म=यो राशिः प्रतिवमयं चतुष्कापहारेणा पद्धिमाणा द्विपटीवसाना भवति तन्मम-याश्चतुःपत्यं वासितान्वेति । अस्यां अर्द्धिय माणापेक्षया द्वापरयुग्मः) न० संख्याने चारि बांयतां शेष न रहै अने लब्ध संख्या ने चारि बांयतां शेष न रहै तेवी संख्या; न० के अठारनी संख्या. जिस संख्या में चार का भाग देने पर शेष दो रहे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने में शेष कुछ न रहे ऐसी संख्या; जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 18. भग० ३५, १;

कडपूयणा. स्त्री० (कटपूतना) कटपूतना नाम-नी देवी. कटपूतना नाम की देवी. Name of a goddess. विशेष० भा० २५, ४६;

* **कडण्य.** पुं० (*) समुद्र. समुद्र: कुंड.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

A group सु० च० २, १३१;

* कडभू. पुं० (कडभू) अ० नामना अ० इ०
इस नाम का एक कंद. A kind of bulbous root. पञ० १;

कडय. न० (कडक) शेरडी, गन्ध, पंगेरेना
साँझ; इ०. जुह्वार वगैरह के साँझ A
stalk of sugar-cane, millet etc.
आया० २, १०, १६६;

* कडयडिय. धि० () पाछे इरेत.
पाँछे किम हुआ. Retreated; stepped
back. सु० च० ८, १६;

कडसकरा. स्त्री० (कडशर्करा) पाँस की बीली-
शर्णी. बाँस का सलाई कील. A peg
made of bamboo. विवा० ६;

कडाय. पुं० (कृतायाम) संथारे इरेत
साधुनी सेव. भक्ति इरेत साधु. संथारा
करने वाले साधु की सेवा भाँक करने वाला
साधु. An ascetic who renders
services to an ascetic who is
performing or practising San-
thara (giving up food and
water). भग० २, १;

कडाली. स्त्री० (कडालिका) धेनवा शरारे
पर बैठने परदायनी अ० पाँचुअ वडइते
पाँचु. घुडगवार के पाँच टिकाने के लिये
जान के दोनों और लटकते हुए रक्ताव. A
stirrup. अणुत ३, १;

कडामण न० (कडामन) आसन, परथाण.
आसन; बिछोना. A seat consisting of
a mattress, carpet etc. “उगहणं
च कडामणं णमसुजाणिजा ” आया० १,
२, ५, ८६;

कडाह. पुं० (कडाह) लोहानुं शम; कडाह.

लोहे का बरतन; कडाई: An iron vessel;
a cauldron. “ द्रव्यंमुलिण कडाह ” पि०
नि० ५५२; उवा० ३, १२६; १३२; १८७;
अणुत० ३, १; जीवा० ३, १; भग० ८, ९;
(२) शल्यानी पीह. कडुण की पीठ. the
back of a tortoise. अणुत० ३, १;
(३) पाँसजिना दाइडां. पगलाका हड्डियां.
the ribs. प्रव० १३८३;

कडाहिय. पुं० (कडाहक) जुआ उ०पदे
श०. देखो उपरका शब्द. Vide above.
उवा० ३, १०६;

कडि. स्त्री० (कडि) इ०; इम०. कमर The
waist. “ घणकडित्तडच्छायं ” ओष० नि०
भा० २५६; ३१५; पि० नि० ४२६; आया०
१, १, २. १६; जीवा० ३; भग० १, ६;
ओष० १०; जं० प० नाया० २; १८;
निर० ३, ४; —बंध. पुं० (—बंध) इ०
आध्यामी दोरी; इ० दोरी कमर पर बांधने
का दोरी; कंदोरा. an ornamental
belt for the waist. ओष० नि०
भा० ३१६; —बंधण. न० (—बंधन) इ०
आध्यामी बन्ध; अ० दोरी. कमर पर बांधने का
वस्त्र; कमरबंध. a cloth for the
waist “ सकपवह कडिबंधणं धारित्तण ”
आया० १, ७, ७, २२३; —भाग. पुं०
(—भाग) इ० दोरी भाग; इरी प्रदेश. कमर
का हिस्सा; कडिप्रदेश. the portion of
the waist; the waist. प्रव० ५४१;
—सुत्त. न० (—सूत्र) इ० भ० २५३; इ० दोरी;
इ० १५३; कमरपट्टा; कंदोरा; कमर का
गहना; an ornamental belt for
the waist. “ कडिपुत्त सुकयसाह ”
जं० प० सम० प० २३८; ओष० २७; कण०

* जुआ १४ नम्बर १५ नी ५८नोट (३). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

४, ६२; —सुत्तग. न० (-सूत्रक) देसी
दोरी; कंदोरो. कमरकी दोरी कंदोरा. a thick
thread worn round the waist.
राय० १८६; —सुत्तय. न० (-सूत्रक)
लुगो “ कडिसुत्तग ” शब्द. देखो “ कडि-
सुत्तग ” शब्द. vide “ कडिसुत्तग ”
नाया० १;

कडि. पुं० (कटिन्) सादरीनालो चटाई वाला.
One having a mattress. अगुजो०
१३१;

कडिअ. वि० (कटित) सादरीशी दिके.
चटाईमे ढंका हुआ. Covered with a
mat. कण० ६, २;

कडिअकडि वि० (कटितकटिन्) सादरीना
पटानी भाइके अइ बीन साथे भोजन;
अत्यन्त निच्छिद्र. चटाई के पटो की तरह
परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अत्यन्त
निच्छिद्र. Interlinked like the
strips of a mat; having no hole.
“ घणकडिअकडिच्छाण ” श्रौव० ३;

कडिण. पुं० (*) बांसभां पत्यन थनुं
अइ पत्यन धास के देसी इत गुंथाय छे.
बांस में उत्पन्न होने वाला एक जाति की
घांग, जिसमें फूल गुंथ जाते हैं. A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers.
स्य० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) दे३; कभर. कटि;
कमर. The waist. प्रव० ५४२; —दोर.
पुं० (-दोरक) देसी दोरो कंदोरो. कमर
का दोरा; कंदोरा. a lace worn round
the waist. प्रव० ५४२;

कडियल. वि० (कटितल) कभर. कमर.

The waist. गु० च० २, ३७४;

कडिल. पुं० न० (कटिल) कडाह; भंडारी
कडाह. कडाई; बड़ा कडाई. A large
cauldron. अगुजो० १३४; श्रौव० नि०
५२; उवा० २, ६४;

कडु. वि० (कटु) कटु; कटारसवाण. कटु;
कटुआ. Bitter. (२) पुं० कटुआ रस.
कटुआ रस. bitter juice. श्रौव०
नि० भा० १४२; विशेष० ८६५; क० गं०
१, ४१; उत० ३६, १८; जं० प० ७, १६१;
—विपाक. वि० (विपाक) कटु;
इतवाणुं; कटुं इत. कठोर फलदारी;
कटुआ फल. (one) having bitter
fruit or result. पचा० १२, १७;

गडुइया. स्त्री० (कटुका) कटु गुंथीनी पेश.
कटुवा तुम्हा की लता. A creeper of
goard bitter in taste. पञ्च० १;
कडुग. वि० (कटुक) कटु. कटुआ.
Bitter. पचा० ६, २२;

कडुच्छुग. पुं० (*) बड़ा कटुआ. धूप
का चिमचा; धूपदाना. A large ladle
made of iron etc. used to burn
incense; an incense pot. जं० प०
५, १२०;

कडुच्छुय. पुं० न० (*) कटुआ; कटुआ.
चिमचा; कटुआ. A large ladle
made of iron etc. used in cooking.
जं० प० ५, १२; ३, ४३; जीवा० ३, ४;
राय० १७५; मग० ५, ७; ८, ६; निर० ३, ३;
कडु-य. वि० (कटुक) कटु. कटुआ.
Pungent; bitter. जं० प० श्रौव० २०;
टा० १, १; अगुजो० १३१; दम० ५, १,
६७; सू० प० ११; आया० १, ५, ६, १७०

* लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

पत्र० १, नाया० १, १६, १७; विवा० १;
 राय० २८३; उत्त० ३४, १०; जीवा० ३, १;
 भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ४; क० सं०
 १, ४२; कण्ठ० ४, ६५; ६, ५६; (२)
 पुं० ३९वे० रस. कडुआ. bitter juice.
 (३) अशुभ. अशुभ. inauspicious.
 दस० ४, १: — तुम्बी. स्त्री० (-तुम्बी)
 ३९वीं तुम्बी. कटु तुम्बी. a bitter gourd.
 नाया० १६: — भासिणी. स्त्री० (-भापि-
 णी) ३९वें भासवाली, (स्त्री.) कटु
 वचन बोलने वाली (स्त्री.) a woman
 speaking bitter words. टा० ६, ८;
 — रस. पुं० (-रस) ३९वे० रस. कटु
 रस. bitter juice. भग० ८, १;
 — रुक्म. पुं० (-रुक्म) ३९वें रुक्म
 अ. कटु रस वाला फाड़. a tree, bitter
 in taste. भग० १५, १; — वयण. न०
 (-वचन) ३९वें वयन. कटोर वचन.
 bitter words. नाया० ११: — वल्ली.
 स्त्री० (-वल्ली) ३९वीं पेड़. कडवा लता.
 a creeper, bitter in taste. भग०
 १५, १;

कडुच. न० (*) अेक यन्त्र पुं० वाद्ययन्त्र.
 एक जाति का बाजा. A kind of
 musical instrument. राय० ८८;
 कडुसंगबंधण. न० (*) अेक भाग सूत्र
 अेक भाग डिन अने अेक भाग धात्री अे
 त्रजूना मिश्रजूनी यन्त्रावेष्ट केरे एक भाग
 सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल
 का जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई
 रस्सा. A string or thread made
 of cotton, wool and coir mixed
 together proportionately. निसी०

५, ७४;

✓ कडू. घा० I. (कथ्) ३९वें. कहना. To
 tell; to say.

कडुंति. पि० नि० ३, १३;

✓ कडू. घा० I. (कृप्) अेथपुं. खींचना.
 To draw. (२) अेथपुं. खेडना. to till.

कडुं. पि० नि० २८७; निसी० १८, १५;

कडुं. सं० कृ० मु० च० ६, १७;

कडुं. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कडुं. पि० नि० ११४: मु० च० ७, १२६;

कडुं. माग. क० वा० व० कृ० राय० ७१;

कडुं. प्रे० अंत० ३, ८;

कडुं. वच. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कडुं. न० (कर्षण) अेथपुं. खींचना.

Drawing. (२) अेथपुं. खोदना; हलना.

tilling. “कडुइकीरसई” पि० नि० ३८०;

मु० च० १५, ११६; पंचा० ५, ३७;

कडिहत. वि० (कृष्ट) अेथपुं. खींचाहुआ.

Drawn; pulled पंचा० ७, ४०;

कडिहय. वि० (कृष्ट) अेथपुं. खींचाहुआ.

Drawn; dragged. पगह० १, १; क०

प० ४, १;

कडोकडू. स्त्री० (कृष्टापकृष्ट-कर्षणापकर्षण)

अेथपुं. खींचना; खींचाहुआ. खींचाना.

Tugging to and fro. उत्त० १६, ५२;

कडण. पुं० (काथन) ३९वें; उकाड़वें. उबा-

लना; आंटाणा. Boiling. पगह० १, १;

कडिअ-य. वि० (कथित) ३९वें; उकाड़वें.

आंटाया हुआ; उबाला हुआ Boiled.

आंघ० नि० १०७; जीवा० ३, ३; भल०

४१; पि० नि० ६२४;

कठिण. वि० (कठिन) ३९वें; मजबूत. दृढ़;

मजबूत. Hard; strong. भग० ११,

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vido
 foot-note (*) p. 15th.

६: ओव० ३८; सु० च० १, १४१; (२)
वांशरी सादरी; यटा०. बांसकी चटाई. a
mat; a bamboo mattress.
“ इकड वा कडिण वा जंतुय वा ” आया०
२, २, ३, १००;

कण. पुं० (कण) कण्टी; योभाना अडित
दाण्डा. खाँडित चाँवल; कणी. Broken
grains of rice; broken grain.
उत्त० १, ५; आया० २, १, ८, ४८; जं०
प० ५, ११५; (२) सातमां अदनुं नाम.
सातवें ग्रह का नाम. name of the 7th
planet. सु० प० २०; ठा० २, ३;
—कुंडग. पुं० (-कुण्डक) दाण्डावादा
कुसुम. दानेवाला भूँसा; अन्न मिश्रित भूँसा.
chaff containing grain. आया० २,
१, ८, ४८; —पूवलिया. स्त्री० (-पू-
लिका) कणमिश्रित रोटी. कणमिश्रित
रोटी. bread mixed with broken
grains. आया० २, १, ८, ४८; —वित्ति.
त्रि० (-वृत्ति) दाण्डा बिजुने तेना उपर
गुल्लान अलावतार. दाणे चुनकर उमपर
निर्वाह करने वाला one who supports
oneself by picking up scat-
tered grains. सु० च० १२, ५;

कणंद. पुं० (कनन्द) इन्द नामना साधु.
कनन्द नामका साधु Name of a monk.
भग० १२, १;

कणक. पुं० (कनक) आणु. बाण An
arrow. सम०

कणकणअ. पुं० (कनकनक) नवमां अदनुं
नाम. नौवें ग्रह का नाम. Name of the
9th planet. सू० प० २०;

कणकणग. पुं० (कणकणक) लुगो “ कण-
कणअ ” शब्द. देखो “ कणकणअ ” शब्द
Vide “ कणकणअ ” “ दो कणकणग ”
ठा० २, ३;

कणकपाणि. पुं० (कनकपाणि) कण्ट-आणु
अथवा शारंग-धनुष्य जेना हाथमां छे ते
वासुदेव. कणक—बाण या शारंग—धनुष्य
जिसके हाथ में है वह वासुदेव. Vasudeva;
lit. one with a bow or arrow in
his hand. सम० प० २३७;

कणग. न० (कनक) सुवर्ण; सोनं. सुवर्ण;
सोना Gold. चं० प० १; राय० २२२;
आया० २, ५, १, १४५; जं० प० ७, १७०;
सु० च० २ ४६३; पिं० नि० ८०; ४०६;
नाया० १; ६; १८; भग० ३, १; ८, ५; ६,
३३; ११, ११; २१, ४; उवा० १, ७६;
कप० ३, ३६; ४४; (२) धृतद्वीपना देव-
तानुं नाम. धृतद्वीप के देवता का नाम.
name of the deity of the (Gita
Island. जीवा० ३, ४; सु० प० १६;
(३) रेखा-वीटि वररने तेवरने जोगी.
रेखा रहित प्रकाश वाला गोला. a ball of
light without any lines upon
it. ओव० नि० मा० ३१०; (४) आर
इन्द्रियालो ओक छव. चार इन्द्रिय वाला एक
जीव. a kind of four-sensed liv-
ing creature. पञ० १; (५) ओक
जतनुं आणु. एक जाति का बाण. a kind
of arrow. पगह० १, १, ३; (६) ओक जतनुं
वाज०. एक जाति का बाजा. a kind
of musical instrument. जं० प०
—कंत. न० (-कान्त = कनकस्यैव कान्तं
कान्तित्वेपां तानि कनककान्तानि) सोनानी
भाक्ष यमक्षुं. सोनेकी तरह चमकता. glit-
tering like gold. निसा० ७, ११;
आया० २, २, १, १४५; —खचित. त्रि०
(-खाचित) सोनानी तारथी वटक्ष. सोनेके तार
से जडा हुआ. fastened with, inlaid
with golden wires. निसा० ७, ११;
भग० ६, ३३; —चित्त न० (-चित्र)

सेनेरी चित्रामणु. मुनहरा चित्र-चित्राम.
pictures, drawings of gold.
निसा० ७, ११; —**जालग. पुं०** (-जालक) सेनानी जाली; ओंके मननुं आभरण. सोने की जाली; एक जाति का गहना. a kind of gold ornament; a kind of net of gold, जीवा० ३, ३; —**गिगर मालिया. स्त्री०** (-निकरमलिका) ओंके मननुं आभरण. एक जाति का गहना. a kind of ornament. जीवा० ३, ३; —**निंदुसय. न०** (-निंदुसक) सेनाना तारथी भिन्न देश. सोने के तार से बना हुआ गेंद. a ball woven with gold wires. विवा० ६; —**निलग. पुं०** (-निलक) सेनानुं निरक. सोने का निलक. a mark made on the forehead with gold; an ornament of gold worn on the forehead. जीवा० ३, ३; —**विचित्त. त्रि०** (-विचित्र) सेनेरी चित्रामणुवाणु. मुनहरा चित्राम वाला. bearing pictures or drawings of gold. नर० ७, ११;

कणगकूड. पुं० (कनककूट) विद्युत्प्रभ पर्वत पर्यन्त नव कूटमानुं पांचमं कूट-शिखर. विद्युत्प्रभ वल्गार पर्वत के नौ कूटों में से पांचवां कूट-शिखर. The 5th of the 9 summits of the Vidyutprabha Vakhārā mountain. जं० ५०

कणगकेतु. पुं० (कनककेतु) अहिच्छत्रा नगरीतो इन्द्रश्चतुर्नामे राजन्. अहिच्छत्रा नगराका कनककेतु नामक राजा. Kanakakētu, the name of a king of the city of Ahicchéhatri. “ अहिच्छत्राणु शयरीणु कणगकेतु नाम राजा होत्था ” नाया० १४; १५; १७; (२) हस्तिनापुर नगरता इन्द्र-श्चतुर्नामे राजन्. हस्तिनापुर नगर का कनक

केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastināpura. नाया० १७; **कणगजम्भय. पुं०** (कनकध्वज) तेतील नगरता इन्द्रश्चतुर्नामे राजन्. इन्द्रश्चतुर्नामे पुत्र. तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकध्वज नामक पुत्र. Name of the son of of Kanakaratha king of Tetilpura. नाया० १४; —**कुमार. पुं०** (-कुमार) लुप्या “ कणकजम्भय ” शब्द. देखो “ कणकजम्भय ” शब्द. vide “ कणकजम्भय ” नाया० १४;

कणगपुर. न० (कनकपुर) इन्द्रपुरतामे नगर. कनकपुर नामक नगर. Name of a town. विवा० २, ६;

कणगप्रभा. स्त्री० पुं० (कनकप्रभा) घृतदीपता अधिपति देवतानुं नाम. घृतदीप के अधिपति देवता का नाम. Name of a presiding deity of the Ghritadyuta. मू० ५० १६; जीवा० ३, ४; नाया० ४० ५;

कणगमय. त्रि० (कनकमय) सेनानुं. सोनेका; सुवर्ण का. (Golden; made of gold. नाया० ८; १६; मू० च० १, २६७;

—**नैंदुसय. पुं०** (-निंदुसक) सेनाना तारथी भिन्न देश. सोने के तार से बनाया हुआ गेंद. a kind of ball made of gold. नाया० १६; —**पडिमा. स्त्री०** (-प्रतिमा) सेनानी प्रतिमा-पुतणु. सोने की प्रतिमा-मुर्ति. a golden idol. नाया० ८;

कणगरह. पुं० (कनकरथ) तेतीलपुर नगरतो इन्द्रश्चतुर्नामे राजन्, के गे आवती येथी-सीमां पडिमा भदापय तीर्थकर पास दीता वेशे. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा जो आगामाकाल की चौबीसी में पहिले महापय तीर्थकर के पास दाँचा लेगा. Name of a king of Tetilapura who will take Dikṣā from the first

आ द्रोष्टुमां नार परिपाटी (कड्डा) छे. तेमां पदेवी परिपाटीमां अइ उपासथी शरू. डरी छट अने अइम (त्रणु उपवास) सुधी बदडी आइ अइम डरी वसी अइ उपासथी सात उपवास सुधी अशवास श्रीछ परिपाटीमां अत्रिश अइम इरवा. श्रीछ परिपाटी पदेवी परीपाटीथी डितरी रीति दुन्ती अइसे सेगथी घराडी अइ सुधी आसी आइ अइम डरी अइम, छट अने अइ उपास इरवा. सेथा वरये ती परिपाटीमां अत्रिश अइम दुन्ती अइसे परिपाटीमां अइ वरस पांच भंसे अने अइ दिवस त्राये. अत्रेमां पांच वरस नयमास अने अइ दिवस त्राये एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकावलिहार का तरह दिखा जाता है त्रैमेः -- टप को एक से नार परिपाटी (नोट हे) उनमे का पाहली परिपाटी मे एक उपवास मे प्रारंभ कर छट और यःम (तीन उपवास) तक बढकर आठ अट्टम किये जाते है, फिर एक उपवास मे सोलह उपवास तक बढता पडता है. दूसरी मे पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास मे घटकर एक उपवास तक कःके आठ अट्टम करने हे और अट्टम छट तथा एक उपवास करने हे तीथा मध का परिपाटिमे ३४ अट्टम करने हे. एक एक परिपाटि मे एक वर्ष पांच मास और बारहाइन लगने हे. बारो परिपाटीयो करने मे पांच वर्ष नौ मास और अठारहाइन लगने हे. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. अत्र १६; प्रव० १४४२;

कण्णगावलिपविभन्ति. पुं० (कनकावलिपविभक्ति) अइ मतनुं नाथ. एक जाति का नाथ्य नाटक. A kind of drama. राय० ६१;

कण्णगावली. स्त्री० (कनकावली) पांच वरस नयमास अने अइ दिवसमां थनुं अइ तप डे नेती आंङमां स्थापना इरतां इनडा वडिना आहार थाप छे डे ने ड्रणुडावडि शब्दमां दर्शावेत छे. पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिनमे पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसका अंका मे स्थापना करने मे कनकावलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनकावलि शब्द मे दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace. अत्र० ८, २; निर० ७, ८; (२) द्रोष्टुमां पदेवरता सेनाते. रा. राने मे पहिलेने का सुवर्ण का हार. a gold necklace. नाया० १; भग० ११, ११;

कण्यअ. पुं०. (कनक) अंनुं, सुवर्ण; सोन¹. (Gold. भग० १, १; २, ७; नंदी० १३; सू० व० १, ३१; नाया० १; (२) आइमा अदनुं नाम. आठवे ग्रह का नाम. name of the eighth planet. सू० प० २०; —कमल न० (-कमल) सेनातां डभत. सोने का कमल. a golden lotus. प्रव० ४७३; —खचिय. पुं० (-खचिन) सेनाता तारथी भरेत. सोने के तार मे जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया० १; —दंडिया. स्त्री० (-दण्डिका) सेनाती छडी तारी डांडी. सोने की छुडी-छोटी लकड़ी. a small stick of gold. ज० प० ३, ४८; —वन्न. त्रि० (-वर्ण) सेना नेवा रंग कथुं. जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो. of the

colour of gold सु० च० २, ६५;
—सेल० पुं० (-शैल) मेरुपर्वत; सेलानो
पर्वत. मेरु पर्वत; सुवर्ण का पर्वत. the
Meru mountain; the mountain
of gold. सु० च० २, ६६६;

कणयमय. त्रि० (कनकमय) सवर्णमय.
सुवर्णमय. Golden; full of gold. जं०
प० १, १४; प्रव० १२४३;

कणयर. पुं० (करवीर) छेजेर नामनुं शुद्ध
मलिनं जाड. कनेर नाम का शुद्ध जाति का
झाड़. Name of a tree. पञ्च० १;

कणया. स्त्री० (कनका) चमरेन्द्रना लोकपाल
सोमनी कनका नामनी मुख्य देवी. चमरेंद्र के
लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी.
The principal queen of Soma,
the Lokapāla of Chamarendra
भग० २०, ६;

कणयार. पुं० (कणेर) छेजेरनुं जाड. कनेर
का झाड़. Name of a tree. आया०
२, १६, १७६;

कणव. पुं० (कणव) क्षुब्ध नामनुं ऐक्य मत-
नुं धांस. कणव नाम की एक जाति की घास.
A kind of grass. भग० २२, ५;

कणविस्तारुग्र. पुं० (कणवितानक) दशभिं
अदनु नाम. दशवें ग्रह का नाम. Name
of the 10th planet. सू० प० २०;

कणवीर. पुं० (कणवीर) छेजेरनुं वृक्ष. कनेर
का झाड़. Name of a tree called
Kanera. राय० ५७; जीवा० ३, ६;
पगह० १, ३; जं० प० ५, १२२; (२)
छेजेरनुं फूल. कनेर का फूल. a flower of
the Kanera tree. पगह० १, ३;

कणिक. पुं० (*) ऐक्य मतानो भस्म.

एक जाति का मच्छ. A kind of fish.
पञ्च० १;

कणिष्ठ. त्रि० (कनिष्ठ) न्दानो; बधु. छोटा;
लघु. Small; young; youngest.
पिं० नि० ५११; गच्छा० ६०;

कणिष्ठश्च. त्रि० (कनिष्ठक) न्दानुं; दलदल.
हलका; छोटा. Small; younger. क०
गं० ५, ३६;

कणिया-आ. स्त्री० (कणिका) ऐक्य मतानी
बीणा. एक जाति की बीणा. A kind of
lute. जीवा० ३, ३; (२) न्दानानी क्षुब्ध.
चावल की कनी. broken grains of
rice. पिं० नि० २६६; तंदु०

कणियार. पुं० (कणिकार) यज्ञितकुमार देव-
तानुं छेजेर नामे चैत्य वृक्ष. स्तनितकुमार
देवता का कनेर नाम का चैत्य वृक्ष. A
garden tree of the god Thani-
takumāra, named Kanera जा०
१०, १; नाया० ६; (२) क्षणिकार नामना
साधु. कणिकार नाम के साधु. name of
a saint. भग० १५, १;

कणिर. त्रि० (*) क्षणिकाना स्वभाववानुं.
दुखें वाला स्वभाव वाला. Having the
nature of being hurt or cut.
सू० च० २, ४६; ३२१;

कणियस. त्रि० (कनीयस) न्दानो; कनिष्ठ.
छोटा; कनिष्ठ. Young; small; young-
er. श्रुत० ३, ८; उवा० ३, १३६; कण० ८;

कणुग. न० (कणुक) आंशभिं पड़नुं क्षुब्ध.
आं में गिरा हुआ कण. A particle
of dust etc. entering the eye.
पंचा० १८, १०;

कणुय. न० (कणुक) क्षेजे; २०४क्षु; २०४.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कण; रजकणः रज. Particles of dust.

“ सुकण्यं ” आया० २, १, ८, ४३;

कण. पुं० (कर्ण) शान. कान. An ear.

विवा० २: नाया० १: ८; १४; १६; भग०

३ ७: १२, १; आया० १, १, २, १६;

राय० ४०; अणुत्त० ३, १; जं० प० ५,

११४; ११५; उवा० २, ६४; —अंतर.

न० (—अन्तर) अ० शान परस्परं अन्तर.

दोनों कानों के बीच का अंतर. the dis-

tance between the two ears.

विवा० १: —आयय. त्रि० (—आयत)

शानसुधी लम्बायेत. कान तक लम्बा खांचा

हुआ. anything long enough to

reach the ears. जं० प० ३, ४५.

भग० ५, ६; ७, ६; —गय. पुं० (—गत)

शाने संलपायेत. कान में सुना हुआ.

(anything) heard. “ कणगया

दृग्मशिश्रं जणति ” दम० ६ ३. ८:

—च्छिन्न. त्रि० (—च्छिन्न-छिन्नकर्ण)

शानकटाः श्रेता शान छेदया छेते. कानकटाः

जिनका कान कटा हुआ है वह: छिन्न कर्ण.

(one) with ears cut. आया० २,

४, २: १३६; —च्छेद्यण. न० (—च्छेदन)

शाननुं छेदत. कान का छेदना. cutting

off or piercing of ears नाया० २:

—धार. पुं० (—धार) ना०३. मल्लाह:

नाविक. a sailor; a boat-man. नाया०

८: ६: १७; —पीठय. न० (—पीठक)

शाननुं धरेत्. कानका गहना. an ear-

ornament. “ कुंडल मट्ठगंडयल कण

पीठधारी ” पल० २: भग० १५, १; टा०

६: श्रव० २२; —पूर. पुं० (—पूर) शानभां

पदेरवानुं आभरेत्. कान में पहिनने का आभू-

षण. an ear-ornament. नाया० १:

८: श्रव० ३८; (२) कृष्णपूर नामे लक्ष्मी

ना शाननुं आभूयात्. कर्णपूर नामक हार्थके

कान का आभूषण. an ear-ornament

for an elephant. श्रव० ३०; —बंध.

पुं० (—बंध) शान आधिया ते. कानों का

बांधना. closing up, tying up of

ears. नाया० १७; —मल. न० (—मल)

शानतो भेत्. कान का मेल. wax of the

ears. निर्मा० १, ३५; ३, ६६; —मूल.

न० (—मूल) शानती नष्टकृता प्रदेश; शाननुं

भूत्. कान के समीप का भाग; कान का मूल.

the neighbouring part of an

ear. नाया० ३: जं० प० ५, ११४; —पाली.

स्त्री० (—पाली) शानभां पदेरवानी धरी-

येत् आभूषण कान में पहिनने का वाला-

एक आभूषण. an ear-ring. नाया० ३,

३: —वेयणा. स्त्री० (—वेदना) शानती

वेदना. कान का दुःख. pain in the ear.

नाया० १३: —वेहण. न० (—वेधन)

श्रुत्या “ कणवेहणग ” शब्द. देखो

“ कणवेहणग ” शब्द. vide “ कण-

वेहणग ” भग० ११, ११; —वेहणग.

न० (—वेधनक) शान विधयानो संस्कार.

कान बाधने का संस्कार. the ceremony

of piercing or perforating the

ears. राय० २८८; —सक्कुलिया. स्त्री०

(—शक्कुलिका) शाननुं विन्ध. कान का छेद.

a hole in the ear; a perforation

made in the ear. नाया० ८: १४;

—सुह. न० (—सुल) शानने सुखरूप

शब्द. कान को सुखकारी शब्द. words

sounding sweet to the ears.

नाया० ९: —सोहणश्च. न० (—शोधनक)

शानने आतरवानी सणी; शान आतरणी;

यादुडी. कान साफ करने का सलाई. a small

thin straw etc., used to cleanse

the ear of its wax. निर्मा० १, १६;

आया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

कणकला. स्त्री० (कर्णकला) सूर्य ऐक मांड-
लेथी भीन्हे मांडले जे गतिअये नय छे ते
गतिनु नाम कर्णकला छे. कर्णुं ऐटले ऐक
मांडलाते युद्धिकल्पित छेडा, त्यां आलीने
सूर्यकला ऐटले ऐकैक अंशे आदार निकलतो
हे अंदर आतों भीन्हा मांडलाते छेडे पडोये
ते कर्णकला गति. सूर्य एक मंडल से दूसरे
मण्डल में जिग गति से जाता है उस गति
का नाम “ कर्णकला ” है; कर्ण अर्थात् एक
मण्डलका बुद्धिकल्पित मिरा, वहां आकर सूर्य
कला अर्थात् एक २ अंश में बाहर निकल कर
वा अंदर आकर दूसरे मंडल के गिरे-अंतर
तक पहुंच जाता है उसे “ कर्णकला गति ”
कहते हैं. A name given to the
apparent motion of the sun
from one point to another.
सू० प० १:

कणकलेउर. पुं० (कन्यांतःपुर) इत्यानु अन्तः-
पुर; राजकन्याओंके रहनेवाला अन्तः. कन्या
का अन्तःपुर; राज कन्या के रहने का स्थान.
An apartment for royal girls.
नाया० १६;

कणकला स्त्री० (कन्यका) कुमारिका; इत्या.
कुमारी; कन्या. A girl unmarried; a
girl. नाया० ८;

कणकलिय. पुं० (-कर्णावक्र) ऐक अनंतो
पांजवासे डिटो आउटिय छत्र. एक जाति
का पंखों वाला उड़ता चार इंद्रिय जीव. A
kind of four-sensed insect with
wings. पञ्च० १;

कणपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) लवण
समुद्रमां सातसौ ज्येष्ठत उपर आवेक्ष कर्ण
प्रावरण नामतो ऐक अंतर द्वीप. लवण
समुद्रमें सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-
रण नाकक एक अंतर द्वीप. Name of
an island in Lavana Samudra

at a distance of 700 Yojanas
from the shore. टा० ४, २; (२)
ते अंतर द्वीपमां रहनेवाला मनुष्यो उम अंतर
द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabi-
tant of any of the islands called
Antara Dvipas. पञ्च० १;

कणलोयण पुं० (कर्णलोचन) सतभिषक
नक्षत्रा आत्रनु नाम. गतभिषक नक्षत्र के
गोत्र का नाम. Name of the family
of the constellation Satabhi-
śaka. सू० प० १०;

कण्णा. स्त्री० (कन्या) इत्या; पृथी. कन्या;
लडकी. A girl; a daughter. उत०
२२, २८; नाया० १६; पंजा० १, ११;

कणिका या. स्त्री० (कर्णिका) अशुभ.
कोना. A corner. जं० प० (२)
इमत्रतो भीमद्वारा; इमत्रतो भद्राभय.
कमल का मध्य भाग; कमल का बीच कोप.
pericarp of a lotus; the middle
part of a lotus. भग० १२, २; पञ्च०
१; २; जं० प० अथ० ४२, जाया० ३, १;
कण० ६, ४४; (३) ऐक अनली कणिका.
एक जाति का वनस्पति. a kind of
vegetation. भग० १३, २; (४) डालनी
पारी कान का बाली an ear-ring.
अथ० ४२; (५) छत्रतो अन्दरतो भाग.
छत्र का अंतर्भाग. the inner part
of an umbrella. राय० १२२;

कणिकार. पुं० (कर्णिकार) अश्विन
कनेर का फाट. Name of a tree. (२)
न० इण्डिकारिनु पृष्ठ. कर्णिकार का पुष्प. a
flower of this tree. पञ्च० १५; भग०
१४, १०; नाया० ६;

कर्णगिरिह. पुं० (कर्णारथ) ऐक प्रकारतो
विशिष्ट रथ के जे आस ऋद्धिभंत भायुसोने
त्याज्य देय ते. एक प्रकार का प्रधान रथ. जे

प्रायः ऋद्धिशाला मनुष्यों के यहाँ ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people. नाया० ३: — **पययाय**. वि० (—प्रयात) श्रीमंत. कृष्ण विन्द वात्रा रथभां गेसा आप गत इत्यादि. धामेताई के चिन्ह वात्रा रथ में बैठ गमना गमन करने वाला one who drives in a chariot which is a mark of prosperity.

‘ कण्णी रहस्यवायावि होन्था ’ नाया० ३:

कण्ह. पुं० (कृष्ण) दृश्य वासुदेव. कृष्ण वासुदेव. Kṛiṇa Vāsudeva. पञ्ज० १: उत्त० ३६, ६८; गम० १०; नाया० ५: प्रव० ८६२: (२) दृश्य नामनी ऐक परित्रावक मन्त्रागा. name of a merchant's name. ओव० ४८: (३) अत्यन्त काला रेश्या इति पुद्गलतो येने यथा अत्यन्त भक्ति परित्रावक. अत्यन्त काल रेश्या के कर्म पुद्गलको योग से होता हुआ मर्या मानस पागमाम very dark consequence resulting from very dark Karma. गम० ६: (४) अत्यन्त अतरे वासुदेव प्रेमभक्त धर्माचार्य. पांचवे बलदेव वासुदेव के पूर्व गव के धर्मवाय. name of the religious preceptor of the previous birth of the ५th Baladeva

Vasudeva. गम० १० २३६: (५) इस्वी रथ. काला रंग. black colour. जीवा ३: (६) दृश्य नामनी वेत्र. कृष्ण नाम की वेल-लता. name of a creeper. पञ्ज० १: (७) इस्वी पुष्पशी. काला सुलग्न. the black holy basil. पञ्ज० १: (८) ऐक प्रकारनी दृश्य नामनी इंद. एक जातिका कृष्ण नामका कंद. name of a kind of bulbous root. पञ्ज० १: (९) स्त्री० क देश्या

मान्नी दृश्य नामनी पड़ेवी देश्या. छ: लेश्याओं में से कृष्ण नाम की प्रथम लेश्या. the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पञ्ज० १७: (१०) निरयावलिक इति याथा अध्ययनानु नाम. निरयावलिका के चौथे अध्याय का नाम. name of the fourth chapter of Nirayāvalikā. निर० १, १: — **कंद** पुं० (—कन्द) ऐक अतनी दृश्य इंद नामनी साधारण वनस्पति एक जाति का कृष्णकंद नाम की एक साधारण वनस्पति. a kind of bulbous root called also Kṛiṇḍakanda. उत्त० ३६, ६८: जीवा० १: पञ्ज० १: — **जीव**. पुं० (—जीव) दृश्य वासुदेवना छ: कृष्ण वासुदेव का जीव. the life of Kṛiṇa Vāsudeva. प्रव० ८७३: **पात्रिभ्रश्र-य**. पुं० (पात्रिक = कृष्णपक्षोऽस्यास्तीति कृष्णपात्रिकः) देवे अर्द्ध पुद्गल परावर्तने इतनी वधारे नैतरे भां पक्षिभ्रमण इत्यादि देयते छ: जिये अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भी आधिक संगार में रहना भ्रमण करना है वह जीव a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardhā Ludgaḥ Paravartana. दृमा० ३: १: भग० १३, १: २६, १: ३१, २४: जी० १, १: — **लेसा**. स्त्री० (—लेश्या) दृश्य देश्या नामनी पड़ेवी देश्या. कृष्ण लेश्या नाम की प्रथम लेश्या. the first of the Leśyās called the black Leśā. जीवा० १: ४, ५: — **लेस्स**. त्रि० (लेश्य) दृश्य देश्या तथै. कृष्ण लेश्या वाचा. with black Leśyā (i. e. thought-colour or matter colour). भग० २६, १: ३५, २२: जी० २, १: — **लेस्सा**.

ली० (—लेश्या) कृष्णवेश्या. कृष्ण लेश्या.
the black Lesyā (i. e. thought
—tint or matter-tint). भग० २५,
६; —वासुदेव. पुं० (—वासुदेव) कृष्ण
वासुदेव; यादु अवसर्पिणीना नयमां वासु-
देव. कृष्ण वासुदेव; वर्तमान अवसर्पिणा काल
के नौवें वासुदेव. Kṛiṣṇa Vasudeva;
the 9th Vasudeva of the cur-
rent Avasarpinī. नाया० ४, १६;
—सर्प. पुं० (—सर्प) श्वेतो अरुप. काला
सर्प. a black serpent. नाया० ८;
(२) राहु देवतुं नाम राहु देव का नाम.
name of the god Rahu. भग० १२,
६; सू० प० १६; —सीढासन. न०
(—सिंहासन) कृष्णसिंहासन. कृष्ण का
सिंहासन. the throne of Kṛiṣṇa.
नाया० ध० १०;

कण्हदराल. पुं० (कृष्णदराल) अेक जलतली
वनस्पति. एक जाति का वनस्पति. A kind
of vegetation. भग० २६, ८;

कण्हदीवायण. पुं० (कृष्णद्वैपायन) अे नाम
ना अेक आन्दिज्य संन्यासी. इस नाम का
एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a
Brahmana ascetic. श्रव० ३८;

कण्हपरिव्यायण. पुं० (कृष्णपरिव्राजक)
नारायणी लक्ष्मि श्रुतार परिव्राजक. नाग
यण की भक्ति करनेवाला परिव्राजक. An
ascetic worshipping Nārāyaṇa.
श्रव० ३८;

कण्हराइ. स्त्री० (कृष्णराजि) पांयमां देवलोड
डपर जमीननी डाट के ती डोडातिड देवता-
ना विमानने इरती डाणी देवाओ के ते;
कृष्णराइ. पांयवें देवलोक के ऊपर
देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी
का दरज जैसा काला रेखाण; कृष्णराजि.
The black lines (resembling

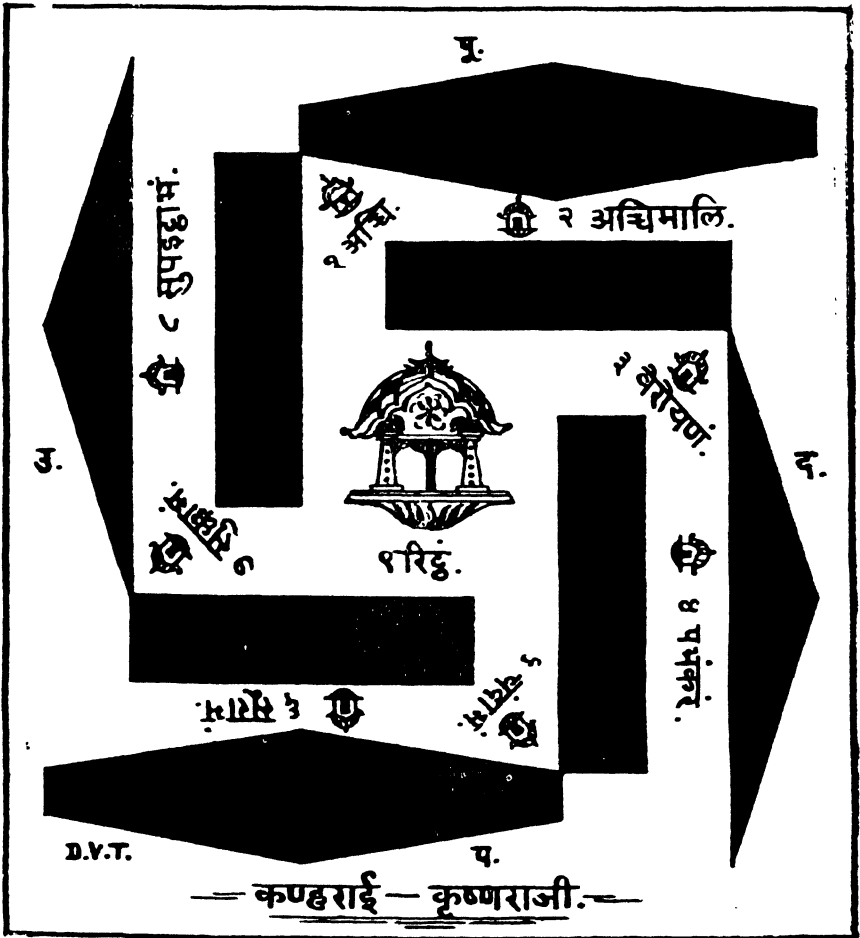
the cracks in the ground)
surrounding the abodes of Lo-
kāntika gods in the 5th Deva-
loka. आया० २, १५, ११६; भग०
६, ५; ८; डा० ८, १; प्रव० ६३; १४५;
(इसानेन्द्रनी पीछ पदराणीनुं नाम. ईशान
इंद्र की द्वितीय पदराना का नाम. the other
name of the principal queen
of Īsānendra. भग० १०, ५;

कण्हराइ. स्त्री० (कृष्णराजि) कृष्णराजि देवी.
कृष्णराजि देवी. The goddess Kṛi-
ṣṇa Rājī. नाया० ध० १०;

कण्हवडिमय विमान. न० (कृष्णवनेसक
विमान) कृष्णवनेस नामका विमान.
कृष्णवनेस नामका विमान. Name of a
heavenly abode. नाया० ध० १०;

कण्हसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) कृष्णश्री न मनी
अेक स्त्री. कृष्णश्री नामका एक स्त्री. Name
of a woman. विवा० ६;

कण्हदा. स्त्री० (कृष्णा) इसानेन्द्रनी कृष्ण-
न मनी राजी. इशान इंद्र की कृष्णा नाम की
राजि. Name of a queen of Īsā-
nendra. डा० ८, ५; भग० १०, ५; (२)
कृष्ण नामकी देवी. कृष्णा नाम की देवी.
name of a goddess. नाया ध० ६;
(३) कृष्ण नामकी नदी. कृष्णा नाम की
नदी. name of a river. पि० नि०
५०३; (४) अेकजिड राजनी अेक राजी
के के मदावीर स्वामी पसे दीक्षा लक्ष, मदा-
विद्विदक्षिण नामनुं तप आयासी, अशी-
अर परसनी प्रवज्या पापी अेक भासनी
संन्यासे इरा सिंधु अर. भ्रमणक राजा की
राजी, जियने महावीर स्वामी के पास दीक्षा
लेकर मदाविद्विदक्षिण नाम का तप किया
और म्यारद वर्ष का प्रवर्ज्या पाल एक मास
का गंधाग कर मोक्ष को प्राप्त हुं.



name of a queen of King Śreṇika, who took Dikṣā from Mahāvira Swāmi and having practised the austerity known as Mahāsinha-Nikrīḍita, and having practised asceticism for 11 years, became Siddha after one month's Santhāra. अंत० ८, ६(५) अंतथसुवत्ता आसमा वनेता वेत्था अध्ययनं नाम. अन्तगडग्व के आठवे वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम. name of the 4th chapter of the 8th section of Antagaḍa. अंत० ८, ४; (६) ७ लेस्यामंती प्रथम दृष्यलेश्या. लृः लेस्यायो में से प्रथम का कृष्ण लेश्या. name of the black Leśyā. (७) विजयपुर नगर का वासवदत्त राजा की रानी का नाम. name of the queen of king Vasavadatta of Vijayapura city. विवा० २, ४;

कण्ठादेवी. स्त्री० (कृष्णादेवी) दृष्यलेश्या कृष्णादेवी. Name of Kṛṣṇadevī. नाया० पृ० १०;

कण्ठदुः. अ० (कच्चिन्) अथै पण्युः केरु पण्यु स्थाने. कहा भा दिया भा स्थानपर. Somewhere; in any place whatever. उत० १, ७; २, ४६; दगा० १०, ७;

—रहस्मिय. त्रि० (—राहस्यक) केरु ओइ कार्य भा रहस्य राखनार. किसी भी कार्य में रहस्य रखने वाला. one who keeps secrecy in some work or other. सुय० २, २, २१;

कतर. त्रि० (कतर) ओ के धल्लुभाने कथे ? दामे येथवा बहुलोम से कोनना ? Which

of two or more than two. अणुजा० ८८; दस० ६, ४, १;

कता. अ० (कदा) कथारे. कब ? When. सू० प० १२;

कति. त्रि० (कृतिन्) सुदृली; सदाचारी. सुकृत्य करने वाला; गदाचारी; पुण्यात्मा. (One) whose actions are good. सू० य० २, १, ६०;

कति. त्रि० (कति) केरुवा प्रशरतुं. कितनी तरह का ? Of how many sorts. जे० प० ६, १२४; ७, १४८; ७, १४६; पञ्च० १४; नाया० १; भग० १, ४; २, २; —भाग. पुं० (—भाग) केरुवाभा भाग. कौनसा हिस्सा ? what division or part. भग० १, १; —संचिय. त्रि० (—संचित) संख्याधी शब्दी श्रव्य ते. संख्या द्वारा गिना जा सकेंवह numerically calculable. डा० ३, १; भग० २०, १०;

✓ कत्त. धा० १. (कृन्) क्षतरतुं. काटना. To cut. (२) पीरतुं. पीटा देना. to afflict.

कत्तहि. पण्य० १, १;

किचइ. क० वा० राय० १, २, १, ७; १, ६; ४; उत० ४, ३;

किचोति. सुय० १, ३, ४, १८;

✓ कत्त. धा० १. (कन्) क्षतियुं. कानना. To spin cotton.

कत्तं. व० कृ० पि० ति० ५७८;

कत्तण. त्रि० (कर्त्तन्) क्षणारः छेदवार. काटनेवाला; छेदनेवाला. One that cuts. श्राव० ३४;

कत्तर. न० (कत्तर) क्षतरतुं साधनः क्षतर. कतरने का साधन; कैंची. A pair of scissors. उवा० २, ६४;

कत्तवीरिय. पुं० (कर्त्तवीर्य) भरतना आलु ओली भा आभां राक्षसना पितुं नाम.

भारत के वर्तमान चौबीसी के आठवें चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chakravarti of the present cycle सम० प० २३४; **कत्तार.** त्रि० (कर्त्ता कर्तृ) इन्द्र० २; इती. कर्त्ता; करने वाला (One) who does or makes. भग० २०, २; विशेष० १७४; ३११२; अणुजो० १२८; पं० नि० १७३; पंचा० ८, ७; — **अभाव** पुं० (अभाव) इति० अभाव. कर्त्ताका अभाव. absence of a doer or maker विशेष० २१६; **कत्ति** स्त्री० (कृत्ति) अर्गः आभूत्. चमडा; चर्म. Leather. श्राव० नि० ३६; **कत्तिअ-य.** पुं० (कार्तिक-कृत्तिका नक्षत्रेण युक्ता पाण्डुनामी कार्तिकः साट्म्यम्मिञ्जिति कार्तिकः) इति० भाव. कार्तिक मास. The month of Kārtika. जं० प० ७, १४१; श्राव० नि० २८४; सम० २६; उत्त० २६, १६; कण० ४, १०३; ६, १७०; नाया० ४; भग० १८, १०; (२) इति० दत्त-पुर नगरवा देवदासी इति० दे० दे० दे० मुनियुवत प्रभृती पाले पालना ऐत० दत्त० मुनिभनी आर्थे दीक्षा दीक्षी दीक्षा पाक्षी पक्षेक्षा देवदेवता छंदोपे० उत्पन्न भवत. दत्तिनापुर नगर का निवासि कार्तिक गेट त्रिमने मुनिगुवत स्वामी के पास अपने एक हजार मुर्तियों के साथ दीक्षा ला और दीक्षा पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना. name of a merchant of the city of Hastinapura who took Dikṣā from Lord Manisuvrata accompanied with his one thousand agents. He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka. भग० १८, २; निर० ३, १; (३) ४२५५

दीपना भरत० प० ३३३ भां थनार छंदो तीर्थकरना पूर्ववर्त्तु नाम. जम्बुद्वीप के भरतखंड में होनेवाले छंदो तीर्थकर के पूर्वभव का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Tirthankara of the Bharata-khaṇḍa of Jambu Dvīpa. सम० प० २४१; (४) इति० न भवेत्. भाष्य. कार्तिक नाम का मनुष्य. name of a man. अणुजो० १३१; — **अणुमार.** पुं० (अनमार) इति० नामात् साधु. कार्तिक नाम का साधु an ascetic so named. भग० १८, २; — **चाटुर्मसिक.** त्रि० (चातुर्मसिक) इति० आम सा संयन्धी. कार्तिक चातुर्मेस संयन्धी. the monsoon season of the month of Kārtika. भग० ३४, १; नाया० २; पाण्डि-यअ. पुं० (प्रतिपत्) इति० न० १४ पञ्चमि पञ्चमेति इति० पद०. कार्तिक शुक्ल १६ के पञ्चात का पडवा; भगवत् १४ ३ the first day of the dark half of the month of Mārgaśīrṣa. निर्या० १६, १२;

कत्तिया. स्त्री० (कृत्तिका कर्त्तिका) इन्द्र. कैला A pair of scissors मृ० न० १० ७४;

कत्तिआ-या. स्त्री० (कृत्तिका) द्विंशत वारत. कृत्तिका नक्षत्र The constellation Kṛittika. जं० प० २, १४४; मृ० प० ६, १३; सम० ६; टा० २, ३;

कत्तिआरक्षिअ. पुं० (कृत्तकारक्षित) इति० अरक्षित नामने पुरुष. कृत्तिकारक्षित नाम का मनुष्य. A man so named. अणुजो० १३१;

कत्तिगी स्त्री० (कार्तिकी) इति० भासती पुनेम. कार्तिक मास का पूर्णिमा. The

full-moon day of the month of
Kārtika. जं० प० ७, १६१;

कत्तो. अ० (कुतम्) क्वाथील. कहाँ से ?

Whence. संख्या० ४८; मृ० १, १, १,
१४; पन्ना० ६; विवा० ६; विशेष० १४०;

कत्तोच्च त्रि० (कुतस्य) क्वाथी; क्या स्थानसे;
क्या भाषासे. कहाँ का ? किस स्थान का ?
किस प्रांत का ? Of what place or
country. पि० नि० १६८;

कत्तोच्चय. अ० (कौतस्यक) क्वाथील. कहाँ से ?
Whence विशेष० १०१६;

✓ **कथ**. धा० I. (कथ) कथेयुं. कहना
To say; to tell.

कथइ. संदी० ४७;

कथ. अ० (कुत्र) क्वा ? कहाँ ?
किस ओर ? Where; on what side.
मृ० च० १, १८; जं० प० त्रिंशे० १३३; मृ०
प० २०,

कथ. त्रि० (कथ्य) कथ्येयम् (शास्त्र)
नाथ पर्यंत. कथा, दार्शनिकग्रन्थों वद; ज्ञाना
आदि शास्त्र. (Nāva and other
scriptures) including stories
and historical matter. डा० ४, ४;
आवा० ३, ४; जं० प० रा० १३१;

गेय न० (-गेय) कथ्यते येय्य येय.
कथा के योग्य गायन न narrative
song रा० १३१;

कथइ अ० (कुत्रचित्) कथेय्ययु; कथेय्ययु
इति कहीं भी; किसी भी स्थान पर. In
any place whatever. विशेष० २६८,
३८८; ४५१; श्रव० १७; भग० ३, २;
१५, १; ४०, १; नाभा० २; ६, १६; प्र०
६७६; विवा० ४;

कथवि. अ० (कुत्रापि) कथेय्ययु. कहीं भी.
In any place whatever.
भग० १५, १.

✓ **कद-अथ**. धा० I, II. (कदर्थ)

इदर्थना इररी; दुःख देयुं. दुख देना; कष्ट
पहुंचाना. To give pain to

कथथेइ. मृ० च० १२, ५४;

कदंब. न० (कदम्ब) इदम्बयुं आ३. कदम्ब
का झाड़. A kind of a tree. नाया० १;

— **पुष्पक**. न० (-पुष्पक) इदम्बना आ३युं
पु३ इ३. कदम्ब के झाड़ का फल और
फल. a flower of the Kadamba
tree. नाया० १;

कदलि. पुं० (कदली) कथयुं आ३ केले का
झाड़. The plantain tree. भग० २२, १;

कदाइ. अ० (कदाचित्) कदाचित्; क्वादेइ.
कदाचित्; किसी समय At some time;
perhaps. भग० २, १; ६, ३३;

कदापि अ० (कदापि) क्वादेय्ययु; क्वाप-
य्ययु पश्यते. कभी भी किसीभी समय. At
some time; at any time भग०
१५, १;

कदम. पुं० (कदम्) कथेयु; कदय काचइ.
Mud. " अयइद्विनिमु भिग्गफलिय पग-
लिय रुहर कयभूमि कदमयचिक्खल्लवहे "
पगइ० १, ३; १, ४; श्रव० ३८; पि० नि०
२५३; डा० ४, २; जावा० ३, ४; नाया० १;
भग० ६, १; ७, ६; प्र० ८५७; क० सं०
१, २००; — **उदअ**. न० (-उदक) इदय-
यु पा३. काचइमय पानी. mud with
water in it. डा० ४, ३;

कदमअ. पुं० (कदम्क) अनुवेलांधर देवता-
ना शिष्य अनुवेलांधर देवता
के दूसरे राजा का नाम Name of the
2nd king of the Anuveldhara gods. ज्ञाना० ३, ४; भग० ३, ७;

कनककंत. त्रि० (कनककान्त) सेतेरी वरभ;
सेताश्वेता देवताओं पदार्थ. सुनहरी वरक;
सुवर्ण गरामा बनावटा पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. आया० २, ५, १, ५४५;

कन्न. पुं० (कण्) जुओ " कण्ण " शब्द.

देखो " कण्ण " शब्द. Vide " कण्ण "

सम० ११; आया० २, ३, २, १२१;

पि० नि० ५५३; ५६१; दस० ८, २०;

—धार. पुं० (-धार) जुओ " कण्ण-

धार " शब्द. देखो " कण्णधार " शब्द.

vide " कण्णधार. " मु० च० ३, १६४;

—पावरण. पुं० (-पावरण) गज्जेशः कान्तुं

भूषणं. राजरा; कान का गहना. an orna-

ment for the ear; an ear-ring. प्रव० १४४०;

—मल. पुं० (-मल) जुओ " कण्णमल "

शब्द. vide " कण्णमल " तंदु०—सर. पुं०

(-सर) कानने थालुत्तेयुं वायं ते. कानो

को तार के समान लगने वाला. anything

striking the ears as an arrow

strikes the body (e. g. harsh

words). दस० ६, ३, ६; —सोक्ख.

न० (-सोक्ख) कानने सुअस्स कानो को

मुखदाई. anything delightful to

the ears. दस० ८, २६;

कन्नागा. स्त्री० (कन्यका) कृमारिका. कुमारी:

लडकी. A girl; a daughter. मु०

च० १४, ८; ठा० ७, १; निर० ५, १;

कन्ना. स्त्री० (कन्या) जुओ " कण्णा "

शब्द. देखो " कण्णा " शब्द. Vide

" कण्णा " मु० च० २, ४६५; दस० ६,

३, १३;

कन्नालीय. पुं० न० (न्यालाकि) कन्या

आधी जुहुं ओलवुं ते; नय परसनी होय

अने १५ परसनी छे ओम इहेयुं ते. कन्या

के कारण झूठ बोलना; नौ वर्षकी हो और

१५ वर्षकी बताना A lie spoken for

a girl; aying that a girl is of

15 years when she is only

nine years old. पगह० १, २;

कन्धिया. स्त्री० (कणिका) जुओ " कण्णिया "

शब्द. देखो " कण्णिया " शब्द. Vide

" कण्णिया ". नंदी० ७;

कन्ह. पुं० (कण्ण) जुओ " कण्ह " शब्द.

देखो " कण्ह " शब्द. Vide " कण्ह "

अंत० १, १; प्रव० ६६०;

कर्पिजल. पुं० (कर्पिजल) कर्पिजल पक्षी.

कर्पिजल पक्षी. A kind of bird. दसा०

६, ४; आया० ६, १०, १६६;

कर्पिन्ध. न० (कर्पिन्ध) कर्पिन्ध; कर्पिन्ध;

फल विशेष. The wood-apple tree.

अणुजो० १३१;

कर्पिल. पुं० (कर्पिल) धातडी अंठमांवा बरत

अंठनी खं पा नगरीना करिअ नाम्ना वासुदेव.

धातकी खंडान्तगत भरतखंड की चम्पा नगरी

के कर्पिल नाम के वासुदेव. Name of

the Vāsudeva of the city of

Champā on the Dhātaki-

khanda. नाया० १६;

कर्पिहमिय. न० (कर्पिहमिन) वांहरना हांत्त-

वाली पैड वादणा वर आदशमां विज्जणी

थाय ते. आकाश में बिनाही मेघों के बंदर के

दांनों (कर्पिहमिन) का तरह बिजुत का होना.

Lightning in the sky resom-

bling the teeth of a monkey

without there being any sign

of clouds. भग० ३, ७;

कर्पोत. पुं० (कर्पोत) इधुवर; पारेयुं. कबूतर.

A dove; a pigeon. दसा० ६, ४;

✓कण्प. धा० II. (कृन्) कर्पयुं; छेदयुं;

अपयुं; समर्थ ययुं; उत्पन्न करयुं. काटना;

छेदना; खपना; समर्थ होना. उत्पन्न करना.

To cut.

कण्पइ. नाया० १;

६८०; —उवग. पुं० (—उपग) ३६५—निय-
म—राज्य आयदानी दुदमां रहनेवा देवता;
पहेला देवलोकी थी पारमा देवलोकि सुधीना
वैमानिक देवता. कल्प-नियम-राजनीति की
सामा में रहनेवाले देवता; प्रथम देवलोक से
बाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता.
a god who has not transcended
the need of administrative or-
ganisation; any of the gods of
the heavenly worlds from the
first to the twelfth. नाग० १; उत्त०
३६, २०७; भग० २४, २०; पञ्च० १५;
—उवय. पुं० (—उपग) जुगो “कल्पावेग”
शब्द. देखो “कल्पावेग” शब्द. vide “कल्पा-
वेग” भग० ८, १०; —उवचरि. न०
(—उपरितन) पांचमां देवलोकिनी उपरिता
देवलोकि. पांचवें देवलोक के ऊपर का देवलोक
the Devaloka situated above
the 5th Devaloka. भग० ६, ८;
—उववत्तिय. पुं० स्त्री० (—उपपत्तिक) ३६५—पार देवलोकिमां उत्पन्न थियेन वैमा-
निक देवता. कल्प-१२ देवलोक में उत्पन्न हुए
वैमानिक देवता. a deity of the hea-
venly worlds 12 in number.
भग० १, ८; —उववन्नग. पुं०
(—उपपन्नक) जुगो “कल्पावेग” शब्द
देखो “कल्पावेग” शब्द. vide “कल्पा-
वेग” जं० पं० ७, १४०; छां० २, २;
—काल. पुं० (—काल) धृजि; यथत; चिर
क्षेत्र. बहुत समय; चिरकाल. long time.
सूय० १, १, ३, १६; —ग्रहण. न०
(—ग्रहण) बादर वगेरे वस्त्रोनु ग्रहण करवुं
ते. चादर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना.
accepting of clothes. प्रव०
५२५; —जुअ. (—युक्त) पछेडी वगेरे
क्षपणी युक्त. चादर उग्यादि वस्त्रों के सहित.

possessed of upper garment
etc. प्रव० ५०२; —तिग. न० (—त्रिक) ३
पछेडी वस्त्र आदर. तीन चादर. तीन
पछेवडी. three upper garments
(used by ascetics). प्रव० ५०२;
५२६; —दुग. न० (—द्विक) ओ पछेडी;
ओ आदर. दो चादर. दो पछेवडी. two
upper garments (of an ascetic).
प्रव० ५०२; क० गं० ३, ११; —महद्दुम. पुं०
(—महाद्रुम) ३६५ भुं भोटु वृक्ष.
कल्पद्रुम का महाद्रुम. the big holy
tree known as Kalpadruma.
प्रव० १०३६; —समाप्ति. स्त्री० (—समाप्ति)
३६५ नी-परिहार तपनी समाप्ति. कल्पक-
परिहार तपका समाप्ति. conclusion, end
of the austerity known as
Parihara. प्रव० ६१७;

कल्पद्रु. पुं० (कल्पस्थ) आक्ष. बालक. A
child. पं० नि० २८७; पंचां० १५, ३१;
प्रव० ४८८;

कल्पद्रिश्य. स्त्री० (कल्पस्थिति) साधु समा-
चारीनी स्थिति-मर्यादा साधु समाचारीकी
स्थिति मर्यादा. Practice of ascetic
scriptural rules by a Sadhu.
वेय० ६, २०;

कल्पद्रिश्य. पुं० (कल्पस्थित) ३६५ स्थित समा-
चारीनी मर्यादा में रहने वाला. कल्पस्थित
समाचारी की मर्यादा में रहा हुआ मुनि. An
ascetic observing scriptural
rules. विशेष० १२७५; प्रव० ६१३;
—तप. न० (—तपस) ३६५ स्थित-वाचना-
आर्थ का भास पर्यन्त परिहारिक नामनुं तप
करे ते (तप). कल्पस्थित वाचनाचार्य छः
माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह
(तप). a kind of austerity
named Parihārika; practised

for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity. प्रव० ६१५;

कल्पट. पुं० (कर्पट) उद्यमते वल्गु दधने
अन्तर्धेन गोष्ठे। वस्त्र को बट देकर बनाया
हुवा गेद। A cloth twisted into
the shape of a ball. पगद० ३, ३;
प्रव० ६६०;

कल्पटिड्य. पुं० (कर्पटिक) शपथ; शपथ क्षत
बिभक्षु भावनात्। कावड़ लेकर भिक्षा मांगने
वाला। A mendicant begging
alms with a balancing bath on
his shoulder. पि० नि० १२४; विद्या-
०; नाया० ८;

कल्पण. न० (कल्पन) छेदणुं। काटना;
छेदना। Act of cutting. मु० न० ३३,
१; सू० नि० १, ५, ३, २५;

कल्पणा. स्त्री० (कल्पना) छेदना; वेचना
भावना; कल्पना; संभावना। Imagina-
tion; act of imagining a thing
as probable. विशे० १३, १३५;
१३३०; भा० ७, ६;

कल्पीणज्जिह्व (कल्पनीय) छिद्रमादिदोषरहितः
ऽप्यनु उद्गमादि दोष रहितः लेने योग्य
Free from any fault (objec-
tion is acceptable. पंचा० ३, ३५;

कल्पणी स्त्री० (कल्पनी कल्पने द्विषते यथा
वा कल्पना) शस्त्र; छुरी, कैचा; कुरा।
A pair of scissors; a knife.
‘सुरेहि निक्षधाराह दुरियाहि कल्पणीह
या कल्पिथो कलिश्चोल्लिखो, उक्त्तोयश्चण-
गमो’ उत्त० १६, ६३; ज० प० पगद०
१, १; विद्या० ८; — **कल्पय.** न० (-क-
ल्पित) शस्त्रे शपेक्षुं। कैसा से काटा हुआ।
cut with scissors; विद्या० ८;

कल्पतरु. पुं० (कल्पतरु) छेदपशु। कल्प
वृक्ष। A desire yielding tree. मु०

च० २, ३६६; प्रव० १५६३;

कल्पद्रुम. पुं० (कल्पद्रुम) छेदपशु। कल्प
वृक्ष। A desire-fulfilling tree; a
sacred tree. भक्त० २; प्रव० ४०;

कल्पपायव. पुं० (कल्पपादप) छेदपशु।
कल्पवृक्ष। A desire yielding tree.
मु० न० २, ६४;

कल्परुक्मव. पुं० (कल्पवृक्ष) छेदपशु। कल्प-
वृक्ष। A desire yielding tree; a tree
furnishing
desired objects to Jugalīyās and
gods. कल्प० २, ६५; भक्त० १६७; ज०
प० २, ४३;

कल्परुक्मव. पुं० (कल्पवृक्ष) छेदपशु।
कल्पवृक्ष। A desire yielding tree.
ज० प० ४, १२२; नाया० ६, ३३;

कल्परुक्मव. पुं० (कल्पवृक्ष) कल्प-
वृक्ष। A desire yielding tree. देवी “कल्परुक्मव”
शब्द. Vide “कल्परुक्मव” भाषा० १;

कल्पवट पुं० (कल्पवति) छेदपशु। देवता-
ना आवरण-छेद कल्पवृक्ष। देवताका
आवर्षण छेद. The lord Indra of
Kalpavāsi gods. ज० प० ४, ११५;

कल्पवटिनिश्चा. स्त्री० (कल्पवर्तनिका) ज्ये-
ष्ठामां ज्येष्ठ इति शब्द. इस नाम का एक
कालिक सूत्र. Name of a Kālika
Sutra. ज० प० राय० नदी० ६३;

कल्पविमाणवाम. पुं० (कल्पविमानावाम)
देवदेशान् ज्येष्ठ देशान् प विमानम् निवास.
देवलोके के एक देशरूप विमान में निवास
Residence in a heavenly abode
named Deśarupa. डा० २, ४,

कल्पविमाणोववन्तिया. स्त्री० (कल्पविमानो-
वपन्तिका) देवी देविष्वमां देवपत्नी आय

तेली आयरणा, जिससे देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार—आचार. Conduct leading to birth in Devaloka. भा० १२, ४;

कल्पाईय. पुं० (कल्पातीत) राज्यव्यवस्था ना नियमने उद्देश्यी श्रेष्ठ देवता; नवग्रीवैश्च अन्ये पांच अनुत्तर विमानता देवता. राज्य-व्यवस्थाके नियम को उलांघ चुके हुए देव; नवग्रीवक और पांच अनुत्तर विमानके देवता. Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods. उत्त० ३६, २०७; पञ्च० ११;

कल्पाकल्पिय. न० (कल्पाकल्पिक-कल्प आचारः अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिन-कल्पादिकल्पश्चरकादिर्दाक्षा, यद्वा कल्प्यं ब्राह्मकल्प्यज्ञान्यत् तत्प्रतिपादकं शास्त्रं कल्पाकल्पिकम्) इत्य अकल्प दर्शावतार ऐक्येति धर्मशास्त्र. कल्प और अकल्प दिग्गाने वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र. A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. अणुजा० ४१;

कल्पाग. पुं० (कल्पाक) ऐक्य जगत्ता यगु मतिद्वैपैश्च ऐक्ये भुम्भ मतिद्वै इत्यपुं ते; ऐक्यनरैश्चि. एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समझ लेना; शय्यान्तराय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेद्य० २, १२;

कल्पाग. पुं० (कल्पाक) साधु. साधु. An ascetic. ब्र० ४, १५; —**भिक्षु.** पुं० (—भिक्षु) छेदोपस्थापनीय आदिन स्थापना-व्येष्ट साधु. वैदोपस्थापनाय चारित्र्य में स्थगने

योग्य साधु. an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. ब्र० ४, १३; १६;

कल्पातीत. पुं० (कल्पातीत—कल्पमतीता अतिक्रान्ताः कल्पातीताः) इत्यतीत देवलोकभां उत्पन्न श्रेष्ठः नवग्रीवैश्चि मांश्री पांच अनुत्तरविमानभांता देवता ऐक्ये इत्य —ऐक्ये रागन्ति—व्यवहारता क्षयदानं अधन नहीं. कल्पातीत देवलोक में उत्पन्न हुए देव; नवग्रीवक में लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजर्जाति के व्यवहार—कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग० ८, १; १०; २४, २०; (२) स्थितिद्वैप आदि साधुता आचारगी मर्यादने उद्देश्यी श्रेष्ठ—तीर्थक्षर देवती यज्ञे स्थितिकल्प आदि साधुके आचार को सोसा उलांघि हुए तीर्थकर, केवली आदि. a Tirthankara, a Kevali etc. who have transcended the necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग० २, ४; ६, ७;

कल्पातीतगवैमणिय. पुं० (कल्पातीतकवैमणिक) आर देवलोकस्थी उपरता देवलोकभां उत्पन्न श्रेष्ठ वैमानिक देवता. बारह देवलोकों के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग० २४, १२;

कल्पाय. न० (कल्पक) इत्य. कल्प. Kalpa. (q. v.) विद्या० ३;

कपास. पुं० (कार्पास) ऐक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed. श्रौघ० नि० भा० १२; (२) कपासथी उत्पन्न यत्तुं सूत्र.

कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत. cotton

thread. श्रुगुजो० ३५; —**रोम.** न०

(रोमन्) कपासनी इवादी. कपास के तार-

नमं रेशा. a fibre of cotton. भग०

५२, १: —**लोम.** न० (रोमन्) कपास

रन्ती पुन इवादी. कपास रुई का तार.

a cotton fibre. भग० ८, ६: —**वण.**

न० (वन) कपासतुं वन. कपास का वन.

a forest of cotton. निर्मा० ३, १६:

कपासमन्थि. पुं० (कार्पासमन्थि) त्रयुं प्रद्वि-

याशे ऐक कपासतो छव. तीन इंद्रिय वाला

एक कपास का जीव A kind of three-

sensed living being found in

cotton. पञ्च० १; जीवा० १:

कपासिअ. पुं० (कार्पासिक) कपासते वैपरी

कपास का व्यापारी. A cotton-mer-

chant पञ्च० १; श्रुगुजो० १३१; (२) ऐ

नामन्तु कपासतुं कपास अ प्रकार ऐक शास्त्र

इय नाम का कपास का वर्णन करने वाला

एक शास्त्र. name of a science des-

cribing the properties of cotton.

श्रुगुजो० ६१:

कपासी. स्त्री० (कार्पासी) कपासभां रहन्ते इति

कपासमें रहने वाला एक कीड़ा. An in-

sect living in cotton. उक्त० ३६, १३५:

कपिअ य. त्रि० (कल्पित) साधुते वैता

याय; साधुते कपय तेषु. साधु के लिये

योग्य; साधु को कल्पनीय. Fit for an

ascetic; acceptable to a Sādhu

दय० ६, ४८; (२) आवेक्षुः रथेक्षुः

स्थापेक्षु. जमाया हुआ; रचा हुआ; स्थापित

किया हुआ. arranged; established.

श्रौघ० २७; दसा० १०, १; जं० प० नाया०

१; स्य० १, २, ३, १८, कप्प० ६, ६२;

कपिअ-य त्रि० (कर्त्तित) क्षेपेक्षुः छेदेक्षुः काटा

हुआ; छेदाहुआ Cut off; broken.

जीवा० ३, ६; विवा० ४; उक्त० १६, ६३;

कपिअकपिअ. पुं० (कल्पाकप) आगन्तु-

विश कल्पाविश सूत्रभांतुं श्रीचु. २६ उत्कर्त्तिक

सुत्रो मे मे २ रा सूत्र. The 2nd of the

29 Utkalika Sūtras. नंदा० ४३;

कपिअ. स्त्री० (कल्पिका) ऐ नामन्तु क्षविश

सूत्र; निरयातविश अंतर्गत विपंग सूत्र.

इय नामका कालिक सूत्र; निरयातिका के

अंतर्गत विपंग सूत्र. Name of a Kāli-

ka Sūtra; the Upāṅga Sūtras

contained in Nirayāṭikā.

नंदा० ४३:

कप्पर. पुं० (कप्प) कप्पर. Camphor.

मय० ५६; नाया० १: १७; जीवा० ३, ८;

कप्प० ३, ४३: — **पुड.** पुं० (पुट) कप्परती

पेटा परिक्षित. कप्पर का पुड़ा-पुड़िया. a

packet of camphor. नाया० १७;

कप्पोववगगग. पुं० (कप्पोवपन्तक) जुआ

“ कप्पोवग ” शब्द. देखो “ कप्पोवग ”

शब्द. Vide “ कप्पोवग ” भग० २४, २०;

— **वेमणिय.** पुं० (वेमानिक) जुआ

“ कप्पोवग ” शब्द. देखो “ कप्पोवग ”

शब्द. vide “ कप्पोवग ” भग० २४, १२;

कवंध. पुं० (कवन्ध) भाथावितानुं छित्तुं पड.

बिना गिर वाला जाना घड़. A headless

trunk with life in it. पणह० १, ३; तंहु०

कव्वडिगा. स्त्री० () पुत्री; दीक्षरी. लड़का;

कुमारी. A daughter. त्रि० नि० ५७६:

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठनोट (३). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

कवटी. स्त्री. (बालिका) नानी छोटी.
छोटी लड़की. A young girl. पि०
नि० २८५:

कवड. न० (कबट) नानी गदथी विटलिये
शहर. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A
city encircled by a low ramp-
part. आया० २, ७, ६, २२२; कण० ८,
८८; (२) दलडी पयलीले शहर। छोटी
जमीन का स्थान. an abode of mean
population. अयुजा० १३१; जेय० १,
६; उत्त० ३० १८; टी० २, ४:

कवडग. पुं० (कर्वटक) कर्वट नाम का ग्रह.
Name of a planet. टी० २, ३:

* कबल. न० (क) लोचन; दीपदी. खोपडा;
खप्पर. The skull; a piece of a bro-
ken jar of the shape of a
skull. "कबल संट्राण संट्रिण" उवा० २
६४; अंत० ३, ८; अमृत० ३, १:

कम. पुं० (कम) क॰ अनुक्रमः पद्धतिः नियम
आदि. कमः अनुक्रमः नियमगरः तन्मात्र वाग.
Order; method; serial order.
सम० ७; क० प० १, १४; ६६; क० गं० २,
११; ५, ७८; म० च० १, १; प० नि० ६०;
नाया० १; ७; १; १८; नग० ४, १; ६, ३;
२०, ४; २४, १; ३२, २; प्रव० ३ ६६; विशे०
२, ११०; जे० प० ७, १४ ७; १२) अरुणः पग.
पांव; पगः चरण. feet. गच्छा० ३८: —
आरब्ध. वि० (—आरब्ध) क॰ श्रुति आदि-
भवे. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in
serial order. क० प० ४, ६४: —उक्रम.
पुं० (—उक्रम) क॰ अन्ते उक्रम. कम और
अनुक्रम. order and serial order.

प्रव० १०५८:—जुअल न० (—युगल) क॰
युगल से पग. कम युगलः दो पांव two
feet. गच्छा० ३६:—जोग. पुं० (—योग)
अनुक्रम-अनुपरी क्रम-आपार प्रवृत्ति.
क्रमानुसार क्रम व्यापार प्रवृत्ति. serial
order; graded order. दश० ४, १, १:

कमंडलु. न० (कमण्डलु) क॰ शब्द. कमंडल.
A waterpot (earthen or wood-
en) used by ascetics. नाया० ७१६.
नग० ११, ६; १४, ८:

कमकरिया. स्त्री० (कमकरिका) अ॰ शब्द. मतलु
वाद्य. एक. जानका बाजा. A kind of
musical instrument. निमा० १७, ३४:
—मह. न० (शब्द कमकरिया शब्द-क्रम कृत
शब्द.) क॰ शब्द. बाजे का आवाज
sound of a musical instrument.
निमा० १४, ३४:

कमदग. न० (कमदक) अ॰ शब्द. कर्मदग
आदि से लब्ध. अ॰ शब्द. कर्मदग. कर्मदग
पात्रः कर्मदग. काग के पात्र के मटग मात्र
के आहार करने का तुम्बका पात्र-कमंडल. A
dining vessel of an ascetic made
of gourd and having the shape
of a bronze pan; an earthen or
wooden waterpot of an ascetic.
आप० नि० ३८, ६७४; वव० २, २७:

कमठय. न० (कमठक) लुप्त. डिपेता शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above. प्रव०
४३६:—जुय. वि० (—युत) देगत वजेथी
लेपित शब्द. कर्मदग पात्रथी युक्त. रोमान
आदि से लेप किये हुए तुम्ब के पात्र सहित.
(one) possessed of a painted
vessel made of a dry gourd.

* लुप्तो पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठोत्तर (*). देखो पृष्ठ संका १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

प्रव० ५३६;

कमल. न० (कमल) आक्रमण करने, attacking. श्रव० ३, १;

कमल. पुं० (कमल) श्वेत. कमल. A lotus. संख्या० १५; राय० २७; नाया० १; ८; ६; भग० २, १; ६, ३३; विश० ११०६; (२) श्वेत वनवासि. एक जाति का मृग, a kind of deer. जे० प० ५, ११५; १२१; अंगुजो० १६; श्रव० ६३; (३) चंद्र तीव्ररश्मि वाला. चंद्र तीर्थकर का चिन्ह लक्षण, the mark (insignia) of the 6th Tirthankara. प्रव० ३८१; —**आगर.** पुं० (—आकर) श्वेतवर्ण तट. कमलवाला झील, a lake with lotuses growing in it. श्रव० १३; भग० २, १; अंगुजो० १६; —**आयर.** पुं० (आकर) श्वेतवर्ण विपनिष्ठतः तट. सरोवर तट. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान. झील, सरोवर आदि, a lake etc. where lotuses grow. कप० ८, ६०; —**उचम.** त्रि० (उपम) श्वेतवर्ण सरोवर; श्वेत देव. कमल के सदृश; कमल जैसा, lotus-like; resembling a lotus. विवा० ७. —**ट्रिय.** त्रि० (—स्थित) श्वेत शयन स्थल. कमल पर रहा हुआ, situated on a lotus. कप० ३, ४१; —**(ला)गुयण.** न० (—नयन) श्वेतवर्ण नेत्र आंख. कमल जैसी आंख, an eye like a lotus. नाया० १; —**दल.** न० (—दल) श्वेतवर्ण पत्र. कमल का पत्र, a leaf of a lotus. भक्त० ७८; —**दलकव.** त्रि० (—दलाक्ष) श्वेतवर्ण आंखों जैसी आंखोंवाला. कमलकी पखंडी के समान आंखोंवाला, having eyes like lotus-buds भक्त० ७८; —**वण.** न० (—वन) श्वेतवर्ण वन. कमलों का वन

the place where lotuses grow abundantly. कप० ३, ३६; —**वणालंकरण.** न० (—वनालंकरण) श्वेतवर्ण आभूषण. कमल वन का आभूषण, the lotus as an ornament of the forest. कप० ३, ३६; —**(ला)सीहामण.** न० (—मिहामन) पिशाचना छंद शशी पदशशी श्वेतवर्ण श्वेतवर्ण नामधेय आसन. पिशाचों के छंद काल की पदार्थ कमलादेवी का कमल मिहामन नाम का आसन, name of the throne of Kamaladevi the crowned queen of Kāla, the Indra of the Pisachas. नाया० ध० ५;

कमलगाहावट पुं० (कमलगाथापति) श्वेतवर्ण गृहपति; गृहस्थ. कमल नाम का एक साधुकार. A merchant-prince so named. नाया० ध० ४;

कमलपद्मा. स्त्री० (कमलप्रभा) पिशाचना मंदारवन शशी श्रीछंद पदशशी. पिशाचों के छंद काल की दूसरी पदार्थ. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Pisachas. शा० ४, १; भग० १० ५; नाया० ध० ४;

कमलवटिमयभवन न० (कमलावतंसकभवन) श्वेतवर्ण तंसक नामे भवन. कमलावतंसक नाम का भवन. A celestial abode named Kamalāvataṁsaka. नाया० ध० ५;

कमलसिरी. स्त्री० (कमलश्री) श्वेतवर्ण नामधेय शशी. कमलश्री नाम की रानी. Name of a queen. नाया० २; ८; —**भारिया.** स्त्री० (—भार्या) श्वेतवर्ण नामधेय स्त्री. कमलश्री नाम की स्त्री, name of a woman नाया० ध० ४;

कमला. स्त्री० (कमला) पिशाचना छद्म काष्ठी
पट्टराक्षी; इमवादेयी. पिशाच का इंद्र काल
की पट्टराक्षी; कमलादेवी. Kamalādevī,
the crowned queen of Kāla,
the Indra of the Piśāchas. जं०
प० ३, ५७; नाया० ध० २; ठा० ४, १;
भग० १०, ५; —**दारिद्र्या.** स्त्री० (-दा-
रिका) इमवा नाभनी पुत्री. कमला नाम
की लडकी. a daughter of this
name. नाया० ध० ५; —**रायहाणी.**
स्त्री० (-राजधानी) इमवादेयी की इमवा
नामे राजधानी. कमलादेवी की कमला नाम
की राजधानी. the capital-city
named Kamalā of Kamalādevī.
नाया० ध० ५;

कमलावर्द्ध. स्त्री० (कमलावती) छपुकार
राजनी राक्षी. द्रुपुकार राजा की राणी.
Name of the queen of king
Isukāra. उत्त० १४, ३;

कमसो. अ० (कमसम्) अनुक्रमणी; क्रमेदरी.
क्रम से; अनुक्रम से. In order; in
serial order. विश० ११०; नि०
७७; अणुजो० १२८; प्रव० १८; १३४३;
क० गं० १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क०
प० १, १६; ४०; उत्त० १८, ११;

कमा. स्त्री० (कमा) इमवादेयी; धरणिन्द्रनी
अश्रमिणी नाम. कमादेवी; धरणिन्द्रकी अग्र-
महिषी का नाम. Kamādevī; the
principal queen of Dharanendra.
नाया० ध०

कमाड. न० (कपाड) इमा. किवाड A
door. आद० ४, ५;

कमियव्व. त्रि० (क्रमितव्व) आक्रमण इन्द्र.
आक्रमण करना; हमला करना Attacking;
overpowering. नाया० १; भग० ६, ३३;

कम्म. पुं० (कर्मण) कार्मण शरीर; पांच

शरीर भानुं ऐक. कार्मण शरीर; पांच शरीरों
में से एक. Karmic body; one of
the five sorts of bodies. भग० १,
१; ६; २, १; ८, १; क० गं० ५, ७६;
(२) कार्मण योग; १५ योगोंमेंसे एक. Kārman-
Yoga; one of the 15 Yogas.
क० गं० ४, ७; २८; (३) कार्मण शरीर योग्य
पुद्गल रक्षणी वर्णण-समुदाय. (३) कर्मण
शरीर के योग्य पुद्गल स्कंधों का समूह-
समुदाय. a collection of molecules
fit for the Kārman body. क०
प० १, १६; —**उरलद्वग.** न० (-आदरि-
कद्विक) कार्मण तथा आदरिक द्विक.
कर्मण तथा आदरिक द्विक-युग्म. a pair
of Kārman or physical bodies.
क० गं० ४, ३०; —**पोगलपरियट्ट.** न०
(-पुद्गलपरिवर्त) ऐक छव गेटवा यत्तमां
लोकां तमास पुद्गलाने कार्मण शरीर पण्णे
वधने परिवर्तमानि छोटें तेडो यत्त-
वावने ऐक विभाग. एक जांव जितने
समय में लोक के तमास पुद्गलों को कर्मण
शरीर द्वारा लेकर और पराणमाकर छोड़ना
है उच्छना समय; काल का एक विभाग. a
certain division of time. भग० १२, ४;

कम्म. पुं० (कम्म) उत्तंभण, अवत्तंभण, आ-
कुत्थन, प्रसारण, गमन, अं पांच कर्माभानुं
गमेने ऐक कर्म. उत्तंभण, अवत्तंभण, आकु-
ञ्चन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों में से
कोई भी एक कर्म. any of the five
actions consisting of raising,
lowering, contracting, expan-
ding and moving. भग० १, २; १२, ५;
पञ्च० २३; दसा० ६, १; उवा० १, ४३; (२)
कारिगरी, कारिगरीयी अनावेत्तुं रूप-आकार
कारिगरी; कारिगरी से बनाया हुआ आकार.

artificial shape अणुजो० १०; (३) कर्म; कार्य; क्रिया; काम धर्मो. व्यापार; कर्म; काम क्रिया; घंथा action; operation; trade. अणुजो० १३१; डा० १, १; सु० प० १६; नाया० १, १७; मु० च० १, १; पि० नि० ६३; १०१; ४३७; पि० नि० भा० ४०; ज० प० ७, १५१; (४) आरंभ; प्रवृत्ति. आरंभ; प्रवृत्ति. beginning of activity; activity. सूय० १, १२, १५; ज० प० (५) आत्मानी शक्तिने दत्तावतार ज्ञानावरणादि आः कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गोत्र, अन्त अन्तराय, अं आत्मो अं अं ते अं अ. आत्मशक्ति को दर्शन वाले आठ कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गोत्र, और अन्तराय इन आठ में से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāvaranīya, Darśanāvaranīya, Vedānya, Mohanīya, Āyusya, Nama, Gotra and Antarāya. भग० २, १; ५; ३, १, ५, ४, ७, ८; ३५, १; ३४, १; पञ्च० १; १८; १३; दसा० ६, १; विशेष० ४६; ३६३; सूय० २, १, ६०; दस० ४, २४; ६, ३३; ६६; नाया० १; ८; कप० ५, ११८; आव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; —अन्त. पुं० (—अन्त-कर्मणां अन्तः पर्यन्तभागो मूलं कारणं यस्य) कर्मना कारण. कर्म का निमित्त-कारण. a cause of Karma. दसा० ६, ३१; —अंश. पुं० (अंश) ज्ञानावरणादि कर्मोका अंश. a portion of Karma, e. g. of knowledge-obscuring Karma etc. आव० ४२; उत्त० ३, १०; भग० १५, १; १८, ७; (२) कर्म प्रवृत्ति. कर्म प्रवृत्ति.

a variety of Karma. क० गं० ६, १७; —अवसेस. पुं० (—अवशेष) कर्म-मात्र; अवशेष आश्रितां कर्म. कर्ममात्र; अवशेष-वाक्याका कर्म. the whole mass of Karma; the remaining Karmas. भग० १४, ७; —आजीव. त्रि० (—आजीवक) जेती पड़ेरे कर्म करी व्यवहार. जेती प्रभुनि कर्म करके जीविका चलावे वाला. one who earns livelihood by agriculture and other occupations. डा० ५, १; —आदाण. न० (—आदान) पंदर प्रकारतां कर्मोदान; श्रावकने न करीया येथ कर्म-धर्मो. पंदर प्रकारके कर्मोदान; श्रावक के न करने योग्य कर्म व्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ६, ३३; (२) कर्मो आवदाने भाग. कर्मो क अने का मार्ग. a door for the coming in of Karma. भग० ८, ५; —आयाण. न० (—आदान) कर्मो उपादान कारण. कर्मो का उपादान कारण. an efficient cause of Karma. अंत० ६, १५; —आसीविप. त्रि० (—आसीविप = कर्मणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशी विषाः कर्माशीविषाः) जेते क्रिया अनुष्ठानता यत्रथी श्रीजनेता नाश करीया श्राप आपी अनिष्ट करीयाती शक्ति उत्पन्न थो होय तेवा निर्यय मनुष्य पड़ेरे. जिसे क्रिया अनुष्ठान के बलसे दूसरो का नाश करने-शाप देकर अनिष्ट करने की शक्ति उत्पन्न होगई है वह निर्यय मनुष्य बंगरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses. भग० ८, १; २; —उदय. पुं० (-उदय) कर्मेना उदय. कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma; maturity of Karma. भग० ६, ३२; —उदीरण. न० (-उदीरण) कर्मेने पराजि जेम्हीने उदयमां लावतुं ते. कर्मों को उदय भाव में लाना. forcing up Karma into maturity. भग० २५, ६; —उपग. पुं० (-उपग) ज्ञानावरणादि कर्मेनानुं अधन. ज्ञानावरणादि कर्मों का बंधन. bondage of Karma, e. g. that of knowledge-obscuring Karma etc. भग० १४, ६; —उवचय. पुं० (-उपचय) कर्मेना उपचय-वृद्धि. कर्मों का वृद्धि. increment of Karmas. भग० ६, ३; —उवसम. पुं० (-उपशम) कर्मेने उपसमापना ते. कर्मों को उपशमाना. subsidence of Karma; assuaging of Karma. भग० ६, ३२; —उवहि. पुं० (-उपधि) कर्मरूप उपाधि; आः कर्मरूप परिग्रह. कर्म रूप उपाधयः आः कर्म रूप परिग्रह. obstacles, fetters in the form of the eight kinds of Karma. टा० ३, १; भग० १८, ७; —कर. पुं० (-कर) घरनुं कामकाज करतार; कामगरे; नोकर. घर का कामकाज करने वाला; नोकर चाकर. a domestic servant; a servant. जं० ५० आ० ३१; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२; —करअ. पुं० (-कर+क) जुओ “ कम्म-कर ” शब्द. देखो “ कम्मकर ” शब्द. vide “ कम्मकर ” सू० २, २, ६३; —करण. न० (-करण—कर्मेविषयं करणं जीवकीयं बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूतं कर्म कर्मकरण) कर्मेनुं करण, साधन; ७५ वीर्य वजरे. कर्मों का कारण-साधन;

जीव कीर्य इत्यादि. instrumental cause of Karma. भग० ६, १; —करी. स्त्री० (-करा) काम करतारी; कामगरी; दासी. काम करने वाली; दासी; नौकरानी. a female servant, a maid-servant. आया० २, १, २, १२; —कार. पुं० (-कर) काम करतार; दास. काम करने वाला दास. a servant. नाया० ६; —कारअ. पुं० (-कारक) काम करतार; दास. काम करने वाला; दास. a servant. दसा० ६, ४; —कखय. पुं० (-कय) कर्मेना क्षय-नाश. कर्मों का क्षय नाश. destruction of Karma. नाया० २; प्र० ४४८; ६५८; भन० १३६; —कंध. पुं० (-स्कन्ध) कर्मेना रक्थ-आयसमुद. कर्म के स्कन्ध-अणुसमुद. collection of Karmas. क० गं० ५, ७८; —गर. पुं० (-कर) कारीगर-मुदर वजरे. दस्तकार (कारीगर) लुहार इत्यादि. an artisan, e. g. a blacksmith etc. जीवा० ३, ३; जं० ५० ५, ११२; —गुरु. त्रि० (-गुरु) कर्मेदरी-गुरु-भारे; भारेकर्मे. कर्मों में भारी; गुरु कुमा. (one) possessed of heavy Karmas. नाया० ६; —गुरुयना. स्त्री० (-गुरुकता) कर्मेदरी गुरुपायुं कर्मों द्वारा भारीपना heaviness of Karmas. भग० ६, ३२; —गुरुयसंभारियता. स्त्री० (-गुरुकमंभारिकता) कर्मेनुं भारेपायुं; भारेकर्मेपायुं. कर्मों का भारी पन; जिसके कर्म बड़े जवरदस्त हैं. heaviness of Karmas; state of being one with heavy Karmas. भग० ६, ३२; —घण. पुं० (-घन) कर्मेदरी वाहन. कर्म रूपी बादल. a clond in the form of Karma. “ विरायद्द कम्म घणमि

श्रवणम्" दस० ८, ६४; —चउक्क. न० (-चतुष्क) दर्शनावरण्, वहेत्ती, नाम, अने आत्र, अय्यार इभे. दर्शनावर्णाय, वेदनीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz. Darśanāvārṇiṃya, Vedaniya, Nāma and Gotra. क० प० २, ८०; —जाइभेअ. पुं० (-जातिभेद) इर्भे अने अनि ना भेद. कर्म और जाति का भेद. the distinctions of occupation and caste. प्रव० १२, १५; —जुत्त. त्रि० (-युक्त) इर्भे युक्त; इर्भेयदित्. कर्मयुक्त सहित; यमं युक्त. possessed of Karmas; with Karmas. प्रव० १२, ८८; —हुग. न० (अष्टक) आऽ इर्भे. आठ कर्म. the eight Karmas. क० प० १, १; प्रव० १२, ६; —हुगोदय. पुं० (-अष्टकोदय) अष्ट इर्भे ना उदय. आठों कर्मों का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क० प० ७, ५६; —हुइ. श्री० (-स्थिति) इर्भेनी स्थिति. कर्मों की स्थिति. duration of existence of Karma. भग० ६, ३; १४, ६; प्रव० १०, ४४; क० प० २, ७४, ३, २; —गुरवइ. पुं० (-नरपति) इर्भेनी राजा. कर्म रूपा राजा. a sovereign, a king in the form of Karma. नाया० १७; —गिइदाण. न० (-निदान-कर्म निदानं नारकत्वनिमित्तं कर्मबन्धनिमित्तं वा येषां ते कर्मेनिदानाः) इर्भे अंधनना कारण्. कर्म बंधन का कारण. a cause of Karmic bondage. भग० ४, ६; १४, ६; —गिसेग पुं० (-निपेक) लुत्थे "कम्म निसेअ" शब्द. देखो "कम्मनिसेअ" शब्द. vide. "कम्मनिसेअ" जीवा० २; भग० ६, ३;

—**द्वव्यवगणा.** पुं० (द्रव्यवर्गणा) धर्म २५
द्रव्य वर्गणा-धर्मोक्तो समूहः. कर्म रूप समुदाय
-कर्मों का समूह; कर्म वर्गणा. a group,
collection of Karma. भग० १, १;
—**निज्जरा.** स्त्री० (- निज्जरा) धर्मोत्ती निर्जराः
धर्मोत्ती क्षय. कर्मों का निर्जरा; कर्मों का क्षय.
destruction, wasting away of
Karma. भग० ७, ३; —**निवृत्ति.** स्त्री०
(- निवृत्ति) धर्मोत्ती उत्पत्ति-निवृत्ति. कर्मों का
उत्पत्ति-उद्गम. birth of Karma. भग०
१६, ८; —**निषेक.** पुं० (- निषेक-कर्मणां
निषेका बाधोनाकर्मस्थितः कर्मदक्षि-
कानुभवनाथो रचनाविशेषा वा कर्म-
निषेकः) अथाथा काल शिवायायी धर्म स्थिति;
अथाथाकाल पक्षी धर्मो अनुभव थाय तेवी
इति इदेवी धर्मोत्ती अेद द्यन्ता व्यख्या.
अथाथा काल रहित कर्म स्थिति; अथाथा काल
के पश्चात् कर्मों का अनुभव हो गेमी को हुइ
कर्म रचना-व्यवस्था. a variety of Kar-
ma which is experienced after
the period of its end. “अथाहुस्त्रिया
कर्मद्विधे कम्मनिषेगोत्ति” भग० ३, ३;
—**पणस.** पुं० (- प्रदेश) धर्मोत्ती प्रदेश.
कर्मों का प्रदेश. the atomic part
of Karma. क० प० १, २६;
७, ५०; क० गं० ५, ६६; —**पगइ.** स्त्री०
(- प्रकृति) धर्मोत्ती प्रकृति. कर्मों का प्रकृति.
variety of Karma. क० गं० ३,
६३; —**पगडि.** स्त्री० (प्रकृति) धर्मोत्ती प्रकृति
अतिर अेद. कर्मों का प्रकृति-अथान्तर भेद.
Karmic nature; Karmic vari-
ety. भग० ६, ३; ६; ८, १०; १६, ३; २५,
६; २६, ३; ३२, १; —**पभार.** पुं० (- प्रभार)
धर्मोत्ती भारः धर्मोत्ती अेद. कर्म का भारः
कर्मों का बोझ. heavy load of Kar-
ma. निर० १, १; —**परिगह.** पुं०

(-परिग्रह) आः कर्मरूप परिग्रह. आठ कर्म रूप परिग्रह. possession in the form of the eight kinds of Karmas. टा० ३, १; भग० १८: ७; —परिणति. स्त्री० (परिणति) कर्मनुं ३३. कर्मों का फल. the result of Karma. पंचा० ७, ४८; —पुरिस्त. पुं० (-पुरुष) कर्म-भ-दारिद्र्यादि तत्प्रधान पुत्र्य-वासुदेव. कर्म-महा-रमादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations. टा० ३, १; —प्लवाय. न० पुं० (-प्रवाद) कर्म-संयथी निवेद्यन वेदां छे ते; कर्म प्रवाद नामनो आःभो पृ०. जिसमें कर्म सम्बन्धी विवेचन है वह; कर्म प्रवाद नामका आठवां पृ०. name of the 8th Pūrva in which there is a discourse on Karma. नंदा० २६; मन० १४; —बंध. पुं० (-बंध) कर्मेति अंध. कर्मों का बंध. Karmic bondage. नाया० १७; प्रव० ११६१; —बहुत्त. न० (-बहुत्व) कर्मेति अंध/पापयुं. कर्मों का बाहुल्य. multiplicity of Karma. भग० १२, ७; —बीज. न० (-बीज) कर्मनुं थीज राज देपादि. कर्मों का बीज-राज देशादि. seed of Karma. दसा० ५, ३६; —भारियता. स्त्री० (-भारिकता=भारोऽस्ति येषां तानि भारिकाणि तद्भवो भारिकता कर्मणो भारि. कता कर्मभारिकता) कर्मनुं भारेपायुं. heaviness of Karmas भग० ६, ३२; —मल. त्रि० (-मलिन) कर्म पड़े भलीन. कर्मों द्वारा मलिन. bespattered with Karma. क० प० ७, ५७; —मल. पुं० (-मल) कर्मरूपी भेद. कर्म रूपा मल. dirt in the form of Karma. क० प० १, १; —मलायेकखा. स्त्री०

(-मलायेका) कर्मरूपी भेदनी अपेक्षा. कर्म-रूपी मल की अपेक्षा. reference to the dirt in the form of Karma. प्रव० ७३३; —मूल. न० (-मूल) कर्मनुं भूत क्षरण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कपाय अने योग. कर्मोंका मूल कारण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कपाय और योग. any of the five causes of Karma, viz. Mithyātva, Avirati, Ka-sāya and Yoga. “कम्ममूलंच-जेट्ठण” आया० १, ३, १, ११७; —रज. न० (-रजस्) कर्मरूप रजः. कर्म रूपा रज; कर्मिक रज. Karmic dust. नाया० ८; १४; दस० ४, २०; भग० ६, ३१; २०, ८; —लेख्या. स्त्री० (-लेख्या-कर्मणः सकाशात्ता लेख्या जावपरिणतिः सा कर्मलेख्या) नामकर्मनी प्रदृतिरूप लक्षणा. नाम कर्म की प्रकृति रूप छः लेख्या. any of the six Leśyās result- ing from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १; ६; —वस. त्रि० (-वश) कर्मेने वश-आधीन. कर्मधीन; कर्मों के वश. one subject to Karma नाया० १८; —वसगत. त्रि० (-वशगत) कर्मेने वश थयेव. कर्मों के वशीभूत. one under the power of Karma. नाया० ६; —विउसग. पुं० (-व्युत्सग) कर्मेने त्याग क्षरो ते. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Karma. भग० २५, ७; —विगम. पुं० (-विगम) कर्मेने क्षय. कर्म क्षय. des- truction of Karma; subsidence of Karma. पंचा० १, २; —विमुक्त. त्रि० (-विमुक्त) कर्मेथी भूत थयेव. कर्मोंसे मुक्त. one, free from Karma. नाया० ६; —वियड. स्त्री० (-विगति) कर्मेनी

विचित्र गति. कर्मों की विचित्र गति. the strange course of Karma. भग० ६, ३२; — **विष**. न० (—विष) धर्मरूप जहर. कर्मरूपी विष-जहर. a poison in the form of Karma. पंचा० ४, २८; — **विशुद्धि**. स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि. कर्मों की निर्मलता शुद्धता. purification of Karma. भग० ६, ३२; — **विमोहि**. स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि. कर्मों की शुद्धि. purification of Karma. भग० ६, ३२; — **वेयणा**. स्त्री० (—वेदना) धर्मनी वेदना. कर्मों की वेदना-पीडा. feeling of pain due to Karma. भग० ७, ३; — **समारम्भ**. पुं० (—समारम्भ, पापना हेतुरूप क्रियता करने, पाप का हेतु रूप क्रिया का कारण. a cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. आया० १, १, १, ७; — **सह**. वि० (—सह) धर्मविपादने सहन करनेवाला. कर्मावपाक को सहन करने वाला. (one) who endures the results of Karma. “कम्मसहा कालेण जंतयो” सय० १, २, १, ६; — **हेउअ**. वि० (—हेतुक) धर्म के हेतु हेतुओं में. जिसके कर्म ही निमित्त हैं सह. that of which Karma is the cause. “पयत्तज्झट्ठित्व कम्म हेउअ” दम० ७, ४२;

कम्मअ. पुं० (—कामेण) आरंभ धर्मना ७४था- ३५ धर्मजु शरीर; तेजस अने धर्मजु शरीर गंजारी दरेक छत्ते होय छे ते जनां तरेमां पण् छत्तली साथे अनय छे. आठ कर्मों का समूह रूप कामेण शरीर; प्रत्येक सांसारि जीव को तेजस और कामेण शरीर होता है और भवांतर में भा. जीव के साथ जाता है. Kāmaṇa Sārira i. e. a

body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kāmaṇa as well as the Tejasa Sārira and these two accompany it even in the next birth. सम० प० २१६; जावा० १: अणुजा० १८५;

कम्मइया. स्त्री० (—कर्मचिता) धाम करनेवाली उत्पन्न थयेकी शुद्धि; आरंभ शुद्धिमान्ती अथ. काम करने २ उत्पन्न हुई बुद्धि: चार बुद्धियों में से एक. Thought excited in the mind during the course of an action. नाया० १;

कम्मआ. अ० (—कर्मतः) धर्मसे. Through, on account of Karma. भग० १२, ५; २०, ४;

कम्मग. न० (—कर्मक=कामेण) धर्मजु शरीर: धर्म समुदाय ४५. कामेण शरीर: कर्म समूह द्रव्य. Kāmaṇa Sārira i. e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma. विशेष० ६५८: भग० ८, ६: १२, ५; — **शरीर**. न० (—शरीर) धर्मजु शरीर. कामेण शरीर, Kāmaṇa Sārira भग० २५, १; — **शरीर**. पुं० (—शरीर) धर्मजु शरीर-वत्ता ४५. कामेण शरीरवाला जीव. a soul possessed of Kāmaṇa Sārira. जावा० १०: डा० ६, ४: भग० १८, १;

कम्मजाय. पुं० (—कामेणयोग) वशीकरणदि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc. नाया० १४;

कम्मण. न० (—कामेण) भवनी शक्तिशील कर्मण १५ करने, गांध अनाययं वजेरे. मानसिक

शक्ति से किसीको वश करना; पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पि० नि० ४६७; प्रव० १३३०; क० गं० ३, २४; ४, २७; (२) कर्मणु शरीर. कर्मण शरीर. the Kārmāṇa body. भग० १. ५; क० गं० १, ३३; —जोय. पुं० (—योग) वशीकरणदि व्यापार. वशीकरणदि व्यापार. practising of enchantment etc. नाया० १४; —सरीरनाम. न० (—शरीरनामन्) कर्मणु शरीर नाम. कर्मण शरीर नाम. the name or appellation Kārmāṇa Sāvira. सम० २८;

कम्मतर. न० (कर्मतर) अतिशय कर्म. बेहद कर्म; अधिक कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६;

कम्मतरय. पुं० (कर्मतरक) अत्यधिक, अतिशय कर्म. बहुत कर्म; अतिशय कर्म. Excessive Karma. भग० ५, ६; ७, ३;

कम्मस्थय. पुं० (कर्मस्तव) कर्मस्तवनामे कर्मग्रन्थनाम त्रीन्ने कर्मग्रन्थ. कर्मस्तव नाम का अर्मग्रन्थ का तीसरा कर्मग्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the third Karmagrantha named Karmastava. क० गं० ३, २५;

कम्मधारय. पुं० (कर्मधारय) कर्मधारय समास; समासना अेक प्रकार. कर्मधारय समास; समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. अणुजो० १३१;

कम्मभूम. त्रि० (कर्मभूमि) कर्मभूमिना क्षेत्रमां रहनेार; असि भसी अने इसी (तलवार कुलम अने पेली) अे तलु कर्म उपर निर्वाह यत्नानार. कर्मभूमि में रहने वाले; असि मसी और कृषा (तलवार, कलम और खेत) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाते वाला. (One) living in the land

of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उत्त० २६, १६४;

कम्मभूमि. त्रि० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्य-तपःसंयमानुष्ठानादिकर्मप्रधानाभूमयः कर्म-भूमयः) कर्मभूमि मनुष्यने रहनेवाला पंद्रह क्षेत्र; पांच भरत, पांच भरवत, अने पांच महाविदेह अे पंद्रह क्षेत्र. कर्मभूमि=मनुष्य के रहने के पंद्रह क्षेत्र; पांच भरत, पांच भरवत और पांच महाविदेह. The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz. 5 Bharat, 5 Bhavata and 5 Mahāvideha. विश० ५६६; भग० २०, ६; ८; २५, ७; नंदो० १७; पञ्च० १; आव० ४, ८;

कम्मभूमिग. त्रि० (कर्मभूमिक) कर्मभूमिमां पैदा थयेल मनुष्य; असी, भसी, अने कृषि अे तलु कर्म करी निर्वाह यत्नानार मनुष्य कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करने वाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz. military, literary, and agricultural. ओघ० नि० ५२६; पञ्च० १; —भूमिय. त्रि० (कर्म भूमिज) जूओ “ कम्मभूमिग ” शब्द. देखो “ कम्मभूमिग ” शब्द. विदे. “ कम्म-भूमिग ” टा० ३, १;

कम्मय. न० (कम्मज—कर्मयो जातं कर्म-जम्) कर्मणु शरीर; आठ कर्मना समुदायथी उत्पन्न थणु उदारिकादि आठ शरीरना कारणु २५ शरीर. कर्मण शरीर; आठ कर्मों के समुदाय से उत्पन्न औदारिकादि चार शरीरों

का कारणरूप शरीर. Kārmāṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं० प० २, २४; पञ्च० १२; —द्रव्य. न० (द्रव्य) क्षामेण शरीरेणे योग्यं द्रव्यं वर्गणं. कामेण शरीरं के योग्यं द्रव्यं समूह. molecules of which Kārmāṇa Śarīra is made. विशेष० ६७४;

कम्ममासत्र य. न० (कर्ममापक) पांच ग्रेन (रति) याद दणणी अथवा त्रय निष्पाप प्रमाणं वजन माप. पांच रत्नां चार कामणी या तीन निष्पाप के बराबर का वजन —माप. A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kagaṇis or 3 Nispapas i. e. equal to about 10 grains. अणुजं० १३३;

कम्मया. त्रि० (कर्मजा) क्षम क्षरता क्षरतां उपरं ते बुद्धिः चार प्रक्षरमांती नील प्रक्षरनी बुद्धि ' कम्मया ' काम करते करते जो बुद्धि उत्पन्न होता है वह बुद्धि; चार प्रकार की बुद्धिओं में से तीसरी ' कम्मया ' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदी० २६; ३२; ३६; दमा० ६, ४; निर० १, १;

कम्मविवाग. पुं० (कर्मविपाक) जे नामं दुर्भ्रियं प्रथम प्रक्षरं; प्रथम दुर्भ्रियं नाम. इस नामका कर्मग्रंथ का प्रथम प्रकरण; प्रथम कर्मग्रंथका नाम. The first Karmagrantha क० गं० १, १; ६१; (२) दुर्भ्रियं परिणाम ६३. कर्मका

फल. the matured result of Karma. उत्त० २, ४१; —उभययण. पुं० (—अध्ययन) दुर्भविपाक—पुण्यपापात्मक दुर्भेदा दुष्णं प्रतिपादक शास्त्र, तेना अध्ययन-अध्याय. कर्मविपाक—पुण्य पापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन-अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas. सम० ४३;

कम्मवेयय पुं० (कर्मवेदक) प्रज्ञापनाता पत्नीशमां पदं नाम, वेदमां ७५ दुर्भेदे क्षी रति आंध्रं छे तथा क्षी रति वेदे छे तेनं वर्णं छे. प्रज्ञापना के २५वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बांधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पञ्च० १;

कम्मार. पुं० (कर्मार) बुद्धर. लुहार. A blacksmith. विशेष० ११६; जीवा० ३, १;

कम्मार. पुं० (कर्मकार) क्षम क्षरता; नीक्षर; काम करनेवाला; नौकर. A servant; जं० प० जीवा० २; ३; (२) क्षरीयर. मित्रा. a carpenter; राय० ३२;

कम्मावादि. पुं० (कर्मवादिन्) दुर्भावादी. दुर्भेते मान्ता. कर्मवादी; कर्मों को मानने वाला. One who believes in the doctrine of Karma. आया० १, १; १, ५;

कम्मसासीर. न० (कामेणशरीर) क्षामेण शरीर. कामेण शरीर. Kārmāṇa Śarīra; Karmic body. भग० ८, १; —कायजोय. पुं० (—काययोग)

कार्मण्य शरीर संबंधी कार्यानां वेपार. कर्मण्य शरीर सम्बन्धी कार्या का व्यापार. physical operation connected with Karmāṇya Śarīra, भग० २५, १;

कर्मिया. स्त्री० (कार्मिका) अभ्यास करेतां करेतां उत्पन्न थयेन बुद्धि अभ्यास करेते करेते उत्पन्न हुइ बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of study. भग० १, १; १२, ५; नाया० १; ठा० ४, ४; (२) अवशेष रहैत इर्मा; इर्मातेअंश. बाकी का कर्म; कर्मोका अंश. the remnant of Karma. भग० २, ५;

कय. पुं० (कच) आल, केश. बाल; केश. Hair. तंडु० जावा० ३, ४; राय० ३२; —**आभरण.** न० (—आभरण) भाथाना आल डिपर पहिरवानुं आभूषण. मिर के बालोपर पहिनेन का आभूषण. an ornament that is worn on the hair of the head. कण० ४, ६२; —**ग्रह.** पुं० (—ग्रह) पांच आंगुली वटे देश अटल करेता ते. पांचों अंगुलीओं द्वारा केश पकड़ना-कचग्रह. catching of hair by means of five fingers. “कयमगहहिय करय-लपटभट्ट विमुक्केण” राय० जं० प०

कय. पुं० (क्रय) अरीदयुं; लेयुं. मोल लेना; लेना. Purchasing; buying. जावा. ३, ३; भग० ३, ७; दसा० ६, ४; गच्छा० १०३; दस० ७, ४६; —**विवाय** पुं० (—विक्रय) अरीदयुं, दैययुं; आपले करेती. खरीदना, बेचना; अदला बदला करना. buying and selling; exchange. आया० १, २, ५; दस० ३६, १३; दस० १०, १, १६;

कय-अ. त्रि० (कृत) करेले; आचरेले. किया

हुआ; आचरित. Done; performed; practised. “कयकोउयमंगलपाच्छित्त” विवा० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २, ६, १५, १; २५, ७; नाया० १; २; ३; ५; १६; १६; अणुजा० १२८; १२६; १४७; पिं० नि० १५७; ओव० ११; पञ्च० २; विशेष० १; उवा० २, ६५; कण० ३, ३६; ६०; पंचा० ४, ४०; पिं० नि० भा० २; दसा० ६, १५; —**अंतर.** न० (—आन्तर) अन्तर करेले करेले. कार्यंतर; अन्तर करण. Another action; change in action. क० प० ५, ४३; —**कज्ज.** त्रि० (—कार्य) करेले छे कार्य करेले ते. जिसने कार्य किया है वह. an action performed. नाया० ८; ६; १८; भग० १२, ६; —**करण.** त्रि० (—करण) इर्मातय करेतामां उद्यत; दर्शन मोदनीय आदि अपावराते यथाप्रव्यादि करेतामां तत्पर. कर्मक्षय करने में तत्पर; दर्शनमोहनाय आदि को उपशमाकर; यथा प्रव्यादि करण करने में उद्यत; ready to destroy Karma. क० प० २, ४१; ५, ३२; —**काउमग्ग.** पुं० (—कायो-व्यग) इर्मातयने करेले. कायोव्यग किया हुआ. one who has performed Kāyotsarga or meditation upon the soul. नाया० ५; —**कारण.** पुं० (—कारण) करेले करेले छे, योदय छे ते. जिसने कारण किया है, योजना का, है. one who has meditated. नाया० ६; —**किच्च** त्रि० (—कृत्य) कृतार्थ; सद्ध भते स्थयाले. कृतार्थ; सफल मनोरथ-वाला. (one) whose desires have been accomplished or fulfilled. सु० च० १, ३६६; २, ४३५; पंचा० ६, २४; प्रव० १५६; —**कोउयमंगलपायच्छित्त** त्रि० (—कौतुकमंगलप्रायश्चित्त = कृतानि कौतुक-

मांगल्यायेवः प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविवा-
तार्थमवश्यकर्तव्यायाद्येते तथा) दुष्ट
स्वप्न आदिना इत्यने निवारयामाष्टे प्रायश्चित्त
तरीहि नैवेद्ये दैन्य-कपाले तिलक तथा मांग-
लिक कृत्य कर्त्ता ये ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको
अफलभावन करनेके लिये जिनमे प्रायश्चित्तरूपमे
कोनक कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य
किया है वह. (one) who has made
an auspicious mark on the fore-
head in order to avert the
evil attendant upon a bad
dream etc. भग० २, ५; दसा० १०,
१; नाया० ध० --नाम. पु० (-नाश)
इरेत्र धर्म-अधर्मना नाश. कृत-किये हुए
धर्म अधर्म का नाश. destruction of
good or evil Karma performed
विशे० ३२३१; --नामि. त्रि० (-नाशन)
कृत्यः इरेत्र युज्यते नाश इरेत्र. कृत्यः
किये हुए गुणोंका नाश करने वाला.
ungrateful: lit. one who destroys
what is done. आष० नि० १६६;
--पडिकइ. त्रि० खी० (-प्रतिकृतिक)
युज्यते अदत्ता वाग्वार. तेः दुः दान अपेक्षा
तो गुरु भवे शास्त्रज्ञान अपेक्षा अथ प्रत्युप-
कारेना उद्देश मनसा दत्ता युवादिदन्ती सेवा
इती तेः दत्तापेक्षार विनयने अथ प्रदत्त.
गुणोंका बदला चुकाना: मैं दान दूंगा तो
गुरु मुझे शास्त्रज्ञान सिखावेगा, ऐसा प्रत्युपकार
का मन मे आशा रम गुरु आदि का सेवा
करना: लोकोपचार विनय का एक भेद.
rendering service (e. g. to a
Guru) with the expectation of
getting something in return
(e. g. knowledge). नाया० २;
--पडिकइया. खी० (-प्रतिकृतिता)
अपेक्षा " कयपडिकइ " शब्द. देमा " कय-

पडिकइ " शब्द. vide " कयपडिकइ "
भग० २५, ७; --पडिकगय. त्रि० (-प्रति-
कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः
तद्यस्यास्तानि कृतप्रतिकृतिकः) इरेत्र
युज्यते अदत्ता वाग्वार. किये हुए गुणों का
बदला चुकाने वाला. one who returns
good for good. शा० ४, ४; --पुगय.
त्रि० (-पुण्य) पुरेपुत्र पुण्यवाणाः पुण्य-
वान्. पुण्य पुण्यवान्; पुण्यात्मा. one pos-
sessed of high religious merit.
नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५,
१; पंचा० ५, २६; --वलिकम्म. त्रि०
(-वलिकर्म) इयुं ये अतिरुम=इरेत्र गुरु-
देवताये अतिदानरुम अथवा अथ यद्ये तेयुं रुम
इत्येत ययेरे देवे ते. जिनमे बाल कर्म-
अथवा बल वद्धक-शक्ति प्रद-कसरत आदि
किया है वह. one who has given
oblations to a deity or has per-
formed strength-giving activity,
physical exercise etc भग० ७, ६;
६, ३३; दसा० १०, १; नाया० ध० नाया०
१; १२; १६; जे० प० ३, ५०; --लक्खण.
त्रि० (-लक्षण) संपूर्ण लक्षणवाला.
सम्पूर्ण लक्षणों युक्त. one possessed
of all the signs or marks. नाया०
१; १६; भग० ६, ३३; १५, १; --विहव.
त्रि० (-विभव) संपूर्ण विभववाण.
संपूर्ण विभव वाला. (one) possessed
of full glory or prosperity.
नाया० १; --व्वयकम्म. त्रि० न० (-वन-
कर्मन्) श्रावकनी श्रीष्ट परिभा धरेतर
श्रावक के देवे अथ संधी जान अने धर्म-
परीष्ट अत्युन्नत आदरे अने पाये. श्रावककी
दमरा प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि
जो दो मास तक ज्ञान और इच्छा से अणुवत
धारण कर उन्हें पालता है: (a Jain

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृताङ्गला) श्रावस्ती नगरीनी पासि आवेली नगरीनुं नाम. श्रावस्ती नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śrāvastī. “ तीसरे कयंगला नगरीण अदूरसामेते सावत्थी ग्रामे नयरी होत्था” भग० २, १;

कयंत. पुं० (कृतान्त) देव; भाग्य; देव; तकदीर. Fate; fortune. पगह० १, ३; (२) यमराज. यमराज. the god of death. सु० च० १, २३३;

कयंब. पुं० (कदम्ब) कदम्बनुं अत्त; कदम्ब. देवताअत्ता अत्त. कदम्ब का वृक्ष. Name of a tree. जांवा० ३, ४; राय० पन्न० १; अणुजो० १३१; कण० १, ५; ३, ३३; जं० प० ५, ११५; —**पुष्प.** न० (—पुष्प) कदम्बनुं कृत्त कदम्ब का फूल. a flower of a Kadamba tree. कण० १, ५;

कयंबग. न० (कदम्बक) कदम्बना अत्ता कृत्त. कदम्ब के झाड़ का फूल. A flower of the Kadamba tree. नाया० १; १३;

कयग. पुं० (कृतक) कृत्रिम; कृत्रिम; कृत्रिम; बना-वटी. Artificial. विशेष० १८३७; —**कयग.** त्रि० (—कमक) अर्द्धदिनुं खरीदा हुआ. bought. निसी० ६, ६; —**भत्त.** न० (—भक्त) अर्द्धदिनुं अन्न-भाजन. सोल लिया हुआ भोजन-भात. purchased food. निसी० ६, ६;

कयगध. पुं० (कृताह) अरतक्षेत्रना गध् थोदीक्षिता १६ भा तीर्थक्षर. भरतक्षेत्र की गत काल की चौबीस के १६ वें तीर्थक्षर. The

19th Tirthankara of Bharata Kṣetra of the past cycle.

प्रव० २६१;

कयट्ट. त्रि० (कृतार्थ) कृतार्थ; भाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भत्त० ५२;

कयगणय. त्रि० (कृतज्ञक) कृत्रेता उपकारेने ज्ञानुता. कियेहुण उपकार का मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पंचा० ११, ३५;

कयत्थ. पुं० (कृतार्थ) ज्ञेजे पोतानुं कार्य सिद्ध कृत्य छे ते; कृतार्थ. जिनमे अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग० १, ८; ६, ३३, २२. १; नाया० १; १३; १९; उत्त० ३२, ११०; विवा० ७; विशेष० १००८; सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, ११२; ११७;

कयन्न. त्रि० (कृतज्ञ) कृत्रेता उपकारेने ज्ञानुता. किये हुण उपकार का समजनेवाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव० १३७२;

कयमास. पुं० (कृतमाल) अेक मालनुं वृक्ष. एक जाति का झाड़. A kind of tree. जं० प० (२) तिमिस गुफातो अधिष्ठायक देवता. तिमिस गुफा के अधिष्ठायक देवता. the presiding deity of the Timisa Gupha (cave). जं० प० १, १२; ३, २१; ३, ६५; ६, १२५;

कयमालअ-य. पुं० (कृतमालक) वैताद्ध-नी तिमिस गुफातो स्वामि-देवता. वैताद्ध की तिमिस गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitādhya. जं०

प०(२)वैताळ्यनी युद्रानु नाम. वैताळ्यका गुफा का नाम. name of a cave of the Vaitāḍhya of Iravata Ksetra. डा० २, ३; (३) मेडपर्यन्तनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आः दीर्घदेवतयनी आः निमिष्य युद्राना अधिपति देवता. मेरु पर्वत के पूर्व आर माता नदी के उत्तर मे आठ दीर्घ वैताळ्य का आठ निमिष्य गुफाओं के अधिपति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dirgha Vaitāḍhyas to the north of the river Sita which is to the east of the Meru mount. डा० ३;

कयर छि० (कतर) अ० देव्याभूतिना देव्यु श्या अ० दे. देव्या बहुतो मे मे कौन एक Which; who "कयेर धर्मे शक्याण मा हणोणं महमया " सूय० १, ६, १, ११, १; दम० ४, १, ६, २; ५, १४. प० नि० ३१०; सू० प० १०; जावा० १; अणुजो० ८६; उत्त० १२, ६; आब० ४३; ओप० नि० १३७६; विशे० १६०; पञ्च० ३; दया० १, ३; ५, १२; नया० १६३; १७; भग० १, १; ३, १, २; ६, ४; १२, ४; १६, ११; १८, १; २६, १; ६; ज० प० ७, १४६;

कयली. श्री० (कदली) देव्यु आः केले का झाड़. A plantain tree. ओप० नि० ६६७; ज० प० सु० न० २, १६५; जावा० ३, २; प्रब० २११; -गठम. पुं० (-गर्भ) देव-कदलीना युद्राना गर्भ. केले कदलीके वृत्त का गर्भ the inner part of a plantain tree. प्रब० २११; -घर. न० (-गृह) देवताघर; देवीघर. केले का गृह; केला घर. a house of plantain trees. नाया० ३; जावा० ३, ४; -घरग. पुं० (-गृ. क) लुप्तो "कयालि घर" शब्द. देखो "कयालि घर" शब्द. vide. "कयालि

घर" राय० १३६; -लया. स्त्री० (-लता) देवानी लता- शीश पेड़. केले का लता-बेल. a creeper of plantain trees. नाया० १३; -हर. न० (-गृह) देवता घर. केले का घर. a house of plantain trees. ज० प० १, ११४;

कयवत. त्रि० (कृतवत्) करनेवाला. (One) who has done. विशे० १४४५. कयवम्म. पुं० (कृतवर्मन्) तेशभा तीर्थक्षेत्रा पिता. तेशहवे तीर्थकर के पिता. The father of the 13th Tirthaharaka. भग० प० २२६; प्रब० ३२४;

कयवर. पुं. (कच्चर) श्वशुर; पुनि; कुटा; कचरा. Dirt; refuse. आया० १, १, ४, ३७. जावा. ३, ३; भन० ८८; नया० १; २; ६; ज० प० ५, ११२; -उज्झिया. स्त्री० (उज्झिका) श्वशुरने शोधी साक्षु इरी पत्तार इक्ष्वार; दासीदु कागजारी. कूडे कचरा को निकाल लाफ कर बहार फेंकने वाली; झाड़ पंछ का कार्य करनेवाली. a woman who collects refuse and throws it away. नाया० ७;

कया सं० कृ० अ० (कृवा) करने. करके. Having done. प० नि० ८८;

कया-अ. न० (कदा) श्वशुर. कब. When. डा० ३, ४; उत्त० १, २१; सू० च० १, २७; दम० १, ६१; भग० १, २; ज० प० ५, १४३;

कयाइ. अ० (कदाचित्) कदापि; कदाचित्. At some time or other; perhaps भग० २, १; ३, १; ६, ४; १५, १; नाया० १; विवा० १; उत्त० १, १७; २, ७; राय० १४६; ज० प० पि० नि० २०६; दमा० १०, १; भग० १३; आब० ४०. सूय० १, १, ३, ६; १, ६, २०; उवा० १, ८८;

कयाई. अ० (कदाचित्) कदाचित् “कयाई”

शब्द. देखो “कयाई” शब्द. Vide

“कयाई” विशेष० ३०६; उक्त० ३२, २१;

पि० नि० ३००;

कयाण्ण. न० (क्रयाणक) क्रीयाण्ण. किराना.

Grocery. सु० च० १, १४७;

कयार. न० (कचर) कचरा. Refuse:

dirt. विशेष० ११७०;

✓कर. धा० I, II. (कृ) कर्तुं; अनाद्यु.

करना; बनाना. To do; to prepare;
to make.

करेइ-ति. जं० प० ५, ११२; दसा० १०, १;

निर० २, ३; नाया० १: २; ५: ८;

६: वेय० १, ३६; भग० १, २; २,

१: ३, १: ४: ७, १: ६, ५:

करन्ति. भग० १, ३: ३, १; ५, ४: ८, १:

दसा० ६, ६: ६, २: नाया० २, ८:

करिन्ति. नाया० १, ७: ८, १४: १६: भग०

२७, १;

करेन्ति. आव० २७; पि० नि० २०६; नाया०

१: २; ६: १४; भग० १, ६: १५,

३: २०, ८; जं० प० ५, ११८:

११२; ११३:

करेमि. नाया० १६;

करेमि. नाया० १: जं० प० ५, ११५:

करेमां. जं० प० ५, ११२;

किरिजा. पि० नि० ४८६: सु० च० ६, १२०;

भग० १, ७: १२, ७: ८; २१, १:

२८, १; ७: नाया० १५:

करेजा. भग० ८, ६:

करेजासि. वि० भ० ए० पि० नि० ४३२;

करेजामि. वि० उ० ए० नाया० २;

करेहि आ० नाया० २: ८: दस० ७, ४७;

भग० ३, १;

करेह. आ० आव० २८; भग० १, ६: ६,

३३; ११, ११: १५, १; नाया० १;

५; ८: ६: १६;

करिस्सइ. भ० भग० ८, २: १५, १: दस०

७, ६; नाया० ५;

करिस्सन्ति. भ० सम० १; भग० १, ३: २६,

१; नाया० ५: दस० ७, ६;

करिहिन्ति. भ० नाया० १८; भग० २, १;

करेहिन्ति. भ० नाया० ६: भग० १५, १;

करिस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,

१२६: ५, १२७;

करेस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,

१२६: ५, ११७;

करेस्सं. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,

१२६: ५, ११७;

करिस्सामो. भ० आव० २७: जं० प० ५,

११३:

अकरिस्सं. भ० आया० १, १, १, ५;

अकरिस्सु. भ० टा० ३, १; नाया० १: भग०

१, २; ८, २: १५, १;

करित्ता. सं० कृ० आव० २७; पञ्च० ११२;

आ० पि० नि० ३६; नाया० १६: भग०

११, ११; दसा० १०, १:

करेत्ता. सं० कृ० आव० २६; भग० ३, १;

कार्ग्य. सं० कृ० संस्था० १०४;

करेत्तण. हे० कृ० भग० ३, १: ४, ५: ८: १५,

१; जं० प० ५, ११२: ११५;

करिन्ति. व० कृ० विशेष० ३४२०;

करेन्त. व० कृ० विशेष० ३४२०;

करेमाण. व० कृ० दसा० २, ३: १०: ११: १६,

२०; वेय० ८, १: १०; ३६: आव०

२७; नाया० १: २; ६: १८;

कारेइ. प्रे० पि० नि० ४२५; निमी० १, १२;

भग० ३, १;

कारावेइ. प्रे० नाया० १२: १६;

करावेइ. प्रे० नाया० २, १३;

कारवेइ. प्रे० सु० च० २, ४३; भग० ८, ५:

कारवेमि. प्रे० दस० ४;

कराव. प्र० वि० उत्त० २, ३३;
 करिह. प्रे० आ० आया० १, ७, २, २०४;
 कारवेह. प्रे० आ० ओव० २६; भग० ११,
 ११; राय० २८;
 कारावेह. प्रे० आ० नाया० १;
 कारवेत्ता. प्रे० सं० क० ओव० २६; जं० प०
 ३, ४३;
 करावेत्ता. प्रे० सं० क०
 कारविता. प्रे० सं० क० भग० ११, ११;
 कारावेत्ता. प्रे० सं० क०
 कारेत्ता. प्रे० सं० क० भग० ३, १;
 कारावेत्ता. प्रे० सं० क० राय० २८;
 कराविउण. प्रे० सं० क०
 काराविउण. प्रे० सं० क० मु० च० ३, १४;
 कारवेत्तण. प्रे० ह० क० भग० ८, ४;
 कारावेत्तण. प्रे० ह० क० वव० ४, २०;
 कारावेत्तण. प्रे० ह० क० सूय० २, ४, ६;
 कारन्त. प्रे० व० क० निर्मा० १, १२;
 कारेन्त. प्रे० व० क० भग० ११, ११;
 कारेमाण. प्रे० व० क० सम० ७८; भग०
 १८, २; १३, ६; पञ्च० २; कप्प०
 २, १३; जं० प० ४, ११४;
 काजिम्बद्ध. प्रे० व० क० भग० २८, ६;
 कारन्त. प्रे० व० क० आया० १, ६, ८, ८;
 नाया० ११; मु० च० २, ३३०;
 पंचा० १६, ४;
 कीरमाण. प्रे० व० क० भग० १४, १; दस०
 ७, ४०; मु० च० ७, १४६; वव०
 २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२;
 किजमाण. प्रे० व० क० ठा० ३, २;
 कजमाण. प्रे० व० क० सूय० १, ८; भग०
 १, ८; १, १०; ६, ३२; १२, ४;
 पंचा० १७;
 कारिज्ज. प्रे० व० क० मु० च० २, ४७;
 किज्ज. क० वा० मु० च० १, ६६; सम० ३४;
 कज्ज. क० वा० अणुजो० ७५, ८; भग०

१, ६; १, ६; २, ४; ३, ३; ४, ६;
 १२, ४; १७, ९; १८, ७; जं० प०
 ७, १३८;
 कीरण. क० वा० पि० नि० ५८;
 कीरिह. क० वा० सूय० १, २, ६; नाया० १६;
 भग० १, ९; ६; ३३; विशेष० २६;
 ६६; गच्छा० ७५; प्रव० ३०; क०
 सं० १, १;
 कज्जन्ति. क० वा० पञ्च० १७; भग० १, २;
 ४, ६; ७, १०;
 कीरन्ति. क० वा० मु० च० २, ३२६;
 किजन्ति. क० वा० भग० १, १०; दसा० ६, ४;
 किज्ज. क० वा० मु० च० १, ३४५;
 कर पुं० (कर) दाथ. हाथ. A hand; an
 arm. नाया० १, ६; १६; १७; दसा० ६,
 ४; विवा० १; भग० ८, १०; ४२, १; राय०
 २८; गच्छा० ८३; (२) दाथीनी सुं०.
 दाथा की सुं०. the trunk of an
 elephant. नाया० १; पगह० १, ३;
 (३) वि० इरन्त. करनेवाला. one who
 does; a doer. उत्त० १, २६; भग० १,
 १; ओव०; नाया० १; (४) पुं० ८२ भा
 अदनुं नाम. ८२ वें ग्रह का नाम. name
 of the 82nd planet. सू० प० २०;
 (५) इर० देवे. कर; महसूल. a tax;
 a duty जं० प० पि० नि० ८७; (६)
 इरिण. किरण. a ray. जीवा० ३, ३; (७)
 शम्भना इरन्ती पे० अरिदन्तना इर तरीकि
 भानी वंदना इरे ते; वंदनाना इर दोषभानि
 परीक्षिते दोष. वंदना के ३२ दोषों में से २५
 वां दोष. the 25th of the 32 faults
 connected with Vandana i. e.
 bowing a Tirthankara, sup-
 posing it to be a tax similar to
 the tax which is paid to a king.
 (८) शम्भना न्यायीश प्रकारभानि ऐशः रतिसं-

भाग भाटे कामना आसन वगेरे वातवा ते. काम के २४ भेदों में से एक भेद; रति संभोगार्थ काम के आसनदि लगाना. any of the 24 varieties of sexual intercourse; the different postures adopted at the time of sexual intercourse. प्रव० १०७६:

—कमल न० (-कमल) दाथरूप कमल हाथ रूप कमल. a hand as a lotus (metaphorically). भक्त० १७;

—जुयलमउझ पुं० (-युगलमध्य) ऐ दाथनी वस्त्रे द्वियुगलांभी बन्दना इत्येते: बन्दनानो अइ दोष दोनों हाथों के बीच में घुटना रखकर बंदना करना: बंदना का एक दोष. a fault connected with Vandana (bowing) by keeping the knees between the two hands. प्रव० १५६: —नवग. न० (-नवक) नव दाथ नौ दाय nine cubits (a measure of length). प्रव० ७७;

करञ्ज. पुं० (करक) इरा: जमेसुं पाखी बर्फ: आला. Ice; hail. कप० ६, ४४;

करंज. पुं० (करंज) इरेण नामन् जाय. एक जाति का करंज नामक रुख. Name of a tree. पञ्च० ३; भग० २२, २;

करंड पुं० (करण्ड) इरेणो: डिब्बा: कंडिया. A small box or basket (made of bamboo). नाय० १; पगढ़ १५;

करंडग. पुं० (करण्डक) इरेणो: अभयो: डिब्बा: कंडिया. A small box or basket (made of bamboo). ठा० ४, ४; भग० २, १; अणुत्त० ३, १, जावा० ३, ४; अघ० नि० ६६०; आव० १६; ३६, ज० प० ५, १२०;

करंडय. पुं० (करण्डक) इरेणुं दाथुं. रीढ़ की हड्डी. The spinal cord. तंदु०

करंडु. पुं० (करण्ड) पुं० दाथुं. पीठ की हड्डी. The back-bone. जावा० ३, ३;

करंय. पुं० (करम्ब) ददी आभाना मिश्रण्णी अननो अइ आद्य पदार्थ: इरेणो: दही, चावल के मिश्रण में बना हुआ एक खाद्य पदार्थ. A food prepared of boiled rice and curds mixed together. प्रव० २३०;

करंयिय. त्रि० (करम्बित) इररयितरा रंगवाला. नाना रंगवाला; रंग बरंगा. Of variegated colours. मु० च० २, ४०;

करक. पुं० (करक) इरा: आला. A hail stone. पगढ़० १, ३; (२) इरेणवेणुं अइ पत्र: जरी. करवे जैसा एक बर्तन. (जो साधु के काम में आता है) a water pot (used by ascetics) अणुत्त० १३२;

करकंड. पुं० (करकण्ड) ऐ नामनो अइ आभियुं संन्यासी. इस नामका एक ब्राह्मण संन्यासी Name of a Brahmana ascetic आव० ३८;

करकंडु. पुं० (करकण्डु) इरेणो: नामना अइ प्रवेणुदुइ देवेने अपतनी पतनी व्याख्या. वेणुं विराज्य उत्पन्न भयो दतो. करकंडु नाम के एक प्रत्येकबुद्ध जिसे कि वैलकी पलटनी हुई अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Name of person who felt disgusted with the world upon seeing the changes in the condition of an ox. “करकंडु कलिगेसु” उत्त० १८, ४६;

करकचिय. त्रि० (करकचित) इयत वगेरेथी इरेण डाष्ट पाटीयां. आरे आदि में चीरा हुआ काष्ठ-पाटीया. A board of wood cut off with a saw etc. अणुत्त० १३३;

करकय. पुं० न० (करकच) दाथुं पेदेरवानुं ओतत; इयत. लकड़ा चीरनेका औजार; आरा;

करवत. A saw. उत० १६, ५१; पगह० १, १;
करकर. पुं० (करकर) पक्षी पाणीमां दुर्गती
 वपने ६३३२ आवाज करे छे ते. जहाजका पानी
 में डूबते समय करकर आवाज करना. A
 croaking sound produced by a
 sinking vessel. नाया० ६; उवा० २, ८८;
करकरसुंठ. पुं० (करकरसुंठ) अद्भुत वनस्पति
 वनस्पति. एक जाति का वनस्पति. A kind
 of vegetation. " एरंडे कुरुविदे कर-
 करसुंठे नहविभंगमुय " पञ्च० १; भग० २, १, ६;
करकरिग. पुं० (करकरिग) ३२३३३ नामने
 अद्भुत. करकरिग नाम वा ग्रह. Name of a
 planet. " दोकरकारिग " टा० २, ३;
 सू० प० २०;

करकुटि. पुं० (करकुटि) अस्त्रीनी सप्त पभेत्त.
 डेरीनुं अद्भुत वस्त्र; फांसा का हुकम पाये हुए
 कैंदा का एक वस्त्र. A garment worn
 by a person sentenced to
 capital punishment. पगह० १, ३;

करग. पुं० (करक) ३२३३३; अद्भुत वस्तु
 वास्तव्य. करवा: लोटा. A metal-pot.
 अगुन० २, १; मूय० १, ८, २, १३; जावा० ३, ३;
 उवा० ७, १६७; (२) त्रि० ३२३३३.
 करनेवाला. a doer: one who does.
 नदी० २८; (३) पुं० परसादने अद्भुत
 ३२३. बरगात का कच्चागर्म; शिला a hail-
 stone. दग० ४; पञ्च० १; पि० नि० भा०
 १७; जावा० १; (४) शास्त्र पक्षिनी अद्भुत
 वनस्पति. शालक पक्षी का एक जाति a kind
 of bird. पगह० १, १;

करगय. पुं० (करकच) ३२३३३; ३२३३३. आगः
 करवत. A saw. उत० ३४, १८;

करग. न० (करग) दायिनी आश्रयः

आश्रयिनी. हाथ की अंगुलियां. Fingers.
 मू० च० १, ६५;

करड. पुं० (करड) अद्भुत वस्तु वादित.
 एक जाति का बाजा. A kind of musi-
 cal instrument. राय० ८८;

करडि. पुं० (करडि) अद्भुत वस्तु वादित.
 एक जाति का बाजा. A kind of musi-
 cal instrument. जावा० ३, ३;

करडुयभक्त. न० (*) भरी अयिनी पाणी
 वस्त्र थाय ते: मृत्यु विलोचन. मनुष्यके भरणे
 के पश्चात् जो भोजन होता है वह: मृतक
 भोजन: आहार. Dinner for which
 the occasion is the death of a
 person. पि० नि० ४६४;

करण. न० (करण) साध्य क्रियाने सिद्ध ३२-
 ३३३ अयिनी सदायः साधन. साध्य क्रिया
 को सिद्ध करने में अयिनी महायक: साधन.
 Anything useful in accomplish-
 ing an object: an instrument
 or means of an action. टा० ३, १८;
 १: अगुन० २७; १२६; नाया० १; जं० प० ७,
 १५३; ५, ११२; उवा० १, ५८; विशेष० २००८;
 ३३०१; राय० २१५; भग० १, १०; ६, १; १६,
 ९; पंचा० ३, २६; १८, २; (२) अद्भुत. इन्द्रिय.
 an organ of sense. क० मं० १, ५;
 ४६; जावा० ३, ३; अवा० १०; पगह. १, २;
 (३) प्रयोग ३२३ अतावत. प्रयोग करके
 दिग्मान. actual experiment or
 performance. ओव ०४०; (४) ज्योतिः
 शास्त्रमां दशविध अय आतन वगैरे अशीयार
 ३२३. ज्योतिःशास्त्र में दिखाये हुए 'वय'
 'वालव' इत्यादि ग्यारह करण. (in
 Astrology) any of the 11

divisions of a day. भग० ११, १; ११, ६; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४; १५; १६; ओव० ४०; ओघ० नि० ८०; क० प० ४, १; आव० १, ५; जं० प० (५) इत्यु अभिग्रह आदि. करणः अभिग्रह आदि. a certain vow. नाया० १; (६) इत्यु. करना. doing; performing. उत्त० २६, ६; ओव० ३१; भग० ३, १; १४, ४; नाया० १; ६; पि० नि० १६६; ४१०; पगह० १, १; (७) आरित धर्म. चारित्र धर्म. religion pertaining to right conduct. नंदी० ३०; (८) पि० विशुद्धि आदि वैतशास्त्र प्रसिद्ध ७० ओतना समूह. पि० विशुद्धि आदि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० बोलों का समुदाय. the collection of 70 terms of the Śāstras such as Pīṇa Viśuddhi (purity of food) etc. ओव० १६, गम० २; ओघ० नि० १; नदी० ४५, नाया० १; भा० २, १; प्रव० १६; (९) पूर्ण श्राद्ध पर्वते नदी उपलब्ध थातेना अध्यवसाय विशेषः अपूर्व इत्यु. तेमे अध्यवसाय जो पहिले कर्मों में उत्पन्न न हुण्दो; अपूर्व भाव. peculiar thought activity; Apūrva Karana. उत्त० २६, ६; (१०) ते अध्यवसायशी कर्मना अन्धन संक्रमण, उद्वर्तना, उपशमना, निधन, उपशमना, निधति अन्ते निशान्यता थाप ते; अन्धन आदि श्राद्धभेदशी श्राद्धरूप इत्युना पाण्डु उपर दृष्टा प्रमाण आह प्रक्षर छे. जिन अध्यवसायों से कर्मों के बंधन, संक्रमण, उद्वर्तना, उदीरणा, उपशमन, निधति और निकचन होते हैं वह; बंधन आदि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुमार आठ भेद हैं. the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramana, Udvartana,

Apavertana Udirana etc. is affects. प्रव० ११;—उवाय. पुं० (—उपाय—करणक्रियाविशेषः स एवा उपायः स्थानान्तरप्राप्तौ हेतुः करणोपायः) इत्यु—क्रियाश्च हेतुः उपरने अत्र स्थानेयी पीने स्थाने उप-लब्धतां के लब्धतां इत्यु—कर्मरूप हेतु छे ते. करण क्रियारूप कारणः जांव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानेमें करण कर्म रूप कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the cause of transmigration to the soul. “भेजहागामण पवण पवयमाणं श्रद्धवसाणं गिवात्तणं करणोवाणं मेय काले तंदायं विपज्जाहत्ता” भग० २५, ८;—कय. त्रि० (—कृत, यथा प्रकृत्यादि इत्यु—क्रियाशी इत्यु. यथा पवय्यादि करण-क्रिया से किया हुआ. performed properly. क० प० ५, १;—जोग पुं० (—योग) इत्यु रूप योय मन, वचन अन्ते प्राप्ते व्यापार. करणरूप योग—मन, वचन और काया का व्यापार. activity of mind, speech and body. दग० ६, २७;—जोय. पुं० (—योग) इत्यु “करणजोग” शब्द. देखो “करणजोग” शब्द. vide “करणजोग” दग० ८, ४;—नश्र. पुं० (नय) इत्यु—क्रियानय, अन्ते क्रियानंद मानना; सर्व वस्तु क्रियाने आधीन छे अत्र मानना. करण-क्रियानय अर्थात् क्रियाकोही मानने वाला; सब चीजें क्रिया के आधीन हैं ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशेष ३५६१;—वीरिय. न० (—वीर्य) इत्यान आदि क्रियाश्च पण्डितप्रमाणेषु वीर्य. उत्थान आदि क्रियाओं के रूप में परिणाम पाता हुआ वीर्य. the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc. भग० १, ८;—
सच्च. न० (- सत्य) क्रियाभां देवानुं सत्यः
 पटिलेद्व्यादि क्रिया यथोक्त रीति करी ते क्रिया
 में दिखाइ देता सत्य; प्रतिनिधनादि क्रिया यथो-
 चित रीतिसे करना. correctness appear-
 ing in an action, e. g. proper
 examination of clothes etc. भग०
 १७, ३; उत्त० २६, २; गम० २७;

करणश्रो. श्र० (करणतः) प्रयोगशील. प्रयोग
 में. Through actual practice or
 performance. नाया० १; प्रव० १२२;
करणया. स्त्री० (करणता) करनुं ते. करना.
 Doing; act of performing. नाया०
 १; २; ८; १६; निर्ग० १, ८०; भग०
 ३, २; ६, ३२; उवा० २, ११३;

करणीज्ज. त्रि० (करणीय) करनीयः करवा देनेवा.
 कर्तव्यः करने योग्य. (Anything)
 worthy to be done. भग० ३, १; ६,
 ३३; नाया० १; ३; अणुजो० २८; वव०
 २, १; पंचा० १, ४३; राय० १७१;

करपत्त. न० (करपत्र) करवतः वाक्ष्य वेदवानुं
 साधन. आगः लकड़ा चारने का साधन.

A saw. टा० ४, ४; नाया० १६; विवा० ६;

करभ. पुं० (करभ) करनुं अ२युं. उंट का बच्चा.

A young one of a camel. पगह १, १;

करमह. पुं० (करमह) करमदानुं म३.
 करीदे का झाड़. Name of a tree pro-
 ducing berries. पञ्च० १;

करयल. न० (करतल) दथेगल; दाथनी सपाटी.
 हथेली; पंजे का समचौरग भाग. The
 palm of a hand दशा० १०, १;
 राय० २६३; ओघ० नि० भा० २७३; नाया०
 घ० निर० ३, ४; श्रौव० ११; ३०; नाया० १;
 २; ६; ७; ८; १२; १४; १६; भग० २, १;
 ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; १५, १; कण०

१, ५; जं० प० ५, ११२; ११४;—(ला)
 —**आहय.** त्रि० (-आहत) दथेदीथी दथेद
 -धेदेले. हथेली में दबायाहुवा-टकेलाहुआ.
 pushed forward or struck with
 the palm of a hand. नाया० ६;
 —**परिगहय.** त्रि० (-परिगृहीत)
 भे दाथ दंतदंत. दोनों हाथ जोड़े हुए.
 folding both hands together.
 वव० १, ३७; कण० १, ५; —**पलहयमुह.**

त्रि० (-पर्यस्तमुख) आधपर दाथ दाथो छे
 देले ते. जिमने गाल पर हाथ रखा हो वह.
 (one) who has rested his cheek
 on the palm of his hand. निर्मा० ८,
 ११; —**पुड.** पुं० (-पुट) करतल संयुट;
 आभा. घोवा. the hollow cavity
 formed by joining the two
 palms जं० प० ५, ११४; —**मलिय.** त्रि०

(-मर्दिन) दथेगल(भां) मसथेयु हथेली में
 मगला हुआ. pressed in the palm
 of a hand. विवा० २; —**मेय.** त्रि०
 (मेय) मुदीमां पडरी शत्राय अ२युं. मुट्टा
 में पकड़ा जायके ऐसा. anything that
 can be caught in a fist. कण०

३, ३६; —**संपुड.** पुं० (-संपुट) दथेदीनी
 संयुट; आभा. हथेली का संयुट. the
 cavity formed by joining the
 two palms together. कण० २, २१;

करव. पुं० (करव) नाथवारणुं पाछी
 थैवानुं पात्र. नलदार पानी पीने का बनेन.
 A water-pot resembling a
 kettle. सु० च० १०, ४२;

करवत्त. पुं० (करपत्र) करवतः वाक्ष्य वदेरवानुं
 दथीयार. करवतः लकड़ी चारने का औजार.

A saw. उत्त० १६, ५१; जीवा० ३, १;
 पगह० १, १;

करह. पुं० (करभ) दाथी अथवा उंटनुं अ२युं.

हाथी अथवा ऊँट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel.

सु० च० ४, ११८;

करही. स्त्री० (करभी) ऊँटड़ी; साँटणी. ऊँटनी; साँटणी. A she-camel. पि० नि० १६४;

कराह. त्रि० (करादि) हाथ वगैरे हाथ आदि. A hand etc. विशेष० २७२; — **चिहा.** स्त्री० (-चेष्टा) हाथ वगैरेनी चेष्टा-प्रवृत्ति. हाथ आदि की चेष्टा-बनाव. movement of the hand etc. विशेष० १७२;

कराल. त्रि० (कराल) उन्नत; अद्भुत नीक-गुं. उन्नत; वृद्धि पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out. अणुत्त० ३, १; उत्त० ३०;

करि. त्रि० (करिन्) हाथवाला. हाथ वाला. One having a hand or hands. भग० ८, १०; (२) पुं० हाथी. हाथी. an elephant. पशह० १, ३;

करिअ. पुं० (करिक) ८३ मां अक्षरों नाम. ८३ वें ग्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सू० प० २०;

करिसुगसय. न० (*) भगवती सूत्रना २७ मां शतकं नाम. भगवन्ता सूत्र के २७ वें शतक का नाम. Name of the 27th Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० २७, ११;

करिल. न० (करील) वांशना अक्षर; दुपक्ष; पाँटनी अथवा बांस के अक्षर; पत्ता का अग्रभाग; कोंपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. अणुत्त० ३, १; विशेष० २६३;

करिस्. पुं० (करीष) करीषा अक्षर. करीष का झाड़. A kind of a tree. उवा० ७, १६७;

करिसावण. पुं० (कार्षापण) ऐक्य न्यतनी सिक्का. चाँदी का एक सिक्का. A silver coin. “ जहाण्गोकरिसावणो तहाबहवेकरिसावणो ” अणुजो० १४७; तंदु० विशेष० ५०६; **करिसित.** त्रि० (कृशित) सुक्ष्म; पतलु; दुर्बल. सूक्ष्म; पतला; दुर्बल. Fine; thin; feeble. सूय० १, ३, ३, १५;

करीर. पुं० (करीर) केशरि अक्षर. एक झाड़ का नाम. Name of a tree. पञ्च० १; आया० २, १८, ४३; — **अंकुर.** पुं० न० (-अंकुर) केशरि अक्षर. बांस का अंकुर. a sprout of a tree. प्रब० २४३;

करीरअ. पुं० (करीरक) केशरि नामे पाँटनी झाड़पुष्पनाम. केशरि नामवाला झाड़पुष्प. Name of a person. अणुजो० १३१;

करीस. न० (करीष) अक्षर; झाड़. कंदू; गोबर का झाड़. A dry cow-dung cake. पि० नि० २७६;

करुण. त्रि० (करुण) दयाजनक; दयालुपात्र. दयाजनक; करुणापात्र. Pitiful. भक्त० १८०;

करुणा. स्त्री० (करुणा) दयाजनक शब्द. करुणा जनक शब्द. Pitigious cry. नाया० ६; (२) दया. दया. mercy. क० ग० १, ५५; — **यर.** त्रि० (-कर) दया करवावाले दया करने वाला; दयालु. kind; merciful. मु० च० २, ६६;

करेणु. स्त्री० (करेणु) हाथीनी. हाथीनी. A she-elephant. उत्त० ३२, ८६; नाया० १;

करेणुया. स्त्री० (करेणुका) हाथीनी. हाथीनी. A she-elephant. मु० च० २, ५०१;

करोडि-अ-य. पुं० (करोडिक) तापस; आश्रितिक. तापस; आश्रितिक. An ascetic; an ascetic carrying a garland

* जुआ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of human skulls. विवा० ७; जं० प० नाया० ८; १३; भग० १९, ११; (२) ताम्बूलपर्णी अथवा वज्रे डिपास्तार मन्त-
नी मायूस. ताम्बूल आदि का कोथनी उठा-
न वाला राजाका मनुष्य. a servant of a
king carrying a bag etc. of
betel-leaves etc. ओव० ३२; (३)
भाटीनी भेदाभाटीनी इंद्री: शिभ. मिश्र
का बंड मुंड का कुंडा भरतन an earth-
en basin; a cup or basin. भग०
२, १; ओव० ३६; अणुजो० १३२; जावा०
३३; जं० प० ३, ६७; (४) कलश. कलश.
a pitcher. भग० ११, ११;

कल. त्रि० (कल) ऐक्य मतनुं धान्य. एक
जाति का धान्य. A kind of corn. पि०
न० ६२३; भग० १५, १; २१, २; पञ्च०
१७; दमा० ६, ४; (२) कदम्ब अर्थात् शतनी
समुद्र राजे नेया अव्यक्त (ध्वनि). हृदय
और कानका मुद्रावनी अव्यक्त आवाज ध्वनी.
sweet and indistinct sound.
" कलंडालियमहरतेनानज्जनाल " नाया०
१५, पण० ७, १; (३) शब्दः दीप्तः कीचड
mud. मन्त्र० १२; १३०; — **रिभिय.** न०
(रिभित) समुद्र गीत गायत्र. समुद्र गीत
गाया हुआ. a sweet and charming
song. नाया० १५;

कलंक. पुं० न० (कलङ्क) शब्दः दागः.
कलंकः लङ्घन. Spot; stain. पंचा० ६,
२०; विवा० ३; ओव० १०;

कलंकलीभाव. पुं० (कलङ्कलीभाव) क्षण-
क्षणात् दुःखतो गमनात्. दुःखकी घबराहट
Piteous lamentation or com-
plaint. पञ्च० २; ओव० ४३; सूय० २, ८१;
(२) संसारभां गर्वाशय आदिन विपे पर्यटन
इत्युक्ते. संसार में गर्वाशयादि में पर्यटन
करना; जन्ममरण चरण करना. wander-

ing in the cycle of birth and
death e. g. remaining in the
womb etc. आया० २, १६, १२;

कलंद. पुं० (कलन्द) कुण्ड विशेष. कुण्ड
विशेष. A basin of water. उवा० २, ६४;

कलंव. पुं० (कदम्ब) इदम्बानुं शब्द. कदम्ब
का फाट. Name of a tree. भग० ६,
३३; २२, ३; नाया० १;

कलंवचीरपत्त. न० (कदम्बचीरपत्र) शस्त्र
विशेष. शस्त्र विशेष. A kind of weapon.
विवा० ६;

कलंवचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र)
तीक्ष्ण धारयुं शस्त्र. तीक्ष्ण धार वाला
शस्त्र. A kind of weapon with a
sharp edge. नाया० १६;

कलंवचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिका-
पत्र) ऐक्य मतनुं शस्त्र. एक जाति का शस्त्र.
A kind of weapon. डा० ४, ४;

कलंववालुया. स्त्री० (कदम्बवालुका)
देवी देवी वल् देवी से देवी वल् वेल्
अथवा इदम्बवेल् नामाती नदी. जिसकी
रेत वल् के समान है ऐसी वल् वालुका अथवा
कदम्ब वालुका नाम की नदी. Name of a
river also called Vajra Velukā
on account of its sand being as
hard as adamant. उत्त० १६, ५०;
(२) इदम्बना वृक्षता देवी वल्. कदम्ब के
फूल सदृश लता a creeper resembl-
ing the flower of a Kadamba
tree. पण० ५, १;

कलंबुअ. पुं० (कलम्बुक) ऐ नामनुं शब्द. इस
नाम का फाट. A kind of tree. सू० प० ४;

कलंवुग. न० (कलम्बुक) ऐक्य मतनी पाणी-
नी वनस्पति. एक जाति की पानी की वनस्पति.
A kind of aquatic plant. सूय० २,
३, १८;

कलम्बुआ-या. स्त्री० (कलम्बुका) ये नाम्नी पालुमां ठिगती ऐक वनस्पति. इस नाम की पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति A kind of vegetation growing in water. पत्र० १; १५; जं० प० ७, १३५;

कलकल. पुं० (कलकल) कलकलाट; यल्लुमाणु-सेतो आवाज. बहुत से मनुष्यों की आवाज; कोलाहल. Humming or bustling noise. आ० २७; जं० प० ३, ४५; रा० २१७; भग० २, १; (२) यल्लुदिमिश्र ७३. चूर्णादे मिश्रित जल. water mixed with powder. वि० ६; —रव. पुं० (—रव) कलकलाट शब्द. गडबडाट; कोलाहल. humming or bustling sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलकलंत. त्रि० (कलकलायमान) कलकलाट ३२१; कलकल ऐषो आवाज ३२१. कलकल ऐसी आवाज करता हुआ; गुनगुनाट करना हुआ, Humming; producing a bustling sound. उ० १६, ६६; आ० २१; प० २, ५;

कलकलित. त्रि० (कलकलित) कलकलाट शब्द सदि. कलकलाट शब्द युक्त With a bustling or humming noise. प० १, १;

कलत्त. न० (कलत्र) स्त्री. स्त्री. A wife. मु० च० १, २६५;

कलभ. पुं० (कलभ) दाथलुं अर्युं. हाथी का बच्चा. A young one of an elephant. प० १७; रा० ६०; ना० १;

कलभिया. स्त्री० (कलभिका) दाथली. हथिनी. A she-elephant ना० १;

कलम. पुं० (कलम) अंगर; अमोद. चावल; उच्च जातिके चावल. Rice which is sown in May-June and ripens in December-January. स्य० २,

२, ६३; जीवा० ३, ३; जं० प० भग० ६, १०; ओ० नि० भा० ३०७; उवा० १, ३५;

कलमल. पुं० (कलमल) ७६२ भां रंदेश ६०५-नी समूह. पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह. The contents of the stomach. ठा० ३, ३; — अहियास. पुं० (—अधिवास) ७६२ भां कलमल द्रव्य भां वसतु ते. पेट के कलमल-द्रव्य में रहना. remaining in the contents of the stomach भग० ६, ३३;

कलमाय. त्रि० (कलमात्र) यल्लुमात्र; यल्लु ७६२. चना मात्र; चने जितना. Of the measure of a gram. नि० १२, ८;

कलयल. पुं० (कलकल) कलकलाट शब्द. गुन-गुनाहट. Bustling noise. जीवा० ३, ४; —रव. पुं० (—रव) कलकलाट शब्द. गुन-गुनाहट. Bustling noise. मु० च० ३, ६२;

कलल. पुं० (कलल) गर्भ की प्रथम सात दिवस की अवस्था. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की अवस्था The condition of the embryo during the seven days succeeding conception. “सत्ताहं कललं होइ. सत्ताहं होइ बुद्धुय” नंद० १६;

कलस. पुं० (कलश) धंश; कलश. घटा; कलश. A pot; a pitcher. प० २; आ० १५; जं० प० ना० १, ५; ८; १६; भग० ६, ३३; रा० ३६; जीवा० ३, ३; कप० ३, ३६; (२) आ० मांगलिक भां ७६. आठ मांगलिक में से ६ था. the 6th of the 8 Māṅgalikas (auspicious signs). रा० ६७; जं० प० ५, १००; ना० १; (३) अग्नि कुमार देवतानुं विन्द-तेना भुगट भां रंदेश धजने आशारे निशान. अग्नि कुमार देवता का विन्द-उमके मुकुट में चित्रित घड़े के आकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem. ओव० २३; (४) आशुशिशुं तीर्थकरं लांछन. १६ वे तीर्थकर का लांछन. the mark of the 19th Tirthankara. प्रव० ३६२;

कलमय. पुं० (कलशक) ऋग्वेदे 'कलस' शब्द. देखो 'कलस' शब्द. Vide 'कलस'

उवा० ७, १८४;

कलसिआ. स्त्री० (कलशिका) नानो कलशिया छोटा कलश. A small pitcher. अणुजो० १३२;

कलह. पुं० न० (कलह) इलेश; द्वेष; द्विषादः असह; अशान्ति. कलेशः क्रोध; लड़ाई; भगडा. (Quarrel; anger; strife. निर्मा० १२, ३३, दसा० ६, ४; पञ्च० २, २२; सम० ११३; अणुजो १२८; जीवा० ३, ३; आया० २, ११, १७०; दस० ४, १, १२; ओव० २४; उत्त० ११, १३; महा० नि० १; नाया० १; १६; भग० १, ६; ६; ३, ६; ७; ७, ६, १२, ४; कप्प० ६, ११७; गच्छा० १३४;—**कर.** पुं० (कर) इच्छया इन्दार. कलेश करनेवाला, one who is given to quarrel. "कलह करा असमाधि कर" दगा० १, १७; १८; १६; (२) अशम भित्ति १६ भु स्थानक सेवनार. असमाधि का १६वां स्थानक सेवनेवाला. one who resorts to the 16th source of Asamadhi i. e. lack of meditation or concentration of mind. सम० २०;—**वडिया.** स्त्री० (*) इलेश निमित्त. कलेश के कारण. on account of quarrel. निर्मा० ६, ८;

कलहंस. पुं० (कलहंस) शब्दहंस. राजहंस. A swan. ओव० पञ्च० १; जं० प० नाया०

१; कप्प० ३, ४२;

कलहमाण. व० कृ० त्रि० (कलहायमाण) इच्छया इन्दार. लड़ाई, फिसाद करनेवाला. Quarrelsome; (one) who quarrels. सु० च० १, १४३;

कलहोय. न० (कलधौत) चांदी. चांदी. Silver. पगह० १, ४;

कला. स्त्री० (कला) भाग; अंश. भाग; अंश. A part; a division. उत्त० ६, ४४; नाया० ८; १६; जं० प० ७, १६०; (२) शोभा. शोभा. beauty. नाया० ८; १६; (३) पृथ्वरः इरीशरी; विद्या; इला. कला; कारागरी; विद्या; हुजर any practical art. नाया० १; राय० २८६; विवा० २; भग० ६, ३३; ११, ११; अणुजो० ४१; १२८; सम० ७२; ओव० ४०; कप्प० ७, २१०; प्रव० ६३६; (४) चंद्रनी इला. चंद्र की कला. A digit of the moon; (these are sixteen) नाया० ८; सू० प० १०;

कलाद. पुं० (कलाद) सोनी मुनार. Goldsmith. नाया० १४;

कलाय. पुं० (कलाय) सुवर्णकार; सोनी. सुवर्णकार; मुनार. Goldsmith. पगह० १, २; नाया० ८; उवा० १, ३६; (२) अशुभतनु धान्य. एक जाति का धान्य. A kind of corn. प्रव० १०१०; १०१६;

कलायस्त्रि-य. पुं० (कलाचार्य) ७२ इला शीषवज्जार; इलाचार्यनी पदवी भेगवेस अध्यापक. ७२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य का पद प्राप्त अध्यापक. A preceptor teaching the 72 arts and entitled Kalāchārya. राय० २७७; ओव० ४०; नाया० १; ५;

* ऋग्वेदे पृष्ठ नम्बर १५ नी ऋतोड (*). देखो पुष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कलाव. पुं० (कलाप) भोर; देव. मयूर; मोर.

A peacock; a pea-hen. नाया० ३;

(२) सभूह. समूह. a collection.

नाया० ५; सूय० २, २, ५२; श्रौव० विशेष०

१५१६; पञ्च० २; १५; सु० च० १, ६०;

जीवा० १; कप्प० ३, ४१; ५, ६६;

राय० २६; ११०; "आस तोसतविडलव

हव ग्वारिय दाम कलावा" पञ्च० २, उवा०

७, २०६; (३) डेडभां पड़ेरवानुं आभूपण.

गले में पहिने का आभूषण. an orna-

ment for the neck. भग० ६, ३३;

जीवा० ३, ३;

कलासिंबलिया. स्त्री० (कलाशिविका) ऐक

वतनुं शींग वारुं धान्य; वटावा; आरा. वगैरे.

एक जाति का फल वाला धान्य; जंगम;

बटला आदि. A kind of corn grow-

ing in pods; e. g. peas etc. भग०

१, १;

कलाव. पुं० (कलाय) ऐ नामनुं ऐक अनाज.

इस नाम का अनाज. A kind of corn.

पञ्च० १; भग० ६, ७;

कलावग. पु० (कलापक) डेडभां पड़ेरवानुं

आभूपण. गले में पहिने का आभूषण.

An ornament for the neck.

पगह० २, २;

कलावि. पुं० (कलापिन्) मयूर. मयूर; मार.

A peacock. सु० च० २, २४२;

कलि. पुं० (कलि) ऐक; ऐकती संख्या. एक;

एक की संख्या. The number one.

सूय० १, २, २, २३; उक्त० ६, १६; (२)

कल्यो कलेश. लडाई; कगडा. quarrel.

पगह० १, २; प्रव० ४३६; —कलुस. न०

(—कालुष्य) कलि-कलेशनुं डेडभां पछे.

कलि-क्रोश की मनीनता-मैलापन. filthi-

ness; malignity like that of

quarrel. विद्या० १;

कलिऊण. सं० कृ० अ० (कलिविद्या) विद्या-

रीति. बिचारकर. Having thought;

thinking. सु० च० २, १५२; ३, २०७;

भक्त० १७;

कलिश्रीअ-य. न० (कल्योज) ऐ संख्याने

आरे भागतां ऐक शेष रहे तेवी संख्या.

जिम संख्या में चार का भाग देने में एक शेष

रहता है वह संख्या. A sum which

when divided by four leaves

one as remainder. डा० ६, ३; भग०

१८, ६; २५, ३; ३१, १;

कलिश्रीग. पुं० (कल्योज) ऋग्वेदा ' कलि-

श्रीअ " शब्द. देखा कलिश्रीअ " शब्द.

Vide "कलिश्रीअ " भग० १८, ४; ३२, १;

—कडुयुग्म पुं० (—कृतयुग्म) ऐ संख्याने

आरे भागतां आर शेष रहे अने वत्थांइने

आरे भागतां ऐक शेष रहे ते संख्या; महा-

युग्म संख्याने तेगो प्रसार. जिम संख्यामें ४

का भाग देने में चार शेष बचे और लब्ध

को ४ में भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या;

महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद. a sum

which when divided by four

leaves four as remainder and

has a quotient which divi-

ded by four leaves one as re-

mainder; the 13th variety of

Mahāyugma number. भग० ३२, १;

—कलिश्रीग. पुं० (—कल्योज) ऐ संख्याने

आरे भागतां ऐक शेष रहे अने वत्थांइने

पछे आरे भागतां ऐक शेष रहे ते संख्या;

महायुग्म संख्याने सोलहवां प्रसार. जिम

संख्या को ४ में भागने पर एक शेष रहता है

और लब्ध संख्या को भी चार में भागने पर

एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म

संख्या का सोलहवां भेद. the 16th

variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —तेओग. पु० (-प्रयोग) के संख्याते आरे भागतां त्रय शेष रहे अने द्वाधांते आरे भागतां अक्ष शेष रहे ते संख्या; महायुग्म संख्यानां अक्षेमा प्रकार. जिस संख्या में चार का भाग देने में तीन बचते हैं और लब्धिका को चार में भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; महायुग्म संख्याका चौदहवां प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number; a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —दावरजुम. पु० (-दावरजुम) के संख्याते आरे भागतां त्रय शेष रहे अने द्वाधांते आरे भागतां अक्ष शेष रहे ते संख्या; महायुग्म संख्यानां पंद्रहवां प्रकार. जिस संख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं और लब्धि संख्या में चार का भाग देने में एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का पंद्रहवां भेद. the 15th variety of Mahāyugma number; a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder when divided by four. भग० ३५, १;

कलिओगता बी० (कस्योजता) के संख्याते आरे भागतां अक्ष शेष रहे ते. जिस संख्या में चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which

when divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, ३;

कलिग. पु० (कलिङ्ग) आर्य देशभांति इतिग नामे आथे देश. आर्यदेश का कलिग नाम का चौथा देश. Name of an Aryan country. ओघ० नि० भा० ३; पञ्च० १; उत्त० १८, ४५; (२) तरशुय; इतिगट्ट. तरवृज. a kind of fruit. जं० प०

कलिग. न० (कलिङ्ग) इतिग देशमां अनेव पत्र. कलिग देश का वस्त्र. A cloth made in Kalinga country. जीवा० ३, ३; —रव. पु० (-रव) इक्षुल्लट शब्द. गडबडाट; कोलाहल. a humming or bustling-sound. भग० ३, २; जं० प० ७, १६०;

कलिज. पु० (कलिज) सुंये. गोल हलकी टोकरा. A round shallow basket. राय० ११६;

कलिइ. पु० (कलिन्द) अक्ष आर्य जन. एक आर्य जाति. Name of an Aryan race or tribe. पञ्च० १;

कलिव. पु० (कलिम्प) इतिम्प नामनुं अक्ष जननुं त्राट्ट. कलिम्प नामकी एक जाति की लकड़ी. A kind of wood so named. भग० ८, ३;

कलिन. न० (कटिन्) डेरे आधिरानुं धुधरीरागुं लपलु; इन्दोरे. कमर पर बांधनेका घुंघरुआ वाला आभूषण; कंदोरा. An ornamental waist band. ओव० नाया० १;

कलियञ्ज. त्रि० (कलिज) युक्त. सहित. Planned; formed together; possessed of. “ सुदरथणजघण वयण कर चरण शयण सावयण विहास कलिया ” पञ्च० २; दसा० १०, १; विवा० १, २; राय० ३६: ४३; जं० पं० ५, ११५; ४, ६२; सम० प० २१२; ओव० जीवा० ३, ३; कप्प० ५, १०१; सू० प० २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १; ३; ८; १६; १८;
गच्छा० ८७; औष० नि० भा० २७६; प्रब०
१२४४; कण्ठ० ३, ३२; (२) रयेतुं. बनाया
हुआ. formed; made. जं० प० ५,
११५; ४, ६२; ३, ४३; सू० च० १. ४४;

कलिसिया. स्त्री० (कलशिका) कलसीयाना
आधारनुं ऐक वाद्यं. कलश के आकार का
एक बाजा. A musical instrument
of the shape of a pitcher. राय० ८६.

कलुण. त्रि० (करुण) कलुणा उत्पादकः
दयापात्र; गरीय करुणोत्पादकः दयापात्र;
गरीय. Exciting pity or com-
passion. औष० २१; नाया० ६; विवा०
७; पि० नि० ३७१; सू० १, ५, १, ७;
आया० १, १, ६, १७२; (२) कलुणारसः
नव रसमानो ऐक रस. करुणा रस; नौ रसों
में से एक. one of the nine senti-
ments, viz. that of compassion.
ठा० ४, ४; अणुजो० १३०; —भाव. न०
(-भाव) कलुणजनक भाव. दयाजनक
भाव. sentiment exciting pity
or compassion. नाया० ६;

कलुणा. स्त्री० (करुणा) कलुणाः दया. दया;
करुणा. Compassion; mercy.. पगह०
१, १; नाया० १; दस० ६, २, ८;

कलुस. त्रि० (कलुष) कलुः; मेघः; अशुद्धः
शुद्धपताज्. अश्वच्छः कांचड वाला; मैला;
गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३;
७; ७, ६; अणुजो० १३०; सू० २, ३,
२१; औष० २१; विशेष० १४६६; औष० नि०
५५५; तंदु० १६; नाया० १;

कलुस. पुं० न० (कालुष्य) पाप कर्म; चित्तनी
अमाश्रय स्थिति. पाप कर्म; बिगड़ी हुई

मनोवृत्ति. Sinful action; troubled
condition of mind. सू० १, ५, १,
२७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१;
भक्त० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०;

—**आउल्लेय.** त्रि० (-आकुलचेतम्)
दोष पापादि के द्वारा मनुं चित्त मलीन छे ते.
दोष पापादि से जिसका मन मलीन है वह.
(one) whose mind is filthy on
account of sin etc. दसा० ६, १५;

२४; २५; —**किल्विस.** त्रि० (-किल्विष)
अत्यन्त मलिन. अत्यन्त मलीन. very
filthy in mind. भग० १, ७; —**समा-**
वण. त्रि० (-समापन्न) अमाश्रय
स्थिति से पमित्र. डावांडोल स्थिति का प्राप्त.

one who is troubled in mind.
भग० २, १; ६, ३३; ११, ६; नाया० ३; ८;

—**हियय.** पुं० न० (-हृदय) दुष्ट-मलिन
हृदय. दुष्ट-मलीन हृदय. wicked heart.
नाया० १६;

कलेवर. न० (कलवर) शरीर; देह. शरीर;
देह. Body; physical body. जवा०
३; ४; सू० प० २०; ठा० ५, १; पञ्च० १;
जं० प० नाया० १२;

कलेसुय. न० (कलेसुक) ऐक मनुं धात.
एक जाति का घास. A kind of grass.
सू० २, २. ११;

कल्लांघाइ. स्त्री० (*) बांसनी के रेशी.
बांस का कंड़िया. A small box of
bamboo. आया० २, १, २, १०;

कल्ल. न० (कल्य) आयत्ती शय; अतीत
दिनस. आगामी काल; दूसरा दिन. Next
day. निर० ३, २; विवा० ७; दसा० ७, १;
नाया० ८; १४; १६; सू० च० ७, ११२;

* लुओ ५४ नम्बर १५ ती पुटनोट (*). देखा पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vido
foot-note (*) p. 15th.

भग० २, १; ३, १; १२, ६; आष० नि० १७३; विशेष० १६७३; (२) प्रातःकालः प्रभातनी समय. प्रातःकाल; प्रभात का समय. dawn. नाया० १; २; ५; ८; १३; १६; भग० १२, १; अणुप्रा० १६; उक्त० २०, ३५; ओव० १३; राय० २३८; उवा० १, ६३; (३) आरोग्य. नारीग; आरोग्य. health. विशेष० ३६६०;

कल्लाकल्लि. अ० (कल्पाकल्पम्) दिनदिन प्रत्ये; दृशेयः दृष्टक रोजः प्रति दिन. Day by day; daily. नाया० ८; ६; १२; १६; १६; विवा० ३; ५; अत० ३, ८; ६, ३; उवा० ७, १८८;

कल्लाण. न० (कल्याण = कल्योप्यन्तनीरु-
क्तया मोक्षस्वमानयति प्रापयतीति कल्याणः
अप्युदरः इत्याजुदरी; अयुदरः सुखकारिः
कल्याणप्रदः श्रेयस्कर. (causing ease;
giving comfort. सु० च० २, ५८;
वच० १०, १; जावा० ३, २; विशेष० ३८८१.
सूय० २, ६, १२; दम० ६, ११; राय० २५;
उक्त० १ ३८; शा० ३, १; आया० १, ७, १,
१६६; ओव० नाया० १, ७; ६; १६; १६;
१६; भग० २, १; ३, १; ७, १०; ६, ३३;
पगह० २, १; सू० प० १८; उवा० ७, १८७;
काप० १, ६; (२) अ नामन्तु पर्वग वनन्तु
जाड, इस नाम का पर्वग जाति का झाड़. A
tree of that name. पञ्च० १; (३) अेद
प्रशरता प्रायश्चित्तं नाम. एक प्रकार के
प्रायश्चित्त का नाम. name of a kind of
expiation. पि० नि० भा० ३४; (४) तीर्थ-
इरता अ इत्याजुदरान्तु अमे ते अेद. तर्था-
कर के छः कल्याणों में से कोई भी एक.
one of the six precepts of
Tirthankars. पंचा० ६, २०; — कर.
त्रि० (-कर) इत्याजु इरजुदर. कल्याण

करनेवाला. one who accomplishes
welfare. नाया० १५; — कारय. त्रि०
(-कारक) इत्याजु इरता. कल्याणकारी.
one who confers welfare. नाया०
१; — दियह. पुं० (-दिवस) दिनेश्वरता
राय इत्याजुदरता दिवस. जिनेश्वर के पांच
कल्याण का दिन. the day of the 5
Kalyāṇakas of a Tirthāṅkara.
पंचा० ६, २६; — परंपरा. स्त्री० (-परंपरा)
इत्याजुदरी परम्परा. कल्याण का परम्परा.
continuation or remote stand-
ing of Kalyāṇaka. भक्त० ६८;

—फलविपाक. पुं० (-फलविपाक)
विपाक सुखता सुखविपाक उप अेद
भाष. विपाक सूत्र का सुखाविपाक रूप
एक भाग. a part of a Vipāka Sūtra
called Sukha Vipāka. जं० प० १,
६; सम० ५२; — भागि. त्रि० (-भागिन्)
भाक्षता अवता. मोक्ष का सेवन करने वाला.
one who enjoys final bliss. दम०
६, १, १३; — संपया. स्त्री० (-संपत्)
इत्याजुदरी संपत्ति. कल्याण का संपत्ति पंचा०
२, ४१;

कल्लाणग. पुं० (कल्याणक) पडिदेइजुता
पणत दीया पछी पडिदेइजु थाय तेनु प्राय-
श्चित्त अेद इत्याजुदर तप विशेष. प्रतिलेखना
का समय बीतने के पश्चात् प्रतिलेखना
काजाय उसका प्रायश्चित्त-एक कल्याणक तप
विशेष. A kind of expiatory pen-
ance for examining clothes etc.
after the time for it has elaps-
ed. ओष० नि० भा० १७४; (२) त्रि०
इत्याजुदरी. कल्याण करी. advanta-
geous. पञ्च० २; नाया० १;

कल्लाणि. पुं० (कल्याणिन्) अेद भतनी

गुड उबालने का बरतन A vessel in which treacle is boiled. वि० ३;
कवाड. न० (कपाल) आपसी, खोपड़ी. The skull. ना० ६;

कवाड. पुं० न० (कपाट) ३५२; अ० २७;
दरवाजे. कपाट: द्वार. A gate; a door.
उवा० २, ६४; प्र० १३२५; वि० नि० ३४७;
जीवा ३, ६; श्रोत्र० गम० ८; अणुज्ञो० १४६;
नाया० ज० प० मू० १० १, ४५, अंत० ६,
३; रा० १२६; नाया० १८; गम० प० २१०;
ज० प० ३, ५३, (२) देवता समुद्रवत स्थि-
भां देवता अत्माना प्रदेशने पलाय शरी-
प्रयत्नी कपाटने आदेशे अन्तर्गते केवल
समुद्रात् कथा से केवला का आत्मा के प्रदेश
बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के
आकार को सीत बना देना. Universal
projection of the soul by a Kevah by expanding it in the
shape of a door. पञ्च० ३८; - भयश्च.
पुं० (—भूतक) १५ दायि अथवा दायि दायि
दत्तने अर्थात् अमुक पैसा आदेश, अर्थात्
अर्थात् शरी अर्थात् आदेश. दो दाय या तीन
दाय जमान खोदनेपर इतने पैसे दूना दग शने
पर रखना हुआ लैकर. a labourer en-
gaged with the contract of
payment of a fixed amount of
wages in return for the work
of a digging ground to a fixed
depth e. g. two or three arms.
आ० ४, १;

कवाल. पुं० न० (कपाल) धरती अर्थात् नाय.
घटे का आधा भाग; घटे का अर्ध भाग. The
half of an earthen pot. विशेष० १६६७;
दया० ६, ४; आया० १, ६, ३, १०, (२) भरतः
आपसी. मस्तक; खोपड़ी. a brain. मु० न०
४, ५३; मू० २, १, ४८;

कवि. पुं० (कवि) इतिहा इतना२. कविता
बनानेवाला; कवि. A poet. आ० ७;
अणुज्ञो० १३१;

कवि. पुं० (कपि) बंदेश. बंदर; वानर. A
monkey. मू० २, २, १०; विशेष० ८६१;
श्रोत्र० नि० ६, ३; मु० न० १, २६;

कविजल पुं० (कपिजल) अर्थात् वनतनु पक्षी.
एक जात का पक्षी. A kind of bird;
the Chātaka bird. मू० २, २, १०;
पञ्च० १; उवा० ७, २१७;

कविजलगा पुं० (कपिजलक) वृद्धा "कवि-
जल" शब्द. देखो "कविजल" शब्द.
Vide "कविजल" पृष्ठ १, १;

कविकच्छु. पुं० (कपिकच्छु) अर्थात् वनतनी पेश
दे देने अर्थात् शरीरों अर्थात् उत्पन्न शरीरों.
एक जात का वेल जिसको स्पर्श होनेसे शरीर
पर लज्जा उत्पन्न होती है. A kind of
creeper producing an itching
sensation in the body by touch.
जीवा० ३, १; पृष्ठ २, ५;

कविट्ट. पुं० (कापथ—कापान्तिष्ठयनेति क-
पिथः) बंदेशने अर्थात् अर्थात् शरीरों इतः
देशों इतः बहुत बाजो वाला फल जो बंदर
को प्रिय मानकर होता है; कवाट. The
fruit of the wood apple tree
full of seeds and much liked by
monkeys. ज० प० आया० २, १, ८,
४३; उवा० ३४, १२; मू० १, १८; पञ्च०
१, २; प्र० २४६; गम० १८, ६; २२, ३;
दग० ५, १, २३; जीवा० १ ३, ४; निर० ३, २;

कविया. स्त्री० (कविका) ब्रह्मा. लगाम
(जो घोड़े नगेरट के मुँह में थपकाई जाती
है) A bridle. मु० न० १०, ३२;

कविल. पुं० (कपिल) इतिहा नामना भुनि:
इतिहा देवता के दे दे राजा पाले शु भाग्य
नेने वि० इतना, पणिमन्ती वृद्ध श्रेणी

उपर यज्ञां, संतोष वज्र्यो अने त्यां देवत
ज्ञान उत्पन्न थयुं के तत्त्वज्ञ साधन हेवे
आपेक्ष साधुने वेप पडैनी, दीक्षा लक्ष आदी
नीदल्या. कपिल नामक मुनि; कपिल नामक
केवली जो राजा से क्या मांगना ! इसका
विचार कर रहे थे कि विचार करते करते
परिणामोकी ऊपर की श्रेण्यां पर चढ़ गये और
उग्र अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा
केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तब आपने तुरंतहा
शामनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेप
पहन कर दोला ला और वहाँ से चल निकले.
Name of a sage, who while
pondering upon the boon that
he should ask of a king, rose
to a high stage of thought-
activity, experienced content-
ment, attained perfect know-
ledge, became an ascetic, took
Dikṣā and set out. उत्त० ८, २०;
गु० च० १२, ५६; (२) भुशे रंग. भग
रंग. tawny colour. ज० प० भग०
७, ६; (३) ऐकं वनतनुं इपित नामनुं
पक्षी. एक जाति का कपिल नामक पक्षी.
a kind of bird. पगह० १, १; ज० प०
आव० (४) इपित मुनि-सांख्यशास्त्र प्रणेता
अने तेना अनुयायिआ. कपिल मुनि और
उस मत के अनुयायि-माननेवाले. name of
the founder of the Sāṅkhya
system of philosophy also a
follower of Kapila. आव० ३८;

कविलत्र. पुं० (कपिलक) राहुना पृथ्वी
पंद्रह प्रकारवाली ऐक. राहु के पृथ्वी के
पंद्रह प्रकार में से एक. One of the 15

varieties of the molecules of
which the body of Rāhu is
made. सू० प० २०;

कविस्नायण पुं० (कपिशायन) ऐक वनतनी
भदिरा. एक जाति का दारू. A kind of
intoxicating drink पक्ष० १७;

कविस्मिन्न पुं० (कपिशिर्षक) जुगुआ
“ कविस्मिन्न ” शब्द. देखो “ कविस्मिन्न ”
शब्द. Vide “ कविस्मिन्न ” राय० १० ४;
जीवा० ३, ४;

कविस्मिन्न पुं० (कपिशिर्षक) शस्त्र(शां):
गडमाथी ऊपर नैवाने तेमां भुज्जा बांद
राना भाथाने आक्षरे आंका क्षंगरा. गड में
बाहिर देखने के लिये उममें रखे हुए बंदर के
सिर के आकार के छेद. An indenta-
tion or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey. आव० ज० प० नाया०
५; अंत० १, १;

कविहमिय न० (कपिहमित) आक्षराभां
अक्षरभात यवती लयंक्ष वनवाता देवाय ते.
आकाश में अकस्मात् दिखाई देनेवाली भयं-
कर ज्वाला Unexpected, sudden
flames in the sky. अणुजो० १२७;
जीवा० ३, ३;

कवेल्लक पुं० () पात्र विशेष: भेटी
क्षप्रा. पात्र विशेष: बड़ा कढ़ाई. A uten-
sil: a big cauldron. भग० ३, १;

कवेल्लय पुं० (*) नलिया. कवेल्ल A
tile. जीवा० ३, १; (२) भेटी
क्षप्रा; क्षप्राया. बड़ा कढ़ाई. a large-
cauldron. ज० प० २, ३८;

कवोड. पुं० (कपोत) पारेयुं. कबूतर. A

* जुगुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

dove. पि० नि० २१७;

कघोतालि. खा० (कपोतालि - कपोत पालिका) पि० ६; पक्षिनि पालयान्ती न्या. पक्षियोंको पालने की जगह. A place set apart for taming birds. जीवा० ३, ३; **कघोय.** पुं० (कपोत) इत्यन्तर; पारेयो. कवृत्तर. A dove; a pigeon. जीवा० ३; पञ्च० १; ओव० आया० २, १०; १६६; उवा० ७, २१७; जं० प० २, २१; —**सरीर.** न० (-शरीर) पारेयान्ता शरीरान्ता रयवागुं इत्त, इगुं. कवृत्तर के शरीर के समान रंग-वाला फल; भृग कोला. name of a fruit of the colour of a dove; a kind of pumpkin gourd. भग० १५, १;

कघोयग. पुं० (कपोतक) पारेयुं कवृत्तर. A dove; a pigeon. मय० २, २, १०; **कघोल.** पुं० (कपोल) गाल; त्रभञ्ज. गाल. A cheek; the temples. जीवा० ३, ३; ओव० १०; जं० प० —**मूल.** न० (-मूल) गालनु भूत; त्रभञ्ज. कनपटो. the temples. कप० ३, ३३;

कव्य. न० (काव्य) इत्यय; इतिनी अन्तयेत्त इति. काव्यः कवि का बनाई हुई कावना. A poem; the work of a poet. अणुजो० १३०; आ० ४, ४; जं० प० प्रव० १२४१; मु० च० १, १;

कव्यड. पुं० (कर्वट) इतिस्ति नगर; अश्या-गिनुं शोभे. शोभा रहित शहर. A city devoid of beauty. नाया० ८, १६; ओव० ३२; मय० २, २, १३; पगह० १, ३; जीवा० ३, ३; भग० १, १; ३, ७; ७, ६; जं० प० ३, ६६;

कव्वरअ. पुं० (कर्वटक) ७६भा अदनुं नामे. ७६ वें ग्रह का नाम. Name of the 76th planet. सू० प० २०;

✓**कस.** धा० II (कृश) शोषययुं; मुडपी नाभयुं. शोषण करना; शोखना; सुखा डालना. To dry up; to cause to evaporate.

कमेहि. आया० १, ४, ३, १३५;

कस. पुं० (कश = कस्ते शासनयात्रासजनयति ताडयति वेति तथा) आथण्ण; शारैय. चावुक. A whip. पगह० १, १; ३; २, ५; जं० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा० ६; दसा० ६, ४; विशे० २०४२; (२) कर्मा अथ तत्त्व (संसार). कर्म या संसार. Karma; worldly existence विशे० १२९८; २६७८; —**पपहार.** पुं० (-प्रहार) आथण्णाना प्रहार. चावुक का प्रहार; चावुक की मार. a stroke or lash of a whip. विवा० ३; नाया० २; १७; **कस.** पुं० (कष) धसीति क्सेटी इत्पी ते. कसोटीपर लगाना. Testing on a touch-stone. पंचा० १८, ३६;

कसट्ट. न० (*) इत्यन्तर; इत्यरे. कचरा. Refuse; dross. ओव० नि० ५५७;

कसट्टिय. पुं० (कषपट्ट) क्सेट्टीति पथरे. कसोटी का पत्थर. A touch-stone. भग० ५, २;

कसर. पुं० (*) भल्लुलवाथी उत्पन्न थयेतो रोग; अस. खुजाने से उत्पन्न रोग; खाज. A skin disease caused by scratching; itches. “ कच्चूकसरभि भूया ” भग० ७, ६; जं० प० —**अभिभूय.** त्रि० (-अभिभूत) आण्ता रोगथी पीडा-

येडो. खाज के रोग से पीड़ित. (one) suffering from itches. भग० ७, ६: कसाय. पुं० (कपाय) भगवां वस्त्र. A red cloth or garment. दमा० ६, ४: (२) इसायेडो रस. कपाया हुआ रंग: उतरा हुआ रंग: च्छित रस. astringent taste. जांवा० ३, १: आया० १, ७, ६, १००: उत्त० ३६, १८: पञ्च० १: नाया० १: १७: जं० प० निमी० २, ४४: भग० २, १: १३, ३: १८, ६: २०, ५: २१, ७: २४, १: दमा० ५, १, ६५: सम० २२: डा० १, १: (३) पण्यवणा अत्रना चीन पदनु सानभांडे ननु नाम. पण्यवणा (प्रजापना) के तीसरे पद का मतवां द्वार. name of the 7th Dvāra of the third Pada of Pannavāṇa Sūtra. पञ्च० ३: (४) प्रजापनात यडिदमां पदनु नाम न्दमां द्वेधादि चार इयायवुं वर्जित आपियुं छे. प्रजापना क चौदहवें पद का नाम जिसमें क्रोधादि चार कपायों का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajāpama dealing with the four Kaśāyas. पञ्च० १: (५) आत अमुधातोभांगी श्रीछ अमुधात न्दमां इयाय भादनीय इदनीनित्वा अय छे. गान समुद्रातो से से दसरी समुद्रात जिसमें कपाय साहनीय कमे का निर्जग होता है the 2nd of the seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kaśāya Mōhaniya Karma. पञ्च० ३६: (६) छला शुद्ध स्वभावते इमरे प मेत तशाटी मशीन इरे अने असारनी इदि इरे ते द्वेध, मान, माया अने दोष. जविके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपा गेल लगाकर मार्लन करने वाले तथा संगार प्रमग की बुद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोग

रूप कपाय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence दमा० ८, ४०: १०, १, ६: भग० १३, ३: २४, १: क० गं० १, ४१: ७, ६३: प० १४: भक्त० ४८. मर्यादा ६५: प० १३, ७२: कपा० ४, ६५: जांवा० १: नाया० ७, आया० १, ८, ७, २: उत्त० ३१, ६: अमुत्रे० १२५: आत० १६: —अर्थय वि० (-अर्थात्) इयायरहित छय: इयाय (इय + आय) असारनी प्राप्ति इयायनार: द्वेधादिशी रहित. कपाय रहित जांव: कपाय (कप + याय) संगार की प्राप्ति कमाने वाले क्रोधादि भावोंसे रहित. (a soul) free from Kaśāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विशेष ३३३: —उदय. पुं० (उदय) इयाय दोष. मोन प्रवेष्टेन आत्मात्. कपाय=क्रोध मोन आदका आयमोव (कृति). rise, manifestation of Kaśāya i. e. anger greed etc. क० प० १, ६२: ६, ३४: —कलि. पुं० (कलि) इयाय न्दमी द्वेध. कपाय रूप कलेश. mental agony, trouble in the form of Kaśāya, such as anger etc. भक्त० १७१: —च उक्क. ज० (चनुक्क) इयायनी अदडी: द्वेध, मान, माया अने दोष. कपाय को चोकडा: क्रोध, मान, माया और लोग. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed क० गं० ६, ७५: —जय. पुं० (-जय) द्वेध, मान, माया अने दोष. असारने इदय ते: इयाय न्दम. क्रोध, मान, माया और लोग

इन चारों का जीतना. conquest over the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed. प्रब० १६२; - **दृगः** न० (-अष्टक) दृषायन्ती आह प्रवृत्तिः अप्रत्याख्यानी अन्ये प्रत्याख्यानी मोहनी. कषाय का आठ प्रकृति भेदः अप्रत्याख्यानी और प्रत्याख्यानी चोक्छा. the eight-fold nature of Kaśāya viz. four Apratyakhyam and four Pratyakhyam. क० सं० ६, ८२; —**गिर्वृत्तिः** स्त्री (-निर्वृत्ति) द्वेधादि दृषायन्ती इत्यन्तः क्रोधादि कषायों का उदयन. the rise of Kaśāya viz. anger, etc. भग० १६, ८; —**पञ्चकषाया** न० (-प्रत्याख्याना) द्वेधा आदि दृषायन्ती व्ययः क्रोधादि कषाय का व्याय, giving up, abandoning Kaśāya i. e. anger etc. उत्त० २६, २; —**पांडुमेलीगता** स्त्री (-प्रतिमेलीगता) दृषयन्ती त्रय भवेत्ते. कषाय का लय करना लय वरता destruction, assuaging of Kaśāya. भग० २१, २; —**पिशाच** पुं० (पिशाच) दृषायन्ती पिशाच कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kaśāya. भक्त० १५३; —**प्लवमात्र** पुं० (-प्रमाद) दृषायन्ती प्रमाद. कषायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaśāya. भा० ३, १; —**मोहनिज** न० (-मोहनीय) दृषायन्ती मोहनीय इमेनी प्रवृत्ति. मोहनीय कर्म का कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma in the form of Kaśāya. उत्त० ३३, १०; —**रस** त्र्य० (-रस) दृषायन्ती रस. कषाय कडवा रस. astringent in taste. भग० ८, १; —**ययण** न० (-वचन) द्वेधाद्युक्त वचन

युक्त्वात्ता १७६ क्रोधयुक्त वचनः गुम्मा भरे शब्द. angry words. सूत्र० १, ३, १, १२; —**विउस्सग्ग** पुं० (-व्युसग्ग) दृषायन्ती परित्याग. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment of Kaśāya i. e. anger etc. भग० २५, ५; —**विजय** पुं० (-विजय) द्वेधादि दृषयन्ती विजय इत्येते. क्रोधादि कषाय पर विजय प्राप्त करना. conquest over Kaśāya i. e. anger etc. प्रब० १५२, ३; —**समुग्धाया** पुं० (-समुद्धान कषायैः क्रोधादिभिर्हेतुभूतैः समुद्धानः कषाय समुद्धान.) द्वेधादि दृषयन्ती उदये धवन्ता प्रदेशे शरीरे भेदः अन्ये यद- विस्तारवाथी नेत्र विद्वद्वे मुनयश्चरन्तु यन्ते अन्ये दृषाय मोहनीयता नेत्रपदे इती दृषयन्ता पुद्गलां निर्वर्तयन्ते क्रोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भावर और बाहिर विस्तृत हो जगमे नेत्र विकार या सुखावकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर जय लज्जाने से कषाय पुद्गलों का निर्वर्ण होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kaśāya (passions) and destruction of the molecules of Kaśāya after enduring them. गम० ६; जावा० १, ३०, ४, ४; भग० ११, १; २४, १; ३४, १; पञ्च० ३८;

कसायकुसुली पुं० (कषायकुशाल = कषायः संश्लेन क्रोधाद्युदयलक्षणैः कुशालः कषाय-कुशालः) दृषाययुक्तः साधुः ७ प्रवृत्तिर्ना निर्ग्रथमति आह. कषायवाला साधु क्रोधादि भावयुक्त साधुः लृ प्रकारके साधुओं में से एक. An ascetic full of Kaśāya, one

of the six kinds of Nigranthas
i. e. ascetics. भग० २५, ६; पगह० ६३;

कसाय कुसीलत्त. न० (कषाय कुशीलत्व)
क्षायकुशीलपणं. कषाय भावसे कुशीलपना.

Evil conduct arising from Ka-
sāya. भग० २५, ६;

कसायपद्. न० (कषायपद्) पन्नवणा सूत्रना
आथा पदं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के चौथे पद
का नाम. Name of the fourth
Pada of Pannavanā Sūtra. भग०
१८, ४;

कसायान. पुं० (कषायान्मन्) क्षययाने
आत्मा. कषायवाला आत्मा. A soul full
of Kaṣāya. भग० १२, १०,

कसाहि. पुं० (कशाहि) अक्ष पतनी मुकुलित
सर्प. एक प्रकार का मुकुलित सर्प. A kind
of snake. पन्न० १;

कसि. पुं० (कृषि) पत्नी: कृषिधर्म. खेती:
कृषि. Agriculture. जावा० ३, ३; क०
प० २, ६२;

कसिण. त्रि० (कृत्स्न) परिपूर्य: सम्पूर्ण. परि-
पूर्ण; सम्पूर्ण. Whole; full; all; entire.
दमा० १०, १२; निसी० ८, १२; ओव० ४०,
अणुजो० ५०; भग० २, १०; ६, ३१; दम०
८, ६०; नाया० १६; जे० प० ७, १६६;
(२) अश्वत्थ: अश्वत्थ नदी; अश्वत्थ नदी.
सगम: अश्वत्थ: दुकडे वगैरह जिसके न हुण
हो वह. unbroken; entire. कप० १,
१; ५, १६; क० प० ७, ३; ४५; आया० २,
१, १, २; वेय० ३, ५; निसी० ४, १६;
(३) पुं० परिपूर्ण स्कंध महास्कंध; जेना-
थी भेदोटा भीजे स्कंध नथी ते. परिपूर्ण
स्कंध, महास्कंध; सबसे बड़ा स्कंध. a per-
fect, complete Skandha or
molecule. विशेष० ८६७; — **अन्नपुड.**
पुं० (-अन्नपुड) सम्पूर्ण अन्नमण्डल

(आदव) ते पड. सम्पूर्ण बादल का पडल;
सम्पूर्ण अन्नमण्डल. The entire vault of
the sky. “कसिणद्वभ पुडावगमेव चंदिमा”
दम० ८, ६६; — **चणुय.** पुं० (-चणक)
आप्ता चण. अखंड चना. chick-pea;
gram. प्रव० १०१०; — **संयम.** पुं०
(-संयम) सर्वरीति साधनेना त्याग; सर्व
विरति. सावय का त्याग; पापानुष्ठान का
सर्वथा त्याग; सर्व विगति. complete re-
nunciation of sinful things.
पंचा० ६, ४०;

कसिण. त्रि० (कृष्ण) क्षण; क्षणशायण.
काला. Black. “आणामिय चावरुहरत्त-
णु कसिणि मिथभूया” जावा० ३, २, सु०
च० २, २३६; पन्न० २; ओव० १०; ठा०
१०; कप० ३, ३६; क० गे० १, ६२;

कसिणा. स्त्री० (कृत्स्ना) जे प्रायश्चित्तमां
अधिक समाप्त श्रेष्ठ नदी ते प्रायश्चित्तमां अक्ष
प्रक्षर. जिस प्रायश्चित्त में अधिक शामिल न
हो सके वह प्रायश्चित्त; प्रायश्चित्त का एक भेद.
A variety of expiation; an ex-
piation which has reached the
highest limit and which can-
not admit any more. ठा० ५, २;
सम० २८;

कसेरु. पुं० (कशेरु) पाणीमां उत्पन्न येना
क्षेरु नामने प्रसिद्ध कंद. पानी में पैदा
होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कंद. A
bulbous root growing in water
and named Kaseru पन्न० १;

कसेरुग. पुं० (कसेरुग) क्षेरु नामनी पाणी-
मां उत्पन्न वनस्पति. पानी में उत्पन्न होने-
वाला कसेरु नामक वनस्पति. Name of
aquatic plant. सूय० २, ३, १८;
आया० २, १, ८, ४७;

कस्सई. अ० (कस्यच्चिन्) डोह अक्षरं.

किंसी एक का. Of some one; be-
longing to some one. दस० ८, १०;
कह. धा० II. (कथ्) डह्युः, अ. धयुः. कहना;
बोलना. To tell; to speak; to say.
कहेह. निर्मा० ८, २; नाया० ध० उवा० १, ६०;
कहंनि. आ० २१;
कहिनि. नाया० १६;
कहिजा. वि० दस० १०, १, १०;
कहिज वि० पि० नि० ३१४;
कहाहि. आ० मृ० १, ११, ३;
कहमु. आजा० मु० च० १, २६;
कहेमु. मु० च० १, ६;
कहय. उत्त० २५, १६;
कहेमाण. दसा० ३, २६; सम० ३३;
कहेमाण. गच्छा० ३२;
कहिउं. मु० च० ३, ८२;
कहिजाण. क० वा० विशेष० ४८५;
कहिजउ क० वा० मु० च० ४, २६०;
काहिजाहि. क० वा० आजा० पि० नि० ४३२;
काहिजंत. क० वा० व० क० मु० च० ७, १४८;
कह. अ० (कथम्) 'कैमः शामते' रीति.
कथोः किमलये; किम नरह. Why; how.
नाया० २, ६; ७; भग० ७, ६;
कहं. अ० (कथम्) 'कैमः शामते' रीति.
किम प्रकार ? How ? why ? नाया० १;
२, ६; ७; ६; १०; १८; भग० १, ३; २, ५;
३, १; ५, ५; ६; १५, १; १६, ६; २०, ६;
२५, ८; दस० २, १; ४, ७; ६, २; २४; दसा० ४,
१०५; विशेष० ३०, १२७; मु० प० १; सृ० १,
१, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१;
कहचि. अ० (कथंचित्) 'कैमः प्रशरिः' किम
प्रकार से. In some way or other;
some how or other. पंचा० ५, ३५;
✓ कहकह. ना० धा० II. (कहकह) डह्युः
अथै आवाज् इत्ये. कहकह ऐसा आवाज
करना. To make a sound resem-

bling the sound of the word
Kahakaha.
कहकहति. जा० ३, ३;
कहकहंत. पगह० १, ३; जं० प० ५, १२१;
कहकह. पुं० (कहकह) थयुः अथै आवाज्
इत्ये. आवाज्. कोलाहल; शोर. Bust-
ling noise. गय० ८६;
कहकहअ. पुं० (कहकह) आनंदतो इत्य-
इत्य शब्द. आनंद का कलकल शब्द. A
joyous bustling sound. टा० ३, १;
कहकहक. पुं० (कथकथ) डह्युः अथै
अथै आवाज् इत्ये. 'कहकह' रूप द्वयोः द्वार;
गुणाली की पुकार. A joyous sound
resembling the pronunciation
of the word Kahakaha. आया०
२, १५, १७६;
कहकहग. पुं० (कहकह) आवाज्. कोला-
हल. Bustling sound. कप० ५, ६६;
कहग. पुं० (कथक) इथा इतरतर; इथा उपर
आधुविता यत्रावनार. कथा करनेवाला; कथा
करके आजीविका करनेवाला. A profes-
sional story-teller. गय० अणुजा०
६२; आ० जं० प० निर्मा० ६, २२; जा०
३, ३; कप० ५, ६६; प्रव० ६३६;
कहण. न० (कथन) कथन; वर्णन; इदी अत-
ययुः कहना; कथन; वर्णन. Telling;
describing; narrating. विशेष० ८६४.
पि० नि० ८०; १६०; १६२; मु० च० २,
३५०; नाया० ८; नंदी० ४१;
कहणा. स्त्री० (कथन) कथन. Nar-
ration विशेष० ८६६; पंचा० ६, १३; १२, १५;
कहवि. अ० (कथमपि) 'कैमः पय' रीति.
कोई भी रीति से. In some way or
other; anyhow. गच्छा० ६६;
कहा. स्त्री० (कथा) इथा; वार्ता; समाचार;
इथा-वाद. नरह, वितंडा, प्रकीर्ण अने

निश्चय ये पाँच प्रकारकी कथा. कथा; समा-
चार: वार्ता-वाद, जल्प, वितंडा, प्रकाश
और निश्चय, ये पाँच प्रकार की कथा. A
story; a news; a description.

“ निविद्या कहा परणत्ता तंजहा
अत्थ कहा धम्मकहा कामकहा ” टा० ३,
३: गच्छा० ११५; कप्प० ३, ५६;
भग० २, ५: ७, ६; ६, ३३; ११, ११; दम०
८, ४२; नाया० १: ३, ५; ८, १३, १६;
सम० ९: १२; उत्त० १६, ६; २६, २६;
आव० ११: ३८, दसा० ३: २६; ३१;
निमा० ८, १; उवा० २, ११७:—अधिकरण.
न० (-अधिकरण) कथाया अधिदेशवाच्यं.
कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र. A
scripture containing stories or
teaching through stories. दसा०
६, २५; —समुल्लाव. पुं० (-समुल्लाव)
परस्पर वार्त्तावाप. परस्पर वार्त्तालाप; आपस
में बातचीत. mutual conversation.
नाया० ८; ६;

कहाण्यग. न० (कथानक) कथा, बात: कथा;
कथानक; वर्णन. A story; a narra-
tion. नंदी० ५०;

कहि त्रि० (कथन्) श्रेयार. कहने वाला.
(One) who tells; a teller.
“ महाधम्म कही ” उवा० ७, २१८; जं०
प० १, १;

कहि. अ० (क) कथा: श्रेयै देशेण. कहाँ; किम
जगद्. Where? at what place?
जं० प० जावा० ३; नाया० १३; पञ्च० २;
भग० २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२,
१; १३, ४;

कहिअ-य. त्रि० (कथित) श्रेयै. कहा हुआ.
Told; narrated. नाया० १, २; ५: ६;
१६; भग० १, १; २, १; पंचा० १७, ३०;

कहि. अ० (क) कथा? कहाँ? Where?

जीवा० १; राय० नाया० ८; १३: १६; १६;
सु० च० ३, ६२; भग० २, १; ३, १; ५; ५,
३; ६, ५: ७, ६; ६, ३३; १६, १; १५, १;
३२, १; अणुत्त० १, १; पि० नि० ३७६;
सु० प० १;

कहि. अ० (कदा) कथा: कव: किम समय.
When? भग० २०, ८;

कहिनि. अ० (कथित) कथायाणः श्रेयै. कहाँ
कहाँ भी; किसीभी स्थान पर. In some
place; in some place or other.

विशे० १६२७; नाया० १; आया० १, ७, २, २०२;

कहित. त्रि० (कथित) श्रेयै. कहा हुआ.
Told; said; narrated. सु० प० १;

कहितार. त्रि० (कथयितृ) श्रेयै. कहने-
वाला. कहनेवाला: बोलने वाला. (One)
who tells; a teller; a speaker.
दसा० ३, ३१; उत्त० १६, ६; सम० २;

कहेत्तार. त्रि० (कथयितृ) श्रेयै. कथन
करने वाला; कहनेवाला. A speaker; a
teller; (one) who tells. “ इत्थि
कह भत्तकं भद्दं कहंता भवद् ” टा०
४, २; सम० २२;

कहार. न० (दहर्) संस्था विहाय श्रेयै
श्रेयै. संस्था का कलने वाला संकेत कमल.
A white lotus blooming in the
evening. मय० २, ३, १८;

✓ का था० I. (कृ) श्रेयै. करना. To do.
कामिया. विधा० मय० १, २, १, १३;

काहिइ-ति. भवि० भग० ३, २: ६, ३३;
११, १२; १६, ८; १५, १; १८,
१०; नाया० १५: १६; विशे० ६६८;

काही. नाया० ध० ६; दम० ४, १०;

काहिनि. भग० ३, १; १२, १; नाया० १;
नाया० ध० १०; आव० ४०: उत्त०
८, १६; पि० नि० २३६;

काअसी. भूत० मय० १, १, ३, ८; आया०

१, १, ४, ३६; उत्त० १, १०;
काऊयां. जं० प० नाया० १८, १६; विशेष०
१४२; पि० नि० ३; भग० १४, ८;
काउं. सं० कृ० भग० १, ८; ३, ४; ६, ३३;
१४, १; मु० च० १, २०७; दसा०
१०, १; नाया० ४०; नाया० १६;
आव० ४०; पि० नि० भा० ३०;

काउं. हे० कृ० भग० ४, २; नाया० १८;
कट दु. सं० कृ० दस० ८, ३१; वेय० १, ३७;
७, १७, मु० प० १; पञ्च० ३६;
आव० ११; जं० प० २, ११४; ११२;
१२२; २, ३३; ३, ४४; अगुजो०
१३; ७१; निगो० ७, ३१; १४, १२;
१८, १७; आया० १, ४, १, १४४;
२, १, ३, १४; उत्त० ३, २; ११;
नाया० १; ४; ८; १४; भग० १, १;
२, १; ४; ३, १; ४, ४; ६, ६; ७,
६, ३१; १६, ४; वेय० १, १३; ४, ४;

१. का. धा० १. सं० कृ० अ० (कृत्वा) इति.
करके. Having done.

किञ्चा. नाया० १; ६; १४; १६; आया० १,
७, ६, २२१; मय० १, १, ११;
आव० ३८; भग० १, १; ८; २, १;
३, १; ७, ६; ८, ४; १४, १; दस०
४, २, ४७; ८, ४६; निर० ३, १;
दसा० ६, १; ६, ११;

काइ अ० (काचित्) शब्दः स्त्री ज्ञाति विशेष
परार्थः. कोई स्त्री जाति विशेष वस्तु.
Somebody; someone; (said of
of an object in the feminine
gender). वेय० ४, ११; विशेष० १२२;

काइय त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण नि-
वृत्तः कायिकः) शरीरसम्बन्धीः शारीरिक.
शारीरिकः शरीरसम्बन्धी Physical; re-
lating to the body. आव० १, ४;
आव० ३२; विशेष० २३३; ३४४; उत्त० ३२, १६;

काइया. स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापार्यी
थती क्रियाः पांच क्रियाभांती अेद. शरीर के
व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक
क्रिया. One of the five activities
viz. physical activity. पञ्च० २२;
सम० ४; टा० २, १; ओघ० नि० २४१;
भग० १, ८; ३, १; २; ६, ४, ६; ८, ३;

काई. न० (कार्का) शब्दः. कौवा (कौवा का
स्त्री लिङ्ग). A female crow. विवा०
३; — अंडअ. न० (-अण्डक) शब्दः. कौवा
का अंडा. an egg of a
female crow. विवा० ३;

काउ. स्त्री० (कापोता) शब्दः. लेइया; पा-
रियाना रंग देखा के अण्डका के देखा योगे
तदन दाना नदि पण्डु अण्डका अण्ड-
काया परिणाम थाय ते शब्दः. लेइया.
कापोत लेइया; कबूतर के रंग के समान कर्म-
स्वयं, जिनके संयोग से जीव के बिल्कुल काले
परिणाम न होकर सफेदी का भाईवाले परि-
णाम हो ऐसे परिणामों को कापोत लेइया
कहते हैं. Dove coloured tint;
grey colour of Karmic mole-
cules resembling that of a
dove. पञ्च० १७; उत्त० ३४, ३; ४६; क०
सं० ४, १६; जं० प० ४, ११४; — लेसा.
स्त्री० (-लेइया) ७. लेइयाभांती त्रीष्ट
शब्दः. लेइयायो में से तामरा
कापोत लेइया. the third of the six
matter or thought tints viz.
dove coloured tint. आव० ४, ७;
प्रव० ११७३; — लेस्सा. स्त्री० (-लेइया)
शब्दः. पारियाना रंग देखा के अण्ड-
काया अण्ड देखा कर्मस्वयं के देखा योगे
तदन दाना नदि पण्डु अण्डका अण्ड-
काया आत्माना बुभरा परिणाम थाय ते.
कापोत लेइया अर्थात् कबूतर के रंग के समान

कर्मस्केतों के संयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम जो बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी का भाई लिये हुए हों. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, ३; १८, ३; २३, ६; २८, १; ३१, ४; ३३, ४; ३५, ४; सम० ६; पञ्च० २७; उत्त० ३४ ६; जीवा० १; टा० १, १;

काउअग्निगवर्णाम. त्रि० (कपोताग्निगवर्णाम) कपोत अथवा धमेक्ष अग्निता वायु जेरी क्षिति जेरी से ते. कवूतर अथवा धमा हुई अग्नि के वर्ण समान. One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower. दसा० ६, १;

काउंबरि. पुं० (काकोदुम्बरि) ऐक्य मतनुं अड०. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जावा० १; पञ्च० १;

काउंबरिय. पुं० (काकोदुम्बरिक) प्रक्ष विशेष. एक तरह का झाड़. A kind of tree. भग० २२, ३;

काउकाम. त्रि० (कर्तुकाम) इच्छानी इच्छा वायु. करने का इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. ओष० नि० ५३७;

काउज्जुयया. स्त्री० (कायर्जुक्ता) शरीर योगनी सरलता; सीधापण. शरीर योगका सीधापन; शरीर योग की सरलता. Straightforwardness of physical activities. टा० ४, १; भग० ८, ६;

काउदर. पुं० (काकोदर) ऐक्य मतनुं इक्षुवाणे सर्प. एक प्रकारका फन वाला सर्प. A kind of hooded serpent. पञ्च० १;

काउरिस. पुं० (कापुरुष) डायर; भीडलु. कायर; डरपोक. Timid; cowardly. गच्छा० २७; सु० च० ७, १६४; आउ० ६४; **काउलि. स्त्री० (काकोली)** ऐक्य मतनुं वनस्पति. एक तरह की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, ५;

काउसर्ग. पुं० (कायासर्ग) क्षायान व्यापार से त्याग छोड़संग इच्छा ते. शरीरार्क क्रिया का त्याग; कायोसर्ग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul. आव० १, १; कण्ठ० ६, ५२; नंदी० ४३, उत्त० २८, ३८; २६, २; वेय० १, १६; नाया० १; ५; भग० २, १; (२) आवश्यक सूत्र का पांचवा अध्याय का नाम. name of the fifth chapter of Āvaśyaka Sūtra. अणुजा० ५६;

काओदर. पुं० (काकोदर) ऐक्य मतनुं सर्प. एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent. पण्ड० १, १;

काओय. पुं० (कापोत) अनुयायी “काउ” शब्द. देखो “काउ” शब्द Vide “काउ” पञ्च० २,

काओली. स्त्री० (काकोली) ऐक्य मतनुं वनस्पति. एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कांची स्त्री० (काञ्ची) कांची नामकी ऐक्य नगरी. कांचा नाम की नगरी. Name of a town. प्रव० ८०६;

काक. पुं० (काक) डाकड़ काया. A crow. भग० १;

काकंतिअ. पुं० (काकन्तिक) खेडडी. लोमड़ी. A fox जं० प०

कांकंदिया. स्त्री० (काकंदिका) डाकड़ी नामकी नगरी. काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया० ६;

काकंदी. स्त्री० (काकन्दी) जितशत्रु राजन्ती
काकंदी नाम्नी नगरी के जे भानु धन्या अणुगार-
ने। जन्म थियो हुते। जितशत्रु नामक राजा
का एक नगरी जिसमें कि धन्या अणुगार का
जन्म हुआ था। A town named
Kākandī belonging to king Ji-
taśatru where the ascetic Dha-
mnā was born. अणुग० ३, १; डा० ५, १;

काकणी स्त्री० (काकिणी) अक्षरतीना १४
रत्नभानु अक्षर रत्न. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों
में से एक रत्न. One of the fourteen
jewels of a Chakravartī. ओव० ४०;

काकलि. पुं० स्त्री० (काकली) अक्षरान्तली
पदरपति. एक प्रकार की काकली नामक
वनस्पति. A kind of vegetation so
named. भग० २२, ६;

काग. पुं० (काक) कागद. कौआ. A crow.
अणुगो० १३१; पगह० १, १; पञ्च० १; पि०
नि० ४५४; भग० ३, २; ओष० नि० ५६३:
(२) डाक्ष नाम्नी ग्रह. काक नामक ग्रह, a
planet so named. डा० २, ३;

३ **कागणि** न० (काग्य) राज्य. राज्य. A
kingdom. (२) अ नाम्नी अक्षर
वेत्र. एक प्रकार की लता का नाम. a
creeper of that name. पञ्च० १;
अक्षरतीना आक्षरलभानु अक्षर के जेथी अक्ष-
वर्ती तिमिस गुफा में प्रकाश करवने आक्षर
आक्षर छे. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से
एक कि जिसमें चक्रवर्ती तिमिस गुफा में प्रवेश
करने समय प्रकाश के हेतु मंडल खोजते हैं.
one of the fourteen jewels of
a Chakravartī by which he
draws circles to produce
light in dark caves. डा० ७, १;
पञ्च० २०; —रयण. न० (—रत्न) अक्षरती-

नु डाक्षिणी नाम्नी रत्न. चक्रवर्ती का काकणी
नामक रत्न. a jewel named Kākīṇī
belonging to a Chakravartī. डा०
७, १; पञ्च० २०; —लक्षणा. न० (—लक्षण)
डाक्षिणी रत्नने देखनी कला. काकणि रत्न को
देखने की कला. the art of viewing
the Kākīṇī jewel. नाया० १; ओव० ४०;

कागणी. स्त्री० (काकिणी) डेडी; भानु रूपु
भाषयानु अक्षर वदत; सदा अणुगारभानु
भाष; भाषाने योथा भाष. सोना चाँदा
तोलने का एक प्रकार का वजन; मासे का
चोथा भाग; गवा रत्नी (गुंजा) भर वजन.
A cowrie; a small measure or
weight equal to about two
grains used in weighing gold
and silver अणुगो० १३३; पगह० १,
३; ओव० ३८;

कागस्वर. पुं० (काकस्वर) कागदान् पेरे
डाक्षर स्वरथी गावु ते. गावतने अक्षर दोष.
कौआ के समान कठोर स्वर से गाना; गायन
का एक दोष. Singing with a harsh
sound like that of a crow; a
fault in singing. जं० प० ३; अणुगो०
१२८;

काकिणी. स्त्री० (काकिणी) अक्षरतीना १४
रत्नभानु अक्षर रत्न के जेते छ तत्ता, आक्षर
अणुगार अक्षर आक्षर दोष छे. चक्रवर्ती के
चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ
तह आक्षर कोन और बारह बाजु होता है.
One of the fourteen jewels of
a Chakravartī, having six face-
ts; eight angles and twelve
sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं०
प० प्रव० १२२८; (२) डेडी; भाषाने योथा
हिस्सा. मासे का चोथा हिस्सा; दो रत्नी भर
वजन. a cowrie, a measure of

weight of about two grains.
उत्त० ७, ११: —मंस. न० (—मंस) ढाडी-
ने आधारे ढाडी जेवडा मांसना छड्डा शरीर
भांथी छड्डा ते. शरीरमें से कौडी जैसे मांसके
टुकड़े निकालना. taking off pieces of
flesh of the size of a cowrie.
विवा० २,—खाइम. न० (—खादिम) ढाडी
प्रमाणे छड्डा इरी पोतानुं मांस पोताने भव-
अवे ते. कौडी बराबर टुकड़े करके अपना मांस
अपने को ही खिलाना. feeding one-
self with one's own flesh in
pieces as a cowrie दसा० ६, ४:
—खावियंग. त्रि० (—खादिताङ्ग) ढाडीने
आधारे मांसना छड्डा इर्या ते; अेड
प्रधानी शारीरिक शिक्षा. कौडी के आकर
बरोबर मांस के टुकड़े करना; एक प्रकार का
शारीरिक दंड. a kind of physical
punishment viz. slicing one's
flesh into pieces as small as a
cowrie. सय० २, २, ६३:

कागी. स्त्री० (काकी) कौवा. A
female crow. (२) छड्डासंयंथी
विद्या. कौवा सम्बन्धी विद्या. a science
in connection with crows. विशेष
२४५३;

काण. त्रि० (काण) अेड आंभयाते: क्षणो.
एक आंखवाला; काना. One-eyed.
अणुजो० १२८: पगह० १, १: नाया० १४:
दस० ७, १२: पि० नि० ४७४: प्रव० ८०२:

काणक. न० (काणक) आणु. वाण; वान. तार.
An arrow. जं० प०

काणग. न० (काणक) क्षण-शेरीते
अेड रोग के जेथी तेभां छिद्र छिद्र पडि जय.
सांठे का एक रोग जिसमें कि उसमें छेद पड़
जावे. A sugarcane with a
disease in it which makes

it full of small holes. (२) तेवा
छिद्रवाणी शेरी. ऐसे छेदों वाला गन्ना. a
sugarcane with small pin-holes.
आया० २, १, ८: ४८:

काणग त्रि० (काणक-मुपित) चोरेशुं. चुराया
हुआ. Stolen. प्रव० ८०३: —महिप.
पुं० (—महिप) चोरेशे पाठा; चोरय पाठा.
चुराया हुआ भैसा. a stolen buffalo.
प्रव० ८०३:

काणग न० (कानग) शहरेंद्री पासनुं वन:
प्रदोर्षा अंशवाण वन. शहर के पास वाला
वन: प्रकाण भाडों वाला वन. A forest
in the outskirts of a town: a
forest with trees lying scat-
tered here and there. पगह० १,
४: नाया० १: भय० ५, ७: राय० २०१:
अणुजो० १३४: सु० व० ७, ५: भत्त० २:

काणत्त. न० (काणत्व) अेड आंभयाते:
क्षणोपणुं. काना पन. State of being
one eyed. आया० १, २, ३, ७८:

काणिय. न० (काणय) क्षणोपणुं: रोगथी के
गर्भभांथीने अेड आंभनी आमी रीती गण
दोष ते: १६ रोग भांते: अेड रोग कानापन:
रोग में अथवा गर्भ में ही एक आंख का
न्यूनता होना: सोलह रोगों में का एक रोग.
State of being one eyed: one
of the sixteen diseases. आया०
१, ६, १, १७०:

कांतिय पुं० (कांतिक) आनेक मदिने.
कांतिक मास. The month Kārtika.
प्रव० १४७२:

काद्व. पुं० (काद्व) अेड जतनेो हंस.
एक प्रकार का हंस. A kind of goose.
पगह० १, १:

कादूसणिया. स्त्री० (कदूषणिका = कं आत्मानं
दूषयति तमस्काय परिणामेन परिणमनात्

कदपूणा मेव कदपूणाका-दाघनाच प्राकृ-
तत्वात्) तमश्चायना प्रभायथी मंद श्रेयसी
अदन्ती शान्ति. तमस्काय के प्रभाव से मंद
हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the
moon dimmed on account of
the power of dark bodies.
भग० ६, ५:

कापालिअ. पुं० (कापालिक) क्षपात्रिष्ठेयगी.
कापालिक योगी: खोपाद्वये रम्यते वाला योगी.

A Kapalik ascetic. अगुजो० १३३:

कापिमायणु. न० कापिशायन) अक्ष अतनो
भद्रिश्च. एक तरह का मद्यिग. A kind
of intoxicating drink. ज्ञान० ३, ४:

कापुस्मि. पुं० (कापुस्म) क्षपरे पुं० काय
पुं०: उर्ध्वेक्ष आदमी. A timid, worth-
less person. नाया० १; पगह० २, ५:

काम. पुं० (काम काम्यन्तेऽभिलष्यन् एव
नन् विशिष्ट शरीर संस्पर्श द्वारणापयुज्यन्ते
ये ते तथा) भोजन शब्द अन्तर्भोजन
रूप. मनोज शब्द और मनोज रूप
Attractive sound and form:
उवा० १, ८८: आवा० ३२; (२) शब्दादि
पांच विषय (२) शब्दादि पांच विषय.
the five objects of senses such
as sound etc. उत्त० ३, १८: ८, १८:
दम० २, १; आया० १, ५, १, १४१:
सूय० १, १, १, ८; नाया० १; (३) प्रकृत,
क्षमता: क्षमता: अभिलाषा. इच्छा:
कामना: वागना: अभिलाषा desire:
lust. श्रव० ३८: दम० ६, ४: १४: सू०
प० २०: सम० ५: भग० ७, ७: नाया० ५:
पञ्च० २: पंचा० १, १६: प्रव० ४०: क० प०
२, १५: ज० प० ५, १५: (४) क्षम-क्षमता:
मैथुन सेवा काम-वैदर्प: मैथुन सेवा. the
god of love; sexual intercourse.
पंचा० १, १६: भक्त० १०७: पञ्च० २: पगह०

१, ३: —आसेसा. स्त्री० (-आशंसा)
क्षम भोजन शब्दादिक्षम अभिलाषा. काम-
मनोहर शब्दादिक की अभिलाषा. desire
for the enjoyment of the
objects of senses. प्रव० ८२३:—आ-
सम्पश्रोग पुं० (आशंसाप्रयोग) विषय-
वासना उपरि अथवा प्रयोग विषयोत्पत्ति का
प्रयोग. an activity which excites
sensual desires. डा० ४, ४: —आ-
सत्त त्रि० (-आसक्त) क्षमता आसक्त:
क्षमता पर्यायनाम काम का आशा: लोभ का
पर्याय वाचा नाम. desire of sensual
enjoyment: a synonym for
greed. सम० ५२: भग० १२, ५:
—कंक्षिय. त्रि० (-कंक्षित) क्षमता
क्षमता इच्छा करना. काम का इच्छा करने
वाला. desirous of sensual enjoy-
ments. भग० १, ५: —कम. त्रि०
(-कम) क्षमता प्रभाषा गति क्षमता:
क्षमता आसक्तता. स्वच्छन्द चलने वाला:
मन मानी गति करने वाला. (one)
moving wantonly at his own
will उत्त० १४, ४४: (२) क्षमता नामे
क्षमता देवक्षमता क्षमता मुक्तक्षमता विमान.
लोभव इन्द्र का मुक्तक्षमता करने का विमान.
the travelling balloon of the
Indra of the sixth Deva loka
Lantiv. डा० ८, १: १०: —कलि. पुं०
(-कलि) क्षमता क्षमता. काम का क्लेश.
the trouble or worry caused
by sexual desire. भक्त० ११४:
—कहा. स्त्री० (-कथा) क्षमता क्षमता
क्षमता. कामशाला अर्थात् कौकशाला संबंधी

कथा. talk about love matters. डा० ३, ३;—**कामञ्ज**. त्रि० (—**कामुक**) कामन्ती भन्ति कर्त्तव्याणि. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग० १, १;—**कामि**. त्रि० (—**कामिन्**) काम वासनासे अभिलाषी; कामन्ती भन्ति कर्त्तव्याणि. काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. आया० १, २, ५, ६२;—**किञ्च**. त्रि० (—**कृत्य**) भन्ति प्रमाणे वशे निश्चये काम कर्त्तार. इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला. (one) acting wilfully and thoughtlessly. सूय० २, ६, १७;—**गम**. त्रि० (—**गम**) भन्ति प्रमाणे गति कर्त्तार. इच्छानुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८;—**गामि**. त्रि० (—**गामिन्**) भन्ति प्रमाणे गति कर्त्तार; भरत मुद्राङ्गनाम्नार. इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुद्राङ्गिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. ओव० २६;—**गिद्ध**. त्रि० (—**गृद्ध**) विषयासक्त; कामभोगमांशुद्वयेन विषयासक्त; काम भोग में तल्लीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त० ६, ४;—**गुण**. पुं० (—**गुण**) कामने-विषयेन शुभ कर्त्तार उत्तेजना आपनार गुण; शब्दादि पाँच विषय. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of sensers e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५;—**ग्रस्त** त्रि० (—**ग्रस्त**)

काम-विषयमांशुद्वयेन विषयमांशुद्वयेन. कामादि विषयमांशुद्वयेन ग्रस्त-आसक्त. attached to or plunged in sensual enjoyments. भक्त० ११४;—**निव्वहिलास**. पुं० (—**नी** **व्रामिलाप**) काम-विषयनी अत्यन्त भन्ति. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव० २७८;—**निथिय**. त्रि० (—**अर्थिक**) काम भोगने अर्थी-भन्ति कर्त्तार. कामभोग का अर्थी-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments. जं० प० ३, ६७;—**पिवासिय**. त्रि० (—**पिपासित**) कामन्ती पिपासावाला. काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure. भग० १, ७;—**भोग**. पुं० (—**भोग**—**कामाः** **कमनायाः** **भोगाश्च** इत्यादयः) काम अने भोग; शब्दादि पाँच विषय. विषय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. डा० ८, १; भग० ७, ७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ८; ६; १६; दशा० १०, ५, ६; उवा० १, ५७;—**भोगि** त्रि० (—**भोगिन्**) कामी अने भोगी; शब्दादि पाँच विषयमांशुद्वयेन विषयमांशुद्वयेन. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz. sound etc. भग० ७, ७;—**भोग्य** पुं० (—**भोग**) **भोग्यो** “कामभोग” शब्द. देखो “कामभोग” शब्द. vide “कामभोग” नाया० १; ५; १६;—**रइसुह**. न० (—**रतिमुख**) काम रति-नुं मुख; विषय मुख. काम रति का मुख. pleasure derived from sexual enjoyment. प्रव० १०७५;—**रय** न० (—**रजम्**—**कामः** **शब्दादि विषयः** **सम्पूरजः** **कामः**

रजः) काम रूपरज-मैत्र. कामरूप मेल. dirt or impurity in the form of sensual desire. भग० ६, ३३; — रागविवर्द्धण. त्रि० (— रागविवर्द्धन) काम गयने पश्चात्तरः काम राग की वृद्धि करने वाला. (one) that increases the passion of attachment to sensual objects. दम० ८, ४८; — रूपि. त्रि० (रूपिन्) इच्छानुसार रूप धारणा करने वाला. (one) that can assume various forms according to one's own desire. उक्त० ६, २४; — समणुज. त्रि० (समनुज) काम भोग-विषय वासनासे भोग मानने वाला; कामी; विषयी. विषय वासना को मनोज मानने वाला; कामी; विषयी. (one) who takes delight in sensual pleasures; sensual आया० १, २, ३, ८१;

कामि. अ० (कामम्) अत्यन्तः अनिश्चय. अत्यन्तः अतः. excessively. पि० नि० १११;

कामगम. पुं० (कामगम) छद्म देवलोका इन्द्र विमान. छठवे देवलोक के इन्द्र का विमान. Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka; आ० २६; जीवा० ३; (२) छद्म देवलोका इन्द्रा इन्द्रा यात विमानां अस्थायक देवता छठवे देव लोक के इन्द्र के विमान का व्यवस्थापक देव. the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka. जे० ९० ५; आ० २६;

कामजल. न० (कामजल) स्नान करने की चौकी. A wooden seat for taking bath. आया० २, ५, १, १४८; निरी० १३, ५;

कामज्जया. स्त्री० (कामज्जया) कामध्वजा

नामकी ओर वेष्टा. कामध्वजा. नामकी एक वेष्टा. A prostitute named Kāmadhvajā. विवा० १, २;

कामदुहा. स्त्री० (कामदुहा) दूध देने वाली गाय. इच्छानुसार दूध देने वाली गाय; काम धेनु. A cow yielding as much milk as one desires. उक्त० २० ३६;

कामदेव. पुं० (कामदेव) ओ नामनु ओर श्रावक; महावीर श्यामिता दश श्रावकमाना ओर. दस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी के दस श्रावकों में से एक. Name of one of the ten bhayen-follower of Mahāvīra. उवा० २, १००;

कामफाल. पुं० (कामफाल) ४७वां ग्रह का नाम. Name of the 47th planet. सू० प० २०;

काममहावण. न० (काममहावन) काशी-वज्जु-देशी-महावन ओर अत्यन्त-विशाल. काशी-वनारसी नामक नगरों के बाह्य का एक उद्यान. Name of a garden situated outside the city of Benares. “ तत्थं जेसे चउथं पउट्ट परिहारं सेणं वाणारमीणं खयरीणं बहिया काममहावणं चैव यं मंडियस्स मरीरं विपपज्जहामि ” भग० १५, १; अंत० ६, १६; नाया० ४० ३;

कामय. पुं० (कामुक) कामकी इच्छा करने वाला; विषयेच्छु. (One) desirous of sensual enjoyments. भग० ३, १; दम० ५, २, ३५; उवा० २, ९५;

कामि. पुं० (कामिन्) कामकी इच्छा करने वाला; कामी. कामी; विषयेच्छु; विषय भोग का लोलुपी. One desirous of sensual enjoyments. भग० ७, ७;

कामिजुग. पुं० (कामिजुग) ओर तरहता ईवा-

नी पांभवालो पक्षी. एक तरह का हँपदार पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with downy feathers. पञ० १;

कामिद्धि. पुं० (कामार्थ) आर्यसुहस्तीना शिष्य. आर्य सुहस्ती का शिष्य. Name of the disciple of Ārya Suhasti. कण० ८;

कामिद्धियगण. पुं० (कामिद्धिगण) कामिद्धि नामतो महावीर स्वामीना नव गणु-भातो अष्ट गणु. कामार्थिक नामक महावीर के ९ गणों में का एक गण. One of the 9 Ganas (orders of saints) of Mahāvira, named Kāmardhika. टा० ६;

कामिय. त्रि० (कामित) इच्छितुं. इच्छित; चाहा हुआ. Desired; longed for; wished. पि० नि० २७२; भक्त० १११;

कामुय. त्रि० (कामुक) कामनी इच्छावालो. कामेच्छुः/विषयेच्छुः Sensual; desirous of sexual pleasures. दस० १, २, ३, ४; **कामेमाण.** त्रि० (कामयमान) इच्छतोः अभिप्राया इरतो. इच्छा करता हुआ; अभिलाषा करता हुआ. Desiring; wishing; longing for. आ० नि० ३०४;

काय. पुं० (*) पाष्णी वायवानी प्रायः. पाना लाने का कवड़. A piece of bamboo on two ends of which water-pots are hung; a contrivance to carry water from place to place with ease. पि० नि० ६६;

काय-य. पुं० (काक) काग्रे. कौआ. A crow. नाया० २; १६; विशेष० २०६४;

काय-य. न० (काच) काय. कांच. A

pane of glass; glass. आ० नि० ७७२; सू० च० ६, ११;

काय. पुं० (काय = चिन् इति धातोश्चयनं कायः चयितेऽनेनेति वा कायः) प्रायः शरीरः देह. शरीरः कायाः देह. Body; physical body. दस० ४; ८, ७; ४१; १०, १, ४; पि० नि० ६३; १२८; ४८३; जीवा० ३, ४; सू० प० १६; दसा० ४, १८; ६, ४; पञ० ३४; नाया० १; ४; ८; भग० ३, १; ७, ४; १८, ८; १६, ३; निमी० ३, ३४; ४४; १२, ३८; उत्त० २, ३७; ४, २३; ३२, ६३; ७४; वव० ६, ३१; १०, १; आव० १, ३; भक्त० ३२; पि० नि० भा० २६; (२) अे नामतो अष्ट अनार्य देश. एक अनार्य देशका नाम. name of a country of the Non-Āryans. प्रव० १५६७; (३) पृथिवी आदि छ प्रायः पृथ्वी, वृक्ष, अग्नि, वायु, वनस्पति, अने त्रस अे छ प्राय. पृथ्वी आदि छः कायः पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, वनस्पति और सूक्ष्म जंतु यह छः काय. the six kinds of bodies, viz. those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८; अणुजा० २०१; (४) प्राय देशमां रहनेवाला भन्तुय. काय देश में रहने वाले मनुष्य. people residing in the Kāya region. पञ० १; (५) अे नामनी वनस्पति. इस नामका एक वनस्पति. a vegetation of that name. पञ० १; (६) प्रकारः भेद. भेदः प्रकार. mode; variety. सूय० २, ३, १; (७) प्राय देशमां छंदनीय भण्डीना रगतो क्पाश थाय छे ते क्पासना

* जुओ ४४ नम्बर १५ नी पुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सुतरन्तु 'पनेयं' पत्र. किसी देश में इन्द्रनील
मार्गके रंगका कपास होता है उस कपास के
सुतसे बना हुआ वस्त्र. cloth made of
the yarn of a variety of cotton
produced in certain countries.
Its colour is of the colour of
Indra's gem (८) ३६ भा अष्टमं
नाम. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the
thirty-sixth planet. सु० प० २०;
(८) पञ्चम्या सूत्रता त्रीन पदता येथा द्वात्रिं
नाम. पञ्चम्यांक ३ रे पदके चौथे द्वारका नाम.
name of the 4th chapter of the
third section of Pannavapi
पञ्च० ३: (१०) अमृत्. समूह. collection.
अमृत्को ६०: —अगुत्ति. स्त्री० (-अगुत्ति
प पभां प्रवर्तन्ती श्रयति न रे इती ते. पाप
में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना. not
checking the body from doing
sinful deeds. डा० ३, १; भग० २०, २:
—अगुजुयया स्त्री० (-अनुजुयया)
श्रयति वेपारती इति सरस्वतानो अभवत्.
काया शरीर-के व्यापार की वकता. ab-
sence of straight forwardness
in the actions of the body. डा०
४, १; भग० ८, ६: —उड्ढावण. न०
(-उड्ढापन) शरीरमें आकर्षण करने के
शरीर का आकर्षण करना. act of attract-
ing a body towards oneself
नामा० १४: —करण. पुं० (-करण)
शरीरमें साधन. शरीर का साधन. instru-
mental to the body. डा० ३, १;
भग० ६, १: —किलेश. पुं० (-क्लेश =
कायस्य शरीरस्यक्लेशः क्लेशः पीडा काय-
क्लेशः) शरीरमें क्लेश आपवे ते: आसन
पापया, आतापना लेती. धर्मको परिश्रम
उत्पन्नवे ते शरीरको क्लेश पहुँचाना; आगन

लगाना, घाम (धूप) सहन करना. act
of subjecting the body to
austere penances e. g. practis-
ing unnatural postures, expos-
ing it to sun etc. भग० २५, ७:
आव० १६; डा० ६, १; उत्त० ३०, ८; सम०
६: प्रव० २५१: —गिरा. स्त्री० (-गिरा)
श्रयति शब्दी. शरीर और वाणी. body
and speech. दस० ६, १, १२: —गुत्ति.
त्रि० (-गुत्त=कायगुत्त्या गुत्तः कायगुत्तः)
श्रयति पापथी आपवर्तना, काय गुत्ति:
शरीरको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला. (one)
checking the body from doing
sinful deeds. " कायगुत्तो जिह्दिशो "
उत्त० १२, ३: भग० २, १: —गुत्तया.
स्त्री० (-गुत्तया) श्रयति पापथी आपवर्ती
ते काया को पापमें बचाना. checking
the body from doing sinful
deeds. उत्त० २६, २: —गुत्ति. स्त्री०
(-गुत्ति) श्रयति गुप्ति. अवध प्रवर्तन्ती
श्रयति आपवर्ती ते: पापभां श्रयन्ती प्रवृत्ति
न करती ते. काय गुत्ति: पाप प्रवृत्ति में शरीर
को बचाना. शरीरको पाप प्रवृत्त न करना.
controlling the body and pre-
venting it from doing sinful
deeds. आव० ४, ७: भग० २०,
२; डा० ३, १; सम० ३: —चिह्वा.
स्त्री० (-चेष्टा) श्रयती चेष्टा: चलन
चलन यंत्रे शरीर की चेष्टा; चलन चलन
आदि. movements or motions
of the body. उत्त० ३०, १२: —छुक्क.
न० (-पट्टक) पृथ्वी आदि ७ श्रय: पृथ्वी
श्रय. अपश्रय. तेजश्रय, वायुश्रय, वनस्पति
श्रय अने वसश्रय ये ७ श्रय. पृथ्वी, अप,
अग्नि, वायु, वनस्पति और वस ये ६ काय.
the six kinds of bodies, viz.

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects. सम० १८; दस० ६, ८; — **जोग. पुं०** (-योग) शरीरता व्यापार, शरीरव्येष्टा. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. डा० ३, १; भग० १, ६; १२, ५; १७, १; २५, १; भक्त० ८६; — **जोगत्ता. स्त्री०** (-योगता) काययोगप्रपञ्च. काय योगता. that condition in which there is activity of the body. भग० २५, २; — **जोगि. त्रि०** (-योगिन्) काययोगी छवः; कायानी प्रवृत्तिमा व्यवधेय. काय योगी जीवः शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. डा० ४, ४; भग० १, ४; ६; ३; ८; ८; २१; ११, १; २४, १; २५, ६; २६, १; — **टिड्. पुं०** (-स्थिति) पृथ्वी वगैरे कायमां आसिद्धिना जि रह्युते. पृथ्वी आदि कायों में आवाच्छिद्य अस्खलित रूपमें रहना. remaining uninteruptedly in earth-bodies etc. (२) प्रजापता सूचना अक्षरमा पदनुं नाम के वंशों नरकादि छेवानुं कायस्थितिनुं वर्णन आवेत् छे. प्रजापता सूत्र के अठारहवें पद का नाम जिसमें कि नरक आदि जीवों का कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पञ्च० १; प्रव० ४३; १०४४; — **निगिच्छा. स्त्री०** (-चिकित्सा) शरीर-ना रोग मटाव्यानुं चिकित्सा दर्शावनार शास्त्र; आयुर्वेदतो अेक भाग. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a division of medical science

treating of the cure of the diseases of the body. डा० ८, १; — **तिज्ज. त्रि०** (-तीत्य्य—तरणीय) कायाथी तरया योग्य. शरीर से तिरने योग्य. such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; — **दंड. पुं०** (-दंगड = काय एव दंगडः काय-दण्डः) काया दंडः; कायानी दृष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने कर्म अंधनथी दंडयो ते. काया दंडः शरीर में दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबंधन में दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. आव० ४, ७; सम० ३; डा० ३, १; — **दुक्कड. न०** (दुष्कृत) शरीरस्थी करेखुं पाप. शरीर में किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. आव० ३, १; — **दुष्पणिहाण. न०** (दुः प्रणिधान) कायानी दुष्टता; कायानी अशुचि योग काया का शरीर का दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७; डा० ३, १; — **पञ्चोग. पुं०** (प्रयोग) कायाना-प्रवृत्ति. शरीर का प्रयोग. activity of the body. डा० ३, १; भग० ६, ३८, १; — **पञ्चोगपरिणय. न०** (प्रयोग परिणत) कायाना व्यापार रूपे परिणाम पायेत् पुद्गल. काया के व्यापार रूप में परिणामित पुद्गल. Material molecules shaping themselves or turning themselves into the activity of the body. भग० ८, १; — **पडिमेलिगिया. स्त्री०** (-प्रतिमेलि नता) कायाने वश करी ते. शरीर को वशामृत करना Keeping the body under control. भग० २५, ७; — **पणिहाण. न०** (प्रणिधान) कायानुं अेकाग्रप्रपञ्च. शरीर का एकाग्रता. concentration of the body डा० ३, १;

४, १; भग० १८; ७; —परियारग. पु० (—परिचारक) शरीरस्थी स्त्रीसंयोग करनेवाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. “दासु कल्पसुदेवा कायपरियारगापण्णता” डा० २, ४; —परियारणा. स्त्री० (परिचारणा) शरीरस्थी परियारणा = मथुन सेवयुं ते. शरीर में मथुन सेवन करना. enjoying sexual intercourse by means of the body. डा० ५, १; —पाचार. न० (—प्राचार) आयदेशमां यत्नेन वस्त्र काय नामक देश में बने हुए वस्त्र. cloth made in the country named Kāya. निमा० ७, ११; —पीडा. स्त्री० (पीडा) शरीर वेदना; शारीरिक दुःख. शारीरिक कष्ट: bodily pain: physical pain. पंचा० १८, ३६; —पुण्य. न० (पुण्य) आयत्ते सेव्य करनेवाली श्रुतं पुण्य. शरीर में सेवा करने पर जो पुण्य हो वह. religious meritorising from rendering services with the body. डा० ६, १; —बालिअ. त्रि० (बालिक) मज्जुसुल्ल शरीर पाया; आयत्ता अवयवाया. मज्जुसुल्ल शरीर वाला a man possessed of great physical strength. आ० १३; —भवस्थ. पु० (—भवस्थ=काये जनन्युदरमध्यवस्थितनिर्जदह एव यो भवो जन्म स काय-भवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) माताया गर्भमां रह्युं ते माता के गर्भ में रहना. remaining in the form of the fetus. भग० २, ५; —वायाम. पु० (व्यायाम = कायः शरीरं, तस्य व्यायामां व्यायारः कायव्यायामः) आयत्ते, आयत्ता व्यायार प्रवृत्ति—उद्विग्नशक्ति शरीर युक्त आ-

त्मान्नी दीर्घ परिश्रुति विशेष. शरीर का प्रवृत्ति; औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा का वायं परागति विशेष the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. डा० १, १; —वह. पु० (—वय) पृथ्वी वगैरे अवनिजायनी दिक्षा. पृथ्वी वगैरे जावकायों का हिमा. killing sentient beings such as earth-bodies etc. पंचा० ४, ४१; —विणय. पु० (—विनय) आयत्ते वश करीते. शरीर का वश करना. bringing the body under control. भग० २६, ७; डा० ७; —विमय. न० (—विषय) आयत्ते विषय. शरीर का विषय. an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया० १७; —संस्पर्श. न० (संस्पर्श) आयत्ते स्पर्श करने के ते शरीर का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; आ० ३, १; —संवह. पु० (—संवेद्य) शरीरस्थिति. शरीर का स्थिति. state or existence of the body. भग० २४, १; २०; —समाधारणया. स्त्री० (—समाधारणा) संयममंजु आयत्तुं प्रवृत्ति करने के ते संयमने हो शरीर का प्रवृत्ति करना. engaging the body exclusively in ascetic practices. उत्त० २६, २; —समाधारण-त्ता. स्त्री० (—समाधारणा) आयत्ते वश करीते. शरीर को वशकरना. act of controlling the body. भग० १७, ३; —समिद्ध. स्त्री० (—समिति) आयत्ते जगताये प्रवृत्तिरिति ते. आयत्तमिति. यत्नान्तर पूर्वक शरीर को प्रवृत्ति करना; काय समिति. controlling carefully the activities of the body. डा० ८, १;

—समिय. त्रि० (-समित) यत्नापूर्वक
 आयाने प्रवर्तितानर. यत्नाचार पूर्वक काय योग.
 (one) who carefully controls
 the activities of the body. भग०
 २, १: —सुगुणिहाण न० (-सुगुणिधा
 न) आयानुं सुगुणिधानः आयाने शुभ कृत्यमां
 अंशप्रताथी रोद्धुं ते. शरीर का सुगुणानताः
 शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त
 करना. engaging the body in sa-
 lutory activities with a concen-
 trated mind. भग० १८, ७; टा० ३, १:
 कायंदग. त्रि० (काकन्दक) शङ्खदी नगरीमां
 यत्नानर. काकंदो नामक नगरी में रहने वाला.
 (One) who resides in the
 town called Kākandī. भग० १०, ४;
 कायंदी. स्त्री० (काकंदी) प्राचीन समयकी
 शङ्खदी नामकी नगरी. प्राचीन समय का
 काकंदी नामक नगरी. Name of an
 ancient town. गंध्या० ४५; भग० १०; ४;
 कायंद. न० (कदम्ब) इक्ष्वाकु वृक्ष. कदम्ब
 का ग्राह. The Kadamba tree.
 टा० ८, १;
 कायंदग. पुं० (कादंबक) इक्ष्वाकु. कलहंग.
 A species of swans. कप० ३, ४२;
 कायमंत. त्रि० (कायवन्) उंचा शरीरवाला.
 ऊंचे शरीरवाला. Tall in body. मृग०
 २, १, १३;
 कायमणि. पुं० (काचमणि) काचमणि: काच-
 नी इक्ष्वा. काचमणि: काच का टुकड़ा. A
 piece of glass. भक्त० १३८;
 कायमाई. स्त्री० (काकमाची) मीठुं फल आ-
 प्तारी अंश वनस्पति. मीठा फल देनेवाली
 वनस्पति. Vegetation yielding
 sweet fruit. पञ्च० १;
 कायय. त्रि० (कायक) आय देशनुं अनेधुं.
 काय नामक देश का बना हुआ. Made

or produced in the country
 called Kāya. निर्मा० ७, ११;
 कायर. त्रि० (कान्तर) क्षयर: निर्माद्य: नादि-
 भूत. कायर; डरपोक; कम हिम्मत. Cow-
 ardly; timid. मु० च० १२, ११; पण०
 १, ३; जीवा० ३, ४; उत्त० २०, ३८; आया०
 १, ६, ४, २५३; नाया० १; ८; भग० ६,
 ३३; (२) ओ नामने अंश देश. इस नामका
 एक देश. name of a country.
 निर्मा० ७, ११;—पावार. न० (-प्रावार)
 आय देशमां अनेधुं आदयानुं वस्त्र काय देश
 में बना हुआ ओढ़ने का वस्त्र. a kind of
 cloth used for wrapping round
 the body made in the country
 called Kāya. निर्मा० ७, ११;
 कायगिय. पुं० (कान्तिक) गोशासना मुख्य
 श्रवणनुं नाम. गोशाला के मुख्य अनुयायी का
 नाम Name of the principal by-
 man follower of Gosāla. भग० ८, ५;
 कायगिय. पुं० (कान्त्य) देवता विशेष.
 कान्त्य नामक देव. Name of a deity
 भग० ३, ७;
 कायगिया स्त्री० (कान्तिका) माया: क्षय:
 छत: कपट: मायाचार. Deceit; fraud.
 मृग० १, २, १, १२;
 कायवज्र पुं० (काकवर्ज्य) ओ नामने अंश ग्रह
 विशेष. A planet so named. टा० २, ३;
 कायव्य. त्रि० (कर्तव्य) क्षयः योग्य. करने
 योग्य. Worthy of being done.
 पिं० नि० ३; राय० ८४; मु० च० १, ७६;
 दग० ६, ६; ८, १; उत्त० २६, ९; पण० १५,
 ४; विश० ५०८, नाया० १४; १६; भग० १,
 ५; ३, २५ ८, ६; २०, ५; २२, २; २४, १;
 ३१, ५; ४१, २१. प्रव० ५०८; पंचा० ३, ४६;
 ६, ७; १५, ४१;
 कायाइक. त्रि० (कादाचिक) कायिअतनुं.

किसी समय का. Of some time or
other. विशेष ७११;

कायोपगमः त्रि० (कायोपगमः) अथ कायाभांथी
 ॥१॥ कायाभां गतारः एक शरीर से दूसरे
 शरीर में जाने वाला. (One) passing
 from one body into another.
 सूत्र० २, ६; १०;

कार. पुं० (कार) कारागृहः कैदस्थानं. जेलः
 कारागृह. A prison. पृष्ठ० १, २: ठा०
 १०: उवा० १, ८१: —वाहिय. त्रि०
 (-बाधित) काराग्रहमां पीडित पीडा भविष्यः
 कैदी. जेलमे कष्ट पाया हुआ: कैदी. a prison-
 er; one troubled by imprison-
 ment. श्रव० ३२: भग० ६, ३३: नाया० १:

कारंड. पुं० (कारण्ड) ११३ पक्षी. बड़क
पक्षी. A duck. आव० जं० प० पगह० १, १:

कारंडग. पु० (कारगडक) मू० ' कारंड ' शब्द. दे० ' कारंड ' शब्द. Vide " कारंड " नाया० १;

कारक, त्रि० (कारक) इति०, करने वाला।
 (One) who does; a doer. विश०
 १००३; औप० नि० १८; आव० ४१; नाया०
 १; अगुजो० १२८; प्रव० १२६; (२) न०
 शरद समक्षितः समक्षितना दश प्रकारमिति
 अ०, कारक समाक्षितः समाक्षित के दश प्रकार
 में से एक one of the ten varieties
 of right belief called Kāraka
 Samakṣit. प्रव० ३५; —आइ, त्रि०
 (—आदि) शरद आदि समक्षित, कारक
 आदि समाक्षित, right belief such as
 Kāraka etc. प्रव० ३५;

कारण. न० (कारण) धारण; निमित्त; प्रयोजन; हेतु. कारण; निमित्त; हेतु. (Cause; motive; reason. प्र० ६५; पंथा० १; १८; ५, ७; गच्छा० ८३; जं० प० विशेष० २०६८; पञ्च० ८; राय० ४२; २१०; दस०

६, २, १३; वच० १, १३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५; ८; १२; भग० १, ३; ५, ४; ८, ७; १५, १; १८, २; सम० ६; (२)
आधार लेवाना यत्नापेक्षा करणु सिवाय
आधार लेवाथष्टा यतिनं लागतो अंक दोष.
आहार लेने के बतलायें हुए कारणों के शिवाय
आहार लेने से यति को लभने वाला एक दोष.
a fault incurred by an ascetic
by taking food without a justifying reason. वि० नि० १; —जाअ.
त्रि० (-जात) करणुथी उपपन्न थयेन.
कारण द्वारा उत्पन्न. caused; born of a
cause. प्रव० ६६१; १०३०; —वात्तय.
न० (-वृत्तक) करणुनुं वर्तुं; निमित्तनी
उपस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. existence,
presence of a cause or
reason. वच० १, २३;

कारणञ्च० अ० (कारणतस्) शब्दार्थः। कारण
मे. Through or owing to a
cause or reason. विशेषः ३;

कारणद्व. न० (कारणार्थ) द्वारलुने भाटे. का-
रण के लिये. For some reason or
cause. नाया० १:

कारण्या. ब्रॉ० (कारणता) क्षरण्यपत्. कारण-
पत्. State of being a cause or
reason. विश० ५६०;

कारणम्. त्रि० (कारणिक) शब्दपञ्च शब्दार्थी
निष्पन्न यथेष्ट. किंसा भी कारण से निष्पन्न.
Born of some cause or other.
आद्य० नि० ७६:

कारभारिअ. पुं० (कार्यभारिक) कारभारी;
द्विवा. कारभारा; दिवाण. An adminis-
trator; a minister; a Dewān.
जं० प०

कारय-अ. न० (कारक) शरद नामनुं सम-
 दितः सद्यन्तान प्रत्ये श्रद्धापूर्वक सारा

अनुष्ठान (कार्य) पोते करे छे अने भीजने भज् करे छे ते. कारक नाम का सम्यक्त्व; मद्ब्रह्मनुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने वाला. Right belief named Kā-raka, by which one performs good deeds with faith and causes others also to do the same. विशेष० २६७५; भग० ११, ११; उत्त० १, २; ६, ३०; नाया० ७;

कारवण. न० (कारणा) करायवुं ते. कराना. Causing (another) to do. पंचा० १, २२;

कारवाहिआ. स्त्री० (कार्यवाहिका) कार्यवाहन करती. कार्यवाहन करने वाली. One (woman) who discharges a work. जं० प० ३, ६७;

कारावण. न० (कारणा) करायवुं; करवाने प्रेरवुं. कराना; कराने के लिये प्रेरित करना. Causing or exhorting (another) to do. सूत्र० २, २, ६२; पगढ़० १, ३; पि० नि० ४१०; पंचा० ६, ४६; प्रब० ५७७;

काराविय. त्रि० (कारित) करारित. कराया हुआ. Caused to be done. विशेष० १०१६;

कारि. स्त्री० (कारिन्) करती. करने वाली. One who does; a doer. विशेष० ७४;

कारिश्च-य. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन. कार्य; प्रयोजन; काम. An action; a reason; a purpose. सूत्र० १, २, ३, १०; दस० ६, ६५;

कारित्तण. न० (कारित्व) करायवुं. कर्तृत्व शक्ति. State of being a doer. नाया० ७;

कारिय. त्रि० (कारित) करारित. कराया हुआ. Caused to be done. आउ० ११;

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) करती. करने वाला. (One) who does, a doer. नाया० १; उवा० ३, १३४;

कारियल्लइ. स्त्री० (कारवल्ली) करेवाली पेश. करने की वेल. A creeping plant in which the vegetable known as Karela grows. पञ्च० १;

कारिल्लअ. न० (कारिल्लक) करेला. करेला. A kind of vegetable. स० प० ११;

कारीसंग. न० (कारीपाङ्ग) गेताली अग्नि प्रव्यवहित कराय ते अग्नि प्रदवाना धर्मो. अग्नि प्रज्वालन करने का धम्मन या फूंकना. Bellows. उत्त० १२, ४३;

कारुइज्ज. पुं० (कारुक) करीगर. करीगर. A craftsman; an artist. पञ्च० १, २;

कारुणिय. त्रि० (कारुणिक) दयालु; करुणावान्. दया करने वाला. Kind; compassionate. सु० च० २, ५५२;

कारुण्य. न० (कारुण्य) करुणा; दया. दया. करुणा. Kindness; compassion. भक्त० १६; उत्त० ३२, १०३; नाया० १; चउ० ३६;

कारुअ. न० (कारुण्य) करुणा; दया. करुणा; दया. Kindness; compassion. भक्त० १६;

कारेल्लय. न० (कारेल्लक) करेला. करेला. A kind of vegetable. अगुत्त० ३, १; अंत० ६, १;

काल. पुं० (काल-कल् मंग्याने कलने कालः कल्पते वा परिच्छिद्यते वस्त्वनेनेति कालः कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः) समय; अन्तः अवसर. समय; वस्तु. Time. ओव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७, १२; १३; विशेष० १३४; १५३६; दसा० ६, १; सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७, ८, ८, ३५; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २; ७७; पि० नि० ५; १२५;
 अगुत्रो० २१; १३२; आया० १२, १, ६२;
 नाया० १; ८; ६; १४; १३; १८; भग० १,
 १; ५, ४; ८; ८; ११, ११; १२, ६; १५,
 १; प्रव० १२३२; १२८८; पि० नि० भ०
 २०; कप० १, १; भक्त० ५८; जे० प० १,
 १; (२) स्थिति. स्थिति. condition,
 state. विशेष ४०६; जे० प० ५, ११३; ७,
 ५५५; (३) प्रातःकाल. प्रातःकाल; सुबह.
 morning time. नाया० १; (४) पदमां
 अर्धं नाम. ५६वे ग्रह का नाम name of
 the 56th planet. मू० प० २० टा०
 २, ३; (५) अपानक्षः क्षात्रपक्षः प. भया-
 नकः काल के समानः प्राण लेने वाला
 terrible like the god of death.
 उत० १०, ६; (६) विप्रश्च तथा प्रमं-
 जन्तु नाम. विप्रश्च नाम. इन्द्रप्रातर्जु नाम.
 इन्द्र तथा प्रमंजन् इन्द्र के लोकपाल का नाम name
 of the two Lokupalas (guards
 of the people) of Indra
 named Vilamba and Prabha-
 janta. टा० ४, ४; (७) वायुकुमार जति-
 ना देवताः ईश्वर नाम. वायुकुमार जाति के
 देवताओं के इन्द्र का नाम name of the
 Indra of the Vāyukumara spe-
 cies of gods. भा० ३. ८; (=) देवता-
 र्थि इन्द्राभां रथि अर्धे पिते रथे इन्द्रातेः
 इन्द्र भां परमाधामी ॥ ऐकं जलं जां
 नागका को कटाइ में रथि और खुद
 कौले रगं का हा वहः काल नामक
 परमाधामा का एक जाति. a kind
 of hell gods (Paramādhāmī,)
 black in colour, who cooks hell-
 beings in an iron cauldron. सम०
 १५; (६) इन्द्र नामे आर्द्रमा देवयोक्तुं ऐकं
 विमानः ऐतीस्थिति अदार सागशेषमती के

अं देवता नय महिने आसोच्छवास ले छ
अने अठार हजार वर्षे दुधा लागे छे आठवें
देव लोक का विमान जहां के निवास देवों की
आयु अठारह सागरपम का होती है. वह
नौवें महिने में आसोच्छवास लेने है तथा
उन्हे अठारह हजार वर्षों बाद भुख लगती है.
a heavenly abode of the 8th
Devaloka, the gods in which
live for 18 Sāgaropamas,
breathe once in 9 months and
eat once in 18000 years.
मम० १८; (१०) पूर्व दिशामें डाव
नामोता अतमो नरकतो नरकप्र.सो.
मानवें नरक में पूर्व दिशामें स्थित कान
नामक नरका वाय. an abode of the
seventh hell in the east. मम०
प० २०६; डा० १, ३; मम० ३३; पञ० २;
जांका० ३; १; (११) द्रुती ते नवी अने नवीने
द्रुती अनायतार, पयांअने पयरायतार
अइ द्रव्य; ७ द्रव्यभानुं अइ द्रव्य. पुराणां को
नदें और नदें को पुराणां बनाने वाला-पयोय
परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. a sub-
stance that transforms the old
into the new and the new
into the old. उक्त० २८, ७;
(१२) यक्षपतिना नर निधनमनुं अइ
देवतां सर्वां शारीयरी शिखरभोगा समावेश
थाय छे. चक्रवर्ती का नौ निधियों में का १
निधि जिसमें कि संपूर्ण शिखर कर्मका समावेश
होता है one of the nine treasures
of a Chakravartī including a
knowledge of all fine and
mechanical arts. डा० १, १; जं० प०
(१३) त्रि० शष्पा रंगतुं. काले रंगका.
black. मम० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६;
जीवा० ३, १; विशेष० २०६७; पञ० १; योव०

२२; ३०; नाया० २; (१४) पुं० कृष्णपक्ष.
कृष्णपक्ष. the dark half of a
month. जीवा० ३, ४; (१५) पिशाच
जन्तुओं के अन्तर देवताओं के अन्तः. पिशाच जाति के
व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the
Vyantara deities of the kind
known as Pisācha. भग० ३, ८; १०,
५; पञ्च० २; भा० २, ३; जीवा ३, ४;
(१६) मरणाः मृत्यु, मरण; मृत्यु. death.
नाया० १; ८; पञ्च० १६; विश० २०६६;
दमा० ६, १; भग० १, १; ३, ४; पि० नि०
५२; आया० १, २, ३, ८०; १, ८, २, १३१;
उत्त० ८, ६; (१७) निर्यावलिक्ता पदेष्टा
अध्ययन का नाम. निर्यावलिक्ता के पहले
अध्याय का नाम name of the first
chapter of Niryaṅvalikā. निर० १, १;
भग० ७, ६; —अइकत. पुं० (—अतिक्रान्त)
बुझने समर्थ नही पण तेने उल्लंघनी भगेलो
भासक. लुधा के समय पर न मिलकर उम
समय के बाद मिला हुआ भोजन. food
obtained not at the time of
hunger but after it. नाया० ५ १६;
भग० ७, ६; ६, ३३; (२) क्षात्रनी के
मर्यादा अधिक लेय तेने उल्लंघनी भये.
कालका जो मर्यादा बांधा हो उम का उल्लंघन
किया हुआ. transgressing the
limit of time fixed. प्रव० ७८४;
८२०; —चारि. त्रि० (—चारिन्) समय-
अनुसारादि क्षात्रनु उल्लंघन करी आसना
समय- अनुसारादि काल का उल्लंघन कर के
चलने वाला. (one) who trans-
gresses the rules laid down to
be observed in the rainy season
etc. प्रव० ७८६; —अइकम. पुं०
(—अतिक्रम) क्षात्रने उल्लंघन; समयने
त्यागना. काल का उल्लंघन; समय का त्यागना.

transgression of time fixed.
पंचा० १, ३२; —अइयर. पुं० (—अतिचर)
अत्र-आयुष्यना प्रमाणनु अतिचार उल्लंघन
करनु ते; आयुष्य तोरी नाभयुं ते. आयुष्य
के प्रमाण का उल्लंघन करना; आयुष्य का
तोड़ना. cutting short one's alio-
tted period of life. सूय० १, १३, २०;
—अंतर. पुं० (—अन्तर) क्षात्रान्तर;
अन्यदा कालान्तर; दूसरा बार. another
time. नाया० २; पंचा० १२, ३१;
—अगुरु. पुं० (अगुरु) क्षात्र अगुरु;
अग्नि धूपनु द्रव्य; कृष्णागुरु. काला अगुरु;
संयुक्त द्रव्य. a kind of black sub-
stance used as an incense. ओव०
सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०;
नाया० १; १६; भग० ६, ३३; ११, ११;
दमा० १०, १; जं० प० ५, ११३; कप०
३, ३२; —अइरत. न० (—अद्वारात्र)
अन्तरीया पक्षनी अमासनी अर्धरात्रि.
अंधा पक्ष की अमावस्या का आधी रात.
midnight of the 15th day of
the dark half of a month. भग०
३, २; —अगुहाइ. त्रि० (—अनुष्ठायिन्)
व्यक्तसद अनुष्ठान करना; नक्षत्रो व्यक्त
नही आसना. समय पर काम करने वाला;
निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one)
who is punctual in the perfor-
mance of his duties. आया० १, २,
५, ८८; —अगुपुर्वी. स्त्री० (—अनुपूर्वी)
क्षात्र विपक्ष अनुपूर्वी, अनुक्रम. काल
सम्बन्धी अनुपूर्वी. proper order of
time. अगुजा० ७१; —अभिगह. पुं०
(—अभिग्रह) पदेले पदेले के छेले पदेले
अमुक वपते भगे तोड़ लेनु ऐस क्षात्र
संयुक्त नियम धारवा ते. पहले पहरमें या
अन्तिम पहरमें अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बन्ध नियमका बांधना.
vowing to take a thing either
in the first or the last of the
8 divisions of time of a day.

आव० — अवभास. पुं० (-अवभास)
शष्पी रंग; शष्पी प्रभा. काला काँट
black tint. नाया० २: — अवहति.

पुं० (अवधि) समय की मर्यादा; पञ्चनली
दद. समय की मर्यादा. time-limit. पंचा०

१, १८: -- आदेश. पुं० (-आदेश)
आवृत्ति अर्थात्. काल की अपेक्षा. relativity of time. भग० ५. ८: ६. ८:

११. १; १८. ८; २८. १: — आयस. न०
(-आयस) शब्दों दोहोरे दोहराव; गठबेध.

फोलाव; गठबेध. steel: black iron.
सय० १२६: आव० ३१: जं० प० — एयणा.

स्त्री० (एजना) शब्दों अत्यन्त अपेक्षा-
शयन. काल की अपेक्षा से कंपना. trem-

bling with fear. having
regard to time. भग० १३. २:

-- ओगाहणा. स्त्री० (-अवगाहना)
शब्दों अवगाहन—तेज विस्तार—अद्विती।

प्रमाण. काल की अपेक्षा से अटूट होय
प्रमाण अवगाहना. localisation of

time to the extent of two con-
tinents and a half. आ० ४. १:

— ओभास. पुं० (-अवभास) शष्पी प्रभा.
काला प्रभा. black tint. भग० ६. ५: ७.

१०: -- कंखि. त्रि० (काल्खि) शब्द—पं-
दिनभरणते आदत्ता. पंडित मरण की इच्छा

करने वाला. (one) who desires
(natural and peaceful) death.

आया० १. ३. ३. १११: — गअ य. त्रि०
(गत) मरण पश्चात्. मृत; मृत्यु प्राप्त.

dead. नाया० १: ६: १३: १८: भग० ३. ४:
३. १: ५. ६: ६. ३३: १४. १: भग० १०. ०:

प्रव० १४३२: कप० ६. १८५: आच० नि०
१११: विवा० १: -- चारि. त्रि० (-चारिन्)

पितामा इत्येव समये आये ते. अपने ठहराये
हुए समयानुसार चले बह. (one) who

punctually follows his own pro-
gramme. आच० नि० १०३: — टिइ.

स्त्री० (-स्थिति) शब्दपरिचित स्थिति;
आयुष्य. काल स्थिति; आयुष्य. fixed or

determined period of life-time;
life. भग० २८. १: -- टिति. स्त्री०

(-स्थिति) शब्दस्थिति; आयुष्य काल
स्थिति. fixed or determined

period of life-time. भग० १४. १:
— गाण. न० (ज्ञान) शब्द सम्बन्धी

ज्ञान. काल सम्बन्धी ज्ञान; शुभाशुभ ज्ञान;
knowledge of (what is going

to happen in) time. “ काले काल
णाणं ” टा० १०: जं० प० — गाणि.

त्रि० (-ज्ञानिन्) शब्दनाली; अमुक मृत्यु-
शब्दों द्वारा भवतु यथे ते मृत्युकार. कालज्ञान;

मृत्युका समय जानने वाला. (one) who
knows what is going to happen

in time, i. e. the time of death
of a particular person. “ काले

कालणाणीं ताण्हवेज्जयं वेज्जो ” अशुजो०
१४६: — निग. न० (त्रि०) भूत,

भवी, अत एवर्तमान ये तीन शब्दों द्वारा. भूत,
भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. the

triad of times, viz. past, future
and present. प्रव० १३४०: — निय

न० (त्रिक) भूत, भविष्य, अत एवर्तमान
ये तीन शब्दों द्वारा. भूत, भविष्य, और वर्तमान

ये तीन काल. the triad of times,
viz. past, future and present.

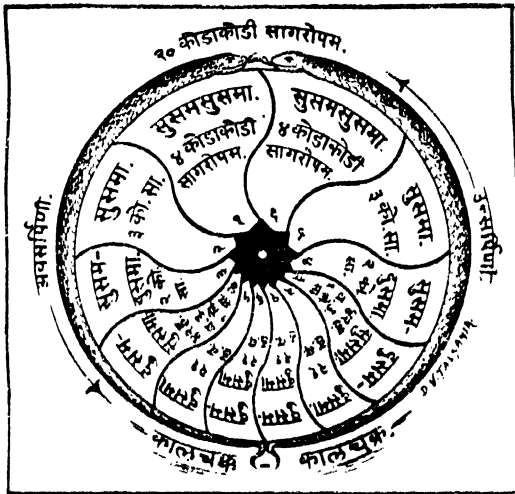
प्रव० ६०३: — तुल्लय त्रि० (-तुल्यक)
शब्दों अपेक्षाओं परापर; समान शब्दों

वाणि. काल की अपेक्षा से समान-तुल्य; समकालान. equal in point of time; same as regards time; contemporaneous. भग० १४, ७; — धम्म. पुं० (- धर्म कालो मरणं स एव धर्मो जीवपर्यायः कालधम्मः) शब्द धर्म; भरण. मरण; जीवको पर्याय का मरण रूप स्वभाव. death; passing from one state of existence into another in due course of time विवा० २; ४; नाया० १; ठा० ३, ३; ४, ३; — ज्ञाण. न० (- ज्ञान) शब्द अभ्यन्धि ज्ञान; ज्ञेयतिप आदिने आधारे भूत भाविनु ज्ञान थाय ते. काल सम्बन्धी ज्ञान; ज्ञोतिप आदिके आधार से भूत भावस्थ का ज्ञान का होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc. प्रव० १०३८; — पाडिलेहणया. स्त्री० (प्रतिलेखना) शब्द वप्यतनु निरिक्षणुः णे वप्यतनु णे धाम शास्त्रमां यतव्युं देय तेना प्रये ज्ञथुत रेदुं ते. समय का निराक्षण; ज्ञिम समय जो काम करने का शास्त्रने आज्ञा दी हो वही काम करने में जायत रहना. proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures. उत्त० २६, २; — परवट्ट पुं० (- परावर्त) शब्द आश्री परावर्तन - पुट्टल परावर्तन. काल आश्री परावर्तन - पुट्टल परावर्तन. modifications in matter in due course of time. प्रव० १०६१; — परमाणु. पुं० (- परमाणु) सूक्ष्ममां सूक्ष्म शणिः अभय. सूक्ष्मसं सूक्ष्म काल; समय. the smallest division of time, called a Samaya. भग० २०, ४; — परियाञ्च. (पर्याय) भोतने वप्यते क्खति स विप्यता

विधि, लक्ष्म परिजादि पठित भण्य. अपने समय पर करने का संक्षेपना विधि, भक्त परीक्षादि पाठित मरण the ceremony known as Samplekhana to be performed at the time of death. आया० १, ७, ४, २१४; — माण. पुं० (- मान) शब्दनु प्रमाण. समय का प्रमाण. measure of time; limit of time. पंचा० १, १६; — मास्य. पुं० (मास - कालो मरणं तस्य मास्यः प्रकमादवसर काल मास्य) भरणु जगय. मरण समय. time of death. भग० १, १३३ १३५६, १३५७; नाया० १; ४६; १४६; आया० ३६; दसा० ६, १; "काल मास्य कालं किञ्चा " भग० ७, ६; उवा० १, ६६; — मासिणी. स्त्री० (मासिनी) प्रत्यक्ष भयने प्राप्त अथवा स्त्री. प्रगव प्रसूति समय की प्राप्त स्त्री. a woman about to give birth to a child दम्ब० ४, १, ४०; — मृग. पुं० (मृग) शब्द मृगयत सम्यु वस्तु. काले हरिण के चर्म के का वस्त्र. a garment made of the skin of a black deer. जीवा० ३, ३; निर्गो० ७, ११. — मयिचम्म. न० (मृगचर्म) शब्द मृगयत यामर्तु. काले मृग का चर्मटा. skin of a black deer. नाया० १६; — लोय पुं (- लोक) शब्दलो अपक्षाय्य वेद काल की अपेक्षा से लोक. a world in its relation to time. भग० ११, १०; — वगण. पुं० (- वर्ण) शब्द रंज. काला रंग. black colour. भग० ६, १; ७७, ६; भग० २२; — वगणपज्जव. पुं (वर्णपर्यव) शब्द रंजनी पर्याय (दशा). काले रंग का पर्याय (अवस्था). a particular state or condition of black colour भग० २४, ३; — वगणपरिणय. त्रि० (वर्णपरिणत) शब्द वल्लुरु पे परिणाम पामेय. काल वर्ण - रूप

सचित्र अर्थ-मागधी कोष

कालचक्र. न० (कालचक्र) ७ आरा भवी उत्सर्पिणी अटये यडतो काल थाय छे।



तेमज ७ आरा परिमित अव-
सर्पिणी अटये उतरतो काल
थाय छे, उत्सर्पिणी अने अव-
सर्पिणी अने काल भक्षी अंक
कालचक्र थाय छे तेनुं परिमाण
२० कोडाकोडी सागरापमनुं छे
ते छ छ आरानुं स्वरूप अताये
छे, सुसमसुसमाधी दुसमदुसमा
सुधी १० कोडाकोडी सागरापम
परिमित अवसर्पिणी काल अने
दुसमदुसमाधी सुसमसुसमापर्यंत
जमणु आनुना छ विभाग
१० कोडाकोडी सागरापम परिमित
उत्सर्पिणी कादने अतावे छे,
छः आर (काल विभाग) मिला-
कर उत्सर्पिणी अर्थात् चहता काल

होता है, इसी प्रकार छः आर परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है, उत्सर्पिणी आर
अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण २० कोडाकोडी सागरापम
का होता है कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं,
सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरापम परिमित अवसर्पिणी काल आर दुसमदुसमा
से सुसमसुसमा तक दाहना आर के छः विभाग १० कोडाकोडी सागरापम परिमित उत्सर्पिणी काल
को बतलाते हैं, Utsarpiṇī time i. e. an aeon of increase is equal to 6
Arās (a measure of time); and Avasarpiṇī time i. e. an aeon of
decrease is also equal to 6 Arās. The Kālachakra measuring 20
Kodākodī (1 crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these
two measures of time taken together. In the middle of the
picture there are twelve divisions showing the extent of every 6
Arās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama
susamā on the right indicate Utsarpiṇī Kāla which measure 10
Kodākodī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusama
dusamā to the left indicate Avasarpiṇī Kāla which, is also equal to
10 Kodākodī Sāgaropamas of time. अ० ५०

में परिष्कृत, modified into or developed into black colour भगवद् ५:

वर्णपरिणाम, पुं० (वर्णपरिणामः)
 शरीरवर्णः पृथक्पृथक् परिवर्तितः काले वर्ण-
 रूपं मे परिवर्ण्यते इति modification or
 development into black colour
 मग० न. ३००—विभाग, पुं० (-विभागः)
 शरीरं नैव शरीरविभागः कालः का भेदः, काल-
 का विभागः, a division of time, “इत्थो
 कालं विभागन्तु, तस्मिं वाच्यं चतुर्विंशतिः”

तत्र ३६. १५: वासिन् पुं० (वासिन्)
 नभये पञ्चत्वारि, आसाय, मा पञ्चत्वारि (मेष)
 समस्य पर वरमनं वाता: rain falling in
 due season; seasonable rain.

विशेष) समय विशेष विभाग (अंश),
समय का विशेष विभाग, a particular
division of time, प्रत्येक १२ घंटा

—विहीण् त्रि. (-विहीन) शत्रु शत्रु
 शिष्यायन्, कान् इव्य गहन. *excluding,*
excepting the category named

time. प्रत्येक संज्ञा पुं०
(-संयोग) संयोग का काल का संयोग
junction of time प्रत्येक संज्ञा पुं०

[illegible]

दृ० ६. १. —सम. वि० (सम) उदय
 क्षण परापर. उदय काल के बराबर.
 simultaneously with the rise
 of क० प २. ६२: --समय. पुं०
 (समय) शत्रुशी श्रम कालरूपी समय.

एक point of time viewed as time.
विचार ३: मृ. ५ ८;

कालश्री. अ० (कालतः) शत्रुश्रीः शत्रुनी
अपेक्षाये; शत्रुश्री. काल की अपेक्षा से.

In point of time: as regards
time. योग १५: भग २, १; ५: १०:
४, ५; ८, ९: ८, ६: गण ६६: उत्त २६,
६: प्रव १३८: १२०५; उत्त ५०: १५४:

कालक. न० (कालक) शक्ति युद्ध. काला
युद्ध Matter or substance black
in colour भग० ३, ६:

कालकूट न० (कालकूट) विप: अंश. ३२. ३४. ३५.
विप: Poison. उत्त० २०. ४५.

कालरा वि० (कालक) शब्दाः कालं, कालं
 भवता, Black, उत्प० २२, ४; नाया०
 नः भवि० १५, १; २५, ४; उवा० २, १०७;
 (२) पुं० शत्रुशर्मा कालकाचार्य, A pre-
 ceptor named Kālbhāchārya.
 विशेष १५६४: — कलुवि, क्लृ० (कल्वि)
 कलुषादन्तः शमभिरां भेज, काला कालि;
 भस्म का रंगः black colour of the
 skin, उत्प० २२, ४.

कालगाढावइ पुं० (कालगृहपति) दश
तमवर्गगृहपति अर्थात् काल नामक गृहपति
मे० A merchant named Kālā.
सा० १०००

कालगणयुषा आ (कालज्ञता = कालं प्रस्ताव-
मुपलक्षणत्वाद् देशं च जानातीति कालज्ञ-
स्तद्भावः कालज्ञता) अपस्तम्बज्योतिषे तै. देश-
ज्ञानी अथवा ज्यो. समयको पहिचानना;
देश काल को जानने वाला। Due recog-
nition, sense of time, place etc.
शेव

कालत्त. न० (कालम्ब) क्षणपण्डु. कालापन.
Blackness. मग० ६७ २;

कालज्ञ. त्रि० (कालज्ञ) इति० परायाणुः

वञ्चते। गलुनार; उचित अनुचित समयने गलुनार. कर्तव्य परायण; समय को जानने वाला; उचित अनुचित समय को जानने वाला. (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties. आश० १, २, ५, ८८; १, ७, ३, २०६;

कालपाल. पुं० (कालपाल) श्री नाम्ना धरणिन्द्र अने भुतानन्दा दोहपाल. धरणिन्द्र और भुतानन्द के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharapendra and Bhutananda. आ० ४, १;

कालपिमायकुमारिन्द्र. पुं० (कालपिशाच-कुमारिन्द्र) शत्रु नामे पिशाचिको छद्म. पिशाचोंका काल नामक छन्द. Indra of the Pisachas named Kāla, नाया० घ०

कालमुह. पुं० (कालमुख) उत्तर भरतमणि अद्देश. उत्तर भरतका एक देश. Name of a country in Uttara Bharat. जं० प०

कालय. पुं० (कालक) शष्पा वर्ण. काला वर्ण. Black colour, नाया० ६; भग० ५, ३; १२, ६; १८, ६; २० ४;

कालवडिंसयभवण. न० (कालावतंसकभवन) शशीदेवीजु शशावतंसकभवन भवन. काली देवी का कालावतंसक नामक भवन. The abode of Kālādevī named Kālāvatāmsaka. नाया० घ० --वामि. पुं० स्त्री० (--वामिन्) शशावतंसकभवनमें बसनेवाला. कालवतंसक भवनमें रहने वाला. (a person) residing in Kālāvatāmsaka abode. नाया० घ०

कालवाल. पुं० (कालपाल) धरणिन्द्रना दोहपाल नम. धरणिन्द्र के लोकपाल का नाम. Name of a guardian of people

of Dharapendra. भग० ३, ८; १०, ५; **कालसिरी.** स्त्री० (कालश्री) शत्रुशृङ्गपतिनी शत्रुश्री नामकी धर्मपत्नी. काल गृह पति का कालश्री नामक स्त्री. Name of the wife of Kālā a householder. नाया० घ०

कालसीहासण. न० (कालसीहासन) शत्रु नामपायों सिद्धासन. काल नामक सिद्धासन. A throne named Kālā. नाया० घ०

काला. स्त्री० (काला) शत्रुदेवी शत्रु नामकी शत्रुदेवी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kāleन्द्र. भग० १०, ५;

कालालांग. न० (काललवण) शत्रु पर्वतमें उत्पन्न शत्रु शत्रु शीर्ष. काला पर्वत में उत्पन्न होनेवाला काला नामक. Black salt produced in a mountain. दृग० ३, ८;

कालामवेसियपुन. पुं० (कालाश वैश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शश्वतना अद् साधु. पार्श्वनाथना संतनियों के प्रणेता शिवर साधु. अने प्रश्नो पदका पुन. श्री पार्श्वनाथ भगवान के शासन के साधुका नाम राजमें शिवर साधुओंका प्रश्न पंडित थे. Name of an ascetic belonging to the cult of Pārśvanātha who had asked some questions to Śhāvirā monks भग० १, ६;

कालिअ-य. वि० (कालिक) शत अने द्वि-सुता पढ़े तथा छंदे पढ़े। बाजय पाजु भीति वीर पढ़े। न बाजय तेजु भुन; आचार्य आदि शक्ति सूत्र. वह सूत्र जो रात्रि और दिन के पाढ़ने तथा अंतम प्रहर में पढ़ा जाय; आचार्य आदि कालिक सूत्र. Kālīkā Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read at the first and last of the

four divisions of day or of night. विशेष ६२०; ठा० २, १; अणुजो० ४; १४६; नदी० ६३; (२) आधातरे भय वातु; अनिश्चित. कालान्तर में मिलने वाला; अनिश्चित. uncertain in point of time. उक्त० ५, ६; (३) ओ नामने ओड द्वीप-भेट. इस नामका एक द्वीप बेट. name of an island. नाया० १७; --अणुआंग. पुं० (-अनुभोग) शक्ति श्रुतुं व्याख्यात. कालिक ध्रुव का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kalika scripture पंच० ११, ३४; --दीव पुं० (-द्वीप) द्वीप नामने द्वीप. कालाय नामक द्वीप. an island named Kālīya. नाया० १७; --वाय. पुं० (-वान) प्रवेद वायु; प्रविष्ट वायु. प्रवेद वायु; प्रातकृत हवा. violent wind; adverse wind. नाया० ६; १७; --सुय. न० (-ध्रुव) शक्ति सूत्र. अचारंगदि-शक्ति पंचयने सूत्र कालिक सूत्र a Kalika Sutra e. g. Ācharāṅga etc. which could be read at particular times only. भग० २०, ८; निर्गो० १६, १०; विशेष ४४६;

कालिंगी. स्त्री० (कालिङ्गी) तरुण तरवूज; मर्बरा. A kind of water-melon. पत्र० १; भग० २२, ६;

कालिजर. पुं० (कालिंजर) ओ नामने ओड पर्वत. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. " दसा दसमे आमी मिया कालिजरे नगे " उक्त० १३, ६;

कालिज न० (कालिय) शत्रु; शरीरनी ओडरने ओड अवयव. कलेजा; शरीर के भीतर का एक अवयव. An organ of the body viz. liver. तंदु० प्रव० १३=४;

कालियपुत्त. पुं० (कालिकपुत्र) शक्तिपुत्र

नामे श्री पार्श्वनाथ प्रभुना शासनता ओड विद्वान् धियर साधु. श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु.

Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha. भग० २, ६;

कालिया. स्त्री० (कालिका) देवता देवी. कालिका नामक देवी. The goddess Kālīkā. मु० च० ८, १४६;

काली. स्त्री० (काली) अंतम श्रुतता आत्मा पर्यता परेता अध्ययननु नाम. अंतम श्रुत के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Anta-gāṇḍya Sūtra. अंत० ८, १; (२) श्रेष्ठ शासनता शास्त्री अने शक्तिशाली औरमान माना दे देवे मन्त्राचार्यमी समीपे दीक्षा प्राप्त स्वयंप्रसी=स्वता स्ति नामनु तप आचरि ओड परस्त्री प्रत्ययापात्री ओड भक्तता मेथारे डरी परम पद प्राप्त कर्तु. राजा श्रेणिक की रानी और कणिक की मोतली माता जियने की महावीर स्वामी के समाप दीक्षा लेकर रत्नावलि नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अंत में एक मय का मेथारा किया और परमपद प्राप्त किया. the queen of Śreṇika and step mother of Kṇika, who took Dikṣā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvali penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. अंत० ८, १; (३) शत्रुशरीर मध. कौप की जांघ. the thigh of a crow. उक्त० २, ३; (४) काल रंगनी स्त्री. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour. अणुजो०

१२८; (५) चमरेन्द्रनी भुज्य देवी. चमरेन्द्र की मुख्य देवी. the principal goddess of Chhambarendra. भग० १०, ५; (६) अभिनन्दन स्वामी की शायन देवी का नाम. name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī. प्रव० ३७७; पंचा० १६, २४; — अज्ञा. स्त्री० (आर्या) शस्त्री आर्या. काली आर्या. a nun named Kālī नाया० घ०—दरिद्रा स्त्री० (दारिका) शस्त्री दारिका. काली कुमारी. a girl named Kālī नाया० घ०

कालीदेवित्त. न० (काली देवीत्व) शस्त्री देवि-पत्यं काली देवपत्नी. State of being the goddess Kālī नाया० घ०

कालीवर्तिसयभवन. न० (काल्यवर्तसक-भवन) शस्त्रीदेवितां शस्त्रीवर्तसक नामे भवन. कालीदेवी का कालावर्तसक नामक भवन. An abode of Kālī Devi, named Kalāvartamsaka. नाया० घ०

कालुगिय. त्रि० (कारुणिक) शस्त्रीवर्तसक. करुणाजनकः करुणा पैदा करने वाला. Piteous मूय० १, २, १, १७;

कालोअ-य. पुं० (कलोद) शस्त्रीदेवित्तमना समुद्र केने धातकीखंडो इरेतो विटपिरे छे. कालोदधि नामक समुद्र जो कि धातकीखंडोप को घेरे हुए है. An ocean named Kālōdadhī, encircling Dhātakikhaṇḍa. टा० ७; जवा० ३; ४; अगुजो० १०३; सम० ४२; ६१; पञ्च० १५;

कालोद. पुं० (कालोद) शस्त्रीयो “ कलोअ-य ” शब्द. देखो “ कलोअ-य ” शब्द.

Vide “कलोअ-य” टा० २, ३; भग० ६, २;

कालोदधि. पुं० (कालोदधि) धातकीखंडोती सारे आनुमे आठ शायनेन प्रमाणोना शस्त्रीदेवि समुद्र. उस समुद्र का नाम जो

धातकीखंडोकी चारों ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakikhaṇḍa and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि. पुं० (कालोदायिन्) शस्त्रीदेवित्तमना अने अन्य दर्शनी गृहस्थ. एक जैनतर गृहस्थ का नाम. Name of a householder belonging to a non-Jaina creed. भग० ७, ६; १०; १८, ७;

काव. पुं० (काव्य) शस्त्रीय गायत्रीने संबन्धित-वार. काव्य बनाकर गाने वाला. A bard; a minstrel. जवा० ३, ३; नाया० १, ८;

कावलि. पुं० (कावलिक) शस्त्रीय आदर. कौर; कवल. A mouthful. भग० १; ५; प्रव० ११६४;

कावि. अ० (कापि) शस्त्रीय. कोई भी. Somebody; some one or other; anybody. नाया० ८;

काविट. पुं० (काविट) शस्त्रीय देवलोको शस्त्रीय नामनु अने विमानः अनी स्थिति हैतद सागरोपमनी छे; अ देवता सात मासे आ-से आस ले छे. इठव देवलोक के विमान का नाम, जिसके विमानिया का आयु चादह मागरोपम का है और जो चादह पक्षों में एक बार आसोछ्वास लेता है. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months. सम० १४;

काविल. न० (कापिल) शस्त्रीय शास्त्र; सांख्य दर्शननु शास्त्र. कापिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. अणुजो० ४१;
काविलिख. न० (कापिलिक) इषितमन्त्रो
अथ कापिल मन का एक ग्रन्थ. A book
containing an exposition of
the tenets of Kapila. नदी० ७१;
कावोय. पुं० () शयन के लिये भिक्षा
मांगनेवाले अथवा भिक्षा मांगने के लिये
मांगने वाला एक वर्ग. A class of men-
dicants begging their food in
bags attached to the ends of
a bamboo which rests on the
shoulders. अणुजो० ३२;

कावोया. स्त्री० (कापानिका) पारेषी प्रति;
इत्यन्तरी मन्त्र इषी मन्त्राधीन अन्तरादृष्ट
देवता. एक प्रकार का वृत्त कवच के
गमान बड़े यन्त्रावर्गपूर्वक आहारादि ग्रहण
करने की वृत्त. Taking food with
great care, like pigeons. उक्त०
१६, ३३;

✓ काम. धा० १ (काम) उध्वन्त आत्ति
स्वयंता. To cough.

कामिन्ता. म० क० जीवा० ३, ३; ज० प०
२, २५;

कामिन. व० क० पृष्ठ १, ३.

काम. पुं० (क म) उध्वन्तः आत्ति. मांगी.
Cough. ज० प० म० ३, ५; जीवा० ३, ३;

काम. पुं० (काश) दश नामकी ग्रह. काश
नामक ग्रह. A planet named Kāśa.
“ दोकामा ” टा० २, ३; (२) दश नामकी
वनस्पतिवा यन्त्र. काम नामक वनस्पति
का गुच्छा. a cluster of the vege-
tation named Kāśa. पञ्च० १; उवा०
३, १४८;

कासकस. त्रि० (कासकय कस्यन्तेऽस्मिनिति-
कासः संसारस्ते कपनीति तदाभिमुखोयानीति
कासकयः) प्रसदी; अर० २२थ; आदृष्टा-
दृष्टा. अस्वस्थः वीमारः आकुल व्याकुल.
Uneasy; restless. आया० १, २, ५, ६४;

कामग. पुं० (कर्षक) पण्डित; पत्नी इत्यन्तर.
किसान; खेती करने वाला. A farmer;
a peasant. उक्त० १२, १२;

कामग. पुं० (काशक) अथ वनस्पति वनस्पति.
एक प्रकार का वनस्पति. A kind of
vegetation जीवा० ३, ४;

कासण. न० (कासन) इध्वन्त आत्ति. खांसी
आना. Act of coughing. औघ० नि०
२३५;

कामव. पुं० (काश्यप) दशपथ आत्ति-
मन्त्रादि दशपथ आत्तिमन्त्रादि. काश्यप
गोत्र के महावार स्वामी चौत्रायवे तीर्थकर.
Lord Mahavira the 24th Tir-
thankara belonging to the
family origin named Kasyapa.
म० १६, १; द० ४; म० ३, १०५;
नदी० ३३. उक्त० २, १; म० १, २, २, ५
३, ६, १, २; ज० प० ७, १४६; (२) दशपथ
आत्तिमन्त्रादि अथवा मुनिवृत्त अथवा नैमी
सिन्धुपत्ता आत्तिमन्त्रादि तीर्थकर, अथवा नैमी
क्षेत्र. अथवा गोत्र के अथवा अथवा, अथवा
क्षेत्री अथवा आत्तिमन्त्र. काश्यप गोत्र में
उत्पन्न मुनि वृत्त और नैमीनाथ के सिन्धुपत्ता
वाह्य तीर्थकर तथा चक्रवर्ति वगैरह चौत्रिय,
मातृवं गणधर वगैरह ब्राह्मण और जैवस्वामी
वगैरह आत्तिमन्त्र. the Tirthankaras
(24) excepting Muni Suvrata

* अनुभा पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (०) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (०) Vide
foot-note (०) p. 15th.

and Nemī, the Kṣatriyas viz. the 7th Gaṇadhara etc. and the Gāthāpatis viz. Jambū Svāmī etc. all born in the Kāśyapa family. अ० ७, १: उत्त० २४, १६; (३) पुं० ऐ३ प्रसिद्ध जात्रा नामः काश्यप नामे जात्र. एक प्रसिद्ध गोत्र का नामः काश्यप नाम का गोत्र. name of a famous family-origin कप० १, १०३; (४) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शरणागत ऐ३ विद्वान् आधु. श्री पार्श्वनाथ प्रभु के शरणागत के एक विद्वान् साधु. a learned monk belonging to the cult of Lord Pārśvanātha. अग० २, २; (५) अंतर्गत सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे अध्याय का नाम. name of the 4th chapter of the sixth section of Antagaṇa Sūtra. अंत० ६, ४; (६) राजवृह निवासि ऐ३ गाथापाति के जन्मे महावीर स्वामी पास निवासी भगवत्. राजवृह निवासि प्रवचनवासी विपुल पर्वत उपर आश्रिते श्री सिद्धि भगवत्. राजवृह निवासि एक गाथापाति जिनसे कि महावीर स्वामी से राजा जी श्री १६ वर्षों तक तप कर विपुल पर्वत पर संन्यास कर सिद्धपद प्राप्त किया. name of a merchant residing in Rājagṛha, who took Dikṣā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years, and attained salvation on Vipulā mount giving up food and water. अंत० ६, ४; (७) दन्तम नाई. a barber. अग० ६, ३३; (८) वित्तरे इत्युन्नी नक्षत्रम् जात्र. उत्तम कन्युनी का गोत्र. the family

origin of the constellation named Uttara Fālgunī. अ० प० १०: —**गुत्त**, पुं० (-गोत्र) विद्वान् नाम वित्तरेण जात्र प्रसिद्ध राजा वित्तरेह का गोत्र. the family-origin of king Sīdhārtha etc. अ० प० १, २; २, २०; आया० २, १२, १७६; —**गोत्त**, पुं० (गोत्र) इत्युन्नी (वित्तरे) जात्र. जम्बु स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाय० १; **कासवग** पुं० (काश्यपक) नष्टि दन्तम नाई.

A barber सूय० १, ४, २, ६;

कासवनालिपा. स्त्री० (काश्यपनालिका) श्रीपार्श्वनाथ इत्र. श्रीपार्श्व का फल. The fruit of Śrīpārṇa. दग० २, २, २४; आया० २, १, ८ ४८;

कासवय पुं० (काश्यपक) अर्थात् “ कासवग ” शब्द देखो “ कासवग ” शब्द. Vide “ कासवग ” नाया० १;

कासवी. स्त्री० (काश्यपि) पायस तीर्थ इन्नी मुख्य अर्थात्. पायसे तीर्थकर का मुख्य साधवा. The principal nun of the 5th Tirthānkara. अग० प० २३४;

कासाइ न० (कापाय) अर्थात् “ कासाइअ य ” शब्द देखो “ कापाइअ य ” शब्द. Vide “ कासाइअ य ” उवा० १, २२;

कासाइअ य. न० (कापायिक) इलाय-भगवत् ऐ३ ऐ३ वस्त्रः न्दन्ते शरीर धुववान् वस्त्र. भगवत् रंग से रंगा हुआ वस्त्रः स्नान करके शरीर धुवने का वस्त्र. A saffron-coloured cloth generally worn by Hindu ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जीवा० ३, ४; ज० प० आ० ३१;

कासिल्ल. त्रि० (कामसन्) अंसीराणे. खांसा वाला One suffering from cough.
 त्रि० ७;

कानिह. पुं० (कामिह) मत्स्यादी शिष्टानाम् पक्षी मच्छन्ना खानेवाला जलचारी पक्षी. A sort of crane; a bird eating fish living in water.
 मय० १, ११, २५;

कासी. स्त्री० (काशी) देशीपरी; पत २१११ पारी. काशी नामक पुरी. The town of Benares भग० ३, ८, सुव० २, ४; उत्त० १३, ६; कप० ५, १२५ (२) देशी देश; अर्थ देशमते अर्थ काशी देश; अर्थदेश मे मे एक. A country named Kāśī पञ्च० १; भग० १५, १; नाया० ८;

राय पुं० (राज) देशीदेशी नाम. काशी देश का राजा a king of the country named Kāśī उत्त० १८, ४८; नाया० ८;

काहल. त्रि० (काहल) अस्पष्ट; अस्पष्ट. अव्यक्त; अप्रगट. अस्पष्ट. Indistinct; inarticulate, not manifest. पण्ट २, २; डा० ७;

काहलिया स्त्री० (काहलिका) इ प्रतिष्ठा नामे अर्थ माननु अर्थदण्ड नामका सोनेका आभरण. A sort of gold ornament. प्रव १४३६.

काहार. पुं० (कहार कं जलं हरन्ति) शय. कावट A contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends. Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders.

काहावण. पुं० (काषाण) मुद्रा; सिद्धे. मुद्रा; गिह्वा; छाप; मुहर. A stamp.

पण्ट० १, २;

काहिअ-य. पुं० (काथिक = कथया चरति-काथिकः) शूद्रस्थने धेर अनाची अनाची कथा श्रोतारे आधु गृहस्थ के घर पर बना बना कर कथा करने वाला साधु. An ascetic telling long-drawn scriptural stories at the houses of householders. मय० १, २, २, २८; निस्या० १३, ५२; मच्छा० १५६;

काहे. अ० (कदा) क्यारे. कब. When. अत्र० ६, १५; भग० २, १;

किट्ठकम्म. न० (कृत्तिकर्म = कृतिरेव कृतेर्वा कर्म क्रिया कृत्तिकर्म) श्रुतिदिशने सिद्धिपूर्वक वंदना करनी ते, अर्थ रीति के बात गयेरे देवकी सिद्धि न देव तो डि अर्थ करी अर्थ अति पामेस्वारे इत वंदना करी; इतने अस्तु देव तो अर्थ अति पामे डिस्वारे इत वंदना करवा ते. गुरु आदि की वाच पूर्वक वंदना करना. याद बात रंगमे पाठान हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठेस्वारे करते हुए वंदना करना और उठने में अशक्त हो तो धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना. Rendering obeisance to a preceptor etc. with observance of due forms and ceremonies. प्रव १८; ६८; पंचा० १५, ६; आव० २०; भग० १४, ३, सम० १२;

किं. अ० (किम्) क्यु. पुं० इति. कौन; क्या; कौनसा Who; what; which भग० १, १; ७; २, १; ३; ५; ६; ३, १; ४; ५, २; ४; ६, ३३; १५, १; १६, ८; १८, ५; ८, २४, २३; २५, ६; २६, १; ४१, १; नाया० १, ३; ४; ८; १६; १७; अणुजो० ३; ११; वेण० १, ३३; वव० २, २२; आव० १६; ३८; पञ्च० १५; दया० ३, २२; ३३; २४, ४, १०; आया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०;

स्य० १, १, १, १; दस० ४, १०; ५, २,
४७; ६, ६५; ६, १, ५; ६, २, १६; जं० प० ७, १४०;

किंअंगपुण. अ० (किमङ्गपुनर्) लुओ
“ किपुण ” शब्द. देवो “ किपुण ” शब्द.

Vide “किपुण ” नाया० १; १८;

किंअगणं अ० (किमन्यत्) श्रीभुं श्रु ! दूसरा
क्या ? What else ? नाया० ५;

किंकम्म. न० (किंकर्मन्) अंतगड सूत्रना ७३।
पश्चिमा श्रीन अध्यायनं नाम. अंतगड सूत्र
के छठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम.
Name of the 2nd chapter of
the 6th section of Antagāḍa
Sūtra. (२) राजगृह निवासी अेक गाय-
पति के गे भद्रादिर स्वामी पासे दीक्षा लभ
अंगीआर अंग लणी गुणरयणपक्षी सोत
वरसती प्रवज्या पापी विपुल पर्वत उपर
परम पद पाभ्या राजगृह निवासि एक गाय-
पति जिनने कि महावीर स्वामी ने दाक्षा ला,
भ्यारह अंग पदे, गुणरयण नामक तप किया
आर सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया. name
of a householder residing in
Rājagṛiha, who took Dikṣā
from Mahāvira Svāmī, studied
11 Aṅgas, practised Guṇara-
yaṇa penance, observed asce-
ticism for 16 years and attained
salvation on the Vipulā mount.
अंत० ६, २;

किंकर. पुं० (किङ्कर) अनुयत्, सेवक; लृत्यः
दास; आक्षर. नोकर; सेवक. A servant;
an attendant. नाया० १; जीवा० ३, ८;
पञ्च० २; आव० ३१ राय० ६६; भग० ११, ११;

किंगिरिड. पुं० (किङ्किरीट) त्र्युष्ट्रिध्रिवादा
श्रवती अेक वृत्त. तेइन्द्रिय जीव; तान
इन्द्रियों वाला जीव. A kind of senti-

ent being with three senses.

किंच. अ० (किञ्च) अने; वसी. और. And;
moreover. भग० १८, ८;

किंचण. अ० (किचन) कंभपणु; कंभक कुञ्जः
कुञ्जगी. Anything; something. स्य०
१, १, २; १४; (२) न० द्रव्यः परिश्रद. द्रव्य
का ग्रहण करना. wealth; worldly
possessions विशेष० ३६५१, उत्त० ३२,
८; स्य० २, १, १४;

किंचि. अ० (किञ्चित्) द्वियितभातः कंभक कुञ्जः
किंचित् मात्र. A little; something;
something at least. “ किंचि बहुयं
चथावंच ” पगह० १, ३; जं० प० ७, १३२;
जं० प० दमा० ६, ३५; ७, २६, भग० २, १;
८; ८, ३; २०, ६; २५, १; ३०, १; नाया० ५; ८;
आव० १६; ३८; उत्त० १, १४; पि० नि०
१००; उवा० ६, १७० गच्छा० १; प्रव० १४५;
—काल न० (काल) थोडाकाव; थोडा
वअत. थोडा समय. a little time;
some little time. भग० १, ७; नाया०
१६; —विसेमाह्रिय. त्रि० (—विशेषाधिक)
वत्स वचारे; थोडा अधिक. कुछ ज्यादाह. a
little more; somewhat more.
भग० २, ८; —साहम्म न० (—सादर्म्य)
सदेव समान पणु; कंभक साधर्म्य. कुछ
समानता; कुछ साधर्म्य भाव. a little
affinity; possession of common
qualities to a little extent.
अणुजा० १४७;

किञ्चिमेत्त. त्रि० (—किञ्चित्पात्र) द्वियित्
भात. कुछ; किंचित्मात्र. a little; very
little; only a little. विशेष० ३११;

किंतु. अ० (किन्तु) पणु; विशेषता अतावव ने
आ अत्यथ वपराय छे. भां; किन्तु; परन्तु.
But; (an adversative conjunc-
tion). विशेष० १५३;

किंथुग्व. पुं० न० (किंस्तुग्व) द्वेद भासना शुद्ध पक्षता पञ्चाने दिवसे आवनुं, यार थिरकडुमानुं येथुं करणु; ११ करणुमानुं ११ भुं करणु. प्रत्येक मास का शुद्ध पक्ष का प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण; ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karanas; the last of the four Thira-Karanas falling on the first day of the bright half of each month. जं० प० ७, १२३;

किन्नर. पुं० (किन्नर) द्विचर जन्तुना अन्तर देवता. किन्नर जाति के व्यंतर देव. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras. नाया० १: १६; भग० ३, ८; गम० ३४; ओव० २४; डा० २, ३; राय० ४१; जांवा० ३, ४; अणुजो० ४७; उत्त० ३६, २०५; (२) यमरेन्दना रथनी सेनाने डिपरी चमरेन्द्र की रथमेना का मुख्याधिकारी the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra. डा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) द्विचर देवता अथवा देवता. किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god. भग० ८, २;

किन्नरकंठ. पुं० (किन्नरकण्ठ) अक्ष जन्तुं रत्न. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem. राय० १२१;

किन्नरी. स्त्री० (किन्नरी) अक्ष स्त्री के लिये युद्ध हुआ था Name of a woman who was the cause of a battle. पगह० १, ४;

किंपाग. न० (किंपाक) द्विपाक वृक्ष; अक्ष अरी इक्ष्वाकु वृक्ष. किंपाक वृक्ष एक जहरी फल वाला

वृक्ष. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpaka tree. उत्त० ३२, २०; तंदु० ओव० १४; —फल. न० (—फल) द्विपाक वृक्षनुं इक्ष्वाकु; स्वादे मधुर पणु परिणामे अरी अक्ष इक्ष्वाकु. किंपाक वृक्ष का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल. a fruit of a Kimpaka tree sweet in taste but poisonous. तंदु०

किंपि. अ० (किर्मापि) अक्ष; अक्षपणु. कुछ भी. Something; something at least; a little. पि० नि० भा० ३६; मु० च० १, २३४; नाया० १;

किंपुण. अ० (किंपुनर) तेनां तो अक्षपुनर थुं अरी मदनासेना निश्चय दर्शयवामां अनेता उपयोग थाय छे. हमसे तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase meaning, " it goes without saying. " गच्छा० ६५; नाया० १४;

किंपुणो. अ० (किंपुनर) अक्ष " किंपुण " शब्द. देवो " किंपुण " शब्द. Vide " किंपुण " दम० ७, ५;

किंपुरिस. पुं० (किंपुरुष) द्विपुरुष देवता; अन्तरदेवतानी अक्ष जन्तु. व्यंतर देवों का ' किंपुरुष ' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods. भग० २, ५; ३, ८; १०, ५; नाया० १६; पगह० १, ४; जांवा० ३, ४; अणुजो० ४७; गम० ३४; ओव० २४; उत्त० ३६, २०५; डा० २, २; ३; पञ्च० १; २; प्रव० ११४४; (२) वैरोचन इन्द्रना रथनी सेनाने अधिपति. वैरोचन इन्द्र के रथ का सेना का अधिपति. name of the commander of the army of chariots of Vairochana Indra. डा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) द्विपुरुष देवने आधारे रक्षेक्ष. किंपुरुष देव

के आकार का. having a shape of a Kimpuruṣa kind of gods. भग० ८, २;

किंपुरसकंठ. पुं० (किंपुरुषकंठ) ऐक्य भवतुं रत्न. एक जाति का रत्न. A kind of gem. राय० १२१;

किंबहुना. अ० (किम्बहुना) यत्नरे श्रेष्ठ ? ज्यादा क्या ? What more ? What is the use of adding more ? नाया० १; भग० ६, ३३;

किंमय. त्रि० (किंमय) स्वल्प के आधान्य विषयके प्रस्तावार्थमा वपरातुः आनुं शु स्वल्प के के आसां प्रधानपक्षे शु छे अया प्रस्तावार्थमा आ रूप वपराय छे. प्रश्नवाचक वाक्य में उपयोग में आनेवाला शब्द. A form of interrogation meaning "What is the essential or prominent feature of this ?" भग० १६, ७;

किंमूलय. त्रि० (किंमूलक) क्या मूलवापुं ? इसका मूल क्या ? Originating in what ? नाया० ८;

किंवा. अ० (किंवा) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. विशेष० १२०; नाया० १; ५; भग० ३, १;

किंसुअय. पुं० (किंसुक) देशुजानुं जाडः आभरातुं प्रक्ष. केशू का वृक्ष; टेगू का फाड़. A kind of tree bearing red flowers. ज० प० ओव० १३; अणुजो० १६; भग० २, १, ३, २; नाया० १; ८; ६; जावा० ३, १; राय० ६३; कप० ४, ६०;

किंसुगध. पुं० न० (किंसुघ्न) अनुओ " किन्थुगध " शब्द. देखो " किन्थुगध " शब्द.

Vide " किन्थुगध " विशेष० ३३५०;

किञ्च. न० (कृत्य) कृत्य; कार्य; प्रयोजन. कृत्य; कार्य; काम. Act; action; purpose. दसा० ७, ३६; ६, २, १६; भग० १, १०; ३, १; १३, ८; सूय० २, ४, ८; उत्त० १, ४४; नाया० ३; १४; सु० च० ३, ६६; विशेष० ३४६४; क० प० २, ७२; प्रव० २००; (२) कृति-वन्दनार्थे शायक-गुरु, आचार्य वगैरे. कृत अर्थात् वन्दना के योग्य गुरु आचार्य आद. worthy of salutation ०. g. a preceptor etc. उत्त० १, १८; (३) पचन पाचनादि क्रिया पचन पाचनादि कृत्य. process such as that of digestion etc. सूय० १, १, ४, १; - गय पुं० (गन) शयर्मां तपस्. कार्य में लगे. busily engaged in work. भग० ३, ४;

किञ्चण. न० () धैर्य धाना. Washing. ओप० नि० १६८;

किञ्चाकिञ्च. न० (कृत्वाकृत्य) कृत्वाकृत्य; शय्ये अने अशय्ये. कर्म और अकर्म. Act to be done and act not to be done. दसा० ६, ३१;

किञ्चु. न० (कृच्छ्र) कष्ट; मुष्टिर्द. कष्टनाई; कष्ट. Difficulty; trouble. ज० प० सु० च० ६, ७५; भग० ७, ६; नाया० ८; विशेष० २२८६; —ण. पुं० (—आत्मन्) कष्टयुक्त आत्मा. कष्ट सहित आत्मा. a troubled soul. नाया० ८; ज० प० ३, ५६;

किज्ज. त्रि० (क्रय) अरीदयार्थे योग्य. खरीदने के योग्य. Fit for purchase; worthy of being purchased. दसा० ७, ४५;

किट्ट. धा० I, II. (कृत्) कीर्तन करतुं;

* अनुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (३). देखो पृष्ठ नम्बर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रशंसापूर्वक. कर्तन करना; कथन करना. To praise; to glorify; to sing the praise of.

किट्टेह. भग० २, १; नाया० २;

किट्टेह. आया० १, ५, ८, १५८;

किट्टेमि. मय० २, १ ११;

किट्टे विधि० आया० १, ५, ६, १६८, मय० २, १, ४७;

किट्टिना. गे० क० नाया० १;

किट्टिना. गे० क० उत्त० २५, १; नाया० १;

किट्टिया. गे० क० वय० ६, ३५;

किट्टिल्लु. हे० क० वेय० ३, २०;

किट्ट पुं० (किट्ट) लोहार्त. शब्द. लोहे का जंग
Iron rust. आया० २, १, १, १

—रामि पुं० (राशि) लोहार्त. इट्टेला
अथवा लोहे के जङ्ग का ढेर. a heap of
iron-rust “ अट्टररामिंम वा किट्टरामि
वा” आया० २, १, १, १;

किट्टकरगुद्धा. स्त्री० (किट्टकरगुद्धा) संन्य-
स्त लोभनी प्रथम स्थिति लब्ध लब्ध
इति तेमान्. लोभन विभागी गेजा दिदि
इत्यादि. हे. संन्यस्त लोभ की प्रथम
स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग
का गेजा किट्टकरगुद्धा कहलाता है.
Name of the 2nd of the three
divisions of the first stage of
the kind of greed known as
sañjvalana Lobha क० प० ५, ८६;

किट्टि. स्त्री० (*) सूक्ष्म. सूक्ष्म. Fine
as opposed to gross. प्रव० ७१२;
क० प० ३, १०;

किट्टिअ-य. त्रि० (कर्त्तित) लब्ध वेदः अ-
वेदः. कहा हुआ; वर्णित; वर्णन किया हुआ.

Described. “ एवं मे अट्टकिट्टियमेव
धम्मं ” आया० १, ८, ५, २१७; मय० २,
१, ११; श० ७, १०;

किट्टिक. पुं० (किट्टिक) अथ वनतली वन-
स्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind
of vegetation भग० २३, १;

किट्टिकर. त्रि० (कर्त्तिकर) प्रतिनिधि गान
इत्यादि. कर्त्तिका गान करने वाला. (One)
that sings glory. आवा० ३१;

किट्टिया. स्त्री० (कीटिका) अथ वनतली
साधारण वनस्पति एक प्रकार का साधारण
वनस्पति. A kind of ordinary
vegetation. पञ्च० १; भग० १, २;
जैवा० १;

किट्टिम. न० (*) अथ वनतली याचना मिश्र-
ण्नी वनस्पति अथ. दो तीन जातिके बालों के
मिश्रण से बना हुआ सूत्र धागा. A rope
or thread formed by twisting
together horse hair or hairs
of different kinds अगुजो० ३७;

किट्टी. स्त्री० (किट्टी) अथ वनतली वनस्पति.
एक प्रकार की वनस्पति. A kind of
vegetation. पञ्च० १;

किट्टि. पुं० न० (कृष्टि) इष्टितमनुं त्रीन
आथा देवसे इतुं अथ विमान कृष्टि नामक
तारसे चौथे देव लोक का एक विमान. Name
of a heavenly abode of the
third and fourth Devaloka. सम० ४;

किट्टिकूड. पुं० न० (कृष्टिकूड) इष्टित-
तमनुं त्रीन आथा देवसे इतुं अथ विमान.
कृष्टिकूड नामक तारसे चौथे देवलोक का विमान.
A name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vidā
foot-note (*) p. 15th.

lokas, सम० ४;

किट्टिघोस. पुं० (कृष्टिघोष) दृष्टिघोष नामनुं
तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-
lokas, सम० ६;

किट्टिजुत्त. पुं० (कृष्टियुत्त) अ नामनुं तीग्न
आन आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
आर चौथे देवलोक के विमान का नाम.
Name of a heavenly abode
of the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टिज्जय. पुं० (कृष्टिज्ज) दृष्टिज्ज
नामनुं तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान.
तीग्न आर चौथे देवलोक के एक विमान का
नाम. Name of a heavenly abode
of the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टिप्पभ. पुं० (कृष्टिप्पभ) दृष्टिप्पभ नामनुं
तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टियापत्त. पुं० (कृष्टिकापत्त) दृष्टिकापत्त
नामनुं तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान.
तीग्न चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टिलेस्स. पुं० (कृष्टिलेस्स) दृष्टिलेस्स नामनुं
तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-

kas, सम० ४;

किट्टिसिग. पुं० (कृष्टिशिग) दृष्टिशिग नामनुं
तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टिसिद्ध. पुं० (कृष्टिसिद्ध) दृष्टिसिद्ध नामनुं
तीग्न आथा देवलोडनुं अइ विमान. तीग्न
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-
lokas, सम० ४;

किट्टुत्तरवडिसग पुं० (कृष्टुत्तरवडिसग)
दृष्टिउत्तरवडिसग नामनुं तीग्न आथा देवलोडनुं
अइ विमान. तीग्न चौथे देवलोक के एक
विमानका नाम. Name of a heavenly
abode of the third and fourth
Devalokas, सम० ४;

किडिकिडिया. स्त्री० (किडिकिडिका) दुर्बल
शरीर वाला मनुष्यका मांस चिल्ला दाड-
डाने डिल्लो गैसना आवाज आब ते. दुर्बल
शरीर वाले मनुष्य के मांस रहित हाडियों का
उठने बैठने पर जो आवाज हो बढ. The
cracking sound made by the
bones of a fleshless weak
person, as he rises up or sits
down. नाथा० १; भग० २, १;

किडिकिडियाभूय. त्रि० (किडिकिडिकाभूत =
किडिकिडिकाभूतः प्राप्तो यः स किडिकिडिका-
भूतः) उ० उ० आवाज उ० उ०. जिसकी हाडियों
का उठने बैठने आवाज हो बढ. Making
a cracking sound. विवा० ८, भग० २, १;

किडिभ. पुं० (किडिभ) शरीरवाडि; राशी.
चिऊँटीयाँ का घर. An ant-hill, a
swarm of ants. जं० प० भग० ७, ६;

(२) ऐकं गततो रोग. एक प्रकार का रोग.

a kind of disease. भग० ७, ६;

किट्टा. स्त्री० (क्रीडा) क्रीडा, रमन गमन; रति; आनंद. क्रीडा; खेल; आनंद; रति; विनाद. Sport; play; amusement. आया० १, २, १, ६४; मृ० १, १, ३, ११; भग० १३, ६; १४, २; पि० नि० ८८; ४२५;

किट्टाविया. स्त्री० (कांडाकारिका) क्रीडा द्रव्य-नारी दारि. कांडा कराने वाला दारि. A maid-servant who makes one sport, play or supplies with some kind of amusement. नाया० १६;

किट्टिण. पुं० (*) ऐकं गतनुं वांशं दुःखः तापसं ऐकं उपदेशः श्रमोऽपि ऐकं व्याजुता श्रमः. एक प्रकार का बांस का बर्तन; तापस का एक उपकरण; काबड़ के दोनों तरफ के छबड़े. A sort of vessel made of bamboo; a vessel used by an ascetic; the two flat baskets hanging by a rope attached to the two ends of a bamboo placed on the shoulder. भग० ७, ६; —**पडिरूवग.** त्रि० (—प्रतिरूपक=किठिनं वंशमयस्तापस-सम्बन्धा भाजनावशेषः तन्प्रातरूपके किठिनाकारे वस्तुनि) श्रमोऽपि आशरती यस्तु. काबड़ के आकार का वस्तु. An object having the shape of a wooden pole resting on the shoulders with two baskets hanging at each end. भग० १, ६; —**संकाईय.** न० (—सांझायिक = किठिनं वंशमयस्तापसभाजन

विशेषः ततश्च तयोः सांझायिकं भारोद्बहन यन्त्रं किठिनसांझायिकम्) श्रमः. काबड़. A contrivance consisting of a long piece of bamboo with two vessels suspended one at each end, by means of ropes. The middle part of the bamboo rests on any or both of the shoulders. भग० ११, ६;

किरण. न० (क्रयण) अरीक्षुं ते. खरीदना.

Act of purchasing. मु० च० २, ४४५;

किणित. न० (किणित) ऐकं गतनुं वाद्यं. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. ज० प०

किणिया. स्त्री० (किणिका) ऐकं गतनुं वाद्यं. एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument. राय० ८८;

किरणं. अ० (किम्) क्षुं. कौतसा. क्या What; a particle showing interrogation. नाया० १, २, ३, ७, ८; ६, १६; भग० ३, २; १६, ५; उवा० ३, १३६;

किरणं. त्रि० (कौणं) आशीर्षुः व्याप्त. फनाया हुआ; व्याप्त. Scattered over with; full of. नाया० ५; उवा० २, ६४;

किरणमुंड. पुं० (कौणमुण्ड) ऐकं गतनुं वाद्यं. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जवा० ३, १;

किरणर. पुं० (किन्नर) व्यंतर गतना देवता आदी ऐकं गत. व्यंतर जाति के देवों का एक जाति. A species of gods known as Vyantara gods. पञ्च० १; १; श्रौव० पण्ड० १, ४; नाया० ८; भग० २, ५; १०, ५; कण्ठ० ३, ४४; ज० प० २, ११५;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी ५२तोऽ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किरणाइ. अ० (किञ्चित्) इतिवत्. कुछ;
किञ्चित्सात्र. Very little; only a
little. पि० नि० ६६३;

किणह. पुं० (कृष्ण) क्षणिरंग. काला रंग.
Black colour. (२) क्षणा रंगजं; श्याम.
काले रंग का: श्याम. black. भग० १२.
६; १५, १; नाया० १; १; १०; १३; १६; १७;
गय० ८७; अणुजो० १३१; आया० १, ५.
६, १७०; डा० १, १; उत्त० ३६, १६; म० १०
२०; आ० ५० १; प्र० १२२६. क० गं०
१, ८०; क० ८५० ८, ८५; ज० ५० ८, ७८;
२, १६; निर० ३, २; (३) पुं० शृणु नाम्ना ६ भा
वासुदेव. कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव. the
9th Vāsudeva named Kṛṣṇa.
निर० ५, १; (४) शृणुपक्ष: अंधारीयुं.
कृष्णपक्ष. the dark half of a
month. पंचा० १६, २०; —**आभास.**
त्रि० (—आभास) शृणु रंग देजुं देभाजुं;
क्षणी प्रभा. काले रंग के समान दांखता हुआ;
काला प्रभा. appearing blackish;
black lustre. नाया० ७, ६; निर० ३, २;
—**आभास.** पुं० (—अवभास) क्षणी प्रभा.
काला प्रभा. black lustre. नाया० १;
भग० १३, ६; १५, १; —**केशर.** पुं०
(—केशर) क्षणी देशर. काला केशर. black
saffron. पञ्च० १७; रय० —**पडिवक्व.** पुं०
(—प्रतिपक्ष) अंधारीयुं पक्षपक्षीयुं कृष्णपक्ष.
the dark half of a month. पंचा०
१६, २०; **मिग.** पुं० (—मृग) क्षणियार मृग;
क्षणी दृश्य. कृष्ण मृग; काला हिरन. a black
deer. आया० २, ५, १, १४५; —**लेसा.**
स्त्री० (लेश्या) शृणु लेश्या. कृष्ण लेश्या.
black thought tint or matter-
tint. प्र० ११७३; —**लेस्सा.** स्त्री० (—लेश्या)
शृणु लेश्या. कृष्ण लेश्या. black tint;
black thought-tint or matter-

tint. भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पञ्च०
१७; —**सर्प.** पुं० (—सर्प) क्षणी सर्प.
काला सांप. a black serpent. भक्त०
८३; —**सुतग.** न० (—सूत्रक) क्षणी रंगजं
सूत. काला सूत; thread of a black
colour. भग० १६, ६;

किणहपडल. न० (कृष्णपटल) अ० नामन्ती
साधारण वनस्पति. इस नाम की एक साधा-
रण वनस्पति. Name of an ordinary
kind of vegetation. पञ्च० १;

किणहपत्त. पुं० (कृष्णपत्त) चार छद्रियाणी
अथ ७४. चार हाटियों वाला एक जांव. A
four-sensed living being. पञ्च० १;
किणहसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) अ० अक्षवर्ती
शृणुश्री नामन्ती श्री छद्रवें चक्रवर्ती की
कृष्णश्री नामक स्त्री. Name of the
wife of the sixth Chakravarti.
भग० ५० २३८;

किणहा. स्त्री० (कृष्णा) भेड्या उत्तरमां आ-
वेदी रक्षता नदीमां गतने भगनी अंध नदी.
मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नामक
नदीमें जाकर मिलने वाला एक नदी. Name
of a river flowing into the
river Raktā in the north of
Meru अ० ५, ३; १०; (२) शृणु लेश्या;
क्षणीमां क्षणी क्षणक्षेत्र के रंगेता योग्यी
छद्रवें द्विष्टमां द्विष्ट परिणाम थाय छे;
छे लेश्यामां प्रथम लेश्या. कृष्ण लेश्या;
अन्यत काले वर्ण के स्फुट कि जिनके योग में
जांव को अन्यत दोन और कठोर परिणाम हो.
blackest Karmic molecules
causing the direst results to
the soul; black thought-tint or
matter-tint. क० गं० ८, १६; उत्त० ३६, ३;
पि० नि० भा० ३०; (३) अंध भगनी वनस्पति.
एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation. भग० २३, २; (४) शशी प्रसा.
काला प्रसा. black lustre. नाया० ७
✓ कित्त. धा० I. (कृत्) युञ्जु ईतन् इत्युं;
व्याजुं स्तुति इत्यौ. गुण कर्तन करना;
प्रशंसा करना; स्तुति करना. To sing the
merits of; to praise.

कित्तइम्पामि. अणुजो० ५१:

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६;

कित्तण. त० (कर्तन) व्याजुः प्रशंसा;
स्तुति. प्रशंसा; स्तुति. Praise; eulogy.
विश० ६४०: चउ० ३; नाया० १३: उवा०
१७, २१६: पंचा० १६, ३५:

कित्तवीरिअ. पुं० (कर्त्तिवीर्य) अरुतनी अदीयि
तेजवीर्य पथी आपेव तेना पुत्र. भग्न को
गाँदा पर तेजवीर्य के पाछे बैठने वाला उस का
पुत्र. The son of Tejavarīya who
succeeded the latter to the
throne. डा० ८, १:

कित्ति. स्त्री० (कर्त्ता) दानादिभूत उद्भूतता
पुत्रात्पथी धर्मेन श्रुति, प्रसिद्धि: यथा
आप०. दानाद मे उद्भूता प्रगट करने से जो
कर्त्ता प्रसिद्धि, यथा अथवा प्रसिद्धि हुई हो
वद. Fame; reputation; glory
arising from charity etc.
“ कित्ति वज्ज सह मिलोगट्टयाण् ” दम० ६,
४, २; ३: ६, २, २: उवा० २, ६५: सुव०
१, ६, २२: ओष० ३१: उत्त० १, ४५:
भग० १४, ५: १५, १: १६, ६: वि० नि०
५०६: ६०७. नंदो० २७, ओष० नि० भा०
१४१: निर० ४, १; पञ्च० २३:
प्रव० ४८६; (२) श्रुतिदेवी प्रतिमा.
कर्त्तिदेवी का प्रतिमा. an image of
the goddess of fame. भग० ११, ११:
(३) श्रुतिदेवी. नीलवंत पर्वतना देशरी
द्रवनी अधिष्ठात्री देवी. कर्त्तिदेवी: नीलवंत
पर्वत के केशरी द्रवका अधिष्ठात्री देवी. the

goddess of fame; the presiding
goddess of the lake named
Keśari in the north of Nila-
vanti mount. डा० २, ३: जं० प० ४:
— कूड. पुं० (-कूट) नीलवंत पर्वतना
नयकूटमानुं पंचिमु ५२-श्रिअ२. नीलवंत
पर्वत पर्वत के नी कूट में का पांचवां कूट.
the 5th of the 9 summits of
the Nilavanti Vakhara mount.
जं० प० — कर. त्रि० (कर) श्रुति प्रश
इत्यारः यथा इत्यारः कर्त्ता प्रकट करने वाला;
यथा करने वाला. making famous;
giving fame. कण्ठ० ३, ५२:

कित्ति. स्त्री० (कृत्ति) आभूतता आभूतता इत्ये
दे दे अथवाते पथर सत्ता आभूतता आभूतता
चमड़े का चौगुटा टुकड़ा जो कि बैठने के काम
में आता है. A rectangular piece
of leather used for sitting on.
प्रव० ६८३:

कित्तिअ-य त्रि० (कर्त्तिन) व्याजुः प्रशंसितः
कर्त्तिप्राप्त Praised; famous. ओष०
प्रव० २१३: ४७६: आष० २, ६; नाया० १३:

कित्तिआ. स्त्री० (कृत्तिका) श्रुतिश्रु नक्षत्र
क्रांतका नामक नक्षत्र The constella-
tion named Krittikā. अणुजो० १३१:

कित्तिआदास. पुं० (कृत्तिकादास) श्रुतिश्रु
दास नामक श्रुतिश्रु माण्य. कृत्तिका दास.
Name of a person. अणुजो० १३१:

कित्तिआदिगण. पुं० (कृत्तिकादत्त) श्रुतिश्रु
दत्त नामक माण्य क्रांतकादत्त नामक मनुष्य.
Name of a person. अणुजो० १३१:

कित्तिआदेव. पुं० (कृत्तिकादेव) श्रुतिश्रु देव
नामक माण्य. कृत्तिका देव. Name of
a person. अणुजो० १३१:

कित्तिआधम्म पुं० (कृत्तिकाधम्म) श्रुतिश्रु धर्म
नामक माण्य कृत्तिका धर्म नामक मनुष्य.

A person so named. अणुजो० १३१;
कित्तिआसम्म. पुं० (कृत्तिकाशर्मन्) कृत्तिका
शर्मा: नक्षत्र योगशी भाष्यसुं नाम. कृत्तिका
शर्मा. A person so named after
the constellation called Krittika.
अणुजो० १३१;

कित्तिआसेण. पुं० (कृत्तिकासेन) कृत्तिकासेनः
कृत्तिका नक्षत्र योगशी भाष्यसुं पदेन नाम.
कृत्तिका सेन. A person so named
after the constellation called
Krittika. अणुजो० १३१;

कित्तिक्कम्म. न० (कृत्तिकर्मन्) वंदन. वंदन
(नमस्कारादि कर्म). Salutation, obei-
sance to a preceptor etc. वेय०
३, १८;

कित्तिम. त्रि० (कृत्तिम) अनापटी: द्वाभ्य
उरेतु. बनावटी: किमा का बनाया हुआ.
Artificial; made by somebody.
सूय० २, १, २२; गांग० ७५; ज० प० १, १२;

कित्तिय. त्रि० (कित्तिय) डेटत. कितना.
How much. " कित्तिया मिद्धा " वय०
२; तंद० विशेष० १३४८;

कित्तियमिच्च. त्रि० (कित्तियमात्र) डेटता
कितना. How many; how much.
सु० च० ४, २४१;

किञ्जर. पुं० (किञ्जर) किञ्जर भवन्ता देवता;
व्यंतर देवतानी अथ भवन्त. किञ्जर जाति के
देवता; व्यंतर देवता का एक जाति. A kind
of Vyantara gods. प्रव० ११४८;
(२) धर्मानाथज्जना यक्षसुं नाम. धर्मानाथजो
के यक्ष का नाम name of the Yakṣa
of Dharmanāthajī. प्रव० ३७३;

किण्ह. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव
Kṛṣṇa Vāsudeva. प्रव० १२८; (२)
त्रि० डाणु; डाणा रंगसुं. काला; काले रंग
का. black. भक्त० ६१; —सण्ण पुं०

(-सर्प) डाणो नाग; डाणो सर्प. काला नाग;
काला सर्प. A black serpent. भक्त० ६१;
किट्विस्स. त्रि० (किट्विस्स) पीडित्स; पीडाभाणु.
बीभत्स; भयानक. Frightful; ob-
scene; sinful. सूय० २, ३, २१; भग०
१, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) दिट्ठिय;
भाषासुं पर्याय नाम: पाप. पाप: मायाका
पर्यायवाची नाम. sin; deceit. सम० ५२;
पगढ़० १, २; भग० १२, ५;

किट्विस्सत्त. न० (किट्विस्सत्त) अशुभभाव;
अशुभभाव्युं अशुभभाव. Devilishness;
fiendishness. पगढ़० २, २;

किट्विसिअ य. पुं० (किट्विषिक) दलही
भक्तता देवतानी अथ भवन्त. अष्टादश देवता
देवतानी अथ भवन्त. लोकी जाति के अधम
देवों का एक जाति; चांडाल के समान देवों का
एक जाति. A kind of lower gods
performing the meanest action.
भग० ६, ३३; दमा० १०. १; आंव० ४१;
सूय० १, १, ३, १६; २, २, २१; डा० ३.
४; प्रव० ६५०; (२) पीडित्स देवताभारः
निदृष्ट दृग्मे को हंसनेवाला; निदृष्टक. a
buffoon; a fool ज० प० ३, ६७; आंव०
३२; (३) अतुर्विध संघ तथा जानादिनुं
अतुर्विधाद आत्रना (आधु). अतुर्विध संघ
तथा ज्ञानादिका श्रवणवाद बोलनेवाला (माधु).
(an ascetic) defaming the four
fold Saṅgha, and knowledge
etc. भग० १, २, ५३० २०; —भावणा. स्त्री०
(-भावना) गुडनिन्दा, गुडोद. तरेरे दुग्मेण
देवशी दिट्ठियि भवन्ता देवतासां उदपन्न
थुं पंड ते. गुडनिन्दा, गुडोद आदि भाव-
नाएँ जिसके कारण किट्विषिक जाति के देवों
में उत्पन्न होना पड़े. offences such as
censure, treason etc. towards a
preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbiṣi kind of gods. उक्त० ३६, २५४;

किम्बिसियत्ता स्त्री० (किल्बिषिकता) द्वितीय देवपुत्र, किल्बिष देवपुत्र। State of being one of the Kilbiṣa kind of gods. भग० ६, ३३;

किमंग अ० (किमङ्ग) ' किमङ्ग पुत्र ' अ विशेषार्थ अतः पत्नार वक्ष्यमां सदयोगी तर्हि वक्ष्यन्तु अव्यय, ' किमंगपुत्र ' यह विशेषार्थ बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तर्क के काम में आने वाला अव्यय A kind of conjunctive phrase meaning " What else should be told ? " नाया० २, १६; भग० ८, ५; -- **पुण**, अ० (-पुनः) यं श्रेष्ठं / तेमां तो श्रेष्ठं यं / अथवा सामान्य अम छे विशेष बात तो यं श्रेष्ठ / क्या कहना / उसमें तो कहनाहो क्या / अथवा सामान्य बात तो यह है और विशेष बात तो क्या करना / it goes without saying; or, what more' श्रौत० २७; नाया० १; भग० २, ५; ६, ३३; १३, ६; १५, १;

किमट्टे, अ० (किमथम्) क्षा मांटे, किम विषय Why? wherefor? भग० १, ९;

किमि, पुं० (कृमि) ऐश्वर्य जनने श्रेष्ठ; श्रेष्ठि, जंतु; जन्तु; कौड़ा; कृमि, A kind of worm or insect. विवा० १; नाया० १; सूय० १, ५, १, २०; राय० २५५; उक्त० ३६, १२७; (२) क्षाप्, लाप्, be used in dyeing etc. पत्र० १७; (३) ऐश्वर्य जनने श्रेष्ठ एक प्रकार का कंद, a kind of bulbous root. जीवा० १; -- **कवल**, न०(-कवल) श्रेष्ठियानो श्वर-क्षेत्रीयो, कृमि का कौर कवल, a mouthful of a worm or of worms विवा० ८; -- **जालाउल**, त्रि० (-जालाकुल)

श्रेष्ठियानो अभृक्षी आशुत, कृमि-कौड़ो के समूह से व्याकुल, full of swarms of worms. नाया० १२;

किमिच्छुय, न० (किमिच्छुक) "आ थीर छे? आ छे?" ऐम मन्त्रा प्रमाणे मांजो लेवुं ते; साधुना ५२ अनाथीणुं मांजुं ऐश्वर्य, "यह चांज है? यह है?" इस प्रकार मांग लेना; मांजु के ५२ अनाथणों से एक, Accepting as alms various things after asking such questions as " have you got this? have you got that?" etc.; one of the 52 Anachārapas of a Sādhu. दय० ३, ३; नाया० ८;

किमिण, त्रि० (कृमिवन) कृमि श्रव युक्त, कृमि मांहत: कौड़े वाला, (Containing worms i. e. sentient beings. पत्र० ७, ३; नाया० १२;

किमियकवल, पुं० (कृमिक कवल) श्रेष्ठियानो श्वर-क्षेत्रीयो, कृमि कवल: कौड़ो का कौर, A mouthful of worms, or of a worm. विवा० ७,

किमिया, स्त्री० (कृमिका) श्रेष्ठिमां उत्पन्न श्रव जन्तु; पेटमें उत्पन्न होनेवाले कौड़े-कृमि, Worms produced in the stomach. जीवा० १;

किमिराग, न० (कृमिराग) श्रेष्ठिमां रंगवाधुं सूत्र: क्षेत्री पात्र उच्छेद क्षेत्री दायाभांथी क्षेत्रीना रंगवाधुं अनेत्रं सूत्र, किमिजा रंग का सूत्र: लोहा पिला कर पाले हुए कौड़ों की लार से लोहा के रंग का बना हुआ सूत्र, A Crimson coloured thread produced from the saliva of a kind of insect. अणुजो० २, ७; (२) श्रेष्ठियानो रंग: ऐश्वर्य जनने मांजो रंग, किमिची रंग: एक जात का पका रंग, crimson colour; a kind of fast colour. राय० ५३;

क० गं० १, २०; —कंबल. पुं० (कम्बल)
 डीरभञ्ज रंगेथी रंगेज डामण. किरमजी रंग
 से रंगा हुआ कंबल. a blanket of
 crimson colour. नाया० १७; पञ्च० १७;
 —रक्त. त्रि० (रक्त) डिर्भयना रंगेथी
 रंगेज. किरमची के रंग से रंगा हुआ.
 crimson coloured. डा० ४, २;

किमिराय. न० (कृमिराय) ऋग्वेदा “किमि-
 राय ” शब्द. देखा “ किमिराय ” शब्द.
 Vide “ किमिराय ” पण्ड० २, ४;

किमिरासि. पुं० (कृमिराशि) ऐ नाम्नी
 ऐड कलपति एक वनस्पति का नाम.
 Name of a kind of vegetation.
 पञ्च० १; भग० २३, ५;

किमु. अ० (किमु) यः प्रश्नार्थे. क्या (A
 particle showing interroga-
 tion; what. पि० नि० १२०;

कियकम्म. न० (कृतकर्मन्) कृतकर्म वंदना.
 कृतकर्म वंदन. The Vandana (salu-
 tation and prayer to a Guru)
 styled Kṛitakamma. प्रव० ६२५

कियापर. त्रि० (क्रियापर) कार्ये इत्यादि
 तत्पर. काम करने में तय्यार. Devoted
 to business; (one) busily doing
 his work. “ममगणुसि सङ्गे पण्णवणिज्जो
 कियापरो चव ” पंचा० ३, ६;

किर. अ० (किल) निश्चयः अद्वैत. निश्चयः
 वास्तवम् Indeed; assuredly. पि०
 नि० ६८२; विशेष० २६३; भग० ६, ७; संख्या०
 २; जं प० सु० व० २, ११; सन्त० १०८; क०
 ग० ४, ७८;

किरण. पुं० (किरण) डिर्भु; तेजः प्रभा.
 किरणः तेजः ज्योतिः. A ray of light;
 light भग० ११, ११; ओव० १०; जीव० ३, ३;

किराय. पुं० (किरात) डिर्भु नाम्नी ऐड
 अतार्य देश. किरात नाम का एक अतार्य देश.

Name of an uncivilised country.

प्रव० १५६६;

किरिकिरिया त्री० (किरिकिरिका) वांशली
 अपाट्थी वयाड्यानुं बांशोकेनुं ऐड वाड्थी.
 बांस का चिपात्ती से बजाने का भांड लोगों का
 एक प्रकारका वाजा. A musical instru-
 ment used by bards etc. played
 upon by passing a slip of bam-
 boo across its strings. आया० २,
 ११, १६८;

किरिमेर. पुं० (किरिमेर) ऐड वनजं सुगंधी
 द्रव्य. एक प्रकारका सुगंधित वस्तु. A kind
 of fragrant substance. जीवा० ३, २;

किरियतर. पुं० (क्रियातर) मोटी क्रिया. बड़ा
 क्रिया. A great action. भग० ५, ६;
 १३, ४;

किरियाविसाल. न० (क्रियाविशाल यत्र क्रियाः
 कायिक्यादिका विशालाः सभेदव्यवसायभेदा
 यन्ते तत्र) ऐ नाम्नी आदि पूर्वमे तेरहवां
 पु०. इस नाम का चौदह पूर्व मे तेरहवां पूर्व
 The 13th of the 14 Purvas so
 named. सम० १४;

किरिया. त्री० (क्रिया) कार्ये अथवा ऐतुः
 प्रापित्री आदि पांच क्रियाः इन अर्थवत्तां येषां
 कर्म बंधन का कारण रूप कार्यकादि पांच
 क्रियाः कर्म बंधन का येषां. Any of the
 five kinds of actions which lead
 to bondage e. g. bodily action
 etc. जं० ५० ७, १२८; आवा० २०; उत्त०
 १८, २३; भग० १, २; १०; २, ५; ३,
 ३; ५, ६; १७, १; नाया० १; सृय० २, १,
 १५, २, ५, १२; आया० १, ६, १, १६; डा० सम०
 १; ५; विशेष० ३; ४६; ६४; निर्मा० ५, ६५;
 राय० २२२; पञ्च० १, १७; २२; पण्ड० २,
 २; सु० च० ६, ३; (२) प्रजापता सूत्रना
 वीक्षमा पदं नाम के जेभां प्रापित्री आदि

पांच क्रियानुं वर्णित आपेक्ष छे. प्रज्ञापना के वासवें पद का नाम जिसमें कि कार्याका आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पञ्च० १; (३) आत्मा तथा परलोक छे अस्मान्तुं ते. आत्मा और परलोक का मानना. belief in the existence of soul and unseen world प्रव० ४१७; भग० २४ ३; —**ट्राण** न० (—स्थान) क्रियानुं स्थानकः क्रियानां तेर स्थानकमानुं अस्ते ते अस्ते क्रिया का स्थानकः क्रिया के १३ स्थानकों में से कोई सा एक. any of the 13 varieties of Kriya i. e. action or source of Karma प्रव० ८३७; —**ट्राण** न० (ट्राण) क्रियानुं ट्राण प्रकणः क्रिया का ट्राण प्रकरण. the chapter on Kriya. प्रव० ३१६; —**रुचि** स्त्री० (—रुचि) क्रिया-अनुष्ठानमां उच्यते रुचिः समक्षितनां अस्ते प्रक्षार. अनुष्ठान में रुचि-प्रेमः सम्बन्ध का एक भेद. liking for, desire for Kriya i. e. religious performance; one of the varieties of right belief. उक्त० २८, १६; प्रव० ६७२; —**वाइ** पुं० (—वादिन् क्रियां ज्ञावाज्वादिर्वाऽस्मान्येवंरूपां क्रियां वदन्ति इति क्रिया वादिनः) क्रियानुं ज्ञावाज्वादिर्वाऽस्मान्येवंरूपां क्रियां वदन्ति इति क्रिया वादिनः क्रिया को मोक्ष दायक मानने वाला; क्रिया का आस्त्य स्वाकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action. टा० ४, ८; सूच० १, १, २, २४; —**वादि** पुं० (वादिन्) अनुष्ठा “किरियावाइ” शब्द. देखो “किरियावाइ” शब्द. vide “किरियावाइ” आया० ११, १, ४; भग० ३०, १;

—**विवाज्जिय** पुं० (—विवाजित) क्रियाथी रहित. क्रिया से रहित. devoid of action भग० ३०, १; —**समय** पुं० (—समय) क्रिया करवाते समय. क्रिया करने का समय. the time for doing an action. भग० १, १०;

किरियाट्राण न० (क्रियास्थान-करणं क्रिया तस्याः स्थानानि भेदाः नन् क्रियास्थानम्) सूयगजसूत्रना श्रीमन् शुत्ररक्षेयना श्रीमन् अध्यायननुं नाम देहेमां क्रियानां तेर स्थान-दानुं विस्तारार्थी वर्णन छे. सूत्र कृतांग के दूसरे अतस्केध के दूसरे अध्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है Name of the 2nd chapter of the 2nd Sūtra Skandha of Suṃyagajajñga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम० २३; सूच० २, २, ८५; ८६;

किरियापद न० (क्रियापद) पदवत्प्रा सूत्रनुं क्रियापदनुं नाम. पञ्चवना सूत्र के क्रियापद का नाम Name of the Kriyāpada of Pannavapa Sūtra. भग० ८, ३;

किरियाविशालपुत्र पुं० (क्रियाविशालपूर्व) क्रियास्थान नाम तेरमां पूर्व. क्रियाविशाल नामक तेरहवां पूर्व. The 13th Pūrva named Kriyāviśāla. नंदा० ५३; प्रव० ५२४;

किरीड न० (किरिट) मृगत. मुकुट. A crown; a diadem. सूच० १, १;

किल अ० (किल) निश्चय. निश्चय. Indeed; assuredly. नाया० १६;

किलंजय पुं० (किलिङ्ग) वांसनी सुंडरी देहेमां गायते आत्मा आपत्तामां आवेछे ते. वांस की दोपला जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है. A basket of bamboo used for giving food to cows.

राय० २७१; गवा० २, ६४;

किलंत. त्रि० (क्लान्त) दुःखी पीडित.
दुःखसे पीडित. Troubled; pained.
भग० १६, ४; १६, ३; सु० च० १०, ६५;
जावा० ३, १; पणह० १, ३; वेय० ३,
१६; नाया० १; कप्प० ६, ६१;

✓ **किलाम.** धा० II. (कल्म्) दुःखदेवुः
दुःखप्राप्युः दुःख देना. To afflict; to
give pain; to trouble.

किलामेइ. भग० ५, ६;

किलावन्ति. पल० ३६;

किलामेसि. दस० ५, २, ५;

किलामह. भग० ८, ७;

किलाविज्जमाण. क० वा० व० कृ० स्य०
२, १, ४८;

किलाम. पुं० (क्लम) पीडा. पीडा; दुःख.
Affliction; pain; trouble. भग० १,
१; विशेष० २४०४; काप० ४; ७६; (२)
था३. थकावट. exhaustion; getting
tired. राय० २३६;

किलामणा. स्त्री० (क्लमना) पीडा; दुःख.
पीडा; दुःख. Misery; pain; afflic-
tion. भग० ३, ३;

किलामिअ. त्रि० (क्लान्त) अशानि पाभेवुः
मुकृष्टं शपेवुः. मुरकायाहुआः सूखाहुआ.
Tired; faded; dried. अणुजो० १३०;
भग० ८, ७;

किलिंच. न० (*) वांसनी अयाट.
वांसकी चिपाली. A slip of bamboo.
निमी० १, २; दस० ४;

किलिट्ठ त्रि० (क्लिट्ठ) सङ्कित्ठ परिणामी;
राय द्वेपना परिणामाणां. संक्लिष्ट परि-
णाम वाला; रागयुक्त परिणामी. Troub-

led, agonised on account of
attachment, hatred etc. उक्त० ३२,
२७; क० प० ४, १६; (२) अवेशयुक्त;
दुःखी. क्लेशयुक्त; दुःखा. unhappy;
miserable. सु० च० ३, १५६; (३)
अशुभ; दुष्ट. अशुभ; दुष्ट. evil; wick-
ed. भक्त० ७८; पंचा० ३, ४१; —**कम्म.**
न० (—कम्मन्) द्विष्ट कर्म. क्लिष्ट कर्म.
an action causing pain, sorrow
etc. arising from anger, hatred
etc. भक्त० ७८; —**भाव.** पुं० (—भाव)
द्विष्टभाव — परिणाम. क्लिष्ट परिणाम.
state of being full of pain,
sorrow caused by attachment,
hatred etc. नाया० १६; —**सत्त.** पुं०
न० (—सत्त्व) अवेशी ७४. क्लेशा जीव.
a sentient being full of trouble
or pain. पंचा० ३, ४१;

किलिट्ठया. स्त्री० (क्लिट्ठया) दुष्टपणु.
दुष्ट-
पना. State of being evil or
wicked. पंचा० १६, २५;

किलिण्ण. त्रि० (क्लिज्ज) आर्द्र; भीनुं.
भीजा हुआ; गीला. Wet; damp. नाया०
१; उक्त० २; ३;

किलिज्ज. त्रि० (क्लिज्ज) लुब्धो “किलिण्ण”
शब्द देखो “किलिण्ण” शब्द. Vide
“किलिण्ण” उक्त० २, ३६;

✓ **किलिस्स.** धा० I (क्लिश्) अवेशपाभयुः
दुःखी भवुः. क्लेश पाना; दुःखा होना. To
be miserable; to undergo
trouble or pain.

किलिस्सइ. उक्त० २७, ३;

किस्सन्ति. स्य० १, ३; २, १२;

किल्लिस्संत. व० कृ० पौ० नि० १८८;

किल्लिस्स. पुं० (क्लेश) दुःखः क्लेशः दुःखः
क्लेशः Misery; pain; trouble.
नंदी० १३;

किल्ली. स्त्री० (किल्ली) शवाशः सरी; भीषी.
मलटि; माल. A small rod; a small
nail; a thin blade of grass etc.
भक्त० १०२;

✓ किल्लेस्स. घा० I. (किल्ले) इत्येष उद्वेगवयोः
परितप-दुःख उद्वेग्य इत्युं क्लेश-दुःख
उद्वेग्य करना. To cause trouble; to
give pain.

किल्लेस्संत. घा० आया० १, २, २, १८८:

किल्लेस्स पुं० (क्लेश) इत्येषः दुःखः क्लेशः
दुःखः. Trouble; pain. मू० पं० २०:
नि० नि० १८८: नाया० १६; पंचा० ८, २१:
—कर. त्र्य० (कर) इत्येष इत्यारं
क्लेश करतवाला. causing trouble:
troublesome. भक्त० १०३;

किवण्. त्रि० (कृपण) दारिद्र्यः शकः निम्नः.
कृष्णः कंज्यः दारिद्र्यः निम्नः. Poor;
indigent; miserly; beggarly.
डा० ५, ३; अणुत्त० ३, १; भग० १, ६:
दम० २, २, १०: ज० प० १०० नि० ४४६:
नाया० १४; आया० २, १, १, ७: कप०
२, १३: —कुल. न० (-कुल) शकः दुःखः
गरीयानु दुःख. दारिद्र्य कुल; गरीब का कुल.
poor family; indigent family. डा०
८: दमा० १०, १०: —पिंड. पुं० (-पिण्ड) शकः
आपवाता आशक. रंक के लिये रखा हुआ
भोजन. Fool to be given to the
indigent. निर्मा० ८, १६:

किवण्ण. त्रि० (कृपणक) कृपणः दुःखः.
कंज्य. Miserly; stingy. सू० २,
२, ४४;

किवाण. पुं० (कृवाण-कृवाणुदन्ति) अशुः
Vol. II, 61.

तत्रवार. तरवार. A sword. श्रव०

किविण्. त्रि० (कृपण) दुःखः; गरीबः; शकः.
निम्नः दारिद्र्य. Poor; stingy; miserly.
पगद० १, १; नाया० १३; मू० च० १, १५४;

✓ किम. ना० धा० I. (कृश) पातयुं-दुःखयुं
इत्युं. पतला-दुबला करना. To render
weak, slender or emaciated.

किमण्. सू० १, २, १, १४:

किम. त्रि० (कृश) पातयुं; दुःखयुं; निम्नः.
पतला; दुबला; कमजोर. Weak; feeble;
slender. उवा० १, ७२; डा० ४, २; सू०
१, १, १, २: १, २, १, ६: उत० २, ३:
आया० १, ६, ३, १८६, पौ० नि० २६२;
भग० २, १; नाया० १: ५: —उय्य. त्रि०
(-उय्य) दुःखयुं-पातयुं पेटवाला. दुबले
पेटवाला. (one) with a slender
belly. मू० च० २, ८६:

किमलय. पुं० (किमलय) पत्राद्वयः शीर्षः
द्वयः. कांमल. A tendril; a sprout-
ing leaf. ज० प० श्रव० गय० ११४:
जावा० ३, ४: " सद्यो वि किमलश्रो खलु,
उगममाणो अण्वश्रो भण्णिश्रो " पत्र० १:
—पत्र. न० (पत्र) द्विसद्वयः पत्र-
तीक्ष्णतुं श्रमण पददुः शीर्षः. किमलयरूप
पत्र निकलता हुआ कांमल पत्र-दहनता. A
sprouting, tender leaf. प्रव० २४०:

किमि. स्त्री० (कृषि) भेतीवादी: भेतीश्री.
खेती. Agriculture. डा० ४, ४: नि०
नि० ४३८: ज० प० मू० च० १२, ५६:
विशे० १६१५; पंचा० ८, ४६: —कम्म.
न० (-कर्म) भेतीनु श्रम. कारतकारा.
agriculture. पंचा० ४: ४:

किसोर. त्रि० (किशोर) द्विशेअवस्थावाला.
किशोर अवस्था: बाल्यावस्था. Young;
adolescent. श्रव० नि० ६६:

किह. अ० (क) धा० ! इत्येकांते. Where ?

at what place ? भग० २, १: ३, २;
किहं. अ० (कथम्) કેમ ? કેવી રીતે ? क्यों ?
क्या ? How; why. विशेष० १३५; १४५;
पि० नि० भा० ३६: नाया० ७; भग० २, १;
“मे काहंवा किहंवा केवाचिरेण वा किहं वात्त”
भग० ३, २;

कीअ. त्रि० (क्रीत) વેચાતું લીધેલું. माल
लिया हुआ. खरीदा हुआ. Bought;
purchased. पंचा० १३, ५;

कीड. पुं० (कीट) ડંટણ: કીટા જેવું; कीड़ा.
An insect; a worm. उत्त० ३, ४;
३६, १४३: दस० ४: आघ० नि० ७३५;
मृय० २, ६, ४८; पगह० १, ३;

कीडय. न० (कीटज) કીટાની લાવણી ઉત્પન્ન
થતું મૂત્ર. कीड़ा की तारसे उत्पन्न मूत्र. A
thread produced from the
saliva of an insect. “ कीडयं पंच-
विहंपत्यन्तं तं जहा पट्टमलणं श्रमणं चीगंमुण
किमिरागे ” अणुजा० ३५;

कीडा. स्त्री० (क्रीडा) રમત ગમ્મત. खेल:
विनोद. Sport; play. भग० ११, ६;
उत्त० १, ६: नाया० १: उवा० १, ४८;
(२) માણ્યતી દશ દશાઓ પૈકી બીજી
દશા. मनुष्य की दस दशाओं में से दूसरी
दशा. the 2nd of the ten condi-
tions of men. तंदु० — कारी. स्त्री०
(कारिणी) કીડા કરાવનારી દાસી. कीड़ा
कराने वाली दासी. a maid servant
who causes to play or sport.
भग० ११, ११;

कीणाम्. पुं० (कीनाश = कुम्भितं नाश-
यतीति) यमराज. यमराज. The god
Yama; the god of death. मु० च०
५, १७१;

कीव. न० (क्लीब) કાયર: નપુંસક; नामर्द.
कायर: नपुंसक; नामर्द. A cowardly

fellow; an impotent person.
उत्त० १६; ४१: सूय० १, ३, १, १७;
जीवा० ३, ३; ठा० ३, ४: क० ग० ४, ४२; मु०
च० ६, ११८: वेय० ४, ४: नाया० १; भग० ६,
३३: प्रव० ७६७: (२) એક મનનું પક્ષી.
एक जानका पक्षी. a kind of bird.

पगह० १, १: (३) ક્ષીવકુમાર. क्लीव-
कुमार. Khyakumār. नाया० १६;

कीय. त्रि० (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन
गृह्यते स्मेति क्रीतम्) અડીદેનું, વેચાતું લીધેનું
खरीदा हुआ. Bought; purchased.
आया० १, ८, २, २०२: २, ५, १.
१४४: दस० ६, ४६: मम० २१; दया० २,
७: निर्मा० १४, १: १८ २: १६, १:
(२) આધુને માટે આદ્યારાદિ વેચાતું વસ્તુને
આપવાથી લાગતો એક દોષ: ૧૬ ઉદ-
ગમનમાનો આદ્યો દોષ. માધુકો આદ્યારાદિ
खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह: १६
उद्गमनो में का दवां दोष. the 8th of
the 16 Udgamana faults
viz. giving food etc. to a
Sadhu after purchasing it.
प्रव० ५०२: पि० नि० ६३: ३०६; भग०
६, ३३: —कड. त्रि० (कृत्—क्रीतेन
क्रयणं कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम्) આધુને
વાસ્તે અગાઉથી વેચાતું વસ્તુ રાખેલ. માધુ
के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ, pur-
chased beforehand for a Sadhu.
पगह० २, ५: —गड. त्रि० (—कृत)
બુઝો “કીયકડ ” શબ્દ. देखो “कियकड”
शब्द. vide “ कियकड ” भग० ५, ६;
नाया० १; आघ० ४०; उत्त० २०, ४३;
दस० ३, २; ५, १, ५५;

कीय. पुं० (कीचक) કીચક; आंस. कीचक;
बांग. A bamboo. दस० ६, १, १;
कीयग. पुं० (कांचक) કીચક નામનો શબ્દ.

कीचक नामक राजा. Name of a king.
नाया० १८;

कीया. स्त्री० (= कीका-काननिका) आभरी
श्रीश्री. आभरीका पुतली. The pupil of
the eye. ओव०

✓कील. प्रा० I, II. (क्रीड्) खेल; खेल
करती खेलना. To sport; to play.

कीलड़. गु० च० २, ३८५-

कीलत. व० कु० जे० प० ३, ६५; भग०
१३, ६; पंचा० ५, ३६;

कीलमारु. नाया० १४; १६; विवा० ६;

कील. पुं० (काव) भीष्टि; भीष्टा. खालः
कील A nail; a peg. मय० १, ५, १,
६; दस० ५, १ ६५; उवा० ५, २७७; पंचा०
५, १०;

कीलग. पुं० (कीलक) भीष्टा खील. A
nail. जीवा० ३, ४; जे० प० ५, ११६;
राय० ४६;

कीलग्. न० (कांडन) खेल; खेलना. कांडाः
खेल. Play; sport. ओव० २४; पञ्च० २;

कीला. स्त्री० (कांडा) खेलना खेल; कांडा
Play; sport. तंदु० निर० १, १; म०
च० १, २४६; —प्रसंग पुं० (—प्रसंग)
श्रीश्री श्रवणा प्रसंग. कांडा करने का प्रसंग.
an occasion of sport or play.
प्रव० ४२८;

कीलाचण्. न० (कांडन) खेलना. खेलना
Causing to sport or play. नाया०
२; १८; पि० नि० ४१०; —घाई स्त्री०
(घात्री) श्रीश्री श्रवणा स्त्री धवमान.
कांडा करने वाली स्त्री a wet-nurse
who causes a child to sport or
play. नाया० १; १६;

कीलाचणुग. त्रि० (कांडाकारक) श्रीश्री श्रवणा-
नार. कांडा करने वाला. (One) who
causes to sport. नाया० ३;

कीलिय. न० (क्रीडिन) खेल करेवा. कांडा
करा हुआ; खेला हुआ Sported; (one
who has) sported. उत्त० १६, ६;
गु० च० २, ४१४; नाया० ६; ठा० ६;

कीलिय. त्रि० (कीलिन) मंत्रादिद्वारा भीष्टी
मुद्रित. मंत्रादिक से कांला हुआ. Charm-
ed; subjugated with incanta-
tions etc; hypnotised. गु० च०
२, ४१४;

कीलिया. स्त्री० (कीलिका) ऋतुमां दृष्टाना
आंवा भीष्टीश्री ऋतुमां दृष्टाने संध्ययुः ७
संध्ययुमांनु पांचमुं संध्ययुः जिसमें हड्डियों
के जोड़ कांल से जोड़े हो वय संध्ययुः ६
संध्ययु मे से पांचवां संध्ययुः. A variety
of physical structure in which
the bones are fastened together
by (two) little nails; the fifth
of the six Saṅghayanas. पञ्च०
२३; क० गे० १, ३६. —संध्ययु न०
(संहनन = मंत्रास्थानि कीलिकामात्र
ब्रह्माद्येव भवन्ति तत्कीलिकासंहननम्)
७ संध्ययुमांनु पांचमुं श्रीश्री संध्ययुः ६
संध्ययु मे से पांचवां कीलिका संहनन. the
fifth of the six varieties of
physical constitutions where
the bones are joined together
merely by two little nails. जीवा०

कीलियासंध्ययु. त्रि० (कीलिकासंहननन्)
श्रीश्री संध्ययुमांनु. कीलिका संहनन वाला.
(One) possessed of a nailed
bony frame. भग० २४, १;

कीस. पुं० (कांडश) कैसा. Of
what sort or nature. भग० १, १;

कीसत्ता. स्त्री० (कांडशता) कैसी प्रशस्ति ? शु
स्वरूप. किस , प्रकारका, कैसा. (Of)

what nature or sort. भग० १, १;

पत्र० २८;

कीसत्ता. स्त्री० (किंस्वता) शुं २१३५? किस प्रकार का. (Of) what sort or nature. “कीसत्ताणु” भग० १, १;

कु. न० (कु) इत्सित; नदीकं. खराब. Bad; evil. अगुजो० १२८; पत्र० १; (२)

दुभार. कुमार. बालक. a boy. विवा० १, ६;

कुड्यगण. पुं० (कुविकर्ण) शृंगी गायत्री शृंगी; गायत्रीगो अधिपति. बहुतसी गायों का स्वामी; गौमंडलका अधिपति. An owner of many cows विशेष ६३२;

कुडकूचमाण. पुं० (कुडकूचमान) दुष्टताया उरती. कुकु कुकु करताहुआ. Bustling; noisy. विवा० ८;

कुउच. न० (कुउप) दुष्टुं; दुष्टी. मिश्र का छोटा बर्तन. A small earthen pot. पि० नि० २५७;

कुओ. अ० (कुतः) इयाथी. कहां से. Whence. सुय० २, ५, ३१;

कुंकण. पुं० (कोङ्कण) द्रोक्षु देश. कोंकण देश. The country known as Kōṅkana. (२) चार इंद्रियों वाला एक जीव. a kind of four sensed living being. उक्त० २६, १८८;

कुंकण्य. त्रि० (कोङ्कणक) द्रोक्षु देशभां निमेतः द्रोक्षु देशभां पत्न्यन्तर. कोंकण में जन्मा हुआ; कोंकण देशनिवासी. (One) born in the country of Kōṅkana; a resident of Kōṅkana. अगुजो० १३१;

कुंकुम. पुं० (कुंकुम) देशर. केशर. Saffron. राय० ५६; श्राव० ३८; अगुजो० १३३; जं० प० उवा० १, २६; (२) ईं. कूंकू. a kind of red powder. नाया० १;

जावा० ३, ४; कप० ४, ६०; —**पुड.** पुं०

(-पुड) दुंडुभेता पेट. केशर का पुडा. a packet of saffron. नाया० १७;

कुंच. पुं० स्त्री० (कौञ्च) श्रौत्य पक्षी. चकवा पक्षी. A kind of bird. “अह कुमुज संभवे काले, कोहला पंचमं सरं । उट्टं च मारमा कुंचा, ऐमायं सत्तमं ग्रथो” अगुजो० १३८; गम० प० २३८; पगह० १, १; (२) श्रौत्य पक्षी; पांचव्या तीर्थक्षरुं श्रावण. कौंच पक्षी; पांचवें तीर्थकर का जांझन. a kind of bird which was the symbol of the 5th Tirthankara. प्रव० ३८१;

कुंच. पुं० (कुञ्च) इत्य नामने अक्ष अनार्य देश. कुंच नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव० १२६८;

कुंचिअ. पुं० (कुञ्चिअ) इत्यक्ष नामने देश; कुंचि मुनिपति नामने आधुने पानाने त्यां सम्पन्न होता. कुंचिक नाम का मेठ हि जियने मुनिपति नामक गायु को अपने यहाँ रखा था. Name of a merchant who had maintained at his house an ascetic named Munipati भक्त० १३३;

कुंचिय. त्रि० (कुंचित) श्रौत्य यथेतः दुंडुभा-क्षर यथेतः वांछ. मोल बना हुआ; कुंड का आकार का बना हुआ; टेढ़ा Curved; bent. उक्त० २२, २४; पगह० १, ४; श्राव० १०; गु० च० २, ३६८; भग० १, १; जीवा० ३, ३; जं० प० २; —**कम्भय.** पुं० (-केशक) वांछा यथेत देश. घुंघराले बाल. curved locks of hair. भग० १५, १;

कुंचिया. स्त्री० (कुंचिका-कुंचियाच्छादयति इति कुंचिका) श्रुती. कुंचा. A key. पि० नि० ३५६;

कुंजर. पुं० (कुंजर को जीर्यतीति कुंजरः

यदिवा कुञ्जे वनगहने रमते रतिम बध्ना-
नीति कुञ्जरः) ग०: ६३१. हाथी; गज;
हस्ती. An elephant टा० ६; भग०
११, ११; नाया० १: ८; १०; जीवा० ३, १;
राय० ४३; आ० उत्त० ११, १८; कप्प०
३, ३३; सं० प० ५, ११५: --अणीअ-य.
पुं० (अनीक) हाथीनी सेना. गज सेना:
हाथी का सेना an army of
elephants. टा० २, १; ७, १.

कुंठ. त्र० (कुण्ठ) विकृत हाथवाले; दुष्ट. टंटा:
विकृत हाथ वाला. (One) with a
defect in an arm. पग० १, १; प्र०
८०२;

कुण्ठन. न० (कुण्ठन) दोन हाथ के पंगे आ-
आपसु होय ते. जिसके हाथ पैर विकृत हो
वह. A defect in an arm or a
leg. आया० १, २, ३, ७८;

कुंड. न० (कुण्ड) दुष्ट कुंडा; पानी का पात्र.
A large vessel or receptacle
of water. जं० प० पल ११; नेदी० ४५;
जीवा० १;

कुंडकालिय. पुं० (कुण्डकालिक) ये नामना
महावीर स्वामीना येदु आ०: ८२ आ०
मंता येदु दय नाम का महावीर स्वामी का
एक श्रावक; दय श्रावक से ये एक. Name
of layman follower of Mahā-
viraswāmī: one of the ten Śrā-
vakas. उवा० १, २;

कुंडग. पुं० (कुण्डक) शृंगधुं कानखजरा;
कान में धुगने वाला एक जन्तु. A kind
of insect. उत्त० १, ५;

कुंडधार. पुं० (कुण्डधार) येदु मतना देत.
एक प्रकार के देव. A species of gods.
राय० १६६;

कुंडमोय. पुं० (कुण्डमोद) हाथीना पयना
अ धारनुं कुंडा जेयुं म दीयुं इ म: हाथीके पैरो

जैसा मिश्रीका कुंडा. An earthen vessel
of the shape of an elephant's
leg. "कंससु कंसपाणसु कुंडमोणसु वापुणो"

कुंडय. पुं० (कुंडक) येदु मतनुं वासयु; दुष्ट.
एक प्रकार का बर्तन. A kind of vessel
नाया. ७.

कुंडरीय. पुं० (कुण्डरीक) दुष्टरी नामना
येदु शब्दकुमार के जे वैराग आये दीक्षा
वन, येदु ह्यतर परे दुष्टी अर अर पाणी,
आ अर तित अर संसारमा आये, येदु अर
वयन विषय से न दरी भयु पाये. भरीने
आतमा नष्टे पायेये. कुंडरीक नाम का एक
राजकुमार कि. जिसने वैराग्य भाव से दीक्षा
ले, एक हजार वर्ष तक वरावर पालन करके
आखिर पतित होकर गंसार में आया, थोड़ा
समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर
गानव नरकमें पहुँचा. Name of a prince
who became a monk and
closely practised asceticism for
1000 years but became degrad-
ed at last and again entered
the world: he enjoyed sensual
pleasures for some time and
after death went to the 7th
hell. नाया० १६; जुवराय. पुं०
(युवराज) दुष्टरी नामना युवराज; पुं०
रामना आ०. कुण्डरीक युवराज, a prince
named Kuṇḍarika. नाया० १६;

कुंडल. पुं० (कुण्डल) शनभां पंढरानुं
दुष्ट नामनुं येदु आभूपायु. कान में पहरेन
का कुंडल नामक गहना. An earring.
जं० प० ५, १२३; ११२; ३, ४५; अणुजो०
१०३; नाया० १: २; भग० ३, १: २; ११.
११; १५, १; राय० २६; जीवा० ३, ३;
आया० १, २, ३, ७६; गम० प० ३३१;

२३७; उत्त० ६, ४; पञ्च० २; १५; ओष० १२; २२; निर्वा० ७, ८; कण्ठ० २, १४; दस० १०१; (२) द्वेद्वीपे दशभा द्वीप अने दशभा समुद्र. दशमें द्वीप और समुद्र का नाम. name of the 10th island and also of the 10th ocean. सूय० १६; जीवा० ३, ४; अणुजो० १०३; — जुगल न० (युगल) शनभां पदेरवाना मे द्वेद्वी. कानो में पदेरने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कण्ठ० ३, ३६; — जुगल न० (—युगल) द्वेद्वीपी देव. कुंडल की जोड़. a pair of ear-rings. नाया० ८; — धर. त्रि० (धर) द्वेद्वीपे धारण करे वाला. (one) who has put on ear-rings. नाया० ८;

कुंडलमह. पुं० (कुण्डलमह) द्वेद्वीपीपता अधिपति देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island जीवा० ३, ४;

कुंडलमहाभद्र. पुं० (कुण्डलमहाभद्र) द्वेद्वीपीपता अधिपति देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island. जीवा० ३, ४;

कुंडलवर. पुं० (कुण्डलवर) द्वेद्वीपराज नामको द्वीप तथा समुद्र. कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र. Name of an ocean; also that of an island. जीवा० ३, ४; (२) द्वेद्वीपीपते आरे तरे द्वेद्वीप द्वेद्वीपराज नामको पर्वत. कुंडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala island on all sides. टा० ३, ४; (३) द्वेद्वीपराज समुद्रना अधिपति देवता. कुंडलवर

समुद्रके अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरभद्र. पुं० (कुण्डलवरभद्र) द्वेद्वीपराज अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरमहाभद्र. पुं० (कुंडलवरमहाभद्र) द्वेद्वीपराज अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभास. पुं० (कुण्डलवरावभास) द्वेद्वीपराज नामको अर्द्धद्वीप तथा समुद्रनुं नाम. कुंडलवरोभास नामको द्वीप अथवा समुद्र का नाम. Name of an ocean; also that of an island. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासभद्र. पुं० (कुंडलवरावभासभद्र) द्वेद्वीपराज नामको अर्द्धद्वीप अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवरोभास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहाभद्र. पुं० (कुण्डलवरावभासमहाभद्र) द्वेद्वीपराज नामको अर्द्धद्वीप अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवरोभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासमहावर. पुं० (कुण्डलवरावभासमहावर) द्वेद्वीपराज नामको समुद्रना देवतानुं नाम. कुंडलवरोभास समुद्र के

देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kuṇḍalavarā-
vabhāsa ocean जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासवर. पुं० (कुंडलवरावभास-
वर) इंद्रवररावभास नामे समुद्रता देवता
नाम. कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम.
Name of a deity residing in
the ocean named Kuṇḍala-
varavabhāsa, जीवा० ३, ४;

कुंडला. स्त्री० (कुण्डला) सुवर्ण विद्युत्पत्नी
मुष्य राजधानी मुवच्छ विजय का मुख्य
राजधानी. The chief capital of
Suvachchhavijay. 'द्रो कुंडलाग्रो'
आ० २, २; ३; जं० प०

कुंडलोद. पुं० (कुण्डलोद) इंद्रोद नामने
अंश समुद्र. एक समुद्र का नाम. Name
of an ocean. ग० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडिआ या. स्त्री० (कुण्डिका) भावना
स्थिति; दुःख; कुंडा; पात्रविशेष. A sort
of vessel. राय० अगुजो० १३२; भग०
१५, १; नाया० १५; पगह० २, ५;
अगुन० ३, १; (२) दमंडल कमंडल. A
kind of pitcher made from
gourds etc. to hold water in.
भग० २, १; ओव० ३८;

कुंडिय. पुं० (कुण्डिक) दमंडल. कमंडल.
A sort of pitcher made from
gourds etc. to hold water in.
नाया० ५;

कुंडियायणीय. पुं० (कुण्डिकायणीय) दुष्टि-
यन यात्रयात्रा. कुंडिकायन गोत्र वाला. One
belonging to the family line
named Kuṇḍikāyana. भग० १५, १;

कुंत. पुं० (कुन्त) भावो. भाला. A spear.
जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; ओव० ३१; जं०
प० ३, ६७; — गग. न० (अग्र) भावानी

अग्नी. भाल की नोक. the point of a
spear. नाया० १५; — गग. त्रि० (-ग्रह)
भावो राखनार. भाला रखने वाला. A
spearman भग० ६, ३३; निसी० ८, ६, २४;
कुंनोदेवी. स्त्री० (कुन्तीदेवी) पाण्डु राजनी
राणी. पांडु राजा की रानी. Name of
the queen of the king Pāṇḍu.
नाया० १६;

कुंथु. पुं० (कुन्धु) द्युन्थाय नामने यात्र
यात्रीसोना १७ भा तीर्थकर अंत ६ ६ यात्र-
पत्नी. कुंथुनाथ नाम के वर्तमान चौधारी के
१७ वे तीर्थकर और ६ ठे चक्रवर्ती.
Name of the 17th Tirthāṅkara
and the 6th Chakravartī of
the present Chovisi. भग० २०, ८;
अगुजो० ११६; सम० २४; ओव० टी० सम०
प्र० १३४; प्रव० २६४; कप० ६, १८६;
उत्त० १८, ३६; (२) त्रयुष्टिप्रतापे अंश
प्रव० इंद्रोद. तीन इंद्रियों वाला एक जीव.
a kind of sentient being hav-
ing three sense-organs. ' पाण
सुद्धे ' आ० ८; दम० ४; भग० ७, ८;
उत्त० ३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; ओव०
नि० ३२३; पत्र० १; कप० ५, १३१;
— जिणिंद. पुं० (-जिनेन्द्र) द्युन्था नामने
१७ भा तीर्थकर. कुन्धु नामक १७ वे तीर्थ-
कर. the 17th Tirthāṅkara
named Kunthu. प्रव० ४१६;

कुंद पुं० (कुन्द) मयदन्तुं इल; भोगराज इल.
मनकुन्दका फूल; मोगरे का फूल. A kind
of flower. नाया० १; ६; १६; भग० ६,
३३; २२, ५; ओव० १०; पत्र० १; उत्त०
३४, ६; राय० ५४; जीवा० ३, ३; कप०
३, ३७; दम० जं० प० ६, १२२; (२) कुन्द
नामनी वनस्पति; वेद. कुंद नामक वनस्पति;
बेल. a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पञ्च० १; —माला. खा० (-माला) भोगराना पुष्पनी माला. a garland of Kunda flowers. कण० ३, ३६; —लया. खा० (-लता) मयकुंद-फल-नी पेड़. मयकुंद के फूलकी बेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda. औ०

कुंदुरुक्का. पुं० (कुन्दुरुक्क) ऐकं जलनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. जं० प० ५, १०२; भग० २३, ३; (२) ग्री०—ऐकं जलनं सुगंधी धूपद्रव्यः श्रीक्षारस. एक प्रकार की धूप; मिलारस. a kind of fragrant substance used as incense. सम० प० २१०; राय० २७; जीवा० ३, ४; मृ० प० २०; औ० नाया० १; भग० ११, ११; कण० ३, ३२;

कुंभ. पुं० (कुम्भ) धंदा; डवश. घडा; कलश. A pot. “ चत्वारि कुम्भापण्णा । तं जहा-पुत्रं नाममेवं नो पुत्रे ” नाया० १७; राय० ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; अग्न्या० १६; १३२, मृ० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; कण० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) १६ मा तीर्थक्षरता पिता. १६ वें तीर्थक्षर के पिता. the father of the 19th Tirthankara. मय० प० २३०; प्रब० ३२५; (३) १८ मा अरनाथ तीर्थक्षरता प्रथम-गणधरनं नाम. १८ वें तीर्थक्षर अरहनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Ganadhara of Aranaṭha, the 18th Tirthankara. सम० प० २३३; प्रब० ३०६; (४) दुंभीमां नारक्षते पक्षपनार परमाधमी. कुंभी में नारक्षीको पकाने वाला परमाधमी. a Paramādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १५; भग० ३, ७; (५)

दुंभरयपनः शैलरयपन तीर्थक्षर, यक्षवर्तीनी माता लुपे छे तेमानुं ऐक. कुंभस्वप्रः तीर्थक्षर, चक्रवर्ती की माता जो स्वप्र देखती है वहः चौदह स्वप्नों में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tirthankara (Chakravarti) sees. नाया० ८; (६) सा आदक, अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण, मान विशेष. दुंभ में प्रक्षरता छे जघन्य अने उच्छृष्ट, जघन्यनं मान उपर अताव्यं, ते. उच्छृष्ट दुंभ से आदक प्रमाण गणाय छे. साठ आदक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण बाट-तोलने के वजन को कुंभ कहते हैं यह जघन्य और उच्छृष्ट रूप में दो प्रकार का होता है जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है और उच्छृष्ट का प्रमाण सो आदक है. तदु० a measure of weight equal to 60 Ādhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Ādhakas.

—जुअल. (-जुगल) ऐ धंदा. दो घडा. two pots. जं० प० ७, १६६; —सहस्स. न० (सहस्र) हजार धंदा. हजार घडा. one thousand pots. जं० प० ३, ५६६;

कुंभकार. पुं० (कुम्भकार) दुंभार. कुम्भार. A potter. उवा० ७, २२०; भग० १५, १; —आचण. पुं० (आपण) दुंभारनी दुकान. कुम्भार की दुकान. a potter's shop. भग० १२, १;

कुंभकारकडग. न० (कुम्भकारकटक) ऐकं प्राचीन नगरनं नाम जयां पावके अंधेदना पांचवीं शिष्याने धाणीमां पीया हुता. एक प्राचीन नगर का नाम जहाँ पालक ने खेचक के पांचवीं शिष्यों को घानी में पेल्ला था. Name of an ancient city in which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill. संख्या० ५८;

कुंभकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) कुंभारनी स्त्री; कुम्भारी. कुम्हारनी. A potter's wife; a female potter. भग० १२, १;

कुंभग. पुं० (कुम्भक) मिथिला नगरीना राजननु नाम. मिथिला नगर के राजा का नाम. Name of a king of the town of Mithila. नाया० ८;

कुंभगमां. अ० (कुम्भकशम्) धरा प्रमाण. घडे के समान. After the size of a pot. भग० १२, १;

कुंभय. पुं० (कुम्भक) कुंभराजः भक्तिनाथना पिता. कुंभराज; मल्लिनाथ के पिता. Kumbharāja; the father of Mallinatha. नाया० ८;

कुंभराज. पुं० (कुम्भराज) कुंभराजः. कुंभराजः. Kumbharāja; the father of Mallinatha. नाया० ८;

कुंभार. पुं० (कुम्भकार) कुंभारः. कुम्हार. A potter. उवा० ७, १८४; पंचा० १, ३४;

कुंभि पुं० (कुम्भिन) उदक मोदना उदयथी गेनु पृथक् चिन्ह तथा वृषण, कुंभ गेनुया मोदनाथना दोष ते; दीक्षित अयोग्य पुरुषभां ना अक. उदक मोद के उदय मे जिसका पुरुष चिन्ह और वृषण, कुंभ के बराबर मोटा होता हो वह; दीक्षा के अयोग्य पुरुष में से एक. A person whose generative organ and testicles swell to the size of a pot through excessive lust or infatuation; one of the classes of persons unfit for Dikṣā. प्रव० ८००;

कुंभिय. न० (कुम्भिक) भगव देश प्रसिद्ध अक प्रमाण. भगव देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. The standard measure of

Magadha country. राय० ६३; (२) त्रि० कुंभ प्रमाण; धरा गेनु. घडे के बराबर, of the size of a pot. राय० ६३; डा० ४, २; (३) अक गननी वनस्पति. एक प्रकार का कुंभिक वनस्पति. A kind of vegetation. भग० ११, ४;

कुंभी. स्त्री (कुम्भी) दाथीना कुंभस्थान. हाथी का कुंभस्थल. The frontal globe on the forehead of an elephant

जं० प० प्रव० ११००; (२) कुंभी. कुंडी. A small water-pot. पगह० १, १;

(३) नारदीजु उत्पत्ति स्थान. नारका जीव का उत्पत्ति स्थान. the birth place of hell-beings. पगह० १, १; — **पाग.** पुं० (-पाक) कुंभी नामका पात्रभा पत्रावृत्त. कुंभी नामक पात्र में पकाना. cooking in a vessel called Kumbhī. सम० ११;

कुंभीमुह. न० (कुम्भीमुख) सांद्रा मोटावाणी दाथी. सकेडे मुह की हंडी. A small earthen pot with a narrow mouth. आया० २, १, २, १०;

कुंभ. पुं० (कुंभ) शकृष्ण. कबुआ. A tortoise. आया० १, ६, १, १७२;

कुंभीम. त्रि० (कुंभीमन्) क्षुब्ध काम-धंधा करनेवाला कुंभार, कुंभार वगैरे. कुंभीम-खराब धंदा करने वाला; लुहार, कुंभार वगैरे. (One) engaged in a bad profession e. g. an ironsmith, a potter etc. गृय० १, ७, १८;

कुंभीम. पुं० न० (कुंभीमन्) अराध काम. खराब काम. A bad or wicked action. ओष० नि० भा० ६०; निमा० ४, ५५

कुकुइअ. न० (कौकुच्य) शरीरादिनी चप-चाप-कुच्य. शरीरादि की चपलता-कुच्यता. Unsteadiness of the motions of the body etc. regarded as a defect. वेय० ६, १६;

कुकुइअ. त्रि० (कौकुचिक = कुत्सितमप्रत्यु-
पेक्षितत्वादिना कुचितमवस्थान्दितं यस्य स
कुर्कुचितः कुक्कुचा अवस्थान्दनं प्रयोजनमस्येति
कौकुचिकः) द्वयद्वय ओषो अवाज करनार.
कुक्कुच आवाज करनेवाला. (One)
making a sound resembling
the pronunciation of the words
Kucha Kucha. ओष० ३८; उत्त०
१७, १३; भग० ६, ३१;

कुक्कुल. पुं० (*) आखा. कंडा. A cake
made of cow-dung etc. used as
fuel. परह० १, १;

कुक्कुइअ. न० (कौकुच्य) मुष्पनेत्रना विहार
वाली क्रिया-चेष्टा. मुख और नेत्रोंका विकार-
वाला क्रिया-चेष्टा. An action accom-
panied with gestures of the
face and the eyes. पंचा० २४;

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुट) द्रुक्षे. सुगा. A
cock. निमो० ६, २३; पञ्च० १; नंदो० ४६;
परह० १, १; ओष० अगुजो० १२८; आया०
२, १, ६, ३१; उत्त० ३६, १४६; भग०
१, १; टा० ७, १; उवा० ५, २१९;

—**पंजर.** न० (-पंजर) द्रुक्षे. पांजर.
मुँगेका पिंजरा. a cage in which
cocks are confined. प्रव० १४१५;

—**पोय.** पुं० (-पोत) द्रुक्षे. अय्यु. मुँगे
का बच्चा. a chicken. भग० १८, ८;
दस० ८, ५४; —**मंसय.** न० (-मांसक)
द्रुक्षे. मुँगे का मांस. the flesh
of a cock. (२) शिलापाक. कोले का
पाक. a preparation made of
sugar, spices and a kind of
pumpkin gourd. भग० १५, १;

—**लक्खण.** न० (-लक्खण) द्रुक्षे. लक्खण
जेवानी कला. मुँगे के लक्खण देखने
की कला. the art of testing the
merits or demerits of a cock.
नाया० १; जं० प० २; ओष० ४०; सम०
—**वसभ.** पुं० (-वृषभ) ओषे. द्रुक्षे.
बड़ा मुर्गा. a big cock. भग० १२, ८;

कुक्कुडग. पुं० (कुक्कुटक) द्रुक्षे. मुर्गा. A
cock. भग० २, ५;

कुक्कुडिया. स्त्री० (कुक्कुटिका) भुर्गी; द्रुक्षे.
मुर्गी. A hen. नाया० ३;

कुक्कुडी. स्त्री० (कुक्कुटी) द्रुक्षे. मुर्गी. A
hen. प्रव० ७८२; पंचा० १६, २१; नाया०
३; विशेष० १८१८; भग० १, ६; ७, १; २५,
७; ओष० १६; निर० १, १; (२) भाषा:
द्रुक्षे. मया: छल: कपट. deceit; fraud.
पिं० नि० २६७; —**अंडग.** न० (-अण्डक)
द्रुक्षे. मुर्गी का अंडा. a hen's
egg. वव० ८, १५; —**अंडमेत.** त्रि०
(-अण्डमात्र) द्रुक्षे. मुर्गी के अंडे के आकार का. of the size of
a hen's egg. प्रव० ७४२; —**पिच्छुअ.**
न० (-पिच्छक) द्रुक्षे. मुर्गी के
पंख. the feathers of a hen.
निर० १, १;

कुक्कुयय. न० (*) मुष्पनेत्रना धुधरे.
खुनखुना. A toy for children giv-
ing out a jingling sound when
shaken. न्य० १, ४, २, ७;

कुक्कुर. पुं० (कुक्कुर) द्रुक्षे. कुत्ता. A
dog. आया० १, ६, ३, ३;

कुक्कुस. पुं० (कुक्कुस) ओषे. लतनं धान्य.
द्रुक्षे. एक प्रकार का कुसका धान्य. A

kind of grain. आया० २, १, ६, ३३;

निसी० ४, ५५; दस० ५, १, ३४;

कुक्कुट. पुं० (कुक्कुह) चार ध्रिय वाला
शुच. चार इन्द्रियो वाला जीव. A four-
sensed living being. पञ्च० १;

कुखगद्. स्त्री० (कुखगति) अशुभ विक्षयस
गति-यावयानी गति. अशुभ विहायस गति-
चलन का गति. Bad gait. क० गं०
२, ५; ३, ४; ५, ३२;

कुगग्रह. पुं० (कुग्रह) पाँदा आग्रह; द्वादशद.
दुराग्रह. Obstinacy in a wrong,
false cause. पंचा० ३, ५० १० ४; भन०
५३; —संका. स्त्री० (-शङ्का) द्वादशद तथा
शंका दुगग्रह तथा शंका. obstinacy
and doubt. प्रव० ६६६; —हविग्रह.
पुं० (हविग्रह) मिथ्या अभिनिवेशना नाश.
मिथ्या अर्गानवेश का नाश. destruc-
tion, banishment of false
attachment पंचा० २, ४४;

कुगग्रहीय. वि० (कुग्रहीत) नारी रीति ग्रहण
करेयु. बुरी तरह से ग्रहण किया हुआ.
Taken by, got by foul means.
उत्त० २१, ४४;

कुचरा. वि० (कुचर कुम्भितं चरन्तीति कुचराः)
नारके आचरण करनेवा; परस्त्री भजन कर-
नेवा; खराब चालचलनवाला. (One)
of bad character, e. g. a thief,
an adulterer etc. आया० १, ६, २, ८;

कुचेल. वि० (कुचेल) अशुभ वस्त्रधारी;
दुस्मिन् वस्त्र पहनेवा. खराब कपड़े पहने
वाला. (One) who puts on bad
clothes or garments. "दुहजीविणो
कुचला, कुवितय चोरा चंडाल मुद्रिया"
अणुजो० १२८;

कुच्च. पुं० (कूर्च) दाँतीया; बाण ओगवानुं
साधन. कंगवा; कंगा. A comb. उत्त०

२२, ३०; (२) ओंके मतनुं घास. एक
तरह की घास. a kind of grass.
पगह० २, ३; (३) दाढ़ी. दाढ़ी. beard.
ओष० नि० भा० ८३;

कुचंधर. पुं० (कूर्चंधर) दाढ़ीवाला. दाढ़ी
वाला. Bearded. ओष० नि० भा० ८३;

कुचवग्न. न० (कूर्चवक) शर नामना रोपानुं
पाथरायुं देता दुयय अने छे ते. शर नामक
पाँप का बना हुआ बिछौना. A mat
made of a plant named Sara.
आया० २, ३, ३, १००;

✓ **कुच्छ**. धा० I. (कुथ्) डोबायायुं; पना-
यायु. सडाना; भिजाना. To soak in
water.

कुच्छेजा. विधि० अणुजो० १३४; भग० ६, ७;
कुच्छिहिह. पि० नि० २३८;

✓ **कुच्छ**. धा० I. (कुम्भ) निंदा करने.
निंदा करना. To censure; to cast
blame on.

कुच्छामि. विशेष० ३२७३;

कुच्छुग. पुं० (कुम्भक) ओंके मतनुं घास;
वनस्पति. एक प्रकार की घास. A kind
of grass or vegetation. मय०
२, २, ७;

कुच्छुगिज. वि० (कुम्भ) निंदा करने
योग्य; निंदापात्र. निंदा करने के योग्य;
निंदा पात्र. Worthy of censure or
reproach. पगह० १, ३;

कुच्छा. स्त्री० (कुम्भा) निंदा निंदा. Cen-
sure; blame; reproachful words.
पि० नि० १४५; क० गं० १, २१; ५, २; ६२;

कुच्छि. स्त्री० (कुचि) कुंघ. कोख; कुक्षि.
The interior of anything. विवा०
१; ७; नाया० १; ८; भग० ६, ७, ७, ६;
१५, १; सु० च० २, ६६३; अंत० ३, ८;
पि० नि० ६४२; जं० प० जीवा० ३, ३;

प्रव० १३६१; उवा० २, १०१; (२) पेट;
गर्भस्थान. पेट; गर्भस्थान. the belly;
the womb. जं० प० २, १६; २, २०;
काप० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६;
ओव० १०; पि० नि० ३५२; (३) गे हाथ
प्रमाण भाप; गज. दो हाथ प्रमाण नाप;
गज. a measure of length equal
to two cubits; a yard. जावा०
३, ४; नंदी० १४; अणुजो० १३४; —किमि.
पुं० (-कृमि) दुग्धभां उत्पन्न यतो कृमि-
क्षिप्त. कोंख में उत्पन्न होने वाली लट्-कृमि.
a worm generated in the belly.
पत्र० १; —किमिय. न० (कृमिक)
दुग्धभां उत्पन्न यतो कृमि. a worm
in the belly. निर्मा० ३, ४२; —सूल.
न० (-शूल) दुग्धभां शयाश आये शूल
थाय ते. कोंख में शूल का होना. shooting
pain in the belly; colic. तंदु० नाया०
१३; भग० ३, ७;

कुच्छिधार. पुं० (कुच्छिधार) नावतो निर्वा-
भक्ष; युद्धात्मी नाव का निर्वाभक्ष; सकानि.
One who is at the helm of a
ship; a helmsman. जं० प० ५, ११२;
नाया० ८; १७;

कुच्छिय. त्रि० (कुस्मिन्) अराध. खराब;
बुरा Bad; evil; deserving censure.
विशे० २६६६; पंचा० ७, १२; —मल.
त्रि० (-शिल) अराध आचारराग. बुरे
चाल चलन वाला. (one) of bad con-
duct or character. विशे० ५२०;

कुच्छियत्त. न० (कुस्मिन्त्व) अराधो;
निन्धना. बुरापन. State of being
worthy of censure; badness.
विशे० ५२१;

कुच्छुभरिय. पुं० (कौस्तुभरिक) ओष्ठ
गतनुं वृक्ष. एक प्रकार का वृक्ष. A kind

of tree. भग० २२, ३;

कुजअ. त्रि० (कुजय) जेतो जय इत्सित-
निन्दित छे ते, जुगारि. जिसकी जीत निन्दित
है वह; जुगारि. (One) whose
victory or success deserves to
be censured i. e. a gambler.
मय० १, २, २, २३;

कुज. त्रि० (कुज्ज) कुपडा. कुवडा. Hump-
backed; crooked. सु० च० १, १७;

कुजय. पुं० (कुज्जक) गुलाब, मेवतीनुं
आ. गुलाब, मेवती का वृक्ष. A rose-
tree. पत्र० १; नाया० १, ८; जं० प० ५, १२२;

✓ **कुज्ज.** धा० I. (कृ+य) डोप डरेवा.
कोप करना. To be angry.

कुज्जे. विधि० मय० १, १४, ६;

कुटिल. त्रि० (कुटिल) बाँटुं युद्ध; वक्र. टेढ़ा
निरझा; वक्र. ('rooked; tortuous. तंदु०

कुटुंब. पुं० (कुटुम्ब) परिवार. कुटुम्ब; परिवार.
A family; a family circle. भग० ३,
१; १८, २; —जागारिया. स्त्री० (-जागरिका)
कुटुम्बसंगे थी रियार डरेवा ते. कुटुम्ब
सम्बन्धी चकार करना. thinking about
one's family. भग० ३, १; १५, १;

✓ **कुट्ट.** धा० I (कुट्ट) द्रुतयुं; आदयुं.
कटना. To pound; to grind.

कुट्टिनि. आया० २, १, ६, ३४;

कार्टुसु. भू० आया० २, १, ६, ३४;

कुट्टिजमाण. क० वा० व० क० गय० १६;

कुट्टिय. मे० क० भग० १४, ८;

कुट्टण. न० (कुट्टन) द्रुतयुं; भारयुं; कटना;
मारना. Beating; Pounding. " कुट्टि
जंतीणं कच्छभीणं चित्तविणाणं " गय०
ओव० ४१; मय० २, २, ६२; दमा० ६, ४;

कुट्टिनिया. स्त्री० (कुट्टिका) अनाजने आंठ-
नारी. अनाज को कटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७;

कुट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भूमितल भोतणीयुं. भूमि-
तल. (Ground-floor. भग० ८, ६; श्रोव०
३१; कप्प० ४, ६२; —तल. न० (—तल)
भोतणीयुं. तलघर. ground-floor.
नाया० १; श्रोव० ३१; राय० १०५; जीवा० ३;

कुट्टिय. त्रि० (कुट्टित) धुंठुं कूटा हुआ.
Pounded. प्रव० ८५, ७;

कुट्टिलश्र. पुं० (कुट्टिलक) ऐ नमन्ता ऐक
आधु. इस नामका एक साधु. Name of
an ascetic. विवा० ६;

कुट्ट. पुं० (कुट्ट) श्रैः ऐक नमन्ता सुगंधी
द्रव्य. एक प्रकार का सुगंधित वस्तु. A
kind of fragrant substance. मय०
१, ४०, ८; विशेष० २६३; (२) दृष्टयेजः श्रैः.
कुट्ट रोगः कोट. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्टग. न० (कोष्टक) श्रैः श्रैः कोष्टकः
कोटा. A column. दग० ५, १, २१; ८२;

कुट्टाण. न० (कुम्भान) दृष्ट स्थान. मराव
स्थान. An impure place; a bad
place. भग० ५, ६;

कुट्टि. त्रि० (कुट्टिन्) श्रैः कोटा. (One)
affected by leprosy. मय० १३, ६४;

कुट्टिआ. स्त्री० (कोष्टिका) धान्य राखने
के लिये बनी हुई कोटा. धान्य रखने
की मिश्री की कोटा. A large earthen
cylindrical vessel to store
grain in. आया० २, १, ७, ३७;

कुड. पुं० (कुड) श्रैः रोग. कोट की
बोमार. Leprosy. जीवा० ३, ३;

कुड. पुं० (कूड) पर्वत. पर्वत. A moun-
tain. जीवा० ३, ३; दमा० ६, ४; राय०
४०; १००; (२) दृष्टान्तः दाखलो. दृष्टान्त;
उदाहरण an illustration; an ex-
ample. विशेष० २२, ४०; (३) अन्तर.

अमयः. झूठ. falsehood. राय० २०७;
भग० ७, ६; (४) ऐक प्रकारनी पाश.
एक प्रकार का पाश. a kind of snare.
विवा० २; —अंतर. न० (—अन्तर) ऐ
दुट-शिखर पर्वतों के अन्तर. दो कूट शिखर
के बीच का अन्तर. the interval, dis-
tance, between two summits.
भग० १२, १; —ग्राह. त्रि० (—ग्राह) दुट-
पाश धारण करने वाला. पाश रखने वाला.
(one) who holds a snare or a
trap in the hands. विवा० २; —ग्रा-
हिणी. स्त्री० (ग्राहिणी) दुट-
पाश धारण करने वाली. कूट ग्राहिणी. a woman,
who holds in her hands a snare
or a trap. विवा० २; —तुल. न० (—तुल)
झोटा तोला. झोटा तोल. false weights.
दमा० ६, ४; —माण. त्रि० (—मान) झोटा
माप. झोटा माप. false measure.
दमा० ३, ४;

कुडअ. य. पुं० (कुडज) दृष्ट वृक्ष का
इन्द्रजव का झाड़. A kind of tree.
प्रव० ५३८; ज० प० जीवा० ३, ४; अशुजो०
१३१, आव० नाया० १; ६; पञ्च० १;

कुडंग. पुं० (कुडङ्ग) घर के छत के
छपर. A roof of a house. विवा० ३;
(२) ऐ नामकी ऐक द्वीप. इस नामका एक
द्वीप name of an island. श्रोव० नि०
भा० २३६; पंशुवृक्ष. बांस का वन. a
forest of bamboos. नाया० १८;

कुडग. पुं० (कूटक) घटा. घडा. A pot
विशेष० १४५, ४; नंदो० ४४; (२) ऐक वनकी
ऐक प्रकार की वनस्पति. एक प्रकार की
सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of
plant bearing white flowers.
भग० २२, ३; पञ्च० १७;

❖ **कुडभि.** स्त्री० (*) -छोटी ध्वजा. A small flag; a small banner. “ कुडभी सहस्स परिमण्डि याभिरामो हृद्भञ्जो ” सम० ३४: राय० ७०; जा० ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि० (*) दुर्रूपो; भेदपूर्ण रूप-
देषात्. खराब रूप: बेडौल रूप. Ugly appearance: repulsive in appearance. श्रौघ० नि० भा० ३२०;

कुडागार. पुं० (कुडागार) पर्वतना शिखरमां शतरेख धर: शिखरना आधारनु भेदान. शिखर के आकार का घर. A house carved out from the summit of a mountain; a house of the shape of the summit of a mountain. निर्मा० ८, ५; राय० १००: वि० ३, ३; —**साला.** स्त्री० (-शाला) शिखर-
अथ शाला-भेदान. शिखर के आकार का घर. a house with a spire at the top. दशा० १०, ३; राय० २५०; भग० ३, १: २, १३: ४: १८, ५;

❖ **कुडाल.** पुं० (*) दणतो उपरो भू. हल के उपर का हिस्सा. The upper part of a plough. उवा० २, ६४;

कुडिल. त्रि० (कुडिल) बाँकुंयुद्धं टेडा तिरछा. Crooked; tortuous. नाया० ८, ६; श्रौघ० २१; भग० १५, १: सु० च० २, २०; उवा० २, १०७;

कुडिलत्त न० (कुडिलत्व) दुष्टता; दुष्टित्व. दुष्टता. Wickedness; crookedness. सु० च० १२, ४७;

कुडिव्यय. पुं० (कुडिवत्त) धरमां रदी कोधा-
दिङ् कथाय के अदंकारनो त्याग करे तेयो परि-

प्राण०. घरमें रहकर क्रोधादि कषाय और अहंकार का त्याग करने वाला परिवाजक. An ascetic getting rid of anger etc. or pride without leaving the house in which he stays. श्रौघ० ३८;

कुडी. स्त्री० (कुटी) ओरटी; जुंपटी. कोठई. A room; a hut; a cell. श्रौघ० नि० १०५; भक्त० १२३;

कुडीर. न० (कुटीर) जुंपटु: निर्धननु धर. कोपडा: निर्धन का घर. A hut; a cottage; a hovel. तंदु०

कुडुंब. पुं० (कुडुम्ब) कुटुम्भ परिवार. कुटुम्ब; परिवार. A family. नाया० १, ३; ५: ७: १२: १६: पि० नि० ६६: उवा० ८, २३८: —**जागरिया.** स्त्री० (जागरिका) कुटुम्भ अथवा पितार डरयो ते. कुटुम्ब सम्बन्धा विचार करना. thinking about one's family. नाया० २, १४: वि० ७;

कुडुंबिय त्रि० (कुडुम्बिक) कुटुम्भी: आस कुटुम्भतो भाज्यस. कुटुम्बा; कुटुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family; (one) belonging to a family. (२) दण्डुपी. नौकर. an attendant e.g. on a king. श्रौघ० कण्ठ० ३, ३६;

कुडुय. पुं० (*) पर्वतपी शिखर. पर्वत का शिखर. Summit of a mountain. भग० १५, १;

कुडु. न० (कुड्य) दीवाल; भीत. भौत; दीवाल. A wall. भग० ८, ६: विशेष १४२६: उक्त० २५, ४०; पगह० १, १; पि० नि० २६८: —**अंतर.** न० (-अन्तर) भीत अथवा राटीनु अंतर. भौत अथवा टट्टा

का अन्तर. interposition; intervention of a wall. उत्त० १६; १; प्रव० १६५;—अन्तरिय. त्रि० (-अन्तरित) भीतने आंतरे रहैस. दीवाल की आड रहा हुआ. hidden by a wall. नाया० १६; कुट्टा. स्त्री० (कुट्ट्या) पातालना कलशानी छिंदरी. पाताल के घड़े की ठीकरा. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world). जीवा० ३, ४; प्रव० १५६०;

कुण. धा० I. (कृ) करयुं; रचयुं; यत्नाययुं. करना; रचना; बनाना. To do; to make. कुणह. उत्त० ६, २६; अणुज्ञो० १३०; विशेष० २७२; पि० नि० ६८; प्रव० ६८; कवा० १, ४८; ५३;

कुजा. उत्त० २, ३३;

कुणउ. मु० च० १, १;

कुण. आज्ञा० विशेष० ६४३; मु० च० ६, ४३;

कुणमु. भूत० अणुज्ञो० १२६; पि० नि० ४६६;

कुणंत. उत्त० २६, २६;

कुणअ. विशेष० १६५;

कुणमाण. विशेष० ४६; मु० च० १, ३१५; २, ११७; उत्त० १४, २४; पंचा० १८, २६;

कुणक. पुं० (कुणक) द्रव्यक नामनी अंड वनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुणक) Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कुणाल. पुं० (कुणाल) द्रव्यात्र नामनी अंड देश. एक देश का नाम (कुणाल). Name of a country. नाया० ८; पञ्च० १; राय० २१०; (२) द्रव्यात्र राज्ञ, जेतुं श्रीजुं नाम संप्रति राज्ञ दत्तुं; भौर्यवंशी अन्द्र-शुभतेना प्रप्रात्र; सिंदुसारनी पौत्र अने अशोकनी पुत्र द्रव्यात्र. मौर्यवंशी चंद्रगुप्त का प्रप्रात्र; सिंदुसार का पौत्र; अशोक का पुत्र;

कुणाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पड़ गया था. King Kuṇāla also called Samprati, the son of Aśoka and grandson of Bindusāra. विशेष० ८६१;—अहिबइ. पुं० (-अधिपति) द्रव्यात्र देशनी अधिपति. कुणाल देश का अधिपति. The king of the country named Kuṇāla. डा० ७, १; नाया० ८;

कुणाला. स्त्री० (कुणाला) द्रव्यात्र नामे उत्तर तरङ्गी अंड नगरी; उज्जैनी नगरीतुं श्रीजुं नाम द्रव्यात्रा दत्तुं अम पल्लु क्योड लभैत्र छे. कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी; उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है. Name of a city in the north; (in some works it is also stated that Ujjain was so called). वेय० १, ४६; ४, २८; संख्या० ८; कण्ठ० ६, ११;

कुणि. त्रि० (कुणिन्) दाथ अथवा पशु न्दाने भेदोदा दाथ अथवा गर्भनी दोपवासी. दाथ अथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोपवाला. (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other. पण्ड० २, ५;

कुणिम. न० (कुणप) मांस. मांस. Flesh. ओव० ३४; डा० ४, ४; सूय० १, ६, १, ८; भग० ६, ३३; जीवा० ३, १; पि० नि० २६२; (२) शव, मुर्दा. शव; मुर्दा. a corpse; a dead body. जं० प० भग० ७, ६; अणुज्ञो० १३०; पण्ड० १, ३;—आहार. पुं० (-आहार —कुणपः शवस्तद्रसोऽपि वसादिः कुणस्तदाहाः) मांसनी आहार. मांस का आहार. flesh-food. (२) त्रि० मांसाहारी. मांसाहारी. a flesh-eater. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६; ८, ६;

कृणिय. पुं० (कृणिक) दृष्टिक राज्ञः श्रेष्ठिकने पुत्र. कृणिक राजाः श्रेष्ठिक का पुत्र. King Kūnika, the son of Śreṇika. भग० ७, ६;

कृणिया. स्त्री० (कृणिता) ऋषी ऐकं दाय अथवा पय नदीनां भेदादि यत्र गयो दैव तेः साय रोगमानो ऐक रोग मोलह रोगोमे मे एक रोगः त्रिभमे एक हाथ अथवा एक पैर छोटा बड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other. आया० १, ६, १, १०२;

कुण्डरि. स्त्री० (कुन्दरी) इन्द्रो नाम्नं इन्द्र. एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) ऐ नाम्नी ऐकं वनस्पति एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कुनिस्थि. त्रि० (कुनीस्थिन्) जुष्टा "कुनिस्थि य" शब्द. देखो "कुनिस्थि" शब्द. Vide. "कुनिस्थि" उक्त० १०, १०; प्रव० ६५, १;

कुनिस्थि. त्रि० (कुनीस्थिक) पाण्डितः दृष्टित-अथवा तीर्थ भग्ननादः मिथ्यावादी. पाण्डितः सराव धर्म का माननेवाला मिथ्यावादी. A person following a false, heretical creed. नाया० ५;

कुतुंबक. पुं० (कुस्तुम्बक) ऐकं वदतुं वादित. एक प्रकार का वाजा. A kind of musical instrument. ज्ञावा० ३, १;

कुतुप. पुं० (कुतुप) धी तेज सम्भवात् वासजः दुष्टो. धी तेल रखनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc. जं० प०

कुत्तार. त्रि० (कुतार) अशाय ताडः पोते दुष्टे

अने भीतने हुआउं तेवो. कच्चा तैराकः खुद डूबे और दूसरे को डुबावे ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा० ३१;

कुत्तिश्च य न० (कुत्तिश्च=कुत्ति पृथिव्याः संज्ञा तस्यास्त्रकं कुत्तिकम्) अर्थः, भूतयः अने पाताल ऐ त्राय लोके. स्वर्ग, मृत्यु और पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nother world. आवा० १६;

कुत्तिकापण. पुं० (कुत्तिकापण=कुत्तिकं स्वर्ग-मर्त्यपाताललक्षणं भूतयः तत्संभाव वस्तु पि कुत्तिकं कुत्तिकमापणायति व्यवहरति अस्मां कुत्तिकापणः) तन्त्र लोकां निपन्नां दरेद वीज न्यायी वेद्यानी भरी शंके नेवी भेदी दृष्टाव ऐसी दृष्टान जहां तीनों लोक मे उत्पन्न होने वाला प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० ६, ३३; नाया० १; आवा०

कुन्ध. अ० (कुत्र) कहां. Where. नाया० ३;

कुन्ध. वा० १ (कुथ्) श्राद्ध नृत्यः अगदी नृत्य. मड जानाः बिगड जाना. To spoil. कुन्धेजा. त्रि० जं० प० २, १६;

कुन्धिश्च त्रि० (कुन्धित) निन्दितः अशाय. निन्दित. Bad; evil; deserving censure. आवा० नि० १६६;

कुन्धुमरि. स्त्री० (कुन्धुम्बरी) धातुनां गुन्धः अथ मरी. धनिये का पौधा. A collection of coriander plants. पञ्च० १;

कुदंड. पुं० (कुदण्ड) ऐकं वदतुं अन्धत. एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. पण्ड० १, १; नाया० १;

कुदंडग. पुं० (कुदण्डक) प्रहार भारवाने
झरडा. प्रहार करने का चावुक. A whip
used for flogging. पगढ़० १, ३;

कुदंडिम. न० (कुदण्ड) दुस्तिन दंड: गुन्दा
इसता आंछा दंड. थोडा दंड. Inade-
quate punishment. नाया० १:
भग० १, ११;

कुदंमण. न० (कुदंशन) विपरीत श्रद्धात;
मिथ्यात्व दर्शात. विपरीत श्रद्धात; मिथ्यात्व
दर्शन. False, heretical faith or
creed. पञ्ज० १; उक्त० २८, २८; " इमे
विचित्तिं कुदंमणं अमदभाव चादिगो
परणवेति " पञ्ज० २;

कुदिट्टि. स्त्री० (कुट्टि) मिथ्यात्व दष्टि:
विपरीत दष्टि. मिथ्या दष्टि: विपरीत दष्टि.
False faith; heretical faith.
उक्त० २८, २८; प्रव० १७३;

कुदाल. पुं० (कुदाल) लोहीन आदकन
दधियार: श्रद्धाली जमान मोर्दन का हाथियार;
कुदाली. A spade. पगढ़० १, १; जे० प०
२, १६;

कुड. त्रि० (कुड) क्रोधी: गुस्से शयैत. क्रोधी
Angry; enraged. पंजा० १५, ३३;
प्रव० १२८६; उक्त० २७, ४; भग० ७, १०;
१४, ८;

कुपकम. त्रि० (कुपज) नीचपदनेता. नीच पज
का. Belonging to, espousing a
cause that is low or mean.
आया० २, ८, १, १३४;

✓ **कुप्प.** धा० I. (कुर) क्रोध इशे: गुस्से
शयै. कोप करना: गुस्मा होना. To be
angry; to get enraged.

कुप्पई. दम० ६, २, ४;

कुप्पिजा. उक्त० १, ६; दम० ८, ४८; १०, १, १८;

कुप्पे. आया० १, २, ३, ७७; दम० ५, २,
३०; १०, १, १०;

कुप्पत गु० च० ७, ३०३;

कुप्पमाण. भग० ७, ६;

कोवे. प्र० उक्त० १, ४०;

कोवइजा. प्र० वि० दम० ६, १, ६;

कुप्प. न० (कुप्प) आसन शय्या वगैरे शय-
स्थीयु: धरवअरी. आसन शय्या वगैरह.
Household furniture, such as
beds, chairs etc. पंजा० १, १८:
—**संखा.** स्त्री० (—संखा) शयस्थीयु: के
धरवअरीनुं परिमाण आंधयुं ते. setting
a limit to one's possession in
the matter of household
furniture. प्रव० २८०;

कुप्पर. पुं० (कुपर) गाडी के शयनी पिंठगी.
गाडी या गथ का पिंजगा. A part of a
carriage. " मे रहवरम्म कुप्परामहा "
जे० प० ३, ४८; (२) क्रोधी. कहना. the
elbow पि० नि० ११८; प्रव० ७४;

कुप्पावयणिय. न० (कुप्पावचनिक) पापली-
आता प्रत्यनंत अंधारे तेषाने इशानुं
आवश्यक— दिन दृश्य. पाखंडियों क शास्त्र
के आधार के अनुसार उन लोगों के करने का
आवश्यक दैनिक कृत्य. A daily reli-
gious rite prescribed by false,
heretical scriptures. अमुजो० १८;

कुवेरदत्त. पुं० (कुवेरदत्त) अ नामने अइ
शे. इस नामका एक नेठ. Name of a
rich merchant. भक्त० ११३;

कुव्वर. पुं० (कुवर) धोसरी: गजानी धुरी. गाडे
का जुडा. The yoke of a carriage.
(२) मल्लिनार्थना यक्ष. मल्लिनाथ का यज्ञ-
नाम of the Yaksha of Malli-
nātha. प्रव० ३७६;

कुभोइ. त्रि० (कुभोजिन्) दृष्ट भोजन
इशार. खराब भोजन करने वाला. (One)

who takes bad, unwholesome food. भग० ७, ६;

कुमद. पुं० (कुमद) सातमा देवलोकजुं कुमद नामे ओक विमान; ओना देवतांनी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे; ओ देवता साअ आह भदिने आसोच्छवास ले छे अने सत्तर हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देव लोक के विमान का नाम; इसके निवासां देवों का स्थिति सत्रह सागरोपम का है और साठे आठ मास बाद वे एक बार आसोच्छवास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Dvaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम० १७;

कुमार. पुं० (कुमार) आलस. बालक. A boy; a lad. सु० च० २, ३८६;

कुमारत्त. न० (कुमारत्व) कुमारअवस्था. कुमार अवस्था; बाल्यावस्था. Boyhood. सु० च० १३, ५१;

कुमार. पुं० (कुमार) आह परस्थी उपरती आलस; कुमार; कुंवर; अविवाहित. बालक; कुमार; कुंवर; अविवाहित; कुंवारा. A boy; an unmarried lad. उत्त० १२, १६; १४, ३; सूय० १, ७, १०; नाया० २; ५; ८; १४; १६; १८; भग० ५, ४; २४, १२; जं० प० अंत० ३, ८; दसा० ६, ४; निर० ३, ४; उवा० ८, २५६; (२) अराध मरण. खराब मरण. bad, unfortunate kind of death. नाया० १४; (३) असुर कुमार आदिदेवता. असुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. जं० प० भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —गह. पुं० (-ग्रह) असुर कुमारदिने

वदथाअ. असुर कुमारादि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. जं० प० २; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —वास. पुं० (-वास) कुमार अवस्था; ब्रह्मचर्य आश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor. “कुमारवाममज्ज्वमित्ता मुंडे जाव पव्वइया” ठा० ५, ३; कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०; —समण. पुं० (-श्रमण) कुमार-वस्थाभार्या दीक्षा दीक्षित आस अन्नयात्री. कुमार अवस्था में ही दीक्षा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one) who has taken Diksā (initiation) from early boyhood. अंत० ३, ८; राय० २१५; उत्त० २३, २;

कुमारत्ता. स्त्री० (कुमारता) कुंवारापण. कुंवारापन; अविवाहितपन. State of being a maid or a bachelor. नाया० ८;

कुमारपुत्तिअ. पुं० (कुमारपुत्रक) ओ नामना ओक निग्रन्थ साधु. इस नाम के निग्रन्थ साधु. Name of a Nigrantha ascetic. सूय० २, ७, ६;

कुमारभिअ. पुं० (कुमारभृत्या—कुमाराणां बालानां भृत्यां पोषणे साधुः कुमारभृत्या) आयुर्वेद शास्त्रने ओक भाग के जेमां न्दानां छेअना रोगनी चिकित्सा अतावी छे. आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग जिनमें कि छोटे २ बच्चों की चिकित्सा बतलाई है. A division of Āyurveda medical science treating of the diseases of children. ठा० ८, १;

कुमारिअ. पुं० (कुमारक = कुत्तितो मारणीय

सन्वस्यातीववेदनोत्पादकत्वाच्चिन्यो यो मारो
मारणं स विद्यते येषां ते कुमारकाः)
अराय शिकारी. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारी.
A bad, cruel hunter. आंध्र० नि०
भा० ६०;

कुमारिया. स्त्री० (कुमारिका) कन्या; कुमारिका-
शिक्षा. कन्या; कुमारी. A girl. राय० ८१;
नाया० २; दम० ५, १, ४२;

कुमारी. स्त्री० (कुमारी) कुमारिका; अविवा-
हित स्त्री; कन्या. कुमारी; लडकी; अविवा-
हित कन्या. A virgin; a girl. सूय०
१, ४, १, १३; नाया० १८; राय० ८१; कण्ठ०
३, ३८;

कुमारलेच्छुह. न. (कुमारलिप्सु) कुमार-
लेच्छुनामनुं विपाक सूत्रनुं दशमं अध्ययत.
विपाक सूत्र का कुमारलेच्छु नामक दशवां
अध्याय. The tenth chapter of Vi-
paka Sutra named Kumara-
lechehhi. डा० १०, १;

कुमुद य. न० (कुमुद) चन्द्र विराशी कभज.
चंद्र देखकर फूलनवाला कमल. A moon-
lotus. राय० ४८; जं० प० दम० ५, १;
१४, १६; उत० १०, २८; सूय० २, ३, १८;
नाया० ४; जीवा० ३, १; कण्ठ० ५, ११६;
(२) सफेद फूल. सफेद फूल. a white
flower. विशेष ११०५; —वण. न०
(वन) चन्द्रविराशी कभजनुं वन; चन्द्रवि-
राशी वन. चन्द्रविकाशा कमल का वन. a
forest of moon-lotuses. कण्ठ० ३,
३८;

कुमुद. न० (कुमुद) सफेद कभज; चन्द्रविराशी
कभज सफेद कमल; चन्द्रविकाशा कमल. A
white lotus. पञ्च० १; राय० ४८;
नाया० १; ६; १२; भग० ६; ३३; (२)
पश्चिम महा विदेहना दक्षिण आंध्रवानी मेरु
तरङ्गती छट्टी विजय. पश्चिम महाविदेह के

दक्षिण खंडकी मेरुकी तरफसे छट्टी विजय.
the 6th Vijaya from Meru situ-
ated in the south of the west-
ern Mahā-Videha. डा० ८; जं० प०
३, ५६; (३) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण
आंध्रवानी मेरु तरङ्गती छट्टी विजयना राजा.
पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खंड के मेरु
की तरफ में छट्टी विजय का राजा.
the king of the sixth Vijaya
from Meru situated in the
south of the western Mahā-
Videha. जं० प० (४) आंध्रमा देवलोकां
कुमुद नामे ऐक विमान; ऐना देवतानी
स्थिति अदार सागरोपमनी छे, ऐ देवता नव
महीने आसोआस ले छे, अने १८ हजार वर्ष
दुधा प्राये छे. आठवें देवलोक के विमान का
नाम जहाँ के निवासी देवों की आयु अठारह
सागरोपम का है और वे ६ वे मास में एकवार
आसोआस लेते हैं तथा अठारह हजार वर्ष में
उन्हें भूक लगा करता है. name of a
heavenly abode of the eighth
Devaloka. सम० १८;

कुमुदकूट. पुं० (कुमुदकूट) भद्रसाल वनना
आंध्र दिग्दक्षिणदृष्टमांनुं पांचमुं दृष्ट-शिखर.
भद्रसाल वन के आठ दिग्दक्षिण कूटों में का
पांचवां कूट-शिखर. The 5th of the
eight Dighasti summits of the
forest named Bhadrāsāla.
जं० प०

कुमुदग. न० (कुमुदक) ऐक वनतनुं घास.
एक प्रकार का घास. A kind of grass.
सूय० २, २, ११;

कुमुदगुम्भ. न० (कुमुदगुम्भ) आंध्रमा देव-
लोकांनुं कुमुदगुम्भ नामे ऐक विमान; ऐनी
स्थिति अदार सागरोपमनी छे, ऐ देवता
नव महीने आसोआस ले छे, अने अदार

६५५२ वर्षों क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहां के देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और जो नौ माह में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूख लगा करता है. Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sāgaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years. सम० १८;

कुमुदपहा. स्त्री० (कुमुदप्रभा) नैऋत्यपूरुक्षिता प्रशान्तपुष्पाना वनभण्डमां ५० ज्येष्ठत उपर आवेत् ऐक वावडी. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी. Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प० ४;

कुमुदा. स्त्री० (कुमुदा) दुमुदा नामनी मला-विदेहनी ऐक विजय. कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय. Name of Vijaya in Mahāvideha ठा० २, ३; (२) नैऋत्यपूरुक्षिता ईशान पुष्पाना वनभण्डमां ५० ज्येष्ठत उपर आवेत् ऐक वावडीतुं नाम. जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावडी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प०

कुमुया. स्त्री० (कुमुदा) दक्षिण दिशाना अञ्जनक पर्वतनी दुमुदा नामनी ऐक वाव. दक्षिण दिशा के अञ्जनक पर्वत की कुमुदा नामक बावडी. Name of a well on the Añjanaka mount in the south.

प्रव० १५. १; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

कुम्म पुं० (कूर्म) शयभो. कळुआ. A tortoise. जं० प० २, ११६; सूय० १, ७, १५; १, ८, १५; दसा० ६, ४; विशेष० ११४८; ओव० १०; १७; दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३, भग० ८, ३; ८५, ७; ४२, १; उवा० २, १०१; कप० ३, ३६; ५, ११६; (२) शययाना दृष्टान्तागुं ज्ञातासूत्रनुं याथुं अध्ययन. ज्ञानामूत्र का कळुआके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय. name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise. नाया० १. सम० १६; ओव० (३) कूर्म नामनुं ऐक ग्राम. एक नगर का नाम. (कूर्म). a village of that name. भग० १५, १; (४) तीक्ष्मां तीर्थक्षेत्रनुं वाञ्छन्. २० वें तीर्थक्षेत्र का लांछन-चिन्ह. the symbol of the 20th Tirthāṅkara. प्रव० ३८२; —**आवलिशा.** स्त्री० (—आवलिका) शययानी पंक्ति. कळुआओं की पंक्ति a row, a series of tortoises. भग० ८, ३; —**गड्.** स्त्री० (—गति) शययानी गति; शययानी यात्र. कळुआ की गति; कळुआओं की चाल. the motion, the gait of a tortoise. नाया० ५; —**चलण.** न० (—चरण) शययानी पग. कळुआ का पैर. a foot of a tortoise. नाया० १;

कुम्मअ य. पुं० (कुर्मक) शयभो. कळुआ. A tortoise. नाया० ४;

कुम्मग. पुं० (कुर्मक) शयभो उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. नाया० ४;

कुम्मस्थल. न० (कुर्मस्थल) गण्डस्थल; गाल. गण्डस्थल. Cheeks; temples. मु० च० २, २७;

कुम्मास पुं० (कुम्माप) ऐक ज्ञातनुं धान्य;

अ५६. उदः एक तरहका अनाज. A kind of grain; black beans. आया० १, ६, ४, ४; पगह० २५; दस० ५, १, ६८; भग० ५, २; उत्त० ८, १२; (२) दुग्धी. कुलथा; एक तरहका धान्य. a kind of pulse called Kulittha पि० नि० ६२३; म्य० २, ३, २१; (३) आदिशा अ५६; आदिशा. पकाया हुआ उडद नामक धान्य. cooked black beans. पि० नि० भा० ३७; पि० नि० २०२. —पिंडिया. खा० (पिंडिका) अ५६नी भूरी. उडद का मुट्ठा. a handful of black beans. भग० १५, १;

कुम्भमुखाया. खा० (कुमोजता-कुमःकच्छपस्त-द्रुक्षता कुमोजता) शय्याया नदी डिलत यानि-डिलपति स्थान के गर्भांशे अस्तित्व. यक्षवर्ती, यक्षदेव अने वासुदेवो जन्म थाय छे. कछुएके समान उन्नत यानि-उत्पत्ति स्थान जिसमें अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव और वासुदेवका जन्म होता है. The womb like a tortoise from which Arihanta, Chakravarti Baladeva and Vasudeva are born. "कुम्भमुखायां जायते निविहा उत्तम पुरसा गम्भं वक्ष्मांतं। तजहा-अरहता, चक्रवर्ता, बलदेव-वासुदेवा" डा० ३, १; नाया० ८; पञ्च० ६;

कुचवा. खा० (कुचवा) ये नामनी अ५६ वेक्ष. इस नाम का एक वेल. A kind of creeper so named. पञ्च० १;

कुरअ. पुं० (कुरजम्) ये नामनी अ५६ दृष्ट वनस्पति. इस नाम का एक कूहन वनस्पति. Name of a species of vegetation. पञ्च० १;

कुरंग. पुं० (कुरङ्ग) ६२७; भू०. हिरन; मृग. A deer. जं० प० पि० नि० ७६; ८१; पगह० १, १; पञ्च० १;

कुरज. न० (कुराज्य) अ५७ रा० २०७. खराब राज्य. A bad kingdom. जं० प० ३, ६६; —कुरथा. खा० (-कुरथा) नदी शैरी-गल्ली. छोटा गली. कुचा a narrow miserable lane. प्रव० १४७८;

कुरर. पुं० (कुरर) पाष्णिने दिनारे रहनेवाला एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird residing near water; an osprey. पगह० १, १;

कुररी. खा० (कुररी) अ५६ वनतुं पक्षी. शिरीश. एक प्रकार का पक्षी; शिरीश. A kind of bird, a female osprey. उत्त० २०, ५०;

कुरल. पुं० (कुरल) अ५६ वनतुं के आनी पाष्णिनाय पक्षी. एक प्रकार का रंग दार पंखोवाला पक्षी. A kind of bird; an osprey. जावा० १; पञ्च० १;

कुरली. खा० (कुरली) ६२५ली. मल. A fold; a wrinkle. सु० च० १, १;

कुरविन्द. पुं० (कुरुविन्द) ये नामतुं पर्वग वनतुं आ५. इस नाम का पर्वग जाति का वृक्ष. A kind of tree. पञ्च० १;

कुराय. पुं० (कुराजन्) अ५७ रा० २०७. सीमादेश रा०. दुष्ट राजा; सामान्त राजा. A bad king; a neighbouring king. निसी० ९, २१;

कुरिण. न० (*) भोटुं जंगल. बड़ा जंगल. An extensive forest. ओघ० नि० ४४७;

कुरु. पुं० (कुरु) कुरु नामती देश. कुरु नामक

देश. A country named Kuru. नाया० १८; पञ्च० १; (२) कुरू नामनो द्वीप तथा समुद्र. कुरु नामक द्वीप तथा समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पञ्च० १५; (३) महाविदेह क्षेत्रमां आवेत्त ङुगा-धियान्ता क्षेत्रा; देव कुरू अने उत्तर कुरू नामक क्षेत्र महाविदेह क्षेत्र संबंधी जुगलिया के क्षेत्र; देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Deva Kuru and Uttara Kuru. अणुजो० १०३; —जणुवय. न० (—जनपद) कुरू नामनो देश. कुरु देश. a country named Kuru. नाया० ८; १६; —राय. पुं० (—राज) अदीनशत्रु नामे कुरू देशेन राज्ञ. अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा. a king of Kurudeśa, Adinaśatru by name. नाया० ८;

कुरुअ. पुं० (कुरुक) माया कपायन्तु पर्याय नायक नाम. माया कपाय का पर्याय वार्त्ता नाम. A synonym for Māyā Kaṣāya i. e. deceit. सम० ५२;

कुरुकुन्द. न० (कुरुकुन्द) ऐक्य वनतन्तु घास. एक तरह का घास. A kind of grass. भग० २१, ६;

कुरुकुया. स्त्री० (कुरुकुवा) स्थापित गया पञ्जी आश्रमन क्षेत्र, पञ्जी धोवा पञ्जेरे शौच क्रिया करने के शौच करने के बाद आचमन लेना, पैर धोने आदि शौच क्रिया का करना. Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc औष० नि० ३१८;

कुरुदत्तपुत्र पुं० (कुरुदत्त पुत्र) कुरुदत्तपुत्र नामना श्रीमहावीर भगवानना ऐक्य शिष्य.

श्रीमहावीर स्वामी का कुरुदत्तपुत्र नामक शिष्य. Name of a disciple of Lord Mahāvira. भग० ३, १;

कुरुमई. स्त्री० (कुरुमति) कुरुमती नामनी १२मा चक्रवर्तिनी स्त्री वारहवें चक्रवर्ती का स्त्री का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravartī. सम० प० २३४;

कुरुया. स्त्री० (कुरुका) पञ्जी धोवा पञ्जेरे शौच क्रिया. पैर धोना आदि क्रिया Process of cleansing e. g. washing the feet etc औष० नि० १६६;

कुरुविंद. पुं० (कुरुविन्द) ऐक्य वनतन्तु घास; नागर मोथा. एक प्रकार का घास; नागर मोथा. A kind of grass. औष० १०; (२) देव स्तम्भ. केल स्तम्भ; केल का भाइ. the trunk of a plantain tree. जीवा० ३, ३;

कुरुविंदावत्त. न० (कुरुविंदावर्त) ऐक्य वनतन्तु घास. ऐक्य वनतन्तु घास. इस नाम का एक प्रकार का आभूषण. Name of a kind of ornament. कण० ३, ३६;

कुरुव. पुं० (कुरुव—कुरुवित रूपं कुरुवम्) अराय रूप; दृढ़रूप. बुरा रूप; कुरुव. Ugly appearance. “ कुरुवितं यथमवयवैरुपयति मोहयतांति कुरुवम् ” ज० प० १, ३६; भग० ७, ६; १२, ५; (२) मोहनीय कर्म. मोहनीय रूप कर्म. Mohaniya Karma. सम० ५२;

कुल. पुं० (कुल) पृथग्गत आपदादाती परंपरा; वंश; आवादा; कुल. कुल. पूर्वज; पुरख; बाप दादा; वंशपरंपरा Family; ancestors; genealogy; family descent. ज० प० ४, ११२; ७, १२५; ७, १६१; औष० पञ्च० १; राय० २१५; संस्था० ६; वव० ३, ६;

नाया० १; १६; दस० ५, १, १४; २४; भग० २, ५; ८, ६; २५, ७; आया० १, ६, २, १८४; उत्त० २५, १; सूय० १, ४, १, ११; उवा० १, ६६, (२) पितातुं पक्ष; आपना वडीलोनी परंपरा. पिता का पक्ष; पिता के पूर्वजोंका परंपरा. paternal side; continuity of paternal ancestors. आव० १६; तंदु० राय० ठा० ४, २; (३) आदिदिक्षु द्रुत; गणुतो ऐक्ष भाग चांद्रादिक कुल; गण का एक भाग. family like Chandra etc.; a portion or division of a Gana. ठा० ३, ४; ५, १; भग० ८, ६; १२, २; (४) द्रुगः शात्र. कुल; गोत्र. family genealogy or line of descent. अगुजो० १३१; गच्छा० ८७; कप० २, १७; प्रव० ५५७; भक्त० ७५; (५) घर. गृह; घर. a house. कप० ६; निर्मा० २, ८८; वेय० १, ३१; (६) समुदायः गच्छाः समुदः समुद्र; समुदाय. a collection; a multitude. राय० २५५; आव० पि० ग० ८३; पगह. २, ३; नाया० ५; ८; (७) मदीनाना नामसरभा नामवात्रा नक्षत्रा. ग्रेखा के द्विदिश, मृगशिर, पुष्य वगैरे आर नक्षत्रा. माहिनो के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृतिका, मृगशिर. पुष्य, वगैरह बारह नक्षत्र. the twelve constellations corresponding in name to the 12 months; e.g. Kritikā, Mrigashira etc. ज० प० ३, ४५; — अगुरुव. त्रि० (—अनुरूप) द्रुतने अनुसार. कुल के अनुसार. such as is worthy of one's family. नाया० १६; भग० ११, ११; —अमद. पुं० (—अमद) द्रुतने भद न करेवा ते. कुल के भद से रहित. absence of pride about one's family. भग० ८, ६; —आजीव. पुं०

(—आजीविक) द्रुत गृह्यादी अहार लेवे ते; अहारने ऐक्ष दोष. कुल बतलाकर अहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा० २, १; —आधार. पुं० (—आधार) द्रुतने आधार. कुलका आधार. the prop-or support of a family. नाया० १; भग० ११, ११; कप० ३, ५२; —इंगाल. पुं० (—अङ्गार) द्रुतनी क्षितिने अगोउतार; नक्षत्रोः द्रुतभां अंगारा ग्रेवोः यथा इंदिरि. कुल का क्षितिपर धक्का लगाने वाला; कुल में अग्नि के समान जैसे कि कंडरिफ. one who is a disgrace to the family; e. g. Kanjarika. ठा० ४, १; —एक. त्रि० (—उत्पन्न) द्रुतभां उत्पन्न भयेत्. born in a family. कप० १, २; —उपकुल. न० (उपकुल) चित्रा आदि द्रुत नक्षत्रनी पासमें रहित उपद्रुत नक्षत्र. चित्रा आदि नक्षत्र का पास का उपकुल नक्षत्र. the constellation Upakula near Chitra etc. ज० प० ७, १६१; —कन्या. स्त्री० (—कन्यका) कुलीन कन्या. a girl belonging to a family. भग० १८, १०; —कहा. स्त्री० (—कथा) अभुक्त द्रुत सारू अभुक्त द्रुत अराय मत्यादि द्रुत करवा ते. कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि. talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २; —किन्तिकर. त्रि० (—कीर्तिकर) द्रुतनी अभ्यति करतार. कुल का प्रशंसा करने वाला. one who is a source of fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —केउ. पुं० (—केतु-कुलस्य केतुः ध्वजः कुलकेतुः) द्रुतनी ध्वज रूप. कुल की

ध्वजा-पताका रूप. one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family. नाया० १; भग० ११, ११;—**फलय.** पुं (-ल्य) दुश्ने नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग० ३, ७; जाँवा० ३;—**घर.** न० (-गृह) पितृ गृह; पितृ गृह; मक़ा; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया० ७; भग० १५, १;—**घरवर्ग.** पुं (-गृहवर्ग) माता पिता भाँध भाँध आदि समूह. माता, पिता, भाई बंधु आदि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया० ७;—**जसकर.** त्रि० (-यशस्कर) दुश्नुं यश वधारतार. कुल का यश बढ़ाने वाला. (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, —**खंडिकर.** त्रि० (-नन्दिकर) दुश्नी वृद्धि करनेवा. कुल का वृद्धिकरने वाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया० १; भग० ११, ११;—**तिलय.** न० (-तिलक) दुश्नुं तिष्ठत; दुश्नां तिष्ठत समान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११;—**दीप.** पुं (-दीप=कुले दीप इव कुल दीपः) दुश्ने दीपि. कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया० १; भग० ११; ११;—**धम्म.** पुं (-धर्म) दुश्नाचार. कुलाचार; कुल सम्बन्धी आचार. rules of con-

duct which are observed in a family. डा० १०;—**धूया.** स्त्री (-दुहिष्) दुश्नी पुत्रि. कुल की पुत्री. a daughter in a family. “तत्थणं जेत इत्थिकुलत्था तेतिविहा प० तं कुलमाउयाइय कुलधूयाइय” नाया० १;—**धूया.** स्त्री (-वधू) दुश्नी वधू. कुल वधू. a daughter-in-law in a family. “तत्थणं जेत तेतिविहा प० तं कुलकणियाइयाइया कुलमाउयाइयाइया कुलधूयाइयाइया” भग० १५, १०;—**नंदिकर.** त्रि० (-नन्दिकर) दुश्ने “कुलखंडिकर” शब्द. देखो “कुलखंडिकर” शब्द. vide “कुलखंडिकर” भग० ११, ११;—**पडिणीय.** त्रि० (-प्रत्यनीक) दुश्ने दुश्मन. कुल का शत्रु. an opponent of a family. भग० ६, ३३;—**पर्वय.** पुं (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वतः) दुश्नां पर्वत समान. कुल म पर्वत के समान. (one) who is like a mountain (i. e. protector) in his family. नाया० १; भग० ११, ११; ज० प० ५, १२०; (२) क्षेत्री मर्यादा करनेवाला पर्वत; चूल. हिमवत आदि. mountains like Chūla Himavanta etc. that bound a region of plains. सम० ३६;—**पायव.** पुं (-पाद—छायाकल्पात् आश्रयत्वाच्च कुलस्य पादप इव वृक्ष इव कुलपादपः) दुश्ने क्षयपृक्ष पृक्ष. कुल में कल्पवृक्ष के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया० १; भग० ११, ११;—**पुणिमा.** स्त्री (-पूर्णिमा) दुश्ने नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. ज० प० ७, १६२;

—मअ-य. पुं० (—मद्) दुश्मनी भदः; पिताका पक्षनी भदः इत्येव ते. कुल सम्बन्धी मद्; पिताके पक्षका मद्. pride of high descent; pride of family. “दुसहि ठाणोह अहरोसी तिथं भेजा। तंजहा जाइ मण्ण वा कुल मण्ण वा” ठा० १०; भग० ८, ६; ठा० ८, १; —मसी. स्त्री० (—मपी) दुश्मने भेसरूप इत्येव ज्ञायतार. कुल को भेस रूप कलंक लगाने वाली. (a woman) who blackens the fame of a family. पगह० १, ३; —माउया. स्त्री० (—मातृका) दुश्मनी माता, कुल की माता. mother of a family. नाया० ५, भग० १८, १०; —रोग. पुं० (—रोग) दुश्मने रोगः आम्भः दुश्मने प्रयु पटं तेवो अर्थि. कुलसम्बन्धी रोग. a disease affecting the whole family; a disease from which all the members of a family suffer. भग० ३, ७; —वद् पुं० (—पति) तापस भट्टगते उत्तरी तापस यज्ञः ऋषियामां श्रेष्ठ. तापसां लोगों का अधिपति; तापसी गुरु; ऋषियों में श्रेष्ठ the head of a group of ascetics; the preceptor of ascetics; the highest among saints. पं० नि० १०३; मू० च० ७, १८१; —वंश. पुं० (—वंश) दुश्मवंश कुलवंश. noble genealogy. भग० ६, ३३; ११, १०; नाया० १, १६; —वंसंतु. पुं० (—वंशंतु) दुश्मवंशका सन्तान. कुलवंश का संतान. off-spring of a noble descent. नाया० १; —वडिसय. पुं० (—वतंसक) दुश्मना भुष्ट रूप. कुल के मुकुट रूप. (one) who is like the crown of a family. भग० ११, ११; नाया० १; —वहुया. स्त्री० (—वधुका)

दुश्मनी वधु. कुलवधु. a daughter-in-law belonging to a noble family. नाया० १; —वहु. स्त्री० (—वधु) सारा दुश्मनी वधु. अच्छे कुल की वधु. a daughter-in-law belonging to a noble family. प्रव० २५४; पंचा० ११, १८; —वित्तिकर. त्रि० (—वृत्तिकर) दुश्मनी आर्थवित्त यत्नायतार. कुल को आजीविका चलाये वाला. (one) who supports a family. नाया० १; —विव-वृणकर. त्रि० (—विवर्धनकर) दुश्मनी वृद्धि-इत्यतः. कुलकी वृद्धि करनेवाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. भग० ११, ११; नाया० १; —वेयावच्च. न० (—वेयावृत्त्य) दुश्मनी सेवा इत्यतः. कुलकी सेवा करना. rendering services to the members of a family. वच० १०, २७; भग० २५, ७; अथ० —संताण. पुं० (—संतान) दुश्मनी संतान-संतति. कुलकी संतान. progeny of a (noble) family. भग० ११, ११; —संपगण. त्रि० (—संपन्न—कुल-पैतृकः पत्नः तन्मपन्नः) जेता आप दादा श्रेष्ठ देय ते दुश्म संपन्न. जिसके बापदादा श्रेष्ठ हो वह कुलसम्पन्न कहलाता है. born in a noble or high family. “जाई कुलसम्पन्नो पायमंकिचन सेवईकिंच, आमे-विउं च पच्छा तगुणओ सम्ममालोण” ठा० ८, ३, १; विवा० १; नाया० ४० भग० २, ५, ६, ७; —संपन्न. त्रि० (—सम्पन्न) जुआ “कुलसंपरण” शब्द. देखो “कुल-संपरण” शब्द. vide “कुलसंपरण” नाया० १; भग० २५, ७; ठा० ४, २; ३; —समुपगण. त्रि० (—समुपन्न) दुश्मनी उत्पन्न अथैव. कुल में उत्पन्न हुआ. born

in a noble family. कप्प० १, २; —सरिस. त्रि० (—सदृश) दुष्ट सभान-सरणु. कुलकी अपेक्षा से-समान. worthy of the family in which one is born; bearing family resemblance. भग० ११, ११; नया० १६;

कुलत्र-य. न० (कुलक) श्लोक के आथानो समुदाय; अष्ट संबंधवाली आठ के तैथी वधारे आथानो समुदा. श्लोक या गाथा का समुदाय; एक सम्बन्ध वाला आठ या उससे अधिक गाथाओंका समूह. A collection of verses eight or more in number and grammatically connected. प्रव० १२६३:

कुलकोडी. पुं० (कुलकोटि) कुलकोटि: शुचनी उत्पत्ति स्थानना प्रसार. जाँव के उत्पत्ति स्थान के प्रकार. Varieties of the sources of birth or origin of living beings. प्रव० ३६; ६७७;

कुलकख. पुं० (कुलाक्ष) कुलाक्ष देशनो मनुष्य. कुलाक्ष देश का मनुष्य. A man belonging to the country named Kulākṣa. पगह० १, १; पञ्च० १;

कुलकखण. न० (कुलक्षण) अपवक्षण; अशय चिन्ह. बुरे चिन्ह; अपलक्षण; कुलक्षण. A bad sign or mark or characteristic. पगह० १; १;

कुलगर. पुं० (कुलकर) जुगलीयानो राजन; जुगलीयानी व्यवस्था करणार. जुगालयो का राजा. The king or governor of the Jugaliyās. जे० प० २, २६; सम० ६००; भग० ५, ५; कप्प० ७, २०६;

कुलन्थ. पुं० (कुलन्थ) कुलन्थी; अष्ट अंतनुं

धान्य. कुलन्थी. A kind of pulse. नेय० २, १; दसा० ६, ४; जे० प० भग० ६, १७; १८, १०; २१, २; पञ्च० १; ठा० ५, ३; नाया० ७; निर० ३, २; प्रव० १०१६;

कुलन्थ. पुं० कुलार्थ

अनार्थ देश कुलार्थ नामक एक अनार्थ देश. Name of an Anārya i. e. barbarous country. प्रव० १२६८;

कुलन्था. स्त्री० (कुलन्था) कुलीन स्त्री. कुलान् स्त्री. A nobly born woman. नाया० ७; भग० १८, १०;

कुलय. पुं० (कुलक) चार सेतिका अथवा आठ पसलियाँ मान. विशेष. चारों गोलका अथवा आठ पसली प्रमाण तौल विशेष. A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together). तंदु० अणुजो० १३२; पि० नि० ४; प्रव० १३६३;

कुलल. पुं० (कुलल) गंध पक्षी. गंध पक्षी: गंधड. A vulture. उच्च० १४, ४६; सूय० १, ११, २७; (२) समरी. चाल. a kind of bird. उच्च० १४, ४६; पगह० १, १; (३) भीत्राट. बिलाल. a cat. दस० ८, ५४;

कुललय. पुं० () पाल्लोना श्रयतो करणे ते. पानीका कुल्ला. A gargle. प्रव० ४३६.

कुलविहि. पुं० (कुलविधि) जुग्या कुल-कोडी, शब्द. देखो “कुलकोडी” शब्द. Vide “कुलकोडी” भग० ७, ५;

कुलाल. पुं० (कुलाट) मागरे; अित्राट. बिलाल; मार्जार. A cat. सूय० २, ६, ४४;

कुलाल. पुं० (कुलाल) कुलार. कुंमार. A

* जुग्या पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

potter. क० गं० १. ५२:

कुलालय. पुं० (कुलाटक—कुलानि—गृहागया
मिषान्वेषणाधिना नित्यं येऽटन्ति ते कुलाटा
—मार्जाराः कुलाटा इव कुलाटका ब्राह्म ः)
वित्राडीनी पेः गृह् थछ धरेधर इरतार
बिध्. विस्त्रा के गमान लोलुप होकर घरघर
फिरने वाला भिकारी. A greedy mendicant wandering from house
to house like a cat. सू०

कुलालय. पुं० (कुलालय—कुलानि चित्रयादि
गृहाणी तानि नित्यं पिण्डपातान्वेषिणां
परतकुकाणामालयो येषां ते कुलालयाः)
वृथ्वा विपदे शब्द. देखो उपरका शब्द.
Vide the above word. सू० २, ६,
४४: " ज भोग्यं शिष्यं कुलालयाणं "
सू० २, ६ ४४:

कुलावकुल. पुं० (कुलावकुल) अभिच, शत-
गिपक्ष, आर्द्रा, अंगे अनुराधा ये चार नक्षत्र
अभिजित शतभिषक आर्द्रा, और अनुराधा ये
चार नक्षत्र. The four lunar constel-
lations, viz. Abhichra, Satabhi-
suka, Ārdrā and Anuradhā.
जं० प०

कुलिङ्ग. पुं० (कुलिङ्ग—कुस्मितं लिङ्गं कुलिङ्गं)
दृष्टिग—शक्य यजेरेता येय कुलिङ्ग शाक्यादि
वगैरह का वेश. Garments worn by
heretics, such as Śakyas etc.
सम० प० २३१: (२) धीशली अङ्क नतः
साक्ष काडेका जाति: खटमल. a kind of
insect; a bug विशेष० १७५४: ओष०
नि० भा० २५५:

कुलिङ्गच्छाय. पुं० (कुलिङ्गच्छाय) जंतु विशेष.
जंतु विशेष. A kind of insect. भग०
१८, ८:

कुलिङ्गि त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुस्मितं लिङ्गं कुलि
ङ्गं शिवसुखबाधकं तद्विषये येषां ते कुलिङ्गिनिः)

द्वितीयी पाभंसी. कुतार्थी; पाखगर्डी; बुरे धर्म
का अनुयायी; मिथ्यात्वी. A follower
of a false religion; a heretic.
ओष० पगह० १, २:

कुलिय- अ. त्रि० (कुलिक) दाडीयुं. कौर. A
mouthful. नाया० २, ४, २, १३८;
पगह० १, १: अणुजो० ६७: (२) दृष्ट.
हल. a plough. विशेष० १२५; पगह० १,
१: (३) दाटी. दृष्ट. a fencing. निर्मा०
१३, ६; १६, २७:

कुलिय. न० (कुड्य) भीत. दावाल. A
wall सू० १, २, १ १४: आया० २, १,
५, १४८:

कुलियकड. त्रि० (कुलिकीकृत) दुलझने आकारे
दयेता डिधेय मित्र के लोटे के आकार ढेर
किया हुआ Heaped up in the
shape of an earthen pot. वेय०
२, २:

कुलीकाम पुं० (कुलीकेश) श्वेतदंश अङ्क
जतनुं पक्षि. सफेद हंस: एक प्रकार का पक्षी.
A kind of bird: a white swan.
पगह० १, १:

कुवञ्च. पुं० (कुवञ्च) अन्तःगड सूत्रना तीगन
पर्याता अशीआरमां अध्ययनं नाम.
अन्तःगड सूत्र के तमरे वर्गक ११ वे अध्यायका
नाम. Name of the 11th chapter
of the 3rd section of Anta-
gadya Sūtra. अंत० ३, ११: (२)
क्षरकाना जत्रदेव राजनी धारणी
राजीना पुत्र के जे नेमनाथ प्रभुनामे दीक्षा
उप दीस वरसनी प्रवज्जया पाणी आद पूजे-
नी अभ्यास इली शत्रुज्य उपर अङ्क भास-
ने संथारे करी, परम पद पभ्या. द्वारिका
के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का
पुत्र जिन्होंने कि नेमनाथ स्वामी से दीक्षा ली,
चौदह पूर्व का अभ्यास किया बीम वपोंतक

प्रव्रज्या का पालन किया और अंत में शत्रुजय पर्वतपर एक मास का संथारा कर के मोक्ष प्राप्त किया. the son of Dhārāṇī the queen of Baladeva the king of Dwārakā city. He (the son) took Dikṣā from lord Nemināth and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvas, accepted Santhārā for a month on the mount Śātruñjaya and there attained the final bliss. अंत० ३, ११;

कुवर. न० (कूर) नावानी आगयी भाग; नावानी मोरयानी भाग. नाँक का अगला हिस्सा. The front part of a ship or boat. “संचुगिणय कट्ट कुवरा” नाया ६;

कुवलय. न० (कुवलय) क्षमल. कमल. A lotus. कप० ३, ४२; आ० ज० प० नंदी० ३१: (२) नीलौत्पल क्षमल. नालोत्पल कमल; नाले पत्तों का कमल. a lotus with blue leaves. नाया० ६;

कुविअ-य त्रि० (कुपित) क्रोधित; गुस्से थयेल. कुपित: नाराज; क्रोधित. Angry: enraged. “आयरियं कुवियंनञ्चा, पत्तिण्ण पमायण्” नाया० १: ६: १६; दम० ६, १, ७; भग० ३, १: २; विवा० १, ८; परह० २, ५; उत्त० १, ४१; उवा० २, ६५; ज० प० ३, ५६;

कुविअ-य. न० (कुप) वासलु पगेरे घर-वपरी. गृह सामग्री. Household articles and furniture such as vessels etc. पगह० १, ४; प्रव० ७२६; —गिह. पुं० (-गृह) घरवपरी राख-वानुं घर गृह सामग्री रखने का घर. A

house in which household articles, furniture etc. are kept. निसं० ८, ८: —साला स्त्री० (-शाला) न्यां घर वपरी रहे तेनुं घर. जहाँ घर सामग्री रहती है वह घर A house in which household furniture, vessels etc. are kept. पगह० २, ३; निर्मा० ८, ८:

कुविंद. पुं० (कुविन्द) वपुक्षर. बुननेवाला; जुलाहा. A weaver. म० च० ८, २३४;

कुविंदवल्ली. स्त्री० (कुविन्दवल्ली) ओ नाभनी ओढ़ वेष्ट. इस नामका एक वेल. Name of a creeper. पञ्ज० १;

कुविहायगइ स्त्री० (कुविहायोगति) अशुभ सिद्धाया गति; उड़ीयाली भाइक अशुभ गति. उंट के समान खराब चाल. Bad repulsive gait like that of a camel. प्रव० १३०३;

कुवृष्टि. स्त्री० (कुवृष्टि कुम्हिसा वृष्टि: कुवृष्टि:) रोगोत्पादक घरसाद: ऋतुविनाशो घरसाद: भावः. रोगोत्पादक वर्षा; बिना ऋतु का वर्षा; मावठा. Rain out of season; unwholesome rain. ज० प० १, १०;

कुवेज. पुं० (कुवेज) अशुभ वेष्ट; उंट वेष्ट. खराब वेष्ट. A bad doctor; a quack. पंचा० १५, ५:

कुवेणी. स्त्री० (कुवेणी) ओढ़ मतनुं दधियार. एक प्रकार का शस्त्र. A kind of weapon. पगह० १, ३;

✓ **कुव्व.** धा० I. (कृ) क्षर्युं. करना. To do.

कुव्वड. उत्त० १, ४४; दम० ५, २, ४६;

कुव्वंति. भग० ६, ४; नाया० १;

कुव्विजा. वि० उत्त० १, १४;

कुव्वमाण. आया० १, १, ३, १८; नाया० ९, पञ्ज० २;

कुव्वन्. सू० १, १, १, १२; २, ४, ११;
कुव्वकारिया. खा० (कुर्वकारिका) ऐ नाभनी
 वनस्पति. इस नाम की वनस्पति. A kind
 of vegetation so named. पञ्च० १;
कुव्वणा. खा० (करण) करुण. Do-
 ing; act of doing. भग० ६, ४;

कुस. पुं० (कुश) ऐड वनतनुं धासः दलः
 दाशशा. एक तरह का घास; दास; कांस. A
 kind of grass; Darbha grass.
 नाथा० १; २; ६; अंत० ३, ८; ओव० १४;
 पञ्च० १; उत्त० ७, २३; ६, ४४; १०, २;
 २६, २६; आया० २, २, ३, १००; भग०
 ६, ७; ७, १; ८, ६; २१, ६; जीवा० ३, ३;
 जे० प० — अंत. पुं० (अन्त) दासमत्ता
 अथवा. दास का अग्रभाग. the point
 of the Darbha grass. राय० ६२;
 — ग. न० (अग्र) दलनी अथवा. दास
 की अग्र. दास की अग्र the point
 of the Darbha grass. आया० १, ६,
 १, १४२; भग० ६, ३३; — पञ्च. न० (पञ्च)
 दासनुं पादपुं. दास के पत्र-पत्ते, a blade
 of the Darbha grass. निमा० १८, १८;

कुसंघयण. न० (कुसंहनन) दलदुः संघयण
 शरीर. कर्मजो संहनन शरीर का
 बाधा. Bad, mean constitution of
 the body. भग० ७, ६; जे० प०

कुसंठिय. त्रि० (कुसंस्थित) अस्थि अकारे
 रहित. कुसंस्थान; बुरे आकार का. Re-
 maining in, being in a bad, ugly
 conformation. भग० ७, ६;

कुसण. न० () दही; गोरस. दही; गोरस.
 Curds. पि० नि० ६०७;

कुसणिय. न० () दहिमां आश वंशरे

मशाला नाभीने अनावेल करण. दही में
 तकादि मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ.
 A food prepared of curds, but-
 ter milk, spice; etc. mixed to-
 gether. पि० नि० २८२;

कुसत्त. पुं० (कुशक) पथारी उपरि पिछा-
 वाता पस्वनी ऐड वनत. बिछोने पर बिछोने
 के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth
 used as a covering of a bed.
 “ अस्त्रय मलयनयतकुसत्तलिबसीह केसर-
 पस्वणु” नाथा० १;

कुसवर्त. पुं० (कुशवर्त) कुशवर्त नाभनी देश.
 कुशवर्त नामक एक देश. A country
 named Kusāvarta. पञ्च० १;

कुसमय. पुं० (कुसमय) कुशमय; पापमय
 शास्त्र. बुरे शास्त्र; पापमय मत के शास्त्र.
 False, heretical scriptures सम०
 २; नदी० ६२;

कुसल. त्रि० (कुशल) निपुण; कुशल; व्यपूर;
 दोशीयार. चतुर; पटु. कुशल; दज. Pro-
 ficient; expert; clever. नाथा० १;
 २; ४; ६; १३; १८; भग० ७, ५; ६, ३३;
 ११, ११; राय० ३३; १२६; २६५; जीवा०
 ३, १; म० प० २०; उत्त० २५, १६; आवा०
 १६; ३१; पंचा० ६, २५; ५, ३७; ८, ५;
 १२, २०; १२, १५; प्रव० २३७; भक्त०
 ५६; जे० प० ३, ४७; विवा० २; (२)
 शुभ; साध. शुभ; उत्तम. wholesome;
 good. पंचा० १०, १४; प्रव० ६०३;
 — उदंत. पुं० (उदन्त) क्षेम कुशल-समा-
 चार. राजकुशा के समाचार. happy
 news; good news; e. g. about
 one's health and happiness.

नाया० ८; १६; —जोग. पुं० (—योग) मन, वचन, क्रायना शुभ व्यापार. मन, वचन और क्राया के शुभ व्यापार. wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा० १३, ४०;

—धम्म. पुं० (—धर्म) प्राणानिपात विरमणुद्धि शुभ आचार. प्राणानिपात विरमणादि शुभ आचार. right, good conduct consisting in cessation from killing etc. पंचा० १०, १४; —पवित्ति.

स्त्री० (—प्रवृत्ति) कुशल-शुभ मन, वचन, अने शरीरकी प्रवृत्ति. कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव० ६०३; —पुत्त पुं०

(—पुत्र) वैद्यशास्त्रभां कुशल अथवा पुत्र. वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया० १३;

—बंध. पुं० (—बन्ध) पुण्यापुण्यनिष्ठ-पुण्या-कर्मेना बन्ध. पुण्य मे बंधे हुए पुण्य कर्म के बंधन. bondage caused by good and meritorious actions. पंचा०

६, २३; —मणउद्दीरण. २० (—मनउद्दीरण) कुशल-शुभ मनकी उद्दीरण करनी. कुशल मन की उद्दीरण करना. directing the mind towards good and auspicious things. दस० ६, १; भग०

२५, ७; —मति. स्त्री० (—मति) अतुर बुद्धि; चतुर बुद्धि. expert, proficient, intellect पंचा० १३, ४२; —वड-

उद्दीरण. न० (—वागुद्दीरण) कुशल-शुभ वचनकी उद्दीरण करनी. कुशल वचन की उद्दीरण करना. uttering kind and skilful words. भग० २५, ७;

कुसलया. स्त्री० (कुलता) कुशलपण्डु; होशी-थारी. कुशलता; होशीथारी. Skillfulness;

cleverness; proficiency. प्रव० ६४६;

कुसिस्स. पुं० (कुशिष्य) अराय शिष्य; अ-विनीत शिष्य. खराब शिष्य. A bad disciple; a rude disciple. भग० ६, ३३; १५, १;

कुसल त्रि० (कुम्मितं शीलमाचारो यस्येति)

कुत्सित आचारी; असद्वर्तन वाला; अणु-आरी; दुष्ट-वर्तन वाला. दुष्ट आचार वाला; कुम्मित व्यवहार वाला; अनाचार करने वाला;

दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct; of bad character.

पि० नि० भा० ४८; उत्त० १, १३; भग०

२५, ६; दस० १०, १, १८; टा० ३, २; नाया० ६; वव० १, ३४; आष० नि० ३०३;

७६३; निर्मा० ४, ३०; गच्छा० ४८; प्रव०

१०३; ७३२; (२) न० अणुआचार; दुष्ट-आचार. अनाचार; दुष्ट आचार. bad character; wicked conduct. सूय०

१, ७, ५; भग० १०, ४; —पडिसेवणा.

स्त्री० (—प्रतिसेवन) कुशील सेवयुं ते; अस्वयारीणि स्त्रियादिने आश्रितेन देयुं ते.

कुशील सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि की आश्रितन करना. act of taking to a dishonourable course of con-

duct; sexual intercourse by a person professing to be a bachelor. टा० ४, ४; —लिंग. न० (—लिङ्ग)

आश्रमादि कुशील येषा आश्रमादि कुशील येषा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस० १०, १,

२०; —वट्टणटाण. न० (—वर्द्धनस्थान)

जैथी कुशील-दुशआचार बढ़ते. जिममें कुशील-दुशआचार बढ़े वह. a source or cause of enhancement in wicked prac-

tices दस० ६, ५६; —विहारि. त्रि० (—विहारिन्) कुत्सितशील वाला. कुत्सित

शाल वाला. (one) of bad or doubtful character. भग० १०, ४; नाया० ४; —विहागिणी. स्त्री० (-विहारिणी) अशुभ आचारवाली (स्त्री); दुराचारिणी खराब चालचलन वाली स्त्री; दुराचारिणी. A woman of bad character. नाया० ४० नाया० १६; —संसर्गिणी (-संसर्गिन्) नश्वरता संगे करनेवाले निष्ठान्त का साथी. (one) who associates with the wicked नाया० १०;

कुम्भीलपरिभाषित्य न० (कुशील परिभाषित) सुयशसि सुवर्णा आत्मो अध्ययनं नाम देवेभ्यो कुशील असहायसी दुर्निगीतं यज्जिने दे. मेवकृतांग के ७ वे अध्ययन का नाम जिसमें कुशील-अनाचार कालगा का वर्णन है. Name of the 7th chapter of Sūvagadāṅga Sūtra dealing with or describing persons of bad character. मय० १, ७, ३०; मय० १६; २३;

कुम्भीला. स्त्री० (कुशीला) देवी अशुभ आचार करने कुम्भील आचार वाली. (A woman) of bad character. नाया० १०; नाया० ४०

कुसुम्भ. पुं० (कुसुम्भ) कुसुम्भवृक्षः कुसुम्भानां वा. कुसुम्भ का पेड़: कुसुम्भ का वृक्ष. A kind of tree called Kusumbha. प्रव० २२०; आप० नि० ४४६; पञ्च० १; (२) ऐदं वतन्तु धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of corn; a kind of cereals. भग० २२, ३; — वन० न० (वन) कुसुम्भानां वृक्षानां वन. कुसुम्भ के वृक्षों का वन. a forest of Kusumbha trees. निरु० ३, ७६; भग० १, १;

कुसुम्भग. पुं० (कुसुम्भक) कुसुम्भाः कुसुम्भी रंग. कुसुम्भा; कुसुम्भी रंग; सुख रंग. A kind

of red dye. जं० प० पगह० १, ३; (२) ऐदं वतन्तु धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of cereals. भग० ६, ७; **कुसुम्भय.** पुं० (कुसुम्भक) कुसुम्भानां रत्ना इतमाथी नीक्षणतो वाच रंग. कुसुम्भ के लाल फूलों में से निकलता हुआ लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१;

कुसुम. न० (कुसुम) कुसुमः पुष्पः इत. पुष्पः फूल. कुसुम. A flower. जं० प० १, ११२; ११६; नाया० १: ८; ११; १४; भग० १, १; ३, ६; ११, ११; दसा० १०, १; पञ्च० १७; आ० २२; राय० २७, ३६; मृ० प० २०; उत० ३४, ८; अणुजो० ११८; नैदी० १५; उवा० १, ३०; कप० ३, ३२; ३७; प्रव० ४५५, १११६; (२) पुं० पद्मप्रभ प्रभुना यक्षन्तु नाम. पद्मप्रभ प्रभु के यज्ञ का नाम. name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthāṅkara. प्रव० ३७५;

—आमव. पुं० (-आमव) इततो रस फूल का रस. juice of flowers. नाया० १. —

कुंडल. न० (-कुण्डल) इतना आधानं इतन्तु आभरणं; इत इत. फूल का आकृत वाला कान का आभूषण करनफूल an ear-ornament of the shape of a flower. अंत० ३, ८; —घर न० (-गृह) इतनु धर. फूलों का घर. a flower-house. नाया० ३, ६; —घरय. न० (-गृहक) देमा इत पाथर्यादे तेषु धर जिस घरमें फूल बिखरे हुए हों वह. a house carpeted with flowers. राय० २३६; नाया० ३; जं० प० —गिअर. पुं० (-निकर) इततो समूह. फूलों का समूह. a collection of

flowers. जं० प० १, १२२; —**शिगर**. पुं० (-निकर) ॐओ “ कुसुमणिश्र ” शब्द. देखो “ कुसुमणिश्र ” शब्द. vide. “ कुसुमणिश्र ” जं० प० ३, ४३; —**दाम**. न० (-दामन्) ३३ती भावा. फूलों का माला. a garland of flowers. नाया० १६; —**पत्थर**. पुं० (-प्रस्तर) ५३तुं ५५तुं; दुसुमशब्दा. फूलों का शय्या; कुसुम का बिछौना. a bed of flowers. नाया० १३; —**राशि**. पुं० (राशि) ५३तुं ६३तुं. कुसुम का समूह; फूलों का ढेर. a heap of flowers. कप्प० ४, ६०; —**बुट्टि** स्त्री० (-वृष्टि) ३३तुं ४२साद. कुसुम वृष्टि; फूलों का बरसना. a shower of flowers. नाया० ६; प्रब० ४४६; पंचा० २, १४; —**सर**. पुं० (-शर) ३३तुं ६३तुं. कामदेव. Cupid; the god of love. सु० च० १, ४०;

कुसुमनगर. न० (कुसुमनगर) पाटलीपुत्रनं अपर नाम. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pataliputra. प्रब० ८०३.

कुसुमपुर. न० (कुसुमपुर) ॐ नामनं शहरः पाटलीपुत्र (पटना). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town (also called Pataliputra). पि० नि० भा० ४४;

कुसुमसंभव. पुं० (कुसुमसंभव) वैशाख भासुं वेदितरनाम. वैशाख माह का लोकान्तर नाम. The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं० प० ७, १२२;

कुसुमिन्न-य. त्रि० (कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाणि सम्जातानि पृषामिति कुसुमिताः) ५३तुं ५३तुं. फूल वाला. Flowery.

भग० १, १; श्रोव० जीवा० ३, ३; नाया० ६; राय० जं० प० ७, १७७;

कुसुमित. त्रि० (कुसुमित) ॐओ “ कुसुमिन्न-य ” शब्द. देखो “ कुसुमिन्न-य ” शब्द. Vide “ कुसुमिन्न-य ” भग० १६, ६; **कुसेजा**. स्त्री० (कुशय्या) ६७४ शय्या स्थान. दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; जं० प० २;

✓**कुह**. धा० I. (-कुथ) सप्तुं; ३३तुं. मडना. To rot; to decay.

कुहंजा. वि० अणुजो० १३६;

कुहश्च. पुं० (कुहक) ६३तुं ६३तुं. इंद्रजाल कौतुहल. An enchantment; a charm; curiosity. दम० १०, १, २०; **कुहंड**. पुं० (कुष्माण्ड) व्यन्तर देवतानी अंश ज्ञात. व्यन्तर देव का एक जात. A species of a Vyantara gods. पगह० १, ३; श्रोव० २४; पञ० २;

कुहंडय. पुं० (कुष्माण्डक) ६३तुं ६३तुं. शाकनी अंश ज्ञात. एक जाति का फल कि जिमका भाजी (साग) बनता है; कुष्माण्ड. A kind of vegetable; a gourd. पञ० १७;

कुहंडी. स्त्री० (कुष्माण्डी) ६३तुं ६३तुं. लौकिक; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय० ५४; जीवा० ३, ६;

कुहकुह. पुं० (कुहकुह) ३३तुं ३३तुं ॐओ अयाग. कुहु कुहु ऐसा शब्द. An onomatopoeic word meaning the sound resembling “ Kuba Kuba ” नाया० १८;

कुहण. न० (कुहन) अंश ज्ञातनी वनस्पति; भूमिदात्रा. इस नाम का एक जाति का वनस्पति. A kind of vegetation. पञ० १; जीवा० १; (२) त्रि० ३३तुं ६३तुं देशने

रहेवासि कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhana. पृष्ठ १, १;

कुहणा. स्त्री० (कुहना) अनीना आकारकी वनस्पति; अमिडोश. छाते के आकार का वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation of the shape of an umbrella. पृष्ठ १;

कुहम्म. पुं० (कुधर्म) आदि-पापधर्म. मिथ्या-पाखंड धर्म. False religion; heretical creed. भन० ६०;

कुहर. न० (कुहर) पर्वतकी गुफा. गिरि कंदरा; पर्वत की गुफा. A cave of a mountain. नदी० १५; नाया० १; ५; पृष्ठ १, ८; राय० ८६;

कुहाड. पुं० (कुडा) कुहाडा; कुहाडा काटनेका औजार. An axe. उत्त० १६, ६७; सूय० १, ५, १५;

कुहिनिय. अ० (कुत्रचित) कहां; कहां. कहां भां. किसी स्थान पर. Somewhere; in some place or other. नाया० ८;

कुहिय. त्रि० (कुथित) कुहिय; कुहिय. सड़ी गला हुआ; सड़ा हुआ. Rotten; decayed; decomposed. तंद० पृष्ठ १, १; नाया० १; ५; १२; जावा० ३, १;

कुहुण. पुं० (कुहुण) कुहुण; कुहुण. एक जाति का एक वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation growing by germination. भग० १५, १; २३, ३;

कुहुवय. पुं० (कुहुवत) कुहुवत; कुहुवत. एक जाति का कंद. A kind of bulbous

fruit. उत्त० ३६, ६७;

कुहडग. पुं० न० (*) अजमे. अजवायन. Thyme. प्रब० २११; पंचा० ६, ३०;

कूअण्या. स्त्री० (कूजन) पीडित स्वरथी स्वरुं ते. दुःखा स्वर से रोना. A piteous cry. डा० ३, ३;

कूइअ न० (कूजित) पक्षिना केवो अव्यक्त शब्द. पक्षि जैसा अव्यक्त शब्द. Indistinct sound like that of a bird. उत्त० १६, ६;

कूचिया. स्त्री० (कूचिका) परेपेटे. बुदबुदा. A bubble. विश० १६६७;

कूजिय. न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि. अव्यक्त ध्वनि. Indistinct note or sound. पृष्ठ २, ५;

कूड. पुं० (कूट) कूट नामका द्वीप तथा समुद्र. कूट नामका द्वीप और समुद्र. A continent of that name; an ocean of that name. जावा० ३, ४; पृष्ठ १२; (२) शिखर; पर्वतकी टोप; टोप. शिखर; पर्वत की टोप; पर्वत की चोटी. top of a mountain. भग० ६, ७; नाया० १; नदी० १३, ४७; सू० प० १६; अणुजो० १०३; १३४; ओव० १०; ३१; पृष्ठ २; डा० २, ६; जं० प० ५, ११६; (३) कूट-पाश; कूट-स्नेह; राग अंत. द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फांसी होता है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव है जिधमे कर्म बंध होता है a snare; a trap; excessive attachment (which is a snare). नाया० १७; पि० नि० १०६; सूय० १, १३, ६; (४) कूड कपट; मायाकषायनुं पर्याय नाम. कपट; माया कषाय का पर्यायवाची नाम.

* अजमे पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

deceit. सम० ५२; पगह० १, २; (५) तोलमां—मापमां न्यूनाधिकता राखी ते. नापतोल में ज्यादा कमती देना. using false weights and measures. सूय० २, २, ६२; (६) पाशतो; माणुसने गदाभांथी पिंधवानुं यंत्र. पाशः मनुष्य को गले में डाल कर मारने का यंत्र; फांसी. gallows सूय० १, ५, २. ६८; (७) नरक. hell. उत्त० ५.५; (८) दुःखनुं उत्पत्ति स्थान. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source of pain or misery. सूय० १, ५, २, १८; (९) दरवाजोते उपरतो भाग; भाद. द्वार के ऊपर का भाग. the upper part of a gate. राय० १०७; (१०) त्रि० भाटुं असत्यः दशासाज्. कूटः अमन्यः दागावाज. falsehood; deceit. पंचा० ३, ३६; नाया० २; —उचमा. स्त्री० (-उपमा) जेभ केछ शिकारीजे पाशतो म्मेथो दोप तेमां जेभ भृगनुंज् अंधन थाय छे शिकारीनुं नदि. तेम भृदस्थ साधुने भादे रसाध निपनवे तेमां साधुनेज् अंधनदोप जाज् भृदस्थने केछ नदि ऐसी रीते उपमां आपरी ते. इस प्रकार का उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारी को फैलाये हुए जालमें मृगकाही बंधन होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसाध बनाने वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दोष लगता है. a false analogy; e. g. just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has prepared it. पि० नि० १०६; —जाल. न० (-जाल) पाशयुक्त जाल.

फांस सहित जाल. a net that entangles; a snare. उत्त० १६, ६४; —तुला. स्त्री० (-तुला) भाटुं तोल. झूटा तौल. a false weight. सूय० २, २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास. पुं० (-पाश) भृगवाने इसावदा ३५२ डरीने पाश रखवे ते. भृग को फांसा के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer. विवा० ८; भग० १, ८; —माण न० (-मान) भाटां माप राखवा ते; श्रावकता त्रीन वतने ऐक अनित्यार. खोट माप रखना; श्रावक के तामरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jain layman. सूय० २, २, ६२; पगह० १, २; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —माणतुलकरण. न० (-मान-तुलकरण) भाटुं माप अने भाटां तोला वापरवा ते; त्रीन वतने ऐक अनित्यार. खोटा माप और खोटा तौल रखना; श्रावक के तामरे व्रत का एक अतिचार. act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव० २७७; —लहकरण. न० (-लेखकरण) भाटां लेख लखवेते; त्रीन वतने पांचमे अनित्यार. झूठा लेख लिखना; दूसरे व्रत का पांचवां अतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow. पंचा० १, १२; प्रव० २७६; —साक्षिज्ज. न० (-साक्ष्य) भाटी साक्षी भरवी. मिथ्या-झूठी साक्षा देना. act of giving false evidence; false evidence. पंचा० १, ११; —सणिभ. त्रि० (-सन्निभ)

दृष्ट समान; दृष्ट ग्रेयुः शृंग के समान; चोटी के सदृश. resembling the top or summit. नाया० १३:

कूडग. त्रि० (कूटक) आटुं. गलत; अशुद्ध.

False; untruthful. पंचा० ३, ३४;

कूडया. स्त्री० (कूटया) तौलनु आलापनापणुं. तौल का न्यूनाधिकता कमा वेशा. State of a weight being either above or below the standard. पगह० १, ३:

कूडसामलि. पुं० (कूटशालमलि) दृष्टश डमरी नामनुं वृक्ष के तैमां वृक्षु वृक्षनी भादक अः देवदेवता उपास्य अते देव शरः वृक्षः देवदेवताये देवदेवताये देवदेवताये आवास अ प छे. कूट शालमली नामका वृक्ष जिसका जम्बु वृक्ष का तरह आठ बोजन का उंचाई है तथा जिसपर गरुड जाति के वेणु देव नाम के देवता का निवास स्थान है. Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venudeva deities belonging to the Garuda family. "दोकूड सामलाचेव" टा० २, ३; सम० ८: - **पेढ.** पुं० (- पीठ) देवदेव देवतापतिभाधुनि मध्यभागे आवेत्त दृष्टश डमरी वृक्षनु पीठ आटुं देवकुल जेव के पांशुभाद के मध्य भाग में कूट शालमली वृक्ष की पीठका ओटला the base of the tree called Kūta Salmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Kṣetra. जं० प० ४, १००:

कूडागार. पुं० (कूटागार) शिखर अध धरः शिखर उपरनु देवालय. शिखर बंध घर; शिखर ऊपर का देवालय. A house or a temple situated on the summit

of a mountain. आया० २, ३, ३, १२७: नाया० १३; निर० ३, १; टा० २, ४; ४, १: (२) पर्वतमां शिखरेष धरः पर्वत में खोदाहुआ गृह. a house carved out of a rock. जं० प० २, २३: ६, १२५; -- **दिष्टं.** पुं० न० (- दृष्टान्त) शिखरताला धरनुं दृष्टान्त शिखर वाले घर का दृष्टान्त. an illustration of a house built on a mountain summit. नाया० १३; -- **माला.** स्त्री० (- शाला) शिखरते आकारे शाला-सभा-भेदः. शिखर के सदृश शाला-सभा-बैठक. a seat in the shape of a mountain summit. भग० ३, १: विवा० ६: मय० २, २, २५:

कूडाहच्च. न० (कूटाहय कूट इव तथाविध पापाण्यसम्पुटादी कालविलम्बाभावमाध्यादाहय्या हनने यत्र तत्कूटाहयम) ऊँट या भाल्याथी पर्वतथी शिखर पठे तेम धर उपरथी मथुं वृक्ष नीचे पठे तेने येवः अट धाये शिखरनी भादक नीचे पाउया योग्य. जेम् एक चोटमे पर्वत पर मे शिखर नांचे गिरपडताई वेमेहा धरमे गिर का नांचे गिरपडना; एक चोटमे शिखर का तरह नांचे गिराने योग्य. One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain. "नांश्च तवेणं तेणं एगाहच्च कूडाहच्च भामरामि करेमि " भग० १५, १: राय० २८७: भग० १५, ६, १५, १:

कृष्णि-य. पुं० (कौणिक) श्रेष्ठि राजनी अत्रला राजनीथी उत्पन्न श्रेयो मोटे पुत्र श्रेष्ठि: अपा नगरीना राज. कौणिक राजा की चेलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र कौणिक राजा: चम्पानगरी का नरपति.

Name of a king of the town called Champā, son of king Śreṇika and queen Chelana.

ओव० ६; निर० १, १; नाया० ६; उदा० १, ६;

कृवर. पुं० (कृवर) भक्तिनाथजीना यक्षनु नाम. मल्लिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Mallinātha. प्रव० ३५६;

कृम्मग. पुं० (कर्मक) कच्छभा. कच्छुआ. A tortoise. नाया० ६;

कूर. पुं० (कूर) भात. चावल. Rice. उक्त० १२, ३६; (२) साथथो; भातानी अंड परत. मत्तु; खाने का एक वस्तु a kind of food prepared by baking corn and grinding it. सू० प० ११; पि० नि० १६६; टा० ३, ३; सम० १; (३) अंड बनती पनरपति. एक जात का वनस्पति. a kind of vegetation. सूय० २, ३, १६;

कूर त्रि० (कूर) क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी. क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी. Cruel; terrible. नाया० ८; आया० १, ४, २, १३२; उक्त० ५, ४; दमा० ६, ४; —ग्रह. पुं०, (—ग्रह) सूर्य, भयंकर, शनि, अंगरे राहु अथवा अरु अथवा शनि; यात्र प्रभाषे क्रूर अरु अर्द्धरात्र अथवा सूर्य; मंगल; शनि और राहु ये चारों ग्रह ज्योतिष शास्त्रानुसार कूर ग्रह कहे जाते हैं. any of the four planets viz. the Sun, Mars, Saturn and Rāhu regarded in scriptures as cruel. गणित० १६;

कूरत्ता न० (कूरता) तोष्टादी नामे पनरपतिनुं २५३५. लालकनर नामक वृक्ष का

स्वरूप. The shape of a certain kind of vegetation called Toi-Kodi. सूय० २, ३, १६;

कुरि. त्रि० (कुरिन्) क्रूर; निर्दय. क्रूर; निर्दय. Cruel; ruthless. पण्ड० १, ३;

कूल. न० (कूल) किनारा. किनारा. तट; किनारा. A bank; a shore. ओव० ३८; पि० नि० ५०५; जं० प० जीवा० ३, ४; नाया० १;

कूलधम. पुं० (कूलधम) नदीने शोरे उभा रदी शोरे धमी राम शब्द पोक्षरी जमे तेरा तापस; तापसनी अंड बनत. नदी के किनारे खड़े रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर भोजन करे ऐसा तपस्वी; तपस्वी का एक जाति. A class of ascetics who take their food after blowing loudly a conch-shell, standing on the bank of a river. निर० ३, ३;

कूलधमग. पुं० (कूलधमक) जुआ कूलधम शब्द. देखा ' कूलधम ' शब्द. Vide ' कूलधम ' निर० ३, ३; भग० ११, ६;

क्व. धा. I. (कृज) धुम पाड़ी. राना; चिल्लाना. To shout; to bawl aloud. क्वंत व० कृ० उक्त० १६, ५४;

क्वमाण. व० कृ० विवा० ७; नाया० १८;

क्व. न० () आराध गयेसी परतून पाठी वापस वादे अर्धु ते. चुगई गई वस्तु को फिर प्राप्त करने के लिये उतार होना. Act of helping a man in rescuing his stolen property. "जगण अहं अमर कंका रायहाणी दोवतीण क्वं गच्छामि" नाया० १६;

क्व. पुं० (कृप) कुआ. कुआ. A well. नाया० २; ८; जीवा० ३, ३; पंचा० ६, ४२;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

—**णाअ.** न० (-जात) द्रुवानुं उदाहरणं -
दृष्टान्त. कूण का दृष्टान्त-उदाहरण. an
illustration of a well, e. g. in
a story. पंचा० ६, १०: —**ददुर.** पुं०
(-ददुर) द्रुवानो देहेके. कूण का मेंढक a
frog in the well. नाया० ८: —**मह.**
पुं० (-मह) द्रुवानो महेत्सय. कूण का
महोत्सव. a festival connected
with a well. भग० ६, ३३:

कूवय. पुं० (कपक) द्रुवा थल; पदाल; के
मध्य तनी पदयेंता थालयो. जहाज या नाव
के मध्य का खंभा. The main-mast
of a ship. ओव० २५:

कूविय. पुं० () द्याराम् शयेली वस्तुनी
पारे यदनार चुराई हुई वस्तु को लाने के
लिये उद्यत होने वाला. One who helps
another in rescuing stolen
property. तंदु० पि० नि० ११६:
—**बल.** न० (-बल) पारे योई वस्तु.
युद्ध पर गया हुआ सैन्य. an auxiliary
army coming as a re-inforce-
ment. “ सुवहुस्म विकुविय बलस्म आग-
यस्मदुपमंमया विहोम्या ” नाया० १८:

कूहणत्ता. स्त्री० (कूहण्व) द्रुवण् पतनपति-
पण्. कुहन वनस्पतिपता. State of be-
ing the vegetation called
Kuhapa. मूय० २, ३, १६:

केअण. न० (केतन) चांश्री वस्तु; धनुष्यनी
उमान पंगेरे. टेढ़ा वस्तु; धनुष्य का कमान
वंगरह. Anything curved in
shape i. e. a bow etc. डा० ४, २:
केइ. अ० (कश्चित्) कौं अंक. कौं एक.
Some one. “ केइ राया रायपुत्तो ”

विवा० २; दसा० ६, ४; ७, १; भग० २, १;
२, ५; ३, ३; ६, १; ८, १; १३, ७; १८,
१; नाया० १; २; ८; १२; १४; १७; दस० ५,
१, ६५; क० ग० ३, १३; सम० ३०:
पञ्च० १; पि० नि० १७२; नाया० १६;
दसा० ३, १२; १३; मु० च० १५, ६७;
मूय० १, १, ४, ८; वव० १०, १; वेय० १,
३७; पञ्च० ३५; भग० ८, १; दस० ३, १४:
केउ. पुं० (केतु) केतु नामनी आ०. केतु
नाम का ग्रह. A planet so named.
ओव० २५; मू० प० २०; राय० २०८; (२)
ध्यान. ध्वजा. a flag. (३) चिन्ह;
निशान. चिन्ह; निशान. a sign; a
signal. कप० ३, ५२; राय० १२३;
जावा० ३, ४; ओव० नाया० १:

केउअ-य. पुं० (केतुक) अथवा समुद्रनी
मध्यमां दक्षिण दिशाभां रेंद्रे केतुक नामनी
महापाताल शयशी. लवण समुद्र के मध्य में
दक्षिण दिशा की ओर केतुक नाम का महा-
पाताल कलशा. The Mahāpātāla
pot named Ketuka situated in
the middle of Lavana ocean
in the south. डा० ४, २; जावा० ३, ४:
केउं. म० क० अ० (कंवा) येयाली अर्धत.
खरीद कर; मोल लेकर. Having bought.
विशे० १४३५;

केउग. पुं० (केतुक) केतुक नामनी अथवा
समुद्रमां दक्षिण तरफती पातालकलशा.
लवण समुद्र के दक्षिणकी ओर का केतुक
नामका पाताल कलशा. The Pātāla
pot Ketuka situated in the
south of Lavana ocean. मम० ५२:
केउभूअ-य. न० (केतुभूत) सिद्ध सेलिआ

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

अने मलयुस सेजिआ परिधर्मनो पांचभो
भेद अने पुः सेजिआदि पांच परिधर्मनो
सातभो भेद. सिद्धश्रेणी और मनुष्य परिकर्म
का पांचवां भेद और पुः श्रेणि आदि पांच
परिकर्मों का सातवां भेद. The fifth
division of Siddha Senia and
Manussa Senia and the 7th
division of the five Parikarmas
viz. Puttha Senia etc. नंदा० १६;
सम० १२;

केउमई. स्त्री० (केतुमती) द्विचर देवताना ४८
द्विचरती श्रीछ पटश्री. किन्नर देवताओं के
इंद्र किन्नर की द्वितीय पटगनी. The
second crowned queen of Kin-
nara, the Indra of Kinnara
gods. भग० १०, ५; डा० ४, १; नाया० ४०५;

केऊर. पुं० (केयूर) वास्तु अंश; ओष्ठ आभ-
रण. बाज्रबंध; एक आभूषण. An orna-
ment worn on the arm. भग० ४,
३३; नाया० १; राय० २७; १८६; निर्मा०
७, ८; कप्प० २, १४; जं० प० २, १३०;

केऊई. स्त्री० (केकयी केकयानां राजा केकयः
तम्येयः) देवकी आदिमा वासुदेवती राता.
केकयी आठवें वासुदेव की माता. Name
of the mother of the 8th
Vāsudeva. सम० प० २३५; (२) पश्चिम
महाविदेहती सवित्रावती विजयती वीतसोका
नगरीजुं श्रीजुं नाम. पश्चिम महाविदेह
सालिलावती विजयकी वीतसोका नगरी का
दूसरा नाम. the other name of the
city Vitasoka of Salilavati
Vijaya in the western Mahā-
videha. सम०

केकय. पुं० (केकय) देव्य नामनो ओष्ठ देश.
केकय नाम का एक देश. A country of
this name. (२) त्रि. ते देवना रह्यसी.

उस देश का निवासी. a resident of
that country. पञ्च० १; पगह० १, १;
राय० २०५;

केकयद्ध. पुं० (केकयार्द्ध) देव्य देशनो अर्द्ध-
भाग; परदेशी राजनो देश. केकय देश का
अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The
half of the Kekaya country;
the dominion of the king
named Paradesi. राय० २०५;

केकाइय. न० (केकायित) भोरनो शब्द.
मयूर का शब्द. The cry of a pea-
cock. नाया० ३;

केकारव. पुं० (केकारव) भोरनो शब्द मयूर
का शब्द. The cry of a peacock.
नाया० १;

केकय. पुं० (केकय) देव्य नामनो अनार्य
देश. केकय नाम का अनार्य देश. Name of
an uncivilised country. प्रव० १५६८;

केकारव. पुं० (केकारव) जुआ " केकारव "
शब्द. देवो " केकारव " शब्द. Vide
" केकारव " नाया० ३;

केगुह. ग्र० (केनाचित) किसी के
सा. By any body; by some body
or other. दम० २, १, ४३; जं० प० नाया०
२, ८; १६; भग० १५, ३;

केतई. स्त्री० (केतकी) फलवाली केतकी. A
flowering plant so named. भग०
१५, ६; -- **पुड.** पुं० (पुड) शक्तीना पत्र.
केतकी का पुडा. a packet of Ketaki.
भग० १५, ६;

केतु. पुं० (केतु) ८८वां अक्षरुं नाम. ८८वें
ग्रह का नाम. Name of 88th con-
stellation. सू० प० २०;

केतुमई. स्त्री० (केतुमती) द्विचरती श्रीछ राजीनुं
नाम. किन्नर की दूसरी रानी का नाम.
Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ५;

केदार. न० (केदार) क्षारा. क्यारी. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden. नाया० ७; केदहालअ. त्रि० (कियन्महत्) डेट्युं भेदादे. कितना मोटा. How much big. जं प० ७, १३४;

केय. न० (केतन कित निवास-कित्यते उप्य-तेऽस्मिन्निति) गृह; घर. गृह; घर. A house. “केयं गिहन्ति सहतेण” प्रव० १६६; केयइअइ. न० (केकयार्द्ध) डेट्युं देशेना अर्धा भाग. केकय देश का अर्द्धभाग-आधा हिस्सा. The half of the country Kekaya “ मयावयाय नयरी, केयइअइ चअरियं भणियं ” पञ्च० १;

केयई. स्त्री० (केतका) डेट्युं जट. केतका का झाड़. The Ketaki plant. राय० पञ्च० १; जीवा० ३४; भग० ८, २; — पुड. पुं० (पुट) डेट्युं गिरा पेट. केतका का गट्टा-बंडल. a packet of Ketaki. नाया० १७; केयकंदली. स्त्री० (केतकंदली) अंड गलती ईद. एक ज्ञान का कंद. A kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७;

केयण. न० (केतन) धनुष्यनी इमान. धनुष्य का कमान. The wooden bow उत्त० ६, २१; (२) मत्स्य ग्रंथतः यत्र मत्स्य बंधनः जाल-फांस. a net; a snare. सूय० १, ३, १, १३; (३) अे प्रक्षरन्तुं डेतनः— १-द्रव्य डेतन-आदिनी अथवा समुद्र, २-भाव डेतन-लोभेच्छा. दो प्रकार का केतन. १-द्रव्य केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव केतन-लोभेच्छा. a Ketana of two sorts viz. one like that of a

sieve or a ocean and the other like that of a greed. आया० १, ३, २, ११३;

केयति. पुं० (केतकी) डेट्युं वृक्ष. केवडे का झाड़. A Kevadā tree. भग० २, १; केयव्व. त्रि० (केतव्य) डेट्युं; अरीदत्तुं. लेना; खरादना. Purchasing; buying. उत्त० ३५, १२;

केयाग्रडिया. स्त्री० (*) क्षरिनि छेडे आधेन घडी. रस्सा मे बांधा हुई घड़ी. A clock fastened to the end of a string. भग० १३, ८;

केयार. पुं० (केदार) अनाज्जना क्षारा. अनाज का क्याग. Plots of corn. नाया० ७; केयावती. अ० (केचन) डेट्या अंड. कितने एक. A certain number. आया० १,

केयूर. पुं० (केयूर) आलुग्रंथ. बाजूबंध. An ornament worn on the arm. ओव० १२; जीवा० ३, ३; प्रव० १२, ८६;

केरिस. त्रि० (कीदश) डेट्युं; डेट्या प्रक्षरन्तुं; डेट्याग्रंत्तुं. कैसा; किस तरह का; किस सरीखा. Of what sort or nature. उत्त० २३,

११; पञ्च० १७ विशेष० ३२६; भग० १, १, २, ५; ३, १; संख्या० ३१; जीवा० ३, ३; “ अणुभावे केडिसे वुत्ते ” सू० प० १; जं० प० १, २१;

केरिसअ-य. त्रि० (कीदशक) डेट्युं? डेट्या प्रक्षरन्तुं! कैसा? किस तरह का? Of what sort or nature. नाया० ८; जं० प० निर० १, १; भग० ६, ५; ७; ७, ६; १२, ६; १३, ४; १५, १; १६, ३;

केलास. पुं० (केलास) अंतगड सूत्रना लक्ष वर्गना सातसा अर्धयनतुं नाम. अतगड

सूत्र के छठे वर्ग के सातवें अध्यायन का नाम।
Name of the 7th chapter
of the 6th section of Antagāṇa
Sūtra. अंत० ६, ७; (२) सकेतन नगर
निवासी अक्षगाथापति के नेत्रों में महावीर स्वामी
सभीपे दीक्षा लक्षण परसनी प्रवर्ण्य पाणी
विपुल पर्वत उपर अथारो डरी सिद्धि भेगरी।
साकेतन नगर के निवासि एक गाथापति, कि
जिमें महावीर स्वामी के पाम दीक्षा लेकर
बारह वर्ष तक संयम पाल विपुल पर्वत पर
संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया, a merchant
of Sāketana city who took
Dīkṣā from Mahāvīra Swāmi,
observed it for 12 years and
performing Santhārā on the
Vipula mount, attained salva-
tion. अंत० ६, ७; (३) राहुना नवमा
प्रकारता पुद्गल नाम राहु के नव प्रकार के
पुद्गल का नाम, name of the 9th
variety of the molecule of
Rāhu. सू० प० २०;

केलास. पुं० (कैलास) कैलास नामने पर्वत;
मेरु पर्वत, कैलास नामका पर्वत; मेरु पर्वत.
Name of a mountain; the
mount Meru. (२) कुबेरता नामने
पर्वत, कुबेर के अधीन पर्वत, the moun-
tain belonging to Kubera. जं प०
(३) लवण समुद्र में पश्चिम दिशा में ४२०००
देवदेव उपर आवेस आयुवेतंधर देवता
निवास पर्वत, लवण समुद्र में पश्चिम दिशा
का ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलंधर
देवता का निवास स्थान पर्वत, the moun-
tain abode of Anuvēlandhara
gods situated at a distance of
42000 Yojanas in the west, in
Lavana ocean. टा० ४, २;

केलि. स्त्री० (केलि) क्रीडा; खेल; रमन. कांडा;
चेष्टा; रमत; खेल. Play; recreation.

आव० २२; पञ्च० २; प्रव० ४३६;

केली स्त्री० (कदली) कैलाज वृक्ष; कैला. केले
का वृक्ष; केला. A plantain tree.
भक्त० १६६;

केवइश्च य. त्रि० (कियत्) कैटले कैटला
प्रमाणजु कितना ? कितने प्रमाण का ?
How much. आव० ३८; पञ्च० ६; ओष०
नि० १२३; सू० प० १; टा० ३, १; अणुजो० १६०;
नाया० १३; भग० १, १; २, ५; ३, १; २;
५, २; ८; ६, ५; ८; ८, १; २; ८, १०; ११,
१; १२, ४; १६, ७; ८; १६, १; १६, ३;
६; ७; २४, १; १२; २२, ६; ४१, १; नाया०
ध० जं प० २, २५; ७, १३६; ७, १६६;
६, १२५; ७, १३२; १, १६; ७, १३१;

केवचिरं. अ० (कियच्चिरं) कैटले कायो वपत;
क्या सुधी ? कितना लम्बा समय; कबतक ?
How long; how far. जीवा० १; राय०
१४६; भग० २, ५; ३, ३; ८, २; ६; २४,
६; जं० प० ७, १७७;

केवच्चिरं अ० (कियच्चिरं) कैटले वपत.
कितना समय How much time.
अणुजो० ८२; भग० २५, ४; पञ्च० १८;

केवच्चेरिण. अ० (कियच्चेरिण) कैटले वपते.
कितने समय में. In how much time.
अंत० ६, १२; भग० २, १;

केवतिय. त्रि० (कियत्) अनुया “ केवइश्च ”
शब्द. देखो “ केवइश्च ” शब्द. Vide
“ केवइश्च ” सू० प० १; १६; जीवा० १;
भग० १, १०; ११, १;

केवल. न० (केवल) संपूर्ण; परिपूर्ण.
संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा०
६, २; भग० १, ४; १ ८; २, ५; ७, ८;
६, ३१; १०, ५; १५, १; १८, ३; पि०
नि० २११; नाया० ५; १६; उत्त० ३३, ४;

(२) ऐक्यं ज्ञानं; देवता ज्ञान. अकेला ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge. नाया० ८; पञ्च० १; २०; ३६; विशेष० ८४; ४१८; पि० नि० ६०; भग० १६, ६; क० ग० १, ४; ८; १०; ४, १४; ज० प० ३, १६०; (३) देवता दर्शन. केवल दर्शन. Kevala Darśana; perfect understanding क० ग० ४, ४५; —आलोअ. पुं० (आलोक) देवता ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge. पि० नि० ४७४; —जुअल. न० (युगल) देवता द्वाय; देवता ज्ञान तथा देवता दर्शन. केवल द्वय; केवल ज्ञान और केवल दर्शन. a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana. क० ग० ४, ६४; —दुग. न० (द्विक) देवता ज्ञान तथा देवता दर्शन. केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क० ग० ३, १६; ४, ८; २०; —दुगूग. त्रि० (द्विकोन) देवता द्विद शब्दतः केवल द्विक—केवल ज्ञान और केवल दर्शनसे रहित. devoid of a pair of Kevala. क० ग० ४, ३४; —परियाय ग. न० (पर्याय) देवताज्ञानता पर्याय. केवल ज्ञान का पर्याय. molecules of Kevala Jñāna. दसा० १०, ११; भग० १२, १; —मरण न० (मरण) देवताज्ञान अहित मरण. केवल ज्ञान सहित मृत्यु. death accompanied with Kevala Jñāna. (२) देवता अद्वितीय मरण; पंडित मरण. अनोम्ना मृत्यु; पंडित मरण. good death; death in a proper way. दसा० १, २६; २७; —वरणाणदेमण. न० (वरज्ञान दर्शन केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेक्षया

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शनं) प्रधान देवताज्ञान अन्ये देवतादर्शन. प्रधान केवल-ज्ञान और केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया० ५; ८; १४; भग० ६, ३१; २५, १; —सिरी. स्त्री० (श्री) देवता-ज्ञानरूप धर्म. केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ० १४;

केवलकल्प. त्रि० (केवल कल्प—केवलः संपूर्णः कल्पत इति कल्पः स्वकार्यकरणमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलश्चास्मि कल्प-श्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानमदृश परिपूर्णतासाधर्म्यात् संपूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्दः) संपूर्ण देवता ज्ञानती भद्रिद परिपूर्ण. संपूर्ण केवल ज्ञान का तद्वत् परिपूर्ण. Complete; perfect as Kevala Jñāna. दसा० २, २४; २६; नाया० ४० डा० ३, ४; भग० ३, १; ६, ५; नाया० १३; ज० प० आव० ४२; कल्प० २, १२;

केवलगाण. न० (केवलज्ञान) देवताज्ञानः संपूर्ण परिपूर्ण ज्ञानः बोधना सर्वज्ञाने प्रत्यक्ष शब्दात्प्राप्त ज्ञानः ज्ञानतो पांचिमा प्रक्षर. केवलज्ञान; संपूर्ण— ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान; ज्ञान का पांचवां भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. आव० दसा० २, २४, २५; भग० ६, ४; ८, २; नाया० १; —आवरण. न० (आवरण) देवताज्ञानतु आवरण—आच्छादन; ज्ञानावरणीय धर्मती अक्ष प्रकृति. केवलज्ञान का आच्छादन—आवरण; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. obstruction to

Kevala-Jñāna: a variety of Jñānāvaramiṇya Karma. सम० १७: —आवरणज्ज. न० (—आवरणीय) देवज्ञानने दम्यावण्णरु इमे. केवल ज्ञान को दबाने वाला कर्म: ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग० ६, ३१: —पज्जव. पुं० (—पर्यव) देवज्ञानता पर्यव. केवल ज्ञान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna. भग० २५, ४: —विणय. पुं० (—विनय) देवज्ञानने विनय. केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग० २५, ७:

केवलशास्त्रि. पुं० (केवलज्ञानिन्) देवज्ञानात्: देवज्ञा तीर्थक्षर अने सिद्ध भगवान्. केवल-ज्ञानी: केवली तीर्थकर और सिद्ध भगवान्. An omniscient being: Kevali Tirthankara and Siddha. भग० ८, २; १८, १: २६, १: नाया० ८:

केवलदंशण. न० (केवलदर्शन—केवलज्ञान संपूर्ण-वस्तुतत्त्वग्राहकबोधविशेषरूपेण यदंशने सामान्यांशग्रहणं तत्केवलदर्शनम्) देवज्ञान दर्शन: संपूर्ण दर्शन. केवल दर्शन: सम्पूर्ण दर्शन. Kevala Darśana: perfect vision. दमा० ५, २४: २५; भग० २, १०: ८, २: जीवा० १: कप० १, १: —आचरण. न० (—आचरण—केवलमुक्तस्वरूप तत्त्वदर्शनं च. तस्याचरणं केवलदर्शनावरणम्) दर्शनावरणीय इमेनी अंश प्रकृति देवज्ञाना उदयत्ती श्रव देवज्ञानदर्शन न पमे. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति: जिसके उदय में जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darśanāvaramiṇya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darśana. डा० ६, १: सम०

१७: पत्र० २३: उत्त० ३३, ६: केवलदंशण. पुं० (केवलदर्शानिन्) देवज्ञान दर्शनी श्रव. केवल दर्शन वाला आत्मा. A soul possessed of Kevala Darśana. भग० ८, ३: डा० ६, ४:

केवलनाग. न० (केवलज्ञान) अनुया “ केवल-शास्त्र ” शब्द. देखो “ केवलशास्त्र ” शब्द. Vide “ केवलशास्त्र ” भग० २, १०: ८, २: मंडा० १: अणुजा० १: विशेष० ५६: दमा० ७, १२: कप० १, १: प्रव० ७०५: —आचरणज्ज. पुं० (—आवरणीय) अनुया “ केवलशास्त्र आचरणज्ज ” शब्द. देखो “ केवलशास्त्र आचरणज्ज ” शब्द. vide “ केवलशास्त्र आचरणज्ज ” भग० ६, ३१: —पज्जव. पुं० (—पर्यव) देवज्ञानता अनंत पर्यव. केवल ज्ञान के अनंत पर्यव, infinite atoms of Kevala Jñāna. भग० ८, २: —लद्धि. स्त्रा० (—लद्धि) देवज्ञानात् प्रप्ति. केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna. भग० ८, २: —लद्धिया. स्त्रा० (—लद्धिका) देवज्ञानात् प्रप्ति. केवल ज्ञान का प्राप्ति. attainment of Kevala Jñāna. भग० ८, २:

केवलनागि. पुं० (केवलज्ञानिन्) अनुया “ केवलशास्त्रा ” शब्द. देखो “ केवलशास्त्रा ” शब्द. Vide “ केवलशास्त्रा ” भग० ६, ३: ८, २: ८, ६: कप० ६, १८१: (२) अतीत उत्सर्पिणी कालमां अयं पदेना तीर्थक्षर. अनंत उत्सर्पिणी काल में उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थकर. the first Tirthankara of the past Utsarpini time. प्रव० २६०:

केवलि. पुं० (केवलान्) देवज्ञान धरनात्: देवज्ञानात्: देवज्ञा तीर्थक्षर अने सिद्ध भगवान्. केवलज्ञान रखनेवाले: केवल ज्ञानी:

केवली; तार्थकर और सिद्ध भगवान् One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevali, Tirthāṅkara and the Siddha. भग० १, ४: १, ४; ७, ७: ६, ३१: १४, १०; १८, ७; २४, १; २५, ६; ७, दस० ४ २२: पगद० २, १: पि० नि० १६८: नाया० ८: १४: अणुजो० १२७: पञ्च० २०; ३: आव० १०: उवा० ७, १८७: क० गं० १, ४७: १, ४१: ६, ४: भन० १४६: आव० २, १: क०प० २, २४: प्रव० ६: ३३५: (२) देवतसमुद्धान् सात समुद्धानामानी सातमी केवली ये प्रक्षरता वेदनीय कर्मनी ये प्रक्षरता नामकनेनी अने ये प्रक्षरता जात कर्मानि निर्दिष्टा थिय छे, केवल समुद्धान् सात समुद्धानों में से सातवा, जिसमें दो प्रकार के वेद नाय, दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के मात्र कर्मों की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghats: Kevala Samudghata: which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedaniya, 2 sorts of Nama Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पञ्च० ३६: - आराहणा, खी० (-आराधना) अवधिजानी, मनमयेवजानी अने देवजानीनी आराधना. आराधजानी, मनपर्यवजानी और केवलजानी का आराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyaya Jñāna and Kevala Jñāna. ज्ञा० २, ४: -उवा-सग पुं० (-उपासक केवलिनमुपास्ते यः श्रवणाकांक्षीतदुपासनामात्रपरः सस्यो केवल्युपासकः) देवतीनी उपासना करनेवाला वतधारी श्रावक. केवली का उपासना करनेवाला

वतधारी श्रावक, a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevali. भग० ५, ४: ६, ३१: -उवांसिया, खी० (-उपासका) देव-तीनी उपासना करनेवाली श्राविका. केवली का उपासना करने वाली श्राविका. a female Jain householder who worships a Kevali. भग० ६, ३१: -पगणत्त, त्रि० (-प्रजस) देवणी भगवान् पदेपु. केवली भगवान् द्वारा कथित, prescribed, extolled by the omniscient. राय० २३५: दसा० ७, १२: भग० ६, ३१: आव० ४, १: -परि-याग, पुं० (-पर्यायक) देवतजानीनी देवती तर्कितनी अवस्था, केवलजानी का केवलीपनेका हालत, the Kevalihood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८: १४: अत० ५, १. -मरण, न० (-मरण) देवणी-पणे मरण थिय ते. केवल जान होते हुए मृत्यु होना. death in the stage of Kevala Jñāna. भग० २, ७: सम० १५: -समुद्घात्र य. पुं० (समुद्घात—केवलिन्यन्तमुद्घातभाविपरमपदेभवः समुद्घातः केवलिसमुद्घातः) देवती भगवान्ने दरेत समुद्घातः देवतसमुद्घात आः समयमां थती अइ प्रक्षरनी आत्म प्रदेशने विस्तारी कर्मने अपेक्षानी देवतिनी किया. केवली भगवान् द्वारा का हुई समुद्घातः केवल समुद्घात—आठ समय में होने वाली एक प्रकार का आत्मप्रदेश का फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवली का किया. the Samudghāta performed by a Kevali; Kevala Samudghāta, i. e. the activity performed by a Kevali

in eight Samayas (instants) by expanding the molecules of the soul to destroy the Karmas. भग० २, २; ८, ६; २५, ६; सम० ७; —सावग. पुं० (—आवक) देवलिभगवान्ना आवाक-वचन सुनने वाला. an adherent of an omniscient being. भग० ६, ३१; —सावित्रा स्त्री० (—आविका) देवलिभगवान्नी आदिष्टा. केवली भगवान् की आविका. a female adherent of an omniscient being भग० ६, ३१;

केवलित्त. न० (केवलित्व) देवज्ञानापाद्य. केवलज्ञानोपना. The state of being an omniscient being. प्रव० १५२१;

केवलिय न० (केवल्य-केवलस्य भावः केवल्यम्) देवत्वं स्वस्वः प्रतिष्ठनं विषय केवल स्वस्वः पारि कर्म का नाश. The perfected stage; absence of Ghāti Karmas. विशेष० ११८०; २६८१;

केवलिय. त्र० (केवलिक) देवज्ञानी संयत्नी केवल ज्ञानी सम्बन्धा. Relating to an omniscient being. " तं संयकारी पुष्टो पवेमे । संखा इमं केवलीयं समाहिं " सृष्ट० १, १८, १६; डा० ८, २; नाया० १;

केस. पुं० (केश) केशः दुःख. केशः दुःख. Misery; affliction; pain; trouble. विशेष० १६२१; उक्त० ५, ७;

केस. पुं० (केश) धातुः केश. बालः केश. Hair. श्रव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १, ८; भग० १, ७; ६, ३, २; ४, ७, ६; ६, ३३; पञ्च० २; उक्त० १०, २१; आया० २, ८, १६३, सम० ३६; राय० सृष्ट० २, १, ४२; उवा० १, ५१; कण्व० ६, ५७; प्रव० ४११; ४३६; —अलंकार. पुं० (अल-

ङ्कार—केशाण्बालङ्कारः केशालङ्कारः) बाण ओणवा; पटीया पाड्या अने तेन प्रवेव धावपुं० ते. बाल ओङ्गना; भांग पाडना और तेल फुलेल लगाना. combing of hair. डा० ४, ४; भग० ६, ३३; —ग. न० (—अग्र) देशतो अग्रभाग. बाल का अग्रभाग. the tip, point of a hair. भग० ३, २; —भूमि स्त्री० (—भूमि) देशतो भूमि, माथानी आसरी. बाल का चमडी; गिर का चर्म. the skin of the head. श्रव० १०; राय० १६४; —मंसु. पुं० (—श्मश्रु) माथापरना देश अने दाढी मुँठ मिर के बाल और दाढी मूच्छ. the hair of the head, moustache and beard. प्रव० १३६४. —रामनह. न० (—रामनख) माथाना देश. शरीर रखा अने नाख. मिर के बाल; शरीर के रोम और नाखन. the hair of the head, furs and nails. प्रव० ४५४; —लोअ पुं० (लोच) देशतो देव केशः भरत तथा प्रदीना बाण दार्थी भव्या भुटी कटाया ते. केश का लुचन करना; मस्तक तथा दाढी के बाल हाथ में खाचकर उखाडना. rooting out of hair; pulling out of hair of the head, beard etc. with the hand. भग० १, ६; उक्त० १६, ३३; " संतत्ता केम लोणं, बंभवेरपगइया " सृष्ट० १, ३, १३; निर० ५, १; —वहा. पुं० (—अपहार) देश-बाधाअनु अपहरणुं गदार कटपुं० ते. केश-बाल आदिका परि-न्याग-बाहर निकाल देना. rooting out of very small hair. क० गं० ५, ८५; —वाणज. न० (—वाणज्य) देशवादा उपेति आपार; पदरु कर्मिहानभानो अङ्क. केश वाले जीवों का व्यापार; पन्द्रह कर्म-

दानों में में एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādanas. भग० ८, ५; —हन्थ. पुं० (—हस्त) देशना हाथ-वेणी; अम्भादे. बाल का हाथ-वेणी; बाल का गूथना. a braid of hair. नाया० १; कप० ३, ३६;

केसंत. पुं० (केशान्त) देशने. पर्वत. भायः माथनी आभरी. केश के नीचे का भाग; मिर की चमड़ी. The root of the hair; the skin from which the hair comes out. गय० १६४; जावा० ३; तेंद०

केसर. पुं० न० (केशर) इत्रना देशने; पद्म पंखेरे दुसमा थनु देशना आक्षरे तनु. फूल का पराग-केशर; पद्याद फूलों से उपज होने वाले केश सरसि तनु. 'The pollen or farina of a flower. पल० १; नाया० ४; नदी ७; जावा० ३, १; गय० १३३; (२) इम्पिदप्रपुत्री अक्षरना ऐड दिवत-पुत्रीयानु नाम. कौपलपुर के बहार के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. "अह केसरस्मि उल्लखे अणगारे नवाधणे" जे. प० ३, ६१; ७, १३३; उत० १, ३. (३) पक्ष्मी ऐडभनत; अक्षर तनु जड. वृक्ष का एक जाति; बकुल का झाड़. a kind of tree. गय० ५१; (४) निवत देशना सिंह के केश. the mane of a lion. भग० ११, ११. कप० ३, ३५; — **आडोव. पुं०** (—आटोप) सिंदना देशना विस्तार. सह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. भग० ११, ११; कप० ३, ३५; — **उववेय. पुं०** (—उपपेत) इभर देशरथी-युक्त. कमल कशर गाहिन full of pollen or farina of a lotus. नाया० १३;

केसरि. पुं० (केसरिन्) देसरी सिंद. केशरी सिंह. A lion of high breed. अणुजो० १६१; पगद० १, ४; (२) देसरी रंजनुं डपडु. केशरी रंग का कपड़ा. a cloth of saffron colour. नाया० ५; (३) देसरी नामने द्रव; निवत पर्वत उपरने ऐड द्रव. केसरी नाम का द्रव; नीलवंत पर्वत ऊपर का एक द्रव. a lake of this name; a lake situated on the Nilvanta mount. जावा० ३, ४; डा० २, ३; (४) देसरी-अवती आरीसीना आथा प्रतियासदेव. केसरी-आगामाकाल का चौवासा के साथे प्रात वासुदेव. Kesari, the fourth Prati Vasudava of the coming cycle. सम० प० २४२; — **द्रह. पुं०** (द्रह) नैमांथी नीततदी नीक्षे छे ते नीवत पर्वत उपरने ऐड द्रव. नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रव जिस में में नीला नदी निकलती है. the lake on the mount Nilvanta from which the river Sita rises. डा० ३, ४; सम० ४०००; जे० प० ४, ११०;

केसरिया. स्त्री० (केशरिका) नैमांथी हाथ पथ साठ डरवान सन्यासीन राखवाना वृक्ष-नीत इक्षे; साक्षीओं अधिक इमार. भूमि या हाथ पांव साफ करने के लिये सन्यासी के पास रखने का एक वस्त्र का टुकड़ा; लकड़ा पर बांधा हुआ रुमाल. A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet. भग० ३, २; ओवे० ३६; (२) पत्रा पुष्टतनुं साधन; पूंजथुी. पात्राद पूंजे का साधन; पूंजणा. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० २, १; पगह० २, ५;
श्रोत्र० नि० ६६६;

केसव. पुं० (केशव) ऋष्यवासुदेवन् नाम.
कृष्णवासुदेव का नाम. The name of
the Kṛṣṇa Vasudeva. उत्त० २२,
२; नाया० १६; जीवा० ३, २; पगह० १, ४;
केसवृष्टि. स्त्री० (केशवृष्टि) केश-वातनी वृष्टि
शरीर-वातवातनी विद्या. केश-वालौ का वृष्टि
दिखलाने वाला विद्या. The lore of
making a shower of hair fall.
सूय० २, २, २७; (२) केश-वातनी वृष्टि.
केश-वालौ का वृष्टि. a shower of
hair. प्रव० १४६७;

केसि पुं० (केशिन्) परदेशी राजाने समस्त-
पतार पार्श्व प्रभुता संतनीया; ऐ नामवा
ऐक दुभार समस्त-दुभारवस्थाभा प्रभुता
दीधित मदात्मा परदेशी राजा को समस्ताने
वाले पार्श्वप्रभु के संगतानया: दम नाम के एक
कुंवार श्रमण-कुंवारावस्था में दीक्षित हुए
महात्मा. A disciple of Parśvanātha who had given advice to
Pardesi king. उत्त० २३, २; राय० २१५;
भग० ११, ११; उवा० ८, २४६; निर० ५,
१; (२) केशीदुभार: उदायन राजाने
भानेज. केशीकुंवार; उदायन राजा का भानेज.
the prince named Keśi; the
nephew of king Udāyana. भग०
१३, ६; उवा० ८, २४६; (३) केशी-
वासुदेव. Keśi Vasudeva. प्रव० ४२३;
—**सामि.** पुं० (—स्वामिन्) केशी दुभार श्री
पार्श्वनाथ स्वामिना शिष्यानुशिष्य केशी
कुंवार—श्री पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य.
Keśi Kumāra the grand disci-

ple of Parśvanātha. भग० २, ५;
केसि. पुं० (क्लेशिन्) क्लेश बाधा; दुःख बाधा.
क्लेश वाला; दुःखा. Troubled; afflict-
ed. विशेष ३५४४;
केसिन्ना. स्त्री० (केशिका = केशा विद्यन्ते यस्याः
सा केशिका) माथा उपर दाया केश धराय
नारी स्त्री. सिर पर लम्बे केश रखने वाली
स्त्री. A woman having long hair
on the head. सूय० १, ४, २, ३;
केसी. स्त्री० (कौटसी) कृषि; कृषा प्रकारनी.
कैसा; किस तरह का; (स्त्री). Of what
sort. अमृतोक्त० १२८;

कोआमिश्र. त्रि० () पद्मनी पेड़
विशेष. पद्म-कमल का तरह विकसित.
Blown as a lotus. श्रोत्र० १०; जं०
प० २;

कोई. अ० (काश्चत्) कौन ऐक. कोई भी
Certain, some one. नाया० ७; सू०
च० ४, १८८; दस० ५, १, ६३; भन० ३८;
कोइल पुं० स्त्री० (कोकिल) कोयल; वसंत
ऋतुभा पंचम स्वर में मधुर आवाज करने
वाला पक्षी. कोयल: वसंत ऋतु में पंचम स्वर
में मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी. A
lark००. सू० च० २, १३६; जीवा०
३, ३; नाया० ५; ८; जं० प० निर० ५, १;
उत्त० ३४, ६; अमृतोक्त० १२८; श्रोत्र० दा०
७, १;

कोइलच्छुय. पुं० (कोकिलच्छुय) तैल कटक
नामनी ऐक वनस्पति. तैल कटक नाम का
एक वनस्पति. A kind of vegetation.
पत्र० १७;

कोउअ-य. न० (कौतुक) कृतुहल. कुतुहल.
Curiosity. भग० ७, ६; सू० प० २०;

सू० च० १३, ४३; प्रब० १११; ६५१; कप० ४, ६७, (२) गर्भाधानादि संस्कार; भद्रोत्सव विशेष. गर्भाधान आदि संस्कार; महोत्सव विशेष. ceremony relating to pregnancy. भग० ११, ११; राय० २८; (३) डितार डादयो वगेरे शत्रुक डम. भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observance to get rid of the obsession by a ghost. सूय० २, २, ५५; (४) रक्षा: रक्षण. रक्षा: रक्षण. protection. जे० प० ३, ४३; (५) भोग्य द्रव्य: द्रव्ये तिरुद्र शत्रु ते. मांगलिक क्रिया; कपाल पर कंकु आदि का निलक लगाना. an auspicious action; an auspicious mark on the forehead. जे० प० भग० २, ५; ६, ३३; उत्त० २२, ६; श्रौत० ११, २३; —कम्म. न० (-कर्मन्) भोग्य-मौल्य भोग्य द्रव्ये तिरुद्र शत्रु ते. मंगल-मौल्य के लिये कपाल पर कंकु आदि का निलक लगाना the act of making an auspicious mark on the forehead. नाय० १४; नया० १३, १२; —कारक वि० (कारक) शत्रुक शत्रुवार. कौतुक नमाशा करने वाला. an enchanter; a joker. श्रौत० ११;

कोउग. न० (कौतुक) ऋग्भा "कोउअ य" शब्द देखा "कोउअ-य" शब्द. Vide "कोउअ-य" सू० च० ८, ८४; पंचा० १३, २४; **कोउय** पुं० (कौतुक) ऋग्भा "कोउअ" शब्द. देखा "कोउअ" शब्द. Vide "कोउअ" नाय० १;

कोउहल. न० (कौतुहल) शत्रुक; शत्रुहल; डितुहल. कौतुक; कुतुहल; उत्सुकता. Eagerness; curiosity. श्रौत० २८; भग० ६, ३३; निर्मा० ३, ५; जीवा०

३, ३; राय० ४०; —वडिया. स्त्री० (-प्रतिजा) शत्रुहल निमित्त. कुतुहल के लिये. for the sake of curiosity. राय० निर्मा० १७, १;

कोऊहल. पुं० (कुतुहल) शत्रुक; शत्रुहल. कौतुक भाव. कौतुहल. Curiosity. भग० १, १; (२) अभुक्त भोग्यी शत्रुभा अने भुक्त भोग्यी स्मृति. अभुक्त भोग का आकांक्षा और भुक्त भोग का स्मृति. desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted. जे० प० ५, ११५; उत्त० १५, ६;

कोऊहलिल. वि० (कौतुहलिक) शत्रुहली; भुक्तभोग्य. मस्करा; हंसा करनेवाला. A joker; a buffoon. श्रौत० निर्मा० ११३;

कौकण. पुं० (कौकण-कौकण एव कौकणः) ये नामने अत्र देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. श्रौत० निर्मा० २३३;

कौकणग. वि० (कौकणक) शत्रुहल देशवासी. कौकण देश का निवासी. A resident of Kokana. पञ्च० १; पगह० १, १;

कौच. पुं० (कौच) द्वैय पक्षी. कौच पक्षा. A heron. निर० ५, १; पञ्च० १; डा० ७, १; जे० प० नाय० ६; ८; राय० ५४; जावा० ३, ३; उत्त० १४, ३८; श्रौत० ३४; " छट्टेच मारसा कौचा. खेसाय सतम गथा " डा० ७; (२) द्वैय देशवासी. कौच देश का रहनेवाला. a resident of Kroucha country. पगह० १, १; पञ्च० १; —आरव. पुं० (-आरव) द्वैय पक्षीना मेंवो आवाज. कौच पक्षा जैसा आवाज. a sound resembling that of a heron. जे० प० ३, ५३; —आमण न०

(—आसन) ऐकं जतनुं आसन एक प्रकारका आसन. a kind of bodily posture. जाँवा० ३; भग० ११, ११: —स्सर. त्रि० (स्वर-कौञ्चस्येवाप्रयासेन विनिर्गतेऽपि दीर्घदेशव्यापि स्वरो येषां ते कौञ्चस्वराः) कैय पक्षीनां सरणां मधुर स्वरवाला. कौच पक्षी के सदृश मधुर स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जाँवा० ३; (२) विष्णु दुम्बर देवता की घंटा. विष्णु कुमार देव का घंटा. a bell of Viṣṇu Kumara. जं० प० ५, ११९; २, २१:

कौटल्य. त्रि० (कौटलक-कौटल उद्योतिषं निमित्तं वा प्रयुङ्क्त इति कौटलकः) शतसंख्यातिष अथवा निमित्त शास्त्रज्ञता ज्ञानकार. कौटिल्य-उद्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञाता. One knowing astrology and science of omens. " पाणि वदोति सुगहणे पञ्चणे कौटल यस्म नितियंतु " श्रौ० नि० भा० २२१:

कौटलक. पुं० (कौटलक) ऐकं जतनुं प्राणी एक जात का प्राणी. A kind of animal. श्रौ०

कौत. पुं० (कुन्त) लता. भाला. A spear. जं० प० —ग. न० (—अग्र) लता की अग्री, भाला की नोक. the point of a spear. नाया० १६;

कौतिय. पुं० (कौन्तिक) ऐकं जतनुं घास एक जाति का घास. A kind of grass. भग० २१, ६:

कोकौतिय. पुं० (कोकौन्तिक कोको इत्येवं आर-र्तानि) डोहड़. कोला. A gourd. (२) दोहड़ी. लोमड़ी. a jackal. पण्ड०

१. १; आया. २: १, ५, २७; जीवा० ३: ३; नाया० १; पञ्च० १:

कोकणय. न० (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान् नदति नादयदि वेति) लाल कमल. लाल कमल) A red lotus. पञ्च० १; सूय० २, ३, १८:

कोकामिन्न य त्रि० (*) शिवाय-लाल कमल की पेड़ निक्षिप्त; प्रक्षिप्त. कोकाम लाल कमल का तरु प्रक्षिप्त-विकसित. Blown as a red-lotus जाँवा० ३, ३; जं० प०

कोकिल. पुं० श्वा० (कोकिल) शयन पक्षी. कोयल पक्षी. A cuckoo bird पञ्च० १:

कोकुडश्च. पुं० (कौकुचिक) हास्यकर श्रेष्ठ श्रेष्ठ. भांड. भांड: हास्यमय चेष्टा करने वाला. A joker जं० प०

कोकुडश्च. त्रि० (कौकुचिक) भांडी पेड़ श्रेष्ठ श्रेष्ठ. भांड का तरु चेष्टा करने वाला. One who acts like a joker. उत्त० ३६, २६१; श्रौ० ३१; जं० प०

कोच्छु. पुं० (कोम्स) ऐ नामक ऐक देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. भग० १५, १:

कोच्छुम्भरि पुं० (कुम्भरि) ऐकं जतनुं धान्य एक जाति का धान्य. A kind of corn. जं० प०

कोज्ज. पुं० (कुज्ज) दुम्बर-ऐकं जतनुं जल. एक जाति का काष्ठ. A kind of tree. कप० ३, ३७; नाया० ८:

कोटि पुं० (कोटि) अथवायः अग्री. अग्र-भाग: नोक. The point. जं० प० (२) करोड़ संख्या विशेष. करोड़: बृहद् संख्या. a crore (numerical figure).

विश० ४२३:

कोटिल्ल. पुं० न० (कोटिल्य) नानो मुद्गर.

छोटा मुद्गल. A small club. विवा० ६;

कोट्ट. धा० II. (कुट्ट) अन्ते पथवे ८४मीन

पर कुट्टु. दोनों पांव में जमीन पर कूटना.

Jumping on the ground by lifting both the feet upwards.

(२) कुट्टु. कूटना: वृकनी करना. to pound.

कोट्टिय. सं० क० जीवा० ३, १;

कोट्टमाण. व० क० भग० १५, १;

कोटिजमाण. व० वा० व० क० जीवा० ३, ४.

कोट्ट पुं० () द्विधा. गड: किला. A

fortress, (२) पछाड्य: कुट्टु. पछा-

डना: कूटना. to dash: to pound

पगड० १, १.

कोट्टिकरिया. स्त्री० (कोट्टिक्रिया) अन्दिता:

दुग्धां पानेरे अक्षय्यरूप देवी. चोडिका: दुर्गा

आदि गैररूपवाली देवियां The goddess

Chhaplika etc. भग० ३, १; नाया०

३; अणुत्रा० २०;

कोट्टणी स्त्री० () द्विधा उपरनी भूमिदा.

किले का भूमि The courtyard in a

fortress. जं० प० ३, ४२;

कोट्टाग पुं० () सुतार. गुतार: बटई. A

carpenter. " कोट्टाग कुलाणि वा गाम

रक्ख कुलाणिवा " आया० २, १, २, ११;

कोट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भोंयतणीयुं. जमीन के

नीचे का तलघर: नीचे का भूमि. The un-

derground floor: a cellar. नाया०

६; —कार त्रि० (-कार) भोंयतणीयानो

अनावनार. भूमि में तलघर का बनानेवाला

the architect who constructs a

cellar. अणुत्रा० १३१; —तल. न०

(-तल) भोंयतणीयुं. नीचे का जमीन:

तलघर. a cellar. नाया० १; भग० ६,

३३; जं० प० १;

कोट्ट. पुं० (कोट्ट) द्विधा: धान्य भंडारना

द्वारा: द्विती. का १: धान्य भरणे का कोटार:

कोट्टा. A granary. ठा० ३, ८; भग०

१५, १; १६, ६; नाया० १; जीवा० ३, १;

पि० नि० २११; आ० २६; ३३; प्रव०

१००६; (२) द्विधा: छाती. कोट्टा: छाती.

a store room: the breast. जं० प० ३,

४७; आ० २१; नाया० १६; (३) अंड

अननो सुगंधी द्रव्य: अंड. एक जाति का

सुगंधी द्रव्य. a kind of fragrant

substance. भग० १३ ६; राय० ५५;

धान्यानुं अंड नाम. धारणा का एक नाम.

name of a Dhārana. नंदी० ३३; (२)

शरीरकी अनेक पेशाब पासे अवयव: अनेक

द्वारा पुराने पांच अने अति छ द्रव्य छे,

अंड यन्त्रो अधिद छ भाट. शरीरके मानसका

पोना अवयव: ऐस पोले कोटे पुरुष के पांच

तथा स्त्री के छ: होते हैं, एक गर्भ का अधिक

होता है. a hollow organ in the

body: there are five such or-

gans in the body of a man and

6 in the body of a woman. नंदु०

—आउत्त त्रि० (—आगुत्त) द्वितीमां नामित:

द्वाराओं रक्षित. भंडार में डाला हुआ; कोटे

में रक्षित. properly stored. भग० ६,

५; ६, ६; ठा० ३, २; निर्मा० १७, २२;

वेय० २, ३; —उचगय. पुं० (—उपगत)

द्वाराओं प्रवेश करने. कोटे में घुसा हुआ.

(one) who has entered

* जुआ पुट नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

into a room. भग० ८, ७; — पुट.

पुं० (—पुट-कोष्टे यः पच्यते वाससमुदायः

स कोष्ट एव, तस्य पुटाः पुटकाः कोष्ट-

पुटाः) केहिने.—सुगन्धी द्रव्यतो पके सुगन्ध

द्रव्य का पुटा. a packet of a fragrant

substance. नाया० १७; भग० १६,

६; ज० प० ४, ८६; — बुद्धि. स्त्री० (—बुद्धि-

कोष्टकप्रक्षुब्धवान्यमिव यस्य सूत्रार्थो सुचि-

रमपि तिष्ठतः स कोष्टबुद्धिः) केहिस्ता नदी

बुद्धिः केहि. भा० पठेन धान्य केम सके के अगटे

न के तेम मेसवेने जान अयत पर्यंत नष्ट

याय नदिने अवा प्रक्षरणी बुद्धि-शक्ति. कोठे

जैसा बुद्धिः कोठे में पड़ा हुआ धान्य गड़ना

या बिगड़ना नहीं वेम है प्राप्त हुआ जान

जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शक्ति.

(one) of great intellect; a kind

of intellect which never spoils

like corn which is stored in a

granary. श्रौत० विशेष० ७६६; — समुग्ग.

पुं० (—समुद्ग) केहिना धान्यको. कविट का

डब्बा. a box made of wood-apple.

ज० प० ३, ४३;

कोट्टाग्र-य. पुं० (कोष्टक) सार्वर्था नगरीना

प्रक्षान्पुष्पात् पुरातन उद्यानं नाम.

सार्वर्था नगरी के ईशान कोने के पुरातन

उद्यानका नाम. Name of an old gar-

den situated to the north east

of Sāvartthī city. नाया० १; भग०

६, ३३; १२, १; १५, १; राय० २११; निर०

३, १; उवा० ६, १२६; (२) धान्यतो केहिने.

धान्य का कोठा. a store-room for

grain; a granary. प्रव० १५१६;

—चेद्य. न० (—चेद्य) सार्वर्था नगरीनी

अधारेनु उद्यान. सार्वर्था नगरी के बाहर का

बगीचा. a garden situated out

side Sāvartthī city. नाया० घ० २;

—बुद्धि. स्त्री० (—बुद्धि) धान्यता केहिने

बुद्धि. धान्य के कोठों की बुद्धि. increment-

in grain stores. प्रव० १५०८;

कोट्टाग्र. पुं० (कोष्टक) केहिः श्रुत. कोठा;

बुर्ज. A tower; a room. (२) ओरटे.

बड़ा कमरा. a large room. सम० प०

२१०; जावा० ३, ३; अणुजो० १४८; पञ्च० २;

(३) श्रावस्ती नगरी के बाहर का अक्ष आय.

श्रावस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान. a

garden outside the city of

Srāvastī. उत्त० २३, ८;

कोट्टागार. पुं० (कोष्टागार) धान्य अक्ष; केहिने.

धान्य घर. कोठार. A room for stor-

ing grain; a granary. निर० १, १;

राय० २०६; २२२; २८२; निर० ८, ५; ६;

विश० १८२७; नाया० १; ७; १४; भग०

११, ६; उत्त० १२, २६; श्रौत० कथ० ८,

६८; ज० प० २, ३०; — माला. पुं० (—शाला)

केहिने भक्षान. कोठे का मकान. a house

having a granary. निर० ६, ७;

कोट्टिय. त्रि० (कोष्टिक) केहि केहि; केहिने

पासे केहिने सुगन्धी द्रव्य छे ते. सुगन्ध

द्रव्य जिसका पास है वह; कोठ वाला.

(One) having a fragrant sub-

stance known as Kotha. विवा० ३;

उवा० २, ६४;

कोडंड. पुं० (कं दण्ड) धनुष. धनुष्य. A

bow. श्रौत० ५; १;

कोडंड. पुं० (कोलम्ब) वृक्षनी नमोदी श आ-

ने. अग्रभाग. कुंक हुण वृत्त का शाखा का

अग्रभाग. The foremost portion

of a bent branch of a tree.

“ त्रिसम गिरिकडग कोडंडमस्त्रिविद्रा ”

नाया० १८;

कोडंडवाणी. स्त्री० (कोडुम्बिनी) अ नामनी

अक्ष शाखा. इस नाम का एक शाखा. A

sect of this name. कण० ८;

कोडण. न० (*कोडन) कुटुंबं ते. कूटना.

Poundin. परह० १, ३:

कोडाकोडि. स्त्री० (कोटिकोटि) अ३ कोडा कोड;

करोडि यु०या करोड. एक कोडा कोड; करोड

को करोड मे गुण करना. 10000000x

10000000; a crore multiplied

by a crore. ठा० २, ३: भग० ६, ३:

१६, ६: ज० प० पञ्च० २३:

कोडाल. न० (कोडाल) द्राघल नामे अ३

आत्र: ऋषभदत्त आत्मजं आत्र. कोडाल

नामक गोत्र: ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र. A

lineage known as Kodāla; the

lineage of the Brahmin Rish-

bhadatta. कण० १, २: —सगोत्र. त्रि०

(—सगोत्र—कोडालै:समं गोत्रे यम्य स:) द्राघल

आत्रभां वरभेद: कोडाल आत्र याया कोडाल

गोत्र मे उत्पन्न: कोडाल गोत्र वाला (one)

born in Kodala lineage. आया०

२, १५. १७६:

कांडि. स्त्री० (कांटी) करोड: मे द्राघ.

(१०००००००) एक करोड: से लाख:

(१०००००००) One hundred laes:

one crore: 10000000. भग० २, १:

८: ३, २: ७, १: १३, ६: सु० च० १, २१८:

स० प० १८: जीवा० १: नाया० १: ८:

अशुजो० ११७: उत्त० ८, १७: ठा० २, ४:

आव० ७, १८२: (२) गुणै: कोना a

corner; an angle पंचा० १३,

२६: राय० १५६: पि० नि० २४७: ठा० ८:

(३) छेदा: अंत्य प्रदेश. किनाग: अंतिम

प्रदेश. end: the region of the

boundary. ज० प० (४) हथियारनी धार.

हथियार का धार. the edge of a

weapon. जीवा० ३: राय० २०४: (५)

अंशु: अग्रभाग. नोक: अग्रभाग. point;

tip. (६) धनुष्यनी पणु७. धनुष्य की

डोरी. the string of a bow. जीवा०

३, ४: (७) पच्यभाजुना लांगा; करोड;

अने जेयना संयोगथी उत्पन्न थना विकल्पना

प्रकार. प्रत्याख्यान के भांगे; करण और योग

के संयोग मे उत्पन्न विकल्प के भेद. divi-

sions of Pachchakhāṇas; प्रव०

१६१: —पहुत्त. न० (—पृथक्त्व) अथी

भांड़ी नव करोड अथी. दो मे लगाकर नौ

करोड तक. from two to nine

crores. प्रव० ६३५: —सयपुफुत्त. न०

(—शतपृथक्त्व) असे करोडथी भांड़ी

नवसे करोड अथी. दोसौ करोड मे लगा

कर नौसौ करोड तक. from two

hundred crores to nine hundred

crores. ज० प० ६, १२५: भग० २५, ६:

—सहस्रसपुहत्त. न० (—सहस्रपृथक्त्व)

अ हज्जर करोडथी भांड़ीने नव हज्जर करोड

अथी दोहजार करोड मे लगा कर नौ हजार

करोड तक. from two thousand

crores to nine thousand crores.

भग० २५, ६: —सहित. न० (—सहित-

कांटाभ्यामेकस्य चतुर्थाद्वेरेन्तविभागोऽपरस्य

चतुर्थाद्वेरेवारम्भाविभाग इत्येवं लक्षणभ्यां

साहितं मिलितं कांटिसहितम्) अ३ पच्य-

भाजुना छेदा भीम पच्यभाजुन शः

आतने भगोतो होय तेनु तप, दाम्पया तर्दी

अ३ भाजुसे आगं आययित कर्तुं भीम

द्विसे सवारभां आगनु तप पुत्रेयतां भीम

अययित पच्यमे तो पदेस पच्यभाजुना

छेदा भीम पच्यभाजुनी शःआत साथे

भयो भाटे ते तपकाटि अदित तप कदेवाय.

एक प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के

प्रारंभ मे मिलता हो ऐसा तप; उदाहरणार्थ

एक मनुष्य ने आज आर्याविल किया दूसरे

दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होने हा

दूसरा आरंभिल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अंत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिल जाय इस लिये इस तप को कोटि सहित तप कहते हैं, a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity.

अंग० ७, २; ठा० १०; उत० ३६, २५३;

पञ्च० १६१;

कोडिकोडि. छा० (कोटिकोट) अनुशा
“ कोडाकोडि ” शब्द. देखो “ कोडाकोडि ”
शब्द. Vide “ कोडाकोडि ” क० प० १,
८२; २, ३६; —अंतो. अ० (-अन्तर)
डे.अंकिनी अन्तर कोडा कोडा के अन्तर,
less than a crore multiplied
by a crore. क० ग० ५, ३३;

कोडिगार पुं० (कोटिकार) अश्व प्रशस्ते
अरीगर; अथीयारनी धार समी अन्तर. एक
प्रार वा मिर्छी; हथियार का धार दुरुस्त
करने वाला. An architect who
sharpens or grinds the edge of
a weapon. पञ्च० १;

कोडिग. न० (कोटिन) कोटिन नामनुं अश्व
नगर. कोटिन नाम का एक नगर. Name
of a city. नाया० १६;

कोडिगण. न० (कोडिण्य) अश्व नामनुं गोत्र.
इस नाम का एक गोत्र. A lineage of
this name. कण्ठ० ५, १०३;

कोडिन्न. पुं० (कोडिण्य) कोटिण्यनाम भद्र
अरी आचार्यना शिष्य. कोडिण्य नाम का
महागिरा आचार्य का शिष्य. Koundinya,
the disciple of the preceptor
Mahāgiri. कण्ठ० ८; विशेष २३६०;
(२) कुत्स गोत्रनी शाखा. कुत्स गोत्र की
शाखा. a branch of Kutsa lineage.
ठा० ७, १; (३) कुत्स गोत्रनी शाखा-
भांति पुत्र. कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न

पुरुष. a person belonging to
Kutsa lineage. ठा० ७, १; (४)
वसिष्ठ गोत्रनी शाखा. वसिष्ठ गोत्र की शाखा.
a branch of Vasiṣṭha lineage.
ठा० ७, १; (५) वसिष्ठ गोत्रनी शाखाभांति
पुत्र. वसिष्ठ गोत्र की शाखावाला पुरुष. a
person of Vasiṣṭha lineage.
ठा० ७, १;

कोडिमा छा० (कोटिमा) अश्व आसनी
आसनी मूर्धना. गंधार ग्राम का आसनी
मूर्धना. The 7th note of a musical
scale known as Gandhara.
अंगुजा० १२=;

कोडियगण. पुं० (कोटिकगण) कोटिक
नामना महावीर स्वामीना अश्व गण.
कोटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण.
An order of ascetics styled as
Kotika and established by
Mahāvīr Svāmī. ठा० ६;

कोडिजय न० (कोटिजय) कोटिजयनुं अर्थ-
शास्त्र. कोटिजय का अर्थ शास्त्र. Political
economy founded by Kautilya.
अंगुजा० ४१;

कोडी. छा० (कोटी) करोडनी अर्थना. सो
आय. एक करोड की संख्या. सौ लाख;
(१०००००००). 10000000; one
crore: 100 lacs. पञ्च० २; अंगुजा०
१३३; नाया० १; **हंसर.** पुं० (-हंशर)
पक्षी; कोटिपति-आहुकार. पक्षी;
कोडाधिर्मान-माहुकार. a wealthy
person; a millionaire. म०च० १, ३३;

कोडीदुगमिलन. न० (कोटिद्विकमिलन)
वनना में छेड़नुं मिश्रान करनें ते;
अश्व वन पुरुं थपुं के ते पादया विना गीतना
अरम्भ करनें ते वन उपवास पुरो थपुं
के अश्वगामां पक्ष्याणां करनें ते; पञ्च०

आजानो अ३ प्रका२. व्रत के दोनों किनारों का मिलान करना: एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागने दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवास पूर्ण होनेवाँ एकलक्षण के प्रत्याख्यान कर लेना: प्रत्याख्यान का एक भेद
A variety of Pachekrkhāp;
joining together of two Pachekrkhāpās (vows) i. e. to undertake another vow at the end of the first. प्रव० १६३:

क्रांटीविर्मि, न० (काटवर्ष) आदेशितुं ये
नामगुं येव नगर, आदेश का टम नाम
का एक नगर A city of this name
of the country Data. पृष्ठ ३:

कांडीवर्गमिया. स्त्री (कोटिवर्गिका) अं
 नामनी अत्र शाखा. इस नाम का एक शाखा
 A branch of a certain lineage
 कायः ३:

कांडीय, वि० (कुटुम्बिन) अर्थात् ३२५
 अर्थात् बड़े कुटुम्ब वाला. (One) of a
 big family. डा० ३, १; अणुज्ञान १३१;
 जीवा० ३, १;

काङ्क्षिणी. स्त्री० (काटुम्बिनी) शृङ्गरी स्त्री
 काटुम्ब का स्त्री० A female member
 of a family (०) दास्य. दासा a
 maid servant भग० ११, ११:

काटुविष्य पुं० (काटुम्बिक-कुटुम्बस्याधिपतिः
काटुम्बिकः) इट्टुअते ना० १३. कुटुम्ब का
आधिपति नायक. The head of a
family. अणुजो० १३; राय० २५३; पञ्ज०
१६; भग० २. १; ७. ६; उवा० १. १२;
नया० १६; जे० पू० (२) सेवकः दण्डूरी.
(२) सेवक; दण्डूरा, a servant; an
attendant. दमा० १०, १; कण्ठ० ६,
२७. —पुमिस् पुं० (पुरुष) इट्टुअते

भाण्ड्यः, हजुरीः सेवकः. कौटुम्बिक मनुष्यः
हजुरीः सेवकः. an attendant of a
family. नाया० १; ८: १४: खग० ६,
३३; विवा० ६; निग० १. १: दमा० १०, १:
कण्ठ० ४, १०३;

काँइसग पुं० (कौटुक) अन्न पतंग धान्य;
 शब्दार्थ. एक प्रकार का धान्य. A kind of
 corn. भग० ६, ७: प्रव० १०१३:

काँढ. पुं० (कुण्ड) अङ्ग प्रकाशना रोग; दाद.
एक प्रकार का रोग; काँढ. A kind of
disease; leprosy नायाव १३:

कोटि त्रि० । कुट्टिण -- कुट्टमष्टादशभेदमस्या-
स्तीति कुट्टा । द्र० ग्रेण वाया; द्रष्टव्यः
कोट गेग वावाः कोटिया. (One) hav-
ing leprosy पण्ड० १. १. आया० १.
३. १. १३८.

क्र.सं. पुं० (कोण) ध्वनि यन्त्रादौ दत्तं.
 ब्रान् वज्रनिका दम्ता. The key note of
 a musical instrument. मय० १३०;
 (-) भुज्ज्. कोना. a corner; an
 angle. प्रव० ६२; ज्ञावा० ३, १; म०
 प० १; श्लो० नि० भा० १६२;

काणाल पुं० (काणाल) छ। विशेष जाव
वशेष. A kind of living creature.
जे० प०

कोणालग पुं० (कोणालक) अष्ट भानु पक्षि.
एक जाति का पक्षी, *A kind of bird.*
पृष्ठ ३, ९:

काण्ड. पुं० (कोणिक) चंपा नगरात् राज्ञः
श्रेष्ठ राज्ञोऽपुत्र. चंपा नगरा का राजा
श्रेष्ठ राजा का पुत्र. The king of
the city of Champa; the son of
the king Śreṇika नाय० १: ६: १६:
भग० ७, ६:

कोतव न (कौतव) उदरना पापनुं यनावेसुं
 भुव चहे के बाल का बनाया हुआ मृत. A

thread made of the hair of a rat अणुजो० ३७:

कोत्तिय. पुं० (कात्रिक) भूमि पर शयन करने वाला; तपस्वी अथवा भक्त. भूमि पर सोने वाला; तपस्वी का एक जाति. One who sleeps on the floor. निर० ३, ३; भग० ११, ६; श्रौत० ३८:

कोत्थ. त्रि० (कोत्स) कुत्स के वंश में उत्पन्न अथवा पुराण शिवभूति विशेष. कुत्स गोत्र में उत्पन्न पुराण शिवभूति आदि. Sivabhūti etc. born in Kutsa lineage. टा० ७, १:

कोत्थ. पुं० (कोष्ठ) केशिः उदर प्रदेश. कोष्ठः उदर प्रदेश. The stomach; the belly. नाया० १: हस्त्य त्रि० (—हस्त-कोष्ठे उदर प्रदेशे हस्तो यस्य स तथा) उदर पर हाथ रखे वाला अथवा. जिसका छाती पर हाथ है वह. (one) with his hand resting on the breast “गणिया गार करेण कोत्थ हन्थी” नाया० १:

कोत्थर. पुं० () जाली में फँसा. काष्ठ की कोत्थर. A net fit in a tree. गु० च० १६, १६:

कोत्थल. पु० () धैर्य शैथिल्य. गुणः धैर्य. A big bag. उत० १६, ८०; **कोत्थलगारिआ.** स्त्री० (कोत्थलकारिका) शैथिल्य के कारण धर करनेवाली भमरी. मिष्टी का घर बनाने वाली भमरी. A fly which builds a house of the shape of a bag. शेष० नि० २६२:

कोत्थलवाहिका. स्त्री० (कोत्थलवाहिका) त्रि० धैर्यवाना अथवा धैर्यवाना. त्रि० इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. A kind

of three-sensed creature. पञ्च० १:

कोत्थुभ. पुं० (कौस्तुभ) शैथिल्य आभरण. गले का आभरण. An ornament for the neck; a necklace. (२) शैथिल्य वासुदेवो कौस्तुभ नामने भण्ण. कृष्ण वासुदेव का कौस्तुभ नाम का मणि. a gem so named of Kṛṣṇa Vāsudeva. पञ्च० १, ४:

कोत्थुह. पुं० (कौस्तुभ) अष्टादशवर्षा तीर्थ करने वाला अष्टादशवर्षा नाम व्यासदेव तीर्थकर के १६ ले गणवार का नाम. Name of the 1st Gaṇadhara of the 11th Tīrthaṅkara. प्रव०

कोत्थुमवच. पुं० (कौस्तुभवचस) शैथिल्य की धमर. A kind of vegetable. निर० ३, ८:

कोदंड. न० (कोदण्ड) धनुष. धनुष. A bow. “कोदंड विष्य मुक्केण उसुणा वाम पादविद्ध समारो” अत० ५, भग० ७, १:

कोदंडिय. पु० (कुदण्डक) इन्द्रिय दण्ड; अपमान दण्ड. कुस्मित दण्ड; अपमान दण्ड. Inadequate punishment. भग० ११, ११:

कोदसग. पु० (कोरदूषक) अक्ष भक्तनु धान्य. कोदरा. एक जाति का धान्य; कोदरा. A kind of corn. भग० २१, ३; पञ्च० १:

कोदव. पु० (कोदव) कोदरे: अक्ष भक्तनु धान्य. कोदरा. एक जाति का धान्य. कोदरा. A kind of corn of inferior quality. पञ्च० १: विशेष० १२०४; शेष० नि० भा० ३०७; १०० नि० १६२; भग० ३, ७; २१, ३; जे० प० मय० २, २, ११; टा० ७, १: प्रव० ६८२; १०१३:

कोदाल. पुं० (कोदाल) अक्ष भक्तनु धान्य.

एक जाति का वृक्ष. A kind of tree.
जं० ५०

कोहालग. पुं० (कोहालग) अक्ष अतत्तुं आः.

एक जाति का झाड़. A kind of tree.
भग० ६, ७; जौवा० ३, ३:

कोहालिया. स्त्री० (कुहालिका) इक्षु ३१.
कुहाडा. An axe. विवा० १ ३:

कोणपर. पुं० (कर्पर) क्षाप्ति. कुहनी; कोना
The elbow. पंच० ३, १६; श्राघ० नि०
भा० २३६; विवा० ६; (२) नदीति क्षापर.
नदी का गुफा-दर. the cleft or
hollow in the river. श्राघ० नि० ३०.

कोमल वि० (कोमल) मुद्राभयः मुद्रु. मुको-
मलः मुद्रु. Soft; delicate. नंद० ४२;
भग० २, १-११, १३; नाया० १: २;
अगुजो० १२; श्राघ० विवा० ७; राय०
(-) अक्ष अतत्तुं अणु. एक जाति का
हजर. a kind of deer. राय० २३८:

—**अंगी.** स्त्री० (—अंगी) श्रमन् अंगेय ११।
कोमल अंगवाली. a woman having a
delicate body. नाया० ८: —**अत्रि-**
लिया स्त्री० (—अत्रिलिका) क्षात्री अत्रि
रुमं अत्रिरीपि नथये देय देवे क्षात्रे.
कच्चा आमला; जिस में गुठला पैदा न
हुई हो ऐसा उमला. a kind of raw
fruit having sour taste. प्रव० २४३:

तल. न० (तल) दे मत्र पथत्तुं तलीयं
कोमल पांव की तली. the sole of a
delicate feet. भग० ५, ५:

कोमलिया. स्त्री० (कोमलिका) मुद्राभय. स्त्री.
मुकोमल स्त्री. A delicate woman.
नाया० १६:

कोमारभृच्च. न० (कोमारभृच्च) कुमारं
क्षीरक्षि देतीति पिपत्तुं तेत्तुं कर्त्तुं नक्षेभां
क्षे अत्तुं शास्त्र. कुमार का क्षीरादि से किस
प्रकार पोषण करना इग का मात्र. A

science dealing with the ways
of nourishing the children
with milk etc विवा० ७:

कोमारी. स्त्री० (कौमारी) कुमार अवस्थाभां
दीना दीपित आधी: आनभृच्चारिणि.
बाल्यावस्था में दीनित हुई आनिका; बाल
ब्रम्हचरिणी. A woman initiated
from the very childhood. भग०
११, १:

कौमुदी. स्त्री० (कौमुदी) क्षात्री पूर्णिमा.
कार्तिकका पूर्णिमा. The full-moon-
day of the month of Kartika.
जं० ५० नाया० २: १-२) अक्षप्रभा: अक्ष-
प्रभायत्ता, चंद्रप्रभा: चंद्रज्याम्ना. the
moonlight. श्राघ० —**जोगयुक्त.** पुं०
(योगयुक्त) क्षात्री भास्वरी पुनमती येन
क्षेत्रे कार्तिक मास का पूर्णिमा के योग वाला
(चंद्र). (the moon) coexistent
with the full moon-day of
the month of Kārtika. दग० ६, १,
११:—**गिम्सा.** स्त्री० (निशा) क्षात्री भास्वरी
पुनमती शत्रि. कार्तिक मास का पूर्णिमा की
रात्रि. the night of the full-
moon-day of the month of
Kartika. नाया० १:

कौमुदीयभेरी. स्त्री० (कौमुदिकभेरी) क्षात्रि
उत्सवत्तुं अक्ष रात्रि. कौमुदी महोत्सव का
एक बाजा. A kind of musical in-
strument. नाया० १:

कौमुदिया. स्त्री० (कौमुदिक) क्षात्रि
क्षेत्रे ने अक्ष आपवा माते महोत्सव प्रवेश
परायनाती भेरी रात्रि. कौमुदिका भेरी;
लोगों को सूचना देने के लिये महोत्सव के
समय बजाने की भेरी बाजा. A kind of
musical instrument which is
played upon at the time of

some ceremony for giving notice to the people. विशे० १४७६:

कौमुदी. स्त्री० (कौमुदी) आन्दनी. चांदनी.

Moon-light. जाव० ३, ३:

कोयव. न० (कोयव) देशव देशना पञ्चमी
अ३ गत. कोशव देश के वस्त्र की एक जाति.

A kind of cloth of the Koyava country. नाया० १७; आया० २, १, १४४:

(२) देशव नामना अ३ देश कोयव नाम
का एक देश. a country of this name. प्रव० १४६८:

कोयवि. पुं० (कोयवि) रु-द्राप्रसूती भरेव
रत्नद; छुरी. कपाम मे भरीहुई रजई. A
quilt. प्रव० ६८५:

कोर. धा० II. (कर्) कर्तुं; कान्तुं.
खोदना; कुतरना. To carve.

कोरई. निर्मा० १४, ४६:

कोरिय. मं० कृ० निर्मा० १८, ४६:

कोरावेह. पुं० निर्मा० १४, ३०:

कोरंट. पुं० (कोरन्ट) किरन्त गतनुं अ३
जा३; दुधना गुच्छनागुं अ३ वृक्ष कोरंट

जाति का एक झाड़, फूल के गुच्छेवाला एक
वृक्ष. A kind of plant bearing

flowers in clusters. पञ्च० १; भग०

७, ६; आ३० ३१; नाया० १; राय० ५४;

६६; उवा० १, १०; ज० प० ४, १२२;

—पत्त. न० (—पत्र) किरंट वृक्षवा पंढरी.

कोरंट वृक्ष के पत्त. the leaves of a

Koranta tree. नाया० ८; —बैट.

पुं० (वृत्त) किरंट वृक्षवां दीड़-मिटपुं.

कोरंटवृक्ष का बीट. the stem of a

Koranta tree. भग० ४२, १:

कोरंटग. पुं० (कोरगटक) जुआ “कोरंट”
शब्द. देखो “कोरंट” शब्द. Vide.

“कोरंट” भग० २२, ५:

कोरण. न० (कोरण) कान्तुं ने. नकासना:

कोरना. (Carving. निर्मा० १८, १४;

कोरव पुं० (कोरक) डार; मंजरी. मंजरी.

Pollen. (२) कवि. कला. a bud.

डा० ४, १:

कोरव. पुं० (कोरव) कुरुवंश. कुरुवंश. The
Kuru family. (२) ने वंशभां न्मेव.

उम वंश में उत्पन्न. a person born in
this family. भग० ६, ३३; पञ्च० १;

राय० २१८;

कोरविआ. स्त्री० (कोरविका) पञ्च आभरी
भीष्ट भूना. शङ्ख ग्राम का दूसरा
मूर्छना. The second note of the
musical scale. अणुतो० १३८:

कोरव्व पुं० (कोरव्व) कुरु वंशभा उत्पन्न
अप्य. कुरुवंश में उत्पन्न. One born
in a Kuru family. आ३० १४; भग०
२०, ८; जावा० ३, १; अणुतो० १३१.
प्रव० १२०३:

कोरव्विया. स्त्री० (कोरविका) पञ्च आभरी
भीष्ट भूना. पड़ज ग्राम का दूसरा मूर्छना.
Known as Sadaja. डा० ७, १:

कोरिंग. पुं० (कोरङ्ग) अ३ गतनुं पक्षी.
एक जाति का पक्षी. A kind of bird.
पगढ़० १, १:

कोरिंट. पुं० (कोरिंट) अ३ गतनुं जा३.
एक जाति का झाड़. A kind of tree.
काप० ३, ३७; ४, ६२; जावा० ३, ४; ज० प०

कोरिंटग. पुं० (कोरगटक) अ३ गतनुं प्राणी.
एक जाति का प्राणी. A kind of crea-
ture. ज० प०

कोरिंटय. पुं० (कोरगटक) अ३ गतनुं जा३.
गदा; हजार. A kind of plant. पञ्च० १:
कोरिल्लअ. वि० (कोरितक) धुआ अ३
डारी आधेनुं; तुड़ी तुड़ी अ३ अ३. धुन
जावां ने कोर ४२ खाया हुआ: टूटा फटा

जंशों, destroyed by insects which feed themselves by carving a substance. राग० २५७:

कोल. पुं० (कोल) धुला; उद्भिः; शरीरी चनेरे. पुनः उद्भिः; चिउरी डम्यादि. Insects e. g. white ants etc. आया० १, ८: ७, १७: (२) आर. बेर. berry. दग० ५, २, २१: आया० २, १, ८, ४३: पि० नि० ५६१: (३) ५६३२: भुं० सुअर. a pig. पग० १, १: उत्त० १५ ५४: नाया० १: — **आट्टिग न० (अस्थिक)** आर. बेर का मुट्ठा. a stone of a berry. दग० ६, १०: — **आवास** पुं० (आवास) धुलानु रवेडालु; डिधानु स्थान. धुन के रहने का स्थान: उद्भि का स्थान. residing place of insects e. g. white ants etc. निरा० ७, २१: १३: ४: — **चुगण. न० (चूर्ण)** आर. बेर का चूर्ण: बेर कुडा. a powder of berry fruits. दग० ७ १, ७१:

कोलव. पुं० (कोलव-ननदुमप्रभाग) नमोदा मडली शाखांत अग्रभाग कुंके हुए मोड़ का डाला का अग्रभाग. The front part of a branch of a tree which is bent विवा० ३:

कोलवरिय. वि० (कोलवृहक) दुधधर सम्बन्धी. कलधर सम्बन्धी. Relating to father's house. "कोलवरिय पुरिम महावंह" उवा० ८, २४२:

कोलव. न० (कोलव) शैशव नामनुं वामुं धन्यु: दरेड भासना शुद्ध पदमां लई अने तेरसने दिवसे तथा श्रील अने नोमनी राते: तथा कृष्ण पदमां पांचम अने आरसने दिवसे तथा ओकम अने आरसनी राते आवनुं. सान गर इरगुमनुं श्रीनुं इरगु.

कोलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष का छठ और तेरस के दिन तथा बाज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष का पांचम और बारस का दिन या एकम और आठम की रात पर आनेवाला, मान चर करणों में से तीसरा करण. The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. जं० प० ७, १७३: विशेष ३३४८:

कोलपाल. पुं० (कोलपाल) धरणि-रत्ना श्रीमन् धोदपादनुं अने भुतानंद ईश्वर धोदपादनुं नाम. धरणाद के दूसरे लोकपाल का और भुतानंद ईश्वर के लोकपाल का नाम. The name of a Lokapala, the second of Dharapendra and of Bhūtananda. द्वा० ४, १: भग० ३, ८: जं० प०

कोलसुगअ य. पुं० (कोलशुनक) भोटुं मुव्वर. बड़ा सूअर. A big pig. आया० २, १, ५, २७:

कोलसुगग. पुं० (कोलशुनक) भोटुं ५६६२. बड़ा सूअर. (भसुंडा). A big pig. पल० १: जावा० ३, ३: जं० प० पग० १ १:

कोलालिय पुं० (कोलालिक-कोलालानि सृद-भासडानिपयमस्येति कोलालिकः) मालीना वासजु पंचनार; ईमार. मिश्र के वरतनों का व्यापारी: कुंभकार. A potter. अणुजो०

१३१; पञ्च० १; उवा० ७, १६५;

कोलाह. पुं० (कोलाभ) ओड गतनी डेल्याये
सर्प. एक जाति का फनवाला सर्प A kind
of hooded serpent. पञ्च० १;

कोलाहल पुं० (कोलहल) शेर अडोः
गमरि० कोलाहल; हल्लागुला. An uproar;
bustle. नाया० १६; उत्त० ६, ५;
आव० २४; जं प० पञ्च० २; "ण्य
कोलाहलं करे" सूय० १, ६, ३१; भग०
७, ६; उवा० ६, १३६; —पिय. त्रि०
(प्रिय) शत्रुद्वय छे प्रिय होते ते जिम
कोलाहल प्रिय है वह. (one) appre-
ciating bustle. नाया० १६;

कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूत
कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽ-
स्मिन्नुत् कोलाहलक भूतम्) शत्रुद्वय भय.
कोलाहल सहित. Full of bustle
जं प० २, ३६; भग० ७, ५;

कोलुण. न० (कारुण) दया; करुणा. दयाः
करुणा. Mercy; pity. निमां० १२, १;
—पडिया. स्त्री० (—प्रतिज्ञा) अनुदया
निमित्तः शत्रु भाटे. दया के लिये; करुणार्थ.
for the sake of mercy. निमां०
१२, १;

॥ **कोलेजा.** स्त्री० (अवावृत्त खाता करकोष्ठिका
विशेष) नीचे पाटली अने डिपर आकृति
आधारनी डोली. नीचे बोलत और ऊपर
खन्दक के आकर वाला कोठी. A conical
shaped pot आया० २, १७, ३७;

कोल. पुं० (कोल) डालवृक्ष. कोलवृक्ष. A
Kola tree. कप० ३, ३७;

कोल्लय. पुं० (कोल्लाक) शत्रुद्वय नामने
संनिवेश-ग्राम. कोल्लाक नाम का संनिवेश-
ग्राम. A neighbouring village
named Kollāka. भग० १५, १;
उवा० १, ८०;

कोव. पुं० (कोप) डोपी, डोपी. कोप; कोप.

Anger; enragement. पि० नि० २१२;

सम० ५२; भग० १२, ६; —घर. न०

(—गृह) डोपी घरवांनु घर; दीसाधने ऐसे

ते स्थान कोप स्थान; कोपित होकर जहां

जा बैठे वह जगह. resorting place

of one who is enraged विवा० ६;

—स्त्रीलया. स्त्री० (शलित) डोपी स्वभाव.

कोपी स्वभाव high temperament

डा० ४, ४;

कोवित्रय. त्रि० (काविद) पंडित पंडित.

Learned. आया० १, २, १;

कोस. पुं० (कोश) गाँव; अने अने धनुष्य

प्रमाण देकर दोस. गाँव. दो हजार धनुष्य

प्रमाण क्षेत्र; कोस A distance of two

miles; a distance equal to 2000

Dhanuṣyas (a measure of

length) उत्त० ३६, ६१; आव० ४२; जं०

प० भग० २, ८; पञ्च० ३६; जावा० ३, १;

प्रव० ४६२; (२) आंभोला प्रदेश. आंख की

पुतली. the pupil of the eye.

अणुत्त ३, १; (३) अधुनीत पेशाव करने का बर्तन. a

pot for passing urine in. सूय० १,

४, २, १२; (४) अयोध्या में दमयन्ती आकारे

जन्माश्रयः गर्भ स्थान. a womb तंदु० ८;

(५) भण्डार; अन्नाने. भंडार; खजाना. a

store; a treasury. जं० प० ७, १६५;

राय० १६२; २०६; २२२, २८२; नाया० १;

१४; निर० १, १; भग० ११, ६; उत्त० ६,

४६; आव० कप० ४, ८६; (६) दमयन्ती

प्रोक्ष. कमल का फली. a lotus

pod. पंचा० ३, १६; —दुग न० (—द्विक)

अने गाँव. दो कोस. two miles. प्रव०

८१६; —अगार. पुं० (—अगार) भंडार;

अन्नाने. भंडार; खजाना. treasure;

store. जं० प० — **आकार. पुं०** (—आकार) कभल देशकी आकृति. कमल की कला की आकृति. the shape of a lotus pod. पंचा० ३, १६:

कोसंब पुं० (कौशम्ब) द्वारकाथी पांडु मथुरा गतां पश्ये आगन्तुं ऐ नामनुं ऐक वन के वृक्षां वराकुमार कृष्ण महाराजने दुर्युधी आनिथी आगु भयं. द्वारका में पांडु मथुरा जाते समय मार्ग में आने वाला एक वन जहां जराकुमार ने कृष्ण महाराज को हिरन गमक कर बान मारा था. A forest of this name situated between Dwārakā and Pāṇḍu Mathurā, where Jara Kumara had struck Kṛṣṇa Mahārāja taking him to be a deer through mistake. श्रव० ५, १: (२) ऐ नामनुं ऐक जाड. इस नाम का एक झाड़. a kind of tree. पञ्च० १: (३) देशभ्य जाडुं इत. कौशम्ब नामके झाड़ का फल. a fruit of Kōśāmba tree. भग० २२, २: — **गंडिया. स्त्री०** (—गण्डिका) देशभ्य वृक्षकी शाखाकी आकृति. कौशम्ब वृक्ष की गांठवाली लकड़ी. a stick of Kosamba tree having knots. भग० १६, ४:

कोसंबिया. स्त्री० (कौशम्बिका) ऐ नामनी ऐक शाखा. इस नाम की एक शाखा. An offshoot of this name कप० ८:

कोसंबी. पुं० (कौशम्बी) ऐ नामनी ऐक नगरी: अनार्थी मुनिनुं भूष वतन. इस नाम की एक नगरी: अनार्थी मुनि का मूल निवास स्थान. Name of a city; the residing city of the ascetic Anāthī. निसी० ६, २०; भग० १२, २; वेय० १. ६६: उत्त० २०, १८; नाया० घ० १०; पञ्च० १;

कोसग. पुं० (कौशक) ऐक गतनुं क्षम-

वासण. एक जाति का बर्तन. A kind of pot. “ सरावं सिवा डिडिमंसिवा कोसंगं सिवा ” आया० २, १, ११, ६२; प्रव० ६८३:

कोसल. पुं० (कौशल) देशश्च देश; श्रीवृक्षभ-
देव भगवानन्ता व्याधीशमां पुत्रता भागमां
आवेत देश. कौशल देश; श्री ऋषभदेव
भगवान के चौबीसवें पुत्र के हिस्से में आया
हुआ देश. Kōśala country; name
of the country which came as
a part of property to the 24th
son of Śrī Rīṣabhadeva. पञ्च०
१; नाया० ८; कप० ५, १२७: — **जाणव्य. पुं०** (जानपद) देशश्च देश. कौशल देश.
the Kōśala country. भग० १५, १:

कोसलज. त्रि० (कौशलक-कौशला-
तज्जनपदोऽपि कौशला. तन्मन्मन्विधन: को-
शलका:) देशश्च देशवास्त. कौशल देश
निवासी A resident of Kōśala.
पि० नि० ६१६; भग० ७, ६; १५, १:
डा० ५, २:

कोसलिअ-य. त्रि० (कौशलिक-कुशला-
विनाता अयोध्या. तस्या अधिपतिस्तत्र
भवोवा कौशलिक:) देशश्च देशमां गतमेत.
कौशल देश में उत्पन्न. (One) born in
the country of Kōśala. (२)
अयोध्या नगरीना अधिपति राजत. अयोध्या
नगर का अधिपति-राजा. the king of
Kōśalyā. जं० प० २, ३०; ३१:

कोमिअ-य पुं० (कौशिक) देशश्च नामनुं.
आत्र. कौशिक नाम का गोत्र. A lineage
of this name. नंदी० २५; मू० प० ११:
डा० ७, १; (२) त्रि० देशश्च आत्रमां
उत्पन्न थयेत. कौशिक गोत्र में उत्पन्न.
(one) born in a Kōśika line-
age. डा० ७, १; जं० प० ७, १५६:

कोमिकार. पुं० (कौशिकार) ऐक गतने

रेशमने कीडा. एक जातका रेशम का कीडा.

A kind of silk-worm. परह०

१, ३;

कोसिज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी कपडा. Silken cloth. ज० प०,

कोसी. स्त्री० (कौशी) कौशी नामकी नदी के जे गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges.

ठा० प० ३; उवा० २, १०१;

कोसी. स्त्री० (कोशी) तलवारकी म्यान. तलवार का कोश; म्यान. A sheath. सूय० २, १, १५;

कोसेज्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प० २३८; परह० १, ४; ओव० जावा० ३;

कोह. पुं० (क्रोध-क्रोधनें कुध्यति वा येनसः क्रोधः) क्रोध; रोष; गुस्सा. क्रोध; गुस्सा; रोष. Anger; rage. नाया० १; ५; सु० च० ३, १६१; भग० १, ६; ७, १; १०; १२, ५; दस० ६; ६, १२; ७, ५४; पि० नि० ६३; ४०६; आया० १, ५, ६, १६५; ठा० १, १; २, १; उत्त० १, १४; ४, १२; ६, ३६; दसा० ४, ८२; ६, ४; निमी० १३, ६६; ओव० १६, ३६; विशेष० १०३४; पञ्च० १४; सूय० २, ४, १२; भत० ६८; १५१; प्रव० ४५७; ओव० ३, १; क० प० २, ८७; क० गं० १, १६; पंचा० १, १०;—**उदयणिरोह. पुं०** (—उदयनिरोध) क्रोधना उदयने रोडवे. क्रोध का उदय न होने देना. checking of anger. भग० २५, ७;—**उवउत्त. त्रि०** (—उपयुक्त) क्रोधना उपयोगवाला; क्रोधनी. क्रोध का उपयोग वाला; क्रोधनी. enraged; angry. भग० १, ५;—**कसाअ-य. पुं०** (—कषाय) क्रोध-गुस्सा ते रूप कषाय. क्रोध-गुस्सा वह रूप वाला कषाय. a passion in the

form of anger. ठा० ४, १; सम० ४;

भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४,

७;—**कसाइ. पुं०** (—कषायिन्) क्रोध कषायवाला; क्रोधनी. क्रोध कषायवाला; क्रोधनी. a person possessed of anger.

भग० ६, ४; ११, १; १८, १; २६, १; ३५,

१;—**जुअल. न०** (—युगल) क्रोधनु

जोड़-युगल; अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध

अने प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. क्रोध का

जोड़ा-युगल; अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध

और प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. a pair of

Pratyākhyānāvaranīya and A-

pratyākhyānāvaranīya anger.

प्रव० ७१०;—**निगह. पुं०** (—निग्रह)

क्रोधने निग्रह करने के. क्रोध का निग्रह

करना. checking of anger. प्रव० ५५६;

—**निव्वत्तिअ. त्रि०** (—निर्वर्तित) क्रोध

धी निष्पन्न शब्द. क्रोध से निष्पन्न. pro-

duced, horn of anger. ठा० ६, ८;

—**पिंड. पुं०** (—पिण्ड—क्रोधः कौपम्न-

क्षेतुकः पिण्डः क्रोधपिण्डः) क्रोधपणु साधु

विद्या के तपने प्रभाव दर्शाती राजवत्सल-

पण्डिते पानानु अत्र ज्ञानी आदर देने के

आदरने के अर्थ होता. कौटुम्भी साधु विद्या या

तप का प्रभाव दिखाकर या राजवत्सलता और

अपना बल दिखा आहार ले वह आहारः

आहार का एक दोष. accepting of

food by exposing some miracle

or superhuman power or the

royal patronage; a fault con-

connected with receiving food.

पि० नि० ४६२;—**मुंड. त्रि०** (—मुण्ड)

क्रोधने निग्रह करने वाला. (one) who checks

anger.

ठा० ५, ३;—**वसट्ठ. त्रि०** (—वशार्त)

क्रोधनी पीडित; क्रोधने वश आर्त-दुःखी

अथैव. क्रोध से दुःखित; क्रोध के कारण आने-
दुःखी. afflicted with anger; given
to anger. भग० १२, १; —विउस्सग्ग.

पुं० (-व्युत्सर्ग) द्वैधेनो त्याग. क्रोध का
त्याग. abandoning of anger.
भग० २५, ७; —विजय-य. पुं०

(-विजय— क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परि-
भावेनोदाय निराश्रयः क्रोधविजयः) द्वैधेनो
उत्तये ते द्वैधेनो अत्तकाये ते. क्रोध को
जानना; क्रोध को रोकना. conquering
of anger; victory over anger.

उत्त० २९, २; —विवेग. पुं० (-विवेक)
द्वैधेनो त्याग. क्रोध का त्याग. abandon-
ing of anger. “ एगे कोह विवेगे ”
आ० १, १; भग० १७, ३; सम० २५;

—सग्गया स्त्री० (-संज्ञा - क्रोधादयात्तदा
वेशगर्भा प्ररुत्त मुखनयनदन्तच्छुद्धस्फुरणाद्
चेष्टैव संज्ञायते अनर्थान् क्रोधसंज्ञा) द्वैध
मोहनीयता. द्विधयो द्वैधि मनुष्यता मनुष्य नेत्र
दाना पर्यन्तं अथो द्विधं के ते द्वैध संज्ञा.
क्रोध मोहनीय के उदय से क्रोधा मनुष्य के
मुँह, नेत्र, दंत आदि अंगों का ध्रुजना. क्रोध
संज्ञा. trembling of face eyes-
teeth etc., of a man who is en-
raged. भग० ७, ८; आ० १०; पञ्च० ५.

कोहंगक पुं० (क्रोधाङ्गक) अष्ट ज्ञानं पदो.
एक जाति का पक्षी A kind of bird.
श्रौव०

कोहंड. पुं० (कृष्णारंड) श्वेतगुं; द्वैधी.
लौकिक; तृम्बी. A white gourd.

अणुजो० १४३; प्रव० ११४५;

कोहंग. त्रि० (क्रोधन) क्षणै क्षणै तथी वृत्तार;
द्वैधी; असमाधितुं नयमुं स्थानक मेवतार.
क्षण २ पर क्रोध करने वाला; क्रोधा; अस-
माधि का नवां स्थानक मेवने वाला. (One)
getting angry every moment;
(one) undergoing the 9th stage
of uneasiness due to anger.

सय० २, २, १८; उत्त० २७, ६; सम० २०;

कोहह. त्रि० (क्रोधिन) द्वैधराज्ञो द्वैधी.
क्रोधा; क्रोध वाला. Angry; enraged.
अणुजो० १३१; क० गं० ४, ४३;

कोहिल्ल. त्रि० (क्रोधवन) द्वैधराज्ञो आरीक्ष;
जरी. क्रोधा; जहंग; डाहो. Angry; en-
raged. ओष० नि० भा० १३३;

क्किण धा० I, II. (क्रा) वेत्तातुं वेत्तः
अरीक्षतुं. विक्रय दद्या लेना; खर्गदना. To
purchase; to buy.

किण्ड निगो० १४, १; १६, १;

किण्ड पि० नि० ३४२;

किण. वि० आया० १, २, ५, ८८;

किण. व० क० मूय० २, १, २४;

किणत. उत्त० ३५, १४; मु० च० १५, १७६;

किणावह. प्रे० निर्मा० १४, १, १६, १;

किणावण. प्रे० आया० १, २, ५, ८८;

किणावेमाण. प्रे० मूय० २, १, २४;

किजन्तु. प्रे० परह० १, २;

क्खोड. धा० I. () निषेध द्विधा.
व्यागना. To abandon; to reject.
खोडिज्जति. भग० १३, २;

* अणुजो १४३ नम्बर १५ नी ५२नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

ख.

ख. न० (ख) आकाश. आकाशः आस्मान.

The sky. “खे सोहइ विमले अम्भ-

मुके” दग० ६, १, १५; (२) इंद्रिय.

इंद्रिय. an organ; a limb. विश० ३४४५;

खअ-य. न० (क्षत) घा; ०८५म. घाव;

जखम. A wound. सु० च० ७, २६४;

खइ. त्रि० (क्षयिन्) क्षयरोगवाले. क्षय रोगा

Consumptive. सु० च० १३, ५४;

खइय य. त्रि० (क्षयिक) कर्म प्रकृतिनो

क्षय; समुत्पत्ति नाश करवाथी उत्पन्न यत्ना

भाव-क्षयन जानादि क्षयिक भाव. कर्म प्रकृति

का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला

भाव-केवल ज्ञानादि क्षयिक भाव. Complete

destruction of Karmic

natures. पि० नि० १५८; अणुज्ञो० ८८;

भग० १४, ७; २५, ६; विश० ५२८; प्रव०

६५७; १३०४; क० गं० १, १५; ३, २०;

४, १३;

खइय. त्रि० (क्षपित) अपावेधुं; क्षय करेहु

नाश कियहुआ, क्षयकियाहुआ. Destroy-

ed. राय० २८३;

खइय. त्रि० (खचित) ०८५धुं. जडा हुआ,

पञ्चांकियाहुआ. Inlaid; studded.

आया० २, ६, १ १४७; उवा० ७, २०६;

खइय. त्रि० (खादित) अपायेधः आयेध.

खायाहुआ. Tasted; eaten. पि० नि०

१६२; पं० चा० १६, १३; ओघ० नि० भा०

५८८; राय० २५८; पि० नि० ७३५;

खइर. पुं० (खदिर) भेरनुं आऽ. खेरका झाड.

A kind of tree known as

Khera. सु० च० ७, ६५;

खउर. न० (खपुर) सोपारीना लाकडाभांथी

यत्नावेध तापसनुं पात्र. मुपारीका लकडी

से बनाया हुआ तापस का एक पात्र. A pot

for an ascetic made of the

wood of a bottle-nut. विश० १४६५;

खउरिय. त्रि० (*) भेधुं; धावुं. मैला;

गन्दला. Turbid; dirty. पि० नि० २६२;

खओवसम. पुं० (क्षयोपशम) क्षयोपशम

भाव कर्मनो क्षयि क्षय अने क्षयि क्षयशम

करवे ते, अर्थात् क्षयभां आवेध कर्मनो

क्षय अने क्षयभां न आवेध कर्मनो क्षयशम

करवे ते. क्षयोपशमभाव-कर्मका क्लृप्त क्षय

और क्लृप्त उपशम करना अर्थात् क्षय करना

और उदय में न आवे हुए कर्मका उपशम

करना. Destroying of Karmas

and forcing the unmatu-

red Karmas to mature. विश० १०४;

ओव० ४; नाया० १, १४; भग० ६, ३१;

पंचा० १, ३; उवा० १, ७४;

खओवसमिअ. न० (क्षयोपशम) क्षयोप-

शमभावे प्राप्त यत्ना भान्तज्ञान आदि. क्षयो-

पशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान आदि.

Intellectual knowledge etc. got

by the action of destroying

the matured Karmas and forc-

ing the unmatu-

red Karmas to

mature. अणुज्ञो० ८८; ठा० २, १; नंदी०

६; भग० १४, ७; २५, ६; विश० ५१७;

क० गं० ६, ५०; प्रव० ६३६;

✓ खंच. धा० I. (कृ०) भेयनुं. खंचना.

To stretch.

* जुओ ५४ नम्बर १५ ती पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खंख. आ० सु० च० २, १८:

खंजण. पुं० (खज्जन) गाडनी ड्रिगल्-गाडनी पैड-
नो मैत्र-पैड इस्वाथी धरी डिपर ज्मनो ग्री-
अणो डिगो मैत्र. गाडकी डेंघन गाडो के पहियों
का मैल — पहिये फिरने में धुरे पर जमनेवाला
चिकना काला मैल. The dirty black
grease of wheels. ओघ० नि० ४०१:
क० ग० १, २; भग० ६, १; १०, ६; उत्त०
३४, ४; ओघ० सु० प० १२०; (२) अंश
जानु पदो. एक जात का पदो. a kind
of bird. जीवा० ३, ४; (३) दीपनी
मैल: डाइग दीपक का मैल: काजल. the
soot of a lamp. डा० ४, २; पञ्च० १७;
पव० ८४७:

खंड. धा० II. (खगड्) आ०. खांडना
To pound.

खंडट्ट. सु० च० २, ३६४:

खंडितण. हे० कृ० नाया० ५: ८:

खंडिज्जेत. क० वा० व० कृ० सु० च० २, ८२.

खंड. न० (खगड्) भा०: इट्टा. भाग: टुकड़ा
A division; a part. ज० प० ६,
१२४; विवा० ७; विशेष० १४६२, नंदो० ५०:
पि० नि० ५१७; भग० २, ५; १०: ६, ३१:
१२, २; नाया० १६, १७; उवा० १, ३४:
भक्त० ८७; (२) जंगलपट्ट. वनखंड. a
part of a jungle. नाया० ९; (३)
आ० शकर, sugar. उत्त० ३४, १६; जीवा०
३, ३; अणुजो० ६५, १३३; भग० १८, ६:
पि० नि० २८३; ज० प० पञ्च० १७; —
खंडग. पुं० (-घटक) घुली अथवा घड़ा. फूटा
हुआ घड़ा a broken pot. नाया० १६:
—**पट्ट.** त्रि० (-पट्ट) अपूर्ण अथवा दोष:
अरीय अपूर्ण वस्त्रों वाला: गरीब. (one)
possessing poor clothes. (२)
अ०: लुगारी. ठग; जुआरी. a specula-
tor. विवा० ३: ६; — **पडह.** त्रि० (पटह)

गाभरा दोसवायो. फूट डोल वाला. (one)
possessed of a broken drum.
विवा० २; — **पाण.** न० (-पान) आ०
पाणो. शकर का पानी. sugar water.
नाया० १७; — **मल्लय.** न० (-मल्लक)
आंगी अथवा आला सरावरो. फूटा हुआ
प्याला, सरावला. a broken cup. नाया०
१६; — **मधुर.** त्रि० (-मधुर) आ०
मधुं मीठुं. शकर जैसा मीठा. sweet
as sugar. डा० ४, ३:

खंडग. पुं० (खगडक) इट्टा (टुकड़ा) पैताख्य
डिपटना नव इट्टांनुं वीट्टुं इट्ट शिअर.
कच्छाविजय के पैताख्य पर के नव कूटो में का
नामरा कूट शिअर. The third of the
nine summits of the Vaitāḍhya
mount in Kachchha Vijaya.
ज० प० ६, १२५; (२) इमंस्थितिना अंश-
इट्टा कर्मस्थिति के खंड-टुकड़े. part,
divisions of Karma. क० प० ७,
४८; — **मल्लग.** पुं० (-मल्लक) आंगी अथवा
सरावरो: आंगिर अंशो. फूटा हुआ प्याला
अथवा गिकोरा. a broken earthen
cup. नाया० १६; — **विच्छेद.** पुं० (-वि-
च्छेद) इमंता स्थितिअपत्तो विच्छेद-
अभाव. कर्मका स्थिति खंड वा विच्छेद-
अभाव. absence of a division of
the duration of Karma. क० प०
७ ४८:

खंडगप्पवाय. पुं० (खगडकप्रपात) लुगो
“खंडगप्पवायगुहा” शब्द. देखो “खंडगप्प-
वायगुहा” शब्द. Vide. “खंडगप्पवायगुहा”
डा० २, ३:

खंडगप्पवायगुहा स्त्री० (खगडकप्रपातगुहा)
अथवा नामनी भरतना पैताख्यनी ग्रीष्म गुहा:
उत्तर भरतमाथी अक्षरतीना वरकरने पाछो
दक्षिण भरतमा अथवा पैताख्य परवर्तनी

पर्वत गुफा-य भाग। खंडकप्रपात गुहा इस नाम का भरत के वैताड्य का दूसरी गुफा-उत्तर भरतमें ये चक्रवर्ती के लश्कर का पाछा दक्षिण भरत में आने को वैताड्य पर्वत में का गुफा-य मार्ग। Name of the second cave of Vaitāḍhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravartī from the northern Bharata to the southern Bharata. "खंडोपवाय गुहायं अहं जाय-साह" टा० ८: सम० ५०:

खंडोपवायगुहा. खं० (खगडप्रपातगुहा) वैताड्य पर्वत पर्वत पूर्वी भागमें ऐक गुहा जहाँसे चक्रवर्ती उत्तर भरतदेश से दक्षिण भाग दक्षिण भरतमाँ जाने के वैताड्य पर्वत में का पूर्व बाजू का एक गुफा जिसमें से चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जातकर पाँछ दक्षिण भरत में लौटते हैं। Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitāḍhya through which Chakravartī returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata जं० प० ३, ६५: ६, १२५; १, १३:

खंडोपवायगुहाकुंड. पुं० (खगडप्रपातगुहा-कुंड) वैताड्य पर्वत उपरमा नवकूटमाँ से बाँछे ३२-शिखर. वैताड्य पर्वत के नवकूट में का तामरा कूट-शिखर. The third of the 9 summits of the Vaitāḍhya mount. जं० प०

खंडरक्ख. पुं० (खगडरक्ख) दाएँ; दाय

बेदार. दायाँ. दाएँ लेनेवाला. A custom inspector. (२) डेटावर. कौतवाल. the head of the police. पगढ़० १, १, ३; आ० ना० १८:

खंडरूपवत्तण. न० (खंडरूपवत्) अक्षितपण. खंडवपन. The state of being broken. पंच० १४, १२:

खंडमिगी खं० (खगडकी) विजयनामे ये २ सेनापतिनी श्रीं नाम. विजय नाम के चोर सेनापति का स्त्रावा नाम. Name of the wife of Vijaya the 'end of thieves' विवा० ३:

खंडाखंड. अ० (खगडाखंड) अक्षित; ३३: ३३५. खंड खंड; टुकड़े टुकड़े. Pieces into pieces "आमिणा खंडाखंड करेम" उवा० २, ६५; ना० ६०:

खंडाभद. पुं० (खगडभद) ३३: ३३६ बाँछे ते अक्षित; ३३६ अक्षय तेली रीति अक्षय ते. टुकड़े टुकड़े करना. खंड-टुकड़े होजाय रग तरहमें छेदन करना. Breaking or piercing into pieces. पञ्च० १५:

खंडिय. पुं० (खगिडक) शिष्य; छात्राथी शिष्य, छात्र, विद्यार्थी. A pupile; a disciple. उवा० १२, ३०; आ० ३२; भग० १८ १०:

खंडिय वि० (खगिडत) अक्षित; अक्षित. खगिडत, खंडाहुआ. Broken. प्रव० ५८८: नद० आ० १, ४; ५, १. (२) ऐक देश-थी अक्षयवत् अक्षित अक्षय एक आंग में टटा हुआ-खंडित broken on one side ना० ६:

खंडी. खं० (") अक्षय पाँछी आरी; खीड़ी. गड में पाँछा हुई बाँछ; छेद. An

* जुआ ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vice foot-note (*) p. 15th.

opening made in a fortress.
नाया० २; १८; (२) आन्त; दक्षिण. खाजा;
खाय विशेष. a kind of eatable sub-
stance. प्रव० १४२७;

खंडुयग. न० (खण्डक) आंशवा; अंश; विभाग.
खंड; विभाग. Division; part. प्रव०
६१७;

खंडेय. पुं० (पण्डेय) अतः; पक्षी विशेष.
बनक; पक्षी विशेष. A kind of swan.
श्राव०

खंत. त्रि० (क्षान्त क्षाम्यतिक्षमां करोतीति)
क्षमा पाया. क्षमा वाला. (One) pos-
sessed of a tranquil mind;
patient. “ खंतो आयागृहि, संभाणश्रो
विनरूपति ” नाया० १४; गच्छा० २३;
मय० २, १२, ६, ५; ठा० ८; (२) पुं०
पिता; आप पिता; बाप. father. “ जामा
इपुत्त पइमागण खंतणमिबट्ट ” पि० नि०
६३०;

खंताड. त्रि० (क्षान्त्यादि) क्षान्त-सदृश-
शीघ्रता क्षमा प्रयेरे. क्षान्त-मदन शीलता-
क्षमा वर्गरे. Patience; forbear-
ance. प्रव० ८४६;

खंति. स्त्री० (क्षान्ति) सदन शीलता; क्षान्ति-
निष्ठ. क्षरेते ते; क्षमा. सहन शीलता;
क्रोध का निग्रह करना; क्षमा. Patience;
forbearance. पगह० २, १; श्राव० १६;
२०; जं० प० दम० ४, २७; नाया० १; भग०
२, १; २५, ७; मु० च० ३, ४७; सम० १०;
उत्त० १, ६; २६; २; ठा० ४, १; राय०
२१५; क० गं० १, ५५; कप्प० ५, ११६;
प्रव० ५६१; पंचा० ११, १६; १३६८;
—खमा. स्त्री० (—क्षमा) क्षान्ति रोकने सदन
शीलता राखी ते. क्रोध को रोककर सहन-
शीलता रखना. the state of being
patient by checking anger.

भग० १२, १; ठा० ३, ३; —सूर. पुं० (—शूर)
क्षमा राखनामां शूर धीरु धारी; जेया के
अरिहत, महावीर. क्षमा रखने में शूर, धैर्य
धारी; जैसे कि अरिहत, महावीर. (one)
possessing the power of check-
ing anger; like Arihanta,
Mahāvira etc. ठा० ४, ३;

खंतिया. स्त्री० (क्षान्तिका) जननी, माता.
जननी, माता. A mother. “ कहिजाहि
खंतियाए तुम ” पि० नि० ४३२; ५७६;
श्राव० नि० भा० २४१;

खंद. पुं० (स्कन्द) क्षान्तिक स्वामी; क्षान्तिय
नाम शंकरना भ्राता पुत्र. क्षान्तिक स्वामी;
क्षान्तिय नामक शंकर का बड़ा पुत्र. Name
of a person; Kārtikaswāmī; the
eldest son of Śaṅkara Kārti-
keya by name भग० ३, १; जं० प०
जावा० ३, ३; अणुजा० २०; नाया० ३;
—गगह. पुं० (—ग्रह) क्षान्तिक स्वामीना प्र-
भाव. क्षान्तिक स्वामी का लगना. under
the influence of Kārtikaswāmī;
subject to the influence of Kār-
tikaswāmī. जावा० ३, ३; जं० प० भग०
३, ७; —मह न० (—महस्) क्षान्तिकस्वामी-
ना उत्सव. क्षान्तिक स्वामी का उत्सव. the
festival in honour of Kārtika
swāmī. आया० २, १, २, १२; नाया० १;
निर्मा० १६, १२, भग० ६, ३३; राय० २१७;

खंद-य. पुं० (स्कन्दक) अथवा संन्यासी गृह
छात्रिता शिष्य के गुरु श्री गौतम स्वामिना
भिरादता; जेने पिगल निग्रन्थे प्रश्ना पूछ्या
दता; ते प्रश्नाता ज्ञाया न आपी शकायाथी
महावीरस्वामी पास जतां प्रश्नाता भुलासा
मेगवी श्रीमहावीर स्वामी पास दीक्षा दीथी.
खंदक संन्यासी गृहभाति के शिष्य थे; जिन
से पिगल निग्रन्थे प्रश्न पूछे थे. जब उन प्रश्नों

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर दीक्षा ली। Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmī. He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Piṅgala on being asked.

भग० २, १: (२) कर्तिक स्वामी. कार्तिक स्वामी. Kārtikaswāmī. नाया० २:

खंडिल. (स्कन्दिल) सिद्धसूरिना शिष्यः स्कन्दिताचार्य. सिंहसूरि के शिष्यः स्कान्दलाचार्य. The disciple of Sinha-Sūri; Skandilāchārya. नंदा०

खंथ. पुं० (स्कन्ध) आद्य भूतमां रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा अने संस्कार अने पांचने स्कन्ध कहियेमां आवेछे: तेमां पृथ्वी आदि तेमज रूपार्धिते रूप स्कन्ध. सुषुप्तः अने अदुःख सुषुप्ते वेदना स्कन्ध. रूप रसादि विज्ञानने विज्ञान स्कन्ध, पदार्थना नामार्धिते संज्ञा स्कन्ध अने पुण्या पुण्यादि धर्म समुदायने संस्कार स्कन्ध कह्ये छे. बौद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा और संस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने में आता है उनमें से पृथ्वी आदि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म समुदाय को संस्कार स्कन्ध कहते हैं. A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vidyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name. जं० प० ३, ५८: सूय० १, १. १. १७: पराह० १, २: भग० २०, ६: (२) कंधः अन्ता. कंधा. a shoulder. उत्त० ११, १६: राय० ३२: पिं० नि० ६६: ३३१: नाया० ८: १४: आया० १, १, २, १६: जीवा० ३, १: सु० च० २, ३६: कण्व० ३, ३४: प्रव० ८८७: १३१५, (३) द्विप्रदेशादिक धन्या परमावृत्ते भवति अने अत्र अत्र लभ्यते. द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बनाहुआ एक स्कन्ध. a collection of various particles. भग० १, ४: १०: २, १०: ४, ७: ११. ११: १४. १०: १८, ६: ८: २५, ३: ४: नाया० १: १६: विशेष० ३२४: ८१५: अणुजो० ४४: १४४: उल० ३ १८: ३६, १०: टा० १, १: आब० क० ग० ५५: (४) आशुं थ. आड का धड़. the trunk of a tree. आव० राय० १२६: भग० ३, ४: २१, ३: सूय० २, ३. २: ५: पञ्च० १: (५) समग्र वस्तु: संपूर्ण पदार्थ. समग्र वस्तु: संपूर्ण पदार्थ. a complete thing. पञ्च० १: भग० ८, ६: (६) भावा विशेष. माला विशेष. a kind of garland. निमां० १६, २८: (७) टगो. ढेर. a heap. नंदा० १८: निमां० १३, ७: आया० २, ५, १, १४८: (८) अने इन्द्रिय वालो अत्र अत्र दो इन्द्रिय वाला एक जीव. a two-sensed living being. पञ्च० १: (९) धर्मना स्कन्ध. कर्म का स्कन्ध. a heap of Karma. क० प० ७, ४७: —उत्तराओ. अ० (-उत्तरतस) पूरे पूर्वना धर्म स्कन्ध. श्री उत्तरैत्तर. पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्ध में, उत्तरैत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क० प० ७, ४७: —देश. पुं० (-देश) स्कन्धने अत्र आपी वस्तुने भाग. स्कन्ध का -सारा वस्तु का एक भाग. a part.

division of a group. भग० २, १०; ६, १; उत्त० ३६, १; —पपस. पुं० (-प्रदेश) वस्तुतो अश आरीक-मां आरीक अश. वस्तु वा एक बारीक में बारीक अश. the infinitesimal part of a thing. अणुजो० १४६; भग० १०, १; —पपभव. पुं० (-प्रभव) रक्षन्त-अन्ति उत्पत्ति. स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति. origin of a tree. “ मूलाभ्यां खंघपभवो दृमस्म ” दम० ६, २, १. —बीज. त्रि० (बीज) अंध-अक्षय पीठ नते छे त; यत्त वापवाथी न्ते थाय तः भोगशे अम्पेदी-धुपेदी यिगेरे. पौधे रूपी बीज जिकसा है, वह पौधा लगाने से जो होंते हैं, मांगरा अमेला वर्गरा. the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc आया० २, १, ८, ८८; डा० ४, १; दम० ४;

खंघकरणी. त्री० (स्कन्धकरणी) साध्विनि अने नापवानुं पस्त्र; संधारिणी. साध्वी के कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of a female ascetic worn on the shoulder. आष० नि० ६७७;

खंघग. पुं० (स्कन्धक) लुग्या ‘खंघ’ शब्द. देखो ‘खंघ’ शब्द. Vide “ खंघ ” म० प० १०;

खंघकरणी. त्री० (स्कन्धकरणी) लुग्या ‘खंघकरणी’ शब्द. देखो ‘खंघकरणी’ शब्द. Vide “ खंघकरणी ” प्रव० ५३८; ५४६;

खंघत्ता. त्री० (स्कन्धता) आडना थडनी आव-स्वरूप. आड के पौधे का भाव-स्वरूप.

The state of being a trunk of a tree. सूय० २, ३, ६;

खंधार. पुं० न० (स्कन्धावार) सेनातो पडाव; वस्त्रनं निवासस्थान-आवली. मैन्य का पडाव; लश्कर का निवासस्थान, छावनी. Encampment; the halting place of an army. उत्त० ३०, १७; प्रव० १२३३; —माण. पुं० (-मान) मैन्यते आह्वयानी इता. मैन्य रचना की कला. the art of arraying an army. नाया० १; ओव० ४०;

खंधावार. पुं० (स्कन्धावार) लुग्या ‘खंधार’ शब्द. देखो ‘खंधार’ शब्द. Vide “ खंधार ” नाया० ८; १६; विशेष ७४२; ज० प०

खंपगय. न० () आपल; मडत उपर नाप-वानुं पस्त्र कफन; शव पर डालने का वस्त्र. A winding sheet. सु० च० १, १४२;

खंभ. पुं० (स्तम्भ) थाभेला; थंभ. खंभा; स्तंभ. A post; a pillar. उवा० ३, १४०; ज० प० ५, ११५; १, ५५; ३, ८८; ४, ६०; ६६; भग० ४, ७; ८, ६; ९, ३३; १०, ५, १२, ६; नाया० १; ८; १३; १६; अणुजो० १५३; जीवा० ३, ३; प्रव० २४६; गय० १०५; म० प० २०; सूय० २, ७, ४; गच्छा० ८; —उगगय. त्रि० (-उद्गत) थाभेला उपर रहत. स्तंभके उपर रहा हुआ. resting on a post or pillar. ज० प० ५, ११५; नाया० १; —सय. न० (-शत) सो थंभ. सो स्तंभ. one hundred pillars. ज० प० ५, ११२;

खकारपविभक्ति. न० (खकारपविभक्ति) अ अन्तरना आकारतो रचनावानुं नाटक;

३२ प्रकार का नाटकभानु' ऐक. ख अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक. A kind of drama based on the shape of the letter 'ख' (kha); one of the 32 kinds of dramas. राय० ६३:

खग. पुं० (खग) आकाशभां उत्तार प्राणी; पक्षी. आकाश में उड़नेवाला प्राणी, पक्षी. A bird. उत्त० ६, १०; जं० प० ७४, १०२;

खगइ. स्त्री० (खगति) यात्र; गति. चाल; गति. Gait; motion. क० गं० २, ३२; ६, ३; क० प० १, ७१; —चेष्टा. स्त्री० (-चेष्टा) यात्रयानी-गति करवानी चेष्टा. चलने का-गति करने का चेष्टा. the act of moving. क० प० १, ७१; —दुग. न० (-द्विक) शुभ अंत अशुभ विहायोगति-चाल. auspicious and unauspicious movements क० गं० २, २१; ५, ७३;

खग. पुं० (खग) तलवार. खड्ग. A sword. ठा० ६, १; सु० च० ४, २८; जं० प० क० गं० १, १२; प्रव० १०२८; आव० १२; जावा० ३, ६; (२) गंडा. गंडा. a rhinoceros. पगह० १, १, २, ६; —धारा. स्त्री० (-धारा) तलवार की धार. the edge of a sword. क० गं० १, १२;

खगपुरा. स्त्री० (खडगपुरी) सुवल्लु विजय की मुख्य राजधानी. सुवल्लुविजय की मुख्य राजधानी. The chief capital city of Suvalgu Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

खग्गा. स्त्री० (खग्गा) आपसी विजय की मुख्य राजधानी. आपसी विजय की मुख्य राजधानी.

The chief capital city of the coming Vijaya. जं० प०

खग्गि. पुं० (खग्गि) गंडा; ऐक सिंगवाला गंडाला पशु. गंडा; एक सींगवाला जंगला पशु. A rhinoceros. पक्ष० १; कप्प० ५, ११६; ओव० १७;

खग्गी. स्त्री० (खग्गी) गंडा. स्त्री० ' खग्गा ' शब्द. Vide " खग्गा " ठा० २, ३;

खग्गुड. त्रि० (*) अशुभ स्वभाववाला; दुष्ट; धर्महीन. खराब स्वभाववाला; बदमाश; धर्महीन. A roguish; of wicked nature. पं० नि० ३२२; ओष० नि० ३५;

खच्चिय. त्रि० (खच्चित) गंडा; पीपल. जड़ा हुआ; खिचा हुआ. Studded; inkaid. नाया० १; कप्प० ३, ६०; राय० ५८; जं० प० जावा० ३, ६; (२) केशर पिंजरे से रंगा हुआ. dyed with saffron etc. नाया० १;

खज्ज. न० (खाद्य) आपसी पंगरे आपसी योग्य पदार्थ. खाजे वंगरह खाने योग्य पदार्थ. (Crisp bread etc.). नाया० १७; पगह० १, २; प्रव० १४२७;

खज्जग. न० (खाद्यक) गंडा " खज्ज " शब्द. देखो " खज्ज " शब्द. Vide " खज्ज " वि० १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४; पना० ५, २७; —विधि. पुं० (-विधि) आपसी, धेवर, लापसी वंगरे अनायास विधि. खाजे, धेवर, लापसी वंगरह बनाने की विधि. the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc. प्रव० २०८;

खज्जू. पुं० स्त्री० (खज्जू) गंडा; पीपल.

* जुआ ५४ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खणार्हि-आ. सूय० १, ४, २, १३:

खणह. उत्त० १२, २६;

खणित्तु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

खणमाण. व० कृ० पि० नि० ५६०: विवा०

१: नाया० १२:

खणित्ता. सं० जं० प० ५ ११४:

खणावह. प्रे० दस० १०, १, २:

खणावण. दस० १०, १, २;

खणावेत्तुं. सं० कृ० नाया० १३:

खणावित्तण. हे० कृ० नाया० १३:

खाणित्तु. पि० नि० १६८:

✓ खण. धा० 1. (खणु) मारतुं; हिंसा

करवी. मारना; हिंसा करना. To kill.

खणह. आ० आया० १, ७, २, २०४;

खणत. आ० सूय० २, १, १७.

खण. पुं० (क्षण) अवसर: वधत्. अवसर,

समय. An instant; a moment.

सूय० २, ४, ४: भत्त० ८४; क० प० २, ८२; ४,

२१; गच्छा० ६०: आया० १, २, १, १०: कप०

५, ११७: (२) न्दानाभां न्दाना क्षण

विभाग; समय. छोटे में छोटा काल विभाग;

समय. the shortest division of

time: an instant. सूय० १, २८: भग० १,

३३: नाया० १: १२: दस० २, १, ६३: पि० नि०

७६७: तंदु० भत्त० ५०: पंचा० १, ८८;

(३) संख्यात प्राणरूप काल विभाग;

मुहुर्त. संख्यात प्राणरूप, काल विभाग,

मुहुर्त. a measure of time com-

prising countable breaths;

a time equal to 48 minutes.

जं० प० ७, १५१: ठा० २, ४; —जोह.

त्रि० (—योगिन्—परं निकृष्टकालः क्षणं

स विद्यते यस्य इति) प्रतिक्षेपे नाश

धामनार; क्षणिक. प्रतिक्षण नाश पाने वाला;

क्षणिक: क्षण भंगुर. decaying every

moment; momentary. सूय० १, १, १,

१७; —(अ) उ. न० (—अर्ध) अर्ध क्षण.

आधा क्षण. half a moment. गच्छा०

६०; —अ. त्रि० (—अ) अवसर ७१७-

नार. समय को पहिचानने वाला. (one)

knowing the proper time. आया०

१, ७, ३, २०६; —अंघ. पुं० (—अन्ध)

समय रूपे अन्ध; स्थिति अन्ध. समय

रूप बन्ध; स्थिति बन्ध. limitation in

relation to time. क० प० ७, ४२;

—लव. पुं० (—लव) क्षणमात्र के लवमात्र

वैराग्यभावधी ध्यान करने में; तीर्थकर नाम-

मात्र आध्याना तीर्थ प्रकारमाने अंध. क्षण-

मात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना;

तीर्थकर नाममात्र बांधने के बीस प्रकार में

का एक. dispassionate medita-

tion for a moment only;

one of the 20 ways of distin-

guishing oneself as a Tir-

thankara. नाया० ८; प्रव० ३१२;

—संज्ञोद्भव. त्रि० (—संयोगिक) क्षण-

अंतमुहुर्त पर्यंत के संयोग होय ते. अंत-

मुहुर्त तक जिसका संयोग हो बह. remain-

ing or lasting for less than

18 minutes. क० प० ७, ३६; —संस.

त्रि० (—शेष) क्षण-में बाकी आधी छे तेवुं;

क्षण जिस में बाकी है ऐसा. less by a

moment. क० प० २, ८२;

खणयज्ञ. त्रि० (खणकज्ञ—क्षण परं निकृष्ट

कालं जानातीति) वधत्-अवसरने क्षण-

नार. समय-अवसर को जानने वाला. (One)

knowing the proper time. आया०

१, २, ५, ८८;

खणि. स्त्री० (खनि) आण. खदान; खान.

A mine. पि० नि० २२६; नाया० ७;

खन. न० (खत) धा; आधे; ७५५. धाव;

जखम. A wound. अणुजो० १४७;

खतत्र. पुं० (खतक) राहुना पुद्गलनी पंदर
ग्लतभांती अक्ष ग्लत. राहु के पुद्गल का
पंदरह जात में का एक जात. One of
the 15 sorts of the molecules
of Rāhu. सू० प० १६:

खत्त. पुं० (क्षत्र) क्षत्रिय; आर वर्णभांती
भीति वर्ण. क्षत्रिय; चार वर्णों में से दूसरा
वर्ण. Ksatriya; the second of the
four castes. (२) दासीपुत्र; वर्णमिश्र.
दासीपुत्र; वर्ण संकर. one belonging
to a mixed caste. उत्त० १२, १८:

खत्त. त्रि० (३) आणुन्या रसवाधु. गोबर जैसा
रस वाला. Re-ssembling liquid cow-
dung. जं० प० (२) आतर पांडु. खात
लगाया हुआ. (a wall etc.) bored
through by a thief. नि० भा०
१३: (३) आतर पांडु: भीतिभांती अक्ष द्रव्य ते.
खात लगाना: भीति में छेद करना boring
through the wall. विवा० ३: नाया०
१८: — **खत्तान. न० (- खनन - क्षात्र खनताति)**
आतर पांडु: भीति द्रव्याने अक्ष द्रव्य
थवा भीतिभांती अक्ष पांडु ते. खात
लगाना: चोरी करने का अक्षर जानेके लिये
भीति में छेद करते हैं वह. breaking
into a house for the sake
of committing theft. विवा०
३: नाया० १८: — **मेह. पुं० (- मेघ -
क्षेत्रेण करिषेण साकं सकरीषा वा
मेघो यत्रेति)** आणुना रस ग्लेवा वस्साद.
छाण के रस मरीखा बरमान. rain
resembling liquid cowdung.
जं० प० २, ३६: भग० ७, ६:

खत्तय. पुं० (शत्रक) क्षत्रक: राहुदेवता नाम.

राहु देव का नाम. Name of god
Rāhu. भग० १२, ६:

खत्तिय-अ. पुं० (क्षत्रिय) क्षत्रिय गति; आर
वर्णभांती भीति वर्ण. क्षत्रिय जाति; चार
वर्णों में का दूसरा वर्ण. The second of
the four castes. जं० प० ५, ११२;
उत्त० ३, ४: ६, १८: १६, ६: राय० २१८:
२६६: विवा० १: निसा० ८, १५: ६, २१:
दम० ५, २, २, ६, २: भग० १, ६: ११,
६: सु० च० २, ३५५: अणुजो० १३१: ओव०
१४: २७: ३८: कण्ठ० २, १७: प्रव० ३८६:

— **कुमार. पुं० (- कुमार)** क्षत्रियकुमार:
राजपुत्र. क्षत्रियकुमार; राजपुत्र. a prince;
the son of a Ksatriya. भग० ६, ३३:

— **कुल. न० (कुल)** सामान्य क्षत्रिय तरीके
स्थापित कुल. सामान्य क्षत्रियके तौर पर
स्थापित कुल. a family ranked as an
ordinary Ksatriya family. आया०
२, १, २, ११: — **जायअ. त्रि० (- जातक)**
क्षत्रिय गतिभा उत्पन्न थये. क्षत्रिय जाति
में उत्पन्न. (one) born in the
Ksatriya caste. सूय० १, १३: १०:

— **दारग. पुं० (- दारक)** क्षत्रियके आलक्ष.
क्षत्रिय का बालक. a child of a
Ksatriya. विवा० ५: — **पुत्त. पुं०
(- पुत्र)** क्षत्रिय पुत्र: क्षत्रिय पत्न्या.
क्षत्रिय पुत्र: क्षत्रिय का बच्चा. a son
of a Ksatriya. भग० ६, ३३:

— **विज्ञा. स्त्री० (- विद्या)** क्षत्रियकी धनु-
विद्यादि विद्या: ४० विद्याभांती अक्ष. क्षत्रिय
का धनुर्विद्यादि विद्या: ४० विद्यामें का एक.
the science of archery possessed
by a Ksatriya; one of the 40

* आणुना पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

lores. सू० २, २, २७;

खच्चियकुंडगाम. पुं० (खच्चियकुण्डग्राम) क्षत्रियकुण्डनामे ग्राम जयां जमालि रहैता इता. खच्चियकुंड नाम का गांव जहां जमालि रहते थे. Name of a city the residence of Jamālī. भग० ६, ३३; कण० २, २०;

खच्चियकुंडपुर. न० (खच्चियकुण्डपुर) महा-वीरस्वामीनी जन्मभूमिं ग्राम; सिद्धार्थ राजन्नी राजधानी. महावीर स्वामी का जन्म-भूमि का ग्राम; सिद्धार्थ राजा का राजधाना. The city which is the birth place of Mahāvira Swāmi; the capital city of king Siddhārtha. आया० २, १५, १७६;

खच्चियाणी. त्रा० (खच्चियाणी) क्षत्रियनी स्त्री. खच्चिय की स्त्री. A wife of a Ksat-
triya. कण० ३, ४८;

खदिरसार. पुं० (खदिरमार) खदिरसार. खेर का सार. A powder prepared of Kher. पञ्च० १७;

खद-दु. त्रि० (खाद्य) भोजन; स्वादिष्ट; रसमय. Delicious; tasteful. सम० ३३; प्रव० ५२६;

खद्व. त्रि० (*) प्रभूत; अधिक; प्रमाणाधीनधारे. प्रभूत; अधिक; प्रमाण से विशेष. Abundant; much more than enough. आया० २, १, १; ५६; पि० नि० १८८; ४८१; ५२६; ओघ० नि० ८६; ७२२; पगह० २, ४; प्रव० १३०; दसा० ३, १६; १७; १८; १६; —**पजणण.** न० (—प्रजनन) भेटाट्टा पुरुषयिन्ह (धिन्धय). बड़ा पुरुषचिन्ह

(इन्द्रिय). a big organ of genera-
tion. प्रव० ५२६; —**सह.** पुं० (—शब्द)
भेटाट्टा शब्द. बड़ा शब्द. a loud sound.
प्रव० १३८;

खद्व. अ० (शीघ्रम्) जल्दी; जिताने. जल्दी;
शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५;
खद्वदाणिअ. त्रि० (*) समृद्धि वाणुं.
समृद्धिवात. Prosperous. ओघ० नि०
८६;

खपुष्फ. न० (खपुष्प) आकाशना फूलनी
पे; शून्य. आकाश के फूल का समान शून्य.
Anything impossible or non-
existent like the flower in the
sky. विशेष० ३२;

खम. आ० I. (क्षम) क्षमा करनी. क्षमा
करना. To forgive; to pardon
खमइ-ति. आया० २, १५, १७६; ओत०
८, ३;

खमंतु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६;

खमं. वि० वव० १०, १;

खम. आ० नाया० ५;

खमह. आ० सु० च० ४, १२३;

खमाहि. नाया० ६;

खमेह. दस० ६, २, १८;

खमिउं. इ० कृ० सु० च० ४; १२४;

खमंत. व० कृ० दसा० ५, ३;

खममाण. व० कृ० भग० १५, १; २०, ६;

विवा० १;

खामेइ-ति. प्रे० भग० २, १; ३, १; ५.

८; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४;

सु० च० ७, २०८;

खामेति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

खमिंत. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;
 खमिमि. भग० ३, २; नाया० ८: १३;
 महा० प० ६;
 खमिमो. भग० ३, १;
 खमिमु. आ० नाया० ८;
 खामिय. सं० कृ० निर्मा० ४, ३२;
 खामित्ता. सं० कृ० भग० २, १; ५, ८; १५,
 १; नाया० १;
 खमिमण नाया० ५;

खम. त्रि० (क्षम—क्षमने इति क्षमः) शक्ति-
 भात्; समर्थ. ताकतदार; समर्थ. Power-
 ful; able. ओष० नि० ७६३; भग० १,
 १; ३, १; नाया० १; १०; मु० च० १, २६;
 ३१६; आया० १, ७, ४, २१५; दमा० ७,
 १; पि० नि० ७१; (२) शुभः हितकर-
 शुभः हितकारक. auspicious; bene-
 ficial. उत्त० ३२, १३;

खमग. पुं० (क्षमक) मास अमलु आदि तप
 क्षमता; तपस्वी आदि मास खमग करने
 वाला; तपस्वी गाथु. One practising
 fasts for a month etc.; an ascetic
 given to austerity. पि० नि० ४७६;
खमग. पुं० (क्षमण) अदन्शीलता रहित
 आदि. सहनशीलता रखनेवाला गाथु. An
 ascetic of forgiving nature.
 अणुजो० १३१; प्रव० १५२७; उवा० १,
 ७७; (२) तपः उपवास. तपः उपवास.
 a fast; an austerity. प्रव० १५३१;
 —सय. पुं० (-शन) सौ उपवास. सौ
 उपवास. one hundred fasts. प्रव०
 १५३१;

खमरिह. त्रि० (क्षमार्ह) क्षमा क्षमने योग्य.
 क्षमा करने के योग्य. Deserving par-
 don. भग० ३, २;

खमा. स्त्री० (क्षमा) क्षेमिता अभावः सदन्-
 शीलता; क्षमा. क्रोध का अभावः सहनशी-

लता; क्षमा. Absence of anger;
 forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३;
 नाया० १०; १३; ओष० नि० ५८१; सम०
 २७; नंदी० ३६; जं० प० राय० १७१;
 उवा० २, ११३; आव० ३, १; कण्व० ८;

खमावगण्या. स्त्री० (क्षमापना) अपराधकी
 माफी मागती अभाववृत्ति, मिच्छामि दुष्कृतं
 क्षेप्यं ते. अपराध का माफी मांगना; क्षमा-
 याचना; मिच्छामि दुष्कृतं लेना. Begging
 of pardon for a fault committed;
 a particular way of confessing
 a sin. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

खमाम्भग. पुं० (क्षमाश्रमण) क्षमाधारी
 साधु. क्षमाधारा साधु. An ascetic of a
 calm and quiet nature. कण्व० ८;

खय. पुं० (क्षय) नृपथी उत्थेदः समुत्थो
 नाश. मृत से उग्राट डालना; समूल नाश.
 Utter destruction. भग० ३,
 ६; ५, ६; ६, ३१; ११, ११; उत्त० ३, १७;
 क० गं० २, २६; भक्त० ५०: —गम्य. त्रि०
 (गत) क्षय परित. क्षय पाया हुआ, हुई.
 destroyed; decayed. दमा० ५; ३२;
 ३३; —नाशि पुं० (-ज्ञानिन) सर्वथा
 आवच्छिन्न क्षयशी उत्पन्न थपेक्ष क्षयज्ञान-
 वान् क्षयशी. सर्वथा आवरण के क्षय के जयें
 (द्वारा) ज्ञानवान् केवली. one possess-
 ed of perfect knowledge due
 to the destruction of cover in
 the form of Karmas. विशे० ५१८;
 —निष्कण्ण. त्रि० (-निष्पन्न) क्षयना क्षय-
 शी प्राप्त थपेक्ष भावः क्षयक्षभावे प्राप्त थपेक्ष
 क्षयज्ञानादि. कर्म के क्षय से प्राप्त हुआ
 भाव; क्षयक भावसे प्राप्त हुए. केवलज्ञानादि.
 Kevala Jñāna etc. got by des-
 troying the Karmas. अणुजो०
 १२७: —समज. न० (-शमज—क्षय-

शमाभ्यां जायते तत्) उदीरित मिथ्यात्वने क्षय अने अनुदीरितने उपशम करवाथी उत्पन्न थजुं क्षयोपशम समकित. उदीरित मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम करने से उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समकित. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशेष० १२८;

खयर. पुं० (खदिर) भैरजुं अ०. खर का झाड़.

A kind of tree known as Kher.

अतं० ३, ७; तंदु०—इंगाल. पुं० (—अंगार) भैरता लाइजाना अंगारा. खर का लकड़ा के अंगारे. burning charcoals of a Kher wood. राय० ६६;

खयिअ. त्रि० (सायिक) जुआ “खइअ” शब्द. देखो “खइअ” शब्द Vide “खइअ” अणुजो० १२११

✓खर. धा० I. (क्षर) नाश पाभजुं. नाश पाना. To be ruined.

खरइ. विशेष० ४५४;

खर. ति० (खर) कठिण; अरुअरे; कर्कश; तीक्ष्ण. कठिण, खरदरा, कर्कश, ताँदण. Harsh; rough क० गं० १, ४१; ४२; गच्छा० ५४; भग० ७, ६; १५, १; नाया० १; ८, ६; तंदु० दमा० ३, २०; २३; २४; उत्त० ३६, ७१; पि० ति० ३२७; जीवा० १; पञ० १; जं० प० अणुजो० १२८; (२) तलजुं तेल. तिलका तैल. sesame oil. ओष० ति० ४, ६; (३) गधेठा. गधा. an ass. ओव० ३८; जीवा० ३, ३; गच्छा० १२५; (४) राहुना अपर नाम. राहुका पर्यायवाची नाम. a synonym for Rāhu. मू० प० १६;—आवइ. पुं० (—आवत्त) कठिनचक्रीती पेटे पाछीजुं गोणकुंडलुं थाय ते; यमज. कठिन चक्र सरीखा पानी का

गोल कुंडल होता है वह; वमल. a whirlpool ठा० ४, ४;—कंट पुं० (—कण्ट) तीक्ष्ण कांटासरीखे; शीषामण्डितार साधुने दुर्वचनरूप कांटाथी पीधनार श्रावक. ताँदण कांटे सरीखा; उपदेश देनेवाले साधुको दुर्वचन रूपी कांटोंसे छेदने वाला श्रावक. one sharp as a thorn; a layman who gives advice to an ascetic in severe words. ठा० ४, ३;

—कंड. पुं० (—काण्ड) कठिन भाग. कठिन हिस्सा. the hard portion. (२) पहिली नरकना पहिलो कांड. पहले नरक का पहला काण्ड. the first division of the first hell. जीवा० ३, १;—ककश.

त्रि० (—कर्कश) कर्कशमें कर्कश; अतिकर्कश. कर्कश में कर्कश; अतिकर्कश. very harsh. प्रव० १४२;—कर्म. न० (कर्म) कर्मा

कर्म, कृ० ४. कठोर कर्म; कृत्य. wicked actions. पंचा० १, २१;—पवणसंग. पुं० (—पवनसंग) प्रत्यक्ष पवनसे संग.

प्रचण्ड वायु का संग. uniting with fierce wind. प्रव० २५१;—पुढवी.

स्त्री० (—पृथ्वी) कठिन पृथ्वी. कठिन पृथ्वी. hard ground or earth. प्रव० १११२;

क० प० ४, ६७;—फरुस. त्रि० (—परुष) धातुं कठोर. बहुत कठोर. very harsh.

“खरफरुम भूमीमइला” नाया० २; भग० ७, ६;—बायरपुढविकाइय. पुं० (—बादर-पृथ्वी कायिक) कठिण आदर पृथ्वीकायाना

जिव. कठिन बादर पृथ्वीकाया के जीव. hard and visible earth-beings. जीवा० १;—विमाण न० (—विषाण) गधेठाजुं शीघ्र. गधेका सींग. the horn of an ass. विश० ३५;

खरअ. पुं० (खर) कामगरे; नोकर; दास. काम करने वाला, नौकर, दास. A ser-

vant. ओष० नि० ६३८;

❧ **खरंटणा.** ख्रा० (*) निंदा; निरस्कार; अपमान. निन्दा; निरस्कार; अपमान. Disgrace; censure; dishonour. पंच० १२, ६; ओष० नि० ६०; पि० नि० २२५;
खरमुह. पुं० (**खरमुख**) अरमुअ नामे अ३ अनाये द३. खरमुख नामक एक अनार्य देश. A non-Āryan country. प्रव० १५६६;

खरमुहिया. ख्रा० (**खरमुखिका**) वाद्य विशेष; शाद३. वाद्य विशेष. खरमुहा. A kind of musical instrument. भग० ५, ४;
खरमुही. ख्रा० (**खरमुखी**) शाद३: अ३ वनजं वाद्यं. खरमुही; एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. आया० २, ११, १६८; राय० ८२, ८८; जावा० ३, ३; ओष० ३१; ज० प० कप० ६, १०१;

खरमुहीसह. पुं० (**खरमुखीसह**) शाद३: शाद३. खरमुहीका शब्द. The sound of a musical instrument. निमा० १७, ३६;

खरय. पुं० (**खरक**) राहुदेवजं अ३ नाम राहुदेवका एक नाम. A synonym of the deity Rahu. भग० १२, ६; (२) त्रि० कठि० कठिन. hard. नाया० ६;

खरसाहिया. ख्रा० (**खरसाधिका** अक्षर-साधिका) अक्षर त्रिपिमांती अ३. अक्षरह लिपियों में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरस्सर पुं० (**खरस्वर**) वज्र के ११ डांटा वाला शास्त्रकी वृक्ष उपर नारकीने यदातीने गर्धना नेवे अवाज काटता नारकीनेआम तेम अये ते परमाधामी. वज्र सराखे कांटे

वाले शास्त्रकी वृक्ष पर नारकी को चढ़ाकर गधे सराखा आवाज निकालते हुए नारकी को इधर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी. The infernal gods known as Permādhāmīs who mount the hell-beings on a Śālnali tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while uttering a cry like the braying of a ass. सम० १५; भग० ३, ७; प्रव० ११०३;

खरिआ. ख्रा० (*) दासी. दासी. A maid-servant. ओष० नि० ६३८;

खरिसुय पुं० (**खरिसुक**) इन्द्र विशेष. कन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव० २४०;

खरियत्ता. ख्रा० (**खरिकता**) नगर आदर के अन्दरमां रहनेवाली वेश्याने आवा-स्वस्व. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वेश्या का भाव-स्वस्व. The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग० १५, १;

खरोट्टिया. ख्रा० (**खरोट्टिका**) अक्षर त्रिपिमांती अ३. अक्षरह लिपि में की एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

खरोट्टी. ख्रा० (**खरोट्टी**) जुआ "खरोट्टिया" शब्द देखो "खरोट्टिया" शब्द. Vide "खरोट्टिया" पक्ष० १;

✓ **खल.** धा० I (**स्खल**) असयुं; ह२अयुं. विसकना; दूर जाना, To slip away; to go away. (२) पडयुं; रभयना पामयुं. पड़जाना; पतन होना. to fall.

खलह. सु० च० २, ३६;

खलहि. आ० उत्त० १२, ७;

खलेज्ज. वि० उत्त० १२, १८;

खलंत. व० कृ० भग० ७, ६; जं० प०

खल. पुं० (खल) अर्थात् खल. A threshing floor place in a field where the corn is husked. ओव० १७; परह. २, ३; जं० प० कप्प० ५, ११७; (२) त्रि० लु० ये; दुर्जन. बदमाश; दुर्जन. a rogue; a wicked person. सूय० २, २, ४४;

खलणा. स्त्री० (खलना) भूत; त्रुटि. भूल; त्रुट. A Mistake. तंदु०

खलय. पुं० (खलक) लु० ये " खल " शब्द. देखो " खल " शब्द- Vide " खल " नाया० ७;

खलवाड. पुं० (खलवाट) अर्थात् खलवाट. A barn yard; a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn. राय० २७६;

खलिअ. न० (खलित) रूपावस्था; भूत; अतिथार. पतन; अतिचार. Degradation; mistake. (२) त्रि० शीतथी रूपावस्था पामेक्ष. शीलसे पतन पाया हुआ. (one) degraded; fallen. नाया० १; चउ० १; अणुजो० ६८; ओघ० नि० ५४१; विशेष० ६०२; ८४६; पंचा० १२, ६; सु० च० ६, ६;

खलीण. न० (खलिन) धेड़ानी लगाम; थोड़पुं. घोड़े की लगाम; चौकड़ा. A bridle of a horse. प्रव० २४६; (२) नदीनी भेष. नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १; —बन्ध. पुं० (—बन्ध)

थोड़पुं. लगाम का बन्द. the reins. नाया० १७; —मट्टिया. स्त्री० (—मट्टिका) भेष. नदीनी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

खलीण. न० (खलीन) लगाम; थोड़पुं.

लगाम; चौकड़ा. The reins. सु० च० २, ६३;

खलु. अ० (खलु) निश्चय अवधारण अर्थ भां अपने वाक्यना अत्रंकार साथे अनु शब्द आवे छे. निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ खलु शब्द आता है. Verily; indeed; (used also to add grace to a sentence). जं० प० ७, १३१; ५, ११२; ११५; भग० १, ३; २, १; ७, १; ८, ५; २५, ३; ३१, १; नाया० १; ४; १४; १६; दसा० १, ३; दस० ४; ७, १; ६, ४, १; आया० १, १, १, ८; १, १, १, १८; १, १, २, १५; पल० १; २३; सूय० १, २, १, १; उत्त० १, १५; ओव० ३८; निर० १, २; उवा० १, २; क० गं० १, ६;

खलुअ. पुं० (खलुक) पगनी ओड़ी. पैर की एंडी. The heel. विवा० ६;

खलुंक. पुं० (खलुंक) अपिनीत; क्षुद्र अपने वांछा स्वभाववाले शिष्य. विनयहीन; ओछे और टेढ़े स्वभाव वाला शिष्य. Immorder; a disciple of crooked nature. उत्त० २७, २; (२) गणीया अगद के घोड़ा. मस्त बैल अथवा घोड़ा. an unruly bull or a horse. डा० ६, ३; उत्त० २७, २; (३) गंस, भन्नेर दिजेरे शुद्र गन्तु डांस, मच्छर वगैरह छोटे जीव. small insects, such as mosquitoes, bugs, etc. उत्त० २७, २;

खल्लग. पुं० (*) आभराना पाइजने पड़ीयो.

* लु० ये पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पत्ता के पत्तों का दोना. A cup made of leaves of a Khākārā tree. पिं० नि० २०६; (२) जोडा; मोजडी: पगरभा. जोडा, मोजडी, जूता. a pair of shoes. प्रव० ६८३;

खल्लूड. पुं० (खल्लूड) अक्ष जलते इन्द्र. एक जात का कन्द. A kind of bulbous root. पत्र० १; जीवा० ३, ४;

✓ **खव.** धा० I, II. (क्षि+णि) क्षय करने; अपावयु. क्षय करना; अंत करना. To destroy; to make an end; to waste. खवेइ. भग० ६, ३१; नाया० १; आंव० ६३; उत्त० २६, १; सूय० १, २, १, १५; प्रव० ७०१,

खविति. भग० १६, ४; सूय० १, १२, १५;

खवति. दस० ६, ५८; नु० च० १, १८;

खवयन्ति. भग० १६, ४; १८, ७;

खववेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३१; १५, १; नाया० १; ६;

खविवेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; आंव० ६१; उत्त० २८, ३६; दस० ३, १५;

खवित्त. सं० कृ० दस० ६, २, २४;

खवमाण. व० कृ० नाया० २;

खवेमाण. व० कृ० नाया० १८;

खवेत्त. क० प० २, ६६; ४, ४१; ७, ३६;

खविउ. सं० कृ० क० गं० २, ३५;

खवअ. पुं० (क्षपक) कर्मोत्तरी क्षय करनेवाला; क्षपक श्रेणिगत साधु. कर्मों का क्षय करने वाला; क्षपक आंगगत साधु. One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Kṣapaka Śreṇi (a stage of evolution). भग० २५, ७; भत्त० १५७;

खवग. पुं० (क्षपक) क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु. क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु. An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पिं० नि० २०६; भग० २५, ६; भत्त० ४३; प्रव० ७०६; क० प० २, १७; (२) मोहनीयने अपावता रूप-क्षपक श्रेणि. मोहनीय को दवाने वाला-क्षपक श्रेणि. a certain stage in which Mohanīya Karma is wasted away. क० गं० २, २८; ५, ८२; —आउ. पुं० (-आयुष) आयुष्यने अपा-

वनार-सूक्ष्म संपराय अने अपूर्व इन्द्रियगुणस्थान वाली श्रव. आयुष्य का क्षय करने वाला सूक्ष्म संपराय और अपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Sūkṣamasaniparāya and Apūrvakarana which waste away the period of life. क० गं० ५, ६७; —कम. पुं० (-क्रम) क्षपक श्रेणिप्राप्त कर्म. क्षपक श्रेणि का क्रम. the order of Kṣapaka Śreṇi. कल्प० २, ४३; —संदि. स्त्री० (-श्रेणि) क्षपक श्रेणि. क्षपक श्रेणि. Kṣapaka Śreṇi; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. प्रव० २०; —सेणि. स्त्री० (-श्रेणि) क्षपक श्रेणि. क्षपक श्रेणि the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession. (२) घातकर्मोत्तरी प्रकृतियोंने अपावता कर्मोंने क्षपकश्रेणि कहलायां आवे छे. तेषां अन्तानुबंधी क्रोध, मान, माया अने दोषोंने अपावता श्रेणि श्रेणि करी श्रितियों अनावे छे कर्म प्रमाणों मोहनीयनी अधी प्रकृतियोंने अपावता दर्शनावे छे, नाना-परलौकिक, अने अन्तरायनी प्रकृतियोंने अपावता १२ भां गुणस्थानोंने छे छे समये देवदत्तान अने देवदत्तान प्राप्त थाय छे. घातकर्मों की प्रकृतियों के क्षय करने के अनुक्रम का क्षपकश्रेणि कहते हैं. उसमें अनेतानुबन्ध क्रोध, मान, माया, और लोभ इनको क्षय करने का आरंभ करके चित्रमें बतलाये हुए क्रमके अनुसार मोहनीय का संपूर्ण प्रकृतियों का क्षय करने पर दर्शनावे-गाय, ज्ञानावरणों और अन्तराय की प्रकृतियों का क्षय करने के पश्चात् १२वें गुणस्थान के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन का प्राप्ति होती है. the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Kṣapaka Śreṇi. The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,

— खवग-सेणि. —



ज्ञानावरणादि १४

निद्रा-प्रचलर

सं. लोभ

सं. माया

सं. मान

संज्वलन क्रोध

पुरुष वेद

हास्यादिक षट्

रत्नी वेद

नपुंसक वेद

एकेन्द्रियादिक १६ प्रकृति

अप्र.क्रो.मा.मा.लो; प्र.क्रो.मा.मा.लो

नरक आदि ३ आयु

सम्यक्त्व मो.

मिश्र मोहनीय

मिथ्यात्व मो.

अनंतानुबंधी क्रो.मा.मा.लो

D. V. TALDANIA.

— क्षपकश्रेणि. —

deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Darśanāvarṇiṣya, Jñānāvarṇiṣya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution. प्रव० ७७६;

खवग. पुं० (क्षपक) गुग्मो " खवग " शब्द.
देखो " खवग " शब्द. Vide " खवग "
प्रव० ७००;

खवग. न० (क्षपय) कर्म तो दाय करवे ते:
अभुक्त अशे कर्मनी निवृत्ति करवी ते. कर्म
का क्षय करना; अमुक अंशतक कर्मों का
निजग करना. Destroying of
Karmas; destroying the
Karmas to a certain limit.

विशे० २५, १४: उत्त० ३३, २४; पंचा० १८,
४१; पि० नि० भा० १; मु० च० १, ३८४;
(२) प्रश्नरत्न: अध्ययन. अध्याय: अध्ययन.
chapter; division. विशे० ६६२;
(३) साधु: मुनि. माधु: मुनि. n
Sādhu: an ascetic. पंचा० १६, ३४;

खवग. स्त्री० (क्षमया) अध्ययननुं अपर
नाम. अध्ययन का अपर नाम. A syno-
nym for a chapter. अनुजो० १४८;

खवग. पुं० (*) अक्षयानुं भाष्युं. एक
जातिका मत्स्य. A kind of fish. पञ्च० १;

खचित. त्रि० (क्षपित) अपावेत: क्षय करेत्. क्षय
किया हुआ. destroyed; wasted. सम०
२१;—सप्तय. त्रि० (—सप्तक) अनंतानु-
बन्धी आर क्पाय, मिथ्यात्व मोहनीय, सम-
हित मोहनीय, अने मिश्र मोहनीय अे सात
प्रकृति नैजे क्षीण करी छे ते. अनंतानुबंधी
चार क्पाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकित
मोहनाय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृ-
तियों का जिसने क्षय किया है वह. (One)
who has destroyed the seven
natural impurities; fourfold
passions known as Anantānu-
bandhi. सम० २१;

* गुग्मो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*).
देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

खविय-अ. त्रि० (क्षपित) अपावेष्टुं. क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted. क० गं० २, १; क० प० ७, ३६; ४४; —कर्म. पुं० (-कर्मन्) अपाव्या छे कर्म जेष्ठे ते. कर्मना क्षय करने (साधु). कर्मका क्षय करने वाला (साधु); जिसने कर्मों का क्षय किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas. क० प० २, ६६; ६, २०;

खस. पुं० (खस) अस नामना ऐक अनार्य देश. खस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि० ते देशना रह्यवासा. उस देश का निवासी. a resident of this country. पण्ड० १, १; प्रव० १५६७;

खसखसिय. पुं० (खसखसिक) अस-आसिक नामना ऐक देश. खसखसिक नाम का एक देश. Name of a country. पञ्च० १; (२) त्रि० ते देशभा रह्यवासा भाजुसे. उस देश के निवासी मनुष्य. a resident of this country. पञ्च० १;

खसर. पुं० (*) असना रोग; अस. खस का रोग; खस. Itch; a kind of skin disease. जीवा० ३, ३; जं० प०

खह. न० (ख) आकाश. आकाश. The sky. भग० २०, २;

खहचर. पुं० (खेचर-खे आकाशे चरतीति) आकाशभा उडनार पक्षी, निर्यय पंचेन्द्रियनी ऐक जंत. आकाश में उडने वाले पक्षी आदि; पंचेन्द्रिय का एक जाति. A bird; a kind of five-sensed animal. भग० २४, १; उत्त० ३६, १७; —विहाण. न० (-विधान) पक्षीयोना भेद-प्रकार.

पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of birds. भग० १५, १; नाया० १६;

खहचरी. स्त्री० (खेचरी) आकाशभा उडनार यक्षी; कायय वगेरे पक्षिणी. आकाश में उडने वाली चिड़ियां; कोयल आदि पक्षी (स्त्री). Birds that fly in the sky; the cuckoo etc. ग्रा० ३, १;

खहयर. पुं० (खेचर) पक्षी. पक्षी. A bird. (२) विद्याधर. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers. अणुजो० १३४; जं० प० भग० ७, ५; ८, १; उत्त० ३६, १८६; आ० ४१; जीवा० १; पञ्च० १; —मंस. न० (-मांस) तेनर, कुक्ष वगेरे पक्षीजं मांस. तीतर, मुर्गे आदि पक्षियोंका मांस. the flesh of a cuckoo partridge etc. प्रव० २२२;

खहयरी. स्त्री० (खेचरी) पक्षिणी. स्त्रीलिंग पक्षी. A female bird. जीवा० १;

✓**खा.** I. (खाद्) भावुं. खाना. To eat. खायह. अणुजो० १२८; दस० ६, १, ६; पि० नि० २७४;

खाइ. सु० च० १२, ५५; राय० २४०;

खायह. आ० उत्त० १२, २६;

खायमाण. जीवा० ३; विवा० १;

खावियंत. प्रे० व० कृ० विवा० २;

खजह. क० वा० राय० २७६; उत्त० १२, १०;

खजंत. क० वा० व० कृ० भक्त० १६०;

खजमाण. क० वा० व० कृ० संथा० ६६;

खाद्य-य. त्रि० (ख्यात) प्रख्यात; प्रसिद्ध. प्रख्यात; प्रसिद्ध. Famous; renowned. पंचा० ११, ४; उत्त० १४, २; नंदी० २७;

खाद्य-य. त्रि० (खात) भावेष्टुं. खुदा हुआ. Dug. कण्ठ० ६, २; आ० (२) आये; कुवे

* जुओं पृष्ठ नम्बर १५ नी ५८नोऽ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खाडी; कुआ. a ditch; a well. अणुजो०
१३३; (३) आर्. खाई. a ditch. जं०
प० ३, ४७; सम० प० २०६;

खाइ. खी० (ख्याति) प्रख्याति; प्रसिद्धि.
प्रख्याति; प्रसिद्धि. Fame. भग० १२, २;
१७, २; आ० ४१;

खाइआ-या. खी० (खातिका) नीचे अने
ऊपर सरणी आइली आभा. नीचे और ऊपर
बराबर खुदा हुई खाई; गड्ढा. A ditch
uniformly dug from its mouth
to the bottom. पगह० १, १; अणुजो०
१३४; भग० ५, ७; ८, ६;

खाइम. त्रि० (खादिम=खाद्य) सुपारी,
मेवा, वगैरे आवासायक पदार्थ. मेवा. मिठाई
आदि खाने योग्य पदार्थ. Sweetmeats,
dried fruits etc. उवा० १, ५८;
आया० १, ७, १, १९७; २, ११, १७०;
भग० २, १; ५: ५, ६; ७, १; नाया० १;
२; १६; पि० नि० १६६; राय० २२६;
दस० ५, १, ४६: १०, १, ८; वेय० १, १६;
सम० २१: ३३; आ० ३६; पंचा० ५, २६;
कण्ठ० ५, १०२; प्रव० १६८; आ० ६, १;
—साइम त्रि० (-स्वादिम=स्वाद्य)
सुपारी मेवा अने स्वादिम-सुपवास-सोपारी
वर्गिण वगैरे. मेवा मिठाई आदि स्वादिम-
सुपारी लौंग आदि मुखवास. sweet-
meats, dried fruits, cardamom,
cloves etc. दस० ५, १, ६१;

खाइय. त्रि० (खादिन) अपरावेष्टु; भक्ष्य
करावेष्टु. खिलाया हुआ; भक्षण कराया हुआ.
(Any thing) caused to be
tasted or eaten. आ० ३८;

खाइय. त्रि० (ख्यात) प्रगट करेले; उद्घोष.

प्रगट किया हुआ; कहा हुआ. Revealed;
exposed; told. भग० २, १०;

खाइय. न० (क्षायक) क्षयिकभावे क्षायक
संभूतित देवज्ञान वगैरे. क्षायिक भाव
क्षायक सम्यक्त्व केवल ज्ञान आदि. The
state of destroying Karmas
etc. विशेष ४६;

खाडखड. पुं० (खाडखड) अने नामने आधी
नरकने अर्ध नरकावासा. इस नाम का चौथा
नरक का एक नरकावास. A division
of the 4th hell so named. टा० ६, १;

खाडहिल. पुं० () गेना शरीरपर
धोला तथा काला पट्टा लगा छे नेवु अर्ध
प्राणी. जिरका देह पर सफेद तथा काले पट्टे
हों ऐसा एक प्राणी. An animal hav-
ing black and white stripes on
the body e.g. the zebra. पगह० १.१;
खाणि. खी० (खानि) अक्षर: आणु. खान;
खदान. A mine. नंदी० ४१; उक्त० १२,
१३; मु० च० १५, ६१;

खाणिआ. खी० (खानिका) लुब्धो "खाणि"
शब्द. देखो "खाणि" शब्द. Vide
"खाणि" आया २, १०, १६६;

खाणु. पुं० (स्थाणु) आणु हुं. डाला पत्ते
रहित सुखहुण फाट का टुंडा. A dried
trunk of a tree without branch-
es. आया० २, १, ५, २७; दसा० ७, १;
नाया० १; जावा० ३, ३; जं० प० १, १०;
उक्त० १४, २६; (२) भीति: भुंटा. काला;
खंडा. a big nail; a peg. वेय० ६, १३;
जं० प० ४, १११; —समाण त्रि० (-समान)
संकेत आणु हुं. गेना; पेतानी आदी हई
छोट नदि; आदी अर्ध करतार. सुख हुण

भाट के टूटें जैसा: अपनी मिथ्या दृष्टि न त्यागने वाला; फूटा आम्रह करने वाला. (one) like a dried trunk of a tree: (one) who never gives up one's false idea; obstinate. दा० ४, ३;

खाण्यु पुं० (स्थाणुक) लुआ " खाणु " शब्द. देखो " खाणु " शब्द. Vide " खाणु " आया० २, १०, १६६: ७, १३, १७२; नाया० २;

खान न० (खान) आदेश. खुदाहुआ. Dug. पत्र० २: (२) आदेश. खाई. a ditch. भग० १४, १; पत्र० २: — **उदग**. पुं० (उदक) आदेश. पानी. खाई का पानी. water of a ditch. भग० १४, १;

खानिया स्त्री० (खानिका) लुआ " खाइआ " शब्द. देखो " खाइआ " शब्द. Vide " खाइआ " पत्र० १, १;

खान न० (छात्र) आदेश. भान में खान लगाना. Opening in a wall (made by a thief). नाया० १६: — **खण** त्रि० (खनक) आदेश. पाजना: खार. खान लगाने वाला: खार (one) who bores through a wall: a thief. नाया० १६;

खामण न० (जामण) अभाव. जमाना. Begging of pardon. दमा० ४, १०२: भन० ४०; नाया० २;

खामणा स्त्री० (जामणा-जमापना) अभाव. माफी मांगनी: अभाव. माफी मांगना. Begging of pardon. प्रव० ६६: १६२: भन० १६;

खामिअ य. त्रि० (खामित-जमापित) क्षमा. क्षमा. माफी मांगना किया हुआ: माफी दिया हुआ. Pardoned. मु० च० १, ३६३: भग० ३, १: १४, १; दमा० १, १४: सम० २०;

खार त्रि० (चार) आदेश. चार. Salt, (२) Vol. II/71.

पुं. खार और खारे और पहाथ. मित्र. खार-खार इत्यादि चार पदार्थ. things having salt taste " खाररूपलोणरूप अणामहणं " नाया० १६; सूय० १, ४, १, २१, २, ३, २४; आया० २, १०: १६६: राय २४८: निमा० १२, ३३; जं० प० विवा० १: (३) सामसामि. आर: पे. दुमरीं से डाह: बैर. enmity towards others. जंवा० ३. भग० ३, ३७: (४) पुं० आदेश. चार रस. salt juice. पत्र० १७: मु० च० ७, २६४: (५) स्त्री० आरवाली भूमि. चार वाला भूमि. saline soil. निनि० ना० १३: (६) लुआ. खार खपनी अद्विगत. मुजर मरी की एक जात. a kind of serpent. पत्र० १: — **उदग** न० (उदक) शब्द. आदेश. पानी. थोड़ा खार पानी. water having some what saltish taste. पत्र० १; भग० १४, १: — **गालण** न० (गालनक) अद्विगत. खारेने खरखनु पात्र. सज्जाखार आदि गलाने का पात्र. a pot for liquifying carbonate of soda etc. सूय० १, ४: २, १२: — **तेल** न० (तेल) आदेश. खार तेल. saltish oil. विवा० ६: — **दाह** पुं० (दाह) अद्विगत. पहाथ. खली खया. सज्जी. खार आदि पकाने का स्थान. a place where carbonate of soda etc. are boiled. निमा० ३, ७५: — **मेह** पुं० (मेव) अद्विगत. खारे से खर खाने मेव-खरसाह. गालनक के रस समान जतवाला मेव-खरसाह. rain resembling the juice of a Salt tree. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६: — **वख** पुं० (वखम्) आरवाली खयरे. खार मय कूड़ा. saltish dirt. निमा० ३, ८०: — **वत्तिय** त्रि० (वत्तित) आरभां अरवेत, आरभां नापत. नमक से भरा हुआ: नमक

में भिगोया हुआ. salt-soaked. सूय० २, २, ६३; श्रौव० ३८; दसा० ६, ४:—तंत. पु० (-क्षारतंत्र) लिंग वृद्ध्यादि वाञ्छा करण शास्त्र आयुर्वेदोक्तो अत्र भाग लिंग वृद्धि आदि वार्जा करण शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a section of Āyur Veda (medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs. ठा० ८, १०;

खारायण. पुं० (क्षारायण) भंडप गोत्रनी शाखा. मंडप गोत्र का एक शाखा. A branch of Mandapa lineage. (२) ते शाखाको पुरुष. उस शाखा का पुरुष. a man of that branch. ठा० ७, १;

खरिअ. पुं० (क्षारिक) आरीओ; भूदा वगेरे-ना पांढराभां भीड़; भरावी अथावा जेवुं अनायवाभां आवे छे ते. नमकीन; मूले आदि के पत्तो में नमक डालकर अचार जैसा बनाया जाता है वह. Pickles. आष० नि० भा० १३६;

खारी. स्त्री० (* खारा) अंड नननुं प्राणी. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जावा० १;

खारुगणिय. पुं० (क्षारुगणिक) ओ नामको अंड अन्तर्ग देश. इस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Āryan country. (२) त्रि० ते देशको रहैवासि. उस देश का निवासी. a resident of this country. भग० ६, ३३;

खालिय. त्रि० (क्षालित) धोअधुं. धुलाहुआ. Washed. मु० च० २, २४३; ७, ६१;

खावण. न० (ख्यापना) प्रसिद्धि; ख्याति; प्रसिद्धि; ख्याति. Fame; reputation. रीचा० १०, ७;

खास. पुं० (कास) आंसोको रोग; उधरस. खासी का रोग; दमा. Cough. नाया० १३; भग० ३, ७;

खालिअ. न० (कासित) जुओ " खास " शब्द. देखा " खास " शब्द. Vide " खास " विशेष० ५०१; नंदी० ३८;

खालिय. पुं० (खासिक) ओ नामको अंड देश. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशको रहैवासि. उस देशका निवासी. a resident of this country. पगढ़० १, १; प्रव० ६४६७; श्रौव० १, ५;

खिइ. स्त्री० (क्षित) पृथ्वी. पृथ्वी. The earth; the world. क० प० १, ६२; ४, ३२,

खिखणी. स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी; चट्टी. घुगरियां; छोटा घुगरा. A small bell नाया० ९; ठा० १०, १;

खिखणिय. न० (किङ्किणीक) जुओ " खिखणी " शब्द. देखा " खिखणी " शब्द. Vide " खिखणी " नाया० १; उवा० २, ११३;

खिखणी. स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी; चट्टी. छोटा घुगरा. A small bell. ज० प० गय० १०६; जीवा० ३, ३; उवा० ६, १६६;

✓ **खिस.** धा० I. (खिस) निन्दा करनी. निन्दा करनी. To blame; to censure. (२) क्रोध करनी; निरस्कार करना. to get angry; to despise.

खिमइ. ति. सूय० १; १३, १४; २, २; १७; नाया० ध० पि० नि० ३५८; उक्त० १७, ४; सम० ३०; दमा० ६, २०; २१;

खिसंति. भग० ३, १; अंत० ६, ३; नाया० ८; **खिमइ.** त्रि० दम० ८, २६; आया० १.

२, ४, ८२;

खिसइज्जा. दस० ६, ३, २१;

खिसइ. भग० ५, ४; १२, १;

खिसिस्संति. नाथा० १६;

खिसे (मि) त्ता. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;

खिमिज्जमाण. नाथा० १६; भग० ३, १;

खिसण. न० (खिसन) निन्दा; निरस्कार; अपमान. निन्दा; तिरस्कार; अपमान. Cen-
sure; contempt; dishonour. परह०
१, १; आ० २१;

खिसणा. छा० (खिषना) लोक समक्ष भर्भ
उपहास पाटी व्यपज्ञा करती. लोगों के सामने
गुन रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना. Dis-
regarding anyone by exposing
his weakness in the public
आ० ४०; रा० २६४;

खिसणज्ज. त्रि० (खिसनाय) निरस्कार
करना योग्य. निरस्कार करने योग्य. Cen-
surable; disgraceful. नाथा० ३;

खिसा. छा० (खिषा) निन्दा. निन्दा. Cen-
sure. पंचा० १७, २५;

खिसिय. त्रि० (खिसित) भर्भ नदी पयनथी
निरस्कार करे. मर्म भेदी वचन से तिरस्कृत.
Disgraced with piercing words.
ठा० ६, १; प्र० १३३५; —वयण. न०
(-वचन) भीमनी लक्ष्मिना (निरस्कार)
करवानुं पयन. दूसरों का घृणा-तिरस्कार
करने योग्य वचन. the words of
rebuke. ठा० ६, १; वं० ६, १;

खिखियंत. त्रि० (खिखि कुर्वन्) अग्नि
शब्द करतुं, ती, तो. खिखि शब्द करता
हुआ-हुई. (One) making a sound
like ' Khi Khi. ' परह० १, ३;

खिउज्जा. छा० (*खिषना-खेदक्रिया)
भेद. खेद. Pain; trouble. नाथा० १८;

खिज्जीणय. त्रि० (खेदनीय) भेद करवाने
योग्य. रंज करने योग्य. Regrettable.
नाथा० १६;

खिज्जमाण. त्रि० (खिद्यमान) भीमतो-
थीयीया स्वभाव वाला. खीजताहुआ चिरडा
स्वभाव वाला. (One) of an irritable
nature. जा० ३, ४; नाथा० १८;
रा० ११२;

खिज्जिय. त्रि० (खिज्ज) भेद पाभेतुं. खेद
प्राप्त. Troubled; afflicted. नाथा० ६;

खिडुकर. त्रि० (कड) गिटगिटिया करने।
गुदगुदा चलाने वाला. (One) who
tickles. सु० च० २, ६४३;

खिति. छा० (क्षिति) पृथ्वी. पृथ्वी The
earth; the world. विशेष० १२०८;

खित्त. न० (क्षेत्र) आंकाश प्रदेश. आकाश
प्रदेश. The firmament; the space
of the sky. उत्त० ३३, १६; क० गं०
५, ८६; (२) आर्य अनार्य देश. आर्य
अनार्य देश. a country of Āryas
and Anāryas. गच्छा० १४, उत्त० ३,
१८; (३) द्विपत्ती ऐक भाग; अर्ध-विजय;
जैम भरत क्षेत्र. द्वीप का एक भाग; खंड
विजय; जैम भरत क्षेत्र. a part of a
continent. ठा० २, ३; (४) खुली
जमीन; धान्यवापवानी जमीन. खुली
जमीन; धान्य बोने का जमीन. a field; an
open plot of ground आथा० १, २,
३, ७६; अणुजो० ८०: दस० ८, ३५; प्र०
१८; ६०४; भग० २, १; २५, ५; पञ्च० १४;
उत्त० ३०, १८; ओघ० नि० भा० ८२;
सु० च० १, २३; कप्प० ५, ११७; —नि-
वासि. त्रि० (-निवासिन्) ऐक क्षेत्रमां
निवास करने। एक क्षेत्र में निवास करने
वाला. residing in one country.
प्र० ७८४; —फुसणा. छा० (-स्पर्शना)

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना.
क्षेत्र का स्पर्श; आकाश प्रदेश की अवगाहना.
occupying the atmosphere or
space. विशेष० ४०६; —वाहिद्विय. त्रि०
(—वहिः स्थित) क्षेत्रधी-वसनिथी अक्षर
रेखेक्ष. क्षेत्र से बाहर रहा हुआ. situated
outside the inhabited region.
प्रव० ६२७;—वृद्धि. स्त्री० (—वृद्धि) क्षेत्रनी
वृद्धि. क्षेत्र का वृद्धि. increment in
space. प्रव० २८१; —संस्थि. स्त्री०
(—संस्थिति) क्षेत्रनी आकार. क्षेत्र का
आकार. the shape of the space
or region. जं० प० ३७. १३५;
—सहाव. पुं० (—स्वभाव) क्षेत्रनी
स्वभाव. क्षेत्र का स्वभाव. the nature
of the space. प्रव० १०८८;

खित्त. त्रि० (चित्त) छेड़ें. फेंका हुआ.
Thrown. क० गं० ४, ८६; नाया० १७;
—चित्त. त्रि० (—चित्त) पुत्रशोक वगेरे
थी विक्षिप्त श्रयुं छे यित न्नेनुं अये. पुत्र-
शोक आदि में जिसका चित्त क्षुब्ध है वह.
(one) maddened on account
of the death of a son etc. डा०
५, १; वव० २, १०; १०, १८;

खित्तञ. त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीथी उपदेखां छा-
डरी. स्त्री से उत्पन्न लड़के. Children
born of a woman. डा० १०;

खित्तञो. अ० (क्षेत्रतम्) क्षेत्रधी; क्षेत्रनी
अपेक्षाञ; क्षेत्रआथी. क्षेत्र में; क्षेत्र का
अपेक्षा; क्षेत्र के सम्बन्ध में. In relation
to space. उत० २४, ६; श्रौव० १७;

खित्तवाल. पुं० (क्षेत्रपाल) देव विशेष; भूत-
रपाल. देव विशेष; क्षेत्रपाल. A kind of

deity. सु० च० ७, ७०;

खिन्न. त्रि० (खिन्न) भेद पायेहुं. दुःखी; खेद
पाया हुआ. Troubled; afflicted.
श्राव० नि० १२४;

खिप्प. त्रि० (क्षिप्र) जल्दी; उतावगुं. जल्दी;
फुर्तली. Speedy. आश० १, ६, ७, ६;
२, ३, २, १२१; उत० १, ४४; श्राव०
नि० ७७५; भग० १, ६; २, १; ३, १; ३;
दस० ४, २८; ८, ३१; नाया० १; १६;
विशे० २८०; सूय० १, ८, १५; कप्प० २,
२५; ४, ५८; उवा० १, ४६; राय० २८;
३४; ३६; श्रौव० २६; क० प० २, ८८; ६,
१६; गम० ३४; दया० ४, ३८;

खिप्पगइ. पुं० (क्षिप्रगति) दिशादभाग्ना
क्षेडपात्रनुं नाम. दिशाकुमार के लोकपाल का
नाम. Name of a Lokapala of
Disākumara. भग० ३, ८; (२)
अमितगति तथा अमितवाहन ईशना क्षेड-
पात्रनुं नाम अमितगति तथा अमितवाहन
इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a
Lokapala of the Indras named
Amitagati and Amitvahana.
डा० ४, १;

खिल्लिकय. त्रि० (किल्लिकृत) भीड़ी भारीनि
इमेने निवः इरेसः निडाधितयन्थने आधित.
काल टोककर कर्म को दृढ़ किया हुआ; निका-
चित बंध में बंधे हुए. (The Karmas)
nailed or bound very tightly.
भग० ६, १;

खिल्लुड. पुं० () इन्द्र विशेष. कन्द
विशेष. A kind of bulbous root.
प्रव० २८०;

खिल्लूह. पुं० () इन्द्र विशेष; वनस्पति.

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation.

जीवा० १;

● **खिल्लेउं**. सं० क० अ० (क्रीडयित्वा) खेलीने; खेलने. खेलकर; क्रीडा करके. Having played. सं० च० ७, ११३;

खिवित्ता. सं० क० (क्षिप्त्वा) डेढ़ने. फेंककर. Having thrown. भग० ३, २;

खिविय. त्रि० (क्षिप्त) डेढ़ने. फेंका हुआ. Thrown. सं० च० १, १७;

खीण. पुं० (क्षीण) खोपी शयेंत; नाश पमित्र. नष्ट; क्षीण. Wasted; destroyed.

नाया० ४: ८: अणुजा० १२७: १३६; जं०

प० पञ्च० १: भग० १, ६: ७, ८: ६, ७:

१५, १: २७, १: ७: सम० ७: डा० २, १:

क० प० ८, १८: ५, १८: प्रव० १३१३:

कण्य० २, १८: ५, १४६; क० सं० २, २:

२०: ४, ३६; (२) अपरमा क्षीणमाद्युयु

प्यानक्षुं दुष्टं नाम वारहवे जाण मोहनाय

गुण स्थानक का मञ्जप नाम. a short

name of the 12th variety of

spiritual evolution known as

Kṣīṇamoha. क० सं० ६, ४५: —**उ-**

दग. त्रि० (उदक) पाणीविनाश; निःशुद्ध. पानी रहित; निर्जल. devoid of water;

waterless. भग० १५, १. —**उवसेन**

न० (—उपशान्त) क्षीणमाद्युयु तथा उपशान्त-

कसायि ” शब्द. vide “ खीणकसायि ”

भग० ६, ३१; —**कसाय**. त्रि० (—कपाय) क्षय पाय्या छे क्षय क्षयदि कपाय सेना ते.

जिसके काम कोषादि कपाय क्षय होगए हैं.

(one) whose passions i. e. anger, hatred etc. are destroyed or decayed. क० प० ७, ४६;

—**कसायि**. त्रि० (—कपायिन्) क्षयपेना

नाश—क्षय क्षय छे सेना ते; क्षयपेदित.

जिसने कपाय का नाश—क्षय किया है वह;

कपाय रहित. (one) who has destroyed the passions. भग० २५, ६:

—**दुह**. त्रि० (दुःख) क्षीय शयु छे दुःख

सेना, दुःख विनाश. जिसका दुःख क्षीय

होगया है वह; दुःख रहित. freed from

pain or misery. सम० प० २४०:

—**भोग**. त्रि० (भोग) सेना मोक्ष विनाश

क्षीय शयु छे सेना. जिसके भोग विनाश

क्षीय होगया है वह. freed from worldly

enjoyments. नाया० ६: —**भोगि**. त्रि०

(—भोगिन् —भोगो जीवस्य यत्रास्ति तद्-

भोगि. शरीरम् तन्वीणं तपोरागादिभिर्यस्य

सः क्षीणभोगी) दुःख शरीर. पाण्डु. पतल

शरीर वाला; दुर्बल. (one) of weak

constitution. भग० ७, ७: —**मोह**.

त्रि० (—मोह) मोहनीकरण सेना क्षीय

शयेंत छे ते. जिसका मोहनाय कर्म क्षय

होगया है वह. (one) freed from

Karma known as Mohaniya.

क० सं० ४, ६३: क० प० ६, ६: डा० ३, ४;

—**रय**. त्रि० (रजम्) सेना कर्मरूप

सेना नाश क्षय छे ते. कर्म रज का नाश

किया है वह. (one) freed from

dust in the form of Karmas.

सम० प० २४०; —**रग** त्रि० (—रग)

सेना रग देश क्षय क्षय छे ते. जिसने रग

द्वेष क्षय किये हैं वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८; ४२; गच्छा० ३३; —वेद्य. त्रि० (-वेदक) श्री वेद, पुष्य वेद, नपुंसक वेद, आदि जेना काम विकार नष्ट थयेन छे ते. जिदके खां वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० ६, ३१; २५; ६;

खीणकसाय. न० (क्षीणकषाय) आरभु गुणस्थानक के जथा कषायनो सर्वथा क्षय करवाभां आवे छे. बारहवां गुणस्थानकक जहां कषाय का सर्वथा क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क० ग० ६, ८४; —वीतराग. पुं० (-वीतराग) कषाय रहित वीतराग. आरभु गुणस्थानवर्ती. कषाय रहित वीतराग. बारहवें गुणस्थानकचारा. a soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

खीर. न० (क्षीर) दूध. Milk. सू० प० ११; १६; पञ० २; आया० २, १, ४, २४; विशेष० ७६६; निर्मा० ६, २२; निर० ३, ४; जीवा० ३, ३; पि० नि० १३९; भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; ओव० १०; ३८; पि० नि० भा० ६०; उवा० १, २४; पंचा० ५, २७; १३, १०; कल्प० ३, ३८; ६, १७; (२) क्षीर नामनो पांचमे समुद्र अने पांचमे द्वीप. क्षीर नामका पांचवां समुद्र और पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. अथुजा० १०३; पञ० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ. पुं० न० (-कुंभ) दुधनो धडा. दूध का घडा. a pot of milk. भग० १६, ३; —दुग्ध. पुं० (-दुग्ध) दूध वाणीं जाड; थोर, आड्डा पथेरे. दूधवाले भाड; थूथर,

आकड़े आदि. trees that give milk ०. g. the Asvattha tree. पंचा० १५, २०; पि० नि० भा० १२; —धाई. स्त्री० (-धात्री) आड्डने धय-रायनारी; धायमाता. बालक को दूध पिलाने वाली; धायमाता. a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया० १; १६; विवा० २; —भोयण. न० (-भोजन) भीरनुं जमल. क्षीर का भोजन. a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४; —मधुर. त्रि० (-मधुर) दुधनो जेनुं भीड़. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा० ४, ३; —मेघ. पुं० (-मेघ) भरत क्षेत्रमां उत्सर्पिणीनो भीर्नो आरो मेसतां सात दिवस पुष्कर संवर्त नामनो मेघ परस्या पञ्जी भीर्नो मेघ सात दिवस सुधी परसे तेनुं नाम. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुष्कर संवर्त नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक बरसता है उसका नाम. name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd aeon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Pus̥kara Samvarta. जं० प० —वृष्टि. स्त्री० (-वृष्टि) दुधनी वृष्टि; दुधनो परसाद. दूध की वृष्टि; दूध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —समुद्र. पुं० (-समुद्र) क्षीर सागर. क्षीर सागर. the ocean of milk. सू० च० २, २५१; —सर. न० (-सरस्) दुध जेवा पाणीवाणुं तलाव. दूध जैसे पानीवाला तलाव. a tank having milky water. सू० च० १५, ३२; —सागर. पुं०

(—सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. name of an ocean. कण० ३, ३३; —माला. खी० (शाला) दुधनी शाला दुधान. दुध की शाला—दुकान. a shop of milk. निर्मा० ६, ७;

खीरकाओली खी० (खीरकाओली) ऐ नामनी साधारण वनस्पति. इस नाम का साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पञ्च० १;

खीरकाओलि. खी० (खीरकाओली) जुआ "खीरकाओली" शब्द. देखो "खीरकाओली" शब्द. Vide " खीरकाओली " भग० खीरणी. खी० (खीरणी) वृक्ष विशेष; फिरनी वृक्ष विशेष; खिरनी. A kind of tree bearing sweet fruit. भग० २२, २; पञ्च० १;

खीरभुस. पुं० (खीरभुस) ऐ नामनी पर्याय वनस्पति ऐक शब्द. इस नाम का पर्याय जाना का एक प्रकार. A kind of tree of Parvati sort. पञ्च० १;

खीराइय. वि० (खीरकित) ऐसा क्षीर-रस उप-पन्न होता है ऐसी पदार्थमें क्षीर रस उत्पन्न हुआ है वह. (A substance) in which juice has been produced. " नगणैतेमालीश्रगुपुष्पेण आययसंधा खीरा-इया बहुकला " नाया० ७;

खीरामव. वि० (खीराश्रव) ऐसी पयस दुध-ना ऐसी सांभगवारीतें मधुर प्राये तेषां शक्ति-वर्द्धिदाया भाष्य. जिसके वचन सुननेवालों का दुध जैसा मिष्ट मालूम हो ऐसा शक्ति-लब्धिवाला मनुष्य. (One) possess- ed of sweet speech like milk. आब० १६; पगढ़० २, १;

खीरिणीया. खी० (खीरिणीका) दुधवाणी; दुधवाणी. दुधवाली; दुधार. A milch cow etc. आया० २, १, ४, २३;

खीरिणी. खी० (खीरिणी) खीरवाणी ज्ञाती पेश. चांडवाले भाइ की बेल. A kind of creeper. पञ्च० १;

खीरोदश्र. पुं० (खीरोदक) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. शा० ४, ४;

खीरोदग. पुं० (खीरोदक) क्षीरसमुद्र क्षीर-सागर. क्षीर समुद्र; क्षीर सागर. Name of an ocean. भग० ८, ६; जं० प० पञ्च० १; —समुद्र. पुं० (—समुद्र) क्षीरसागर समुद्र ऐनं पाणी दुध ऐनं ऐसो समुद्र. खीरोदक समुद्र—जिसका पानी दुध सर्गसा है ऐसा समुद्र. An ocean the water of which is like milk. नाया० ८;

खीरोदा. खी० (खीरोदा) पश्चिम महाविहिता दक्षिण प्रांतवाली भीष्म विजयनी पश्चिम सरस्वती उपरनी महानदी. पश्चिम महाविहिह के दक्षिण खंड का दूसरा विजय का सांसा पर बहती हुई महानदी Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvīdeha. जं० प० ४, १०२.

खीरोय. न० (खीरोद) क्षीर सागर. क्षीर सागर. Name of an ocean. जं० प० ५, १२०; कण० ३, ४३; —सायर. पुं० (—सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. कण० ३, ४३;

खीरोया. पुं० (*) जुआ " खीरोदा "

शब्द. देखो “ खीरोदा ” शब्द. Vide

“ खीरोदा ” ठा० २, ३;

खील. पुं० न० (कील) भीलो. काल. A nail. ओष० नि० ६८८;

खीलग. पुं० (कीलक) ॐ आ “ खील ”

शब्द. देखो “ खील ” शब्द. Vide

“ खील ” सू० प० ८; ओष० नि० भग० २७१;

खु. अ० (खु-खलु) वाक्यालंकारः वाक्यने शोभायनार अर्थय. वाक्यालंकारः वाक्यको सुंदर बनानेवाला अव्यय. A particle used to add grace to a sentence. आया० १, ६, ३, १८५; दस० २, ५; ८, ५४; (२) निश्चये. निश्चय. certainly; verily. गच्छा० ६३;

खुड़. स्त्री० (क्षुति-लवणं क्षुतिः) छींड़. छींक. A sneeze. नाया० २; १६; भग० १२, १;

खुकखु. पुं० (खुक्खु) होइता घोड़ने “ खुक्खु ” शब्द थाय छे ते. दौड़ते हुए घोड़े का खुक्खु शब्द. A sound which is produced when a horse is running. भग० १० ३;

खुज्जा. पुं० (कुब्ज) देता हाथ पय भरतक अने आँवा-डाक लक्षणयुक्त प्रमाणोपेत होय अने पैट छाती पीठ वगैरे लक्षण हीन होय ते संस्थाननुं नामः छ संज्ञाभानुं आशुं संज्ञा. जिसके हाथ, पाँव, मिर और घावा-गर्दन लक्षणयुक्त प्रमाणानुसार हो और पैट, छाती पीठ आदि लक्षणहीन हो ऐसे संस्थानका नामः छ संज्ञाओंमें से चौथा संज्ञा. Name of a bodily structure in which hands, feet, the head and the neck are in proportion while, stomach, the back, the breast etc. are disproportionate; the 4th of the 6 bodily structures.

अणुजो० ११८; ठा० ६, १; पञ्ज० १; सम० प० २२७; (२) त्रि० दुष्प्रा. कुब्जः कुबडा. (one) hump-backed. मु० च० २, ३६४; परह० १, १; ओष० नि० भा० ८२; पि० नि० ४७५; पंचा० १८, १७; प्रव० ५६३; ८०२; (३) न० ०१ प्रकृतिना उदयशी दुष्प्रा-पातुं प्राप्ति थाय ते नामकर्मनी ऐक प्रकृति. जिय प्रकृति के उदय से कुबडापना प्राप्त हो उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma Karma by the rise of which one becomes hump-backed. क० गं० १, ४०;

खुज्जकरणी. स्त्री० (कुब्जकरणी) रूपवती साध्वी उपदेशादिमोक्ष न पावे ते साध्वी उदय अनापयाने अर्था उपर राखसाना अर्थाः आ वस्त्रेन अला नीय पीठ उपर ऐक पट्टा थी आंधी राख्युं ते, रूपवती साधवा पर कांड मोक्ष न हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत करने के वास्ते कंधे के वस्त्र को पीठ से नीचे पैट पर एक पट्टे से बांध रखना. Wrapping of a shoulder garment round the breast and the back on the part of a female ascetic in order that nobody should be tempted by her beauty ओष० नि० भा० ३२०; प्रव० ५४६;

खुज्जत्त. न० (कुब्जत्व) दुष्प्रा पातुं. कुबडापन. The state of being hump-backed. आया० १, २, ३, ७८;

खुज्जा. स्त्री० (कब्जा) दुष्प्रा दासी. कुबडा दासी. A hump-backed female; a maid. ओष० ३३; दसा० १; १; नाया० १; ८; अंत० ३, ८; जे० प० भग० ६, ३३; विवा० ६; (२) दुष्प्रादेश नी दासी. कुब्ज देश की दासी. a maid of the country named Kubjā. निर्मा० ६;

२५; विवा० ६; निर० १७१; (३)
शुक्रवानुं पात्र (शुक्रदानं) धारण करनेवाली
दासी, शुक्रने का पात्र (पाकदाना) उठाने
वाली दासी, a female attendant
who holds a spittle-pot. विशेष०
१८, १, १; विवा० ६;

खुजिया. स्त्री० (कुट्टिजा) श्राव रोगभोगि
अथ रोगः शुक्रपातुं, मोलह रोगों में का
एक रोगः कुवडापन. One of the 16
diseases: crookedness. आया० १,
६; १, १०२;

खुडश्चय. त्रि० (चुल्लक) नदानं; अथुः दलद्रुं,
छोटा; लघुः हलका. Trifling; small.
ज० प० वव० १०, १८;

खुडाग. त्रि० (चुल्लक) नदाना-नी-ना,
छोटा-टा. Small. निर्मा० ४, ७१; अंत०
८, ३; श्राव० १३; भग० १३, ४; ३१, १;
नाया० ७;

खुडिय त्रि० (चुल्लक) ननुया "खुडश्च"
शब्द. देखो "खुडश्च" शब्द. Vide "खुडश्च"
वव० ६, ४१; १०, १८;

खुड्, धा० I (खुड्) तोड़ना, तोड़ना. To
break.

खुड्गान्. भग० १७, १;

खुड्गान्. सं० कृ० १५, १;

खुड्. त्रि० (लुट्) नदानो छोटा. Small.
गच्छा० १०६; —भव पुं० (भव)
दुःखभयः नदानोभव निर्मादिया अथवा २५६
आवतिष्ठानो अथ ७८. लुट् भवः लुट् भवः
निर्मादिया जीव का २५६ आवतिका का एक
भव. a small period of life; a
period of life of hell-beings
lasting for 256 Āvalikās (a
measure of time) क० गं० ५, ३८;

खुड् पुं० (जोड्) भदिरा. दारू. Wine. ज०
प० २, ३६; —आहार त्रि० (-आहार)

भदिराधान करने. दारू पीने वाला. &
drunkard. ज० प० २, ३६;

खुड्खुड्ग. त्रि० (लुट् लुट्) नदानाभिं
नदानोः अथुः नदानो. छोटे में छोटा; बहुत
छोटा. Smallest. राय० १३५;

खुड्ग. त्रि० (चुल्लक) नदानोः अथुः छोटा;
लघु. Small; short. निर्मा० १८, ६;
भग० १३, ४; —भव. पुं० (-भव)
नदानाभिं नदानो २५६ आवतिष्ठानो अथ
७८ लुट् में लुट् २५६ आवतिका का एक
भव. the shortest period of life
lasting for 256 Āvalikās. भग०
८, ६; जीवा० ८;

खुड्गतर त्रि० (लुट्गतर) अतिशय अथुः अति-
शय लघु-थोडा. Shorter; smaller.
ज० प० ४, ७५;

खुड्गय. त्रि० (लुट्गय) दलद्रुं; थोडा. हलका;
लुट्गय थोडा. Short; trifling. त्रि० नि०
भा० ४४; विशेष० ३१३; ज० प० प्रव० १२८;
कप० ६, २०;

खुड्गलय. पुं० (लुट्गलय) थोडा लुट्गलायं
ग्रामः नदानुं ग्राम. थोडा बस्ती वाला ग्रामः
छोटा ग्राम. A small village. श्राव०
नि० ६१;

खुड्गुलिश्च. त्रि० (चुल्लक) नदानुं; नदानो.
नाजुक; छोटा. Delicate; small. श्राव०
नि० २१७;

खुड्गुश्च. त्रि० (चुल्लक) ननुया "खुडश्च"
शब्द. देखो "खुडश्च" शब्द. Vide
"खुडश्च" आया० २, १, ४, २४; श्राव०
४२; नाया० ७;

खुड्गखुड्गिय. त्रि० (लुट् लुट्) नदानाभिं नदानो
छोटे में छोटा. Smallest; shortest.
ज० प० ४, ८८;

खुड्गाम. त्रि० (चुल्लक) नदानो नी-नुं. छोटा-
टा-टे. Small; short. पञ्च० १८; नाया०

७; भग० ३१, १; ओव० १६; —**जुम्म**. न० (—**युम्म**) चार आठ चार विगेरे नदानी राशिना जेउतां. चार, आठ, बारह आदि छोटी राशि के जोड़े. a pair of small figures. भग० ३१, १; —**भव**. पुं० (—**भव**) क्षुब्ध अव; २५६ आवसिकता प्रमाण निगोदने अंक अव. जुद्र अव; २५६ आवालिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Āvalikās. क० प० १, ७८; —**भवगगहण**. न० (—**भवग्रहण**) २५६ आवसिकता निगोदने अंक अव करेवे ते. २५६ आवालिका का निगोद का एक भव करना. a period of hell life equal to 256 Āvalikās. भग० ८, ६;

खुडिआ. स्त्री० (**जुलिका**) नदानी साध्वी आधा. छोटी आधा-साध्वी. A child-female ascetic. गच्छा० १०७;

खुडिय. त्रि० (**जुल्लक**) जुआ: “ खुडिय ” शब्द. देखो “ खुडिय ” शब्द. Vide “ खुडिय ” भग० ७, ८; मूय० १, ३, २, ३; सम० ३७; जीवा० ३, १; ४; आया० २, १, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३, ४, १; भग० १३, ४; निर्मा० १४, ३;

खुडियामायपीडमा. स्त्री० (**जुद्रिकामोक-प्रतिमा**) मात्राना अभिग्रहण चार पट्टिमा भोनी पड़ेली. आहार की मात्रा की अभिग्रहण चार प्रतिमाओं में से पहिली प्रतिमा. The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food. ठा० ४, १,

खुडियावमाणपविभक्ति. स्त्री० (**जुद्रिका-विमानप्रविभक्ति**) ये नामनुं अंक काविक

सूत्र. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālika scripture. नंदा० ४३; वव० १०, २६;

खुणिय. त्रि० (**जुणित—जुण**) भूमिउपर भु देसु. भूमि पर कूटा हुआ. Trampled; pounded. भग० ६, ३३;

खुत्त. त्रि० (*) भुली गयेस; दुष्टी गयेस. लित; डबा हुआ; निमग्न Plunged. सु० च० ३, १८१, ओष० नि० २३;

✓**खुद्**. घा० I. (**जुद्र**) अध्ययसायादि उपक्रम करेणोथी विनाश करेवे; आयुष्य दुष्ट करेवे. अध्ययसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना; आयुष्य कम करना. To shorten the life period.

खुद्ग. हे० क० उत्त० ३२, २०;

खुद्. त्रि० (**जुद्र**) दुष्ट; नीच. Wicked. (२) दलदल; तुच्छ. हलका; थोडा. trifling; mean. (३) लघु; न्हावुं. छोटा; लघु. small; short उत्त० ३४,

२१; ठा० ६; पण० १, १; कण० ५, १२८; प्रव० ६१६; पंचा० ३, ४८; ७, ४; दमा० ५, ४; राय० २०७; नाया० ६९ —**कहा**.

स्त्री० (—**कथा**) दुष्ट-दुष्टकथा; काम कथा. दुष्ट-दुष्ट कथा; काम कथा. a bad story; a talk about sinful actions.

प्रव० ६६६, —**पाण** पुं० (—**प्राण**) लघु प्र. ली-विशेषेन्द्रिय अने समुच्छिन्नभान्तिय. जुद्र प्राणा-विकलोदय और समुच्छिन्नमतिर्यच. very very small insects. ठा० ४, ४;

—**मिग**. पुं० (—**मृग**) दुष्टमनुष्यी मृग. दुष्ट मनुष्य रूपा मृग. a wicked deer. पंचा० ३, ४८; —**सत्त**. पुं० (—**सत्व**) क्षुद्र प्राणी. जुद्र प्राणा. an insignifi-

* जुआ: पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ciant creature. पंचा० १४, २६;

खुदग. त्रि० (**क्षुद्रक**) लुप्तो “ **खुद** ” शब्द.

देखो “ **खुद** ” शब्द. Vido “ **खुद** ”

सूय० २, ५, ६;

खुदाअ. त्रि० (**क्षुद्रक**) लुप्तो “ **खुद** ”

शब्द. देखो “ **खुद** ” शब्द. Vido “ **खुद** ”

जीवा० ३, १;

खुद्रिमा. स्त्री० (**क्षुद्रिमा**) क्षुद्रिमा नामन्ती गांधार
ग्रामन्ती ग्रीष्म मूर्च्छना. क्षुद्रिमा नाम की
गांधार ग्राम की दूसरी मूर्च्छना. The
second note named Ksudrimā
of the musical scale named
(Gāndhāra). टा० ७, १;

खुधिय. त्रि० (**क्षुधित**) लुप्तो. भूखा.

Hungry. सूय० १, ३, १. ७;

✓ **खुत्प.** धा० I. (**मस्तु**) लुप्तो नष्ट;

दृष्टो नष्ट. मग्न रहना; लीप्त रहना. To
be immersed; to be drowned.

खुत्पते० अघ० नि० २३;

खुत्पिवासा. स्त्री० (**क्षुत्पिवासा**) लुप्त अने

नरस. भूख और प्यास. Hunger and

thirst. नाया० १३; - **परिगमय.** त्रि०

(**-परिगत**) लुप्त अने नरसथी घेरायेत.

भूख और प्यास में घासित. overpowered

by hunger and thirst.

दस० ६, २, ८;

✓ **खुब्ध.** धा० I. (**क्षुब्ध**) अत्रमग्न; गम

रात; क्षोभ पाभयो. गबराना; क्षोभित होना;

हकावका होजाना. To be agitated.

खुब्ध. भग० ३, ३;

खुब्धभाण्ड. वि० भग० ६, ५;

खुब्धमाण. क० वा० कण० ३, ६३;

✓ **खुब्ध.** धा० II. (**क्षुब्ध**) गबराना; क्षोभ

पाभयो. घबराना; क्षुब्ध होना. To be

agitated or disturbed.

खोभेइ. प्रे० नाया० ३;

खोभेति. प्रे० नाया० ४;

खोभेइउ. प्रे० हे० कृ० उत्त० ३२, १६;

खोभितए. प्रे० हे० कृ० नाया० ६, ६;

खोभंत. प्रे० व० कृ० भग० ३, २;

खुमिय. त्रि० (***क्षुब्ध**) क्षोभ पाभेय; प्रता-

यमान थयेत. क्षोभित; क्षुब्ध; डिगा हुआ.

Agitated. भग० ६, ८; — **जल.** न०

(**-जल**) क्षोभ पाभेयु पाणी क्षुब्ध पानी.

agitated water. भग० ६, ८;

खुम्मिय. त्रि० (***क्षुम्भित**) नभेयु; क्षोभयानी

पेइ इली गयेयु. कच्छप की तरह मुका हुआ;

नमा हुआ. Bent like a tortoise;

sloping. “ **खुम्मिय मंचुल्लिय धवलवलय** ”

नाया० १;

खुर. पुं० (**खुर-खुरासन**) उत्तर भरतमानो

भुरासान देश उत्तर भारत का खुरासान देश.

Name of Khurasāna country

in Uttara Bharata. जं० प०

खुर. पुं० (**खुर**) पगनी अरी; गाय भेस, घोडा,

गधेय पगेरे वगैरानारा पशुने पगना

आंगणाने पगनी इकाणु गे नभ गेयु होय

छे ते. खुर; गाय, भेस, घोडे, गधे आदि

वागालने वाले पशु के पांव की अंगुलियों के

स्थान पर जो नाखून जैसा होता है वह.

A hoof. भग० ५, २; १२, ७; सूय० २,

३, १६; जं० प० पि० नि० ३३१; पत्र० १;

नाया० ३;

खुर. पुं० (**खुर**) अस्तरी; स्रष्टा. उत्तरा.

A razor. भग० ६, ३३; सूय० १, ५, १,

८; १, १५, १४; अणुजो० १३४; नाया० १;

२; उत्त० १६, ६३; पगह० १, १; २, ५;

— **धार.** त्रि० (**-धार-खुरस्य इव धारा य-**

स्य) स्रष्टायाना गेयी धारयायु. उत्तरे जैसी

धार वाला. having an edge like

the edge of a razor. भग० ५, ७;

नाया० ८; ६; उवा० २, ६५; (२) स्त्री०

अस्तरानी धार. उस्तर की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुण्ड) क्षुर-अस्त्राथी मुंडेय. उस्तर से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, ३५; ६, ५७; प्रव० १००७;

खुरदुग. त्रि० (-खुरद्विक) गाय भैंस वगैरेनी आभडीभां उत्पन्न यत्ता छीट वगैरे. गाय भैंस आदि की चमड़ा में उत्पन्न होने वाले कीड़े आदि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals. सूय० २, ३, २६;

खुरपत्त. न० (-क्षुरपत्र) छुरी. कुरा; उस्तरा. A dagger; a razor. ठा० ४, ४; (२) छरपयो. कुरा. a dagger. विवा० ६; (३) छरी जेवा पंदेरा पातुं. कुरा के समान पत्ते वाला. a tree having leaves like a dagger. जवा० ३, १; (४) अस्तरानी धार. उस्तर की धार. the edge of a razor. नाया० १६;

खुरप्प. पुं० (क्षुरप्र) अस्तरौ; छरपयो. उस्तरा; कुरा. A razor; a large knife. (२) दातरडुं दांथरा. a sickle. सूय० २, ३, ६६; जं० प० प्रव० १११६; पञ्च० २; —संटाण-संठिय त्रि० (-संस्थानसंस्थित) सक्षया आधारे (रहित). उस्तर के आकार का (रहा हुआ). razor-shaped. दसा० ६, १;

खुरमुंडअ. पुं० (क्षुरमुण्डक क्षुरेणमुण्डयतीति) हुग्नमत करनेहार; नाची. हजामत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा० ६, २;

खुरि त्रि० (क्षुरिन्—क्षुरिन् क्षुरोऽस्यातीति) पुरी सायुं ग्ननवर. खर वाले प्राणी. A hoop-ed animal. अणुजो० १३१; ओव० ३;

खुल्ल. पुं० न० (-क्षुद्र) जे छन्दियवाला श्व; नाना शंभरा. दो इंद्रिय वाले जाँव: छोंटे शंख आदि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पञ्च० १; जीवा० १;

खुल्लय. पुं० न० (*) छोटी. कांडी. A shell. नाया० १८;

खुव. पुं० (खुवप) नानो छोटयो. छोटा फाड़. A small plant. “ लया वा वल्ली वा खाणुं वा खुवेवा ” नाया० १;

❖ **खुवग.** पुं० (*) जाम्बो. पस; थोबा. The cavity formed by joining the palms together. वव० २, २७;

खुद. पुं० (*) अक्षुशकार. अक्षुश के आकार का. Goad shaped. राय० ६१; (२) अक्षुशकार आकाश प्रदेशनी श्रेणी. आकाश का अक्षुशकार भ्रंश. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग० ३८, १;

खुहा. स्त्री० (क्षुधा) दुंधा; लुभ. क्षुधा; भूख. Hunger. प्रव० ६६२; जावा० ३, १; जावा० ३, १; नाया० १; २; ओव० ३६; दस० ८, २७; भग० २, १; ७, ८; —सह. त्रि० (-सह क्षुधां महनेतन्) लुभते सहन करनेहार. भूख का सहने वाला. (one) enduring hunger. भग० १२, १;

खुहिय. त्रि० (क्षुभित) क्षोभयामेय; दास क्षोभयथेय. लुब्ध; हाल बेहाल. Agitated; distracted. महा० प० ७६; ओघ० नि० ७;

खुहिय. त्रि० (क्षुधित) लुभय; लुभक्षित. भूखा; बुभुक्षित. Hungry; starving. पगह० २, १;

खेध-य. पुं० (खेद) भेद. श्रम. खेद; श्रम.

Exhaustion. श्रव० ३१; सू० च० ३, १८३;
(२) कर्मभेदे भेद करायनार संयम. कर्म को
खेद करने वाला संयम. self restraint
which exhausts the Karmas.

उत्त० १६, १६;

खेजल्लग. न० (खाद्यक) आच्छादित; आच्छा.

खाज. A crisp thin cake. निर० ३, ६;

खेड. पुं० (खेड) ग्राम इरतां भेदीटी अने
शेडेर इरतां नदीनी वसतिनुं स्थान जेते इरतो
धुंते गढ होय ते भेड. ग्राम का अपेक्षा बडा
ग्राम शहर का अपेक्षा छोटा बस्ती; जिसके
चारों ओर धूल का गढ हो वह खेडा. A
town surrounded by a wall.

उत्त० ३०, १६; ठा० २, ४; भग० १, १;

३, ७; ७, ५; अणुजो० १३५; पगह० १, ३;

आया० १, ७; ६, २२२; नाया० ८: १८;

वेय० १, ८; श्रव० ३२; जावा० ३, ३; विवा०

१; सूय० २, २, १३; वश० २४; २५;

खेडग. पुं० (खेडक) तलवारनी धा छत्रपाने
अद्वैतधियास; दास. तलवार का घाव फलन
का हाथियार; दाल. A shield; a defen-
sive armour to protect oneself
from the stroke of a sword.
पगह० १, १; ६;

खेडग. न० () भेदयु. डलना. Tilling.

सू० च० १२, ४२;

खेडय. पुं० (खेडक) दाक्षिणी नाली पट्टी.

लकडी का छोटा पट्टा. A small strip of
wood. जं० प०

खेडु. न० (* क्रीडा) भेद; ६४ इशामांती अंक.

खल; ६४ कला में का एक. Play; one
of the 64 lores. श्रव० ४०; जं० प०

खेडु. ब्रा० (खेला) क्रीडा; शोषाट गच्छपा
वगेरे रमत. क्रीडा; रमत; चोपड गंजाफा
आदी. Play viz. playing of cards
etc. गच्छपा ८२;

खेणवाण. पुं० (खवाण) आशयवाण; शस्त्र
विशेष. व्योम वाण; शस्त्र विशेष. A kind
of weapon. जावा० ३: ३;

खेत्त. न० (क्षेत्र) आशय; जेभां एवादि
पदार्थ निवास करीशे ते. आकाश जिसमें
जावादि पदार्थ निवास कर सके हैं वह. The
space of the universe where
living beings live. विश० ४०४:
१४०६; २०८८ ३३४३; दसा० ४, ५८;
नाया० १८; सू० प० १; अणुजो० ६०;
१३२; भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १६;
जं० प० ७, १३३; ७, १४८; (२) देश.
देश. a country. वेय० १, ४९; (३)

वृत्त; स्थान. जगह; स्थान. a place. पञ्च०
१, भग० १, १; (४) उधाटी-जुझी नदीन
धन्यताभेद; गरास. खुली जमीन;
धान्य का खेत. an open plot of ground.

प्रव० २५३; ७२८; पं० चा० १, १७; १५,
२०; सूय० २, १, ३५; श्रव० जं० प० (५)
राहुनुं नाम राहु का नाम. name of
Rāhu. सू० प० १६; (६) पञ्चव्याना
त्रिंश पञ्चाध्यायीसमां द्वारनुं नाम पञ्चव्याना
के तीसरे पद के २५वे द्वार का नाम. name
of the 24th chapter of the 3rd
section of Pannavapā Sūtra.
पञ्च० ३: —अइकान्त. त्रि० (-अतिक्रान्त)
देवनी भयादा उत्सर्घीने त्रि० आपेक्ष. क्षेत्र
की सीमा लांघकर ले आया हुआ. (some-

thing) that is brought having transgressed the limit of space.

“ खत्ताह क्ते पाण भोयणे ” भग० ७, १;

—अर्थय. त्रि० (-अतीत) क्षेत्रनी भर्थादा
विश्वधी गयेव. क्षेत्रकी सीमा लांघा हुआ.

(one) who has transgressed the limit of space. प्रव० ३७;

—अणुपुन्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वा) क्षेत्र
विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. क्षेत्र विषयकी

अनुक्रमणिका-अनुपूर्वी. serial order of
regions. अणुजा० ७१; —अभिग्रह.

पुं० (-अभिग्रह) ग्रामभा के आदर अमुक
जग्या भवे तोन् लेयुं ऐवी रीते क्षेत्र आश्री

नियम धारणे ते. ग्राम में या बाहर अमुक
स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा क्षेत्र सम्बन्ध

का नियम धारण करना. a kind of vow
to accept food etc. only when

it is got at a certain place in a
city or outside it. श्रव० —अभि-

ग्रहचरिया. स्त्री० (-अभिग्रहचर्या)
क्षेत्र आश्री अभिग्रह धारण करीने जायरी

करती ते. क्षेत्र का अभिग्रह धारण कर गोचर
करना. begging of food only

when it is got at a desired
place. भग० २५, ७; —आदेस. पुं०

(-आदेश) क्षेत्रनी अपेक्षा. क्षेत्र का अपेक्षा.
relatiing to a place. भग० ५, ८; १४,

४; —एजणा. स्त्री० (-एजना) क्षेत्रनी
अपेक्षाये डम्पयुं ते. क्षेत्रकी अपेक्षा में कांपना.

trembling in relation to a cer-
tain place. भग० १७, ३; —ओगाह.

त्रि० (-अवगाह) क्षेत्रने अवगाही
रहेव. क्षेत्र का अवगाह कर रहा हुआ.

occupying space. भग० ६, १०;

—ओगाहणा. स्त्री० (-अवगाहना) क्षेत्र-
आश्री अवगाहना. क्षेत्र सम्बन्धी अवगाहना.

length and breadth in relation
to a place or space. ठा० ४, १;

—तुल्य. त्रि० (-तुल्यक) क्षेत्र आश्री
तुल्य; क्षेत्र जेयुं. क्षेत्र तुल्य; क्षेत्र जैसा.

resembling a place or space.
भग० १४, ७; —परस. पुं० (-प्रदेश)

क्षेत्र आकाश प्रदेश. क्षेत्र-आकाश प्रदेश.
the firmament. प्रव० १०४०; —पर-

माणु. पुं० (-परमाणु) क्षेत्र आश्री पर-
माणु; आकाश प्रदेशने अवगाही रहेव

पुद्गल परमाणु. क्षेत्रकी अपेक्षा परमाणु;
आकाश प्रदेश की अवगाहना करनेवाले पुद्गल

परमाणु. the molecules of matter
occupying space. भग० २, ५;

—पलिय. न० (-पल्य) क्षेत्रपल्य; क्षेत्र-
आश्री पल्योपम; पल्योपमते अक प्रकार.

क्षेत्रपल्य; क्षेत्रकी अपेक्षा पल्योपम; पल्यो-
पम का एक भेद. a measure of time

in relation to a place. प्रव० १०३२;
—लौय. पुं० (-लोक —क्षेत्रमेवलोकः)

क्षेत्ररूप लोक; लोकालोक. क्षेत्र रूप लोक;
लोकालोक. the space in the form of

the world भग० ११, १०; —वन्थु. न०
(-वास्तु) क्षेत्र खुली जमीन अने वास्तु-

धर-लोक जमीन. क्षेत्र खुली हुई जमीन
और वास्तु घर-ढका हुई जमीन. the open

plot and the covered plot
(with a house etc.) प्रव० २७६;

—वासि. त्रि० (-वर्षिन्) अंतरमां वरस-
नार. खेत में वरसने वाला. (rain)

falling in a field. ठा० ४, ६;
—विवागा. स्त्री० (-विषाकी) क्षेत्रविषाक,

इर्भप्रकृत. क्षेत्र विषाकी कर्म प्रकृत. a
variety of Karmic nature.

which maturds at a certain
place. क० गं० ५, १६; —बुद्धि. स्त्री०

(—वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिणाममा
विभेदं ते. क्षेत्रकी वृद्धि: बढता. extension
of space. पंचा० १, २०: —संज्ञांग.
पुं० (—संयोग) क्षेत्रनी संयोग. क्षेत्र का संयोग.
joining of two regions. अगुजो०
१३१: —संसार. पुं० (—संसार) आदिशत
परिमित मृत्यु: क्षेत्रस्य संसार-लोका. चांदह
राज, परामित क्षेत्र: क्षेत्र रूप संसार-लोक.
the world consisting of 14 Raja-
loka: the world having many
divisions. डा० ४, १;

खेत्तश्रा. अ० (क्षेत्रतम्) क्षेत्रशी. क्षेत्र मे.
From a Ksetra. प्रव० ७७५: भग०
२, १, २०; ५, ८, ८, २:

खेत्ति. त्रि० (क्षेत्रिन्) क्षेत्रवासी. क्षेत्र वाला.
(One) possessed of Ksetra
विशे० १६६२:

खेद. पुं० (खेद) पीडा. अंतः पीडा: खेद.
Affliction; trouble. भग० १४, १:

खेम. पुं० (जेम) इत्याज्युः उपद्रवतो अभाव
कल्याण; उपद्रव का अभाव. Welfare;
absence of trouble. भग० २, १,
उत्त० ६, २८: १०, ३६: २१, ६: आब०
दम० ७, ५१: ६, ४, २३: जावा० ३, ४:
दमा० ४, ८: नाया० २: ५: पञ्च० २: भक्त०
३६: —रूप. त्रि० (रूप) इत्याज्युः
उपद्रवरहित कल्याणकारि: उपद्रव रहित
beneficial; happy; free from
trouble. डा० ४, २.

खेमश्र. पुं० (जेमक) अन्तगडसूत्रना अंश
पर्यन्त पांचिमा अध्यायतन्त्रं नाम अंतगड
सूत्र के छठे वर्ग के पांचवें अध्याय का नाम.
Name of the 5th chapter of
the 6th section of Antagada
Sūtra. अंत० ६, ५: (२) कांडी
नगरिनी शैलेवरी अंश गाथापति. ६ अंश

भदावीर पासं दीक्षा ग्रह माण वर्पनी
प्रवज्या पाणी विपुत्रपर्वत उपर संथारो
करी सिद्धि भेगवी. काकंदी नगरा के रहने
वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी
के पास दीक्षा ले सोलह वर्षका प्रवज्या पाल
विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्ध गति प्राप्त
की. a merchant of the Kākandi
city who was initiated by Ma-
hāvira. He practised asceti-
cism for sixteen years gave up
food and drink for ever and ob-
tained final bliss on the Vipula
mountain अंत० ६, ५:

खेमंकर. त्रि० (जेमङ्कर-जेम करोतानि) जेम
इशत (देक्षा) इत्येतद्. जेम कुशल (रक्षा)
करने वाला. A protector. मय०
२, ६, ४: आब० (२) पुं० अ नाम्ना अस्त-
मा भदाश्रद. इस नाम का अटमठवां महाग्रह.
name of the 68th great con-
stellation. म० प० २०: डा० २, ३:
(३) पांचिमा इत्येतन्त्रं नाम. पांचवें कुल-
कर का नाम. name of the 5th
Kulagara. जे० प० (४) अत्यादिपमा
अश्वत्थ क्षेत्रमा थनार आद्या इत्येतद्. जंबू-
द्वीप में अश्वत्थ क्षेत्र में होने वाले चौथे कुल-
कर. the fourth would-be Kula-
gara of Airavata country in
Jambudvīpa सम० प० २४०:

खेमंधर. पुं० (जेमंधर-जेम धारयति अन्यकृतम्
यः) अत्यादिपमा अश्वत्थ मयमा थनार
पांचिमा इत्येतद्. जंबूद्वीप के अश्वत्थ क्षेत्र में
होने वाले पांचवें कुलकर. Name of the
5th would-be Kulagara of Airā-
vata country in Jambudvīpa.
सम० प० २४०; जे० प० (२) अद्या इत्य-
इत्येत नाम. छठे कुलकर का नाम. name

of the 6th Kulakara. (३) उप-
द्रव हूर इतार. उपद्रव नष्ट करने वाले.
one who removes troubles. ओव०

खेमकर. त्रि० (खेमकर) सुखकारी. सुखकारी.
Beneficial: giving happiness.
पगह० २, १;

खेमपुरा. स्त्री० (खेमपुरी) सुकच्छ विजयनी
मुख्य नगरी; राजधानी. सुकच्छ विजय की
मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the
chief capital of Sukachchha
Vijaya. जं० प० टा० २, ३;

खेमा. स्त्री० (खेमा) इन्द्र विजयनी
राजधानी मुख्य राजधानी. कच्छ विजय के
कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The
chief capital of the king Kach-
chha of Kachchha Vijaya. टा०
२, ३; जं० प०

खेयगण. त्रि० (खेदज्ञ-खेदः श्रमः संसार
पर्यटनजनितः तं जानान्ति) संसारना
भदने दुःखने जानुनार. संसार के खेद दुःख
का ज्ञाता. (One) having know-
ledge of the miseries of the
world. आया० १, १, ४, ३२;

खेयज्ञ. त्रि० (खेदज्ञ) जुआ ' खेयगण '
शब्द. देखो ' खेयगण ' शब्द. Vide
' खेयगण ' सूय० १, ६, ३; ओष० नि० ६४७;
आया० १, २, ५. वनः १, ७, ३, २०७;

खेयर. त्रि० (खेचर) आकाश गामी. पक्षी.
आकाश विहारी; पक्षी. A bird. (२) पुं०
विद्याधर. विद्याधर. a kind of deity.
मु० च० १, २६१;

✓ **खेल.** धा० I. (क्रीड्) मस्त इरती. क्रीडा
करना. To play.

खेलज्ज. विधि० ओष० नि० भा० ६८; उत०
८, १८;

* **खेल.** त्रि० (खेलक-नट) पंशात्रे भेद इर-

नार; नट विशेष. बांस पर खेलने वाला; नट.
An actor: one who performs
acrobatic feats on a rope or
a bamboo. निर० ६, २२;

खेल. पुं० (खेम्भन्) नाक तथा भुजभांशी
श्लेष्मणु इक्षु नीक्षणे ते. नाक और मुँह से
चिकना कफ निकलता है वह; कफ. The
phlegm that comes out of the
the mouth and the nose. कप० ५,
११६; ६, ५६; प्रव० ४३६; गच्छा० ६६; ओव०
१, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ६, ३३;
१२, ७; २०, २; नाया० १; ५; दय० ८,
१८; तेंदु० वेंय० १, १६; आया० २, १,
१६, २६; पक्ष० १; उत० १४, १६; गम० ५;
ओव० — **आसव.** पुं० (—आश्रव) इक्षु
अक्षर नीक्षणु. कफ का बाहर निकलना.
coming out of phlegm. भग० ३,
३; नाया० १; वः दया० १०, ६; — **आ-**

सहि. त्रि० (—आषा) ऐह प्रक्षरती
वर्ष्म-शक्ति; युंक्षी दर्शनुं दर्श भरी मन
ऐली मननी शक्ति. एक प्रकार की लब्धि-
शक्ति; धृक् से रोग निवृत्तय ऐसी शक्ति. a
kind of attainment or spiritual
power; a certain kind of power
which cures diseases by the
application of saliva only. विशेष०
७७६; ओव० १६; पगह० २, १; प्रव०
१५०६; — **पडिअ.** त्रि० (—पांत) अत-
आसां पंडित. सर्दी से त्रस्त. troubled
with cold. गच्छा० ६६; — **संचाल.**
पुं० (—संचाल) अतआनुं संवर्ण थनुं.
कफ का संचार होना. affected with
cough. अ.व० १, ५;

खेलावगधाई. स्त्री० (क्रीडाधात्री) आसक्षने
रसाक्षानुं कस इरनार धाव माता. बालक
को रमाने का काम करने वाली धाय माता.

खोतोद. पुं० (खोदोद) क्षोदोद नामनो समुद्र
खोदोद नाम का समुद्र. Name of an
ocean सू० प० १६;

खोदोदग. न० (खोदोदक) शेरीना रस जेनुं
पाणी. सांठे के रस जैसा पानी. Water
resembling the juice of sugar-
cane. पञ्च० १;

खोद. न० (खोद) भय. मधुः शहद. Honey.
भग० ७, ६; —आहार. त्रि० (—आहार)
भयना आहार्यो. शहद का आहार वाला
(one) who eats Honey. भग०
७, ६;

खोभ पुं० (खोभ) भयः क्षोभ. भयः डर.
Fear; agitation. विश० १४०६;

खोभण न० (खोभन) विवर्धताः आधुनता.
आकुलता; घबराहट. Agitation; dis-
traction. पि० नि० ५८५;

खोभिय. त्रि० (खोभन) स्थान्ती यत्र वेधः
क्षोभ पमोद. स्थान में चालनः खोभन.
Agitated; distracted. राय० १०८;

खोम. न० (खोम) सुतराडि कपडुं. सूत का
कपडा; सूता कपडा. A cotton cloth
जोवा० ३, ३; सू० प० २०; राय० १६२;
निर्मा० ७, ११; उवा० १, २८: ५, १०३;

—**जुयल.** न० (जुगल) सुतराडि पत्रनी
जेड. सूती वस्त्र का जोड़ा. A pair of
pieces of cotton cloth. भग० ११,

११; —**दुग्गुल.** न० (दुग्गुल) सुतराडि, तथा
अतसी (रेशम) नुं पत्र. सूती तथा रेशमी
वस्त्र. half silken cloth. नाया० १;

खोमिय. न० (खोमिक) शयु तथा सुतराडि

पत्र. सन या सूत का कपडा. A cloth
made of cotton or jute. प्रव०
८६७; आघ० नि० ७२४; आया० २, ५,
१, १४१; १४५; भग० ११, ११; डा० ३,
३; (२) रेशमी पत्र. रेशमी वस्त्र. silken
cloth. पि० नि० भा० ४६;

खोय. पुं० (खोय) शेरी ईखः सांठा. A
sugar cane. पञ्च० १५; राय० १३३;
(२) सातवां द्वीप अने सातवां समुद्रनुं
नाम. सातवें द्वीप और सातवें समुद्र का नाम.
name of the 7th continent and
the 7th ocean. अणुजो० १०३;
—**रस.** पुं० (—रस) शेरीना रस. इख
रस the juice of sugar cane.
सम० प० २३२; जावा० ३, ३; मूय० २,
१, १६;

खोरय. न० (—) गैरक वस्तु जोग वासण.
एक जाति का गोल बरतन. A kind of
round shaped pot. जावा० ३;

खोल. पुं० (खोल) जोगः तत्र पयरेनो दुग्गो.
खलः तल्ला वगैरह का फोक. Oil-cakes
etc. आया० २, १, ८, ६६; (२) शुभ-
चरः नयुस. गुप्तचर; जासूस. a spy.
पि० नि० १२७;

***खोसिय** त्रि० (*) जुनुं करी नायेनुं.
जोरा; पुराना कर के डाला हुआ (Old;
discarded as being old. पि० नि०
३२१;

खोह. पुं० (खोभ) भयः क्षोभ. भयः डरः
खोभ. Fear; agitation of the
mind. सू० च० १५, १८६;

ग.

गङ्. स्त्री० (गति) गति; यात्रा; गमन; धर्मास्तिक्यायुं भोजनक्षायुः। गतिः; चालः; गमनः; धर्मास्तिकाय का खास लक्षण. (Gait; motion; the result; the fulcrum of motion. क० गं० २, २३; ५, ६१; कण० १, ५; भग० ३, २; ४, १०; ७, १०; १६, ८; नाया० १; १५; सम० १; उत्त० २८, ८; दस० ६, २, १५; सू० प० १; विशेष० ५४७; सू० च० ५, ६; (२) अष्ट भवार्थी श्री श्री न भवम ऽव्युत्ते, अमृतममं ऽव्युत्ते. एष भव मे दसरे भव मे जाता; अन्य गति मे जाता passing from one birth to another birth. आश० २, ३, ३, ११६; ज० प० पञ्च० १६; (३) निस्तारि क्षयार्थे अथ दृश्यते क्षयार्थेय निस्तारि करने वाला; आश्रय दान; शरण के योग्य; a benefactor; a patron. आश० कण० २, १४; (४) मूर्ति ऽव्युत्ते ऽव्युत्ते गति अथ अथवा पथ नरक, निर्दम मनुष्य अथ देवता, पशु पक्षी भक्ष-गति) मरकर जहाँ जाया होता है वे चार या पांच गतिः नरक, तिर्यक, मनुष्य और देवगति (पांचवां मोक्षगति), the four or five states of passing from one birth to another birth viz. that of hell, beasts, human beings and gods, the 5th is that of Mokṣa (salvation). पञ्च० १३; २३; उत्त० ३४, ७; अमृजो० १२०; दस० ४, १४; ६, ३, १४; १०, १, २१; भग० १, ८; ६, ३; प्रश्न० ४; १२३६; कण० ५, ११६; क० प० २, १३; ४, ६; (५) हितादित आदि जान हितादित बोधक जान. बहु जान जिनमे हित और अहित का बोध हो.

the power of discrimination. उत्त० २०, १; (६) नामधर्मती अष्ट प्रकृति ऽवेना उदयशी उद्य नरक आदि गतिमां अथ छे. नामधर्मका एक प्रकृति कि जिनके द्वारा जीव नरक आदि गतियों मे जाता है. a variety of Nāmadharma the maturity of which leads a soul to hell. क० गं० १, २५; ३३; ४३; (७) पञ्चपञ्च अथ श्रीन पदना श्रीन ऽव्युत्ते नम ऽवेना नरक आदि गतिआशी उद्योत्तु अक्षयपदना ऽव्युत्ते. पञ्चवणा-प्रजापना मृत्तक नायरे पद के दसरे भाग का नाम कि जिन मे नरकादि गतियों के सम्बन्ध मे जाये का अक्षयपदना न्यूनार्थक्य कहा है name of the second section of the third Pada (chapter) of Panchaṇḍa dealing with the duration of life in hell. पञ्च० ३; ---कलत्ताग वि० (कलत्ताग) ऽव्युत्ते अथ विवर्गित प मः २ संगलरूपकलत्तागमय ऊया गति के प्राप्त करने वाला leading to welfare in the form of attaining to the condition of a god or heavenly being. "अगुत्तरेववाह्यामं गङ्कलत्तागमं दिङ्कलत्तागमं " कण० ८; ज० प० २, ३१; सम० १०००—तम वि० (तम) गति आशी तमः तेडि ड य तथा अथ दाय. गति का आश्रय करके तमः तेजस्काय और वाय काय the living beings of fire and wind in relation to the state of their existence. क० गं० ३, १४, ४, २२; ---तुल्ल वि० (तुल्ल) तेजस्काय गति अथवा अमर गति के तुल्य समान according to one's

own state of existence. क० प० ६, ३०; —नाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी नरकादिक गति प्राप्त थाय ते नाम कर्मनी ओक प्रकृति. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम० ४२; —पडिद्वा. ख० (-प्रतिघात) शुभगतिनो प्रतिघात अटकायन. शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. टा० २, १; —परिणाम. पुं० (-पीर-णाम) गतिनुं परिणाम-स्वभाव. गति का परिणाम-स्वभाव. the nature of duration of life. भग० ७, १; —पुवाय. पुं० (-प्रवाद) जेमां गतिनुं विवरण छे अथा ओक अध्ययननुं नाम. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग० ८, ७; —विज्ञाण. न० (-विज्ञान) गतिनुं ज्ञापणुं. गति का ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा० २, २५; —विचम. पुं० (-विभ्रम) गति-आवृत्ती शोभा. गति-चाल का शोभा. the beauty of the gait, motion or existence. गच्छा० १२१; —विसय. पुं० (-विषय) गतिनो विषय; गति शक्ति. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. “ असुरकुमाराणं देवाणं अहे गङ्ग विसये सिग्धे ” भग० ३, २; भग० २०, ६; —समावन्नग. त्रि० (-समापन्नक) वाटे चलेता छय; ओक अवपूरोदरी जीव अवमां गतिमां जेतो छय. जन्म मृत्युरूप प्रवाद में

बहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं० प० ७, १४०; टा० २, २;

गङ्गमंत. त्रि० (गतिमल) गतिभान्, गतिवालो. गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Mov- i g; going. विशेष० ३१५७;

गंत. पुं० (गङ्ग) मध्याह्ने नदी उत्तरतां पंगे हंडी अने माथे गरभीनो अनुभव थाय छे माटे ओक सभये जे उपयोग होला शके ओम स्थापना करतार गंग नामनो पांथनो निन्दव. गङ्ग नामक पांचवां निन्दव-मतप्रवर्तक, जिये एक ही समय में दो क्रियाओं का ज्ञानभान हुआ था अर्थात् गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल का शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा ‘ एक काल में अनक अनुभव हो सकतें हैं ’ इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था. The fifth of the propound- ers, named Gaṅga, who pro- pounded the false theory of the knowledge of two actions simul- taneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशेष० २३०१; टा० ७, १;

गङ्गदत्त. पुं० (गङ्गदत्त) जे नामनो ओक भाजुस के जेनुं रागनेशीध पतन थयुं. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ. A man of that name who got a spiritual fall on account of passion. भक्त० १३७; (२) गङ्गदत्त-नवमा वासुदेवना तीज्ज पूर्व अवतुं नाम. नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम. the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३६; (३) छट्टा अत्रदेव-वासुदेवना पूर्वभवना धर्माचार्यं छट्टे बलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३६; हस्तिनापुरेना रह्यसासी अत्र गाथापति हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति. a merchant-prince of Hastināpur. भग० १६, ५; —देव. पुं० (—देव) अनामने सातामा देवलोकेना अत्र महासामानिक देवता. सातवें देवलोक के एक महामानिक देवता का नाम. name of a Mahāsāmānika, deity of the 7th Devaloka (heavenly abode). भग० १६, ५;

गंगदत्ता. स्त्री० (गङ्गदत्ता) गंगदत्ता नामे अत्र स्त्री. इस नाम का एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ७;

गंगप्रपात. पुं० (गङ्गाप्रपात) हिमवत पर्यन्त उपरथी नीचगती गंगा नदीना दरेका ज्यों पड़े छे ते दुंस. वह कुण्ड जिसमें हिमवत पर्वत से निकली हुई गंगा नदी का प्रवाह गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls. ठा० २, ३;

गंगा. स्त्री० (गङ्गा) गंगानदी-यूक्तहिमवत पर्यन्त उपरथी नीचणी वेताद्वयमां यदा वयज्य समुद्रमां पूर्व तरङ्ग भगती भरत क्षेत्रनी अत्र भेदाती नदी. गङ्गा हिमालय पर्वत से निकल वेताद्वय पर्वत के बाँचों बाँच होकर लवण समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी. A large river of Bharata-Kṣetra flow-

ing to the east into Lavaṇa ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitāṭhya. सम० १४; नाया० १; ४; ८; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ६, ३३; १५, १; आ० १०; जं० प० ५, १२०; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जा० ३, ४; मृ० प० २०; अणुजा० १३४; कण्व० ३, ३२; —आवर्तणकुड. पुं० (—आवर्तनकुट) यूक्त हिमवत पर्यन्तना पद्मद्रव्यी ५०० ज्येष्ठन पूर्व तरङ्ग गंगार्वर्त नामे अत्र शिपर छे के ज्यों गंगा नदीनु आवर्तन थाय छे. हिमालय पर्वत के पद्म नामक द्रव से पूर्व का ओर ५०० योजन का दूरी पर गंगार्वर्त नामक एक शिखर है, कि जहाँ गंगा नदी का आवर्तन होता है. name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn. जं० प०—कुण्ड. पुं० (—कुण्ड) कुण्ड विजयनी गंगानदीना दुंस; चित्रकूट अथवा पर्यन्तनी पश्चिमे ऋषभकूट पर्यन्तनी पूर्व नीचवन्त पर्यन्तने दक्षिण छोड़े उत्तरार्ध कुण्ड विजयमाने गंगा नदीना दुंस. कच्छविजय की गंगा नदी का कुण्ड; चित्रकूट बखारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नालवन्त पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्ध कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कुण्ड. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nilavanta mountain, in the east of Rishabhakūṭa mountain, and in the west of Chitrakūṭa Vakhā-

रा mountain. जं० प० — कूड. पुं०
(—कूट) यूद्ध हिमवत पर्वत उपरता ११ कूटमां-
जु पांचभु कूट-शिखर. चुल्ल हिमवान् पर्वत के
११ कूटों में से पांचवां कूट शिखर. the 5th
of the eleven summits of Chula
Himavanta mount. जं० प०—कूल.
न० (—कूल) गंगा नदीना किनारे डाँडा.
गंगानदी का तार. a bank of the river
(Ganges. भग० ११.६;—दीव. पुं०) (—द्वीप)
गंगा प्रपात द्वुडनी चम्ये रंइय द्वीप. गंगा
प्रपात कुंड के बाच में आया हुआ एक द्वाप.
an island in the lake (Ganga-
prapāta. जं० प०—प्रमाण. पुं०) (—प्रमाण)
गंगा नदीनु प्रमाण गंगानदीका प्रमाण the
extent of the Ganges. भग० १५.१;
—पुलिण्वालुया खी० (पुलिनखलुका)
गंगानदीना दंडाना वेनु रेती. गंगाके तार का
बालु-रेती. the sand of the banks
of the river (Ganges. भग० १५.११;
—पचाय. पुं० (—प्रपात) यूद्ध हिमवत
पर्वत उपरथी पयता गंगानदीना दरेय. चुल्ल
हिमवत पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगा-
नदी का प्रपात-झरना. the fall of the
Gangā river from the Chula
Himvanta mountain. जं० प० डा०
२. ३; —पचायदह पुं० (—प्रपातहृद)
जोभा गंगानदीना दरेय पयत उपरथी पंडछे ते
दह. गंगा प्रपातहृद जिसमें पर्वत पर से गंगा
नदी का धारा गिरता है. the lake into
which the Gangā river falls
from the mountain. डा० २. ३;
—महानई. खी० (महानदी) गंगा नामनी
भोटी नदी. गंगा नाम की महानदी. the
large river named (Ganges.
नाया० १६; —महानई. खी० (—महानदी)
जुआ “गंगामहाणई” शब्द. देखो “गंगा

महाणई” शब्द. vide “गंगामहाणई”
निर० ३. ३;—वालु ग्रा-या. खी० (—वालुका)
गंगानदीनी रेती. गंगा नदी की रेती. the
sands of the river Ganges. भग०
१५. १; अणुजो० १४३;

गंगासयसहस्स. न० (गङ्गाशतसहस्र) गेशा-
खाना मतानुसार गंगा ऐक डाव प्रमाण,
तेनी ऐक लाख गंज्या. गंगाला के मतानु-
सार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी
एक लाख संख्या. According to Go-
sālā, a division of time called
(Gangā also a lac of such
divisions. भग० १५. १; —सलिल.
न० (—सलिल) गंगानदीनु पाणी. गंगा
नदी का जल: गंगाजल. water of the
(Ganges. नाया० ८;

गंगाउल. पुं० (गङ्गाकुल) गंगानदीने डाँडे
रेतेन रेतापता ऐक अवन गंगानदी के तार
पर रहने वाले तपस्वी का एक जाति. A
class of ascetics residing on
the bank of the river Ganges.
निर० ३. ३;

गंगादेवी. खी० (गङ्गादेवी) गंगानदी की
अविष्ट श्री देवी. गंगानदी का अविष्टात्री देवी.
The persiding goddess of the
river (Ganges. जं० प० ३. ६४;—भवण.
न० (भवन) गंगानदीनु भवन. गंगादेवी
का भवन. the palace of the god-
dess (Gangā. जं० प० ३. ६४;

गंगावत्त. पुं० (गङ्गावत) ऐ नभनी ऐक
दह. दम नाम का एक हृद. Name of a
lake. कप० ३. ४३;

गंगेय. पुं० (गङ्गेय) पार्श्वनाथना संत.नीया
ऐ नभना ऐक भुति के गेले मधुवीर
आभिते नरक आदिता आगाना प्रमो
पुण्या छे गे गंगीयाना गंगा नदीके

ओद्ग्राभाय छे. इस नामका पार्थनाथ का वंशज एक मुनि जिमने महावीरस्वामी से नरक आदि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे और जो गङ्गेयभांगा नामसे प्रसिद्ध हैं. An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvira Svāmi these questions are known as Gāṅgeya-bhāṅgā. भग० ६, ३०; (२) गङ्गाता पुत्र-भाष्म पितामह. गंगा का पुत्र-भाष्म पितामह. Phismapitāmaha, the son of Gaṅgā. नाया० १६;

गंज. पुं० (गङ्गा) जाँते; गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा. A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower. पगढ़० २, ५; भग० २२, ४; पञ्च० १. — **साला** स्त्री० (शाला) जाँतली दृक्ष. गांजी का दृक्ष. a shop of hemp-flower. निर्मा० ६, ७;

गंज. धा० I (गंज) गुं वृत्; रचयुं. गुंथना; रचना. To knit; to bind; to tie; to compose

गठइ. निर्मा० १, ५३;

गंजंत. निर्मा० १, ५३;

गंजिजइ. क० वा० विशेष० १३२३;

गंठि. पुं० (- ग्रन्थि) गाँ. ग्रंथि; गांठ. A tie, a knot e. g. that of love and hatred caused by Karma. राय० १६६; जाँवा० ३, ४; मु० च० ११, २२; आष. नि० ६९३; विशेष० ११६४; नाया० ६; भग० १, ६; प्रब० २००; ५०८; पंचा० ३, ३०; (२) कर्म जनित राग द्वेष पशेरेली गाँ. कर्म जनित रागद्वेष आदि की गांठ

knot in the form of passions born of Karma. विशेष० ११८४; — **च्छेदइ.** त्रि० (-च्छेदक) गाँ. छेड़ी आरी इतना गांठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. मृ० २, २, २८; — **छेय.** पुं० (-च्छेद) लुपेता “ गंठिछेदइ ” शब्द देखा “ गंठिछेदइ ” शब्द. vide “ गंठिछेदइ ” नाया० १८; — **भेय.** त्रि० (-भेद) द्व्यन्ती द्वेयणी भेदना; द्व्यन्ती धेवी तोड़ी आरी इतना. रुपया का धेनी काट कर चोरी करने वाला. a cut-purse. उक्त० ६, २८; आब० पगढ़० १, २; वि० ३; भग० १, १;

गंठिआ. स्त्री० (ग्रन्थिका) भेदभेदी राग द्वेष रूप गाँ. मोह कर्मों की राग द्वेष रूप गांठ. The knot of infatuation or fascination with worldly things; the knot of delusion. भग० ४, १;

गंठिग. त्रि० (ग्रन्थिक) कर्मग्रंथि कर्मली गाँ. सदित. कर्मों की गांठ युक्त. (One) having a knot of Karma; (one) in Karmic bondage. मृ० २, ५, ५;

गंठिम. त्रि० (ग्रन्थिमन) गाँ. दहने गुंथेय गांठ लगाकर गुंथा हुआ. Knitted after tying a knot. शा० ४; भग० ६, ३३; पञ्च० १; नाया० १; (२) गुंथेय पुष्पली माला; गुंथे हुए फूलों का माला a garland knit with flowers. नाया० १७;

गंठिमग. न० (ग्रन्थिमक) अ नामनुं फाभ गुंथेय बनानुं वृक्ष. इस नाम का गुल्म जाति का कोई एक वृक्ष. A kind of flowering plant. पञ्च० १;

गंठिय. त्रि० (ग्रन्थित) गुंथेयुं; गाँ. गुंथा हुआ; गांठा हुआ. Knit; interwoven. निर्मा० १, ५१; — **सन्.** पुं० (-सम्ब)

मेहती निवड गंड यासे अक्षय्य ७७. मोह
की मजबूत गंड वाला अभव्य जंव a soul
incapable of untying Karmic
knots and so of being liberated
उत्त० ३३, १७; क० प० ५, ४;

गंडिल. त्रि० (ग्रन्थिल) गंडियाणुं गंड वाला

Knotty; knotted. श्रौ० प० १०० ७३९;

गंडिल त्रि० (ग्रन्थिमन्) धर्म संपत्ती गंड
वाणुं, कर्म सम्बन्धा गंड वाला. Having
(Karmic) knots. भग० १६, ४;

गंड. पुं० (गण्ड) द्वैपाद; आध. गाल. A
cheek. आध० १, १ २, १००; पञ्च० २;
मू० प० २०; श्रौ० प० ७३६; जं० प०
५, ११५; (२) गंड, गुम्फु, द्वैपाद
रसेली विंगरे. फोटा, कण्डगाव वगैरह.
a boil; an ulcer etc. " जं च अण
सुयादगं सं गंडं " निना० ३, ३४; ६, १३.
उत्त० ८, १८, १०, २७; भग० १, ३, ४.
१०१ २, १, १७; (३) देश गंड: खनन
का एक माधन कंदुक. ग. ball जं० प०
(४) गंड: ११ मा तीर्थंकरनुं शंकर. १० वे
तार्थंकर का लाङ्घन-चिन्ह. a distinction
sign of the 11th Tirthankara.
पञ्च० १; प्रव० १८१; (५) रान: धनु:
धनोदो. स्तन. a breast. वि० नि० ६१६;
—**आदिश्र पुं०** (-आदिश्र) आध: गंडेडां
विंगरे. गाल; कपोल आदिश्र. a cheek etc.
निसा० ६, १२; —**उवहाणिय.** न०
(-उवधानक) आध भयश्रियुं गव तर्किया.
a small round pillow for the
cheeks. राय० १६१;

गंडउवहाणिय. पुं० (गण्डोवधानिक) आध
भयश्रियुं. मिराने लेनका तर्किया. A
pillow; a small round pillow
for the cheeks. जावा० ३, ४; — **तल.**

न० (-तल) आधनी सपाटी; मेहेरानो
मध्यभाग. गाल; मुंह का मांसल प्रदेश.
a cheek; the middle fleshy
part of the face. श्रौ० २२;
—**देम पुं०** (-देश) द्वैपा (आध)
नो भाग. गाल प्रदेश; कपोलों का भाग.
that part which forms a cheek.
नाया० ८; — **यल.** त्रि० (-यल) श्रुति
" गंड तल " शब्द. नेयो " गंड तल "
शब्द. Vide " गंड तल " गु० न० १, ८०;
—**लेहा.** स्त्री० (-लेहा) गड ३५२ द्वैपा
द्वैपादी विंगरे. देश: द्वैपाद पासी कपोलो-
नालो पर कम्बुस वगैरह गुमानधन पदार्थों का
बनाह हई रेखा; एक प्रकार का शृंगार-कपोल
पाला. a kind of decorative
streak or mark of mark or
some other fragrant substance
made on the cheek. ज० प०

गंडाश्र पुं० (गंडाश्र) देशी. मुखिया. A
watchman. (२) देशी घटवार. ज्योडी
घटने वाला. one who announces
or makes a proclamation. श्रौ०
नि० ६४५;

गंडमणिया. स्त्री० (गण्डमाशिका) देश
विशेष प्रसिद्ध भाष. कियो देश का प्रसिद्ध
माप. Current, well known, mea-
sures of weight etc. of any
country; राय० ७७१;

गंडाग. पुं० (गण्डक) देशी: तर्क: नाँल.
नाई: नापित: बाल बनने वाला. A
barber. आध० २, १, २, ११;

गंडि त्रि० (गण्डिन्) द्वैपाद: मेहेरा सोण
देशगाना अत्र देश. गण्डमाल. Boils,
ulcers etc. on the throat; (this
is one of the sixteen great
diseases) (२) ने देशगानो. इस रोग

बाला. (one) suffering from boils, ulcers etc. on the throat.

आया० १, १, १, १३२; पद्य० २, ५;

गंडिआ-या. स्त्री० (गण्डिका) सामान्य अर्थना अधिकार वाली अन्य पद्धति. साधारण अर्थ के अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति. Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter. नंदी० २६; (२) सोनीनी औरलु. सुनार का ऐरण. the anvil of a goldsmith. दम० ७, २८; (३) शेरडीनी गंडरी. गंडरी; गांठे के छुंटे २ टुकड़े. small bits of sugar-cane.

आया० २, ७, २, १६;

गंडियाणुआग. पुं० (गण्डिकानुयोग) दृष्टि-वाद सुत्रान्तर्गत अनुयोगेना अंक विभाज्य छे जेमां अंक सरण्या अर्थना वाक्यनी रचना के प गंडिनी व्याख्या करवासां आया छे अने तेना तीर्थकर गणधर चक्रवर्ती दशार्द पक्षदेव हरिवंश पञ्चदेना अधिकार छे. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक विभाग, जिसमें एक जैम अर्थ वाले वाक्यों का रचनारूप गंडिका का व्याख्या की गई है और उसमें तीर्थकर, गणधर, चक्रवर्ती, दशार्द, बलदेव, हरिवंश आगद का अधिकार है. Name of a division of a section of Dṛṣṭivāda Sūtra: here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given; it treats of Tirthaṅkaras, Gaṇadhara etc. सम० १२; नंदी० ४६;

गंडी. स्त्री० (गण्डी) सोनीनी औरलु भूक पाणुवाक्यानुं दीमयुं जेमां औरलु गोष्ठ्यवासां आवे छे ते वाक्य. सुनार का ऐरण रखनेका एक लकड़ी का ढांचा; जिस में ऐरण मजबूत

हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. आया० २, ४, २, १३८; (२) कमलनी कण्डिका. कमल की कली. a bud of a lotus. उत० ३६; १७६; (३) गंडी पुस्तक; जे पछासासमां अने वनसासमां सरयुं होय ते गण्डि पुस्तक. गण्डी पुस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बराबर हो. a book which is equal in length and breadth. प्रब० ६७१; —पद. त्रि० (-पद) गण्डी-सोनीनी औरलु अथवा कमलनी कण्डिका जेवा पयवासां जनावर; दाही, गेडा, पजेरे. हाथी, गेडा, वगैरह पशु; ऐरण अथवा कमल की कली के समान पांववाला पशु. (an animal) having feet like a goldsmith's anvil; e. g. an elephant, a rhinoceros. भग० १२, १; ठा० ४. ८; सूय० २, ३, २३; —पय. पुं० (-पद) अनुओ ' गंडी-पद ' शब्द. देखो ' गंडी-पद ' शब्द. Vide ' गंडी पद ' उत० ३६, १७६; पक्ष० १; जीवा० १; —पोत्थय. न० (-पुस्तक) अनुओ ' गंडी ' शब्द. देखो ' गंडी ' शब्द. vide ' गंडी ' प्रब० ६७२;

गंडूयल १. पुं० (गण्डूपद-गण्डवः ग्रन्थयस्ताभिरन्वितानि पदानि यम्) ओ छन्दिय वायो छय-जेने गुच्छरीमां जिआछे कहै छे. दो इन्द्रियों वाला एक जीव; केतुआ; गंडोआ आदिक. A sentient being with two sense-organs. पक्ष० १;

गंतव्व. त्रि० (गन्तव्य) जेवा जायक. जाने योग्य. Worth going to; worth approaching. भग० २, १; १८, २; नाया० १; (२) गणयुं; समज्युं. समझना; जानना. to know; to understand. पक्ष० २;

गंतार. त्रि० (गन्तृ) जेनार; आगतार.

चलने वाला; गमन करने वाला. a goer; (one) who goes. सम० ३३; दसा० २, २;

गंतुपञ्चागया. क्री० (गत्वा प्रत्यागता—गत्वा प्रत्यागतं यस्याम्) अेक तरङ्ग गोयरी करतीं छे ७४ श्रीछि तरङ्ग गोयरी करतीं ते. एक ओर गोचरी करतेर अन्त में जाकर दूसरी श्रेणी की ओर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line. ठा० ६, १; दसा० ७, १;

गंतुमण. पुं० (गन्तुमन्) ७४वांती धन्वा वाणा, अर्थात् अमुक सूत्र समर्पणु करे। तो पञ्ची लक्ष्मीने के सांलगिने ७४ उं अेम भोक्षनार अविनीत शिष्य. जाने की इच्छा वाला; अर्थात् अमुक सूत्र अर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जावूँ इस प्रकार बोलने वाला अविनीत शिष्य. A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. ओष० नि० भा० २०६; विशे० १४४६;

गन्तुण. सं० कृ० अ० (गत्वा) ७४धने. जाकर. Having gone. पञ्च० २; सु० च० १, १३५; गच्छा० ११५;

गंध. पुं० (ग्रन्थ-ग्रन्थतेऽनेन अस्मादस्मिन् वा अर्थः) सूयगदांगता १४ भा अध्यायनं नाम. के जेभां ग्रन्थपरिग्रहने त्याग करतार साधु ओ केरी रीते देशना व्यापरी केम भोक्षनुं तेनुं व्याख्यान छे. सूत्रकृतान्न के १४ वें अध्याय का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोलना आदि का व्याख्यान है. Name of the 14th chapter of Sūyagadāṅga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of

books. जं० प० ५, १२२; सूय० १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) कर्मनी अधः कर्मनी गां. कर्मों का बन्ध; कर्मों की गांठ. knot of Karma. आया० १, १, २, १६; (३) ग्रंथः पुस्तक. ग्रन्थः पुस्तक. a book. अणुजो० ४२; राय० १९०; विशे० १३७८; (४) आद्य अने अभ्यन्तर परिग्रह; आद्य धन धान्यादि, अभ्यन्तर कषायादि. बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कषायादि. external and internal possessions, such as wealth corn etc. and attachments to worldly things. आया० १, ३, २, ११५; १, ७, २, २०४; सूय० १, ६, ५; १, १४, १; उक्त० ८, ३; विशे० २५६१; प्रब० ७२७; (५) सूत्रार्थः शास्त्रोक्तो मतस्य. सूत्रों का अर्थः शास्त्रों का मतलब. the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. सूय० १, १, १, ६;

गंधिम. त्रि० (ग्रन्थिम) देराथी गांठीने अनावेध धुतनी भाणा विगरे. दोरे से गांठ कर-गुंथ कर बनाई हुई फूलमाला वंगरह. A garland of flowers etc. knit up with a thread. ओष० ३८; ठा० ४, ४; अणुजो० १०; आया० २, १२, १७१; जीवा० ३, ३; नाया० १३; निसी० १२, २०; भग० ६; ३२;

गंध. पुं० (गन्ध) नासिका (ध्रात्रेद्रिय) ने विषयः सुगंध के दुर्गंध. घ्रात्रेद्रिय का विषय—सुगंध और दुर्गन्ध. Fragrance; smell; e. g. of flower etc. which is the subject of nose. ओष० १०; २२; अणुजो० १६; १०३; १३०; सम० १; ५; राय० २७; निसी० १, ११; इंदी० १३; जं० प० ५, ११४; ११५; ११२;

नाया० १; ८; १२; १६; १७; डा० १, १;
उत्त० २८, १२; ३२, ४८; ३६, २; भग०
१, १; २, ३; ७; ६, १०; ७, ७; ८, १;
२०, २; २५, ४; विशेष० २०६; दमा० ६, ४;
दम० २, २; मृय० १, ९, १३; मू० प०
१७; पञ्च० १; प्रव० ६४७; आब० ४, ७;
क० प० १, २७; कप० ३, ३७; भल०
१२१; क० ग० १, २४; (२) गंध नामनो
द्वीप तथा समुद्र, इस नामका द्वीप और समुद्र,
an island of that name; also an
ocean of that name. त्रिावा० ३४६; दम०
१; (३) आधा दुर्ग आदि दोष; ४ उद्गमना
दोष, आधा कर्म आदि दोष; उद्गमन के छः दोष,
a fault like that of Ādhakarma
etc. any of the six faults of
Udgamana. आया० १, २, १, ८७;

अंग. पुं० (अङ्ग) गंध प्रयत्न वस्तु-
नाम प्रकट के मूल, त्वचा, कण्ठ, निवास,
पत्र, पुष्प इत, मूल वृक्षों वगैरे, त्वचा-
मूलवृक्षप्रभृति, कण्ठ वृक्षाद, निवास-
कण्ठ आदि पत्र-तमात्र आदि, पुष्प-
मूलवृक्ष वगैरे इत-वृक्ष वगैरे गन्ध के
अङ्गः गन्ध प्रदान करने के मान में होतें हैं,
यथा मूल, त्वचा, कण्ठ, निवास-कपूर, पत्र,
पुष्प, और फल, the seven varieties
of fragrant things viz. roots
bark, wood, exudation etc.
leaves, flowers and fruits.
त्रिावा० ३, २; — **आदिश.** पुं० (आदिश)
गंधशील अपेक्षा, गन्ध का अन्तः, relat-
ing to fragrance. पञ्च० १;
— **आरुहण.** न० (आरोहण) सुग-
न्धवृद्धि के लिये सुगंध को बढ़ाना,
increasing the fragrance of a
substance. नाया० २; — **उदश्च-य.**
न० (उदक) सुगन्धियाली, सुगन्धि-

युक्त मिश्रित पानी, सुगन्धित जल; सुगन्ध वाले
पदार्थों में मिश्रित जल, scented water.
आब० प्रव० ४४४; कप० ४, ४८;
भग० ६, ३३; १२, १; नाया० १; ज० प०
५, ११४. — **उदग.** न० (--उदक) सुगन्धि
“ गन्धोदश्च ” शब्द, देखा “ गन्धोदश्च ”
शब्द, vide “ गन्धोदश्च ” भग० ७, ६;
नाया० १; १६; पंचा० २, १३; — **उदग-
दाण** न० (उदक दान) सुगन्धी पानी
वर्षाद सुगन्धित जल का वर्षा, a rain of
scented water. पंचा० २, ८३;
— **उदयवृष्टि.** स्त्री० (--उदक वृष्टि)
सुगन्धियालीली वर्षा, सुगन्धित जल का
वृष्टि, a shower of scented rain.
प्रव० ४४४; — **उदधुयाभिगम.** पुं०
(--उदधुताभिगम) सुगन्ध निकलने की-
मत्तवत्, सुगन्ध निकलने में आभिराम मनो-
हर, charming on account of the
irradiation of fragrance. भग०
११, ११; नाया० १, ज० प० ४, ११२;
— **उद्वहण.** न० (उद्वहन) सुगन्धी पदार्-
थों की उद्वहन पीछी करती है सुगन्ध वाले
पदार्थों में उद्वहन करना; सुगन्धित पदार्थों
को मिला कर, कुट्टन कर चूर्ण-उद्वहना
बनाना mixing, pounding etc. of
fragrant substances. नाया० १६; —
उरुसान. पुं० (--उच्छ्रवाम) सुगन्ध या
दुर्गन्धवाले उच्छ्रवास मुन्ध या दुर्गन्धवाला
उच्छ्रवास, fragrant or stinking
breath. भग० ६, ३३; — **करण.** न०
(करण) सुगन्ध करनेवाला; पुष्पादि,
सुगन्ध करने वाला, पुष्प वर्गद, (any-
thing) which imparts fra-
grance; e. g. a flower etc. भग०
१६, ६; — **कासाइय.** त्रि० (--कषा-
यिक) अंग दुर्गन्धानु सुगन्धि करनेवाला.

अंग पूछने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. भग० ६, ३३; आया० २, १५, १७६; नाया० १; २; १६; कप० ४, ६२; राय० १८५; जं० प० ५, १२२; —कासाई. स्त्री० (—काषायी.) ऋ० “गंधकासाइश्च” शब्द. देखो “गंधकासाइश्च” शब्द. vide “गंधकासाइश्च” “गंधकासाईए गायार्ह लूहं” भग० १५, २; —जुत्ति. स्त्री० (—युक्ति) सुगंधि तेज अत्तर विगरे अनावधानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि बनाने की युक्ति-तरकीब. knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc. आ०व० —दृष्ट न० (—दृष्ट) सुगंधि यूर्ण. सुगंध चूर्ण. scented powder. “गन्धदृष्टं उच्चटित्ता” ठा० ३, १; —द्व. त्रि० (—आख्य) सुगंधि भरेत्र. सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंवा० २, १४; ८, २४; —गिःवत्ति. स्त्री० (—निवृत्त) गंधनी निवृत्ति. गन्ध का निवृत्ति-प्रादुर्भाव. rise of fragrance. भग० १६, ८; —गुत्तिसास. पुं० (—निःश्वाम) इमत्रनी गंध गेवे। सुगन्ध निःश्वस. कमल का सुगन्ध के समान मुख का श्वास. fragrant breath. नाया० ८; —दुग न० (—द्विक) सुगंध अने दुर्गंध सुगन्ध और दुर्गन्ध. fragrance and stink. क० गं० २, ३२; —दृष्टाणि. स्त्री० (—प्राणि) गन्धनो गन्धोः गन्ध समूह. सुगन्धका समुदाय-समूह. a collection of perfumes. आ०व० नाया० १; ८; १६; जं० प० ४, ६५०; —नाम. न० (—नामन् गन्धते हतिगन्धः तद्वेनुवात्-नामकर्म) गंध नामे नाम कर्मनी ओ३ प्रकृति के गेता उद्बन्धी अथ गंधवाधुं शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उद्बन्ध से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karma known as Gandhanama. सम० २८; —परिणत. त्रि० (—परिणत) दुर्गंधि रूपे के सुगंध रूपे परिणाम पामेत्र. सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना. change of a substance into fragrance or stench. भग० ८, १; —परिणाम. पुं० (—परिणाम) सुगन्धनुं दुर्गन्ध रूपे यनुं तथा दुर्गन्धनुं सुगन्धी यनुं ते. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. “गंधपरिणामणं भवेत्” पञ्च० १३; ठा० ४, १; भग० ८, १०; —मदवारि. न० (—मदवारि) सुगंधी मदरूपे अन्तु पाणी. सुगन्धित मदरूप में भरता हुआ जल water trickling like scented wine. नाया० १; —वट्टि. स्त्री० (—वर्ति) सुगंधनी वाटः अथर्वना. सुगन्धमय गुटिका. धूरवन्ता; अथर्वन्ता या सुगन्ध मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill. आ०व० २६; राय० २८; भग० ११, ११; जं० प० ५, १२१; (२) इस्तुर्गति गोला. कस्तुरंगका गोला-गोला. a ball of musk. नाया० १; —हन्ति. पुं० (—हस्तिन्) भेदा-न्मन दाधी-गन्ता गण्डस्थलमाथी सुगन्धित मद अरे छे अने गेती गन्धथी गीत दाधीआ नाशी मन्य ते गन्ध हस्ती. गन्ध हस्ती; जिसके गण्डस्थल में से सुगन्धित मद भरता है और जिसकी सुगन्ध में दूसरे हाथी भाग जाते हैं मदीन्मन हाथी. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephants.

श्रीव० राय० २३; नाया० १; कण० २, १५; श्रीव० ६, ११; (२) दृश्यं वामुदेवतो विष्णु नामतो दाधी. कृष्ण वामुदेव का विजय नामक हाथी. an elephant of Kṛṣṇa Vāsudeva named Vijaya. नाया० ५;

गंधश्री. श्र० (गन्धतस्) गन्ध आश्री. गन्ध मे; गन्ध का आश्रयकर. Through, from fragrance. उत्त० ३६, १६; भग० ८: १: १८, १०:

गंधशृ. पुं० (गंधन) गंधन भक्तने श्रुति, दे दे मुदेव मेरु मंत्र प्रयोगशी पाशुं सुरी ले छे. गंधन जानि वा एक मांघ, कि जो मंत्र चल मे अपने विष को वापस ले लेता है. A kind of serpents named Gandhana which sucks the poison back again by the power of spells दम० २, ८; उत्त० २२, ४४:

गंधमंत. त्रि० (गन्धवत) गन्धवाग्. गंध वाला. Smelling; fragrant. भग० २, १: १०; २०, ५;

गंधमादन. पुं० (गन्धमादन) ऋग्वेद " गंध-मायण " श० ८. देखो " गंधमायण " शब्द. Vide " गंधमायण " सम० ५००;

गंधमायण पुं० (गन्धमादन) नीलवन्त पर्व-तनी दक्षिण मेरुनी उत्तरे गंधिजातनी विष्णुनी पूर्वे अने उत्तरे दुर्धमवन्तनी पश्चिमे धेनुना अथने आक्षारे अक्ष पक्षारा पर्वत छे तेनुं नाम. नां वन्त पर्वत के दक्षिण, मेरु पर्वत के उत्तर की ओर गन्धलावन्ता विजयके पूर्व और उत्तर कुहंजय की पश्चिम दिशा मे घांटे के कंधे जैसा बखारा पर्वत. Name of a Vakharā mountain in the shape of a horse's shoulder; it is situated to the south of Nilavanta mount, to the north

of Meru, to the east of Gandhilāvati Vijaya and to the west of Uttara Kuru Kṣetra. ठा० २, ३; पगद० २, २; जं० प० —कूड. पुं० (—कूट) गंधमादन पर्वतना सात दृष्टमानुं श्रीशुं दृष्ट-शिखर. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों मे से दूसरा कूट-शिखर. the second of the seven sum- mits of Gandhamādana mount. जं० प० ४, ६६:

गंधध्व. पुं० (गन्धक) गंध; सुगंध. सुगंधि. Smell; fragrance. सु० च० १, २६५; **गंधवह्निभूय-अ.** त्रि० (गन्धवन्तिभूत) देमा उत्तम सुगंधि देय तेनी गुटिका. जिस मे उत्तम सुगंधि हो ऐसी गुटिका. (A pill) having high fragrance in it. सम० प० २१०; नाया० १: १६; कण० २, ३२; जं० प० ३, ४३:

गंधध्व. पुं० (गन्धर्व) आपतप्रिय व्यन्तर देवनी अक्ष भक्त. गान्त प्रिय व्यन्तर देवों की एक जाति: गन्धर्व. A species of Vyantara gods fond of music. सम० ३४; श्रीव० २४; भग० २, ५: २४, १०; ठा० २, २; उत्त० १, ४८; ३६, २०५; अणुजो० ४२; विवा० २; पञ्च० १; प्रव० १०४४; जांवा० ३, ४. कण० ३, ४४; जं० प० ७, १५२; ३, ४६; (२) अक्ष भक्तनी निधि एक प्रकार की लिपि: गन्धर्व लिपि. a particular kind of script. पञ्च० १: (३) दधुनाथछना यक्षनुं नाम कुंथुनाथ स्वामी के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa of Kunthunāth Swami. प्रव० ३७६; (४) गंधध्व; गान्त धरन्तर. गंधध्व; गायक: गाने वाला a singer. विवा० ६; भग० ७, ६; नाया० १६; (५) अक्ष अक्षराश्रिता त्रीश भुदुर्त

मांतुं २२ भुं मुहुर्त. एक अहोरात्रि के ३० मुहुर्तों में से २२वां मुहुर्त. the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night. जं० प० सम० ३०; सू० प० १०; (६) गंधर्व विद्या: नाटक. गंधर्व विद्या; नाटक. a kind of lore; drama. जवा० ३, ३; नाया० १; १४; —अणिय-अ. पुं० (-अनांक) गन्धर्वेनी सेना-नाटकना ऐश्टरे; (गायन करनेवाला). गंधर्वों की सेना; नाटक के पात्र (गायन करने वाले). a party of Gandharvas or singers and actors. भग० १४, ६; ठा० ७, १; —कण्णा. स्त्री० (-कन्या) गंधर्वेनी पुत्री. गन्धर्व कन्या. a daughter of a Gandharva. नाया० ८; —घरग. पुं० (-गृहक) जेम्हां गीत नृत्य थाय तेनुं घर; नाटक शाखा. नाटक-शाला; जिन में गीत नृत्य हो वह घर. a theatre; a house for singing and dancing. राय० १३७; —देव. पुं० (-देव) गंधर्व देव. गंधर्व देवता. Gandharva celestial being. भग० ८, १; —नगर. पुं० (-नगर) आकाशमां गंधर्व नगरने आकारि थेत वादगने देआव. गन्धर्व नगर के आकार में आकाश में बनता हुआ वादलों का बनाव-दृश्य. an appearance of a Gandharva city in the sky formed by clouds. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —लिपि. स्त्री० (-लिपि) गंधर्व लिपि; अष्ट लिपिमांती ऐक. अष्ट लिपिओं में से एक लिपि; गन्धर्व लिपि. one of the 18 scripts; the Gandharva script. सम० १८; —सोडय. त्रि० (-संस्थित) गंधर्वने आकारि रहेन. गंधर्व के सदृश-आकार में स्थित. beauti-

ful in appearance like a Gandharva. भग० ८, २;

गंधर्वकण्ठ. पुं० (गन्धर्वकण्ठ) ऐक जलतुं रल. एक प्रकार का रल. A kind of gleam. राय० १२१;

गंधर्वमंडलविभक्ति. पुं० न० (गंधर्व-मण्डलविभक्ति) गंधर्वमण्डली विशेष व्यवस्थागुं नाटक विशेष. गंधर्वमण्डल का विशेष रचना युक्त नाटक विशेष. (A drama) with a particular arrangement of the party of actors. राय० ६२;

गंधहारक. त्रि० (गन्धहारक—गान्धारक) कंदहार देशमां रहेनार. कंदहार-गान्धार देश में बसने वाला. A resident of Kandahāra. पसह० ३, १;

गंधहारग. पुं० (गन्धहारक) गन्धहार देशमां निवासी. गान्धार देश निवासी. A resident of the country of Gandhāra. पसह० ३;

गंधार. पुं० (गान्धार) तात्पर्य उडेन वायु इष्टन्यात प मी न आस स्वरूप धरे छेत; सात स्वर भांति श्रीते स्वर. नामा से उठा हुआ वायु कण्ठ प्रदेश को प्राप्त करके जो खाम असाधारण स्वरूप को धारण करता है वह गंधार; सात स्वरों में से तीसरा स्वर. The third of the seven ascending tunes of music; e. g. मा, री, ग etc. अणुजो० १२८; ठा० ७, १; (२) गंधार नामको देश; दातमां जेते क्षयुन क्षेत्र छोले. गंधार नामक देश; हाल में जिन काबुल केधार कहते हैं. the country of Gandhāra or Kandahāra. उत० १८, ४२;

गंधारगाम. पुं० (गन्धारग्राम) नंदी आदि सात भूरेखनालो व्याथयभुत भुति भूमक.

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandi etc. अणुजो० १२८;

गंधारी. क्री० (गान्धारी) अंतशः सूत्रना पांचमा वर्गना त्रीज्ज अध्ययनं नाम. अंत-कृत सूत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagāḍa Sūtra. अंत० ५, ३; (२) कृष्ण वासुदेवनी ऐकं पट्टराणी के जे नेमनाथ प्रभुनी देशना सांलग्नी यक्षिणी आपानी पासो दीक्षा वन ११ अंग लक्ष्मी दीस वरनी प्रवज्या पाणी ऐकं भासना संधारो करी परमपद पाभ्यां. कृष्ण वासुदेव का एक पट्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अङ्गों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रव्रज्या पाल एक मास का संधारा-अनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Kṛṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Neminātha and took Dikṣā from a nun of the Yaksa class. She studied eleven Aṅgas, practised asceticism for twenty years, performed Santhārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss. अंत० ५, ३; ठा० ८, १; (३) नमिनाथशुनी देवीनं नाम. नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha. प्रव० ३७८; (४) ऐ नामनी ऐकं विद्या. इस नाम की एक विद्या-गंधारी विद्या. a science, a branch of knowledge so named.

सूय० २, २, २७;

गंधावह. पुं० (गन्धापातिन्) ऐ नामनेो हरिवर्ष क्षेत्रमानी वाटयो पैताख्य पर्वत. इस नाम का एक बैताख्य पर्वत. Name of a mountain in Hari-varṣa Kṣetra. "गंधावहवासो ग्रहणादेवी" ठा० २, ३; पञ्च० १६; ठा० २, ३; भग० ६, ३१; जीवा० ३, ४;

गंधावाति. पुं० (गन्धापातिन्) रम्यकवास क्षेत्रना मध्यभागमां आवेत्त ऐकं पाटयो पैताख्य पर्वत रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक बैताख्य पर्वत. Name of a mountain in the middle of Rāmyakavāsa Kṣetra. जं० प० जीवा० ३, ४;

गंधि पुं० (गन्धिन) गंधवातुं. गन्ध वाला. Smelling; fragrant. नाया० १;

गंधिय. त्रि० (गन्धित) सुवासितः गंधवातुं. सुवासितः गन्धयुक्त. Smelling; fragrant. श्रव० भग० ११, ११; नाया० १; १६; जं० प० ५, १२३; (२) कदीयातुं गंधीयातुं किराणा. groceries. वव० ६, २१; २४; —शाला. क्री० (-शाला) गंधीयातुं वेचयानी गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने का शाला; इत्र आदि बेचने की दुकान. a place for selling grocery. वव० ६, २१; २४; २५; २६; ३०; (२) इत्रावनी दुद्राव. कलाल का दुकान. a liquor-shop. वव० ६, २१;

गंधिल पुं० (गन्धिल) पश्चिम महाविदेहना उत्तर पाण्डवानी सीतादामुख वन तरङ्गथी ७ भी विजय. पश्चिम महाविदेहके सीतादामुख वन का ओर से ७ वीं विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodāmukha forest, in the north of western Mahāvideha.

(२) એ વિજયનો રાજા. उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. “गंधिलेविजय अवज्झा रायहाणीदेवे वक्खारपव्वए ” जं० पं० ६;

गंधिला. स्त्री० (गन्धिला) अधिवाविजय. गंधिलावती विजय. Gandhila Vijaya.

“ दो गंधिला ” ठा० २, ३;

गंधिलावई स्त्री० (गन्धिलावती) पश्चिम महाविदेहा उत्तर भागज्यानी सीतोदामुख पर्वती अर्थात् पश्चिम महाविदेह के उत्तर खण्ड म के सीतोदामुख बन से आठवीं विजय. The eighth Vijaya from the Sitodāmukha forest in the north of western Mahāvideha “ गंधिलावई विजए अवज्झा रायहाणा ” जं० पं० ठा० २, ३; (२) पुं० गंधिमादन पर्वतना सात कूटमांनु त्रिभुङ्ग-शिखर. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से तीसरा कूट शिखर. the third of the seven summits of Gandhamādana mount. जं० पं०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) तोड़ो नदी ते; सागर पेटी; गंभीर. सागर के समान; गंभीर. Grave; deep sounding; serious. उक्त० २७, १७; ओव० १७; नंदी० स्थ० २८; नाया० १; १६; (२) उद्भु; अभाध; थाग विनाशु. गहरा; अथाह. unfathomable. जं० पं० ५, १, १५; ४, ७४; ठा० ४, ४; ओव० २१; नाया० ४; राय० २५४; (३) गहन; गीयजाडीवाणु. गहन; सघन; बहुत फिस्त्रियों वाला. of dense thicket. नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ५; ११, ११; विशे० ३४०४; पञ्च० २; कण० ३, ३२; (४) प्रकाशरहित; अधारावाणु प्रकाश रहित; अंधकारमय. without light. नाया० १; दस० ५, १, ६६;

—उदधि. पुं० (—उदधि) ठंडा पाणीवाले दरियो. गहरं पानीवाला दर्या-समुद्र. deep sea; sea with deep water. ठा० ४, ४; —आंभसि. त्रि० (—अवभासिन्) गंभीर देखाय आयु. गंभीर प्रतीत होनेवाला. of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४; —पयत्थ. पुं० (—पदार्थ) गहन पदार्थ अर्थ, न जल्दी शक्य ऐसा पदार्थ. गहन-कठिन पदों का अर्थ मतलब, न जाना जासके ऐसा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४; २४; —पोयपट्टण. न० (—पोत-पत्तन) पड़ावना दाढ़वानी जगह. जहाज के ठहरने की जगह, पत्तन; बन्दरगाह. a place where ships are anchored. “ जेथेव गंभीर पोयपट्टणे तेथेव उवा गच्छति ” नाया० ८; १७;

गंभीरमालिणी. स्त्री० (गम्भीरमालिनी) सुवर्णविजयनी पूरं सरस्वती ओझ अनन्तरदी. सुवर्णविजय का पूर्वीय सामा ऊपर का एक अन्तरनदी. A small river on the eastern border of Suvalguvijaya. “ दो गंभीरमालिणी ” ठा० २, ३; जं० पं०

गंभीरविजय. पुं० (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकाश विजय आश्रयः) अभाध अश्रय-अधारावाणु स्थान. गंभीर—अंधकारमय विज—आश्रय—स्थान. A dark place. दस० ६, ५६;

गंभीरा स्त्री० (गम्भीरा) चार इंद्रियों वाला जीव. चार इंद्रियों वाला एक जीव. A living being with four senses. पञ्च० १;

गकारपाविभक्ति. पुं० (गकारपाविभक्ति) नाटकनो अंध प्रकार; उर प्रकारना नाटकमांनु

अेक नाटक का एक भेद; ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय० ६३;

गगण. न० (गगन) आकाश; गगन. आकाश. The sky: “ गगणमिवनिरालंबो ” टा० ६; पि० नि० १७५; श्रव० १७; ३१; नाया० १; भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६; कप्प० २, ३८; — **गण.** पुं० (-गण) गगनरूपी शब्द; समूह. आकाशरूपी समूह. a multitude in the form of the sky; sky appearing like a heap. “ सखिष्व ट्राणं गगणगणं संत ” निमी० २०, २; — **तल.** न० (-तल) आकाश तल. आकाश तल. the surface, vault of the sky. “ गगणतलविमल-विपुल गमण गदच बलचलियमणप्पवण जड्ढण मिग्घवेग्गा ” भग० ६, ३३; जं० प० ५, ११७; सम० प० २१३; नाया० ५: ६; ६; १६; निर० ५, १; — **मंडल.** न० (-मंडल) आकाशमण्डल. आकाशमंडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४५;

गगणवल्लभ. न० (गगनवल्लभ) वैताल्लवर्त-तनी दक्षिण तरङ्गनी विद्याधर श्रृंगीनुं मुख्य नगर वैताल्लवर्त के दक्षिण ओर का विद्याधर श्रृंगी का मुख्य नगर. The principal town of the Vidyadhara Śreṅgi to the South of Vaitā-dhya mountain. जं० प० १, १२;

गगणवल्लह. न० (गगनवल्लभ) जुओ “ गग-णवल्लभ ” शब्द. देखो “ गगणवल्लभ ” शब्द. Vide “ गगणवल्लभ ” जं० प० १, १३;

गग. पुं० (गार्ग्य) गार्ग्यगोत्रमां उत्पन्न थयेस गर्गनामना आचार्य के जे पोताना अविनीत शिष्योथी कंटाणी जहा छेवटे तेमनो त्याग करी ओकाडी समाधिभवमां रक्षा अने आत्म-

श्रय कयुं. गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का आचार्य, जो अपने आवेनीत शिष्यों से तंग आकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला हो समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण को प्राप्त हुआ. An ascetic of the name of Gārgya, born in the Gārgya family. He was disgusted with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by practising meditation in solitude. उच० २७, १; (२) गौतमगोत्रनी ओक शाखा अने तेमां उपजेस पुत्र. गौतम गोत्र की एक शाखा और उसमें उत्पन्न मनुष्य. an offshoot of the Gautama line of descent: a person born in that offshoot. टा० ७, १;

गगय. त्रि० (गद्गद) गद्गद स्वर. गद्गद स्वर-आवाज. A low and inarticulate sound expressing joy or grief. मु० च० ३, ६८;

गगगर. न० (गद्गद) आस ईशानां ओतयुं ते; गद्गदके रुकते हुए गले में बोलना; गद्गद स्वर. Speaking with obstructed breath. भग० ३, २; जं० प० ५;

गङ्गागह. क्वां० (गङ्गागति-गतिश्चागति-अति) गति अने आगति; अनुकूल गमन करयुं ते-गति-प्रतिदूष आवयुं ते आगति. गति और आगति; गमनागमन; गति-अनुकूल गमन, आगति-प्रतिकूल आगमन. (Coming and going; passing and repassing. विशेष० २१५३;

गङ्गागमि. त्रि० (गङ्गागमिन्) गतिवट आव-नार; आतीने आवनार. गति द्वारा आने वाला; चलकर आने वाला One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विश० ३१५४;

✓ गच्छ. धा० I. (गम् गच्छ्) ७५; थावुं. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छह. भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; सू० प० १; सू० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२; ८, ४४; राय० ३८;

गच्छति. नाया० ६; ८; १६; दस० ४, २८; जं० प० ७, १३७;

गच्छ. ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि. नाया० ५; ८; १६; १६; भग० २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प० ५, ११५;

गच्छजामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो. भग० २, १; ५; ३, २; नाया० ५; ८; १३; १८; जं० प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६; सू० २, ७, १६; आ० २७;

गच्छेज. वि० प० ३६;

गच्छेजा. वि० भग० ३, ६; ६, ५; १३; ६; नाया० ६; वव० १, २३; २, २३;

गच्छेजाहि. आ० नाया० ६;

गच्छेजा. वि० दस० ४;

गच्छतु. नाया० १६;

गच्छ. नाया० १, २; ६;

गच्छह. नाया० १; ३; ५; ८; १२; १३, १४; १५; १६;

गच्छह. नाया० ८;

गच्छाहि. भग० ५, ४; नाया० १; ८; जं० प०

गच्छिहिति. भग० २, १; ७, ६; १४, ८; १५, १; १७, १; आ० ४८;

गच्छिहिति. भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

नाया० ४०

गच्छित्ता. सं० कृ० नाया० २; ३;

गच्छित. व० कृ० आ० २०; सू० १, १, १ २७; आ० २, १, ३; उत्त० ५,

१३; पंचा० १२, १८; भग० १४, ३;

गच्छमाण. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२, ६; २५, ६; ७; निर्मा० ८, ११;

गच्छ. पुं० (गुच्छ्) समुदाय; समूह. समुदायः समूह. A group; a multitude e. g. of the followers of

an Āchārya. अणुजो० ६७; (२)

गच्छ; संघ; साधु समुदाय. गण; संघ;

साधु समुदाय. a collection, an assembly of Sādhus “ गच्छंमि

संघसित्तायं ” गच्छा० २; ७५; प्रव० ६२३;

पंचा० १८, ७;—वर त्रि०—(वर) समग्र गच्छ

—समुदायभां श्रेष्ठ. सब संघ गच्छ में श्रेष्ठ.

the best among all groups. गच्छा० ११७;—वास. पुं०—(वास) साधु समुदायभां

रहने के. साधु समुदाय में रहना. resid-

ing amongst Sādhus. प्रव० ५३१;

गच्छागच्छि. अ० (गच्छागच्छि—गच्छेन

गच्छेन भूत्वा) अ० आचार्यनो परिवार ते

गच्छ अने गच्छ गच्छना साधुओं के साथ

ठेठामां जाइयाय ते गच्छागच्छि कहियाय.

एक आचार्य का परिवार शिष्य प्रशिष्य गच्छ

होता है, और कद एक गच्छों के साधु मिल

कर मगदली रूप में हो तो गच्छाधिगच्छ

होता है. A multitude of the followers of one Āchārya or

head of an order of saints as-

sembling together with other similar multitudes. आ० २१;

गजसुमाल पुं० (गजसुक्मार) देवकीयनो

नन्दनो पुत्र; कृष्ण महाराजना नन्दना साथ

के गच्छे कुमारपरमाभां नेमनाथप्रभु पास

दीक्षा लब्ध आरभी बिष्णुपुत्रिमा आदरी
अभिनेता असख परिपद छती डेवदत्तान
भेयन्त्यु, दीक्षा लब्ध अेकद्विषसभां भेक्षे
पहोन्त्या. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण
महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारवस्था
में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु
की वारहवीं प्रतिमा का पालन कर अग्नि का
अमर्य परिषद जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त
हुआ, दीक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष
को प्राप्त हुआ. Name of the younger
son of Devakī, and younger
brother of Lord Kṛṣṇa. He
took Dikṣā from Lord Nema-
nātha in young age, practised
the 12th ascetic vow, bore the
intense pain caused by fire
and attaining perfect know-
ledge became Siddha; (all
this took place in one day).
ठा० ४, १;

✓ गज्ज. भा० I. (गज्ज) गज्जन्त्यु; गज्जन्ता
धरती. गर्जना; गर्जना करना To roar; to
thunder.

गज्जन्ति. नाया० १; भग० ३, २;

गज्जन्ति. राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प०
४, १२१;

गज्जित्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

गज्ज न० (गज्ज) गज्जन्त्यु; कविता के छंद
विधानुं अथवा गज्जन्त्यु; छन्द बिना की
रचना. Prose writing. ठा० ४, ४;
जीवा० ३, ४; राय० १३१;

गज्जफल. न० (गज्जफल) गज्जन्त्यु; गज्जन्त्यु
अरभयन्त्र. फल, लेन; एक प्रकार का रुईदार

गरम वस्त्र. Warm cloth known by
the name of gauze flannel. आया०
२, ५, १, १४५;

गज्जर. न० (गृज्जन) गज्जर. गाजर. A
turnip. प्रव० २३६;

गज्जित्ता. वि० (गज्जित्) गज्जित्ता; गज्जित्ता
धरती. गर्जना करने वाला. Roaring;
thundering. ठा० ४, ४;

गज्जियन्त्र. न० (गज्जित्) गज्जित्ता; गज्जित्ता
गर्जना. Thundering; roaring. जीवा०
३, ३; सु० च० २, २४२; भग० ३, ७;
नाया० १; ८; ६; ठा० १०, १; अणुजो०
१२७; आष० नि० ६४३; जं० प० कण० ३,
३३; ४४; गज्जित्ता० ६५; प्रव० १४६६;

गज्ज. वि० (गज्ज) गज्जित्ता; गज्जित्ता
ग्रहण करने के योग्य. Worthy of
being taken; acceptable- विशे०
८४८;

गड्ढ. पुं० (गर्त) गड्ढा. खड्ग. A pit; a
ditch. भग० ३, २; ७, ३; (२) आ२.
भेड. a she-goat; a ewe. सु० च०
४, १५७;

गड्ढ. पुं० (गर्तक) गड्ढा; गड्ढा. खड्ग. A
pit; a ditch. भग० ६, ३१;

गड्ढ. न० (*) गड्ढा. गाडा. A
cart. सु० च० १२, ५८;

गड्ढा. स्त्री० (गर्त) गड्ढा. गाडा. बड़ा खाई
A large ditch जं० प० दसा० ७, १;
जीवा० ३; निर० ३, ३;

* गड्ढा. स्त्री० (*) गड्ढा. गाडा. A
cart. सु० च० १४, ६६;

गङ्गिद्वय. वि० (गृह) आसक्ति. पामेस.
मूर्च्छित; आसक्त. Infatuated; deeply

attached; greedy. दसा० ६, १;

आया० १, १, २, १६;

गढ. पुं० (*) किल्ला; गढ. किला;

गढ. A castle; a fort. सु० च० १,

३२६; ४, ४०;

गढिय. त्रि० (गृह) गृह; आसक्त. आसक्त.

Very greedy; wistful. भग० ७,

१; पि० नि० २२६; नाया० २; ५; (२)

अत्यन्त. बहुत ज्यादा. too much.

परह० १, २;

गढिय. त्रि० (ग्रन्थित) गुथित; अधेष्ट. बन्धः

हुआ; बद्ध. Tied; knitted. सूय० १,

१, ३, १५; आया० १, ५, ६, १६५;

✓गण. धा० I. (गण) गणना करनी.

गिनती करना. To count.

गणितं. हे० कृ० सु० च० ४, १६२;

गणेशाय. व० कृ० भग० १५, १;

गणजिह्वा. क० वा० अणुजो० १३३;

गण. पुं० (गण) समुदाय; समूह; टोली.

समूह; समुदाय. A crowd; a mul-

titude. भग० १, १; २, ६; ५, ५;

७, ९; ८, ८; १२, २; १६, ५; १८, ७;

उवा० १, ५८; जं० प० सम० ६; नाया०

१; ५; परह० २, ३; नंद० ८; आ० रा०

२५३; उत्त० १५, ६; अणुजो० ५७; प्रव०

५५७; क० गं० १, ३६; कण्ठ० ४, ६२;

(२) गण्युः; गणुना करनी. गिनना;

गिनती करना. reckoning; calculation.

अणुजो० १३३; (३) मत्त आदिना

समुदाय. मत्त-पहलवान आदि का समुदाय.

a party of athletes etc. पि० नि०

४४१; (४) गण्यः; समान क्रियावाली साधुना

समुदाय. गच्छ; समान क्रिया-आचार विचार

वाला साधु समुदाय. an order of

ascetics observing the same

rules of conduct. सम० ८; दसा०

२, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०,

११; निसी० १६, १०; नागा० ८; ओघ०

नि० ६८८; पि० नि० १६३; भग० २५, ७;

(५) चान्द्रादि कुलना समूह; कौटिकादि

गण; संधना अथवा भाग. चांद्रादि कुल

का समूह; कौटिकादि गण; मघ का एक

भाग. a collection of families

like Chāndra etc.; a por-

tion or sub-division of a religi-

ous sect. आ० २०; परह० २, ३;

ठा० ३, ४; —अभिभाग. पुं० (—आभ-

योग) गण-समुदायनी आता. गण-समु-

दाय की आज्ञा; गच्छ का आदेश. com-

mand of a Gana or an order

of saints under one head. भग०

७, ६; प्रव० ६५३; —ठकर. पुं० (—अथ-

कर) गण-समुदाय का काम करनेवाला. गण-

समुदाय का कार्य करनेवाला. (one)

who transacts the business of

the brothers of the same order

of saints. ठा० ४, ३; —गायग. पुं०

(—नायक) गणुना गणसमूहना आगे

पान भाज्य. समुदाय-मनुष्य समूह का

अगुआ. the leader of a multi-

titude. नाया० १; —न्यकर. पुं० (—अथ-

कर) गणुना “ गणठकर ” शब्द. देखो

“ गणठकर ” शब्द. Vide “ गणठकर ”

वव० १०, ४; ५; ६; ६; —धम्म. पुं०

(—धर्म) मत्तानीरस्ताभिन्ने स्थापित साधुना

समुदाय रूप गणुना धर्म-श्रुत आरिथ रूप

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गणतीर्थनो धर्म-अध्वरत महाव्रतादि रूप.
गण-गच्छ का धर्म-आचार; महावीर स्वामी
द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रूप गणका
धर्म-श्रुत चारित्र रूप; गण-तीर्थ का धर्म-
श्रुत महाव्रतादि रूप. the religious
principles of an order of saints
e. g. that established by Ma-
hāvīrasvāmī; religious prin-
ciples of a sect; e. g. minor
vows, great vows etc. ठा०
१०, जं० प० २, ३५; —नायग. पुं०
(-नायक) ऋ० आ “ गणनायग ” शब्द.
देखा “ गणनायग ” शब्द. vide “ ग-
णायग ” अणुजो० १२८; ओव० नाया०
१; गय० २५३; —पड्डिणीय. त्रि०
(-प्रत्यर्नाक) गणनी शत्रु. गण का शत्रु
an enemy of an order of saints.
भग० ६, ३२; —माण. न० (-मान) गणुं
मान प्रमाण. गण का मान; गच्छ का प्रमाण.
the limit of an order of ascetics.
प्रव० ६३३; —राय. पुं० (-राज-समुत्पन्न
प्रयोजने ये गणं कुर्वन्ति ते) समुदाय शत्रु; शत्रु
वशते सैन्ये अङ्गुली इरी शब्दे ते आसन्त. समूह
का कार्य पढ़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा;
गामन्त वर्गरह. a sovereign king
having feudatory princes under
him. भग० ७, ८; —विउत्सग. पुं०
(वृत्तसर्ग) गणु गच्छने परित्याग. गच्छ
का परित्याग. desertion, abandon-
ment of an order of saints. भग०
२५, ७; —वेयावृत्त. पुं० (-वेयावृत्त)
गणुती सेवा, वैयवृत्तता नभो भेद. गण की
सेवा; वेयावृत्त का नौवां भेद. ninth
variety of serviceableness, viz.
service to an order of monks.
वव० १०, ८; १०; भग० २५, ७;

—संग्रहकर. पुं० (-संग्रहकर) समुदाय-
नी आधार अने ज्ञान पञ्चेथी संग्रह करनेवा.
आहार और ज्ञान आदि का संग्रह-संचय
करने वाला. one who preserves or
extends the circle of his sect
by food, knowledge etc. वव०
१०; ४; २, ६; ७; —संग्रहण. पुं०
(-संग्रहण) साधु समुदाय अङ्गुली इरी
ते. साधु समुदाय को एकत्रित करना.
assembling a multitude of
Sādhus or saints. गण० २७;
—संपत्ता खी० (-सम्पत्) गणु गच्छ-
समुदायनी संपत्ता. गच्छ-समुदाय की
सम्पत्ति. the power or authority
of an order of ascetics
regarded as wealth. प्रव० ५५३;
—सामायारी. खी० (-समाचारी) साधुना
समुदायनी समाचारी. साधुओं के समुदाय
की समाचारी. education of an order
of monks in austerities etc. दसा०
४, ७०; —सोभाकर. त्रि० (-शोभाकर)
समुदायने शोभायुक्त. समुदाय को सुशोभित
करने वाला; गच्छ की शोभा बढ़ाने वाला.
one who is an ornament or a
jewel of an order of saints. वव०
१०, ८; ६; —सोधिकर. त्रि० (-शोधि-
कर) गणुती शुद्धि करनेवा; गच्छनी संभाल
देनेवा. गण की शुद्धि करने वाला; गच्छ की
देखरेख करने वाला. one who bestows
care on an order of saints; one
who refines an order of saints.
वव० १०, ८; ५; ६; ७;

गणग. पुं० (गणक) गणु. ज्योतिष शास्त्र
गणुकार; ज्योतिषी. गणक; ज्योतिषी; गणित
विद्या को जाननेवाला. An astrologer.
ओव० नाया० १; कण० ४, ६०;

गणण न० (गणन) गणुं; गणुनी करनी.
गिनती करना; गिनना. Calculation;
reckoning विशेष० ६४०;

गणणा स्त्री० (गणना) गणुनरी, ऐक दस,
सौ षट् आदि क्रमथीगणुया. गणना गिनती;
एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Cal-
culation; counting. अणुजो० १४६;
—**अइरित्त** त्रि० (-आनरित्त) गणना-
संख्याथी जुद्ध. संख्या से अतिरिक्त; गिनती
से बाहिर. beyond calculation; dif-
ferent from calculated amount.
निसी० १६, २५: —**अणुतत्र** पुं० (—अनन्तक)
गणुयानी अपेक्षाये अनन्त; संख्या अथी
अनन्त. गणना का अपेक्षासे अनन्त; संख्या के
लिहाज से अनन्त. incalculable; count-
less; beyond calculation. टा० २,
३; —**अणुपुर्वी** स्त्री० (—अनुपूर्वी)
संख्या विषयक अनुपूर्वी; अनुक्रम. संख्या
विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order;
order of numerical calculation.
अणुजो० ७१;

गणहर पुं० (गणधर) गणुधर; तीर्थहरना
मुખ्य शिष्य. गणधर; तीर्थकर का मुख्य
शिष्य. The principal disciple of
Tirthankara; the Ganadhara.
त्रं० प० २, ३३; नाया० ८; वेय० ४, १५;
भग० ४२, १; विशेष० ५५०; भक्त० १०४;
(२) आचार्यनी आज्ञानुसार साधु
समुदायने लघु महीमण्डलमां वियरनार समर्थ
साधु. आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय
को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला
ममर्थ साधु. the able ascetic who
wanders over the world along
with other ascetics by the
order of the head preceptor.
आया० २, १, १०, ५६; पञ्ज० १६; मम०

८; गत्त० २७; १; नंदी० स्थ० २१;
—**प्रमाण** न० (—प्रमाण) गणुधर-
तीर्थहरना मुख्य शिष्येन प्रमाण. गणधर-
तीर्थकरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the
authority of the chief disciples
of Tirthankara, known as Ga-
nadhara. प्रव० ३३२;

गणावच्छेदय पुं० (गणावच्छेदक) गणना
साधुओंने साथे २. गणी ने महीमण्डलमां
वियरे ते. दूसरे साधुओं को साथ लेकर
भ्रमण मण्डल में विहार करने वाला. One
who wanders over the world
along with other ascetics.
काप० ६, ४६;

गणावच्छेदणी स्त्री० (—गणावच्छेदिनी)
गणुनी साधुओंनी सारसंभाष करनार
साधुनी. गण की साधुओं की देखरेख करने
वाली साधुनी. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order.
वव० ५, ३;

गणावच्छेदय पुं० (गणावच्छेदक) गणना
साधुओंनी सारसंभाष करनार. गण के
साधुओं की देखरेख करने वाला. One
who provides necessary things
to the monks belonging to the
same order आया० २, १, १०, ५६;
वव० १, २६; २७; २८; २६; २, ७; ३,
१५; वेय० ४, १५;

गणावच्छेदयत्ता न० (गणावच्छेदकत्व)
गणावच्छेदकपण्य. गणावच्छेदकता; गण
संचालकत्व. State of being a pro-
vider of necessary things to an
order of saints. वव० ३, १५; वेय०
४, १६;

गणावच्छेदयत्ता स्त्री० (गणावच्छेदकता)

७७) “ गणावच्छेदयत् ” शब्द. देखो “ गणावच्छेदयत् ” शब्द. Vide “ गणावच्छेदयत् ” वच० ३, ७;

गणावच्छेद. पुं० (गणावच्छेदक) साधु समुदायकी पत्र पात्रादि आहारस्थी सार संभाल करनेवाला साधु. साधु समुदाय की वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेख करने वाला साधु. A Sādhu who provides the monks of an order of saints with food, clothes, vessels etc. पञ्च० १६:

गणि. पुं० (गणित-गणः साधुसमुदायोऽस्ति-यस्य) आचार्यः; गुरुः; गुरुणा उपरी. आचार्यः गुरुः गच्छाधिपति. The head of an order of saints: an Āchārya. अगुजो० ४२; टा० ४, ३; आया० २, १, १०, १६; सम० १; दस० ६, १; ६, १५; पि० नि० ३१६; निर्मा० १४, ५; पञ्च० १६ उवा० २, ११६; भक्त० २३; कप्प० ८; पंचा० १२, ४३; प्रब० १६८; १६५; गच्छा० २०, ११२: —**आगमसंपन्न.** न० (—आगमसंपन्न) गणि-आचार्यना शास्त्रेभ्यो दुदात. गण आचार्य के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस० ६, १; —**पिडग.** न० (—पिटक-गणा गच्छाऽस्ति यस्य भ गणी तस्य पिटकम्) जैन प्रवचनः जैन तत्त्वों की अग्रणी; आचार्यनी पेट्टी के जैनी अन्तर शास्त्रीय तत्त्वों के लिये आचार्य द्वारा तै-आचार्यशास्त्रि सूत्र जिन प्रवचन; जैन तत्त्वों का खजाना; आचार्यों की पेट्टी-लिजोरा, जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हैं; आचाराज्ञादि श्रंगमूत्र. the treasury of Jaina canonical scriptures; literally, the box of an Āchārya filled

with scriptures. भग० १६, ६; २०, ८; ४२, १; सम० ५७; संस्था० ८१; श्राव० नि० ७६०; —**पिडग.** न० (—पिटक) ७७) “ गणि-पिडग ” शब्द. देखो “ गणि-पिडग ” शब्द. vide गणि-पिडग ” भग० २५, ३; —**पिडग** न० (—पिटक) ७७) “ गणि-पिडग ” शब्द. देखो “ गणि-पिडग ” शब्द. vide “ गणि-पिडग ” श्राव० १६; —**भाव.** पुं० (—भाव) आचार्यपद; गणि-आचार्यना भाव. आचार्यत्व; आचार्यपना. status of an Āchārya; Āchāryahood. उक्त० २७, १; —**वसभ.** पुं० (—वसभ) गणि-आचार्यना भ्रष्ट. आचार्यो-गुरियो में भ्रष्ट. the chief among the Āchāryas. भक्त० ५२; —**संपया.** स्त्री० (—संपद) आचार्यनी ६४ संपदा. आचार्य की ६४ सम्पदाएं. the 64 acquisitions of an Āchārya. भक्त० २३; दसा० ६, १०६:

गणिअ. त्रि० (गणक) गणितवेत्त; गणितपट. गणितवेत्ता; ज्योतिषी. A mathematician. अगुजो० १४६; जं० प० २, १६; **गणिणी.** स्त्री० (गणिनी) गणनी भेदिका साध्वी; प्रवर्तक साध्वी. गण में बड़ी साध्वी-प्रवर्तिका साध्वी. The principal female ascetic of the order. गच्छा० ११६:

गणित. न० (गणित-गण्यते इति) गणितकला. गणितकला. A numerical script. नाया० १; (२) अक्षरविधि. अक्षरविधि. a particular kind of script. पञ्च० १; —**प्रहाण.** त्रि० (—प्रधान) गणित के प्रधान जेभां ते. गणित प्रधान. an art in which mathematics occupies a prominent part. नाया. १;

गणिता. स्त्री० (गणिता) गणिपक्षुः गण्वा-
आर्यनी पदवी. गणिपद; गणाचार्य की पदवा.
Headship of an order of saints.
ठा० ३, ३; वव० ३, ७;

गणिम. त्रि० (गणय) गणिम; अंक भे त्रय
पगेरे संख्याथी गणाय ते. एक, दो, तीन
आदि संख्या से जो गिना जासके. Capable
of numerical calculation; cap-
able of countable. अणुजो० १३२;
नाया० ८; ६; १५; विवा० २;

गणिय. न० (गणित) गणित कला; हिसाब-
नी कला. गणित कला; हिसाब की कला
Art of mathematics; numeri-
cal calculation. आ० ४०; अणुजो०
१४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १; ८;
पगह० १, ५; ज० प० आ० ५; नि० भा० ५;
(२) गणयुः; संख्या करेयुः. गिना हुआ.
counted वय० ४, २८; नि० ६, २०;
प्रव० १२३३; —पगहाण त्रि० (—प्रधान)
वेभां गणितकला मुख्य छे ते. गणितप्रधान;
जिसमें गणित कला मुख्य है वह; योगति-
शास्त्र का एक अंग. that in which
mathematics is the prominent
factor; a division of astrology.
कप० ७, २१; —लिपि. स्त्री० (—लिपि)
गणितलिपि; १८ लिपिमांती अंक. गणित
लिपि; १८ लिपियों में से एक लिपि one
of the 18 scripts; the script of
numbers. सम० १८;

गणिया-आ. स्त्री० (गणिका) गणिका;
वेश्या. वेश्या; बाजार की औरत. A
harlot; a public woman. भग०
११, ११; नाया० १; ३; ५; १६; विशेष०

६२८; अंत० १, १; निर० ५, १; कप० ५,
१०१; विवा० २; अणुजो० ६६; —सहस्र.
न० (—सहस्र) हजार वेश्याओं. हजार
वेश्याएं. a thousand harlots.
विवा० २;

गणिविज्ञा. स्त्री० (गणि-विद्या) २६ उक्त-
विद सत्रभानुं बीसमें सत्र २६ उत्कालिक
सत्रों में से बीसवां सत्र. The 20th of
the 29 Utkalikā Sūtras,
नंदा० ४३;

गणैस्त्रिया. स्त्री० (*) हाथनी भेरिया;
संन्यासीनां हाथनुं आभरण संन्यासी के
हाथ का एक आभरण. A rosary for
the hand; an ornament in the
case of an ascetic. आ० ३६; भग०
२, १; नाया० १६;

गत त्रि० (गत) गयेत. गया हुआ; पहुंचा
हुआ. Gone. (२) प्राप्त थयेत. प्राप्त.
obtained; acquired. नाया० १;

गति स्त्री० (गति) नरक आदि गतिमां गत्युं
ते नरक आदि गतियों में जाना. Passing
from one state of existence in-
to the state of hell etc. ठा० १.
१; (२) नरक आदि चार गति. नरक
आदि चार गतियां. the four states of
existence viz. hell etc. उक्त० २, १२;
(३) गमन; आ०; गत्युं ते. गमन;
चाल. the act of going. भग० ३, १;
२५, ३; ६; ८; पक्ष० १३; सू० प० १०;
— नामनिहत्ताउ-य. त्रि० पुं० (—नाम-
निधत्तायुष) गतिने अनुसार नामकर्मना
पुद्गलनी साथे आयुषकर्मना अंध. गति के
अनुसार नाम कर्म के पुद्गलों के साथ आयुष

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठोत्तर (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कर्म का बन्ध. Kārmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is. भग० ६, ८; पञ्च० ६;

—**रागति.** क्री० (—आगति) गति अने आगति, ऐक गतिमांथी भीछ गतिमां गुरु अने भीछ गतिमांथी आ गतिमां आवनु ते. गति और आगति-गमनागमन; एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें आना. coming and going back from one state of life into another. भग० ११, १:२१, १:२४, १;

—**लक्षणा.** न० (—लक्षण) गतिरूप धर्मास्तिशायन प्रदायु. गति रूप धर्मास्तिशायन का लक्षण. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion. भग० १३, ८;

—**विषय.** पुं० (विषय) गतिने विषय-गतिनी शक्ति. गति का विषय: चलने की शक्ति. the object of motion; the power of movement. भग० २०, ६;

गत्त. न० (गात्र) शरीर. शरीर; शरीर के अंग. Body; a bodily limb. ओव० २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया० १: २; ६; सु० च० २. ७७: १३, २४; पञ्च० २; कप्प० ४, ६२;

गत्त. पुं० (गर्त) गड्ढा. खड्डा. A pit; a ditch. भग० १४, १; जीवा० ३, ३; नाया० १;

गत्तग. न० (गात्रक) पत्रगादिनी धसु अने उपत्रा. पत्रगादि के इस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bedstead etc. राय० १६१;

गत्ता. क्री० (गर्त्ता) बड़ी-गहरी खाई. A large ditch. जं० ५०

गहनोय. पुं० (गर्दनोय) पांचमां देवलोकनी नीचे पृथ्वीराछ विमानमां रहता लोकान्तिक देवतानी नव गति पैथी ऐक गत. पांचवें देवलोक के नीचे कृष्णराज विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Kṛṣṇarāji heavenly abode under the fifth Deva-loka. “ गहनोय तुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्रापणत्ता ” डा० ७; प्रव० १४६२; सम० ७७; डा० ६; भग० ६, १; नाया० ८;

गहभ. पुं० (गर्दभ) गधेडा. गर्दभ; गधा. An ass; a donkey. पञ्च० १; सूय० १, ३. ४. ४: २, २. ४४; दसा० ६, १२;

गहभालि. पुं० (गर्दभालि) गर्दभाजि नाम-ना साधु: संवति राजने अभ्यन्तरी: संवतिना गुरु. इस नाम का एक साधु: संवति राजा के समकाले वाला: संवति राजा का गुरु. An ascetic named Gardabhali who enlightened king Sanjati. उत्त० १८, १६: (२) संवत्त सन्यासिना गुरु. खंभक संन्यासी का गुरु, the preceptor of Khandhak a Sanyāsi. भग० २, १;

गहह. पुं० (गर्दभ) जुआ “ गहभ ” शब्द देखो “ गहभ ” शब्द. Vide “ गहभ ” सम० ३०; पि० नि० ४४३;

गत्ता. क्री० (गण्या) संख्या; गणना. संख्या; गणना; गिनती. Calculation; reckoning. सु० च० १४, १०३;

गच्छ. पुं० (गर्भ) गर्भाशय; गर्भने रहने का स्थान. जहां शुक्र शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान. The womb. ओव० ४०: ४३;

निर० १, १; दसा० ६, १; नंदी० ३७;
 नाया० १; २; १३; १४; भग० १, ७; ५, ४; २;
 ११, ११; १२, ५; २०, २; पि० नि० ३६२;
 पञ्च० १७; सूय० १, १, १, २२; १५४; आया०
 १, ५, ३; प्रव० २८०; क० प० ४ १६; कण० १, १;
 (२) रेशमना कीज्ये पोतानी लावमांथी
 उत्पन्न करेन रेशमनी कांष्टा. रेशम के कीट
 ने अपनी तार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम
 का कोया. silk thread produced
 by a silkworm. अणुजा० ३७;
 (३) मध्य; पयले भाग. मध्य; बीच
 का हिस्सा. middle part; interior
 राय० ५७; आघ० नि० ६६७; —अजोगा.
 स्त्री० (—अयोग्या) गर्भधारण करने वाली
 स्त्री; पंथ्या. गर्भधारण करने के अयोग्य
 स्त्री; बांफ. a barren woman. प्रव० ५७;
 —आधान. न० (—आधान) गर्भधान
 संस्कार. गर्भधान संस्कार. the cere-
 mony relating to pregnancy. भग० ११, ११; —आहाण. न० (—आधान)
 गर्भधान; गर्भगुं रह्युं ते. गर्भ का रहना;
 गर्भधान. pregnancy. विशेष० २३०;
 —उद्भव. त्रि० (—उद्भव) गर्भशय्या
 उत्पन्न थयेन; गर्भज-निर्गम्य अने मनुष्य
 गर्भ से उत्पन्न; निर्गम्य और मनुष्य. fetus-
 born; i. e. men and animals. विशेष० ५२३; —करा. स्त्री० (—करा) देना
 प्रभावे गर्भ उत्पन्न थाय तेनी विद्या; ४०
 विद्यामांती अष्ट. जिसके प्रभाव से गर्भ रहे
 वह विद्या; ४० विद्याओं में से एक विद्या. a
 science dealing with the
 cure of sterility; one of the 40
 sciences. सूय० २, २, २५; —गत. त्रि०
 (—गत) गर्भगत गर्भमां रह्युं. गर्भगत;
 गर्भ में स्थित. embryonic; in em-
 bryo. विवा० १; भग० १, ७; —घर.

न० (गृह) सौथी घरयेतो ओरडे, अन्दर-
 नी छान. गर्भगृह; राय के बीच का कमरा;
 अन्दर का कोठा. inner room; central
 hall. अणुजा० १४८; (२) भीतर विगरे.
 सहजाना; जमीन के अन्दर बनाया हुआ घर.
 a cave; an interior cavity. जीवा०
 ३, ३; नाया० ८; —घरग. न० (—गृहक)
 अन्दर ओरडे. भीतरका घर. a toilette
 chamber. राय० १३६; नाया० ८;
 —घरय. न० (—गृहक) द्युयेन उत्पत्ति
 शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
 नाया० ८; —द्रम. त्रि० (—अष्टम-गर्भाद-
 षमोवर्षः गर्भाष्टमम्) गर्भस्थी आठवां वर्ष.
 गर्भ से आठवां वर्ष. the 8th year
 from conception. नाया० १; —दृष्ट. स्त्री०
 (—स्थिति) गर्भनी स्थिति. गर्भ की
 स्थिति. condition of embryo. प्रव०
 ५७; १३७३; —द्विष. त्रि० (—स्थित)
 गर्भमां रह्युं. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ.
 remaining in the womb. प्रव० ५७;
 —एष. त्रि० (—एष) गर्भमां रह्युं ते. स्त्री.
 गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the
 interior; in embryo. राय० २८५.
 नाया० १; कण० ४; ६४; —वसति. स्त्री०
 (—वसति) गर्भस्थ निवास; गर्भशय्या
 रह्युं ते गर्भ में रहना. remaining in
 the womb. ठा० ३, ३; गच्छा० ६८.
 —वास. पुं० (—वास) गर्भशय्या निवास;
 आनाता गर्भमां रह्युं ते. गर्भ में निवास
 करना. माता के उदर में रहना. staying,
 residence in the womb of one's
 mother. सूय० २, २, ८१; पञ्च० २; नाया०
 १; प्रव० १३७५; —वृक्कंति. स्त्री० (—व्यु-
 क्तंति) गर्भमां उत्पत्ति; गर्भशय्या
 आवृत्ति ते गर्भ में आना. birth in
 the womb. ठा० २, ३; दसा० ८, १;

—**बुक्तिय.** त्रि० (—स्युक्तिक) गर्भ-
गर्भाशयभांथी गर्भ पामनार, मा आपना
शुक्र शोणितथी उत्पन्न भवतुं. गर्भाशय द्वारा
उत्पन्न होने वाला; माता पिता के शुक्र शोणित
से उत्पन्न होने वाला. born from a
womb; fetus-born. अणुजो० १३४;
उत्त० ६, १६; जीवा० १; भग० ५, ८; ८,
१; ६; सम० १: —**संभूइ.** स्त्री० (—सम्भूति)
गर्भनी उत्पत्ति. गर्भ का उत्पत्ति. produc-
tion of the embryo. प्रब० ५३;
१३७७: —**साइन.** न० (—शानन) गर्भनुं
सायुं— गर्भ पाया विगरे. गर्भ का नाश
करना; गर्भ का छूटना. causing abor-
tion etc. विवा० १: —**हरण.** न०
(—हरण) गर्भनुं दूसरुं ते; एक इच्छायेथी
आगे इच्छाये गर्भने लभ भवतुं ते. गर्भ का
हरण करना; एक स्थान से दूसरे स्थान पर
लेजाना. stealing or transferring
embryo from one womb to an-
other. प्रब० ८६२: —**गम्भना.** स्त्री०
(—गर्भता) गर्भपयुं. गर्भवः गर्भपन.
embryonic condition. विवा १;
नाया० ८; कथ० १, २:

गम्भमुद्देश. पुं० (गर्भोद्देशक) प्रजापना सूत्र-
ना येक उद्देशानुं नाम. प्रजापना सूत्र के एक
उद्देश का नाम. Name of a chapter
of Prajāpata Sūtra. भग० १६, २:

गम्भिआ-या. स्त्री० (गर्भिता) गर्भवती स्त्री.
गर्भवती स्त्री; सगर्भा नारी. A pregnant
woman. दस० ७, ३५; नाया० ७;

गम्भिणी. स्त्री० (गर्भिणी) गर्भवती स्त्री.
गर्भिणी; गर्भवती स्त्री. A pregnant
woman. वि० नि० ५१०:

गम्भिय. त्रि० (गम्भित) गम्भितः पश्ये पीत
सहित. गर्भ वाला; भोंतर पाल वाला.
Hollow. प्रब० ७६; (२) अंदर गर्भ-

वातुं. भोंतर गर्भ वाला. hollow in the
middle. पंचा० ३, २१;

गभीर. पुं० (गभीर) अंतगड सूत्रना पहिला
वर्गना ४ था अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र
के पहिले वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम.
Name of the fourth chapter
of the first section of Anta-
gāḍa Sūtra. (२) अन्धकवृष्णि
सन्तना पुत्र आथा दशरद के नेमनाथ प्रभु
पासे दीक्षा लई आर परस प्रदत्तया पाणी
शत्रुंजय उपर येक भासने संधारे इरी
भाक्ष गया. अन्धकवृष्णि राजा का चौथा
पुत्र—दशार्ह, कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा
लेकर बारह वष तक प्रदत्तया पाल शत्रुंजय
पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को
प्राप्त हुआ. the son of king Andhraka
Vṛṣṇi, the fourth Dāśarha,
who took Dīksā from Lord
Nemanātha, practised asceti-
cism for twelve years, per-
formed Santhārā (gave up
food and drink) for one month
on Śatruñjaya and became
Siddha. अंत० १, ४; (३) उद्गं. गहरा.
deep. राय० ३७; (४) भेदाटुं. बड़ा.
big; large प्रब० ४५३: —**घोस.** त्रि०
(—घोष) भेदा व्यवाजवातुं. बड़ी आवाज
वाला. deep sounding. प्रब० ४५३;

गम. धा० १. (गम्ल) भवतुं; गति उरवी.
जाना; गति करना. To go; to move.

गमइ. आया० २, १, १, ४;

गमिस्सइ. वि० नि० ३१०:

गमिस्संति. भ० भग० ३, १:

गमिस्सामि. भ० नाया० १:

गमिस्सामां. भ० आव० ३८;

गमेऊण. सं० कृ० सु० च० २, ३५;

गमित्तण्. हे० कृ० दसा० ७, १; उत्त० १०,
३८; ओव० ३८; सम० ३, ४; ७,
७; १६, ५; नाया० ८; ६; १२; १६;

गममाण. व० कृ० भग० ८, ७;

गम. पुं० (गम) आधा५३-सूत्रेणा आधावे;
अेक विषयनुं प्रतिपादन करनार वाक्य समूह;
-लुनुं प्रेक्ष्य. आलाप-छोटा प्रकरण; एक
ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों
का समूह; सूत्र पाठ. A supplemen-
tary chapter. नंदी० ४४५; विशेष० ४४८;
जं० प० नाया० १; पिं० नि० ४२१; भग०
३, १०; ६, ६; १६, ३; २४, १; (२)
स्थित; वर्णन; कथन; वर्णन. narration.
पञ्च० १५; (३) गतुं; आगतुं. जाना;
चलना; moving; going पञ्च० २; (४)
प्रकार; जेद. प्रकार; भेद. varieties.
ओघ० नि० २५; विशेष० १४६२; (५)
अर्थ परिच्छेद; अर्थान्ती जुदी जुदी भांगी;
अर्थ का परिच्छेद; अर्थ के अलग २ भाग.
the distinctions of meaning.
सम० प० १६६;

गम-य. पुं० (गमक-गमयतीति) आधावे;
सरभा पाईने वाक्य समूह. एकार्थ वाचक
वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. Text in a
uniform style of composition. राय० २३६;
नाया० १३; भग० १२, ४;
१३, १; २४, १२; १७; ३२, १; नाया० ध०
३; (२) वर्णन; अधिकार. वर्णन; अधिकार.
description. निंसी० १, ४१; ६, १२;
पञ्च० ५; नाया० ध० ६; (४) गमनशील.
गमन शील. having the nature of
going. भग० २५, ३; ४, २६, १;

गमग. पुं० (गमक) जुओ " गमअ "
शब्द. देखो " गमअ " शब्द. Vide
" गमअ " भग० २४, १;

गमगत. न० (गमकत्व.) गतुंवापत्तुं.

सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव.
State of being a proper sub-
ject for information. विशेष० ३१२;

गमण. न० (गमन) आगतुं; गतुं; गति
करनी. गमन; जाना; गति करना. Motion;
going; movement. भग० २, १; ५,
४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५. ७;
ओव० २१; उत्त० २६, ६; आया० १, ७,
५, २१२; सम० प० १६८; नाया० १; १५;
१६; १७; पिं० नि० ८३; १६०; २०६;
सु० च० ३, २३३; विशेष० २४६२; वेय० १,
३६; ४५; राय० ४४; पंचा० १, १६; ४३;
भक्त० ८०; प्रव० १५६६; कप्प० ३, ४३;
उवा० २, ८६; —आगमण. न० (—आ-
गमन) गतुं आगतुं. जाना आना. pass-
ing and repassing; coming and
going. प्रव० १३४; आवा० ४, ३; भग०
२, ५; नाया० १६; निंसी० ११, २०; दस०
५, १, ८६; —गुण. पुं० (—गुण-गमनं
गतिः तद्गुणः) गतिरूप गुणधर्मरित-भावतुं
लक्ष्य. गतिरूप गुण; धर्मास्तिकाय का लक्षण.
the characteristic mark of Dha-
rmāstikāyā viz. motion. भग० २;
१०; —मण. त्रि० (-मनस्) गतुं
छन्द्यावातुं. जाने की इच्छा वाला. desir-
ous of going. सु० च० २, १८२;

गमणया. स्त्री० (गमन) गति; गमन. गति;
गमन. State of being in motion;
state of being going. " गमणे
लोगंत गमणयाए " ठा० ४; नाया० १;

गमणिज्ज. त्रि० (गमनीय) गमन; गतुं.
अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ.
Pleasant; charming. ओव० ३२;
जं० प० ३, ६७; (२) उल्लंघन-पार
पारना योग्य. उल्लंघने योग्य; पार पार लायक.
worth transgressing. निंसी० १६,

१७; (३) ज्ञायुया योऽय; प्रकाशया योऽय.
जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth
knowing; capable of throwing
light upon. भग० १, ३;

गमणी. ब्र० (गमनी) ऐक ज्ञतनी (उड्यानी)
विद्या; विद्याधरिनी विद्या. एक प्रकार की
आकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरा की
विद्या. A science of flight; (this
is possessed by Vidyādhara).
नाया० १६;

गमिश्च-य. न० (गमिक) गेमां ऐक सरभा
ध्या पाठ होय ते आरभुं दृष्टिवाद नाम
अंगसूत्र. जिसमें एक समान बहुत से पाठ
हों वह चारहवां दृष्टिवाद नामक अंगसूत्र.
Name of the 12th Aṅga Sūtra
named Dṛṣṭivāda having
many chapters of the same
nature. नंदा० ४३; विशेष० ५४६; क० गं०
१, ६;

गम्य. त्रि० (गम्य) भेगनी शक्य तेयुं;
पहुँची शक्य तेयुं. प्राप्त हो सकें ऐसा;
That which can be acquired;
That which can be reached.
पगढ़० २, २; पंचा० ४, १७; (२) गमन
करना योग्य. गमन करने योग्य. worth
going to. भक्त० ११३;

गय-अ. त्रि० (गत) गयेत; अदृश्य थयेत.
गया हुआ; अदृश्य जो है वह. (gone;
passed out of sight. भग० २, १;
३, १; ५, ४; ७, ६; ६, ३३; ११, १०;
१५, १; नाया० १: ६; ७; १३; १६;
नाया० घ० दस० ६, २, २४; उवा० १,
११; भक्त० ३८; क० प० ६, २५; कण०
२, २७; (२) प्राप्त थयेत. प्राप्त किया हुआ.
got; obtained. भग० ३, १; १८, ७;
पञ्च० ३६; नाया० १; ३; ६; १६; अणुजो०

१६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २१;
(३) गति; यात्र. गति; चल. gait;
motion. ओव० जं० प० २, ११४; ७,
११३; ३, ५६; (४) रहेत. रहा हुआ. re-
maining; stayed. ओव० १०; विशेष० ३६;

—**तरह.** त्रि० (-तृण्य) तृण्य विना.
तृण्यारहित. free from greed. प्रब०
४७३;—**नेय.** त्रि० (-तेजस्) तेजहीन; तेज-
विना. तेजहीन; तेजराहित. lack-lustre:
having no lustre; dull. भग० १५,

१:—**दसण.** त्रि० (दशन) देना दांत
पड़ी गया होय ते; दांत चरनेवा. जिसके दांत
गिर पड़े हों वह; दांतारहित. (one)
without teeth. गच्छा० ६२;

गय. पुं० (गज) दाही. हाथी. An ele-
phant. अणुजो० २१; १३१; ठ० ४, ३;
दमा० १०, १; दस० ५, १, १२; ६, २, ५;
मु० च० २, ६४१; कण० १, ४; पंचा० १२,
२४; पिं० नि० ७६; द३: राय० ५०; जीवा०
३, ३; पञ्च० १; नाया० १; ५; ८, १६; भग०
१६, ६; ७, ६; ६, ३३; (२) गुच्छा.
गुच्छा. a cluster. पञ्च० १; (३) अंत-
गच्छता त्रीन वर्गना अहमा अध्ययनं
नाम. अंतगच्छता के तीसरे वर्ग के आठवें
अध्याय का नाम. name of the 8th
chapter of the third section of
Antagaḍa Sūtra. (४) वसुदेव राजनी
देवरी राजीना साथी नंदाना पुत्र-दृष्टि मदा-
राजना नंदाना भाई के ने तेमनाथ प्रभुपामे
दीक्षा लई तुरन्त भिष्मपुत्री आरभी पडिमा
आदरी श्मशान भूमिमां डाडिसण्ण इरी उभा
रुखा त्यां मेमस आभुजे अजितो परिपद
आप्यो ते सभभावे सदन करतो तरतज
देवगणान पाभी मोक्षमां गया. वसुदेव राजा
की देवकी रानी के सब से छोटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर तुरन्तही भिखु की बारहवीं पड्डिमा का अंगिकार कर श्मशान भूमि में काउ-सग्य कर, खड़े रहे. वहाँ सोमल ब्राह्मण ने अग्नि का परिषद् दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्षगति को पहुँच गये. the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Kṛṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nemanātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana. named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. अंत० ३, ८; परह० १, ४; नाया० १६; (४) सातवां देवलोका ध्वजं चिन्ह-निशान. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान. the badge of the Indra of the 7th Devaloka. ओव० २६; (५) दिशाकुमार जन्तना देवतान् चिन्ह; तेना भुगटमां हाथीने आकारे निशान्ती होय छे. दिशाकुमार जाति के देवता का चिह्न; उस के मुकुट में हाथी के आकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind. ओव० २३; (६) श्रीमन् तीर्थक्षेत्रं चिह्न. द्वितीय तीर्थक्षेत्र का चिह्न. the symbol of the second Tirthaṅkara. प्रव० ३८१; —अग्नीय. न० (—अग्नीक)

हाथीजुं सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया० १; उत्त० १८, २; —कलभ. पुं० (—कलभ) हाथीजुं अर्थ; नातो हाथी. हाथी का बच्चा: छोटा हाथी. a young elephant. नाया० १; —गय. त्रि० (—गत) हाथी उपर भेड़ें. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant. भग० १५, १; ओव० —चर्म. न० (—चर्मन्) हाथीजुं चर्म-आभूषण. हाथी का चर्म-चमड़ा. skin of an elephant. नाया० ८; —चलण. न० (—चरण) हाथीना पग. हाथी का पैर. the foot or leg of an elephant. सम० ११; —जोहि. त्रि० (—याधिन्) हाथीसाथे युद्ध करनेवाला. हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant. राय० २९२; नया० १; —तालुसमान. त्रि० (—तालुक समान) हाथीना तालुका समान. हाथी के तालुके के समान. similar to, resembling the temple of an elephant. नाया० १६; —दंत. पुं० (—दन्त) हाथी दांत. हाथी दांत tusks of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १२६; —पंक्ति. स्त्री० (—पंक्ति) हाथीजान्ती पंक्ति-दार. हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग० १६, ६; —भक्त. न० (—भक्त) हाथीजुं आभूषण. हाथी का खुराक; मलीदा. food cooked for elephants. निर्मा० ६, ६; —लक्षण. न० (—लक्षण) हाथीजुं शुभाशुभ लक्षण जानने की कला. art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया० १; —लोम. न० (—लोमन्) हाथीजुं

ईवासी, हाथी के बाल, the hair of an elephant, भग० ८, ६; —**वर**, पुं० (—वर) श्रेष्ठ दार्थी, श्रेष्ठ हाथी, an excellent elephant; a noble elephant, नाया० ६: १३: —**विक्रम**, पुं० (—विक्रम) दार्थीनी यात्र हाथी का चाल the gait of an elephant, सू० प० १०: जं० प० ३, ११६: —**विलंबिय**, पुं० (—विलम्बित) दार्थीनी विशेष अस्तिगति नारदः नारदो ऋद्ध प्रशस्त, हाथी का विशेष गति वाला नाटक, नाटक का एक प्रकार, (a drama) having a particular gait of an elephant, भग० ६३: —**संक्षिप्त**, वि० (—साम्प्रत) दार्थीनी एकदारे श्रेष्ठ, हाथी के आकार का, of the shape of an elephant, a kind of drama, भग० ८, २: —**सम्पत्**, न० (—सम्पत्) दार्थीनी हाथी का सूट, the trunk of an elephant श्रौत० १००: —**साला**, स्त्री० (—शाला) दार्थीनी हाथी शाला the place where elephants are kept, निघ० ८, १११:

गण्यद्, पुं० (गजन्द्र) दार्थीनी, अन्तरात्मनः श्रेष्ठ (नारदार्थी) हाथीयोसे दृष्टः पेशवत हाथी, An Indra among elephants; the Airavata elephant, संख्या० १३: —**भाव**, पुं० (—भाव) शब्दार्थी भाव-रस्य० प, गजेंद्र का भाव-स्वरूप, State of being an Indra among elephants, नाया० १:

गण्यकण्ठ, पुं० (गजकर्ण) शब्दार्थी नामित अन्तर द्वीपमां रहनेतर भवति, गजकर्ण नामक छठे अंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य, Name of a person living in the sixth Antara Dvipa, जीवा० ३, ३:

पञ्च० १, (२) छपत्त अंतर द्वीपमांनु जेद, छपत्त अंतर द्वीप में का एक, one of the fifty-six Antara Dvipas, जीवा० ३, ३; पञ्च० १: डा० ४, २: —**दीव**, पुं० (—द्वीप) यस्य समुद्रमां आरसे येवन्तपर यूथदिम-पतनी प्रदाडिपर आवेदेता शब्दार्थी नामिता अन्तरद्वीप, लवण समुद्र में चारमां योजना पर चुलदिमवन्त के उपर आया हुआ गजकर्ण नामक अन्तरद्वीप, name of an Antara Dvipa (an island) on the Chūbhini-mavanti in the Lavana Samudra at a distance of 400 Yojanas, डा० ४, २:

गण्यकक्ष, पुं० (गजकर्ण) ऐ नामिता ऋद्ध अन्तर्देश, टन नामक एक अनर्ग्य देश, Name of an uncivilised country, प्रव० ११६२: (२) शब्दार्थी नामिता ऐव अन्तर द्वीप, गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप, name of an Antara Dvipa, प्रव० ११६२:

गण्यग, न० (गगन) आकाश, आकाश, The sky, इत्त० २६, १६: भग० ४६, ३३: सू० च० ७९, २२: त्रि० प० —**दृष्टिय**, वि० (—दृष्टिय) नवतमां श्रेष्ठ गगन में रहा हुआ, remaining in the sky, प्रव० ११६२:

गण्यपुर, न० (गजपुर) दृष्टदेशमांनु जेद आश्रय नगर, दक्षिणापर, कुरुदेशमें का एक प्रसिद्ध (हस्तिनापुर) नगर, A famous city in Kurudeśa; viz. Hastinapura, पञ्च० १:

गण्यमुह, पुं० (गजमुख) शब्दार्थी नामिता अन्तर्देश, गजमुख नामक अनर्ग्य देश, Name of an uncivilised country, प्रव० ११६२:

गण्यवाहि, स्त्री० (गजवाहि) शब्दार्थी अदि नवतममां श्रेष्ठ गति श्रेष्ठ ते शब्दार्थी

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति हो वह गजवीथि. The movement of Venus in the three constellations viz. Rohini etc. ज० ६, १;

गयसुकुमाल पुं० (गजसुकुमाल) डाल् ऐक शाहुकारनो पुत्र के नेछे वैराग्य लावे दीक्षा दीधी ते ऐकदा प्रतिमाधारी थछ कडि-सग्गा करी उला हता-ऐक जेछे मार्ग पूछये जवाय न भवतां तेछे डोपायमान थछ जमीन उपर पछाडी दरेक अंगे भीडा मारी जमीन साथे जडी दीधो तो पशु ते मुनिअे समलाय राभी भरलु आराध्युं. कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिमने वैराग्य भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमाधारी बन, काउसग कर खड़े थे-एक व्याक्ति ने रास्ता पूछा-उत्तर न मिलने पर उमने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक कर प्रत्येक अंग में खलिते ठोक कर जमीन के साथ उसे मिता दिया, तदति उम मुनिने सम भाव रख कर मृत्युका आराधना की. Name of a merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world. He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road. Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died. संख्या० ६६; (२) कृष्ण भुवनाजते न्दाते डाल् के ने नानी उभरमां नेमनाथप्रभु पासे दीक्षा वधितेन रात्रे सोमत्र आम्दुशु

तरक्षी अपायेन अभिनो परिपल समभावे सदन करी तत्काल मोक्ष गया. कृष्ण महा-राज के लघु बन्धु कि जो छोटी उममें नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिये हुए अग्नि के परिपल को समभाव से सहन कर तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Kṛṣṇa. He took Dikṣā from Lord Nema-nātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhman became Siddha immediately on the same night. अंत० ३, ८;

गया. स्त्री० (गदा) डैमोदकी नामे गदा; विष्णुनुं ऐक आयुध. कामोदकी नामक गदा; विष्णु का एक आयुध. A mace of Viṣṇu named Kaumodaki. जीवा० ३, २; उत्त० ११, २१; १६, ६२; सम० प० २३७; आ० व०

गर. पुं० (गर-गरत्याहार स्तम्भयति कामगं वा) अर; विष. विष. Poison. आ० घ० नि० ४८७; पण्ड० १, १;

✓ **गरह. धा० I. (गर्ह)** निन्दा करवी; निन्दनुं. निन्दा करना. To censure.

गरहह. सूय० २, २, १७; २०; भग० १, ३;

गरहण. पि० नि० ४१६;

गरहामो. सुप० २, ६, १२;

गरहंति. अंत० ६, ३;

गरहेजा. वि० वेय० ४, २५;

गरहह. आ० भग० १, ६; ५, ४; १२, १;

गरहंत. सूय० १, १, २, ३२;

गरहणया. स्त्री० (गर्हणा) गुरुनी साक्षिअे पेताना अतिथार-दोषीनी निन्दा करवी-पथ तप करवे ते गुरु के सन्मुख अपने आतवार-दोषों की निन्दा करना-पश्चात्ताप

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor; repentance for one's own faults. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

गरहणा स्त्री० (गर्हणा) निन्दा. निन्दा. Censure राय० २६४; श्रौत० ४०;

गरहणिल्ल पुं० (गर्हणीय) निन्दनीय; निन्द्या लायक. निन्दनीय; निन्दापात्र Censurable; blameworthy. भग० ६, ३३; परह० १, २;

गरहा स्त्री० (गर्हा) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० १, ६; उत्त० १, ४२;

गरहिअ त्रि० (गर्हि) निन्दाने पात्र; निन्दनीय. निन्दापात्र; निन्दनीय Censurable. आया० २, १, २, ११;

गरहिज्जमाण त्रि० (गर्हमान) लोकसमक्ष निन्दाने योग्य. लोगों के समक्ष निन्दा पात्र. Deserving public censure. नाया० १६;

गरहित त्रि० (गर्हित) निन्दित. निन्दित. Censured. पंचा० ६, ७;

गरहिय अ त्रि० (गर्हिय) निन्दित; शरीर दूषित. निन्दित. Censured. दस० ६, १३; पिं० निं० ५३२; सूय० १, १३, ३६; पंचा० २, ४३;

गराई न० (गरादि) दरेक भासना शुद्ध पदमां सातम अने आसने दिवसे तथा श्रीर अने दसमनी राते नेमज कृष्ण पदमां ७६ अने नेरसन दिवसे तथा श्रीर अने नेमनी राते आयतुं सात चरकरण मानुं पांयमुं करण; ११ करणमानुं पांयमुं करण. प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतीया व दसमी को रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में षष्ठी व त्रयोदशी के दिन व द्वितीया व नवमी के रात्रि को अनेवाला सात चरकरण

में का पांचवा करण; ११ करणमें से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karanas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month; also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month. The 5th of the 11 Karanas जं० प० ५, १५३;

गरिट्ट नि० (गरिष्ट) अर्थी भोटुं सब से बड़ा. Eldest. सु० च० १, १२६;

✓ **गरिह** धा० १. (गर्ह) निन्दितुं. निन्दा करना. To censure.

गरिहन्ति दस० ५, २, ४०; नाया० २; नाया० ध०

गरिहामि भग० ८, ३; दस० ४;

गरिहिता सं० कृ० टा० ३, १; भग० ५, ६; आया० २, १५, १८८;

गरिहणण हे० कृ० टा० २, १;

गरिहणा स्त्री० (गर्हिता) निन्दा. निन्दा. Censure. भग० ५०;

गरिहणिल्ल त्रि० (गर्हणीय) गुरु सम्मुख निन्द्य योग्य. गुरु के सम्मुख निन्दा करने योग्य. Censurable in the very presence of a preceptor. नाया० ३;

गरिहा स्त्री० (गर्हा) गुरुनी-साक्षीनि निन्दा अर्थात् पीते करेवा पापनी गुरुनी साक्षीनि निन्दा करी ते. गुरु के सम्मुख निन्दा; अर्थात् स्वतः ने किये हुए पापकों की गुरु के सम्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor. विशेष ३५७६;

ठा० १, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गुरुश्र-य. त्रि० (गुरुक) भारे; वजनदार. भारी; वजनदार; वजनी. Heavy. दसा० ६, १; आया० १, ५, ६, १७०; भग० २, १; ५, ६; —दंड. पुं० (-दण्ड) भारे दण्ड. भारी दंड. a heavy stick. दसा० ६, ४;

गुरुई. स्त्री० (गुरी) भारी; भारे. बड़ी; भारी. Big; heavy. भग० ६, ३३; पंचा० ६, २६;

गुरुड. पुं० (गुरुड) शान्तिनाथजी या यक्षजुं नाम. शान्तिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of a Yakṣa of Śāntinātha. प्रव० ३७६; **गुरुडासन.** न० (गुरुडासन) गरुडना आकार जेवुं आसन. गुरुडाकार आसन. A bodily posture resembling an eagle in shape. भग० ११, ११;

गुरुयत्त. न० (गुरुयत्त) भारेपणुं भारापन गुरुत्व. Heaviness; weightiness. सु० च० २, ६४२;

गुरुडोववात्र. पुं० (गुरुडोपपात) ७२ सूत्रभांजुं ओ३. ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras. वव० १; २८; नंदी० ४३;

गरुल. पुं० (गरुड) गरुड पक्षी. गरुड पक्षी. An eagle. जीवा० ३, ३; आ० १०; सूय० १, ६, २१; नाया० ८; (२) वायुव्यन्तर देवतानी ओ३ ज्ञा०. वायुव्यन्तर देवता की एक जाति. a species of Vānvyantara deities. सम० ८; ३४; नाया० ८; भग० २, ५; (३) सुवर्णकुमार देवताजुं चिन्ह; तेना सुवर्णमां रहेंड गरुडाकार निशानी. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह; उसके मुकुट में का गरुडाकार निशान. the emblem, badge viz. an eagle in the crown of Suvarṇakumāra god. आ० २३; पण० १, ४; —ओसण. न०

(-आसन) ज्ञा० " गरुडासन " श०६. देखो " गरुडासन " शब्द. vide " गरुडासन " जीवा० ३; राय० १३६; —केउ. पुं० (-केतु) गरुडना चिन्हवाली जेनी ध्वज छे ते; वासुदेव. गरुड के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वजा है वह; वासुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle. सम० २३६; —वूह पुं० (-व्यूह) गरुडने आकारे व्यूह —वशकरनी रचना करवानी कला. गरुड के आकार में व्यूह (लश्कर) की रचना करने की कला. a battle order in the shape of an eagle आ० ४०; निर० १, १; नाया० १;

✓**गल.** धा० I. (गल्) जभयुं; आणुं; जिमना; भोजन करना. To eat; to take meals. (२) गलयुं; छानयुं. छानना. to filter.

गलंत. सूय० १, ५, १, २३;

गलंत. व० क० पिं० निं० ५८०; ५८३;

६४५; नाया० ८;

गालेहू. प्रे० निसा० ६, ८;

गालावेहू. प्रे० नाया० १२;

गालंति. प्रे० पिं० निं० ३६८;

गालावेता. सं० क० नाया० १२;

गालिय. प्रे० सं० क० प० २, ६६;

गालावेमाण. प्रे० व० क० नाया० १२;

गल. पुं० (गल) गलुं; कण्ठ; गरुडन कण्ठ; गला; गर्दन. Throat; neck. आ० ३०; ३१; आया० १, १, २, २६; सूय० १, ५, १, १०; जं० प० पिं० निं० ३१४; ६२३; (२) भाजयुं गलुं चिह्नार जलनी आन्दरनी कटे. मच्छा के गले में छेद करने वाला जाल के अन्दर का काँटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उता० १६, ६५; नाया० १७;

—गगह. त्रि० (—ग्रह) गजुं पकड़ी काटी
भुङ्गना; गर्दन पकड़कर निकाल देने वाला.
(one) who takes out
seizing by the neck. कण० ३, ३६;
—चञ्चल. पुं० (च) गजुं पकड़ी पाछुं
झुंझुं. गर्दन पकड़ कर पीछे हटाना.
giving a push seizing by the
neck. पगह० १, ३:

गलकंचल. पुं० (गलकम्बल) गणाना
धायी; गायने गये पंखा जेनुं झटझुं
होय छ ते. गले का कम्बल; गायो के गले में
पंखा सा लटकता है वह. Lit. a throat
blanket; a dewlap. सु० च० १३, १०;

गलग. पुं० (गलक) गजुं; झट्ट. कगठ: गला.
Throat; neck. पगह० १, १:

गलय. पुं० (गलक) जुआ " गलग " देखो
"गलग" शब्द. Vide. "गलग" नाया० १८;

गलि. त्रि० (गलि) गलीया; नियत आटा.
आलसी; आडयल; कुटित. A lazy,
vicious (ox, horse etc.) उत्त० १,
१२; ३०; सु० च० १२, ४८; —गहह. पुं०
(—गर्दभ) गलीया गधेरा; नियत आटा
गधेरा. आडयल गधा. a lazy, vicious
donkey. (२) अपिनीत शिष्य. आविनीत
शिष्य. a bad disciple. उत्त० १६; २७;

गलिश्च. त्रि० (गलसक) गला सम्बन्धि;
गलातुं. गले-कंठके सम्बन्ध में. Pertain-
ing to the throat. पि० नि० ४२४;

गलिय. त्रि० (गलित) गली अथवा; पिगली
अथवा. गलित; निगला हुआ. Dis-
solved; worn out. नाया० ६; कण०
४, ६२; (२) बरसतुं. बरसता हुआ.
raining; showering; falling as

rain. कण० ३, ३३; —लंबला.
त्रि० (—लम्बन) गली अथवा छे आलम्बन
(आधार) जेनुं अथुं; निराधार. जिस का
आलम्बन (आधार) गलित हो गया है
ऐसा; निराधार. (that) of which
the support has been worn
out; supportless. नाया० ६;

गलेई. स्त्री० (गड्डी) गुडवेला नामकी पत-
रपति. गुडवेला नामक वनस्पति. A kind
of vegetation. प्रव० २३६;

गवकख. पुं० (गवाक) आभ; अशो.
खिडकी. A window. विशेष० ६२; जं० प०
१, ४; सु० च० ३, २२८; जीवा० ३, ३;
४; पंचा० १३, ११;

गवच्छिद्य त्रि० () आच्छादित;
ढाँके. आच्छादित; ढंका हुआ. Covered.
" कि एह सुत मिह गवच्छिद्या " जीवा०
३, ४; राय० १२०;

गवत्त. न० (गवात्त) गायना आराध; घास.
घांस; गौआ का खुराक. Grass. पि० नि०
२२६;

गवय. पुं० (गवय) शाय: गायनेवा अथ
आपगा पशु. शोक: गाय जैमा पशु. A
species of ox. पगह० १, १; जं० प०
अगुजो० १४७; पञ०

गवल. न० (गवल) भैस के पादानुं सिंगटुं.
भैस या पांडे का सिंग. A horn of a
buffalo. उत्त० ३४, ४; ओव० २२; पञ०
२; १७; जं० प० ३, ४५; राय० ५०; सु०
च० २, १३६; जीवा० ३, ४; अंत० ३, ८;
नाया० ६; उवा० २, ६५; —गुलिया.
स्त्री० (—गुलिका) भैस के पादाना सिंग-
डानी कहलु गाई. भैस या पांडे के सिंग की

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी ५८नेट (*). देखा पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

काठन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn. नाया० १; ५; ८; ६;
(२) नील युक्तिका विशेष. नील. indigo.
नाया० ५; राय०

गवा. स्त्री० (गो) गाय. गौ; गाय. A cow.
उत्त० ६, ५; ६. ४०; दसा० ६, १२; दस०
७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०,
२७७; (२) भृश आदि पशु. मृग आदि
पशु. a deer and such other
animals. सूय० १, २, ३, ५; — **अलीय.**
न० (-अलीक) गाय आश्री लुप्तुं भोक्तुं
ते. गौ के विषय में झूठ बोलना. telling
a lie about a cow. पण्ड० १, २;

गवाणी. स्त्री० (गवादनी) गायने आवाजी
तथा रहनेवाली जगह; गमःशु. गौश्रों को
खाने की व रहने की जगह. A cow-pen.
आया० २, १०, १६६;

गविट्ट. त्रि० (गवेष्टित) अपेक्षा गवेष्टिता
दोष रहित शोधित; भोक्तुं एषणा-गवेषणा
दोष रहित हंडा-खोजा हुआ. Searched
after without committing the
fault of Eṣanā-gaveṣanā;
searched after. पि० नि० ५१३; सु०
च० ४, ३२;

गविट्ट. त्रि० (गविष्ट) अभिमान्नी. अभिमान्नी.
Proud; vain. भक्त० १४४;

गवेलग. पुं० (गो+एलक) गाडर; भेंडा. भेड.
A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग०
१, १; २, ५; ७, ६; राय० २८६; अणुजो०
१२८; ओव० पण्ड० १, ४;

गवेलय. पुं० (गो+एलक) अडरै; भेंडा.
बकरा. A he-goat. पण्ड० १, २; दसा०
६, ४; जं० ५०

✓ **गवेस. धा० II.** (गवेष) शोधित; गवे-
पशु डरती. हंडना; गवेषणा करना. To
search.

गवेसइ. निसी० १०, ४२;

गवेसेजा. वि० पण्ड० २, २;

गवेसए. दस० ५, १, १; वव० ८, २;

गवेसमाण. व० कृ० पि० नि० २०७;

नाया० २; ४;

गवेसअ पुं० (गवेषक) अन्वेषणा-शोध कर-
नार. अन्वेषणा-खोज करने वाला. One
who searches after. उत्त० १, ४०;
२६, ९; ओव०

गवेसण. न० (गवेषण गवेष्टनेन) व्यति-
रेक धर्मनुं आलोचन, जेभ पाणीनी शोध
करती होय त्यरे पाणीना असह्यारी
धर्मोनुं आलोचन करतुं क जाडी नथी सुयी
हवा छे नदी के तत्राय नथी साटे आंछी
पाणी न होयुं जेभओ. व्यतिरेक धर्म का
आलोचन, जिस प्रकार जल का पता लगाना
हो, तब जल के असह्यारी धर्मों की आलो-
चना करना कि भाड़ी नहीं है, सूखा हवा है,
नदी या नालाव नहीं है इस लिये यहाँपर जल
न होना चाहिये. Search; observing
qualities or things which can-
not co-exist with the object of
search, e. g. deciding the
absence of water from the
absence of trees etc. आंव० ३९;
भग० ६; ३१; जं० ५० ३, ७०; (२)
शोध; तपास. खोज; जांच. inquiry;
search. नाया० १; भग० १५, १;

गवेसणता. स्त्री० (गवेषणता) आगवापशु.
गवेषणता. State of being in
search after. भग० १२, ६;

गवेसणया. स्त्री० (गवेषण) शोध; तपास.
तलाश; खोज जांच. Wandering in
search; searching after. आंव०
२०; नंदी० ३१;

गवेसणा. स्त्री० (गवेषणा) लुप्तुं "गवेसण"

शब्द. देखो " गवेषण " शब्द. Vide
" गवेषण " विशेष ३१२; जं० प० पि०
नि० ७३; ओष० नि० ६३; उत्त० २४,
११; नाया० १; २; पंचा० १३, २५;

गवेषियग. त्रि० (गवेषितक) शोध-तपासी
आखुंधु. खोज किया हुआ. Search-
ed out; searched after. निसा०

गव्व. पुं० (गर्व) गर्व-मान; अहंकार. अहं-
कार; गर्व. Pride; conceit; a kind
of moral impurity. सम० ५०;
भग० १२, ५;

गव्विय त्रि० (गर्वित) अभिमान्नी. गर्विष्ठ;
आभमान युक्त. Proud; conceited.
नाया० १७; कप्प० ३, ४२; जं० प० ५,
१६६;

✓ **गस.** धा० I. (गृ) आधु; गृणी ०. यु.
आधना प्राण्य लेवाभां आ धातुना
प्रयोग थाय छे. गलित होना. किसी के
प्राण लेना इस मतलब के क्रियापद में इस
धातु का उपयोग किया जाता है. To eat;
to swallow; (used often in the
sense of taking another's life).

गसह. सु० न० १, ३५५;

गसिज्जण. क० वा० सु० च० २, ५४३;

गसिय. त्रि० (गसित) गसाध् गयेधुं.
ग्रमित; निगला हुआ. Swallowed.
नाया० ४;

गह. न० (गृह) घर; निवास स्थान. घर;
निवास स्थान. A house. कप्प० ४, ६६;

गह. पुं० (ग्रह) ८८ अद-ज्योतिषी देवता की
त्रीश जति. ८८ ग्रह ज्योतिषी देवता की
तृतीय जति. 88 constellations; the
3rd kind of deities known as
Jyotiṣi deities. ओष० २६; ३१; उत्त०
२६, १७; ३६, २०४, नाया० १; ५; भग०

६, ५; १८, ७; पञ्च० १०; सू० प० १०;
नंदा० १०; दसा० ६, १; जीवा० १; सु० च०
८, ५८; विशेष० १८७८; प्रव० ११४५;
(२) गायतना आरंभित आवाप. गाने के
आरंभ का आलाप. the commencing
note of singing. जं० प० ७, १६५;
५, १७० जीवा० ३; ४; (३) लेवुं; पडवुं.
लेना; पकड़ना. taking; catching.
क० गं० १, ३१; प्रव० ६१३; —**अवसव्व.**
न० (—अवसव्व) अर्धेनी वांड़ी गति. ग्रहों
की वक्रगति. oblique, crooked
motion of planets. भग० ३, ७; ११,
१; —**गज्जिय.** न० (—गज्जि) अर्धे
अवापमान थाथी गज्जना थाय ते. ग्रह
चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह.
thundering of clouds due to
the motions of planets. भग० ३, ७;

—**गण.** पुं० (—गण) अर्ध समूह. ग्रह
समूह. a group of constellations.
जं० प० ७, १४०; भग० ३, ७; कप्प० ३,
३६; —**जुड.** न० (—युड) अर्धे अर्धे
नक्षत्रों में दक्षिण उत्तरे समश्रिणी में रहेवुं.
दो ग्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर में
समश्रिणी में रहना. co-existence of
2 planets in one constellation.
भग० ३, ७; —**दंड.** पुं० (—इयड दयडा-
इव दयडास्तिर्यगायताः श्रेणयःग्रहाणां मंग-
लादीनां दण्डः) अर्धेनी दंडी पेंड त्रीश
श्रेणी. ग्रहों की दंड के समान (देढा) वक्र.
श्रेणी. planets ranged in oblique
lines. भग० ३, ७; —**भिज्ज.** न० (—भिज्ज) न
नक्षत्रों वच्च्य अर्ध अर्ध प्रसार थाय ते नक्षत्र-
केन्द्रों में दीक्षा आदि कार्य इत्यादी दानि थाय
भाटे वर्ज्या डहेलछे. जो नक्षत्र के मध्य में से
होकर ग्रह पसार हो वह नक्षत्र-कि जिसमें
दीक्षा आदि कार्य करने में हानि हो इस लिये

र्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Dikṣā is forbidden.

गणि. १६; —**मुसल. न०** (—**सुगल**) भुशने आकारे अहोनी उथी अथी ग्रहों की उरुच भेली. planets forming themselves into the shape of a pestle. भग० ३, ७; —**वेध. पुं०** (—**वेध**) सूर्य चंद्रादि साथे प्रह का वेध. a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc. प्रव० १४२२;

—**सिंघाडग. न०** (—**शृंगाटक प्रहा. शृंगाटका** इव शृंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः) श्रीगिजाना इधनी पेडे अहोनुं रहेंतु ते. सिंघाडे के फल के समान ग्रहों का रहना. a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śringhātaka. भग० ३, ७;

गहण. न० (**गहन**) अडी वाजु जंगल. झाडी वाला जंगल. A dense forest. सू० १, ३, ३, १; १, १२, १४; २, २, ८; नाया० १८; दस० ८, ११; भग० १, ८; (२) जेने पा२ पाभा न शकाय तेजु जिसका थाह न मिल सके ऐसा. profound; immeasurable. नंदा० ४; भक्त० २; (३) निर्जल प्रदेश. निर्जल प्रदेश. a waterless tract of country. आया० २, ३, ३, १२७; (४) अन्यने छेतवा भाटे करेन वचन प्रपंच; भाया कपट. अन्य को ठगने के लिये किया हुआ वचन प्रपंच; भाया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others. भग० १२, ४; पणह० १, २; सम० ५२;

गहण. न० (**ग्रहण**) अहणु करेनुं; स्वीकारेनुं; लेनुं. ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance. भग० २, १; ५; १०; १३, ४; नाया० ३; दस० ५, १, ६०; पञ्च० ११; उत्त० २४, ११; पिं० नि० भा० १४; पिं० नि० ६४; सु० च० १, ३१६; सम० १; अणुजा० १४७; क० प० १, ४; भक्त० ८०; पंचा० १, ३४; ५, ४; १०, ४०; प्रव० ४७; (२) आकर्षण करनेवाला; आकर्षण करने वाला. (one) who attracts; an attraction. उत्त० ३२, २२; (३) आर्घ्य; अहणु करवा योग्य. ग्रहण करने योग्य. worthy of acceptance; acceptable. क० प० १, २१; —**आगरिस. पुं०** (—**आकर्ष**— एकस्मिन्नेव भवे ऐश्याथिककर्मपुद्गलानां ग्रहणरूपे य आकर्षः सः) ऐश्या पथिक निमित्तयी कर्मोना पुद्गलोनुं अहणु करेनुं ते. ऐश्या पथिक निमित्तसे कर्मों के पुद्गलों का ग्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyāpathika (faults connected with walking) भग० ८, ८; —**स्वध. पुं०** (—**स्कन्ध**) अपने अहणु करवा योग्य पुद्गल स्कन्ध. जीव को ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्कन्ध. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul. क० प० १, २१; —**द्रव्य. न०** (—**द्रव्य**) अपने शरीरादि रूपे अहणु करवा योग्य द्रव्य. जीव को शरीरादि रूप से ग्रहण करने योग्य द्रव्य. matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क० प० १, २१; —**धारणजोग. न०** (—**धारणयोग्य**) अहणु करवाने तथा धारणु करवाने योग्य. ग्रहण करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting. क० प० ४, ४६;
—विदुग्ग. न० (-विदुर्ग) पर्वतनी ओझ
तरङ्ग पुर्वत. पर्वत का एक तरफ का वन.
a forest on one side of a moun-
tain. भग० २, ८; सूय० २, २, ८;
—समय. पुं० (-समय) ग्रहण करने का समय. time of
acceptance or taking. भग० १,
१; क० प० १, २६;

गहण्य. न० (ग्रहणक) आभूषण; धरेणु.
आभूषण; गहना. An ornament. सु०
च० ७, १०६;

गहण्य. स्त्री० (ग्रहण) ग्रहण करने;
धारण. ग्रहण करना. Putting on; ac-
ceptance. ओव० २७; भग० २, ५;
६, ३३;

गहणी. स्त्री० (ग्रहणी) जाडने रोग; अति-
सार रोग; संग्रहणी. अतिसार रोग;
संग्रहणी. Dysentery. ओव० नि० भा०
३२३; (२) गुदाशय; गुदास्थान. गुदाशय;
गुदास्थान. rectum. ओव० १०; जीवा० ३, ३;
परह० १, ४; जं० प०

गहहर. पुं० (गृध्र) गीध पक्षी. गीध पक्षी.
A vulture. पञ्च० १;

गहवह. पुं० (गृहपति) गृहपति; गृहस्थ.
गृहपति; गृहस्थ. A house holder; a
merchant. भग० १६, १; —उगाह.
पुं० (अवग्रह) गृहपतिनी आज्ञा. गृहपति
की आज्ञा. the command of a
Grihapati. भग० १६, १;

गहवहणी. स्त्री० (गृहपती) घरधर्यायाली;
(गृहस्वामिनी) गृहस्वामिनी. The
housewife. सु० च० १०, ७;

गहिर-य. त्रि० (गृहीत) लीयेणु; ग्रहण
करेणु. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ.
Taken; accepted. आव० २१; ३६;

विशे० ६१५; पि० नि० १८२; १८६;
आया० १, ४, २, १३१; उत्त० ४, ३; ३२,
७६; भग० १, १; २, १०; ७, ६; ६, ३३;
११, ११; ११, ४; १२, १; नाया० १; २;
८; १६; १८; दस० ५, १, ६; सु० च० २,
२५१; भग० ७६; कप्प० ८, ७२; पंचा० ७,
२०; १५, १०; ३१; प्रव० ७६०: ८, १८;
उवा० ७, १८१; —ग्राउह. त्रि० (-आयुध)
ग्रहण करने के आयुध. लीयेणु. ग्रहण
किये हैं आयुध जिसने ऐसा. (one) who
has taken up arms; armed. विवा०
२; —आगमणपवित्तिय. त्रि० (आगमन-
प्रवृत्तिक) ग्रहण करी के अभयान पधारणा-
नी पातो लीयेणु. जिसने भगवान के
पधारने की वार्ता ग्रहण की हो ऐसा. (one)
who has heard or known
the intelligence about the com-
ing of the lord नाया० १; —आचार-
भंडउत्तनेवत्थ. त्रि० (आचारभंडकनेवत्थ)
स्वीकार के आचारभंडकने वत्थ-वेप लीयेणु
ऐसा. जिसने आचार भंडक और वत्थ-वेप
का स्वीकार किया है ऐसा. (one) who
has assumed the garb of Āchā-
rabbandakya. दसा० ६, २; —ह. त्रि०
(-अर्थ-गृहीतो मोक्षरूपोऽर्था मार्गो येन सः)
लीयेणु मोक्षमार्ग स्वीकार्यो है ऐसा. जिसने
मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा.
(one) who has accepted the
path of salvation. सूय० २, ७, ३;
(२) लीयेणु शास्त्रने अर्थ ज्ञापये है ते.
जिसने शास्त्र के अर्थ को ज्ञान लिया है वह.
one who has understood the
meaning of a scripture. भग० २, ५;
गहिर. त्रि० (गंभीर) गहरे; अगम्य. गहिरा:
अगम्य. Deep; unfathomable. सु०
च० ३, १५;

√ गा. धा० I. (गै) गावुं. गाना. To sing.

गायंति. जं० प० ५. १२१;

गाण्ड. वि० निरी० १७, ३२;

गायंत. व० कृ० ओ० ३१; आया० २, ११, १००; सु० च० २, १४४; जं० प० ३, ६७; ६४३, निरी० १२, ३४;

गायमाण. व० कृ० भग० १५, १;

√ गा. धा. I. (गे) गावुं. गाना. To sing.

गिज्ज. क० वा० राय० २७६;

गिज्जंत. क० वा० सु० च० १, २७८; २, ३३१;

गाइर. पुं० (* गायक गायतीति) गाता३; गैया. गानेवाला; गैया. A singer. सु० च० २, ३२१;

गाड. पुं० (गव्यूति) ऐ भ० ४३; गाडि. दो मील; एक कोस. Two miles. विशेष० ३४३;

गाड. पुं० (गो) गय; गयद. गाँ; बैल. An ox; a cow. आया० २, ४, १, २३; पञ० ११; अणुजो० १२६; —जूद्धियडाण. न० (—यूथिकस्थान) गयैता गयैते रईवनी जग्या. गाँओं के झुंड को रहने का स्थान. a cow-pen; a cow-fold. निर्मा० १२, ३१;

गाडय. न० (गव्यूत) ऐ हस्तर धनुष्य परिमित क्षेत्र-जमीन; गाडि. दो सहस्र धनुष्य परिमित क्षेत्र-जमीन; कोस. Two miles; land measuring two thousand bows. जं० प० नंदी० १२; ठा० २, ३; अणुजो० १३४; भग० ६, ७; २४, १; १२; २२; २३; ३८, १; सु० च० १४, १८; विशेष० ६०६; ओष० नि० भा० ६३; पञ० २; ३३; ओष० नि० १२; प्रव० १११८; जं० प० ७, १४६; २, २५; —पु० त्त. न० (—पृथक्त्व) ऐ गाडिथी भांडी नर गाडि सुधी. दो कोस से लेकर नव कोस पर्यंत. ranging from

4 miles to 18 miles. भग० ११, ३;

गागर. पुं० (गागर) ऐक जलजुं भाजुं. एक तरह की मच्छा. A kind of fish. पञ० १;

गागरी. स्त्री० (गर्गरी) पाणी भरवानी गागर. जल भरने की गागरी. A water-pot. अणुजो० १३२;

गाढ त्रि० (गाढ) गाढ; दृढ; मज्जुत गाढ; मज्जुत Firm; strong. उत्त० १०, ४; पि० नि० २०५; ओष० नि० ३२४; नंदी० १२;

(२) न० सर्पादिभेदी तीव्र वेदना: मज्जुत ६४. सर्पादि विष की तीव्र वेदना: मज्जुत कट. excessive; e. g. pain of snake-bite. वेय० ५, ३८; नाया० १६;

(३) अत्यंत; धनुं. अत्यंत; बहुत. much; more; excessive. पंचा० ८, १०; —गिलाण. त्रि० (—ग्लान) गाढ दुःखी;

अत्यंत थोड़ेसे. बहुत दुःखी; अत्यंत. थका हुआ. greatly afflicted; very, very tired. पंचा० ८, १०; —पहारीकय. त्रि० (—प्रहारीकृत) अत्यंत प्रहार

करे; धनुं. भारी. अत्यंत प्रहार किया हुआ; बहुत मारा हुआ. severely punished or flogged. भग० ७, ६;

—रोगाडय. त्रि० (—रोगार्तिक) अत्यंत रोगी अर्थात् दुःखी थोड़ेसे. अत्यंत रोग से आर्त-दुःखी greatly afflicted; very sickly. प्रव० १६६;

√ गाढपहारीकर. धा० II. (गाढ-प्रहार+कृ) अत्यंत मार मरवा. अत्यंत मार मारना. To beat severely.

गाढपहारीकरेह. भग० ७, ६;

गाढीकय. त्रि० (—गाढीकृत-अगाढ गढं भवतीति) मज्जुत करेसे. दृढ किया हुआ. Strengthened. भग० ६, १; १६, ४;

गां गां गां त्रि० (गां गां गां) ७ भासनी

अंदर एक गाँव छोड़ी जीन्हा गच्छमां हायल
थनार. छः मास के अंदर एक गण छोडकर
दूसरे गच्छ में प्रवेश करने वाला (One)
who changes his religious
order and joins another within
six months. उत्त० १७, १७:

गात्त न० (गात्र) शरीरना अवयवो शरीर
के अवयव गात्र. A limb of the
body. राय. ३२; नाया० ४:

गाथा. छं० (गाथा) आर्या वगैरे छंद श्लोक
श्लोक, आर्या आदि छंद. A verse etc.
सम० २३; भग० १६, ८;

गाम. पुं० (ग्राम-गम्यो गमनीयांष्टादशानां शास्त्रं
प्रसिद्धानां करणाम्) गाम-गम्यो साधारण
वसति रहेतीहाय अने व्यापारनु साधन न
हाय ते. वह गांव कि जिसमे साधारण वस्ती
रहती हो व व्यापार का साधन न हो. A
village. डा०२, ८; अणुजा० १०७; सूय०
२, २, १३; दसा० ६, १३; १८; दम० ४, १,
२; वेय० १, ६; पञ्च० १६; उत्त० ३०, १४;
ओव० १७; २१; ३२; नाया० १; १८; १६;
विश० ३६५; पि० नि० १६२; आया० १, २,
३, १६६; प्रव० ५६२; ७६३; (२) समूह.
समूह. a group; a collection. भग०
१, ६; राय० २६८; उत्त० ५, ८; ३१, १२;
नम० ३०; विश० २८६६; ओव० (३)
संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्छनाना आश्रय रूप
पञ्चमदि नञ् आस. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध
मूर्छना के आश्रय रूप बड्जादि तीन ग्राम. a
gramut; a scale of music with
all the notes. अणुजा० १२८; १३१;
—अंतर. न० (—अन्तर) ये गाम वस्त्येन
अंतर—अंतर्. दो गांवों का मध्यस्थ अंतर.
the distance between two vil-
lages or towns. निसी० १४, ४७; (२)
जीन्हु गाम. अन्य गांव. another vil-

lage or town. दसा० १०, ५;—अंतिय.
त्रि० (—अन्तिक) गामनी पास रहेतार. गांवके
पास रहने वाला. (one) who resides
near a village. सूय० २, २, २१; दसा०
१०, ७;—अणुगाम. अ० (—अनुग्राम) एक
गाम पछी जीन्हु जीन्हुपछी जीन्हु अम
अनुक्रमे न्दाना भेटाटा दरेक गम. एक गांव
के बाद दूसरा, दूसरे पाछे तीसरा, इस प्रकार
कमरा-छोटा बडा प्रत्येक गांव. every
village in order. ओव० २१; राय०
२३०; नाया० १; ५; १३; १६; कप० ६,
८७; (२) एक गामथी आने गाम. एक
गांव से दूसरे गांव. from one village
to another निसी० ८, ११; भग० १, १;
१६, ४; १८, १०; वेय० ६, २५; उत्त० २,
१८; आया० २, १, १, ४; —कंटय. पुं०
(—कण्टक) गाम-छिद्रिय समूहने क्षांतरूप;
छिद्रियने दुःख हायक. गांव-छिद्रिय समूह को
कंटक समान; छिद्रियों को दुःख हायक. one
like a thorn to the senses; one
intriguing; causing pain to
the senses. दम० १०, १, ११; नाया०
१; —कुमारिय. त्रि० (—कामारिक)
गामगना छोडराओ संयन्धि. गांवके के
लड़कों के विषय मे. (anything e. g.
play) concerning village child
ren. सूय० १, ६, २६; —घाय. पुं० (—घात)
गाम आंगतुं ते गांव का दटना-नष्ट होना.
destruction of a village. विवा० ३;
(२) गाम आंगतार-छुटतार. गांव को
लूटने वाला. one who plunders a
village. नाया० १८; —दाह. पुं० (—दाह)
गामना दाह; (अक्षीयुं ते). गांव का दाह
जल उठना. the conflagration (be-
ing on fire) of a village. भग० ३, ७;
निसी० १२, २७;—दुवार. न० (—द्वार) दारवाजे.

गामनो जाँघो; गामभां निश्चया पेसवानो दर-
वान्ने. गांवका दरवाजा: गांवमें प्रवेश करनेका व
बाहर निकलने का द्वार. a village gate. **आघ**.
नि० १५; — **धम्म**. पुं० (- धर्म)
आम-ईंद्रिय समुदाता धर्म-१०८-रूप रस
गन्ध-अने स्पर्श ऐ पांच विषय. ग्राम-ईंद्रिय
समुहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये
पांच विषय. a longing, desire, for
the five objects of senses viz.
sound, form, taste, smell and
touch, सूय० १, २, २, २, ५; टा० १०, १; परह०
१, ४; आया० २, १, ३, १५; (२) गामग्रामा
आचार दिचार. गांवके का आचार विचार.
the practices and customs of
villages. टा० १०, १; — **नगर**.
न० (- नगर) गामधुं अने शहर.
ग्राम व नगर; गांव व शहर. a village
and a city. प्रव० ५, ६३; — **पह**. पुं०
(- पथ) गामनो रस्ता. ग्राम का मार्ग. a
village road. निमा० १२, २६; — **पहं-
त्तर**. न० (- पथान्तर) ग्रामना ऐ मार्ग-
नुं अन्तर. ग्राम के दो मार्गों का अन्तर.
the distance between the two
roads of a town. निमा० १६, ४७;
मारी. स्त्री० (- मारी) गामनो क्षय करने
भरती. गांव का क्षय करने वाला. plague;
a kind of disease. भग० ३, ७;
— **रक्ष**. पुं० (- रक्ष-रक्षक) ग्रामनुं
रक्षण करनेवाला. ग्राम का रक्षण
करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी. one
who guards a town. आया० २,
१, २, ११; — **रक्षिख** पुं० (- रक्षक)
ग्रामपाल-गामेति. कोटवाल-नगर रक्षक कर्म-
चारी. a village constable. निमा०
४, ६२; — **रूप**. न० (- रूप) गामना
जेवो आधार. गांव के समान आकार. the

proper form, outlines of a
village. भग० ३, ६; — **रोग**. पुं०
(- रोग) आया गामभां दाटी नीकयेतो
रोग. सार गांवमें फट निकला हुआ उपद्रव-
रोग. a disease spreading over
the whole village. भग० ३, ७; जं०
प० — **वह**. पुं० (- वध) गामने भास्युं ते.
गांवको नष्ट करना. destruction of a
village. निमा० १२, २५; — **वाह**. पुं०
(- वाह) ग्रामनुं तलेयुं-तयुं गामका वह जाना.
wiping off of a town or a vil-
lage. भग० ३, ७; — **संठिय**. न० (- संस्थित)
गामने आधारे संठिय. गांव के आकारसे रहा
हुआ. the shape, arrangement of
a village. भग० ८, २; — **सय**. न०
(- शत) आ गाम. शत गाम; सौ ग्राम. a
hundred villages. विवा० १;
— **सामि**. पुं० (- स्वामिन्) गामनो धनी;
गामनो नायक. गाम का धनी; गाम का
नायक. the owner of a village; a
village headman. ओघ० नि० मा० ८४;
गामि. त्रि० (गामिन्) गानार; पहुँचनेवाला.
जान वाला; पहुँचने वाला. (One) who
goes or reaches. ओघ० १७; पंचा० ६, ७;
गामिल्ल. त्रि० (ग्राम्य) गामवासी; गामरीया.
ग्रामवासी; गंवार. Resident in a
village; rustic. नंदा० ४७;
गामेल्लय. त्रि० (ग्राम्य) गामग्रामे रहीं.
गांव का रहने वाला. A villager. भग०
१५, १; विशेष० १४११; विवा० १;
गाय. पुं० (गो) अन्न. गौ; बैल. A
bullock. पञ्च० ११; — **दाह**. पुं०
(- दाह) ग्यां भिमार अन्नदोने गम
(दाह) देवाता देय ते स्थान. जहाँ बिमार
पशुओं को दाह दिये जाते हैं वह स्थान. a
veterinary hospital. “ खार दाह”

मिवा गाय दाहं मिवा त्वम दाहं मिवा ”
निर्मा० ३, ५२:

गाय. न० (गात्र) शरीरता अवलंबी. शरीर के अवयव. A limb of the body. ओव० आया० १, ६, १, २००: दय० ३, ५; ६, ६४: उत्त० २, ९; जीवा० ३, ३: पञ्च० १५: भग० १, १; १२, १: २५, ७: नाया० १, ६; १६: वेय० ६, ४०: दगा० ५, १२: उवा० ३, १२६: कप० ४, ६१: **अव्यंभंग** पुं० (-अभ्यंग) तेल वगैरे गुंभीरि स्त्रिया शरीरे पोषणार्थं ते तेल इत्यादि गुंभीरन पदार्थोंका शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc. दय० ३, ६: — **अव्यंभंगविभूषण** न० (**अव्यंभंगविभूषण**) अव्यंभंग भर्त, इन्हीं शरीर अलंकारों में से आधुना पर अलंकारों में से अलंकार. अव्यंभंग मर्दन कर, शरीर को गुंभीरन करना; गात्र के ५२ अनाकारों में का एक anointing the body with ointments etc.; one of the 52 minor faults of an ascetic. दय० ३, ६: — **भेय.** पुं० (-भेद) शरीरिता नाश इन्हीं भेदना में से शरीर का नाश कर के लूटने वाला चोर. a thief who destroys the body and commits robbery. भग० १, ३; — **लट्टि.** स्त्री० (**यष्टि**) शरीर अथवा लाट्टी शरीर रूप लट्टी. the body appearing like a stick. भग० ३४: भग० ६, ३३: नाया० १; राय० १६४: जीवा० ३, ४:

गार्गस्थ. पुं० (**अगारस्थ**) गृहस्थाश्रमी: धन धारी. गृहस्थाश्रमी: घरवासी. A house holder. उत्त० ५, २००: मय० २, १, ४३; २, ७, १४:

गार्गस्थी. स्त्री० (**अगारस्था**) गृहस्थी स्त्री. गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house-

holder. निर्मा० ३, ४:

गार्गस्थिय अ. पुं० (**अगारस्थिन**) गृहस्थ. गृहस्थ. A house-holder. आया० २, १, १, १४: निर्मा० १, १२; ३, ४: — **वयस्य** न० (-वचन) गृहस्थों वचन: गृहस्थों की ओर से की गयी बातें. गृहस्थ का वचन: गृहस्थों की ओर से की गयी बातें. the

holder. आ० ६, १: वय० ६, १:

गार्गव न० (**गौरव**) आत्ममान: आत्ममान आत्ममानों के बारे में: गौरव: मोटाटा. आत्ममान से आत्मको अशुभ भाव से भागी करना: बड़ापन: गौरव. Pride; pride of greatness; heaviness. नाया० १६: भग० ३: उत्त० १६, २२: डा० ३, ४: ओष० १००: ४०५: आ० १४: प्रव० ११६: (३) गृह: आत्मिक. आत्मिक. greed; excessive attachment. उत्त० २५, ६: (३) गौरव आत्ममान तेल. प्रव० प्रव० — कर्तव्य: गौरव: दय०: गौरव: अतः फल में गौरव गौरवार्थों गौरव. गौरव आत्म मान उगके तीन प्रकार—आत्म का गौरव: रस का गौरव: वस्त्र का गौरव. pride of three sorts e.g. of prosperity, of pleasures, and of richness acquired by one. उत्त० ३३, ४: आ० ४, ७: — **कारण.** न० (-कारण) गौरव का कारण. the cause of pride. प्रव० १२१: — **पंकनिवृद्ध.** त्रि० (**पङ्कनिमग्न**) गौरव में डूबा हुआ. (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव० १०२५:

गार्गविश्व-य. त्रि० (**गर्वित**) गर्विष्ठ: गर्व-वाक्य. गर्विष्ठ: गर्वयुक्त. Proud; con-

ceited. ओष० नि० ४१३; पगह० १, २;

गारहस्थिया. स्त्री० (गार्हस्थिका) गृहस्थकी भाषा; भेटा, आप, मामा वगैरे. गृहस्थकी भाषा; बेटा, बाप, मामा इत्यादि. The language used by a house-holder. प्रव० १३३६;

गारुडिअ. पुं० (गारुडिक) गारुडीविद्या— (सर्प उतारवानी पक्ष्यानी विद्या) ज्ञानु-
नार. गारुडविद्या का जाननेवाला. A
snake-charmer. मु० च० ६, १३;

गालण. न० (गालन) गाणवुं. आणवुं.
छानना. Filtration. पगह० १, १; विवा०
१;

गालित. त्रि० (गालित) गाणवुं. छाना हुआ.
Filtered. जीवा० ३, ४;

गाली. स्त्री० (गाली) गाण देवी ते. गाला-
कटु वचन-अपशब्द कहना. Abusing.
प्रव० ४३६;

गाव. पुं० (गो) अक्षद. बैल. An ox; a
bullock. अणुजो० १२८;

गावी. स्त्री० (गो) गाय. गाय. A cow.
आया० २, १, ४, २३; जं० प० —अजिण.
न० (-अजिन) गायनुं अभि. गौका चर्म.
the hide of a cow. प्रव० ६८३;

गास. पुं० (प्रास-ग्रस्यते इति) क्षणीयो;
क्षय. निवाला; प्रास. A mouthful
of food. उत्त० २, ३०; पिं० नि० ७७;
विशे० २८०५; —एसणा. स्त्री० (-एषणा)
आहारन्ती आपणु. आहार का एषणा.
seeking of food or alms. प्रव० २२;

गाह. पुं० (ग्राह) भगरमच्छ; जलचर प्राणी विशेष. An
aquatic animal; an alligator.
उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१; सूय० २, २,
६३; तंदु० विवा० १; दसा० ६, ४; जीवा०
१; नाया० ४; पिं० नि० ३३२; पन्न० १; (२)

५३३वुं. पकड़ना. holding; catching.

राय० ३५; (३) अक्षु करी आलनार. ग्रहण
करके चलने वाला. one who walks
after having accepted. ओष० ३३;

✓ **गाह.** घा० II. (गाघ) स्थापवुं. स्थापन
करना. To establish; to install.
गाहद. दसा० १०, १;

✓ **गाह.** घा० I. (गह) प्रवेश करवो; प्रवेश
करना. To enter.

ग्राहद. सूय० १, २, १, ४;

गाहग. त्रि० (ग्राहक) स्वीकारनार; लेनार.
स्वाकार करने वाला लेने वाला. (One)
who takes or accepts. पिं० नि०
भा० २७; ३०; विशे० १४५६; (२) गुरु;
विद्या आपनार. गुरु; विद्या देने वाला.
(one) who instructs like a
Guru. विशे० १४५६;

गाहग न० (गाथाग्र) गाथानुं परिमाण.
गाथाका परिमाण. The limit of
verses. क० गं० ६, ६३;

गाहा. स्त्री० (गाथा) प्राकृत भाषानुं पद्य;
श्लोक; आर्या आदि गाथा. प्राकृत भाषा का
पद्य; श्लोक आर्या आदि गाथा. A verse; a
Māgadhi etc. verse; the metro
known as Āryā etc. उत्त० १३,
१२; भग० १, १; २; २, १०; १०; ६, ४; २२.
३; ३१, १; नाया० १; ६; ८; अणुजो०
१३१, १८६; वेय० ३, २०; आव० ४, ७;
भक्त० १७२; प्रव० ६२६; जं० प० ७, १५६;
(२) सामान्य प्राकृत गाथा जनानुवानी तथा
जानने का कला. the art of compo-
sing or knowing ordinary Prā-
krita verses. ओष० ४०; (३) सूय गडांग-
सूत्रना प्रथम श्रुतस्वधना १६मा अध्यायन-
नुं नाम के जेभां गाथारूपे अभि मादणु

भिष्णु अने निग्रन्थ शब्दोंना लक्षणो दर्शाव्या छे. सूयगङ्गा सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वें अध्यायन का नाम की जिसमें गाथा रूपमें धम्मण, माहण, भिक्खु व निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Śrūta Skandha of Suyagadāṅga Sūtra. Here meanings of the words Śramaṇa, Mahāṇa, Bhikkhu and Ni-grantha are given in verses. सूय० १, १६: ६; सम० १६; उक्त० ३१, १३; पगह० २, ४;

गाढ़ावई. पुं० (गाथापति-गृहपति) कुटुम्बने निभावनार नायक; गृहपति. कुटुम्ब का निभावनाला; कुलपति. The head of the family. कण्व० ५, ११६: ६, २०; आया० २, ७, २, १३२; निग० ३, १; (२) आहारनो उपरी; चक्रवर्तीना १४ रत्नमांजुं अ६. कोठार का ऊपरी भाग चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक. the part above the store; one of the 14 jewels of a Chakravartī. सम० १४; ठा० ७, १; (३) ऐ नामना अ६ अन्य तीर्थी विद्वान्. इग नामका एक परिव्राजक सन्यासी. a wandering ascetic of this name. भग० ७, १०;

गाढ़ावई. पुं० (गृहपति) घरधर्मी; अदस्थ. गृहस्वामी; गृहस्थ. A householder. आया० १, ७, २, २०२; २, १, ३, १५; सूय० २, २, ४२: २, ७, २; भग० २, १; ३, १; ५, ६; ७, १०; ८, ६; १०, ४; नाया० १; अंत० ३, १; वेय० १, ३१; राय० २६६; विवा० १; सु० च० ११, ७; प्रव० १२२८; —**करंडअ.** (-करण्डक) अदस्थता इरणीया के जेमां रत्न के सुवर्ण

दाय. गृहस्थ का टोकरी कि जिसमें रत्न या सुवर्ण हो. a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) ठा० ४, ४; —**कुल.** न० (-कुल गृहपति-गृहस्थस्तस्य कुलम्) गाथापतिनुं कुल. गाथापति का कुल. the family of a patriarch. वव० ८, २; निग० ३, १; ६, ७; दसा० ६, २; —**रथग.** न० (-रत्न) चक्रवर्तीना १४ रत्नमांजुं अ६ चक्रवर्ती के १४ रत्नों में से एक. one of the 14 gems of a Chakravartī, named Gāthapati. पञ्च० २०;

गाढ़ावईणी. स्त्री० (गृहपत्नी) घर धर्मीयाणी गृह स्वामिनी. A housewife. अंत० ३, ८; आया० २, १, ३, १५; भग० १५, १; नाया० ५;

गाढ़ावई-ती. स्त्री० (गाढ़वती) नीलवन्त पर्वतशी नदीमां दक्षिण तरङ्ग आबती २८ हजार नदीआता परिवारे शीता नदीमां भगती सुकच्छ अने महाकच्छ विजयने जुड़ी पारती अ६ महानदी. नीलवन्त पर्वत से निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहती हुई २८ सहस्र नदियों के परिवार सहित शीता नदी में मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करता हुई एक महानदी. Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachchha Vijaya and flowing into the river Shīta, with 28 thousand tributary rivers. It starts from Nilavanta mountain and flows towards the south. ठा० २, ३; जे० प० ३, ६०; —**कुंड.** पुं० (-कुण्ड) सुकच्छ विजयती पूर्वे महाकच्छ विजयती पश्चिमे नीलवन्त

पतिने दक्षिण की ओर ग्राहवती नदीने दरेछ
 नेभां पड़े छे ते दुपु. मुकच्छ विजय की
 पूर्व में व महाकच्छ विजय की पश्चिम में
 नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती
 नदी का धारा जिसमें गिरती है वह कुण्ड.
 name of a lake receiving the
 torrent of the waters of Gra-
 havati river. It is to the south
 of Nilavanta mountain, to the
 west of Mahakachchha Vijaya
 and to the east of Sukachchha
 Vijaya. जं० प० —दीव. पु० (—द्वीप)
 ग्राहवती दुपु. बन्देने द्वीप. ग्राहवती
 कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप. an island in
 the lake into which the river
 Grahavati pours down her
 torrent. जं० प०

गाहिय-अ. वि० (ग्राहिन) शीभावेनः
 अलु डरेवेन. भाखाया हुआ; ग्रहण कराया
 हुआ. Taught; caused to accept
 or take. दमा० ६, २०; मय० १, २,
 १, २०; मग० ३०; मं० २७;

✓ **गिज्झ.** आ० I. (गृह) अ० अ०
 मुं० अ० ७८. लालचा होना; आसक्त होना
 To be greedy; to be confound-
 ed.

गिज्झइ. नाया० १७; मु० च० ८, २८०;
 निग० १२, ३५;

गिज्झेज्जा. वि० आया० २, १५, १५१;

गिज्झा. वि० आया० १, २, ३, ७७;

गिज्झह. आ० नाया० ८;

गिज्झहित. भ० ओव० ४०;

गिज्झ. सं० कृ० उत्त० २६, ३५;

गिज्झ. वि० (ग्राह्य) अलु डरेवा योग्य.
 ग्रहण करने योग्य. Worthy of accept-
 ance; worthy of being taken.

विशे० २४०; २७०; उत्त० १३, १४;
 —वअ. वि० (—वचस) नेगे० यथन अलु
 डरेवा योग्य छे ते. जिसके वचन ग्रहण करने
 योग्य हो वह. (one) whose words
 are worth accepting. क० सं० १,
 ५१;

गिज्झयव वि० (गृह्य) लास्यु यथा
 लास्य. लोभा होनेके लायक. Worthy
 of being greedy for पगह० २, ५;
 —गिगड्याइमग. न० (—गिड्डिकादिरमण)
 गिड्डिकादिरमणी भक्त. गेद व दगडुके का
 खेल. (योग्यता रमन हॉकी के समान) a
 game like hockey. प्रव० ४४१;

✓ **गिगह.** आ० I. II. (गृह) अलु डरेवे
 लेगे० अलुडरेवे ग्रहण करना; लेना; स्वीकार
 करना. To accept.

गिगहइ. नाया० ५; ८; १३;

गिगहइ. उत्त० २५, २८; निग० २, ८;
 नाया० १; १८; १६; पज० ११; मग०
 २, १; ५; मय० २६; जं० प० ५,
 ११५;

गेगहइ. नाया० ८; मग० १२, ५; २५, २;

गेगहइ. मु० च० १, २६५;

गिगहति. विशेष० २०५; नाया० १; २; १८;
 मग० २, १; मय० ८६; दम० ६
 १५; जं० प० ५, ११८;

गेगहति. मग० १८, ३; २५, २;

गिगहामि. नाया० ७; ८;

गिगहामो. नाया० ८; ओव० ३६;

गेगहामो. मग० ८, ७;

गिगहज्जा. वि० आया० २, १५, १७१;

गिगह. वि० वि० नि० २०५;

गेगहज्ज. वि० विशेष० २१२;

गेगहज्जा. वि० मग० ३, १; ६; ५, ६;

गिगह. आ० मु० च० ४, १५०; दम० ७,
 ४५; मग० १, १; २, १;

गिगहाहि. आ० नाया० ७, १२; १४; दम०
६, ३, ११; आया० २, ३, २, १२०;

गिगहसु. आ० सु० च० १, ३५६;

गिगहह. आ० नाया० १२;

गिगहह. आ० नाया० ७;

✓ गिगह. धा० I. (ग्रह) ग्रहणं कर्तुं. ग्रहण
करना. To take.

घेच्छिइ. भावि० वशे० १०२३;

घेच्छामि. भवि० पि० नि० ४८१;

घेच्छं. भावि० विशेष० ११२७;

घेच्छा. भावि० पि० नि० २८१;

घित्तं. सं० कृ० सु० च० २, १७०;

घेत्तण. सं० कृ० नाया० ६; उत्त० ७, १४;

घेत्तुं. सं० कृ० पि० नि० १६३; प्रव० १२८;

गिगहेत्ता. सं० कृ० नाया० ८; १३; १४;

गेगिहत्ता. सं० कृ० भग० २, १;

गिगहऊण. सं० कृ० नाया० २; विवा० ७;

गिगहय. सं० कृ० नाया० ६;

गिगिहत्ता. सं० कृ० नाया० १, ८; २; ४; ७;

६; १२; १६; भग० २, ४; जं० प०

५, ११४;

गेगिहत्तण. हे० कृ० भग० ३, २;

गिगहत्त व० कृ० उत्त० ७४, १३; पि० नि०
१८४;

गेगहमाण. व० कृ० भग० ३, २; ३; ७, १०;

७; ८, ७; नाया० १;

गिगहमाण. व० कृ० विवा० १; वेय० ६, ७;

दमा० २, १२, १६; ठा० ५, २;

सम० २१;

गिगहावह. णि० सु० च० १३, ८६;

गिगहावेह. णि० विवा० २; नाया० ५; १२;

गिगहाविज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिगहावेसु. णि० भु० नाया० १;

गिरहावित्ता. णि० सं० कृ० नाया० ८;

✓ गिरह. धा० I. (गृह क० वा०) ग्रहणं
कर्तुं. ग्रहण किया हुआ. To take.

घिप्पइ. क० वा० सु० च० ४, १६८;

घेप्पइ. क० वा० पि० नि० ३५६;

घेप्पज. क० वा० वि० विशेष० २८७;

घिप्पमाण. क० वा० व० क० भग० १, १;

गिगहण. न० (ग्रहण) पकड़ना.

(Catching; holding. पि० नि० ३८१;

नाया० ६;

गिगिहअव्व. त्रि० (गृहानव्व) ग्रहणं कर्तुं

योग्यः स्वीकार्य योग्य. ग्रहण करने योग्यः

स्वीकृत करने योग्य. Worth being

accepted or taken. अणुजा० १५६;

गिद्ध. त्रि० (गृद्ध) ग्रास्युः आसक्त. लालचीः

आसक्त. Greedy; excessively at-

tached. दमा० ६, १; पगह० १, १; भग०

७, १; नाया० २; ५; ८; १७; दम० ८, २३;

१०, १, १७; उत्त० ४, ४; ८ ११; प्रव०

८४०; भत्त० ११२;

गिद्ध. पु० (गृध्र) ग्रीवः भासादारी पक्षी

विशेष. गंधः मांसाहारी पक्षी विशेष. A

vulture. " डक गिद्धहिंसं सो " उत्त०

१६, ५६; आया० २, १०, १६६; ओव०

३८; प्रव० १०३०; नाया० २;

गिद्धपिट्ठ. न० (गृध्रपट्ट) गृध्रपट्ट नामनुं

भरतुः श्रावणं कर्तुं कर्तुं कर्तुं कर्तुं कर्तुं कर्तुं

दिशना व्युत्थी आवाथी भरतुं तेः आरब्धकाम

भरतुं भानुं अहं. गृध्रपट्ट नामक मृत्यु.

किसी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर

गिद्धादिकका उसको चोंच मार मार कर खाना

वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक. Devour-

ing (by vultures etc.) of carcass

of an animal by pecking; one

of the 12 kinds of death. ठा०

२, ४; भग० २, १; निर्मा० ११, ४१; प्रव०

१०२१; नाया० १६; —मरण. न० (—मरण)

गिद्ध पक्षी के चोंच आवाथी भरतुं ते.

गिद्ध आदि पक्षी के चोंच मार मार कर खाना

वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc. सम० १७;

गिद्धि. स्त्री० (गृद्धि) आकांक्षा; आसक्ति; आतुरता. आकांक्षा; आसक्ति; उत्सुकता. Greed; longing; attachment.

आया० १, ६, २, १८३; प्रब० १०२०;

गिम्ह. पुं० (ग्रीष्म) ग्रीष्म ऋतु; गरमी की मौसम. उन्हाळा. ग्रीष्म ऋतु; गरमी की मौसम. Summer. आब० १७; ३६; भग० ५. १; ७. ३; १४, ८; नाया० १; ८; ९; सूय० १. ३, १, ५; जं० प० ७, १६२; आया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६. १; विशेष० १२७२; निर० ६, १; सु० च० ३, २४०; दस० ३, १२; पिं० नि० ८३; वेय० १, ७; सू० प० ८; कप्प० १, २; ४, १६; गच्छा० ७७; प्रब० ५११; ६११; —उउ. पुं० (—ऋतु) ग्रीष्म ऋतु; उन्हाळा. ग्रीष्म ऋतु. summer season. नाया० ६; —काल. पुं० (--काल) उन्हाळा; वैशाख जेष्ठ मासना समय. ग्रीष्म; वैशाख जेष्ठ मासका समय. summer. नाया० १; —कालसमय. पुं० (--कालसमय) उन्हाळाने वખत. ग्रीष्म का समय. time of summer. नाया० १३;

गिम्हश्च. त्रि० (ग्रीष्मक) ग्रीष्म ऋतुभां थयेलुं. ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ. belonging to the hot season. अणुजो० १३३;

गिरा. स्त्री० (गिर्) वाणी. वार्ता; शब्द- Speech; words. भग० ३, २; ६, ३३; नाया० १; उत्त० १२, १५; निसी० १६, १५; दस० ७, ३; ५४; चउ० १८;

गिरि. पुं० (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननि-वासभूतत्वेन) पर्वत; दुःगिर; पहाड. पर्वत; पहाड; गिरि. A mountain. भग० २;

१; ३, ७; ७, ६; नाया० १; २; १८; आब० ३१; ३८; उत्त० ११, २६; १२, २६; आया० २, १, २, १२; ओघ० नि० ७८४; जं० प० ३, ४७; महा० प० ८२; दस० ६, १, ६; भत्त० १३१; —ईसर. पुं० (—ईश्वर) पर्वताने अधर; मोठा पर्वत. पर्वतों का ईश्वर, महान् पर्वत. the highest mountain. प्रब० १५०५; कंदर. पुं० (कन्दर) पर्वतानी गुहा. पर्वत का गुफा. a mountain cave. विवा० २; नाया० २; १६; प्रब० ८८४; —कडग. पुं० (कटक) पर्वत पासेनी जमीन. पर्वत के पाम का जमीन. the side or ridge of a mountain नाया० १८; —गुहा. स्त्री० (—गुहा) पर्वतानी गुहा. पर्वत का गुफा. a mountain cave. आया० १, ७, २, २०२; —जस्ता. स्त्री० (—यात्रा) पर्वतानी यात्रा (यात्रा) पर्वत की यात्रा. a pilgrimage to a mountain. नाया० १; निसा० ६, १६; —णयर. न० (—नगर) पर्वत पासेंतु नगर; शहर. पर्वत के पडाँम (निकट) का शहर—नगर. a town near a mountain. अणुजो० १३१; —पडण. न० (—पतन) पर्वतथी पडीने भरलु निपग्नवतुं अिक प्रकारतुं आलभरलु. पर्वत से गिर कर मरण होना. death by fall from a mountain. ठा० २, ६; भग० २, १; निसा० ११, ६१; नाया० १६; —पायमूल. न० (—पादमूल) पर्वतानी तलेटी. पर्वत का तला. the bottom of a mountain. भग० १४, ८; —मह. पुं० (—मह) पर्वताने उत्सव. पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय० २१७; —राय. पुं० (—राज) पर्वताने राजा. मेरु पर्वत. पर्वतों का राजा; मेरु पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १६; जं० प०
—रेहा. स्त्री० (—रेखा) पर्वतमां पट्टरी
झट. पहाड म पडा हुआ चाराडा. the
crack in a mountain. क० गं० ५, ६३;
—सिहर. न० (शिखर) पर्वतनुं शिखर
शैत्य. पर्वत का शिखर. the summit of
a mountain. नाया० ५; ६;

गिरिकर्णिया. स्त्री० (गिरिकर्णिका) गिरि
इन्द्रिका नामनी अथ वेत्त. गिरिकर्णिका नाम
का एक वेल. A kind of creeper so
named. पत्र० १;

गिरिकर्त्री. स्त्री० (गिरिकर्णी) गिरि इन्द्रिका
नामनी अथ. गिरिकर्णिका नामका एक वेल.
A kind of creeper. पत्र० २४०;

गिरिकुमार. पुं० (गिरिकुमार) बुद्धदिग्भित्त
पर्वत शिखरी अथ शिखरया अथ शिखर
देवता. चतुर्हस्त्वन्त पर्वत सम्बन्धा एक
शिखर का आनिता देवता. The pre-
siding deity of the summit of
(Chulhimvanta mountain. जं०
प० ४, ७५;

गिरिवर. पुं० (गिरिवर) श्रेष्ठ पर्वत; मेरु
पर्वत. श्रेष्ठ पर्वत; मेरु पर्वत. Meru
mountain, the loftiest and the
greatest of all. भक्त० ११६; —गुरु.
त्रि० (गुरु) मेरु पर्वत समान श्रेष्ठ
श्रेष्ठ. मेरु पर्वत के समान महान्-श्रेष्ठ.
great as Meru. भक्त० ११६;

गिरिसिया. स्त्री० (गिरिमिका) अथ वानजं
वाद्य. एक प्रकार का वाजिंत्र. A kind
of musical instrument. राय० ८६;

गिलमाण. त्रि० (गिलन्) गणतोः पञ्च
पट्टमां उतारी गतो गलित होता हुआ; पुनः
पेट में उतारता हुआ. Swallowing;
swallowing back again into the
belly. वेद्य० ५, १०;

✓ गिला. धा० I. (ग्लं) ग्लानि पाभवी;
सुकाश्रयुं. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना. To
wither; to suffer mental pain.
गिलाह. आया० १, २, ६, १००; भग० २,
१; नाया० १;

गिलायन्ति. भग० ५, ८;

गिलामि. आया० १, ७, ६, २२१; भग० २, १;

गिलायमाण. व० कृ० दमा० ४, १०४; वव०
२, ५; ४, १३; ५, १३; वेद्य० ६, १०;

गिलाण. त्रि० (ग्लान) ग्लानिपाभेदः अशक्तः
शैली; दुर्बल. ग्लानि युक्त; अशक्तः रोगी;
दुर्बल. Withered; enfeebled; sick-
ly; afflicted in mind. उत्त० ५, ११;
सम० ३०; डा० ३, ४; मृग० १, ३, ३, १२;
पगह० २, ३; पि० नि० भा० २७; विवा० ७;
विशे० ४; दमा० ६, २३; २४; निर्मा० १०,
८२; १६, ६; भग० ८, ८; १२, २; नाया०
१३; कप० ६, १८; गच्छा० ११६; प्रव०
१४५; १६२; २२५; ८७२; —प्रयोग. पुं०
(—प्रयोग) अशक्तने अनुकूल पट्टे अथवा
प्रयोग-उपचार. अशक्त को अनुकूल हो ऐसा
प्रयोग. treatment, remedy agree-
able to an enfeebled person.
निर्मा० १०, ४४; —भक्त. न० (—भक्त)
शैली-अशक्तने भाटे तैयार करेयुं भोजन.
रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ
भोजन. food for an invalid. श्रव०
४०; भग० २, ६; ६, ३३; नाया० १; निर्मा०
६, ६; —वैयावच्च. न० (—वैयावच्च-ग्लान-
नस्य भक्तपानादिभिरुपष्टम्भः) शैलीनी वेया-
वच्च-सेवा. रोगी की “ वैयावच्च ” सेवा.
tending the sick; service
rendered to a sick person. डा०
२, १; वव० १; २; ७; भग० २५, ७;

गिलासणि. पुं० (ग्लानि) अरभः शैली;
अरभः व्याधि. भस्मकरोः भस्मक व्याधि.

A kind of disease. आया० १, ६, १, १७२;

गिलिअ. त्रि० (गलित) गाली गयेद; गली नीये उतायेद. गलित; गले के नीचे उतारा हुआ. Eaten: consumed. पि० नि० १८२;

❖ **गिलिल.** स्त्री० (*) दाथीनी अयाडी. हाथी का ओहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. ज० प० भग० ३, ४; ५, ७; ८, ९; ११, ११; (२) भे भायुसेअं उपाउव जाली-डाली. दो मनुष्यों ने उठाई हुई कोली-डाली. a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा० ६, ४; सूय० २, २, ६२; (३) उँटन पदवायु. उँट की काठी. the saddle which is tied on the back of a camel. नूय० २, २, ६२; जवा० ३, ३;

गिह. न० (गृह) घर; भवन; रहनेवाला घर; मकान. A house; a residence. आया० १, ५, ६, १६४; २, ४, २, १३६; ओव० ११; भग० ३, ७; १२, १; १५, १; नाया० १; २; ३; ५; ८; १३; १४; १६; १८; वव० ८, १; निमा० १, ५६; ६, १२; वेय० १, १२; ४, २६; मु० च० २, ५००; दस० ७, २७; उवा० १, ५८; —**अंगण.** न० (-अङ्गण) घरनु आंगण-कण्णिणु. घर का आंगन. a court-yard in front of a house. निमा० ३, ६३; —**अंतर.** न० (-अन्तर) गृहान्तर-भे घर वर्येने भाग; घरनु अन्तराल. गृहान्तर-दो घर का मध्यस्थ भाग. an interval of space be-

tween two houses; the inside of a house. आया० १, ६, ५, १६४; —**अंतरणिसिजा.** स्त्री० (-अन्तरनिपया) भे घरनी वर्ये भेडक करी ते. दो घर के बीचमें बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा० ३, ४;

—**एलुग.** न० (-एलुक) उभरे आरणा नीयेने भाग. देहली-द्वार के नीचे का भाग. the threshold. आया० २, ५, १, १८८;

—**एलुय.** न० (-एलुक-अलिन्द) घरने उभरे. घर की देहली. the threshold. निमा० ३, ६३; १३, ४; —**दुवार.** न०

(-द्वार) घरनु आरणु. घर का दरवाजा. a house-door. निमा० ३, ६३; —**धम्म.**

पुं० (-धर्म) गृहस्थने धर्म (अतिथी सत्कार वगैरे). गृहस्थ का धर्म (अतिथि सत्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नाया० ८; १५; —**मुह.** न० (-मुख) घरने आगंगा भाग. घर का आंग का भाग. the front of a house. निमा० ३, ६३; —**लिंग.** पुं० (-लिङ्ग)

गृहस्थने वेप. गृहस्थ का वेष. the garb of a householder. भग० २५, ६; ७;

—**वइ.** पुं० (-पति) घरने धणु. घर का मालिक. the owner of a house;

the lord of a house. दस० ५, १, १५; १६; प्रव० ६८८; —**वच्च.** न० (-वर्चस्) घरने क्यरे. घर का कुटा.

the dirt or refuse of a house. निमा० ३, ७३; —**वास.** पुं०

(-वास) घरने वास; गृहस्थाश्रममें रहेवु ते. गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vice foot-note (*) p. 15th.

of being a householder. उत्त० ५, २४; ३२, २; —संधि. पुं० (-सन्धि)
 दो घरनुं जेडाणु; दो घरनी पर्यंतो प्रदेश.
 दो घर का संधान; दो घरों के बीच का प्रदेश.
 the interval of space between
 two houses. उत्त० १, २६;

गिहकोकिलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) गृह-
 आधिका-देवशरीरी. छिपकली. A lizard.
 विशेष० २४५६;

गृहस्थ. पुं० (गृहस्थ-गृहमगारं तत्रतिष्ठति सः)
 गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ. गृहस्थाश्रमा-गृहस्थ.
 A householder. उत्त० २, १६; ५, २२; भग० ३, १; नाया० ११; १५; दम० ५, २, ४५; मु० च० १५, ७०; निर्मा० १२, १६; गच्छा० ११०; आब० ६, ६; पंचा० १३, ३५; भक्त० १४; १७०; —धम्म.
 पुं० (-धर्म) गृहस्थनी धर्म; श्रावक धर्म.
 गृहस्थ का धर्म. श्रावक धर्म. the duties
 or the rules of a layman. गच्छा० ३०; —पञ्चकख. न० (-प्रत्यक्ष) गृहस्थ-
 नी समक्षप्रत्यक्ष; गृहस्थना देखती. गृहस्थ
 के समक्ष-समाप-प्रत्यक्ष गृहस्थ का दृष्टिके
 सामने. in the presence of a
 householder गच्छा० ११०; —भाव.
 पुं० (-भाव) गृहस्थपणुं. गृहस्थपन. the
 status of a householder. पंचा० १०, ३६; —भासा. स्त्री० (-भाषा) गृहस्थनी
 भाषा; भाभा, आभा, भाषा वगैरे भाषाणुं ते.
 गृहस्थ की भाषा; मासा, माता, भाई इत्यादि
 बोलना. the householder's mode
 of addressing relations. गच्छा० ११७; —संसृष्ट. त्रि० (-संसृष्ट)
 गृहस्थना धी वगैरे पदार्थधी पराशयेत्
 (दाथ वगैरे). गृहस्थ के धा इत्यादि पदार्थ
 से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands
 of a householder smeared

with ghee etc. आब० ६, ६;
 गिहि. पुं० (गृहिन-गृहमस्यास्तीति) गृहस्था-
 श्रमवर्ती; गृहस्थ. गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ.
 A householder. दस० ३, ६; ६, १६;
 ८, ५१; ६, ३, १२; पि० नि० भा० ३२;
 पि० नि० १४३; १४६; विशेष० ३३७२;
 उवा० १, १२; पंचा० १, ३१, ४, ७;
 गच्छा० १२४; प्रव० २; —जोग. पुं०
 (-योग) गृहस्थनी योग-समागम.
 गृहस्थ का परिचय समागम. contact
 with a householder. दम० ८, २१,
 १०, १, ६; —गिसिज्जा. स्त्री० (-निषया)
 गृहस्थनी भेडक पतंग आदि. गृहस्थ की
 शय्या पतंग आदि. the seat e.g. a cot
 etc. used by a householder.
 निर्मा० १२, १६; —तिगिज्जा. स्त्री०
 (-चिकित्सा) गृहस्थनुं वैदुं करणुं ते.
 गृहस्थ का वैदिक उपाय करना. medical
 treatment of a householder.
 निर्मा० १२, १७; —धम्म. पु० (-धर्म-
 गृहं यस्यास्मीति तद्धर्मः) गृहस्थधर्मनैज
 श्रयस्कर माननार वर्ग; त्याग धर्मनुं उत्था-
 पन करनार. गृहस्थ धर्मको ही श्रयस्कर
 मानने वाला वर्ग; त्याग धर्म का उत्थापन
 करने वाला. one who regards the
 duties of a householder as the
 highest duties; one opposed to
 asceticism. अणुजो० २०; (२) श्राव-
 कना आर वनरूप गृहस्थ धर्म. श्रावक के
 द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the pre-
 cepts or the 12 vows of a Jain
 layman. विवा० १; राय० २२३; नाया०
 १४; —निसिज्जा. स्त्री० (-निषया) गृह-
 स्थीनी भेडक. गृहस्थी की बैठक- the
 seat of a householder. गच्छा०
 १२६; —पडिक्कमण न० (-प्रतिक्रमण)

गृहस्थनुं-श्रावकनुं प्रतिक्रमण. गृहस्थ का-
श्रावक का प्रतिक्रमण. Pratikraman
(prayer and confession of
faults) to be practised by a
layman. प्रव० २: —भायण. न०
(--भाजन) गृहस्थनां वासणु-थाणी विशेषे.
गृहस्थ के पात्र-थाली इत्यादि. house-
hold utensils. सम० १८: दस० ६,
८: ५२: —मत्त. न० (--अमत्र) गृहस्थना
भाजन-थादी इत्यशा विशेषे. गृहस्थ के बरतन
-पात्र-थाली कलश आदि. cups, dishes
etc. used by a householder दस०
३, ३; निर्मा० १२, १४: —वत्थ. पुं० (--वत्थ)
गृहस्थनां वस्त्र. गृहस्थ के वस्त्र. clothes
of a householder. निर्मा० १२, १५:
—व्यय. न० (--व्रत) गृहस्थनां व्रत;
श्रावकनां व्रत. गृहस्थ के व्रत; श्रावक के
व्रत. the vows or precepts of
a layman. प्रव० ५४: —संयव. न०
(--संयव) गृहस्थनां विशेष परिचय. गृह-
स्थका विशेष परिचय. close contact
with a householder. दस० ८, ५३;
गिहिभूय. त्रि० (गृहीभूत) गृहस्थ सरूपा.
गृहस्थ के समान. Resembling a
householder. वच० २, २१: —**लिङ्ग.**
न० (--लिङ्ग) गृहस्थनुं चिह्नं वेप.
गृहस्थ का चिह्न-वेप. a mark of a
householder; dress; garb. उत०
३६, ४६; सम० प० २३१; पञ० १; प्रव०
११: ५७६: —**लिङ्गसिद्ध.** पुं० (--लिङ्ग-
सिद्ध) गृहस्थना वेप धारणुं कुरी सिद्ध
थयेत्; (नेम भद्रदेवी). गृहस्थ का वेप
धारण कर सिद्ध जा हुआ है वह (यथा मरु
देवां). one who has become a
Siddha in the condition of a

householder; e. Marudev

पञ० १;

गीअस्थ. त्रि० (गीतार्थ) अदुसूची.
बहुसूत्री. Learned; well-versed.
गच्छा० ४१;

गीइ. स्त्री० (गीति) गीत; छन्द विशेष. गीत;
छन्द विशेष. Art of music;
name of a metre. नाया० १;

गीइय. पुं० (गीतिक) गीत-इति अनाप-
यानी विधि. गीत-कविता बनाने का विधि.
A poet; a composer of songs.
नाया० १;

गीत. न० (गीत) गायन-गीत. गाना-गीत. A
song. अणुत्रि० १२: ८; ओव० २४: पंचा० ६.
५: (२) अत्र तथा अर्थान् गतयोरु; विद्वां त.
सूत्र व अर्थ का जानने वाला; विद्वान्. a
learned person; one knowing
the original text and its mean-
ing. पंचा० १०, ४६;

गीय-अ. न० (गीत) गीत-गायन इति.
गीत-गायन कला. Art of song;
music. भग० ७. ६; ११, ११; नाया०
१: ८; १४; सू० च० २, ३२६; जीवा०
३, ४; ओव० ३२: ३८; उत० १३, १४:
१६, ५; सू० प० १८; राय० १६: कप०
२, १३; आया० २, ११. १७०; (२)
गीतार्थ; आगमनां गद्य. गीतार्थ; आगम
का ज्ञान. one knowing the
Āgamas (scriptures). जं० प०
७, १४०; प्रव० ८६६; पंचा० ११, ६:
—**वाइय.** न० (--वादिन) गीत अने
वादित्र. राग और साज Singing and
music. जं० प० ५, ११२;

गीयजस. पुं० (गीतयजस) गन्धर्व अतः
व्यन्तर देवतातो अग्निं धृष्ट. गन्धर्व
जातिके व्यन्तर देवता का द्वितीय इंद्र. The

second Indra of Gandharva class of Vyantara gods. ठा० २, ३; भग० ३, ८: १०, ५; जवा० ३, ४; पञ्च० २; गोप्यथ. पुं० (गांतार्थ) शास्त्रना अर्थने वाञ्छनाः अद्भुत. शास्त्र के अर्थ को जाननेवाला; बहुव्रुत. One well-versed in scriptures. प्रव० ७७७; गच्छा० १००; —मीमिअ. त्रि० (मिश्रित) गीतार्थ अने अगीतार्थ अने मिश्रण. गांतार्थ व अगीतार्थ इन दोनों का मिश्रण. consisting of a mixture of both Gitārtha and Agitārtha i. e. the well-versed in scriptures and the ignorant. प्रव० ७७७;

गान्धर्वः पुं० (गान्धरि) दक्षिण तरफ का
गन्धर्व देवता। इन्द्र, दक्षिण तरफ का
गन्धर्व देवता का इन्द्र, Indra of the
southern Gandharva gods. अग०
३. ८. ३०. ४; पञ्च०२; विवा०२; शान्०३;

गर्वा. क्वा० (गर्वा) १३३, गरदन गर्तु कण्ठः
गरदनः गर्वा. Neck: throat. आया०
१. १. २. १६: अणुजा० १४३: आवा० १०:
उत्त० ३४, ६: नाया० २: ४: १४: जावा०
३ ३: पञ्च० १४. राय० ५२: जं०प० उवा०

गुंजन. त्रि० (गुञ्जन) गुंजन्त्य इत्येतादौ-ली-गुं-
 गुनगुन करता हुआ. Humming: giving
 out a low sound. आव० नाया० १:
गुंजद्ग. न० (गुञ्जार्थ) अर्धं अष्टौर्धा; अर्धं
 रति. अर्धरति. Half a Guinja (१.
 v.) in weight: a little less
 than one grain. भग० २, १: नाया०
 १: —**राग.** पुं० (-राग) अर्धं अष्टौर्धा
 राग. अर्ध-रतिका राग. tune of a half
 gram. क०प०

गुंजा. स्त्री० (गुञ्जा) मञ्जोटीः इति एक जाति

का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काला ऐसा
चने के दाने के प्रमाणका फल कि जो
गोना, चाँदा इत्यादिको तोलने में काम आता
है: रत्ना. A red black berry of a
shrub of the same name equal
to two grains in weight. अथ० १३:
अगुजा० १६: १३३: पञ्च० १७: राय ४३:
६३:—वहली खीं(—वल्ली) यज्ञादीनी वेद.
एक जाति के लाल परन्तु उपरमें काले रंगमें
मिश्रान् चने के दानेके समान फल की बेल कि
जो गोना चाँदा इत्यादि को तोलने में काम आता
है: रत्ना. A line of the red black
berries of a shrub of the same
name. पञ्च १:

गुजालिआ-या. खा० (-गुजालिका) बांझ
 पाव, नींद, नंद, पथरे. टेढा बावडी, नहर
 इत्यादि. A canal or a channel of
 water which is not straight.
 श्राव० ३८; अगुजो १३४; निगा० १२, २१;
 जीवा० ३. ४; राय० १३२; भग० ५, ७; ८,
 ९; नाया० १: २; पगह० ३, ५;

गुंजाचाय. पुं० (-गुञ्जाद्वात्) शब्द इत्येता
गुंजायाः भारते पवन शब्द कर्ता हुआ
गुंजाया मारता हुआ पवन. Hissing
wind. उत० ३६, ११३; पञ्च० १:

मुञ्जिय. वि० (मुञ्जिन) मुञ्जद्वय इत्येतत् ।
 गृजारव किया हुआ, Sounding lowly;
 humming, पगढ़० १, ३: प्रब० १४७१;

गुंडण. न० (गुंगडन) २०४थी 'अरुण' ते. रज
से भरजाना-विगडना. Spoiling smear-
ing with dust etc. नाया० १:

गुडिञ्च-य . नि० (गुडिञ्च) २०४थी अ० ५०
 यत्न . रजमे भरा हुआ . Smeared with
 dust . पि० नि० ४४२ : नाया० १ : (२)
 पी० ५० ५० : घेराये ५० . घेरा हुआ ; लिपटा
 हुआ . rolled ; wrapped . ओष० नि०

भा० १६३; परह० १, ३; सुय० १, २, १, १५;
गुन्दरुक्ख. पुं० (गुन्दरुक्ख) ऐकं गतानुं गच्छ.

(गुंदा) एक जाति का फल-वृक्ष. A kind of tree having fruits equal in size to hog-plums; a tree full of gum. भग २२, १;

गुन्दल. न० (गुन्दल) व्रीडा; भ्रम. कौड़ा खेल.

Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ. पुं० (गुच्छ) रीगण्णी प्रमुञ्चता गुच्छा.

वृक्षादिका गुच्छा. A cluster of trees etc. जे० प० १, १०; नाया० १; ४; भग० ७, ६; १२, १; जावा० १; पञ्च १; (२) गुच्छे० शरीर परेरे उपरशी २०८ के गुंजुते पुंजुते हर करवानुं ऐकं साधन-धर्मिणुं उपकरण. (२) गुच्छा; शरार इत्यादि के ऊपरसे रज व जंतु दूर करने का एक साधन-धर्म का उपकरण. a kind of brush made of woollen threads to remove dust or insects from body etc. आच० ४, ८;

गुच्छग. पुं० (गुच्छक) गुच्छे. गुच्छा A cluster. प्रव० ५०६;

गुच्छय-अ. पुं० (गुच्छक) शरीर अन्ते वस्त्र पात्र पुंजवाने उन्नेते गुच्छे-गोच्छे.

शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का ऊनका गुच्छा. A wollen brush to cleanse the body, vessels clothes etc. उक्त० २६, २३; आच० नि० ६६८;

गुज्ज. त्रि० (गुह्य) गुप्त यातः अहारना भाजुंसे आगण प्रकाशना योग्य नदि ते. गुप्त वर्णन; बाहर के मनुष्यों के समाप प्रकाशित करने योग्य नहीं वह. (Anything) secret; private. प्रव० ४४२; ५३६; राय० २१०; नाया० २; ७; (२) गुह्य भाग; गुप्तेंद्रिय. गुह्य भाग; गुप्तेंद्रिय. अ

secret part of the body. आच०

नि० भा० ३१३; परह० १, ४; आच० १०;

अणुजो० १३०; नाया० १; २; (३)

भवनपति देवताते ऐकं अयान्तर भेद.

भवनपति देवता का एक अवान्तर भेद.

a sub-division of gods known

as Bhavanapati. दम० ७, ५३;

—अंतर. न० (-अन्तर) गुह्यस्थानते

पयसो भाग. गुह्य स्थान का मध्यस्थ भाग.

the middle portion of a private,

secret part (e. g. of the body).

नाया० १६; नाया० ध० —अंतराय. पुं०

(-अन्तराल) गुह्यस्थानते अंतराल मध्य

भाग. गुह्य स्थान का अंतराल-मध्य भाग. a

middle portion of secret parts

(e. g. of the body). “गुज्जकंतरायं

धोवेति ” निर० ४, १; —अणुचरिय.

न० (अनुचरित) गुह्य गतना भवनपति

देवताते सेवेतुं (स्थान). गुह्य जाति के

भवनपति देवताते सेवित किया हुआ (स्थान).

(a place) resorted to by gods

styled Guhyas. दम० ७, ५३;

गुज्जभ. पुं० (गुह्यक) भवनपति देवता

ऐकं गत. भवनपति देव का एक जाति.

A particular kind of deities; a

Bhavanapati (lords of the

lower parts of the earth)

god. दम० ६, २६; पि० नि० ४२२; दम०

६, २, १०; (२) गुप्त; अदृश्य. गुप्त;

अदृश्य. secret. सम० १०; आच० नि०

भा० २३८;

गुज्जभदेस. पुं० (गुह्यदेश) गुह्य स्थान. गुह्य

स्थान. Rectum. प्रव० २५३; —रक्खट्ट.

न० (-रक्खर्थ) गुह्यस्थानती रक्षाभाटे.

गुह्य स्थान का रक्षा केलिये. for the

safety of rectum. प्रव० ५३६;

गुञ्जसाला. स्त्री० (गुञ्जशाला) गुप्त घर.

गुप्त घर. A secret house; a private room. निसी० ८, १७; —**गय.** त्रि० (—गत) गुप्त घरभां रहैल गुप्त घर में रहा हुआ. (one) gone in a private room. निसी० ८, १७;

गुह. पुं० (गोष्ठ) गोथोने रहैवानो वंछा. गोथो को रहने का बाड़ा. A cow-pen. भक्त० १६२;

गुड. पुं० (गुड) गोण; शेरहीना रसथी अनेक आद्य पदार्थ. गुड; गजे के रस में बना हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पिं० नि० भा० ३; अणुजो० ६५; जांवा० ३, ३; प्रव० २०६; कप० ६, १७;

गुहाचार. त्रि० (गुहाचारिन्) पोतानो दुष्ट-आर धृष्ट-वृत्तार. अपना दुष्टाचार छिपाने वाला. (one) hiding one's own misconduct. दसा० ६, ८;

✓ **गुण.** धा० I.II. (गुण) गुण्युः आव-तन करयुं. गुणना; आवर्तन करना. To multiply.

गुणह. मु० च० १४, ६१;

गुणनि. श्राघ० नि० ६६३;

गुणेत्या. सं० कृ० जं० प० ७, १३५;

गुण. पुं० (गुण) गुण्यु मूलगुण अने उत्तर गुण्युः मूलगुण-महाव्रत; उत्तरगुण्यु-समिति आदि. गुण-मूलगुण व उत्तरगुणः मूलगुण महाव्रत, उत्तरगुण-समिति आदि. A quality; it is classified into Mūlaguṇa i. e. a full vow and Uttaraguṇa i. e. Samiti etc. विशेष० १; अणुजो० २१; दस० ८, ६१; (२) श्रावकनां त्रय गुण्यु व्रत; ६ ६ ७ भुं अने ८ भुं व्रत. श्रावक के तीन गुण व्रत. छठा सातवा व आठवा व्रत. the three vows viz. the 6th, the 7th and

the 8th of a Jaina layman.

भग० २, ५; ७, ६; नाया० ८; पञ्च० २०; (३) द्रव्यभां रहैल धर्म; वस्तुस्वभाव. the nature of a thing. श्राव० पञ्च० १५; पिं० नि० भा० १; (४) शब्द, रूप, रस आदि कामना गुण्यु; धीन्द्रिय विषय. शब्द, रूप, रस आदि काम के गुण्यु; इन्द्रिय विषय. the object of senses viz. sound, sight, taste etc. पिं० नि० १२८; आया० १, १, ४, ३४; १, २, १. ६२; (५) क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता आदि सद-गुण्यु. क्षमा, विनय, ज्ञान, सौभाग्य, सरलता इत्यादि सदगुण. the virtues e.g. forgiveness, modesty, knowledge, straightforwardness etc. भग० २, १; ७, २; ८, ४; २५, ४; ४२, १; नाया० १; ३; ८; १०; १६; दस० ५. २, ४४; ६, ६; ७, ५६; ६, १, १७; ६, ३, ११; राय० ८०; २१५; नंदी० स्थ० ४; अणुजो० १२८; पिं० नि० ३१२; उवा० १. ६३; क० प० १, २६; क० गं० २, २; (६) सूत्रना तांतणुः दोरा. सूत के तंतु; डोर. cotton threads. जांवा० ३; राय० १०६; कप० ३, ३४; (७) गुण्युः गुणाकार करवे; गिनना; गुना करना. counting. जं० प० ५. १२१; पञ्च० २; ८; कप० ३, ३४; —**अणुराग.** पुं० (—अनुराग) गुण्युने अनुराग-प्रेम. गुण का अनुराग-प्रेम. love for merit. भक्त० ५४; —**अहिय.** त्रि० (—अहिक) गुण्युकी अधिक. गुणों से करके अधिक. surpassing by reason of, in point of qualities. उक्त० ३२, ५; —**आस्वाद.** पुं० (—आस्वाद) विषयना शब्दादि गुण्युभां आस्वाद; आसक्ति. विषय के शब्दादि गुणों में आस्वाद-आसक्ति.

attachment to objects of senses such as sound etc. आया० १, १, ५ ४३; —उत्कृत्तण. न० (—उत्कीर्तन) गुणुं गवां; गुणुते वभाणुवां. गुणोंका गान करना; गुणों का प्रशंसा करना. extolling, praising of merits. पंचा० ४, २४; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) गुणु प्रधानः गुणुं कुरी श्रेष्ठ. गुणप्रधान; गुणों से श्रेष्ठ. superior by reason of or in point of qualities. उत्त० १२, १; —उत्पायण. त्रि० (—उत्पादन) गुणु-रसादिने उत्पन्न कर्तुं ते. गुण इत्यादि को उत्पन्न करना. producing, exciting such qualities as taste etc. भग० ७, १; —उचंचय. त्रि० (—उपेत) गुणुथी युक्त. गुणों से युक्त having qualities; possessed of qualities. नावा० ८; विवा० २; कण्ठ० १, ८; —कर. त्रि० (—कर) क्षयहे करनार लाभ देने वाला. a benefactor. पंचा० ५, १२; —करण. न० (—करण) भृत् गुणु अने उतर गुणु २५ करणु. मूलगुण व उत्तर गुण रूप करण. thought-activity in the form of Mahavrata and Samitis etc. विशेष० ३३५४; —कार. पुं० (—कार) गुणाकार-अथैक रक्षमते श्रीष्ट रक्षमथी गुणुं ते. गुणाकार; एक संख्या को दूसरी संख्या में गुनना. multiplication. सम० ८४; प्रव० १३५१; —कखाण. न० (—आख्यान) गुणु कीर्तन. गुण कीर्तन. praise. पंचा० २, २४; —गण. पुं० (—गण) गुणुंते समूह. गुणों का समूह. a collection of qualities or virtues. नाया० १०; —गाहि. त्रि० (—ग्राहिन्) गुणुते ग्रहणु करनार. गुण ग्राही; गुण को ग्रहण करने वाला. (one) who appreciates

virtues. उत्त० ३६, २६०; —जुअ. त्रि० (—युत) गुणुवालो; गुणुवंत. गुणवाला; गुणवंत; गुणयुक्त. meritorious; possessed of good qualities. पंचा० २, ३४; —ट्ठाण. न० (—स्थान) मिथ्यात्व आदि १४ गुणुस्थान. मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान. the 14 stages including false belief etc. क० गं० २, १; ४, १; पंचा० ८, २१; १०, ११; १५, ४६; —ट्ठाणअ. न० (—स्थानक) मिथ्यात्व आदि १४ गुणुस्थानक. मिथ्यात्व आदि गुणस्थानक. the 14 stages including false belief etc. क० गं० ६, ४८; —ट्टि. त्रि० (—अर्थिन्) शब्द आदि विषयगुणुते अर्थि-अभिप्रायी शब्द आदि विषय गुणका अर्थ-अभिप्रायी. (one) desirous of objects of senses like sound etc. आया० १, २, १, ६२; —ट्टिअ. त्रि० (—अर्थिक) ७२ आ “गुणट्टि” शब्द. देखो “गुणट्टि” शब्द. vide “गुणट्टि” आया० १, १, ४, ३४; —णित्पण. त्रि० (—नप्यन्न) गुणु प्रमाणे उत्पन्न थयंतुं. गुण से उत्पन्न हुआ हो वह. born of qualities. नाया० १; १६; —णिट्ठि. पुं० (—निधि) गुणुंते भंडार. गुणों का भंडार. a store of merits. पंचा० ८, ४३; —(ण)णित्ठअ. त्रि० (—अन्वित) गुणु संहित; गुणुवांतुं. गुण सहित; गुणयुक्त. having qualities. विशेष० ८६; —णित्थ. त्रि० (—अर्थिन्) लुंआ “गुणिट्ठ” शब्द. देखो “गुणिट्ठ” शब्द. vide “गुणिट्ठ” विशेष० २६४२; —धारणा. स्त्री० (—धारणा) सद्गुणु धारणु करवा ते. सद्गुण धारण करना. adopting of virtues. अणुजो० ५८; (२) आवश्यक भूतना प्रत्याख्यान नामे अध्ययनं अपर-

नाम. आकश्यक सूत्र के प्रत्याख्यान नामक अध्ययनका अपर नाम. the other name of the chapter Pratyakhyāna of Āvaśyaka Sūtra. विशेष० ६०२; - - द्वि. छा० (- च्छि) गुण रूप समृद्धि; गुण लक्ष्मी. गुण रूप समृद्धि; गुणलक्ष्मी. wealth in the form of merits. पंचा० ७, ६; —निष्पन्न. त्रि० (- निष्पन्न) लुप्ता “गुणनिष्पन्न” शब्द. देखा “गुणनिष्पन्न” शब्द. vide “गुणनिष्पन्न” भग० ११, ११: १४, १; नाया० २; कण्ठ० ४, ६०; —निष्पन्न. त्रि० (- निष्पन्न) लुप्ता “गुणनिष्पन्न” शब्द. देखा “गुणनिष्पन्न” शब्द. vide “गुणनिष्पन्न” क० प० १, २०; —निबद्ध. त्रि० (- निबद्ध) गुण-दोरी अथवा सदगुणों का बंधायेत गुण-डोरा अथवा सदगुणों में बंधाया हुआ. bound. tied with merits, qualities. भक्त० ११६; —निधि. पुं० (- निधि) गुणों का भंडार. a store of merits, qualities. पंचा० १४, ४०; —परिग्रह. पुं० (- परिग्रह) धन गुण बहुत गुण many merits, qualities. पंचा० ८, ४; —परिहाण. छा० (- परिहाण) गुणों का नष्ट होना. गुण का ज्ञान. knowledge of qualities. पंचा० ७, २४; —परिहाण. छा० (- परिहाण) गुणों का नष्ट होना. गुणों की हानि. loss of qualities or attributes. नाया० १३; —पसन्ध. त्रि० (- पसन्ध) सदगुणों की वन्दना. प्रशंसा. praised. क० प० ५, २; —पेहि. त्रि० (- पेहि) गुणदर्शी; गुणवादी. गुणदर्शी; गुणवादी. grateful. क० ग० १, ६०; —प्रमाण. न० (- प्रमाण) गुण-आत्मगुण-जातारूप

प्रमाण-प्रमेय वस्तुओं परिलक्षित करनेवाला. गुण-आत्मगुण जानादि रूप प्रमाण-प्रमेय वस्तु का परिलक्षित करनेवाला. the measure of merits. विशेष० ६०३; —प्रमाण. पुं० (- प्रधान) संयमादि गुणों का प्रधान. prominent by reason of, in point of the qualities of asceticism etc. नाया० १; —भवपञ्चय. त्रि० (- भवपञ्चय) गुण अने भव अने देवों का कारण देय. गुण व भव ये दो जिसे में कारण हो वह. that in which birth and merits are the cause. क० प० २, ६८; —मुक्तजोगि. पुं० (- मुक्तयोगिन्) विप-यदि गुणरहित योगी-साधु. विषयादि गुण रहित; योगी-साधु. an ascetic; one free from passions. नाया० १२; —रागि. त्रि० (- रागिन्) गुणों का योगी; गुणों का पक्षपाती. गुण का राग; गुण का पक्षपाती. (one) given to virtues. प्रव० १३७१; पंचा० ३, ६; ७, ७; —रासि. पुं० (- रासि) गुणों का योगी; गुणों का भंडार. a store of virtues. गच्छा० ६४; —विसिद्ध. त्रि० (- विसिद्ध) उपशम, संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्तिक्य इन ५ गुणों से युक्त. (one) possessed of five virtues viz. Upaśama, Samvega, Nirveda, Anukampa, Astika etc. प्रव० ६६६; —संकर. पुं० (- संकर) गुणों का समुह. a collection of attributes. नाया० ६; —संपन्न. त्रि० (- सम्पन्न) गुणसम्पन्न; गुणों से भरपूर. गुण सम्पन्न; गुण से भरा हुआ. full of attributes. गच्छा० १२७; —सायर.

पुं० (-सागर) गुणुनो समुद्र. गुणसागर;
गुण का समुद्र. an ocean of qual-
ties or virtues. दस० ६, ३, १४;
गच्छा० १०३; —सुद्विअण्व. त्रि०
(-सुस्थितात्मन्) जेना आत्मा गुणुमां
सारी रीते स्थित छे ते. जिसका आत्मा गुणमें
अर्द्धा तरहमें स्थित है वह. (one)
whose soul is strictly given to
virtues. दस० ६, १५, ३; —हाणि. स्त्री०
(-हानि) गुणु अने हानि; वधादे अने
वधादा. गुण व हानि; अधिकता, न्यूनता.
loss and gain. क० प० १, १०; ३,
८; —हीण. त्रि० (-हीन) गुणविनाजु.
गुण रहित. devoid of attributes.
गच्छा० १०६; क० प० १, ७८;

गुणश्रो. अ० (गुणतस) गुणुश्री; गुणुआश्री.
गुणसे; गुणश्राश्री. By reason of
qualities; in point of qualities.
उत्त० ३२, ५; भग० २, १०;

गुणण. न० (गुणन) आवृत्ति; ग्रंथविचार.
आवृत्ति; ग्रंथविचार. Multiplication;
revision; reflecting upon the
contents of a book. पि० नि० ६६४;
विशे० १११३;

गुणरयण. न० (गुणरज) सेण मदीनानुं
अंक तप के जेमां पड़ेले मदिने अंकक उप-
वास, श्रीजे अजे, यावत् सेणमे मदीने सेण
उपवास करवा पड़े छे, दिवसें उकुडु आसने
सूर्यानी सन्मुख अने रात्रि पीर आसने
पल्ल रहित भेसवानुं होय छे; सेण भासे
आतप पूरुं थाय छे. सोलह मास का एक
तप कि जिसमें प्रथम मास में एक एक उप-
वास, दूसरे में दो दो, यावत् सोलहवें मास
में सोलह उपवास करने पड़ते हैं, जिसमें दिनको
उकुडु आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि
को वार आसन से वल रहित बैठने का होता

है, सोलह मास में यह तप संपूर्ण होता है.
A kind of penance lasting for
sixteen months in which one
fasts for a day in the first
month, for two days in the
second and so on for sixteen
days in the 16th month. Du-
ring day one has to sit in a
certain bodily posture facing
the sun and at night in an-
other posture without clothes
on the body. The day posture
is Oukhadu Āsana while the
night posture is Virāsana. श्रंत०
१, १; कप० ७, ६; —वत्थर. न०
(-वत्सर) गुणुरज संवत्सर नामनुं. गुणरज
संवत्सर नामका. name of a kind of
austerity. प्रव० १५८०; —संवत्थर. न०
(-संवत्सर) गुणुरज संवत्सर अ नामनुं अंक
तप छे. गुणरज संवत्सर इम नामका एक तप
है. name of a kind of austerity.
भग २, १; नाया० १;

गुणवंत. त्रि० (गुणवत्-गुणा मूलोत्तर विशु-
ध्यादयो विद्यन्ते येषां ते) गुणु; गुणुयुक्त.
गुणवान; गुणयुक्त. Possessed of
qualities or virtues. गुणवश्रो. व०
ए० अणुजां० ५८;

गुणवेरमण. न० (गुणविरमण) आचक्रुं ७५ं
सातमुं अने आहं ५ं अ तालु पत. आचक्रं
छेठ, सातवे और आठवे यह ३ व्रत. The
three vows viz. the 6th, 7th
and 8th of a Jaina layman. राय०
२२६; नाया० ८;

गुणव्यय. न० (गुणव्रत) लुओ “ गुण-
वेरमण ” १५८. देखो “ गुणवेरमण ”
शब्द. Vīda “ गुणवेरमण ” आउ०

४; ठा० ४, ३; दस० ६, २; पंचा० १; १६;

गुणसंकम. न० (गुणसंकम) अत्यध्यमान अशुभ प्रकृतिना दृष्टिमाने अत्यध्यमान प्रकृतिमां प्रति समय असंख्यात गुण वृद्धि अउभेयवा ते. अबद्धमान अशुभ प्रकृति के समूह को बध्यमान प्रकृतिमें प्रति समय असंख्य गुण वृद्धि से जोड़ना. Adding infinitely of sinful molecules every instant in the acquired ones. क० प० २, १००;

गुणसंकमण. पुं० (गुणसंकमण) ण्युत्था " गुणसंकम " शब्द. देखो " गुणसंकम " शब्द. Vide " गुणसंकम " क० प० २, ७०;

गुणोसल. न० (गुणशील) ऐ नामनुं राजगृह नगरी पासैनुं ऐक उद्यान इस नामका राजगृह नगरी के समाप का एक उद्यान-बगीचा. Name of a garden in the vicinity of Rajagruhi city. कप्प० ९, ६३;

गुणोसलअ-य. पुं० (गुणशालक) राजगृह नगरी के बाहर आया हुआ इस नाम का एक चैत्य उद्यान. Name of a garden outside Rajagruhi. भग० १, १; २, १; ७, १०; अणुत्त० १, १; नाया० १८; (२) ऐ नामनुं यक्षनुं मन्दिर इस नाम का यक्ष मन्दिर. name of a temple of Yaksh. निर० ३, १; —चैत्रय. न० (चैत्रय) ण्युत्था " गुणसिलअ-य " शब्द. देखो " गुणसिलअ-य " शब्द. vide " गुणसिलअ-य " नाया० १३;

गुणसंदि. स्त्री० (गुणश्रेणि) गुणुकारे प्रदेशनी रचना; न्यां गुणनी वृद्धि अउसंख्यात गुणी निजरा अउके समय अघिष्ठ थाय ते गुण श्रेणि. गुणश्रेणि; गुणाकार प्रदेश की रचना; जहाँ गुण की वृद्धि से असंख्यात गुणी के

निजरा हर समय पर अधिक हो वह गुण श्रेणि. The spiritual stages of evolution in succession. क० गं० ५, ८२;

गुणसेढी स्त्री० (गुणश्रेणी) अर्थी उपरनी स्थितिना कर्म दृष्टिमाने अउ उद्यमान पदेना समयथी प्रति समय असंख्यात गुण वृद्धि नापना अन्तर्मुदुं सुधी तेरी अघिष्ठ श्रेणी आले तेने गुणगुण इत्येवां आवे छे; स्त्रीया स्थितिना दृष्टीया भागयानी अउ रीति. सर्व से उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उदय के पूर्व समय में प्रति समय पर असंख्यात गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्मुदित पर्यन्त ऐसी आधिक श्रेणी चालू रहे उसे गुण श्रेणी कहते हैं; लम्बी स्थिति के समूह को भुगत मान करने की रीति. The process of enduring the Karma of a long duration. उत्त० २६, ६; आ० १५;

गुणि. त्रि० (गुणिन्) गुण वाचुं-सी-लो. गुण युक्त. Having a quality; meritorious. नाया० १२; क० प० ४, २५;

गुणिज्जमाण. त्रि० (गुणयमान) गुणुकारे धरातुं. गुना किया जाता. Multiplied. प्रव० ६३७;

गुणिय-अ. त्रि० (गुणिन) गुणुत; गुणुकारे धरेत. गुना हुआ; गुना किया हुआ. Multiplied. उत्त० ७, १२; विशेष० ७६० भग० २४; २१; क० प० २, ७८;

गुणल. त्रि० (गुण्य) गुणने लायक, गुनने योग्य. Worthy of attributes. कप्प० ४, ६०;

गुत्त. न० (गोत्र) गोत्र; अउक. गोत्र; कुल-नाम. Surname; family name. नंदा० २६; उत्त० १८, २१; भग० २५, ६; कप० ११ २; (२) सातमं गोत्र कर्म. सातवां गोत्रकर्म. the 7th Gotra Karma. भग० २५, ६;

गुप्त. त्रि० (गुप्त) शुभिवन्तः मन वयन अने कायाने पापभां न जया देतां गोपवी राभनार. गुप्तिवन्तः मन बचन व काया को पाप में जाने से बचा रखने वाला. (One) who protects himself against sins of mind, body and speech. ओष० नि० भा० ४६; ओष० १७; उत्त० १२, १७; आया० १, ३, ३, ११७; भग० २, १; ३, १; २; १३, ४; नाया० ४; सूय० २, १, ६०; गच्छा० ५३; (२) रत० ५; दिगमूढ भूनेत्र. स्तब्ध; दिगमूढ; बना हुआ. confounded; bewildered. ओष० नि० भा० १७६; (३) छुपावेक्ष; ढांकेक्ष; गोपावेक्ष. छुपाया हुआ; ढांका हुआ; गुप्त रखा हुआ. concealed; protected; a hidden cave etc. जीवा० ३, ४; नाया० १४; राय० २५४; निसा० २०, १; कप्प० ६, २; (४) रक्षायु करेक्ष; अयावेक्ष. रक्षण किया हुआ; बचाया हुआ. protected. पञ्च० २; (५) शुभधर-भोयक्षे वगेरे. गुप्तघर-तल-घर इत्यादि. a celler. ठा० ४, १;—**इन्द्रिय.** त्रि० (—इन्द्रिय) पांय ध्रिथो ग्रेथे वश करी पापथी गोपवी छे ते. पांच इंद्रियों को जिसने वशकर, पाप में बचाई है वह. (one) who has controlled his senses नाया० ४; भग० २, १; २५, ७; दसा० ५, १८; कप्प० ५, ११६;—**दुवार.** न० (—द्वार) छानुं आनुं आरयुं; गुप्तद्वार गुप्तद्वार. a hidden door. ठा० ५, २; भग० ३, १;—**बंभ-यारि.** त्रि० (—ब्रह्मचारिन्) ब्रह्मचर्यनुं रक्षायु. करनार. ब्रह्मचर्य का रक्षण करने वाला. (one) who observes celibacy or chastity. दसा० ५, २१; भग० १२, १; १८, २; नाया० १४; १६; नाया० ध० निर० २, १;

गुप्तास. पुं० (गोत्रास) विपाकसूत्रनुं ऐनामनुं

भीजुं अध्ययन. विपाक सूत्र के द्वितीय अध्ययन का नाम. Name of the 2nd chapter of Vipāka Sūtra. ठा० १०;

गुप्ति. स्त्री० (गुप्ति-गोपयनं गुप्तिः) मन वयन अने कायाने अशुभ प्रवृत्तिथी रोडी गोपवी राभवां ते. मन बचन व काया को अशुभ प्रवृत्ति से रोककर बचा रखना. Control of mind, speech and body. i. e. guarding them against sins. सम० ३; सम० ५० १६८; उत्त० १२, १७; २४, १; नाया० १; १०; निसा० २०, १; पञ्च० १; भत्त० १४०; प्रव० २७०; पंचा० १५, ३१; विश० ११३०;—**विभेद.** पुं० (—विभेद) शुभिवयन शुभितो विभेद-भंग. गुप्ति-बचन गुप्ति का विभेद-भंग. the breach in control of speech. गच्छा० १३१;

गुप्तिय. पुं० (गुप्तिक) डाटवाल. नगर रक्षक अधिकारी; कोतवाल. A village constable. पगह० १, २; कप्प० ४, ६८;

गुप्तिसेण. पुं० (गुप्तसेन) जंबुद्वीपना अर-वत क्षेत्रमां यालु अवासपिप्लीमा थथेक्ष सोक्षमां तीर्थक्षर. जंबुद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणां में उत्पन्न सोलहवें तीर्थकर. The 16th Tirthankara of the present Avasarpini in the Airavata region of Jambūdvīpa. सम० ५० २४०;

गुद्. न० (गुद) गुदा; गुदस्थान. गुदा; गुदा-स्थान Anus; rectum. तंदु० प्रव० १३८६;

गुप्पमाण. व० क० त्रि० (गुप्पत्) व्याकुल थनुं. व्याकुल. Getting troubled or distracted. ओष० २१;

गुष्क. (गुल्फ) पुं० पगनी ऐडी; धुंटी. घुंटी; एडी. A heel. ओष० १०; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३, ३;

गुमगुमंत. त्रि० (गुमगुमन्) शुभशुभाट करतो; शुभशुभ ऐवे। अवाज करतो. गुमगुमाट करता हुआ; गुम गुम ऐसा आवाज करता हुआ. Buzzing; humming. आ०

गुमगुमायंत. व० क० त्रि० (गुमगुमायमान) धमधमाट करतुं, गणगणुट करतुं, भधुर शब्द करतुं. धमधमाट करता हुआ; गिनगिनाट करता हुआ; भधुर शब्द का उच्चार करना हुआ. Tinkling; buzzing. क० ३, ३७;

गुम्म. पुं० (गुल्म) पंश मल नयमात्रिका आदि; रक्षती ऐक्यगत. वंशजाल नवमालिका आदि वृक्ष का एक जाति. A cluster of bamboo trees etc. नाया० १; ५; भग० ७, ६; जं० प० जीवा० १; पञ्च० १; (२) समूह; परिवार. समूह; परिवार. a group; a collection. विशेष० ३३; जं० प० १, १०; मृग० २, २, ५५;

गुम्मइश्. त्रि० (गुल्मित) भुंजांऐतुं; भूयतेन. मूढना हुआ. Puzzled; bewildered. आ० नि० १३६;

गुम्मागुम्मि. अ० (गुल्मागुल्म) गुच्छतो ऐक्य भाग ते गुल्म; ऐक्य उपाध्याय अधिष्ठित साधुओं जेना थाय ते. गुच्छ का एक भाग-गुल्म; एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग एकत्र हो बह. A portion of an order of saints; saints under one preceptor assembled together. आ० २१;

गुम्मि. पुं० (गुल्मिक) क्षत भूयते. खानखजूरा. A centiped. उत्त० ३६, १३७;

गुम्मिय-अ. पुं० (गुल्मिक) कीद्वानुं रक्षायु करतार; रक्षक. गड का रक्षण करने वाला. A guard of a fort; a watchman. आ० नि० १६३; ७६६; लुध विगेरे ५५ अ०. जुई आदि के फल के वृक्ष. a kind of

flowering plant. जीवा० ३, २;

गुरु. पुं० (गुरु-तं शास्त्रार्थमिति गृणाति यथा-वस्थि) शास्त्रतो सदुपदेश आपनार; गुरु. शास्त्र का सदुपदेश करने वाला; गुरु. A teacher; a preceptor. भग० ७, ६; ८, ७; ११, ११; १७, ३; नाया० १; ७; ८; पि० नि० भा० २७; अणुजो० १३; ६६; उवा० ३, १३५; पंचा० १, ९; ५, १२; भक्त० १७; ६६; आ० ६, २; (२) त्रि० आरे वज्रत-दार. भारी; वजनदार. heavy. विशेष० ६६०; जीवा० ३, १; पि० नि० ३२७; उत्त० ३६, १६; क० गं० १, ४७; आया० १, २, १, १४१; (३) अधोगति लक्षणात् भवति. अधोगति को लेजानेवाला महा-दोष. a great sin leading to lower condition of existence. पि० नि० १०२; ११२; जं० प० २, २६; (४) वृद्धि; आचार्य. वडील; आचार्य. an elder; a head of an order of saints. दस० २, १, ८८; पंचा० ७, ५; उत्त० १, २; २६, ७; अणुजो० १२०; (५) जेना उदयथी लय सोदा जेनुं आरे शरीर पाये ते नामकर्मनी ऐक्य प्रकृति. जिसके उदय से जीव लोह के समान भारी शरीर प्राप्त करे उस नाम कर्म का एक प्रकृति. a variety of Nama Karma by the rise of which a soul gets body as hard as iron. क० गं० १, ४१; ४२; — **असाअ.** पुं० न० (—असात) आरे असात-दुःख भारी दुःख. great pain. क० प० ४, ८४; — **उवपस.** पुं० (—उपदेश) गुरुतो उपदेश. गुरु का उपदेश. words of advice of a Guru. विशेष० १; प्रव० १; ७७६; — **उवपसाणुसार.** पुं० (—उप-देशानुसार) गुरुता उपदेश प्रमाणे. गुरु के उपदेश के अनुसार. according to

the advice of a preceptor. पंचा० ४, १; —**जणु.** पुं० (—जन) मोटा भालुस; वडील. बडा मनुष्य; वडील. an elderly person; an elder. नाया० ६; १८; कण्ठ० ३, ५६; पंचा० ४, ३४; प्रव० १००; —**जण्णश्च.** त्रि० (—जल्पाक) गुइनी रुढाभे भोत्रनार; दुर्विनीत; विनय-विनाशी. गुरु से अनुचित बोलने वाला दुर्विनीत; विनय रहित. impolite; irre- verent. पण्ह० १, २; —**जोग.** पुं० (—योग) गुइनी सभाशय. गुरु का समागम. contact with a preceptor. पंचा० २, ४; —**णियोग.** पुं० (—नियोग) गुइनी आज्ञा. गुरु की आज्ञा. command of a preceptor. पंचा० १२, १८; —**दत्त-सेसभोयण.** सं० (—दत्तशेषभोजन) गुरुओं से आता आशी रहेंतुं आशय भोजन. गुरुने भोजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भोजन. the remnant of food given by a preceptor. प्रव० २१५; —**देवया.** स्त्री० (—देवता) गुरुदेवता; देवता समान गुरु देवता; देवता के समान; गुरु. (one) who regards a precep- tor as his god. नाया० ८, १८; पंचा० १, ४५; —**दोस.** पुं० (—दोष) मोटा दोष. बडा दोष. a major fault; a grave fault. प्रव० २१७; —**निगह.** पुं० (—निग्रह) गुइनी दाय; गुइनी आज्ञाओं रहेंतुं ते. गुरु की आधीनता; गुरु की आज्ञा में रहना. the control of a preceptor. प्रव० ६५३; —**नियोग.** पुं० (—नियोग) गुइ- वडीलने दुकम. गुरु, वडील की आज्ञा. the order of a preceptor or elderly person. क० प० ५, २४; —**पमुह.** त्रि० (—प्रमुख) गुइभदाराज वगेरे; आ- आर्षादिक. गुरु महाराज इत्यादि—आचार्यादिक.

preceptor etc. प्रव० ३०; —**पसाय.** पुं० (—प्रसाद) गुइनी कृपा. गुरु की कृपा. favour of a preceptor. नाया० १२; दस० ६, १; १०; —**पसापभिमुह.** पुं० (—प्रसादाभिमुख) गुइनी प्रसन्नता राखवाने उद्यमशील. गुरु की प्रसन्नता रखने को उद्यमशील. one active in keeping one's preceptor pleased. दस० ६, १, १०; —**पुच्छा.** स्त्री० (—पृच्छा) गुइने पुछी दरेक काम करतुं ते. गुरु में पूछ कर प्रत्येक काम करना. performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ४१; —**पूया.** स्त्री० (—पूजा) शिष्ये गुइने यथायुक्त आ- दारादि लायी सेवा भक्ति करती ते. शिष्यने गुरु को यथायुक्त आहारादि लाकर सेवा भाक्ति करना. service of a disciple to his preceptor by bringing food etc. for him. उक्त० २६, ७; —**फास.** पुं० (—स्पर्श) गुइ स्पर्श; भारे- पण्य; आदि स्पर्शमानो अक्ष. गुरु स्पर्श; भारीपन; आठ स्पर्श में से एक. heaviness. सम० २२; क० गं० ५, ३२; —**भणिय.** त्रि० (—भणित) गुइने कहेंतुं. गुरुने कहा हुआ. explained by a preceptor. प्रव० १३४; —**भक्ति.** स्त्री० (—भक्ति) गुइनी भक्ति—सेवा. गुरु की भक्ति; सेवा. devotion towards a preceptor. क० गं० १, ५५; पंचा० २, ३७; —**भूतेवघादणी.** स्त्री० (—भूतो- पघातिनी) भदाभूतोने नाश करनारी (भाषा). महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा). a language which des- troys ghosts. दस० ७, ११; —**मुह.** न० (—मुख) आचार्यनुं मुष्. आचार्य का मुख. the mouth of a

preceptor. पंचा० ६, ५०; —लक्षण. न० (—लक्षण) गुरुनां लक्षण. गुरु के लक्षण. the attributes or qualifications of a preceptor. गच्छा० ६०; —लघुग. त्रि० (—लघुक) गुरुग “गुरुग-लघुग” शब्द. देखा “गुरुग-लघुग” शब्द. vide “गुरुगलघुग” क० प० ४, ४६; —लाघव. न० (लाघव) भारे अने हलका. भारी व हलका. heavy and light. प्रव० २१७; —वयण. न० (—वचन) गुरुनुं वचन. गुरु का वचन. the words of a preceptor. प्रव० ६३; —संभारियत्ता. स्त्री० (—संभारिकता) परस्पर प्रथियोना प्रयोगथी भारे. परस्पर प्रथियो के प्रयोग से भारी. heavy on account of being interlinked. भग० ५, ३; —सगास. पुं० (—सकाश) गुरुपासे; गुरुसमीप. गुरु के के पास; गुरु के समीप. near a preceptor. पंचा० १, ४३; —समय. त्रि० (—समय) गुरुने मान्य; गुरु केन मान्य मान आपना दीप ते. गुरु को मान्य; गुरु जिस को बहुत मान देने हो वद. admissible to a preceptor. पंचा० १२, २६; —सुस्सुसण्या. स्त्री० (*—शुश्रूषण) गुरुनी शुश्रूषा; गुरु सेवा; गुरु भक्ति. गुरु की शुश्रूषा; गुरु सेवा; गुरु भक्ति. service to a preceptor. उक्त० २६, २; —सेज्जामंथारग. पुं० (—शय्यासंस्कारक) गुरुना शय्या अने सथारे-पथारी. गुरु का शय्या व संधारा-पथारी. the bed of a preceptor. प्रव० १४६; —हीलणा. स्त्री० (—हेलना) गुरुनी हेलना-निन्दा. गुरु का हेलना-निन्दा. censure of a preceptor. “नया विमुक्तो गुरुहील-याण” दस० ६, १, ७;

गुरुग. य. त्रि० (गुरुक) भगवती सूत्रना पदित शतकना ८ भां उद्देशानुं नाम. भगवती सूत्र के पहिले शतक के ६ वें उद्देशका नाम. Name of the 9th chapter (Uddesā) of the first Sūta of Bhagavati Sūtra. भग० १, १; (२) वजनदार; भारी. heavy. भग० १, ६; ६, २३, १८, ६; २०, ६; दस० ६, २, ३२; नाया० १; ६; पगद० १, २; पञ्च० १; पंचा० १०, २६; —भारियत्ता. स्त्री० (—भारिकता) गुरुता रूप-भारिपण. गुरुता रूपः भारियन. the state of being heavy; heaviness. उवा० २, १००; नाया० ६; —लघुग. पुं० (—लघुक) अने अपेक्षाअने भारे अने पीछ अपेक्षाअने हलका अथवा वायु कायादि पदार्थ. एक अपेक्षासे भारी व अन्य अपेक्षा से हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air-bodied beings etc. भग० १, ६; —संभारियत्ता. स्त्री० (—संभारिकता) विशेष भारीपण. अधिक गुरुता; विशेष भारी पन. extra heaviness भग० ७, १; गुरुई. स्त्री० (गुर्वी) भेटी; भारे (स्त्री). बडा; वजनदार (स्त्री). Heavy; great; (a woman). विशेष १२००; नाया० १; ६; गुरुक त्रि० (गुरुक) भारे; भेटी. भारी; वजनदार. Big; heavy. क० प० ४, ४४; गुरुकुल. न० (गुरुकुल) अभ्यास करवाभेटे गुरु समीप रहैव ते; गुरुनुं निवास स्थान. अभ्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना; गुरु का निवास स्थान. A group of ascetics under one preceptor; residence with a preceptor for study; residence of a preceptor. उक्त० ११, १४; पि० नि० ४३६; —वास.

पुं० (-वास) धर्मशुद्धी पास निवास
करवे। ते. धर्मगुरु के पास निवास करना.
residing near a religious pre-
ceptor. पंचा० ११, ६;

गुरुग. त्रि० (गुरुक) भारे: भेदादु: वजनदार.
भारी: बडा; वजनदार. Heavy; big.
पंचा० १५, १७;

गुरुतरग. त्रि० (गुरुतरक) अतिभारे: अद्भु-
तभेदादु: अतिवजनी; बहुतबडा. Very
heavy. पंचा० ८, २८;

गुरुयत्त. न० (गुरुयत्त) भारीपणु: भारीपना.
Heaviness. भग० १, ८: १२, २;
नाया० ६; राय० २६०; पञ० १५;

गुरुयत्ता. स्त्री० (गुरुयत्ता) गुरुयत्ता "गुरुयत्त"
शब्द. देखो "गुरुयत्त" शब्द. Vide.
"गुरुयत्त" भग० ५, ६; ७, १, १७; नाया० ६;

गुरुलहु. त्रि० (गुरुलघु) अंशानु भारे नदी
अने अंशानु द्रव्यं नदी किन्तु अंश अपेक्षा
भारे अने भीष्म अपेक्षा अंश द्रव्यं. एकान्त
वजनी नही व एकान्त हलका नही किन्तु एक
अपेक्षा मे वजनी व अन्य अपेक्षा से हलका.
Heavy and light from dif-
ferent points of views; rela-
tively heavy and light सम० २२;
—**परिणाम.** पुं० (-परिणाम) अपेक्षा
द्रव्यका भारेपुद्गलनु परिणाम; शुद्धधु पर्याय.
एक की अपेक्षा से वजनी व अन्यकी अपेक्षा
से हलका; गुरु लघु पर्याय. relatively
light or heavy. सम० २२;

गुल. पुं० (गुड) गुड; गोम. गुड Mol-
asses; treacle. 'खंडगुलम च्छंडीमार्दण'
श्रव० ३८; अणुजो० १२७; टा० ७, १;
नाया० ८, १७; पि० नि० ५४. २१०; पञ०
१७; जं० प० पंचा० ५, ११; ८, २३; प्रव०
२३६; अणुजो० ३८; —**पाण.** न० (-पान)
गोमनु पाणीपीयुं ते. गुड का पानीपीना.

drinking of water mixed with
treacle. नाया० १७;

गुलइय. त्रि० (गुलिमत) गुच्छ-गुच्छये
भगेदां नुदना जोडा. गुच्छ के रूपसे मिले
हुए छोटे वृक्ष. A cluster of small
trees. श्रव० भग० १, १;

गुलगुल. न० (गुलगुल) दाथीने गुलगुलाट
शब्द; गुलगुल अथवा ध्वनि. हाथी का गुल
गुलाट शब्द; गुलगुल ऐसी ध्वनि. The
gurgling sound of an elephant.

गुलगुलंत. व० क० त्रि० (गुलगुलंत) गुल
गुलाट करतो; गुलगुल अथवा आवाज करतो.
गुलगुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी आवाज.
Making a grunting sound like
that of an elephant. श्रव० ३०;

गुलगुलाइय. न० (गुलगुलायित) दाथीने
गुल गुल आवाज. हाथी की गुलगुल आवाज
Grunting of an elephant. राय०
१८३; जावा० ३, ४; भग० ३, २;

गुलगुलिय. स्त्री० (गुलगुलित) द्रव्यद्रव्य करेत्.
हाथी की द्रव्य गुल किया हुआ. Making
a bustle or noise मु० च० ६, २७;
—**लावणिया** स्त्री० (-लावणिका) गोम
पापरी. गुड की पपड़ी. a cake of
malacess. प्रव० १४२५;

गुलहाली. स्त्री० (गुलधाना) गोम मिश्रीत
धाना. गुड मिश्रीत धानी. Parched
grains mixed with malacess.
प्रव० २३५; १४२८;

गुलिआ-या. स्त्री० (गुलिका) गुटिका; दवाई
गोम. गुटिका; दवाई का गोली. Indigo;
a medicinal pill. श्रव० २२; टा० ४,
२; स्य० १, ४, २, ७; राय० ५०; अंत० ३,
८; विवा० १; जावा० ३, ४; नाया० १३:
१४; पञ० २; १७; उवा० २ ६५; अणुजो०
३, १;

गुल. पुं० (गुड) गुओ " गुल " शब्द.

देखो " गुल " शब्द. Vide. " गुल "

आया० २, १, ४, २४;

✓ **गुव. घा० I. (गुप)** व्याकुल थपु. व्याकुल होना. To become distracted.

गुवंति. भग० १५, १;

गुविल. त्रि० (गुपिल-कुटिल) कुटिल. कुंठल.

Deep; crueked; intricate. सु०

च० ७, २५०; (२) व्याप्त. व्याप्त. pervaded. पगह० १, ३;

गुवित्री. स्त्री० (गुविणी) सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A

pregnant woman. भग० १५, १;

पि० नि० ३६२; दसा० ७, १; वव० १०.

१; दस० ५, १, ३६; प्रव० ७६६;

गुहा. स्त्री० (गुहा) गुहा. गुफा. A cave.

सु० १, ५, १, १२; भग० ५, ७; जं० प०

नंदा० १४; ४७;

गुहिर. त्रि० (गहर) गहर; गहिर; गंभीर;

गहरा. Thick; deep; profound.

पल० २; कप० ३; ३८;

गूढ. त्रि० (गूढ) गूढ; गुप्त; छानु. गूढ;

गुप्त. Hidden; mysterious. आव०

१०; पि० नि० २०६; नाया० ८; —आचार.

त्रि० (-आचार) धृतर; धृतर; गंदी

छिद्र. धूर्त; ठग. (one) who cheats.

सु० २, २, १६; —आवर्त. पुं० (-आ-

वर्त) गूढ-गुप्त-आवर्त शेष वर्गरेते। वग.

गूढ-गुप्त-आवर्त-शेष इत्यादि का मोड.

a curve; e. g. of a conch etc.

ठा० ४, ४; —सामर्थ्य. न० (-सामर्थ्य)

छानु पराक्रम. गुप्त पराक्रम. a secret

bravery. प्रव० ८३८; —हिअय. त्रि०

(-हृदय) भाषावी-कपटी हृदयवाला.

मायावी-कपटी हृदयवाला. deceitful;

fradulant. गच्छा० ६५; क० गं० १, ६८;

गूढदंत. पुं० (गूढदन्त) अणुत्तरोपचार्य सूत्र-

ना भीम वर्गना आथा अध्ययनं नाम.

अणुत्तरोपचार्य के अणु द्वितीय वर्ग के

चतुर्थ अध्ययन का नाम. Name of the

fourth chapter of the second

section of Anuyogadvāra. (२)

श्रेष्ठिक राजनी धारणी श्रेष्ठिता पुत्र के गे

दीक्षा लभ ११ अथ अणु गुरुयणु तप

करी १६ वर्षी प्रवर्तया पाणी विपुलपर्वत

उपर अथ भासता संथारे करी दंतपंत

अनुत्तरविमानमा उत्पन्न थया, त्याही अथ

अवतार करी मोक्षे वशे. श्रेष्ठिक राजा का

धारणी राणा का पुत्र कि जो दांता लेकर ११

अंगों का पठन कर गुणगुण तप कर, १६

वर्षका प्रवर्तया का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर

एक माम का संथारा कर, वैजयंत अनुत्तर

विमान में उत्पन्न हुआ. वहाँ एक अवतार का

संपूर्ण करके मोक्ष गति का प्राप्त करेगा.

name of the son of queen

Dhārīnī of king Śrēṇika. He

took Dikṣā, studied 11 Aṅgas,

practised the Guṇarāyaṇa

penance, observed asceticism

for 16 years and was born in

the Vaijayanta abode above

the heavens after practising

one month's Santhārā (giving

up food and drink) on Vipul

mountain. After one more

birth he will attain salvation.

अणुत्त० २, ४; (३) अणुत्तरीपता भरतमां

आवर्ती उत्सर्पिणीमां यतार त्रीम यक-

वर्ती. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी

में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती. the third

future Chakravartī of the com-

ing Utsarpinī in the Bharata

of Jambū Dvīpa. सम० प० २४२; (४) लवणसमुद्रमां नवसे ज्येष्ठन पर आवेत्त गूढ-न्त नामनो अेक अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में नौ सौ योजन पर आया हुआ गूढ-दन्त नामक एक अन्तरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas. ठा० ४, २; ६, १; प्रब० १६४१; (२) २७ मां अन्तरद्वीपमां रहितार भाज्यस. २७ वें अन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dvīpa. पञ० १;

गूढपय. न० (गूढपद) गुप्त पद; सांकेतिक शब्द. गुप्तपद; सांकेतिक शब्द. A code word. प्रब० ८६४; -आलोचयणा. छा० (-आलोचना) गुप्तपद-मे व्याख्याता सांकेतिक शब्दों की अतिथारनी आलोचना करती ते गुप्तपद-दो आचार्यों का सांकेतिक शब्द से अतिचार का आलोचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रब० ८६४;

गूढसिराग. न० (गूढसिराक) ज्येष्ठा पांडुमां सिरा-रेस गुप्त होय अर्थात् प्रगट न देआय तेरी अेक साधारण वनस्पति. जिसके पत्तों में रेखा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पञ० १;

गूहणया. छा० (गूहन) पैताना रूपने छुपावी देतुं ते; कपटनुं अपर नाम. अपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग० १२, ५; सम० २२;

गेज. न० (गेय) गाथा लायक; गीत. गाने योग्य; गीत. A song. परह० २, ४;

गेय-अ. न० (गेय) उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक-अने रेयितावसान-अे यार गीतमां-नो गमे ते अेक गतनुं गीत. उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक व रोचितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहे सो एक जाति का गीत. Any of the four kinds of song viz. Ut-kṣeipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय० ८८; ६६; अणुजा० १२८; ठा० ४, ४; जं० प० ५, १२९; —उभ्रणि. पुं० (-ध्वनि) गीतनो ध्वनी-शब्द. गीत का ध्वनि-शब्द. the sound of a song. सु० च० ५, ६२;

गेरिअ. पुं० (गैरिक-गिरौ भव.) गैरिक धातु; गैर. गैरिक धातु; गैर. Red chalk; a mountain-born substance or metal. दस० ५, १, ३४;

गेरय. पुं० (गैरूक) लजयां वस्त्र पहरेतार; परित्राजक; संन्यासी. गेरुए वस्त्र पहनेने वाला; परित्राजक; संन्यासी. An ascetic with clothes dyed with red chalk. आया० २, १, ६; ३३; पिं० नि० ३५८; ४४५; निसी० ४, ४५; उत्त० ३६, ७६; प्रब० ७३८; (२) अेक गतनो भली. एक जाति का मणि. a kind of gem. पञ० १;

गेलगण न० (ग्लान्य) ग्लानि थकी; भुंआवुं; अजुगमे. ग्लानि से व्याकुल होना; बेचैनी; अरुचि. Mental discomfort. पिं० निं० भा० २५;

गेलअ. न० (ग्लान्य) ग्लान्यो “गेलगण” शब्द. देवो “गेलगण” शब्द. vide “गेलगण” पिं० निं० ४८०; विशं० ५.६७; आंव० निं० ७२; प्रब० ८६०;

गेव. त्रि० (गैव) कंठ संबंधी. कंठ; गला; गरदन. Neck; throat. “गैवच्छरणका” आंव० ३८;

गेवज्ज. न० (ग्रैवेय) नव ग्रैवेयक. नव ग्रैवेयक.

The nine heavenly abodes. पंचा० १६, ४७;

गेविज्ज. न० (ग्रैवेय-ग्रीवायां बहुमलंकरणम्) कंठं धरेत्; कंठं आभरत्. कंठ का आभूषण; गले का गहना. A necklace. आ० ३१; विश० ६६७; जा० १; ३, ३; भग० ७, ६; रा० ८१; जं० १०७, १६८; क० ४, ६२; (२) ग्रैवेयक नामक विमान. a heavenly abode styled as Graiveyaka. प्र० ११३०; ११७०; —विमाण. न० (-विमान) ग्रैवेयक देवता निवास स्थान. ग्रैवेयक देवता का निवास स्थान. name of any heavenly abode between the 12th and the 29th Devaloka. भग० १३, २; १४, १०;

गेविज्जग. न० (ग्रैवेयक) ग्रैवेयक विमान. ग्रैवेयक विमान. A heavenly abode named Graiveyaka. ना० १; सु० च० २, ३७; (२) नव ग्रैवेयकवासी देव. नवग्रैवेयक वासी देव. the gods residing in the nine heavenly abodes known as Graiveyaka. पञ० १; उ० ३६, २१०; ठा० २, ३;

गेवेज्ज. न० (ग्रैवेय) जु० " गेविज्ज " शब्द. देखो " गेविज्ज " शब्द. vide " गेविज्ज " ना० १; भग० २, १०; ५, ८; ६, ३३; आ० ४१; रा० २५३; —कल्पातीय. पुं० (-कल्पाती) आर देवलोके उपर ग्रैवेयकवासी देवों के कल्पाती व्यवहार मर्यादा थी अतीत छे. द्वादशवें देवलोके के ऊपर ग्रैवेयक वासी देव कि जो कल्पाती व्यवहार मर्यादा से अतीत है. name of the gods above the

12th Devaloka. भग० ८, १;

—विमाण. न० (-विमान) जु० " गेविज्जविमाण " शब्द. देखो " गेविज्जविमाण " शब्द. vide " गेविज्जविमाण " अणु० १०४;

गेवेज्जग. न० (ग्रैवेयक) जु० " गेविज्जग " शब्द. देखो " गेविज्जग " vide " गेविज्जग " भग० १६, ८; २०, ६; —कल्पातीय. पुं० (-कल्पाती) जु० " गेवेज्जकल्पातीय " शब्द. देखो " गेवेज्जकल्पातीय " शब्द. vide " गेवेज्जकल्पातीय " भग० ८, १;

गेवेज्जय. पुं० (ग्रैवेयक) ग्रीवायु; ग्रीवासंबंधी (ग्रैवेयक), ग्रीवा संबंधी (वन्धन). Relating to neck. ना० २;

गेवेय. न० (ग्रैवेय) कंठं धरेत्. कंठ का भूषण. An ornament for the neck. आ० ३०;

गेह. न० (गेह) घर; भूतान. गृह; मकान. A house; a building. पि० नि० १६३; भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २; ना० २; ८; १६; भ० ११२; गच्छा० ११५; —आगार. पुं० (-आकार) घर की पेंड टाट तट्टी अने दरवाझों वगैराना घर के समान ठंडी, ताप व वरों में बचानेवाला; गृह की आकृति में परिणत कल्पवृक्ष. a desire-yielding tree protecting against heat and cold like a house. सम० १०; जा० ३, ३; —आवण. पुं० (-आपण) घरयुक्त बाजार. a market having a line of houses. भग० ६, ५; —वास. पुं० (-वास) घरवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थता; गृह संसार; घरवास. status of a householder. सू० २, १. ६०;

गेहंगेह. न० (गृहगृह) घरघर; घरेघर.

घरघर; प्रत्येक घर पर. From house to house. नाय० १६:

गेहसम. न० (गेहसम) वीणा विगेरे वाजत्रे-
ये जे स्वर उपायो होय तेज स्वरमा गातुं
ते. जिस स्वर को वाणा इत्यादि वाजित्र में
उठाया हो उसी स्वर में गाना. Singing
in the same pitch in which a
song is begun on a musical
instrument. अणुज० १२८:

गेहि. स्त्री० (गृहि) आसक्ति; प्रयत्न. आर्माकनः
इच्छा. Greed; desire. सू० १, १, ६,
११; १, ६, २६; उत्त० ६, ४; ३४, २३;
सम० ३०; ५२; श्रौष० नि० ८७; भग० १२,
५; पण० १, ३;

गेहिणी. स्त्री० (गेहिनी) स्त्री; पत्नी. गृहिणी;
स्त्री; पत्नी; A wife. सू० न० ५, ६;

गो. पुं० (गो-गच्छतिनि) गाय; अश्व. गौ; बैल.
A bull; ox. भग० १, १; २, ५; श्रौष०
अणुज० १३१; सम० ४०; जवा० ३, १;
नंदा० २५० ४६; पि० नि० १३२; राय०
२८३; दमा० ६, ६, दम० ७, २६; सू० प०
१०; उवा० १, ६; पंचा० १, १०; जं० प०
५, ११६; —**कलिज. न० (—कलिज)**
गायने आणु अणुने बांसने सुंझे.
गौश्रां का बांटा देने के काम में आने
वाला टाकरी. a basket from which
cows are fed. जवा० ३, ६; —**खीर.**
न० (—खीर) गायजुं दूध. गाय का दूध.
cow's milk. नाय० १; १६; कप०
३, ३८; जं० प० ५, १२२; १७, १६६;
—**गहण. न० (—ग्रहण)** गायने पकड़नी-
ला लेनी ते. गौश्रां का पकड़ना-ले जाना.
taking away of cows. नाय० १८;
विवा० ३; —**घायप्र-य. पुं० (—घातक)**
गायने मारना; गोघ्न करना; कसाऊ.
गौश्रां को मारने वाला, गोघ्न करने वाला;

कसाई. a butcher; one who kills
cows. सू० २, २, २८; —**वर. न०**
(—वर) गायने यरवानुं जंगल. गौश्रां को
चरने का जंगल. a pasture-ground;
भग० १२, ७; —**जिब्भा. स्त्री० (—जिह्वा)**
गायनी छल. गौ की जिब्हा. a cow's
tongue, उत्त० ३४, १८; —**दोहि. वि०**
(—दोहिन्) गायने दोनार. गौको दुहनेवाला.
(one) who milches a cow. प्रव०
५६३; पंचा० १८, १७; —**दाहिया. स्त्री०**
(—दोहिनी) गाय दोवाने जे आसने भे-
साय ते आसने भेसी ध्यान धरुं के आता-
पता लेनी ते. गौका दूध दुहनेको जिस आस-
नपर बैठा जाता है उस आसन पर बैठ कर
ध्यान धरना वा आतापना लेना. practice
of meditation or austerity on
a seat used at the time of milk-
ing a cow. आया० २, १५, १७६;
ठा० ५, १; कप० ५, ११६; दमा० ७, १०;
—**पुच्छ. न० (—पुच्छ)** गायजुं पुच्छ.
गाय का पूँछ. a cow's tail. जं० प० १,
६; ४, १०३; राय० १०४; —**पुड्य. न०**
(—पुष्टक) गायने बांस-अणु. गौकी पीठ.
a cow's back. भग० १५, १; —**मत्त.**
न० (—भक्त) गायजुं आणु. गौश्रां का बांटा
the fodder for cows. प्रव० ११३;
—**भतलिदश. न० (—भक्तलिन्दक)** गाय-
ने आणु आपराने आणुये. गौश्रां का बांटा
देनका बर्तन. a fodder pot. प्रव० ११६;
—**मंडवअ. न० (—मण्डवक)** गायने मंडव-
मांडवे. गौश्रां का मंडव. a house for
cows. विवा० २; —**मंस. न० (—मांस)**
गाय अथवा अणुजुं मांस. गौ या बैल का
मांस. beef. पि० नि० १६४; —**मड. न०**
(—मृद) गाय के अणुजुं मडुं-डलेवर. गौ
या बैल की लोथ. a cow's udder.

or an ox. उक्त० ३४, १६; नाया० ८; १२;
—महिषी. स्त्री० (—महिषी) गाय अने
भैंस. गौ व महिषा; गाय व भैंस. a cow
and a she-buffalo. प्रव० २१६;
—मुत्त. न० (—मुत्र) गायतुं मूत्र. गोमूत्र.
urine of a cow. पि० नि० भा० ५०;
श्रोष० नि० भा० ६४; —रूव. त्रि० (—रूप)
गौरूप; गाय वृत्तु. गोवन; गौरव; गौ के
समान. like a cow. विवा० २; —लेह-
णिया. स्त्री० (—लेखनिका) गायने अस्यानी
जग्या (श्लो). गोश्रो का चरने की भूमि; चरा-
गाह. a meadow for the grazing
of cows. निसा० ३, ७३; —वह.
पुं० (—पति) भोटा अण्ड. बड़ा बैल. a
big ox. नाया० ६; —वर्ग. पुं०
(—वर्ग) दश दम्बर गायतुं दशकुं. दस
सहस्र गौश्रो का युथ. a herd of cows
10 thousand in number. * एगं च
यं महं सयं गोवर्गं पामित्ताणं पडिबुद्धे.”
ठा० १०; भग० १६, ६; —वाल. पुं०
(—पाल) गायत्रिभ्या; गायो आरनार.
गोवाल; गोश्रो को चरानेवाला. a cow-
herd. उक्त० २२, ४६; —वालश्च. पुं०
(—पालक) गायने पादनार गायण.
गोश्रो का पालन करनेवाला; गोवाल; गवली.
a cowherd. सूय० २, २, २८; पि० नि०
३६७; —ववहृश्च. त्रि० (—व्रतिका) गायतुं
व्रत राधनार; गाय ऋद्धर निडले त्वारे ऋद्धर
वृत्तु; गायना आवा पथी आतुं; पाण्णी पीथा
पथी पाण्णी पीयुं अने गायना सुवा पथी
सुयुं अ व्रत धरनार. गौका व्रत रखने वाला;
गौ बाहर निकले तब बाहर जाना, गौके
खाने के पश्चात् खाना, पानी पीने के पश्चात्
जल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐसे
व्रत को धारण करने वाला. (one) who
has taken a vow to go out, eat

drink and sleep when the cow
has done all these things.

अणुजा० २०; श्रोव० ३८;

गोत्रम. पुं० (गौतम) महावीरस्वामिना
प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. महावीरस्वामी
के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. Gautama
Swami, the first Ganadhara
of Mahāvīra Swāmī. श्रोव० ३८;
कण० १, २; गच्छा० ७६; (२) छिद्रभूति
गणधरने गौत्र. इन्द्रभूति गणधर का गोत्र.
the lineage of the Ganadhara
Indrabhūti. जं० प० ६, १२४; कण०
५, १२५; (३) विचित्र अण्डने शालुगारी
तेनी भाई त शिक्षा उधाउतार अंश भिक्षुधर्म.
बैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा
भिक्षा एकत्र करने वाला; एक भिक्षुकवर्ग.
a class of beggars who deco-
rate an ox and beg in its name.
अणुजा० २०;

गोश्रर. पुं० (गोचर) आहार लेवाने विधि;
गायत्री; मधुदरी. आहार लेने का विधि;
गोचरा; मधुकरा. Process of begging
food. नंदी० ४५; —भूमि. स्त्री० (—भूमि)
गायत्रीनी आः भूमि. गोचरीका आठ
भूमिका. the eight places of beg-
ging alms. गच्छा० ७३;

गोउर. न० (गोपुर-गोभिः पृथगे इति)
नगरने दरवाजे. नगर का दरवाजा. A
city-gate. सम० प० २१०;

गोकर्ण. पुं० (गोकर्ण) ये भुरीयागे गायना
वृत्ता धनयागे पशु विशेष. दो खुर वाला
गौ के समान कान वाला पशु विशेष. A
kind of animal with ears re-
sembling those of cows and
having two hoofs. जं० प० पृष्ठ०
१, १; पञ्च० १; (२) सातमां अंतरद्विपमां

रहेनार भाणुस. सातवें अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य. a resident of the 7th Devaloka. जीवां ३, ३; पञ्च० १; —**द्वीप**. पुं० (-द्वीप) लवण समुद्र में आरसे। ज्वेजन पर यूधहिमवन्तनी डाढा उपर आवेख गोक्षर् नामेनो अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में चारसी योजन पर चूलहिमवन्त पर्वत के ऊपर आया हुआ गोक्षर् नामक अंतर द्वीप. name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavana Samudra at the distance of 400 Yojanas. डा० ४, २;

गोचर. पुं० (गोचर) गायने यरवानी रीति. गोश्रों की चरने की रीति. The way of grazing of cows. आव० ४, ५;

गोचरी. स्त्री० (गोचरी) भिक्षा; गोचरी. भिक्षा; गोचरा. Begging; alms. आव० ४, ५;

गोच्छ्र. पुं० (गोच्छ्र) गुच्छ; पुञ्जवानुं अक्ष उपक्षरण. गुच्छा; पूजने का एक उपकरण. A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग० ८, ६;

गोच्छ्र-अ. पुं० (गोच्छ्र) वस्त्र-पात्र-पुञ्जवानो (उनतो) गोच्छ्र; वस्त्र-पात्र साफ करने की कृत्वा. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पगह० २, ५; दस० ४; वेय० ३, १३; प्रव० ४६८;

गोच्छ्र. त्रि० (गोच्छ्र) गुच्छना गुच्छा वागुं. फूलों के गुच्छे वाला. Having clusters of flowers. आव० भग० १, १;

गोजलोका. स्त्री० (गोजलौका) गोक्षलोका नामेनो भेर्ध्रय अत्र. गोजलोका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka. पञ्च० १;

गोष्ठामाहिल. पुं० (गोष्ठामाहिल) गोष्ठामाहिल नामेनो सातमा निन्दव क जेले अत्रने कर्मनो स्पर्श थाय पणु अन्ध न थाय अेम स्थापन कयुं. गोष्ठामाहिल नामक सातवें निन्दव कि जिन्होंने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया. Name of the 7th Nindhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them. डा० ७, १;

गोष्ठि. पुं० (गोष्ठिक) अेक गोष्ठी-भण्डली में रहेनार; मित्र; दोस्त. एक गोष्ठा-मण्डली में रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. अणुजो० १८८;

गोष्ठि. पुं० (गोष्ठिक) मित्र; गोष्ठीया. मित्र समुदाय; साथी. A friend. पंचा० १३. १५;

गोष्ठि. त्रि० (गोष्ठिमत्) विट् पुरुषानी गोष्ठी भण्डली में भाग लेनार; गोष्ठीया. विट् पुरुषों की गोष्ठा-मंडली में भाग लेने वाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. अंत० ६, ३; विवा० २;

गोष्ठि. पुं० (गोष्ठिमत्) लुप्ता "गोष्ठि" शब्द. देखो "गोष्ठि" शब्द. Vide "गोष्ठि" विवा० २; —**पुरुष**. पुं० (-पुरुष) व्यभिचारी भण्डली में रहेनार भाणुस. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया० १६;

गोष्ठी. स्त्री० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरुषानी भण्डली. व्यभिचारी पुरुषों की मंडली. A circle of unchaste persons. अंत० ६, ३; (२) मित्र भण्डली मित्र

मंडली. a circle of friends. पि०
नि० २४५; सु० च० २, ३८६; नाया० १६;

गोड. पुं० (गोड) गौड देशको रहनेवाला. A resident of
Gauda country. पगह० १, १;
पञ्च० १;

गोडू. त्रि० (गोड) शु० सं० मीठी. गुड.
Treacle; (anything) sweet.
(२) मधुर; मीठु. मधुर; मीठा. sweet;
delicious. भग० १८, ६;

गोण. त्रि० (गोण-गुणनिवृत्तम्) गुणवती
अनेक-यथार्थ गुण निष्पन्न. गुण निष्पन्नः
गुणसं दना हुआ. Possessed of
proper qualities. अणुजो० १४०;
आव० ८०; नाया० १; १६; भग० ११,
११; १५, १;

गोण. पुं० (गोण) अश्व; गाय. आश्व.
बैल; वृषभ; सांड. An ox; a bull.
आया० २, १, ५, २७; २, ३, १३०;
सूय० २, २, ४५; जं० प० सु० च० १२,
५७; जावा० ३, ३; पञ्च० १; पगह० १, १;
२; भग० ८, ३; ६, ३३; ११, ११; १५,
१; नाया० ३; आव० उवा० ८, २४२; (२)
अ नामको एक अनार्थ देश. इस नामका
एक अनार्थ देश. name of an un-
civilised country. प्रव० १५६७;
—**आवलिया.** स्त्री० (आवलिका) अण-
देवी पंडित. बैलों का पंक्ति. a herd of
oxen. भग० ८, ३; —**गिह.** न० (-गृह)
अश्वको रहनेवाला घर-स्थान. बैलों को रहनेका
स्थान-घर. a fold for bullocks.
निसी० ८, ६; १५, २७; —**लक्षणा.** न०
(-लक्षण) अश्वको लक्षण देनेवाली कला.
बैल के लक्षणों को परखने की कला. an
art of testing the merits of an
ox. नाया० १; —**साला.** स्त्री० (-शाला)

अश्व शाला. बैलों का घर; बैल शाला. a
stable for bullocks. निसी० ८, ६;

गोणत्ता. स्त्री० (गोणता) अश्वपणु; मूर्खता.
मूर्खता; बैलपन. State of being an
ox; foolishness. विवा० १;

गोणस. पुं० (गोणस) डेल पिनको सर्प.
फन रहित सर्प. A serpent without
a hood. (२) सर्प, बिच्छु वगैरे. सर्प,
बिच्छु इत्यादि. snake, scorpion etc.
पञ्च० १, जावा० १; नाया० ८; पगह० १, १;

गोसी. स्त्री० (गो) गाय. गौ; गाय. A cow.
आव० नि० भा० २३; पि० नि० ११६;
विश० १६११;

गोणस. त्रि० (गोण) गुणनिष्पन्न नामः
प्रकृति प्रत्ययना अर्थको अनुसरतु नाम.
गुण निष्पन्न नामः प्रकृति प्रत्यय के अर्थ के
अनुसार नाम. A name according to
attributes. नाया० २; पगह० १, १;
अणुजो० १३१; (२) गौण; मुख्य नहीं
ते. गौण; मुख्य नहीं वह. minor. पि०
नि० भा० ५;

गौतम. पुं० (गौतम) अंतर्गडसूत्रना पदेला
वर्गना पदेला अध्ययनतु नाम. अंतर्गडसूत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antagada
Sūtra. (२) अधिकृतशिशु राजको प्रथम
पुत्र के गौणे नेमनाथप्रभु पासे दीला लक्ष्मी
आर वरस प्रत्यया पाणी शत्रुघ्नय उपर
अक भासको संथारा करी मोक्ष गया. अधिक-
वृष्णि राजा का प्रथम पुत्र कि जिसने
नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह वष
पर्यंत प्रव्रज्या का पालन कर शत्रुघ्नय के ऊपर
एक मास का संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया.
the first son of king Andhaka-
vrisni who took Dikṣā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month on Śātruñjaya mount and attained final bliss. अंत० १, १; (२) गौतम गणधर; महावीरस्वामिता मुष्य शिष्य. गौतमगणधर; महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य. the Gaṇadhara named Gautama. भग० ४२, ५; नाया० १६; (३) रोहिणी नक्षत्रनुं गोत्र. रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohiṇī. सू० प० १०; (४) गौतम गोत्रमां उत्पन्न थ्येत्. गौतम गोत्रमें जा उत्पन्न हुआ है वह. (one) born in the Gautama family. सू० प० १;

गोतिथ. न० (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) तलाव-मां उतरवाने आरे तालाव में उतरने का आरा. A path to descend into a pond. जीवा० ३, ४;

गोत्त. न० (गोत्र-गृयते संशब्धते उच्चावचैः शब्दैर्यत् तत्) वंशोत्तमूत्र पृथक्-के नामथी-अट्ठथी-यश आगम्यतो ह्यय ते. वंश का मूल पृथक्-जिस नाम से-गोत्र से जो वंश पहचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived. सू० १, २, ७, ५; ओव० ११; वि० नि० ५०६; राय० २६; सू० प० १; भग० ३, ५; नाया० १६; उवा० १, ७६; जं० प० ७, १५५; (२) त्रि० (गां वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वागमाधार भूतम्) सर्व आगमनो आधार. सर्व आगम का आधार. the source of all the scriptures. सू० १, १३, ६; (३) गोत्र कर्म; आठमांनुं सातमुं कर्म. गोत्र कर्म; आठमें से सातवां कर्म. Gotra Karma;

the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; —अगार. पुं० (—अगार) गोत्रनी भालेकीनुं धर. गोत्र के स्वामित्व का गृह. a house of the same lineage. “ पहीण गोत्तागाराह वा ” उच्छिन्न गोत्तागाराह वा ” भग० ३, ७; —कर्म. न० (—कर्मन्) जेथी छय उय नीय गोत्रमां-दुत्तमां उत्पन्न थाय ते कर्म. जिससे जाव उच्च नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म. a kind of Karma causing birth in a high or low family. ठा० २, ४; —दुग्ग. न० (—द्विक) नाम अने गोत्र. नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव० १२६२; —भेइ. पुं० (—भेदिन्) छन्द. इन्द्र. the god Indra. सु० च० २, १५;

गोत्त. न० (गोत्व) गायपातुं; गोत्वरूप सामान्य गति गोत्व; गोत्वरूप सामान्य जाति. Genus of a cow. विश० २१६१;

गोथूभा. पुं० (गोस्तूभा) लवण समुद्रमा आरे दिशये ज्युद्धीपनी जगतीधी भेतावीस दग्गर दग्गर उपरे आवेत्त वेत्तधर देवेने रहुयाने पर्वत. लवण समुद्रमें चारों दिशाओं में जंबुद्वीप की सीमा से बयालास सहस्र योजन के ऊपर आया हुआ वेत्तधर देवों को रहने का पर्वत. A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavana Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० १, ८; (२) ११ मां श्रियांसनाथना प्रथम गणधरनुं नाम. ११वें श्रियांसनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 11th Śre-yānsanātha. सम० प० २३३;

गोथूभा. ज्ञा० (गोस्तूभा) पश्चिम दिशाना

अञ्जनकपर्वतनी-पश्चिम तरङ्गनी वायुनं नाम. पश्चिम दिशा के अञ्जनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावडी का नाम. Name of a well on the Añjanaka mountain in the west. टा० ४, २; जीवा० ३, ४; प्रब० १५०२;

गोदास. पुं० (गोदास) ऐ नामना मुनि. इस नाम के मुनि. Name of an ascetic. कप्प० ८;—**गोगण.** पुं० (ग ८) महावीरस्वामिना नवगणभूतिना अक गणु-साधु समुदाय. महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण-साधु समुदाय. One of the nine Ganas or groups of saints founded by Mahāvira Swāmī. टा० ६;

गोधूम. पुं० (गोधूम) गोधूम; ध०. गोधूम; गेहूँ. Wheat. भग० १४, ७; २१; १; टा० ३, १; जीवा० ३, ३; जं० प०

गोपुर. न० (गोपुर गोमभः पूर्यते इति) शहरनेता दरवाजा. शहर का दरवाजा. A city-gate. नाया० ५; १६; भग० २, ७; ८, ६; जन० ६, १८; आव० अणुजो० १३४; गय० २०१; निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; जं० प० सू० प० ३;

गोप्य. न० (गोप्य) गायना पगला गेटेडुं-गट्टेमां पग थुडे तेडुं आओयीयुं. गौ के पैर जितने प्रमाण का खड़ा जिसमें गाय का पैर मात्र डूब सके. A puddle having the depth of the measure of a cow's foot. " जहा समुहो तहा गोप्यय " अणुजो० १४७; टा० ४, ४; विशेष० १४६६;

गोप्ययमित्त. त्रि० (गोप्यदमात्र) गायनी अरी गेटेडुं; नानुं आओयीयुं गौ के खुर जितना; छंटा खड़ा. Of the measure of a cow's hoof. ०. g. a pit. सु० च० ३, १५;

गोप्यहेलिया. स्त्री० (गोप्रहेल्या) गायने अरवाभाटे थोडा घास वाली भूमि. गौओं को चरने के लिये थोड़े घास वाली भूमि. A pasture-ground for cows having thinly growing grass. आया० २, १०, १६६;

गोफ. पुं० (गुरुफ) धुंटी-पगनी ओडी. घुंटा-एडा. A heel. पगह० १, ४;

गोबहुल. पुं० (गोबहुल) शरवणु नामना गामभां रहनेवाले अक आत्मियुं नाम. शरवण नामक ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम. Name of a Brāhman living in a village named Śravan. भग० १५, १;

गोमगर. पुं० (गोमर्) मगध देशमानुं अक गाम. मगध देश का एक ग्राम. Name of village in the Magadha country. पि० नि० १६६;

गोभक्तिय. त्रि० (गोभक्तिक) गायनी पेदे आदार इरतार. गौ के समान आहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow. नाया० १५;

गोमंत. त्रि० (गोमन्) गायवाला. गौओं का रक्षक; गवली. A cowherd; (one) having cows. विशेष० १४६८;

गोमय. न० (गोमय) आण. गोबर. Cow-dung. निसी० १२, ३८; भग० ५, २; आया० १, १, ४, ३७; २, १, १, १; भक्त० १६२; दस० ५, १, ७;—**कीड.** पुं० (—कीट) आणुनेला कीडा-अतुरिद्रिय जीव. गोबरका कीडा-चतुरिद्रिय जीव. an insect in cowdung; a four-sensed being. भग० १५, १; जीवा० १; पञ्च० १;—**रासि.** पुं० (—राशि) आणुनेला दगलेला. गोबर का ढेर. a heap of cow-dung. भग० ८, ९; १५, १;

गोमाउ. पुं० (गोमायु) शृगाल; शियाल.

शृगाल; सियार; A jackal. नाया० ४;

गोमायुपुत्त. पुं० (गोमायुपुत्र) गोमायुपुत्र
नामना ऐक साधु. गोमायुपुत्र नाम के एक
साधु. An ascetic so named.
भग० १५, १;

गोमाणसिञ्चा-या. स्त्री० (गोमानसिका)
शय्या; पथारी. शय्या; बिछौना. A bed.
(२) लामो ओटलो. लंबा ओटला. a
long verandah. जं० प० राय० १०६;

गोमाणसी. स्त्री० (गोमानसी) शय्या, शय्या.
A bed. जीवा० ३, ४;

गोमिञ्च. त्रि० (गोमिञ्च गावस्सन्ति अस्वेति)
लुओ “ गोमंत ” शब्द. देखो “ गोमंत ”
शब्द. Vide “ गोमंत ” अणुजा० १३१;
पह० १, २; दस० ७, १६; १६;

गोमिज्ज. पुं० (गोमिज्ज) ऐक वनतो
मणि; सयित्त कठिन पृथ्वीतो ऐक भाग.
गोमिज्ज-एक जाति का मणि; सचित्त कठिन
पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त०
३६, ७६;

गोमिणी. स्त्री० (गोमिनी) गायवाती स्त्री.
गायवाली स्त्री. A woman, posses-
sing a cow. दस० ७, १६;

गोमुत्तिया. स्त्री० (गोमुत्रिका) आसती गाय
भुतरे तेन आकारे पांडी गायरी करवी ते;
धरनी अ पंडितमां ऐक वार ऐक पंडितना
ऐक धरे व्होरी पछी रहामी पंडितनुं ऐक
धर व्होरे वणीपाछो पड़ेली पंडितमां ऐक
धर भुकी गायरी करे ऐम गोमुत्रिकाने
आकारे धर व्होरे ते लिक्षानुं नाम गोमुत्रिका;
लिक्षाना अलिग्रहोतो ऐक प्रकार. जिस
प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी
आकार में वक्र गोचरी करना अर्थात् घरों की
दो पंक्तियों में से एक बार एक पंक्ति के एक
घर में से भिक्षा लेकर समीप की पंक्ति के
एक घर से भिक्षा लेना; पुनः पहिली पंक्ति

में एक घर छोड़ गोचरी करना इस प्रकार
गोमुत्रिका के आकार से घर घर भिक्षालेना
उसका नाम गोमुत्रिका; भिक्षा के अभिग्रह का
एक प्रकार. A vow to beg food; a
particular mode or fashion viz.
in imitation of the zigzag
course described when a cow
moves on shedding a stream
of urine as she walks; e. g.
while begging food from two
rows of houses the ascetic
would begin with the first
house of one row and then go
to the first house of the oppo-
site row then to the second
house of the first row and so
on. उत्त० ३०, १६; टा० ४, २; ६, १;
दसा० ७, १; प्रव० ७५२;

गोमुत्ती. स्त्री० (गोमुत्रिका) गाय के पत्रद
भुतरे तेनो अ आकार थाय ते. गौ वा बैल
मूत्र करे उसका जो आकार हो वह. The
zigzag shape which is formed
while a cow or a bullock passes
urine while it moves. क०
गं० १, २०;

गोमुह. पुं० (गोमुख) लवण समुद्रमां पांयसे
वन्वत्त उपर इशान भुजांमां आवेल गोमुअ
नामना ऐक अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में
पांचसौ योजन पर इशान कान में आया हुआ
गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvīpa (an island)
in the north-east in Lavana
Samudra at a distance of 500
Yojanas. टा० ४, २; प्रव० १४३६; (२)
१२मां द्वीपमां रहंतार भाजुस. १२वें द्वीप में
रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पञ्च० १; (३) श्रीऋषभदेव स्वामीना यक्षनु नाम. श्रीऋषभ-
देव स्वामी के यक्ष का नाम. name of
the Yakṣa of Śrī Rīṣabhadeva
Swāmī. प्रव० ३७५;

गोमुह्री. स्त्री० (गोमुखी) ऐनामनुं ऐक
वायुत्र; गायना मुष्प्रेयु-डादस भंजनीया
विशेरे. इस नामका एक वाजित्र; गोकुं मुख के
आकरका वाजित्र विशेष. A kind of
wind instrument; e. g. a
bugle etc. अणुजो० १२८; उ० ७, १;
नाय० १८; राय० ८८;

गोमेज्ज. पुं० (गोमिद) ऐक जनतेना भजि.
एक जातिका मार्ग. A kind of gem.
पञ्च० १;

गोमेह. पुं० (गोमिध) नेमिनाथजना यक्षनु
नाम. नेमिनाथजी के यक्ष का नाम. Name
of the Yakṣa of Neminātha.
प्रव० ३७६;

गोमि. पुं० (गोमिमन्) त्रयु इन्द्रिय वाला
जिव; डान भजुरे. तीन इन्द्रिय वाला जीव;
कान खजुरा. A three-sensed being;
a centiped. पञ्च० १;

गोय. पुं० न० (गोत्र) सांतमु गौत्रकर्म
जन्ता विदयथी ज्यु डिये अथवा नीय गौत्र
पामे छे. सा. वां गोत्रकर्म जिसके उदयमे
जीव उच्च किंवा नीच गोत्र पाता है. The
7th variety of Karma known
as Gotra Karma by the rise
of which a soul gets high or
low lineage. पञ्च० २०; २२; ओव०
२०; नाया० ८; भग० २६, १; विश०
११८७; क० प० १, २६; २, ६; क० गं०
१, ३; ५२; ५, ७२; उत्त० ३३, ३; प्रव०
१२६४; (२) गौत्र; वंश; अष्टक. गोत्र;
वंश; कुलनाम. lineage; family

name. ओव० २७; भग० २, ५; (३)
(गां वाणीं त्रायत इति गोत्रम्) मौन धारण
करवुं ते; वाङ्मयम. मौन धारण करना;
वाक्मयम. keeping of silence.
सूय० १, १४, २०; —कर्म. न०
(—कर्मन्) जुआ गाय शब्दतो श्रीते
अर्थ. देखो “गोय”. शब्द का द्वितीय अर्थ.
vide the second meaning of the
word “गोय”. उत्त० ३३, १४; —दुग.
न० (—द्विक) गौत्र द्विक; डिय गौत्र अने
नीय गौत्र ऐ गौत्रकर्मनी ऐ प्रकृति गोत्र
द्विक; उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो
प्रकृति. the two varieties of
Gotra Karma viz. high and
low lineage. क० गं० २, १४; —मय.
पुं० (—मद) डिय गौत्र भगे तेना भद
करवो ते. उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका
मद करना. pride of high family.
सूय० १, १३, १५;

गोयम. पुं० (गौतम — गौमिः तमो ध्वस्तं यस्य)
जुआ “ गौतम ” शब्द. देखो “ गौतम ”
शब्द. Vide “ गौतम ” “ गौयमोय गो-
तम ” जं० प० उवा० १, ७६; अणुजो० ८६;
१३४; ओव० ३, ८, उत्त० १०, १; १८,
२२; २३, ६; नंदी० म्य० २४; भग० ७, १;
१८, १०; नाया० १:६:७; १०: ११: १३; १५;
राय० ७८; (२) सुस्थिक (लवणु समुद्र
स्वामि) देवतेना गौतम नामे द्वीप. सुस्थिक
देवता का गौतम नामक द्वीप. name of
an island of the god Susthika
the lord of Lavana Samudra.
जावा० ३, ४; (३) गौतम गौत्रमां उत्पन्न
थयेन्न—मुनि सुवत अने नेमि तीर्थकर नारायण
अने पद्मशिवायना वामुदेव, अन्नदेव, भद्रभूति
आदि त्रयु गणुधर वंशेरे. गौतम गोत्र में
उत्पन्न मुनि सुवत व नेमि तीर्थकर,

नारायण व पद्मे सिवाय वासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूति आदि तीन गणधर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and Nemi Tirthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyaṇa and Padma; the three Gaṇadhara e. g. Indra-bhūti etc. टा० ७, १; (४) पुं० गा-शाशतो षड् पञ्च परिदार-इति पत अवतारनु-नाम. गोशाशता का छत्र पञ्च परिदार-कल्पित अवतार का नाम. the imaginary sixth incarnation of Gośālā. भग० १५, १: —गोत्त. न० (—गोत्र) इन्द्रभूति शत्रुघ्नं गौतम गोत्र इन्द्रभूति गणधर का गौतम गोत्र. the family named Gautama to which the Gaṇadhara Indrabhūti belonged. भग० १, १; ३, १: —स्वामि पु० (—स्वामिन्) गौतमस्वामी गौतम स्वामी. Gautama Swāmī. नाया० १६:

गीयमकुमार. पुं० (गौतमकुमार) अथ दृष्टिपुत्राग्रते. दृष्टारः दश दशारभन्ति अथ. अथकवृष्णि राजा का कुमारः दश दशार मे मे एक. A son of king Andhaka Vṛṣṇi; one of the ten Daśāras. अंत० १, १:

गीयमद्वीप. पुं० (गौतमद्वीप) लवण समुद्रमां गौतमद्वीप नामतो यापु छे त्यां सुस्थित नामतो लवणसमुद्रतो अधिपति रह्ये छे. लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lavaṇa Samudra where the lord of that ocean resides, सम० ६७:

गीयमपुत्र. पुं० (गौतमपुत्र) गौतमनो पुत्र

अर्जुन. गौतम का पुत्र अर्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmī. भग० १५, १;

गीयस. पुं० (गोचर-गौरिव चराति यस्मिन् सः)

गीयरीः साधुश्च गौतमिथी. भिक्षा लेवा गुरु ते. गोचरी; साधु का गौतमि से भिक्षा लेने के वास्ते जाना. Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. पि० नि० १६४; राय० २३५; सम० ५० १६८; उत्त० १६, ५१; ओष० नि० भा० ६६; नाया० १; भग० २, १; वेय० ६, १६; दया० ७, १; (२) स्थान. स्थान. a place. विश० १६६; भग० ७, ६; (३) स-मुपः प्रत्यक्ष सम्मुख; प्रत्यक्ष. in front of; in presence. दया० १, २; (४) विषय; संबंधी विषयमें, संबंधमें. relating to. जे० प० ३, ३६; पंचा० ५, ३; —काल. पुं० (—काल) गौतमिना समय. गोचरीका समय. time of begging food. दया० ७, १ —चरिया. स्त्री० (—चर्या गोचर-रथं गाचर इव चर्या) गौतमिनी यथा. गोचरी का चर्या. mode of proceeding to beg alms. दया० ७, १:

गीयसग. न० (गाचराडय) अथ-प्रधान-अथ-गौतम-भिक्षा; आधा इमं हि दोष रहित भिक्षा-गौतमि. अथ-प्रधान अथ गोचर-भिक्षा; आधाकर्माद दोष रहित भिक्षा-गौचरी. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Ādhākarma etc. उत्त० २, २६; ३०, २२; दम० ५, १, २; १६; ६, ५७; —गम्य. त्रि० (गत) भिक्षा-भाटे गये. भिक्षा के लिये गया हुआ. gone to beg alms. दम० ५, १, २; —पवट्टि. त्रि० (—प्रविष्ट) जुआ “ गीयसगम्य ”

शब्द. देखो “ गोयरगगग्र ” शब्द.
vide “गोयरगगग्र ” दस० ५, १, १६;
६, ५७;

गोयावाय. पुं० (गोत्रवाद) गोत्रना नामधेय
कामिने भोक्तावयुग्मेभ्यो के हे गोत्रम. गोत्र के
नाम से किसी को पुकारना यथा—हे गोत्रम.
Addressing a person by his
family-name.. सूय० १, ६, २७;

गोर. त्रि० (गोर) सङ्केतः श्वेतः श्वेतः
उज्ज्वलः सफेद. White. श्रौत० २६; पञ्च०
२; उवा० १, ७६; —खर. पुं० (-खर)
श्वेतो गदंभ-गधेयः. श्वेत गदंभः सफेद
गधा. a white ass. पञ्च० १; —मिग.
पुं० (-मृग) सङ्केतः श्वेतः श्वेत मृगः सफेद
हिमन. a white deer. आया० २, ६,
१, १४४; —मिय. न० (-मृग) सङ्केतः
श्वेतः श्वेत मृग. a white deer. तिथी०
५, ११;

गौरव. न० (गौरव) गौरवः सद्भिः
भोक्तृभिः. गौरवः सद्भिः बडाई. Great-
ness; glory. विश० ३४५३; जे० प०
सू० प० २०;

गोरस. पुं० (गोरस गवां रसः द्युःपत्ति-
स्त्वेवम-पवृत्तिस्तु महीप्यादीनां दुग्धादि
रूपं रसे) दधि-दूध आश पणैरे. दूधा-दूध-
छाद्य इत्यादि. Milk, curds, whey
etc. पि० ति० ५२; नाया० ८; १७; प्रव०
१४२६;

गोरहग. पुं० (गोरथक) त्रय वर्षीय-तनो
वाज०. तीन वर्ष का-छोटा बछडा. A
young ox three years old.
आया० २, ४, २, १३८; सूय० १, ४, २,
१३; दस० ७, २४;

गोरी. स्त्री० (गोरी) अंतर्गच्छुतना पांथमां
वर्णिता पीत अध्वयनतु नाम. अंतर्गच्छ
सूत्र के पांचवे वर्ग के द्वितीय अध्वयन का

नाम. Name of the second chap-
ter of the fifth section of
Antargāḍa Sūtra. (२) कृष्ण वासु-
देवती एक पट्टराती के नन्मनाथ प्रभुती
देशना संलग्नी विरक्त यथा यक्षिणी आर्याश्च
पांसि दीक्षा अंगीकार करी ११ अंग लक्ष्मी
वीज वर्पती प्रव्रज्या पाणी एक भासना
संथारो करी निर्वाणपद पाप्मा. कृष्ण वासु-
देव का एक पट्टराती कि जो नमनाथ प्रभु का
देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी
आर्या में दाज्ञा अंगीकार की व ११
अंगों का अभ्यास कर सोम वर्ष की प्रव्रज्या
का पालन कर एक मास का संथारा कर
निर्वाण पद को प्राप्त हुई. name of a
principal queen of Kṛṣṇa
Vāsudevā. She gave up world-
ly attachment as a result of
the preaching of Namanātha
and took Dikṣa from a nun
named Yākṣiṇī. After study-
ing 11 Aṅgas and practising
asceticism for twenty years
she attained to salvation after
one month's Santhārā (giving
up food and water). श्रुत० ५, २;
ठा० ८, १; (२) पार्वती. पार्वती. the
goddess Pārvati. सूय० २२, २७.
सू० च० २, ३३; (३) गौरवज्जुवाणी स्त्री.
गौर वर्ण वाली स्त्री. a woman with
fair skin. अणुजो० १२८; ठा० ७, १;
गोरोयण. न० (गोरोचन) गोष्ठं यदंत. लाल
चंदन. The bezoar stone. पंचा०
४, १५;

गोल. द्वि० (गोल) गोला: दण्डाया, गोला
पणैरे. गोल; गोटा, गोली इत्यादि. A
small ball etc. for play. अणुजो०

३, १; भग० १०, ५; १६, ३; पञ० १; ज० प० ७, १७; सू० प० १८; (२) काश्यप गौत्रनी ऐक शाखा अने तेमां उत्पन्न थयेन पु३५. काश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it. ठा० ७, १; (३) काँ ऐक देशमां वपरावेन अपमान सूचक संबोधन. कौसां सुक्त में प्रचलित अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect). नाया० ६; आया० २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं० (गोलगुल) वानर. बंदर. A monkey. भग० १२, ८; —वसभ. पुं० (—वृषभ) अष्टौठा वानर. बड़ा बंदर. a big monkey. भग० १२, ८;

गोलय. पुं० (गोलक) गोला; गोला पिण्ड; दंड. गोला; गेंद; A ball. उत्त० २६, ४०;

गोलवट्ट. त्रि० (गोलवृत्त) गोलाकार; वर्तुल. गोलाकार; वर्तुलाकृतिमें. Round; circular. सम० ३५; ज० प० ७, १७०; २, ३३;

गोलव्वायण. न० (गालवायन) अनुराधा नक्षत्रनुं गौत्र. अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā. सू० प० १०;

गोलिकायण. पुं० (गोलिकायन) कौशिक गौत्रनी शाखा. कौशिक गोत्र की शाखा. A branch of the lineage named Kausika. (२) ते शाखामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage. ठा० ७, १;

गोलियसाला. ब्री० (गोलिकशाला) गोण वेयवाली दुकान. गुड बेचने की दुकान. A

shop for selling treacle. (२) गायने दोहवानुं स्थान गौओंका दूध निकालने का स्थान. a place for milking cows. वव० ६, १; ७;

गोलुकि सह. पुं० (गोलुकि शब्द) गायुत्री नामका वाद्ययंत्र शब्द. एक प्रकारके वाजित्र का शब्द. Sound of a musical instrument. निसा० १७, ३३;

गोलोम. पुं० (गोलोम) ऐ द्विद्रियवाला भूत; (जालुमां थाय छे ते.) दो इंद्रिय वाला जीव-गोबर में होता है वह. A two-sensed being; (found in cow-dung). पञ० १; निसा० १०, ५०; (२) गायनुं रंग. गौ का रंग. the fur of a cow. कप० ६, ५७;

✓ **गोव. धा० I, II. (गुप्)** अथावतु; छुपावतु बचाना; छिपाना. To hide; to protect.

गोवह. नाया० १६;

गोवमि. सु० च० १५, ६;

गोवित्ता. सं० कृ० नाया० १६;

गोवत्तण. हे० कृ० नाया० १६;

गोव. पुं० (गोप-गां भूम वा पति रक्षति) गोपाल. गवला; ग्वाला. A cowherd. विश० २६५२; पि० नि० ६६७; भक्त० ८१;

गोवल्गायण. न० (गोवल्गायन) पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्रनुं गौत्र. पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Purvafalguni constellation. सू० प० १०; ज० प० ७, १५६;

गोवालिआ. ब्री० (गोपालिका) गोपालिका नामकी आर्या. गोपालिका नामक आर्या. Name of a nun. नाया० १६;

गोवाली. ब्री० (गोवाली) ऐ नामकी ऐक वेत्र. इस नाम की लता. Name of a creeper. पञ० १;

गोवीहि. स्त्री० (गोवीधि) शुक्नी गति विशेष.

शुक की गति विशेष. A particular kind of motion; the motion of Venus. ठा० ६, १;

गोस. पुं० (*) प्रातःकाल; सवार.

प्रातःकाल; सवेरा. Morning; dawn.

सु० च० २, ११; ४, २०२; प्रव० १६१;

पंचा० १, ५०: —**करणीय.** त्रि० (-कर-

णीय) सवारभां करवा लायक (धर्म-

ध्यानादि). प्रातःकाल में करने योग्य (धर्म-

ध्यानादि). (anything) to be done

in the morning; i. e. religious

meditation etc. सु० च० २, ७५;

गोसाल. पुं० (गोशाल) गोशाला-मंथत्रि

पुत्र, वेनुं विवरण भगवती सूत्रना १५ भा

शतकभां छे. गोशाला मंथाल पुत्र, राज

का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक

में है. (Gosālā-the son of Mau-

khali, described in the 15th

Sataka of Bhagavati Sutra

भग० १५, १; नाया० १६; उवा० ७, १८८;

गोसालग. पुं० (गोशालक) जुआ उपदे

शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.

प्रव० ७४०; —**मय.** न० (-मत) गोशाला-

ना मत. गोशाला का मत. the tenet

of Gosālā. प्रव० ७४०;

गोसीस. न० (गोशीर्ष) गायना भस्तकभांथी

निकलनुं गौरोचन. गौ के मस्तक में से निक-

लने वाला गौरोचन. A yellow pig-

ment found in the head of a

cow. जं० प० ५, ११४; पञ्च० २; सम० प०

२१०; नाया० १; भग० ९, ३३: १५, १;

ओव० (२) गायनुं भस्तक. गौ का मस्तक.

the head of a cow. सु० प० १०;

—**आवलि.** स्त्री० (-आवलि) गायना

भस्तकानी पंक्ति. गौ के मस्तकों का पंक्ति.

a line of the heads of cows.

सु० प० १०;

गोह. पुं० (गोघ) जुआ " गोहा " शब्द.

देखो " गोहा " शब्द. Vide " गोहा "

पण० १, १; उत्त० ३६; १८०; जीवा० १;

दसा० ६, ४;

गोहा. स्त्री० (गोघा) धौ; सरस वेनुं अंक

अपटुं प्राणी अने लीगिअ अने बार पण

देव छे, रात्रि शिकार सारुं गूदर नीकले छे

अनी अ वन छे-अन्दनधौ अने पटला धौ.

घो जैसा एक चपटा प्राणी-उसके शरीर पर

झिलके व चार पैर होते हैं, रात्रि को शिकार

के वास्ते निकलता है उसका दो जाति है-

चंदनघो व पाटलाघो. A lizard-like

animal having scales and four

feet. It moves out in search

of prey at night. It is of

two kinds. (1) Chandanagho

and (2) Pātlagho. नाया० ८; सुय०

२, २, ६३; २, ३, २५; भग० ८, ३; १५, १;

—**आवलिया.** स्त्री० (-आवलिका) धौनी

पंक्ति. घो का पंक्ति. a row of lizard-

like animals. भग० ८, ३;

गोहिआ-या. स्त्री० (गोघिका) लांड लोडनुं

अंक वननुं वाद्यत्र. भांड लोगों का एक

तरह का वाद्यत्र. A kind of musical

instrument used by tumblers

etc. अणुजो० १२८; आया० २, ११, १६८;

ठा० ७, १; विवा० ७; (२) सामान्य धौ.

सामान्य घो A kind of lizard. जीवा०

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

१; —सद् पु० (—शब्द) लाउना वाजि-
त्रनो शब्द. भाँडों के वाजित्र का शब्द.
the sound of a musical instru-
ment of a bard. निसी० १०, ३५;

गोही. स्त्री० (गोही) गोलुली. गोहणी. A
female lizard-like animal.
जीवा० १;

गोह्म. पु० (गोधूम) धुँड; धान्यनी अन्न
जन्त. गेहूँ; धान्य की एक जाति. Wheat;
a kind of corn. पन्न० १; वेय० २, १;
प्रव० १००६;

✓ गहह. धा० II. (ग्रह्) ग्रहण करवुं.
ग्रहण करना. To accept.
गहेह. निसी० १, ५४;
गहेही. भ० सु० च० ८, १६७;
गहिउं. सं० कृ० सु० च० १२, १७३;
गहेऊण. सं० कृ० नाया० १६;
गहाय. उत्त० ४, २; अणुजो० १६८; भग०

२, १; ३, १; ५; ६, १०; ६, ३३;
११, ६; १३, ६; १५, १; १६, १;
नाया० १; २; ३; ५; ७; ८; १६;
१८; दसा० ७, १; १०, ३; विवा०
२; ६; ७; निसी० ३, ८२; ७, २६;
६, ४; वव० ७, १७; ८, ११; राय०

३३; वेय० १, ३७; निर० ३, ३;

गाहेह. प्रे० नाया० ५; ओव० ३०;

गाहावह. प्रे० वि० सु० च० १०, १२६;

गाहेहिनि. प्रे० भ० भग० ७, ६; जं० प०
२, ३६;

गार्हस्ते. प्रे० भ० विशेष० १४५६;

गाहिता. प्रे० सं० कृ० भग० ७, ६; ओव०
३०;

गाहेता. प्रे० सं० कृ० नाया० ५;

✓ गघा. (घ्रा) सुंधवे। सुंधना. To smell.
जिग्घह. निसी० १, ८; ६, ५;
जिघ्वंत. निसी० १, ६;

* घंघ्र. त्रि० (*) गरीब अनाथ. गरीब; अनाथ.
Poor; destitute. पि० नि० ३६२;
—साला. स्त्री० (—शाला) अनाथालय;
धर्मशाला. अनाथालय; धर्मशाला. A
house of charity for the help-
less. ओव० नि० ६३६;

घंट. पुं० (घण्ट) धंटी; टोडरी. घंटा. A
bell. भग. ९, ३३; सु० च० २, ३०३;
प्रव० ११४७; जं० प० २, ११५; —रव.
पुं० (—रव) धंटेनो अवाज. घंटेकी आवाज.
घंटा का नाद. Sound of a bell
नाया० ८;

घंटा. स्त्री० (घंटा) धंटी; टोडरी. घंटा. A
bell. ओव० नि० भा० ८६; ओव० ३०;
नाया० १, ३; राय० ३७; जं० प० ५, ११५;
उवा० ७, २०६; —आवालि. स्त्री० (—आ-
वलि) धंटेनी पंक्ति. घंटों की पंक्ति. A
series of bells. नाया० १; राय० ओव०
घंटिअ-य. पुं० (घण्टिक-घण्टया चरन्ति तां
वाङ्मन्तीति घण्टिकाः) धंटा बजाडी भिक्षा
भागदार; राडलिह. घंटा बजाकर भिक्षा
मांगने वाला; राडालिक. One who
begs alms by ringing a bell; a
Raulika. नाया० ६; कण० ५, १०७;

* लुओ ५४ न० ५२ १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

घण्टिआ-या. स्त्री० (घण्टिका) धपट्टी:
धुधरी. घंटी; घुंघरी. A bell; a small
bell. राय० ४४; जीवा ३, ३; नाया० ३;
प्रव० ११३; (२) अ३ गतनुं आभरण
एक जातिका आभरण. a kind of
ornament. जं० प० ५, ११२; उवा०
७, २०३; नाया० ६; — **जाल.** न० (जाल)
घण्टिआना, धुधरीआना समूह. घण्टियों का
समूह; घुंघरियों का समूह. a collection,
bunch of small bells. भग० ६, ३३;
घंतु. त्रि० (घातु) मारनेवा; घात करनेवा.
मारनेवाला; घात करनेवाला. A killer;
a destroyer. “रमणितेन घंतुणा”
उत्त० १८, ७.

घंसण न० (घर्षण) घसपुं. घिसना. घर्षण.
Rubbing; friction. विशेष० २०४३;
नाया० १;

घंसिअ-य. त्रि० (घर्षितक) घट्टनेली पेड़
घंसने; घट्टे. चन्दन की तरह घिसा हुआ.
Rubbed against a hard sub-
stance; e. g. Sandal wood. आव०
३८.

घकारप्रविमत्ति पुं० (घकारप्रविमत्ति)
“घ” नाम आकार देयुं ३२ नाट्यमायुं अ३.
“घ” की आकृति जैसा; ३२ नाटक में से
एक. Anything of the shape of
the letter “घ” one of the 32
dramas. राय० ६३;

✓ **घट्ट.** भा० I, II. (घट्ट) स्पर्श करने;
दक्षायुं. स्पर्शकरना; हिलाना To touch;
to give motion.

घट्टइ. भग० ३, ३; राय० २६६;

घट्टेह. नाया० ३;

घट्टैत. नाया० ४;

घट्टिजा. वि० दम० ४;

घट्टेजा. वि० दम० ४;

घट्टाविजा. वि० वि० दम० ४;

घट्टावेजा. वि० वि० दम० ४;

घट्टिय. सं० कृ० पि० नि० २५४;

घट्टेउं. ओघ० नि० ३००

घट्टेन. व० कृ० दम० ४;

घट्टग. न० (घट्टक) घसवाने पत्थर. घिसने
का पत्थर. A hard stone used for
rubbing things against. ओघ०
नि० ४०१;

घट्टण न० (घट्टन) संघट्ट. अघट्ट; अघट्टपुं.
संघट्टा होना; अघट्टाना. Clash; collision.
दम० ४; डा० ४, ४; पंचा० १५, ३१;

घट्टणया. स्त्री० (घट्टना) संघट्टा करने;
आने घट्टने घसपुं. संघट्टन करना; जोरसे दबा
कर घिसना. Rub with
pressure. पञ्च० १६; आव० ३८;

घट्टिय. त्रि० (घट्टिन) आदिमादि स्पर्श
आने तेरी रीति दक्षवेदः घट्टना करनेवा
पमिश्र. परस्पर स्पर्श हो डग तरह हिलाना
हुआ. caused to collide; moved
in a way to cause friction.
“घट्टिपण फंदियाण खेमियाण” जं० प०
१; राय० १२८; ११० नि० ५२३; (२)
२५४. स्पर्श. touched. पट्ट० १, ३;
(३) प्रेरणा करने. प्रेरणा किया हुआ;
प्रेरित. directed; instructed. पट्ट०
१, ३

घट्ट. वि० (घट्ट) घसपुं; पासीला करने;
पत्थरनी पेड़ साइं करने घिसा हुआ; पत्थर
के समान नाफ किया हुआ. Rubbed;
polished. आव० ४३; आया० २, २,
१, ६४; २, ५, १, १४४; अणुजो० २१;
सू० प० जीवा० ३, ४; भग० २, ८; जं०
प० ओघ० नि० ६८; पञ्च० २; वेय०
१४४; सम० प० २११; राय० कप० ३, ३२;
६, २;

✓ घड. घा० I, II. (घट्) धसुं; टीपयुं.
घडना; बनाना. To hammer; to fashion. (२) घटना करनी. घटना करना. to mould.

घडह. सु० च० २, १८५:

घडेमो. नाया० ८:

घडित्तपु. हे० कृ० नाया० ८;

घडंत. भक्त० ४७:

घडेंति. भग० ११, ६; जं० प० ५, ११४;

घडित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४:

घड. पुं० (घट-घटनेस्मै घटनाद् वा घटः)

धडा; धणश. घडा; कलश. A pot; a

pitcher. विशेष० ६१; भग० ५, ४; ८,

१०; पञ्च० २; पिं० नि० ८८; १३२; श्रौव०

अणुजो० १३१; सम० २५; पंजा० ६, ११:

प्रब० ६४५: —कार. पुं० (--कार)

धसुने अनायतनर; दुंभर. घट बनाने वाला

कुंभकार; कुंभार. a potter. विशेष० १८१५;

—दास पुं० (--दास) पाण्डि भरज्जारी

नोकर. पानी भरने वाला नोकर. a servant

employed to fetch water.

आया० २, ४, १, १३८; —दासी. स्त्री०

(--दासी) पाण्डि भरज्जारी दासी. पानी

भरने वाली दासी. a servant-maid

employed to fetch water. सूय०

१, १४, ८; —मुह. पुं० (--मुख)

धसुनुं भोटुं. घटका मुख; घंड का मुंह.

the mouth of a pot. सम० १७४;

घडक. पुं० (घटक) धडा. घडा; घट. A

pot. अणुजो० १३२:

घडग. पुं० (घटक) धडा. घडा; घट. A

pot. नाया० १६; जं० प०

घडण. न० (घटन) उद्यम; प्रयत्न. उद्यम;

प्रयत्न. Effort; industry. पणह० २, १;

घडणा. स्त्री० (घटना) घटना करनी; योजना

करना; योजना करना Formation.

विशे० १२०७; पंचा० १२, ४५;

घडत्त. न० (घडत्व) धसुने भाव; घटपाण्डु.

घडे का भाव; घटत्व. State of being

a pot. भग० ३, ३;

घडत्ता. स्त्री० (घटता-घटा समुदायरचना

तद्भावः तत्ता) समुदाय रचनाना भाव.

समुदाय रचना का भाव. Formation

of group. जावा० ३, २; भग० ५, ३;

११, १८; १८, १०;

घडय. पुं० (घटक) ऋग्भा “ घडग ” शब्द.

देखा “ घडग ” शब्द. Vide “ घडग ”

नाया० ७; उवा० ७, १६८;

घडि. त्रि० (घटिन्) धसुनेवाला. घडा वाला.

(One) having a pot. अणुजो० १३१;

घडिग्गा. स्त्री० (घटिका) माटीनी कुलडी.

मिट्टी का कुलडी. A small earthen

vessel. सूय० १, ४, २, १४;

घडिमत्तय. न० (घटिमात्रक) धसुने आकारे

माटिनुं नाम. छोटा मिट्टीका बरतन. A

small earthen pot. वय० १, १८;

घडिय. त्रि० (घटित) घटना करेवा; भेदवेध.

घट । किया हुआ. Formed; joined.

जावा० ३, ३;

घडियव्व. त्रि० (घटितव्य) घटना करनी;

सांध भेगवरी. संयुक्त करना; सांध जुडाना

Uniting together; bringing

together. नाया० १, ५; भग० ६, ३३;

घण. पुं० (घन) दहीना अभेद अक्षे. दही का

जमा हुआ चक्का. thick curds. “ दहि

घण ” पञ्च० १७; जं० प० ५, ११२; ७, १४०;

५, १२१; (२) नकर वाद्यत्र दंसिया,

जं० प० १, १२; जावा० ३, ४; राय० ६६;

भग० ५, ४; टा० २, ३; ४. ४; (३)

दृढ; दृढत्व; मज्जुत; छिद्रवगरेनुं. दृढ;
कठिन; छिद्र रहित. hard; firm; free
from holes. राय० ३२; १०६; २५६;
विशे० ११६५; पि० नि० भा० १७; पञ्च०
१; २; ३६; सू० प० १६; आ० ४३; भग०
५, २; (४) धातुं; गाढ; गन्धुं. घट; गाढा;
मोटा. thick; dense. १५० नि० भा०
३८; आ० ३१३; कण्ठ० ३, ४४;
प्रब० ५१२; ५३०; क० गं० १, २०; (५)
विस्तार. विस्तार. extent; area. विशेष०
२६०१; (६) मेघ. मेघ. a cloud. भग०
२, १; पञ्च० २; पण्ड० १, ३; नाया० ६;
पि० नि० १०५; काप० ३, ३३; गच्छा०
६५; (७) स्वात्माना असंख्यान् प्रदेशान्
धनरूपं पिण्ड आत्मा के असंख्यात् प्रदेश का
घन रूप पिण्ड. body consisting of
countless atoms of the soul. भग० ५, ६; (८) समान मतिना आंशका
त्रयं चतुर्गुणवाची नै आंशका आवे ते:
तेभ्यो दे अतो घन आह. त्रयुक्ता सत्ताविम,
चारुता आसः पञ्चरे. समान जाति के अंक
तीन बार गुनने से जो अंक आता है वह:
यथा दो का घन आठ, तीन का सत्ताविम,
चार का चौंसठ इत्यादि. number got
by cubing a numerical quantity.
पञ्च० १२; (९) त्र्यंशः पण्डिताष्ट अने
गणनाये त्रयुक्ते भान त्रयो आवे ते: घन-
रूपे आलोचनं परिभाषा सातारा छ.
लंबाई चौड़ाई व मोटाई इन तीनों का मान
जिसमें आता है वह: घनरूप में इस लोक
का परिमाण मात राज है. a cubic
measure as that of this world.
“ सत्तरज्जुमाणघणो ” क० गं० २, ६७;
(१०) धन्यु; धन्यु. बहुत; अतिशय. much;
more. प्रब० १४८६; (११) नागरमेध
नागरमोथ. a fruit of a medicinal

plant. सु० च० २, ७७; (१२) डांसिया पञ्चरे
वाद्यं त्रयुं शब्द. कांस्य इत्यादि वाजिंय का
शब्द. a sound of a musical
instrument made of bronze.
भग० ५, ८; — **आयत**. न०
(-आयत) गणना अने पण्डिताष्ट युक्ता
आयत संज्ञा; लम्बाई पश्चिमी लंबाई.
आयत संज्ञा; ठोस वस्तु का लंबाई, चौड़ाई
व मोटाई. having length and
breadth. भग० २५, ३; — **करण**.
न० (-करण) धर्मिता अथ मज्जुत
करणा: निम्न धर्म अथ करणा: ते. कर्मों
को बांधना, दृढ करना: निम्न धर्म-बंध
करना. tightening the bond of
Karma. पि० नि० १०१; — **चतुरस्र**
न० (-चतुरस्र) लम्बाई पश्चिमी चौरस
संज्ञा; ठोस वस्तु का चौरस संज्ञा. a
quadrangular solid भग० २५, ३;
— **त्र्यंश**. न० (-त्र्यंश) लम्बाई त्र्यंश
संज्ञा; संज्ञा. ठोस त्र्यंश संज्ञा
(anything) triangular. भग०
२५, ३; — **तत्र**. न० (-तत्र) अतरे
त्र्यंश गुणा इतरे घन थाय. अथवा त्र्यंश
पण्डिताष्ट अने गणना सत्ताविम ते घन:
त्र्यंश त्र्यंश आह त्र्यंश त्र्यंश त्र्यंश ते
मोटा त्र्यंश अतरे आह गुणा त्र्यंश
त्र्यंश थाय: अतरे मोटा त्र्यंश त्र्यंश
अतरे. घन त्र्यंश आह; तेभ्यो त्र्यंश शब्द
नहीं, त्र्यंश अतरे तत्र प्रमाण अतरे
तत्र इतरे, घन तत्र थाय छ. ते समष्ट
त्र्यंश. अतरे व त्र्यंश का गुना करने से घन
होता है, अथवा लंबाई, चौड़ाई व मोटाई
समान हो वह घन; उदाहरण—चार कोष्ठक
की अंशा हो तो सोलह कोष्ठक के अतरे का
चार से गुनने से चौंसठ कोष्ठक हो; अतरे
के सोलह कोष्ठक को चार गुना करने से घन

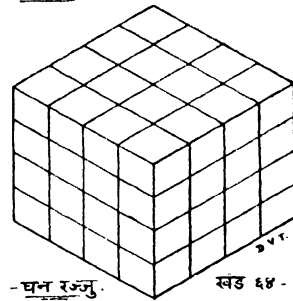
काष्ठक हीं: इस तरह लिखा नहीं जा सकता इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने से घन तप समक लेना. the cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent *tc*, Ghana Tapas would represent *tc*. उत्त० ३०. १०; --परि-
मंडल न० (--परिमंडल) नक्षत्र रूपे वर्तुल आकार: घन परिमंडल संज्ञायु ठोस वर्तुलकार: घन परिमंडल मंडायु. (any-thing) circular in shape. भग० २५. ३: --**माला**. स्त्री० (--माला) भेद-मात्रा. मेघ माला. a line of clouds. भक्त० १२५: --**मणि**. त्रि० (--मणि) ध्वल मणि. बहुत मणि. many gems. प्रव० १८८६: --**मुद्ग**. पुं० (--सृदंग) भेटाटुं नगरुं. मृदंग; डोल: बड़ा नक्कारा. a big drum. जे० प० ५. ११५: कप० २. १३: --**रज्जु**. स्त्री० (रज्जु) जेती लंबाछ पट्टापाट अने पदार्थ सरणी थाय जेती रीति राजतुं परिभाजु करवुं ते जिमका लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो उस गति से राज का परिमाण करना. a unit of measure in which length, breadth and thickness are equal. (२) रज्जु जेदले राज के बंद लेकना क्षेत्रनुं परिभाजु अतावे छे. आभा. लेक उक्तराज्यी मापतां १४ राज परिमित थय छे. आ माप त्रय प्रकारे अतावे छे. भुजि, प्रतर अने घन. जेमां लंबाछ अतावतामां आवे पट्टापाट नदि. ते भुजि. जेमां लंबाई अने पट्टापाट अने दर्शावतामां आवे ते प्रतर. जेमां लंबाई पट्टापाट अने डंबाछ जे त्रय अतावतामां आवे ते घन त्रय प्रकारे आ चित्रमां अतावतामां आवे छे. रज्जु अर्थात् राज कि जो लोक के क्षेत्र का

--सूची रज्जु--

--प्रतर रज्जु--

--सूची रज्जु--

--प्रतर रज्जु--



--घन रज्जु--

--घन रज्जु--

परिमाण बतलाता है. सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है. यह माप तीन प्रकार से बतलाया गया है. सूची: प्रतर और घन. जिसमें केवल लंबाई बतलाई जाती है वह सूची जिसमें लंबाई और चौड़ाई दोनों बतलाई जाती है वह प्रतर. जिसमें लंबाई, चौड़ाई और उंचाई ये तीनों बतलाई जाती है वह घन. तीनों प्रकार इस चित्र से बतलाये गये हैं. Rajju means Rāja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region), the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja. this measure is displayed in three ways, viz. Suchi, Pratar and Ghana. The measure by which

length and breadth are calculated is called Prataṛa and Ghaṇa is that by which length breadth and thickness are measured. All these three ways are exhibited in the picture. प्रव० ६२१. —घट्ट. न० (घृत्त) नक्षत्र आयाशयः घट्टी भादृष्टः ठोस गोलाकार (anything) solid and globular or round like a ball भग० २२, ३. —घान. पुं० (—घान) घट्टया " घणवाय " शब्द. देखो " घणवाय " शब्द. vide " घणवाय " भग० २०, ३. —वाय पुं० (वात) धनोदाय अथवा विमान आदिना आधारभूत जमेला अरुद्ध जेवो अथवा धीमेला धी जेवो अथवा प्रसारतो धीमे वायु. धनोदाय अथवा विमान आदि का आधार भूत जमा हुआ वरफ जैसा अथवा जमे हुए घृत जैसा एक प्रकार का गाढ़ा वायु, a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter). उक्त ३३, ११८; भग० १, ६, २, १०; १८, ४; १२, ११, पञ्च० १, जावा० ३, १. —वायवलय. पुं० (वातवलय) वज्रधातु के रस्से धनवायु. वज्रलाकार में रहा हुआ घनवायु; वज्रलाकार में रहा हुआ घनवायु, thick, condensed air remaining in a circular form भग० १०, ११; —संताणश्च. पुं० (संतानक) डरेलीयानु पञ्च. मकड़ी का जाला, a cobweb, आष० १० २६२; —समह. पुं० (—संमह) जे योगमां चंद्र अने सूर्य आदित्या नक्षत्रली वस्तुमां थो आसे ते योग. जिस योग में चंद्र व सूर्य, ग्रह व नक्षत्र के मध्यस्थ होकर गाँठ करते हैं वह योग

the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation. सू० प० १३; —सह. न० (—शब्द) नक्षत्र वाछत्रना शब्द नकर वाचित्र के शब्द the sound of a certain musical instrument निर्मा० १७, ३५;

घणसार. पुं० (घनसार घनस्य सुस्तकस्य सारः) दण्ड, कर्पूर, Camphor. सू० च० २, ७५;

घणघणाय्य न० (घनघनायित) अथवा घण घण अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा घण घण ऐसा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chariot. गाय० १८३; पगह० १, ३; भग० ३, २; जावा० ३, ८;

घणघाट न० (घनघातिन) धनघाती इमं; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय अने अंतराय ये अरु इमं घनघाती कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतराय ये चार कर्म. The four Karmas viz Jñānāvarṇiṇya, Mohaniya, Darśanāvarṇiṇya and Antaraya; these four Karmas are known as Ghaṇaghāṭi Karmas. क० ग० ५, २७;

घणदंत. पुं० (घनदन्त) धनदन्त नामना अन्तरद्वीपमां रसेतार भनृष्य, घनदन्त नामक अंतर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य. A resident of an island named Ghaṇadanta. पञ्च० १, जावा० ३, ३; (२) जल सभ्रमां नपसे अश्वत्थर धनदंत नामना अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में नवगो योजन पर घनदंत नामक अंतर द्वीप. name of an island in Lavana Samudra at a distance of 900

Yojanas inside. प्रव० १४४१; ठा० ४, २; ६, १;

घणविज्जुया. ब्रा० (घनविष्णु) धरणिन्द्रनी
७३ी अग्रमहिषीनुं नाम. धरणेन्द्र की छठी
अग्रमहिषा का नाम. Name of the 6th
queen of Dharapendra. भग० १०,
४; (२) ७५५ दिसाकुमारीभान्नी ऐक.
४६ दिशाकुमारियों में से एक. one of the
56 Disākumārīs. ठा० ६;

घणा. ब्रा० (घणा) धणा देवी. घणा देवी.
Ghanādevī. नाया० घ० ३;

घणोदधि. पुं० (घनोदधि-घनः स्यान्नो हिम
शिखावत् उदधिर्जलनिचयः सचासां चेति
घनोदधिः) प्रत्येक नरकनी पृथ्वी नीचे
अरुन्धती में अनेक घनत्व पाण्डु के जे
वीश हग्नर जेवन प्रमाणे छे. प्रत्येक नरक
क नीचे बरफ के समान जमाहुआ घनत्व
पानी कि जो बांस हजार योजन तक है. An
ocean with frozen water 20
thousand Yojanas in depth
under every hell-world. ठा० ३, ४;
“ सत्तसुघणवाणसु सनघणोदहीणइट्टया ”
जावा० ३, १; भग० १२, १; २०, ६;
सम० ८६; ठा० ७.

घणोदहि. पुं० (घनोदधि) जुआं डिपेला
शब्द. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above.
(२) रत्नप्रभा पृथ्विने इरता त्रय पदय छे.
पहेलो धणोदधिनो, भीजे घनवायुतो अने
त्रांजे तनुवातनो. घनोदधि थीजेला घी
जेवुं पाण्डु. घनवात पिघल्या घी जेवो
वायु छे. तनुवात ओ सूक्ष्म पवनरूप छे.
ओ त्रय पदयनी डेटली डेटली गडाम छे
अने पृथ्वीने इरता डेवी रीते रहैत छे ते
चित्तमां अतावेत छे, चित्तनी वर्येनी नडी
आडी बाधेनो रत्नप्रभा पृथ्वीना पाथडा अने
आंतरा अतावे छे रत्नप्रभा पृथ्वी के आस-

पास तीन बलय हैं. पहिला घनोदधि का,
दूसरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का.
घनोदधि धाँजे हुए घी के समान होता है.
घनवात पिघले घी जैसा वायु है और तनुवात
यह सूक्ष्म पवनरूप है. इन तीनों बलय की
कितनी कितनी मोटाई है और पृथ्व के आस-
पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बत-
लाया है. चित्र के अन्दर बीचका जो मोटा
लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्व के पाथडा (प्रस्तर)
और आन्तरा (अन्तर) बतलाती हैं. The
three curves round Ratna-
prabhā world, viz. Ghanodadhi,
Ghanavāyu and Tanavāyu.
Ghanodadhi is like a condensed
clarified butter. Ghanavāta is
like a fluid clarified butter and
Tanavāta is like thin atmo-
sphere. The breadth and the
positions of these three curves
are shown in the picture. The
deep black lines in the picture
show the different layers and
intervals of the Ratnaprabhā
world. भग० १, ६; २, १०; १२, ५; सम० २०;
पञ्च० २; —बलय. पुं० (—बलय घनोदधि-
रेव बलयमिव बलयकटकं घनोदधिवलयम्)
आने नरकनी नीचे वीश हग्नर जेवन
प्रमाणे घनोदधि-अतायाने आकारे अनेत्र
पाण्डु. सात नरकों के नीचे बीस सहस्र
योजन प्रमाण घनोदधि-बनुला कार से
जमा हुआ पानी. an ocean with fro-
zen water circular in form, and
twenty thousand Yojanas in
depth under each of the seven
hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७,
६; २०, ६; पञ्च० २;

मचित्र अर्ध-मागधी काण

इ.क.अ. अ६ योजन. क $4\frac{1}{2}$ यो. ड $1\frac{1}{2}$ यो. १०० — १ली नरक. १८०००० —

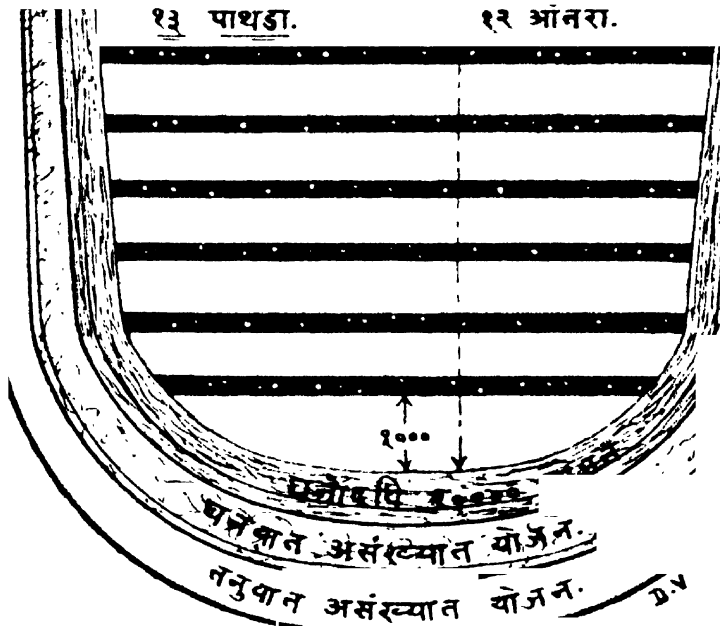
१ पाथडो ३००० योजन उंचो

१ आंतरो ११५८३ $\frac{1}{3}$ यो.



१३ पाथडा.

१२ ऑनरा.



घणोदहि -(नरक)

घृत. न० (घृत) श्री. घी. घृत. Ghee; clarified butter. सू० प० १६;

✓ घत्त. धा० I. (*) तपास करवी.
तपास करना. to search. (२) चल करवो.
प्रयत्न करना to try.

घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १. ६;

घत्त. त्रि० (गत्य) धातु करवा योग्य. घात करने योग्य. Worthy to be killed; to be killed. सू० २, ७, ६;

घत्थ. त्रि० (प्रस्त) पक्ष्मैलु; धैरायैलु.
पकड़ा हुआ; घिगा हुआ. Caught; surrounded overpowered प० नि० ११६; पगढ़ १, ३; भग० १२, ३; सू० च० २, ५३१; (२) धसाध श्येव; ज्यसाध श्येव
घिग गया हुआ; काँट खाया हुआ worn out; rusted. गच्छा० १८;

घन. त्रि० (घन) ग्राहः शंखीर. गंभीर. Deep; sound; thick. कण० ३, ३८;
(२) मेघ; वरसाद. मेघ; वर्षा. rain. प्रव० १४८७; —पडलकलिय. त्रि०
(-पडलकलित) वरसादना बादलाधी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त full of clouds bearing rain. प्रव० १४८७;

घम्म. पुं० (घर्म) धाम; गरमी. धातः गरमा; ताप. Heat; heat of the sun. डा० ४, ४५; नि० ३०३; —ठाण न० (-स्थान) उष्ण तापयुं स्थान; ताप क्षेत्र. उष्ण-गरमा का स्थान; ताप क्षेत्र. a region of heat. सू० १, ५, १, १२; —पक्क त्रि० (-पक्व) गरमी-तपकःशी पकेत. गरमा-धूप से पका हुआ. ripened by the heat of the sun. विवा० ८;

घम्मा. स्त्री० (घर्मा) पड़खी नरकजुं नाम.

प्रथम नरक भूमि का नाम. Name of the first hell. जीवा० ३, १; भग० १२, ३; प्रव० ६११; १०८५;

घय-अ. पुं० न० (घृत) श्री. घा. Ghee; clarified butter. निरी० १, २; दम० ५, १, ६७; नाया० ८; जीवा० ३, ३; उवा० १, ३४; भग० ११, ६; १५, १; पि० नि० २१०; सू० च० २, ४४७; उत्त० ३, १०; डा० ४, १; अणुजो० १६; आया० २, १, ४, २४; प्रव० २०६; १४३०; गच्छा० ६६; कण० ३, ४१; ५, ११; ८, २३; (२) धृत नामना द्वीप तथा समुद्रजुं नाम. घृत नामक द्वीप व समुद्र name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पञ्च० १५; अणुजो० १०३;

—उदग. न० (उदक) धीना धेनु धृत समुद्रजुं प. धी. घा के समान घृत समुद्र का जल. water of the (Ghrita) ocean resembling clarified butter. पञ्च० १; सू० प० २०; जीवा० ३; —किट्टि. स्त्री० (-किट्टि) धाना मेघ-झड़ू. घा का काँट मेल the dirt of ghee प्रव० २३१;

—कुंभ. पुं० (-कुम्भ) धीना धेनु. घा का पात्र घडा. a pot of ghee or clarified butter. भग० १३, ६; —मेह. पुं० (-मेघ) भारतक्षेत्रमा उत्सर्पितानि आग्ने आरे अस्त्रां १४ दिवस सुधी मेघ वरसा पञ्च सात दिन सुधी तीन मेघ वरसे तेज नाम. भरत देश में उत्सर्पिणा का दूसरा आरालगतही १४ दिन दो मेघ के बरसने के पश्चात् सात दिन पर्यंत तीसरा मेघ बरसता है वह. the name of the last of the 3 downpours of rain (each last-

* जुष्टो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpiṇi in Bharata-kṣetra. जं० प०

घयपुण न० (घृतपूर्ण) धे०र. घे०र. An article of food prepared with a great quantity of ghee. पि० नि० ४६१:

घयपूर पुं० (घृतपूर) धे०र. घे०र. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. पि० नि० ४६१:

घर पुं० न० (गृह) भक्षण; रहनेवाले स्थान; घर. गृह; रहनेका स्थान; मकान. A house; a residence. ओ० १७; अणुजो० १२७; १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८; रा० २७; पि० नि० १८५; भग० १, ६; २, ६; ५, ७; ८, ६; नाया० १; ८; १६; गु० च० १, ३३; जं० प० टा० ६, १; उवा० १, ७७; पंचा० १८, ४२; प्र० १६७; कप० ५, ११७; —**अंतर** पुं० न० (-अन्तर) अ० घर वस्त्रेणुं अन्तरं दो गृह का मध्यस्थ अंतर. the distance between the two houses. कप० ६, २७; —**जामा-उय** पुं० (-जामातृक) धे० ज०भा०. गृह जामात, घर जवाई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया० १६; —**समुदाण** न० (-समुदान गृहेषु समुदानं भिन्नानं गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रकारे अथ अथी गोचरी धरे ते. साधु सामान्य रीति से सर्व घरों से गोचरी कर वह. the way of begging alms i. e. begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction; indiscriminate begging of alms

from all houses. भग० २, ५; ३, १; —**समुदाणिय** पुं० (-समुदानिक-गृह-समुदायं प्रतिगृहं; भिक्षा येषां प्राज्ञास्ति ते गृहसमुदानिकाः) प्रतिघर दरेक घर भिक्षा लेनेवाला गोशाला मतवा अनुयायी. प्रतिघर से भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मतवा अनुयायी. one who begs alms at each house; a follower of the tenet of Gosāla ओ० ६१;

घरक न० (गृहक) धे० गृह A house. ओ० **घरकोइला** स्त्री० (गृहकोकिला) भरेणी; भूतिभरेणी. छिपकली. A lizard. चउ० ३७; पि० नि० ३५५:

घरकोइलिया स्त्री० (गृहकोकिला) गृहो विपते शब्द. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above. सू० २, ३, २५:

घरणी स्त्री० (गृहिणी) धे० धन्याणी; स्त्री, भाया गृह-स्वामिनी; स्त्री; भार्या. A house wife; a wife चउ० ३७; उत्त० २१६;

घरय न० (गृहक) धे० भवन. गृह-भवन A house. जा० ३; नाया० १; प्र० ४०८;

घरिणी स्त्री० (गृहिणी) स्त्री; धे० धन्याणी. स्त्री; गृहस्वामिनी. A housewife; a wife. मु० च० १, ६०;

घरोइला स्त्री० (गृहकोकिला) नाली भरेणी. छोटी छिपकली. A small lizard. पञ० १;

घस न० (घष) जमीनकी भेदी क्षाटः क्षात्री जमीनकी खेदित. जर्मन की बड़ी दरार. काली जर्मन की दरार. A large crack in land. आया० २, १०, १८६;

घसा स्त्री० (घषा) क्षारीय भूमि. क्षारीय वाली भूमि. Saline soil. दस० ६, ६२;

घसिय त्रि० (घर्षित) धसेलुं. घिसा हुआ. (Any thing) rubbed. दमा० ६, ४; सू० २, २, ६३;

घसिर. त्रि० (घस्मर) अधराशयो; अटु
आतार. अधिक आहार करने वाला. Vorac-
ious; gluttonous. श्राघ० नि० भा०
१३३;

घसी. स्त्री० (घसी) ऋभीनतो दावाय. जर्मान
का उतार. Sloping ground. (२)
भोंवटो. तलघर. a cellar जीवा० ३, ३;

घाइ त्रि० (घातिन्) घात करने
वाला. (One) who kills. श्राघ० नि०
भा० २१; क०प० १, ५७; २, ४४; —**कर्म.**
न० (कर्म) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय,
मोहनीय अने अंतर्गत ये चार कर्म: आ-
त्मिक गणितो घात करनेवाले कर्म. ज्ञानावर-
णीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतर्गत ये
चार कर्म: आत्मिक गुणों का घात करने वाला
कर्म. Karma's destructive of the
qualities of the soul i. e. those
which obscure knowledge,
faith, and those which delude
and obstruct. अणुजा० १२०;

घाइअ-य. त्रि० (घातित) भारी नष्टावेदुं;
घात करवेद. मार डाला हुआ; घात करवा
हुआ. Caused to be killed. नाया०
८; भग० ७, ६; पि० नि० १२७; २७४;

घाउकाम त्रि० (हन्तुकाम) छुटवाना इच्छा
वालो. लूटने का इच्छावाला. (One) de-
sireous to rob, spoil. नाया० १८;

घ्राण. न० () धान्नी. घाना.
Parched grains. पि० नि० भा० ८०;

घ्राण. न० (घ्राण) घ्राणिन्द्रिय; नासिका; नाक.
घ्राणिन्द्रिय; नासिका; नाक. A nose; the
sense of smell. “ दोगाणा ” पञ्ज०
१५; ठा० विशेष० २०५; उच० ३२, ४८;

ठा० ५, १; सूय० २, १, ४२; राय० ५७;
श्राघ० नि० २८७; पञ्ज० २३; प्रब० ५६७;
७६४; भक्त० १४५; — **पुद्गल.** पुं० (-पु-
द्गल) सुगंधी द्रव्य: सुगंधवानो पुद्गल.
सुगन्धित द्रव्य: सूघने का पुद्गल. a
fragrant substance. पञ्ज० ३६;
— **पोगल.** पुं० न० (-पुद्गल) नासिकाधी
वेद्य योध्य पुद्गल. नासिकामें प्रहरण करने योग्य
पुद्गल. atoms for or of the sense
of smell. भग० ६, १०; श्राव० ४२;
— **बल.** न० (-बल) घ्राणिन्द्रियनु सामर्थ्य.
घ्राणिन्द्रिय का सामर्थ्य. power of the
sense of smell. उच० १०, २३;
— **मणनिवृत्तिकर.** त्रि० (-मनोनिवृत्ति-
कर) नासिका अने मनमें शान्ति करनेवाले.
नासिका व मनमें शान्त करने वाला (any-
thing) quieting the mind and
the nose. ना १० ६; — **विषय.** पुं०
(-विषय) नासिकामें विषय-संघर्षों ने.
नासिका का विषय-संघर्षना-बाम लेना.
smell; smelling. नाया० १७; — **स-**
हगय. पुं० (-सहगत) नासिकामें सह-
कारी पुद्गल. नासिका के सहकारा पुद्गल.
atoms which are associated
with the sense of smell. भग०
१६, ६; १८, ७;

घ्राणिदिय. न० (घ्राणिन्द्रिय) नासिका;
संघर्षवाना शक्ति धरायनार इन्द्रिय; नाक.
नासिका; घ्राणिन्द्रिय; नाक. A nose;
organ of smell. पञ्ज० १५; नंदो० ६;
भग० ८, १; ३३, १; नाया० ५, १७;
श्राव० १६; सम० ६; — **निग्राह.** पुं०
(निग्राह) घ्राणिन्द्रिय-नासिकामें आधुमां

* जुम्हो पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की छुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

राश्वरी ते. प्राणेंद्रिय--नासिका को वशमें रखना. one who controls the sense of smell. उक्त २६; २.

✓ घात. धा० I, II. (हन्) द्युत्तुं. मारना; घात-वध-करना. To kill.

घाट्ट. विवा० ३;

घाटुंति. विशेष० १२४८;

घाट्ता. सं० कृ० नाया० १८;

घाट्त्तु. हे० कृ० नाया० १;

घाट्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १८;

✓ घात. धा० I. (हन्+णि) द्युत्तुं; घात करावनी. घात करना. To cause to be killed.

घाय. प्रे० दस० ६, १०; सूय० १, १, १; ३;

घायावह. प्रे० आ० सु० च० ८, १८०;

घायमाण. प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, १६२; सूय० २, १, २४;

घात. पुं० (घात) मारतुं. घात करना; वध करना. Killing; murder. भग० १४, १; (२) नरक. नरक. hell. सूय० १, ५, १, ५;

घातञ्च. त्रि० (घातक) घात करनेवाले; मारनेवाले. घातक. Destructive; (anything) that kills. जं० प०

घाति. त्रि० (घातिन्) द्युत्तुना; वध करनेवाले. घात-वध करने वाला. (One) who kills. औव० ३८;

घातिञ्च-य. त्रि० (घातित) द्युत्तुं. घातित; घात किया हुआ. Killed; murdered. भग० १६, ६; नाया० ८;

घाय. पुं० (घात) वध करने; घात करनेवाले. वध करना; घात करना. Killing; destruction. पिं० निं० ४८८; नाया० १; उवा० ८, २४१; पंचा० ६, १२; क० प० २, ४४; —उद्भट्ट. पुं० (-उद्भट) घात करनेवाले विकराध. घात करने के समय विकाल रूप धारण किया हुआ (one)

assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया० ८; —कर. त्रि० (--कर) नाश करके. विनाशक. destructive. क० गं० १, १८;

घायञ्च. त्रि० (घातक) लुप्तो "घातञ्च" शब्द. देखो "घातञ्च" शब्द. Vide. "घातञ्च" विशेष० १७६३;

घायक. त्रि० (घातक) घात करनेवाले. घात करनेवाला. (One) who kills. जीवा० ३, ३; नाया० २;

घायग. त्रि० (घातक) ज्यव हिंसा करनेवाले. जीव हिंसा करनेवाला. (One) who kills living beings. पंचा० ६, २२;

घायगत्ता. स्त्री० (घातकता) घातकीपण; क्रूरपण; घातकापना; क्रूरपन. Cruelty; destructiveness; murderousness भग० १२, ७;

घायण. न० (घातन) मारतुं; घात करनेवाले. मारना; घात करना. Killing; murder. सु० च० ८, १३६;

घायणा. स्त्री० (घातन) घातकरनी. घात करना. Murder; killing. परह० १, १;

घायावण. न० (घातना) घातकरावतुं. घात करना. Causing (another) to wound or kill. विवा० ३;

घास. पुं० (घास) क्षणीय. कौर; निवाला; घास. A morsel of food. (२) भोजन. भोजन. food. सूय० १, १, ४, ४; औव० १६; उक्त० ८, ११; ३; २१; पिं० निं० ६२६; भग० ७, १; वव० ८, १४; आया० १, ६, ४, ६;

घासक. पुं० (घासक) अरिसो; दर्पण. अरिसो; दर्पण. A mirror. विवा० २; —परिमण्डिञ्च. त्रि० (-परिमण्डित) अरिसाथी शोभित. अरिसा-दर्पण से सुशो-

भित. adorned with mirrors.

“चामर घासक परिमंडिय कडिअ” विवा० २;

घिअ. न० (घृत) घी. घा; घृत. Ghee; clarified butter. तंदु०

घिआंदअ. पुं० (घृतादक) घृतादधि समुद्र; घीना गंधवा पाणीवाला समुद्र. घृतादधि समुद्र; घा के समान जलयुक्त समुद्र. Name of an ocean having water like clarified butter. डा० ४, ४;

घिसु. पुं० (घ्राप्स) गरमीन भासभ; उतारो. घ्राप्स ऋतु Summer. स्य० १, ४, २, १०; उक्त० २, ५;

घिणिगल. त्रि० (घृणावन) दयालु; दयावान. दयालु; दयावान. Kind: compassionate. पि० नि० १७३;

घुघुयंत. त्रि० (*) धु धु अये शब्द धरतुं. घु घु ऐसा शब्द करता हुआ. Sounding “ghu, ghu” नाया० ८.

✓ घुट्ट. धा० I. (घुट्) पाणी पीतुं. जल पाना. To drink water. (२) धुट्टतुं. घूट देना. to sip.

घुट्टांत. नंदी० स्य० ४४;

घुट्टा. पुं० (*) विभेद पावन शुद्ध धरतुं पथरे. कचिड लंग हण पात्रको शुद्ध करने का पथर. A stone used to cleanse a bespattered vessel. पि० नि० भा० १२;

घुट्ट. त्रि० (घुट्) उच्च स्वर से बोला हुआ; उद्घोषणा किया हुआ. Spoken aloud; proclaimed aloud. भग० १४, १;

उक्त० १२, ३६; उवा० ८, २६१;

घुण. पुं० (घुण) धुण्ड; घुण्टु विशेष-के

वाइजने धारी नाम के. लकड़ खोद काट-जन्तु विशेष. A kind of worm eating into wood. डा० ४, १;

घुणा. स्त्री० (घुण) वाइजने धारी; धुण्ड. लकड़ का कांटा. An insect found in wood or timber. स्य० २२६;

घुम्मंत. व० क० त्रि० (घूर्णन) भ्रमंतुं; धरतुं. भ्रमण करता हुआ; फिरता हुआ. Wandering; roaming; moving. श्रॉव० २१;

घुम्ममाण. व० क० त्रि० (घूर्णन) भ्रमंतुं; भ्रमण धरतुं. भ्रमण करता हुआ. Wandering; roaming. नाया० ६;

छुल्ला. स्त्री० (*) भे भद्रियवाला छत्र; शयना यंत्र. दो दान्दय वाला जांव; शंख आदि. A two-sensed being. पञ्च० १;

घुसिण. न० (घुसण) कैसर. कैसर. Saffron. गु० च० १०; २८८; प्रव० १८६८;

* घुसुलित. व० क० त्रि० (मन्थन) दही दयेरेतुं मन्थन धरतुं; लस वसावतुं. दही दयाद का मथन करता हुआ. Churning curds etc. into whey etc. पि० नि० २७३;

घूघूंअअ. न० (घूकाअडक) घुघुणा धीज. घुघु का अंडा. An egg of a she-owl. विवा० ३;

घूर्णंत व० क० त्रि० (घूर्णमान) लयथी विचलित थतो. भय से विहल होता हुआ. Being distracted by fear of danger पगह० १, ३;

घूय. पुं० (घूक) धुय; धुय. घुघू; उल्ल. An owl. नाया० ८; पगह० १, ३;

घूरा. स्त्री० (घूरा) लंब व मोटे शरीरवा
अवयव. जंघा इत्यादि शरीर के अवयव.
A limb of the body such as
thigh etc. सूय० २, २, ४५;

घेत्तव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) ग्रहण करना योग्य.
ग्रहण करने योग्य. Worthy to be
accepted. विश० १२;

घेयव्व. त्रि० (ग्रहीतव्य) लुप्तो " घेत्तव्व "
शब्द. देखो " घेत्तव्व " शब्द. Vide
" घेत्तव्व " भग० ८, ६;

घेरोलिया. स्त्री० (गृहकोकिला) गरीबी.
झिपकली. A lizard; a small house-
lizard. जीवा० १;

घोड. पुं० (घोट-अश्व) घोडा. अश्व-घोडा.
A horse. गच्छा० १२५;

घोडग. पुं० (घोटक) अश्व जनता घोडा
एक जाति का अश्व. A kind of horse.
प्रव० २४६; पञ्च० १; सूय० २, २, ४५;

घोडय. पुं० (घोटक) घोडा. अश्व; घोडा. A
horse. उवा० २, ८४; --**मुह.** न०
(-मुख) घोडाना लक्षणों केद्वारा शास्त्र.
अश्व के चिन्हों की परिक्षा करने का शास्त्र.
a science treating of the
marks by which a horse can be
tested. अग्नोजो० ४१;

घोर. त्रि० (घोर) घोर; भयंकर; दारुण. घोरः
भयङ्कर; दारुण. Dreadful. "घोरनिउरं
कंदरचलंत बीभत्थभावाणं" भग० १६, ६;
पृह० १, १; नाया० १; ६; १७; भग० १, १३, २;
दस० ६, ११; ६, २, १४; उवा० १, ७६; श्रव०
२१; ३८; उत्त० ४, ६; ६, ४२; २५, ३८;
प्रव० ५६१; पंचा० ७, १२; १८, १२; भक्त०
१११; गच्छा० ५; (२) जेभां श्रवणातो
पशु संशय रहे तेनुं दुष्कर कृत्य. जिसमें
जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर
कृत्य a perilous, hazardous

undertaking. आया० १, ४, ४, १३६;

—**अंसुपाय.** पुं० (-अश्रुपात) आंसुनी
भेदात् धार. अश्रुओं की धारा; अश्रुपात.
stream of tears. नाया० ६; —**आगार.**

पुं० (-आकार) भयंकर आकार; आकृति.
भयंकर आकृति. terrible appear-

ance. भग० ३, २; —**गुण.** पुं० (-गुण
घोरोऽन्यैर्दुर्गुणैः गुणा मूलगुणा यस्य सः)

अपेक्षित गुणवान् सर्वोत्तम गुणवान्.
(one) extraordinarily virtuous;

(one) possessed of insuper-
able qualities. भग० १, १; —**तव.**

न० (-तपस्) संसारना सुखी दुःख
रहित तपश्चर्या. संसार के सुख की इच्छा

रहित तपश्चर्या austerite without
desire of worldly happiness.

ठ० ४ २; —**तवस्सि.** पुं० (-तपस्विन)
दुश्चर (भेदात्) तपश्चर्या. भयानक, महान

तप वाला. one practising austere
penance. नाया० १; भग० १, १;

—**वमच्चेरवाप्ति.** त्रि० (-ब्रह्मचर्य
वासिन्) महाब्रह्मचर्य पावनार; अद्वय-

सत्ता पावनार दुष्कर अथवा ब्रह्मचर्यनुं पावन
करतार. महा ब्रह्मचर्य पालने वाला. (one)

practising strict or austere
continence. नाया० १; भग० १, १;

—**रुच.** न० (-रूप) घोररूप; भया-
मय रूप. डराना रूप-आकृति- dreadful

appearance. उत्त० १२, २२; भग०
१६, ६; —**विस.** न० (विष) भयंकर

त्रेद; जेनी गंधर्वा दमनरे श्रवो भरे तेनुं.
भयंकर विष; जिसकी गंध से असंख्य जीवों

का नाश हो. deadly poison. भग०
१२, १; —**वेयणा.** स्त्री० (वेदना) महा

दुःख; भयंकर पीडा. महा दुःख; भयंकर
पीडा. severe pain, affliction. भक्त०

१६०; —व्यय. नि० (-व्रत) दुष्कर
महाव्रतेने पाणिना२. दुष्कर महाव्रतों को
पालने वाला. (one) who observes
full vows difficult to practise.
नाया० १;

घोल. पु० (घाल) दहिने उपग्रभां आंधी
आणी नाभयुं--पाणी डाढी नाभयुं ते. दही
को कपडे में बांधकर छान डालना--पानी
निकाल देना. The process of ex-
tracting water out of curds
by tying it in a cloth प्रव० २३०;

घोलन. त्रि० (घालयन) द्राव्यमान भुत्तुं;
अनुं. हलताहुआ; ढाला चलायमान होता
हुआ. Swinging; shaky. आ० १२;
कप० २, १४;

घोलण. न० (घालन) धाणयुं; अगूठा अने आ-
गूठी पत्ती डेरीनी पेई धाणयुं-मसलणुं. घालना:
अंगूठा व उंगली से करी के समान घालना:
मसलकना. Pressing round by
means of the thumb and the
fingers; e. g. a mango. विशेष०
२०४३;

घोलमाण. व० क० त्रि० (घालयन) धावना
करतुं. घालता हुआ. Rubbing. क० प०
२, १०३;

घोलवड. न० (घालवटक) दहिं धोवने
तेमां वडां नाभे ते; दहियडां. दही को घोलकर
उममें बडे डालना: दहीबडे. A kind of
food prepared of tiny cakes
dipped in curds mixed with
salt etc This is known as
Dakibadā. प्रव० २३०;

घोलिअ य. त्रि० (घालित) वले. वेधुं; भ-धे-
धुं; डेरीनी पेई धोलेधुं. मथन किया हुआ;
आम के समान घुला हुआ. Churned;
pressed round (e. g. a mango)

to take out juice. सूय० २. २;
६३; श्रौव० ३८;

घोलित. त्रि० (घालित) अनुं आ उपयो शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
दमा० ६, ४;

घोलिर. न० (घालनशील) वक्रपथे इत्युं ते.
वर्तुलाकार घूमना. Circular, tortuous
motion. मु० च० १, ४;

✓ **घोस.** धा० I, II. (घुष) उच्च स्वर
आवयुं उच्च स्वर में बोलना. To speak
loudly.

घोसंति. नाया० ५;

घोसेह. नाया० ५; १३; १५; १६; मु० च० २,
१८१; जं० प० ५, १२३;

घोसित्ता. सं० क० नाया० १०;

घोसंत. आ० १० नि० ६६८;

घोसावेह. नाया० १६;

घास. पुं० (घोष) गावुत; गायेने रहियानुं
स्थान. गोकुल; गौओं का स्थान. A house
for keeping cows in. उत्त० ३०, १७;
ठा० २, ४; सम० ३२; वेय० १, ६; (२) घास
नामनुं तीर्थ अने आथा देवलोकनुं विमान.
घास नामक तीसरे व चौथे देवलोक का
विमान. name of a heavenly
abode of the third and the
fourth Devaloka. सम० ६; (३)
स्वर; आवाज. स्वर; आवाज. sound.
नंदा० स्थ० ६; नाया० ६; भग० १५, १; मु० च०
२, ५८७; जं० प० (४) उच्चुं नीचुं के
समस्वर विशेष उच्चार-उदात्तादि स्वर
आवयुं ते. ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष
उच्चार-उदात्तादि स्वर का उच्चार करना.
speaking in high, low or
middle accent. विशेष० ८५१; पि० नि०
४४०; अणुजो० १३; (५) स्तनित कुमार
स्तनना अवनयनितो भन्त. स्तनित कुमार

जाति के भवनपति का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया० घ० ३; (६) घोस नामनुं पांयभां देवसोक्तुं विमान के ज्योतिना देवतायु दश सागरनुं आयुष्य छे. घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहाँ के देवताओं को दश सागरों का आयुष्य प्राप्त होता है. name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time. सम० १०; —विमुद्धिकारश्च. त्रि० (-विशुद्धिकारक) उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करनार. उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करने वाला. (one) using high, low and circumflex accents in speech. दसा० ८, १६; —हीण त्रि० (-हीन) मूत्र पाठो उच्चार करवासां दीर्घा दीर्घा त्यां च्छस्व, अे मात्रा दीर्घा त्यां अेक मात्रा भोवती ते: जानना १४ अतिचारमोना अेक. मूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हो वहाँ च्छस्व, दो मात्रा हों वहाँ एक मात्रा बोलना: ज्ञान के १४ अतिचार में से एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge.

आव० ४, ७;

घोसण. न० (घोषण) घंटाना शब्द. घंटा का नाद. Sound of a bell. राय० ८०;

घोसणा. छा० (घोषणा) गद्गद प्रसन्नता: प्रसन्न-पत्रिका: दंडरा. Proclamation. जं० प० ५, १२३; ११५; अंत० ५, १; नाया० १३; १५;

घोसय पुं० () आरसी: नाता अरिसो. दर्पण: आईना: छोटा दर्पण. A small mirror. भग० ११, ११;

घोसाड. पुं० न० (घोसाटक) धीसाग; शाक वनरितिनी अेक गत. तुराई: शाक वनस्पति का एक जाति. A kind of vegetable. प्रव० २४३;

घोसाडई. छा० (घोषानकी) धीसाग तुरियाती वेल. तुरई का बेल. A creeper yielding fruit which is used as vegetation. पञ्च० १; १७;

घोसाडिया. छा० (घोषानकी) वनस्पति विशेष: धीसे गी. वनस्पति विशेष: टांडोर का बेल. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; राय० ५८;

घोमिअ. त्रि० (घोषित) गद्गद करेवा. साद पदवेला. प्रसन्न किया हुआ: दूँडी पिटाईहुई. Publicly proclaimed आष० नि० ६४५;

ह.

ङकारप्रविभक्ति. पुं० (ङकारप्रविभक्ति)

ऊना आकार जेवुं नाटक विशेष. ङ कार का आकृतिक चालन, नाटक विशेष. Any-

thing) of the shape of the letter “ ङ ”; a kind of a drama. राय०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

च. अ० (च) अने; वही. और; फिर. And; moreover. (२) पादपूरण. पादपूर्ति. an expletive. क० गं० १, ३; २३; २६; ३७; ४२; दस० ४, १५; ५, १, ६७; ५, २, ८; ६, ६; १८; भग० ३, १; नाया० १; ८; १२; १६; आया० १, १, १, ११; नंदी० स्थ० २०; २१, उवा० १, १४;

चअ-य. पुं० (चय) ज्येष्ठा. समूह. A collection. (२) छट दयेरेनुं सजुतर. ईंट, पत्थर आदि का चुनाव. piling of bricks etc. पि० नि० २; १०१; उत्त० २८, ३३; पण्ह० १, ५; सूय० १, १०, ३; (३) शरीर. शरीर. body. आ० ८०; (४) शरीरनुं तज्जुं शरीर का त्याग करना. giving up or abandoning one's body. आ० ८०;

चइय. त्रि० (त्यक्त) छोड़ियुं; तज्जियुं. छोड़ा हुआ; त्याग किया हुआ. Abandoned; given up. भग० ७, १; पण्ह० २, १; ओघ नि० ११५;

चइयद्व. त्रि० (त्यक्तव्य) त्यागना योग्य. त्याग ने योग्य; छोड़ने योग्य. Worthy of being abandoned. सू० च० ४, १८६;

चउ. त्रि० (चतुर्) चार; चारती संख्या. चार; ४ की संख्या. Four; the number 4. उत्त० ३, १; ३६, ६३; ओ० ३१; अणुतो० ८; भग० १, १; ५; २, १; ४. ८; ६, ६; ७, ६; १६, ५; १७, १; २४, ६; नाया० १; राय० १८; दस० ७, १; उवा० १, १८; क० गं० १, ३०; ३३; ४६; २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १; पञ्च० १; ४; विवा० ५; सु० च० १, २; निसी० १६, ६; १२; पि० नि० ४; वेध० ३,

१४; वव० ६, ३६; जं० प० ५, ११२; —कन्न. त्रि० (-कर्ण) चार काने गयेथ (चारती). चार कानों में गई हुई (बात). (a story) known to two persons. आ० नि० ७६०; —कुडअ. पुं० (-कुडव) चार कुडव-धान-वने माप विशेष. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas. प्रव० ५१८; —कसाय. पुं० (-कपाय) क्रोध, मान, माया अने दोष ये चार कपाय. चार कपाय-क्रोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz. anger, pride, deceit and greed. आ० १, ४; दस० ७, ५७; ६, ३, १४; —कोण. त्रि० (-कोण-चत्वारः कोणा यस्य) चार भुजावाण; चारस. चार कानों वाला; चतुष्-कोण. quadrangular. “ सउत्ताराओ मणियुवद्धाओ चउकोणाओ ” राय० भग० १३, ६; —गाथा. स्त्री० (-गाथा) चार गाथा. चार गाथा. four verses. वेध० ३, २०; —गुण. त्रि० (-गुण) चारगुण. चार गुना; चौगुना. fourfold. जं० प० ५, १५६; भग० २४, १; क० गं० ३, १०; —गुणिय. त्रि० (-गुणित) योग्य. चौगुना. fourfold. भग० २४, १; —घाई. न० (-घातिन्) ज्ञानावरणीय आदि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. क० गं० ४, ७२; —ठाण. न० (-स्थान) धर्मनी चार गणीओ रस. कर्मों का चतुःस्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc. क० ग० ५, ६४; —एउइ खी० (-नवति) चारालु; ६४. चारानवे; ६४; ninety-four; 94. सम० ६४; —एणोवगय त्रि० (-ज्ञानोपगत) मति, श्रुत, अवधि अने मनःपर्यव अये चार ज्ञानथी युक्त. मति, श्रुत, अवधि और मनःपर्यव इन चार प्रकार के ज्ञानों से युक्त. Possessed of four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta, Avadhi and Manahpariyava. नाया० ; नाया० च० तणु पुं० (-तनु) शरीर अनुष्ठ, शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म संघयाजु नामकर्म अने संज्ञाजु नामकर्म अये चार प्रकृतितो समूह. शरीर चतुष्क; शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म, संज्ञान नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन चार प्रकृतियों वा समुदाय. the fourfold Karmic matter viz. Sarira Nāma Karma, Aṅgapāṅga Nāma Karma, Saṅghayāna Nāma Karma and Saṅghāṇa Nāma Karma. क० ग० ४, २१; —तीस. त्रि० (-त्रिशत्) चारतीस; ३४ चौत्तास, ३४; Thirty-four; 34. “चउत्तासबुद्धवयणातिमेपत्त” श्रव० १०; नाया० ८; —तीसस. न० (-त्रिशत्तम) सोण उपवास भेजा करवा ते; तेतीस भक्त-टंडके तो त्याग करी चारतीसमे टंडके पारण करवुं ते. सोलह उपवास इकट्ठे करना; ३३ भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय पारणा करना. sixteen fasts; taking food after a fast of thirty-three meals. नाया० १; —दंसण न० (-दर्शन) दर्शनावरणीय कर्मनी यल्लुदर्शनावरणीय आदि चार प्रकृति. दर्शनावरणीय कर्म का चल्लुदर्शनावरणीय

वंगरह चार प्रकृतियों. the fourfold Karmic variety of the Karma called Darsanāvaranīya. क० ग० २, १२; —दंत. पुं० (-दन्त) चार दन्त वा दोहस्ती दन्त. हस्तिरत्न; चार दांतों वाला हाथी an elephant with four tusks. भग० १२, १; नाया० १; डा० ६; कपर० ३, ३३; —हसम. त्रि० (-दशतम) चारहवां. चौदहवां. fourteenth. वव० ६, ४१; भग० १६, १४; २५, ७ नाया० १; १४; —दिस्सि. अ० (-दिश) पूर्व, पश्चिम, उत्तर अने दक्षिण अये चार दिशाओं चार दिशाएं; पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण. the four quarters east, west etc. नाया० ६, १३; —नवइ. खी० (-नवति) चारालु; ६४ (1 संख्या. ६४ का संख्या. ninetyfour; the number 94. क० ग० ३, १३; १२; —नण. न० (-ज्ञान) मति, श्रुत, अवधि अने मनःपर्यव अये चार ज्ञान चार ज्ञान; मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनःपर्यव ज्ञान. the four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta, Manahpariyava and Avadhi. प्रव० १३०६; —नण. त्रि० (-ज्ञान) चारज्ञान वागुं. चार ज्ञान वाला. possessed of the four kinds of knowledge. मु० च० ३, १; १६, ८७; भग० ८, २; —एणोवगय. पुं० खी० (-ज्ञानोपगत) देवता ज्ञानों छोड़ी अन्य चार ज्ञानथी युक्त केवल ज्ञान को छोड़कर शेष चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all (the remaining four) kinds of knowledge except Kevala Jñāna. भग० १, १; —पंचग. न० (-पञ्चक) चार पांच. चार पांच, four or five. दगा०

६, १; —**पञ्जवासिय.** त्रि० (—पर्यवसित) आरआरना थोड करती जेभां आर शेष रहै ते. चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहैं वह—संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four. भग० १८, ४; ३१, १; —**पञ्जाय.** पुं० (—पर्याय) नाम—स्थापना—द्रव्य—भाव ऐ आर पर्याय. चार पर्याय; नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव. the four Paryāyas viz. Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva. विशेष० ७३; —**पण्ण.** स्त्री० (—पञ्चाशत्) आपनती संख्या. चौपन की संख्या. fifty—four. ज० प० २, ३१; —**पल्लवहिय.** त्रि० (—पल्लवाधिक) आर पल्लवपमे अधिक. चार पल्लवपम अधिक. exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क० प० २, १०७; —**पारिसिय.** त्रि० (—पारिषिक) आर पट्टारनुं. चार पहर वाला. of or extending to four Praharas (one Prahara = 3 hours) भग० ११, ११; —**पण्णसिञ्च-**य. त्रि० (—प्रदेशिक) जेभां आरपरमाणु आ भोजनसिं तेवे (२६-अ). चतुप्रदेशिक चउप्रदेशां (खध). जिसमें चार परमाणु मिले रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule consisting of four atoms. अणुजो० ७४; भग० ५, ७; —**पण्डोयार.** त्रि० (—प्रत्यवतार) आर विभागमां विभक्त. चार भागों में विभक्त—बंटा हुआ. divided into four parts. भग० २५, ७; —**पण्ण.** त्रि० (—पञ्चाशत्) आपन; ५४. चौपन: ५८. fifty-four; ५४. नाया० ध० ३; ४; भग० २५, ६; ७; —**पण्दी.** स्त्री० (—पदी) निर्यय स्त्री; आपणी. तिर्यञ्च जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री-

लिंगी पशु. a female quadruped. जीवा० १; —**पण्डेसिञ्च.** त्रि० (—प्रदेशिक) ऋग्वेदा “चउप्पणसिञ्च” श० ६. देखो “चउप्पणसिञ्च” शब्द. vide “चउप्पणसिञ्च” भग० १२, ४; —**पण्य-अ.** त्रि० (—पद—चत्वारिपदानि पादायस्य) आपणी; आरपणवाणुं. गाय—धोटा—दाथी पिंजरे. चौपणा चार पैरा वाला; गाय, घोटा हाथी बंगरह. a quadruped; e. g. a cow, horse etc. नाया० ८; भग० ७, ४; ८, १; जीवा० १; ३; ४; पिं० नि० ७६; ज० प० ७, १५३; पञ्च० १; सम० ३४; उत्त० १३; २४; आया० १, २, ३, ८०; टा० ४, ४; अणुजो० ६१; १३१; (२) दरेक भासनी अभावास्थाने दिवसे आवातुं आर स्थिरकरणुमांनुं थींनुं करणु; ११ करणुमांनुं नवभुं करणु. प्रत्येक मास का अभावस, के दिन आने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण; ११ करणों में से नौवां करण. the second of the four Sthira-Karapas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month; the ninth of the eleven Karapas. उवा० १, १८; ज० प० विशेष० ३३५०; —**पण्यार.** पुं० (—प्रकार) आर प्रकार—नंद. चार प्रकार—भेद. four varieties. क० गं० ६, ६६; —**पणाय.** पुं० (—पाद) ऋग्वेदा “चउप्पय” श० ६. देखो “चउप्पय” शब्द. vide “चउप्पय” शब्द. भग० १५, १; —**पण्डुडय.** त्रि० (—पुट-क) आर पड यातुं. चार पुडवाला. Having four folds. “ सयमेवच उप्पुडयं दाहमयं ” भग० ३, २; नाया० १; —**फास.** पुं० (—स्पर्श) आर स्पर्श. चार स्पर्श. four kinds of touch. भग० २०, ५; क० गं० ५. ७८; —**व्भाग.** पुं० (—भाग) यत्तुथीश; योथे

भा.ग. चौथा हिस्सा; चतुर्थांश, one-fourth.
उत्त० २६, ८: ३०, २१: अगुत्त० १३२:
—भंग. पुं० (-भंग) १.२ पिड० १५ गड
मोक्षणी चार विकल्प-भेद, four varie-
ties. “ सुद्धेणामं एगे सुद्धे सुद्धेणामं एगे
अग्गेद्धे अग्गेद्धेणामं एगे सुद्धे अग्गेद्धेणामं एगे
अग्गेद्धे चउभेगा ” पत्त० ४, १: पंचा० ७, ६:
१२, ४४: मग० ६, १: —भंगी. स्त्री०
(-भङ्गं—चत्वारो भेगाः समाहृताः) मो-
क्षणी. चार भेदकी रचना, four varie-
ties. पत्त० १०० प्रव० १५१: माम् पुं०
(-मास) १.२ मास-महीना. चार मास
four months. इ० गे० १, १८:
—समुद्. वि० (-सुस्य—चत्वारि सुता-
न्यस्य) १.२ सुस्यपात्रः; देना खावे हिस्सा-
भां देवावत-दार-देवाय तेषां प्रासाद देवेकी.
चार मुंह वाला अर्थात् चारों भागों दिशाओं
में चार चार ही देना प्रासाद-सदका, four-

facing all the four directions.
कण्ड० ८, चक्र० सम० ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९
१०; श्राव० २, ३; राग० २०१; साधार० १, ३;
—रात्रि, स्त्री० (- रात्रि) चार राती, चार
रात્રि, four nights कण्ड० ८, २३;
—राय, न० (राय) चार राय, चार
राय, four nights निर्वाह २, ३;
---रूप, ध्रु० (रूप) चार रूपाँ, चार
चार रूपाँ वाता Four shapes; hav-
ing four-shapes, राग० ३, ४, ५;
—वदरित्त, वि० (-व्यतिरिक्त) अर्थहीन,
बिना, चांगें गे मिल different from
four, विशेष० ३०३; —चन्न, वि० (-पद्या-
शत) चै पत्तः ५८, औषत्तः ४८, द्वितीयः
four; ५८, सम० ४८; —वल, पुं० (-वर्ग)
वर्णयिता ३० वर्णा, अधि, २२२ अने २२३ अने
नामधेयी आर प्रथी वर्णचतुष्कः वर्ग

रंग, गंधः और स्पर्श ये नामकर्मों की चार प्रजावर्गां, the four varieties of Nāmakarmas viz. colour, smell, taste and touch. क० सं० ५, ६; —**वासपरिग्याग**, वि० (- वर्षपर्यायिक) चार वर्षीय दीक्षाप्रयोग, चार वर्षों का दाक्षिणाता; चार वर्षों का दौड़ना, (one) with a Dīkṣa (asceticism) of four years, standing, वन० १०, २३; २४-२८; — **द्विविधत्व**, पं० (- द्विविध) चार विध प्रकार, four varieties, क० पं० २, ४; — **सद्ब्रह्मणो**, स्त्री० (- ब्रह्मान) चार सद्ब्रह्मणः ७५ (६०) अति उत्तम स्वभाव के इन्द्रियों परमात्म-द्रव्य आत्मविद्या में वेदा इन्द्रियों, निमित्त के स्थान इन्द्रियों को पापघृष्टियों परिचित न इन्द्रियों के चार समस्तित्वों सहजता, चार श्रद्धाएं; जो सब श्रद्धाओं से सर्वोत्तम अभ्यास करना, परमात्मद्रव्य आत्मविद्या की सेवा करना, सिद्धियों के लक्षण प्राप्त करने का योग न करना, और पापघृष्टियों से परमात्मद्रव्य न करना, the four varieties of right faith viz. spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Nihilism and of heresies, प्रब० १, ४०.

समवेद्य, वि० (- सामयिक) चार समयपूर्व, चार समय-काळ वा. of four Samayas (or units of time), वन० २५, ६. — **समयमिच्छ**, पं० (- समयमिच्छ) वेदों की ओर तथा चार समय भोग के लिये मिथ्या रूप चार समय रूप है वह, one after whose Siddhant-hood 4 Samayas have elapsed, पल० १; — **सय**, न० (- शत) अस्त्रों में चार एक सौ और चार, one hundred

and four. क० गं० २, १५; —सयरि.
 खी० (—ससनि) अमेतेर; ७४वीं संख्या.
 चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy-four;
 ७४. क० गं० २, ५; —सरण. न०
 (—शरण) अरिहन्त, सिद्ध, साधु अपने धर्म
 से आरतुं शरण (आश्रय) लेते हैं। आरि-
 हन्त, सिद्ध; साधु आर धर्म इन चारों का
 शरण लेना—आश्रय लेना. resigning
 oneself to these four viz. Ari-
 hanta, Siddha, Sadhu and
 Dharma. (२) दशपञ्चा पञ्ची अष्ट
 पञ्चा (पुस्तक) नुं नाम. दस पञ्चाओं
 में से एक पञ्चा—पुस्तक. name of
 one of the ten books known as
 Painsas. चउ० ११; —सरणगमण.
 न० (—शरणगमन) आर शरण लेना. चार
 शरण आश्रय लेना. resigning one-
 self to the four e. g. Arihanta
 etc. पंचा० २, २७; —साल. त्रि०
 (—शाल) अनुशास; आर भागवात (धर).
 चार अटारी वाला मकान; चार मजला घर.
 four-storeyed. जावा० ३, ३; —मिर.
 न० (—शिरम्—चत्वारि शिरांसि यस्मिन्)
 वन्दना में आर वन्दन करने में चार चार
 वन्दना करते समय चार बार गुरु के
 आंग मस्तक नमाना-टेंकना. act of bow-
 ing one's head four times while
 saluting a preceptor. सम० १२;
 —हेउ. पुं० (—हेतु) मिथ्यात्व आदि धर्म
 अन्याता आर हेतु. मिथ्यात्व आदि कर्मवन्ध
 के चार हेतु. the four causes of
 Karmic bondage viz. heresy
 etc. क० गं० ४, ५३;

चउक. पुं० (चतुष्क) आर रस्ता भेदा थता
 होय ते श्वश्र-आदि; आवाटी. चौक; वह
 जगह जहां चार मार्ग आकर मिलते हैं।

A square where four roads
 meet. आवा० २७; उत्त० १६, ४;
 अणुजो० १३४; भग० २, ५; ३, ७; ५,
 ७; कण्ठ० ४, ८८; नाया० १; २; वेंय०
 १, १२; (२) आरतो समूह—अर्थो.
 चारका समूह. a group of four. भग०
 ८, १; ११, १; १२, ४; १८, ४; २०, ५;
 २४, १२; ३३, ३; पि० नि० ३; जावा० ३,
 ३; पञ्च० २३; राय० २०१; अणुजो० ८;
 प्रव० ६३५; क० गं० १, ४; —णय. पुं०
 (—नय) आर नयन मानतार अष्ट आठ-
 विध मत. चार नयों का मानने वाला एक
 आजाविकमत-संप्रदाय. a tenet named
 Ajivika believing in four
 standpoints. सम० १२; —णइय.
 त्रि० (—नयिक) आर नयनी पदेतुनी विचार
 दर्शन; वे नैयमना सामान्य अंशने संय-
 त्ताओं अने विशेष अंशने व्यवहारमां समीची
 त्व शब्दव्यवहारे अष्ट रूपे मानी संप्रद,
 व्यवहार, ऋजुसूत्र अने शब्द-अर्थ आर
 नय मानता दता ते. चार नयों से वस्तु का
 विचार करने वाला; जो नैयम के सामान्य
 अंश का संग्रह में और विशेष अंश का व्यव-
 हार में समावेश कर दोनों शब्द नयों का एक
 रूप में स्वीकार कर संग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र
 और शब्द ये चार नय मानने वाला. (one)
 who looks at a thing from four
 standpoints; (one) who believes
 in the four standpoints viz. Sa-
 ngraha, Vyavahara, Rujusūtra
 and Śabda, including Saingraha
 Viśesa in Vyavahāra and
 taking the three Śabda Nayas
 to be one. सम० २२; —संजोअ. पुं०
 (—संयोग) आर ओतना दोहातु—संयोग,
 चार बोलों का संयोग. conjunction of

four words. अणुजो० १२७;

चउकग. पुं० न० (चतुष्क) जुओ “चउक ” शब्द. देखो “ चउक ” शब्द.

Vide “ चउक ” भग० २०, ५;

चउकय. पुं० न० (चतुष्क) जुओ “ चउक ” शब्द. देखो “ चउक ” Vide “ चउक ” भग० ३१, १;

चउक्खुत्तो. अ० (चतुःकृत्वस्) चार बार. चार बार. Four times. क० प० ७, ३६;

चउगइ. स्त्री० (चतुर्गति) नरक निर्यय मनुष्य अने देवता ये चार गति. नरक, तिर्यय, मनुष्य और देव ये चार गतियां. The four states of existence viz. hellish, beasts, human and divine. चउ० ११; क० गं० ५, ६८; —**मिच्छा.** स्त्री० (-मिथ्या) चार गतिना मिथ्यादृष्टि जेवो. चार गति के मिथ्यादृष्टि जाव heretical souls in the four states of existence. क० गं० ५, ६८;

चउगइअ. त्रि० (चतुर्गतिक) चार गतिभां करनार. चार गतियों में घूमने वाला. Incarnating in the four states of existence. प्रव० २६;

चउजामधम्म. पुं० (चतुर्षाम धर्म) चार महाव्रत रूप धर्म; अहिंसा, सत्य, अचौर्य अने अपरिग्रह ये चार महाव्रतरूप वर्येना आवीस तीर्थक्षेत्रे अतावेस धर्म. चार महाव्रत रूप धर्म; अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह इन चार महाव्रतों वाला वाच के २२ तीर्थक्षेत्रों द्वारा कहा हुआ धर्म. The creed in the form of the four vows viz. non-killing, truth, non-stealing and non-possession of worldly effects—this was

taught by the 22 intermediate Tirthankarās. नाया० १२;

चउतीसइम. न० (चतुस्त्रिंशत्तम) सोल उपवास. सोलह उपवास Sixteen fasts. भग० २, १;

चउत्थ. त्रि० (चतुर्थ) चौथु; चौथा नम्बरनुं. चौथा; चौथा संख्या वाला. Fourth. जं० प० ७, १६१; १६२; आया० २, ४, १, १३२; सम० ८; ठा० ६, २; उत्त० २६, १६; भग० १, ६; २, १; ४; ४, १०; ५, ६; ७, ८; १०; १५. १; १६, ४; २४. १; १६:२६.१:३५, १०; उवा० १, ७१; नाया० ४; ७; ८; १६; नाया० ४; पि० नि० १४; २६४; पि० नि० २२३; दस० ४; ६, ४, १. दसा० ७, ८; पञ्च० ४; कण० १, २; ८; (२) चौथे भक्त; अेक उपवासनी संज्ञा. एक उपवास. a term denoting one fast. नाया० १; ५; १६; पंचा० १६, ७; —**अहिअ.** पुं० (-आहिक) चौथे २ दिवसे आवतो तार. चौथारा; चौथिया उवर; तीन २ दिन के बाद आने वाला बुखार. fever making its appearance every fourth day. जं० प० —**पय.** न० (-पद) चौथे पद; गाथानुं छेदनुं पद. चौथा पद; गाथा का अन्तिम चरण. the last or fourth line of a verse. दस० ६, ४, २; ३; —**भक्त.** न० (-भक्त) चौथे भक्त तप-अेक उपवास-अर्थात् उपवास करवाने आगले दिवसे अेक वप्पत जमनुं अने उपवास पथीना दीवसे पागु अेक वप्पत जमनुं अेदले उपवासना अे भक्त अने आगण पाठण दिवसने अेकेडा भक्त भणी चार भक्त-(भोजन) ने त्याग ते उपवास अथवा चौथेभक्त कहेवाय. चतुर्थ भक्त नामक तप; एक उपवास अर्थात् जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक वक्त भोजन करना, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और आगे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा चतुर्थभक्त कहलाता है. a fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days. विशेष० १२७२; श्राव० १६; भग० १, १; २५, ७; पगद० २, १; जाँवा० ३, ३; नाया० ८; पन्न० २८; —भक्तिय. त्रि० (—भक्तक) आथ ७५१—अधः उपवास करने वाला. (one) who does one fast as described above. भग० १६, ८; काप० ६, २१; —माम. पुं० (—माम) आथ भदिने चौथा माम. fourth month. नाया० ८;

चउत्थग. पुं० (चतुर्थक) आथीयो नायः त्रयु द्विपसने आन्तरे आवेते. चौथिया बुन्दार; तीन दिन के बाद आने वाला ज्वर. Fever that makes its appearance every fourth day. जाँवा० ३, ३; (२) आथी. चौथा. fourth. वव० ३, १३;

चउत्थय. पुं० (चतुर्थक) जुआ "चउत्थग" शब्द. देखो "चउत्थग" शब्द. Vido "चउत्थग" विशेष० ५६५;

चउत्थी. स्त्री० (चतुर्थी) पक्षिणी आथी तिथि; आथ. पक्ष की चौथी तिथि; चौथ-चतुर्थी. The fourth day of a fortnight. जं० प० ७, १५३; (२) आथी न अरती. चौथी; संख्या वाली. fourth (feminine). उत्त० २६, २०; अणुजो० १२८; १२९;

विशे० ६६५; दया० ६, २; पन्न० ३; जीवा० २; नाया० ७; भग० १, ५; ६, ८; १५, १;

चउद्दस. त्रि० (चतुर्दशन्-चतुरधिकादश) आदः दश अने आर. चौदह; दस और चार. Fourteen. जं० प० ५, ११६; सम० १४; श्राव० ३८; अणुजो० १४२; भग० १, १; ५, ८; ११, ११; १५, १; २६, ६; ३१, १; क० गं० १, २५; २, ३०; नाया० १; ८; १३; सु० च० २, ३७; वव० १०, २; पन्न० ४; —जिअट्टाण. न० (—जावस्थान) आद ७५स्थान-गुणुस्थान. चौदह जावस्थान-गुणस्थान. the fourteen Gunasthānas or spiritual stages. क० गं० ४, २; —पुद्व. न० (—पूर्व) आद पूर्व-आगम विशेष के दो दास विहित अणु गयेस छे. चौदह पूर्व-आगम विशेष, जो वनेमान में विच्छेद हो गये हैं. the fourteen Pūrvas—a portion of scripture not now extant. भग० २५, ७; नाया० ५; १४; १६; —पुद्वि. पुं० (पूर्विन्) आद पूर्वना गुणुनार (साधु). चौदह पूर्वों को जानने वाला (साधु). Sādhū learned in the fourteen Pūrvas. श्रोत्र० नि० १; नाया० ८, भग० १, १; प्रव० ६; १६३; काप० ५, १३६; —पुद्वी. न० (—पूर्वी) आद पूर्वना समूह. चौदह पूर्वों का समूह. the collection of the fourteen Pūrvas. जं० प० २, ३१; प्रव० ३६५; —भक्त. न० (—भक्त) ७ उपवास भेषा करने ते. छः उपवास इकट्ठे करना. six consecutive fasts. श्राव० १६; भग० २५, ७; —मग-णुट्टाण. न० (—मार्गस्थान) आद मूल मार्गस्थान. चौदह मूल मार्गस्थानों का स्थान. the fourteen original characteristics by which mun-

dane souls are investigated.

क० गं० ४, ३; —रज्जु. स्त्री० (—रज्जु)

आद २०००—२१००-क्षेत्र विभाग विशेष;
आलोक आद २०००प्रमाणे उच्यते छे. चौदह

रज्जु-राजु परिमित क्षेत्र विशेष; यह लोक
चौदह राजु प्रमाण ऊंचा है. name of a

region, so called because its
height is fourteen Rajjus. क० गं०

५, ५७; —रयण. न० (—रत्न) चक्रवर्तिना आद

२० के जेना सहायथी चक्रवर्ती भरतखण्ड साथे
छे. ओ २०नाना नाम अने आदृति चित्रमा

दशावेत्त छे. चक्रवर्ति के चौदह रत्न जिसके
बल चक्रवर्ती भरतखण्ड जीतता है. इन

रत्नों के नाम व आकार चित्रमे बतलाये हैं.
the fourteen gems of a Chakra-

varti, by the help of which he
conquers the whole of Bharata-

khanda the names and shapes
of the gems are shown in the

picture. जं० प० —वासपरियाग. त्रि०
(—वर्षपर्यायक) आद १५० की दीक्षावाले

चौदह वर्षों की दीक्षा वाला; चौदह वर्षों से
दीक्षित. (one) after whose

initiation into the ascetic order
fourteen years have elapsed.

वव० १०, ३०; ३१; ३२;

चउइसहा. अ० (चतुर्दशधा) आद प्रशस्तुं.

चौदह प्रकार का. In fourteen modes
or varieties. क० गं० १, ५;

चउइसा. स्त्री० (चतुर्दशी) आदश. चतुर्दशी;

पक्ष की चौदहवां तिथि. The four-
teenth day of a fortnight. जं०

प० ७, १५३; विवा० ५; दसा० ६, २;

पंचा० १०, १७;

चउद्धा. अ० (चतुर्धा) आद प्रशारे. चार प्रकार

से; चार प्रकार. In four modes or

varieties. क० प० २, ७३; ४, ३;

चउप्पाइया. स्त्री० (चतुप्पादिका) आद ५५-

वाणा भुजपरि सर्पनी ओक नदत. चार पैर
वाले भुजपरिसर्पकी एक जाति. A spe-

cies of serpents with four feet.
पञ्च० १; सूय० २, ३, २५; जीवा० १;

चउप्पुडिया. स्त्री० (चतुप्पुटिका) अपटी

पशाउली ते. चिमटा बजाना. Act of

snapping a finger with the
thumb. नाया० ३;

चउभाइआ. स्त्री० (चतुर्भागिका) भाज्जिता

आथे भाग; २५ भापवानुं भाप. माणी के
चौथे हिस्से जितना रस नापने का एक नाप.

A measure of capacity equal
to the fourth of a Māpi. अणुजो०

१३२;

चउभाग. पुं० (चतुर्थभाग) आथे भाग;

चतुर्थांश. चौथा भाग; चतुर्थांश. Fourth
part. क० गं० ५, ६५; —कढिअ. त्रि०

(—कथित) आथे भाग शेप रंते तेउनुं
उक्षावेत्त. उतना आँटाया हुआ जिसमे चतु-

र्थांश बाकी रहा हो. boiled so long
as to be reduced to a fourth

part. क० गं० ५, ६५;

चउमासा. स्त्री० (चतुर्मासा-चतुर्णा मामानां

समाहारः) आद भासने समूह, आमासुं.
चार मासका समुदाय; चामासा. A group

of four months; the monsoon
season. सु० च० ८, १२३;

चउमासिय. न० (चातुर्मासिक) आमाशी

तप; आद भासना उपवास करवा ते. चातु-
र्मासिक तप; चार मास तक उपवास करना.

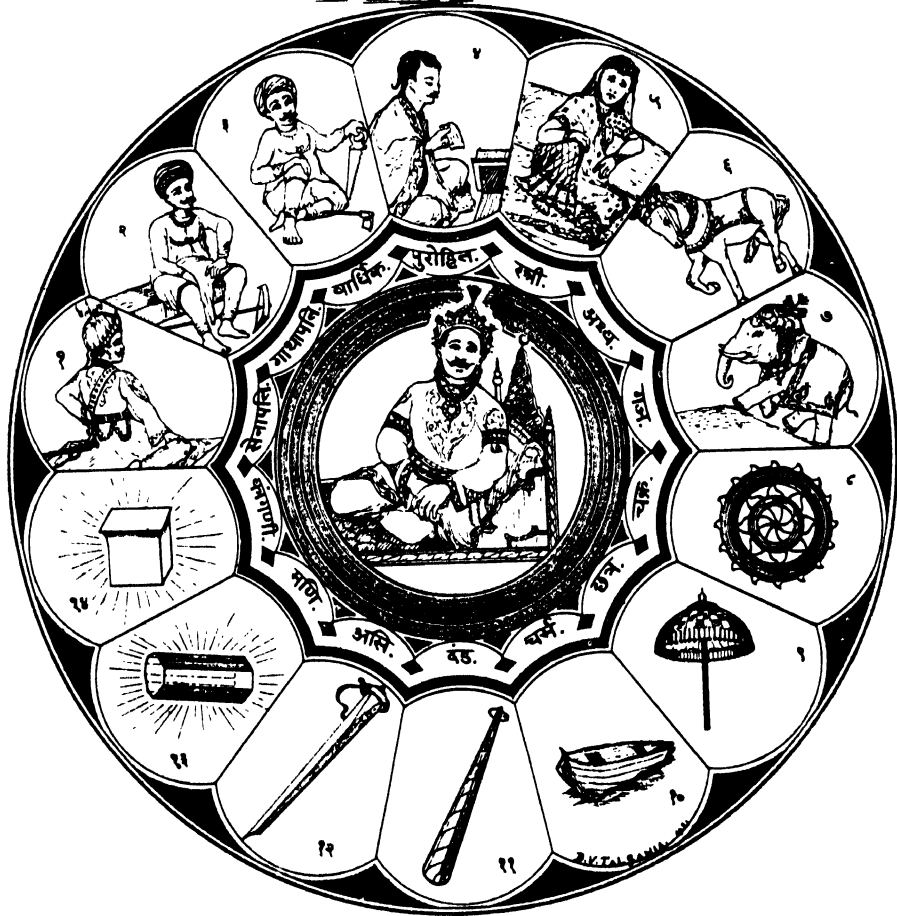
Austerity in the form of fast-
ing for four months. आच० १६;

चउमासिया-आ. स्त्री० (चातुर्मासिका)

विष्णुजी आथी पटिमा के जेमां ओक मास

सचित्र अर्थ-मागधीकोष

चउदससयण — १४ रत्न.



सुधी चार दात अन्नही अने चार दात पाणीही
ली दृष्टी. भिक्षुकी चौथा प्रतिमा, त्रिगमे एक
मास तक व्रत और जल की चार चार दात
कवल विशेष लिये जाय. The fourth
vow of an ascetic in which he
takes four Dates of food and
four of water for one month.

भग० २, १: गम० १२, २२: दया० १, १:
चउ० १, १७:

चउमास्य. न० (चतुर्मास्य) आठवीं अपर्या
द्वय की १५ सुधीने अमय. चौमासा: आषाढ
की प्रतिमा से कार्तिक की परमासा तक का
समय. Period of time from the
15th day of Ashadha to the 15th
day of Kartika. अर्थ० नि० मा
२७: (२) चार महिनावा उपवास: चतुर्मा
स्य उपवास. चार मास का उपवास: चतुर्मा
स्यक का विशेष. fasting for four
months: the monsoon fasting
austerity of four months. गम०
२:

चउराट्ट न० (चतुष्पट्ट) चार दिनों चउ
दिन. Period of four days. गम० २:

चउर. न० (चतुर) चार की संख्या
चार: चारकी संख्या ४. Four. १. आषाढ
२, ७, १, १७१: गम० १, १, १, १७:
गम० २: नि० मा १२२: वेग० १, २: दम०
४, ४, २: पञ्च० १६: क० सं० १, २:

—अंग. नि० १ —अट्ट—चत्वारि चतुर्मा
स्यानि अंगानि सत्परादिभावांगानि यस्य
तत्तथा) देता चार गुण-अपरा के चार
गुण धर्मता चार अंग दान, शील, तप
अने वाच:—सत्परा चार अंग-अभिज्ञान,
विद, अथु अने धर्म. त्रिगमे चार अंग ही
मेमा वस्तु, त्रिगमे के चार अंग—दान,
ज्ञान, तप और भाव. वेमे ही शरण के चार

अंग—आरहेत, सिद्ध, मायु और धम. any-
thing composed of four parts:
e. g. the four parts of Dharma
are—clarity, chastity, austere-
rity and faith: those of Sarana
(surrender) are—Arihanta,
Siddha, Solha and Dharma.

चउ० २: (२) चर्या, चय, चय अने
पेदय अने चार देव अंग के देवी देव
देव्य, दार्म्य, मोक्ष और पाप दन चार
अंगो चारो सेना, चतुर्गा सेन्य, an army
composed of horses, chariots,
elephants and infantry. गम० १:

३: गम० १७, २२: —अभिणी. स्त्री०
१ —अंमिनी १ सत्परा सेना, चतुर्गा
सेन्य: चार प्रकार की सेना, an army
composed of four parts viz.
horses, elephants, chariots and
infantry. गम० १६: नि० १, १:

—अंगुल न० (अंगुल) च० अंगुल
च० अंगुल, four fingers, गम० १, ७,
१२२, ७, १२२: २, २७: उच० २३, १७:

गम० १: गम० ३, २: ४, ३३: —अंगुल-

दीर्घ. नि० (अंगुलदीर्घ) च० अंगुल
च०, चार अंगुल लम्बा, of the length
of four fingers. गम० २७: —अन्त.

नि० (अन्त) च० प्रकृती ज्ञान के चार
अंग अन्तर, चतुर्विध ज्ञान युक्त संसार.
Earthly existence consisting
of four Gatis or states of exis-

tence. गम० २, ३, २३: —अंस (स्त्री०)

—अस) चतुर्मा चार अंग-चतुर्मा.

च० चतुर्मासा Square: four

angled. " यावत्पादमम चउरस्य संदण्ड

संदण्डाश्रौ " डा० मा उवा० १, ७३: गम०

२, २, २३: आषा० १, २, ३, १७०: डा०

१, १; ३, ३; ७, १; सम० प० ३०६; उत्त० ३६, २१; भग० ६, ५; ८, १; १४, ७; २५, २; नाया० ८; जीवा० ३, १; ३; पञ० १; ओष० नि० २८६; दसा० ६, १; विरो० ६०१; प्रव० ६७३; जं० प० १, १२; —असी. क्री० (-अशीति) यासीशी; ८४. चौरासी; ८४. eighty-four; 84. जं० प० ५, ११५; “सूयगडेणं असीइ सयंकि-रियावईणं चउरासीअ किरियावाईणं” राय० भग० १, ५; ३, १; २; ६, ७; १२, ६; २०, ५; नाया० ८; नंदा० ४३; पञ० ४; —असीइति. त्रि० (-अशीति चतुराधका अशीति) यासीशी; ८४; चौरासी; ८४. eighty-four; 84. उवा० १, ७४; जं० प० भग० १५, १; २५, ७; सम० ८४; ओव० ३८; जं० प० २, १८; —इंदिय. पुं० (-इन्द्रिय) २५थी-आणु-रसना-नेत्र-आर ४८न्द्रिय पाणो ७५. चतुरिन्द्रिय जीव; स्पर्श प्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव. a living being with four senses viz. touch, smell, taste and sight. ठा० १, १; उत्त० १, १; उत्त० ३६, १२५; भग० १, १; ५; २, १; १०; ५, ६; ८, १; २४, १; १२; १९; २६, १; दस० ४; पिं० निं० भा० ६; जीवा० १; पञ० १; —इंदियकाय. पुं० (-इन्द्रियकाय) आर ४८न्द्रिय पाणो ७५तुं शरीर. चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर. body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२;

चउर. त्रि० (चतुर) कुशल; ऐशीआर. चतुर; कुशल; दक्ष; Clever; skilful. अणुजो० १२८;

चउरग. पुं० (चकोरक) ५३३ ५३३. चकोर. the bird Chakora. पण० १, १;

चउरमइ. पुं० (चतुरमति) श्री शेखर राजा

दूत (नोकर) तुं नाम. श्री शेखर नरपति का एक दूत-नौकर. Name of a servant of king Śrī Śekhara. सु० च० ३, ११२;

चउवीस. त्रि० (चतुर्विंश) यावीश; वीश अने आर. चौवीस; बीस और चार; २४. Twenty-four; 24. अणुजो० ५६; ठा० १, १; भग० २, ५; ८; ३, १; ५, ८; १५, १; २; ८; २४, १; १२; पञ० ४; उवा० १०; २७७; प्रव० २; सम० २४; वव० ८, १५; आव० १६; —तथ्य. नं० (-स्तव) भीष्म आचर्यक सूत्र ७६मां तीर्थंकरनी स्तुति छे. दूसरा आव-र्यक सूत्र, जिस में तीर्थंकरों की स्तुति का गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tirthaṅkaras. नंदा० ४३; उत्त० २६१२; —तथ्य. पुं० (-स्तव) भीष्म आचर्यक सूत्र; लेखरसेना पाठ ७६मां २४ तीर्थंकरनी स्तुति छे. देखा ऊपरका शब्द. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tirthaṅkaras in the text “ Logaṃsa ” etc. नंदा० ४३; उत्त० २९, २; —दंडअ. नं० (-दण्डक) यावीस दण्डक. चौवीस दण्डक. twenty-four Daṇḍakas. ठा० १, १; —दंडग. पुं० (-दण्डक) यावीश दण्डक. देखा ऊपर का शब्द. twenty-four Daṇḍakas. भग० २०, ७; ठा० २, २;

चउवीसइम. पुं० (-चतुर्विंशतितम) ११ ७५तास. ११ उपवास. Eleven fasts. भग० २, १; नाया० १; (२) यावीशमे. चौबीसवां. twenty-fourth. भग० २४, १; ठा० ६, १;

चउविह. त्रि० (चतुर्विध) आर प्रचारतुं.

चार प्रकार का. Four-fold; of four kinds. क० प० २, ३६; ४, ३०; ८०; क० गं० १, १६; ३, २४; भग० १, १; २; २, १; ५, ३; ७५, १; नाया० १; ५; १४; मु० च० ३, १३१; दगा० ४, ११; ५३; ६३; अणुजा० १३२; ओव० १७; गम० ४; वि० २४; ७८; दम० ६, ८, १; उवा० १; ४३; सत्त० ४६, १७८; सच्छा० १००; कप० ८, ६१; —**भंडग.** न० (भण्डक) यत् प्रदन्ता इरीयाणां चार प्रकार का कर याना बचने का सामान. four kinds of groceries विवा० २;

चउसट्टि. स्त्री० (-चतुषष्टि) आसः ६४. चोमट्टः ६४. Sixty-four; 64. गम० ६४; ओव० ३८; भग० ३, १; २; ५, ५; १०, ५; १६, ७; २०, ५; नाया० ३, चव० ६, ३८; विवा० २; ५; जे० प० ६३, १२३; २, २३; —**कला.** स्त्री० (-कला) वि० ६४ कला. चोमट्ट कला. sixty-four arts. नाया० ३;

चउसट्टिया आ. स्त्री० (चतुःषष्टिका) दस तिन्त्रतु मापूँ ॥ आसः भागितु भाग रम मापने-तौलने का माप का चौसठवां भाग हिस्सा. A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Mani अणुजा० १३२; राय० ७३२;

चउसिया. स्त्री० (चौकुशिका) आद्रुप नाम का देश की स्त्री. चौकुश नाम के देश की स्त्री. A female of the country named Choukusa. भग० ६, ३३;

चउहा. अ० (चतुर्धा) यत् प्रदारे. चार प्रकार से. In four ways or parts; four-fold क० गं० १, २; ४; ४३;

भग० १२, ४; राय० २६१;

चओर. पुं० (चकोर) अश्वः पक्षि. चकोर पक्षी. The bird called Chakora. मु० च० २, १३;

चओवचइअ. वि० (चयोपचयिक) न्यून-विद्ध यत्नारः अयोपय्य दानिपूर्द्ध पामनारः न्यूनार्थिक होने वाला; घटती बढ़ती होने वाला; वृद्धि क्षय पाने वाला. Subject to decrease and increase. आया० १, १, ५, ४३;

चंकमेत. व० कृ० वि० (चक्रमत) चलतु; पगता भरेतु. चलता हुआ Moving; steping. चक्रमओ. व० प० क० गं० १, ११; ओव० ३०;

चंकमण. न० (चक्रमण) आस तेम इरेतु ते डयर उधर पगता. Moving here and there. गम० प० १६८;

चंकमिअ. वि० (चक्रमित) अतश्च यत्नेत अतश्च चला हुआ. (One) that has moved too much. ज० प० ३, १३६;

चंकमिया. न० कृ० अ० (चक्रम्य) व्यतीत इरीति; पसर इरीति. व्यतीत करके; गुजार कर. Having passed or spent. आया० १, ८, २, ६;

चंकममाण. व० कृ० वि० (चक्रम्यमान) इरेतु; आततु; ३ पतु. चलता हुआ; कम्पित होता हुआ. Moving; walking; quaking. कप० ३, ३८;

चंकार. पुं० (चकार) अक्षर; य अक्षर. चं अक्षर; चकार. The letter Cha. ठा० १०, १;

चंगवेर पुं० () इथरेट; अंगरी.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 15th.

कटोती. A large metal pan. “पीढण चंगेवेरय नंगले मइयं सिया” दस० ७, २३; आया० २, ४, २, १३८;

चंगिम. त्रि० (चङ्गिमन्) सुंदर; रूपवान्. सुन्दर; चंगा; सुरूपवान्. Beautiful; handsome. मु० च० २, ३८२;

चंगेरिआ. स्त्री० (*) फूल रखनेवाली आयडी. फूल रखनेकी टोकरी. A flat basket to keep flowers in. राय० ३५;

चंगेरी. स्त्री० (*) फूल रखनेवाली आयडी. फूल रखनेकी आयडी-चंगेर. A flat basket to keep the flowers in; a flat basket. विशेष० ७१०: जं० प० जीवा० ३, ४; राय० १२१;

चंचल. त्रि० (चञ्चल) अस्थिर; अचल. चंचल; अस्थिर; चल. Unsteady; moving; quick. जं० प० ५, ११५; आ० १४, २१; भग० ३, १: २, ६, ३३: १५, १: पञ० २; नाया० १; ङ० ६; उवा० २, १०७; — कुंडल. न० (-कुण्डल) अस्थिरमान कूण्डल. चंचलयमार कुण्डल. an unsteady ear-ring. कप० २, १३;

चंचलायमाण. त्रि० (चंचलायमान) अस्थिरमान; अचल. चंचल. Unsteady; moving. जं० प० ३, ४५;

चंचु. स्त्री० (चञ्चु) पक्षी की चोंच. Bird's beak जं० प० ७, १६३;

चंचुच्चिय. न० (*चंचुचित) पीपटी की अस्थिर भाङ्ग पर पाँका अथवा डिया राखी डिया रखने के आलस्य से; धोखे की अथवा प्रकाश की गति. शुक-सुआ-तोते की चोंच की तरह पैरों का

टेढ़ा और ऊँचा रखकर खड़े रहना या चलना; एक प्रकार का घोंडे की गति. Act of standing or walking with feet bent like the beak of a parrot; a kind of gait peculiar to a horse. आ० ३१: जं० प० ७, १६६;

चंचुमालइय. त्रि० (*) हर्ष से विकसित-फूलना हुआ; खुशी के मारे रोमांचित. Bristling with joy. “धाराहयनीव सुरहिकुमुम चंचुमालइयतणु” जं० प० ५, ११५; भग० ११, ११;

चंड. त्रि० (चण्ड) प्रयत्न; तीव्र; क्षेपित आवेशपूर्ण. प्रचण्ड; ताड़ना; क्रोध के आवेश वाला. Fierce; keen; hot with anger. उत्त० १, १३: १७, ८; आ० २१; मू० २, २, १७: ६२; भग० ३, १: ७, ६; ६, ३३: ११, ११; १५, १; नाया० १: ४: ६; दुमा० ६, ४; पण्ड० १, १; जीवा० ३, १; दस० ६, २, ३: जं० प० राय० २०७: २८३; उवा० २, १०७; कप० २, २७; २८: — **कम्म.** त्रि० (-कर्मन्) करने वाला करने वाला. (one) who does fierce or cruel deeds. प्रव० १६००; — **विष.** न० (विष) शरीर में जलती व्यापी जल तेज अथवा तीव्र अथवा शरीर में जलती प्रविष्ट होने वाला विष; ताड़ विष deadly poison. नाया० ६; भग० १५, १;

चंडपिंगल. पुं० (चण्डपिङ्गल) अथ नामना अथ मानुष के अथवा मोक्ष के लीये नाश अथवा हानि. इस नाम का एक मनुष्य, जिसका नाश मोक्ष हुआ था. Name of a person

who was lost on account of infatuation. भक्त० १३७;

चंडरुद्र. पुं० (चण्डरुद्र) ओ नामना ओइ
क्षेत्री आचार्य. इस नाम का एक कोथा
आचार्य. Name of a preceptor
given to anger. पंचा० ११, ३५;

चंडा. स्त्री० (चण्डा) अमरेन्द्र चण्डेरी
मध्यम पर्यादा-सभा. चमरेन्द्र आदि का
मध्यम सभा. The middle council
of Chmarendra etc. शा० ३, २;
भग० ३, १०; जावा० ३, ४; (२) ओम
क्षेत्री भाष्यसमेत श्रम न लाये तेम नेमां
श्रम न लाया ओरी देवतानी ओइ गति.
जिम प्रकार कोथा मनुष्य का श्रम नहीं होता
उसी प्रकार जिम में श्रम न हो ऐसा देवता
का एक गति. a sort of gait of gods
involving no strain to a man
given to anger or to them-
selves. “ विपुला कक्षमा पगाढा चंडा
दुहा निष्वा दुरहिर्वात्त ” निवा० १; राय०
२६; नाया० ६;

चंडाल पुं० (चाण्डाल) आंग्रसथी श्रुथी
अ. भ. पृथीमां उत्पन्न थयन्न भत-नीच भत.
चाण्डाल-शूद्रादि नाच में ब्राह्मणा में उच्च
जाति; नाच जाति. A low-caste person
having a Brahmana mother
and a Śūdra father. उत्त० ३, ४;
(२) लंगी; दे० भंगा. A sweeper;
persons of low caste. भक्त० १००;
मु० च० १२, ५५; नाया० २; अणुजा० १२८;

चंडालग. न० (चण्डालक) देवपूजा निमित्त
पुत्र राजप्रातुं तांयानुं वासणुं के जेने मथु-
राभां आंग्रसथी श्रुथी; देवपूजा के निमित्त
फूल रखेनका तांबिका एक पात्र; जिसे मथुरामें
‘चंडालग’ कहते हैं. A copper vessel,
so called, in Mathurā, used for

holding flowers for the worship
of gods. सूय० १, ४, २, १३;

चंडालिय. न० (चाण्डाल्य) अण्डालना जेयुं
क्षम. चण्डाल जैसा कर्म. A deed
worthy of a low-caste person.
उत्त० १, १०;

चंडिक. पुं० न० (चाण्डिक्य) अण्डिक्य-
क्षेत्र. क्रोध; गुस्सा. Anger; fury. सम०
५२; पण्ड० २, २; भग० १२, ५;

चंडिकिअ-य. त्रि० (चाण्डिक्यित-चांडिक्यं
रौद्ररूपं संजातं यस्येति) क्षेत्र प्रगटवाथी
रौद्र रूप धरेन. क्रोध प्रकट होने में रौद्र
रूप-भयंकर रूप वाला. Fierce or
grim in appearance on account
of anger. जं० प० ३, ५६; ५७; उवा०
२, ६५; नाया० १, १६; भग० ३, १; २;

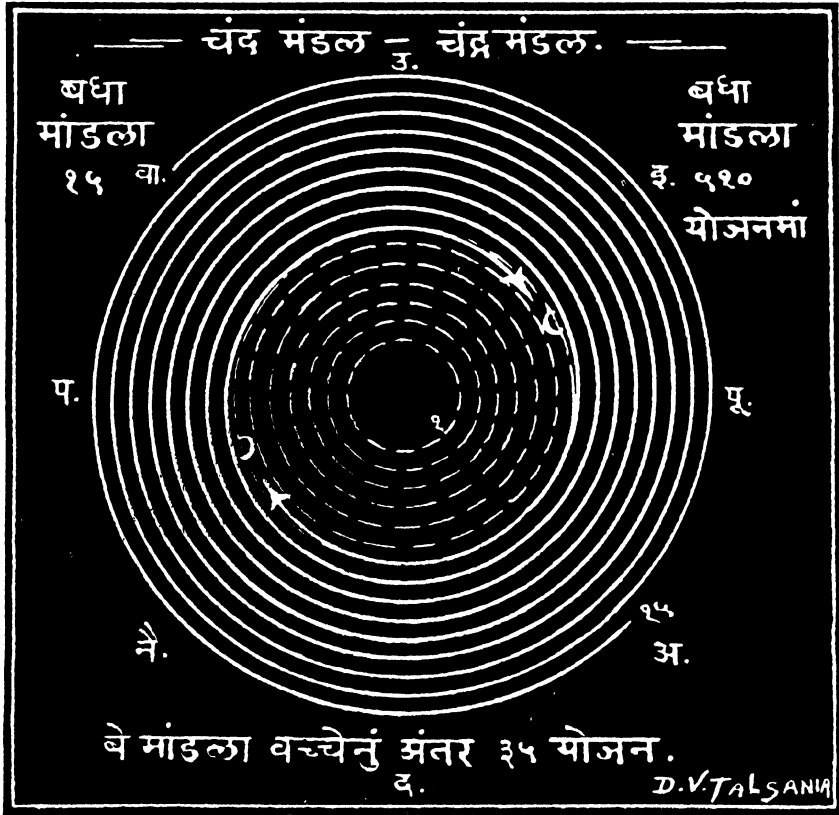
चंडी. स्त्री० (चण्डी) ओ नामनी साधारण
वनस्पति. इस नाम की एक साधारण वन-
स्पति. Name of a common vege-
tation. पञ्च० १; भग० २३, ३; (२)
अष्टी देवी. चण्डा; चण्डिका देवी. the
goddess Chandi. पण्ड० १, २;

चंद्र. पु० (चन्द्र) अंड; अंडमा. चंद्र; चंद्रमा.
The moon. जं० प० ७, १४७; आव०
१०; भग० ३, ७; ८, १; ६, २; दसा० ६,
१; नाया० १, १०; अणुजा० १०२;
सम० ६; ३२; उत्त० ११, २५; २५, १६;
कण्ठ० ३६; ४३; पंचा० ८, ३४; आव० २, ७;
विशे० २३६; पञ्च० १; नंदी० ६; (२) अंड
नामनुं त्रीज देवलोकांनुं ओइ विमान. तांसेर
देवलोका का चंद्र नामक एक विमान. an
abode of the name of Chandra
in the third Devaloka. सम० ३;
(३) अप्रविजयनी पूर्व सीमा उपरतो
वज्रात् परित. वज्रविजय की पूर्व सीमा
ऊपर का वज्रात् परित. the Vakhārā

mountain on the eastern boundary of Vapra vijaya. जं० प० (४) ज्योतिष देवतानो छद्र. ज्योतिषी देवों का इन्द्र. the Indra of the Jyotiṣa-gods. जीवा० १; उत्त० ३६, २०६; ठा० २, ३; ओव० २६; (५) उत्तर कुरुक्षेत्रमनि ऐक द्रव्य के जेने ऐ पासे कंयनक परित छे. उत्तर कुरु क्षेत्र में का एक द्रव्य, जिसके कि दोनों किनारों पर कंचनक पर्वत हैं. a lake, in Uttara Kurukṣetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain. जीवा० ३, ४; (६) चंद्र नामक द्वीप और समुद्र. a continent of the name of Chandra; also ocean of that name. जीवा० ३, ४; पञ्च० १; (७) जे वर्षा में अधिक मास न होय ते संवत्सर. जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर. an ordinary year; an year not intercalary. जं० प० सू० प० १०; प्रव० १०८; (८) चन्द्रपुष्पिकां पहिले अध्यायन. चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्यायन. the first chapter of Chandrapuṣpikā. निर० ३, १; (९) आठवा तीर्थहरणं वाचन. आठवें तीर्थकर का चिन्ह. the emblem or symbol of the eighth Tirthaṅkara. प्रव० ३८१: —अष्ट. न० (—अर्ध अर्धचन्द्र) अर्धे चंद्र; अष्टमी का चांद. half-moon; the moon on the eighth day of every fortnight. राय० ११३; —आभा. जी० (—आभा) चंद्रनी आभा. ज्योतिष. चन्द्र की ज्योति; चन्द्र का आभा. moon-light. भग० ६, ५; ७; —उव-

राग. पुं० (—उपराग) चंद्र ग्रहण. चंद्र ग्रहण. lunar eclipse. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —जोग. पुं० (—योग) नक्षत्रनी साथे चंद्रनी योग. नक्षत्र के साथ चंद्र का योग. the moon in conjunction with a lunar asterisk. जं० प० ७, १६०; —दिण. न० (—दिन) चंद्रनी दिवस; सोमवार. चंद्र का दिन; सोमवार. monday. सम० २८; —पडिमा. स्त्री० (—प्रतिमा) चंद्र नामनी प्रतिमा—अलिग्रह के जे भां चंद्र कृतानी पेटे शुक्ल पक्षमां द्वादशे ऐक केणीओ वधादतां अने कृष्णपक्षमां ऐक केणीओ धटादतां अभावस्याये ऐक केणीओ लेवाभां आवे ते; ऐक प्रद्वारनुं उतोदरी तप. चन्द्र नाम का प्रतिमा—आभ-ग्रह, जिसमें चन्द्रमा का कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कवल-प्रास बढ़ाते और कृष्णपक्ष में एक एक प्रास घटाते अभावस के दिन एक हा प्रास लिया जात है; उतोदरी तप विशेष. A sort of austerity in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half. प्रव० १५७२; ओव० १६, ठा० २, ३; वव० १०, १; —परिवेस. पुं० (—परिवेस) चंद्रनी कुंडली; चंद्रने हरतुं भण्डाकारे देवाय. चन्द्रमा के चारों ओर गोलाकार का घेराव-वृत्त. the halo of light round the moon. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; —पव्वय-अ. पुं० (—पर्वत) धातकी अंडना महाविदेसमांनो ऐक पर्वत.

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



धातकी खण्ड के महाविदेह का एक पर्वत. name of a mountain of the Mahāvideha of Dhātākī continent. ठा० २. ३; (२) अं नाभनी सितोदा नदीनी वक्षस्कार पर्वत. इस नाम का सितोदा नदी का बखारा पर्वत. name of a Vakārā mountain on the river Sitodā. ठा० ८. १; —मंडल. न० (—मंडल) चन्द्रनुं मंडल. चन्द्र मंडल. the discus of the moon. सम० ६१; (३) चन्द्रमने आकाशमां आवातांता नियत मार्ग. चन्द्रमा के चलने के लिये आकाश का नियत मार्ग. the orbit of the moon. (४) आकाशमां चन्द्र नर प्रदेश उपर आवे छे ते प्रदेशनी त्राभिने चन्द्रमण्डल छेलासां आवे छे. तेवा चन्द्रमा मंडला १५ छे अटले चन्द्र पड़ेले मंडलेथी १२ दिवसे १५ मे मंडले गत्य छे, अने पट्टी अंदर आवतां १५ मे मंडलेथी १२ दिवसे पड़ेले मंडले आवे छे. अम पंदर पंदर दिवसे चंद्रनी आवृत्ति थाय छे. आकाश में चंद्र जिस प्रदेश पर फिरता है उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं ऐसे चंद्रके मंडल १५ हैं अर्थात् चंद्र प्रथम मण्डल से १५ वें दिन १५ वें मण्डल में जाता है और फिर वापस १२ दिन में १५ वें मण्डल से १ वें मण्डल में आता है. इस प्रकार पंधरे २ दिन में चंद्र की आवृत्ति होती है. the path of the moon in the sky is called the circle of the moon. There are such 15 circles. The moon begins her course from the first circle and reaches the 15th circle on the 15th day and when she retreats her motion back from the 15th circle takes again 15 days to

come to the first circle. Thus the whole course is completed in every fortnight. जं० प० ७, १४२; **चंद्रमण्डलपविभक्ति.** पुं० (चन्द्रमण्डलप्रविभक्ति) चन्द्र मंडलनी विशेष रचनावाला नाटक. A drama in which the scenery of the moon is exhibited. राय० ६२; —**राविजोग.** पुं० (—रवि-योग) चन्द्र अने सूर्यनी योग. चंद्र और सूर्य का योग. the moon in conjunction with the sun. जं० प० ७; १४५; —**विमाण्जोदमिय.** पुं० (—विमान-ज्योतिष्क) चन्द्रमा विमानमां रहेतार ज्योतिष्क देव. चन्द्रमाके विमानमें रहने वाला ज्योतिष्क देव. a deity living in the heavenly abode of the moon. जं० प० ७, १६४; भग० २४, १२; —**सूर.** पुं० (—सूर) चन्द्र अने सूर्य. चंद्र और सूर्य. moon and sun. प्रव० ८६२; —**होरा.** स्त्री० (—होरा) चन्द्रनी होरा; चन्द्र क्षे. चन्द्रलग्न; चन्द्रमा की होरा-समय विशेष. a particular duration of time in the position of the moon in its orbit. राण० ६५; **चंद्रक.** पुं० (चन्द्रक) मोर पीछे उपरने आवेला मोर की पिच्छे ऊपर का एक प्रकार का चन्द्राकार चमकाला आकार विशेष. A star-like spot on the feather of a peacock. नाया० ३; **चंद्रकंत.** पुं० (चन्द्रकान्त) चन्द्रकान्त नाम त्रोग देवलोडनुं अंक विमान. चन्द्रकान्त नाम का तीसरे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode in the third Devaloka. सम० ३; **चंद्रकंता.** स्त्री० (चन्द्रकान्ता) आत्र अयसिपि-

श्रीना श्रीम दुग्धरती श्री. वर्तमान अव-
सर्पिणी के दूसरे कुलकर की श्री. Name
of the wife of the second Kula-
kara of the present or current
descending cycle (Avasarpini)
सम० प० २२६;

चंद्रकूट. पुं० (चन्द्रकूट) चन्द्रकूट (कूट)
नामनु त्रीम देवलोकनु एक विमान. इस
नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान.
Name of a heavenly abode of
the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रगवेष्म. न० (चन्द्रगवेष्म) राधावेध-
यक्षरती राधा पुनर्गतीनी तयायन्त्रेथी आंश
विधयी ते. राधा वेध; चक्रका तरह घूमती
हुई पुतली का आंश वेधना. A feat in
archery—piercing the eye of
a rotating doll आघ० नि० ८०७;
संस्था० १२१; आउ० ५४;

चंद्रगुप्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त
राजा. मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King
Chandragupta of the Maurya
dynasty. विशेष० ८६२; पि० नि० भा० ४५;

चंद्रचरिया. श्री० (चन्द्रचर्या) चंद्रनी गति
गण्यनी विद्या. चन्द्र की गति जानने का
विद्या. The science of the motions
of the moon. सूय० २, २. २७;

चंद्रच्छात्र. पुं० (चंद्रच्छात्र) चंद्रच्छात्र नामे
अंग देशने राजा. चन्द्रच्छात्र नाम का अंग
देश का राजा, Name of a king of
the country called Aṅga. डा०
७, १; नाया० ८;

चंद्रजसा. श्री० (चंद्रजसम्) विमल वाहन
दुग्धरती श्री. विमल वाहन कुलकर की श्री.
Name of the wife of the Kula-
kara Vimala-Vāhana. सम० प०
२२६;

चंद्रम्भय. पुं० (चन्द्रध्वज) चंद्रध्वज नामनु
त्रीम देवलोकनु विमान. चन्द्रध्वज नाम का
तीसरे देवलोक का विमान. Name of a
heavenly abode of the third
Devaloka. सम० ३;

चंद्रण. न० (चन्दन) मलयगिर-चन्दन. मल-
यागर-चंदन. Sandal-wood. (२) सुष्प-
डनु जाड. चन्दन का वृक्ष. sandal tree.
आव० भग० ६, ३३; २२, ३; नाया० १;
५; ८; सु० च० २, ५८४; राय० ५६; जीवा०
३, ४; पञ० १; कप्प० ५, ११८; प्रव० ३१०;
उवा० १, २६; जं० प० ५, ११४; (३)
अक्ष-द्राघना छव; अक्षद्रिष छवने ओष्ठ
प्रकार. अक्ष-कौंड (घोघा) का जीव; दो
इंद्रिय जीव का एक प्रकार. a variety
of two-sensed living beings.
उत्त० ३६, १२८; पञ० १; (४) चंदनमणि;
संचित इति पृथ्वीना ओष्ठ प्रकार. चन्दन-
मणि; संचित कटिन पृथ्वी का एक प्रकार.
a kind of sentient hard earth
called Chandanamani. उत्त० ३६;
७६; पञ० १; —उक्षिप्तगाय. त्रि०
(-उक्षिप्तगात्र) चंदनथी लेपायनु छ
शरीर रंगेनु ओषो. चंदन से लेपन किया हुआ
जिसका शरीर है वह. (one) whose
body is smeared with sandal-
paste. भग० ६, ३३; —कलस. पुं०
(-कलश) चन्दन लिप्त कलश; भंगल
कलश. चन्दन लिप्त कलश भंगल कलश.
a pot smeared with sandal-
paste; an auspicious pot. राय०
५८; जं० प० ५, १२०; —पायव. पुं०
(-पादप) चंदननु वृक्ष. चंदन का वृक्ष. a
sandal-tree. विवा० १; —पेसिया.
श्री० (-पेयिका) चन्दन वसंतारी दासी.
चन्दन घिसने वाली दासी. a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone. भग० ११, ११:—**विलेपण**, न० (-विलेपन) चन्दनो देव इत्येतत् । चन्दन का लेप करना । smearing the body with sandal-paste. पंचा० ८, २४:

चंदणजा. ब्रा० (चन्दनार्या) आनीशमा तीर्थ-
दरवी मुख्य साध्वी; अदनयात्रा नामनी
आरत चौबीसवे तीर्थद्वार की मुख्य साध्वी.
चंदनवाना नामकी आरजा. A nun
named Chandanabālā; the chief
nun of the 24th Tirthankara.
सम० प० २३४:

चंदणा. खं० (चन्दना) चन्दनपात्राः आर्याः।
चन्दनवाला सा वां. The nun named
Ghandanabāla. कृष्० ५, १३४:

चन्दर्गा. छा० (चन्दर्गा) आचमन.
 Holy water. आया० २, १, ६, ३२;
 --उपय. न० (उदक) आचमनार्थं पवि
 त्र्यां वेत्तुं देयं ते स्थलं. आचमन का जल
 जहाँपर बहता हो वह स्थल. a place
 where holy water is flowing.
 आया० २, १, ६, ३२;

चंद्रमण्यवमञ्चि. खं० (चन्द्रास्तमन-
प्रावमोक्त) अन्तर्गत अष्टाथमवाती विशेष
रचनावादी नाटक. चंद्रास्त की विशेष रचना-
युक्त नाटक. A drama in which
there is a scene of the setting
moon. रा० ६२;

चन्द्रद्वि. पु- (चन्द्रद्वीप) यन्त्र नामना द्वीप.
चंद्र नाम का द्वीप. A continent or
island named Chandra. ज्ञाना०
३, ४:

चंदन. न० (चन्दन) चंदन. चंदन. Sandal
paste; sandal wood तंदु०

चंद्रनागरी छा० (चंद्रनागरी) अ नामनी
अक शाखा. इस नाम की एक शाखा. An
off-shoot of that name. कृष्ण ८:

चन्द्रपद्मसूत्रि. खं० (चन्द्रप्रज्ञप्ति) जेभां
चन्द्रसम्बन्धी यज्ञिन कर्तुं छे ते चन्द्रप्रज्ञप्ति
नामनुं ओइ शक्तिइ सूत्र. जियमें चन्द्रसंबन्धी
वर्णन किया गया है वह चन्द्रप्रज्ञप्ति नाम का
एक कालिक सूत्र. Name of a Kalika
Sūtra in which a description
of the moon is given. श्र० ३, १;
४, १; नंदो० ४३;

चन्द्रप्रभ. पुं० (चन्द्रप्रभ-चन्द्रस्य इव प्रभा-
ज्योम्ना यस्य) चन्द्र-शतमञ्जि. चंद्रकान्तमणि.
A precious stone called Chan-
drakanta. नाया० १: पञ्च० १: उत्त०
३६, ७६: (२) छत्रांशु द्विधा छत्राका दंडा
the handle of an umbrella. नाया०
१: (३) चन्द्रप्रभ नामनुं श्रीमन् देवदेवदत्तं
अथ विमान. चंद्रप्रभ नाम का तीसरा देवलोक
का एक विमान. name of a heavenly
abode of the third Devaloka.
सम० ३: (४) अहमा चन्द्रप्रभ तीर्थेश्वर
देवेंद्री द्विधा चन्द्र देवेंद्री हती. = वे चंद्रप्रभ
तार्थक्य कि जिनका कान्ति चन्द्र के समान
था. the 8th Tirthankara with
moon-like lustre. डा० २, ४:

—गाहावह, पुं० (-गाथापति) चंद्रप्रभ नाम्ना अथ गृहपति श्रेष्ठ. चन्द्रप्रभ नाम के एक गृहपति चंद्र. name of a merchant. नाया० ध० ८:

चंद्रप्रभा. ब्रा० (चंद्रप्रभा-चंद्रस्यैव प्रभा
आकारो यस्याः) अंदास नाम्नी मदिरा-
दारु. चंद्रहास नाम का मदिरा दारु. A
sort of wine called Chandra-
hasa. जीवा० ३, ३; पत्र० १७; (२)
अंमली भेरी पदराणी. चंद्रमाका प्रधान

पट्टराणी. the senior queen of the moon-god. डा० ४, १: भग० १०, ४:

सू० प० १८: जंवा० ४: जं० प० ७, ११०: ३) चंद्रप्रभा देवी. चंद्रप्रभा देवी.

Chandraprabhā Devī. नाया० प० ८: (४) दशमा अने याविशमा तीर्थंकरनी

प्रवक्त्या पांडुराणी नाम. दशवं और चौबीसवें तीर्थंकरकी प्रवक्त्या: पालकका नाम.

name of the Palanquin of the 10th and 24th Tirthankara at

the time when he took holy orders. कण्व० २, १०७: सम० प० ०३१:

--दारिया. स्त्री० (-दारिका) चंद्रप्रभा नामकी एक कन्या. चंद्रप्रभा नाम की एक

कन्या. a girl named Chandraprabhā. नाया० प० ८:

चंद्रपह. पु० (चंद्रप्रभ) वर्तमान यादीसीना यादमा तीर्थंकरने नाम. वर्तमान चौबीसों के

आठवें तीर्थंकर का नाम Name of the 8th Tirthankara of the current

Chovisi. अगुजा० ११६: सम० २४: कण्व० ३, ४६: ५, १४८: आब० २, २: प्रव० ४३:

चंद्रपहा. स्त्री० (चन्द्रप्रभा) जुगुप्सा " चंद्रपभा " शब्द. देखा " चंद्रपभा " शब्द.

Vide " चंद्रपभा " आया० २, १११, ११६:

चंद्रपहाविमान. न० (चन्द्रप्रभाविमान) ओ नामनुं ओक विमान. इस नाम का एक

विमान. Name of a heavenly abode. नाया० प० ८:

चंद्रभागा. स्त्री० (चन्द्रभागा) चंद्रभागा नामकी एक नदी के तट सिंधुमां गंगे में

छ. चंद्रभागा नाम की नदी कि जो सिंधु में जाकर मिलती है वह. The river named Chandrabhāgā. डा० ५, ३:

चंद्रम. पुं० (चन्द्रमस) चंद्रमा. चंद्रमा. The moon. " शास्त्रवत्ताणुच चंद्रमा " नाया०

१: सू० प० १:

चंद्रमस. पुं० (चन्द्रमस्) चाँदी: चाँदी. चंद्रमा: चन्द्र: शशि. The moon. सू० प० १:

चंद्रमहत्तर. पुं० (चन्द्रमहत्तर) ओ नामका ओक आचार्य के लेखे सप्ततिका नामे ग्रंथ

रच्यो छ. इस नाम के एक आचार्य कि जिन्होंने सप्ततिका नाम का ग्रंथ बनाया है.

Name of a preceptor who was the author of a book named

Saptatika. क० ग० ६, ४३:

चंदय. पुं० (चन्द्रक) ओर पीलाने चाँदी मोर पंख का चाँद A star in the

feather of a peacock. नाया० ३:

चंदयगुप्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) पाटलीपुत्रने प्रचीन राजा: चन्द्रगुप्त नामे मौर्यवंशने

ओक राजा. पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा: चन्द्रगुप्त नाम का मौर्यवंशी एक राजा.

Chandragupta of the Maurya dynasty. संख्या० ११०:

चंद्रलक्ष्म. पुं० (चन्द्रलेश्य) चन्द्रलेश नामनुं श्रीनंद देवलोकनुं ओक विमान. चन्द्रलेश

नाम का नामेर देवलोक का एक विमान A heavenly abode named

Chandraleśa in the third Devaloka. सम० ३:

चंद्रलक्ष्मा. स्त्री० (चन्द्रलेश्या) चन्द्रमा विमान की छान्नी. चन्द्र के विमान का कान्ति. The

splendour of the heavenly abode of the moon. भग० १२, ३:

चंद्रवाडिमस्र. पुं० (चन्द्रावतंसक) चंद्रमांनुं विमान. चन्द्रमाका विमान. The heavenly

abode of the moon. जं० प० निर० ३, १: नाया० प० ८:

चंद्रवक्ष. न० (चन्द्रवर्ण) याथा देवलोकनुं चन्द्रवर्ण नामनुं ओक विमान. चौथे देवलोक का चन्द्रवर्ण नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० ३;

चंद्रसालिया. स्त्री० (चन्द्रशालिका) मेरी; माथा; मञ्जरी. मञ्जला; मंजिल. Upper floor; top-floor. पण्ड० १, १; नाया० १; जीवा० ३, ३;

चंद्रसिंग. न० (चन्द्रशृंग) त्रीन-याथा देव-लोकांशुं अंश विमान. तीसरे, चौथे देवलोका का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka. सम० ३;

चंद्रसिद्ध. न० (चन्द्रसिद्ध) यन्द्रसिद्ध नामनु त्रीन देवलोकांशुं अंश विमान. चन्द्रसिद्ध नाम का तीसरे देवलोका का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रसिंगी. स्त्री० (चंद्रश्री) यन्द्रश्री नामनी स्त्री; यद्रुष्मन्त नामना त्रीन द्वुष्टरनी भाता. चन्द्रश्री नाम की स्त्री; चक्षुष्मन्त नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman—the mother of the second Kulakara named Chaksusmat. नाया० ४० ८;

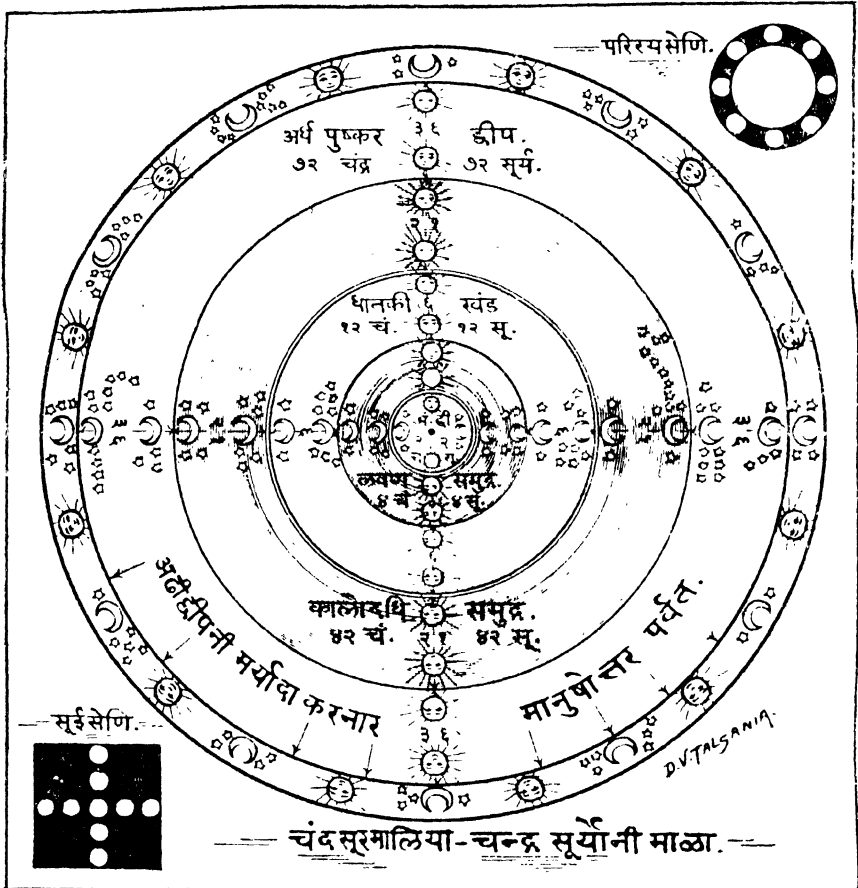
चंद्रसूरदंसावणिया. स्त्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शनी का) आलक्षणे यन्मथी त्रीति दिने दिश्य-यामां आचतुं सूर्य यन्द्रनु दर्शनी. जन्म पाये हुए बालक को तीसरे दिन कराया जाता सूर्य चन्द्र का दर्शन. The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth. भग० ११, ११;

चंद्रसूरमालिया. स्त्री० (चन्द्रसूर्यमालिका) अंश अतनुं धरेणुः दृषीता. एक प्रकार का आभूषण-अलंकार. A kind of ornament. (२) जम्बुद्वीपमां ये चंद्र अने ये सूर्य, जम्बु समुद्रमां

यार चंद्र अने यार सूर्य, धातकी भण्डमां १२ चंद्र अने १२ सूर्य, कालोदधि समुद्रमां ४२ चंद्र अने ४२ सूर्य अने अर्धपुष्कर द्वीपमां १३२ चंद्र अने १३२ सूर्य अने अर्धद्वीपमां १३२ चंद्र अने १३२ सूर्य अने ये चंद्र अने ये गतिमान अने अने पोत-पोताना मांडले केर अने अर्धद्वीप आदार असंख्यात चंद्र अने असंख्यात सूर्य अने ते स्थिर अने. अर्धद्वीपमां १३२ चंद्र सूर्य देवी स्थितिमां अने ये अतिमां अनावेला अने. जम्बुद्वीप में २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र में ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातकी खगड में १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र में ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्धपुष्कर द्वीप में ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य ढाईद्वीप में हैं. ये सब चर अर्थात् गतिमान हैं और अपने २ मण्डल में फिरते हैं ढाईद्वीप के बाहर जो अमरुखात चंद्र और सूर्य हैं वे स्थिर हैं. ढाई-द्वीप के अन्दर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते हैं यह हम चित्र में बतलाया है. there are 2 moons and 2 suns in Jambu Dvīpa, 4 moons and 4 suns in the Lavana ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātaki Khandā, 42 moons and 42 suns in Kālōdadhī ocean and 72 moons and 72 suns in Ardha Puskara Dvīpa. Thus there are 132 moons and 132 suns in Adhī Dvīpa and these moons and suns are not stationary e. g. they move in their own circles. There are also innumerable moons and suns outside Adhī Dvīpa

and they are steady. The respective positions of the moons and the suns of Adhi Dvipa are shewn in the diagram. जीवा० ३, ३;

मक्ति) नाय्य विशेषः चंद्रागमन रचना नाय्य विशेषः; चन्द्रागमन का रचना युक्त. A kind of drama in which the moon figures. सय० ६२; चंद्रागण. पु० (चन्द्रानन) ०८/१५/१५



चंदा. खी० (चन्द्रा) चंद्रमाली रचनाली. चन्द्रमा का पाटनगर-प्रधान शहर. The capital city of the moon-god. जीवा० ३, ४; जं० प० ७, १२६; चंद्रागमनप्रवि

अंगवत क्षेत्रमां यत्तु अरयपिजीता पदेरा तीर्थ३२. जम्बूद्वीप के एरावत क्षेत्र में वर्तमान श्रवणापंगा के प्रथम तीर्थकर. The first Tirthankara of the current cycle. सम० प० २४०; प्रव० ४६५;

चंद्राण्णा. ब्र० (चन्द्रानना) शाश्वती जिन प्रतिमाया पैदी त्रीणि प्रतिभांतुं नाम. शाश्वती जिन प्रतिमाओं में से तामरी प्रतिमा का नाम. Name of the third Jaina everlasting vow (Pratimā).
जवा० ३, ८; डा० ८, २; राय० १५४;

चंद्राभ. पुं० (चन्द्राभ) अष्टावतामनुं पांचमा देवलोकेषु अष्ट विमान. चंद्राभ नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka. सम० ८; भग० ६, ५; प्रव० १४६०; (२) अशीषादभां दुष्यरनुं नाम. अशीषादं कुलगर का नाम. name of the eleventh Kulagara. जं० प०

चंद्रायण. न० (चान्द्रायण) ऋते “ चंद्र पडिमा ” शब्द. देखो “ चंद्र-पडिमा ” शब्द. Vide “चंद्र पडिमा” पं० १६, १८;

चंद्रावन्त. पुं० (चंद्रावन्त) अष्टावन्त नाम्नु त्रीणि देवलोकेषु अष्ट विमान. चंद्रावन्त नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम० ३;

चंद्रावरणप्रविभक्ति. न० (चन्द्रावरणप्रविभक्ति) अन्तर्भागे दृष्टवती विशेष रचना नाम्नु त्रिषु. चन्द्रमा को आच्छादित करने की विशेष रचना युक्त नाट्य विशेष. A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view. राय० ६२;

चंद्रार्वालिप्रविभक्ति. न० (चन्द्रार्वालिप्रविभक्ति) अष्टभांती पक्षिणी विशेष रचना नाम्नु अष्ट नाट्य. चंद्रमा की विशेष रचना युक्त एक नाटक. A drama exhibiting a particular position of the moon. राय० ६१;

चंद्राविज्झय. न० (चन्द्राविज्झय) २६ उत्ता-

विज्झयभांतुं १५ भुं. २६ उत्कालिक सूत्रों में से १५ वां. The fifteenth of the 29 Utkalika Sūtras. नंदा० ६३;

चंदिम. पुं० (चन्द्रमस्) चंद्रमा. चन्द्रमा. The moon. भग० ३, ७; ६, ५; १२, ६; ११, ५; नाया० १; पञ्च० २; राय० १००; (२) अष्टावतादष्टांत पादुं जाता सूत्र-नुं १० भुं अध्ययन. चन्द्रमा के दृष्टान्तयुक्त ज्ञातासूत्र का १० वां अध्ययन. The tenth chapter of Jñātā Sūtra giving an illustration of the moon. सम० १६; —**सूर्यवराग.** पुं० (— सूर्योपराग) अष्टप्रदण तथा सूर्य-अदण. चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण. lunar and Solar eclipses. प्रव० १४७१;

चंदिमसूरिय पुं० (सूर्यचन्द्रमसा) अष्ट अंत सूर्य. चंद्र और सूर्य. Sun and Moon. भग० १८, ७;

चंदिमा. पुं० ब्र० (चन्द्रिका) अष्टावन्तरेवतत्त सूत्रना त्रीणि वर्गना अष्ट अध्ययननुं नाम. अष्टावन्तरेवतत्त सूत्र के तीसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Aṣṭāvanta Sūtra. (२) इक्षुदी नगरी निवासी ब्रह्मसार्थवादीना पुत्र इक्षुदी दीक्षा ब्रह्म अष्टावन्ती प्रतिज्ञा करी ११ अंग बाण्णी बाण्ण परसणी प्रवत्तया पाण्ण अष्ट भादरेता संशारे इरी सार्थसिद्ध तिमने पदेव्या त्याशी अष्ट अवतार इरी भाद्र नशे. काकंदी नगरी निवासी ब्रह्मसार्थ वादी के पुत्र कि जिन्होंने दीक्षा लेकर छठ का प्रातज्ञा लेकर ११ अंग पढ़ कर बहुत वर्षों का प्रवत्तया का पालन कर एक मास का संशारा कर सर्वार्थसिद्ध विमान में प्राप्त हुवे वहाँसे एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त करेंगे. name of the son of Bh-

drā Sārthavāhī of the city of Kākandī, who vowed to observe periodical fasts, studied eleven Āngas, practised asceticism for many years and after complete abstention from food and water for a month attained to the heavenly abode known as Sarvārtha Siddha, whence after one incarnation he will attain to final emancipation. अगुत्त० ३, ६; भग० ५, १; ६; दस० ६, ६६; ८, ६४; (२) अर्चिःकाः चैत्यैरना. चंद्रिका; ज्याम्बा. moon-light. नाया० १:

चंदुत्तरवडिसग. पुं० (चंद्रोत्तरावतंसक) अत्रोत्तरावतंसक नामनु अत्र देवोक्त्यु ओड विमान. इस नाम का नाम देवलेक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३:

चंद्रोत्तरायण. न० (चन्द्रोत्तरायण) देशाश्वी नगरनी गदरनी अत्रोत्तरायण नामनी ओड थाअ. इस नाम का काश्याम्बी नगर के बाहर का एक बाग. Name of a garden situated outside the city of Kauśāmbī. भग० १०, २; विवा० ५; निर० ३, ४:

चंदोदयरण. न० (चन्द्रोत्तरण) अत्र नामनु ओड अत्र, के जे उदण्डपुर नगरनी गदर हनु. उदण्डपुर नगर के बाहर का एक चैत्य. Name of a garden outside the city of Uddandapura. भग० १५, १;

चंपअ. पुं० (चम्पक) द्विपुत्रपदेवनी सभा आगणनु अत्रयुक्त-अम्पानु आउ. किं पुरुष

देव की सभा के समाप का चैत्य वृक्ष-चंपा का वृक्ष. The Champā tree growing near the council-hall of the deities known as Kimpurasas. आ० ८, १; (२) सूर्याम्बा अम्पक वननी रक्षक देवता. सूर्याम् के चम्पक वन का रक्षक देवता. the guardian deity of the Champaka forest of Sūryāmbā. गय० १४०; (३) अम्पानु वन तथा त्यां रक्षक देव. चंपा का वन व वहां रहने वाला देव. the Champā forest and the deities residing there. जावा० ३, ४; (४) अम्पे; अम्पानु फूल. चंपा; चंपा का फूल. the Champā tree; a flower of that tree. नाया० १८; पञ्च० १७; (५) अम्पानु वृक्ष के देवी देव वीसभा तीर्थ-धरने देवज्ञान यथु. चंपा का वृक्ष कि जिस के नीचे २० वें तीर्थकर को केवलज्ञान हुआ. the Champā tree under which the 20th Tirthāṅkara attained to Kevala Jñāna. सम० प० २३३:

चंपक. पुं० (चम्पक) अम्पानु आउ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. तंदु० —पायव पु० (-पादप) अम्पानु आउ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. विवा० ६:

चंपग. पुं० (चम्पक) लुगैआ “चंपअ” शब्द. देखो “चंपअ” शब्द. Vide “चंपअ” नाया० १; ८; गय० ६३; पञ्च० १; नंदी० ३७; कण० ३, ३७; जे० प० ५, १२२; —पायव. पुं० (-पादप) अम्पानु आउ. चंपा का वृक्ष. A Champā tree. नाया० २; १८; —पुड. पुं० (-पुड) अम्पानु फूलनी दंड. चंपा के फूल का गेंद. a bunch made of Champā flowers. नाया० १७; —माला. स्त्री०

(-माला) योपाता वृक्षनी माला. चंपा के फूल की माला. a garland made of Champā flowers. नाया० १:—**लया.** स्त्री० (-लता) योपाती वृक्ष. चंपा की बेल, लता. a Champā creeper. श्रौव० भग० ६, ३३; नाया० १; १६; विवा० २; निर० १, १:—**वण.** न० (-वन) योपाता वृक्षानुं वन. चंपा के वृक्षों का वन. a forest of Champā trees. भग० १, १: श्रृगुजो १३१; निर्मा० ३, ८१; पञ्च० १७: (२) सूर्याभिषिमानता पश्चिम दशवर्गस्थी पांचमो देवगन्तु उपरि चंपक वृक्षानुं अथ वन साय आरद्वन्तर देवगन्तु बांयुं अने पांचमो देवगन्तु पटोयुं छे. सूर्याभ विमान के पांचम द्वार से पांचमो योजन पर चंपक वृक्ष का वन साडे बारह हजार योजन लंबा व पांचमो योजन चौड़ा है. the great Champaka forest at a distance of 500 Yojanas (Yojana=8 miles) from the western gate of the Suryabha heavenly abode. The forest is 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in width. राय० १२३:—**वडिमश्र.** पुं० (-चंपकावन्तंसक) ऋग्वेदा "चंपक-वडिमश्र" शब्द. देखो "चंपयवडिमश्र" शब्द. Vide "चंपयवडिमश्र" राय० १०३:

चंपयवडंसय. न० (चम्पकावन्तंसक) अम्पकावन्तंसक नामनुं त्रीजुं विमान. इस नामका तीसरा विमान. The third heavenly abode of this name. भग० ३, ७:

चंपा. स्त्री० (**चम्पा**) चंपा नामनी नगरी: क्षत्रिज राजधानी; अंगदेशको पायतभूत. चंपा नाम की नगरी; कोणिक राजा का पाटनगर; अंगदेश का पाटनगर. Name of a city; the capital of king

Konika; the capital-city of the country called Anga. उत्त० २१, १; श्रौव० नाया० १; २; ८; ६; १२: १५; १६; भग० ५, १; ६; ६, ३३; उवा० १, १; कप्प० ५, १२१; भक्त० ८१; पञ्च० १; जीवा० ३, ४; निर्मा० ६, २०; नाया० ५० ८:—**गुयरी.** स्त्री० (-नगरी) चंपा नगरी चंपा नगरी. the city named Champā. नाया० ८: ६; १६; विवा० ६:—**पविभक्ति.** न० (-चम्पाप्रविभक्ति) चंपा नगरीनी-अन्दरनी शोभायुक्त नाटक. चंपा नगरी के हाट की शोभा युक्त नाटक. a drama in which is exhibited the beautiful bazar of Champā. राय० ६३:

चकारखगपविभक्ति पुं० (**चकार वर्ग प्रविभक्ति**) अ-अक्षरना आक्षरनी दशना बाणुं नाटक; ३२ नाटकना प्रक्षरभांती अथ. च-अक्षर का आक्षरि का रचनायुक्त नाटक; ३२ नाटक के प्रकार में से एक. A drama exhibiting a scene of the shape of the letter च. राय० ६४:

चक्र. न० (**चक्र**) दशजुं-आठजुं पहें. रथका गाडेका पहिया. A wheel of chariot, cart etc. मय० १, १५, १४; श्रौव० भग० ३, १: ५; नंदो० मथ० ५, प्रव० २, ४५; उवा० ५, १६७: (२) वासुदेवजुं सुदर्शन चक्र. वामुदेव नामयण का सुदर्शन नामक चक्र. the wheel of Vāsudeva styled Sudarśana. सम० प० २३७: श्रौव० १०; उत्त० ११, २१; विशेष० २२४ ज० प० अक्षरत्न १४ रत्नाभांजुं अथ. one of the fourteen gems known as the Chakra gem. चक्र रत्न, चक्रवर्तिको प्राप्त होनेवाले चौदह रत्नों में से एक रत्न. सम० १४: प्रव० १२२८; (४) धर्मचक्र (देवतानुं अनायेन) तीर्थक्षरनी

आशय २६ छे ते. तार्थिकर भगवान् के विहार के समय आंग आंग चलनेवाला देवों द्वारा रचित धर्मचक्र, the wheel known as Dharmachakra accompanying a Tirthankara. (It is made by gods.) भग० ३४; आच० नि० ११६; (५) द्रुवाक्षरी आकाश. कुंभार का चक्र, a potter's wheel भग० १, १; २, १०; ५, ६; नंदा० स्व० ५; पंचा० १, ३४; (६) यक्षाक्षरे दाथनी रेखा. चक्रके आकारका हस्त रेखा, the lines of the palm in the form of a wheel. उत्त० ६, ६०; (७) समष्ट भंडार. समुदाय; भंडल; गोलाकार. a circle; a party; an assemblage. उत्त० २२, ११; (८) मुशत्र; सांघिर्द मूल; मब्बल, a pestle. भग० ११, ११; (९) आकाशमां यक्षाक्षरे आगद्रुशमां देवुं थाय छे ते आकाशमें चक्रके आकार का आगोल कुंडल जैसा बजाता है वह, a ring like appearance that forms itself in the sky. भग० १६, १; १७०) यक्षयो पक्षी चक्रार पक्षी, a kind of bird. कप० ३, ४२; —रक्व पं० (रक्व) यक्षुं रक्षायु क्षत्तार देव. चक्र का रक्षण करने वाला देव. a deity who guards the Chakra भग० ३, ७; —रयण. न० (-रत्न) यक्षवर्तिन आदरत्नमां अंश यक्षरत्न. चक्रवत्ता के चौदह रत्नों में से एक चक्ररत्न. one of the 14 jewels of a Chakravarti. भग० १२, ६; डा० ११, १; विशेष० ५, १३; पञ्च० २०; जं० प० ३, ४६; —वृह. पं० (चक्रव्यूह—चक्रमिव व्यूहोरचना विशेषः) यक्षाक्षरे व्यूह रयता क्षत्तानी क्षता. चकाकार में व्यूह रचना करने की कला, the

art of marshalling an army in
the form of a wheel. आ० ४०;
नाया० १;

चक्रंग. पुं० (चक्रांग) यक्षदाहनामे अष्ट पक्षी.
चक्रवाक नामक एक पक्षी. A kind of
bird named Chakravāka. मृ० च०
२, ४४;

चक्रग पुं० (चक्रक) अक्षः आभरणं विशेषः.
चक्रः आभरणं विशेषः. A wheel; a kind
of ornament. जौ० ३; ३;

चक्रपुरा खी० (चक्रपुरा) पद्म दिव्यनी
पुराण राजधानी-नगरी, वस्तु विजय का
मुख्य पाटनगर. The capital-city of
Valguvijaya. डा० २, ३; जे० प०

चक्रल. पुं० (चक्रल) सिंहासनको पदार्थ।
सिंहासन के नीचे रखने का ईंट. A stand
or base for a throne. राय० ६१;

चक्रवर्ति. पुं० (चक्रवर्तिन चक्रेण आयुध-
विशेषेण वनितुं शीलं यस्य) अक्षरार्थी राजा;
सम्राट्; भरत क्षेत्रपालः अक्षरार्थी.
चक्रवर्ती राजा; सम्राट्; भरत क्षेत्र के हू;
खंडों का अधिपति. A suzerain; a
sovereign of the six continents
of Bharata Kṣetra. आया० ३४;
राय० २२३; जं० प० २, ३०; ५, ११२;
अग्न्युक्तो १३१; मु० च० २, ८२; नाया० १;
= १६; भग० ५, ५; ११, ११; १८, ६;
पञ्च० १; दमा० ६, ८; प्रब० ४१६; ११०२;
भक्त० १३८; —माउ. स्त्री० (मातृ)
अक्षरार्थिनी माता. चक्रवर्ती का माता. the
mother of a Chakravartī, नाया०
१; —वंस. पुं० (-वंश) अक्षरार्थिना वंश-
हू. चक्रवर्ति का वंश कुल. the family-
line of Chakravartī, शा० ३, १;
चक्रवाक. पुं० (चक्रवाक) अक्षरे पक्षी.
चक्रवा पक्षी. A kind of bird. जं० प०

चक्रवाग. पुं० (चक्रवाक) रथांग पक्षीः
यक्ष्ये। रथांग पक्षी; चक्रवाक पक्षी. A
kind of bird. पगह० १, १;

चक्रवाय. पुं० (चक्रवाक) यक्ष्ये पक्षी. चक्र-
वाक पक्षी. A kind of bird. श्रौव०
नाया० १; ५; ८; ८;

चक्रवाल. पुं० (चक्रवाल) यक्ष्ये; समूहः
संज्ञ. पार्श्वः समूहः मंडल. A group;
a cluster; a circle. श्रौव० ३३;
सूय० १, १, १, २६; टा० २, ३; सम० प०
१६५; नाया० १; १६; भग० ५, ३; ६, ३३;
३६, १; श्रौप० नि० ६६; सू० प० १६; ६१;
राय० २८६ उवा० ७, २०८; प्रव० १६०२;
(२) आशु पुरे. गोडे का पहिया. a
wheel of a cart. भग० ३, ४; पञ०
३३; जीवा० ३, १; जं. प० ४, १०४;
(३) सिंहासनी नीचे का पाया सिंहासन
के नीचे का पाया. a stand or base
for a throne to rest upon. जीवा०
३, ४;

चक्रवाला. स्त्री० (चक्रवाला) मंडलकार श्रेणी.
मंडलाकार में श्रेणी. A circular lad-
der. " एगस्रो खड़ा दुहस्रो खड़ा चक्र-
वाला " भग० २५, ३;

चक्रहर पुं० (चक्रधर) अदृश्य यक्षने धारण
धरन् २५ अर्ध. सुदर्शन चक्रको धारण करने
वाला वासुदेव चक्रवान्. Vasudeva,
holding Sudarsana wheel विशेष०
३५१३; (२) के अर्धने स्वामी यक्षवर्ती छः
खंडका स्वामी; चक्रवर्ति, a Chakra-
varti lord of six continents.
विशे० ८०४;

चक्राउह. पुं० (चक्रायुध) सौतमः शक्तिरथ
तीर्थक्षर प्रथम जगद्गुरु नाम. सोलहवें
तीर्थक्षरके प्रथम गणधरका नाम. Name of
the first Chapadhara (apostle)

of Śāntinātha the 16th Tir-
thadhara. प्रव० ३०६; सम० प० २३३;

चक्राग. पुं० (चक्रवाक) यक्ष्ये पक्षी.
चक्रवाक पक्षी. The bird named
Chakravāka. निर० ५, १; पञ० १;
(२) यक्षधरे भण्ड. चक्राकार मंडल.
a circular shape. पञ० १; — **भञ्ज-
माण.** त्रि० (- भञ्जमान) फल पौधा
के अंगों तोड़ने यक्षधरे भण्ड विन्द थाय
के ते. वृक्ष के फल-पत्तों वा शाखा तोड़ने में
भिन्न हुए स्थान पर गोलाकार चिन्ह होता है
वह. (a fruit or leaf or branch
of a tree) which when pluck-
ed, leaves behind a circular
mark. पञ० १;

चक्रि. पुं० (चक्रिन्) यक्षवर्ती राजा. चक्रवर्ती
राजा. A sovereign king. पञ० १;

चक्रिय-अ. पुं० (चक्रिक) यक्षनामनु आयुध
धर आधारी चक्र नाम के आयुध को लेकर
चलने वाला. One who carries with
him a weapon called Chakra.
कद० ५, १०५; श्रौव० ३२; जं० प०

चक्रिय. त्रि० (चक्रिक) तेली, तेली. An
oilman. (२) ढंभा. कुम्हार. a
potter. वव० ६, १७; — **माला** स्त्री०
(शाला) तेल पड़ेरे बेचनेवाला दुकान.
तेल बेगमट बेचने की दुकान. a shop
where oil etc. are sold. वव० ६, १७;

चक्रेश्वर. पुं० (चक्रेश्वर) यक्षवर्ती सम्राट.
चक्रवर्ती सम्राट. A sovereign king;
a paramount king. प्रव० ४३०;

— **ब्रह्मदत्त.** पुं० (- ब्रह्मदत्त) ब्रह्मदत्त
नाम गुरु यक्षवर्ती. ब्रह्मदत्त नामक १२वां
चक्रवर्ती the 12th Chakravarti
named Brahmadatta. प्रव० ४३०;

चक्रेश्वरी. स्त्री० (चक्रेश्वरी) ऋषभदेव प्रभुती

देवीनुं नाम. ऋषभदेव प्रभुकी देवी का नाम.

Name of the goddess of Lord
Rishabhadeva. प्रब० ३७७;

चक्षुः. न० (चक्षुस्) यक्षु; आं०. चक्षु; आं०.

An eye. पञ्च० १५;

चक्षुर्दृष्टिः. न० (चक्षुरिन्द्रिय) यक्षुर्दृष्टिः

देवता की शक्तिवाणी इन्द्रिय आं०. चक्षु-

इन्द्रियः देखने का शक्तियुक्त इन्द्रियः आं०.

The sense of sight. आं० १६;

भग० १, १; ७, ७; ८, २; १२, २; २४, १;

२५, ७; ३३, १; नाया० १७; नंदा० ४;

—**निगमह**. पुं० (-निग्रह) यक्षुरिन्द्रिय-

आं० ने डालुमां राखी ते. चक्षुरिन्द्रिय-

आं० को वश में रखना. control over

the sense of sight. उत्त० २६, २;

चक्षुः. न० (चक्षुस्-चक्षतेऽनेन) आं०.

आं०. An eye उत्त० १, ३३; ५, ५;

भग० २, ५; ३, २; नाया० १; ५; जं० प०

५, ११२; ओ० पि० नि० ४६३; ओ०

नि० १६७; दमा० ५, २; पञ्च० २३; सू०

प० २; राय० २३; ४३; सूय० २, १, ४२;

प्रब० ५९७; १११६; उवा० १, ५; क० गं०

१, ६; १०; ३, १८; ४, ८; क० प० ४, ६६;

(२) शस्त्रीय ज्ञान. शास्त्रीय ज्ञान. scrip-

tural knowledge. सम० १; —**गो-**

चर. त्रि० (-गोचर) नेत्रने सम्मुख रहेयुं.

नेत्र के समीप रहा हुआ. within the

range of sight. दम० ५, २, ११;

—**दीर्घारोम**. न० (-दीर्घरोम) आं० की

दाँया रोम; (वाण) आं० के लम्बे बाल.

eye-lashes. निर्मा० ३, ४५; ४६; ४७;

४८; —**पद्म**. न० (-पद्मन्) आं० की

पाँपु. आं० की बरौनी-पलक. an eye-

lid. सूय० २, २, २३; भग० ३, ३;

—**स्पर्श**. पुं० (-स्पर्श) आं० की विषय;

दृष्टिगोचर. आं० का विषय; दृष्टिगोचर.

an object of sight. कण्ठ० ५, १३१;

भग० १, ६; २, ५; ६, ३३; जं० प० ७,

१३६; —**वल**. न० (वल) देवता की

शक्ति; यक्षुर्दृष्टिनुं सामर्थ्य. देखने की

शक्ति; चक्षुर्दृष्टि का सामर्थ्य. power of

sight. उत्त० १० २२; —**राय**. पुं०

(राग) दृष्टिराग, आं० की प्रेम. दृष्टिराग;

आं० का प्रेम. attachment through

or in the eye. नाया० ८; भक्त० १४५;

—**लेम**. त्रि० (-लेम) देवता की देवी

आं० की देवी थाय-आं० की देवी नय ते.

देखने में आं० की देवी देना-आं० का चिपक

जाना. attachment, the cause of

which is sight. जं० प० ४, ७४; ५,

११५; —**लाल**. त्रि० (-लाल) आं०

की चपलतावाला दृष्टि की चपलता वाला.

(one) with quick or unsteady

eyes. “चक्षुः लोलः दृष्ट्या बाह्याय

पल्लिमंथु” वेय० ६, १६; —**लोक**. न०

(लोक) आं० की देवी ते. आं० ने

देखना. act of seeing. जं० प० ४, ७४;

५, ११५; —**सम**. त्रि० (-सम) यक्षु-

दर्शनादृष्टि समान. चक्षुर्दर्शनादृष्टि समान.

like vision obstructing. कण्ठ०

६ ३२; —**हर**. न० (-हर—चक्षुर्हरति)

आं० ने आनंद आपनाने. चक्षु को आनंद

देनेवाला. (anything) that charms

or delights the eyes. भग० ६, ३३;

नाया० १;

चक्षुर्दृष्टिः. न० (चक्षुरिन्द्रिय) नेत्रः आं०.

नेत्र; आं०. An eye. भग० ८, १; सम०

६; नाया० ५;

चक्रवर्त्त. पुं० (चक्रवर्त्त) कुंडल समुद्रना

देवता नाम. कुंडल समुद्र के देवता का नाम.

Name of the deity of the

ocean named **Kundala**. जावा० ३, ४;

चक्रवुक्ता स्त्री० (चक्रुक्ता) यावत्
अस्तिर्पिणीना पांचमा दृगक्षरती स्त्री.
वर्तमान अवसर्पिणी के पांचवें कुलकर की स्त्री.
Name of the wife of the 5th
kulakara of the current Ava-
sarpani सम० प० २२९;

चक्रवुदंमण न० (चक्रुदंशन) आंखी नयेथ
वस्तुतः प्रथम सामान्य आंध्र थाय ते आंखों
में देखा हुई वस्तुका प्रथम सामान्य बोध हो
वह. General knowledge of a
thing that one has when
one sees it. अणुजो० १२५; भग० २,
१०; ८, २; २८, ४; जीवा० १;
— **आवरण** न० (—आवरण) दृशना-
वरोधिय धर्मती अक्ष प्रकृति के देता उदयथी
उप अक्षुदंशन (आंखी सामान्य आंध्र
थाय ते) न प्रथम दृशनावरणाय कर्म की
एक प्रकृत कि जिक्र के उदयमे जीव चक्रुदंशन
(दृष्टि से सामान्य बोध हो वह) न प्राप्त
कर सके. maturity of a particular
variety of sight-obscuring
Karma which prevents one
from having visual perception.
उत्त० ३३, ६; सम० १०; — **रिपिया**
स्त्री० (—प्रतिज्ञा) अक्षुदंशन देवाने
निमित्ते. चक्रुदंशन देखने के निमित्त. with
a view to visual perception.
निर्मा० ६, ८;

चक्रवुदंसणि त्रि० (चक्रुदंशनिन्) अक्षु
दृशनावरोध उप. चक्रुदंशन-प्राप्त जीव. (A
living being) possessed of the
sense of visual perception. टा०
४, ४; भग० ६, ३; १३, १;

चक्रवुदय पुं० (चक्रुदय) जानरूपी आंख
आपनार. ज्ञान रूप आंख चक्रु को देने
वाला. One who gives an eye

in the form of knowledge जं०
प० ५, ११५; नाया० १; कण्ठ० २, १५;
आव० ६, ११;

चक्रवुदंसण न० (चक्रुदंशन) अनुआ
“चक्रवुदंसण” शब्द. देखा “चक्रवुदंसण”
शब्द. Vide “चक्रवुदंसण” टा० ६, १;
— **आवरण** न० (—आवरण) अनुआ
“चक्रवुदंसणावरण” शब्द. देखा “चक्रवु-
दंसणावरण” शब्द. vide “चक्रवुदंसणा-
वरण” टा० ९, १;

चक्रवुभय त्रि० (चक्रुभूत) आंखी पे:
आधार रूप. आंख के समान आधार रूप.
(Anything) as helpful as an
eye. भग० १८, २; नाया० १; २; ७;
गच्छा० २६;

चक्रवुमंत पुं० (चक्रुमंत) अक्षुप्ता नाम
यावत् अवसर्पिणीना पीठ दृगक्षर. चक्रुप्ता
नामक वर्तमान अवसर्पिणी के द्वितीय कुलकर.
Name of the 2nd Kulakara of
the current Avasarpani. सम०
प० २२६; (२) आइमां दृगक्षरनु नाम.
अष्टम-आठवे कुलकर का नाम. name of
8th Kulakara. जं० प० (३) त्रि०
आपनार. चक्रुपुक्त; आंखों वाला. pos-
sessed of an eye. विशेष० २१०;
१११६;

चक्रवुस त्रि० (चक्रुप्) नेत्रप्राप्त्य पदार्थ.
नेत्रप्राप्त्य पदार्थ. (Anything) that
is an object of sight. दमा० ६,
२८; पणह० १, १;

चक्रवुस न० (चक्रुप्) अक्षु; आंख. चक्रु:
आंख. An eye. प्रव० ७७८;

चक्रवुसुह पुं० (चक्रुसुख) कुण्ड समुद्रना
देवतानु नाम. कुण्ड समुद्र के देवता का नाम.
Name of the deity of the
ocean named Kunda. जीवा० ३, ४;

✓चच्च. घा० I. (चर्च) चंदन पगेरे अर्थतुः पूज्यु. चंदन इत्यादि का लेप करना; पूजा करना. To smear with sandal-paste etc; to worship.

चच्चइ. सु० च० १५, १६६;

चच्चग. पुं० (चर्चा) छिटाकाव. Sprinkling. राय० १०६;

चच्चर. न० (चत्वर) आचर; आरथी पधारे रस्ता भोगा अता होय ते स्थग; चट्टो. चौवटा: चार से अधिक रास्ते एकत्र होने हों वह स्थल; चौक. A place where more than four roads meet. वें० १, १२; अणुत्रो० १३४; उत्त० १६, ४; श्राव० २७; भग० ३, ७; नाया० २; १६; जीवा० ३, ३; कप्प० ६, ८८; विवा० ३; ६; राय० २०१;

चच्चा. स्त्री० (चर्चा) चन्दन पिगेरेथो लेपन करेयुं ते. चन्दन इत्यादि से लेपन करना. Act of smearing with sandal-paste etc. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;

चर्चिचय. त्रि० (चर्चित) चंदन पगेरेतुं विलेपन करेयुं अर्थतु. चंदन इत्यादि से विलेपन किया हुआ. Smeared with sandal-paste etc. नाया० १; सु० च० २, ६०३; दमा० १०, १;

चज्जा. स्त्री० (चर्चा) परिभाषा; संकेत. परिभाषा: सांकेतिक भाषा. Technical language, conventional terminology. विश० २०४४;

चडग. पुं० (चटक) चट्टो. एक जातिका पक्षी. A sparrow. मय० २, २, १०; (२) नौकर. नौकर. a servant. भग० ७, ६; ६, ३३;

चडगर. पुं० (*) समुदाय; समूह. समुदाय: समूह. A group; an assemblage. जं० प० नाया० १४; १६; राय० २१३;

(२) नौकर; सेवक. a servant; an attendant. नाया० १; (३) मुख्य लड़क्यो. प्रधान सैनिक. a principal warrior; a chief fighter. नाया० १; राय० ७०; (४) चटका देतार-जंश पगेरे. डंक देने वाला: दंश देने वाला. anything which bites e.g. a mosquito etc. विवा० १;—पहकर. पुं० (प्रकर) शूर वीराना समूह. वीरो का समूह. An assemblage of heroic men. नाया० १६;

चडचड. पुं० (चडचड) चट्य: अर्थो शब्द. तड तड शब्द. A sound resembling that of the word. चड चड. विवा० ६;

चडचला. स्त्री० (चपेटा) चपेटाभारवा-फोरस करेयो. चपेटा मारना: पोरस करवा. Slapping. पगद १, ३;

चडिअ. त्रि० (चटित) चट्टेयुं. चडा हुआ: आरुढ़. Mounted; raised; risen. सु० च० ६, २६;

चडिउं. सं० कृ० अ० (* चटित्वा-आरुह्य) चटित: सार अर्थतु. चडकर; आरुढ़ होकर. Having mounted; having risen. सु० च० ६, १६०;

चडुकारि. त्रि० (चाटुकारिन्) आई लोने तम करेता. अच्छा मालुम हो बैसा करने वाला. (One) who does what is agreeable to others: trying to please other. पिं० नि० ३०८; ४१४;

चडुयारि. त्रि० (चाटुकारिन्) भीषा ओलो: भाषणदास. मधुर भाषण करनेवाला. One who flatters पिं० नि० ४८६;

चडुल. त्रि० (चटुल) अस्थिर-चपल चित्त वाला. Unsteady in mind. पगद० १, १;

चडुली. स्त्री० (चटुली) धासना पुमाना

अश्रुभायनी अग्नि. घास के पूले के अग्र-
भाग की अग्नि. Fire or burning
portion of the top most portion
a bundle of hay. नंदा० १०:

चणग. पुं० (चणक) अणु; ईक्षण धान्यनी अणु
वत. चना; एक प्रकार का धान्य. A kind
of corn; gram. अणुजो० १४३; पंचा०
१०, २३;

चतु. त्रि० (चतुर्) चार. चार. Four. प्रव०
१३११: — **जोगजुष्ट.** त्रि० (योगयुक्त)
चार योगशी युक्त अर्द्ध संयोगी. चतुर्योग
मे युक्त; चतुर्क संयोगी. Possessed of
four-fold Yoga. प्रव० १३११;

चतुन्था. स्त्री० (चतुर्थी) भिक्षुपुत्री आर
परिमामांसी आशी प्रतिमा. भिक्षु का बारह
पांडमांसे स संयोगी प्रतिमा. The 4th of
the 12 vows of an ascetic.
नाया० १;

चत्त. न० (०) तशक; सूतरे कांतयानी डोहानी
तशक. तक्या; सूत कातनेका लोहे
का तक्या. An iron instrument
for spinning cotton. पंचा० ८, २२;

चत्त. त्रि० (न्यक्त) त्याग इरेत; छोटी
दीधित. त्याग किया हुआ; छोटा दिया हुआ.
Abandoned; given up. प्रव० ५८२;
उत्त० ६: १५; अणुजो० २: १६; भग० ७,
१; नाया० ७;

चत्ताल. त्रि० (चत्वारिंशत्) आदीस: ४०.
चालीस; ४०. Forty; 40. क०गं० ६, ६०:

चत्तालिंस. स्त्री० (चत्वारिंशत्) आदीस:
४०. चालीस; ४०. Forty; 40 भग० १,
५; २, ८; १०, ५; १६, ६; २०, ५; २४, १;
२१: नाया० ५; ८; सम० ४०; सु० च० २,

२५७; जं० प० ५, ११८; २, ३१:

चपल. त्रि० (चपल) अपग. चपल; चालाक.
(Quick; unsteady. नाया० २;

चप्पुडिया. स्त्री० (चप्पुटिका) अप्पुटिका;
अपटी. चप्पुटिका; चुटकी. A pinch.
नाया० ३;

४ **चमदण.** न० () अपट्ट डन्वु ते. कष्ट
पहुंचाना. Act of injuring or hurt-
ing. ओष० नि० ७६;

चमदणा. स्त्री० () आपवृत्; दाभी देवु;
दवा देना. Pressing. ओष० नि० १८७;
(२) भुली ना मवृ. मिटा देना. act of
effacing. (३) दात; पाटु मारपी ते. लात
मारना. act of kicking. ओष० नि०
१८३; (४) पट्टवृत्. सताना. act of
troubling or vexing or teasing.
ओष० नि० २३७;

चमर. पुं० (चमर) दक्षिण दिशाना अश्वर-
द्विभारने अश्व; अमरेद्र. दक्षिण दिशा के
अश्वर कुमार का राजा; चमरेद्र. (Chama-
rendra the king of the Asura-
kumāras in the south नाया० ८;
नाया० ४० ओष० ३२; शा० २, ३; सम०
१६; ३२, ३३; भग० २, ८; ३, १; २; ७,
६; जीवा० ३, ४; पञ्च० २; प्रव० ११५२;
(२) पांडा देवे अर्द्ध भृगु के देना पूछडाना
वातनी अमरी अत छि: अमरी गाय.
पांडु के समान एक मृग कि जिसके पूंछ के
बालों मे चमर बनता है: चमरी गाय. a
kind of deer resembling a
buffalo the hair of whose tail
is used for making chowries.
नाया० १; ८; ओष० पण्ड० १, १; ४:

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

जीवा० ३, ३; पञ्च० १; कण्ठ० ३, ४४;
 राय० ४३; ५८; जं० प० ५, ११५; ११६;
 (३) पांचव्या तीर्थक्षेत्रा १ ला गणधरनुं
 नाम. पांचवें तीर्थक्षेत्र के पहिले गणधर का
 नाम. name of the first Ganad-
 dhara of the fifth Tirthankara.
 प्रव० ३०५; —उष्णाश्र. पुं० (-उष्ण)
 चमरेंद्र शक्रेन्द्र साथे लड़वाने उपर पड़ेले
 देवलोके गये। ते: दश अचछेसमानुं
 अंश. चमरेंद्र शक्रेन्द्र के साथ लड़ने का
 प्रथम देवलोक में गया सो; दस आश्चर्यजनक
 घटनाओं में से एक. one of the
 ten wonderful events viz. the
 going up of Chamarendra to
 fight with Sakrendra in the
 1st Devaloka. वच० ८६३; —सिंहा-
 सण. न० (-सिंहासन) चमरेंद्रनुं सिंहा-
 सन. चमरेंद्र का सिंहासन. the throne
 of Chamarendra. भग० १०, ४;

चमरचंचा. स्त्री० (चमरचंचा) चमरचंचा
 नामे चमरेंद्रनी राजधानी. चमरचंचा नामक
 चमरेंद्र का पाटनगर. Name of the
 capital of Chamarendra. भग०
 २, १; ८; ३, १; १०, ५; १३, ६; सम०
 ३३; नाया० ध० जं० प० ५, ११६;

चमस. पुं० (चमस) यादवे: इच्छी. लकड़ीका
 चमचा; कडछा. An iron or wooden
 spoon; a ladle. ओव० ३८; (२) चमस
 नामेनी अंश देश. चमस नामक एक देश.
 name of a country. सु० प० १०;

चमू. स्त्री० (चमू) सेना; दसदर. सैन्य;
 लश्कर. An army. भग० ६, ३२; नाया०
 १; महा० प० ३५;

चम्प. न० (चर्मन्) चामरुं; चामरी. त्वचा;
 चमड़ा; चमड़ी. Skin; leather. भग०
 २, १; १०; ५, २; ८, ६; १२, ७; नाया० १;

१८; सम० १४; ठा० ४, २; पि० नि० भा० ५०;
 वेय० ३, ३; कण्ठ० ४, ६१; प्रव० १६; २२२; १२२८;
 (२) चामरुनी अंगुली. चमड़े की अंगुली.
 a leather cover for the finger
 just like a thimble. राय० २०४;
 —कड. पुं० (-कट) चामरुनी साड़ी.
 चमड़े का चटाई. a mattress made
 of leather. ठा० ४, ४; —किड. न०
 (-किट) चामरुनी भेदल-गारी-तप्रीया
 बिगरे. चमड़े से आच्छादित गद्दा-तार्किया
 इत्यादि. a bed, pillow etc. with a
 cover of leather. भग० १३, ६;
 —कांसश्र. पुं० (-कांशक) चामरुनी
 डैथली. चमड़े का थैला. a leathern
 bag. आया० २, २, ३, ८८; ओष० नि०
 ७२८; —कांसिया. स्त्री० (-कांशिका)
 चामरुनी डैथली. चमड़े का थैला. a
 leathern bag. सुय० २, २, ८८;
 —खंडिय. श्र. त्रि० (-खण्डिक)
 चामरुनाकर सर्व डिपक्षयुते राजनार अंश
 भिक्षुक्षय. चमड़ेके; सर्व उपकरण का
 रखनवाला एक भिक्षुक वर्ग. a class of
 ascetics who make use of mate-
 rials (e. g. alms-bowl etc)
 made of leather only. अणुत्रो०
 २०; नाया० १५; —छेदुदण. न० (-छेद-
 दन) चामरुं कापवानुं शस्त्र. चमड़ा काटने
 का शस्त्र. an instrument for cutting
 leather. (२) बाधर बिगरेने कडछा-पट्टी.
 चमड़े के पट्टे इत्यादि का टुकड़ा पट्टी. a
 band of leather etc. ओष० नि०
 ७२८; —छेदयणश्र. पुं० (-छेदनक)
 चामरुं कापवानुं इथियार. चमड़ा काटने का
 शस्त्र. an instrument for cutting
 leather. आया० २, २, ३, ८८; —उष्मा.
 न० (-ध्म्यात) चामरुनी अमिथी धमायेत.

चमडे का धम्मनसे धमा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather. भग० ४, २: -- **पलिङ्गुयण**. न० (-परिच्छेदन) आभग्रन्थे दृष्टं. चमडे का टुकड़ा. a piece of leather. वव० ८, २: -- **पाय**. (- पात्र) अभग्रन्थे पात्र. चमडे का पात्र. a vessel or receptacle made of leather. भग० ३, ५: -- **पास** पुं० (-पाश) आभग्रन्थे पासतो. चमडे का पाश. a net or trap made of leather. नि० १२, १: -- **रयण**. न० (-रत्न) अक्षरार्थिता अर्थे रत्नमानुं अर्थे देवते नदी-समुद्र आदि स्थले वा सान्निध्योत्पन्नं अर्थे. चक्रवर्ती के चाँदह (चतुर्दश) रत्नोमेक एक कि जो नदी समुद्र आदि स्थले में नाव का काम देवे. one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a a boat to cross a river, sea etc. नि० ७, १; पञ्च० २०; जं० प०

चम्मअ. पुं० (चर्मक) आभग्रन्थे तण्ण; पणने तण्ण पाणिग्रन्थे पट्ठी. चमडे का तना. पैर के नीचे बाँधने का पट्टा. A sole made of leather. आश० नि० ७२८:

चम्मग. न० (चर्मक) पादुका. सन्यासीनं अर्थे उपद्वयं. पादुका; सन्यासी का एक उपकरण. A kind of shoe put on by an ascetic. मृ० २, २, ८८:

चम्मट्टिल. पुं० (चर्मस्थल) पक्षि विशेष: आभावेत्ती. पक्षि विशेष: चिमगाधर, चमगादड़. A kind of bird. पण्ड० १, १:

चम्मपाखि. पुं० (चर्मपखिन्) आभग्रन्थे पांख पाखां पक्षी: आपा पायुत्र दयेरे, अथर तिथय पय्येद्विथानो अर्थे वेद. चमडे का पांख वाल पक्षी; तिथय पय्येद्विथ का एक भेद. A variety of birds with

leather wings; a variety of sub-human beings with five senses. उक्त० ३६, १८६: टा० ८, ४; मृ० २, ३, २६; भग० १५, १: जीवा० १; पञ्च० १:

चम्मरुक्ख. पुं० (चर्मवृक्ष) चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष. चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष. A kind of tree. भग० २२, १:

चम्मार. पुं० (चर्मकार) आभग्रन्थे पशरणां अनापनार. मोचा-जुते बनानेवाला. A shoe-maker विशेष० २६८८:

चम्मिट्ट. पुं० (चम्मट) मुट्ठर: दसरतनुं अर्थे साधन. मुगदल: व्यायाम का साधन. A club for taking exercise with. गय ३२:

चम्मट पुं० (चम्मट) प्रदण्य विशेष. शस्त्र का एक भेद. A kind of weapon. पण्ड० १, ३:

चम्मटग. न० (चम्मटक) लुपाने वेदुं दीपवानो अर्थे आभर. लोहार का लोहा घडने का एक औजार. A kind of tool used by a blacksmith for forging iron. भग० १६, ३:

✓ **चय**. धा० I.II. (शक्) शक्तिमान् शयं. शक्तिमान् होना; समर्थ होना. To be able.

चण्ड पि० नि० १०२:

चयति मृ० १, ३, २, १:

चक्रिया. वि० भग० ६, १०: ७, १०: १३, ८: १७, २: १८, ३: वेय० ४, २८: वव० ८, २:

चार्णत. विशेष० ७६१:

चाणम. मृ० च० १३, ८:

✓ **चय**. धा० I. (च्यु) स्वर्गस्थी पतन पाभयुं; अथनुं. स्वर्ग में पतन होना. To fall spiritually; to be degraded

from heaven.

चयंति. भग० २, २; ७, ३, १०, ४; १३, २;
१५, १; १६, ७; २०, १०; सू०
प० १६;

चइऊण. उत्त० ६, १;

चइत्ता. भग० २, १; ६, ३३; १२, ८; १५,
१; नाया० ८; १५; १६; दस० ६, २,
४८; दसा० ८, १;

चयंत. भग० ६, ३३; विशेष० १२७७;

चयमाण. कप्प० १, ३; २, ३;

✓चय. धा० I. (चिच्) ऐक्यं ३२युं एकत्र
करना. To gather; to collect.

चयइ. आया० १, २, ६, ६८; भत्त० ४६;

चयंति. पञ्च० ६;

चय. न० (च्यवन) देवलोकांशं ययुं ते
देवलोकं मे से पतनं होना. Fall from,
degradation from Devaloka.

ओव० ८०; नाया० १; ८; १६; भग०
१५, १; उवा० १, ६०;

चय. त्रि० (त्याग) त्यज्युं छोड़्युं. त्याग.
Abandoning; leaving; giving
up. नाया० ८; १६; भग० ११, ११; १२, ८;

चय. पुं० (चय) शरीर. A body. नाया०
८; १५; भग० ११, ११; १२, ८;

चयण. न० (च्यवन) व्यवन-वैमानिक अने
ज्योतिषीयुं मृत्यु. च्यवन वैमानिक व
ज्योतिषी की मृत्यु. Death of a Vaimā-
nika or of a Jyotisi god. डा० १, १;
सू० प० १; पञ्च० १७;

चयावचइश्च. त्रि० (चयावचयिक) वधुं
वृद्धुं; न्यूनाधिकं थनार. न्यूनाधिक होने
वाला. Increasing and decreasing;
waxing and waning. आया० १,
६, २, १४७;

चयावेयच्च. त्रि० (च्यावयितव्य) व्यवनने
योग्य. च्यवन के योग्य. Worthy of,

deserving Chyavana (spiri-
tual fall, abandonment, death
etc.). भग० १३, १;

✓चर. धा० I. (चर्) संयम मार्गमां यावयुं;
संयम मार्ग में चलना: To follow the
path of asceticism. (२) गति धरवी.
गति करना. to walk; to move.
चरइ. दस० ६, ३, ४; सम० ६; भग० ८,
५; जं० प० ७, १३१; १३३;
चरंति. ओव० २६; पि० नि० २६७; जं० प०
७, १२६;

चरे. वि० उत्त० २, ३; ४, ७; ६, ४६; १०,
३६; आया० १, २, ३, ८०; १, ६,
२, १८३; सूय० १, २, १, ६; दस०
४, ८; ६, १, २; १३; ६, २४;
०५; ६, ३, १४;

चरेज्ज. वि० दसा० ७; ६, ३१;

चरेज्जामि. सूय० १, २, १, २२;

चरिस्संति. भ० जं० प० ७, १२६;

चरिंसु. भ० जीवा० ३, ४; जं० प० ७, १२६;

चरिय. सं० कृ० वेय० १, ४;

चरिऊण. सं० कृ० पि० नि० ५१८;

चरित्ता. सं० कृ० उत्त० २६; १;

चरंत. व० कृ० दस० ५, १, १५; उत्त० २,
६; ४, ११; पण्ह० १, ३;

चमाण व० कृ० भग० १, १; २, ५; ३,
२; ६, ३३; १३, ६; १६, ५; १८,
१०; नाया० १; ३; ५; १६; दस०
४, १; ८, १; ओव० २०; दसा० १०, १;

चर. पुं० (चर) दावता यावता त्रसजिव.
चलता फिरता त्रसजीव. A sentient
being having the power of
movement. उत्त० ३२, २७;

चरश्च. त्रि० (चरक) यावतार; धरतार.
चलने वाला; फिरने वाला. Walking;
(one) that moves; moving.

श्रोत्र० १६; जं० प० (२) सेवनार; आचरनार.
सेवन करने वाला; आचरण करने वाला.
one who resorts to; one who
practises. उत्त० ३०, २४; (३) धा
पाटी-दंडो डरी भिक्षा मांगने वाला वर्ग. हल्ला-
शोर करके भिक्षा मांगने वाला वर्ग. a class
of beggars who get food by
violent means. नाया० १२;

चरण. पुं० (चरक) धा पाटी-दंडो डरी
भिक्षा लेने वाला वर्ग. हल्ला शोर करके भिक्षा
लेने वाला वर्ग. A class of beggars
who get their food by violent
means. अणुजो० १६; नाया० १२; पञ्च०
२०; (२) दाँश; मच्छर इत्यादि, डाँग;
मच्छर इत्यादि. a flea; a mosquito
etc. मय० १, २, २, १४; —**परिचयायग.**
पुं० (-परिचाजक) तापस विशेष; त्रिदंडी.
तापस विशेष; त्रिदंडी one of a parti-
cular class of ascetics called
Tridandi. अग० १, २; ज० प०

चरण. न० (चरण) अयमः आरित्र संयमः
चारित्र. Ascetic conduct; asceti-
cism. सम० २; उत्त० २४, ६; डा० २,
१; विशेष १; श्रोत्र० नि० १; अग० २, १;
नाया० १, ६; पि० नि० ६०; १०७; मय०
२, १, ६०; भक्त० ६३; गच्छा० २०; प्रव०
१६; क० गं० १, १३; (२) अन्तिमः
आरित्र ब्रह्मभट-चारण. a bard; a
minstrel. विशेष १०७३; (३) अरज-पग.
चरणपैर. a foot; a leg. नाया० १; ८;
६; १७; —**आय. पुं० (आत्मन्)** आरित्र
रूपी आत्मा; आरित्ररूप. चारित्ररूपी
आत्मा; चारित्ररूप. soul as consist-
ing of ascetic conduct; ascetic
conduct regarded as soul. पि०
नि० १०४; —**आचार. पुं० (-आचार)**

आरित्रता आचार. चारित्र का आचार.
practice of asceticism. प्रव० २७०;
—**कुर्मल. त्रि० (-कुशल)** आरित्रनी
विराधना करने. चारित्र का विराधना करने
वाला. (one) who shows hatred
towards ascetic conduct. प्रव०
११०; —**चुअ. त्रि० (-च्युत)** आरित्रयथी श्रष्ट
अथवा. चारित्र्य में श्रष्ट जो है वह. degrad-
ed from ascetic conduct;
spiritually degraded. नाया० ६;
—**जुअ. त्रि० (युत)** आरित्रयुक्त. चारित्र
युक्त. Possessed of ascetic con-
duct; ascetic in conduct. प्रव०
२१०; —**ठिअ. त्रि० (स्थित)** आरित्र्यभां
रहित स्थिर अथवा. चारित्र्य में रहा हुआ.
steady in ascetic conduct. नाया०
६; —**भेय. पुं० (-भेद)** आरित्रता भेद.
चारित्र का भेद. difference, distinc-
tion in right-conduct. प्रव० २२६;
—**मोह. पुं० (-मोह)** आरित्र अंशमें
अटकावना भेदनीय विभाग; आरित्र भेद-
नीय. चारित्र अंश का रोकने वाला मोहनीय
विभाग. चारित्र मोहनीय. anything that
checks or hinders right con-
duct. क० गं० १, २५; —**मोहणिय**
न० (-मोहनीय) भेदनीय धर्मनी अथ
प्रकृति के अंश में उदयथी श्रुत अरज आरित्र
न पामे. मोहनीय कर्म का एक प्रकृति कि
जिसके उदय में जो चारित्र चरण प्राप्त न कर
सके. a variety of Mohaniya
Karma the maturing of which
hinders right conduct. उत्त० ३३, ६;
चरणवन्त. त्रि० (चरणवन्) आरित्र वाञ्छ.
चारित्र युक्त. Possessed of right-
conduct. पंचा० १४, २१;
चरणविहि. पुं० (चरणविधि) २६ उत्थापित

सूत्रभांजुं २७भुं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २७वां सूत्र. The 27th of the 29 Utkalika Sūtras. नंदा० ४३;

चरम. त्रि० (चरम) छेदपुः छेदपुं.

अन्तिम. Final; last. नाया० १; १३;

१६; भग० १, ६; १४. १; नंदा० १६; पि०

नि० ५३; कप्प० २, १५; ५, १२३; विशेष०

२००; दगा० ७, १; सू० प० ७; पंचा० १,

२६; क० गं० २, १०; (२) पञ्चमा सुमति-

नाथ तीर्थंकरना प्रथम गणधरं नाम

पांचवें सुमतिनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर

का नाम. name of the first

Gapadhara of Sumatinatha

the fifth Tirthāṅkara. सम० प०

२३३; (३) जेने क्षीथी ते अवस्थां

आवपुं नथी ते; छेदना अवस्थाने. जगका

पुनः उस भव में नहि आना है वह; अन्तिम

भव वाला. one who is for the

last time in a particular state

of existence. राय० ७६; --अंत.

न० (-अन्त) अन्तमान्त प्रदेश. चरमान्त

प्रदेश. the ending region. भग०

१६, ८; --खंड. पुं० (-खण्ड) छेदना अंश-

क्षेत्र. अन्तिम खण्ड-टुकड़ा. the last

piece or portion of anything.

प्रब० ७१४; --खंडग. पुं० (-खण्डक)

जुआ " चरम खण्ड " शब्द. देखो "चरम

खण्ड " शब्द. vide " चरम खण्ड " क०

प० २, ४१; --ट्टिई. स्त्री० (-स्थिति)

छेदनी स्थिति. अन्तिम स्थिति. last or

final state of existence. क० प०

१, ६६; --तिथ्ययर. पुं० (-तीर्थंकर)

छेदना तीर्थंकर; महावीर स्वामी. अन्तिम

तीर्थंकर; महावीर स्वामी. lord Ma-

hāvira, the last Tirthāṅkara.

कप्प० १, २; --निदाहकाल. पुं० (-निदा-

घकाल) उनाधाने आभर वपन. गरमी

की मौसम का अन्तिम समय; ग्रीष्म ऋतु

का अन्तिम समय. the fag end of

summer. वव० ६, ४१; --भवस्थ.

त्रि० (-भवस्थ) छेदना अवस्थां देखे;

अन्तिम अवस्था. अन्तिम भव में रहा हुआ.

चरम शरीरा. (a body) that is for

the last time in a particular

state of existence भग० ३, २;

--वर्गमारत्त. न० (-वर्षागात्र) वैशाखाने

आभर समय. वर्षा ऋतु का अन्तिम समय.

the latter or ending part of

the rainy season. नाया० १;

--समय. पुं० (-समय) छेदना वपन.

अन्तिम समय. last time. क० गं० ६,

८४; भग० १२, ६;

चरित्र. न० (चरित) देखे; यात्र व्यवगत.

चंद्रा; चानचलन. Conduct; behavi-

our. आब० २१; नाया० ६; (२) जन्म

चरित्र-ग्रन्थ. biography; life. राय०

६५; २०१;

चरित्रा-या. स्त्री० (चरिका) शः अने शब्द

वच्येने उदाय प्रमाण रसेतो. किंवा व शहर

के मध्य का आठ हाथ प्रमाण का मार्ग. A

road eight arms in breadth

between a town and the ram-

parts that surround it. भग० ५,

७; ८, ६; नाया० १६; आब० अगुजो०

१३४; सम० प० २१०; निर्मा० ८, ३; जीवा०

३, ३; पणह० १, १; (२) परिवाग्रीडा.

परिवाग्रीडा. a nun. आब० नि० ५६८;

चरित्त. न० (चारित्र) आदि मादनीयता

हाथ ३ हाथोपशमथी उत्पन्न थतो आत्माना

विरति परिष्कार; संयम अनुष्ठान, सदाचार.

चारित्र मादनीय के लिय वा लोपोपशम गे

उत्पन्न होता हुआ विरति परिष्कार; संयम

अनुष्ठान; सदाचार. Right conduct; ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma. टा० १, १; श्रौत० १६; २०; श्रगुजो० १३१; १४७; भग० २, १; २५, ५; नाया० १; २; ५; १०; श्रौत० नि० ६८८; विशेष० ५०; १२३४; वेद्य० १, ४९; राय० २१५; पञ्च० १; पि० नि० ६५; गच्छा० १२३; पंचा० ६, २७; — (सं) अंतर. न० (- अन्तर—अन्यचारित्र्ये चारित्रान्तरं) आश्रित आश्रित परस्पर अन्तर-भेद-वैतर्किकता आशङ्कित. चारित्र चारित्र के अंतर-भेदान्तर देख उपपन्न होता हुई आशङ्का. doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another. भग० १, ३; —अना. पुं० (-आत्मन) आश्रितरूप आत्मा. चारित्र रूप आत्मा. soul as consisting of right (i. e. ascetic) conduct. भग० १२, १०; —आचार. पुं० (आचार) पात्र समिति अने पात्र शुभि अ आश्रितना आचार. पात्र समिति व तीन गुण ये श्रौत चारित्र के आचार. right-conduct consisting of the observance of the १ Samitis and ३ Guptis. टा० २, ३; ५, २; सम० प० १६८; —आराहणा. स्त्री० (-आराधना) आश्रितनी आराधना—अभ्यस्त-सेवन. चारित्र को आराधना-सम्यक् सेवन. proper observance of right-conduct. भग० ८, १०; —इंद्र. पुं० (-इंद्र) यथाभ्यात आश्रितवान्. यथाभ्यात चारित्रवान्. one strictly observing rules of right-conduct. टा० ३, १. —कुसिल. त्रि० (-कुशील) आश्रितने

दूषित अनापनार. चारित्र को दूषित बनाने वाला. (one) that sullies or violates the rules of right conduct. टा० ५, ३; —धम्म. पुं० (-धर्म) आश्रितरूप धर्म. चारित्ररूप धर्म. religion as consisting of right-conduct. टा० १०; —नास पुं० (-नाश) आश्रितना नाश. चारित्र का भंग. violation of the rules of right-conduct. गच्छा० १३२; —पञ्चव. पुं० (-पर्यव) आश्रित पर्यव; आश्रित अत्यन्धि विशुद्धिता अंश विभाग. चारित्र पर्यव; चारित्र के संबंध में विशुद्धि का अंश विभाग. subdivisions of expiation for faults in right-conduct. पि० नि० भा० २८; भग० २५, ६; —पाण. पुं० (-प्राण) आश्रितरूपी प्राण. चारित्रात्मक प्राण. life or vitality as consisting of right-conduct. भक्त० १२६; —पाय-च्छिन्न. न० (-प्रायश्चित्त) आश्रितनी शुद्धि अर्थ अनिआरादिनुं प्रायश्चित्त लेवुं ते. चारित्र को शुद्धि के लिये अतिचारादि का प्रायश्चित्त लेना. act of expiating for faults in right-conduct. टा० ४, १; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) आश्रित वाणी पुरुष. चारित्रवान् पुरुष. a man possessed of right-conduct. टा० ३, १; —पुलाञ्च-य. पुं० (-पुलाक) आश्रितने निःसार अनापनार पुलाक लब्धिवन् साधु. चारित्र को निःसार बनाने वाला पुलाक लब्धिवन् साधु. an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right-conduct. टा० ५, ३; भग० २५, ६; —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) आश्रितरूपे बोध पाभेद. चारित्र रूपसे बोध-प्राप्त. one awake to (i. e. follow-

ing) the rules of right-conduct after knowing them. ठा० ३, २; —बोहि. छा० (-बोधि) आरित्तरूपे धर्मनी प्राप्ति थयी ते. चारित्र रूप से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of religion in the form of right-conduct. ठा० ३, २; —मोह. पुं० (-मोह) जुआ “चरण-मोह ” शब्द. देखो “ चरण-मोह ” शब्द. vide “चरण-मोह ” भग० ८, ८; क० प० २, ३७; ५, २७; प्रव० ६६४; —मोहण. न० (-मोहन) आरित्तने अटकावनार-रोकनार मोहनीय कर्मनी प्रवृत्ति; सोव कपाय अने नवनोदपाय ओ पचीस प्रवृत्ति. चारित्र को रोकने वाला मोहनाय कर्म की पचीस प्रवृत्ति; १६ कपाय और ६ नोकपाय ये २५ प्रवृत्ति. the 16 Kaṣāyas and 9 Nokaṣāyas which hinder the attainment of right-conduct. उत्त० ३३, १०; —मोहणिज्ज. न० (-मोहनाय) जुआ “चरित्त-मोहण ” शब्द. देखो “चरित्त-मोहण ” शब्द. vide “चरित्त-मोहण ” ठा० २, ८; अणुजो० १२७; भग० ५, ४; ८, ८; २०, ७; —मोहणिय. न० (-मोहनाय) जुआ “चरित्त-चाहण ” शब्द. देखो “चरित्त-मोहण ” शब्द. vide “चरित्त-मोहण ” क० गं० १, १७; —लद्धिया. छा० (-लब्धिका) आरित्तनी प्राप्ति. चारित्र की प्राप्ति. attainment of right-conduct. भग० ८, २; —लोग. पुं० (-लोक) सामायिकादि पांच आरित्त रूप लोक. the world or region of the five items of right-conduct viz. Sāmāyika etc. ठा० ३, २; —विणय. पुं० (-विनय) आरित्तनुं स-

अथ प्रक्षरे पालन करुं ते. चारित्र का सम्यक् प्रकार से पालन करना. due observance of the rules of right-conduct. भग० २५, ७; —विराहणा. छा० (-विराधना) आरित्तनुं अपडन करुं ते; व्रतमां लंग पाडवो ते. चारित्र का खंडन करना; व्रत का भंग करना. violation of the rules of right-conduct. सम० ३; आव० ४, ७; —संपरण. त्रि० (-संपन्न) आरित्त-गुण्थी भरपूर. चारित्र-गुण से भरपूर. well-accomplished in right-conduct. भग० २, ५; २५, ७; —संपन्नया. छा० (-संपन्नता) सामायिक आदि आरित्त विशिष्टता. सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता. state of being well-accomplished in right-conduct viz. Sāmāyika etc. उत्त० २६, २, भग० १७, ३;

चरित्ताचरित्त. न० (चारित्राचारित्र) अथ देशे आरित्त अने अथ देशे अचारित्र-अवि रति; विरता विरति; आवडपणुं. एक देश मे चारित्र व एक देश मे अचारित्र-आविरति; विरताविरति; आवकपता. Partial observance (e. g. by a Jain layman) of the rules of right-conduct. भग० ८, २; —लद्धि. छा० (-लब्धि) देशविरति-आवडपणुनी प्राप्ति. देशविरति-आवकत्व की प्राप्ति. Srāvaka-hood; partial observance of the rules of right-conduct. भग० ८, २;

चरित्तावरणिज्ज. न० (चारित्रावरणीय) आरित्तने टांकनार आरित्त मोहनीय कर्म. चारित्र को टांकने वाला चारित्र मोहनाय कर्म. Karma that hinders right-conduct. भग० ६, ३१; —कम्म. न०

(-कर्म) आरित्रते दांकनार कर्म; जेनाथी आरित्रती प्राप्ति थती नथी ते कर्म. चारित्र को दांकने वाला कर्म; जिससे चारित्र की प्राप्ति नहीं होता वह कर्म. Karma that hinders the attainment of right-conduct. भग० ६, ३१;

चरित्ति. त्रि० (चरित्रिन्) आरित्रवाणो; आरित्री; साधु. चारित्रवान; चारित्र्यी; साधु. An ascetic; (one) possessed of right-conduct. अणुजो० १३१; पंचा० ११, ७; गच्छा० २१;

चरिम. त्रि० (चरम) अन्तिम; छेत्तुं. अन्तिम. Last; final. आ० ३८: टा० १, १; भग० १, ७; ३, १; ४: ५, ८; ८, २; १३, १; १४, ४; १८, १; १६, ५; २५, ६; १०: २६, १; ३३, १०; विशेष० ४२४; पि० नि० १३४; सु० च० १, १; क० गं० २, २०; भक्त० ३४; प्रव० १४६; ४६०; ६१२; पंचा० ६, २६; (२) अरम शरीरी अव्यञ्ज्य. चरम शरीरा भव्य जाव. a soul that has its body for the last time i. e. one going to attain to salvation without being re-born. पञ्च० ३; १८; जीवा० १०: (३) पञ्चरात्रसूत्रना त्रीन पदना आनीसभां द्वादशं नाम. पञ्चवगा सूत्र के तृतीय पद के बावीसवें द्वार का नाम. name of the 22nd Dvāra of the third Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० ३; —अञ्जलिकम्म. न० (-अञ्जलिकर्म) छेत्तना प्रणाम. अन्तिम प्रणाम. farewell; final salutation. भग० १५, १; —अंत. त्रि० (-अन्त) पर्यन्त भाग; छेत्तना भाग; पर्यवसान. पर्यन्त भाग; अंत का भाग; पर्यवसान. end; final part. उत्त० ३६, ५६; भग० ६, ३; ३४, १;

विशं० ३७६; जीवा० ३, १; पञ्च० २; —गय. न० (-गय) छेत्तुं गीत; गायन. अन्तिम गीत; गाना. last or final song. भग० १५, १; —चउ. पुं० (-चतुः) छेत्ता चार. अन्तिम चार. last four. क० गं० ४, २३; —दिवस. पुं० (-दिवस) छेत्ता दिवस. अन्तिम दिन. final day. जं० प० ७, १६२; —नट्ट. न० (-नाट्य) छेत्तनुं नाट्य. अन्तिम नाटक. last or final dramatic performance. भग० १५, १; —पाण. न० (-पान) छेत्तनुं (मदिश) पान. अन्तिम (मदिश) पान. final or last drinking of intoxicating wine. भग० १५, १; —पुट्ठी. त्रि० (-पृथ्वी) छेत्ती पृथ्वी; सातवीं नरक. अन्तिम पृथ्वी; सातवां नरक. last earthly abode; the seventh hell. विशेष० ६६२; —भवत्थ. त्रि० (-भवत्थ) भवना अवसान भागमां रहित; मृत्युनी पास पड़ेवत्. भव के अवसान भाग में रहा हुआ; मृत्यु के पास-निकट पहुंचा हुआ. (one) nearing death; one at death's door. भग० ३, २; —समयभवत्थ. पुं० (-समयभवत्थ) भवने छेत्ते समय रहित. भव के अन्तिम समय पर रहा हुआ. one in the last moment of life; one very near to death. भग० ७, १;

चरिमाइ. न० (चरमादि) प्रज्ञापना सूत्रना दशमा पदनुं नाम के जेमा रत्नप्रभा वरिना अरम अथरमनु वल्ल प्रज्ञापना सूत्र के दशवें पद का नाम कि जिसमें रत्नप्रभा इत्यादि का चरम अचरम का वर्णन है. Name of the 10th Pada of Prajñāpanā Sūtra. पञ्च० १; **चरिमुद्देश.** पुं० (चरमुद्देशक) अरमो-

देश-भगवती सूत्रना अेक उद्देशानुं नाम छे.

चरमोद्देशक नामक भगवती सूत्रका एक

उद्देशा. Name of an Uddesā of

Bhagavatī Sūtra. भग० ३५, ६;

चरिय. न० (चरित) आचरण; वर्तन.

आचरण; वर्तन. Conduct; beha-

viour. पंचा० २, ३१; प्रव० ६१४;

चरिय. पुं० (चरिक) वनस्पती विशेष.

वनस्पति विशेष. A kind of Vegeta-

tion. भग० २३, १;

चरिय. न० (चरित) चरित्र-आचार.

चरित्र-आचार. Conduct; behaviour.

प्रव० ६१४;

चरिय निबद्ध. न० (चरितनिबद्ध) ३२

नाटकभानुं ३२ भुं नाटक के णेमां तीर्थकरना

छे कल्याणिकता चरित्रानुं क्यान् आपवामां

आवे छे. ३२ नाटकमें से ३२ वां नाटक कि

जिसमें तीर्थकर के छः कल्याणिक के चरित्रों

का वर्णन किया जाता है. The last of

the 32 kinds of dramatic per-

formances in which is given

an account of the conduct of

the six Kalyāṇikas of a Tr-

thanikara. राय० ६५;

चरियव्व. द्वि० (चरितव्य) आचरया

वायक. आचरण करन योग्य. Worthy

of being practised. भग० ६, ३३;

चरिया. स्त्री० (चर्या) यात्रयुः विदार करवे

ते. चलना; विहार करना. Moving out;

peregrination. मृय १, १, ४, ११;

१, ९, ३०; प्रव० ६८२; (२) धर्या समिति.

ईर्या समिति. carefulness in walk-

ing. भग० ७, १०; (३) यत्रवाणा

परिपह. चलने का परिपह. endurance

of the trouble caused in walk-

ing. भग० ८, ८; प्रव० ६६८; (४)

बिक्षा; गायत्री. भिक्षा; गोचरी.

alms-begging. आव० ४१; —नियट्ट.

त्रि० (— निवृत्त) आलवाथी निवृत्त

थयेव. चलने से जो निवृत्त हुआ है वह.

(one) who has ceased walking.

वव० ४, २२; —परिसह. पुं० (—परिपह)

यात्रवानो-विदार करवाना परिपह. चलने

का-विहार करने का परिपह. trouble or

affliction caused by walking

or peregrination. सम० २२;

—प्रविट्ट. त्रि० (—प्रावट्ट) यत्रवाभां

प्रवृत्त थयेव. चलने में जो प्रवृत्त है वह.

(one) who has commenced

walking or peregrination. वव०

४, २०;

चरु. पुं० (चह) दांडका; पात्र; यज्ञभां

द्वेयेने यज्ञदान आपवानुं पात्र. मटका;

पात्र; यज्ञमें देवोंको बलिदान देनेका पात्र.

An earthen pot or a vessel

in which an oblation is offered

to gods in a sacrifice. आव०

३३; भग० ११, ६;

चरेल्लग न० (चरक) शेषः ७ (३५५)

नी पांभा वाणु पदा. हर्णदार पंखवाला पक्षी.

A bird with downy feathers.

पञ० १;

✓ **चल.** धा० I, II. (चल) यात्रयुः चलना.

To walk; to move.

चलइ. नाया० १; भग० ३, ३; राय० २६६;

जं० प० ५, ११५;

चलेंति. भग० १७, ३; नाया० ८; जं० प०

५; ११३;

चलेंति. नाया० ८;

चल्लिस्संति. भग० १७, २;

चाल्लिस्सु. भग० १७, ३;

चलित्ता; दिस० ५, १, ३१;

चलंत. ओव० २१; नाया० ६;

चल (ले) माए. भग० १, १; १०; ६, ३३;

आया० २, ७, १, १६८;

चालेइ. प्र० नाया० ३; राय० २६६;

चालेति. प्र० नाया० ८;

चालित्ति. प्र० मु० च० २, ५८७;

चालित्तए. प्र० हे० क० नाया० ८; ६;

चालिय. प्र० सं० क० आया० २, १, ६, ३२;

चालिजइ. प्र० क० वा० मु० च० ४, २८;

चल. त्रि० (चल) यावतुं; अस्थिर. चलता हुआ; अस्थिर. Moving; unsteady. भग० ५, ४; १३, ४; १६, १; नाया० ८; वश० ५५०; ओष० नि० ६; ५१६; सम० प० २३१; —**अचल.** त्रि० (-अचल) यथायथ; अस्थिर. चलाचल; अस्थिर. unsteady; moving; changing. दग० ५, १, ६५; निमी० १३, ७; —**उप-गरण.** न० (-उपकरण) अस्थिर उपकरण. an unsteady implement (e. g. an alms-bowl etc. used by an ascetic). भग० ५, ४; —**चपल.** त्रि० (-चपल) यत्न अनं उपगतवाणं. चल व चपलता युक्त. quick and changing. नाया० ८; —**चित्त.** त्रि० (-चित्त) यत्न धितवाणं. चपल चित्त वाला. fickle-minded; unstable in mind. प्रव० २६०; —**जीव.** त्रि० (-जीव) जेनी श्रुता-पणुण यत्न-अस्थिर छे अयुं (धनुष्य). जिसका जीवा-दोरी चल-अस्थिर है ऐसा (धनुष्य). (a bow) with an unsteady or quickly moving string. ज० प० ३, ४५; —**सत्त.** त्रि० (-सत्त) अस्थिर सत्तवाणो. अस्थिर सत्त वाला. unsteady in mind; unsteady in spirit. ठा० ४, ३; ५, ३;

चलण. पुं० (चरण) यत्न; पग. चरण; पैर.

A foot. भग० ४२, १; अणुजो०

१२८; नाया० १; ९; मु० च० १, ५८०;

ओव० १०; पिं० नि० १८१; जीवा० ३, ३;

ज० प० कप्प० ३, ३६; ४, ६०; भत्त०

१०६; (२) भगवतीनां प्रथम शतकना

दशमा उद्देशानुत्ताम. भगवती के प्रथम शतक

के दशवे उद्देशा का नाम. the name of

the 10th chapter of the first

section of Bhagawati Sutra.

भग० १, १; —**तल.** न० (-तल) पगनुं

तलीयुं. पैर का तला. the sole of a

foot. नाया० ७; —**मालिया.** स्त्री० (-मा-

लिका) पगनुं धरेयुं; (ताल मेली धरेरे).

पैर का आभूषण. an ornament for

foot. जीवा० ३, ३;

चलण. न० (चलन) यावतुं. चलना. Act

of walking or moving. तंदु० भग०

१७, ३; उवा० २, १०१; —**धम्म.** पुं०

(धर्म) यावतुं अयुं छे धर्म जेतो ते.

चलना यहा जिसका धर्म है वह. one

whose duty or nature is to

walk or move. दसा० १०, ८; ६;

चलाणिआ. स्त्री० (चलनिका) साध्वीजुं इठी

पञ्च; जंगीया. साध्वीका कटा वस्त्र; जाधिया.

A waist-cloth used by a nun.

ओष० नि० ६७५; “ जाणुपमाणा चलणी

असंविद्या लंखिया म्मे ” (२) यावतुं.

चतनी. a sieve. प्रव० ५३७;

***चलणी.** स्त्री० (चलनी-चलनं चरणं तत्प्रमाणं

कर्दमश्चलनी) पगपुंमे तेइयो डाइव. पैर

गड जाय उतना कंचड. Mud just

reaching the ankles; knee-deep

mud. प्रव० ५४१; जीवा० ३, ३; भग०

७, ६; ज० प० २, ३६;

चलिय अ. त्रि० (चलित) यथायमान

थयेव. जो चलयमान है वह. Moving; moved; stirring; quick. कप्प० ३, ४३; सम० ६; भग० १, १०; ६, ३३; नाया० १; ८; १३; जं० प० ५, ११५; २, ३३; ५, ११२; ३, ५८; —करण. त्रि० (-करण) चलता (दलता) छे कान वरना ओषे। जिसके कान चलते (हिलते) हैं वह. (one) whose ears are moving or shaking. नाया० ८; —कम्म. त्रि० (-कर्मन्) चलायमान थयेव उर्म. जो कर्म चलायमान है वह. Karma which has become quick or which has commenced its motion. भग० १, १; —रस. त्रि० (-रस) वरेना रस व्यक्त थये। देय अगरी गये। देय ते. जिसका रस चलित हुआ हो बिगड़ा हुआ हो वह. (anything, e. g. a fruit etc.) of which the juice has undergone decomposition. प्रव० २४८;

चवचव. न० (*) अनुकरण शब्द. अनुकरण शब्द. An onomatopoeic word; a sound like that of the word (Chavachava). ओष० नि० भा० २८६;

चवण. न० (च्यवन) देवलोह विगरेथी यवयुं भरलु पामयुं; देवता के नारकीयुं भरलु. देवलोक आदिसे पतन होना-मृत्यु को प्राप्त होना; देवता वा नारका को मृत्यु. Death of a heavenly or hellish deity. सु० च० १, १२०; २, १५५; भग० ७, ५; आया० १, ३, २, ११४; १, ७, ३, २०७; राय० ६५; २६३; जीवा० १; कप्प० ५, १२०; —काल. पुं० (-काल) देवताओंको

यवण (भरलु) काव. देवताओं का च्यवन-मृत्युकाल. the hour of death of the gods. नाया० ६;

चवल. त्रि० (चपल) यंयंयः यपय; उताययुं. चंचल; चपल; स्फूर्तिवाला. Wavering; fickle; swift; impatient. जं० ९० ३, ४३; ५, ११५; ७, १६६; उत्त० ६, ६०; श्रौव० १२; २१; सम० प० २३१; भग० ३, १; ११, ११; १५, १; नाया० १; ६; पि० नि० २६२; जीवा० ३, १; पन्न० २; कप्प० ३, ४३;

चवला. स्त्री० (चपला) देवताकी एक प्रकारकी गति. देवता की एक प्रकार की गति. A kind of gait of the gods. राय० २६; आया० २, १५. १७६;

चवलिप. त्रि० (चपलिन) भावय विक्षेप. भाजन विशेष. A kind of pot or vessel. जीवा० ३, ३;

चविया. स्त्री० (चावका) तीष्ण रसवाली अंश वनस्पति. तीक्ष्ण रस वाली वनस्पति. A kind of herb having sharp, pungent juice. पन्न० १७;

चवेडा. स्त्री० (चपेटा) आंगुलीवती यपटी वशादी ते. उंगली में चुटकी वजाना. Snapping the fingers. उत्त० १, ३८; १६, ६८; भग० ३, ७; सु० च० १४, ४०; राय० १८३; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १४१;

चाश्र. पुं० (त्याग) तजयुं; श्रित्युं. त्याग करना; छोड़ देना. Abandonment; giving up. पंचा० २, ४;

चाइ. त्रि० (त्यागन्) त्याग करनेवाला; त्यागी. त्याग करने वाला; त्यागी. (One) who

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

gives up or abandons. भग०
२, १; दसा० २, २;

चाउत्त. न० (त्यागित्व) त्यागी पणुं. त्यागी
पना. Renunciation. सु० च० २, १४;

चाइय. त्रि० (शक्त) शक्तिवन्तः समर्थः.
शक्तिवन्त समर्थ. Powerful; capable.
उत्त० ३२, १६;

चाउकाल. पुं० (चतुष्काल) अ० संध्या अने
अ० मध्यान्ह अ० रात द्विवसमां आर वप्पत.
दो संध्या व दो मध्यान्ह इस प्रकार रात
दिन के चार समय. The four points
of day and night viz. two
twilights, mid-day and mid-
night. निसा० १६, १२;

चाउकाण. त्रि० (चतुष्काण) आर णुयु
वातुं. चार कोन वाला. Four-cornered.
नाया० १३; राय० १३३;

चाउघंट. पुं० (चतुर्घण्ट-चतस्रोघण्टायस्य सः)
अ०ली आरे आनुअं-आरे दिशाभां विजय
स्यथ घंटो अधिपती देय तेयो रथ. त्रिसकां
चारे दिशाआ मे विजय सूचक घंटा बंधा हुई
हो ऐसरथ. A chariot with trium-
phal bells tied on its four
sides भग० ७, ६; ९, ३३; नाया० १,
८; १६; १६; ज० प० राय० २१३;
—आसरह. पुं० (अश्वरथ) आर देइरी
वाली घोडा-आली. चार घंटी वाला अश्वरथ.
a chariot drawn by horses
having four bells. निर० १, १;
नाया० ८;

चाउजातक. न० (चतुर्जातक) तत्त-अ०अली
इशर-भरी-अ० आर वस्तुयुं मिश्रण. दाल-
चिनी, केशर, इलायचा, कार्लामिच-इन चार
वस्तुओं का मिश्रण. A mixture of
four ingredients viz. cinna-
mon, aromaticum, saffron,

cardamom and pepper. जीवा०
३, ६;

चाउज्जाम. पुं० (चतुर्जाम) आर महाव्रत-
सर्व प्राणुतिपात विरमणु, सर्व मृषावाद
विरमणु, सर्व अदत्तादान विरमणु सर्व
परिग्रह विरमणु अ० आर महाव्रतमां श्रमणु-
पणुं नेमां दर्शावुं छे ते धर्म; पय्येना
आवीश तीर्थ-इरेतो धर्म, तेमां आथुं
मेहुणुं विरमणुव्रत पांचमामां समावी
देवाथी महाव्रतली संख्या पांचने अदे
आरनी छे. चार महाव्रत-सर्व प्राणातिपात
विरमण, सर्व मृषावाद वीरमण, सर्व अदत्ता-
दान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार
महाव्रत में धमणवना जिसमें दर्शाया है वह
धर्म; मध्य के बार्इम (२२) तार्थिकरो का धर्म.
उसमें चतुर्थ मेहुणुं विरमण व्रत पांचवे में
समाविष्ट कर देने में महाव्रत का संख्या
पांच के स्थान चार है. that religi-
ous teaching which demon-
strates the asceticism in the
four great vows viz. abstention
from all killing, abstention
from all false-hood, abstention
from acceptance of things not
given and abstention from
stealing; the distinctive
character of the middle
22 Tirthankaras; the fourth
of the vows being included in
the fifth, the number of the
great vows is four instead of
five. सुय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२;
भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ६, ३२; २०,
८; २५, ७; राय० २२१; नाया० १६;
—धम्म. पुं० (धर्म) आर महाव्रतरूप
धर्म. चार महाव्रतरूप धर्म. religious

observance in the form of the four great vows. नाय० १६;

चाउहसिय. त्रि० (चातुर्दशिक) यैहसने दिवसे जन्मेस. चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उवा० २, ६५;

चाउहसा. स्त्री० (चतुर्दशी) यैहस. चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) “ चाउ हसा पसरलि वजेजा अट्टमांच नवमांच ” विश० जांवा० ३, ४; राय० २२५; भग० २, २; ३, २; ३; ७; नाया० २; ६; विवा० १; —चंद्र. पुं० (-चन्द्र) अतुर्दशीनि अंडमा. चतुर्दशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month). नाया० १०;

चाउप्पाय. त्रि० (चतुरपाद) चिकित्साना आर पाया-वसन, विरेचन मर्दन अने स्वेदन. चिकित्साके चार पाये-वसन, विरेचन मर्दन व स्वेदन. the four basic operations of medical treatment; vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) वैद्य, औषधी, दरदी अने सारवार करणारे भाणुस. वैद्य, औषधी, दरदी व सेवा शुश्रूषा करने वाला मनुष्य. the physician, medicine, the patient and who nurses. (३) अज्जन-बन्धन-लेपन अने मर्दन. अज्जन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत० २०, २३;

चाउभाइया. स्त्री० (चतुर्भागिका) यैथो भाग. चतुर्थ भाग; चौथा भाग. The fourth part. राय० २७२;

चाउम्मास. न० (चातुर्मास्य) यैभासु;

आतुर्मास. वर्षा ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season). प्रव० १८३; पंचा० १, १६;

चाउम्मासेय. त्रि० (चातुर्मासिक) आतुर्मासिक; आर भदितासु. (प्रतिक्रमण वर्षेरे). चातुर्मासिक; चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season). नाया० ५; निमी० २०, १३; १६; ४१; वव० १, २; वय० १, ३६; २, १५; —मज्जणय. न० (-मज्जनक) आतुर्मासभां थतो भज्जण भेदोत्सव. चातुर्मास में होनेवाला मज्जन महोत्सव. the great festival of ablu-tion occuring in the four months (of the rainy season). नाया० ८;

चाउर. त्रि० (चतुर) आर; आरती संख्या. चार; चार का संख्या. Four; the number four. ओव० —अंग. न० (-अंग) आर अंग. चार अंग. the four limbs or divisions. विवा० ३;

चाउरगिज्ज. न० (चतुरङ्गिक) उत्तराध्ययनता त्रीन अध्ययननु नाम. उत्तराध्ययन के तृतीय अध्ययन का नाम. Name of the third Adhyayana of Uttara-dhyayana. अणुजा० १३१;

चाउरंगिणी. स्त्री० (चतुरंगिणी) जुअै: “ चउरंगिणी ” शब्द. देखा “ चउरंगिणी ” शब्द. Vide “ चउरंगिणी ” ओव० २६; भग० १, ७; ७, ६; नाया० १; ५; ८; १४; १६; दसा० १०, १; जं० ५०

चाउरअंत. त्रि० (चतुरन्त) नारदी-तिर्य्य-मनुष्य अने देवता अे आर गति छे अन्त-अवयव गेती ते, आर गतिरूप आर अवयव पाणि संसार. नारकी-तिर्य्य-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं अन्त-अवयव जिसकी वह,

चार गतिरूप चार अवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings. उवा० ७, २१८; उत्त० १६, ४६; मय० २, २, ८२; भग० १, १; २, १; नाया० १, २; (२) चार दिशायां चार विभाग युक्त. consisting of four divisions of the four quarters. टा० २, १; (३) त्रय नरक अमुद अने आश्वी हिमालय ये चार देना अन्त पर्यन्त वायु के आश्वी प्रदेश. तीनों तरफ समुद्र व आश्वी हिमालय ये चार जगके अन्त-पर्यन्त भाग है ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himalayas. सम० १; उत्त० ११, २२; —चक्रवर्ति. पुं० (चक्रवर्तिन्) भरतनी चार दिशा पर्यन्त विजय करनार अक्षवर्ती भरत की चारों दिशा पर्यन्त विजय करने वाला; चक्रवर्ती. one who is victorious in the four quarters of Bharata; a sovereign whose dominion extends as far as the ocean. भग० १६, ३; कण्व० २, १५;

चाउरक. पुं० (चाउरक्य) आठ आठ दुध पिनेरथी अनावेन आठ विशेष शकर, गुड, मिश्रा, दूध इत्यादि से बनाया हुआ स्वाद विशेष. A kind of dainty

prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk. जीवा० ३, ३; चाउन्थय. पुं० (चाउन्थक) आश्वी ७५२-८५२. प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर; चौथया ज्वर. Fever recurring on every fourth day. भग० ३, ७;

चाउल पुं० (*) आभा: आरत; भात. चावल: भात. Cooked or boiled rice. आया० २, १, १, ३; पि० नि० भा० १८; दम० ५, १, ७५; पंचा० १०, २३; दसा० ५, २; ६, २; वव० ६, ४; —उदग. न० (-उदक) आभाता धोवाजुनं पाणी. चावल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. “चाउल उदगं बहु पसन्ने” दम० ४, १, ७५; पि० नि० १६५; निमी० १७, ३०; कण्व० ६, २५; —उदप. न० (-उदक) आभाता धोवा शब्द. देखा ऊपरका शब्द. vide above. आया० २, १, ७, ४१; —धावण. न० (-धावन) आभातुं धावु; देना आभा धोया देव ते पाणी चावल का धोया हुआ पाना. the water in which rice is washed. टा० ३, ३; —पिट्ट. पुं० (-पिष्ट) आभातो छोट-आटा. चावल का आटा. the flour of rice. दम० ५, ३, २२;

चाउवगण. न० (चातुर्वर्ण्य) आभट्ट, क्षत्रिय. वैश्य अने शूद्र-ये चार वर्ण. ब्राह्मण. जात्रय, वैश्य व शूद्र-ये चार वर्ण. The 4 casts; viz. Brahman, Kṣatriya, Vaiśya and Śūdra. भग० १५, १; (२) साधु, साध्वी, श्रावक अने श्राविका ये चतुर्विध सध. साधु, साध्वी, श्रावक व श्राविका ये चार

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखे पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz. male and female ascetics and male and female disciples. छा० १०; भग० १६, ६; २०. ८; —आइगण. त्रि० (—आकीर्ण—चत्वारोवणास्तेनाकुलः कीर्णः) चार वर्ण—साधु, साध्वी, श्रावक अने श्राविश्रथी व्याप्त (संघ) चार वर्ण—साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका सं व्याप्त (संघ). (an assembly) consisting of four classes viz. male and female ascetics and male and female disciples. “ समण्यम भगवओ महावीरस्म चाउवन्ना इहे संघे ” छा० १०; भग० १६, ६; २०. ८;

चाउस्सालग. न० (चतुःशालक) चार भात-वातुं भवन. चार मंजल वाला मकान. A four-storied mansion. जं० प० ४, ११४;

चाउस्सालय. न० (चतुःशालक) ऊँआ डिपदे शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जं० प० ४, ११४;

चाग. पुं० (त्याग) त्यज् देवुं ते; त्याग. त्याग. Abandoning; renunciation. पंचा० १०, १४; —रूप. न० (—रूप) त्यज् देवुं प. त्याग रूप. marked by renunciation. पंचा० ४, १३;

चाटुकर. त्रि० (चाटुकार) प्रिय वचन श्रोत-नार. प्रिय वचन बोलनेवाला. Speaking sweet words. आं० ३१;

चाटुकारग. त्रि० (चाटुकारक) ऊँआ डिपदे शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जं० प० ३, ६७;

चाटुयार. त्रि० (चाटुकार) मीट्—मधुर श्रोत-नार. मिष्ट—मधुर बोलने वाला. (One) who speaks sweet words. पगह० १, २;

चाणक्य पुं० (चाणक्य) पाटलीपुत्रना चंद्र-गुप्तसमनो मंत्री के देना बिपर चंद्रगुप्तना पुत्र बिन्दुसारना अभावो थवाथी तेले मंत्रीपद छोडयुं. मायापत्नी अनुजा तह सय आरंभथी निपुत्र थह संथारो देयो. पाटली-पुत्र के चन्द्रगुप्त राजा का भंजा कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र बिन्दुसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उगने मन्त्रापद का त्याग किया माया का अनुज्ञा लेकर सब आरंभ से निवृत्त होकर संथारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pataliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusara, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhāra. “ पाडलिपुत्तमि पुरं चाणको नाम विस्मुयो आर्या मच्चारंभनि-यत्ता इंगिणामरणं अह निवचो ” संथा० ७३; पि० १०० २००; गत० १६२;

चाणूर. पुं० (चाणूर) ओ नामने. एक मज्ज देना इच्छी खयामा पाउदेवे भायो. इस नामका एक मज्ज जिसको कंस की सभा में वासुदेव ने मारा. Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. पगह० १, ४;

चामर न० (चामर) देवताथी पवन नभाय छे. ते चामर आभरी गायना वाणु अतदेव देय छे ते. जिसमें हवा की जाती है वह चमर—चमरा गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चंवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan. जं० प० ४, ७६; ४, ११४; आं० १०; ३१; उत० २२, ११; भग० १, १; ७. ६; ८, ३३;

नाया० १; ३; ५; १६; राय० ४७; प्रव० ४११; कण० ४, ६२; ओघ० नि० भा० ८५; सू० प० १०; पञ्च० ११; विवा० २; —उक्खेव. पुं० (-उक्खेव) आभर धारण करने. चेंबर उड़ाना. waving of Chawri. जं० प० ५, १२२; नाया० १६; —ग्गाह वि० (-ग्गाह) आभर धारण करनेवाला. (a person) who carries a chamara (chawri). जं० प० ३, ६७; निगो० ६, २४; —धार वि० (-धार) आभर धारण करनेवाला; हाथ में चेंबरा रखनेवाला. (one) who holds or carries a chamara in his hand. राय० १६६; —चालवीय-गाया. स्त्री० (चालवीजनिका) आभर अने चेंबरों-पंखा. चेंबर व पंखा a chawri and a fan. भग० ६, ३३;

चामरा. स्त्री० (चामर-चामरञ्च प्राकृत्यवान्) चमरी; आभर. चेंबरा-चेंबर. A chawri. जं० प०

चामीकर. न० (चामीकर) सुवर्ण; सोना. सुवर्ण; सोना. Gold. कण० ३, ३६; अंत० १, १;

चामीयर. न० (चामीकर) सुवर्ण; सोना. सुवर्ण; सोना. Gold. नंदो० स्थ० १२; नाया० ५; सू० च० २, ६३६; जं० प० ३, ४१;

चाय. पुं० (न्याग) त्याग; अभाव. त्याग; अभाव. Forsaking; absence. विशेष० १८४; ४८०; सू० च० १, ३६१; प्रव० ४४१;

चार. पुं० (चार) गच्छ; छुपी पंखी. गुप्त दूत; जासूस. A spy; a secret emissary. पिं० नि० ३७१; सूय० १, ३, १, १५; उवा० १, १०; (२) चन्द्रादिकली गति-त्याग. चंद्रादिक की चाल motion

of the moon etc. जं० प० ७, १३३; १२६; आंव० २५; नाया० २; १६; भग० २, ५; १६, ५; जांवा० ३, ४; (३) सैन्यनुमान-भाष्य करनेवाली कला. सैन्य का मान-अनुमान करने की कला. the art of estimating the strength of an army. आंव० ४०; नाया० १; (४) भ्रमण करनेवाला. भ्रमण करना; फिरना. wandering; roaming. सम० ६; —उपवगणग. वि० (-उपवगण) गति-युक्त. गतियुक्त. possessed of motion. जं० प० ७, १४०; —पुरिस. पुं० (-पुरिस) छुपी अथवा भ्रमण करनेवाला. गुप्त दूत. गुप्त दूत मित्राने वाला. जासूस. a spy; a secret emissary. विवा० ३;

चारअ. न० (चारक) कैदखाना; कारागृह; जेल. कारागृह; कैदखाना. A prison. डा० १, १;

चारण. हे० कृ० अ० (चरितुम्) विचरनेवाला. विचरने के; जाने के. For the purpose of wandering or going. वव० ४, १; १६;

चारग. न० (चारक) आदमी; जन्मेवाले पुरुषवादी अथवा कैदगी. कारागृह-के अंतर्गत को शिजा के निध अंतर्गत कोठडा; कारागृह. A dungeon for confining a criminal; a prison. भग० ११, ११; नाया० १; २; सूय० २, २, ६३;

आंव० ३६; प० १, १; जांवा० ३, ३; कण० ५, ६६; —पालअ. पुं० (-पालक) जेलर. कारागृह का प्रधान अधिकारी. a jailor; the keeper of a prison. विवा० ६;

—बंध्यन. न० (-बन्धन) जेलखाना. बन्धन; जेलखाना पड़ने के. कारागृह का बन्धन. imprisonment. दसा० ६, ४; —भंड. पुं० (भंड)

जेडना (जेडीयो विगेरे) साधन. कारागृह के (बड़ी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc. of a prison. विवा० ६: --वसहि छां० (वसति) जेडभां निवास करवा ते. कारागृहमें निवास करना. confinement in a prison. परह० १, ३:

चारगणगण. न० (चारकश्लक्ष्ण) अ० ६ जलजुं क्षत्रवाजुं वृक्ष. एक जाति का फलवाला वृक्ष. A kind of fruit tree. भग० २२, २: --साला. छां० (शाला) क्षेडभाजुं; जेडभाजुं भेडान. कारागृह. a prison. नाया० २: १४: --सोहण. न० (शोधन) जेडभांथी क्षेडभांते छुटा करवा ते. कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना. releasing criminals from imprisonment. नाया० १:

चारण पुं० (चारण —चरणं गमनं विद्यते येषाम्) चारण लब्धि वाणा साधु. ते जे प्रधारना छे-वन्धाचारणु अने विद्याचारणु, अ० ३ अ० ३ मना तपथी उपजेडपदेवा प्रधारनी लब्धिवाणा साधु अ० ३०८ दुहरे तेरमे इयकवर द्वीपे पड़ेथी शडे. वणातां मेडते शीअरे विसामो लभ थीअं उतपाते मूत्र व० ३०८ अ० ३०८ पड़ेथे; छट् छट्ना तपथी उपजेड थीअं प्रधारनी लब्धिवाणा अ० उतपाते मेडथीअर अने आ० ३ नन्दीश्वरद्वीपे पड़ेथे अने वणातां अ० ३०८ उतपाते मूत्र व० ३०८ पड़ेथे. चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के हेते हैं—जंघाचारण व विद्याचारण, अष्टम अष्टम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लब्धि एक ही मूत्रपत्रमें तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुँच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लेकर द्वितीय उपपात में मूल स्थान पर पहुँच छट् छट् के तपसे उत्पन्न द्वितीय प्रकारकी लब्धिवाला दो उत्पात से मेरु शिखर व अष्टम

नन्दीश्वर द्वीप को पहुँच व लौटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुँचता है. An ascetic possessed of the power known as Chārāṇa Labdhi, which is of two sorts namely Jaṅghā-chārāṇa and Vidyāchārāṇa. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvīpa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning. One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasts, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandīśvara Dvīpa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning. प्रव० ६०४; श्रव० १६; सम० १७; भग० २०: ८; नाया० १३५; विश० ७८०; जंघा० ३, ४; पञ्च० १: --भावना. न० (भावना) चारणु भावना चारणु लब्धि उत्पन्न थाय तेही भावना. चारणभावना: चारण लब्धि उत्पन्न हा ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Chārāṇa Labdhi. वव० १०, ३०: ३१; ३२; **चारणगण. पुं० (चारणगण)** अ० नामने भेदादीर स्वाभोगी अ० ६ गणु. इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of Mahāvira Svāmī. डा० ८;

चारभट. पुं० (चारभट) सुभट. सुभट.

A clever warrior. (२) चार.

तस्कर; चोर. a thief. पगढ़० १, १;

चारि. त्रि० (चारिन) यात्रनारुः; यात्रनारुः स्वभाव वाला. चलने वाला: चलने के स्वभाव वाला. Moving; capable of movement. आंव० २६; ४०; नाया० ४; पि० नि० १७५;

चारि. पुं० (चारि—पशुभक्ष्यविशेषः) आरि; आस. पशु भक्ष्य विशेष; चारा; घांस. Food of beasts; grass पि० नि० २०५; २३८;

चारिय. पुं० (चारिक) आशुस. जामुस; गुप्त दूत. A spy; a secret emissary. आया० २, ४, १. १३४; (२) लड़कियाँ; योद्धा. योद्धा: सुभट. a warrior; a fighter. विश० २३८५; (३) देर; चार. चोर; तस्कर. a thief. पगढ़० १, २;

चारिआ. स्त्री० (चारिका) परित्राजिका: आश्वी. परिव्राजिका: माश्वी. A female ascetic who has renounced the world. आंघ० नि० ५६८;

चारित्त. न० (चारित्र) कर्मनो नाश करने वाला छत्र परिणाम: निश्चय दृष्टि में आत्म स्वभाव अपने व्यवहार दृष्टि में संग्रहानुष्ठान. कर्म का नाश करने वाला एक जीव परिणाम; निश्चय दृष्टि में आत्म स्वभाव व व्यवहार दृष्टि में संग्रहानुष्ठान. The nature of Jiva (soul) which destroys Karma; the nature of self from the stand-point of will and the practice of self-control from the practical, worldly stand-point. उत्त० २८, ३३; नंदी० स्थ० ४;

प्रव० १८; भक्त० ७; आब० १, १; पंचा० ११, २; —**गुण.** पुं० (-गुण) आरित्र-संयमना गुण. चारित्र-संयम के गुण. the characteristics of self-control. गच्छा० १०२; —**युक्त.** त्रि० (-युक्त) आरित्रशी युक्त. चारित्र से युक्त. possessed of self-control. प्रव० ८६६; —**परिणाम.** पुं० (-परिणाम) आरित्रता परिणाम-अध्यवसाय. चारित्र के परिणाम-अध्यवसाय. the thought-activity in relation to right-conduct or self-restraint. पंचा० १. ५०; —**रक्षणा.** न० (-रक्षण) आरित्रन रक्षण करने के. चारित्र का रक्षण करना the guarding of self-restraint. गच्छा० २१;

चारिति. त्रि० (चारित्रिन) आरित्र वागु. चारित्र युक्त. Possessed of self-control. पंचा० ३, ६; प्रव० ७६५;

चारी स्त्री० (चारी) आरि: आस-आर. चारा; घांस (grass). आंघ० नि० २३८;

चारु त्रि० (चारु) सुन्दर: मनोहर. सुन्दर; मनोहर. Beautiful; charming. आंव० १०; भग० ३, १; २; नाया० १; २; ३; ८; दम० ८, ५८; जीवा० ३, ३; कण्ठ० ३, ३३; मू० प० २०; (२) दधीयाद. शस्त्र. a weapon. जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ४; राय० २०४; (३) भरत क्षत्रिय आशु आशीसीना त्रिगुण तीर्थहरना प्रथम गणधरनुनाम. भरत क्षेत्र के वर्तमान जीवीसी के तृतीय तीर्थकर के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the third Tirthaṅkara of the present cycle of Bharata Deśa. प्रव० ३०५; —**गणिका.** स्त्री० (-गणिका) दासी विशेष: सुन्दर वेश्या.

दासा विशेष; सुन्दर वेश्या (नायका गणिका). a beautiful harlot or courtesan. जं० प० —घोस. पुं० (-घोष) सुन्दर शब्द; श्रेष्ठ गर्जना. सुंदर शब्द. श्रेष्ठ गर्जना. sweet voice; a loud roar. कप्प० ३, ३३; —भासि. त्रि० (-भाषिन्) भीक्षुं भीक्षुं श्रेष्ठनार. मांठा मांठा बोलने वाला. speaking sweetly. जं० प० ३, ५२; —चित्त न० (-चित्र) सुंदर चित्र. सुंदर चित्र. a beautiful picture. कप्प० २, १३; —रूप न० (-रूप) सुंदर रूप; श्रेष्ठ आकृति. सुंदर रूप. श्रेष्ठ आकृति. beautiful form. जं० प० ३, ६०; कप्प० ३, ३८; —वेसा स्त्री० (-वेषा) मनोहर छे वेष धेनेवा ऐधी (स्त्री). ऐधी (स्त्री) जिसका पहनाव मनोहर है. a woman with beautiful dress. भग० १, १०; ६, ३३; ११. ; विवा० २ —हार पुं० (-हार) सुंदर हार. सुंदर हार. a beautiful garland. "सहकार चारुहारो " नाया० ६;

चारुपर्ववय. पुं० (चारुपर्वत) ऐ नामोता ऐड पहाड. इस नाम का एक पहाड. Name of a mountain. नाया० ८;

चारु पुं० (चारु) श्रीग्न संबधनाथ तीर्थकरना प्रथम गजुधरनु नाम. नृनाथ संबधनाथ तीर्थकर के प्रथम गणधर का नाम. The name of the first Ganadhara of the third Tirthankara Sambhavanātha. सम० १० २३३;

चारुवंस पुं० (चारुवंश) आरुवंश नामे वनस्पति विशेष. चारुवंश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग० २१, ४;

चारियव्य. त्रि० (चारयितव्य) इथनद्वारा

सम्यग्प्रकारे संचार करावै। ते. कथनद्वारा सम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of narration. भग० ६, ३२;

चारोवचक्रग. त्रि० (चारोपचक्र) चार गति युक्त ज्योतीश्चक्र क्षेत्र-तेमां उत्पन्न थयेव ज्योतीषी देवता. चार गति युक्त ज्यातिश्चक्र क्षेत्र उममें उत्पन्न होनेवाले ज्यातिषा देव. A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisi gods live in four states. ग्र० २, २;

चालण. न० (चालन) सभाधान करवाने शंका करी ते; तर्कविवाद. समाधान करने का शंका करना; तर्कविवाद. Questions and doubts.

चालअ. पुं० (चालक) आसणी. चलनी. A sieve. वव० ६, ८६; विशेष० १००७; (२) स्थानान्तरे अणु ते. स्थानान्तर को लेजाना. removal. पगड० २, ३;

चालणी. स्त्री० (चालनी) धान्य आसणी धान्य को माफ करनेका चलनी. A sieve. विशेष० १४५४; नंदी० स्थ० ४६; संग्र० ८५;

चालिय. त्रि० (चालित) आवायमान करेयु. आनेव. चलायमान किया हुआ; चला हुआ. Moved. राय० १०८;

चाली. स्त्री० (चाली) ऐड गानुं वाद्य यंत्र. एक जाति का वाद्य-वाजित्र-वाजा. A kind of musical instrument. राय० ८६;

चाली. स्त्री० (चत्वारिंशत्) आलीस: ४०. चालीस. Forty; 40. उवा० १०, २७७;

चालीम. स्त्री० (चत्वारिंशत्) आलीस. चालीम. Forty. मू० प० १;

चाव. पुं० (चाप) धनुष. धनुष्य. A bow. ओव० १०; जीवा० ३, ३; राय० १३०;

उवा० २, १०१; जं० प० ३, ९७;

चावित. त्रि० (चावित) प्रालुथी अष्ट द्वे-
वासो आयेव; भारी नायेव. प्राण मे अष्ट
किया गया हुआ; मार डाला हुआ. Des-
troyed; killed. अगुजो० १६;

चावेयव. त्रि० (चर्वयितव्य) अलुथि द्वेवा
येव-आवता आयव. चवेण करने योग्य;
चावेन के लायक. Worthy of being
chewed. उक्त० १६, ३८; नाया० १;
भग० ६, ३३;

चावोगणत. पुं० (चापोन्नत) आपेन्नत नामे
अगीता-भा देवतादनु अष्ट विमान, अना
देवतादी स्थिति अष्टवीसु आशनेपमनी छे.
अष्टेता अष्टवीस पमनादीये आशनेपमना
छे छे, अने अष्टवीस दानर परे अथा दान
छे. चापोन्नत नामक सगरद्वे देवलाक का एक
विमान, इसके देवताकी स्थिति, दक्षिण सागरो-
पम की है. यह देवता इकासवे पक्ष में आगे-
छवास जाता है और उसे इकास हजार वर्ष में
जुधा लगती है. An abode of god in
the 11th region of gods. The
god of this abode lives for 21
Sagaropamas, breathes once in
21 fort-nights and feels hungry
after every 21 thousand years.
सम० २१;

चास. पुं० (चाप) आप; अपेये. चाप पक्षी.
A kind of bird. उक्त० ३४, ५; ओष०
जं० भा० ८४; पगड० १, ९; जीवा० ३, ४;
पक्ष० १; राय० ५१;

चिअ. त्रि० (चित) छट पाया दिअरेथी
अणुपुं. छट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ.
Piled with bricks etc. अणुजो०

१३३;

चिअगा. स्त्री० (चिता) यिता; ये. चिता. A
funeral pyre. जं० प०

चिअत्त. न० (*) मनने प्रेम. मन
का प्रेम. Inner love. जं० प० २, ३१;
दग० ५, १, १७;

चिआअ. पुं० (न्याग) परिअदेता त्याग.
परिअह का न्याग. (giving up of
worldly possessions. (२) सुपात्रमां
आदारादिक आपरा ते; दान. सुपात्र में
आदारादिक का दान देना वह. right
charity; charity or alms to the
deserving persons. सम० १०;

चिइ. स्त्री० (चिति) अष्टनी यिता; येद.
काट का चिता. A funeral pyre. (२)
येव; यिता डार द्वेव समरेड चिन्द.
चैय. चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक
चिन्ह. A sign or mark erected
on the spot where a person is
burnt after death. पंचा० १, ४२;

चिइगा. स्त्री० (चितिका) जुआ " चिइ "
शब्द. देखो "चिइ" शब्द. Vide "चिइ"
जं० प० २, ३३;

चिउग. पुं० (चिकुर) असांथी पीसि रंज
आप देवुं अष्ट द्रव्य-पदार्थ जिस में से
पीला रंग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ. A
kind of substance from which
yellow colour is extracted.
नाया० १; जीवा० ३, ४; पक्ष० १७; राय० १३;

चिचइअ. त्रि० (*) भरेवुं, सणु-
आरेवुं. Adorned. सु० च० ४, ३०८;

चिचिआ. स्त्री० (चिआ) आंयवी; आपवीनुं
अक्ष. हमली; हमली का वृक्ष. A tamra-

rind tree. आया० २, १, ४३; (२)
धासनी अनावरी पु३५; ओ३। घांस का
कृतिम पुरुष. an artificial man
made of hay. सु० च० ४, २८४;
—छिवा. छा० (-छिवा) आंयत्नी
क्षम्य. एक प्रकार की हमला की (बंगड़ी)
चूड़ी. a bangle made of tamar-
rind wood. विवा० ६;

विचित्रिणा छा० (*) आंयत्नी वृक्ष.
हमला का वृक्ष. A tamarind tree.
ओष० नि० २६;

✓चित. धा० I, II. (चिन्त) चिन्तयतु;
आलोचयतु; विचारयतु. चिन्तवन
करना. To meditate; to
think over.

चितइ. नाया० ३;

चितइ. दसा० ६, १५;

चितेमि. पत्र० ११;

चित्तिज. वि० उक्त० २६, ३६;

चित्तिऊण. सं० कृ० विश० १६१; सु० च०
१, २५;

चितिउं. हे० कृ० सु० च० २, ३४५;

चितंत. व० कृ० ओष० नि० ६४८; सु० च०
१, २६४;

चितिजइ. क० वा० सु० च० २, ४५०;

चितिजमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ६;

चितिजेत. क० वा० व० कृ० पंचा० १८;

चितिग. त्रि० (चिन्त) चिन्तयन्तः. चिन्तवन
करनेवाला. (One) who meditates
or thinks over. गच्छा० १२४;

चितण. न० (चिन्तन) चिन्तयतु, चिन्तयन
करेयुं ते. विचारना; चिन्तवन करना. Con-
templation. पंचा० १, ४४;

चितणा. न० (चिन्तन) चिन्तयन करेयुं;
चिन्तवन करना. Contemplation.
अणुक्त० १, १;

चितन. न० (चिन्तन) मनमां विचार
करेयुं ते. मनमें विचार करना. Contem-
plation. आव० १, १;

चितय. पुं० (चिन्तक) विचार करनेवाला.
विचार करनेवाला. One who contem-
plates. नाया० ५; ८;

चिंता. छा० (चिन्ता) चिन्ता; द्वि३२; मननी
व्यग्रता. चिन्ता; मनकी व्यग्रता. Dis-
traction of mind; anxiety. ओष०
२१; मृग० १, १, २, २४; अणुजो० १३८;
भग० ३, २; नाया० १; १२; १६; नंदा०
३१; पंचा० ७, २८; उवा० १०, २५५; राय०
२५३; —आउर. त्रि० (-आनुर) चिन्तामां
ग्रस्त थयेयो. चिन्ताग्रस्त. anxious; dis-
tracted. सु० च० ४, २००;

चिन्तायर. त्रि० (चिन्तापर-चिन्तनं चिन्ता
सैव परमा प्रधाना यस्य असौ चिन्तापरः)
द्वि३२मां तत्परः चिन्तायाणां. चिन्ता युक्त.
Anxious. उक्त० १४, २२; —सुमिण.
न० (-स्वप्न) चिन्ताधी स्थानुं जायतुं ते.
चिन्ता में स्वप्न दर्शन करना. dream
through anxiety. भग० १६, ८;
—मोगसागर. पुं० (-शोकसागर)
चिन्ता रूप शांतिना समुद्र. चिन्ता रूप शोक
का समुद्र. the ocean in the form
of anxieties. निर्मा० ८, ११;

चिन्तामणि. पुं० (चिन्तामणि) सर्व भिक्षा
पूर्ण करनेवाला मणि; चिन्तामणि २८. सर्व
इच्छाओं का पूर्ण करने वाला मणि; चिन्ता-
मणि रत्न. A wish-fulfilling gem.

पंचा० ३, ४६; भक्त० १६७;

चिन्तिय-अ. त्रि० (चिन्तित) चिन्तित्वेयं
चिन्तन किया हुआ. Contemplated.
जं० प० ३, ५३; ओव० ३३; भग० २, १;
३, २; ६, ३३; नाया० १; १७; १३; १४;
१६; अंत० ३, ८; कल्प० २, १६; ४, ८६;
उवा० १, ६६; राय० २, ४;

चिन्ह. न० (चिन्ह) चिन्हः लक्षणः निशानी.
चिन्हः लक्षणः निशान. Symbol; in-
signia; mark. ओव० २२; नाया० ८;
१६; भग० ७, ६; सु० च० १, ३३; २,
६१२; विशेष० २०६०; पंचा० १५, ४६;
प्रब० १६६; पञ्च० २; जं० प० — **झया.**
छा० (-ध्वजा) चिन्हायणी ध्वज. चिन्ह
युक्त ध्वजा. a flag bearing a
symbol. नाया० १६; — **पट्ट.** पुं०
(-पट्ट) यादः आस आगम्यानी निशानी
वागे पट्टा. चांद; बिल्ला: खाम पहिचान
करन के चिन्ह वाला पट्टा. medal; sign;
mark. नाया० १; राय० २०४; पगह०
१, ३; — **पुर्गस.** पुं० (-पुरुष) दाही-
मूलावाले पुरुष; पुरुषना चिन्हायणी पुरुष.
दाही- मूळ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला
पुरुष. a person having the marks
of a man viz. beard, mustaches
etc. डा० ३; १;

चिकण. त्रि० (चिकण) चिक्काशयाकुं. चिक-
नाई वाला. Sticky. भग० ६, १; १६,
४; दस० ६, ६६; तंदु० पगह० १, १;
वि० नि० ६६;

चिक्कखल्ल. न० (चिक्क-कईम) धीयः; दाहः.
काँचड. Mud. अणुजा० १३१; स्य० २,
२, ६६; ओघ० नि० ७३६; पगह० १, १;

३; पञ्च० २; दसा० ६, १;

चिक्किल्ल. पुं० (*) पग खुटं तेडला
- दाहयवागे भाग. पैर गड जांय उतने काँचड
वाला मार्ग. The path having some
mud. भग० ८, ६; ओव० २१; सस० ११;
ओघ० नि० भा० ३३; पगह० १, ३;

✓ **चिगिच्छु.** धा० I. (कित) चिक्कित्सा
करती; रोगनी परीक्षा करती. चिक्कित्सा करना;
रोग की परीक्षा करना. To diagnose.
चिगिच्छु. उत्त० १६, ७६;

चिचिक्का. स्त्री० (चिचिक्का) वाद्य विशेष.
वाद्य विशेष. A kind of musical
instrument. नाया० ८८;

✓ **चिट्टा.** धा० I, II. (स्था-तिष्ठ) उभा
देवुं; स्थिति करती. खड़ा होना; स्थित होना.
To stand; to stay.

चिट्टा. भग० १, १२, १; १०; नाया० १; ६;
१४; १६; उत्त० १०, २; स्य० १,
१, ४, ८, ओव० १६, ४२; सु०
च० २, ४२५; जं० प० १, २३;

चिट्टा. नाया० १; ४; ११; १५; १७;
भग० ३, ७; ५, ३; १८, ३; पञ्च० २;
सु० प० १८; जं० प० ५, ११३; ११२;

चिट्टमि. नाया० १;

चिट्टामि. भग० २, १;

चिट्टामो. नाया० ८; १६; स्य० २, ७, १५;

चिट्ट. वि० उत्त० १, १६; दस० ४, ८;
ओघ० नि० ६;

चिट्टिज्जा. वि० भग० ११, १०, दस० ८, ११;

चिट्टेज्जा. वि० पञ्च० ३६;

चिट्टेज्जा. वि० भग० ३, ५, १५, १; दस० ४;

चिट्ट. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

चिट्टह. आ० विवा० १; नाया० ३, ८; ८;

* जुम्मे पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

१५; १६; राय० २५१;

चिह्नेह. आ० नाया० ८;

चिह्निस्सामि. वव० ४, १८; नाया० १६;

चिह्निस्सामो. नाया० ६; भग० १०, ३;

चिह्नु. नाया० १६;

चिह्निष्ण. हे० क० भग० ५, ४; ७, १०;

१३, ४, १७, २; वेय० १, १६; ३, १;

चिह्निष्ण. हे० क० नाया० १;

चिह्नत. व० क० भग० १, १; २, १;

चिह्निष्ण. व० क० भग० १, ३; ३, ३;

उत्त० २, २१; दम० ४, २, ५, १,

२७; पंचा० १, ५०;

चिह्निष्ण क० वा० आ० नाया० ६;

चिह्नु. अ० (भृशम्) धृज्; अत्यंत. बहुत;

अत्यंत. Very; much. आया० १, ४, २,

१३२;

चिह्नु. न० (स्थान) उभा रंष्टुं ते.

उपस्थित होना. The act of standing.

प्रव० १४६;

चिह्ना. स्त्री० (चेष्टा) हाथ वर्गरेनीं चेष्या

करेती ते. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना.

Gestures by means of hands

etc. भग० ७, ६; पि० नि० २२२; विशे० १७५

चिह्निष्ण-य. न० (चेष्टित) चेष्या; सविदार

अंग प्रत्यंग भरीयां-करेती ते. चेष्टा; सविकार

अंग प्रत्यंग मराइना इत्यादि. (Gestures

of the body. भग० ६, ३३; ज्ञावा० ३, ३;

नाया० १; जं० ५०

चिह्निष्ण. न० (चेष्टित) जुष्टो " चिह्निष्ण "

शब्द. देखो " चिह्निष्ण " शब्द. Vide

" चिह्निष्ण " सू० प० २०;

चिह्निष्ण. न० (स्थानव्य) उभा रंष्टुं

तेष्ये. खड़े रहना चाहिये. Ought to

stand. भग० १८, २; नाया० १;

चिह्निष्ण. त्रि० (स्थित) स्थिर रंष्टुं. स्थिर

रहा हुआ. Steady; firm. विशे० ३०६८;

चिह्निष्ण. त्रि० (स्थान) उभा रंष्टुं. उभा

खड़ा रहने वाला. (One) who stands.

भग० ३३; दसा० २, ३; ४; ५; ६; ७; ८;

९; ३, ३२; ३३;

चिह्नक. पुं० (चटक) अक्षर. एक जाति का

पक्षी. A kind of bird. पग० १, १;

चिह्नगा स्त्री० (चटका) अक्षर; स्त्री.

चिह्नगा. A sparrow. पग० १;

चिह्न. धा० I. (चिज्) अक्षर; करेती;

संग्रह करेती. एकत्र करना; संग्रह करना.

To collect.

चिह्निष्ण. इ. पि० नि० ६६;

चिह्न. उत्त० ३२, ३३; भग० १, ७;

चिह्निष्ण. भग० २, ५; पग० १४; ठा० २,

४; ४, १;

चिह्निष्ण. ठा० ४, १;

चिह्निष्ण. सु० च० ८, २२८;

चिह्निष्ण. पग० १४; ठा० ४, १,

चिह्निष्ण. भग० ६, ३; १६, ३; २५, २;

चिह्निष्ण. त्रि० (चिह्निष्ण) अक्षर; करेती; अक्षर

करेती संग्रह किया हुआ; एकत्रित किया हुआ.

Accepted; collected. भग० १६,

३; पंचा० १६, ४६;

चिह्निष्ण. त्रि० (चिह्निष्ण) चीनदेशमां उत्पन्न

अक्षर. चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह.

Born or produced in China

country. निर्मा० ७, ११;

चिह्न. न० (चिह्न) निशान; चिह्न. निशान;

चिह्न. Mark; sign; symptom.

नाया० १; —पट्ट. त्रि० (—पट्ट) चांद;

आय निशानी युक्त पट्टा वादी. चांद;

विशेष निशाना युक्त; पट्टे वाला. a badge

bearing a special mark. नाया० १;

चिति. स्त्री० (चिति) शिता; चिह्न. शिता.

Funeral pyre. पग० १, १;

चिति. स्त्री० (चैत्य) शिता उपरंतुं २५२३.

चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre. पंचा० २, १६; ८, ३२;

चित्तिय. न० (चैत्य) ऋग्यो "चित्ति" शब्द. देखो "चित्ति" शब्द. Vide "चित्ति" राय० २१६: —मह. पुं० (—मह) चैत्य-भेदोत्सव. चैत्य महोत्सव. a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre. राय० २१६:

✓ **चित्त.** धा० I. (चित्) चित्र इत्यतः चित्र-रयुं. चित्र चित्रना. To picture; to portray.

चित्तेह. नाया० ८:

चित्तेह. आ० नाया० ८:

चित्तता. सं० कृ० नाया० ८:

चिन्त. न० (चित्त) चित्तः अंतःकरणं; मनः. चित्तः मनः अन्तःकरण. Mind; heart. अणुजा० ३५; मय० १, १, २, २९; सम० १०; उक्त० ८, १८; ओव० ११; भग० २, १; ३, १; नंदा० स्थ० १३; राय० २१; पञ्च० २; दसा० ६, २८; २७; नाया० १; नाया० ध० वि० १८३; पंचा० १, १७; भक्त० १४८; (२) पुं० चित्त नामना मुनि के गेजे अन्नदत्त यक्षवती नी साथे भाई रूपे देवता अन्न साथे भगवत् दत्ता पूर्ववत् प्रीति थी चित्तमुनि तथा पक्षी अन्नदत्तने समान्यता यक्षी प्राणीश इति पक्षु विषयलुब्ध अन्नदत्तने भिक्षु न लाये। चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चक्रवर्ति के साथ साथ भ्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि हानेके पश्चात् पूर्वभवोंकी प्रीति के कारण ब्रह्मदत्त का सममानकी बहुत कोशिश की परंतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध का प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless. उक्त० १३, २; ६; (२) परदेशी राजनेता सारथी के गे राजनेता भेड़ा (बाध) यत्ना दत्ता अंत गेजे परदेशी राजनेता देशीस्वामी द्वारा धर्म प्रसाधना तेनुं नाम. प्रदेशी राजा के सारथी जो कि रिश्ते में राजा के बड़े भाई थे और जिसने प्रदेशी राजा को केशी स्वामी द्वारा धर्म दिलाया-धारण कराया. the charioteer of king Pradesi and also his elder brother. He initiated king Pradesi into religion through Keshiswami. भग० १८, २; १०; राय० २०९; निर० १, १; (४) अन्न; चित्त. जांव; चेतन. life; soul; vitality. पञ्च० २८; (५) ज्ञान. ज्ञान. knowledge. दसा० ५, ४१: —अणुय. त्रि० (—अनुग) भीमना-आचार्य ना चित्तने अनुसरी वर्तमानः स्वच्छंदचारी नदि ते. आचार्य के चित्त को अनुसरता हुआ जो आचरण करता है वह: स्वच्छंदचारी नहीं है वह. (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor. उक्त० १, १३: —चमक. न० (—चमकृति) चित्तने चमकृतिः मनसां आश्चर्यं ७१७१ ते चित्त का चमत्कार; चित्त में आश्चर्य उत्पन्न होना. extra-ordinary things of mind. गच्छा० ७४: —णाम्न. पुं० (—न्यास) भक्तने न्यास; ध्यान आपयुं; विचारयुं ते. चित्त का न्यास; ध्यान देना; विचार करना. meditation; contemplation. पंचा० १, ६६: —थेज्ज. न० (—स्थैर्य) भक्तनी

स्थिरता. चित्त की स्थिरता. calmness or peace of mind. पंचा० २, ७; —**वद्धण**. त्रि० (-वर्धन) चित्त-ज्ञानने वधारनार. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा० ६, ३१; —**विगणास**. पुं० (-विन्यास) मननो विन्यास-रश्चर चित्ते चित्त-वृत्तुं ते. चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तन करना. meditation with calmness of mind. पंचा० १, ४७; —**विभ्रम**. पुं० (-विभ्रम) चित्तविभ्रम; भ्रष्टा. चित्तविभ्रम; पागलपन. derangement of mind; insanity; madness. आष० नि० ६८८; —**संभूय**. पुं० (-संभूत) चित्त अने संभूत-नामना अं भुनि. चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि. two sages named Chitta and Sambhūta. उत्त० १३, ३; —**समाहित्र**. त्रि० (-समाहित) चित्त (ज्ञान) में सावधान. चित्त (ज्ञान) में सावधान. attentive or awake to knowledge. दम० १०, १, १; —**समाहित्राण** न० (-समाधिस्थान) चित्त की समाधि स्थान. चित्त की समाधि का स्थान. a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा० ५, १; २; ३; १६;

चित्त. न० (चित्र) चित्तरामयु; ७११; द्वे; चित्र. चित्रकाम; चित्र; तस्वार. Picture; portrait. नाया० १; भग० १४, ६; अणुजो० १०; पञ्च० २; राय० ४३; ओव० सू० प० २०; विशे० ४६०; विवा० ६; निसी० ५, ३१; तंडु० (२) त्रि० विचित्र; नाया प्रक्षरतुं. विचित्र; विविध प्रकार का. varied; wonderful; several; distinct. कण० ३, ४२; गच्छा० ११२; पंचा०

५, २; भग० १६, ६; उत्त० ६, ११; ३०, १०; राय० ८१; विशे० ३८७; (३) पुं० चित्तरो; अंक जंगली मांसाहारी पशु. चीता; एक जंगली मांसाहारी पशु. leopard; a carnivorous or flesh-eating beast. आया० २, १, ४, २७; नाया० ८; (४) आश्चर्यकारी; नया अद्भुत. आश्चर्यकारक wonderful; uncommon. पञ्च० २; कण० ३, ३७; पंचा० ५, २; (५) चित्र नामना अंक पर्वत. चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग० १४, ८; (६) वेणुदेव अने वेणुदाति छंदना लोकपालतुं नाम. वेणुदेव व वेणुदाति इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the god of Venudeva and Venudali Indra. ठा० ४; १; (७) भूतानेन्द्रना प्रथम लोकपालतुं नाम. भूतानेन्द्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapala of Bhūtānendra. भग० २, ८; १०, ५; —**कम्म**. न० (-कर्मन्) चित्रतुं (चित्रितवान्) काम. चित्र-काम. a pictorial work. आया० २, १२, १७१; भग० ११, ११; नाया० १; १३; पि० नि० भा० ७; पि० नि० ४४६; निसी० १२, २०; कण० ३, ३२; —**कार** पुं० (-कार) चित्र करनेवाला; चित्रारो. चित्रकार. painter; draftsman. अणुजो० १३१; —**घरग**. न० (-गृह-क) चित्रितुं घर; रंगीत घर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह; रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures. उत्त० ३५, ४; राय० १३६; —**ताण**. पुं० (-तान) चित्र विचित्र ताणु; -वस्त्रना धागो तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्त्र का लेबा तंतु. a variegated or parti-coloured thread; a long

thread of a cloth. भग० ११, ११;
—**दंड**. पुं० (-दण्ड) रंगीली लाकड़ी.
रंगी हुई लकड़ी. a painted stick.
भग० ६; ३३; —**पत्तञ्ज**. पुं० (-पत्रक)
चित्रपत्रक; चित्रविचित्र पांखवाला
आधुनिक चित्रपत्रक; विचित्र पांखवाला
चतुर्विन्दिय जीव विशेष. a kind of four-
sensed living-being with parti-
coloured wings. उत्त० ३६, १४७;
—**पद्मजुय**. त्रि० (-पद्मयुक्त) विचित्र
पद्मयुक्त. पद्मयुक्त; विचित्र पद्मवाला. (one)
possessed of wonderful feet.
पंचा० १६, ३६; —**प्रहार**. पुं० (-प्रहार)
आपआ पड़नेवाला विचित्र प्रहार-मार.
आपआ पड़नेवाला विचित्र प्रहार-मार. a won-
derful stroke or blow of a lash
etc. नाया० १७, —**फलक**. न० (-फलक)
चित्रनुं पालीयुं. चित्र का तख्ता. a paint-
ing-board or sheet “ चित्तफलक
हत्यागण ” भग० १६, १; नाया० ८;
—**भित्ति**. स्त्री० (भित्ति) चित्ररेख भित्ति.
चित्र से सज्जित भित्ति. a pictured wall.
दम० ८, ५५; —**माणंदिय**. त्रि० (-आन-
न्दित) नंदनं चित्त आनन्दयत्युं छे ते;
प्रसन्न भनवायुं. जिसका चित्त आनन्दयुक्त हो
ऐसा: प्रसन्न चित्त. (one) possessed
of jolly or gay mind. नाया० १;
जं० प० ३, ४३; —**माला**. स्त्री० (-माला)
विचित्र माला. विचित्र माला. a variaga-
ted garland. “ सोहंत विकसंतचित्त-
माला ” दसा० १०, १; —**रयण**. न०
(-रत्न) चित्ररत्न-विचित्र रत्नतना रत्नो.
चित्ररत्न-विचित्र जाति के रत्न. various
kinds of jewels. भग० ६, ३३;
—**रयहरण**. न० (-रजोहरण) चित्र
विचित्र रजोहरण. चित्र विचित्र रजोहरण.

a wonderful broom-stick. गच्छा०
१२१; —**रूप**. न० (-रूप) विचित्र रूप.
विचित्र रूप. a wonderful appear-
ance or form. गच्छा० ११२; —**वि-
चित्तपक्ष्म**. पुं० (-विचित्रपक्ष्म) चित्र
विचित्र पांखवाला; द्वयक्षो. चित्र विचित्र
पंखवाला. (one) possessed of parti-
coloured wings भग० १६, ६;
—**वीणा**. स्त्री० (-वीणा) विचित्र
वीणा-सतार. विचित्र बाना (वाणा)
सितार. a wonderful guitar with
six strings. राय० ८८; —**सभा**. स्त्री०
(-सभा) चित्रवादी-आश्चर्यकारी सभा.
चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extra-
ordinary meeting. पि० नि० ८०;
नाया० ८, १३; —**शाला**. स्त्री० (-शाला)
चित्रामल शिष्यावादी शाला; चित्रशाला.
चित्रकाम मांखन की शाला; चित्रशाला.
a school of arts or painting.
जावा० ३, ३;

चित्त. पुं० न० (चैत्र) चैत्र महिना. चैत्र
मास. Name of a Hindoo month
called Chaitra. उत्त० २६, १३; नाया०
५; भग० ११, ११; आध० नि० २८३; जं०
प० २, ३३; ५. ११५; ५, १२०; कण्ठ० ४,
६६; ७, २०८;

चित्तउत्त. पुं० (चित्रगुप्त) चित्रगुप्त जम्बू
द्वीपवासी भरतखण्डवासी धनार १६वां तीर्थंकर.
चित्रगुप्त-जम्बूद्वीप के भरत खंड में होने
वाले १६वें तीर्थंकर. The 16th
would-be Tirthankara in
Bharata Khanda of Jambu
Dvipa. सम० प० २४१;

चित्तंग. पुं० (चित्रांग) रंग भेरेगी धुन
आपनार-उदय धुन. विविध रंग के फूल
देनेवाला-कल्पवृक्ष. (One) yielding

flowers of various colours; a desire-yielding tree. सम० १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३; प्रव० १०८१; (२) यितरानी ऐक गत; हिंसक पशुनी ऐक गत. एक जाति का चीता; हिंसक पशु का एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast. पञ्च० १;

चित्तकट्टर. न० (*) सुंउसानुं नीयजुं तणीयुं (चित्त-सुंउलो-६३२-६३६). टोकरी के नीचे का तला; चित्त-टोकरी-कट्टर-टुकड़ा. Lower part of a basket. अणुत्त० ३, १;

चित्तकण्णा. स्त्री० (चित्रकनका) विदिशाना रुचक पर्वत उपर रहेतारी यार दिशाकुमारी-कामांती श्रीष्ठ. विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी. The second of the four Diśākumārīs living on the mountain called Ruchaka of Vidiśā. जं० प० ५, ११८; (२) लगवन्तना जन्म समये दीवी लक्ष्मी उभरी रहेती ऐक विद्युत्कुमारी. भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खड़ी रहने वाला एक विद्युत्कुमारी. a Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tirthāṅkara's birth. ठा० ४, १;

चित्तकूट. पुं० (चित्रकूट) कच्छ विजय की पूर्व सरहद उपरतो वखारा पर्वत. कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain on the eastern boundary of

Kachha Vijaya. जं० प० ६, १२५; (२) देवकुरु क्षेत्रमां निषध पर्वतथी ८३४ जेज्जनने सातीया यार लाग उत्तरे सीता नदी ने पूर्व ओं आवेक ऐक पर्वत. देवकुरु क्षेत्र में निषध पर्वत से ८३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sitā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Nisadha mountain in Devakuru Ksetra. जं० प० (३) जम्बू द्वीपना मेथी पूर्व दिशाभां पड़ेती, सीता मदानदीना उत्तर ओं ओपरतो ऐक वखारा पर्वत. जम्बू द्वीप के मेह से पूर्व दिशा में पहिली सीता मदानदी के उत्तर किनार ऊपर का एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river Sita in the east of Meru mountain of Jambu Dvīpa. ठा० ४, २;

चित्तग पुं० (चित्रक) यितरेश; पशु विशेष. चीता; पशु विशेष. A leopard; a kind of brute. जं० प०

चित्तगर. पुं० (चित्रकर) यितारेश यित्रकर-नार. चित्रकार. A painter. नाया० ८;

—**दारय.** पुं० (—दारक) यितारतो पुत्र. चित्रकार का पुत्र. a painter's son. नाया० ८; —**लक्षि.** स्त्री० (—लक्षि) यित्र आवेभवानी शक्ति. चित्र का आलेखन करने की शक्ति. power or capacity

of drawing picture. नाया० ८;

—सेशि. ब्री० (-श्रेणी) यिताराओनी पंक्ति. चित्रकारों की पंक्ति. a line of painters. नाया० ८; —चित्तगुप्त. पुं०

(-चित्रगुप्त) चित्रगुप्त नामे भरत क्षेत्रमां आतनी चारीसीमां थनार १६मा तीर्थक्षर.

चित्रगुप्त नामक. भरत क्षेत्र में आगामां चौवासी में होने वाले १६ वें तीर्थकर.

Chitrugupta, the 16th of the 24 would-be Tirthankaras of

Bharat Ksetra. प्रव० २४३: १७१;

चित्तगुप्ता. ब्री० (चित्रगुप्ता) यमरेन्द्रना

लोकापालनी तीर्थ अग्रमहिषी देवी. चमरेंद्र के लोक पालकी तृतीय अग्रमहिषी देवी.

The principal queen of the 3rd Lokapala of Chamurendra.

ठा० ८, १; भग० १०, २; (२) दक्षिण दिशा

द्विष्टा दिश्याद पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा

दिशाकुमारीश्रीमां नी आतनी. दक्षिण दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा

कुमारों में से सातवां. the seventh of the eight Disā Kumaris resi-

ding on the Ruchaka mountain of the southern direction. जं० प० ११४:

चित्तगण. पुं० (चित्तज्ञ) भूतों को जाननेवाला.

(One) who reads the heart. विशे० ६३५;

चित्तपक्ख. पुं० (चित्रपक्ष) वेणुदेव अने

वेणुदाती इन्द्रना लोकापालनं नाम. वेणुदेव व वेणुदानी इन्द्र के लोक पाल का नाम.

Name of the Lokapala of Venudeva and Venudali

Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८; (२) चार इन्द्रियवाले

एक जीव. a four-sensed living

being. पञ्च० १;

चित्तमंत. त्रि० (चित्तवत्-चित्तं जविलक्षणं

तदस्यास्ति) सचित्त; अथवा यस्तु. सचित्तः सजाव वस्तु. A living being or

thing. उत्त० २५, २८; मृग० १, १, १, २; आया० १, ५, ३, १४८; सम० २१;

दमा० २, १८; दम० ४; ६, १४; निमी० ७, २२;

चित्तरस. पुं० (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा

मधुराः संपद्यंते यस्मात्) विचित्र रसना

वाग्वत्. आद्य पदार्थ आपणुत्. इष्टपत्र. विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला

कल्पवृक्ष. A tree yielding eatables and diet of various tastes. प्रव०

१०८१; सम० १०; ठा० ७, १; जावा० ३, ३;

चित्तल. पुं० (चित्रक) जंगली पशु; चित्तरे.

जंगली पशु; चीता. A wild beast; a leopard. जावा० ३, ३; (३) त्रि० विचित्र

रंगयुः कल्पयितुं. विचित्र रंगका; कबरा. variagated; parti-coloured.

गच्छा० १२०; ---अंग. त्रि० (-अङ्ग)

शायरचित्ता अंगवाणु. कबरे अंगवाला (one) having various colours. जं० प० २, ३६; भग० ७, ६;

चित्तलय. त्रि० (चित्रक) रंग भेदगी;

अनेक रंगयुं. विविध रंगका; अनेक रंगका. Of various colours. ओष० नि० ७३५;

चित्ताल. पुं० (चित्रालिन) मुकुलि

सर्प चित्तल- नामधी जोगअय छे. मुकुलिन सर्प कि जो-चित्तल- नाम से पहि-

चाना जाता है. A kind of serpent. पञ्च० १;

चित्ता. ब्री० (चित्रा) चित्रा नामयुं नक्षत्र.

चित्रा नामक नक्षत्र. A constellation of this name. “ दो चित्ताओ ” ठा०

२, ३; अणुजा० १३१; सम० १; ठा० १,
१; नाया० १; सू० प० १०; कप्प० ६, १६६;
(२) पहेला देवलोकना ईन्द्र-शक्रना लोकपाल
भोमनी त्रीण पट्टराणी. पहिले देवलोक के
इन्द्र-शक्र के लोकपाल सोम की तृतीय पट्ट-
रानी. the third principal queen
of Soma, the Lokapāla of Śakra,
the Indra of the first heavenly
region. ठा० ४, १; भग० १०, २; (३)
लगयंतना जन्म वपते दीपे लहने उभो
रहेनार ऐक विद्युत्कुमारी देवी. भगवन्त के
जन्म समय दांपक लेकर उर्पास्थत रहनेवाली
एक विद्युत्कुमारी. a heavenly dam-
sel who stands with a lighted
lamp held in a hand at the
birth time of a Tirthankara ठा०
४, १; (४) विदिशाना रुचक पर्वत उपर
रहेनारी चार दिशा कुमारीमांकी पहेली.
विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली
चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first
of the four Disakumārīs resi-
ding on the Ruchaka mount
in an oblique direction. जं० प०
७, १५५; ४, ११४;

चित्तामूलय. पु० (चित्रमूलक) नीच्या रस-
वाणी ऐक वनतनी वनस्पति. तांदूण रस-
वाली एक जाति की वनस्पति. A kind
of vegetation having pun-
gent taste. पन्न० १७;

चित्रार. पुं० (चित्रकार) चित्तारो. चित्रकार;
चित्तारो. An artist; a painter.
पन्न० १;

चित्ति. त्रि० (चित्रित्र) चित्रधार; चित्तारो

चित्रकार. An artist; a painter.
क० गं० १, २३;

चित्तिअ-य. त्रि० (चित्रित) चित्तरेखुं.
चित्र काम कियाहुआ. Pictured; paint-
ed. कप्प० ३, ३२; भत्त० १०६;—तल-
न० (—तल) चित्तरेखुं तलीयुं. चित्र काम
किया हुआ तला. a painted floor.
कप्प० ३, ३२;

चित्र. वि० (चीर्ण) आचरेल; पायेल.
आचरण किया हुआ; पाला हुआ. Adopt-
ed. सुय० १, ३, २, १८; पि० नि० २६७;
(२) जेमां ऐक वपत जयायुं होय तेवे
प्रदेश. जिसमें एक बार जाना हुआ हो
वह प्रदेश. the part of a country
which is once visited सू० प० १;

चिपिड. त्रि० (चिपिट) चपटुं. चपटा;
बैठाहुआ Flat. नाया० ८;

चिमिद. त्रि० (*चिपिट) चपटा नाकवाणुं.
बैठहुए नाक वाला; चपटा. (One) hav-
ing flat nose. “चीर्णाचिमिदणासाओ”
नाया० १; ८; पि० नि० ४१८;

चिय. त्रि० (चित) उपचय-वृद्धि प्राप्त. Increased;
risen. रत्त० १, ६; पि० नि० ६०५;

चियगा. स्त्री० (चित्ता) चित्ता; चै. चित्ता;
A funeral pyre. राय० अंत० ३, ८;
***चियत्त.** त्रि० (*) प्रेम उपनयनार;
लोकाप्रिय. प्रेम उपनय करनेवाला; लोकाप्रिय.
Liked by the public; popular.
आव० ६०; भग० २, ५; राय० २२५;
दस० ५, १, १७;

चियत्त. त्रि० (त्यक्त) तगेलुं; छोड़लुं. त्याग
कियाहुआ; छोड़ाहुआ. Abandoned.

आव० १९: कप्प० ५, ११५; —देह. त्रि०
(—देह—देहव्यक्तोवधबन्धाद्यावरणाद्देहायनं)
तर्ज्जं छे देह (शरीर) नुं भवत्य (शुश्रू-
पादि नरेषु अयं. त्याग किया है देह (शरीर)
के समत्वको (शुश्रूपादि) जिसेन ऐसा.
(one) who has ceased from
taking care of one's own body
भग० १०, २; दगा० ७, ९; वव० १०, ९:

चिया ब्रा० (चिता) चिता; चिद. चिता; चेह.

A funeral pyre. उत० १६, २७:

मु० न० १३ २४; भग० १, १:

चियाग पुं० (त्याग) त्याग. त्याग.

Abandonment. डा० ५, १:

चिया पुं० (त्याग) त्याग करनेवाला. उपाधि
का त्याग करना Abandoning. डा०
५, १; नाया० १०:

चिर न० (चिर) दीर्घ; दीर्घतः धृष्टा शत्रु.
लंबा समय; दीर्घ काल. Long time.

आव० ३४: भग० १, ६: ३, ७; नाया० १:

२, ४; ८: —अनुगता. त्रि० (अनुगत)

चिरकाली अनुगतः सदस्य ग्री. चिरकाल से
अनुगत—गहनचारी of a long stand-

ing. भग० १४, ७: —अनुवृत्ति. ब्रा०

(अनुवृत्ति) धृष्टा दीर्घतः अनुवृत्ति यत्न.

बहुत समय से अनुकूल वृत्ति. favourable
disposition from a long time.

भग० १४ ७: —उद्वलण. न० (उद्वलन)

दीर्घा दीर्घतः उद्वलन—उद्वलन यत्न उद्व-
लयेते. दीर्घ काल का उद्वलन—कर्म का

उलभाव मृत्तमाना. forcing the
Karma into maturity क० प०

७, ४८: —गय. त्रि० (गत) धृष्टा

दीर्घतः गयेषु. बहुत समय से गया हुआ.

gone from a long time. नाया०

१६: —जुभिश्च त्रि० (—जुषित) चिर-

काली परिसेवित. चिरकाल से परिसेवित.

Vol. II 92

practised from a long time. भग०

१४, ७: —ठिड. ब्रा० (—स्थिति) धृष्टा

दीर्घतः स्थितिः दीर्घतः आयुष. बहुत

समय तक स्थितिः दीर्घायुष. long dura-
tion of life. भग० २, ५: क० प० ४,

३८: —अस्थिश्च. त्रि० (—अस्थिमित)

धृष्टा दीर्घतः अदृश्य अस्थिषु. बहुत समय से

जो अदृश्य हुआ है वह. invisible from

a long time. नाया० ४: —स्थिश्च त्रि०

(—स्थित) धृष्टा शत्रु रक्षेत्. बहुत समय

तक रहा हुआ. long lived. दसा० १०,

३: —परिचित. त्रि० (—परिचित)

दीर्घा दीर्घतः परिचित धृष्टा. बहुत समय से

परिचित वाला. familiar from a long

time. भग० १४, ७: —राय. न० (—राय)

दीर्घा दीर्घतः दीर्घा शत्रुः दीर्घतः दीर्घा

बहुत समयः दीर्घ काल. for a long

time; up to death. आया० १, ६,

३, १८५: मय० १, २, ३, ६: —संयुत.

त्रि० (संयुत) दीर्घा दीर्घतः संयुति दीर्घ-

युक्त. बहुत समय से संयुति किया हुआ.

praised from a long time. भग०

१४, ७: —संसिद्ध. त्रि० (—संसिद्ध) धृष्टा

दीर्घतः संयुक्त—संयुक्त आयेषु. बहुत

समय से मित्रा हुआ संबंध से आया हुआ.

in contact from a long time.

भग० १४, ७:

चिरादश्च त्रि० (चिरादिक) धृष्टादीर्घा

दीर्घतः दीर्घा शत्रुता दीर्घा ते. बहुत दीर्घ

काल से जिसका प्रारंभ हो वह. (Some-

thing) begun from a long

time. आव०

चिरादश्च त्रि० (चिरातांत) धृष्टा दीर्घतः

अत्यु प्राचीन. बहुत पुरातन. अति प्राचीन.

Very old: भग० १५, १; विवा० १:

चिराधाय त्रि० (चिरधाय) धृष्टा दीर्घतः

थेथेलुं. बहुत समय पहिले धोया हुआ.

Washed a long time before. दस०

५, १, ७६;

चिलाईपुत्त. पुं० (चिलातीपुत्र) राज-

गृह निवासी धनाशा श्रेणी विद्यन्ती नामे

दासीने पुत्र-जाता सूत्रमा प्रसिद्ध है. राज-

गृह निवासी धनाशा श्रेणी का चिलाती नामक

दासी का पुत्र-जाता सूत्र में प्रसिद्ध है. The

name of the son of Chilāti,

the maid of Dhanāśā, a resi-

dent of Rajagriha. सत्त० ८८;

नाया० १८; संख्या० ८५;

चिलानिया. स्त्री० (किरातिका) किरात देशमा

उत्पन्न थयेत दासी चिलात-किरात देश में

उत्पन्न दासी. A maid born in

the country named Kirāta-

भग० ६, ३३; नाया० १; दसा० १०, १;

चिलाती. स्त्री० (किराती) किरात नभः

अनार्य देशमा उन्नत थयेत दासी किरात

नामक अनार्य देश में उत्पन्न दासी. A

maid born in the Anārya

country named Kirāta जं० ५०

चिलाय. पुं० (किरात) धन्ना सार्थवाह

अङ्क दास के ले उद्धत थय्य चार अन्यो छय्य

चार दन्या करी, चैराय्य पार्य्य अने दीया

दीधी अने आत्म श्रेय साधय्य. धन्ना सार्थवाह

का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर

बना, अंत में चार दन्या कर, वैराय्य

को प्राप्त कर दीया धारण की व आत्मश्रेय

का साधन किया. An attendant of

Dhannā Sārthawāha. He

became a thief, committed four

murders but then realised his

self and got initiated विशेष० २७६६.

नाया० १८; (२) भयेर, भीक्षुनी अङ्क दान.

मलेच्छु; भाल्लकी एक जाति. a class of

aborigines. जं० ५० पञ्च० १, १,

(३) किरात देशमा मेलार. किरात देशमें

रहनेवाला. one living in Kirāta

country. नाया० १८; पञ्च० १;

—तकर. पुं० (तकर) भिक्षु गतिने

चोर. भिक्षु जातिका चोर. a thief of

Bhikk caste नाया० १८; —दास पुं.

(दास) अन्नामना अङ्क धन्नासार्थवाह

का दास-नौकर. चिलात नामक एक धन्नासार्थवाह

का दास-नौकर. an attendant of

Dhannā Sārthawāha. नाया० १८;

चिलिग. त्रि० () अशुचि; अपवित्र. अशुचि;

अपवित्र Impure; unholy. आष०

नि० १६५; जाया ३, १;

चिलिमिणी. स्त्री० () पट्टे; ढाँकन. पुं०

परदा; ढाँकन का वस्त्र. A curtain; a

cloth used as a curtain आष० नि०

१६५;

चिलिमिलिगा. स्त्री० (*) लुआ

“चिलिमिणी” शब्द. देख्यो “चिलिमिणी”

शब्द. Vide. “चिलिमिणी” मूय० २, २, ६८;

चिलिमिलिया. स्त्री० (*) देरी; देरदी.

रस्म; डोरी. A string वेय० १, १८;

चिलिमिली. स्त्री० (*) पट्टे; ढाँक.

परदा; चक्र. A curtain. आया० २, २,

३, ८८; आष० नि० ७८;

चिल्लग. त्रि० (*) देदीप्यमान; प्रकाश-

मान. दीदीप्यमान; प्रकाशमान. Lustr-

ous; shining. नाया० १६; पञ्च० २;

चिल्लडय. पुं० (*) लोडडी; अङ्क

* लुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखें पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

जंगली १८ (२) लो: डी: एक जंगली पशु.

A jackal. आया० २, १, २, २७;

चिल्लणा. स्त्री० (चिल्लना) श्रेष्ठिष्ठ समन्ती पट्टशब्दीनुं नाय. श्रेष्ठिष्ठ राजा की पट्टगर्वा का नाम. The name of the principal queen of the king Srenika, भग० १, १;

चिल्लय. त्रि० (*) अण्डतु: देदीप्यमान चमकताहुया: देदीप्यमान. Shining. पण्ड० १, ४;

चिल्लल. पुं० न० (चिल्लल) १८३ मिश्र क्षत्तव्यपणु स्थान. जन मिश्र कांचड वाला स्थान. A spot with mud and water mixed together. भग० ४, ५; पञ्च० २, नाया० १; पुं० चिद्वत्त देशनी रदीस. चिल्लल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chillyala. पण्ड० १, १; पञ्च० १; (३) ऐ अरीयाणा जंगली जानवर. a wild animal having two hoofs. पण्ड० १, १; नाया० १;

चिल्ललग पुं० (चिल्ललक) ऐ अरीयाणा जंगली पशु आयर रेश्ट वगैरे. बारहसोंगा; दो खुर वाला जंगली पशु. A two-hoofed wild animal viz. elk etc. भग० ६, ३४; जीवा० ३, ३; पञ्च० १, ११; जं० प० २, ३६;

चिल्लित. त्रि० (*) सुशोभित: प्रदीप्त. सुशोभित: प्रदीप्त. Adorned; bright. ग० प० २०;

चिल्लिय. त्रि० (*) दीप्त: दीपतुं दीप्त: प्रकाशित. Shining; bright. आवा० २८; भग० ६, ३३; जीवा० ३, २;

—तल. न० (—तल) देदीप्यमान भूमिनुं तली पुं. देदीप्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया० १; भग० १, ११;

चिल्ली स्त्री० (चिल्ली) ऐ नामन्ती दीप्ती वनस्पति. इस नामकी हरी वनस्पति. A kind of green vegetation. पञ्च० १;

चिहुर. पुं० (चिकुर) देश: वण. केश; बाल. Hair. मु० च० १, १;

चीग पुं० (चीन) चीन-देश. चीन देश. China. (२) त्रि० चीन देशनी रदीस. चीन देश का रहने वाला. a resident of China. प्रव० १४६८; जीवा० ३, ३; पण्ड० १, १; पञ्च० १; (३) त्रि० नदीपुं; अथु छोटा. small नाया० ८; —अंगु अय न० (—अंगु) चीन देशनी अनापटनुं देशनी पञ्च. चीन देश की बनावट का देशमा वस्त्र China-silk. आया० २, ५, १४५; भग० ६, ३३; दमा० १०, १; (४) चीन देशनी दीप्यमान्ती अण्थी उन्पन्न थनुं सूत; देशम चीन देश के कांडों का रान में उत्पन्न तार; देशम. a sort of silk-thread got from the saliva of a certain insect in China. अणुजो० ३७;

चीर्णपट्ट पुं० (चीर्णपट्ट) सिन्दूर. सिन्दूर. Red lead. राय० ४३; (२) द्विगुलो. द्विगुल. vermilion. पञ्च० १७;

चीर्णविट्ट पुं० (चीर्णपट्ट) द्विगुलो. द्विगुल. Vermilion. जीवा० ३, ३;

चीर. न० (चीर) पञ्च; अण्ड. वस्त्र; कपडा. Clothes. उत्त० २६, २६; पि० नि० भा० २३; (२) आन्ती आन्तुं पञ्च.

वृक्ष की छाल का वस्त्र. a cloth made of barks. उत्त० ५, २१;

चीरल्ल. पुं० (चीरल्ल) चीरल; पक्षी विशेष. चीरल्ल; पक्षी विशेष. A kind of bird. पराह. १, १; —**पोसय.** पुं० (—पोपक) चीरल जनावरने पोसना पालना. चीरल जनावर का पोषण पालन करने वाला. one who keeps or tames a bird named Chirala. निमा० ६, २३;

चीरिग. पुं० (चीरिग) शैलीमाँके रस्ते भाँ पड़ेन चीथरनेने थुरेना जाली धारण करनेवाले अर्थ वर्ग. गर्ला में किंवा रास्ते में मार्गमें पड़े हुए चाथड़े का धरदा ब्रताक धारण करने वाला एक वर्ग. A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street. अणुजो० २०;

चीरिय. पुं० (चीरिग) जुआँ " चीरिग " शब्द. देखो " चीरिग " शब्द. Vido " चीरिग " नाया० १५;

चीवर. न० (चीवर) वस्त्र; धुँ धुँ कपडा. A cloth; clothes. डा० ५, २; भग० २, १; आया० २, ३, २, १२१; निमा० १० ५३; जं० ५०

चुअ. त्रि० (चुत) अष्ट श्रेयस; अवेस; भरण्य पामेस. अष्ट; स्यु प्राप्त. Deceased; fallen; degraded. आया० १, १, १, ३; १, २, ३, १२४; उत्त० ३, १७; ७, ८; १४, १; १६, ८; आवा० ३८; सम० ७; जं० ५० ७, १४१; ओघ० नि० ६२; कण्य० १, १; ३; ४, ६२; दया० ८, १; नाया० ७; ८; ६; भग० ७, १; सु० च० १५, ६८; पराह० २, ५; विशेष० १६७६;

—**धम्म.** त्रि० (—धर्म) धर्मशी लष्ट; धर्मशी पतित धर्म से अष्ट; धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दया० ४, १६;

चुआचुअनेणिया. छि० (चुताच्युतअनेणिका) च्युता च्युत अण्णी गणना; द्रष्टिवादन्तर्गत परिक्रमने अष्ट भेद. च्युताच्युत अण्णी गणना; द्रष्टिवादन्तर्गत परिक्रम का एक भेद. A division of Parikarma in Dristivāda. सम० १२;

चुआचुअनेणियापरिकम्म. न० (च्युताच्युतअनेणिक परिकमेन) द्रष्टिवादन्तर्गत परिक्रमने आठ भेद. द्रष्टिवादन्तर्गत परिक्रम का गणना भेद. The 7th division of Parikarma in Dristivāda. नंदा० ५६;

चुआचुआवत्त. न० (च्युताच्युतावत्त) च्युता-च्युत अण्णीया परिक्रमने अष्ट भेद. चुआचुआ गणिआ परिक्रम का चौदहवाँ भेद. The 14th division of Parikarma in Dristivāda. नंदा० ५६;

चुचुअ. पुं० (चुचुक) अ नामे अष्ट अनाय देश. उव नामका एक अनार्य देश. An uncivilised country of this name. प्रव० १२६८;

चुचुण. न० (चुचुत) अष्ट आर्य जाति. जाति. एक आर्य जाति. An Aryan race. पञ्च० १;

चुचुय. पुं० (चुचुक) अष्ट अनाय जाति. अष्ट अनाय जाति का एक भेद. A sub-division of non-Aryan race. जावा० ३, ३;

चुंी छा (*) नली कुं. छोटा कुंदा.

* जुआँ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखे पृष्ठ नम्बर १५ का फुटनोट (*). Vido foot-note (*) p. 15th.

ingredients viz. saffron etc.

नाया० २:—**गुडियगात्त**. त्रि० (—गुडित-गात्र) युनाथी अरुणपत्र शरीः चूर्ण चुने से बिगड़ हुए शरीर वाला; चूना लगे हुए शरीर वाला. (one) with a body smeared with lime. विवा० २;

—**जुत्ति** ब्रि० (—युक्ति) अथीर-युक्त व पंगेरे अथ अनापयानी युक्ति-विज्ञान; ६४ कलाभांती ऐक. अवार-गुलाल इत्यादि चूर्ण वानन का युक्ति-विज्ञान; ६४ कलाभांती में का एक कला. a method of preparing a red powder known as Gulāla. श्रव० ४०; नाया० १:—**जोय**. पुं० (योग) स्तम्भन द्वि कार्य; अर्थात्. स्तम्भनाद योग. medicine etc which lengthen the period of sexual intercourse. नाया० १४. —**वास** पुं० (—वर्षा) अर्जुन-केशर विंगेरे सुगन्धि द्रव्य की छोट छोट-छोट-छोट सुगन्धित द्रव्य की छोट shower of scented things as saffron etc. नाया० ६; जं० प० ५, १२१;

चुरणय पुं० (चूर्णक) युना चूना Lime विवा० २:—**पेम्पि** ब्रि० (—पम्पिका) अर्जुन पीसकारी दासी. चूर्ण पीसने वाली दासी. a maid who works as a pounder. भग० ११, ११;

चुरिणश्च-य. त्रि० (चूर्णिन) चुरे चुरे, धरे धरे; अर्जुन थपेस चूर्ण किया हुआ, चूर्ण चूरन. Poundered; reduced to atoms. उक्त० १६, ६८; नाया० १;

चुरिणगाभाग. पुं० (चूर्णिकाभाग) भागने पक्ष भाग; अंशने अंश. नायका की भाग. A division of a division जं० प०

७, १२४; १३३;

चुरिणयाभेद. पुं० (चूर्णिकाभेद) अनुशो उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above. पञ्च० ११;

चुत. त्रि० (च्युत) दश प्रक्षारता प्राण्यथी प्रष्ट थपेस; प्राण्यथित अनेधु दश प्रक्षार के प्राणों में अष्ट; प्राण्यथित बना हुआ. Lifeless अगुजा० १६; भग० १, १;

चुन्न. पुं० (चूर्ण) अर्जुन अर्जुन के भाग्यस उपर नाथ्यथी दश-शोकेन वश थाय. जादूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालने में दश-शोक के वश हो A miraculas powder which subjugates a

पि० नि० ४०६; (२) आटा; आटा. flour सू० च० ३, २०७; प्रव० ५७५; (३) अर्जुन; अर्जुन. चूर्ण powder. प्रव० २७५;

चुन्नग पुं० (चूर्णक) अर्जुन-अर्जुन दिक अर्जुन. मूरया; मूरया द चूर्ण. Colirium etc. in a powdered form. निर० ३, ४;

चुन्नी ब्रि० (चूर्णी) अर्जुन; अर्जुन. आटा. Powder. पि० नि० २४०;

चुपालय. पुं० (*) विजय नामना देलु अ युधा-अय अस्त्र. २ अर्जुन धरे विजय नामक देवका अयुधालय-शस्त्र रखने का गृह. A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya. जीवा० ३, ४;

चुलगी. ब्रि० (चुलगा) दक्षिणपुरना राजनी राज्ञी; अर्जुन दक्षिणपुरना राजनी अर्जुन की माता. कम्पिलपुरके राजा की रानी; ब्रह्मदत्त नामक बारदवे चक्रवर्ती की माता. The name of the queen of the king of Kampilapura. उवा० १, २;

* अनुशो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (:) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्त० १३, १; सम० प० २३४; जाँवा० ३;
चुलसी. स्त्री० (चतुरशीति) आरशी; ८४.
 चौर्याशां; ८४. Eighty-four. प्रब० ८;
चुलसीइ. स्त्री० (चतुरशीति.) आरशी; ८४.
 चौरासां का संख्या; ८४. Eighty-
 four. क० सं० ३, ५३; भग० २०, १०;
 ४२, १; नाया० ८; सू० प० १; - **सम-**
जिय. पुं० (-समजित) आरशीनी
 संख्याशी संगृहीत-भाव्य थाप ते. चौरासां
 का संख्या से संगृहीत भाव्य होवे वह. a
 sum which can be divided
 by eighty-four. भग० २०, १०;

॥ **चुल्ल**. त्रि० (०) न्दानुं लघु. छोटा;
 लघु. Small; tiny. पञ्च० १६; जे० प०
 उवा० १, २; — **कण्पसुअ**. न० (-कल्प-
 सुत्र) २६ उक्ताविक्रमानुं त्रीणि. २६
 उक्ताविक्रम से तृतीय. the third of
 the 29 Utkalika. (Sutras).
 नंदी० ४३; — **पितृअ**. पुं० (पितृक)
 पिता का नन्दा भात. छोटा. पिता का छोटा
 भाई; काका. uncle; the younger
 brother of a father. " अजण पजण
 वावि बप्पो चुल्लपितृत्ति य " दम० ७, १८;
 — **माउ**. स्त्री० (मातृ) न्दानुं " चुल्ल-
 माउया " १०६. देखो " चुल्लमाउया "
 शब्द. vide " चुल्लमाउया " नाया० १;
 — **माउया**. स्त्री० (-मातृका) आरमान
 माता से मिली माता. step mother
 " कूणियम्मरगणो चुल्लमाउया " अंत० ८,
 १; निर० १, १; विवा० ३;

चुल्लग. पुं० (०) भात; आरश. भात.
 खुराक. Food. पञ्च० १० ८४;

चुल्लणीदेवी स्त्री० (चुल्लणीदेवा) द्रुपद राज्ञी

द्रुपदी नामनी देवी (राक्षी). द्रुपद राजा
 की चुल्लणी नामकी देवी (रानी). Name
 of the queen of the king
 Drupada. नाया० १६;

चुल्लमपग. न० (चुल्लशतक) युद्धशतक
 नामकी महावीर श्यामिनी अष्ट श्रावक;
 दश श्रावकमिति अष्ट. चुल्लशतक नाम का
 महावीर स्वामी एक का श्रावक; दस श्रावकमेसे
 एक. One of the 10 layman fol-
 lowers of Mahāvira. उवा० १, २;

चुल्ल हिमवंत. पुं० (चुल्ल (लघु) हिमवन्)
 भरत क्षेत्र की मर्यादा आधारे परित; भरत
 अंतरे हिमवन्ते जुहुं पाउतार (अन्ती पर्वत
 आवेत्त) परित. भरत क्षेत्र की मर्यादा
 बांधने वाला पर्वत. A mountain
 bounding the limit of Bharata
 Kṣetra. जाँवा० ३, ३; सम० ७; भग० १,
 ३; जे० प० २, १२०; ११४; १; १०; पञ्च०
 १६; उवा० १, १४; — **कूड**. (-कूट) युद्ध
 दिमांत परित डिपरता अगोथार दृष्टमानुं
 त्रीणि दृष्टः शिखर. चुल्ल हिमवंत
 पर्वत के ग्यारह कूटमें से द्वितीय कूट-शिखर.
 the second out of 11 summits
 of the mountain Chullahima-
 vanta. हा० २, ३;

चुल्ल हिमवंता. स्त्री० (चुल्ल हिमवन्ती)
 युद्ध दिमांत गिरि कुमार देवतानी राज-
 धानुं नाम. चुल्ल हिमवन्त गिरि कुमार
 देवताकी राजधानी का नाम. Name of
 the capital city of the god
 Chulla Himavantagirikumāra.
 जे० प०

चुल्ली. स्त्री० (चुल्ली) चूल्ही; चूल्ही; न्दानुं

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p 15th.

यूयो. चूल्हा; छोटा चूल्हा. A small stove. पि० नि० २४६; जीवा० ३ १; उवा० २. ६४;

चूअ य. पुं० (चूत) आंशुं पृश्न. आम का वृक्ष. A mango tree. विशे० ३३; १७२४; मु० च० ६, ६४; तं० ६; (२) सूर्याभना आम्रवनतो रक्षा हेत्वा. सूर्याभ के आम्रवन का रक्षक देवता. the guardian deity of the mango forest of Sūryābha. जे० प० ५, १२२; राय० १४०; जीवा० ३, ४; (३) ओ नामनी लता. इस नाम की लता. a name of a creeper. पञ० १; — **लया.** स्त्री० (-लता) आंशुनी लता-आंशु. आम्रलता. (आम की लता) a mango creeper. श्रव० — **वण.** न० (-वन) सूर्याभ विमानना उत्तर दरवाजेथी ५०० योजनविषय आवेश आंशुं अक्ष वन के नैऋत्य २५०० योजन दक्षिण अक्ष पश्चिम ५०० योजन पर आया हुआ आम का एक वन कि जो सोड बारह योजन लम्बा व पाच सौ योजन विस्तृत है. a mango forest 12500 Yojanas in length and 500 Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojnas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. टा० ४, २; निसी० ३, ८१. राय० १०६; भग० १, १; अणुजा० १३१;

चूडामणि. पुं० (चूडामणि) अशमभिः भुगट. चूडामणि; मुकुट. Crown; diadem. उत्त० २२, १०; नाया० १; पञ० २; जीवा० ३, ३;

चूणकोस. पुं० (चूणकोश) आयातो पदार्थ. खाद्य पदार्थ. Eatable. पर० २, ५;

चूयगवडिस. न० (चूतकावतंसक) ओ नामनुं अक्ष दृष्टुं विमान. इस नामका एक इन्द्रका विमान. A Name of an abode of Indra. राय० १०३; भग० ३, ७;

चूयवडिमा स्त्री० (चूतावतसा) सौधर्मेन्द्रनी अश्रमदीपी हेतुनी राजधानी. सौधर्मेन्द्र का अश्रमादृषी देवा की राजधानी. The capital city of the principal queen of Saurharmendra. टा० ८, २;

चूया. स्त्री० (चूता) सौधर्मेन्द्रनी अश्रमदीपी-नी राजधानी. सौधर्मेन्द्र का अश्रमादृषी का पाटनगर. Vide above. टा० २, ४;

चूर. भा० 1. (चूर) चूरे-कचो; भांशुं चूगकरना; तोड़ना. To pound; to reduce to atoms. चूरड. नाया० १२; चूरता. गे० कृ० नाया० १६;

चूलणी स्त्री० (चूलनी) अश्वत्थ अश्वत्थी भता. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की माता. The mother of Brahmadatta Chakravarti. जीवा ३; १;

चूला. स्त्री० (चूडा) अग्नीः शिखा; आटली. शिखा, चुटियां. Summit; peak. नदी० १७; — **उचगयण** न० (उपनयन) आटली उतरवने-मुन्दनकरवने सरेसार शिखा उतारने का-मुन्दन करन का संस्कार the ceremony concerning shaving. राय० २८८;

चूलामणि. पुं० (चूडामणि) भुगट. मुकुट. Crown; diadem. श्रव० २२; राय०

चूलिअंग. न० (चूलिकाङ्ग) अंगशी राश प्रयुत परिमित शक्ति-भाग चौरासी लक्ष प्रयुत परिमित काल विभाग. A measure of time equal to 84 lacs of Prayuta भग० ५, १; २५, ५; अणुजा०

११५; ठा० २, ४; जं० प०

चूलिआ. खी० (चूलिका) दृष्टिवाद अंगना पांचविभागमानो पांचभो-छेले विभाग. दृष्टिवाद अंग के पांच विभाग में से पांचवां-अंतिम विभाग. The fifth or the last division of Drisṭivāda Aṅga. नंदी० ५६; (२) भूतसूत्रभां न अतावेत्त दृष्टीकृत संग्रह करी अंतभां अतावेत्ती ते मूलसूत्र में अप्रकाशित वर्णन का संग्रह कर अंत में प्रकट करना. a commentary which exposes that description which is not given in the original text. नंदी० ५६; (३) आंगशी त्राय युक्ति अंग प्रमाणों का विभाग. चारामा लक्ष चूलि अंग प्रमाण का काल विभाग. a measure of time equal to 84 laes of Chūliāṅga भग० ५, १; ६, ७; ११, १०; २५, ५; जीवा० ३, ४; अणु-जा० ११५; ठा० २, ४; जं० प० (४) अत्रिका-आट्टी; शिखर. चूलिका-चोटी; शिखर. summit; peak. सम० १२; नंदी० स्थ० १७, जं० प०

चूलिय. पु० (चूलिक) अत्रिक देश. चूलिक देश. Name of a country. (२) त्रि० ते देशमा वसन्तार. उस देश में रहने वाला. a resident of the above country. पसह० १, १;

चूलिया. खी० (चूलिका) अक्षैः सगडी. चूल्हा; सिगड़ा. A stove; a fire place. प्रव० १७२;

चेअयणा. खी० (चेतना) ज्ञानादि चेतना; चेतन्य. ज्ञानादि चेतना; चेतन्य. Consciousness. विश० ४३;

चेइअ-य. नि० (चांतत) करेडु; अतावेडु; अलावेडु. किया हुआ; बनाया हुआ. Per-

formed; prepared. “ अगारिहं अगाराहं चेइयाहं भवन्ति ” आया० २, २, २, ८१; २, २, २, ८३; वेय० २, १६; **चेइत्तए. हे० क०** (चेतितुं) रहेवानो. रहने को. For the sake of living or residing. वव० १, २२;

चेइय. न० (चैन्य-चिन्तारिदं भावः कर्म वा चैन्यम्) यक्ष वगैरे व्यंतर देवानां आयातन-स्थान; देवस्थान के नये आगमां अथवा तेना पूर्वदेवीरना अग्निदाद-चिताने स्थान, चेतना रूपे के देवीरूपे, अजायवामां आयातां, अने लोक सक्षमवृत्तिथी आ आयावती साजसाथी तेनी पयुपासना करना तेनी उपमा साधु वगैरेनी पयुपासनामटे आपराभां आयी छे. यक्ष वगैरह व्यंतरदेवताके आयातन-स्थान; चिन्ता के ऊपर मंदिर या अन्य रूप में बनाया हुआ स्मारक चिन्ह. संसार लोग इनकी इस लोक के सुखों की इच्छासे उपासना करते हैं. The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. आया० २, १५, १७६; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सू० प० १; ओव० निर० १, २; कप० ६, ६३; क० गं० १, ५५; ओघ० नि० ६५; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ति ” सूय० २, ७, ८१; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्तमो ” दमा० १०, १; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता ” वव० १०, १; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेत्ता ” (देवतं चैन्यमिव-टी) ठा० ३, १; भग० २, १; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवा-

सामि ” टा० ३, ३; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिजे ” नाया० १६; उवा० ७, १८७; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिजाओ भवन्ति ” भग० १०, ५; “ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासइ ” भग० १५, १; “ थूममहेसुवा चेइयमहेसुवा रुक्खमहेसुवा ” आया० २, १, २, १०; “ रुक्खमहेइवा चेइयमहेइवा थूममहेइवा ” भग० ६, ३३; “ भवणं घरमरणं ले आ वणं चेतियं देवकुलं ” पण्ह० १, ५; “ तवस्सिकुलगणसंघं चेइयट्ठे ” पण्ह० २, ३; (२) व्यन्तरता आयतनत्ताणे अथवा तेना विनातेना याग; उद्यान; आरामभण्णिया व्यन्तर के आयतन वात्ता किंवा उसके रहित बाग, उद्यान; आराम-बाग. a garden having or not having a temple of an infernal god; a pleasure garden. दसा० ५, ६; नंदी० २०; जं० प० राय० ४; २११; अंत० १, १; नाया० ६; “ पुण्णभदे चेइए ” नाया० १; १५; १६; नाया० ४० १; अंत० १, १; विवा० १, १; पण्ह० १, १; उवा० १, १; २, ६२; ११६; भग० ५, १; ९, ३३; १३, ६; “ कोट्टए चेइए ” नाया० ४० १; ३; उवा० ३, १२६; ४, १४५; ६, २६७; १०, २७२; भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; “ णाययाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १७६; “ उवासयाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १८६; “ अंतगडाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १८६; “ अणुत्तरोववाइयाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १८७; “ सुहविवागाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १६२; “ दुहविवागाणं णागराइं उज्जाणाइं चेइआइं ” सम० प० १६२; (चैत्यं व्यन्तरायतनम् टी०) “ चंदो-यरखंसि चेइए ” भग० १५, १; “ मण्ड-

कुच्छिभि चेइए ” भग० १५, १; “ कण्डि-यायणं सि चेइए ” भग० १५, १; “ एगज्जुए चेइए ” भग० १६, ५; “ सालकोट्टयए चेइए ” भग० १५, १; “ छत्तपलासए चेइए ” भग० २, १; “ पुक्कवईए चेइए ” भग० २, ५; ६; ६, ३३; “ माणिभदे चेइए ” भग० ६, १; “ संखवणे चेइए ” भग० ११, १२; “ नंदणे चेइए ” भग० ३, १; “ बहुमालए चेइए ” भग० ६, ३३; “ चंदोतरायणे चेइए ” भग० १०, २; “ दृपपलासए चेइए ” उवा० १, ३; १०; ५८; १८; ८६; भग० ८, ३२; १०, ६; ११, ११; १८, १०; “ अंबमालवणे चेइए ” नाया० ४० १; “ काममहावणे चेइए ” नाया० ४० ३; अंत० ६, १६; “ गुणसिलए चेइए ” नाया० १; २; १८; नाया० ४० १; ३; अंत० ६, १; ३; ७, १; अणुत० १, १; २, १; ३; १; विवा० २, १; उवा० ८, २३१; भग० २, १; ५; ६; ७, १८; ८, ७; १६, ३; १८, ३; ७; ८; (३) तीर्थदर्शनं ज्ञानं ईश्वर ज्ञानं. तार्थकर का ज्ञान केवल ज्ञान. the knowledge of a Tirthankara. “ ए एमिणं चउव्वियाणं तिथ्यगराणं चउव्वामं चेइय-रुक्खं होत्था ” सम० प० २३३; “ तहिं चेइयाइं वन्दइ ” (वन्दते स्तौति) भग० २०, ६; नाया० १६; (४) श्रमण; साधु श्रमण; साधु. an ascetic “ देवयं चेइयं पज्जुवा-सत्ता ” (दैवतं चैत्यमिव चैत्यं श्रमणं पयु-पास्य टी०) टा० ३, १; “ अन्नउत्थिय देवपाणि वा अन्नउत्थिय परिगहियाणि वा (चेइयाइं) वंदित्तए नमंसित्तए वा ” उवा० १, २८; भग० ३, २; (५) व्यन्तर आदि देवता. व्यन्तर आदि देवता. infernal god etc. “ रुक्खं वा चेइयकडं थूमं वा चेइयकडं ” (वृक्षस्याधो व्यन्तरादिस्थलक स्तूपं वा व्यन्तरादिकृतं टी०) आया० २, ३,

३, १२७; (६) त्रि० चित्तने आनंद देवाला. delightful; pleasant. " तोमणं चेतितधूभाणं पुरतो चत्तारिमणि पेढिआआं " (चित्तालहादकम्वाट्टा चैत्याः स्तूपाः प्रमिद्धाश्चैत्यस्तूपाः) डा० ४, २; सम० ३५; दमा० १०, १; वव० १०, १; (७) श्रेष्ठ महापुरुषकी चैद उपरना आनंद अवसथा-राज अवस्थ प्रदा करने. किमी महापुरुष की चित्ता ऊपर के स्मारक अवशेष-राज्य, आस्थ इत्यादि. the memorial on the funeral pyre of a man of importance. " अरहणे वा अरहन चेदयाणि वा अणगारि वा भाविदप्पाणां णामाणं उड्डु उपपयइ " भग० ३, २; (८) शीघ्र; उत्तम. speedy. " भियं चण्डं चवलं नुरियं चेदयं " नाया० ६; —खंभ. पु० (-स्तेभ) सुधर्मा सबली प्रत्ये मणिपीठिका उपर आद देवदत्त देना भाज्युक्त नामने स्तंभ छे ते; चित्तने आनंद उपरना राज. सुधर्मा समा की मध्य में मणिपीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊंचा माणवक नामक स्तंभ है वह; चित्त को आनंददित करनेवाला स्तंभ. a pillar named Maṇavaka 60 Yojanas in height situated on Maṇipithikā in the Council-hall of Sudharmā. " सुहम्माणं समाणं माणवणं चेदयखंभे " सम० ३५; राय० १५६; —धूम. पु० (-स्तूप) चैत्य वृक्ष अने प्रेक्षा घरनी प्रत्ये मणिपीठिका उपरनु चित्तने आनंद देनके स्तूप. चैत्य वृक्ष व प्रेक्षागृह के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर का चित्त को आनंद दायी स्तूप. a beautiful pillar situated on Maṇipithikā and in the middle of

a memorial tree and a particular house. " चत्तारि चत्तारिचेदयथूमा " जं० प० २, ३३; डा० ४, २; जीवा० ३, ४; —मह. पु० (-मह) चैत्यने भण्डितस्य. चैत्य का महोत्सव. a ceremony concerning a memorial on a funeral pyre. आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३; नाया० १; —रुक्ख. पु० (-वृक्ष) बाज्युक्तरेती सुधर्मादिसभानी आगम मणिपीठिका उपर रत्नमय वृक्ष है जेनी आद देवदत्तनी दियाछ छे. बाणव्यंजर का सुधर्मादि सभा के सम्मुख मणिपीठिका के ऊपर रत्नमय वृक्ष एक जिमका आठ गोजन का ऊंचाई है. a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Maṇi Pithikā in front of the council-hall of Sudharmā. सम० ८; डा० ३, १; (२) जेनी नीचि तीर्थक्षेत्रे देवदत्तान थयुं देय ते वृक्ष. जिमके नीचे तीर्थक्षेत्र का केवल जान प्राप्त हुवा हो वह वृक्ष. a tree under which Tirthāṅkara obtained supreme or perfect knowledge. सम० प० २३३; (३) देवताओंनी सभाना द्वेद देवदत्त आगम महापुरुष अने चैत्य थुमनी प्रत्ये वृक्ष. देवताओं का सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महापुरुषा के व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का वृक्ष. a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-halls of gods. डा० ३, १; जीवा० ३, ४; राय० १५६; —वण्णअ. न० (-वरणक) चैत्यनु वर्णन. चैत्य का वर्णन. the descrip-

tion of a memorial on a funeral
pyre. दसा० ५, ६;

चेद्वा. स्त्री० (चेष्टा) क्रिया. क्रिया. Gestures;
movements. पंचा० ४, २;

चेष्टिय. त्रि० (चेष्टित) चेत्येष्टा इत्येत चेष्टित.
Gestured. पंचा० १, ४८; नाया० १;
राय० २६१;

चेड. पुं० (चेट) पणपासे रहनेवाला नौकर.
पैरो के पास रहने वाला नौकर. A close
attendant. कण्ठ० ४, ६२; पि० नि०
३६८; ओव० राय० १५३; नाया० १; (२)

आलस्य. बालक baby. पि० नि० भा० १२६;

चेडग. पुं० (चेटक) विशाला नगरीना चेटक
नामने राजा के गे भुवारी प्रभुने परम
भक्त होते. विशाला नगरी का चेटक नाम
का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम
भक्त था. Chetaka, the king of
Visā'a and a great devotee
of Mahāvira. भग० १२, २११; १, १;

चेडय. पुं० (चेटक) कुमार; छात्र. कुमार;
लडका. An unmarried boy; a
boy. नाया० २; (२) दास; नौकर दास;
नौकर. a servant; an attendant.
नाया० २; मु० च० १५, १३५;

चेडिया-आ. स्त्री० (चेटिका) दासी; आनदी.
दासी A maid. भग० ६, ३३; ११, ११;
ओव० ३३; नाया० १; ८; १६; राय० २८६;
उवा० ७, २०८; —**चक्रवाल. न० (चक्र-
वाल)** दासीना समूह. दासी का समूह. a
group of maids निर० ३, ४; नाया०
१४; नाया० ध०

चेतिय. न० (चैत्य) जुओ " चेइम " शब्द.
देखो " चेइय " शब्द. Vide " चेइय "
परहू० १, १;

चेत्त. पुं० (चैत्र) चैत्रमास. चैत्रमास. The
month of Chaitra. सम० ३६; भग०

१८, १०; —**सुद्ध. पुं० (-शुद्ध-शुक्ल)**
चैत्रमासनु शुद्ध पक्ष. चैत्र मास का शुक्ल
पक्ष. the bright-half of the
month of Chaitra. नाया० ८;

चेत्ती. स्त्री० (चैत्री) चैत्रमासनी पुनेम. चैत्र
मास की पूर्णिमा. The fifteenth
bright day of the Chaitra
month. जं० प० ७, १६१;

चेदि. पुं० (चेदि) चेदि नामने देश. चेदि
नामक देश. A country of this
name. पञ्च० १;

✓**चैय. धा० II. (दा)** आपन; दान करवुं.
देना; दान करना. To give; to give
as charity.

चेण्ह. आया० २, १, १, ६;

चेण्मि. आया० १, ७, २, २०२;

✓**चैय. धा० II. (चैन्)** संकल्प करवो.
संकल्प करना. To resolve. (२) निप-
नयवुं; उत्पन्न करना. to produce.
(३) जलवुं. बनाना. to pile; to
construct.

**चेण्ह. सम० ३०; निरी० ५, २; १३, १;
नाया० १६;**

चेण्मि. नाया० १६;

चेइस्सामो. आया० २, १, ६, ४६;

चेयन. निरी० ५, २;

चेनेमाण. सम० २१;

चेइजमाण. क० वा० दसा० २, १६; १७;

चैय-अ. न० (चैनम्) चित्त. चित्त; The
mind. चैयसा. तू० ग० भग० ७, १०;
दस० ५, १, २; नाया० १; भग० ६, ३३;

दसा० ६, ५; दस० ६, ६७; (२) विज्ञान.

विज्ञान. science. विश० १९६२; (३)

जिव, आत्मा. जांव; आत्मा. soul. भग०

२०, २; —**कड. त्रि० (-कृत)** मनथी

इत्ये. मनमे किया हुआ. heartily per-

formed. भग० १६, २;

चेय अ० (एव) ऐमग्; आक्ष. ऐसाही; निश्चित. Verily; certainly. विशेष० १४९;

चेयराण न० (चेतन्य) अण्वय; अण्वयानुं जावत्व; जावितता. Life; vitality. विशेष० ४७५; १६५१; ३१३८; सू० च० १, २६०; —**जुत**. त्रि० (-युक्त) चेतना याजुं. चेतना वाला. vital; living. प्रव० १२४६; —**भाव**. पुं० (-भाव) अण्वे ज्ञान परिणाम. जाव का ज्ञान परिणाम. intellectuality. विशेष० ४५५;

चेया स्त्री० (चेतना) चेतना; ज्ञानशक्ति. Intellect. विशेष० १६५७;

चेल न० (चेल) वस्त्र; कुम्हट्टा. Cloth. निमां० १८, १४; आया० २, ६, १, १५२; जावा० ३, ४; वव० ८, ५; दम० ४; प्रव० ६६२; —**ट्ट**. न० (-अर्थ) कुम्हट्टा प्रयोजन. वस्त्र का प्रयोजन. the cause for keeping a cloth. वेय० ३, १२; —**उक्खेव**. पुं० (-उत्थेव) वस्त्रानुं उक्खेव; वस्त्रानीं वृष्टि. वस्त्रों का फेंकना; वस्त्रों का वृष्ट. the shower of clothes. विवा० १; टा० ३, १; भग० १५, १; —**कण** न्न. न० (-कण) कुम्हट्टा की सीमा. वस्त्र का किनारा. the border of a cloth. निमां० १८, १८; दम० ४; —**गोल**. पुं० (-गोल) कुम्हट्टा का गोल. वस्त्र का गोलाकार गोला a ball of cloth. सूय० १, ४, २, १४; —**चिलि** मिलिया. स्त्री० (*) वस्त्र की दोरी. वस्त्र की रस्मा. a string of cloth.

वेय० १, १८; —**पेटा**-ला. स्त्री० (-पेटा) कुम्हट्टा की पेटा; पेटा. वस्त्र की पेटा; गडरा. a box for clothes; a bundle of clothes. भग० १५, १; दसा० १०, ३;

चेल अ० (चेलक) अनु० "चेल" शब्द. देखो "चेल" शब्द. Vide "चेल" जं० प०

चेलग. न० (चेलक) संन्यासीआनुं ऐक उपकरण. An implement of an ascetic. सूय० ८, २, ४८;

चेदला स्त्री० (चेदला) श्रेणिक राजा की रानी; चेदा राजा की पुत्री. श्रेणिक राजा की रानी; चेदा राजा की पुत्री. The queen of the king Śrenika; the daughter of the king Chedā. अंत० ६, ३; नाया० ४०

***चला**. स्त्री० (*) चिरात (चिरात) देश में उत्पन्न थियेन दासी. चिरात (किरातमनेच्छ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. आवा० ३३;

चेव अ० (च+एव=चेव) निश्चय. निश्चय. Certainly; verily. जं० प० ५, ११४; भग० १, १; २; ८; ५, ४; ६, ५; नाया० १; १४; १६; दम० ६, १, १; उवा० १, ८१; विशेष० ७०; वेय० १, ३३; नाया० ४० ३; १०;

चोअअ. पुं० (चोयक) ऐक जगजुं फल. एक प्रकार का फल. A kind of fruit. अणुजो० १३३;

चोअण न० (चोदन) प्रेरणा. प्रेरणा. Instigation. गच्छा० ५१;

* अनु० पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 151h.

चोअण्णा. स्त्री० (चोदना) प्रेरणा इत्येति ते.
प्रेरणा करना. Instigation. गच्छा० ३८;
१२७;

चोअलाया. स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) चुम्मालीस.
चुम्मालीस. Forty-four. जं० प० ७,
१४८; विशे० २३०४;

चोइअ. त्रि० (चोदित) प्रेरयितुं; प्रेरणा
इत्येत्; पुच्छेत्. प्रेरित; प्रेरित किणहुआ; पूछा
हुआ. Instigated. उत्त० ६, ८; ६१;
स्य० १, ३, २, २०; दस० ६, २, ४; १६;
पि० नि० ११४; २२२; जं० प० ३, ६४;

चोक्ख. त्रि० (चोक्त) स्वच्छ; पवित्र; साधु.
स्वच्छ; पवित्र; साफ. Clean; clear;
pure; spotless. "आयंतेचोक्खेपरम-
इभूए" जं० प० ७, १४६; ओव० १२;
३८; भग० ३, १; ६, ३३; ११, ६; नाया०
१; ७; १६; पगह० २, १; जीवा० ३, ४;
विवा० ३;

चोक्खलि. त्रि० (चोक्तशील) व्याभये; शरीर
वस्त्रादिके साधुसुखं राखेता. शरीर वस्त्रा-
दिक को स्वच्छ रखनेवाला. (One) who
keeps the body and the clothes
clean. पि० नि० ६०२;

चोक्खा. स्त्री० (चोक्का) व्याक्षा नामनी
परिवादिता-संन्यासिणी. चोक्का नामक परिवा-
जिका; संन्यासिनी. A nun of this
name. नाया० ८;

चोज्ज. न० (*) आश्चर्य; विस्मय.
आश्चर्य; विस्मय. Wonder; surprise.
सु० च० १, १२२;

चोज्ज. न० (चौर्य) चोरी; तस्करणं. चोरी;
तस्करण. Theft; stealing. उत्त०

चोरि. त्रि० (*) गंदु; सुगमलुं.
गंदला; घृणा पैदा हो. Dirty;
turbid. पि० नि० ५८७;

चोत्ती. स्त्री० (चतुस्त्रिंशत्) तीसरीश चोत्तीस.
Thirty-four. भग० ३, १; १; १;
सम० ३४;

चोदह. त्रि० (चतुर्दश) चौदह.
Fourteen. भग० ५, १; ६, ५, ८, ८;
नंदा० ३७; उवा० १, ६६; जं० प० ३, ४१;
—पुच्छ. न० (-पूर्व) चौदह पूर्व—शास्त्र.
चौदह पूर्व—शास्त्र. the scriptures
known as fourteen Purvas.

नाया० ६; १४; १६;—**पुव्वधर.** पुं०
(-पूर्वधर) चौदह पूर्वना धरता. चौदह
पूर्वधारी. one having knowledge
of fourteen Purvas. विशे० १४२;

—**पुव्वि.** पुं० (-पूर्विन्) उत्पादपूर्व
विधेरे चौदह पूर्वना अभ्यासी. उत्पादपूर्व
इत्यादि चौदह पूर्व के अभ्यासी. one hav-
ing the knowledge of fourteen
Purvas e. g. Utpada Purva
etc. विशे० ५३६; भग० ५, ४; नाया०
१; ५; नाया० ८, —**भाग** पुं० (-भाग)

चौदह भाग; चौदह राज (२०००). चौदह भाग;
चौदह राज-भाग. the fourteen divi-
sions; the fourteen Rajas (a
measure of length). विशे० ४३०;

चोदहम. त्रि० (चतुर्दशनम) चौदहवां.
Fourteenth. भग० २, १; जं० प० २, ३३;
(२) ७ उपवास ऋः उपवास. six fasts.
भग० २, १; नाया० ८,

चोण्ड. पुं० (*) तेल बिजरे व्यापयुं
ते. तेल इत्यादि का मर्दन. Smearing

of oil etc. ओष० नि० ४०१;

चोष्पाल. पुं० (चोष्पाल) सूर्याभि देवता
आयुधागार; दधिगर शालाजुं नाम.
सूर्याभि देव का आयुधागार; शस्त्र शाला का
नाम. Name of the house for
weapons of the deity Sūryābha.
राय० १६२;

चोष्पालग. न० (*) भन्तवाशयु-दात्री.
दात्री. An elephant. जं० प० ४, ८८;

चोभंग. पुं० (चनुभङ्ग) चतुर्भां यार विभक्त
पडते; चोभंगी. जिसमें चार विकल्प पडते
हैं वह; चनुभङ्ग. That which can be
classified in four different
ways. प्रव० १५५;

✓ **चोय.** धा० I, II. (चद) प्रेरणा करनी
प्रेरणा करना. To instigate.

चोपुद्. गच्छा० २०; चोपयति. नाया० १;
चोहउजमाण. क० वा० व० कृ० नाया०
१६;

चोय. पुं० () त्वया; छात्र.

Bark; skin. जीवा० ३, ४; राय० ५६;
पञ्च० १७;

चोयअ. पुं० (चोयक) ओष० नतनुं द्रव.
एक जाति का फल. A kind of fruit.
जं० प०

चोयग. त्रि० (चोदक) शंका करणार; प्रश्न पूछ-
नार शिष्य. शंका करने वाला; प्रश्न पूछने
वाला-शिष्य. One who questions
and doubts. सूय० २, ४, २; पि० नि०
२५७; राय० १२३; (२) छा० श्रुतनी
छाय फूलकी छबडी. a flower-basket.
आया० २, ७, २, १६०;

चोयणा. छा० (चोदना) प्रेरणा; चेतवणी.

प्रेरणा; चेतवनी. Instruction; caution.
प्रव० १४४; पि० नि० ४८३;

चोयाल. पुं० (*) गडडपर भेसवानुं
स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A
seat on a fort. जीवा० ३, ३; क० गं०
६, ५८;

चोयाल. छा० (चनुश्चवारिंशत्) युभात्रीस.
चुम्मानस. Forty-four. पञ्च० २;

चो (आ) यालीस छा० (चनुश्चवारिंशत्)
युभात्रीस. चुम्मानस. Forty-four. जं०
प० ७, १४६; १४६; भग० ३, १, २४,
१२; सम० ४४;

चोर. पुं० (चोर) चोर; देहू; तस्कर. चोर;
तस्कर. A thief. भग० २, १; ओष०
३८; अणुजो० १२८; नाया० १; १८; दस०
७, १२; भन० १०५; पण्ड० १, १; राय०
२६०; — **अभिमंकी.** पुं० (-अभिश्चिन्)
चोरशी शक राणनार; चोरनी शंका वासे.
चोरमें शक रखनेवाला; चोर का शङ्कावाला.
suspicious of a thief. नाया० १८;
— **आणीय.** त्रि० (-आनीत) चोरोंमें
आवेयुं. चोरों का लाया हुआ. brought
by thieves. प्रव० २७७; — **णायग.**
पुं० (-नायक) चोरोंने नायक. चोरोंका
नायक. the head of thieves. नाया०
१८; — **णिगडि.** छा० (-निकृति) चोरोंने
भाया-कपट. चोरों का भाया-कपट.
the deceit or tricks of thieves.
नाया० १८; — **पल्ली.** छा० (-पल्ली)
चोरोंने रहेवाणी जग्या. चोरों के रहने का
स्थान. the residing place of
thieves. विवा० ३; — **पसंगि.** पि०
(-प्रसंगिन्) चोरनी सोयत करनार. चोर

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया० १८; —मंत्त. पुं० (-मंत्र) चोरनेो दिव्यार. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया० १८; —महिला स्त्री० (-महिला) चोरनी स्त्री. चोर की स्त्री. a wife of a thief विवा० ३; —माया. स्त्री० (-माया) चोरनी माया. चोर की माया. the deceits or tricks of a thief. नाया० १८; —विज्जा. स्त्री० (-विद्या) चोर (अ. तरे पाड्यानी) विद्या. चोरों करने की विद्या. the art of breaking the house by thieves. नाया० १८; —सय. न० (-शत) से. चोर शत चोर; सौ चोर one hundred thieves. विवा० ३; —सा-हिय. पुं० (-साधिक) चोरनेो साधारण भाग. चोरका साधारण भाग. a common division of thieves भग० ६, ३०; —सेणावड पुं० (-सेनापति) चोरनेो सेनापति; चोरनेो अग्रसर. चोरों का नेता; चोरों का सेनापति, the head of thieves विवा० ३; नया० ८;

चोरठा. पुं० (चोरक) ये नामनी अंक सुगंधि वनस्पति जेने ते तक्षमां लठेउर कहे छे. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepal. पत्र० १; भग० २१, ८;

चोरिक. न० (चोरिक्य) चोरी. चोरी. Theft. भक्त० १०६; १३२; आघ० नि० ७८७; महा० नि० १; पगह० १, ३; —करण. न० (-करण) चोरी करनी ते. चोरा करना.

the act of stealing. सम० ११;

चोरिय त्रि० (चोरित) चोरैयुं; चोरी कीयेयुं. चुराया हुआ; चोरी से लिया हुआ. Stolen. विश० ८२७; नि० २७६;

चोरिय. पुं० (चोरिक) भायुसेने भारी चोरी करतार. मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला. A looter; a burglar; one who murders and steals. पगह० १, २; विवा० ६;

चोरी. स्त्री० (चौर्य) चोरी; चोरतुं ते. चोरी करना. Theft. प्रव० ४५१;

चोलक. न० (चोलक) चूलापनयन; आशुकेतुं-प्रथम शिरोमुंडन करायुं ते. चूड़ापनयन; बालकों का प्रथम शिरोमुंडन (चानकर्म) कराना वृद्ध. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. पगह० १, २, ३, ४;

चोलपट्ट. पुं० (चोलपट्ट) भुनिने नीचे पड़ेयानुं वस्त्र; अश्वेतो. मुनि को नाँचे पाहनन का वस्त्र; चोलपट्ट. The waist cloth of an ascetic. प्रव० २५६;

चोलपट्ट. पुं० (चोलपट्ट) साधुओंनुं कटि वस्त्र; अश्वेतो. साधुओं का कटिवस्त्र चोलपट्ट. The waist cloth of ascetics. आघ० नि० ३४; ६७०; पगह० २, १; प्रव० २५५; ५०६;

चोलपट्टग. पुं० (चोलपट्टक) भुज्या उपलेो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ८, ६;

चोलापणय. न० (चूलापनय) भुज्या " चोलक " शब्द. देखो " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया० १; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३;

चोस्रग. न० (*) भोजन; आभुं भोजन;

खाना. Food; diet. पि० नि०

चोलिय. द्वि० (*) देदीप्यमान. देदीप्यमान. Bright; lustrous, dazzling. राय० १२२;

चोवत्तरि. स्त्री० (चतुःसप्तति) युष्मत्तर. चुम्मात्तर. Seventy-four. सम० ७४;

चोव्वीस. स्त्री० (चतुर्विंशति) व्यास. चोव्वीस. Twenty-four. उवा० १०, २७७;

चोसठि. स्त्री० (चतुःषष्टि) व्यास. चोसठ. Sixty-four. भग० १, ५;

✓ च्य. धा० I, II. (व्यञ्ज) छेदयुः छोडयुः छोडना; त्याग करना. To leave; to abandon.

चण्ह. दस० ६, ४, २; ३;

चयट. उत्त० ३१, ४; सु० च० ४, १३६; मन्था० ६६; भग० ७, १; दस० ४, १७;

चयंति. सूय० १, २, १, २;

चल. वि० दस० २, ५; ६, ३, १२; १०, १, १७;

चइम्मंति. सूय० १, ८, १२;

चइउं. हे० कृ० सु० च० ४, २५१; उत्त० १३, ३२;

चइऊण. सं० कृ० उत्त० ६, ६१;

चइत्ता. सं० कृ० ओष० १४; ४०; उत्त० १, २१; ४८; भग० ११, ११; नाया० १; ५; ८; दसा० १०, ३;

चिच्चा. सं० कृ० उत्त० १०; २८; आया० १, ६, २, १८४; १, ७, ६, २२०; दगा० ५, ४०;

चयंत. व० कृ० पञ्च० २;

चवमाण. व० कृ० भग० १, ७;

चइजइ. क० वा० सु० १०, २७;

✓ चव. धा० I. (च्यु) भरयुः शरीर छोडयुः मग्ना; शरीर का त्याग करना. To die.

चवंति. जीवा० ३, १;

चविऊण. सं० कृ० सु० च० १, ११५;

चविथ. सु० च० २, ३७;

✓ च्यु. धा० I. (च्युत्) यययुः पतन पाययुः पतन होना. To die; to fall; to degrade.

चुण. सूय० १, १, २, १२;

✓ च्छुण. धा० I. (च्छण) छेदयुः भारयुः दिसा छेदी. छेदना; मारना; हिंसा करना. To cut; to kill; to injure.

छंनंति. क० वा० "जाइंछंनंति भूयाइं" दस० ६, ५२;

✓ च्छाय. धा० I, II. (छुदार्ण) छिंकयुः छुपाययुः धरनी छत छेदयुः छोकरना; मकान का छत बनाना. To cover; to conceal; to have a cloth ceiling below the roof.

छाण्ह. सूय० २, २, २०;

छायण. वि० दसा० ९, ८; सूय० १, १४; १६; ओष० नि० भा० ३१५;

छायणा. वि० सूय० १, १०, १५;

छाइत्तण. हे० कृ० दगा० ७, १;

छायंत. प्रव० ५४; ओष० नि० भा० ३१४;

✓ छिद्. धा० I, II. (छिद) छेदयुः कापयुः छेदयुः छेदना; काटना. To cut; to break; to pierce.

छिदइ. भग० ३, २; १६, ६; नाया० १४; १८; उत्त० २७, ७;

छेदेइ. भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० थ०

छिदण. १६, ८७;

छिदन्ति. ज० प० ५, १२१;

* ७७ओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th.

छेदिन्ति. श्रोव० ३६;

छिद. उत्त० २, २;

छिदजा. वि० भग० १६, ३; दस० ८, १०;

छिदज. वि० आया० १, ३, २, ११५;

छिद. उत्त० ६, ४; राय० २०८; दसा० ६, ४;

छिदाह. आ० दम० २, २;

छिदह. आ० आया० १, ७, २, २०४;

छिदिस्सामि. भ० निसी० १, ३३;

छिन्दिअण. सं० क० सु० च० २, ६६६;

छिन्दित्तु. सं० क० दस० १०, १, २१;

छिन्दित्ता. सं० क० ठा० ३, २; भग० ८, ६;

१४, ८; नाया० १८;

छिन्दिय. क० वा० आया० २, १, २, १३;

भग० १४:८; २२, ६;

छित्ता. क० वा० नाया० १४; दसा ५: ४१;

छिन्दमाण. भग० १६. ६; नाया० १;

छिदत्त. व० क० निसी० १, ३३; पि० नि०

२८०; भग० १, ६;

छिन्दावेइ. पि० नाया० ८;

छिदावण. उत्त० २, २;

छेदित्ता. भग० २, १; ३, १; नाया० १, १४;

दसा० ४, ८४;

छेदेत्ता. भग० ६, ३३; १०, ४; १८, २;

छेदित्ता. सं० क० मम० ७;

छेणत्ता. सं० क० नाया० १५;

छेत्ता. सं० क० भग० ८, ५; आया० १, २,

५, ८६; भग० ६, २; जं० प० ७,

१३३; ७, १४८; सय० २, २, ६;

सू० प० १०;

छेत्तूण. सं० क० भग० २५, ७; उत्त० ७, ३;

छेतुं. हे० क० भग० ६, ७, जं० प०

छिजइ. क० वा० भग० १६, ३; राय०

२७६; अणुजो० १३८; आया० १;

३, ३, ११६;

छिजति. क० वा० भग० ६, ३; सु० च० २, २३३;

छिजेज. वि० भग० ५, ७; १८, १०,

अणुजो० १३४;

छिजिही भवि० सु० च० ८, १६८;

छिजंत व० क० जीवा० ३, १;

छिजमाण भग० १, १; ८, ६; ११, ११;

विवा० २;

छिजंत. प्रव० १६१;

✓ च्छिव-धा० I. (छुप्) स्पर्श करे।
अऽकृतं स्पर्श करना; छूना. To touch;
to come in contact with.

छिवति पगह० २, २;

छिप्प. वि० गच्छा० ६०;

✓ च्छुभ-धा० I. (छिप्) डेकतुं. फेंकना.
To throw.

छभज. पि० नि० ५८२;

छोहं. सं० क० पि० नि० ३६८;

छोहण सं० क० विश० ३०१;

✓ च्छुभ-धा० II. (छुम्) अणमणु;
अमराणुं डगमगाना; घबडाना. To totter;
to be agitated or frightened.
छोभावट. विवा० ६;

✓ च्छुह. धा० I. (छिप्) डेकतुं; नाशितुं.
फेंक देना. To throw, to cast away.

छहइ. पि० नि० २२१;

छहिऊण सं० क० सु० च० १३, ३४;

छहिना. सं० क० उत्त० १८, ३;

✓ च्छुह. धा० I. (छुप्) स्पर्श करे।; अऽकृतं.
स्पर्श करना; छूना. To touch; to be
in contact with.

छहइ. पि० नि० २५५; क० गं० ६, ८२; ८३;

✓ च्छोल. धा० I. (छुर्) छालतुं छाल-
झतरी उतारना. छालना; छिलका निकलना.
To chop off outer bark, husk
etc. of anything.

छोलेइ. नाया० ७;

छ

छ. त्रि० (षट्) ७; ६ नी संख्या. छ; ६ की संख्या. Six; 6. डा० १, १; उत्त० २६, १६; आया० १, २, ६, ६७; गम० २१; अणुजो० १४८; भग० १, १; २, १; १०; ५, ७; ८; १३, ६; १७, १; २०, १०; २५, १; २; ४; ४; ३२, २; ४१, १; नाया० ८; १६; दम० ४; ७, २६; पञ्च० १; ४; विश० ३८४; विवा० ५; नंद० ७; सू० प० १; नाया० घ० ३; छगहं. प० ब० भग० १, ५; ८; ३, १; १५, १. नाया० ८; दमा० ७, ८; ६; क० गं० १, ३७; २, १६; —अंगुल. न० (—अंगुल) ७ अंगुल. छ: अंगुल. six fingers. भग० ६, ७. —अहिश्चत्त. त्रि० (अष्टिकचत्तारिंशत्) छत्त वींश: ४६. छिशांलान; ४६. forty-six; 46. क० गं० ४, ५७; —कट्टय न० (—कट्टक) दरवाजे के बाहर के हिस्से में छ: काटो का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door. नाया० १; —कर्म. न० (—कर्मन्) यजन-याजन-पूजन-पाहन पड़े अ. सुष्ठुनां ७ कर्म. ब्राह्मणों के छ: कर्म-कर्तव्य: यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, और आदान. the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc. वि० नि० ४८८; —खंड. पुं० (—खण्ड) ७ अंड: अरत आदि क्षेत्रना गंगा सिंधु अने वैताल्य पर्वतशी पेटना ७ विभाग. छ: खण्ड; भरत आदि क्षेत्रों के गंगा, गिन्धु और वैताल्य पर्वत द्वारा पड़े हुए छ: भाग. six parts or divisions; the six divisions of such regions as Bharatākṣetra

etc. demarkated by the Gāṅgā, Sindhu and the Vaitādhya mountain. प्रव० ६८६; —गमन. पुं० (—गमक) ७ गमा-पाह-अत्राया. छ: पाठ. six (scriptural) studies. भग० १३, २; —जीव. पुं० (—जीव) ७ क्षय छत्त. छ: काय-पट्काय जांव. living beings in six different forms. क० ग० ४, ५४; —जीवणिकाय. पुं० (—जीवणिकाय) ७ क्षय छत्तेना समुद्र पृथ्वी-अप-तेजस-वायु-वनस्पति अने त्रसकाय. छ: जांवां का समूह; पृथ्वी, अग्नि, वायु, वनस्पति, और त्रसकाय. a collection of six sentient beings viz those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trāsakāyas. (moving animals) नाया० ३; —काय. पुं० (—पट्काय-पण्णां कायानां समाहारः) पृथ्वीकाय - अपकाय - तेजकाय - वायुकाय - वनस्पतिकाय अने त्रसकाय-अ ७ प्रकारना छत्तेना समुदाय. the group of the six kinds of sentient beings viz. with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and minute insects. अणुजो० २१; सूय० १, ११; ८; क० गं० ४, १३; पंचा० १४, ४२; —ट्टाण. न० (—स्थान) लुप्तो "छट्ठाण" शब्द. देखो "छट्ठाण" शब्द. vide "छट्ठाण" क० गं० ४ ३; —एणुइ. स्त्री० (—नरति) ७-नुं; ९६. ६६ की संख्या. ninety-six; 96. भग० सम० ६६; १, ५; ६, ७; ७, ६; २०, ५; २४, १२;

१२, १; १५, १; पयह० १, २; दस० ५.
१, ३७, ६, ३, १; राय० २३७; विशेष०
१४५१; पि० नि० ३१०; ६४१; (२)
विषयाभिप्राय. विषयों की अभिलाषा.
desire of sensual pleasure. सू० १, १०, १०; (३)
छंद वृत्तानुं स्वरूप अनायनार शास्त्र. पिण्डशास्त्र;
छन्द वृत्तोंका स्वरूप बनलाने वाला शास्त्र;
पिङ्गलशास्त्र. science of prosody;
metrical science. कप० १, ६;
आव० ३८, भग० २, १; (४) गुरुत्वाभिप्राय
भरछ. गुरु का अभिप्राय. the will or
pleasure of a preceptor. विशेष०
१४५१; —अणुवत्तग. त्रि० (—अनुवर्त्तक)
अभिप्रायने अनुसरनार; पानागी भरछ
प्रमाणे न यावतां गुरुत्वा भरछ प्रमाणे
वर्त्तनार. गुरु का इच्छानुसार चलने
वाला. (one) who acts accord-
ing to the will of a preceptor.
सू० १, २, २, ३२; नाय० ३; —अणु-
वत्ति. छी० (अनुवृत्ति) प्रेक्षित छंदाने-
अभिप्रायने अनुसरी वर्त्तनुं ते. किसीक मर्जी
अनुसार चलना. acting according
to the will of another. गच्छा० ५२;
—उपचार. पुं० (—उपचार) आचार्य
पिण्डरेती छन्दानुसार वर्त्तनार तथा तेमनी
भक्ति करनार. आचार्य आदि की इच्छानुसार
चलने वाला तथा उन का सेवा करने वाला.
one who obeys and serves a
preceptor etc. दस० ६, २, २१;

छंदण. न० (छन्दन) अदीयानुं दाक्ष्युं.
दवात-मसीपात्र का ढकना. Lid or
cover of an ink-stand. राय० १७०;
छंदणा. छी० (छन्दना) साधुये क्षांभण्यु
वस्तु गृहस्थने त्यांशी ओदरीक्षान्या पक्षी
गुर्वीक्षने ते वस्तुनुं आभंत्रण्युं करनुं

ते; सभायारीतो पांचभो प्रक्षार. कोई
भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस
वस्तु के लिये गुर्वीक्षक का साधुने आभंत्रण
करना; समाचाराका पांचवां भेद. The 5th
variety of Samāchāri; inviting
a preceptor etc. to partake of
a thing received as alms by a
Sadhū. प्रव० ७६७; भग० २५, ७; उत्त०
२६, ३; पंचा० १२, २;

छक न० (षट्क) छ ६ तो समुदाय. छः का
समुदाय. A group of six. पि० नि०
३; भग० २०, १०; उत्त० ३१, ८; क० ग०
१, २६; १, ३०; २, ३३; (२) दास्यादि
६ दास्य रति अरति-शोक-भय जुगुप्सा.
हास्यादयः छः-हास्य, रति, अरति, शोक, भय
और जुगुप्सा. the group of six viz.
laughter, attachment, discon-
tent, grief, fear and disgust.
विशे० १२८८; —समाज्ञिय. त्रि० (समज्ञित)
छ छनो ध्यायती जेनुं अक्षय्य शक्ति अयुं.
छःछः क थोक गे जिनका ग्रहण हो मके वह
capable of being taken into
groups of six. भग० २०, १०;

छकाय. पुं० (षटकाय) पृथ्वी, अप, तेज, वायु,
वनस्पति अने वस अं छ दायता छय. पृथ्वी-
काय, अपकाय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्प-
तिकाय और व्रमकाय इन ६ प्रकारके जंवाक
समूह-षटकाय. A group of living
beings in the form of earth,
water, fire, wind, vegetable
and moving animals. अणुजो० १२;
सू० १, ११, ८; —रक्षण. न० (—रक्षण)
पृथ्वी आदि छ दाय छविनुं रक्षण्युं
ते. पृथ्वी आदि षटकाय जंवा का रक्षण
करना. protection of the six
kinds of sentient beings. प्रव०

५२४; —रक्षा. स्त्री० (—रक्षा) छ षड्य
छवेनुं रक्षा. षट्काय जीवों का रक्षा.
protection of the six kinds of
sentient beings. प्रव० १३६८;

छग. न० (*) शिष्टा. विष्टा, मल. Dung;
feces. पगह० १, ३;

छगण. न० (*) छाण. गोबर. Dung.
पंचा० १३, १३; —पी०य. पुं० (पाठक)
छाणुना आसन. गोबरका आसना; बैठने का
आसन विशेष. a square seat made
of dung. निरु० १२, ६;

छगणिया. स्त्री० (*) छाणि. उपल; गोबर
के छाण. A dung-cake. अणु० ३, १;

छगल. पुं० (छगल) ऐकंश. बकरा. A
young of a goat. पगह० १, १;
जीवा० ३, ८; (२) ऐथा देवलोका चिन्ह
चिन्ह. चौथे देवलोके के इन्द्र का चिन्ह.
the mark of the Indra of the
fourth Devaloka. आ० २६; (३)
सत्तरमा तीर्थकरनुं चिन्ह. १७वें तीर्थकर का
चिन्ह. the mark of the 17th
Tirthankara. प्रव० ३८२;

छगलग. पुं० (छगलग) जुआ “छगल”
शब्द. देखो “छगल” शब्द. Vide
“छगल” पि० नि० ३१६;

छगलपुर. न० (छगलपुर) ऐ नामनुं शहर.
इस नाम का एक नगर. Name of a
town. विवा० ४;

छच्च. त्रि० (षट्) छ; ६; छ; ६; Six; 6.
भग० १, ५; १५, १; पञ्च० २; क० ग० २,
७; जं० प० ५, ११८; —अंगुल. न०
(—अंगुल) जुआ “छअंगुल” शब्द.
देखो “छअंगुल” शब्द. vide “छअंगुल”

भग० २४, २०; —चत्ताल. स्त्री० (—चत्वा-
गिंशत्) छत्ताविंशती संख्या. छत्तालीस की
संख्या. forty-six. जं० प० ७,
१४७; —मास. पुं० (—मास) छ महीना.
छः मास. six months. उत्त० ३६, १५३;
—सट्. स्त्री० (—षष्टि) छत्सत्ती संख्या.
छासट की संख्या. sixty-six. जं० प०
७, १४७;

✓छज्ज. धा० L. (राजरघुछज्जमहरीहंरहा
इति सूत्रेण राजतेः छजांशः) शोभनुं.
शोभना. To appear beautiful; to
shine.

छज्जति. जं० प० ३, ४५;

छजिआ. स्त्री० (*) छाया; छल वजरे
राज्यानी छाया. छाया; छल वजरे
का टोकरी. A shallow basket for
flowers etc. गय० ३५;

छज्जीवसिया. स्त्री० (* षट्जीवानका—जाव-
निकाय) षट्मां छषड्य छरनी रक्षानो अधि-
कार छ ऐथा दशवैकालिक सूत्रना ऐथा
अध्ययननुं नाम. दशवैकालिक सूत्र के चौथे
अध्याय का नाम, जिसमें षट्काय जीवोंकी
रक्षा का अधिकार है. Name of the
fourth chapter of Daśavai-
kalika Sūtra dealing with the
subject of protection of the
six kinds of sentient beings.
दम० ४; —नामज्झयण. न० (—नामा-
ध्ययन) छषड्विंशत्य नामे दशवैकालिकसूत्र-
ना ऐथा अध्ययननुं नाम. षट्जावनिकाय
नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय.
the fourth chapter of Daśa-
vaikalika Sūtra named Chha-

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५५ की फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

jīvanikāya. दस० ४;

छट्ण. न० (*) सी०युं; छट्णुं.
सींचना; छट्णना. To sprinkle. सु० च०
६, ११;

छट्. त्रि० (षष्ठ) छट्ठुं, छनी पूरण स०ज्या.

छटा Sixth. कप्प० ८; पञ्चा० १६, १२;

कप्प० २; ११४; (२) मे उपवास भेगा

करवा ते. दो उपवास एक साथ करना two

consecutive fasts. भग० २, १; ५;

३, १; २, ७; ७, ७; २४, २०; नाया० १;

६; ७, ८; १६; १६; दस० ४; सूय० १, १,

१, १२; सम० ८; सु० च० २, ३४८; पञ्च०

४; दस० ४; वव० १, ४०; विशेष० ६४१;

पि० नि० ५६०; नाया० ध० ६; दसा० ६,

२; ७, ११; — ऋट्ठम. पुं० (—अष्टम) मे

अथवा त्रयु उपवास करवाते—छट्ठम—अष्टम.

दो अथवा तीन उपवास करना; षष्ठ—अष्टम

तप. the (Chhattha) or (attha-

ma) consecutive fasts. नाया० १६;

—खमण. न० (—खमण) छट् तप; मे

उपवास सु०थे करवा ते. षष्ठ तप; दो उपवास

एक साथ करना. two consecutive

fasts. नाया० १६; अंत० ३, ८; भग० २,

५; —भत्त. न० (—भक्त) पांय टंके

उत्तं घी छट्टे टंके भोजन करवुं; मे उपवास

भेगा करवा ते. पाँच भोजन बेलाओं का त्याग

कर के छठे वक्क भोजन करना; दो उपवास

एक साथ करना. taking food after

two consecutive fasts. आ० भग०

१, १; पञ्च० २८; —भत्तिय. त्रि०

(—भक्तिक) मे मे उपवास करवा वालो. दो

दो उपवास करने वाला. (one) ob-

serving two consecutive fasts.

भग० ७, ६; १४, ७; १६, ४;

छट्टे छट्टे. अ० (षष्ठ पञ्चन) छट्टे छट्टेने पारण

छट्टे तप करवुं ते. छः २ के पारने से षष्ठ

तप करना. Practising an austerity

in which fast is to be broken

every third day. “ छट्टे छट्टेण तवो

कम्मेष ” अणुत्त० ३, १; नाया० १३, १६;

भग० ५, ३१;

छट्टग. न० (षष्ठक) छट्टुं. छटा. Sixth.

भग० ६, १;

छट्टाण. न० (षटस्थान) अनंत भाग

हीनाधिक, असंख्यात भाग हीनाधिक,

संख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण

हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, अने

अनंत गुण हीनाधिक, मे हीना वृद्धिना छ

स्थानकी संख्या. अनंत भाग हीनाधिक,

असंख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण

हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व

अनंत गुण हीनाधिक, इन हीन वृद्धि के छ

स्थानक का संज्ञा. Name of the six

stages of rice and foll namely

more or less or than infinite

parts or divisions; more or less

than immeasurable parts or

divisions; more or less measur-

able or limited vir. tues or pua-

lities; more or less than illimit-

able virtues and more or less

than infinite virtues. पि० नि० भा०

२६; —गय. त्रि० (—गत) छ स्थानक भां प्राप्त

थयेत; १ अनंत भाग, २ असंख्या भाग,

३ संख्या भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्या

गुण, ६ संख्या गुण मे छ स्थानक साथे

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

हीनाधिक रूपे प्राप्त थयेस. छ स्थानकों में पहुँचा हुआ; १ अनंत भाग, २ असंख्य भाग, ३ संख्य भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्य गुण, ६ संख्य गुण, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से संबंध रखने वाला. One who has reached or obtained the 6 stages (1) Infinite divisions, (2) immeasurable parts, (3) measurable or limited parts, (4) infinite virtues, (5) virtues by and measure, (6) virtues that can be counted or reckoned. One who keeps concern with the above six forms of stages in a more or less measure. विशेष १४२:—पडिय. त्रि० (-पतिन) छ स्थानकमां पतिन. छ स्थानकोंमें पतिन. one resorting to six stages भग० २५, ६;

छडिया. स्त्री० (षष्ठिका) छठी उत्पत्ति; छठी जन्म. छडा जन्म. Sixth birth. "इमा-यो छडिया जाई" उक्त १३, ७.

छट्टी. स्त्री० (षष्ठी) छठ; पक्षिनी छट्टी तिथि. षष्ठी: पक्ष की छठी तिथि. The sixth day of a fortnight. जं० पं० ७, १५३; (२) छठी विभक्ति. छठी विभक्ति. the genitive case. जं० पं० पक्ष० २; ३; अणुजो० १२९; विशेष० ६६७; (३) छठी नरक; मघा नामे छठी पृथ्वी. छठा नरक; मघा नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया० १६; —पुटवी. स्त्री० (-पृथ्वी) मघा नामे छठी नरक. मघा

नामक छठी नरक भूमि. the sixth hell named Maghā. जीवा० २; नाया० १६;

छडिय. त्रि० (*) छड़ियुं; छड़ियुं. (शाव-क्षेपद वगैरे) मूलमें से पीट कर दाना को भूसा से अलग करना. Thrashed with a flail; pounded. " तिछडिय सालि " राय० ११८; तंदु० जीवा० ३, ८;

✓ छड् धा० I, II. (छड़) छड़ियुं; तण्युं. छोड़ना; त्याग करना To abandon; to leave; to release.

छड्द. भग० १, ६;

छड्मि. उवा० २, ६५;

छड्ज. वि० विशेष० १४१३;

छड्ज्जा. नाया० २;

छड्ण. वि० दम० ५, १, ८५;

छड्दस्सामि. राय०

छड्दं. सं० कृ० विशेष० १४७१;

छड्द्विह. णि० सु० च० १५, १५७;

✓ छड् धा० 1, II. (छड़) छड़ली डरवी: वमन डरवुं वमन करना. To vomit. छड्ज्जा. आया० २, १, ३, १४;

छड्छड्. पुं० (छड्छड्) सुपटे सोती वज्रने धान्यने ते अवाज थय ते; छड् छड् ऐसे अवाज शब्द-अवाज. छड् छड् ऐसी आवाज. An onomatopoeic word expressive of its sound. नाया० ७;

छड्ण. न० (छड़न) परदवयुं; तण्युं. त्याग देना. Getting rid of (e.g. feces); abandoning. वि० नि० ५२७; ५५६; आया० २, १, ६, ३२;

छडावण. न० (छड़न) छोड़वयुं; तण्यवयुं. छोड़ना; त्याग कराना. Causing to abandon. ओष० नि० भा० २१८;

* जुमो पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटने!ट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कडिय. त्रि० (कर्दित) उलटी करेय; वमन करेय. वमन; वमन किया हुआ. Vomitted. (२) वमन करनेवाले हाथे उलटवाथी साधुने लागतो ऐक अपायुतो दोष. वमन किये हुए के हाथ से भिच्चा लेने से साधु को लगाता हुआ एक एषणा का दोष. A fault connected with alms-begging viz. accepting food at the hands of one who has vomited. पंचा० १३, २६; प्रव० २७६; पि० नि० ५२०;

✓ **कृष्ण** धा० I. (कृष्ण) हिंसा करवी; वध करेवा. हिंसा करना; वध करना. To kill.

कृष्ण. वि० आया० १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६;

कृष्णह. आ० सूय० २, १, १७;

कृष्ण. पुं० (कृष्ण) वध; अपहर. समय; अवसर. Time; moment. (२) हिंसा. हिंसा. killing. (३) उत्सव. उत्सव. a festivity. आष० नि० ८८: —**ऊप-वि.** त्रि० (-ओत्सविक) ओत्सव भंडो-छवे पहरेवा ओत्सवानुं. उत्सव महोत्सव के प्रसंग पर ओढने व पहिने का. holiday apparel. निसी० १५, ३५: —**पद.** न० (-पद) हिंसास्पद; हिंसानुं स्थान. हिंसा का स्थान. an abode of the sin of killing. आया० १, २, ६, १०२;

कृष्णिय. त्रि० (कृष्णिक) क्षुब्धगुण. क्षण भंगुर. Transitory; transient. (२) महोत्सव. महोत्सव. a great festivity. नाया० ५;

कृष्ण. त्रि० (कृष्ण) ढाँकेयुं; संताड़ेयुं; छानुं. ढका हुआ; छिपाया हुआ; गुप्त. Covered; concealed; hidden. निसी० १२, ६; आष० नि० १६८; (२) जल समुदाये

भरी बोजन करयुं ते. भोजन सम्मेलन. feasting; a feast; a dinner-party. नाया० २; (३) छन्दोदिनो भंडो-त्सव. इन्द्रादि का महोत्सव. a festivity of Indra etc. भग० ६, ३३; नाया० १;

कृष्णाल. न० (कृष्णालक) त्रिकाष्टिक; संन्यासीनुं ऐक उपकरण. त्रिकाष्टिक; संन्यासी का एक उपकरण. A wooden implement used by a Sannyāsi (an ascetic). भग० २, १; नाया० ५; आष० ३६;

कृष्णिय. पुं० (कृष्णिक) ऐ नामनो ऐक कसाध. इस नाम का एक कसाई. Name of a butcher. विवा० ४;

कृत्त न० (कृत्त-आतपं छादयति तत्) छत्र: छत्र. कृत्त; छाता. An umbrella. कप० ४, ६२; प्रव० ४४१; १२२८; आष० १०; २७; अणुतो० १३१; सूय० १, ४, २, ६; टा० ५, १; सम० १४; ३४; नाया० १; ३; ५; ८; १२; भग० १, १; २, १०; ५, ४, ७, ६; ८, १०; दसा० १; १; ३; वव० ८, ५; पञ्च० २; निसी० ६, २२; आष० नि० आ० ८५; जवा० ३, ३; राय० ६८; सु० च० १५; २६; जं० प० ५, ११७; विवा० २; नाया० ५; दस० ३, ४; उवा० १, १०; (२) यंद्र वगेरेतो छत्राकारे थतो नक्षत्र साथेनो योग; छत्रयोग. चंद्रादि का नक्षत्र के साथ कृत्तकी आकृतिके अनुसार होता हुआ योग; कृत्तयोग. the conjunction of the moon etc. with a constellation presenting the appearance of an umbrella. सू० प० १२; —**अत्ति** कृत्त. न० (-अत्ति कृत्त) अगवाननो ऐक अतिशय; अगवानना साथे छत्रउपर छत्र धारण थाय ते. कृत्तवर कृत्त धारण करना; अगवान का एक अतिशय. holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc. नाया० १; ५; भग० १६, ५; मृ० प० १२; —कार. पुं० (कार) वृत्तान्तात्तर. छत्र बनाने वाला. a maker of umbrellas. अणुजो० १३१;

—ग्गाह. पुं० (ग्राह) वृत्तने धारण करनेवाला. छत्र को धारण करने वाला. one who holds an umbrella. निर्मा० ६, २४; —तय. न० (- त्रय) उपरि उपरि त्रय छत्रा; वृत्त उपरि वृत्त त्रेता उपरि वृत्त. ऊपरा ऊपरा तीन छत्रा; वृत्त के ऊपर वृत्त व उपपरभा छत्र. three umbrellas; one held over the other. प्रव० ४५१; —धारि. त्रि० (- धारिन्) वृत्त धरनेवाला. छत्र धारण करने वाला. (one) who holds an umbrella. भग० १३, ११;

—रयण. न० (- रत्न) चक्रवर्तीना आदयस्त्वन्मनु नवमु रत्न. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से नवमा रत्न. the ninth of the fourteen jewels of a Chakravarta. डा० ७. १; जं० प० पञ्च० २०;

—लक्षण. न० (- लक्षण) वृत्तना प्रत्यक्ष परीक्षाती अर्थ क्षता. वृत्त के लक्षणों की परीक्षा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella. नाया० १; —संस्थि. त्रि० (- संस्थित) वृत्त संस्थित; वृत्तने आकारे रक्षित. वृत्त की आकृति वात्ता. having the form of an umbrella. उन० ३६, ५७;

वृत्तग. न० (वृत्तक) वृत्त; वृत्त. वृत्त. छाता. An umbrella. आया० २, ३, २, १२०;

(२) संन्यासीनृ अर्थ उपदेश. संन्यासी का एक उपकरण. an implement used by an ascetic. सूय० २, २, ४८;

वृत्तगता. स्त्री० (वृत्तकता) वृत्तने आकारे अर्थ वनस्पतिपात्र. वृत्त. के आकार में एक प्रकार का वनस्पतिपत्र. State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella. मय० २, ३, १६;

वृत्तपलास्य. पुं० (वृत्तपलाशक) कन्याया नगरती आदरेना अ नामने अर्थ अग्रेया. कन्यागला नगरी के बाहर का इस नाम का एक बगीचा. Name of a garden outside the town named Kayaṅgala. “ वृत्तपलास्य नाम चेदृष्य होत्या ” भग० २, १;

वृत्तप. न० (वृत्तक) वृत्तने “ वृत्तग ” शब्द. देखा “ वृत्तग ” शब्द. Vide “ वृत्तग ” भग० २, १;

वृत्तरि. स्त्री० (वृत्त सति) छाने; वृत्तनी संख्या; वृत्तनरः ७६. Seventy-six; 76. क० मं० ६, ३१;

वृत्ता. स्त्री० १ (वृत्ता) अनन्तकाय विशेष. अनन्तकाय विशेष. A variety of Anantakāya. भग० २३, ३;

वृत्तार. पुं० (वृत्तकार) वृत्तान्तात्तरकारीय. छाता बनानेवाला कारागार. A maker of umbrellas. पञ्च० १;

वृत्ताह. पुं० (वृत्ताभ) अर्थ वृत्त-के वृत्ती हें; वृत्त श्रीपद्मप्रभ तीर्थधरने देवजनान ययुं हें. एक वृत्त कि जिसमें नीचे वृत्त आ पद्मप्रभ तीर्थकर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Śrī Padmaprabha attained to omniscience. सम० प० २३३;

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

वृत्ति. त्रि० (वृत्तिन्-वृत्तमस्यास्तानि) वृत्त वागो; वृत्त वागो. वृत्तवाला; वृत्तिवाला. Having an umbrella; possessed

of an umbrella. भक्त० ८, १०;
अणुत्रो० १३१;

छत्तोअ. न० (छत्रौक) छत्राक्षर वर्षाद पृथी
नरत उगती अेक वनस्पति ँ गेते लेकि-
भीदानी अणी कहे छे ते. छत्र की आकृति
के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली
एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग
कहते हैं A kind of umbrella-
shaped vegetation sprouting
up immediately after the set-
ting in of monsoon; mush-
rooms; fungi. पत्र० १;

छत्तोवग. पुं० (छत्रापग) अेक वृक्ष
एक प्रकार का झाड़. A kind of tree,
आव० जीवा० ३, ४;

छत्तोह. पुं० (छत्रोघ) अे नामनुं जाड; वृक्ष
विशेष. इस नाम का वृक्ष; वृक्ष विशेष.
Name of a particular kind of
tree. पत्र० १; भग० २२, ३:—वरा.
न०(—वन) छत्रोह वृक्षानुं वन. छत्रोह
जात के वृक्षों का वन. a forest of the
trees of the Chhatroha kind.
भग० १, १;

छद्. न० (छद्) पां०: पिच्छुं. पंख; पर.
A wing; a feather. उत० ३४, ६;

छधा. अ० (षोढा-षड्भिःप्रकारैः) छ प्रक्षरे.
छः प्रकारसे. In six ways or modes.
विशे० ६००; क० गं० १, ३८;

छन्न त्रि० (छन्न) गुप्त राखित; छपटथी आश-
यते गोपनी अन्यथा ओक्षित. गुप्त, भेदयुक्त.
Hidden; secret; dissimulated.
सूय० १, ६, २६; भग० २५, ७; (२) खी० पी० ग
न गज्जो तेरी रीते गुप्त सन्देशो पढोयाउनार

अेक दूती. औरों को ज्ञात न हो इस प्रकार
सन्देशो पहुंचानेवाली दाम्नी-दूती. a female
servant who conveys a mes-
sage without letting others
know it. कप्प० ६, २६; पि० नि० ४२८;
—अक. पुं० (—अर्क) वादगाथी दंक्षयेव
सूर्य. बादल से ढका हुआ सूर्य. the sun
hidden behind clouds. विशे० ४६८;
—पअ-य. न० (—पद्) छपट; भाषा.
कपट; माया. deceit; fraud; foul
play. सूय० १, ४, १, २, —पद्. न०
(—पद्) मायास्थान; छपट. मायास्थान;
कपट deceit; fraud; foul play.
सूय० २, ६, ३५;

छन्ना खा० (छन्ना) जुओ “छन्नपअ” शब्द.
देखो “छन्नपअ” शब्द. Vide “छन्न-
पअ” सूय० १, २, २, २६;

छव्वअ. पुं० (*) बांसनी धीधरणी;
आवणी. बांसकी चननी. A sieve of
bamboo. आया० २, १, ८, ४३; ओष०
नि० २५८; पि० नि० २६१;

छव्वग. खा० (*) रोटली वज्जुवाली
पाटली; आपरीआ. रोटी बनानेका पाटा.
A wooden board on which
bread is made. पि० नि० २७९;

छव्वंग. पुं० (षड्भङ्ग) छ षंग. छ षंग.
Six classifications. भग० ६, ४;

छव्वामरी. खी० (षड्धामरी) वीणा; सतार.
सितार; वान. A harp; a flute. नाया०
१७;

छम्मुह. पुं० (षण्मुख) विमलनाथज्जना यक्षनुं
नाम. विमलनाथजी के यक्ष का नाम.
Name of a Yakṣa of Vimala-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

nāthaji. प्रव० ३७६;

छरु. पुं० (त्सरु) तलवार की मुठ. तलवार की मूठ. The handle of a sword. ओव० १०; जीवा० ३, ३; पगह० १, ४;—**पवाय-** पुं० (—प्रवाद) तलवार की मुठ पकड़ी ईश्वरवा- नी कला. पटेबाजी. the art of fencing. ओव० ४०; नाया० १;

छल. त्रि० (षट्) छ. छः. विशेष० ६०१;—**अस.** पुं० (—अंश) छअंश. छःअंश. six parts. भग० ६, ५; पगह० १४५७; जं० प० ३, ५४; (२) छटो भाग. छटा हिस्सा. sixth part. “अगुरुलहु चउ चलंमि तीसंते” क० गं० २, १०;—**असा.** स्त्री० (—अंश) छ प्रकृतिनी सत्ता. छः प्रकृतियों की सत्ता. the existence of six Prakritis. क० गं० ६, ६;—**छै.** त्रि० (—अर्ध-साध्य-पंचकम्) अक्षपांच. साडे पांच. five and a half. विशेष० १४०१;—**सीइ.** स्त्री० (—अशीति) अष्टा; ४६ छियासी. eighty-six; ६६ क० गं० ६, ३१; सम० ८६; भग० २, ८;

छल न० (छल) छल; छपट—आँखना पयनने पोतानी मल्लकपतावडे असत्य शरी अताववुं. छल, कपट.—आँखों के वचन को अपनी दृष्ट कल्पना से असत्य कर दिखाना. Fraud; deceit; proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself. विशेष० १६०७;—**आयतण.** न० (—आयतन) छल-वाद-नो ओक दोष तेमूं स्थान. छल-वाद का एक दोष उमका स्थान. an abode of fallacious dispute or controversy. “आहंसु छलायतणं च कम्मं” सूय० १, १२, ५;

छलगा. स्त्री० (छलना) छेदतुं; छलभेद.

ठगना; छलभेद. Deceit; fraud. ओघ० नि० ७८५; पि० नि० १६०;

छलिअ. त्रि० (छलित) छपट दिगरेथी आ-येअ. कपट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceiv- ed; cheated; imposed upon. नाया० ६; विश० १६०७; पि० नि० ६३४;

छलुअ. पुं० (पडलूक) जुआ “छलुग” शब्द देखो “छलुग” शब्द. Vide “छलुग” शा० ७, १;

छलग. पुं० (पडलूक) वैशेषिक मतना स्था-पनाइ छपट मुनि. वैशेषिक मत के स्थापक कणाद मुनि. Kanaḍa, the founder of the Vaiśeṣika tenet. विशेष० २३०२;

छलूय. पुं० (छलूय) आर्य महागिरिना शिष्यतुं नाम. आर्य महागिरि के शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Mahagiri कण० ८,

छल्ली. स्त्री० (छल्ली) त्वचा; अक्षर; अक्ष. त्वचा, छाल. Skin; bark. विवा० १; नाया० १३; १४; अणुजा० १; पल० १ शय० ५३;—**खाअ.** त्रि० (—खाद) अक्षरने आतार ओक वनतने शीघ्र छाल को खाने वाला एक प्रकार का कीड़ा. an insect or worm eating the bark of trees. शा० ४, १;

छवि. स्त्री० (छवि-छयति आयावरं छिनत्ति वा तमः) आभरी; अक्ष. त्वचा, चमड़ा; छाल. Skin; bark. शा० २, ३; जं० प० प्रव० ४३६; (२) शरीर. शरीर. a body. भग० ५, ४; ७, ६; (३) कृति; तेज. सौन्दर्य. lustre; beauty. कण० ३, ३४; जीवा० ३, १; (४) पात्र योत्रा वगैरे धान्य. चोले वगैरह धान्य. a variety of pulse. दम० ७, ३४;—**खाय.** पुं० (—खाद) सुवर प्रभुअनी आभरी आतार.

सुअर वगैरह की चमडी को खाने वाला.
one who eats the skin of pigs
etc. नसी० ६, १०; —चाण न० (—चाण)
आमडीनुं रक्षण करे वाला रक्षक आमडी विंगरे.
त्वचा का रक्षण करने वाला वस्त्र कम्बल
वगैरह. any kind of cloth (e. g.
a blanket etc.) protecting the
skin. उत्त० २, ७; —छेद. पु० (—छेद)
आमो छविच्छेय) शब्द. देखो “छविच्छेय”
शब्द. vide “ छविच्छेय ” ठा० ७, १;
भग० ८, ३; ११, १०; १४, ८; १५, १;
—च्छेय. पु० (छेद) हाथ, पग, नाक, कान
वगैरे क्षय होने से अक्षयतनी दण्ड नीति.
हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना;
इस नामका दंड नीति. punishment
by mutilation of limbs. जवा०
३, ३; राय० २६०; ज० प० नाया० ४; पंचा० १,
१०; —पट्टन० (—पट्टन) जेभां दाउना सांधा
अने आमडी वगैरे छे तेनुं शरीरः छिन्न शरीर.
ऐसा शरीर जिसमें हड्डियो की जोड़ व त्वचा
वगैरह है. the physical body con-
sisting of bones, skin etc. उत्त०
२, २४;

छवि. ली० (छवि) नाश; क्षय. नाश; क्षय.
Destruction; ruin. भग० २५, ७;
—कर. त्रि० (—कर) छेदेने क्षय
करे वाला. जीवों का क्षय करने वाला. (one)
who destroys or kills living
beings. भग० २५, ७;

छविसि. ली० (षड्विंशति) असी छव्यास
Twenty-six. विवा० १;

छविह. त्रि० (षड्विध) ७ प्रकारनुं. छः
प्रकार का. Of six kinds or modes.

सम० ६; भग० १२, ४; दसा० ४, ३८;
४५; ४६; ७, १;

छवीइय. त्रि० (छविमत्) कान्तिवाणुं.
तेजस्वी; कान्तितवान. Beautiful; lus-
trous. ओव० १०; आया० २, ४, २, १३८;
छविह. त्रि० (षड्विध) ७ प्रकारनुं. छः
प्रकार का. Of six kinds or modes.
वेय० ६, २०; पि० नि० ५; भग० ६, ७; १६, ८;
२५, ६; ७; विशेष० ३००; —बंधय. त्रि०
(—बन्धक) मोह अने आयुष्यकर्मने छोड़ी
आधीना छ कर्मनुं बन्धन करे वाला. मोह
आर आयुष्यकर्म को छोड़कर शेष छः कर्मों
का बन्धन करने वाला. one who incurs
Karma of six kinds i. e. all
save those called Moha and
Āyus. भग० ६, ६;

छहा. अ० (षोडश) ७ प्रकारे. छः प्रकार से.
In six ways or modes. क० गं०

छछाअ. त्रि० (*) भूखुं. भूखा; जिसको लुभा
लगा हो वह. Hungry. पि० नि० ६६३;
छाआ. ली० (छाया) छाया; पदार्थो. छाँव.
Shade; shadow. ओव० दसा० ७, १;

छाइय. त्रि० (छादत) ढँकेलुं ढँकाहुआ.
Covered. नाया० १;

छाउमस्थ. त्रि० (छागस्थ) अग्रस्थ संयंथी.
छगस्थ सम्बन्धा. Pertaining to a
Chhadmastha (i. e. one not
free from attachment. राय० २४३;

छाउमस्थिय. पु० (छागस्थिय) अग्रस्थ
अस्थिभां रहित. छगस्थ अवस्था में रहने
वाला. One in the stage of being
Chhadmastha. (i. e. one not

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

free from attachment. भग० १३, १०;

छागलिअ. पुं० (छागलिअ) ओझा भारतार
कसाई. कसाई. A butcher. विवा० ४;

छाण. पुं० न० (छादन) छाणदिकती ५५;
अ०. दर्भादिक का छत. A cover of
grass etc. “छाणोकिवाह” भग० ८, ६;

छाण. न० (*) छाण. गोंबर.
Dang प्रव० ४४०; —उज्झिया. स्त्री०
(-उज्झिया) छाण. वासीदुं वागनारी;
छाण. उपाधारी गोंबर इत्याद साफ करने
वाली स्त्री: गोंबर उछाने वाली. a female
servant who clears off dung,
refuse etc. नाया० ७;

छादण. न० (छादन) छादणुं. आच्छादन
करना. Act of covering. भग० ११,
११; जांवा० ३, ४; पंचा० १२, १२: पगह०
२, ३;

छाय. वि० (छत) छायाघातशी प्रत्युभुत.
कलाघात से प्रणामुक Not wounded
by blow etc. दस० ६, २, ७;

छायंसि. वि० (* छायावन) छाया-शरीरनी
शोभावाणुं. शारीरिक सौन्दर्य वाला; दर्शनाय.
Beautiful; possessed of physical
beauty. सम० प० २३५;

छायण. न० (छादन) छाण विधेरेथी छादणुं;
आच्छादन. दर्भ वगैरह से छांक देना-आच्छा-
दन कर देना. Act of covering with
anything e. g. Durba grass
etc. आया० २, २, ३, ८७; पंचा० १२,
१२; प्रव० ८७६; (२) धर उपाधनुं वांस
अपाठ विधेरेनुं भाण्य-वण्य घर का
छत. a roof of a house. वि० नि०

३०३; (३) पत्र; छपुं. वस्त्र; कपडा.
cloth; a garment. नाया० १: तंदु०

छाया. स्त्री० (छाया) छाया; छाया. छाया:
छांव. Shade; shadow. उत्त० २८,
१२; छा० २, ४; वि० नि० भा० ३४; वि०
नि० १७२; अणुजो० १२७; दसा० ७, १;
मृग० २, १, ४२; पत० १६; भग० १, ६;
१४, ६; १५, १; नाया० १५; कप० ५,
१०७; प्रव० ७६५; (३) छांति. दीप्ति.
कांति; दीप्ति. lustre; brightness.
आव० १०; २२; राय० ४६; पत० २; जं०
प० नाया० १०; भग० १, ६; २, ८; (३)
ओझा (ओझा) ने ओझा पंक्ति-
पंति. भोजन करने के लिये बैठा हुई पंक्ति. a
row of persons sitting at
dinner. जं० प० ७, १६२;

छायल. स्त्री० (पट्चवारिशन) छाया
‘छायालीस’ शब्द. देखें. “छायालीस”
शब्द. Vide. ‘छायालीस’ पत्र० २; क०
गं० ६, २७;

छायालीस. स्त्री० (पट्चवारिशन) छायालीस:
४६. छायालीस; ४६. Forty-six; 46.
सम० ४६; वि० नि० ६५६;

छायोवअ. पुं० (छायोपग) छाया वाला वृक्ष
आ०. गहरा छाया वाला वृक्ष. A densely
shady tree. छा० ४, २; नि० ३, ८१;

छार. न० (छार) राख; भरभ: वाली. राख:
भस्म. Ashes. वि० नि० ३१४; विशेष०
१२५६; (२) छाव. कांच glass. विशेष०
३४०६; (३) आरे. संवारा. any kind
of salt. जं० प० नाया० २: —उज्झिया.
स्त्री० (-उज्झिया) राख वागनारी स्त्री.
राख भाडने वाली स्त्री. a female

* जुओ ५४ न० ५२ १२ नी फुटनोट ()
foot-note (*) P. 15th.

() देखें दृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide

who sweeps off ashes. जं० प०
छारिअ-य. न० (छारिक) भरम. राख;
भस्म. Ashes. भग० २, २; —राशि
पुं० (-राशि) भरभोला ढगढो. राख का
ढेर. a heap of ashes. दस० २, १, ७;
छारियभूय. त्रि० (चारीभूत-अकारं अभस्म
चारं भस्म भवतीति) राख जेवुं थयेजुं.
राख जैसा बना हुआ. Reduced to
ashes भग० ५, ६; ७, ६;

छारिया. स्त्री० (चारिका) राख. राख.
Ashes. भग० ५, २; १८, ६;

छारीभूय. त्रि० (चारीभूय) जुओ " छारि-
यभूय " शब्द. देखो " छारियभूय " शब्द.
Vide. " छारियभूय " भग० ३, १;

छावदिढ. स्त्री० (षट्षष्टि) छयासठ; ६६.
छाँछठ; ६६. Sixty-six; 66. जं० प०
७, १३४; विशे० ४३५; ७१८; सम० ६६;
भग० २७, २०; पञ्च० ४;

छाव. पुं० (शाव) अन्ध; आलस. बालक;
बच्चा. A young one; a baby. नंदा०
स्थ० ४६; सुय० १, १४, ३;

छावत्तरि. स्त्री० (षट्सप्तति) छेतिर; ७६.
छायोत्तर; ७६. Seventy-six; 76.
सम० ७५; भग० २४, १२; जं० प० ७, १२६;

छासठि. स्त्री० (षट्षष्टि) छयासठ; ६६. छाँछठ;
६६. Sixty-six; 66. भग० ८, २४, १;

छासीइ. स्त्री० (षडशीति) छयासी; ८६.
छियासी; ८६. Eighty-six; 86. भग०
२०, ५;

छिडी. स्त्री० (*) छींड़ी-नानो भाज;
पारी. बारी; छोटी .खिडकी. A small
back-door; a small window or
gate. नाया० २;

*छिक्क. त्रि० (छीकृत) छी-छी करेहुं. तिरस्कृत.
Dispised; condemned. विशे० ३३७;
१७५४; पिं० नि० १८६; १९५; पिं० नि०
भा० ३७;

छिक्कंत. त्रि० (*) छींक्कुं. छींकता हुआ.
Sneezing. सु० च० ४, २२६;

छिच्छिकार. पुं० (छिच्छिकार) कुतरा पगेरेने
छाँक्याने छि छि-छत छत पगेरे शब्द छडेवो
ते. कुत्ता वगैरह को निकालने के लिये छिच्छि
हत-हत वगैरह शब्दों का कहना, Utter-
ing the sound Chhi-Chhi or
any similar sound to drive
away dogs etc. पिं० नि० ४५१; पिं०
नि० भा० १२४;

छिड्ड. न० (छिद्र) छिद्र; काष्ठ; आँकार. छिद्र.
A hole; an opening. विशे० १४६२;
(२) दोष. दोष; अपराध. a blemish;
a fault. राय० २८३; (३) आकाश.
आकाश. the sky. भग० २०, २;

छिड्डिया. स्त्री० (छिद्रिका-छिद्राणि विघ्नन्ते-
स्यामिति) आलस्य. चलनी. A sieve.
नाया० ८;

छिरण. त्रि० (छिज्ज) छेदेहुं; कापेहुं. काटा
हुआ. Broken; cut off. उत्त० १४,
२६; १५, ७; आव० ३८; सम० १२; आया०
१, १, ५, ४६; भग० ८, ३; ६; ६, ३३;
१३, ४; १६, ६; नाया० १; १६; १८; पञ्च०
१५; —आवाय. त्रि० (-आयात-छिज्ज
अपगत आयातेन्यान्वयत आगमनम् यस्मिन्)
जोभां जेवुं आवयुं न अने जेवुं स्थान-पर्वत
जंगल पगेरे. जिसमें जाना जाना न हो सके
ऐसा स्थान-पर्वत जंगल वगैरह. (any-
thing) inaccessible e. g. a

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

mountain, a forest etc. नाया० १५; भग० १५, १; वेय० ४, २६; —**ज्वाला**. स्त्री० (-ज्वाला) छेदायेत अग्निनी शिखा; जेनी ज्वाला-ज्वाला छेदात ज्वाला छे ते छिदा हुई अग्निनी शिखा; जिसकी ज्वाला छिद गई हो. a broken flame of fire; (fire) with broken flame. नाया० १; —**भिण्ण**. त्रि० (-भिण्ण) छिन्न भिन्न थर गयेत. छिन्न भिन्न बना हुआ. scattered; at sixes and sevens; in a condition of disorder. “ छिण्ण भिण्ण ब्रह्मिरियाहिय ” विवा० ३; —**रुहा**. स्त्री० (-रुहा—सत्यपिछिन्ना पुनरासहताति) डापी नापी देय तोर डये अयी अड वननी वनस्पति (गज्जली). काट डाला जाव तब ही उगे ऐसा एक प्रकार की वनस्पति. a species of vegetation which grows only if it is pruned. (Gajuch). पत्र० १; विवा० ३; भग० २३, १; —**सल्लग**. त्रि० (-सल्लग) जेमां पर्वत छेदाते पडी गयेत छे अये भाग पड़ेरे. ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो. a road etc. obstructed by a mountain which has broken and collapsed. नाया० १८; —**सोय**. त्रि० (सोतम्) जेता संसार प्रवाह छेदात गये छे ते. जिस का संसार प्रवाह छेदा गया है वह. one whose worldly relations are cut off. जं० प० २, ३१;

***छिन्न**. त्रि० (*) स्पर्श करेयु; अङ्केयु. स्पर्श किया हुआ; छुआ हुआ. Touched; in contact with. पि० नि० ५३९;

छित्तरा. स्त्री० (*) छापड़े; छत. छत. A roof; a ceiling. “ छित्तरा उक्कयाइ ” भग० ८, ६;

छित्तार. त्रि० (छेत्) छे; करतार; नाश करतार. नाश करने वाला. One who cuts off or destroys. आया० १, ७, ३, २०६; प्रव० १३१;

छिद्द न० (छिद्) जुआ “ छिद्द ” शब्द. देखो “ छिद्द ” शब्द. Vide “ छिद्द ” भग० ३, ३; नाया० २; ८; राय० २५४; पत्र० २; —**पेहि**. त्रि० (-पेहिन्) छेद देतार. छिद्द का देखने वाला. (One) who looks to the weak points of others. रा० ५, १; —**अंत**. पुं० (-अंत) छिदतो अंत-छेदा. छिद्द का अन्त-किनारा. end of a hole. “ छिद्द हंसते ” भग० १, ६;

छिन्न. त्रि० (छिन्न) जुआ “ छिण्ण ” शब्द. देखो “ छिण्ण ” शब्द. Vide. “ छिण्ण ” उक्त० २, ५; पि० नि० ५८४; दस० ८; भन० ३२; (२) निमग्नित रीते जुहुं पांडु; विभाज करेत्. नियमित रीति से विभक्त. divided; separated. पि० नि० २३१; ३८४; —**कथंकथ**. त्रि० (-कथंकथ-छिन्ना-द्वेषाकृता कथंकथा रागद्वेषादयं असौ) दूर करी छे रागद्वेषादिक कथा जेले. जिस ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह. (one) who has banished talk involving passion, hatred etc. आया० १, ७, ६, २२२; —**ग्रंथ**. त्रि० (-ग्रन्थ) ग्रंथ-परिग्रहनी गाँठ-आसक्ति जेले छेदी नापी छे ते. ग्रंथ-परिग्रह की आसक्ति जिसने हटा

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दी हो वह. (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कण० ५, ११६; —पक्ख. त्रि० (—पक्ख) कपायेत् छे पांभा जेनी ते. कटे पंख वाला. having the wings cut off. भक्त० १४१;

छिन्नछेयणादय. त्रि० (छिन्नछेदनयिक) जे सूत्र के गाथा स्वतंत्र अर्थ दशावे गी० सूत्र के गाथानी अपेक्षा न राखे ते छिन्न छेदनयवाचुं कहैवाय जेम-धम्मोभंगस मुक्तिदम. जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ बता सके, दूसरे सूत्र या गाथा का अपेक्षा न रखता हो. (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse; e. g. "religion is the highest good." सम० २२;

छिन्नाल पुं० (*) दसडी गनने वाला के घोड़ा. हान जाति का बैल या घोड़ा. An ox or a horse of a low breed. उक्त० २७, ७;

छिप्प. त्रि० (स्पृश्य) स्पर्श करने के योग्य. Worthy of being touched. सू० च० ८, २७;

* छिप्प. न० (*) पूंछ. पूंछ; दुम. A tail. विवा० २;

छिप्प. न० (छिप्र) जल्दी; उतावले. जल्दी; शीघ्रता से. Soon; quickly. विवा० १; नाया० १८; —तूर. न० (—तूर्य) उतावले वागनार वाजुं. जोर से बजने वाला ताजा. a musical instrument which gives out tunes in rapid suc-

cession. "छिप्पतूर्यं वज्रमायेयं" विवा० १; नाया० १८;

छिप्पतर. त्रि० (छिप्रतर) उतावले. Hasty; very quick. विवा० ३;

छिरा. स्त्री० (शिरा) नाडी; नस. नाडा. An artery. जावा० १; सूय० २, २, १८; भग० १, ५; ६, ३३;

छिरिया. स्त्री० (क्षीरिका) जेक वनस्पति; कन्द विशेष. एक वनस्पति; कन्द विशेष. A kind of vegetable with bulbous root. जावा० १;

* छिलिय. न० (*) सीतकारे करवा ते. सी २ का आवाज करना. Act of uttering a sibilant sound. पण्ड० १, ३;

छिवट्ट. त्रि० (सेवात्) छेवट्ट संघयण; छ संघयणुमानं छुं संघयणु छः संघयणं से छटा संघयण. The last of the six kinds of Singhayanās (i. e. physical structures of bones etc.). क० गं० २, ४; ५, ४४;

* छिवा. स्त्री० (*) आभ्राने तानेवा; आभ्राने चमडे का चाबुक. A leathern whip. पण्ड० १, ३; —णहार. पुं० (—प्रहार) आभ्राने भार. चाबुक का मार. a lash of a whip. नाया० २; १७;

* छिवाडिया. स्त्री० (*) भोजसींग; भोजसी. सुमफली. A ground-nut. पत्र० १७; (२) आडनी काज का छाल. bark of a tree. दसा० ६, ४;

छिवाडी. स्त्री० (*) सींग; क्षी. फली. A pod. आया० २, १, १, २; दस० ५, २, २०; जावा० ३, ४; राय० ५५; पव० ६७१; —पांथ. न० (—पुस्तक) पुस्तकना पांथ

प्रकारमाने ऐक; ने पुस्तकी पड़ोसध
 पधारे अने लमछ ओछी छैय ते पुस्तक.
 पुस्तक के ५ प्रकारों में से एक; जिस पुस्तक
 की चौड़ाई अधिक व मोटाई कम हो ऐसा
 पुस्तक. one of the five varieties
 of the shapes of books; viz. a
 book which is very thin but
 whose breadth is very great.
 प्रव० ६७५; —मिन्न. त्रि० (-मात्र)
 सिंग-इली प्रमाण. फर्ला के परिमाण का.
 of the size of a pod. प्रव० ६७६;
छीअ. न० (चुन) छीक. छीक A sneeze.
 आव० १, ५, ६, ४;
छीइत्ता. सं० क० अ० (*) छीक आर्नि;
 छीइने. छीककर. Having sneezed.
 ज० प० २, २५; जीवा० ३, ३,
छीय. न० (चुन) छीकयुं ते; छीक. छीकना;
 छीक. Sneezing; a sneeze. विश०
 ५०१; नंदी० ३८;
छीया. स्त्री० (चुता) छीक आरी. छीक
 आना; छीक. Act of sneezing; a
 sneeze. आघर्नि० ६४२;
छी. स्त्री० (चीर) छी; इधतली ऐक
 साधारण वनस्पति. दूध जैसे रस वाली एक
 साधारण वनस्पति. A vegetation
 containing milky juice and
 having infinite lives. भग० २२,
 १; पञ० १;
छीरल. पुं० (चीरल) लुण्पर सर्प विशेष.
 भुजपर सर्प विशेष. A particular
 kind of serpent. पगह० १, १;
छीरिवारि.या. स्त्री० (चीरिवारिका) कन्द
 विशेष. कन्द विशेष. A particular

kind of bulbous root. भग० ७, ३;
 पञ० १; जीवा० १;

छुछुकार. पुं० (छच्छकार) कुतराने छु छु-
 अ प्रमाण शब्द धरेवा ते. कुते से छु-छु
 ऐसे शब्द करना. Calling a dog by
 the sound "chhu-chhu". आया०
 १, ६, ३, ४;

छुडियवर. न० (*) आभरण विशेष.
 आभरण विशेष. A particular kind
 of ornament. जीवा० ३, ३;

छुअ त्रि० (* लुण्ण) नपुंसक. नपुंसक; नामर्द.
 Impotent. पि० नि० ४२५;

छुयायार. त्रि० (चुताचार) आभी भरेद;
 आचारवाले. दोष युक्त आचार वाला.
 Faulty or defective in right
 conduct. वव० ६, २०;

छुर. पुं० (चुर) अस्त्र; सक्षिप्ता. उसतरा.
 A razor. पंचा० १०, ३२; —घर.
 न० (-गृह) वासंती अस्त्रा वजेरे
 राखानी कैथली. नाई का उसतरा वगैरह
 रखने का थैली. a barber's bag for
 keeping in razors etc. सू० प०
 १०; ज० प० १७, १५३; —मुंड त्रि०
 (-मुण्ड) अस्त्राशी भायुं मुण्डनार.
 उसतर से मिर मुंडाने वाला. (one)
 who gets his head shaved by
 means of a razor. पंचा० १०, ३२;

छुरय. पुं० (चुरक) निवडनुं जाड के जेना
 दूध सुगंधी अने तनता दूध जेना थाय छे
 तथा दूध भीस अने तपधाना जेना थाय छे.
 तिलक का वृक्ष; जिसके फूल सुगन्धयुक्त व
 तिलके फूल जैसे होते हैं व फल मांठ व
 पांवल के फल जैसे होते हैं. A variety

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits; the Tilaka tree. पत्र० १;

बुरिया. छा० (बुरिका) छरी. छुरी. A small knife. उत्त० १६, ६३;

बुहा. ब्री० (बुधा) युतो; धर्मीयुतो. चूना. Lime; chunam श्राव० नि० ३२४;

बुहा. ब्री० ((बुधा) भूष. भूषः बुधा.

Hunger 'बुह'समावेयणावस्थि'गच्छा०

२; पि० यि० ६६३; नाया० १; १३; १८;

पत्र० २; राय० २५८; सु० च० ३. १८३;

—कर्मन्त. न० (-कर्मन्त) क्षुधापरिधर्म;

आत्मियुते रसोऽपि निपन्नयवानुं स्थानं बुधा

परिकर्म; ब्राह्मणको रसोऽपि वनानं का स्थान.

a place for a Brāhmana to

cook food; a kitchen. दसा० १०.१;

—परिसह. पुं० (-परिषह) भूयते

परिषह; भूयसादनं करी ते. बुधा सहन

करना. bearing the affliction

caused by hunger. भग० ८, ८;

—वेद्यणिज्ज. न० (-वेदनीय) क्षुधा वेदनीय

धर्म; वेदा उदयथी भूय वाजे छं ते धर्म.

बुधा वेदनीय कर्म; जिसके उदयमे

बुधा लगती है वह कर्म. the Karma

by the rise of which one feels

hunger. ठा० ४, ४;

बुहिय. त्रि० (बुधित) भूयन्तु; भूयन्त.

बुधित; बुधानुर. Hungry. नाया० १४;

छूड. त्रि० (*) नाभ्यु; ईडेडुं. फंकाहुआ;

डालाहुआ. Thrown; flung. पि० नि०

६८; २५४; ५२२; उत्त० २५, ४०;

र-य. त्रि० (छेक) व्यसरेतो गन्तुनार.

कृशव; दोशीवार. सन्य को पहिचानने वाला;

कुशल; समय सूचक. Clever; (one)

who knows what to do at a

particular time. सूय० १, १४, १;

श्राव० ३०; ३१; जीवा० ३, १; आया० १,

५, १; १४४; भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

१६; पण्ड १, ३; विशेष० ११४५; कण्ठ०

४, ६२; दस० ४, ११; राय० १२६, २६५;

(२) विच्छेद; अटकायत. विच्छेद; अटकाव.

interruption; hindrance. वेय०

२, ४; ५, ५; श्राव० २०; उत्त० ३०;

३; (३) विनाश; नुन्नाली. विनाश; नुक-

सानी; हरजा. destruction; loss. उत्त०

७, १६; (४) भाग; कटो. खंड; टुकड़ा

a piece; a fragment. राय० ५३;

—आयसिय. पुं० (-आचार्य) निपुण अथ

शिष्यता आचार्य. शिष्यके निपुण आचार्य. a

proficient teacher of arts 'छयाय-

रियउवणममहकप्पणाविगणेषहि' भग० ७, ६;

—कर. त्रि० (-कर) नाश करनार; छेदी-

ताभनार. नाश करने वाला. (one) who

destroys; destructive. पंचा० ३.१५;

—पलिभाग. पुं० (-प्रतिभाग) भागता

भाग; विभाग. हिस्से का हिस्सा. a sub-

division. क० गं० ४, ८५;

छुश्रावहावण. न० (छुश्रोपस्थापन) अं नामजुं

थीजुं आरत; पूर्य पर्याप्ते ऋही मक्षानेतुं

आरोपणं करयुं ते. इस नामका दूसरा चरित्र;

पूर्वप्रायका छुदन करके महाव्रताका आरोपण

करना. Name of the right-con-

duct in which an ascetic is de-

graded from his position due to

faults and again initiated with

the five great vows. विशेष० १२६.

* बुधो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुट नोट (*)

Vide foot-note (*) p. 15th.

छेओवट्टावणिय. त्रि० (छेदोपस्थापनिक)

छेदोपस्थानीय नामे श्रीज्जुं अरित्र. छेदोपस्थापनीय नाम का दूसरा चारित्र. Name of the right-conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. ओव० २०; भग० २२, ६; ७; वेय० ६, २०; पन्न० १; —संजम. पुं० (—संयम) जुओ ३ पत्तो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ६; —संजय. त्रि० (—संयत) छेदोपस्थापनीय अरित्रवात्तुं. छेदोपस्थापनीय चारित्रवात्ता. an ascetic possessed of the right-conduct as stated above. वेय० ६, २०;

छेज्ज. त्रि० (छेद्य) छेदया क्षायक; (अरित्रते छेद). छेदनेक योग्य; चारित्रका छेद Worthy of being cut off; degraded from right-conduct. विशेष० १२४६;

छेत्त. न० (क्षेत्र) स्थान; स्थल. स्थान; स्थल. A place; a region. ओव०

छेत्तार. त्रि० (छेत्तु) छेदनार; क्षापनार. छेदने काटने वाला. (One) who cuts off. आया० १, २, १, ६६; सूय० १, ८, ५;

छेद. पुं० (छेद) अंड; छेद. खंड; विभाग. A division; a portion. ओव० २०; भग० ५, ४; वव० २, २;

छेदोवट्टावण. न० (छेदोपस्थापन) जुओ ' छेओवट्टावण ' शब्द. देखो ' छेओवट्टावण ' शब्द. Vide. ' छेओवट्टावण ' उत्त० २८, ३२; ठा० ३, ४; ५, २;

छेदोवट्टावणिय न० (छेदोपस्थापनिक) जुओ ' छेओवट्टावणिय ' शब्द. देखो ' छेओवट्टावणिय ' शब्द. Vide. ' छेओवट्टावणिय ' भग० ८, २;

छेय. पुं० (छेद) निशीथ आदि छेदसूत्र.

निशीथ आदि छेदसूत्र. Nisitha and other Chheda Sūtras. प्रव० ७६३; —गंध. पुं० (—ग्रन्थ) व्यवहार निशीथ वगैरे छेदसूत्र. व्यवहार निशीथ वगैरे छेद सूत्र. Chheda Sūtras such as Vyavahāra, Nisitha etc. प्रव० ७६६; —सुय. न० (—श्रुत) छेद-प्रायश्चित्त विधि अतापनार सुत्र-निशीथ, दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकल्य आने व्यवहार सूत्र. छेद-प्रायश्चित्त विधि वताने वाले सूत्र निशीथ; दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकल्य और व्यवहार सूत्र. Sūtras which deal with modes of expiation viz. Nisitha, Dasāśruta Skandha, Vedakalpa and Vyavahāra. वव० १;

छेयगभाव. पुं० (छेदकभाव) छेदवापणुं छिनत्त.

The state of being cut. विशेष० २१३;

छेयण. न० (छेदन) अण्ड विधेरेथी क्षापयुं ते. खड्ग वगैरहंम काटना. Act of cutting with a sword etc. उत्त० २६, ३; सम० ११; ठा० ५, ३; (२) क्षमनी स्थिति का धातु क्षये ते. कर्म का स्थितिका धातु करना. cutting off the existence of Karma. ठा० १, १; (३) देताथी वस्तुना अश-छेद-पटी श्राय ते; शस्त्र. शस्त्र. an instrument for cutting. क० प० १, ६;

छेयणग. न० (छेदनक) ओ ३ काटने ते. दो टुकड़े करना. Cutting into two. पन्न० १२; (२) व्यामजने छेदवानुं शस्त्र. चमडे का छेदनेका शस्त्र. A tool or instrument to cut leather. सूय० २, २, ४८;

छेयणाय. न० (छेदनक) जुओ " छेयणग " शब्द. देखो, ' छेयणग ' शब्द. Vide. ' छेयणग ' सूय० २, २, ४८

छेयपरिहार. पुं० (छेदपरिहार) अरित्रते छेद आने परिहार-तप. चारित्र का छेद और

परिहारतप. Lapse in right conduct, austerity or penance. बब० १, २६; २७; २८; २९;

छेरविरालिया. खी० (छेरविरालिया) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. जीवा० १;

छेलिअ. न० (*) नाक छींकुं. नाक छिंकना. Act of clearing away the mucus of the nose by expelling it from the nostrils. नंदी० ३८; (२) सीरी वगावती ते. सीटा बजाना. act of whistling. विशेष० ५०१;

छेलिया. खी० (*) जशी; नानी अकरी. छोटी बकरी. A young she-goat. परह० १, १;

छेवट. पुं० (सेवार्त) छ संघयणुमानुं छुं संघयणु नेमां दाडकाओतो परस्पर स्पर्श मात्र संघय रहै छे, भीषी बिना छेद वेगजने रहै छे, तेन पगेरैथी मात्रिय आदि सेवानी अपेक्षा राखै छे ते. जिसमें हड्डीयां का परस्पर स्पर्श मात्र का संबंध रहता है, बिना मेल प्रत्येक छेद जुड़ा हुआ हो, तैलादि मालिश की अपेक्षा रखता हो ऐसा शरीर का बांधा. The last of the six kinds

of bony structures (Saṅgha-
yanas) in which the bones
are kept together without
being fastened by a bandage
and nails. पन्न० २३; जीवा० १; भग०
२४, १; क० गं० १. ३६; ३, ३; ५, ६६;
—संघयण. न० (—संहनन) छेवट
संघयण. छेवट संघयण. the Saṅgha-
yanas known as Chhevatttha.
ठा० ६, ४; —संघयणि. त्रि० (—संदननिन्)
छेवट संघयण वाला. छेवट संघयण वाला.
(one) possessed of Chhevatttha
Saṅghayana. भग० २४, १;

छोअ. पुं० (छोद) छेतरी. छिलके. Outer
harder and useless parts, parti-
cularly of vegetable substances
chopped off with a knife etc.
सूय० २, ४, १६;

छोडिय. त्रि० (*) छेदुं. फाड़ा हुआ.
Exploded, discharged; broken.
आव० १०;

छोभग. न० (*) आधः कर्क. दाग;
धब्बा; कर्क. A stain; a blemish.
वि० नि० ४२०;

ज.

ज. त्रि० (यत्) जे. जो. A relative
pronoun meaning who or
which. भग० १, १; १२, ४; १०; नाया०
१; १६; विशेष० १०, १६५;

जअ. त्रि० (यत्) यत्नावंत साधुयैतः अप्रमादि.
यत्न करने वाला; सावचेत; अप्रमादि. Self-

controlled; self-possessed; cir-
cumspect. उक्त० १, २१; आया० १,
३, २, १११;

जइ. पुं० (यति) यत्नावंत साधु. मुनि, यति.
यत्नावंत साधु. यति, मुनि. An ascetic;
a Sādhu. आव० ३४; उक्त० २४, १२;

पिं० नि० १२४; विशेष० ८८; ४८३; पंचा० १, ३१; भक्त० १२; क० गं० १, ४६; सु० च० १, २३६; प्रव० ६०; १२१६; —कल्प. त्रि० (—कल्प्य) भुगिने दृष्टे तेयुं. मुनि का प्रहण करने योग्य. such as would be proper for an ascetic. प्रव० २६; —किञ्च. न० (—कृत्य) यति-साधुनुं कर्तव्य. यति-साधु का कर्तव्य. duty of an ascetic. पंचा० १२, ४०; —जण. पुं० (—जन) साधु पुरुष. साधु पुरुष. an ascetic; a monk; a saint. “वज्जे-यस्सो य सया मुयप्पमाओ जइज्जेणु” सूय० नि० १, २, १, ४१; —जोग. पुं० (—योग) स्वाध्याय आदि साधुता व्यापार. स्वाध्याय आदि साधु का व्यापार. activity or function of an ascetic e. g. study of scriptures etc. पंचा० ६, १६; —धम्म. पुं० (—धर्म) दस प्रकारना यति-साधुताधर्म. दस प्रकार के यति-साधु के धर्म. duties of an ascetic classified into ten kinds. “स्वतिअज्जव-महव मुत्ती तवसंजमेय बोधव्वा संख सोय आ-किंचणो च बंभे च जइ धम्मो नाया० ११७; प्रव० २६१; —परिसा. स्त्री० (—परित) साधु लोकानी सभा. साधु लोगों का सभा an assembly of ecclesiastics. आ० ३४; राय० —पुच्छा स्त्री० (—पृच्छा) साधुने शरीर संयम संबंधी चर्चा पृच्छा. शरीर संयम संबंध में साधु से बातचीत करना. act of consulting a Sādhu in the matter of control of body or self. पंचा० १, ४३; —विस्सामण. न० (—विश्रामण) यति-साधुना शरीर आदिनी चेष्टावत्त्य करी ते. यति-साधु के शरीर आदि का सेवा करना-वैवाचक करना. rendering acts of service to an ascetic e. g.

removing his fatigue, nursing etc. पंचा० १, ४५;

जड़. त्रि० (जयिन्) ७५ भेदवन्तः. जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. प्रव० ६६६;

जड़. अ० (यति) ळेटलुं. जितना. An indeclinable meaning “as much in the proportion in which”. भग० ७, ३; ८, १; १०; पञ्च० १५;

जड़. अ० (यदि) ळेटि. इति; इति; यदि. जाकभा; जाकि; यदि. If ever; though; if. नाया० १: ५; ८; ९; १६; १६; भग० १, ४; ६; २, ५; ३, १; २५, ६; ४१, १; दस० ५. १, ६४; ६, १२; अणुजो० ३; विश० ८;

जड़अ. त्रि० (जयिक) वि०य करन्तः. विजय करने वाला; जय प्राप्त करने वाला. Victorious; conquering. कल्प० ४, ६६;

जड़अयव्व. न० (यतितव्य) प्रयत्न करेवा. प्रयत्न करना; कोशिश करना. Act of making an effort or attempt. “जइअव्वंजाया” भग० ६, ३३; नाया० १: ५; भक्त० ६; पंचा० १४, ५०;

जड़च्छा. स्त्री० (यच्छा) अणु धारुं भासवुं ते; क्षाजने भेसवुं अने ताजने पडवुते यह छायोग. बिना इच्छा के प्राप्त होना वह; काग का बैठना व डाली का गिरना. Accidental occurrence; unexpected happening; e. g. falling down of a palm tree coinciding with the perching of a crow upon it. परह० १, २; —वाइ. पुं० (—वादिन्) दरेक पदार्थनी क्षाजुविना आशुधारी उभति थाय छे अम पदन्तः. प्रत्येक पदार्थ की बिना कारण

अनधारी उत्पत्ति होती है ऐसा वाद करनेवाला।
a person holding that the
things of the world (i. e. the
world) are produced fortuit-
ously by mere accident. नंदी०

जइण. त्रि० (जैन) जिन तीर्थंकरे दर्शावेध;
जिन संबंधी. जिन तीर्थकरने बताया हुआ.
जिन संबंधी. Pertaining to, reveal-
ed by Jina i. e. Tirthankara.
पंचा० ३, ४२; विशे० ३८३; १०३८. १०४१;

जइण. त्रि० (जभिन्) जयवान्; जित भेदव-
नार; जितवाना स्वभाववागुं. जीत प्राप्त
करनेवाला; जीतने के स्वभाव वाला. Vic-
torious; conquering. आंव० ३०;
राय० ३३; जं० प० ५, ११५; उवा० २, १०२;
(२) ब्रह्मी उतावणी गति. बहुत शीघ्र
गति. great velocity; great speed.
“ लंघणपवणजइणपमहणम्मन्थे ” राय०
जीवा० ३, १;

जइण. त्रि० (जावन्) वेगवान्; वेगवागुं. वेग-
वान्; वेगवाला; तेज. Fast; speedy.
“ लंघणवगणभावणधारणतिवई जइणसि-
क्खिअ गइण ” आंव० भग० ३, २; जीवा०
३, १; —वायाम. पुं० (-व्यायाम) उता-
वली कसरत. तेज कमरत. fast or quick
physical exercise. “ लंघणपवणजइ-
णवायामसमन्थे ” उत० टी० ६; —वेग.
पुं० (-वेग) सौथी वधारे वेग; गतिमान सर्व
पदार्थों उपर जित भेदवनार वेग. सब में
अधिक गति; गतिमान; सर्व पदार्थों को जीतने
वाला वेग. highest speed; all-con-
quering speed. भग० ३, २;

जइणा. स्त्री० (यन्ता) ओक गतनी गति.
एक प्रकार की गति. A kind of Gati
or movement. नाया० ४;

जइणी. स्त्री० (जविनी) वेगवाली (स्त्री). गति

वाली (स्त्री). (A woman) with
speedy gait or movement. आंव०

जइता. स्त्री० (यतिता) साधु पणुं. साधुत्व;
साधुपन Monkhhood; state of
being an ascetic. भत्त० ८७;

जइतार. पुं० (जेत्) शत्रुना सैन्यने जितनार.
शत्रु के सैन्य को जीतने वाला. One
that conquers hostile army.
ठा० ४, २;

जइत्ता. सं० कृ० अ० (याजयित्वा) यजन
करावीने; यज्ञ करावीने. यज्ञ कराकर. Hav-
ing caused a sacrifice to be per-
formed. “ जइत्ता विउले जजे ” उत०
६, ३८;

जइय. त्रि० (जयिक) जय करनार; जित-
नार. जय करने वाला; जीतने वाला.
Conquering; victorious. नाया०
१, ८; (२) जय जय शब्द. जय जय शब्द.
the voice of victory. नाया० ८;

जइय पुं० (यष्टृ) याजक; यज्ञ करनार.
यज्ञ कर्ता; यज्ञ करनेवाला. A sacrificer;
one who performs a sacrifice.
उत० २५, ३६;

जइवा. अ० (यदिवा) अथवा. या. Or;
or else. उत० १, १७; २५, २४;

जइवि. अ० (यद्यपि) नेके ने पणुं. जोकि;
जोभी. Although; even though.
मु० च० १, १२६; सूय० १, २, १, ६;
नाया० ८; विशे० ५०१; गच्छा० ६६;

जउ. न० (जतुत्) लाभ; देवशुी. लाख,
जोगना. A resinous substance
called lac used in dyeing
etc. पि० नि० ३५०; क० गं० १,
३५; —गोल. पुं० (-गोल) लाभने
गोले. लाख का गोला. a ball of lac.
ठा० ४, ४;

जउणा. स्त्री० (यमुना) यमुना; जमुना नदी.

यमुना, जमुना नदी. The river Yamunā. विवा० ८; ठा० १, २; ६, २;

जउणावंक. न० (यमुनावक) जमुना नदी के कि० ओ नाभनुं ओक नगर. यमुना नदी के तट का इस नामका एक नगर. Name of a city on the banks of the river Yamunā. संख्या०

जउव्वेय. पुं० (यजुर्वेद) आर वेदभाने ओक वेद. चार वेदों में से एक. One of the four Vedas so named. भग० ६, ३३; विवा० १, ६; कप० १, ६,

जओ. अ० (यत्) जेथी; जेथी करी; जेभांथी. जिससे, जिसमें से. From which; since; because. उत० १, ७; आया० १, ५, १, १६१; भग० २, १; १५, १; विश० ३; विवा० १; नाया० २; १३; दस० ७, ११; क० गं० ३, १३;

जओ. अ० (यत्र) जहाँ. Where; in which. सम० ३४;

जं. अ० (यत्) जेथी करीनि; जे कारणे भाटे. जिस कारण से; जिस वास्ते. So that; reason for which; that for which. नाया० ५; १२; १४; १७; भग० ३, १; १८, ६; क० गं० १, ८; १, ३५; २, ८; जं० प० ५, ११२;

जंकिचि. अ० (यत्किंचित्) जे कुछ. Any extent to which; anything which. नाया० ६;

जंगम. त्रि० (जङ्गम) लावतुं लावतुं जंगम भिडत. चलती फिरती जंगम मालि त. Moveable; moveable property. परह० १, १; उत० ६, ६; (२) पुं० लावता लावता जंगम; तसजंगम. चलते फिरते जीव; तस जीव जं० प० — विस. पुं० (-विष) सर्प आदिनुं जेर. सर्प वगैरह का विष

venom of a serpent etc. ठा० ६;

जंगल. पुं० (जङ्गल) ओ नाभने ओक आर्य देश. इस नामका एक आर्य देश. Name of an Arya country. पत्र० १;

जंगिअ. य. न० (जङ्गमिक) कोशेटा यजेरे तस जंगम आरयवथी उत्पन्न थयेत पत्र; उन देशमी यजेरे. कोशेटा इत्यादि तस जीव के अरयव मे उत्पन्न ऊन रेशम. Silk, wool etc. produced from the limbs of moving sentient beings such as silkworms etc. "जंगमजायजंगि तेषुणावगलिदियचपंचेदि" ठा० ३, ३; ६, ३; वंय० २, २२; आया० २, ५, १, १६१;

जंगोल. न० (जाङ्गुल) जेर उतारवाना उपाय अतावतारुं शास्त्र; आयुर्वेदने ओक अंग. विष उतारने का इलाज बिधाने वाला शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc. विवा० १, ७;

जंगोली. स्त्री० (जाङ्गुली) जेर उतारवाना उपाय दशरानार शास्त्र गारुडी विद्या. विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र; मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake-bites etc. ठा० ८, १;

जंघा. स्त्री० (जङ्घा) जांघ. साथ. जांघ, जङ्घा. A thigh. जं० प० जीवा० ३; ३; ओघ० नि० भा० ५; ३१६; अणुत्त० ३, १; आया० १, १, २, १६; पि० नि० ३३०; ओव० १०; उवा० १, ६४; प्रव० १६, ६०५; — ट्टिया. स्त्री० (-अस्थिका) साथवना उपरना भागनुं लावतुं. जांघ के ऊपर के हिस्से की हड्डी. the bone of the part above the thigh. तंडु०

—चर. त्रि० (-चर) न्धन्थी-पशुथी;
यात्रातः पादो. जांघासे-पैरसे चलनेवाला;
प्यादा. pedestrian. अणुजो० १२८;

जंघाचारण. पुं० (जङ्घाचारण) तप विशेष्यती
प्राप्ति थयेली शक्तिवागा यारणमुनि के जेना
भावथी न्धने थापडी आकाशमां अधर
ज्म शक्ति. तप विशेष की एक लब्धि-शक्ति-
वाला चारण मुनि कि जां अपनी विद्या
के प्रभावसे जंघा का थपथपाकर चाहे ऊपर
आकाश में अधर जा सकता है. A class
of ascetics who through the
force of their spiritual power
can move in the sky simply by
patting the thighs. भग० २०,
६; प्रव० ६०७; —**चारणलाङ्घि. स्त्री०**
(-चारणलाङ्घि) न्ध्यायारण विद्यानी
प्राप्ति. जंघा-चारण विद्या की प्राप्ति. re-
quirement of the knowledge
which enables one to move in
the sky simply by patting the
thighs. भग० २०, ६;

जंघाचारणा स्त्री० (जंघाचारणा) ऐ नामनी
विद्या के जेना प्रभावथी आकाशमां उठि
उठी शक्य छे. इस नामकी विद्या कि जिसके
प्रभाव से आकाश में उडा जा सकता है.
A science of that name enab-
ling a person to soar in the
sky. भग० २०, ६; —**परिजित. पुं०**
(-जङ्घापरिजित) ऐ नामनी
साधु के जेणे वशीकरणुतो प्रयोग करी भूत
दोष लगाये लते. इस नाम का साधु
कि जिसने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल
दोष लगाया था. name of an ascetic
who had incurred a blemish by
making use of fascination. पिं०
निं० ५०७; —**बल. न० (-बल)** न्धन्

अश. जांघ का बल. hardness,
strength of the thighs जांघा० १;

—**रोम. पुं० (-रोम)** न्धन्थी स्वादी.
जांघ पर के नरम नरम बाल. soft hair
growing on the thighs. निसी० ३,
४४; —**सन्तारिम. त्रि० (सन्तार्य)** न्धन्थी
तरी शक्य तेरुं (पाणी). जंघा से तरा
जासके इतना पानी. (water) reach-
ing the thighs. “ अंतरा से जंघा
सन्तारिमे उदंग सिया ” आया० २, ३, २, १२४;

जंचव. अ० (यंचव) जहाँ. Where;
at which place. अंत० ३, ८;

जंत. न० (यन्त्र) वशीकरणुदि प्रयोगमां वप-
रतो यंत्र. वशीकरणादि प्रयोग में आने वाला
यंत्र. A diagram of some mystical
nature used in winning over
a certain person. पगह० १, २; (२)
नियमन-नियंत्रण. नियमन; नियंत्रण. con-
trol. गय० (३) अथ प्रहारनुं रथ ३५३२२.
एक प्रकारका रथका उपकरण. one of
the parts of a chariot. नाया० १;
जं० प० ५, ११५; (४) घाण्टी, चिंथ्याडा,
गोदूय वगेरे. घाण्टा; घालने के साधन विशेष.
oil-mill; juice extractors etc.
पगह० १, २; —**पत्थर. पुं० (-प्रस्तर)** पाण्डु
ईं डरानुं यंत्र; गोदूय आदि. पत्थर फेंकने का
यंत्र; गिलोल आदि. a weapon (e. g.
a sling) to discharge or shoot
stones. पगह० १, २; —**पीलणकर्म. न०**
(-पीडनकर्म) घाण्टी चिंथ्याडा वगेरे
इश्यतातो धंधे करवे ते; श्रावकना पंदर
कर्मादानमांनुं आरभुं कर्मादान; सातमां नतने
अथ अनित्यार. तेन निकालने का चक्की
चलाने का उद्योग करना वह; जैनियों के १५
कर्मादानों में से १२ वां कर्मादान; सातवें व्रत
का एक अतिचार. occupation of

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmādānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. भग० ८, ५; —लदिड. स्त्री० (—यष्टि) यंत्रना उपयोगमां आरतुं प्राकट्य; यंत्रिनां प्राकट्य. यंत्र के उपयोग में आता हुआ लकड़. wood used in constructing a mill e.g. that for pressing out juice from sugar-cane. दम० ७, २८; —वाडय. पुं० (—पाटक) शेरडी पीसवानुं स्थल; शेरडीना वाड. गन्ने का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane. जीवा० ३, १; —वाडयचुल्ली. स्त्री० (—पाटक-चुल्ली) शेरडीना रस पकाववानी यून. गन्ने का रस पकाने का भट्ठी. an oven where the juice of sugar-cane is heated. जावा० ३, १; —वाहण. न० (—वाहन) यंत्र यथावतुं ते. यंत्र चलाना. working a mill e. g. an oil-mill etc. प्रव० २६८;

जंति. त्रि० (यंत्रित) नियंत्रित; नियमित; ड्योरे डरेव. नियंत्रित; नियमित; वश किया हुआ. Kept under restraint. उक्त० ३२, १२;

जंतु. पुं० (जन्तु) प्राणी; श्व. प्राणी; जीव. A living being. उक्त० ३, १; भग० ६, ७; २०, २; (२) श्वास्तिनाय नामनुं जानादि गुण्वाहुं द्रव्यः द्रव्येनां अत्र प्रकार. जीवास्तिकाय नामक ज्ञानादि गुण-वाला द्रव्य; द्रव्य का एक प्रकार. a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc. and named Jivāstikāya.

उक्त० २८, ७;

जंतुग. पुं० (जन्तुक) अत्र मतनुं धातु दे गेथी दूध गुंथाय छे. एक प्रकार का घांस कि जिस से फूल गुंथा जाता है. A kind of grass used in knitting together flowers. सूय० २, २, ७; पगह० २, ३;

जंतुय. न० (जन्तुक) जंतुके नामना धातुनुं पाथरतुं. जन्तुक नाम के घांस का बिछाना. Bed made of the grass called Jantuka. आया० २, २, ३; १००;

✓ जंप. भा० I. (जलर) ओततुं; डेटुं. बोलना; कहना. To speak; to say.

जंपह. सु० च० १, १०३;

जंपण. सु० च० १, ३०६;

जंपति. विशेष० ५६४;

जंपानन. सूय० १, १, १, १०;

जंपिस्त्रामि. सु० च० १, २२७;

जंपित्ता. सं० कृ० दमा० ६, १२;

जंपत. व० कृ० सूय० १, १, २, ४; ओत०

नि० ८०१; आउ० ३२; पगह०

२, ३; सु० च० १, ३१३; २, ५७६;

पंचा० १६, ४७;

जंपमाण. व० कृ० नाया० ६; पगह० १,

१; विशेष० २६२०; जं० प० ३, ५२;

जंपग. त्रि० (जलपक) ओतना२. बोलने वाला (One) who speaks. पगह० १, ३;

जंपण. न० (जम्पान) अत्र प्रकारनुं वाहनः पादश्री विशेष. एक प्रकार का वाहन; पालकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin. सु० च० १०, ११३; ठा० ४, ३;

जंपिय. त्रि० (जलपत) ओतनः; डेटन बोलना हुआ; कहा हुआ. Uttered; spoken. उक्त० ३२, १४; भग० ११, ११;

जंपिर. त्रि० (जलपन्) ओतना२. बोलने

बाला. (One) who speaks. सू० च०
२, २००:

जंबल. पुं० (जम्बाल) शब्दः; धीयः.
कीचड. Mud; mire. डा० ३, ३;

जंबु. न० (जम्बु) जंबु. जामुन A fruit
of a tree called Jambu. भग० ८.
३३; २२, २; नाया० ६; (२) जंबुजानुं जड.
जामुन का फल. a kind of tree.
जीवा० १: पञ्च० १; (३) जम्बु स्वामी. जम्बू
स्वामी. Jambu Svāmi. प्रव० ७००;
(४) जम्बुद्वीप. जम्बूद्वीप. the conti-
nent known as Jambū Dvīpa.
का० प० ८;

जंबुअ. पुं० (जम्बुक) शिखात्र मियार. A
Jackal. आद्य० नि० भा० ८६; (२)
जंबुजानुं इक्ष. जामुन का फल. a fruit of
the Jambu tree. सू० च० ११, १०;

जंबुद्वीप न० (जम्बूद्वीप) जुआ "जंबूद्वीप"
शब्द. देखो " जंबूद्वीप " शब्द. Vide
" जंबूद्वीप " जं० प० ५, ११२; १, ३; ६. १२४;
५, ११५; सू० प० १; राय० २०; सु० च०
२, ८; नाया० १; १३; भग० ५, १; ५; ६,
५; १८, २; २०, ८; जं० प० ५, ११२; १,
३; उवा० २, ११३; कप्प० १, २; २, १४;
प्रव० १४१२; —पञ्चत्ति खी० (प्रज्ञति)
ऐ नामजु पांचभुं उपंग सूत्र. इस नाम का
पांचवा उपंग सूत्र. the fifth Upāṅga
Sūtra so named. भग० ८, १;
नंदी० ४३; जं० प० ७, १५०; —पमाणय
त्रि० (-प्रमाणक) जंबुद्वीप प्रमाण
संज्ञ. जम्बूद्वीप के प्रमाण वाला. of the
measure of Jambūdvīpa. क० गं०
४, ७५;

जंबुफलकालिया. खी० (जम्बूफलकालिका)
ऐड अननी दास. एक प्रकार की मदिरा.
A kind of liquor. पञ्च० १७;

जंबुवती. खी० (जम्बूवती) अंतगड सूत्रना
पांचमा वर्गना छुटा अध्ययननुं नाम.
अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के छुटे अध्ययन
का नाम. Name of the 6th chap-
ter of the 5th Varga (section)
of Antagaḍa Sūtra. अंत० ५, ६;

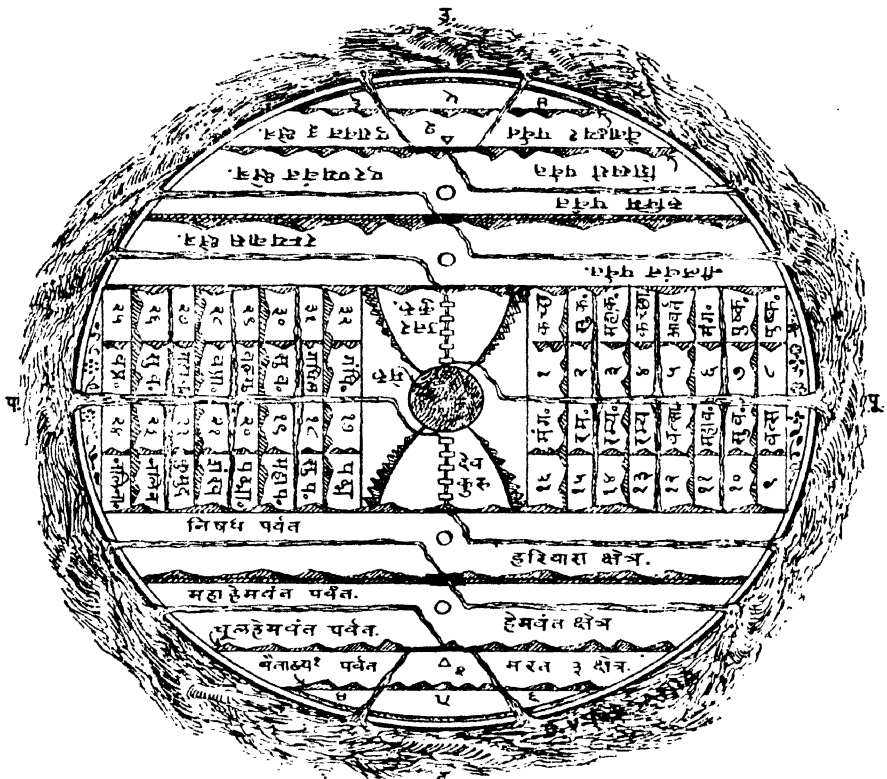
जंबुसुदंशणा खी० (जम्बुसुदर्शना) ऐ नाम-
नुं जड के जेना उपरधी आ द्वीपनुं नाम
जंबुद्वीप पड्युं. इस नाम का एक वृत्त कि
जिस पर से इस द्वीप का नाम जम्बूद्वीप
रखने में आया है. Name of a tree
after which Jambūdvīpa is
named. जीवा० ३, ४;

जंबू पुं० (जम्बू) सुधर्मा स्वामी शिष्यः
जंबु स्वामी. जंबु स्वामी; सुधर्मा स्वामी
के शिष्य. The disciple of Sudhar-
mā Svāmi; Jambu Svāmi.
नाया० १; —अणगार. पुं० (अनगार)
जंबु स्वामी. जम्बु स्वामी. Jambū
Svāmi. विवा० १; —फल. न० (-फल)
जंबुजानुं इक्ष जामुन का फल. a fruit
of the Jambu tree. राय० आ०
पञ्च० १७; जीवा० ३; —रुक्म. पुं०
(-वृत्त) जंबुजानुं जड. जामुन का फल.
Jambu tree. जं० प० ७, १७७;
—वण. न० (वन) जंबुजानुं वन. जामुनों
का वन. a forest of Jambu trees.
जं० प० ७, १७७; —वणखंड. पुं० (-वन-
खंड) जंबुजानुं वन. जामुनों का छोटा
वन. a small forest of Jambu
trees. जं० प० ७, १७७;

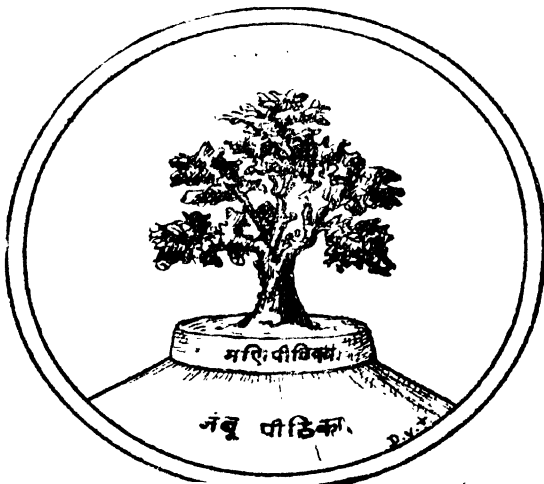
जंबूगद. न० (जाम्बूनद) सोनुं; सुवर्ण. मुखाः
सुवर्ण; कांचन. Gold. जं० प०

जंबूराय. पुं० (जाम्बूनद) जुआ उपलो शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above. राय०
६१; जीवा० ३, ४; जं० प० उवा० ७, २०६;

मन्त्रि अथ मागधी कोष



अंबुदीप - अंबुदीप



जम्बुग्यामय. त्रि० (जाम्बूनदमय) सुय०^१
भय. सुवर्ण मय. Full of gold; gold-
en. भग० ६, ३३;

जम्बुद्वीप. पुं० (जम्बुद्वीप) ओ नामने असं-
ख्यात द्वीप समुद्रमंते प्रथम द्वीप. इस
नाम का अर्थख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप.
Name of the first Dvipa of
innumerable Dvipas in ocean.
“ कहीणभंते जम्बुद्वीप द्वीप महालण्ण भंते ”
सम० १; नाया० १; ८; १६; १६; नदी०
१२; पल० १७; श्रौव० ८३; अणुजो० १०३;
१८८; भग० २, ८; १०; ३, १; ७; डा०
१; १; निर० ३, १; —अग्निवह.
पुं० (—अधिरति) ऋषु द्वीपने अधि-
पति अनादित नामने देवता. जम्बुद्वीप का
अधिपति अनादित नाम का देवता. a god
named Anadrita, the lord of
Jambudvipa. जं० प० —परमाणु.
ब्र० (—प्रज्ञप्ति) ऋषीं ऋषुद्वीपनु प्रज्ञप्ति द्यु
छे तेऽऽधुद्वीप पत्ति नाम अद्वैत द्वैत
कालिक सूत्र कि जिस में जम्बुद्वीप का वर्णन
किया है. name of a Kalika Sūtra
describing Jambūdvīpa. नाया०
८; डा० ६, १; —परमाणु. त्रि० (—प्रमाण)
ऋषुद्वीप प्रमाणेऽऽधुद्वीप ऋषुद्वीप जम्बुद्वीप
के परमाणु का. of the size of
Jambūdvīpa. भग० ३, ७;

जम्बुद्वीपग. त्रि० (जम्बुद्वीपक) ऋषुद्वीपमां
जन्मपत्त थनार मनुष्य जम्बुद्वीप में उत्पन्न
होने वाला मनुष्य. A person born in
Jambūdvīpa. डा० ४, २;

जम्बुपल्लवविभक्ति. न० (जम्बुपल्लवप्रविभक्ति)
अतीस प्रशरना नाटकमां २० भुं ऋषीं
ऋषुना पादशने निभाष दर्शावतामां आवे
छे ते. ३२ प्रकार की नाटक की विधि में
से २० वीं विधि कि जिस में जामुन की

पत्तियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है.
The 20th of the 32 varieties
of dramatic representations
characterised by a scene of
the leaves of Jambu tree.
राय० ६८;

जम्बुफलकालिया. ब्र० (जम्बुफलकालिका)
ऋषुद्वीप ऋषीं द्वीप रंगनी मदिरा. जामुन
की मां काले रंग की मदिरा. Liquor as
black as Jambu fruit. जीवा० ३;

जम्बुय. पुं० (जम्बुक) शूयातः शिवात.
मियात. A jackal. पण्ड० १, ३;

जम्बुलय. पुं० (जम्बुलक) नभुः श्यायानुं
पानीनुं शम. मुगई; सकड़े मुंड का पानी
का पात्र. A pot of water with a
narrow neck. उवा० ७, १८६;

जम्बुवह. ब्र० (जम्बुवती) ऋषु वासुदेवनी
ऋषीं पटगणी के ने नमनाथ प्रभु पासे दीदा
वम भोक्षा पचार्पा कृष्ण वासुदेव का छुट्टा
पटगनी कि जिन्होंने नमनाथ प्रभु से दीक्षा
ले कर मोक्ष प्राप्त किया. The sixth
crowned queen of Kṛṣṇa
Vāsudeva who got religious
initiation (Dikṣā) from Lord
Nemanātha and attained to
final bliss डा० ८, १; अंत० ६, ७;

जम्बुसुदंशना. ब्र० (जम्बुसुदंशना) सुदर्शन
नामे ऋषु जाड देता उपरंथी ऋषुद्वीप
नाम प्रसिद्ध थयेछ छे. सुदर्शन नाम का एक
जामुनका वृक्ष जिस परसे जम्बू द्वीप का नाम
प्रसिद्ध हुआ है. The Jambu tree
named Sudarśana from which
the name Jambūdvīpa is deri-
ved. जं० प०

✓ **जंभ** धा० I. (जम्भ) अयासुं अयुं
बघासी खाना. To yawn; to gape.

जंभाट्ठा सं० कृ० जं० प० २, २५;

जंभायन्त व० कृ० भग० ११, ११;

जंभग. पुं० (जृम्भक) त्रिच्छासोक्तवासी देव-
तानी ऐक्यं गत. त्रिच्छा लोक वासी देवता
की एक जाति. A class of deities
residing in the region known
as Trichchhā. “अतिथ्यं भंते जंभया
देवा” भग० १४, ८; नाया० ८; सु० च०
२, ३०८; पगह० २, २;

जंभणी स्त्री० (जृम्भणी) ऐ नामनी ऐक
विद्या. इस नाम की एक विद्या. A science
of that name. सूय० २, २, २७;

जंभय. पुं० (जृम्भक) ऋग्यो “जंभग”
शब्द. देखो “जंभग” शब्द. Vide
“जंभग” नाया० ८; भग० १४, ८;
—देव. पुं० (—देव) ऋग्यो “जंभग”
शब्द. देखो “जंभग” शब्द. vide
“जंभग” नाया० १, ८;

जंभाइय. न० (जृम्भित) अयासुं आयुं.
वधासी खाना. A yawning; a gap-
ing. आव० १, ५; ४, ४;

जंभायमाण. त्रि० (जृम्भमाण) ऋग्यो उपलो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
नाया० १;

जंभिय. पुं० (जृम्भिक) ऐ नामनुं गाम.
इस नाम का एक गांव. Name of a
village. कण० ५, ११६;

जंभिय गाम. पुं० (जृम्भिकग्राम) अंगारामां
आवेश ऐक्यं गाम के गेती पास मदावीर
स्वामीने देवज्ञान प्राप्त थयुं. बंगाल का एक
गांव जहां पर महावीर स्वामी को केवलज्ञान
प्राप्त हुआ था. Name of a village
in Bengal in the vicinity
of which Mahāvira Svāmi
attained to omniscience. नाया०
३; आया० २, १५, १७८; कण० ५, ११६;

जंभइअ. न० (यदतीत) सूयगङ्ग सूत्रना १५भा
अध्ययनं नाम. सूयगङ्ग सूत्र के १५ वें
अध्ययन का नाम. Name of the 15th
chapter of Sūyagadāṅga Sūtra.
सूय० १, १५; २५; अणुजो० १३१;

जक्ख. पुं० (यक्ष) व्यन्तर देवानी ऐक
गत. जक्ष; यक्ष; व्यन्तर देव की एक जाति.
A kind of demi gods known
as Yakṣas; a class of Vyantara
gods. सम० ३०; उत्त० ३, १४, १२, ८;
३६, २०७; अणुजो० २०; १०३; आव०
२८; आया० २, १, २, १२; नाया० १; २;
८; ६; ठा० १, १; ओष० नि० ४६७; सु०
च० १, ३४७; ५, ३५; विवा० १, २; ५;
दसा० ६, २४; जीवां० ३, ३; पञ० १;
प्रव० ७, २६१; मत० ७८; भग० २, ५;
४२, १; दस० ६, २, १०; (२) ऐ
नामनी ऐक द्वीप अने ऐक समुद्र. इस
नाम का एक द्वीप व एक समुद्र. name of
an island and also that of an
ocean. सू० प० २०; पञ० १५; जीवा०
३, ४; —आइहु. त्रि० (—आविष्ट) यक्षना
आवेशवाले. यक्ष का आवेश जिसमें है वह.
possessed by a Yakṣa. बव० २,
१०; १०, १८; ठा० ५, १; —आरस.
पुं० (—आवेश) यक्षना आवेश. यक्ष का
आवेश. state of being possessed
or influenced by Yakṣa. भग० १४;
२; १८, ७; —आदित्तय-अ. न० (—आ-
दीप्तक) ऐक दिशामां थोडे थोडे आंतरे
वीर्यदीप्ता जेवा लडका देआय ते; भूत पिशाच
वगेरेना आता. एकही दिशा में थोड़े थोड़े
अंतर से विजली की सो चमक का दिखाई
देना; भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार.
flashes of light seen at inter-
vals in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc.; Jack with a lantern. अणुजा० १२७: —आवेश. पुं० (-आवेश) यक्षने आवेश-प्रवेश. यत्त का आवेश-प्रवेश. state of being possessed or haunted by a Yakṣa. भग० १८, ७; —आयतन. न० (-आयतन) ऋत्थो उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नि० ५, १; —आययण. न० (-आयतन) यक्षनु आयतन-स्थान-दण्ड. यत्त मंदिर; यत्त स्थान. a temple consecrated to a Yakṣa. अंत० १, १; ६, ३; नाया० ५; ६; —आलित्त. न० (-आदीप्त) अक्ष दिशाभेदे धेठे धेठे आंतरे पितृदी गेये प्रकाश देआय ते. एकही दिशा में कुछ २ अंतर में विद्युत जैय प्रकाश का दिखाई देना. a flash of light seen at intervals in the dark; jack with a lantern. प्रव० १४५, ६; —आलित्तय य न० (-आदीप्त) ऋत्थो उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. डा० १०, १; जीवा० ३; भग० ३, ७; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) यक्षने इन्द्र. यक्षों का इंद्र. the Indra of the Yakṣas, भग० १०, ५; (२) अरनाथ-छना यक्षनु नाम. अरनाथजी के यत्त का नाम. name of the Yakṣa of Aranāthaji पव० ३७६; —आवेश. पुं० (-आवेश) यक्षने आवेश; वरगा. यत्त का आवेश-शरीर प्रवेश. state of being possessed by or under the influence of a Yakṣa. डा० २, १; भग० १४, २; —(क्खु) उत्तम. पुं० (-उत्तम) यक्षना १३ प्रकारमने छेयो प्रकार. यत्त के १३ प्रकारों में से अन्तिम प्रकार. the last of the thirteen

varieties of Yakṣas. पञ्च० २; —गह. पुं० (-ग्रह) यक्षने आवेश; यक्षने वरगा. यत्त का आवेश; यत्त का शरीर प्रवेश. state of being possessed by a Yakṣa. भग० ३, ७; जं० प० ३, ४४; जीवा० ३, ३; —देउल. न० (-देवल) यक्षनु मंदिर. यत्त का मंदिर. a temple consecrated to a Yakṣa. नाया० २; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) यक्ष देवता की प्रतिमा. यत्त देवता की प्रतिमा. an idol of a Yakṣa (a kind of demi-god). राय० १६६; —पाय. पुं० (पाद) यक्षना पग. यत्तके चरण. a foot of a Yakṣa. नाया० ५; —मंडलप्रविभक्ति. स्त्री० (-मंडलप्रविभक्ति) ३२ नाटकों में १० मुं नाटक. ३२ नाटकों में १० वा नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय० ६२; —मह. पुं० (-मह) यक्षने भद्रोत्सव. यत्त का महोत्सव. a festival in honour of a Yakṣa. भग० ६, ३३; राय० २१७; निमी० १६, १२; जक्खकहम. पुं० (यत्तकहम) ये नामना ये पाणीया. इस नाम के दो वैश्य. Two Baniyās named Yakṣa and Kardama. (२) ये नामने अक्ष द्वाप अने अक्ष समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean. चं० प० २०;

जक्खदिआ. स्त्री० (यत्तदत्ता) आपीसभा तीर्थहरनी भुज्य साध्वीनु नाम. बावीसवें तीर्थहर की प्रधान साध्वी का नाम. Name of the principal nun of the 22nd Tirthāṅkara. प्रव० ३०६;

जक्खभट्ट. पुं० (यत्तभट्ट) यक्ष द्वीपने अधिपति देवता. यत्तद्वीप का अधिपति

देवता. The presiding deity of Yakṣa Dvīpa (i. e. island of the Yakṣas). सू० प० २०;

जक्खमहाभट्ट. पुं० (यक्खमहाभट्ट) यक्ष
द्वीपने अधिष्ठाता देवता. यक्षद्वीप का अधि-
ष्ठाता देवता. The presiding deity
of Yakṣa Dvīpa (i. e. island
of the Yakṣas.) सू० प० २०;

जक्खवर. पुं० (यक्खवर) यक्ष समुद्रने
अधिपति देवता. यक्ष समुद्र का अधिष्ठात
देवता. The presiding deity of
Yakṣa Samudra (i. e. the
ocean of the Yakṣas.) सू० प० १३;

जक्खसिरी. स्त्री० (यक्खसिरी) यक्षश्री
नामकी स्त्री अ. भ. दु. ली. यक्षश्री नामकी एक
ब्राह्मणी स्त्री. Name of a Brāhmanī
woman. नाया० १६;

जक्खला. स्त्री० (यक्खला) स्थूलभद्रनी अर्द्धन
स्थूलभद्र की भगिनी. The sister of
Sthūlabhadra so named. कण० ८;

जक्खली. स्त्री० (यक्खली) २२ भा. तीर्थंकरनी
मुख्य साध्वी. बार्वासवें तीर्थंकर का मुख्य
साध्वी. The principal nun of the
22nd Tirthaṅkara. कण० ६, १००;
सम० प० २३६;

जक्खोद. पुं० (यक्खोद) यक्षोद नामने समुद्र
यक्षोद नामका समुद्र. Name of an
ocean. सू० प० १९;

जग. पुं० (*) प्राणी. प्राणी. A living
being. सूय० १, ११, ३३;

जग. पुं० (जगत्) जगत्; दुनिया; लोक;
संसार. जगत्; दुनिया; लोक; संसार. The
world; worldly existence. सूय०

१, १, ३, ८; १, १०, ७; उत्त० १४, ४३;
पह० २, १; दस० ८, १२; जं० प० ५,
११२; —आणन्द. पुं० (आनन्द—जगतां
संज्ञिषेचीन्द्रयाणां निःश्रेयसाभ्यूयसाधक-
धर्मोपदेशद्वारेण चानन्दहेतुत्वात् ऐहिका-
मुष्मिकप्रमोदकारणत्वात् जगदानन्दः)
संसारनां लोके धर्म भेद आपी उंच
गतीमां प्राप्ति आ लय तथा पर लय ने
आनन्द आपनार; श्री जिनेश्वर. संसारके
जात्रों को धर्म बोध देकर उच्च गतिमें लाकर
इस भव व उस भव का आनन्द देते वाला;
श्री जिनेश्वर. Śrī Jineśvara so
called because he gives
delight to worldly beings in
this world and the next by
religious instruction which
elevates them in the scale of
spiritual evolution. नंद० १;
उत्त० त्रि० (उत्तम) जगत्मा उत्तम
श्रेष्ठ. जगत् में उत्तम, श्रेष्ठ. best in
the world. प्रव० ८०१; —गुरु.
पुं० (गुरु) जगत्मा गुरु तीर्थंकर.
जगद्गुरु — तीर्थंकर. a world-
teacher; a Tirthaṅkara. प्रव०
४५२; नंद० १; —जीवजोखीवियाणय.
पुं० (जीवजोखीवियाणय) जगत्लोकपाल
अथ स्वर्गपाले लोकपाल केवलाती जगत् के
जीवों के सब स्वरूप को जानने वाला; केवल-
ज्ञानी. an omniscient knowing
the real nature or essence of
the beings on the earth. नंद०
—जीवण पुं० (जीवन = जगन्ति जग-
मानि अहिंसकत्वेन जीवयतीति जगज्जीवनः)

* लुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

छाया श्रवणा रक्षक; जिनेश्वर भगवान्, छ
काय जीवों का रक्षक; जिनेश्वर भगवान्, the
protector of the 6 kinds of living beings; lord Jineśvara. सम०
३०; —**दृग्भासि** पुं० (—अर्थभाषिन्—
जगत्पर्याय जगदर्थं ये यथा व्यवस्थिताः
पदार्थाः, तानाभाषितुं शीलमस्तेति जगदर्थ-
भाषी) लोक प्रसिद्ध अर्थ-वाचक होनेवाले
जनेश्वर श्रद्धालु आचार्य, देनेवाले सांख्यिक, आधिपत्य-
वादी आधिपत्य, पंचगुणे पांचगोत्र परमेश्वर होनेवाले;
निष्ठुर वचन श्रोतार; सत्य पक्ष अप्रिय
श्रोतार। लोक-प्रसिद्ध अर्थ-वाचक कहनेवाला,
जैसे कि क्षुद्र को क्षुद्र, भर्षा का चांडाल,
अंध को अंधा, लूट को लूटा इत्यादि कहने
वाला; निष्ठुर वचन बोलने वाला; सत्य परंतु
अप्रिय बोलने वाला, one who speaks
harsh and unpleasant truths
plainly and without using
euphemisms; e. g. calls a blind
man a blind man, an untouch-
able a Chāṇḍāla etc. “ज कोहण
होइ जगद्भासा” मृ० १, १३, ४;
—**गाह** पुं० (—नाथ) जगतना नाथ;
जिनेश्वर भगवान्, जगत का स्वामी; जिन-
ेश्वर भगवान्, lord of the world;
lord Jineśvara. नंदी० १; —**गिस्सिय**
त्रि० (—निश्रित) लोकमां रहित; जगतने
आश्रित रहित। संसार में रहा हुआ; जगत के
आश्रित रहा हुआ, residing in the
world; having an abode in the
world. “जगणिस्सिस्सहिं भूणहि” उक्त०
८, १०; दस० ८, २४; —**पागड** त्रि०
(—प्रकट) जगत्-प्रकट। जगत्-जगहिर,
public; known to the world.
पण० १, १; —**पियामह** पुं० (—पिता-
मह) जगतना-दाता; कुशति जगत् श्रवणे

श्रवणवार; जगतना पितारूप जिनेश्वर
भगवान्, जगत के पितामह; दुर्गति जाने
जावों को बचाने वाला; जगत के पितारूप
जिनेश्वर भगवान्, the grand-father
of the world; lord Jineśvara so
called because he is a saviour
of the world. नंदी० १; —**बन्धु** पुं०
(—बन्धु—जगतः सकलप्राणिसमुदायरूप-
स्याव्यापादनोपदेशप्रणयनेन सुखस्थापक-
त्वाद् बन्धुरिव-बन्धुः) जगतना अंधु-भाष
समान; जगतना अंधा श्रोतार भाष समान
मानवार; श्रीजनेश्वर भगवान्, जगत के
बंधु समान; जगतके सब जीवोंको भ्राता तुल्य
माननेवाला; श्री जिनेश्वर भगवान्, Lord
Jineśvara, the brother of the
world because he bears fra-
ternal affection to the beings
of the world. नंदी० १; —**सञ्च-
दंभि** पुं० (—सर्वदर्शिन) जगतने सर्वार्थ
स्वरूप होनेवाले श्रीजिनभगवान्; श्रीज्ञानपुत्र
महावीर, जगत के संपूर्ण स्वरूप को देखने
वाला श्रीजिन भगवान्; श्रीज्ञानपुत्र महावीर,
Lord Mahāvīra who sees and
knows fully the real nature
of the world. “नाणं जगसंवद-
मिणा” मृ० १, २, २, ३१; —**सिहर**
न० (—शिखर) जगतना शिखररूप मोक्ष,
जगत् का शिखर रूप मोक्ष, the summit;
or climax of the world i.e. final
bliss. क० सं० ६, ६०; —**हित** त्रि०
(—हित) जगतपुं हित-अर्थ करनेवाले,
जगत का हित करनेवाला, (one) who
is a benefactor of the world.
सम० ३२; —**हिय** त्रि० (—हित) अनुग्रह
उपलब्धि शब्द देखो ऊपर का शब्द, vide
above. सम० ३२;

जगच्च. न० (जगत्क) जगत्. जगत्. The
world; the universe. विशे० १६६८;

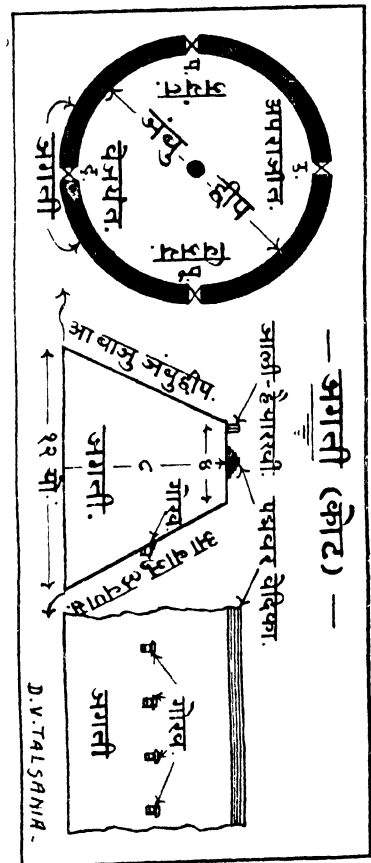
जगद्ग. बी० (जगती) पृथ्वी. पृथ्वां. The earth. “भूयाणं जगद् जडा” उत्त० १.४५; प्रव० १४१२; जं० पं० १,५; (२) व्यञ्जुर्भाषते इति कोट. जंबूद्वीप के चारों ओर का कोट. a fortification encircling Jambūdvīpa. सेणं एगाणं वहरामहणं जगद्गणं सव्वसो ” जं० पं० सम० ८; —**पर्वत्यग.** पुं० (-पर्वतक) पर्वत विशेष; सूर्यादि वनस्पदिभित्तौ अत्र पर्वत. पर्वत विशेष; सूर्यादि वनखंड में का एक पर्वत a particular mountain in Sūryābha forest. राय० १३५;

जगडिज्जंत. त्रि० (कलहायमान) ३३६
 ३२तो. क्लेश करता हुआ. Quarrelling;
 entering into strife. जगडिज्जंता
 विपरकसाण्णिं ” गच्छ्वा ० ६७;

जगतत्थ. न० (जगत्तत्थ) ये नामनी ये
 वनतनी वीकी वनस्पति. इस नामकी एक
 प्रकार का हरी वनस्पति. A kind of
 green vegetation. पृष्ठ १:

जगतः। बौ० (जगती) पृथ्वी. पृथ्वी The earth. सू० १, ११, ३६; (२) जगत्सु द्वीप आदि क्षेत्रानां कटः किंलो. आ कट ८ योजनानां उंचा छे, ऐनी उपरनी पड़ोलासार्ध ४ योजनानी अने नीचनी १२ योजनानी छे ऐना उपर पद्मवर वेदिछा छे अने वयमां कटलाइ जरोआ छे, ऐना वागुन विरनारथी शुवालिंगम सूत्रमां आपेस छे, आ यित्रमां कटनो आकार, उंचाई, पड़ोलासार्ध, इत्यदि जतावेस छे. जंबुद्वीप आदि क्षेत्रका काट, किला. यह काट ८ योजन का ऊंचा है. इस के ऊपर के भाग का चौड़ाई ४ योजन का और नीचे (पाये) की चौड़ाई १२ योजन का है

इस के ऊपर पद्मावर वेदिका और बीचमें कई फरोखे हैं. इस का बिस्तार से वर्णन जीवाभिगम सूत्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambūdvīpa and other regions. This wall



is 8 Yojanas in height. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jivābhigami Sūtra. जीवा०
३, ४;

जगती (ति) पव्वय. पुं० (जगति पर्वत)
जुआ " जगह पव्वयग " शब्द. देखो
" जगह पव्वयग " शब्द. Vide " जगह-
पव्वयग " जीवा० ३, ४;

जगप्पह. पुं० (जगत्पति) जगत्पति. The
lord of the universe. जं० प० ५,
११२;

जगय. न० (यकृन्) क्लेशजः हृदय.
The liver. (२) ते बागते रोग कलंज
का बिमारा; हृदय का रोग. a disease
of liver. भग० १०, ३;

जगारी खा० (*) राजगरा; एक प्रकार का धान्य. A
kind of corn. " असखं ओयणं मनुग
मुगं जगारीह " पंचा० ५, २७;

जग. धा० l. (जागृ) जाग्रतु; जाग्रते
करवे. जागना; जाग्रण करना. To remain
awake; to wake.

जगह. आघ० नि० ८६;

जगन्त. विशेष० १६६;

जगावेह. आया० १, ६, २, ६;

जगण. न० (जागरण) जाग्रतु; निद्रा न
लेनी ते; जाग्रते करवे ते. जागरण;
निद्रा न लेना वह; जाग्रत रहना. Remain-
ing awake; a vigil. पगह० १, १;
आघ० नि० १०६;

जग्गुण. त्रि० (यद्गुण) जेयता गणु. जितना
गुना. Multiplied as many times;
taken as many times. प्रव० ३२;

जघण. न० (जघन) कटन नीचिनी बाग;
साथ. कमर से नीचे का भाग. The

fleshy part below the waist.
कप्प० ३, ३६;

जघण्ण. त्रि० (जघन्य) थोडाभा थोडा;
आजाभा आधा. कम से कम. Mini-
mum; least. सू० प० १८;

जघणिय. त्रि० (जघन्य) जुआ उपले;
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
सू० प० १;

जञ्ज. त्रि० (जाज्य) स्वाभाविक.

Natural; innate. पगह० १, ४; (२)
मतयान्; अनित्य; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम.
जातवान्; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम. promi-
nent; excellent of its kind. कप्प०

२, ३५; जं० प० २, ३१; नंदी० ३१; ओव० १०:
१७; ३१; विशेष० १४००; मु० च० २, ६;
६३८; भग० ११, ११; १५, १; नाया० १२;

—अंजन. न० (-अंजन) शुद्ध अंजन.
pure collyrium (for
the eye). " जञ्जणं भिगभेयं रिट्ठम
भमरावज्जिवलं गुलियं कज्जलं समप्पभंसे "

नाया० १; कप्प० ३, ३६; —कांचण. न०
(-कांचन) नदीयुं सोनुं; शुद्ध सुवर्ण.

शुद्ध सुवर्ण. pure gold. कप्प० ३, ३६;

—गिणिय. त्रि० (-गिणित) उंच; नति-
यान्; दुर्धीन. कुर्लीन; उच्च जातका.

noobly born; born in a high
family. स्य० १, १३, ७; —अग्रि.
त्रि० (अग्रित) जुआ उपले शब्द.

देखो ऊपरका शब्द. vide above. स्य०

१, १३, ७;

जजुव्वेय. पुं० (यजुर्वेद) यार वेदमानो
भीत वेद; आखल धर्मानु भूत पुस्तक.
चागो वेद में का द्वितीय वेद; ब्राह्मण धर्म

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

की मूल पुस्तक. The second of the four Vedas held sacred by the Brāhmanas. भग० २, १; नाया० ५;

१६; ठा० ३, ३; आव० ३८; त्रि० ५;

जज्जर. त्रि० (जज्जर) अर्थ जुगु-पुराण.

जार्ण, पुराना. Old; tottering;

भग० ६, ३३; —घर. न० (-गृह) अर्थ

घर. जार्ण घर. tottering house.

भग० ६, ३३;

जज्जरिअ-य. त्रि० (जज्जरित) जज्जरी;

जोअरी; अर्थ थयेद; लथडी गयेल.

जज्जरित; जार्ण, लथडा हुआ; भारी; बैठा हुआ. Worn out; tottering. ठा०

४, ४; पण्ड० १, १; राय० २२८; नाया०

१; भग० १६, ३; —सद् पु० (-शब्द)

जोअरी अवाज. भारी या बँठा हुई आवाज;

रूखा स्वर. hoarse and feeble sound ठा० १०;

जज्जोव. न० (यावजीव) अर्थ सुधी.

जॉवन पर्यंत. As long as life lasts.

पि० नि० ५०६;

जद्दा. सं० कृ० अ० (इष्ट्वा) यज्ञ करीने;

होम करीने. यज्ञ कर के, होम कर के.

Having performed a sacrifice.

उत्त० ६, ३८;

जड. त्रि० (जड) जडता वाला; विवेक रहित;

भूअ. जड; विवेकहीन; मूर्ख. Devoid

of common sense; foolish. राय०

२४०;

जडा. जी० (जडा) माथाना केशना समूह;

जटा. शिर के केशों का समूह; जटा. The

hair on the head twisted to-

gether. नाया० १६; —मउड. न०

(-मुकुट) जटा रूपी मुकुट. जटा रूपी

मुकुट a crown in the form of

hair twisted together. नाया० १६;

जडि. पु० (जडिन्) जटाधारी; योगी. जटा-

धारा; योगी. A person with matted

hair on the head; an ascetic;

a Yogi. भग० ६, १३; चोव० ३१; जं०

प० ३६७; भत्त० १००;

जडिण. न० (जडित्वा) जटा धारीना भाव;

जटा. जटाधारी पन; जटा. State of

being an ascetic with matted

hair on the head; matted

hair on the head. जं० प० ३, ६०;

उत्त० ५, २१;

जडियाइलग. पु० (जडितालक) ८८ ग्रह-

भांति ५३ भो ग्रह. ८८ ग्रहों में से ५३ वा

ग्रह. The 53rd of the 88 planets

“ वा जडियाइलग ” ठा० २, ३;

जडियाल. पु० (जडाल ८८ ग्रहभांति ५३

भो ग्रह. ८८ ग्रहों में से ५३ वां ग्रह. The

53rd of the 88 planets सू० प० २०;

जडिल. त्रि० (जडिल) जटाधारी; जटावाला.

जटाधारी; जटावाला. Having matted

hair on the head. “ एगं महं कोसं

गंडियं सुकं जडिलं गंडिलं ” प्रव० ७३६;

(२) पु० राहु. राहु. Rāhu (a planet

that causes lunar and solar

eclipse. सू० प० २०;

जडिलय. पु० (जडिलक) राहुनुं श्रीलुं नाम.

राहु का दूसरा नाम. A synonym of

Rāhu (a planet which causes

lunar or solar eclipse). सू० प०

२०; भग० १२, ६;

जडुल. पु० (जडिल) केशरी सिंहनी भाइ

जटाधारी ओक जतनी साप. केशरी सिंह

जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent having a mane like that of a lion. “ उकड फुडकु-डिलजडुलकवसड विकडफडाडोवकरयदवड्छ ” भग० १५, १; नाया० १;

जड़. पुं० (*) हाथी. हत्ता. An elephant. ओघ० नि० २३८; पिं० नि० ३८६;

जड़. त्रि० (जड़) भोलवामां देववामां अने कार्यर्मा गड-भूष-डे गे दीक्षा देवा योग्य नथी. बोलने में, दिखने में व कार्य करने में जड़-मुख कि जो दाक्षा देने योग्य न हो. (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order. “ बाजे बुडु नपुंसिय कीब जडुय बाहिण ” प्रव० ७६३;

जड़. त्रि० (हीन) तथ दीधेय; छोटय; भूकेय. त्याग किया हुआ; त्यक्त. Abandoned; left. दस० ६, ६१; संस्था० ओघ० नि० १८७; ५२१;

✓ जय. धा० I, II. (जन्) गज्यु; उत्पन्न. कर्यु. जन्म देना; पैदा करना. To give birth to; to produce.

जयेह. सु० च० २, ३७६;

जयंति. दस० १, ३८;

जययन्ति. आया० १, २, १, ६३;

जयहस्तह. आया० २, ३, ८,

जयित्ता. सं० कृ० ओव० ३२;

जयिउं. हे० कृ० सु० च० २, २२६;

जयेमाण व० कृ० पिं० नि० १८६;

जय. पुं० (जन-जायते इति जनः) लोक; भाज्यस; अनुष्य. मनुष्य; आदमी. A man;

a person; people. नाया० १; २; ७; १४; १७; १८; भग० १, १; २, ५; ७, १; पिं० नि० १२४; १६४; सू० प० १; राय० अणुजो० १३०; उत्त० १०, १९; ओव० सु० च० ४, १५२; वव० १, २३; नंदी० ८; पंचा० ७, १६; कप्प० ३, ४०; क० गं० १, ४०; (२) जन-सभापदादा. जन-सम्बन्धी. relatives. आया० १, ६, ८, १६३;

—आणंद. पुं० (—आनन्द) जन सभाजने आनन्द आपनार. जन समाज को आनंद दाता. one that pleases or delights mankind or human society. प्रव० ३६६; —उस्मि. पुं० (—जार्मि) तरंगमांथी तरंग ठे तेरी रीते भाज्यसोना येलेयेला नीकले ते. जिस प्रकार तरंग में से तरंग निकलती है उसी प्रकार मनुष्यों के समूह के समूह निकलना. surging crowds of men. राय० ओव० २७; —(णा) उवयार. पुं० (—उपचार) लोकपूज: स्वजनादिउथी यती पूज. उपचार; स्वजनों से होता हुई पूजा. worship or honour paid by relatives or other people. पंचा० २, ३६; ८, ४७; —कलकल. पुं० (—कलकल) भाज्यसोना ‘कल कल’ ऐसे अथावत. मनुष्यों का कलकल ऐसा आवाज. bustling sound made by a course of men. राय० —कखय. पुं० (—कय) भाज्यसोना क्षय; मरण. मनुष्य का क्षय; मरण. death of a man. भग० ३, ७; ७ १; —कखयकर. त्रि० (—कय-कर) लोकना क्षय करतार. लोगों का क्षय करने वाला. (one) that destroys

men. “ बहु जणक्खय करा संगामा ”
 परह० १, ४; —जणणय. न० (-जणनक)
 लोकमां अपवाद. लोगों में अपवाद. con-
 sure among people. गच्छा० ६४;
 —पमद्. न० (-प्रमर्द) लोकानुं यूर्ध्व
 नाश. लोगों का नाश. destruction or
 annihilation of people. भग० ७,
 ६; —पूयणिज्ज. त्रि० (-पूजनीय) लोक-
 मां पूजनीय; लोकमान्य. लोगों में पूजनीय;
 लोकमान्य. deserving of honour
 or worship among people. पंचा०
 २८; —वृह. पुं० (-व्यूह) भाणुसेतो समूह.
 मनुष्यों का समूह. a concourse or
 crowd of men. भग० २, १; ११, ११;
 —बोल. पुं० (-शब्द) भाणुसेतो अव्यक्त
 आवाज. मनुष्यों का अव्यक्त आवाज. in-
 distinct noise made by men.
 विवा० १, १; —मणोहर. त्रि० (-मनाहर)
 लोकानां चित्तं आकर्षितार. लोगों के चित्त
 का आकर्षण करने वाला. (one) that
 attracts the minds of men;
 charming. पंचा० ६, १८; —वह. पुं०
 (-वध) भाणुसेतो धातु. मनुष्यों का वध.
 killing or slaughter of men.
 भग० ७, ६; —वहा. स्त्री० (-व्यथा)
 जन पीडा; लोक पीडा. जन पीडा; लोक पीडा.
 affliction of people; giving pain
 to men. भग० ७, ६; —वाय. पुं०
 (-वाद) भाणुसेतो साथे परस्पर वार्तालाप
 करने के; वातयित करने के. मनुष्यों के साथ
 परस्पर वार्तालाप करना. mutual
 conversation among men. आंव०
 (२) लोक साथे वार्तालाप-संवाद करने
 वाली कला; वातयितनी भाणुसेतो पक्ष
 करने वाली कला. लोगों के साथ वार्तालाप—
 संवाद करने का कला; वाक्चानुर्य. the art of

pleasing men by conversation;
 adroitness in conversation. जं०
 प० आंव० ४०; नाया० १; —संवहृकप्प.
 त्रि० (-संवर्तकल्प) भाणुसेतो संहार जेवुं.
 मनुष्यों के संहार समान. like the anni-
 hilation of men or people. भग०
 ७, ६; —सह. पुं० (-शब्द) भाणुसेतो
 आवाज; शब्दादयः. मनुष्यों का आवाज;
 कोलाहल. bustling sound of a
 concourse of men. नाया० १; विवा० १;
 भग० ११, ११; —सम्मद्. पुं० (-संमर्द)
 लोकानां परस्पर आवाज; शब्दादयः. लोगों
 का परस्पर आवाज; कोलाहल. bustling
 sound made by a concourse of
 men. डा० ४, १; भग० २, १; —सया-
 उल त्रि० (-शताकुल) सैकड़ों भाणुसेतो
 व्याप्त. सैकड़ों मनुष्यों से व्याप्त. full of,
 containing hundreds of men.
 भग० ११, १०;

जणइत्तार. पुं० (जनयितृ) उत्पादक; उत्पन्न
 करनेवाला. उत्पादक; उत्पन्नकर्ता. A gene-
 rator; a producer. डा० ४, ४;

जणण पुं० स्त्री० (जनक) जनक;
 मातापिता वगैरे. जनक; मातापिता वगैरे.
 One who begets; e.g. a father,
 a mother etc. आया० १, ६, १,
 १८०; पंचा० ६, ६;

जणण पुं० न० (जनन) उत्पत्ति. उत्पत्ति
 Production; creation. “संमीर
 रोम हरिम जणण” भग० ६, ५; नाया०
 १; उवा० ८, २४६; पंचा० ३, ४४; ६, १२;

जणणी. स्त्री० (जननी) माता. माता. A
 mother पिं० पिं० ६८७; उवा० ३, १३७;
 जं० प० ५, ११२; पंचा० ७, ३६;
 —कुच्छिम्भउक्क. न० (-कुक्षिम्भ) माता-
 नी कृक्षिमां. माता की कुक्षिमें. in the

womb of a mother. तंहु० —गम्भ.

पुं० (-गर्भ) भातानो गर्भाशय. माता का गर्भाशय. the womb of a mother.

प्रव० १३८१;

जणपय. पुं० (जनपद) देश. देश. A country. उत्त० १, ४;

जणय. पुं० (जनक) पिता. पिता. A father. प्रव० ४; —नाम. पुं० (-नामन्) पिताजुं नाम. पिता का नाम. name of one's father. प्रव० ४;

जणवअ-य. पुं० (जनपद) देश; राष्ट्र. देश; राष्ट्र. A country. उत्त० २६, २८; आया० १, ३, २, ११३; १, १६४;

नाया० १; ५; ८; १२; १५; १६; १८; पगह०

१, ३; राय० २८२; निर० १, १; पञ्च० ११;

जं० प० २, ३६; सु० च० २, ४; भग० २,

१; ५; ७, ६; १०; ६, ३३; १३, ६; १५, १;

प्रव० ८६८; कप० ४, ८६; —कल्लाणिआ.

स्त्री० (कल्लाणिआ) चक्रवर्ती की राजपुत्रिया.

चक्रवर्ती का राजपुत्रिया. any of the queens of a Chakravarti. जं० प०

—पाल. पुं० (-पाल-जनपद पालयति

इति जनपदपालः) देशतो पालय्यार; रक्षक;

राज्य. देश का पालने वाला; रक्षक; राजा.

the protector of a country; a

king. आव० —पिया. पुं० (-पितृ) देशतो

पिता; पालय्यार. देश का पिता; पालने वाला.

the father i. e. the protector

of a country. डा० ६; —पुरोहित

पुं० (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारितय-

पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) देशमां शान्ति

दरय्यार; पुरोहित. देश में शान्ति करनेवाला,

पुरोहित. one who gives peace of

mind to people; a religious pre-

ceptor. आव० —पणहाण. त्रि० (-प्रधान)

देशमां प्रधानश्चेष्ट. देशमें प्रधान, अष्ट. pro-

minent, renowned in a country.

“भजिहय जणवयपणहाणाहिं लालियंता”

पगह० १, ४; —वग्ग. पुं० (-वर्ग) देशतो

समूह. देशों का समूह. a collection

or group of countries. भग० ३,

६; —सच्च. न० (-सत्य-जनपदेषु देशेषु

यदयद्वैवाचकतया रुढं देशान्तरं ऽपि तत्

तद्वैवाचकतया प्रयुज्यमानं सत्यमवितथ-

मिति जनपदसत्यम्) दश प्रभारना सत्येता

पेदेता प्रभार. दश प्रकार के सत्य का पहिला

प्रकार. the first of the ten kinds

of truth. डा० १०; —सच्चा. स्त्री०

(-सत्या—जनपदसमधिकृत्येष्टार्थप्रतिपात्त-

जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद

सत्या) सत्य भाषिता दश प्रभारमिति

पेदेता प्रभार. सत्य भाषा के दश प्रकारों में

से पहिला प्रकार. the first of the 10

kinds truthful speech. पञ्च० १२;

जणिअ-य. त्रि० (जानित) उत्पन्न थयेत्.

उत्पन्न Born; produced. आव०

२६; नाया० १; भग० ६, ३३; सु० च०

१, १६; —प्रमाअ. पुं० (-प्रमाद)

प्रमाद उत्पन्न थयेत्. जिसको प्रमाद उत्पन्न

हुआ हो वह. one who has com-

mitted an act of negligence.

नाया० १०; —मोह. त्रि० (मोह) उत्पन्न

थयेत् छे मोह जेणु ते. जिसने मोह उत्पन्न

किया वह. (one) that has caused

or produced infatuation. भत्त०

१२०; —संवग्ग. त्रि० (-संवग्ग) मोक्षा-

भिक्षाया उत्पन्न थयेत्. जिसको मोक्षभिक्षाया

उत्पन्न हुई हो. (one) in whom a

desire for salvation has been

generated. नाया० १०; —हास. पुं०

(-हास) हास उत्पन्न थयेत्. जिसको हर्ष

उत्पन्न हुआ हो. (one) in whom joy

has been produced. नाया० ८;
जरण. पुं० (यज्ञ) यत्त-नागादिनी पूज्ज-होम.
 यज्ञ-नागादिकी पूजा-होम हवन A sacri-
 fice; worship of serpents etc.
 भग० ६, ३३; उत्त० ६, ३८; नाया० १; २;
 (२) २१ २१ भट्टदेवनी पूज्ज. अपने अपने
 इष्ट देव की पूजा. worship of one's
 own special or family-deity.
 जंप्प० जावा० ३; —जाह. पुं० (-याजिन्)
 यत्त करतार. यज्ञ करने वाला. one who
 performs a sacrifice or wor-
 ship. आ० —ट्ट. पुं० (-अर्थ) यत्तना
 प्रयोजन वाली यज्ञके प्रयोजनवाला (one)
 having sacrifice or worship
 as a motive or end. “जनट्टा य जं
 दिया ” उत्त० २५, ७; —ट्टि. पुं० (-अ-
 र्थिन्) लाय यत्तना अर्था, भट्टदेवतार
 भाव यज्ञ करने के उन्मुख. (one)
 desirous of a sacrifice in a
 spiritual sense. “जज्ञ्ठी वेयसां मुहं ”
 उत्त० २५, १६;

जरणदत्त. पुं० (यज्ञदत्त) अने नामना साधु.
 इस नाम का साधु. Name of an asce-
 tic. कप्प० ८; —वाट. पुं० (-वाट)
 यत्त वाटा; जहां यत्तथाय छे ते वत्ता-जग्ग्या.
 यज्ञ का बाटा; जहां पर यज्ञ होता हो वह
 स्थान. a place where a sacrifice
 is performed. उत्त० १२, ३; —सट्ट.
 पुं० (-अष्ट-यज्ञपु अष्टो यज्ञ अष्टः) उत्तम
 यत्त. उत्तम यज्ञ. the highest kind
 of sacrifice. “वांसट्ट काया सुइच्चदंहा
 महाजयं जयइ जरणसेट्ट ” उत्त० १२, ४२;

जरणइ. पुं० (यज्ञिन्) यत्त करतार तापसनी
 अथ व्रत. यज्ञ करने वाले तापसकी एक
 जाति. One who performs a
 sacrifice; a kind of an ascetic.

आ० ३८; भग० ११, ६;

जरणइज्ज. न० (यज्ञाय) अने नामनुं उत्तरा-
 ध्ययन सूत्रनुं पथोसमुं अध्ययन. इस नाम
 का उत्तराध्ययन सूत्र का पचासवां अध्ययन.
 Name of the 25th chapter of
 Uttarādhyayana Sūtra. सम० ३३;
 अणुजो० १३१;

जरणं. अ० (यच्च) जे इच्छे जो कुछ Any-
 thing; whatever. आ० ३८; ४०;
 नाया० १; भग० ३, १; ५, ५; (२) जेथी;
 जेथी करति; जे भाटे जिसके कारण; जिस
 वास्ते. by which; so that. भग० ३,
 १; ५, ४; वव० १, २३; नाया० १६;

जरणावईय. न० (यज्ञोपवीत) जेतोम.
 यज्ञोपावन् A sacred thread worn
 on the body. भग० १३, ६; न या० १६;
जरहं. अ० (यस्मान्) जेथी; जे भाटे. जिस
 से; जिस लिये. For which; from
 which. नाया० ८;

जारहवी. स्त्री० (जन्हवी) जया नदी. गङ्गा
 नदी. The river (Ganges). प्रव० १२४२;

जतमाण. त्रि० (यत्तमान) यत्तयात्त. यत्त-
 वान. Carefully trying or at-
 tempting; making efforts to
 accomplish an object. आया० १,
 ६, २, ४; १, ४, १, १२६;

जति. अ० (यदि) जुथो “जइ ” शब्द.
 देखो “जइ ” शब्द. Vide “जइ ”
 भग० १५, १;

जति. पुं० (यति) साधु; भुनि. साधु; मुनि.
 An ascetic; a saint. पंचा० ५, ३३;
 १०, ३४; १२, १;

जतियव्व. त्रि० (यत्तितव्व) यत्त करतार योग्य.
 यत्त करने के योग्य. Worthy of being
 accomplished by efforts; worth
 attempting. पंचा० १५, ५०;

जतु. न० (जतुष्) क्षाय; ज्नेशब्दी. लाख; चवडी. Lac; a dark-red transparent resin. भग० १६, २; सूय० १, ४, १, २६; —**कुम्भ.** पुं० (-कुम्भ) क्षाय नो-यशे. लाख का घड़ा a pot of lac. सूय० १, ४, १, २६; —**गोला** पुं० (-गोल) क्षाय-ज्नेशब्दीनो गोले. लाख-चवड़ा का गोला. a globe of lac; a ball of lac भग० १५, ३; —**गोलासमान** त्रि० (-गोलसमान) क्षाय || गोलासे-सु. लाख के गोले जैसा. resembling a ball of lac. भग० १५; ३;

जत्त. त्रि० (यत्तत्) जे ते. जा; वह; जो; सो. That-which; anybody. उत्त० १, २१;

जत्त. त्रि० (यावत्) जेटे-जु. जितना. As much; to the extent to which. गच्छा० ११८;

जत्त. पुं० (यत्न) यत्त; प्रयास; मेहनत. यत्न; प्रयास; मिहनत. Effort; attempt; labour. दग० ६, ३, १३; भग० ६, ३३; पंचा० १, २६; (२) त्रि० यत्नयन्त. यत्न-वन्त. full of effort; carefully attempting. आश० १, १, ४, ३३;

जत्ता. स्त्री० (यात्रा) प्रयाण; जेटे. प्रयाण; निकलना; रवाना होना. (going; setting out. आश० २६; नाया० ८; ६; (२) संयम निर्वाह; संयम पावन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदिमां चित्तते लगानु ते संयम निर्वाह; संयम पालन; तप नियम संयम; स्वाध्याय आदि में चित्त को लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. " किंते भंते जत्ता? सो मिला? " भग० १८. १०; नाया० ६; उत्त० २३, ३०;

Vol. II/99

पंचा० ६, ३; प्रव० ६६; —**अभिमुख.** त्रि० (-अभिमुख) गन्ता-गमन करवाने तैयार थिये-स-भुज थिये. यात्रा-गमन करने को तैयार, सम्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start. आश० २६; —**पाडेणियत्त.** त्रि० (-प्रतिनिवृत्त) यात्रा करी पाछे पड़ेन यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc. निमा० ६, २४; —**भयश.** पुं० (-भूतक -भ्रियत इति भूतकः सदायो यात्रया भूतको यात्राभूतकः) देशान्तरमां भुसादरी करती वपन साधेना नोकर. देशान्तर में यात्रा करने समय संग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. डा० ४, १; —**भयग.** पुं० (भूतक) जनुआ उपशे शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above. डा० ६, १; —**संप-स्थिय.** त्रि० (-संस्थित) गन्ताये गस्ताने तैयार थिये. यात्रा करने को (के लिये) जाने का तयार. bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निसी० ६, १३; —**सिद्ध.** पुं० (-सिद्ध) जे आर वपन समुदती यात्रा करी देम दुशन्न-सदीसत्रामत धरे आवे ते यात्रा सिद्ध कहेलाय. बारह बार समुद्रयात्रा जेम-कुशल-सर्हासलामत करके घर पर आवे उसे यात्रा सिद्ध कहा जाता है. one returning safely after twelve sea-voyages. राय०

जत्तिय. त्रि० (यावत्) जेटे-जा; जेटे-जा प्रमा-ण्यते. जितना; जितने प्रमाण का. As much; of as much extent or proportion. उत्त० ३०; २०; तंदु० ३; भग० ३, ६; ८, १; १३, २; १९, ७; पिं० नि० —**काल.** पुं० (-काल) जेटे-जो वपन. जितना

समय. as much time; as much extent of time. क० ग० ५, ८७;

जत्तो. अ० (यत्स्) जेथी; जे पासेशी जिससे; जिसमें से; From which; whence; पि० नि० ८७;

जत्थ. अ० (यत्त) जेथी; जेभां; जे स्थले. जे जग्या जे. जिहमें; जहां; जिस स्थान पर. Where; in which; at which place. अणुजो० ८; उत्त० ६, २६; नाया० ध० निर० ४, १; पि० नि० ७८; वव० १, ३७; दस० ५, १, २१; ७, ६; नाया० १३, १६; भग० ३, १, ८, १; १२, ४; १६, ७; वेय० १, ४६; ४, १८; गच्छा० ७८; प्रव० ७५, ६८७;

जत्थेव. अ० (*यत्प्रव-यत्त) जेथी. जहां; जिस स्थान पर. Where; at which place. भग० ८, ६; १५, १;

जदा. अ० (यदा) जेथारे; जे वपते. जब; जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६;

जदि. अ० (यदि) जेथो “ जइ ” शब्द. देखो “ जइ ” शब्द. Vide “ जइ ” भग० १६, १; २०, ५; २४, २०;

जदिच्छिअ. वि० (यादच्छिक्क) यथेच्छिक्क; अकस्मात् अनेहुं. दैवयोग से बना हुआ. Accidental; fortuitous. विशेष० ११५;

जदुणंदण. पुं० (यदुनन्दन) श्रीकृष्ण. अंकुष्ण. The god Krishṇa. ठा० ८;

जन. पुं० (जन) मनुष्य. मनुष्य. A man. भग० ६, ३३; विशेष० ५६;

जनय. पुं० (जनय) जेथो “ जणय ” शब्द. देखो “ जणय ” शब्द. Vide “ जणय ” सु० च० १, ८८;

जचअ. पुं० (जनपद) देश; राज्. देश; राष्ट्र. A country. निती० १५, १७;

जज. पुं० (यज) जेथो “ जणय ” शब्द.

देखो “ जणय ” Vide “ जणय ” विशेष० उत्त० २५, ४; १८८२; जीवा० ३, ३; सु० च० ४. १०१; —इ. वि० (—अर्थ) यज्ञ छे प्रयोजन जेनुं जेवा; यज्ञभां जेवा-येन. जिसका प्रयोजन यज्ञ है वह; यज्ञ में सम्मिलित. having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice. उत्त० २५, ७; —वाइ. पुं० (—वादिन्) यज्ञ वादि; अन्नमेधादि द्रव्य यज्ञनी स्थापना करनेवाला. one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc. for religious purpose. उत्त० २४, १८;

जप. न० (जर) मंत्रादिना गत. मंत्रादि का जप. Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc. अणुजो० २६; जप्प. स्त्री० (जपा) चीताई युक्तयने छेउवे. चित्तार्थ गुलाब का पौधा. A plant of China rose. राय० ५३;

जप्प. पुं० (जल्ल) अथयुते; ओतयुते. बडबडाहट करना; बोलना. Prattle; act of speaking at random. ठा० ६;

जप्पभिइ. अ० (यप्पभित्ति) जे कावथी; जे वपथी; जेवाथी. जिस काल से; जिस समय से; जब से. From the time when; since the time when. “ जप्पभिइं च एणं अस्स एस दारण ” कप्प० ४, ६०; भग० १०, ४; नाया० ध० जं० प० २, ३१;

✓जम. धा० II. (यम्) विषमता टापी सभुं करवुं. विषमता मिटा कर योग्य स्थिति में रखना. To make even; to place in order by removing inequality. (२) निवृत्त थयुं. निवृत्त होना.

to retire; to cease from.

जमावेह. प्र०. नि० १, ४०;

जम. पुं० (यम) प्राणुतिपातविरति आदि पांच महाव्रत. प्राणानिपातविरति आदि पांच महाव्रत. The five major vows such as abstaining from killing etc. " जयइ जमजन्मि " उक्त० २५, १; ठा० २, ३; (२) शक्र तथा छशान ईद्रः दक्षिण दिशाना देवपात्रनुं नाम. शक्र व दशान इंद्र के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम. a name of the guardian deity of the southern quarter of Sākra and Īśānendra. ठा० ८, १; विशेष० १८८३; सू० प० १०; भग० ३, ७; जं० प० पगह० १, १; (३) पराधीनतावर्तिता देवता. भर्षा नक्षत्र का अधिपति देवता. the presiding deity of the constellation Bāraṇṇī. अणुजा० १३१; सू० प० १०; जं० प० ७, १५७; ठा० २, १; —**काइय.** पुं० (—कायिक) दक्षिण दिशाना यम ज्ञाना देव. दक्षिण दिशाके यम जानिके देव. a deity of the south belonging to the kind known as Yama. पगह० १, १; भग० ३, ७; —**जज्ञ.** पुं० (—यज्ञ) आदि सा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य अने अपरिग्रह ये ५ यम-संयम रूप यज्ञ; भाव यज्ञ. आदि सा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, व अपरिग्रह इन पांच यम-संयम रूप यज्ञ. भाव यज्ञ. a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz. abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly

effects. उक्त० २५, १; —**देवकाइय.**

पुं० (—देवकायिक) यम देवताओं की एक जाति अथवा देवता. यम देवताओं की एक जाति a group of the gods known as Yama Devatās. भग० ३, ७;

—**पुरिससंकुल.** त्रि० (—पुरुषसंकुल) यमस्य दक्षिणदिक्पालस्य पुरुषा अम्बादयो सुरविशेषास्तैः संकुला धे ते तथा) परमाधमिष्ठो व्यास; जमपुत्रः परमाधमिष्ठो व्यास. परम अधमियों में व्यास; यम पुरुष परम अधम मनुष्य में व्यास. full of demons known as Paramādhamis. पगह० १, १;

—**पुरिससांनभ.** त्रि० (—पुरुषसंज्ञिभ) परमाधमिष्ठो जेयुं परमाधमिष्ठ के समान क्रूर. (cruel) like a demon known as Paramādhamī. पगह० १, ३; —**लोइय.** पुं० (—लौकिक) परमाधमिष्ठो जेयुं यमसे क्यारी देवता. परमाधमिष्ठ आदि यम लोक वाली देवता. a god living in Yamaloka; e. g. a Paramādhamī etc. सू० १, १२, १३;

जमइअ. न० (यदन्त) ये नामनुं सुयगण सुत्रनुं १५ मं अध्ययन. इस नाम का सूयगण सूत्र का १५ वां अध्ययन. Name of the 15th chapter of Suyagadāṅga. मम० १६; २३;

जमइत्ता. सं० क० अ० (निष्पत्य) जमावती; जमावट करीने अतिपरिचित करीने; बार-बार आवृत्ति करी भावीतगार थपने जमा कर; अति परिचित करके बारबार आवृत्ति कर के; माहितगार होकर. Having fixed or settled; having become thoroughly familiar with. आव० १६;

जमग पुं० (यमक) देवकुल उत्तरकुल क्षेत्र-

भांता ऐ नामता पर्वत. “काहिणं भेत उत्तर
कुराए कुराए जमगा नामं दुवे पठयथा
पण्णता ?” जीवा० ३, ४; जं० प० भग०
१४, ८; (२) जमग पर्वतसासी देवतानुं
नाम. जमग पर्वतवासी देवता का नाम.
Name of the god residing on
the Jamaga-mountain. जं० प० ५,
११६; ओव० ३१; जीवा० ३, ४; —पञ्चव-
पुं० (-पर्वत) जुओ उपवा शब्दना ओग
नांअरतो अर्थ. देखो ऊपर के शब्द
का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above.
जं० प० ४, ८८; ६, १२६; सम० १०००;

जमगसमंग. अ० (यमकसमंक) ऐरीसाथे:
युगपत्; ऐरी वअते. एक साथ; युगपत्;
एकही समय पर. At one and the
same time; simultaneously. जं०
प० ४, ८८; ४, ५७; जीवा० ३, ४; ओव०
३१; विवा० १; ७; नाया० ४; ८; भग० ११,
१०; उवा० ४, १४८; १४३; कण० ५, १०१;

जमगा. स्त्री० (यमका) जमक देवता की २०-
धारी. जमक देवता की राजधानी; जमक देवता
का पाटनगर. The capital of the
gods known as Jamaka. जीवा०
३, ४; जं० प० ४, ८८;

जमणिया. स्त्री० (यमनिका) जमणी कांअमां
राजधानी साधुनु ऐक उपकरण दाहिनी
बगलमें रखनेका साधुका एक उपकरण. An
article used by a Sādhū and
kept in the right arm-pit. ठा० ६;

जमदग्नि. पुं० (जमदग्नि) ऐ नामता ऐक
तापस; परशुरामने पिता. इय नाम का एक
तापस; परशुराम का पिता. Name of a
saint who was the father of
Parasurāma. जीवा० ३, १, —पुत
पुं० (-पुत्र) जमदग्निने पुत्र; परशुराम.
परशुराम; जमदग्नि पुत्र. the son of

Jamadagni; Parasurāma. जीवा०
३, १;

जमपवम. पुं० (यमप्रभ) यमदेवता धंद यम-
देवता ऐ नामने उपाते पर्वत. यमदेव के
इन्द्र चमरेन्द्र का इय नाम का उपात पर्वत.
Name of a mountain which
was the abode of Chamaren-
dra, the Indra of the Yama
gods. ठा० १०;

जमल. त्रि० (यमल) समश्रेणिये रदेतुं;
सरअ सरअ; जेअरत रदेतुं. समश्रेणी में
रहा हुआ; एक सरीखा; लगालग रहा हुआ.
Remaining in a straight line;
in juxtaposition. उवा० २, ६४;
ओव० ३०; राय० ३३; नाया० १; ८; ६;
जीवा० ३, १; ४; जं० प० भग० १५, १;
१६, ३; (२) न० ऐ नामनुं वृक्ष के जेनुं
रूप कृष्णसमुदेवता पैरी विद्याधरे धारण
कृतुं. इय नाम का वृक्ष कि जियका रूप
कृष्ण वामदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया
था. name of a tree into which
a Vidyādhara who was an
enemy of Kṛiṣṇa Vāsudeva
had metamorphosed himself.

पण० १, ४; —जुयल. न० (-युगल)
सरअ सरअ जेअ; समश्रेणिये रदेतुं जेअ.
युगल; समश्रेणी से रहा हुआ. a pair; a
couple with its two members
in juxtaposition. राय० ११२;

—पय. न० (-पद) आइ आइ आइअने
ऐकेक जेअ; जेअके उरयअउउप;
२४६५३५५०; आमां पदेवा आइ आइअनुं
ऐक जमव पद अने भीअ आइ आइअनुं
भीअ जमव पद. आठ आठ अंक का एक
समूह; जैना कि, ३२५४८६३६, २६३५३५५०
इसमें पहिले आठ अंक का एक जमल पद;

व दूसरे आठ अंकों का दूसरा जमल पद.
a numerical sum containing 8
figures; e. g. 32548635. अणुजो०
१४५; पत्र० १२; —पाणि. पुं० (—पाणि)
मुट्टि, मुट्टा. the fist of a hand. भग०
१६, ३;

जमलत्ता. स्त्री. (यमलता) देवतापात्र. युग-
लता. State of being a pair.
विवा० ५;

जमलिय. त्रि० (यमलित-यमलं नाम सजाता-
ययोर्युग्मं तत्र संजातमेषां ते यमलितः) दिशा-
भां समश्रेणीये रक्ष. एकही दिशा में सम-
श्रेणी में स्थित. Remaining in jux-
taposition; remaining in a
straight line आ० भग० १, १;

जमा. स्त्री० (याम्या-यमो देवता यस्याः सा
याम्या) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The
southern direction. भग० १०, १;
(२) यमलोदपावती राजधानी. यमदेव का
पाटनगर. the capital of god
Yama. भग० १०, ५;

जमालि. पुं० (जमालि) ये नभना क्षत्रिय
राजकुमार; महावीरस्वमिता जमालि के
जेलु प्रभुपासे दीता वीथी नभने पाछवथी
ओड पंथ यत्राये. इस नाम का क्षत्रिय
राजकुमार, महावीर स्वामी का जवाई कि
जिन्होंने प्रभु के समीप दीक्षा ली और फिर
एक पंथ की स्थापना की. A Ksatriya
prince, the son in law of Mahā-
vira Svām who received Dikṣā
from him and afterwards
founded a sect. “तथैषं खतिप्रकुंड-
गामे ण्यरे जमालिणामं खत्तिप्र कुमारे परि-
वमह” भग० ६, ३३; नाया० ८; निर० ४,
१; ठा० ७, १; —प्रउभ्रण न० (—अ-
ध्ययन) अंतर्गत दशांश ६३ अध्ययन के ७२

दाश उपलब्ध नहीं. अन्तर्गत दशा का छठा
अध्ययन कि जो फिलहाल उपलब्ध नहीं है.
name of the 6th chapter of
Antagadāśā (it is no longer
extant). ठा० १०;

जमिगा. स्त्री० (यमिका) जमक पर्वतवा
देवता की राजधानी. जमक पर्वत के देवता
का पाटनगर. The capital of the
gods residing on the Jamaka.
जं० प० ४, ८८;

जमिय. त्रि० (यमित) नियन्त्रित इन्द्र.
दिशा दिवाया हुआ. Guided; govern-
ed. सु० च० १, २६;

जमुणा. स्त्री० (यमुना) जमुना नदी. यमुना
नदी. The Jamunā river. सु० च०
५, ६;

जम्म. पुं० न० (जन्मन्) जन्म; उत्पत्ति.
उत्पत्ति; जन्म. Production; birth.
नाया० १; २; १३; १६; १६; नाया० ५०
भग० ६, ३३; १५, १; सु० च० १, १८७;
३०६; ३, १८३; विशेष० ७२५; दसा० ६, १;
निर० १, १; आ० ४३; सूय० १, १, १,
२३; पि० नि० ७५; उवा० २, ११३; कप०
२, १८; प्रव० ५; भक्त० १३४; —जरा-
मरण. न० (जरामरण) जन्म-मरण अर्थात्
मरण जन्म जरामरण. birth, old age
and death. पग० १, ३; —जीवियफल.
न० (जीवितफल) जन्मरूप अर्थात्
इन्द्र. जीवित फल. the fruit of life.
भग० १५, १; नाया० १३; —रागर. न०
(—नगर) जन्म-मरण अर्थात् जन्म ते नगर.
जन्म जगह जन्म हुआ हा वह नगर. the
town where one is born. जं० प०
५, १२०; ४, ११७; —रागर. न० (—नगर
यस्मिन् नगरे यस्य जन्म भवति तत्स्थ
जन्मनगरम्) जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान;

जे गामभां जन्म थये होय ते गाम. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान. the town where one is born; birth-place. जं० प० ५, १२३: —दंसि. त्रि० (—दंशिन्) जन्मना अक्षररूपने जेना. जन्म के वास्तविक स्वरूप को देखने वाला. (one) who understands the real nature of birth (life). “ जे गढभदंसि से जम्म-दंसि जेजम्मदंसि से मारदंसि ” आया० १, ३, ४, १२५: —दोस पुं० (—दोष) जन्म सङ्घाती दोष-जन्मनी ओड. जन्म दोष. the defect from the very birth. ठा० १०: —नकखत्त. न० (—नक्षत्र) जन्म-भन्तु नक्षत्र. जन्म नक्षत्र. the natal star. कप्प० ४, १२८: —पक्क. त्रि० (—पक्व) जन्म-भन्तु जेताली भेदे पक्क जन्म से ही-स्वयं परिपक्व बना हुआ. fully developed or mature from the very birth. विवा० १, ८: —फल. न० (—फल) अन्तर्गुं दत्त प्रये. जीवन का फल-प्रयोजन. the aim or object of life. पंचा० ८, ३: —भूमि. स्त्री० (—भूमि) जन्म भूमि; मातृ भूमि. जन्म भूमि; मातृ भूमि. birth-place; mother-land. “ अवसेसा तिथ्यरा निखता जन्म भूमिमु ” सम० प० २३१: —समय. पुं० (—समय) जन्म-भन्तु वन्त. जन्म समय. the hour of birth. प्रव० ५;

जम्मंतर. न० (जन्मान्तर-अन्यजन्म जन्मान्तरम्) अन्य जन्म; पूर्व जन्म. Previous birth. गच्छा० ६; भक्त० १६६: —कअ. त्रि० (—कृत्) जन्मान्तरमां करे. पूर्व जन्म में किया हुआ. done in the previous life. गच्छा० ६;

जम्मण. न० (जन्मन्) जन्म; उत्पत्ति; उत्पत्ति.

पुं; अन्तार. जन्म; उत्पत्ति; अवतार. Birth; production; incarnation.

“ जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्खुमिअ ” पण्ह० १, ३; नाया० १; ५, ८; भग० ११, ११; १२, ७; १८, २; २५, ६; जावा० १; ओव० २१; ओव० ३१; ओघ० नि० ११६; जं० प० ५, ११२; अणुजो० १७; १५४; निर० २, १, —चरिय. न० (—चरित्र) जन्म चरित्र; अन्त चरित्र. जन्म चरित्र; जीवन चरित्र. account of one's life; biography. राय० ६५: —चरिय-शिवद्ध. न० (—चरित्रनिबद्ध) तीर्थंकर-जन्म-निबद्धता देखाववातुं ३२ नाटकमांनुं ओड. तीर्थंकर के जन्म-निबद्धता के दृश्य वाला नाटक; ३२ नाटकों में से एक. a dramatic performance showing the birth of a Tirthankara; one of the ३२ dramas. राय०—भवण न० (—भवन) प्रभुनि घर प्रभुनि घर. a lying-in chamber. जं० प० ५; ११२: —मह. पुं० (—मह) जन्म महोत्सव. जन्म महोत्सव. festivity in connection with birth. भग० ३, —महिमा. पुं० (—महिमा) जन्म-महोत्सव. जन्मोत्सव. festivity in connection with birth. भग० १४, २; जं० प० ५, ११२; ११३;

जम्मा. स्त्री० (याम्मा) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The South. प्रव० ७६४;

✓ जय. धा० I. (जि) अन्तर्गुं; जय भेदवत्; द्रोह पातनी. जय प्राप्त करना; सफलता पाना. To conquer; to succeed. जयइ-ति. सु० च० १, १; उत्त० ७, ३१; नंदी० १; जयति. जं० प० ७, १५२; जहन्था. भग० ७, ६; जयित्ता. ठा० ३, २;

જયંત. ઉત્ત. ૪, ૧૧; જં. પં. પિં. નિ. ૧૬૦;

જહતણ. હે. કુ. ભગ. ૭, ૬;

✓ જય. ધા. I. (ચત્) મહેનત કરવી; યત્ન કરવો; જયણા કરવી. મિહનત કરના; યત્ન કરના. To exert oneself; to endeavour.

જયહ. ઉત્ત. ૩૧, ૭;

જયે. વિ. સૂ. ૧, ૨, ૩, ૧૫;

જયસુ. પિં. નિ. ૪૫;

જયંત. વં. કૃ. ઉત્ત. ૨૪, ૧૨; પિં. નિ. ૧૬૦;

જયતન્ત. સૂ. ૧, ૨, ૧, ૧૧;

જયમાણ. ૧. ૪, ૧, ૧૨૬; ૧, ૬, ૨, ૧૮૩;

૧, ૬, ૧, ૨૧;

જય-અ. પું. (જય) શત્રુઓને છતવા તે. વિજય.

વિજય; શત્રુઓનો જાંતના. Victory. ઓ. ૧૧; દસ. ૭, ૫૦; નંદા. ૫; કંપ. ૧, ૫;

૪, ૬૭; નાયા. ૧; ૩; ૧૬; ભગ. ૩, ૧; ૨;

૭, ૬; ૬, ૩૩; રાય. ૩૭; પજ. ૨: (૨)

એ નામના વર્તમાન અયસ પિણ્ડના ૧૧ મા

ચક્રવર્તી. ડગ નામ કા વર્તમાન અવસાંધિની

કા ૧૧ વાં ચક્રવર્તી. name of the

11th Chakrawarti (sovereign)

of the present cycle. જં.

પં. ૩, ૪૬; ઉત્ત. ૧૮, ૪૩; સમ.

પં. ૨૩૪; (૩) એ નામની ત્રીજ

આઠમ અને તેરસ એ ત્રણ તિથિઓ. હમ

નામ કી તૃતિયા અષ્ટમી વ તૃયોદશી યે તાંન

તિથિયાં. name of the 3rd, 8th and

13th day of a fortnight. જં. પં.

૧; (૪) એ નામનો એક દેવતા. હમ નામ

કા ઇક દેવતા. name of a god. ભગ.

૩, ૭; (૫) ૧૩ મા તીર્થ કરને પ્રથમ

મિત્તા આપનાર ગૃહસ્થ. ૧૩ વે તીર્થકર કો

પ્રથમ મિત્તા દેનેવાલે ગૃહસ્થ. a house-

holder who was the first to give

alms to the 13th Tirthankara.

સમ. પં. ૨૪૨;—જામ. પું. (-નામન્)

જય નામે ૧૧ મા ચક્રવર્તી. જય નામ કા ૧૧

વાં ચક્રવર્તી. name of the 11th Cha-

kravarti. ડા. ૧૦; ઉત્ત. ૧૮, ૪૩;

—સહ. પું. (-શબ્દ) જય થાઓ એવો

શબ્દ. જય હો એમા શબ્દ. the excla-

mation 'victory! victory!'. “જય-

સહધોસણ્ય” ભગ. ૬, ૩૩; ઓ. ૩૧;

કંપ. ૮, ૬૨;—જય. પું. (-જગન્)

સંસાર; લોક; દુનિયા. સંસાર; લોક. world-

ly existence; the world. ભગ. ૨૦,

૨; ૩; —ગુરુ. પું. (-ગુરુ) જગતના ગુરુ;

શ્રીજિનેશ્વર. જગત્ કે ગુરુ; શ્રી જિનેશ્વર. the

world-teacher; Jīnēśwara. મુ. ચં.

૨, ૩૬૧; પંચા. ૪, ૩૩;—પસિદ્ધ. ત્રિ.

(—પ્રસિદ્ધ) જય જાહર; લોક

પ્રસિદ્ધ; પ્રખ્યાત. famous; well-known.

મુ. ચં. ૧, ૨૮; —પહુ. પું. (-પ્રમુ)

જગતના પ્રમુ. પરમંથર. the lord

of the world; the supreme

being. મુ. ચં. ૧, ૩૮૦; —પુંગવ.

ત્રિ. (-પુન્નવ) જગતમાં શ્રેષ્ઠ. જગત મેં

શ્રેષ્ઠ the greatest or the best

in the world. મુ. ૨, ૬૭૭;

જયંત. પું. (જયન્ત) જય દ્રાપના ચાર દ્વાર

માંનું પશ્ચિમ તરફનું દ્વાર. જમ્બૂદ્વીપ કે ચાર

દ્વારો મેં સે પશ્ચિમ દિશા કે તરફ કા દ્વાર.

The western gate of the four

gates of Jambū Dvīpa. “કહિયં

મંતે જંબૂ દીવસ્સ જયંત જામ દ્વારે પગણે”

જીવા. ૩, ૪; જં. પં. (૨) જયંત નામે

પાંચ અણુત્તર વિમાનમાંનું ત્રીજું વિમાન

એતી સ્થિતિ ડર સાગરોપમની છે એ દેવતા

૧૬ મંદિતે શ્વાસોચ્છવાસ લે છે એને ડર

દત્તર વર્ષે ક્રુધા લાગે છે. જયંત નામ કે

પાંચ અણુત્તર વિમાન મેં સે ત્રીસરા વિમાન;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने में ये देवता श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें ३२ हजार वर्ष में क्षुधा लगता है. the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta. The life-period of the gods of this abode is 32 Sāgaras. They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years. "विजये विजयंते जयंते अपराजयं सवद्वसिद्धे" टा० ५, ३; ४; सम० ३२; भग० ५, ८; २४, २४; नाया० ८; प्रव० ११५१; (३) ते विमानवासी देवता. उस विमान में रहने वाले देवता. gods residing in celestial palaces or abodes. सम० उत्त० ३६, २१३; पञ्च० १; (४) मेरु पर्वत की उत्तर दिशा में आवेष्टा रुचकवर पर्वतना आठ कूटमानुं ७ भुं कूट. मेरु पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रुचकवर पर्वत के आठ कूट में से सातवां कूट. the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. टा० ४; (५) आवती येनीसीमां थनार प्रथम अवदेव. आगामी चौवासी में होने वाले प्रथम बलदेव. the first Baladeva of the coming cycle. सम० प्र० २४२; (६) वज्रसेन सूरीना या र शिष्यमांता त्रीण शिष्यनुं नाम अने तेनाथी नीडलेख शाभानुं नाम. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūri as also the

school that sprang from him. क.प० ८; —पवर. पुं० (—प्रवर) त्रीनुं अनुरार विमान. तीसरा अनुत्तर विमान. the third chief celestial abode known as Anut ara. नाया० ८;

जयंती. स्त्री० (जयन्ती) कौशांबी नगरी निवासी जयन्ती नामे महावीर स्वामीनी भोटी श्रविष्ठा. कौशांबी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी का बड़ा—श्रविष्ठा. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kausāmbī. भग० १२, २; (२) सातमा अवदेवनी मातानुं नाम. अवदेव की माता का नाम. name of the mother of the seventh Baladeva. सम० प० २३५; (३) सातमी दिशकुमारी. सातवीं दिशा—कुमारी. the seventh Disākumārī. (४) सर्वप्रदानी या र अग्रमहिषीमांता त्रीण अग्रमहिषीनुं नाम. सर्व प्रदों की चार अग्रमहिषी में से तीसरी अग्रमहिषी का नाम. name of the third of the four principal queens of the planets. जं० प० ५, ११४; जीवा० ४; टा० ४, १; भग० १०, ५; (५) महावप्रविजयनी मुख्य पाटनगर. the chief capital of Mahāvīra Vijaya. जं० प० टा० २, ३; (६) उत्तर दिशाना अंजन पर्वतनी अंज पश्चिमनी वायुनुं नाम. उत्तर दिशा के अंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Añjana. जीवा० ३, ४; प्रव० १५०३; (७) पञ्चवासीयानी पंदर रात्रिमांती ६ भी रात्रिनुं नाम. पञ्च की १५

रात्रियों में से ६ वीं रात्रि का नाम. name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; (८) सातवां तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी नाम. name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism. सम० प० २३१; (६) ऐ नामनी ऐक शाखा. इस नाम की एक शाखा. a school of this name. कण० ८;

जययोग पुं० (जयघोष) ऐ नामनी ऐक मुनि के छे काशीवां आत्मिज दुवसां जन्मेव दत्ता. प्रथम वेद धर्मने आरी दीने अभ्यास क्यो दत्ते. पाण्डुरथी गंगा नदीने कहे ऐकैक प्रणी जीव प्रविष्टी प्रणीओशी, यत्र ता देव दोग्य वापी देव दीक्षा अणी-कए करी, महा जनी अने तपस्वी अन्या मास अमयुने पारजि पाताना भाई विजय धेपने अरुमेव यजमां भिक्षा सेवा आवतां अत्युंऐ निररकार क्यो तथपि तेनी दरकार न करतां आम्दज धर्म अने आम्दज शब्दनुं अरुं रदश्य प्रदर्शी न्हि विजय धेपने पजु दीक्षा अपी इस नामके एक मुनि जो कि काश्यामें ब्राम्हण कुलमें जन्मे थे. प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्यास किया था, पीछे से गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी अन्य प्रतिपक्षा प्राणी द्वारा निगला जावा हुआ देख वैराग्य प्राप्त हो गया. जैना दाक्षा योगिकार करके बड़े ज्ञाना और तपस्वी बने. मास खमण (एक मासका उपवास) के पारण के दिन अपने बन्धु विजयघोषने प्रारंभ किये हुए यज्ञमें भिक्षा लेनेको गये किन्तु ब्राह्मणोंने निरस्कार किया, परंतु उस की परवाह न करते ब्राम्हण धर्म व ब्राम्हण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी

दाक्षा दी. Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every aquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghōṣa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana wonned his brother and initiated him in his order. उत्त० २१, १;

जयजय पुं० (जयजय) जय थाओ जय थाओ ऐवे ध्यान. जय हां जय हो ऐसा ध्यान. The exclamations Jaya! Jaya! (victory). भग० ६, ३३; —रव. पुं० (-रव) जय थाओ ऐवे अशीर्वाद वाच्य शब्द. जय हो ऐसा आशीर्वादवाचक शब्द. the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory). भग० ६, ३३; —सद्. पुं० (-शब्द) जय जय ऐवे आशीर्वाद शब्द. जयजय ऐसा आशीर्वाद शब्द. The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory).

ओव० जं० प० ५, १२२;

जयण्. न० (यजन) अक्षय देयुं ते. अभय दान देना. Giving assurance of safety. परह० २; १;

जयण्. न० (यत्न) प्राणीनुं रक्षयुं करयुं. प्राणी का रक्षण करना. Protection of living beings. परह० २, १; (२) यत्न करवो ते; उद्यम करवो ते यत्न करना. effort; exertion. नाया० १; परह० २, १,—(या) आवरणज्ज न० (आवरणाय) जेथी प्रयत्न-उद्यमभां अंतराय पडे तेथी कर्मनी ऐक प्रकृती. जिस से प्रयत्न-उद्यम में विघ्न हो ऐसा कर्म की एक प्रकृति. a kind of Karma which hinders efforts. भग० ६, ३१;

जगणा. स्त्री० (यतना) जतना: संभाव्य व्युत्पत्तिः कर्माभा उपयोग राखवो ते सावधानता-युक्त आचरण; हरैक कार्य में उपयोग रखता. Cautious behaviour; making every action useful; proper circumspection. उत्त० २४; ओव० २१; पिं० नि० भा० २६; नाया० ५; भग० १८, १०; पंचा० ४, १०; ७, २६; गच्छा० ८०;

जयणा. स्त्री० (जयना) यधी गति उपर जत-मेक्षवे ऐथी देवतानी गति. सर्व गतियों के ऊपर मफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति The gait or the speed of gods which is the highest of all. “जयणाण गइण” कप्प० २, २७; नाया० १; भग० ३, १; राय० २६;

जयणा. स्त्री० (यत्ना) समझितभां ७ प्रकारनी यत्ना-विवेक. सम्यक्त्व में छः प्रकार का विवेक. The six forms of discrimination in Samyaktva. प्रव० ६४१;

जयहह. पुं० (जयद्रथ) ऐ नामना ऐक राज-

कुमार. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince. “गंगेयविवूरहोण जयहह” नाया० १६;

जयमाण. त्रि० (यत्मान) यत्न करयुं. यत्न करता हुआ. Endeavouring; striving. पंचा० १५, ११;

जया. अ० (यदा) ज्यारे; जे वप्पते. जब; जिस समय. When. नाया० १; ७; ११; १६; नाया० ध० भग० ५, १; दसा० ५, ३२; १०, १; दस० ४, ४; ओव० १२; उत्त० २५, १६; विशेष० ६२; क० गं० २, ७;

जया. स्त्री० (जया) आरमा तीर्थकर वासु पूज्यनी मातानुं नाम. बारहवें तीर्थकर वासु पूज्य की माता का नाम. Name of the mother of the twelfth Tirthankara, Vāsupūjya. सम० प० २३०; प्रव० ११; (२) तीर्थ, अरुम अने तेरसनी रजिता नाम. तृतीया, अष्टमा और त्रयोदशा की रात्रियों के नाम. name of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight. सू० प० १०; (३) येथी चक्रवर्तीनी स्त्री (रत्न). चौथ चक्रवर्ती की स्त्री the wife of the fourth Chakravarti. सम० प० २३४; (४) ऐक वतनी भिक्षु. एक प्रकार की मिठाई. A kind of sweet-meat. जं० प० ५, ११२;

जयाग्गमार. पुं० (जकारमकार) जकारमकार रूप अपशब्द. जकार मकार रूप अपशब्द. A corrupted word having the sound ‘ja’ and ‘ma’. गच्छा० ११०;

✓ **जर**. धा० I, II. (जू) जूयुं करयुं. जाँय करना To grow old; to decay. जरेहि. आया० १, ४, ३; १३५;

जर. पुं० (ज्वर) ताप; ऐक वतनी रोग. बुखार; ताप; एक प्रकार की बिमारी. A

kind of disease; fever. जीवा० ३, ३; विशेष० १२०४; नाया० १; ५; १३; भग० ७, ८; (२) न० संताप. संताप. arrangement. जीवा० ३, १; —समण. न० (-शमन) तापने शान्त करवे, बुझार को शान्त करना. cessation of fever. पंचा० ६, २६;

जरग. त्रि० (जरक) शृङ्ग. जर्ण; पुराना. Old; worn out. “ जरग ओवाहणें चिवा ” अणुत्त० ३, १;

जरग. पुं० (जरद्व) धरंटा यवद. वृद्ध बैल. An old ox. (२) जरक-य नामजुं वृत्तावर. जरक-य नाम का जानवर. a kind of animal. अणुत्त० ३, १;

जरगव. पुं० (जरद्व) धरंटा यवद. वृद्ध बैल. An old ox. “ जरगवपणि ” अणुत्त० ३, १; सूय० १, ३, २, २१;

जरठ. त्रि० (जरठ) धरंटा यवद. वृद्ध; पुरान; जर्ण. Old; aged; decayed. श्राव० नि० ७३७; श्राव०

जरय. पुं० (जरक) पड़ेसी नरकतो मेरुथी दक्षिण नरकतो अेक नरकावासो पहिली नरक का मेरु मे दक्षिण तरफ का एक नरकावास. An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा० ६, १;

जरयमम्भ. पुं० (जरकमध्य) पड़ेसी नरकतो उत्तर दिशा नरकतो अेक नरकावासो पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावास. The northern internal abode of the first hell. ठा० ६, १;

जरयावत्त. पुं० (जरकावत्त) पड़ेसी नरकतो पश्चिम दिशा नरकतो अेक नरकावासो. पहिली नरक का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा० ६, १;

जरयावसिद्ध. पुं० (जरकावशिष्ट) पड़ेसी नरकतो दक्षिण दिशा नरकतो अेक भेदाटा नरकावासो. पहिली नरक की दक्षिण दिशाक ओर का इस नामका बड़ा नरकावास. A big hell abode of the first hell region situated in the south. ठा० ६, १;

जरस. पुं० (जरस) अेक जनतुं जंगली पशु. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा० ३, ३;

जरा. स्त्री० (जरा) धरपणु; वृद्धावस्था. वृद्धावस्था. Old age; decline of age. “ जीवाणें भेंत कि जरा सोगे ? ” भग० १६, २; भग० २, १; ३, ७; ७, ६; ६, ३३; नाया० १; २; १७; विशेष० ३१७८; पञ्च० २; दस० ६; ६०; ८, २६; संख्या० ३२; श्राव० ३१; भक्त० १५, १६८; श्राव० २, ५; उत्त० ६, १; १३, २६; आया० १, ३, १, १०८; सूय० १, १, १, २६; जं० प० ७, ११३; सू० प० २०; सु० च० १, २३५; —जजरिय. त्रि० (-जजरित) जराथी शृङ्ग थयैव जरासे जर्ण. old; infirm; decayed. भग० १६, ६; —मरण. न० (-मरण) जरा अने मरण. जरा व मरण. old age and death. श्राव० २, ५;

जराउअ. त्रि० (जरायुज) जरयु-ओर सथे जन्म पासवार; गर्भाशयथी जन्म पासवां भनुय अते पशु. जरायु- साथ में जन्म लेने वाला; गर्भाशय से जन्म पाते हुए मनुष्य व पशु. Born from the womb; viviparous. सूय० १, ७, १; प्रव० १२५०; आया० १, १, ६, ४८; दस० ४; जीवा० ३, २;

जराउज. त्रि० (जरायुज) श्रुओ “ जराउअ ” शब्द. देखो “ जराउअ ” शब्द. Vide “ जराउअ ” ठा० ७, १;

जराउय. त्रि० (जरायुज) लुओ “ जरा-
उय ” शब्द. देखो “ जराउय ” शब्द.
Vide “ जराउय ” अ.या० १, १, ६,
४८; दस० ४; जीवा० ३;

जराकुमार पुं० (जराकुमार) यादव वंशना
ऐक कुमार के होने लाये कृष्ण मदारारज
मेत थरी ऐम नेमनाथ भगवाने प्रकाशवाथी
ते पातकभीथी अथवाने के कासणी वनमां
रहेता दता छतां दैव योगे कृष्ण मदारारज
त्यां आतीयउया अने जराकुमारने लायेज
मेत थयु. यादव वंश का एक कुमार कि
जिसके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने
वाला था. नेमनाथ भगवानने यह भविष्य प्रगट
किया था और पातक से बचने का जिस
कोसंबी वन में वे रहने लगे थे वहां भी
कृष्ण महाराज जा चंडे और जराकुमार के
हाथ से मृत्यु हुई. A Yādava prince
at whose hands Kṛṣṇa was to
meet his death. Owing to the
manifestation of Nemanātha, he
used to reside in the forest of
Kosambī for saving himself
from sin, where too Kṛṣṇa
happened to come and was
killed at the hands of Jarā
Kumāra. अंत० ५, १;

जरासंध. पुं० (जरासंध) राजशूद्र नगरने
राज; नवमा प्रति वासुदेव. राजगृह नगर का
राजा; नव में प्रति वासुदेव. The king
of Rajagriha; the ninth Prati-
Vāsudeva. पगह० १, ४;

जरासिंधु. पुं० (जरासिंधु) ऐ नाभने
राज. जरा सिंधु नामका राजा. A king
so named; the ninth Prati
Vāsudeva. नाया० १६; प्रव० १२२७;

जरि. त्रि० (जवरिन्) ताप व.क्षो. जवर वाला.

Attacked with fever. सु० च०
१३, ५४;

जरिअ. त्रि० (जवरित) ज्वर-ताप वगेरे
रोगवापुं. ज्वर, ताप आदि रोगवाला.
Attacked with fever. पिं० नि०
५७२; ५८२; सूय० १, ७, ११; प्रव० ११२;

जरूला. स्त्री० (जरूला) चार इंद्रिय वाला
ऐक ज्व. चार इंद्रिय वाला एक जीव. A
four-sensed creature. पञ्च० १;

जल. न० (जल) पाष्णि; जल. जल; पानी.
Water. नाया० १; २; ४; ८; १८; भग०
२, १; ५, ७; ४२, १; नंदा० ७; विशेष०
२०६; ओव० २१; उत्त० ३६, ५०; क० गं०
१, १६; भक्त० १२६; प्रव० ४७७; (२)
जलकान्त तथा जलप्रभ इंद्रता प्रथम लोक-
पालपुं नाम. जलकान्त व जलप्रभ इंद्रके
प्रथम लोकपाल का नाम. name of the
first Lokapala of Jalakānta and
Jalaprabha Indra. जं० प० ४, ७४;
छा० ४, १; भग० ३, ८; (३) पाष्णि-ज ज्व.
जल के जीव. an aquatic animal.
क० गं० ४, १३; (४) प्रवेद; परीनी.
पसीना, प्रस्वेद. sweat; perspiration.
नाया० १; (५) जलस्थान; तत्राय वगेरे.
जलस्थान वगेरह. a store of water;
a pond etc. दसा० ७, १; —अंत.

पुं० (-अन्त) पाष्णिना अंत-छेडा. जल
का अंत भाग. depth of water. भग०
६, ४; —अभिसेय. न० (-अभिषेक)
पाष्णिथी नदापुं ते. जल से स्नान करना.
bathing with water. भग०

११, ६; नाया० ५; निर० ३, ३; —अभि-
सेयकः णगाय. पुं० (-अभिषेककर्तृ-
गात्र) वानप्रस्थ तापसनी ऐक जल जेनुं
शरीर पाष्णिना बारंवार सिंघनथी कडिन थछ
गथेध लेय ते. वानप्रस्थ तापस की एक

जाति कि जिसका शरीर जल के बारबार सिंचन से कठिन हो गया हो. an order of hermits; one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water. भग० ११, ११; —उत्तार. पुं० (-उत्तार) पाष्णीमां उतरयुं ते. जलमें उतरना. descending or getting into water. प्रब० ६७८; —उपरिगृह्ण. त्रि० (-उपरिस्थायिन्) गृह्ण उपरि रड़ेना. जलके ऊपर रहने वाला. (one) living above water. नाया० ६; —काय. न० (-काय) अपकाय; पाष्णी. अपकाय; जल. water. क० गं० ८, १३; —किट्. न० (किट्) पाष्णीतो भेदः सेनादः द्वीप् जल का मेघ; कच्छा. dirt in the water; moss राय १७३; —कीडा क्री० (क्रीडा) पाष्णीमी अंदर तरयुं; दुग्धडी भारदी यगेरे गम्भत जन के भीतर तैरना; कृदना इत्यादि खेल sporting or gambolling in water. राय० १७३; भग० ११, ६; विवा० ७; —क्रीला. क्री० (-क्रीडा) जुष्मो उपतो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ११, ६; —कुंभ. पुं० (-कुंभ) पाष्णीतो घडा. जल का घडा-पात्र. a pot of water. पंचा० १५, ११; —गय. त्रि० (-गत) पाष्णीमां रड़ेयुं जल में रहा हुआ. living in water. निरी० १८, २०; (२) पुं० पाष्णीमी अंदर रड़ेना शब्द. जल के भीतर रहा हुआ जीव. a creature living in water; an aquatic animal. परह० १, १; —घरिय. त्रि० (-गृहिक) पाष्णीमी व्यवस्था करना; पाष्णी पाना. जल पिलाने वाला (one) looking after water arrangements. नाया० १२; —चक्रवाल. न० (-चक्रवाल)

पाष्णीना गोत्र दुग्धादा. जन का गोल चक्र. a ring, a circle of water. परह० १, ३; —चार. न० (-चार) नावादिषु पाष्णीमां याययुं ते; यदायुं गयुं. नाव वगैरह का जल में चलना; जहाज का जाना. moving of a boat or vessel in the water. आया० नि० १, ५, १, २४६; —चारिया. स्त्री० (-चारिका) चार इंद्रियवाला एक जाति का जीव. a kind of four-sensed creature. पञ्च० १; —चञ्चाणन. न० (-गालन) पाष्णी गययुं ते. जल का टिपकना. oozing or trickling of water. पंचा० ४, १३; —ट्याण. न० (-स्थान) गृहाशयः पाष्णीमां स्थान. जलाशय; जल का स्थान. a pond; a reservoir of water. पञ्च० २; —स्थलय. त्रि० (-स्थलज) गृह्ण अने स्थलमां उत्पन्न थयेन; कभन शुक्राय यगेरे. जन व स्थल में उत्पन्न; कमल, गुलाब इत्यादि. produced in water and on earth; the lotus, the rose etc. सम० ३४; —द्रोण. पुं० (-द्रोण) द्रोण्यु प्रमाण्यु पाष्णी. द्रोण के प्रमाण से जल. a cupful of water. प्रब० १८२४; —धारा. स्त्री० (-धारा) पाष्णीमी धार. जन-धारा; पानी की धार. a stream or current. or flow of water. भग० ६, ३३; —पक्खंद. न० (-प्रस्कन्द) पाष्णीमां दुग्धी भरोयुं ते; याय भरोयुने; अेक प्रसार. जलमें डूब मरजाना; बाल-मृत्युका एक प्रकार. drowning in water; premature death. निरी० ११, ६१; —पक्खंदण. न० (-प्रस्कन्दन) जुष्मो उपतो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. निरी० ११, ४१; —पवेस. न० (-प्रवेश) जुष्मो “जल-

पक्खंद " शब्द. देखो "जलपक्खंद" शब्द.
 vide "जलपक्खंद" निरी. ११, ४१;
 —पवेशिक. त्रि० (-प्रवेशिक) जलमां
 प्रवेश करनेवाला. जल में प्रवेश करने वाला.
 (one) who enters into the
 water. श्रौ० ३८; —पवेश. न०
 श्रुत्ये "जलपक्खंद" शब्द. देखो "जल-
 पक्खंद" शब्द. vide "जलपक्खंद" ठा०
 २, ४; भग० २, १; नाया० १६; —विंदु.
 पुं० (-विन्दु) पाणीनुं टीपुं. जल का बूंद.
 a drop of water. नाया० १; कथ०
 ३, ४२; —वासि. पुं० (-वासिन्) जलनी
 स्थित वसना तापसनी ऐक गत. जल
 के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति
 an order of ascetics living in
 water. "जलवासिणो ति" भग०
 ११, ६; निर० ३, ३; —बुब्बुअ. न०
 (-बुद्बुद्) पाणीना परपोटा. जल का
 बुलबुला. A bubble of water.
 "विसय सुहं जलबुब्बुप्रसमाणं" श्रौ०
 —बुब्बुद. पुं० (-बुद्बुद्) श्रुत्ये ७१ शब्द
 देखो ऊपर का शब्द. vide above.
 भग० ६; ३३; —भय. न० (-भय) पाणी
 नुं भय. जल का भय. fear of water.
 प्रव० ६८०; —भूमिआ. स्त्री० (भूमिका)
 पाणी वाली जमीन जल वाली धरती. land
 having water. पञ्च० २; —मज्जण
 न० (मज्जन) जल स्नान. जल स्नान.
 bathing or ablution in water.
 नाया० २; ८; ९; भग० ११, ६; विवा० ७;
 —मज्झ. न० (-मध्य) पाणीनी मध्य;
 जलमां. जल के बीच में, जल में. the
 midst part of water. प्रव० १५६;
 —माला. स्त्री० (-माला) धलु पाणी. बहुत
 जल. plenty of water. मृ० नि० २, १,
 १६१; —रक्खस पुं० (-राक्षस) राक्षस

नो पांचमो प्रकार. राक्षस का पांचवां प्रकार.
 the fifth variety of demons.
 पञ्च० १; —रमण. न० (-रमण) जलक्रीडा.
 जलक्रीडा. sporting in water. नाया०
 १३; —रह. पुं० (-रह) जलमां पैदा
 थनार वनस्पति; कमल, शैवाल वगैरे. जलमें
 पैदा होनेवाली वनस्पति; कमल, इत्यादि.
 vegetation growing in water;
 the lotus etc. "सकितं जलरहा ! जल
 रहा अणोवाविहा पण्यता" पञ्च० १; जीवा० १;
 —रेहा. स्त्री० (-रेखा) पाणीमां दाकडी
 वगैरेथी करेदी लीटी. जलमें लकड़ा वगैरेह से
 की हुई रेखा. a line made by means
 of a stick etc. in the water. क०
 गं० १, ६३; —विच्छुय पुं० (-वृश्चिक) जल-
 ने पिंछी. जल का विच्छु. a prawn. पञ्च०
 १; —विसुद्ध. त्रि० (-विशुद्ध) जलथी
 शुद्ध थयेज. जल से शुद्ध. purified
 by means of water. प्रव० ७३५;
 —सित्त. त्रि० (-सिक्त) पाणीथी सिंथन
 करेज. जल से सिंथन किया हुआ. sprin-
 kled or moistened with water.
 दम० ६ २, १२; —सिद्धि. स्त्री०
 (-सिद्धि) जलमां न्हाता न्हाता सिद्धि
 पाभेते. जल में स्नान करने करते सिद्धि
 पावे वह. perfection attained
 while bathing in water.
 "सुमं वयंते जलसिद्धिमाह" सूय० १, ७,
 १७; —सोयवाइ. पुं० (-शौचवादिन्)
 पाणीथी शुद्धि माननार तापसनी ऐक गत.
 जल से शुद्धि मानने वाले तापस की एक
 जाति. an order of ascetics who
 believe in purity by means of
 water. सूय० नि० १, ७, ९०;
 जलअ-य. पुं० (जलद) मेघ; वरसाद.
 वर्षा; मेघ. A cloud. विशे० ४६८;

१७१७; कण० ३, ३५;

जलकंत. पुं० (जलकान्त) यंद्रकान्त भक्षि;
संयुक्त कठिन पृथ्वीको अेक प्रकार चंद्रकान्त-
माणे, संचित कठिन पृथ्वी का एक प्रकार.
The moon-gem; a variety of
hard animate earth. उक्त० ३६,
७६; पञ्च० १; सम० ३२; (२) दक्षिण तर-
ङ्गको उदधिकुमारको धृति नम. दक्षिण
तरफ के उदधिकुमार के इंद्र का नाम.
name of Indra of Udadhi
Kumāra (son of the ocean)
of the south. डा० २, २; पञ्च० २;
(३) जलकान्त धृति तीन लोकपाल नम.
जलकान्त इंद्र के तीसरे लोकपाल का नाम.
name of the third Lokapāla
of Jalakānta Indra. डा० ४, १;
भग० ३, ८;

जलकारि. पुं० (जलकारिन्) चोद्येन्द्रिय ७४
विशेष. जलकारि नामक चोद्येन्द्रिय जंतु विशेष.
A kind of four-sensed creature
of this name. उक्त० ३६, १४७;

जलचर. पुं० (जलचर) पाल्मीमां उदयन यक्ष
पाल्मीमां रक्षितार पंचेन्द्रिय तिर्यच. जल में
उपलब्ध हो जलही में रहने वाला पंचेन्द्रिय
तिर्यच. A five-sensed aquatic
animal. शब्द० ४१; भग० ८, १; १५;
१; २४, १; प्रव० ६७६;—**विहाण.** न०
(-विधान) जलचर तिर्यच पंचेन्द्रियता
प्रकार जलचर तिर्यच पंचेन्द्रिय का प्रकार
a kind of five-sensed aquatic
animal. भग० १५, १;

जलचरी. स्त्री० (जलचरी) पाल्मीमां रक्षितार
माधवी; मधुरी वगेरे; जलचर तिर्यचनी
स्त्री. जल में रहने वाला मछली मगरी;
जलचर तिर्यच की मादा. A fish living
in water; the female of an

aquatic animal. डा० ३, १;

जलज. न० (जलज) पाल्मीमां उभय ध्येय;
क्षमतादि. जल में उत्पन्न कमलादि.
The lotus etc. produced in
water. राय० २७;

जलजलित. त्रि० (जलजलमान) जल दहनता;
दीपता. प्रज्वलित; ज्वलंत. Blazing;
burning. कण० ३, ३६;

जलण. त्रि० (जलण) दैदिप्यमान अग्नि;
आय; देवता. दैदिप्यमान; अग्नि; आग.
Blazing fire; fire. प्रव० १०७१;
क० गं० १, ४५; गच्छा० ७६; पंचा० २,
२६; ४, ४४; विश० २७; २१४; अगुजा०
१३१; १५४; नाया० १; १७५; द० ६, १,
११; सु० च० ४, २१०; आ० ३८; भग०
२, १; (२) पुं० (आत्मानं चारित्रं वा
उज्ज्वलयति दहनति उज्ज्वलनः) क्रोध; युत्से.
क्रोध; गुस्सा. anger; rage. नृय० १, १,
८, १२; (३) सत्रयावतु; आ० पुं. जलाना.
burning; kindling. पण्ड० १, १;
(४) ज्ञानादि गुणोत्प्रेक्षा प्रकाश करनेवाले.
ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlighten-
ment in the form of knowledge
etc. प्रव० १४८; (५) अग्निकुमार
देवता. अग्निकुमार देवता. the Agni-
kumāra deity. पण्ड० १, ४;
—**काय.** न० (-काय) तेजस्काय; अग्नि.
तेजस्काय; अग्नि. one having a lus-
trous form; fire. क० गं० ४, १३;
—**पक्खंदण.** न० (प्रस्कन्दन) अग्निमां
पडी मरी जल में; आ० मरणात् अेक प्रकार.
अग्नि में गिरकर जल मरना; बालमृत्युका एक
प्रकार. burning to death by
falling into the fire; a form of
premature death. निसी० ११, ४१;
—**पपेस.** न० (-प्रवेश) अग्निनी अंदर

पडी गयी मर चुं ते; आध मर चुने ओक प्रकार. अग्नि के भीतर गिर कर जल मरना; बालमृत्यु का एक प्रकार. burning to death by falling into the fire; a form of premature death. निंसा० ११, ४१; भग० २, १; नाया० १६; ठा० २, ४;

जलन. पुं० (ज्वलन) लुप्तो “ जलण ” शब्द. देखो “ जलण ” शब्द. Vide “ जलण ” वि० नि० भा० १;

जलनिहि. पुं० (जलनिधि) समुद्र. समुद्र. The sea. प्रब० १५६२;

जलप्रभ. पुं० (जलप्रभ) दक्षिण तरङ्गना उत्तर आन्तना उदधिद्रुमार गतिना भवनपति देवतानो भन्द्र. दक्षिण दिशाके उत्तर तरफ का उदधिकुमार जाति के भवनपति देवता का इंद्र. Indra of the Bhavanapati deities of the northern Uddhi Kumāra class of the south. ठा० २, ३; पञ्च० २; (२) जलकान्त तथा जलप्रभ छन्दना योथा लोकपात्रनुं नाम. जन कान्त व जलप्रभ इंद्र के चौथे लोकपाल का नाम. name of the fourth Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalkānta and Jalaprabha Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

जलप्रह. पुं० (जलप्रभ) लुप्तो “ जलप्रभ ” शब्द. देखो “ जलप्रभ ” शब्द. Vide. “ जलप्रभ ” सम० ३२;

जलमय. त्रि० (जलमय) पाणीमय; पणी-रूप. जलमय; पानीस्वरूप. Abounding in water. पण्ड० १, १;

जलय. न० (जलज) कमल. A lotus. पञ्च० १; राय० ४७; नाया० ८; जीवा० ३, ४; —अमलगन्धिक. पुं०

(—अमलगन्धिक—जलजानामिव जलज-कुसुमानामिगमलो न तु कुद्रव्यसंमिश्रो यो गन्धः स विद्यते येषां त जलजामलगन्धिकाः) कमलना गंधी गन्धवाला. कमल की सी गन्धवाला. fragrant like a lotus जीवा० ३, ४; राय० ४७; जं० प० ४, ७४;

जलचर. त्रि० (जलचर जले चरति पर्यटतीति जलचरः) पाणीभां उपत यः पाणीभां रहे-नर पंचेन्द्रिय तिर्य्य. जल में उड़कर होकर जल में रहनेवाला पंचान्द्रिय तिर्य्य. A five-sensed creature born and living in water. “ से किं तं जलचरं पंचिन्द्रियानां किं जोगिया ” पञ्च० १; जीवा० १; सम० १३; सू० प० १०; उत्त० ३६, १००; भन० १३०; —निकर पुं० (—निकर) जलचर प्राणीनां समूह. जलचर प्राणियों का समूह. a collection of aquatic animals. प्रब० २२२; —मांस. न० (—मांस) म ज्ञां पण्डे जलचर प्राणीनां मांस. मत्स्य आदि जलचर प्राणियों का मांस. the flesh of aquatic creatures such as fish etc. प्रब० २२२;

जलचरी. स्त्री० (जलचरी) जलचर तिर्य्य-पंचेन्द्रिय स्त्री. जलचर तिर्य्य पंचान्द्रिय की स्त्री. The female of a five-sensed aquatic animal. “ से किं तं जलचरीश्चो ” जीवा० १;

जलरथ. पुं० (जलरत) जलकान्त तथा जलप्रभ छन्दना लोकपात्रनुं नाम. जलकान्त व जलप्रभ इंद्र के लोकपाल का नाम. Name of the Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalkānta and Jalaprabha Indra. ठा० ४, १;

जलरूप-व. पुं० (जलरूप) उदधिकुमारता

इन्द्र जलकान्तना श्रीमन् लोकपालन्तु नाम.
उदधिकुमार के इन्द्र जलकान्त के दूसरे लोक-
पाल का नाम. Name of the second
Lokapāla (regent of a quarter
of the world) of Indra. Jala-
kānta of Udadhikumāra. भग०
३, ८;

जलवीरिय पुं० (जलवीर्य) चार इन्द्रियवाला जीव विशेष.
A kind of four-sensed creature
जीवा० १; (२) ऋषभदेव स्वामी श्री तेमना
वंशमां श्रयेते. स्मृतमां दान्त. ऋषभदेव
स्वामां मे उन के वंश का मानवां राजा.
name of a king born in the
race of Rishabhadeva. Swāmi
and seventh from him. डा० ८;

जलमूग पुं० (जलमू) जलकान्त इन्द्रना
श्रीमन् लोकपालन्तु नाम जलकान्त इन्द्रके
दूसरे लोकपाल का नाम. Name of the
second Lokapāla (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. डा० ४, १;

जलहर पुं० (जलधर) मेघ, वर्षा, मेघ,
वर्षा; बारिश. A cloud; rains. कण०
३, ३३: ४४;

जलहि पुं० (जलधि) समुद्र. जन-पानी धि
-भंडार-समुद्र. The sea. सु०च० १, १;
नाया० ११;

जलाय पु० (जलपाक) राजनना शूल, आश-
नार. राजा के गुण बोलने वाला. One
who extols the merits of a
king. निरी० ६, २३;

जलावण न० (ज्वालन) स्रग्गायतृ; अग्नि
प्रगट करवा. जलाना; अग्नि प्रकट करना
Burning; kindling of fire. "जलण
जलावण विदंसणेहि" पण्ड० १, १;

जलासय पुं० (जलाशय) जलाशय; जलना
इशब्दां-तलाव वगैरे. जलाशय; जल के
स्थल तालाव इत्यादि. A pond; a
reservoir. पञ्च० २; —**ज. त्रि०** (—**ज**)
जलाशय-तलाव-समुद्र वगैरेमां उत्पन्न
श्रयेत्. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि में
उत्पन्न हुआ. produced in a pond,
sea etc. प्रब० १११४; —**संस्करण** न०
(—**शोषण**) जलाशय-तलाव वगैरे सांस्-
कृत तः श्रावना स्तम्भा वना अतिशय-
रूप १५ कर्मादानमांनु आदमं कर्मादान.
जलाशय-तालाव इत्यादि को मुकाना; श्रावक
के स्तम्भों वन के श्रावचार रूप १५ कर्मादान
में से चौदहवां कर्मादान the suction or
absorption of a pond etc. the
fourteenth of the fifteen
Karmādāns (sinful operations)
forming part of the partial
violation of the seventh vow
of a lay man. प्रब० २६८;

जलिय त्रि० (ज्वलित) अलेखुं. जला हुआ
Burnt. "पक्खंदे जलियं जाई" दस०
२, ६; ६, ३३; ६, १, ६; नाया० १; भग०
५, ६; नाया १; भग० ५, ६; सुय० १, ५,
१, ७; श्रव० १०; पण्ड० २, ५; —**चुडिली**.
स्त्री० (—**चुडिली**) अग्नी स्रग्गायती पुत्री.
घास का जलता हुआ पल्ला. a burning
bunch of grass. "जलिय चुडिलीविव
अमुचम डहणमिलःश्रो" तंदु०

जलिर त्रि० (—**ज्वलिर**-ज्वलनशाल) जल-
नार; जलनावा स्वभाव वाला. जलनेक
स्वभाव वाला. Of a burning nature.
सु० च० २, ५१;

जलूगा स्त्री० (जलौकम् जलमेकां वसान-
रस्यति) वगैरेखुं बोली पीनार; जलो; जे
प्रद्वियण विशेष बिगडे हुए रक्त को पीने

वाला; द्विइंद्रियजीव विशेष. One that sucks impure blood; a kind of two sensed creature. उत्त० ३६, १२८; नंदी० ५४;

जलोया. स्त्री० (जलौकस्) लुओ “जलूगा” शब्द. देखो “ जलूगा ” शब्द. Vide “जलूगा ” पञ्च० १; अणुत्त० ३, १; भग० १३, ६; (२) यम० पक्षीनी - ऐक वनत. चर्म पक्षी की एक जात. a kind of bird. पञ्च० १;

जल्ल. पुं० (यल्ल याति चलगति चेति यल्लः) शरीर उपर नम्रमेव कङ्कलु भेद; परसेना आदिनी धृष्ट भेद. शरीर के ऊपर का जमा हुआ कठिन मल; पसना आदि का घट्ट मल. Hard dirt or impure matter of the body; thick dirt of perspiration etc. सम० ५; ओव० ३८; जीवा० ३, ३; नाया० १३; भग० १, १; ८, ८; २०, २; उत्त० २, ३७; निसी० ३, ५०; पि० नि० २६२; कप्प० ५, ११६; (२) होरडी बाधर उपर यडी अल धरनार; नट अग्नधुनी आ. (२)रस्स पर चढ कर खेल करने वाला; नट. an acrobat; a rope-dancer. जं० प० नाया० १; अणुजो० ६२; ओव० पणह० २, ४; कप्प० ५, ६६; (३) त्रि० थोडा प्रयत्नथी दूर थाय तेयुं थोडे प्रयत्न से दूर हो गुना (that) which can be got rid of with little effort. (४) भेदजनी ऐक वनत; नट देशवासी. म्लेच्छका एक जाति; जल्लदेशवासी. a class of outcasts residing in Jalla country. पणह० १, १; (५) धाव लथानार. कावड ले जाने वाला. (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end. जीवा० ३, ३; —ओसहि. स्त्री० (-ओषधि)

ऐक प्रकारनी लब्धि; भेदना स्पर्शथी दह भेदे ऐवा प्रकारनी शक्ति. एक प्रकार की लब्धि; मल के स्पर्श से रोग का नाश हो इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means of contact with dirt. ओव० १५; पणह० २, १; विशेष० १७८; —ओसहि-पत्त. त्रि० (-ओषधिप्राप्त-यल्लं मलं स एवापधिर्यल्लोपधिस्तां प्राप्तां यल्लोपधिप्राप्तः) भेद भावना स्पर्शथी रोग भटी वनय ऐवी लब्धिने प्राप्त थयत्त. मल मात्र के स्पर्श से रोग नष्ट हो गुनी लब्धि जिसको प्राप्त हुई है वह. (one) possessed of the power of getting rid of a disease by mere contact with dirt. “जल्लोसहिपत्ता” पणह० २, १; —परिसह. पुं० (-पारिषह—यल्ल-इतिमल्लः स एव परिषहो यल्लपरिषहः) शरीरना भेदने परिषह; २२ भांति १८ में परिषह. शरीरके मल का परिषह; २२ में से १८ वां परिषह. affliction or trouble due to dirt of the body due to perspiration; the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly. सम० २०; भग० ८, ८; —पेहा. स्त्री० (-प्रेहा-वर-आखेलकाराः स्तोत्रपाठका इत्यपरे तेषां प्रेहा जल्लप्रेहा) होरडी पर यडी अलनारना अल नोवा ते. रस्सेपर चढकर तमाशा करनेवाले नट का तमाशा देखना. witnessing the exhibition of skill of performers in the streets जीवा० ३, ३;

—मल. पुं० (-मल—याति च जगति चेति मल्लः सचासौ मलः यल्लमलः) शरीरना भेद. शरीर का मल. dirt or im-

purity of the body. “जल्ल मल-
कल्लं सेयरय दां सवज्जिय सरार निरुव लेवा”
तंदु० श्रव० नाया० १३; —सिंघाण. न०
(—शिङ्गाण) शरीरने भेद अंत नाशने
भेद. शरीर व नाक का मेल. bodily dirt
and snout. श्रव० ४, ७;

जलत्ता. न० (जल्लता—मल) क्लीन भेद.
कठिन मेल. Hard dirt. दसा० ७, १;
जल्लरी. क्वां (कल्लरी) आधर. कालर. A
frill. जं० प०

जल्लिय. न० (*जल्लक) शरीरने भेद. शरीर
का मेल. Dirt or impurity of the
body. “ उच्चारं पासवणं खेलं सिंघाणं
जल्लियं ” उक्त० २४, १५; भग० ६, ३;

जव. पुं० (यव) जव. अ० वतनुं धान्य.
जो: एक प्रकार का धान्य. Barley; a
kind of corn. भग० १, १; ६, ५; ६,
३३; १४, ७; २१, १; नाया० १; श्रव०
उक्त० ६, ४६; टा० ३, १; पञ्च० १; जीवा०
३, ३; वेय० २, १; नंदो० १४; पंचा० ५,
२८; (२) अ० प्रकाशनी औषधी एक प्रकार
का औषधी. a kind of medicine.
पञ्च० १; (३) आठ जु प्रमाण: जवने
दाणो; अंशुदने आठवां भाग. आठ जु
प्रमाण जवका दाना; अंगुलका आठवां हिस्सा.
the eighth part of a finger
which is equal to a barley-
corn. अणुजो० १३४; टा० ८; (४) अ०
वतनी कन्याने पहिरानी चाली. एक
प्रकार की कन्या को पहिरने का चोली.
a sort of breast-coat for a girl.
विशे० ७०६; (५) अ० नामने अ० भाषुम.
इस नाम का एक मनुष्य. name of a
person. भक्त० ८७; —उद्दअ. न०
(—उद्दक) जवनुं पालु. जो का जल-पानी.
water mixed with barley-corn.

टा० ३, ३;—उद्दग. पुं० (—उद्दक) जुआ
उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide
above. “ सीयं च सोविरं च जवोदणं च ”
उक्त० १५; १३; निषी० १७, ३०; प्रव०
२०६; पंचा० ५, २८; कण्ठ० ६, २५;
—ओदण. न० (—ओदन) जवनो रोटो
पगेरे. जो का रोटो बरगद. a barley-
cake. “ आयामगं चव जवोदणं च ”
उक्त० १५, १३; —गण. न० (—अन्न)
अ० वतनुं जवनुं पनावेद अन्न. एक
प्रकार का जो से बनाया हुआ अन्न. an
article of food consisting of
barley. स० प० २०; —वारय. पुं०
(—वारक) जवना अंडुर; जवारा.
जवारा. a sprout of barley-corn.
“ जववार वगणयसत्थि गादि महारम्मं ”
पंचा० ८, २३;

जव. पुं० (जव) गति: वेग, वेग. गति: वेग:
जोश. Speed; swiftness. उक्त० ११, १६;

जयजय. पुं० (यवयव) अ० नामनुं अ०
धान्य. इस नाम का एक धान्य. A kind of
corn of this name. भग० ६, ५; १४,
७; वेय० २, १; जं० प० टा० ३, १; दसा०
६, ४; पञ्च० १; —ज३जवग. पुं० (—यव
यवक) जुआ “ जव जव ” शब्द. देखो
“ जव जव ” शब्द. vide “ जव जव ”
भग० २१, १; —जवण. पुं० (—जवन)
वेग: शीघ्रगति. वेग, शीघ्रगत. swiftness;
velocity. भग० १४, १; —जवण. पुं०
(—यवन) अ० देश. यवन देशवासी. स्नेच्छ:
यवनदेश वासी. an out cast; one
residing in a foreign country.
पगद० १, १; पञ्च० २; मू० प० २०; (२)
अ० नामने अ० अनार्य देश. इस नामका एक
अनार्य देश. a non-Aryan
country of this name. प्रव०

१५६७; —द्वि पुं० (-द्वीप) यवननी
वसति वालो देश. यवनों से बसाहुआ देश.
a country inhabited by non-
Aryans जं० प० —जवणा.
ब्रौ० (-यापना) शरीर निर्वाह; जीवन
निर्वाह. शरीरनिर्वाह, जीवन-निर्वाह. live-
lihood; maintenance. उत्त० ८, १२;
(२) संयमनो निभाव. संयम का निभाव.
maintenance of asceticism.
उत्त० ८, १२; ३५, १७; प्रव० ६६;
—(रा) द्व. पुं० (-अर्थ) संयमरूप भार
उपाडवानो अर्थ. संयमरूप बोझ उठाने का
अर्थ. utility of bearing the bur-
den in the shape of restraint.
“ जवणट्ठाणु निसेवणु मंथु ” उत्त० ८, १२;
दस० ६, ३, ४;

जवणाशिया. ब्रौ० (यवनानिका) ऐक
वतनी लिपि एक प्रकार की लिपि. A
kind of script or character.
पञ्च० १;

जवणालिया. ब्रौ० (गवनालिका) कन्या को
पहरेयानी ऐक वतनी चोली. कन्या को
पहिनने की एक प्रकार की चोली. A
kind of breast-cover for a girl.
नंदी० (२) यवन देशकी लिपि; १८ लिपि-
भांती ऐक. यवन देशकी लिपि; १८ लिपियों
में से एक. one of the 18 scripts.
सम० १८;

जवणिज्ज. त्रि० (यापनीय) यत्नतः गुमरवा
योग्य. समय व्यतीत करने योग्य. Fit for
being a pastime. (२) छद्रिये
अने मनने शक्त ते. इंद्रिय व मन को
जीतना. conquering the
senses and the mind. “ जवणिज्ज
अवावाहं फासुय विहारं ” भग० १, १०;
१८, १०; नाया० ५; आव० ३, १;

जवणिया. ब्रौ० (यवनिका) कनात. कनात.

A curtain. नाया० १; भग० ११, ११;
प्रव० ६७६; —(यं) अंतरिय. न०
(-अन्तरित) कनातने आंतरे रहने;
कनातनी आंदर. कनात के अन्दर रहा हुआ.
screened or protected by a
curtain. “ पभावातिं देवि जवणियंतरियं
ठावेइ ” नाया० १; ८;

जवणालिया. ब्रौ० (यवनालिका) जुओ
“ जवणालिया ” शब्द. देखो “ जवणा-
लिया ” शब्द. Vide “ जवणालिया ”
पञ्च० ३३;

जवमज्ज. पुं० (यवमध्य) जवन मध्य भाग
परिमित ऐक भाग. जौ के मध्य भाग के
प्रमाण का एक नाप. A measure of
length equal to the middle
part of a barley-corn. जं० प० २.
१६; भग० २५, २; ३; प्रव० १५७२; (२)
जवनो मध्य भाग. जौ का मध्य भाग.
the interior of a barley-corn.
भग० ६, ७; क० प० १, ४०; (३)
त्रि० जवन मध्य भागना आकारनुं. जौ के
मध्य भाग के आकार का. having the
form of the middle part of a
barly-corn. भग० ६, ७; २५, ३;

जवमज्जचंदपडिमा. ब्रौ० (यवमज्जचन्द्र-
प्रतिमा) जवन मध्य भाग जेवी पडिमा ऐटवे
के जे छेडे पातवी अने चन्द्रे फूल, जेमे कौछ
साधु शुद्ध पक्षने पडवेथी ऐक कालियो
आदार लछ पडिमा शरु करे; पुनमे पंदर
कालीआ सुधी पहेंगी, पक्षी दरेराज ऐकेक
कालीआ चटाइनां (१८०) ऐक कालीआ
आदार लछ पडिमा पुरी करे ते जवमध्य
चंद्रपडिमा. साधु की एक प्रतिमा (तप
विशेष) जिसे जव के मध्य भाग की उपमा
दी जाती है. जैसे जव दोनों तरफ से पतला

और बीच में मोटा होता है इस प्रकार इस व्रत में शुक्र पक्ष की प्रतिपदा को एक ग्रास लिया जाता है और प्रतिदिन एक एक ग्रास बढ़ाकर पूर्णिमा को १५ ग्रास लिये जाते हैं, फिर एक एक ग्रास घटा कर अमावस्या को एक ग्रास लेकर यह प्रतिमा पूर्ण की जाती है। इस प्रतिमाको जवमध्यचन्द्रपौडमा कहते हैं। An austerity performed by an ascetic. This is known as Javamadhya Chandra Padimā (an austerity of the shape of the middle part of a barley-corn). This austerity is begun from the 1st day of the bright-half of the month and on that day only one morsel is taken as food and then every day one morsel is increased. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. In a similar way one morsel is decreased every day till on the 15th day of the dark half of the month one morsel is taken. वव० २, २, १०, १; ठा० २, ३; ३, ३;

जवमज्झा. स्त्री० (यवमध्या) ऐक प्रद्वारणी पडिमा; ऋषो उपेतो शब्द. एक प्रकार की पडिमा; देखो ऊपर का शब्द. A kind of Padimā; vide above. ओव० १५; ठा० २, ३; ४, १; उत्त० ३६, ५४; वव० १०, १;

जवस. न० (यवस) मग अउः पगेरे कडोव धान्य. मूंग, उडद इत्यादि धान्य. A kind of corn. “ ओयणं जवसं देजा ” उत्त० ७, १;

जवा. स्त्री० (जवा) ऐक जलनी वनस्पति.

एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पञ्च० १; मग० २१, १;

जवासय. पुं० (यवामक) वनस्पति विशेष; जवासे. वनस्पति विशेष; जवासा. A kind of vegetation. पञ्च० १;

जवासा. स्त्री० (यवासा) रत्ता कूतवातुं ऐक जलनुं आः. लाल पुष्प वाला एक प्रकारका वृक्ष. A kind of tree bearing red flowers. “ यवासाकुसुमेइ ” पञ्च० १७;

जवि. त्रि० (जविन्) वेग वासे. वेगवान्; गति वाला. Swift; fleet. (२) पुं० घोडा. अश्व; घोडा. a horse. सूय० १, १, २, ६;

जव्वस. त्रि० (यद्वश) जने पश थपेत. जिसके आधीन बना हुआ. Subdued by which; submissive to which. क० गं० १, २, २;

जस न० (यशम्) पश; शक्ति; आपक. यशः कीर्ति. Fame; renown. मग० ३, ६; १६, ५; १६, १; ४१, १; नाया० ८; १८; ओव० ३८; सूय० १, ६, २२; मू० प० १६; नंदी० ३३; पञ्च० २३; उत्त० ३, १३; क० गं० ५, ६१; (२) संयम; आरित्र संयम; आरित्र. asceticism. ‘जसं संचिणु खंतिणु’ उत्त० ३, १३; दम० ५, २, ३६; (३) श्री पार्श्वनाथना आदमां गजुधरनुं नाम. श्री पार्श्वनाथ के ८वें गणधर का नाम. name of the 8th Gaṇadhara of Śrī Pārśvanātha. सम० प० २३३; (४) आदमां तीर्थकर श्री अनंतनाथना प्रथम गजुधरनुं नाम. चौदहवें तीर्थकर श्री अनंतनाथना के प्रथम गणधर का नाम. name of the 1st Gaṇadhara of the 14th Tirthankara Śrī Ananta-nāthaji. सम० प० २३३; प्रव० ३०६; —कर. त्रि० (—कर—यशः सर्व दिग्गामि

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्करः) सर्व दि-
शाभां यश मेवतनार. सर्व दिशाओं में यश
प्राप्त करने वाला. (one) attaining
fame or glory everywhere.
नाया० १: तंदु० (२) ऋषभदेव स्वामीने
ये नामने ४१ भो दीकरे ऋषभदेव स्वामी
का इस नाम का ४१ वां पुत्र name of
the 41st son of Rishabhadeva
Svāmī. कण० ३, ५२; —वंस. पुं०
(—वंश—यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव
यशोवंशः) यशवान् वंश. यशवान् वंश. a
glorious family. 'जसवंसो नामहृत्थीण'
नंदी० —वाय. पुं० (—वाद) धन्यवाद.
धन्यवाद. thanks-giving; thanks.
“ जसवंसुणं वड्डित्ता ” कण० ४, ६०;

जसंस. पुं० (यशस्विन्) महावीरस्वामिना
पितुं ऐकनाम. महावीर स्वामी के पिता
का एक नाम. One of the names of
the father of Mahāvira
Svāmī. कण० ५, १०३;

जसंसि. त्रि० (यशस्विन्) प्रख्यातः यशस्वी;
जेनी शुभ कीर्ति ऐतरेक प्रसरेत्री क्षेय ते
प्रख्यातः यशस्वी; जितका मुकीर्ति चहुं और
फैली हुई हो वह. Famous; glorious;
(one) whose fame has spread
everywhere. “ अणुतरे णाणधरे ज-
संसि ” उत० ५, २६; सम० प० २३५;
आव० १६; नाया० १: दम० ६, ६६; राय०
२१५; भग० २, ५; (२) महावीर स्वामी ॥
आपणुं अपर नाम. महावीर स्वामी के पिता
का अर नाम. another name of the
father of Mahāvira Svāmī.
आया० २, १५, १०७; कण० ५, १०३;

जसकीर्त्ति. स्त्री० (यशःकीर्ति) यश; कीर्ति;
आयस्क; प्रख्याति. यश; कीर्ति; विख्याति.
Fame; reputation; glory. ठा०

३, ३; क० गं० १, ५१; क० प० १, ७६;
प्रव० १२८०; —णाम. न० (—नामन्)
नामकर्त्तृनी ऐक प्रकृति के जेना उदयथी
छाया ज्यो ज्यो त्यां शुभ कीर्ति मेववे.
नामकर्त्तृको एक प्रकृति कि जिसके उदय से
जोव जहां जावे वहां शुभ कीर्तिको प्राप्त करे.
a variety of Nāmakarma by
the rise of which a Jiva (a
soul) attains fair fame where-
ever he goes. प्रव० १२८०;

जसगोस. पुं० (यशोघोष) ऐश्वर्य क्षेत्रभां
ल. वित्रीन तीर्थकर. ऐश्वर्य क्षेत्र के भावां
तामर तारकर. The third would be
Tirthankara of Airāvata
Ksetra. प्रव० ३०१;

जसचंद्र. पुं० (यशश्चन्द्र) ऐ नामना ऐक
गणी इव नामका एक गणा. An ascetic
of this name. भग० ४२, १;

जसद. पुं० (जसद) जसत. जसत. Zinc.
आव० ३८; —राय. न० (—पात्र)
जसतुं पासणु. जसत का बरतन (पात्र).
a zinc pot. “ जसदपायाणि वा ”
आव० ३८;

जसवण. पुं० (यशोधर) ऐ नामने ऐक
राज इव नाम का एक राजा. A king
of this name. तंदु०

जसवर. पुं० (यशोधरा) पञ्चमासीआना
पांचमां दिसां नाम. पञ्च के पांचवे दिन का
नाम. Name of the fifth day of
a fortnight. जं० प० ७, १५२;

जसभह. पुं० (यशोभह) शय्यम्भव
सूरीना ऐक शिष्य. शय्यम्भव मूरी के एक
शिष्य का नाम. Name of a disciple
of Śyāmbhava Sūri. नंदी० २४;
(२) ऐ नामना ऐक आचार्य के जे
भाइरस गोत्रना आर्य संबुतविग्रयना

शिष्य होता। इस नामके एक आचार्य कि जो माठरस गोत्र के आर्य संभूतविजय के शिष्य थे. name of a teacher who was a disciple of Āyra Sambhūta-vijaya of Mātharasa race. कण० ८; (३) पण्यवादीयाना पंद्र दिवसमाना याथ.दिवसनु नाम. पक्ष के पंद्रह दिवस में से चौथे दिन का नाम. name of the fourth day of a fortnight. सू० प० १०१; जं० प० ७, ११२; (४) न० यशोभद्रा श्रीपाश्र्वनाथना अेक गणधर. इस नाम का कुल. a family of this name sprang from Yaśo-bhadra. कण० ८; (५) पुं० अे नामना श्रीपाश्र्वनाथना अेक गणधर. इस नाम का श्रीपाश्र्वनाथ का एक गणधर. a Gṛapadhara of this name of Śrī Pāśvanātha सम० ८;

जसमंत. पुं० (यशोमन्) अे नामना अेक दुष्यन्त. इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A Kulagura so named. सम० प० २२६; टा० ६;

जसवई. स्त्री० (यशोमति) श्रीमत् सगर अक्षयिनी की माता. द्वितीय सगरचक्रवर्ती की माता. The mother of the 2nd Sagara Chakravarti. सम० प० २३४; (२) श्रवणु भगवान् श्रीमदाश्वमेधी पुत्रीनी पुत्रीन् नाम. श्रमण भगवान् श्री महावीर की पुत्री की पुत्री का नाम. name of the daughter of the daughter of the great ascetic Mahāvira. कण० ५, १०३; (३) नीज आर्यभ अने तेरस अे त्रयु रत्निनी तिथि. तृतीया अष्टमी व त्रयोदशी; इन तीन रात्रियों की तिथि. the three

nights viz. of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight. सू० प० १०; जं० प० ७, ११२;

जसवर्ती. स्त्री० (यशोमती) अुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० प० २३४; जं० प० ७, ११२;

जसस्मि. त्रि० (यशस्विन्) यशवान्, आश्रयार्थ; शीतिवन्त. यशवान्; कीर्तिवन्त. Famous; glorious. आशा० ७, २; १. ७१;

जसहर. पुं० (यशोधर) अे पृथ्वीपना भरतपुत्रमां धनार १९मां तीर्थहर. जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले १९वें तीर्थहर. The 19th would-be Tirthankara who is to appear in Bharata Kṣṇḍa of Jambūdvīpa. सम० प० २८१; (२) पण्यवादीयाना पंद्र दिवसमाना पांचमे दिवस पक्ष का पांचवा दिन. the fifth day of a fortnight जं० प० (३) अेवेषक विमानना पाश्र्वता. अेवेषक विमान का प्रहर (धर). a layer of the dividing matter of Graiveyaka abode. टा० ६; (४) स्त्री० दक्षिण रुचक पर्वत उपरनी आः दिशादुभारीमांती याथी दिशादुभारी. दक्षिण रुचक पर्वत पर की आठ दिशा कुमारी में की चौथी दिशा-कुमारी. the fourth of the eight Diśākumārīs living on the southern Ruchaka mountain. टा० ८; जं० प० (५) पक्षनी पंद्र रात्रिमांती याथी रात्रिन् नाम. पक्ष की पंद्रह रात्रि में से चौथी रात्रि का नाम. name of the fourth night of a fortnight. जं० प० (६) अंशु सुदर्शना नामे वृक्ष. जंबू सुदर्शन नाम का वृक्ष. a tree named Jambū

Sudarśana. जीवा० ३; जं० प०

जसा. स्त्री० (यश) कौशाम्बिना रक्षीश काश्यपनी स्त्री अने कपिलनी माता. कौशाम्बि का रहास काश्यप की स्त्री व कपिल का माता. The mother of Kapila and wife of Kāśyapa, the resident of Kāśāmbi. उत्त० ८; (२) अशु पुरोहितनी स्त्री. भगु पुरोहित की स्त्री. उत्त० ३, १४, ३;

जसो. पुं० (यशस) यश; आश्रय; शीर्ष. यश, कीर्ति. Fame; reputation. सु० च० २, १३८; —**कामि.** पुं० (-कामिन्) यशनी मन्त्रा करनेवाला. यश की इच्छा करने वाला. one aspiring to fame or reputation. “ धिरश्रु ते जसो कामा ” दस० २, ७; ५, २, ३५; —**कित्ति.** स्त्री० (-कीर्ति) जुआ “ जयकित्ति ” शब्द. देखो “ जयकित्ति ” शब्द. vide “ जयकित्ति ” पत्र० २३; —**कित्तिनाम.** न० (-कीर्तिनामन्) जुआ “ जयकित्तिनाम ” शब्द देखो “ जयकित्तिनाम ” शब्द. vide. “ जयकित्तिनाम ” मम० १७; —**नाम.** न० (-नामन्) नाम केमनी अंक प्रकृति के जेना उदयशी अथ जश पामे छे. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय मे जीव यश प्राप्त करता है. a variety of Nāma Karma by the rise of which a soul attains glory. मम० २८;

जसोचंद्र. पुं० (यशश्चन्द्र) जुआ ‘जयचंद्र’ शब्द. देखो “जयचंद्र” शब्द. Vide. “जयचंद्र” भग० ४२, १;

जसोद. पुं० (जयद) जुआ “जसद” शब्द. देखो “जयद” शब्द. Vide. “जसद” श्रव० ३८; —**पाय.** न० (-पात्र जुआ “जसदपाय” शब्द. देखो. “जसदपाय”

शब्द. vide. “जसदपाय” श्रव० ३८;

जसोधर. पुं० (यशोधन) ओ नामना ओके राजा. इस नाम का एक राजा A king of this name. तंदु०

जसोधर. पुं० (यशोधर) जुआ “जसहर” शब्द. देखो “जसहर” शब्द. Vide “जसहर” ठा० ५, १; सु० प० १०;

जसोधरा. स्त्री० (यशोधरा) पंद्रह रात्रिमांसी ऐसी रात्रि नाम. पंद्रह रात्रिमे मे चौथा रात्रि का नाम. Name of the fourth of the fifteen nights. सु० प० १०; जं० प०

जसोमंत. पुं० (यशोमन्) जुआ ‘जयमन्’ शब्द. देखो ‘जयमन्’ शब्द. Vide ‘जयमन्’ ठा० ७;

जसोया. स्त्री० (यशोदा) महावीर स्वामीनी स्त्री. महावीर स्वामी का स्त्री. The wife of Mahāvīra Swāmī. (२) कृष्ण वासुदेव की माता. कृष्ण वासुदेव की माता. the mother of Kṛṣṇa Vāsudev. ‘सम्भरणवर्ण भगवन्महावीरस्य भज्जाय योगोत्तेण कौण्डिण्या’ आया० २, १५, १७७; कप० ५, १०३; सु० च० १२, ४;

जसोवर्ध. स्त्री० (यशोवती) जुआ “जसवर्ध” शब्द. देखो “जयवर्ध” शब्द. Vide ‘जयवर्ध’ मम०

जसोहर. पुं० (यशोधर) भरतक्षेत्रना गठ आदीशिला १८ मां तीर्थकर. भरतक्षेत्रके गठ चौवांसी के १८ वें तीर्थकर. The 18th Tirthāṅkara of the past cycle of Bharata Kṣetra. प्रव० २६१; (२) आवती ऐसीसीना भरत क्षेत्रना १६ मा तीर्थकरनु नाम. आगामी चौवांस के भरतक्षेत्र के १६ वें तीर्थकर का नाम name of the 19th Tirthāṅk.

kara of the coming cycle of
Bhārāt Kṣetra. जं० प० ४, ११४;
प्रब० २६७; ४७३;

जसोहरा. स्त्री० (यशोधरा) दक्षिण दिशाना
इत्यत्र पर्वतपरन्ती आठ दिशा-कुमारीभिर्नामी
यैथी दिशा-कुमारी. दक्षिण दिशा के रुचक
पर्वत पर की आठ दिशा कुमारी में से चौथी
दिशा-कुमारी. The fourth of the
eight Līlā Kumārīs living
on the southern Ruchaka
mountain. जं० प० ७, १५२; (२)
०८७ सुदर्शन-वृत्त-वर्णन-नाम. जंबु सुदर्शन
का अपरनाम. another name of
Jambū Sudarśana. जीवा० ३, ४;
जह. अ० (यथा + जह् + क्त. यथा;
जिस तरह. in which manner; just
as. नाया० १; ६; ७; ८; ९; १३; १५; १६;
१८; विशेष० १२; २७; वि० नि० ७१; उवा०
२, ६४; गच्छा० ३०;

जहक्रम. न० (यथाक्रम) क्रम अनुसार; क्रम-
ानुसार; अनुक्रमे क्रमानुसार; पदान्त पूर्वक. In
due succession; regularly. उत्त०
३८. १; चउ० ८५०५, १, ८६; प्रब० ८३;
जहकृत्वाय. न० (यथाकृत्याय) दयाय रक्षित;
यथाकृत्याय नाम का पांचवां चारित्र.
Free from passion, attachment;
the fifth observance known as
Yathākṛtā. विशेष० १२७६;

जहर्चिंतय. वि० (यथाचिन्तित) चिंतय
प्रमाण; जैसे चिन्तयुं देखे तेम. चिन्तवन
के अनुसार; जैसा गोचा हो वैसा. As con-
templated or meditated. सु० च०
१, १६३;

जहद्विज. न० (यथास्थित) यथास्थित; जैसा
देखे तेम. यथास्थित; जैसा हो वैसा. Ac-

cording to circumstances. सु०
च० १, ३५३; गच्छा० २६;

जहण. न० (जघन) गंध; जांघ, जेहघा The
thigh. जीवा० ३, ३; (२) स्त्रीं की धमरेती
नियेना भाय. स्त्री का कमर का नीचे का
भाग. the lower part of the loins
of a female जं० प० नाया० ६, १७;
जीवा० ३, ३;

जहणवर. न० (वरजघन) श्रेष्ठ साथ. श्रेष्ठ
जांघ. Big heavy thigh. जीवा० ३, ३;

जहणज. वि० (हय) त्याग या योग्य. त्याग
करने योग्य. Fit to be abandoned.
नाया० १;

जहणण. वि० (जघन्य) आठवां आठुं;
नडातमां नडातुं; थोडां थोडुं. छोटेमे छोटा
थोडा; थोडेमे थोडा. Smallest; little,
least. जं० प० ७, १३४; २, २५; भग०
१, १; १, १०; ५. १; ८, ८; २; १०;
वय० ३, ४; अणुजो० ८६; उत्त० ३०, १५;
३६. ४०; डा० १, १; ४, २; भन० १६६;
पचा० ३, २; - **उक्कोमग.** वि० (उक्कर्षक-
जघन्यो नि कृष्टः काञ्चिद्भ्यक्तिमात्रस्य स
एव च व्यक्त्यान्तरापेक्षयोर्न्योक्त्य उक्कृष्टां जघ-
न्योत्कर्षकः) अमुक परतुली अपेक्षाये जघन्य
वत्तारे पीतनी अपेक्षाये उक्कृष्ट. अमुक वस्तु
की अपेक्षाये जघन्य व दुमरे की अपेक्षा
से उक्कृष्ट. inferior to one thing
and superior to something else.
भग० २४, १; २५, १; — **उगाहणग.**
वि० (—अवगाहनक—अवगाहन्ते आसंत-
यस्यां सावगाहना क्षेत्रप्रदेशरूपा साजघन्या-
येषांति) जघन्य क्षेत्र प्रदेशने-अवगाहीने
रक्षित; जघन्य अवगाहना वाले. जघन्य क्षेत्र
की अवगाहन करके रहाहुआ. (one) resi-
ding or occupying the smallest
region. डा० १, १; — **काल.** पुं० (—काल)

त्रि० (-आरब्ध) सर्व जघन्य प्रदेशबंध
स्थानांथी आरंभेत्तुः सर्व जघन्य प्रदेशबंध

स्थान से आरंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. क० प० ७, ४७; —इयर. त्रि० (—इतर) जुओ “ जहन्नग-इयर ” शब्द. देखो “ जहन्नग-इयर ” शब्द. vide “ जहन्नग-इयर ” क० प० १, १६; —काल. पुं० (—काल) जघन्य-ओछां ओछां क्ष. जघन्य-कम के कम समय. shortest space of time. प्रव० १७१; —गइ. स्त्री० (—गति) जघन्य गति. जघन्य गति. shortest condition or position. क० प० ४, ७२; —हाण. न० (—स्थान) जघन्यस्थान. जघन्यस्थान. lowest place. क० प० १, ४६; —ट्रिइ. स्त्री० (—स्थिति) जुओ “ जहण्णट्रिइ ” शब्द. देखो “ जहण्णट्रिइ ” शब्द. vide “ जहण्णट्रिइ ” क० प० १, ९१; ६, २०; —ट्रिइबंध. पुं० (—स्थितिबन्ध) जघन्य स्थिति रूपे थो क्षमबंध. जघन्य स्थिति नाम होता हुआ कर्मबंध. Karmic bondage lasting for a very short period. क० प० १, ५७; —ट्रिइसंकम. पुं० (स्थितिसंकम) क्षमनी जघन्य स्थितिनु संक्रमण. कर्म का जघन्य स्थिति का संक्रमण. transition of the shortest period of Karma. क० प० २, ५७; —देवट्रिइ. स्त्री० (—देवस्थिति) देव गति की जघन्य स्थिति. the shortest period of the state of being a god. क० प० २, ८६; ६, २०; —निक्खेव. पुं० (—निक्ख) जघन्य निक्षेप थो क्षम दंडिया नाममा ते. जघन्य — थोड़ कर्मों के समुह को डालना. discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas

क० प० ३, ८; —बंध. पुं० (—बन्ध) जघन्य क्षम बन्ध. जघन्य कर्म बन्ध. incurring the karma of the lowest kind. क० प० २, ३२; —जहन्नग-य. त्रि० (—जघन्यक) जुओ “ जहण्णग ” शब्द. देखो “ जहण्णग ” शब्द. vide “ जहण्णग ” विशेष ५८७; अणुजो १३२;

जहन्नगो. अ० (जघन्यतस्) जघन्यथी. जघन्य से. From the shortest state. प्रव० ६६८;

जहन्नग. त्रि० (जघन्यक) जुओ “ जहण्णग ” शब्द. देखो “ जहण्णग ” शब्द. Vide. “ जहण्णग ” क० प० १, १५; —इयर. त्रि० (—इतर) जघन्यथी इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. जघन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest; logn. क० प० १, १५;

जहण्णय. त्रि० (जघन्यक) जुओ “ जहण्ण ” शब्द. देखो “ जहण्ण ” शब्द. vide “ जहण्ण ” उक्त ३३, १६; मम० १२ वव० १०, १७;

जहण्ण. न० (यथान्ण) यथान्त. यथान्त. Reality; truth; real nature. डा० ५, १;

जहरिह. न० (यथाह) यथार्थ; अस्तित्व; अस्तित्व. यथार्थ; सचमुच. As deserving; appropriate; actual. सु० च० ८, २६७;

जहवहि. न० (यथावधि) जयानुधी. जब तक; जहां तक. As long as; logn as. सू० च० १, १६३;

जहवाय. न० (यथावाद) कथा प्रमाण. कथानुसार. कहने के माफिक. According to narration; as related. पि० नि० १८६;

जहसंभव. न० (यथा सम्भव) यथा योग्य,

योग्य रीति. यथा योग्य. योग्य रीति से.
Proper; right; properly. पि० नि०
११३;

जहसत्ति. ब्र० न० (यथाशक्ति) यथाशक्ति;
शक्ति प्रमाणे. यथा शक्ति; शक्ति के अनुसार.
As far as possible; to the ut-
most of one's power. पि० नि०
३६५;

✓ जहा. धा० I. (हा) तण्युं; छेड्युं.
त्याग करना. छोड़ देना. To abandon;
to give up.

जहइ-ति. वव० १०, ८; ९; भग० २५,
६; ७;

जहाइ आया० १, २; ६, ६८,

जहासि. उत्त० ६, ५१;

जहाय. सं० कृ० उत्त० १४, २;

जहिता. सं० कृ० उत्त० १, ५; पि० नि०
४१७; आया० १, ४, ४, १३७;

जहमाण. भग० २५. ६; ७;

जहा. अ० (यथा) जेथी रीति; जेभ; जेप्रमाणे;
अनुसार. जिस रीति से; यथा; जिस प्रकार.
In which manner; just as. भग०
१, १; ३; २, १; ३, १; २; ५, ४; ५; ६,
३; १२, १०; १४, २; १०; १५, १; १८,
५; ४१, ४; नाया० १; २; ५; ८; ९; १०;
१५; १६; वव० २, २१; २४; दस० १, २;
८, १; दशा० ६, १; पि० नि० १५६; १६१;
जं० प० अणुजो० १; उत्त० १, ४५;
आया० १, ६; ३. १८५; सूय० १, १, १,
६; उवा० १, २; ६; १२; ६६; २, ६२; ८,
२५६; क० गं० १, १६; ५३, जं० प० ५,
११८; ५, ११२;

जहाकाल. न० (यथाकाल) यथावसर; अथ-
सर भले तयारे. यथावसर. मौका मिले तब.
When proper time comes. भक्त०
४६;

जहागहिय. न० (यथागृहीत) जेथी रीति
अदणु करेव छे ते प्रमाणे. जिस प्रकार ग्रहण
किया हुआ है उस प्रकार. As accepted
or taken. दस० ५, १, ६०; नाया० १६;
जहाच्छंद. पुं० (यथाच्छंद)-स्वच्छंद. स्व-
च्छंद. self-willed; unrestricted.
ठा० ६, ३;

जहाजाय. त्रि० (यथाजात) जन्मती वध-
तनी स्थिति जेथुं; नभ. जन्म के समय की
स्थिती के जैसा; नम्र. As born; naked.
उत्त० २२, ३४; आंच० नि० भा० ५८; सम०
१२;

जहाजोग. न० (यथायोग्य) यथायोग्य; जेभ
धटे तेभ. यथा योग्य; जिस प्रकार उचित हो
उस प्रकार. Proper; appropriate.
विशे० २३; ८०;

जहाट्टाण. न० (यथास्थान) पोत पोताना
अनुष्ठानने अनुरूप-उचित स्थान;—छाद्रादि
पद. अपने अपने अनुष्ठान के अनुरूप उचित
स्थान; इंद्रादि पद. Appropriate po-
sition suited to one's occupa-
tions; the position of Indra
etc. उत्त० ३, १७;

जहाण.मय. त्रि० (यथानामक) जेथो नाम
निर्देश किये नथी ते; कौछि अेक. जिसका
नाम निर्देश न किया हो; कोई एक. Cer-
tain; some; any. भग० २५, ११;
पन्न० १६;

जहाणिसंत. न० (यथानिशान्त) अवधार्य
प्रमाणे; जेभ धार्युं होय तेभ. अनुमान के
अनुसार; जैसा सांचा हो वैसा. As
guessed; as anticipated. सूय० १,
६, २;

जहाणुपुष्पि. न० (यथानुपूर्वी) क्रमसर अ-
नुक्रम प्रमाणे. क्रमशः; अनुक्रम के अनुसार.
Successively; in regular order.

भग० ३, १०; ८, १;

जहातश्च. न० (याथातथ्य) वास्तविक; सत्य; अरेअर. वास्तविक; सत्य; सचमुच. True; real; actual. सू० १, ६, १;

जहातह. न० (याथातथ्य) सूयगङ्ग सूत्रनुं तेरमुं अध्ययन के जेभां धर्म समाधि वेगेरे अराअर रीते कहेलां छे. सूयगङ्ग सूत्र का तेरवां अध्ययन कि जिस में धर्म समाधि इत्यादि का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi) etc. along with similes. “जाणासिणं भिक्खु जहा तहेणं ” सू० १, ६, २; १, ५, २, १;

जहातहज्झयण. न० (याथातथ्याध्ययन) सूयगङ्गसूत्रनुं १३मुं अध्ययन. सूयगङ्ग सूत्र का १३ वां अध्ययन. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. सू० १, १३;

जहान्थिय. न० (यथास्थित) जेम देय तेम. जिस प्रकार हो उम प्रकार. Somehow or other. भग० १२, ६;

जहानाम. त्रि० (यथानाम) यथानाम; संभावना; कहे छे. यथा नाम; संभावना. Possibility; certain; some. भग० २, २; नाया० १०;

जहानामय. त्रि० (यथानामक) जेम कहे दृष्टांत उपन्यास. जैसा कोई; दृष्टांत उपन्यास. As for example. (२) वाक्यअवकांर. वाक्यअवकांर. a word used to add grace to a sentence. नाया० १; २; ६; ८;

जहानाय. न० (यथान्याय) यथायोग्य; रीत-सरनुं; व्याज्जली. न्याय की रीत से; यथा-योग्य. According to justice;

rightly; properly. उक्त० २३, ३८;

जहाफुड. न० (यथास्फुट) स्पष्ट; अरेअर. स्पष्ट; सचमुच. Clear; distinct; true. उक्त० १६, ४४;

जहाभाग. न० (यथाभाग) भाग प्रमाणे; अराअर. समान विभाग से; भागानुसार. According to share; proportionately. दस० ५, १, १३;

जहाभूत. त्रि० (यथाभूत) जेवी रीते अनेहुं देय तेवी रीते; सत्यवान. जिस रीति में वनाव बना हां उम रीति से; सत्य वाता. According to what has happened; fact. “जहाभूतवितहमस्संदिद्धं ” नाया० १;

जहाभूय. न० (यथाभूत) जेभां ‘जहाभूत’ शब्द देखो “जहाभूत” शब्द. Vide “जहाभूत” नाया० ६;

जहामालिय. न० (यथामालित) जेम धारणु किये छे तेम. जिस प्रकार धारण किया हो उम प्रकार. As assumed. “जहामालियं ओमोषं दलहं ” भग० ११, ११;

जहायरिय-अ. (यथाचरित) जेम प्रमाणे व्याख्ये देय ते प्रमाणे. जिस प्रकार आचरण किया हो उम प्रकार. As practised. भग० २२;

जहारिह. न० (यथाह) यथायोग्य; जेम धरे तेम. यथायोग्य; जिस प्रकार उचित हा. Proper; suitable. ज० ५० २, ३३; दस० ७, १७; नाया० १; ८; १६; उवा० ८, २५६;

जहालद्ध. त्रि० (यथालब्ध) मत्था प्रमाणे. प्राप्ति के समान; मिलने के बराबर. According to gain or acquisition; equal to attainment. भग० ७, १;

जहावाह. पुं० (यथावादिन्) अरुं भोतनार; योग्य कहेनार; सत्य भोतनार. सत्यवक्ता; योग्य कथन करने वाला; सत्य भाषण करने

वाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. “ जो जहावाइ तहाकारीयाऽवि भवइ ” ठा० ७;

जहाविभव. न० (यथाविभव) वैभव प्रभाण्डे; शक्ति प्रभाण्डे. वैभव के अनुसार; शक्ति के प्रमाण में. In proportion to wealth; according to means. भग० ६, ३३;

जहासंख. न० (यथासंख्य) संख्या प्रभाण्डे; क्रमवार. क्रमशः; संख्या के अनुसार. Successively; respectively. सु० च० ५, ५१;

जहासम्भव. न० (यथासम्भव) जेम संभवे तेम. यथासम्भव; जैसा सम्भव हो उसी प्रकार. Possible; possibly. क० गं० ६, ३२;

जहासक्ति. बी० न० (यथाशक्ति) शक्ति प्रभाण्डे; यथा शक्ति. शक्ति के अनुसार; यथा शक्ति. As far as possible; to the utmost of one's power. पंचा० २, ३६;

जहासमाहि. न० (यथासमाधि) समधि प्रभाण्डे. समाधि के अनुसार. According to agreement or promise. पंचा० १, ४;

जहासुय. न० (यथाश्रुत) जेम सांभल्युं होय तेम; सांभल्य प्रभाण्डे. जेम प्रकार श्रवण किया हो उस प्रकार; श्रवणानुसार. As heard of or listened to. उत्त० १, २३; आया० १, ६, १, १;

जहासुह. न० (यथासुख) जेम सुख पडे तेम. जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार. At ease; according to happiness. विवा० १;

जाहिं. अ० (यत्र) जथा; जे स्थाने; जथापर.

जहां; जिस स्थान पर; जहापर. Where; at which place. भग० १, ५; ७, ८, ८, ११, ११; १५, १; १८, ५; दस० ५, १; ७७; नाया० १७; गच्छा० १७;

जहिच्छ. न० (यथेच्छ) छच्छ प्रभाण्डे. यथेष्ट; इच्छा के अनुसार. Agreeably to desire. नाया० ७; सु० च० १, १७१; **जहिच्छियकामकामि.** पुं० (यथोप्सितकामकामिन्-यथोप्सितान् मनोवाञ्छितान् कामान् शब्दादीन्-कामयन्त इत्येवंशीला यथोप्सितकामकामिनः) मनोवाञ्छित सुख भोगयनार. मनोवाञ्छित सुख का भोगने वाला. One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart. “ जहिच्छिय काम कामियां ” जं० प० जीवा० ३;

जहुत्त. न० (यथोक्त) छछा प्रभाण्डे. कथानुसार; कहने के अनुसार. As said or told previously. पंचा० १०, १२;

जहेट्ट. न० (यथेष्ट) भव यमजु; छच्छानुद्धव. चित्त रोचक; मिलपसंद; यथेष्ट. As desired; as wished for; pleasing to the heart. नि० ४०६;

जहेव. अ० (यथैव) जेम; जेरी रीति. जिस प्रकार; जिस रीति से. As; in which manner. नाया० १; भग० ३, १; ७, २; १६, १; १८, ७; २४, १८; २५, १; ३३, २;

जहोइय. न० (यथोचित) यथेष्टि; यथा-योज्य. यथायोग्य; यथोचित. Proper; suitable. विवा० २; पंचा० ३, ३८;

जहोचित्त. न० (यथोचित) जेम धटे तेम. उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा० ७, ३१७;

जहोचिय. न० (यथोचित) जेम धटे तेम; यथा योज्य. उचित रीति से; यथायोग्य. Properly; suitably. निर० १, १;

नाया० १;

जहोवहट्ट. न० (यथोपदिष्ट) जेवी रीति कहे-
वाभा उपदेशवाभां आव्युं होय ते प्रभाणे.
जिस रीति से कहने में-उपदेश में आया हो
उस रीति से. According to advice
or orders. “ जहोवहट्ट अभिकंखमाण ”
दस० ६, ३, २; उत्त० १, ४४;

जहूवी. स्त्री० (जान्हवा) गंगा नदी. गंगा
नदी. The river Ganges. जं० प०

✓ **जा.** धा० I. (जन्) पैदा थयुं; उत्पन्न
थयुं. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be
born or produced.

जायइ. नाया० ७; १०; विशेष० ४१८; उत्त०
१६, ७६;

जायउ. विशेष० ४१८;

✓ **जा.** धा० I. (या) जयुं; गति करवा
जाना; गति करना. To go; to walk.

जाइ. उत्त० ३, १२; विशेष० ६४४; १६०८;
नाया० ६, ६;

जंति. आया० १, ३, ४, १२३; सु० च० १, ६३३;

जायमाण. व० कृ० भ० ३, ३;

✓ **जा.** धा० I. (या+णि) निर्गमन करयुं;
निर्वाह करवा. निर्गमन करना; निर्वाह करना.
To go out; to support oneself.
(२) आत्मानि संयमभां प्रवृत्ति करावली.
आत्माको संयममें प्रवृत्त करना. to urge
the soul in self-restraint.

जंवेति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जचित्तण. हे० कृ० सू० १, ३, २, १;

जचित. व० कृ० जं० प०

✓ **जा.** धा० I. (या+णि) वीतयुं; गतयुं.
व्यतीत करना. To cause to go; to
pass.

जाविति. प्रे० पि० नि० ६१६;

जावण. वि० सू० १, १, ४, २;

जावेत. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

जा. अ० (यावत्) ज्योसुधी. जबतक; जबतक;
जहांतक. So long; as long as; as
far as. प्रव० ८२; क० गं० २, २६; उवा०
१, ८१;

जाइ. स्त्री० (जाति-जननं जातिः) जन्म;
उत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति. Birth; produc-
tion. आया० १, १, १, ११; उत्त० ६, १;
३२, ७, क० प० ६, ३; प्रव० १२७६;
१०७०; क० गं० १, ३३; ५, ६१; (२)
अकेन्द्रिय ऐन्द्रिय आदि पांच जाति. एकेंद्रिय,
द्विर्इन्द्रिय आदि पांच जाति. five kinds
(of creatures) viz. one-sensed
two-sensed etc. क० प० ४, ६; भग०
६, ८; ७, ५; ६, ३३; उत्त० ३, २; ६, २;
अणुजां० १२७; ठा० ६, ४६; सम० १; क०
गं० १; (३) जन्ति; जानी; पणुं; क्षत्रिय
आदि जाति. जाति; जाति; वर्ण; क्षत्रिय
आदि जाति. kind; caste; Ksatriya
etc. उत्त० ३, २; १२, ५; १३, १; विशेष०
१६१; पञ्च० १; सु० च० ३, १९४; दम०
७, २१; ८, ३०; पि० नि० ३१२; जीवा०
३, ३; नाया० ८; विवा० १; राय० २१५;
(४) माता पक्ष. माता पक्ष. maternal
side. आव० सू० १, ६, १३; (५)
जइनुं पक्ष. जइका फूल. the jasmine
flower. राय० ६६; जं० प० —अंध.
पुं० (-अन्ध) जन्म अंध; जन्मधीन
आंधेला. जन्म से ही अंध; जन्मांध. blind
from the very birth; born-blind.
“ केह पुरिसे जाइअंधे जाइअंधारुवे ”
विवा० १; सू० १, १, २, ३१; —आजीव.
त्रि० (-आजीवक) जाति जलुवाली आहार
लेनार. जाति बतलाकर आहार लेनेवाला.
(one) who accepts food hav-
ing exposed one's caste. ठा० २, १;
—आजीवअ-य. पुं० (-आजीवक)

७७ओ “ जाइआजीव ” शब्द. देखो “ जाइ-
आजीव ” शब्द. vide “ जाइआजीव ”
ठा० ४, १; —आरिय. पुं० (—आर्य)
जतिओ करी आर्य; इन्द्रिय जतिनी स्त्रीथी
उत्पन्न थियेन जति: अम्भष्ट, इन्द्रिह, विदेह,
विदेहडा, हरिता अने चुंचुणा ओ छ आर्य
जति. जाति से कर के आर्य; इन्द्रिय जाति की
स्त्री से उत्पन्न हुइ जाति: अम्भष्ट, कलिंद,
विदेह, विदेहडा, हरिता व चुंचुणा ये छ: आर्य
जातियाँ Arya by birth; the caste
sprung from a woman of Ibhya
caste; the six Āryan castes
viz. Ambaṣṭa, Kalinda, Videha,
Videhathā, Haritā and Chuñ-
chuṇā. ठा० ६, १; —आसीविस. पुं०
(—आशीविष—आरयो दंष्ट्रा: तासु विषं
येषां ते आशीविषा:) जन्मथीस जरी: सर्प
दिछि आदि. जन्म ही से विषैला; सर्प.
विच्छु बंगरह. venomous from the
very birth; a snake, a scorpion
etc. भग० ८, १; —कर्म. न० (—कर्म)
जन्म स रकार. जन्म-संस्कार. ceremony
connected with birth. भग० ११,
११; —कहा स्त्री० (—कथा) अमुक जति
सारी अमुक अराय भत्यादि कथा करी ने.
अमुक जाति अच्छी या बुरी इत्यादि कथन
करना सो. speaking of the supe-
riority of a certain caste and
inferiority of some other caste.
ठा० ४, २; —कुल. न० (—कुल) जति
अने कुल जाति व कुल. caste and
lineage. “ तेषिणं भंते जीवाणं कह
जाइ कुलकोड जोणिणमुह सयसहस्र
परणत्ता ” जांवा० ३; —गोय. न० (—गोत्र)
जति अने गोत्र. जाति व गोत्र. caste
and family. भग० ६, ८; —गोयनि-

उत्त. त्रि० (गोत्रनियुक्त) निद्रायित जति
गोत्रवालो. निद्राचित जाति गोत्र वाला. one
of a settled caste and family.
भग० ६, ८; —गोयनिहत्त. त्रि० (—गोत्र-
निधत्त) जति गोत्रने योग्य भर्मा पुद्गल
स्थापन करेन. जाति गोत्र के योग्य कर्म पुद्गल
स्थापन किया हुआ. one having
Karma-atoms established ac-
cording to caste and lineage.
भग० ६, ८; —गोयनिउत्ताउय. न०
(—गोत्रनियुक्तायुक्) जति गोत्रनी साथे
निद्रायित आयेन आयुष्य. जाति गोत्र के साथ
निद्राचित बांधा हुआ आयुष्य. life-period
appointed or fixed along with
caste and lineage. भग० ६, ८;
—जरा मरण. न० (—जरा मरण) जरा
अने मरण. जन्म जरा व मरण. old-
age and death. जे० प० ३, ७०;
—णाम. न० (—नामन्) नामकर्मनी
अद प्रकृति के बंथी छव जुदी नदी जति-
भां उत्पन्न थाय. नामकर्म का एक प्रकृत कि
जियेन जव निज भिन्न जाति में उपन हो.
a variety of Namakarma caus-
ing the birth of a soul in dif-
ferent castes or classes. “ जात
नामेणं भंते कर्म पुच्छा ” पञ्च० २३;
—णामगोयनिउत्त. त्रि० (—नामगोत्र-
नियुक्त) निद्रायित जति नाम गोत्र वालो;
नारदी आदि. निद्राचित जाति नाम गोत्र
वाला; नारदी आदि. (one) having an
appointed class or caste, name
and family; a hell-being etc. भग०
६, ८; —णामगोयनिउत्ताउय. त्रि०
(—नामगोत्रनियुक्तायुक्) जति नाम गोत्र
सहित निद्रायित आयुष्य वालो. जाति नाम
गोत्र सहित निद्राचित आयुष्यवाला. (one)

having the duration of life fixed along with caste name and family. भग० ६, ८; —**णामगोयनिहत्त**. त्रि० (-नामगोत्र निधत्त—जाति नाम गोत्रं च निधत्तं यस्ते तथा) गति नाम अने गोत्रनी प्रकृति इह-पञ्चे आधी छे गेले ते. जिसने जात नाम व गोत्र की प्रकृति दृढता के साथ बांधी है वह. (one) who has firmly united the characteristics of caste, name, and lineage भग० ६, ८; —**नामगोयनिहत्ताउय**. त्रि० (-नाम-गोत्रनिधत्तायुक्—जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुर्वस्ते तथा) गति नाम गोत्र साथे स्थापन करेथ आयुष्य पावे. जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुआ आयुष्यवाला. (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family. भग० ६, ८; —**णामनिउत्त**. त्रि० (-नामनियुक्त—जातिनामनियुक्तं नितरां युक्तं संबद्धं निकाचिं वेदने वा नियुक्तं यस्ते तथा) निःश्रित गति नाम-कर्मवाला छे. निकाचित जाति नाम-कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste, name and Karma. भग० ६, ८; —**णामनिउत्ताउय**. त्रि० (-नामनियुक्तायुक्—जातिनाम्ना सह नियुक्तं निकाचिं वेदयितुमारब्धं वाऽऽयुर्वस्ते तथा) गतिनामसहित निःश्रित आयुष्यपावे. जातिनाम सहित निकाचित आयुष्य वाला. (one) having the duration of life fixed along with caste and name. भग० ६, ८; —**णामनिहत्ताउय**. न० (-नामनिधत्तायुक्—जातिरेकेन्द्रियजात्यादिः पञ्चधासैव नाम इति नामकर्मण उत्तरप्रकृति-

विशेषो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्तं निधत्तं यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायुः) गतिरूप नाम-कर्मसाथे स्थापन करेथ आयुष्य. जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य. life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग० ६, ८; (२) गतिरूप नाम-कर्मसाथे स्थापन करेथ आयुष्य पावे. छे. जाति, रूप, नाम, कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य वाला जीव. a being with his life impregnated with kind or class, form, name and Karma. भग० ६, ८; —**णिवद्ध**. न० (-निबद्ध) सूत्र रचनानी अथ प्रसारः गद्यपद्यादि सूत्र रचना. सूत्र रचना का एक प्रकार; गद्यपद्यादि सूत्र रचना. a method of the composition of Sūtras (any work containing aphoristic rules); the composition of Sūtras in prose or metre. मू० नि० १, १, १, ३; —**निग**. न० (-त्रिक) पांच गति, चार गति अने अे विद्वयगति, अे त्रिपुटीनी अग्यार प्रकृतीना समुदाय. पांच जाति, चार गांत व दो विद्वयगति, इस त्रिपुटी की ग्यारह प्रकृति का समुदाय. a collection of eleven varieties of Tripuṭi consisting of five kinds, four conditions and two Vihāyogatis. क० गं० ५, २०; —**थेर**. पुं० (-स्थविर) साठ अथवा वयारे वरसनी उमरना साधु साठ या अधिक वर्ष की उमर का साधु. a Sādhu of sixty or more than sixty years of age. “ सट्ठिवासजाए समये णिगंथे जाइ थेरे ” टा० ३, २; वव० १०, १६; —**दोस**. पुं० (-दोष) गति

દીપ; જન્મનો દોષ. જાતિ દોષ; જન્મ કા દોષ. deficiency or evil connected with birth. તંદુ. —ધર્મમય. ત્રિ. (-ધર્મક) ઉત્પત્તિ સ્વભાવવાલો. ઉત્પત્તિ સ્વભાવ વાળા. possessed of natural or inherent characteristics. “ હમં પિ જાહ્નમયં ” ગ્રાયા. ૧, ૧, ૫, ૪૬; —નામ. નં (-નામન્) જુઓ “ જાહ્નમ ” શબ્દ. vide. “ જાહ્નમ ” ભગ. ૫, ૬; —નામગોચરનિવૃત્ત. ત્રિ. (-નામગોચરનિવૃત્ત) જુઓ “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્ત ” શબ્દ. vide “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્ત ” ભગ. ૬, ૬; —નામગોચરનિવૃત્તાડય. ત્રિ. (-નામગોચરનિવૃત્તાડયુષ્ક) જુઓ “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્તાડય ” શબ્દ. vide. “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્તાડય ” ભગ. ૬, ૬; —નામગોચરનિવૃત્ત. ત્રિ. (-નામગોચરનિવૃત્ત) જુઓ “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્ત ” શબ્દ. vide “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્ત ” ભગ. ૬, ૬; —નામગોચરનિવૃત્તાડય. ત્રિ. (-નામગોચરનિવૃત્તાડયુષ્ક) જુઓ “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્તાડય ” શબ્દ. vide “ જાહ્નમગોચરનિવૃત્તાડય ” ભગ. ૬, ૬; —નામનિવૃત્ત. ત્રિ. (-નામનિવૃત્ત) જુઓ “ જાતિશામનિવૃત્ત ” શબ્દ. vide “ જાતિશામનિવૃત્ત ” ભગ. ૬, ૬; —નામનિવૃત્તાડય. ત્રિ. (-નામનિવૃત્તાડયુષ્ક) જુઓ “ જાહ્નમનિવૃત્તાડય ” શબ્દ. vide “ જાહ્નમનિવૃત્તાડય ” ભગ. ૬, ૬; —નામનિવૃત્ત. ત્રિ. (-નામનિવૃત્ત) જુઓ “ જાહ્નમ

निहत ” शब्द. देखो “ जाइयाम निहत ” शब्द.
 शब्द. vide “ जाइयाम निहत ” भग० ६, ८; —नामानिहत्ताउय. त्रि० (—नाम-
 निहत्तायुक्) ण्यो “ जाइयामनिहत्ताउय ”
 शब्द. देखो “ जाइयामनिहत्ताउय ” शब्द.
 vide “ जाइयामनिहत्ताउय ” भग० ६, ८;
 —पंगुल. त्रि० (—पंगुल) ण्यभ्यां पांगुलो,
 लुलो. जन्मही से लंगडा; लूला. lame
 from the very birth; crippled. विवा० १; —पह. पुं० (—पथ —जातीनाम-
 केन्द्रियादीनां पंथाजाति पंथः) ण्यभ मरणो
 मार्ग; संसार. जन्ममरणका मार्ग; संसार
 मार्ग. the way of birth and death;
 the way of worldly existence.
 “ जाइपहं अणुरिवटमाणे ” सूय० १, ७,
 ३; दग० ६, १, ४; १०, १, १४; —पुड.
 न० (—पुड —जातिः पुण्ड्रजाति विशेषः
 पुटं पत्रादिमयं तद्भाजनं जातिपुटं) ण्यभ
 पत्रादिमय अणुत; ण्यभो पुं०. जूई का
 पत्रादिमय भाजन; जूई का दांता. a cup
 made of jasmine leaves. “ जाइ-
 पुडाणवा ” नाया० १, १७; —पसण्णा.
 स्त्री० (—प्रसन्ना —जातिः पुण्ड्रवासिता तथा
 प्रसन्ना जातिप्रसन्ना) ण्यभ ण्यभो दा०.
 एक जात का दारु. a kind of wine.
 “ जाइपसण्णा वा ” जीवा० ३; —ब.
 हिर. त्रि० (—बधिर) ण्यभ्यां ण्यभे०.
 जन्महीसे बहिरा. deaf from the very
 birth. विवा० १; —मंडव. पुं० (—मण्डप)
 ण्यभो मण्डप-भांडवो. जूई का मण्डप.
 a bower of jasmine plant. राय०
 १३७; —मंडवग. पुं० (—मण्डपक —जाति-
 मालती तन्मयो मण्डपको जातिमण्डपकः)
 ण्यभो भांडवो. जूई का मण्डर. a bower
 of jasmine plant. जे०प० १; —मत्त.
 त्रि० (—मत्त) ण्यभि भद्र युक्त; ण्यभिनो

भद ३२ना२. जाति का अभिमान करने वाला. (one) who is proud of his birth or caste. दस० १०, १, १६; —मद. पुं० (—मद) नतिनुं अलिमान. जाति का अभिमान. pride of caste. ठा० ८, १; —मय. पुं० (—मद—जात्या मदो जातिमदः) नुओ “जाइमद” शब्द. देखो “जाइमद” शब्द. vide “जाइमद” “जाइमणवा” ठा० १०; सम० ७; —मयपडित्थद्ध. पुं० (—मदप्रातस्तन्ध) नतिना अदं डारथी उद्धत. जातिमदसे उद्धत; गर्जनक अहंकार से उच्छेखल. haughty or rude in consequence of the pride of caste “जाइमयपडित्थ हिंसगा अजिइंदिया” उक्त० १२, ४; —मरण. पुं० (—मरण) न्म भरण. जन्म मरण; पैदा होना और मरना. birth and death. दस० ६, ४, २; ३; १०, १, १८; २१; दसा० ६, ३२; —मुअ. त्रि० (—मूक) न्म भनी भुंआ. जन्मसे ही मूक-गुंगा. dumb from the very birth. विवा० १; —मूयत्त. न० (—मूकत्व) न्म भनी भुंआपुं. जन्मसे ही गुंगावन. dumbness from the very birth. सूय० २, २, २१; —लिंग. न० (—लिङ्ग) नति सुयड सिंग शरीर अवयव. जाति सूचक लिंग-शरीर अवयव. a caste mark; a limb of the body. सम० ३; —वंध्या. स्त्री० (—वन्ध्या—जातेजन्मत आरभ्य वन्ध्या निर्बीजा जातिवन्ध्या) न्म भनी न्म वंध्या; वांअपुं. जन्म से ही वन्ध्या. barren or sterile from birth. ठा० ५, २; —वर. पुं० (—वर) उत्तम नति. उत्तम जाति; श्रेष्ठ जाति. highest caste. “जाइवरसारविखय” पणह० २, ४; —संपरण. पुं० (—संपन्न) संपूर्ण शुभ-

वासी जेनी माता होय ते; मातानो पक्ष जेनो सारे होय ते. जिसकी माता गुणवती हो वह; मातृपक्ष जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents; one having excellent maternal side. भग० २, ५; ८, ७; १०, ५; नाया० १; ठा० ४, २; ३; विवा० १; नाया० ५; —सर. त्रि० (—स्मर) पूर्व न्म भनुं स्मरण करनार. पूर्व जन्मका स्मरण करने वाला. (one) who remembers his past life. आंव० ४१; —सरण. न० (—स्मरण) गत न्म भनी गतावेनुं स्मरण; मति ज्ञानतो अेक भेद; जेनाथी वधारेमां वधारे संजीता ५०० अयनी वान न्म भुं श्राय-संजारी श्राय तेनुं ज्ञान. गत जन्मों की हकीकत का स्मरण; मति ज्ञान का एक भेद; जिसके द्वारा अधिक से अधिक ९०० भवों-जन्मों की बात जानी जा सकती है; एक प्रकार का ज्ञान. memory of past lives; a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. “जाइ सरणं समुपपणं” उक्त० १६, ७; ओव० ४१; प्रव० ५२८; नाया० १; ८; १३; दसा० ५, १६; —सरण वराणिज्ज. न० (—स्मरणावरणीय) ज्ञानावरणीय कर्मनी अेक प्रकृति; नति स्मरणने आवरनार कर्म प्रकृति. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति; जाति स्मरण-पूर्व जन्मों की स्मृति को आवृत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obs-

tructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया० १; —स्सर. पुं० (—स्मर) लुओ “जाइसर” शब्द. देखो “जाइसर” शब्द. vide “जाइसर” विशेष १६७१; —हिंगुलुय. पुं० (—हिंगुलुक) सारी हींगुलो. अच्छा—उत्तम हिंगुलुक. superior vermillion. नाया० १; पञ० १;

जाइच्छिन्न-य. त्रि० (यादच्छिक) धृ० प्रभाषे करता. इच्छानुसार बर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish. विशेष २५;

जाइजंत. त्रि० (यात्यमान) पञ्चाशवाभां आयेता. पीछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat. पण० १, १;

जाइमंत. त्रि० (जातिमन्) जन्तवन्त; सारी जन्तवो. उत्तम जातिका. Belonging to a high caste. नाया० ३;

जाइमेत्त. न० (जातिमात्र) जन्ति; ऐकली जन्त. जाति मात्र; केवल जाति ही. Mere caste. “ जे आसन्ना य जाइमेत्तेय ” पंचा० ३, ४७;

जाइय. त्रि० (याचित) ज्ञेयुं; मांगेयुं. मांगा हुआ; याचित. Begged; asked for. नाया० ५; १८; उत्त० २, २८;

जाइरुववडंसय. पुं० (जातिरुगवतंसक) ओ नामनुं ध्यान धरनुं योयुं विमान. ईशानेन्द्र का चौथा विमान. The 4th celestial abode of Īśānendra. भग० ४, १;

जाई. स्त्री० (जाती) लुओ “जाइ” शब्द. देखो “जाइ” शब्द Vide “जाइ” पञ० १; जं० प० ५, ११२; कप० ३, ३७; —मंडवग. पुं० (—मण्डपक) लुओ “जाइमंडवग” देखो “जाइमंडवग” शब्द. vide “जाइमंडवग” जं० प०

—सरण. न० (—स्मरण) लुओ “जाइसरण” शब्द. देखो “जाइसरण” शब्द. vide “जाइसरण” नाया० १; १४; भग० ११, ११; —सरणावरणिज. न० (—स्मरणावरणीय) लुओ “जाइसरणावरणिज” शब्द. देखो “जाइसरणावरणिज” शब्द ” vide “जाइसरणावरणिज” नाया० १;—हिंगुलुय. पुं० (—हिंगुलुक) लुओ “जाइहिंगुलुय” शब्द. देखो “जाइहिंगुलुय” शब्द. vide “जाइहिंगुलुय” नाया० १;

जाउ. पुं० (जायु) दवा; औषध. दवा; औषध. A medicine. पिं० नि० ६२५;

जाउया. स्त्री० (यातृ) देशात्. देवराणी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brother-in law's wife; wife of husband's brother. “मम जाउयाओ” नाया० १६;

जाडल. पुं० (जाडुल) ऐक प्रकारनी गुच्छ वनस्पति. एक तरह की गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation growing in clusters. पञ० १;

जाऊकण. न० (जातूकण) ओ नामनुं ऐक गोत्र. एक गोत्र. Name of a family. जं० प० ७, १५२;

जाऊकणीय. न० (जातूकणीय) ओ नामनुं ऐक गोत्र यायुं. इस गोत्र का. One belonging to this family. सू० प० १०;

जांबूणय. न० (जाम्बूनद) ऐक प्रकारनुं सोनुं. एक तरह का सुवर्ण. A kind of gold. जं० प०

जाग. पुं० (याग) यज्ञ; अश्वमेधादि यज्ञ. यज्ञ; अश्वमेध प्रमुख यज्ञ. A sacrifice such as Aśvamedha (horse-sacrifice) etc. ओव० पिं० नि० ४४०; जं० प० ५, ११५;

✓ **जागर.** धा० I. (जागृ) जगनुं. जगना; जागृत होना. To be awake; to be

sleepless.

जागरे. सम० ३३;

जागरिस्तए. हे० कृ० वेद्य० १, १६;

जागरमाण. ब० कृ० भग० १, ७; २, १; ३,

१; नाया० १; ५; १४; १६; दसा०

३, १४; सम० ३३; टा० ३, ४;

उवा० १, ६६; ७३; ८, २५२;

दस० ४;

जागर. व० कृ० प्रव० १३४; कण० १, ६;

जागर. पुं० (जागर) असंयमश्च निद्रावशतो;

व्यगते; निद्राना अभाव यातो. असंयमरूप

निद्रा से रहित; जगता हुआ; निद्रा के अभाव

वाला; प्रबुद्ध. One who is free from

sleep of want of self-restraint;

one who is wakeful or wide

awake. " सुप्ता अमुणो उमया मुणी

उसुप्ता विजागरा होति " आया० १, ३,

१, १०८; टा० ५, २; पञ० ३; २३; भग०

११, ११; १६, १६;

जागरदत्तार. त्रि० (जागरयन्) व्यगता२.

जगने वाला. Wakeful. भग० १२, २;

जागरण. न० (जागरण) व्यगतरण्यु; निद्रानो

क्षय. जगना; निद्रा का अभाव. Wakeful-

ness; sleeplessness. नाया० १; २;

जागरित्तार. त्रि० (जागरित्) व्यगता२.

जगने वाला; उनिद्र. Wakeful; sleep-

less. टा० ४, २;

जागरिय. त्रि० (जागृत) व्यगते. जगा

हुआ. (One) who has kept a-

wake. भग० १२, १; उवा० १, ७३;

८, २५२;

जागरियस्त. न० (जागरिकत्व) व्यग्रतपण्यु;

व्यगतरण्यु. जागरण; निद्रा का अभाव.

Wakefulness; sleeplessness.

भग० १२, २;

जागरिया. स्त्री० (जागरिका) व्यावकना जग

पथी छटी रात्रे धरना मायुसो रात्रे जगतरण्यु

करे ते. बालक के जन्म के बाद छटी रात्रि में

परिवार का जागरण करना. A vigil

kept by the relatives on the

sixth night after the birth of

a child. " कह विहाणं भंते जागरिया

पण्यत्ता ? " भग० ११, ११; ओव० ४०;

नाया० १; राय० २८६; कण० ३, ६६;

जागरिया. स्त्री० (जागर्या) धितयत; धिया-

रण्यु. चिन्तन; विचारणा. Contempla-

tion; thought. उवा० १, ७३; ८, २५२;

जार्जीव. अ० (यावज्जीवम्) अटणी पर्यन्त.

जीवन पर्यन्त; ज़िंदगी तक. Throughout

life. क० गं० १, १८;

✓ जाण धा० I. (ज्ञा) ज्ञाययु. जानना.

To know.

जाणइ. भग० १, १; २, १; ३, ६; ५, ४;

६, ४; ८, २; १८, ८; नाया० १;

८; १६; पञ० ३०; आया० १, १,

७, ५६; १, ७, १, १६६; टा० २,

२; वव० २, ३३; विवा० ६; दस०

४, २३;

जाणति. भग० ५, ४; ६, ४; १४, ८; १८,

३; विशेष० ६१; नाया० १६;

जाणासि. नाया० १४; १६; भग० २, १;

१५, १; उत्त० २५, ११;

जाणामि. नाया० १; ७; ८; भग० ३, ६;

५, ४; १७, २;

जाणामो. भग० १, ६; २, १; ३, २; ५, ८;

१५, १; १८, ७;

जाणे. उत्त० १८, २९;

जाणिये-जा. दस० ७, ८; भग० २४, १;

१२; वेद्य० २, २; ५, ६; पञ० १७;

अणुजो० ८; १३१; आया० १, १,

१, ४; १; ६, ४, १६१; दस० ५,

१, ४६; दसा० ६, ३१; निंसी० ६, १२;

याणह. ओघ०नि० १७; विशेष० ४२; नाया० १७;
 यायंति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६;
 यायामि. सु० च० ७, १११;
 जाणउ. विवा० १; भग० ३, २;
 जायंतु. दस० ५, २, ३६;
 जाणसु. पि०नि० भा० २५; पि०नि० १०७;
 नंदी० ४५;
 जाणाहि. आया० १, २, १, ७०; गच्छा० ७६;
 जाणह. सु० च० ४, ५२; नाया० ६; १६;
 राय० ७७; भग० १, ६;
 जाणस्संति. नाया० १६;
 जाणिअ. सं० कृ० दस० १०, १, १८;
 जाणिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १०१;
 नाया० ६;
 जाणित्ता. सं० कृ० नाया० ४; ५; ७; ८; ६;
 १२; १४; १६; १८; भग० २, १;
 ७, ६; ६, ३२; १५, १; ओव०
 ४०; उत्त० १४३;
 जाणिया. सं० कृ० नाया० १६; दस० ७, ५६;
 जाणित्तु. हे० कृ० आया० १, २, १, ६८;
 दस० ८, १३;
 जाणित्तण. हे० कृ० दसा० ५, १८; २३;
 सम० १०; नाया० ५; भग० ५, ८;
 जाणेत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १;
 जाणमाण. व० कृ० उत्त० १३, २६; सम०
 ३०; निसी० १, ४०; जं०प० २, ३१;
 विशेष० २३६; विवा० १; दसा० ६,
 १०; सु० च० १, १३८; कप्प० ६,
 १५८;
 जाणंत. व० कृ० सूय० १, १, १, १; दसा०
 ६, २; दस० ६, १०; ८, ३१; पि०
 नि० भा० ३१; नाया० १४; विशेष०
 ४२; पज० ११; पि० नि० १११;
 जाण. न० (यान) गाडी, गाडी, रथ, सआम
 वगेरे; स्वारी. यान-गाडी, रथ आदि सवारी
 योग्य साधन. A vehicle, carriage

chariot etc. उत्त० ५, १४; २५, ११;
 २७, ८; आया० २, ४, २, १३८; सूय० २,
 २, ६२; सु० च० २, २०८; ओव० भग०
 २, ५; ३, ३; ५, ७; ८, ६; ११, ११;
 नाया० ३; ७; उवा० १, ६१; ७, २०६;
 दस० ७, २६; जीवा० ३, ३; जं० प०
 दसा० ६, ४; १०, १; प्रव० ७२६; पणह० २, ६;
 ठा० ४, ३; सम० १; (२) विमान. विमान.
 aeroplane. नाया० ध० (३) यानपात्र;
 वडाणु नौका; जहाज वगैरह. a boat; a
 vessel etc. भत्त० १६५; गच्छा० ८;
 --गय. वि० (-गत) गाडीमां गयेन. यान-
 गत; गाडी में गया हुआ. driven in a
 carriage. ओव० --गिह. न० (-गृह) रथ
 भुट्याजुं धर. रथशाला; गाडी आदि के रखने
 का घर. a coach-house; a carriage-
 shed. " जाणगिहाणिया " आया० २, २,
 २, ८०; निसी० ८, ७; १५, २१; --पवर.
 न० (-प्रवर) प्रधान रथ; उत्तम वाहन.
 उत्तम रथ; प्रधान गाडी. an excellent
 chariot; an excellent vehicle.
 दसा० १०, १; भग० ६, ३३; --रह पुं०
 (-रथ) श्रेष्ठ प्रकारने रथ. एक प्रकार का
 रथ. a kind of chariot. जीवा० ३, ३;
 --रूव. वि० (-रूर) पादपी आदिना
 रूप आकार. यान-पालकां वगैरह का
 आकार. the shape of a palan-
 quin etc. " समोहयजाणरूवेण " भग०
 ३, ४; --विमाण. वि० (-विमान--
 यानाय गमनाय विमान यानविमानम्) देव-
 ताने गमन करवा-भुसाइरी करवानुं विमान.
 देवताओंका सुसाफरी विमान; देवताओंके यात्रा
 करनेका विमान. a celestial car of the
 gods. " दसण्हं इंदाणं दस परियाणिया
 जाणविमाणापणत्ता " टा० १०; ४, ३;
 राय० ६७; जं० प० ५, ११२; ११५; ११६;

भग० १६, २; —**साला**. स्त्री० (—शाला) गाड़ी रथ वहेल वगेरेने राखयानी जग्या. रथ शाला; गाडी खाना. a coach-house; a carriage shed. “**जाणसालाओवा**” आया० २, २, २, ८०; ओव० ३०; नाया० ५; १६; दसा० १०, १; परह० २, ३; निश० ८, ७; —**सालिअ**. पुं० (—शालिक) गाडी रथ वगेरे राखयानी यानशाखाने उपरी भाग. रथशाला के ऊपर की अटारी. the upper floor of a coach-house or carriage shed. ओव० ३०; दगा० १०, १; —**जाणअय**. त्रि० (—ज्ञायक) ज्ञानुनार; समज्जनार; ज्ञाता. जानने वाला; समझने वाला; समझदार; ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands. अणुजो० १४; ४२; ओव० उवा० ७, १८७; विश० ४४, ४६; (२) पुं० पेतने ज्ञेजु नहि जता पेताने ज्ञेजुकार माननार ओद्धादि. स्वयं कुछ भी न जानते हुए अपने को जानकार मानने वाला बौद्ध बंगरह. a follower of Buddha etc. who pretends to know without knowing anything himself. सूय० १, १, १, १८; अणुजो० १४६; जं० प० ३, ४७; —**सररी**. न० (—शरीर) आवश्यक आदि शास्त्र ज्ञानुनारनुं पड्युं रह्युं येतन्य शून्य शरीर. आवश्यक सूत्र आदि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत-चैतन्य शून्य शरीर. the lifeless body of one who knows scriptures such as Āvaśyaka etc. अणुजो० १५;

जाणग. पुं० (यानक) रथ रथ. A chariot. दसा० १०, १;

जाणग. त्रि० (ज्ञानक) ज्ञानुनार; समज्जनार.

समझने वाला. (One) who knows or understands. पिं० नि० भा० ३१; ओष० नि० ११८; पंचा० ५, ६;

जाणग. न० (ज्ञान) ज्ञान; ज्ञानुनुं ते. जानना; ज्ञान; समझ. Knowing; knowledge; comprehension. प्रव० १; —**निमित्त**. न० (—निमित्त) ज्ञानना कारण रूप. ज्ञान का कारण-हेतु. cause or motive of knowledge. प्रव० १;

जाणणा. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञेनाथी वस्तुने निजुय थाप ते. जिससे वस्तुका सच्चा स्वरूप प्रतीत-जाना जा सके वह; ज्ञान. That by which the real nature of a thing can be known; knowledge. अणुजो० १४६;

जाणया. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञान. ज्ञान. Knowledge. भग० १, ६;

जाणवत्त. न० (यानपात्र) वहाजु. नाँका; नाव. A boat. पंचा० ६, १८;

जाणवय. त्रि० (जानव) देशभां वसना अथवा आवेक्षा लेके. देश में सदा से बसते हुए या आये हुए लोग. People habitually residing in a country or emigrants. “**बहवे जाणवया लूसिसु**” विवा० ३; भग० १, १, ११, ११; सू० प० १; ओव०

जाणिअ. त्रि० (ज्ञात) ज्ञानुज. जाना हुआ. Known. नंदी० ४५;

जाणियव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञानुयाथेय. जानने योग्य. Worth being known. भग० १, ५, ५, १; १२, ४; १६, १; १६, ७; २०, ७; ११; २४, १२; २०; २६, १; कप्प० ६, ४१;

जाणु. न० (जानु) जोड़जु; धुटन; दीयजु. घुटने. The knee. नाश० १; २; ओव० १०, २१; भग० ८, ७; जं० प० ५, ११५; जीवा० ३, ३ आया० १, २, २, १६; पिं०

नि० ४६८; राय० २२; १६४; उवा० २, ६४; विवा० ६; प्रव० ७३; पंचा० ३, १८; कण्ठ० २, १४; —उस्सेहण्णमाणमित्त. त्रि० (—उस्सेहण्णमाणमात्र) दीयाणु सुधी; द्वियाणुनी उंयाध प्रमाणे. घुटनो तक; जानु प्रमाण. reaching as far as the knees; equal to the knees in height. सम० ३४; —कोप्पर. न० (—कूर्पर) दीयाणु अने कृष्ण. जानु-घुटने और कुहनी भुजाओं के बीच की प्रस्थी-गांठ. the knee and the elbow. नाया० २; —कोप्परमाया स्त्री० (कूर्पर-मातृ) पंथ्या स्त्री; पंजणी. वन्ध्या; वांका स्त्री. a barren or sterile woman. नाया० २; —पमाण. त्रि० (—प्रमाण) धुंठणु सुधीना प्रमाण वाधुं. घुटने तक का; जानु तक प्रमाण वाला. reaching the knees. प्रव० ५४१; —पायपडिय. त्रि० (—पादपातित) दीयाणुणि पडेअ. घुटनों पर पड़ा हुआ; परोपर गिरा हुआ. knelt down. विवा० ७; —मित्त. त्रि० (—मात्र) दीयन प्रमाण. घुटनों का प्रमाण. reaching the knees; knee-deep. प्रव० २५५; —हिट्ट. अ० (—अधः) दीयाणुनी नीचे. घुटनों के नीचे. below the knees. प्रव० १६०;

*जाणु. स्त्री० (जायक) समञ्ज आणुणे इरेदी पायनी निवृत्ति. समझ बूझकर की हुई पाप की निवृत्ति. Deliberate abstinence from sin. ठा० ३, ४;

जाणुअ. पुं० (जानुक) जुओ 'जाणु' शब्द. देखो 'जाणु' शब्द. Vide. 'जाणु' उवा० २, ६५;

जाणुय. त्रि० (जायक) शास्त्रने आणुना२. शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures. 'जाणुयाय जाणुयपुत्ताय'

नाया० १३; —पुत्त. पुं० (—पुत्र) शास्त्रना आणुना२ने पुत्र. शास्त्र का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures. त्या० १३; जाण्हई. स्त्री० (जान्हवी) गंगानदी. गंगा नदी. The Ganges. ठा० ६;

जात. त्रि० (जात) जन्मेअ; उभन थयेअ. जन्मा हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. नाया० १; ६; भग० १५, १; (२) न० प्रकार. प्रकार, भेद. variety; species. पण्ह० २, ३; —कम्म. न० (—कर्मन्) जन्म संस्कार. जन्म संस्कार. ceremony in connection with birth. नाया० १; —सङ्ग. त्रि० (—श्रद्ध) नेने श्रद्धा भवेअ उत्पन्न थअ छे ओया. जिसे श्रद्धाअमिलाया उत्पन्न हुई हो वह. one in whom faith has been inspired निर० १, १;

जातग. त्रि० (जातक) जन्मेअ. उत्पन्न; जन्म हुआ. Produced; born. नाया० १;

जातणा. स्त्री० (यातना) पीडा. पीड़ा; वेदना; दर्द. Pain; agony. पण्ह० १, १;

जातरूप. त्रि० (जातरूप) सुंदर; यत्तत्तुं. सुन्दर; चमकता हुआ. Shining; glittering. (२) न० सोनुं. सुवर्ण. gold. ओव० १७; (३) पुं० गतरूप-सोनातो ६७३; अरकाण्डो १३ मे विभाग. जातरूप-सुवर्ण का काण्ड; खरकाण्ड का १३ वां हिस्सा. a lump of gold; the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जाति. स्त्री० (जाति) जुओ "जाइ" शब्द. देखो "जाइ" शब्द. Vide. "जाइ" ओव० १६; पञ० २; १७; ३६; जीवा० ३, ४; जं० प० (२) ओअ गतने दारू. एक

जाति की दारू-मद्य. a kind of intoxicating drink or wine. विवा० २; —अमद्. त्रि० (-अमद्) नति-भेद रक्षित. जाति के मद से रहित. free from the pride of caste. भग० ८, ६; —कर्म. न० (-कर्मन्) नुओ “जाइकम्म” शब्द. देखो “जाइकम्म” शब्द. vide “जाइकम्म” नाया० २; —नामनिहत्ताउय. त्रि० (-नामनिधत्ता-युप्) नुओ “जाइणामनिहत्ताउय” शब्द. देखो “जाइणामनिहत्ताउय” शब्द. vide “जाइणामनिहत्ताउय” पञ्च० ६; —प्रसन्न. पुं० (-प्रसन्न) अक नतनी दारू. एक प्रकार का मद्य. a kind of intoxicating drink जीवा० ३, ३; —पुड न० (-पुड) नुओ “जाइपुड” शब्द. देखो “जाइपुड” शब्द. vide “जाइपुड” नाया० १७; —प्रसन्ना. स्त्री० (-प्रसन्ना) अक नतनी दारू. एक प्रकार की मदिरा a kind of wine. जीवा० ३; —मअ. पुं० (-मद्) नतिनी अदक्षर. जाति का अहंकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. सम० ८; —मद्. पुं० (-मद्) नुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, ६; —संपन्न त्रि० (-संपन्न) नुओ “जाइसंपण” शब्द. देखो “जाइसंपण” शब्द. vide “जाइसंपण” भग० २४, ७; नाया० २; —सरण. न० (-स्मरण) नुओ “जाइसरण” शब्द. देखो “जाइसरण” शब्द. vide “जाइसरण” नाया० ८; जातिमंत. त्रि० (जातिमन्) नतवान्. जातिवान्. Of a high rank or caste. दस० ७, ३१; जातिय. त्रि० (याचित) भाँख; याँख. माँगा हुआ; याँचित. Begged;

entreated. भग० १८, १०; जाम. पुं० (याम) भद्रावत; सयथा प्राणु-निपातवेरमण आदि भेदां प्रत. महाव्रत; प्राणनिपातविरमण अदि बडे व्रत. Any of the great vows; e. g. complete abstention from killing etc. आया० १, ७, १, २००; (२) पहेर; दिवस के शत्रिनी यैथे लग्न. प्रहर; दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा. any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided. “तओ जामा पञ्चता। तं जहा-पडमे जामे मणिकम-जामे पच्छिमे जामे” ठा० ३, २; ओघ० नि० ६६०; गच्छा० ३; जामाउय-अ. पुं० (जामावृक) जमाध; दामाद; जामान. A son-in-law. विवा० ३; अणुजा० १३१; जामिल्लय. पुं० (यामिक) पहेरदार; सिपाह. रक्षक; पहरेवाला; मिपाही. A guard; a watchman. गु० च० ७, ३७; जामुणकुसुम. न० (जपाकुसुम) शता कुल वाला जपा नामे जायुं कुल. जया नामक वृक्ष का फूल. A flower of the China rose. “जामुण कुसुमेई वा” राय० ✓ जाय धा० I, II. (याच) याययुं; भाययुं; भायणी कर्त्तरी. याचना करना; माँगना. To beg. जायइ. निसी० १, २०; १४, ४७; जाइ. नाया० ७; जाइजा. वि० नाया० ७; जायाहि. आ० उत० २२, ६; जायसु, आ० पिं० नि० ४७२; जाइस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५; जाइत्ता. सं० कृ० आया० १, ७, ६, २२२; निसी० १, २८; ३, ८२; ५, १५; दस० ८, ५;

जाइसप. हे० कृ० नाया० ७; १४;

जायंत. व० कृ० निसा० १, २०; प० १, ३;

जाय. पुं० (याग) यज्ञ; पूजा. यज्ञ; पूजा. A sacrifice; worship. नाया० १; २;

भग० ११, ११; कप० ५, १०१;

जाय-अ. त्रि० (जात) उत्पन्न थयेन; उप-

जेन; जन्मेन. जन्म पाया हुआ; जन्म प्राप्त.

Born; produced. नाया० १; २; ३; ४;

६; ७; ८; १२; १३; १४; १६; १८; भग०

२, १; ३, २; ६, ३३; १२, ६; १५, १;

२४, १; २; पि० नि० १६६; १८०; दस० २,

६; ४; दसा० ५, २७; ६, १; ८, १; वव० ६,

४१; सु० च० १, १८; ओव० ३८; उत०

७, २; विशा० ५; भक्त० ८१; कप० १, १;

(२) पुत्र; दीकरी. पुत्र; लडका. a son.

नाया० १; ५; ६; भग० ६, ३३; ११, ११;

सूय० १, ४, २, १३; सु० च० ४, ३१२;

पंचा० ८, ३; (३) त्रि० प्राप्त थयेन; भेद

वेद. प्राप्त किया हुआ. obtained; got.

“ सुदे सिया जाए न दूसपूजा ” सूय० १,

१०; २३; (४) भेद; भेद. प्रकार; भेद a

variety; a division. ठा० ४, १;

१०; (५) त्रि० शुद्ध; अनितो. विकार

रहित; शुद्ध. pure; of a high caste.

“ जायहिगुलेति ” राय० ५३; (६)

अंकुर. अंकुर. sprout. दस० ४; (७)

शास्त्रविधि अनुमान; गीतार्थ. शास्त्रविधि

को जानने वाला. one knowing the

precepts of scriptures; a learned.

प्रव० ७८७; —अंधरूपा. पुं० (—अंध-

रूप-जात उत्पन्न अन्धकं नयनयो राहित

एव अनिषत्तेः कुत्सितं अन्धरूपं यस्यासौ)

आंध्रयो अने कुत्सित अंगवायो; भेदाल

शरीर वालो. अंध व कुत्सित अंग वाला;

कुरा शरीर वाला. one who is blind

and deformed in body. विवा० १;

—कप० पुं० (—कल्प) गीतार्थो ३६५.

गीतार्थका कल्प. a resolution of Gi-

tārtha. प्रव० २४; —कर्म. न० (—कर्म)

जन्म संस्कार; नाडि छेदन विगरे. जन्म

संस्कार; नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies

like cutting of the umbilical

cord (navel cord) etc. after

the birth of a child. “ शिवस्ते

असुहं जाय कर्म करणे ” ठा० ९;

ओव० ४०; नाया० ८; —कोऊहल.

त्रि० (—कुतूहल-जातं कुतूहलं यस्य स जात-

कुतूहलः) जेने कुतूहल उत्पन्न थयेन होय

ते वह जिसको कुतूहल उत्पन्न हुआ हो.

(one) in whom curiosity

is roused or excited. नाया० १;

—तथा. त्रि० (—स्थामन्) अथ उत्पन्न

थयेन; अथवात् थयेन. बल-प्राप्त. grown

strong. “ बसभो इव जायस्थामे ” ठा० ६;

—निद्रुया जी० (—निद्रुता—जातान्यपत्या-

नि निद्रुतां न मृतानि यस्याः सा) जेना

जन्मेन पालक तत्काल मरण पाये छे

अथवा भुवेन अथवा छे ते माता.

जिसके जन्म पाये हुऐ बात्तक तुरन्त मर

जाते हैं अथवा मृतक पैदा होते हैं वह माता.

a woman whose children die

immediately after birth or

are born dead. “ सुभदा नाम भरिया

जायनिद्रुया यावि होस्था ” विवा० २; ७;

—पइहु. न० (—प्रतिष्ठ) अंकुर उपर

रहेहु. अंकुर पर रहा हुआ. anything

resting upon or supported by

a sprout. दस० ४; —पक्ष. त्रि०

(—पक्ष) जेने पांख उत्पन्न थयेन छे ते.

जिको पंख आ गये हैं वह (a bird)

having wings. “ जायपक्खा जहा

हंसा ” उत० २७, १४; —मूक. पुं०

(-मूक) जन्मभीम भूयो. जन्म ही से मूक. dumb from birth. विवा० १; —विस्मय. त्रि० (-विस्मय) विस्मय पाने. विस्मित; चकित. astonished; surprised. नाया० १२; —संवैग. त्रि० (-संवैग) जेने संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न थला छे ते. जिसमें संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न हुई हो वह. one seeking emancipation. भत० १३; —संशय. त्रि० (-संशय—जातःसंशयो यस्य सजात संशयः) संशय उभय थये. संशय घनि. thrown into doubt; (one) in whom doubt or suspicion is engendered. भग० १, १; १०, ५; नाया० १; —सद्भि० त्रि० (-श्राद्ध-श्रद्धया यत्क्रियते तत् श्राद्धं जातं उत्पन्न श्राद्धं इच्छा-विशेषो यस्यासौ जातश्राद्धः) श्रद्धा उत्पन्न थये. श्रद्धावान्. (one) in whom faith is born; having faith. नाया० १, ६; भग० १, १; १०, ५; १४, ६;

जायग. त्रि० (याजक) याजक; यज्ञ करनेवा. (One) performing a sacrifice; a sacrificer. “सो नत्थ एव पडिसिद्धो, जायगेण महा-सुखी” उत्त० २५, ५;

जायण. न० (याचन) मागयुं ते; याचयुं ते. मांगना; याचना. Begging; soliciting. उत्त० १२, १०; पंचा० १८, १; —जीवण. त्रि० (-जीवन-याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवनः) जेना जियनेन आधार भागना उपर छे ते; भिक्षु. भिक्षुक; जिसकी आजीविका भिक्षा श्रुतिर निर्भर है वह. (one) who lives by begging; a beggar. “जाणाहि मे जायण जाणोत्ति” उत्त० १२, १०;

जायण. न० (याचन) पीडा करपी ते. दुःखी करना; सताना. (Giving pain or trouble. पगह० १, २;

जायणा. स्त्री० (याचना) याचना; मांगणी; भिक्ष मागपी ते. भिक्ष मांगना; याचना करना. Begging; solicitation. सूय० १, ३, १, ६; भग० ८, ८; प्रव० ६६२; —पारिसह. पुं० (-परिषह—याचनं-याच्चा प्रार्थना सैव परिषहो याच्चापरिषहः) भिक्षाने परिषद; परिषदने अेक प्रकार. भिक्षा का परिषद; परिषद का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम० २२; —वत्थ. न० (-वत्थ) नत्थयानुं यत्त्र जायी. भिक्षा का वत्थ; मोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in. निसी० १५, ३४;

जायणा. स्त्री० (याचना) पीडा. दुःख; पीडा; कष्ट. Pain; trouble; affliction. “जायाणाकरणसयाणि” पगह० १, १; १, ३;

जायणी. स्त्री० (याचनी) आदारादिङ्गनी मागणी करवानी भाषा. आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. टा० ४, १; पञ्च० ११; भग० १०, ३; दसा० १, १; प्रव० ६० १;

जायतेअ-य. पुं० (जाततेजस्) अग्नि. अग्नि. Fire. “जायतेयं समारब्धं बहओ संभिआ जणा” सम० ३०; दम० ६, ३३; भग० ३, ३; ६, १; सूय० २, ६, २८; दसा० ६, ४; जं० प० २, ३५;

जायमित्त न० (जातमात्र) जन्म थात. जन्म होते ही; जन्म ही से. Immediately upon being born; from the very birth. विवा० २;

जायमेत्त. त्रि० (जातमात्र) उभय थातं वेत्त.

उत्पन्न होते ही. From the very birth; immediately after birth. विशेष० २६८; विवा० ४;

जायरूव. न० (जातरूप) ऐक्य ज्ञानं सेतुं सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. “ जायरूमईश्रो ओहारणीश्रो ” जीवा० ३, ४; उत्त० २५, २९; राय० २६; २८६; नाया० १; भग० २, ५; ठा० ६; आ० क० २, २६; जं० प० २, ३२; (२) त्रि० रूप पात्रं. सुन्दर; स्वरूपवान् beautiful. क० ५. ११६; —कंड. पुं० (-काण्ड) रत्नप्रभा पृथ्वीना १६ आ० ३ भाति १३ मे आ० ३. रत्नप्रभा पृथ्वी के १६ काण्ड में से १३ वां काण्ड. the 13th of the 16 Kāṇḍas of the Ratna-prabhā world. ठा० १०;

जायव. पुं० (यादव) यदुवंशजः जादव. यदुवंशज; यादव. One born in the Yadu family; a Yādava. नाया० १६; पगह० १, ४;

जायवेय. पुं० (जातवेदस्) अग्नि आग्नि Fire. “ जायवेयं पादेहि हणह जं भिक्वुं अवमन्नह ” उत० १२, २६;

जाया. स्त्री० (यात्रा) यात्रा; शरीर निर्वाह. यात्रा; शरीर निर्वाह. Livelihood. सूय० १, ७, २६; पिं० नि० ६४३; (२) संयम यात्रा; संयम निर्वाह. संयम यात्रा; संयम निर्वाह, पंचमहाव्रतादि संयम यात्रा. maintenance of self-restraint; observance of the five great vows etc. आया० १, ३, ३, ११६; नाया० १; भग० २, १; ७, १; नंदी० ४५; (३) विहार; प्रवृत्ति. विहार; प्रवृत्ति. peregrination; sport; activity. पगह० २, १; —माया. स्त्री० (-मात्रा— यात्रा संयमयात्रातत्त्वां मात्रा यात्रामात्रा)

संयम निर्वाहनी मर्यादा. संयम-निर्वाह की मर्यादा. a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices. “ आयागुते शयाधीरे जायामायाए ” आया० १, ३, ३, ११६; —मायावित्ति. स्त्री० (-मात्रावृत्ति) संयम निर्वाहनी मर्यादावापुं श्रुत. संयम निर्वाह की मर्यादासमय जीवन. life of self-control guided by fixed principles of asceticism. “ जायामायावित्ति होत्था ” सूय० २, २, ३८; भग० २६, ३; नंदी०

जाया. स्त्री० (जाया) स्त्री; भार्या; स्त्री; भार्या. A wife. “ बाहिं जाया ” जीवा० ३; भग० ८, ५; ठा० ३, २;

जाया. स्त्री० (जाता) आद्य-चमरेन्द्र चमरेन्दी अक्षरनी समाके जेना समासदेवगरभास अये आये. चमरेन्द्र इत्यादि की बाहरकी समा कि जिनके मदस्वगण, बिना निमंत्रणों आते हैं. The outer court of Chama-rendra etc. the members of which attend without invitation. ठा० ३, २; जीवा० ३, ४; ४, २; भग० ३, १०;

जायाइ. पुं० (यायाजिन्—यायजतीन्येवंशालो यायाजी) अयस्य यत् कर्तार. अवश्य यज्ञ करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail. “जायाइ जमजन्नमि” उत० २५, १;

जार. पुं० (जार) भोजितुं ऐक्य लक्षण. मणि का एक लक्षण. A characteristic mark of a gem. राय० ४६; जं० प० **जारा.** स्त्री० (जारा) जलचर प्राणीनी ऐक्य ज्ञान. जलचर प्राणी की एक जाति. A class of aquatic animals. जीवा० ३, ४; राय० ६३;

जारापविभक्ति. पुं० (जारापविभक्ति) ऐक प्रकाशनी नाटक विधि; जारा-ऐक जलचर प्राणी तेनी ऐक प्रकाशनी रचना वालु नाटक. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e. a kind of aquatic animal. राय० ६३;

जारामार. पुं० (जारामार) जलचर प्राणीनी ऐक जलचर. जलचर प्राणी का एक जाति. A kind of aquatic animal. जीवा० ३; ४;

जारामारापविभक्ति. स्त्री० (जारामारपविभक्ति) जारामार-जलचर प्राणीनी ऐक जलचर-तेनी रचना वालु ३२ नाटकभांनु ऐक नाटक. जारामार-जलचर प्राणी का एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक. One of the 32 kinds of dramas, with a scenic representation of Jāramāra i. e. a kind of aquatic animal. राय० ६३;

जारिस त्रि० (यादश) जेनुं; जेवाप्रकाशनुं. जैसा; जिस प्रकार का. As; of the nature of which. “ जारिसआ ज नामा जहयकओ जारिस फलदंति ” पगह० १, १, पिं० निं० ५२८; भग० ३, १; उत्त० २५, ८; सूय० १, ५, २, २३;

जारिसय. त्रि० (यादशक) जेनुं; जेवा प्रकाशनुं. जैसा; जिस प्रकार का. As; of the nature or quality of which. नाया० ८; १६; भग० ३, २; १५, १;

जारु. पुं० (*जारु) ऐ नामनी ऐक साधारण वनस्पति; कंदनी ऐक जलचर. इस नाम की साधारण वनस्पति; कंद की एक जाति A

kind of plant; a kind of bulbous root. पल० १;

जारुकग्रह. पुं० (जारुकृष्ण) वशिष्ठ जेवनी ऐक शाखा. वशिष्ठ गोत्र का एक शाखा. An offshoot of the Vasiṣṭha family-origin. (२) ते जेवनी पुरुष. उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. शा० ७, १;

जाल. पुं० (जाल) भाजवां पकडानी जल. मच्छी पकडने का जाल. A net to catch fish. पल० ११; नाया० १; ३; पिं० निं० ६२२; विवा० ८; उत्त० १४, ३५; (२) मृग आदि पशुने पकडानी पाश. मृग आदि पशु को पकडने का फन्दा. a snare to catch deer etc. जं० प० (३) मुद्राक्षतनी गुच्छा. मुद्राक्षत का गुच्छा. a cluster of pearls. कण० ३, ३६; (४) न० ऐक जलनुं पशुनुं धरेलु. एक प्रकार का पैरोंमें पहिनेने का जेवर. a kind of ornament for the feet. ओव० (४) जदी; नदानी नदानी जालवादी गाल. जाला; छोटे छोटे छेद वाला खिडकी. a barred window; a window made up of small apertures. पल० २, नाया १; जीवा० ३, ८; ओव० ३१; सम० प० २१३; (५) समूह. समूह. a group; a collection. राय० ४४; १०६; जीवा० ३, २; जं० प० ओव० १०; उवा० ७, २०६; —अंतर. न० (-अन्तर) जदी-गाली पश्येनुं अंतर. जाली-खिडकी के मध्य का अंतर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc. window. नाया० १; ८; —अंतररयण. त्रि० (-अंतररयण) जेना

मध्य भागमें रत्न छे ओधी गली (—आरी)
जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में
रत्न है. a barred etc. window
bearing a gem in the middle.
सम० राय० —उज्जल. त्रि० (—उज्ज्वल)
भुक्ताक्षना गुच्छायां उत्पद्यते. मुक्ताफल के
गुच्छ से उज्ज्वल. shining on ac-
count of a cluster of pearls.
कण० ३, ३६; —कडअ. पुं० (—कटक)
नक्षत्रो समूह. जाल का समूह. a collec-
tion of nets etc. जीवा० ३, ४; —कडग.
पुं० (—कटक) जेभां रमणीय आकृति
आतरी होय ओवे गलीगले प्रदेश.
जिसमें रमणीय आकृतिका नकशाका काम हो
ऐसा जालदार प्रदेश. a wall etc. in
which windows are beautiful-
ly carved or engraved. जीवा० ३,
४; जं० प० राय० ११३; —गंडिया. स्त्री०
(—ग्रन्थिका—जालं मत्स्य बंधनं, तस्यैव
ग्रन्थयो यस्यां सा जालग्रन्थिका) नक्षत्रो
गंड. जालका गंड. a knot of a
net. “ जालं गंडियाहवा —आणुपुष्टि
गंडियावा ” भग० १, ३; —घर. न०
(—गृह) गलीयातुं घर. जाला दार घर
a house having barred win-
dows. नाया० ३, —घरग. न० (—गृहक)
गली—आरीयातुं घर. जालादार घर, मकान.
a house with barred windows
or windows. नाया० २, ३; राय० १३५;
ओव० —घरय. न० (—गृहक) जुओ
उपेले शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vide above. नाया० ८; —विंद. न०
(—वृन्द) गोअनेो समूह; आरी—गलीनेो
समूह. जाली का समूह. a group of
windows or barred windows.
जीवा० ३; —हरअ. न० (—गृहक) गली

यातुं घर. जालादार घर, मकान. a house
with windows or barred win-
dows. ओव०

जाल. पुं० (ज्वाल) ज्वाला; अग्नि शिखा.
ज्वाला; काल. Fire; a flame of
fire. जीवा० १; —उज्जल. त्रि०
(—उज्ज्वल) धातुं नृ नन्दयत्यमान. अत्यंत
प्रकाशमान. very bright; flashing.
ओव०

जालंधर. पुं० (जालंधर) देवानंदाशु आभक्षणीनुं
आत्र. देवानंदाजा ब्राम्हणी का गोत्र. the
family-origin of DevānandāBrā-
hmanī (wife of a Brāhman).
‘देवणदाणसाहणीण जालंधरसगुताण’ आया०
२, १५, १७६; —सगुत्त. त्रि० (—सगोत्र)
जालंधर गोत्रभां उत्पन्न थयेव. जो जालंधर
गोत्र में उत्पन्न हुआ हो. one born in
the family of Jalandhara. कण०
१, २;

जालग पुं० (जालक) गली; आरी. जाला;
खिडका. A window; a barred win-
dow. नाया० १; ओव० (२) पगनुं ओड
नक्षत्रुं आभरण. पैरो के लिये एक प्रकार
का आभूषण. a kind of ornament
for the feet. “ सखिखणि जाल पर-
क्खित्ताण ” ओव० (३) जे छदिय श्रु
विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a
kind of two-sensed living being.
उत्त० ३६, १२८;

जालद्ध. न० (जालाद्ध) अर्धचंद्राकारे निख-
रणी. अर्धचंद्राकार सीढ़ी. A semicir-
cular ladder. नाया० १;

जालपंजर. पुं० (जालपंजर) गोअ. गोख.
A cage-like window; a window
jutting out from the main

building. जीवा० ३, ४; राय० १०७;

जालय. पुं० (जालक) लुओ 'जालग' शब्द.

देखो 'जालग' शब्द. Vide 'ज लय' जीवा० ३, ३;

जाला. स्त्री० (ज्वाला) ज्वाला-आव; अग्निनी शिष्वा. अग्नि की ज्वाला. A flame of fire. "जालातुरं घन छिन्ना" नाया० १; १६; भग० ३, २; १४, ७; पञ० १; सु० च० १, ३०; दस० ४; ठा० ५, ३; उत्त० ३६, १०६; पंचा० ३, २२; (२) ८ भा यक्षवर्तीनी माता. ६ वें चक्रवर्ती की माता. the mother of the ७th Chakravartī. सम० प० २३४; (३) चन्द्रप्रभ स्वामीनी शासन देवी चन्द्रप्रभ स्वामी की शासन देवी. the tutelary goddess of Chandraprabha Svāmī. प्रव० ३७७; —उज्जल. त्रि० (—उज्जल) ज्वालाधी उज्ज्वल. ज्वाला से उज्ज्वल. brightened with flame. कण० ३, ४६; —पयर. पुं० (—प्रकर) ज्वालाओं समूह. ज्वालाओं का समूह. a collection of flames. कण० ३, ४६; —माला. स्त्री० (—माला) ज्वालांनी माता; पंक्ति. ज्वाला की माला; पंक्ति. a row of flames. भग० ३, २;

जालाउ. पुं० (जालायुष्) ऐक प्रकारने ओ धिदिय शुच. एक प्रकार का दो इन्द्रिय वाला जीव. A kind of two-sensed living being. पञ० १;

जालाउय. पुं० (जालायुष्क) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पञ० १;

जालि. पुं० (जालि) अंतगडसूत्रना ओथा वर्गना प्रथम अध्ययन नाम. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. Name of the first chapter of the 4th section of Antagada

Sūtra. अंत० ४, १; (२) वासुदेव राजनी धारणी राणीना पुत्र, के ने नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा लध पार अंगने अभ्यास करी सोल वरसनी प्रवज्या पावी शत्रुंजय पर्वत उपर ऐक मासने संधारा करी सिद्ध थया. वासुदेव राजा की धारणी राणी के पुत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वादश अंगों का अभ्यास कर सोलह वर्ष की प्रवज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के ऊपर एक मास का संघारा कर सिद्ध हुए. name of the son of queen Dhārāṇī, wife of the king Vāsudeva. He took Dikṣa from Nemanātha Prabhu (lord), studied the 12 Aṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya, became a Siddha अंत० ४, १; (३) अलुत्तरोत्तरसूत्रना प्रथम वर्गना प्रथम अध्ययन नाम. अनुत्तरगेववाई सूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 1st section of Anuttaravavāi Sūtra. अनुत्त० १, १; (४) श्रेष्ठ राजनी धारणी राणीना पुत्र के ने महावीर समीपे दीक्षा लध शुश्रूषण तप तपी सोल वरसनी प्रवज्या पावी विपुल पर्वत उपर ऐक मासने संधारा करी कालधर्म पावी विजय नामना अनुत्तर विमान भां उत्पन्न थया. श्रेष्ठिक राजा की धारणी राणी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप दीक्षा ले शुश्रूषण तप कर के सोलह वर्ष की प्रवज्या पातनकर विपुल पर्वत के ऊपर एक मासका संघारा कर काल धर्मको प्राप्त कर

अनुत्तर विमानमें उत्पन्न हुए. name of the son of queen Dhārāṇī, wife of king Śreṇika. He took Dikṣā from Mahāvira Svāmī, practised Guṇarayaṇa austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya. अणुत्त० १, १;

जालिया. बी० (जालिका) लाली; लाली वाली. जाली; लोहे की खिडकी. A latticed window. परह० १, ३;

जाव. अ० (यावत्) ज्यों सुधी; ज्यों लगी; जेटलुं. जहाँ तक; जबतक; जितना. As long as; as far as; as much as. जं० प० ५, ११३; ११४; ११२; २, ३३; नाथा० १, ८; १०; १४; १६; भग० १, १; ५; २, १; २५, १२; श्रव० अणुजं० ३; सूय० १, ३, १, १; आया० १, २, १, ७१; उत्त० ४, १३; वेय० १, ४६; पि० नि० ५३; पञ्च० १; निसी० २०, १०; नंदी० १२; विवा० ५; दसा० ६, १; दग० ७, २१; ८, ३६; निर० १, १; उवा० १, ७४; ८, २५३; कप्प० १, १०; प्रव० १२;

जाव. पुं० (जाप) गाय; मन्त्रादिकं उच्चारण. Telling beads upon a rosary; repetition of Mantras i. e. sacred charms etc. परह० २, २;

जावअ. पुं० (यापक) काल व्यतीत करने वाला हेतु. The cause to pass time. ठा० ४, ३;

जावइय. त्रि० (यावत्) जेटलुं. जितना. (Lasting) as long as; (going)

as far as. “ अहवा जो जस्स जावइयो ”

पंचा० ४, ५; भग० १, ६; ७; ३, २; ४; ६, १; ७; ८; ८, १०; १४, ७; १५, १; १६, ४; वव० ६, २३; जं० प० २, १६;

जावई. बी० (यावती) गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार. એક પ્રકાર. गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार.

A kind of vegetation growing in clusters. पञ्च० १; (२) એક જાતની કંદ. एक जाति का कंद. a kind of bulbous root. उत्त० ३६, ६७;

जाव. अ० (यावत्) ज्यों सुधी. यावत्; जहाँ तक; जबतक. As long as; till; up to. भग० ३, १;

जावंचरण. अ० (यावच्च) जेटलामें. समय कि जिस दरम्यान. Time etc. during which. सूय० २, १, ६;

जावंचन. त्रि० (यावत्) जेटला. जितने; जितना. As many; as much. “ जावंचति विज्जा पुरिमा ” उत्त० ६, १; पि० नि० १४२; भग० ३, १; दस० ६, १०; (२) भगवती सूत्रना प्रथम शतकना छठ्ठा उद्देशात् नाम. भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छठ्ठे उद्देश का नाम. name of the 6th Uddeśa of the 1st Sā-taka of Bhagavati Sūtra. भग० १, १;

जावंचिम. अ० (यावंचिम) छेदे सुधी. अन्त पर्यंत. Up to the last. विश० २८४;

जावंचाव. अ० (यावंचावत्) એક પ્રકારનું ગણિત; સંખ્યાનો એક પ્રકાર. एक प्रकार का गणित; संख्या का एक प्रकार. A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation. ठा० १०;

जावग. पुं० (यापक) कालक्षेप करने वाला हेतु;

हेतुनो ऐक प्रकार. हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. टा० ४, ३;

जावचणं. अ० (यावच्च) जुओ “जावचणं” शब्द. देखो “जावचणं” शब्द. Vide

“जावचणं” भग० २, १; ३, ३; ५, ६;

जावज्जीव. अ० (यावज्जीव) छुवे त्यां सुधी; छुंछी पयंत. जीवन पर्यंत; जाता रहे उस समय तक. Till death; as long as life endures. टा० ३, १; आया० १, ७, ८, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७; नाया० १; १३; १६; दसा० ६, ४; दस० ६, २६; गच्छा० १०५; —बंधण. न० (—बंधन) छुवे त्यां सुधी; अंधन. जीवन पर्यंत बंधन. life-long bondage. दसा० ६, ४;

जावज्जीविये. अ० (यावज्जीवितम्) त्यां सुधी छुवे त्यां सुधी. जीवन पर्यंत. As long as life lasts. भग० ७, ६;

जावण. न० (यापन) निर्वदि करेते. निर्वदि करना. Supporting (life); spending; passing; (e. g. time) पि० नि० २१०;

जावनिअ. त्रि० (यावत्) जेतुं. जितना; जिस हद तक. As much as; as many as; to the extent to which. प० नि० २४२; पञ्च० १५; ज० प०

जावन्ती. स्त्री० (जानिपत्री) जवन्ती; ऐ नामनुं ऐक मतनुं वृक्ष. जायपत्री; इस नाम का एक प्रकार का वृक्ष. The outer skin of the nutmeg; name of a tree. पञ्च० १;

जावद्वव. न० (यावद्वव्य) वस्तु रहै त्यां सुधी रहै ते. वस्तु के अस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. विशेष० २५;

जावय. पुं० (यापयतीति यापकः) राग छुपने जाता करेता. राग द्वेष का त्याग करने वाला. One who abandons, renounces passion and hatred.

नाया० १; ज० प० २, ११५; सम० १; ओव० १२; कप्प० २, १५;

जावय. पुं० (जापक) राग छुपाने. रागद्वेष जितनेवाला. One that causes to conquer passion and hatred. ओव० १२; सम० १;

जावसिअ. पुं० (* जावसिक) अन्ता भासा लावने. घास के गट्टे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling). ओघ० नि० २३८;

जास. पुं० (जाप) पिशाचनो ऐक प्रकार. A kind of ghost or fiend. पञ्च० १;

जासुअ. न० (जामूद) असुनीं वृक्ष जासु के पुष्प. A Jāsu flower. कप्प० ४, ६०;

जासुण. पुं० (जपासुमनस्) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

जासुमण. न० (जपासुमनस्) असुनीं वृक्ष. जपा कुसुम; जासु के फूल. A flower of the China-rose “जासुमण कुसुमेइवा” पञ्च० १; नाया० १; राय० ६६; अंत० ३, ८; भग० १४, ६; ज० प०

जासुयण. पुं० (जपासुमनस्) असुनीं वृक्ष. जासु के फूल. A flower of the China-rose. जीवा० ३, ३; ४;

जिअत्त. न० (जावत्त) छुपणुं. जावितना; जावत्त. Life; the state of life. क० गं० ४, ६६;

जादृत्थ. न० (याथार्थ्य) यथार्थ पणुं. यथार्थता. Real or correct nature; true character. विशेष० १२०६;

जाहे. अ० (यदा) ज्यारे. जब. When (relative adv.). “जाहेणं सके देविंदे देवराया ” भग० १६, १; २; ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६; २४; नाया० १; ८; ६; १८; ओष० नि० ४६०; विवा० ५; जं० प० ७, १४१; विशे० २३२४;

जिअ. पुं० (जीव) ज्य; प्रा॒ली. जीव; प्राणी. A soul; a life; a living being. विशे० १४००; १६८४; लउ० १६; स्य० १, १, २, १; क० गं० १, १; १६; ४६; ४, १; ५, ७६; २१, ५४; नाया० १५; —अंग. न० (—अङ्ग) ज्यन्तु अंग-शरीर. जीव का अंग-शरीर. the physical body in which life exists. क० गं० १, ४६; —ट्ठाण० न० (—स्थान) ज्यन्ता स्थान-भेद; सूक्ष्म अक्षेद्रियादि ज्यन्ता १४ भेद-प्रकार. जीव के स्थान-भेद; सूक्ष्म एकेंद्रियादि जीव के १४ भेद-प्रकार. the different varieties of lives; the 14 divisions of one-sensed minute lives etc. क० गं० ४, ५; —लक्षण. न० (—लक्षण) ज्यन्तु असाधारण २४३५. जीव का असाधारण स्वरूप. the distinguishing quality of a living being. क० गं० ४; ३३; —लक्षणावयव-ओग. पुं० (—लक्षणोपयोग) ज्यन्तु अज्ञान, पांच ज्ञान अन्ते आर दर्शन अ-आर ज्यन्ता लक्षण रूप उपयोग. तीन अज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्षण रूप उपयोग. the 12 characteristics of life viz. three Ajñānas, five Jñānas and four Darśanas. क० गं० ४, ३३; —विवागा. स्त्री० (—विपाका) ज्यन्तु आश्री विपाक पासनारी कर्म प्रकृति. जीवके संबधमें विपाक पाने वाली कर्म प्रकृति. a variety of Karma show-

ing maturity to soul. क० गं० ५, २०; **जिअसत्तु.** पुं० (जितसत्तु) महावीर स्वामीना वचनमां मिथिला नगरीना राजा. महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvīra Swāmi. जं० प० ५, ११५;

जाहग. पुं० (जाहक) सेटाह; डांटावाहुं अक्ष प्रा॒ली. सेहा. Porcupine. भग० १५, १; पगद० १, १; नंदी० ४४; विशे० १४१२;

जिइंदिअ-य. त्रि० (जितेंद्रिय जितानि स्व-विषय प्रवृत्तिनिषेधेन इन्द्रियाणि येन स जितेंद्रियः) इन्द्रियोने वश करने वाला; जित-न्द्रिय. इन्द्रियां का वश करने वाला. One who has subdued or conquered his senses. दस० ३, १३; ८, ३२; ६४; ६, ३, ८; नाया० १; १४; भग० २, १; पंचा० ११, ४०; गच्छा० ४२;

जिघग्गा. स्त्री० (घ्राण) मुंघन्ते ते. मुंघना. Act of smelling. ओष० नि० ३७६;

जिट्ट. त्रि० (ज्येष्ठ) भेट्टो. ज्येष्ठ; बडिल. Elder. गच्छा० ६०; कप्प० ५, १२८; ८; प्रव० १६८; (२) उट्टुष्ट; अष्ट. उट्टुष्ट; अष्ट. best. विशे० ३३२६; क० गं० ६, ७७; ४, ८६; —ट्टिइ. स्त्री० (—स्थिति) उट्टुष्ट स्थिति. उट्टुष्ट स्थिति. best condition. क० प० २, १०४; —पुत्त. पुं० (—पुत्र) भेट्टो हीट्टो. ज्येष्ठ पुत्र. the eldest son. निर० ३, १; —वयग. न० (—वचन) भेट्टो ज्यन्तु वचन. बडिलका वचन. words of an elderly person. गच्छा० ६०;

जिट्टा. स्त्री० (ज्येष्ठा) भेट्टी भेट्टेन. ज्येष्ठ भगिनी; बडी बडिन. Eldest or elder sister. (२) भेट्टाली. जेठानी. wife of the husband's elder

brother. जं० प० ७, १५६:

जिहामूल. पुं० (ज्येष्ठांमूल) ज्येष्ठी पुनमे ज्येष्ठा भूषनक्षत्रनी साथे चंद्रमा ज्येष्ठे ते भक्षितो; ज्येष्ठ भ.स. जिसकी पूर्णिमा के दिन ज्येष्ठांमूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग साधन करता है वह मास; ज्येष्ठ मास. Name of a lunar month in which the full moon stands in the constellation Jyeshthā (corresponding to May-June). उत्त० २६, १६;

जिड्डह. न० (*) ऐक नतनी रम्भत. एक प्रकार का खेल. A kind of game. प्रव० ४४१;

✓ **जिण.** धा० I. (जि) जितुं. जीतना; पराजित करना. To win; to conquer.

जिञ्च. क० वा० वि० उत्त० ७, २२;

जिण. वि० उत्त० ६, ३६; दस० ८, ३६;

जय. आ० आ० ३२;

जिञ्चमारु. क० वा० व० क० उत्त० ७, २२;

जिण. पुं० (जिन-जयति निराकरांत रागद्वेषादिस्पृषानरादीनिजिनः) रागद्वेषादि सार्वथा जितनार; तीर्थकर, केवली आदि; जिनभगवान्. तीर्थकर, केवली आदि; जिनभगवान्. One who has completely subdued passion and hate; a Tirthankara, a Kevali etc. “अणुत्तरं धम्ममिणं जिणायं” सय० १, ६, ७; “जिणायं जावयाणं” जंवा० ३; कप्प० नाया० १: ३; १५; भग० १, १; ३: २, १; ७, १: १५, १: २५, ६, ७; दम० ४, २२; ५, १. ६२; पञ्च० १; सू० प० १८, दसा० ६, १८;

नंदी० ३; पि० नि० १८४; अणुजो० १६; १२७; सम० १; ३०; आ० उत्त० २, ४५; १०, ३१; आगा० १, ५, ५, १६२; उवा० १, ७३; ७, १७८; कप्प० २, १६; क० गं० १, १; १, ५६, ६०; ६१; ४, ५६; आ० २, ५; प्रव० ३; जं० प० ५, ११२; ११५;

—अंतर. न० (-अन्तर) तीर्थकरना अंतरतो कात; ये तीर्थकर परस्परानु कात परस्पर अंतर. तीर्थकर के अंतर का काल; दो तीर्थकरों के काल का मध्यस्थ अंतर. the interval of time between two Tirthankaras. भग० २०, ८;

प्रव० ४३४; —अणुमय. वि० (-अनुमत)

जित्वा भगवानने अनुमत संमत. जिन भगवान में अनुमत संमत. acceptable to, permitted by a Tirthankara etc. जंवा० १: —अभिहित. वि० (-अभिहित) तीर्थकरे कहेलुं. तीर्थकरने कहा हुआ. said by Tirthankara. प्रव० ६७४;

—आहिय. वि० (-आहित)

जिते प्रतिपादन करेन. जिन भगवानने प्रतिपादन किया हुआ. established by, propounded by a Tirthankara.

“चरे भिक्षु जिणहियं” सय० १, ६, ६;

—इकार. न० (-एकादशक) जिननाम-

कर्म, देवत्रिक, वैकियद्विक, आहारकद्विक अने नरकद्विक ये ११ प्रकृतियों का समूह. जिननामकर्म, देवत्रिक, वैकियद्विक, आहारकद्विक व नरक द्विक इन ११ प्रकृतियों का समूह. a group of the eleven Prakriti-tis viz. Jinanāmakarma, Devatrika, Vaikriyakadvika, Ahāra-kadvika and Narakatrika.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

क० गं० ३, १४; —इकारस. न० (—एका-
दशक) ७५०५० ७५०५०. देखो ऊपर का
शब्द. vide above. क० गं० ३, १०;
—ईसर. पुं० (—ईश्वर) तीर्थंकर. तीर्थंकर.
Tirthankara. प्रव० ४०६; —उत्तम.
पुं० (—उत्तम) तीर्थंकर. तीर्थंकर. Tir-
thankara. 'मगं विराहितु जिणुत्तमाणं'
उत्त० २०, ५०; —उद्दिष्ट. त्रि० (—उद्दिष्ट)
आप्त पुरुषे दर्शाये. आप्त पुरुषने दर्शया
हुआ. shown by relatives. गच्छा०
२६; —उचएस. पुं० (—उपदेश) तीर्थ-
ंकरेणो उपदेश. तीर्थंकर का उपदेश. teach-
ings of Tirthankara. "एवि तच्चाओ
जिणोवएसमि" सम० ३; भत्त० ८५;
—कप्प. पुं० (—कल्प—जिनाः गच्छन्नि-
र्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्पः समाचारः)
उत्कृष्ट आचार पावनार साधुनेन-जिनउत्कृष्टी-
ना उत्कृष्ट-अचरविधि. उत्कृष्ट आचार का
पालन करनेवाले साधु का जिनकल्पाका कल्प-
व्यवहार विधि. the ascetic-conduct
or mode of life of a Jain monk.
पंचा० १७, ४०; भग० २५, ६; प्रव० ५०५,
६२२; —कप्पट्ठिइ. स्त्री० (—कल्पस्थान) गच्छती
अक्षर नीकती जिनउत्कृष्टीपण्यु स्त्री-
भारतार साधुना आचारनुं स्वरूप गच्छ
से बाहर निकलकर जिनकल्पापना स्वाकार
करने वाले साधु के आचार का स्वरूप. the
mode of ascetic life of a Jain monk who leaves his order
but follows the conduct pre-
scribed for Jain monks. वेय० ६,
२०; —कप्पि. पुं० (—कल्पिन्) जिन
उत्कृष्टी साधु. जिन कल्पी साधु. a Jain
ascetic. चउ० ३३; प्रव० ५८५; —क-
प्पिय. पुं० (—कल्पिक—जिनानां कल्पः
आचारो जिनकल्पः स त्रियते येयां ते) जिन

उत्कृष्टी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. जिन
कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. a Jain
monk; a Sadhu following the
conduct prescribed for monks
in Jain Sāstras. वव० ५, २१;
प्रव० १५; ४६६; ५४७; ६३०; —कालग.
त्रि० (—कालक) जिन-तीर्थंकरना कालमा-
नेनी ह्यानिमां जेनी ह्याती ह्या ते. जिन-
तीर्थंकरके कालमें उनके अस्तित्वमें जो जीवित
हो वह. contemporary to a Jain
Tirthankara. "जिण कालगो म-
णुस्सो" क० प० ५, ३२; —गुण. पुं०
(—गुण) तीर्थंकरना गुण. तीर्थंकर के गुण.
the attributes of a Tirthankara.
भत्त० १६८; —घर. न० (—गृह) जिन-
गृह; देवमंदिर. जिनगृह; देवमंदिर. a
Jain temple. नाया० १६; पंचा० ७,
१; —चंद्र. पुं० (—चन्द्र) चंद्र जैम शांतल
जिन साधुना. a Tirthankara, cool
and cooling like the moon.
पगह० २, १; क० गं० ३, १; —चिरण. त्रि०
(—चिरण) जिन आचरण. जिन द्वारा आच-
रित-आचरण किया हुआ. practised
by a Tirthankara. "अक्खं भा
होइ जिणचिरणो" पंचा० ४, २८; —जइ.
पुं० (—यात) जैन मुनि. जैन मुनि. a
Jain ascetic. प्रव० ६६२; —जक्ख.
पुं० (—यक्ष) तीर्थंकरनी लक्षित कर्यामां
कुशल अया गोमुग्ग आदि यक्ष. तीर्थंकर की
भक्ति करने में कुशल ऐसे गोमुख आदि यक्ष.
a Yakṣa (e. g. Gaumukha
etc.) devoted to the worship
of a Tirthankara. प्रव० ७; —जएणी.
स्त्री० (—जननी) तीर्थंकरनी माता. तीर्थंकर
की माता. the mother of Tirthan-

kara. प्रव० ४; —**दिक्खा**. स्त्री० (—दीक्षा) जैनधर्म की रीत प्रमाणे दीक्षा-प्रव्रज्या देवी ते. जैन धर्म की रीति के अनुसार दीक्षा-प्रव्रज्या लेना. entering into an order according to the prescribed rules. पंचा० २, १; —**देसिय**. त्रि० (—देशित) जिन भगवाने कहे. जिन भगवाने कहा हुआ. said by, propounded by a Tirthankara. “धम्मोय जिणदेसिओ” तंदु० जीवा० १; —**धम्म**. पुं० (—धर्म) जैन धर्म. Jainism. डा० २, २; क० गं० १, १६; —**नाह**. पुं० (—नाथ) जिन-सामान्य क्षेत्रीना नाथ-स्वामी; तीर्थंकर. जिन-सामान्य केवलीके नाथ-स्वामी; तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type; a Tirthankara. प्रव० १४; —**पडिमा**. स्त्री० (—प्रतिमा) वृषभ, वर्धमान, चंद्रानन अने वारिसेज्जे अने नामथी आराधनी शस्त्री प्रतिमा. वृषभ, वर्धमान, चंद्रानन व वारिसेज्जे इन नामों से संबोधित शाश्वती प्रतिमाएँ the eternal idols called by the names Vṛisabha, Vardhamān, Chandraṃana like the statute of Jina. गय० १५४; नाया० १६; विशेष० ५७; —**पण**. न० (—पञ्चक) ओअ “जिणपणग” शब्द. देखो “जिणपणग” शब्द. vide “जिणपणग” क० गं० ३, १२; —**पणग**. न० (—पञ्चक) जिन नामकर्म, देवद्विक अने वैद्विक अने पांच प्रकृति-आत्मा समूह. जिन नामकर्म, देवद्विक व वैद्विक इन पांच प्रकृतियों का समूह. a group of the five varieties—Jinanāmakarma, Devadvika and Vaikriyadvika. क० गं० ३, १४;

—**परणुत्त**. त्रि० (—प्रवृत्त) वीतरागे प्ररूपेय-कहे. वीतरागने कहा हुआ. propounded by a Tirthankara etc. सम० १००; नाया० १२; —**परियाय**. पुं० (—पर्याय) क्षेत्रीना पर्याय, क्षेत्री प्रव्रज्या. केवली का पर्याय; केवली प्रव्रज्या. a Kevali ascetic. भग० २०, ८; —**पसन्थ**. त्रि० (—प्रशस्त) तीर्थंकरे वभाजे. तीर्थंकर द्वारा प्रशंसित. praised by a Tirthankara. “वहुसु ठाणसु जिणपसन्थेसु” पगह० २, ५; जीवा० १; —**पायमूल**. न० (—पादमूल) तीर्थ-करता यरणु कमलनी अंग. तीर्थंकर के चरण कमल के समीप. near the lotus-foot of a Tirthankara. प्रव० १५६६; —**पुत्त**. पुं० (—पुत्र) जिनना तीर्थंकरता शिष्य. जिनका-तीर्थंकर का शिष्य a disciple of a Tirthankara. सम० १; —**पूयट्ठि**. पुं० (—पूजार्थिन) —जिनस्यैव पूजामर्थयेते यः स जिन पूजार्थी) गोशास्त्रादिनी पं० जिनतरीके पूजनी कहे. राजनार. गोशास्त्रादिक समान जिन भगवानों पूजा की इच्छा रखने वाला. one who desires to be worshipped like a Jina; e.g. Gōśālā etc. सम० ३०; दया० ६, ३०; —**पाणीय** त्रि० (—प्रणीत) जिन भगवाने कहे. जिन भगवाने कहा हुआ. propounded by, uttered by a Tirthankara. “जिणमयं जिणपणीयं” जीवा० १; —**परुविय**. त्रि० (—प्रवृत्ति) जिन भगवाने प्ररूपेय. जिन भगवाने कहा हुआ. propounded by, taught by a Tirthankara etc. जीवा० १; —**पलवि**. पुं० (—पलापिन) पेताने जिन तरीके कहे. गोशास्त्रादि. स्वतः को जिन जैसा कहने वाला; गोशास्त्रादि.

one who poses himself as a Jina or Tirthaṅkara; e. g. Gośālā etc. “एवं सो अजिणो जिणप्य-
लावी विहरइ” भग० १५, १; —भक्ति
छा० (—भक्ति) जिन-तीर्थीकरनी भक्ति.
जिन तीर्थकरकी भक्ति. devotion paid
to a Tirthaṅkara. जं० प० ५, ११५;
भक्त० ७१; —भक्तिराग. पुं० (—भक्ति-
राग) जिन तीर्थीकरनी भक्ति पूर्ण
अनुराग. जिन तीर्थकर का भक्ति पूर्वक
अनुराग. pious or devotional love
for a Tirthaṅkara. “जिण भक्त
रागेण” राय० —भासिअ. त्रि० (—भा-
सित) जिन-तीर्थीकरे भाषित. जिन-तीर्थ-
कर द्वारा कहा हुआ. described by
a Jina Tirthaṅkara. “सुह जिण
भासिय” गच्छा० ३३; —मय. न०
(—मत) श्रीतीर्थीकरनी भाषा; जैन दर्शन. श्री
तीर्थकरका मार्ग; जैन-दर्शन. the path,
creed shown by Śrī Tirthaṅ-
kara विश० ७२; गच्छा० २७; प्रव० १०३;
पंचा० ३, ३२; —मयद्विय. त्रि० (—मन-
स्थित) जैन दर्शनमां स्थित श्रवण. सर्वज्ञ के
आगम में स्थित. steadied in, having
deep faith in the scriptures of
the Tirthaṅkaras or omnisci-
ents “विसेमअो जिणमय द्वियाणं” जीवा० ८;
—मयनिऊण. त्रि० (—मतनिऊण) जैन-
मतमां प्रवीण श्रवण. जैन आगम में प्रवीण
बना हुआ. well-versed or profici-
ent in the Jaina scriptures or
religion. दम० ६, ३, १५; —मुद्दा.
छा० (—मुद्दा) जैन पद्य पद्ये आरंभ आंगतनुं
अंतर राप्पी सरप्पा उभा रक्षिते भविस्य
करये ते. दो पैरों के मध्यमें चार अंगुल
का अंतर रखकर काउमर्ग करना. a

standing bodily posture, at the
time of meditation, in which
the two feet are kept at an
angle of 45 degrees. “पायाणं-
उस्सग्गो एसा पुण होइ जिणमुद्दा” प्रव०
७१; ७६; —वस. पुं० (—वंश) जिननी
परिवार. जिन का परिवार. a family of
a Jina. “वंसाणं जिणवंसो” संथा०
—वयण. न० (—वदन) जिन-तीर्थीकरनुं
मुख. जिन- तीर्थकर का मुख. the
face of a Tirthaṅkara. आव०
—वयण. न० (—वचन) तीर्थीकरनी
वचन. तीर्थकर के वचन. words of a
Tirthaṅkara. पंचा० १, २; नाया० १२;
भक्त० ३; ५१; —वयणरत्त. त्रि०
(—वचनरत्त) जिनवचनमां अनुरक्त-रागी.
जिनवचन में अनुरक्त रागी. (one)
who is a lover of the words
of a Jina or Tirthaṅkara.
दम० ६, ८, ३, ३; —वयणसुह. छा०
(—वचनश्रुति) जिनवचननुं श्रवण.
जिनवचन का श्रवण hearing or
listening to the words of a
Jina i. e. scriptures. “जिणवयण
सुह जण दुल्लह” अ. —वर. पुं०
(—वर) तीर्थीकरदेव. तीर्थकर देव. a
Tirthaṅkara. नाया० २; भग० ६,
३३; आव० २, ५; प्रव० ८७६; पंचा० १०,
२; —वसह. पुं० (—वृषभ) जिन
सामान्य क्षेत्रीयमां वृषभ-श्रेष्ठ. जिन-
सामान्य क्षेत्रीयोंमें वृषभ-श्रेष्ठ. the
best of Kevalis i. e. omni-
scients. “अस्पंजज्ञं जिणवसहं” सम० प०
२००; —वाणी. छा० (—वाणी) तीर्थी-
करनी वाणी. तीर्थकर की वाणी. speech
of a Tirthaṅkara. जं० प० १;

—वीर. पुं० (—वीर) महावीर भगवान्, महावीर भगवान्, the lord Mahāvira. भक्त० १७१; —संकास. पुं० (—सङ्काश) सर्वज्ञ ज्ञेया; जितनुत्थ. सर्वज्ञज्ञसा; जिन-तुल्य. one who is like or similar to an omniscient i.e. a Tirthan-
kara etc. 'अजिणायं जिणसंकासायं' ठा० ४, ४; ३, २; कप्प० ६, १६४; —संश्रव. पुं० (—संस्तव) जिन स्तुति. जिनस्तुति. praise in honour of a Tirthankara. दम० ५, १, ६३; —सकहा. स्त्री० (—सकिथ) जिन भगवान् की दाह. जिनभगवान् की दाह. the molar of a Tirthankara. भग० १०, ४; जं० ५० ४, ८८; —सह. पुं० (शब्द) जिन वचन. words of a Jina. भग० १५, १; —साम्मण न० (शामन) जिन दर्शन; जिन धर्म. जिन दर्शन; जिनधर्म Jainism. 'णिस्सवेना जिणसाम्मणं' उत० १८, १६; दम० ८, २५; मूय० १, ३, ४, ६; भक्त० २; ६४; प्रव० ६४६; —साम्मणपरंमुह. त्रि० (शामन-परंमुह) जिन शास्त्राधी विमुख. जिन शामन में विमुख. opposed to or averse to the tenets of Jainism. "जण साम्मण परंमुहा" मूय० १, ३, ४, ६; —सम्मि. पुं० (—सिष्य) जिनका शिष्य; अनुधरार्थ. जिनके शिष्य; गणधरार्थ. a disciple of a Jina; a Ganadhara etc. "जिणसिष्याणं च" सम० —हर न० (—गृह) देव मंदिर. देव मंदिर. a temple. विशे० ३४०४;

जिणंत. त्रि० (जयन्) परिश्रम से श्रुतार. परिश्रम को जीतने वाला. (One) who bears afflictions (Parishas)

without feeling mentally troubled. दम० ४, २७;

जिणदत्त. पुं० (जिनदत्त) चंपा नगरी निवासी अथवा सार्थवाह का नाम. Name of a merchant, a resident of the city Champā. नाया० १६; —पुत्त. पुं० (—पुत्र) चंपानगरी का जिनदत्त सार्थवाह का पुत्र. चंपा नगरी के जिनदत्त सार्थवाह का पुत्र. the son of the merchant Jinadatta of the city of Champā. नाया० १, ३;

जिणपालय. पुं० (जिनपालक) अथवा नामका अथवा सार्थवाह का पुत्र. दम नामका एक सार्थवाह का पुत्र. Name of a merchant's son. नाया० १३;

जिणरक्षिष्य पुं० (जिनरक्षित) जिनरक्षित नाम सार्थवाह का पुत्र. चंपा नगरी का माकंदी श्रेष्ठ का पुत्र. जिन सार्थवाह का पुत्र. चंपा नगरी का माकंदी श्रेष्ठ का पुत्र. Name of a trading merchant. His father was Makandī by name. He (Jinaraksita) in his twelfth sea-voyage was troubled by a storm. His vessels were wrecked and was caught in the trap of the goddess Rayapā. नाया० ६;

जिणपालिय. पुं० (जिनपालित) चंपा नगरी का श्रेष्ठवासी माकंदी-सार्थवाह का

पुत्र. जेनी कथा जाता सूत्रना नवमा अध्य-
यनमां छे. चेवा नगरी निवासी माकन्दी सार्थ-
वाह का पुत्र. उस की कथा जातासूत्र के
नववें अध्ययन में है. Name of the
son of the merchant Mākandī
residing in the city of Champā.

His story is narrated in the 9th
chapter of Jñātā Sūtra. नाया० ६;

जिणिंद. पुं० (जिनेन्द्र) जिनेन्द्र भगवान्; तीर्थ-

३२. जिनेन्द्र भगवान्; तीर्थकर. Lord Jina;

& Tirthāṅkara. उक्त० १४, २; राय०

६७; विशेष० ११०३; नाया० ८; भक्त० ६;

प्रब० ४; ४०६; पंचा० ७, २५; —नाम.

न० (—नामन्) जिनेन्द्र-तीर्थ ३२नुं नाम.

जिनेन्द्र तीर्थकर का नाम. the name

of a Tirthāṅkara. विशेष० ४७;

—प्रणुत्त. त्रि० (—प्रज्ञस) तीर्थ ३२

३२. तीर्थकर ने कहा हुआ. propound-

ed by, laid down by a Tirthāṅ-

kara. जं० प० ५, ११७; नाया० ६;

—वचण. न० (—वचन) जिनेन्द्र-तीर्थ ३२ना

पयन. जिनेन्द्र-तीर्थकर के वचन. the

words of a Tirthāṅkara. “जिणि-

द्वययणं अमेससत्तहियं” पंचा० १६, ३६;

जिरण. त्रि० (जाण) जुनुं; जुनुं थयेव.

जाण, पुरान. Old; worn out; rotten.

नाया० १; २; भग० ८, ६; —उज्जाण.

न० (—उद्यान) राजगृह नगरनी पश्चिममां

आवेनुं ऐक उद्यान. राजगृह नगर का

पश्चिम में आया हुआ एक उद्यान. name

of a garden in the west of

Rājgrīha. नाया० १; २; —कुमारी. स्त्री०

(—कुमारी) वृद्धा स्त्री; वृद्धावस्था सुधी कुमारी

रहेव स्त्री. वृद्धा स्त्री; वृद्धावस्था पर्यन्त

कुमारी रही हुई स्त्री. an old woman;

a woman who has remained a

virgin till old age. नाया० १;

—गुल. त्रि० (—गुड) जुनी गोण. पुराना

गुड. old molasses. भग० ८, ९; —तंदुल.

पुं० (—तण्डुल) जुना घोषा. पुराने

चावल. old rice. भग० ८, ६; —सुरा.

स्त्री० (—सुरा) जुनी दाइ. पुराना दारु (मद्य).

old wine. भग० ८, ६;

जिरणासा. स्त्री० (जिज्ञासा) ननुपानी

धरुण. जानने की इच्छा. Desire for

knowing. पंचा० ३, २६;

जित. त्रि० (जित) नरुणी उपस्थित थाय

तेनुं; याद आवे तेनुं. जन्त उपास्थित हो

ऐसा; स्मृतिगत तुरन्त हो ऐसा. quickly

remembered or re-collected.

अणुजा० १३; (२) अनुपेनुं. जीता हुआ.

conquered; defeated. भग० ९, ३३;

१५, १;

जिनिंदिय. त्रि० (जितेन्द्रिय) जुनी “जि-

इंदिय” शब्द. देखो “जिइंदिय” शब्द.

Video “जिइंदिय” सूय० २, ६, ६;

जितमन्तु. पुं० (जितशत्रु) अ नामने

ऐक राजा. इस नामका एक राजा. Name

of a king. सू० प० १;

जिन्न. त्रि० (जीर्ण) जुनुं; जुनुं. जाण;

पुराना. Old; worn out. उक्त० १८, ३३;

विशे० २०४३;

जिह्वा. स्त्री० (जिह्वा) जुम. जिह्वा. The

tongue. सम० ११; आया० १, १, २,

१६; उक्त० ३२, ६१; सूय० २, १, ४२;

ओव० ३८; पत्र० १६; दसा० ६, ४; नाया०

१; उवा० २, ६४;

जिम्भागार. पुं० (जिह्वाकार) जुमने

आकार अनानार ऐक प्रकारने कारीगर.

जिह्वा का आकार बनाने वाला एक प्रकारका

कारागीर. A craftsman who makes

an artificial tongue. पत्र० १;

जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) शुभ संश्लि. जिह्वा के संबंध में. Relating to the tongue. टा० ४. ४; —**दुःख.** न० (—दुःख) शुभने प्रतिकूल संयोगात्थी थतुं दुःख. जिह्वा को प्रतिकूल संयोग से होता हुआ दुःख. painful sensation to the tongue by contact with a uncongenial object. टा० ४, ४; —**सोऽख.** न० (—सौख्य) शुभने उत्तम रस आपत्तात्थी थतुं शुभ. जिह्वा को उत्तम रस देने से होता हुआ सुख. pleasant sensation caused to the tongue by tasting of agreeable i. e. delicious substance. “ जिह्वमयाश्रो सोऽखाश्रा ववरोवत्ता भवद् ” टा० ४, ४;

जिह्विभ्रा. स्त्री० (जिह्विका) विक्षेपेण मुष्णने आधारे पाण्डू नीक्षरानी परनात्र. विक्षेपित मुख के आकार के समान पानी निकलने का परनात्र. A spout or an outlet of water in the form of an open mouth; a gargoyle. ‘वह्नरामयाण् जिह्विभयाण्’ सम० ज० प० ४, ३४;

जिह्विभ्रिय. न० (जिह्वेन्द्रिय) रसेन्द्रिय रसना; शुभ. रसनेन्द्रिय; रसना; जिह्वा. The sense of taste; the tongue. नंदा० ४; विशे० ३४३; सम० ६; अणुजा० १४७; आद्य० १६; भग० १, १; ८, १; २४, १२; ३३, १; नाया० ५. १७; —**निग्रह.** पुं० (—निग्रह) जिह्वा इन्द्रियने क्षुभुमां रक्षती ते. जिह्वा इन्द्रिय को वश में रखना. controlling the sense of taste i. e. tongue. “ जिह्विभ्रिय निग्रहेण भंते ” उक्त० २६, ६५; —**पडिसंलीणया.** स्त्री० (—प्रतिस्लीणता) जिह्वा इन्द्रियने अशुभ योगात्थी अट्टादी

शुभमां लीन करती ते. जिह्वा इन्द्रिय को अशुभ योग से रोक कर शुभ में लान करना. controlling the sense of taste (i. e. tongue) so as to guard it against improper object and to direct it towards salutary object. टा० ४, २; —**बल.** पुं० (—बल) अक्षतो अक्ष प्रकार; रसेन्द्रिय की शक्ति. the power of the sense of taste (i. e. tongue). टा० १०; —**मुंड.** पुं० (—मुण्ड) जिह्वा इन्द्रियने अट्टादी. जिह्वा इन्द्रिय को जीतने वाला. one who has subdued the sense of taste. टा० १०; —**लब्धिया.** स्त्री० (—लाब्धिका) रसेन्द्रिय की प्राप्ति. रसेन्द्रिय की प्राप्ति. the attainment of the sense of taste. भग० ८२; —**संवर.** न० (—संवर) रसेन्द्रियने संवर; शुभने आश्रयत्थी रक्षती ते. रसेन्द्रिय का संवर. stoppage of the influx of Karma due to (lack of control over) the sense of taste i. e. the tongue. पगह० २, ५; **जिह्विभ्रियता.** स्त्री० (जिह्वेन्द्रियता) रसना इन्द्रिय पण्डु. रसना इन्द्रियपना. state of the sense of taste. भग० २५, २; **जिमिय.** त्रि० (जिमित—कृतभोजने) भोजन करी लीयेथ. जिमने भोजन कर लिया है वह. (One) who has dined or taken his meal. नाया० १; १२; १६; १८; विवा० ३; ६; उवा० १, ६६; कण्ठ० ५, १०३;

जिम्म. त्रि० (जिह्म) झपटी; भाया वायो. कष्टी; मायावान. Crooked; deceitful. आजिम्म कंतणयणा ज० प०

(२) ३५२; माया. कपट; माया. fraud; deceit. सम० ५२;

जिम्मश्च. पुं० (जिह्मक) जिह्म नामनो मेघ; ओ वरसे त्पारे प्राये ओक वरस त्रेद याये. जिह्म नामक मेघ. Name of a particular description of rain. टा० ४, ४;

जिह्म. त्रि० (जिह्म) जुओ “ जिम्म ” शब्द. देखो “ जिम्म ” शब्द. Vide “ जिम्म ” जं० प०

जिह्मय. पुं० (जिह्मक) जुओ “ जिम्मय ” शब्द. देखो “ जिम्मय ” शब्द. Vide “ जिम्मय ” टा० ४, ४;

जिय-अ. न० (जित) जित; जय. जीत; जय. Victory; conquest. सूय० १, १, ४, १; (२) त्रि० श्रुतेक्ष; वश करेक्ष; रागद्वेषी श्रुतायेक्ष. जीता हुआ; जिसने राग द्वेष वश किये हैं वह. conquer; subdued (passion and hatred). सूय० १, १, ४, १; उत्त० ५, १६; ६, ३६; नाया० १, ३; भग० ६, ३३; ४२, १; पिं० नि० ८०; पंचा० १७, ५२; आव० १६; टा० ५, २; दस० ८, ४६; जे० प० ३, ६७; (३) त्रि० जइदी ओझी श्रुतायेक्ष; जइदी आवते तेषु. तुरन्त वाला जामके ऐसा; तुरन्त सीखा जाय ऐसा. capable of being easily learnt or mastered reproduced. विश० ८५१; (४) पुं० श्रुत आचार - व्यवहार. जीत - आचार - व्यवहार. conduct; usage. नाया० ८; —**इन्द्रिय.** त्रि० (-इन्द्रिय) जितेन्द्रिय; इन्द्रियोने वश करेनार. जितेन्द्रिय; इन्द्रियों को वश में करने वाला. (one) who has conquered or subdued his senses; self-restrained. भग० २, ५. —**कसाय.** त्रि० (-कषाय) कषायादि कषायने श्रुतनार. कोथादि कषाय को जीतने वाला. (one)

who has subdued evil passions such as anger etc. “ तिल्लोग पुज्जे जिये जियकसाए ” पंचा० १०, १६; प्रव० १००१; —**कोह.** त्रि० (-क्रोध) क्रोधने श्रुतनार. क्रोध को जीतने वाला. (one) who has subdued anger. भग० २, ५; नाया० १; —**गिह.** त्रि० (-निद्रा — जिता निद्रा येन स जितनिद्रः) निद्राने श्रुतनार; अग्रप्रमादी. निद्रा - आलस्य को जीतने वाला; अग्रप्रमादी. (one) who has acquired mastery over sleep i. e. idleness; (one) who is not lazy or idle. नाया० १; भग० २, ५; —**परिसम्म.** त्रि० (-परिश्रम) परिश्रमने जितनार. परिश्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i. e. does not feel fatigued. नाया० १; कप्प० ४, ६१; —**परिसह.** त्रि० (-परिपह) परिपह-दुःखने श्रुतनार. परिपह कष्ट-दुःख को जीतने वाला. (one) who has acquired victory over affliction i. e. does not feel troubled by them, नाया० १; भग० २, ५; गच्छा० ५२; —**भय.** त्रि० (-भय) भयने श्रुतनार. भय को जीतने वाला. (one) who has triumphed over fear; fearless. “ जिय भयाण ” आव० ६, ११; कप्प० २, १५; —**माण.** त्रि० (-मान) मान-अहंकारने श्रुतयोछे जेछे ओषो. मान, जिसने अहंकार को जीता है वह. (one) who has triumphed over pride or self-conceit i. e. never feels proud. नाया० १; भग० २, ५; —**माय.** त्रि० (-माय) मायाने श्रुतनार. माया को जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया० १; भग० २, ५;

—राग. त्रि० (-राग) रागने छतनार. राग को जीतने वाला. (one) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. सम० प० २४०; प्रब० ६८२;

—रागदोस. त्रि० (-रागदोष) रागदोषने छतनार. रागदोषको जीतने वाला. (one) who has subdued love or passion and hatred. 'जिणेहि जिय-

रागदोसोहि' पंचा० ६, ३६; प्रब० ११८;

—लोभ. त्रि० (-लोभ) लोभने छतनार. लोभ को जीतने वाला. (one) who has subdued greed or avarice.

भग० २, ५; —लोय. त्रि० (-लोक) संसारने छतनार. संसार को जीतने वाला. (one) who has triumphed

over the world i. e. worldly existence; (one) not fettered by the bonds of worldly existence. सू० च० १, २३५, —लोह.

त्रि० (-लोभ) लोभने छतनार. लोभ को जीतने वाला. (one) who has con-

quered greed or avarice i. e. subdued it. नाया० १; —विघ्न. त्रि० (-विघ्न) विघ्न-अंतश्चने छतनार.

विघ्नो को जीतने वाला. (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया० १;

जियंतग. पुं० (जीवान्तक) ओ नामनी ओइ प्रकारनी वनस्पति. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation. भग० २, ७;

जियंतय. न० (जीवान्तक) बीसी वनस्पतिनी ओइ गत. हरी वनस्पति की एक जाति.

A kind of green vegetation. पञ्च० १;

जियंती छा० (जीवन्ती) ओइ गतनी वेत्र. एक जाति की लता. A kind of creeper. पञ्च० १;

जियवंत. त्रि० (जितवन्) जय मेसवेस. विजय-प्राप्त; जिसने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पगह० १, १;

जियसत्तु. पुं० (जितशत्रु) शत्रुने छतनार.

शत्रु को जीतने वाला. A conqueror of enemies. पगह० २, ४; (२)

अजितनाथ स्वामिना पितानुं नाम. अजितनाथ स्वामी के पिता का नाम. name of the father of Ajitanātha

Swāmī. सम० प० २२६; प्रब० ३२३; (३) वाण्डिज्य गांभेते राज्ञ. वाण्डिज्य गांव का राजा. name of a king of

Vāṇḍijy city 'तत्थणं वायसिग्गामे जियमत्तुराया' उवा० १, ३; (४) य पा-

नगरीतो राज्ञ. चंपानगरी का राजा. name of a king of the city of Chappā. 'चंपानामं नयरी होत्था,

पुणभदे चेहण जियसत्तुराया' उवा० २, ६२; आव० टी० नाया० १९; १५; (५)

उज्जयिनी नगरी तो राज्ञ. उज्जयिनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain. उज्ज० टी० २; (६)

सर्वतोभद्र नगरतो राज्ञनुं नाम. सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvato-

bhadra. 'सर्वतोभद्रे णयरे जियसत्तुराया' उवा० ५; (७) मिथिला नगरीतो राज्ञ. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of

Mithilā. सू० प० १; जं० प० १, १; (८)

पांयाल देशने राज्ञ के जेहे मल्लीनाथनी साथे दीक्षा लीधी हती. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दांजा ली थी. name of a king of the country of Pāñchāla. He had taken Dikṣā along with Mallinātha. नाया० ८; ठा० ७, १; उवा० ६, १६३; (६) आमलकल्या नगरीने राज्ञ. आमलकल्या नगरी का राजा. name of a king of the city of Āmalakalpā. नाया० घ० (१०) सावर्धी नगरीने राज्ञ. सावर्धी नगरी का राजा. name of a king of the Sāvartthī city. उवा० ६, २६७; २७२; नाया० घ० (११) वाणारसी नगरीने राज्ञ. वाणारसी नगरी का राजा name of a king of Vāṇārasi city. उवा० ३, १३६; ४, १४५; (१२) अलभिया नगरीने राज्ञ. अलभिया नगरी का राजा. name of a king of the city of Ālabhiyā उवा० ५, १५५; (१३) पोलासपुर नगरीने राज्ञ. पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the city of Polāsapura. उवा० ७, १८०; —रायरिसि. पुं० (-राजर्षि) जितशत्रु राजर्षि. जितशत्रु राजर्षि. the Rājārṣi (a royal saint) named Jitāśatru. नाया० १२; —राय. पुं० (-राज) जितशत्रु राज्ञ. जितशत्रु राजा. king Jitāśatru. नाया० १२;

जियसेण. पुं० (जितसेण) भरत क्षेत्रना त्रीन कुलकरजुं नाम. भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर का नाम. Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम० प० २२६;

जियारि. पुं० (जितारि) त्रीन तीर्थकर संभव

नाथना पिता. तीसरे तीर्थकर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tirthaṅkara Sambhavanātha. “सनाणु जियारि तण्यस्स” सम० प० २२६; प्रव० २२३;

जीमूथ-य. पुं० (जीमूत) जूमूत नामने भेद्य के जे ऐकवार बरसे तो दस बरस सुधि पृथ्वीमां तेना रहे. जीमूत नामक मेघ कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of a particular cloud which keeps the soil wet for ten years as a result of one downpour only. ठा० ४, ४;

जिमूत. पुं० (जीमूत) जुओ उपदे शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उत्त० ३४, ४; जीवा० ३, ४; राय० २०; पञ० १७; **जीय. पुं० (जीव)** ७५. जीव. Soul; a living being. भक्त० १०३; जीवा० १; (२) उपन; उपदेगी. जीवन. life. सु० च० ३, २४३; पगह० १, १; —अट्ट. त्रि० (-अर्थ) जियितने अर्थ. जीवन के लिये; जीवित के अर्थ. for the sake of life. सु० च० ४, २८७;

जीय-अ. न० (जीत) परंपराधी आयेो आवतो व्यवहार. वंशपरंपरा से प्रचलित व्यवहार. Traditional usage or convention. आया० २, १५, १७६; वव० १०, ३; जं० प० ३, ४५; भग० ८, ८; प्रव० ८६१; (२) कर्तव्य; कर्तव्य. धर्म; कर्तव्य. duty; that which ought to be done. जं० प० ५, ११२; (३) श्रुत. श्रुत. a scripture. नंदी० (४) मर्यादा. मर्यादा. limit. नंदी० २६;

जीयकण्व. पुं० (जीतकण्व) पूर्यायोंनी परंपराधी आयेो आवतो आचार. पूर्वाचारों

की परंपरा से प्रचलित आचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा० ६, ३७;

जीयकपिअ. त्रि० (जीतकल्पिक) अतक-
द्विपद-परंपरानुसारी आचारवादा. जीत
कल्पिक-परंपरानुसारी आचार वाला. One
following the usage according
to one's predecessors. डा० १०;
कप्प० ५, १०४;

जीवधर. पुं० (जीतधर) ऐ नामना आर्य
आत्रामं थयेत्त आचार्य; शाण्डिल्यना शिष्य.
इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य;
शाण्डिल्य के शिष्य. name of a pre-
ceptor born in an Ārya family
and a disciple of Śaṇḍilya.
“ संहिंक्ष अज्जर्जायधर ” नंदी०

जीरय. न० (जीरक) अरु. जीरा. cumin-
seed. प्रव० १४२८; (२) ऐकं जलनी वन-
स्पति. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of
vegetation. भग० २१, ८; — **वच्च.** न०
(-वच्चम्) अरु वनस्पति विशेषतो ज्यरे-
पांक्ष वयरेत्ता दथेत्ता. जीरा-वनस्पति विशेष
का कूडा-पात्त इत्यादि का ढेर. refuse of
the Jirakā vegetation (cumin-
seed). निसी० ३, ८०;

जीरय. पुं० (जीरक) ऐकं जलनी वनस्पति.
एक प्रकार की वनस्पति. A kind of
vegetation. भग० २३, १;

✓ **जीव.** धा० I. (जीव्) अयुं; प्राण
धारण करता. जीव; प्राण धारण करना.
To live; to breathe; to have
life.

जीव. ति. भग० २, १; ६, १०; उत्त० ७, ३;
जीवामो. उत्त० ६, १४;
जीविस्सामो. आया० १, ६, ४, १८८;

जीविउं हे० कृ० दस. ६, ११;

जीवत. राय० २६३; विवा० २;

जीव. पुं० (जीव) आत्मा चैतन्य; अयत्त;
नवतत्त्वोभांतु प्रथम तत्व; अद्रव्यभांतु ऐक
द्रव्य. आत्मा, चैतन्य; जीवतत्व; नवतत्त्वों में
से प्रथम तत्व; छ द्रव्य में का एक द्रव्य.
Soul; consciousness; the first
of the nine categories; one
of the six substances. उत्त० २, २७;
२८, १४; ३६, १; ६५; आंव० १७; ३४;
४०; नाया० १; २; ६; ८, ६; १०; ११;
१६; १७; भग० १, १; २, १; २; ५; ३, ३;
५, ६; ६, ४; १०; ७, १०; ८, २; १०;
१७, २; २०, २; २६, १; पन्न० १, ३; ३६;
दस० ८, २; पिं० नि० ६३४; राय० २२४;
अणुजो० ६; दमा० १०, ७; सू० प० १६;
विशे० ५४२; २१२६; ३५०८; जीवा० २,
१; उवा० १, ४४; (२) अयत्त. जीवन.
life. सम० १; आंव० जं० प० २, ३१; क०
गं० १, ४७, ५३; भत्त० ६१; प्रव० २३;
पंचा० २, ६; क० प० १, २६; गच्छा० ७६;
— **अणुकंपा.** स्त्री० (-अनुकम्पा) अयत्ती
दया; अयत्ती रक्षा करवाने का भाव.
जीव-दया; जीवों की रक्षा करने की वृत्ति.
kindness to living beings; com-
passion for living beings. नाया०
१; भग० ७, ६; — **अणुसासन.** न०
(-अनुशासन) अयत्ती-शिक्षा -समझ.
जीव के संबंध में शिक्षा (समझ). ex-
planation, exposition of the
nature of the soul. (२) ऐ नामने;
ऐक ग्रन्थ. इस नाम का एक ग्रन्थ.
name of a book. जीवा० १; — (वा)
अभिगम. पुं० (-अभिगम) अयत्ती
समझ; अयत्तुं ज्ञायुं. जीव की समझ.
knowledge of the soul. डा० ३,

२; (२) २६ उत्कालिक सूत्रभांनुं अवालि
गम नामनुं सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे
जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one
of the 29 Utkalika Sūtras. जं०
प० ५, ११८; “ सेकिते जीवाभिगमे? जीवा-
भिगमे दुविहे पण्णते ” जीवा० १; भग०
२, ३; ७; ६; ३, ३; ६; ५, ६; १०, ७;
१६, ६; २५, ५; नंदी० ४३; —आरं-
भिआ. छा० (—आरम्भिका) अथवा
आरम्भेयी कर्म अर्थात् ते; क्रियानो अर्थ
प्रकार. जीव के आरंभ से कर्मों का बंधन
होता है वह; क्रियाका एक प्रकार. Karma
incurred by killing or injuring
a living being. “तंजहा जीवआरंभिया
चेव अजीव आरंभिया चेव ” ठा० २, १;
—उद्धरण न० (—उद्धरण) मंत्र शास्त्रनो
अर्थ प्रकार. मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार. a
variety of Mantra Śāstra. ठा० ६;
—काय. पुं० (—काय) जीवनं जिवो ज्ञाना
ऽऽद्यपयोगस्तन्प्रधानः काया जीवकायः)
अथवा; अथवा. जीव लोक; जीव राशा.
the aggregate of lives or liv-
ing beings; the world of living
beings. सूय० २, १, २३; भग० ७, १०;
आव० ४, ७; —किरिया. छा० (—कि-
या) अथवा व्यापार. जीव का व्यापार an
operation or activity of a liv-
ing being. “जावकिरिया दुविहा पञ्चता’
ठा० २, १;—ग्राह. त्रि० (—ग्राह) अथवा
अदृष्ट करनेवाला. (one) who takes or catches
alive. “ जीवग्राहं गिरण्णति ” नाया०
१; २; विवा० ३; —घण. पुं० (—घन)
अथवा—असंख्यता प्रदेशना पिंडरूप.
जीवघन—असंख्यता प्रदेश के पिंडरूप. an
aggregate of innumerable soul-

particles. “ अरुविणो जीवघणा ”
उत्त० ३६, ६५; भग० ५, ६; —छक्र.
न० (—चक्र) पृथ्वीकाय आदि छ प्रकार
अथवा अर्थ. पृथ्वीकाय आदि छ प्रकार
के जीवों का समूह. a group of six
living beings viz. earth, bodies
etc. प्रव० ६८६; —जोग. पुं० (—योग)
अथवा व्यापार; (केवली समुद्रघात). जीवों
का व्यापार; (केवली समुद्रघात). opera-
tion or activity of the soul;
(Kevali Samudghāta). विशेष० ३६३;
—ट्राण. न० (—स्थान) अथवा—गुण-
स्थान. जीवस्थान-गुणस्थान. life stage;
spiritual stage. क० गं० ६, ४;
—णास. पुं० (—नाश) अथवा; अथवा
नाश. मृत्यु; जीवन का नाश. death; dis-
truction of life. “ किं जीवनामाय परं
न कुजा ’ दस० ६, १; ५; —णिकाय. पुं०
(—निकाय—जीवानां निकायो राशिर्जीवनि-
कायः) अथवा. जीवराशि. an aggre-
gate of living beings. छ
जिवनी काया पञ्चता ” ठा० ६; २, ५;
—णिजाणमग. पुं० (—निर्वाणमार्ग—
जावस्य निर्वाणं मरणकाले शरीरिणः शरी-
राभिमगः शरीरनिर्गमः तस्य मार्गो जाव-
निर्वाणमार्गः) अथ निःश्रवणात् मार्ग.
जीव का निकलने का मार्ग. the path or
way by which the soul goes
out of the body. ठा० ५, ३; —णि-
व्याप्ति. छा० (—निर्वृत्ति—निर्वर्तनं निर्वृत्तिः
निष्पत्तिः जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्ति-
र्जीवनिर्वृत्तिः) अथवा अर्थेन्द्रिय आदि रूपमें
निर्वृत्ति—निष्पत्ति. जीवकी एकेंद्रिय आदि रूपमें
निर्वृत्ति—निष्पत्ति. functioning of the
soul as one-sensed etc. “कह विहा-
णं भंते जीवणिव्वत्ती” भग० १६, ८; —णि-

स्त्विय. त्रि० (-निश्चित) श्रवणे आश्रित. जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. डा० ७; —**सिस्त्विय.** त्रि० (-निःसृत—जीवभ्यो निःसृतो निर्गतो जीवनिःसृतः) श्रवणी नीक्षलेक्ष. जीवसे निकला हुआ; जीवसे उत्पन्न. issued out of a soul or a living being. डा० ७; —**तत्त्व.** न० (-तत्त्व) श्रवतत्त्व; चेतन पदार्थ. जीवतत्त्व; चेतन पदार्थ. the soul regarded as an element. प्रब० १२११; —**स्थिकाय.** पुं० (-अस्ति-काय) चेतन्य-उपयोग लक्षणयागुं; ७ द्रव्य-भांतुं ऐक्य द्रव्य. चेतन्य-उपयोग लक्षणवाला; छः द्रव्य में से एक द्रव्य. one of the six substances having consciousness for its connotation. “ जीवस्थिकायं भवेत् । जीवाणं किं पवत्तइ ” भग० १३, ४, २. १०; ७, १०; २०, २; सम० ७; अणुजो० ६७; १३१; —**दय.** पुं० (-दद) दायकभूमी श्रवता दाता. संयम रूपा जीवके दाता. the giver of a life in the form of self-restraint. कप० २, १३; आव० ६, ११; —**दय.** त्रि० (-दय - जीवेषु दया यस्य जीवदयः) श्रवदया पालन२; दयालु. जीवदया पालनवाला; दयालु. one who is kind to living beings. सम० १; जं० प० ५, ११५; —**दया.** स्त्री० (-दया) श्रवणी दया. जीव-दया. compassion towards living beings. भक्त० ६३; १०४; —**द्रव्य.** न० (-द्रव्य) श्रवद्रव्य; ७ द्रव्यभांतुं ऐक्य. जीवद्रव्य; छः द्रव्य में से एक. soul; the element known as soul. भग० ११, १०; १८, ४; २५, २; —**दृष्टिया.** स्त्री० (-दृष्टिका) श्रवणे ज्ञेया ज्ञानां राशेरूपदि करवाथी लागती क्रिया. जीव को देखने में राग द्वेषादि करने से जो

क्रिया लगती है वह. Karma incurred by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being. डा० २, १; —**देश.** पुं० (-देश) श्रवणे देश-ऐक्य विभाग. जीव का देश-एक विभाग. a portion of the soul. भग० १०, १; १६ ६; २०, २; क० प० १, २१; —**नाश.** पुं० (-नाश) श्रवतनाश. जीवन का नाश. death; destruction of life. दस० ६, १, ५; —**निर्वृत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति) श्रवतनी निर्वृत्ति-निष्पत्ति; ऐक्येन्द्रियादिशेषे उत्पत्ति. जीवनकी निर्वृत्ति-निष्पत्ति; एकेन्द्रियारूपसे उत्पत्ति. birth of the soul in the form of one-sensed etc. living beings. भग० १६, ८; —**पइ-द्रिय.** त्रि० (-प्रतिष्ठव) श्रवणी अंश रहित. जीव के भांवर रहा हुआ. residing in a living being. “ अजीवा जावरइद्रिया ” भग० १, ६; निगी० ७, २१; —**पणस.** पुं० (-प्रदेश) श्रवता प्रदेश; अविभाज्य अंश. जीव का प्रदेश-अविभाज्य अंश. an indivisible particle of the soul. भग० २, १०; ८, ३; —**पण-स्त्विय.** पुं० (-प्रदेशिक—जीव प्रदेशापव जीव प्रादेशिकाः) श्रवता असंख्यत प्रदेशभां अंशत प्रदेशमांश श्रव मानतार निष्पद्युप्त आचार्य आचार्य आचार्य. जीवके असंख्यात प्रदेशमें से अन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले निष्पद्युप्त आचार्य का अनुयायी. a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or consciousness in it डा० ७; आव० ४१; —**प्रयोगबन्ध.** पुं० (-प्रयोगबन्ध) श्रवता प्रयोग-व्या-

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive. पञ्च० १; —राशि. पुं० (-राशि) श्रवणे समूह-स्थे। जीवों का समूह a group of a collection of living beings. सम० २; आव० ७, १; —लोक. पुं० (-लोक) श्रवण लोक; संसार. जीव-लोक; संसार. the world of living beings. नाय० १; कण० ४, ६०; क० प० ३, ४४; ज० प० ३, ६१; —वध. पुं० (-वध) श्रवणे वध-घात. जीवों का वध-घात. slaughter of animals. भक्त० ६३; —वाचार. पुं० (-व्यापार) श्रवणे व्यापार-क्रिया. जीवों का व्यापार-क्रिया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विश० ३६३; —विजय. पुं० (-विजय) श्रवणे स्वयंभुं विजय करने के। जीव के स्वरूप का चिंतन करना. meditation upon the nature of the soul सम० ३; —विपजडं. त्रि० (-वि-प्रहान) प्रायुक्त; श्रवण रहित. जीव रहित; प्रायुक्त. deprived of life; faultless “ देवदिव्यस्य दारगस्य सरीरं शिष्पायं शिष्टं जीवविपजडं कृत्वा पश्यते ” नाय० २; १६; १८; निर० १, १; —वि-भक्ति. स्त्री० (-विभक्ति) श्रवणे विभक्ति-विभाग; श्रवणं पृथक्करण-विवेचन. जीव की विभक्ति-विभाग; जीव का पृथक्करण-विवेचन. discussion upon, exposition of the nature of the soul. उत्त० ३६, ४७; —विवागा. स्त्री० (-वि-पाका—जीव एव विपाकः स्वशक्तिदर्शन-लक्षणे विद्यते यासां ता जीवविपाकाः) श्रवणे विपाक दर्शनार्थ कर्म-प्रकृति. जीव को

विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति. Kar-
mic nature which displays its
maturity to the soul. क० गं०—सं-
खा. स्त्री० (-संख्या) श्रवणे संख्या. जीवों
की संख्या. a number of living
beings प्रब० ४८; —संखेव. पुं० (-
क्षेप—जीवानां संक्षेपा जीवसंक्षेपाः) अप-
र्याप्त अक्षेप आदि श्रवण स्थान के स्थानों
श्रवणे संक्षेप-संक्षेपों में रहने के।
अपर्याप्त एकान्द्रिय आदि जीव के स्थान किं
जहाँपर जीव को संक्षेप-संक्षेपित स्थितिमें
रहना पड़ता है. any of the places in
which an undeveloped living
being (one) sensed etc.
has to remain in a contract-
ed condition. क० गं० ६, ३६;
—संगृहीत. त्रि० (-संगृहीत—जीवः
संगृहीतः स्वीकृतो जीवसंगृहीतः) श्रवणे
स्वीकाराये. जीव ने स्वीकृत किया हुआ.
accepted by, possessed by a
soul or a living being. “ अजीवा
जीव संगृहीतः ” ठा० २, १; —साहस्य-
या. स्त्री० (-स्वाहस्तिका—यन्स्वहस्तेन
गृहातेन जीवं मारयति सा जीवस्वाहस्तिका)
शेक प्रहारनी क्रिया; घातना दाथनी श्रवणे
मारनी दाथनी क्रिया. एक प्रकार की
क्रिया; अपने हाथ से जीव को मारने ने
जो क्रिया लगती है वह. Karma in-
curred by taking life i. e. kill-
ing with one's own hand. ठा० २,
१; —हिंसा. स्त्री० (-हिंसा) श्रवणे
हिंसा. जीव-हिंसा. destruction of
life or living beings. भक्त० ६३;
—हिय. न० (-हित) श्रवणं हित. जीव का
हित. welfare of the life भक्त० ६८;
जिवितं. त्रि० (जिवित्) श्रवणे. जीवित.

living; existing. विशेष० २२५६;

जीवजीव. पुं० (जीवजीव) श्रवणो आधार.

जीवन का आधार. support of life; subsistence. अणुत्त० ३, १; नाया० १; (२) श्रवणी शक्ति. जीवकी शक्ति. the vital power of the soul. भग० २, १; (३) ऐक्य वन्तनुं पक्षी. एक जाति का पक्षी. a kind of bird. जं० प० पत्र० १;

जीवजीवक. पुं० (जीवजीवक) ऐक्य वन्तनुं पक्षी; अक्षर. एक जाति का पक्षी; चक्रोर. A kind of bird; the Chakora bird. पगढ़० १, १; श्रोव०

जीवजीवग. पुं० (जीवजीवक) अक्षर पक्षी. चक्रोर पक्षी. The Chakora bird. भग० १३, ६; (२) ऐक्य वन्तनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of vegetation. भग० २३, ५;

जीवण. न० (जीवन) श्रवण; प्राण धारण. जीवन; प्राण धारण. Life; living. उत्त० १२, १०;

जीवणिज्ज. त्रि० (जीवजीव) श्रवण योग्य. जीव के योग्य. Worthy to live; fit to live. सूत्र० २, २, ५३;

जीवत्त. न० (जीवत्व) श्रवण. जीवत्व; जीव पना. State of being a soul or living being. भग० २, १; विशेष० ५४५;

जीवमुत्ति. स्त्री० (जीवमुक्ति) श्रवण अति मोक्षो अश्रवण देवता ते जीवजीव मोक्ष का अनुभव लेना. Experiencing of salvation in this life. पंचा० २, ४३;

जीववत्त. त्रि० (जीवितवत्त) प्राणी. प्राणा. Living; possessed of life. पगढ़० १, १;

जीवा. स्त्री० (जीवा-जीवनं जीवा) धनुष्यनी पशुय; दोरी. धनुष्य की डोर. A bow-

string. (२) धनुष्याकार क्षेत्रो पशुय स्थानीय प्रदेश; भरत आदि क्षेत्रना लांग छेदनी पशुय. धनुष्याकार क्षेत्र के व्यास के समीपका प्रदेश; भरत आदि क्षेत्रके लंब सिरे का चौड़ाई. space between the two ends of a region which is bow shaped; lengthwise space between the two ends of Bharataketra etc. सूत्र० २, ५, १२; गय० २५५; सू० प० १; (३) ऐक्य आश्रुती श्रवण आश्रु सुधीनी शीधी लीनी. एक वगल में दूसरी वगल तक की सीधी रेखा-लकीर. a straight line from one end to another. सम० ६०००;

जीवाजीव. पुं० (जीवाजीव) श्रवण अश्रवण पदार्थ. जीवाजीव; जीव और अजीव पदार्थ. The categories viz. living and non-living beings. नाया० १२; १४; दन० ४, १२; (२) न० श्रवण अश्रवणी समग्रण्य वाचुं श्रवणध्वनानुं ३६ सुं अध्ययन. जीव अजीव का समग्र देन वाला उत्तराध्यायन का ३६ वां अध्यायन. the 36th chapter of Uttarādhyaṇa explaining (the nature of) living and non-living beings. उत्त० ३६; —अद्विजप. पुं० (—अभिगम) श्रवण अश्रवण परिच्छेद —समग्रण्य. जीव अजीव का परिच्छेद समग्र. exposition or explanation of (the nature of) living and non-living beings. “ से किं जीवाजीवादिगमे ” जीवा० १; ६६० ४; —समाउत्त. त्रि० (—समायुक्त) श्रवण अश्रवण वाचुं. जीव अजीव वाला possessed of soul or non-soul. “ जीवाजीव समाउत्ते सुह दुक्ख समाण्णु ” सूत्र १, १, ३, ६;

जीवि. त्रि० (जीविन्) श्रवत वालो; श्रवत वालो. जीवन वाला; जीनेवाला. living; possessed of life. अणुजो० १२८; (२) पुं० प्राणुधारक; श्रव. प्राण धारक; जीव. a soul; a living being. मू० १, ३, १, ६;

जीवि-य न० (जीवित) श्रवत. असंयम जीवितव्य; जीवन; असंयम जीवितव्य. Life; livelihood; absence of asceticism. “ जीवियं शाभिकं स्वजा ” आया० १, ८, ८, ४; १, १, १, ११; १, ६, ४, १६१; नाया० १; २; ४; १६; १५; १६; १८; दय० ८, ३४; १०, १, १७; भग० ७, १; १५, १; पञ्च० १; २२; राय० २१५; श्रव० १४; मू० १, १, १, ५; १, २, १, १; उत्त० ४, १; ८, १४; १०, १; ३२, २०; विश० १३८; विवा० ६; नि० १, १; उवा० १, ५७; २, १०२; ४, १४७; भक्त० १३; १०३; कण० ६, ११८; अच० ४, ३; —**अन. पुं० (-अन्त)** श्रवतः अंतः मृत्यु; मरण. जीव का अंत; मृत्यु; मरण. termination of life; death ज० प० २, ३१; उत्त० २२, १५; —**अनकरण. पुं० (अनकरण)** श्रवतीति अंत करवे ने जीवन का अंत करना. putting an end to life नाया० ५; पण० १, १; ज० प० ३, ४५; —**अरिह. त्रि० (-अरिह)** श्रवतीति भ्रष्टाश्रयो. जीने की इच्छा वाला; जीवित रहने को उत्पुङ्ग desirous of living or continuing to live. “ जोवा विसं खायह जीवियहि ” दस० ६, १, ६; —**अरिह. त्रि० (-अरिह)** श्रवतीति उचित योग्य; अ श्रवत आये तेऽयं. जीने के योग्य; जीवन निर्वाह के योग्य. sufficient to maintain life. “ विउलं जीवि यारिहं पीइराणं दत्तह ” नाया० १; भग०

११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; ज० प० ३, ४३; —**आश्र. पुं० (-आत्मन्)** श्रव स्वभाव. जीवन स्वभाव. nature of life. नाया० १५; —**आउ. न० (-आयुष)** श्रवतीति रूप आयुष. जीवन रूप आयुष. the duration of life. नाया० ४; —**आउश्र. पुं० (-आयुष्क)** श्रवतः आयुष. जीवनप्रद आयुष. duration of life. नाया० ८; —**आसंसा. स्त्री० (-आशंसा)** श्रवतीति आशा. जीने की आशा. hope of life. उवा० १, ५७; प्रव० २६६; —**आसा. स्त्री० (-आशा)** श्रवतीति भ्रष्टा-आशा. जीवितव्य की इच्छा-आशा; लोभ का पर्याय नाम. desire to live long; hope of long life; a synonym of greed सम० ५२; भग० २, ५; ८, ७; १२, ५; नाया० १; श्रव० २६; नि० ३, ५; —**उच्चरिय. त्रि० (-उच्चरिक्)** जीवितव्योऽयं इव जीवितोऽयं स एव जीवितोऽयं चरिक् () श्रवतीति उत्पद यत्ने. जो के उत्पद वाला. (one) eager to live “ जीवितोऽयं चरिक् ” भग० ६, ३३; —**उच्चरिय. त्रि० (-उच्चरिक्)** श्रवतीति उत्पद यत्ने. श्रवतीति वृद्धि करवाता. जीव वृद्धि करवाता. जो जीव को दीर्घ बनाने वाला. (anything) which prolongs life. नाया० १; —**ऊसासिय. त्रि० (उच्चरिक् जीवितमुच्चरिक् सयति वर्षे यतीति जीवितोच्चरिक्)** स एव जीवितोच्चरिक् () श्रवत उत्पद यत्ने. जीवन को दीर्घ बनाने वाला. life; prolonging; giving longevity. भग० ६, ३३; —**कारण. पुं० (-कारण)** श्रवतीति हेतु. जीवन का हेतु motive of remaining alive or maintaining life. दस० २, ७; —**फल. न० (-फल)** श्रव-

नतुं ईद. जीवन का फल. accomplished aim or object of life. नाया० ८; १३; १९; निर० ३, ४; —भावणा. स्त्री० (-भावना) जीवनसुं समाधान करे वाली भावना. meditation which reconciles one to (his or her) life. सूय० १, १५, ४; —वसाण. न० (-अवसान) जीवन-आयुष्यतो छेद. जीवन-आयुष्य का अन्त. the end of life. क० प० २, ७७;

जीविआ-या. स्त्री० (जीविका) आशुपक्ष; वृत्ति. आजीविका; वृत्ति. Livelihood; maintenance of life. सूय० २, ६; २; नाया० ७; अणुजो० १३१; कण्य० ४, ८२; **जीविउं. हे० क० अ०** (जीवितुं) जीवन भाटे. जीवन के लिये. In order to live or maintain life आया० १, ३, ७, ५७;

जीविउकाम. त्रि० (जीवितुकाम) जीवनो ध्यायते. जीवित रहने को उन्मुक्त. Desirous of continuing to live. “ जीविउकामे लालप्पमाण ” आया० १, २, ३, १६;

जीवितअ. त्रि० (जीवितक) अनुदम्भित जीवन; दयापात्र जीवन. Pitiable life; life deserving compassion. उत० १०, ३;

जीवियरसम. पुं० (जीविकरसम) साधारण आदर वनस्पतिक्षयतो ओक प्रकार. साधारण बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vegetable life. पत्र० १;

जीहा. स्त्री० (जिहा) अ० रसेन्द्रिय. जिह्वा; रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. नाया० १; ८; ६; भग० ११,

११; १५, १; जं० प० पञ्च० २; १५; सु० च० ४, २८४; ओव० १; अणुजो० १२८; उत० ३२, ६२; ठा० ४, ४; राय० १६४; जीवा० ३, ३; उवा० २, ६५; १०७; भत्त० १०६; १४६; कण्य० ३, ३६; गच्छा० १६; —गार. पुं० (-कार) जुओ “ जिब्भागार ” शब्द. देखो “ जिब्भागार ” शब्द. vide “ जिब्भागार ” पत्र० १;

जीहामयदुक्ख. न० (जिहामयदुःख) जुओ “ जिब्भामयदुक्ख ” शब्द. देखो “ जिब्भामयदुक्ख ” शब्द. Vide “ जिब्भामयदुक्ख ” ठा० ५, २;

जीहामयसोक्ख. न० (जिहामयसौख्य) जुओ “ जिब्भामयसोक्ख ” शब्द. देखो “ जिब्भामयसोक्ख ” शब्द. Vide “ जिब्भामयसोक्ख ” ठा० ५, २;

जीहिंदिय. न० (जिह्वाद्रिय) अ० रसेन्द्रिय. जिह्वा; रसना; रसेन्द्रिय. The tongue; the sense of taste. पत्र० १, १; —निगगह. पुं० (-निग्रह) जुओ “ जिहिंदियनिगगह ” शब्द. देखो “ जिहिंदियनिगगह ” शब्द. vide “ जिहिंदियनिगगह ” उत० २६, ६५; —संवर. पुं० (-संवर) जुओ “ जिहिंदियसंवर ” शब्द. देखो “ जिहिंदियसंवर ” शब्द. vide. “ जिहिंदियसंवर ” पत्र० २, ५;

जुअ. त्रि० (युत) युक्त; सहित. युक्त; सहित. Accompanied with. क० गं० ३, ६; प्रव० १२०६; १४२७, भत्त० १०६; जं० प० ७, १५१;

जुअणद्ध. पुं० (युगनद्ध) ओक प्रकारतो यंद्र नक्षत्रतो योग; यंद्र अने नक्षत्रतो योगनी स्थिति अत्र उपरता योगने आकारे थाय ते. एक प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; चंद्रमा व नक्षत्र के योग की स्थिति जो कि बैलपर की जुडी की आकृति सी होती है. A pair-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke.
सू० प० १३;

जुअल. न० (युगल) जेठुं; जेनी जेडी. युगल; दोका जाडा. A couple; a pair. ज० प० ५, १२३; ओव ३०; प्रव० १०६६; क० गं० १, ६१; कप्प० ३, ३६; पंचा० ३, २; —**दुग.** न० (-द्विक) जे युगल. दो युगल. two pairs. क० गं० ५, ४; —**धम्म.** पुं० (-धर्म) जुगलीयानो धर्म-जुगलपणु उट्पन्न थयुं वगेरे. युगलियांका धर्म; युगल अवस्था में उत्पन्न होना इत्यादि. taking of birth in the form of a pair i. e. Jugalīyān. प्रव० १०६६;

जुइ. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञान; तेज; दासि. कान्ति; तेज; दासि. Lustre; light; splendour. नाया० १; ८; १०; सम० ३०; भग० १५; १; विशेष० ३४४७; ओव० ३८; उत्त० १, ४७; ५, २६; डा० ४, ३; (२) जे नामनुं निरयावलिक्का सुत्तना पांचवो वर्गो ६५ं अध्ययन. इस नाम का निरयावलिक्का सूत्र के पांचवें वर्ग का ६५ अध्ययन. name of the 6th chapter of the 5th section of Nirayāvalikā Sūtra. कप्प० ५, १०१;

जुइ. स्त्री० (युति) युक्ति; ज्ञेयानु; संयोग. युक्ति; संयोग. Joining together; union; contact. डा० ३, ३; नाया० १; प्रव० ६; उवा० ६, १६७;

जुइमंत. त्रि० (युतिमत् युतिर्दीप्तिरतिशायिनी विधेय यस्य सः) क्षान्तिवान्; तेजस्वी. कान्तिवान्; तेजस्वा. Lustrous; bright; powerful. उत्त० ५, १८; (२) संयम. संयम. asceticism; monkhood.

आया० १, ७, ३, २०७; (३) मोक्ष. मोक्ष. final emancipation. आया० १, ७, ३, २०७;

जुंगिश्र. त्रि० (जुङ्गित) जति, कर्म अने शरीरथी दूषित होय ते. जाति, कर्म व शरीर से दूषित हो वह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव० ७६८; —**अंग.** त्रि० (-अंग) अपंग; जेना हाथपग वगेरे अवयव क्षपाय ग्या होय तेवो. अपंग; जिसके हाथ पैर इत्यादि अवयव कट गये हों ऐसा. mutilated or disabled in any of the limbs of the body e. g. a hand, a leg etc. पिं० निं० ४४६; डा० ५, ३;

✓ **जुंज.** धा० I. (युज्) जेठुं. जोडना. To join together. (२) संयुक्त करवो. संगठन करना. to unite. (३) उचित करवो. उचित करना; योग्य करना. to fit; to harmonise; to make fit for.

जुंजइ. पञ्च० ३६;

जुंजति. सूय० १, ३, १, १०;

जुंजवि. उत्त० १, १८; दम० ८, ४३;

जुंजत. पंचा० १२, ४६;

जुंजइ. क० वा० पिं० निं० ५६; १६३; सु० च० ४, ६५;

जुंजए. विशेष० १०२; १६८; पिं० निं० ७६; सु० च० २, ५४७;

जुंजण. न० (योजन) योजयुं; जेठुं; व्यापार करवो ते. योजना; जोडना; व्यापार करना. Joining together; uniting; conducting a business or an operation. “हंदिद्याण य जुंजये” उत्त० २४, २४; विशेष० ३३५८;

जुंजणया स्त्री० (* योजन) जुओ उपायो

शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.

ओष० २०;

जुंम. न० (युग्म) राशि विशेष; भेदी संख्या; सम संख्या. राशि विशेष; सम संख्या. A particular sign of the zodiac (Gemini) even number. अ० ४, ३;

जुग. न० (युग) चार हाथ परिमित एक अक्षरप. चार हाथ परिमित एक माप. A measure of length equal to four arms. सम० ६६; भग० ६, ७; अणुजो० १३३; जं० प० (२) धेसूरु; धेसुरी. जुड़ी. a yoke of a carriage. उत्त० २७, ७; जीवा० ३, ३; पि० नि० २६२; स्य० १, ५, २, ४; जं० प० ७, १५१; पणह० २, १; ओष० नि० ३२५; दसा० ६, ४; उवा० ७, २०६; (३) अ० धेसुरना आशरनुं पुरुषना हाथ पगनुं लक्षण. पुरुष के हाथ पैर में धेसुरी की आकृति वाला लक्षण a mark of the shape of a yoke of a carriage in the hand or foot of a male human being (१) सत्य, द्वापर, त्रेता अने कलि, ये चार युग-काल. any of the four ages viz. Satya, Dwāpara, Tretā, and Kali. विश० २२८८; (५) पांचवर्ष प्रमाणोना काय विभाग. पांच वर्ष प्रमाण का काल विभाग. a period of time equal to five years. भग० ६, ७; २५, ५; अणुजो० ११५; नाया० १६; म० प० ८; पणह० १, ३; डा० २, ४; सम० ६१; जं० प० जीवा० ३, ४; राय० ३२; (६) एक जलती भट्ठा. एक जाति का मत्स्य. a kind of fish. पञ्च० १; (७) गोल देश प्रसिद्ध एक जलतुं ये हाथ प्रमाणनुं वाहन

—पालभी. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का दो हाथ प्रमाण का वाहन—पालकी. a kind of palanquin of the size of two arms length made in the country named Gola. जीवा ३, ३; —अंतर. न० (—अंतर) धेसुरा प्रमाण आंतर. जुड़ी के प्रमाणमें अंतर. an interval (in point of space) of the measure of a yoke of a carriage. भग० २, ५; —आइजिण. पुं० (—आइजिन) युगना पदेवा तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी. Yuga. the first Tirthankara of the age. प्रव० १; —गिह. न० (—गृह) पात्रभी राणयानुं घर. पात्रकी-गृह. a house or hall in which palanquins are kept. निषि० ८, ७; —छिड़. न० (—छिड़) धेसुरीमानुं छिड़ जुड़ी में क छिड़. a hole in the yoke of a carriage. उत्त० टी० ३; —पहाण पुं० (—प्रधान) युग प्रधान पुरुष; युगमां थयेत प्रधान-मदान पुरुष; (भद्र यादु स्वामी वगैरे) युग प्रधान युग का प्रधान-महापुरुष-भद्रबाहु स्वामी इत्यादि. a prominent person of an age (Yuga); e. g. Bhadrabāhu Swāmi etc. विश० १४२३; —पहाण. न० (—प्रधान) अनुमे उपदेवा शब्द. देखा ऊपरका शब्द. vide above. प्रव० ६२; २६४; —सूरि. पुं० (—सूरि) युग प्रधान सूरि-आचार्य. युग प्रधान सूरि-आचार्य. a preceptor etc. renowned in a certain age, प्रव० ६२; —मान. न० (—मान) पांच वर्ष अथवा आसठ मास प्रमाण युगनुं मान. पांच वर्ष किंवा आसठ

मास प्रमाण युग का मान. a measure of time equal to five years or 62 months. प्रव० ६०८;

—संनिभ त्रि० (-संनिभ) चार हाथ प्रमाण के जैसा. similar to, analogous to a measure of the length of four arms. “ जुगमगिगुभ पीणइय पीवरः पऊड संठिय ” जीवा० ३; —संवत्सर. पुं० (—संवत्सर) पांच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर. पांच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमाण युग संवत्सर. a Yuga Samvat-sara equal to 1830 days. सू० प० १०; जं० प० १: १५१; टा० ५, ३; —शाला. स्त्री० (-शाला) पावनशी शय्यावाली शाला पावनका रखने की शाला a room, a hall in which palanquins are kept. निर्गी० ८, ७;

जुगंतकडभूमि. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि—युगान्ति-कालमानविशेषाः तानि च क्रमवर्तिनि तत्सुवाधर्म्याद्ये क्रमवर्तिनो गुरु-शिष्य प्रशिष्याऽऽदिरुपाः पुरुषाः तेषां युगानि तैः प्रामत्तान्तकरभूमिर्युगान्तकृतभूमिः) शुद्धिपय परंपरायै आधिक्यपक्षे संसारतो अंत करनार ज्योतिष परंपरा. गुरु शिष्य परम्परा में अधिचिच्छता में संगार का अंत करने वाले जीवों की परंपरा. The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation. टा० ३, ४; नाया० ८; जं० प० २, ३१;

जुगंतकरभूमि. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) जुगो उपदेा शब्द. देखो ऊपरका शब्द.

Vide above. नाया० ८;

जुगंतगडभूमि. स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) युगंतो अंत करनारी भूमि. युग का अंत करने वाली भूमि. A land or region finishing a Yuga (a period of time.). कण० ५, १४५;

जुगंधर. पुं० (युगन्धर) रथ यातायाना उप-योगमां आवतुं अंशं नतनु लाडकुं. रथ बनाने के उपयोग में आता हुआ एक प्रकार का लकड़. A kind of timber used in making chariots. जं० प० १;

जुगवाहु. पुं० (युगवाहु) ९ मा तीर्थकरनु तीन पूर्व जन्मनाम. ६ वें तीर्थकर के तृतीय पूर्व भव का नाम. Name of the third previous birth of the 9th Tirthankara. सम० प० २३०; विवा० २; (२) बाँया हाथ, आहु. लंब हाथ, वाहु. a long arm. टा० ६;

जुगगद्ध. पुं० (युगगद्ध) जुगो “ जुगगद्ध ” शब्द. देखो “ जुगगद्ध ” शब्द. Vide “ जुगगद्ध ” सू० प० १२;

जुगमच्छ. पुं० (युगमन्स्य) अंशं नतनो भक्ष. एक प्रकार का मत्स्य. A kind of fish. विवा० ८; पञ्च० १; जीवा०

जुगमाय. त्रि० (युगमात्र) धोसरा प्रमाणतुं. जुड़ा के प्रमाण का. Measuring a yoke. आया० २, ३, ७, ११४; दसा० ६, २; दस० ५, १, ३;

जुगमित्त. त्रि० (युगमात्र) जुगो “ जुगमाय ” शब्द. देखो “ जुगमाय ” शब्द. Vide “ जुगमाय ” उक्त० २४, ७;

जुगमेत्त. न० (युगमात्र) युग-धोसरा प्रमाण. चार हाथ प्रमाण. युग-जुड़ा के अनुसार; चार हाथ प्रमाण. A particular measure equal to four arms. प्रव० ७७८;

जुगल. न० (युगल) जेडी; जेडुं. जोडा;

युगल. A couple; a pair. (२) पुं०

स्त्री० जुगलीया. जुगलिया. Jugaliā.

भग० ६, ५; १६, १; --धम्म. पुं०

(-धर्म) जुगलीयाणो धर्म; युगल धर्म.

स्त्री पुरुष दोनों का धर्म; युगल धर्म. a

combination of the characteris-

tic functions or qualities of

both a male and female. तंदु०

—धम्मिय. पुं० (-धार्मिक) स्त्री पुरुष

३५ युगलता धर्मवाला. स्त्री पुरुषरूप युगल

के धर्म वाला. one who combines

within him the characteristic

functions or qualities of both

viz. a male and female. तंदु०

जुगलग. न० (युगलक) जेडुं; जेडी जेड.

जोडला: दो की जोड. A pair; a

couple. जं० प०

जुगलय. न० (युगलक) जुगल; जेडुं.

युगल; जोडा. A couple; a pair. मम०

७६;

जुगलिय. त्रि० (युगलिन) जेडी युक्त.

युगल युक्त; सजोड. Coupled to-

gether; consisting of a pair.

“ निचं जुगलिया ” नाया० १;

जुगयं. त्रि० (युगवत्) क्षत्रता उपद्रव्ती

रहित; त्रीन तथा योथा आराना जन्मेव.

काल के उपद्रव से रहित तृतीय व चतुर्थ

आरमें जन्म प्राप्त. Free from moles-

tation caused by time; born

in the third and the fourth

Ārās (a part of a cycle of

time). जीवा० ३, १; भग० १४, १;

१६, ३; राय० ३, २; उवा० ७, २१६;

जुगवं. अ० (युगवत्) ओझी वपते; ओझ

आले; ओझ साथे. एकही समय पर; एकही

कालमें; एक साथ. Simultaneously.

उत्त० २८, २६; ३६, ५४; सु० च० ५, ६;

२, ३६१; ठा० ३, ४; विशेष० १६६; प्रव०

६६८; आवा० ४३;

जुगग. त्रि० (योग्य) वायक. योग्य. Proper.

भक्त० १२; प्रव० १३७०;

जुगग. न० (युग्य) गोद्व देशभां प्रसिद्ध ओझ

जतनी पालपी के जेने इरती योपुष्पी जे

दाथ प्रमाणे वेदिका-कडोरा होय छे. गोहल

देश में प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि

जिसके चारों ओर फिरती चौरस दो हाथ

प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है. A

kind of palanquin with a square

railing of the height of two

arm's length. It is made in

the country named Golla.

भग० ३, ४; ४, ७; ८, ६; विशेष० २६६२;

जं० प० ५, १५७; आवा० अणुजा० १३८;

(२) धोसरी. जुडा. a yoke; that

part of the pole of a carriage

which is fastened to the shoul-

der of an ox, a horse etc. ठा०

४, ३; भग० ६, ३३; (३) युग-धोसरी

वदंतार धोथा यवद वगेरे. युग-जुडा

को उठानेवाला-घोडा, बैल इत्यादि. an

ox, a horse etc. harnessed to

a carriage. “ चत्तारि जुगगा पण्णत्ता ”

ठा० ४, ३; (४) पुरुषपी उवाय जेयुं

निमान. पुरुष से उडा जा सके ऐसा आकाश

विमान. a kind of balloon. सूय० २,

२, ६२; —आचरिया. स्त्री० (-आचर्या-

युगस्याऽऽवहनं गमन युग्याचर्या) युग-

वाहनभां जेयुं ते. युग-वाहन में जाना.

going in, moving in a carriage

or conveyance. ठा० ४, ३;

जुगगञ्जरिया. स्त्री० (युग्याचर्या) जुओ

उपरो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. ठा० ४, ३; —गय. त्रि० (-गत) वाहन उपर भेड़ै. वाहन के ऊपर आरुढ़. seated in a vehicle or carriage. ओव०

जुगय. त्रि० (युज्यक) लुओ 'जुग' शब्द. देखो 'जुग' शब्द. Vide 'जुग' ठा० ४, ३;

जुज. त्रि० (योज्य) योजना घटना करवा योज्य. योजना-घटना करने योग्य. Worthy of being united or joined together. उत्त० २७, ८;

✓ **जुज्झ.** धा० I. (युष्) युद्धकरयु; लडाई करवा. युद्ध करना; लडाईकरना. To fight; to battle; to wage war.

जुज्झामि. नाया० १६;

जुज्झामो. नाया० १६;

जुज्झाहि. आया० १, ५, ३, १५३; उत्त० १, ३५;

जुज्झहे. नाया० १६;

जुज्झंत. स्य० १, ३, १, १; मु० च० ७, ७८;

जुज्झत्ता. ठा० ३, २;

जुज्झ. न० (युद्ध) युद्ध; लडाई. Battle; war. उत्त० १, ३५; आया० १, ५, ३, १५३; नाया० ८; —**किंतिपु-**
रिस्. पुं० (- कीर्तिपुरुष-युद्धजानता या कीर्ति: तत्प्रधान: पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुष:) युद्धशी कीर्तिमान् थयेव पु३५. युद्ध से कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० —**ज्झाण.** न० (- ध्यान) लडाईनुं ध्यान; ध्याननो ऐक प्रधार. लडाई का ध्यान; ध्यान का एक प्रकार. concentration or meditation upon battle; a variety of meditation. आउ०

Vol II/108.

—**सज्ज.** पुं० (-सज्ज) युद्धमां तैयार; युद्धमां तैयार. one who is prepared for battle; one who is ready to fight. नाया० ८, १६; निर० १, १;—**सद्ध.** त्रि० (-अद्ध-संग्राम-स्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य स:) युद्धमां श्रद्धावान्; युद्धने आद्वानार. युद्ध में श्रद्धावान्; युद्ध को चाहनेवाला. militarist; warlike. पराह० १, ३;—**सूर.** पुं० (-शूर) युद्धमां शूर. युद्ध में शूर. (one) who is brave in battle; a warrior.

“ **जुज्झ सूर वासुदेव** ” ठा० ४, ३;

जुज्झाडिजुज्झ. न० (युद्धतियुद्ध) ६-६ युद्ध; ७२ कलांमांती ऐक कला. द्वंद्व युद्ध; ७२ कलाओं में से एक कला. A single combat; a duel; one of the 72 arts. जं० प० ओव० सम०

जुरण. त्रि० (जीर्ण) लुण्; लुण्; वृद्ध. जीर्ण; पुरातन; वृद्ध. Old; worn out; antiquated. नाया० १; ११; भग० १६, ४; १६, ३; अणुजां० १२७; अणुत्त० ३, १; ओघ० नि० १३६; राय० २५८; —**ज्जाण.** न० (-उद्यान) लुओ “ **जिण्णु-ज्जाण** ” शब्द. देखो “ **जिण्णुज्जाण** ” शब्द. vide “ **जिण्णुज्जाण** ” नाया० १; —**कुमारी.** स्त्री० (-कुमारी) लुओ “ **जिण्णुकुमारी** ” शब्द. देखो “ **जिण्णुकुमारी** ” vide “ **जिण्णुकुमारी** ” नाया० १; नाया० ध० —**गुल.** पुं० (-गुड) लुओ गोल. पुराना गुड. old treacle. भग० ८, ६;—**तंडुल.** न० (-तण्डुल) लुओ योभा. पुराने चावल. old rice. भग० ८, ६; —**सुरा.** स्त्री० (-सुरा) लुओ दारू. पुराना दारू-मदिरा-मद्य. old wine. भग० ८, ६; **जुरिणय.** त्रि० (जीर्णित) लुण्. जीर्ण. Old. worn out. नाया० १;

जुति. बी० (युति) कान्ति. कान्ति. Light; lustre. नाया० १; भग० ३, ६; ओष० २२; सु० प० १६; सम० १०;

जुत्त. त्रि० (युक्त) युक्त; सहित. सहित; युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) जेडेव. जुडा हुआ. joined; united. जं० प० ७, १६१; ३, ६४; २, २०; नाया० १; ३; ५; ८, ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०; ८, ४३; ६४; ६, २, १४; ६, ४, २, ३; पि० नि० १६४; नदी० ६; उत्त० १, ८; ६, २२; राय० २२९; दसा० ४, १२; १०, १; पंचा० ६, ४२; ३, ३५; क० गं० १, ३७; ४४; क० गं० ४, प्रव० ८१२; गच्छा० १२८; कप्प० ३, ३६; ओष० १०; २६; अणुजो० १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६; (३) योग्य. योग्य. proper; fit; worthy. विशेष० १३३; सु० च० १, १५४; २, ४५१; निर० १, १; नाया० ८; (३) असंख्यात अने अनंततो ऐक प्रकार. असंख्यात व अनंत का एक प्रकार. a variety of the innumerable and infinite. अणुजो० १४६; —असंख्यज अ. पुं० (—असंख्येयक) असंख्याततो ऐक प्रकार. असंख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable अणुजो० १४६; क० गं० ४, ८१; —अहिगरण. न० (—अधिकरण) अधिकरण-हिंसांना उपकरण अधिक अधिक योग्या ते; आठमां व्रततो पांचवो अतिचार. अधिकरण-हिंसा के उपकरण अधिक अधिक योजना; आठवें व्रत का पांचवा अतिचार. using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव० २८३; —जोग. त्रि० (—योग) शरीर विगेरेनी योग्य चेष्टा वाला. शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला.

(one) possessing proper activity of the body etc. पंचा० १२, २१; —परिणय. त्रि० (—परिणत) सारी सामग्रीथी युक्त-पादभी आदि. शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e. g. a palanquin etc.). ठा० ४, ३; —पालिय. त्रि० (—पालिक —युक्ता परस्परसंबद्धा न तु बृहदन्तराला-पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपादिकः) पासे पासे-साइ-पूखवाधुं. पासपास-लगोलग-सड़क-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय० —फुसिय. न० (—स्पर्श) उचित पिन्डु-पाण्डुना छांटानुं पडपुं. उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water. “ जुतफुसिय निहययरेणुयं ” सम० ३४; —रूव. त्रि० (—रू) प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा० ४, ३; —सोह. त्रि० (—शोभ—युक्तं शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तदयुक्तशोभम्) योग्य शोभावाधुं. योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. ठा० ४, ३;

जुत्त. न० (योक्त) जेत०. जोत का रस्सा. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त० १६, ५६;

जुत्ति. बी० (युक्ति) युक्ति; कला; रीति. युक्ति; कला; रीति. Skill; art; mode; process. विशेष० १५४; ओष० नि० ५४६; नाया० १०; अणुजो० १२८; (२) मेलवधुं. मिश्रण. joining together; mixture; union. जीवा० ३, ३; पंचा० ५, १;

(३) ओ नामना ओक कुमार. इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). निर० ५, १; (४) ओ नामनुं पन्दिदशासूत्रनुं ओक अध्ययन. इस नामका वन्दिदशा सूत्र का एक अध्ययन. name of a chapter of Vanhidaśā Sūtra. निर० ५, १; —**कलम**. त्रि० (—कम) युक्तिनुं सदन करतुं ते. युक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning. “ नागमजुत्ति क्वमं होइ ” विशेष० ३६५; —**खम**. त्रि० (—कम) युक्ति सदित; युक्तिवातुं; युक्ति सहित; युक्ति वाला. logical; possessing reason. पंचा० १२, १६; —**रण**. (—ज—युक्ति जानातीति) युक्तिने गजानुनार, इत्याचार. युक्ति को जानने वाला; कलावाज. (one) well versed or skilful in any art. “ गंधारे गायजतिगणा ” डा० ७; —**वाहिय**. त्रि० (—बाधित) युक्तिनी आधित अधित थयेव. युक्त से बाधित खगेडत. refuted by logical argument. “ जम्हाण जुत्तिबाहिय विसओ विसदागमो होइ ” पंचा० १८, ४४; —**सुवर्ण**. पुं० (सुवर्णे) गन्नायी सोनुं. कृत्रिम सुवर्ण; बनावटी सुजा. artificial gold. पंचा० १४, ३६;

जुत्तिलेख. पुं० (युक्तिसेन) जम्बूद्वीपमंत औरवतक्षेत्रमां यावु अवसधिणीमां थयेव आठमां तीर्थकर. जंबूद्वीप में ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान अवसधिणी में उत्पन्न आठवें तीर्थकर. The eighth Tirthaṅkara of the current Avasarpini in the Airavata region of the Jambū Dvīpa. सम० प० २४०; (२) औरवत क्षेत्रमा वर्तमान ११ मा तीर्थकर. ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थकर. the

present 11th Tirthaṅkara of the Airavata Kṣetra. प्रव० २६६; **जुद्ध**. पुं० (युद्ध) युद्ध; लड़ाई; लड़वानी इवा. युद्ध; विग्रह; लड़ने की कला. Battle; engagement; art of fighting a battle. ओव० ३०; ४०; नाया० १; २; १६; जीवा० ३, ३; ओष० नि० २२५; दस० ५, १, १२; —**अइजुद्ध**. न० (—अतियुद्ध) दडिजु युद्ध; युद्धमां युद्ध. दारुण युद्ध; युद्ध में युद्ध. terrible battle; thick of the fight. नाया० १; ओव० ४७; —**अग्रिह**. न० (—अर्ह) इमनी साथे युद्ध करवामां उपपत्ती; लाव युद्धमां काम लागे तेजुं. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी; भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐवा. useful in fighting against Karma; useful in moral war e. g. against passions. आया० १, ५, ३, १५४; —**जित्तपुरिस**. पुं० (—कीर्तिपुरिस) जुओ: “जुम्ककित्तपुरिस” शब्द. देखो “जुम्ककित्तपुरिस” शब्द. vide “जुम्ककित्तपुरिस” सन० —**नीति**. स्त्री० (—नीति) इत्यानी नीति—व्यवस्था. युद्धनीति—व्यवस्था. military tactics or strategy. जं० प० —**नीई**. स्त्री० (—नीति) युद्ध इत्यानी नीति. युद्ध करने की नीति. the tactics of fighting. प्रव० १२४०; —**सज**. त्रि० (—सज) जुओ: “जुम्कसज” शब्द. देखो “जुम्कपज” शब्द. vide “जुम्कसज” राय० —**सइठ**. त्रि० (—अद्ध) जुओ: “जुम्कसइठ” शब्द. देखो “जुम्कसइठ” शब्द. vide “जुम्कसइठ” परह० १, ३; —**सूर**. पुं० (—सूर) इत्यानी; सुभट. सैनिक; लड़वैया; सुभट. a warrior; a combatant. डा० ४, ३; **जुन्न**. त्रि० (जीर्ण) जुओ: “जुण” शब्द.

देखो “जुण्ण” शब्द. Vide “जुण्ण”

ओष० नि० ३७७; सु० च० ७, २७६; आया० १, ४, ३, १३५;

जुन्हा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) चांदनी रात. चांदनी रात. Moonlight. सु० च० ७, १४४;

जुम्म. न० (युग्म) जुगल; जेडी; जेनुं जेडुं. जुगल. जोड़ा. A pair; a couple.

“कइ यं भेंट जुम्मा पण्यता ? गोयमा ।

चत्तारि जुम्मा पण्यता ” ठा० ४, ३; भग०

१८, ४; २५, ४; ३१, ७; ४१, ३; पिं० नि०

२; —पणसिय. त्रि० (-प्रदेशिक) सभ

संख्या भेदी प्रदेशी उत्पन्न थेथे. सम

संख्या से उत्पन्न. produced from,

resulting from an even number.

भग० २५, ३;

जुय. पुं० (युग) युग; पांच संवत्सर प्रमाणे

काल विभाग. युग; पांच संवत्सर के प्रमाण

काल विभाग. A Yuga; a period

of time measuring five Samvat-

saras. भग० ५, १; (२) जे (संख्या

वाचक). दो; (संख्यावाचक). an ex-

pression for the number 2. सु०

च० १, २७२;

जुय. पुं० (यूप) यज्ञस्थल. यज्ञस्तेम. A

sacrificial post. पिं० नि० ६६;

जुयग. पुं० (युक्त) लवण समुद्रमाना चार

भेदी पानालकलशमाने अक्ष. लवण समुद्र

में के चार बड़े पानालकलशमें का एक. One

of the four nether world pots

of the Lavana ocean. प्रब० १५८६;

जुयल. न० (युगल) जेडी; जेडुं. जोड़ा;

जुगल. A pair; a couple. नाया० १;

८; ९; जीवा० ३, १; ३; सु० च० १२, ८;

राय० १२२; उवा० २, १०७; —धम्मिय.

पुं० (-धार्मिक) जुआ “जुगलधम्मिय”

शब्द. देखो “जुगलधम्मिय” शब्द. vide

“जुगलधम्मिय” तंदु.

जुव. पुं० (युवन्) युवान; जुवान. युवक;

जवान. A young man; a youth.

दस० ७, २६; विश० १६१४; आया० २,

४, २; १३८; भग० १६, ३;

जुवइ. स्त्री० (युवति) युवती; युवान स्त्री.

युवति; युवा (स्त्री). A youthful wo-

man. भग० १, १; ३, ५; ५, ६; नाया०

८; विश० २३०; २५७२; ओष० सु० च० ४,

१६८; —जण. पुं० (-जन) युवती; स्त्रीजन.

युवती; स्त्री-जन. a youthful woman;

a woman. पञ्च० १;

जुवग. पुं० (युवक) शुक्ल पक्षनी भीज अने

त्रीजने अन्द्रमा. शुक्ल पक्ष का द्वितीया व

तृतीया का चंद्र The moon of the

2nd and 3rd days of the bright

half of a month. जवा० ३, ३;

जुवति. स्त्री० (युवति) युवति; जुवान स्त्री.

युवता; युवा स्त्री. A youthful lady.

सूय० १, ४, १; १६; भग० ३, १;

जुवराज. न० (युवराज्य) युवराज नरीति

अभिषिक्त थेथेअनुं राज्य. युवराज के

समाने अभिषिक्त जो है उसका राज्य.

Kingdom of one who is crown-

ed while he is still an heir-app-

arent. आया० २, ३, १, ११६;

जुवराय पुं० (युवराज) वर्तमान राजपक्षी

राजने दददार वारसदार; अवस्थितो राज;

पाटली कुमार. वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य

का हकदार-वारस; भविष्य का राजा;

पाटवा कुमार. A crown-prince; an

heir-apparent. उत्त० १६, २; पञ्च०

१६; विवा० ६; जं० प० नाया० १२; पिं०

नि० ५११;

जुवरायत्ता. स्त्री० (युवराजता) युवराज-

पार्थ. युवराजपना; युवराज पद. Status

of a crown-prince; state of being an heir-apparent. भग० १२, ७;

जुयल. न० (युगल) ग्नेडी. युगल; जोड़ा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११, ११;

जुवलग. पुं० (युगलक) लुओ उपदेश शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. निर० ३, ४;

जुवलय. न० (युगलक) लुओ 'जुवल' शब्द. देखो "जुवल" शब्द. Vide "जुवल" सु० च० १, ४७; पञ्च० २;

जुवलिय. त्रि० (युगलित) ग्नेडी रूपे रक्षेत्. युगल रूप में रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. ओष० भग० १, १;

जुवाण. पुं० (युवन्) लुवान-युवावस्थाने प्राप्त थयेत्. युवक; युवावस्था का प्राप्त. Youthful; attaining puberty. नाया० १; ३; भग० ३, १; ५; ६; ओष० नि० ७२१; अणुजो० १३०; टा० ५, २; प्रव० ५२०;

जुवानग. त्रि० (युवक) लुवान: युवक युवक. Young; youthful. सूय० १, ७, १०;

जुवाणय. त्रि० (युवक) लुओ उपदेश शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० ६, ३३; उवा० ७, २०६;

जुव्वण. न० (यौवन) युवावस्था. युवावस्था. Youth; puberty. नाया० ६; सु० च० १, ३१८; जं० प० ५, १२३; —**अणुपत्त.** त्रि० (-अनुप्राप्त) युवावस्थाने प्राप्त थयेत्. युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. दसा० १०, ३; —**स्थी** स्त्री० (-स्त्री) युवान स्त्री. युवती. a youthful lady. "सकडक्खं सविचारं तरलस्सि जुव्वणस्थीणं" तंदु०

जुव्वणग. न० (यौवनक) युवावस्थापणुं;

लुवानपणुं. युवावस्था. Youth; young-age. कप्प० ३, ५३;

जुव्वणत्त. न० (यौवनत्त्व) युवावस्थापणुं. युवावस्था की स्थिति. Condition of youth or puberty. सु० च० १३, ५१; **जुसिय.** त्रि० (जुष्ट) प्रसन्न; प्रीत. संतुष्ट; खुश. Pleased; propitiated. "पापणं देहं लोको उपगारिसु परिचिण्व जुसिणं वा" टा० ४, ४;

जुहिट्टिल. पुं० (युधिष्ठिर) दस्तिनापुर नगरना पांडुरामना भेटाटा पुत्र-धर्मराज. हस्तिनापुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Pāṇḍu of Hastināpurā. "जुहिट्टिल पामोक्खा णं पंचगहं पडवाणं" अंत० ५, १; नाया० १६;

जूआ-या. स्त्री० (यूका) लु; माथामां थये। अंड लट्ठ. जू; मिर में पैदा होनेवाला एक जन्तु. A louse. जं० प० २, १६; नंदा० १४; आया० २, १३, १७२; पञ्च० १, भग० ६, ५; १५, १; प्रव० ४४२; १४४५; (२) योसस वाताय अथवा आहं त्रिप प्रमाण अंड लट्ठ. ६४ बालाभ अथवा ८ लिख प्रमाण का एक नाप. a measure of length equal to 64 hair-points or 8 mts. अणुजो० १३४; —**सेज्जायर.** पुं० (-शय्यातर) मूले स्थान आपनर. जू को स्थान देनेवाला. one who gives a place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय. पुं० (यूय) यत्त स्तंभ. यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post. निर० ३, ५; (२) ओ नामतुं पुरयता दाथ अथवा पणतुं लक्ष्णं. इस नाम का पुरुष के हाथ वा पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं० प० (३) ये नामने पश्चिम दिशाने पाताल कक्षशे. इस नाम का पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction. प्र० १५८६; (४) धोसरी. जुडी. that part of the yoke which rests on the shoulder; a yoke. पण० १. १; —चिह्न. स्त्री० (—चित्ति) यज्ञनी अन्दर सामग्री एकत्र करनी. यज्ञ में सामग्री एकत्रित करना. collecting together materials required in a sacrifice. ओ०

जूय. न० (घृत) जुगट्टे. जुआ. Gambling; playing at dice. प्र० ४३८; (२) ७२ कलाओं में से एक कला. one of the 72 arts. नाया० १; ओ० ४०; कण० ५. ६६; —कर पुं० (—कर) जुगारी. जुगारी. a gambler. पण० १, १, ३; —हार. पुं० (—हार) जुगार रमना. जुगार खेलने वाला. a gambler. नाया० १८; —खलप. न० (—खलक) जुगार भेदना. जुगार खेलने का गृह; जुगारखाना. a gambling house. नाया० २; १८; —चिह्न. स्त्री० (—चित्ति) जुगार भेदने. जुगार खेलना. gambling; playing at dice. ओ० —प्रमाद. पुं० (—प्रमाद) जुगार रूप प्रमाद. जुगारही प्रमाद. negligence, error in the form of gambling. ठा० ६, १; —पसंगि. त्रि० (—प्रसंगिन्) जुगारमाँ आसक्त. जुगार में आसक्त. addicted to gambling or playing at dice. नाया० २; —पसंगि. त्रि० (—प्रसंगिन्) जुगार उपाय शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide

above. नाया० १८;

जूयञ्ज. न० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम त्रयु द्विसन्ती संध्या; चंद्र अने संध्यानी प्रभा मिश्रित थाय ते. शुक्ल पक्षके प्रथम ३ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या का प्रभा का मिश्रित होना. Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month. ठा० १०, १;

जूयग. पुं० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम त्रयु द्विसन्ती अन्दरनी कला अने सन्ध्यानी प्रकाश मिश्रित थाय ते. शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की चन्द्रका कला व सन्ध्या के प्रकाश का मिश्रित होना. Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग० ७. ३; ओ० (२) पश्चिम दिशाने ये नामने पाताल कक्षशे. पश्चिम दिशा का इस नाम का पाताल कलश. a pot of this name of the nether world of the western direction. सम० ५२; जूयामाय. न० (यूहामात्र) जुं मात्र; जुं ज्येष्ठ. जुं मात्र; जुं के प्रमाण का. Merely a louse; of the size of a louse. “जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्ठेता” भग० ६, १०;

✓जूर. धा० I. (जूर) अुरश करनी; पस्तावे करवे. पश्चात्ताप करना. To pine away; to repent; to waste away; जूर-र-ह. सूय० २, १, ३१; आया० १, २, ५, ५२; जरति. सूय० २, २, ५५;

जूरामि. सूय० २, १, ३१;

जूरह. सूय० १, ३, ४, ७;

जूरयत्ता. क्री० (जूरयत्ता) गूरयत्ता करती;
जूरयुं. झूरना. Pining away; wast-
ing away. सूय० २, ४, ९;

जूरगवण. न० (जूरण) शरीरनी लुप्तता थाय
ते. शरीर का जाण होना. Wearing
or wasting away of the body.
भग० ३, ३;

जूरिअ. त्रि० (जीर्ण) लुप्त थयेल. जीर्ण.
Worn out; decayed; grown old.
अणुजो० १४६;

जूच. पुं० (यूच) यज्ञ स्तंभ. यज्ञ स्तंभ. A
sacrificial post to which the
victim is fastened. निर० ३, ३;
उत्त० १२, ३६; भग० ३, ७; ११, ११;
जं० प० (२) पश्चिम दिशातो पाताल
क्षेत्र. पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a
pot of the nether world in the
western direction. जीवा० ३, ४;
प्रव० १४६६; —त्रिइ. क्री० (-चिति)
लुप्तो “जूयचिइ” शब्द. देखो “जूयचिइ”
शब्द. vide “जूयचिइ” आंव०

जूवग. पुं० (यूपक) लुप्तो “जूयग” शब्द.
देखो “जूयग” शब्द. Vide. “जूयग”
ठा० १०;

जूवय. पुं० (यूपक) शुद्ध पक्ष्मना प्रथम त्रय
दिवसमां संध्यानी प्रभा अने चंद्रनी प्रभा
ओक थल लय ते. शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन
में सन्ध्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र
होना. Blending together of the
light of the setting sun and
the rising moon on the
first three days of the bright
half of a month. अणुजो० १२७;
ठा० ४, २;

जूस. पुं० (यूष) कढ़ी; ओसाभलु. कढ़ी.
Soup; broth. ओष० नि० १४७; प्रव०
१४२५;

जूसणा. क्री० (ध्वंसना) विनाश. विनाश.
Destruction. कप्प० ६, ५१;

जूसणा. क्री० (जोसणा) सेवा; सेवन. सेवन.
Service; worship. ठा० ४, ३; ओव०
३४;

जूसिय. त्रि० (जुष्ट) सेवन करेन. सेवन किया
हुआ. Served; worshipped; re-
sorted to. नाया० १; ठा० ४, ३;

जूह. पुं० (यूय) लूथ; टोडुं; समूह; लूथो.
समूह; झुंड. A crowd; a band; a
herd. नाया० १; ४; पिं० नि० ५१६;
उत्त० ११, १६; पणह० १, १; सु० च० ६,
२२; विवा० ४; —अहिचइ. पुं० (-अधि-
पाते) टोडानो स्वामी. झुंड-समूहका स्वामी.
the head of a group or a band.
उत्त० ११, १६; —वइ. पुं० (-पति)
टोडानो भासिक-पणी. समूह का स्वामी. a
owner of, a lord of crowds; the
leader of a group. नाया० १; सु०
च० ६, २६; पिं० नि० ६१७;

जूहिया-य. न० (यूथिक) लुप्तो फूल.
जुई का फूल. A jasmine flower.
जं० प०

जूहिया. क्री० (यूथिका) लूथ. जूई. A
kind of jasmine राय० ५६; पञ०
१; जीवा० ३, ४; —पुड. न० (-पुड)
लुप्तो पडो. जूई का पुडा. a packet
of jasmine flowers. नाया० १७;
—मंडप. पुं० (-मण्डप) लुप्तो भांडो.
जूई का मण्डप. a bower of jas-
mine. राय० १३७; —मंडवग. पुं०
(-मण्डपक) लुप्तो भांडो. जूई का

मण्डप. a bower of jasmine. जीवा०
३; जं० प०

जूही. स्त्री० (युथिका) जुधने। वेला। जूई की
बेल। A jasmine creeper. (२)
जुधनुं ५३. जूई का फूल. a jasmine
flower. कण० ३, ३७;

जे. अ० (जे) पादपूरण तथा वाक्यालंकारभां
वपरातुं अ०५५. पादपूरण व वाक्यालंकार में
उपयोगी अव्यय. An indeclinable
used expletively. नाया० ६;

जेह. त्रि० (ज्येष्ठ) ज्येष्ठ; भेटोटुं; प्रथम
उत्पन्न थये। ज्येष्ठ-वडील; प्रथम जो उत्पन्न
हुआ हो वह. Senior; eldest; first-
born. भग० १, १; २, १; ५; ३, १; ५,
१; ७, १०, १६, ६; १८, २; नाया० १; ५;
६; सु० च० २, ६६६; जं० प० सू० प० १;
राय० २०६; ओव० ३८; विशेष० ६४३;
उवा० १, ६६; ६, १७८; ७, २३०; १०,
२७४; क० प० १, ३७; ५, ६०; प्रब०
२२६; क० प० ५, १०३; पंचा० १७, ६;
—पुत्त. पुं० (-पुत्र) भेटोटो पुत्र. जेष्ठ पुत्र.
the eldest son. नाया० ५; ८; १२;
१५; १८; —भानु. पुं० (-भ्रातृ) भेटोटो
भा०. जेष्ठ भ्राता; वडील बंधु. the eldest
or senior brother. नाया० १८;
—लाडि. त्रि० (-लब्धि) उत्कृष्ट लब्धि-
वाला. उत्कृष्ट लब्धि युक्त. (one) pos-
sessing good powers. क० प० ७,
२३; —सुगहा. स्त्री० (-स्तुया) भेटोटी
वधु. ज्येष्ठ वधु. wife of the eldest
son; senior daughter-in-law.
नाया० ७;

जेहग. त्रि० (ज्येष्ठक) भेटोटुं. ज्येष्ठ-वडील.
Elder or eldest. पंचा० ५, ७;

जेह. स्त्री० (ज्येष्ठा) भेटोटी वधेन. ज्येष्ठ भगिनी.
Elder or eldest sister. नाया० ८;

(२) जेहाली. जेठानी. wife of hus-
band's elder brother. सम० १;

(३) ज्येष्ठा नामनुं नक्षत्र. ज्येष्ठा नाम का
नक्षत्र. name of a constellation.
अणुजो० १३१; सम० ३; ठा० २, ३;

जेहामूल. पुं० (ज्येष्ठामूल) जेठभास; जेठ
महिना. ज्येष्ठ मास. The month of
Jyestha “ गिम्हकाल समयम्मि जेहामूल-
मूलम्मि मासम्मि ” ओव० ३६; ओघ० नि०
२८६; भग० १८, १०; नाया० १; —मास.
पुं० (-मास) जेठभास. ज्येष्ठ मास. the
month of Jyestha. नाया० १३;

जेहामूली. स्त्री० (ज्येष्ठामूली) जेठ महीनानी
पुनम. ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा. The full
-moon day of the month of
Jyestha. जं० प० ७, १६१;

जेणामेव. अ० (ज्येनैव-यत्र) ज्येष्ठाने
जिम स्थान पर. Place where. उवा०
१, १०; नाया० १; १४; भग० ५, ७; जं०
प० ३, ४३;

जेणैव. अ० (यत्रैव) ज्येष्ठाने; जे भागभां. जहाँ
-जिस स्थान में. Where; place
where. ओव० ११; अंत० १, १; नाया०
१; ४; ५; ८; ६; १२; १४; १६; भग० १,
१; ६; २, १; ६; ३, १; ५, ४; ७, ६; उवा०
१, १०; ५८; २, ६६; जं० प० ६, ११२;
११४;

✓ जेम. धा० II. (जिम्) जमनुं; भोजन
करनुं. भोजन करना; जीमना. To dine;
to take food.

जेमेह उत० १७, १६;

य. भग० ३, १;

जे २ न० (जेमन) मिष्ट भोजन मिष्ट
भोजन. Sweet food; dinner con-
sisting of sweet or delicious
food. ओघ० नि० ८८; उवा० १, ४०; १०,

२७७; प्रव० ४४२;

जेमणग. न० (जेमन) आशुक्त आलांशीये ते प्रसंगे संस्कार करवाभां आवे ते. बालक का अन्न प्राशन संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय० २८८;

जेमावण. न० (जेमन) भोजन करावतुं ते. भोजन कराना. (Giving food, dinner. भग० ११, ११;

जेमिणि. पुं० (जैमिनि) भीमांसा दर्शनना स्थापक भुक्ति. मीमांसा दर्शन के स्थापक मुनि. Name of a saint who was the founder of the Mīmāṃsā school of philosophy. नंदी०

जेयार. त्रि० (जेत्) जीतार; जय करतार. जीतने वाला-विजया. (One) who conquers; a victor. “ जेया-तिवा ” भग० २०, २; नाया० १; सूय० १, ३, १.१;

जेहिल पुं० (जेहिल) जे नामना वसिष्ठ आचमो उत्पन्न श्येन-आचमनायना शिष्य थियर भुक्ति. इस नाम के वशिष्ठ गोत्रोत्पन्न आचमनायना के शिष्य थियर मुनि. Name of a Sthavira ascetic born in the Vasiṣṭha family-origin and disciple of Āryanāga कप० ८;

जोअ. पुं० (योग) संयम व्यापार; क्रिया. संयम व्यापार; क्रिया. ascetic practice viz. contemplation upon the soul; activity of the mind, speech or body. उत्त० २७, २; विशेष० ३५६; प्रव० ८४७; दसा० ९, २६; (२) यंद्रमानो योग. चंद्र का योग. conjunction of the moon with a constellation etc. ओव० ३१; सू० प० १२; (३) योग-मन दयन क्षयना व्यापार. योग-मन

वचन काया का व्यापार. the activity of the mind, speech and body.

नाया० ५; भग० १८, ८; प्रव० ७४८; **जोअण. न० (योजन)** ज्योतन; यार गाठि अथवा यार दण्डर गाठि प्रमाण अथवा भाप. योजन; चार कोश प्रमाण अथवा ४००० कोस प्रमाण क्षेत्र का माप विशेष. A Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी० १०; जं० प० ५, ११२; ६, १२५;

जोइ. पुं० (ज्योतिष्) अग्नि; प्रकाश, तेज; ज्योति. अग्नि, प्रकाश, तेज, ज्योति. Fire; light; lustre. दस० २, ६; ८, ६२; भग० ३, १; सूय० १, १६, ८; ओघ० नि० ६८२; राय० २५, ६; नंदी० १०; दसा० १०, ३; टा० ८, ३; भग० ८, ६; (२) ज्ञान यस्तुवालो. ज्ञानचक्षुयुक्त. possessed of the vision of knowledge. टा० ४, ३; (३) अद्. नक्षत्र, तारा आदि. ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि. a heavenly body such as a planet, star etc. सम० ३; क० गं० ३, ११; (४) ज्योतिष लक्षण का विमान विशेष. name of a particular lustrous heavenly abode. (५) ज्योतिष संयंत्री ज्ञानवातुं शास्त्र. ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शास्त्र. the science of the astronomy or astrology. निसी० ३, ३; (६) नदीवाली ज्योति. दीपक की ज्योति. lamp-light. प्रव० २००; (७) त्रि० सत्कार्य करवाथी विजय स्वभाववालो. सत्कार्य करने से उज्ज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. टा०

४, ३; (८) ज्ञेमांथी अग्नि उत्पन्न थाय तेवी ज्ञतनां कल्पवृक्ष. उस जाति के कल्पवृक्ष जिनमें से अग्नि उत्पन्न हो. a variety of Kalpavrikṣa (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव० १०८१; सम० १०; —अंग. पु० (—अंग) ज्ञेमां ज्योति-प्रकाश जल्युय तेवा-कल्प वृक्षनी ओक ज्ञत. जिस में ज्योति-प्रकाश द्रष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of Kalpavrikṣa (desire-yielding tree) emitting light. टा० १०; तंदु० —ट्टाण. न० (—स्थान) अग्निनु स्थान; अग्निनुं ठेकाणुं. अग्नि का स्थान place or abode of fire. “ केत जाई के य ते जोइट्टाणुं ” उक्त० १२, ४३; —बल. त्रि० (—बल — ज्योतिर्ज्ञान बलं यस्य स तथा) सदाचार वाले; ज्ञान वाले. सदाचारी, ज्ञानी. possessed of the power of knowledge or right-conduct. टा० ४, ३; —भंड, न० (—भाण्ड) अग्निनुं भा. अग्नि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. “ जोइभंडोव रागो विव मुहराग विरागाओ ” तंदु०

जोड़. पु० (योगिन्) योग भग्नो अनुयायी; योग दर्शननेज माननार. योग मत का अनुयायी-योग दर्शन का ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy. श्रव० ३८;

जोड़क. पु० (ज्योतिष्क) दीवाना ज्योति. दीपक की ज्योति. The light of a lamp. प्रव० २००;

जोड़भूय. त्रि० (ज्योतिर्भूत) ज्योतिर्भूय थयेज. ज्योतिर्भूय जो है वह. (That

which has) become full of light and illumination. “ तत्तं समजोइभूय ” विवा० १, ४; सुय० १, १, २, १६;

जोड़य. त्रि० (यौगिक) यौगिक शब्द; जेना प्रकृति प्रत्ययनो अर्थ शब्दमां धटे ते; यौगिक शब्द-जिस के प्रकृति प्रत्यय का अर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वह. A word bearing out its etymological sense. पगह० २, २; (२) योगवाला. योग वाला. possessed of Yoga. भग० ६, ३३;

जोड़य. त्रि० (योजित) योजित; जेठेज. योजना किया हुआ; जुड़ा हुआ. Joined; united; planned. भस० २७, ८; उवा० ७, २०६;

जोड़रस. न० (ज्योतिरस) ओक ज्ञतनुं रत्न. एक जाति का रत्न. A kind of gem. नाया० १; राय० २६; जीवा० ३, ४; कप्प० २, २६;

जोड़स. न० (ज्योतिष) ज्योतिष चक्र. ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies. जं० प० ५, ११७; पन्न० ३; श्रव० २५; (२) पुं० ज्योतिष चक्रनी अंदर रहेवा देवे; सूर्य चंद्र वगैरे. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चंद्र वगैरह. any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कप्प० ३, ३४; उक्त० ३४, ५१; ३६, २०२; विश० ७०१; १८७०; पिं० नि० ८७; भग० २, ७; पन्न० २; (३) ज्योतिष शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. the science of Astronomy. भग० २, १; सु० च० ४, ६; —अंग-विड. त्रि० (—अंगविद् — ज्योतिष ज्योतिष्क

उद्देशो. जांवाभिगम सूत्र का इस नाम का एक उद्देशा. Name of an Uddesā (a section) of Jivābhigama Sūtra. भग० १६, ६;

जोइसामयण. न० (ज्योतिषशास्त्र) ज्योतिषशास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. Astrology, astronomy. कप्प० १, ६;

जोइसिणा. स्त्री० (ज्योत्स्ना) ज्योत्स्ना; डैमुदी; चांदनी. ज्योत्स्ना; कौमुदी; चांदनी. Moonlight. “ जोइ सिणाइ ” ठा० २, ४; —पक्ख. पुं० (-पक्ष) शुक्ल पक्ष. शुक्ल पक्ष; the bright half of a month. च० प० १५; सू० प०

जोइसिणाभा. स्त्री० (जाम्बाभ) चंद्रनी श्री ७ अथ मदिपीनुं नाम. चन्द्र की दूसरी अग्र महिषी का नाम. Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५;

जोइसिय. पुं० (ज्योतिष्क) सूर्य, चंद्र, ग्रह, नक्षत्र अर्थात् आ आंच गतना देवता. सूर्य चन्द्र, ग्रह, नक्षत्र व तारे इन पांच जाति के देवता. The five kinds of deities viz. the sun, moon, planets, constellations and stars. भग० २, १; ३, १; २; ४; ५; ७, ६; ८, १; ८, ३२; १५, १; १६, ६; १८, ७; जीवा० १; नाया० ८; सु० च० ४, १८; पक्ख० १; श्रोव० २५; ३८; अणुजो० १४२; मम० १; प्रव० ११२६; ४५; ठा० १, १; —देव. पुं० (-देव) ज्योतिषी देव; चंद्र, सूर्य वगैरे; ज्योतिष के देव; चन्द्र सूर्य वगैरेह. a heavenly body regarded as a deity; e. g. the sun, moon etc. भग० २४, १२; —देवित्थी. स्त्री० (-देवस्त्री) ज्योतिषना देवतानी स्त्री. ज्योतिष के देवता की स्त्री. a wife of a

heavenly body (regarded as a deity). “ से कितं जोइसियदेवित्थि-आओ ” जीवा० १; —मंडल. न० (-मंडल) चंद्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारा आदिनुं भण्डल. चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि का मण्डल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc. जं० प० २, ३३; —राय पुं० (-राय) चंद्र सूर्य. चन्द्र, सूर्य. the sun or moon. “ जोइसिय रायाणो परिवसन्ति ” पक्ख० २; भग० १०, ५; निर० ३, १; —विमाण. न० (-विमान) चंद्र सूर्य तारा आदिनां विमान. चन्द्र, सूर्य, तारे आदि के विमान. a heavenly abode of the sun, moon, stars etc. पक्ख० ३;

जोई पुं० (ज्योतिष) ज्योतिष “ जोई ” शब्द. देखा ‘ जोइ ’ शब्द. Vids ‘ जोइ ’ वेय० २, ६; जं० नि० २६६;

जोईरस. न० (ज्योतिषरस) ज्योतिषरस. एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. राय० जीवा० ३;

जोईरसमय. त्रि० (ज्योतिषमय) ज्योतिषरस-रत्न भय. ज्योतिषरस रत्नमय. Full of gems. “ जोईरसमया उत्तरंगा ” राय०

जोईसर. पुं० (योगेश्वर) योगेश्वर; योगेश्वर. योगेश्वर. The lord of Yogis (who concentrate). भग० १७१;

जोउरुणिअ. पुं० (योगार्णिक) पूर्व-भाद्रपदा नक्षत्रनुं जात्र. पूर्वी भाद्रपदा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the constellation Pūrva Bhādrapadā. सू० प० १०;

जोषयव्य. त्रि० (योगजित्य) ज्योतिष योग्य. जोडने के योग्य; योगनीय. Worthy of

being united or joined with.

पञ्च० १०; नाया० ८;

जोग. पुं० (योग) संयम; मिश्रण; लेशण.

सम्बन्ध; मिलाप. Union; contact; combination. विशेष० २; नाया० ११;

पिं० नि० ५८; सम० ६; सू० प० ६; पञ्च०

११; कप्प० १, २; (२) चंद्रमा ने नक्षत्रों

संयम. चन्द्र व नक्षत्र का सम्बन्ध. con-

junction of the moon with a

constellation. नाया० ८; (३)

अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. अप्राप्त वस्तु का

प्राप्ति. acquisition of an unac-

quired object. जं० प० ७, १२६;

१५१; १५६; नाया० ५; (४) युक्ति;

उपाय. युक्ति; उपाय. plan; means

to accomplish an object. पिं०

नि० ५००; (५) पञ्चव्यास सूत्रों का नाम.

पञ्चव्यास सूत्र के तीसरे पद के पाँचवें द्वार का नाम.

name of the 5th Dvāra of the

third Pada of Pannavanā

Sutra. पत्र० ३; (६) पशुक्रिय आदि-

योग वशीकरण आदि योग. the art of

fascination etc. पमह० २, २; निमो०

१३, १२; दम० ८, ५१; पिं० नि० ४०६;

(७) चित्त की प्रवृत्ति का नियंत्रण. चित्तवृत्ति का

नियंत्रण control of the vibratory

activity of the mind. उत्त० ८

१४; (८) पड़िलेहण वगैरे शुभव्यापार-

प्रवृत्ति. पड़िलेहण आदि शुभव्यापार-प्रवृत्ति.

salutary physical activity

such as Padīlehaṇa (inspec-

tion of clothes) etc. उत्त० ८;

१४; (९) मन वचन अने काया की

व्यापार. मन वचन व काया का व्यापार.

vibratory activity of the mind

speech and body. भग० ३, ३; ७.

५; ८, ७; १७; ३; २५, १; २६, १; स्य०

१, १, ४, ६; अणुजो २१; क० प० १, ५;

१४; पंचा० १, ४५; २५; प्रव० २६२;

दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १;

उत्त० ३१, २०; सू० प० १; ओव० निमी०

६३, १८; २१; नंदो० ११; विशेष० ३५६;

संथा० ३२; (१०) संयम. संयम.

self-restraint. क० गं० १, ५५;

—**कलेम.** न० (—**लेम**) योगक्षेम: अप्रा-

प्राप्ति प्राप्ति अने प्राप्त वस्तु का रक्षण.

acquisition of a desired object

and safe protection of what

is already acquired. नाया० ५;

—**आचार.** पुं० (—**आचार**) योगाचार.

योगाचार. the conduct of Yoga.

सम० १; —**चलण.** स्त्री० (—**चलन**) मन

वचन आदि योगों का चलावचलपण.

unstability of the mind, speech and

body. भग० १७, ३; —**जहण.** न०

(—**जघन्य**) गहन्य योग. जघन्य योग.

the lowest, shortest Yoga. क०

प० २, ७५; —**जवमज्झ.** न० (—**जव-**

मध्य) आठ समयवाला योगस्थानका.

the Yoga stages lasting for eight Sama-

yas. क० प० २, ७७; —**जुंजण.** न०

(—**योजन**) स्वाध्याय आदि में पाठ करने

योगों को. स्वाध्याय आदि में अन्य को

योजना. setting (i. e. helping)

another to study the scriptures

etc. सम० प० १६८; —**जुंजणया.** स्त्री०

(—**योजन**) जुंजो उपदेश. शब्द. देखो

ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ७;

—**युक्त**. त्रि० (—युक्त) योग-मन वयन
 અને કાયાના વ્યાપારથી યુક્ત-સહિત. યોગ-
 મન વચન વ કાયાકે વ્યાપાર સે યુક્ત-સહિત.
 possessed of the activity of
 the mind, speech and body.
 પ્રવ० ૨૭૦; —**ઢાણ**. ન० (—સ્થાન—
 યોગો વીર્ય તસ્ય સ્થાન-યોગસ્થાનમ્) યોગ
 વીર્યનું સ્થાન. યોગ-વીર્ય કા સ્થાન. the
 sack or repository of the
 seminal fluid or heroic power.
 ક० પ० ૭, ૪૬; ક० ગં० ૫, ૬૫; —**ણિ-
 ઓગ**. પું० (—નિયોગ) વશીકરણઆદિ
 યોગનું બેઠવું તે. વશીકરણ આદિ યોગ કા
 જોડના. directing the activity
 of mind etc. towards fascina-
 tion etc. તંદુ० —**ણિવૃત્તિ**. સ્ત્રી०
 (—નિર્વૃત્તિ) યોગની નિષ્પત્તિ. યોગ કા
 નિષ્પત્તિ. accomplishment of Yoga.
 મગ० ૧૬, ૮; —**(મા)ણુયોગ**. પું० (—અનુયોગ)
 વશીકરણાદિ ઉપાય બતાવનારું દરમેષ્વરાદિ
 શાસ્ત્ર. વશીકરણ આદિ ઉપાય બતાવે વાળા
 દરમેષ્વરાદિ શાસ્ત્ર A science such
 as Haranekhalā etc. dealing
 with the ways and means of
 fascination etc. સમ० ૨૬; —**નિ-
 મિત્ત**. ત્રિ० (—નિમિત્ત) મન વચન
 કાયાના યોગને નિમિત્તે થયેલું. મન વચન
 કાયા કે યોગ કે નિમિત્ત જો હુઆ હો વહ.
 caused by the activities of the
 mind, speech and body. મગ० ૧,
 ૩; —**પચ્ચક્ષણ**. ન० (—પ્રત્યાક્ષણ)
 યોગ-મન વચન અને કાયાને વ્યાપાર-તેનો
 પરિહાર-ત્યાગ. યોગ-મન વચન વ કાયા કા
 વ્યાપાર-ડસ કા પરિહાર-ત્યાગ. abandon-
 ment of, giving up of the ac-
 tivities of the mind, speech

and body. ઉત્ત० ૨૬, ૨; —**પાડિકમણ**.
 ન० (—પ્રતિક્રમણ) યોગ મન વચન અને
 કાયાના યોગનું પ્રતિક્રમણ કરવું તે. યોગ-
 મન વચન વ કાયા કે યોગ કા પ્રતિક્રમણ
 કરના. self-analysis and repentance
 for the faults connected with
 the activity of the mind, speech
 and body. ઢા० ૫, ૩; —**પડિસ-
 લણિતા**. સ્ત્રી० (—પ્રતિસંજ્ઞાનતા) મન,
 વચન અને કાયાને વશ રાખવાં તે. મન
 વચન વ કાયા કો વશીકૃત કરના. control
 over mind, speech and
 body. મગ० ૨૫, ૭; —**પરિણામ**. ન०
 (—પરિણામ) જીવના પરિણામનો એક
 પ્રકાર. જાંવ કે પરિણામ કા એક પ્રકાર a
 kind of thought-activity of a
 soul or living being. ઢા० ૮;
 —**પરિવૃત્તિ**. સ્ત્રી० (—પરિવ્રાજિકા)
 સમાધિવાતી પરિવ્રાજિકા-સન્યાસિની.
 સમાધિસ્થ પરિવ્રાજિકા; સન્યાસિની. a
 nun practising Samādhi or
 contemplation. નાયા० ૬; —**મવિ-
 યમજ્ઞ**. ત્રિ० (—મવિતમતિ) ધર્મ વ્યાપારથી
 વિશેષ ભાવિત બુદ્ધિવાલું. ધર્મ વ્યાપાર સે
 વિશેષ ભાવિત બુદ્ધિવાળા. one whose
 knowledge is especially im-
 pressed by religious activities.
 પંચા० ૩, ૨૫; —**મર્ગ**. પું० (—માર્ગ) અધ્યાત્મ
 શાસ્ત્રનો માર્ગ. અધ્યાત્મ શાસ્ત્રકા માર્ગ. the
 path of philosophy. પંચા० ૧૬, ૪૨;
 —**વસ**. ત્રિ० (—વશ) યોગને વશ.
 યોગ કે આધીન. (one) dependent
 on Yoga. ક० પ० ૫, ૬; —**વિસુદ્ધ**.
 ત્રિ० (—વિશુદ્ધ) નિરવશ વ્યાપાર-વિશુદ્ધ
 વ્યાપારવાન. નિરવશ વ્યાપાર-વિશુદ્ધ વ્યાપાર
 વાન. (one) of pure, sinless

activity. “उभयो जोगविसुद्धा” पंचा० १८. ४८; —वाहि. त्रि० (—वाहिन्) सांख्यवेदान्ते याद रायनार-भूतन करनार. श्रवण किये हुवे को स्मरण में रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard. छा० १०; —संग्रह. पु० (—संग्रह) मन वचन-कायाना व्यापाररूप प्रशस्त योगतो संग्रह. मन वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संग्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body. सम० ३२; आच० ६, ७; —सुद्धि. ब्र० (—शुद्धि) योगनी शुद्धि-विशुद्धि. योग का शुद्धि-विशुद्धि. purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव० १५२४; —संपत्ता. ब्र० (—संपत्त) योगनी संपदा-विशुद्धि. योगकी सम्पदा-विशिष्ट ऋद्धि. the special power of the activity of the mind, speech and body. प्रव० ५५३; —सच्च. न० (—सच्च) मन वचन अने कायाना व्यापारने सत्य प्रवर्तितवे ते. मन वचन व काया के व्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना. directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उत्त० २६, २; सम० २७; भग० १७, ३; —सत्त्व. न० (—शास्त्र) योगना शास्त्र, अध्यात्म ग्रंथ. योग के शास्त्र; अथ्यात्म ग्रंथ. the scriptures dealing with metaphysics. पंचा० ३, २७; —ह्रीणि. न० (—हीन) योग-संयम व्यापार हीन. योग-संयम व्यापार हीन. devoid of self-control or asceticism. आच० ४, ७;

जोगमुद्रा. ब्र० (योगमुद्रा) हाथनी आंग-

विश्रियो परस्पर अन्तरित करी-संपुट अनायी कालिने भाग उदरपासे राखी वंदनातो पाठ उच्चारतां पांचअंग (भे दीयणु, भे हाथ अने भस्तक) नभाइया ते. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तरित करके संपुट बनाकर कुटुना का हिस्सा उदर के निकट रख कर वंदना के पाठ का उच्चार करते हुए पांच अंग (दो घुंटेने, दो हाथ व भस्तक) झुकाना. Bending the five parts of the body (viz. two knees, two hands and head) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and folding hands leaving some interval amongst the fingers. पंचा० ३, १७; प्रव० ७१;

जोगंतिया. ब्र० (योग्यन्तिका—योगिनि सयोगिकेवल्लिनि सक्रममाश्रयान्तः पर्यन्तो यासां ताःतथा) ते प्रकृतिआने तेरमे गुण-ज्ञान अंत आवे छे तेवी कर्म प्रकृतिआ. जित प्रकृतिों का तेरहवें गुणस्थान पर अन्त आना है ऐसी कर्म प्रकृतियां. Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage. कपर० २, ३४;

जोगवन्त. त्रि० (जोगवत्) संयम योग युक्त. संयम योग युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. सूय० १, २, १, ११; उत्त० ११, १४;

जोगि. त्रि० (योगिन्) योग सहित; सयोगी. योग सहित; सयोगी. With concentration; an ascetic सम० २; क० गं० ३, १६; क० प० ४, ४; —ज्ञान. न० (—ज्ञान) ज्ञान “ जोगिणा ” शब्द. देखो “ जोगिणा ” शब्द. vide “जोगिणा ” सम० २; जोगिय. त्रि० (योगिक) ज्ञान “ जोगिय ”

शब्द. देखो “ जोइय ” शब्द. Vide

“ जोइय ” परह २, २;

जोग. त्रि० (योग्य) योग्य; धटित; उचित; अशोभन; लायक. योग्य; उचित; लायक.

Proper; fit; worthy. विशेष ४; ३३१;

३६०३; ओव ३१; पि० नि० ८८; राय०

२८; निर० ३, १; क० प० ४, ३६; प्रव०

५५२; जं० प० ५, ११३;

जोगया. स्त्री० (योग्यता) योग्यता; लायकता.

योग्यता. Worthiness; fitness;

propriety. सु० च० १, ३८०; पंचा०

३, ७; पंचा० १८, ४७; ६, १०;

जोग्या. स्त्री० (योग्या) युग्माकार करने के.

गुणकरण. Multiplication. भग० ११,

११; ओव० (२) अभ्यास. अभ्यास.

study. (३) गर्भ धारण करने के योग्य योनि. a

womb fit for conception. तंदु०

जोजित. त्रि० (योजित) जेडेहु; लगाडेहु.

जुडाहुआ; लगाहुआ. Joined; united;

attached. पंचा० १६, ७;

जोडिउं. सं० क० अ० (योजित्वा) जेडेने.

जोडकर. Having joined or unit-

ed. सु० च० १०, १४४;

जोडिय. त्रि० (योजित) जेडेहु. जोडा हुआ.

Joined; united. सु० च० ७, ३६;

जोण. पुं० (योन) अनार्य देशभानो ओक.

अनार्य देश में का एक. One of the

Anārya countries. नाया० १;

जोणअ. पुं० (योनक) उत्तर भरतभानो ओक

देश. उत्तर भरत का एक देश. Name of

a country in Uttara Bharata.

जं० प०

जोणि. स्त्री० (योनि) योनि; उत्पत्ति स्थान;

स्त्रीनि शुद्ध भाग. योनि; उत्पत्ति स्थान;

स्त्रीका शुद्ध भाग. The womb; the

origin; the female generative

organ. भग० २, ५; ५, ३; ४; ६, ५; १०, १;

२०, २; नाया० ७; तंदु० १०; पञ्च० ६; पि० नि०

भा० १३; पि० नि० ५०७; जीवा० ३, ३;

आया० १, १, १, ६; उत्त० ३, ५; कप०

२, १८; अणुजो० १७; प्रव० १३७६; (२)

पन्नवणा सूत्रना नवमा पदं नाम. पन्नवणा

सूत्र के नववें पद का नाम. name of the

9th Pada of the Pannavanā

Sūtra. पञ्च० १; (३) गीतनी ओक गीत.

गीत की एक जाति. a variety of

song. अणुजो० १२८; (४) आधार.

आधार. a support; a prop. “ इहे-

गांतया सत्ता पुडवी जोणिया ” सूय० २, ३,

१; (५) ओ नामनो भग अपर नामधारी

देव. इस नाम का भग अपर नामधारी देव.

name of a god, also styled

Bhaga. डा० २, ३; (६) जेने देवता

भग छे जेनुं पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र. जिस का

स्वामी भग है ऐसा पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र. the

constellation Pūrvāfālgunī hav-

ing Bhaga as its lord. डा० २,

३; (७) कारण. cause; rea-

son. पंचा० ३, २१; —**पमुह.** त्रि०

(—प्रमुख) योनि आदि-पत्रे. योन आदि.

a womb etc. विवा० १; —**पपमुह.**

त्रि० (—प्रमुख) योनिनुं द्वार. योनिद्वार.

a mouth or entrance of the

womb. विवा० १; सम० ८६; जीवा० ३;

—**मुहणिकडिय.** त्रि० (—मुखनिष्पतित)

योनिना मुखभांथी निकलेन. योनि के मुख

में से निकला हुआ. come out of,

issued from the mouth of a

womb. तंदु० —**लक्खचुलसी.** स्त्री०

(—लक्खचतुरशीति) चौराशी लक्ष योनि.

८४ लक्ष योनि. 84 lacs of lives प्रव०

३६; —विहाण. न० (—विधान) येनिना प्रकाश. योनि के प्रकार. any of the varieties of a birth. विवा० १; —संग्रह. पुं० (—संग्रह—योनिरूपति हेतु; जीवस्य तथा संग्रहोऽनेकवामेकशब्दाभिलाष्यत्वं योनिमंग्रहः) येनि-उत्पत्तिस्थानेना संप्रद. योनि-उत्पत्ति-स्थानों का संग्रह the word "birth" taken in the abstract or collective sense. भग० ७, ५; टा० ७, १; द; जीवा० ३; —समुच्छेय. पुं० (—समुच्छेद) येनिना नाश. योनि का नाश. destruction of birth. " एष जोषि जगाणं दिट्ठा न कप्पइ जोषिममुच्छेयो " पद्द० २, ५; —मूल. पुं० (—शूल) येनिना रोग. योनि रोग. a disease of the womb विवा० २; भग० ३, ५;

जोषिभूय. त्रि० (योनीभूत) येनि अथस्थाने प्राप्त थयेत्त; (श्रीर आदि) योनि अवस्थाको प्राप्त (वाज आदि) Developed into a womb or origin. पञ० १; भग० २, ५;

जोषिय. त्रि० (योनिज) येनिमां उत्पन्न थयेत्त. योनि में उत्पन्न. Born in a womb. उवा० २, ११६; भग० २४, १; (२) योन देशमां उत्पन्न थयेत्त. योन देश में उत्पन्न. produced or born in the country named Yona. नया० १;

जोषिया. स्त्री० (योनिजा) येनि-उत्पत्ति स्थान. योनि-उत्पत्ति स्थान. A womb; origin. भग० १४, ६;

जोषिया. स्त्री० (योनिजा) योन नाम्ना अनार्य देशमां जन्मेती दासी. योन नाम के अनार्य देशमें जन्म प्राप्त दासी. A maid servant born in the Anārya country named Yona. श्रव० ३३; जं० प० नाया० १; भग० ६, ३३;

जोषीपद. न० (योनिपद) येनिना अधिकार वाचुं पन्नयणा सूत्रमुं अंक पद. योनि के अधिकार वाता पन्नयणा सूत्र का एक पद. Name of a Pada of Pannavanā Sūtra dealing with the subject of births. भग० १०, २;

जोषहा. स्त्री० (जाप्सा) चांदनी; चाँदनी. Moonlight. नंदा० ६; जीवा० ३, ३; सु० च० २, ३२;

जोति. न० (ज्योतिष) जुआ "जोइ" शब्द. देखो "जोइ" शब्द. Vide "जोइ" मृ० १ १२, ८;

जोतिय. त्रि० (योजित) जुतरेशुं. जोता हुआ. Yoked to a cart, plough etc. नाया० ३;

जोतिरत्न. पुं० (ज्योतीरत्न) ज्योतिरत्न काण्ड; अरकांडेना नामे भाग ज्योतिरत्न काण्ड; खर काण्ड का द्वां भाग. Jyotirasa Kāṇḍa i. e. the 9th division of Khara Kāṇḍa. जीवा० ३, १;

जोतिस्. न० (ज्योतिष) ज्योतिष शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. Astronomy and astrology; the science of the course of the heavenly bodies. श्रव० ३८;

जोतिसिय. पुं० (ज्योतिषिक) जुआ "जोइ-पिय" शब्द. देखो "जोइसिय" शब्द. Vide. "जोइसिय" राय० ३७;

जोतिसिंह. पुं० (ज्योतिरिच्छा) क्षयपूषती अंक अत के ज्योतिरी युगलीयाने सूर्य ज्योती प्रकाश भये छे. कल्पवृक्ष की एक जाति कि जिस में से युगलियों को सूर्य समान प्रकाश मिलता है. A species of Kalpa Vriksha (desire-yielding tree) from which the Jugaliyas get light like that of the sun.

जीवा० ३, ३;

जोत्त. न० (योक्त्र) जेत०. जोत. A rope by which animal is tied to the pole of a carriage; halter.

“सुकिरण तवणिज्ज जोत्तकलियं” पगह० २,

५; उवा० ७, २०६; सूय० २, २, १८; दसा० ६, ४;

वव० १०, १; जं० प० ७, १६६;

✓ जोय. धा० I, II. (युज्) जेत्यु; योज्युं जेत्यु. जोडना; योजना; जातना. To join; to unite; to yoke.

जोयति. जं० प० ७, १५१;

जोयइ. ओव० ३०; उत्त० २७, ३; सम० ६; नाया० १७;

जोयति. मू० प० १०; नाया० ८; जं० प० ७, १५६;

जोयति. ७, १५६;

जोयजा. वि० विशेष० ६, १२; पि० नि० ७६;

जोयति. जं० प० ७, १५१;

जोयता. नाया० १५; १७;

जोयमाण. जं० प० ७, १६१;

जोयवेइ. नाया० १५;

जोयवेत्ता. नाया० १५;

✓ जोय. धा० I, II. (योज्) प्रकाश करेना. प्रकाश करना To shine; to emit light.

जोयति. जीवा० ३, ४;

✓ जोय. धा० I. (युज्) जेत्यु; प्रकाशयुं. प्रकाशित होना; चमकना. To shine; to emit light.

जोयति. सम० ४२;

जोयइ. मू० जं० प० ७, १२६;

✓ जोय. धा० I (दृश्) जेत्यु; देखना. To see; to perceive.

जायइ. सु० च० १५, १००;

जाज्जत. सु० च० २, ३६५;

जोय. न० (योक्त्र) जेत०; जेत०. जोत.

The rope by which an animal

is tied to the pole of a carriage.

जोयण. न० (योत्तक) योत्तक ५६; ५, ५२, विशेषे उपसर्ग. योत्तक पद; प्र, पर, इत्यादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc. modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed. विशे० १००३;

जोयण. न० (योजन) यार गाँठि; यार गाँठि प्रमाणे क्षेत्र. चार कोस; चार कोस के प्रमाण का क्षेत्र. A Yojana (8 miles); area covering eight miles. जं० प० ७, ११२; ११५; १, १२; सम० १; उत्त० ३६, ५७; ओव० ३४; अणुजो० १३४; नाया० ५; मू० प० १८; पंचा० १, १८; १५, ४०; प्रव० ८६६; कण्ठ० २, १६; भग० २, १; ६, ७; १५, १; १६, ८; ३६, १; नाया० १; ८; १६; विशेष० ३८१; ३४६८; राय० २६; सु० च० ३, ७०; ओव० ४२; उवा० १, ८३; ८, २५३; (२) जेत्युं ते. जोडना. joining; uniting. पगह० १, १; —निहारि. वि० (निहारिण) यार गाँठिमां विस्तार पामतार. चार कोस में विस्तृत. extending, stretching over 8 miles. “जोयण निहारिणा मरेण” सम० ३४; —परिमंडल. वि० (—परिमण्डल-योजनं योजनप्रमाणं परिमण्डलं गुणप्रधानं) निर्देशः परिमण्डलं यस्य स योजनपरिमण्डलः) अथ योजन प्रमाणे भुज-वर्तुल. एक योजन के प्रमाण का मण्डल वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles). ‘जोयणपरिमंडल’ सुस्तर घंटे” राय० —परमाण. न० (—प्रमाण) योजन-

आर गाडिप्रमाणु'. योजन-चार कोस प्रमाण.
measure of a Yojana (8 miles).

भग० ६, ७; जं० प० २, १६०; —मिक्त.
त्रि० (—मात्र) आर गाडिमात्र; देवजन
प्रमाणु. केवल चारकोस; जाजन प्रमाण.
measuring 8 miles only. प्रव० ४४८;

—विच्छिन्न. त्रि० (—विस्तीर्ण) देवजनना
विस्तारवाधु. जोजन के विस्तार वाला.
extending 8 miles. प्रव० १०३२;

—वेला. स्त्री० (—वेला) अेड योजन आतता
देवेयो वधत रागे तेदेयो. एक योजन चलने
में जिनना समय लगता है उनना. the
time required in walking one
Yojana (8 miles) निमा० १८, १२;

—सयविच्छिन्न त्रि० (—शतविस्तारगे) अेड-
शा देवजनमा विस्तार पमेड. एक सौ योजन
में विस्तृत. extended as far as
one hundred Yojanas. प्रव० ११६०;

—सयसहस्र. न० (—शतसहस्र) अेड
सय देवजन. एक लक्ष याजन. hundred
thousand Yojanas (8 miles).
भग० ३, ७; —सहस्र. न० (—सहस्र)
अेड सय देवजन. एक हजार योजन; एक
सहस्र योजन. 1000 Yojanas. जं० प०
६; क० गं० ८, ७६;

जोवण. न० (यौवन) युवावस्था; जुवान.
युवावस्था. Youth; puberty. जीवा०
३, ३; नाया० १६; राय० ८०;

जोवणग. न० (यौवनक) युवान पणुं
युवकत्व; युवावस्था. Youth; puberty.
विवा० १; नाया० १;

जोवण. न० (यौवन) यौवन; युवावस्था.
यौवन; युवावस्था. Youth; puberty.
पञ्ज० ३४; निर० ३, ४; ओव० २२; सूय०
१, ३, ४, १४; आया० १, २, १, ६५;
नाया० १; ३; ८; १४; १६; सू० प० २०;

भग० ११, ११; भक्त० १२६; —गुण.

पुं० (—गुण) युवावस्थाना गुण. युवावस्थाक
गुण any of the characteristic
qualities of puberty. नाया० १;

—ह्राण. न० (—स्थान) युवावस्थानुं
स्थान. युवावस्था का स्थान. condition,
stage, of puberty. भग० १२, ६;

—स्थ. त्रि० (—स्थ) युवावस्था वाधे.
युवावस्था वाला; युवक. in the prime
of life; attaining puberty. भग०
६, ३३;

जोवणग. न० (यौवनक) युवावस्था. युवा-
वस्था. Youth; puberty. नाया० १;
१३; १४; भग० १५, १; कप० १, ६;

जोवणिया. स्त्री० (यौवनिका) युवावस्था.
युवावस्था. Youth. राय०

✓ जोस. धा० 1. (जुप्) शोपणुं करवुं;
सुक्षपवुं; क्षपनाश करयो. शोपण करना;
सुखाना; क्षय-नाश करना. To dry up;
to destroy.

जोसइ. आया० १, ३, २, ११२;

जोसपंत. त्रि० (जुपर) सेवा करतो. सेवन
करता हुआ. Serving; rendering
service. आया० १, ६, ४, १८८;

जोसणा. स्त्री० (जोसणा) प्रीति. प्रीति. Af-
fection; love. (२) सेवा. सेवा.
service; devotion to. ओव० मम०

जोसिया-या. स्त्री० (जोसित्) स्त्री. स्त्री.
A woman. तंदु०

जोसिय. त्रि० (जुष्ट) सेवेध. मेवन किया
हुआ. Accepted; resorted to;
served. सूय० १, २, ३, २;

जोह. पुं० (योध) योद्धा; लड़ायो; सुभट.
योद्धा; सुभट; सैनिक. A warrior; a
combatant. ओव० १३; दसा० १०, १;
सूय० १, ६, २२; जीवा० ३, ४; नाया० ८;

जं० प० भग० ७, ६; प्रव० १२४०; —हाण.
न० (—स्थान) लडावुं स्थान. युद्ध स्थान.
a battle-field. ठा० १; —बल. न०
(—बल) थोडावुं अश. सैनिक का बल.
strength, might of a comba-
tant. विवा० ३;

जोहार. पुं० (योद्धा) थोडा; युद्ध करने वाला. A warrior; a combatant. नाया० १; भग० ३, २; स्यू० २, ३, २५;

जोहार. पुं० (*) सट्टार करने वाले हाथ
दोनों के सामनामें बैठे हुए थे. सत्कार करने के
लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना.
shaking of hands or embracing
each other as a sign of hos-
pitality. प्रव० ४४१;

जोहि. त्रि० (योधिन्) युद्ध करने वाला. युद्ध
करने वाला. A warrior; a comba-
tant. आ० ४०;

जोहिया. स्त्री० (योधिका) योद्धा स्त्री; अश
जन्तु प्राणी. घोंघरा; एक प्रकार का विषाला-
प्राणी. A kind of poisonous
reptile. जीवा० १, २;

जोहुत्त. न० (योद्धव) थोडावुं शूरवीर-
पणुं. शूरवीरता; वीरत्व. Warlike qua-
lity; valour. नाया० १६;

✓जजल. धा० I. (ज्वल्) अलपुं; प्रकाशपुं.
जलना; प्रकाशित होना. To burn; to
shine.

जलइ. अणुजो० १३१;

जलंति. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;

नाया० १७; उवा० १, ६६;

जले. वि० दस० १०, १, २;

जलंत. नाया० १; २; ५; भग० २, १; ६;

४; १६, ६; कण्ठ० ३, ४२; ४६;

आ० १३; १७; नाया० ४, ६०;

४, ११६; उत्त० ११, २४; १६, ४६;

अणुजो० १६; नंदी० १३; विवा०

१; ७; दसा० ७, १;

जलमाण. पि० नि० ६५६;

जलावण. क० वा० वि० दस० १०, १, २;

✓ज्झा. धा० I. (ध्ये) ध्यान धरपुं; स्मरण
करपुं. ध्यान धरना; स्मरण करना. To
meditate upon; to recollect.

आ० १, ६, ४, ११; उत्त० १८, ५;

आयति. आ० नि० ६६३;

आइज. वि० उत्त० १, १०,

आणुज. वि० सु० च० ४, २६२;

आयमाण. व० क० नाया० ६;

आयत. व० क० पि० नि० ६३१; सु० च०
६, २२;

✓ज्झाम. धा० I. (ध्मा) धमपुं. फूंकना;
धौंकना. To blow, e. g. a bellows.
(२) आध्वपुं. जलाना. to burn.

आमेइ. नाया० १; भग० १५, १; स्यू० २, २, ४४;

आमेन्ति. जं० प० २, ३३;

आमेजा. वि० दसा० १७, १;

आमावेइ. प्रे० स्यू० २, २, ४४;

आमंत. व० क० स्यू० २, २, ४४;

आमिजइ. क० वा० राय० २६६;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

भ.

भंख. पुं० (*) बार-बार भोलवुं; जल्भना
करनी. बार बार बोलना; भारी लालसा करना.
To speak frequently; to long
ardently. पिं० निं० २८६;

भक्क. पुं० (भक्क) धंघ; कलह; टटोल. कलह;
फिसाद; भगडा. Quarrel, contest;
turmoil. ओव० १६; (२) भेद. भेद.
difference; division; alterca-
tion. पगह० २, ३;

भंभा. स्त्री० (भंभा) व्याकुलता; विद्वलता.
व्याकुलता; विद्वलता. Distraction;
agitation. आया० १, ३, ३, १२०;
(२) कलह; कलह; तोड़ान. कलह;
भगडा; तोफान. quarrel; strife;
disturbance. मूय० २, १, ४१;
—**कर. पुं०** (- कर) जेथी संप्रदायभां
भेद पडे तेथी अटपट करनार; असमाधिनुं
पटमुं स्थानक सेवतार. जिसमें संप्रदाय में
भेद पडे ऐसी खटपट करने वाला; असमाध-
के १८वें स्थान को सेवन करने वाला. a
person who resorts to the 18th
cause or source of Asmādhī
(lack of mind-control) i. e.
causes divisions in a sect by
intrigues. सम० २०; —**वाय. पुं०**
(- वात) वर्षा सहित निधुर वायु. वर्षा
सहित तेज वायु. violent wind
accompanied with rain. पत्र० १;

भंषित्ता. सं० कृ० अ० (जल्पित्वा) अनिष्ट
यत्न भोलीने. अनिष्ट बचन बोलकर.
Having spoken, harsh words.

सम० ३०;

भगि. अ० (भगिति) शीघ्र; जल्दी; शीघ्र;
सत्वर. Quickly; at once. भग० ३, २,
भक्ति. अ० (भक्ति) लुभो “ भगि ”
शब्द. देखो “ भगि ” शब्द. Vide
“ भगि ” भग० ३, २; सु० च० ३, ७४;
—**वेग. (-वेग)** शीघ्र वेग. शीघ्र वेग.
Rapid, quick movement; rapid
progress. नाया० १६;

भज (य). पुं० (ध्वज) ध्वज; पताका.
ध्वजा; पताका A flag; a banner.
भग० ७, ६; ११, ११; राय० ४७; १२३;
विवा० २; ओव० १०; जं० प० ४, ७४;
—**ग. न०** (-अग्र) ध्वजतो यत्रभाग.
ध्वजा का अग्रभाग. the fore-part of
a flag or banner. नाया० ८. —**दंड.**
त्रि० (-दंड) ध्वजतो दंड. ध्वजा का दंड.
flag-staff. नाया० ६;

भया. स्त्री० (ध्वजा) ध्वज ध्वजा. A flag;
a banner. जं० प० ४, ७४; जावा० ३,
२; नाया० १; ६; (२) औद स्वप्नाभांनुं
आइमुं स्वप्न ध्वजनुं के जे तीर्थकर चक्र-
वर्तिनी माताने गर्भाधान समय जेवनां
आवे छे. चोदह स्वप्न में से आठवां ध्वजा
का स्वप्न किं जे तीर्थकर चक्रवर्ति का माता
का गर्भाधानके समय देखनेमें आता है. the
8th of the 14 dreams which
a Tirthankara or Chakravarti's
mother witnesses during
her pregnancy; (in this dream
she sees a flag). नाया० ८;

* लुभो पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

✓ भर. धा० I. (ङर) अ२युं; उप२थी
सरङ्गु-पडुं. करना; ऊपरसे गिरना. To
drop down; to fall in drops.

भरइ. सु० च० २, ४८७;

भरंति. पि० नि० ८४;

भरग. पुं० (*) स्मरन्नुदरनार. स्मरण करने-
वाला. (One) who remembers.
नंदा० स्थ० २८;

✓ भलहल. धा० I. (ज्वल्) स३ययुं.
जलना. To burn; to be kindled.

भलहलइ. सु० च० ८, २१२;

भल्लरी. स्त्री० (भल्लरी) आ३र. भालर. A
fringe. जीवा० ३, १; निमी० १७,
३३; टा० ७, १; ओष० ३१; राय०
८८; कप० ५, १०१; (२) अ०ररी; अ३
वनतुं पाठित. एक प्रकार का वाजिन्त्र;
खंजरी. a kind of musical instru-
ment played with the hand.
अणुजो० १२८; भग० ५, ४; पञ्च० ३३;
प्रव० १५००; (३) द३र; अ३युं; अ३रा
आधारे अ३योनितुं अ३यिनात छे. वाद्यविशेष
कि जिसके आकारका ज्यातिर्पाका अ३यं ज्ञान
होता है. a sort of musical instru-
ment narrow in the middle part
and flat and round at the two
ends with leather fastened on
to them; (the Avadhijnāna of
astrologers bears this shape).
विशे० ७०६; (४) लमल्लयीं; अं३र.
भो३. a sort of musical appa-
ratus consisting of two met-
talic dishes which when
struck together make a jingling

sound. आया० २, ११, १६८; —संढा-
ण्टीय. त्रि० (—संस्थानस्थित) आ३रने
आधारे र३य. भालर के आकार के
समान रहा हुआ. of the shape of a
fringe. प्रव० १५००; —संठिय. त्रि०
(—संस्थित —अल्पोच्छायत्वान्महा विस्तार
त्वाच्च तिर्यग्लोकचेत्र लोकां भल्लरीसंस्थितः)
आ३रने संस्थाने-आधारे र३य. भालर का
आकृति में रहा हुआ. of the shape of
a fringe. भग० ११, १०;

भचिय. त्रि० (क्षपित) निर्भूत धरेय;
अपायी नाभय. निर्मूल कियाहुआ; जड़
से हटा दियाहुआ. Destroyed; erad-
icated. उत्त० १८, ५;

भम. पुं० (भूप) मा३युं. मच्छी. A
fish. विशे० ५६६; १८५४; जीवा० १;
जं० प० नाथा० ६; ओष० १०; उत्त० २२;
६; प्रव० १५६; (२) न०री मा३यी.
छोटी मच्छी. small fish. पग० १, १;

भाइ. त्रि० (ध्यायिन्) ध्यानकरनार; ध्यान
प३र; स्तुतिप३र. ध्यान करनेवाला; ध्यान
वाला; स्तुतिवाला. (One) who
meditates upon; (one) who
praises or extols. ओष० नि० ६;
आया० १, ६, ४, ३;

भाण. न० (ध्यान-ध्यायन् चिन्त्यतेऽनेन)
धर्मध्यान योगे; अभ्यन्तर तपनी अ३
प्रकार. धर्मध्यान बंगरह; अभ्यन्तर तप का
एक प्रकार. A kind of inner aust-
erity such as religious medita-
tion etc. नाया० १, १६; भग० ८,
७; १८, १०; २५, ७; उवा० २, ६६;
प्रव० २७२; भक्त० १६०; (२)

चित्तनुं अकाशपथं चित्त की एकाग्रता. concentration of the mind. सम० ४, ६; ३२; ओष० २०; ३८; उत्त० २६, १२; पि० नि० ५६०; सूय० १, ६, १६; विशेष० ३०७; कण्ठ० ५, ११६; (३) मनन; स्मृति; मनन; स्मृति. meditation; recollection. सु० च० १, १; भग० २, ६; ३, २; दमा० ५, २७; —अन-
गिया. छा० (—अन्तरिका-अन्तरस्य विच्छे-
दस्य करणमन्तरिका ध्यानस्यान्तरिका
ध्यानान्तरिका) आरंभेन ध्याननी समाप्ति
अने अपूर्वध्याने अनारंभः ये ध्याननी
मध्यवस्था. आरम्भ क्रियेदुप ध्यान की
समाप्ति आरंभ अपूर्वध्यान का अनारंभः ध्यान
का सध्यावस्था. the state between
the end of one meditation
and the beginning of another,
a temporary break in medi-
tation. भग० ५, ६; १२, १; (२)
शुद्धध्यान विशेष. शुद्धध्यान विशेष. a
particular kind of purifying
meditation e. g. upon the
soul etc. ज० प० २, ३१; —कोट
पुं० (—कोट) ध्यानरूप भंडार. ध्यान रूप
भंडार. a treasure in the form
of meditation. वि० १; —कोटो-
वगश्च पुं० (—कोटोपगत) ये ध्यान-
रूपी श्रेष्ठमां निमग्न इत्येते. जो ध्यान
रूपों कोट में निमग्न हो वह. (one) who
is immersed in the treasure of
meditation. ज० प० २, ३१; भग०
१, १; —संवर्ण. न० (—संवन) ध्याननु-
सेवन करने; ध्यान धरना. ध्यान का

सेवन करना; ध्यान धरना. act of prac-
tising meditation. प्रव० ३१८;

भाषाविभक्ति. छा० (ध्यानविभक्ति-ध्यानानां
विभजनं यस्यांसा) २६ उत्तारिकसुत्रभाष्यं
२१ भुं. २६ उत्तारिकसुत्र में से २१ वां
सुत्र. The 21st of the 29 Ut-
kalika Sūtras. नंदी० ४३;

भाम. त्रि० (धमात-दग्ध) अग्नेयुं, दाञ्जुं.
जला हुआ. Burnt; scalded. आया०
२, १, १, १; जीवा० ३, १; पगह० १, २;
—वर्ण. न० (—वर्ण) उन्मत्तताशी
रहितवर्ण; अतीत्येवना रंग-शामता. उज्ज-
वला से हान वर्ण; जले हुए का रंग-कालापन.
black clour like that of an
object burnt. भग० ७, ६;

भामिय. न० (धमापित) आधवायेयुं; शुभा-
येयुं बुझाया हुआ. Extinguished.
भग० ५, २; सूय० २, १, १५;

भारी. छा० (*) शीट विशेष. काट.
विशेष. A kind of insect. सु० च०
१२, ५६;

भिगिरा. छा० (भिगिरा) त्रैन्द्रिय उच्यते
अत्र त्रैन्द्रिय. जिसको ३ इंद्रियां हों ऐसा एक
जीव. A kind of three-sensed
living being. पञ्च० १;

* भिभिय. त्रि० (*) बुभूया. भूखा.
Hungry. वेय० ४, २६;

भिभ. धा० १ (लि) क्षयप्राप्त्युः क्षीय-
थयुं क्षय की प्राप्ति होना; क्षीण होना. To
be destroyed; to waste away;
to decay.

भिभह. विशेष० १२०६;

भिभिरी. छा० (भाभिरी) अत्र त्रैन्द्रिय

* बुभूया पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठतोऽ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

बेलड़ी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. आया० २, १, ८, ४५;

भिमिया. स्त्री० (*) जडता; शरीरना अथवा जडता गनयते; सोलरोगमानी ओक रोग. जडता; शरीर के अवयवों का अकड़ जाना; १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz. paralysis of the limbs of the body. आया० १, ६, १, १७२;

✓ भिया. धा I. (धै) ध्यान धरयुं; चिंतन करयुं. ध्यान धरना; चिंतन करना. To contemplate; to meditate upon. क्रियाइ. स्य० १, ६, १६; भग० ३, २; नाया० १: १६; उवा० १, ७७;

क्रियायइ. नाया० १; ३; ६; १६;

क्रियायंति. जं० प० ३, ४६;

क्रियायंति. स्य० १, ११, १६; नाया० १६;

क्रियायासि. नाया० १;

क्रियामि. नाया० १; ८; १६;

क्रियाए. वि० भग० २, ५;

क्रियाहि. नाया० १६;

क्रियायह. नाया० १; ८;

क्रियाइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

✓ भिया. धा० I. (ध्मा) अत्रयुं; दीप्तयुं. जलना; दीप्त होना. To burn; to be ignited. (२) बुझायुं. बुझाना. to extinguish.

क्रियाएज. भग० ५, ७;

क्रियाएजा. भग० १६, ५; वे० २, ६;

क्रियायमाण. नाया० १; १४; १६; भग०

२, १; ३, २; ८, ६; दमा० १०,

३; ५, २६;

भिल्लिया. स्त्री० (भिल्लिका) त्रयु धन्द्रय वाला जवनी ओक जंत. तीन इन्द्रिय वाला एक जीव. A kind of three-sensed living being. पत्र० १;

भिल्ली. स्त्री० (भिल्लिका) ओ नामनी काई वनस्पति. इस नाम की कोई वनस्पति. Name of a kind of vegetation. पत्र० १;

भीण. त्रि० (क्षीण) क्षय पावेत; नष्ट धयेयुं. क्षयको प्राप्त; नष्ट. Destroyed; wasted away; consumed ओव० ३६;

भुंभिन. पुं० (बुभुक्षित) क्षुधाशी पीडित; लुब्धे. लुभा से पीडित; भूखा. Hungry; troubled by hunger. भग० १६, ८;

भुंभिय. त्रि० (बुभुक्षित) क्षुधानुर; लुब्धे; दुर्बल. लुधानुर; भूखा; दुर्बल. Hungry; weak on account of hunger. नाया० १;

भुण्णि. स्त्री० (भूणि) आवाज. आवाज. Sound. क० गं० १, ५१;

✓ भुर. धा० I. (भुर) उरयुं; रुदन करयुं. भुरना; रुदन करना. To cry; to weep; to pine away. भुरंति. दमा० ६, १; ४;

भुरण. पुं० (भुरण) उरयुं; पस्ताययुं. पश्चात्ताप करना; भुरना. To pine away; to repent. दमा० ६, १;

भुसदाह पुं० (भुसदाह) लुप्ताने आगवायु स्थान. भगा को जलानेका स्थान. The place for burning chaff or husk. निसी० ३, ६५;

भुसिर. त्रि० (भुषिर) छिद्रवायु; पोयुं. छिद्र वाला; पोला. Having leaks or

holes; hollow. (२) न० छिद्र; पोत. छेद. पोलाई. hole hollowness. पगह० १, २; सू० प० १, ६; निरी० १७, ३६; दस० ५, १, ६६; ज० प० उवा० २, ६६; नाया० ८; गच्छा० ८८; (३) वांसली आदि सज्जिद्र वाजिंत्र. बांसुरी आदि सज्जिद्र वाजिंत्र. a musical instrument with holes e. g. a flute etc. जीवा० ३, ४; राय० ६५; (३) आकाश. आकाश. sky. भग० २०, २; (४) वांसली आदि सज्जिद्र वाजिंत्रने शब्द. बांसुरी आदि सज्जिद्र वाजिंत्रकी आवाज. sound of a flute etc. भग० ५, ४; (५) खुली जमीन. खुली जमीन. open space. नाया० १; — **गोलसंठिय.** त्रि० (-गोलसंस्थित) आली गोले के आकार में स्थित. of the shape of a hollow globe. भग० ११, १०;

✓ **भूस.** धा० II. (जुप्) सेवयुं; अराधयुं. सेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षय करेय; दृश करेयुं. क्षय करना; कृश करना. to destroy; to reduce.

भूसइ. नाया० ४०

भूसान. भग० १०, ६;

भूसित्ता. भग० ३, १; नाया० १; उवा० १, ८६;

भूसत्ता. नाया० ४०

भूसणा. स्त्री० (जोषणा) कर्मो क्षय करेय. कर्मों का क्षय करना. Act of destroying Karmas. भग० २, १; नाया० १; (२) सेवा करेय; अराधयुं करेयुं. सेवा करना; ग्रहण करना. act of worshipping; act of accepting. नाया० १; ठा० २, २;

भूसिअ-य. त्रि० (जुष्ट) क्षीय करेय; शोषवेय. क्षीय कियाहुआ; शोषण कियाहुआ. Dried up; enfeebled; sucked up. उवा० ८, २६२; जीवा० ३, १; भग० २, १; (२) सेवा करेय; आराधेय. सेवन किया हुआ; आराधन किया हुआ. worshipped; served. नाया० १; ठा० २, २;

भूसित. पुं० (जुष्ट) सेवेयुं. संवत. Worshipped; served. (२) कर्मो क्षय करेय. कर्मों का क्षय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas. भग० २, १;

भोड. पुं० () आभांशी पत्रादिनुं अंभेरयुं. वृक्ष में से पत्रादिक नीचे गिराना. Felling of leaves etc. from a tree. (२) पत्र रहित वृक्ष. पत्रों में रहित वृक्ष. a bare tree. नाया० ११;

भोडण. न० () वृक्षादिकने अंभेरयुं; इत्यादिने पाडयुं वृक्षादिक का खंखेरना; फलादिकों का गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. पगह० १, १;

✓ **भोस.** धा० II. (क्षि जुप्) क्षयथवे. क्षय होना, करना. To waste away; to be destroyed; (२) सेवयुं. सेवन करना. to resort to; to serve.

भोसइ. भग० १८, २;

भोसित्ता. सं० कृ० भग० १८, २; नाया० १४, १६;

भोसमाण. व० कृ० सु० न० १, ३८४; आया० १, ६, २, १८४;

भोसणा. स्त्री० (जोषणा) सेवयुं. सेवन. Act

* जुष्टो पृष्ठ नम्बर १५ ती पुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

of resorting to; serving. सम० ७;
भोसिय. त्रि० (जुष्ट) अपावेक्ष; क्षय करेक्ष.

क्षय किया हुआ. Destroyed; caused
to waste away. आया० १, ५; ३, १५१;

ट.

टंक. पुं० (टङ्क) जेना डाँडा टुटीगया होय तेयुं
तलाव. जिसका किनारा टूट गया हो वैसे
तलाव. A pond or a lake with
its embankments broken. नंदी०
४७; (२) पर्वतनी टोय-टुक. पर्वत का
सिरा-शिखर. the summit of a
mountain. अणुजो० १३४; (३) ओक
तरईथी तुटेक्ष पर्वत. एक तरफ से टूटा हुआ
पर्वत. a mountain broken on one
side. नाया० १; भग० २, ७; पञ्च० २;
(४) न० छापेयुं नायुं, सिक्का; छाप. सिक्का
छपा दिया हुआ सिक्का. a coin; a
stamped coin. पंचा० ३, ३२;

टंकण. पुं० (टङ्कण) पर्वतवासी भेद-छनी ओक
जनत. म्लेच्छ की एक जाति; पर्वत का
आश्रय करने वाला एक म्लेच्छ जाति.
A race of barbarians living in
hilly districts. सूय० १, ३, ३, १८;
विशे० १६४४; (२) टंकणु नामनो देश.
टंकण नाम का देश. a country of
that name. भग० ३, २;

**टकारवर्गपविभक्ति. पुं० न० (टकारवर्ग-
प्रविभक्ति)** टकार वर्गना आकार विशेषथी
युक्त; ३२ प्रकारना नाटकमानो ओक प्रकार.
टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त; ३२
प्रकार के नाटक म से एक. Bearing
the shape of any of the letters
of the lingual class; one of the

32 varieties of dramas. राय० ४४;
टाल. न० (टाल) जेभां गोटली डे इडिया
पधाया न होय तेयुं इक्ष. जिस फल में गुठली
न बनी हो वह फल. A fruit with
its stone unformed. आया० २, ४,
२, १३८; दस० ७, ३२;

✓**टिटियाव. धा० II. (*)** अपघातीने
शब्द करेयै. खडखडाकर शब्द करना. To
make a sound by shaking an
object close to an ear.

टिटियावह. नाया० ३;

टिटिआविन्ति. जं० प० ५, ११८;

टिटियाविज्जमाण. नाया० ३;

टिटिमी. स्त्री० (टिटिमी) टिटोडी; अधिमाथे
लटकनार ओक पक्षीनी जनत. टिटोडी; नीचे
का ओर सिरकरके लटकने वाला एक पक्षी.
A kind of birds hanging head
downwards, from trees. विवा० ३;
—**झंडझ. न० (-झण्डक)** टिटोडीना भ्रष्ट.
टिटोडी-पक्षीवशेष का अण्डा. an egg of
a kind of bird. विवा० ३;

टोपिआ. पुं० (*) पाथरी; टोपी.
पगडा; टोपी. A turban; a cap. मु०
च० १५, १३५;

टोल. पुं० (*शलभ) पतंगीओ. Moth.
भग० ७, ६; (२) तीक्ष्ण. टिङ्ग; तीक्ष्ण.
Locust. प्रव० १५०; —**गति. स्त्री०**
(-गति) पतंगीयाना जेनी गति. पंत-

गिया की सी गति. Gait like that of a moth. भग० ७, ६;

टोलगह. छा० (टोलगति) टोल-तीडनी पेरे कुदतो कुदतो वंदन करे ते; वंदनाना गत्रीश होपमानो पांयभो होप. अखफुडंव जैसे कुदते हुए वंदना करने वाला; वन्दना के ३२ दोषों में से ५ वां दोष. One of the 32 faults of salutation to a Guru viz. hopping in the act like a grasshopper. प्रव० १५०;

✓ टुडव. धा० I, II. (स्था + णि) स्थापयुं; स्थापना करी. स्थापना; स्थापना करना. To fix; to place; to set.

ठवइ. जं० प० ५, ११७;

ठवेइ. जं० प० ५, ११७; वेय० १, ३७; आ० ३२; निमी० ४, ३०; राय० ७३; नाया० १; २; ७; १६; नाया० ५० भग० ७, ६; २५, ७; उवा० १, ६८; ६, १६४;

ठवंति. आ० ३३;

ठवंति. जं० प० ५, ११२;

ठवेति. जं० प० ५, ११४; २, ३३;

ठवर्यति. सूय० २, ७, १०;

ठवमि. नाया० १२;

ठवज्ज. वि० उत्त० १, ६;

ठवहि. आ० पञ्च० १;

ठवसु. आ० सु० च० ४, १३६;

ठवित्तु सं० कृ० उत्त० ६, २;

ठवित्ता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४; ११४; नाया० ५; वव० ८, ५; वेय० २, १२; उवा० १, ६६; वव० २, १;

ठवेत्ता. नाया० १; २; १६; नाया० ५० भग० ७, ६;

ठवज्जइ. क० वा० नंदी० ४६; अणुजो० १०; पिं० निं० ५०६;

ठवज्जंति. मु० च० २, ३१९;

ठवेडं. गच्छा० २०;

✓ द्वा. धा० I. (स्था) ठिभा रहेयुं; स्थिर थयुं. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी० ४६;

ठाइ. भग० ५, ६; ७, ६; विशेष० ४७०; ६०४;

ठाइऊण. सं० कृ० जं० प० ३, ४६;

ठाइत्तण. हे० कृ० वेय० १, १६; आया० १, ६, २, १५;

ठाइत्ता. भग० १८, ३;

ठिच्चा. सं० कृ० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६;

६, ३१; ३३; १०, १; ११, १०;

१५, १; १६, ८; १८, १०; राय०

२४१; नाया० ३; १४; निमी० ५, १;

पञ्च० १७; वेय० ५, २२; उत्त० ३, १७;

✓ द्वा. धा० I, II. (स्था) ठिभा रहेयुं; स्थिर थयुं. खंड रहना; स्थिर रहना. To stand; to be steady.

ठावेइ. प्रे० भग० ६, ६; ११, ११; नाया० ५; ७; १६; दस० ६, ४, २;

ठावयइ. प्रे० " ठिआ परं ठावयइ परंपि " दस० १०, १, २०;

ठावइति. प्रे० आ० २७;

ठावंति. प्रे० विवा० ४; भग० १८, २;

ठावमि. प्रे० नाया० ५; ८; भग० १३, ६; १६, ५; १८, २;

ठावमो. प्रे० नाया० १६;

ठावहि. आ० नाया० १२;

ठावह. आ० नाया० ८; भग० १८, २;

ठावइस्समि. प्रे० दस० ६, ४, २;

ठावित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; भग० ३, १; नाया० १६;

ठावेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; ७; ८; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० ६, ३२; भग० ९, ३३; ११, ११; १८, २;

ठावित्त. व० कृ० सु० च० ३, ८७;

ठावज्जंति. क० वा० सभ० ३;

ठ.

ठइत्त. त्रि० (स्थापित) साधु आवशे त्पारे
आपुथुं ऐम धारी स्थापी राभेत्तुं; साधुये
टागवा योग्य हवत्ता नामना दोष वात्तुं. साधु
आवेगे तब देगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ;
साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष
वाला. Kept, reserved with a
view to be given to an ascetic
when he might come; (this
sort of food etc. is to be avoid-
ed by a Sādhū). औव० ४;

ठइय. त्रि० (स्थगित) ढाँडेत्तुं. ढाँका हुआ;
Covered. “ पिहियंनु फलादिणा
ठइयं ” पंचा० १३, २७;

ठंडिल. न० (स्थंडिल) थंडिल-दिश. अं
ज्यानी भूमि. थंडिल-तटी जाने का भूमि.
A ground for answering a
call of nature on. नाया० १६;

ठडगिय. त्रि० (*) छत्रायेत्ता; टगायेत्त.
ठगाया हुआ; धाँका खाया हुआ. Deceiv-
ed; cheated. मु० च० ४, २८८;

ठप्प. त्रि० (स्थाप्य) स्थापया योग्य; अंके
आप्तु मुकीदेवा योग्य. स्थापने योग्य; एक
तरफ रखने योग्य. Worthy of being
fixed or kept in some place.
वि० नि० २१८; अणुजो० ७२; १३४; अग०
१५, १; (२) व्यवहार करवा योग्य नहीं;
असंव्यवहार्य; लोकाना व्यवहारमा अनु-
पयोगी. व्यवहार करने में अयोग्य; असंव्यव-
हार्य; लोगों के व्यवहार में अनुपयोगी. un-
worthy of practical purposes.
अणुजो० ३;

ठवक. पुं० (स्थापक) स्थापन करवा. स्थापन
करने वाला. (One) who fixes,
sets or places. नाया० १८;

ठवण. न० (स्थापन) स्थापन करत्तुं; मुक्त्तुं.
स्थापन करना; रखना. Setting; plac-
ing; fixing. पि० नि० भा० २४;
—कुल. न० (-कुल) बीक्षायरने भाँटे
आहारदिक थापी मुक्ते तेत्तुं कुल. भिक्षाचर
के लिये आहारदिक रख छोड़े वह.
reserving food etc. for Sādhū
begging alms. निसी० ४, २८; —जिण.
पुं० (-जिन) कोष्ठ वस्तुमां जिननी दृष्टना
करती ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना
करना. imagining Jina in any
particular object. प्रव० ८७; —पु-
रिस. पुं० (-पुरुष) पुरुषी स्थापना.
पुरुष की स्थापना. setting or esta-
blishment by or of a person.
ठा० ३, १; —लोक. पुं० (-लोक) चार
राजलोकनी स्थापना. चारदह राजलोक की
स्थापना. establishment of the 14
Rājalokas. ठा० ३, २;

ठवणा. स्त्री० (स्थापना) ठवणावी के निर्जिव
वस्तुमां तेना जेवा आकारवाती थीउ वस्तुनी
दृष्टना करती ते; स्थापना निर्जिपो. जीववाली
या निर्जीव वस्तु में उसके जैसी भिन्न आकार
वाली अन्य वस्तुकी कल्पना करना; स्थापना
निर्लेप. Imagining of one thing
in another; animate or inani-
mate which is similar in
form imagining one thing to

be another thing; Sthāpanā Nikṣepa. प्र० ११; विशेष० २६; ५४; पि० नि० ५; अणुजो० ८; पंचा० २, १७; (२) साधुने भाटे अमुक कावप्यन्त स्थापनी राभेन आहारि आध्यायी आगेने ओक दोष; १५ उद्गमनभांति ५ भा दोष. साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोड़ा हुआ आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष; १६ उद्गमनों में से ५ वां दोष. the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time. प्रव० ५७२; पंचा० १३, ५; पि० नि० ६८; (३) धारणानुं ओक नाम. धारणा का एक नाम. another name for Dhāraṇā. नर्दा० ३३; —अणंतय. त्रि० (-अनन्तक) स्थापनायी अनन्त छोड़ा नहि आवे ते. स्थापना से अनन्त-अन्त नर्दा आता वह. endless in the matter of Sthapanā. ठा० ५, ३; —अणुपुटवी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) स्थापेयी -अपेयी अनुपूर्वी अनुक्रम. स्थापन-कल्पित अनुपूर्वी-अनुक्रम. imagined serial order; imagined graded order. अणुजो० ७१; —(शि) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र) कोष पाण्डु वस्तुमां ईद्री कल्पना करी ते. किसी भा वस्तु में इन्द्र का कल्पना करना. imagining a particular object to be Indra. ठा० ३, १; विशेष० ५३; —कर्म न० (-कर्मन्) परमतनुं उत्थापन करी स्वमतनुं स्थापन करेयुं ते. अन्य मत का उत्थापन कर स्वमत का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. ठा०

४, ३; —करण. न० (-करण) हातरडा तलवार वगैरे करणुना वाकडा के पत्थर वगैरेमां करेले आकार. दरांता, तलवार आदि हथियार का लकड़ या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशेष० ३३०२;

ठवणिज्ज. त्रि० (स्थापनीय) स्थापना योग्य; ओक आणु भूकी देता योग्य. स्थापित कर रखने के योग्य; एक ओर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. अणुजो० २; वव० २, १;

ठविअ-य. त्रि० (स्थापित) साधु साध्वीने भाटे स्थापी राभेन (आधार वगैरे). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; e. g. food etc. पण० २, १; दस० २, १, ६५; वव० १, १६; नाया० १, २; भग० ५, ६;

ठवियग त्रि० (स्थपितक) जुओ “ठविअ” शब्द देखो “ ठविअ ” शब्द. Vide “ ठविअ ” प्रव० १०६; —भोइ. त्रि० (-भोगिन्) स धुते भाटे स्थापी राभ्युं देता तेने भोगयनारः स्थापना दोष भेनार (सधु). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे भोगनेवाला; स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु). (one) who enjoys food etc. specially reserved for a Sādhu and thus incurring the fault known as Sthāpanā. प्रव० १०६;

ठविया. स्त्री० (स्थापिता) भवेन प्रायश्चित्त स्थापी भुके ते; आचार्यादिकनी वेदावस्थमां व्यापत पडे तेथी इराणुं प्रायश्चित्तवर्त्त-

मानमां न कर्ता आगच्छ उपर कर्तानुं
राभि ते. मित्रा हुआ प्रायश्चित्त स्थापन कर
रखना; आचार्यार्थिक की वेद्यावच में व्याघात
पडे इसलिये करनेका प्रायश्चित्त वर्तमान में
न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोड़ना.
Act of reserving an expiatory
austerity for a future date in
order to avoid disturbance in
the service of a Guru etc. छ०
५, २;

ठाइ. त्रि० (स्थायिन्) स्थायी; स्थिर रहनेवाला.
स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला.
Standing; stationary. क० प० ४, २३;

ठाइयव्व. त्रि० (स्थापितव्य) स्थापना योग्य;
स्थापयुं. स्थापन करना; स्थापने योग्य.
Act of fixing or establishing;
worthy of being fixed or esta-
blished. वव० ६, ४१;

ठाण. न० (स्थान) स्थान; ठेकाणुं; जग्या;
भक्षन. स्थान; ठिकाना; स्थल; मकान. A
place; a house; an abode. भग०
१, १; २, ७; ३, ४; ५, ६; ११, ६; १३,
४; १४, १०; १६, ५; २४, १२; २५, ८;
नाया० १, ८; १६; दम० ५, १, १६; ६, ७;
६, २, १७; निसी० ५, २; १३, १; ओव०
१०; सम० १; १०; राय० २३; वव० ७, ३;
पि० नि० भा० ४७; नदी० ११; उत० ५, २;
आया० २, २, १६३; सु० च० ४, ६१;
प्रव० ६८१; कण्ठ० २, १५; गच्छा० १२२;
क० प० १, ३१; (२) क्षुडिगम; क्षायते
जरीपणु क्षायती नधी ते. काउपगम; काया
को जरा भी न हिलाना. giving up
attachment to the body and
practising self-contemplation.
जं० प० ५, ११५; ओव० १६; सूय० १, २,
२, १२; नाया० १६; नाया० ध० सम० प०

१६८; वेय० १, १६; (३) लेस्या के अध-
वसायेनुं स्थान. लेस्या या अधवसायों का
स्थान. an abode or source of
matter or thought-tint or of
thought activity. उत० ३४, २;
भग० ४, १०; (४) क्षाय. कार्य. an act;
a deed. भग० ८, ६; (५) स्थिति
करती ते; अधर्मास्तिकायं वक्ष्यते. स्थिति
करना; अधर्मास्तिकाय का लक्षण. act
of remaining stationary; the
characteristic (fulcrum of rest)
of Adharmāstikāya उत० २८,
६; (६) आंशानुं स्थान. अंक का
स्थान. the place of figure. अणुजो०
१४५; (७) उत्पत्तिस्थान; उपजानुं
ठेकाणुं. उत्पत्तिस्थान; उत्पन्न होनेका ठिकाना.
source of birth; origin. अणुजो०
१२८; (८) अरक्ष-भूमिप्रदेश. अवकाश-
भूमिप्रदेश. space of land; ground.
नाया० २; (९) शरीरने अभुक्ष स्थितिमां
राययुं ते. आसन. शरीर का अभुक्ष स्थिति
में रखना; आसन. a particular pos-
ture of the body. कण्ठ० ६, ५२;
उत० ३०, २६; (१०) पन्नवणुना थीज्ज
पदंनुं नाम. पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम.
name of the second Pada of
Pannavanā. पन्न० १; (११) त्रीणुं
अंगसुत के जेमां ऐकथी दश प्रकारनी
वस्तुओंनुं वर्णन छं. तीसरा अंगमूत्र कि
जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का
वर्णन है the third Aṅga Sūtra
containing an account of sub-
stances ranging from 1 to 10
kinds. नदी० ४६; अणुजो० ४२; सम० १;
(१२) स्थिति परिणाम. स्थिति परिणाम.
state of being motionless पि०

नि० ४४०; विशेष० ५४७; (१३ / स्थान-
स्थिति३५ गुण. स्थान-स्थितिरूप गुण. the
quality of being stationary. ठा० २, १; (१४) योग-मन, वचन, काया
के व्यापार का स्थानक. an abode or
source of the activity of the
mind, speech or body. क०प० १, ५;
(१५) उभा रहेयुं ते. खड़ा रहना.
act of standing. प्रव० ५२२;
—अंतर. न० (-अंतर) स्थानान्तर;
योगना ऐक स्थानथी श्रीजुं स्थान. स्थाना-
न्तर; योग के एक स्थान से दूसरा स्थान.
another place; change of
stage. g. from one sort of
activity to another. क०प० १, ४८;
—उकडियासणिया छा० (-उकटि-
कार्मानका) उड्डु आसने ऐसनार श्री.
उकडु आसन में बैठनेवाली श्री. a
female sitting in a knee-chest
posture. वेय० ५, २४;—उककुडुअ.
पुं० श्री० (-उक्कुडु) कार्योत्सर्ग
श्रीने उड्डु आसने उलअडिये ऐसनार.
कार्योत्सर्ग करके उकुडु आसनसे-उमखडिये
बैठनेवाला. one who sits on his legs
after performing Kāryotsarga
(meditation upon the soul).
नाया० १; वेय० ५, २४; पण्ह० २, १; भग०
२, १;—क्रम. पुं० (-क्रम) स्थान योगादि
स्थानइते अनुक्रम. स्थान-योगादि स्थानकका
अनुक्रम. a graded order or order
of the sources of the activity of
the mind, speech and body etc.
क०प० ४, २६;—गुण. पुं० (-गुण-स्थान
स्थितिगुणः कार्य यस्य सः) अधर्मास्तिकाय;
स्थितिमां सहाय इत्येतो गुण छे ते.

अधर्मास्तिकाय; स्थिति में सहाय करने का
जिस का गुण है वह. one that has
the property of helping sta-
tionary condition; Adharmās-
tikāya; fulcrum of rest. भग० २,
१०;—ट्राइत्ता. छा० (-स्थापिता) ऐक स्थाने
उभा रहेयुं ते. एक स्थान पर खड़े रहना.
act of remaining stationary.
प्रव० ५६१;—नवग. न० (-नवक) नव
गुणइत्यु. नौ गुणस्वान. nine Gunasth-
ānas (stages of spiritual devel-
opment). “ नियमा ठाणनवगामि भव-
णिज्जं ” क० प० ७, ५;—डिअ-य. त्रि०
(-स्थित) संयमना स्थानइते विशेषे स्थिति
पामेस. संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-
प्राप्त. (one) who has reached
the stage of asceticism. सूय० १,
२, १, १६; जं० प० ७, १८१;—पडिमा.
छा० (-प्रतिमा) स्थाननी प्रतिमा; आसन
के काउसगसंयधी अभिप्रद विशेष. स्थान
का प्रतिमा; आसन या काउसग के संबंध में
अभिप्रद विशेष. a particular vow in
connection with bodily posture
or Kāyotsarga (contemplation
upon the soul). ठा० ४, ३;—भट्ट. पुं०
(-भट्ट) स्थानथी-संयम-स्थानइथी भट्ट-
पेटेके. स्थान से संयम स्थानक ने भट्ट-गिरा
हुआ. degraded, fallen down
from asceticism. नाया० ६;—म-
गगणा. छा० (-मार्गणा-मृग्यते इति
मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) स्थाननी
मार्गणा; अचरनेयु स्थान का मार्गणा;
अचरण the search for a way;
descending of incarnation.
जवा० १;—लखण. त्रि० (-लखण)
स्थिति वक्ष्यु युक्त (अधर्मास्तिकाय).

स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्तिकाय). with the characteristic of Adhar-māstikāya (fulcrum of rest). भग० १३; ४; —विणिओग. पुं० (-विनियोग-स्थाने विनियोगः) ठिक्केडाल्ले जेऽतुं; येऽतुं. योग्य स्थान में जोड़ना; योजना करना. apt or proper application; proper use. विशेष० ३३२; —समवायधर. पुं० (-समवायधर) ढालुंग अने समवायंग सूत्रने धरल्लार-मल्लुनार. ठाणंग और सम-वायंग सूत्र को धारण करने वाला-जानने-वाला. one who knows the two Sūtras viz. Thāṇāṅga and Samvāyāṅga. वव० १०, १६;

ठाणओ. अ० (स्थानतः) ओक्केडाल्लेथी. एक ठिकाने से. From one place. सू० १, १, २, १;

ठाणपद. न० (स्थानपद-स्थानस्य पदम्) प्रनापना सूत्रना द्वितीय पदं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के द्वितीय पद का नाम. Name of the 2nd Padā of Prajñāpanā Sūtra. भग० २, ७; १७, ४; ३४, १;

ठाणाइय. त्रि० (स्थानायत) क्षयत्सर्ग-काउसगगेक आसन से बंठा हुआ. (One) seated in the Kāusagga (meditative) posture. वेय० ५, २३; ठा० ५, १; भग० २५, ७;

ठावव. त्रि० (स्थातव्य) स्थिर रहैतुं. स्थिर रहना. Remaining stationary; state of being at rest. प्रव० १५८१;

ठावअ. पुं० (स्थापक) पक्षने स्थापन कर-नार हेतु. पक्ष को स्थापन करने वाला हेतु. A logical reason which establishes one's own tenet.

ठा० ४, ३;

ठावइत्तार. त्रि० (स्थापयितृ) स्थापनार. स्थापन करने वाला. (One) who places or establishes. दसा० ४, ७६; ठावण. न० (स्थापन) स्थापन करैतुं ते. स्थापन करना. Act of placing or establishing. पंचा० ६, ३;

ठाविय. त्रि० (स्थापित) स्थापन करैत. स्थापन किया हुआ. Placed; established. मम० ३४;

ठावेयव्य. त्रि० (स्थापयितव्य) स्थापन करैत येऽय. स्थापन करने योग्य. Worthy of being established; fit to be placed or established. भग० ८, १०; १२, ७;

ठिअ-य. त्रि० (स्थित) स्थिर रहैत; अथ-स्थित करैत; ठिभुं राभैत. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ; खड़ा किया हुआ. Steady; kept in order; kept standing. भग० ६, ३३; १४, ३; १७, २; २५, २; नाया० १६; आ० २०; २६; उल्ल० ३२, १७; दस० ६, ४, २; १०, १, २०; विशेष० ४; ८५१; दसा० ४, १४; वव० ३, १३; पिं० निं० भा० ३२; सु० च० १, ३८; क० म० १, ११; प्रव० २६३; कप्प० ५, १३१; प्रव० ४६१; —कप्प पुं० (-कल्प) भरत अने भरत क्षेत्रमां पड़ेत अने छेडत तीर्थ करैत शासनना साधुआने माटे नियत करैत आचार व्यवस्था मर्यादा. भरत और भरत क्षेत्र में प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के शासन के साधुओं के लिये नियत की हुई आचार व्यवस्था-मर्यादा. the course of conduct prescribed for Sādhus of the cult of the first and last Tir-thaṅkaras of Bharata and

Iravatā Kṣetras. भग० २१, ६; ७; विशेष० १२६६: पंचा० १७, २; प्रव० १८; २१६; —पपा. पुं० (—आत्मन्) गेजुं भन धर्मभां स्थिर देय ते. जिस का मन धर्म में स्थिर हो वह. one whose mind is steady in the matter of religion. दस० ६, ५०; १०, १, १७; (२) मोक्षमार्गभां रदेय अत्मा. मोक्ष मार्ग में रही हुई आत्मा. a soul steady in the path of salvation. आया० १, ६, ५; १६५:

डिड. खा० (स्थिति) आयुष्यमानः ७५५५
 डात. आयुष्यमानः जीवन काल. Period of life: life time. नंदा० १११:
 भग० १, १; ५, २, १; ३, २; ६, ५; १५, १; २४, १२; ३६, २; नाया० २; ८; ६; १६; १६; नाया० ध० २; जीवा० १; जं० प० आ० ३८; पञ० ८; अणुजा० १४०; क० ५० ५, १४०; उवा० २, १२५;
 (२) पञ्चगुणा आथा पदं नाम. पञ्चगुणा के चौथे पदका नाम. name of the 4th Pada of Pannavāṇa. पञ० १;
 (३) ज्ञानावरणीयादि कर्मनी स्थिति-अवस्थान डात. ज्ञानावरणीयादि कर्म की स्थिति: अवस्थान काल. the duration of Karma such as Jñānavarāṇīya etc क० गं० १, २; ५, ९६; सम० ८; भग० २, १; नाया० १; पि० नि० ६६, उत्त० ३४, २; (४) भेसयुः स्थिर थयुं. बैठना; स्थिर होना. remaining steady; act of sitting. पञ० २३; नाया० १; पि० नि० ५१; सु० च० २, ३६३:
 —कंडा (—काण्ड) कर्मनी स्थिति अ० ३० सभू५. कर्म के स्थिति खंडों का समूह. a collection of the various durations of Karmas क० ५, १३:

३६;—कर्म. न० (—कर्मन्) स्थिति रूपे अधायेत्र कर्म; कर्मनी स्थिति. स्थिति रूप से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. duration of Karmas. डा० ४, ४; (२) स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. स्थिति कर्म; जन्म संस्कार. Karmas causing birth in a particular condition. नाया० १४; —कल्लाण. त्रि० (—कल्याण-स्थिति: त्रयस्त्रिंशत्सागरोपमलक्षण कल्याणं येषांति:) इत्याज्यरूप उत्कृष्टभां उत्कृष्ट स्थिति वाला. स्थिति कल्याण; उत्कृष्ट में उत्कृष्ट स्थिति वाला. possessed of the highest duration. सम० ८००; जं० प० २, ३१; —काल. पुं० (—काल) स्थिति-कर्म स्थितिनी उद्दिग्युता डात-वचन. स्थिति-कर्म स्थिति की उद्धारणा का काल-समय. time of forcing up or hastening the maturity of Karmas. क० प० ४, ४२; —कल्प. पुं० (—कल्प) स्थितिने क्षय; आयुष्यनी सप्तमि. स्थिति का क्षय; आयुष्य की समाप्ति. end of life-period; end of fixed duration. नाया० १; ८; १४; १६; भग० २ १; ६, ३३; २५, ८; क० १, २; क० ५० ६, ६; —खंड. पुं० (—खण्ड) कर्मनी स्थितिना अ० ३-३३५. कर्म की स्थिति के खंड-टुकड़े. a division or detachment of the duration of Karmas. क० ५० २, ६२; —ट्टाण. न० (—स्थान) कर्म स्थितिना स्थानक. कर्म स्थिति के स्थानक. different conditions of Karmas. क० गं० ५, १६; —नामनिहत्ताड. न० (—नामनिधत्तायुः) गति अति आदि नाम कर्मनी प्रकृतिनी स्थितिने अनुसार आयुकर्मनी अध थाय ते. गति जाति आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

अयुर्कर्म का बंध होना. the formation of Āyukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati, Jāti etc. भग० ६, ७; —निसेग. पुं० (—निषेक) कर्मनी स्थितिभां कर्मना द्रविया नाभ्या ते. कर्म की स्थिति में कर्मों के समूह को डालना. incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क० प० २, ७२; ६, १५; —पडिहाअ. पुं० (—प्रतिघात) उच्य स्थितिना नाशाय ते. उच्च स्थिति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. डा० ५, १; —भेअ. पुं० (—भेद) स्थितिना भेद-प्रकार. स्थिति के भेद-प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क० गं० ५, ६६; —रस. पुं० (—रस) कर्मनी स्थिति अने रस. कर्म की स्थिति और रस the duration and intensity of Karma. क० प० ३, १०; —रसघाय. पुं० (—रसघात) कर्मनी स्थिति अने रसनी घात इरती ते. कर्म की स्थिति और रस का घात करना. destruction of the duration and intensity of Karma. क० प० ५, १२; —विशेष. पुं० (—विशेष) कर्मनी स्थिति विशेष; विशेष प्रकार की स्थिति. कर्म की स्थिति विशेष; विशेष प्रकार की स्थिति. a particular duration of Karma. क० प० ३, ४; क० गं० ५, ६०; —संक्रम. पुं० (—संक्रम) कर्मनी ओक स्थिति भागवानी होय तेभां ओल स्थिति नाभ्या ते. कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति डालना. mixing up the

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. क० प० २, २८; ४, ३२; —संतडाण. न० (—सत्स्थान) कर्म संभंधी स्थितिना स्थानक. कर्म संबंधी स्थिति के स्थानक. the sources which determine the duration of Karmas. क० प० ७, २०;

टिडपद. न० (स्थितिपद) प्रज्ञापना सूत्रना अतुर्थ पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के चतुर्थ पद का नाम. Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ११, ११;

टिडबंध. पुं० (स्थितिबन्ध—अध्यवसाय-विशेषपटुहीतस्य कर्मफलकस्य स्थितिःकाल-नियमनम्) कर्मनी स्थितिना बन्ध; कर्मनुं क्षतमान. कर्म की स्थिति का बन्ध; कर्म का कालमान. Duration of the attachment of Karmic matter to the soul. क० गं० ४, ८५; ५, २१; ६५; क० प० ५, १२; डा० ४, २; —अवसाय. पुं० (—अध्यवसाय) स्थिति अधेना हेतु-भूत अध्यवसायो. स्थिति बंध के हेतुभूत अध्यवसाय. thought-activity causing Karmic matter to remain attached to the soul for a certain fixed duration. क० गं० ४, ८५; ५, ६५; —ट्टाण. न० (—स्थान) स्थिति अधेना स्थानक. स्थिति बंध के स्थानक. a source of or cause of the duration of Karma. क० प० १, ५२;

टिडवडिया. स्त्री० (स्थितिपत्तिता—स्थिति कुलस्य मर्यादायां पत्तिता पुत्रजन्मादिक्रिया) कुल वा लोकनी स्थिति; मर्यादा; कुलनी पर-पराधी यात्री आवती जन्म भडोत्सवादि

द्विधा. कुल वा लोककी स्थिति; मर्यादा; कुल परंपरासे चली आती जन्म महोत्सवादि क्रिया. A practise handed down from one generation to another e.g. celebrating the birth of a son. ओव० ४०; नाय० १; १४; भग० ११, ११; राय० २८३; कप० ५, १०१;

टिड्य त्रि० (स्थितिक) उभुं रदेदुः स्थिर थयुं. खड़ा रहा हुआ. स्थिर. Become steady; standing. उवा० १, ७४, ओव० ३३; (२) स्थितिवादी. स्थितिवाला. steady; standing. भग० ६, ३३; १२, २;

टिड्या स्त्री० (स्थितिका) स्थिति. स्थिति. Condition; state; state of last- ing. उवा० ७, २०८; भग० १४, ६;

डित त्रि० (स्थित) धितमं स्थिर रदेदुः. चित्त में स्थिर रहा हुआ. Steadily remaining in the mind. अणुत्रा० १३;

डिति पुं० (स्थिति) गतिना अभाव. गति का अभाव. Absence of motion. जीवा० ३, ४; (२) स्थिति: आयुष्यकाल. existence; duration of life. भग० २०, १; २४; २०; जे० प० जीवा० १; राय० २९३; मू० प० १८; (३) मर्यादा मर्यादा. limit. पंचा० २, २८; —**नामनिहत्ताडय** पुं० (—नामनिधत्ता- युक्त) ऐक प्रकाशने आयुधर्मना अधः नरकादि आर गति ऐकन्द्रियादि पांच गति अने अचारादनादिषु गते नामधर्मनी प्रकृति तैनी साथे आयुधर्मनु निधत्त थयुं. नरकादि ४ गति एकेंद्रियादि पांच जाति और श्रवणाहनादि रू जो नामकर्म की प्रकृति उसके साथ आयु- कर्म का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to

the various kinds of Nāma- karma such as the four Gatis e. g. hell etc, the five Jātis e. g. possession of one-sense etc.; a sort of Karmic bond- age in relation to the dura- tion of life. पञ० ६; —**भेअ** पुं० (—भेद) धर्मनी गे स्थिति आधेय देय तेमां अध्वपसायादि अथथी न्यूनाधिकता करी ते. कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अध्ववसायादि बन में न्यूनाधिकता करना. act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc. अंत० ३, ८; —**वडिया** स्त्री० (—पतिता) दुष्टकमागत; दुष्टमां आवेती स्थिति प्रमाप्ते; ननुभोत्सवादि क्रिया. कुल- कमागत; कुल में आई हुई स्थितिके अनुसार जन्मोत्सवादि क्रिया. traditionally handed down from one gene- ration to another in a family. निर० १, १; —**साहण** न० (—साधन) स्थिति-अ. य. र मर्यादा साधी अत वली-दर्शावली ते. स्थिति-आचार मर्यादा की साधना कर दिखाना. act of point- ing out rules of conduct by practising them पंचा० २, २८;

डितिय पुं० (स्थितिक) उभे रदेदार. खड़ा रहने वाला. One who stands. भग० २४, २०; (२) त्रि० स्थितिवादी. स्थिति वाला. standing; steady; lasting. डा० १, १;

डिय त्रि० (स्थित) रदेद. रहा हुआ. Re- maining, posted; standing. प्रव० ७८२;

ड.

डंड. पुं० (दण्ड) दंड. दंड; दंडा. A thick short stick. पञ्ज० २;

डंडि. पुं० (दण्डिन्) दण्डधारी. दण्डधारी; दण्डका धारण करने वाला. (One) with a stick in his hand. श्रव० ६१;

डंडिखंड पुं० (दण्डिखण्ड) टुकड़ा टुकड़ा सीरीने जड़ेसे पत्र. टुकड़े टुकड़े साँकर जोड़ा हुआ वस्त्र. A garment made up of fragments stitched together. पण० १, ३;

डंभण. न० (दंभन) दंभकारी भीमने शत्रु ते. दंभ करके औरों को ठगना. Act of deceiving another by hypocritical show. प्रव० ११५;

√ डंस. घा० I. (दंश) डंसयुं; डंसयुं. काटना; डंक मारना. To bite; to sting. डसइ. उत्त० २७, ४; सु० च० १, ३५५; डंसावेइ. सु० च० १३, ५५;

डंसण. न० (दंशन) डंसयुं; डंसयुं. डंक मारना; काटना. Act of biting. वि० नि० ३५८;

डक. न० (दष्ट) जंगम सर्पादिनुं जेर. जंगम सर्पादिका विष. Poisonous effect due to serpent bite etc. शा० ६, १; (२) त्रि० डंक दिधेइ. डंक दिया हुआ. bitten; stung. पण० १, १; २, ५;

डका. स्त्री० (डका) शिवनुं वाद्यं; डमई. शिव का वाजिंत्र; डमरू. A sort of small hand drum of the god Śiva. सु० च० १३, ४६;

डगलग. पुं० (*) नाना नाना पथर; डंकरा. छोटे छोटे पथर; कंकर. Small

stones; a pebble. वि० नि० भा० १५; डड्ड. त्रि० (दग्ध) अक्षी गयेयुं; क्षरभ थयेयुं. जला हुआ; भस्मित. Burnt to ashes; burnt. सु० च० ४, २२२;

डमर. पुं० (डभर) ये राजपौता के राजकुमारों परस्पर विरोध थी शतो ७५५५. दो राज्यों अथवा राजकुमारों के परस्पर विरोध से होता हुआ उद्वेग. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family. जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; निरी० १२, ३३; पण० १, २; जं० ५०, १, १; श्रव० ३१; सूय० २, १, १३; (२) दुःख; तोड़ना; अथवा. हुल्लाह; बखेड़ा. rebellion; commotion; riot. आया २, ११; १७०; उत्त० ११, १३; प्रव० ४५०; — कर. त्रि० (-कर) अथवा डरना; तोड़ना डरना. बलवा करने वाला; तुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. श्रव० ३१;

डमरुय. न० (डमरुक) डमई नाम का वाद्यंत्र. डमरू नाम का वाजिंत्र. A kind of drum. निरी० १७, ३३;

√ उह. घा० I, II. (दह) अजयुं; दहयुं. जलना; दग्ध होना. To burn; to get burnt.

उहइ. त्रिवा० ७;

उहेइ. नाया० २;

उहिहेजा. त्रि० दस० ९, १, ७; उत्त० १२, २८; जं० ५० अणुजो० १३६;

उहइ. आ० सूय० २, १, १७; सु० च० १०, ११४;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vils foot-note (*) p. 15th.

इहिस्संति. सु० च० १०, ११३;

इज्झइ-ति. क० वा० उत्त० ६, १४; आया०

१, २, ४, ८३; १, ३, ३, ११६;

पि० नि० ११४; २००;

इभंति. सु० च० ४, २११;

इज्झेज्ज. क० वा० वि० विशेष० २१०;

इज्झिही. क० वा० भ० प्र० ए० सु० च० ६, ४७;

इज्झंत क० वा० व० कृ० नाया० १; सम०

प० २१०; सु० च० २, ५६६; कप्प०

३, ३२;

इज्झमाण. क० वा० व० कृ० मय० १, ५, १,

७; उत्त० ६, १४; सु० च० ३, ३६;

डहण. त्रि० (दहन) आगयुं. जलाना. Act

of burning; setting fire to. पि०

नि० ४७९.

इडहर. त्रि० (*) दलकुं; तुच्छ; नानुं.

दलका; तुच्छ; छोटा. Mean; trivial;

insignificant ओष० नि० १०८; ७१५;

ओष० नि० भा० २६०; निषी० १२, ३४;

क० प० १, ८०; (२) आश्रय. बालक. a

child. मय० १, २, १, २; २, ३, २३;

आया० २, ११, १००; अंत० ६, ३; दम०

६, ३, १२; (३) तक्षु; युवक. तरुण;

युवक. young; youthful दमा० ५,

२, २६;

डाइणी. स्त्री० (डाकिनी) अक्षु. डाकिन.

डाकनी. A female ghost; a

wench. पगह० १, ३;

डाग. पुं० (डाक) वृक्षकी अशष्पी; नानी अश

वृक्षकी डाली; छोटी शाखा. A tender

twig of a tree आया० २, १०:१६६;

(२) अंभो राश्र वगेरेनी भाश्र. भार्जाके

भिन्न २ प्रकार. varieties of vege-

tables used as salads. प्रव० १४२५;

डामरिअ. त्रि० (डामरिक) मिश्रित करनार.

विग्रह करनेवाला. (One) who

wages a war. पगह० १, २;

डाय. पुं० (*) अंभो वत्थुव राश्र वगेरेनी

भाश्र. भार्जा के भिन्न २ प्रकार. A

variety of vegetables used as

salads. दमा० ३, १६; पि० नि० २५०;

प्रव० १४२६; आया० २, १, ६, २६; (२)

त्रि० आश्र. अच्छा. good. सम० ३३;

डायटिई. स्त्री० (डायस्थिति) के स्थितिथी

भांश्रीने ते प्रकृतिनी विसृष्ट स्थितिनी अथ

थाय त्वां सुधीनी अथी स्थितिआनी उय-

स्थिति आनी संज्ञा छे. जिन स्थिति मे

लगाकर प्रकृति की उत्कृष्ट स्थिति का बंध-

न हो उम तक की सर्व स्थितियों

का डायस्थिति ऐसी संज्ञा है. A term

denoting all the intermediate

stages from a particular stage

of duration to the highest

stage of duration of a parti-

cular kind of Karma. क० प० १;

६६; ३, ६;

* डाल. न० (*) शाखा; जांती अश.

शाखा; भांड की डाली. A branch of

a tree; a bough of a tree. महा०

प० १००; पंचा० १८३६;

* डालग. पुं० (*) शाखाको अश्र भाग;

अशष्पी शाखा का एक भाग; छोटी डाली.

A small branch of a tree; an

offshoot of a tree. आया० १, १, १०,

५८; (२) इक्षुवी पत्रिका; न्दानी छकरी. फल

का छोटासा टुकड़ा-चौर. a small slice

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide foot-note (*) p. 15th.

- e. g. of fruit. आया० २, ७, २, १६०;
 * डाला. स्त्री० (*) शाखा; अत्र. शाखा:
 डाली. A branch of a tree; an
 offshoot of a tree. सु० च० ६, ३०;
 डाह. पुं० (दाह) अघ्रयुं; दाहयुं. जलना;
 दग्ध होना. Act of burning; act
 of catching fire. पि० नि० २७०;
 डिंडिम. न० (-डिंडिम) वाद्य विशेष; नाने
 देव. वाद्य विशेष. A kind of drum.
 राय० ८८; जीवा० ३, १;
 डिंडिमय. पुं० (डिंडिमक) छोटा नाने
 नाने देव. बालकों को खेलने का छंटा
 ढोल. A small drum used as a
 toy by children. सूय० १, ४, २, १४;
 डिव. पुं० (डिम्ब) उपद्रव; अशान्ति. उद्वेग;
 बलवा. Trouble; rebellion. (२)
 दस्त; विघ्न. विघ्न; तुफान. obstruction;
 riot. जीवा० ३, ३; ओष० सूय०
 २, १, १३; आया० २, ११, १७०; भग०
 ३, ७; निर्मा० १२, ३३; जे० प० १, १०;
 डिम. पुं० (डिम) आलस बालक. A
 child. ओष० नि० भा० २०७; पि० नि०
 २१०;
 डिमअ-य. पुं० (डिमक) अलस बालक.
 A child. अंत० ६, १२; निर० ३, ५;
 नाया० २; ५; १८;
 डिमिया. स्त्री० (डिमिका) अतिशय दया-
 बालिका; कन्या. A young girl. नाया०
 १८;
 * डुंगर. पुं० (*) पर्वत; पर्वत. पर्वत;
 पहाड़ी. A mountain; a hill. जे० प०
 * डुंव. पुं० (*) भावत. भावत. An
 elephant-driver. पि० नि० ३८७;

- (२) आंडल (भट्टर). चांडाल (महेतर).
 a person belonging to the
 untouchable class. सु० च० ८, ८२;
 दुष्ट. त्रि० (दुष्ट) दुष्ट; दुर्जन. दुष्ट; दुर्जन.
 Wicked; bad; evil. दसा० ४, ८४;
 दूतिपलासअ. पुं० (दूतिपलाशक) दूतिपलाश
 नामे उद्यान. दूतिपलाश नाम का उद्यान. A
 garden named Dūtīpalāśa. दसा०
 ५, ६;
 * डेवण. न० (*) उद्वेगधन; ओषधयुं.
 उलंघन; उलंघना. Act of transgress-
 ing or going beyond; crossing.
 ओष० नि० ३९; गच्छा० ८२;
 डेवेमाण. त्रि० (*) अतिक्रमण करनेवाला.
 अतिक्रमण करता हुआ. (One) who
 transgresses, crosses or goes
 beyond. भग० १३, ६;
 * डोअ. पुं० (*) दादानी; आटावा;
 लकड़ा का चाट; दाव खीचटी दिलाने का काम
 में आने वाली वस्तु का नाम. A sort of
 ladle used for stirring broth
 etc. पि० नि० २५०;
 डोंगर. पुं० (डुंगा:शिलवृन्दा श्रोत्रवृन्दाश्च
 सन्ति यत्र) पर्वत; आरोहण स्थान.
 पर्वत; चारों ओर रहने का स्थान. A mount-
 ain; a place or abode of
 thieves. “ पञ्चगिरिडोंगर इच्छलभट्टि-
 मादीपु ” भग० ७, ६; —डोंब. पुं० (डोंब)
 देश. डोंब देश. Domba country.
 (२) त्रि० देश. निवासी. डोंब देश
 निवासी. an inhabitant of the
 country called Domba. पण्ड० १,
 १; पञ्च० १;

डोंबिलग. वि० (डोम्बिलक) अधिदेश
निवासी. डोंबिल देश निवासी. An in-
habitant of the country called
Dombila. पृ० १, १; पृ० १;

ॐ डोडिणी. स्त्री० (*) आभिलषि; आभिलष्य
वर्तिनी स्त्री. ब्राम्हण जाति का स्त्री. A
female Brāhmaṇa; a female
of the Brāhmaṇ caste. अणुना०
४; ६६;

डोल. पुं० (*) महुआ का फल. महवा का
फल. A fruit of a Mahuā tree.
“ विगईओ सेसाणं डोलाइणं न विगईओ ”
प्र० २२०;

डोहल. न० (दोहल) त्रीण भक्षिता दरम्यान
गर्भवती स्त्रीने गर्भना श्रवना
भावि अनुसार जुदी जुदी छत्र
थाय ते; दोहलो. तीसरे महीने के दरम्यान
गर्भवती स्त्री को गर्भ के जीव के भारी के
अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A
variety of desires experienced
by a woman in the third
month of her pregnancy,
those desires foreshadowing
the future of the child in
the womb. नाया० १; ८; विवा० ७; तंदु०
१६; मु० न० १, ३०६;

ढ.

ढंक. पुं० (ढंक) ढंक पक्षी; पाणीना श्रवो-
पर निराद करतार ऐक पक्षी. ढंक पक्षी;
पानीके जीवोंपर निरवाह करने वाला एक पक्षी.
A kind of bird feeding upon
insects living in the water. पृ०
१; जा० १; उत्त० १६, ५६; सू० १, १, ३,
३; १, ११, २७; भग० ७, ६; १२, ८; जं० ५०

ढंकण. पुं० (*) चार इन्द्रियावा श्रवणी
ऐक वृत्ति; म० ५५. चार इन्द्रिय वाला जीव;
चतुर्भुज. A four-sensed being; a
bug. पृ० १;

ॐ ढंकण. पुं० (*) म० ५५. चतुर्भुज. A
bug. जं० ५० (२) ऐक वृत्ति वाजिंत्र.
एक जाति का वाजिंत्र. a kind of musi-
cal instrument. आया० २, ११, १६८;
—सद. न० (-शब्द) ढांकण नाम का
वाजिंत्रको शब्द. ढांकण नाम के वाजिंत्र
का शब्द. sound of a musical ins-

trument named Dhāṅkaṇa.
निमी० १७, ३४;

ढंकवाथुल. पुं० (ढंकवाथुल) शाक वनस्प-
तिनी ऐक वृत्ति के छे वृत्ति अनन्तकालिक
होय छे अने छेछा पक्षी प्रत्येक थाय छे.
शाक वनस्पति की एक जाति कि जो उगनेपर
अनंत कालिक होता है और काट डालने के
बाद प्रत्येक होता है. A sort of vege-
table which contains infinite
lives during growth but which
becomes Pratyeka (having one
life) after it is cut off. प्र० २४२;

ढङ्गर. पुं० (ढङ्गर) अनुकरण शब्द; ते
स्वर-आवाजोंमें ढरढर थाय ते; आंभरे
आवाज. अनुकरण शब्द; त्रिम स्वर की
आवाज ढर ढर सी होता है वह. A sound
resembling that produced by
the pronunciation of Dhara-

dhara, an onomatopoeic word.
 पि० नि० ४२५०; आ० नि० भा० ५१६;
 (२) राहुदेवतु नाम. राहुदेव का नाम.
 name of the god Rāhu. सु० प०
 २०; प्र० १५४: —सर. पुं० (-स्वर)
 भोले २४२-आवाज. बड़ा स्वर-आवाज.
 a loud sound. प्र० १७३;

दिक्कण. पुं० (*) भा० ३५; अ० ३५.
 खटमल. A bug. उ० ३६, १४५;

देणियालग. पुं० (देणियकालक) पक्षि विशेष;
 देव विशेष. पक्षा विशेष; मोरनी; मयुरी.
 A particular kind of bird re-
 sembling a pea-hen. प० १, १;
 देणियालिया. स्त्री० (देणिकालिका) पक्षि;
 देव विशेष. मोरनी; मयुरी. A kind of
 bird; a bird resembling a pea-
 hen. अ० ३, १;
 ढोल. पुं० (*) उ० ३८. उ० ३८. A camel. जं० प०

ए.

ए. अ० (न) नकार; ना; नहि; निषेध नकार;
 ना; नहीं; निषेध. A negative; not;
 न०. नाया० १; २; ५; ६; १४; १५; १६;
 १८; भग० १, ६; २, १; ३, ७; २६, १;
 उ० १, १४; सू० १, १, १, २०;

एई. स्त्री० (नदी) नदी. नदी. A river.
 नाया० १; आ० ३८; जं० प० १, १०;
 —कच्छ. न० (-कच्छ) नदी की पास की
 गीय जमी. नदी के नजदीक की घनी झाड़ी.
 a dense thicket of trees in
 the vicinity of a river. नाया० १;

एउअ-य. त्रि० (नवत) ८०; ने० ६०; नव्व.
 90: ninety. “ सत्तएउअ जोगणमए
 अवाहाए अंतरे पण्णते ” भग० १४, ८;
 जं० प० ६, १२५;

एउअ-य. न० (नियुत) ८४ लाख नियुतांग
 प्रमाण काल विशेष. ८४ लाख नियुतांग प्रमाण
 काल विशेष. A period of time
 measuring 84 lacs of Niyu-
 tāngas. डा० २, ४; भग० २५, ५;

एउअ(यं)ग. न० (नियुताङ्ग) ८४ लाख

अयुत प्रमाण काल विशेष. ८४ लाख अयुत
 प्रमाण काल विशेष. A period of
 time measuring 84 lacs of
 Ayuktas. डा० २, ४; भग० २५, ५;

एउइ. स्त्री० (नवान) ने० ८०. नव्व; ६०.
 Ninety; 90. जं० प० भग० २०, ५;

एउल. पुं० (नकुल) नोदीडे. नेवना; नकुल.
 A weasel. नाया० ८; १६; प० १;
 उवा० २, ६५; भग० १५, १; (२) न०
 वाद्य विशेष. वाद्य विशेष a particular
 kind of musical instrument
 राय० ८८; (३) पुं० पाण्डुराज्य की दीक्षेत्र;
 पांच पांडव भाई साथी नामों वाल. पाण्डु
 राजा का पुत्र; पांच पाण्डवों में से सब से
 छोटा भाई. one of the five sons of
 the king Pāṇḍu, so named.
 नाया० १६;

एउली. स्त्री० (नकुली) सर्प को वश कराने की
 विद्या. सर्प को वश करने की विद्या. The
 art of charming serpents. जा० प०
 १; क० प०

शं. अ० (*) वाक्यान्तर; वाक्यना अन्त-
कार ३५ अं० १०६. वाक्यान्तर; वाक्य
के अन्तकार रूप एक शब्द. A particle
used as an expletive. " ते शं
कालेण तेणं समये शं " नाया० १; अणुजा०
६; भग० १, १; ५, २; ६, ५; दस० ५, १,
६३; ६, ११; वव० १, २०; जं० ५० वय०
१, ३७; पञ्च० १;

शंगर. पुं० (*) लंघन; पदाणुने रेष्टी
राश्यानां दोरडी के सांकेतिक. लंगर; जहाज
का रोकने का सांकेतिक आदि. Anchor.
विवा० ६;

शंगल. न० (लाङ्गल) हल. हल. A
plough. पण्ड० १, १;

शंगलई. स्त्री० (नङ्गलकी) अ० नामन्ती अ०
साधारण्य वनस्पति. इस नाम की एक
साधारण्य वनस्पति. A sort of vege-
table containing infinite lives.
पञ्च० १; भग० २३, ५;

शंगलिअ-य. पुं० (लाङ्गलिक) सेनाना
हल दाथमां अणु रेष्टीमां आगच्छ अन्तार
सुभट. सुवर्ण का हल हाथमें लेकर सवारी में
आगे चलनेवाला सुभट. A warrior who
moves in the van of a proces-
sion with a golden plough in
the hand. जं० ५०३, ६७; कप० आ०
३२; ३, ६७;

शंगोलिय. पुं० (लाङ्गलिक) आंगुलिक
नामने अन्तरद्वीप ५६ अन्तरद्वीपमाने
अ०. लांगुलिक नाम का अन्तरद्वीप; ५६
अन्तरद्वीप में से एक Name of one
of the 56 Antara Dvīpas
(islands). डा० ४, २; (२) पुं०

स्त्री० ते अन्तरद्वीपमां वसन्तार मनुष्य. उस
अन्तरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person
residing in the above island.
पञ्च० १;

शंद. पुं० (नन्द) समृद्ध. समृद्ध. Pros-
perous. " जय जय शंदा " कप०
४, १०८; नाया० १; (२) राजगृही नगरीने
नंदेषुमन्नीयार नामने शं०. राजगृही नगरी
का नंदनमनीयार नामका संठ. name of
a merchant of the town of
Rājagrihi, also styled Nanda-
namāṇīyāra. नाया० १३; (३) ११मां
तीर्थकरने प्रथम लिखा आपनार. ११वें
तीर्थकर का प्रथम भिक्षा देने वाला. name
of the person who first gave
alms to the 11th Tirthaṅkara.
सम० ५० २३२; (४) आयत्ती उत्सर्पि-
णीमां यन्तार प्रथम वासुदेव. आगामी
उत्सर्पिणी में होने वाला प्रथम वासुदेव. the
first would-be Vāsudeva in
the coming Utsarpinī. सम० (५)
अ० जन्तुनुं लोडानुं आसन. एक जाति का
लोहे का आसन. a sort of iron seat.
नाया० १; (६) सातमा देवलोडानुं अ० विमान
अ० स्थिति १५ सागरोपमनी छे; अ० देवता
पन्धर पञ्चवासी अ० आसोछवास ले छे, अने
पन्धर दानर वीं क्षुधा उपजे छे. सातवे देव-
लोक का एक विमान-उसकी स्थिति १५
सागरोपम की होती है, ये देवता १५ पक्ष में
आसोछवास लेते हैं; और उन्हें १५००० वर्षों
में क्षुधा लगती है. a heavenly abode
of the 7th Devaloka; the gods
in which live for 15 Sāgaro-

* अनु० पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th.

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५; (७) आर ऋतना वाशुत्रेना साथे शुन्द धरवे ते. बारह जाति के वाजित्री का एक साथ शुन्द करना. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. पंचा० ७, १६; (८) ओ नामनी ओइ राजकुमार. इस नाम का एक राजकुमार. name of a royal prince. नाया० ८; (९) पश्ये, ओ अने अगीयारस ओ त्रशु तिथिनु नाम. ओओ “ शुंदा ” शुन्द प्रतिपदा पष्टि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम. देखो “ शुंदा ” शुन्द. a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight. vide. ‘शुंदा’ जं० प०

शुंदकंत. पुं० (नन्दकन्त) सातमां देवलोडनु ओइ विमान डे अनी स्थिति १५ सागरोपमनी छे; ओना देवता १५ पञ्चरीओ श्वासाश्वास ले छे अने १५००० वर्ष तृषलागे छे. सातवें देवलोक का एक विमान कि जिमकी स्थिति १५ सागरोपमकी देती है उगके देवता १५ पक्षमें श्वासेछ्वास लेने हैं और उन्हें १५००० वर्ष में लुछा लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for fifteen Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

शुंदकूड. पुं० (नन्दकूट) सातमां देवलोडनु ओइ विमान ओनी स्थिति यगेरे लुन्दकन्त विमान प्रमाछे छे. सातवें देवलोक का एक विमान; उसकी स्थिति इत्यादि शुंदकंत विमान

के समान ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to “ शुंदकंत ” in point of duration of the life of its gods etc. सम० १५;

शुंदग. पुं० (नन्दक) ओ नामनी कृष्णवासुदेवी तत्तवार. इस नामकी कृष्ण वासुदेव की तत्तवार. Name of the sword of Kṛiṣṇa Vāsudeva पगढ़० १, ४;

शुंदजभाय. पुं० (नन्दध्वज) सातमां देवलोडनु ओइ विमान. ओनी स्थिति यगेरे ‘ शुंदकंत ’ विमान प्रमाछे छे. सातवें देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि ‘ शुंदकंत ’ विमान के समान है. A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to “ शुंदकंत ” in the duration of the life of its gods etc. सम० १५;

शुंदण. पुं० (नन्दन) समृद्धि. समृद्धि. Prosperity; wealth. नंदो० (२) पुत्र. पुत्र; लडका. a son. पगढ़० १, १; (३) भरततत्तना सातमां अत्रदेव. भरत क्षेत्र के सातवें बलदेव का नाम. the 7th Baladeva of Bharataksotra. प्रव० १२२५; सम० “ दिमिभापु शुंदणनामं चइणु हांत्था ” भग० ३, १; (४) भेइपरत उपरनु देवताओने डीप्रा डेरयानु पत. मेरु पर्वत पर का देवताओंके कीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru mountain. “ वंगसु वा शुंदण माहु संहं ” सुव० १, ६, १८; डा० २, ३; (५) भेइवनाथ स्वामिनो पूर्व भव. मल्लिनाथ स्वामी का पूर्व भव. the previous birth of Mallinātha Svāmi. सम० (६) भेइकाया नगरीनी अहारनु उद्यान. सोकाया नगरी के बाहिर का उद्यान.

the garden outside the city of Mokāyā. " तानेण मोयाण नय-
रीण वहिया उत्तर पुगच्छिमे " —कर.
त्रि० (-कर) आनंद करनेवाला; समृद्धि करनेवाला.
(one) that delights; (one) that
makes prosperous पृ० १, ६;

शुंदणकूड. पुं० (नन्दनकूट) नंदन वन का
नव दृष्टमानुं. एक नंदनवन के नौ शिखर
में से एक. One of the nine sum-
mits of Nandanavana. सम० १००;

शुंदणभद्र. पुं० (नन्दनभद्र) भाद्रपद मास का
आर्य संभुतिविजय का पंडित शिष्य. माठरम
गोत्र के आर्य संभुति विजय के पहिले शिष्य.
The first disciple of Ārya
Sambhuti Vijaya of Mātha-
rasa family-origin. क० ८;

शुंदणवण. न० (नन्दनवन) मेरुपर्वत
पश्चिमी पंथसे योजन द्वये मेरु पर्वत
द्विप आयेव एक पर्वत. जमान के तल से
पांचव्यां योजन पर मेरु पर्वत के ऊपर का
एक वन. A forest on Meru
mount 500 Yojanas above
the level of the plain. " दं
शुंदण वणा " भा० २, ३; नाया० ३; जं०
प० भग० ११, ६; २०, ६; अंत० १, १५ १;
(२) विजयपुर नगर की पासमें देवता
विजय नगर के निकट का उद्यान. a gar-
den in the vicinity of the
town of Vijayapura. भा० २, ४;

—कूड. त्रि० (-कूट) नंदनवन का नव
दृष्टमानुं पंडित द्रुत विभक्त. नंदनवन के
नौ कूट में से पहिला कूट शिखर. the 1st
of the nine summits of Nan-
danavana जं० प० —पुगसास. त्रि०
(-प्रकाश) नन्दनवन समान. नन्दनवन

समान. similar to, equal to Nan-
danavana. नाया० ५;

शुंदणवन. न० (नन्दनवन) शुभो " शुंदण-
वण " शब्द. देखो " शुंदणवण " शब्द.
Vide " शुंदणवण " जं० प० ५, १२०;
नाया० ५;

शुंदणपभ. पुं० (नन्दप्रभ) आनंद देवलोकां
एक विमान, अना देवता १५ पञ्चरात्रि
श्व. सोष्ठय से छे, अने १५००० वर्ष
भूमि प्राप्ति छे. सातवें देवलोक का एक
विमान, उसके देवता १५ पञ्च में श्रामोद्धवाम
लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष में लुधा
लगता है. A heavenly abode of
the 7th Devaloka, the gods
in which breathe once in 15
fortnights and feel hungry
once in 15000 years. सम० १५;

शुंदमणियार. पुं० (नन्दमणिकार) अनामना
एक श्रेष्ठ साधुपुत्र. इन नाम का एक मेठ-
माहकार. Name of a merchant.
नाया० १३;

शुंदमाण. त्रि० (नन्दन्) शुभ भोगयता सुख
भोगता हुआ. Rejoicing. तं०

शुंदलेस्म. पुं० (नन्दलेश्य) आनंद देवलोकां
एक विमान यद्यपि भद्र देवता " शुंदकंत "
शब्द सातवें देवलोक का एक विमान-विशेष
सुखामे के लिये देखा " शुंदकंत " शब्द.
A heavenly abode of the 7th
Devaloka. For further inform-
ation vide " शुंदकंत " सम० १५;

शुंदवण. पुं० (नन्दवण) आनंद देवलोकां
एक विमान. सातवें देवलोक का विमान.
A heavenly abode of the 7th
Devaloka. सम० १५;

शुंदवज्जिणी. स्त्री० (नन्दवज्जिनी) पूर दिशाना
रथक पर्वत उपर वसनाशी आश्विनी योथी

दिशाकुमारी. पूर्व दिशा के रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से चौथी दिशा-कुमारी. The fourth of the eight Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the east. जं० प०

शंदसिग. पुं० (नन्दशृंग) सातमां देवलोकनुं
 ऐक विमान; लुआ “ शंदकंत ” शब्द.
 सातवें देवलोक का एक विमान; देखो “ शंद-
 कंत ” शब्द. A heavenly abode
 of the 7th Devaloka; vide
 “ शंदकंत ” सम० १५;

शंदसिद्ध. पुं० (नन्दसिद्ध) सातमां देवलोकनुं
 ऐक विमान; लुआ “ शंदकंत ” शब्द.
 सातवें देवलोक का एक विमान; देखो “ शंद-
 कंत ” शब्द. A heavenly abode
 of the seventh Devaloka; vide
 “ शंदकंत ” सम० १५;

शंदा. स्त्री० (नन्दा) पद्मे, छट्टू अने अग्री-
 यारस ऐ त्रयु तिथीनुं नाम. प्रतिपदा,
 षष्ठ और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम
 A term denoting the 1st 6th
 and 11th dates of a fortnight.
 (२) शीतल नाथनी मातानुं नाम. शीतल
 नाथ की माता का नाम. name of the
 mother of Śitalanātha. प्रव० ३२२;
 सम० (३) पूरु रूचक पर्वतपर वसन्ती
 आठमांकी षष्ठ दिशा कुमारी. पूर्व रुचक
 पर्वत के ऊपर बसने वाली आठ में से दूसरी
 दिशा कुमारी. the 2nd of the 8 Di-
 sākumārīs residing on the Ru-
 chaka mount in the east. जं०
 प० (४) रतिकर पर्वत उपर छान छद्मनी
 अग्रमहिषीनी राजधानी. रतिकर पर्वत
 के ऊपर इशान इंद्र की अग्रमहिषी का पाट-
 नगर. the capital city of the

principal queen of Isāna Indra
 on the mount Ratikara. ठा० ४, २;
 (५) अञ्जन पर्वत उपरनी ऐक वायु
 नाम के ऐक लाख ग्नेज्जननी लांभी पड़ोसी
 अने १० ग्नेज्जननी उड़ी छे. अञ्जन पर्वत के
 ऊपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लक्ष
 योजन लंबी चौड़ी और दस योजन गहरी है.
 name of a well on the mount
 Añjana having length and
 breadth of one lac Yojanas
 and 10 Yojanas in depth. जीवा०
 ३, ४; ठा० ४, २; नाया० १; निसी० १,
 १; अंत० १७, १; (६) श्रेणिक राजनी
 ऐक राणी. श्रेणिक राजा का एक रानी. a
 queen of the king Sreṇika. जं०
 प० ५, ११४; १२३; नाया० १;

शंदापुष्करिणी. स्त्री० (नन्दापुष्करिणी)
 मेरुथी वायव्य लुआ ५० ग्नेज्जन उपर लद्द-
 सात्र वनमांकी आर आबडीया. मेरु से वाय-
 व्य कोने में ५० योजन पर भद्रसात्र वन का
 चार बावड़ी. The 4 wells in Bha-
 drasātra forest at a distance of
 50 Yojanas in the north-west
 of Meru. जं० प० ४, १०३; नाया० १२;
 (२) सूर्याभवा वनमांकी भद्रसात्र
 आश्रमनी ऐक वायु के ग्ने १०० ग्नेज्जन
 लांभी २० ग्नेज्जन पड़ोसी अने दश ग्नेज्जन
 उड़ी छे. सूर्याभके वनखंड में के महेंद्रध्वज
 के आगे की एक बावड़ी कि जो १००
 योजन लंबी ५० योजन चौड़ी और दश योजन
 गहरी है. a well 100 Yojanas in
 length, 50 Yojanas in breadth
 and 10 Yojanas in depth in the
 vicinity of Mahendradhvaja in
 a forest of Sūryābha. राय० १५७;
 (३) सूर्या नगरीनी अक्षरानी ऐक आबडीनुं

नाम. चंदा नगरी के बाहर की एक बावड़ी का नाम. name of a well outside the town named Champā. नाया० २;

शंदापोक्खरिणी. श्री० (नन्दापुक्खरिणी) श्री० “ शंदापुक्खरिणी ” शब्द. देखो “ शंदापुक्खरिणी ” शब्द. Vide “ शंदापुक्खरिणी ” नाया० १३;

शंदावत्त. पुं० (नन्दावर्त) पांचवें देवलोकना छन्दना विमानतो व्यवस्थापक देवता. पांचवें देवलोकके ईश्वर विमानका व्यवस्थापक देवता. The deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the 5th Devaloka. जं० पं० ४; (२) सातवा देवलोकनुं ऐक विमान; ऐनी स्थिति १५ सागरापमनी छे; ऐ पंदर पञ्चासीय आसोआस ले छे; ऐनं १५००० वर्षे अष्टम लागे छे. सातवें देवलोकका एक विमान. इस की स्थिति १५ सागरापम की है. यहाँ के देवता १५ पक्ष से स्वामोच्छवास लेते हैं व १५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है. name of a heavenly abode of the 7th Devaloka similar to Nandakānta in the matter of life of its gods etc. सम० १५; (३) नवभुजा वालो साथीओ. नौ कोने वाला साथिया. a kind of auspicious mark with nine angles. जं० पं० ५, १२२; राय० पञ्च० (४) आर छन्दिय वालो छव विशेष. चार इंद्रिय वाला जीव विशेष. a kind of four-sensed sentient being. जीवा० १;

शंदि. पुं० (नन्दि-नन्दनं नन्दिः, नन्दन्ति प्राणिनोऽनेनास्मिन् वेति नन्दिः) आनंद; प्रमोद. आनन्द; प्रमोद. Joy; rejoicing. ठा० ५, २; आया० १, ३, २, ३; नाया० १;

(३) गौण मोहनीय कर्म. गौण मोहनीय कर्म. secondary or subordinate Mohaniya karmas. सम० ५१; (४) आर प्रकारनां वाद्यंत्रोना समुदाय. बारह प्रकारके वाजिंत्रोंका समुदाय. a collection or set of twelve kinds of musical instruments. राय० ११६; उत्त० ११, १७; (५) ऐक वननं आ३. एक जाति का वृक्ष. a kind of tree. नाया० १; (६) ऐ नामतो ऐक द्वीप अने ऐक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also of an ocean. पञ्च० १५; —गर. त्रि० (-कर) वृद्धि करनार. वृद्धि करनेवाला (one) that causes prosperity. नाया० १; —घोम. पुं० (-घोम) आर प्रकारनां आद्यंत्रोनी आवाज. बारह प्रकार के वाजिंत्रों की आवाज. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. जं० पं० ५, ११६; राय० ११६; (२) नन्दिना नन्दी आवाज करनार. नंदीके समान आवाज करने वाला. (one) who produces the above kind of sound. ओव० ३०; तंदु० —चुगण्ण. पुं० (-चूर्णक) अमृक द्रव्यना संयोगशील अनावेषुं चूर्ण. अमृक द्रव्यके संयोग से बनाया हुआ चूर्ण. powder prepared by mixing together particular ingredients. सूय० १, ४, २, ६; —राय. पुं० (-राग) समृद्धिशील उत्पन्नथयेत्त द्रव्य. समृद्धि से उत्पन्न. हर्ष. joy arising from prosperity. भग० २. ५; —स्सर. पुं० (-स्वर) आर प्रकारनां वाद्यंत्रोनी आवाज. बारह प्रकार के वाजिंत्रों की आवाज. chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा० ३, तंदु० राय० ११४;

शुद्धिआवत्त पु० (नन्द्यावर्त) नवभुज्यावासे सश्रीआ नौ कोने वाला साधिया. An auspicious mark with nine angles. ओव० जं० प० ५, ११८; (२) पाँचमा देवलोका ईन्द्रा विमान. पाँचवें देवलोक के इन्द्र का विमान. the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka. ओव० २२;

शुद्धिआवत्त श्री० (नंदिघोषा) यज्ञित कुमार देवता की घंटा. यज्ञित कुमार देवता का घंटा. The bell of the deity named Thapita Kumāra. जं० प०

शुद्धिज न० (नंदेय) स्थविर आर्य रोहण्य श्री नीलेश्वर उद्देहगणुं पाँचमुं पुत्र. स्थविर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पाँचवाँ कुल. The 5th family offspring of Uddahagana originating from Sthavira Āryarohana. कण० ८;

शुद्धिजमाण त्रि० (नन्दमान) समृद्धि तथा श्रेयः. समृद्धि बढ़ताहुआ. Causing growth or advance in prosperity. ओव०

शुद्धिगोपिय पु० (नंदिनीपत्नी) सवर्था नगरी की रहनेवाली और नगरी का गथापति. सवर्था नगरी का रहनेवाला इस नगरी का गथापति. Name of a Gāthāpati (merchant) residing in the town of Sāvartthi. 'नन्द्यणं सवर्थाणं शुद्धिगोपिया गामं गाहावर्ह' उवा० ६, २६८;

शुद्धिपुर न० (नन्दिपुर) शशिपुर देश की राजधानी शशिपुर देश का पाटनगर. The capital of the country called

Sāṇḍila. प्रब० १६०३;

शुद्धिफल न० (नंदिफल) ओ नामनुं वृक्ष. इस नाम का वृक्ष. Name of a tree. नाय० ५; (२) ओनुं प्रतिपादित करनेवाला जाता सूत्रनुं श्रीगुं अध्ययन. इसका प्रतिपादन करनेवाला जाता सूत्र का तीसरा अध्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above. नाय० १;

शुद्धिमित्र पु० (नंदिमित्र) भद्रिनाथ साथे दीक्षा लेता नंदिमित्र कुमार. मांलनाथ के साथ दीक्षा लेनेवाला नंदिमित्र कुमार. Nandimitra prince or a young boy who took Dikṣā (entered the order of monks) along with Mallinātha. नाय० ८;

शुद्धिमुङ्ग न० (नन्दिमुङ्ग) ओ प्रकार का वाजिन्. एक प्रकार का वाजिन्. A sort of musical instrument. राय०

शुद्धिमुह पु० (नन्दिमुख) ओ आंगुली प्रमाण शरीरधारी पक्षी विशेष. दो अंगुलियों के प्रमाण का शरीरधारी पक्षी विशेष. A kind of bird with a body of the size of two fingers. पग० १, १; ओव० जं० प०

शुद्धिया श्री० (नन्दिता) नन्दिता नाम की गंधार ग्राम की प्रथम मूर्छिता. नन्दिता नाम की गंधार ग्राम की प्रथम मूर्छिता. The primary tune of the Gāndhāra pitch in music. टा० ७, १;

शुद्धिआवत्त पु० (नन्द्यावर्त) नवभुज्यावासे सश्रीआ नव कोने वाला साधिया. An auspicious mark with nine angles. जीवा० ३, ३; राय० (२) अश्व-देवलोका ईन्द्रा मुसाक्षी विमान. ब्रह्मा देवलोक के इन्द्र का विमान. the heavenly

car of the Indra of Brahma Devaloka. डा० ८, १; (२) ये छद्रिय-वालो छवविशेष. दो इन्द्रिय वा वा जीव विशेष. a kind of two sensed sentient being. पत्र० १; (४) धोप अने भदा-धोप छद्रना लोक्षपावनु नाम. घोष और महा-घोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghosa and Mahaghosa. डा० ४, १;

सुंदरिचकल. पुं० (नान्दिवृक्ष — वृक्षाक्षा भूमि-निष्ठनीति) पीपलो; ऐक वृक्ष अथवा जड. पीपल; एक प्रकार का वृक्ष. A kind of tree; the Pipala tree, ficus religiosa आवा० जवा० भग० २२, ३; पत्र० १; सम० प० २३३;

सुंदरिचकल. पुं० (नन्दिचकल) ऐ नामतो ऐक राजकुमार. इस नाम का एक राजकुमार. A prince of this name. विवा० ६;

सुंदरिचकल. स्त्री० (नन्दिचकल) अञ्जन पर्वत उपरनी ऐक बावडी ऐ ऐक क्षाण्य जेज्जवनी क्षाण्य पक्षी अने दस जेज्जवनी उडी छे. अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम; जो एक लक्ष योजन लंबी चौड़ी है और दस योजन गहरा है. Name of a well on the mount Anjuna, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth. जीवा० ३, ४; डा० ४, २; (२) इयक पर्वत उपरनी ऐक दिशा कुमारी रुचक पर्वत के ऊपर की एक दिशा-कुमारी, a Disakumari on the mountain Ruchaka. डा० ८; जे० प० ५, ११४;

सुंदरिस्सर. स्त्री० (नन्दिसेण) पश्चिम अञ्जन पर्वत उपरनी ऐक बावडी. पश्चिम अञ्जन

पर्वत के ऊपर की एक बावडी. A well on the western Anjuna mount. जीवा० ३, ४;

सुंदरिसेण. पुं० (नन्दिसेण) मथुरा नगरीना दाम राजना दुपरेनु नाम. मथुरा नगरी के दाम राजा के कुंवर का नाम. Name of the son of the king Dāma of the town of Mathurā. डा० १; (२) गौतमने पुत्र; नन्दिचर्यनना शिष्य. गौतम का पुत्र, नन्दिचर्यनका शिष्य. a son of Gautama and disciple of Nandivardhana. तंदु

सुंदरिसेण. स्त्री० (नन्दिसेण) पूर्व अञ्जन पर्वत उपरनी ऐक बावडी नाम. पूर्व अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावडी का नाम. Name of a well on the eastern Anjuna mount. जीवा० ३, ४; (२) पूर्व इयक पर्वत उपर देखे नी दिशा कुमारी. पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर रहने वाली दिशा-कुमारी, the Disakumari residing on the eastern Ruchaka mountain डा० ८;

सुंदरिसेणिया. स्त्री० (नन्दिसेणिका) श्रेणिक राजनी राजी के जेजे ऐकिकार अंतगड-दश अथवा अंतमां यजनी ऐक अध्वयन मां छे. श्रेणिक राजा की राजा कि जिसका अधिकार अंतगडदशा सूत्र के सार्वे वर्ग के साथ अध्वयन में है The queen of the king Śreṇika mentioned in the 4th chapter of the 7th section of Aṅtagaḍaśā Sūtra. अंत० ७, ४;

सुंदरिस्सर. पुं० (नन्दिश्वर) आइमे नंदी-श्वर नामतो द्वीप. आइवां नंदीश्वर नाम का द्वीप. Name of the 8th island or continent named Nandīśvara. डा०

४, २;—दीव. पुं० (द्वीप) नन्दीश्वर नामનો
अ. भो. द्वीप. नन्दीश्वर नाम का आठवां
द्वीप. the 8th island or continent
named Nandīśvara. भग० २०, ६;
शंदिस्सरा. स्त्री० (नन्दिस्वरा) वायुकुमार
देवतानी घंटा वायुकुमार देवता का घंटा.
The bell of the deity named
Vāyukumāra. जं० ५०

शंदी. स्त्री० (नंदी) लुओ “ शंदि ” शब्द.
देखो “ शंदि ” शब्द. Vide “ शंदि ”
जीवा० ३, ४; —चुरणग. न० (-चूर्ण-
क) लुओ “ शंदिचुरणग ” शब्द. देखो
“ शंदिचुरणग ” शब्द vide “ शंदिचुरण-
ग ” सूय० १, ४, २, ६;

शंदीसर. पुं० (नन्दीश्वर) लुओ “ शंदिस्सर ”
शब्द. देखो “ शंदिस्सर ” शब्द. Vide
“ शंदिस्सर ” नाया० ८; जं० ५० ५, ११७;

शंदीमुह. पुं० (नन्दिमुख) पक्षि विशेष.
पक्षी विशेष. A kind of bird. परह०
१, १; —दीव. पुं० (द्वीप) लुओ उपले
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
नाया० ८;

शंदीसरवर. पुं० (नन्दीश्वरवर) ओ नामनो
ओक द्वीप इस नाम का एक द्वीप. Name
of an island. ठा० ४, २; ७; जीवा० ३;

शंदीसरवरोद. पुं० (नन्दीश्वरवरोद) ओ नामनो
ओक समुद्र. इस नाम का एक समुद्र. Name
of an ocean. जीवा० ३;

शंदुत्तर. पुं० (नन्दोत्तर) लपन पतिना धंदना
रथनो अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का
अधिपति. The person in charge
of the chariot of the Indra of
Bhavanapati gods. ठा० ५, १;

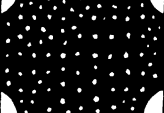
शंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) रतिकर पर्वत
उपरन धिशनोन्दनी अग्रमडीपीनी राजधानी.
रतिकर पर्वत के ऊपर की इशान ईंद्र की

अग्रमहिषी का पाटनगर. The capital of
the principal queen of Isāna
Indra, on the mount Ratikara.
जीवा० ३; (२) पूर्व अंजन पर्वत उपर-
नी ओक आवडीनुं नाम. पूर्व अंजन पर्वत के
ऊपर की बावडी का नाम. name of a
well on the eastern Añjana
mount. ठा० ४, २; जीवा० ३; (३)
मन्दर पर्वतना रिष्टूट उपर वसनारी दिशा
डमारीमानी ओक. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट
शिखर पर रहनेवाली दिशाकुमारयोमें से एक.
one of the Disākumārīs resid-
ing on the summit Rīṣṭa of the
Mandara mount. जं० ५० ५, ११४; (४)
पूर्व दिशाना इयक पर्वत उपरनी ओक दिशा
डमारी. पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की
एक दिशाकुमारी. a Disākumārī re-
siding on the eastern Rucha-
ka mount. जं० ५० (५) ओ नामनी
ओल्लिक भदाराजनी राष्ठी के रथनो अधिपति
अंतगडसूत्रना सातमां वर्गना रीज अग्र-
यनमां छे. इस नाम की ओल्लिक महाराजा
की रानी कि जिसका वर्णन अंतगड सूत्र
के सातवें वर्ग के तीसरे अध्यायने में है. a
queen of the king Śreṇika, so
named, who is mentioned in
the 3rd chapter of the 7th sec-
tion of Antagaḍa Sūtra. अंत०
७, १;

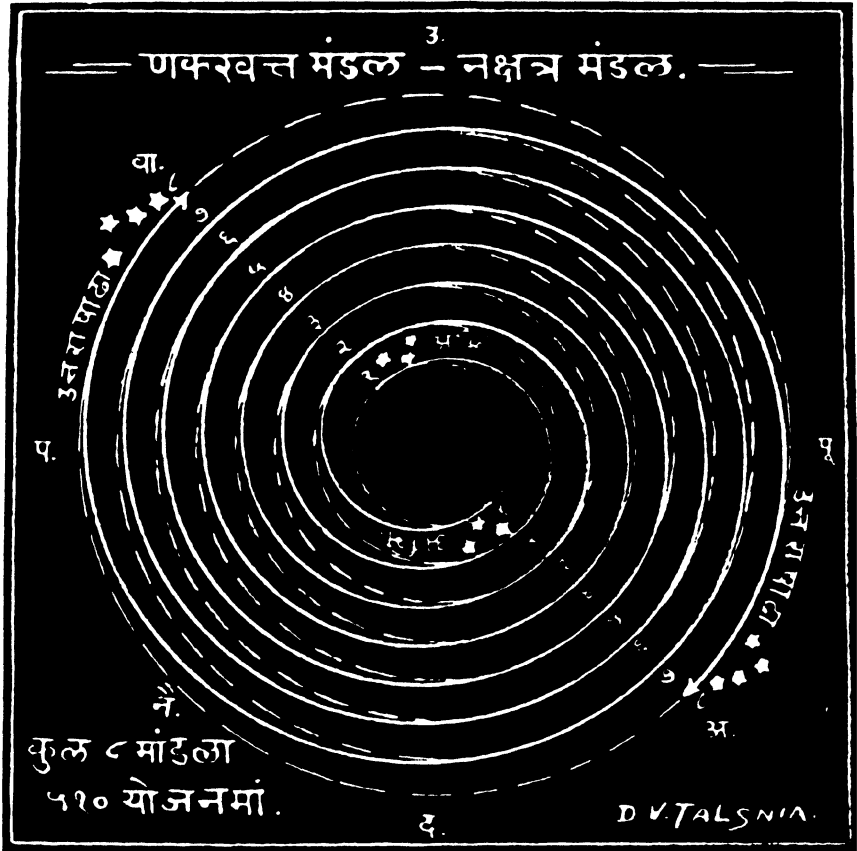
शंदुत्तरावडिसग. पुं० (नन्दोत्तरावतंसक)
सातमा देवलोडनुं ओक विमान; ओनी स्थिति
पंदर सागरोपमनी छे ओ देसना पंदर पञ्च
वाडीओ आसोआसले छे, ओने १५००० वर्षी
क्षुधा लागे छे. सातवें देवलोडका एक विमान;
उसकी स्थिति पंद्रह सागरोपम की है; ये
देवता पंद्रह पञ्चमें आसोच्छावस लेते हैं; उन्हें

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

— णकरयत्त - नक्षत्र. —

अविमिष्ट ३ 	भयण ३ 	धनिष्ठा ५ 	शान्तिष्ठा १०० 
गायना मस्तककरे. पूर्वा भाद्रपद २	कावड. उत्तरा भाद्रपद १	पक्षिनु पिजर. रेवती ३९	विस्वरायला फुल. आश्विनी ३
			
अर्ध वाय. भरणी ३	अर्ध वाय. कृत्तिका ६	नावा - बहाण. रोहिणी ९	घोडानु स्फ.प. मृगशिर ३
			
भग - योनी. आर्द्रा १	नाथिनी केथळी. पुनर्वसु ५	गाडानी उध. पुष्य ३	हरिणनु मस्तक. अश्लेषा ६
			
कधिरनु बिन्दु. मघा ७	भाजपु. पूर्वा फाल्गुनी २	वर्धमान - सरावलु. उत्तरा फाल्गुनी २	पनाका - धजा हस्त ५
			
भंगिल गट चित्रा १	अर्ध पल्ल्यक. स्वाति १	अर्ध पल्ल्यक. विशाखा ५	हाथनी पंजा. अनुराधा ४
			
विकस्यु फुल. ज्येष्ठा ३	खाली. मूल ११	दामणी. पूर्वाषाढा ४	पकावली द्वार. उत्तराषाढा ४
			
हस्ति दंत. चिंत्ता.	विच्छा.	हस्तिनी चाल.	वेठल सिंह.

साचित्र अर्ध-मागधी कोष —————



१५००० वर्ष में लुप्ता लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sagaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम० १५;

शुद्धोत्तरा. खा० (नंदोत्तरा) लुप्ता 'शुद्धोत्तरा' शब्द. देखो 'शुद्धोत्तरा' शब्द. Vide. "शुद्धोत्तरा" जीवा० ३; ४; जं० प०

शुद्ध. पुं० (*) नासिका; नासिका; नासिका. The nose. जीवा० ३, ३; श्रव० ३८; विवा० १, १;

शुद्ध. पुं० (नक्र) अक्र गतना भूत. एक जाति का मगर. A kind of alligator. पञ्च० १ जीवा० १;

शुद्ध. पुं० (नख) नख. नख; नाखन. A nail on a finger or a toe. श्रव० १०; जीवा० ३, ३; सू० प० १०;

शुद्धोत्तरा. न० (नक्षत्र) अभिजित वृत्तों २८ नक्षत्र; आकाशमां यंत्र तथा सूर्य की साथ गति करने वाले नक्षत्रों की देवता की अक्र गत (आकाशमां नक्षत्रों की आकार अपने नाम चित्रों में दर्शाते हैं). अभिजित इत्यादि २८ नक्षत्र; आकाशमां यंत्र और सूर्य के साथ गति करने वाले नक्षत्रों की देवता की एक जाति (इन २८ नक्षत्रों के आकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं). Any of the 28 constellations such as Abhijita etc. a class of planetary deities associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations

are given in the picture). नाया० १; ५; ८; भग० १५, १; १८, ७; जीवा० ३, ४; पञ्च० १५; श्रव० २५, ६०; अशुजो० १३१; १४३; सम० २७; सू० प० १०; १६; जं० प० ७, १४०; १४६. —मंडल. पुं० (-मण्डल) नक्षत्रों की आकाशमां आकाशमां २२तो; नक्षत्रना मांडला; अश्विनी आदि २८ नक्षत्रों की आकाशमां के आकाशमां २८ नक्षत्रों के ते आकाशमां नक्षत्र मांडल के आकाशमां आते हैं. ते आकाशमां मांडला ८ हैं नक्षत्रों की आकाशमां सूर्य की १८३ मांडला हैं अश्विनी १५ मांडला हैं अश्विनी की आकाशमां नक्षत्रना ८ मांडला हैं. नक्षत्रों की फिरने का मार्ग; नक्षत्र का मण्डल; अश्विनी आदि २८ नक्षत्र आकाशमां जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश को नक्षत्र मण्डल कहते हैं. ऐसे नक्षत्र मण्डल ८ हैं जिनके प्रदेश में सूर्य के १८३ मण्डल हैं और चंद्र के १५ मण्डल हैं. उतने ही प्रदेश में नक्षत्रों के ८ मण्डल हैं. the paths on which the constellations move; the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number. There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by the circles described by the sun and 15 by the moon. जं० प० ७, १४६;

—मास. पुं० (-मास) नक्षत्र मास: २८ नक्षत्र यंत्रों की साथ गति करने वाले नक्षत्र मास: २८ नक्षत्र चंद्र के साथ गति करने वाले समय the lunar

* लुप्ता पुष्ट नक्षत्र १५ की फुटनोट (*) देखो पुष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) P. 15th.

month; the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon. सम० २७; —विचय. पुं० (—विचय-विचयनं विचयः नक्षत्राणां विचयः स्वरूपनिर्णयः) नक्षत्रना स्वरूपनो निर्णयः. नक्षत्र के स्वरूपका निर्णयः. determination of the form or nature of a constellation. सू० प० १;—विमान. न० (—विमान) नक्षत्रनु विमान. नक्षत्र का विमान. a celestial abode of a constellation. जं० प० ७, १००; —संवत्सर. पुं० (—संवत्सर) ज्येष्ठमास १२ मासों के साथ सूर्य की साथ योग जोड़कर रहत हैं उतना समय; ३२७ अहोरात्र और एक अहोरात्र के ६७ भाग करें ऐसा ६१ भाग प्रमाण नक्षत्र संवत्सर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night. ठा० ५, ३; जं० प० ७, १२१; सू० प० १०;

ख. पुं० (नख) नख. नख. A nail on a finger. जं० प० —छेदण. न० (—छेदनक) नख छेदण. नख छेदण; नख. barber's instrument used in paring finger-nails. निरी० १, १८;

खग. पुं० (नग—गच्छतीति गः न गः नगः) पर्वत. पर्वत. A mountain. “जहासे खगावं पर्वते सुमहं मंदरो गिरी” उत्त० ११,

२६; सू० १, ६, ६; नाया० १; —इंद्र. पुं० (—इन्द्र) मेरु. मेरु. the mount Meru. सू० १, ६, १३; —राय. पुं० (—राज) पर्वतनो राजा; मेरु पर्वत. पर्वत का राजा; बड़ा पर्वत मेरु. king of mountains i. e. Meru. ठा० ६;

खगर. न० (नगर—नास्मिन् करोज्जीति नगरम्) १८ प्रकारना कर रहित शहर. १८ प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes. पञ० १; ठा० २, ४; पण० १, ३; अशुजो० १२७; १३१; आया० १, ६, ५, १६४; वेय० १, ६; जं० प० ३, २०; नाया० १, २; १६; —आवास. पुं० (—आवास) नगरना लोकाना आवास-महेल. नगर के लोगों का आवास-महेल. an urban mansion. सम० —गाव्ही. स्त्री० (—गौ) शहरनी गायी. शहर की गायें. an urban cow. “स-ख. हा य अखाहा य खगर गाविषो” विवा० २; —गुप्तिय. पुं० (—गुप्तिक) नगरनु रक्षक करने वाला कोटवाल. नगर का रक्षण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla. “तत्तेषु ते खगर गुप्तिषा सुमहं सत्यबाहं काशगवं जायिष्या” विवा० २; नाया० १८; पण० १, २; —गोरूप. पुं० (—गोरूप) नगरना गोपना-गाय अथवा वज्रे. नगर के चौपाये-गाय बैल इत्यादि. urban cattle e. g. a cow, ox etc. विवा० २; —घाय. पुं० (—घात) नगरने घुटनार. नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया० १८; —हाण. न० (—हान) नगरना भूत. नगर के खंडहर; टूटे फूटे मकान. ruined or devastated building in a

city. कप्प० ४, ८८; —**शिवसे.** पु० (—निवेश) नगरभां निवास करने ते. नगर में निवास करना. residence in a town. सम० ७२;—**दाह.** पु० (—दाह) शहरभां आग लागी ते. शहर में आग लगना. outbreak of fire in a city or town. जीवा० २; —**धम्म.** पु० (—धर्म) शहरने आचार. शहर का आचार. custom or usage of a city. डा० १०;—**निद्धमण.** न० (—निधमन) नगर-शहरनुं पाणी नीकलवाने भाग; आध. नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग; गटर; मोर्रा. an outlet for the water accumulating in a city; a main gutter. भग० ३, ७; नाया० २; —**पट्टिया.** स्त्री० (—*) नगरनी पाणी नगर का पांडा (महाशय). an urban young buffalo. विवा० २; —**माण.** न० (—मान) नगर वसावधानी विधि; ७२ कलाभांनी ४५ भी कला. नगर बसाने का विधि; ७२ कलाओं में से ४५ वी कला. the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town. नाया० १; ज० प० सम०—**मारी.** स्त्री० (—मारी) नगरना दोड़ने भरीशी धने क्षय; नगरनी अंदर भरीशी आवे ते. नगर के लोगों का महामारी से होता हुआ क्षय; नगर के अंदर महामारी का प्रवेश होना. havoc caused by plague in a town; outbreak of plague in a town. जीवा० ३; —**रक्षिखय.** पु० (—रक्षक-नगरं रक्षति यः स नगर रक्षकः) नगरनुं रक्षयु करनेर केद्वारा.

नगर का रक्षण करने वाला; कांठवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāl. निवी० ४, ६;—**चसभ.** पु० (—वृषभ) नगरना अक्षर. नगर के बेल. an urban ox. विवा० २;—**वह.** पु० (—वध) नगरना अधां भायुसेने भारी नाथरां ते. नगर के सर्व मनुष्यों को मार डालना. the massacre of the whole people of a town. “मे सुचई नगर वहे व सह” मय० १, ५, १, १८;

शगरा. स्त्री० (नगरी) नगरी; पुरी. नगरी; पुरा; बड़ा शहर. A city; a town. श्रव० नाया० १६;

शमिण. वि० (नग्न) निःपरिधरी; निर्ग्रथ. निष्परिग्रही; निर्ग्रथ. Possessionless (monk); nude in the sense of not possessed of worldly effects. आया० १, ६, २, १८४;

शमग. वि० (नग्न) नग्न; परत रक्षित. दिगंबर; नग्न. Naked; unclad. नदी०—**भाव.** न० (—भाव) नग्नपणुं; साधुपणुं. नग्नता; साधुपणुं. state of being an ascetic; nakedness. “समगणं निगमणं नग्नभावे मुंडभाव” डा० ६; नाया० १६;

शमगड. पु० (नग्नजित्) गंधार (कन्दहार) देशने राजा. गंधार (कन्दहार) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra “नमिराया विद्दहसु गंधारसु य शमगड” उक्त० १८, ६६; (२) अं नामना अंक क्षत्रिय राजर्षि. इस नाम के एक क्षत्रिय राजर्षि-संन्यासी. name of a royal

* जुआं पृष्ठ नम्बर १५ नी ५८नोट (०) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

saint belonging to the Kṣatriya caste. ओव० ३८;

एगगोह. पुं० (न्यग्रोध) वडुं ओड. वडका वृक्ष.

A banyan tree. जं० प० ७, १६२; पञ्च० १;

भग० २२, ३; (२) वडना आडरनुं संडाणु. वड

के आकार का संडाण. a type of physical constitution resembling

the shape of a banyan tree.

भग० २४, १; —परिमंडल. त्रि० (—परि

मण्डल न्यग्रोधवत्परिमंडलं यस्य स तथा)

वडना ओड गेवो आडर गेवो गेवो ते

न्यग्रोध परिमंडल संडाणु वासो. जिकका

आकार वड के वृक्ष जैसा हो वह; न्यग्रोध

परिमंडल संडाण वाला. (one) pos-

essed of a type of physical

constitution resembling a

banyan tree in shape. जं० प०

७, १६२; तंदु० जीवा० १; —चरपायच.

पुं० (—चरपादप-पादैर्भूम्यन्तरवृत्तिमूलविशेषः

पिबतीति) वडः भूमेति वड वड; बडा बड.

a banyan tree; a large banyan

tree. अंत० १, ५, १;

एच. अ० (नच) नदि. नहीं. No; not.

नाया० १७;

एच. न० (नृत्य) नात्यनुं ते; नात्य. नाचना;

नाच. Dancing; a dance. डा० ६;

पञ्च० २;

एचंतिय. त्रि० (नात्यन्तिक) अत्यंत-अति-

शय नदि ते. अत्यंत-अतिशय नहीं वह.

Not excessive; short of exces-

sive. सूय० २, ५, २४;

एचण. न० (नर्तन) नात्य; नात्यनुं ते. नाच;

नाचना. A dance; act of dancing.

ओव० २४; —स्त्रीलय. पुं० (—शीलक)

नात्ययानः स्वभाव वासो; मोर. नाचने के

स्वभाव वाला; मोर. one given to

dancing; a peacock. नाया० ३;

एच. सं० कृ० अ० (ज्ञात्वा) ज्ञात्वा; सभ-

ज्जते. जानकर; समझकर. Having

known or understood. “ सत्त्वं

एच. अहिट्ट ” सूय० १, २, ३, १५; १,

१, १, २०, आया० १, ३, १, १०६; १, ३, २,

११४; उत्त० १, ४५; २, १३;

एच. विअ-य. न० (नर्तित) नयायनुं;

इवायुं ते. नचाना; हिलाना. Act of

causing to dance or move. डा०

६; ओघ० नि० २६५;

एच. समरण. त्रि० (नाट्यसम्य) अट्टपासे नदि

ते बहुत निकट नहीं वह. Not close

to; not very near. नाया० १; १४;

भग० १, १; राय० ७६; जं० प० ५, १२२;

एच. य. त्रि० (नर्तित) नाट्य. नाचाहुआ.

Danced; (one) that has danced.

नाया० १;

एह. न० (नाट्य) नाट्य; नाटक; आंगिक,

वाचिक, आदाय्य अने सात्विक अे आर

प्रकारवा अभिनय साथे रस अने भावनी

अभिव्यक्ति द्वारा नर्तन. नाट्य; नाटक;

नाच; आंगिक, वाचिक, आदाय्य और सात्विक

ये चार प्रकार के अभिनय सहित रस व

भाव का अभिव्यक्ति कराने वाला नाच. A

drama; a play; a dance accom-

panied with the four kinds of

representations viz. of move-

ment, speech etc. which display

various kinds of sentiments.

नाया० १; ८; ओव० ३२; जं० प० ७, १६०;

मू० प० १८; निमी० १२, ३२; डा० ४, ४;

(२) नाट्यज्ञा; नाटक सम्बन्धी विज्ञान.

नाट्य वला; नाटक के संबंध का विज्ञान.

dramaturgy. ओव० सम० ३३; —अ-

णीय. पुं० (—अनीक) नाटक करनेवाले

भायुसेनो समूह. नाट्यकारों का समूह. a group of actors or dramatists. जं० पं० ५, ११७; भग० १४, ६;—विहि. पुं० (—विधि) नाट्यकला; नाट्य करने की विधि-रीति. नाट्यकला: नाटक करने की विधि-रीति. the art of dramatic representation. भग० ११, ६; जीवा० ३; जं० पं० ५, १२१; **गुह्य** त्रि० (नर्तक) नृत्य करने वाला. A dancer. ओ३०
गुह्यमाल पुं० (नक्तमाल) वृक्ष विशेष. A particular kind of tree. जीवा० ३, ३; जं० पं० १, १८;
गुह्यमालाय य. पुं० (नृत्यमालय) नाट्य पर्यन्त अष्टप्रपात युक्ता देवता. वैताड्य पर्वत की खण्डप्रपात गुहा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave Khapḍa Prapāta of the Vaitāḍhya mount. छं० २, ३;
गुह्यवस्तु न० (नाट्यवस्तु) नाट्य. नाट्यकलादि प्रतिपादन करनेवाले शास्त्र: २६ पापश्रुतगान्ति ओ३. नाच, नाटक आदि का प्रतिपादन करने वाला शास्त्र: २६ पापश्रुत में से एक. One of the 29 Pāpaśrutas (secular sciences) viz. the science of dramatic representation. पग० २, ५;
गुह्य त्रि० (नष्ट) नाश पाभेद: नष्ट श्रयेत. नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed. “गुह्यसम्पह सभावे” मय० १, ३, ३, १०; नाया० १०; १३; जीवा० ३, ४; राय० २७; भग० १५, १; (२) रात्रिदिन १७ मुं. मुहूर्त. रात्रि दिन का १७ वां मुहूर्त. the 17th Muhūrta of a day and night. जं० पं० ५, १२१; सम० ३०;—**तेय** त्रि० (—तेजस्) तेज प्रकाश नाश

पाभेद छे जेनुं ते. जिसका तेज-प्रकाश नष्ट होगया है वह. (one) whose lustre or brightness is destroyed: lack-lustre. भग० १५, १;—**मह्य** त्रि० (—मतिक) नाश पाभेद छे बुद्धि जेनी. नष्ट बुद्धि वाला. (one) whose intellect is destroyed: a block head. नाया० १६; १७;—**रज** त्रि० (रजस्—नष्ट सर्वथाऽदृश्य-भूतं रजो यत्र स तथा) २७ यशस्नुं. रज रहित; स्वच्छ. clean; free from dust or passion. जीवा० ३;—**रय** त्रि० (—रजस्) गुह्य उपरोक्त शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. जं० पं० ५, ११३;—**सगम्** त्रि० (—संज्ञ) भ्रान्ति आतिव्यसंज्ञ; जेना संज्ञा नाश पाभेद छे ते मन की भ्रान्तिवाला; नष्ट संज्ञा वाला. deluded in mind; (one) whose intelligence has faded away. नाया० १६; १७;—**सुह्य** पुं० (—सुविक) श्रुत जेनी नाश पाभेद छे ओषो: शास्त्र अशास्त्रो विचार करने अशक्य. जिसका श्रुति नष्ट होगई है ऐसा; शास्त्र अशास्त्र का विचार करने को अशक्य. (one) incapable of distinguishing between true and false scriptures. नाया० १; १७;
गुह्यवन्त पुं० (नष्टवन्) अष्टाश्रय २६ मुं. मुहूर्त. अष्टाश्रय का २६ वां मुहूर्त. The 26th Muhūrta of a day and night. सम० ३०;
गुह्य पुं० स्त्री० (नट) नाट्य करनेवाला; नट. An actor in a drama. ओ३० जं० पं० २, २४; छं० ६;—**खादना** स्त्री० (—खादना—नरस्येव संवेगाविकलधर्मकथाकरणे—पार्जितभोजनादीनां खादिनं भक्षणं यस्यां मा

नटसादिता) એક નાટની પ્રવ્રજ્યા; નાટ-
કની માફક ધર્મશૂન્ય કથા કરીને આશુવિકા
ચલાવવી તે. एक प्रकार की प्रव्रज्या; नाटक
के समान धर्मशून्य कथा कर के आजीविका
चलाना. a sort of asceticism,
earning one's bread by empty
talk like that of an actor
in a drama, devoid of true re-
ligion. ठा० ४, ४; —पेच्छा. ब्री०
(-प्रेक्षा) नटने जेयुं. नट को देखना.
seeing a Nāṭya-dancer. जं० प०
२, २४;

एडिअ-य. त्रि० (*) पीडित. पीडित.
Afflicted; distressed. नाया० ६;

एणंदा. ब्री० (ननान्द) नयुं; पतिની બહેન.
नणंद; पति की बहिन. A husband's
sister. भग० १२, २;

एणणत्त. अ० (नास्यत्र) जुઓ 'एणणत्थ'
શબ્દ. देखो "एणणत्थ" शब्द. Vide
"एणणत्थ" नाया० ६;

एणणत्थ. अ० (नान्यत्र) એટલું વિશેષ;
આ નહિ કે તે નહિ પણ એટલું इतना विशेष;
ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना. So
much in particular; not this
or that but this much. आं० ३८;
नाया० १; २; १८; भग० ३, २, ६, ४; १६,
३; दसा० ७, १;

एणणहा. अ० (नान्यथा) બીજીરિતે નહિ
અન્યરીતિમે नहीं. Not otherwise.
पक्ष० १;

एणणहावाइ. पु० (नान्यथावादिन्)
અન્યથા વાદી નહિ. अन्यथा वादी नहीं.
(One) who does not speak or

believe otherwise नाया० २;

एत. त्रि० (नत्त) નમેડ. झुका हुआ. Bent;
bowed down. सू० प० २०; (२) पुं०
नत नामे એક વિભાત; એની સ્થિતિ ૧૯
સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડા નવ મહિને
શ્વાસોચ્છવાસ લે છે એને ૧૬૦૦૦ વર્ષે ક્ષુધ
લાગે છે. નત નામ का विमान; उसकी स्थिति
१६ सागरोपम की है; ये देवता ६॥ मास में
श्वासाच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमे
क्षुधा लगती है. name of a heaven-
ly abode, the gods in which
live for 19 Sagaropamas.
breathe once in nine and half
months and feel hungry once
in 19000 years. सम० १६;

एत्त. न० (नत्त) રાત્રિ. रात्रि. A night.
चं० प० १०;

एत्तिआ. ब्री० (नप्तृका) દીકરાની દીકરી
અને દીકરીની દીકરી. पुत्र का पुत्री और
पुत्री को पुत्री. A grand-daughter.
बिवा० ३;

एत्तुआ. ब्री० (नप्तृका) जुઓ 'एत्तिआ'
શબ્દ. देखो "एत्तिआ" शब्द. Vide
"एत्तिआ" बिवा० ३;—वह. पुं० (-वर)
પૌત્રીના વર; દીકરીની દીકરીના ધણી.
પૌત્રીકા પાત; પુત્રી કી પુત્રી કા ધની. A
grand daughter's husband. बिवा०
३;

एत्तुइणी. ब्री० (नप्तृकिनी) દીકરાના દીકરા
કે દીકરીના દીકરાની ધણી. पुत्र के पुत्र का
अथवा पुत्री के पुत्र की ब्री० Wife of a
grandson. बिवा० ३;

एत्तई. ब्री० (नप्तृका) દીકરા કે દીકરીની

दीकरी. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा० ३;
 शब्दार्थ. पुं० (नपुं०) पुत्रनो पुत्र; पौत्र. पुत्र का पुत्र. पौत्र. A son's son; a grandson. दस० ७, १८;
 शब्दार्थ. स्त्री० (नपुं०) दीकरी की दीकरी. पुत्री की पुत्री. A daughter's daughter. दस० ७, १४;
 शब्दार्थ. त्रि० (न्यस्त) साधुने वास्ते रथापी राभेय. साधु के वास्ते रख छोड़ा हुआ. Reserved for an ascetic. सूय० १, ४; १, १४; (२) (नाथ्यन्ते बरीक्रियन्ते वृषभादयः दुःखीक्रियन्ते वासनेनेति) नथ; अथदनी नाथ. नथनी; बैल की नाथ. a nose string by which an ox is led. नाया० ३; भग० १. ३३;
 शब्दार्थ. अ० (नास्ति) नथी. है नहीं. Is not. अणुजो० १३६; नाया० २; ३; ८; १६; भग० ३५, १२; निसी० ५, ६५;
 शब्दार्थ. पुं० (नास्तिक नास्ति जीवः परलोको वा इत्येवं मतिर्यस्य) नास्तिक; अक्रियावादी. नास्तिक; अक्रियावादी. An atheist. ठा० ४, ४;
 शब्दार्थ. न० (नास्तित्व) नास्तित्व; आस्तित्वनो अभाव. नास्तित्व; अस्तित्व का अभाव. Absence of existence; nihilism. भग० १, ३;
 शब्दार्थ. स्त्री० (नदी) नदी, नदी. A river. जं० प० ठा० २, ४; (२) अमे नामनो अमे द्वीप अने अमे समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३, ४; —मह. पुं० (—मह) नदीनो महोत्सव. नदी का महोत्सव. festivity in honour of a river. राय० २१७;
 शब्दार्थ. न० (एर्दित) अथद वगेरेनो अवाज.

बैल इत्यादि का आवाज. Bellowing as that of an ox etc. नाया० १;
 शब्द. त्रि० (नद्ध) आधि. बंधा हुआ. Bound tied तंदु०
 शब्दार्थ. न० (नपुंसक) नपुंसक; नाभद; पुं० नद्ध तेम स्त्री पणु नद्ध. नपुंसक; नाभद; पुं० भी नहो और स्त्री भी नहो. An impotent; hermaphrodite. ' ति-विहा शब्दसंग परणता ' ठा० ३, १; भग० ८, ८; —परणवली. स्त्री० (—प्रज्ञापनी) नपुंसकना लक्ष्य अतावनारी भाषा. नपुंसक के लक्षण बताने वाली भाषा. language bearing the marks of impotence. पञ्च० ११; —लिंगसिद्ध. पुं० (—लिंगसिद्ध) नपुंसक पणु सिद्ध थाप ते. नपुंसक पन से सिद्ध हो वह. getting of salvation in the state of impotency. नंदी० —व्यण. न० (—वचन) नाभ्यतर वनतिना शब्द. नाभ्यतर जाति के शब्द. a word in the neuter gender. जीवा० १; —वेद. पुं० (—वेद —वेद्यत इति वेदः नपुंसकस्य वेदः नपुंसक-वेदः) नपुंसक वेद; त्रय वेदभानो अेक. नपुंसक वेद; तीन वेद में से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz. that of an impotent. भग० २०, ७; सम० २१; —वेदग. पुं० (—वेदक) नपुंसकवेदवायो अ०. नपुंसक वेद वाला जीव. a soul with the sex-feeling of impotence. भग० ११, १; १८, १; २४, १; ३५, १; —वेद्य. पुं० (—वेदक) लुप्यो उपयो यम्. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० २६, १; —वेद्य. पुं० (—वेद) लुप्यो "शब्दसंग-वेद" शब्द. देखो ' शब्दसंगवेद ' शब्द. vide " शब्दसंगवेद " पञ्च० २१; २३;

ठा० ६; सम० —वेयग. पुं० (—वेदक)
शुपुंसा “ शुपुंसगवेदग ” शब्द. देखो
‘ शुपुंसगवेदग ’ शब्द. vide “ नपुंसग-
वेदग ” ठा० ४, ४;

शुपुंसय. न० (नपुंसक) शुपुंसा “ शुपुंसग ”
शब्द. देखो. “ शुपुंसग ” शब्द. Vide
“ शुपुंसग ” सम० २०; —वेयणिज्ज.
न० (—वेदनीय) नथी नपुंसकपणुं वेद-
नामां आवे तेथी अक मोहनीय कर्मनी
प्रकृति. जिस से नपुंसकत्व-नामदाई का अनु-
भव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति.
a variety of Mohaniya Karma
by which a soul experiences
the sex-feeling of an impotent.
सम० २०;

शुभ. न० (नभस्) आकाश. आकाश. Sky.
सूय० १, ६, ११; ओव० —सूर. पुं०
(—सूर) राहु; अंद्र या सूर्यने अद्रणु इरता
अक जलनी डावे पुद्गल. राहु; चंद्र वा
सूर्य को ग्रहण करने वाला एक जाति का
काला पुद्गल. the demon Rāhu;
causing an eclipse of the sun
or moon. सू० प० २०;

शुभंसण. न० (नमस्सन) नमस्कार इरवे ते.
नमस्कार करना. Act of bowing to;
act of saluting. भग० ६, ३३;

शुभंसणया. स्त्री० (नमस्सन) नमस्कार
इरवे ते. नमस्कार करना. Act of bow-
ing to; act of saluting. ओव० २७;

शुभंसणिज्ज. त्रि० (नमस्सनीय) नमस्कार
इरवा योग्य. नमस्कार करने योग्य.
Worthy of being bowed to;
worthy of being saluted. भग०
१०; ५;

शुभंसिय. त्रि० (*नमस्सियत) नमस्कार
इरवे; नभेय. नमस्कार किया हुआ; झुका

हुआ. (One) who has bowed
to; (one) who has saluted.
भग० ४२, १;

शुभण. न० (नमन) नमन; प्रणाम. नमन;
प्रणाम. A bow; a salutation.
सूय० २, २, ७;

शुभणी. स्त्री० (नमनी) तीथ गालु आजा.
तीमरा गौण आज्ञा. The third of the
secondary commands. नदी०

शुमि. पुं० (नमि) नमि नामना अक राजर्षि
डे ने अनेक डंडलु अडपडे छे अने अकना
अडपडट थतो नथी अटवा डपरथी वैराय
पामी दीक्षा लछ मोक्षे पणुंरिया; बार प्रत्येक-
बुद्धमाना अक प्रत्येकबुद्ध. नमि नाम का
राजा कि जो अनेक बंकण का खडखडाहट
होता है परन्तु एक का अवाज नहीं होनेमें
वैराय प्राप्त कर दीक्षा ले, मोक्ष को पहुँचे;
बार प्रत्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध.
King Nami who marked that
more bangles than one collide
against each other (when the
hand that wears them is in
motion) and make a sound. He
also marked that one bangle
does not produce that sort of
sound. So he became an
ascetic and got salvation; he
is one of the four Pratyeka
Buddhas. उक्त० १८, ४५; (२)
अकतीशमा तीर्थइरतुं नाम. एकवासवें
तीर्थकर का नाम. name of the 21
st Tirthāṅkara. अणुजा० ११६;
सम० १५; (३) वैताळ्यनी उत्तर त्रेल्लिमाना
विद्याधरने राजा वैताळ्य की उत्तर श्रेणिमें
के विद्याधरों का राजा. name of a king
of the Vidyādhara residing

in the northern part of Vaitā-
dhyā, जं० प० (८) अंतपदशा सूत्रवा
पदशा अध्ययनां अतो अधिकार छ
अथा अेक साधु, अंतगड दशा सूत्र के पहिले
अध्ययन में जिसका अधिकार है ऐसा एक
साधु, name of an ascetic des-
cribed or mentioned in the
first chapter of Antagadāśā
Sūtra, टा० १०;

शमिपवज्जा, स्त्री० (नमिपवज्या) अ
न मनु उत्तराध्ययनं न भुं अध्ययन, ड।
नमका उत्तराध्ययन का न वां अध्ययन,
Name of the 8th chapter of
Uttarādhyaṇa, गम०

शमिय, त्रि० (नत) नत्र, नम्र, Bent;
low; humble; bowed down,
'कुमुम फलभार शमियवाला' जीवा० ३;
जं० प०

गमुक्कार, पुं० (नमस्कार) नमस्कार, नमस्कार,
A bow; a salutation, दृ० २, १
६३;

न मुदय, पुं० (नमुदय) अ नमने गोशाला ने
अेक आचर, दय नामका गोशाला का
एक उपामस्रावक, A layman-foll-
ower of Gōśālā, भग० ३, १०;

शमो, अ० (नमम्) नमस्कार करने ने
नमस्कार करना, Act of bowing or
saluting; salutation, नाया० १;
६; १३; १६; नाया० ध० भग० १५, १;
२३, १; २५, १३; २६, १; जीवा० ३, ४;
आव० १२; अणुजा० १२६; जं० प० ५,
११६; ११२; ११७; ११५;

शमोक्कार, पुं० (नमस्कार) नमस्कार,
नमस्कार, A bow or salutation,
आव० १, ६;

शमोक्कार, पुं० (नमस्कार) नमस्कार,

नमस्कार, A bow; a salutation,
नाया० १;

शय, अ० (नच) नदि, नहीं, No; not,
मम० प० २३१;

शय, त्रि० (नत) नत्र थयेवे; नमेव, नम्र;
कुम्हा हुआ, Bent low; modest;
humble; (one) who has bowed,
जं० प० ३, ५७; मय० १, २, ३, २७;

शय, पुं० (नय - नयन्यनेकांशात्मकं वस्त्वेकां-
शा बलस्त्वेन प्रवर्तति पथमशेषयति नयने
ऽनेनास्मिन् वेति नाः) अनेक धर्मावाली
वस्तुता अेक धर्मता अेक दरावता, अस्मि-
प्रायः नैयम आदि सत नयमाना गमेने अेक,
अनेक धर्मावलंश वस्तु के एक धर्म का बांध
करण वाचा अस्मिप्रायः नैयम आदि गान नय
में से कोई भी एक, Any of the
seven stand-points viz. Naigama
etc; a stand-point showing one
of many aspects of a thing,
पञ्च० १; १६; नाया० १; भग० ७, ३; १८,
६; (२) मतः दृष्टिः अपेक्षा, मत; दृष्टि;
आज्ञा, view; point of view, सू०
प० २०: —अंतर, त्रि० (-अन्तर) अे
नयनी वस्त्वेने तद्वतः दृष्टि मत अेद, नय
के मध्यस्थ का अंतरः दृष्टि-मत अेद, differ-
ence between two points of
view or stand-points, भग० १, ३;
—गइ, स्त्री० (-गति) नैयम आदि नये, अ
पान पोताना मतनु पोषयु-स्थापन करवुं
ते, परस्पर आपेक्ष सर्व नये, थी प्रमाणने
आध न आति नेरी रीते वस्तुनु व्यवस्थापन
करवुं ते नैयम आदि नयों में अरने अरने
मत का पांषण स्थापन करना; परस्पर सापेक्ष
सर्व नयों से प्रमाण का बाध न आवे इस रीति
में वस्तु का व्यवस्थापन करना, estab-
lishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पक्ष० १३; —निष्णु. वि० (—निष्णु) नैयम आदि नयनों निष्णु -कुशल. नैयम आदि नयनों निष्णु कुशल. proficient, well versed in the stand-points viz. Naigama etc. सम० १; —प्रहाण. वि० (—प्रधान) नयनी अंदर प्रधान. नय के अंदर प्रधान. the chief or principal among the stand-points. राय० —विदि पुं० (—विधि) नयनी प्रकार. नय के प्रकार. varieties of stand-points; various modes of stand-points. नाया० १; —विदिगु वि० (—विधिगु) नयनी प्रकारने नयनी प्रकार को जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand points नाया० १;

खण्ड. न० (नयन) आंख; नेत्र; यक्षु आंख; नेत्र; चक्षु An eye. नाया० १; ८; ६; १७; नग० ३, २; ६, ३३; ११, ११; जाया० ३, ३; राय० २७; ओव० —आणंद. पुं० (—आनन्द) आंखों का आनन्द. delight of the eyes. नाया० १; —विष. न० (—विष) आंखों में रोष-रोष-युक्त. आंखों का विष-रोष-क्रोध. resentment or anger expressed in the eyes. नाया० ६; —वर्ण. पुं० (—वर्ण) आंखों का रंग. आंखों का रंग. colour of the eyes. नाया० ८; —माला. स्त्री० (—माला) आंखों में लगी हुई माला. नाया० १; ७; ८; राय० ४३; जं० प० ५, ११५; —अद्वि. पुं० (—अद्वि) राजा. राजा. a king.

standing in rows. भग० ६, ३३; —कीया. स्त्री० (—कीका-कनानिका) नेत्र-आंखों की कीका. नेत्र-आंखों की पुतली. the pupil of an eye. राय० २७; ओव०

खण्ड. न० (नगर) नगर; नगरों का शहर. नगर. जहाँ हलकी वस्तु के ऊपर कर न हो ऐसा शहर. A town; a city; a town in which taxes are not levied on trivial articles. नाया० १; ८; १३; १८; १३; भग० ३, १; ५, ६; १६, ७; ओव० १७; ३२; —गुतिअ-य पुं० (—गुतिअ) नगर रक्षक; कटावाला. नगर रक्षक; कटावाला. a protector or guard of a city; a Kotawala. ओव० ३०; नाया० २; —णिगम पुं० (—निगम) नगर में निगम-व्यापारी. a trader residing in a city. नाया० २; —रली चद. पुं० (—रलीचद) नगर का सांड. a bull roaming a city. विवा० २; —महिला. स्त्री० (—महिला) नगर में रहने वाली स्त्री. नगर की स्त्री-नारी. a woman residing in a city. नाया० २;

खण्ड. स्त्री० (नगरी) नगरी. राजधानी. शहर. नगरी; पाटनगर. A city; a capital-city. नाया० १; २; ४; ५; ६; भग० ३, १; जं० प० ७, १७८; १, १; राय० ४;

खण्ड. पुं० (नर) नर; भनुष्य; पुरुष. नर; भनुष्य; पुरुष. A man; a person; a human being. नाया० १; ७; ८; राय० ४३; जं० प० ५, ११५; —अद्वि. पुं० (—अद्वि) राजा. राजा. a king.

“ कुंथूनामण्यरहिवो ” उक्त० १८, ३६;
—(री) ईसर. पुं० (—ईश्वर) राजा. a king. “ इच्छा गुराय वसहो कुंथूनाम नरीसरो ” उक्त० १८, ३६; —द्व. पुं० (—देव-नरेषु देवा नरदेवाः) चक्रवर्ती. a Chakravarti; a lord of men. डा० ५, १; (२) ऐ नामने ऋषभदेव स्वामिनो ऐक पुत्र. इस नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र. name of a son of Rishabhadeva Swami. कण० ७; —णारीसंपरिबुड. त्रि० (—नारीसंपरिवृत) नरनारीश्री घेरा-येरा. नरनारी से घिरा हुआ. surrounded by men and women. पगह० १, ३; —दुग. न० (द्विक) मनुष्य गति अने मनुष्यानुपूर्वी ऐ ऐ प्रकृति मनुष्य गति और मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृति two Karmic varieties named Manusya Gati and Manusya nupurvi. क० गं० ३, ८; —रुहिर. न० (—रुधिर) मानुष्यनू लेली. मनुष्य का रुधिर. human blood. राय० —वरीसर पुं० (—वरेश्वर) श्रेष्ठराज. श्रेष्ठ राजा. the best among kings; an excellent king. “ सगरं चरन्ताये भरहं नरवरीसरो ” उक्त० १८, ४०; —वसह. पुं० (—वृषभ) नरनी अंदर प्रधान गुणवाले; उत्तम पुरुष नरो मे प्रधान गुण वाला; उत्तम पुरुष the highest or best among men; an excellent person. पगह० १, ४; —विग्रहगइ. स्त्री० (—विग्रहगति) मनुष्यनी विग्रह गति; ऋषभपत्नी गतिभांशी यवी छत्र यांके आठ मनुष्यनी गतिभां आवे ते. मनुष्य की विग्रह गति; कोई भी गति में से चक्कर-चलायमान होकर जीव आनियामिन रीति से

मनुष्य गतिमें आता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process. डा० १०; —संघाडग. न० (—संघाटक) नर-मनुष्यनो समूह. नर-मनुष्य का समूह. a multitude of men. जं० प० —सिरमाला. स्त्री० (—शिरामाला) पुरैपना भाथानी भाता. पुरुषों की खोपडियों की माला. a garland of human skulls. नाया० ८; —सीह. पुं० (—सिंह) पुरुषों में सिंद समान. पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men. नाया० १६;

एरअय पुं० (नरक) नरक. नरक. Hell. आया० १, १, २, १६; दसा० ६, १; ४; नाया० २; १६; भग० १५, १;

एरकंतापयाय. न० (नरकान्ताप्रपात) नरकुंडीपना मन्दर पर्वतनी उत्तरभां नर शान्त नदीके दरेके. जंबूद्वीप के मन्दर पर्वत के उत्तर की नरकान्ता नदी की धारा. The fall of the river Narakanta in the north of the mount Mandara of Jambu Dwipa. डा० २, ३;

एरकंता. स्त्री० (नरकान्ता) रुक्मि पर्वतना महापुंडरीक द्वीपभांती दक्षिण तरफ नींदवेली महानदी. रुक्मि पर्वत के महापुंडरीक में ये दक्षिण तरफ निकली हुई महानदी. A great river rising from lake Mahāpundarika on mount Rukmi and flowing in the south. डा० २, ३; जं० प० ४, १११; —कूड न० (—कूट) रुक्मि पर्वत डीप-रना आठ द्वीपभांनु आधु द्वीप-क्षेत्र. रुक्मि पर्वत के ऊपर के आठ कूट में से चौथा कूट

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. जं० प०
एरण. पुं० (नरक—नरान् कायन्ति शब्दयन्ति योग्यताया अनियत क्रमेणऽऽकारयन्ति जन्तून् स्वस्वस्थानं इति नरकाः) नरका-
वासा; नारकीनां भूषणे रक्षेयानां स्थान. नरकावासा; नारकी जीवों को रहने का स्थान. A hellabode for sinners. ठा० ४, १; पञ्च० २; —आवास. पुं० (—आवास) नरकावासा; नारकीनां स्थान. नरकावासा; नारकी का स्थान. a hell-abode. ठा० ८; —इन्द्र पुं० (—इन्द्र) भेदोद्योगां भेदोद्योग नरकावसे. बड़े में बड़ा नरकावासा. the largest hell-abode. ठा० ६; —तल. न० (—तल) नरकजं तुलं. नरक का तल. the bottom of hell. दस० ६, १; —वाल. पुं० (—पाल) नरकना रक्षक पालन प्रभार धर्मिक. नरक के रक्षक; पन्द्रह जाति के परमार्थमिक. any of the 15 kinds of the torturers or guards of hell called paramā-dharmikas. सूय० नि० १, २, १, ७४; —विभक्ति. स्त्री० (—विभक्ति-विभाजनं विभक्तिः नरकाणां विभक्तिः नरक विभक्तिः) नरकना विभाग. नरक के विभाग. subdivisions of hell. (२) तेषु प्रतिपादन करनार सूयगङ्गा सूत्रजं पाथ्यं अध्ययन. उसका प्रतिपादन करने वाला सूयगङ्गा सूत्र का ५वां अध्ययन. the 5th chapter of Sūyagadāṅga dealing with the above. सूय० १, २, १; सम०

एरणस्त. न० (नरकत्व) नारकी पक्ष. नार की पत्त. State of a hell-being. भग० १२, ७;

एरणवह. पुं० (नरपति) भाष्यनो स्वामि-
नायक; राजा. मनुष्य का स्वामी-नायक; राजा. A lord of men; a king. नाया० १; ६; १६; ओव० ३१; पण्ड० २, ४; जं० प० ३, ४३; —दत्तपयार. पुं० (—दत्तप्रचार) राजाये आपेक्ष सत्ता. राजा की दी हुई सत्ता-अधिकार. power conferred by a king. नाया० १६; —दि-
रणयार. पुं० (—दत्तप्रचार) जुआ
उपसे शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया० १६;

एरिन्द्र. पुं० (नरन्द्र-नरेष्विन्द्रो नरेन्द्रः) राजा;
चक्रवर्ती आदि. राजा; चक्रवर्ती आदि. A king; a Chakravartī etc. पण्ड० १, ४; ओव० नाया० १; ८; —वसह. पुं० (—वृषभ) भेदोद्योग राजा. बड़ा राजा. a great king; a sovereign prince. “ एवं नरिन्द्रमहा निखलता जिणमासणे ” उत० १८, ४७;

एरिस्तरत्तण. न० (—नरेष्वारत्व) नरेष्वारत्व.
राजपद. राजान; वृत्त. Kingship; royalty. “ वामगणे मणुपते धम्मोओ एरिस्तरत्तणं ” पञ्चा० ६, १७;

एल. पुं० (नल) ऐक्यवर्ती वनस्पति; वन.
एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, १; ठा० २, २;
एलदाम. न० (नलदाम) ऐक्यवर्ती ऐक्य
वृक्ष. इस नाम का एक कड़ा बुनने वाला; जुलाहा. Name of a weaver. ठा० ४, ३;

एलिण. न० (नलिन) थोड़ा रंगुं कमल.
कमल; थोड़ा लाल कमल. A lotus; a reddish lotus. जीवा० ३, १; राय० ४८; नाया० ६; पञ्च० १; (२) ८४ लाभ नलि-
नांग प्रमाणो काय विभाग. ८४ लक्ष नलि-
नांग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 lacs of Nalināgñas. अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५; (३) नखिन विमान; सातभा देवलोकनुं अेक विमान ऐनी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे; अे देवता साडाआठ भासे आसोआस ले छे अेने सत्तर हुनर वषे क्षुधा लागे छे. नलिन विमान; सातवे देवलोक का एक विमान; उमकी स्थिति सत्तर सागरोपम की है; ये देवता साडे आठ मास में आसोआस लेने हैं और उन्हें सत्तर सहस्र वर्षों में क्षुधा लगता है. a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sāgaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years. सम० १७; (४) पश्चिम भद्रा विदेहा दक्षिण भांड्यानी भेड़ नरक्षी सातवीं विजय पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खंड की भेड़ के तरफें सातवीं विजय. the 7th Vijaya of the southern part of western Mahāvideha, from the side of Meru. जं० प० (५) सातवीं विजयने राजा सातवीं विजय का राजा. the king of the 7th Vijaya. जं० प० (६) जम्बूसुदर्शननी पूर्वभां आवेदी अेक वाव. जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावड़ी. a well in the east of Jambū Sudarśana. जं० प०

एलिंगग. न० (नलिनाङ्ग) ८४ द्वाप पद्म प्रमाणुने द्वाप विभाग. ८४ लक्ष पद्म प्रमाण का काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Padmas. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५;

एलिंगगकूड. पुं० (नलिनकूट) सीता भद्रातदीने

उत्तर किनारे अने आवर्त विजयनी पूर्व सरहद उपरनेो वपारा पर्यंत. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर और आवर्त विजय की पूर्व सरहद के ऊपर आया हुआ बखारा पर्यंत. A Vakhārā mount on the eastern border of Āvarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sitā. जं० प० ४, ६५; ठा० २, ३; ३, ३; ४, २; एलिंगगगुम्फ. पुं० (नलिनगुम्फ) श्रेष्ठिक राजनी श्री नलिनगुम्फा पुत्र. श्रेष्ठिक राजा की श्री नलिनगुम्फा का पुत्र. A son of Nalinagulmī the wife of king Śreṇika. (२) भद्रापद्म स्वामी वपारनेो राजा. भद्रापद्म स्वामी के समय का राजा a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmī. ठा० ८; (३) आठभा देवलोकनुं अे नामुनुं अेक विमान. आठवें देवलोक का इस नाम का एक विमान. name of a heavenly abode in the 8th Devaloka. सम० १८;

एलिंगगवय. न० (नलिनवन) पुष्कलावती विजयभां पुष्करीक नगरीनी उत्तर-पश्चिम दिशाभां आवेनुं अेक उद्यान. पुष्कलावती विजय में पुण्डरीक नगरी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान. A garden in the north-west of the town named Puṇḍarika in Puṣkalāvati Vijaya. नाया० १८; १६; एलिंगगा. स्त्री० (नलिता) अेक वावनुं नाम. एक बावड़ी का नाम. Name of a well. जीवा० ३, ४;

एलिंगगवय. न० (नलिनीवन) पद्मसतानुं वन. पद्मलता का वन. A forest of lotus-creepers. नाया० १;

एलिंगी. स्त्री० (नलिनी) कमलिनी; पद्म-
लता. कमलिनी; पद्मलता. A lotus-
creepers. श्रौ० नाया० १३;

एलिंगीवण. न० (नलिनीवन) ओ नाभतुं
ओक उद्यान. इस नाम का एक उद्यान-
बगीचा. Name of a garden. नाया०
१६;

एव. प्रि० (नवन्) नव; ६. नौ; ६. Nine:

१. "एवग्रहमासाणुं" नाया० १४; भग० १२, ६;

१४, ६; २०, ६; २४, १; २५, ६; २५, ७; ३१,

१; नाया० १; १४; १६; १६; निर्वा० १४.

१२; सु० १; ज० १० ७, १४६; —आयय.

पुं० (—आयन) नव दाय बाया. नौ हाथ

का लम्बाई. length measuring

nine arms (an arm from the

tip of the middle finger to

the elbow). नाया० १; —कोडि

परिसुद्ध. त्रि० (—कोटिपरिसुद्ध) नव

प्रकारकी शुद्ध-निर्दोष. नौ प्रकार से शुद्ध-

निर्दोष. faultless or pure in nine

modes or ways. " नवकोडि परिसुद्धे

मिक्खे पणुणं " ठा० ६; —च्छिद्र. त्रि०

(—च्छिद्र) नव, ६ छिद्र बाहु. नौ छिद्र

वाला. having nine holes. तंदु०

—जोयण. पुं० (—योजन) नव योजन.

नौ योजन. nine Yojanas (1 Yo-

jana = 8 miles) नाया० ६; —जोयण-

विच्छिण्ण. त्रि० (—योजनविस्तीर्ण) नव

योजन विस्तृत. नौ योजन विस्तृत. having

an extent of 9 Yojanas. नाया० ६;

—जोयणिय. त्रि० (—योजनिक) नव

योजनकी लम्बाई वाला. of the length of nine

Yojanas (1 Yojana = 8 miles).

" जंबूद्वीपेणं द्वीपे नवजोयणिया मच्छा "

ठा० ६; —एउइ. स्त्री० (—नवति) ६६;

नवाणुं. निन्यानवे. ninety-nine. सम०

६६; ज० १० ७, १३२; १४७; —एव-

मिया. स्त्री० (—नवमिका-नव नवमान

दिनानि यस्यां सा नवनवमिका) नव नवक-

८१ दिवसतुं ओक अक्षिग्रह-तप, जेमां

ओकेक दिवसे अथवा नवनव दिवसे ओकेक

हात अथवा पाण्डुलीनी पधारतां नव हात सुधि

पधारी शक्य छे; नव हात उपरांत कोष्ठपणु

दिवसे अथवा पाण्डु लेवाय नदि ओवी रीते

८१ दिवस सुधि करवातुं तप नव नवक ८१

दिन का अभिग्रह-तप, जिसमें एक एक दिन

को अथवा नौ नौ दिन को एक एक हात

अथवा जल की बढांत बढांत नौ हात पर्यन्त

बढाई जा सकी है. नव हात के सिवाय अन्य

कोई भांतिन को अथवा पानी लिया न जाय

इस प्रकार ८१ दिन तक करने का तप. an

austerity, so named, fasting

for 81 days, in this austerity

food and water are limited

to the maximum amount of 9

Dāra (a measure). Starting

with the minimum of one

Dāra. The performer of

this austerity may increase

one Dāra every day or every

nine days. ठा० ९; श्रौ० १४; सम०

—पय. पुं० (—पद) यवमण्डि: यद्विओ

हत्यादि नव पद. चतुस्रण्डि: यद्विओ

नौ पद. nine verbal forms such

as Chāmanāne, Chālie etc. भग०

१, १; —पुर्व. न० (—पूर्व) नव पूर्व

-शास्त्र. नौ पूर्व-शास्त्र. nine Pūrvas

or scriptures. भग० २५, ६;

—वंमचर. न० (—व्रतचर्य) नव प्रकारतुं

अवधार्यतुं प्रतिपादन करनेवाले आचारों

मूलतः प्रथम श्रुत रङ्ग; आचारोंकी पहिली

नव अध्ययन. नौ प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रति-
पादन करनेवाला आचाराङ्ग सूत्र का प्रथम अत-
स्कंध; आचाराङ्ग के प्रथम नौ अध्ययन. The
first nine chapters of Āchā-
rāṅga explaining the nine
modes of continence निसं० १६,
१८; —विगह. क्री० (-विकृति) दूध दधि
आदि तैल पत्रे नव प्रकृति विकृति-विषय.
दूध, दही, घी, तेल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति
विषय. nine kinds of trans-
formations e. g. milk, curds,
ghee, oil etc. “ एव विगहश्चो पण्य-
ताश्चो ” टा० ६; —हस्त्युल्लङ्घ. पुं०
(-हस्तोल्गं) नव दाधनी उल्लाघ. नौ
हाथ की ऊंचाई. height measuring
nine arms-length. नाया० ध०

एव. त्रि० (नव) नवान; नवुः नवानुं. नवान;
नयाः ताजा New; fresh; novel.
नाया० ९; १२; सम० २०; आब० सु० च०
१, ३१८; —गिम्हकालतमय. पुं०
(-ग्रीष्मकालतमय) नूतन ग्रीष्म ऋतु.
नया ग्रीष्म काल. opening summer.
नाया० १; —गगह. पुं० (-ग्रह) नवुं
अदल्यु डरयुं ते. नया ग्रहण करना. new
or fresh acceptance. सूय० १, ३,
२, ११; —घडय. पुं० (-घटक) नवे
धडा. नया घडा. a new pot; a
new-made pot. नाया० १२; —पज-
यण. न० (-पायन) लोहाने तापमां
नाभी तीक्ष्ण करी पाण्डु पाणीमां नाभयुं
ते; नवुं पाण्डु अजयुं ते. लोहे को ताप में
डाल तादण कर के पुनः पानी में डालना;
नया पानी चढ़ाना. act of dipping
heated and sharpened iron
again into water, with a view
to make it stronger. “एवपज-

यण्यं असिरण्यं पादसाहरिया ” भग०
१४, ७; नाया० ७; —सादुल. न० (-शा-
दुल) पुस्तनुं उधेयुं धास. ताजा उगा
हुआ घास fresh-grown grass.
नाया० १; —सुत्त. त्रि० (-सूत्र) नया
सूत्र ययुं. नये सूत वाला. having or
consisting of new-spun thread.
“ आसंदिद्यं च नवसुत्तं पादह्लादं संकम-
ट्टाय ” सूय० १, ४, २, १५; —सुरभि.
पुं० (-सुरभि) नूतन सुगन्ध. नया
सुगन्ध. fresh, new perfume.
नाया० १;

एवह. क्री० (नवति) नवती संख्या; ९०.
नवति की संख्या; ९०. Ninety; 90. जं०
प० २, ३३;

एवेग. न० (नवाङ्ग) ये श्रुत, ये आंभ, ये
नासिका (श्रोत्रा) श्रुत, स्पर्श अने मत
अने नव अंग नवग्रन्थानां लुपानां प्रगटे
छे. दो कान, दो आंख, दो नासिका, जिह्वा,
स्पर्श और मन ये नौ अंग जाग्रत होने पर
युवावस्था प्रकट होती है. The nine
organs or senses viz. two ears,
two eyes, two nostrils, tongue,
touch and mind (which in
their bloom cause puberty).
राय० २६१; नाया० ३; —सुत्तपडिशो-
हिया. क्री० (-सुत्तप्रतिबोधिता-नवाङ्गानि
कर्णादि लक्षणाणि सन्नि प्रतिबोधितानि
बोधनेन यस्याः सा तथा) नव बोधना स्त्री.
नव यौवना स्त्री. a woman in her
prime. विवा० २, १; वव० १०;

एवणीहया. क्री० (नवनीतका) ओड प्रकाशनी
वनस्पति. एक प्रकार का बनस्पति. A
kind of vegetation. “ एवणीया
गुम्मा ” जं० प० पञ्च० १;

एवणीञ्च-य. न० (नवनीत) भाभलु. मखन.

Butter. भग० ११, ११; १८, ६; नाया० १; पञ० ११; निसी० १, ५; ओव० ३८; डा० ४, १;

एवनीत. न० (नवनीत) भाषाणु. मखन.

Butter. सू० प० १०; जीवा० ३, ४; ओव०

एवम. त्रि० (नवम) नवमे-ग्री-मु. नौवां-वीं. Ninth. नाया० ६; १६; भग० २४, १२; २०; नाया० थ० ६;

एवमलिया. स्त्री० (नामालिका) ओ नामली ओक पेव. इन नामकी एक बेल. A kind of creeper. कण० ३, ३०;

एवमिया. स्त्री० (नवमिका) द्विपुरुषा ईन्द्र सुपुरुषाणी ग्रीष्म पट्टाणी. कपुरुष के इन्द्र सुपुरुष की दूसरी प्रधान रानी. The 2nd crowned queen of Suparusa the Indra of the Kimpurusa kind of gods. डा० ४, १; (२) देवेन्द्राणी छरी पट्टाणी; देवेन्द्र का छरी प्रधान रानी the 6th among the crowned queens of Devendra. (३) मन्दर पर्वतनी पश्चिमे आवेक्षा रुचक पर्वतनी रुचकौतम नामता कूट-शिखर-उपर वसनारी ओक दिशा-कुमारी. मन्दर पर्वत के पश्चिम ओर आये हुए रुचक पर्वत के रुचकौतम नाम के कूट-शिखर के ऊपर बसने वाली एक दिशा-कुमारी. a Disākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. डा० ८; जं० प० ५, १२२; (४) नवमिका देवी. नवमिका देवी. the goddess Navamikā. नाया० थ० ५; ६; जं० प० ५, ११४;

एवमी. स्त्री० (नवमी) नैम. नौमि. The

9th day of a fortnight. जं० प० २, ३०; —पक्ख पुं० (—पक्ख—नवम्या-स्तिथेः पक्षां ग्रहो यस्य तिथिमेजपातादिपु तथा एतन्मितिथि पाते तत्कृत्स्नाष्टमे क्रियमाण्वात्सतनवमीपक्षः) जेमां नैमने सभावेत्त यतो होय तेरी आठम जिस में नौमि का समावेश होता हो ऐंगि अष्टमा. the 8th day of a fortnight which includes also the 9th. “चित्त बहुलस्य नवमी वक्के” जं० प० ३;

एवय पुं० (नवत) ओक जालु उतनुं कपडु. एक जाल का ऊनी कपडा. A kind of woolen cloth. नाया० १;

एवयं. अ० (नवरम्) पय आटपुं विशेष परन्तु इतना अधिक But this much in addition; but this much besides. ओव० नाया० १; ८; १२; १६; भग० १, १; ३, १; ३, २; ६, ४; ७, ३; १५, १; २४, १२, जं० प० ७, १३५, ११६;

एवरि. अ० (नवर) अतः; पूर्वता अतः देश इत्यादि केके विशेषता द्योतक. अतः; पूर्व के आतंदेश की ओरता कुछ विशेषता द्योतक. Moreover; besides. जं० प०

एवला पुं० (नवलक) अन्न. जाल. A kind of net.

एवनीति. पुं० (नवनीति) ओक जालु वृक्ष एक जल का वृक्ष. A kind of tree. नाया० १;

एवहा. अ० (नवधा) नव प्रकारे. नौ प्रकार से. In nine modes or ways. भग० १२, ४;

एविय. त्रि० (नव्य) नयुं. नया. Now; novel. नाया० १८;

एवमण. न० (न्यमन) मुकतुं; आरोपण करतुं ते. रखना; आरोपण करना. Act of leaving; act of attributing. जीवा० १;

शुद्धसमाय. त्रि० (नश्यन्) स-भार्गथी
यत्तापमान थनो-विभुष थनो. सन्मार्गे से
चत्तापमान होता हुआ Sliding back,
falling off from the right path.
उवा० ७, २१८;

शुद्ध. न० (नभस्) आकाश. आकाश. Sky.
firmament. दस० ७, ५२;

शुद्ध. पुं० (नख) न०. नख; नाखुन. A
finger-nail. नाया० १; ४; ८; भग० २,
१; आया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३;
जीवा० ३, ३; राय० २२; मय० २, २, ६;
(२) कर्ज; देणु. कर्जा; अण. a debt.
तंदु० सम० -- चङ्कुदणय. न० (--चङ्कुद-
नक) न०. उतारवानुं दधीअ २; नरेण्णी.
नाखुन उतारने का औजार; नेरनी an
instrument for pairing
finger-nails. आया० २, १, ७, १;
--चङ्कुदणय. न० (--चङ्कुदन) न०. छेदन
कर्युं ते. नख छेदन करना. act of pair-
ing the finger-nails. विवा० ६;
--सिर. न० (--शिरस्) न०. अग्र-
भाग. नख का अग्रभाग. the fore-part
or tip of a finger-nail. भग० ५,
४; --सिद्धा. स्त्री० (शिखा) न०. अग्र-
भाग. नख का अग्रभाग. the fore-
part of a finger-nail. निमी० ३, ४१;

शुद्धफल. न० (नभस्तल) आकाश.
आकाश. Sky; firmament. नाया० १;

शुद्ध. अ० (नहि) नदि. नहीं. No; not.
नाया० ६;

शाङ्ख. त्रि० (ज्ञान) ज्ञानेयुं. जाना हुआ.
Known. ओव० (२) न० दृष्टान्त. दृष्टान्त.
illustration. वेय० ३, २०;

शाङ्ख. अ० (नञ्) नदि. नहीं. No; not. नाया०
५, ७; --पूज. त्रि० (--पूज्य) अपूजनीय;
पूजनीय. अपूजनीय; पूजा के अयोग्य. not

deserving worship or rever-
ence. नाया० ७;

शाङ्ख. स्त्री० (ज्ञाति) ज्ञाति; ज्ञति; नात.
ज्ञाति; जति. A community; a
caste; kin. (२) सन्ततीय; मातापिता-
दि सन्तयी. सजानीय; मातापितादि संबंधी.
of the same class, relatives.
नाया० १; २; ४; ५; ७; ६; १४; १२;
१८; भग० १६, ५; १८, २; ओव० ४०;
उत्त० १३, २३; मय० १, २, १, २२; २,
१, ३५; नाया० ध० --संग. पुं०
(--संग) माता, पिता, पुत्र, स्त्री
आदिना संग-साथ. माता, पिता, पुत्र,
स्त्री आदि का संग. a family consist-
ing of mother, father, wife,
son etc. मय०; १, ३, २, ९;

शाङ्ख. त्रि० (ज्ञानिन्) ज्ञेने सर्व पदार्थो
ज्ञान-वर्णनो छे ते; सर्वज्ञ. जिसको सर्व
पदार्थ ज्ञान विदित है वह; सर्वज्ञ. Omni-
scient; (one) to whom all
things are known. मय० २, ६,
२४; शा० ५, ३;

शाङ्ख. अ० (नाति) थोड़ा; अल्प थोड़ा;
अल्प. Not much; a little. भग०
८, १०; --कटुय. त्रि० (--कटुक)
थोड़ा कटु. थोड़ा कड़वा. not very
bitter. नाया० १; --विगट. त्रि०
(--विगृष्ट) अत्यन्त दीर्घनादि. अत्यन्त
दीर्घ न हो वह. not very long or far
off; not excessively long. विवा०
३;

शाङ्ख. अ० (नादित) नाद करे;
पराज दे उदित. नादित; नादसे गुंज रही
हुई; गुंजा हुआ. Sounded; reverbe-
rated; ringing with a loud
sound. नाया० १; जं० १० ५, ११७;

ओव० ३१;

शाहल. पुं० (नागिल) आर्य ५००सेनना
अतिवासी, के गेवा उपरथी आर्य नागिला
शाखा निक्षी. आर्य वज्रसेन का शिष्य कि
जिसके ऊपरगे आर्यनागिला शाखा निकली.
Name of the disciple of
Ārya Vajrasena from whom
the offshoot named Ārya
Nāgilā originated. कण० ८;

शाहवंत. त्रि० (ज्ञातिमन्) स्वजातीय;
नातिथो. स्वजातीय; अपनी ज्ञातिवाला.
Of one's own caste or com-
munity. 'मित्तवं शाहवं होइ' उक्त० ३,
१८;

शाऊण. पुं० (ज्ञात्वा) ज्ञात्वा; समझने.
जान कर; समझ कर. Having known
or understood. ओव० १४; पंच० ६, ५०;

शाग. पुं० (नाग-गच्छतीति गः, न गः
अगः गतिहीनः न अगः नागः, चलन धर्म-
संयुक्तः) भवतपति देवता नागकुमार नामे
ऐक वन; गेवा युगुत्तामा सर्पनी ईजुनुं
यिन्दुं तेनी ऐक देवतानी गतः नागकुमार.
भवतपति देवों की नागकुमार नाम की एक
जाति; जिसके मुकुटमें सर्प के फण का
एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति;
नागकुमार. A class of Bhavanap-
ati gods called Nāgakumāra
gods; a class of gods whose
diadem bears a sign of the
hood of a serpent. नाया० २; ८;
ओव० २३; जीवा० ३, ३; (२) नाग
वंशमा उत्पन्न थेथ. नाग वंशमें उत्पन्न.
born in the family of
Nāgakumāra gods. जं० प० ३, ४५;
(३) हाथी. हाथी. an elephant. ओव०
३१; भग० ६, ३३; १२, ८; जीवा० ३, ३;

(४) नागकुमार देवतानी भद्रेत्सव. नाग-
कुमार देवता का महोत्सव. a festivity
of the Nāgakumāra gods. नाया०
१; (५) सर्प. सर्प. a snake; a serpent.
ओव० (६) आर्यरक्षितना शिष्य; ऐ नामना
आयाय. आर्य रक्षित के शिष्य; इस नाम के
आचार्य. a preceptor so named;
a disciple of Āryarakṣita. कण०
८; (७) नाग देवर; ऐक वनतुं जाड.
नागकेसर; एक जाति का वृक्ष a kind of
tree. (८) ८ मा तीर्थ देरनुं येत वृक्ष. वें
गार्थकर का चेत्य वृक्ष. a sacred tree in
memory of the 8th Tirthāṅkara.
सम० प० २३३; (९) अमावास्यानी राते
आयनुं बार (ध्रुव) स्थिररक्षुमांनुं वीनुं
इत्यु. अमावास्या का रात्रि को आने वाला
बार (ध्रुव) स्थिर करण में मे तीसरा करण.
the third of the four Dhruva
Karapas falling on the night
of the dark-half of a month.
जं० प० ५, ११६; (१०) ऐ नामनी ऐक
द्वीप अने ऐक समुद्र. इस नाम का एक द्वीप
और एक समुद्र. name of an island;
also name of an ocean. पत० ११;
मु० प० १६; जीवा० ३, ४; (११) वल्गु-
विजयी पूर्वी सरदद परनी वल्गारा पर्वत.
वल्गुविजय का पूर्वी सीमा पर आया हुआ
वल्गारा पर्वत. a Vakhārā mount on
the eastern boundary of
Valguvijaya. जं० प० — इन्द्र. पुं०
(-इन्द्र) नागकुमारना ईन्द्र. नाग-
कुमार का इन्द्र. the Indra of
the Nāgakumāra gods. 'असुनिदि
सुनिदिशागिदा' सम० कण० ८; नाया० ८;
— गगह. पुं० (-ग्रह) नागदेवताना
आवेशी थेथ. रोग; ज्यर वगेरे. नाग

देवता के आने से उत्पन्न रोग; ज्वर इत्यादि.
a disease resulting from one's
being possessed by a Nāga-
kumāra god e.g. fever etc. जीमा०
३, ३; —घर. न० (—गृह) नागदेवतांशु धर.
नागदेवता का घर. a house belong-
ing to a Nāgakumāra god.
नाया० ८; —जगण. पुं० (—यज्ञ) नाग
देवता की पूजा; (महोत्सव). नाग देवता
की पूजा; (महोत्सव). a festivity
held in honour of Nāgakumāra
gods. नाया० ८; —जन्ता. स्त्री०
(—यात्रा) नागदेवता की यात्रा. नागदेवता
की यात्रा. a pilgrimage to
propitiate Nāgakumāra gods
नाया० ८; —धर. पुं० (—धर) दाथीने
पकड़ने वाला भाव्य. हाथी को पकड़नेवाला
मनुष्य. a person who catches
an elephant. ओव० —पडिमा. स्त्री०
(—प्रतिमा) नागदेवता की प्रतिमा. नाग
देवता की प्रतिमा. an image of
a Nāgakumāra god. 'तेमिणं राजेण
पडिमाणं पुराणो दो दो शागपडिओ पण्य
त्ताओ' जीमा० ३, ३; —परियावणिया.
स्त्री० (—पारिजात—नागा नागकुमारस्तेषां पारिजा
यस्यां प्रथमद्वयौ सा नागपरिजात) ओ
नामनुं ओक शक्ति श्रुत. इस नाम का
एक कालिक श्रुत. name of a Kālīka
scripture. नंदा० —पुष्प. न०
(—पुष्प) नाग केसरजं दूध. नाग केसर
का फूल. a flower of the tree
named Nāgakesāra. जं० प०
—फडा. स्त्री० (—फणा) सर्प की डेढ़.
सर्प का कण. the hood of a ser-
pent. (२) नागकुमार देवतांशु मुमुक्षु
रहेषु यि० ६. नाग कुमार देवता का मुमुक्षु

में रहा हुआ चिन्ह. the sign of ser-
pent's hood in the diadem of
Nāgakumāra gods. ओव० २३;
—मह. पुं० (—मह) नागदेवताओं में महो-
त्सव. नाग देवता का महोत्सव. a festi-
vity held in honour of Nāga-
kumāra gods. आया० २, १, २, १२;
राय० २१५; भग० ६, ३३; —वर. पुं०
(—वर) प्रधान दाथी; उत्तम दस्त. प्रधान
हाथी; उत्तम हास्ति. an excellent
elephant. ओव० जं० प० तंदु० भग०
६, ३३; (२) नागसमुद्र की अधिपति
देवता. नागसमुद्र का अधिगत देवता. the
presiding deity of Nāgasamu-
dra (ocean). सू० प० १६; —वीही.
स्त्री० (—वीही) शुक्र की नव वीही में से एक.
शुक्र के नौ मार्ग में से एक. one of the
9 orbits of the planet Venus.
ठा० ६; —साहस्ती. स्त्री० (—साहस्र) १
ओकद्वय नागकुमार देवता. एक सहस्र
नागकुमार देवता. a thousand
deities of the Nāgakumāra
class. सम० ७२;

शागकुमार. पुं० (—नागकुमार) नागकुमार
देवता; भवनपति की ओक जाति. नाग कुमार
देवता; भवनपति की एक जाति. A
class of Bhavanapati gods; a
deity of the Nāgakumāra class
of gods. भग० १, १; २४, २०; ठा० २, २;
—(रिं)इन्द्र. पुं० (—इन्द्र) नागकुमा-
रता इन्द्र; धरणिन्द्र. नागकुमार का इन्द्र; धर-
णिन्द्र. Dharanendra, the king of
Nāgakumāras. भग० १०, ४;
—राय. पुं० (—राज) नाग कुमारता राज-
धरणिन्द्र. नागकुमार का राजा धरणिन्द्र.
Dharanendra, the king of Nā-

gakumāras. भग० १०, ४;
शागज्जुण. पुं० (नागजुन) हिमवत आचार्यना शिष्य. हिमवत आचार्य का शिष्य. Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नदी० ३५; ४०;
शागणिय. न० (नाग्न्य) नम्र भाव; निर्ग्रन्थ भाव; संयम अनुष्ठान. Nudity; possessionlessness asceticism. सूय० १, ७, २१;
शागदंत. पुं० (नागदंत) अकुट्टक; प्लीही. खंटा; खंटी. A peg attached to a wall. जीवा० ३४; राय०
शागदत्त. पुं० (नागदत्त) ऐ नामना ऐक राजपुत्र. इस नाम का एक राजपुत्र. Name of a royal prince. डा० ३, ४; (२) अक्षराजनी स्त्री सुभद्रा ना पुत्र महाअक्षराज कुमारना पूर्व लव के जेभां ते मणिपुर नगरभां ऐ नाम धरातो दत्ता. बलराज की स्त्री सुभद्रा का पुत्र महाबलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम को धारण करता था. the previous birth of prince Mahābala son of Subhadrā queen of Balarāja. In that birth he bore the name given and lived in the town of Manipura. जीवा० ७;
शागदत्ता. स्त्री० (नागदत्ता) १६ भां तीर्थकरनी प्रपञ्चा पालप्लीजु नाम. १६ वें तीर्थकर की प्रपञ्चा पालकी का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tirthankara at the time of his initiation into the ascetic order. सम० प० २३१;
शागदार. न० (नागदार) सिद्धायतन की पश्चिम दिशाभां नागकुमारना आवासजुं क्षर.

सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमार के आवास का द्वार. The gate of the abode of Nāgakumāra in the west of Siddhāyatana. डा० ४, २;
शागपर्वत. पुं० (नागपर्वत) जंबुद्वीपना मंदर पर्वतनी पश्चिमे शीतोदा नदीनी उत्तरे आवेथो ऐक पर्वत. जंबुद्वीप के मंदर पर्वत के पश्चिम में शीतोदा नदी की उत्तर में आया हुआ एक पर्वत. Name of a mountain in the north of the river Sitodā in the west of the mount Mandara of Jambūdvīpa. डा० २, ३;
शागपुर. न० (नागपुर) हस्तिनापुर; कुरुदेशजुं मुख्य नगर. हस्तिनापुर; कुरु देश का मुख्य नगर. The capital city of the country called Kuru. डा० १०; नाया० ध० ५;
शागवाग. पुं० (नागवाग) ऐक वनतनी दिव्य (देवी) घोड़ा. एक जाति का दिव्य (देवी) घोड़ा. A kind of celestial horse. जीवा० ३;
शागभद्र. पुं० (नागभद्र) नागद्वीपना अधिपति देवता. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० प० १६;
शागभूय. न० (नागभूय) आर्यरोहण रथद्वितीय नीकलेख उद्देहगणजुं प्रथम कुल. आर्यरोहण स्थावर से निकला हुआ उद्देहगणका प्रथम कुल. The first brotherhood of saints of Uddeha Gana originating from Āryarohana. कण्व० ८;
शागमहाभद्र. पुं० (नागमहाभद्र) नागद्वीपना अधिपति देवता. नाग द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgadvīpa. सू० प० १६;

रिक. A citizen; a person residing in a city. कण० ३; सू० २, २, १३; —जण. पुं० (-जन) नगरवा श्रेष्ठ. नगर के लोक. A citizen; citizens.

शागमहावर. पुं० (नागमहावर) नागसमुद्रने अधिपति देवता. नागसमुद्र का अधिपति देवता. The presiding deity of Nāgasamudra. सू० प० १६;

शागमित्त. पुं० (नागमित्र) अर्थ महागिरी का शिष्य. आर्य महागिरी का एक शिष्य. Name of a disciple of Ārya Mahāgiri. ठा० ३, ४;

शागर. पुं० (नागर) नगरमें रहनेवाला मनुष्य; नागरिक. नगर में रहने वाला मनुष्य; नाग नाया० १;

शागराज. पुं० (नागराज) नागकुमार देवताने राजा. नागकुमार देवता का राजा. A king of the Nāgakumāra deities. “वेङ्केश्वर नागराईय” सम० १७;

शागरुक्ख. पुं० (नागवृक्ष) नाग वृक्ष. नागवृक्ष. A kind of tree. “शाग रुक्खे भूषणार्थ” ठा० ८; भग० २०, २;

शागलया. स्त्री० (नागलता) नागवेल; नगर वेष्ट. नागलता; नागर बेल; पान की बेल. A creeper of betel-leaves. आव० राय० १३७; —मंडल न० (-मण्डल) नागर वेष्टना मंडल. नागर बेल का मण्डप. a bower of a creeping plant named Nāgaravela. राय० १३७; जीवा० ३, ३;

शागसिरी. स्त्री० (नागत्री) प्रतिष्ठानपुर नगरवा नागवसु श्रेष्ठी स्त्री अने नागवत्तली माता. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवसु श्रेष्ठी स्त्री और नागवत्त की माता. The wife of Nāgvasu a merchant of the town of Pratisthānapura, and

mother of Nāgadatta. नाया० १४; (२) चंपा नगरीवा सोम आत्मशुनी स्त्री के श्रेष्ठीये धर्मरुचि नामवा तपस्वी मुनीने कंडी तुंभीजु शाक ओदारण्युं हनुं. चंपानगरी के सोम ब्राह्मण की स्त्री कि जिसने धर्मरुचि नामक तपस्वी मुनि को कटु तुंबी का शाक बहाराया था. the wife of Soma, a Brāhmana of Champānagari who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया० १६;

शागसुद्धम. न० (नागसूक्ष्म) अर्थ नामनुं अर्थ वैदिक शास्त्र. इस नाम का एक लौकिक शास्त्र. Name of a secular science. अणुजो० ४१;

शागहन्धिय. पुं० (नागहस्तिन्) आर्यनन्दि लक्ष्मणवा शिष्य. आर्यनन्दि लक्ष्मण के शिष्य. Name of a disciple of Ārya-Nandi Lakṣmaṇa. कण० ८;

शागोद. पुं० (नागोद) अर्थ नामने समुद्र. इस नाम का समुद्र. Name of an ocean. सू० प० १६;

शाडप्रय. न० (नाटक) नाटक. नाटक. A drama; a play. जं० प० ५, ११५; विरा० ३;

शाडइज्ज. त्रि० (नाटकीय) नाटकीय पात्र; अर्थ नाटक के पात्र; एक्टर. (One) acting in a drama; an actor in a drama. नाया० १; जं० प० (२) नटी. नटी. an actress. ठा० ९; जं० प०

शाडय पुं० (नाटक) नाटक करनेवाला; नाच करनेवाला. नाटक करने वाला; नाचने वाला. A player in a drama; a dancer. नाया० १, ६;

शाण. न० (ज्ञान) ज्ञान; समर्थ; अधि.

ज्ञान; समस्त; बोध. Knowledge; understanding. भग० २, १; ५, ४; २४, १२; २५, ६; २६, १; नाया० १; २; ५; वेद्य० १, ४६; अगुणे० १४७; पञ्च० १; सू० प० २०; आन० १, १; प्रव० ५५७; (२) आभिनिर्बोधिक् ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान, ऐ पांथ प्रकारमानुं गये ते ऐक. आभिनिर्बोधिक् ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान आर केवलज्ञान इन पांच प्रकार में से चहें सो एक any of the five varieties of knowledge viz. Ābhinibodhika, Śrūta, Avadhi, Māhāpariyāya, and Kevala. राय० (३) पञ्चयुग सूत्रा त्रीन पदसु दशमा द्वारं नाम पञ्चवर्णा सूत्र के तृतीय पद के दयवं द्वार का नाम. name of the 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavarni Sātra. पञ्च० ३; —अंतराय. पुं० (-अन्तराय) ज्ञान में अंतराय-विघ्न पाशयुं ते. ज्ञान में अन्तराय-विघ्न डालना. obstruction in the acquirement of knowledge. भग० ८, ६; —अभिगम. पुं० (-अभिगम) ज्ञान की प्राप्ति ज्ञान की प्राप्ति acquirement of knowledge. ठा० ३, २; —आचार. पुं० (-आचार) क्षये-अवधारे लक्ष्युं, तिनय सङ्गित लक्ष्युं, यदुमान पूर्वक लक्ष्युं; उपधान तय सङ्गित लक्ष्युं, अनिन्दवपक्षे लक्ष्युं, शब्द; अर्थ अने 'तदुभय' (शब्द अने अर्थ अने) ने गोपण्या शिष्य लक्ष्युं ऐ आठ ज्ञानोत्तेजक अनुष्ठान ते ज्ञानाधार. नियम से सीखना, विनय के साथ साखना, बहुमान पूर्वक सीखना; उपधान तय सङ्गित सीखना, अनिन्दवतासे सीखना; शब्द अर्थ आर

'तदुभय' (शब्द व अर्थ) को बिना गुप्त रखले सीखना ये आठ ज्ञानोत्तेजक अनुष्ठान अर्थात् ज्ञानाचार. due observance of the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz. (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) non-concealment (6) non-suppression of senses (7) non suppression of words and (8) non-suppression of both words and senses. ठा० २, ३; ५, २; सम० २३; —आराधण. न० (-आराधन) ज्ञान की आराधना करनी ते. ज्ञान की आराधना करना. devotion to, worship of knowledge. ठा० ३, ४; —आराधणा. स्त्री० (-आराधना) ज्ञान की आराधना. devotion to, worship of knowledge. भग० २, १०; —आरिय. पुं० (-आर्य) ज्ञानोत्तेज अर्थ. ज्ञान के कारण आर्य. civilised (Ārya) by reason of the possession of knowledge. पञ्च० १; —इन्द्र. पुं० (-इन्द्र) ज्ञान अथवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठ; केवलज्ञानी ज्ञान अथवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठ; केवलज्ञानी. highest among those who are possessed of knowledge; one possessed of perfect knowledge. ठा० २, ४; ३, १; —उत्साहमाहना. स्त्री० (-उत्साहमाहना-महिनरातीत्य-करने के केतीने केवलज्ञान उपपन्न तयारे करना-मां आनो ज्ञानो महिमा-महोत्सव. तौर पर या केवलीको जब केवलज्ञान प्राप्त होता है तब की जानंवाली ज्ञानकी महिमा-महोत्सव. a festivity celebrated at the

time when a Tirthankara or a Kevali attains perfect knowledge. भग० ३, १; १४, २; डा० ३, १; —उपयोग. पु० (-उपयोग) ज्ञानको व्यापार; ज्ञानमें लक्ष्य देनेयुं ते. ज्ञान का व्यापार; ज्ञान में लक्ष्य जोड़ना. application use of knowledge; application to study. प्रव० ३१२; —उपवाय. पु० (-उपवात) व्यावस्थी जावने नाश. ज्ञानस्य मे ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness. डा० १०; —कसायकुसील. पु० (-कपाय-कुशील) ज्ञान आश्रित कपाय दृशील. ज्ञान आश्रित नैतिक विगाड. moral impurity tainting knowledge. भग० २५, ६; —कुसील. त्रि० (-कुशील) जानने इषित अनापनार. ज्ञान को दूषित बनाने वाला. (any thing) that taints knowledge. डा० ५, ३; —(५) च्चासायणा. स्त्री० (-आम्हा-शानना) ज्ञानकी अशानना-दीक्षणा. ज्ञान के प्रति दिक्खनाई जानी घृणा-निरस्कार वृत्ति. contempt or hatred shown towards knowledge. भग० ८, ६; —दुया. स्त्री० (-अर्थता ज्ञानमेवाथोयस्या-सोज्ञानाथस्वद्वारवस्वत्तथा) ज्ञानार्थयुं; ज्ञानकी अभ्यर्थना करनी ते. ज्ञानार्थपन; ज्ञान का अभ्यर्थना करना. solicitation for knowledge; request for knowledge. भग० १८, १०; डा० ५, २; —सिगद्वयया. स्त्री० (-निद्वय) शास्त्रना तथा शास्त्र लक्षणानारने उपकार आलवयो ते. शास्त्र का और शास्त्र को पढ़ाने वाले का उपकार न मानना. non-acknowledgment of the debt

of gratitude due to scriptures and to one who teaches them. भग० ८, ६; —सिगद्वययि. स्त्री० (-निर्वृत्ति) पांच प्रकारका ज्ञानकी निष्पत्ति-सिद्धि. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्पत्ति-सिद्धि. acquisition or attainment of the five kinds of knowledge. भग० १९, ८; २०, ५; —(५५) ज्ञ. पु० (-आत्मन्) जानी आत्मा; सम्पद्दृष्टि आत्मा. जानी आत्मा; सम्यग दृष्टि आत्मा. a soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०; —दंसण. पु० न० (-दर्शन) जान अने दर्शन. ज्ञान और दर्शन. right knowledge and right faith. डा० ७; नाया० ६; —दंसणद्वय. स्त्री० (-दर्शना-र्थता) जान अने दर्शनकी अपेक्षा. ज्ञान और दर्शन की अपेक्षा. desire for or expectation of right knowledge and faith. नाया० ५; —दंसणधर. पु० (दर्शनधर) जान अने दर्शनने धरनार; धरनारान. ज्ञान और दर्शन को धारण करने वाला; केवलजाना. (one) possessed of right knowledge and faith; an omniscient. नाया० १; —दंसणलक्षणा. त्रि० (-दर्शनलक्षण-ज्ञानेच दर्शनेच लक्षणं स्वरूपं यस्पततथा) सम्यग्ज्ञान अने सम्यग्दर्शन होने लक्षण-स्वरूप होव ते. सम्यक्ज्ञान और सम्यग्दर्शन जिनका लक्षण-स्वरूप हो वह. (one) having as an essential quality right knowledge and right faith. “चउकरणा-संयुते नाणदंसण लक्षणं” उक्त० २८, १; —दंसणसमग्ग. त्रि० (-दर्शनसमग्ग) ज्ञानदर्शनकी पूर्ण. ज्ञानदर्शन से पूर्ण.

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्तो शाणदंसण सम्मग्गे" उत्त० ८, २; —**दंसि. पुं०** (-दर्शिन्) ज्ञान दर्शन वाला (जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२, १; —**पज्जव. पुं०** (-पर्याय) ज्ञानवा पार्याय. ज्ञान के पर्याय. modifications of knowledge. भग० २, १; —**पडिणीयया. स्त्री०** (-प्रत्यनीकता) ज्ञानमां प्रतिद्वन्द्वता-वैरभाव. ज्ञानमें प्रति-कृतता-वैरभाव. opposition to, hostility towards knowledge. भग० ८, ८; —**पडिसेवणाकुसील. पुं०** (-प्रतिसेवनाकुसील) ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला. one who taints the acquirement of right knowledge. भग० २५, ६; —**परिणाम. पुं०** (-परिणाम) ज्ञानवर्धन-अवस्था परिणाम ज्ञान लक्षण जीव के परिणाम. a stage of development of the soul marked by possession of knowledge पत्र० १५; —**परीसह. पुं०** (-परीषह —परीषहणं परीषहः ज्ञानस्य मत्वादेः परिषहः) ज्ञानकी परिषह; ज्ञान न आवध्यायी भवुं कष्ट. ज्ञान का परिषह; ज्ञान न आनेसे होता हुआ कष्ट. affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग० ८, ८; —**पायच्छिन्न. न०** (-प्रायश्चित्त) ज्ञान की अतिथारणी आलोचना; ज्ञानकी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित्त करने के. ज्ञान के अतिचार की आलोचना; ज्ञान की शुद्धिके

लिये प्रायश्चित्त करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. ठा० ३, ४; ४, १; —**पुरिस. पुं०** (-पुरुष) ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. ज्ञानवान पुरुष; ज्ञानप्रधान पुरुष. a person possessed of knowledge; an educated person. ठा० ३, १; भग० २, ५; —**पुलाअ. पुं०** (-पुलाक) ज्ञानने निःसार ज्ञानवान पुरुषाद्विधवालो साधु. ज्ञान को निःसार करनेवाला पुलाकलब्धिवाला साधु. an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. ठा० ५, ३; भग० २५, ६; —**पपञ्चोस. पुं०** (-प्रदोष) श्रुत आदिज्ञानमां अथवा ज्ञानीमां अप्रीति देय करने के; ज्ञानावरणीय धर्म आदिवाला ओढ़ने के. श्रुत आदि ज्ञानमें अथवा ज्ञानमें अप्रीति-द्वेष करना; ज्ञानावरणीय कर्म बाधनेका हेतु. showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge-obscuring Karma. भग० ८, ६; —**पववाअ. न०** (प्रवाद) भविष्यत् आदि पांच ज्ञान संबंधी पक्षयुक्त करने के मान ज्ञान आदि पांच ज्ञान के संबंध में प्रवृत्ति करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम० —**फल. न०** (-फल) ज्ञानके फल. ज्ञान का फल. fruit of (right) knowledge. भग० २, ५; —**बल. पुं०** (-बल) ज्ञान-रूपी अथ. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. डा० १०; —बुद्ध. त्रि० (-बुद्ध) ज्ञानावरणीयता क्षयेपश्चम आदिथी थयेथ ज्ञानपडे मोक्ष पमिथ. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम आदि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बांध पाया हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. डा० २, ४; —बोधि. श्री० (-बोधि) ज्ञानावरणीयता क्षयेपश्चमथी धर्मनी प्रमिथनी ते. ज्ञानावरणीय के क्षयपश्चम से धर्म की प्राप्ति होना attainment of true religion by the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. डा० ३, २; —भट्ट. त्रि० (-भट्ट) ज्ञानथी अष्ट थयेथ. ज्ञान से अष्ट. degraded from right knowledge. आया० १, ६४, १६०; —भावणा. श्री० (-भावना) ज्ञाननी आवना. ज्ञान भावना. meditation upon right knowledge. आया० २, ३, १, १; —मूढ. त्रि० (-मूढ) ज्ञानावरणीय कर्मनी उदयथी ज्ञानभां मूढ-मूर्ख. ज्ञानावरणीय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढ मूर्ख. foolish, ignorant on account of the immaturity of knowledge obscuring Karma डा० २, ४; —मोह. पुं० (-मोह) ज्ञान संबंधी मोह. ज्ञान के संबंध में मोह. infatuation, delusion in point of right knowledge. डा० २, ४; —राशि. पुं० (-राशि) ज्ञाननी समूह. ज्ञान का समूह. mass of knowledge. पंचा० १५, ४५; —लोक. पुं० (-लोक)

क्षेत्र ज्ञानादि लोक. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. डा० ३, २; —विशुद्ध. पुं० (-विनय) पांच प्रकारना ज्ञाननी विनय करवो ते. पांच प्रकार के ज्ञान का विनय करना. showing reverence towards the five kinds of knowledge. भग० २५, ७; —विशुद्धपरिहीण. त्रि० (-विनयपरिहीण) ज्ञान आधारथी रहित. ज्ञान आचार से रहित. devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge. चं० प० २०; —विराहणा. श्री० (-विराधना) ज्ञाननी विराधना करवी ते; ज्ञानजुं अडन करवुं ते. ज्ञान की विराधना करना; ज्ञान का खंडन करना. act of offending against right knowledge i. e. refuting it. सम० १; —विसंवादायोग. पुं० (-विसंवादा योग) ज्ञानी साथे आटा अथवा मिथ्या विवाद करवो ते; ज्ञानावरणीय-कर्म आधारथी अथवा छेदु. ज्ञानों के साथ झूठे झगडे-मिथ्या विवाद; ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु. act of entering into false and vexatious discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvaraṇīya Karma. भग० ८, ६; —विसोहि. श्री० (-विशोधि) ज्ञानना आधारवुं पावन करवुं ते; ज्ञाननी शुद्धि करवी ते. ज्ञान के आचार का पालन, शुद्धि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of knowledge by practice. डा० १०;

—संका. स्त्री० (—शङ्कां) ज्ञानना विषयभां शङ्का करवी ते. ज्ञान के विषय में शङ्का करना. doubt or misgiving in the matter of knowledge. सूय० १, १३, ३; —संपरणा. त्रि० (—सम्पन्न) ज्ञान संपन्न; ज्ञानभां पूर्य. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possessed of knowledge; perfect in knowledge. भग० २, ५; २५, ७; —संपरणाया. स्त्री० (—सम्पन्नता) ज्ञाननु संपादन. ज्ञान का संपादन. acquirement of knowledge. “शाण संपरणायाए णं भंते ! जावे किं जणयइ” उत्त० २६, २६; भग० १७, ३;

शाणत्त. पुं० न० (नानात्व) नाना प्रकार; नानाभाव; नानापण्युं. विविध प्रकार; विविध भाव; विविधता. Variety; difference; state of being different or having difference. भग० १, १; ५; ३, १; १२, ७; १८, ३; १६, ३; २०, १; २४, १; २६, २; नाया० ५; पञ्च० १५; जं० प० ५, ११८; २, २६; ७, ७, १३२;

शाणत्पकार. त्रि० (नानाप्रकार) नाना प्रकारनु; विचित्र. विविध प्रकारका; विचित्र. Of various modes; of different kinds; strange. सूय० १, १३, १;

शाणा. श्र० (नाना) नाना प्रकार; अनेक; विविधि. विविध प्रकार; अनेक विधि से. Various; of various modes or forms. नाया० १; ७; ६; भग० ३, ३; ८, २; २२, ६; राय० ४५; ओव० २५; ३३; उत्त० ३, २; अणुजो० २८; जं० प० ५, ११४;

शाणागार. त्रि० (नानाकार) विविध आकारनुं विविध आकार का. Of various shapes; bearing various shapes

or forms. प्रव० ११२०;

शाणाघोस. पुं० (नानाघोस) नाना प्रकारना आवाज—स्वर. विविध प्रकार की आवाज—स्वर. Various kinds of sounds or tunes. भग० १, १;

शाणाच्छंद. त्रि० (नानाच्छंद—नाना भिन्नः च्छन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना प्रकारना भिन्न भिन्न च्छंद—अभिप्रायवाता; णुदा णुदा अभिप्रायवाता. विविध प्रकार के भिन्न २ च्छंद अभिप्राय वाला; भिन्न भिन्न अभिप्राय वाला. of various, differing opinions or likes and dislikes. सूय० २, २, ३०;

शाणाट्ट. त्रि० (नानार्थ) नाना प्रकारना अर्थ छे देना ते; अनेक अर्थवाचुं. नाना प्रकार के अर्थ वाला; अनेक अर्थ वाला. Possessed of, bearing various meanings; homonymous. भग० १, १;

शाणादिष्टि. त्रि० (नानादृष्टि—नानारूपा दृष्टि—दर्शनं येषां ते तथा) भिन्न भिन्न दृष्टि—दर्शन वाता. भिन्न भिन्न दृष्टि—दर्शन वाला. Possessed of, various creeds; possessed of various points of view. सूय० २, २, ३०;

शाणादेश. त्रि० (नानादेश) नाना प्रकार—णुदा णुदा देशना वतनी. नानाप्रकार—भिन्न भिन्न देश के वतनी. (Persons) residing in various countries. भग० ५, ३३;

शाणापन्न. त्रि० (नानापन्न—नानाप्रकारा विचित्ररूपोपशमान् प्रजायतेऽनयेति प्रजा सा विचित्रा येषां ते तथा) नाना प्रकारनी भनि वाता. विविध प्रकार की मति वाला. Possessed of various moods of intellect. सूय० २, २, ३०;

शाणार्पिण्डरथ त्रि० (नानार्पिण्डरथ) अनेक

प्रकारना आहारादि पिण्डभां आसक्त.
अनेक प्रकार के आहारादि पिण्ड में आसक्त.
Attached to, passionately fond
of various kinds of food etc.
“ नानापिण्डरया दंता तेष बुचंति साहुण्यो ”
दस० १, ५;

शाणामणि. पुं० (नानामणि) नाना प्रकारनां
भण्डा. नाना प्रकार के रत्न. Various
kinds of gems. “ शाणामणि कणग-
रयण-विमल ” राय०

शाणामणिरयण. न० (नानामणिरयण) नाना
प्रकारनां भण्डिरयण. विविध प्रकार के मणिरयण
Various kinds of excellent
gems. विवा० २;

शाणामल्ल. न० (नानामाल्य) नाना प्रकारनां
पुष्प. नाना प्रकार के फूल. Various
kinds of flowers. “ शाणामल्लपिण्डा ”
राय० जीवा० ३;

शाणारम्भ. त्रि० (नानारम्भ) नाना प्रकारना
धर्मानुष्ठान वात्ता. नाना प्रकार के धर्मानुष्ठान
वाला. Performing various kinds
of religious practices. सूय० २;
२, ३०;

शाणारुह. त्रि० (नानारुचि) नाना प्रकारनी
इत्य-अभिप्राय वात्ता. विविध प्रकार की रुचि-
अभिप्राय वाला. Possessed of,
having various kinds of opi-
nions or likes and dislikes. सूय०
२, २, ३०;

शाणायोजन. न० (नानाव्यञ्जन) नाना प्रकार-
ना इकारादि व्यञ्जन अक्षर. नाना प्रकार
के ककारादि व्यञ्जन अक्षर. Various
consonants such as Ka etc.
भग० १, १;

शाणावरण. पुं० (ज्ञानावरण) ज्ञानावरण;
ज्ञान प्राप्त करनेवाला आठे आरतु आदि कर्म-

भानुं पडेयुं कर्म. ज्ञानावरण; ज्ञान प्राप्त
करने में विघ्नकर्ता आठ कर्मों में से पहिला
कर्म. The first of the eight divi-
sions of Karnas called know-
ledge-obscuring Karma. दसा०
५, ३२; ३३; नाया० ३;

शाणावरणिज्ज. न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञान
शक्तिने दयावन्तार आठे कर्मभानुं पडेयुं
कर्म. ज्ञान शक्ति को दवाने वाला आठ कर्मों
में से पहिला कर्म. The first of the
eight kinds of Karnas viz.
that which obscures or checks
the power of acquiring know-
ledge. श्रव० २०; ठा० ४, १; भग० ६,
३; ८, ८; २०, ७; २५, १; ७; पञ्च० २२;

शाणाविह. त्रि० (नानाविध) नाना प्रकार-
रतुं; अनेक प्रकाररतुं. नाना प्रकार का; अनेक
प्रकार का. Of various kinds; of
different kinds; नाया० १; ५; ८;
६; १६; जं० प० ५, ११६; श्रव० पञ्च० १;
जीवा० ३;

शाणासंक्षिप्य. त्रि० (नानासंस्थित) नाना
प्रकारना संस्थानवात्तुं; लुप्त लुप्त आका-
रतुं. नाना प्रकार के संस्थान वाला; भिन्न
भिन्न आकार का. Bearing various
shapes or conformations. भग०
२४, १२;

शाणासील. त्रि० (नानाशील - नानाप्रकारं
शीलमनुष्ठानं येषां ते तथा) नाना प्रकारना
अनुष्ठानवात्ता. नानाप्रकार के अनुष्ठानवाला.
Given to various kinds of (re-
ligious) practices or per-
formances. सूय० २, २, ३०;

शाणि. पुं० (ज्ञानिन्) ज्ञानि; यथार्थतत्त्व-
स्वरूपको जाननेवाला. A person

possessed of right knowledge;
a true philosopher. भग० २, १;
८, २; ११, १; १५, १; १८, १; २४, १;
२६, १; प्रब० २५७;

ज्ञात. पुं० (ज्ञात) वंशविशेषमां उत्पन्न
थयेत्. वंशविशेषमें उत्पन्न. Born
in a particular family. नाया०
८; (२) ऐ नामनुं ऐक आर्यं कुलं के
जेमां महावीर स्वामी उत्पन्न थया हत्ता.
इस नामका एक आर्य कुल कि जिसमें
महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे. name of
an Ārya (civilised) family
in which Mahāvīra Svāmī
was born. पञ्च० १; (३) त्रि०
ज्ञात कुलमां उत्पन्न थयेत्. ज्ञात कुलमें
उत्पन्न. born in the Jñāta
family अणुवे० १३१;

ज्ञातकुमार. पुं० (ज्ञातकुमार) ज्ञातवंशना
ऐक राजकुमार. ज्ञात वंशका एक राजकुमार.
A prince born in the Jñāta
family. नाया० ८;

ज्ञातखंड. न० (ज्ञातखण्ड) ऐ नामनुं
ऐक वन के जयां महावीर स्वामीऐ दीक्षा
लीयी हत्ती. इस नाम का एक वन कि
जहां महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी.
Name of a forest where
Mahāvīra Svāmī was initiated
into religious order. ठा० १०;

ज्ञाति. स्त्री० (ज्ञाति) स्वजन; संप्र० पी.
स्वजन; रिश्तेदार. A caste-fellow;
a relative. सूय० २, ६, १०;

ज्ञाद. पुं० (नाद) घोष; आवाज. घोष;
आवाज. Sound; loud sound. जीवा०
३, ४; सू० प० १६;

ज्ञादित. त्रि० (नादित) नाद करेत्; आवाज
करेत्. नाद कियाहुआ; आवाज कियाहुआ.

Sounded. भग० १६, ५;

ज्ञादिय. त्रि० (नादित) लुप्तो उपलो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
जीवा० ३;

ज्ञाभि. स्त्री० (नाभि) गाडने ऐक भाग. गाडे-
छकडे का एक भाग. A particular
part of a cart. 'जंतलहुव नाभी का'
दस० ७, २८; (२) नाभि; हुं० पी. नाभी;
दुं० पी. the navel. जं० प० ५, ११४;
आया० १, १, २, १६; ओव० १०; जीवा०
३, ३; (३) पुं० ऋषभदेवप्रभुना
पितानुं नाम; पं० रमां कुलकर. ऋषभ-
देवप्रभु के पिता का नाम; पं० रमां कुलकर.
name of the father of Lord Ri-
ṣabhadeva; the 15th Kulakara.
मम० प० २२६; --पृथग्भव. त्रि० (-प्रभव)
नाभिमांथी उत्पन्न थयेत्. नाभि में से उत्पन्न.
born from the navel. तंदु० --रस-
हरणी. स्त्री० (-रसहरणी) नाभिनी नाल.
नाभिकी नाल. the navel duct or
canal. तंदु०

ग्राम. पुं० न० (नाम-नमनं नामः) परिशुभ;
भाव; संज्ञा विशेष. परिणाम; भाव; संज्ञा
विशेष. Sense-perceptions and
their objects; substance; a par-
ticular name. " कइ विहेण भंते ग्राम
पण्यते " भग० २५, ५, ६; ३, १; १७, १;

ग्राम. अ० (नामन्) वाक्यालंकार; पाद-
पूरण. वाक्यालंकार; पादपूरण. An
expletive used as an ornament
of speech or completing metre.
ठा० ४, १; पण्य० १, १; (२) न०
अभिधान; नाम. अभिधान; नाम a
name. जं० प० ५, ११२; ११५;
राय० २६; ३२; विवा० १; नाया० १; २;
४; ५; ८; ११२; १४; १६; १६; ओव० ११;

पञ्च० २; (३) जेना योगे शरीर, रूप, आंधि, आकृति, जति पगेरे शारीरिक संपत्ति शुभ के अशुभ प्राप्त थाय छे ते नामकर्म. जिसके योग से शरीर, रूप, बनावट, आकृति, जाति इत्यादि शारीरिक सम्पत्ति शुभ वा अशुभ प्राप्त होती है वह नामकर्म. Karmas by the rise of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc. of a soul are determined. पञ्च० २० भग० २५, ६; २६, १; ओव० २०; (२) संभावना. संभावना. an indeclinable expressing conjecture, possibility etc. भग० ३, ३; —अंकिय. त्रि० (-अङ्कित) नामाङ्कित; नामवाचु नाम-वाला. having a name; marked by a name. नाया० १६; —इंद्र. पुं० (-इंद्र) नामनेा इंद्र; जेमां छंदना शुभ नथी पथु केवल नाम जेनुं छंद छे ते. नाम का इंद्र; जियमें इंद्र के गुण नहीं है परन्तु केवल नाम जिसका इंद्र है वह. one who is Indra in name only. डा० ३, १; —कर्म. न० (-कर्मन्) नामकर्म; आठकर्मिांनुं षड् कर्म. नाम कर्म; आठ कर्म में से छठा कर्म the sixth of the eight kinds of Karmas “खामहम दुविहपसणत्त” डा० २, ४; सम० ४२; —करण. न० (-करण) नामकरण संस्कार; आरमा द्विसे आठकुं नाम स्थापयुं ते. नामकरण संस्कार; बारहवें दिनको बालक का नाम स्थापन करने का क्रिया. the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth. नाया० १; ८; —गुत्त. न० (-गोत्र) नाम अने गोत्रकर्मनी प्रकृति के जेना

उदयथी आत्मा सारा या नरसां नाम गोत्र पामी शक्ति. नाम और गोत्र कर्म की प्रकृति कि जिसके उदय से आत्मा शुभ वा अशुभ नामगोत्र प्राप्त कर सके. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc. सू० प० १६; राय० —गोय. न० (-गोत्र) जुओ उपेना शब्द. देखो ऊपरका शब्द. vide above. नाया० १६; नाया० ध० दसा० १०, १; —गुंतअ-य. न० (-अनन्तक) नामथी अनन्त. नाम से अनन्त. one endless in names; one named endless. डा० ५, ३; १०; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) नामनेा पुरुष अथवा जेनुं नाम पुरुष छे ते. नाम का पुरुष अथवा जिसका नाम पुरुष है वह. a man in name only; (one) bearing the name “Man” डा० ३, १; —लोग. पुं० (-लोक) नामनेा लोक; जेनुं नाम लोक राज्यामां आठयुं होय ते. नाम का लोक; जिसका नाम लोक रखनेमें आया है वह. Loka or world in name only; (one) bearing the name a Loka or world. डा० ३, २; —वर्ग. पुं० (-वर्ण) नाम प्रकृतिने समुदाय. नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakritis. जीवा० २; —वीर. पुं० (-वीर—यस्य जीवस्या जीवस्य वा अन्वर्थरहितं वीर इति नाम क्रियते स नाम-वीरः नाम्नावीरः) वीर जेनुं नाम धरापदार छय वा अछय पदार्थ. वीर ऐसा नाम धारण करनेवाला जीव वा अजीव पदार्थ. anything or anybody bearing

the name "Valiant. सू० प० २; —सत्त्व. न० (-सत्य-नाम अभिधानं तत्सत्यं नामसत्यम्) सत्यं ज्ञेयं नाम छे ते नामनुंसत्य. सत्यं जिसका नाम है वह; नाम का सत्य. truth in name only; that which is named truth. ठा० १०; —सर्व. न० (-सर्व—नाम च तत्सर्वं च नामसर्वम्) नामे करोसर्व. नाम से ही सर्व. everything by reason of the name or so far as the name goes. ठा० ४, २;

शामधिज्ज. न० (नामधेय) नाम; अभिधान. नाम; अभिधान. A name; denomination. आ० २६; नाया० १;

शामधेज्ज. न० (नामधेय) नाम; अभिधान. नाम; अभिधान. A name; denomination. नाया० १, १६; पञ्च० २; भग० १५, १; विवा० ५; जं० प० ७, १७८; ठा० ४, २; ओव० ४०; अणुजो० २८;

शामधेज्जवर्ह. ली० (नामधेयवती) प्रशस्त नामवाली. प्रशस्त नाम वाली. Bearing a famous name. नाया० १;

शामधेय. न० (नामधेय) लुओ "शामधेज्ज" शब्द. देखो "शामधेज्ज" शब्द. Vide "शामधेज्ज" जं० प० ५, ११५; ओव०

शामय. पुं० (नामक) नाम; संभावना. नाम; संभावना. A name; possibility. भग० १६, ३; नाया० १;

शाय. त्रि० (ज्ञात) लुओनुं; सभजेनुं. ज्ञात; समझा हुआ. Known; understood. भग० १, ४; ७, ६; ६, ३१; १७, २; नाया० ७; राय० ३१; आया० १, १, १, २; (२) न० धक्ष्वाकु वंशानुं ऐक अवांतर कुक्ष; महावीर स्वाभिनुं कुक्ष. इक्ष्वाकु वंश का एक कुल; महावीर स्वामी का कुल. the fa-

mily of the Lord Mahāvira; a branch of the Ikṣvāku family. ओव० १४; परह० १, १; भग० ६, ३३; (३) त्रि० ते वंशमां जन्म पभेक्ष. उस वंश में जन्म प्राप्त. born in the above family. भग० २०, ८; ओव० १४; (४) न० दृष्टांत. दृष्टांत. an illustration. सम० ६; (५) ज्ञाता सूत्रतो अर्थ भूतक्षय. ज्ञाता सूत्र का अर्थ. the purport or sense of Jñātā Sūtra. नाया० ध० —विधि. पुं० (-विधि) स्वजनतो ऐक प्रकार. स्वजन का एक प्रकार. a particular kind of relationship. वव० ६, १; दया० ६, २; —संग. पुं० (-सङ्ग) परिचित जनेतो संग. परिचित जनों का संग. company of acquainted persons. सूय० १, ३, २, १२;

शाय. पुं० (नाद) नाद; अवाज्; शुभ. नाद; आवाज; शोरगुल. Sound; loud sound. नाया० १;

शायअ. पुं० (ज्ञातक) ज्ञातवो; ज्ञातजन. स्वजातीय; ज्ञातजन. A caste-fellow. जं० प० सूय० १, ८, १२; २, १, ३५; वव० ६, ६; नाया० १;

शायअय. पुं० (नायक) नायक; नेता. नायक; नेता. A leader; a head. सूय० १, १५, १; नाया० १; २;

शायक. पुं० (नायक) नायक; नेता. नायक; नेता. A leader; a head. परह० १, ४;

शायकुमार. पुं० (ज्ञातकुमार) लुओ "शायकुमार" शब्द. देखो "शायकुमार" शब्द. Vide "शायकुमार" नाया० ६;

शायखंड. न० (ज्ञातखंड) लुओ "शायखंड" शब्द. देखो "शायखंड" शब्द. Vide "शायखंड" ठा० १०;

शायग. पुं० (ज्ञातक) लुओ "शायग"

शब्द. देखो “ शायश्च ” शब्द. Vide
“ शायश्च ” निरु. ८, १२;

शायग. पुं० (नायक) नायक; नेता; राजा; अधिपति.
A leader; a king; a lord. सम०
१; ३०; दश० ६, १६; पण्ड० २, ५; (२)
अथर्व ३२७।२. प्रवृत्ति करने वाला.
one who explains e. g. a
religious text. सूत्र० १, १५, १;

शायश्चक्रण. न० (ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता
सूत्रनु अध्ययन. ज्ञाता सूत्र का अध्ययन.
A chapter of Jñātā Sūtra.
नाया० २; ४; ५; ८; १२; १४; १६;

शायपुत्र. पुं० (ज्ञातपुत्र) ज्ञात वंश में
उत्पन्न धर्मपुत्र; ज्ञात-प्रख्यात विद्वान्
राज्यना पुत्र महावीर स्वामी. ज्ञात वंश में
उत्पन्न; ज्ञात प्रख्यात विद्वान् राजा के
पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahā-
vira, the son of the famous
king Siddhārtha; born in the
family named Jñāta. उत्त० ६,
१८; भग० १८, ३; सूत्र० १, ६, २४;
—वचण. न० (-वचन) महावीर
स्वामिना वचन. महावीर स्वामी के वचन.
words of Mahāvira Svāmī.
दश० १०, ६;

शायय. त्रि० (ज्ञातक) ज्ञानने
वाला. (One) who knows नाया० २;

शायव्य. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञानव्या योग्य;
अपेक्षित करने. जानने योग्य; अवगोचर
करना. Worthy of being known;
act of knowing. अणुजो० १२८;
१३०; निरु. २०, १०; भग० १६, ८;
नाया० ध० ६;

शायसंड. न० (ज्ञातखण्ड) क्षत्रिय कुल-
पुत्री यादवजुं उद्यान; ज्ञात महावीर स्वामी-

से दीक्षा लीधी. क्षत्रिय कुलपुर के बाहर
का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीक्षा लीधी.
The garden outside Kṣatriya
Kulapura where Mahāvira
Svāmī was initiated into the
order of monks. आया० २, ३, १५;
—वचण. न० (-वचन) ज्ञातपुत्र नामनु
उद्यान. ज्ञातखंड नाम का उद्यान. a gar-
den named Jñātakhaṇḍa. कण्व०
५, ११३;

शाया. स्त्री० (ज्ञान) ज्ञेयों दृष्टान्त सहित
अधिकार छे आयुं ज्ञाता नामनु छटुं अंग
सूत्र. जिसमें दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा
ज्ञाता नाम का छटा अंग सूत्र. The 6th
Aṅga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the
subject-matter. नाया० १; —(५)
शायाश्चक्रण. न० (-ज्ञाताध्ययन)
ज्ञाता सूत्रनु अध्ययन. ज्ञाता सूत्र का अध्य-
यन a chapter of Jñātā Sūtra.
नाया० १; ६;

शायाश्चक्रकथा. स्त्री० (ज्ञाताधर्मकथा-ज्ञाता-
धर्म उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा
ज्ञाताधर्म था) ज्ञेयों दृष्टान्त सहित
अधिकार छे आयुं ज्ञेय नामनु छटुं अंगसूत्र.
जिसमें दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा इस
नाम का छटा अंगसूत्र. The sixth
Aṅga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the sub-
ject-matter. नाया० १; नाया० ध०

शास्त्र-य. पुं० (नारद) नारद ऋषि;
नारद The saint Nārada. ओव० ३८;
(२) सौर्यपुर नगरना राजा समुद्रविजयने
दीक्षित. सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र
विजय का पुत्र. name of the son of
Samudravijaya the king of

Souryapura. ओव० (३) गन्धर्वना
दशरथो अधिपति गन्धर्व. गन्धर्व के लश्करका
अधिपति गन्धर्व. the Gandharva
commander-in-chief of the
army of Gandharvas. ठा० ७;

शारयपुत्त. पुं० (नारदपुत्र) लगवान् महावीर
स्वामीना ओ नामना ओक शिष्य. भगवान्
महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य
Name of a disciple of lord
Mahāvira. भग० ५, ८;

शाराय. न० (नाराच) साम सामे ओ वस्तुनो
भकट अधि; ७ संधयजुमानुं नीजुं संधयजु.
आमने सामने दो वस्तुओं का भकट बंध;
छः संघयण में से तृतीय संघयण. The
third of the six kinds of phy-
sical constitutions in which
the bones are loosely tied to-
gether by the sinews. जं० प० ३० १० १

शारायण. पुं० (नारायण) दशरथ रामना
पुत्र रामना बाध लक्ष्मणजुं अपर नाम;
भरत क्षेत्रना आ अवसर्पिणीना आरामां
वासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई
लक्ष्मण का अन्य नाम; भरत क्षेत्र का इस
अवसर्पिणी का आठवां वासुदेव. Another
name of Laxman, son of
Daśaratha and brother of Rāma
the 8th Vāsudeva of Bharata-
kṣetra in the current Avastar-
piṇi. प्रव० १२२६; सम०

शारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) नीलवंत
पर्वतथी नीकली उनर तरङ्ग रम्भकवास
क्षेत्रमां ओडेनी ओक भयानदी. नीलवंत पर्वत
से निकलकर उत्तर तरफ रम्भकवास क्षेत्र में
बहती हुई एक महानदी. Name of a
great river issuing from the
Nilavanta mountain and flow-

ing in the north into Ramma-
kavāsa Kṣetra. जं० प० ६, १२५; राय०
सम० ठा० २, ३;

शारिकंताकूट. न० (नारीकान्ताकूट) नील-
वंत पर्वतनुं ओकुं कूट. नीलवंत पर्वत का
छठा कूट The sixth summit of
th. Nilavanta mount. ठा० ६;

शारी. स्त्री० (नारी) नारी; स्त्री वृत्ति. नारी;
स्त्री जाति. A woman; womankind.
सूय० १, ३, ४, १६;

शारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) ओओ
“ शारिकंता ” शब्द. देखो “ शारिकंता ”
शब्द. Vide “ शारिकंता ” जं० प०

शाल. न० (नाल) कभव आदिना दंडि; कंद
उपरना भाग. कमल आदि का दंडा; कंद
के ऊपर का भाग. A stalk of a lotus
plant etc. आया० २, १, १, ८; (२)
नाल; दुंडी. नाल; दुंडी. the navel. जं०
प० ४, ११६;

शालंदीज्ज. न० (नालन्दीय) सूयगडांग
सूत्रना प्लिन्त श्रुतस्क्रंधना ओक अध्ययननुं
नाम. सूयगडांग सूत्र क द्वितीय श्रुतस्क्रंध के
छठे अध्ययन का नाम. Name of the
6th chapter of the 2nd Śruta-
skandha of Sūyagadāṅga
Sūtra. सूय० २, ६;

शालंदी. स्त्री० (नालन्दा) ओ नामतो राज-
गृह नगरतो ओक बगो. राजगृह नगर
का एक मार्ग; इस नाम का एक मोहल्ला.
Name of a street of the
city of Rājagṛha. सूय० २, ७, १;

शालंदीज्ज. न० (नालंदीय) नादंदीय नामे
सूयगडांग सूत्रनुं २३ भुं अध्ययन. नालंदीय
नाम का सूयगडांग सूत्र का २३ वां अध्ययन.
The 23rd chapter of the Sūya-
gadāṅga Sūtra so named. सम० २३;

शालिग्र. पुं० (नारिकेल) नाडीअरी; नाडीअरनुं अड. नारियल का वृक्ष. A coconut tree. पञ० १; आया० २, १, १, ८; जं० प० नाया० ६; (२) न० तेना इत; (नाडीअर). उस के फल; (नारियल) a coconut. नंदा० नाया० ६; —तिल. न० (-तैल) नाडिअरनुं तैल; टापेरानुं तैल. नारियल का तैल. coconut oil. नाया० ६; —मस्थय. न० (-मस्तक) नाडिअरना अडोता उपरो आग. नारियल के वृक्ष का ऊपरका हिस्सा. the top of a coconut tree. आया० २, १ १, ८;

नालिबद्ध. न० (नालबद्ध) नाड अंध-नाडी वाता इत; मंदल नुमिभेयरादि. डाँठ-डंडी वाले फूल; जाइ जइ मोगरादि. A flower growing on a stalk पञ० १;

शालिया. स्त्री० (नालिका) इमन्न आदिनी दांडी; नाडिडा. कमल आदि की डंडी. A stalk of a lotus etc. तंदु० ८; विवा० १; (२) धूत डीडा. धूत कांडा. gambling. भग० ६, ७; सूय० १, ६, १८; (३) इतभुका नामनुं अड. कलम्बुका नाम का वृक्ष. a tree named Kalambuka. सू० प० ४; (४) अे नामनी वेत. इस नाम की वेल. name of a creeper. पञ० १; —बद्ध. न० (-बद्ध) नाडिडा-डांडी वाता इत. डंडेवाले फूल. a flower growing on a stalk. पञ० १;

शालियाखेड-इ. न० (नालिकाखेड) धूत डीडा विशेष; अेक प्रकार का जुआ. A kind of gambling. जं० प० नाया० (२) अडेती गति समझाने भाटे धडी जेरी नली अनायवाभां आवे ते. ग्रहों की गति जाननेकी घडी जैसी नली. a con-

trivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. आ० ४०; (४) इमन्न आदिनी नाडिडा छेदवाती इत. कमल आदि की डंडी काटनेकी कला. the art of cutting stalks of lotuses etc. नाया० १;

शाली. स्त्री० (नाली) यअत मापवाती घडी. समय मापनेकी घडी. A chronometre. जीवा० ३; (२) अेक जतनी वेत. एक प्रकार की वेल. a sort of creeper. पञ० १;

शावा. स्त्री० (नौ) नाव; यदायु; जहाज. नाव; जहाज. A ship; a boat. नाया० ८; ६; १६; भग० ३, ३; ५, ४; पञ० १६; सू० प० १०; सूय० १, १, २, ३१; निनी० १८, १; १७; २०; वेय० ६, ६; जं० प० ७, १५६; ३, ६५; ६२; —उत्सिचअ. न० (-उत्सिचक) नावाती अंदर पाणी भरानवय ते डियेयतां काम डोत यजेरे. जहाज में पानी एकत्र हुआ हो उसे बाहर निकाल कर फेंकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc. used for pumping out the water that accumulates in a ship. निनी० १८, १७; —गय. त्रि० (-गत) नाकाभां अेइत. नौका में बैठा हुआ. seated in a boat: on board a ship. निनी० १८, २०; —वाणियग. पुं० (-वाणियक) नाका द्वारा व्यापार करने वाला. a naval merchant. नाया० ८; १७; —संतारिम. न० (-संतार्य) जहां यदायु आती रुके तेइधुं पाणी. जहां जहाज चल सके उतना पानी. a navigable river, stream etc. आया० १, १, ३, १;

शाविय. पुं० (नाविक) नावा जीवति

नाविकः) नाविक; नौका यथावनार; वहायु यथावनार. नाविक; नौका चलानेवाला; जहाज; मल्लाह. A sailor; a boatsman
नाया० ६; भग० ५, ४;

शाविष्या. स्त्री० (नौका) नौका; वहायु. नौका; जहाज. A boat; a ship. भग० ५, ४;

शास. पुं० (नासा) नास. नाक The nose. सम० ११;

शास. पुं० (न्यास) स्थापन; थापयु. स्थापन; धरोत. Putting down; laying down; a deposit. सम०

शासा. स्त्री० (नासा) नासा; नास; नासिका. नाक; नासिका. The nose. श्रव० १०; नाया० १, १, २, १६; जं० ५० जीवा० ३, ३; निसी० ५, ४०; —च्छेयण. न० (—च्छेदन) नाकनुं छेदन करतुं ते. नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया० २; —निस्सासवोज्झ. त्रि० (—निश्वासबाह्य) नाकना धीमाश्वासथी पयुं उरी न्यतेतुं हलकं. नाक के धीमे श्वास से भा उडजाय ऐसा हलका. (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; —निस्सास. न० (—निश्वास) नासिकातो वायु नासिका का वायु. breath exhaled from the nose. नाया० १; —पुड. पुं० (—पुट) नासा पुट; नाकना झेययु-नसंक्रा. नाकके पुट. the nostril. नाया० १४; —बंध. पुं० (—बंध) नाकनुं आंधतुं ते. नाक को दाबना. act of closing up the nose. नाया० १७; —भेय. पुं० (—भेद) नासिकाभां छिद्रकरतुं ते. नासिका में छिद्र करना. act of perforating the nose. परह० १, १;

शासिकपुर. न० (नासिक्यपुर) गोदावरी नदीनी दक्षिणे आवेधुं ये नाभयुं नगर. गोदावरी नदी के दक्षिण में आया हुआ इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godāvāri. नंदी०

शासियपुड. न० (नासिकापुट) ०७ओ “शासापुड” शब्द. देखो “शासापुड” शब्द. Vide “शासापुड” नाया० ८;

शासियासिंघाणग. न० (नासिकासिंघाणक) नाकतो भेद; लीट, थुंगा दंगरे. नाक का मल. Dirt of the nose. तंदु०

शाह. पुं० (नाथ) नाथ; धर्षी; रक्षायु करतार; आश्रय आपनार; योगक्षेम करतार. नाथ; स्वामी; रक्षक; आश्रय दाता; योगक्षेम करने वाला. A lord; a master; a husband; a protector; a supporter. नाया० ६; उक्त० २०, ११; सम० १;

शिञ्ज. अ० (नि) वधाराना अर्थभां; निश्चय. विशेष के अर्थ में; निश्चय. An indeclinable used to express the sense of “ In addition to ” ‘Indeed’ विवा० ६;

शिञ्ज. त्रि० (निज) स्वकीय; भेदानुं. निज का; अपना. One's own; belonging to oneself. सू० ५० २०;

शिञ्जग. त्रि० (निजक) भेदानुं; स्वकीय. अपना; स्वकीय. One's own; belonging to oneself. श्रव० ३३; जं० ५० ५, ११४; २, ३३;

शिञ्जिवाद्दर. त्रि० (निवृत्तिवाद्दर) आत्मशुच्युत्थानकभां वर्तनार. आठवें गुणस्थानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Guṇāsthānaka, or stage of spiritual evolution. सम० २७;

शिअडिल्लया. स्त्री० (निकृति) धातु; भाषा.
ठगई; नीचता; माया. Deceit; mean-
ness. ओव० ३४;

शिअल. न० (निगड) पगली ऐड़ी; लोहानी
आँकल. पैर की बेडिया; लोहे का सांकल.
Iron chains; fetters. ओव० ३८;

शिइय. त्रि० (नित्य) नित्य; स्थिर स्वभाव
वाला; अविनाशी. नित्य; स्थिर स्वभाव
वाला; अविनाशी. Permanent;
steady; everlasting. सू० १, १,
४, ६; जं० प० ७, १७२;

शिउण. त्रि० (निपुण) नियत-निश्चित
शुभवाचुं. नियत-निश्चित गुणवाला. Pos-
sessed of effective merits or
virtues. पंचा० ११, २०;

शिउण. त्रि० (निपुण) निपुण; देशिपार;
कुशल; चतुर; आलस. निपुण; होशियार;
कुशल; चतुर; चालाक. Clever; effini-
ent; skilful. “ खेतिशिउण पागार
निगुत्तं दुपर धंसय ” उक्त० ६, २०;
नाया० १; ३; ६१ ओव० २६; ३०; राय०
४४; ८०; सू० प० १; २०; —उच्चिय.
त्रि० (-उच्चित) निपुण शिषीयी अना-
येले निपुण शिषी से बनाया हुआ. Made
by a skilful artist. नाया० १;

—कुशल. त्रि० (-कुशल) चतुर चतुर-
निपुण. अति चतुर-निपुण very clever;
very skilful. राय० ८०; —एयजुय.

त्रि० (-नययुत्त) सुद्धम नीतिना विचार
करनार. सुद्धम नीति का विचार करने वाला.
(one) devoting attention to
fine or minute points of ethics.
पंचा० २, १; —बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि)
सुद्धम बुद्धि. सुद्धम बुद्धि. sharp intel-
lect. पंचा० ११, २०; —लिपपोवगय.
(-शिक्षणवगत) शिक्षणवगा आदिमां कुशल

थयेस. शिल्पकला आदि में कुशल.
(one) trained or skilful in
a handicraft etc. नाया० १;

शिउणिय. त्रि० (नैपुणिक—निपुणं सूद्धम
ज्ञानं तेन चरन्ताति नैपुणिकाः) सुद्धम
ज्ञान वाला. सूद्धम ज्ञानवाला. (One)
possessed of expert knowledge.

“नव शिउणिया वन्धु पगणता” ठा० ६;

शिउत्त. त्रि० (नियुक्त) प्रवृत्त करेनु;
येयेस. प्रवृत्त कियाहुआ; योजित. Set
about; started; planned. नाया० ६;

शिउदजीव. पुं० (निगोदजाव) निगोदना
जुवा. निगोद के जीव. A sentient
being residing in the Nigoda
class of vegetation. जवा० ६;

शिउर. पुं० (निकुर) ऐड जवानु जाड. एक
प्रकारका वृक्ष. A kind of tree नाया० ८;

शिउरंय. न० (निकुरम्ब) समूह. समूह.
A group; a collection. “रम्भ-
मदामह निउरंय भूय” नाया० १; १३;
(२) पुं० वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष. a
particular kind of tree. नाया० ६;

शिओअ. पुं० (नियोग) व्यापार; क्रिया.
व्यापार; क्रिया. Process; action.
जं० प०

शिओग. पुं० (नियोग) आज्ञा; हुक्म.
आज्ञा; हुक्म. Order; command.
जं० प० ५, ११७; पंचा० ६, २८;

शिओद. पुं० (निगोद) ऐड शरीरमां
अनन्त जिव देय ऐसी वनस्पति; साधारण
वनस्पति. एक शरीर में अनन्त जीव हों
ऐसा वनस्पति. A vegetation with
infinite lives in its body. भग०
२५, ५;

शिओय-अ. पुं० (निगोद) ज्योओ उ०.दे०
श०६. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.

पञ्च० १; ३; जीवा० ६; (२) कुटुं०.

कुटुंब. a family. जं० प०.

शिंदण. न० (निन्दन) निन्दा करती; हेल्लु करती. निन्दा. Act of censuring. नाया० ८; भग० १७, ३; (२) पश्चात्ताप. पश्चात्ताप. act of repenting. penitence. नाया० १६;

शिंदणया. स्त्री० (निन्दन) पीताना कर्म के दोषनी निन्दा करती ते. अपने दोष या कर्म की निन्दा करना. Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग० १७, ३;

शिंदणा. स्त्री० (निन्दना) निन्दा; निन्दुं; हेल्लना करती. निन्दा; निन्दा करना; अवगुणा करना. Censure; act of censuring; speaking ill of. श्रव० ४०;

शिंदणिज्ज. त्रि० (निन्दनाय) निन्दना योग्य; निन्दा करवा योग्य. निन्दा करने योग्य. Deserving censure; censurable. नाया० ३, १४;

शिंदिया. स्त्री० (निन्दिता) जेमां ओड वार घास वगेरे निन्दामां आवे ते कृषि. जिसमें एक बार घास इत्यादि नांदनेमें आता है वह कृषि. Cultivation of land requiring weeding out of grass etc. once. ठा० ४, ४;

शिंदु. स्त्री० (निन्दु) मृत्पराजा स्त्री; मृत्वा आलकनो जन्म आपनार माता. मृत संतति जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली माता. A woman who gives birth to dead children. अंत० ३, ८;

शिव. पु० (निम्ब) शीशु. निम्ब का वृक्ष. A Nimba tree. पञ्च० १; भग० १८, ६; २२, २; (२) न० शीशु; शीशुना इक्ष. निम्बोली; निम्ब के फल. a seed of

a Nimba tree. पञ्च०

शिवोलिया. स्त्री० (निम्बगुलिका) शीशुली; शीशुना इक्ष. निम्बोली; निम्ब के फल. A seed of the Nimba tree. नाया० १६;

शिकर. पुं० (निकर) समूह. समूह. A collection; a group. नाया० १;

शिकरिय. त्रि० (निकृत) जतरजाना आर-भांथी अथुं. जंत्रा के छेद में से खंचा हुआ. Drawn out like a wire from a die. श्रव० १०;

शिकारिय. त्रि० (निश्चित-नियुक्तिप्रसंग-सहित-सादरण ऽऽदिभिः अनेकथा व्यवस्था-पितम्) हेतु उदाहरण आदि (सिद्ध करेयुं. हेतु उदाहरण आदि में सिद्ध किया हुआ. Established or proved with the help of logical reason, illustration etc. सम० प० १६६; (२) निश्चित; ठुटे नदिं तेयुं. निश्चित; न टूटे ऐसा. firmly fastened, such as would not break " चउव्विहे शिका-इए पणणे " ठा० ४, २;

शिकाय. पुं० (निकाय-निर्गतः काय औदारका-ऽऽदिर्यस्माद् यास्मिन् वा सति स निकायः) मोक्ष. मोक्ष. Salvation. आया० १, १, ३, १८; (२) पृथ्वीकाय. अपकाय तेजकाय, वातिकाय, वनस्पतिकाय, अने त्रस काय अथ प्रक्षरना श्रवतो समूह. पृथ्वी काय, अपकाय, तेजकाय, वायुकाय, वनस्पति काय, और त्रसकाय इन छः प्रकार के जीवों का समूह. a collection of the six kinds of sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, wind, vegetable, and mobile sentient beings (Trasakāya). श्रव० २४; मृ० २,

४, ३; पञ्च० २२; दस० ४; —पडिवरण.
त्रि० (-प्रतिपन्न -निर्गतः काय आदारिका
ऽऽदिवस्माद् यास्मिन् वा सति स निकायो
मोक्षः तं प्रतिपन्नो निकायप्रतिपन्नः) मोक्षने
प्राप्तं थयेत्. मोक्ष को प्राप्त. (one)
who has attained salvation
आया० १, १, ३, १८;

शिकाय. पुं० (निकाच -निकाचने निकाचः)
निमन्त्रणं इत्युं; आमन्त्रणं इत्युं.
निमन्त्रण करना; आमन्त्रण करना. Act
of calling or inviting. सम० १२;
शिकाय. सं० क० अ० (निःचाय) २४०॥
ने स्थपन करके. Having establish-
ed; having placed. " शिकाय समयं
पत्तेयं पत्तेयं पुच्छिस्सामो " आया० १, ८,
२, १३३;

शिकुज्जिय. सं० क० अ० (निकुज्जय) शरीर
नीचुं इति. शरीर को झुकाकर. Hav-
ing bent or lowered the body.
निर्मा० १७, २३;

शिकुरव. न० (निकुम्ब) समूह. समूह.
A group; a collection. आवा० भग०
१, १; नाया० ७; (२) काली मेघघटा.
काली मेघघटा. a series of black
clouds. जीवा० ३, ३;

शिकुअय. पुं० (निकेत) आवास; घर. आवास;
घर. A house; an abode. नाया० १६;

शिकु त्रि० (*) शुद्ध; भेदवशरुं.
शुद्ध; निर्मल. Pure; free from dirt.
नाया० १;

शिकुंकड. त्रि० (निष्कंडक) निरावरण;
आवरण रहित. निरावरण; आवरण रहित.
Uninterrupted; free from any

obstacle. सम० जीवा० ३, ४; —च्छाय.
त्रि० (-च्छाय) निरावरण-आवरण
रहित प्रकाशवानुं. निरावरण-आवरण रहित
प्रकाश युक्त. having uninterrupted
light. राय० जं० प० १, १२;

शिकुंखिय. त्रि० (निष्काङ्क्षित) अन्य
दर्शनहीन आकांक्षा रहित. अन्य दर्शनकी
आकांक्षा रहित. (One) free from a
desire of knowing or practising
another creed. सूय० २, ७, ६६;

शिकुंठ. त्रि० (निष्कृष्ट) दृष्टा शरीरवातो.
दुर्बल शरीरवाता. Lean; reduced.
टा० ८, ४; (२) अंदर अंत्येष्ट. बाहर खाना
हुआ drawn out. नाया० १८;

शिकुंतार. त्रि० (निष्कान्तार -कान्तारमरणं
निर्गतः कान्ताराद् निष्कान्तारम्) अंत्येष्टी
अंदर इति. जंगल से बाहर निकाला हुआ.
Taken out from a forest;
led out of a forest. " कंताराओ
शिकुंतारं करेजा " टा० ३, १;

शिकुम्म. पुं० (निष्कम्मन्-निष्कान्तः कम्मणो
निष्कर्मा) मोक्ष. मोक्ष. Salvation. (२)
संवर. सवर. cessation of the
influx of Karma. " शिकुम्मदेया इह
मच्चिण्दि " आया० १, ८, ८, १३८;

—दंशि. त्रि० (-दर्शिन-निष्कर्मा) मोक्ष
सवरों वा तं द्रष्टुं शीलमस्येति निष्कम्म-
दर्शिन) मोक्ष मार्गने गत्युत्तारः इमं
अधनंती मुक्त. मोक्ष मार्ग को जानने वाला;
कर्मबंधन से मुक्त. (one) who knows
the path of salvation; freed
from Karmaic bondage. आया० १,
३, ४, १३६;

शिक्षकल. त्रि० (निष्कल) कलंक रहित. निष्कलंक; कलंकरहित. Spotless; stainless. भग० १५, १;
शिक्षलुण. त्रि० (निष्करुण) दया रहित. दया रहित; निर्दय. Unkind; merciless. परह० १, १;
शिक्षवय. त्रि० (निष्कवच) आवरण रहित; कवच विनाश. आवरण. रहित; कवच रहित. Devoid of a covering; devoid of an armour. श० ४, २;
शिक्षासिय. त्रि० (निष्कासित) नीकलेख; डाढी मुकेष. निकला हुआ; निकाल दिया हुआ. Turned out; got out; driven out. श्रव०
शिक्षिचण. त्रि० (निष्किञ्चन) निष्परिग्रही. निष्परिग्रही. Not possessed of anything; possession-less. सूय० १, १३, १२;
शिक्षिय. त्रि० (निष्क्रिय) क्रियारहित. क्रियारहित. Devoid of action; inert. परह० १, २; नाय० ६;
शिक्षिव. त्रि० (निष्कृप) कृपारहित. कृपा रहित. Devoid of compassion; unkind. नाय० ६;
शिक्षोडण. न० (निष्कोटन) अन्धन विशेष. बन्धन विशेष. A particular kind of bondage. परह० १, ३;
शिक्ष्वन्त. त्रि० (निष्कान्त) नीकलेख. निकला हुआ. Come out; got out; gone out. नाय० १; नाय० ध० २; (२) संसारमांथी नीकलीने दीक्षा लीये. संसार में से निकला हुआ; दीक्षा लिया हुआ. (one) who has freed himself from the world and has become a monk. सूय० १, ८, २४; उत्त० १८, १६;

शिक्षखम न० (निष्कम) उपाधि छोडी नीकलुं दीक्षायेवी ते; सुभनो ऐक प्रकार. उपाधि को त्याग कर निकलना, दीक्षा लेना; सुख का एक प्रकार. Act of stepping out of worldly troubles and cares; entrance into the ascetic order. श० १०;
शिक्षखमण. न० (निष्कमण) सूर्य चंद्रमांथी अदार नीकलुं ते. सूर्य चंद्र का उसके मंडल में से बाहर निकलना. The coming out of the sun and moon out of their orbits or circles. सू० १३; (२) दीक्षा लेनी. दीक्षा लेना. entrance into the ascetic orders. नाय० १; ५; ८; (३) घरमांथी अदार नीकलुं ते. घर में से बाहर निकलना. act of coming out of the house; coming out of the house. आया० १, १, ६, १५८; वेय० १, १०; —**अभिमुह.** त्रि० (—अभिमुख) दीक्षा लेना सन्मुख; दीक्षा लेना तत्पर. दीक्षा के सन्मुख; दीक्षा लेने को तत्पर. ready for or bent on initiation into the ascetic order. नाय० ५; —**अभिनेय-अ. पुं० (—अभिनेक)** दीक्षा लेना अभिनेक; दीक्षा लेना दीक्षा का अभिनेक; दीक्षा की क्रिया. the ceremony of initiation into the ascetic order. भग० ६, ३३; नाय० ५; १६; —**चरियणिवद्ध. न० (—चरियनिबद्ध)** महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरनी दीक्षा महोत्सव वगैरे दृश्य अतापनार नाट्य विधि; ३२ नाटकमांथुं ऐक. महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरके दीक्षा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने वाली नाट्य विधि; ३२ नाटकों में से एक. one of the ३२ kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Dikṣā of the lord Mahāvira etc. राय०—**महिमा**. पुं० स्त्री० (-महिमन्) दीक्षा भट्टेत्सव. दीक्षा महोत्सव. festivity of Dikṣā i. e. initiation into the ascetic order. नाया० ८; —**सत्कार**. पुं० (-सत्कार) दीक्षानो सत्कार. दीक्षा का सत्कार. honour paid to Dikṣā or initiation into an ascetic order. नाया० ५; **शिक्षित्त**. त्रि० (निक्षिप्त) छोड़ा; भूँड़ा. छोड़ दिया हुआ; रक्खा हुआ. Kept; placed; put down; left. नाया० १; भग० १२, १; पगह० १, ३; (२) व्यवस्थापन करे; राखे. व्यवस्थापन किया हुआ; रक्खा हुआ. arranged; put into order. आया० २, १, १, ७; —**चरञ्च**. त्रि० (-चरक) रसोष्ठना वासञ्चुमंथी अन्तर कदायुं न होय तेन आहारनी गवेपणा कर-ना. रसोई के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस आहार को गवेपणा करने वाला. (one) who seeks only that food which is not taken out of a cooking-vessel. ठ० ५, १; ओव०—**दंढ**. त्रि० (-दण्ड -निक्षिप्तः निश्चयेन क्षिप्तास्त्यक्ताकायरूपाः प्राग्युपमर्द-कारिणो दण्डा येस्तं तथा) मन गत्यन अने श्रयाना दंडने त्यज्जना. मन, बचन, और कायाके दण्डको त्यागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech. आया० १, ४, ३, १३४; —**पुव्व**. त्रि० (-पूर्व) पहलेवां पोताने माटे अनावेव. पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुआ. prepared in the first instance

for oneself. आया० २, २, ३, ८७; —**सत्यमुसल**. त्रि० (-शस्त्रमुसल) नेत्रे अङ्ग आदि शस्त्र त्यज् दीक्षा होय ते. जिसने खड्ग आदि शस्त्रों को त्याग दिया हो. (one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग० ७, १;

शिक्षित्वपमाण. त्रि० (निक्षिप्तमाण) पोताने स्थाने भुक्ते. योग्य स्थान में रखना हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place, “अग्गापिंडं उक्खित्वपमाणं पेहापि अग्गापिंडं शिक्षित्वपमाणं ” आया० २, १, ४, २५;

✓ **शिक्षित्व**. पा० I, II. (निक्षिप्) ईं ड्युं; नाभ्युं. फेंकना; डालना. To throw; to cast out.

शिक्षित्ववड्. नाया० १४;

शिक्षित्ववित्त. नाया० १४; भग० १६, १; वव० १, १४;

शिक्षित्ववमाण भग० १६, १;

शिक्षित्वविअव्व. त्रि० (निक्षिप्तव्य) भुक्ता योग्य. रखने योग्य. Worth being put or kept. पगह० २, १;

शिक्षित्वुड. पुं० (निष्कुट) पर्वत विशेष. पर्वत विशेष. A certain mountain. (२) निष्ठम्भ; स्थिर निष्ठम्भ; स्थिर. steady; firm. जं० प० ३, ५२;

शिक्षित्व. पुं० (निक्षेप) राभ्युं ते. रखना. Act of putting or keeping. नाया० ८; (२) नाम स्थापनादिरूपे निक्षेप करवांते. नामस्थापनादि रूप से निक्षेप करना. attribution of a name without reference to its connotation. आया० नि० १, २, १, १६४;

शिक्षित्वञ्च. पुं० (निक्षेपक) आवापड.

आलापक. A depositor; a speaker
नाया० ध० २; (२) राभ्युं ते. रखना. act of
keeping or putting. भग० २०, ६;
शिक्षाबोध. त्रि० (निःक्षोभ) क्षोभ रहित.
क्षोभ रहित. Free from agitation;
free from disturbance. सम० २;
✓ **शिक्षाच्छु** धा० I. (निर+गम) निक्षुञ्जुं.
निकलना. To come out; to get out.
शिक्षाच्छुद् नाया० १; २; १४; विवा० ७;
शिक्षाच्छ्रुति नाया० १;
शिक्षाच्छ्रामि नाया० १४; १६; भग० १५, १;
शिक्षाच्छ्राहि आ० नाया० १६;
शिक्षाच्छ्रित्ता सं० कृ० नाया० २; ५; ८; १३;
१४; भग० ११, ११; विवा० ७;
शिक्षाच्छ्रमस्य व० कृ० नाया० १; भग० ९, ३३;
शिक्षाम पुं० (निगम) व्यापारीभ्यां निवास
स्थान; जहाँ धनवा वाणिज्याभ्यां वसता होय
ते स्थान. व्यापारियों का निवास स्थान; जहाँ
पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान.
A place of abode for merchants
or traders; a place where many
traders reside. ठा० २, ४; उत्त० २,
१८; नाया० १; दसा० १, १६; पगह० १,
३; भग० १, १; (२) वाणिज्याभ्यां समूह.
वैश्य समूह. a group of traders or
merchants. ठा० ३, ३; (३) अभिग्रह
विशेष. अभिग्रह विशेष. a particular
kind of vow. राय० (४) व्यापार.
व्यापार; बँपार. trade; commerce.
सम० ३०; (५) निश्चित अर्थों का बोध.
निश्चित अर्थ का बोध. knowledge of
settled principles. भग० ७, ९;
—**राक्षिख्य** त्रि० (रक्षित) जेले व्यापा-
रीभ्यां रक्षा करी होय ते व्यापारीभ्यां
प्रधान-आश्रयान. जिसने व्यापारियों का
रक्षा की हो वह; व्यापारियों में प्रधान-

मुखिया. (one) who has protect-
ed merchants; a leading, pro-
minent merchant. निसी० ४, ६;
शिक्षार पुं० (निक्षर) समूह; ङथे; ढगथे.
समूह; ढेर. A collection; a pile; a
heap. नाया० ८; ६; भग० १५, १; जीवा०
३, ३; विवा० ६;
शिक्षारित त्रि० (निगरित) शोधन करे.
शोधन किया हुआ. Refined; purified.
जीवा० ३, ३;
शिक्षालिय त्रि० (निगरित) गादीने शुद्ध
करे. छानकर शोध किया हुआ. Purified
by filtration. जं० प० तंदु०
शिक्षस पुं० (निक्षप) रेखा. रेखा. A
line. पगह० १, ४;
शिक्षाम कि० वि० (निकाम) अतिशय; अहु.
अति; बहुत. Too much; excessive.
ठा० २, २; —**पडिसेविणी** स्त्री० (—प्राति
सेविनी—निकामयत्यर्थं यजिपानं यावत् पु-
रुषं प्रातिसेवते इत्येवंशीला निकामप्रातिसे-
विनी) प्रपञ्चा पुरतो पतिनो संगं करनार
स्त्री. इच्छाके प्रमाणसे पति का संग करनेवाली
स्त्री. a woman who cohabits with
her husband not longer than
the time of natural gratifica-
tion. ठा० ५, २;—**साइ** पुं० (—शा-
यिन्) ६६ उपरान्त सुनार. हृदसे अधिक
सोनेवाला; प्रमाणसे अधिक निद्रा लेनेवाला.
(one) who sleeps too much.
दस० ४;
शिक्षास पुं० (निक्षप) परस्पर भेदाप करे.
ते आपस में मिलाना. Mutual union
or intercourse. भग० २५, ७;
शिक्षिण त्रि० (नग्न) वस्त्र रहित. वस्त्र
रहित; नंगा; नग्न. Naked; without
clothes. सूय० १, २, १, ६;

शिंगिणिण. न० (नामन्य) नग्नता; नग्नपथुं.
नग्नता; नंगापन. Nakedness; nudity.

उत्त० ५, २१;

✓ शि-गिरह. धा० I, II. (नि+गृह्) पक-
डतुं; निग्रह करने। पकड़ना; निगृह करना. To
catch hold of; to control; to sub-
due.

शिंगिणहेह. भग० १, ३३;

शिगिरिहत्तार. त्रि० (निगृहीत्) निग्रह
करने। निग्रह करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents.
दसा० ४, ८४;

शिगुंजमाण. त्रि० (निर्गुंजत) आंआरतो;
आंआरा करने। (धोना)। हिनाहिनाता; हिन-
हिनाता हुआ घोड़ा. Neighing (e. g.
a horse). नाया० ६;

शिगूड. त्रि० (निगूड) गुप्त गुप्त. Hidden;
secret. (२) भान रहने। मौन रहा हुआ;
शान्त. silent. सूय० २, ५, ८१;

शिगोय. पुं० (निर्गोद) अनेक शरीरों में अनन्त
जिव होय ते; अनन्त काय. एक शरीर में
अनन्त जीव हों वह; अनन्तकाय. A phy-
sical body with infinite lives or
souls. जं० प० ३, ३६;

शिगम. त्रि० (निर्गत) निकले। निकला
हुआ. Come out; gone out; got
out. नाया० १; ५; ६;

शिगमंथ. न० (निर्गमंथ) निर्ग्रन्थना सिद्धांत-
प्रवचन. निर्ग्रन्थ के सिद्धान्त-प्रवचन. The
religious creed of the Nirgran-
thas (ascetics). सूय० २, ६, ४२;

शिगमंथ. पुं० (निर्ग्रन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो
ग्रन्थो यस्मात् स निर्ग्रन्थः) आध-धन
आदि परिग्रह अन्त्यन्तर-अन्तरना कपायादि
ग्रन्थी रहित; आध्याभ्यन्तर परिग्रह रहित-
निःस्पृही जैन साधु (साध्वी). बाह्य-धन

Vol II/119.

आदि परिग्रह, अन्त्यन्तर-अन्तर के कपायादि
ग्रन्थ से रहित; बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित
निःस्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina
monk (or a nun) free from
the tie or fetter of internal
impurity due to passions
and also from that of
worldly possessions. नाया० १; २;
५; ६; १०; १५; भग० १, ३; ६, १; १६,
४; निसी० १७, २०; श्रव० १६; ३४; जं०
प० आब० ४, ८; --धर्म. पुं० (धर्म)
निर्ग्रन्थ धर्म; जैन धर्म. सर्वज्ञ का धर्म;
जैन धर्म. the creed of the
omniscients; Jainism. सूय०
२, ६, ४२; --पात्रयण. न० (प्रव-
चन) जैन सिद्धांत; जैन आगम. जैन सिद्धा-
न्त शास्त्र; जैन आगम. The Jaina
scriptures. नाया० १; १२; १३; १४;
नाया० ध०

शिगमंथी. स्त्री० (निर्ग्रन्थी) साध्वी. साध्वी. A
nun. " चत्तारि शिगमंथीओ पणत्ताओ "
ठा० ४, ३; ४ २; ५, २; नाया० २; ५; ६;
१०; १४; १५; १६; नाया० ध०

शिगमच्छमाण. व० क० त्रि० (निर्गच्छत्)
निकलतुं; निकलने। निकलता हुआ; बाहर
जाता हुआ. Coming out; going
out. श्रव० ३२;

शिगम. पुं० (निर्गम) निकलतुं ते. निकलना.
Act of coming out; coming out.
नाया० ८; १८;

शिगमण. न० (निर्गमन) निकलवाने मार्ग.
निकलने का मार्ग. A way out; an
exit. नाया० २;

शिगमय. अ० त्रि० (निर्गत) निकले।
निकला हुआ. Come out; got out.
नाया० १; ५; ९; १२; १३; १५; १६; १८;

१६; भग० १, १; १४, १; जं० प० १, १;
(२) रहित; अविद्यमान. रहित; अविद्यमान.
devoid of; not possessed of. डा०
१; —अग्रगदंत. त्रि० (—अग्रदन्त) आ-
गवा दांत प्दार् नीकले छे जेना ओवे.
जिसेके आगे के दांत बाहर निकले हुए हैं
ऐसा. (one) whose fore-teeth
are come out. नाया० ८;

शिगमह. पुं० (निग्रह) निग्रह; क्षम्यभां
राज्यं; निरोध करवे; अनाचारनी प्रवृत्तिनुं
अटकावुं. निग्रह; वश में रखना; निरोध
करना; अनाचार की प्रवृत्ति को रोकना. Act
of keeping under control; act
of preventing or checking; act
of checking sinful activity.
नाया० १; ५; राय० २१५; दस० ३, ११;
आव० १५; निसी० १, १; भग० ७, ६;
—ट्राण. न० (—स्थान) वादभां
प्रतिवादी जेनाथी पक्षाय ते निग्रह स्थान.
वाद में प्रतिवादी जिससे पकड़ में आता है
वह निग्रह स्थान. the weak point by
which an adversary is de-
feated in argument डा० १;
—दोस. पुं० (—दोष) पराजय स्थान इय
दोष. पराजय स्थान रूप दोष. faultiness
e. g. of an argument, which
leads to a defeat. डा० १०; —प्रहाण
त्रि० (—प्रधान) अनाचार प्रवृत्तिना निषेध
करवाभां प्रधान. अनाचार प्रवृत्तिना निषेध
करनेमें प्रधान. (one) who is fore-
most in preventing sinful ac-
tivities. निसी० १, १; आव०

शिगमाहि. त्रि० (निग्रहिन्) निग्रह करनेवाला. (One) who con-
trols or subdues. उक्त० २५, २;
शिगमुंडि. स्त्री० (निर्गुण्डि) ओक प्रकारनी

गुच्छ वनस्पति. एक प्रकारकी गुच्छ वनस्पति.

A kind of vegetation. पक्ष० १;

शिगगुण. त्रि० (निर्गुण) गुणरहित. गुणरहित.
(One) not possessed of merits.
डा० ३, १; राय० २०८; जं० प० (२)
गुणव्रतथी रहित. गुणव्रतोंसे रहित. (one)
devoid of the three Gunavra-
tas. नाया० ८; भग० १२, ८;

शिगोह. पुं० (न्यग्रोह) वृक्ष जाड. बडका
वृक्ष. A banyan tree. सम० प० २३३;
जावा० १; (२) पदेना तीर्थकरनुं चैत्य
वृक्ष. पहिले तीर्थकरका चैत्य वृक्ष. the
Chaitya tree of the first Tir-
thankara. सम० प० २३३; (२) नामि
उपरना अवयवो सुंदर होय अने तेनी नी-
चेना साधारण होय तेनुं शरीरनुं ऐन संज्ञाय.
नामिके ऊपरके अवयव सुंदर हों और उनके
नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक संज्ञा-
बांधा. a type of physical consti-
tution in which the parts above
the navel are graceful while
those below it are plain. सम०
प० २२७; —परिमंडल. न० (—परिमंडल)
वडना वृक्षनी पेड़ नामि उपरना अवयवो
सुंदर अने नीचेना ओछा होय तेनी वननुं
शरीरनुं ओक संज्ञाय. बड़ के वृक्ष के समान
नामिके ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के
कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संज्ञा-बांधा. A
type of physical constitution
in which the parts above
the navel are graceful while
those below are ugly as in the
case of a banyan tree. डा० ६, १;
पक्ष० १५;

शिगमंडु. पुं० (निघण्टु) वैदिक कोष; निघण्टु
शास्त्र. वैदिक कोष; निघण्टु शास्त्र. The

lexicon of Vedic words. ओव० ३८;
शिग्घाद्य. त्रि० (निर्घातित) गद्गद् नीकलेव.
बाहर निकला हुआ. Come out; got
out. नाया० १२;

शिग्घाय. पुं० (निर्घात) वैदिक कथेय यज्ञं
पशुं. वैदिक से किया हुआ वज्रका गिरना.
Falling of a thunderbolt cre-
ated by Vaikriya process.
जीवा० १; पञ्च० १; (२) निर्वज्रं पशुं.
विज्रलंका गिरना. a lightning
stroke. जीवा० १; पञ्च० १; (३) गद्ग-
दना कडाका. गर्जनाका घोर शब्द. a peal
of thunder. ठा० १०; अणुत्रा० १२०;
(४) जरायु पशुं ते. भरनका बहना.
flowing of a stream. “ शिग्घायाय
पवतं ” स्य० १, १४, २२;

शिग्घायण. न० (निर्घातन) पशुं; मरुतुं;
नाश करे. हनना; मारना; नाशकरना. Act
of killing or destroying. ओव०
१७; जं० ५०

शिग्घिण. त्रि० (निर्वृण-न विद्यते घृणा पाप-
जुगुप्सालक्षणा यत्र स निर्वृणः) धृष्टा,
दया अनुकंपा रहित; निर्दय. घृणा-दया
अनुकंपा रहित; निर्दय. Unkind; cruel;
without compassion. पण्ड० १, १;
नाया० ९; —मद. त्रि० (—मति) पारु-
द्रव्य लेवानी जेनां मति छे ते. जिसकी पराया
धन लेनेकी मति है वह. (one) who
is greedy, covetous of an-
other's wealth. पण्ड० १, ३;

शिग्घोस. पुं० (निर्घोष) अवाज; स्वर;
शब्द; महा-
श्रुति. Sound; a loud sound;
voice. ओव० ३१; ३४; नाया० १; ८; जं०
५० ४, ११६; ११७; भग० ६; ३३; पण्ड०
१: १; राय०

शिग्घंठ. पुं० (निघण्टु) ओ नामने वैदिक कोष,
इस नामका वैदिक कोष. A Vedic dic-
tionary of this name. “ निघंठु छ-
डाणं संगोवंगाणं चउण्हं वेयाणं ” भग० २, १;

शिञ्च. पुं० (निचय) समूह; जथा. A collection; a group.
ओव० १३; (२) कर्म संचय; कर्म
अंश. कर्मसंचय; कर्मबंध. a collection;
of Karmas; Karmic bondage.
स्य० १, ५०, ६;

शिञ्चि. त्रि० (निचिन) निचय; घट; गाढ;
निचड; घट; गाढा. Dense; thick. राय०
३२; जीवा० ३, १; भग० १६; ३;

शिञ्च. त्रि० (नित्य) नित्य; दुर्मेक्षण; सदायु;
शाश्वत; नाशरहित. नित्य; हमेशाका; सदाका;
शाश्वत; नाशरहित. Permanent; ever-
lasting. “ जे भिक्खं हंमइ शिञ्चं से न
अथइ मंडलं ” उक्त० ३१, ६; नाया० १;
२; ४; ९; भग० ६, ३३; १८, ७; ४२, १;
सम० १३; ओव० —अशिञ्च. त्रि० (अ-
नित्य) नित्यानित्य. नित्यानित्य. per-
manent and impermanent. ठा० १;
—उउआ. स्त्री० (—ऋतुका) नित्य रजस्व-
लायत्री स्त्री के जे गर्भ धारण करी सकती
नथी. नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भ-
धारण न कर सकती हो. a woman hav-
ing daily menstrual discharge
and so incapable of conceiving
a child. ठा० ४, २; —उऊग. त्रि०
(—ऋतुक) जेनी उपर पारेमास इतक
आयती होय ते. जिसके ऊपर बारह मास
फलफूल लगते हैं वह. (a tree) that
puts forth flowers and
fruits in all the seasons.
सम० ५० २३३; —उउविग. त्रि० (उ-
विग) सदा विदासीन; हमेशा भिन्न. सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ५, २, ३६; — **च्छणिय**. त्रि० (—क्षणिक—नित्यं सर्वदा क्षणा उत्पन्ना यत्रास्मौ नित्यक्षणिकः) सर्वदा भोज्य उद्यन्तार—भान्तार. सर्वदा चैनवाजा उडानेवाला; आनन्द मनानेवाला. (one) who is always enjoying pleasure. नाया० ४; — **तलिच्छु**. त्रि० (—तल्लिप्प) सदैव तत्पर. गंदव तत्पर. (one) who is always ready पंचा० १७, ५१; — **दुक्खित**. त्रि० (दुक्खित) हमेशा दुःखी अशुभ. निरंतर दुःखा. (one) who is permanently miserable. तंदु०—**दास**. पुं० (—दोष) नाश न प. मे तेवो दोष. नष्ट न हो ऐसा दोष. a permanent or constant fault. ठा० १०; — **भाव**. पुं० (—भाव) नित्य भाव. नित्य भाव constant; permanent existence भग० १२, ७; — **सति**. स्त्री० (—स्मृति) नित्य स्मरण करतुं ते. नित्य स्मरण करना. constant remembrance. पंचा० १, ३६;

शिचंधकारतमस. त्रि० (नित्यान्धकारतमस—नित्यमेव अंधकारतमसं येषु ते तथा) हमेशा जगं अंधकार छे ते; नरक विग्रे. जहां हमेशा अंधकार है वह; नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e. g. hell etc. दसा० ६, १;

शिचभक्त. न० (नित्यभक्त) हरि० भोजन लेतुं ते. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal. सम० प० २३२;

शिचय. पुं० (निश्चय) निश्चय; योक्त स करेन क्षय निश्चय; निर्णय; यथार्थता. Determination; decision; certainty.

शिचल. त्रि० (निश्चल) स्थिर; अथवा. स्थिर; अचल. Steady; permanent; motionless. नाया० २; ८; १७; — **पय**. पुं० (—पय) निश्चयपद; मोक्ष. निश्चल पद मोक्ष. absolution, salvation. राय०

शिचालो. पुं० (नित्यालोक) ६२ भो महा-अद सूर्य प्रजप्ति गजुत्री प्रभाजे अने हाजां गजुत्री गजुत्री प्रभाजे ६४ भो. ६२ वां महाग्रह (सूर्य प्रजप्ति का गिनतां अनुसार) और ठाणां गजु का गिनतां हिमावसं ६४ वां. The 62nd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 64th according to that of Thāṇāṅga Sūtra. “ दां शिचालो ” ठा० २, ३;

शिचालो. पुं० (नित्यालोक) जुगो “ शिचालो ” शब्द. देखो “ शिचालो ” शब्द. Vide. “ शिचालो ” सू० प० २०;

शिचजो. त्रि० (नित्यजो) ६३ भो महाग्रह सूर्य प्रजप्ति गजुत्री प्रभाजे अने हाजां गजुत्री गजुत्री प्रभाजे ६५ भो. ६३ वां महाग्रह सूर्य प्रजप्ति का गिनतां के अनुसार और ठाणां गजु का गिनतां अनुसार ६५ वां. The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 65th according to that of Thāṇāṅga Sūtra. “ दां शिचजो ” ठा० २, ३;

शिचद. त्रि० (निश्चद) अथवा रहित. चेष्टा रहित. Motionless, actionless. नाया० २, १६;

शिचयण. न० (निश्चयण) अथवा यथार्थ शरीर; अथवा. चैतन्य शरीर; मृतदेह. A corpse; a dead

*शिच्छक. त्रि० (*) अपसरतो
अग्राज्. योग्य प्रसंग वा समय से अज्ञात.
(One) not knowing the proper
or opportune time नाया० ६;

शिच्छय. पुं० (निश्चय) निर्णय; निश्चय.
निर्णय; निश्चय. Resolve; deter-
mination; decision. नाया० १; राय०
२१५; भग० २, ५; १८, २; (२) अन्व-
यित्यादी नियम. व्यभिचार रहित नियम. a
vow free from any sin; discre-
pancy. सम० ३; (३) निः निर्णय निश्चयी
अथेव छे अपदमं समुद् गेमोथी कमना
समुद् नीक्षणी अथेव छे अथेव मेक्ष. जिममे
निःनर्गति निकल गया है चय-कमेममुद्;
कमेका समुद् निकलगया हो वह मोक्ष. that
from which the collection of
Karmas has passed away i. e.
salvation or final bliss पण्ड० १,
१; (४) वास्तविक पदार्थको मानने
द्रव्यार्थिक नय. वास्तविक पदार्थको ही मानने
वाला द्रव्यार्थिक नय. a real or essen-
tial point of view e. g. calling
a thing in its reality. सम० ३;

—णय. पुं० (नय) द्रव्यार्थिक नय;
निश्चय नय. द्रव्यार्थिक नय; निश्चय नय. a
real or essential point of view;
e.g. calling a pitcher of clay a
pitcher of clay. पंचा० ७, ४६; सम० ३;

शिच्छयज्ञ. त्रि० (निश्चयज्ञ) निश्चयार्थ
ज्ञानान्तर. निश्चयार्थ जाननेवाला. (One)
whose knowledge is certain
or positive. सूय० २, ६, १३;

शिच्छाय. त्रि० (निश्छाय) शोभा परतेना;

कदरूपो. शोभा रहित; कुरूप. Ugly;
deformed. नाया० १; ३; पण्ड० १, २;

शिच्छारिय. त्रि० (निस्तारित) पार पहुँचा-
देव. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven
out; pushed out. नाया० १;

शिच्छिगणा. त्रि० (निस्तीर्ण) पार अथेव.
किनार को पहुँचा हुआ. (One) who
has gone to the opposite
shore; crossed. पञ्च० ३६;

शिच्छिद. त्रि० (निश्छिद) छिद्ररहित.
छिद्ररहित. Free from holes. नाया० ६;

शिच्छिय. त्रि० (निश्चित) निश्चित; नक्षी
करेव. निश्चित; नक्षी किया हुआ. Cer-
tain; assured; u doubted. नाया०
१; ७; भग० ६, ३३; सम० ११;

शिच्छुड. त्रि० (निःक्षिप्त) अन्दर नीःकरेव.
बाहर निकला हुआ. Come out;
taken out. नाया० ८; १६;

शिच्छुभणा. स्त्री० (निःक्षोभणा) अत्यन्त निरस्कार
२. भर्त्सना; निरस्कार. Act of rebuking,
scolding or insulting. नाया० १६;

शिच्छुभावि. त्रि० (निःक्षोभित) अन्दर
झादी भुंकेव. बाहर निकाल दिया हुआ
Driven out; pushed out. नाया० ८;

शिच्छू. ५. न० (निष्कृत) थुंकेव ते. थुंकना.
Act of spitting. “सा परिव्वायगो
हल्लिज्जेतो शिच्छूदो” आव० १, २;

शिच्छूड. त्रि० (निःक्षिप्त) अन्दर झादी
भुंकेव. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed
out; driven out. नाया० १६; १८;

शिच्छोडण. स्त्री० (निश्छोडना) अत्यन्त
निरस्कार. भर्त्सना; निरस्कार. Act of
rebuking, scolding or insulting.

भग० १५, १; नाया० १६;

✓शिजम. धा० I, II. (नि+गम् (यच्छ)= यम्) निश्चयशी प्राप्त करतु; आधतु; अधन करतु. निश्चयसे प्राप्त करना; बांधना; बंधनकरना. To acquire; to tie; to fasten.

शियच्छति. पन्न० २३; सूय० २, ६, ३६;

शियच्छति. सूय० १, ८, ८;

शियुत्त. त्रि० (नियुक्त) निभेतु; न्नेधये त्यां गेहवेतु. नियत किया हुआ; योग्य स्थान पर जमाया हुआ. Appointed; arranged in proper place. ओव० २४;

शियुद्ध. न० (नियुद्ध) कोर्ष पल्लु मतली सहास सधि स्वीकारनामं न आवे तेनुं युद्ध. कोई भी प्रकार की सुतह-संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्ध. A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace. ओव० नाया० १;

शिज्जप्प. त्रि० (निर्याप्य) सत्त्व रहित (भोजन). सत्त्व रहित (भोजन). (Flood) devoid of substance. पगह० २, ५; —पाणभोयण न० (--पानभोजन) सत्त्व रहित भोजन पाण्णी. सत्त्व रहित भोजन पानी. food and drink devoid of substance or nutriment. पगह० २, ५;

शिज्जरण. न० (निर्जरण) निर्जरा; कर्मनुं भरतु; निरस थयेन्न-भोगवायेन्न कर्मनुं अरीने दूर थयु. निर्जरा; कर्म का गिर पड़ना; निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, frittering away of Karmas from the soul after bearing fruit. ओव० २१;

शिज्जरा. ली० (निर्जरा) कर्मनुं ऐक देशशी अरवं-अरवं ते; आत्माशी कर्मनुं छुटा थयु;

भरता गिरता; आत्मा से कर्म का पृथक् होना. Falling off of Karmas from the soul; e. g. after bearing their fruit. डा० १, १; २, १; २, ४; ४, ४; भग० ६, १; १८, ३; पन्न० १५;

सम० १; ओव० ३४, ४२; पंचा० ६, १४;

—पेहि. त्रि० (—प्रेक्षिन्—निर्जरां प्रेक्षितुं शाल-मस्येति निर्जरा प्रेक्षी) निर्जरातत्त्व ज्ञानुत्तर.

निर्जरातत्त्व जाननेवाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjarā.

“ मज्झिमा निज्जरापेही सयाहिमणुपालण ” आया० १, ८, ८, ५; उत्त० २, ३६; —पोग्गल. पुं० (—पुद्गल) आत्माशी छुटा थयेन्न कर्मना पुद्गल. आत्मा से भिन्न हुए कर्म के पुद्गल.

Karmic matter separated from the soul by Nirjarā. भग० १८, ३; —हेउ. पुं० (—हेतु) निज्जरातत्त्व कारण; कर्म क्षयने हेतु. निर्जरा का कारण; कर्म क्षय का हेतु.

cause of Nirjarā or destruction of Karma. पंचा० १२, २६;

शिज्जरिज्जमाण. त्रि० (निर्जरीयमान) कर्मना पुद्गलततो क्षय करतो. कर्म के पुद्गलों का क्षय करता हुआ. (One) who is destroying Karmic matter.

भग० १, १, २; ६, ३३;

शिज्जरिय. त्रि० (निर्जरित) क्षय करेत्; निर्जरा करेत्. निर्जरित; क्षय किया हुआ.

(One) who has destroyed or caused to be wasted away.

“ शिज्जरिय जरामरणं वंदित्ताजिणवरं महावीर ” तंदु०

शिज्जवन्न. त्रि० (निर्यापक) भेदात्ता अथ-श्रित्ततो निर्याप करतार. बड़े प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला. (One) who goes

ठा० ८, १;

शिञ्जवग. पुं० (निर्वापक-निर्वापयति तथा करोति गुर्वपि प्रायश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्वापकः) भोटा प्रायश्चित्तने निर्वाह कराना-
नार. बडे प्रायश्चित्त को निर्वाह कराने वाला (गुरु). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० ८, १; १०; भग० २५, ७;

शिञ्जवगा. स्त्री० (निर्वापना) प्राप्तिमान्ना प्राप्नुने प्रयाज्य करवानुं कृत्य; हिंसां अथ नाम. प्राप्तिगो के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्य; हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings; a sort of Himsā. पगह० १, १;

शिञ्जाण. न० (निर्वाण) ज्ञांथी भाध्युं आययुं न होय तेयुं गमन; मोक्ष गमन. जहां से वापिस आना न हो ऐसा गमन; मोक्ष गमन. Going with retreat; salvation. ओव० ३४; जं० प० ५, ११८; (२) स्वतंत्र गमन. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. ओव० (३) भरजुक्षले शरीरभांथी आत्मानुं अदार नीकलनुं ते. मृत्यु के समय शरीर में से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. ठा० ३, ४; (४) नगरंथी अदार नीकलनुं ते. नगर से बाहर निकलना. act of going out of a town. ठा० ३, ४; (४) नगरभांथी नीकलवानो ररतो. नगर में से निकलनेका रास्ता. a road leading out of a town. “ बाह्दियाणं शिगामट्ठाणं । शिञ्जाणिया खगरगमे वा जंपिय तं शिञ्जाण ”

निसी० चू० ८; सू० प० ४; चं० प० (५) निस्तार; छोडा. निस्तार; अन्त. end; decision. सूय० २, २, ५७; —कहा. स्त्री० (—कथा) राजनी स्वारी नीकले तेनी बात करवी ते; राजकथानो अथ प्रक्षार. राजा का सवारी निकलने की बात करना; राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा० ४, २; —भूमि. स्त्री० (—भूमि) जे इकाणु निर्वाणपद भट्युं होय ते भूमि. जिम स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि. a place where one has attained salvation. जं० प० ५, ११८; —मग. पुं० न० (—मार्ग-निर्वाणस्य मोक्ष-पदस्य मार्गो निर्वाणमार्गः) मोक्षमार्ग. मोक्षमार्ग. the path of salvation. भा० ६, ३३; (२) जयने नीकलवानो मार्ग. जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body). “ पंचावहे जीवस्स शिञ्जाणमगो पण्णते ” ठा० ५, ३; भग० १६, १; २६, २; दसा० १; ३; (३) नीकलवानो ररतो; अदार जवानो; मार्ग. निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. जं० प०

शिञ्जाणियलेण. न० (नैर्याणिकलयन) नगरभांथी निकलवाना मार्गपरनुं भट्ठान. नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A house on a road leading out of a town. भग० १३, ६;

शिञ्जामअ-य. पुं० (निर्वामक) अक्षरसी; सुक्ष्मली. नौका वाहक. A sailor; a helmsman. ओव० २१; नाया० १७;

शिञ्जामग. पुं० (निर्वामक) अक्षरसी. नाविक; मल्लाह. A sailor; a mariner; ओव० विशेष० राय०

शिञ्जाय. त्रि० (निर्यात / नीक्षेत्. निकला हुआ. Come out; got out. नाया० १; ६; — **रूवरयय.** त्रि० (—रूपरजत) तन्मुं छे सोनुं श्युं जेले ते. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. “ शिञ्जायरूपरयय गिहिजोगंपरिवज्जं जे से भिक्खू ” दस० १०, ६;

शिञ्जास. पुं० (निर्यास) आसने रस; गुंहर वगेरे थिंक्षे पदार्थ. वृक्ष का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. आघ० नि० भा० १४२;

शिञ्जिगण. त्रि० (निर्जीर्ण) क्षीण; क्षय इरेत्. क्षीण; क्षय किया हुआ. Destroyed; wasted away. भग० १, १; ६, ३३; १२, ४; १४, ४; पञ्च० ३६;

शिञ्जिय. त्रि० (निर्जित) छतेनुं. जाता हुआ. Conquered. जं० प० — **सत्तु.** त्रि० (—शत्रु) शत्रुने जित्वा छे जेले ते. जिसने शत्रु को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय०

शिञ्जीव. न० (निर्जीव) सोनुं आदि धातु मारवां ते; ७१ मी क्षत्रा. सोना आदि धातु को मारना; ७१ वां कला. The 71st art viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical processes. जं० प० ओव० सम०

शिञ्जुत्त. त्रि० (निर्युक्त) अर्थीत. निश्चित; अवश्य. Certain; assured. नाया १; ओव०

शिञ्जुत्ति. स्त्री० (निर्युक्ति — निश्चयेनार्थ-प्रतिपादिका युक्तिनिर्युक्ति) युक्ति सहित सूत्रना अर्थ अतापनार ग्रंथ. युक्ति सहित

सूत्र के अर्थ बताने वाला ग्रंथ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. — **भार.** पुं० (—कार) निर्युक्ति रचनार भद्रबाहु स्वामि वगेरे. निर्युक्ति के रचयिता भद्रबाहु स्वामी इत्यादि. an author of Nir-yuktis; e. g. Bhadrabāhu etc. आया० नि० १, १, १;

शिञ्जुद. त्रि० (निर्युद) अहार काटी भुंक्षे. बाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया० १;

शिञ्जुह. न० (निर्युह) आरसाभ पासे अहार काटेनुं लाङ्क; धोखे. किंवाड़ के नजदीक बाहर निकाला हुआ लङ्क; चौखटा. A bent piece of wood projecting out from the upper part of a door-frame. नाया० १; (२) ओभ. क्रोखा. a balcony; a gallery. (३) ओभ धातु धर. क्रोखावाला मकान. a house having a balcony or a gallery. जावा० ३, ३;

शिञ्जुहग. पुं० (निर्युहक) धोखे; धोखे. चौखटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of a house or window is set; (this is often used as a sort of shelf) परह० १, १;

शिञ्जुहिता. हे० क० अ० (*निर्युहितम्) अहार काटवाने. बाहर निकालने को. In order to push out or drive away. वव० २, ७;

शिञ्जुहिता. सं० क० अ० (*निर्युहित्वा) पीछे धटा कर; निकाल कर. Having driven back; pushing out. दसा० ७, १;

शिञ्जोग. पुं० (निर्योग) सेवक. सेवक; च कर.

A servant; an attendant. नाया० १;

शिञ्जोय. पुं० (निर्योग) सेवक. चाकर;

सेवक. An attendant; a servant.

नाया० १; (२) वस्त्र, पात्रादि उपकरण.

वस्त्र, पात्रादि उपकरण. articles of use

for an ascetic such as clothes,

vessels etc. राय० ८०;

शिञ्जकर. पुं० (निज्जर) पहाडमांथी ऋतु

पाशु; ऋतु पहाड में से करता हुआ पानी;

करना. A stream of water; a

brook issuing from a moun-

tain. पञ्च० २; जीवा० ३, ३; नाया० १;

शिञ्जकाइत्ता. सं० कृ० २० (निर्याय) आरी-

शायी अवलोकन करीने; आरीशायी चिंतन

करीने. सूक्ष्म रीति से अवलोकन करके; लक्ष

पूर्वक चिंतन करके Having closely

or minutely observed or

thought upon. आया० १, १, ६, ५०;

शिञ्जकाइत्तार. त्रि० (निर्याय) अति चिंता

करना. अति चिंता करने वाला. (One)

given to excessive worry and

anxiety. ठा० ६;

शिञ्जोसइत्तार. त्रि० (निज्जोसयित्) पूरना

करना कर्मने अभाव. पूर्व के किये हुए

कर्मों का क्षय करने वाला. (One) who

causes a destruction of the

Karmas done by him in his

past lives. आया० १, ३, ३, ११६;

✓ शि-टव. धा० I, II. (नि+स्था+णि)

समाप्त करवुं; पुरं करवुं. समाप्त करना.

To complete; to bring to a

close.

शिष्टविसु. भू० भग० २६, १; २;

शिष्टवण. न० (निष्ठापन) निष्ठापन. पैदा

करना; उत्पन्न करना. To produce; to

Vol II/120.

cause to be produced. पण० १, १;

शिष्टा. स्त्री० (निष्ठा) क्षय सिद्धि; क्षय

समाप्ति. कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति.

Successful termination of work;

completion of work. सूय० १, १५,

२१; भग० १६, ४;

शिष्टाण. न० (निष्ठान) सारा शुशुवापुं-

संस्कारेण भोजन. अच्छे गुण वाला भोजन.

Wholesome food. " शिष्टाणरस

निज्जुं " दस० ८, २२; —कदा. स्त्री०

(कथा) भोजनना रस अने अर्थ संयुक्त

अत्यंत करीने. भोजन के स्वाद और

खर्च संबंधी वार्तालाप. a talk about

taste and cost of food. ठा० ४, २;

शिष्टिक. त्रि० (निष्ठिक) धर्ममां श्रद्धापूर्वक

भक्त रहित. धर्म में श्रद्धापूर्वक तर्कान

रहने वाला; धर्म निष्ठ. (One) who

devotes himself faithfully to

religion. पण० २, ३;

शिष्टिय. त्रि० (निष्ठित) स्वकार्य सिद्ध करेन,

पुत्रं करेन. अपना कार्य सफल किया हुआ;

पूर्ण किया हुआ. (One) who has

fulfilled his duties. पञ्च० ३६; दस०

७, ४०; नाया० १; (२) पुं० मोक्ष; परि-

समाप्ति. मोक्ष; सिद्धि. final liberation;

completion. आया० १, ५, ६, ११८;

(३) त्रि० सत्तावापुं; निष्ठावापुं. सत्तावान्;

श्रद्धावान्. potent; steadfast. भग०

६, १; (४) आत्री; श्रद्धा. भरोसा; श्रद्धा;

विश्वास. conviction; assurance;

faith " शिष्टियंभवइ " भग० १२, १;

—ट. त्रि० (—अर्थ) कृतकृत्य; जेना अर्थ

भतकृत्य सिद्ध थयेछे ओवे. कृतकृत्य;

जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one)

whose object is fulfilled. सूय०

१, १५, १६; आया० १, ५, ६, ११८

(२) विषय सुखनी पिपासा-लालसाथी रहित; मुमुक्षु. विषय सुख की इच्छा से रहित. (one) free from attachment to the pleasures of the senses. “ पंडिष्ट नेहावी शिट्टियट्टे वीरे ” आया० १, ६, ४, १६३; — टि. त्रि० (-अर्थिन्) मुमुक्षु-भोक्षणी छत्ता राभ-नार. मुमुक्षु-मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance. आया० १, ५, ६, १६८;

शिद्दुभय त्रि० (निष्ठीवन) थुं कनार. थूंकने वाला. A spitter; one who spits. परह० २, १;

शिद्दुत्तुर. त्रि० (निष्ठुर) निष्ठुर; कठोर; कटिन. दुष्ट; कठोर; कड़ेदिलवाला. Cruel; unfeeling; harsh. आ० २०; नाया० ८; ९; भग० ५, ४; जीवा० ३, १; — गिरा. स्त्री० (-गिर) निष्ठुर भाषा. क्रूर भाषा. harsh speech. गच्छा० ४४;

शिद्दुत्तवण. न० (निष्ठीवन) थुं क; थलभा. थूंक; कफ; बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (२) त्रि० थुं कनार; थल भा आदि ई कनार. थूंकनेवाला; मुँहसे कफ फेंकने वाला. (one) who spits or ejects cough etc. from the mouth. डा० ५, १;

शिडाल. न० (ललाट) ललाट; कपाल. ललाट; कपाल. Forehead. आया० २, १, २, १६; ओव० १०; नाया० ८; जीवा० ३, ३; तंदु० जं० प० ३, ४५;

शिणाअ-य. पुं० (निनाद) अनाज; ध्वनि. आवाज; ध्वनि. Loud sound; noise. नाया० १; ८; १४; जीवा० ३, ४; जं० प०

शिणण. त्रि० (निम्न) नीयुं. नीचा. Low. (२) न० नीचे; ढेंडे. नीचे. below; downward दसा० ७, १; भग० १५, १; जं० प० ७, १५१;

शिणणक्खु. त्रि० (*) कट्टी मुक्कुं ते. निकाल देना. Casting out; ejection; driving out. “ बाहिहा वा शिणणक्खु ” आया० २, २, १, ६५;

शिणणगा. स्त्री० (निम्नगा) नदी. नदी A river. पञ्च० १;

शिणणायर. त्रि० (निम्नतर) वधारे नीयुं. अधिक नीचा. Lower; at a lower level. भग० ३, १;

शिणणार. त्रि० (निर्निगार) नगर प्यार कटेल. शहर बाहर निकाला हुआ; निर्वासित. Driven out from a town. “ अप्पे-गइप्पु शिणणार करेहिंति ” भग० १५, १;

शिणिणमेस्स. त्रि० (निर्निमेष) आंभना पयकारा रहित. निमेष की आंख के पलक नहीं लगते हैं वह; निमेष हीन. (One) with a fixed, stony gaze. डा० ५, २;

शिणहइया. स्त्री० (निह्विकी) श्रेष्ठ प्रकार की लिपि. एक प्रकार की लिपि. A kind of script. पञ्च० १;

शिणहग. पुं० (निह्व) सिद्धांतना सत्य अर्थने आपननार; सत्य सिद्धांतना उद्घापड जमाती आदि. सिद्धान्त के सत्य अर्थ को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाती आदि. (One) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures; e.g. Jamālī etc. आ० ४१; डा० ७;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note(*) p. 15th.

शिखरद्वय. पुं० (निहव) लुओ “ निगहग ”
शब्द. देखो “ शिखरद्वय ” शब्द. Vide
“ निगहग ” ठा० ७;

शिखरद्वय. पुं० (निहवन) छुपावतुं ते.
छिपाना. Act of concealing. वि० २;

• शित्तब. पुं० (नितम्ब) पर्वतनी के; पर्वतनी
भात भाग. पर्वत के मध्य या आसपास का
भाग. The lower or middle part
of a mountain. (२) स्त्रीनी के; नीचे
पाछले भाग. स्त्री का कमर का पिछला
भाग. a hip of a woman behind
her waist. “ खल्वंतस्स बासहरप्प-
वयस्स दाहिणिंणं शित्तब ” जं० प० १, १७;
शित्तउमाण न० (नित्यावमान-नित्यमवमानं
प्रवेशः स्वपक्षपरपक्षयोरेषु तानि तथा)
जहाँ साधु नित्य पक्षेरा वतय ते कुल.
A family where Jainas monks
go for food every day. आया०
२, १, १, ६;

शित्तिय. त्रि० (नैतिक) नियत. नियमित.
कायम; नियमित. Regular; fixed.
भग० ६, ३३; (२) नित्य पिंड लेता.
प्रतिदिन पिंड-दान लेने वाला. a Jaina
monk who receives his food
at one and the same house
every day. निशी० ४, ३२;

शित्तिय. त्रि० (नित्य) हमेशा; सतत. Daily;
every day; always. निशी० २, ३२;
—(या) वाह. त्रि० (वादिन्) पदार्थनुं
अंशतः पक्षे नित्यपक्षे स्थापना. एकान्ततया
पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला.
(one) who affirms the exis-
tence of a thing in absolute
and unqualified terms. दसा० ६,

३; —(या) वास. पुं० (-वास)
हमेशा ओक ठेकावे निवास करवा; स्थिरवास.
हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास.
permanent stay; living in one
place only. निशी० २, ३७;

शित्तिया. स्त्री० (नित्या) जम्बूसुदर्शनं
अपरनाम. जम्बूसुदर्शन (वृक्ष) का दूसरा
नाम-पर्याय. A kind of tree also
named the Jambū tree. जीवा०
३, ४;

शित्त. न० (नेत्र) नेत्र; आंख. आंख; नेत्र
चक्षु. An eye. ठा० ६, १;

शित्तल. त्रि० (निस्तल) शराशुधी न
उतारेव; अनिष्पन्न. अधूरा; अस्मात्.
Unfinished; incomplete. “ तेण
शित्तलं मणिरयणं अस्मादेति ” भग० १५:१;

शित्तुल. त्रि० (निस्तुल) शैतल रहित;
निशुद्ध. झिल्लके रहित; विशुद्ध-विना झिल-
केका. Free from husk; clean.
पगह० २, ४;

शित्तिय. त्रि० (निस्तेजस्) तेज रहित.
निस्तेज; प्रभाविहीन; तेजरहित. Without
lustre; having no lustre. नाया०
१; (२) वीर्य रहित. वीर्य रहित.
weak; impotent. भग० ६, ३३;

शित्थरण. न० (निस्तरण) पार पारपुं.
पार होजाना; उमपार पहुँचजाना. Act of
crossing or reaching the
other end; a successful per-
formance. जं० प० नाया० १५; १८;

शित्थरियद्वय. त्रि० (निस्तरितव्य) पार
पारपुं योय; नेतो अंत आनी शके ते.
पारपाने योग्य; अन्त आने जैसा. Worthy
or capable of being success-
fully performed; fit to be
crossed. नाया० ३: ८;

स्थित्याण. त्रि० (निःस्थान) स्थान भ्रष्ट.
स्थानभ्रष्ट; (अपने) स्थान से गिराहुआ;
स्थलित. Fallen from one's place;
degraded. नाया० १८; विवा० ३;

स्थित्याण. पुं० (निस्तार) पार, छेडा.
अन्त; पार; छोर. End; completion
e. g. of a journey. नाया० ६;

स्थित्यारणा. स्त्री० (निस्तारणा) पार पामयुं
ते. पारपाना; निस्तारहोना. Act of
successfully going to the other
end; act of finishing. जं० प०

सिद्धसण. न० (निदर्शन) उदाहरण. उदाहरण;
नमूना. Example. (२) निरन्तर जेनुं ते.
बार २ देखना; सतत अवलोकन. seeing
repeatedly. डा० १, १;

सिद्धा. स्त्री० (निदा—निदानं निदा) वेदना;
पीडा. वेदना; पीडा; त्रास. Pain;
oppression; affliction. भग० १६, ५;

सिद्धाघ. पुं० (निदाघ) ज्येष्ठमासनां लोकांतर
नाम. ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नाम.
The summer month of Jy-
eṣṭha so named. जं० प०

सिद्धाय. पुं० (निदाक) ज्ञान पूर्वक वेदना.
ज्ञान-अनुभवपूर्ण वेदना. Conscious
pain. भग० १६, ५;

सिद्धाह. पुं० (निदाघ) ज्येष्ठ मासनां लोकांतर
नाम. ज्येष्ठ मासका विशिष्टनाम. The
month of Jyēṣṭha so named.
सू० प० १;

सिद्धद्व. पुं० (निर्दग्ध) सीमन्तकप्रभामे
नरकेन्द्रकी पूर्वकी आवलिकाभांति २१
मे नरकावासी. सीमन्तकप्रभ नामक
नरकेन्द्रसे पूर्व की आवलिका का २१ वां
नरकावास. The 21st abode of the
hell of the eastern line of the
region of hell called Simant-

akaprbha Narakendra. डा० ५, २;
सिद्धद्वमज्झ. पुं० (निर्दग्धमध्य) सीमन्तक-
प्रभ नरकेन्द्रकी उत्तर आवलिकाभांति २१
मे नरकावासी. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रका
उत्तर आवलिकाका २१ वां नरकावास. The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Prabha
Narakendra. डा० ६;

सिद्धद्वोच्च. पुं० (निर्दग्धोच्च) सीमन्तक-
नरकेन्द्रकी पश्चिम आवलिकाभांति २१ मे
नरकावासी. सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम
आवलिका का २१ वां नरकावास. The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Nara-
kendra. डा० ६;

सिद्धद्वोदक्षि. पुं० (निर्दग्धोदक्षि) सीमन्तक-
नरकेन्द्रकी दक्षिण आवलिकाभांति २१ मे नर-
कावासी. सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण आवली-
काका २१ वां नरकावास. The 21st
abode of hell of the northern
line of Simantaka Narakendra
region of hell. डा० ६;

सिद्धय. त्रि० (निर्दय) निर्दय; कश्यारहित. नि-
र्दय; कठोर; पाषाणहृदय. Cruel; piti-
less. परह० १, १;

✓ सिद्धा. घा० II. (निद्रा) उँधयुं; सुयुं.
उँधना; निद्रालेना; सोना. To sleep.

सिद्धाणज्ज. जीवा० ३;

सिद्धा. स्त्री० (निद्रा) निद्रा; उँध; निद्रा; नींद;
उँध. sleep. ओव० १६; आया० १, ६, २,
५; नाया० १३; पञ्च० २३; दसा० ६, १;
राय० २१५; —कखय. पुं० (कखय) नि-
द्रानो क्षय. निद्राका क्षय, निद्राका न आना;
एक राग. loss of sleep; insomnia.

ठा० ५, २; —शिद्हा. स्त्री० (-निद्रा)
गाढ निद्रा. गहरी नोंद. profound sleep.
पञ्च० २३; ठा० ६; सम० —पमाश्र. पुं०
(-प्रमाद) निद्रास्थी प्रमाद. निद्राके कारण
उत्पन्न प्रमाद; असावधानी; निद्राप्रमाद. inad-
vertence or negligence through
sleep. ठा० ६, १;

शिद्धारिय. त्रि० (निर्धारित) द्राष्टव्य. फाडा-
हुआ; विदारित. Torn; rent. परह० १, ३;

शिद्दिष्ट. त्रि० (निर्दिष्ट) कहेल; दशादित्र.
कहाहुआ; बतलायाहुआ. Said pointed
out; mentioned. पंचा ३, १२;

शिदुद्धिया. स्त्री० (निर्दुग्धिका) दूध रहित
(गाय विगरे). दूध विहीन (गाय आदि). (A
cow etc) not giving milk. तंदु०

शिद्देश. पुं० (निर्देश) आज्ञा. आज्ञा. हुक्म;
अनुमति. Command; order. नाया०
६, १६; —वर्तिन. त्रि० (वर्तिन्) आज्ञा
प्रमाणे वर्तमान. आज्ञाधारक; हुक्मके मुता-
बिक काम करनेवाला. obedient to a
command "शिद्देश वर्त्ता पुण जे गुरुण"
इस० ९, २, २३;

शिद्देश. त्रि० (निर्दोष) निर्दोष; दोषरहित.
निर्दोष; दोषरहित; निर्मल. Blameless;
innocent; free from fault or
defect. ठा० ७, पंचा० ७; ३५;

शिद्ध. त्रि० (स्निग्ध) स्निग्ध; चिकन.
चिकना; स्निग्ध. Oily; greasy. नाया०
१; ५; ८; मग० १; १; ६, ६; १०, ६;
२०, ५; ओव० पञ्च० १; (२) स्नेहवानु.
स्नेहवाला; स्नेही. affectionate; lov-
ing. सम० नाया० ८; (३) सुंवाला.
smooth; soft. जं० प० ७,
१६६; २, २०; ३, ४५; (४) कान्त;
तेजस्वी; कान्त; तेजस्वी; दिव्य. lovely;
lustrous. परह० १, ४; ओव० जीवा० ३;

—ओभास. त्रि० (-अवभास) स्निग्ध
येतु भासतुं देखातुं. चिकना दिखाई
देता हुआ. oily in appearance.
नाया० १; राय० —पौगल. न० (-पु-
द्गल) स्निग्ध पुद्गल. चिकने पुद्गल पदार्थ.
oily, sticky substance. मग० ७, ६;
—फास. पुं० (-स्पर्श) स्निग्ध स्पर्श;
स्निग्ध. चिकनाई; स्निग्ध स्पर्श; छूनेमें चि-
कना. oily; greasy in touch. सम०
२२;

शिद्धंत. त्रि० (निध्मांत) अग्निमां नाभी
धमेत; तप. वेत; विशुद्ध करेत्. अग्निपूत;
अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुआ. Passed
through the fire and purified;
heated in a furnace. पञ्च० २;
जीवा० ३; ओव० १०; तंदु०

शिद्धण. त्रि० (निर्धन) निर्धन; गरीब. निर्धन;
आर्कचन; दीन; गरीब. Without wealth;
indigent; poor. नाया० १८; विवा० ३,
शिद्धाणय. त्रि० (निर्धान्यक) धान्य अनाज
रहित. अन्नरहित; धान्यविहीन. With-
out food-grain; barren of corn
or food stuffs. तंदु०

शिद्धमण. न० (निर्धमन) आश; भोरी. मोरी;
नाली; गटर. A duct or outlet of
water. ठा० ६, १; तंदु०

शिद्धम्म. त्रि० (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात्) उत-
चारित्रलक्षणादिति) धर्म रहित. बिना
धर्मका; अधर्म पूर्ण. Irreligious; un-
righteous. परह० १, १;

शिद्धधूय. त्रि० (निर्धूत) दूर करेत्. दूर किया
हुआ; निष्कासित. Thrown away;
shaken off; removed. राय०

शिधण. न० (निधन) नाश; पर्यवसान; छेड़.
नाश; पर्यवसान; अन्तकाल; अन्त. Death;
termination; end. परह० १, १;

शिथत्त. न० (निधत्त) ऐक प्रक्षरने कर्मने
अंध. कर्मका एक बन्धन. A particu-
lar kind of Karmic bondage.
“चउविहे शिथत्ते पणत्ते तंजहा पगइ शिथत्ते
ठिइशिथत्ते ” डा० ४, २; भग० १, १;

शिथि. पुं० (निधि) अंडार; भण्डानो. कोष;
निधि; भंडार; आगार. Treasure; store.
सम० ३;

शिन्हुइया. स्त्री० (निन्हविका) अठार त्रिपि-
मांनी ऐक. अठारह लिपियों में से एक.
One of the eighteen kinds of
scripts. सम० १८;

✓ **शि-पड.** धा० I. (नि+पत्) नीचे पडुं.
नीचे गिरना; अधःपात. To fall down
शिपडइ. नाया० ९;

शिपयन्ति. जीवा० ३, ४;

शिपन्त. त्रि० (निरतत्) नीचे पडने. नीचे
की ओर गिरता हुआ. Falling down.
पगइ० १, १;

शिपुण. त्रि० (निपुण) निपुणु; होशियार;
चतुर. चतुर; कुशल; निपुण; निष्णात.
Skilful; clever; ingenious. भग०
१६, ४;

शिपंक. त्रि० (निष्पक्क) गारा पथरनुं;
शुध ३ रहित. कीचड या कीच रहित;
पंकविहीन. Without mud; free
from mud. जं० प० १, १२;

शिपंकप. त्रि० (निष्पकम्प) अति निश्चत.
नितान्त; निश्चत; जडवत्; निश्चल-
स्थिर. Quite motionless; steady.
सम० २;

शिपचक्खाण. त्रि० (निष्प्रत्याख्यान)
प्रत्याख्यान रहित. प्रत्याख्यान (संकल्प)
रहित. (One) who does not
practise the vow called Pach-
chakhāpa i. e. abstaining

from doing particular things
for a fixed period. भग० १२, ८;

—**पोसहोववास.** त्रि० (-पौषहोपवास)
वे पोरसी आदि पश्यन्त्यात् तथा पर्वने
दिवसे पण्य पोषो उपवास वगेरे न करे ते.
पचखाण तथा पर्वके अवसर पर भी उपवास
पौषध आदि न करने वाला. (one) who
does not observe any vow or
fast even on sacred days.
भग० ७, ६;

शिपचिद्धम. त्रि० (निष्पश्चिम) पीछला.
पिछला. Backward; latter. भग० ५, ७;

शिपट्ट. त्रि० (निष्पृष्ट) वेमां पुछुं न पडे
तेहुं; स्पष्ट; असंदिग्ध. स्पष्ट; जिस में
पूछने का काम न पडे; शंका रहित; असंदिग्ध.
Evident; manifest; doubtless.
नाया० ५; भग० १८, १०; —**पसिण-**
वागरण. त्रि० (-प्रश्नवाकरण) वेमां
पछी पुछुं न पडे अवेला जवाप; छंसेला
जवाप. अन्तिम उत्तर; एक बात; जिसके
पूछने का पुनः जरूरत न हो. (an
answer) which leaves no
scope for further questions;
final answer. “ शिपट्टपसिणं वागरणं
करेह ” भग० १५, १;

शिपडडियार. त्रि० (निष्प्रतिकार) शिकित्सा
रहित. असाध्य; निरुपाय; चिकित्सा-रहित.
Irremediable; devoid of reme-
dy. पगइ० २, ४;

शिपपरण. त्रि० (निष्पन्न) सिद्ध; निष्पन्न
थयेन. सिद्ध; निष्पन्न. Fully accom-
plished; final. नाया० ८;

शिपपत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) सिद्धि. सिद्धि;
सफलता. Liberation; deliverance;
fulfilment. डा० ६;

शिपम्भ. त्रि० (निष्प्रभ) प्रभा रहित. प्रभा

रहित; निराश. Gloomy; dark. “ देवे
चहस्सामीति ज णइ विभाणा भरणाइं
शिप्पभाइं पासित्ता ” ठा० ३, ३;

शिप्परिगहरूह. पुं० (निष्परिग्रहरूचि-
निर्गता परिग्रहचर्यस्य सः) परिग्रही-
धृच्छा वगर्हना. जिसको परिग्रह की
इच्छा न हो. Free from the
desire of worldly belongings.
परह० २, ५;

शिप्प्राण. त्रि० (निष्प्राण) प्राण रहित.
निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विहीन. Lifeless;
dead. नाया० २; १६; १८;

शिप्पाव. पुं० (निष्पाव) वायु; ऐक्य जन्य
धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of
corn. “ शिप्पा इ धगया गंधे वाहगपलं-
सुलसुणा ५५ इ ” ठा० ५, ३; जं० प०

शिप्पिवास. त्रि० (निष्पिपास) पिपासा-
लाजसा-रहित. लाजसा-इच्छा रहित; निरि-
च्छा; उदासन. Free from greed.
नाया० १; १६; परह० १, २; (२) स्नेह
रहित. स्नेह रहित. devoid of love.
परह० १, १;

शिप्पुलाय. पुं० (निष्पुलाक) आवती उत्स-
र्पिणीमां भरतक्षेत्रमां यनार १४ भा तीर्थक्षर.
आगामी उत्सर्पिणी में भरतक्षेत्र में होने वाले
१४ वे तीर्थक्षर. Name of the 14th
would be Tirthankara in the
coming Utsarpini cycle. सम०

शिप्पंद. त्रि० (निष्पन्द) यथन आदि क्रिया
रहित; स्थिर. गति हीन; स्थिर. Motion-
less; steady. नाया० २; ८; १७;

शिप्पकराण. त्रि० (निष्पक) पूर्ण; भरपूर;
भरेहुं. पूर्ण; भरपूर; भरा हुआ. Com-
pleted; full; perfect. (२) पैदा
थयेहुं; उभयेहुं. उत्पन्न हुआ. emerged;
created; produced. ओव० ४०; पंचा०

८, १६;

शिप्फाहऊण. सं० कृ० अ० (निष्पाण) उत्पन्न
क्षरीने. पैदा करके; उत्पन्न करके. Having
produced पंचा० ७, ४३;

शिप्फाव. पुं० (निष्पाव) वायु; ऐक्य जन्य
धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of
corn. पञ्च० १; जं० प०

शिप्फेडिय. त्रि० (निष्फेडित) हरेहुं; क्षरेहुं;
लप लीधेहुं. हरण किया हुआ; छीना हुआ;
लिया हुआ. Taken away; seized.
ठा० ३, ४;

✓ शिबंध. धा० I० (नि + बंध्) आधत्तुं.
बांधना; फाँसना. To bind; to fasten
शिबंधह. सम० २८;

शिबंधणं. न० (निबन्धन) हेतु. हेतु; उद्देश्य;
लक्ष्य. Cause; motive. नाया० १५;

शियद्ध. त्रि० (निबद्ध) युधेहुं; आधेहुं ग्रथित;
गूँया हुआ; बांधा हुआ. Knitted;
bound together नाया० १; सम० १;
भग० १५, १; —आउय न० (—आयुष्क)
आधेहुं आयुष्य. निश्चित आयुष्य. life-
period pre-determined by
Karma. नाया० १३;

शिब्बल. त्रि० (निर्बल) अशक्त;
कमजोर; निर्बल. Weak; feeble;
lacking in strength. आया० १, ५,
८, १५९; —आसय. पुं० (—आशक)
निर्गल-सत्त्व रहित भोराक्ष देवानो अभिग्रह
धरनार साधु. जिस साधुने सत्त्व-हीन औषधिक
अन्न ग्रहण करने का संकल्प किया हो वह.
a Sādhū who has made up
his mind to take only such
food as is lacking strength giv-
ing or invigorating ingredients.
आया० १, ५, ४, १५६;

शिब्भच्छुण. न० (निर्भस्त्रन) आक्षेपशयी

कटुवचन कहेवा; ४५३। हेवा ते. आवेशमें
आकर ऊंचेसे कटुवचन कहना; उलाहना देना.
Act of reproaching or rebuk-
ing in loud and threatening
words. भग० १५, १; पण्ह० १, ३;

शिब्भच्छणा. क्री० (निर्भर्त्सना) ४५३। हेवा.
उलाहना देना. Reproach; harsh
words. भग० १५, १; नाया० १६;

शिब्भच्छिय. त्रि० (निर्भर्त्सित) ४५३। आपेव.
उपाताम्भित; उलाहना दिया हुआ; भर्त्सना
किया हुआ. Reproached; rebuked.
नाया० १८;

शिब्भय. त्रि० (निर्भय-निर्गतो भयान्) ७५
रहित. निर्भय; भयरहित; निडर. Fear-
less. नाया० १; ४; ८; १७; पण्ह० २, ३;

शिब्भिज्जमाण. त्रि० (निर्भिद्यमान)
अतिशय भेदातुं. खूब भेदा हुआ. Exces-
sively pierced; excessively
torn. "नाव केतइ पुढायं वा अणुवार्यांस
उब्भिज्जमाणायां शिब्भिज्जमा याणं वा"
भग० १८, २; जं० प० जीवा० ३;

शिब्भ. त्रि० (निभ) स६श; सर७; दु२५.
समान; सरीखा; तुल्य. Like; similar;
resembling; equal. ओव० ३१;
अणुजो० १३०; जं० प० ३;

शिब्भंग. पुं० (निभङ्ग) भांगतुं; टूटतुं ते.
फूटना; टूटना. Act of breaking
or being broken. पण्ह० १, १;

✓शि-भत्थ. धा० II. (नि + भत्स्)
तिरस्कार करवे। तिरस्कार करना. To
reproach; to insult.

शिभत्थन्ति. नाया० १६;

शिभत्थेहिन्ति. भग० १५, १;

शिभिदिय. सं० कृ० अ० (निर्भिद्य) अति
भेदीने. अतिभेदन करके; बहुत-खूब छेदकर.
Having broken or pierced

too much. निसी० १७, २३;

✓शि-मंत. धा० II. (नि + मन्त्र्) ऐकांत
विचार करवे। ते. एकांत विचार करना; गुप्त
मंत्रणा करना. To think or consult
in a private, retired place.

शिमंतयति. सूय० १, ३, २, १५;

शिमंतैति. सूय० १, ३, २, १६;

शिमंतेमाण. आया० २, २, ३, १०;

शिमंतणा. क्री० (निमंत्रणा) आमंत्रण
करतुं. आमंत्रण करना. Act of inviting.
(२) प्रार्थना करती. प्रार्थना करना. act
of requesting. भग० २५, ७; सूय०
१, ३, २, २२; पंचा० १२;

शिमग्ग. त्रि० (निमग) डुबेव; डुबेव;
तल्लीन. डूबा हुआ; मग्न; तल्लीन; तन्मय.
Drowned; sunk in mud; plung-
ed or absorbed in. ओव० १०;
जीवा० ३, ३; पण्ह० १, ३।

शिमग्गजला. क्री० (निमगजला) तिमिस्र
गुफाती आंदर बहती नदी. तिमिस्र गुफा
के भीतर बहनेवाली नदी. A river
flowing in a cave named
Timisra. जं० प० ३, ५५;

✓शि-मज्ज. धा० I. (नि + मज्ज) स्नान
करतुं. नहाना; स्नान करना. To bathe;
to take bath.

शिमजावेइ. प्रे० जं० प० ३, ५५;

शिमज्जग. पुं० (निमज्जक) डुपकी भारी स्नान
करतार तापसनी ऐक गत. डुबकी लगाकर
स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति
विशेष. A class of ascetics whose
characteristic is to remain
submerged in water for some
time while bathing. निर० ४, १;
भग० ११, ६;

शिमज्जण. न० (निमज्जन) जलभां प्रवेश करेवा; दुग्धी भारी. जलमें घुसना; पानीमें डुबका लगाना. Act of plunging oneself into water; act of diving into water. पृष्ठ० १, १;

शिमि. पुं० (निमि) परिध; वर्तुल. चक्र; गोलाकार; परिधि; वर्तुल. A circle; a circumference. जीवा० ३, ४;

शिमिच्च. पुं० (निमित्त) कारण; हेतु; उद्देश्य; मंशा. Cause; immediate cause. नाया १; १४; पंचा० ७, २६; (२) अंक प्रकाशजान; निमित्त शास्त्रथी भूत, बरिष्य भव्युं ते. एक प्रकारका ज्ञान; निमित्त शास्त्र से भूत, भविष्य जानना. a branch of knowledge; knowing past and future events by the help of omens etc. प्रव० १३;—**पिंड.** पुं० (-पिण्ड) साधुने निमित्त अनावेले पिंड—आहार साधु के लिए तयार किया हुआ भोजन. food prepared for a Sādhu. आया० डा० २, १, ६, ५०;

शिमिस्स. पुं० (निमिष) आभ्रता पलक्षारे आंख का इशारा; पलक मारना. A twinkling of an eye. अंत० ६, ३;

शिमिसिअ. पुं० (निर्मेषिक) आभ्रता पलक्षारे अंतरेलो अन्त. पलक मारने इतना समय; निमिष. Time required for the twinkling of an eye. जीवा० ३;

शिमिस्स. पुं० (निर्मेष) आभ्रता पलक्षारे; आभ्र उध्वाड पीय करती ते. आंख खोलना व मोचना; पलक मारना. A twinkling of an eye; act of winking. भग० १४, १;

शिमिस्स. त्रि० (निर्मांस) मांस रहित. मांस हीन; बिना मांस का. Without flesh; fleshless. नाया० १;

Vol. II/121.

शिमिहग. पुं० (निर्मदक) आगधाने भारीने चोरी करना; लुटारा. हत्या करके चोरी करने वाला; लुटारा. One who commits theft with murder; a robber. पृष्ठ० १, ३;

शिमिहिय त्रि० (निर्मदित) मर्दन करे; दबेल. मर्दित; पीसा हुआ; दलन किया हुआ; चूरचूर किया हुआ. Pressed; ground. पृष्ठ० १, ३;

शिमिल. त्रि० (निर्मल) निर्मल; स्वच्छ. मलरहित; साफ; स्वच्छ. Pure; pellucid; stainless. नाया० १; भग० २, ६, १५, १; सम० प० २११; जीवा० ३; तंदु० पत्र० २; (२) पुं० कर्मरूपी भेलथी विशुद्ध धर्म; सिद्ध भगवान. कर्मरूपी मल से शुद्ध; सिद्ध भगवान. free from the impurities of Karmas; a perfected soul. आवा० (३) अमललोका ७ विमानभांजुं आयुं विमान. ब्रह्म लोक कछु; विमानों—निवास स्थानोंमेंसे ४ था विमान. the 4th of the 6 heavenly abodes of Brahmataloka. डा० ६;

शिमिचइत्तार. त्रि० (निर्मापयितृ) सक्षता पयित कार्य करना; कार्यसिद्धि भेद रतार. सफलता प्राप्ति तक कार्य करने वाला; दृढ निश्चयी; कार्यमें सफलता पानेवाला. (One) who works on till success is attained; (one) who accomplishes the work undertaken (by him). डा० ४, ४;

शिमिहियरागरोस. त्रि० (निमथितरागरोष) जेजे राग द्वेष भथी नाभ्या छे ते जिसने राग द्वेष पर विजय पाया है वह; राग द्वेष रहित. (One) who has subdued or crushed out attachment and hatred जीवा० १;

शिम्माञ्च. त्रि० (निर्मात) निर्मातु करेत्.
बनाया हुआ; निर्मित. Produced or
created. ओ३० ३१;

शिम्माय. पुं० (निर्मात) निर्मातु करेत्.
बनाया हुआ. Made or created.
ना३० ५; जं० प० ३, ४१;

शिम्मावित. त्रि० (निर्मापित) अनावेत्;
रच्येत्. बनाया हुआ; रचित. Made; con-
structed; caused to be made. “पंच-
महद्भूया अशिम्मया अशिम्मावित्ताञ्चक-
डाणकित्तिमा ” सू० २, १, १०;

शिम्मिय. त्रि० (निर्मित) निर्मातु करेत्.
बनाया हुआ; रचित; निर्मित. Created;
produced. सू० २, १, २२; ना३० १;
ठा० ८; ओ३० —वाइ. त्रि० (-वादिन्)
अगत पृथ्वरे अनावेत् छे अम भोक्तार.
संसार परमात्मा का बनाया हुआ है यों कहने
वाला. (one) who affirms that
the universe is created by
God. ठा० ८;

शिम्मिसिय. त्रि० (निर्मित) आंख धींअ;
आंखने पलकाये भारेत्. आंख बन्द किया
हुआ; पलक मारा हुआ; निर्मित नेत्र.
(One) with eyes closed; (one)
who has winked (his) eyes.
भग० १४, १;

शिम्मूल. त्रि० (निर्मूल) मूल वगरजुं. मूल
रहित. Having no root; baseless.
“निम्मूललुण कण्ठाट्ट नासिका च्छिन्न हत्थ
पाया ” परह० १, १; ३;

शिम्मेर. त्रि० (निर्मर्याद) मर्याद रहित.
निस्सीम; अपार; मर्यादा रहित; बेहद. Dis-
respectful; immodest; unlimit-
ed. रा० २०८; ठा० ३, १; भग० १२, ८;
जं० प० ३;

शिम्मोयणी. स्त्री० (निर्माचनी) सपनी

क्षयली. सांप की कैचुली. The slough
of a serpent. “ जहाय मोई तखुं
भुयंगो शिम्मोयणी हिच्च पलेइ सुतो ”
उत्त० १४, ३४;

शिथि. त्रि० (निज) पेटानुं; अंगत. निज;
अपना; निजका. One's own; pertain-
ing to one's self; personal.
“ यो लब्धंति शिथिं परिगहं ” ओ३० १,
२, २, ६; ओ३० ४०; —कुक्खि. स्त्री०
(-कुक्खि) पेटानी कुंअ. निजकी कोख;
कुक्का. one's own womb. ना३० २;
—जोगपवित्ति. स्त्री० (-योगप्रवृत्ति)
पेटाना पेटानी प्रवृत्ति. अपना निजका कार्य-
योग प्रवृत्ति. one's own physical,
mental or moral activity. पंचा० २,
३६; —लिंगि. त्रि० (-लिङ्गिन्) पेटाना
भगवाने. निजकी संप्रदाय-मतवाला. (one)
devoted to or holding one's
own creed. जी० ३; —समय. पुं०
(-समय) पेटानो समय; अवसर.
निजका-अपना खुद का अवसर. one's
own time or opportunity. पंचा०
६, २६;

शिथिद. स्त्री० (नियति-नियन्त नियतिः)
दैव; भाग्य. दैव; भाग्य. Fate; destiny;
providence. सू० ठा० १, १, २, ३;
ठा० ४; (२) भावी भाव. होनहार; नियति.
destined or fated event. —कड.
त्रि० (-कृत) दैवे करेत्; भावि भावथी
अनेत्. दैव सम्पादित; होनहार द्वारा घटित-
किया हुआ. fated; decreed by
fate; destined. सू० १, १, २, ३;
—वाइ. पुं० (-वादिन्) भावी भावने
भान्तार. होनहार-भावी पर श्रद्धा रखने
वाला. a fatalist; (one) who be-
lieves in the power of destiny

or fate. नंदी०

शियइ. स्त्री० (निकृति) भाया; कपट. माया; कपट; छल. Dishonesty; cheating; deceit. पगह० १, २; सम० —कम्म. न० (-कम्मन्) भाया करी ते; २६ भी भायु थोरी. कपट कार्य; प्रपंच; २६वीं गीण चोरी. deceit; a deceitful act; 29th species of minor or secondary thefts. पगह० १, ३; —पगणाण. त्रि० (-प्रज्ञान निकृतिमाया तद्विषये प्रज्ञानं यस्य स तथा) कपट भायुत्तर. कपटी; मायावी; छली. deceitful; (one) conscious of deceit. सम० ३०;

शियइपडवय. पुं० (निशनिषवत) अ नामने ओक पर्वत के ज्वा वायुव्यंतर देवे कीडर्थ वैदिय शरीरनां भिन्न भिन्न रूपो धरयु करे छे. एक पर्वत विशेष कि जहां वायुव्यंतर देवता कंडा के लिए वैकिय शरीर के भिन्न भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a mountain where the gods of the Vānavyantara class change their bodies into various shapes by the Vaikriya process for sport. जीवा० ३; राय०

शियइय. न० (नैवतिक) निश्चय; अवश्यपणुं. निश्चिन्ता; स्थिरता; अनिवार्यता; नियति से सम्बद्ध Certainty; state of being absolutely certain. पन्न० १७;

शियंठिय. त्रि० (नियन्त्रित) प्रताप्यन्ते ओक प्रकार; गमे तेरी मुसीयत होय छतां पन्थभायु न छे.इयां ते. एक प्रकार का प्रत्याख्यान; चाह जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पञ्चखान का न तांडना. A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any

circumstance. ठा० १०;

शियंठ. पुं० (निर्मन्थ) आलु अने अभ्यन्तर ग्रन्थ-परिग्रह रहित; साधु. अन्तर्बोद्ध ग्रन्थ-प्ररिग्रह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. भग० ५, १; २५, ६; ठा० ३, २; ५, ३;

शियंठत्त. न० (निर्मन्थत्त्व) निर्ग्रन्थपणुं; भक्त्यरहित साधुपणुं. निर्मन्थता; समत्व-विहीन-साधुता. Asceticism; monkhood bereft of all attachments. भग० २५, ६;

शियंठिय. त्रि० (निर्मन्थिक) निर्ग्रन्थ संयधी. निर्मन्थ विषयक. Pertaining to an ascetic; pertaining to a Tirthankara. सूय० १, ६, २६;

✓ **शि-यंस.** धा० II. (नि + वस्) पहरेयुं; धारयु करयुं. पहिनना; धारण करना. To wear; to put on.

शियंजेइ. जीवा० ३, ४; राय० १८६; नाया० १;

शियंजइ. जं० प०

शियंजिता. जीवा० ३, ४; राय० १८६;

शियंसण. न० (निवसन) वस्त्र; पेशाक वस्त्र; पोशाक. Dress; garment; attire. ओव० २४; पगह० १, ३; नाया० ८; पन्न० २; निगी० १५, ३५;

शियंग. त्रि० (निजक) पोतानुं; स्वकीय. अपना; निजका; स्वीय. One's own. नाया० १; २; ४; ७; ८; ६; भग० ६, ३३; १२, ६; १५, १; १६, ५; ६; विवा० ७; अ.या० १, २, १, ६४; —परिवाल. पुं० (-परिवार) पोतानो परिवार. निज परिवार; अपना कुटुंब. one's own attendants, family.

‘पियगपारवालण सद्धि सपरिवुडे’ राय० ओव०

शियडि. स्त्री० (निकृति) अकृति, अग्रधानी

पेडे धर्मना दंडयी दोडाने इया ते; भाया
 ५५८ ५२५ ते. वगुला भाकित; बकचथा; बगु-
 लेके समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फैलाकर-
 कपटपूर्वक-लोभोंको ठगना. Hypocrisy;
 act of deluding others by affec-
 tion of holiness. सूय० २, २; ६२;
 नाया० २; १८; पगह० १, ३; भग० १२,
 ५; --पगणाण. त्रि० (प्रज्ञान) भाया
 ५५८ गगुला२. मायावी; काटी. familiar
 with fraudulent and deceitful
 practices. दगा० ६, २४; २५;

शियडिल्लया. स्त्री० (निकृति) भाया; ५५८;
 माया; कपट; छल. Deceit; fraud. भग०
 ८, ६; ठा० ४, २;

शियशिय. त्रि० (निरनिज) पौतपौतानुं.
 अपना खुदका; अपना अपना. One's own
 (the use of this is rather pe-
 culiar to Indian vernaculars;
 in English it can be conveyed
 by the following example—
 They went to their houses each
 to his own). पंचा० २, १२; --निश्च.
 न० (तीर्थ) पौतपौताना सिद्धांत प्रवचन.
 अपने २ सिद्धान्त प्रवचन. each one's
 religious creed. पंचा० ६, ३६;

शियत. त्रि० (नियत) शाश्वत. शाश्वत; निरं-
 तर; सतत. Everlasting; eternal.
 ठा० २, ३;

शियति. स्त्री० (नियति) गुगुआ " शियइ "
 शब्द. देखो 'शियइ' शब्द. Vide 'शियइ'
 सूय० २, १, २६; - वाइअ. त्रि० (-वा-
 दिक) लायिकाय देय तेग अने पुइपाथ
 अडिअितर छे अम ओलनार. देववार्दी;
 भावी श्रद्धा रखने वाला; जो होनहार हो,
 वही होता है, आदमा कुछ नहीं कर सकता,
 आदि बातें कहनेवाला. a fatalist; (one)

who does not believe in the
 power of human effort. सूय० २,
 १; २६;

शियतिपव्वय. पुं० (नियतिपर्वतक) ओ
 नामनो ओड पर्वत. इस नाम का एक पर्वत.
 Name of a mountain. जीवा० ३, ४;
 शियत. त्रि० (निवृत्त) निवृत्त; निवृत्ति
 पसेव. निवृत्त; छूटाहुआ. Retired;
 free; (one) who has abstained
 from. "परिग्रहाभ निवृत्त होला" उत०
 १४, ४१;

शिपत्त. त्रि० (निकृत्त) छेदन करेव; डापेव.
 छेदाहुआ; काटाहुआ. Cut; mowed.
 नाया० १; २; १८;

शियत्तीणय. न० (निवर्तनिक) देवगुं भाप
 निथय; क्षेत्रका एक वांशप्र माप. A kind
 of measure of space. भग० ३, १;
 --मंडल पुं० (-मण्डल) शरीर प्रमाण
 भूमि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space
 measured by the length of the
 body. भग० ३०, १;

शियथ. त्रि० (निवसित) पहरेव; धारण
 करेव. पहिनाहुआ. धारण कियाहुआ.
 Worn; put on. नाया० १; १६;

शियम. पुं० (नियम) नियम; अभिग्रह.
 नियम; आनग्रह; संकल्प. A vow; a
 species of vow called Abhi-
 graha. भग० ६, ३४; १८, १०; २०, ८;
 ४२, १; नाया० १; १६; राय० २१६;
 संस्था० (२) पिंड विशुद्धी आदि उत्तर
 गुण. पिंड विशुद्धि आदि उत्तर गुण.
 minor qualities such as purity
 relating to food etc. सम० १०
 १६८; पगह० २, ४; भग० २०, ८; (३) निश्चय;
 नकली; थोडासा. निश्चय; ठाकशक. cer-
 tainty; surety. पत्र० १; १०; भग०

१२, १०; १६, ८; अणुजो० ८१; (४)
अवश्य आवना. अवश्य भावना. unavoidable
necessity. गम० ६; स्य०
नि० १, १३; १२३; —अन्तर. पुं०
(—अन्तर) नियम वच्ये अन्तर शंका-भेद.
नियम विषयक अन्तर भेद शंका. dif-
ference between one rule and
another. “ अन्तरं हि श्रियमन्तरं हि ”
भग० १, ३; —श्रियमन्तर. त्रि० (—नि-
प्रक्रम) अपराः पितृ नियम पात्रादः
नियम पात्राभां पुरा-३३६. कडक नियम
पालक; दृढ सिद्धान्त वाला. unflinching
in the observance of vows.
पगह० १, १; —प्रवृत्त. त्रि० (—प्रधान)
उत्तम नियम-वत् अगिच्छद वक्षे. शुद्ध
संकल्प; उत्तम नियम वाला. (one) pre-
ferring hard and austere vows.
राय०

श्रियमश्रो. अ० (नियमनम्) नियमशी.
नियमये; नियमावुत्तर. From a vow;
through a vow, as a rule or
vow. पंचा० १०, ४०;

श्रियमण न० (नियमन) संयम. संयम;
आत्म वृत्ति नियंत्र. Act of control-
ling; e. g. the sense : self-res-
training. “ उद्देशं मम चक्षुषे समाम
वक्ष्ये श्रियमणं भविष्ये ” आया० नि० १.
८, १, २१६;

श्रियय. त्रि० (नियत) शाश्वत. नित्य रहनेदार.
हमेशा रहने वाला; शाश्वत-स्थिर स्थायी
Eternal; everlasting स्य० १, ८,
१२; जावा० ३, १; —चारि. त्रि०
(—चारिन्) प्रतिपक्ष पक्ष निवार करनेदार.
स्वतंत्रचाली; अथच्छाचारी. (one) com-
ing or moving unobstructed
from one place to another.

“ अखिले अगिच्छे अश्रियचारी ” स्य०
१, ७, २८; —पिंड. पुं० (—निगड)
हमेशां अक्ष धरती क्षेत्रां आवना पिंड
आदार. सदैव एक ही घर से लिया जाने
वाला भोजन. food daily received
as alms from one and the
same house. टा० १०;

श्रियय. त्रि० (निजक) पैतानु. निजी; अपना;
खुद का. One's own. नाया० १; २; १८;
भग० १२, ६; —वयशिज्ज. त्रि० (—वचर्ता-
य) पैतानी दृष्टिमें लयेथन करवा-निशपय
करवाये थ. अपनी दृष्टिमें विवेचन करनेयोग्य;
आत्म दृष्टि से निरूपण करने योग्य fit to
be explained from a particular
accepted standpoint. “ श्रिययवय
शिज्जयचः सव्वनया वियालणे मोहा ” सम०
१; —कउज्ज. न० (—कार्य) पैतानु नऊं
करेथुं कर्तव्य. अपनी निजी निश्चित कर्तव्य.
one's own prescribed or set-
tled duty. नाया० १६; —घर न०
(—गृह) पैतानुं घर. निज गृह; घर का घर.
one's own house. नाया० ६; —प-
रिणाम. न० (—परिणाम) स्वभिप्राय;
पैतानी मत. स्वाभिप्राय; अपनी राय; निजकी
महमति. one's own view or opi-
nion; “ श्रिययपरिणामा ” जावा० १;
—बल. पुं० (—बल) पैतानुं थय; आत्म-
थय. अत्मबल; स्वशक्ति; आत्मरूप.
one's own strength of the mind
or body. नाया० १६;

श्रियर. पुं० (निकर) समूह; ००थी. समूह;
कुंड. A multitude; a collection.
नाया० १; ६; १७;

श्रियल. त्रि० (निगड) थधन; थेडी. बेडी;
बंदन; कैश का जंजीर. Fetters.
आप० नि० ४६७;

शियल. पुं० (निगड) ८८ महाप्रहोमो ५३
मे महाप्रह. ५५ महाप्रहोमो से २३ वां महा-
ग्रह. The 53rd of the 88 great
planets. “ दो शियल ” डा० २, ३;

शियाग. पुं० (नियाग) भोक्ष. मोक्ष; मुक्ति;
निर्वाण. Final beatitude; salva-
tion. सूय० १, १६, ४; —**पडिवन्न.**
त्रि० (—प्रतिपन्न) भोक्ष मार्गते प्राप्त थयेव.
मोक्ष मार्ग को प्राप्त; मोक्ष मार्ग. (one)
who has secured the path
leading to salvation. धम्मविज्ज-
शियागपडिवन्न ” सूय० १, १६, ४;

शियाण. न० (निदान) नियाणुं करुं; तपस्य
वगेरे करुणीता इवती वांछ करुनी; करुणीतुं
अमुक इव भवे अथी आशा राखत ते.
निदान लगाना; तस्या आदि कर्मों की फता
कांक्षा करना; अमुक कथि से अमुक फत
मिलने की आशा रखना. Desire for
future sense-pleasures as a
reward for austerities; hope
of fruit for actions done. नाया०
१२; १६; ओव० १६; ३८; डा० १०;
सूय० २, ३, १; —**करण. न०**
(—करण) नियाणुं आंधिपुं ते; करुणीता
इव तरीके अक्षयनिष्ठ वगेरे थानी प्रार्थना
करुनी ते. निदान लगाना; कर्म फतानुसार
इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना.
act of praying that as a result
of one's actions one might be
an Indra, a Chakravarti etc डा०
२, ४; —**दोस. पुं० (—दोष)** नियाणुं
आंधिपुं वागते दोष. (कर्म फत) करने के
कारण लगने वाला दोष. sin incurred
by desire for reward of actions
(religious etc.). नाया० १६; —**मयग.**
पुं० (—मृतक) नियाणुं आंधिपुं भरुतार.

(कर्म फत) की इच्छा रखकर-मरने वाला.
(one) undergoing death with a
heart full of desire for the
reward of good actions done
by him. ओव० —**मरण. न० (—मरण)**
नियाणुं आंधिपुं भरुं ते; आध भरुते
ओ३ प्र३२. कर्म फत की इच्छा सहित
मरण; बालम्यु विशेष. an ignorant,
non-religious mode of death;
death in a state in which the
heart is full of desire for the
reward of meritorious deeds
done. डा० ६; —**चल. न० (—शल्य)**
संपनि पाभराने नियाणुं करुं ते; वयु
शरमां ओ३. धन प्राप्ति के अर्थ नियाणा
करना; फतकांक्षा रखना; तीन शल्यों में से
एक. one of the three thorns in
the spiritual path; Niyāṇa for
getting wealth etc. डा० ३, ३; सम० ३;

शियाणु. ओ३. अ० (निदानतप्) करुणीतुं.
कारणतः; कारण से. Owing to; on
account of. आया० १, ६, ९, १०२;

शियाय. पुं० (नियाग—नितरां यजनं यागः
पूजा यस्मिन् सः) भोक्ष मोक्ष; मुक्ति Sal-
vation. सूय० १, १, २, २०; —**ट्टि.**
त्रि० (—ट्टिन्) भोक्षते अर्थ मोक्ष
प्राप्ति का इच्छुक; मोक्षार्थि; मुमुक्षु (one)
desiring or aiming at salvation.
“ एवमेव शियायडी धम्ममाराहगावद ”
सूय० १, १, २, २०; —**पडिवरण. त्रि०**
(—प्रतिपन्न) भोक्षने प्राप्तथयेव. मोक्ष प्राप्त. मुक्त.
(one) who has attained salva-
tion; liberated. “नियायपडिवन्ने अयायं
कुंमारे वियाहिद” आया० १, १, ३, १५;
शियावादि. त्रि० (नितयवादिन्) पदार्थी
ओ३न्ते नित्य छे अथा मतवादी. सारे

पदार्थ एकान्त निश्चय हैं ऐसे मत वाला. A believer in the doctrine that the things are everlasting.

ठा० ८, १;

शिशुत्त. त्रि० (नियुक्त) नियुक्त इत्येत; ज्ञेय. नियुक्त किया हुआ; स्थापित; जुड़ा हुआ; लगाया हुआ. Employed; appointed; joined. नाया० ६;

शिशुद्ध. न० (शिशुद्ध) मल्लयुद्ध. पहलवाओं का कुश्ती; मल्लयुद्ध. Wrestling. जं० प०

शिशोम. पुं० (नियोग—नियतो निश्चिनो वा योगः सम्प्रश्न इति नियोगः) अनुयोग; व्यापार. अनुयोग; व्यापार. Employment; application; activity. (२) निश्चय; आश्रय. निश्चय; चोक्कय. certainty; surety. पंचा० ८, १७;

शिरा. त्रि० (निरत) धीन; आसक्त. मग्न; हवा हुआ; आसक्त; लान. Attached to; absorbed in. पण्ड० २, १;

शिरद. स्त्री० (निश्चय) राक्षस. राक्षस. A kind of demon. (२) भूत नक्षत्रों की अधिपति देवता. मूल नक्षत्र का अधिपति देवता. presiding deity of the constellation Mūla. “ दो शिरद ” ठा० २, ३; जं० प० ७, १५२;

शिरद्वार. पुं० (निरतिचार) पहिला अने छेदना तीर्थकरना वपनमां अतिचार काया विना जे सामायिक आदिन छोडी भीष्म आदिन आशेषतामां आवे छे ते; छेदोपस्थापनीय आदिनतो भीष्मे भेद. पहिले और अन्तिम तीर्थकर के समय में बिना अतिचार लगाये सामायिक चरित्र के बिना दूसरे चरित्र का आरोपन; छेदोपस्थापनीय चरित्र का दूसरा प्रकार. The 2nd variety of Chhedopasthāpa

niya Chāritra; (during the times of the first and the last Tirthankaras) the practice of taking the second step of ascetic discipline passing over the 1st viz. Samāyika chāritra (this did not involve in those days the sin of Atiehāra) भग० २५, ७; (२) त्रि० अतिचार रहित. अतिचार रहित. free from the sin of partial transgression. नाया० ७;

शिरंगण. त्रि० (अनिरञ्जण) राग रहित. रागरहित; विरगा. Free from passion. पत्र० ११;

शिरंजण. त्रि० (निरञ्जन—निर्गतो रञ्जनो यस्मात् सः) रागहीन रहित; मुक्त. राग रहित; मुक्त. Devoid of attachment; liberated; free from worldly attachment. “ संख इव शिरंजणे ” ठा० १, १;

शिरंतर. न० (निरन्तर) निरंतर; हमेशा. हमेशा; सदैव. Constantly; incessantly. भग० १३, ६; १६, १; २, ७; ४१, १; राय० ३४; ओव० ठा० २, ३,

शिरंतरिय. त्रि० (निरन्तरिक—निर्गताऽन्तरिका लघ्वन्तररूपा येषां ते निरन्तरिकाः) अंतराल अंतर रहित. अंतर-अवधि रहित; भेद शून्य. Without any interval. जीवा० ३; राय० जं० प०

शिरण्डकंप. त्रि० (निरनुकम्प) अनुकम्पा रहित; निर्दय. अनुकम्पा विहीन; कठोर; निर्दय. Merciless; unsympathetic; cruel. पण्ड० १, ३; नाया० ३;

शिरणुकोस. त्रि० (निरनुकोश) दया रहित. दयारहित; निर्दय. Callous; ruthless.

नाया० २;

शिरणुताव. त्रि० (निरनुताप) पश्चात्ताप रहित. पश्चात्ताप रहित. Unrepented; remorseless. नाया० २;

शिरथ्य. अ० (निरर्थक) श्रेष्ठ; निरर्थक. मुक्त; निरर्थक; व्यर्थ; वृथा. Useless; in vain. पणह० १, २;

शिरभिस्संग. त्रि० (निरभिस्सङ्ग) संग रहित; आध्यात्म्यन्तर द्रव्य परिश्रद्ध रहित; निःस्पृह. संग रहित; आध्यात्म्यन्तर द्रव्य परिश्रद्ध हीन; निरिच्छ; निस्पृह. Free from attachment to worldly objects; free from desire. पंचा० २, ३४;

शिरय. त्रि० (निरत) आसक्त. आसक्त; मोहमय; मग्न. Attached to. सम०

शिरय. पुं० (निरय) नरक. Hell. (२) नरकना श्रय; नारकी. नरक के जाव; नारकी. hell-beings. पञ्च० २; पणह० १, १; दसा० ६, ४; —**आवलिता.** स्त्री० (—आवलिता) निरय-नरकनी आवलिता-श्रेष्ठि-पक्षित अन्य नरकावास. नरक की आवलिता-श्रेष्ठि; पक्षितबद्ध नरकावास. a row of abodes in hell; a series of abodes of hellish beings. पञ्च० २; (२) ऐ नाभनुं ऐक सूत्र. सूत्र विशेष. name of a Sūtra. जं० प० १; निर० १, ५; —**आवास.** पुं० (—आवास—आवसन्ति येषु ते आवासाः निरयाश्च ते आवासाश्चेति) नरकावासे. नरक वास; नरकस्थिति. an abode of hellish beings. “इमीसे थं भंते रयणप्पभाए पुढवीए कइ निरयावाससय सहस्सा पण्णसा” भग० १, ४; पम० २५. ३०, ३५; ४०; ४२; ५१; ५५; ७४; ८४; —**गइ.** स्त्री० (—गति) नरक गति; यार गतिभांती

ऐक. नरकगति; चार गतियों में से एक. existence in hell; one of the 4 conditions of existence. डा० ५, ३, १०;—**गामि.** त्रि० (गामिन्) नरकभां ७४ नार. नरक गामी; नरक में जाने वाला. (one) destined to hellish life. जं० प० २, २७; —**गायर.** पुं० (—गायर) नरकभां रहें नार श्रय; नारकी. नरक में रहने वाला जाव; नारकी. an inmate of hell; a hellish being. पणह० १, २; —**पाडिरूवय.** त्रि० (—प्रति-रूक) नरक समान; नरकनी नभुनी. नरकवत्; नरक समान प्रमाण. hellish; like hell. नाया० १; —**पत्थड.** पुं० (—प्रस्तर) नरकनी पाथेडा. नरक का प्रस्तर-थर. A stratum of hell. पञ्च० ३; —**परिसामंत.** पुं० (—परिसामंत) नरक-वासनी क्षेत्ती आशु. नरकवासकी सीमा. the boundary-line of a hellish abode. भग० १३, ४; १३; ६; —**पाल.** पुं० (—पाल) नरकनी पालनार; परमाधामी. नरक पालर; परमाधामी. a custodian or sentinel of hell called Paramādhāmī. डा० ४; १; —**वास.** पुं० (—वास) नरकस्थ वास. नरकरूप वास; नरकवास. residence in hell. “शिरयवास गमणनिबो” पणह० १, १;—**विभत्ति.** स्त्री० (विभक्ति) नरकना विभाग. नरक के विभाग; नरकप्रदेश. divisions of hell. (२) ऐ नाभनुं सयगडंग सूटनुं पांथयुं अय्ययन. सूयगडंग सूटके पांचवे अय्ययका नाम name of the fifth chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. पणह० १, २; —**विगगहगइ.** स्त्री० (—विग्रहगति—निरयाणां नरकाणां विग्र-

हान् लघ्वविभागात् अतिक्रम्य गतिर्गमनं निरय-
विग्रहगतिः) नरक्षमां पृथगतिये ऋतुं ते.
नरकमे देहा गतिमे जाना. passing of
the soul to hell by an irregu-
lar motion or progress. टा० १०;
—वेद्यगिज्ज. न० (-वेदनीय) नरक्षमां
वेदना याव्य क्षमां. नरकमे अनुभूत लेनेयोग्य
कर्म. Karma bearing fruit in
hell. “ शेरदृष्ट शिरय वेद्यगिज्जमि
कम्ममि. ” टा० ६, १;

शिरयकंमि. स्त्री० (निरवकाञ्चि) श्रद्धा-
हृत्काररहित निरिच्छः आकाञ्च हान. Hav-
ing no desire; free from desire.
नाया० ६;

शिरयज्ज. त्रि० (निरवय) निर्दोष निर्दोषः
अनवय. Innocent; harmless. “ मे
संजण समवकाण शिरयज्जाहारि जे विज्ज ”
दस० १०० ५, १;

शिरययकव. त्रि० (निरवेच) पर प्रण्य पन्था-
यामां गिरक्षार. पर प्राणरक्षामे अगावधान.
Careless as regards the safety
of the lives of others. पण्ह० १,
१; नाया० १; ६;

शिरयलंघ. त्रि० (निरवलम्ब) अवलम्बन
रहित; आधार-रहित पथरतो. निगवार; निर-
वलम्ब; अवागवहान. Without any
support to rest on पण्ह० १, ३;

शिरयलाय त्रि० (निरपलाय) श्रेयसी वात
श्रीमन्ते न श्रेयी देवत. दूसरेको कियोको बात
न कहतवाता. (One) not communi-
cating to others a secret con-
fided to (him or her). सम० ३२;

शिरयमेस. त्रि० (निरवशेष) संपूर्ण; समग्र
सम्पूर्ण; समग्र; सारा. Full; complete;
whole. भग० २, १; १२, ३; १५, १; १६,
८; १६, ८; २४, २०; २५, ३; ३५, ११;

नाया० १;

शिरद्विगमण. त्रि० (निरधिकरण) मोटा आ-
रंभरूप शस्त्र पथरतो. बडे आरंभरूप शस्त्रोंसे
रहित. Not possessed of weapons
used for inflicting injury. पंचा०
१६, २२;

शिरद्विगमणि. त्रि० (निरधिकरणिन्) अधि-
शस्त्र रहित; शस्त्र रहित. आधिकरण शस्त्र-
विहीन; निःशस्त्र. Not possessed of
offensive weapons. भग० १६, १;

शिराकिञ्चा. सं० कृ० अ० (निराकृत्य) दुर-
क्षरित; त्यागीत. दूर करके; त्यागकर; छोड़कर.
Having repudiated; having
given up “ ततोवायं शिराकिञ्चा ” नृय०
१, ३, ३, १५;

शिरागंद् त्रि० (निगानन्द) आनन्द रहित.
निगानन्द; आनन्द रहित. Devoid of the
feeling of joy. जै० प० २, ३३;
नाया० १;

शिरागंक. त्रि० (निरागंक-निर्गत; आनन्दो
रोगविशेषो यस्मान्) रोग रहित. निरोग;
निरामय; स्वस्थ; Healthy; free
from disease. पण्ह० १, ४; ओव०
तदु०

शिराभिमान. त्रि० (निराभिराम-वितरां अभि-
रामो निराभिराम) अति सुंदर. अति सुंदर;
बहुतरम्य. Surpassingly beautiful.
पण्ह० १, २;

शिरागमंथ त्रि० (निरामगन्ध) आभय ध-
म्येतेतर शुद्धरहित. अप्रदेय. तेषी रहित.
आमगन्ध मृतान्तर गुणलङ्घनी दोषोंसे रहित.
Free from the guilt of a bre-
ach of fundamental or secondary
virtues. “ मे सबद्वेषा अभिभय नाशा
शिरागमंथ विहमं ठितरा ” मृग० १, ६, ५;

शिरायंक. त्रि० (निरातंक) शुद्ध “ शिरा-

तंक ” शब्द. देखो “ शिरातंक ” शब्द.

Vide ‘ शिरातंक ’ जीवा० ३, ३;

शिरायास. त्रि० (निरायास) अपेक्षा कारण्युत्थ
रहित. खेदरहित; कष्टरहित; सरल; सहज.
(One) having no cause for
sorrow. पगह० २, ४;

शिरालंबन. त्रि० (निरालम्बन) आधारभूत
आधार रहित. निराधार; आधार-सहाय
रहित. Having no support to
rest on. “ गयणामिव शिरालंबन ” ठा० ६;
नाया० ६;

शिरावकांक्षि. त्रि० (निरवकांक्षिन्) आकांक्षा
रहित; निरपृद्धी. आकांक्षा रहित; निरच्छुः
निस्पृह. Having no desire; unself-
ish. “ निरखम गहाड शिरावकंक्षी कायं
विजु सेज्ज नियाणाछुजे ” सूय० १, १०, २६;

शिरावयक्ख. त्रि० (शिरपेक्ष) अपेक्षा
रहित. जिसे अपेक्षा न हो वह; निरपेक्ष.
Having no desire; unselfish.
नाया० ६; पगह० १, ३;

शिरावरण. त्रि० (निरावरण) अवरण रहित
आवरण रहित. Free from ob-
struction; unhindered. नाया० १४;

शिरास. त्रि० (निराश) निराश थयेव.
हतात्साहित; निराशित. Hopeless. पगह०
१, ३;—**बहुल.** त्रि० (बहुल) अति निराशा
वाले. अत्यधिक निराशापूर्ण. extremely
despondent. पगह० १, ३;

शिरासव. त्रि० (निराश्रव) आश्रय रहित.
आश्रय रहित; पाप रहित. Not incur-
ring sin; free from inflow of
Karmic matter. पगह० २, ३;

शिरिंधणया. स्त्री० (निरिन्धनता) ईंधन-
अवयवयुक्ता अभाव. ईंधन का कमी; जलाऊ
लकड़ी का अभाव. Absence of fuel
भग० ७, १;

शिरिक्खण. न० (निरीक्षण) आरीक्षी
ज्येष्ठ; अवलोकन करने वाले. बारीकी से
देखना; निरीक्षण करना. Minute ex-
amination; minute, careful
observation. ओव०

शिरिक्खिय. त्रि० (निरीक्षित) अवलोकित
करेव; निरीक्षण करेव निरीक्षित; अवलोकित;
देखाहुआ. Observed; scrutinized.
नंदी०

✓ **शिरुंभ.** घा० I, II. (निरुंभ) अटका-
वतु; रोकवतु; रुंभतु अटकाना; रोकना;
निरोध करना. To obstruct; to de-
tain; to hinder. (२) सम्मार्थ व्ययस्था
करेव सम्मार्थ का व्यवस्था करना. to
devote to some good purpose.

शिरुंभन्ति सूय० १, ४, १, ८४;

शिरुंभन्ति. भग० १५, १;

शिरुंभन्ति. ओव० ४३; सूय० १, ४, २, २०;

शिरुंभण. न० (निरोधन-निगटन रोधन निरो-
धन) अटकावतु; रोकवतु; रुंभतु. अटकाव;
रोक; निरोध; विघ्न; अन्तराय. Deten-
tion; obstruction; hindrance.
पगह० १, १;

शिरुंभा. स्त्री० (निरुंभा) ओ नामनी अट
देवी. इस नाम का एक देवी. Name of
a goddess. नाया० ४०

शिरुच्छार. न० (निरुच्छार) शाय कियाने
वस्ते पल्लु आभ आदार जवाना प्रतिबंध.
शौचाकथार्थ भी ग्राम बाहर जाने का प्रतिबंध-
मनाई. Prohibition to go out
of the city even for answer-
ing calls of nature. नाया० ८;
पगह० १, ३;

शिरुच्छाह. त्रि० (निरुत्साह) उत्साह रहित.
उत्साह रहित; निरुत्साह. Devoid of
energy; not industrious; inac-

tive. जं० प० २, ३६;

शिरुज. न० (नीरुक्-रुजामभावो नरिक्)
रोगरता अभाव. निरोगता; रोगका अभाव
Absence of disease; health
पंचा० १६, २८;

शिरुत्त. न० (निरुक्त) निरुक्त; वेदभां
आवेष्टां शब्दोन्नी निरुक्ति-व्युत्पत्ति दर्शा-
यन्तर शास्त्र. निरुक्त; वेदों में आये हुए
शब्दों की व्युत्पत्ति बताने वाला शास्त्र
A Vedic etymological lexicon.
श्राव० ३८;

शिरुचक्रम. त्रि० (निरुचक्रम) इमं पण्यं
निमित्तं श्रीं नृजं आयुष्यं तृते नदी तेः
नृजं आयुष्यं देयं तृते नृजं आयुष्यं
आयुष्यं ते किमो भां कारणं मे त्रिसकां
आयुष्यं त्वय न ददा; निषत आयुका भोक्ता.
(One) who is not liable to
death by any accidental circum-
stances before the life-period
fixed by Karma is over. नाथा० २०;
१०; (२) मन्वा शैः आदिश्री रदित.
मानव शोक आदि से रहित. free from
mental trouble or sorrow. भग०
२५, ७; —आउप. त्रि० (-आयुक्त)
निश्चित आयु प्राप्त; गमे ते निमित्तं थाप
ता पण्यं नृजं आयुष्यं आयुष्यं देयं
तृते नृजं पुरे पुत्रं भो गये ते. निश्चित आयु
वाला; चाहे जिस कारण के रहते हुए भी
निश्चित आयु का पूर्ण भोक्ता. (one)
who does not die before the
life-period fixed by Karma
in spite of any kind of acci-
dental circumstances what-
ever their nature. भग० २०, १०;
—भात्र. पुं० (-भाव) इमं तेः अयस्य
आग्रतो; निरुपक्रमण्यः इमं तेः उपक्रमतो

अभाव. कर्मों का अनिवार्य भोग-निरुपक्रमता;
कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable
unavoidable bearing of the
fruits of Karma. पंचा० ३, १५;

शिरुचक्रिद्र. त्रि० (निरुचक्रिद्र) स्वगत शैः
आदि इति रदित. अन्तः शोक क्लेश आदि
से रहित. Free from mental or in-
ternal sorrow; untroubled in
mind. “हृद्रुस्म एवगल्लस्म शिरुचक्रिद्रुस्म
जंतुणो ” अणुत्रां० भग० २५, ७; जं० प०
२, १६;

शिरुचक्रुस्म. त्रि० (निरुचक्रुस्म) शैः
आदि आधा रदित. शाक आदि बाधाओं से
रहित. Free from worry and
sorrow. डा० ७; •

शिरुचचरिप. त्रि० (निरुचचरित) उपचार नदि
इति. शिष्टाचार रदित; उचार रदित
(One) who has not observed
proper forms of respect. नाथा० ५;
शिरुचद्व. त्रि० (निरुचद्व) उपद्व रदित.
निरुद्व; उद्व रहित. Free from
troubles or obstacles. भग० १, १;
श्राव०

शिरुपम. त्रि० (निरुपम) उपमा रदित.
निरुपम; उमा-तुलना रहित; अनुल; अनु-
पम. Matchless; incomparable.
जवा० ३, ३;

शिरुचचरिय. त्रि० (निरुचचरित) जुआ
“ शिरुचचरिय ” शब्द. देखा “ शिरुचचरि-
प ” शब्द. Vide “ शिरुचचरिय ”
नाथा० ५;

शिरुचलेत्र. त्रि० (निरुचलेत्र) इमं लेप
रदित. कर्म बन्धन से रहित. Unsmear-
ed by Karma; untouched by
Karma. जवा० ३; (२) स्तेद्वग्रतो.
स्तेद्व होत. free from attachment.

पगह० २, ४;

शिरुवसग्ग. पुं० (निरुपसर्ग) ४८३ भरलु
आदि उपसर्ग रहित; मोक्ष. जन्ममरणादि
उपसर्गों से रहित; मोक्ष. Freedom from
such troubles as birth, death,
etc.; salvation. नाया० ८;

शिरुवहत. त्रि० (निरुपहत) ७७५ “ शि-
रुवहय ” शब्द. देखो “ शिरुवहय ” शब्द.
Vide “ शिरुवहय ” नाया० १;

शिरुवहय. त्रि० (निरुपहत) रोगादिही नहि
होयैव. रोगादि से मुक्त. Unharmed
by unaffected with disease etc.
भग० ७, १; ६, २३; नाया० १; ३; ५;
६; १७; पगह० १, ४; (२) निरु-
रहित. अविकारी; विकार होन. free from
transformation or modification.
श्रोत्र० रात्र० (३) ४८२६ उपद्रव रहित.
ज्वरादि उद्वह रहित. free from such
troubles as fever etc. जीवा० ३;

शिरुविग्ग. त्रि० (निरुद्विग्ग) उद्वेग रहित;
भतनी आकुशतः परितो. विकलता विहीन;
अव्याकुल; अनुद्वेग. Free from
mental distress; unworried.
नाया० १; १७;

शिरुस्माह. त्रि० (निरुस्माह) उत्साह-उद्यम
रहित. उन्माह-जोश हीन. Devoid of
zeal or enthusiasm; lazy. “गुह
धम्मशिरुस्माहे” मूय० नि० १, ४, १, ६२;

शिरुविऊण. सं० कृ० अ० (निरुण) आ-
लोचना करीते. आलोचना करके; मूर्ख अव-
लोकन करके. Having made a full
confession; having seen or
perceived. पंचा० ८; १०;

शिरुवियव्व. त्रि० (निरुपयितव्व) आलोचना
योग्य. आलोचना के योग्य. Worthy
of being confessed; worthy

of being seen or perceived.

पंचा० ११, २०;

शिरुह. पुं० (निरुह) नाडीमांशी बोधी कटवुं
ते. नसमे से रक्त निकालना. Act of let-
ting out blood by opening a
vein. “ अणुवासणेहिय बस्थि कम्मेहिय
निरुहेहिय निरावेहिय ” नाया० १३;

शिरिय. त्रि० (निरेज) निरुजः; निश्चल.
निष्प्रकम्प; निश्चल; अटल Firm;
steady; motionless भग० ५, ७; २५, ४;

शिरोदर. त्रि० (निरुदर—निर्गता उदरविका-
रा येम्यस्ते) नाना पेटवायोः उदरना विकार
रहित. सामान्य पेटवाला; पेट सम्बन्धी
बीमारी से रहित. (One) with a
small belly; (one) free from
any disease of the belly. जीवा०
३; पगह० १, ४;

शिरोह. पुं० (निरोध) निरोध; अटकाव.
निरोध; अटकाव Obstruction; check;
prohibition. नाया० २; भग० २५, ७;
(२) छिद्रियादिना निग्रह करवो ते. इन्द्रिय
निग्रह. act of subduing the senses
etc. उत्त० ४, ८;

✓ **शिर-इस्स.** प्रा० I (निर + ईच्) देखो;
निरीक्षण करवुं. देखना; निरीक्षण करना. To
see; to observe carefully.

शिरिसखह. नाया० ८;

शिरि क्वत्ति. नाया० ८;

शिरिक्खमाग. नाया० ८;

✓ **शिर-तर** धा० I, II. (निर + तृ) पर
प्राप्तवुं; छेदो आणुयो. पारपाना; समाप्त
करना. To complete; to bring to
an end.

शित्थारयामि. प्रे० नाया० ६;

शित्थरह. नाया० ८;

शित्थरेज्जामो. वि० नाया० १८;

स्थिरिहिह. भग० व० नाया० १८;

स्थिरिजंत. क० वा० व० कृ० संस्था०

✓ शिर्-धाव. धा० I. (निर् + धाव)
दौडु; दौडी दौडनी. दौडना; तेजसे भागना.
To run; to move swiftly.

शिर्धावहे. नाया० ८; १७;

✓ शिर्-धुग. धा० I. (निर् + धु) अ-
रीने झेष्टियु; जटकी झटु. झटककर
फेंकना; खेंवर डालना. To shake off;
to remove by shaking.

शिर्धुगे 'सिर्धुगे धुन्नमले पुरेकडे' दग०
७, २७;

शिर्दगिताण. उल० १५, ८८;

✓ शिर्-नम. धा० I. (निर् + नम् + शिच्)
निश्चयी नमायु; डर डरु. निश्चयपूर्वक
नमाना; दूर करना. To subdue en-
tirely; to remove.

शिर्नाम. प्रे० वि० सू० १, १२, १५;

✓ शिर्-ने. धा० II. (निर् + नी) अ-
वायु; डरायु. बाहर लाना; निकालना.
To take out; to bring out.

शिर्नेइति. ओव० ३०; निंसा० २, ५३;
नाया० ४; ८; दसा० १०, १;

शिर्नेता. मं० कृ० ओव० ३०;

✓ शिर्-पज्ज. धा० I. (निर् + पज्)
निपज्जु. उत्पन्नयु; पैदाहोना; उत्पन्नहोना.
To be produced; to be born.

शिर्पज्जह. जं० प० २, १६;

'शिर्पज्जिस्सह. भग० १६, १;

✓ शिर्-भच्छ. धा० II. (निर् + भस्)
निश्छार डरवे. निश्छार, अमान या घृणा
करना. To show contempt to-
wards; to scold.

शिर्भच्छेह. भग० १५, १; नाया० १८;

✓ शिर्-भत्थ. धा० II. (निर् + भत्थ)
निश्छार डरवे; लत्थना डरवी. भत्थना

करना; निश्छार करना. To scold; to
threaten; to reproach.

शिर्भत्थेह. ठा० ५, १;

✓ शिर्-मिस. धा० I. (निर् + मिस्) आं-
ध्यासीय डरवी. आंख खोलना और
मोचना; पलक मारना. To wink.

शिर्मिसेजा. वि० भग० १८, १;

✓ शिर्-वड्ड. धा० I, II. (निर् + वड्)
डुडु डरु; संक्षायु. संकुचित करना; छोटा
करना. To shorten; to contract.

शिर्वड्डिता. मं० कृ० "दिवसवेत्तम्म शिर्वड्डिता
रत्तिस्सत्तम्म अभिण्वड्डिता चारं
चगति" सू० प० १;

शिर्वड्डिमाण. व० कृ० सू० प० २; जं
प० १, १३२;

✓ शिर्-वत्त. धा० I, II. (निर् + वत्त)
उत्पन्न डरु; अनायु. उत्पन्नकरना; बनाना.
To make; to produce. (२)
पुष्टि यु; निश्चि पावनी. पूर्णहोना; निश्चि
पाना to complete; to be free from.

शिर्वत्तह. नाया० ८;

शिर्वत्तयति. प्रे० भग० २५, २;

शिर्वत्तेह. आ० नाया० ८;

शिर्वत्तिजह. क० वा० भग० १२, ४;

शिर्वत्तेमाण. व० कृ० भा० १६, १; १७, १;

शिर्वत्तिज्जह. हे० कृ० नाया० ८;

✓ शिर्-वह. धा० I, II. (निर् + वह)
निवाड डरवे; आच्छिडा नवावनी.
निवाड करना; आजीविका चलाना. To
maintain; to maintain one's
livelihood.

शिर्वहेजा. वि० सू० १, ६, २३;

शिर्वहे. सू० १, १८, २०;

शिर्वाहित. नाया० १८;

✓ शिर्-वा. धा० I. (निर् + वा + शि)

शोधयतु; शुश्रावतु; क्षरी नाशयतु. बुझाना.
शुंडाकरना. To extinguish; to
put out.

शिञ्जवेति. जं० प० २, ३६;

शिञ्जवेज्जा. वि० दस० ४, ८;

शिञ्जविद्या. दस० ५, १, ६३;

शिञ्जविस्पति. भग० २, ३६;

✓ शिर्-विज्ज. धा० I. (निर्+विद्) निर्देह
देहाय प्राप्तवे; वैराग्य पाना; उदासीन होना.
To be disgusted with and to
be indifferent to the world and
its ways; to renounce; (२)
सुपुं. सोना to lie down.

शिञ्जवज्जह्. उत्त० २७, ४;

शिञ्जवज्जति. उत्त० ३, ५;

✓ शिर्-विम. धा० I. (निर्+विश्) कट्टी मुटु;
देहापर करतुं निर्वासित करना; निकाल देना.
To drive out; to deport or
transport.

शिञ्जिमज्जा. वि० " एगं लुकप्पा गंडव-
हत्ता एगं शिञ्जिमज्जा " वव० २, २;

शिञ्जिममाण. व० क० निर्गी० २०, १०;

भग० २५, ७; टा० ३, ६;

शिञ्जिमंत. व० क० टा० ५, १;

✓ शिर्-सर. धा० I. (निर्+सृ) कंकदना.
To throw. (२) निक्षेपुं. निकलना,
त्यागना. To abandon; to leave.

शिस्सरइति. नाया० १; ६; १६; भग०
१५, १; राय० २८३;

✓ शिर्-हर. धा० I, II. (नी+ह) शैत्य भेटे
जंगल जाना. To go to a forest for answer-
ing calls of nature.

शीहारति. प्रे० श्रंत० ३, ४;

शिलय. न० (निलय) घर. घर; गृह; गदन.
A house; an abode. तंदु० नाया० १६;

शिलाड न० (ललाट) कपाल; भस्तक. स-
स्तक; कपाल; ललाट. The forehead;
the head. पणह० १, २; नाया० १६;
—पट्टिया. स्त्री० (-पट्टिका) कपाल उपर
क्षन्ताभां आपत्ती कंकुली पटी; पीड. भाल
निक; भालकुंकुम; भालाबिंदी. an
auspicious mark on the fore-
head made with a sort of red
powder. राय० १६४;

शिलित. व० क० त्रि० (निर्लायमान) भेसतुं.
बैठाहुआ; बैठता हुआ. Sitting. श्रोव०
राय०

✓ शिलिज्ज. धा० II. (नि+ल्) जट्टयुं.
भटकना. To give a sudden jerky
motion e. g. to a carpet etc.;
to get rid of dust and refuse.

* शिलिज्जजा. विधि० सूय० १, ६, २, २७;

शिलुक. त्रि० (निर्लोक्य) गुपी. गुप्त; छिपा
हुआ Hidden; secret. नाया० ८;

शिल्लच्छुग न० (निर्लाच्छुन) नपुंसक क्षयुं
ते; गुटीया आदिने समारता ते. नामद-
नपुंसक बनाना; खरसा करना. Emascu-
lating castrating. पणह० १, २;

शिल्लज्ज. त्रि० (निर्लज्ज) शर्म शरम
रहित. निर्लज्ज; बेशर्म. Shameless;
devoid of sense of shame पणह०
१, २; नाया० ६;

शिल्लायंत. व० क० त्रि० (निर्लयन् निरन्तरं
लयति गच्छति) भागते. भागताहुआ,
Running away; escaping नाया०
१;

शिल्लालिय त्रि० (निर्लाकिन) पसरत; वीक-
लेत. फैलाहुआ; फूटाहुआ. Spread; ex-
tended; projected out. नाया० १,
८; —अग्र पुं० (-अग्र) उधाज भेदा-
भांथी लपलप थता; अदार निकगता छ-

भने आगले भाग-टरेवे. खुले मुंह में से लपलपानी जीभका अग्रभाग; जिह्वाग्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth. नाया० ८; — अग्रजिह्वा. श्री०

(—अग्रजिह्वा) मोटाभांशी क्षपक्षप थने अन्दर तीक्ष्णतो छभने आगले भाग. मुंह में से लपलपानीहुई जीभका अग्र भाग. the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth. नाया० ८;

शिल्लेव. त्रि० (निर्लेप) लेप रहित. निर्लेप; लेपहान. Free from smearing, dirt. भग० ६, ७;

शिल्लेवण. न० (निर्लेपन) लेपनेका अभाव; भेदनेका अभाव. लेपका अभाव; निर्मल. Absence of smearing; absence of dirt. भग० ७, ८;

शिव. पुं० (नृर) राजा; नरपति. नृप; राजा. A king; a lord of men पंचा० १८, २७; — कर. पुं० (-कर) राजनेका दाथ. राजा का दाथ an arm of a king. पंचा० १८, २७;

शिवइत्ता. त्रि० (निपतृ) उतरना; पडना. गिरने वाला; उतरने वाला. (One) coming down; falling down. डा० ६, ६;

शिवइद्र. त्रि० (निपत्ति) पड़े. गिरा हुआ. Fallen. नाया० १; (२) न० अेक प्रकार-रजु अेर; द्रव्या अेर; दृष्टि अेर आदि. एक प्रकारका विष; विषावष, दृष्टिविष आदि. a sort of poison e. g. of sight, of touch etc. डा० ६, ६;

शिवउत्पय. पुं० (निपातोत्पात) नेभां उये अटयुं प. अुं नीये पडयुं थाय तेरा प्रकारजुं अेक नाटक; उर नाटकभांनुं अेक एक नाटक विशेष जिस में पहिले ऊवे चढकर फिर नीचे गिरना हो; ३२ नाटकों में से एक. One

of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down. जं० प०

शिवडण. न० (निपतन) नीये पडयुं. नीचे गिरना. Act of falling down. पण्ड० १, २;

शिवडिय. त्रि० (निपत्ति) नीये पड़े. निपत्ति; नीचे गिरा हुआ. Fallen down. भग० १५, १;

✓ शिवत्त. घा० I, II. (नि+वृत्) निवर्तयुं; अटयुं. निवर्त होना; अटकना; दूर होना. To return; to desist from; to

शिवट्टति. उक्त० २, ४३;

शिवत्तइ. नाया० ९;

शिवट्टमाण. आया० १, ६, ४, १६०;

शिवत्त. त्रि० (निवृत्त) पीती अयेत; पसार अयेत. बीता हुआ; भूत; गत. Past; elapsed; gone. विवा० ५; — वारसग. त्रि० (द्वादशक) बार दिवस पित्ती अयेत. पसार अयेत. जिस के बाद बारह दिन बीत गये हों वदः (that)] since the happening of which twelve days have passed. विवा० ४;

शिवत्ति. श्री० (निवृत्ति) अंश अयुं; अटयुं. बंद होना; अटकना; रुकना. Act of coming to a close; act of stopping. डा० ८, १; (२) निष्पत्ति. निष्पत्ति. production; result; coming into existence. डा० ६, ६;

✓ शिवर. घा० II. (नि+वृ) निवारयुं; रोकयुं. निवारण करना; रोकना. To check; to stop; to restrain.

शिवारेइ. प्रे० नाया० १६; १८; नाया० ४०

शिवारोसि. नाया० ५;

शिवारोमि. नाया० ५;

शिवारित्तण्. हे० कृ० नाया० ५;

शिवारिज्जइ. क० वा० भग० ६, ३३;

शिवारिज्जमाण्. क० वा० व० कृ० भग
१५, १;

शिवसण्. न० (निवसन) पञ्च. वस्त्र; कपडा.

A cloth; a garment. नाया० १६;

शिवाइय. त्रि० (निपातिन) नीचै पाडिअ.

नीचै गिराया हुआ; अधःपातित. Thrown
down; caused to fall down.
नाया० १४;

शिवामण्. व० कृ० त्रि० (निपातयन)

नीचै पाडिअ. नीचै गिराया हुआ (One)
causing to fall down. नाया० ३;

शिवडिअ. सं० कृ० अ० (निपात्य)

लगादिने; नीचै पाडिअ. लगाकर; नीचै गिरा
कर. Having caused to fall down;
having attached or applied.
“जाणु धमणितल्लमि णिहट्टु शिवडिअत्ता ”
जाया० ३;

शिवानित. त्रि० (निपातिन) नीचै पाडिअ.

नीचै गिराया हुआ. Fallen down. भग०
१५, १;

शिवानिय. त्रि० (निपातिन) ज्ञेय्यो डिपडिअ

शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
शिवो० १;

शिवाय. पुं० (निपात-निवसन-निपातः)

नीचै पाडिअ. नीचै गिरना; अधःपतनः निपात.
Act of falling down; downfall.

“आयवम्म शिवायणुं” उक्त० २, ३६; (२)
अस्यपुति. बैठना. act of sitting पण्ह०

१, २; (३) निपात; व्याकरण शास्त्र प्रसिद्ध

च, वा आदि अव्यय. निपात; व्याकरण शास्त्र
प्रासिद्ध च, वा आदि अव्यय. an inde-

clinable particle such as च वा
etc. पण्ह० २, २; नाया० (४) अथली

व्यापरी ने. चुकटा बजाता act of

snapping the thumb with
the middle finger. पञ्च० ३६;

शिवाय. त्रि० (निपात-निर्गतो वातो यस्मात्सः)

वायु संचार रहित. निवात; वायुसंचार हीन.
Free from draughts of wind.

“ तमिप्पेगे अण्णारा हिमवाण् शिवायमे
संति ” आया० १, ६, २, १३; भग० ३,

१; ७, ८; ११, ११; नाया० १६; —गंभीर.

त्रि० (-गम्भीर) वायु आदिना प्रवेश
रहित; गंभीर. वायु आदि के प्रवेश में शून्यः

गंभीर. free from draughts of
wind; calm. भग० ७, ८;

शिवायण्. न० (निपातन) आशमां डेडिअ

खदे-गड में फेंकना; गिराना. Act of
throwing into a ditch or pit.

पण्ह० १, २;

शिवारण्. न० (निवारण) अट्ठवयु ने.

निवारण. रोक; अट्ठकव. Act of re-

straining or checking. भग० ६,

३३; (२) टट्ट न पने रोक्कवार घर, दयेली

घरे थंड ताप में बसाने वा रोकने वाला

घर, दयेली आदि a house, a man-

sion etc which checks the

rigour of cold and heat. उक्त०

२, १५;

शिवारग्य. त्रि० (निवारक) निवारण् करतारः

अट्ठवयु करतार. निवारण करनेवाला; रोकने
वाला; निवारक. (One) who stops,

checks; (one) who restrains
or prohibits. नाया० १६;

शिवान. पुं० निवास निरन्तर वसन्ति जना-

वसन्त) निवास; रहेवाला. निवास रहने का

जगह. A place of residence; an

abode. निगी० १, १;

शिविट्ट. त्रि० (निविष्ट) भेदवेदः प्राप्त करेव.

लया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Got;

acquired. " श्रोत्रं बहु शिविदृग्मि " डा० ५, २; (२) आसक्त. आसक्त. attached; passionate. सूय० १, ६, ३; —कल्पटिड. श्री० (—कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध तप पूर्ण करेवनी दृष्टस्थिति: साधु समाचारी विशेष. परिहार विशुद्ध तप पूर्ण कियेहुए की कल्पस्थिति; साधु समाचारी विशेष. a particular stage of ascetic-conduct to which a monk has risen डा० ५, २; —काश्यकल्पटिड. श्री० (—काश्यकल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध तप दृष्टी पदार नीदरेत साधुनी दृष्टस्थिति. परिहार विशुद्ध तप के बाद वादर निकले हुए साधु की कल्पस्थिति. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. वेय० ६, २०;

गिवृत्ति. श्री० (निवृत्ति विषयभ्यां निवृत्तेन निवृत्ति) आरंभ नयेरे पापयी निवृत्त थने ते आरंभ आदि पापों में निवृत्ति. abstinence from actions which involve injury to or killing of living beings e. g. from flesh eating, drinking etc पंचा० ७, ३२; —प्रहाण. त्रि० (—प्रधान) आरंभयो निवृत्त श्रवसां प्रधान—श्रेष्ठ. आरंभ में निवृत्त होने में प्रधान—श्रेष्ठ. prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being. पंचा० ७, ३२;

गि-विस् धा० II. (नि+विश) प्रवेश करेवा. प्रवेश करना; भीतर घुसना. To enter. शिविसेजा. वि० वेय० २, १२; शिविसित्ता. सं० कृ० नाया० ८; शिविसमाण. व० कृ० वव० १, १६; २४;

शिविसेह. प्र० नाया० ८; १६;

शिविसेमि. नाया० १६;

शिविसेमनु. नाया० १६;

शिविसेहि. आ० विदा० ६;

शिविसेह. आ० नाया० ८; १६;

शिविसेमिता. सं० कृ० नाया० १६; राय २२;

शिविसेसि. निसी० ३, ४;

गिविसमाणकल्पटिड. श्री० (निर्विशमान-कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध दृष्ट्य आचारी-नी दृष्टस्थिति. परिहार विशुद्ध कल्पा-चारी की कल्पस्थिति. State of one who is going through the austerity known as Parihāra viśuddha. वेय० ६, २०;

गिवेइय. त्रि० (निवेदिन) निवेदन करेवा. निवे-दिन: प्रार्थित. Made known; de-clared. नाया० २;

गि-वेद. धा० I. II. (नि+विद+णि) निवेदन करेवा. प्रार्थित; ज्ञातेर करेवा. निवेदन करना; प्रकट करना. To declare or make known.

गिवेदेह. नाया० ८; १६;

गिवेदेमि. नाया० २;

गिवेदेमि. श्रव० ११, नाया० १;

गिवेदेमां. भग० ११, ११; दसा० १०, १;

गिवेदेज्जा. वि० दसा० १०; १,

गिवेदेह. आ० १० १;

गिवेदेह. श्रव० नाया० ६; १६; १८;

गिवेदेह. नाया० १८;

गिवेदेमि. नाया० ८; १८;

गिवेदेमां. जं० प० नाया० ३; ५३;

गिवेदेमि. आ० नाया० १६;

गिवेयण. न० (निवेदन) निवेदन: ज्ञातेर करेवा. निवेदन: प्रकाशन. Act of declar- ing; act of making known. नाया० ६;

शिवेस. पुं० (निवेश) स्थापन करयुं ते; थेसाडयुं ते. स्थापित करना; बैठाना; प्रतिष्ठा करना. Act of fixing or establishing; placing. नाया० ८; १६;

शिववट्टण. न० (निर्वर्त्तन) नगर भांथी निकलवाना मार्ग. नगर बाहर होने का मार्ग. A way leading out of a town; an exit from a town. ना १ २;

शिववट्टिता. सं० कृ० अ० (निर्वर्त्य) श्च प्रदेशां शरीरानि श्चुटुं करेति जाय प्रदेशस शरीरकां अलग करके. Having dissociated the body from the soul. टा० २, ४;

शिववण त्रि० (निर्वण) केशा यथा अदि-
ज्जम रहित. घाव रहित; व्रणरहित. फोडे फुंसी आदिसे रहित. Free from boils, wounds etc. ओव० १०; जीवा० ३, ३; नाया० ३; जं० प० ७, १६३;

शिववत्त. त्रि० (निर्वत) व्रत रहित. व्रत रहित; संकल्प हीन. Vowless; devoid of a vow. राय० २०८;

शिववत्त. त्रि० (निर्वृत्त) निवृत्त थयेव निवृत्तः छुटाहुआ; मुक्त. Retired from; turned back from. टा० ६; भग० ११, ११; (२) अतिक्रमण करेव. अतिक्रमण किया हुआ. transgressed; crossed. नाया० १; जं० प० ३, ५३; (३) उत्पन्न थयेव. उत्पन्न. born; produced. नाया० १६; —मह. पुं० (—मह) निवृत्त-पूर्व थयेव महोत्सव निवृत्त महोत्सव; सानन्द समाप्त उत्सव. A festivity which has been completed. नाया० १;

शिववत्तण. न० (निर्वर्त्तन) उत्पन्न करयुं उत्पन्न करना; जन्म देना. Act of producing; creation; production.

पञ्च० २२;

शिववत्तणया. स्त्री० (निर्वर्त्तन) निष्पत्ति; सिद्धि. निष्पत्ति सिद्धि; सफलता. Act of finishing; completion; final result. "तत्र शिववत्तणया तत्रा परियाहयता" पञ्च० ३५;

शिववत्तणा. स्त्री० (निर्वर्त्तना) छुटयुं; निवृत्त थयुं ते मुक्त होय. छुटना. State of being free from abstinence from. भग० १०, ४; (२) उत्पन्न करयुं ते. उत्पन्न. act of making or producing. भग० १३, ३; —अहिगरणिया. स्त्री० (—अधिकरणिका) तत्रापर यगेरे अधिकरणते तद्वत् नवीन तयार करवाथी वापती किया. नितान्त नवीन तलवार प्रदि शस्त्रों को बनाने में लगने वाला किया. the sin incurred by preparing absolutely new weapons such as swords etc. टा० २, १; भग० ३, ३;

शिववत्ति. स्त्री० (निवृत्त) वस्तुनी उत्पत्ति; उत्पाद. वस्तु की उत्पत्ति; बनावट; घटना वाद्य. Making or creation of a thing (२) निष्पत्ति. निष्पत्ति. creation; coming into existence. "कह विहाणें भैंन जावशिववत्ती पणयता" भग० १६, ८; पञ्च० १;

शिववत्तिय. त्रि० (निर्वर्त्तित) उत्पन्न करेव; उत्पादित; उत्पादन करेव. उत्पन्न किया हुआ; बनाया हुआ; उत्पादित. Produced; made; acquired. नाया० १; ८; भग० १६, १; पञ्च० १०; टा० २, ८; (२) व्यवस्थापन करेव. व्यवस्थापन किया हुआ. arranged; managed. पञ्च० २३;

शिवव्य. त्रि० (निर्वत) व्रत रहित; संकल्प शून्य. Devoid of vow; vowless. टा० ३, १; २; नाया० ८;

भग० १२, ८; जं० प० ३, ३६:

शिववयण. न० (निर्वाचन) युवासे: अवय. स्वनासा; उत्तर. Decision; reply. ठा० १०;

शिववाघाअ-य. त्रि० (निर्वाघान) व्याघात रहित; विघ्न विना. व्याघात रहित. निर्वाघ: विघ्न शून्य. Free from obstruction; unfettered by obstacles. " शिववाघाणं पञ्जरमकम्भभूमिम् " पञ० २; नाया० १; १४ १६; भग० ११, ११: १७, ४; २४, २. ओव० ४०; (२) न० ४०ने ३०१ शैवाण् अटकाव न थाय तेवु-निर्वाही निर्वाघान. त्रिपको कहा मकाव अटकाव न हो ऐसा. विघ्न रहित केवलज्ञान. omniscience which is unfettered by any obstruction. ओव० ४०;

शिववारवाइम त्रि० (निर्वाघानिद्र) स्वाभाविक: दृढस्ती: श्रान् पश्यता अवरोधही न अनेक. प्राकृतिक; नैसर्गिक: कुदस्ता. अकृत्रिम. Natural; not artificial. सू० प० १८:

शिववाण. पुं० न० (निर्वाण) मोक्ष. मुक्ति; मोक्ष: निर्वाण; परमपद प्राप्त. Salvation; freedom from Karma; final beatitude due to the destruction of all Karmas. नाया० १; ६ १२: १७; ठा० ३, ३; सूय० १, ६: २६; सूय० नि० १, ११, ११५; (२) अवुद्धपन्ना अवरत क्षेत्रमा आसी आसीसीमां थनार वीज्ज तीर्थं ३२. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी चौवासीमें होने वाले तीर्थकर. the 3rd would be Tirthaṅkara of Airavata Kṣetra in Jambudvīpa in the coming Chauvisī. सम० प० २४८; —अंग. न० (अङ्ग) भुक्तिनुं शैवण्. मुक्तिका

कारण; मोक्ष हेतु. cause or means of salvation. पंचा० १६, ४२;

—गम पुं० (-गम) निर्वाण-मोक्ष गमन. निर्वाण गमन; मोक्ष-मुक्तिको जाना-प्राप्त-होना. attainment of salvation; final emancipation. नाया० ६; —मग. पुं० (-मार्ग) मोक्षमार्ग मार्ग. मोक्षका मार्ग; मुक्तिपथ. Path of salvation. नाया० १; भग० ६, ३३; —वाइ. त्रि० (-वादिन्) मोक्षमार्गको उपदेश आपनार. मोक्षमार्गका उपदेश देनेवाला. (one) who teaches the path of salvation. " पक्खामु वा गस्से वेणु-देवं शिववाणवाइणाह सायपुत्तो. " सूय० १, ६, २१; —साहण. न० (-साधन) मोक्षानुं साधन. मोक्षका साधन. means of salvation; cause of final emancipation. नाया० ६; —सुह. न० (-सुख) मोक्षानुं सुख. आनन्द. मोक्षका सुख; मुक्तिका आनन्द. bliss of salvation; final beatitude. आया० नि० १, ३, १, २०८;

शिववाय. नि० (निर्वात) वायु रहित निर्वात; वायुरहित; बिना हवाका. Free from draughts of wind. नाया० १;

शिववाविय. त्रि० (निर्वापित) शीतल करेव: हट्टु पांछ. थंडा कियाहुआ; शान्त, शीतल कियाहुआ. cooled; extinguished. नाया० १, १३;

शिववासिय. त्रि० (निर्वासित) हट्टुपांछ करेव. निर्वासित; हट्टु बहार निकालाहुआ; Banished; driven out by a fiat. नाया० ८;

शिवविगइय. न० (निर्विकृतिक) दूध आदि रसना परित्याग; विगयना पच्यकपाण्. दूध आदि रसोंका परित्याग; विगयके प्रेतारब्धान.

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations. भग० २५, ७; शिविद्ध. पुं० (निर्विष्ट) गेले परिदारविशुद्ध आरित्र सेवेत छे ते साधु. जिसने पारहार विशुद्ध चारित्रको पाला है वह साधु. An ascetic who has practised the austerity known as Parihāra-
viśuddhi. टा० ३, ४; नाया० १६: — कर्णपिठइ स्त्री० (-कल्पस्थिति) परिदार विशुद्ध आरित्रने पूर्ण इतना साधुनी इतप-स्थिति. परिहार विशुद्ध चारित्रको पूर्ण करनेवाले साधुको कल्पस्थिति the stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra-
viśuddhi. टा० ३, ४; कांड्य. पुं० (-कारिक) परिदार विशुद्ध आरित्रने पूर्ण इतने में आरित्रथी अदार नीद्वनार साधु. परिहार विशुद्ध चारित्रको समाप्तकर. इस चारि-
त्रमे बाहर निकाला हुआ, आगे बढ़ा हुआ साधु. an ascetic who has duly per-
formed the austerity known as Parihāra-
viśuddhi and has stepped into the next higher stage. भग० २५, ७;

शिविवरण. त्रि० (निर्विण) भिन्न; भेद्युक्त. खिन्न; दुःखित; खेदपूर्ण. Fatigued or afflicted in mind; sorrowful. “ जो एतियंविच्छित्ते इच्छइ सो को न शिविवरणो ” आया० १, ३, ३, १५४; नाया० ८; (२) निवृत्त; निवृत्त थयेत. retired from; turned back from: ab-
staining from. नाया० ४; ६; १८, १६: — चारि. त्रि० (-चारित्र) भिन्न थप इतना खिन्न-दुखी होकर फिरनेवाला. fatigued

or troubled in mind; afflicted in mind. “ मेणिविणचरी अरते पयासु ”

आया० १, ५, ३, १२४: — वरा. स्त्री० (-वरा निर्विण वरा: परिणेतारो यामां ता निर्विणवरा:) विरक्तपतिवादी स्त्री. विरक्त पतिवाली स्त्री; व स्त्री जिसका पति विराग हो a woman whose hus-
band is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit. नाया० ४० १:

शिविवत्त. त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पमेत; पूर्ण थयेत. निवृत्ति प्राप्त; पूर्ण; समाप्त. Finished; completed आया० ४८:

शिविव्यान अ. त्रि० (निर्विकृतिक) गेले इध धी चयेरे विवृतिने त्याग इत्यामां आवे छे ते तप. नीची. वह तप जिसमें दूध और उसके आवश्यक पदार्थों का त्याग किया जाता है. नीचा. A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products; this is also called Nivā-
आया० १६:

शिविवम त्रि० (निविष) विष अस्थी-रहित. विष हान रहत राहत Free from poison. “ शिविवमं पंडुरं मौमे ” आया०

शिविवमय त्रि० (निर्विषय) विषय अस्ति-
त पा रहित. विषय वासना काम वासना राहत; विरक्त: मयमां. Free from sensual inst. उक्त० १४, ४६; (२) देश अदार इतरे; देश दे. अथेन निर्वासित; देश से निकाला हुआ. exiled; banished from a country. पद० १, ३; नाया० १६:

शिविवसिय त्रि० (निवासित) देशथी अदार इतरे देश बाहर किया हुआ. Ban-
ished; exiled; turned out of a

country. नाया० ८; १६; भग० १५, १:
शिखिसेस. त्रि० (निर्विशेष) विशेषतः रक्षित;
साधारण. विशेषता रहित; सामान्य; साधारण.
Common; free from peculiarity
or particularity. तंदु०

शिखिबुद्ध. त्रि० (निर्वृत) शीतल-थंडा शान्त.
थंडा; निर्वृत. Cooled; cool. आया० १,
८, १. २००; (२) निर्वाण-भेद शब्द मोक्ष
को प्राप्त; निर्वाण प्राप्त. free from the
cycle of birth and death; final-
ly liberated. प्रब० ३३. (३) स्वस्थ
आत्मा. स्वस्थ-सुख-निर्गम आत्मा.
a calm, peaceful soul. नाया० ३:

शिखिबुद्ध. त्रि० (निर्वृति) मनः स्वस्थपण.
समाधि. मनसिद्ध स्वस्थता; समाधि. Calm-
ness or tranquillity of mind;
peace of mind. पगद० १, २. (२)
क्षेत्र-भेदादयथा, ज्ञान मोक्षदयथा. happi-
ness; freedom from delusion.
भग० नि० १, १३. ११५; (३) एक नामनी
अथ आचार्य के देवता के पदवी नियुक्ति
शाय. गीतरी. इस नाम के एक आचार्य कि
त्रिनके ऊपर से एक शाखा निकली. name
of a lineage styled after the
preceptor of this name. कर्ष० ८:
— कर. त्रि० (-कर) सर्व कर्मों का क्षय
करने वाला. (one) that destroys all
Karmas. पग० १; तंदु० जं० प० २,
३०; (२) सुखकर; शांत उपपन्नकर;
सुखकर. giving peace and happi-
ness. राय० १११; नाया० १७: —पह.
पुं० (-पथ) भोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग; मुक्ति

पथ. path of salvation. नदी०
—यार. त्रि० (-कार) शांत करनेवाला.
शान्तदाता; निवृत्तिकार. peace giving;
happiness giving. नाया० १;

शिखिबुद्धि. त्रि० (*) निर्भूत
करेता: ७८३ भूतभी छेदेता. निर्मूलित; ने जड़
किया हुआ; जड़मूल से छेदा हुआ; मूल
नष्ट. Rooted out; eradicated.
पगद० १, ३:

शिखिबुद्ध. त्रि० (निर्वृत) शीतल-थंडा थंडा.
शीतल-थंडा किया हुआ. Cooled; cool.
आया० १, ८. ३: १३६; (२) निर्वाण
प्राप्त. भेद प्राप्त. निर्वाण पाया हुआ;
मोक्ष पाया हुआ free from the cycle
of birth and death; (one) who
has attained final absolution.

“ जकिष्ठा शिखिबुद्धा एव ” सूत्र० १, १५ २१:

शिखिबुद्ध. त्रि० (निर्वृति) डूबी गयेता.
डूबा हुआ; निमजित. Drowned; sunk.
नाया० ८:

शिखिबुद्धि. त्रि० (निर्वृति) निर्वाणसुख.
निर्वाण सुख; मोक्षसुख. Happiness of
salvation. जीवा० ३, ४;

शिखिबुद्ध. त्रि० (निर्वृत) सुखी; सन्तोषी.
सुखी; सन्तोषी. Happy; contented.
आय० (२) क्रोध वगैरे दूर थाती शान्त
थंडा. क्रोधाद दूर होने से शान्त.
tranquil on account of the
banishment of anger etc.
from the mind. “ जे शिखिबुद्धा पावेहि
कम्महि ” आया० १, ७, १. २००;

शिखिबुद्ध. पुं० (निर्वृत्त) दूरनी अथ भाग;
भाग. दूरका एक भाग; बाँडला; दरवाजे

की ऊपरी बारसाख की दोनों बाजू ऊपर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house. जीवा० ३, ४;

शिखेयणी. स्त्री० (निर्वेदिनी) संसारथी-विरक्ता यन्तापनार वैराग्यनी कथा. संसार से विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces disgust with the world and its ways, in the mind of the hearer. “शिखेयणी कहाचउ बिहपगणत्ता” टा० ४, २; आ० २१;

शिखेय. पुं० (निर्वेग निर्वेद) संसारथी-विरक्ता. संसारसे विरक्ति; संसार से उदासता. Disgust with, repulsion from the world भग० १७, ३;

शिखेयणी. स्त्री० (निर्वेगनी-निर्वेदनी) लुप्त “शिखेयणी” शब्द. देखो “शिखेयणी” शब्द. Vide. ‘शिखेयणी’ टा० ४, २;

शिखेय. पुं० (निर्वेद) वैराग्य; संसारथी-विरक्ता. वैराग्य; संसार से विरक्ति. Dislike for or disgust with the world and its ways; renunciation. आया० १, ४, १, १२७; उत० १८, १८; २६, २; (२) भेदनी अभिलाषा. मोक्षच्छा; मुक्तिकी अभिलाषा. desire for salvation or final liberation. प्रब० १४;

शिखेस. पुं० (निर्वेश) लाभ. लाभ; फायदा. Benefit; gain टा० ५, २;

शिखंत. न० (निशान्त) विश्राम. विश्राम; आराम. Shelter; rest. नाया० १८; (२) घर. घर. a house. आय० ४४; १२;

शिखंत. त्रि० (निशान्त-नितरां शान्ते निशान्तः) अत्यंत शांत. प्रकृतिवादी. अत्यंत शांत प्रकृतिवाला. अमर्षयूय; थंडे मिजाजका. Extremely calm; serene. उत० १, ८; (२) संबोधन. सुगुह्या. heard. आया० १, २, ८०; नाया० १; २; १३; १४; १६. नाया० ५० भग० ६, ३३; १०, २; (३) (निशया अन्तमवसानं निशान्तम्) प्रकृतिवादी. शांतिते. अंत. प्रातःकाल; उपःकाल; प्रातःकालीन संघा दान; time of day-break. दया० ६, १; नाया० ८; (४) आध्यात्म. धरेत. स्मृतिपथमें आकृत; याद किया हुआ. fixed or retained in the mind. “अहामुनं ब्रह्मिणं शिखंतं” मय० १, ३, २;

शिखंस. त्रि० (नृशंस नृशंस शंसति हि-स्तोत्रं) क्रूरधर्म. क्रूरता. क्रूर कार्य करनेवाला. क्रूर. क्रूर. Wicked; cruel. पगह० २, १; नाया० २;

शिखंगा. पुं० (निखंग) स्वभाव; प्रकृति. स्वभाव; प्रकृति; मिजाज. Nature. आ० २०; टा० २, १; —रुद्र स्त्री० (रूचि) उपदेश आभित्या पगर दुहन्ती गति यती धर्म पगनी श्रद्धा-उपदेश के न मुनने हुए भा स्वाभाविकतया उत्पन्न होने वाली आभिक रूचि. Intuitive liking for or faith in religion; inborn love of religion. टा० ४, १; १०; भग० २५, ७ पत्र० १; नाया० ५० २;

शिखाज्जअ. त्रि० (नैपथिक) पदपङ्क्ति आसनेप्रेसनार. पदपङ्क्ति-एक आसन विशेषमें बैठनेवाला. (One) sitting in a squatting posture. पगह० २, १;

शिखट. त्रि० (निमृष्ट) निःशेष निकलाहुआ. निमृष्ट; प्रस्फुटित. Come out; got out. (२) आधेन. दियाहुआ; प्रदत्त.

given; presented. राय० आया० १, ८, २, २०२; नाया० १; वय० २, १६; (३) भुक्त; छुटा. मुक्त; छुटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम० ६; आया० २, २, १, ६४; (४) ईडेस. फेंकाहुआ. thrown; flung. भग० १४, १;

शिसद. पुं० (निषध नितरां सहते-स्कंधं समारोपयते भारमिति निषध) अत्र द. जलः वपन. An ox जे० प० ४: (२) निषध न मे अत्र यादव कुमार. निषध नामक एक यादव कुमार. Yadavakumāra so named. नाया० १६; (३) मदादिदन्ती भर्ता यादव मेद्वी दक्षिण पर्वते. निषध नामे पर्वत. मदावदेहका पारमंभित-कर्मवाला मेरुका दक्षिण ओरका निषध पर्वत. the mountain named Nisadha in the south of Meru, forming the boundary line of Mahāvideha. “कहिण भेने जंवूदीवे दीव शिसह खांम वासहरपवण पगणने” जे० प० ४: “दी शिसदा” ठा० २, ३; जीवा० ३, ४; — कूड. न० (-कूट) शिसद पर्वतयु शीतुं दूत-शिखर. निषध पर्वतका दसम चोटा शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha. ठा० २, ३; जे० प० — दह. पुं० (-द्रह) मन्दर पर्वतकी दक्षिण देवकुर्माना भोटा द्रह-जरे. मन्दर पर्वतकी दक्षिण दिशाके देवकुर्का बडा-विशाल खान-करना. a large stream of water in Devakuru in the south of the Mandara mount. कहिण भेने देव-कुराण शिसददेह खानं दहपणखन. जे० प० ४, ६६; ठा० ५, २; — वासहर. पुं० (-वर्षधर) जे नामने अत्र पर्वत. इस नामका एक पर्वत name of a mountain. नाया० ८;

शिसरण. त्रि० (निषरण) भेडपुं; बैठाहुआ. Seated. नाया० १, ६; १, १२; भग० ७, ६; नाया० ध० ओष० नि० ६; ओव० ३१; ठा० ५, २;

शिसम्म. सं० कृ० अ० (निशम्य) विचारिने, लक्ष्यशी अवधारिने. विचारकर; हृदयमे निश्चित करके. Having thought; having thought or decided in the mind. नाया० १; २; ६; ६; १२; १४; १६; १९; भग० ६, ३३; ११, ११; १५, १; जीवा० ३, ४; ओव० १२; आया० २, १, ३, १६; २, १, ६, ४९; ठा० ३, ३; — भतिन. त्रि० (-भषित) विचारिने गोल-नार. विचारपूर्वक बोलनेवाला. (one) who speaks thoughtfully; considers in speech. आया० २, ६, २, १४०; सूय० १, १०, १०;

शिस-सर. धा० १ (नि+पृ) अन्तर नि-क्षत्रु बाहर निकलना. To get out; to come out.

शिसरइ. पञ० ११;

शिसगंति राय० २८.

शिसरण. न० (निषरण) नीडक्षत्रु ते. निस्मरण; बाहर निकलना कार्य. Act of getting out; moving out. नाया० १६;

शिसल्ल. त्रि० (निःशल्ल) भावा, निपायु अने मिच्छादंसण जे त्रायु शस्य रहित. भावा, निपाय और मिच्छादंसण इन तीन शस्योंसे रहित. Devoid of, free from the thorns in the form of deceit desire for the fruit of actions and heresy. महा० नि० १;

शिसह. पुं० (निषध) जुओ “शिसद” शब्द. देखो “शिसद” शब्द. Vide “शिसद” सूय० २, ६, २२; जे० प० पञ० १६;

चं० प० ४; —कड पुं० (कूट) लुओ
‘खिवडकूड’ शब्द. देखो “ खिवडकूड ”
vide “खिवडकूड” ठा० ६; जं० प०
—इह. पुं० (इह) देवकुर्वा विच विचित्र
कूट पर्वतशी ८३४ गेजन्ते सातीया आर
भाग उत्तरे सीता नदीनी यन्त्रे अवेक्ष
ओड ६६. देवकुर्वाके चित्रविचित्र कूट पर्वतगे
८३४ योजनके (अनुमानतः) चार भाग
उत्तरकी ओर सीता नदीके बीचमे अनेवान्ना
एक भरना. a lake, stream in the
middle of the river Sitā to the
north of Chitravielitra peak
of Devakuru at an approxi-
mate distance of 834 Yoj-
nas. ठा० ५, २; जं० प०

शेसा. स्त्री० (निशा) रात्रीना मिया अध-
कारवासी नरकभूमि. ताम्र नामक नरक;
रात जैसे अंधेरेवाता नरक. Heel which
is as dark as night. सू० २, ६, ८६;
/शेसाम. वा० I.L.L. (नि+वृ+अन्)
आमन्त्र्यु; वदन्त्यु. सुनना; जानना. To
hear; to know.

शेसामेह. नाया० १६; भग० १५, १,

शेसामिज्जा. वि० सू० १, १, ६, ५;

शेसामेहि. आ० भग० १५, १,

शेसामित्ता. सं० कृ० सू० १, १६, २६;

आया० १, ८, ३, २०७;

शेसामित्तण. हे० कृ० नाया० ५; १२; १६;

शेसामित्तण. हे० कृ० नाया० १६;

शेसिज्जा. स्त्री० (निपद्या) आसन; भेडक.

आसन; बैठक. A seat; posture. ठा०

१, १; सू० १, ६, २१;

शेसिअ-य. वि० (निशित) तीक्ष्ण; पाण्डु-

दार; तीक्ष्ण धारवातु. नन्दण; पानीदार;

तेज धारवाला. Sharp; sharp-edged;

spirited. सू० १, ५, १, ८; १, ६, १;

शेसिद्ध. वि० (निःपृष्ठ) ईर्ष्य. फेंका हुआ.

Thrown; flung. भग० १५, १; (२)

मुक्त; स्वतंत्र. released. भग० ६;

शेसिद्ध. वि० (निषिद्ध) निषेध करेयः अ-

टकायेय. मनाहिमादुष्ट; निषिद्ध. Check-

ed; restrained; prohibited. पंचा०

१२, २२; —जोग पुं० (योग) सद्ब्यापारेण

अट्टाय निषेध करेय. सद्ब्यापार का निषेध

किया हुआ. (On) prohibited from,

checked in salutary activity.

पंचा० १२, २२;

✓शे-निग. धा० I- (नि+गृह्ण) ग्राह्यु;

देयु; छेदु. डालना; फेंकना; छोड़ना. To

give; to hand over; to present;

to throw; to fling; to leave.

शेसिरिह. नाया० १६;

शेसिरिन्ति. सू० २, २, ५;

शेसिराम. नाया० १६; भग० १५, १;

शेसिराम. आया० २, २, ६, ४६;

शेसिरिन्ति. सं० कृ० भग० १५, १;

शेसिरिन्ति. व० कृ० सू० २, २, ५;

शेसिरिन्ति. सू० २, २, ६;

शेसिरण. न० (निमज्जन) नीकड्यु ने

निमज्जन आर याता; बाहरागमन. Act

of getting out; starting out.

पञ० ११;

शेसिरणा. स्त्री० (निमज्जन) दान. दान.

Act of giving away in charity.

(२) त्याग. त्याग. abandoning.

आया० २, १, १०, १९;

शेसिरिज्जमाण. वि० (निःसृज्यमान)

ईर्ष्यता. फेंकाजाता हुआ; फेंकता हुआ. Th-

rowing; being flung भग० ८, ५;

शेसिरिय. वि० (निःपृष्ठ) तर्क; भुङ्क.

त्याग हुआ. छोड़ा हुआ. Left; aban-

doned. भग० १२, ६;

शिसीइयम्ब. त्रि० (*निर्वाचितव्य) ऐसवा
वायड (भूमि) बैठने योग्य भूमि-स्थल.
(Place) worthy of, fit for,
being a seat. भग० २, १,

✓ शि-सीय. घा० I. (नि+पठ्) ऐसयुं.
बैठना. To sit.

शिसीयड. नाया० १; ८; १६; १६;

शिसजड. नाया० १६;

शिसीदेति जीवा० ३;

शिसीयंति. नाया० १; ६; १६; जं० प०
४, ११०;

शिसियामो. मूय० २, १२, १४;

शिसीयड. नाया० १६;

शिसीइत्ता. सं० क० नाया० १६; भग० ११,
११;

शिसीइत्तण. डे० क० भग० १२, ४; वेय०
१, १६; ३, १;

शिसीयवेति. प्रे० जं० प० ४, ११६;

शिसीआवित्ता. प्रे० सं० क० जं० प० ४,
११६;

शिसीयग. (निर्वादन) ऐसयुं ते. बैठने का
कार्य; बैठना. Act of sitting. भग० १३,
६; २५, ७; डा० ७;

शिसीयव्य. त्रि० (निर्वाचितव्य) ऐसवा येव्य.
बैठने योग्य. Worth sitting upon;
worthy of being a seat or
sitting place. नाया० १;

शिसीहिया. छा० (नैवाधकी) स्वध्याय
करेवाली भूमि. स्वाध्याय करने की भूमि-
स्थल. A place for the study
of scriptures. (२) पाप दियाते
त्याग. पार कर्म का त्याग. giving up o
sinful activities. नाया० १६; भग०
१६, ५; जावा० ३, ४; निगी० ५, २; (३)
आमायादीना ऐध प्रार. सामावगि का एक
प्रार. a particular mode of

ascetic-conduct. पंचा० १२, २;

शिसीहिया. छा० (निशीथिका) स्वाध्याय
भूमि. स्वाध्याय भूमि. A place for
the study of scriptures or
for meditation. भग० १४, १०; नाया०
घ० राय० १०६; निर्मा० १३, १;

शिसुंभा. स्त्री० (निशुम्भा) वैरोचन ईदनी
पांचवीं अग्रमहियी. वैरोचन इन्द्र की
पांचवीं अग्रमहियी-पट्टरानी. The 5th of
the principal queens of Vairo-
chana Indra. डा० ६, २; नाया० घ०
२; भग० १०, ५;

शिसुगिऊग. सं० क० अ० (निशुग्य) सांभ-
लाने. सुनकरके. Having heard.
जीवा० १;

शिसेय. पुं० (निषेक) धर्म पुद्गलों
प्रति समग्र अनुभाग रचना. कर्म पुद्गलों
का प्रति सामाग्रिक अनुभाग रचना. The
intensity (of Karmic results)
caused by a number of Karmic
atoms operating in a parti-
cular instant. डा० ६;

शिसेयग. त्रि० (निषेवक) सेवनार; आराध-
नार. सेवक; आराधक. (One) who
worships or propitiates; (one)
who resorts to; (one) who
serves. मूय० २, ६, ५;

शिसेविय. त्रि० (निषेवित) आश्रय करेवा.
आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted
to; depended upon. उत० २०, २;

शिसंहिया. छा० (नैवाधका-निषेधयन्ते
निराक्रियन्तेऽस्यां कर्माणांति नैवाधकी)
मोक्षरहित. मोक्षदशा; मुक्ति. State of
salvation; final bliss. जीवा० ३;

शिस्संक. न० (निशंक) निशंक; योक्कस
विशंक; शंका रहित. Certain; un-

doubted; free from doubt.

पंचा० ६, २;

विस्संचार त्रि० (निस्संचार) संचार रहित; जे नगरमां भायूसोने अथवा जवानुं अंध-
होय ते. संचार आवागमन-राहत. वह नगर
जिसमें आमद रफ्त का बंधन हो. (A
town etc.) where movement
of men etc. is prohibited; free
from movement of men etc;
still. नाया० ८;

विस्संत त्रि० (निःशान्त तिरामतिशयेन
शान्तः) अतिशय शान्त थयेत. अतिशय
शान्त. Extremely tranquil on
account of control of anger
etc. उक्त० १, ८; २, ५०

विस्संदेह त्रि० (निःसंदेह) सदेह रहित
संदेह रहित; निस्सन्देह. Free from
doubt; clear of doubt. भग० १५, १;

विस्सन्देह त्रि० निस्सन्देह) सदेह रहित.
निस्सन्देह; शंका राहत. Free from
doubt; clear of doubt. नाया० २;

विस्संधि त्रि० (निस्संधि) संधि-छिद्र रहित.
छिद्ररहित; संधि रहित. Having no
joint or hole. "विस्संधिवाराधिराहिया"
परह० १, १;

विस्संस त्रि० (निःशंस) प्रशंसा रहित.
प्रशंसा रहित Free from praise; de-
void of praise. परह० १, २;

विस्संस त्रि० (नृशंस) धातकी; क्रूर. घातकी;
हत्यारा; क्रूर. Cruel; wicked.
परह० १, १; नाया० ९;

विस्सरण त्रि० (निः सञ्ज्ञ) संज्ञा रहित.
संज्ञा रहित; बेनाम. Devoid of name,
consciousness etc. सूय० नि० १,
५, १, ७१;

विस्सर त्रि० (निःस्वर) कर्मेने अनुद

पासार. कर्म को दृष्टक करने वाला. (One)
who gets rid of Karmas; (one)
who separates himself from
Karmas. आया० २, ४, १, ६;

विस्सरण न० (निःसरण) अ० २ तीक्ष्ण
बाहर निकलना; बाहर. मत. Act of com-
ing out or getting out; exit.
छा० ४, २; -एदि. त्रि० (नदि) अ० २
तीक्ष्णतामां आनंद प्राप्त. बाहर निकलने
में सुख मानने वाला. (one) who takes
delight in getting out छा० ४, २;

विस्सल त्रि० (निःशर) भाषा निपात्य
अने भिच्छादंसु अथवा शब्द रहित.
भाषा, निपात्य और भिच्छादंसु इन तीन
शर्यों में शून्य. Free from the three
thorns in the form of deceit,
attachment to the fruit of ac-
tions and heresy. सम० ६; आउ०

विस्ससिय न० (निश्चित) नीति आस
भुक्ते. सांस छोडना, दम लेना Act of
breathing out; act of exhaling.
नाया० ३;

विस्सद त्रि० (निमह) अति अशक्त.
बहुत कमजोर Extremely weak or
feeble. सम० ६;

विस्सद त्रि० (निःमहक) अतिशय
अशक्त. बहुत कमजोर; प्रविण्य अतकत.
Extremely weak or feeble.
सम० ६;

विस्सा की० (निश्चा) आश्रय; आश्रयन.
आश्रय; आश्रयन. Shelter; resort.
भग० ३, २; निसी० १६, ४६; पञ्च० १;

-ट्ठाण. न० (-स्थान) आश्रयन-आ-
श्रयन स्थान. आश्रयन या आश्रय का
स्थान. a place of resort; an ob-
ject which serves as a sup-

port or resting place. डा० ५, ३;
—वयण. न० (-वचन) केशने प्रति-
बोध पभाउवाने केशने तेवा शुशुवावापुं
हृष्टान आपवुं ते. किमी को समझाने के
लिए किमी समान गुणवाले का उदाहरण
देकर समझाना. an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. डा०
६, ३;

शिस्साए. सं० कृ० अ० (निश्चिन्त्य) नेत्रा-
आश्रय दप्ते. आश्रय लेकर. Having
resorted to; having rested on;
depending on. मृ० २, २, २;

शिस्साय. सं० कृ० अ० (निश्चिन्त्य) आश्रिते
आश्रित होकर. Resting on; having
resorted to; having connection
with. भग० १५, १;

शिस्साय. पुं० (निःश्वास) निश्वास;
अधोवासी श्वास. नाचे की ओर श्वास
झोड़ना. Sigh; down ward breath.
भग० १६, ११;

शिस्सिचिया. सं० कृ० अ० (निःपिच्य)
श्रेष्ठ व सज्जुमांशी शीत वासज्जुमां नाभीने
एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर. Having
poured from one vessel into
another. दम० ५, १, ६३;

शिस्सिमय. त्रि० (निःश्रित निश्चयेन श्रितः
संबद्धो निःश्रितः) भेदवेत्त. मिलाया हुआ.
Got; obtained; joined; mixed.
मृ० १, २, ३, ६; (२) निश्चय आधिष्ठ. निश्चय
से बांधा हुआ. securely fastened;
firmly bound. मृ० १, १, १, १०; २,
६, २३; (३) विशेष; प्रमित. लिङ्ग. a charac-
teristic. (४) आश्रित. आश्रित; आश्रय
लिया हुआ. resting on; resorting to;
depending on डा० १०; सम० मृ०

१, १, २, ३०; अणुजो० १२८; (५)
आसक्त ध्येत्त. आसक्त. attached to;
passionately fond of. सू० १, १,
१, १०; डा० ५, २; (६) पुं० राग, आहार
आदिनी प्रीतिपत्ता. राग, आहार आदि की
इच्छा; लोलुपता. passion for, greed
of food etc. डा० ८;

शिस्सिमय. त्रि० (निःसृत) निकलेत्त.
निकला हुआ; निःसृत. Come out; got
out; started “ तंच सरूवओ जं आणु-
स्सियामि ” विशेष० पद्य० १;

शिस्सील. त्रि० (निःशील) सदा स्वभावशी
रहित; दुःशील. गदभावशून्य; दुःशील;
दुर्गचार्य. Of an evil nature or dis-
position. डा० ३, १; २; नाया० १८;
गय० २०८; (२) आचार रहित. आचार
रहित. devoid of ascetic conduct.
जं० प० २, ३६; (३) समाधि-शान्ति
रहित. समाधि शान्ति रहित. devoid of
concentration or calmness
of mind. भग० १२. ८; (४)
शीलवत् गतना; अन्धययित्व रहित.
शील हान; व्रतचर्य शून्य; अव्रतचारी. in-
continent; unchaste. डा० ३, १;
३; राय० २०८; (५) महाव्रत अने अणु-
व्रत रहित. महाव्रत और अणुव्रत रहित.
not observing the major and
the minor vows. भग० ७, ६;

शिस्सिणि. स्त्री० (निःश्राण) निःश्राणी. निर्मनी.
A ladder. पद्य० १, १;

शिस्सेयस. न० (निःश्रेयस्) श्रेयाणु.
कल्याण; भला. Welfare; bliss. डा०
३, ४, ६; —कर त्रि० (-कर) श्रेयाणु
उत्पत्त. कल्याण करने वाला. (one)
causing or giving welfare.
नाया० ८;

शिस्सेयासिय. त्रि० (नैःश्रेयसिक—निःश्रेयसं मोक्षमिच्छतीति नैःश्रेयसिकः) मोक्षाभिधापीः

मुमुक्षु. मोक्ष की इच्छा वाला; मुमुक्षु.

One desirous of or longing for final liberation. भग० १५, १;

शिस्सेस. पुं० (निःश्रेयस्) मोक्ष. मोक्ष;

मुक्ति. Salvation; final libera-

tion. “ शिस्सेसाए अणुगामित्ताए ”

नाया० १: १३;

शिस्सेम. त्रि० (निःशेष) सम्पूर्ण. सम्पूर्ण.

समग्र. Complete; full; perfect.

दस० ६, २, २; —कम्ममुवा. त्रि० (कर्म-

मुक्त) सकल कर्मस्थी मुक्तयेत; कर्म अन्धनस्थी

मुक्तयेत. सर्व कर्मों से मुक्त; कर्म बन्ध रहित.

entirely freed from Karma; rid

of Karmic bondage. पंचा० २, ४३;

शिह. त्रि० (निह-निहन्येत निहः) मायावी.

मायावी. Deceitful. आया० १, २, ३,

८१; (२) क्रोध आदिशी पीडित. क्रोध आदि

से पीडित. troubled or afflicted on

account of anger. मृग० १, २, १, १३;

(३) (निहन्यन्ते प्राणिनः कर्मवशमा

यस्मिन् नजिहम्) आधातुं देहायुः यातना

स्थान. वेदना स्थान; यातना स्थान; वह

स्थान जहाँ से पीडा होनी हो. source

of punishment or affliction.

मृग० १, ५, २, ११;

शिह. त्रि० (स्निह-स्निह्येत श्लिष्यते अष्टप्रका-

रेण कर्मणा इति स्निहः) रागी; भक्त्यायुक्त.

रागी; ममता वाला. Full of attach-

ment and hatred; full of ego-

tism. आया० १, ४, ३, १३५; मृग० १,

२, २, ३०; (२) न० तेल. तैल. oil.

जीवा० ३, ३;

✓ शि-हर. धा० I (नि + हन्) नाश करेता;

हन्तुं. नाश करना; मारना. To kill;

to destroy.

शिहरांति. जं० प० ५, ११४;

शिहरणाह. आ० नाया० १;

शिहरांतिता. सं० कृ० जं० प० ५, ११४;

शिहरण पु० (निधन) विनाश; छेडा. विनाश;

अन्त Destruction; end. नाया० ६;

शिहत्त. न० (निधत्त) परस्पर भेदक कर्म

पुद्गलोने दृष्टये धारण करेता ते; कर्म

अन्धते अन्ध प्रेक्षार. परस्पर मिश्र कर्म

पुद्गलों को दृष्टता पूर्वक धारण करने का कार्य;

कर्म बन्धन विप. Firm adherence

or holding together of Karmic

molecules in mutual combina-

tion; a mode of Karmic

bondage डा० ४, २; भग० १, १;

शिहय. त्रि० (निहत) हल्लेत; मारेता. माग

हुआ: नष्ट. Killed; destroyed.

“ जग्वा हुवेयावडिय करोन तरहा उण्ण

शिहयाकुमारा ” उत्त० १२, ३२; दसा० ५,

३३; —कंटक. त्रि० (—कण्टक) जेणे

शेता जेव प्रतिपक्षिने मारेता छे ते, जिनमे

कंटक रूप विपक्षी का नाश किया है

(वह). (one) who has des-

troyed adversaries who were

troublesome like thorns. डा० ६;

—रज. त्रि० (—रजम्) जेमां रज-

मेत हुरथेता छे ते. जिनमे रज-मेल नहीं

है वह निर्मल; रज राहत: सत्विक. freed

from dirt or dust; clean “ अप्पग-

निया देवा शिहययरयं गह्वरयं भद्वरयं ” जीवा०

३; मय० —सत्तु. त्रि० (—शत्रु) शत्रुने

मारा छे जेणे. शत्रुहन्ता: विपुषातक. (one)

who has destroyed enemies.

“ आहममत्तु शिहय सत्तु मलिय सत्तु निजिय

सत्तु ” मय०

✓ शि हर. धा० I, II. (नि+ह) अन्धी

डादयुं. खीच निकालना. To extract; to pull out.

शिहरद्. निमी० ३, ४२; सूय० २, २, २०;

शिहरद्. निमी० १, ३५;

शिहरिस्मामि. निमी० १, ३५;

शिहरित्तप. हे० कृ० विवा० ८;

शिहरंत. व० कृ० निमी० १, १५;

शिहरावेति. प्रे० सूय० २; २, २८;

शिहम्. पुं० (निघर्ष) क्षोणी; क्षोणी द्रावणो पत्थर. कर्मणि पराजापापण; निकपत्रावा. A touch-stone. पञ्च० १७;

शिहा. स्त्री० (निहा-निहन्यन्ते प्राणिनः यस्यां सा निहा) भया. माया; छल; कपट. Deceit; fraud. "उवसेति शिहे चरे" सूय० १, ८, १८;

शिहाण न० (निधान) अक्षयनीना नव निधान; अमर्ता. चक्रवर्ति के नौनिधान काप; नव-निधि. A treasure; the nine treasures of a Chakravarti. डा० ५, १; अणुजो०

शिहाय. सं० कृ० अ० (निधाय) स्थापिते स्थापना करके Having placed or established. सूय० १, ७, २१; (२) तथोत्ते छोड़करके; त्यागकर. having left or abandoned. सूय० १, १३, २३;

शिहार न० (निहार) निवार; शौचक्रिया. शौच क्रिया; दिशा, जंगल को जाना. Act of answering calls of nature; getting rid of excrements. डा० ८;

शिहि. पुं० (निधि) भंडार; अमर्ता. भंडार; काप; खजाना. A treasure; a store.

"पंच शिही पण्यना" डा० ५, ३; नाया०

३; जीवा० ३, ३; निमी० १३, २६;

(२) अे नामनेो अेक द्वीप अने अेक समुद्र इय नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island; also that of

an ocean. पञ्च० १५; जीवा० ३, ४;

—पड. पुं० (-पति) भंडारी; धाननेो धणी. खजोची; कोपाध्यक्ष. a treasurer. भग० १२; ९; —रयण. न० (-रत्न) अक्षयनीनुं निधान-अमर्ता. चक्रवर्ती का काप. a treasure belonging to a Chakravarti. जे० प०

शिही. स्त्री० (निही) अतंत अव्याधी वन-स्पतिनी अेक वन. अनन्त जीववाणी वन-स्पति की एक जाति. A species of vegetation with infinite living beings in it पञ्च० १;

शिहु. पुं० (स्निहु) अे नामनेो अेक वनस्पति अेक विशेष. इय नाम की एक वनस्पति; कंद विशेष. A kind of vegetation: a particular sort of bulbous root. जीवा० १; पञ्च० १;

शिहुय त्रि० (निभृत्) निवृत्त श्रेयः प्रवृत्ति रहित. निवृत्त; प्रवृत्ति शून्य. Retired; free from activity. सूय० १, ८, १८; (२) प्रशंत प्रति वसे. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. आ० २१; (३) निश्चय; अचल. निश्चल; अचल; स्थिर. firm; steady; motionless इत्त० १९, ४१; पण्ड० १, ३;

शिहो. अ० (न्यक्) नीचे. नीचे; अधः. Low; below; down. "शिहेर्णिग संगच्छति अंतकाले" सूय० १, ५, १, ५;

शीआगोय. न० (नाचगोत्र) अेक दुर्भेदी अशुभ प्रवृत्ति. गोत्र कर्म का अशुभ प्रवृत्ति. An evil variety or class of Gotra-Karma. अणुजो० १२७;

शीड. स्त्री० (नीति) नैयम आदि नय. नैयम आदि न्याय-नय. A logical standpoint such as Naigama etc. डा० २, २; (२) नीति-नय. राज नीति;

सभाजनिति वगेरे. नीति-न्याय; राजनीति; समाज नीति बगैरह. morals; justice; politics. “ त्विविहा शीई परणत्ता सामे दंडे भेण् ” डा० ३, ३; नाया० १;

शीच. त्रि० (नीच) नीच; दुर्बल. नीचा; घटिया; उतरता हुआ. Low; mean. डा० ४, ३; **शीछूट.** न० (निष्ठूत) थुंकेतुं. थुंका हुआ. (Saliva) spit out or ejected from the mouth. नंदा०

शीजूहग. न० (निर्यूहक) पारखाने के दोसे; दोसे. दरवाजे का घांड़ता. A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया० १;

शीजूहयंतर. न० (निर्यूहकान्तर) ये दोसे पारखाने अंतर. २ घांड़लों के बीच का अन्तर. The distance or space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house. नाया० १;

शीणिय. त्रि० (निणित) अंदर बाहर. बहार निकाला हुआ Brought out. नाया० ४;

शीणिया. स्त्री० (नीनिका) अंध नतनी पार अंधियारो ७४. चार इंदिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. जीवा० १; पञ्च० १;

शीति. स्त्री० (नीति) नीति-न्याय. नीति; न्याय; कायदा; इन्साफ; Politics; justice. नाया० १;

शीम. पुं० (नाप) उदयन्तु ऊँ. कदम्ब का वृक्ष. The Kadamba tree. पञ्च० १;

शीय. त्रि० (नीत) लावेक; आणिक. लाया हुआ. Brought; carried. नाया० १; १६; १७;

शीय. त्रि० (निम्य) नित्य; हमेशा रहेदार.

नित्य; सदा रहने वाला. Constant; permanent; eternal. डा० १०;

शीय-अ. त्रि० (नीच) नीचुं; नानुं; शीशुं. नीचा; छोटाना; छोटा. Low; dwarfish; small. भग० ३, १; २; १५, १; (२) नीच; दुर्बल; नीचा दुर्बल. नीच कुल का. mean; low-born. डा० ३, ४; भग० ३, १; अणुजो० १४७;

—**जण.** त्रि० (-जन) नीच नतिनी भाणुस. नीच जाति का मनुष्य. a person of a low family or caste. “ शीय-जण गिभेविणो लोमगरहाणजा ” पण्ह० १, २; —**दुवार.** त्रि० (-द्वार) नीचा पारखाना. नीच या छोटे दरवाजे वाला. having low gates or doors. दस० ५, १, २०;

शीयत्तण. न० (नीचत्त) नीच पणुं. लुटन; नीचता. Lowness; meanness

“ नियत्तणे वट्टह मच्चवाई ” दस० ५, ३, ३;

शीययर. त्रि० (नीचतर) अति नीचुं. बहुत नीचा. Very low. भग० ३, १;

शीयागोय. न० (नीचगोत्र) अशुभ नी अशुभ प्रकृति. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति Evil Gotra-Karma causing birth in a low family. “ उच्चागोया वेगे शीयागोयावेगे ” मय० २, १, १३;

—**कम्म.** न० (-कर्मन्) अशुभ नी अशुभ प्रकृति, के नीचा उदयनी ७४ नीच गोत्र प्राप्ति केरे. गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति, कि जिसके उदयने जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो. a variety of Gotra Karmas (family-determining Karmas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family. भग० ८, ६;

शीरय. त्रि० (नरिजस्) रणरदित; धर्म-रूपी रण रदित. रजहान; कर्मरूपी मल से

रहित. Free from dust or dirt; free from dirt in the form of Karmas जं० प० मय० १, १, ३, १२;

१५, १;

शीरिति. पुं० (नैर्ऋति) भूत नक्षत्रो
अधिष्ठाता देवता. मूल नक्षत्र का अधि-
ष्ठाता देवता. The presiding deity
of a constellation bearing the
same name. सू० प० १;

शीरुद्विगम. त्रि० (निरुद्धिम्) उद्वेग रहित;
चिंतन रहित. निश्चिन्त; वदेग विहीन; बेफिक.
Careless; free from worry.
नाया० ८;

शीरोरोग. त्रि० (नीरोग) रोग रहित निरोग;
स्वस्थ. Free from disease;
healthy. डा० १०; नाया० १; (२)
अरुति रहित. अम्लान; निराश्रय; रूनाति
रहित. free from mental distress
or worry. आं०

शीरोरोग्य त्रि० (नीरोगक) रोग रहित; व्याधि
रहित. रोग रहित; व्याधि विहीन. Free
from disease; healthy. जावा० ३;

शील. त्रि० (नील) श्याम; नील. श्याम;
नीला; काला. Dark; black; blue.
डा० १०; (२) पुं० नीले रंग नीला रंग.
blue colour. पञ्च० १; राय० ५०; (३)
नीलम; अथ वनरा मणि. नीलम; एक
जाति का मणि. a kind of gem; a
sort of blue gem. जीवा० ३; (४) २५
वा ग्रह पुं० नाम. २५ वें ग्रह का नाम. name
of the 25th planet. "देखि मा"
डा० २, ३; सू० प० २०; (५) जी० नील
देश्या; ७ देश्यामंती गी० देश्या. नीलदेश्या,

छलेश्याओं में से दूसरी. the 2nd of the
six kinds of thought or matter-
tints, viz. blue tint. पञ्च० १७;
(६) आलु समुद्र बाणों का समूह; शर-समूह.
a collection of arrows. राय०
—पञ्च. त्रि० (-पञ्च) बीजा पाँदा पादु.
हरे पत्तों वाला. having green leaves.
पञ्च० १; —पाणि. त्रि० (-पाणि -
नीलः काण्डकलापः पाणौ येषां ते नील-
पाणयः) देता दाथमां आलने. समुद्र छे ते
शर समूह का धारण करने वाला; शरधारी.
(one) holding a number of
arrows in the hand. राय० —पञ्च-
त्रि० (-पञ्च) बीजा प्रभापादु. हरी कान्ति
वाला. possessed of green lustre.
नाया० १; —वर्ण न० (-वर्ण)
कृष्ण वर्ण; नीले रंग. कालारंग; नीलारंग.
black colour, blue colour. भग०
८, १; २, ४; —वर्ण रज्ज्व पुं० (-वर्ण
पर्यव) श्याम वर्ण-रंग का पर्याय. काल रंग
का पर्याय. A modification of black
colour. भग० २५, ३; —सालगर्णयन्त्र
त्रि० (*) नीलारंगनी साडी पहनेवा. नीलरंग की
साडी पहने हुए (one) who has
put on a Sāri or garment of
blue colour. विवा० १०;

शीलकंड पुं० (नीलकंड) शंकरनी मण्डित सेनातो
अधिपति देवता. शक्रेन्द्र की मण्डित सेना
का नायक देवता. The commanding
deity of the army of buffaloes
belonging to Śakrendra. डा० ४, २;
शीलकंडय. पुं० (नीलकंडक) मोर; मयूर. मोर;
मयूर. A peacock. नाया० ३;

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

शीलकण्वीर. पुं० (नीलकण्वार) नीला रंगती कण्वीर; पृथ्वी ऐक गत. नीले रंग की कनेर; वृक्ष विशेष. A kind of tree blue in colour. राय०

शीलकूट. पुं० (नीलकूट) नीलवर्त पर्वत पर्वतनु ऐक शिखर. नीलवंत वर्षार पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nilavanta Varṣadhara. डा० २, ३;

शीलगुलिया. स्त्री० (नीलगुलिका) ऐक गतनु रत्न. एक रत्न विशेष; एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. “ शीलगुलियागवलय-गासा ” जीवा० ३, ४; राय० नाग० १;

शीलबंधुजाव. पुं० (नीलबंधुजाव) नीला रंगता पुष्प वाला ऐक गतनु आड. नीले रंग के फूल वाला एक वृक्ष विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers. राय०

शीलय. पुं० (नीलक) शीला रंग. हरा रंग. Green colour भग० १८, ६; २०, २;

शीललेसस. त्रि० (नीललेसस) नील लेससवाले ७२. नील लेसस वाला जीव. (A soul) having blue thought-tint (Leśyā). डा० १, १; भग० १८, ३; २५, १; — भवसिद्धि. पुं० (भवसिद्धिक) नील लेससवाला ७२ ७३. नील लेसस वाले भवजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. भग० ३५, ७;

शीललेससा. स्त्री० (नीललेससा) ६ लेसस-मांती श्री ७ लेससा. ६ लेससाओं में की दूसरी लेससा. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Leśyās). पञ्च० १, १७; भग० १, २;

शीलवंत. पुं० (नीलवन्त) जलमय पर्वतशी दक्षिण दिशा ८३४ ग्रेजियन अने ४ आनीया

भाग बिपर सीता नदीने दक्खिनादे आवेअ ओ नामतो ऐक द्रव्य ओने ओ पसे वीश क्यंतक पर्वत छे. जमग पर्वत की दक्षिण दिशा में ८३४ योजन और चार मनीयां भाग ऊपर और सीता नदी के मध्य में आने वाला एक जलाशय जिसके दोनों ओर वीश कंचनक पर्वत हैं. Name of a great lake in the south of Jambū mount in the middle of the course of the river Sitā. In two of its sides it is bounded by twenty Kāñchamukha mountains. जं० प० (१)

(२) नीलवन्ती नागकुमार देव. Nagakumāra kind of deities residing in the above lake. जं० प० (२) मन्दर पर्वतनु श्रीगुं शिखर. मन्दर पर्वत का दूसरा शिखर. the second peak of Mandara mount. जं० प० (३) नीलवन्त पर्वत; मन्दिदेवती बिपर पर्वत की माता अधिपति पर्वत गन्धर्वों का महावदे की उत्तरी गीमा बसान वाला पर्वत. the mount Nilavanta forming the northern boundary of Mahāvidyā. “ कश्चिं भंत जंबुद्वीपे शीलवंते ग्रामे वायव्यपञ्चपुण्ये ” जं० प० डा० २, ३; पञ्च० १६; जीवा० ३, ४; कूट० पुं० (-कूट) नीलवंत वर्षार पर्वत आनुं शिखर नीलवंत वर्षार पर्वत का दूसरा शिखर कूट the second peak of the Nilavanta Varṣadhara mountain. “ दो नीलवंत कूटा ” डा० २, ३; जं० प० — द्रवकुमार. पुं० (द्रवकुमार) नीलवन्त द्रवत अधिपति नागकुमार देव. नीलवन्त द्रव का अधिपति नागकुमार देव. ३

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nilavanta. जीवा० ३, ४; —पञ्चय. पुं० (—पर्वत) नीलवंत पर्वत. नीलवंत पर्वत. the mount Nilavanta. नाया० १६;

शीला. स्त्री० (नीला) नील वेश्या. नील लेश्या. Blue thought-tint or matter-tint. सम० (२) जम्बुद्वीपना भेरीनी उत्तरे रक्ता मदानदीने भवती ऐ नामनी ऐक मदानदी. जंबुद्वीप के मेरु की उत्तर तरफ रक्ता मदानदी में मिलती हुई इस नाम की एक मदानदी. name of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru mount of Jambūdvīpa. टा० १०;

शीलाभास. पुं० (नीलाभास) २६वां महाग्रह. २६ वां महाग्रह. The 26th of the great planets. 'दो शीलाभास' टा० २, ३; चं० प० सू० प०

शीलाम्बोग. पुं० (नीलाशोक) नीला अशोक वृक्ष नीले रंग का अशोक वृक्ष. An Aśoka tree blue in colour. राय० (२) ऐ नामनुं सुदर्शन शैलनुं उद्यान. इस नाम का सुदर्शन भेट का उद्यान. name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नाया० ५; —उज्झाण. न० (—उद्यान) ऐ नामनुं ऐक उद्यान. इस नाम का एक उद्यान—वर्गीचा. name of a park or garden. विवा० ५;

शीलासीय. न० (नीलाशोक) सागपिका नगरीनी अदारनुं ऐक उद्यान. सागपिका नगरी के बाहर का एक उद्यान. Name of a garden or park outside

the city of Saugandhikā. नाया० १; २;

शीली. स्त्री० (नीली) नीली—गद्दी. नील. Indigo. नाया० १६; जीवा० ३, ४; जं० प० ३, ४५; (२) शुद्ध वनस्पतिने ऐक प्रकार. गुच्छेदार वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves. पञ्ज० १;

शीलुप्पल. न० (नीलोत्पल) नीलोत्पल; इमल. नीलोत्पल; नील कमल. A blue lotus. नाया० १; ३; ५; ८; ९; १४; भग० ६, ३३; —मसि. पुं० (—असि) नीलोत्पल इमल ऐसी तलवार. नील कमल जैसी तलवार a sword like a blue lotus. नाया० ८; —वण. न० (—वन) नीलोत्पल इमलनुं वन. नीलोत्पल कमल का वन. a forest of blue lotuses. तंदु०

शीलोभास. त्रि० (नीलावभास) मयुरना गत्रा ऐनुं प्रकाश मान. मोर के कंठ के समान प्रकाशमान. Shining, bright like the neck of a peacock. आंव० राय० (२) २६वां ग्रहनुं नाम. २६ वें ग्रह का नाम. name of the 26th planet. सू० प० २०;

शीव. पुं० (नीप) इदं अनुं जाड. कदम्बका वृक्ष. A Kadamba tree. आंव० नाया० ६; (२) न० तेना इक्ष. उस (कदंब) के फल. a fruit of a Kadamba tree. नाया० १; भग० २२, ३;

शीवार. पुं० न० (नीवार) भेड्या वगैरनी जमीनमां उजैर धान्य विशेष; सामे योया प्रभृति. बिना हल का हुई भूमिमें उत्पन्न धान्य विशेष; सांवा, चावल आदि. Rice etc. growing in uncultivated land. सूय० १, ३, २, १८; १, १५, १२;

शीसंक. त्रि० (निःशङ्क) शंका रहित. शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt.

भग० १, ३;

शीसद. त्रि० (निःसृष्ट) ईडेव; मुडेव.
फंका हुआ; त्यक्त; छोड़ा हुआ Left;
abandoned; given up; freed;
given out. परह० १, १;

शीससिउच्छसियसम. न० (निःश्वासितो-
च्छ्वासितसम) डिया नीया स्वरवाहुं गान.
ऊंच नीचे स्वर वाला गान. A musical
tune with rising and falling
accents. डा० ७;

शीससिय. न० (निःश्वासित) न येश्वास मुडेवो.
निश्वासडालना. Act of breathing
out or exhaling; a sigh. नाया० ६;

शीसा. स्त्री० (*) घटी. घटा; चक्का. A
mill to grind corn etc. " दग-
बाराणुं गहियं गोसाणुं पांडणवा " दम०
५, १, ४५;

शीसास. पुं० न० (निःश्वास) नीये श्वास
मुडेवो ते. श्वास छोडना. Act of ex-
haling or breathing out. आंव०
३६; नाया० १; द; भग० १, १; १७, १२;

शीसामाण. त्रि० (निःश्वास) श्वासमुडेवो.
सांस लेताहुआ; दम भरता हुआ. Breath-
ing out; exhaling. नाया० ६;

शीसेयस. न० (निःश्रेयस्) निश्चित श्रेयाणु;
भोक्ष. निश्चित कल्याण; मोक्ष Final,
certain bliss;salvation. जीवा० ३, ४;

एहिडिया. स्त्री० (निर्हंतका) पिरसणु.
परोसा; कार्यवश आनेमे असमय किमी
मित्र आदिके यहां भेजीहुई भोजन की थाली.
A dish of food etc. sent to a
relative or friend who has not

been able to partake of a gene-
ral feast. वेय० २, १७;

शीहरण न० (निर्हरण) भरषु संस्कार.
मृत्युसंस्कार; अन्त्याष्ट क्रिया. Funeral
rite or ceremony. विवा० ५, ८;
नाया० १४; भग० १५, १; (२) निकलनु
ते. निकलना. getting out; starting
out. नाया० २;

शीहरमाण. त्रि० (नाहरन्) निदार करेता.
मुक्त होता हुआ; फारिग हाता हुआ Ex-
pelling; getting rid of; answer-
ing calls of nature. वेय० ६, ३;

शीहर्गन्तु. हे० क० य० (निर्हर्गन्तु) निदार
करेता. मुक्त होनाक लिए; बाहर निकालने के
लिए In order to expel; in order
to clear or get rid of e. g.
excrements. वेय० ६, ३;

शीहार. पु० (निर्हार) दिताये-शायदियाये
अनु दिता शाय किंतुकिता जाना. Act
of easing one-self; answering
calls of nature. सम० ३४;

शीहाण. न० (निर्हारण) * डटी मुडेवो.
निघन देना; पक्का देना निघन देना. A
of driving away; pushing out
डा० २, ६;

शीहारि. त्रि० (निर्हारिन्) व्यापी जगत्तर-
विस्तार प्राप्त. फैल जानेवाला; विस्तार
पानेवाला. Extending; pervading.
having the property of exten-
sion. सम० ३४; आंव० ३४; (२) शेष-अप-
वाहुं. घोष-शब्दवाला. full of sound;
possessed of sound. डा० १०;

शीहारिम. न० (*) देना शयनुं निह-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

रज्य-अभिसंस्कार वगेरे भरज्य संस्कार थर्म
शके तेवा स्थगे संधारे करवे ते. ऐसे
स्थानपर संधारा करना कि जिसे मृत्युकवाद
शक्ती अन्त्येष्टि क्रियादि आसानी से होसके.
Act of giving up food and
water in such a place so that
after death the corpse can be
removed for the purpose of
funeral rites such as crema-
tion etc. टा० २, ४; भग० २, २५, ७; १;
१३, ७; (२) धण्डु दूर सुधी पदेयि तेयुं.
बहुत दूरतक पहुचैवाला. (one) reach-
ing a long distant. ओव०

शीङ्ग. खी० (नीङ्ग) उदनी ओक मूल. एक
बन्द विशय. A species of bulbous
roots. भग० ७, ३; २३, २; उत्त० ३६, ६८;

शु अ० (नु) प्रश्न. प्रश्न; अन्वय-प्रश्नचिन्ह.
An indeclinable marking
question. दम० ७, ५१; (२) चित्तं.
चिन्तक; आश्चर्य चिन्ह. an indeclinable
marking imagination or sup-
position. विशेष ३०;

✓ शुक्-कर. धा० II (न्यक्+कृ) प्रिकारयुं.
प्रकारना; बुराभला कहना. To reproach
to show contempt towards.
शुक्करेति. राय० १८२;

शुक्कार. पुं (न्यकार) नुकार शब्द करवे ते.
घृणाव्यञ्जक शब्द. A sound expres-
sive of contempt. राय०

शुणं अ० (नूनम्) तर्क; आश्चर्य. ठीक-
ठाक; निश्चित; स्पष्ट. Indeed; assured-
ly नाया० १; ५; ६; १६; भग० १, १;
२, १; ५; १, १; १५, १; उत्त० २, ४;
ओव० ४२; पञ्च० ११; (२) तर्क, प्रश्न.
हेतु उत्पत्ति अर्थभां उपरातुं अन्यथा. तर्क,
प्रश्न, हेतु आदि अर्थोपयोगी अव्यय. an

indeclinable used to mark sup-
position, question, reason etc.
भग० २, ५; ६;

शूम. न० (नूम) गाढ अंधार. प्रगाढ अंधारा;
घनघोर अंधकार. Dense darkness.
भग० १, ८; (२) पर्वतनी गुहा वगेरे;
गुप्त स्थल. a mountain-cave etc.
निमी० १२, १२; सूय० १, ३, ३, १; २,
२, ८; (३) ढांकयुं. ढांकना. covering;
act of covering. पण्ह० १, २; (४)
भाया; धपट. माया; कपट; छल. deceit;
fraud. भग० १२, ५; सम० ५२; सूय०
१, १, ४, १२; (५) कर्म. कर्म. action;
Karma. आया० १, ८, ८, २४; —गिह.
न० (-गृह) गीय जडीभां आवेसुं घर.
कुंज वाला घर. a house surrounded
by trees. आया० २, ३, ३, १२७;

शे. अ० (शे) पाद पूरयुं. पाद पूरक शे.
An expletive; an indeclinable
used as an expletive. जाडा० ३;

शे. धि० (नः) अमे-अमारे-रां इं. हम,
हमारा-रां रे. We; our. भग० १, ६;
२, ५; १५, १; दम० १, ६;

शे. आउअ-य. धि० (नैयायिक) न्याय युक्त;
युक्ति प्रयुक्ति सहित. न्याययुक्त; युक्ति प्रयुक्ति
सहित. Based on sound logical
reasoning. ओव० ३४; सूय० १, २,
१, २१; (२) गेभां निश्चय भुक्ति भवे
तेवे भाग्य. ऐसा मार्ग कि जिकके द्वारा
निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त हो सके. a path
surely and invariably leading
to salvation. उत्त० १०, ३१; (३)
न्यायशास्त्र गजुत्तर. न्यायाचार्य; न्यायविद्
(one) proficient. in logic
ओव० ३४;

शेउलिअ. न० (नैपुणिक) निपुण; अतुर.

निपुण; चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस० ६, २, १३;

शेउर. न० (नूपुर) पशुं आभरण; अंगर. पैर का भूषण; तोडा A leg-ornament; an anklet. नाया० १; ६; १६; जीवा० ३, ३; (२) जे छद्रिय वालो शुव विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष. a species of living beings with two senses. पञ्च० १; (३) चार छद्रिय वालो शुव. चार इन्द्रिय वाला जीव. a living being with four senses. पञ्च० १;

शेगम. पुं० (नैगम-निगमा वटिजस्तेषां स्थानं नैगमम्) बालिया व्यापारीआनुं निवास-स्थान. व्यापारिआंका निवासस्थान A quarter of a town etc. where traders or merchants reside. भग० १२.२; (२) शास्त्रना अर्थभां दुशद. शास्त्रों के अर्थमें कुशल. proficient in scriptural texts and their meaning. ठा० ३, ३; (३) सात नयमानो पद्वेले नय. सात नय में से प्रथम व्याय-नय. the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy. ठा० १; पञ्च० १६; —**नय. पुं० (-नय)** जैन दर्शन-अभिमत सात नयमानो प्रथम नय जैन दर्शन के सात नयों में से पहिला नय. the first of the seven logical standpoints in the Jaina philosophy. विशेष० ३१; —**पदमासणिय. त्रि० (-प्रथमासनिक)** व्यापारी-आंभां प्रथम आसन धरावनार. व्यापारिआं में श्रेष्ठ-पहिले आसन का अधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants. भग० १८, २; **शेउछइय. पुं० (नैश्रयिक)** निश्चय नय. निश्चय नामक नय. A standpoint by

which a thing is named after the substance of which it is evidently made. भग० १८, ६;

शेउट्टूर. पुं० (नेट्टूर) जे नामनुं ऐक अनार्य देश. एक अनार्य देश. Name of a Anārya country. (२) तेना वारी भनुय. उस के निवासी लोग. a person residing in the above country. परह० १, १;

शेउतव्व. न० (नेतव्य) समझ लेयुं. समझ लेना; जानजाना. Grasping the meaning of; understanding; comprehending. सू० प० २०;

शेउनव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) जानयुं. ज्ञेय. जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be known. भग० १, १; २४, २;

शेउतार. त्रि० (नेतृ) नायक. अधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a leader. जं० प०

शेउत्त. न० (नेत्र) आंख. आंख; नयन; चक्षु. An eye. पञ्च० १८, २२; (२) नेतर. रस्मा. a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking. उवा० २, ६४; (३) नेतरनी छडी; सेटी. बेत; बेत वृक्ष का छडी. a cane; a birch rod. सूय० २, २, १८; —**सूल. न० (-शूल)** नेत्र शूल; आं पतो इटापो. नेत्र पांडा; आंख का दर्द pain in the eye; sore i- eye. नाया० १३;

शेम पुं० खी० (नेम) जमीनथी उथो. नीक-लते प्रदेश; किंतनी किनारी. जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग; दिवाल का किनारा. Region or portion protruding from ground level. जं० प० १०५; १०५;

शेमि. पुं० (नेमि) पैडानी घेरावे; पैडानी धार.

पहियेका घेराव; चक्रकी परिधि. Circumference of a wheel. ओव० ३१; जं० प० ३, ४७; ठा० ३, ३; सूय० १, ४, १, ६; —पडिरूवग. न० (-प्रतिरूपक)

चक्रधारा समान; घृतसंस्थान. चक्रधारा समान; गेलाकार. (any thing) circular in shape like a wheel.

भग० १४, ६;

शेमिन्तिय. न० (निमित्त) निमित्तशास्त्र;

२६ पाप शास्त्रभांनुं जेक. निमित्तशास्त्र;

२६ पापशास्त्रों में से एक. The science of omens; one of the 29 Pāpa Śāstras (secular sciences). ठा० ६;

शेम्मा. स्त्री० (*) जमीनथी नीकतरी

प्रदेश. जमीन में ऊंचा उठा हुआ भाग-प्रदेश.

Region higher in level than the ground. राय० ४५;

शेय. त्रि० (ज्ञेय) ज्ञातुया योग्य. ज्ञेय;

जानने योग्य. Worthy to be

known. राय० २१६; पञ्च० २१; माया०

११; १८;

शेयनिय. त्रि० (नैयतिक) नित्य. निर्य;

श.श्चत. Constant; permanent;

eternal. भग० १, २;

शेयव. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातुया योग्य.

जानने योग्य; ज्ञातव्य. Worthy to be

known; worth being known.

ठा० २, ३; भग० २, २; ५, ४; १२, १०;

२५, ४; २८, ११; नाया० १६; निसी० ६,

५, ११, १६; १८, २; दसा० १०, १; जं०

प० ७, १३५; ६, १२४;

शेयव. त्रि० (नैतव्य) कहेयावर्ण्यव

योग्य. कहने या वर्णन करने योग्य.

Worthy to be told or describ-

ed; worthy to be conveyed or

communicated. ओव० २०; जं० प०

५, ११६;

शेयाउय. त्रि० (नैयायिक-न्यायेन चरति

नैयायिकः) न्याय युक्त. न्याययुक्त; कायदे

में चलने वाला. Logically sound;

just; in accordance with just-

ice. उत्त० ३, ६; दसा० १०, ३; ६, १८;

(२) न्यायदर्शन-मैत्रमशास्त्रने ज्ञातुतार.

न्याय दर्शन-मैत्रम शास्त्र को जानने वाला.

(one) proficient in the sys-

tem of logic propounded by

Gautama. सूय० टी० १, १, १, ६;

(३) मोक्षमार्ग ज्ञातुतार न्याययुक्त

शास्त्र. मोक्षमार्ग को बनलाने वाला न्यायशास्त्र.

a scripture based on logic

and guiding one on the path

to salvation. नाया० १;

शेयाह. त्रि० (नेतृ) नेता; नायक. नेता;

नायक; अध्यक्ष. (One) who leads;

a leader. सूय० १, १, २, १८; १, ६, ७;

शेरइय. पुं० (नैरयिक) नरकमा रहितार

जन्म; नारकी. नरकवास जीव; नारकी. A

hell-being; a soul born in hell.

ठा० १, १; २, ४; ३, १; उत्त० १०, १४;

ओव० २०; ३४; अणुजो० १४०; भग०

२, १; ६, ४; ८, ८; १६, १; १६, ४; २०,

१०; २४, १; ३२, १; नाया० २; दसा०

६, १; ४; पञ्च० १; जीवा० १; (२)

नरक गति; नरकतो जन्म-अवतार.

नरकगति; नरक का भव-जन्म-अवतार.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती पुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide footnote (*) p. 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell.

आव० ३८; —आउअ-य. न० (-आयुष्) नारकीजुं आयुष्य. नारकीका आयुष्य. life-period of a denizen of hell.

भग० ८, १; ३०, १; ठा० ४, २; —आवास. पुं० (-आवास) नरकावासी. नरकावास; नरक में निवास सान. abode in hell. भग० १२, ५; १८, ५; ठा० २, ४;

—ठिति. स्त्री० (-स्थिति) नारकीनी स्थिति. नारकी की स्थिति-दशा. condition of a hellish being. भग० २४, १;

—दुग्गइ. स्त्री० (-दुर्गति) नरकरूप दुर्गति. नरकरूप दुर्गति. bad plight in the form of birth in hell. ठा० ४, १; —पवेशण. न० (-प्रवेशन) नरकमां प्रवेश. नरक में प्रवेश. entrance into hell भग० ६, ३२; —भव. पुं० (-भव) नारकीनी भा०. नारकी का जन्म. birth of a denizen of hell. ठा० ४, २; —संसार. पुं० (-संसार) नरक गतिरूप संसार. नरकी संसार. worldly existence akin to an abode in hell. ठा० ४, २; भग० २४, ७;

शेरइयत्त. न० (नैरयिकत्व) नारकीपाणुं. नारकी पन. State of being a denizen of hell. भग० १२, ४;

शेरइयत्ता. स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपाणुं. नारकी पन. State of being a denizen of hell. नाया० २; १६; १६; भग० १२, ७; १५, १; १७, १; ठा० ४, ४; दसा० १०, ३;

शेरई. स्त्री० (नैर्यती) नैर्यति-राक्षस जेने देवता छे अयुं नक्षत्र; भूय नक्षत्र. नैर्यति-राक्षस के अधिपत्य वाला मूल-नक्षत्र. A

constellation named Mūla having for its presiding deity a demon. भग० ७, १;

शैल. न० (नैल) गङ्गीनी विकार. नील का विकार. A product of indigo. भग० १, १;

शैलवंत. पुं० (नीलवत्) महाविदेहीनी उत्तर सरद्वेद उपरना पर्वत. महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary of Mahāvideha. (२) नीलवंत पर्वत उपर शैलवार तेनी अधिष्ठाता देवता. नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उगका अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the Nilavanta mount, residing upon that mount. जं० ५०

शैवत्थ. न० (नैवथ्य) वेस; पोशाक. वेस; पोशाक Dress; ०. g. in a drama. आव० २४; पल० २; पगह० १, ४; ठा० ४, २; नाया० १; १६; (२) पडो परदा. a curtain; ०. g. in a drama. नाया० १; (३) अलंकार; आभूषण. अलंकार; आभूषण; जेवर; गहने. an ornament; a decoration पंचा० ८, २५; जं० ५० ७, १५०;

शैव्यास. न० (निर्वो) मुक्ति; मोक्ष मुक्ति; मोक्ष; सुगत Salvation; final bliss. “ एतौ फलं शैव परमं शैव्यासमेव शिवमेव ” पंचा० ८, ३५;

शैसजि. पुं० (नैषधिन्) निषिधा पदाद आसने भेसतार. आलसी पालसी भारकर आसन में बैठने वाला. (One) who sits with his legs crossed. पंचा० १८, १६; प्रव० ५६१;

शैसजिया. स्त्री० (नैषधिकी) निषिधा पदाद आसने भेसतार (स्त्री). पलांडी नारक

बैठने वाली(स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed. डा० ५, १; वेय० २, २६;

श्लेशधिया. स्त्री० (नैसृष्टिकी) पत्थर पगरे ईंटवाली आगती दिया. पत्थर आदि फेंकने से होने वाला कर्म बंध. Karma incurred by throwing a stone etc. डा० २, १;

श्लेषप. पुं० (नैसर) नव निधानभांति ऐक्य; जेभां ग्राम नगर आदिजुं वर्णन छे ते नव निधान में का एक निधान; जिन में ग्राम नगर आदि का वर्णन है One of the nine Nidhānas. जं० प० डा० १;

श्लेनाय. पुं० (निषाद) निषाद नामकी स्वर; सात अक्षरों में से एक. One of the seven musical notes so named. डा० ३, १;

श्लेह. पुं० (स्नेह) स्नेह; अनुशय; प्रीति स्नेह; अनुशय; प्रीति; प्रेम. Affection; love; attachment. नाया० १; आउ० (२) चिकित्सा. चिकनापन. stickiness. नाया० १६; —अवगाह. त्रि० (—अवगाह) स्नेहस्थी व्याप्त. स्नेह में परिपूर्ण. full of, absorbed in the emotion of love. नाया० १६; —उत्पुनिरयान. त्रि० (—उत्पुनिरयान) स्नेह वासुं शरीर. स्नेहपूर्ण शरीर; स्नेहमय गात्र. a body full of the feeling of love. विवा० २; —कवय. पुं० (—कवय) चिकित्सा नाश चिकनाई का क्षय-नाश. destruction of stickiness or viscosity. नाया० १६; —ऋण. न० (—ध्यान) पुत्र आदिना स्नेह; ध्यान; दुष्प्रभावों में ऐक्य प्रकार. पुत्र आदि के स्नेह का ध्यान; दुष्प्रभाव विशेष. a sort of undesirable contem-

plation, viz. that upon filial affection, conjugal bliss etc.

आउ०

गो. त्रि० (नः) अभां. हमारा. Our; ours. भग० ६, ३३;

गो. अ० (नो) नदि; निषेध. नहीं; निषेध. No; not. भग० १, १; ३; ६; २, १; ४; ५, २; ६, ४; १६, ३; २०, १०; २२, २; २५, २; ६; नाया० १; ५; ७; ८; १८, १५; १६; आया० १, १, १, १; १, १, २; अणुतो० २; ओव ३८;

गो. अक्षरसंबद्ध. त्रि० (नोअक्षरसंबद्ध—अक्षरसंबद्धादितरां नोअक्षरसंबद्धः) अक्षर संबंधी भिन्न. अक्षर सम्बन्ध से भिन्न. Bearing a relation different from that due to or caused by letters. डा० २, ३;

गो. अमण. न० (नोअमण) मन मात्र. केवल एक मन, मन मात्र. Mind alone; nothing except mind. डा० ३, ३;

गो. अवयण. न० (नोअवयन) वचन मात्र. केवल वचन ही; एक वचन मात्र. Speech alone; nothing except speech. डा० ३, ३;

गो. आउज्ज. पुं० (नोआतोच्च) ताडन द्वारा पगरे जे शब्द थाय ते; आस पगरे स्त्रीरां जे शब्द थाय ते ताडन बिना उत्पन्न होने वाला शब्द; बांस आदि को चीरते समय उत्पन्न होने वाला शब्द. Sound produced by anything else than beating or striking; e. g. that produced by tearing or rending. डा० २, ३; —सह. पुं० (—शब्द) ओपरी ओपरी शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. “ गो. आउज्जसह दुविद्वे पण्णते ” डा० २, ३;

शोभागास. पुं० (नोभाकाश) आकाश
भिन्नः आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.
आकाश भिन्नः आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.
Dharmāstikāya etc. as differentiated
from Ākāśa etc. ठा० २, १;

शोदिय. न० (नोद्विन्द्रिय) ध्वन्द्रिय भिन्न
अने ध्विन्द्रियसदृशः मनः इन्द्रिय भिन्न एवं
इन्द्रिय सदृशः मनः. Mind. ठा० ६; भग०
१८, १०; —जवणिज्ज. पुं० (-यापनीय)
मन पश करवुं ते. मन का संयम-निरोधः.
control of mind. भग० १८, १०;
नाया० ६; —त्य. पुं० (-अर्थ) मनने
विषय. मन का विषय. an object of
perception for the mind. ठा० ६;

शोउस्सासग. पुं० (नोउच्छ्वासक) उच्छ्वास
पर्याप्ति जेहे नथो पूर्ण करी ते. जगने
उच्छ्वास पर्याप्ति पूर्णन की हो. (One)
that has not fully developed
the power of respiration.
“शरदया दुविहा पण्णता तज्झा उस्सासगा-
चेव शोउस्सासगाचेव ” ठा० २, २;

शोकसाय. पुं० (नोकपाय) क्षास्य, रति,
अरति, भय, शोक, जुगुप्सा, खिदि,
पुष्पवेद, नपुंसकवेद अ नय मोहनीय कर्मनी
प्रकृति; कपाय भिन्न-कपायसदृश उपयुक्त
६ प्रकृतिनो समुदाय. हास्य, रति, अरति, भय,
शोक, जुगुप्सा, खिदि, पुष्पवेद, नपुंसकवेद
ये मोहनीय कर्म की नौ प्रकृति; कपाय भिन्न
—कपाय सदृश उपयुक्त नौ प्रकृति का समु-
दाय. The aggregate of the nine
varieties of Mohaniya Karma
not classed under Kaśāya
though akin to it: viz. laugh-
ter, pleasure, disgust, fear,
grief, dismay, male sex-feeling,
female sex-feeling, and neuter

sex-feeling. पञ्च० १३; —वेयणिएज्ज.
न० (-वेदनीय) मोहनीय कर्मनी क्षास्यदि
नय प्रकृति. मोहनीय कर्म की हःस्यादि नौ
प्रकृति. the nine varieties of Mo-
haniya Karma e. g. laughter
etc. “ नवविहे नोकमाय वेयणिएजे कस्से
पण्णते ” ठा० ६;

शोकेवलणाण. न० (नोकेवलज्ञान) केवल
ज्ञान भिन्न-केवलज्ञान सदृशः अतथि अने
मनपार्यवज्ञान. केवलज्ञान भिन्न केवलज्ञान
सदृशः अवधि और मनपार्यवज्ञान. Avadhi
Jñāna and Manaparyava
Jñāna as differentiated from
Kevaḥ Jñāna. “ शो केवलणाणं
दुविहे पण्णते तं जहा ओहिणाणे चव मय-
उज्जवणाण ” ठा० २, १;

शोणाणाया. पुं० (नोज्ञानाचार) ज्ञानाचार
भिन्नः दर्शनाचार यगेरे. ज्ञानाचार भिन्न;
दर्शनाचार आदि. Right faith etc.
as differentiated from right
knowledge. “ शोणाणायारे दुविहे
पण्णते दंवणायारे चव शो दंवणायारे चव ”
ठा० २, ३;

शोतसलोयावर. पुं० (नोत्रयनोस्थार)
त्रय नदि अने स्थार नदी ते; सिद्ध भय
वान्. जो त्रय और स्थार दोनों नहीं है
वह; सिद्ध भगवान्. A being neither
mobile or immobile; a liberated
soul. जीवा० १०;

शोदंसणाया. पुं० (नोदर्शनाचार) दर्शना
चार भिन्नः ज्ञानाचार यगेरे. दर्शनाचार
भिन्नः ज्ञानाचार आदि. Right know-
ledge etc. as differentiated
from right faith. “ दुविहे शोदंस-
यारे पण्णते ” ठा० २, ३;

शोदिय. त्रि० (नोदित) प्रेरण करेस; अने

सन्मुख करेव. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित; प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward. नाया० ६;

शोपरमाणुपोगल. पुं० (नोपरमाणुपुद्गल) अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. अपरमाणु पुद्गल; द्विप्रदेशी आदि स्कंध. An aggregation of atoms in any number beyond a single indivisible atom. डा० २, ३;

शोवद्वपाम पुद्ग. पुं० (नोवद्वपाम्पुष्ट) अक्ष नदी किंतु अक्ष पराज्यो २५७-२७८. रुका हुआ नहीं वरन् एक ओरसे स्पष्ट तथा निकलता हुआ शब्द. A sound not altogether restrained but emerging from one side only. डा० २, ३;

शोभामामह पुं० (नोभामाशब्द) अव्यक्त शब्द; भाषा पर्याप्त वशने शब्द. अव्यक्त शब्द; निरर्थक शब्द. An indistinct or inarticulate sound. " शोभामामह दुविदे परगति " डा० २, ३;

शोभिउरधम्म. पुं० (नोभिदुर्धर्म-स्वत एव नो भिद्यते इति नोभिदुर्धर्मः) सुदृढ-धर्म. धर्मप्राण; धर्म में दृढ (One steadfast in religion. डा० २, ३;

शोभूसणसह. पुं० (नोभूपणशब्द) अप्रपु शब्द; भिन्न अप्रपु शब्द; सदृश शब्द. भूषण शब्द; भिन्न भूषण शब्द; सदृश शब्द. A sound rising from anything but an ornament. " शोभूसणसह दुविदे परगति " डा० २, ३;

शोमल्लिया. स्त्री० (नवमल्लिका) लुओ "शोमल्लिया" शब्द. देखो "शोमल्लिया" शब्द Vide. "शोमल्लिया" जीवा० ३;

शोमल्लिया. स्त्री० (नवमल्लिका) नवमालती नामक एक

वृक्ष. A plant of the jasmine species. पञ्च० १; राय० ५६; जीवा० ३, ४; जं० प० ४, ६२;

शोल्लिय. त्रि० (नोदित) प्रेरणा करेव. प्रेरित प्रचोदित. Inspired; impelled. पगह० १, ३;

शोमंजयासंजय. पुं० (नोमंजयासंजय) संजय नदि अने असंजय पण नदि; सिद्ध भगवान्. संजय व असंजय दोनोंमें परे; सिद्ध भगवान्. One who is neither self-controlled nor otherwise; a perfected soul of a Siddha. डा० ४, ४;

शोमणवउत्त. त्रि० (नोमंजययुक्त) आहार-रहित संज्ञा-उपयोगशील रक्षित. आहाररहित. संज्ञा के उपयोगमें रहित. Devoid of any instinct for taking food etc; a being whose consciousness of hunger etc. has not developed. भग० २६, १;

रहवण. न० (स्नपन) स्नान. स्नान; मज्जन. Bath; act of bathing. पगह० १, २; सु० च० ४, १५०;

रहविअ-य. त्रि० (स्नपित) स्नान करेव; नाह्वेव. स्नान किया हुआ; नहाया हुआ. Bathed; (one) who has bathed. उत० २२, ६; सु० च० २, १२;

रहविउण. सं०कृ० अ० (स्नपयिन्वा) स्नान करातीने. स्नान कराकर. Having caused to be bathed. सु० च० २, ६०२;

रहविउजत. त्रि० (स्नप्यमान) स्नान कराता. स्नान कराना हुआ. Bathing; (one) causing other to be bathed. सु० च० २, ४१;

रहाअ-य. त्रि० (स्नात) नाह्वेव; स्नान करेव. नहाया हुआ; स्नान किया हुआ.

Bathed; (one) who has bathed.

नाया० १; २; ५; ८; १२; १३; १४; १६;
भग० २, ४; ६, ३३; १८, ७; दसा० १०,
१; ओव० ११; उत्त० १२, ४२;

एहाण. न० (स्नान) स्नान; नहायुं ते. स्नान;
नहाना. Bath; bathing. सु० च० १,
३१२; भग० ११, ११; १०; विशेष० १०२६;
दसा० ६, ४; निसी० १, ६; —उद्ध्य. न०
(—उद्ध्य) नहायानुं पाथी. स्नान करनेका
पानी. water for bathing. नाया० १३;
—पीठ. न० (—पीठ) स्नान पीठ;
नहायानो आजेड. स्नान पीठ; नहानेका
बाजेट, पाट आदि. a seat for taking
bath. नाया० १; जं० प० ३, ४३;
—मंडव. पुं० (—मण्डप) स्नान करवाने
मांडवे. स्नान मंडप. a bower used as
a bath room. जं० प० ३, ४३;
—मल्लिया. त्रि० (—मल्लिका) स्नानमां उप-
योगी ओक नतनुं सुगंधी वृक्ष; मोटी
भावती. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृक्ष
विशेष; मोटी मालती. jasmine; a
plant bearing fragrant flowers.

जीवा० ३; जं० प० राय० ५६;

एहाण. न० (स्नायु) स्नायु; नस. स्नायु;
नस; नाडी. A muscle; a nerve; a
sinew. भग० १, ५; ५, ६; १, ६;
जीवा० १; —जाल. पुं० (—जाल)
स्नायुनी जाल-समूह. तंतुजाल; स्नायु
समूह. a net-work of muscles
or sinews. भग० ६, ३३;

एहारुणी. स्त्री० (स्नायु) स्नायु-मांस तंतु.
स्नायु-मांस तंतु. A tendon; a muscle;
a sinew. आया० १, १, ६, ५३; सूय०
२, २, ६; जं० प०

एहाविया. स्त्री० (स्नायिका) स्नान कराने-
नारी दासी. स्नायिका; स्नानकराने वाली
दासी. A maid-servant whose
duty is to bathe her master or
mistress. भग० ११, ११;

एहुसा. स्त्री० (स्नुषा) पुत्रनी वधु; छोकरीनी
स्त्री. पुत्र वधु; बहु. A son's wife;
a daughter-in-law. सूय० १, ६,
५; उत्त० ६, ३; आया० १, २, १, ६२;

इति श्रीश्रीमद्भक्तिसम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १०८ श्री गुल्लबचन्द्र-

जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधानि-परिचय

प्रवरसुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी

विरचिते बृहद्वर्धमागधीकोषे सप्रमाणम्

याकारादिशब्दसङ्कलनं

समाप्तम् ।

इति

द्वितीयो भागः

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, पुस्तकालय
L.B.S. National Academy of Administration, Library

मुसूरी
MUSSOORIE

यह पुस्तक निर्मांकित तारीख तक वापिस करनी है।

This book is to be returned on the date last stamped

दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.	दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.

GL H 491.453

ARD V.2 C.2



122124
LBSNAA

H-K
91.453
दि
भाग 2

अवाप्ति सं. ~~12~~
ACC. No.....

ग स. पुस्तक सं.
Class No..... Book No.....
खक

453

अदि

LIBRARY

LAL BAHADUR SHASTRI

National Academy of Administration

MUSSOORIE

Accession No. 122124

1. Books are issued for 15 days only but may have to be recalled earlier if urgently required.
2. An over-due charge of 25 Paise per day per volume will be charged.
3. Books may be renewed on request, at the discretion of the Librarian.
4. Periodicals, Rare and Reference books may not be issued and may be consulted only in the Library.
5. Books lost, defaced or injured in any way shall have to be replaced or its double price shall be paid by the borrower.

Help to keep this book fresh, clean & moving